

БИБЛИОТЕКА
Братства св.
ЕПИСКОПА РАФАИЛА
ОТД. II

ОПИСАНІЕ

ЛИТУРГИЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ,

ХРАНЯЩИХСЯ

ВЪ БИБЛИОТЕКАХЪ ПРАВОСЛАВНАГО ВОСТОКА.

ТОМЪ II.

Εὐχολόγια.

Профессора Киевской духовной Академіи

АЛЕКСѢЯ ДМИТРИЕВСКАГО.

БИБЛИОТЕКА
Лен. Правосл. Дух. Академіи
ОТД. II
№ 97712



КІЕВЪ.

Типографія Императорскаго Университета Св. Владиміра
Н. Т. Корчакъ-Новицкаго, Меринговская улица.

1901.

ОГЛАВЛЕНИЕ.

	Стран.
Оглавление	I—V
Предисловіе	I—XII
I. IX—X в. рукопись Синайской библіотеки № 957	1
II. X в. рукопись той-же библіотеки № 956	12
III. „ ркп. той-же библ. № 958	19
IV. XI—XII в. ркп. Аеоно-Пантеленмон. библ. № 162	39
V. XI в. ркп. Синайской библ. № 959	42
VI. XI—XII в. ркп. той-же библ. № 962	64
VII. XI—XII в. ркп. той-же библ. № 961	75
VIII. 1153 г. ркп. той-же библ. № 973	83
IX. XII в. ркп. той-же библ. № 1040	127
X. „ ркп. той-же библ. № 963	135
XI. XII—XIII в. ркп. той-же библ. № 1020	139
XII. „ ркп. той-же библ. № 1036	146
XIII. „ ркп. Патмосской библ. № 713	152
XIV. XIII в. ркп. той-же библ. № 104	153
XV. 1260 г. ркп. той-же библ. № 709	157
XVI. XIII в. ркп. той-же библ. № 730	159
XVII. „ ркп. той-же библ. № 105	159
XVIII. „ ркп. той-же библ. № 719	170
XIX. „ ркп. Есфигменской библ. на Аеоѣ	175
XX. „ ркп. лавры пр. Аѳанасія Аеоискаго № 189	175
XXI. „ ркп. библ. о. архим. Антонина (нынѣ Императ. Сиб. публич. библ.)	188
XXII. „ ркп. Синайской библ. № 960	192
XXIII. „ ркп. той-же библ. № 966	202
XXIV. „ ркп. той-же библ. № 967	219
XXV. „ ркп. той-же библ. № 982	232
XXVI. „ ркп. той-же библ. № 1039	245
XXVII. XIII—XIV в. ркп. той-же библ. № 964	246
XXVIII. „ ркп. той-же библ. № 971	249
XXIX. 1306 г. ркп. Аеоно-Есфигменской библ.	262

	Стран.
XXX.	1332 г. ркп. Филофеевской библи. на Афонѣ № 177 . . . 270
XXXI.	1386 г. ркп. Діонисіатской библи. на Афонѣ № 99 . . . 271
XXXII.	XIV в. ркп. Ватопед. Афонск. библи. № 133 (744) . . . 272
XXXIII.	„ ркп. библи. Саввы Освященнаго (нынѣ патріаршей Іерусалимск. библи.) № 362 (607) . . . 295
XXXIV.	„ ркп. Синайской библи. № 965 . . . 320
XXXV.	„ ркп. той-же библи. № 994 . . . 323
XXXVI.	„ ркп. той-же библи. № 990 . . . 326
XXXVII.	„ ркп. той-же библи. № 983 . . . 327
XXXVIII.	„ ркп. той-же библи. № 991 . . . 328
XXXIX.	„ ркп. той-же библи. № 981 . . . 333
XL.	„ ркп. Александрійск. (въ Каирѣ) патріаршей библи. № 149—104 (№ 94) . . . 344
XLI.	„ ркп. Аеоно-Кутлумушскаго мон. № 491 . . . 353
XLII.	„ ркп. Аеоинской національной библи. № 356 . . . 358
XLIII.	„ ркп. Аеоно-Кутлумушскаго мон. № 33 . . . 359
XLIV.	„ ркп. Ксенофеской Афонск. библи. № 163 . . . 360
XLV.	„ ркп. той-же библи. № 161 . . . 362
XLVI.	„ ркп. библи. лавры пр. Аѳанасія на Афонѣ . . . 363
XLVII.	XIV в. (XII?) ркп. той-же библи. В. № 7 . . . 364
XLVIII.	„ ркп. той-же библи. Δ № 93 . . . 366
XLIX.	XIV—XV в. ркп. Синайской библи. № 1021 . . . 367
L.	„ ркп. Аеоно-Костамонитской библи. № 59 (62) 368
LI.	1400 г. ркп. Аеоно-Иверской библи. № 780 . . . 369
LII.	1404—1405 гг. ркп. Аеоно-Ватопед. библи. № 324 (935) . 373
LIII.	1407 г. ркп. патріаршей Александрійской библиотекы въ Каирѣ № 371—48 (208) . . . 376
LIV.	1408 г. ркп. Аеоно-Діонисіатской библи. № 450 . . . 383
LV.	1409 г. ркп. Аеоно-Пантелеимон. русск. мон. № 9 (№ 17) 393
LVI.	1426 г. ркп. Синайской библи. № 968 . . . 393
LVII.	1435 г. ркп. библи. лавры пр. Аѳанасія на Афонѣ I. № 21. 415
LVIII.	1440 г. ркп. той-же библи. Θ. № 142 . . . 419
LIX.	1468 г. ркп. Аеоно-Ватопед. библи. № 322 (934) . . . 420
LX.	1475 г. ркп. Синайск. библи. № 980 . . . 422
LXI.	„ ркп. лавры пр. Аѳанасія Афонскаго Θ. № 88 . 435
LXII.	1481 г. ркп. Синайск. библи. № 995 . . . 445
LXIII.	1497 г. ркп. библи. Саввинскаго мон. (нынѣ патріаршей Іерусалимск. библи.) № 369 (№ 57) . . . 449
LXIV.	XV в. ркп. Святогроб. библи. въ Константинополь № 8 (182) 453
LXV.	„ ркп. Аеоно-Пандократорской библи. № 149 . . . 485

LXVI.	XV в.	р.кп. Аеоно-Костамонитской библ. № 19 (20) . . .	490
LXVII.	"	р.кп. библ. арх. Антонина (Имп. публ. библ.) . . .	500
LXVIII.	"	р.кп. патріар. библ. въ Іерусалимѣ № 73 (274) . . .	505
LXIX.	"	р.кп. библ. Саввы Освященнаго (нынѣ Іерусалим. патріарш.) № 373 (291)	527
LXX.	"	р.кп. Аеоно-Пантелеим. русск. мон. № 604 . . .	557
LXXI.	"	р.кп. той-же библ. № 364	565
LXXII.	"	р.кп. Синайской библ. № 972	574
LXXIII.	"	р.кп. той-же библ. № 988	578
LXXIV.	"	р.кп. той-же библ. № 984	594
LXXV.	"	р.кп. той-же библ. № 986	602
LXXVI.	"	р.кп. той-же библ. № 1006	616
LXXVII.	"	р.кп. библ. лавры Аѳанасія Аѳонскаго I. № 103 . . .	624
LXXVIII.	XV в. (1457 г.)	р.кп. той-же библ. № 31	626
LXXIX.	"	р.кп. той-же библ. А. № 105	632
LXXX.	"	р.кп. Аеоно-Діонисіатск. библ. № 489	638
LXXXI.	"	р.кп. той-же библ. № 452	644
LXXXII.	"	р.кп. Чаушской библ. въ Солунѣ № 29	646
LXXXIII.	"	р.кп. Патмосской библ. № 690	650
LXXXIV.	"	р.кп. той-же библ. № 715	655
LXXXV.	"	р.кп. Аеоно-Каракальской библ. № 170	658
LXXXVI.	"	р.кп. той-же библ. № 155}	658
LXXXVII.	"	р.кп. Аеоно-Кеиропотамской библ. № 51	659
LXXXVIII.	XV—XVI в.	р.кп. Аеоно-Филоеевск. библ. № 164 . . .	660
LXXXIX.	"	р.кп. Патмосской библ. № 689	661
XC.	"	р.кп. той-же библ. № 691	664
XCI.	1501 г.	р.кп. Александрійск. патр. библ. № 455—116 (№ 85) . . .	665
XCII.	XVI в. (1510 г.)	р.кп. Синайск. библ. № 974	668
XCIII.	1512 г.	р.кп. Аеоно-Каракальской библ. № 163	705
XCIV.	XVI в. (1516 г.)	р.кп. Синайск. библ. № 977	707
XCV.	1520 г.	р.кп. Аеоно-Кутлумушск. библ. № 470	719
XCVI.	1522 г.	р.кп. Святогробск. библ. въ Константинополѣ № 615 (757)	720
XCVII.	1522 г.	р.кп. лавры св. Аѳанасія на Аѳонѣ ѩ. № 129 . . .	747
XCVIII.	1535 г.	р.кп. русск. Пантелеимоно-Аѳонск. библ. № 1061 . . .	748
XCIX.	1536 г.	р.кп. лавры Аѳанасія Аѳонск. № 21 (№ 91) . . .	753
C.	1538 г.	р.кп. Аеоно-Ватопед. библ. № 134 (745) . . .	765
CI.	1539 г.	р.кп. Аеоно-Каракальск. библ. № 135	784
CII.	1541 г.	р.кп. лавры Аѳанасія Аѳонскаго Δ № 80 (74) . . .	785

CIII.	1542 г. ркп. библи. національного Афонского универ- ситета № 94	787
CIV.	1543 г. ркп. Афоно-Діонисіатской библи. № 486	789
CV.	1545 г. ркп. Афоно-Пантелеимоновск. библи. № 421	790
CVI.	1545 г. ркп. Афоно-Есфигменской библи.	791
CVII.	1546 г. ркп. Афоно-Костамонитской библи. № 48	791
CVIII.	1547 г. ркп. Афоно-Кутлумушского мон. № 480	791
CIX.	1553 г. ркп. Афоно-Каракальского мон. № 151	792
CX.	1561 г. ркп. лавры пр. Афанасія Афонск. Н. № 104	793
CXI.	1566 г. ркп. Синайск. библи. № 996	794
CXII.	1572 г. ркп. Афоно-Діонисіатск. библи. № 469	797
CXIII.	1573 г. ркп. той-же библи. № 487	798
CXIV.	1578 г. ркп. лавры пр. Афанасія Афонск. К. № 60	801
CXV.	1584 г. ркп. Святогробск. библи. въ Константинополѣ № 134 (593)	801
CXVI.	1592 г. ркп. Афоно-Протатской библи. № 69	808
CXVII.	XVI в. ркп. Святогробск. библи. въ Константинополѣ № 68	809
CXVIII.	„ ркп. той-же библи. № 425	817
CXIX.	„ ркп. Афоно-Пантелеим. библи. № 305	827
CXX.	„ ркп. той-же библи. № 780	828
CXXI.	„ ркп. той-же библи. № 435	832
CXXII.	„ ркп. Афоно-Есфигменской библи. № 208	835
CXXIII.	„ ркп. той-же библи. № 214	843
CXXIV.	„ ркп. Афоно-Костамонитской библи. № 30	849
CXXV.	„ ркп. Синайской библи. № 975	856
CXXVI.	„ ркп. той-же библи. № 978	858
CXXVII.	„ ркп. той-же библи. № 979	866
CXXVIII.	„ ркп. той-же библи. № 985	868
CXXIX.	„ ркп. той-же библи. № 989	887
CXXX.	„ ркп. той-же библи. № 993	898
CXXXI.	„ ркп. патріар. Александр. библи. № 224—1070 (207)	902
CXXXII.	„ ркп. той-же библи. № 199	911
CXXXIII.	„ ркп. лавры пр. Афанасія Афонск. А. № 104	912
CXXXIV.	„ ркп. той-же библи. № 81	913
CXXXV.	„ ркп. той-же библи. № 58	914
CXXXVI.	„ ркп. той-же библи. № 154	916
CXXXVII.	„ ркп. Афоно-Діонисіатской библи. № 468	916
CXXXVIII.	„ ркп. той-же библи. № 441	917
CXXXIX.	„ ркп. Чаушской библи. въ Солунѣ № 31	918
CXL.	„ ркп. Патмосской библи. № 716	919

		Стран
CXLI.	„ ркп. той-же библ. № 703	920
CXLII.	„ ркп. Аеоно-Ксиропотамской библ.	921
CXLIII.	XVI в. ркп. той-же библ. № 41	921
CXLIV.	„ ркп. Аеоно-Кутлумушской библ. № 340	923
CXLV.	„ ркп. той-же библ. № 358	924
CXLVI.	„ ркп. Аеоно-Филофеевской библ. № 217	926
CXLVII.	„ ркп. Аеоно-Каракальской библ. № 199	927
CXLVIII.	„ ркп. Аеоно-Діонисіатской библ. № 528	928
CXLIX.	„ ркп. патріар. Іерусалимской библ. № 375	928
CL.	XV—XVI в. ркп. той-же библ. № 367	932
CLI.	„ ркп. библ. Саввы Освященнаго № 325	938
CLII.	XVI—XVII в. ркп. той-же библ. № 568	939
CLIII.	„ ркп. Аеоно-Кутлумушск. библ. № 343	948
CLIV.	„ ркп. той-же библ. № 341	949
CLV.	1602 г. ркп. Аеоно-Есфигменской библ. № 120	954
CLVI.	1613 г. ркп. Аеоно-Діонисіатской библ. № 523	963
CLVII.	1660 г. ркп. патр. Іерусалимск. библ. № 154	967
CLVIII.	XVII в. ркп. Патмосской библ. № 725	970
CLIX.	1707 г. ркп. той-же библ. № 646	970
CLX.	1790 г. ркп. патріар. скевофилакін въ Каирѣ	981
CLXI.	1822 г. ркп. патріар. Александрійской библ. № 13	991
CLXII.	1027 г. ркп. Парижской національной библ. (Coislin.)	
	№ 213	993
Дополненія		1053
Errata et corrigenda		I—XXVII
Πίνοξ τῶν ἐν Εὐχολογίοις περιεχομένων (предполагаемый)		

ПРЕДИСЛОВІЕ.

Греческому Евхологію посвященъ въ западной литературѣ обширный трудъ подъ заглавіемъ: „Εὐχολόγιον, sive Rutuale Graecorum, complectens ritus et ordines divinae liturgiae, officiorum, sacramentorum, consecrationum, benedictionum, funerum, orationum et c. juxta usum orientalis ecclesiae cum selectis bibliothecae Regiae, Barberinae, Cryptae—Ferratae, Sancti Marci Florentini, Tullianae, Allatianae, Coresianae et aliis probatis mm. ss. et editis exemplaribus collatum“. Paris. 1647 an., принадлежащій перу ученаго доминиканца Якова Гоара († 1653 г. 23 Дек.). Встрѣченный восторженными похвалами и лестными для автора одобреніями ученыхъ современниковъ, трудъ этотъ въ теченіе двухъ съ половиною столѣтій считался настольною книгою всякаго, кому такъ или иначе приходилось касаться, малоразработанной и до настоящаго времени, области византійскаго богослуженія. Нѣкоторые изъ ученыхъ своею извѣстностію въ области изслѣдованій о православномъ богослуженіи (у насъ въ Россіи, напр., Веніаминъ, епископъ новгородскій) обязаны почти исключительно обширной эрудиціи названнаго капитальнаго труда, которымъ они широко воспользовались въ своихъ работахъ. Со второй половины только что истекшаго столѣтія, прежде на Западѣ (напр., Бунзенъ), а потомъ и у насъ въ Россіи (К. Невоструевъ и прот. А. В. Горскій), когда принялись серьезно за изученіе литургическихъ памятниковъ, то начали мало по-малу открывать недочеты въ трудѣ Якова Гоара. Бунзенъ (Hippolytus und seine Zeit. Leipzig. 1853, Band 2, S. 535—565), Свайнсонъ (The Greek Liturgies chiefly from original sources. Cambridg. 1884. pag. 76—187) и Бриггманъ (Liturgies fastern and vestern. Oxford. 1896, pag. 309—352) съ бѣльшею тщательностію переиздаютъ тексты литургій, содержащіяся въ древнѣйшемъ литургическомъ кодексѣ VIII—IX в. Барбериновской бібліотеки, напечатанные впервые Як. Гоаромъ. Наши русскіе ученые, профессора А. С. Павловъ, протоіерей Горчаковъ,

а особенно И. Д. Мансветовъ, Н. О. Красносельцевъ и др., направившіе свое вниманіе на памятники нашего славянорусскаго богослуженія, для объясненія существующихъ въ нихъ интересныхъ особенностей, преимущественно за время съ XIV по XVI вѣка, вынуждены были обращаться уже не къ Евхологію Якова Гоара, не дававшему имъ отвѣта на ихъ научные запросы, а къ самымъ греческимъ рукописямъ непосредственно, хранящимся въ нашихъ богатыхъ книгохранилищахъ Москвы и Петербурга. Проф. Н. О. Красносельцевъ съ тою же цѣлью описывалъ богослужебныя рукописи Ватиканской бібліотеки (Каз. 1885), а нашъ извѣстный путешественникъ по Востоку еп. Порфирій Успенскій постоянно лелѣлъ мысль составить настоятельно необходимый въ наукѣ сборникъ: „Богослуженіе византійской церкви“.

Когда мы лично приступили къ изученію нашихъ славянорусскихъ рукописей XV и XVI вѣковъ для магистерской диссертации: „Богослуженіе въ русской церкви въ XVI вѣкѣ“ (Казань, 1884 г. ч. 1), то потребность въ основательномъ и всестороннемъ изученіи памятниковъ византійскаго богослуженія непосредственно стала сознаваться нами самымъ настойчивымъ образомъ. Не удовлетворившись рукописными собраніями нашихъ столичныхъ бібліотекъ, мы, въ интересахъ плодотворности работъ въ данной области, рѣшились обозрѣть и научнымъ образомъ описать памятники византійскаго богослуженія во всѣхъ болѣе или менѣе извѣстныхъ восточныхъ книгохранилищахъ и, при томъ, по возможности на всемъ протяженіи времени, отъ котораго дошли до насъ памятники этого рода, не исключая и памятниковъ XVII вѣка, если они своими чинами представляли какой-нибудь научный интересъ.

„Въ частности, по отношенію къ греческому Евхологію, мы поставили себѣ цѣлью“,—говорится у насъ въ официальномъ отчетѣ, по окончаніи первой поѣздки на Востокъ,—„принимая во вниманіе труды въ этомъ направленіи нашихъ предшественниковъ: Гоара, Габерта, Ренедота, Свайнсона, Бунзена, Красносельцева и др., собрать возможно большее количество списковъ его и, путемъ сличенія, отмѣтить существующіе въ нихъ новые, неизвѣстные доселѣ въ наукѣ, списки чиновъ и указать интересные варіанты къ извѣстнымъ уже въ наукѣ чинамъ, по изданіямъ этихъ ученыхъ.“

Однимъ словомъ, мы рѣшились повторить работу знаменитаго католическаго ученаго XVII в. Якова Гоара, доведенную имъ до XIII столѣтія¹⁾ только, но въ болѣе широкихъ границахъ и на основаніи изученія восточныхъ книгохранилищъ, и исполнить ту задачу, о которой мечталъ покойный нашъ ученый преосвященный Порфирій Успенскій, за смертію не осуществившій ее. Намъ хотѣлось дать въ руки специалистовъ-литургистовъ и начинающихъ лишь разработку вопросовъ по исторіи православнаго богослуженія такой „Εὐχολόγιον“, или такой сборникъ рукописныхъ матеріаловъ, относящихся къ данной богослужебной книгѣ и разбросанныхъ по многочисленнымъ и весьма нерѣдко отдаленнѣйшимъ отъ центровъ просвѣщенія восточнымъ книгохранилищамъ, личное посѣщеніе коихъ для однихъ затруднительно, а для другихъ положительно не возможно,—который бы (т. е. сборникъ) избавлялъ ихъ отъ существующихъ трудностей и открылъ бы имъ возможность работать въ данной области вполне научно и самостоятельно“²⁾.

Предлагаемый благосклонному вниманію читателей второй томъ задуманнаго нами обширнаго труда, получившій, въ соотвѣтствіе съ первымъ томомъ (Τόπιxά), наименование „Εὐχολόγιον“, заключаетъ въ себѣ описаніе 162 евхологіевъ библиотекъ Синая, Аѳона, Патмоса, Иерусалима, Константинополя, Аѳины³⁾ и Солуны.

1) Такъ опредѣлялъ свои рукописные источники въ ученомъ предисловіи самъ Яковъ Гоаръ, но, какъ оказывается теперь, послѣ провѣрки, совершенно ошибочно. Вообще „Εὐχολόγιον“ Гоара въ настоящее время нуждается въ серьезномъ пересмотрѣ и тщательной провѣркѣ, къ чему мы и намѣревались было приступить въ настоящемъ предисловіи, но, за недостаткомъ матеріальныхъ средствъ, отложили на нѣкоторое время исполненіе этого намѣренія.

2) Путешествіе по Востоку и его научные результаты. Отчетъ о заграничной командировкѣ въ 1887/88 году. Кіевъ, 1890, стр. 40.

3) Библиотека Аѳинскаго національнаго университета владѣетъ въ настоящее время богатымъ собраніемъ рукописей, отобранныхъ у Θεσσαλίη-скихъ метеорскихъ монастырей. Во время своихъ неоднократныхъ путешествій въ Аѳины, мы не могли видѣть всѣхъ, находящихся въ этомъ собраніи, евхологіевъ, такъ какъ рукописи лежали въ беспорядкѣ, въ кучахъ, и „Κατάλογος τῶν χειρογράφων τῆς ἐθνικῆς βιβλιοθήκης τῆς Ἑλλάδος“ I. и А. Саккеліоновъ, вышедшій въ свѣтъ въ 1892 году, въ ту пору только-что составлялся.

Кромѣ того, здѣсь описаны нами нѣсколько евхологіевъ библіотеки покойнаго начальника русской духовной миссіи въ Іерусалимѣ архимандрита Антонина (вся библіотека его пріобрѣтена въ настоящее время Императорскою публичною библіотекою въ Петербургѣ) и одинъ евхологій 1027 г. № 213 Парижской національной библіотеки. По недостатку матеріальныхъ средствъ на изданіе, не нашли себѣ мѣста въ настоящемъ описаніи, приготовленные къ печати, болѣе сорока евхологіевъ частію восточныхъ книгохранилищъ (патріаршей Іерусалимской, святогробскаго мѣтоха въ Константинополѣ, лавры Аѳанасія Аѳонскаго, Аѳоно-Діонисіатскаго монастыря и обители Перистерійской близъ Транезунта), но болѣе всего библіотекъ западныхъ (Барбериновской, Гротта-Ферратской, Казанатенской римской, венеціанской св. Марка и Парижской національной). Но и въ своемъ настоящемъ видѣ „Εὐχολόγιον“, если мы сопоставимъ наше изданіе съ однороднымъ трудомъ Якова Гоара, представляетъ не мало такихъ особенностей, которыя для науки православнаго христіанскаго богослуженія едва-ли можно считать малозначительными.

Во первыхъ, изъ 162 евхологіевъ, вошедшихъ въ наше настоящее описаніе, только одинъ, XIII в. № 966 Синайской библіотеки, по своему происхожденію, можетъ быть отнесенъ къ западнымъ, такъ какъ, по всей вѣроятности, писанъ для грековъ, жившихъ въ сициліанскомъ королевствѣ (стр. 202),—всѣ же прочіе безспорно восточнаго происхожденія. Яковъ Гоаръ, какъ это нынѣ несомнѣнно уже извѣстно, при составленіи своего „Εὐχολόγιον“, пользовался не только рукописями западныхъ библіотекъ, но и, по преимуществу, такими, которыя находились въ практическомъ употребленіи у грековъ итальянскихъ. Только знаменитый кодексъ VIII—IX в. Барбериновской библіотеки (S. Marci), Кристоферратской библіотеки codex Bessarionis XI в. и чинъ литургіи Василия Великаго 1041 года, принадлежавшій Исидору Комнѣну смирніоту, вошедшіе въ составъ труда Як. Гоара, могутъ считаться въ строгомъ смыслѣ памятниками восточнаго происхожденія.

Во вторыхъ, при помощи „Εὐχολόγιον“, представляется нынѣ возможность интересующимся познакомиться со многими обычаями богослужебной практики не только трехъ восточныхъ патріарховъ: константинопольскаго, александрійскаго и іерусалимскаго, но даже и нѣкоторыхъ важнѣйшихъ монастырей древней Визан-

тія. Рукописи IX—X в. № 953, X в. 956, № 958 и XI в. № 959 Синайской бібліотеки, 1027 года № 213 Парижской національной бібліотеки, XIV в. № 362 (607) и 1660 г. № 154 патріаршей Іерусалимской, 1407 г. № 371 патріаршей Александрійской бібліотеки, XV в. № 31 и № 80 лавры Афанасія Афонскаго и № 489 Аеоно-Діонисіатскаго монастыря знакомятъ насъ съ практикою Великой церкви константинопольской; рукописи XIV в. № 149—104, 1822 г. № 13 патріаршей Александрійской бібліотеки, 1790 г. рукопись скевофілакіи александрійскаго патріарха, XVI в. № 974 Синайской бібліотеки—съ практикою александрійской церкви, и рукописи XII в. № 1040, XIII в. № 1039, XV в. № 1006 Синайской бібліотеки—съ практикою іерусалимской церкви. Рукопись XV в. Аеоно-Пантелеимоновской бібліотеки № 604 содержитъ въ себѣ весьма любопытный „Σχηματολόγιον Θεοδώρου ἱερολόγου, ἡγουμένου τῶν Στουδίου“ (стр. 552); рукописи XV в. № 986 Синайской бібліотеки и XVI в. № 224—1070 патріаршей Александрійской—„Ἀρχὴ τῶν Θεῶ ἀγίῳ τοῦ Διακονικοῦ. Αὕτη ἡ τάξις γίνεται ἐν τῇ σεβασμίᾳ λαύρᾳ ἐν τῷ ἀγίῳ ὄρει τοῦ Ἀθῶ“ (стр. 602) и рукопись XIV в. Аеоно-Кутлумушской бібліотеки № 391—чины постриженія въ монашество, елеосвященія и даже погребенія (τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευτησάσης μοναχῆς), практиковавшіеся въ женскомъ константинопольскомъ монастырѣ Спаса—Филантропа¹⁾). Схиматологій, написан-

¹⁾ Монастырь Спаса-Филантропа, основанный императоромъ Алексѣемъ Комненомъ (1081—1118), былъ сначала мужскимъ монастыремъ (Du Cange. Constantinop. christian. Paris 1680 an. lib. IV, pag. 81; S. Lambros. Catalogue of the Greek manuscripts on mount Athos. vol. 1, pag. 176, Cambridge, 1895; Θ. Н. Успенскій. Типикъ монастыря св. Маманта въ Константинополѣ. Одесса 1892 г., стр. 20, 25 и др.; Прав. Палест. сбор. вып. 51, стр. 25), но въ XII в. подвергся разрушенію и лежалъ въ развалинахъ. Ирина, дочь никейскаго императора Θεодора Ласкаря (1204—1222), бывшая замужемъ за Андроникомъ Палеологомъ и вторично за императоромъ Іоанномъ III Дукою Ватацемъ (1222—1255), сдѣлавшись инокинею съ именемъ Евлогіи, рѣшилась возобновить разрушенный монастырь съ самаго основанія (ἐκ βαθρῶν ἀνακατασθείστης) и населить его женщинами, давъ ему специальный ктиторскій типиконъ. Ф. Мейеру посчастливилось открыть нѣсколько главъ изъ этого ктитор-

ный именемъ знаменитаго ратоборца за почитаніе иконъ, создателя популярнаго въ Византіи и у насъ въ древней Руси Студійскаго монастыря, уже именемъ своимъ долженъ приковывать къ себѣ особенное вниманіе изслѣдователя византійскаго богослуженія. Чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста, по обычаю лавры Аѳанасія Аѳонскаго¹⁾, разрѣшаетъ въ положительномъ смыслѣ спорный доселѣ въ наукѣ²⁾ вопросъ о существованіи на Востокѣ подобнаго чина, который со второй половины XVI столѣтія появился и въ нашей русской богослужебной практикѣ и положилъ начало, такъ называемому, седмипросфорію въ чинѣ проскомидіи. Что касается Аѳоно-Кутлумушской рукописи XIV в. № 391, то это единственный пока въ наукѣ памятникъ мѣстной монастырской практики съ чинами частнаго богослуженія.

Въ третьихъ, Як. Гоаръ, при составленіи своего *Εὐχολόγιον*'а, имѣлъ подъ руками только одинъ точно датированный памятникъ—это чинъ литургіи Василия Великаго 1041 года, подаренный ему Исидоромъ Комненомъ смирниотомъ (праef. и pag. 150, not. x). Мы въ этомъ отношеніи счастливѣе нашего знаменитаго предшественника, и въ своемъ „*Εὐχολόγιον*“ даемъ цѣлый рядъ памятниковъ, съ первой половины XI столѣтія по XVI вѣкъ, съ опредѣленными хронологическими датами. Въ ряду описанныхъ у насъ евхологіевъ первое мѣсто въ этомъ отношеніи безспорно принадлежитъ замѣчательному во многихъ отношеніяхъ евхологію Париж-

скаго типикона (Bysantin. Zeitschrift, 1895, Band. IV, Heft 1, S. 48—49). У нашихъ русскихъ паломниковъ XIV—XV вѣковъ этотъ монастырь, именуемый „Христосъ Милостивый“ (Сахаровъ. Сказанія русскаго народа. Спб. 1849, кн. VIII, стр. 61), или просто „Христосъ“ (тамъ-же, стр. 52), или „святый Спасъ“ (стр. 72, 101), называется женскимъ монастыремъ (стр. 61). Аѳоно-Кутлумушская рукопись XIV в. № 391 своими чинами такимъ образомъ подтверждаетъ нынѣ то-же самое.

¹⁾ Достойно замѣчанія, что въ многочисленныхъ рукописяхъ лавры Аѳанасія Аѳонскаго мы не нашли ни одного списка этого чина.

²⁾ Іером. Филаретъ. „Старопечатный Номоканонъ и его свидѣтельство о числѣ просфоръ на проскомидіи“ М. 1876, стр. 47 и его же „Чинъ литургіи св. І. Златоуста по изложен. старопечатныхъ, новоисправленныхъ и древле-письменныхъ Служебниковъ“. М. 1876, стр. 41 и дал.

ской національной бібліотеки № 213, написанному въ 1027 г. Будучи собственностію Стратигія, священника Великой церкви и домоваго патріаршаго храма (стр. 993), евхологій этотъ обращаетъ на себя вниманіе замѣчательнымъ разнообразіемъ содержанія, глубокимъ интересомъ, входящихъ въ составъ его, чиновъ¹⁾, въ другихъ памятникахъ этого рода не встрѣчающихся, и рѣдкою исправностію текста. Въ настоящее время Парижскій евхологій № 213 среди извѣстныхъ въ наукѣ евхологіевъ долженъ по всей справедливости занять второе мѣсто послѣ Барбериновскаго евхологія VIII—IX в., такъ какъ во всѣхъ отношеніяхъ онъ выше хорошо извѣстнаго нынѣ кодекса Кристо-Ферратской бібліотеки XI в. (Codex Bessarionis). Не менѣе важнымъ памятникомъ для изучающихъ исторію чиновъ византійскаго богослуженія нужно признать и рукопись 1153 г. № 973 Синайской бібліотеки, которая, кромѣ даты, представляетъ интересъ и по составу своихъ чинопослѣдованій и молитвословій. Для XIII столѣтія мы даемъ съ опредѣленной датой лишь илитарій 1260 года Патмосской бібліотеки, содержащій въ себѣ чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста, а изъ начала XIV в. тотъ же чинъ въ илитаріѣ 1306 года Аеоно-Есфигменской бібліотеки. Для позднѣйшихъ вѣковъ у насъ имѣется уже по нѣскольку датированныхъ памятниковъ.

Изъ 162 евхологіевъ, составляющихъ содержаніе „Εὐχολόγια“, описаны нами далеко не всѣ съ одинаковою обстоятельностью и полнотою. Интересъ содержащихся въ описанныхъ евхологіяхъ чиновъ и молитвословій, удобства для занятій въ той или иной бібліотекѣ, и время, которымъ мы могли располагать въ своихъ

¹⁾ По составу своихъ чиновъ и молитвословій, евхологій этотъ во многомъ тождественъ съ нашими славяно-русскими требниками М. Синодальной бібліотеки XIV—XV в. № 371 (675), № 372 (900) (Описаніе ркп. М. Синод. библ., отд. III, ч. 1, М. 1869, стр. 128—153) и отчасти Соловецкой библ. 1505 г. № 725 (1085) (Описаніе ркп. Солов. мон. Каз. 1898, ч. III, отд. I, стр. 101—131). Уже поэтому одному дорогъ для насъ Парижскій евхологій № 213, но онъ, кромѣ того, самымъ убѣдительнымъ образомъ говоритъ намъ о настоятельной необходимости подробнаго описанія въ настоящее время литургическихъ рукописей и западныхъ бібліотекъ, владѣющихъ нерѣдко настоящими сокровищами, вывезенными съ православнаго Востока.

занятіяхъ, оказывали въ этомъ отношеніи громадное вліяніе на наше описаніе. Не называя здѣсь всѣхъ евхологіевъ, описанныхъ нами обстоятельно, мы отмѣтимъ лишь наиболѣе интересные въ научномъ отношеніи чины и послѣдованія ихъ.

Изъ службъ круга суточного заслуживаютъ особаго вниманія пѣсенное послѣдованіе часовъ постовыхъ (стр. 10—12) и обычныхъ (стр. 35—39, 1003—1007), панихидъ (стр. 13—14), чины утренняго и вечерняго богослуженія съ распредѣленіемъ молитвъ по всему чину (стр. 88, 161, 163, 661, 1001), „Ἐτέρᾳ ἀκολουθίᾳ εἰς τὸ μέγα ἑσπερινὸν τῶν ἑορταζομένων ἁγίων“ (стр. 485), чины литургіи св. Іоанна Златоуста въ спискахъ 1260 г. (стр. 157), XIII в. (стр. 170), 1306 г. (стр. 262), XV в. съ особенностями практики лавры пр. Аѳанасія Аѳонскаго (стр. 602), XVI в. (стр. 817), 1602 г. (стр. 954) и XVI—XVII в. „Ἐρρηγείᾳ εἰς τοὺς ἀμάρτεῖς τῆς θείας λειτουργίας“ (стр. 949), чины литургіи Василия Великаго XII—XIII в. обычный (стр. 140) и съ одними діаконскими прошеніями (стр. 133), чины литургіи преждеосвященныхъ даровъ (стр. 86, 490, 833), „Διακονικὰ τῆς προηγιασμένης λειτουργίας¹⁾ τοῦ ἁγίου Ἰακώβου“¹⁾ (стр. 128), діаконскій чинъ обыч-

¹⁾ Этотъ діаконскій чинъ преждеосвященной литургіи св. апостола Іакова впервые былъ напечатанъ нами въ книгѣ: „Богослуженіе страстной и пасхальной седмиць во св. Іерусалимѣ IX—X в.“ Каз. 1894, стр. 303—309. Въ виду новизны и научной цѣнности, мы перепечатали его и въ настоящее наше описаніе, но въ 1896 году F. Brightman и C. Hommond въ книгѣ: „Liturgies fastern and vestern“, Oxford. 1896, р. 494—500 издали тотъ-же чинъ діаконской литургіи св. апостола Іакова и по той-же самой Синайской рукописи № 1040. Въ англійскомъ изданіи чинъ этотъ является съ сокращеніями, въ видѣ „х. т. λ.“, для обозначенія сходства прошеній съ нынѣ употребительными, но эти сокращенія не всегда сдѣланы вѣрно (напр., стр. 131 въ прошеніяхъ: Τῆς παναγίας... и Ὁπως; Κύριος... концы не сходны съ нынѣшними). Въ изданіи англійскомъ чтенія: Τὴν ἡμέραν πᾶσαν вм. τὴν ἑσπέραν (стр. 129, строка 2 снизу) и φάλλετε вм. φάλατε (стр. 130, строка 16 сверху) ошибочны, но въ нѣкоторыхъ случаяхъ и мы должны теперь исправить нашъ текстъ по англійскому изданію: 129, 11 τοῦ ῥωθῆναι ἡμᾶς, 131, 3 ἐρχομένων χριστιανῶν, 131, 15 διατελούντων вм. διατελούντων, 131, 25 φρικτῶν τιμίων, 131, 19 ἐπὶ πλέον вм. ἐπὶ πλεῖον.

ной литургіи св. апостола Іакова (стр. 245) и „Διάταξις τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας, πῶς γίνεται ἐν τῇ Μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ“ (стр. 301).

Изъ чиновъ частнаго богослуженія наиболѣе интересны въ научномъ отношеніи чины: крещенія (стр. 78, 92, 395—400, 437—440, 455—458, 583—586, 737—739, 907—911), брака (стр. 27—31, 96—101, 401—405, 459—466, 565—569, 594—596, 633—636, 758—763, 902—907), покаянія (стр. 203, 636, 642, 849), хиротоній и хиротесій (стр. 16, 298, 345, 527, 615, 628, 639, 641, 692, 935—937), съ чинами возведеній въ патріарха (стр. 619, 623, 629, 695), митрополита (стр. 627, 692), епископа (стр. 271, 298, 352, 641, 694, 774, 925), малаго и великаго нареченія во епископа (стр. 968), возведенія его на тронъ (стр. 641, 694), возведеніе въ хорепископа¹⁾ (стр. 347, 371, 377, 381, 618), въ ставрофора или архонта Великой церкви (стр. 319), „Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ κηροφόρου καὶ βασταγάρῃ“ (стр. 691), елеосвященія надъ живыми (стр. 101, 184, 197, 405, 481) и умершими (стр. 336, 447, 722, 842), постриженій въ монашество мужчинъ (стр. 82, 219, 505, 552, 557, 869, 876, 1028) и женщинъ (стр. 354), съ дополнительными къ нимъ—„Ἀκολουθία, γινομένη πρὸς μέλλοντα ἐγκλείεσθαι εἰς ἐγκλείστρας“ (стр. 239), „Τάξις, γινομένη πνευματικὸν ἐν τῇ ἀγίᾳ μονῇ ταύτῃ“ (стр. 357) „Ἀκολουθία εἰς μονάσαντας, εἶτα πάλιν κοσμίσαντας, ἔπειτα αὐθις ἐπιστρέφοντα καὶ μετανοοῦντα“ (стр. 429), „Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, γινομένου ἐν περιστάσει“ (стр. 666, 868)

¹⁾ Чины возведенія въ хорепископа, впервые появляющіеся въ нашемъ описаніи, рѣшаются въ положительномъ смыслѣ вопросъ о томъ, къ какой степени священства принадлежали эти лица древне—христіанскаго клира. „Неизвѣстно, говоритъ С. Робертсонъ, къ какой степени священства принадлежали хорепископы. Нѣкоторые писатели предполагаютъ, что всѣ они были епископы; другіе (среди которыхъ есть, какъ извѣстные римско-католическіе изслѣдователи, такъ и пресвитеріане) считаютъ ихъ пресвитерами. Между тѣмъ, по третьему мнѣнію, нѣкоторые принадлежали къ одной степени, а нѣкоторые къ другой. Если взглянуть на цѣль ихъ назначенія, то этотъ послѣдній взглядъ можетъ казаться наиболѣе вѣроятнымъ“. (Исторія христіанской церкви отъ апостольскаго вѣка до нашихъ дней. Пер. А. Іопухина. Спб. 1890, т. 1, стр. 148—149). Изъ чиновъ возведенія теперь ясно видно, что хорепископами были заслуженные пресвитеры.

и „Ἑτέρα κατήχησις“ въ чинѣ постриженія монаховъ (стр. 1030); чины погребенія архіереевъ (стр. 527, 557), священниковъ, діаконовъ (стр. 391, 728, 748, 846, 876, 939, 970) и мірскихъ челоѣкъ (стр. 476), малаго водоосвященія (стр. 165, 1051), великаго Богоявленскаго (стр. 89, 676), освященія церквей и антиминовъ (стр. 60, 114, 700, 884, 898), Пятидесятницы (стр. 276, 999), умовенія ногъ (стр. 349), братотворенія (стр. 122, 743, 1051) и сыновства (стр. 238, 468).

Совершенно исключительный интересъ изъ чиновъ частнаго богослуженія представляютъ доселѣ неизвѣстные въ наукѣ чины: „Τάξις, γινομένη τῶν ἁγιασμῶν τῶν ὁδῶν τοῦ Νείλου, ἐν ᾗ τελεῖται τῇ κοριακῇ τῶν ἁγίων θεοφόρων πατέρων τιγ' πρὸ τῆς ἁγίας Πεντηχοστῆς“ въ древнѣйшемъ (стр. 684) и позднѣйшемъ (стр. 982) изложеніяхъ, „Ἀκολουθία καὶ τυπικὸν τοῦ ἁγίου λού(σ)ματος τῶν Βλαχερνῶν“ (стр. 1042—1051), „Περὶ Ἀρμενίων καὶ Ἰακωβιτῶν“ (стр. 423), чинъ елеосвященія надъ больнымъ, по уставу Великой церкви, совершаемый въ дни празднуемаго великаго святого, или въ субботу Θεοδора Тирона, или въ Лазарево воскресенье (стр. 1017—1019), и чинъ женскаго постриженія съ умовеніемъ ногъ (стр. 1035—1041). Статья: „Περὶ Ἀρμενίων καὶ Ἰακωβιτῶν“ послужила оригиналомъ для извѣстнаго, по нашимъ памятникамъ ²⁾, чина „аще кто въ ереси бывъ, крещенъ сый, къ Богу обратится, любо хвалисинъ, ли жидъ, ли еретикъ кто“, изъ котораго было позаимствовано въ Стоглавъ (глав. 30) поставленіе о крестномъ знаменіи: „Аще ли кто двѣма персты не благословляетъ, якоже и Христосъ и не воображаетъ крестнаго знаменія, да будетъ проклятъ“, не потерявшее своего жизненнаго значенія и до настоящаго времени.

1) О купаніяхъ во Влахернскомъ храмѣ мы доселѣ знали по краткому описанію этого обряда въ главѣ XII, кн. II сочиненія им. Константина Порфирогенета „De ceremoniis aulae Byzantinae“. Mign. Patrol. Curs. Complet. t. CXII, col. 1020—1028) и изъ не вполне опредѣленнаго указанія на этотъ обычай въ Синайскомъ кононарѣ IX—XI в. (см. Описан. литург. ркл., хранящихся въ библиот. прав. Востока т. 1, ч. 1 „Τυπικᾶ“, 1895, Кіевъ, стр. 186 и прим. 5).

2) А. Дмитріевскій. Богослуженіе въ русской церкви въ XVI в. ч. 1. Каз. Прилож. стр. 54—60.

Что касается евхологіевъ, описанныхъ у насъ кратко (стр. 372, 419—420, 444, 638, 646, 658—661, 706, 765, 784—785, 790, 792—795, 798, 799—801, 808, 912—919, 920—921 и др.), то мы отмѣтили всѣ статьи, входящія въ составъ ихъ, руководясь желаніемъ указать будущимъ изслѣдователямъ византійскаго обряда, чего они могутъ искать въ этихъ евхологіяхъ для своихъ спеціальныхъ изслѣдованій. Очень распространенный въ наукѣ методъ описанія этого рода памятниковъ безъ подобныхъ указаній состава евхологіевъ (напр. Гардгаузеномъ, Ламбросомъ С. и А. Саккеліо-нами и др.), возбуждая нерѣдко напрасное любопытство спеціалистовъ, влечетъ за собою потомъ и нежелательныя разочарованія...

При составленіи настоящаго описанія, а еще болѣе при печатаніи его, требовалось съ нашей стороны много кропотливой усидчивости и вниманія для того, чтобы въ издаваемыхъ чинахъ и молитвахъ 162 евхологіевъ не повториться, или не издать вновь того, что уже было когда нибудь напечатано кѣмъ либо изъ прежнихъ изслѣдователей подобнаго рода памятниковъ. Справедливость требуетъ сознаться, что старанія наши въ этомъ отношеніи не всегда увѣнчивались успѣхомъ, и подобныхъ недосмотровъ мы, къ глубокому сожалѣнію, не избѣжали. Намъ, впрочемъ, безпокоить болѣе другого рода недочеты настоящаго изданія—это опечатки, которыхъ въ нашей, книгѣ, не смотря на принятые усилія¹⁾, оказалось все же довольно много. Нужно, впрочемъ, сдѣлать существенную оговорку на этотъ счетъ, а именно, что среди „errata“ въ собственномъ смыслѣ, не мало у насъ и „corrigenda“²⁾, которыя собраны нами для первыхъ сорока пяти печатныхъ листовъ, послѣ послѣдней нашей поѣздки на Востокъ, въ 1898 году. Въ это время мы имѣли счастливую возможность посѣтить, за исключеніемъ Синая и Патмоса, почти всѣ важнѣйшія восточныя книгохранилища и сличить корректурные листы (съ 1—45) этой книги съ подлинниками.

1) Въ корректированіи намъ помогали студенты нашей Академіи, природные греки, Е. Пирромалисъ (нынѣ кандидатъ богословія) и Д. Килеманисъ.

2) „Corrigenda“, взятыя нами прямо изъ рукописей, обозначены такъ: (ркп.)

Потребность приложить, хотя бы и самый общій, предметный указатель, съ обозначеніемъ страницъ той или иной статьи, входящей въ „Εὐχολόγια“, чувствуется и сознается нами весьма оцутительно, но удовлетворить этой насущной потребности, по недостатку средствъ, мы пока не въ силахъ. Питаемъ, однако, надежду, что въ непродолжительномъ времени указатель, въ видѣ „Πίναξ τῶν ἐν τοῖς Εὐχολογίοις περιεχομένων“, будетъ напечатанъ нами отдѣльно и потомъ приложенъ къ этой книгѣ.

При составленіи настоящаго описанія, подъ руками у насъ, въ качествѣ пособій, постоянно находились Εὐχολόγιον Якова Гоара, Venet. 1670 an.; Haberti, Ἀρχιερατικόν, sive Liber pontificalis ecclesiae Graecae, Paris 1643; I. Morini. Commentarius historicus „De sacramento poenitentiae“ Venet. 1702 an.; Swainson. The Greek Liturgies chiefly from original sources. Cambridg. 1884; Н. Красносельцевъ. „Свѣдѣнія о нѣкоторыхъ литургическихъ рукописяхъ Ватиканской библіотеки“ Каз. 1885; наше изслѣдованіе: „Богослуженіе въ русской церкви въ XVI в. ч. 1“, цитуемое нерѣдко такъ: „Дмитріевскій. Прилож.“ и нѣкоторыя другія пособія, указанная въ своемъ мѣстѣ.

1901 г. 2 Марта.

Кіевъ.

I X—X ВѢКЪ.

I. Εὐχολόγιον ркн. Синайской библ. № 957 въ 32 долю листа, 95 листовъ, писана на тонкомъ пергаменѣ мелкимъ красивымъ унциальнымъ письмомъ IX—X вѣка. Правописаніе въ грамматическомъ отношеніи весьма неправильное.

л. 1 об. Εὐχή εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Чинъ крещенія *многихъ* дѣтей изложенъ въ настоящемъ Евхологіѣ весьма сходно съ подобнымъ чиномъ въ Тактиконѣ Іоанна Кантакузена. См. Прилож. къ книгѣ А. Дмитріевскаго „Богослуженіе въ русск. церкви въ XVI в.“ ч. I. Каз. 1884, стр. 9—15, хотя и не безъ нѣкоторыхъ отличій. Въ виду древности настоящаго списка, мы отмѣтимъ всѣ разности его сравнительно съ извѣстнымъ намъ въ печати. Начало чина до отрицанія отъ сатаны включительно изложено буквально сходно съ Тактиковымъ Іоанна Кантакузена. Даже вопросы священника объ отрицаніи отъ сатаны написаны также стихами, съ новой строки каждый и въ томъ же порядкѣ. Καὶ μετὰ τὸ ἐμψύσῃσι ἰστᾷ αὐτὸν πάλιν и т. д. стоитъ въ настоящемъ списокѣ на мѣстѣ, καὶ τοῦτο ποιοῦντος, ἰστᾷ αὐτὸν и т. д. Въ формулѣ: Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ, καὶ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεὸν прибавки: καὶ βαπτίζομαι—нѣтъ. Ἀποκρινόμενος καὶ ἔκαστον τοῦ κατηχουμένου ἢ τοῦ ἀναδόχου αὐτοῦ, ὡς εἴρηται, καὶ ὅτε πληρώσῃ τὸ τρίτον, ἐρωτᾷ ὁ ἱερεὺς τὸν βαπτίζομενον πάλιν τρίτον. Συνετάξω τῷ Χριστῷ. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος: Συνετάξάμην. Καὶ ὅτε εἴπῃ τρίτον, λέγει ὁ ἱερεὺς: Προσκύνησον αὐτῷ. Καὶ μετὰ ταῦτα ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς λέγων: Δέσποτα ὁ Θεός, προσκαλέσαι τὸν δοῦλόν σου... Goar. Εὐχολογ. Venet. edit. 1730 an. pag. 278. Μετὰ τὸ θυμιᾶσαι ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ καὶ ἀποδοῦναι τὸν θυμιατῆρα, γίνεται εὐχή ὑπὸ τοῦ διακόνου: Ἐν εἰρήνῃ. Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἀγιασθῆναι τὸ

Εὐχολόγιον т. II.

ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ ἐξ ἁγίων ὕψωμάτων τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τῶν βουλομένων προσελθεῖν πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα, καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτοῖς τὸ ὕδωρ τοῦτο λουτρόν παλιγγενεσίας καὶ τοῦ ἐνδύματος τῆς ἀφθαρσίας... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτοῖς τὴν κολυμβήθραν ταύτην ἀνεπιβούλευτον καὶ ἐλατήριον πάσης ἐπιβουλῆς ὁρατῶν τε καὶ ἀοράτων ἐχθρῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτοὺς συμφύτους καὶ κοινωνοὺς τοῦ θανάτου... Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι αὐτοῖς τὴν στολὴν τοῦ βαπτίσματος... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτοὺς υἱοὺς φωτός... Ὑπὲρ τοῦ συγκαταριθμηθῆναι αὐτοὺς σὺν τοῖς ἁγίοις τοῖς πρωτοτόκοις τοῖς ἀπογεγραμμένοις εἰς τὴν τῶν οὐρανῶν βασιλείαν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Τῆς παναγίας ἀχράντου... Goar. p. 287. Καὶ τούτων λεγομένων, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεὸς Goar. p. 288. Δεῖ εἰδέναι, ὅτι οὐδὲ ταῦτα ἐπὶ τέλους ἐκφωνεῖ, ἀλλὰ καὶ τὸ Ἀμήν αὐτὸς καθ' ἑαυτὸν λέγει. Μετὰ δὲ τὸ πληρῶσαι τὸν ἀρχιδιάκονον τὴν εὐχὴν, εὐθέως ἀπάρχεται ὁ ἀρχιερεὺς τῆς τῶν ἁγίων βαπτισμάτων εὐχῆς, λέγων οὕτως· Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου. Goar. p. 288. Καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ὕδωρ τρίτον καὶ σφραγίζει τῷ δακτύλῳ τρίτον, καὶ πάλιν λέγει· Ἐπιτριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν... Goar. p. 289 Ὁ λαός· Ἀμήν¹). Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου²). Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος³)· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, κλίνει ὁ ἀρχιερεὺς⁴) τὴν κεφαλὴν εἰς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου, βαπτίζομένου ὑπὸ τοῦ διακόνου, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίτον, καὶ σφραγίζει τρίτον, καὶ λέγει· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν... Goar. p. 289. Καὶ ἀνιστάμενος ἐκφωνεῖ· Εἰς ὁῶσαν σὴν τοῦ μονογενοῦς... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, τοῦ διακόνου λέγοντος· Πρόσχωμεν, λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς⁵) τῷ τρυβλίῳ ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τρίτον καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροὺς τρεῖς, φάλλον τὸ Ἀλληλούια σὺν τῷ ὅχλῳ τρίτον. Καὶ⁶) μετὰ τοῦτο ἀποτίθεται τὸ τρυβλίον καὶ ἐκφωνεῖ οὕτως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων πάντα ἄνθρωπον... Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ προσφέρεται ὁ βαπτιζόμενος ἐν τῶν πρεσβυτέρων

¹) Ркп. Синайск. библ. X в. № 958. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λέγει ὁ ἱερεὺς

²) Нѣтъ ³) ὁ διάκονος ⁴) ὁ ἱερεὺς ⁵) ἱερεὺς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ. ⁶) Καὶ ἐκφωνεῖ οὕτως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός...

ρων¹⁾, καὶ λαμβάνων ὁ πρεσβύτερος ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους καὶ τῶν μεταφρένων τοῦ βαπτιζομένου καὶ λέγει²⁾. Χρίεται ὁ δεῖνα ἐλαιον ἀγαλλιάσεως... Καὶ τότε χρίεται ὑπὸ τῶν διακόνων ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου³⁾ ὅλον τὸ σῶμα⁴⁾, καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ πατριάρχου⁵⁾, λέγοντος οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι⁶⁾ πάντας, ἀπάρχεται ὁ πατριάρχης, καὶ ψάλλων λέγει· Μακάριοι ὦν... ἀπεκαλύφθησαν... Καὶ λέγει σὺν τῷ λαῷ τὸν στίχον τοῦτον τρίτον καὶ δοῦάζει. Καὶ μετὰ τοῦτο, ποιῶντος [τοῦ] διακόνου· (Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν), ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς⁷⁾. Εὐλογητὸς εἷ, Κύριος ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... Goar. p. 290. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν⁸⁾ ταύτην χρίει τῷ ἁγίῳ μύρῳ τοὺς φωτισθέντας⁹⁾, ποιῶν τοῦ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου λέγων· Σφραγὶς δωρεᾶς Πνεύματος Ἁγίου¹⁰⁾. Εἰς τοὺς ὀφθαλμούς· Χάρισμα δωρεᾶς Πνεύματος Ἁγίου. Εἰς τοὺς μυκτῆρας¹¹⁾. Χρίσμα ἀρῥαβῶνος βασιλείας οὐρανῶν. Εἰς τὰς ἀκοάς· Χρίσμα μετοχῆς ζωῆς ἀθανάτου¹²⁾. Εἰς τὰ μετάφρενα μέσον τὸν νοῦν· Πλήρωμα δωρεᾶς Πνεύματος Ἁγίου καὶ θώρακος πίστεως καὶ ἀληθείας. Καὶ εἰθ' οὕτως ἀκολούθως ἡ θεία λειτουργία.

Все подчеркнутое нами составляет варианты къ изданному нами чину крещенія по ркп. М. Синод. библ. № 279. Изъ нихъ особеннаго интереса заслуживаютъ варианты къ ектеньѣ, которая въ цѣломъ видѣ неизвѣстна еще въ печати и конецъ чина. Всѣ же остальные варианты весьма незначительны и въ большинствѣ случаевъ указаны Гоаромъ, при изданіи имъ этого чина по рукописи

¹⁾ Ркп. Син. библ. № 958. Τῷ ἱερεὶ καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου ²⁾ λέγων οὕτως ³⁾ ηἵτ' ⁴⁾ αὐτοῦ ἐν ἀσφαλείᾳ καὶ φόβῳ Θεοῦ καὶ οὕτω ⁵⁾ ἱερέως ⁶⁾ καὶ μετὰ τὸ βαπτίσαι ὁ ἱερεὺς ψάλλει σὺν τῷ ὄχλῳ· Μακάριοι ⁷⁾ ἱερεὺς ⁸⁾ καὶ μετὰ τοῦτο τῶν ψαλλόντων λεγόντων· Ὅσοι εἰς Χριστόν... ⁹⁾ βαπτισθέντα ¹⁰⁾ Ἀμήν прибавляется къ каждому стиху ¹¹⁾ ὁσφρήσεις ¹²⁾ Прибавлено: ἐπὶ τὰς χεῖρας (Ркп. библ. лавры Аѳан. № 7 ἐπὶ τὴν δεξιὰν χεῖρα ἔξωθεν, ἔσωθεν· Χρίσμα ἁγίων... εἰς τὴν καρδίαν· Πλήρωμα δωρεᾶς... Goar. p. 296. Καὶ οὕτως εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τὴν εἴσοδον καὶ τελεῖται ἀκολούθως πάντα ἡ θεία λειτουργία. Ркп. № 7 лавр. Аѳансiя Аѳон. Καὶ τοῦ ψάλτου λέγοντος прокѣименон εἰς ἦχον βαρύν· Μακάριοι ὦν... стих. Μακάριος ἀνὴρ ὁ... καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ νεοφωτίστου.

Барбериновской библиот. св. Марка (in Barberino sancti Marci) p. 294—296, съ которыми настоящий списокъ имѣетъ весьма большое сходство.

л. 19 об. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τοὺς φωτιζομένους τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος τοῖς δούλοις σου. Goar. p. 308.

л. 20. Εὐχή εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας... Goar. p. 307.

л. 20 об. Εὐχή εἰς ἀδελφοποίησιν см. Костомонит. ркп. XV в. № 19 л. 109.

л. 21. Εὐχή ἐπὶ μνηστείας.

Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ и т. д. ектенья, что въ Εὐχολ. лавры Аѳανасія ркп. XIII в. л. 36. Возгласа нѣтъ, но послѣ τῆς παναγίας ἀχράντου... ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς λέγων· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος... Goar. p. 311. Εἰρήνῃ πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... ἐπεύχεται πάλιν ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν... Goar. p. 311 Conf. pag. 313 codex Barber. s. Marci.

л. 22. Εὐχή εἰς τὸν τοῦ γάμου παστόν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐπρεπείας ἀξιῶν πάντας τοὺς ἐν νόμῳ см. лавры Аѳан. ркп. л. 40.

л. 22 об. Εὐχή εἰς γάμους.

Ποιεῖ ὁ διάκονος εὐχὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῶν νῦν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον αὐτῶν, ὡς τὸν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων τοῦ δε καὶ τῆς δε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην καὶ καρπὸν τέκνων πρὸς τὸ συμφέρον τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... καὶ τὰ ἑξῆς. Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι αὐτόν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς λέγων· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον. Goar, p. 317. Ἐῴτα στέφει ἀμφοτέρους καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς χειρὰς, παραδίδωσιν ἀλλήλοις (καὶ) λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Πάλιν ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ

ἐν τῇ σωτηριώδει σου οἰκονομίᾳ... Ibid. p. 318. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν μεταδιδοὺς αὐτοῖς ζωοποιῶ κοινωνίας ἀπολύει. Conf. Goar. p. 321 Berber. S. M.

λ. 34 οβ. Εὐχὴ τοῦ ποτηρίου.

Καὶ φέρει ποτήριον οἴνου καὶ ποιεῖ εὐχὴν ὁ ἱερεὺς οὕτως· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην. Goar. p. 319.

λ. 35. Εὐχὴ εἰς [τὸ] ἀποστεφανῶσαι.

Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτορ, ὁ τὸν παράδεισον ἀκαμάτως φυτεύσας καὶ τὸν ἄνθρωπον οἰκείαις χερσὶ διαπλάσας, καὶ τεθηκώς αὐτὸν ἐν αὐτῷ, καὶ λαβὼν ἀπόνως ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ, καὶ ἀνοικοδομήσας αὐτῷ γυναῖκα καὶ ἀγαγὼν αὐτὴν πρὸς αὐτόν, καὶ δεδωκώς αὐτῷ γινῶσιν τὴν εἰς τε ἀπόπτωσιν γενομένην αὐτῷ, ἕνεκεν τούτου καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα καὶ προσκολληθήσεται τῇ γυναικὶ αὐτοῦ καὶ ἔσονται εἰς συζυγίαν εἰς σάρκα μίαν. Καὶ νῦν, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὡς ἔθηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν στέφανον χαμικόν, στεφανῶσον αὐτοὺς ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς· καὶ ποιήσον αὐτοὺς εἰς σάρκα μίαν, εἰς ὁμόνοιαν ἀδιαίρετον, εἰς ὁμοτροπὴν ἀπαράλλακτον, εἰς ὑγίαν ἀμεριστον, εἰς ζωὴν πολυχρόνιον, εἰς σπέρμα ὅσion· εὐφρανον αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων, ἵνα καὶ αὐτοὶ διὰ τῆς τεκνογονίας σωθῶσιν, μενόντων παίδων ἐν πίστει, ἀγιασμῷ καὶ διακαισύνῃ μετὰ σωφροσύνης· σὺ γάρ, Κύριε, ὁ καὶ παρθενίαν ἀγιάσας καὶ μήτρان εὐλογήσας, καὶ τοῖς συναφθεῖσι τίμιον τὸν γάμον χαρίσας καὶ τὴν κοίτην ἀμείαντον. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία.

λ. 36. Εὐχὴ εἰς λύσιν παστοῦ γάμου.

Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοί σου, Κύριε, καὶ τὴν ἀκολουθίαν ἐκτελέσαντες... Goar pag. 325. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ τὸν ἐκεῖσε γάμον εὐλόγησας. Αὐτός καὶ νῦν Δέσποτα, εὐλόγησον καὶ τὴν λύσιν τοῦ γάμου τούτου καὶ ἐν γῆρει συναπτῆσαι αὐτοὺς εὐδόκισον, ἵνα καὶ διὰ τῶν δούλων σου τούτων δοξάζηται τὸ πανάγιον ὄνομά σου, τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ Ἁγίου Πνεύματος...

λ. 36 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστου.

Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... ἐκ τῆς περιεχούσης αὐτὸν σωματικῆς ἀσθενείας διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου· καὶ ζωοποιήσον αὐτόν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, τὴν ὀφειλομένην σοὶ εὐχαριστεῖαν ἐν ἀγαθοεργίᾳ ἀποπληροῦντα. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν... Goar pag. 338.

λ. 37. Εὐχὴ ἐπὶ νοσούντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἰατρός τῶν ψυχῶν τε καὶ σωμα-
των αὐτοπροαιρέτῳ νεύματι καὶ λόγῳ τοῦ προσταγματοῦ σου πᾶσαν
νόσον καὶ πᾶσαν μαλακείαν ἰώμενος ὁ κατὰ γῆν ἰὼν καὶ γενεὰν θαυμα-
τουργῶν, ἔνδοξά τε καὶ ἐξαίσια ποιῶν, ὧν οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς· τοὺς τρεῖς
παῖδας ἀπὸ τῆς φλογὸς ἀπαθεῖς διασώσας, καὶ τὸν ἐκ γενετῆς τυφλὸν
τὸ βλέπειν χαρισάμενος, καὶ Ἀάζαρον τετραήμερον ἐκ νεκρῶν ἀναστήσας,
καὶ ἐπιτιμήσας τῷ πυρετῷ τῆς πενθερᾶς Πέτρου καὶ παραχρῆμα ἰασά-
μενος, ὥστε ἀναστᾶσα διακονεῖν. Αὐτός, Δέσποτα Κύριε, προσκυνητὲ καὶ
πολυέλεε Κύριε, ἴσασι τὸν δοῦλον σου τὸν δε ἀπὸ πάσης ἀσθενείας δε-
σμεύων τὰ συντρίμματα αὐτοῦ καὶ πᾶσαν ἐνέργειαν κακοῦσαν καὶ θλίβου-
σαν αὐτὸν ἐκμοχλεύων· ἐλθέτω δὲ δύναμις ἐκ τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας,
ἀπελασάτω ἀπ' αὐτοῦ τὴν ἐκ τῆς ἀρρώστιας μάστιγα, ἐπίσταξον αὐτῷ
δρόσον ἰαμάτων, ῥύσαι αὐτὸν ἀπὸ πόνων καὶ ἀλγημάτων, ἐξέγειρον αὐ-
τὸν ἀπὸ κλίνης ὀδύνης καὶ ἀπὸ στρωμνῆς κακώσεως, δός αὐτῷ καιρὸν
διηγήσεως τὰ θαυμάσιά σου ἐξειπεῖν τὸ σωτήριόν σου. Ὅτι Θεὸς ἐλέους
οἰκτιρμῶν...

λ. 38. Εὐχὴ ἐπὶ θυμάτων.

Σὺ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων, μακροθύμος καὶ
πολυέλεος, ὁ μετανῶν ἐπὶ ταῖς κακίαις ἡμῶν καὶ προσδεχόμενος τὰς τῶν
πάντων θυσίας καὶ προσφοράς, πρόσδεξαι, Κύριε, τὴν εὐχὴν ἡμῶν καὶ
ἐξαπόστειλον τὸν ἐπὶ τῆς εἰρήνης ἄγγελόν καὶ εὐλόγησον τὸν νοῦν τοῦ-
τον καὶ τοὺς ἄρνας τούτους, ἵνα γένωνται εἰς θυσίαν ἁγίαν καὶ εὐάρε-
στον τῇ χρηστότητί σου εἰς ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν καὶ εἰς μνημό-
συνον ἐνώπιόν σου, διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ μονογε-
νοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ
ζωοποιῷ Πνεύματι.

λ. 38 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων μνήμης ἁγίων.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε. Goar. p. 524.

λ. 39. Εὐχὴ εἰς κανίσκιον κουκίφι(;) κοιμηθέντων.

Κύριος ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς πάντων τῶν ἐπικαλουμένων τὸ ἅγιον ὄνομά σου,
Σὺ εὐλόγησον τὰ προτεθέντα, καὶ τοῖς προτεθηκῶσιν ἄμειψαι τῶν πλου-
σίων σου δωρεῶν, πάντων τῶν ἐκ τῆς γῆς ἀγαθῶν ἀφθόνως αὐτοῖς καὶ
πᾶσιν ἡμῖν τὴν ἀπόλαυσιν χάρισαι, καὶ ὑπὲρ οὗ ἡ μνήμη γέγονεν ἐν
ἀνέσει τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ποίησον, καὶ ἡμᾶς ἀκατακρίτους διαφυλάξον
ὕμνουντας καὶ εὐλογοῦντας Σέ, τὸν Πατέρα καὶ τὸν Υἱὸν καὶ τὸ Ἅγιον
Πνεῦμα νῦν καὶ ἀεί.

1. 39 οβ. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ἀναστάσεως.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς τῆς σῆς δόξης κοινωνοὺς γενέσθαι διὰ τῆς τῶν ἁγίων σου μυστηρίων ζωοποιῶ με-
ταλήψεως, δι' ὧν τοῦ θανάτου σου καὶ τῆς ἀναστάσεως τὸν τύπον τελεῖν παρα-
δédωκας ἡμῖν, δι' αὐτῶν ἡμᾶς ἐν τῷ ἁγιασμῷ σου διαφυλάξον μεμνημένους
τῆς σῆς χάριτος διὰ παντός καὶ σώζοντας τῷ ὑπὲρ ἡμῶν ἀποθανόντι καὶ
ἐγερθέντι· τοῖς ¹⁾ βασιλεῦσιν ἡμῶν νίκας δώρησαι, τὸν στρατὸν κατὰ τῶν
πολεμίων ἐνίσχυσον καὶ τὸν περιεστῶτα λαὸν ἐν εἰρήνῃ καὶ ἀφέσει ἁμαρ-
τιῶν διατήρησον, τοῖς διακόνοις τοῖς καλῶς ἡμῖν συλλειτουργήσασιν βα-
θμὸν ἀγαθὸν περιποιήσαι, καταξιῶν αὐτοὺς ἀκατακρίτως καὶ τοῦ τιμίου
πρεσβυτερίου· σὺ γὰρ εἶ ὁ Ἀληθινὸς καὶ ζῶν ἡ αἰώνιος καὶ σοὶ τὴν
δόξαν ἀναπέμπομεν.

1. 40 οβ. Εὐχὴ εἰς τὴν εὐλόγησιν τῶν ὑδάτων εἰς τὰ Ἅγια Θεο-
φάνια ἔσω ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ.

Ποιοῦντος [τοῦ] διακόνου εὐχὴν συναπτήν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς
ἁνῳθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ
τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὑδάτα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι... Ὑπὲρ
τοῦ ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἀποτρόπαιον καὶ κα-
θαρτήριοιον πάσης ἐνεργείας καὶ ἐπιβουλῆς ὁρατῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἀνα-
δειχθῆναι αὐτὰ ἱατρεῖον καὶ καθαρισμόν πάσης νόσου ψυχῶν τε καὶ σωμάτων...
Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πᾶσι τοῖς χρωμένοις ἐξ αὐτῶν πίστει ἢ καὶ μετα-
λαμβάνουσιν εἰς καθαρισμόν μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος τοῦ Κυρίου
δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς πανα-
γίας ἀχράντου... Goar. p. 368. Καὶ τούτων λεγομένων ὑπὸ τοῦ διακόνου, ὁ
ἀρχιερεὺς καθ' ἑαυτὸν ἐπευχεται (τὴν εὐχὴν) Γερμανοῦ πατριάρχου· Κύριε
Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς, ὁ ἀλη-
θινὸς Θεός, ἡ πηγὴ τῆς ζωῆς καὶ τῆς ἀθανασίας Goar. p. 368. Καὶ μετὰ
τὸ πληρῶσαι τὸν διάκονον, οὐδὲν ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς, ἀλλ' εὐθέως ἀπάρ-
χεται τῆς φωνῆς καὶ λέγει· Οἱ τῶν ἀνωτάτων στοιχείων τὴν κτίσιν
ἄθροισαντες, ἔγνωμεν πῶς τὸ πλοῦτόν σου πικρὰ φρίττει σε Δέσποτα·
ἀδιάστατον γὰρ τὴν τούτων δημιουργίαν σκοπίσαντες, τὸ πολυσέβαστόν
σου ἐκπληττόμεθα ὄνομα· ἐπειδὴ γὰρ προσῆκε τῇ κτίσει αἰνὸν σοὶ προ-
σαγαγεῖν, τούτου χάριν ἐπὶ τὰ δευτέρα τῶν ἀνωτάτων στοιχείων διαβρί-

¹⁾ Ркп. Снн. № 959 τοῖς συλλειτουργήσασιν ἡμῖν, καὶ τοῖς θείοις σου
μυστηρίοις διακονήσας βαθμὸν ἀγαθὸν περιποιήσαι καὶ πολλὴν παρῴρησιν τὴν
ἐπὶ τοῦ φοβεροῦ σου βήματος, σὺ γὰρ εἶ ὁ ἀληθινὸς Θεός.

νομεν κλίματα, ἅτινα ὑποπόδιόν σου τιμῆς ἤξιώθησαν· ὁρῶντες γάρ τῆς γῆς τὴν κτίσιν ἀκίνητον, νοοῦμέν σου, τοῦ κρατοῦντος τὴν φύσιν ἀσύνοπτον, ἐφάμιλλόν τε καὶ τὸ τῆς θαλάσσης τεκμήριον, πῶς [εἰς τὸ] διηνεκές αἰνεῖσε τὸν ποιήσαντα· ἡ μὲν γὰρ ὀρινομένη τοῖς κύμασι τῇ χέρσῳ προσμάχεται, πάσης τῆς οἰκουμένης σπουδάζουσα κατακλῦσαι τὰ πέρατα καὶ τῇ ψάμμῳ κρουομένη δαμάζεται καὶ τὸν ὄρον σου φοβουμένη ἀφέλκει τὰ κύματα, ἀλλ' οὔτε πηγῶν ἀενάων τὰ ρεῖθρα μυρία δόξαν ἀναπέμπειν τῷ κράτει σου Δέσποτα· ποταμῶν βαθυγαίων ἀκατάσχετα ρεύματα ἐν κιβωτῷ θεοφόρῳ ὧδε κάκεισε δραμόντα αἰφνης τὴν φύσιν εἰνήσαντο καὶ τὴν ἄβατον οὐσίαν βάσιμον ἐδειξαν, καὶ σοὶ τῷ μόνῳ τῶν ὅλων Θεῷ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Ἰδοὺ γὰρ ὁ τῆς ἑορτῆς ἐπέστη ἡμῖν καιρὸς καὶ ἄγγελοι μετὰ ἀνθρώπων ἑορτάζουσι, καὶ χορὸς ἁγίων πλησιάζεται ἡμῖν. Σήμερον ἡ χάρις τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἀγιάζουσα τὰ ὕδατα ἐπιφύεται. Σήμερον οὐρανὸς ἀγλαϊζόμενος ὁρόσον τῇ γῇ ἐπιμυρίζει. Σήμερον ὁ ἥλιος ἄδυτος. Goar. p. 369 съ нѣкоторыми измѣненіями. Ὅταν δὲ εὐλογεῖ ὁ πατριάρχης τὰ ὕδατα εἰς τὸ πλάτιον, προστίθῃσι τῇ παρουσίᾳ εὐχῇ καὶ τοῦτο· Καὶ σῶσον, Κύριε, τοὺς δούλους σου, τοὺς πιστοὺς βασιλεῖς ἡμῶν, καὶ φύλαξον αὐτοὺς ὑπὸ τὴν σκέπην τῶν πτερύγων σου ἐν εἰρήνῃ, ὑπόταξον αὐτοῖς πάντα ἐχθρὸν καὶ πολέμιον, χάρισαι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, ζωὴν αἰώνιον. Εἶθ οὕτως ἐπάγει· Ἵνα διὰ στοιχείων καὶ δι' ἀνθρώπων καὶ δι' ἀγγέλων, καὶ δι' ὁρωμένων καὶ δι' ἀοράτων, δοξάζεται σου τὸ πανάγιον ὄνομα σὺν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Ἀγίῳ Πνεύματι... Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν τῷ Κυρίῳ κλίνομεν. Ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κλίνον, Κύριε, τὸ οὖς σου... Goar. pag. 371.

λ. 49 об. Εὐχὴ ἄλλη εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, λεγομένη ἐν τῇ φιάλῃ τοῦ μεσσαύλου τῆς ἐκκλησίας.

Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκὺ μεταποιήσας... См. Ркп. № 8 Св.—гроб. библи. л. 22. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κλίνον, Κύριε, τὸ οὖς σου... καὶ τὰ λοιπὰ πάντα, καθὼς κεῖνται. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει· τὸ Πληρωθῆτω, καὶ ἀπολύει.

л. 51. Чтенія изъ апостола и евангелія на важнѣйшіе праздники ¹⁾.

¹⁾ Креста, архангеловъ, Богородицы, апостола Петра, св. Николая, іерарховъ, св. Безсребренниковъ, мучениковъ, Георгія, Іоанна Богослова,

1. 79 οβ. Τάξεις γινομένης τῆς τριτοέκτης ἐν ταῖς νηστείαις.

Μετὰ τὸ τελεσθῆναι τὴν πρώτην ὥραν λέγει ὁ διάκονος· Κλί-
νοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ... Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ τὴν εὐχὴν·
Ὁ Θεός, ἐπὶ τῶν Χερουβὶμ καθεζόμενος καὶ ὑπὸ τῶν Σεραφὶμ δοξαζόμε-
νος, ἐπίβλεψον ἐφ' ἡμᾶς τοὺς ταπεινοὺς καὶ ἀναξίους δούλους σου καὶ διέ-
γειρον ἡμῶν τὸν νοῦν πρὸς δοξολογίαν τῆς σῆς ἀγαθότητος, ἐξάρπασον δὲ
ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ἐπιβουλῆς τοῦ ἐχθροῦ, ἵνα τῷ φωτί σου καταλαμπό-
μενοι καὶ τῇ βουλῇ σου ὁδηγούμενοι πρὸς πᾶν ἔργον ἀγαθὸν ἀξιοθώ-
μεν τῆς ἐπουρανοῦ βασιλείας, συναριθμούμενοι πᾶσι τοῖς ἐκλεκτοῖς σου·
Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'.
Δεόμεθα σου, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, μακροθύμησον ἐφ' ἡμῖν τοῖς ἀμαρ-
τωλοῖς καὶ φεῖσαι τῶν ἔργων τῶν χειρῶν σου, ὁ εἰδὼς ἡμῶν τὴν ἀσ-
θένειαν, λυτρούμενος ἡμᾶς ἀπὸ παντὸς πειρασμοῦ καὶ πάντων τῶν ἐνε-
στώτων καὶ ἐπερχομένων δεινῶν, καὶ τῆς ἐξουσίας τοῦ σκότους τοῦ αἰῶ-
νος τούτου, καὶ μετᾴστησον εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ μονογενοῦς σου
Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν. Ὅτι δεδόξασται σου τὸ πανάγιον... Εὐχὴ ἀντι-
φώνου γ'. Κύριε ὁ Θεός, οὗ ἡ δόξα ἀκατάληπτος καὶ τὸ ἔλεος ἀμέ-
τρητον, καὶ ἡ φιλανθρωπία ἄφατος· Σὺ, κατὰ τὴν σὴν εὐσπλαγχνίαν, ἐπί-
βλεψον ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ πάντα τὸν λαόν σου, καὶ μὴ παραδῶς ἡμᾶς
ταῖς ἀμαρτίαις ἡμῶν, ἀλλὰ ποιήσον μεθ' ἡμῶν τὰ ἐλέη σου, ὁδήγησον
ἡμᾶς ἐπὶ λιμένα θελήματός σου, καὶ ἐργάτας ἀληθινούς ἀνάδειξον τῶν
σῶν ἐντολῶν, ἵνα μὴ κατατρίβωμεν ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς κρίσεως τῷ
φοβερῷ βήματι τοῦ Χριστοῦ σου παριστάμενοι. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλάν-
θρωπος Θεός... Εὐχὴ μετὰ τὴν εἰσοδόν, γινομένης συναπ-
τῆς ὑπὸ τοῦ διακόνου· Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ δι-
δοὺς εὐχὴν τῷ εὐχομένῳ καὶ προσδεχόμενος τὰς ἱκεσίας τῶν δούλων
σου τῶν βοώντων πρὸς σὲ νυκτὸς καὶ ἡμέρας, κλῖνον καὶ τὸ οὖς σου,
καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν· μὴ ἀποστρέψης, Κύ-
ριε, τὸ πρόσωπόν σου ἀφ' ἡμῶν, μηδὲ μνηστῆς ἡμῶν ἀνομιῶν ἀρχαίων,
ὁ γινώσκων τὸ πλάσμα ἡμῶν καὶ ἐπιστάμενος τὴν ἀσθένειαν ἡμῶν. Μνή-

Илии пророка, ἐπὶ ἐλαίῳ ἀρρώστου ὁ ἀπόστολος καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώ-
βου· Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα λάβετε... Конецъ: πολὺ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ δέησις δι-
καίου ἐνεργουμένη. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἔλθων Ἰη-
σοῦς εἰς τὴν οἰκίαν Πέτρου. Конецъ: ἠκολούθησαν αὐτῷ οἱ μαθηταί. Εἰς κοιμη-
θέντας πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἄγνοεῖν. Εὐαγγέλιον κατὰ
Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους.

σθητι, Κύριε, ὅτι χοῦς ἐσμέν, πνεῦμα πορευόμενον καὶ οὐκ ἐπιστρέφον, καὶ τῇ μεγαλυσύνῃ τοῦ βραχίονός σου, περιποίησαι ἐλεεί τὴν ζωὴν ἡμῶν, ὁδήγησον ἡμᾶς ἐν ὁδῷ εὐθείᾳ τοῦ πορευθῆναι ἐν τῇ τρίβῳ τῶν ἐντολῶν σου, δίδαξον ἡμᾶς τοῦ ποιεῖν τὸ θέλημά σου, λαλεῖν ἐν τοῖς μυστηρίοις σου, μελετᾶν τὸν νόμον σου ἡμέρας καὶ νυκτός, ἔντειλαι τοῖς ἁγίοις ἀγγέλοις σου τοῦ διαφυλάττειν ἡμᾶς ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς ἡμῶν, καὶ ῥύσασθαι ἀπὸ βέλους πετομένου ἡμέρας, ἀπὸ πράγματος ἐν σκότει διαπορευομένου, ἀπὸ συμπτώματος καὶ δαιμονίου μεσημβρινοῦ, πλήρωσον τὸ στόμα ἡμῶν αἰνέσεως καὶ τὰ χεῖλη ἡμῶν ἀγαλλιάσεως τοῦ λαλεῖν ἑαυτοῖς ἐν ψαλμοῖς καὶ ὕμνοις, καὶ ᾠδαῖς πνευματικαῖς ἐν χάριτι, ᾄδειν τε καὶ ψάλλειν ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν καὶ εὐχαριστεῖν ἐπὶ πᾶσι σοι τῷ Θεῷ τῶν ὅλων τῷ σώζοντι τοὺς ἐλπίζοντας εἰς τὸν πλοῦτον τοῦ ἐλέους σου. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις. Εὐθὺς ψάλλει τὸ τροπάριον, καὶ μετὰ τοῦτο ἀναγινώσκει τὴν προφητείαν καὶ εὐθέως· τὸ Εἴπωμεν πάντες, καὶ λέγει ἐκτενήν. Καὶ λέγει ὁ διάκονος· Εὐξασθε, οἱ κατηχούμενοι. Καὶ ὁ ἱερεὺς ποιεῖ τὴν εὐχὴν τῶν κατηχομένων· Κύριε παντοκράτωρ καὶ φιλόανθρωπε, ἔπιδε ἐξ ὕψους ἁγίου σου ἐπὶ τοὺς δούλους σου κατηχομένους, τοὺς κλίνοντας σοι τὸν ἑαυτῶν αὐχένα καὶ ἀναμένοντας τὸ παρὰ σοῦ ἔλεος, ἀποκάλυψον αὐτοῖς τὸ εὐαγγέλιον τῆς δικαιοσύνης σου, συγκατατίθῃς αὐτοὺς τῇ ἐκλεκτῇ ποίμνῃ, καὶ καταξίωσον αὐτοὺς ἐν καιρῷ εὐθέτῳ τῆς διὰ τοῦ βαπτίσματος ἀναγεννήσεως. Ἵνα καὶ αὐτοῖς σὺν ἡμῖν δοξάζωσι. Ὅσοι κατηχούμενοι προσέλθετε, οἱ κατηχούμενοι προσέλθετε, ὅσοι πρὸς τὸ φῶτισμα προσέλθετε и др. Goar. pag. 165, по сѣ нѣкотоуоу перестановкою прошепнѣи. Οἱ πρὸς τὸ φῶτισμα τὰς κεφαλὰς... Αὕτη ἡ εὐχὴ γίνεται ἀπὸ τῆς τετράδος τῆς μέσης ἐβδομάδος τῶν ἁγίων νηστειῶν μέχρι τῆς ἁγίας παρασκευῆς, καὶ αὐτὴν ποιοῦντος [τοῦ] διακόνου μετὰ τὴν εὐχὴν τῶν κατηχομένων. Ἐτέρα εὐχὴ ὑπὲρ τῶν πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα εὐτρεπιζομένων. Ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπέφανον τοὺς οἰκτιρμούς σου ἐπὶ πάντας ἡμᾶς, καὶ ἐπὶ τοὺς πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα εὐτρεπιζομένους, τοὺς καὶ νῦν ὑποκεκλικότας σοι τὸν αὐχένα τὸν ἑαυτῶν εἰς τὸ ἐναυγάσαι αὐτοῖς τὸν φωτισμὸν τοῦ εὐαγγελίου σου, ἄγγελον φωτὸς ἐξαπόστειλον, ῥυώμενον αὐτοὺς ἀπὸ πάσης ἀντικειμένης ἐνεργείας, ἵνα τῆς ἀθανάτου σου δωρεᾶς ἀξιούμενοι καὶ τὰς ἐντολάς σου πολιτεύμενοι τῶν ἐπουρανίων σου ἀγαθῶν ἀπολάβωσιν. Σῶσον, ἐλέησον,

φώτισον καὶ ἀντιλαβοῦ αὐτοῖς, ὁ Θεός, τῇ σῇ χάριτι. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σὺ εἶ ὁ φωτισμὸς ἡμῶν. Ὁ διάκονος· Ὅσοι πρὸς τὸ φῶτισμα προέλθετε... Goar. p. 167. Εὐχὴ πιστῶν α'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς πολυθέου πλάνης διὰ τῆς σῆς παρουσίας ἀποστήσας τὸν ἄνθρωπον, καὶ διὰ τῶν θαυμάτων σου ποιήσας γνωρίζειν σὲ τὸν μόνον δημιουργὸν καὶ ποιητὴν τῶν ἀπάντων, καὶ τὴν ἐλπίδα τίθεσθαι ἐπὶ σοί, πολυέλεος ὑπάρχων, τήρησον ἡμᾶς ἐν τῷ ὀνόματί σου, καὶ ἀγίασον ἡμᾶς ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου, καὶ κατάπεμψον τοὺς οἰκτιρμούς σου ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ πάντα τὸν λαόν σου. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον. Σοφία. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Εὐχὴ πιστῶν β'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὀλίγῳ χρόνῳ τὴν πάροδον τῆς ζωῆς τοῦ ἀνθρώπου περιστείλας, διὰ τὸ ἀσθενὲς καὶ εὐάλωτον τῆς αὐτοῦ φύσεως καὶ ἀντάμειψιν αἰωνίων ἀγαθῶν ἐπαγγελλάμενος αὐτῷ καταγωνιζομένῳ τῶν ἔργων τοῦ ἐχθροῦ. Αὐτός, Δέσποτα, κραταίωσον ἡμᾶς ἐν τῷ φόβῳ σου, ἐνίσχυσον ἡμᾶς ἐν τῇ δικαιοσύνῃ¹⁾ σου. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον. Σοφία. Ὅτι εὐλόγηται καὶ δοδόξασται τὸ πάντιμον... Κλίνοντες τὰ γόνατα ἔτι καὶ ἔτι... Εὐχὴ γ'. ἡγουν ἀπόλουςις· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, ὁ μόνος χρηστὸς καὶ ἐπιεικής, ὁ μόνος οἰκτιρμῶν καὶ ἐλεήμων Θεὸς ἡμῶν καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τοῦ ἐπὶ Ποντίου Πιλάτου σταυρωθέντος, καὶ τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἐξεγερθέντος, καὶ εἰσελθόντος εἰς τὴν δόξαν τὴν ἑαυτοῦ καὶ τὴν σὴν. Ἐλθέτω ἡ χάρις σου ἐφ' ἡμᾶς τοὺς δούλους σου καὶ ἐνδυναμώσάτω ἡμᾶς, Κύριε, τὸ εὐαγγέλιον τῆς διδασκαλίας σου. Πάτερ εὐσπλαγχνίας, φώτισον ἡμῶν τὰ σπλάγχνα καὶ πάντα τὰ μέλη τῷ σῷ θελήματι, καὶ καθάρισον ἡμᾶς ἀπὸ πάσης κακίας καὶ ἁμαρτίας, συντήρησον δὲ ἡμᾶς ἀσπίλους καὶ ἁμώμους ἀπὸ πάσης περιεργίας τοῦ²⁾ ἀντικειμένης ἐνεργείας, (χάρισαι) ἡμῖν, Κύριε, κατὰ τὴν σὴν χρηστότητα τὰ σὰ νοεῖν, τὰ σὰ φρονεῖν ἐν τοῖς σοῖς ἀναστρέφεσθαι, τὸν σὸν φόβον φοβεῖσθαι καὶ ποιεῖν τὰ εὐάρεστά σοι ἕως τῆς ἐσχάτης ἡμῶν ἡμέρας καὶ ὥρας καὶ ἀναπνοῆς. Ἐπικαλούμεθά σε, Δέσποτα, τὸν ἀληθινὸν ἡμῶν Θεὸν ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοί, ὅπως ἂν κατὰ τὸ ἀνεκδιήγητόν σου ἔλεος, σφραγίσῃς ἡμῶν τὸ σῶμα καὶ τὴν ψυχὴν καὶ τὸ Πνεῦμα, καὶ διατηρήσῃς³⁾ ἀπὸ παντὸς πονηροῦ δαίμονος, ἀπὸ παντὸς ἐρπετοῦ ἰαβόλου, ἀπὸ παν-

¹⁾ СВЯТ. СИН. библ. № 956 ἐν τοῖς λογίοις σου, ὁδήγησον ἡμᾶς ἐν δικαιοσύνῃ, ²⁾ ἀντικειμένου, καὶ χάρισαι ἡμῖν, Κύριε, κατὰ τὴν σὴν χρηστότητα, τὰ σὰ νοεῖν ³⁾ ἡμᾶς.

τὸς θηρίου τοῦ ἐπὶ τῆς γῆς, ἀπὸ πάσης ἀνομίας, ἀπὸ πάσης φαρμακείας, ἀπὸ πάσης πλάνης καὶ πάσης ματαιότητος, ἀπὸ πάσης πορνείας καὶ πλεονεξίας, ἀπὸ πάσης νόσου καὶ μαλακείας, ἀπὸ παντὸς ψεύδους καὶ πάσης ραδιουργίας, καὶ πάσης παγίδος τοῦ ἀντικειμένου ἡμῖν. Πάτερ ἀφθαρσίας, σκέπασον ἡμᾶς τοὺς σοὺς δούλους τῇ σῇ εὐσπλαγχνίᾳ καὶ μὴ ἐγκαταλείπης ἡμᾶς, μηδὲ ποιήσης ἐπιχάρμα ἐχθρῶν καὶ ἐξουδένωμα λαοῦ καὶ καταπάτημα δαιμονίων, ἀλλ' ἵνα ἡ σὴ χάρις τὸ σὸν ἔλεος εἴῃ μεθ' ἡμῶν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν... Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σου. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν τῷ Κυρίῳ. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης, καὶ ἐπιβλέπων ἀβύσσους, ὁμματι εὐσπλαγγνῶ τὴν ταπεινῶσιν ἡμῶν ἐπισκεπτόμενος, εὐλόγησον πάντας ἡμᾶς τοὺς ὑποκεκλιότας σοι τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς, καὶ ὕψωσον τὸ κέρας ἡμῶν ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου. Ἐκφώνησις· Εἴῃ τὸ πανάγιον ὄνομα τῆς φιλανθρωπίας σου εὐλογημένον. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν.

л. 87 об. Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. τοῦ λυχνικοῦ.

Κύριε οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε Goar. p. 163.

л. 88. Εὐχὴ πρὸ τοῦ Κυρίου ἐκέκραξα.

Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας αἰνοῦμεν, εὐλογοῦμεν, εὐχαριστοῦμεν Goar. p. 164. Εἰρήνη πᾶσι. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεός, ὁ κλίνας οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ... p. 32.

л. 89. Нѣскольکو евангельскихъ и апостольскихъ чтеній—мученикамъ, 4 недѣли, 16 недѣли, 5 недѣли и утреннее евангеліе.

II. №956 Синайск. библи. Илитарій или Кондакіонъ рукопись 7 метровъ, 55 сантиметровъ писана на пергаментѣ четкимъ и крупнымъ почеркомъ Хѣѣка. Начала свитка нѣтъ. Каждая молитва имѣетъ заглавныя буквы, весьма художественно разрисованныя. Начинается Илитарій: τοὺς δὲ ἑαυτῶν ὑποτάξαντας αὐχένα ἐξ ἀνθρώπων ἀναμένοντες βοήθειαν, ἀλλὰ περιμένοντες ἔλεος τὴν σὴν ἀπεκδεχόμενοι σωτηρίαν, οὓς διαφύλαξον ἐν παντὶ καιρῷ καὶ κατὰ τὴν παροῦσαν ἑσπέραν καὶ τὴν προσιοῦσαν νύκτα ἀπὸ παντὸς ἐχθροῦ καὶ ἀπὸ πάσης ἀντικειμένης ἐνεργείας δι...¹⁾ γισμῶν ματαίων καὶ ἐνθυμήσεων... Εἴῃ τὸ κράτος τῆς βασιλείας σου. Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν.

¹⁾ Точки означаютъ, что эти мѣста рукописи или вытерты, или вовсе отсутствуютъ.

Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ τῶν καταγύρων.

Κύριε ὁ Θεός, ὁ θησαυρός τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν, ὁ παντός ἀγιασμοῦ χορηγός ὁ... ἐπὶ ἔργοις ἀγαθοῖς ἵνα... τήσωμεν, ἐπὶβλέψον... ἡμῶν καὶ ποίησον ἡμᾶς σκευὴ ἡγιασμένα καὶ εὐχρηστα τῷ Δεσπότῃ ἀποδειχθῆναι πρὸς πᾶν ἔργον ἀγαθὸν ἐξηρτισμένους ἐποικοδομεῖν ἐπὶ τῷ θεμελίῳ τῆς σῆς ἐπιχ... σεως χρυσὸν ἄργυρον λίθους... τὰς θείας καὶ ζωοποιούς σου ἐντολ... πόλιν καὶ διαίτημα τῆς σῆς ἀγαθότητος τὴν ἡμετέραν γενέσθαι ψυχὴν, ἵνα ἐν... ἐν ἡμῖν καὶ ἐν περιπάτῳ ὁδοποι... ἡμῖν καὶ τὴν εἰς τὴν αἰώνιον σου βασιλ... εἴσοδον καὶ δόξαν. Ὅτι ἅγιος εἶ... ἐπαναπαύει καὶ σοὶ τὴν δόξαν. Ὁ λαός· Ἀμὴν. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Δέσποτα ἅγιε, ὑποκλινόντες σοὶ τὸν αὐχένα τοῦ σώματος, δεόμεθα... τότε ἐν ὀρθίῳ καὶ ἀκλινεῖ τὸ φρ...

Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῷ μεγάλῳ βαπτιστηρίῳ μετὰ τὸ πέρασ τοῦ λυχνικοῦ.

Καὶ νῦν εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα, τῷ Θεῷ τῷ ἱκανώσαντι ἡμᾶς εἰς τὴν μερίδα τοῦ κλήρου τῶν ἁγίων ἐν τῷ φωτί, ὅτι ἐρρύσω ἡμᾶς ἐκ τῆς ἐξουσίας τούτων σκότους καὶ μετέστησας εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ Υἱοῦ τῆς ἀγάπης σου... Τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερός· Κύριε ὁ Θεός, ὁ διὰ τῆς κατὰ σάρκα ἐπιφανείας τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν, ἐγκαινίσας ἡμῖν ὁδὸν πρόσφατον καὶ ζώσαν τὴν δι' ὕδατος καὶ Πνεύματος ἀναγέννησιν. Αὐτὸς Δέσποτα, τὴν ἐν αὐτῷ τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι δεδομένην ἡμῖν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος χάριν... Ἀπολύσις· Χριστὸς ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν διὰ πρεσβειῶν [τῆς] τιμίας ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν καὶ ἀειπαρθένου [Μαρίας], τοῦ ἁγίου προφήτου Προδρομοῦ καὶ βαπτιστοῦ [Ἰωάννου], τῶν ἁγίων καὶ πανευφήμεων ἀποστόλων καὶ πάντων αὐτοῦ τῶν ἁγίων ἐλεήσει καὶ φωτίσει τὰς ψυχὰς πάντων ἡμῶν. Ὁ ὢν εὐλογητὸς Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ...

Εὐχαὶ τῆς παννουχίδος.

Οἱ κατὰ τὸν καιρὸν τῆς ἡμέρας τῇ θεωρίᾳ τῆς ἐν τῇ κτίσει μεγαλουργίας σου ἐντροφήσαντες, Κύριε, καὶ διὰ αὐτῆς σὲ τὸν γενεσιουργὸν τῶν ἀπάντων καὶ ὑπερφῶν θαυμάτων ποιητὴν ὑπερεκπλαγέντες καὶ δοξάσαντες, καὶ μετὰ τὴν ταύτης παρέλευσιν, κατανοοῦντες τῆς μεγάλης σου εὐσπλαγχνίας²⁾ καὶ σοφίας τὴν πρόνοιαν, ὅτι ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ, ἀνθρώπους μὲν κόπων ἀνάπαυσιν φέρουσα, θηρίοις δὲ τροφῆς πορισμόν, καὶ μετὰ τοῦ προφήτου βοῶμέν σοι· ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου,

¹⁾ Въ ркп. патриарш. александр. библ. (въ Каирѣ) XIV в. № 104 при-
бавлено: παρέλευσιν ἀξίως αἰνεῖσι σοὶ προσάγομεν ²⁾ нѣтъ — εὐσπλαγχνίας καὶ.

Κύριε, πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας ¹⁾), δεόμεθα δέ, φιλόανθρωπε Δέσποτα, μὴ ἐπιδῶναι ἡμῖν ἐπὶ τῷ παροργισμῷ τῶν ἡμετέρων ἁμαρτιῶν ²⁾), σὲ τὸν τῆς δικαιοσύνης ἥλιον, ἀλλὰ τῷ φωτισμῷ τῆς σῆς καταλάμπεσθαι χάριτος, ἵνα ἐν ἡμέρᾳ καὶ νυκτὶ δοξάζωμεν τὴν ἀκατάληπτόν σου μεγαλειότητα. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα. Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Σὲ τὸ ἀνέσπερον καὶ ἀίδιον φῶς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, παρ' ᾧ οὐκ ἔστι παραλλαγή ἢ τροπῆς ³⁾) ἀποσκίασμα ἐν τῷ παρελθόντι ⁴⁾) τῆς νυκτὸς μέτρῳ, ἀνομνούντες δεόμεθα συγγρηγορεῖν τοῖς σωματικοῖς ὀφθαλμοῖς, καὶ τοὺς τῆς διανοίας ἡμῶν λογισμοὺς ἐν τῇ θεωρίᾳ τῆς δόξης σου καταξίωσον, καὶ μὴ τινα νυσταγμὸν ψυχῆς ὑπομεινάντες στερηθῆναι τῆς πνευματικῆς φωτὸς ⁵⁾), ἀλλ' ἐν ψαλμοῖς καὶ ὕμνοις, καὶ ᾠδαῖς πνευματικαῖς, ᾄδοντες ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν καὶ ἐν τῷ στόματι ἡμῶν σοι τῷ Θεῷ τῆς παρά σου σωτηρίας τυχεῖν ἡμᾶς, ὅπως καὶ τοῦ ἤχου τῶν ἑορταζόντων ἐν οὐρανοῖς ἀπολαύειν αἰωνίως ἀξιοθῶμεν. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Ὁ τὴν αὔπνον καὶ ἀκατάπαυστον δοξολογίαν ὑπὸ τῶν ἐν οὐρανοῖς ἀσωμάτων καὶ νοερῶν δυνάμεων δεχόμενος Θεός, αἷς οὐχ ὑπάρχει φῶς ὕλικόν, ἀλλὰ τῆς σῆς ἀπροσίτου δόξης ἢ αἰδίου ἔλλαμψις τὸ ἀδιάστατον αὐταῖς τῆς ἀγιαστικῆς σου λατρείας χαρίζεται, ἐπίβλεψον ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ταπεινῶσιν καὶ πρόσδεξαι τὴν ἐν συμμέτρῳ τῆς ἀνθρωπίνης ἀσθενείας μιμήσει τῶν ἐπουρανίων νοερῶν προσαγομένην σοι παρ' ἡμῶν νυκτερινὴν ὕμνωδιαν μὴ πρὸς τὸ ἀνάξιον ἀφορῶν τῆς ἡμετέρας ζωῆς, ἀλλὰ πρὸς τὸ ἄμετρον τῆς σῆς ἀγαθότητος, δι' ἧς παρήγαγες ἡμᾶς ἐκ μὴ ὄντων καὶ πρὸς τὸ εἶναι συντηρεῖς, καὶ τῆς σῆς αἰνέσεως τὴν εὐωδίαν διὰ τῶν ἁγίων σου γραφῶν ἐνέπνευσας ἡμῖν, ἐν ᾗ σὲ τὸν μόνον ἅγιον ἄρρητόν τε καὶ ἀκατάληπτον τῶν ἀπάντων ποιητὴν τε καὶ Δεσπότην προσκυνοῦντες δοξάζομεν ⁶⁾), αἰτούμενοι τὴν ἐκ τοῦ σκότους τῆς ἁμαρτίας ἀπολύτρωσιν καὶ τὴν ἐν τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου ἀτελεύτητον μακαριότητα. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εὐχὴ τετάρτη τῆς ἀπολύσεως. Δέσποτα παντοκράτορ ἀκατάληπτε, ἡ ἀρχὴ φωτὸς καὶ ἀπερινόητος οὐσία ⁷⁾) ὁ τῆς μονογενοῦς καὶ ἐνο-

¹⁾ Прибавлено: διό η ομυщена частнца δὲ ²⁾ нѣтъ—τῶν ἡμετέρων ἁμαρτιῶν. ³⁾ ἀποτροπῆς ⁴⁾ ἐν τῷ παρόντι καιρῷ τῆς νυκτὸς, ἀνομνούντες ⁵⁾ прибавлено: τῆς ἐν σοὶ ἀγαλλιάσεως καὶ ἐξομολογήσεως ⁶⁾ Ркп. Син. библ. № 962 ἐν ᾗ καὶ τὴν παροῦσαν ἐσπέραν ἡμᾶς ἐν εἰρήνῃ καταξίωσον διελθεῖν πρεσβείαις τῆς ἀγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι Θεὸς ἐλέους. ⁷⁾ Ркп. александр. библ. № 104 δύναμις.

ποστάτου σου σοφίας Πατῆρ, ὁ τοῦ ζωοποιοῦ καὶ ὁμοδυνάμου σου Πνεύματος προβολεὺς, ὁ διὰ σπλάγγνα ἐλέους καὶ ἄφατον ἀγαθότητα, μὴ παριδὼν τὴν τῶν ἀνθρώπων φύσιν τῷ σκότει τῆς ἁμαρτίας συνεχομένην, ἀλλὰ τὰ θεῖα φῶτα τῶν ἱερῶν σου διδαγμάτων διὰ νόμου καὶ προφητῶν ἀναλάμπας ἡμῖν, ὕστερον δὲ ἡμῖν αὐτὸν τὸν ἀληθινὸν καὶ ἄδουτον τῆς δικαιοσύνης ἥλιον, τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εὐδόκησας διὰ σαρκὸς ἀνατεῖλαι καὶ πρὸς τὴν λάμψιν ἡμᾶς τοῦ σοῦ φωτισμοῦ ὁδηγήσαι, γεννηθῆτω τὰ ὦτα σου προσέχοντα εἰς τὴν φωνήν τῆς δεήσεως ἡμῶν καὶ δωρῆσαι ἡμῖν ἐν ἀγρύπνῳ καὶ νηφούσῃ ψυχῇ πᾶσαν τὴν τοῦ παρόντος βίου νύκτα ἡμᾶς διελθεῖν ἐκδεχομένους τῆς ἡμέρας τοῦ Χριστοῦ σου καὶ Θεοῦ ἡμῶν, τοῦ κριτοῦ τῶν πάντων τὴν παρουσίαν, ἵνα μὴ ἀναπεπτωκότες καὶ ὑπνοῦντες, ἀλλὰ γρηγοροῦντες καὶ διεγρηγμένοι ἐν τῇ ἐργασίᾳ, τῶν αὐτοῦ ἐντολῶν εὐρεθῶμεν καὶ εἰς τὴν χαρὰν αὐτοῦ τοῦ Κυρίου εἰσελθῶμεν, ἔνθα ἀπέδρα ὁδύνη λύπη καὶ στεναγμός, ἔνθα εὐφραϊνομένων πάντων ἡ κατοικία ἐν σοί. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνην πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ¹⁾ ὁ Θεὸς ἡμῶν, κλῖνον τὰς καρδίας ἡμῶν εἰς ὑπακοὴν τῶν θείων σου προσταγμάτων καὶ ἀπέστρεψον τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς διανοίας ἡμῶν, τοῦ μὴ προσκειῖσθαι τῇ κοσμικῇ ματαιότητι, ἀλλ' ἐνατενίζειν τῷ κάλλει τῆς δόξης σου διὰ παντὸς καταξίωσον. Ὅτι σὺ εἰ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν ²⁾...

Εὐχὴ τοῦ νιπτῆρος.

Λέγοντος τοῦ διακόνου τὴν συναπτὴν, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὑπεράγαθε, ὁ ἀπρόσιτος τῇ θεότητι... Goar. p. 592.. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνην πᾶσιν. Καὶ ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Δέσποτα Κύριε τῆς δόξης... Ibid. Εὐχὴ μετὰ τὸ νίψασθαι, τοῦ διακόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, εὐχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατὰ τὸ πολυέλεός σου κενώσας ἑαυτόν... Goar. p. 594.

Εὐχαὶ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς εἰς τὴν γονυκλισίαν.

Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. Ἀχραντε ἀμίαντε... Goar. p. 597. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν πρώτην εὐχὴν τοῦ λυχνικοῦ· Εὐλογητὸς Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ φωτίσας τὴν ἡμέραν τῷ φωτὶ τῷ ἡλιακῷ... pag. 598. Εὐχὴ ἀντιφώνου δευτέρου· Κύριε ὁ Θεός

¹⁾ Ркп. Син. грѣл. X в. № 958: Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας ²⁾ Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ λαός· Εὐλόγησον, ἅγιοι, εὐλόγησον. Ὁ ἱερεὺς· Ὁ ὢν εὐλόγητος Χριστὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν.

ἡμῶν ὁ τὴν σὴν εἰρήνην δεδωκώς τοῖς ἀνθρώποις... Ibid. p. 599. Καὶ ἐπισυνάπτει λέγων Κύριε, Κύριε, ὁ ῥυσάμενος ἡμᾶς... p. 600. Εὐχὴ ἀντιφώνου τρίτου· Ἡ ἀενάως βρούουσα ζωτικὴ καὶ φωτικὴ πηγὴ. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας ὁ αἰώνιος, ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς... Goar. p. 601. Конецъ: καὶ μετὰ παρρησίας δοξάσωμεν ἐπὶ πᾶσι σὲ τὸν μόνον ἀληθινόν καὶ φιλόανθρωπον Θεόν. Ἐκφώνως· Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Σὸν γὰρ ὡς ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μυστήριον... Ibid. pag. 601. Конецъ: Σὺ γὰρ εἶ ἀνάπαυσις τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ καὶ συναϊδίῳ Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν... Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν εὐχὴν τῆς ἀπολύσεως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... Goar. pag. 602. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἀρχθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Εἴτα ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Ibid. pag. 603.

Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ τῆς διακονίσης.

Μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν ἀναφορὰν καὶ ἀνοιγῆναι τὰς θύρας προσφέρεται ἡ μέλλουσα χειροτονεῖσθαι, καὶ ὁ ἀρχιερεὺς ἐκφωνεῖ· τὸ Ἡ θεία χάρις, κλινοῦσης αὐτῆς τὴν κεφαλὴν καὶ ἐπιτίθησι τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῆς, καὶ ποιῶν σταυροὺς τρεῖς, ἐπεύχεται· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος καὶ παντοδυναμὸς... Goar. p. 218. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ποιεῖ εἰς τῶν διακόνων εὐχὴν καὶ ἐν τῷ γενέσθαι ταύτην, ὁ ἀρχιεπίσκοπος, ἔχων τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῆς, ἐπεύχεται οὕτως· Δέσποτα Κύριε, ὁ μηδὲ γυναῖκας ἀναθεμένους αὐτάς... Ibid p. 218. Конецъ, какъ у Гоара p. 218—219 съ тою разницею, что, вмѣсто ектењи: Πάντων ἁγίων, въ Илитаріѣ διάκονος λέγει· Πληρώσωμεν, т. е. указывается, что рукоположеніе это могло совершаться и на прежде-освященной литургіи.

Дальше въ Илитаріѣ слѣдуетъ обратная сторона, а поэтому, какъ и на первой, начала нѣтъ. Вторая сторона начинается концомъ молитвы: Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν τοῦ σταυροῦ σου... и далѣе продолжается чинъ крещенія, какъ въ предыдущемъ спискѣ. Разница сравнительно весьма незначительная: не говорится о томъ, что священникъ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ (т. е. св. елея) εἰς τὸ ὕδωρ τρεῖς σταυροὺς пальцемъ и о троекратномъ пѣніи: Μακάριοι ὦν.

Послѣ молитвы: Εὐλογητός εἰ, Κύριε ὁ Θεὸς Παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... καὶ ἀπάρχεται ὁ ἱερεὺς φάλλειν· Ὅσοι εἰς Χριστόν... εἶτα χρίει τῷ ἁγίῳ μύρῳ τοὺς βαπτισθέντας, ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν ὠτῶν, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος Ἁγίου. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ἀπάρχεται· Ὅσοι εἰς Χριστόν, εἶτα Μακάριοι ὦν, καὶ τελεῖται ἡ λειτουργία.

Εὐχὴ, γινομένη εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς... Goar. p. 388 εἶτα προσλέγει τὸ Ἀμήν καθ' ἑαυτὸν καὶ εὐθὺς ἀπάρχεται· Μέγας Κύριε καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου.. p. 370. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνη πάσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν... p. 371.

Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. τῆς τριτοέκτης.

Тѣже 10 молитвъ и въ томъ же порядкѣ, что и въ ркп. № 957, но безъ діаконыхъ возгласовъ. См. стр. 9—12.

Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου.

Μετὰ τὸ Τρισάγιον, ὅτε κατέλθωσιν οἱ ψάλται, ἵσταται ὁ ἀρχιεπίσκοπος εἰς τὴν κρηπίδα ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ γενομένων τῶν, κατὰ συνήθειαν, παρεστώτων καὶ τῶν λοιπῶν ἐπισκόπων, ποιῶν τρεῖς σταυροὺς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ ἐπιτιθεῖς αὐτῷ τὴν χεῖρα, ἐπεύχεται· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ νομοθετήσας ἡμῖν διὰ τοῦ πανευφήμου σου ἀποστόλου Παύλου Goar. p. 250. Καὶ γίνεται συναπτὴ ὑπὸ ἐπισκόπου καὶ ἐν τῷ γίνεσθαι, ἔχων ὁμοίως τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ χειροτονουμένου, ὁ ἀρχιεπίσκοπος· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὸ μὴ δύνασθαι τὴν ἀνθρώπου φύσιν τὴν τῆς θεότητός σου ἐπενεγκεῖν οὐσίαν... p. 251. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ἐπαίρει τὸ εὐαγγέλιον ὁ ἀρχιεπίσκοπος¹⁾ καὶ ἀποτίθεται ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ τότε ἐπιτίθῃσι τῷ χειροτονηθέντι τὸ ὠμοφόριον²⁾ καὶ ἀσπάζεται αὐτὸν καὶ πάντες οἱ ἐπίσκοποι, καὶ ἀνέρεχεται εἰς τὸ σὺνθρονον, καὶ εἶδ' οὕτως τελεῖται ἡ λειτουργία.

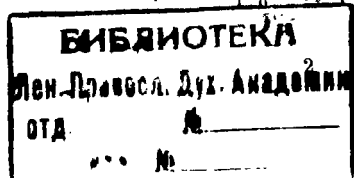
Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου.

Μετὰ τὸ εἰσενεχθῆναι καὶ ἀποτεθῆναι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ τραπέζῃ, γενομένου τοῦ κατὰ συνήθειαν, εἰσάγεται ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι,

¹⁾ Ксеноф. Илитар. XI--XII в. № 163 ὁ πατριάρχης ²⁾ λέγων αὐτὸς πρῶτος τὸ Ἀξίως, εἶτα οἱ συμπάροντες ἐκ τρίτου καὶ οἱ ἔξω τοῦ βήματος γ'.

и т. д.

Εὐχολόγιον τ. II.



καὶ τούτου γονυκλιτοῦντος, ποιῶν σταυροὺς γ'. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν καὶ ἔχων ἐπικειμένην τὴν χεῖρα, ἐπαύχεται οὕτως· Ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχὸς καὶ ἀτελεύτητος ὁ πάσης κτίσεως πρεσβύτατος ὑπάρχων Goar. p. 242. Καὶ ποιῶντος τοῦ πρεσβυτέρου συναπτὴν, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς, ἔχων τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας ἐν δυνάμει, καὶ ἀνεξεγκνιάστος ἐν συνέσει... p. 243. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν φέρει τὸ ὀπισθεν τοῦ ὠραρίου ἐπὶ τὰ ἔμπροσθεν καὶ ἐνδύει αὐτὸν τὸ φελώνιον, καὶ δοὺς αὐτῷ ἀγάπην, ἱσταῖ αὐτὸν μετὰ τῶν λοιπῶν πρεσβυτέρων, καὶ τότε λέγει ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν. Καὶ ὅτε ἐπαρθῇ τὸ καταπέτασμα τῶν ἁγίων θώρων καὶ εἰπῇ ὁ λαός· Ἄξιον καὶ δίκαιον, τότε ὁ ἀρχιερεὺς ἐπιδίδωσι τῷ χειροτονηθέντι πρεσβυτέρῳ ἓνα ἄρτον ἐκ τοῦ δίσκου εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ καὶ κλίνει αὐτὸν ἐπάνω τῆς ἁγίας τραπέζης μέχρι τοῦ ῥηθῆναι· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ τότε ἀποδίδωσι τὸν ἄρτον τῷ ἀρχιεπισκόπῳ, καὶ κοινωνεῖ πρῶτος.

Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου. Goar. p. 211. Codex. S. M.

Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου., p. 204. Codex Barber. S. Marci.

Εὐχὴ ἐπὶ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Μετὰ τὸ κερῆναι τὸν μέλλοντα χειροτονεῖσθαι ἀναγνώστην ἢ ψάλτην... Codex. Barber. S. Marc. p. 195.

Εὐχὴ ἐπὶ προχειρίσει ἡγουμένου. Тотъ же кодексъ. Goar. pag. 396, нѣтъ лишь словъ: ἐπιτίθῃσι τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ ὁ πατριάρχης.

Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναι σοι ἐκκλησίαν... Goar. p. 485.

Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Εὐχὴ ἐωθινὴ α'. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῷ ἐξαναστήσαντι ἡμᾶς ἐκ τῶν κοιτῶν ἡμῶν... Goar. p. 39. Εὐχὴ ἐωθινὴ γ'. (2 молитвы нѣтъ) Ἐκ νοκτός ὀρθρίζει τὸ πνεῦμα ἡμῶν πρὸς σέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... p. 40. Εὐχὴ ἐωθινὴ δ'. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν σωτηριῶν ἡμῶν... Ibid. Εὐχὴ τοῦ πεντηχοστοῦ. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄψεναι τοῖς ἀνθρώποις δωρησάμενος... p. 42. Εὐχὴ τῶν αἵνων. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς ὑποστησάμενος δυνάμεις τῷ σῶθι θελήματι... Ibid. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως τοῦ ὁρθροῦ. Αἰνοῦμεν καὶ ὑμνοῦμεν, καὶ εὐλογοῦμεν, καὶ δοξολογοῦμεν Goar. p. 42. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἀρχιερεὺς·

Εἰρήνη πάσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν... Goar. 44.

III. № 958 Εὐχολόγιον, ркп. Синайск. библи. въ 4 долю листа, 115 листовъ, писана на толстомъ покоробленномъ пергаменѣ крупною скорописью X вѣка. Евхологій полный и хорошо сохранившийся. Грамматическія формы и правописание писца страдаютъ большими неправильностями.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἁγίου Βασιλείου.

Чинъ состоитъ изъ молитвъ, какъ и въ рукописи Румянц. Муз. № 374 X в.—XI в. Н. Θ. Красносельцевъ. „Свѣдѣнія о нѣкоторыхъ литургическихъ рукописяхъ ватиканской библіотеки“. Казань 1885 стр. 237. Народъ и діаконъ являются участниками въ богослуженіи, по этому списку, лишь въ самыхъ рѣдкихъ случаяхъ. Важнѣйшими вариантами къ указанному списку могутъ быть слѣдующія особенности. Огсутствуютъ возгласы въ молитвѣ входа и Трисвятаго. Молитва: „Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν... (стр. 421) надписывается: „εὐχὴ τῶν κατηχομένων“, молитва: „Οὐδαίς ἄξιος (стр. 245)—„εὐχὴ, ἣν ποιεῖ καθ' ἑαυτὸν ὁ ἱερεὺς“, молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίσας ἡμῶν καὶ ἀγαθὸν εἰς τὴν ζωὴν ταύτην.—„Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ δῶρα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ“. Послѣ этой послѣдней молитвы чинъ литургіи описывается такъ: Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τὰ διακονικά, λέγει ὁ διάκονος· Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους. Ὁ διάκονος· Τὰς θύρας. Ὁ διάκονος· Στῶμεν καλῶς. Ὁ ἱερεὺς· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν... Ἄνω σχῶμεν τὰς καρδίας. Εὐχαριστήσωμεν. Καὶ ἀπάρχεται ὁ ἱερεὺς τῆς θείας καὶ ἁγίας ἀναφορᾶς. Ὁ ὦν Δέσποτα Κύριε Θεὲ Πάτερ (стр. 251). Καὶ ἀνιστάμενος σφραγίζει τὰ ἅγια δῶρα καὶ λέγει· Τὸν μὲν ἄρτον... Τὸ δὲ ποτήριον... Τὸ ἐκχυθὲν ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς... (стр. 262) Εὐχὴ· Ἡμᾶς δὲ πάντας τοὺς ἐκ τοῦ ἐνὸς ἄρτου... (стр. 263). Молитвы: Χαῖρε κεχαριτωμένη—нѣтъ, о діаконѣ не упоминается предъ молитвою: Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τοῦ σώζειν, а говорится просто: ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται. (стр. 271). Послѣ возгласа: Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτόν· Πρόσχες Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... (стр. 275). Καὶ μετὰ τὸ πάντας μεταλαβεῖν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐχαριστοῦμέν σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν (стр. 276). Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ· Ἦνυσται καὶ τετέλεσται (стр. 277).

л. 15. Εὐχή κατηχουμένων τοῦ Χρυσοστόμου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν. Κраснос. стр. 241. Εὐχή πιστῶν α'. μετὰ τὸ ἀπλοθῆναι τὸ εἰλητόν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... (стр. 242). Εὐχή πιστῶν β'. Πάλιν καὶ πολλάκις σοι προσπίπτομεν... (стр. 244). Εὐχή τῆς προσκομιδῆς τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ δῶρα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ καὶ πληρῶσαι τὸν λαὸν τὸν μυστικὸν ὕμνον. Ὁ ἱερεὺς λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος... (стр. 247). Дальнѣйшій порядокъ молитвъ, что въ ркп. Севаст. № 374 (Краснос. стр. 251—280), но молитвы слѣдуютъ непрерывно, безъ замѣчаній Севастьяновскаго списка: ὁ ἱερεὺς εὐχεται λέγων, εἴτα κλινόμενος πάλιν λέγει и т. п. Моментъ пресуществленія описывается такъ: καὶ σφραγίζων τὰ ἅγια δῶρα, λέγει· Καὶ ποιήσον τὸν μὲν ἄρτον... Τὸ δὲ ποτήριον... Μεταλαβὼν τῷ Πνεύματί σου τῷ Ἀγίῳ. Въ концѣ литургіи одна молитва: εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ· Ἡ ἀρχὴ καὶ τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν... (стр. 180) Codex. Daniel.

л. 20 об. Ἀκολουθία τῶν προηγιασμένων τῆς ἁγίας τεσσαρακостῆς.

Μετὰ [τά] ἀναγνώσματα λέγεται τὸ Κατευθυνήτω καὶ μετὰ τοῦτο λιτανεύει ὁ διάκονος, καὶ λέγει ὁ λαὸς τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ μετὰ τοῦτο γίνεται εὐχή κατηχουμένων ἐπὶ τῶν προηγιασμένων οὕτως· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν πάντων... Goar. p. 165. Γινώσκει δέ, ὅτι καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην καὶ τὰ διακονικὰ ἀπὸ τῆς τετράδος τῆς μεσοεβδομάδος τῶν νηστειῶν λέγει· Ὅσοι κατηχούμενοι и т. д. Εὐχὴ· Ἐπίφανον, Δέσποτα, τὸ πρόσωπόν σου... p. 165. Ὅσοι πρὸς τὸ φῶτισμα προσέλθετε... ἔτι καὶ ἔτι οἱ κλίνοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ πιστῶν α'. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰνετός... p. 166. Εὐχὴ πιστῶν β'. Δέσποτα ἅγιε, ὑπεράγαθε, δυσωποῦμέν σε... Ibid. Ἐκφώνως· Κατὰ τὴν δωρεάν τοῦ Χριστοῦ σου... Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Ὑπὲρ τῶν προτεθέντων. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ ἅγια δῶρα· Ὁ τῶν ἀρρήτων καὶ ἀθεάτων μυστηρίων Θεός... Ibid. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα. Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Ὁ Θεὸς μόνος ἀγαθὸς καὶ εὐσπλαγχνος p. 167. Πρόσχε· Κύριε Ἰησοῦ... Ibid. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ μετὰ τὸ πάντα μεταλαβεῖν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐχαριστοῦμέν σοι τῷ Σωτῆρι τῶν ὅλων Θεῷ... p. 168. Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος· Δέσποτα ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ὁ πᾶ-

σαν τὴν κτίσιν ἐν σοφίᾳ δημιουργήσας... p. 168. Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ διακονικῷ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους ταύτας ἡμέρας. Goar. p. 168.

л. 24. Ἀκολουθία τοῦ λυχνικοῦ.

Первые четыре молитвы съ надписью: ἀντιφώνου πρώτου, δευτέρου и т. д., что у Goar. p. 28—29. Εὐχή ἀντιφώνου πέμπτου· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ... p. 35. Εὐχή ἀντιφώνου ἕκτου, εὐχή ἀντιφώνου ἐβδόμου тѣже, что и у Гоара на пятомъ и шестомъ мѣстахъ pag. 29. Εὐχή ἀντιφώνου ὀγδόου, πρὸ τοῦ Κύριε ἐκέκρχα· Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας p. 31. Καὶ μετὰ τὸ προκειμενον καὶ Κύριε ἐλέησον, γίνεται εὐχή ὑπὸ τοῦ ἱερέως, ἐν ᾧ φάλλεται· Ταῖς πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου. Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ φωτίσας τὴν ἡμέραν τῷ φωτὶ τῷ ἡλιακῷ... Далѣе слѣдуютъ: εὐχή ἀντιφώνου β'. ἐν ᾧ φάλλεται· Ὁ μονογενὴς Υἱός, εὐχή ἀντιφώνου γ'. τοῦ Τρισαγίου ¹⁾, εὐχή κατηγουμένων μετὰ τὸ Τριάγιον ²⁾ τοῦ λυχνικοῦ, εὐχή πιστῶν α'. ³⁾ εὐχή πιστῶν β'. ⁴⁾ εὐχή γ'. ἤγουν ἡ ἀπόλυσις ⁵⁾ и на главопреклоніе. Goar. pag. 35—37.

л. 30. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Первые шесть молитвъ въ томъ же порядкѣ, что у Гоара p. 39—40 и также надписываются, за исключеніемъ одной четвертой: εὐχή ἐωθινὴ ἀντιφώνου δ'. Седьмая: εὐχή ἐωθινὴ τοῦ πεντηχοστοῦ у Гоара считается 10, восьмая: εὐχή ἐωθινὴ η'. и у Гоара занимаетъ тоже мѣсто, девятая: εὐχή θ'. εἰς τοὺς αἶνους стоить у Гоара на двѣнадцатомъ мѣстѣ, которое здѣсь занимаетъ молитва εὐχή ι'. ἤγουν ἀπόλυσις. Одинадцатое и послѣднее мѣсто въ данной рукописи остается за молитвою на главопреклоніе Goar. p. 41—42, 44.

л. 34 об. Εὐχαὶ ὀπισθάμβωνοι τῶν ἑορτῶν. Εἰς τὴν Χριστοῦ γέννησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πρὸ πάντων αἰώνων ἀπαθῶς ἐξ ἀνάρχου Πατὴρ ἐκλάμψας, ἐπ' ἐσχάτοις δὲ τοῖς χρόνοις ἐκ Παρθένου ἀρρήτως σαρκωθείς καὶ γεννηθεὶς... Переводъ этой молитвы см. у еп. Порфирія Успенскаго. Первое путешеств. въ афон. монастыри и скиты въ 1846 г. ч. II, отд. I, Киев. 1877 г. стр. 461—462.

¹⁾ Ркп. № 959 Синаиск. библи. τοῦ λυχνικοῦ ²⁾ нѣтъ ³⁾ τοῦ λυχнικοῦ

⁴⁾ тоже ⁵⁾ тоже.

λ. 35. Εὐχή ὀπισθάμβωνος τῶν Φώτων.

Ἄφατος ἡ πρὸς ἡμᾶς σου ἀγαθότης, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι τὸν μονογενῆ σου Υἱόν, εὐδοκήσας ἐκ γυναικὸς ἀφθόνου τεχθεῖναι καὶ κατὰ πάντα ὅμοιον ἡμῖν γενέσθαι χωρὶς ἁμαρτίας καὶ βαπτισθῆναι, ὡς ἄνθρωπος δι' ἡμᾶς ὑπὸ Ἰωάννου... Переводъ см. тамъ же стр. 458.

λ. 36. Εὐχή ὀπισθάμβωνος τῆς Ὑπαπαντῆς.

Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν μονογενῆ σου Υἱόν ἐξαποστείλας εἰς τὸν κόσμον, ἵνα τοὺς ὑπὸ νόμον ἐξαγοράσῃ καὶ διὰ τοῦ Πνεύματος τὴν αὐτοῦ παρουσίαν τῷ πρεσβευτῇ Συμεὼν προευαγγελισάμενος... Переводъ см. тамъ же стр. 457.

— Εὐχή ὀπισθάμβωνος τῆς μέσης νηστίμου· Εὐλογητός εἶ, Κύριε δεδωξασμένε, ὑπερυφούμενε καὶ ἀγαθέ, ὁ τῇ θείᾳ προνοίᾳ τὸν κύκλον τοῦ ἐνιαυτοῦ διαπεράσας, ἡμᾶς δὲ τῷ λιμένει προσορμήσας τῷ γαληνῷ τούτων τῶν ἡμερῶν...

λ. 37. Εὐχή ὀπισθάμβωνος τοῦ Εὐαγγελισμοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ εὐδοκήσας τὸν μονογενῆ σου Υἱόν σαρκωθεῖναι ἐξ ἀπειρογάμου γυναικὸς καὶ ἐνανθρωπήσαι διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν... Переводъ см. тамъ же стр. 463.

Εὐχή ὀπισθάμβωνος τῷ σαββάτῳ τοῦ Λαζάρου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τετραήμερον τὸν Λάζαρον ἐκ νεκρῶν ἀναστήσας τῇ σῇ φωνῇ ἐκ τῶν τοῦ ἄδου μοχλῶν λύσας καὶ πρὸς ζωὴν ἀναγκάγων... Переводъ см. тамъ же стр. 464.

λ. 37 об. Τῇ κυριακῇ τῶν Βατῶν.

Ὑμνοῦμέν σοι τὴν ἄφατον συγκατάβασιν, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι θρόνον ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ ὑποπόδιον τὴν γῆν, κατηξίωσας οὐ μόνον ἐν φάτνῃ ἀλόγων, ὡς βρέφος ἀνακλιθεῖναι, ἀλλὰ καὶ πῶλῳ ἐπικαθεῖσθαι...

λ. 28. Τῷ μεγάλῳ σαββάτῳ.

Παντοδύναμε καὶ πολυεύσπλαγχνε Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μετὰ σταυρὸν καὶ ἐκούσιον νέκρωσιν ἐντεθεῖναι ἐν τάφῳ καὶ ὡς πλάνῳ συκοφαντηθῆναι, φρουρηθῆναι τε καὶ διὰ τούτων ὑπὸ λίθον σφραγισθῆναι καταδεξάμενος...

λ. 39. Τῇ ἀγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ.

Μονογενῆ Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ, ὁ ἀχώριστος τοῦ Πατρὸς καὶ δι' ἡμᾶς ἄτρεπτος γενόμενος ἄνθρωπος, ὁ τῷ τιμίῳ σου πάθει καταργήσας τὸν θάνατον καὶ τοὺς ἐξ Ἀδάμ ἅπαντας συναγείρας...

λ. 39 об. Εὐχή ὀπισθάμβωνος τῆς Ἀναληψίμου· Ὑψώσον ἡμῶν, Δέσποτα, πρὸς οὐρανὸν τὸ φρόνημα, τῶν ἐπὶ γῆς προσκυνούντων σου τὰ

κράτος, καὶ τὸν νοῦν ἡμῶν ὕψωσον ἀπὸ τῶν γηϊνῶν φροντίδων πρὸς ἑαυτόν. Переводъ см. тамъ же стр. 463.

λ. 40. Εὐχὴ ὀπισθὰμβωνος τῆς Πεντηκοστῆς.

Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ἡ ἐλπίς πάντων τῶν περάτων τῆς γῆς καὶ τῶν ἐν θαλάσῃ μακρᾷ, ὃ κατὰ τὴν ἡμέραν αὐτῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς τὸ μυστήριον τῆς ἁγίας Τριάδος καὶ τὴν δωρεάν τοῦ Ἁγίου Πνεύματος...

λ. 40 ὁβ. Εὐχὴ ὀπισθὰμβωνος τῆς Μεταμορφώσεως· Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἀνάγαγε ἡμᾶς εἰς τὸ τῆς ἀγάπης σου ὑπεράγιον ὄρος, ὡς τοὺς κορυφαίους σου μαθητὰς καὶ ἀποστόλους εἰς ὄρος ὑψηλὸν ἀνήγαγες, καὶ διάνοιξον ἡμῶν τοὺς νοερούς ὀφθαλμούς...

λ. 41. Εὐχὴ ὀπισθὰμβωνος τῆς Θεοτόκου.

Δέχου τοίνυν πανευμενεστάτη τίμια δῶρα Κυρίου καὶ Σοὶ μόνῃ ἀρμόζουσα παναγία Παρθένε Θεομητορ παρ' ἡμῶν τῶν ἀναξίων δούλων σου, ἡ πασῶν γενεῶν ἐνδοξότερα καὶ πάντων ὁρατῶν τε καὶ ἀοράτων δημιουργημάτων τιμιωτέρα φανείσα...

λ. 42. Εὐχὴ ὀπισθὰμβωνος εἰς τὴν Μεταμόρφωσιν τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Также молитва, что на об. 40 л. см. выше.

λ. 43. Εὐχὴ εἰς τὴν Περιτομὴν τοῦ Κυρίου καὶ εἰς τὸν ἅγιον Βασίλειον.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος, ὁ φοβερός τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός τοῖς ἔργοις, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, καὶ τὴν θάλασσαν καὶ πάντα ἐν αὐτοῖς, ὁ φυλάσσων τὴν διαθήκην σου...

λ. 43 ὁβ. Εὐχὴ ὀπισθὰμβωνος εἰς ἀποστόλους καὶ εἰς προφήτας.

Ὁ ἐνδοξαζόμενος ταῖς βουλαῖς τῶν ἁγίων σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῶν ἀποστόλων τὸ καύχημα, τῶν προφητῶν τὸ ἀγαλλίαμα, τῶν μαρτύρων τὸ στήριγμα, τῶν ὁσίων ἡ χαρὰ καὶ τῆς τεκούσης ὁ στέφανος...

λ. 44. Εὐχὴ ὀπισθὰμβωνος εἰς μάρτυρας.

Ἄγιε, ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος, ὕψιστε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορών, ὁ χαρισάμενος τοῖς ἁγίοις σου μάρτυσι τὸν ἁγῶνα τὸν καλὸν ἀγωνίσασθαι...

Εὐχαὶ τῆς παννουχίδος. См. выше стр. 13—15.

λ. 47. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

Τίς Θεὸς μέγας, ὡς ὁ Θεὸς ἡμῶν. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ διάκονος· Σοφία, ὀρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου. Ἐὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Οὐσῆς ὁφίας τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ· Τέλος· ἂν τινων κρατῇτε, κεκράτηνται. Ὁ διάκονος. Εἴπωμεν πάντες... Ἐξ ὅλης ψυχῆς καὶ ἐξ ὅλης... Κύριε

παντοκράτορ... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ ἀγαθότητι... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου... Ὑπὲρ τοῦ παρόντος λαοῦ ἐν τῷ ἁγίῳ ναῷ τούτῳ καὶ ἀπεδεχομένους τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὑπὲρ τοῦ εὐδοκῆσαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὴν γονυκλισίαν ταύτην δεόμεθα. Ὑπὲρ τοῦ προσδεχθῆναι τὴν δέησιν ἡμῶν πρὸς τελείαν εὐαρέστησιν δεόμεθα. Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι ἡμῖν πλούσια τὰ ἐλέη Κυρίου τοῦ Θεοῦ ἡμῶν δεόμεθα. Ὑπὲρ τῶν κλινόντων τὰς καρδίας καὶ τὰ γόνατα δεόμεθα. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος λέγει εὐχὴν α'. Ἀχραντε, ἀμίαντε, ἀναρχε, ἀόρατε. Goar. p. 597. Молитва: Εὐλογητός εἷ, Κύριε Δέσποτα присоединяется непосредственно къ первой. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον ἡμᾶς... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ἐκφων. Σὸν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σῶζειν... Καὶ φάλλου(σι)ν στιχηρὸν ἦχος γ'. Νῦν εἰς σημεῖον τοῖς... Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τοὺς φάλτας, λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ. Εὐχὴ β'. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ἡμῶν, ὁ τὴν σὴν εἰρήνην δέδωκώς τοῖς ἀνθρώποις... p. 599. И къ этой молитвѣ непосредственно примыкаетъ молитва: „Κύριε, Κύριε, ὁ ῥυσάμενος ἡμᾶς... pag. 600. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας... Εὐδοκία καὶ χάριτι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Καὶ φάλλου(σι)ν στιχηρὸν, ἦχος γ'. Νῦν τὸ παράκλητον Πνεῦμα... Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τοὺς φάλτας, λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες... Ἡ ἀεὶ ἀνάγκη βρούσα ζωτικὴ καὶ φωτιστικὴ πηγὴ... Goar. p. 600. Непосредственно слѣдуетъ и молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος..., но лишь до словъ: μετὰ παρόρησίας δοξάσωμεν ἐπὶ πᾶσιν σὲ τὸν μόνον ἀληθινὸν φιλόνητον Θεόν. p. 601. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόνητος Θεός. Καὶ φάλλου(σι)ν στιχηρὸν, ἦχος γ'. Νῦν περιβάλλονται κράτος... Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα. Εὐχὴ δ'. Σὸν γάρ ὡς ἀληθῶς, καὶ μέγα ὄντως μυστήριον, Δέσποτα τῶν ἀπάντων καὶ ποιητά... Goar. p. 601. Конецъ: Σὺ γάρ εἷ ἡ ἀνάπαυσις τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρί... Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν εὐχὴν τῆς ἀπολύσεως τοῦ λυχνικοῦ· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανάσιαν, εἰς οἰκῶν ἀπρόσιτον... Goar. p. 602. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόνητος Θεός ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς... Goar. p. 603. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύ-

ματί σου. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται οὕτως· Ὑπεράγαθε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας τὴν ἡμέραν, καὶ δοὺς ἡμῖν ἐντροφῆσαι τῆς περὶ πάντα διοικουμένης σου σοφίας. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, πρόσδεξαι τὴν δέησιν ἡμῶν, ὡς θυμίαμα ἐνώπιόν σου καὶ μὴ ἐπιδυέτω ἐπὶ τῷ παροργισμῷ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν, ὁ τῆς δικαιοσύνης σου ἥλιος, ἀλλ' ἄνες ἡμῖν καὶ συγχώρησον πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, καὶ τῆς βασιλείας σου ἀξίους ἡμᾶς ποιήσον, ὁ ὢν εὐλογητὸς Θεὸς ἡμῶν νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

λ. 58. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡ'. ἡμέρᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθῆτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου... Goar. p. 264. Καὶ σφραγίζει αὐτῷ τὸ μέτωπον, τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος καὶ ἀπολύει.

λ. 58 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον Μωϋσέως εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν ὑπὸ Μαρίας τῆς¹⁾ ἁγίας μητρός σου, καὶ ἐν ταῖς ἀγκάλαις τοῦ δικαίου Συμεὼν δεχθεῖς²⁾, αὐξησον τὸν δοῦλόν σου τὸν δε τῇ³⁾ δυνάμει σου⁴⁾, ἵνα, τυχὼν⁴⁾ καὶ τοῦ λουτροῦ τῆς ἀφθαρσίας, γένηται τέκνον φωτὸς καὶ ἡμέρας καὶ τυχὼν τῆς μερίδος καὶ τοῦ κλήρου τῶν ἐκλεκτῶν σου, κοινωνὸς γένηται καὶ τοῦ τιμίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου, φυλαττόμενος σὺν ἡμῖν τῇ χάριτι τῆς ἁγίας καὶ ὁμοουσίου καὶ ἀδιαιρέτου Τριάδος⁵⁾ εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ καὶ παναγίου καὶ ζωοποιοῦ Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ... Срав. Прилож. къ „Богосл. въ русск. Церкви въ XVI в.“ ч. I, стр. 19.

λ. 59. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοούμενον.

Начало чина см. Прилож. стр. 9—10. Послѣ молитвы: Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ или вѣрнѣе: Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν ἀποδουμένου καὶ ἀπολυομένου τοῦ βαπτιζομένου, ἀποστρέφει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἐπὶ δυσμᾶς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντας, καὶ λέγει· Ὡς λέγω, λέγετε· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ, καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ, καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ, καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ, καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ. Ταῦτα λέγει ὁ ἱερεὺς ἐκ τρίτου, ἀποκρινομένων τῶν συνόντων αὐτῷ, καὶ μετὰ τοῦτο πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Ἀπεταξάμην. Καὶ ὅτε εἴπη

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. 1153 г. № 973 τῆς ἀρχάντου ²⁾ εἰσδεχθεῖς καὶ ἐν τῷ ναῷ εἰσελθὼν ³⁾ нѣтъ — τῇ δυνάμει σου ⁴⁾ приобавлено: τῆς μερίδος τοῦ κλήρου τῶν ἁγίων, κοινωνὸς ⁵⁾ Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα...

γ'. λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐμφύσησον αὐτῷ. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Στραφεῖτε ἐπὶ ἀνατολὰς κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντες καὶ λέγοντες· Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεὸν Πατέρα παντοκράτορα ἕως τέλους. Ἀποκρινομένων τῶν κατηχουμένων ἢ τοῦ ἀναδόχου αὐτοῦ καὶ ὅταν εἴπουν αὐτὸ γ'. ἐρωτᾷ αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς γ'. Συνετάξασθε τῷ Χριστῷ. Καὶ ἀποκρίνονται· Συνεταξόμεθα. Καὶ λέγει αὐτοῖς· Προσκυνήσατε αὐτῷ. Καὶ πάντων προσκυνούντων, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου τόνδε πρὸς τὸ ἅγιόν σου φῶτισμα... p. 281.

Εὐχή τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, γινομένη ἐν τῷ βαπτιστηρίῳ.

Λαβόντος τοῦ ἱερέως θυμιατήριον θυμιά, καὶ μετὰ τὸ θυμιάσαι γίνεται εὐχή ὑπὸ τοῦ διακόνου οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ προσερχομένου πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτῷ τὴν κολυμβήθραν ταύτην λουτρὸν παλιγγενεσίας τῆς ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν καὶ τοῦ ἐνδύματος τῆς ἀφθαρσίας τοῦ Κυρίου. Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ σύμφυτον καὶ κοινωνόν τοῦ θανάτου καὶ τῆς ἀναστάσεως Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ. Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὸν ὕψος φωτός καί... Ὑπὲρ τοῦ συγκαταριθμηθῆναι αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι αὐτῷ τὴν στολήν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας... Τούτων δὲ λεγομένων, εὐχεται ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτὸν ταύτῃ· Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ ἐλεῆμων Θεός...p. 288. Εὐχή ἄλλη τοῦ ἁγίου βαπτίσματος· Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... p. 288. Окопчаніе см. въ ркн. № 958 стр. 2—3, примм.

λ. 69. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς θείας κολυμβήθρας τὴν οὐράνιον ἔλλαμψιν τοὺς φωτιζομένους παρέχων παντὸς ῥύπου ἁμαρτιῶν ἀμόλυντον διατήρησον καὶ τὴν πνευματικὴν σφραγίδα ἐν τῇ φοβερᾷ ἡμέρᾳ τῆς κρίσεώς σου, ἀνεξάλειπτον διαφυλάξον ἔλεος αὐτοῖς καὶ ἡμῖν γενόμενος κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰκτιρμῶν σου. Ὅτι ὑψόληται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον.

λ. 69 об. Εὐχή εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὅτι εἰκόνι σου τιμήσας... Goar. p. 306. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Σέ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν... p. 307..

λ. 70 об. Εἰς τὴν εὐλόγησιν τῶν ὑδάτων τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Ἀπερχόμενοι ἐν τῇ φιάλῃ φάλλου(σι)ν τροπάριον, ἡχος πλ. δ'. Φωνὴ Κυρίου... καὶ εὐθὺς ὁ διάκων ἄρχεται· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν

καὶ τὰ ἐξῆς ἕως Ἑπὲρ πλεόντων, καὶ ἐπισυνάπτει τὰδε· Ἑπὲρ τοῦ ἐξ ὕψους ἐλέους καὶ σωτηρίου τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Ἑπὲρ τοῦ εἰσχωῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τῆς δεήσεως ἡμῶν. Ἑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα... Ἑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτοῖς ἐξ ἁγίων ὕψωμάτων τὴν χάριν καὶ τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου. Ἑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ ἀποτρόπαιον καὶ καθαρτήριον πάσης ἐνεργείας καὶ ἐπιβουλῆς ὁρατῶν καὶ ἀοράτων ἐχθρῶν τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πᾶσι τοῖς χρωμένοις ἐξ αὐτῶν καὶ μεταλαμβάνουσιν εἰς καθαρισμόν μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος τοῦ Κυρίου. Ἑπὲρ τοῦ ἐπιφανῆναι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τῷ προσώπῳ αὐτοῦ καὶ ἀνακαινῆσαι, καὶ εὐλογῆσαι, καὶ ἁγιάσαι τὰ ὕδατα ταῦτα. Ἑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι αὐτοῖς τὴν καθαρτικὴν τῆς.. Ἑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Τούτων δὲ ὑπὸ τοῦ διακόνου λεγομένων, ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτὸν εὐχεται· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱὸς Goar. p. 368. Ζῆτει ἀπόστολον καὶ εὐαγγέλιον. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν διάκονα· Τῆς παναγίας..., ὁ ἱερεὺς οὐκ ἐκφωνεῖ, ἀλλ' ἄρχεται μετὰ φωνῆς λέγει· Δοξάζομέν σε, Δέσποτα πανάγιε, παντοκράτορ, προαιώνιε βασιλεῦ, ἐν γὰρ τῇ προλαβούσῃ ἑορτῇ νῆπιόν σε εἶδομεν ὄντα, ἐν δὲ ταύτῃ τῇ ἑορτῇ τέλειόν σε ὀρώμεν ὄντα, τὸν ἐκ τελείου τέλειον καὶ ἐπιφανέντα ἡμῖν. Σήμερον γὰρ ὁ τῆς ἑορτῆς ἐπέστη ἡμῖν καιρὸς... Goar. p. 309. Μέγας εἴ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... Ibid. p. 370. Ἄλλη εὐχὴ τῶν Φώτων· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωυσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκύτατα μεταποιήσας... Ркп. № 8 Св.-гроб. библ. л. 22 Εἰρήνη πᾶσι. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ λαός· Σοὶ Κύριε. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου. Goar. p. 371. Καὶ φωτίζει ὁ ἱερεὺς τοὺς ζωποιοὺς σταυρούς, φάλλων σὺν τῷ λαῷ τροπάριον, ἥχος α'. Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτιζομένου... Ἄλλο, ἥχος πλ. δ'. Ἐτρεμεν ἡ χεὶρ τοῦ Βαπτιστοῦ, ὅταν ἐβαπτίζετο ὁ Ἰησοῦς (Υἱός) τοῦ Θεοῦ, Ἰωάννης ἔτρεμεν, Ἰορδάνης ἔφευγεν, ἡ θάλασσα ἐβόα, λέγουσα· ὁ μετρίσας με Θεὸς σήμερον βαπτίζεται. Καὶ εἰσέρχονται ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, φάλλοντες τὰ τροπάρια καὶ ἀπολύει. Μετὰ τὸ ἐκφωνεῖν τὸν ἱερέα λέγει· Σοφία, καὶ εὐθὺς αἱ προφητεῖαι, εἰδ' οὕτως λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν, Σοφία, προκείμενον· Ἰδοσάν σε ὕδατα, στίχος· Ἡ θάλασσα ἶδε καὶ ἔφυγεν. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον Goar. p. 367. Καὶ λέγει τὰς εὐχὰς μέχρι τέλους καὶ ἀπολύει.

л. 77 об. Канὼν ἐκκλησιαστικός, ἡκριβωμένος εἰς μνήστρα.

Ἰστα(ν)ται ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ ἱερατείῳ, οἱ δὲ ἀρμαζόμενοι πρὸ τῶν θυρῶν

τοῦ θυσιαστηρίου. Λαμβάνων ὁ ἱερεὺς δακτυλίδιον ἐκ τοῦ νεωτέρου, τίθησιν αὐτὸ ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ ὁ διάκονος ἐγγὺς τοῦ πρεσβυτέρου ποιεῖ εὐχὴν οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ καὶ τὰ ἐξῆς. Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων ἀλλήλοις καὶ τῆς σωτηρίας αὐτοῦ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦ δε καὶ τῆς δε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ ἀγάπης καὶ σωτηρίας τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας. Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τὴν διακόνου (εὐχὴν), λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ τὰ διηρημένα... Goar. p. 311. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος ἑαυτῷ ἐκκλησίαν p. 311. Εἴθ' οὕτως λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ δακτυλίδιον ἐκ τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ ἐπιδίδει τῷ νεωτέρῳ, καὶ ὁ νεώτερος ἐπιδίδει τῷ κορασίῳ καὶ φιλεῖ τὴν κεφαλὴν αὐτῆς, κακεῖνη φιλεῖ τὴν δεξιὰν χεῖρα τοῦ νεωτέρου. Καὶ λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν, καὶ ὁ ἱερεὺς ὑψοῖ τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγει· Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ μετὰ τὸ λαβεῖν αὐτούς, λέγει ὁ διάκονος· Ὅρθοι οἱ μεταλαβόντες τῶν θείων καὶ ἀχράντων... Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν τοῦ πρεσβυτέρου καὶ τὰ σφραγίζει αὐτοὺς καὶ ἀπολύει.

λ. 78 οδ. Κανὼν ἐκκλησιαστικός εἰς γάμον.

Ἰστανται ὁ πρεσβύτερος καὶ ὁ διάκονος ἕσθθεν τοῦ ἱερατείου καὶ τίθενται τὰ στέφανα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ καὶ τὸ ἅγιον ποτήριον τῆς θείας κοινωνίας, καὶ οἱ μέλλοντες εὐλογεῖσθαι πρὸ τῶν θυρῶν τοῦ ἱερατείου, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν καὶ τὰ λοιπά. Ὑπὲρ τῶν νυνὶ συναπτομένων, πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβιώσεως τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς τὸν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦ δε καὶ τῆς δε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι... Ὑπὲρ τῶν δούλων... (эти два прошения повторяются в рукописи). Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον γάμον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην καὶ καρπὸν τέκνων συμφέρον τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χριζόντων... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον.. Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. p. 317. Καὶ πάλιν εὐχεται· Ὁ Θεὸς τοῦ οὐρανοῦ, ὁ Θεὸς τῶν φώτων τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ τὸν οὐρανὸν κρεμάσας καὶ τὰ ὕψη στερεώσας καὶ τὴν γλοηφόρον γῆν ἄν-

θεσι κατακοσμήσας καὶ τὰς ὁμβροτόκους πηγὰς ποιησάμενος, καὶ τοὺς βλαστοφόρους ποταμοὺς διωδεύσας, καὶ τῷ ὑψηλῷ σου βραχίονι πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ εἶπας Δέσποτα· σὺ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐπὶ τῆς γῆς, ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθόν κατ' αὐτόν διὰ τὸ ἀρέσαι τῇ σῇ μεγαλειότητι καὶ μεγαλοπρεπείᾳ καθ' ὅτι οὐκ ἔλειπε χρεῖας διάπλασις, ἀλλ' ἐκ τῆς σαρκὸς σάρξ καὶ ἐκ τῶν ὀστέων ὀστᾶ, ἵνα αὐτῆς τῆς συγγενείας πόθῳ συμπλέκονται· ἐν τούτῳ γὰρ καταλείπει ἄνθρωπος τὸν πατέρα καὶ τὴν μητέρα αὐτοῦ καὶ προσκολληθήσεται τῇ ἰδίᾳ γυναικί, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν. Ὅτε παρεγένετο Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, τότε Μιχαὴλ τὰ νυμφικὰ ὑπὲρέπιζεν, ὁ δὲ Γαβριὴλ ταῖς συζυγίαις στέφανα ἐπλεκεν, οἱ ἄγγελοι ἔχαιρον, στρατιαὶ τῶν ἀγγέλων πρὸς εὐφημίαν συνέτρεχον, ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη ἀκτινοφόροι παρίστανται, χοροὶ τῶν ἀγγέλων λαμπαδηφόροι παρίστανται, ὁ ἄηρ ἐστιλβοῦτο ἐπὶ τῇ εὐτρεπίσει τοῦ γάμου, ὅταν τα πετεινὰ χαρμονεῖ, τὰ ζῶα εἰς συνάντησιν τοῦ γάμου συνέτρεχον, τὰ δένδρα λυγίζόμενα τοῖς κλαῖοις κατεσειοῦν, ἡ θάλασσα καὶ πᾶσα κτίσις ἐφαιδρύνετο, τὸ Πνεῦμα τὸ Ἅγιον ἐνυμφαγῶγει, ὁ Πατὴρ τῶν ἀπάντων ἐπευλόγει, τότε τῶν ἀχωρήτων χοροὶ ἐπισυνάγονται, τότε ὁ ἕτερος τῇ ἐτέρᾳ ἔλεγε· διὰ σοῦ ὁ οὐρανὸς καὶ διὰ σοῦ σωτηρία δι' ἀχράντου σου χειρός, τότε ὁ Πλάστης τὸν ἄνθρωπον ἠύλογει· εὐλογηθεὶς καὶ σύ, νυμφίε, ὡς ὁ Ἀβραάμ, δοξασθεὶς ὡς ὁ Ἰακώβ, δώη σοι Κύριος τὴν σύνεσιν τοῦ Ἰωσήφ καὶ ἀγαπήσεις γυναῖκα, ἣν ἔδωκέ σοι Κύριος ὁ Θεός· αὕτη γὰρ ἔσται σοι γυνή, ὡς ἡ ἄμπελος ἀνθοῦσα καὶ ὡς ἡ ἐλαία καλῶς εὐθνηοῦσα, καὶ ὡς τρυγὼν ἡ μονόζυγος, καὶ ἡ περιστερά ἄμεμπτος, εὐλογηθεὶς καὶ σύ, νύμφη, ὡς ἡ Σάρρα, δοξασθεὶς ὡς ἡ Ρεβέκκα, πληθυνθεὶς ὡς ἡ Ῥαχήλ, δώη σοι, Κύριε, σύνεσιν τῆς Ἀσουνὲθ καὶ ἀγαπήσεις ἄνδρα, ὃν ἔδωκέ σοι Κύριος ὁ Θεός· αὐτὸς γὰρ σοι ἐστὶν ἀνὴρ, ὡς πόλις ὄχυρά καὶ τεῖχος ὄχυρόν. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ τοὺς παρανόμους, ὡς εὐλόγησας τὸν οἶκον Ὀνησιφόρου διὰ Παύλου τοῦ ἀγαπητοῦ σου, ἅμα καὶ τὸν συμπρόντα λαὸν εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν. Ἐκφώνως· Σὺ γὰρ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς εὐχεταί· Ὁ Θεὸς ὁ ἀχραντος καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευρὰν τοῦ πρωτοπλάστου Ἀδὰμ εἰς γυναῖκα μεταμορφώσας καὶ εὐλόγησας εἰπών· Αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, καὶ ἀμφοτέρους αὐτοὺς εἰς ἓν μέλος ἀναδείξας διὰ τῆς συζυγίας· ὁ τὸν θεράποντά σου Ἀβραάμ εὐλόγησας, καὶ διανοίξας μήτραν Σάρρας, καὶ πατέρα πλήθους ἐθνῶν καὶ ἀναριθμήτου λαοῦ

ποιήσας, ὁ τὸν Ἰσαὰκ τῇ Ῥεβέκκα συζεύξας καὶ τὸν καρπὸν αὐτῶν εὐλογήσας, ὁ τὸν Ἰωσήφ τῇ Ἀσυνὲθ συζεύξας καὶ καρπὸν αὐτοῖς τὸν Ἐφραίμ καὶ τὸν Μανασσὴν χαρισάμενος, οἱ ἐκ τῆς ῥίζης Ἰεσσαὶ τὸ κατὰ σάρκα βλαστήσαντες, ὁ τὸν Ζαχαρίαν εὐλογήσας καὶ τὴν Ἑλισάβετ προσδεξάμενος, καὶ τούτοις Ἰωάννην τὸν Προδρόμον χαρισάμενος, ὁ ἐν τῇ μήτρᾳ τῆς ἀπειρογάμου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ ἐξ αὐτῆς σαρκωθείς καὶ τεχθεὶς εἰς σωτηρίαν ἡμῶν. Εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε, καὶ ἀξιώσον αὐτοὺς ἰδεῖν τέκνα τέκνων, ἔμπλησον τοὺς οἴκους αὐτῶν σίτου καὶ οἴνου, καὶ ἐλαίου, καὶ πάσης ἀγαθότητος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς... Ὅτι σὺ εἶ ὁ στέφανος τῶν ἁγίων καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Conf. Goar. pag. 315—316 Καὶ σφραγίζει ὁ ἱερεὺς τὰς κεφαλὰς αὐτῶν γ'. καὶ λαμβάνει τὰ στεφάνια καὶ λέγει οὕτως· Ἐθνηκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς... См. XV в. ркп. Свят.-гроб. биол. № 8 л. 49 и т. д. Καὶ στέφει ἀμφοτέρους καὶ λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δόξα καὶ τιμὴ στεφανώσας τοὺς ἁγίους σου... Ibidem. Καὶ κρατήσας ὁ ἱερεὺς τὰς δεξιὰς αὐτῶν χειρὰς παραδίδει ἀλλήλοις καὶ λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ λαός· Ἐν τῷ πνεύματί σου. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἔκτεινον τὴν χειρὰ σου καὶ εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους... Ibidem. ἐπιθεὶς ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἡ ἐλαία κατακαρπος καὶ ὡς ἡ ἄμπελος εὐθηνούσα ἐν ταῖς κλίτεσιν αὐτῆς, οἱ υἱοὶ αὐτῶν, ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλω τῆς τραπέζης αὐτῶν. Δὸς αὐτοῖς, Κύριε, ἐκ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἐκ τῆς πλότητος τῆς γῆς, ἔμπλησον τὸν οἶκον αὐτῶν ἀπὸ παντός ἀγαθοῦ· σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου καὶ πάσης ἀγαθοσύνης πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων πανευφήμων ἀποστόλων καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ἅγιον ὑπάρχεις τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... Διάκονος· Σοφία, πρόσχωμεν. Προκείμενον, ἦχος βαρύς· Δόξα καὶ τιμὴ ἐστεφάνωσας αὐτόν. Στίχος· Κύριε ὁ Κύριος ἡμῶν. ὡς θαυμαστόν. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἑβραίους· Ἀδελφοί, βασιλείαν ἀσάλευτον παραλαμβάνοντες, ἔχομεν χάριν, δι' ἧς λατρεύομεν εὐαρέστως τῷ Θεῷ. Τέλος· Ἰησοῦς Χριστὸς χθὲς καὶ σήμερον ὁ αὐτὸς καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀλληλουία, ἦχος πλ. δ'. Τὴν ἐπιθυμίαν τῆς καρδίας αὐτοῦ. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ γάμος ἐγένετο ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 318. Ὁ διάκονος· Σοφία, ὀρθοί. Ἐν εἰρήνῃ... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν, ἁγίαν καὶ τὰ ἐξῆς. Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνως· Καὶ καταξιώσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὅτι σοὺ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν σωτηριῶδι σου οἰκονομία καταξιώσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τίμιον ἀνχοεῖσαι τὸν γάμον

διὰ τῆς σῆς παρουσίας, καὶ νῦν, Δέσποτα, οὗς εὐδόκησας συναφθῆναι ἀλλήλοις ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ διαφύλαξον, καὶ ἀξιώσον αὐτοὺς ἐν γῆραϊ πίοι, ἐργαζομένους τῶν ἐντολῶν σου τὰ προσταγμάτα. Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ... Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπίᾳ... Conf. Goar. p. 318. Ὁ ἱερεὺς· Πρόσχε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξ ἁγίου κατοικητηρίου Goar. p. 65. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. Κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου. Καὶ μεταδίδει αὐτοὺς τῆς ζωοποιοῦ κοινωνίας καὶ λέγει εὐχὴν τοῦ κοινοῦ ποτηρίου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὸ ποτήριον τῶν ἁγίων ἀποστόλων εἰς ὁμόνοιαν καὶ ὁμοπιστίαν, καὶ νῦν, Κύριε, τὸ ποτήριον τοῦτο εὐλογηθῆναι παρὰ σου, εὐδόκησον τῷ δυνάμει τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος καὶ τοὺς ἐξ αὐτοῦ μεταλαμβάνοντας ὁμόνοιαν χάρισαι καὶ ἐλέους ἀξιώσον. Ὅτι ἡυλόγηται σου τὸ ὄνομα. Καὶ μετὰ τὸ ἐκφωνῆσαι ἀποδίδει πρῶτον τῷ νεωτέρῳ ἐκ τοῦ κοινοῦ ποτηρίου καὶ ἀπογεύεται, εἰδ' οὕτως ἡ νύμφη, καὶ πάλιν δίδει τῷ νεωτέρῳ, καὶ τελειοῖ τὸ ποτήριον. Καὶ μετὰ τοῦτο ἐπιδίδει ἀλλήλοις ὁ ἱερεὺς τὰς δεξιὰς αὐτῶν χεῖρας καὶ ἀπολύει ἐν εἰρήνῃ.

λ. 84. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι στέφανα ἀπὸ τὰς κεφαλὰς τῶν νεο-
νύμφων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐπρεπείας διδούς καὶ στέφανον εὐφροσύνης, ὡς ἐπάθλῳ παρθενίας τούτους κατακοσμῶν, αὐτοὺς εὐλόγη-
σον καὶ τούτους τοὺς δούλους σου κατὰ τὴν εὐλογίαν τῶν πατέρων
ἡμῶν Ἀβραάμ καὶ Ἰσαάκ καὶ Ἰακώβ, χάρισαι αὐτοῖς παιδοποιίαν ἀγα-
θὴν καὶ γῆρας τίμιον. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ διδοῖσται. См. ркп. XIII в.
№ 189 библ. лавр. Аѳанасія.

λ. 84 об. Εὐχὴ εἰς τὸ λῦσαι στέφανα.

Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου, καὶ στερεώσας τὴν
οἰκουμένην, καὶ κατακοσμήσας καὶ στεφανώσας πάντα τὰ πεποιημένα
ὑπ' αὐτοῦ, αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους, διαλύοντας
κατ' αὐτὸν ἐγειρομένας τοῦ διαβόλου πανουργίας ἐπιβλαβεῖς ἐπὶ τῇ
λύσει στεφάνων αὐτῶν, παράσχου αὐτοῖς τὴν εὐλογίαν σου ἐν τέκνων
αὔξησει καὶ προκοπῇ βίου καὶ ἐκπληρώσει τῶν προσταγμάτων σου γῆ-
ρας τίμιον καὶ τέλος βίου εὐχρηστον αὐτοῖς χαριζόμενος. Ὅτι σὸν ἐστὶν
τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν...

λ. 85. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος
Goar. p. 707. Εὐχὴ ἐτέρᾳ· Δέσποτα Κύριε ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον

κατ' εἰκόνα σὴν, καὶ ὁμοίωσιν ὁ εὐδοκῆσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους Φίλιππον καὶ Βαρθολομαῖον ἀδελφοὺς γενέσθαι οὐ δεσμουμένους φύσεως νόμῳ, ἀλλὰ Πνεύματος Ἁγίου καὶ πίστεως τρόπῳ, ὁ εὐδοκῆσας τοὺς ἁγίους σου μάρτυρας Σέργιον καὶ Βάκχον ἀδελφοὺς καταξίωσας κληθῆναι. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τούτους τοὺς δούλους σου ὁ δεῖνα τοὺς δεσμῷ πνευματικῷ ἑαυτοὺς δείσαντας οὐ νόμῳ φύσεως, ἀλλὰ πίστεως καὶ ἀγάπης τρόπῳ, δὸς αὐτοὺς ἀγαπᾶν ἀλλήλους ἀσκανδαλίστως πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, διαφύλαξον αὐτοὺς ἀπὸ πάσης δαιμονικῆς ἐπειρίας, ἵνα καὶ δι' αὐτῶν δοξάζεται τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

λ. 85 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 267 διὰ τὴν ἄφιξιν τῶν τεσσαράκοντα ἡμερῶν αὐτῆς καταξιουμένη διὰ τῶν τιμίων εὐχῶν τοῦ πρεσβυτερίου τοῦ γενέσθαι αὐτὴν ἁγίου ναοῦ κατοικητήριον. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς.

λ. 86. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι παιδίον ἀπὸ ἐκκλησίαν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἡγαπημένου σου παιδὸς Ἰησοῦ... Goar. p. 561.

λ. 86 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν βραδέως κοινωνούντων.

Δέσποτα Κύριε, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ γινώσκων τὰ αὐτῷ ἐκ διαβολικῆς ἐνεργείας καὶ συμπλοκῆς προσγίνονται, τῆς φύσεως προφανῶς χρείαις ἐξυπηρετούμενος, αὐτὸς Δέσποτα, καὶ τὸν δοῦλόν σου τόν δε τὸν βιωτικαῖς συμπλοκαῖς συμποδισθέντα καὶ χρονησαντα τῆς τοῦ ἁγίου σώματος μεταλήψεως, πρόσδεξαι τὸν δοῦλόν σου δουλοπρεπῶς σοι προσπίπτοντα, ὡς τὸν τελώνην καὶ ὡς τὴν πόρνην δακρύουσαν, καὶ ὡς ἐκεῖνοι ἔτυχον συγχωρήσεως καὶ ἀφέσεως, καὶ τὸν νῦν κλίνοντα ἄνες, ἄφες, συγχώρησον καὶ καταξίωσον ἀκατακρίτως μετασχεῖν τῶν θείων σου μυστηρίων χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς...

λ. 87. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκλεῖσαι ἔγκλειστον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἀγαθῶν χορηγὸς καὶ τῆς ἐναρέτου πολιτείας φυτουργὸς καὶ φυλάξον καὶ τὸν δοῦλόν σου τόν δε ἐν τῷ κελλίῳ τούτῳ, ὃ ἐξελέξατο εἰς κατοικίαν ἑαυτοῦ, ἔνδυσον αὐτὸν τὸ φῶς τῆς ἀγιοσύνης σου, καὶ τὴν στολὴν τῆς σωφροσύνης σου, ἵνα μεριμνᾷ τὰ τοῦ Κυρίου πῶς ἀρέσει τῷ ἑαυτοῦ Δεσπότῃ καὶ ἀξιωθῇ τῆς αἰωνίου σου ζωῆς τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὸν οὐράνιον νυμφῶνα ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν.

Εὐχὴ εἰς φρέαρ νέον, μέλλον ὀρύσσεσθαι.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ πανάγαθον καὶ πανάγιον Πνεῦμα κατ' ἄρχας ἐφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕδατος καὶ τὴν φύσιν αὐτοῦ εὐλόγησας, καὶ ἐν αὐτῷ τὴν τῶν ἀνθρώπων φύσιν ἀποκαθάρας τῆς ἐν Ἰορδάνῃ ἐπιφανείας σου, ὁ εὐλόγησας τὴν πηγὴν τοῦ Σιλωάμ, εὐλόγησον καὶ τὸ νεωστὶ ὀρυχθὲν φρέαρ ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, καὶ ποιήσον αὐτὸ ἀγιασμοῦ δῶρον, νοσημάτων ἀλεξητήριον, πηγὴν ἀφθαρσίας πᾶσι τοῖς χριστομένοις πίστει καὶ μεταλαμβάνουσιν ἐξ αὐτοῦ, φυγάδουσιν ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν φαντασίαν δαιμονιώδη, ἐπὶ βλάβῃ ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν παντοίων καὶ τετραπόδων προσγινομένην, ἐν τῇ σφραγίδι τοῦ Ἀγίου σου Πνεύματος, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ εὐχαριστοῦντες δοξάσωμεν τὸ παντοδύναμον ὄνομά σου, τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεί.

λ. 37 οβ. Εὐχὴ ἀποδημούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ συνωδεύσας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ καὶ συζηεντεύσας τῷ δούλῳ σου Ἰωσήφ, συνόδουσιν καὶ τὸν δούλόν σου τόνδε, Δέσποτα, καὶ ῥῦσαι αὐτὸν ἀπὸ πειρατηρίων καὶ ληστηρίων καὶ πάσης χειμασίας, ἐν εἰρήνῃ καὶ εὐρωστίᾳ ἀποκατάστησον, δικαιοσύνης πάσης πρόνοιαν ποιούμενον κατὰ τὰς ἐντολάς σου, καὶ πληρωτὴν τῶν βιωτικῶν καὶ ἐπουρανίων σου ἀγαθῶν γενόμενον, πάλιν ἐπικνεληεῖν εὐδόκησον. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς.

λ. 88. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων ἄφεσιν ἀμαρτιῶν δωρησάμενος... Goar. p. 537.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναί σοι ἐκκλησίαν... p. 485.

λ. 88 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τοὺς ἀνθρώπους, τοὺς οὐρανούς ἐν συνέσει... p. 483.

λ. 89. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὸν πρὸς σὲ ζῆλον ἐπικούσας Ἥλιοῦ τοῦ προφήτου... Goar. p. 613.

λ. 89 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρίστου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπουράνιος καὶ ζωοποιὸς ἄρτος καὶ ἀληθινὴ τροφὴ τοῦ παντὸς κόσμου.. Goar. p. 569.

Εὐχολόγιον τ. II.

— Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβίδ... Goar. p. 536.

π. 90. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ τὸν τυραννήσαντα διάβολον. Goar. p. 584.

π. 90 οβ. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

Χρὴ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον παρὰ χεῖρα ρίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἀγγεῖον πλυνέσθω καθαρῶς ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν. Ἐπαίρει ἐφημέριος ὁ ἱερεὺς θυμιατὸν καὶ κηρὸς ἄπτοντας καὶ θυμιατὸν ἀγγεῖον γυρόθεν, εἴθ' οὕτως καινοῖ ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς τρίτον εἰς τὸ πλυθὲν ἀγγεῖον, καὶ εἴθ' οὕτως μεταβλίσκεται τὸ μανθὲν εἶδος εἰς τὸ πλυθὲν ἀγγεῖον καὶ θυμιάσεως γενομένης ὁ ἱερεὺς εὐχεται. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ ἀνεκδιηγήτῳ ἀγαθωσύνη... Goar. p. 479. Καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν εὐχὴν ἐπικαινοῖ εἰς τὸ μεταβληθὲν εἶδος ἐκ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς γ'. καὶ οὕτως ἀπογεύεται ἐξ αὐτοῦ πρῶτον ὁ ἱερεὺς καὶ μετὰ τοῦτο πᾶς ὁ παρὼν ὄχλος. Εἰ δὲ συμβῇ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον χρονίσει ἐν τῷ ἀγγεῖῳ καὶ σαπῆναι, ἐκχέσθω ἔξω τοῦτο καὶ μὴδὲν τὸ σύνολον ἀπογεύεσθαι τινά.

π. 91 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων σου Πέτρῳ Goar. p. 535.

π. 92. Εὐχὴ ἐπὶ μιαινομένων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινά ἐφορῶν Goar. p. 534.

π. 92 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ φρέατος μισθέντος.

Χρὴ πρῶτον ἀντλήσαι ἐξ αὐτοῦ κάδους μ'. καὶ τότε ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ θυμιατοῦ καὶ κηρῶν ἀπτόντων καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ δι' ὀπτασίας καὶ φωνῆς νομοθετήσας τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ Πέτρῳ μὴδὲν κοινὸν ἢ ἀκάθαρτον ἡγεῖσθαι τῶν παρὰ σοῦ δημιουργηθέντων εἰς ἀπόλαυσιν τῶν ἀνθρώπων, ὁ καὶ διὰ τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς Παύλου πάντα καθάρὰ τοῖς καθαροῖς κηρύσσας, προηγουμένως δὲ καὶ διὰ Μωϋσέως τοῦ θεράποντός σου θεσπίσας, ὅτι πᾶν ἀκάθαρτον ἐμπίπτον εἰς πηγὰς ὑδάτων καὶ λάκκους, εἰς συναγωγὰς ὑδάτων καθαρὰ εἶναι τὰ τούτων ρεῖθρα. Αὐτὸς καὶ νῦν ἐπίδε ἐκ τῶν ἁγίων σου ὑψωμάτων ἐπὶ τὴν δέησιν τῶν δούλων σου καὶ εὐλόγησον τὸ σύστημα τῶν ὑδάτων τούτων, καὶ καθάρισον

αὐτὸ ἐκ τῶν ἐπιπιπτόντων εἰς αὐτὸ ἀκαθάρτων, καὶ τὴν κηλῖδα τῶν ψυχῶν ἡμῶν καθάρισον, μεταλαμβάνειν ἐκ τοῦ πώματος αὐτοῦ, ὡς ποιητῆς καὶ δεσπότης καὶ δημιουργὸς τῶν πάντων καὶ σοὶ δόξα καὶ ἀνάπαυσις.

л. 93. Εὐχὴ ἐπὶ σκεύους μισθέν(τος).

Δέσποτα Κύριε καρδιογνώστα... ркн. XV в. Свят.-гроб. библ. № 8 л. 50.

л. 93 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἄρρώστου См. выше стр. 5.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἄρρώστου.

Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ἰώμενος τὰ συντρίμματα τῶν ψυχῶν Goar. p. 335.

л. 94. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτῶντος.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκὸς Goar. p. 424.

л. 94 об. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων ἁγίου.

Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, καὶ τὴν θάλασσαν, καὶ πάντα ἐν αὐτοῖς, ὁ εὐλόγησας τοὺς πέντε ἄρτους καὶ πεντάκις χιλίους χορτάσας· αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς καρποὺς τούτους καὶ τοὺς μεταλαμβάνοντας ἐξ αὐτῶν ἐπὶ ὑγείᾳ καὶ σωτηρίᾳ τῶν ψυχῶν καὶ σωμάτων αὐτῶν, καὶ τοὺς προσερχόντας μισθὸν οὐράνιον παράσχου πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ τοῦ ἁγίου τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ηὐλόγηται.

— Εὐχὴ εἰς ἀρχὴν σπόρων.

Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς πάντων... Goar p. 557. Молитва не окончена, по отсутствию нѣсколькихъ листовъ.

л. 95. Чтенія апостольскія и евангельскія на день мучениковъ, умершихъ, въ недѣлю и на Пасху.

л. 100. Εὐαγγέλιον ἐωθινὰ ια'.

л. 100 об. Εὐχαὶ τῶν ἀντιφώνων τῶν ὥρων.

Εὐχὴ ἀντιφώνου πρώτου ὥρας πρώτης· Ὁ ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγαγὼν ἡμᾶς ἐν εἰρήνῃ τὴν νύκτα καὶ ἀναγαγὼν ἡμᾶς εἰς τὴν ἀρχὴν τῆς ἡμέρας ἀποδοῦναι σοὶ τὰς εὐχὰς ἡμῶν, παράσχου ἡμῖν νίκην κατὰ τῶν ἀντικειμένων πνευμάτων τῆς πονηρίας. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. ὥρας α'. Ἀκουστὸν ποιήσον ἡμῖν τὸ πρῶτ' ἐλεός σου, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι πρὸς σέ προσευξόμεθα, Κύριε, τὸ πρῶτ' εἰσακούσει τῆς δεήσεως ἡμῶν, τὸ πρῶτ' παρα-

στησόμεθα καὶ ἐπόψει ἡμᾶς, ὅτι ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαί σοι καὶ ἀναγγέλειν τὸ πρῶτ' τὸ ἔλεός σου, πληρῶσον οὖν τὸ στόμα ἡμῶν αἰνέσεως, ὅπως ὑμνήσωμεν τὴν δόξαν σου ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν μεγαλοπρέπειάν σου, καὶ ἐμπλησον ἡμᾶς τὸ πρῶτ' τὸ ἔλεός σου καὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν, κατεύθυνον κατὰ τὸ θέλημά σου καὶ φύλαξον ἡμᾶς εἰς τὸν φόβον σου. Διὰ τῶν οἰκτιρμῶν... Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Ὡρας α'. Ὁ φῶς τὸ ἀληθινόν τὸ γεννηθὲν ἐκ τοῦ Πατρὸς τῶν φώτων, ἐκ Θεοῦ ἀληθινοῦ, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φωτίζων πάντα ἄνθρωπον, ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον, φωτίσον τοὺς ὀφθαλμοὺς τῶν διανοιῶν ἡμῶν εἰς τὸ ἀκαταπαύστως κατ' ἀξίαν δοξάζειν σε σὺν τῷ ἀθανάτῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ. Ὅτι σὺ εἶ τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως ὥρας πρώτης· Τριάς ἀναρχε καὶ ὁμοούσιε καὶ σύνορθονε καὶ συναΐδιε, δι' οὗ τὰ πάντα συνέστηκε τά τε ἐν τῷ οὐρανῷ καὶ ἐπὶ τῆς γῆς, καὶ τὰ ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν πάσῃ τῇ κτίσει σου, Σὲ πᾶσα πνοὴ καὶ κτίσις δοξάζει τὸν τῶν ὅλων ὄντα Θεόν, πρόσδεξαι καὶ ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν τὴν δέησιν τῇ ἐν τῇ πρώτῃ ὥρᾳ προσφερομένην σοι, καὶ ἀντικατάπεμψον ἡμῖν πλοῦσια τὰ ἐλέη σου καὶ τοὺς οἰκτιρμοὺς σου πρεσβείαις καὶ ἱκεσίαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου πρωτομάρτυρος Στεφάνου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ἐκφώνως· Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν καὶ διαμένει σου ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς... Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνην πάσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχεται ὁ ἱερεὺς οὕτως· Ὁ εὐλόγος καὶ ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ἡμῶν, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν τῆς δεήσεως, καὶ εὐλόγησον ἡμᾶς τοὺς κλίνοντας τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς εὐλογία πνευματικῇ καὶ ἀναφαιρέτῳ. Ἐκφώνως· Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδοξασται... Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸ ἀπρόσιτον φῶς ὁ καταξιώσας ἡμᾶς ἐλθεῖν πρὸς τὰς ἀρχὰς τῆς ἡμέρας, ἀνάτειλον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν τὸν τῆς δικαιοσύνης σου ἥλιον, φωταγωγοῦντα ἡμᾶς τὴν ὁδὸν τὸν ἐντολῶν σου πορευθῆναι νῦν καὶ ἀεὶ...

Εὐχὴ ἀντιφώνου πρώτου ὥρας γ'. Ὁ Θεός, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ ἐλθεῖν, ἐν ᾗ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἐξέχεας ἐπὶ τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους ἐν εἰδῇ γλωσσῶν πυρίνων, διαμερίζων αὐτοὺς τὴν δωρεάν καὶ τὴν χάριν σου. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα προσκυνητέ, παράσχου καὶ ἡμῖν τὴν αὐτὴν εὐλογίαν, ἵνα καὶ ἡμεῖς, διὰ ψαλμῶν καὶ ὕμνων καὶ ᾠδῶν πνευματικῶν ἐξιλεούμενοι σε τὸν εὐσπλαγχνόν Δεσπότην, τύχωμεν τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν

Ὅτι ἡολόγηται καὶ δεδοξασται. Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. ὥρας γ'. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῆς τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος χάριτος τῇ τρίτῃ ὥρᾳ ἐμπλήσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους, ἀπόσμηξεν πάντα σπῆλον καὶ ῥυτίδα ἀπὸ τῶν διανοιῶν ἡμῶν, ὅπως, ἐν καθαρῷ συνειδότε προσερχόμενοι τῷ φοβερῷ ὀνόματί σου, ἀπολαύσωμεν τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν. Διὰ τῶν οἰκτιρμῶν. Ἀντιφώνου γ'. ὥρας γ'. Ὁ Θεός, ὁ τὴν ὑπερκόσμιον κτίσας δύναμιν πρὸς ἀένναόν σου δοξολογίαν καὶ τοὺς ἀνθρώπους θελήσας κατὰ δύναμιν πρὸς τὸ οἰκεῖον συμφέρον προσφέρειν σοι δεήσεις καὶ ἰκεσίας ὑπὲρ τῶν ἰδίων ἁμαρτημάτων καὶ εὐχαριστεῖν σοι τῶν εὐεργεσιῶν χάριν, ὧν ἐποίησας εἰς ἡμᾶς, πρόσδεξαι καὶ τὰς κατὰ τὴν παροῦσαν ὥραν ἀναφερομένας σοι παρ' ἡμῶν προσευχὰς καὶ παράσχου ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα. Ἐκφώνως. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία. Εὐχὴ γ'. ἤγουν ἀπολύσεως ὥρας γ'. Ὁ Θεός, ὁ τῇ σῇ εἰκόνι τιμήσας ἡμᾶς καὶ αὐτεξουσίῳ περιβλῶν θελήματι, λύτρωσαι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, περιεχούσης ἡμᾶς, ἐν πίστει καὶ ἀγάπῃ διατηρῶν ἡμᾶς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν, προκύπτοντας ἐν ταῖς ἐντολαῖς σου διαπαντός. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εὐχὴ τῆς κεφαλολογίας. Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς προσευχῆς ἡμῶν καὶ πάντας τοὺς ὑποκεκληκότες σοι τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς, εὐλόγησον, ἁγιάσον χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Πανάγιε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατὰ τὴν παροῦσαν ὥραν τὸν Παράκλητόν σου καὶ Ἅγιον Πνεῦμα τοῖς ἁγίοις σου ἐκπέμφας ἀποστόλοις καὶ ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους δούλους σου πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, τῆς αὐτῆς σου δωρεᾶς καὶ χάριτος μετόχους ἀνάδειξον, ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ διατήρησον τὴν ζωὴν ἡμῶν νῦν καὶ αἰεῖ.

Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. ὥρας ς'. Ἄγιε Δέσποτα ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατὰ τὴν παροῦσαν ὥραν ἐν τῷ προσκυνητῷ σου σταυρῷ τὰς ἀχράντους σου χεῖρας ἐκτείνας καὶ τὸ τῶν ἡμετέρων ἁμαρτιῶν ἐν αὐτῷ προσηλώσας καὶ ἐξαλείψας χειρόγραφον, ἄφες ἡμῖν καὶ νῦν πᾶν ἁμαρτημάτων ὕψλημα καὶ πάσης τῆς ἐξ ἔργων καὶ ἐνθυμήσεων πονηρῶν κατακρίσεως ἐλευθέρους ἡμᾶς ἀνάδειξον, ἵνα ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ τὴν ὀφειλομένην σοι δοξολογίαν ἐν παντὶ καιρῷ προσφέρωμεν. Ὅτι πρέπει σοι... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. ὥρας ς'. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ (διὰ) τοῦ κορυφαίου τῶν ἀποστόλων σου Πέτρου ὑποδείξας ἡμῖν προσεύχεσθαι, καὶ κατὰ τῶν καιρῶν τῆς ἑκτης ὥρας ἐπίβλεψον ἐφ' ἡμᾶς τοὺς ἀχρεῖους καὶ ἀναξίους δούλους σου καὶ ῥῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ παντὸς συμπτώματος καὶ δαιμονίου μεσημβρινοῦ, καὶ διατήρησον ἡμᾶς τὸ ὑπόλοιπον τῆς ἡμέρας

ἀπὸ παντὸς κακοῦ, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. ὥρας ς'. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐρανὸν ἔχων θρόνον καὶ τὴν γῆν ὑποπόδιον, ὁ περιέχων τὰ σύμπαντα καὶ ὑπ' οὐδενὸς περιεχόμενος, μὴ ἐκκλίνης ἐν ὁργῇ ἀπὸ τῶν δούλων σου, ἀλλὰ φύλαξον ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ματαιότητος κοσμικῆς ἡμᾶς ἐπὶ τὸ σὸν θέλημα. Ὅτι ἡγί-
ασται. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως ὥρας ς'. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον, ὃν εἶδεν οὐδεὶς ἀνθρώπων, οὐδὲ ἰδεῖν δύναται, ὁ ἀνελλι-
πῆς θησαυρὸς τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν. Αὐτὸς Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὑπε-
ρασπιστὴς ἡμῶν γενοῦ τῶν ἐλπίζόντων ἐπὶ σέ καὶ σῆς ἡμᾶς ἔμπλησον θείας
καὶ προσκυνουμένης χάριτος. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εὐχὴ τῆς κεφα-
λοκλισίας. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τῶν ἁγίων σου ὑψωμάτων ἐπιβλέπων
ἐπὶ τὴν κτίσιν σου πάντας τοὺς ὑποκεκλιότας τὸν ἑαυτῶν αὐχένα τῷ
ζυγῷ τοῦ Χριστοῦ σου ἐν εἰρήνῃ καὶ πᾶσιν ἀγαθοῖς διαφύλαξον. Ὅτι
ἡυλόγηται... Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴ· Ἰησοῦ Χριστὲ παντο-
δύναμε, κατὰ τὴν παροῦσαν ὥραν τῷ τιμῷ σου καὶ ζωοποιῷ σταυρῷ
θριαμβεύσας τὰς ἀντικειμένους δυνάμεις, ῥύσαι ἡμᾶς ἀπὸ συμπτῶματός καὶ
δαιμονίου μεσημβρινοῦ καὶ καθήλωσον ἐν τῷ φόβῳ σου, ἐκκλίνοντας
ἀπὸ παντὸς κακοῦ καὶ ἐνεργούντας εἰς τὰς σωτηρίους σου ἐντολὰς νῦν
καὶ ἀεὶ...

Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. ὥρας θ'. Δέσποτα ὁ Θεὸς τῶν ду-
νάμεων καὶ πάσης δόξης, ὁ ἐπακούσας τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων
Πέτρου καὶ Ἰωάννου, πορευομένων ἐπὶ τὴν ὥραν τῆς προσευχῆς τὴν
ἐννάτην, καὶ ποιήσας δι' αὐτῶν ἴασιν ἐνώπιον παντὸς τοῦ λαοῦ, ποιή-
σον καὶ μεθ' ἡμῶν σημεῖον εἰς ἀγαθὸν τοῦ καταφρονεῖν τῶν ὅπλων
τοῦ ἐχθροῦ καὶ βέλη νηπίων ἡγεῖσθαι τοὺς ἐπαγωμένους ἡμῖν ὑπ'
αὐτοῦ πειρασμοῦ. Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. ὥρας θ'.
Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐν ἁμαρτίαις περιπεσόντα τὸν ἄνθρωπον μὴ πα-
ριδὼν, ἀλλὰ τῆς οὐρανίου καταξιώσας βασιλείας διὰ τῆς σῆς οἰκονο-
μίας καὶ τῶν σῶν ἀχράντων μυστηρίων, ὡς φιλόανθρωπος βασιλεὺς τῇ
σῇ ἀρρήτῳ θεότητι ἡμῖν τοῖς ἐπικαλουμένοις σε ὅπλον καταφυγῆς καὶ σω-
τηρίας γενοῦ εἰς τὸ ἐκκλίνειν πάντα τὰ σκάνδαλα (τὰ) ἐπαγώμενα ἡμῖν διὰ
τῶν παγίδων τοῦ ἐχθροῦ, ἐλπίζειν τε ἐπὶ σοὶ τῷ εὐεργέτῃ καὶ λυτρωτῇ
καὶ Σωτῆρι ἡμῶν. Ὅτι ἡγιάσται... Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. ὥρας θ'.
Ὅταν τὴν ὑπόστασιν ἡμῶν λογισώμεθα καὶ ἐνθυμηθῶμεν τὰ παραπτώ-
ματα ἡμῶν, καὶ ἐν ἐπιγνώσει τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν γενώμεθα, κατὰ
νοῦν τε λάβωμεν τὴν φόβερὰν τῆς κρίσεως ἡμέραν, μίαν καὶ μόνην κα-
ταφυγὴν ἔχομεν τὴν σὴν, φιλόανθρωπε, ῥοπήν, διὸ δεόμεθα σου, καὶ νῦν

καὶ τότε παράσχου ἡμῖν τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας τὸ μέγα ἔλεος. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Εὐχὴ δ'. ἢ γοῦν ἀπολύσεως· Κύριε ὁ Θεός, ὁ κατὰ πᾶσαν ὥραν θελήσας τὸν ἄνθρωπον ἀδιαλείπτως προσεύχεσθαι καὶ μὴ ἐκκακεῖν πρὸς τὸ τὴν ὑπεναντίαν πάροδον μὴ εὐρεῖν τοῦ ἐπιβουλεύειν ταῖς ἡμετέραις ψυχαῖς, φύλαξον ἡμᾶς ἀπὸ τῆς γενεᾶς ταύτης, καὶ ἀξιούς ἀνάδειξον συναριθμηθῆναι τοῖς ἐκ δεξιῶν σου ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς ἀνταποδόσεώς σου τῆς δικαίας. Ὅτι πρέπει σοι. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κλίνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς προσευχῆς ἡμῶν καὶ πάντας τοὺς ὑποκεκλικότας σοι τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς εὐλόγησον, ἀγίασον καὶ τῆς σῆς φιλάνθρωπίας ἀξιώσον. Σοὶ γὰρ εἰ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ διαμένει σου ἡ βασιλεία. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατὰ τὴν παροῦσαν ὥραν τῇ ὑποδείξει τοῦ κορυφαίου τῶν ἀποστόλων σου Πέτρου ἐκδιδάξας ἡμᾶς προσεύχεσθαι καὶ ἐξιλεοῦσθαί σοι, ἀπονέκρωσον τὸ τῆς σαρκὸς ἡμῶν φρόνημα, ἵνα τῷ σῶ ζῶντες θελήματι εὐχαρεστοῦμέν σοι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας.

XI—XII ВѢКЪ.

IV. Εὐχολόγιον, ркл. Пантелеимоновской библіотеки нз Аѳонѣ № 162 или № 1890, въ 8 долю листа, 47 листовъ, писана на пергаменѣ почеркомъ X—XI вѣка. Начала и конца рукописи нѣтъ.

л. 1... (γενεσι)ουργὸν τῶν ἀπάντων καὶ τῶν ὑπερφῶν θαυμάτων ποιητήν... т. д. Первая молитва „паннихидная“, а за нею слѣдуютъ остальные. См. выше стр. 13—15.

л. 4 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῷ ἐξαναστήσαντι ἡμᾶς ἐκ τῶν κοιτῶν ἡμῶν. Goar. p. 39, но неоконченная.

Листовъ 5 и 6 нѣтъ.

л. 7. Молитвы оглашенія изъ чина крещенія, который сходенъ съ чиномъ въ Илитаріѣ № 956 Синаиск. библи. См. выше стр. 16—17.

л. 23. (Вставочные листы до 25 и письмо другой руки). Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν. Goar. p. 308. Μεταδὲ τὴν εὐχὴν ἀπολοῦει αὐτὸν καὶ ῥαντίζει αὐτὸν τὸ ὕδωρ, λέγων· Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, ἐδικαιώθης, ἡγιασθης, ἀπελούσω εἰς τὸ ὄνομα.

л. 23 об. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Ὁ Θεὸς ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ διὰ τῶν χειρῶν τῶν ἁγίων ἀποστόλων καταπέμφας τὸ ἅγιόν σου Πνεῦμα ἐπὶ τοῖς βαπτιζομένοις, αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, κατὰπεμψον ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιόν σου Πνεῦμα καὶ ἁγιάσον ἡμᾶς ὁλοτελῶς καὶ συγκαταρίθμησον μετὰ τῶν εὐαρεστησάντων τῷ ἁγίῳ ὀνόματί σου. Ὅτι σὺ εἶ ὁ φωτισμὸς καὶ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν.

— Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός. Goar, p. 307.

НѢтъ нѣсколькихъ листовъ.

л. 24. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν στέγην Ζαχαρίου εἰσελθεῖν. Goar. pag. 484.

— Εὐχὴ ἐν εἰσόδῳ οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν καὶ ἐπιβλέπων τὰ σύμπαντα.

л. 25. Εὐχὴ εἰς σαραντίσαι γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. 267.

л. 26. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ δυνάμει... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις τὴν καθαρτικὴν τῆς ὑπερουσίας Τριάδος ἐνέργειαν τοῦ Κυρίου. Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν Λόγον τῆς ἡμετέρας δεήσεως καὶ ἀναδείξει τὴν κοινὴν ταύτην καὶ σωτηριώδη πηγὴν ἁγιασμοῦ δῶρον, ἀμαρτημάτων λυτήριον... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκιάσαι οὐρανόθεν ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ Ὑψίστου καὶ ἁγιάσαι τὰ ὕδατα ταῦτα εἰς ἀναγέννησιν ἀνθρωπότητος καὶ κόσμου παντός τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιον αὐτοῦ Πνεῦμα καὶ ἀποφάναι τὰ ρεῖθρα ταῦτα νοσημάτων ἀλεξήτριον, δαίμοσι καὶ πάσαις ταῖς ἐναντίαις δυνάμεσιν ἀπρόσιτον... Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαινίσαι Κύριον τὸν Θεὸν τὸ φῶς τῶν ὀφθαλμῶν τῶν καρδιῶν ἡμῶν καὶ φωτίσαι ἡμᾶς τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χριστιανῶν... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Προοίμιον τῆς εὐχῆς τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Δοξάζομέν σε, Δέσποτα πανάγιε, παντοκράτωρ... Εὐχὴ ἄλλη τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκύτατα μεταποιήσας... и молитва на главопреклонение. См. выше стр. 27.

л. 31 об. Διακονικά εἰς μνήστρα.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ μνηστευομένων... Не достаетъ далѣе одного листа. Слѣдующій затѣмъ листъ содержитъ въ себѣ конецъ молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ ἐξ ἐθνῶν προμνηστευσάμενος... Goar. p. 311. Очевидно, весь чинъ состоитъ изъ ектеши, двухъ первыхъ молитвъ нынѣшняго чина (Ibid.) и обрученія кольцами.

л. 32. Διακονικά εἰς γάμους.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς τὸν ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων τοῦδε καὶ τῆσδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν τοῦ Κυρίου.—Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χρῆσται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην, καρπὸν τέκνων πρὸς τὸ συμφέρον τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει οὐρανῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εἰς τὸ στεφανῶσαι γάμους Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... Goar. p. 317. Εἶτα στέφει ἀμφοτέρους καὶ λέγει· Χριστὸς στεφανοῖ. Καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς χεῖρας, παραδίδωσιν ἀλλήλοις καὶ λέγει· Χριστὸς παραγίνεται. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδίᾳ σου κοινωνία... Goar. p. 318. Εὐχῇ, ὅτε θέλῃ διῆσιν τὸν στέφανον, ἐπαίρει αὐτόν καὶ ἄρχεται λέγειν· Ὁ Θεός, ὁ δόξῃ καὶ τιμῇ στεφανώσας τοὺς ἁγίους μάρτυρας, αὐτὸς δώρησαι τοὺς δούλους σου τόνδε καὶ τήνδε στέφανον εἰρήνης, στέφανον ἀγαλλιάσεως, στέφανον δόξης καὶ τιμῇ· εἰς αἰνεσίαν σου καὶ δόξαν τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων... Εὐχῇ ἄλλη τοῦ κοινοῦ ποτηρίου. Ὁ Θεός ὁ φιλάνθρωπος, ὁ τῇ σῇ οἰκονομίᾳ διοικῶν τὰ σύμπαντα, σὺ οὐρανόθεν ἐξαπόστειλον τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἐπὶ τὴν συζυγίαν ταύτην καὶ ἁγιάσον αὐτούς, καὶ εὐλόγησον τὸ ποτήριον τοῦτο τῇ τούτων μεταλήψει, καὶ ἀντιλαβοῦ αὐτοὺς ἐν ταῖς ἁγίαις τρίβοις σου, χάρισαι αὐτοῖς, ὁ τῶν δυνάμεων Κύριος, βίβν εὐσχήμονα, πολιτεῖαν σεμνὴν καὶ δώρησαι αὐτοῖς ἐν καιρῷ εὐθέτῳ τεκνογονίαν ἀγαθὴν καὶ ζωὴν αἰώνιον, κληρονομήσαι ἐν τῷ Χριστῷ σου τῇ πρεσβείᾳ

τῆς ἀειμνημονεύτου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Сн. стр. 4—5.

л. 35. Εὐχὴ τῆς Ν'. ἤτοι τῆς γονυκλισίας. Молитвы обычные.

л. 37. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰρὸν ἢ ἀκάθαρτόν τι προσφάτως πεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου, ἢ ἐτέρου τινός.

V. № 959 Рукопись Синайск. библи. на пергаментѣ въ 16 долю листа, 152 листа, написана наклоннымъ скорописнымъ по мѣстамъ мелкимъ, а по мѣстамъ крупнымъ почеркомъ XI вѣка. Рукопись не имѣетъ ни начала ни конца. Орѳογραφία весьма дурная.

л. 1 Изъ литургіи Василия великаго εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. 'Ο τὰς κοινὰς ταύτας καὶ συμφώνους ἡμῖν χαρισάμενος... Красносельцевъ „Опис. ват. ркп.“ стр. 239. Текстъ молитвъ и порядокъ ихъ тотъ же, что въ рукописи Рум. Муз. № 374 (Ibid.) Есть нѣсколько особенностей лишь въ надписаніи молитвъ. Молитва надъ оглашенными не носитъ имени Василия великаго. Первая молитва вѣрныхъ надписывается: „Εὐχὴ πιστῶν α'. μετὰ τὸ ἀπλωθῆναι τὸ εἰλητόν“, молитва: Οὐδεὶς ἄξιος—, Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ καθ' αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, λεγομένου τοῦ χερουβικοῦ“. Молитва: 'Ο ὦν Δέσποτα Κύριε Θεὲ Πάτερ παντοκράτορ—неполная, по отсутствію листа. Замѣчанія о времени чтенія молитвы: Πρόσχες Κύριε—нѣтъ. Молитва: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν надписывается такъ: „Εὐχὴ μετὰ τὴν μεταλίψιν“, а молитва: Ἦνυσται καὶ τετέλεσται—, Εὐχὴ μετὰ τὴν ἀπόλυσιν ἐν τῷ διακονικῷ“.

л. 19. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ἀναστάσιμος.

Δέσποτα Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ σαρκὸς ἐπιλάμψας τῷ κόσμῳ καὶ τὸ μέγα καὶ ἀποκεκρυμμένον τῆς εὐσεβείας μυστήριον ἡμῖν ἀποκαλύψας, διὰ σταυροῦ τὴν ἁμαρτίαν κατασκευάσας καὶ τὸ φῶς τῆς ἀληθείας ἀναλάμψας, ὁ τῷ θανάτῳ σου νεκρώσας τὸν θάνατον, τῇ δωρεᾷ τοῦ παναγίου Πνεύματος θεωργήσας ἡμῶν τὴν φύσιν, καὶ καταξιώσας ἡμᾶς τοὺς ἁμαρτωλοὺς ἐν μετουσίᾳ γενέσθαι τῶν ἀχράντων σου μυστηρίων, εὐλόγησον τὸν λαόν σου καὶ διατήρησον τὴν κληρονομίαν σου, φωτίσον ἡμῶν τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς διανοίας τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου, δὸς ἡμῖν χάριν καὶ ἔλεος εὖρεῖν ἐνώπιόν σου, παρορῶν τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν τῷ πλήθει τῶν οἰκτιρμῶν σου, διατήρησον ἡμᾶς ἐν τῷ ἁγιασμῷ τῶν μυστηρίων σου, στήριξον ἡμᾶς ἐν τῇ σῇ πίστει [καὶ] ὁμολογίᾳ, φύλαξον ἐν ταῖς

καρδίαις ἡμῶν τὸν θησαυρὸν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος καὶ τῆς μερίδος τῶν σωζομένων ἡμᾶς ἀνάδειξον. Ὅτι σὺν τῷ κράτος...

л. 20. Εὐχὴ ἄλλη ἀναστάσιμος.

Ἄφατος ἡ πρὸς ἡμᾶς ἀγάπη σου, ἅπειρον τὸ πέλαγος τῆς σῆς ἀγαθότητος, ἐπεὶ ἀπεστράφημέν σε, τὸν φιλάνθρωπον, οὐκ ἤνεγκας τῶν ποθομένων τὴν στέρησιν, ἀλλ' ἐξαπέστειλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν πρέσβυν παρακαλοῦντα δι' ἡμᾶς, ὃς τῇ ἐκχύσει τοῦ ἰδίου αἵματος τὰς πρὸς σέ τὸν Θεὸν καὶ Δεσπότην καταλλαγὰς ἡμῶν ἐποίησατο, ἐνωθεὶς ἡμῖν καὶ ἐνώσας ἑαυτῷ τε καὶ σοὶ τῇ μετουσίᾳ τοῦ ἀχράντου αὐτοῦ σώματος καὶ τοῦ τιμίου αἵματος, ἀλλ' ἱκετεύομέν σε, Βασιλεῦ τῶν αἰώνων, μὴ παραδῶς αἰωνίῳ πυρὶ σάρκας τὰς ἐνωθείσας σοι, μὴ διαρρήξης τὴν ἐνωσιν, ἀλλ' εὐδόκησον τελείαν γενέσθαι τὴν σύγκρισιν ἐνταῦθα διὰ βίου καὶ θεωρίας ἡμεῖς (?) δε λυθέντων τῶν ἐσώπτρων ἡμῶν. Ὅτι εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ μονογενεῖ σου Υἱῷ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ...

л. 20 об. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ἐτέρα ἀναστάσιμος ркп. Син. № 957 л. 39. См. выше стр. 7.

л. 21. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ἐτέρα ἀναστάσιμος.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ ὢν καὶ αἰεὶ ὢν, ὁ ἐλθὼν εἰς τὸν κόσμον τοῦ φωτίσαι αὐτὸν καὶ σαρκωθεὶς καὶ ἐνανθρωπήσας διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν, καὶ παθὼν σαρκί, καὶ ἀναστάς τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ, καὶ ἀνελθὼν εἰς τοὺς οὐρανοὺς, καὶ καθεστὴς ἐν δεξιᾷ τῆς μεγαλωσύνης τῆς δόξης τοῦ Πατρὸς, καὶ πάλιν ἐρχόμενος μετὰ φοβερῶν δυνάμεων κρῖναι ζῶντας καὶ νεκρούς, οὗ τῆς βασιλείας οὐκ ἔσται τέλος, ὃν ὕμνοῦσιν ἄγγελοι, ὃν προσκυνοῦσι τὰ χερουβίμ καὶ δοξολογεῖ τὰ Σεραφίμ, ὃν τρέμει πᾶσα φύσις, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Πατρὸς Ἰησοῦ Χριστέ, εὐλόγησον τὸν λαόν σου, οὓς ἐξηγόρασας τῷ τιμίῳ αἵματί σου, καὶ ἀγίασον τὴν κληρονομίαν σου, τὸ πλήρωμα τῆς ἐκκλησίας σου φύλαξον, ἀγίασον τοὺς ἀγαπῶντας τὴν εὐπρέπειαν τοῦ οἴκου σου, καὶ μὴ ἐγκαταλίπης ἡμᾶς, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ, εἰρήνην τῷ κόσμῳ σου δώρησαι, ταῖς ἐκκλησίαις σου, τοῖς ἱερεῦσι, τοῖς πιστοῖς βασιλεῦσιν ἡμῶν καὶ παντὶ τῷ λαῷ σου.

л. 23. Εὐχὴ κατηχομένων τοῦ Χρυσοστόμου¹⁾ τῆς ἀγίας ἀναφορᾶς. См. выше стр. 20, ркп. Син. библ. № 958. Чинъ состоитъ изъ молитвъ. Последняя молитва: Ἡ ἀρχὴ καὶ τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου надписывается: Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως, γινομένη ἐν τῷ διακονικῷ.

¹⁾ Въ чинѣ литургіи поминается монахъ Іоанникій заупокой.

λ. 31. Διακονικά τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ἀναπεμφθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐλογίαν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι ἁμαρτημάτων λυτήριον, νοσημάτων... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι τὸν Θεὸν λόγον τῆς ἡμετέρας δεήσεως καὶ ἀναδεῖξαι τὴν κοινὴν ταύτην καὶ σωτηριώδη πηγὴν ἁγιασμοῦ ὧρον, ἁμαρτημάτων λυτήριον τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκιάσαι οὐρανόνθεν ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ Ὑψίστου καὶ ἁγιάσαι τὰ ὕδατα ταῦτα εἰς ἀναγέννησιν ἀνθρωπότητος καὶ κόσμου παντός τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιον αὐτοῦ Πνεῦμα καὶ ἀποφάναι τὰ ρεῖθρα ταῦτα νοσημάτων ἀλεξητήριον... Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαινίσει Κύριον τὸ Θεόν... Goar. p. 372. Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐφ' ἡμᾶς τὸ Ἅγιον αὐτοῦ Πνεῦμα καὶ γλυκάναι τὰ νάματα ταῦτα ὑπὲρ μέλιτος ἐκ πέτρας πηγάσαν εἰς ἀναψυχὴν τοῖς ἐξ αὐτῶν μεταλαμβάνουσι τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ εὐσεβεστάτου... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμήσαι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χριστιανῶν... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας ἀχράντου, ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἁσωμάτων, ἀρχαγγέλων, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου προφήτου σου Προδρόμου, βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων μετὰ πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσωμεν...

λ. 32. Εὐχή, λεγομένη εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, ποιῶντος τοῦ διακόνου τὴν συναπτὴν. Молитвы тѣже, что въ Илитаріѣ № 956. См. выше стр. 17.

λ. 36. οβ. Ἀκολουθία τῶν προηγιασμένων.

Μετὰ τὸ ῥηθῆναι τὰ ἀναγνώσματα ἐν τῷ λυχνικῷ καὶ τὸ Κατευθυνθῆτω, λέγει ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες... Ектенѣя и молитва за готовящихся къ просвѣщенію произносятся отъ среды крестопоклонной недѣли до св. великой пятницы. Въ концѣ литургіи: Εὐχή μετὰ τὴν ἀπόλυσιν, γινομένη ἐν τῷ διακονικῷ· Ἐκ δυνάμεως εἰς δύναμιν μετατιθέμεθα τὰ ἅγια τῶν ἁγίων ἀπὸ σοῦ εἰς σέ καταφεύγοντες, ἀνυμνοῦμεν τὴν βασιλείαν σου, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ποιήσον τὰ ἐλέη σου μεθ' ἡμῶν τῶν λειτουργῶν καὶ παντός τοῦ λαοῦ σου. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις...

л. 42 об. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Ν'.

Чинъ состоитъ изъ молитвъ. Первыя двѣ см. Goar. p. 597—599, вторыя двѣ послѣ сугубой ектевьи p. 599—600. Послѣ „Сподоби Господи“—'Η ἀεννάως βρούουσα ζωτική... и 'Ο Θεός ὁ μέγας καὶ αἰώνιος... p. 600—601 до словъ: ἐπὶ πᾶσι σὲ τὸν μόνον ἀληθινὸν καὶ φιλόανθρωπον Θεόν. Ἐκφώνως: Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεός... Καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχεται καθ' ἑαυτὸν ταῦτα, τοῦ διακόνου μέχρι τῆς συμπληρώσεως τῆς εὐχῆς τὴν συναπτὴν ποιούντος, ἐκ β'. καὶ γ'. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως: Σὸν γάρ ὡς ἀληθῶς... p. 601. Καὶ ἐπισυνάπτει: Ὁ Θεός ὁ μέγας καὶ ὑψιστος... p. 602.

л. 55. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων εἰς μνήμην ἁγίου См. выше стр. 35.

л. 55. об. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ κολύβων. Goar. p. 524.

л. 56. Εὐχὴ εἰς νοσοῦντας.

'Ο Θεός, ὁ μόνος ἔχων ἐξουσίαν ἁμαρτίας ἀφιέναι καὶ ψυχὰς σώζειν, καὶ σώματα ἰᾶσθαι, τὴν σὴν ἱκετεύομεν ἀγαθότητα, δεῖξον καὶ νῦν τὸ ἔλεός σου εἰς τὸν δοῦλόν σου τόνδε, τὸν καταπονούμενον ὑπὸ τῆς νόσου, ἴασαι αὐτὸν τῷ λόγῳ σου τῷ ἀθανάτῳ, μετástησον αὐτὸν ἀπὸ ἀσθενείας εἰς δύναμιν, ἀπὸ ὀλιγοψυχίας εἰς παράκλησιν· σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος, ὁ τύπτων καὶ μὴ θανατῶν, ὁ πάντα ποιῶν ἐπ' εὐεργεσία τῆς ἡμετέρας ζωῆς, καὶ σοὶ πρέπει μόνῳ πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις.

л. 56. об. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ νοσοῦντος ἀσκητοῦ.

Κύριε τῶν δυνάμεων, ἐπίσκεψαι τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς τὴν παρὰ σοῦ ὑγείαν καὶ ὁλοκληρίαν δωρούμενος, ῥυόμενος αὐτοὺς ἀπὸ πάσης νόσου καὶ μαλακίας ψυχικῆς καὶ σωματικῆς, ἀνιστῶν αὐτοὺς ἀπὸ κλίνης... Далѣ слова вытерты.

л. 57. Εὐχὴ ἐπὶ προσφέροντας καρποὺς παντοίας ὁπώρας.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεός, καὶ προσφέρομεν ἀπαρχὴν καρπῶν τόδε, οὗς ἔδωκας ἡμῖν εἰς μετάληψιν... Goar. p. 522.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων ἄφεσιν ἁμαρτιῶν δωρησάμενος... Goar. p. 537.

л. 57. Εὐχὴ ἐπὶ σκεύους μισθέντος. См. выше стр. 35.

л. 58. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφαγησάντων. pag. 534.

л. 58 об. Εὐχὴ ἐπὶ φρέατος μισθέντος. См. выше стр. 34. Одна лишь молитва.

λ. 59. Εὐχὴ εἰς θυῖμα· Ὁ Θεὸς ὁ φιλόανθρωπος καὶ ἀγαθός, ὁ τῷ ἐλέει σου καὶ τῇ φιλανθρωπίᾳ σου συνέχων τὰ πάντα, ὁ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου τοῖς πλουσίοις καὶ ἀγαθοῖς καθήκας ἡμᾶς, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς εὐλογίαν πνευματικὴν καὶ διαφόρους εὐεργεσίας ἡμῖν χαρισάμενος, ὁ τὴν τετραπόδόν σου κτίσιν εὐλογήσας· καὶ τὰ μὲν καθαρὰ ἔδωκας ἡμῖν εἰς μετάληψιν καὶ ἀπόλαυσιν τῶν ψυχῶν ἡμῶν, αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, εὐλόγησον τὴν θυσίαν ταύτην, ὡς προσεδέξω Ἄβελ τὰ δῶρα, Νῶε τὰς θυσίας, Ἀβραάμ τὰς ὀλοκαυτώσεις καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων τὰς ἐντεύξεις καὶ ἱκεσίας· σὺ γὰρ εἶ ὁ ἐπαγγελάμενος ἡμῖν διὰ Ἱερεμίου τοῦ προφήτου λέγοντος· εὐφραινέσθω ὁ λαός μου καὶ ἀγαλλιάσθω ἐπὶ τοῖς ἀγαθοῖς μου· σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου καὶ ἀπὸ τῶν καρπῶν τῆς γῆς, βοῶν τε καὶ προβάτων καὶ εὐφρανον τοὺς ἱερεῖς σου σὺν τῷ λαῷ, ὅτι ἐγὼ Κύριος ἐλάλησα, καὶ μνήσθητι, Κύριε, τοὺς δούλους σου τούσδε, ὅτι δι' αὐτῶν εὐχαριστία σοι ἀναπέμπεται, καὶ ὁς Κύριε, τοῖς ἔχουσι μεταλαβεῖν ἐκ τῆς θυσίας ταύτης σοφίαν καὶ χάριν, πίστιν ἀκαταίσχυντον, ἀγάπην ἀνυπόκριτον εἰς ἔνωσιν τοῦ Χριστοῦ σου. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς...

λ. 60. Εὐχὴ ἐπὶ προσφερόντων θυσίαν.

Εὐλογητὸς εἶ Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν καὶ εὐλογημένος τὸ ὄνομα τῆς δόξης σου τὸ ἅγιον, εὐλογητὸς εἶ Κύριε ὁ Θεός, εὐλογήσας τὴν θυσίαν Ἀβραάμ ἐν τῇ δροῦ τῇ Μαμβρῇ καὶ τὸν μόσχον τὸν ἀπαλὸν καὶ τὸν κριόν, τὸν κατεχόμενον ἐν τῷ φυτῷ Σαβέκ τῶν κεράτων, εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ προσδεξάμενος Ζαχαρίου τὰ θυμιάματα καὶ Ἡλιοῦ τοῦ πιστοῦ τὰς ὀλοκαυτώσεις, οὕτως πρόσδεξαι καὶ τὴν θυσίαν ταύτην εἰς ὁσμήν εὐωδίας τοὺς βόας αὐτῶν παχεῖς ποιήσον, τὴν σιτοποιίαν αὐτῶν πληθύνον, τὰ ποίμνια αὐτῶν πολυτόκα πληθύνον, τὰ ἐν ταῖς ἐξόδοις αὐτῶν καὶ εἰσόδοις ἀγγελικῇ δυνάμει κατασφάλισον, ἵνα πάντοτε πάσαν αὐταρκίαν ἔχοντες περισσεύωνται εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθὸν κατὰ τὸ σὸν εὐάρεστον, δοξάζοντες τὸ ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

λ. 60 ὁβ. Εὐχὴ ἐπὶ σπόρου.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων, ὁ ἐν ἀρχῇ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ κελεύσας αὐτὴν βλαστάνειν πᾶν σπέρμα σπείριμον κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν καὶ κελεύσας αὐτὸν ἐργάζεσθαι τὴν γῆν καὶ ἄρχειν πάντων τῶν ὑπὸ σοῦ κτισθέντων, ὁ προσδεξάμενος Ἄβελ τοῦ δικαίου τὰ δῶρα, ἔπιδε καὶ ἐπὶ τὴν κτίσιν σου ταύτην, ἐπ' ἐλπίδι τῆς

σῆς ἀναστάσεως μέλλουσιν σπείρεσθαι, καὶ εὐλόγησον, καὶ αὐξήσον, καὶ παράσχου τῇ γῇ τὸν μακαρισμὸν τῆς ἐν Αἰγύπτῳ γῆς, καὶ τελεσφορίαν εὐδόκησον παρασχεῖν τοῖς οἰκέταις σου, ἣν παρέσχου τῷ θεράποντί σου Ἰσαὰκ τῷ πατριάρχῃ τὴν ἑκατοστεύουσιν, τοὺς αὐλακας αὐτῆς μέθυσον ἐν ἐπισκέψει, εὐκρατον ἀέρα δὸς καὶ ἐπωφελεῖ, πλήθυνον τὰ γεννήματα αὐτῆς ἐκφέρειν τοῖς δούλοις σου ἐν τριάκοντα καὶ ἐν ἐξήκοντα καὶ ἐν ἑκατόν, καὶ εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου, ἵνα ἐρχόμενοι οἱ δοῦλοί σου ἐν ἀγαλλιάσει αἴρωνται τὰ δράγματα αὐτῶν, σὲ δοξάσωσι τὸν μόνον ἀληθινὸν ἐπὶ πάντων ὄντως ὄντα Θεόν. Σὺ γὰρ εἶ ἡ ζωὴ ἡμῶν ἡ ἄφραστος καὶ ἀνέκλειπτος καὶ σοὶ τὴν δόξαν...

л. 61 об. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους. Goar. p. 524.

л. 62. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα.

Σὺ εἶ ἡ ἄμπελος ἡ ἀληθινή, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ὁ Πατὴρ σου ὁ γεωργὸς ἐστίν. Goar. p. 551.

л. 62 об. Εὐχὴ εἰς μετὰληψιν σταφυλῆς.

Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸν καρπὸν τοῦτον τὸν νέον τῆς ἀμπέλου διὰ τῆς τοῦ ἀέρος εὐκρασίας καὶ τῶν σταγόνων τῆς βροχῆς καὶ τῆς τῶν καιρῶν γαληνιάσεως, ὅς ταύτην τὴν ὠριμότητα ἐλθεῖν εὐδόκησας, ἵνα εἴῃ ἐν ἡμῖν εἰς εὐφροσύνην, καὶ προσενέγκωμέν σοι δῶρον ἐξ ἰλασμῶν ἀμαρτιῶν διὰ τοῦ ἱεροῦ ἀγιασματος τοῦ Χριστοῦ σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ Παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ...

л. 63. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν τὸν Κύριον Ἰησοῦν Χριστόν. Goar. p. 552.

л. 63 об. Εὐχὴ εἰς ποιμνῆν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἀληθινὸς ἀμνός, ὁ αἴρων τὴν ἀμαρτίαν τοῦ κόσμου. Goar. p. 589.

л. 64. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβὶδ ἐπὶ τοῖς ἰδίοις πλημμελήμασιν ἄφεσιν δωρησάμενος.. p. 536.

л. 64 об. Εὐχὴ εἰς τὸν προπετῶς ὀμνύοντα... p. 534.

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων... p. 535.

л. 65. Εὐχὴ, γινομένη πρὸς χριστιανούς ἀπαχθέντας μὲν ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας [δέ] ἐξ αὐτῆς καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ Θεοῦ προσδραμόντας· Κύριε Κύριε, ὁ τῶν πάντων ποιητὴς καὶ δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος... Goar. p. 690.

λ. 66 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 581.

λ. 67. Εὐχὴ εἰς φρέαρ μισθέν.

Κύριε παντοκράτωρ, ἐπουράνιε, ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ἀνεξιχνίαστος καὶ πάσης κτίσεως ὁρατῆς τε καὶ ἀόρατου ποιητής, ὁ τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων τοῦ Πέτρου διὰ ῥήματος καὶ φωνῆς νομοθετήσας μηδὲν κοινὸν ἢ ἀκάθαρτον ἡγεῖσθαι τῶν ὑπὸ σοῦ δημιουργηθέντων καὶ διὰ τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς Παύλου τοῦ ἀποστόλου πάντα καθαρὰ ἡμῶν τῶν τοῖς καθαροῖς κηρύξας, αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, ἐπίδωκε ἐπὶ τὴν δέησιν ἀμαρτωλῶν καὶ ἀναξίων δούλων σου καὶ καθάρισον διὰ τῆς τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος ἐπιφοιτήσεως τὸ ὕδωρ τοῦτο, ἐν ᾧ συνέβη πεσεῖν ἐκ τῶν ἀπηγορευμένων ἐν νόμῳ ἁγίῳ σου ἀκαθάρτων, καὶ ἀξιώσον ἡμᾶς ἐξ αὐτοῦ κεχρηῆσθαι, καὶ τὴν κληῖδα τῆς συνειδήσεως ἡμῶν ἀπόσμηξον, καὶ τοῦ λοιποῦ ῥῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ἀκαθάρτου βρώσεως ἐτι δὲ καὶ πράξεως, καὶ τὰ σὰ προστάγματα βεβαίωσον ἐφ' ἡμᾶς, χαριζόμενος ἡμῖν καὶ τὴν μετέληψιν τῶν ἁγίων μυστηρίων ἀκατάκριτον πρεσβείαις τῆς ἁγίας τῆς Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται.

λ. 67. οβ. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰν ἢ ἀκάθαρτον τι προσφάτως πεσεῖν εἰς ἄγγειον οἴνου ἢ ἐλαίου ἢ ἕτερόν τι.

Χρὴ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον ἐπαίρεσθαι παρὰ χρῆμα καὶ ρίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἄγγειον καινὸν πλύνεσθαι καθαρῶς ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν καὶ λοιπά, ὁ (δὲ) ἱερεὺς λαμβάνει θυμιὰν καὶ θυμῖν ἔξωθεν καὶ ἔσωθεν τὸ πλυθὲν ἄγγειον, μετὰ τοῦτο βάλλει κάτω ὕδωρ ὀλίγον τῶν ἁγίων θεοφανίων τρεῖς σταυρούς, καὶ τότε μεταβλίσκεται ὁ οἶνος ἢ τὸ ἐλαίον ἐκ τοῦ μισθέντος ἄγγείου εἰς τὸ καταπλυθὲν, καὶ ἴσταται ὁ ἱερεὺς, ποιῶν τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου σωτηρίῳ οἰκονομίᾳ διαστείλάμενος. Goar. p. 482. Καὶ ἐπιχέει ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς ἐν τῷ τοιοῦτῳ ἄγγειῳ, ἀπογεύεσθω πρῶτος τοῦ ἐν αὐτῷ ἐλαίου ἢ οἴνου.

Εἰ δε συμβῇ ἐμπεσεῖν τὸ αὐτὸ ἀκάθαρτον εἰς φρέαρ ὕδατος, χρὴ πρῶτον ἀντλήσαι ἐκ τοῦ φρέατος κάδους ἰε'. καὶ ἐκχῦσαι, καὶ εἴδ' οὕτως βάλλειν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων, καὶ μετὰ τοῦτο θυμῖν περίξ τοῦ φρέατος καὶ οὕτως ποιεῖν τὴν εὐχὴν. Εἰ δὲ συμβῇ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον χρονίσαι ἐν τῷ ἄγγειῳ τοῦ οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου καὶ συσσωπῇ, εἶναι αὐτὸ ἄχρηστον καὶ χύνεσθαι τὸν τοιοῦτον οἶνον καὶ μηδὲνα τὸ σύνολον ἐξ αὐτοῦ ἀπογεύεσθαι.

λ. 69. Εὐχὴ ἑτέρα ἐπὶ παντὸς εἵδους μισσθέντος· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, ὁ μόνος ἅγιος καὶ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος. Goar. p. 483.

λ. 70. Εὐχὴ ἐπὶ ἀσθενούντος.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἐπικαλεῖ σε δι' ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν ὁ ἀσθενῶν ἀδελφός ἡμῶν, Κύριε ὁ Θεός, ὁ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἰώμενος ἐν τῷ λαῷ σου, ἴασον καὶ τὸν δοῦλον τόνδε ἐκ τῆς κατεχούσης αὐτὸν ἀσθενείας, ὁ ἐκ Πατρὸς προαιωνίως γεννηθεὶς, ὁ Δεσπότης τῶν ἀγγέλων, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητής, ὁ τὸν οὐρανὸν στερεώσας καὶ τὴν γῆν θεμελιώσας, καὶ τὴν θάλασσαν ἀπλώσας, ἐλέησον, Κύριε, καὶ ἀνάστησον τὸν δοῦλον τόνδε, ὁ τὸν ἥλιον ἡγεμόνα καὶ στρατηγὸν δεδωκώς τῇ ἡμέρᾳ, ὁ κεράσας τῆς νυκτὸς τὸν ζόφον τῷ σεληνιαίῳ φωτί... Молитва эта такъ дурно написана, что нѣтъ никакой возможности разобрать ее.

λ. 70 βο. Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου.

Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ἰώμενος. Goar. p. 335.

λ. 71. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου, τιθεμένου ἐν ἐκκλησίᾳ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ... Goar. p. 485.

— Εὐχὴ εἰς τὴν λιτήν τῶν ἐγκαινίων τῆς ἁγιωτάτης τῆς μεγάλης ἐκκλησίας· Λέγεται δὲ πρὸ τῆς εἰσόδου, πρὶν εἰπεῖν τὸ Ἄρατε πόλεις, οἱ ἄρχοντες, Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας... Goar. p. 662. Ἡ δὲ αὕτη εὐχὴ λέγεται καὶ εἰς ἐγκαινία ναοῦ τῆς Θεοτόκου, ὀλίγον ἐναλλάσσοντας, ἀντὶ τοῦ εἰπεῖν ταύτης τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας, λέγονται· τοῦ σεβασμίου ναοῦ τῆς ἁγίας ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, ὃν στερέωσον μέχρι τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος καὶ τὰ λοιπά.

λ. 72 οβ. Εὐχὴ ἄλλη τῶν ἀνοίξεων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε τὸν Ἰλεων καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν, εἰσάκουσον τῆς δεήσεως τῶν δούλων σου... Goar. p. 494.

λ. 73. Εὐχὴ εἰς κόλυμβον διακονίας, ἡγουν λούσματος.

Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὕψιστος, ὁ ἐν Τριάδι ἅγιος προσκυνούμενος, ἡ προαιώνιος φύσις, ἡ ὑπερούσιος καὶ ἀτελεύτητος μεγαλειότης σου, ἡ ἀνεξιχνίαστος δύναμις, ἡ ἀρρήτος ἐξουσία, ἡ τῆς σοφίας πηγὴ, ἡ τῆς ἀγαθότητος ἄβυσσος, τὸ τῆς εὐσπλαχνίας ἀπεριόριστον πέλαγος. Σὺ φιλόανθρωπε Δέσποτα, ὁ τῶν προαιωνίων θαυμασίων Θεός, ὃν οὔτε ἔννοια καταλαβέσθαι δύναται, οὔτε λόγος ἐρμηνεύσαι ἰσχύει, ἐπίβλεψον καὶ τὰ νῦν ἐφ' ἡμᾶς τοὺς ταπεινοὺς καὶ ἀναξίους δούλους σου, καὶ δὸς ἐν τῇ διανοίᾳ ἡμῶν καὶ

Εὐχολόγιον τ. II.

ἐν τῷ στόματι ἡμῶν πνεῦμα σοφίας καὶ γνώσεως, λόγον εὐσεβείας καὶ συνέσεως ἄξιον σοῦ εἰς τὰ ὧτα φθάσαι τῆς σῆς ἀγαθότητος καὶ τὸ ἔλεος τῆς σῆς ἐπισπάσασθαι χάριτος· ἐκ σοῦ γὰρ καὶ τῆς σῆς ζωοποιοῦ δωρεᾶς καὶ τὸ θέλειν καὶ ἐνεργεῖν ὑπὲρ τῆς κατὰ τὸ θέλημα τὸ σὸν καὶ τῆς σῆς εὐδοκίας τοῖς ἀνθρώποις ὑπάρχει, καὶ κατὰπεμψον ἡμῖν τὴν σὴν εὐλογίαν καὶ τῶν ἱχμάτων τὴν χάριν ἐπὶ τὸ ὕδωρ τοῦτο. Ὁ τὸ λουτρὸν τῆς παλιγγενεσίας τῷ γένει ἡμῶν δωρησάμενος πρὸς ἀπόνιψιν τοῦ τῆς ἁμαρτίας μολυσμοῦ καὶ ἀνάκτησιν τῶν συμβάντων ἡμῖν παντοίων ἀρρώστημάτων, καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, ῥεραντισμένους τὰς καρδίας ἀπὸ συνειδήσεως πονηρᾶς καὶ λελουμένους τὸ σῶμα ὕδατι καθαρῷ ἐν παντὶ ἔργῳ, λόγῳ ἀγαθῷ καρποφορεῖν καὶ αὐξάνεσθαι, καὶ τὴν εἰς τοὺς θεομένους γινομένην παντοίαν συμπάθειαν ἀόκνῳ σπουδῇ πρὸς θεραπείαν τῶν πεπονηκότων ἀδελφῶν ἡμῶν διὰ παντός ἐπιδείκνυσθαι, καὶ τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας διὰ παντός καταξιοῦσθαι, τῶν τε ψυχικῶν ἀρρώστημάτων καὶ τῶν σωματικῶν ἀλγηδόνων τὴν ἀπολύτρωσιν κομιζομένους, καὶ κατὰπεμψον ἡμῖν τὰ τῆς σῆς φιλανθρώπου δωρεᾶς ἰάματα ἐν τῷ παρόντι ἡμῶν λούσματι οὐ πρὸς ἡδονὴν σαρκός, ἀλλὰ πρὸς ἴασιν ψυχῆς τε καὶ σώματος ἐπὶ τῇ εἰς σὲ τὸν Θεὸν ἡμῶν πίστει ἐπιτελουμένῃ παρ' ἡμῶν πνευματικῇ λατρείᾳ, τῇ μεσιτείᾳ καὶ ἱκεσίᾳ τῆς ἁγίας ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου προφῆτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων πανευφήμων ἀποστόλων καὶ τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, καὶ Παντελεήμονος, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, ὧν ταῖς πρεσβείαις φύλαττε τοὺς δούλους σου τοὺς πιστοὺς ἡμῶν, χάρισαι αὐτοῖς κατὰ πάντα ψυχῇ τε καὶ σώματι καὶ τὴν ἐμπιστευθεῖσαν αὐτοῖς τῶν χριστιανῶν ῥωμαϊκὴν πολιτείαν τὸ ὑγιές τε καὶ ἄνωσον κατὰ πάντα, εὐφημόν τε καὶ σωτήριον. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ πρώτου ἡμῶν τοῦδε καὶ πάσης ἐν Χριστῷ ἀδελφότητος ἡμῶν. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν τῇ ἁγίᾳ διακονίᾳ ταύτῃ καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ περισσῶτος λαοῦ καὶ τῶν δι' εὐλόγους αἰτίας ἀπολειφθέντων ἀδελφῶν ἡμῶν καὶ ἐλέησον καὶ ἐπίσκεψαι καὶ ἴασαι πάντας κατὰ τὸ μέγα ἔλεος. Ὅτι σὺ εἶ πηγὴ τῶν ἱαμάτων, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν...

π. 75. Εὐχὴ τοῦ ἁγιασμοῦ τῆς λειτουργίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός ἐν ἔργοις, ὁ πάσης φαινομένης καὶ νοουμένης κτίσεως δημιουργός, ὁ φυλάσσων τὴν διαθήκην σου καὶ τὸ ἔλεος τοῖς ἀγαπῶσι σὲ καὶ τοῖς τηρῶσι τὰ σὰ προστάγματα, ὁ πάντων τῶν ἐν ἀνάγκῃ ἐλεεινὰ προσδεχόμενος δάκρυα

τάχα γὰρ διὰ τοῦτο παραγέγονας ἐν δούλου μορφῇ, οὐ φάσμασιν ἡμᾶς ἐκδειματούμενος, ἀλλ' ὑγίαν τῷ σώματι ἀληθῆ ὁρέγων καὶ λέγων· Ἴδε ὑγιῆς γέγονας μηκέτι ἁμάρτανε φήσας, ἀλλὰ καὶ ἐκ πληοῦ ζῶντος ὀφθαλμοὺς εἰργάσω καὶ τούτῳ νίψασθαι κελεύσας, τὸ φῶς οἰκήσῃν παρασκευάσας λόγῳ τὰς τῶν ἐναντίων παθῶν σπιλάδας ταράττων τὴν τοῦ βίου τούτου ἄλμυράν θάλασσαν καταστείλας, τὰ ἀφρόφωρα τῶν ἡδονῶν κατασβέσας κύματα. Αὐτὸς οὖν, φιλόανθρωπε Δέσποτα, ὁ δοὺς ἡμῖν χιονόφεγγον φορέσαι στολὴν ἐξ ὕδατος καὶ πνεύματος, ἀπόσμηξον ἡμᾶς διὰ τῆς τῶν ὑδάτων τούτων καταδύσεώς τε καὶ ῥαντισμοῦ τῇ σῇ εὐλογίᾳ τοῦ ῥύπου τῶν παθῶν. Ναὶ Δέσποτα, ταπεινώσιν ἡμῶν ἐπισκεπτόμενος πρεσβείαις καὶ ἱκεσίαις τῆς ἁγίας ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων πανευφήμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων καὶ δικαίων Ἰωακείμ καὶ Ἄννης, τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων θαυματουργῶν ἱατρῶν καὶ ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου καὶ Παντελεήμονος καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, ὧν ταῖς πρεσβείαις φύλλατε, Κύριε, τοὺς δούλους σου, τοὺς πιστοὺς βασιλεῖς ἡμῶν, χάρισαι αὐτοῖς κατὰ πάντα ψυχῇ τε καὶ σώματι καὶ τῶν τῆς δουλικῆς σου ταύτης τῶν χριστιανῶν πολιτείας πράγμασι(;) τὸ ὑγιές τε καὶ ἄνωσον κατὰ πάντα εὐφημόν τε καὶ σωτήριον. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν τοῦδε. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ πρώτου ἡμῶν τοῦδε καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἀδελφότητος ἡμῶν. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν τῷ ἁγίῳ οἴκῳ τούτῳ καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων. Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, περιστώτος λαοῦ καὶ τῶν δι' εὐλόγους αἰτίας ἀπολειφθέντων ἀδελφῶν ἡμῶν καὶ ἐλέησον, καὶ ἐπίσκεψαι, καὶ ἴσαι πάντας κατὰ τὸ μέγα σου ἔλεος. Ὅτι σὺ εἶ ἡ πηγὴ τῶν ἱαμάτων ὁ Θεὸς ἡμῶν.

1. 76 οβ. Εὐχὴ εἰς λύσιν ὄρκου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων καταξιώσας καταπατῆσαι τὴν γῆν, ὁ εἰπὼν· ὅσα ἂν λυσηται ἐπὶ τῆς γῆς ἔσται λελυμένα ἐν τῷ οὐρανῷ, καὶ ἡμεῖς τῇ σῇ προσταξεί ἐλύσαμεν τὸν δοῦλόν σου τόνδε τοῦ ὄρκου τούτου, οὗ ὥμοσε, καὶ δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε, ὅπως συγχωρήσῃς αὐτῷ καὶ μὴ λογισθῆς αὐτῷ εἰς ἁμαρτίαν, ἀλλὰ ἄφῃσιν ἁμαρτιῶν αὐτῷ καὶ ἡμῖν χάρισαι· σὺ γὰρ μόνος ἀναμάρτητος καὶ δυνάμενος ἀφιέναι ἁμαρτίας. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία.

— Εὐχὴ καθολικὴ ἐπὶ πάντα ἄνθρωπον ἐπὶ θλίψει ὄντα.

Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τοῦ σώζειν, κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησιν τῶν σῶν ἱκετῶν καὶ μετάδος ἡμῖν τῶν ἐκ τῆς σῆς ἀγαθότητος οἰ-

κτιρμῶν, περίελε ἀφ' ἡμῶν πάσας τὰς σαρκικὰς ἐννοίας καὶ χάρισαι ἡμῖν πᾶσαν πολιτείαν πνευματικὴν, τοὺς πλανωμένους ἐπίστρεψον, τοὺς ἐν νόσοις ἴασαι, τοὺς ἐν πτωχείᾳ διάθρεψον, τοὺς ἐν πειρασμοῖς λύτρωσαι, τοὺς ἐν θλίψει παρακάλεσον, σὺ εἰ πάντων καταφυγὴ καὶ παρὰ σοῦ πάντες ἐπιζητοῦμεν τὴν ἐπὶ πᾶσι βοήθειαν. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία.

λ. 77. Εὐχὴ ἐπὶ κρυπτοῦ πράγματος ἤδη εἰς τὸν φανερωθέντα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φανερώσας τῷ Ἰωσήφ τὰ ἐνύπνια Φαραῶ καὶ δημοσιεύσας τὰ δι' Ἀχάρ κλαπέντα ἐκ τοῦ ἀναθήματος, ὁ διὰ τοῦ ξύλου τοῦ ῥιφθέντος ἀπὸ Ἑλισσαίου ἐν τῷ ὕδατι τῷ σιδήρῳ ἀναγαγών, ὁ ἀποκαλύψας Δανιὴλ τὸ ἐνύπνιον Ναβουχοδονόσορ καὶ τὴν σύγκρισιν αὐτοῦ, ὁ τῷ αὐτῷ Δανιὴλ γνωρίσας τὴν ἐν τῷ τεύχει γραφὴν τὴν ἐπὶ τοῦ Βαλτάσαρ, ὁ δημοσιεύσας τὴν βουλὴν Ἀνανίου καὶ Σαπφείρης τῆς τούτου γαμετῆς ἐπὶ τῇ κλοπῇ τοῦ τιμήματος τοῦ πραθέντος παρ' αὐτοῖς χωρίου διὰ Πέτρου τοῦ κορυφαίου τῶν ἀποστόλων. Αὐτὸς φανέρωσον καὶ τὸ νῦν ἐπιζητούμενον πρᾶγμα τοῦ δούλου σου τοῦδε εἰς δόξαν τοῦ ἁγίου σου ὀνόματος καὶ τοῦ κατασχυνθῆναι τοὺς πράσσοντας παρὰ τοὺς δούλους σου εἰ καὶ ἄθωοθῆναι τοὺς μάτην συκοφαντούμενους καὶ ὑπονοουμένους κατ' αὐτοῦ. Σοὶ γὰρ πρέπει πᾶσα δόξα τιμὴ.

λ. 77 οβ. Εὐχὴ πρὸ τοῦ εὐαγγελίου τοῦ ὁρθρου.

Ἑλλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν, Κύριε, τὸ τῆς σῆς θεογνωσίας φῶς ἀκήρατον Goar. p. 41.

λ. 78. Εὐχὴ μετὰ τὸ εὐαγγέλιον.

Ὁ τὸ φῶς σου τὸ ἀληθινὸν ἀνατείλας κατὰ πᾶσαν τὴν οἰκουμένην, τὸν Κύριον ἡμῶν καὶ Θεὸν καὶ Σωτῆρα Ἰησοῦν τὸν Χριστὸν τὸν τῆς δικαιοσύνης ἥλιον, καὶ φωταγωγῆσας ἡμᾶς δι' αὐτοῦ πρὸς τὴν σὴν ἀπλανῆ ἐπίγνωσιν τε καὶ πίστιν. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, φώτισον τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς διανοίας ἡμῶν καὶ διάνοιξον τὰ ὥτα τῶν καρδιῶν ἡμῶν εἰς τὸ ἐναργῶς ὁρᾶν τε καὶ ἀκούειν καὶ ὑποδέχεσθαι τὸν Θεόν καὶ ἐπουράνιον αὐτοῦ σπόρον τὸν εὐαγγελικὸν λόγον, τὸν κατὰ πᾶσαν τὴν οἰκουμένην ὑπ' αὐτοῦ σπαρέντα, ὅπως, διὰ τῆς τούτου ἐπεισαγωγῆς εἰς ἡμᾶς, καρποφορήσωμέν σοι τῷ ἐπουρανίῳ γεωργῷ ἐν τριάκοντα καὶ ἐν ἐξήκοντα καὶ ἐν ἑκατὸν καὶ τύχωμεν τῶν αἰώνιων μονῶν, ὧν ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε Κύριε. Ὅτι σὺ εἰ ὁ φωτισμὸς καὶ ἁγιασμὸς καὶ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν...

λ. 78 οβ. Εὐχὴ τοῦ θυμιάματος τῆς λειτουργίας· Θυμίαμα προσφέρομεν ἐνώπιόν σου. Goar. p. 50.

— Εὐχή, ὅτε ἀμφιέννυται ὁ ἱερεὺς τὴν στολὴν αὐτοῦ καὶ παρασκευάζεται λειτουργῆσαι.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ἐξαπόστειλόν μοι δύναμιν ἐξ ὕψους. Goar. p. 48.

л. 79. Εὐχή (εἰς) τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η'. ἡμέρα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. p. 264.

л. 79 об. Εὐχή εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον εἰς τὰς μ'. ἡμέρας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἐλθὼν ὑπὸ Μαρίας, τῆς μητρός σου, καὶ ἐν ταῖς ἀγκάλαις τοῦ Δι-καίου Συμεὼν εἰσελθὼν, αὖξήσον¹⁾ καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε τῇ δυνάμει σου, ἵνα καὶ τυχὼν τοῦ λουτροῦ τῆς ἀφθαρσίας γενήσεται²⁾ τέκνον φω-τὸς καὶ ἡμέρας, καὶ τυχὼν³⁾ τῆς μερίδος καὶ τοῦ κλήρου τῶν ἐκλεκτῶν σου, κοινωνὸς γενήσεται καὶ τοῦ τιμίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χρι-στοῦ σου, φυλαττόμενος τῇ χάριτι τῆς ἀγίας καὶ ὁμοουσίου καὶ ζωοποιοῦ Τριάδος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

л. 80. Εὐχή εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα εἰς τὰς μ'. ἡμέρας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ἐπιδε ἐπὶ τὴν δούλην σου ταύτην καὶ δώρησαι αὐτὴν κατα-φυγεῖν τῇ ἀγίᾳ σου καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ ἀπόπλυνον αὐτῆς τὸν ῥύπον τοῦ σώματος καὶ τὸν σπῖλον τῆς ψυχῆς διὰ τῶν τεσ-σαράκοντα ἡμερῶν καταξιωθῆναι εἰσελθεῖν διὰ τοῦ τιμίου πρεσβυτέρου καὶ γενέσθαι ἀξίαν ναοῦ καὶ δόξαν σοι ἀναπέμψαι τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.

л. 80 об. Εὐχή εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Чинъ имѣетъ весьма большое сходство съ чиномъ въ рукописи № 957. См. стр. 1—4. Разница самая незначительная. Такъ, совершите-лемъ таинства крещенія является священникъ. Оговорокъ о крещае-момъ и о воспріемникѣ въ родѣ слѣдующихъ: εἰ μέγας ἐστίν, ἐὰν ᾖ παιδίον ἢ βάρβαρος—нѣтъ⁴⁾. Формула отрицанія написана слитно. Διακονικὰ εἰς τὸ βάπτισμα изложены такъ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνω-θεν⁵⁾... Ὑπὲρ τοῦδε προεστῶτος ἱερέως καὶ τῶν ἔργων τῶν χειρῶν αὐ-τοῦ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν⁶⁾. Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν

¹⁾ Ркп. № 962 Синайск. библи. XII в. ἀξίωσον ²⁾ γενέσθαι ³⁾ τύχει.

⁴⁾ Ркп. Синайск. библи. № 1036 XII—XIII в. эта оговорка есть. ⁵⁾ Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ χάριτι... Ὑπὲρ τοῦ ἐπι-φοιτῆσαι τὸ πανάγιον Πνεῦμα ἐπὶ τὸ ὕδωρ τοῦτο καὶ ἀναδεῖξαι αὐτὸ πηγὴν ὕδατος ἀλλομένου εἰς ζωὴν αἰώνιον τοῦ... ⁶⁾ Этого прошения нѣтъ.

ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχοκτόνου πολεμίου τὴν δύναμιν βυθισθῆναι τοῦ Κυρίου¹⁾. Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτὸς ἀναδειχθῆναι τοὺς ἐν αὐτοῖς βαπτιζομένους τοῦ Κυρίου²⁾. Ὑπὲρ τοῦ θείαν αὐτοὺς κατὰ τῶν ἀντιπάλων... Ὑπὲρ τοῦ σκεύη... Ὑπὲρ τοῦ περιπατήσαι αὐτοὺς ἀξίως τῆς κλήσεως, ἧς ἐκλήθησαν ὑπὸ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆ καὶ βεβαίαν³⁾... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Goar. p. 295. Τούτων δὲ τελειουμένων, εὐχεται ὁ ἱερεὺς καθ' ἐχυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός. Моментъ мнропомананія описывается такъ: Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν (т. е. послѣ молитвы: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν) ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς λαμβάνει τὸ τρυβλίον τοῦ ἁγίου ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροὺς τρεῖς, ψάλλων τὸ Ἀλληλούϊα γ'. σὺν τῷ ὄχλῳ. Καὶ μετὰ τοῦτο ἐκφωνεῖ, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ προσφέρεται ὁ βαπτιζόμενος τῷ πρεσβυτέρῳ καὶ ἀλείφει αὐτὸν ἐκ τοῦ ἐλαίου, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων, λέγων· Χρίεται ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιάσεως... Καὶ τότε χρίεται ὑπὸ τοῦ διακόνου ὅλον τὸ σῶμα ἐκ τοῦ ἐλαίου καὶ προσφέρεται τῷ ἱερεῖ, καὶ βαπτίζει αὐτόν, λέγων οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα... Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι ἄρχονται ψάλλειν· Μακάριοι ὦν... καὶ λέγει σὺν τῷ λαῷ τὸν στίχον τοῦτον γ'. καὶ δοξάζει. Καὶ ποιῶντος τοῦ διακόνου εὐχὴν συναπτήν, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... Goar p. 290. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν, λέγοντος τοῦ ψάλτου· Ὅσοι εἰς Χριστόν... χρίει αὐτοὺς τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν τὸν τοῦ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν ὠτων, καὶ τὰς χεῖρας, λέγων· Σφραγὶς ὁωρεᾶς⁴⁾... Здѣсь чинъ обрывается. В рукописи не достаетъ листа. Слѣдующій листъ (95) начинается концемъ молитвы на омовеніе младенца въ восьмой день: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας... См. выше стр. 26, ркл. Снн. библ. № 958. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Υἱὲ τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος

¹⁾ Ὑπὲρ τοῦ πάσας ἐν αὐτοῖς καταθῆναι τὰς ἁμαρτίας τῶν μεθεξόντων τοῦ σωτηρίου λουτροῦ. ²⁾ Ἐτοῦτο прошеніе пѣтъ ³⁾ тоже ⁴⁾ Конецъ изложенъ такъ: Καὶ μετὰ τοῦτο ἀπέρχεται ὁ ψάλτης λέγει· Μακάριοι ὦν... καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τῶν νεοφωτίστων εἰς τὴν εἴσοδον, καὶ γίνεται ἀκολουθία τῆς θείας λειτουργίας.

μονογενῆ, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου, αὐξήσον αὐτοὺς ἐν τῇ πίστει, θεμελίωσον αὐτοὺς ἐν τῇ ὁμολογίᾳ σου, τελείωσον ἀβραάβωνι τῆς μελλούσης κληρονομίας, εὐφόρησον τῇ ψυχῇ αὐτῶν τὸ ἅγιόν σου Πνεῦμα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν. Ἐκφών· Ὅτι σὺ εἶ ὁ φωτισμὸς τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Εὐχὴ ἐτέρα σύντομος· Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν ὑπέκλιναν τὰς ἑαυτὰς κεφαλὰς, τοὺς δὲ ἑαυτῶν ἐπέταξαν αὐχένας, οὓς διαφύλαζον ἀηττήτους ἀγωνιστάς, τῷ δὲ σῷ ἀφθάρτῳ στεφάνῳ νικητὰς πάντας ἡμᾶς ἀνάδειξον. Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία...

λ. 95 οβ. Πρόλογος τῆς εὐχῆς τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Ἰδοὺ ὁ τῆς ἐορτῆς ἐπέστη ἡμῖν καιρὸς, καὶ ἄγγελοι μετὰ ἀνθρώπων ἐορτάζουσι, καὶ χορὸς ἁγίων πλησιάζει ἡμῖν... Goar. p. 369. Μέγας εἶ Κύριε... p. 370.

λ. 97. Εὐχὴ ἄλλη εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, λεγομένη ἐν τῇ φιάλῃ τοῦ μεσιαύλου τῆς ἐκκλησίας.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκὺ μεταποιήσας... Goar. pag. 363. Εἰρήνην πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται πάλιν ὁ ἱερεὺς· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς καὶ τὰ ἐξῆς.

λ. 97 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας... Goar. p. 306 ἐπιφοιτῶν αὐτῷ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον καὶ ἐν τῇ ἀπαρχῇ τοῦ κείρασθαι αὐτοῦ τὴν κόμην, δὸς αὐτῷ προκόψαι ἐν ἡλικίᾳ πεπληρωμένη καὶ πολιᾷ γήρως, ὅπως ἴδῃ τὰ ἀγαθὰ Ἱερουσαλὴμ καὶ εὐαρεστήσῃ ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς, οἷς προητοιμάσας, ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσῃ. Ἐκφώνως· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα...

λ. 98. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. p. 306. Καὶ λέγει διάκονος· Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς λέγει· Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, что выше.

λ. 99. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι ἄνδρα τέλειον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν¹⁾, ὁ τὸν προπάτορα ἡμῶν Ἀβραάμ ἐξαποστείλας κεῖραι τὴν κόμην²⁾ τοῦ σοῦ ἀρχιερέως Μελχisedech³⁾ καὶ πᾶσαν αὐτοῦ ἀπαρχὴν θῆσαι εἰς ναὸν Κυρίου, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ τῇ εὐλογίᾳ καὶ κουρᾷ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων⁴⁾ καὶ χαρισά-

¹⁾ Ркп. Син. библ. № 973 ὁ ἐντειλάμενος Ἀβραάμ ²⁾ κεφαλὴν τοῦ σοῦ θεράποντος ³⁾ ὁ παραγενόμενος н т. д. ⁴⁾ καὶ μαθητῶν καὶ δωρησάμενος.

μενος αὐτοῖς ἀντί¹⁾ τῆς κουρᾶς τῶν τριχῶν θρόνους ἀρχιερωσύνης. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, δώρησαι καὶ τῷ δούλῳ σου τῷδε ἀντὶ τῆς κουρᾶς τῶν τριχῶν λογισμὸν δικαιοσύνης καὶ πολιτείαν ἐνάρετον²⁾, τόνδε διὰ τῆς σῆς ἀγαθότητος τεκνοποιούμενον ἀνάδειξον, ὡς Συμεὼν τὸν δίκαιον, τὸν ὑποδεξάμενον ἐν ἀγκάλαις αὐτοῦ σε τὸν μόνον ἀληθινὸν Θεὸν καὶ Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν· Ἐκφών· Ὅτι πρέπει σοι.

л. 99 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι γένεια.

Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ τῇ σῇ οἰκονομίᾳ ἡμᾶς... Goar. p. 308.

л. 100. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὸ κεῖραι κόμην ἢ πώγωνα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα παραγαγὼν... p. 309... κεφαλὴν ἢ τὸν πώγωνα σὺν τῷ πιστῷ σου δούλῳ αὐτοῦ ἀναδόχῳ πᾶσι τοῖς παρὰ σοῦ χαρίσμασι κατακόσμησον, ἀξίων αὐτὸν ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμοφροσύνῃ πνευματικῇ τὸν ἐπίλοιπον χρόνον τῆς ζωῆς αὐτοῦ διανῦσαι. Ἐκφώνησις· Σοὶ γὰρ εἶ ὁ δοτὴρ τῶν ἀγαθῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν.

л. 100 об. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῖν χαρισάμενος... Goar. p. 707.

Нѣсколько листовъ не достаетъ.

л. 101. Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου.

Ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι, Κύριε, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν... Goar. p. 341. Ναὶ δεόμεθά σου, παντοδύναμε Δέσποτα ὁ Θεὸς τοῦ σώζειν, ὁ μόνος τῶν ψυχῶν καὶ σωμάτων ἱατρός, ὅπως καὶ μετὰσχοντες τῆς σῆς ἀφάτου φιλανθρωπίας, δοξάζωμέν σε τὸν ποιῶντα μεγάλα καὶ θαυμαστά. Ἐκφώνως· Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρμῶν ὑπάρχεις...

л. 101 об. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ ἀρρώστου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια πάθη λόγῳ θεραπεύσας, ὁ τὴν πενθερὰν Πέτρου πυρέσσουσαν ἰασάμενος, αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, ἴασαι καὶ τὸν δούλόν σου ἀπὸ τῆς νόσου τῆς συνεχούσης αὐτόν, ἀπὸ στρωμνῆς

¹⁾ Ркп. Син. библ. № 973 ἀντὶ τῶν τριχῶν πίστιν καὶ λόγους μεταδόσεως. Αὐτὸς καὶ τὸν δούλόν σου τόνδε παρὰσχου λογισμὸν δικαιοσύνης. ²⁾ Ἴνα κατὰ τὰς ἐντολάς σου πολιτευσάμενος καὶ τὰ ἀρεστά σου ποιῆσαι καταξιωθῇ, καὶ τῆς ἐκ θεξίων σου στάσεως τῷ δὲ πίστει δεχομένῳ ταύτας δώρησαι καὶ αὐτῷ εὐλογίαν, ἣν ἐδωρήσω τῷ δικαίῳ Συμεὼν, τῷ δεξαμένῳ ἐν ἀναγκάλοις τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδοξασται...

κακώσεως καὶ κλίνης ὀδυνηρᾶς παρεχόμενος τὴν τελείαν ἀρρώστίαν. Ὅτι σὺ ἱατρός τῶν νοσούντων καὶ σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν.

— Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Goar. p. 424 Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς τούτῳ· Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία καὶ τῶν πενθούντων παράκλησις... p. 453.

λ. 102 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος πρεσβυτέρου.

Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς ὁ δίκαιος, τὸν μεθ' ἡμῶν σοι δουλεύσαντα, ἐξ ἡμῶν δὲ ἐκδημήσαντα ἱερέα, φιλάνθρωπε, τῆς ἐκεῖθεν ζωῆς κληρονόμον ἀνάδειξον, τὰ ἐντεῦθεν αὐτῷ πλημμεληθέντα λήθην ποιούμενος, ὡς ἀμαρτίας ἐλεύθερος, καὶ ἡμῶν τὸν βίον ἐν γαλήνῃ διάγαγε, ἵνα σοι εὐαρέστως ὑπηρετούμενοι τοῖς ἡτοίμασμένοις τοῖς σε θεραπεύουσι τύχωμεν. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἠολόγηται.

λ. 103. Εὐχὴ εἰς ψυχὴν κρινομένην.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντα ἄνθρωπον θέλων σωθῆναι... Goar. p. 587.

λ. 103 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ προσφερόντων ἀπρχάς.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν προσφέρειν σοι κατὰ πρόθεσιν ἐκάστω, κελεύσας καὶ τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν Goar p. 522.

— Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογία οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν Ζαχαρίου εἰσελθεῖν... Goar. p. 484.

λ. 104. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν ἀριστᾶν.

Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπουράνιος καὶ ζωοποιὸς ἄρτος Goar. p. 569.

λ. 104 οβ. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἐκ τοῦ ἀρίστου.

Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιλανθρώπῳ Θεῷ ἡμεῖς οἱ ἀμαρτωλοί... Goar. p. 569.

— Εὐχὴ εἰς τὸ ἀναδήσασθαι γυναῖκα.

Ὁ Θεός, ὁ ἐν προσφῆταις λαλήσας, προκηρύξας τὸν φωτισμόν... Goar. p. 399.

λ. 105 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ πλοίου, μέλλοντος ἀποπλεῖν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων, ὁ ἐντειλάμενος τῷ Νῶε κατασκευάσαι κιβωτόν... Ркп. Ватопед. библ. XVI в. № 134. л. 104 варіанты.

λ. 106. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ πλεόντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας συμπλεῦσαι τοῖς ἁγίοις σου μαθηταῖς... Goar. p. 684 τὰ κύματα κελεύσας. Αὐτὸς καὶ νῦν σύμπλευσον ἡμῖν καὶ πάντα ἐναντίον ἄνεμον καταπαύων, διέγειρον τοὺς ἐπιτηδείους ἀνέμους, κυβερνήτης καὶ βοηθὸς πανταχοῦ γενόμενος. Ἐκφώνως· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν σφραγίζει τὴν θάλασσαν.

λ. 106 οβ. Εὐχὴ εἰς λιτὴν, γινομένην οὐ διὰ φόβον, ἀλλὰ εἰς ἡμέραν ἑορτάσιμον.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ὧν εὐλογητὸς εἰς αἰῶνας... p. 640. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπέουχεται ὁ ἱερεύς· Δέσποτα Κύριε, κλῖνον τὰς καρδίας ἡμῶν... p. 641.

λ. 107. Εὐχὴ ἐν λιτῇ, λεγομένη διὰ φόβον.

Πάλιν σου, Κύριε, τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότη... Goar. 636 καὶ ταχὺ προκαλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἰκτιρμοὶ σου, Κύριε. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος.

λ. 107 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ σεισμῶν.

Ὁ φοβερός καὶ θαυμαστός καὶ μέγας καὶ ὑπερένδοξός τε καὶ ἀληθινὸς Θεός... Goar. p. 623.

λ. 108. Ἐπὶ παντός φόβου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, φεῖσαι ἡμῶν τῶν ἔργων τῶν χειρῶν σου καὶ ῥῦσαι ἡμᾶς καὶ τὸν λαόν σου ἀπὸ πάσης ἐπαγωγῆς κακῶν ἐνεγηγερμένων, ῥῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης πληγῆς ὁδυνηρᾶς.

λ. 109 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἐν τῷ λαῷ, ἰλάσθητι τοῖς δούλοις σου καὶ μὴ δῶς ἀνθρωπινὰ καὶ δαιμονικονικωνίαν (:) ἐπιτήμοις ἀκαθάρτοις δαίμοσιν, σύντριψον τὸν σατανᾶν ὑπὸ τοὺς πόδας τῶν δούλων σου καὶ ἐγκαίνισον τῷ ἁγίῳ σου Πνεύματι, ἔνωσον αὐτὸς τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ, καὶ πάσης ἐνεργείας τοῦ ἀντικειμένου λυτρωσάμενος, παράστησον τοῖς ἁγίοις σου θυσιαστηρίοις καὶ τῶν ἐπουρανίων καὶ ζωοποιῶν μυστηρίων καταξίωσον. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς τῶν μετανοούντων.

λ. 110. Εὐχὴ εἰς ἐνυπνιαζόμενον ἀδελφόν.

Πολυεύσπλαγγε Κύριε, ἀκήρατε, ἀμόλυντε, μόνε ἀναμάρτητε. Goar. p. 529.

— Εὐχὴ ἐν ἐπιτιμίᾳ ὄντων ἢ λόγῳ ἑαυτοὺς δεσμοῦντων· Εὐσπλαγγε Κύριε, ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε, ὁ διὰ τοὺς οἰκτιρμοὺς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον... Goar. p. 531.

λ. 110 οβ. Εὐχὴ εἰς ἀσθενοῦντα.

Εὐλόγητός εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς ἰατρός τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ τῶν σωμάτων, ὁ τὰς νόσους ἡμῶν ἀπόνως βασιτάσας, ὁ τῷ μῶλωπί σου

πάντας ἱασάμενος, ὁ ποιμὴν καλός... Молитва большая, но неоконченная, по отсутствию листовъ въ Евхологиѣ.

л. 113. Ἀπόταξις καὶ σύνταξις, γινομένη ὑπὸ τοῦ ἀρχιεπισκόπου τῇ ἀγίᾳ παρασκευῇ.

Συναγομένων πάντων τῶν κατηχουμένων ἐν τῇ ἀγίᾳ Εἰρήνῃ τῇ ἀρχαίᾳ, ἔρχεται ὁ ἀρχιεπίσκοπος... Goar. 279—281. Разница небольшая въ текстѣ: Стѣте μετὰ φόβου καὶ τρόμου... Первое прошение читается: Ὑπὲρ τῆς οἰκουμένης καταστάσεως καὶ εὐσταθείας τῶν ἁγίων ἐκκλησιῶν καὶ τῆς τῶν πάντων ἐνώσεως εἵπωμεν Κύριε ἐλέησον... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λέγει· Ἐνδύσασθε καὶ ὑποδύσασθε. Καὶ κατέρχεται καὶ εἰσέρχεται ἐν τῷ ἀγίῳ θυσιαστηρίῳ, καὶ γινομένης τῆς πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα εὐτρεπιζομένοις συνήθους εὐχῆς παρ' ἐνὸς τῶν διακόνων, ποιεῖ ὁ ἀρχιεπίσκοπος τὴν εὐχὴν ταύτην, μὴ λέγων τὴν συνήθη ἐκφώνησιν ἐν τῷ τέλει τῆς εὐχῆς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, προσκάλεσαι... Καὶ πάντας χειροθετῶν ὁ πατριάρχης ἄνδρας τε καὶ γυναῖκας ἔρχεται πάλιν ἐγγὺς τῆς ἀγίας τραπέζης... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν (т. е. послѣ молитвы: Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν ὁ πάντας θέλων σωθῆναι), λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προσέλθετε. Ἐν δὲ τῷ ἀγίῳ σαββάτῳ γίνεται ἅπανα ἡ ἀκολουθία τῶν ἁγίων βαπτισμάτων ἀπὸ τοῦ Ὁ εὐσπλαγγνος καὶ ἐλεήμων Θεὸς μέχρι τέλους τῆς πάσης ἀκολουθίας τῶν ἁγίων βαπτισμάτων.

л. 120. Εὐχὴ ἡγουν ποίησις μύρου, γινομένη τῇ ἀγίᾳ πέμπτῃ ὑπὸ μόνου ἐπισκόπου. Goar. pag. 503.

л. 122 об. Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ ἡγουμένου. Codex. S. Marci Goar. p. 397.

л. 123 об. Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου. Тотъ же кодексъ. Goar. p. 251—252. Прибавка лишь слѣдующая: Ἡ θεία χάρις καὶ τὰ λοιπὰ τὰ πρὸς συνήθειαν, ἅπερ ἀναγινώσκει εἰς ἐπήκοον πάντων, καὶ μετὰ τοῦτο προσάγεται αὐτὸς ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι καὶ ἀναπτύσσων ὁ ἀρχιεπίσκοπος...

л. 126. Εὐχὴ ἐπὶ προχειρίσεως βασιλέως.

Μετὰ τὸ φορέσαι τὸν μέλλοντα σὺν Θεῷ βασιλεύειν πάντα τὰ βασιλικά ἱμάτια ἄνευ τοῦ χλαμοδίου καὶ τοῦ στέμματος· ταῦτα γὰρ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέзῃ σὺν τῇ ψίβλᾳ προαποτίθενται. Ἰσταται ὁ πατριάρχης ἔμπροσθεν τοῦ μέλλοντος· στέφεται, καὶ ποιῶντος τοῦ διακόνου εὐχὴν, ἐπεύχεται ὁ πατριάρχης οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ βασιλεὺς τῶν αἰώνων καὶ Κύριος τῶν κυριευόντων... Goar. p. 726. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἐπαίρει ἐκ τῆς ἀγίας τραπέζης καὶ ἐπιδίδωσιν ὁ πατριάρχης τὸ χλαμό-

διον, τὴν φίβλαν τοῖς βεστήτοροι καὶ ἐν τῷ περιτιθέσθαι αὐτὰ ταῦτα λέγει· Ἐν εἰρήνῃ. Καὶ λέγοντος τοῦ διακόνου· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπεύχεται ὁ πατριάρχης ταῦτα· Σοὶ τῷ μόνῳ βασιλεῖ τῶν αἰώνων, ὁ τὴν ἐπὶ γῆς βασιλείαν ὑπὸ σοῦ πιστευθεῖς... Goar. p. 727. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν ἐπαίρει ἐκ τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου τὸ στέμμα, καὶ κρατῶν αὐτὸ ταῖς δυοῖς χερσί, στέφει αὐτὸν λέγων· Ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἴτα μετὰ τοῦτο, ποιῶν προηγιασμένα, μεταδίδωσιν αὐτῷ τῆς ζωοποιοῦ κοινωνίας.

3. 128. Εὐχὴ ἐπὶ καθιερώσεως ναοῦ καὶ τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης.

Πρὸ μιᾶς ἡμέρας τῶν ἐγκαινίων πρὸ τοῦ ἐπιγίνεσθαι τὸν πατριάρχην ἐν τῷ μέλλοντι ἐγκαινιζεσθαι ναῷ, προπέμπεται ὁ ἐπὶ τῶν χειροτονιῶν, καὶ παρασκευάζει τοὺς μαρμάρους στήσαι τὴν τράπεζαν. Καὶ πληροῦντων αὐτῶν τῶν ἔργων καὶ ἀναχωρούντων, ἐπιγίνεται ὁ πατριάρχης, ἔρχεται ἐν τῷ ναῷ, καὶ πάντων τῶν λαϊκῶν ἐξερχομένων καὶ μηδενὸς ἔσω μένοντος σὺν αὐτῷ, πλήν κληρικῶν μόνων, καὶ πανταχόθεν ἀσφαλιζομένης ἐκκλησίας, ποιεῖ εἰς τῶν διακόνων εὐχὴν. Καὶ λέγοντος αὐτοῦ· Κλίνοντες τὰ γόνατα, κλίνει γόνυ ὁ πατριάρχης ἐπὶ τὰς θύρας τοῦ ἱερατείου, διὰ τὸ μήπω τὴν ἐν αὐτῷ ἀποτεθεῖσαν ἁγίαν τράπεζαν ἁγιασθῆναι, καὶ ὅτε ἀναστῇ ὁ πατριάρχης, ὁ διάκονος λέγει· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Ὑπὲρ τῆς ἁνῳθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν τοῦδε ἱερωσύνης, διακοσύνης (sic), εἰρήνης, ὑγείας καὶ σωτηρίας αὐτοῦ καὶ τῶν ἔργων τῶν χειρῶν αὐτοῦ... Ἐκτενεστέρον· Ὑπὲρ αὐτοῦ καὶ τῶν συμπαρόντων αὐτῷ ἱερέων τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας παντὸς τοῦ κλήρου καὶ τοῦ λαοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸν οἶκον τοῦτον καὶ τὸ ἐν αὐτῷ θυσιαστήριον... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τῆς εὐκρασίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων, ὁδοιπορούντων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων... Τῆς παναγίας... Conf. pag. 664. Ὁ δὲ πατριάρχης ἐν τε τῷ γονυκλιτεῖν, ἐν τε τῷ ἰστάναι αὐτὸν καὶ γίνεσθαι τὴν τοῦ διακόνου εὐχὴν, ἐπεύχεται ταῦτα· Ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχος καὶ αἰδῖος, ὁ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα παραγαγών, ὁ φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον... Goar. p. 657. Ἐκφώνως· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ἐν ἁγίοις ἐπαναπαύῃ... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν ἐπιδίδοται τῷ πατριάρχει νίπτρα λευκὰ καὶ ταῦτα ῥίπτει εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν σταυροειδῶς, καὶ φέρεται σίτλα τοῦ ἁγίου ὕδατος χλιαροῦ, καὶ ἐπικλίνων αὐτῇ τὴν κεφαλὴν ὁ πατριάρχης, ἐπεύχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ ἁγιάσας τὰ ρεῖθρα τοῦ Ἰορδάνου... Goar. p. 569. Καὶ μετὰ τοῦτο ἐπιχέει γ'. τῇ τραπέζῃ ἐκ τοῦ χλιαροῦ, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ Ἀγίου Πνεύματος. Καὶ μετὰ τῶν ἐπι-

τεθέντων νιπτῶν, ἀποσμήχει τὴν τράπεζαν καὶ τοὺς κίονας αὐτῆς ταῖς χερσίν, εἷτα μετὰ σπόγγου καινοῦ καθαροῦ ἐκ τοῦ ὑπολοίπου χλιαροῦ ἐκμάσσει αὐτήν. Ἐν δὲ τῷ ταῦτα γίνεσθαι, λέγει τὸν πγ'. ψαλμὸν ἅπαξ ἡ καὶ πολλάκις, πάντων αὐτῷ συμφαλλόντων μέχρις οὗ τελείως αὐτὰ ἀποσμήξῃ καὶ ἀποπλύνῃ, καὶ τότε δοξάζει· Δόξα τῷ Θεῷ εἰς τοὺς αἰῶνας. Καὶ μετὰ τοῦτο λαμβάνει καινὴν κολάθην καὶ ἐπιχέει αὐτῷ γ'. σταυροειδῶς λέγων· Ῥαντιεῖς με ὑσώπῳ... ἕως ὅστέα τεταπεινωμένα. Τοῦτο γ' λέγει καὶ εἰδ' οὕτως ἐπισυνάπτει τὰ λοιπὰ τοῦ αὐτοῦ ψαλμοῦ μέχρι τέλους, καὶ οὕτως δοξάζει καὶ ἐπεύχεται τούτῳ· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς εἰς τοὺς αἰῶνας. Καὶ μετὰ τοῦτο λαμβάνει σάβανον καινούργιον καὶ ἐπιτίθῃσιν ἐπάνω τῆς τραπέζης, καὶ μετ' αὐτοῦ ἀποσπογγίζει αὐτήν, λέγων τὸν ρλα'. ψαλμὸν ἅπαξ ἡ καὶ β'. μέχρις οὗ τελείως ἀποσπογγίσῃ, καὶ οὕτως δοξάζει καὶ ἐπιλέγει πάλιν· Δόξα Χριστῷ τῷ Θεῷ εἰς τοὺς αἰῶνας. Καὶ λαμβάνει τὸ ἄγγεϊον τοῦ μύρου, καὶ λέγοντος τοῦ διακόνου· Πρόσχωμεν, ἐπιχέει ἐξ αὐτοῦ ἐν τῇ τραπέζῃ γ'. σταυροειδῶς, ποιῶν σταυροὺς γ'. πρῶτον καὶ β'. ἐκατέρωθεν, λέγων γ'. Ἀλληλούια, ὡς ἐπὶ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος· καὶ ἀποδιδούς τὸ ἄγγεϊον τοῦ μύρου, ἐκ τῶν γενομένων γ'. σταυροὺς ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ ἀλείφει αὐτήν τῇ χειρὶ πᾶσαν, ποιεῖ σταυροὺς εἰς τοὺς κίονας τῆς αὐτῆς τραπέζης, λέγων τὸν ρλβ'. ψαλμὸν ὅλον, καὶ δοξάζει ἐπιλέγων· Δόξα σοι ἁγία Τριάς, ὁ Θεὸς ἡμῶν εἰς τοὺς αἰῶνας. Καὶ μετὰ τοῦτο νιπτόμενος τὰς χεῖρας, λαμβάνει τὸ ἅπλωμα καὶ περιβάλλει τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, λέγων 4θ'. ψαλμὸν ἅπαξ ἡ καὶ πολλάκις ἕως οὗ τελείως αὐτήν ἐνδύσῃ καὶ οὕτως δοξάζει. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἐπιδίδοται τῷ ἀρχιεπισκόπῳ θυμιατήριον καὶ θυμᾶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ τὸ ἱερατεῖον, καὶ ὅλον τὸν ναόν, λέγων τὸν κε'. ψαλμὸν ἅπαξ ἡ καὶ πολλάκις, μέχρις οὗ ἀποθυμιάσῃ. Ἐν δὲ τῷ θυμᾶν αὐτόν, εἷς τῶν συμπαρόντων ἐπισκόπων, βαστάζων τὸ ἄγγεϊον τοῦ μύρου, ἀκολουθεῖ ὀπισθεν αὐτοῦ καὶ ποιεῖ σταυροὺς ἐκ τοῦ μύρου εἰς ἕκαστον κίονα καὶ ὀπίσω τοῦ αὐτοῦ ναοῦ. Εἷτα μετὰ τὸ πληρῶσαι, ὡς εἴρηται, τὸ θυμᾶσαι καὶ τὸν τοιοῦτον ψαλμὸν δοξάσαι, ποιῶντος διακόνου εὐχὴν συναπτὴν συνήθη· καὶ μετὰ τὸ Ἀντιλαβοῦ, λέγοντος· Τῆς παναγίας ἀχράντου καὶ τοῦ ἁγίου Goar. p. 665. Κλινόμενος ὁ πατριάρχης πλησίον τῆς ἁγίας τραπέζης, οὗ μέντοι γονυκλιτῶν ἐπεύχεται ταῦτα· Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, ὁ τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν ἀρρήτῳ σοφίᾳ θεμελιώσας... Goar. p. 660. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὅτι ἦν ἐξέχεας χάριν ἐπὶ τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους Goar. p. 491. Весь чинъ сходитъ, за немногими

исключеніями, съ Барбериновскимъ, напечатаннымъ у Goar. pag. 664—665.

л. 135. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τῶν ἐγκαινίων τοῦ ἤδη καθιερωθέντος ναοῦ.

Τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ, ἐν ᾗ καθιεροῦται ὁ εὐκτήριος οἶκος, γινομένου λυχνικοῦ καὶ παννυχίδος, ἐν μᾶ τῶν συνέγγυς τοῦ καθιερωθέντος εὐκτηρίου ἐκκλησιῶν, τῇ δηλωθησομένῃ διὰ τοῦ κηρυττικοῦ τῶν συνάξεων, ἐνθα δηλονότι καὶ τὰ ἅγια μένονται λείψανα. Παραγίνεται ἔωθεν ὁ πατριάρχης, ποιούντος διακόνου εὐχὴν συναπτὴν, ἐπεύχεται ὁ πατριάρχης, λέγων οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν τοῖς λόγοις σου Goar. p. 661. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πρεσβεΐαις τῆς ἁγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου. p. 661. Ἐκφώνως· Εἴη τὸ πανάγιον ὄνομά σου... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἀπάρχεται ὁ πατριάρχης ταῦτα· Δόξα σοι, Χριστέ, ἀποστόλων καύχημα... Καὶ βασιτάζων τὰ ἅγια λείψανα ἅμα τοῖς συμπαραούσιν αὐτῷ ἐπισκόποις, παραγίνεται μετὰ λιτῆς ἐν τῷ ἐγκαινιαζομένῳ ναῷ. Καὶ ὅταν εἰσέλθῃ εἰς τὸν νάρθηκα καὶ παρκαστῇ ἐν τῷ μέσῳ τῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ καὶ εἰπῇ· Εὐλογητὸς εἷ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ἀρχονται οἱ ψάλται τοῦτο τροπάριον· Ἄρατε πύλας οἱ ἄρχοντες. Καὶ εἴθ' οὕτως ἀνοίγονται οἱ πυλῶνες, καὶ εἰσέρχεται σὺν παντὶ τῷ λαῷ. Ἐν δὲ τῷ ψάλλεσθαι τὰ εἰρημένα τροπάρια, ἀποτίθεται ὁ πατριάρχης τὰ ἅγια λείψανα ἐν τῇ ἐτοιμασθείσῃ αὐτοῖς θέσει, καὶ ἐπεύχεται ταῦτα· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καὶ ταύτην τὴν δόξαν τοῖς ὑπὲρ σοῦ ἀθλήσασιν ἁγίοις μάρτυσι δωρησάμενος Goar. p. 663. Εἴτα δοξάζουσιν οἱ ψάλται καὶ ἐπισυναπτουσι τὸ Τρισάγιον καὶ γίνεται ἀκολουθῶς ἡ θεία λειτουργία. Слич. Goar. pag. 665.

л. 137. Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. τοῦ λυχνικοῦ.

Молитвы тѣже и въ томъ же порядкѣ, что и въ рукописи Син. библ. № 958 л. 24. См. выше стр. 21.

л. 144. Γερμανοῦ πατριάρχου εὐχαὶ εἰς παννυχίδα. Τῆже, что и въ ркп. Син. библ. № 956. См. выше стр. 13—14.

л. 147. Εὐχαὶ μεσονυχτικαί.

Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ Πνεύματος ἁγίου τοῦ Δαβὶδ χορηγήσας πρὸς ἡμετέραν ὑποτύπωσιν ψάλλειν σοὶ καὶ ἐν ταύτῃ τῇ ὥρᾳ τῆς νυκτός¹⁾ καὶ λέγειν· μεσονύκτιον ἐξεγειρόμην τοῦ ἐξομολογεῖσθαί σοι ἐπὶ τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου, ἰκάνωσον ἡμᾶς τοῦ ἐξομολογεῖσθαί σοι ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ἡμῶν, ἐπίσκεψαι ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν πιστοὺς καὶ φρονίμους οἰκονόμους, καὶ ἡμᾶς ἀνάδειξον ἐν τῇ φοβερᾷ ἡμέ-

ρα τῆς ἐξετάσεως σου πρεσβεΐαις τῆς Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ἐκφώνως· Ὅτι πρέπει πᾶσιν. Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Καὶ νῦν ἐπὶ τὸ μέσον τῆς νυκτὸς καταντήσαντες, Κύριε, τῆς κατὰ δύναμιν εὐχαριστίας σοι προσφέρομεν καὶ δεόμεθ' ἀπὸ τοῦ δωρηθέντα ταῖς καρδίαις ἡμῶν τῆς γνώσεώς σου θησαυρὸν ἀνεξάληπτον διαφυλάξον, ἔμβαλε εἰς τὸ στόμα ἡμῶν τὸν σοφίας σου λόγον καὶ ῥῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ παντὸς πράγματος ἐν σκότει διαπορευομένου. Ἐκφώνως· Ὅτι σὸν τὸ κράτος. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τῶν αἰώνων, ὁ μήτε ἀρχὴν, μήτε τέλος ἔχων, ὁ λυτρωτὴς τῶν ψυχῶν ἡμῶν, καὶ θεμελιωτὴς φρονημάτων, καὶ φύλαξ τῶν καρδιῶν ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν κτισμάτων σου ὑποδείξας ἡμῖν τῆς σῆς δημιουργίας τὴν ἄφραστον δύναμιν. Αὐτὸς Δέσποτα, καὶ κατὰ τὴν παροῦσαν τῆς νυκτὸς ὥραν πρόσδεξαι ἡμῶν τὴν δέησιν καὶ τὴν ἐκάστου ἔνδειαν, ἀναπλήρωσον εἰς πλειονότητα, καὶ ἀξίους ἡμᾶς ἀνάδειξον τῆς σῆς ἀγαθότητος. Ἐκφώνως· Ὅτι ἡυλόγηται... Εὐχὴ δ'. τῆς ἀπολύσεως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ πολλὴν χρηστότητα καὶ πληθὺς οἰκτιρμῶν σου δωρησάμενος ἡμῖν καὶ τὸ παρελθὸν μῆκος τῆς νυκτὸς ἀνεπηρέαστον ἀπὸ παντὸς ἐκκλίνειν κακοῦ. Σὺ, Δέσποτα ἀπάντων, Δημιουργέ, δὸς ἡμῖν κατανοῆσαι καὶ ἐπὶ τὰς ἐωθινὰς εὐχὰς, καὶ κατάλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν τῷ ἀληθινῷ φωτὶ τὸν τῆς γνώσεώς σου θησαυρὸν εἰς τὸ ποιεῖν τὸ θέλημά σου. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Σοὶ τῷ Θεῷ τῷ τῶν αἰώνων Δημιουργῷ καὶ πάσης κτίσεως ἡμεῖς, οἱ ἄχρηστοι δοῦλοί σου, ἐκλίναμεν τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς καὶ δεόμεθ' ἀπὸ τοῦ ἐξαπόμενον τὴν εὐλογίαν σου τὴν πνευματικὴν ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐν πάσῃ σεμνότητι καὶ ὑπακοῇ τῶν ἐντολῶν σου, διαφυλάξον τὴν ζωὴν ἡμῶν. Ἐκφώνως· Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν.

λ. 148 οὕτως Εὐχὴ πρὸ τοῦ ὕπνου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν τοῦ ὕπνου χρῆσιν εἰς σωτηρίαν τῷ γένει τῶν ἀνθρώπων χαρισάμενος, καὶ αὐτός, ὡς πάντα τὰ φυσικὰ καὶ ἀδιάνκλητα ἡμῶν πάθη, καὶ τὸν ὕπνον καταδεξάμενος, χάρισαι ἡμῖν ὕπνον εἰρηνικόν, ἀπέλασον ἀφ' ἡμῶν πᾶσαν φαντασίαν καὶ ἐπιβουλὴν δαιμόνων, ῥῦσαι ἡμᾶς τῆς τῶν ῥυπαρῶν καὶ αἰσχροῦ λογισμῶν ἐνθυμήσεως, ἁγιάσον ἡμῶν τὸν νοῦν καὶ τὴν ψυχὴν καὶ τὸ σῶμα, ἁγνισον ἡμῶν τὸν λογισμόν, τὴν παρθενίαν συντήρησον, ἐγγήγορον καὶ ἐλαφρόν τὸν ὕπνον ἡμῶν ποίησον, καὶ ἀνάστησον ἐν καιρῷ εὐθέως παραστήναι καὶ ἀποδοῦναί σοι τὰς εὐχὰς ἡμῶν πρεσβεΐαις τῆς ἀχράντου σου Μητρὸς καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάν-

νου, τῶν ἁγίων καὶ πανευφήμεων ἀποστόλων, προφητῶν καὶ μαρτύρων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

л. 149. Εὐχὴ μεσονυχτική.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ στόματος τοῦ ἁγίου σου προφήτου καὶ βασιλέως Δαβὶδ εἰπὼν· μεσονύκτιον ἐξεγειρόμην τοῦ ἐξομολογεῖσθαί σοι ἐπὶ τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου, καὶ τὰ νῦν ἐπίβλεπον ἐπὶ τὴν προσευχὴν ἡμῶν τῶν ταπεινῶν καὶ ἀχρείων δούλων σου, καὶ μὴ ἐξουδενώσης ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, ποιήσον ἡμῖν κατὰ τὸ ἔλεός σου, καὶ τὰ διακαιώματά σου διδάξον ἡμᾶς, φώτισον τοὺς ὀφθαλμοὺς τῶν διανοῶν ἡμῶν, καὶ ἐξέλασον ἀφ' ἡμῶν πᾶν πονηρὸν καὶ ἀκάθαρτον λογισμόν, ἀσφάλισαι ἡμῶν τὴν ζωὴν, τὸν λογισμόν κυβέρνησον, τὰ διαβήματα κατεύθυνον, καὶ ῥῦσαι ἡμᾶς ἐπὶ βουλῆς τοῦ ἀοράτου καὶ πολεμήτορος ἐχθροῦ, φαίδρυνον τὰς λαμπάδας τῶν ψυχῶν ἡμῶν τῷ ἐλαίῳ τῆς χρηστότητος καὶ τῆς ἀφάτου φιλανθρωπίας σου, ἵνα ἐργηγόρως καὶ ἀνυστάχτως ὑπαντήσωμέν σοι τῷ ἀγαθῷ νυμφίῳ τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ συνεισέλθωμεν εἰς νυμφῶνα τὸν σὸν ἐν τῇ χαρᾷ τῆς βασιλείας σου μετὰ τῶν φρονημάτων παρθένων πρεσβείαις τῆς ἁγίας καὶ Θεοτόκου Μητρὸς σου καὶ πάντων τῶν ἁγίων νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

л. 149. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Первая семь, что у Гоара р. 39—41. Седьмая молитва неокончена. Дальнейших листовъ въ рукописи нѣтъ.

VI. № 962. Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа, 195 листовъ, на пергаментѣ писана четкимъ почеркомъ XI—XII в. Первые три листа составляютъ окончаніе какой-то неизвѣстной намъ молитвы.

л. 3 об. Εὐχολόγιον, σὺν Θεῷ ἀρχόμενον τὴν θεῖαν λειτουργίαν τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου.

Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ, ἀποτιθεμένου τοῦ ἄρτου. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον. Goar p. 51. Весь чинъ состоитъ изъ молитвъ и отличается отъ предыдущихъ списковъ опущеніемъ молитвъ: „Οὐδεὶς ἄξιος... и въ концѣ литургіи: ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ. Ὡνύσται καὶ τετέλεσται. Надъ молитвою: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίσας ἡμᾶς... имени св. Василия Великаго нѣтъ. Оканчивается чинъ заамвонною молитвою: Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός, ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας... *Красносел. мѣс.* Опис. ватиканскихъ ркп. стр. 278.

л. 34 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Не достаеѣтъ нѣсколькихъ листовъ, содержащихъ въ себѣ окончаніе молитвы оглашенныхъ и молитвъ первой и второй вѣрныхъ. Молитва: Οὐδείς ἅγιος надписывается: Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτόν, а молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος...—καὶ μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ. Въ остальномъ списокъ литургіи сходенъ съ предыдущими.

л. 48. Ἀκολουθία τῶν προηγιασμένων.

Отъ предыдущихъ списковъ отличается молитвою прилежнаго моленія Goar. p. 56, съ которой настоящій чинъ начинается, и отсутствіемъ въ концѣ молитвы, читаемой въ діаконикѣ: „Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ διακονικῷ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους τυχτάς ἡμέρας. Относительно ектенѣи и молитвы за готовящихся къ просвѣщенію говорится, что онѣ произносятся лишь до среды страстной седмицы.

л. 58. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

Первыя три молитвы, что у Гоара p. 28 и надписываются εὐχὴ ἀντιφώνου α'. εὐχὴ ἀντιφώνου β'. и εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. На четвертомъ мѣстѣ стоитъ молитва: Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας... Goar. p. 35. съ надписью: Εὐχὴ εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα. Пятое мѣсто занимаетъ молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψίστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασία Goar. p. 29 съ надписью: Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως и шестое—εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς... Goar. p. 32.

л. 63. Εὐχαὶ τῶν παννυχίδων.

Первыя три молитвы, что въ ркп. № 956 Син. библ., а послѣднихъ двухъ нѣтъ. См. выше стр. 13—14.

л. 66 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Первыя пять тѣже самыя, что у Гоара p. 39—40 съ надписями: Εὐχὴ ἐωθινὴ ἀντιφώνου α'. β'. γ'. κ. τ. λ. На шестомъ мѣстѣ стоитъ десятая: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄφεσιν τοῖς ἀνθρώποις δωρησάμενος... Goar. p. 42. съ надписью: εὐχὴ τοῦ πεντηκостоῦ, на седьмомъ—12: Αἰνοῦμεν, ὑμνοῦμεν, ἐλογοῦμεν p. 42 съ надписью: εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως εἰς τὸ Δόξα ἐν ὑψίστοις. Восьмое и послѣднее мѣсто занимаетъ молитва: εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε, ἅγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν Goar. p. 44.

л. 74. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀναδῆσαι γυναῖκα. Goar. p. 309.

Εὐχολόγιον т. II.

1. 75 οβ. Εὐχὴ ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν.

Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πηγάσας ἁμαρτωλοῖς σωτηρίαν τῷ πάθει σου, τρόπαιον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν σταυρὸν ἀναδείξας, ὁ εἰπὼν· θαρσεῖτε, ἐγὼ νενίκηκα τὸν κόσμον, νίκησον ἐν ἡμῖν πᾶσαν ἁμαρτίαν, φιλάθρωπε, καὶ ἀπέλασον ἀφ' ἡμῶν πάντα λογισμὸν ἐναντίον τῶν προσταγμάτων σου, καὶ ἄγαγε ἡμᾶς εἰς μετάνεμον, ὣν ἡμάρτομεν, ἀγαθέ, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, ὅτι εὐλογημένος ὑπάρχεις, καὶ σοὶ πρέπει ἡ δόξα σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι.

1. 76. Εὐχὴ ἐπὶ συμφορᾷ.

Δέσποτα Κύριε οὐρανοῦ καὶ γῆς καὶ πάσης κτίσεως ὁρατῆς τε καὶ ἀοράτου, παντοδυνάμω θελήματι τῆς σῆς ἀγαθότητος ἔπιδε ἐπὶ τὸν λαόν σου, τὸν ἐπισυναχθέντα ἐπ' ἐλπίδι τῆς παρὰ σοῦ εὐλογίας, καὶ εὐλόγησον ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ, καὶ μὴ καταισχύνης ἡμᾶς, ὁ Θεός, ἀπὸ τῆς προσδοκίας ἡμῶν, ἀλλὰ γενοῦ βοηθὸς καὶ ὑπερασπιστὴς ἡμῶν ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως, τὸν κόσμον εἰρήνευσον, νίκας τῷ βασιλεῖ ἡμῶν δώρησον, τοὺς πεπλανημένους ἐπίστρεψον, τὴν ἐκκλησίαν σου ἀτάραχον φύλαξον, πάντας κυβέρνησον, Δέσποτα, ἐκάστῳ τὴν ὀφείλουσαν ποιούμενος πρόνοιαν· σὺ γὰρ εἶ ὁ ἐπιστάμενος τὸν νοῦν τῶν ἀνθρώπων καὶ εἰδὼς ποιεῖν ὑπερεκπερισσοῦ, ὣν αἰτούμεθα ἡ νοοῦμεν, ἡ πηγὴ τῶν εὐλογιῶν, ὁ θησαυρὸς τῶν ἀγαθῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν καὶ εὐχαριστίαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί...

1. 77. Εὐχὴ τοῦ νικτῆρος τῆς ἁγίας πέμπτης.

Κύριε, ὑπεράγαθε, ὁ ἀπρόσιτος τῇ θεότητι Goar. p. 592. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ κατὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου κενώσας ἑαυτὸν... p. 594. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Δέσποτα, Κύριε τῆς δόξης, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν μέτρα ταπεινώσεως... p. 592.

1. 80. (Εὐχὴ) εἰς νοσοῦντας.

Ὁ Θεὸς ὁ μόνος ἔχων ἐξουσίαν ἁμαρτίας ἀφιέναι καὶ ψυχὰς σώζειν Ркп. № 959 Синайск. дѣл. См. выше стр. 45.

1. 80 οβ. Εὐχαὶ ὀπισθάμβωνοι τῶν ὥρων.

Εὐχὴ τῆς α'. ὥρας. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς πρὸς τὰς ἀρχὰς τῆς ἡμέρας ἐλθεῖν, ἀνάτειλον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν τὸν ἀληθινὸν ἥλιον τῆς δικαιοσύνης σου, φωταγώγησον ἡμῶν τὸν νοῦν καὶ τὴν διάνοιαν, ἵνα, ἐν τῇ ὁδῷ τῶν ἐντολῶν σου πορευόμενοι, καταξιωθῶμεν καὶ τῶν αἰωνίων σου ἐπιτυχεῖν ἀγαθῶν πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου νῦν καὶ αἰεῖ... См. выше стр. 36. Εὐχὴ τῆς γ'. ὥρας. Τρισάγιε Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὸ παράκλητον καὶ ἅγιόν σου

Πνεῦμα ἐν τῇ τρίτῃ ὥρᾳ τοῖς ἁγίοις σου ἀποστόλοις καταπέμφας καὶ ἡμῖν τοῖς ἀναξίοις δούλοις σου τῆς αὐτῆς σου δωρεᾶς καὶ χάριτος μέ-
 τόχους ἀνάδειξον, ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ συντηρῶν τὴν ζωὴν ἡμῶν πρε-
 σβείαις τῆς παναγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου νῦν καὶ ἀεὶ.
 См. тамъ же стр. 36. Εὐχὴ τῆς ς'. ὥρας. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ
 Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν. ὁ κατὰ τὴν παροῦσαν ὥραν... См. выше стр. 38
 ἐκ τοῦ φόβου σου τὰς σάρκας ἡμῶν ἐκκλίνοντας ἀπὸ παντὸς κακοῦ καὶ ἐνερ-
 γοῦντας τὰς θείας σου καὶ σωτηρίους ἐντολὰς πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεο-
 τόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Εὐ-
 χὴ τῆς θ'. ὥρας. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ ὑποδείξει τῶν
 ἁγίων σου ἀποστόλων Πέτρου καὶ Ἰωάννου ἐκδιδάξας ἡμᾶς προσεύχεσθαι
 καὶ ἐξιλεοῦσθαί σοι, καὶ κατὰ τὸν τῆς ἐννάτης ὥρας καιρὸν ἀπονέκρω-
 σον τὸ τῆς σαρκὸς ἡμῶν φρόνημα, ἵνα τῷ σὺ ζῶντες θελήματι ἐν ἀμέμπτῳ
 πολιτείᾳ διὰ παντὸς εὐαρεστοῦμεν τὴν σὴν ἀγαθότητα πρεσβείαις τῆς
 ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου νῦν καὶ ἀεὶ....

π. 82 οβ. Εὐχὴ τοῦ τε λυχνικοῦ καὶ ἐωθινοῦ καὶ πρὸς πᾶσαν σύ-
 ναξιν ἐπιτηδεῖα.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλάν-
 θρωπος, δυσωπούμενος ὑπὸ τῆς ἰδίας σου εὐσπλαγχνίας πρεσβείαις τῆς
 ἀχράντου σου Μητρός, τῶν ἁγίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου
 προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων καὶ πανευφή-
 μων ἀποστόλων καὶ τοῦ ἁγίου τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν,
 καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου ἐλέησον, ἁγιάσον, φροῦρησον, εἰρηνεύσον τὴν
 ζωὴν ἡμῶν, προσδεκτὴν τὴν προσευχὴν ἡμῶν ποιήσον ἐν ἀφέσει ἁμαρτιῶν,
 διαφύλαξον πάντας ἡμᾶς. Ὁ ὢν εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ.

π. 83. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος εἰς τὴν λειτουργίαν.

Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς στήναι ἐνώπιον τῆς ἀχράντου
 σου δόξης καὶ ἀναπέμφαι σὲ τὰς ὑπὲρ πάντων ἡμῶν εὐχαριστίας, πρόσ-
 δεξαί ταύτας εἰς τὸ ἐπουράνιον καὶ ἅγιόν σου θυσιαστήριον εἰς ὁσμὴν
 εὐωδίας, καὶ παράσχου ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, σῶσον
 τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου, καὶ ποιήσον μεθ'
 ἡμῶν καὶ τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν τῶν συλλειτουργούντων καὶ ὑπὸ τὴν σὴν
 ἀγαθότητα τεταγμένων πλούσια τὰ ἐλέη σου, ὅτι τὸ ὄνομά σου, Κύριε,
 αἰεὶ δοξάζομεν. Σὸν γὰρ ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν...

π. 83 οβ. Εὐχὴ εἰς μνήμην τῶν ἁγίων ἀποστόλων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων γνωρίσας ἡμῖν
 τὸ μυστήριον τοῦ Χριστοῦ σου, ὁ φωτίσας ἡμᾶς διὰ τοῦ κηρύγματος αὐ-

τῶν, καὶ ὁδηγήσας εἰς τὴν ἀλήθειαν διὰ τῆς λαμπράσεως ἐν αὐτοῖς χάριτος τοῦ Μονογενοῦς σου, χάρισαι ἡμῖν ταῖς μνήμαις αὐτῶν κοινωνοῦντας καὶ τῶν αἰωνίων σου τυχεῖν ἀγαθῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ παναγίῳ.

λ. 84. Εὐχὴ εἰς διαφόρους ἀγίους.

Ὁ ἐνδοξαζόμενος ἐν ταῖς βουλαῖς τῶν ἁγίων σου, Κύριε, τῶν ἀποστόλων τὸ καύχημα, τῶν προφητῶν τὸ ἀγαλλίαμα καὶ τῶν μαρτύρων τὸ στήριγμα, τῶν ὁσίων ἡ χαρὰ καὶ τῆς τεκούσης ὁ στέφανος, τὴν σὴν εἰρήνην δώρησαι ἡμῖν, ὁδηγῶν καὶ φρουρῶν τὴν ζωὴν ἡμῶν, ἵνα μετὰ τοῦ ἐλέους τῆς σῆς ἀγαθότητος ἀξιωθῶμεν ζηλῶσαι αὐτῶν τοὺς ἄθλους καὶ εὐάρεστοί σοι γενόμενοι τυχεῖν σὺν αὐτοῖς τῆς μελλούσης μακαριότητος. Σὺ γὰρ εἶ ὁ χορηγὸς τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. См. выше стр. 23.

λ. 84. об. Εὐχὴ εἰς μνήμην.

Ἄγιε, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαύμενος, Ὑψιστε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν, ὁ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν, ὁ χαρισάμενος τοῖς ἁγίοις σου τὸν καλὸν ἀγῶνα ἀγωνίσασθαι, τὸν δρόμον τῆς εὐσεβείας ἐκτελέσαι καὶ τὴν ὁμολογίαν τηρῆσαι τῆς πίστεως. Μνήσθητι ἡμῶν, Κύριε, ἐν τῇ εὐδοκίᾳ τοῦ λαοῦ σου, ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ἐν τῷ σωτηρίῳ σου καὶ χάρισαι ἡμᾶς, Δέσποτα, μνημονεύειν τῶν ἁγίων σου ἐν παντὶ καιρῷ καὶ κοινωνεῖν τοῖς αὐτῶν παθήμασιν, ὅπως, μιμηταὶ αὐτῶν γενόμενοι, τύχωμεν τῶν ἀποκειμένων αὐτοῖς ἀγαθῶν. Ὅτι σοὶ πρέπει δοξολογία ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ γῆς τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ Πνεύματι... См. выше стр. 23.

λ. 85. Ἐπὶ μνήμην ἁγίων.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα Θεὲ Παντοκράτωρ, ὅτι κατηξίωσας ἡμᾶς τοὺς ἁμαρτωλοὺς καὶ ἐπὶ τοῦ παθόντος ἐπιτελέσαι τὸ μέγα τῆς ἐνανθρωπήσεως τοῦ Χριστοῦ σου μυστήριον, καὶ δεόμεθα σοι, βασιλεῦ τῆς δόξης, ἐνοίκησον ἐν ἡμῖν, ἀγαθέ, καὶ ἐμπεριπάτησον κατὰ τὴν ἀψευδῆ σου ἐπαγγελίαν, καὶ ποιήσόν ἡμᾶς ναοὺς τοῦ Ἁγίου σου Πνεύματος, χαριζόμενος ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήμικτα· σὺ γὰρ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων τὰ σύμπαντα καὶ ὁ μονογενὴς σου Υἱὸς καὶ τὸ Πνεῦμά σου τὸ πανάγιον νῦν καὶ ἀεὶ...

λ. 86. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η'. ἡμέρα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοὺ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν... Гоог. р. 264.

λ. 87. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι παιδίον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἐλθὼν. См. выше стр. 53.

λ. 87 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα, ἤγουν μετὰ τὸ σαραντῆσαι.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν διὰ τοῦ λόγου σου δημιουργήσας, ὁ τὰ πάντα ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγών, δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε, Κύριε, ὁ διασώσας τὴν δούλην σου τήνδε ἐκ τῆς συνελθούσης αὐτῇ τεκνογονίας λύπης καὶ τὰ νῦν, φιλάνθρωπε, ἔπιδε ἐπ' αὐτὴν καὶ καθάρισον αὐτὴν ἀπὸ πάσης ἀμαρτίας καὶ παντὸς ῥύπου, προσερχομένην ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ἵνα ἀκατακρίτως ἀξιωθῇ μετασχεῖν τῶν ἁγίων σου μυστηρίων. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος. Confer. Εὐχολ. Goar. p. 267.

λ. 88 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὡς ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας Goar. pag. 306.

λ. 89. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Начало чина до отрицания отъ сатаны сходно съ ркп. Такт. № 279 М. Синод. библ. см. Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I. стр. 9—10. Особенности небольшія. Молитва: Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε надписывается: ἀφορκισμὸς μετὰ τὸν πρὸς ὦραν βαπτιζόμενον. При чтении: Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ замѣчается: καὶ ἐμφυσᾷ τὸ πρὸς σωπὸν αὐτοῦ καὶ σφραγίζει и т. д. Отрицания написаны слитно. Въ словахъ: Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ нѣтъ прибавки: καὶ βαπτίζομαι. Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ Πιστεύω εἰς ἕνα Θεόν καὶ τὰ λοιπὰ ἕως τρίτου. Καὶ πάλιν λέγει αὐτῷ ὁ ἱερεὺς· Συνεταῖξω τῷ Χριστῷ. Καὶ ἀποκρίνεται· Συνεταῖξάμην и т. д. Διακονικὰ εἰς τὸ ἅγιον ὕδωρ· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης. Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτῷ πρὸς καθαρισμόν ψυχῶν... Ὑπὲρ τοῦ σκευῇ γενέσθαι αὐτά... Ὑπὲρ τοῦ τέκνον φωτός... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Μέγας εἰ Κύριε καὶ θαυμαστά... p. 288. Καὶ ἐμφυσῶν τῷ ὕδατι, σφραγίζει γ'. καὶ λέγει· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν... p. 289. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον τοῦ ἐλαίου καὶ δίδει αὐτὸ διακόνῳ, καὶ κλίνει ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν ἐν τῷ τρυβλίῳ καὶ φυσᾷ γ'. καὶ σφραγίζει τῷ δακτύλῳ καὶ εὐχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν... p. 289. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος τὸ Πρόσχωμεν, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον τοῦ ἁγίου ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ τρεῖς σταυρούς, φάλλων τὸ Ἀλληλούια σὺν τῷ ὄχλῳ γ'. ἤχος пл. β'. Καὶ μετὰ τοῦτο ἀποτίθεται τὸ τρυβλίον καὶ ἐκφωνεῖ· Εὐλογητὸς εἰ ὁ Θεός... Καὶ προσ-

φέρεται ὁ βαπτιζόμενος τῷ πρεσβυτέρῳ, καὶ λαμβάνει ὁ πρεσβύτερος ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων τοῦ βαπτιζομένου καὶ λέγει· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ.. Τότε χρίεται ὑπὸ τοῦ διακόνου ὅλον τὸ σῶμα, καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως, λέγων οὕτω· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος.. (слитно). Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι ἀπάρχεται ὁ ἱερεύς, Μακάριοι ὦν... καὶ λέγει γ'. καὶ δοξάζει.

л. 111. Εὐχὴ τοῦ μύρου.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... Goar. p. 290. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, χρίει ὁ ἱερεὺς τῷ μύρῳ τοὺς βαπτιζομένους, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν ῥινῶν, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτῶν, καὶ τοῦ στήθους καὶ λέγει οὕτως· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου, Ἀμήν. Καὶ μετὰ τῶν νεοφωτίστων, ψάλλων οὕτως, τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε, καὶ γίνεται ἡ θεία λειτουργία καὶ ἀπολύονται.

л. 113 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον.

Ὁ λύτρωσιν ἀμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος τοῖς δούλοις σου... Goar. p. 303. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς... καὶ ῥαντίζει τὰ πρόσωπα αὐτῶν ὕδατι, λέγων· Ἐδικαιώθητε, ἡγιασθήτε, ἐκαθαρίσθητε, ἀπολούσασθε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, καὶ λύει τὰ ἄμωια αὐτῶν καὶ ἀπολύει.

л. 114. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Φωνὴ Κυρίου... Διακονικὰ εἰς τὸ ἅγιον ὕδωρ· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ πηγὴν ἀφθαρσίας... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πηγὴν ἁγιασμοῦ πάντα πάθη... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ ἁγιασμοῦ δῶρον, νοσημάτων ἀλεξητήριον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας. Πρόλογος τοῦ ἁγίου Βασιλείου· Δοξάζομέν σε, Δέσποτα πανάγιε Θεέ, παντοκράτωρ, δοξάζομέν σε, προἀναρχε, προαιώνιε βασιλεῦ, δοξάζομέν σε τὸν πάσης κτίσεως ποιητὴν καὶ δημιουργὸν τῶν ἀπάντων· ἐν γὰρ τῇ προλαβούσῃ ἑορτῇ νηπιόν σε εἶδομεν, ἐν δὲ ταύτῃ τῇ ἑορτῇ τέλειόν σε ὀρώμεν, τὸν ἐκ τελείου τέλειον ὄντα Θεὸν καὶ ἐπιφανέντα ἡμῖν, σήμερον πανεύφημον ἑορτὴν ἑορτάζομεν τῆς παγκοσμίου ἐπιφανείας σου καὶ τῆς Προδρόμου εὐσπλάγχνου συγκαταβάσεως, σήμερον ὁ τῆς ἑορτῆς ἐπέστη ἡμῖν καιρὸς. Goar. 365 и двѣ остальные молитвы.

λ. 120 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὸ ἅγιον ὕδωρ. Τὸ αὐτὸ καὶ εἰς ἁγιασμὸν διακονίας. Goar. p. 363.

λ. 121 об. Εὐχαὶ διάφοραι. Εὐχὴ εἰς φρέαρ μiasθέν. Ἐκχέει πρῶτον μ'. κάδους καὶ εἴθ' οὕτως θυμιᾷ καὶ εὐχεται· Κύριε παντοκράτωρ ἐπουράνιε. См. выше стр. 48. Καὶ εἴθ' οὕτως βάλλει τὸ ἁγίασμα τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς εἰς τὸ φρέαρ καὶ ἀπογεύεται τοῦ ὕδατος (ὁ ἱερεὺς) καὶ εἴθ' οὕτως ὁ λαός.

λ. 123 об. Εὐχὴ ἐπὶ μετανούντων. Goar. p. 536 (первая).

λ. 124 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων p. 537 (первая).

λ. 125. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου. См. ркп. XV в. Свят.-гроб. библ. № 8. л. 66 об.

λ. 126. Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου. Goar. p. 335.

λ. 126 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστου. Ркп. № 957. л. 36 об. См. выше стр. 5.

λ. 127. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν Goar. p. 707.

λ. 128. Εὐχὴ εἰς κόλυβα μνήμης ἁγίων Ркп. № 958. л. 94 об. См. выше стр. 35.

λ. 129. Εὐχὴ ἐπὶ μικροφαγησάντων. Goar. p. 534.

λ. 130. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων. Goar. p. 535.

λ. 131. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιарὸν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσόν ἐν ὑποληνίῳ ἢ εἰς ἕτερον εἶδος.

Χρὴ οὖν λοιπὸν ἐπάραι τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον καὶ ρίψαι ἔξω, ἐὰν μὴ συσαπῇ καὶ μετὰ τοῦτο πλύνεσθαι ἕτερον ἄγγεῖον καθαρῶς ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν καὶ ἐπιρράντιζειν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων εἰς τὸ ἄγγεῖον σταυροειδῶς γ'. καὶ οὕτω τὸ μiasθέν μεταβαλεῖν ἐν' αὐτῷ τῷ ἄγγεῖῳ τῷ καθαρῷ, καὶ φέρει δύο μανουάλια σὺν κηροῖς, ἅπτονται καὶ θυμιᾷ τριγύρωθεν τὸ ἄγγεῖον καὶ εἴθ' οὕτως ιστάμενος κατὰ ἀνατολὰς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ διαστελλόμενος Goar. p. 482.

λ. 133. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων Goar. p. 581.

λ. 134. Ἐπὶ ἀνομβρίας Goar. p. 613.

λ. 135. Εὐχὴ ἀποδημούντων. Ркп. Син. библ. № 958. л. 87 об. См. выше стр. 33.

λ. 136. Εὐχὴ προπετῶς ὀμνούντων. Goar p. 534.

λ. 136 об. Εὐχὴ ἐπὶ μαγαρισάντων. Ркп. палимпсестъ Арх. Ан-тонина XIII в. л. 28 въ вариантахъ.

λ. 138 об. Εὐχὴ εἰς ἀρχὴν σπορίμων. Goar. p. 557.

λ. 139. Εὐχὴ ἐπὶ πλεόντων.

Ὁ Θεὸς ὁ φιλόανθρωπος, ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰώνων, ὁ πρὸ ἑωσφόρου γεννηθεὶς τὸ φῶς τὸ ἐκ φωτός, ὁ Λόγος τοῦ Πατρὸς, ὁ τεθεὶς ἐν θαλάσῃ ὁδὸν καὶ ἐν ὕδατι ἰσχυρῶ τρίβον, ὁ τῷ Ἀβελ συναθλήσας καὶ τῷ Ἀβραάμ πλουτήσας, ὁ τῷ Ἰσαὰκ συνδεθείς καὶ τῷ Ἰακώβ συνωδεύσας, ὁ τῷ Ἰωσήφ συμπραθείς, καὶ τῷ Μωϋσεῖ συστρατηγήσας, καὶ τῷ Ἰησοῦ τῷ υἱῷ Ναβῇ τὸν λαὸν κατακληροδοτήσας καὶ τιμίῳ ξύλῳ ὑποτάξας. Αὐτὸς Δέσποτα, συνόδευσον τοῖς εἴτε διὰ θαλασσῶν ἢ λιμνῶν ἢ ὁδοιποριῶν τὴν πορείαν ποιουμένοις καὶ πάντας, Χριστέ, ἀποκατάστησον εἰς λιμένας σωτηρίας, σύμπλους καὶ συνοδοιπὸρος αὐτῶν γενέσθαι καταξίωσον, καὶ τὴν πορείαν αὐτῶν κατευόδωσον καὶ ἡμῶν, Δέσποτα, τὴν παρεπιδημίαν τὴν ἐν τῷ βίῳ τούτῳ ἀχείμαστον καὶ ἀβλαβῇ διαφύλαξον. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς.

λ. 134. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς τὸ κτίσαι καράβιν. Τὸ αὐτὸ καὶ εἰς οἶκον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς ἐπὶ τῷ ὀνόματι σου τῷ ἁγίῳ οἰκοδομῆσαι σκάφος αὐτοῦς, τοὺς τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν ἐργαζομένους ἐν τῇ ἀνοικοδομῇ τοῦ πρὸς τὴν σὴν δοξολογίαν κτιζομένου πλοίου, ἐν τῷ πλήθει τῶν σῶν ἐπουρανίων ἀγαθῶν ἀντάμειψαι, καὶ τοὺς ὑπουργοῦντας ἐπίσχυσον, αὐλαβεῖς διαφυλάττων, τὰ θεμέλια αὐτοῦ ἀρράγῃ καὶ ἀσάλευτα διατήρησον, καὶ τέλειον ἀνάδειξον σκευὸς σου, ὅπως ἂν καὶ ἐν αὐτῷ πανευφήμοις δοξολογίαις ἀνυμνῶμέν σε τὸν ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν· σὺ γὰρ εἶ ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διασώζων καὶ κατευοδῶν ἐν πᾶσι καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ.

λ. 134 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι δίκτυα.

Ὁ πλούσιος καὶ ἄφθονος Θεός, ὁ μέγας καὶ μεγαλόδωρος, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον καὶ τὴν αἰώνιον ζωὴν ἐξαποστείλας τῷ κόσμῳ εἰς σωτηρίαν, τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, αὐτὸς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπε, καὶ τὰ νῦν δι' αὐτοῦ προκείμενα δίκτυα εὐλόγησον καὶ πλήθυνον τὰ ἀγαθὰ σου ἐν αὐτοῖς, καὶ δὸς ἡμῖν ἐξ αὐτῶν μεταλαβεῖν ἰχθύων ἐν εἰρήνῃ καὶ ἀγάπῃ, δοξάζοντές σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς.

λ. 135 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τρυγῆς ἀμπέλου.

Ὁ προσκυνητὸς καὶ Σωτὴρ τῶν ἀπάντων Θεός, ὁ τῆς ἀμπέλου φυτεῖαν τῷ δικαίῳ Νῶε ὑποδείξας καὶ τὸν λαόν σου Ἰσραὴλ τὸ τῆς σταφυλῆς αἷμα ποτίσας εἰς οἶνον καὶ εἰς γῆν, ῥέουσαν μέλι καὶ γάλα, αὐτὸς ἀγαθὸν καὶ τοὺς ἀμπελῶνας αὐτῶν καὶ ἐλαιῶνας εὐλογήσας. Αὐτὸς Δέσποτα, εὐλόγησον καὶ πλήθυνον τὸν τρυγητὸν τῶν δούλων σου, καὶ τῷ σῷ προστάγματι ὑπερεχθήσονται αἱ ληνοὶ τοῦ τε οἴνου καὶ τοῦ ἐλαίου αὐ-

τῶν, ἵνα, τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοὶ προσφέροντες καὶ τῶν σῶν δωρεῶν ἀπολαύοντες, δοξάζωμεν τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς.

λ. 136. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

Ἀγαθὸν ἡμᾶς εἰς τὸν καιρὸν τοῦτον διὰ τὴν σὴν ἀγαθότητα, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, ὁ πλάσας θέρος καὶ ἔαρ, ὁ τὰς κοιλάδας πληθύνας σίτου, καὶ εὐλόγησας τὸν κύκλον τοῦ ἐνιαυτοῦ καὶ στεφανώσας αὐτὸν τῇ τῶν γεννημάτων καρποφορίᾳ εἰς ἀποστροφὴν τῶν σῶν δούλων. Κύριε, παράσχου τὴν μετάληψιν τῶν γεννημάτων εἰρηνικὴν καὶ ἀκατάκριτον καὶ τὴν εἰσχομιδὴν εὐλογημένην ποιήσον, καὶ τοὺς θερίζοντας ἐνίσχυσον καὶ σκέπασον τῇ κραταιᾷ σου χειρὶ, ἵνα καὶ ὁ θερίζων ὁμοῦ χαίρῃ καὶ ὁ συνάγων, εὐλόγησον τὰ δράγματα καὶ τὴν ἄλωνα, καὶ πλήρωσον τῶν σῶν ἀγαθῶν τὰς τῶν δούλων σου ἀποθήκας, ἵνα, πᾶσαν εὐθηνίαν παρὰ σοῦ λαβόντες, πλουτήσωσιν ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς κατὰ τὰς ἐντολάς σου. Ὅτι ἡυλόγηται.

λ. 137. Διακονικὰ εἰς μνηστρα.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῶν μνηστευομένων ἀλλήλοις... Ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ Θεὸς αἰώνιος Goar. p. 311. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ἐξ ἔθνων... Ibid.

λ. 138 ὁβ. Ἀκολουθία εἰς γάμους καὶ εἰς στεφάνωμα.

Ἰσταται ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ καὶ οἱ δύο οἱ ἀρμοζόμενοι ἔμπροσθεν εἰς τὰ ἅγια θύρια καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ δακτυλίδιον ἐκ τοῦ νεωτέρου καὶ τίθῃσιν αὐτὸ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ, ἐν ᾗ ἀπόκειται καὶ τὸ ἅγιον ποτήριον, καὶ εἰθ' οὕτως ἄρχεται ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον αὐτῶν, ὡς τὸν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Ὑπὲρ τοῦδε καὶ τῆσδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν. Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος πλάσας τὸν ἄνθρωπον Goar. p. 317. Εἶτα στεφανοῖ ἀμφοτέρους καὶ δίδωσιν αὐτοῖς τὰ δακτυλίδια, τὸ μὲν χρυσοῦν τῷ ἀνδρί, τῇ δὲ γυναικὶ τὸ σιδηροῦν, καὶ καταλάσσουσιν ἀμφότεροι, καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς χεῖρας παραδίδωσιν ἀλλήλοις, λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας Goar. p. 318 τὰς ἐντολάς σου. Εὐλόγησον αὐτοὺς ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰσαὰκ καὶ τὴν Ῥεβέκκαν, εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥαχὴλ, εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θε-

ός, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσουνέθ, εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας τὸν Μωϋσῆν καὶ τὴν Σεπφόραν, εὐλόγησον, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἑλεάζαρ καὶ τὴν Σαλώμην, εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας τὸν Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἑλισάβετ. Καὶ δὸς αὐτοῖς, Κύριε, εὐλογίαν ἀνέκλειπτον καὶ τὸ σπέρμα αὐτῶν πληθύνον καὶ ἀξίωσον αὐτοὺς τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν τῆς εὐλογήσεως. Χρὴ οὖν εἰδέναι, ὅτι ἐὰν ἓνα σταφανωμεν, θένται (sic) τὰ στεφάνια μετὰ τῶν δακτυλιδίων ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ, ἔνθα κεῖται τὸ ἅγιον ποτήριον, καὶ προτίθεται ἡ εὐχὴ αὕτη· Στεφανώσον αὐτούς, ὁ Θεός, ὁ στεφανώσας τὸν κύκλον τοῦ ἐν-αυτοῦ τῆς χρηστότητός σου, στεφανώσον αὐτούς, ὁ Θεός, ὁ στεφανώσας τὴν γῆν τῇ τῶν ποικίλων ἀνθέων εὐκοσμία καὶ ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ διατήρησον αὐτούς καὶ εὐλόγησον ἐν ἀγαθοῖς τὴν ζωὴν αὐτῶν, καὶ παράσχου τοῖς δούλοις σου τούτοις καρπὸν κοιλίας ἐνάρετον καὶ παιδοποιίαν εὐτακτον, μακροήμερευσιν εὐεχτέαν καὶ γῆρας τίμιον καὶ πολυχρόνιον, ἵνα ὡς ἐξ ἀγαθῆς ῥίζης ἀγαθὰ καὶ τὰ βλαστήματα ὑπάρχουσιν. Ὅτι τὸ εἶ ὁ στέφανος καὶ τὸ καύχημα τῶν ἁγίων μαρτύρων... Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς. Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς ὑφοῖ τὰ προηγιασμένα ἅγια. Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος. Εὐχὴ τοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου Goar. p. 319. Καὶ ποτίζει αὐτούς καὶ ἀπολύει.

λ. 143. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι τὰ στεφάνια ἐκ τοῦ θαλάμου.
Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας Goar. p. 322.

λ. 144. Εὐχὴ εἰς ἀσθενοῦντας καὶ τῶν ἁγίων ἑπτὰ παίδων τῶν ἐν Ἐφέσῳ.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ποιῶν μεγάλα καὶ θαυμάσια, ὁ ποιήσας ἐνδοξότερα ἐπὶ τῷ οὐρανῷ καὶ ἐν τῇ γῇ, ὁ θεραπεύων πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν, ὁ τοῖς ἁγίοις σου ἑπτὰ παι-σὶ Μαξιμιλιανῷ, Ἰαμβλίχῳ, Μαρτίνῳ, Διονυσίῳ, Ἰωάννῃ, Ἐξακουστοδιανῷ καὶ Ἀντωνίνῳ τὸν ὕπνον πρόξενον σωτηρίας χαρισάμενος εἰς τὸ ἐκφυγεῖν τοῦ παρανόμου βασιλέως τὴν ἀπειλήν, αὐτὸς καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε δὸς ὕπνον γλυκὺν καὶ ῥῶσιν σώματος· εἰ καὶ ὡς ἄνθρωπός τι τῶν ἐντολῶν σου παρέβη, συγχώρησον, Κύριε, καὶ ἀνάστησον καὶ φώτισον αὐτοῦ τὴν ψυχὴν καὶ καθάρισον αὐτὸν ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος, καὶ διαφύλαξον αὐτὸν τῇ σῇ χάριτι, σῶον, ὑγιῇ, μακροήμε-ρεύοντα, ἀπὸ παντὸς κακοῦ καὶ πάσης ἐνεργείας σατανικῆς τῶν ἀχράντων χειρῶν σου τὸ πλάσμα πρεσβεΐαις τῆς ἀχράντου Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἰατρός τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων...

л. 145. Εὐχή, λεγομένη, ὅταν ἐνουπιάζεται τις ὑπὸ πονηρῶν φαντασμάτων.

Πολυέλεε, εὖσπλαγγνε Κύριε, ἀκήρατε, ἀμόλυντε, ἀναμάρτητε Goar. p. 529.

л. 146. Εὐχή τοῦ Χρυσοστόμου, πρὸ τῆς ἁγίας κοινωνίας λεγομένη καὶ εἰς τὸν κοσμικόν, ἐὰν πάσας ἡμέρας μὴ κοινωνήσῃ.

Κύριε οὐκ εἰμὶ ἄξιος οὔτε ἱκανὸς и т. д. Нынѣ въ молитвахъ ко причащенію.

л. 148 об. Εὐχή τῆς γονυκλισίας καὶ ἁγίας Πεντηκοστῆς.

Первыя пять молитвъ и на главопреклоненіе, что у Гоара pag. 597—603. Нѣтъ молитвъ: „Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ αἰώνιος, ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος... и Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος... т. е. третье чтеніе состоитъ всего изъ одной молитвы.

л. 165. Чтенія апостольскія и евангельскія на разные дни праздниковъ и чтимыхъ святыхъ. О евангеліи отъ Луки: „Во время оно воставше Маріамъ“ замѣчается: εὐαγγέλιον τῆς Θεοτόκου ἀναγινώσκομεν ἐπὶ παννυχίδας καὶ εἰς ὄρθρον.

VII. № 961. Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа, 100 листовъ, на пергаменѣ писана мелкимъ небрежнымъ¹⁾ почеркомъ XI—XII вѣка.

л. 1. Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ τελειωμένον τοῦ ἁγίου Βασιλείου καὶ Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Литургія, хотя состоитъ изъ молитвъ, какъ и въ предыдущихъ спискахъ, но имѣеть нѣсколько интересныхъ особенностей. Начинается чинъ молитвою: „Εὐχή ἐν σκευοφυλακίῳ, ἀποτιθεμένου τοῦ ἄρτου τῆς προθέσεως ἐν δίσκιῳ“—Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐρανίον ἄρτον. Εὐχή κατηχομένων: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν именемъ Василія Великаго не надписывается. Молитва: Οὐδεὶς ἄξιος τῶν συνδεδεμένων...не имѣеть никакого надписанія. Κύριε ὁ Θεὸς

¹⁾ Почеркъ настоящей рукописи столь неопредѣленный, что архимандритъ Антонійъ относитъ ее къ XI в. (Библиотечный ркп. каталогъ), а Гардгаузенъ къ XIII в. (Catalog. cod. graecorum Sinait. Oxon. 1886 ap. p. 204), но вѣрнѣе это почеркъ не XI и не XIII в., а переходнаго времени отъ XI вѣка къ XII в. Начертаніе буквъ подтверждаетъ это наше соображеніе.

ἡμῶν, ὁ κτίσας ἡμᾶς надписывается, какъ въ Севаст. спискѣ № 374 *Красносельцевъ*. Опис. стр. 247. Послѣ возгласа διακονα: Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους замѣчено: καὶ μετὰ τὸ δοθῆναι τὴν ἀγάπην καὶ νίφασθαι πάντας, λέγει ὁ διάκονος· Τὰς θύρας τὰς θύρας. Καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος· Ἐν σοφίᾳ πρόσχωμεν. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν λαὸν τὸ ἅγιον σύμβολον καὶ τὸν διάκονον· Στῶμεν καλῶς, καὶ λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ὁ λαός· Καὶ μετὰ τοῦ πνεύματός σου. Ὁ ἱερεὺς· Ἄνω σχῶμεν τὰς καρδίας. Ὁ λαός· Ἐχομεν πρὸς τὸν Κύριον. Ὁ ἱερεὺς ἀρχεται τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς· Ὁ ὢν Δέσποτα Θεὲς Πάτερ παντοκράτωρ... *Κраснос.* стр. 251 Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν (т. е. послѣ молитвы: Δέσποτα Πάτερ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως) καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν διάκονον τὸ Πρόσχωμεν, εὐχὴν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτόν, μέλλων ὑψῶναι τὸν ἅγιον ἄρτον, λέγων οὕτως· Πρόσχες Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν Тамъ же стр. 275. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν λαὸν τὸ Εἷς ἅγιος, λαμβάνει ἐκ τοῦ ἁγίου σώματος μερίδα ὁ ἱερεὺς καὶ βάλλει εἰς τὰ ποτήρια, λέγει· Πλήρωμα Πνεύματος Ἀγίου. Καὶ μεταδιδοὺς ἐπιφθέγγεται· Σῶμα τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Σῶμα τοῦ ἐκ τοῦ Πατρὸς γεννηθέντος καὶ οὐ ποιηθέντος. Σῶμα τοῦ ὑπὸ τῶν προφητῶν κηρυχθέντος. Σῶμα Δεσπότου τῶν ἀγγέλων. Ποιοῦντος τοῦ διακόνου τὴν εὐχὴν, ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ μεταλήψει... Тамъ же стр. 276 Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος· Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε Κύριε... Тамъ же стр. 278. Εὐχὴ τοῦ σκευοφυλακίου· Ἦνυσται καὶ τετέλεσται... Тамъ же стр. 279.

л. 20. Εὐχὴ κατηχουμένων ἄλλη πρὸ τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς τοῦ Χρυσοστόμου.

Чинъ состоитъ изъ молитвъ, какъ и предыдущіе списки. Εὐχὴ πιστῶν α'. μετὰ τὸ ἀπλωθῆναι τὸ εἰλητόν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... МОЛИТВА: Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος, ὁ δεχόμενος θυσίαν αἰνέσεως надписывается: Εὐχὴ γ'. προσκομιδῇ Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. Нѣтъ молитвы: Οὐδεὶς ἄξιος. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ἄλλη· Ὁ Θεὸς ὁ καλέσας, ἁγιάσας (ἡμᾶς), Δέσποτα, καταξίωσον τῆς κλήσεώς σου, φύλαξον ὑπὸ τὴν σκέπην σου, βεβαίωσον ἐν τῇ ὀρθοδόξῳ πίστει, ῥῦσαι ἀπὸ τοῦ πονηροῦ καὶ πάντων αὐτοῦ τῶν ἐπιτηδευμάτων...

л. 27. Εὐχὴ ἀντιφώνου πρώτου τοῦ λυχνικοῦ.

Первыя одинадцать молитвъ тѣже, что въ ркп. № 958 (См. выше стр. 21) и съ тѣми же надписаніями, но послѣ молитвы τοῦ

Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ αἰώνιος, ὁ ἅγιος ὁ φιλόανθρωπος Goar. p. 36
 непосредственно слѣдуютъ εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ
 ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν Goar. p. 29 и εὐχὴ τῆς κεφαλοκλι-
 σίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς καὶ καταβάς... Goar. p. 32.

л. 34. Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. τῆς παννουχίδος.

Тѣже, что въ рукописи Синайск. библ. № 956. См. выше стр.
 13—15.

л. 37 об. Εὐχὴ μεσονυχτινὴ ἀντιφώνου α'.

Тѣже, что въ рукописи № 959 Синайск. библ. См. выше стр.
 62—63.

л. 39. Εὐχὴ ἐωθινή.

Всѣхъ утреннихъ молитвъ 11. Порядокъ ихъ до 8 включи-
 тельно тотъ же, что и у Гоара p. 39—41. Надписываются онѣ: Εὐχὴ
 ἐωθινή α'. εὐχὴ ἐωθινή β'. и т. д., а восьмая—εὐχὴ ἐωθινή η'. прὸ
 τοῦ πεντηχοστοῦ. Молитва девятая: Λάμψον, Δέσποτα βασιλεῦ отсут-
 ствуетъ, посему на девятомъ мѣстѣ стоитъ десятая съ надписью:
 εὐχὴ τοῦ πεντηχοστοῦ, на десятомъ—одиннадцатая съ надписью:
 εὐχὴ τῶν αἰῶν, на одиннадцатомъ и послѣднемъ—двѣнадцатая съ над-
 писью: εὐχὴ ἡγοῦν ἀπολύσις. Къ нимъ присоединяется безъ всякаго
 надписанія двѣнадцатая молитва на главопреклоненіе: Κύριε ἅγιε, ὁ
 ἐν ὕψηλοῖς κατοικῶν καὶ τῷ παντεφόρῳ ὄμματι ἐπιβλέπων. Goar. p. 44.

л. 46. Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. γινομένης τριτέκτης.

Тѣже, что въ рукописи № 957 Синайск. библ. (См. выше стр.
 9—12), но молитва отпуста неокончена, по отсутствію дальнѣй-
 шихъ листовъ, вырванныхъ изъ рукописи. Вырвано четыре листа.

л. 51. Конецъ молитвы: Ὁ τῶν ἀρρήτων καὶ ἀθεάτων μυστη-
 ρίων Θεὸς... Goar. p. 166 въ чинѣ литургіи преждеосвященныхъ да-
 ровъ, и далѣе идетъ окончаніе этой литургіи, ничего въ себѣ осо-
 беннаго не заключающее. Εὐχὴ ἐν τῷ συστελλαι τὰ ἅγια—нѣтъ.

л. 52. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ
 η'. ἡμέρᾳ τῆς γενέσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. pag. 264.

л. 53 на половину оторванный. На об. его содержится мо-
 литва ὅταν ἔρχεται παιδίον μετὰ τῆς μητρός... μέραις εἰς τὸν ναόν· Κύ-
 ριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερόν
 ἐλθὼν... Прилож. къ „Богослужен. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I“,
 стр. 19.

— ... όταν προσφέρει εἰς τῆς μητρός του... λέγει οὕτως.

... Δέσποτα Παντοκράτωρ, ὁ φυλάσσων τὰ νήπια καὶ φρουρῶν αὐτά, ὁ (διὰ) τὴν ἀκκαίαν ἐν τῷ ἀγκαλισμένῳ αὐτά, καὶ τὰ νῦν Κύριε εὐλόγησον τὸ σὸν παιδίον, τὸ σὸν κτίσμα, τὴν σὴν δημιουργίαν καὶ αὔξησον, καὶ σοφισον αὐτὸν καὶ τέλειον ἀναδείξον τὸν δοῦλόν σου τῇ χάριτι τῆς ἀγίας ὁμοουσίου καὶ ἀδιαιρέτου Τριάδος εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου. Conf. Goar. p. 265.

л. 54. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

До ектения буквально сходенъ съ чиномъ въ Тактиконѣ № 279 М. Синод. библи. (Прил. стр. 9—11). Вопросы огрицанія написаны слитно. Διακονικὰ τοῦ βαπτίσματος. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ ψυχοκτόνου πολέμου τὴν δύναμιν ἀφανῆσαι τῷ ἐλαίῳ χρίσεως τοῦ Κυρίου. Ὑπὲρ τοῦ τέχνα φωτός... Ὑπὲρ τοῦ θεῖαν αὐτοὺς κατὰ τῶν ἀντιπάλων... Ὑπὲρ τοῦ σκευὴ γενέσθαι... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτοὺς ἀξίως τῆς κλήσεως, ἐν ᾗ ἐκλήθησαν ὑπὸ τοῦ Κυρίου. Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆ καὶ βεβίαν... Ὑπὲρ τοῦ καταπλουτηθῆναι αὐτοὺς... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως αὐτοὺς μεταλαμβάνειν τῶν ζωοποιῶν μυστηρίων. Ὑπὲρ τοῦ κληρονόμους ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Conf. Goar. p. 295. Ὅτι πρέπει. Τότε ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην καθ' ἑαυτόν. Εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός, ὁ ἐτάζων... p. 288. Καὶ τὸ Ἀμήν καθ' ἑαυτόν λέγει. Μετὰ τὸ συμπληρῶσαι τὸν ἀρχιδιάκονον, ἀρχεται ὁ ἱερεὺς τῆς τῶν ἁγίων βαπτισμάτων εὐχῆς, λέγει οὕτως· Μέγας εἰ Κύριε... p. 288. Далѣе до момента погруженія крещаемого въ воду буквально сходно съ Тактикономъ № 279 (Прилож. 13 стр.). Καὶ τότε χρίεται ὑπὸ τοῦ διακόνου ὅλον τὸ σῶμα, καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως, λέγων οὕτως· 2) Βαπτίζεται ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ. Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι πάντας ἀπάρχεται ὁ ἱερεὺς· Μακάριοι ὦν.. καὶ λέγει σὺν τῷ λαῷ τὸν στίχον τοῦτον γ'. καὶ δοξάζει. Ποιοῦντος τοῦ διακόνου τὴν εὐχὴν, τότε ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται εἰς τὸ ἅγιον μῦρον. Εὐχὴ τοῦ μύρου· Εὐλογητὸς εἰ Κύριε ὁ Θεός, ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν Goar. p. 290. Εὐχὴ τοῦ σα-

1) Ркп. Синайск. библи. № 973 нѣтъ этого, а стоитъ: αὐτὸς τῇ αὐτοῦ ἀγαθότητι δωρήσεται σοι ὑγείαν. 2) Чинъ этотъ въ рукописи изложенъ спутанно, а посему въ немъ дважды говорится о погруженіи крещаемого.

βάνου. Λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ σάβανον, ὅταν χρῖσῃ τῷ ἁγίῳ ἐλαίῳ καὶ περιτίθῃσι τῷ ἀναδόχῳ, λέγων οὕτως τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Δεσπότης καὶ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ ὢν εὐλογητός εἰς τοὺς αἰῶνας, εὐλογῇσιν¹⁾ σοι ἐπὶ τῇ ἀγαθῇ σου πίστει καὶ δώσει σοι Κύριος ὑγείαν ψυχῆς καὶ σώματος, χαρίζεται σοι τὰ πνευματικά σου καὶ τὰ σαρκικά σου τέκνα, καὶ ἔσῃ εὐλογημένος ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ ἕως τοῦ αἰῶνος. Μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως, λέγων οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος ὁ δεῖνα τοῦ Θεοῦ... Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν τοῦ μύρου, χρίει ὁ ἱερεὺς τῷ ἁγίῳ μύρῳ τὸν βαπτιζόμενον, ποίῳ τύπον σταυροῦ ἐπὶ τοῦ μετώπου, τῶν ὀφθαλμῶν καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος καὶ β'. ὧτων, καὶ τῶν μεταφρένων, λέγων οὕτως· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου εἰς τὴν πλήσμεν σοφίας, εἰς ὑπακοὴν πίστεως νῦν καὶ ἀεί. Εὐχὴ τοῦ κορυμβίου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς ἐπιθέσεως τῶν χειρῶν σου καταπέμψας τὸ πανάγιόν σου Πνεῦμα εἰς τοὺς ἁγίους σου μαθητάς καὶ ἀποστόλους, κατάπεμψον καὶ ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τὸν νεοφώτιστον τὸ πανάγιόν σου Πνεῦμα, συγκαταρίθμησον αὐτὸν μετὰ τῶν εὐαρεστησάντων τὸ ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ Ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεί. Καὶ εἴθ' οὕτως ἄρχεται ὁ ἱερεὺς· Ὅσοι εἰς Χριστόν... καὶ εἰσέρχεται εἰς τὸ ἅγιον βῆμα μετὰ τῶν νεοφωτίστων καὶ ποιεῖ εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

λ. 68. Εὐχὴ, ὅταν ἀποδώσῃ τὸ παιδίον εἰς τὸν οἶκον καὶ δίδει (εἰς) τὴν μητέρα αὐτοῦ.

Ὁ Δεσπότης καὶ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ ὢν εὐλογητός εἰς τοὺς αἰῶνας, αὐτὸς καὶ νῦν τὸν δοῦλόν σου τοῦτον εὐλόγησον ἐπὶ τῇ ἀγαθῇ αὐτοῦ πίστει καὶ δώρησαι αὐτῷ καὶ τοῖς γονεῦσι, καὶ ἀναδόχοις αὐτοῦ, καὶ πᾶσι τοῖς συμπαρεστώσιν ὑγείαν ψυχῆς καὶ σώματος καὶ πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, καὶ χάρισαι αὐτοῖς τὰ σαρκικά καὶ πνευματικά αὐτῶν τέκνα καὶ ἔσῃ εὐλογημένος διὰ παντός εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς σου.

λ. 68. Εὐχὴ (εἰς τὸ) ἀποδιχθῆσαι.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ βαπτίσματος τὸν δοῦλόν σου δωρησάμενος, Δέσποτα Κύριε, τὸν φωτισμὸν τοῦ προσώπου σου ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ ἐναυγάξῃς διὰ παντός εὐδόκησον, τὸν θυρεὸν τῆς πίστεως ἐπὶ τῇ σῇ πέτρᾳ θεμελιώσον, τὸ ἔνδυμα τῆς ἀφθαρσίας παντὸς ῥύπου ἁμαρτημάτων ἀμόλυντον διατήρησον, τὴν πνευματικὴν σφραγίδα ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς φοβερᾶς κρίσεως ἀνεξάλειπτον διαφύλαξον, ἵλεως αὐτῶν τε καὶ ἡμῶν γε-

νόμενος κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰκτιρμῶν σου. Ὅτι ἀγαθός. Εὐχὴ τῆς κεφαλολκισίας· Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν Goar. p. 304.

λ. 69. Πρόλογος εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Εὐλογητὸς εἶ, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πανάγιος, εὐλογητὸς εἶ ὁ δεδοξασμένος εἰς τοὺς αἰῶνας, εὐλογημένος εἶ ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης σου, ὁ μέγας καὶ φοβερός καὶ ὑπερένδοξος, ὁ ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις... Σήμερον γὰρ ἡ χάρις τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος ἐν εἵδει περισσεύας τοῖς ὕδασι ἐπιφαίνεται, σήμερον ὁ ἥλιος ἄδυτος καὶ ὁ κόσμος τῷ φωτὶ Κυρίου καταυγάζεται... τὸ τῆς μεγάλης οἰκουμένης μυστήριον, ὅτι ὁ πρὸ αἰῶνων Θεὸς ἐκ Παρθένου τεχθῆναι οὐκ ἄδοξησεν, οὐδὲ ὑπὸ Ἰωάννου βαπτισθῆναι ἀπηξίωσεν, οὐδὲ ὁ Λόγος τὴν φύσιν ἤλεγξεν, οὐδὲ τὸ βάπτισμα τὴν δεσποτικὴν ἀξίαν ἡλλοίωσεν... Εὐχὴ εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, λεγομένη ἔσω ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου.

λ. 76. Διακονικὰ τῶν φώτων

Εἴπωμεν πάντες... Ἐξ ὅλης ψυχῆς... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει... Ὁ μὴ βουλόμενος... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι τὸν Θεὸν λόγον... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκιάσαι οὐρανόνθεν. Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεόν. Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαινίσαι Κύριον τὸν Θεόν. Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι τὸν Κύριον τὸν Θεὸν ἐφ' ἡμᾶς... εἴπωμεν πάντες. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι. См. выше стр. 44.

λ. 77. Εὐχὴ διὰ φόβον ἐν λιτῇ. Ркп. XVI в. Есфигмен. дпбл. № 208. λ. 78.

λ. 77 οβ. Εὐχὴ τοὺς ἀπὸ αἱρέσεως ἐπιστρέφοντας.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ βουλόμενος πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθινὴν εἰσελθεῖν... Εὐχὴ τῆς κεφαλολκισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας τέλειον ἀναδεῖξαι τὸν δοῦλόν σου... Goar pag. 695.

λ. 78 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ κουρεύτρων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν τοῦ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ὁ τὴν τούτων πολλὴν εὐλογίαν τῆς χρηστότητος ἀναδείξας καὶ ὑποδείξας αὐτοῖς θύραν παραδείσου καὶ πύλας οὐρανοῦ ἀνεψίας αὐτοῖς, ὁ δι' αὐτῶν τε καὶ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, καὶ προφητῶν ὑποδείξας καταγγέλλειν τὰ μεγάλα τῆς ἀχράντου καὶ ζωοποιοῦ Τριάδος. Αὐτὸς καὶ νῦν

εὐλόγησον τὸν δοῦλόν σου τόνδε ἐπὶ τομῇ τῶν αὐτοῦ τριχῶν, χάρισαι αὐτῷ ὑγείαν ψυχῇ καὶ σώματι, χάρισαι αὐτῷ μακροημέρευσιν, καὶ τοὺς σωματικούς αὐτοῦ γονεῖς εὐλόγησον καὶ διαφύλαξον. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται... Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Ὁ Δεσπότης καὶ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ ὢν εὐλογητός εἰς τοὺς αἰῶνας, εὐλογήσει καὶ αὐτόν σε (sic) ἐπὶ τῇ ἀγαθῇ πίστει, δωρήσεται σοι ὑγείαν ψυχῇ καὶ σώματι, καὶ πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, χαρίσεται σοι ὁ Θεὸς τὰ πνευματικά καὶ σαρκικά σου τέκνα, καὶ ἔσται εὐλογημένος εἰς τοὺς αἰῶνας.

л. 79. Εὐχὴ εἰς φρέαρ.

Δέον τὸν ἱερέα θυμιᾶν κύκλῳ τοῦ φρέατος γ'. ἐξαντλῆσαι τὸ ὕδωρ, καὶ οὕτως ἐκ τῶν ἁγίων θεοφανίων ἐπιβάλλειν ὕδωρ ἁγίασμα, καὶ οὕτως κεχρῆσθαι. Κύριε παντοκράτωρ, ἐπουράνιε ὁ Θεός, ὁ μέγας καὶ ἀνεξιχνίαστος... См. выше стр. 48.

л. 80. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώματι σκανδαλισθέντων. Goar. p. 535.

л. 81. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφαγησάντων. Goar. p. 534.

л. 81 об. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ μιαρὸν καὶ ἀκάθαρτόν τι προσφάτως ἐμπεσόν ἐν ἀγγεῖῳ οἴνου ἢ ἐλαίου. Ркп. № 962 л. 131. См. выше стр. 71.

л. 83. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερέως καὶ μοναχοῦ· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὅτι σοῦ μόνον τὸ ζῆν, ἀθάνατε... Goar. p. 452.

л. 84. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ τελευτήσαντος.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... p. 424. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων... p. 453.

л. 85. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ τελευτήσαντος.

Ὁ διδούς πνοὴν πάσῃ σαρκὶ καὶ πάλιν ἀναλαμβάνων ἀπὸ κόσμου τὰς ψυχὰς, ἐπιστρεφούσας ἐπὶ σέ, καὶ κατοικῶν ἐν μοναῖς, αἷς ἡτοιμάσας, πρόσδεξαι τὸ πνεῦμα τοῦ δούλου σου, κατατάσων ἐν ἀνέσει καὶ κατасκηνῶν εἰς τόπον γλῶσς καὶ ἀναπαύσεως, διδούς ἀμαρτημάτων συγχώρησιν, πλημμελημάτων ἄφεσιν, πάσης τῆς ἐν τῷ βίῳ κακίας συγγνώμην, ὅτι φιλόανθρωπος εἶ καὶ ἀγαθὸς εἰδὼς συγχωρεῖν πλημμελήματα καὶ ὑπερβαίνοντα ἀμαρτήματα, τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐκεῖ ἀνάπαυσον, ἡμᾶς δὲ ἐνταῦθα εἰρήνευσον καὶ διαφύλαξον, τοῖς συνελθοῦσι τὸν κάματον εἰς δικαιοσύνην δώρησαι. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος.

л. 85 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός τῆς σωτηρίας ἡμῶν. Goar. p. 306.

Εὐχολόγιον τ. II.

λ. 86. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν. Goar. p. 707.

λ. 86 об. Εὐχὴ εἰς κόλυβον ἀγίων. Ркп. № 958 Син. библ. См. выше стр. 35.

λ. 87. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστου Ркп. № 958. См. выше стр. 5.

λ. 87 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου... Goar. p. 335.

λ. 88. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου. Ркп. XV в. Св.-гроб. библ. № 8. л. 66 об.

λ. 88 об. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν ἀριστάν. Goar. p. 569.

— Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀνιστάναι ἐκ τοῦ ἀρίστου. Ibidem.

λ. 89. Εὐχὴ εἰς οἰκοδομίαν ἐκκλησίας. Goar. p. 485.

λ. 89 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. p. 613.

λ. 90. Εὐχὴ τοῦ ὁρθοῦ τοῦ εὐαγγελίου. pag. 41.

λ. 90 об. Εὐχὴ, γινομένη τῇ ἀγίᾳ Πεντηκοστῇ, γινομένης γονυκλισίας.

Первая молитва Goar. 597. Возгласъ: Σὺν γὰρ ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν. Καὶ λοιπὸν συνάπτει, λέγει· Εὐλογητός εἶ, Κύριε Δέσποτα Παντοκράτωρ, т. е. приобщение къ первой молитвѣ. p. 598.

λ. 93. Εὐχὴ ἐπὶ τοῦ μέλλοντος λαμβάνειν σχῆμα μοναχικόν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιους σου νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικά πάντα καταλιπόντας... Goar. p. 380. Εἶπέ, τέκνον, τί συνήλθαμεν ἐνταῦθα; Καὶ ἀποκρίνεται ὁ ἀποταξάμενος· Ποθοῦντα τὸν βίον τῆς ἀσκήσεως, ἐκ γ'. Εὐχὴ εἰς σχηματοποιίαν· Καλὸν ἐπεπόθησας, βίος ἀποστολικὸς ἐστίν. Εἰ οὖν βούλη μοναχὸς γενέσθαι, πρὸ πάντων καθάρισον ἑαυτὸν ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος, ἐπιτελῶν ἀγιοσύνην ἐν φόβῳ Θεοῦ, κτῆσαι ταπεινοφροσύνην, δι' ἧς κληρονόμος γενήσῃ τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν, ἀπόθου τῆς βιωτικῆς συνηθείας τὸ θράσος, ὑπακοὴν ἔχε πρὸς πάντας, ἀγόγγυστος ἔσο ἐν ταῖς ἐπιτασσόμεναί σοι διακονίαις, ἐν τῇ εὐχῇ προσκαρτερικός, ἐν ταῖς ἀγρυπνίαις μὴ κατόκει, ἐν πειρασμοῖς μὴ ἀθύμει, ἐν τῇ νηστείᾳ μὴ ἐκλύου, γινώσκων, ὅτι διὰ προσευχῆς καὶ νηστείας δεῖ ἐξιλεώσασθαι τῷ Θεῷ, ἐν ἀσθενείαις μὴ ὀλιγώρει, ἐπιτήρει δὲ τοὺς πονηροὺς λογισμούς, ὅτι οὐκ ἔχει παύσασθαι ὁ ἐχθρὸς, ὑποβάλλων σοι μνήμην τοῦ προτέρου βίου καὶ μῖστος πρὸς τὴν ἐνάρτετον ταύτην καὶ ἀγγελικὴν πολιτείαν· σὺ οὖν, τέκνον, νῆφε ἐν πᾶσι, κακοπάθησον, ὥς καλὸς στρατιώτης Χριστοῦ· Αὐτὸς γὰρ ὁ Κύριος ἡμῶν καὶ Θεός, πλούσιος ὢν δι' ἡμᾶς ἐπτώχευσεν, ἵνα ἡμεῖς πλουτήσωμεν ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν. Μιμητὴς γενοῦ τοῦ Κυρίου, προκόπτων ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐτοῦ ἡμέρας καὶ νυκτός. Ἐάν οὕτως διαμαίνῃς διατελῶν, ἀξιοθῇς καὶ τῆς τελειότητος τοῦ ἀποστολικοῦ τούτου χαρίσματος καὶ συγχωρεύσης ἅμα τῇ ἐκλεκτῇ ταύτῃ ποίμνῃ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν ἅμα τῷ Πατρὶ δόξα σὺν τῷ παναγίῳ. Conf. Goar. p.

383—384. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ῥυσάμενος τὸν δοῦλόν σου τόνδε Goar. p. 378. Εὐχὴ τῆς κεφαλολισίας· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν. Goar. p. 379.

л. 96 об. Евангельскія чтенія и апостольскія на праздники и на различныя случаи.

XII ВѢКЪ.

VIII. 973. Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библи. на бомбицинѣ въ 16 долю листа, 169 листовъ, писана весьма четкою и прямою скорописью 1153 года. Время написанія опредѣляется слѣдующею припискою въ концѣ евхология: 'Εγγράφη ἡ βίβλος αὕτη διὰ χειρὸς Αὐξεντίου πρεσβυτέρου ἔτους ,τχξα'. ἰνδικτιῶνος α'. Εὐχεσθε οἱ ἀναγιγνώσκοντες ὑπὲρ αὐτοῦ διὰ τὸν Κύριον.

л. 1. Πίναξ σὺν Θεῷ τῆς βίβλου. Κύριε, εὐλόγησον.

л. 3. 'Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἁγίου Ἰωάννου Χρυσοστόμου.

'Ο Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον, τὴν τροφήν τοῦ παντὸς κόσμου... Goar. p. 51. Εὐχὴ τοῦ θυμιάματος· Θυμίαμα προσφέρομεν ἐνώπιόν σου, Κύριε ὁ Θεός... Goar. p. 51. Λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. 'Εκφώνησις· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... 'Ο διάκονος· 'Εν εἰρήνῃ κ. τ. λ. p. 52. Εὐχὴ ἀντιφώνου πρώτου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ κράτος ἀνείκαστον... 'Ο διάκονος· 'Αντιλαβοῦ, σῶσον... 'Εκφώνησις· 'Ὅτι πρέπει σοι... 'Ο διάκονος· 'Αγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... 'Ο λαός· 'Καὶ ψάλλειν τῷ... Τοῦ ἀναγγέλλειν τὸ πρωτό... 'Ο λαός· 'Ὅτι εὐθὺς Κύριος... Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ νῦν. Ταῖς πρεσβείαις. 'Ετι καὶ ἔτι... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σῶσον τὸν λαόν σου... 'Αντιλαβοῦ. 'Εκφώνησις· 'Ὅτι σὺν τῷ κράτει. 'Ο διάκονος· 'Ο Κύριος ἐβρασίλευσεν. 'Ο λαός· 'Ενεδύσχετε κ. τ. λ. Καὶ νῦν. 'Ο μονογενὴς Υἱός. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. 'Ὅ τὰς κοινὰς ταύτας καὶ συμφώνους ἡμῖν... 'Ο διάκονος· 'Ετι καὶ ἔτι... 'Εκφώνησις· 'Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος... 'Ο διάκονος· Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα. 'Αλαλάζωμεν... Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς τῆς εἰσόδου· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα... Σοφία, ὀρθοί. Δεῦτε προσκυνήσωμεν, καὶ εὐθὺς τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, εἶτα τὸ Τρισάγιον, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου· 'Ο Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος ὁ τρισαγίῳ φωνῇ ὑπὸ τῶν σεραφίμ ἀνυμνούμενος, καὶ ὑπὸ πάσης ἐπουρανίου δυνάμεως προσκυνούμενος... Εἶτα τὸ προκείμενον. 'Ο ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσι. Σοφία. Καὶ εὐθὺς μετὰ τὸ προκείμενον,

ὁ ἀπόστολος καὶ τὸ Ἀλληλούια, καὶ εὐθὺς τὸ εὐαγγέλιον. Goar. pag. 52—66. Εἶτα ὁ διάκονος· Εἰπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον ἡμῶν... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ ἀγαθῷ ἐν οἰκτιρμοῖς... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων, καὶ ὑποτάξαι ὑπὸ τοὺς πόδας... Ἐτι ὑπὲρ συστάσεως καὶ εἰρήνης τῶν χριστιανῶν, ἀναρρώσεως τῶν αἰχμαλώτων, ἰάσεως τῶν ἀσθενούντων καὶ ὑπὲρ ἀναπαύσεως τῶν ἐν πίστει κεκοιμημένων... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε ὑπὲρ ὑγείας... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε κοιμήσεως... Ἐτι ὑπὲρ καρποφορούντων... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τῆς φωνῆς... Εὐχὴ τῆς ἐκτενοῦς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἱκεσίαν... Goar. p. 56. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων... Ὁ διάκονος· Εὐξασθε οἱ κατηγούμενοι κ. τ. λ. Εὐχὴ κατηγούμενων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν. Goar. p. 56. Ἐκφώνησις· Ἰνα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δοξάσωσι... Ὁ διάκονος· Ὅσοι κατηγούμενοι προέλθετε... Εὐχὴ τῶν κατηγούμενων· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... Goar. p. 57. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Σοφία. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Ἐτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... Λέγει ὁ ἱερεὺς· Πάλιν καὶ πολλάκις σοὶ προσπίπτομεν... Goar. p. 57. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Σοφία. Ὅπως ὑπὸ τοῦ κράτους... Ὁ λαός· Οἱ τὰ χερουβίμ. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Οὐδεὶς ἄξιος τῶν συνδεδεμένων ταῖς σαρκικαῖς ἐπιθυμίαις... Goar. pag. 58. Ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος, ὁ δεχόμενος θυσίαν αἰνέσεως... pag. 59. Καὶ σφραγίζων τὰ ὄψωρα. Λέγει ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν... Ἐκφώνησις· Διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Εἰρήνην πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους. Τὰς θύρας, τὰς θύρας, (ἐν σοφίᾳ) πρόσχωμεν. Ὁ λαός· Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν... Στῶμεν καλῶς... Ὁ λαός· Ἐλεον εἰρήνης... Ἐκφώνησις· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Ὁ λαός· Καὶ μετὰ τοῦ Πνεύματός σου. Ἀνωσχωμεν τὰς καρδίας. Ἐχομεν πρὸς τὸν Κύριον. Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ. Ἀξίον καὶ δίκαιον. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Ἀξίον καὶ δίκαιον σὲ ὁμνεῖν, σὲ εὐχαριστεῖν... Ἐκφώνησις· Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον... Здѣсь не достаеѣ многоихъ листовъ. Ἐκφώνησις· Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου... Καὶ εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Τῶν ἁγίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου καὶ ἀχράντου τοῦ Σταυροῦ, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων προφητῶν, ἀποστόλων, ἱεραρχῶν, ἱερομαρτύρων, μαρτύρων, ἀσκητῶν καὶ τῶν ἁγίων γυναικῶν ὁ χορός, τοῦ

οσίου πατρός ἡμῶν Ὁλοφύριου καὶ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Γεωργίου, τοῦ ἁγίου τοῦδε, δι' οὗ σήμερον τὴν μνήμην τελοῦμεν, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, ὧν ταῖς ἱκεσίαις ἐπίσκειται ἡμᾶς, ὁ Θεός. Καὶ μνησθῆτι πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδει ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου καὶ ἀνάπαυσον αὐτοὺς, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Τὰ δίπτυχα τῶν κεκοιμημένων Ἔτι παρακαλοῦμέν σε, μνησθῆτι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς... *Красносленно*. Опис. ркп. Ват. библ. стр. 265. Ἐκφώνησις· Ἐν πρώτοις μνησθῆτι, Κύριε... Ὁ διάκονος τὰ δίπτυχα τῶν ζώντων. Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Μνησθῆτι, Κύριε, τῆς πόλεως, ἐν ᾗ παροικοῦμεν, καὶ πάσης πόλεως καὶ χώρας... Тамъ же стр. 269 καὶ ἐπὶ πάντας ἡμᾶς τὰ ἐλέη σου ἐξαπείλειον. Μνησθῆτι, Κύριε, καὶ τῆς ἐμῆς ἀναξιοτήτος, συγχώρησόν μοι πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον καὶ ἀκούσιον. Ἐκφώνησις· Καὶ ὁς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στόματι... Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη... Ὁ διάκονος· Πάντων τῶν ἁγίων... Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Σοὶ παρακατατιθέμεθα τὴν ζωὴν ἡμῶν... Goar. p. 64. Ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ἐκφώνησις· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς... Πάτερ ἡμῶν... Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Εὐχαριστοῦμέν σοι, βασιλεῦ ἀόρατε... pag. 65. Ἐκφώνησις· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς.. Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Πρόσχε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... p. 65. Ὁ δὲ ἱερεὺς ὕψοι τὸν ἄρτον, λέγει· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Εἷς ἅγιος. Βάλλει τὰς μαρίδας εἰς τὸ ποτήριον, λέγει· Πλήρωμα Πνεύματος Ἀγίου. Ἀμήν. Καὶ μετὰ τὸ μεταλαβεῖν, ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόδωρε, εὐεργέτα τῶν ψυχῶν ἡμῶν... pag. 67. Ἐκφώνησις· Ὁρθοὶ οἱ μεταλαβόντες... Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός... Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος· Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε, Κύριε... pag. 68. Εὐχὴ εἰς τὸ συστεῖλαι· Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν... Goar. p. 69.

λ. 12. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου.

Εὐχὴ κατηχομένων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν... Goar. p. 138. Далѣе излагается обычный порядокъ этой литургіи. Въ настоящемъ чинѣ лишь двѣ особенности, достойныя замѣчанія. Во первыхъ, чтеніе молитвы послѣ возгласа: Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀρχράντου... въ такомъ видѣ: Τῶν ἁγίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος Θεοδώρου καὶ τοῦ ἁγίου τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων

τῶν ἁγίων σου, ὧν ταῖς ἱκεσίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός, καὶ μνησθήτι πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδαι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου, καὶ ἀνάπαυσον αὐτοὺς, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Во вторыхъ, чтеніе особоѣ молитвы, вмѣсто „Πρόσχες, Κύριε“, съ надписью: Εὐχή τῆς ὑψώσεως· Ἐπίβλεψον, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ἐξ ὕψους ἁγίου σου καὶ ἐπὶ τὴν κληρονομίαν, καὶ καταξίωσον ἡμᾶς μεταλαβεῖν τοῦ ἀχράντου σώματος καὶ τοῦ τιμίου αἵματος καὶ δι' ἡμῶν παντὶ τῷ λαῷ...

л. 21 об. Ἡ θεία λειτουργία τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς.

Εὐχή τῆς προθέσεως· Κύριε οἰκτίρμον καὶ μακρόθυμε, καὶ πολυέλεε, ἐνώτισαι τὴν προσευχὴν ἡμῶν Goar. p. 163. Καὶ εὐθὺς λέγει· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία. Ὁ λαός· Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον. Εἶτα λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Εὐχή, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς· Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης ἡμᾶς... p. 163. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀχράντου... Ὅτι πρέπει. Εὐχή ἀντιφώνου γ'. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, μνησθήτι ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν... p. 163. Εὐχή ἀντιφώνου δ'. Ὁ τοῖς ἀσιγήτοις ὕμνοις καὶ ἀπαύστοις δοξολογίαις ἐν τοῖς ὑψίστοις... Goar. p. 29. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας ἀχράντου. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν τὸ κράτος. Εὐχή πρὸ τοῦ Κυρίου ἐκέκραξα· Ἐσπέρας καὶ πρωῒ καὶ μεσημβρίας Goar. p. 164. Εἶτα Κύριε ἐκέκραξα, τὰ στιχηρά, ὁ δὲ ἱερεὺς εἰσοδεύων λέγει· Σοφία, ὀρθοί. Φῶς ἱλαρόν. Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσι καὶ εὐθὺς τὸ πρῶτον ἀνάγνωσμα, καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ προκειμένου, ἀνιστάμενος ὁ ἱερεὺς, κρατῶν δὲ καὶ τὸν θυμιατόν, σφραγιζὼν λέγει· Σοφία, ὀρθοί. Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσιν. Εἶτα τὸ δευτέρον ἀνάγνωσμα, καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ δευτέρου ἀναγνώσματος, λέγει ὁ ἱερεὺς τὸ Σοφία, ὀρθοί. Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εἶτα ὁ ψάλτης τὸ Κατευθυνθήτω καὶ τὰ μεσόστιχα. Ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες κ. τ. λ. Εὐχή· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἱκεσίαν Goar. p. 114. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Εὐξασθε οἱ κατηχούμενοι... Οἱ πιστοί, ὑπὲρ τῶν κατηχομένων... Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεός, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ χτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν πάντων... Goar. p. 165. Ἐκφώνησις· Ἴνα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δοξάζωσι... Ὁ διάκονος· Ὅσοι κατηχούμενοι κ. τ. λ. Ταῦτα τὰ διακονικὰ λέγονται μέχρι τῆς μεσσησιτίμου, ἀπὸ δὲ τῆς μεσσησιτίμου προστετέθησαν καὶ ταῦτα· Εὐξασθε οἱ πρὸς τὸ φῶτισμα. Οἱ πιστοί, ὑπὲρ τῶν πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα εὐτρεπιζομένων... Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐπίφανον, Δέσποτα, τὸ πρόσωπόν σου... p. 165. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ὁ φωτισμός. Ὅσοι πρὸς τὸ φῶτισμα προέλθετε... Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ

ιερεὺς· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰνετός... p. 166. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Σοφία. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει. Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή, (ἦν) λέγει ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα ἅγιε, ὑπεράγαθε, δυσωποῦμέν σε τὸν ἐν ἐλέει πλούσιον... Goar. p. 166. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Σοφία. Ἐκφώνησις· Κατὰ τὴν δωρεὰν τοῦ Χριστοῦ σου... Ὁ λαός· Νῦν αἱ δυνάμεις. Εὐχή, (ἦν) λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐπισκεψάμενος ἡμᾶς ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς τὴν ταπεινῶσιν ἡμῶν, Δέσποτα Κύριε, καὶ χαρισάμενος ἡμῖν τοῖς ταπεινοῖς καὶ ἀναξίοις δούλοις σου... Ὅτι πρέπει σοι πάσα δόξα, τιμή. C. A. Swainson. The Greek liturgies. London. 1884 pag. 254—258. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἁγίου ἀποστόλου Ἰακώβου. Cod. Rossanens. Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Εὐχή, ἦν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὁ τῶν ἀρρήτων καὶ ἀθεάτων μυστηρίων Θεός... Goar. p. 166. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τὴν ἐσπέραν πᾶσαν... Ἐκφώνησις· Καὶ καταζώωσον ἡμᾶς. Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν. Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχή, ἦν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεός, Ὁ Θεός, ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ φυλάσσων τὴν διαθήκην σου, ὁ ἐν ὕψηλοῖς κατοικῶν p. 167. Ἐκφώνησις· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία... Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐπίβλεψον, Κύριε ὁ Θεός, ἐξ ὕψους ἁγίου σου. (См. стр. 86 в литургии В. Великаго). Ὁ ἱερεὺς ὕψοι τὸν ἄρτον. Ὁ διάκονος λέγει· Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος, εἰς Κύριος. Εὐχή μετὰ τὴν μετάληψιν· Εὐχαριστοῦμέν σοι τῷ Σωτῆρι τῶν ὅλων Θεῷ... p. 168. Ὁ διάκονος· Ὅρθοι οἱ μεταλαβόντες... Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἰ ὁ Θεός ἡμῶν... Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή ὀπισθάμβωνος, ἦν λέγει ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ πᾶσαν τὴν κτίσιν ἐν σοφίᾳ δημιουργήσας... p. 168. Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἀγαγὼν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους ἡμέρας ταύτας... p. 168.

λ. 27. Εὐχαὶ ὀπισθάμβωνοι τῶν μεγάλων ἑορτῶν. Εὐχή ὀπισθάμβωνος εἰς τὰ ἅγια Χριστούγεννα. См. выше стр. 21.

λ. 27 об. Εὐχή ὀπισθάμβωνος εἰς τὰ ἅγια Θεοφάνια. См. выше стр. 22.

λ. 28. Εὐχή ὀπισθάμβωνος εἰς τὸν Εὐαγγελισμόν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ συνάναρχος τῷ Πατρὶ καὶ συναΐδιος τῷ ἁγίῳ σου Πνεύματι...

λ. 27 об. Εὐχή ὀπισθάμβωνος εἰς τὸ ἅγιον Πάσχα.

Λαμπρὰ ἡμῖν καὶ σωτήριος ἡμέρα ἐπέφανεν, ἀδελφοί, ἡ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ἀνάστασις, καὶ διὰ τοῦτο διαφόροις ἀνδράσι κεκόσμηται ὁ τοῦ Κυρίου ναός...

λ. 29. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ ἐσπερινοῦ.

Ὁ διάκονος λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία. Ὁ λαὸς λέγει· Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Εὐχὴ τοῦ ἐσπερινοῦ· Ἐσπέρας καὶ πρωΐ καὶ μεσημβρίας... Goar. p. 31. Τὰς δὲ λοιπὰς εὐχὰς ζήτηι εἰς τὴν λειτουργίαν τῆς ἀγίας τοσσαρακοστῆς. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... καὶ εὐθὺς τὸ Κύριε ἐκέκραξα, τὰ στιχηρά, τὸ Φῶς ἱλαρόν, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσι. Σοφία καὶ εὐθὺς προκείμενον. Ὁ δὲ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες κ. τ. λ. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην... Goar. p. 164. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιάνθρωπος. Ὁ λαός· Καταξίωσον, Κύριε. Εἶτα τὰ στιχηρά, Νῦν ἀπολύεις. Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ εὐθὺς τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν ἐσπερινήν... Εὐχὴν λέγει ἱερεύς· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον... Goar. p. 29. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιάνθρωπος Θεός... Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς... p. 32. Ἐκφώνησις· Εἴη τὸ κράτος τῆς βασιλείας... Σοφία. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Εὐλογητὸς ἅγιος, εὐλόγησον πάντας... Ὁ ὢν εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε. Ὁ λαός· Ἀμήν. Στερεώσει ὁ Θεὸς καὶ ἀπολύει.

λ. 30 οἱ. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ ὁρθρου.

Μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν διάκονον· Εὐλόγησον, δέσποτα, ἐκφωναῖ (ὁ ἱερεύς)· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία, καὶ εὐθὺς ὁ λαὸς ἄρχονται τὸν ἐξάψαλμον. Καὶ μετὰ τὸ τέλος ὁ διάκονος λέγει· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Εὐχὴ ἀντιφώνου πρωτοῦ· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 39. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Ἐκ νυκτὸς ὀρδρίζει τὸ πνεῦμα ἡμῶν... Ibidem. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας. Ὅτι ὑλόγηται καὶ δεδοξάσται... Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Ἐκ νυκτὸς ὀρδρίζει τὸ πνεῦμα ἡμῶν πρὸς σέ, ὁ Θεός... p. 40. Εἶτα τὸ κάθισμα. Ἀπὸ δὲ τῆς ἕκτης ὥδῃς, λέγει τὸ κοντάκιον. Προσετέθησαν καὶ ἕτεραι εὐχαὶ διὰ τὸν πολυέλαιον(τῆς) κυριακῆς, ἐν τῇ ἀγίᾳ τοσσαρακοστῇ, γινομένης στιχολογίας, λέγει δὲ καὶ αὐτάς. Εὐχὴ· Δέσποτα ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἀκατάληπτος... Goar. p. 40. Εὐχὴ ἀντιφώνου ε'. Ἀγαθὼν θησαυρέ, πηγὴ ἀένναος... Ibid. Εὐχὴ ἀντιφώνου ς'. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν σωτηριῶν ἡμῶν... Goar. p. 40. Εὐχὴ ζ'. Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ἐξαναστήσας ἡμᾶς εἰς δοξολογίαν... p. 41. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν τοῦ ὕπνου ῥαθυμίαν ἀποσκηδάσας ἀφ' ἡμῶν... p. 41. Εἶτα κοντάκιον καὶ ὁ πεντηχοστός, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος

νος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴν θ'. λέγει ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄφεςιν τοῖς ἀνθρώποις δωρησάμενος... p. 42. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ὁρθρινὴν καὶ τὴν... Ἀγγελον εἰρήνης... Συγγνώμην... κ. τ. λ. καὶ εὐθὺς τὰς ψδὰς, καὶ μετὰ τὴν θ'. ψδὴν λέγει ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ. Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς ὑποστησάμενος δυνάμεις... p. 42. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Ὅτι σὲ αἰνοῦσι πᾶσαι αἱ δυνάμεις... Εἶτα ὁ ἐξαποστηλάριος καὶ οἱ αἵνοι, τὰ στιχηρά. Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ, καὶ λέγει τροπάριον, ἤχος β'. Σήμερον σωτηρία... Ἀναστὰς ἐκ τοῦ μνήματος... Ὁ ψάλτης· Ἀνάστηθι, Κύριε καὶ εὐθὺς εὐαγγέλιον ἐωθινόν. Ὁ διάκονος. Εἰπόμεν πάντες κ. τ. λ. Εὐχὴ τῆς ἐκτενοῦς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἱκεσίαν... p. 164. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς· Αἰνοῦμεν καὶ ὑμνοῦμεν, καὶ εὐλογοῦμεν, καὶ δοξάζομεν, καὶ εὐχαριστοῦμέν σοι, ὁ Θεός... p. 42. Πληρώσωμεν τὴν ἐωθινὴν δέησιν κ. τ. λ. Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρῶν... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ἄγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν... p. 44. Ἐκφώνησις· Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Σοφία. Ὁ λαός· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ὢν εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε.

λ. 35 οβ. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τῆς θείας λειτουργίας, διακλυομένων πάντων τῶν τῆς θείας μεταλαβόντων δωρεᾶς, μόνου δὲ τοῦ ἱερέως, τοῦ μέλλοντος ποιῆσαι τὴν τῶν ὕδατων εὐλόγησιν, οὕτω μένοντος. Μετὰ τὸ εἰπεῖν τὴν ὑποστάμβωνον εὐχὴν, ἐξέρχονται πάντες ἐν τῷ λουτῇ, ψάλλοντες ὁμοφώνως τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Φωνὴ Κυρίου... Καὶ μετὰ τὸ τρισσευθῆναι τὸ αὐτὸ τροπάριον, δίδεται ὑπὸ τοῦ διακόνου· Σοφία, εἰδ' οὕτως ἀναγνώσματα γ'. Goar. pag. 367. Εἶτα λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐπ' αὐτὰ τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ πηγὴν ἀφ' ἀρσείας... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκηνῶσαι οὐρανόν ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ ὑψίστου Θεοῦ καὶ ἁγιάσαι τὰ ὕδατα ταῦτα ὑπὲρ μέλι τὸ ἐκ πέτρας πηγᾶσαν τοῖς ἐξ αὐτοῦ μεταλαμβάνουσι τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἐπιφροιτῆσαι ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιον Πνεῦμα καὶ συντριβῆναι τὸν σατανὰν ὑπὸ τοὺς

πόδας ἡμῶν ἐν τάχει, καὶ διασκεδασθῆναι πᾶσαν βουλὴν πονηράν, κινουμένην καθ' ἡμῶν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἐπιφοιτῆσαι ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιον Πνεῦμα καὶ ἐξαλειφθῆναι τὸ χειρόγραφον τῶν ἁμαρτιῶν, καὶ εὐλογηθῆναι ἡμᾶς διὰ τοῦ νάματος τοῦ Ἰορδάνου τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῶν ἀντλούντων καὶ ἀρυσμένων εἰς ἁγιασμόν ψυχῆς καὶ σώματος τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἐνοικῆσαι καὶ ἐμπεριπατῆσαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν, καὶ ἐλεῆσαι ἡμᾶς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ μετὰ πάντων τῶν ἁγίων. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν. Χρὴ δὲ γινώσκειν, ὅτι οὐκ ἐκφωνεῖ, ἀλλὰ καὶ τὸ Ἀμήν καθ' ἑαυτὸν λέγει, καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τὴν ὑποκειμένην εὐχὴν, ἄρχεται λέγειν τὸ Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ καθεῖς τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν καὶ τελειοῖ. Οὕτω γὰρ παρελάβομεν ἀπὸ (τῆς) μετέλλης ἐκκλησίας. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς, ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 368. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιος εἰ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Εἴτα τὸ Τρισάγιον καὶ εὐθὺς τὸ προκείμενον, ἥχος βαρύς· Εἰδοσάν σε ὕδατα... στίχος· Ἡ θάλασσα εἶδε. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν... Ἀλληλούια δ'. Ἡ θάλασσα εἶδε καὶ ἔφυγεν. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκεῖνῳ ἦλθεν ὁ Ἰησοῦς ἀπὸ Ναζαρέτ... Goar. p. 367. Εἰπόμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλόμενος... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιῶν μεγάλα καὶ ἀνεξίτηλα, ἐνδοξάζει καὶ ἐξάισια, ὧν οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς, δεόμενά σου ἐπάκουσον. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν δίκαιον Νῶε ἐν ὕδατι διατηρήσας καὶ δικαιοσύνης κήρυκα ἀναδείξας... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ρείθροις βαπτισθῆναι Ἰορδάνου καταδεξάμενος καὶ τὰς ἐκεῖ ἐμφωλευούσας κεφαλὰς δρακόντων συντρίψας... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ὑπὸ Πατρός μαρτυρηθεὶς καὶ ὑπὸ Πνεύματος ἁγίου ὑποδειχθεὶς ἐν Ἰορδάνῃ... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς ἁγίας Τριάδος τὸ μυστήριον ἀποκαλυφθῆναι εὐδοκήσας... Σῶσον τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου, ἐπίσκεψαι τὸν κόσμον σου ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, καὶ ὕψωσον κέρας χριστιανῶν τῇ δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τῇ πρεσβείᾳ τῆς ἁγίας Θεοτόκου, τοῦ Προδρόμου σου Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἀποστόλων καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἱκατευόμεν σε, πολυέλεε Κύριε, ἐπάκουσον. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἱκεσίαν πρόσδεξαι παρὰ τῶν σῶν δούλων καὶ ἐλέησον ἡμᾶς... Goar. p. 56. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν... Προσίμιον εἰς τὸ Μέγας εἰ Κύριε. Δεῦτε πάντα τὰ ἔθνη μετ' εὐφροσύνης

τὸν ἐπιφανέντα Θεὸν ἀνυμνήσωμεν, λέγοντες· δοξάζομέν σε, Δέσποτα πανάγιε παντοκράτωρ προαιώνιε βασιλεῦ... Goar. pag. 369. Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... pag. 370. Εὐχὴ ἐτέρᾳ· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ. Goar. pag. 363. Τὰς κεφαλὰς. Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου... Goar. p. 371. Ἐκφώνησις· Σὺ γὰρ εἶ βασιλεὺς... Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς, λαμβάνων τὸν τίμιον σταυρόν, εὐλογεῖ τὰ ὕδατα, λέγων· Βαπτίζεται ὁ Χριστός, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου. Βαπτίζει ὁ Ἰωάννης τὸν Κύριον, τὸν αἴροντα τὴν ἁμαρτίαν. Βαπτίζεται ὁ Χριστός, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου. Καὶ πάντων ἁγιαζομένων ἐκ τῆς τῶν ὑδάτων ῥαντίσεως, ἄρχονται οἱ ψάλται τροπάριον, ἤχος α'. Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτιζομένου σου, Κύριε... Καὶ τοῦτο ψάλλουσιν ἐκ τρίτου ἐν τῇ φιάλῃ καὶ ἐν τῷ (ν)άρθῃ καὶ ἐν τῷ ναῷ, ἄρχονται καὶ ἕτερον ἤχον, ἤχος πλ. δ'. Σήμερον Τριάς ἐν μονάδι θεότητος ἔδειξεν ἡμῖν... Εἶτα ἡ μεγάλη (συναπτὴ) εἰς τὸ Νῦν καὶ αἰεὶ καὶ ἡ ἀπόλυσις, εἶτα λέγοντες· Εὐλόγησω τὸν Κύριον, καὶ δίδονται καὶ αἱ εὐλογίαι. Εἰ μὲν νηστεία οὐκ ἔστι, πᾶσα μὲν ἡ ἀκολουθία οὕτως γίνεται κατὰ τάξιν, συναπτὴ δὲ εἰς τὸ Τρισάγιον γίνεται. Μετὰ δὲ τὸ Εὐλογητὸς καὶ τὴν μεγάλην ἐκτενὴν, γίνεται ὁ ἁγιασμός τῶν ὑδάτων, ὡς προδεδήλωται.

л. 44 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν σοῦ δεόμεθα Goar. p. 264.

— Εὐχὴ εἰς τὸ σκρανταρῆσαι παιδίον.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν... См. выше стр. 25 примѣчанія; Сп. Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 19. Εἶτα βαστάζων ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον, προσκυνεῖ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, λέγει οὕτως· Νῦν ἀπολύεις.

л. 45. Εὐχὴ εἰς τὸ σκρανταρῆσαι γυναῖκα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν διὰ τοῦ λόγου σου δημιουργήσας, ὁ τοὺς πιστοὺς ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι παραγαγών, δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε, τῷ σὺ θελήματι διέσωσας τὴν δούλην σου τὴνδε, καὶ καθάρισον αὐτὴν ἀπὸ παντὸς ῥύπου, προσερχομένην τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ, ἵνα ἀκατακρίτως ἀξιωθῇ τῶν ἀχράντων μυστηρίων, καὶ τὸ ἐξ αὐτῆς γεννημένον παιδίον εὐλόγησον, αὐξησον, καλοσφρόνησον, ὅτι σὺ παρήγαγες αὐτὸ ἐν καιρῷ σωτηρίας, καὶ συγκαταρίθμησον αὐτὸ τῇ ἀγίᾳ σου ποιμνῇ, διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητός εἰ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ... Conf. Goar. p. 267.

·κ·, π. 45 οβ. Τάξις, γινομένη εἰς τὸ κατηγγῆσαι παιδίον.

Ἀποδύει αὐτὸν καὶ ἀπολύει, καὶ ἵστησιν αὐτὸν κατὰ ἀνατολάς, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίτον, καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε... Goar. p. 275. Ἀφορκισμὸς πρῶτος. Ἐπιτιμᾷ σοι Κύριος, διάβολε... p. 275. Ἀφορκισμὸς β'. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ φοβερός καὶ ἐνδοξος... p. 276. Ἀφορκισμὸς γ'. Κύριε Σαβαώθ ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ... p. 276. Εὐχὴ μετὰ τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον πρὸς ὥραν βαπτιζόμενον· Ὁ ὢν, Δέσποτα Κύριε, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον... p. 276. Καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίτον, καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ, καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει· Ἐξέλασον (ἀπ') αὐτοῦ πᾶν πονηρόν,... p. 277. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπίᾳ τοῦ... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἀποδουμένου καὶ ἀπολυομένου τοῦ βαπτιζομένου, ἀποστρέφει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς ἐπὶ δυσμὰς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει γ'. Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ. Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ... Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος πρὸς ἕκαστον τούτων, ἢ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ, ἐὰν ᾗ παιδίον, ἢ βάρβαρος. Καὶ μετὰ τοῦτο πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀπετάξασθε τῷ σατανᾷ. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος· Ἀπετάξάμην. Καὶ ὅτε εἴπη γ'. λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐμφύσησον αὐτῷ. Καὶ μετὰ τὸ ἐμφύσησαι, ἵστα αὐτὸν πάλιν κατ' ἀνατολάς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει γ'. Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν... καὶ τὰ ἑξῆς μέχρι τέλους. Ἀποκρινομένου καθ' ἕκαστον τοῦ κατηχουμένου, ἢ τοῦ ἀναδόχου αὐτοῦ, ὡς εἴρηται. Καὶ ὅτε πληρώσῃ γ'. ἐρωτᾷ ὁ ἱερεὺς τὸν βαπτιζόμενον· Συνετάξω τῷ Χριστῷ. Καὶ ἀποκρίνεται· Συνεταξάμην. Καὶ ὅτε εἴπη γ'. λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ προσκύνησον αὐτῷ. Λέγει εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου. Goar. p. 278. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὁδοῖς... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχολτόνου πολεμίου τὴν δύναμιν βυθισθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν ἐν αὐτοῖς καταδῶναι τὴν ἀνομίαν τῇ μεθέξει τοῦ σωτηρίου λουτροῦ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτὸς ἀναδειχθῆναι τῶν τοῖς δικαίως βιοῦσιν ἐπηγγελμένων τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ θείαν αὐτοῖς κατὰ τοῦ ἀντιπάλου ἐνδύσασθαι δύναμιν τὸ ἔλαιον τῆς χρίσεως. Ὑπὲρ τοῦ σκευῇ γενέσθαι... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτοὺς ἀξίους τῆς κλήσεως, ἧς ἐκλήθησαν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως αὐτοῖς μεταλαβεῖν τῶν ζωοποιῶν μυστηρίων τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆ καὶ βεβαίαν... Ὑπὲρ τοῦ καταπλουτῆσαι αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ κληρονόμους αὐτοὺς ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας ἀχράντου Goar. p. 295. Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς

καθ' ἑαυτὸν· Ὁ εὐσπλαγχνός καὶ ἐλεήμων Θεός, ὁ ἐτάζων καρδίας καὶ νεφρούς... Goar. p. 288. Δεῖ εἶδέναι, ὅτι οὐδὲ ταῦτα ἐπὶ τέλους ἐκφωνεῖ, ἀλλὰ καὶ τὸ Ἀμήν καθ' ἑαυτὸν λέγει, εὐθύς λέγει εὐχὴν τῶν ἀγίων βαπτισμάτων· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου Goar. p. 288. Καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ὕδωρ τρίτον, καὶ σφραγίζει τῷ δακτύλῳ τρίτον, καὶ λέγει· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν τοῦ τύπου τοῦ σταυροῦ τοῦ Χριστοῦ σου... p. 289. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κλίνει ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν εἰς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἁγίου ἐλαίου, βαπτίζομενον ὑπὸ τοῦ διακόνου καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίτον καὶ σφραγίζει γ'. καὶ λέγει· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τοῖς ἐν τῇ κιβωτῇ τοῦ Νῶε περιστερὰν ἀποστείλας... p. 289. Λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον τοῦ ἁγίου ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυρούς γ'. φάλλον τὸ Ἀλληλούια γ'. σὺν τῷ ὄχλῳ, καὶ μετὰ τοῦτο ἀποτίθεται τὸ τρυβλίον, ἐκφωνεῖ οὕτως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων... Καὶ προσφέρεται ὁ βαπτίζομενος ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων, καὶ λαμβάνει ὁ πρεσβύτερος ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν φρενῶν, καὶ τοῦ στήθους τοῦ βαπτιζομένου καὶ λέγει· Χρίεται ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιασέως εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ. Καὶ τότε χρίεται ὑπὸ τοῦ διακόνου ὅλον τὸ σῶμα ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου, καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως, λέγει οὕτως· Βαπτίζεται εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι πάντας ἀπάρχεται ὁ ἱερεὺς φάλλον καὶ λέγει· Μακάριοι, ὧν ἀφέθησαν αἱ ἀνομίαι... λέγει γ'. εἶτα Δόξα, καὶ λέγει· Τὴν χάριν ἔλαβες, τὸν Χριστὸν ἐνδεῦσαι, τὴν πίστιν τετήρησο, τὴν πηγὴν τῆς ζωῆς τὸν Υἱὸν τοῦ Θεοῦ. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῶν καταξιωθέντων ἀδελφῶν ἡμῶν ἀναγεννηθῆναι διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος καὶ δέξασθαι τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ Κυρίου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν ἀσπίλους καὶ ἀμώμους αὐτοὺς διατηρήσῃ μέχρι τέλους ζωῆς αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι. Εὐχὴν λέγει τοῦ μύρου· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ. Goar. p. 290. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεός ἡμῶν, Θεός τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε. Ὁ δὲ ἱερεὺς χρίει τῷ μύρῳ τοὺς βαπτισθέντας, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου αὐτῶν, καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μοχτῆρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων καὶ λέγει· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος Ἁγίου. Καὶ μετὰ τὸ χρισθῆναι τοὺς νεοφωτίστους τὸ ἅγιον μύρον, κρατούμενον τὸ διάδημα ὑπὸ

τοῦ διακόνου, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ διαδόχματος· Τὴν ἐν τῷ φω-
τὶ ζωὴν ἔδωκας, Δέσποτα, τοῖς δούλοις σου διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτί-
σματος καὶ τῶν φρικτῶν μυστηρίων τοῦ ἀχράντου σώματος καὶ τοῦ τι-
μίου αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ ἀξίωσον ἐνοικεῖσαι ἐν αὐτοῖς, καὶ
ποιήσον αὐτοὺς ναὸν τοῦ Ἁγίου σου Πνεύματος, καὶ σκέπασον αὐτοὺς
ὕπὸ τὴν κραταιάν σου χεῖρα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν. Σὺ
γὰρ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἁγιάζων τὰ σύμπαντα καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Καὶ
μετὰ τὸ Ἀμήν ἐπιτίθεται τὸ διάδημα, λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐλογητὸς εἶ,
Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἐνδύσας τὸν δοῦλόν σου Πνεύμα-
τος Ἁγίου δικαιοσύνην, καὶ τὸν στέφανον τῆς δόξης ἐπέθηκας ἐπ' αὐ-
τόν, καὶ ἠγαλλιάσατο ἡ ψυχὴ αὐτοῦ, οὐ φοβηθήσεται ὄρασιν διωγμῶν ἀπὸ
θλίψεως, ὅτι ἐπέθηκας ἐπ' αὐτόν τὴν χεῖρά σου, ἵνα δοξάζῃ τὸ ὄνομα
τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου... Καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ
τῶν νεοφωτίστων εἰς τὴν εἴσοδον καὶ γίνεται ἀκολούθως πᾶσα ἡ θεία
λειτουργία.

λ. 55 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ λῦσαι τὸ διάδημα.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος τοῖς δούλοις
σου ὠρησάμενος. Αὐτός, Δέσποτα Κύριε, τὸν φωτισμὸν τοῦ προσώπου
σου ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν ἐναυγάζειν διὰ παντὸς εὐδόκησον. См. выше
стр. 79—80. Conf. Goar. p. 303. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς
κεφαλὰς ἡμῶν. Οἱ ἐνδυσάμενοί σε Χριστὸν τὸν Θεὸν ἡμῶν... Goar p.
304. Καὶ ἐπαίρει ὁ ἱερεὺς τὸν νεοφώτιστον καὶ ἀπέρχεται ἐν τῷ σκευο-
φυλακίῳ, ψάλλων· Κύριος ποιμαίνει με. Καὶ ἐπαίρει τὸ διάδημα ἐκ
τῆς κεφαλῆς τοῦ νεοφωτίστου, καὶ λέγει εὐχὴν τοῦ ἀπονῆσαι τὸν νεοφώ-
τιστον· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πηγὴ τῶν εὐλογιῶν καὶ τῶν ἱαμάτων χο-
ρηγέ, ὁ φυλάσσων τὰ νήπια καὶ ἐναγκαλισάμενος τὰ προσενηχθέντα σοι
βρέφη, ὁ ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ τοῦ Σιλωὰμ τὸ αἰσθητὸν σκότος τοῦ πάλαι
τυφλοῦ... καὶ φωτίσας αὐτοῦ τοὺς νεοφώτους ὀφθαλμοὺς τῆς ψυχῆς. Αὐτὸς
καὶ νῦν, Δέσποτα, τοὺς ἀναγεννηθέντας διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος
καὶ δεξαμένους τὴν χάριν τῆς ἀθανάτου σου ὠρεᾶς διαφυλάξον, τοὺς μι-
κροὺς μετὰ τῶν μεγάλων, ἀπὸ πάσης ἐνεργείας τοῦ ἀντικειμένου, ἵνα καὶ
ἐν τῇ δευτέρᾳ σου παρουσίᾳ ἀκατακρίτως παραστῶσι τῷ φοβερῷ καὶ
φρικτῷ βήματί σου, καὶ τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν καταξίωσον. Ὅτι σὺ
εἶ ὁ φωτισμὸς ἡμῶν, Χριστέ ὁ Θεός, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν...
Καὶ λαβὼν ὕδωρ, ἀπονίπτει τὸ πρόσωπον τοῦ νεοφωτίστου, λέγει·
Ἐδικαιώθης, ἡγιάσθης ἀπελούσω ἐν τῷ ὀνόματι τοῦ Κυρίου ἡμῶν
Ἰησοῦ Χριστοῦ καὶ ἐν τῷ Πνεύματι τοῦ Θεοῦ ἡμῶν τοῦ ἐν τοῖς οὐρα-

νοῖς. Ὅμοιως καὶ τὴν δεξιὰν χεῖρα καὶ τὸν δεξιὸν πόδα, καὶ λέγει οὕτως· Αὐτῷ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχὴν λέγει· Δέσποτα Χριστέ, Υἱὲ μονογενὲς τοῦ ζῶντος Θεοῦ, εὐλόγησον τὸν δοῦλον τόνδε, αὔξησον αὐτὸν ἐν τῇ πίστει σου, θεμελίωσον αὐτὸν ἐν τῷ ἁρραβῶνι τῆς μελλούσης κληρονομίας σου, ἐνθρόνησον ἐν τῇ ψυχῇ αὐτοῦ τὸ ἅγιόν σου Πνεῦμα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ. Ὅτι πρέπει... СМ. выше стр. 54—55.

л. 56. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. p. 306. Καὶ κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, καὶ συμπιάνει τὰς τρίχας μετὰ κηρίου ἀργοῦ, καὶ βάλλει αὐτὰς ἐν τῷ δίσκῳ μετὰ καὶ μανδηλοῦ κινουργοῦς, καὶ ἐπιτίθει τῷ ἀναδόχῳ, λέγει· Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς λέγει εὐχὴν· Παναγία Τριάς ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον τὸν δοῦλόν σου, τὸν παῖδα τοῦτον, εὐλογίαν πνευματικὴν, χάρισαι αὐτὸν τοῖς δούλοις σου, τοῖς γονεῦσιν αὐτοῦ, ἀβλαβῆ καὶ ἀνεπηρέαστον φυλαττόμενον ὑπὸ τὴν σὴν εὐσπλαγχνίαν, εἰς αὔξησιν καὶ εἰς σύνεσιν, καὶ εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθὸν εὐδοκούμενον, καὶ εἰς ζωὴν τὴν ἐν σοὶ εὐάρεστον κυβερνούμενον, πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι σὺ εἰ, Κύριε, φύλαξ καὶ σκέπη πάντων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Λέγει δὲ εὐχὴν τῷ ἀναδόχῳ· Ὁ Δεσπότης καὶ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ ὢν εὐλογητός. СМ. ркп. № 961 Синайск. библ. выше стр. 79.

л. 56 об. Ἀκολουθία, ὅπως χρὴ δέχεσθαι τοὺς ἀπὸ αἱρέσεων προσερχομένους ἐν τῇ ἀγίᾳ τοῦ Θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ. Goar. p. 694—695. Особенности заключаются въ слѣдующемъ замѣчаніи: Ἐὰν δὲ μὴ εἰδῇ λαλῆσαι, ὑπακούει ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ, καὶ ἐπικλίνοντος τοῦ μετερχομένου, ἐπιτίθησιν ὁ ἱερεὺς τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, ἐπεύχεται· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ βουλούμενος πάντα ἄνθρωπον σωθῆναι... Ibid. Въ концѣ чина замѣчено: ἄλλα καθὼς οἱ βαπτιζόμενοι οὕτως διατελεῖται ἐπτὰ ἡμέρας, καὶ τῇ η΄ ἡμέρᾳ ἀπολούσασθαι.

л. 58. Εὐχὴ εἰς ἁρραβῶνα γάμου.

Ὁ τῷ παιδί τοῦ πατριάρχου Ἀβραάμ συμπορευθεὶς ἐν τῇ Μεσοποταμίᾳ, στελλομένῳ νυμφεύσασθαι Ἰσαὰκ γυναῖκα, καὶ διὰ μεσιτείας ὑδρεύσεως ἁρραβωνίσασθαι αὐτῷ τὴν Ῥεβέκκαν ἀποκαλύψας. Αὐτός, φιλάνθρωπε Κύριε, εὐλόγησον τοὺς δούλους καὶ στήριξον παρ' αὐτοῖς τὸν λαληθέντα λόγον, καὶ βεβαίωσον τῇ τελειότητι τῆς παρὰ σοῦ ἁγίας αὐ-

τῶν ἐνώσεως· σὺ γὰρ ἀπ' ἀρχῆς ἐδημιούργησας ἄρσεν καὶ θῆλυ ἐποίησας αὐτούς, καὶ παρὰ σοῦ ἀρμόζεται ἀνδρὶ γυνή εἰς βοήθειαν καὶ διαδοχὴν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, τοὺς συμπρόντας δὲ καὶ συνευχομένους ἀγίας σου καὶ διαφύλαξον εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις τῆς ἀγίας Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας. Ὅτι σὺ εἴ φυλάξῃς καὶ σκέπη πάντων ἡμῶν, ὁ Θεός, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

л. 58 об. Ἀκολουθία ἐπὶ μνηστείας.

Ἰσταται ὁ ἱερεὺς ἔσωθεν τοῦ ἱερατείου, οἱ δὲ ἀρμοζόμενοι πρὸ τῶν θυρῶν, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλῖδια ἐκ τοῦ νεωτέρου, καὶ τίθησιν αὐτὰ ἐν τῇ τῶν καγκέλων τραπέζῃ, στέκει δὲ καὶ τὸ ποτήριον τῆς ἀγίας κοινωνίας ἐν τῇ τραπέζῃ. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ μνηστευσαμένων... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τῆς φωνῆς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ διηρημένα... Goar. p. 311. Εἰρήνῃ πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει εὐχὴν· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος... p. 311. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλῖδια ἐκ τῆς ἀγίας τραπέζης καὶ ἐπιδίδει τῷ νεωτέρῳ, καὶ ὁ νεώτερος τῷ κορασίῳ καὶ φιλεῖ τὴν κεφαλὴν αὐτῆς, καὶ τὸ κοράσιον φιλεῖ τὴν δεξιὰν χεῖρα τοῦ νεωτέρου, καὶ ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς λέγει· Ὁ Θεός τῆς εἰρήνης καὶ ἀγάπης ἔστω μεθ' ἡμῶν... Слжч. ркп. № 958 стр. 27—28.

л. 59. Κανὼν ἐκκλησιαστικὸς εἰς γάμους.

Ἰσταται ὁ ἱερεὺς ἔσωθεν τοῦ ἱερατείου καὶ οἱ ἀρμοζόμενοι πρὸ τῶν θυρῶν, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὴν χεῖρα τοῦ νεωτέρου τὴν δεξιὰν καὶ τὴν χεῖρα τῆς κόρης ἐκ τούς (τῶν) παρανόμφους (ων), καθ' ὅτι οἱ γονεῖς τῶν νεονύμφων παραδιδόασιν τὰς δεξιὰς χεῖρας τῶν ἀρμοζομένων τοῖς παρανόμφοις, οἱ δὲ παράνυμφοι τῷ ἀρχιερεῖ. Ὁ δὲ ἱερεὺς, ἐπισφραγίσας αὐτούς, παραδίδωσιν αὐτῶν τὰς δεξιὰς, λέγει· Θέλοντα καὶ θελομένων. Καὶ τῶν παρόντων ἀποκρινομένων· Ναὶ ἂν θέλῃ ὁ Θεός. Τοῦτο ἔρωτᾷ ἐκ τρίτου, πάντων ἀποκρινομένων. Τίθησι δὲ καὶ τὰ στέφανα ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ καὶ τὸ ποτήριον, ὁμοίως τῆς ἀγίας κοινωνίας, καὶ ἵσταμένων τῶν νεονύμφων πρὸ τῶν θυρῶν τοῦ ναοῦ, λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων ἀλλήλοις πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τῆς συζυγίας τῆς συναπτομένης καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ στεφανωθῆναι αὐτούς τῇ χάριτι καὶ δυνάμει τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δω-

ρεθῆναι αὐτοῖς πίστιν καθαρὰν καὶ ἀμίαντον, τέκνα πιστὰ καὶ ἀγαθὰ. Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς βίον ἀνυπόκριτον καὶ ἁμωμον πολιτείαν... Ἔτι ὑπὲρ αὐτῶν καὶ ὑπὲρ παρόντων νυμφοστόλων... Ἔτι ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χαρίζεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας, εὐτεκνίας ἀπολαυσιν καὶ ἀκατάγνωστον διαγωγὴν... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Καὶ λέγει εὐχὴν τῆς συζεύξεως· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ Πατὴρ ὁ οὐράνιος, ὁ διδοὺς εὐχὴν τῷ εὐχομένῳ καὶ εὐλόγησας ἔτη δικαίου, ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σου καὶ προσκυνούντων, ἐπίδε ἐπὶ τῶν συναπτομένων τὸν γάμον τοῦτον καὶ ἐπὶ τῇ συζεύξει τῶν χειρῶν αὐτῶν, σκέπασον αὐτοὺς τῇ δεξιᾷ σου τῇ κραταίᾳ καὶ τῷ βραχίονί σου τῷ ὑψηλῷ, καὶ φύλαξον αὐτοὺς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, ὁδηγῶν αὐτοὺς ἐν παντὶ ἔργῳ ἀγαθῷ. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστίν... Εὐθὺς λέγει τὸν ψαλμὸν τοῦτον· Ἐξηρεῦσάτο ἡ καρδιά μου λόγον ἀγαθόν... διὰ τοῦτο εὐλόγησέ σε, ὁ Θεός, εἰς τὸν αἰῶνα. Ὁ δὲ ἱερεὺς τὸν νεόνυμφον ζώννυσαι τὸν σπᾶθον καὶ λέγει· Περιζῶσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μηρὸν σου, δυνατέ... ἡ δεξιά σου. *Goar.* p. 48. Καὶ ἐπισφραγίζων, λέγει εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον... *Goar.* p. 317. Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ ὢν, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν τὸν ἄνθρωπον, ἐποίησας αὐτοὺς ἄρσεν καὶ θῆλυ καὶ εἶπας· ἕνεκεν τούτου καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα, καὶ προσκολληθήσεται τῇ γυναικὶ αὐτοῦ, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν· οὐ γὰρ εἰσι δύο, ἀλλὰ σὰρξ μία· καὶ οὗς ὁ Θεὸς συνέζευξεν, ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω. Ἔτι εὐλόγησας αὐτοὺς καὶ εἶπας· Αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε, καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, καὶ ἐγένετο οὕτως. Καὶ νῦν, Δέσποτα Κύριε, ὁ ἀναγαγὼν τοὺς δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ εἰς ἕνωσιν ἀδιάκριτον, εἰς πίστιν ἀκαταίσχυντον, εἰς κοίτην ἀνεπιβούλευτον, ἐγκαίνησον εἰς αὐτοὺς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, χάριν, πίστιν, ὁμοφροσύνην, εἰς τὸ ἀγαπᾶν ἀλλήλους, καὶ οὕτως εὐλόγησον τὴν συζυγίαν ταύτην, ὡς εὐλόγησας Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσουνὴν· εὐλόγησον, Κύριε, τὴν συζυγίαν ταύτην, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἐφραὶμ καὶ τὸν Μανασσῆν· εὐλόγησον αὐτοὺς, Κύριε, ὡς εὐλόγησας τὰ στέφανα τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων· εὐλόγησον, Κύριε, τὴν συζυγίαν ταύτην, ὡς εὐλόγησας τὰ στέφανα τῶν ἁγίων σου μαρτύρων ἐν τοῖς ἁγῶσιν αὐτῶν· εὐλόγησον, Κύριε, τὴν συζυγίαν ταύτην, ὡς εὐλόγησας τὴν Δέσποιναν Θεοτόκον καὶ ἐβλάστησε τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν. Δὸς βλα-

στῆσαι τὴν συζυγίαν ταύτην, ὡς ἐλαίαν κατάκαρπον, ὡς ἄμπελον εὐθηνουοῦσαν ἐν ταῖς κλίτεσι τῆς οἰκίας σου. Ἔτι δὲ ἔλθῃ ἡ εὐλογία σου ἡ πνευματικὴ, ἣν εἶπεν ὁ προφήτης Δαβὶδ· ἡ γυνὴ σου, ὡς ἄμπελος εὐθηνουοῦσα, οἱ υἱοὶ σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τραπέζης σου· ἰδοὺ οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος, ὁ φοβούμενος τὸν Κύριον, εὐλογῆσαι ὑμᾶς ὁ Κύριος ἡμῶν καὶ ἰδεῖν τε τὰ ἀγαθὰ Ἱερουσαλὴμ πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ὑμῶν ἕως τρίτης καὶ τετάρτης γενεᾶς. Δός, Κύριε, τῷ γάμῳ τούτῳ εὐλογίαν, τὴν δὲ κοίτην ἀμίαντον διατήρησον, παρασχόμενος αὐτοῖς χάριν καὶ ὁμόνοιαν· καὶ γὰρ αὐτὸς κατεδῆξω, Δέσποτα, νυμφίος ὀνομασθῆναι, τοὺς δὲ παραγενομένους εἰς τὸν γάμον τοῦτον χάρισαι τὸν στέφανον τὸν ἐπουράνιον καὶ πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Εὐχὴ στεφανόνων· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ βασιλεὺς πάντων ἡμῶν, ὁ πάντοτε πανταχοῦ παρὼν, ὁ ἐκ ποικίλων καὶ διαφόρων ἀνθέων στεφανῶν τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ εὐλογήσας τὸν γάμον, καὶ ἐν αὐτῷ θαυματουργήσας, Θεός. Αὐτὸς εὐλόγησον τοὺς στεφάνους τούτους, καὶ ἁγιάσον αὐτούς, ἵνα, καταξιούμενοι τῆς τούτων στέφους, λάβωσιν ἔλεος καὶ χάριν, εὐρωσιν εἰς εὐκαιρον βοήθειαν. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται. Καὶ λέγει ψαλμὸν γ'. Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεὺς... Εἴτα στέφει ἀμφοτέρους, ποιῶν σταυροῦ τῶν πον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν, λέγων γ'. Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτούς, ἔθνηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν στέφανον ἐκ λίθων τιμίων. Λέγει ἐκ γ'. καὶ στέφει αὐτούς. Καὶ μετὰ τὸ στέφαι αὐτούς, ἐπισφραγίσας λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεί... Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴν λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας τίμιον ἀναδειῖξαι αὐτοῖς γάμον ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar. p. 318. Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, καὶ δοὺς αὐτῷ βοηθὸν κατ' αὐτοῦ, ἐπέβλεψον ἐπὶ τὴν συζυγίαν ταύτην, καὶ εὐλόγησον αὐτούς, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, τὸν Ἰσαάκ καὶ τὴν Ρεβέκκαν, τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Λεῖαν καὶ τὴν Ραχήλ, τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσουνὴν· παράσχου αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, καὶ δώρησαι αὐτοῖς εἰρήνην, ἀγάπην καὶ ὁμόνοιαν, εὐτεκνίαν, γῆρας τίμιον, ἵνα ἐπὶ πᾶσι δοξάζωμέν σου τὸ πανύμνητον κράτος καὶ τὴν ἄφατον φιланθρωπίαν τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ Θεὸς ὁ ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος, ὁ ζῶν εἰς αἰ-

ὡνα αἰῶνος, ᾧ παρεστήκεσαν χιλιάδες ἀρχαγγέλων, ὁ ὁδηγῶν καὶ εὐθύνων πάντα ἄνθρωπον, ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον, ὁ καθοδηγῶν τὴν γῆν τὴν ἀόρατον καὶ ἀκατασκεύαστον, ὁ ἐπιτάξας ἥλιον γενέσθαι τῇ βουλῇ σου, οὐρανόν τε καὶ γῆν ποιήσας καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς· χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς, ἔπλασας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, καὶ λαβὼν μίαν τῶν πλευρῶν αὐτοῦ, ἔπλασας τὴν Εὐάν καὶ ἀγαγὼν αὐτὴν τῷ Ἀδάμ ἰδεῖν τί καλέσει αὐτήν, καὶ εἶπεν Ἀδάμ· τοῦτο νῦν ὁστοῦν ἐκ τῶν ὁστών μου, καὶ σάρξ ἐκ τῆς σαρκός μου, αὕτη κληθήσεται ζῶή, ὃ ἐστί μεθερμηγευόμενον γυνή. Καὶ συναγαγὼν αὐτάς, εἶπας· Αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε, καὶ πληρώσατε τὴν γῆν καὶ κατακυριεύσατε αὐτῆς. Ἀὐτός, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ ἐπιδείξας τὴν ἀρχὴν τῶν σημείων, καὶ μετέβαλες τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον. Αὐτὸς εὐφρανὼν αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων, παράσχου αὐτοῖς ἐκ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἐκ τῆς πίστεως τῆς γῆς· σὺ γάρ εἰ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός καὶ τῶν αἰώνων ποιητής, ὁ σπιλβώσας τὸ φῶς καὶ ὠρίσας τὴν ἡμέραν, ὁ τὴν μεγάλην καὶ εὐρύχωρον θάλασσαν ὁροθετήσας, ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, Κύριε, πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας. Εὐλόγησον αὐτοὺς, ὡς τὸν Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, ὡς τὸν Ἰσαὰκ καὶ τὴν Ῥεβέκκαν, ὡς τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥαχὴλ, ὡς τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ. Αὐτὸς εὐλόγησον τὸν γάμον τοῦτον καὶ τοὺς κεκληκότας τὰς ἐαυτῶν κεφαλὰς δέξασθαι τὸν ἀρχικὸν τοῦ κόσμου στέφανον, τοῖς δὲ παρανύμφοις δός, Κυριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πίστιν καὶ ὁμόνοιαν, καὶ τὸν παρελθόντα λαὸν τῇ μυστικῇ σου ἐκκλησίᾳ, καὶ πάντας τοὺς παραγενομένους εἰρήνευσον ἐν πᾶσιν. Εὐλογοῦ, ὦ νυμφίε, ὡς ὁ Ἀβραάμ, μεγαλύνθητι, ὡς Ἰσαὰκ, δῶή σοι Κύριος κατὰ τὴν καρδίαν σου καὶ πᾶσαν τὴν βουλὴν σου πληρῶσαι· εὐφραίνου, νύμφη, μετὰ τοῦ νυμφίου, καὶ τίμα τὸν ἄνδρα σου, ὃν ἡτοίμασέ σοι Κύριος ὁ Θεός, καὶ ἰδεῖν τε υἱοὺς τῶν υἱῶν ὑμῶν, καὶ εὐλογήσατε Κύριον τὸν Θεόν, τὸν συζευξάντα ὑμᾶς, καὶ ἔστωσαν οἱ εὐλογοῦντες ὑμᾶς εὐλογημένοι ὑπὸ Κυρίου. Ὅτι δεδοξάσται ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἶτα τὸ προκείμενον, ἦχος δ'. Δόξη καὶ τιμὴ ἐστεφάνωσας. Κύριε, ὁ Κύριος ἡμῶν... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἑφεσίους· Ἀδελφοί, ὑποτασσόμενοι ἀλλήλοις ἐν φόβῳ Θεοῦ αἱ γυναῖκες τοῖς ἰδίοις ἀνδράσιν, ὑποτάσσεσθε, ὡς τῷ Κυρίῳ... Τέλος· ἀλλὰ ἐκτρέφεται αὐτὰ ἐν παιδείᾳ καὶ νοουεσίᾳ Κυρίου. Ἀλληλούια δ'. Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, γάμος ἐγένετο ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 318. Εἰπόμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλό-

μενος... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητός εἶ, Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν οὐρανοῖς συστησάμενος καὶ τὰ ἐπὶ γῆς κατειργησάσας, ὁ Θεός, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ εὐλογήσας τὸν γάμον, εὐλόγησον καὶ τούτους τοὺς δούλους σου. Ὁ Θεός, ἐν τῇ σωτηριώδει σου οἰκονομίᾳ τίμιον αὐτῶν τὸν γάμον ἀνάδειξον διὰ τῆς σῆς παρουσίας, ἀμίαντον αὐτῶν τὴν κοίτην διαφύλαξον, ἀκηλίδωτον αὐτῶν τὴν συμβίωσιν διαμεῖναι εὐδόκησον, καὶ καταξίωσον αὐτοὺς ἐν γῆραί· πίνον πᾶσαν αὐτάρκειαν αὐτῶν ἐπὶ τῆς γῆς πληθῆναι, ὥσπερ τοῦ θεράποντός σου Ἰώβ, ἵνα, πάντοτε πᾶσαν αὐτάρκειαν ἔχοντες οἱ δοῦλοί σου, περισσεύονται εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν, καὶ ποιῶντες τὸ εὐάρεστον, προσθήσεις τοὺς χρόνους αὐτῶν, ὡς τοῦ Ἰάρεθ καὶ Ἐζεκίου. Καὶ εὐλόγησον, Κύριε, πάντας τοὺς παραγενομένους ἐπὶ τὸν γάμον τοῦτον, καὶ ἀξίωσον ἡμᾶς ἀγαπᾶν καὶ φοβεῖσθαι σε ἐξ ὅλης τῆς καρδίας, καὶ ποιεῖν ἐν πᾶσι τὸ θέλημά σου. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται... Καὶ ἄρχεται ἡ θεία λειτουργία. Καὶ ὅτε ἔρχονται εἰς τὴν ὥραν τῆς ζωοποιῶς κοινωνίας, ἐπιδίδει αὐτοῖς τῶν θείων ἀγιασμάτων. Καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς θείας λειτουργίας, φέρει ὁ ἱερεὺς ποτήρια δύο· ἥτοι καυκία, καὶ βάλλει εἰς τὰ ἀμφοτέρωτα οἶνον, καὶ λέγει τὸν ψαλμὸν τοῦτον· Ἐξομολογησώμεθά σοι, ὁ Θεός, ἐξομολογησώμεθά σοι καὶ ἐπικαλεσώμεθα τὸ ὄνομά σου... Καὶ μετακινεῖ τὸ ἐν εἰς τὸ ἄλλο καὶ λέγει· Καὶ ἔκλινεν ἐκ τούτου εἰς τοῦτο, καὶ δίδει τὰ ποτήρια τοῖς παρανόμοις, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τῶν ποτηρίων· Ὁ Σωτὴρ τῆς οἰκουμένης, ὁ ἐλθὼν εἰς τὸν κόσμον μετὰ δόξης πολλῆς, ὁ παραγενόμενος ἐν τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, καὶ μεταποιήσας τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον, καὶ χαρὰν ποιήσάμενος ἐν μέσῳ τοῦ νυμφίου, ἐλθέ, παντοδύναμε Κύριε, ἐπὶ τὴν συγκέρασιν τοῦ οἴνου τούτου καὶ τοῖς ἔχουσι μεταλαβεῖν ἐξ αὐτοῦ στήριξον αὐτοὺς ἐν ἀγάπῃ κραταιᾷ, καὶ εἰρήνευσον αὐτοὺς, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Ὅτι· σὺ εἶ ὁ Πατὴρ ἐν τῷ Υἱῷ καὶ ὁ Υἱὸς ἐν τῷ Πατρὶ ἅμα τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Εἴτα ἐπιδιδόασιν οἱ παράνομοι τοῖς νεονόμοις τὰ ποτήρια καὶ πίνουνσι, καὶ εὐθὺς σφραγίζει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς, λέγει· Ἐν εἰρήνῃ προήλθετε καὶ ἐν ἀγάπῃ πορευέσθε. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Καὶ ἀπέρχονται εἰς τὸν παστὸν οἶκον, ἀπέρχεται καὶ ὁ ἱερεὺς, λέγει εὐχὴν τῶν στεφάνων· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας μετὰ τῆς

ἀχράντου σου Μητρὸς καὶ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, καὶ λύσας τὸ κατὰ τὴν Εὐὰν κατάκριμα τὸ διὰ τῆς τοῦ ξύλου βρώσεως. Αὐτὸς καὶ νῦν εὐλόγησον τὸν γάμον τοῦτον εὐλογίαν πνευματικὴν, καὶ ἔνωσον καὶ διαφύλαξον τοὺς δούλους σου ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ, καὶ δὸς αὐτοῖς τὸν στέφανον τῆς ἀφθαρσίας, κληρονόμους αὐτοῦ ἀνάδειξον τῆς ἐπουρανίου σου βασιλείας. Σοὶ γὰρ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀναγαγὼν Ἡλὶαν ἐν ἄρματι πυρίνῳ, ὁ μεταθεθεὶς τὸν Ἐνῶχ ἐντεῦθεν τοῦ μὴ ἰδεῖν θάνατον, ὁ φυλάξας τὸν Ἰωάννην ἐν ἀγνεΐᾳ πρῆθενίας, ἀπόδεξαι καὶ τοὺς στεφάνους τούτους ἀσπίλους καὶ ἀμώμους, καὶ ἀνεπιβουλεύτους μέχρι τῆς ἐσχάτης αὐτῶν ἀναπνοῆς. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον...

λ. 67. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

Στιχηρὰ εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα, ἤχος δ'. Τῶν ἀποστόλων τὸν... Τοὺς ἀγραμμάτους... Διασπαρέντες ἐπὶ γῆς... Εἰς τὸ Δόξα, Ἀγνοοῦντα τὰ... Προκείμενον, ἤχος βαρὺς· Τίς Θεὸς μέγας... Καὶ εἶπα νῦν... Ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες... Ἐξ ὅλης ψυχῆς... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλόμενος... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ εἰσακούσαι... (Εὐχὴ)· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενῆ ταύτην ἱκεσίαν πρόσδεξαι... Goar. pag. 56. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος. . Λέγει ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ βήματος εἰς ἐπήκοον πάντων· Κλίνοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ δὲ λαός· (Κύριε ἐλέησον). Πάντων ἐπὶ γόνυ κεκλιμένων, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ἀχραντε, ἀμίαντε, ἀναρχε, ἀόρατε... p. 597 съ прибавочною молитвою. Далѣе, какъ въ рук. Сип. библ. № 958 (См. выше стр. 24—25). съ тою разницею, что къ стихирамъ имѣются въ данномъ спискѣ принѣвы, къ первой: Μὴ ἀπορρίψῃς με, а ко второй: Ἀπόδος μοι τὴν ἀγαλλίασιν. Послѣ молитвы: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος σλѣдуютъ стихиры: Νῦν περιβάλλονται κράτος, Δόξα, πάλιν τὸν αὐτὸν στίχον. Καὶ νῦν, Βασιλεῦ οὐράνιε, ἀπολυτίκιον (ἤχος) πλ. δ'. Εὐλογητὸς εἶ, Χριστέ ὁ Θεός, καὶ ἀπόλυσις.

λ. 73 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

Ἐν τῇ ἡμέρᾳ, ἐν ᾗ δόξει γίνεσθαι τοῦ ἁγίου ἐλαίου ἐπὶ ἀρρώστου, συνάγονται ἑπτὰ πρεσβύτεροι καὶ ποιοῦσι τὸν ἑσπερινὸν καὶ παννυχίδα, καὶ ψάλλοντες κανόνα, τὸν γεγραμμένον εἰς τὸ τέλος τῆς βίβλου· ὁμοίως καὶ εἰς τὸν ὄρθρον ψάλλουσι κανόνας τοὺς ἀρμόζοντας. Καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ ὄρθρου λειτουργοῦσιν οἱ ἑπτὰ πρεσβύτεροι εἰς διαφόρους ἐκκλησίας ἐπ' ὀνόματος τοῦ ἀρχιστρατήγου Μι-

χαήλ, εἶτα συνάγονται εἰς μίαν ἐκκλησίαν, καὶ οὕτως γίνεται κατὰ τάξιν ἡ ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἑλαίου, καθὼς ὑποτέτακται. Τοῦ πρώτου πρεσβυτέρου ποιούντος τὴν πρόθεσιν καὶ θυμιῶντος ὅλον τὸν ναόν, καὶ φέρει τὸ τρυβλίον, καὶ λέγει ὁ αὐτὸς πρεσβύτερος· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ... καὶ εἶθ' οὕτως βάλλει ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων καὶ οἶνον, καὶ ἔλαιον, ἐπισφραγίζων αὐτά, ὁμοίως καὶ ὁ β'. πρεσβύτερος βάλλει καὶ αὐτὸς ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων καὶ οἶνον, καὶ ἔλαιον ἐν τῷ τρυβλίῳ, ἐπισφραγίζων λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε... Ὅμοίως ποιοῦσι καθεξῆς οἱ ἑπτὰ πρεσβύτεροι. Μετὰ δὲ τοῦτο λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι ἡμῖν πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ὁ ἱερεὺς λέγει· εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ φυλάσσω τὴν διαθήκην σου καὶ τὸ ἔλεός σου τοῖς ἀγαπῶσί σε. Goar. p. 337. Копецъ: διὰ τοῦ ἁγιάσματος τούτου τοῦ μέλλοντος ἐπάγεσθαι. Καὶ ἐμφυσᾷ αὐτὸ ὁ ἱερεὺς σταυροειδῶς καὶ σφραγίζει τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, καὶ πάλιν λέγει· εὐχὴν· Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλαιον τοῦτο δο κοηα. Goar. p. 338. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Ὑπὲρ τοῦ ἔλεων καὶ εὐμενῇ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν φιλόανθρωπον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν, καὶ ἐλεῆσαι ἡμᾶς. Καὶ ὑπὲρ ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τῆς φωνῆς... Ὑπὲρ τῶν αἰτησαμένων τὴν λειτουργίαν ταύτην ὑπὲρ ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αἰτησώμεθα ταῖς πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου, τῶν ἀρχαγγέλων, τοῦ Προδρόμου, Κοσμᾶ, Δαμιανοῦ, Παντελεήμονος καὶ πάντων τῶν ἁγίων... Ὑπὲρ τοῦ δούλου Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς ἀπὸ κλίνης ἐγέρσεως αὐτοῦ, καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεός σου... Κύριε ἐλέησον μ'. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὑψιστος, ὁ ὑπὸ πάσης κτίσεως προσκυνούμενος... Goar. p. 339 Копецъ: καὶ ἔλασαι αὐτοὺς ἐν τῷ πληθὲι τοῦ ἐλέους σου πρεσβείαις τῆς ἀγράντου Θεοτόκου, τῶν ἀρχαγγέλων, τῶν ἀποστόλων, τοῦ Προδρόμου σου Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Παντελεήμονος καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ἐκφωνήσις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Καὶ εὐθὺς ἄρχονται λέγειν Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, τὸν Ν'. φαλμόν, Ἀλληλούια, Ἀλληλούια δόξα... γ'. Εἶτα λέγει ἀντίφωνον α'. ἤχος β'. Μακάριος ἀνὴρ, ὃς οὐκ ἐπορεύθη... Ὑπόφαλμος· Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε и т. д. Δόξα, τροπάριον ἤχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας... Καὶ εἶθ' οὕτως λέγει ὁ

πρώτος πρεσβύτερος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ δοῦ-
λου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς ἁνωθεν ἐκ Θεοῦ βοηθείας καὶ ἀγαθῆς ἐπι-
σκέψεως καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς
ἀπὸ πάσης θλίψεως... Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς ποιεῖ τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ
Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χερουβὶμ καὶ ἐπιβλέπων ἀβύσσους,
ἐπίδε ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τοῦτον καὶ ἐπίσκεψαι αὐτὸν τῇ φιλανθρωπίᾳ
σου καὶ τῇ ἀμετρήτῳ σου δυνάμει, ἔκτεινον¹⁾ τὴν δεξιάν σου τὴν κρα-
ταίαν, καὶ ἀντικατάπεμψον τὴν ἱαματικὴν σου δύναμιν ἐξ ἁγίου ὑψώμα-
τός²⁾ σου, καὶ ἀνάστειλον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλα-
κίαν, καὶ ἀποκατάστησον αὐτόν³⁾ τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ ὑγιαίνοντα πά-
σας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ. Сн. Дмитриевскаго. Прилож. къ
Богосл. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 115. Ἀντιλάβοῦ, σῶσον...
Τῆς παναγίας, ἀχράντου, ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτό-
κου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ
ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων καὶ πανευφή-
μων ἀποστόλων, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου πρωτομάρτυρος καὶ ἀρχιδιακό-
νου Στεφάνου, τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν Παντελεήμονος καὶ Ἐρ-
μολάου μετὰ πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες... Ἐκφώνησις· Ὅτι
σὺ εἶ ὁ ἰατρός καὶ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Εἴτα λαβὼν ὁ αὐτὸς
πρεσβύτερος τὸ ἀπτρὶν ἐκ τῆς κανδήλας, ποιεῖ μετ' αὐτοῦ σταυροὺς
γ'. εἰς τὸ αὐτὸ ἅγιον ἔλαιον, εἰθ' οὕτως ἀνάπτει αὐτό. Εἴτα πάλιν
ἀμφότεροι παιοῦσι Τρισάγιον καὶ τὸν Ν'. Ἀντίφωνον β'. Κύριε ὁ Θε-
ός μου, ἐπὶ σοὶ ἤλπισα, σῶσον με ἐκ πάντων... Ὑπόψαλμος· Πρεσβεΐαις
τῆς... Δόξα, Αἱ ἀνομίαι ἡμῶν καὶ αἱ ἀπειθεῖς ἡμῶν πράξεις περιε-
κύκλωσαν ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν... Εἴτα πάλιν λέγει ὁ
πρεσβύτερος τὰ προγραφέντα κηρύγματα, καὶ ὁ β'. πρεσβύτερος καὶ τὴν
εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ ταῖς οἰκτιρμοῖς σου Goar.
p. 335. Ἀντιλάβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... (что выше). Καὶ μετὰ
τὴν ἐκφώνησιν ὁμοίως καὶ αὐτὸς λαβὼν ἀπτρὶν, ἐπισφραγίσας εἰς τὸ ἅγι-
ον ἔλαιον, ἄπτει αὐτό. Ὅμοιως καὶ καθεξῆς γίνεται ἕως τῶν ἐπτὰ πρεσ-
βυτέρων. Εἰ δὲ τύχη καὶ οὐ πάρεσιν ἐπτὰ πρεσβύτεροι, ποιοῦσι τὴν ἀκο-
λουθίαν δύο ἢ τρεῖς. Εἴτα πάλιν τὸν Ν'. καὶ εἰθ' οὕτως ψάλλουσιν ἀν-
τίφωνον γ'. ψαλμός ιθ'. Ἐπακούσαί σου, Κύριε, ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως...
Ὑπόψαλμος· Ὑπακούσόν μου, Κύριε... Δόξα, Κύριε ἐλέησον ἡμᾶς, ἐπὶ
τῇ ἐκφώνησιν καὶ ἀνάψει αὐτό. Ἄν τις ποιεῖ καὶ εἰθ' οὕτως.

¹⁾ РВМ. Снн. 646 л. 960 нѣтъ до оубѣ въ агіос τ) καὶ ἐκκλησίᾳ
²⁾ ὑγιαίνοντα πάσας.

σοι... Καί νυν, Δι' εὐσπλαγχνίας οἰκτιρμῶν, Χριστέ, κατῆλθες ἐπὶ γῆς καὶ ἐκ Παρθένου σαρκωθεῖς... Εὐχὴ γ'. Ἐκπεμφον, Κύριε, τὴν πιότητα τοῦ ἐλέους σου ἐπὶ τὸν καρπὸν τῆς ἐλαίας τοῦτον, δι' οὗ ἔχρισας ἱερεῖς, προφῆτας, βασιλεῖς, τοκᾶς(;) μάρτυρας καὶ ἐνέδυσας τῇ χρηστότητί σου διακαιοσύνης ἔνδυμα, ἵνα γένηται παντὶ τῷ ἀλειτουργομένῳ καὶ γενομένῳ εἰς ὄνησιν καὶ ὠφέλειαν ψυχῆς καὶ σώματος (καὶ) πνεύματος, εἰς ἀποτροπὴν παντὸς κακοῦ, εἰς ὑγίαν τῷ χρηομένῳ διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ. Ἐκφώνησις· Ὅτι εὐλογητὸς εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ παναγίῳ... Καὶ λαβὼν ὁμοίως τὸ ἅπτριν ἐπισφραγίσας ἅπτει αὐτό. Εἶτα πάλιν τὸν Ν'. ἀντίφωνον δ'. Κύριος ποιμαίνει με... Ὑπόφαλμος· Ἐλέησόν με, Κύριε... Δόξα καὶ νυν, Τὴν ἀσθενοῦσάν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι, πανάγιε, καὶ τὸ ἄλγος τῆς καρδίας μου... Εὐχὴ δ'. Αἰτούμεθά σε, Κύριε ὁ Θεός, ὅπως προστάξης τὸ ἐλεός σου ἐπὶ τὸ ἐλαιον τοῦτο καὶ τοὺς χρηομένους ἐξ αὐτοῦ ἐν ὀνόματί σου, ἵνα γένηται αὐτοῖς εἰς ἴασιν ψυχῆς καὶ σώματος, καὶ εἰς καθαρισμόν καὶ ἀπαλλαγὴν παντὸς πᾶθους καὶ πάσης νόσου καὶ μαλακίας, καὶ παντὸς μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ δοξασθῇ σου τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Conf. Goar. pag. 347. Καὶ πάλιν ὁμοίως λέγει τὸν Ν'. καὶ εὐθὺς ἀντίφωνον ε'. Κρῖνόν μοι, Κύριε, ὅτι ἐγὼ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύθην... Ὑπόφαλμος· Βοήθησόν με, Κύριε... Τροπάριον πλ. β'. Κύριε, ὁ καθηήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν καὶ ἀσιγήτοις δοξαζόμενος αἰεὶ, δέξαι παρ' ἡμῶν τὸν τρισάγιον ὕμνον... Καὶ νυν, Ἐλπίς τοῦ Κυρίου μου ἀγαθὴ Θεοτόκε παρθένε τὴν γῆν... Εὐχὴ πέμπτη· Ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι, καὶ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν, καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως... Goar. p. 341. Копецъ: ὁ μόνος ψυχῶν καὶ σωμάτων ἰατρός, ἴσασαι καὶ τὸν δοῦλόν σου τὸν δεῖνα διὰ τῶ ἐλαίου τῆς σῆς χρηστότητος, ὅπως καὶ νυν, μετέχοντες τῆς σῆς φιλάνθρωπίας, δοξάζωμέν σε τὸν ποιοῦντα μεγάλα καὶ θαυμαστά ἐν δόξῃ τε καὶ ἐξουσίᾳ. Ἐκφώνησις· Ὅτι Θεὸς ἐλέους, οἰκτιρμῶν καὶ φιλάνθρωπίας ὑπάρχεις... Καὶ λαβὼν καὶ αὐτὸς ἅπτριν, ἐπισφραγίσας ἅπτει. Καὶ πάλιν λέγει τὸν Ν'. εἶτα φάλλουσιν ἀντίφωνον ς'. Ἐπὶ σοί, Κύριε, ἤλπισα μὴ καταισχυνθῆν... Ὑπόφαλμος· Ἐξελοῦ ἡμᾶς, Κύριε, Δόξα, Ὁ σταυρός σου, Κύριε, ἡγίασται ἐν αὐτοῖς... Καὶ νυν, Ἐν τῷ ναῷ ἐστῶτες... Εὐχὴ ς'. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου... Goar. p. 335. Καὶ πάλιν ποιῶσι τὸν Ν'. φαλμόν, εἶτα ἀντίφωνον ζ'. Ὑπομένων, ὑπέμεινα τὸν Κύριον. Δόξα, Ἀπόστολε Κυρίου τῶν πολεμουμένων ἢ εἰρήνῃ, τῶν χειμαζομένων ἢ γαλήνῃ... Καὶ νυν, Παναγία Θεοτόκε,

τὸν χρόνον τῆς ζωῆς... Εὐχὴ ζ'. Ἀγαθὲ καὶ πολυέλεε, καὶ πολυεύσπλαγχνε, καὶ δημιουργέ, καὶ βασιλεῦ, καὶ προνοητά, καὶ εὐεργέτα τῶν πάντων, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ πλῆθους οἰκτιρμῶν καὶ πέλαγος φιλανθρωπίας, καὶ ἀφάτου ἀγαθότητος, μὴ παριδὼν τὸ οἰκεῖον πλάσμα, τὸν ἄνθρωπον, ὑπὸ τοῦ ἀρχεκάκου καὶ βασκάνου δράκοντος τυραννούμενον, ἀλλ' ἐκ τῆς πανάγνου καὶ παναμώμου θαβιτικῆς ἀειπαρθένου κόρης Μαρίας σαρκωθείς καὶ γέγονας καθ' ἡμᾶς κατὰ πάντα, πλήν τῆς ἁμαρτίας ἀνθρώπου, τὴν ἡμετέραν (οὐσίαν;) διὰ τῆς ἀφάτου σου ἐνσάρκου σωτηριώδους οἰκονομίας οἰκονομήσας, ἐν Ἰορδάνῃ τὴν ὑγρὰνθεῖσαν τοῖς ἁμαρτήμασιν ἡμῶν οὐσίαν ἐκκαθήρασ τε καὶ ἐκαινούργησας, τὸν δυσμενῆ καὶ δελεαστὴν καὶ πειραστὴν ἐχθρὸν κατεπάλαισας, καὶ τὴν αὐτοῦ τυραννίδα κατήργησας, καὶ τοῖς ἀνθρώποις τὰς πηγὰς τῶν θείων σου εὐεργεσιῶν ἐπέβλυσας, τυφλοὺς ἐφώτισας, λεπροὺς ἐκαθάρισας, χολοὺς συνέσφιγξας, πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἐθεράπευσας, καὶ νῦν πάρεσο ἡμῖν, τοῖς ἐπικαλουμένοις σε, ἐλεήμων, ὁ καὶ ψυχῶν καὶ σωματῶν ἱατρός¹⁾, αὐτοπροαιρέτῳ σὺ νεύματι καὶ λόγῳ τοῦ προστάγματός σου, παντοῖαν σωματικὴν νόσον ἰώμενος καὶ πᾶσαν πλάνην τοῦ φθονεροῦ ἀπελαύνων, ὁ κατὰ πᾶσαν γενεὰν θαυματουργῶν ἐνδοξά τε καὶ ἐξαισία, ὣν οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς· ὁ καὶ πάλαι μὲν τοὺς τρεῖς παῖδας ἀπὸ τῆς φλογὸς ἀπαθεῖς διασώσας, ὕστερον δὲ τῷ ἐκ γενετῆς τυφλῷ τὸ βλέπειν χαρισάμενός, καὶ Λάζαρον τετραήμερον ἐκ νεκρῶν ἀναστήσας, καὶ ἐπιτιμήσας τῷ πυρετῷ τῆς πενθερᾶς Πέτρου καὶ παραχρῆμα τοῦ νοσήματος αὐτὴν ἀπαλλάξας, ὥστε ἀναστᾶσαν αὐτὴν διακονεῖν. Ἐπίσκεψαι, Δέσποτα, προσκυνητὲ Κύριε, τὸν δοῦλόν σου τόνδε τὸν τοῖς σοῖς οἰκτιρμοῖς καταφεύγοντα, καὶ ἴσας αὐτὸν ἀπὸ πάσης ἀσθενείας, δεσμεύων τὰ συντρίμματα καὶ πᾶσαν ἐνέργειαν κακοῦσαν καὶ θλίβουσαν αὐτῷ καὶ ἐκμοχλεύων· ἐλθέτω δύναμις ἐκ τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας, καὶ ἀπελασάτω ἀπ' αὐτοῦ τὴν ἐκ τῆς ἀρρώστιας μάστιγα, ἐπίσταξον αὐτῷ ὁρόσον ἱαμάτων, ῥῦσαι αὐτὸν ἀπὸ πόνων καὶ ἀλγημάτων, ἀποδίωξον ἀπ' αὐτοῦ διὰ τοῦ τύπου τοῦ ζωοποιοῦ σου σταυροῦ πᾶσαν διαβολικὴν διαβουλὴν καὶ κακουργίαν, ἐπίχεε ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τὴν σὴν ἱαματικὴν χάριν, καὶ παυσάτω ἀπὸ παντὸς μέλους αὐτοῦ καὶ ὁστέου πᾶσα ἀλγηδὼν καὶ λυπητικὴ ὄχλησις, ἐξέγειρον αὐτόν ἀπὸ κλίνης ὀδυνηρᾶς καὶ ἀπὸ στρωμνῆς κακώσεως, καὶ δὸς αὐτῷ καιρὸν διηγῆσασθαι πάντα τὰ θαυμάσιά σου καὶ ἐξεπτεῖν τὸ σωτήριόν σου. Ἐκφώνησις· Ὅτι Θεὸς ἐλέους καί... Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι ἔνα

¹⁾ Подобную молитву см. выше в ркн. Син. библ. № 957 стр. 6.

ἕκαστον τὰς εἰρημένους εὐχὰς καὶ ἀνάψαι τὰ ζ'. τοῦβία αὐτῶν, ποιῶν-
τες μετ' αὐτοῦ σταυροὺς τρεῖς εἰς τὸ αὐτὸ ἅγιον ἔλαιον, καὶ εἰθ' οὕτως
ἄρχονται οἱ ζ'. πρεσβύτεροι τὴν θείαν λειτουργίαν, τοῦ πρώτου πρεσβυ-
τέρου προσκομίσαντος ἢ τοῦ ἡγουμένου, καὶ τῶν λοιπῶν συλλειτουργούν-
των, ἥτοι συμβοηθούντων· καὶ λέγει ὁ μὲν προκείμενον, ὁ δὲ ἀπόστολον,
ἕτερος τὸ Ἀλληλούια, ἄλλος τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἕτερος διακονικά.

Καὶ εὐθὺς λέγει εἰς· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ πρωτοπαπᾶς· Εὐλόγη-
μένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ἀντίφωνον τῆς λειτουργίας
τὸ α'. φαλμός ρβ'. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... ἕως τέλους. Ὑπό-
φαλμος· Πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου... Δόξα καὶ νῦν, Πρεσβείαις. Ἀντίφω-
νον β'. φαλμός ρλγ'. Δόξα. Αἶνει ἡ ψυχὴ... λέγει ἕως τοῦ τέλους τοῦ φαλ-
μοῦ, εὐθὺς Δόξα, Ὁ μονογενὴς Υἱός... Ἀντίφωνον γ'. Λαμβάνει ὁ πρωτο-
παπᾶς καὶ ἐξέρχεται ἐκ τοῦ βήματος τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον εἰς τὴν εἴσο-
δον καὶ λέγει πλ. β'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου... Μνήσθητί μου, ὁ Θεός. Πά-
ριθέ μου τὰ ἐν γνώσει καὶ ἀγνοίᾳ πεπραγμένα... Ὁ τοῦ Πέτρου προσδε-
ξάμενος τὸν θρῆνον, πρόσδεξάι μου, Χριστέ... Ὅταν ἔλθῃς ἐν τῇ δόξῃ
μετὰ ἀγγέλων... Εἴτα εἴσοδος, καὶ λέγει τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ὁ γι-
νώσκων τὰ πάθη τῶν ἀνθρώπων καὶ τὰς οὐδύνας τῆς φύσεως ἡμῶν, οὐ-
ρανόθεν ἰατρὲ τῶν ἀσθενούντων... Δόξα, Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον
ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας... Προκείμενον, ἦχος δ'. Ἐγὼ εἶπα·
Κύριε, ἐλέησον... στίχος· Μακάριος ὁ συνιών. Καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώ-
βου· Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα λάβετε... Gohg. p. 337. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρ-
κον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς
αὐτοῦ... Τέλος· καὶ δαιμόνια πολλὰ ἐξεβαλλὼν καὶ ἡλκισκὸν ἔλαιον πολ-
λοὺς ἀρρώστους καὶ ἐθεράπευον. Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ...
Ὁ μὴ βουλόμενος... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει... Ὑπὲρ τοῦ Ἰλεων... Ὑπὲρ
τοῦ εἰσακοῦσαι.. Ὑπὲρ συστάσεως... Εἰσάκουσον, Κύριε, τῆς δεήσεως ἡμῶν,
ὡς ἐπήκουσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους Πέτρου καὶ Ἰωάννου, πορευο-
μένων αὐτῶν ἐπὶ τὴν ὥραν τῆς προσευχῆς τὴν ἐνάτην καὶ δι' αὐτῶν
ποιήσας σημεῖον ἐνώπιον παντὸς τοῦ λαοῦ, ἐλέησον καὶ τὸν δοῦλόν σου
τόνδε, εἴπωμεν.—Κύριε, ὡς ἐπήκουσας τοὺς ἁγίους σου τρεῖς παῖδας ἐν
κρίνῳ, ἐπάκουσόν καὶ ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν, δεομένων ὑπὲρ αὐτοῦ.—Τῇ
πρεσβείᾳ τῶν τιμίων καὶ ἐνδόξων προφητῶν, ἀποστόλων καὶ μαρτύρων,
καὶ πάντων τῶν ἁγίων, τῶν ἐν ὅλῳ τῷ κόσμῳ ὑπὲρ αὐτοῦ δυσωπουμέ-
νων, ἐλέησον καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε.—Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ
τὸ μέγα ἔλεος... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὑπὲρ ὑγείας, σωτηρίας
καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ, εἴπωμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον μ'. Κύ-

ριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ τυχὴν ἰκεσίαν πρόσδεξαι Goar. pag. 56. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Ἐν δὲ τῷ διαβαίνειν τὰ ἅγια, πίπτει ὁ ἀσθενῶν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ μέσον τοῦ ναοῦ, ὁ δὲ πρωτοπρεσβύτερος ἵσταται ἐνώπιον τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγει· Οὐδεὶς ἄξιος τῶν συνδεδεμένων τῆς σαρκικαῆς... Goar. p. 58. Οἱ δὲ λοιποὶ πρεσβύτεροι, βασιτάζοντες τὰ ἅγια, ὁ μὲν τὸν δίσκον, καὶ ἕτερος τὴν λαβίδα, καὶ ἄλλοι μανουάλια μετὰ κηρίων, καὶ πατοῦσι τὸν ἀσθενῆ εἰς καθ' (ἐνα), καὶ εἰσέρχονται, νίπεται δὲ τὰς χεῖρας ὁ πρωτοπρεσβύτερος. Κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου. Καὶ τελειοῦται ἡ θεία λειτουργία μέχρι τοῦ Εὐλόγησω τὸν Κύριον, καὶ οὐκ ἀπολύουσιν, ἀλλ' εὐδὺς ἄρχονται τὸν Ν'. ὁ δὲ πρωτοπρεσβύτερος λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς... Goar. p. 335. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, λαβὼν ὁ αὐτὸς πρεσβύτερος τὸ τουβλὶν ἐκ τῆς κανδήλας, ποιεῖ μετ' αὐτοῦ σταυροὺς τρεῖς εἰς τὸ ἅγιον ἔλαιον καί, σβεννύων αὐτὰ, τίθησιν ἔξω τῆς κανδήλας, ὁμοίως οἱ λοιποὶ πρεσβύτεροι ποιοῦσιν. Εἷτα πάλιν ἀμφότεροι τὸν Ν'. καὶ ὁ δεύτερος πρεσβύτερος λέγει εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Goar. p. 338. διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ ζωοποιήσον αὐτὸν κατὰ τὸ σοὶ εὐαρεστεῖν τῇ ὑφειλομένῃ σοι εὐχαριστίᾳ ἐν ἀγαθοεργίᾳ ἀποπληροῦντι. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σου... Εὐχὴ γ'. Κύριε παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ, ὁ Θεός, ὁ παιδεύων καὶ μὴ θανατῶν... Πρплож. стр. 127. εὐαρεστοῦντα καὶ ποιοῦντα τὸ θέλημά σου πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἰ, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ Θεός τοῦ ἐλεεῖν... Εὐχὴ δ'. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πάντων Δεσπότης καὶ τῶν ὅλων ποιητής, ὁ τῶν ἀσθενούντων ἱατρὸς καὶ τῶν ἐν θλίψει ἀντιλήπτωρ, ἐυλατεῦν τὰς ἀνομίας ἡμῶν καὶ ἰώμενος τὰς νόσους ἡμῶν, ἀπόστρεψον πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἀπὸ τὸν δοῦλόν σου τόνδε διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Παιδός, ὃν ἀπέστειλας εἰς τὸν κόσμον εὐεργετοῦντα καὶ ἰώμενον πάντας τοὺς καταδυναστευομένους ὑπὸ τοῦ διαβόλου, τὴν τοῦ σώματος ἀσθένειαν ἀπείργων διὰ τῆς σῆς χρηστότητος, ἅψ' ἧς τὰς ἐξ ἁμαρτίας καὶ τὰς ἐξ ἁμαρτιῶν κακώσεις διαλύων, κατὰ τὴν ἄφατον ἐξουσίαν καὶ τὴν ὑπερβάλλουσαν ἀγαθότητα, δι' ἧς ἰάσατο ὁ μονογενὴς σου Υἱὸς καὶ Θεός ἡμῶν, λύων τὰς ἐξ ἁμαρτιῶν κακώσεις. Δεόμενά σου, Δέσποτα, τάχυνον τὴν βοήθειάν σου, καὶ ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, ὅπως ἰαθῇς διὰ τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας δοξάσῃ τὸ ἅγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ... Ὅτι σὴ ἐστὶν ἡ δόξα καὶ ἡ βασιλεία... Εὐχὴ ε'. Ὁ ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, ὁ ἀναλαβὼν εἰς ἑαυτὸν τὰς ἀσθενείας τοῦ λαοῦ καὶ τοὺς πόνους βασιτά-

σας, μνήσθητι καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε, τὸν ἐν ἀρρώστια ἐξεταζόμενον
 καὶ τοῦ ἐλέους σου ἐπιδομένου, κατὰπεμψον τὴν ἱατρικὴν σου χάριν καὶ
 ἴασαι αὐτὸν ἐκ τῆς κλίνης ἀρρώστοῦντα, παράσχου αὐτῷ ὑγίαν ὁλόκλη-
 ρον σώματος καὶ ψυχῆς καὶ πνεύματος, ἀποκατάστησον αὐτὸν ὑγιῇ τῇ
 ἀγία σου καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ εἰς προσκύνησιν καὶ εἰς δό-
 ξαν τοῦ ἁγίου σου ὀνόματος. Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν...
 Εὐχὴ ζ'. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τοῦ σώζειν, ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας καὶ
 μυριάδας τοῖς ἀγαπῶσι σε καὶ φυλάσσων τὰ προστάγματά σου, ὁ θεραπεύων
 πᾶσιν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν, ὁ ἰώμενος τοὺς συντετριμμένους τῇ καρδίᾳ
 καὶ δεσμεύων τὰ συντρίμματα αὐτῶν, ὁ μόνος ἱατρὸς ψυχῶν τε καὶ σωμάτων, ἡ
 κατφυγὴ τῶν ἀσθενούντων, καὶ βοήθεια τῶν ἀβοηθήτων. Ἐπάκουσον ἡμῶν,
 ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ἐπίφανον τὸ πρόσωπόν σου ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὴν σκέπην
 ταύτην καὶ πάντας τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν αὐτῇ ἐπίσκεψαι, ὁ Θεός, καὶ ἐξαπό-
 στειλον τὸ ἔλεός σου ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε, τὸν ἐπικεκλημένον ἐπὶ τὸ ὄνο-
 μα τοῦ Χριστοῦ, καὶ ἴασαι αὐτοῦ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσιν μαλακίαν, καὶ πᾶ-
 σαν ἀσθενεῖαν σωματικὴν τε καὶ ψυχικὴν, λύσον ἁμαρτίας καὶ τὰ ἐξ ἁμαρ-
 τιῶν ἐπίπονα, ὁ πάντα τὰ πάθη φυγαδεύων τῷ λόγῳ σου καὶ πᾶσαν βα-
 σκανίαν τοῦ ἐχθροῦ καὶ ἐνέργειαν, ὡς γνόφον ἀφάνισον τῷ θελήματι σου,
 ἐπίνευσον εἰς τὴν δέξιν τῶν δούλων σου, εἰς ἐπίσκεψιν τοῦ κάμνοντος.
 Κύριε, δὸς αὐτῷ χεῖρα βοηθείας καὶ ἐξέγειρον αὐτὸν ἐκ τῶν συμπτωμά-
 των τῆς ἀσθενείας, τὴν φανεράν ἰώμενος ἀρρώστιαν, τὴν ἀφανὴ διορθού-
 μενος καχεξίαν, ἵνα καὶ τῷ σώματι ῥωσθῇ καὶ τῷ πνεύματι σωθῇ, ῥύ-
 σαι αὐτὸν ἔργοις τῆς εὐσπλαγχνίας σου, εὐθυπορῶν πρὸς τὴν βασιλείαν
 σου, μεθ' οὗ καὶ τὰς ἡμῶν ἀσθενείας ἰάτρευσον, ὁ δι' αὐτὰς γενόμενος
 ἄνθρωπος, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ δοξασθῇ τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ
 Υἱοῦ... Εὐχὴ ζ'. Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων (см. выше). Καὶ
 μετὰ τοῦτο λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Θεολόγου
 ἐπάνω τοῦ ἀσθενούντος· Βασιλεῦ, ὀράτε, ἀκτανόητε, ἀπερίληπτε, ἀπε-
 ρίγραπτε, εὐσπλαγχνε, πολυέλεε, ὑπεράγαθε, ἀνεξίκακε, φιλόανθρωπε καὶ
 μακρόθυμε, ὀφίστε, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν, ὁ θά-
 νατῶν καὶ ζωογονῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ
 ἱκετεύομεν, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν, σπλαγχνισθεὶς ἐφ'
 ἡμᾶς τῇ σῇ ἀγαθότητι, καὶ ἴασαι τὸν δοῦλόν σου ἐν τάχει καὶ κάθαρον
 αὐτοῦ πᾶν μέλος τοῦ σώματος ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ καὶ νόσου, ἀπὸ κο-
 ρυφῆς κρανίου καὶ ἡμικρανίου, καὶ ἡγεμονικοῦ, ταραχῆς, αἰχμαλωσίας τε
 καὶ συγχύσεως, ἀπὸ ἀρτηριῶν καὶ ἄρθρων, καὶ μηνίγγων ὀδύνης, ἀπὸ
 δακρυρροίας ὀφθαλμῶν, ἀπὸ ρευμάτων συνοχῆς, ἀπὸ φάρυγγος καὶ στομά-

χου, καὶ ἥπατος, καὶ σπληνός, καὶ ὀμφαλοῦ, καὶ κοιλίας, καὶ ἀπὸ πάθους νεφρικοῦ καὶ δυσουριακοῦ, καὶ σχεδίακοῦ, καὶ ἀναδοτικοῦ, καὶ ναρκιασμοῦ, καὶ πωρώματος, καὶ ἀλγήματος ἁρμονιῶν, καὶ ἀπὸ φρίκης, καὶ ῥίγους, καὶ πυρετοῦ, καὶ τριταίου, καὶ ναρκήσεως νεύρων καὶ ὀστέων καὶ τξίρματος, καὶ πάσης κακώσεως, καὶ νόσου καὶ θλίψεως· ἴασαι τὸν δοῦλόν σου ὃ δεῖναι τῇ βοηθείᾳ καὶ συνεργίᾳ τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, καὶ ἀνάστησον αὐτὸν ἀπὸ στρωμνῆς κακώσεως, καὶ σβέσον τὸν πυρετόν, πράυνον τὸ πάθος, καὶ ἀποδιώξον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν μαλακίαν καὶ νόσον, καὶ ἀδικίαν, καὶ ῥαθυμίαν, καὶ στενοχωρίαν, καὶ ὀλιγοψυχίαν, καὶ ἀγρυπνίαν καταφύχων αὐτοῦ τὴν ψυχὴν καὶ τὸ σῶμα τῇ γλυκείᾳ σου θεραπείᾳ. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Καὶ μετὰ τοῦτο ἄρχονται οἱ ἱερεῖς τροπάριον ἤχος β'. Ἀρχιστράτηγε Θεοῦ... Οἱ τὴν χάριν λαβόντες... Ἄγιοι ἀνάρχυροι... Καὶ ταῦτα ψάλλομεν ἐκ γ'. κρατῶν τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀσθενούντος, λέγει εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν... (См. выше) Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι ἓνα ἕκαστον τὴν εὐχὴν ταύτην, ἀλείφουσιν αὐτὸν εἰς ἕκαστος πρεσβύτερος ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ποιοῦντες σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου αὐτοῦ, καὶ τοῦ μυχθῆρος, καὶ τοῦ πώγωνος, καὶ τοῦ αὐχένος, καὶ τῶν δύο ὤτων, καὶ ἐπὶ τῶν χειρῶν, ψάλλουσι τροπάριον· Ἄγιοι, ἀνάρχυροι... Καὶ ἐν τῷ ἀλείφειν τὸν ἄρρώστον, ἀλείφουσι καὶ τὸν λαόν, εἴτα δίδωσιν αὐτῷ τῶν θείων ἁγιασμάτων καὶ κοινῶνεϊ. Εἴτα λέγουσι τὸ Εὐλογήσω τὸν Κύριον καὶ ἡ ἀπόλυσις. Ἐν δὲ τῷ τελειοῦσθαι ἅπαντα, αἵρουσι τὸν ἄρρώστον καὶ ἀπέρχονται εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ, ψάλλοντες· Τῇ Θεοτόκῃ ἔκτενως, λέγουσι καὶ τὸν Ν'. ἔχοντες καὶ τὸ ἅγιον ἔλαιον, χρίοντες τὴν κλίνην τοῦ ἀσθενούντος σταυροειδῶς καὶ τὸν οἶκον, καὶ τὴν θύραν. Λέγει καὶ εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, διήρχετο ὁ Ἰησοῦς τὴν Ἱερικῶ... Goar. p. 339. (Εὐχες σθε καὶ ὑπὲρ τοῦ γράψαντος Αὐξεντίου, πρεσβύτεροι). Ὅφείλει δὲ πρῶτον ὁ ποιῶν τοῦ ἁγίου ἐλαίου ἐξαγόρευσιν (sic), ὁφείλει δὲ καὶ λούεσθαι καὶ οὕτω προσέρχεσθαι. Δεῖ εἰδέναι, ὅτι τὰς ζ'. ἡμέρας φυλάττει τοῦ μὴ ἀπολούεσθαι, καθάπερ οἱ νεοφώτιστοι.

λ. 87 ὁβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν μετανοούντων.

Ὁ Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Ναθὰν μετανοήσαντι τῷ Δαβὶδ Goar. p. 536.

λ. 88. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ θακρύνων... Goar. p. 537.

— Εὐχὴ ὑπὸ τῶν ἀλόγως ἀφοριζομένων ἢ ἑαυτοὺς ὀρκῶ δεσμεύσαντας.

Ὁ Θεός ὁ φοβερός καὶ δυνατός, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρισμοὺς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον. Goar. p. 531.

λ. 88 οβ. Εὐχὴ εἰς τοὺς ἐν ἐπιτιμίοις ὄντας καὶ ἡ ὅταν πληρώσῃ τὰς εὐχὰς καὶ τὰς νηστείας καὶ τὸν κανόνα τῶν ἁμαρτημάτων αὐτοῦ, καὶ λύων αὐτὸν καὶ εἰς τοὺς ἑαυτοὺς ὄρκῳ δεσμοῦντας, ὅτε σταυρωπατήσωσιν.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Λόγος τοῦ Πατρὸς, ὁ πάντα δεσμὸν τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν τῷ σῶ ἔκουσίῳ πάθει διαῤῥήξας... Goar. p. 528.

λ. 89. Εὐχὴ εἰς τὸ λύσαι κανόνα.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεός, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς, ὁ λύσας τὰς ὁδύνας, τὸν θάνατόν σου καὶ δεξάμενος τὸν τίμιόν σου κανόνα τὸν δεξάμενον ὁ δοῦλός σου ὁ δεῖνα, ὁδηγῶν αὐτὸν εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία.

λ. 49 οβ. Ἀκολουθία ἐπὶ φυγομαχοῦντα καὶ βιαζόμενον.

Λέγει Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, τὸν Ν'. ψαλμόν, τροπάριον. Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε, ἐλέησον... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεός, ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντα ἄνθρωπον θέλων σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν Goar. p. 587.

— Ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντος.

Λέγει Τρισάγιον, εὐθὺς. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι ἡμῖν... Ὑπὲρ τοῦ μὴ ἀποβλήτους ἡμᾶς γενέσθαι ἐν τῇ φοβερᾷ ἡμέρᾳ... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε κοιμήσεως... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως παραστήναι αὐτὸν τῷ φοβερῷ... Ὑπὲρ τοῦ καταξιώθῆναι αὐτὸν ἐν τρυφῇ παραδείσου, ἐν κόλποις Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ μετὰ πάντων τῶν δικαίων. Ὑπὲρ τῶν ἐν λύπῃ καὶ ἀπογνώσει βαρυνθέντων ψυχῶν καὶ τῆς ἐν Θεῷ παρακλήσεως αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός παράσχη αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν. Ὁ Θεός τῶν πατέρων καὶ πάσης σαρκός... Goar. p. 424. Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ καὶ τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν... Ὅτι σὺ εἶ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ. Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία καὶ τῶν πενθούντων παράκλησις. Goar. p. 453.

λ. 90 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων εἰς κοιμηθέντας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τῷ φωτὶ κατοικῶν καὶ ἐν τῇ γῇ παριών, Σωτὴρ καὶ εὐεργέτης ὑπάρχων, ὁ εἰσαγαγὼν ἐν τοῖς σκηνώμασι τὰς ψυχὰς καὶ ἐξαγαγὼν πάλιν εἰς τὰς αἰωνίους μονάς, αὐτοὺς καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου τοῦδε ἀνάπαυσον ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἐν χώρᾳ ἁγίῳ, ἐν κόλποις Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ἐν μεριδί τῶν ἐκλεκτῶν σου, ἐν τῇ γῇ τῶν πραέων, ἐν τῇ κληρονομίᾳ τῶν ζώντων, ἐνθα ἀπέδρα ὁδύνη καὶ λύπη καὶ στεναγμός, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προ-

σώπου σου, ἔκει αὐτὸν ἀνάπαυσον, καὶ ἡμῖν δὲ πολιτεύεσθαι τὰς ὑπολοίπους ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν, κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον καὶ ὀραμεῖν τὸ στάδιον τοῦ βίου ἀπρόσκοπτον καὶ τυχεῖν τῶν ἐπαγγελιῶν σου, ὧν ἐπηγγείλω τοῖς ἀγαπῶσί σε, τοὺς συνελθόντας καὶ τῷ ὁμοίῳ πάθει τιμήσαντας εὐλόγησον εὐλογίᾳ τῇ σῇ, ἕκαστον τὴν συνδρομὴν εἰς δικαιοσύνην λογιζόμενος, τοὺς πενθοῦντας παρακάλῃσον, τοὺς ὀλιγοψύχους καὶ ἐν θλίψει ὑπάρχοντας παραμύθησαι, εὐλόγησον δὴ καὶ τὰ σπέρματι ταῦτα, τὰ ἐκ τῶν σῶν δωρεῶν προσενεχθέντα, καὶ ὅθεν ἀπελήφθησαν ἑκατονταπλασίονα τὸν μισθὸν δώρησαι πρεσβείαις τῆς ἀγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι Θεὸς ἐλέους, οἰκτιρμῶν καὶ φιλανθρωπίας ὑπάρχεις.

π. 91. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων εἰς κοιμηθέντας. Λέγει εἰς τὰ γ'. καὶ θ'. καὶ μ'.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ εἰσαγαγὼν αὐτὸν εἰς τὸν κόσμον τοῦ πολιτεύεσθαι ἐπ' ἐλπίδι ζωῆς αἰωνίου, ἁμαρτήσαντος δὲ αὐτοῦ θάνατον ἑαυτῷ ἐπεισήγαγες, καὶ τὸ μὲν (σῶμα) ἐκ τῆς γῆς εἰς γῆν ἀναλύσας, τὴν δὲ ψυχὴν πρὸς ἑαυτὸν προσκαλεσάμενος. Αὐτὸς οὖν, Δέσποτα φιλάνθρωπε Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, προσερχομένης καὶ τῆς ψυχῆς τοῦ δούλου σου τοῦδε ἐπὶ τὸν ἅγιόν σου θρόνον, εἴ τι ὡς ἄνθρωπος ἥμαρτεν, ἐν σαρκί ἔτι ζῶν, ἢ κατ' ἄγνοιαν, ἢ ἐν ἔργῳ, ἢ ἐν λόγῳ, αὐτός, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος, ἄνες, ἄφες, συγχώρησον, παρορῶν αὐτοῦ καὶ τὰ ἡμῶν πλημμελήματα, καὶ ἀνάπαυσον αὐτόν, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, τῶν δὲ πενθοῦντων, Κύριε, Κύριε, γενοῦ ἀντιλήπτωρ, παῦσον τὴν λύπην, τὴν ἀθυμίαν, τὸν στεναγμόν, διὰ τῶν προκειμένων σοῦ δώρων, καὶ τοὺς κάμνοντας καὶ προσενεχόντας ταῦτα σὺν αὐτοῖς μισθὸν οὐράνιον παράσχου, καὶ τοὺς ἔχοντας μεταλαβεῖν ἐξ αὐτῶν ἐπὶ ὑγείας ψυχῆς καὶ σώματος καταξίωσον, πρεσβείαις καὶ ἱκεσίαις τῆς ἀγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδοξασται.

π. 91 οβ. Εὐχὴ κολύβων εἰς μνήμην ἁγίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὴν γῆν, τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς... См. выше стр. 35.

π. 92. Εὐχὴ κολύβων εἰς τοὺς ἁγίους μάρτυρας.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, καὶ αἰνετὸν καὶ δεδοξασμένον τὸ ὄνομά σου εἰς τοὺς αἰῶνας. Λέγει τρίτον. Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε, ὁ μόνος φιλάνθρωπος καὶ μόνος ἀναμάρτητος, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν τὴν εἰσόδον τῶν ἁγίων σου τοῦ ἐορτάζειν ἡμᾶς ἐν ταῖς μνηαῖς αὐτοῦ· σήμερον, ἀδελφοί, ἁγίων σύνοδος, σήμερον μαρτύρων μνήμη, σήμερον ἀθλοφόρων πανηγυρίς, σήμερον ἀνδρῶν θεοσεβῶν ἐορτή, καλὴν καὶ μεγάλ-

λην ἡμέραν ἐξελέξασθε, ἀδελφοί μου ἀγαπητοί, οἱ ἐπιτελοῦντες τὰς μνεί-
 ας τῶν ἁγίων, μιμησάμενοι τὴν τοῦ Ἀβραάμ δοχὴν, τὴν σκηνὴν αὐτοῦ
 τὴν φιλόχριστον, τὴν τοὺς ἁγίους ἀγγέλους ὑποδεξαμένην· ἐν τούτῳ γὰρ
 δοξάζεται ὁ Θεὸς καὶ ἡ ἀγία καὶ ἑνδοξος αὐτοῦ Μήτηρ, καὶ πάντες οἱ
 ἅγιοι ἀγάλλονται ἐπὶ τῇ ἀγίᾳ συνδρομῇ ταύτῃ· θεωρεῖ γὰρ ἀγγέλους εἰ-
 σερχομένους, ἀνθρώπους προσερχομένους, κληρὸν δοξάζοντα καὶ λαὸν φαι-
 δρυνόμενον καὶ πίστιν φαιδρυνομένην. Αὕτη οὖν ἀγάπη, ἀγαπητοί, ἀνέρ-
 χεται εἰς οὐρανοὺς προσκυνῆσαι τὴν δόξαν Κυρίου, οἱ δὲ ἄγγελοι, θεα-
 σάμενοι αὐτὴν πανευεידῇ καὶ καλῇ, ἡσπασαντο αὐτήν, λέγοντες· χαῖρε,
 ἀγάπη, φίλη Θεοῦ, χαῖρε, ἀγάπη, ἀγγέλων σύσκηνε, χαῖρε, ἀγάπη, προφη-
 τῶν διδάσκαλε, χαῖρε, ἀγάπη, ἀποστόλων καύχημα, χαῖρε, ἀγάπη, μαρτύ-
 ρων ἀγαλλίαμα, χαῖρε, ἀγάπη, ὁσίων ἐγκαλῶπισμα, χαῖρε, ἀγάπη, ἱεραρχῶν
 δόξα, χαῖρε, ἀγάπη, ἡ αἰεὶ τὸ ψεῦδος μισήσασα, χαῖρε, ἀγάπη, δι' ἧς ὁ
 Δεσπότης Χριστὸς διὰ τὴν ἄφατον αὐτοῦ καὶ ἀνεκδιήγητον ἀγαθότητα
 ἐπὶ τῆς γῆς καταβάς καὶ σαρκωθείς ἐκ Παρθένου, γενόμενος ἄνθρωπος,
 ἵνα τὸν ἄνθρωπον εἰς οὐρανοὺς ἀνάγῃ· ταύτην οὖν τὴν ἀγάπην θεασά-
 μενος, ὁ ἑνδοξος μάρτυς ὁ δεῖνα καὶ πάντες οἱ ἅγιοι σὺν αὐτῷ, τὰ σώ-
 ματα ταῖς βασάνοις παρέδωκαν καὶ ἁμαρταντίους καὶ ἄφθάρτους στεφά-
 νους ἐνδυσάμενοι, Χριστῷ τῷ Θεῷ ἡμῶν ἐν δόξῃ ἐν οὐρανοῖς συναγάλλονται
 τῷ τῆς ἀγάπης θησαυρῷ.—ἡ ἀγάπη τοῦ οὐρανοῦ ὑψηλοτέρα, τῆς γῆς ἀνω-
 τέρα, τῆς θαλάσσης εὐρυχωροτέρα, ἡ ἀγάπη δεήσσει καὶ ἱκεσίαις τὸν Θεὸν
 δυσωπεῖ καθ' ἐκάστην ὑπὲρ τῶν ποιούντων αὐτήν, καὶ καθὼς ὁ προφή-
 της λέγει, θύσον τῷ Θεῷ θυσίαν αἰνέσεως καὶ ἀπόδος τῷ Ὑψίστῳ τὰς εὐχάς
 σου, καὶ ἐπικάλεσαι Κύριον τὸν Θεόν σου ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς σου, καὶ ἐξε-
 λεῖται σε καὶ δοξάσει αὐτόν· πᾶς γὰρ ὁ ἐπ' εὐλογίαις σπείρων ἐπ' εὐλογί-
 αῖς καὶ θερίσει· ἔντιμος γάρ ἐστιν ὁ τῆς ἀγάπης θησαυρός, πάντα βρα-
 θεύει, πάντα βλαστάνει, πάντα εὐφορεῖ, ὡς γῆ καλὴ, καρποφορεῖ κατὰ τὸ
 εὐαγγέλιον ἐν τριάκοντα καὶ ἐν ἑξήκοντα καὶ ἐν ἑκατὸν καρποφορεῖσαι ἑκα-
 τονταπλασίονα, μισθὸν ἐπουράνιον δώρησαι, Κύριε, τοὺς προσκαλουμένους
 ἡμῖν καὶ ὑποδεξαμένους ὑγείαν καὶ σωτηρίαν καὶ μισθὸν ἐπουράνιον δώ-
 ρησαι αὐτοῖς, αὐξήσον τοὺς καρποὺς τῆς γῆς αὐτῶν, τὴν τράπεζαν αὐτῶν
 πλήρωσον παντὸς ἀγαθοῦ, ἵνα ἔχοντες καὶ περισσευόμενοι οἱ δοῦλοί σου,
 μεταδίδωσι τοῖς χρεῖαν ἔχουσι, καὶ ποιοῦντες τὸ εὐάρεστον καὶ τέλειον
 ἐνώπιόν σου, καὶ ὡς εἶπας ἐπὶ Ζακχαίου, ὅτι σήμερον σωτηρία τῷ οἴ-
 κῳ τούτῳ ἐγένετο, τὴν αὐτὴν σωτηρίαν, τὴν αὐτὴν εὐλογίαν, τὸ αὐτὸ ἔλεος,
 τοὺς αὐτοὺς οἰκτιρμοὺς ἔνεγκε, Κύριε, καὶ ἐπὶ τὰ κτίσματά σου ταῦτα καὶ
 ἐπὶ πάντας τοὺς προτεθηκότας ταῦτα διὰ πρεσβειῶν τῆς πανουμνήτου

Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου τοῦδε, δι' οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν. Φιλάνθρωπε βασιλεῦ, εἰρήνευσον τὴν ζωὴν ἡμῶν, τοὺς βασιλεῖς ἡμῶν κατὰ τῶν πολεμίων ἐνίσχυσον, τὴν πίστιν ἡμῶν μέχρι τέλους βεβαίαν διατήρησον. Ὅτι εὐλογημένον ὑπάρχει τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

λ. 93 οβ. Εὐχὴ ἄρτων τεθέντων ἐν ἀρίστῳ.

Ὁ ἐκ πέντε ἄρτων καὶ δύο ἰχθύων πεντακισχιλίους κορέσας καὶ ἐκ τῶν περισσευμάτων πλήθος ἐκ τοῦ συναχθῆναι κελεύσας, αὐτὸς Δέσποτα παντοδύναμε, καὶ τὰ ἐγκαταλείμματα ταῦτα πλήθυνον καὶ τοὺς ἐξ αὐτῶν καταλαμβάνοντας ἀγίασον. Χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ.

Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν ἀριστᾶν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπουράνιος καὶ ζωοποιὸς ἄρτος, ἡ ἀληθινὴ τροφή τοῦ παντός. Goar. p. 569.

λ. 94. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἐκ τοῦ ἀρίστου.

Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιλανθρώπῳ Θεῷ... Goar. p. 569.

— Εἰς θῦμα μνήμης ἁγίου.

Ὁ Θεὸς τῆς δόξης καὶ παντός ὀνόματος ὀνομαζόμενος καὶ ὑπὸ ἁγίων προσκυνούμενος, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ ἁγίου σου γαληνῷ τῷ ὀφθαλμῷ καὶ ἱλαρῷ τῷ προσώπῳ ἐπὶ τὴν θυσίαν αὐτὴν, καὶ ὡς προσεδέξω Ἀβελ τὰ δῶρα, Νῶε τὰς θυσίας, Ἀβραάμ τὰς ὀλοκαρπώσεις, Μωσέως καὶ Ἀαρὼν τὰς ἱερωσύνας, Σαμουὴλ τὰς εἰρηνικάς, Αὐτὸς, φιλάνθρωπε Κύριε, πρόσδεξαι καὶ τὴν θυσίαν τοῦ δούλου σου τοῦδε ἀπὸ τῶν ἐπιγείων τὰ ἐπουράνια εἰς ὁσμὴν εὐωδίας καὶ ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν εὐλογίαν σου τὴν πνευματικὴν. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιάζων τὰ σύμπαντα καὶ σοὶ τὴν δόξαν...

λ. 94 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θυσίας ἁλατος.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Ἱεριχῷ μετὰ τῶν ἁγίων προφητῶν καὶ εὐλογήσας τὸ ἅλας καὶ γλυκάνας αὐτό. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοῦτο τὸ ἅλας καὶ μετέβαλε αὐτὸ εἰς μετάληψιν θυσίας, τὴν αὐτὴν εἰρήνην, τὴν αὐτὴν εὐλογίαν ἀντικατάπεμψον ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου καὶ ἐπὶ ταῖς θυσίαις αὐτοῦ καὶ πρόσδεξαι αὐτοῦ τὴν εὐχὴν καὶ τὴν δέησιν. Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον.

— Εὐχὴ ἐπὶ θνήσιν βοῶν.

Ἐὰν ἀνομίας παρατηρήσης, Κύριε, Κύριε, τίς ὑποστήσεται σοι, ἡμεῖς πλημμελοῦμεν οἱ ἀθετοῦντες τὸ ὄνομά σου, καὶ ἡ δύναμις τῆς γεωργίας ἐκκόπτεται, ὅτι ἵνα τι τὸν καρπὸν ἀφηρεῖς καὶ ἡμεῖς ἐκλίπομεν πλάνην τροφῶν, διό σου δεόμεθα καὶ ἱκετεύομεν τῷ ἐν εἰκόνι διατιμήσαντι ἡμῶν τὴν πτωχείαν, ἵλεως γενοῦ ἡμῖν καὶ τοῖς πολλοῖς ἡμῶν παραπτώ-

Εὐχολόγιον τ. II.

μασι, δυσωπούμενος ταῖς τῶν ἁγίων σου μαρτύρων ὑπὲρ σοῦ ὁμολογίαις, ἄνες τοῖς βόεσι τὴν ἀπειλήν, καὶ τὴν γῆν πρὸς τὸ θέλημά σου προσφέρειν τὸν καρπὸν, ἵνα ὁ λαός σου οὗτος καὶ ἕως νηπίων καὶ πενήτων στεναγμῷ σε δυσωπῇ, τροφῇ ἐμπιπλωμένη καὶ σὲ δοξολογούντων. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα...

λ. 94. Εὐχὴ ἐν λιτῇ, γινομένη διὰ φόβον.

Πάλιν σοῦ Κύριε τοῦ φιλανθρώπου δεσπότης... Goar. p. 636 ἀλλ' ἐν τῷ ἐλέει σου ζώσεις ἡμᾶς, καὶ ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς τοῖς οἰκτιρμοῖς σου, Κύριε. Ὅτι ἐλεήμων.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου τιθεμένης ἐκκλησίας.

Θυμιᾶ ὁ ἱερεὺς τὰς δ' ἑγωνίας τοῦ κτίσματος λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναί σοι ἐκκλησίαν Goar. p. 485.

λ. 95 οἷ. Ἀκολουθία ἐπὶ ἐδράσεως θυσιαστηρίου ἐπὶ θυῶν πρεσβυτέρων ἢ τριῶν γινομένη.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν καὶ τῆς ἐξῆς. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει εὐχὴν· Ὁ πάσης φύσεως Δεσπότης καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ πάντα πάντοτε ποιῶν καὶ πραγματευόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ καὶ ἐπ' εὐεργεσίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ὁ θεμελιώσας τὴν γῆν ἐπὶ τὴν ἀσφάλειαν αὐτῆς καὶ ποιῶν θαυμάσια, σὺ μόνος πανταχοῦ κατὰ πόλιν καὶ χώραν ἰδρύσας τὰς ἐκκλησίας, ἐπηξας ἐν αὐταῖς θυσιαστήριον καὶ ἐκέλευσας ἐν αὐταῖς θυσίας καὶ προσφοράς λογικὰς καὶ ἀναιμάκτους προσφέρειν τῷ ὀνόματί σου εἰς σωτηρίαν τῶν ψυχῶν τῶν ἀνθρώπων· καὶ νῦν ἐξαπόστειλον τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον καὶ ἁγίASON τὸ θυσιαστήριον τοῦτο εἰς ἐλπίδα σωτηρίας, τῶν προσιόντων τῇ σῇ ἀγαθότητι, ψυχῆς καὶ σώματος καὶ πνεύματος καὶ ἄφεσιν ἁμαρτιῶν. Ὅτι σὺ μόνος εὐσπλαγχνος, μακρόθυμος καὶ πολυέλεος καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε, Κύριε, ἐν τῷ ὀνόματί σου ἵπῳ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων σου Πέτρῳ τὴν ἐκκλησίαν σου πέτραν προσαγορεύσας. Αὐτὸς Δέσποτα τῶν ἀπάντων, τὸν πρὸς τὴν σὴν δοξολογίαν οἰκοδομηθέντα οἶκον ταῖς σαῖς δωρεαῖς κατακόσμισον καὶ τὴν ἐν αὐτῷ πηγνυμένην τράπεζαν ἁγίων ἁγίαν ἀνάδειξον τοῦ μεταποιεῖσθαι τὰς ἐν αὐτῷ προσκομιζόμενας σοι θυσίας εἰς τὸ τίμιόν σου σῶμα καὶ αἷμα, καὶ τοῖς ἐξομολογουμένοις δὲ ἐν αὐτῷ καὶ ἐπικαλουμένοις τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν σου κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως αὐτῶν, ἱατρὸς ψυχῶν τε καὶ σωμάτων γενόμενος ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν... Καὶ βάλλει γομφωτὴρ καὶ λάδανον, καὶ μῦρον, καὶ θυμίαμα, καὶ λίβανον, πρὶν ἐπιθεῖν τὴν ἁγίαν τρά-

πεζαν καὶ λέγει· Ἰψώσω σε, ὁ Θεός μου, λέγει γ'. καὶ δοξάζει καὶ δι-
δωσι εἰρήνην, καὶ ποιεῖ τὴν ἐκτενήν, καὶ ἀπολύει.

λ. 96. Εὐχὴ εἰς τὸ σαλευθῆναι ἀγίαν τράπεζαν ὑπὸ τινων.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεός τῶν δυνάμεων, τὸν ῥαντισμοῦ χά-
ριν ἐκχέαντα. Goar. p. 491.

λ. 96 об. Εὐχὴ ἐπὶ προχειρίσεως ἀναγνώστου ἡ ψάλτου.

Μετὰ τὸ καρῆναι τὸν ἔχοντα χειροτονηθῆναι, προσάγεται τῷ χει-
ροτονοῦντι ἐπισκόπῳ, καὶ ἐπιθεῖς τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, σφρα-
γίζων αὐτόν, ἐπεύχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ἔκλεξαι τὸν
δοῦλόν σου τοῦτον. Goar. p. 194.

— Εὐχὴ ἐπὶ μέλλοντος λαμβάνειν σχῆμα.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἀξίους εἶναι νομοθετήσας. Goar. p. 380.

λ. 97. Εὐχὴ ἐπὶ μελλούσης λαμβάνειν σχῆμα μοναστρίας.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας, ὡς μητέρα
τῆς σῆς οἰκονομίας αὐτὴν ἐπιγράψασθαι. Goar. p. 382.

— Εὐχὴ εἰς τριχοκουρίαν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἐντειλάμενος Ἀβρα-
ὰμ κεῖραι τὴν κεφαλὴν τοῦ σοῦ θεράποντος Μελχισεδέκ... См. выше
стр. 55 прим.

λ. 97 об. Εὐχὴ εἰς πωγονοκουρίαν.

Κύριε ὁ Θεός τῶν δυνάμεων, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ
Χριστοῦ, ὁ τῇ σῇ οἰκονομίᾳ ἡμᾶς. Goar. pag. 308.

λ. 98. Εὐχὴ ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν προσφέρειν σοι
κατὰ πρόθεσιν κελεύσας. Goar. p. 522.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ διὰ τὸν πρὸς σέ ζῆλον ἐπακούσας Ἥλια
τοῦ προφήτου. Goar. p. 613.

λ. 98 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρχῆς σπορίου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐκ τῆς ἀσπόρου ἀρούρας καὶ ἐκ τῆς
χώρας τῆς μὴ δεξαμένης καρπὸν! βλαστήσας... Ркн. XVI в. Есфигм.
библ. № 208 л. 67, прим.

λ. 99. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρχὴν θέρους.

Ὁ πάσης δημιουργὸς τῆς κτίσεως, ὃς ἔδωκας ἡμῖν καρποὺς τοῖς
ἀναξίοις, συνελθόντες οἱ δοῦλοι σου πρὸς τῷ τέλει τῇ συνεργίᾳ τοῦ ἀγίου
Πνεύματος, οὗς ἐνίσχυσον ἐν ἀνδρείᾳ καὶ προθυμίᾳ εἰς τὸ ἐνθέσθαι τὴν
εὐλογίαν σου πλουσίαν καὶ τοῖς καρποῦμένοις παρέχε τὴν σωτηρίαν σου,

ὅπως, ἔχοντες εὐθηνίαν πλουσίαν, παρέχωσι τοῖς πτωχοῖς εὐποιάν, διὰ τοῦτο δέξαι τὴν παρὰ πάντων προσευχήν. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος.
— Ἀκολουθία ἐπὶ σωροῦ.

Λέγει ψαλμὸν ξδ'. καὶ εὐθὺς προκείμενον, ἤχος δ'. Τοὺς αὐλκας αὐ-
τῆς. Στίχος· Σοὶ πρέπει ὕμνος. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους β'. Ἀδελφοί,
ὁ σπεύρων φειδομένως, φειδομένως καὶ θερίσει.. Τέλος· ἐργάζεται δι' ὑμῶν
εὐχαριστίαν τῷ Θεῷ. Ἀλληλουία πλ. β' Καὶ αἱ κοιλάδες πληθύνουσιν.
Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος, ἐὰν μὴ ὁ κόκκος τοῦ σίτου
πεσῶν εἰς τὴν γῆν ἀποθάνῃ... Τέλος· καὶ ἐὰν τις ἐμοὶ διακονῇ, τιμήσει
αὐτὸν ὁ Πατήρ. Εὐχὴ τοῦ σωροῦ· Εὐλογητός εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πα-
τέρων ἡμῶν, ὁ τὰ πάντα ποιήσας καὶ οὐκ ἔστιν ἐν αὐτοῖς ἀπόβλητον, εἰ-
πών· βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου σπείρον σπέρμα κατὰ γένος καὶ
καθ' ὁμοιότητα ἐπὶ τῆς γῆς· ἔδωκας γὰρ ἡμῖν πάντα τὰ σπέρματα εἰς
ἀπόλαυσιν καὶ τροφήν ἡμετέραν τοῦ τρέφεσθαι ἡμᾶς. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ
Θεὸς ἡμῶν, τὸν σωρὸν τοῦτον, ὡς εὐλόγησας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν
καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς· εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸν σωρὸν τοῦ
τον, ὡς εὐλόγησας τὸν ἥλιον καὶ τὴν σελήνην, καὶ τοὺς ἀστέρας, καὶ τὸ
φῶς, ὡς εὐλόγησας τὰς τέσσαρας πηγάς, τὰς ἐκπορευομένας ἐκ τοῦ πα-
ραδείσου, τὰς βρουύσας μέλι καὶ γάλα· εὐλόγησον, Κύριε, τὸν σωρὸν τοῦ-
τον καὶ πληθύνον αὐτὸν ἐν χιλιᾷσι καὶ μυριάσι, τοὺς βόας αὐτῶν πα-
χεῖς ποιήσον, τοὺς κάμνοντας ὑγείαν καὶ ἄφесιν ἁμαρτιῶν δώρησαι διὰ
πρεσβειῶν τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου
Μαρίας, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου ἱερομάρτυρος Πολυχάρπου καὶ πάντων τῶν
ἁγίων. Ὅτι ἅγιον ὑπάρχει τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς...

л. 101. Εὐχὴ ἐπὶ τρυγούντων.

Ἡ ἄμπελος ἡ ἀληθινή, ἡ μέθην μὴ ποιούσα, ἀλλ' εὐφροσύνην γεν-
νῶσα, ὡς ἄτρεπτος, βλέφον εἰς τοὺς πόνους τῶν δούλων σου καὶ δὸς αὐ-
τοῖς πλήρη τὸν καρπὸν τῆς εὐλογίας καὶ ἀνυστερήτους αὐτοὺς παντὸς
ἀγαθοῦ ποιήσον, ἵνα καὶ πένησιν ἐπαρκῶσιν καὶ σὲ διὰ παντὸς εὐχαρι-
στῶσιν. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός...

л. 101 об. Τάξις, γινομένη εἰ συμβῇ μιὰν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως
ἐμπεσεῖν εἰς ἄγγετον οἴνου ἢ ἐλαίου, ἢ μέλιτος, ἢ φρέατος ἢ ἐτέρου εἶδους.

Χρὴ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον ἐπαίρεσθαι παραχρῆμα καὶ ῥίπτεσθαι
ἔξω καὶ ἕτερον ἄγγετον πλύνεσθαι καθαρῶς ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ λοι-
πὸν ὁ ἱερεὺς λαμβάνει θυμιατήριον καὶ θυμιᾷ δεόντως ἔσωθεν καὶ ἔξω-
θεν τὸ πλυθὲν ἄγγετον, καὶ μετὰ τοῦτο βάλλει ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφα-
νίων, ποιῶν σταυροὺς γ'. καὶ τότε μεταβλίσκεται τὸ ἔλαιον ἢ ὁ οἶνος, ἢ
ἄλλο τι ἐστίν, εἰς τὸ καταπλυθὲν, καὶ ἵσταται ὁ ἱερεὺς, λαμβάνει καὶ

ἀπογεύεται ἐκ τοῦ εὐλογηθέντος εἵδους. Ἐὰν συντίθεται καὶ πιστεύῃ κατὰ τὴν ἀποστόλου φωνήν· πάντα δι' εὐχὴν καθαρίζεσθαι, οὕτως γίνεσθαι ἡ εὐχή· εἰ δὲ ὅλως διακρίνεται καὶ οὐκ ἔχει πληροφορίαν, μὴ γενέσθω ἡ εὐχή, εἰς τήνδε ἡ εὐχή αὕτη· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐν τῇ κατὰ σάρκα σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ διαστειλάμενος... Goar. pag. 482. Εὐχή τῆς κεφαλοκλισίας· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκὺ μεταποιήσας καὶ τὰ βλαβερὰ ὕδατα ἐπὶ Ἑλισσαίου ἅλατι θεραπεύσας... Goar. pag. 363.

л. 102 об. Εὐχή ἐπὶ φρέαρ μιανθέν, ἦτοι ἐμπεσόντος ἐν αὐτῷ μαροῦ. Χρὴ πρῶτον ἀντλήσαι ἐκ τοῦ φρέατος κάδους ιε'. ἦ καὶ μ'. καὶ ἐκχύσας, καὶ εἴθ' οὕτως βάλλειν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων καὶ μετὰ τοῦτο θυμιάσας πέριξ τοῦ φρέατος, καὶ εἴθ' οὕτως λέγει εὐχὴν· Κύριε Παντοκράτωρ, ἐπουράνιε, ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ἀνεξιχνίαστος... См. выше стр. 48.

л. 103. Εὐχή ἐπὶ μιανθέν σκεῦος κοῦφον.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, διὰ τὴν κέλευσίν σου, ἣν ἔδωκας ἐξουσίαν τοὺς δούλους σου τοὺς προφῆτας καὶ ἀποστόλους, ἵνα γένηται ἄφεσις ἁμαρτιῶν παντὸς μiasμοῦ. Κύριε, ὡς ἐκαθερίσθησαν τὰ ρεῖθρα τοῦ Ἰορδάνου διὰ τοῦ βαπτίσματος σου καὶ τῆς θαλάσσης διὰ τῶν ἰχνῶν τῶν ποδῶν σου, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὸ ἄγγεῖον τοῦτο, ὅπου ἐνεπνίγησαν τὰ μυσερὰ καὶ ἀκάθαρτα, καὶ καθάρισον ἡμᾶς ἀπὸ τῆς ἁμαρτίας ταύτης. Ὅτι πρέπει σοί...

л. 103 об. Εὐχή ἐπὶ σκεῦος μιανθέν, ἔχον εἶδος οἶον ἐνι· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ στάς ἐν τῇ ὁδόνῃ καὶ εἰπὼν τῷ Πέτρῳ· τὰ μισερὰ καὶ ἀκάθαρτα πάντα καθαρὰ εἶναι, ὁ καὶ ἡμᾶς ἐν ὕδατι καθαρίσας. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοῦτο τὸ σκεῦος, τὸ κοινωθὲν ὑπὸ τοῦ διαβόλου ἐνεργείας, καὶ ποιήσον αὐτὸ εὐλογημένον, εὐχρηστον εἰς εὐπηρεσίαν τῶν σῶν δούλων. Ὅτι συ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἁγιάζων τὰ σύμπαντα.

— Εὐχή ἐπὶ παντὸς εἶδους μιανθέντος.

Κύριε ὁ Θεός, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος... Goar. 483.

л. 104. Εὐχή ἐπὶ τῶν βρώμασι σκανδαλισθέντων. Goar p. 535.

л. 104 об. Εὐχή ἐπὶ μιαιοφαγησάντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὕψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος... Goar. p. 534.

л. 105. Εὐχή, ἐὰν τις μαγαρίσῃ εἰς ἔθνος καὶ ἄλιν ἐπιστρέψῃ εἰς μετάνοιαν.

Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος. Ркн. Арх. Антомина палим. XIII в. л. 28.

л. 105 об. Εὐχή ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου. Goar. p. 581.

λ. 106. Ἀπορκισμός τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου ἐπὶ πνευμάτων ἀκαθάρτων. Дѣѣ первыя у Гоара р. 578—580.

λ. 108 об. Ἀπορκισμός τοῦ ἁγίου Γρηγορίου κατὰ τῆς ἄβρας.

Ἐν ὀνόματι¹⁾ τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἐπικαλοῦμαι Θεὸν Πατέρα παντοκράτορα καὶ τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν τὸν φοβερὸν καὶ ἀσάλευτον, καὶ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Δεσπότη Θεοῦ ὀρκίζω σε πᾶν ἄβιζοῦν καὶ δαιμόνιον, ἄβρα ἀρσενικόν, ἄβρα θηλυκόν, ἄβρα ἀπὸ ὕδατος, ἄβρα ἀπὸ αἵματος, ἄβρα ἀπὸ κρούσματος, ἄβρα ἀπὸ οἰκίας, ἄβρα ἀπὸ ἀρμονίας, ἄβρα ἀπὸ ἔψεως, ἄβρα καρκίνος, ἄβρα ἐπιорκίας, ἄβρα ὄρκου, ἄβρα ἀκοίμητος, πᾶσαν τὴν ἄβραν ὀρκίζω, κατακόπτω χαλεπῇ ὀρεπάνῃ τὴν σὴν κεφαλὴν, καὶ σὺ μηδὲ οὐρὰν σαλεύσεις, καὶ σὺ μηδὲ ὄνουχας ἀπλώσεις· ἐπικαλοῦμαι τοὺς τριακοσίους ἀγγέλους, τοὺς ῥίψαντας βροντὰς καὶ ἀστραπὰς εἰς τὰ ἀκάθαρτα πνεύματα, ὅθεν ἐγένοντο, ἢ ἀπὸ διοδείας, ἀπὸ τετραοδείας, ἀπὸ τριοδείας καὶ ἀπὸ ὠοῦ (sic) καὶ ἀπὸ ὄρους· ἄκουε, κακὲ πόνε, ἀπόστα καὶ ἀναχώρησον ἀπὸ τὸν δούλον τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα. Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος πᾶσαν τὴν ἄβραν ὀρκίζω εἰς τὰ ἄχραντα καὶ φοβερά τετραευαγγέλια, ἄβρα τυφλόν, ἄβρα κωφόν, ἄβρα ἀδύνατον, ἄβρα ἀνήκουον, ἄβρα ἀπὸ ἀγάλματος, ἄβρα δαιμόνιον μεσημβρινόν, ἄβρα ψυχος πυρετοῦ, ἄβρα προσυφίου(;) βάμματος, ἄβρα κεφαλῆς, ἄβρα θηρίου, ἄβρα ἀσπίδος, ἄβρα βασιλίσκωνος, ἄβρα βακχέως, ἄβρα αἵματος, ἄβρα πυρὸς κοχλάζοντος, ἄβρα χλωρός, ἄβρα βούρεξ (sic), ἄβρα ἐξ ἀμπέλων, ἄβρα ἀπὸ λίθου μαύρου, ἄβρα ἀπὸ γῆς πυρρῆς, ἄβρα ἀπὸ μαρμάρων. Ἐξήρχετο αὕτη ἡ ἄβρα ἀπὸ τῆς θάλασσης, ἀπήντησεν αὐτῇ ὁ πρωτοαρχάγγελος Μιχαὴλ καὶ εἶπεν αὐτῇ· πόθεν ἔρχεις καὶ ποῦ ὑπάγεις, ἄβρα μελάνη μεμελανωμένη, τριχειλετρικέφαλε. Ἐγὼ ὑπάγω ἀνθρώπου ὅστέα φαγεῖν καὶ τὸ κρέας ἀφανῖσαι. Λέγει αὐτῇ ὁ πρωτοαρχάγγελος Μιχαὴλ· Οὐκ ἔχεις, ἄβρα, ἐξουσίαν ἀνθρώπου ὅστέα φαγεῖν καὶ τὸ κρέας ἀφανῖσαι, ἀλλ' ἐπιβρέξει ἐπὶ σέ Κύριος ὁ Θεὸς πῦρ ἐξ οὐρανοῦ καὶ διασκορπήσει σε ἐπὶ τῶν ποταμῶν καὶ ἐπὶ τὴν θάλασσαν. Ἐξέλθε καὶ ἀναχώρησον ἀπὸ τὸ μέλος καὶ τὰ ὀστέα τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, εὐλογητὸν τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἄβρα ἀπαντήσεως, ἄβρα ἀπὸ συναντήματος, ἄβρα ὄφews, ἄβρα πηγαδίου, ἄβρα ῥύακος, ἄβρα ποταμοῦ, ἄβρα πελαγίων, ἄβρα πελασέου (sic), ἄβρα δαιμόνιου μεσημβρινοῦ, ἄβρα ὁδείας, ἄβρα ἐπτοοδείας, ἄβρα ὀκταοδείας,

¹⁾ Подобная молитва, но съ большими особенностями въ текстѣ, напечатана проф. М. И. Соколовымъ въ Древностяхъ. Труды слав. комисіи Импер. М. арх. общ. М. 1895, т. I стр. 155—156.

ἄβρα κρούσματος, ἄβρα κάρας, ἄβρα κατάρας, ἄβρα ἐπιπεμπτικόν, ἄβρα θησαυροῦ, ἄβρα τῆς γῆς, ἄβρα τοῦ οὐρανοῦ, ἄβρα τοῦ ἡλίου, ἄβρα τῆς σελήνης, ἄβρα ἐξ ἀνθρώπων, ἄβρα ἐξ ἀμπέλων, ἄβρα ἐξ ἀστέρων, ἄβρα ἀπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων, ἄβρα ἕως ἐβδομηκοντάκις ἑπτὰ ἡμισυ γενεῶν, ἐξορκίζω ὑμᾶς τοῦ ἐξελθεῖν καὶ ἀναχωρῆσαι ἀπὸ τὰ ὅστέα καὶ ἀπὸ τῆς σαρκὸς τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, ἀλλ' ὕπαγε εἰς τὸ ὄρος τὸ ὑψηλόν, ἔστηκε βουὲς δράκων, φάγε τὰ ὅστ' αὐτοῦ καὶ πίε τὸ αἷμα αὐτοῦ, καὶ μὴ ὑποστρέψῃς εἰς τὸν δοῦλον τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, ὅτι εἰσῆλθεν εἰς τὸ θεραπευτήριον τοῦ Θεοῦ καὶ ἰάθη ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος τῇ πρεσβείᾳ τῆς Θεοτόκου, τῇ δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ἀχράντου σταυροῦ, τῶν ἁγίων ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, τοῦ ἁγίου Παντελεήμονος, Κυπριανοῦ, Ἀντιόχου, Φλόρου καὶ Λαύρου τῶν ἁγίων μαρτύρων Ἀκινδύνου, Πηγασίου, Ἐλπιδιφόρου καὶ Ἀνεμοποδίστου, τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Γρηγορίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ ὁ ἱατρὸς τῶν φυχῶν ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν...

λ. 110. Ἀπορκισμὸς τοῦ ἁγίου Τρύφωνος περὶ τῆς ἀμπέλου, κήπου καὶ τῶν χωραφίων.

Ἐν ὀνόματι Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ¹⁾ Κυρίου ἡμῶν κατῆλθον ἐκ τῶν οὐρανῶν ἔξ²⁾ ἄγγελοι τοῦ πατάξαι³⁾ πάντα τὰ θηρία τὰ ἀδικοῦντα τὴν ἀμπελον καὶ τὴν χώραν καὶ τὴν κήπον· ἐξορκίζω ὑμᾶς πάντα τὰ θηρία κατὰ τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ κατὰ τοῦ μονογενοῦς Ἰησοῦ Χριστοῦ· ἐξέλθατε ἐκ τῆς ἀμπέλου⁴⁾ ταύτης καὶ ἐκ τοῦ κήπου, καὶ τῶν χωραφίων⁵⁾ καὶ ὑπάγετε⁶⁾ εἰς τὰ ἄγρια ὄρη, εἰς τὰ ἄκαρπα ξύλα⁷⁾· ἐκεῖ γὰρ ὑμῖν

¹⁾ Ркп. XV в. Сиб. библ. № 988 τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ ἡμῶν ²⁾ ἑπτὰ ³⁾ καὶ διώξαι πᾶν φαῦλον ἑρπετὸν καὶ κακοῦργον, καὶ βλάπτοντα τὴν ἀμπελον καὶ χώραν καὶ πᾶν λάχανον, καὶ δένδρον, ποιοῦν καρπὸν ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ ἀνθρώπου, τοῦ πλάσθεντος χειρὶ τοῦ Θεοῦ· ὀρκίζω οὖν κἀγὼ ὑμᾶς πάντα τὰ βλάπτοντα ἑρπετὰ καὶ θηρία κατὰ τοῦ μεγάλου ὀνόματος τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ καὶ Θεοῦ Παντοκράτορος, ἐξέλθατε ⁴⁾ καὶ χώρας ⁵⁾ нѣтъ ⁶⁾ ἀπέλθατε εἰς ἀβάτους τόπους, εἰς ἄγρια ὄρη καὶ νάπας ⁷⁾ ὧν καὶ τὰ ὀνόματα εἰσι ταῦτα· κάμπις, κάμπια, σκώληκοκάμπια, σκώληξ, σκάνθαρος, ἀκρίς, βροῦχος, καλιγάρια, κόρις, σκίνις ῥυτίτης, φυλλίτης, φθειρα, ψύλλος, πρασίκοιρος, καυλοκόπος, οὐλάκαρις, αὐθετέρισσος (sic), κόμους(ι), μακρόπτης, μαρουδιά, μύρμηξ, μῦς καὶ πάντα τὰ ἐρχόμενα ἐπὶ τὴν χώραν καὶ ἐπὶ τῶν λαχάνων καὶ ἐπὶ πάντα τὰ γεννήματα καὶ καρπῶν τῶν ἐν τῇ χώρᾳ καὶ ἐπὶ τούτου ἐνορκίζω ὑμᾶς κατὰ τῶν τεσσάρων ἀρχαγγέλων Μιχαήλ, Γαβριήλ κατὰ τῶν ἁγίων ἐξαπετέρων καὶ πολυομμάτων καὶ χερουβὶμ ἱταμέων κυκλόθεν τοῦ θρόνου τοῦ Θεοῦ.

ἔδωκε Κύριος τὴν καθημερινὴν τροφήν, ἄρξομαι λέγειν τὰ ὀνόματα τῶν θηρίων· κάμπης, σκοληκοκάμπης, κάνθαρος, βροῦχος, καλιγάρης, ἐπίμαλος, φυλλίστης, καυλόκοπος, οἷον θηρίον ἐρχόμενον ἐπὶ κλήμα τῆς ἀμπέλου ἢ ἐπὶ τοῦ κήπου καὶ τὸν καρπὸν τῆς σταφυλῆς ξηραίνοντα, καὶ τὰ τέσσαρα θηρία ἐξορκίζω ὑμᾶς εἰς τὸν κατελθόντα ἐκ τῶν οὐρανῶν καὶ τῶν πολυομμάτων χερουβὶμ ἐκ τῶν περιπετομένων κύκλῳ τοῦ θρόνου τοῦ Θεοῦ καὶ κρᾶζοντα (ζόντων)· ἅγιος, ἅγιος, ἅγιος Κύριος Σαβαῶθ ¹⁾ εἰς δόξαν Θεοῦ Πατρὸς Ἀμήν. Κατ' ἐκείνων τῶν δυνάμεων ἐξορκίζω ὑμᾶς· φοβήθητε τὸν ὄρκον τοῦτον καὶ ἐξέλθατε ἐκ τῆς ἀμπέλου ταύτης καὶ ἐκ τοῦ κήπου τούτου, καὶ μὴ ἀδικήσετε τὸν καρπὸν τοῦ τόπου τούτου, ἀλλ' ὑπάγετε εἰς τὰ ἄγρια ὄρη, εἰς τὰ ἄκαρπα ξύλα· ἐκεῖ γὰρ ὑμῖν ἔδωκε Κύριος τὴν καθημερινὴν τροφήν ²⁾· ἐξορκίζω ὑμᾶς πάντα τὰ θηρία τὰ ἀδικοῦντα τὴν ἀμπελον καὶ τὴν χώραν τοῦ σίτου, καὶ τὸν κῆπον κατὰ τοῦ μεγάλου Θεοῦ τοῦ Παντοκράτορος καὶ τῶν ἁγίων αὐτοῦ ἀγγέλων· ἐξορκίζω ὑμᾶς τὸν σταυ-

¹⁾ Πλήρης πᾶσα ἡ γῆ τῆς δόξης αὐτοῦ, κατ' ἐκείνων τῶν ἁγίων δυνάμεων. Ὁρκίζω ὑμᾶς κατὰ τῶν ἀριθμητῶν ἀγγέλων, παρισταμένων ἐνώπιον τῆς δόξης τοῦ Θεοῦ, ἀναχωρήσατε καὶ ἀπέλθατε εἰς ἄγρια ὄρη καὶ εἰς τὰ ἄκαρπα δένδρα ³⁾ καὶ ἐάν παρακούσετε τὸν ὄρκον τοῦτον καὶ ἐμοὶ τῷ ἁμαρτωλῷ καὶ ἐλαχίστῳ τοῦ Θεοῦ δοῦλῳ Τρύφωνι, ἔχετε πρὸς τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα, τὴν ἁγίαν Τριάδα πρὸς τὸν ἐρχόμενον Ἀβραάμ, Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ἔχετε πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λυμεῶνα, ὃν ἀπέστειλε Κύριος ὁ Θεός, καὶ σύσει καὶ σιδηρώσει καὶ σιδηρωτομήσει καὶ μωλωπήσει ὑμᾶς, ἵνα μηκέτις ἐξισχύσῃται ἡ καταβλάψαι ἢ καταφθῆναι τὸν καρπὸν τὸν πρὸς σωτηρίαν τῶν ἀνθρώπων φυόμενον ἐν τῇ γῇ, ἐξαποστείλει δὲ τὸν ἄγγελον τὸν ἐπὶ τῶν στρουθίων καταφάγονται ὑμᾶς πάντα, ἐξαποστείλας δὲ καὶ τὸν δοῦλον αὐτοῦ Τρόφωνα μετὰ τοῦ τιμίου σταυροῦ καὶ τὴν καταφθαρεῖσαν ἀφ' ὑμῶν ἀμπελον ἢ χωράφην ἢ κῆπον ἀνενέωσε καὶ πολλοὺς καρποὺς ἀποδείξας, ὅτι αὐτὸς εἶπε καὶ ἐγεννήθησαν τὰ πάντα ἐν τῷ οὐρανῷ καὶ ἐν τῇ γῇ. Ἐπὶ τοῦτο πάλιν ἐξορκίζω ὑμᾶς τὴν σφραγίδα τὴν ἁγίαν, ἣν ἐσφραγίσθη τὸ ἀμέτρητον ὕδωρ τῆς θαλάσσης καὶ οὐκ ὑπερβαίνει τὸν ὄρον αὐτῆς, ὃν διορίζομαι ὑμῖν τὸ ὄνομα τοῦ σταυρωθέντος ἐπὶ Ποντίου Πιλάτου καὶ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἐξαναστάντος τῶν νεκρῶν, μὴ εἰσέλθῃ ἐν τῷ ἀμπελῶνι ἢ ἐν τῷ κήπῳ, ἐξαιρέτως δὲ ἐάν ἀναγινώσκειται ἡ προσευχὴ τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Τρύφωνος, ἢ ἐν οἰκίαις, ἢ ἐν ἀμπελῶνι, ἢ ἐν χωράφῃ ἢ ἐν κήπῳ· Ναὶ Δέσποτα βασιλεῦ τῶν αἰώνων, ἐπάκουσον πᾶσι τοῖς δεομένοις καὶ ἐπικαλουμένοις τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον καὶ ὁὗς αὐτοῖς τὰ ἄκαρπα δένδρα εὐκαρπα γενέσθαι καὶ τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ δοξασθῇ σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεῖ...

ρωθέντα ἐπὶ Ποντίου Πιλάτου καὶ ἐνανθρωπίσαντα, κατ' ἐκείνων τῶν δυνάμεων ἐξορκίζω ὑμᾶς· φοβήθητε τὸν ὄρκον τοῦτον καὶ ἐξέλθατε καὶ μὴ ἀδικήσητε τὸν καρπὸν τοῦ τόπου τούτου, ἀλλ' ὑπάγετε εἰς τὰ ἄγρια ὄρη, εἰς τὰ ἄκαρπα ἔθλα· ἐκεῖ γὰρ ἔδωκε Κύριος τὴν καθημερινὴν τροφήν· ἐξορκίζω ὑμᾶς κατὰ τῶν χιλίων μυρίων ἐνναχοσίων ἐννετήκοντα ἐννέα ἁγίων ἀγγέλων, κράζοντα καὶ λέγοντα· Ἅγιος, ἅγιος, ἅγιος Κύριος Σαβαὼθ πλήρης ὁ οὐρανὸς καὶ ἡ γῆ τῆς δόξης σου· ἐξέλθατε ἐκ τῆς ἀμπέλου ταύτης καὶ ἐκ τῆς χώρας τοῦ σίτου καὶ τοῦ κήπου τούτου, ἐὰν δὲ παρακούσητε οὐκ ἔχετε πρὸς ἐμὲ τὸν ταπεινὸν καὶ ἐλάχιστον ἄνθρωπον, ἀλλ' ἔχετε πρὸς τὸν Πατέρα καὶ τὸν Υἱὸν καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα· ἐξαποστελεῖ ὑμῖν τὸν ἄγγελον τὸν ἐπὶ τῶν στρουθῶν καὶ σιδηρώσει ὑμᾶς, ἐκπέμψει δὲ ὑμῖν καὶ τὸν ἅγιον Τρύφωνα, ἵνα ἐξαποστελῇ τὰ στρουθία καὶ καταφάγωσιν ὑμᾶς. Ἐξορκίζω ὑμᾶς πάντα τὰ θηρία τὰ ἀδικοῦντα τὴν ἄμπελον καὶ τὴν χώραν τοῦ σίτου, καὶ τὸν κήπον κατὰ τοῦ ὀνόματος, τοῦ ἐπιγραφέντος ἐπὶ τὴν πέτραν, καὶ ἡ πέτρα οὐκ ἐβάσταξεν, ἀλλὰ διεῖρράγη καὶ κονιορτὸς ἐγένετο, κατ' ἐκείνων τῶν δυνάμεων ἐξορκίζω ὑμᾶς· φοβήθητε τὸν ὄρκον τοῦτον καὶ ἐξέλθατε ἐκ τῆς ἀμπέλου ταύτης καὶ ἐκ τῆς χώρας τοῦ σίτου καὶ τοῦ τόπου τούτου, ἀλλ' ὑπάγετε εἰς τὰ ἄγρια ὄρη, εἰς τὰ ἄκαρπα ἔθλα· ἐκεῖ γὰρ ὑμῖν ἔδωκε Κύριος τὴν καθημερινὴν τροφήν, ἐξέλθατε οὖν, δότε δόξαν τῷ Θεῷ. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν εὐπρέπειαν ἐνεδύσατο. Αὐτῷ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

λ. 12 Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίαν οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν Ζαχαρίου εἰσελθεῖν... Goar. p. 484.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συνοδεύσας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ. См. выше стр. 33.

λ. 112. Εὐχὴ (ἐπὶ τῶν) προπετῶς ὁμνούντων.

Ὁ Θεός, ὁ τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως τὸ εὐάλωτον καὶ ἀσθενές ἐπιστάμενος... Goar. p. 534.

— Εὐχὴ εἰς τοὺς ἀπὸ ἔχθρας εἰς ἀγάπην μετερχομένους.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόανθρωπε, τῷ βασιλεῖ τῶν αἰώνων καὶ δοτῇρι τῶν ἀγαθῶν, τῷ καθελόντι τῆς ἔχθρας τὸ μεσότειχον, καὶ εἰρήνην βραβεύσαντι τῷ γένει τῶν ἀνθρώπων, τῷ καὶ νῦν εἰρήνην δωρησαμένῳ τοῖς δούλοις σου τοῖσδε. Αὐτὸς Δέσποτα φιλόανθρωπε, βεβαίωσον τὴν γενομένην εἰρήνην, ῥίξωσον ἐν αὐτοῖς τὸν σὸν φόβον καὶ τὴν πρὸς ἀλλήλους ἀγάπην, σβέσον τὴν πᾶσαν ἔχθραν καὶ ἐριθείαν, περίελε τὰ τῆς διχοστα-

σίας σκάνδαλα. °Οτι σὺ εἷ ἡ εἰρήνη καὶ ἡ καταφυγή, καὶ ἐπὶ σοὶ ἡλπίσαμεν καὶ ἐκτός σου ἄλλον οὐκ οἶδαμεν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Conf. Goar. pag. 705—706.

1. 113. Εὐχὴ ἐπὶ τεκνοποιουμένων.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φυλάσσων τὰ νήπια καὶ διατρέφων καὶ εἰπόν, ὡς ἀγαθός· μὴ κωλύετε αὐτὰ ἔρχεσθαι πρὸς με· τῶν γὰρ τοιούτων ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν. Αὐτὸς Δέσποτα, φύλαξον καὶ ταῦτα καὶ ὑποδεξάμενον διὰ τὸ ἅγιον ὄνομά σου τῇ πατρικῇ σου κηδεμονίᾳ, σκέπων καὶ ὁδηγῶν αὐτοὺς φυλάττειν καὶ ποιεῖν τὰς ἐντολάς σου, ὅπως τύχῃσι τῆς ἐπουρανίου σου βασιλείας. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλάνθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς... Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Δέσποτα, ὁ τῆς κτίσεως πάσης δημιουργός, ὁ ἐν τῷ πρώτῳ Ἀδάμ. Goar. p. 562.

1. 113 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀδελφοποιίας.

Ἐπιτιθέντων ἐπ' ἀλλήλων τῶν χειρῶν αὐτῶν, τιθεῖ ἐπάνω σταυρὸν καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς ψαλμὸν ρλβ'. Ἰδοὺ δὴ τί καλόν... λέγει γ'. Ἔως τὴν εὐλογημένην ζωὴν, καὶ εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ πάντα πρὸς τὸ συμφέρον χαρισάμενος τοῖς ἀνθρώποις, ὁ καὶ πνευματικὴν ἀδελφότητα συστησάμενος καὶ θήσας πόθον ἀγάπης. Αὐτὸς καὶ νῦν τοὺς δούλους σου τούτους, τοὺς βουλομένους εἰς ἀδελφότητα ἐλθεῖν, καὶ ὁμολογήσας ἐπὶ παῖσιν πνευματικὴν ἀγάπην ἐπὶ ἀγγέλων καὶ ἀνθρώπων, καὶ ἀδελφούς ἀλλήλους ἐν τῷ ναφ' ὀνομάζειν, καὶ ἐπὶ μαρτύρων καὶ ἁγιασθῆναι διὰ τῶν σῶν λογίων ὑπὸ τοῦ ἱερέως. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, χάρισαι αὐτοὺς ἀγάπην ἀνυπόκριτον, πίστιν ἀκαταίσχυντον, φωτισμὸν γνώσεως, τοῦ φυλάξαι αὐτοὺς τὰς ἐπαγγελίας τῆς πνευματικῆς ἀδελφότητος, συγχωρεῖν ἀλλήλοις τὰ παραπτώματα αὐτῶν, καὶ μὴ ἐκκακεῖν ὡς ὁ Καὶν ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν, ἀλλὰ χάρισαι αὐτοὺς, Κύριε, τὴν ἀγάπην σου, ἣν ἔχεις πρὸς τοὺς ἀνθρώπους, καὶ τὰς λαμπάδας αὐτῶν φαιδρυνον, πεπιασμένας τῷ ἐλαίῳ τῶν ἑαυτῶν ἔργων καὶ τῶν ἐπιγείων σου ἀγαθῶν, ἔμπλησον αὐτοὺς καὶ τῶν ἐπουρανίων σου, ἐτοίμασον αὐτοὺς εἰς τοὺς ἀτελευτήτους αἰῶνας καὶ ζωὴν αἰώνιον καὶ τὴν εἰρήνην καὶ τὴν φιλαδελφίαν δώρησαι αὐτοῖς· σὺ γὰρ μόνος ἔχεις ἐξουσίαν ἀφιέναι ἁμαρτίας, ὡς εὐσπλαγχνός. °Οτι σὺ εἷ ὁ φυτοργός τῆς ἀγάπης, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ταχυνὴ ἀκοή, τὰ ταχινὰ σπλάγχνα, ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σε καὶ κατάπεμψον τὸ παρὰ σοῦ πλούσιον ἔλεος ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους εἰς ἀδελφότητα πνευματικὴν εἰς τὸ φρονεῖν αὐτοὺς καὶ ἀγαπᾶν ἀλλήλους, καὶ κατάπεμψον αὐτοὺς τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον, ὡς ἐπὶ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων καὶ προφητῶν τοῦ διαγίγειν

αὐτοὺς ἐν καλῇ πολιτείᾳ καὶ ποιεῖν τὰ θέλημά σου πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν. *Οτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν καὶ σοί.

λ. 114 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ πηγνυμένου σταυροῦ.

Κύριε παντοκράτωρ, ὁ προτυπώσας τὴν ῥάβδον τοῦ Μωϋσέως... αὐτὸς εὐλόγησον καὶ ἁγιάσον τὸν ζωοποιὸν σταυρὸν τοῦτον εἰς φυλακτήριον ψυχῶν καὶ σωμάτων, εἰς ἀποτροπὴν δαιμόνων καὶ παντὸς ἐναντίου, φυλάττοντα τὸν τόπον τοῦτον. *Οτι ἡυλόγηταί σου τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

— Εὐχὴ τοῦ Χρυσσοτόμου ἐπὶ τῆς ἁγίας κοινωνίας.

Κύριε, οἶδα, ὅτι οὐκ εἰμί ἄξιος, οὐδὲ ἱκανός. СМ. ВЪ МОЛИТВАХЪ КО ПРИЧАЩЕНИЮ.

λ. 116 οβ. Εὐχὴ μετὰ τὸ κοινωνῆσαι.

Εὐχαριστῶ σοι, φιλάνθρωπε, ὁ διὰ πολλὴν ἀγαθότητα. Тамъ же — Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπομυρίσειν τὸν τίμιον σταυρόν. Λέγει Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, ὑποτιθεμένων τῶν ἱερῶν καὶ σταυροῦ εἰς τὸ θυσιαστήριον, καὶ θυμιῶν ὁ ἱερεὺς λέγει τροπάρια· Δόξα σοι, Σωτὴρ ἡμῶν, ὅτι ἡμέραν καθ' ἡμέραν σῶζεις λαὸν προσκυνοῦντα... Στίχος· Ἀναστήτω ὁ Θεός. Ὁ σταυρός, ὁ τοῦ Χριστοῦ ἀπελπισμένων ἐλπίς, ἀπεγνωσμένων ζωὴ, ἀσθενούντων ἰαίς... Στίχος· Ὡς ἐκλαίπει καπνός... Ὁ σταυρὸς τοῦ Χριστοῦ χειμαζομένων λιμὴν, πολεμουμένων ἰσχύς... Στίχος· Οὕτως ἀπολοῦνται... Ὁ σταυρὸς ὁ τοῦ Χριστοῦ φοβερός καὶ θαυμαστός τὸν ληστὴν μετοίκησε... Στίχος· Ἐπὶ τὴν Ἱερουσαλήμ... Τίμιε σταυρέ, τῶν δαιμόνων διώκτα καὶ τῶν νοσούντων ἰατρέ, τῇ σκέπῃ σου κατέφυγα... Στίχος· Ὁ Θεός Ἰσραὴλ αὐτὸς δόξα, δύναμις... Τὸ τρόπαιον τοῦ σταυροῦ κατέλυσε τὰς ἀρχάς, ἀνέτρεψεν ἰσχυράς... Δόξα, Προσκυνοῦμεν τὸν σταυρόν, ἀνυμνοῦμεν τὴν ταφήν... Καὶ νῦν, Μεγάλῃ ἡ δόξα, ἣν ἐκτήσασθε ἅγιοι διὰ τῆς πίστεως...

λ. 116 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐκβρασμάτων.

Πρὸς σέ τὸν ἔχοντα πέλαγος οἰκτιρμῶν καὶ τὴν ἀκένωτον εὐσπλαγχνίαν κεκτημένον, Χριστέ, ἐν πάσῃ ἀνάγκῃ τυγχάνοντες, ἀτενίζομεν, παρ' ᾧ καὶ τὴν ἴσιν συντόμως εὐρίσκομεν τῶν παθῶν, ἐπιδε, Κύριε, ἐκ τοῦ ἁγιαστηρίου σου ἐπὶ τοῖς ἔλκουσι τοὺς κινδυνεύοντας καὶ ἐπίταξον τοῖς ἀλγυδοῖσι τοῦ φυγεῖν, καὶ ἀφάνισον αὐτῶν τὴν ἀπειλήν, ἰδοὺ μὲν καὶ τὸ πρόσωπον ἀτιμάζεται, ὃ ἀνέλαβες ἐν οὐρανοῖς ἡμερον, καὶ οἱ τῇ δόξῃ σου ἀντιλέγοντες ἡμᾶς ὄνειδος ἔχουσι, ὡς μὴ ἰσχύοντος τοῦ φοβεροῦ σου ὀνόματος, ὃν ἐφ' ἡμᾶς ἐπικέκληται τοῦ πάθους ἰξελεῖσθαι τοὺς πεποιθότας ἐπὶ σοί, ἀλλ' ἐπίβλεψον ἐφ' ἡμᾶς καὶ στείλον ἀπὸ παντὸς προσώπου τὰ δάκρυα, ἢ χαρὰ ἡμῶν καὶ ἡ λύτρωσις. *Οτι σὺ εἶ ἡ ἀπολύτρωσις τῶν ψυχῶν ἡμῶν...

λ. 117. Εὐχή ἐπὶ ἐκκλησίας ὑπὸ αἵρετικῶν μianθείσης.

Κύριε ὁ Θεὸς τοῦ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ καὶ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ τοῦ δικαίου, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἀγιάσας τὸν ναὸν Σολομῶντος καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτυρίου διὰ Μωϋσέως καὶ ἀρχιερέων καταστήσας τοῦ προσφέρειν σοι θυσίας εὐπροσδέκτους, καὶ ἀφείς τῶν ἡμαρτημένων ὑπὸ τοῦ Ἰσραήλ. Αὐτὸς Δέσποτα, καὶ τὸν ναόν σου, ἐν ἐκέλευσας θυσίας ἀναιμάκτως προσφέρειν σοι ἀρχιερεῖς ὑπὲρ ἑαυτῶν, ἀγιάσον, εὐλόγησον, καθάρισον πᾶσαν ῥυτίδα, ἐξ αἵρετικῆς μωμήσεως ἐγχειρίσθεισαν πρεσβείαις τῆς ἀγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ὑλόγηται... Τὰς κεφαλὰς... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων, δυσωποῦμέν σε τὸν ἐν ἐλέει πλούσιον, ἵλεων γενέσθαι καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν, εἰσάκουσον τῆς δεήσεως τῶν δούλων σου, καὶ εἴ τις ἐξ αἵρετικῆς ἐγχειρήσεως μωμηθεὶς ἐπέβη εἰς τὸ ἅγιόν σου θυσιαστήριον, Αὐτὸς περιέλε, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, ὅπως ἀκατακρίτως παριστάμενοι κατενώπιον τῆς ἀγίας δόξης σου λειτουργεῖν ἐν αὐτῷ καὶ προσφέρειν σοι τὰς ἀναιμάκτους θυσίας τῆς ἀληθινῆς ἡμῶν λατρείας (καὶ) ἀξιωθῶμεν τυχεῖν τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν τὴν ἀπόλαυσιν, ὧν ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἀγιασμὸς ἡμῶν. Conf. Goar. pag. 494.

λ. 117 οβ. Ἀκολουθία τῆς ἀρτοκλασίας τῇ κυριακῇ τοῦ Θωμᾶ.

Μετὰ τὴν θείαν λειτουργίαν προσφέρονται οἱ ἄρτοι καὶ λέγει· Χριστὸς ἀνέστη, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν... Εὐφραινέσθωσαν οἱ οὐρανοί... Ὑπὸ τὴν σὴν εὐσπλαγχνίαν... Εὐχή· Χορηγέ τῶν ἀπάντων, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πατρικὴ σοφία καὶ δύναμις, ὁ ἀναστάς ἐκ τῶν νεκρῶν καὶ ζωὴν τῷ κόσμῳ δωρησάμενος, ὁ εὐλόγησας τοὺς πέντε ἄρτους καὶ πεντακισχιλίους ἄνδρας χορτάσας. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, εὐλόγησον καὶ τούτους τοὺς ἄρτους, οὓς ἐκ τῶν πλουσίων σου δωρεῶν παρέσχου ἡμῖν, καὶ μὴ ἐγκαταλίπῃς ἡμᾶς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν πρεσβείαις τῆς ἀγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων τὰ σύμπαντα καὶ σοί.

— Προσευχὴ τοῦ ἁγίου Μάμαντος πρὸς πᾶσαν αἰτίαν κτηνῶν.

Κύριε, εὐλόγησον. Ἐπικαλούμεθά σε, Δέσποτα Θεὲ Πάτερ παντοκράτωρ, βασιλεῦ τῶν ὅλων αἰώνων, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, τὴν θάλασσαν καὶ πάντων ἐν αὐτοῖς ὁρατῶν τε καὶ ἀοράτων, ὁ ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγὼν τὰ σύμπαντα, ἀκήρατα, ἀσινῇ καὶ ἀνόδονα, ἀλλὰ διὰ τὴν παρακοὴν ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν ἐπῆλθε καὶ τῶν κτηνῶν ἡμῶν πᾶσα νόσος καὶ αἰτία, τῇ δὲ ἀφάτῳ σου φιλανθρωπία ἤλθες καὶ ἔσωσας τὰ σύμπαντα, ἅμα καὶ ἰασάμενος καὶ λυ-

τρωσάμενος ἐκ τῆς πλάνης καὶ ἐπιβουλῆς τοῦ διαβόλου καὶ τῶν ἐπιτη-
 δευμάτων αὐτοῦ· σὲ γὰρ ὕμνεῖ καὶ δοξολογεῖ πᾶσα πνοή, σὲ ἐπικαλούμε-
 νοι, Δέσποτα, καὶ δεόμενοι τὸν μόνον ἀληθινὸν καὶ ἐπήκοον Θεόν, κλῖνον τὸ
 ὄς σου καὶ ἐπάκουσόν μου ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ, παρορῶν τὰ πλήθη τῶν
 ἁμαρτιῶν μου, καὶ πρόσδεξαι τὴν ἐκτενῆ μου ταύτην δέησιν, ὡς προσε-
 δέξω Ἄβελ τὰ δῶρα ἐκ τῆς ποιμνῆς αὐτοῦ εἰς ὁσμὴν εὐωδίας. Καὶ νῦν
 δεομένου μου, ὑπεράγαθε Κύριε, ἀκουστὴν ποιήσον τὴν δέησίν μου ταύ-
 την, ὡς ἡυλόγησας τὴν ποιμνὴν τοῦ Ἀβραάμ, Ἰσαάκ, Ἰακώβ, Μωϋσέως,
 Δανιὴλ καὶ Ἰακωεὶμ καὶ Καλυτίνων (sic) τῶν δούλων σου, ἅμα δὲ καὶ τῶν
 ἀγραυλοῦντων τῶν ποιμένων ἐπὶ τῇ ἀτρέπτῳ σου ἐνανθρωπίσει ἁμοί-
 ρους τῆς σωτηρίας σου οὐκ ἐποίησας· ἰδόντες γὰρ τὸν ἀστέρα καὶ τὸ
 θαῦμα σὺν τῇ ἐπιστάσει ἀγγελικῇ στρατιᾷ, δόξαν καὶ αἶνον καὶ εὐχα-
 ριστίαν ἀνέπεμψαν τὸ κράτος σου. Εὐδόκησον καὶ νῦν, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν
 δυνάμεων, καὶ φύλαξον τὴν ποιμνὴν ταύτην ἀπὸ πάσης διαβολικῆς ἐπα-
 γωγῆς καὶ πονηρίας, καὶ πάσης φθορᾶς, καὶ βασκοσύνης λούσης τυ-
 φλώσεως, λευκώματος καὶ κρανίου κεφαλαργίας, καὶ δρασμοῦ, καὶ συνδέ-
 σμου νευροπονίας, τραχείας βατράχου, χολῆς μεσίψεως(;), ὀπισθητόνου, πλέ-
 μωνος, ἥπατος καὶ σπληνοῦ, καὶ φλεγμονῆς λύσεως, δυσεντερίας, κοιλιολύ-
 σης, θυμοῦ πλήθους, ψώρας εὐράσεως (sic), μύξους, ὕδατιδος, σεληνιαζομένου
 δαίμονος καὶ τοῦ Μωσέως (sic) καὶ ἀγνώστου πάθους, ὧν γινώσκουμεν καὶ ὧν
 οὐκ ἐμνήσθημεν νοσημάτων καὶ παθημάτων, ἀπέλασον, ἀποδιώξον, ἀπό-
 θησον ἀπὸ τῆς ποιμνῆς ταύτης, Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς· ἀνθρώπους,
 κτήνη σώσεις, Κύριε, ὡς ἐπλήθυνας τὸ ἔλεός σου, ὁ Θεός. Ὁρκίζω πάντα
 τὰ νοσήματα καὶ τὰ αἰμοβόρα θηρία κατὰ τοῦ φοβεροῦ καὶ ἐνδόξου ὀνό-
 ματος τοῦ Θεοῦ, ἀναχωρήσατε ἀπὸ τῆς ποιμνῆς ταύτης πᾶσα νόσος καὶ
 πᾶσα μαλακία πρεσβείαις τῆς ἁγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, τῶν ἁγί-
 ων καὶ ἐνδόξων ἀρχαγγέλων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου, τῶν ἁγί-
 ων καὶ ἐνδόξων ἀποστόλων, τοῦ ἁγίου πρωτομάρτυρος Στεφάνου, τοῦ ἁγίου
 ἀποστόλου Τίμωνος καὶ Ἰάσωνος καὶ τῶν ἁγίων μαρτύρων Μάμαντος καὶ
 Ταρασίου, Γεωργίου, Θεοδώρου, Δημητρίου, Προκοπίου, Δομετίου καὶ Φαύκ-
 (σ)του, καὶ Κηρύκου, Ἀκινδύνου, Λαυρεντίου, Βλασίου, τῶν ἁγίων Καλυτί-
 νων, καὶ ἱερομάρτυρος Κλήμεντος, Βαθύλα, Χαραλάμπους, Ἀθηνογένους,
 Ὑπατίου, Σώζοντος καὶ Πορφυρίου, τῶν ἁγίων μ'. μαρτύρων καὶ μβ'. καὶ
 τῶν ἁγίων μαρτύρων Εὐσταθίου, Μηᾶ καὶ τῶν ἁγίων ἀρχιεπισκόπων Βα-
 σιλείου, Γρηγορίου καὶ Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Σιλβέστρου, Σπυρίδω-
 νος καὶ Νικολάου, τῶν ὁσίων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου, Εὐφημίου, Ἀλυ-
 πίου, Παταπίου, Σάββα καὶ τῶν ἁγίων ἀναργύρων Θαλαλέου, Παντελεή-

μονος, Διομήδους, Τρύφωνος και Νεοφύτου, και πάντων τῶν ἁγίων, τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ὅτι Θεός ἐλέους, οἰκτιρμῶν καὶ φιλανθρωπίας... Καὶ Μετὰ τὴν εὐχὴν βάλλει εἰς κανδήλαν ἔλαιον καὶ οἶνον, καὶ εἰς τὸ ὄνομά των ποιεῖ γ'. λειτουργίας, καὶ ἀπομυρίζει τὸν τίμιον σταυρὸν καὶ ῥαντίζει πᾶν κτῆνος καὶ διὰ πρεσβειῶν τῶν ἁγίων πατάσσεται ἡ νόσος.

λ. 119 οβ. Ἀκολουθία ἐπὶ διγαμούντων.

Εὐχὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κελεύσας ἐνωθῆναι τὸν ἄνδρα μετὰ γυναικὸς εἰς τὸ γενέσθαι αὐτοὺς εἰς σάρκα μίαν, παρακλήθητι καὶ νῦν ἐκ δευτέρου, φιλάνθρωπε ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, καὶ ἐνωσον τὸν δοῦλόν σου τόνδε καὶ τὴν δούλην σου τήνδε, ὅπως τεκνογονήσωσι κατὰ τὸν σὸν λόγον, ἵνα μὴ ᾧσι τέκνα πορνείας καὶ ἁμαρτίας, ἀλλ' ἔσονται τέκνα εὐλογιῶν, διόπερ καὶ ὁ θεὸς ἀπόστολος, ἰδὼν τὴν ἀσθένειαν τῆς σαρκός, δι' οὗ οὐκ ἐγκρατευόμεθα τοῦ εἶναι ἡμᾶς οὕτως, ἐνετείλατο ἡμῖν ἐκ δευτέρου ἐνωθῆναι, ἵνα σοὶ δόξαν καὶ εὐχαριστίαν ἀναπέμπωμεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ... Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Ὁ κλίνας τοὺς οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ γένους τῶν ἀνθρώπων, Κύριε οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς καὶ πάσης κτίσεως ποιητά, κλίνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν καὶ ἀχρείων δούλων σου, καὶ τοὺς κεκληκότας σοι τὰς ἐαυτῶν κεφαλὰς ὑψωσον τὸ κέρας αὐτῶν ἐν τῇ εὐδοκίᾳ τῆς σῆς ἀγαθότητος. Ὅτι πρέπει σοὶ πᾶσα δόξα... Ἐὰν εἰσὶν ἀμρότεροι τῶν διγαμούντων, καὶ λέγονται αὗται καὶ μόναι εὐχαί, εἰ δὲ τὸ ἐν μέρος δίγαμον, ἴστησι τὸν δίγαμον κατὰ μόνας καὶ λέγει ταῦτα, εἴτα στέφεται ὁ δίγαμος διὰ τοῦ ἀγάμου.

λ. 120. Ἀλληλουάρια, προκείμενα τῶν Ὀκτωήχων.

λ. 120 οβ. Чтенія изъ апостола и евангелія на различнихъ случаяхъ.

λ. 152 οβ. Ἀνγκνώσματα τῆς ἁγίας μ'.

λ. 153 οβ. Ἀντίφωνα τῶν μεγάλων ἑορτῶν.

λ. 156 οβ. Ἀκολουθία εἰς ἐγκαίνια ναοῦ καὶ εἰς ἐδράσεις ἁγίας τραπέζης, ἡγουν ἀπὸ ἀρχῆς θεμελίου αὐτοῦ.

Ἐὰν δὲ πολλάκις παρὰ ἐθνῶν ριφθῇ ἡ πέσις, ἔχονται πᾶσα ἀκολουθία, τὰ δὲ στιχηρά καὶ καθίσματα, καὶ τὸν κανόνα, τὰς προφητείας ζητεῖ εἰς τὸ τέλος τῆς βίβλου. Ὅψε ψάλλομεν τὸν ἐσπερινὸν καὶ τὴν παννυχίδα καὶ τὸ πρωὶ τὸν ὄρθρον. Μετὰ δὲ τὴν ἀπόλυσιν τοῦ ὄρθρου, μετὰ τὴν κατάπλυσιν, ἄρχεται ὁ ἀρχιερεὺς ἢ ὁ πρωτοπαπᾶς καὶ παρασκευάζει τοὺς μαρμαρεῖους, ἴστησι τὴν τράπεζαν, καὶ πληρούντων αὐτῶν τὸ ἔργον καὶ ἀναχωρούντων, παραγίνεται ὁ ἀρχιερεὺς καὶ εἰσέρχεται ἐν τῷ

ναῶ, πάντων τῶν λαϊκῶν ἐξερχομένων, μόνον τῶν κληρικῶν ἔσω μενομένων, τῶν σὺν αὐτῷ, καὶ πανταχόθεν ἀσφαλιζομένων τῆς ἐκκλησίας, ποιεῖ τὴν εὐχὴν εἰς τῶν διακόνων, καὶ λεγόντων αὐτῶν· Κλίναντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κλίνει γόνυ ὁ ἀρχιερεὺς παρὰ τὰς θύρας τοῦ ἱερατείου, διὰ τὸ μήπως τὴν ἐν αὐτοῖς ἀποτεθεὶς ἁγίαν τράπεζαν ἁγιασθῇναι, καὶ ὅτε ἀναστῇ ὁ πατριάρχης, ὁ μὲν διάκονος λέγει· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου.

л. 157. Ἀκολουθία τοῦ παμμεγάλου ἐγκαινιασμοῦ τοῦ ναοῦ.

Стихиры на Господи възвахъ: Ἐγκαινίζου ἐγκαινίζου ἡ νέα Ἱερουσαλὴμ... Πάλαι μὲν ἐγκαινίζων τὸν λαὸν ὁ Σολομών.. Τὸν ἐγκαινισμόν τελοῦντες... Τὴν μνήμην τῶν ἐγκαινίων... Πρὸς ἑαυτὸν ἐπανάγου, ἄνθρωπε... 3 паремія: Царствъ 3, Притчей и Притчей. Канонъ: Θαλάσσης τὸ ἐρυθραῖον... Ὁ στόλφ καθοδηγῶν τῷ Πνεύματι τῶν ἐξ ἐθνῶν Ἰσραήλ... Οὐ νόμφ ἐκκλησία, Κύριε, ἐγκαλλωπίζεται... Σήμερον ἀπροσίτῳ δόξῃ σου... Апостолъ къ Евреямъ и евангеліе отъ Іоанна.

л. 161. Κανὼν τοῦ ἁγίου ἐλαίου, φέρων ἀχροστιχίδα τήνδε· Εὐχὴς ἐλαίου ψάλλομεν ἐξ Ἀρσενίου. Goar. p. 322—335.

л. 163 об. Лунникъ отъ 6662 г. до 6671 года.

л. 164—169. Арабскій текстъ.

IX. № 1040. Διακονικόν, Синайск. библи. рукопись, въ 16 долю листа, 77 листовъ, писана на бомбицинѣ четкою скорописью XII вѣка. Время написанія этой рукописи точно опредѣляется слѣдующими данными, заключающимися въ самой рукописи. Въ діаконскихъ прошеніяхъ поминаются о здоровіи имена византійскаго императора Мануила Комнена (1143—1180) и его супруги Маріи (л. 50), современныхъ патріарховъ—константинопольскаго Луки Хрисоверга (1156—1169), александрійскаго Софронія III (1166 г.), антиохійскаго Аѳанасія (1156—1170) и іерусалимскаго Никифора 1166 (по Паламѣ 1178—1187) (л. 9 и др.). Такимъ образомъ, время написанія рукописи падаетъ на начало второй половины XII в., или точнѣе на годы *между 1156 г. и 1169 г.*, т. е. въ патріаршество константинопольскаго патріарха Луки Хрисоверга. Написана рукопись, по просьбѣ діакона *Соломона*, писцомъ *Θεοδοσίємъ*, имена которыхъ нерѣдко поминаются въ прошеніяхъ на литургіи и читаются въ слѣдующей припискѣ въ концѣ рукописи: „Ἀδελφε μου,

κὺρι(ε) Σολομών, συγχώρησόν μοι, ὅτι οὐκ ἠδυνήθην παῖσαι καλὸν πρᾶγμα, ὥς ἠθέλην ἡ ἀγάπη σου, καὶ εὐχου μου διὰ τὸν Κύριον τοῦ ἀμαρτωλοῦ Θεοδοσίου, ἵνα με ἐλεήσῃ ὁ Θεὸς διὰ τὸ ἔλεος αὐτοῦ καὶ διὰ τῶν ἁγίων εὐχῶν σου“ (л. 76 об.). Предназначалась рукопись для употребленія въ Синайскомъ монастырѣ, какъ это видно изъ поминовения на всѣхъ ектеняхъ имени архіепископа синайскаго *Петра*, время правленія котораго намъ, однако, точно неизвѣстно, и изъ упоминанія о св. отцахъ, избѣненныхъ варварами около 312 г. и въ V вѣкѣ на Синаѣ и въ Равнѣ (л. 13 об.). Оригиналѣмъ для настоящей рукописи послужилъ списокъ той же литургіи іерусалимской церкви. За это говорятъ а) слѣдующія прошенія, находящіеся въ данной рукописи: „Ἰπὲρ ἐρχομένων χριστιανῶν τοῦ προσκυνῆσαι ἐν τοῖς ἁγίοις Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν τόποις τοῦτοῖς (л. 5), т. е. τῶν Ἱεροσολύμων (л. 25 об.), и частнѣе: προσκυνῆσαι ἐν τῇ ζωηφόρῳ τάφῳ τοῦτῳ“ (л. 26 об.), б) подробное перечисленіе клира іерусалимской церкви: пресвитеровъ, діаконовъ, *διακονισσῶν*, иподіаконовъ, чтецовъ, *толкователей*, *заклинателей* и т. д. (л. 10) и с) заупокойное поминовеніе патріарховъ іерусалимской церкви, предшественниковъ здравствовавшаго въ ту пору патріарха Никифора, въ такой формулѣ: „Ἰπὲρ μνήμης καὶ ἀναπαύσεως πάντων τῶν ἁγίων καὶ μακαρίων πατέρων ἡμῶν, τῶν ἀπὸ τοῦ ἁγίου Ἰακώβου, τοῦ ἀποστόλου καὶ ἀδελφοῦ τοῦ Κυρίου, καὶ πρώτου τῶν ἀρχιεπισκόπων μέχρι Σωφρονίου, Εὐθυμίου, Συμεῶν καὶ Ἰωάννου“ (л. 7). Въ этомъ прошеніи упоминаются, очевидно, Софроній II 1059 (1046—1079) Евѳимій (у Паламы послѣ Симеона (1105—1112), Симеонъ II, 1099, (1093—1105) и Іоаннъ VII, 1156 (1155—1178).

л. 1. Рукопись начинается прошеніемъ въ діаконскомъ чинѣ полной литургіи апостола Іакова: Τῶν ἁγίων ἐνδόξων ἀποστόλων, προσφθετῶν καὶ ἀθλοφόρων, μαρτύρων καὶ πάντων τῶν ἁγίων καὶ δικαίων μνημονεύσμεν и т. д. Излагаются одни прошенія діакона безъ возгласовъ и молитвъ священника. Чинъ этотъ напечатанъ нами въ книгѣ: „Богослуженіе страстной и пасхальной седмицы во св. Іерусалимѣ IX—X в.“ Каз. 1894 г. стр. 270—285.

л. 19. Διακονικὰ τῆς προηγιασμένης λειτουργίας τοῦ ἁγίου Ἰακώβου.

Ὁ διάκονος Ἐπι κλίνοντες τὰ γόνατα, ἐκτενῶς ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἐν δυνάμει καὶ ἐλέει Θεοῦ ἀναστῶμεν.

Ἵπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου, καὶ ἐνώσεως πασῶν τῶν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ὀρθοδόξων ἐκκλησιῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ σωτηρίας, καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν Πέτρου τοῦ ἀρχιεπισκόπου, παντὸς τοῦ κλήρου καὶ τοῦ φιλοχρίστου λαοῦ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων, παντὸς τοῦ παλατιοῦ, καὶ τοῦ στρατοπέδου, καὶ τῆς οὐρανόθεν βοηθείας, σκέπης καὶ νίκης αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν ἡμῶν, καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν, καὶ τοῦ ῥυσθῆναι, καὶ σωθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς, ἀνάγκης, καὶ ἐπαναστάσεως ἐθνῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ τῆς ἁγίας Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν πόλεως, καὶ ταύτης τῆς πόλεως καὶ πάσης πόλεως, καὶ χώρας, καὶ τῶν ἐν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς, εἰρήνης καὶ ἀσφαλείας αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Τῆς παναγίας, ἀγράντου, ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων ἁσωμάτων ἀρχαγγέλων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου, τοῦ ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν θείων καὶ ἱερῶν ἀποστόλων, προφητῶν καὶ ἀθλοφόρων μαρτύρων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, καὶ δικαίων μνημονεύσωμεν, ὅπως εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις αὐτῶν οἱ πάντες ἐλεηθῶμεν.

Μετὰ τὸ πληρωθῆναι τὰ ἀναγνώσματα λέγει ὁ διάκονος· Σχολάσωμεν ἔτι, κλίνοντες τὰ γόνατα, ἐκτενῶς τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἐν δυνάμει καὶ ἐλέει Θεοῦ ἀναστῶμεν.

Ἵπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου, καὶ ἐνώσεως πασῶν τῶν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ὀρθοδόξων ἐκκλησιῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ σωτηρίας, καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν Πέτρου, τοῦ ἀρχιεπισκόπου, παντὸς τοῦ κλήρου καὶ τοῦ φιλοχρίστου λαοῦ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν ἡμῶν, καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν, καὶ τοῦ ῥυσθῆναι καὶ σωθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς, ἀνάγκης καὶ ἐπαναστάσεως ἐθνῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Τῶν ἁγίων ἐνδόξων ἀποστόλων, προφητῶν καὶ ἀθλοφόρων μαρτύρων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, καὶ δικαίων μνημονεύσωμεν, ὅπως εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις αὐτῶν οἱ πάντες ἐλεηθῶμεν.

Τὴν ἐσπέραν πᾶσαν τελείν, ἁγίαν, εἰρηνικὴν καὶ ἀναμάρτητον, παρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώμεθα.

Εὐχολόγιον τ. II

Ἄγγελον εἰρήνης, πιστὸν ὁδηγόν, φύλακα τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, παρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώμεθα.

Σογγνώμην καὶ ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν καὶ τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν, παρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώμεθα.

Τὰ καλὰ καὶ συμφέροντα ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν, καὶ εἰρήνην τῷ κόσμῳ, παρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώμεθα.

Τὸν ὑπόλοιπον χρόνον τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐν εἰρήνῃ καὶ ἐν μετανοίᾳ ἐκτελέσαι, παρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώμεθα.

Χριστιανὰ τὰ τέλη τῆς ζωῆς ἡμῶν, ἀνώδυνα, ἀνεπαίσχυντα, καὶ καλὴν ἀπολογίαὴν τὴν ἐπὶ τοῦ φοβεροῦ βήματος τοῦ Χριστοῦ, αἰτησώμεθα.

Τῆς παναγίας, ἀχράντου, ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας μετὰ πάντων τῶν ἁγίων καὶ δικαίων μνημονεύσαντες, ἐκυτοὺς καὶ ἀλλήλους, καὶ πᾶσαν τὴν ζωὴν ἡμῶν, Χριστῷ τῷ Θεῷ παραδώμεθα.

Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν τῷ Κυρίῳ κλίνωμεν.

Ἐν εἰρήνῃ Χρίστου ψάλατε.

Μὴ τις τῶν κατηχουμένων, μή τις τῶν ἀμυήτων, μή τις τῶν μὴ δυναμένων ἡμῖν συνδεθῆναι. Ἀλλήλους ἐπίγνωτε. Ἀλλήλους γνωρίσατε. Τὰς θύρας κλείσατε. Ὅρθοι πάντες.

Καὶ μετὰ τοῦτο· Στῶμεν καλῶς... Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν τῷ Κυρίῳ κλίνωμεν.

Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, ὁ διάκονος· Κύριε, εὐλόγησον. Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Σῶσον, ἐλέησον, οἰκτείρησον, ἀντιλαβοῦ καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς ὁ Θεός, τῇ σῇ χάριτι.

Ὑπὲρ τῆς ἁνῶθεν εἰρήνης καὶ φιλανθρωπίας, ὁμονοίας καὶ σωτηρίας τῶν ψυχῶν ἡμῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου, καὶ ἐνώσεως τῶν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ὀρθοδόξων ἐκκλησιῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ὑπὲρ σωτηρίας, καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν τοῦ δεῖνα, τοῦ πατριάρχου, καὶ Πέτρου, τοῦ πανοσίου ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν, παντὸς τοῦ κλήρου καὶ τοῦ φιλοχρίστου λαοῦ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων, παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ὑπὲρ τῆς ἁγίας Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν πόλεως καὶ τῆς βασιλευούσης, καὶ ταύτης ἡμῶν τῆς πόλεως, καὶ πάσης πόλειος, καὶ τῶν

ἐν ὀρθοδόξῳ πίστει καὶ εὐλαβείᾳ Χριστοῦ οἰκούντων ἐν αὐταῖς, εἰρήνης καὶ ἀσφαλείας αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ τῶν ἐλθόντων καὶ ἐρχομένων τοῦ προσκυνῆσαι ἐν τοῖς ἁγίοις Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν τόποις τούτοις τῶν Ἱεροσολύμων, ὁδοιπορούντων, ξενητευόντων, καὶ τῶν ἐν αἰχμαλωσίᾳ ὄντων ἀδελφῶν ἡμῶν, εἰρηνικῆς ἐπανόδου ἐκάστου μετὰ χαρᾶς ἐν τάχει εἰς τὰ οἰκεῖα αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν, καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν, καὶ τοῦ ῥυσθῆναι καὶ σωθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς καὶ ἀνάγκης, καὶ ἐπαναστάσεως ἐθνῶν, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ἵπὲρ τοῦ εἰσακουσθῆναι καὶ εὐπρόσδεκτον γενέσθαι τὴν δέησιν ἡμῶν ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ, καὶ τοῦ καταπεμφθῆναι πλούσια τὰ ἐλέη καὶ τοὺς οἰκτιρμούς αὐτοῦ ἐπὶ πάντας ἡμᾶς καὶ τοῦ καταξιωθῆναι ἡμᾶς τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν, ἐκτενῶς δεόμεθ' αὐτοῦ.

Ἵπὲρ τῶν τὰς ἀγίας νηστείας, τὰς δεήσεις διατελούντων, καὶ ἐλθόντων τοῦ προσκυνῆσαι ἐν τῷ ζωηφόρῳ τάφῳ τούτῳ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ ἐν ταῖς ἁγίαις ἐκκλησίαις (τῶν) ὀρθοδόξων, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Τῆς παναγίας, καὶ ὑπερευλογημένης, ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων ἀσωμάτων ἀρχαγγέλων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου, τοῦ ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν θείων ἱερῶν ἐνδόξων ἀποστόλων, προφητῶν καὶ ἀθλοφόρων μαρτύρων, μετὰ πάντων τῶν ἁγίων καὶ δικαίων μνημονεύσωμεν, ὅπως εὐχαῖς καὶ πρεσβεαῖς αὐτῶν οἱ πάντες ἐλεηθῶμεν.

Καὶ ὑπὲρ τῶν προσκομισθέντων, καὶ προαγιασθέντων τιμίων, ἐνδόξων, ἐπουρανίων, μυστικῶν, φρικτῶν, θείων δώρων, καὶ σωτηρίας τοῦ παρестῶτος καὶ προσφέροντος ἁγίου, ὁσίου πατρὸς ἡμῶν καὶ ἱερέως, Κυρίου τὸν Θεὸν ἡμῶν ἱκετεύσωμεν.

Καὶ μετὰ τὴν ἐκ' φωνῆσιν Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν τῷ Κυρίῳ, ὅτι πλήρης ὁ οὐρανὸς καὶ ἡ γῆ τῆς δόξης αὐτοῦ.

Καὶ ὑπὲρ τῶν προτεθέντων καὶ προαγιασθέντων τιμίων δώρων, Κυρίῳ τῷ Θεῷ ἡμῶν δεηθῶμεν.

Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ προσδεξάμενος αὐτὰ εἰς τὸ ἅγιον καὶ ὑπερουράνιον, καὶ νοερὸν αὐτοῦ θυσιαστήριον, εἰς ὁσμὴν εὐωδίας (πνευματικῆς)¹⁾ ἀντικαταπέμψῃ ἡμῖν τὴν θείαν χάριν καὶ τὴν δωρεάν τοῦ παναγίου Πνεύματος, δεηθῶμεν.

¹⁾ Въ рук. нѣтъ этого слова.

Τὴν ἐνότητα τῆς πίστεως, καὶ τὴν κοινωνίαν, καὶ δωρεὰν τοῦ ἁγίου Πνεύματος αἰτήσαμενοι, ἑαυτοὺς καὶ ἀλλήλους, καὶ πᾶσαν τὴν ζωὴν Χριστῷ τῷ Θεῷ παραδώμεθα.

Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα...

Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν.

Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία.

Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν τῷ Κυρίῳ κλίνετε.

Μετὰ φόβου Θεοῦ πρόσχωμεν.

Εἰπόμεν πάντες ὑπὲρ σωτηρίας, εὐζωίας τε καὶ μακροημερεύσεως τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν καὶ ἀρχιεπισκόπου Πέτρου, παντὸς τοῦ κλήρου, καὶ φιλοχρίστου λαοῦ, καὶ ὑπὲρ τοῦ Ἰλεων, καὶ εὐμενῆ, καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν ἀγαθὸν καὶ φιλάνθρωπον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἀμαρτίαις ἡμῶν, καὶ ἐλεῆσαι ἡμᾶς κατὰ τὸ μέγα τῆς φιλάνθρωπίας αὐτοῦ ἔλεος, καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι ἡμῖν (πᾶν) πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον, καὶ ὑπὲρ πάσης ψυχῆς χριστιανῶν θλιβομένης, καὶ καταπονουμένης, ἐλέους Θεοῦ καὶ βοήθειας ἐπιδεομένης.

Ἔτι ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων, κράτους, νίκης, διαμονῆς, εἰρήνης, υἱείας καὶ σωτηρίας αὐτῶν, καὶ τοῦ Κυρίου τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐπὶ πλεῖον συνεργῆσαι, καὶ κατευοδῶσαι αὐτοὺς ἐν πᾶσι, καὶ ὑποτάξαι ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτῶν πάντα ἐχθρόν καὶ πολέμιον.

Καὶ ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀφέσεως ἀμαρτιῶν τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦ δεῖνα καὶ τοῦ δεῖνα, μνήμης καὶ ἀναπαύσεως τῶν ὁσίων πατέρων ἡμῶν, καὶ ἀδελφῶν, καὶ πάντων τῶν χριστιανῶν τῶν ὀρθοδόξων, εἰπόμεν πάντες.

Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον ιβ'.

Ὁ διάκονος· Ὅρθοι οἱ μεταλαβόντες τῶν ἁγίων, ἀχράντων, ἀθανάτων καὶ ζωοποιῶν τοῦ Χριστοῦ μυστηρίων ἐπὶ ἀφέσεως τῶν ἀμαρτιῶν ἡμῶν, ἀξίως εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ.

Ὅπως γένηται ἡμῖν ἡ μετάληψις τῶν ἁγιασμάτων αὐτοῦ εἰς ἀποτροπὴν παντὸς πονηροῦ πράγματος, εἰς ἐφόδιον ζωῆς αἰωνίου, καὶ εἰς κοινωνίαν, καὶ δωρεὰν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, δεηθῶμεν.

Τῆς παναγίας, καὶ ὑπερευλογημένης, ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, μετὰ πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες, ἑαυτοὺς καὶ ἀλλήλους, καὶ πᾶσαν τὴν ζωὴν ἡμῶν Χριστῷ τῷ Θεῷ παραδώμεθα.

Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν τῷ Κυρίῳ κλίνωμεν.

Ἐν εἰρήνῃ καὶ ἀγάπῃ Θεοῦ πορευθῶμεν.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ἐλέησον ἡμᾶς. Ἀμήν.

л. 32. Διακονικὰ τῆς θείας λειτουργίας τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Литургія состоитъ только изъ прошеній діакона. Любопытныя особенности въ ней мы находимъ слѣдующія. Послѣ входныхъ тропаря и кондака дѣлается такое замѣчаніе: Καὶ εἰ μὲν ἐστὶ τοῦ Χρυσοστόμου ἡ λειτουργία, οὐ λέγεις συναπτὴν, εἰ δὲ ἐστὶν ἡ λειτουργία τοῦ ἁγίου Βασιλείου λέγεις συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν ἢ т. д. вся великая ектенія (л. 36). Послѣ евангелія произносится такая еѣтенья: Εἰπώμεν πάντες ἐκτενῶς.—Ἐξ ὅλης ψυχῆς καὶ ἐξ ὅλης τῆς διανοίας εἰπώμεν.—Κύριε παντοκράτωρ ἐπουράνιε, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, δεόμεθά σου, ἐπάκουσον ἡμῶν καὶ ἐλέησον.—Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ ἀγαθὸς ἐν οἰκτιρμοῖς δεόμεθά σου.—Ὁ μὴ βουλούμενος τὸν θάνατον ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν, ἀλλὰ ἀναμένων τὴν εἰς σὲ ἐπιστροφὴν, ζωὴν καὶ μετάνοιαν δεόμεθά σου.—Ὑπὲρ τοῦ ῥυσιθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεός σου... Ἐτι ὑπὲρ τῶν εὐσεβεισάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων κράτους, νίκης, διαμονῆς, εἰρήνης, ὑγείας καὶ σωτηρίας αὐτῶν, καὶ τοῦ Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐπὶ πλεῖον συνεργῆσαι καὶ κατευοδῶσαι αὐτοὺς ἐν πᾶσι, καὶ ὑποτάξαι ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτῶν πάντα ἐχθρὸν καὶ πολέμιον, εἰπώμεν.—Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν Πέτρου ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ.—Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δέινου ἱερέως, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος, ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν.—Ἐτι ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δέινου, καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ αὐτοῦ ὑγείας, σωτηρίας... Ἐτι ὑπὲρ πάντων τῶν κατὰ σάρκα συγγενῶν ἡμῶν καὶ ἀδελφῶν, καὶ τῶν ἐντειλαμένων ἡμῖν τοῖς ἀνχξίοις εὐχεσθαι ὑπὲρ αὐτῶν, καὶ τῶν ἀγαπόντων ἡμᾶς καὶ τῶν μισούντων, ὀρθοδόξων χριστιανῶν ὑγείας, σωτηρίας.—Καὶ ὑπὲρ τοῦ περισσώτους λαοῦ, καὶ πάντων τῶν ἀδελφῶν τῶν ἐν ξενιτείᾳ, καὶ ἐν ἀσθενείᾳ, καὶ αἰχμαλωσίᾳ καὶ πνεύματι ἀκαθάρτῳ ἐνοχλουμένων, καὶ ἐν θαλάσῃ πλεόντων, καὶ πάντων τῶν ὀρθοδόξων χριστιανῶν ὑγείας, σωτηρίας.—Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν καὶ μακαρίας μνήμης καὶ ἀναπαύσεως πάντων τῶν προκεκοιμημένων χριστιανῶν, τῶν ἐνθάδε κειμένων καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθοδόξων. Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις. (л. 37 об.—40). Предъ херувимскою пѣснiю положено произносить полную великую ектенiю (л. 42—43). Въ прошенiи: „Пресвятыю, пре-

чистую“ вставлено: τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ὁ δεινὸς μετὰ πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες... (л. 45 об.) Послѣ „Достоѣно естъ“—‘Ὁ διάκονος· Καὶ ὧν ἕκαστος κατὰ διάνοιαν ἔχει. ‘Ὁ λαός· Καὶ πάντων καὶ πασῶν. ‘Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ἐν πρώτοις μνησθήτι, Κύριε, τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν, ὃν χάρισαι. ‘Ὁ διάκονος δίπτυχα τῶν ζώντων· Νικηφόρου, τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου ἡμῶν Ἱεροσολύμων, θρόνου Κωνσταντινουπόλεως, θρόνου Ἀλεξανδρείας, θρόνου Ἀντιοχείας, Πέτρου, τοῦ ἁγιωτάτου πατρὸς ἡμῶν καὶ ἀρχιεπισκόπου, καὶ ὑπὲρ τοῦ προσκομίζοντος τὰ ἅγια δῶρα Κυρίῳ τῷ Θεῷ ἡμῶν, ὁ δεῖνα τοῦ ἱερέως, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας, καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος, καὶ ὑπὲρ σωτηρίας, κράτους, νίκης, διαμονῆς, τῶν εὐσεβεστάτων καὶ φιλοχρίστων ἡμῶν βασιλέων Μανουήλ καὶ Μαρίας (1143—1180), καὶ ὑπὲρ εἰρήνης, καὶ εὐσταθείας τοῦ σύμπαντος κόσμου, καὶ πασῶν τῶν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ὀρθοδόξων ἐκκλησιῶν, καὶ ὑπὲρ ἀναβρόψεως καὶ ἀπολυτρώσεως τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν αἰχμαλώτων, καὶ πάντων ἐν ἀσθενείᾳ κατακειμένων ὀρθοδόξων χριστιανῶν, καὶ ἐλέους Θεοῦ ἐπιδομένων, τοῦ φιλοχρίστου στρατοῦ, καὶ τοῦ περιεστώτος λαοῦ, καὶ πάντων καὶ πασῶν. ‘Ὁ λαός· Καὶ πάντων καὶ πασῶν (л. 46—47). Предъ моментомъ приобщенія священнослужашахъ ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. ‘Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος, εἰς Κύριος. ‘Ὁ διάκονος· Εὐχὴ τῆς καρποφορίας· Ὑπὲρ τοῦ ἔλθων καὶ εὐμενῆ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν ἀγαθὸν καὶ φιλόνηρον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν, καὶ εὐπρόσδεκτον γενέσθαι τὴν δέησιν ἡμῶν ἐνώπιον αὐτοῦ, καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι ἡμῖν πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον.—Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ πατρὸς καὶ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν Πέτρου ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ.—Ἐτι ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν τῷ ἁγίῳ ναῷ τούτῳ, καὶ τῶν καρποφορησάντων ἐν τῇ σήμερον ἡμέρᾳ, καὶ πάντων τῶν ὀρθοδόξων χριστιανῶν ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν αὐτῶν· καὶ ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν, καὶ μακαρίας μνήμης, καὶ ἀναπαύσεως τῶν προκεκοιμημένων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐνθάδε κειμένων καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθοδόξων εἵπωμεν. ‘Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον ἱβ’. ‘Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ Χριστοῦ ψάλατε. ‘Ὁ λαός τὸ κοινωτικὸν (л. 50—51).

л. 52 об. Διακονικὰ τῆς προηγιασμένης θείας λειτουργίας τοῦ ἁγίου Βασιλείου.

Ἐν ὅσῳ δὲ ψάλλεται τὸ Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου, καὶ ὁ διάκονος λέγει τὴν συναπτήν, ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται τὰς τρεῖς εὐχὰς τοῦ λυχνικοῦ τὰς

πρώτας (л. 54 об.)... Πληρωθέντος δὲ τοῦ πρώτου ἀναγνώσματος καὶ ψαλλομένου τοῦ προκειμένου αὐτοῦ, ἀνίσταται ὁ διάκονος, καὶ λαβὼν τὸν θυμιατὸν τῇ δεξιᾷ χειρὶ, βαλόντος τοῦ ἱερέως θυμίαμα ἐν αὐτῷ, λαμβάνει καὶ ἐν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ μανουάλιον μετὰ κηροῦ ἄπτοντος, καὶ ἐξέρχεται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ πληρωθέντος τοῦ αὐτοῦ προκειμένου, θυμιᾷ σταυροειδῶς ὁ διάκονος τὰ ἅγια θυρία, λέγει· Σοφία ὀρθοί. Καὶ ὑψώσας τὴν ἀριστερὰν αὐτοῦ χεῖρα μετὰ τοῦ μανουαλίου, ἐπιδεικνύων τῷ λαῷ καὶ λέγων μεγαλοφώνως· Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσι. Καὶ εἰσέρχεται καὶ θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, ὁ ψάλτης λέγει· Παροιμιῶν τὸ ἀνάγνωσμα. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ψάλτης τὴν παροιμίαν (л. 55—57). Ектенья послѣ евангелія таже, что и въ литургіи св. Іоанна Златοуста. Во время произнесенія ея, ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τῆς ἐκτενοῦς (л. 56 об.—60). Предъ нѣніемъ: „Нынѣ силы небесныя“ произносились ектенья великая и εὐχὴν πιστῶν δευτέραν· Δέσποτα ἅγιε ὑπεράγαθε (л. 64 об.). Ὁ λαός· Ἀμήν. Νῦν αἱ δυνάμεις τῶν οὐρανῶν, ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ἀντὶ τοῦ Οὐδείς ἄξιος· „Ὁ ἐπισκεψάμενος ἡμᾶς“ (л. 64 об.)... Goarg. pag. 171. Ὁ ἱερεὺς ἀποκαλύπτων τὰ ἅγια, ἀνάσχων τὴν νεφέλην τρίτην, ἐκφωνεῖ. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία (л. 67). Вмѣсто „Данисполнятся уста наша“, поютъ: „Еὐχαριστοῦμέν σοι, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν (л. 68 об.).

л. 70. Σαββάτῳ, т. е. чинъ великой вечерни на капуиѣ воскресенья. Чинъ обычный.

л. 75. Εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον. Подъ эгою рубрикою стоитъ литіѣнная ектенья: „Спаси, Боже, люди твоя“.

Χ. № 963. Τάξις καὶ ἀκολουθία, γινομένη ἐπὶ τελευτήσαντος χειρομνημένου μοναχοῦ, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю, 51 листъ, писана на пергаменѣ прекраснымъ четкимъ почеркомъ XII в.

Ἦνίκα τελευτήσῃ ὁ μοναχός, λούουσιν αὐτὸν ἀπὸ τῶν γονάτων καὶ τῶν κάτω, καὶ οὕτως ἀμφιένουσιν αὐτὸν τὴν μοναχικὴν στολὴν καὶ τιθέασιν αὐτὸν ἐπὶ κλίνης, καὶ οὕτως προσκομίζεται ἐν τῷ νάρθηκι τῆς ἐκκλησίας, καὶ τιθέασιν αὐτὸν κατενώπιον τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, καὶ ἄπτουσι ἐπάνω αὐτοῦ κηροὺς δύο, καὶ οὕτως ἄρχεται θυμιᾶν ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν προσκομισμένον νεκρόν, λέγων οὕτως· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε, διδάξον, καὶ ἄρχεται στιχολογεῖν τὸ Ἀμωμον ἕως τέλους, καὶ εἰθ' οὕτως λέγει τὰ τροπάρια τοῦ Ἀμώμου. Ἐάν δὲ ἐστὶν ἡγούμενος, ἢ πρεσβύτερος, ἢ διάκονος, ψάλλουσι καὶ τὸ ἐξάψαλμον καὶ Ἀλληλουία εἰς ἤχον β'. τρο-

πάριον· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός, τὸν δοῦλον, καὶ τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, καὶ τὸν κανόνα, καὶ τὸ Αἰνεῖτε τὸν Κύριον ἐκ τῶν οὐρανῶν, καὶ τὰ στιχηρὰ κατ' ἦχον, καὶ μετέπειτα οἱ μακαρισμοὶ καὶ ἀπόστολος καὶ εὐαγγέλιον, καὶ οὕτως κηδεύεται ὁ νεκρός.

Τὰ τροπάρια τοῦ Ἀμώμου· Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς εὔρε πηγὴν τῆς ζωῆς... η δρ. Διακονικὰ εἰς τὴν κηδεῖαν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀειμνήστου ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα κοιμήσεως, ἀνέσεως καὶ μακαρίας μνήμης αὐτοῦ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὔρεῖν αὐτὸν μερίδα καὶ κληρον ἐν τῇ μελλούσῃ ζωῇ μετὰ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ πᾶν πλημμέλημα... Ὑπὲρ τοῦ εὔρεῖν αὐτὸν χάριν καὶ ἔλεος ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς κρίσεως... Ὅπως Κύριος ἡμῶν κατατάξῃ τὸ πνεῦμα αὐτοῦ. Ὑπὲρ τοῦ εὔρεῖν αὐτὸν παρρησίαν εἰς τὴν εἴσοδον τῶν ἁγίων ἐν τῷ ἐπουρανίῳ θυσιαστηρίῳ τοῦ Κυρίου... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Στιχηρά, ἦχος α'. προσόμοια. Πανεύφημοι μάρτυρες. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα... Στίχος· Κύριε ὁ Θεός μου, ἐπὶ σοὶ ἤλπισα, σῶσόν με. Οὐδεὶς ἀναμάρτητος... Στίχος· Τί δοθῇ σοι καὶ τί προστεθῇ... Ὑπὲρ τὰ ὀρώμενα... Στίχος· Τὰ βέλη τοῦ δυνατοῦ... Σταυρῷ σου γηθόμενος, σταυρῷ πεποιθὼς ὁ δοῦλός σου πρὸς σέ μετέτη, φιλάνθρωπε... Δόξα καὶ νῦν, Χριστὸν ἐκδυσώπησον... Εὐχὴ· Κύριε, Κύριε τῶν θλιβομένων παραμυθία. Goar. p. 453. Στιχηρά, ἦχος β'. προσόμοια. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου... Ῥώμην τοῦ θανάτου... Στίχος· Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς... Ἵνα τοὺς ἀνθρώπους κοινωνούς... Στίχος· Ἡ βοήθειά μου παρὰ Κυρίου... Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα, βουληθεὶς τῆς οἰκονομίας τὸ ὄντως βαθὺ μυστήριον χαίρων ἐξετέλεσας... Στίχος· Μὴ δῶψ ἐἰς σάλον τὸν πόδα. Τρόμφ τῷ φρικτῷ καὶ φοβερῷ... Δόξα καὶ νῦν, Φεῖσον καὶ μακαριότητος... Εὖας τῆς προμήτορος ἡ ἀγνή... Στιχηρά, ἦχος γ', προσόμοια. Τῷ τύπῳ τῷ σταυρῷ. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον... Στίχος· Εὐφράνθην ἐπὶ τοῖς... Ὁ μόνος ἐλεήμων... Στίχος· Ἐστῶτες ἦσαν. Ὑπνώσας ἐν τῷ τάφῳ... Δόξα καὶ νῦν, Λαμπάδα νοητὴν... Στιχηρά ἦχος δ'. προσόμοια. Ἐδωκας σημεῖον. Ὅντως φοβερῶτατον... Στίχος· Ἐπὶ τῷ νώτῳ μου... Ὑπνος ἀναδεδείχεται τῶν πιστευόντων... Στίχος· Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ Δαβίδ... Σὺ δικαιοσύνη τε... Στίχος· Ὡς ὤμοσε τῷ Κυρίῳ ἦυξατο. Γένος τὸ ἀνθρώπινον πρὸς ἀφθαρσίαν ἀνόλεθρον ἐκ φθορᾶς ἀνακέκληται λουσάμενον αἵματι τῷ ἐκ τῆς σπλευρᾶς σου... Δόξα καὶ νῦν, Ῥήσεσιν ἐπόμενοι... Στιχηρά ἦχος πλ. α'. προσόμοια. Χαίροις ἀσκητικῶν ἀληθῶς. Αἴγλη τοῦ σοῦ προσώπου σου... Στίχος· Ἐκ βαθέων ἐκέκραξά σε. Ψάλλειν παναρχμο

νίψ φωνῇ... Στίχος· Γενηθήτω τὰ ὦτά σου. Ὅπου τῶν προφητῶν... Δόξα καὶ νῦν, Νόμῳ τῆς ἁμαρτίας ἡμᾶς... Στιχηρὰ ἥχος πλ. β'. Ὁλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον... Στίχος· Ὅτι παρὰ τῷ Κυρίῳ τὸ... Νέκρωσιν ὑπέμεινας... Στίχος· Ἰδοὺ δὴ εὐλογεῖτε τὸν Κύριον. Ζώντων κυριεύοντα... Δόξα καὶ νῦν, Ὁφθης ἐνδiciaίτημα... Στιχηρὰ, ἥχος βαρύς, προσόμοια. Καταφρονήσαντες πάντων. Νενεκρωμένος ὥράθης... Ἐξ ἡμῶν μεταστάντα ἀνάπαυσον. Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει... Ὡς ἀδαπάνητον ἔχων... Δόξα καὶ νῦν, Νόμου τὸ πλήρωμα τίτεις... Στιχηρὰ ἥχος πλ. δ'. προσόμοια. Ὡ τοῦ παραδόξου θαύματος. Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας... Ἱεραρχήσας ὡς ἀνθρώπος... Βάθι σοφίας ἀρρήτου σου... Λόγος ὑπάρχων ἀόρατος ὁμοφυῆς ἐν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Πνεύματι σύμμορφος δι' ἐμὲ τὸν ἀνθρώπον ἐν σαρκὶ πεφανέρωσαι... Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἀναρχον... Goar. p. 439—444. Στιχηρὰ ἕτερα εἰς ἥχον α'. Οἱ μακαρισμοὶ ἥχος πλ. β'. Πάλαι μὲν ὁ Ἀδὰμ γευσάμενος... Χοὺν λαβὼν ἀπὸ γῆς... Δεῦρο ψυχὴ πρὸ τοῦ τέλους βόησον· ἡμάρτηκα, ὁ Θεός, ἀλλὰ συγχώρησόν μοι... Ὅταν ψυχὴ τοῦ σώματος αἵρεται... Ὁ μεταστάς καὶ ἐν τάφῳ κείμενος νεκρὸς εὐδιάλλακτο τοῖς πᾶσιν ἀνακράζει· δεῦτε πρὸς με, γηγενεῖς, θεάσασθε... Τῇ ἀναστάσει πάντες πιστεύσωμεν καὶ μὴ ἀπιστήσωμεν δολίως πλανηθέντες... Τι με θρηνεῖτε λοιπόν, ὦ ἄνθρωποι... Ὁ πάνσοφος Παῦλος προηγόρευσε... Δέσποτα τῶν ἀπάντων Κύριε, ὁ πλάσας τὸν ἀνθρώπον χειρὶ ἀρρήτῳ καὶ φρικτῇ σου... Ὁμματι ἀκοιμήτῳ, εὐσπλαγγνε, ἐπίβλεψον εὐμενῶς, καὶ τὸν σὸν δοῦλον σῶσον, Λόγε... Ἐγνώθῃ, Σῶτερ, καὶ συγχώρησον, ἃ ἡμαρτεν ἐπὶ γῆς ὁ σὸς πιστὸς οἰκέτης. Θεοτοκίον· Ἀχραντε Θεοτόκε πάναγνε, ὡς πάντων βασίλισσα καὶ Δέσποινα τοῦ κόσμου, δεῖξον ἡμῖν... Θεοτοκίον· Ὑπερφυῶς ἐν γαστρὶ σου, Δέσποινα Goar. p. 454—455. Καὶ τὸ προκείμενον εἰς ἥχον πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, ἦρα τὴν ψυχὴν μου. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Τέλος· ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Ἀλληλούιαι, ἥχος πλ. β'. Μακάριος ὢν... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην εἰς κοιμηθέντας· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμὴν, Ἀμὴν λέγω ὑμῖν... Τέλος· ἀλλὰ τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Ὁ λαός· Δόξα σοι, Κύριε. Εἴθ' οὕτως αἵρεται ὁ τεθνηκώς, ἐκκοιμζόμενος μέχρι τοῦ τάφου, φαλλόντων ἡμῶν μετὰ κηρῶν καὶ θυμιαμάτων τροπάρια ἥχος β'. Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός καὶ τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, καὶ πάλιν ἕτερα τροπάρια ὁμοίως μετὰ τοῦ Τρισαγίου, ἥχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... ἄλλο πλ. β'. Ἀληθῶς ματαίότης τὰ σύμπαντα. Ἄλλο ἥχος πλ. δ'. Τὴν φοβερὰν ἡμέραν, ὅταν μέλλεις κρῖναι πᾶ-

σαν πνοήν, ὅτε γυμνοὶ ἐστῶμεν πρὸ τοῦ βήματός σου τοῦ φοβεροῦ... Καὶ οὕτως γίνεται παρὰ στάσιμον, ψάλλονται οὕτως στιχηρά. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν... Στίχος· Ἐγὼ εἶπα ἐν τῷ ὕφει... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός... Στίχος· Καταλείψω τὰ ἔτη τὰ ἐπίλοιπα. Σήμερον τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις πᾶσα τῆς ματαιότητος... Στίχος· Ἐξέλειπον ἐκ τῆς συγγενείας μου... Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων τῆς πλάνης... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός, μέγας στεναγμός καὶ ὀδύνη... Στίχος· Πνεῦμά μου παρ' ἐμοί... Βλέποντες τὸν προκείμενον νεκρὸν τύπον, ἀναλάβομεν τοῦτου τῆς τελευταίας ῥοπῆς... Στίχος· Ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ... Δεῦτε οἱ ἀπόγονοι Ἀδὰμ, ἴδωμεν εἰς γῆν βεβλημένον τὸν κατ' εἰκόνα ἡμῶν... Στίχος· Ἀπὸ γὰρ τῆς ἡμέρας ἕως τῆς νυκτὸς παρεδόθη. Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα θεωροῦντες, τὰ πρὸ μικροῦ μεθ' ἡμῶν... Στίχος· Ἐξέλειπον γὰρ οἱ ὀφθαλμοί μου τοῦ βλέπειν. Ὅτε ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ μέλλεις μετὰ βίας ἀρπάσθαι ὑπὸ ἀγγέλων φρικτῶν... Στίχος· Ὅς ἐξείλατό με, καὶ ἀφείλατό μου... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν καὶ γνῶμεν, ποῖος ὁ δοῦλος ἐκεῖ· σκώληκες γὰρ ἔφθειραν... Στίχος· Καὶ οὐ παύσομαι εὐλογῶν σε μετὰ ψαλτηρίου... Ὅντως ματαιότης καὶ φθορὰ πάντα τὰ τοῦ κόσμου ἡδέα, καὶ τὰ περιδόξα πλοῦτός τε καὶ κόλακες... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μητέρα τοῦ αἰῶντος ἡλίου, θεογεννήτωρ ἀγνή... Εὐχὴ ἐπὶ τοῦ τελευτήσαντος ιερέως καὶ μοναχοῦ· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοῦ μόνου τὸ ζῆν ἀθάνατον καὶ ἡ δόξα ἀκατάληπτος... Goar. p. 452. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος Θεός, ἀνάπαυσον τὸν δοῦλόν σου ἐν μοναῖς δικαίων καὶ ἡμῶν τὰ τέλη χριστιανὰ καὶ ἀναμάρτητα διατήρησον ἐν παντὶ ἔργῳ καὶ λόγῳ ἀγαθῷ. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλάνθρωπιά. Στιχηρὰ νεκρώσιμα εἰς μοναχοὺς ἡχος α'. Ποῖα τοῦ βίου τρυφή διαμένει... Στίχος· Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι... Ἐγώ, Σωτήρ μου, δεικνύς... Στίχος· Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεος. Μόνε τῶν ὅλων Σωτήρ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κριτὰ καὶ Θεέ... Στιχηρὰ ἡχος β'. Ὡς ἄνθος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται... Στίχος· Οἴμμοι ὅτι ἡ παροικία μου. Οἴμοι οἶον ἀγῶνα ἔχη χωριζομένη... Στίχος· Πολλὰ παρώκησεν ἡ ψυχὴ μου. Οἶδας, μόνε οἰκτίρμων, πόνους μοναστῶν καὶ νοητῶν πολέμων ἐνέδρα... Στιχηρὰ ἡχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... Στίχος· Κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κακοῦ... Σῶσον, ἐλεήμων, ὑπεράγαθε, σῶσον μοναζόντων, ὃν προσεῖληφας... Στιχηρὰ ἡχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Στίχος· Πλεονάκις ἐπολέμησαν. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια, ποῦ ἐστὶν τῶν... Ἀκτιστε πάντων κτίστα,

καὶ Κύριε, οἰκτερον τὸν μεταστάντα, ὡς οἰκτίρμων... Στιχηρὰ ἥχος πλ. α'. Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμὶ γῆ... Στίχος· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με. Σὺ ἐπλασάς με, Κύριε, καὶ ἔθηκας ἐπ' ἐμέ τὴν χειρὰ σου καὶ ἐνετείλω καὶ εἴπας... Χορεῖαις ἀσκητικαῖς σου, Χριστέ Σωτήρ, ἐν ὑψίστοις σύναψον, δν ἐνθεν ἐν μοναστῶν συγκατέλεξας δήμοις... Στιχηρὰ ἥχος πλ. β'. Ἄλγος τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν ἡ τοῦ ξύλου ἀπόγευσις, πάλαι ἐν Ἑδέμ... Στίχος· Ἐὰν ἀνομίας παρατηρήσης. Ἀρχή μοι καὶ ὑπόστασις τὸ φυτουργόν σου γέγονεν πρόσταγμα· βουλευθεὶς γὰρ ἐξ ἀοράτου... Στίχος· Ἐνεκεν τοῦ ὀνόματός σου... Ἐτίμησας εἰκόνι σου τὸ τῶν χειρῶν σου... Στίχος· Ἐνεκὲν τοῦ ὀνόματός σου. Ἔργοις σου τοῖς θεοῖς παιδόμενοι τῆς ἀσκήσεως, Δέσποτα... Στιχηρὰ ἥχος βαρύς· Κατ' εἰκόνα καὶ σὴν ὁμοίωσιν... Στίχος· Εὐλογῇ σε Κύριος ἐκ Σιών... Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν ζωοδότα, δν μετέστησας ἐξ ἡμῶν... Νῶτα δώρησαι τῆς ῥομφαίας σου τῆς φλογίνης καὶ πυρφόρου Δέσποτα... Στιχηρὰ ἥχος πλ. δ'. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Στίχος· Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ... Ἀμέτριτος ὑπάρχει τοῖς ἀσώτως βιοῦσιν... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Φιλάνθρωπε, οἰκτίρμων, ἐλεήμων καὶ μόνε μακρόθυμε Χριστέ, κριτά μου...

Κοντάκια εἰς κοιμηθέντα, ἥχος πλ. δ'. Μετὰ τῶν ἀγίων ἀναπαυσον... Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... и т. д. у Гоар-а р. 457—459 съ тою разницею, что нѣтъ двухъ послѣднихъ тропарей, вмѣсто которыхъ имѣются другіе тропари, неуказанные Гоаромъ: Ἡ ἐὰν ἴδῃς τὸν λόγον ἀκούσατε καὶ μηκέτι κακῶς καλλωπίξεσθε οὐκ ἀκούεται πῶς μνημονεύομεν... Οὐχ ὁρᾶτε τόπον διανεύομεν ἐν τοῖς μνήμασιν, ὅτε εἰσέλθωμεν... Ὅταν ἄρχοντα ἴδωμεν θνήσκοντα, τότε μέγα μυστήριον βλέπομεν... Στρατιάς γὰρ ἰδὼν ὅλος ἔφριξε, ποῦ ἐστὶν ἡ ἀρχή μου, ἡ πρόσκαιρος...

Κανὼν εἰς κοιμηθέντας μοναχοὺς. Ὡδὴ α'. ἥχος πλ. β'. Κύματι θαλάσσης. Σοὶ τῷ ἀθανάτῳ Θεῷ καὶ Δεσπότῃ πάντες προσπίπτομεν ἐν κατανύξει θερμῇ. Ἀβυσσος ὑπάρχων ἐλεύς, οἰκτιρμῶν καὶ ἀγαθότητος... Βίου τὴν ἀπάτην φυγὼν ὁ πιστός σου... Ποῦ ἡ ματαιότης τοῦ κόσμου καὶ πᾶσα ἡ περιφάνεια... θεοτοκίον· Ἐν τῇ παναχράντῳ κυήσει σου, κόρη Παρθένε ἄχραντε...

ХІІІ В Ѣ К Ъ.

ХІ. № 1020. Илитарій Синайск. библи. на пергаментѣ (5 аршинъ и 17 вершковъ длины и 25 вершковъ ширины) писанъ крупнымъ скорописнымъ почеркомъ XII—XIII вѣка. Содержитъ въ себѣ этотъ Илитарій одинъ полный чинъ литургіи Василия Великаго.

(Ὁ διάκονος)· Καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ Κυρίῳ, δέσποτα, εὐλόγησον. Ὁ ἱερεὺς σταυρώνει αὐτόν, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε, νῦν... Καὶ ἐξεληθὼν ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου ὁ διάκονος, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴ ἀντιφώνου α'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ κράτος ἀνείκαστον... Goar. pag. 135. Ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησιν· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Ἀντίφωνον α'. ἤχος β'. Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ Κυρίῳ... Καὶ ψάλλειν τὸ ὄνόματί σου, Ὑψιστε. Ταῖς πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου... Στίχος· Τοῦ ἀναγγέλλειν τὸ πρῶτ' ἡ ἐλεός σου καὶ... Ὅτι εὐθὺς Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. Δόξα καὶ νῦν, Ταῖς πρεσβείαις... Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν ἀντιφώνου β'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σῶσον τὸν λαόν σου... pag 136. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Ἀντίφωνον β'. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσε... Στίχος· Καὶ γὰρ ἐστερέωσε... Στίχος· Τὰ μαρτύριά σου... Δόξα καὶ νῦν, Ὁ μονογενής. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Ὁ τὰς κοινὰς ταύτας καὶ συμφώνους... p. 136. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησις· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος... Εἴτα εἰσέρχεται ὁ διάκονος εἰς τὸ βῆμα καὶ ἄρας τὸ εὐαγγέλιον καὶ τὸ θυμιατὸν εἰσοδεύει ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως. Λέγει ἀντίφωνον γ'. ἤχος β'. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ. Ὁ λαός· Ἀλαλάζωμεν τῷ Θεῷ τῷ Σωτῆρι ἡμῶν. Σῶσον ἡμᾶς, Υἱὲ Θεοῦ... Στίχος· Προφθάσωμεν τὸ πρόσωπον αὐτοῦ... Ὅτι Θεὸς μέγας Κύριος καὶ βασιλεύς... Ὅτι ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἐστὶν τὰ πέρατα τῆς γῆς... Ὅτι αὐτοῦ ἐστὶν ἡ θάλασσα... Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην τῆς εἰσόδου· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα... p. 136. Ὁ διάκονος λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἁγίαν εἴσοδον. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ εἰσόδος τῶν ἁγίων πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ... Ὁ διάκονος μετὰ τοῦ εὐαγγελίου λέγει· Σοφία ὀρθοί. Ὁ λαός· Δεῦτε προκυνήσωμεν. Καὶ εὐθὺς τὸ ἀπολυτίκιον καὶ τὸ κοντάκιον. Ὁ διάκονος, λαβὼν τὸ ἄκρον τοῦ οὐραρίου, σταυρώνει τὸν λαόν, ὁ ἱερεὺς λέγει· Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι. Καὶ λέγει· Ἀ ἄ β ε τε Π ν ε ὤ μ α ἅ γ ι ο ν. Ὁ λαός τὸ Τρισάγιον. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴ τοῦ Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος... p. 137. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ψάλτης ψαλμὸν τῷ Δαβίδ. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ψάλτης τὸ προκείμενον. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης· Πρὸς ὁ δεῖνα. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἀναγνώστης λέγει τὸν ἀπόστολον.

Καὶ πληρουμένου, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη σοι. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ψάλτης· Ἀλληλούια, ψαλμὸς τῷ Δαβίδ. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Καὶ ψάλλεται τὸ Ἀλληλούια. Ὁ ψάλτης τὸ ἀλληλουάριον. Ὁ λαὸς τὸ Ἀλληλούια. Ὁ διάκονος ποιεῖ μενανοίας γ'. καὶ λαβὼν τὸ εὐαγγέλιον λέγει τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν εὐαγγελιστὴν ὁ δεῖνα. Ὁ ἱερεὺς σταυρῶναι αὐτὸν λέγει· Διὰ πρεσβειῶν τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ ὁ δεῖνα, δώη σοι ῥῆμα τοῖς εὐαγγελιζομένοις δυνάμει... Καὶ ἐξέρχεται ἔξω τοῦ βήματος ὁ διάκονος μετὰ τοῦ εὐαγγελίου, λέγει· Σοφία ὀρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου... Ἐκ τοῦ κατὰ ὁ δεῖνα ἁγίου εὐαγγελίου... Πρόσχωμεν. Καὶ μετὰ τὸ πλήρωμα ἀπέρχεται ὁ διάκονος πρὸς τὸν ἱερέα καὶ ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον ὁ ἱερεὺς, εἶτα ἐξέρχεται ὁ διάκονος λέγων· Εἴπωμεν πάντες ἐξ ὅλης ψυχῆς καὶ ἐν ὅλῃ τῇ διανοίᾳ... Κύριε παντοκράτωρ ὁ Θεὸς τῶν πατέρων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεὸς κατὰ τὸ μέγα ἔλεός σου... Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην μυστικῶς τῆς ἐκτενοῦς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἱκεσίαν. pag. 137. Ὁ διάκονος, λαβὼν τὸ οὐράριον, σταυρῶναι τὸν λαὸν λέγει· Ἐπι ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων, κράτους, νίκης, διαμονῆς, εἰρήνης, ὑγείας... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν ὀρθοδόξων καὶ φιλοχρίστων βασιλέων ἡμῶν, παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν, ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἀφρέσεως τῶν ἀμαρτιῶν αὐτῶν... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν ὀρθοδόξων ἐπισκόπων ἡμῶν, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας, παντὸς τοῦ κλήρου καὶ τοῦ λαοῦ ὑγείας καὶ σωτηρίας... Καὶ μνημονεύει τοὺς ζῶντας καθεξῆς· Κωνσταντίνου ἱερέως (очевидно, писецъ рукописи). Ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων... Σταυρῶναι τὸν λαὸν ὁ ἱερεὺς. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Ὁ διάκονος· Εὐχασθε οἱ κατηχούμενοι... κ. τ. λ. Εὐχὴ κατηχουμένων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν... pag. 138. Ἐκφώνησις· Ἵνα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δοξάζωσι τὸ πάντιμον... Ἀπλοῖ τὸ εἰλητόν. Ὁ διάκονος λέγει· Ὅσοι καὶ κατηχούμενοι προέλθατε... Ὁ διάκονος ἀργὰ τὴν συναπτὴν. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴ πιστῶν πρώτη· Σὺ, Κύριε, κατέδειξας ἡμῖν τὸ μέγα τοῦτο τῆς σωτηρίας μυστήριον... pag. 138. Ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Σοφία. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Ἐτι καὶ ἔτι... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν κ. τ. α. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴ πιστῶν δευτέρα· Ὁ Θεός, ὁ ἐπισκεψάμενος ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν... pag. 138. Ὁ διάκονος λέγει· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Σοφία. Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησιν· Ὅπως ὑπὸ τοῦ κράτους σου... Ὁ λαὸς τὸ χερουβικόν. Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς

ὕπὲρ ἐκυτοῦ, εἰσερχομένων τῶν ἁγίων δώρων· Οὐδεὶς ἄξιος τῶν συνδε-
 δεμένων ταῖς σαρκικαῖς ἐπιθυμίαις... pag. 139. Ὁ δὲ διάκονος εἰσέρχεται
 εἰς τὸ βῆμα καὶ νίπτει τὰς χεῖρας, λέγων· Νίψομαι ἐν ἁθώοις τὰς χεῖ-
 ράς μου... ἕως σκηνώματος δόξης σου. pag. 149. Καὶ μετὰ τὸ θυμιᾶ-
 σαι τὰ ἅγια, ἄρας τὸν δίσκον καὶ τὸ θυμιατόν, ἐξέρχεται ἔμπροσθεν τοῦ
 ἱερέως, λέγει, εἰ μὲν ἐστὶ κυριακή· Ἀνάστασιν Χριστοῦ θεασάμενοι... καὶ
 τὸν Ν'. εἰ δ' οὐκ ἔστι, λέγει· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς.
 Καὶ ὅταν ἔλθῃ εἰς τὰ ἅγια θυρία, ὁ διάκονος λέγει· Εὐλογεῖτε ἅγιε, εὐ-
 λόγησον. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου, Θεὸς
 Κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν. Καὶ ἀποτιθεμένων τῶν ἁγίων δώρων ἐν τῇ
 ἁγίᾳ τραπέζῃ, ἐξέρχεται ὁ διάκονος λέγει· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... κ.
 τ. λ. Εὐχὴ τοῦ ἁγίου Βασιλείου μετὰ τὸ πληρῶσαι τὸν λαὸν τὸν
 μυστικὸν ὕμνον· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίσας ἡμᾶς καὶ ἀγαγὼν εἰς τὴν
 ζωὴν ταύτην... pag. 140. Ἀντιλαβῶ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ὁ
 ἱερεὺς ἐκφωνῶν· Δ' αὖ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Εἰρήνην
 πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους. Πατέρα Υἱὸν καὶ ἅγιον...
 Τὰς θύρας τὰς θύρας, ἐν σοφίᾳ πρόσχωμεν.. Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν... Ὁ
 διάκονος· Στῶμεν καλῶς... Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνῶν· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου
 ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Ὁ λαός· Μετὰ τοῦ πνεύματός σου. Ὁ ἱερεὺς·
 Ἄνω σχῶμεν τὰς καρδίας. Ὁ λαός· Ἐχωμεν πρὸς τὸν Κύριον. Ὁ ἱε-
 ρεὺς· Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ. Ὁ λαός· Ἀξίον καὶ δίκαιον... Ὁ ἱε-
 ρεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται· Ὁ ὦν Δέσποτα Κύριε Θεὲ Πάτερ, παντοκρά-
 τωρ, προσκυνητέ... pag. 141. Ἐκφωνῶν· Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον, ἄδοντα,
 βοῶντα, κεκραγῶτα καὶ λέγοντα. Ὁ λαός· Ἅγιος, ἅγιος, ἅγιος Κύριος, Σχ-
 βαθῶθ... Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Μετὰ τούτων μακαρίων δυ-
 νάμεων, Δέσποτα φιλόνητο... pag. 142. Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ἐδωκε
 τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις εἰπὼν· Λάβετε, φάγετε... Ὁμοί-
 ως καὶ τὸ ποτήριον ἐκ τοῦ γεννήματος τῆς ἀμπέλου λαβὼν... pag. 143.
 Ἐδωκε τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις εἰπὼν· Πίετε ἐξ αὐ-
 τοῦ πάντες... Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Τοῦτο ποιεῖτε εἰς τὴν
 ἐμὴν ἀνάμνησιν.. pag. 143. Ἐκφωνῶν· Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν... Ὁ λαός·
 Σὲ ὑμνοῦμεν, σὲ εὐλογοῦμεν... Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Διὰ
 τοῦτο, Δέσποτα πανάγιε, καὶ ἡμεῖς, οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δοῦλοί σου...
 pag. 144. Καὶ ἀνιστάμενος ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τὰ ἅγια δῶρα τρίτον καὶ
 λέγει· Τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον αὐτὸ τὸ τίμιον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ
 Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Τὸ δὲ ποτήριον τοῦτο,
 αὐτὸ τὸ τίμιον αἶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ

Χριστοῦ. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Τὸ ἔχουθὲν (ἐκχυθὲν) ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Καὶ μετὰ τοῦτο πάλιν εὐχεται ὁ ἱερεὺς καὶ λέγει· Ἡμᾶς δὲ πάντας τοὺς ἐκ τοῦ ἐνὸς ἄρτου pag. 144. Ἐκφωνήσεις· Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου... Χαῖρε κεχαριτωμένη, ὁ Κύριος μετὰ σοῦ, εὐλογημένη σὺ ἐν γυναιξί... Τῇ δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τῶν τιμίων ἀσωμάτων ἀρχαγγέλων Μιχαήλ, Γαβριήλ, Οὐριήλ καὶ Ραφαήλ καὶ πασῶν τῶν ἁγίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ τιμίου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων πανευφήμεων ἀποστόλων τῶν δώδεκα καὶ τῶν ἐβδόμηκοντα, τῶν ἁγίων καὶ δικαίων γεννητόρων Ἰωακείμ καὶ Ἄννης, Ζαχαρίου καὶ Ἐλισάβετ, τῶν ἁγίων καὶ δικαίων προφητῶν Μωϋσέως καὶ Ἡλιοῦ καὶ Ἀαρὼν καὶ πάντων τῶν ἁγίων καὶ δικαίων προπατόρων, πατέρων καὶ προφητῶν, τοῦ ἁγίου καὶ δικαίου Ἰωσήφ τοῦ μνήστορος, τοῦ ἁγίου καὶ δικαίου Συμεὼν τοῦ θεοδόχου, τῶν ἁγίων θεοδόχων Ἰωσήφ καὶ Νικοδήμου, τῶν ἁγίων μυροφόρων γυναικῶν, τῶν ἐν ἁγίοις θεοφόρων πατέρων ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Νικολάου τοῦ ἐν Μύροις, Γρηγορίου τοῦ Θεολόγου, Ἰγνατίου τοῦ θεοφόρου, Ἰωάννου τοῦ ἐλεήμονος, Γρηγορίου τοῦ Νύσσης, Γρηγορίου τῆς μεγάλης Ἀρμενίας, Γρηγορίου τοῦ Ἀκρὰ γαντίνου, Γρηγορίου τοῦ Δεκαπολίτου, Μελετίου Ἀντιοχείας, Κυρίλλου Ἀλεξανδρείας, Ἀθανασίου, Γερμανοῦ, τῶν ἁγίων θεοφόρων πατέρων ἡμῶν τιγ'. τῶν ἐν Νικαίᾳ, τοῦ ἁγίου ἱσαποστόλου Τίτου, ἀρχιεπισκόπου Κρήτης καὶ τῶν σὺν αὐτῷ ἀρχιεπισκόπων Κρήτης, Ἀνδρέου Κρήτης τοῦ ἱεροσολυμίτου, Εὐμενίου, Συνβιδίου (sic), Ἐπαινετοῦ, Κάρπου, Κυρίλλου ἱερομάρτυρος, Εὐπιτχίου (sic) ἱερομάρτυρος, τοῦ ὁσιομάρτυρος Εὐπιτχιανοῦ, τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν Πολυκάρπου, τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν Μύρωνος, τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος Βλασίου, τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος Ἐλευθερίου, τῶν ἁγίων καὶ ὁσίων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου, Εὐθυμίου, Σάββα, Ἐφραίμ τοῦ Σύρου, Παύλου τοῦ Θηβαίου, Παύλου τοῦ ὁμολογητοῦ, Ἰωάννου τοῦ Νηστευτοῦ, Συμεὼν τοῦ στηλίτου, Ὁνουφρίου τοῦ Αἰγύπτου, Ἰωάννου τοῦ καληβίτου, Συμεὼν τοῦ διὰ Χριστὸν σαλοῦ, Ἀλεξίου τοῦ ἀνθρώπου τοῦ Θεοῦ, τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν, τῶν ἐν Σινᾷ καὶ Παῖθῳ, τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν, τῶν ἐν οἰκουμενικαῖς συνόδοις, τῶν ἁγίων καὶ θεοστέπων βασιλέων Κωνσταντίνου καὶ Ἐλένης, τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μεγάλων μαρτύρων Γεωργίου, Δημητρίου, Προκοπίου, Εὐσταθίου, Εὐστρατίου καὶ τῶν σὺν αὐτοῖς, Θεοδώρου τοῦ Τύρωνος, Θεοδώρου τοῦ Στρατηλάτου, Μερκουρίου, Μάμαντος, Τρύφωνος, Ἰσιδώρου, Νικήτα, τῶν ἁγίων μαρτύρων καὶ ἱερατικῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου, Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ

Ἑρμολάου, Φωτίου καὶ Ἀνικήτα, Μογγίου (Μοκίου;) καὶ Θαλαλαίου, τῶν ἁγίων μαρτύρων τεσσαράκοντα, τῶν ἐν Σεβαστείᾳ τῇ πόλει μαρτυρησάντων, τῶν ἁγίων μαρτύρων δέκα, τῶν ἐν Κρήτῃ μαρτυρησάντων, τῶν ἁγίων μαρτύρων Ἀκυνδίνου καὶ Ἀεφίμᾳ καὶ τῶν σὺν αὐτοῖς, τῶν ἁγίων μαρτύρων καὶ ἀθλοφόρων Κηρύκου καὶ Ἰουλήτης, τῶν ἁγίων μαρτύρων γυναικῶν Θέκλας τῆς πρωτομάρτυρος, Μαρίνας, Εἰρήνης, Αἰκατερίνης, Κυριακῆς, Βαρβάρας, Ἰουλιανῆς, Ἀναστασίας τῆς φαρμακολυτρίας, Εὐγενίας ὁσιομάρτυρος, Παρχακευῆς, Χρηστίνης, Ματρῶνας, Εὐπρασείας, Εὐστολίας, Ὀλυμπιάδος, Ἀνησίας, Μελάνης, τῶν ἁγίων τεσσαράκοντα γυναικῶν, τῆς ὁσίας Πελαγίας, τῆς ὁσίας Μαρίας τῆς Αὐγυπτίας, καὶ τῇ πρεσβείᾳ τοῦ ἁγίου, ὁ δεῖνα, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων σου καὶ πασῶν τῶν ἁγίων, ὧν ταῖς ἱκεσίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός. Καὶ μνησθῆτι, Κύριε, πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως, ζωῆς αἰωνίου πατριαρχῶν, ἀρχιεπισκόπων, ἐπισκόπων, ἱερέων, βασιλέων, διακόνων, ἀναγνώστων, μοναχῶν, κοσμηκῶν, ἀνδρῶν τε καὶ γυναικῶν, τῶν ἀπὸ περάτων ἕως περάτων τῆς οἰκουμένης, τῶν ἐν γῇ καὶ θαλάσσῃ, καὶ ἀνάπαυσον αὐτούς, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Ἐτι σοῦ δεόμεθα μνησθῆτι, Κύριε, τῆς ἁγίας σου καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς ἐκκλησίας... *Красносельцеств. Свѣдѣн. о пѣкот. литург. рки. Ватиканск. гил. стр. 265—268.* Ἐκφώνησις· Ἐν πρώτοις μνησθῆτι, Κύριε... Τὰ δύπτυχα τῶν ζώντων. Μνησθῆτι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς ὁρθοδόξων, τῶν ὁρθοτονοῦντων τὸν λόγον τῆς σῆς ἀληθείας... *Goar. pag. 147.* Ἐκφώνησις ὁ ἱερεύς· Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στόματι... Καὶ ἔσται, τὰ ἐλέη τοῦ μεγάλου Θεοῦ... Ὁ διάκονος ἐξέρχεται λέγων· Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τοῦ σώζειν... *pag. 147.* Ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ἐκφώνησις· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς... Ὁ λαός· Σοὶ Κύριε. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται λέγων· Δέσποτα Κύριε, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως... *pag. 148.* Ἐκφώνησις ὁ ἱερεὺς· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπίᾳ... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Πρόσχε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξ ἁγίου κατοικτητηρίου σου... *pag. 148.* Ὁ διάκονος λέγει· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς ὑψοῖ τὸν ἄρτον λέγει· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἷς ἅγιος. Ὁ ἱερεὺς (εἷς) τὸν ἄρτον λέγει· Ἄγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς. Εἷτα μελίζει, λέγει ὁ ἱερεὺς· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ἄχραντον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ

μερίζεται εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ θέτει αὐτὸ σταυροειδῶς, λέγει· Ὁ μελιζόμενος καὶ μὴ διαιρούμενος, ὁ ἐσθιόμενος καὶ μὴ δαπανώμενος, τοὺς δὲ ἐσθιόντας ὑπὸ σοῦ ἀγιάζων. Αὐτὸς ὑπάρχεις, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πληρώσας πᾶσαν πατρικὴν ἐπαγγελίαν.—πλήρωσον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Ὑψώσω σε, ὁ Θεὸς μου, ὁ βασιλεὺς μου. Καὶ βάνει μερίδα εἰς τὸ ποτήριον, καὶ λαβὼν τὸ ζέον, ὁ διάκονος λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς σταυρώνει αὐτό, λέγων· Εὐλογημένη ἡ ζέσις τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Καὶ ὁ διάκονος ἐγώνει τὸ ποτήριον, καὶ λαβὼν ἐκ τοῦ ἄρτου ὁ ἱερεὺς δίδει τῷ διακόνῳ λέγει· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ἄχραντον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ δίδεται ὁ δεῖνα... Ὁμοίως καὶ καθ' ἑαυτοῦ ὁ λαβὼν μερίδα, λέγει οὕτως, καὶ κλίνει λέγει· Τοῦ δείπνου σου τοῦ μυστικοῦ σήμερον, Γιὲ Θεοῦ, κοινωνόν με παράλαβε... pag. 66. Καὶ λέγει· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον, καὶ ἄχραντον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εὐτελὴς ἱερεὺς εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ, καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον, μὴ εἰς κρῖμα ἢ εἰς κατάκριμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ... Ὁμοίως καὶ ὁ διάκονος οὕτως λέγει, καὶ ἐσθίσουν τὸν ἄρτον. Καὶ εἰς τὸ ποτήριον λέγει· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ἄχραντον αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ... (что выше, при приятии св. Тѣла). Ὁμοίως καὶ τοῦ διακόνου ἐκ τοῦ ποτηρίου. Εἴτα βάνει τὸν ἄρτον ὅλον, τὸν ἐν τῷ δίσκῳ, εἰς τὸ ποτήριον καὶ σπογγίζει τὸν δίσκον καὶ ἀσπάζεται αὐτόν. Καὶ λαβὼν τὸ (τὴν;) λαβίδα, σταυρώνει τὸ ποτήριον, λέγει· Λαβὶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ βάνει αὐτὸ καὶ καλύπτει ἐν κάλυμμα, λέγει· Κάλυμμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ λαβὼν ὁ διάκονος τὸ ποτήριον· Μετὰ φόβου Θεοῦ προσέλθατε. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου, Θεὸς Κύριος... Ὁ ἱερεὺς· Ἀληθῶς Θεοῦ Υἱὸς ἐστὶν οὗτος, σταυρώνει τὸν λαόν· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου... Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ μεταλήψει τῶν ἁγίων σου ἀχράντων ἀθανάτων καὶ ἐπουρανίων σου μυστηρίων... pag. 148. Ὁ ἱερεὺς θυμιῶν λέγει· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός, καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἢ δόξα σου. Ὁ διάκονος αἶρει τὰ ἅγια δῶρα λέ-

γει· Πάντοτε νῦν καὶ αἰ... Ὁ λαός· Πληρωθήτω τὸ στόμα... Ὁ ἱερεὺς διπλῶνει τὸ εἰλητόν, ὁ διάκονος λέγει ἔξωθεν· Ὅρθοι οἱ μεταλαβόντες... Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν... Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν ὀπισθάμβωνον τοῦ ἁγίου Βασιλείου· Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε, Κύριε, καὶ ἁγιάζων τοὺς ἐπὶ σοὶ πεποιθότας... pag. 149. Ὁ λαός· Εἴη τὸ ὄνομα Κυρίου... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς σταυρώνει τὸν λαόν λέγει· Εὐλογία Κυρίου ἐφ' ὑμᾶς... Ὁ λαός· Εὐλόγησω τὸν Κύριον... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ διακονικῷ· Ἦνυσται καὶ τετέλεσται... pag. 149. Ὁ διάκονος πληροῦ τὰ ἅγια. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένοι ἡμεῖς τῷ Κυρίῳ διὰ Πνεύματος ἁγίου τῇ αὐτοῦ χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ πάντοτε νῦν καὶ αἰ... Δόξα σοι, ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς ἡμῶν, δόξα σοι. Ὁ λαός· Δόξα καὶ νῦν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Χριστός, ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν, ταῖς πρεσβείαις τῆς παναχράντου αὐτοῦ Μητρός, τῇ δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, προστασίαις τῶν τιμίων ἀσωμάτων ἀρχαγγέλων καὶ πυριμόρφων Μιχαήλ καὶ Γαβριήλ καὶ πασῶν τῶν ἁγίων ἐπουρανίων δυνάμεων, πρεσβεῖα τοῦ τιμίου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων πανευφήμων ἀποστόλων, καὶ τοῦ ἁγίου ὁ δεῖνα καὶ πάντων τῶν ἁγίων ταῖς πρεσβείαις ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι ἡμᾶς, ὁ Θεός. Ὁ λαός· Φυλάττοι ὁ Θεὸς τὴν ἁγίαν καὶ ὀρθόδοξον πίστιν τῶν... Ὁ διάκονος· Δι' εὐχῶν τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν, Κύριε, εὐλόγησον, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν. Καὶ ποιοῦν συγχώρησιν καὶ ἐπιδίδοται τὸ ἀντίδωρον¹⁾.

Въ концѣ чина имѣется обычное замѣчаніе о томъ, сколько разъ въ году совершается литургія св. Василия Великаго.

XII. № 1036 Εὐχολόγιον (по Гардгаузену, λειτουργίσι), ркп. въ 16 долю листа, 175 листовъ, на пергаменѣ (по Гардгаузену на бомбицинѣ) писана четкою скорописью. XII—XIII в.

л. 1. Λειτουργία τοῦ ἁγίου Βασιλείου. Чинъ состоитъ изъ молитвъ. Молитва: Οὐδεὶς ἄξιος надписывается: Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτὸν ἐπὶ τῶν ἁγίων δώρων. Слѣдующая молитва: Κύριε ὁ Θεός

¹⁾ Краткое изложение этого чина литургіи сдѣлано о. архимандритомъ *Антониномъ* (Капустинимъ) въ его книгѣ: «Изъ записокъ синайскаго богомольца». Труды Кіев. дух. Акад. 1873 г. кн. III стр. 417—419.

ἡμῶν, ὁ κτίσας ἡμᾶς имѣетъ надпись такую: Εὐχή τῆς προσκομιδῆς τοῦ ἁγίου Βασιλείου μετὰ τὸν μυστικὸν ὕμνον.

л. 30 об. Εὐχή κατηχομένων πρὸ τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς τοῦ Χρυσοστόμου. Чинъ состоитъ также изъ молитвъ. Οὐδεὶς ἄξιος имѣетъ надпись: Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ὑπὲρ ἑαυτοῦ, εἰσερχομένων τῶν ἁγίων. Другая молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος... надписывается: Τῆς προσκομιδῆς τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου ἀποτεθῆναι τὰ δῶρα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ.

л. 44. Ἀκολουθία τῶν προηγιασμένων τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς. Въ этомъ чинѣ обращаютъ на себя вниманіе двѣ особенности—это начало чина великою ектеньею и молитвою перваго антифона: „Κύριε οἰκτιρῶν καὶ ἐλεήμων μακρόθυμε, за которую слѣдуетъ малая ектенья καὶ εὐθὺς Δεῦτε προσκυνήσωμεν, Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου καὶ τὸ Κύριε ἐκέκραξα и отсутствіе указанія на произнесение возгласа: „Свѣтъ Христовъ“.

л. 56. Εὐχή, λεγομένη εἰς λιτὴν διὰ φόβου.

Πάλιν σου, Κύριε, τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότου. Goar. pag. 636.

л. 56 об. Εὐχή ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκέπην Ζαχαρίου εἰσελθεῖν pag. 484.

л. 57 об. Εὐχή εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, καὶ τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... pag. 707.

л. 58 об. Εὐχή ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Ναθὰν μετανοήσαντι τῷ Δαβὶδ τοῖς ἰδίῳις πλημμελήμασιν ἄφεσιν δωρησάμενος... pag. 536.

л. 59. Εὐχή ἐπὶ ἐξομολόγησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων ἄφεσιν ἁμαρτιῶν δωρησάμενος. pag. 537.

л. 59 об. Εὐχή ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων σου Πέτρῳ δι' ὀπτασίας καὶ φωνῆς νομοθετήσας... pag. 535.

л. 60 об. Εὐχή ἐπὶ μαροφαγησάντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν. pag. 534.

л. 61 об. Εὐχή ἐπὶ ἀρρώστου.

Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ πέμψας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν. pag. 338.

λ. 62. Εὐχή ἄλλη ἐπὶ κλίνης ἀρρώστου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια πάθη λόγῳ θεραπεύσας, ὁ τὴν πενθερὰν Πέτρου πυρέσσουσιν ἰασάμενος. См. выше стр. 56.

λ. 62 об. Εὐχή εἰς φρέαρ μιανθέν.

Κύριε παντοκράτωρ ἐπουράνιε, ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ἀνεξιχνίαστος καὶ πάσης κτίσεως ὁρατῆς τε καὶ ἀοράτου ποιητής. См. выше стр. 48.

λ. 63. Τάξις, γινομένη, εἰ' συμβῇ μιαρὸν ἢ ἀκάθαρτόν τι προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἄγγεϊον οἴνου ἢ ἐλαίου.

Χρὴ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον παραχρῆμα ἐπαίρεσθαι καὶ ῥίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἄγγεϊον καινὸν πλύνεσθαι καθαρῶς ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ τότε ὁ ἱερεὺς λαμβάνει θυμιατὸν καὶ θυμιᾷ δεόντως ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν τὸ αὐτὸ ἄγγεϊον, καὶ μετὰ τοῦτο βάλλει κάτω ὕδωρ ὀλίγον τῶν ἁγίων θεοφανίων, ποιῶν ἐξ αὐτοῦ σταυροὺς τρεῖς, καὶ εἴθ' οὕτως μεταβάλλεται ὁ οἶνος ἢ τὸ ἐλαίον τὸ μιανθέν ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ πλυθέν, καὶ μετὰ τοῦτο δέον ἐνεχθῆναι μανουάλια β'. μετὰ κηρῶν ἀπτόντων καί, τῆς θυμιάσεως γινομένης, ἵσταται ὁ ἱερεὺς, ποιῶν τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός. Goar. p. 479. Καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι τὸν ἱερέα τὴν εὐχὴν ταύτην, ἐπιβάλλει ἐπάνω τοῦ μεταβληθέντος οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου ἐκ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων, ποιῶν ὁμοίως σταυροὺς τρεῖς, καὶ λαμβάνει πρῶτος ἐξ αὐτοῦ τοῦ οἴνου ὁ ἱερεὺς καὶ ἀπογεύεται παρουσίᾳ πάντων τῶν ἐκεῖσε εὐρισκομένων. Εἰ' δὲ συμβῇ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον χρονίσαι ἐν τῷ ἄγγεϊῳ τοῦ οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου καὶ συμβῇ συσσωπῆναι ἐκχέεσθαι δεῖ τὸν οἶνον ἢ τὸ ἐλαίον καὶ μηδέναι τὸ σύνολον ἐξ αὐτοῦ ἀπογεύεσθαι

λ. 66. Εὐχή ἄλλη ἐπὶ παντὸς εἴδους μιανθέντος.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. pag. 483.

λ. 68. Εὐχή ἐπὶ τελευτῶντος παντὸς κοσμικοῦ.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. Goar. p. 429.

λ. 68 об. Εὐχή εἰς κόλυβα ἤτοι κουκία μνήμης ἁγίων, что въ ркп. Сян. дѣл. № 958. См. выше стр. 35.

λ. 69 об. Εὐχή ἄλλη εἰς κόλυβα κοιμηθέντος.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε, καὶ κελεύσας τῇ γῇ παντοδαποὺς ἐκφῦναι καρπούς... pag. 524.

λ. 70 об. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι σταφυλὰς καὶ λοιπὰς ὁπώρας, ὅταν θέλωσιν ἐπιλῦσαι.

Εὐλόγησον, Κύριε, τοὺς καρπούς σου τούτους τοὺς νέους, οὓς διὰ τῆς τοῦ ἀέρος εὐκρασίας καὶ σταγόνων τῆς βροχῆς. См. выше стр. 47.

λ. 72. Εὐχή εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον τῇ μ'. ἡμέρᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν μ'. ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθών. Прил. къ Богослуж. въ русск. церк. въ XVI в. ч. I, стр. 19.

λ. 71. Εὐχή, ὅταν λαμβάνῃ ἡ γυνὴ πλήρωμα τῶν μ'. ἡμερῶν τῆς λοχείας αὐτῆς.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar p. 267.

λ. 72 об. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η'. ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν· σημειωθήτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Goar. p. 264. Σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος.

λ. 83 об. Εὐχή εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. Чинъ сходящъ, за многими исключеніями (См. выше стр. 53—54 варианты), съ ркп. Син. библ. № 959.

λ. 106. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον μετὰ τὰς ζ'. ἡμέρας τῆς βαπτίσεως.

Εἰσερχομένου γὰρ τοῦ πρεσβυτέρου ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ψάλλει· Κύριος ποιμάνει με μέχρι τέλους, λύων τὸ κουκούλιον ἅμα καὶ τὸ σάβανον, καὶ μετὰ τοῦτο ποιεῖ τὴν εὐχὴν· Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος... Goar. p. 303. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν. Goar. p. 304.

λ. 107 об. Εὐχή εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ ψυχῆς λογικῆς καὶ σώματος. Goar. p. 306. Καὶ μετὰ τὸ κουρεῦσαι λέγει· Τὰς κεφαλὰς, καὶ εἰθ' οὕτως πάλιν λέγει· Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν... p. 307.

λ. 109 об. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς· αἱ εὐχαὶ μετὰ τὸ προκείμενον.

Чинъ во многомъ сходящъ съ Гоаровскимъ pag. 597—604, но есть и разница. Въ третьей молитвѣ слова: Σὸν γὰρ ὡς ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μυστήριον не присоединяются непосредственно къ молитвѣ: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας ὁ αἰώνιος, но стоятъ послѣ просительной ектеньи и надписываются такъ: Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως. Слѣдующей за этою молитвою, по Гоару, третьей здѣсь нѣтъ.

1. 128. Διάταξις τῶν ἁγίων Φώτων.

Μετὰ τὸ ἀπολυῖσαι τὴν λειτουργίαν διακλυόμεθα πάντες, ἐκτὸς τοῦ ἱερέως, τοῦ μέλλοντος ἁγιαῖσαι τὰ ὕδατα, καὶ ἀπερχόμεθα πάντες ἐν τῷ λουτρῇ μετὰ κηρῶν καὶ θυμιατοῦ, καὶ εὐλογοῦντος, φάλλονται τροπάρια, ἦχος πλ. δ'. Πρὸς τὴν φωνὴν τοῦ βοῶντος... Τὰ τῶν ἀγγέλων στρατεύματα καὶ ἕτερα, καὶ εὐθὺς τοῦ ἁγιασμοῦ τὰ ἀναγνώσματα, καὶ προκείμενον, καὶ ἀπόστολος, Ἀλληλούια καὶ τὸ εὐαγγέλιον, καὶ εἰθ' οὕτως λέγει ὁ διάκονος συναπτὴν Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ πηγὴν ἀφθαρσίας, ἁγιασμοῦ δῶρον τοῦ... Ὑπὲρ τῶν ἀντλούντων καὶ ἀρρυσόμενων ἐξ αὐτῶν εἰς ἁγιασμὸν ψυχῶν καὶ σωμάτων τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἡμῖν... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ δυνάμει καὶ ἐπιφοιτήσει τοῦ ἁγίου Πνεύματος δαίμοσιν ὀλέθριον, ταῖς ἐναντίαις δυνάμεσιν ἀπρόσιτον τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχοφθόρου πολεμίου τὴν δύναμιν βυθισθῆναι τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι τὰ ὕδατα ταῦτα πηγὴν ζωῆς καὶ οἰκτῆριον τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτός... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τὴν φωνὴν τῆς δεήσεως ἡμῶν καὶ ἀναδεῖξαι τὰ ὕδατα ταῦτα ἁγιασμοῦ δῶρον, ἁμαρτημάτων λυτήριον, νοσημάτων ἀλεξητήριον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτόν Δοξάζομέν σε, Δέσποτα, πανάγιε, παντοκράτωρ. Goar. p. 369. Μέγας εἰ Κύριε. Ibid. p. 370 ἵνα πάντες οἱ ἀρϋόμενοι καὶ μεταλαβόντες... Goar. p. 371. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου. Ibid. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὰ ἅγια Θεοφάνια Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως... Goar. pag. 363.

1. 136 οβ. Διακονικὰ εἰς μνήστρα.

Ἐν εἰρήνῃ.. Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Ὑπὲρ τοῦ συζευχθῆναι αὐτοὺς καὶ εὐφρανθῆναι τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς ἐκ Θεοῦ συζεύξεως... Ὑπὲρ τῆς δουλῆς... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας αὐτοῦ... Ὁ Κύριος καὶ Θεὸς ἡμῶν διαφυλάξει τὴν κοίτην αὐτῶν ἀμίαντον καὶ ἀσκανδάριστον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀγράντου... Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος. Goar. p. 311 Ὁ ἱερεὺς Εἰρήνῃ πᾶσι. Ὁ διάκονος Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,

ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν... Ibid. Καὶ παραδίδωσιν αὐτοὺς τὰς δεξιὰς χεῖρας, λέγων, βάλλων αὐτοῖς δακτυλίδια· Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφράνθη ὁ βασιλεὺς ἕως ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος. Καὶ λέγει αὐτοῦ γ'.

λ. 138. Ἀκολουθία εἰς στεφάνους τοὺς νομίμῳ γάμῳ συναπτομένους.

Εἰσέρχονται οἱ νυμφῖοι καὶ οἱ παρανυμφῖοι, βασιτάζοντες τὰς ἀπρχὰς αὐτῶν καὶ ἐπιδιδόσκει τῷ ἱερεῖ, καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Καὶ εὐθὺς ἄρχεται θυμιᾶν αὐτοὺς καὶ πάντα τὸν λαόν, ψάλλον τὸ Τρισάγιον καὶ Δόξα, καὶ λέγει κάθισμα θεοτοκίον, ἤχος πλ. δ'. Ἡ νοητὴ πύλη καὶ διακονικὰ τὰ προγραφέντα. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον. Goar. p. 317. Εἴτα στέφει ἄμφοτέροισι καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς παραδίδωσιν ἀλλήλοις καὶ λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Πάλιν ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδεῖ. Goar. p. 318. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, μεταδιδούς αὐτοῖς τῆς ζωοποιοῦ κοινωνίας, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ποτήριον οἴνου κοινὸν καὶ ἐπεύχεται, λέγων εὐχὴν τοῦ κοινοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου, Goar. p. 319. Καὶ δίδωσιν αὐτοῖς ὁ ἱερεὺς πίνειν ποτήριον οἴνου καὶ ἀπολύει αὐτοὺς ἐν εἰρήνῃ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι στεφάνους· Εὐλογητός εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς. Goar. p. 326.

λ. 141 об. Апостольскія и евангельскія чтенія на разные случаи.

λ. 159 об. Ἀκολουθία πρὸς σχῆμα μαντίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξίους σου εἶναι νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικά Goar. p. 380. Καὶ βάλλει αὐτὸν μαντίον.

λ. 160 об. Εὐχὴ ἐπὶ σχῆμα μοναστρίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας. Goar. p. 382.

λ. 121 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία προσχήματος.

Μετὰ τὸ εἰπεῖν τὰ ἀντίφωνα τῆς λειτουργίας καὶ τὸ Ὁ μονογενὴς Υἱός, φέρει ὁ ἱερεὺς τὸν κουρευόμενον, καὶ θείς τὸ εὐαγγέλιον εἰς τὸ ἀντιμίναιον ἐπάνω μετὰ καὶ τοῦ φαλλιδίου, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ἐπὶ τῷ κουρευομένῳ ταύτην· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, ὁ κατὰ τὸ πολυέλεος. Goar. p. 378. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς... Goar. p. 379. Εἴτα ἀνακρίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς λέγων· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ... ποθεῖς ἀξιωθῆναι τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος καὶ καταταγῆναι εἰς τὸν χορὸν τῶν μοναζόντων; Ἀπόκρισις· Ναί, ἂν θέλῃ ὁ Θεός. Ὅντως καλὸν ἔργον... Вопросы, за исключением одного: Ἀποτάσσεις τῷ κόσμῳ καὶ τοῖς ἐν τῷ κόσμῳ κατὰ τὴν ἐντολὴν τοῦ Κυρίου, тѣ же и въ томъ же порядкѣ, что и у Гоара p. 383. Послѣд-

ний вопросъ осложненъ поясненіемъ: Ὑπομένεις πάσαν θλίψιν καὶ στενοχωρίαν τοῦ μονήρου βίου, ἤγουν πείναν καὶ δίψαν καὶ τὰ ἐξῆς διὰ τὴν...
 Отвѣты выражены большею частію такъ: Ναί, ἐὰν θέλῃ ὁ Θεός. Ἐρώ-
 τησις· Βλέπε τέκνον, οἷας συνθήκας... Goar. p. 383 ἐν τῇ δευτέρᾳ παρου-
 σίᾳ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Καὶ μαθὼν τὴν γνώμην αὐτοῦ
 ἀσφαλῆ, ἄρχεται τῆς κατηχήσεως ταύτης· Ἀδελφέ μου, καταλιμπάνεις,
 τὸν βίον. Ркп. Іерус. библ. XV в. № 273. Εἶτα ἐκτενεῖ τὴν χεῖρα ὁ ἱερεὺς
 λέγει· Ἰδοὺ Χριστὸς ἀοράτως... Καὶ ὅταν συντάξῃται, λέγει ὁ ἱερεὺς·
 Λάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ ἐν τῷ λαμβάνειν αὐτό, λέ-
 γει ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Κυρίου... Εἶτα μετὰ τὸ ἐπιδοῦναι,
 λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ τούτῳ κουρεύει αὐτὸν σταυ-
 ροειδῶς, λέγει οὕτως· Ὁ ἀδελφός, ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται... Καὶ παρα-
 λαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ μοναχοὶ καὶ κουρεύουσιν ἐν τῷ διακονικῷ, ψάλ-
 λοντες τὸν Ν'. ἐν δὲ τῷ ναῷ ἄρχονται τῶν μακαρισμῶν, καὶ γίνεται ἡ
 εἴσοδος, καὶ τὸ εἰσοδικόν. Καὶ πρὸ τοῦ Τρισαγίου φέρει πάλιν τὸν κου-
 ρευθέντα ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεὸς καὶ
 Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν, Ἰησοῦ Χριστοῦ
 Ркп. Іерусал. № 273. Conf. Goar. pag. 391. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὁ
 ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ κουκούλιον τῆς ἀνακίας καὶ ταπει-
 νοφροσύνης εἰς περικεφάλαιον ἐλπίδος σωτηρίας... Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ
 δεῖνα λαμβάνει τὸ περιβόλαιον, στολὴν ἀφθαρσίας, θωρακιζόμενος εἰς τὸ
 ὄνομα... Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸ πρόσχημα τοῦ ἀγγελικοῦ
 σχήματος εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ μετὰ ταῦτα πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ
 Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπίζόντων. Goar. p. 385.
 Καὶ εὐθέως ἄρχεται τῆς συναπτῆς τοῦ Τρισαγίου· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς
 ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ
 διάγειν αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι αὐτὸν τὸν παλαιὸν ἄνθρωπον... Ὑπὲρ
 τοῦ ῥυσθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χριστιανῶν... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον...
 Τῆς παναγίας... Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Καὶ
 εὐθὺς τελεῖται ἡ θεία λειτουργία.

ХІІІ. № 713. Илитарій Патмосской библ. на пергаменѣ XII—
 XIII в., содержащій въ себѣ чины хиротоній. На ектеняхъ поми-
 наются здравствующими архіепископъ Варнава и на поляхъ въ при-
 пискѣ XIV в. епископъ Кириллъ, по неизвѣстнo, какой области эти
 епископы. Заглавныя буквы въ Илитаріѣ всюду съ художествен-
 ными виньетками.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου.

Благословляется голова посвящаемого, постригаются волосы, надѣвается фелонь и читается молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἔκλεξαι τὸν δοῦλον... Goar. p. 194, а затѣмъ дается апостолъ и бываетъ отпустить.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.

Посвящаемый снимаетъ фелонь, надѣваетъ стихарь, опоясывается ораремъ, беретъ полотенце и платокъ, благословляется епископомъ, который читаетъ надъ нимъ молитву: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἐνὸς καὶ τοῦ αὐτοῦ ἁγίου Πνεύματος... p. 203, и подаетъ умываться архіерею съ возгласомъ: Ὅσοι πιστοί.

Τάξις ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου.

Чинъ замѣчательнъ двумя подробностями: а) καὶ δίδωσιν αὐτῷ ἁγὰπην, λέγων μεγαλοφώνως Ἄξιος... говорится послѣ рукоположенія и б) Μετὰ τὸ μεταλαβεῖν τὸν χειροτονηθέντα διάκονον, ἐπιδίδωσιν αὐτῷ ὁ ἀρχιερεὺς τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ μεταδίδωσι τοῖς προσερχομένοις. Μετὰ δὲ τὸ μεταλαβεῖν πάντας, ἐξέρχεται ὁ αὐτὸς διάκονος, λέγων Ὅρθοι μεταλαβόντες... ὁφεικῶν καὶ τῷ ἱερεὶ τῷ ὀφείλουσι εἰπεῖν τὴν εὐχὴν τὴν ὀπισθάμβωνον.

Ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου τάξις.

Подводитъ рукополагаемаго протопопъ, который и даетъ архіерею хартію со словами: „Божественная благодать“.

Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ τοῦ ἐπισκόπου.

Ὅπερ ἀναγνώσθέντος εἰς ἐπήκοον πάντων (т. е. молитвы: „Божественная благодать“) προσάγεται αὐτῷ ὁ μέλλων χειροτονηθῆναι καὶ ἀναπτύσσειν ὁ ἀρχιερεὺς τὸ εὐαγγέλιον κ. т. л. Остальной порядокъ, что у Гоара pag. 251—252. Чинъ обрывается на второй молитвѣ.

XIV. № 104. Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ περιέχον τὴν ἁπλῆν ἀκολουθίαν. Рукопись Патмосск. библи. въ 8 долю листа на пергаменѣ, 216 листовъ, писана почеркомъ начала XIII вѣка. На основаніи пасхалии, имѣющейся въ концѣ данной рукописи, можно опредѣлить болѣе или менѣе точно и годъ написанія рукописи. Пасхалия начинается годомъ 6742, т. е. 1234 годомъ по Рождествѣ Христовѣ и обрывается на 6777 году. Первый годъ пасхалии, т. е. 1234 г. и можно принять за годъ написанія данной рукописи.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. Молитвъ 9. На пятомъ мѣстѣ стоитъ: Εὐλογητὸς εἶ, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἐπιστάμενος τὸν νοῦν Goar. p. 35. Восьмая молитва—входа, а 9—главопоклоненія.

л. 4 об. Εὐχαὶ ἐώθιναι. 12 молитвъ. 9 молитва опущена, а на 12 мѣстѣ стоитъ молитва главопреклоненія.

л. 10 об. Εὐχὴ (εἰς τὸ) κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθήτω τὸ φῶς... Goar. p. 265. За недостаткою листовъ, молитва не оканчивается.

л. 11. Чинъ крещенія начинается концемъ первой огласительной молитвы. Символъ вѣры читается три раза. Καὶ ἀλείφει (непосредственно послѣ погруженія) αὐτόν τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου, καὶ τῶν δύο μυκτήρων καὶ τῶν δύο ὠτων, λέγων οὕτως· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Εἰς ὑπακοὴν πίστεως. Ἀμήν. Καὶ ἐνδύσας αὐτόν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογητός εἷ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν. Goar. p. 290. Καὶ εὐθὺς ψάλλουσι τὸ Ὅσοι εἰς Χριστόν, καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητός Χριστός ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φωτίζων... καὶ σταυρώσας τῇ χειρὶ τὸν βαπτισθέντα, λέγει τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

л. 22 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον.

Ὁ λύτρωσιν ἀμαρτιῶν... съ нѣскольکو измѣненнымъ текстомъ въ концѣ и главопреклонная: Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστόν... Goar. p. 303—304. Καὶ μετὰ τῶν λειψθέντων σταυρωμάτων καὶ ὕδατος ἀπονίπτει τὸν βαπτισθέντα, λέγων· Ἐδικαιώθης, ἡγιασθης, ἐφωτίσθης, ἀπελούσθης ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... καὶ λέγει τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

л. 23 об. Εὐχαὶ εἰς τριχοκουρίαν.

Двѣ молитвы, что у Goar. p. 306, но постригается крещаемый послѣ первой молитвы. Главопреклоненія передъ второю молитвою не положено.

л. 24 об. Ἀκολουθία τῶν μνηστρων.

Μετὰ τὸ δοθῆναι πρὸς τοὺς μελλομνήστους τοὺς τε κηροὺς καὶ δακτυλίους καὶ ἐπὶ τρισὶ ἀλλάξαντες τὰ ἀμφότερα, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητός... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευσασμένων ἀλλήλοις εἰς ἔνωσιν συζυγίας αὐτῶν, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δεῖνος καὶ τῆς δεινῆς καὶ τῆς ἐν Θεῷ ἀγάπης καὶ σωτηρίας αὐτῶν, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα, ὡς ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι

αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πᾶσι τοῖς παροῦσι καὶ συνευχομένοις ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας... Εὐ-
χή· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ
Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν... Goar. p. 311. Καὶ ποιεῖ ἐκτενὴν· Ἐλέ-
ησον ἡμᾶς... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων ἡμῶν... καὶ
μνημονεύει τοὺς μνηστράς καὶ λέγει ἐκφώνησιν· Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν
καὶ ἀγιαζὼν .. Σοφία, τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

1. 25 ὁβ. Ἀκολουθία τοῦ γάμου.

Εἰσπορευομένων (ἐν) τῶ νάφ τῶν νεονύμφων, εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς καὶ ἄρ-
χονται τὸν ψαλμὸν εἰς ἦχον πλ. δ'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι...
Καὶ εὐθὺς ἄρχονται τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ
τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ
τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ νυνὶ συναπτομένων εἰς γάμου κοινωνίαν
καὶ συμβίωσιν, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων τοῦδε καὶ τῆςδε καὶ
τῆς ἐν Χριστῷ συζευξέως καὶ σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆ-
ναι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας καὶ εὐτεκνίας ἀπόλαυσιν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογη-
θῆναι τὸν γάμον τοῦτον .. Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐ-
τοῖς τίμιον τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ παρα-
σχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην, καρπὸν κοιλίας καὶ εὐτεκνίας
ἀπόλαυσιν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν
αὐτῶν καὶ θυγατέρων... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν δωρήσεται αὐτοῖς
πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον, τοῦ Κυρίου...
Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον. Goar.
p. 317 Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν τὸ κρά-
τος... Εἶτα στέφει ἀμφοτέρους, λέγων ἐν τῷ νομφίῳ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,
δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτόν. Καὶ ἐπὶ τὴν νύμφην· Κύριε ὁ Θεὸς
ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτήν. Καὶ φάλλουσιν οἱ παριστάμενοι·
Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτοὺς καὶ κατέστησας... Καὶ κρατήσας αὐτῶν
τὰς δεξιὰς, παραδίδωσιν ἀλλήλοις καὶ λέγει· Εἰρήνη ὑμῖν. Τὰς κεφαλὰς.
Εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριώδει σου... Goar. p. 318.
Εὐχή ἄλλη· Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός. Goar.
p. 315—316. Ὁ ἱερεὺς πάλιν· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς... Καὶ τοῦ λαοῦ
φάλλοντος τὸ Πάτερ ἡμῶν, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ ποτηρίου· Ὁ
Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου... Goar. p. 319. Καὶ εὐθὺς λέ-
γει· Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ μεταδίδωσιν αὐ-
τοῖς τῆς ζωοποιῶς κοινωνίας καὶ ποτίζει αὐτοὺς τὸ κοινὸν ποτήριον, λέγει
κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου... ἄλλο· Γεύσασθε καὶ ἴδετε. Καὶ κρατῶν

τὸ ποτήριον τὸ κοινόν, ὁ ἱερεὺς λέγει· Ζήσατε, οἱ νεόνυμφοι, ἡ ἁγία Τριάς φυλάξει ὑμᾶς ἀχωρίστους. Καὶ χύνει τὸ ἐναπολειφθέν, καὶ οὕτως φάλλουσι τὸ 'Επὶ σοὶ χαίρει κεχαριτωμένη... *Ἅγιοι μάρτυρες... Καὶ ὅτε ἐγίςουν ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐτῶν, ἐντὸς αἵρει ὁ ἱερεὺς τοὺς στεφάνους μετὰ τὸ εἰπεῖν τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ τοῦ ἀποστεφανώματος· Ὁ Θεὸς ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 320. Μετὰ δὲ τριῶν ἡμερῶν παρέλευσιν ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς ἐν τῇ οἰκίᾳ τῶν νεονύμφων καὶ ποιεῖ· Εὐλογητὸς καὶ λέγει· Τρισάγιον, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοί σου, Κύριε. Goar. pag. 325. Καὶ λύσας τὰ στέφανα καὶ τὴν εὐχὴν ἐκπληρώσας, ἀπολύει αὐτοὺς μετ' εἰρήνης.

λ. 30 οβ. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ Ἰάκωβον καὶ Ἰωάννην, τοὺς υἱοὺς Ζεβεδαίου καταξιώσας ἀδελφούς. . Ркп. Свято-гроб. библ. XV в. № 8 л. 57.

λ. 31. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

*Ἀρχεται εἰς ἤχον πλ. β'. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων... Πρὸς τὴν φωνὴν τοῦ βοῶντος ἐν τῇ ἐρήμῳ... Καὶ λέγει· Δόξα καὶ νῦν, τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Κύριε, πληρῶσαι βουλόμενος, ἃ ὥρισας ἀπ' αἰῶνος... Καὶ νῦν ἤχος πλ. β'. Σήμερον ἡ ψαλμικὴ προφητεία πέρας λαβεῖν ἐπείγεται· ἡ θάλασσα γὰρ φησί... Καὶ εὐθὺς διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης. . Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτοῖς ἐξ ἁγίων ὕψωμάτων τὴν χάριν καὶ τὴν εὐλόγησιν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ ἁγιασμόν καὶ σωτηρίαν τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ τῶν σωμάτων τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἀποτρόπαιον καὶ καθαρτήριον πάσης ἐνεργείας καὶ ἐπιβουλῆς ὁρατῶν τε καὶ ἀοράτων ἐχθρῶν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ ἱατρεῖον καὶ καθαρισμόν πάσης νόσου ψυχῶν τε καὶ σωμάτων τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πᾶσι τοῖς χριστένοις ἐξ αὐτῶν πίστει καὶ μεταλαμβάνουσιν εἰς καθαρισμόν μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακουσθῆναι Κύριον τὸν Θεόν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Εὐχὴ, λεγομένη μυστικῶς, Γερμανοῦ· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς, ὁ ἀληθινὸς Θεός. Goar. p. 363. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ ἱερεὺς λαμπροτάτῃ φωνῇ τὴν εὐχὴν ταύτην· Δοξάζομέν σε, Δέσποτα παντοκράτωρ, προαιωνιέ βασιλεῦ... Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστά

τὰ ἔργα σου... Goar. p. 370. Καὶ εὐθὺς (т. е. послѣ молитвы главо-преклоненія) καταδύει τὸν τίμιον σταυρὸν ἐν τῷ ἁγίῳ ὕδατι τοῦ Ἰορδάνου, λέγων· Δόξα τῇ ἁγίᾳ, ὁμοουσίῳ, ἀσυγχύτῳ, ἀδιαιρέτῳ καὶ ἀκατάληπτῳ Τριάδι πάντοτε νῦν καὶ αἰεῖ... Καὶ τοῦτο λέγει ἐπὶ τρεῖς καὶ εὐθὺς ὁ λαός· Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτίζομένου σου, Κύριε... Καὶ ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ τιμίου σταυροῦ καὶ τοῦ ἁγιάσματος ἀγιάζει πάντας, μετὰ δὲ τὸ ἁγιασθῆναι ποιεῖ ἐκτενὴν καὶ μνημονεύει πάντας, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν, καὶ ἀπολύει.

л. 38 об. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—603.

л. 51 об. Εὐχὴ ἐπὶ σπόρου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ ποιήσας τὴν γῆν καὶ τὸν οὐρανόν...

л. 42. Εὐχὴ εἰς κόλυβα ἁγίων.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου Κύριε... Goar. p. 524.

л. 52. об. Εὐχὴ ἐπὶ παντός εἵδους μιανθέντος.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁμόνομος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Goar. p. 483.

л. 53. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος. Goar. p. 707. Καὶ ποιεῖ ἐκτενὴν καὶ μνημονεύει αὐτῶν καὶ λέγει τὴν εὐχὴν, καὶ ἀπολύει, καὶ ἀσπάζονται ἀμφότεροι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ αὐτοὶ ἀλλήλους.

л. 54. Евангельскія и апостольскія чтенія на цѣлый годъ, 11 утреннихъ воскресныхъ евангелій, прокимны и аллилуаріи восьми гласовъ и пасхалія.

XV. № 709 Илитарій Патм. библи. на пергаменѣ 1260 года, содержащій въ себѣ чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста. Антифоны поются такъ: Ἀγαθόν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... Ὁ λαός· Καὶ ψάλλειν τῷ ὀνόματί σου. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ ἀγγέλλειν τὸ πρωΐ. Ὁ λαός· Ὅτι εὐθὺς Κύριος ὁ Θεός... Ὁ ἱερεὺς· Δόξα. Ὁ λαός· Καὶ νῦν. Ταῖς πρεσβείαις. Также второй антифонъ. Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εἴσοδον, λέγων ἀντίφωνον γ'. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ... Στίχος· Προφθάσωμεν τὸ πρόσωπον αὐτοῦ... Ὁ λαός· Ὅτι Θεὸς μέγας Κύριος... Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ κ. τ. λ. Εἶτα (т. е. послѣ тропаря и кондака) σταυρώνει ὁ ἱερεὺς τὸν λαόν, λέγων· Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεός... Λέγει ὁ λαός τὸ χερουβικόν, καὶ ψάλλει ἡσύχως ὁ ἱερεὺς τὸν πεντηχοστὸν ψαλμόν, καὶ εἰ-

σοδεύει, κρατῶν τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ τὸν δίσκον. Καὶ μετὰ τοῦ ἀποτε-
θῆναι τὰ ἅγια εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, ἄρας τὸ κάλυμμα τοῦ δίσκου,
τίθησιν εὐώδυσμα, τὸ δὲ τοῦ ποτηρίου καλύπτει τὰ ἀμφό-
τερα καὶ θυμιᾷ ταῦτα, λέγων· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ
ποιεῖ μετανοίας γ'. εὐχεται καθ' ἑαυτὸν καὶ εὐθύς· Πληρώσωμεν τὴν δέη-
σιν... Во время „Достоѣно есть“, ὁ ἱερεὺς μυστικῶς· Χαῖρε κεχαριτωμένη...
Τῶν τιμίων ἁσωμάτων ἀρχαγγέλων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων... См. ниже
въ Илит. ркп. № 719 тоѣ же библ. XIII в. Εἴτα (т. е. послѣ молитвы:
Πρόσχες, Κύριε) προσκυνεῖ γ'. φάλλον καὶ τὸ Βασιλεὺς οὐράνιε, καὶ μετὰ
τοῦτο ἐπιχειρίζεται τὸ τίμιον σῶμα, καὶ ὑφοῖ αὐτό, καὶ ἐκφωνεῖ λέγων·
Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ σταυρῶνει ἐκ γ'. ἐπάνω τοῦ δι-
σκου, λέγων ἡσύχως· Ἅγιος ὁ Θεός... Καὶ μετὰ τοῦτο μελίζει αὐτὸ οὖ-
τως· τὴν μὲν μίαν μερίδα θέτει ἐπάνω τοῦ δίσκου, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ
Πατρὸς, εἴτα τὴν ἐτέραν μερίδα θέτει εἰς τὴν κατωμερίαν τοῦ δίσκου,
λέγων· Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Καὶ τὴν ἐτέραν εἰς τὰ δεξιὰ μέρη τοῦ δίσκου, λέ-
γων· Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος· τὴν δὲ ἐτέραν μερίδα εἰς τὰ ἀριστερὰ
τοῦ δίσκου, λέγων· Νῦν καὶ αἰὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Εἴτα ἄρας τὴν
δεξιὰν μερίδα καὶ ἐνώνει αὐτὴν εἰς τὸ ποτήριον, λέγων· Πληρώσον, Δέ-
σποτα, τὸ ἅγιον ποτήριον. Δέγει· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Εἴτα
βάνει τὸ ζέον καὶ σταυρῶνει αὐτὸ ὁ ἱερεὺς λέγων· Ζέσις Πνεύματος ἁγίου.
Ἀμήν. Καὶ μετὰ τοῦτο μελίζει τὴν μερίδα τὴν κάτω, τοῦ Υἱοῦ, εἰς δύο,
καὶ τὴν μὲν μίαν μερίδα θέτει ἐν τῇ δεξιᾷ χειρὶ αὐτοῦ καὶ φάλλει ἡσύ-
χως· Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ. Καὶ οὕτως μεταλαμβάνει, λέγων·
Μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τὸ τίμιον καὶ ἄχραντον σῶ-
μα... εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. Ὁμοίως καὶ ἐκ τοῦ πο-
τηρίου. Καὶ προσκυνεῖ ἐκ γ'. καὶ ἐνώνει ταῦτα ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ, εἴ-
τα λαβὼν τὸ ποτήριον καὶ γυρίζει πρὸς τὸν λαόν, λέγει ἡσύχως· Μετὰ
φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως. Καὶ ἐκφωνεῖ καὶ λέγων· Προσέλθατε. Καὶ σταυ-
ρῶνει τὸν λαόν· Ἀληθῶς Θεοῦ Υἱὸς ἦν οὗτος. Εἴτα στρέφει τὰ ἅγια ἐν
τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ καὶ προσκυνεῖ ἐκ γ'. καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐχαριστοῦ-
μέν σοι, Δέσποτα... Προσκυνεῖ γ'. εἴτα αἶρει τὰ ἅγια, λέγων μυστικῶς·
Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς... Εἴτα ἐκφωνεῖ· Πάντοτε νῦν... Καὶ φάλλει
ὁ λαός· Πληρωθήτω τὸ στόμα. Καὶ ἄρας τὰ ἅγια, θέτει εἰς τὴν ἁγίαν
πρόθεσιν καὶ στραφεὶς διπλώνει τὸ εἰλητόν, λέγων· Ὅρθοι οἱ μεταλα-
βόντες... Предъ выходомъ изъ церкви священникъ говоритъ: Фу-
лѣтτοι ὁ Θεός τὴν ἁγίαν πίστιν τῶν... Δι' εὐχῶν τῶν ἁγίων... Καὶ μετὰ
τοῦ τελειῶναι τὰ ἅγια, ἀπονίπτεται λέγων· Νῦν ἀπολύεις... Καὶ λέγει

ἀπολυτίκιον τοῦ ἁγίου καὶ κοντάκιον τοῦτου μυστικῶς καὶ εὐχὴν, καὶ εὐγένει
ἔξωθεν τοῦ βήματος, καὶ προσκυνεῖ τὴν εἰκόνα καὶ τὸν λαόν, καθέζεται.

Чинъ литургіи преждеосвященныхъ даровъ.

Читається εὐχὴ τῆς προθέσεως: Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ὑποδεί-
ξας τὸ μέγα τοῦτο τῆς σωτηρίας μυστήριον... Перваго антифона молитва
πυνѣшная вторая, а на второмъ мѣстѣ стоитъ первая молитва.

XVI. № 730. Илитарій Патмосск. библ. на пергаменѣ съ
чинами хиротоній и литургіи св. I. Златоуста. Для опредѣленія
времени написанія Илитарія имѣеть значеніе слѣдующее проше-
ніе: Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν Θεοδοσίου, πατριάρχου Θεοῦ πό-
λεως μεγάλης Ἀντιοχείας καὶ πάσης ἀνατολῆς... Это прошеніе находится
во всѣхъ чинахъ. Упоминаемый патріархъ есть никто иной, какъ
Θεοδοσίῳ *Принкесъ* (1261—1283), такъ какъ другого патріарха
съ именемъ Θεодосія на антioxійскомъ престолѣ за XIII и XIV
столѣтія мы не знаемъ. Слѣдовательно, рукопись писана во вто-
рой половинѣ XIII вѣка.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Goar. p. 194.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου. p. 204. Crypt. ferrat. cod.
Bessar.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία διακόνου. p. 210.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία πρεσβυτέρου p. 244.

Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἐπισκόπου p. 249—251.

Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Послѣдованіе начинается прямо ектеньей, безъ выхода, безъ
стихирь и паремій

Εὐχὴ, λεγομένη εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων· λεγομένη ἐν τῇ
ψάλλῃ τοῦ μεσαύλου.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς
γλυκύτητα μεταποιήσας p. 363.

Молитвы литургіи св. Іоанна Златоуста.

XVII. № 105. Εὐχολόγιον Патмосск. библ. ркп. въ 8 долю листа,
141¹⁾ листь, писана на пергаменѣ скорописью XIII вѣка (по Саккеліо-
ну). Для опредѣленія времени написанія могутъ быть приняты въ соо-

¹⁾ Саккеліонъ считаетъ въ рукописи 167 листовъ, исключая 14
листовъ вставочныхъ, писанныхъ на бумагѣ.

браженіе и слѣдующія данныя, заключающіяся въ самой рукописи. Въ сугубой ектеньи мы находимъ слѣдующее прошеніе: Ὑπὲρ τῶν ἐν εὐσεβεῖ τῇ μνήμῃ γενομένων βασιλέων ἡμῶν Ἀλεξίου, Ἰωάννου, Ἀλεξίου, Μαρταίου μοναχοῦ καὶ Ἀλεξίου κοιμήσεως, αἰνέσεως καὶ μακαρίας μνήμης αὐτῶν εἰπώμεν (л. 9 об.). Есть здѣсь прошеніе за упокой: Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ Ἰακώβου μοναχοῦ κοιμήσεως, αἰνέσεως καὶ μακαρίας μνήμης εἰπώμεν. Въ молитвѣ, во время пѣнія „Достойно есть“, поминается имя τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Μελετίου τοῦ νέου (л. 23). Подъ Алексѣемъ нужно разумѣть императора византійскаго *Алексѣя I Комнена* (1081—1118), подъ Иоанномъ—*Иоанна II (Кало-Иоаннѣ) Комнена* (1118—1143), подъ Алексѣемъ—*Алексѣя II Комнена* (1180—1183), подъ Матѳеемъ монахомъ—*Мануила Комнена* (1143—1180) и подъ Алексѣемъ—*Алексѣя III Ангела* (1195—1203). Слѣдовательно, рукопись написана въ первой половинѣ XIII вѣка.

л. 1. Διακονικὰ τοῦ βαπτίσματος.

Здѣсь указываются ектенья и молитва освященія воды, при совершеніи таинства крещенія.

л. 4. Двѣ молитвы, приписанныя позднѣйшею рукою: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐλεῆμων Θεὸς καὶ τοὺς ἐλεήμονας ἐλεῶν... и Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, ὁ εὐδοκήσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους Φίλιππον καὶ Βαρθολομαῖον ἀδελφοὺς γενέσθαι. См. выше стр. 31—32.

л. 5. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου Καيسαρείας.

Εὐχὴ, λεγόμενη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ ἀποτιθεμένων τῶν ἄρτων. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον... Goar. p. 135. Сугубая ектенья значительно разпространена и походить на сугубую ектенью литій. Εὐχὴ κατηγουμένων πρὸ τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς τοῦ Μεγάλου Βασιλείου. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν... p. 138. Χρὴ γινώσκειν, ὅτι ἀπὸ τῆς δ'. μεσονηστήμου λέγεται ἡ διπλοκατηγουμένη... Εὐχὴ πιστῶν α'. τοῦ Μεγάλου Βασιλείου μετὰ τὸ ἀπλωθῆναι τὸ εἰλητόν. Σὺ Κύριε, κατέδειξας ἡμῖν... p. 138. Послѣ возгласа: Ἐξαίρετως, ὁ διάκονος τὰ δίπτυχα τῶν θανόντων. Τῶν ἁγίων ἀσωμάτων Μιχαήλ καὶ Γαβριήλ καὶ πασῶν τῶν ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων καὶ па-

νευφήμων ἀποστόλων τῶν δώδεκα καὶ τῶν ἑβδομήκοντα, τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου, τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Μελετίου τοῦ νέου καὶ τοῦ ἀγίου τοῦδε, ὃ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν... Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου. Λέγει τρίς. Δόξα τῷ πληροῦντι τὰ πάντα Θεῷ ἡμῶν πάντοτε. Καὶ εὐθὺς αἶρει τὰ ἅγια, λέγων· Νῦν καὶ αἰεῖ... Ὁ λαός· Πληρωθήτω τὸ στόμα ἡμῶν... Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ¹⁾. Θυσίαν αἰνέσεως καὶ λατρείαν εὐάρεστον ²⁾ τὴν λογικὴν καὶ ἀναίμακτον θυσίαν προσδεχόμενος...

π. 31. Εὐχαὶ τοῦ λογιχοῦ.

Ἦδη τοῦ διακόνου φορέσαντος καὶ τοῦ χαλκοῦ κρούσαντος, ἐξελθὼν ὁ διάκονος καὶ στάς ἔμπροσθεν τοῦ ἱεραστοῦ, ποιήσας γ'. προσκυνήσεις, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Εἶτα ὁ ἐκκλησιάρχης· Δεῦτε προσκυνήσωμεν... Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει τὴν πρώτην εὐχὴν τοῦ ἀντιφώνου· Κύριε οἰκτίρμον καὶ ἐλεῆμον, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε... *Goar. p. 28.* Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνῶθεν и т. л. вся великая ектенья. *Послѣ возгласа о лаосѣ* Ἀμήν. Καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τὸν λαόν, λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ ἀντιφώνου· Κύριε μὴ τῷ θυμῷ σου... *p. 28.* Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, μνήσθητι ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν... *p. 28.* Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εὐχὴ πρὸ τοῦ Κύριε ἐκέκραξα· Ἐσπέρας καὶ πρωτὶ καὶ μεσημβρίας... *p. 31.* Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εὐχὴ ἀπὸ τοῦ Ἐκ βαθέων ἐκέκραξα· Ὁ τοῖς ἀσιγήτοις ὕμνοις καὶ ἀπαύστοις δοξολογίαις ³⁾... *p. 29.* Εἶτα ἐξελθὼν θυμιᾷ τὸν λαόν, καὶ εἰς τὸ θεοτοκίον εἰσοδεύει μετὰ θυμιατοῦ, λέγει δὲ ἔνδον, κλίνει γόνυ, τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογημένη ἡ εἰσόδος τῶν ἀγίων σου, Κύριε, σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ, καὶ ἀγαθῷ, καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ αἰεῖ... Ὅταν δὲ μέλλει εἰσελθεῖν ἐν τῷ βήματι, λέγει ὁ διάκονος· Σοφία, ὀρθοί. Εἶτα ὁ λαός· Φῶς ἱλαρόν. Ἐπᾶν δὲ τοῦτο πληρωθῇ, λέγει ὁ διάκονος (ὁ ἱερεὺς)· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Εἶτα τὸ προκείμενον. Τούτου τελεσθέντος, εἰ μὲν ᾧσι προφητεῖται, λέγονται, εἰ δ' οὐκ εἰσί, λέγει ὁ

¹⁾ Въ Илитаріѣ XIII в. тойже библ. № 712 эта молитва надписывается такъ: Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος τοῦ Μεγάλου Βασιλείου. ²⁾ Тамъ же ἀπρόδεκτον. ³⁾ Возгласа нѣтъ.

διάκονος τὴν ἐκτενήν, ὄντος τοῦ ἱερέως ἐν τῷ βήματι· Εἴπωμεν πάντες... 'Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. 'Εξ ὅλης ψυχῆς... Κύριε παντοκράτωρ... 'Ελέησον ἡμᾶς κατὰ τὸ μέγα ἔλεος.. Καὶ τοῦ λαοῦ λέγοντος τὸ Κύριε ἐλέησον, ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν τῆς ἐκτενοῦς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἰκεσίαν... Goar. p. 56. 'Ὁ διάκονος· 'Ετι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ Ἰεσῶν, εὐμενῇ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν φιλόανθρωπον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν... 'Υπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βαλέων κράτους, νίκης, διαμονῆς... 'Υπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητος ὑγείας, σωτηρίας... 'Εν ταῦθα μνημονεύεις ζῶντας, οὓς θέλεις. 'Υπὲρ ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφύσεως τῶν ἁμαρτιῶν πάντων... 'Υπὲρ τῶν εὐσεβεῖ τῇ μνήμῃ γενομένων βασιλέων ἡμῶν... 'Υπὲρ τῶν προαναπαυσασμένων πατέρων, ἡγουμένων καὶ ἀδελφῶν... 'Ετι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν ἀπολειφθέντων καὶ ἐν ἀποδημίαις ὄντων, ἰάσεως τῶν ἐν ἀσθενείαις κατακειμένων, ὑπὲρ κοιμήσεως ἀνέσεως καὶ μακαρίας μνήμης, ἀφύσεως ἁμαρτιῶν πάντων τῶν προκεκοιμημένων... Conf. Goar. p. 32—33. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν ἐκφώνησιν· 'Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Εἶτα Καταξίωσον, Κύριε, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος τὴν συναπτὴν· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... 'Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ μετὰ τὸ Καταξίωσον· 'Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψίστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθνασίαν. Goar. p. 29. Πληρώσωμεν τὴν ἐσπερινὴν δέησιν κ. τ. λ. 'Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνως· 'Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εἰρήνην πᾶσιν. 'Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... 'Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοῦς... Goar. p. 32. 'Εκφώνησις· Εἴη τὸ κράτος τῆς βασιλείας σου εὐλογημένον καὶ δεδοξασμένον τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως τῶν ἐσπερινῶν εὐχῶν· 'Υπεράγαθε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας τὴν ἡμέραν πρὸς ἐσπέραν καὶ δοὺς ἡμῖν ἐντροφεῖσθαι τῆς περὶ πάντα διηκουμένης σοφίας σου·—Αὐτὸς Δέσποτα, πρόσδεξαι τὴν δέησιν ἡμῶν, ὡς θυμίαμα ἐνώπιόν σου, καὶ μὴ ἐπιδυέτω ἐπὶ τῷ παροργισμῷ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν ὁ τῆς δικαιοσύνης σου ἥλιος, ἀλλ' ἄνες ἡμῖν καὶ συγχώρησον τῇ πρεσβείᾳ τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, εἰρήνευσον τὴν ζωὴν ἡμῶν, εὐπρόσδεκτον ποιήσον τὴν δέησιν ἡμῶν καὶ μνησθῆτι πάντων τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν καὶ τῆς βασιλείας σου πάντας ἡμᾶς καταξίωσον. Слнч. выпе сгр. 25. Μετὰ τὸ ἀπολυτίκιον λέγει ὁ διάκονος· Σοφία. 'Ὁ λαός· Εὐλογητὸς ἅγιος. 'Ὁ ἱερεὺς· 'Ὁ ὢν εὐλογητὸς Χριστὸς ὁ Θεὸς πάντοτε. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως

τῶν ἀποδείπνων· Παντοκράτωρ Δέσποτα, ὁ τὸ μέτρον τῆς ἡμέρας συμπληρώσας καὶ τὸ σκότος θέμενος ἐπὶ συστάσει τῆς νυκτός, ἐν ᾗ τὴν τῆς σαρκὸς ἡμῶν ὀρίσας ἀνάπαισιν, πάριδε καὶ παραχώρησον τὰ πλημμεληθέντα ἡμῖν ἐκουσίως ἢ ἀκουσίως κατὰ τε νοῦν καὶ λόγον καὶ πράξιν, καὶ μνησθητι τῶν ἀπάντων ἀδελφῶν ἡμῶν πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, χαριζόμενος ἡμῖν ὕπνον φαντασιῶν πονηρῶν ἐλευθερον, ἐννοιῶν ἀγαθῶν ἐμπεπλησμένον τῇ θείᾳ σου χάριτι, ἵνα, ὑπνώσαντες ἐν εἰρήνῃ καὶ ἀναστάντες ἐν ἀγαλλιάσει, τὴν ὀφειλομένην σοι εὐχαριστίαν ἀναπέμψωμεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

λ. 37 ὁβ. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Ἀπὸ τοῦ ἐξαφάλλου τὰ γραφθέντα διακονικὰ τὸ ἑσπέρας, μετὰ γοῦν τὴν χάταρξιν τοῦ Θεοῦ Κύριος, εὐθύς λέγει τὰς εὐχὰς ὁ ἱερεὺς· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῷ ἐξαναστήσαντι ἡμᾶς... *Gloss.* p. 39. Εὐχὴ ἀντιφώνου δευτέρου· Ἐκ νυκτός ὀρθρίζει τὸ πνεῦμα ἡμῶν πρὸς σέ ὁ Θεός... p. 39. Εὐχὴ ἀντιφώνου τρίτου· Ἐκ νυκτός ὀρθρίζει τὸ πνεῦμα ἡμῶν πρὸς σέ ὁ Θεός, διότι φῶς τὰ προστάγματά σου... p. 40. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ἔτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Εἰρήνῃ πᾶσι. Μετὰ δὲ τοὺς ἀναβαθμούς καὶ τὸ προκείμενον, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι ἅγιος εἷ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ἐἵτα λέγει τὸ Πᾶσα πνοή... Δεγομένου δέ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ εὐαγγελίου· Ἐλλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν, Δέσποτα... p. 41. Ἐκφώνησις λέγεται ἀπὸ τοῦ β'. καθίσματος· Ὅτι σὺ εἷ ὁ φωτισμὸς καὶ ἁγιασμὸς, καὶ σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Μετὰ γοῦν τὴν ἐκφώνησιν, τὸ Πᾶσα πνοή, τὸ εὐαγγέλιον, καὶ ὁ Ν'. μεθ' ὃ, ψαλλομένου τοῦ πεντηχοστοῦ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ πεντηχοστοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄφεςιν... p. 42. Ἐκφώνησις· Ἐλέει καὶ φιλοανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Εὐχὴ ἀπὸ γ'. ᾠδῆς· Δέσποτα ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος καὶ ἀκατάληπτος, ὁ εἰπὼν ἐκ σκότους φῶς λάμψαι... p. 40. Ὁ διάκονος· Ἔτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρμῶν ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εὐχὴ ἀπὸ δ'. ᾠδῆς· Ἀγαθῶν θησαυρὲ πηγῆς ἀενάου, Πάτερ ἅγιε... p. 40. Ἔτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Σὺ γάρ εἷ ὁ βασιλεὺς τῆς εἰρήνης καὶ σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Εὐχὴ ἀπὸ θ'. ᾠδῆς· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς ὑποστησάμενος δυνάμεις... pag. 42. Ἔτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὅτι σὺ αἰνοῦσαι πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν οὐρανῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εἰρήνῃ πᾶ-

σι. Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς πάλιν· Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. Ὁ λαὸς τὸ αὐτό. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς στίχον α'. Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Καὶ πάλιν ὁ λαός· Ἅγιος Κύριος... Εἶτα στίχος β'. Καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς λαούς. Καὶ πάλιν· Ἅγιος Κύριος. Ὁ λαὸς τὸ τέλος αὐτοῦ, εἶτα καὶ ὁ ἱερεὺς, εἶτα οἱ αἱνοῦντες. Εὐχὴ τοῦ Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ. Αἰνοῦμεν καὶ ὕμνοῦμεν, καὶ εὐλογοῦμεν, καὶ δοξάζομεν καὶ εὐχαριστοῦμέν σοι, ὁ Θεός... p. 42. Πληρουμένου δὲ τοῦ Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ, λέγει ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν ἐωθινὴν δέησιν... κ. τ. λ. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὁμῶν. Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος εὐχεται· Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τῷ παντεφόρῳ ὄμματι ἐπιβλέπων ἐπὶ πᾶσαν τὴν κτίσιν. Goar. p. 44. Σὸν γὰρ ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν ἡμᾶς. Εἶτα λέγει τοῦ στίχου τὰ στιχηρά, Δόξα καὶ νῦν. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Δημιουργὲ τῶν ἀπάντων Κύριε, ὁ ἀνάγων ἡμᾶς ἀπὸ τῆς ἀναπαύσεως τῆς νυκτὸς καὶ τῇ δοξολογίᾳ στηριξας καὶ φαιδρύνας, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν, μὴ λογιζόμενος τὰ παραπτώματα ἡμῶν ταῖς πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, εἰρήνευσον τὴν ζωὴν ἡμῶν, εὐπρόσδεκτον ποιήσον τὴν δέησιν ἡμῶν καὶ τῆς βασιλείας σου πάντας ἡμᾶς καταξίωσον, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Μετὰ τὸ ἀπολυτικίον ἢ ἐκτενὴ· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεος. Ἐγράφησαν ὀπισθεν εἰς τὰς εὐχὰς τοῦ ἐσπερινοῦ. Μετὰ γοῦν τὴν πληρωσιν τῆς ἐκτενῆς, ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιάνθρωπος Θεός... Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς Χριστὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε... καὶ ἀπόλυσις.

1. 44. Τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Ν'. ἀκολουθία εἰς τὴν γονυκλισίαν.

На „Господи воззвах“ четыре стихирь: Τῶν ἀποστόλων χορός... Τοὺς ἀγραμμάτους μαθητάς... Γλώσσαις πυρίναις ἀπλανῶς... Διασπαρέντες ἐν τῇ γῇ... Ὁ ἱερεὺς τὴν α'. εὐχὴν εἰς ἐπήκουον· Ἀχραντε, ἀμίαντε, ἀναρχε... p. 597. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν πρώτην εὐχὴν τοῦ λυχνικοῦ· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Δέσποτα... p. 598. Вторая молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ τὴν σὴν εἰρήνην δεδωκώς... p. 599. Κύριε, Κύριε, ὁ ῥυσάμενος ἡμᾶς ἀπὸ παντός... p. 600. Третья молитва и прибавочная къ ней, что у Goar. p. 600—602. Πληρώσωμεν τὴν ἐσπερινὴν δέησιν... κ. τ. λ. Καὶ ἐὰν ἐστὶ διάκονος, λέγει τὰ διακονικά, τὰ γραφέντα τρεῖς καὶ τετράκις, ἕως οὗ ἐκτελέσῃ ὁ ἱερεὺς τὰς ἀνωθεν γεγραμμένας εὐχὰς, ἔπειτα λέγει τὴν ἐκφώνησιν, ἔπειτα λέγει τὴν εὐχὴν τῆς κεφαλοκλισίας, καὶ οὕτως φάλλονται τὰ στιχηρά· μὴ ὄντος δὲ διακόνου, ἅμα τὸ εἰπεῖν ὁ ἱερεὺς τὰ διακονικά καὶ τὴν ἐκ-

φωνησιν, λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τῆς κεφαλοκλισίας, μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν καὶ τὴν ἐκφώνησιν φάλλονται τὰ στιχηρά. Ψαλλομένων δὲ τῶν στιχηρῶν λέγει τὰς εὐχὰς ταύτας ὁ ἱερεὺς τῆς ἀπολύσεως μουσικῶς· Σὸν ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μουστήριον... Coar. p. 601—602. Ἐπισυνάπτει καὶ ταύτην μετὰ τῆς ἀπολύσεως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανάσιον... p. 602. Ἐκφωνήσας· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται μουσικῶς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοῦς. pag. 603. Εἴη τὸ κράτος τῆς βασιλείας σου... Стихиры на стиховнѣ, что нынѣ, но на Слава и нынѣ—„Царю небесный“. Εἰς δὲ τὴν ἀπόλυσιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἡ χάρις καὶ ἡ βοήθεια τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ Πνεύματος ἔσται μεθ' ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

л. 57. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ κατὰ μῆνα Αὐγούστου.

Ἀρχεται ὁ ἱερεὺς φορεμένος οὕτως· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Καὶ εἴθ' οὕτως οἱ φάλλται ἄρχονται φάλλειν τὰ τροπάρια ταῦτα ἄργα μεγάλ. ἦχος βαρύς· Ἅγιοι μάρτυρες οἱ καλῶς ἀθλήσαντες... Εἴτα μεγαλοφώνως ταῦτα, ἦχος πλ. β'. Ἡ τὸ χαῖρε... Ἀνυμνοῦμεν τὸν Υἱόν σου... Βασιλέων, προφητῶν... Τῇ γενῶν σὺ σωτηρία καὶ προστάτης πέλεις μόνον... Δὸς Χριστέ μου... Ἐπὶ σέ μου... Ζώωσόν με... Ἡ τὸν κτίστην... Θεοτόκε ἡ τεκοῦσα... Ἰλεῶν μοι... Κατὰ χρέως ἐχβοῶμέν σοι... Λύεις πάντων ὀφλημάτων, Θεοτόκε, τὰς σειράς μου, πκνύμνητε Δέσποινα, τῷ πόθῳ, τῷ σῶ ναῶ νῦν προστρέχοντι. Μόνη ὄντως καὶ ἐν γῇ καὶ ἐν θαλάσῃ ἀνεδείχθης ἀγνή, σκέπη ἄρρηκτος τῶν προστρεχόντων ἐν σοὶ ἀδιστάκτῳ ψυχῇ.—Νοσημάτων... Ἐένον θαῦμα... Ὁ ναός σου... Παναγία Θεοτόκε... Ῥίζαν πλάνης οἱ ἀπόστολοι τεμῶντες πολυθέου, σὲ Θεὸν ἐκήρυττον, τὸν ἀναστάντα ἐκ τάφου τριήμερον.—Σῶσον πάντας... Τίς προστρέχων... Ὑπερτέρα τῶν πταισμάτων ὑπάρχεις, Παναγία, λιμένα σε ἔχομεν, ἐκ πάσης βλάβης ἐχθρῶν φυλαχθεῖμεν.—Φεῖσαι φεῖσαι, τοῦ λαοῦ σου, Θεοτόκε, τοὺς πιστῶς σε τιμῶντας, πανάχραντε, καὶ σῶσον ἡμᾶς ἁγία, θεόνομφε.—Χαῖρε ὄρος... Ψάλλοντές σοι ἐχβοῶμέν σοι, τὸ χαῖρε μὴ παρίδῃς τοὺς δούλους σου, Δέσποινα, ἀλλὰ βοήθησον καὶ σῶσον, πκνύμνητε.—Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν... Ὡ Παρθένε τῶν πενθούντων χαρμοσύνη, ἀπὸ ζάλης ἐχθρῶν ῥυσμένη με, σεισμοῦ, λιμοῦ τε τοὺς δούλους σου φύλαττε. Εἴτα ἀρχεται ὁ ἱερεὺς τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο δυνάμει... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ

τοῦ καταπεμφθῆναι τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐπ' αὐτὸ καὶ ἀγιαῖσαι, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαινῆσαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τὸ φῶς τῶν καρδιῶν ἡμῶν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκέψαι ἐξ οὐρανοῦ ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ ὑψίστου... Ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων... Ὅπως ὁ Θεὸς ἡμῶν ἀναδείξῃ ἡμᾶς υἱοὺς καὶ κληρονόμους... Ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς παρὰ σου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Πρόσχωμεν. Ὁ δὲ ἱερεὺς τὰς εὐχὰς ταύτας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστὸς τοῖς ἔργοις... Goar. p. 361. Καὶ τῶν ἁγίων καὶ δικαίων ἐπτὰ Μακκαβαίων, Ἐλεαζάρου ἱερέως καὶ Σολομονίδος, ὧν καὶ ἁγιασμὸς ἐν τῇ μνήμῃ αὐτῶν σήμερον ἐκτελεῖται. Καὶ εὐθὺς λέγει ταύτην τὴν εὐχὴν συνηνωμένως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ μεγαλύνωμος, ὁ ποιῶν θαυμάσια πολλὰ ἐνδοξά τε καὶ ἀνεξιχνίαστα, ὧν οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς, ἐλθέ, παρακαλούντων ἡμῶν, Δέσποτα Κύριε, καὶ κατὰπεμψον τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἐπὶ τὸ ὕδωρ τοῦτο, καὶ ἁγιάσον τὸ διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ παναγίου καὶ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος, ὥστε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν ἐξ αὐτοῦ εἰς παθῶν ἀπαλλαγὴν, εἰς ἁμαρτημάτων ἄφεσιν, εἰς ἀπολύτρωσιν παντὸς ἐναντίου, εἰς ἔλεον καὶ οἰκτιρμοὺς τῆς σῆς ἀμέτρου φιλανθρωπίας. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία... Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου p. 362 καὶ ἐπισυνάπτει καὶ ταύτην τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως... p. 363. Καὶ εὐθὺς ραίνει εἰς τὸ ἁγίασμα ἐπὶ τὸν λαὸν μετὰ τοῦ βαπτίσαι τὸν τίμιον σταυρόν, ἧ τὸ ἅγιον πνεῦμα¹⁾, φάλλοντες τὸ Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν σου. Εἴτα παρέρχεται τὸ μοναστήριον, ἀγιάζων μετὰ τοῦ σταυροῦ καὶ τοῦ ἁγιάσματος, μετὰ δὲ τὸ ὑποστραφῆναι, γίνεται μικρὰ ἐκτενὴ καὶ ἀπολύει.

λ. 63. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Μετὰ τὸ εἰπεῖν ὁ ἱερεὺς τὴν ὀπισθάμβωνον, οὗ λέγομεν τὸ Εἶη τὸ ὄνομα... ἀλλὰ εὐθὺς ἀπάρχεται ὁ ἱερεὺς τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Φωνὴ Κυρίου... Καὶ τοῦτο φάλλοντες δις καὶ τρίς, ἐξερχόμεθα ἐν τῇ φιάλῃ, καὶ δίδοται· Σοφία, καὶ λέγει ἀναγνώσματα τρία τῆς προφητείας. Μετὰ δὲ τὴν πλήρωσιν τῶν ἀναγνωσμάτων, ποιεῖ ὁ διάκονος συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῆς ἁγίας μονῆς... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι ἄγγελον Κυρίου καὶ ἀγιαῖσαι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ ἐπιφοιτήσει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι ὑπὸ λυτήριον πταισμάτων... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι τοῖς ὕδασι τούτοις τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐ-

¹⁾ Разумѣтся деревянное или металлическое подобіе голубя.

λογίαν τοῦ Ἰορδάνου τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς τῇ μεταλήψει τῶν ἀγίων ὕδατων τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὁδοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ἀγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ ἐπιφοιτήσει τοῦ ἀγίου Πνεύματος καὶ ἀναδειχθῆναι, ὡς τὰ Ἰορδάνεια ρεῖθρα τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἀφθαρσίας πηγῇν, ἀγιασμοῦ δῶρον, ἀμαρτημάτων λυτήριον, νοσημάτων ἀλεξήτήριον, πάσης ὁρατῆς καὶ ἀοράτου δυνάμεως καὶ ἐπιβουλῆς ἀποτρόπαιον τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ φυλακτήριον καὶ ἀγιασμὸν οἰκῶν καὶ πρὸς πᾶσαν ὠφέλειαν ἐπιτήδειον τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ τοῖς χριστένοισι ἐξ αὐτῶν πίστει καὶ μεταλαμβάνουσιν εἰς καθαρισμόν μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος τοῦ... Ὑπὲρ τῶν ἀντλούντων καὶ ἀρρομένων εἰς ἀγιασμὸν ψυχῶν καὶ σωμάτων τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ρυθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Αὐτῆς δὲ τῆς συναπτῆς ὑπὸ διακόνου λεγομένης, ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται μυστικῶς· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός... Молитвы, что у Гоара р. 368—371, но безъ молитвы патриарха Софронія. Εἴτα ταῖς χερσὶ λαβὼν τὸν σταυρὸν βαπτίζει, ἐκφωνῶν οὕτως· Σὺ γὰρ εἶ ὁ ἀγιασμὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί... Καὶ τοῦ ἱερέως ῥαντίζοντος τὸν λαὸν τῷ ἁγίῳ ὕδατι, ἄρχονται οἱ ψάλται τροπάριον, ἦχος α'. Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτίζομένου... Καὶ τούτου φαλλομένου ἐκ τρίτου, ἢ μᾶλλον εἰπεῖν, καὶ πολλάκις, διὰ τὸ πληρῶσαι τὸν ἀγιασμὸν ἐν τῇ ψάλλῃ, εἰσελθόντος ἐν τῷ ναῷ, ἄρχονται ἕτερον τροπάριον, ἦχος δ'. Σήμερον Τριάς ἐν μονάδι... Εἴτα γίνεται ἡ ἐκτενή· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὅτι ἐλεήμων... Εἴτα δίδοται ἡ εὐλογία, λεγόντων ἡμῶν τὸ Εὐλογήσω τὸν Κύριον, καὶ ἀπολύει.

л. 68. Εὐχὴ εἰς τεκνοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἡγαπημένου παιδὸς σου, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τέχνα Θεοῦ καλέσας ἡμᾶς... Goar. p. 561.

л. 68 об. Εὐχὴ εἰς γυναικα λεχοῦσαν, μέλλουσαν ἔρχεσθαι ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τῶν μ'. ἡμερῶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ. Goar. p. 267.

л. 69. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιᾶσαι παιδίον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις ταῖς τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν... Прилож. къ „Богосл. въ русск. ц. въ XVI в. “ стр. 19.

Послѣ троекратнаго сочетаванія со Христомъ и поклоненія Ему, священникъ читаетъ молитву: ¹⁾ Δέσποτα ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦ-

¹⁾ Такъ какъ чинъ изложенъ кратко въ рукописи, то сдѣлана вставка, написанная на 8 бумажныхъ листахъ почеркомъ конца XVI

λόν σου πρὸς τὸ ἅγιον βάπτισμα... p. 281 и молитву на постриженіе.

л. 83. Εὐχή εἰς τὸ ἀποκουρεῖσαι παιδίον... Goar. p. 306, но постриженіе совершается послѣ первой молитвы.

л. 84. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰρὸν ἢ ἀκάθαρτον ἐμπεσεῖν ἐν τινι προσφάτως εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

л. 85 об. Εὐχή εἰς σκεῦος μιανθέν.

л. 86. Εὐχή ἐπὶ φρέατος μιανθέντος.

л. 86 об. Εὐχή ἐπὶ μιароφαγησάντων.

л. 87. Εὐχή εἰς ἀρχὴν σπόρου.

л. 87 об. Εὐχή ἐπὶ θέρους.

л. 88. Εὐχή ἐπὶ τρώγης καὶ εἰς εὐλογίαν βουτίου.

л. 88 об. Εὐχή ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

л. 89. Εὐχή ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

л. 89 об. Εὐχή ἐπὶ εὐλογίαν οἴκου.

— Εὐχή ἐπὶ ἀνομβρίας.

л. 90. Εὐχή ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

л. 90 об. Εὐχή ἐπὶ σειсмоῦ.

л. 100. Εὐχή ἐπὶ ἀποδημούντων.

л. 100 об. Εὐχή ἐπὶ τῶν ἐν ἐπιτιμίαις ὄντων.

л. 101. Εὐχή ἐπὶ φυτευομένου ἀμπελῶνος.

л. 101 об. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι δίκτυα.

— Εὐχή εἰς πλοῦον.

л. 102. Εὐχή εἰς ὕπνον τῶν ἁγίων ἐπτά παίδων εἰς τοὺς ἀσθενούντας καὶ μὴ ὕπνουντας.

л. 103 об. Апостольскія и евангельскія чтенія (различнымъ) общимъ святымъ.

л. 112. Утреннія воскресныя евангелія, начиная съ конца третьяго.

л. 120. Ἀκολουθία εἰς μυστρα.

Кольца для обрученія употребляются серебрянное (ἀργυροῦν), или золотое (χρυσόν), или желѣзное (σιδηροῦν). Чинъ состоитъ изъ краткой великой ектеты и двухъ первыхъ молитвъ нынѣшняго чина Goar. p. 311, при чемъ обрученіе совершается послѣ первой молитвы. Поцѣлуемъ жениха невѣстѣ чинъ оканчивается.

или начала XVII вѣка, съ подробнымъ изложеніемъ чина крещенія, который, впрочемъ, ничего особенно интереснаго не заключаетъ въ себѣ.

λ. 121. Ἀκολουθία εἰς εὐλόγησιν γάμου.

Εἰσερχονται εἰς τὸν ναὸν οἱ συναπτόμενοι, καὶ θυμῶν ὁ ἱερεὺς ποι-
εῖ τὴν ἀρχήν· Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Καὶ ψάλ-
λουσι τὸν ρκζ'. φαλμόν. Καὶ τούτου ἀδομένου, ἐξέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς
τοὺς νυμφίους καὶ θυμῶ τούτους, καὶ δοῦλάουσι οἱ ψάλται, εἰσοδεύοντος
τοῦ ἱερέως, ἀκολουθούντων τῶν νυμφίων ἄχρι τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ πα-
ρίστανται ὁ μὲν ἀνὴρ εἰς τὸ δεξιὸν μέρος, ἡ δὲ γυνή εἰς τὸ ἀριστερόν,
καὶ ἐπιδίδει αὐτοῖς ὁ ἱερεὺς κηρία ἄπτοντα πρὸς ἓνα, καὶ λέγει τὴν συ-
ναπτήν· Ἐν εἰρήνῃ.. Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ
τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ πάσης ἐπισκοπῆς... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων...
Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ εὐχασίας... Ὑπὲρ
πλεόντων... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα
καὶ ἡ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐ-
λογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐ-
τοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ πα-
ρασχεθῆναι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Καὶ στρα-
φεῖς ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τὰς κεφαλὰς τῶν συναπτομένων καὶ λέγει· Πρό-
σχωμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἀνθρωπον... p. 317. Καὶ στε-
φανοῖ πρῶτον τὸν ἀνδρα, λέγων· Στέφεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα
εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξη καὶ τιμῇ ἐστεφά-
νωσας αὐτὸν καὶ ἔθνηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ... εἰς αἰῶνα αἰῶνος.
Ἐἵτα στεφανοῖ καὶ τὴν γυναῖκα, λέγων· Στέφεται ἡ δούλη τοῦ Θεοῦ ἡ
δεῖνα u т. д. 1) καὶ συμπλέκων τὰς δεξιὰς αὐτῶν χεῖρας, λέγει ὁ ἱερεὺς·
Παράλαβε αὐτὴν ἐκ ναοῦ Κυρίου. Καὶ αὐθις σφραγίζει τὰς κεφαλὰς αὐ-
τῶν ἐκ γ'. λέγων οὕτως· Ὁ Πατὴρ εὐλογεῖ, ὁ Υἱὸς στεφανοῖ, τὸ Πνεῦμα
τὸ ἅγιον ἀγιάζει. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε
ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν σωτηριῶδει... p. 318. Послѣ „Отче нашъ“ ὁ
ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις... Ὁ λαός· Εἰς
ἅγιος... Κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου. Καὶ μετὰ τὸ ψάλλειν αὐτό, λέ-
γει· Δόξη καὶ τιμῇ... Καὶ μεταδίδει ἀμφοτέροις τοῦ τιμίου σώματος καὶ
αἵματος, καὶ πάλιν ἐκ τοῦ κοῖνου ποτηρίου πρῶτον πίνειν τὸν ἀνδρα, δεύ-
τερον καὶ τὴν γυναῖκα, τρίτον καὶ πάλιν τὸν ἀνδρα ὅλον. Εὐχὴ τοῦ πο-
τηρίου 2)· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας... p. 319. Καὶ μετὰ τὸ ποτίσαι

1) Тоюже рукою, что выше, написаны апостолъ и евангеліе на вставочномъ листѣ. 2) Здѣсь четыре вставочныхъ листа изъ другаго чина брака тойже руки. Чинъ иной редакціи.

αυτούς, λέγει ὁ ἱερεὺς οὕτως· Ὁ τὸ δωδεκάφυλον τοῦ Ἰσραὴλ εὐλογήσας, Αὐτὸς ἔνωσον καὶ διαφύλαξον τοὺς δούλους σου τούτους ἀπὸ πάσης ἐπηρείης τοῦ πονηροῦ. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν αὐτό, τζακίζει τὸ ποτήριον ὁ ἱερεὺς λέγει· Ζῆς, νεόγαμε, ἡ Τριάς ἡ ἀγία φυλάξει σε. Εἴτα ἀναλαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ κηρία ἐκ τῶν χειρῶν αὐτῶν καὶ ἐπιδίδει αὐτὰ τινὶ τῶ πορεύεσθαι ἔμπροσθεν αὐτῶν. Καὶ εὐθὺς ἐκφωνεῖ· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ σφραγίζει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς, λέγων οὕτως· Χαίρετε ἐν Κυρίῳ... *Красносельцевъ. Свѣд. о мѣсотор. литург. ркп. Ватик. библ. стр. 106.* Καὶ εὐθὺς ἐξέρχονται ἀπὸ ἁγίου ναοῦ.

л. 130 об. Апостольскія и евангельскія чтенія отъ Пасхи до Пятидесятницы и на 14 и 23 сентября. Конецъ рукописи нѣтъ.

XVIII. № 719. Илитарій Патмосск. библ. на пергаментѣ, содержащій въ себѣ полный чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста съ чиномъ проскомидіи, писанъ вязанною скорописью XIII вѣка¹⁾. Въ началѣ Илитарія замѣтны слѣды изображенія св. І. Златоуста.

Μετὰ τὸ πληρῶσαι τὰς ὥρας τὸν ἱερέα, εἶπερ θέλει λειτουργῆσαι, ἀπέρχεται εἰς τὰ ἅγια θυρία καὶ ποιεῖ μετανοίας γ'. καὶ ἀσπάζεται τὰς ἀγίας εἰκόνας, καὶ λέγει· Βασιλεῦ οὐράνιε ἐκ γ'. εἶθ' οὕτως λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην μετὰ κατανύξεως καὶ φόβου Θεοῦ· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῖς χερουβὶμ ἀθεώρητος καὶ τοῖς σεραφὶμ ἀκατάγνωστος, καὶ πάσαις ταῖς ἐπουρανίαις δυνάμεσιν ἀπρόσιτος, ὁ τῇ σῇ ἀφράστῳ φιλανθρωπίᾳ καὶ ἀνεξιχνιάστῳ ἀγαθότητι σεαυτὸν τῇ ἡμετέρᾳ πτωχείᾳ καὶ ταπεινώσει ἐνώσας, καὶ τὸν τῆς ἱερωσύνης κανόνα ἡμῶν τοῖς ἁμαρτωλοῖς καὶ ἀνάξις δούλοις σου χαρισάμενος·—Αὐτὸς ὡς ἀγαθὸς καὶ πολυέλεος, ἐνίσχυσόν με, φιλάνθρωπε Σωτέρ μου, εὐτρεπίζεσθαι μέλλοντα ἐπὶ τὴν τῆς θείας χάριτος ἐγχειρισθεῖσάν μοι διακονίαν. Οὐ γὰρ εἰς τὴν ἐμὴν δύναμιν ἢ καθαρότητα θαρρῶν προσέρχομαι εἰς τὴν φοβερὰν καὶ φρικτὴν παράστασιν τοῦ ἁγίου σου θυσιαστηρίου, ἀλλὰ θαρρῶν εἰς τὸ ἄπειρον πέλαγος τῆς εὐσπλαγχνίας σου· οὐ γὰρ νικήσουσιν αἱ ἁμαρτίαι μου τὸ πλήθος τῶν οἰκτιρμῶν σου. Διὸ δεόμαί σου, Δέσποτα φιλάνθρωπε, ἔνδυσόν με, τὸν ἀνάξιον δοῦλόν σου, τὴν ἱερατικὴν ταύτην στολὴν καὶ χάριν τοῦ θείου καὶ παναγίου σου Πνεύματος· φώτισόν μου τὰ τῆς δικνοίας ὄμματα εἰς

¹⁾ Саккеліонъ безъ достаточныхъ основаній относитъ этотъ Илитарій къ XVI в. (Патмιακὴ βιβλιοθήκη Ἀθῆν. 1890, σελ. 277).

τὸ ἐνοπριίζεσθαι με τῆς χάριτός σου τὴν λαμπρηδόνα, τράνωσόν μου τὴν γλῶσσαν τοῦ ἀμέμπτως ἀνυμνήσαι σε, ἀρέμβαστόν μου τὸν νοῦν διατήρησον, ἀμετέωρόν μου τὴν διάνοιαν ποίησον καὶ ὁλόκληρόν με ἐν τῷ ἁγιασμῷ σου διαφυλάξον, καὶ τὰς πρὸς σέ μου αἰτήσεις ἐκπλήρωσον. Ἁγίε Κύριε, τὴν δὲ θυσίαν μου, ὡς θυμίαμα ἄμωμον καὶ ὁλοκαύτωμα θεῖον πρόσδεξαι, καὶ παράσχου μοι τὸν γλυκασμόν τῆς σῆς ὠραιότητος, ἄγγελον δὲ φωτός, συλλειτουργοῦντα καὶ ἐνισχύοντά με, κατάπεμψον, ὅπως ἂν, ὀρθοτομήσῃς τὸν λόγον τῆς ἀληθοῦς σοφίας σου, ἄξιος καὶ τῆς μεταλήψεως τῶν ἐπουρανίων σου καὶ ἀθανάτων μυστηρίων γένωμαι, δι' αὐτῶν δὲ φωτιζόμενος ψυχῇ καὶ σώματι καταξιωθῶ καὶ τῆς τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν ἀπολαύσεως σὺν τοῖς ἐν ἀληθείᾳ ἀγαπήσασι καὶ ἐξακολουθήσασι τοῖς προστάγμασί σου. Σὺ γὰρ εἶπες, Δέσποτα· ὅτι περ ὅσα τις αἰτήσῃ ἐν τῷ ὀνόματί σου, ἀκωλύτως λήψεται παρὰ τοῦ σοῦ συναϊδίου Πατρὸς καὶ Θεοῦ.—διὸ καὶ ὁ ἁμαρτωλὸς ἐν τῇ ἐνδύσει τῆς ἱερατικῆς στολῆς τὴν σὴν ἱκετεύω θεότητα, ὅσα ὑψέαμην, ἀπόδος μοι εἰς σωτηρίαν μου, Κύριε. Ὅτι φιλάνθρωπος εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ. Ἐῖτα εἰσελθὼν εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, ποιεῖ μετανοίας γ' καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἐξελθὼν δὲ ἐκτός, ποιεῖ μετάνοιαν, λέγων· Εὐλογήσατε, πατέρες καὶ ἀδελφοί, συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ. Ἐῖτα λαβὼν τὸ στιχάριον μετὰ τῆς ἀριστερᾶς χειρὸς αὐτοῦ, ποιεῖ σταυρὸν ἐπ' αὐτό, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεί. . Καὶ ἐνδύόμενος αὐτό, λέγει· Ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχὴ μου... Ἐῖτα περιζωννύμενος τὴν ζώνην, λέγει· Περιζῶσαι τὴν ῥομφαίαν... καὶ δικαιοσύνης σου. *Goar. p. 48.* Εἰς τὰ ἐπιμάνικα λέγει· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὤψωσέ με καὶ τῷ βραχίονι αὐτοῦ τῷ ὑψηλῷ ὑπερασπισεῖ ἡμῖν. Εἰς δὲ τὸ ἐπιτραχήλιον λέγει· Πλέξαντες στέφανον ἐξ ἀκανθῶν, περιέθηκαν ἐπὶ τὸν τράχηλον αὐτοῦ, ζυγὸν δικαιοσύνης, καὶ δῆσαντες αὐτὸν ἀνήγαγον καὶ παρέδωκαν Ποντίῳ Πιλάτῳ τῷ ἡγεμόνι. Εἰς τὸ δεξιὸν φελόνιον λέγει· Οἱ ἱερεῖς σου ἐνδύσονται... Εἰς δὲ τὸ ἀριστερόν· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησαν με καὶ ἐπλασάν με. Εἰς τὸ χάλασμα· Σκέπασον ἡμᾶς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτερύγων σου. Ἐῖτα λαβὼν τὸν ἄρτον ἀπὸ τῆς προθέσεως καὶ κρατήσας αὐτὸν ἐν τῇ ἀριστερᾷ αὐτοῦ χειρὶ καὶ μετὰ πολλοῦ φόβου καὶ κατανύξεως ἄρας τὸ ὄμμα εἰς τὸν οὐρανόν, λέγων, ποιῶν πρότερον μετανοίας γ'. Ῥῦσαι, Κύριε, τὸν λαόν σου καὶ μὴ δῶς τὴν κληρονομίαν σου εἰς ὄνειδος τοῦ κατάρξει αὐτὴν ἔθνη, μήποτε εἴπωσι· ποῦ ἔστιν ὁ Θεὸς αὐτῶν. Καὶ σφραγίσας αὐτὸν ἐκ τρίτου μετὰ τῆς λόγχης, λέγει· Εἰς ἀνάμνησιν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ἐῖτα ἐμπήξας ἐν

δεξιᾷ τετραμερῶς τὴν λόγχην, λέγει· Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστὸς καὶ Θεός, ὡς πρόβατον ἐπὶ σφαγὴν ἤχθη... до конца безъ раздѣленій. Ἐἵτα χαράττων τὴν ἀγίαν μερίδα ἐντὸς τοῦ δίσκου μετὰ τῆς λόγχης στυροειδῶς, λέγει· Θύεται ὁ ἀμνὸς τοῦ Θεοῦ, ὁ Υἱὸς τοῦ Πατρὸς, ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς καὶ σωτηρίας, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου, πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἐἵτα νύσσει τὴν ἀγίαν μερίδα καὶ λέγει· Καὶ εἰς τῶν στρατιωτῶν... Καὶ λαβὼν τὸ νάμα καὶ τὸ ὕδωρ, ἐκχέει αὐτὰ ἐν τῷ κρατῇρι. Λέγει δὲ εἰς τὸν ὕδωρ· Καὶ ὁ ἐωρχκῶς μεμαρτύρηκε, καὶ ἀληθινὴ ἐστὶν ἡ μαρτυρία αὐτοῦ, καὶ ἡμεῖς πιστεύομεν καὶ ὁμολογοῦμεν, ὅτι Αὐτὸς ἐστὶν ὁ Χριστὸς ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου, πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ λαμβάνει τὸν ἀστερίσκον καὶ τίθησιν ἐπάνω τοῦ ἀμνοῦ, καὶ λέγει· Ἀστὴρ ἐφάνη ἐξ οὐρανοῦ καὶ ἐλθὼν ἔστη ἐπάνω, οὗ ἦν τὸ παιδίον. Ἐἵτα· Τῷ λόγῳ Κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν καὶ τῷ Πνεύματι τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν. Εἰς δὲ τὴν γ'.¹⁾ προσφορὰν λέγει· Πρόσδεξαι, Κύριε, τὴν θυσίαν ταύτην τῇ πρεσβείᾳ τοῦ τιμίου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου. Ἐὰν δὲ εἰς ἰ καὶ ἄλλαι προσφοραί, λέγει· Τῇ πρεσβείᾳ τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων πανευφύμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Ἀθανασίου, Κυρίλλου, Νικολάου τοῦ θαυματουργοῦ, Σπυρίδωνος, Ἀμφιλοχίου, Ἀμβροσίου, Ἐπιφανίου, Ἀβερκίου, Γρηγορίου θαυματουργοῦ, Γρηγορίου τῆς μεγάλης Ἀρμενίας, τοῦ Γρηγορίου τῶν Ἀκραγαντίνων καὶ τοῦ Γρηγορίου Νύσσης. Εἰ δὲ καὶ ἔχει καὶ ἄλλας προσφοράς, λέγει· Εἰς τὴν πρεσβείαν τοῦ κατὰ τὴν ἡμέραν ἁγίου. Ἐἵτα λέγει· Εἰς τὴν πρεσβείαν τῶν πάντων ἁγίων. Καὶ λαβὼν θυμίαμα καὶ τὸ θυμιατήριον, ὁ διάκονος προσφέρει ταῦτα τῷ ἱερεῖ καὶ λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ θυμίαμα. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει· Θυμιάμας προσφέρομεν, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰς ὁσμὴν εὐωδίας πνευματικῆς, ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν θείαν χάριν καὶ τὴν δωρεάν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ... Ἐἵτα θυμῖ τὸ πρῶτον κάλυμμα καὶ λέγει· Κύριος ἐβασίλευσεν. Εἰς δὲ τὸ δεύτερον κάλυμμα λέγει· Σκέπασον ἡμᾶς, ὁ Θεός, ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτερυγῶν σου καὶ τῷ βραχίονί σου τῷ ὑψηλῷ ὑπερασπισεῖς ἡμῶν. Ἐἵτα λαβὼν τὴν ἀγίαν ἀναφορὰν δεδιπλωμένην καὶ θυμιῶν, λέγει· Ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ καὶ τῆς συνέσεως αὐτοῦ, πλήρης ἡ γῆ. Ἀναφορὰν καὶ ὀλοκαυτώ-

¹⁾ О второй просфорѣ въ Илитаріѣ ничего не говорится.

μάτα· τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μόσχους. Εἶτα λαβὼν τὸ θυμιατήριον καὶ κατέχων αὐτὸ ἐν τῷ ἀριστερῷ αὐτοῦ ἄκρῳ δακτύλῳ, ἐπεύχεται οὕτως· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον.. Goar. p. 51. Καὶ θυμῷ τὴν πρόθεσιν καὶ τὸ ἅγιον βῆμα, τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ ἅπαν τὸ ἱερατεῖον, λέγων τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Καὶ ποιεῖ τρεῖς μετανοίας ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ καὶ λέγει· Βασιλεῦ οὐράνιε, Κύριε, τὰ χεῖλη μου. Εἶτα λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Далѣ до малаго выхода чинъ излагается обычнымъ порядкомъ. На ряду написаны и обычные литургійные антифоны. Καὶ εἰσελθόντες (т. е. послѣ входа) ὁ τε ἱερεὺς καὶ ὁ διάκονος ἐν τῷ βήματι, τίθησι τὸ μανουάλιον ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ καὶ θυμῷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν σταυροειδῶς, οἱ δὲ φάλται φάλν, λουσι τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, ἥ τοῦ κατὰ τὴν ἡμέραν ἁγίου, Δόξα τὸ κοντάκιον, καὶ νῦν θεοτοκίον. Σφραγίζει ὁ ἱερεὺς τὸν λαόν, ὁ διάκονος λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἅγιος εἷ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ὁ λαὸς Τρισάγιον. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου ταύτην· Ὁ Θεὸς ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος... p. 55. Во время пѣнія Аллилуїа, діаконъ кадитъ храмъ, а священникъ читаетъ молитву предъ евангеліемъ. Херувимской пѣсни молитва: Οὐδείς ἄξιος непосредственно слѣдуетъ за предшествующею молитвою. Во время пѣнія херувимской пѣсни, καὶ ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὴν πρόθεσιν καὶ λέγει φαλμὸν κε'. Κρῖνόν μοι, Κύριε... καὶ θυμῷ γ'. τὰ ἅγια δῶρα, λέγων· Βασιλεῦ οὐράνιε... Τῆς σοφίας ὁδηγέ. Εἶτα ἀναλαμβάνων αὐτὰ λέγει· Ὑψώσω σε, Κύριε ὁ Θεός μου. Καὶ λαμβάνει ὁ διάκονος τὸν δίσκον, καὶ ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ εἰσοδεύουσιν. Ὅταν δὲ ψθᾶσωσιν εἰς τὰ ἅγια θυρία, λέγουσιν· Ἀρατε πόλας οἱ ἄρχοντες ὑμῶν, καὶ ἐπάρθητε πόλαι... Τοῦτου δὲ λεγομένου, ἵσταται μικρόν, εἶτα εἰσερχόμενοι, λέγει· Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου. Θεὸς Κύριος καὶ ἐπεφάνη ἡμῖν. Καὶ ἀποθέμενοι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, λέγουσι· Μεγαλύνετε τὸν Κύριον. Ὡς ἐν μέσῳ τῶν μαθητῶν σου παρεγένου, Χριστέ ὁ Θεός... Εἶτα ἀσπάζονται. Καὶ ἐξέρχεται ὁ διάκονος ἐξωθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, λέγει· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν... Тропаря: „Господи иже пресвятаго Твоего Духа“ пѣтъ. Далѣ порядокъ обычный до момента причащенія св. Даровъ. Εἶθ' οὕτως (т. е. послѣ молитвы: Πρόσχες, Κύριε) προσεύχεται, ποιῶν μετανοίας γ'. καὶ θυμῷ γ'. τὰ ἅγια δῶρα. Ὅταν δὲ μέλλῃ ὑψώσειν τὸν ἅγιον ἄρτον, λέγει· Ὑψώσω σε, ὁ Θεός μου, ὁ βασιλεὺς μου, καὶ εὐλογήσω τὸ ὄνομά σου εἰς αἰ-

ὦνα τοῦ αἰῶνος. Εἶτα ἔχων τὸν ἅγιον ἄρτον εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐν τοῖς
 ἄκροις δακτύλοις, ἐκφωνεῖ ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ ἅγια τοῖς
 ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἷς ἅγιος... Ὁ δὲ ἱερεὺς, καταγαγὼν τὸν ἅγιον ἄρτον, με-
 ρίζει αὐτὸν εἰς δ'. λέγει· Μερίζεται ἡ σὰρξ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ
 Σωτῆρός μου Ἰησοῦ Χριστοῦ ἀδιαιρέτως καὶ ἀτρέπτως ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσ-
 μου ζωῆς καὶ σωτηρίας, ὁ αἵρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου, πάντοτε νῦν
 καὶ αἰεὶ... Καὶ λαμβάνει μίαν μερίδα ἐκ τοῦ ἁγίου σώματος καὶ βάλλει
 εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ λέγει· Πλήρωμα Πνεύματος. Ὁ διάκονος· Ἀμήν.
 Εἶτα κομίζει ὁ διάκονος τὸ ζέον καὶ λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ ζέον.
 Ὁ ἱερεὺς σφραγίζων λέγει· Ζέεις Πνεύματος ἁγίου. Τίθεμαι δὲ καὶ τὸ
 ζέον ὕδωρ ἐν τῷ κρατῆρι, καθὼς λέγει ὁ μέγας Βασιλεὺς, διὰ τὸ θη-
 ῶν τὴν ζέσιν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἀλλὰ καὶ Ἰωάννης ὁ Δαμασκηνὸς ἐν
 τῇ δ'. ὡδῇ τοῦ κανόνος τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς τάδε φησί· Λουτρὸν τὸ
 θεῖον τῆς παλιγγενεσίας, λόγῳ κεραννὺς συντεθειμένη φύσις, ὁμβροβλυ-
 τεῖς μοι ῥεῖθρον ἐξ ἀκηράτου, νενυγμένης σου πλευρᾶς, ὃ Θεοῦ Λόγε,
 ἐπισφραγίζων τῇ ζέσει τοῦ Πνεύματος. Ἀλλὰ καὶ ἄλλος τις τῶν ἁγίων
 τάδε φησὶν· Αἷμα καὶ πῦρ καὶ ἀτμίδα κχπνοῦ. Καὶ ἐπαίρει αὐτὸς τὴν
 ἄνωθεν ἁγίαν μερίδα ἐκ τοῦ δίσκου ἄκροις δακτύλοις τῆς δεξιᾶς χειρὸς
 αὐτοῦ καὶ εὐλαβῶς ἐγκολπωσάμενος αὐτὴν ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ χειρὶ εὐ-
 χεται λέγων· Σῶμα τίμιον, ἅγιον, δεσποτικόν, ἡγιασμένον τοῦ Κυρίου καὶ
 Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ τῷ μεταδιδομένῳ Φιλίππῳ
 τῷ ἱερομονάχῳ εἰς ἄφεισιν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. Ἀμήν.
 Εἰς ὑγίαν ψυχῆς τε καὶ σώματος. Φυλάξαι Κύριος ὁ Θεὸς τὴν ἱερο-
 σύνην σου ὅσιον, ἄσπιλον, ἀμίαντον, ἀσκανδάλιστον ἀπὸ παντὸς πονηροῦ
 καὶ κακοῦ πράγματος πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου πρεσβείαις καὶ
 ἰκεσίαις τῆς ὑπερυμνήτου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου
 Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Εἶτα κλινόμενος ἐπεύχεται, λέγων· Τοῦ
 δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ... Ἐν ταῖς λαμπρότησι τῶν ἁγίων σου, πῶς
 εἰσελεύσομαι ὁ ἀνάξιος... Εἶτα λέγει· Πιστεύω, Κύριε, καὶ ὁμολογῶ, ὅτι
 σὺ εἶ ὁ Χριστὸς ὁ Υἱὸς τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ
 καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Εἶτα λέγει· Ἐθελῶς πόθῳ με
 Σωτὴρ καὶ ἡλλοίωσας τῷ θείῳ σου ἔρωτι, ἀλλὰ κατάφλεξον πυρὶ αὐλῳ
 τὰς ἁμαρτίας μου καὶ ἐμπλησθῆναι τῆς ἐν σοὶ τρυφῆς καταξίωσον, ἵνα
 τὰς δύο σκιρτῶν μεγαλύνω, ἀγαθέ, παρουσίας σου. Εἶτα λέγει· Τὰς ἀνο-
 μίας μου πάριδε, Κύριε, καὶ τὰς ἁμαρτίας μου ἐξάλειψον, καὶ τὴν καρ-
 διάν μου καθάρισον, ναὸν αὐτοῦ ποίησον τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος. Μὴ
 με ἐξουδενώσης ἀπὸ τοῦ σοῦ προσώπου, ὃ ἀμέτρητον ἔχων τὸ ἔλεος.

Εἶτα ποιῶν μετανοίας γ'. λέγει· Βασιλεῦ οὐράνιε. Κύριε, τὸ πανάγιόν σου Πνεῦμα... Εἶτα ἐσθίει εὐλαβῶς τὴν ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἁγίαν μερίδα καὶ λέγει· Ποτήριον σωτηρίου... Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Μετὰ δὲ τὸ μεταλαβεῖν ἐκ τοῦ θείου κράματος, λέγει· Δέσποτα φιλάνθρωπε, μὴ εἰς κριμα, εἰς βάρος, μὴ εἰς κατάκριμά μοι γένωνται τὰ ἅγια ταῦτα, ἀλλ' εἰς κάθαρσιν καὶ ἁγιασμόν ψυχῆς καὶ σώματος. Γένοιτο δέ μοι, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός μου, τὸ σῶμά σου τὸ ἅγιον καὶ τὸ αἷμά σου τὸ τίμιον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν μου καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον, καὶ ἐν τῇ δευτέρᾳ σου παρουσίᾳ συναρίθμησόν με τοῖς δικαίοις καὶ ἐκλεκτοῖς σου προβάτοις. Ὅτι εὐλογητὸς εἶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Εἶτα θυμιᾷ γ'. τὰ ἅγια, καὶ λαμβάνει ὁ διάκονος τὸ ἅγιον ποτήριον, στρέφεται πρὸς τὸν λαόν, λέγων· Ὅσοι μετὰ φόβου καὶ πίστεως προσέλθετε. Καὶ μεταδίδωσι τῷ λαῷ λέγων· Εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν σου καὶ ζωὴν αἰώνιον. Μετὰ δὲ τὸ μεταλαβεῖν τὸν λαόν, σφραγίζει ὁ ἱερεὺς τὸν λαόν, λέγων· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου, καὶ ποιῶσαν αὐτούς, καὶ ἔπαρον αὐτοὺς ἕως τοῦ αἰῶνος. Καὶ οὕτως στραφεὶς εὐχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα... p. 67. Εἶτα θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ λέγει καθ' ἑαυτόν· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός, καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου. Καὶ λέγει· Πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ... Καὶ ὁ λαός· Πληρωθήτω τὸ στόμα μου... *Послѣ заамвонной молитвы, ὁ λαός· Εἶη τὸ ὄνομα Κυρίου... γ'.* Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ Κυρίῳ τῇ αὐτοῦ χάριτι καὶ φιλάνθρωπίᾳ. Ὁ λαός· Εὐλόγησω τὸν Κύριον...

ХІХ. Пергаменный Илтарій Есфигменской библ. на Аѳонѣ XIII в., принадлежавшій монастырю „Υψηλοῦ“, содержитъ въ себѣ чинъ литургіи св. Василия Великаго. Начала не достаетъ. Литургія начинается возгласомъ молитвы перваго антифона. Достойна замѣчанія въ немъ слѣдующая особенность. Послѣ возгласа молитвы за оглашенныхъ, ὁ διάκονος· Ὅσοι κατηχοῦμενοι προσέλθετε, οἱ κατηχοῦμενοι προσέλθετε, ὅσοι πρὸς τὸ φῶτισμα... p. 165. Ἰστέον, ὅτι ἐν τῇ μεγάλῃ τεσσαρακοστῇ, μετὰ τὸ Ὅσοι κατηχοῦμενοι προσέλθετε, λέγεται ἡ εὐχὴ τῶν πρὸς τὸ φῶτισμα εὐτρεπισμένων οὕτως· Ἐπίφανον, Δέσποτα τὸ πρόσωπόν σου... *Goar. pag. 165.*

XX. № 189. Εὐχολόγιον лавры пр. Аѳанасія Аѳонскаго на пергаменѣ, рукопись въ четвертку, 130 листовъ, писана мелкою ско-

рописью XIII в. Начинается рукопись концемъ чина утренняго богослужения. Καὶ εἰ μὲν ἐστὶ κυριακή, μετὰ τὴν πλήρωσιν τῆς ἀκολουθίας, λέγει· Ἅγιος Κύριος ὁ Θεός, στίχος· Ὅτι ἅγιος ἐστίν, στίχος· Καὶ ἐπὶ πάντας λαούς, καὶ εὐθὺς οἱ αἱνοὶ εἰς ἤχον τῆς ἡμέρας, εἶτα ψάλλομεν στιχηρά, Δόξα καὶ νῦν, εἶτα Δόξα ἐν ὑψίστοις. Καὶ πληρουμένης τῆς δοξολογίας, λέγει προκείμενον· Ἀνάστηθι, Κύριε ὁ Θεός μου, στίχος· Ἐξομολογήσομαί σοι, Κύριε, στίχος· Εὐφρανθήσομαι καὶ ἀγαλλιάσομαι, εἶτα λέγομεν εὐαγγέλιον καὶ εὐθὺς Εἵπωμεν πάντες ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος. Πληρώσωμεν τὴν ἐωδινὴν... κ. τ. λ. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν. Σοφία. Ὁ ὢν εὐλογητός.

1. 1 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Θέτει αὐτὸ ἔξω τῆς πόλης, ποιῶν σταυροὺς γ'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Gorg. p. 264. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ νήπιον, φάλλει τροπάριον, ἦχος α'. Χαῖρε κεχαριτωμένη, Θεοτόκε παρθένε, καὶ λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τὸ μέτωπον καὶ τὸ στήθος. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν ἡμέραις τεσσαράκοντα τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν ὑπὸ Μαρίας, τῆς ἁγίας Μητρός σου, καὶ ἐν ταῖς ἁγίαις ἀγκάλαις τοῦ δικαίου Συμεὼν¹⁾ βασταχθεὶς εἰσελθὼν, αὔξησον τὸν δοῦλόν σου²⁾ ὁ δεῖνα, ἱνα³⁾ καὶ τῆς μερίδος τύχῃ τοῦ κλήρου τῶν ἁγίων, κοινωνὸς γένοιτο τοῦ τιμίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου, φυλαττόμενος σὺν ἡμῖν τῇ χάριτι τῆς ἁγίας καὶ ὁμοουσίου Τριάδος. См. выше стр. 25 и 53 и Прилож. къ Богослуж. въ русскоѣ церкви въ XVI в. ч. I, стр. 19.

1. 2. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ἔπιδε καὶ ἐπὶ τὴν δούλην σου τὴν δεῖνα καὶ ὁὗς αὐτὴν καταφυγεῖν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ καὶ ἀκχακρίτως αὐτὴν μεταλαμβάνειν τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου, ἀπόπλυ-

¹⁾ Рки XIII в. о. архимандрита Антонина: ἀξιῶσας εἰσελθεῖν ²⁾ τοῦτον ³⁾ καταξίωθεις τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος, τύχῃ τῆς μερίδος ἐκλεκτῶν σου, καὶ καταξίωθεις τῶν ἀθανάτων καὶ ἐπουρανίων σου μυστηρίων, τύχῃ μακαριότητος τῶν ἁγίων σου ἐν τῇ βασιλείᾳ σου.

νον αὐτῆς τὸν ῥύπον τοῦ σώματος καὶ τὸν σπῖλον τῆς ψυχῆς διὰ τῶν τεσσαράκοντά σου ἡμερῶν, καὶ ἀξίωσον αὐτὴν βαδίζειν διὰ τοῦ πρεσβυτερίου καταξιωθῆναι εἰσελθεῖν καὶ γενέσθαι ἀξίαν τῆς δόξης σου καὶ σὺν ἡμῖν δόξαν σοι ἀναπέμψαι τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ. Сн. вышнє стр. 53.

— Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Ἀποδύουσι τὸ νήπιον καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ μέτωπον καὶ εἰς τὸ στήθος. Εὐχὴ ἀφορισμὸς α'. Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου... Goar. pag. 275. Εὐχὴ πρὸς ὥραν βαπτιζόμενον. Ὁ ὢν, Δέσποτα Κύριε, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. pag. 276. Καὶ σφραγίζει τοῦτο γ'. λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ... pag. 277. Καὶ ἀποστρέφει πρὸς δυσμὰς λέγει. Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ.—Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ:—Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ:—Καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ:—Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ:—Καὶ ὅτε εἴπη τοῦτο γ'. ἀνταποκρινομένων, λέγει. Καὶ πτύσσον αὐτῷ... и т. д. Καὶ λαβὼν θυμιατόν, ὁ ἱερεὺς θυμιά τὴν κολυμβήθρην, λέγει τὴν συναπτὴν. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ κταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις τὴν καθαρτικὴν τῆς ὑπερουσίας Τριάδος... Ὑπὲρ τοῦ τέχνα φωτὸς ἀναφανῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτιζομένους... Ὑπὲρ τοῦ σκεύη γενέσθαι αὐτοὺς ἡγιασμένα πρὸς ὑποδοχὴν τοῦ θείου μύρου... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτοὺς ἀξίως τῆς κλήσεως, εἰς ἣν ἐκλήθησαν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ἐκφώνησις. Ὅτι σὺ ὁ εὐλογῶν. Καὶ λέγει κατ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ εὐσπλαγχνός καὶ ἐλεῆμων Θεός pag. 288. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάντων. Μέγας εἶ, Κύριε... Ibid. Καὶ σφραγίζει τὸ ὕδωρ γ'. λέγει. Συντριβήτωσαν... Ibid. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ προσφέρεται τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου, βασταζόμενον ὑπὸ διακόνου, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν... pag. 289. Καὶ ἀνιστάμενος ἐκφωνεῖ. Εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς. Καὶ εὐθὺς λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον τοῦ ἐλαίου, ποιῶν ἐξ αὐτοῦ γ'. σταυροὺς εἰς τὸ ὕδωρ, λέγει. Ἀλληλουῖα. Καὶ ἀλείφων τὸ νήπιον, λέγει ὁ ἱερεὺς. Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ἐλαίον ἀγαλλιᾶσεως, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ νήπιον, λέγει. Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα. Καὶ λέγει. Μία πίστις, ἓν βάπτισμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Μακάριοι ὦν... Καὶ ἐνδύει αὐτό. Εὐχὴ τοῦ μύρου. Εὐλογητὸς σοι, Κύριε ὁ Θεός... pag. 290. Καὶ χρίει ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον μύρον σταυροειδῶς ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους, λέγει. Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος. Καὶ γίνεται εἰσοδός, ψάλλων. Ὅσοι εἰς Χριστόν, καὶ ἀπόλουςις.

λ. 9. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παῖδα.

Λέγει· Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, τὸ ἅγιον σύμβολον, τὸν πεντηχοστὸν φαλμόν καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου... pag. 303. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... Goar. pag. 304. Καὶ λαβὼν ὕδωρ, λέγει· Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, καὶ ἀπόλυσις.

λ. 9 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Λέγει τὴν συναπτὴν, εἶτα λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας. . Goar. pag. 306. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ τὰς ἀψευδεῖς ἐπαγγελίας τοῖς εἰς Σὲ τὰς ἐλπίδας ἐπιβρίψασιν δωρούμενος καὶ ὑποσχόμενος αὐτοῖς, ὅτι θρῖξ ἐκ τῆς κεφαλῆς ὑμῶν οὐ μὴ ἀπόλλυται, αὐτὸς Δέσποτα, τὴν κοσμικὴν κόμην τὴν κείραν τῆς κεφαλῆς τοῦ δούλου σου εἰς αὖξιν καὶ σύνεσιν καὶ προκοπὴν ποιήσον, χαριζόμενος αὐτῷ, τοῖς γονεῦσιν αὐτοῦ, ἴνα, τρεφόμενος καὶ διδασκόμενος ὑπ' αὐτῶν τὰς ἐντολάς σου καὶ τὰ δικαιώματά σου φυλάττων, ἀπολαύσῃ πάντων τῶν ἀγαθῶν, ὧν ἐπηγγείλω τοῖς ἀγαπῶσί σε, Κύριε. Ὅτι σὺ ὁ εὐλογῶν... Καὶ κείρας τὸ παιδίον, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός, τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 10. Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι οἶκον.

Λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλόγησον, δέσποτα Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ οἴκου τούτου καὶ τῶν ἐν αὐτῷ κατοικούντων... Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι αὐτοὺς ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει. Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ, ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν στέγην Ζαχαρίου εἰσελθεῖν. Goar. p. 484. Εἴπωμεν πάντες... Ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς... Κύριε παντοκράτωρ... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Καὶ γίνεται τελεία ἀπόλυσις.

λ. 10 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

Ὁ Θεός, ὁ εὐλόγησας τὸν δοῦλόν σου Ἀβραάμ καὶ τὴν σκηνὴν αὐτοῦ, καὶ τὸν οἶκον Ζαχαρίου καὶ τελώνου τοῦ Ζαχαρίου...

Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου τῆς ἐκκλησίας.

Φορένει ὁ ἱερεὺς καὶ θυμιᾷ σταυραειδῶς, καὶ λέγει τὴν συναπτὴν, εἶτα ἐκφωνήσει· Ὅτι πρέπει. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομήσας ἐκκλησίαν... pag. 485.

λ. 11. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Начало у Гоара pag. 366—367. После евангелија και εὐθὺς ἄρχεται τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς τῇ χάριτι... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεόν... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκιάσαι οὐρανόνθεν ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ ὕψιστου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιον αὐτοῦ Πνεῦμα και ἀποφᾶναι τὰ ρεῖθρα... Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαινίσαι Κύριον τὸν Θεόν... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐφ' ἡμᾶς τὸ ἅγιον αὐτοῦ Πνεῦμα... См. выше стр. 44. Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι τοῖς ὕδασι τούτοις τὴν καθαρτικὴν τῆς ὑπερουσίας Τριάδος... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ρεῖθρα ἰορδάνια... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς δύναμιν ἱερατικὴν, δύναμιν εὐεργετικὴν... Ὑπὲρ τοῦ ἐλθεῖν τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἐφ' ἡμᾶς και ἐπὶ τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ ζωῆς ἀθανάτου καταξιωθῆναι ἡμᾶς διὰ τῆς ἐνανθρωπήσεως... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως ἡμᾶς μεταλαμβάνειν τῶν ἀχράντων ἀθανάτων και ζωοποιῶν μυστηρίων... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι ἡμᾶς υἱοὺς φωτός και κληρονόμους τῆς βασιλείας... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιχβοῦ, σῶσον... Ὅτι πρέπει... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην καθ' ἑαυτόν· Ὁ εὖσπλαγχνος και ἐλεήμων Θεός... pag. 288. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν εἰς ἐπήκοον πάντων· Δοξάζομέν σε, Δέσποτα πανάγιε, παντοδύναμε... pag. 369. Оканчивається молитва: Εὐλογημένος ὁ ἐργόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου, Θεὸς Κύριος και ἐπέφανεν ἡμῖν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός. Goar. pag. 368. Μέγας εἰ Κύριε... pag. 370. Ἵνα πάντες ἀρρώμεθα και μεταλαμβάνοντες ἐξ αὐτοῦ ἔχειν αὐτὸ πρὸς καθαρισμόν ψυχῶν... pag. 371. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κλίνον, Κύριε, τὸ οὖς pag. 371. Καὶ λαβὼν ἐπὶ χεῖρας ὁ ἱερεὺς τὸν τίμιον σταυρόν, λέγει· Δόξα τῇ ἁγίᾳ, και ὁμοουσίῳ... και βαπτίζων τὸν σταυρόν, φάλλει· Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτιζομένου σου, και γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 17. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία, και λέγει τὴν συναπτήν. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει. Εἰρήνη πᾶσι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας διὰ τῆς ἐπιφανείας τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος τοῦ συναφθῆναι τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους Πέτρου και Παύλου ἐκ περάτων τῆς οἰκουμένης και συζεύξας αὐτοὺς τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ, αὐτὸς και νῦν, φιλάνθρωπε βασιλεῦ, πάρεσον και τοὺς δούλους σου τούτους και δὸς αὐτοῖς τὴν χάριν, ἣν ἔδωκας ἀνὰ μέσον Πέτρου και Παύλου, ὅτι παρὰ σοῦ ἀρμόζεται πᾶν ἔργον τέλειον και θαυ-

μαστόν τοῖς ἁγίοις σου. Ὅτι εὐλογητός... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν χαρισάμενος... Goar. pag. 707. Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε, ὁ ποιήσας ἄνθρωπον κατὰ εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, ὁ ἁγίους σου ἀποστόλους Φίλιππον καὶ Βαρθολομαῖον... (См. выше стр. 31—32) μάρτυρας Σέργιον καὶ Βάκχον, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους καὶ δὸς αὐτοῖς ἀγαπᾶν ἀλλήλους, ἀμισήτους καὶ ἀσκανδαλίστους εἶναι πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου... Ὅτι πρέπει... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα.

л. 17 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων. Goar. pag. 535.

л. 18. Εὐχὴ ἐπὶ μιροφαγησάντων. Goar. p. 534.

л. 18 об. Τάξις, γινομένη ἐὰν συμβῇ μιαρόν ἢ ἀκάθαρτον (ἐμπεσεῖν) εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομία. Goar. p. 482.

л. 19. Εὐχὴ ἐπὶ φρέατος καὶ πηγῆς.

Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντα ἐν σοφίᾳ δημιουργήσας, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν καὶ θέμενος αὐτὸν ἐν παραδείσῳ τῆς τρυφῆς.

л. 19 об. Εὐχὴ εἰς σκεῦος μianθέν.

Δέσποτα καρδιογνώστα Κύριε. См. ркп. XV в. Свято-гроб. библ.

№ 8, прим.

л. 20. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι παιδίον ἀπὸ ἐκκλησίας.

Φορένει ὁ ἱερεὺς καὶ τίθῃσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἅπτει κηρούς καὶ θυμῖα, καὶ λέγει τὴν συναπτὴν ὅλην. Ἐκφώνησις. Ὅτι πρέπει. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἡγαπημένου σου Παιδός, ὁ δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ γενέσθαι καλέσας ἡμᾶς. Goar. p. 561.

л. 20 об. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας, ἡγουν τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—604.

л. 29. Ἀκολουθία ἐγκαίνιων.

Κάθισμα, ἤχος πλ. δ'. Ὡς τοῦ ἄνω στερεώματος τὴν εὐπρέπειαν... Στιχηρά. Μωσῆς ἐκεῖνος ὁ μέγας ὁ καὶ θεόπτης φωνῆς... Τῶν ἀσωμάτων αἱ τάξεις... Ἀνακαινίζου ψυχὴ μου... Στιχηρά ἰδιόμελα, ἤχος πλ. β'. Ἐγκαίνια τιμᾶσθαι παλαιὸς νόμος καὶ καλός... Ὁ κανών, ᾠδὴ α'. ἤχος δ'. Ἀσوماί σοι, Κύριε... Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος δ'. Τῷ οἴκῳ σου, ἀπόστολος, εὐαγγέλιον. Goar. p. 663. Конечн. евангелія: καὶ ὁ ἐὰν λύσης ἐπὶ τῆς γῆς ἔσται λελυμένος ἐν τοῖς οὐρανοῖς. Εἴπωμεν πάντες... Ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεη-

θῶμεν. Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας... Goar. p. 662.

л. 32 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀγίαν τράπεζαν πεπηγμένην.

Κύριε, Κύριε, ἐν ὀνόματι τοῦ κορυφαίου καὶ ἀποστόλου σου Πέτρου ὁμοφώνῳ πέτρῳ τὴν ἐκκλησίαν σου καλέσας...

л. 33. Εὐχὴ ἐὰν σαλευθῇ ἀγία τράπεζα καὶ πάλιν πῆξι αὐτήν.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὅτι ἦν ἐξέχεας χάριν ἐπὶ τοὺς ἀγίους σου ἀποστόλους καὶ τοὺς ὁσίους πατέρας ἡμῶν. Goar. pag. 491.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. pag. 613.

л. 33 об. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης. pag. 552.

— Εὐχὴ ἐπὶ σπόρου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ Παντοκράτωρ, ὁ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, ἐν παντὶ ἔργῳ ὁ εἰπὼν ἐν ἀρχῇ· ἐξαγαγέτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου. Goar. p. 557.

л. 34. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους. Goar. p. 524.

— Εὐχὴ ἐπὶ σεισμῶν.

Ὁ φοβερός καὶ θαυμαστός, ὁ μέγας, ἑνδοξὸς τε καὶ ἀληθινός. pag. 623.

л. 34 об. Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἔκλεξαι τὸν δοῦλόν σου καὶ ἀγίασον αὐτόν. Goar. p. 194 об.

— Εὐχὴ ἐπὶ σταυροπηγίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ προτυπώσας τὴν ῥάβδον τὴν τοῦ Μωϋσέως εἰς τὸν τίμιον καὶ ζωοποιὸν σταυρόν. Goar. p. 487.

л. 35. Εὐχὴ εἰς τὴν εὐλόγησιν ἁλατος.

Σὺ ὁ Θεός, ὁ παραγενόμενος ἐν Ἱερὶ γῶ ἐπὶ Ἑλισσαίου τοῦ προφήτου καὶ τὰ βλαβερά ὕδατα. Goar. p. 561.

— Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερέως.

Ὁ Θεὸς ὁ μέγας ἀρχιερεὺς, ὁ δίκαιος τῶν καμάτων κριτής, τὸν μεθ' ἡμῶν σοι δουλεύσαντα, καὶ ἐξ ἡμῶν ἐκδημήσαντα. См. выше стр. 57.

— Εὐχὴ εἰς κοιμηθέντα.

Κύριε, Κύριε, τῶν θλιβομένων παραμυθία καὶ τῶν πενθούντων παράκλησις. Goar. p. 453.

л. 35. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων ἁγίων.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε. Goar. p. 524. Εὐχὴ ἐτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὴν θάλασσαν. См. выше стр. 35.

Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Κύριος ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβίδ. p. 536.

λ. 36. Εὐχὴ ἐξομολογουμένων.

Κύριος ὁ Θεός, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων τὴν ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν δωρησάμενος. Goar. p. 537.

λ. 36 οὐ. Διακονικὰ εἰς ἀρμῶνας.

Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῶν μνηστευομένων ἀλλήλοις εἰς ἔνωσην συζυγίας... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι. Ὅτι σὸν τὸ κράτος. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος... Goar. p. 311. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας. Ἐκφώνησις. Ὅτι ἐλεήμων. Εὐχὴ τῶν δακτυλιδίων. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὴν ἀληθειάν σου... См. въ ркп. Свят.-гроб. двѣд. XV в. № 8 въ прим. Καὶ σφραγίζων τὰ δακτυλίδια γ'. λέγει οὕτως· Χριστὸς ἐν Τριάδι ὑμνούμενος, εὐλόγησον, ἀγίασον τὴν ζωὴν ἡμῶν πάντοτε νῦν. Καὶ εἶθ' οὕτως δίδει αὐτοῖς τὰ δακτυλίδια καὶ λέγει· Δότε δακτυλίδιον εἰς τὰς δεξιὰς αὐτῶν, καί, ἐξενέγκαντες τὴν στολὴν τὴν πρώτην, ἐνδύσατε αὐτόν, θύσαντες τὸν μόσχον τὸν σιτευτὸν καὶ φάγοντες εὐφρανθῶμεν· ὅτι διὰ τοῦ λόγου σου, Κύριε, τοῦ ἀληθινοῦ οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν καὶ ἡ γῆ ἐθεμελιώθη, καὶ τῇ δεξιᾷ σου τῇ κραταίᾳ εὐλογηθήσεται.—ἄγγελος Κυρίου στήτῳ ἐκ δεξιῶν αὐτῶν, λυτρούμενος αὐτοὺς ἀπὸ πάσης ἐπιβουλῆς τοῦ ἀντικειμένου. Ὅτι σὸν τὸ κράτος. Εἰρήνῃ πᾶσι. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος... Goar. p. 311. Καὶ γυρίζει αὐτοὺς γ'. καὶ λέγει ψαλμὸν· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... Καὶ ἀπολύει.

λ. 37 οὐ. Διακονικὰ εἰς εὐλόγησιν, ἤγουν εἰς γάμους.

Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν. Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν. Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, καρπὸν τέκνων... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. p. 317. Καὶ παραδίδει ἀλλήλοις τὰς δεξιὰς αὐτῶν χεῖρας καὶ λέγει· Ὅτι παρὰ σοὶ ἀρμόζεται ἀνδρὶ γυνή, σύζευξον αὐτοὺς ἐν ὁμοφροσύνῃ, στεφάνωσον αὐτοὺς ἐν ἀγάπῃ, ἔνωσον αὐτοὺς εἰς σάρκα μίαν, χάρισαι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας, εὐτεχνίας

ἀπολαυσιν καὶ ἀκατάγνωστον διαγωγὴν. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευρὰν τοῦ πρωτοπλάστου Ἀδὰμ διὰ τῆς σῆς φιλάνθρωπίας εἰς γυναικὰ μεταμορφώσας... Goar. p. 315. Текстъ по мѣстамъ отличенъ отъ Гюаровскаго. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα ἐκ τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγει τὸν ψαλμὸν· Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεὺς... до конца. Καὶ σφραγίζει ὁ ἱερεὺς, λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτόν. Λέγει τοῦτο τρίτον. καὶ στέφει αὐτούς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδίᾳ σου οἰκονομία καταξιώσας. Goar. p. 318. Εὐχὴ τῶν στεφάνων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ στέφανα τῶν ἁγίων σου μαθητῶν καὶ ἀποστόλων εὐλόγησας καὶ χαρισάμενος αὐτοῖς ἀμώμητον πίστιν καὶ λόγους μεταδόσεως δικαιοσύνης, αὐτός, φιλάνθρωπε Κύριε, τὰ στέφανα τῶν δούλων σου εὐλόγησον καὶ χάρισαι αὐτοῖς λογισμὸν δικαιοσύνης, ἐνάρετον πολιτείαν, ἵνα, κατὰ τὰς ἐντολάς σου πολιτευσάμενοι, καταξιωθῶσι τῆς ἐκ δεξιῶν σου στάσεως τῷ Δεσπότῃ Χριστῷ, κατὰ τοῦ δικαίου Συμεών. Καὶ εὐθὺς λέγει· Καὶ καταξιώσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστίν. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ λέγει· Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια. Καὶ λέγει· Προσέλθετε. Κοινωνικόν· Γεύσασθε καὶ ἴδετε. Καὶ μεταδίδει αὐτοῖς καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ κοινοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύει σου καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην καὶ ἐδράσας τὴν γῆν, καὶ κοσμήσας τὸν στέφανον πάντων τῶν πεποιημένων ὑπὸ σοῦ, ὁ τὸ πῶμά σου τὸ ἅγιον τοῖς ἁγίοις σου ἀποστόλοις χορηγήσας, ὃ ἡ ἁγία πλευρὰ ἐπήγγασε τὰ ἀγαθὰ καὶ ἀθάνατα νάματα, ὁ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν καὶ ἐμπλήσας εὐφροσύνην τοῖς δούλοις σου, τοῖς ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, καὶ τὸ ποτήριον τὸ κοινὸν τοῦτο παρεχόμενος ἡμῖν, τοῖς συναφθείσας πρὸς γάμου κοινωνίαν, εὐλόγησον εὐλογίαν πνευματικὴν καὶ παράσχου αὐτὰ τοῖς δούλοις σου εἰς ἐνωτικὴν στοργήν, εἰς εὐφροσύνην συνέσεως. Καὶ εὐθὺς ποτί(ζ)ει αὐτοὺς οἶνου ἀκράτου καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Δέσποτα, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὁ λαβὼν χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς καὶ πλάσας ἔργον τίμιον, τὸν ἄνθρωπον, καὶ εἰπὼν· οὐ καλόν, εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐπὶ τῆς γῆς, ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθὸν κατ' αὐτόν. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κατάπεμψον χειρὰ σου τὴν ἐπουράνιον καὶ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ δὸς τῇ παιδίσκῃ ταύτῃ ἐν πάσῃ ὑποταγῆναι τῷ ἀνδρί, καὶ δὸς τὸν δοῦλόν σου τούτον εἶναι κεφαλὴν τῇ γυναικί, καὶ δὸς αὐτοῖς βίον κατὰ τὸ θέλημά σου· καὶ ὥς εὐλόγησας τὸν Ἀβ-

ραὰμ καὶ τὴν Σάρραν, εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους, καὶ ὡς εὐλόγησας Ἰσαὰκ καὶ Ῥεβέκκαν, οὕτως εὐλόγησον καὶ τὴν συζυγίαν ταύτην, καὶ ὡς εὐλόγησας πάντας τοὺς πατριάρχας, εὐλόγησον καὶ τὴν συνταγίαν ταύτην, καὶ ὡς εὐλόγησας τὸν γάμον ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, εὐλόγησον καὶ τὸν γάμον τοῦτον. Ναί, ὁ Θεός, ἐπάκουσόν μου καὶ δὸς αὐτοῖς εὐτεχνίαν καὶ καρπὸν δικαιοσύνης, τὴν κοίτην αὐτῶν ἀνεπιβούλευτον διατήρησον, καὶ δὸς αὐτοῖς ὁρόσον τοῦ οὐρανοῦ ἄνωθεν, καὶ ἀπὸ τῆς πιότητος τῆς γῆς ἔμπλησον τὸν οἶκον αὐτῶν παντὸς ἀγαθοῦ, καὶ κατακόσμησον ἐν πάσῃ, σωφροσύνῃ τῷ σῶ φῶς. Ὅτι εὐλογητός... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, χαίρετε τὸ ἐπιεικὲς ὑμῶν γνωσθήτω πᾶσιν ἀνθρώποις.—ὁ Κύριος ἐγγύς, μηδὲν μεριμνᾶτε, ἀλλ' ἐν παντὶ προσευχῆ καὶ τῇ δεήσει μετ' εὐχαριστίας τὰ αἰτήματα ὑμῶν γνωρίζεσθω πρὸς τὸν Θεόν, καὶ ἡ εἰρήνη τοῦ Θεοῦ, ἡ ὑπερέχουσα πάντα νοῦν, φρουρήσει τὰς καρδίας ὑμῶν καὶ τὰ νοήματα ὑμῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ. Τὸ λοιπόν, ἀδελφοί, ὅσα ἐστὶν ἀληθῆ, ὅσα σεμνά, ὅσα εὐφημα, εἴ τις ἀρετὴ καὶ εἴ τις ἔπαινος, ταῦτα λογιζέσθε, ἃ καὶ ἐμάθετε καὶ παρελάβετε καὶ ἠκούσατε καὶ ἴδετε ἐν ἐμοί, ταῦτα πράσσετε, καὶ ὁ Θεὸς τῆς εἰρήνης ἔσται μεθ' ὑμῶν. Καὶ γυρίζει αὐτοὺς γ'. καὶ λέγει· Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν σου.

λ. 40. Εὐχὴ εἰς τὸ λῦσαι παστὸν.

Σύμφωνα καταντούσαντες οἱ δοῦλοί σου, Κύριε. pag. 325. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐτρεπήσας, ἀξιώσον πάντας τοὺς ἐν νόμῳ καὶ στεφάνῳ ἀφθαρσίας, ὡς ἑπαθλὸν παρθεναίας τούτους κατακοσμῶν, αὐτὸς Δέσποτα, τοὺς δούλους εὐλόγησον¹⁾, καὶ κατὰ τὴν εὐλογίαν τοῦ πατρὸς ἡμῶν Ἀβραάμ, Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, χάρισαι αὐτοῖς ὑγίαν ψυχῆς καὶ σώματος, παιδοποιῆσαι²⁾, γῆρας τίμιον. Ὅτι σὸν τὸ κράτος. Καὶ λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν δούλων... Ὅτι ἐλεήμων... καὶ ἀπολύει.

λ. 41. Ἀκολουθία τοῦ ἀγιάσματος κατὰ πᾶσαν ἀρχὴν μηνὸς καὶ εἰς τὴν ἑορτὴν τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου. Чинъ ничего особеннаго въ себѣ не заключаетъ. Goar. p. 358.

λ. 48 ὁβ. Ἀκολουθία τοῦ ἀγίου ἐλαίου, ἥτοι τὸ ἑπταπαπαδοή (sic.)

Ὅφειλε ὁ μέλλων ποιεῖν αὐτὸ καλεῖσθαι τοὺς ἑπτὰ ἱερεῖς ἀφ' ἐσπέρας καὶ ψάλλειν ταῦτα, ἔνθα καὶ βούλει, ἢ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ἢ ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐτοῦ. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὸν εὐλογητόν, καὶ ἀρχόμεθα τὸν ψαλμόν,

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. IX—X в. № 957 τοὺς δούλους σου τούτους τοὺς νεονόμους ²⁾ πεδοποιῖαν ἀγαθὴν καὶ γῆρας τίμιον.

καὶ μετὰ τὴν πληρῶσιν τούτου, λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς τὴν συναπτὴν ὅλην καὶ ἐκφώνησιν· Ὅτι πρέπει. Στιχηρά, ἦχος δ'. Ἐδωκας τὴν χάριν σου... Βλέψε, ἀκατάληπτε... Χρίσει τοῦ ἔλαιου σου... Goar. pag. 334. Δόξα καὶ νῦν, Ἀπ' ἐναντίων κινδύνων... Εἰς τὸν ὄρθρον, μετὰ τὸ Θεὸς Κύριος, τροπάριον, ἦχος πλ. α'. Τὴν ταχεῖαν σου σκέπην καὶ τὴν βοήθειαν... Ὁ κανὼν, ἦχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρυθραῖον... Ἐλαίῳ εὐσπλαγχνίας... Goar. pag. 342, по безъ имени Арсенія. Εἶτα στιχηρά ζήτηι εἰς τὴν ἀρχὴν τοῦ κανόνος, εἶτα ἐκτενὴ καὶ ἀπόλυσις, καὶ μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τούτῳ·

л. 51 об. Συνάγονται οἱ ἐπτὰ ἱερεῖς καὶ τίθουσι τετραπόδιον καὶ ἐπάνω τούτου τίθουσι πινάκιον, ἔχον τὰ σιτάρια ἢ κριθάρια, καὶ ἐπάνω κανδήλαν. Καὶ ποιήσας εὐλογητὸν ὁ πρωτοπαπᾶς, ψάλλομεν Τρισάριον, ἔπειτα Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. καὶ ψάλλομεν Ν'. εἶτα τὸ Πιστεύω εἰς ἕνα, λέγομεν τοῦτο γ'. Εἶτα βάλλει ὁ πρωτοπαπᾶς ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλαν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει. Goar. pag. 335. Ἐπειτα βάλλει ὁ δεύτερος ἱερεὺς καὶ ὁ τρίτος ἕως τῶν ἐπτὰ, λέγοντες τὴν εὐχὴν ταύτην. Καὶ μετὰ τοῦτο ψάλλουσι τὰ ἀπολυτίκια τῶν ἁγίων, ὅσα θέλουν, ἀλλὰ καὶ τὰ κοντάκια. Προσφέρεται δὲ ὁ μέλλων ποιεῖν τὸ ἅγιον ἔλαιον, ποιῶν κατ' ἀνατολὰς μετανοίας τρεῖς καὶ ἐτέρας μετανοίας εἰς τοὺς ἱερεῖς, λέγων οὕτως· Εὐλογεῖτε, ἱερεῖς... Καὶ λέγουσιν αὐτῷ οἱ ἱερεῖς· Ὁ Θεὸς συγχωρήσει καὶ ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι. Καὶ ἵσταται κατὰ ἀνατολὰς, ἀσκεπασμένων τῶν ἱερέων, καὶ σφραγίζουσι· Νῦν καὶ αἰεὶ. Λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε... Goar. pag. 52. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς· ἄνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ τῆς σωτηρίας αὐτοῦ... Ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἐλθεῖν ἐπ' αὐτὸν τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, φωτίζουσιν αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸν ἀκατάκριτον ὑπὸ τοῦ δικαίου Κριτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι αὐτὸν τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν. Ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Ὅτι πρέπει. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐδιᾶλαχτε, Κύριε Α. Дмитриевскій. Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I. стр. 124. Εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς τὴν κανδήλαν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀναρχε, ἀδιάδοχε... Goar. pag. 337. Εἶτα πάλιν λέγει τὴν εὐχὴν εἰς φύλαξιν αὐτοῦ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ... Прилож. стр. 127. Εἶτα ἄρχεται ὁ πρωτοπαπᾶς τὸν ἀπόστολον καὶ εὐαγγέλιον, ἐκτενὴ. Goar. pag. 337. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός...

Ibidem. Εἴτα εἰσέρχεται ὁ β'. ἱερεύς, прокименъ и апостолъ pag. 338, εὐαγγελίε отъ Ματθεῖν pag. 340, екτενѣя, Εἰρήνη πᾶσι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Γέναιτο τὸ ἔλαιον τοῦτο... Прилож. стр. 109. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ τρίτος, проκείμενον· Ἐγὼ δὲ ἐπὶ τῷ ἐλέει, апостолъ и εὐαγγελίе pag. 341 и молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος См. ркп. XV в. Свято-гроб. библ. № 8. Εἴτα ὁ δ'. ἱερεύς, проκείμενον· Ἐγὼ εἶπα· Κύριε, ἐλέησον... Πρὸς Ἑφεσσίους· Ἀδελφοί, ὁ Θεὸς πλούσιος ὢν ἐν ἐλέει... ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσωμεν. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ Λουκᾶ· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς. Τέλος· καὶ ἐθεραπεύοντο, ἐκτενῇ, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πολὺς ἐν ἐλέει. Прилож. стр. 130, прим. 3. Εἴτα εἰσέρχεται ὁ ε'. ἱερεύς, проκείμενον, ἡχος пл. α'. Σὺ, Κύριε, φυλάξεις, апостолъ и εὐαγγελίе pag. 343, ектенѣя и молитва: Κύριε ὁ Θεός, ὁ καθηήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν β'μ. Прилож. стр. 114. Εἴτα εἰσέρχεται ὁ ς'. ἱερεύς, проκείμενον, ἡχος пл'. β'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, ἀπόστολος πρὸς Θεσσαλονικεῖς (sic) Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν ὑπὲρ τῆς θλίψεως ἡμῶν. Τέλος· διὰ πολλῶν εὐχαριστηθῇ ὑπὲρ ὑμῶν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τὴν παραβολὴν ταύτην· ὁμοιωθήσεται ἡ βασιλεῖα τῶν οὐρανῶν δέκα παρθέναις... Τέλος· ἐν ᾗ ὁ Υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ἔρχεται. Екτεнѣя и молитва: Ὁ Θεὸς ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων. Прилож. стр. 132, прим. 3. Καὶ εὐθὺς εἰσέρχεται ὁ ζ'. ἱερεύς, апостолъ къ Θεσσαλονικійцамъ, pag. 344, εὐαγγελίе отъ Луки, pag. 339, ектенѣя и молитва: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ καταπέμψας τοὺς ἐπτὰ ἀρχαγγέλους ἐπὶ τὸν οἶκον Ζαχαρίου καὶ εἰπὼν, ὅτι σήμερον σωτηρία ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ γέγονεν¹⁾. Αὐτὸς φιλάνθρωπε Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, κατὰπεμψον τούτους τοὺς ἀρχαγγέλους ἐπὶ τὸν οἶκον²⁾ τοῦ δούλου σου τοῦδε, τοῦ προετοιμασμένου τὴν θείαν καὶ ἱερὰν καὶ ἔνδοξον ταύτην θυσίαν ἡμῶν, καὶ ἐπὶ τὸ ἅγιον ἔλαιον τοῦτο, τὸ προετοιμασμένον³⁾ καὶ ἀναφερόμενον εἰς ὁλοκάρπωσιν τοῦ θυσιαστηρίου σου. Ναὶ⁴⁾, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπάκουσον ἡμῶν, ὡς ἐπήκουσας Ζαχαρίου, τοῦ⁵⁾ πενιχροῦ ἀνθρώπου, καὶ ἔσωσας αὐτόν, οὕτως ἐλθέτω ἐφ' ἡμᾶς ἡ φιλάνθρωπία σου, καὶ εὐλόγησον τὸ ἔλαιον τοῦτο καὶ τοὺς ἐξ αὐτῶν χρισμένους, δὸς πίστιν ἄμετρον καὶ εὐλογίαν ἀδιάλειπτον, ἵνα εὐαρεστήσωσί σε, τὸν μόνον ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν, εὐχαῖς καὶ πρεσβεῖαις⁶⁾

¹⁾ Ркп. XIII в. Синайск. библ. № 960 ἐγένετο ²⁾ οἶκον τοῦτον τοῦ προσκαλουμένου τὴν ἔνδοξον ταύτην καὶ ἱερὰν θυσίαν ³⁾ προϊστάμενον ⁴⁾ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ⁵⁾ Пропускъ до словъ: καὶ εὐλόγησον τὸ ἔλαιον ⁶⁾ καὶ ἱκεσίαις τῆς πανομνῆτου Δεσποίνης.

τῆς παναγίας ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, τῶν ¹⁾ τιμίων καὶ ἐνδόξων δυνάμεων ἀσωμάτων, τῶν ἁγίων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων καὶ τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κήρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου, Διομήδους, Θεράποντος καὶ Θαλαλαίου, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἴ ἡ πηγὴ τῶν ἱαμάτων... Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ πρωτοπαπᾶς λέγειν τὴν εὐχὴν ταύτην, καὶ ἀλείφει αὐτὸν ἕως τῶν ἐπτά. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἅγιε... Goar. pag. 338. Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τοὺς ἐπτά ἱερεῖς τὴν εὐχὴν, λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν, πρόσδεξαι τὴν ἱκεσίαν τοῦ δούλου σου, τοῦ κλίναντος τὸν ἑαυτοῦ αὐχένα ἐνώπιον τῆς ἀγίας δόξης σου, καὶ εἴ τι ἥμαρτεν ἐν λόγῳ, ἢ ἔργῳ ἢ κατὰ διάνοιαν, ἢ ἐν παραβάσει, ἢ ἐν παρακοῇ, ἢ ἐν νυκτί, ἢ ἐν ἡμέρᾳ, ἢ ὑπὸ κατάραν ἱερέως, ἄνδρος, ἄφρονα, οἴκτειρον, συγχώρησον, ὁ Θεός, τὰς ἀμαρτίας αὐτοῦ, καὶ καταξίωσον αὐτὸν τοῦ ἀχράντου σου σώματος καὶ τοῦ τιμίου σου αἵματος εἰς ἄφρονα ἁμαρτιῶν, εἰς ὕψιστον φυγῆς τε καὶ σώματος, πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τῶν ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων, τοῦ Προδρόμου Ἰωάννου, τῶν θείων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, καὶ τῶν ἁγίων ἐνδόξων ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κήρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου, Διομήδους, Θαλαλαίου, καὶ τῶν ἐν ἁγίοις πατέρων ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἴ ὁ φωτισμὸς καὶ ἁγιασμὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀνεπέμπομεν. Εἴτα ἐκτενή* Ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ μνημονεύει, ὅσους θέλει. Ὅτι ἐλεήμων. Σοφία. Ὁ ὧν εὐλογητός, καὶ γίνεται ἀπόλουσις, καὶ μετὰ τὴν ἀπόλουσιν, λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τὴν κατήχησιν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Βλέπε, ἀδελφέ, τὸ ὑπόλοιπον τῆς ζωῆς σου... Прилож. стр. 135, прим.

λ. 64²). Апостольскія и евангельскія чтенія на дни чтимыхъ святыхъ и праздники господскіе и богородичные.

λ. 86 об. 11 утреннихъ евангельскихъ чтеній.

¹⁾ Ркп. XIII в. Синайск. библи. № 960 τῶν ἁγίων ἀρχαγγέλων Μιχαήλ, Γαβριήλ, Οὐριήλ καὶ Ῥαφαήλ, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρῶν. ²⁾ Всѣ дальнѣйшія статьи писаны дурнымъ почеркомъ XVI в.

л. 94. Апостольскія и евангельскія чтенія и антифоны на праздниѣ Рождества, Богоявленія, Обрѣзанія и Срѣтенія Господня.

л. 103 об. Слово Златоуста на пасхальной утрени.

л. 105. Апостольскія чтенія на предъуготовительныя недѣли къ посту и на праздниѣ.

л. 111. Апостольскія и евангельскія чтенія на послѣдніе дни страстной седмицы и на недѣли послѣ пасхи.

л. 129. Διάταξις τῆς θείας ἀποστολοευγγελίου (очевидно, λειτουργίας). Краткое изложеніе чина обычной литургіи.

л. 125—139. Разнообразныя замѣчанія и нѣкоторыя молитвы, не представляющія научнаго интереса.

XXI. Εὐχολόγιον, рукопись о. архим. Антонина¹⁾, покойнаго начальника русской миссіи въ Иерусалимѣ, на пергаменѣ (палимпсестъ IX—X в.) въ 24 долю листа, 45 листовъ, писана разгонистымъ, весьма дурнымъ и въ грамматическомъ отношеніи крайне не правильнымъ почеркомъ разныхъ рукъ XIII в.

лл. 1—2 къ настоящей рукописи отношенія не имѣютъ.

л. 3. Ἀκολουθία εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σε ἱκετεύομεν. Goar. p. 264.

л. 4. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον εἰς τὰς (τεσ)σαράκοντα ἡμέρας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν ὑπὸ Μαρίας τῆς ἁγίας μητρός σου. См. выше стр. 177, прим.

— Εὐχὴ, ὅποταν πληρώσῃ ἡ γυνὴ τὰς μ'. ἡμέρας.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐλέησον. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παρὰ γενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. См. выше стр. 53.

л. 5. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Ἀποδοῖε αὐτὸν καὶ ἀπολύει и т. д. Дмитриевскій. Прилож. стр. 9—

11. Вопросы отрицалій тѣже и написаны подобнымъ же образомъ. Но вслѣдъ за молитвою: „Δέσποτα ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου... καὶ εὐθέως ἄρχεται τὰ διακονικὰ λέγειν: Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου... Ὑπὲρ τοῦ καταφαιτῆσαι τοῖς ὁδοῦ τοῦ-

¹⁾ Рукопись эта, по завѣщанію владѣльца, должна поступить теперь въ Импер Сиб. публичную бібліотеку.

τοῖς... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχοκτόνου πολεμίου τὴν δύναμιν βυθισθῆναι. Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτὸς ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ θείαν αὐτοὺς ἐνδύσασθαι δύναμιν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸν σκεῦος ἡγιασμένου... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτὸν ἀξίως... Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆ καὶ βεβαίαν αὐτὸν κατασχεῖν... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως αὐτὸν μεταλαμβάνειν... Ὑπὲρ τοῦ κληρονόμον αὐτὸν ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Conf. Goar. p. 295. Καὶ ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός... Δεῖ εἰδέναι, ὅτι καὶ τὸ Ἀμὴν καθ' ἑαυτὸν τοῦ λέγει, καὶ ἀνιστάμενος, ἐκφωνεῖ· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... Прилож. стр. 22. Goar. p. 295. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον μετὰ ἐλαίου, ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροῦς γ'. καὶ ἀποδοὺς τὸ τρυβλίον, ἐκφωνεῖ, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἀγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, ποιεῖ εἰς τύπον σταυροῦ ἐπὶ τοῦ μετώπου τοῦ βαπτιζομένου καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Καὶ τότε χρίεται ὑπὸ τοῦ διακόνου ὅλον τὸ σῶμα ἐκ τοῦ ἐλαίου. Καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Καὶ μετὰ τὸ βαπτίσαι ἅπαντας, ἐκφωνεῖ· Μακάριοι ὧν ἀφῆδυσαν... Καὶ λέγει τὸν στίχον τοῦτον σὺν τῷ λαῷ τρίτον καὶ δοξάζει, καὶ λέγει εὐχὴν τοῦ μύρου· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ... Goar. p. 290. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν, ψάλλοντος τοῦ λαοῦ τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε, χρίει ὁ ἱερεὺς τοὺς βαπτισθέντας σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου, τῶν ὀφθαλμῶν, τῶν μυκτήρων, τοῦ στόματος, τῶν β'. ὠτων καὶ τῶν λοιπῶν μελῶν, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς... Καὶ μετὰ τοῦτο ἐκφώνησις· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων... Καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τῶν νεοφωτιστῶν ἐν τῇ εἰσόδῳ τῆς λειτουργίας, καὶ τελεῖται ἡ θεία λειτουργία, καθὼς ἡ εἰδήσις ὑποτέτακται, καὶ πλεῖον οὐδέν.

1. 23 οἵ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἀγίου σου βαπτίσματος τοῖς δούλοις σου... Goar. p. 303. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν. Καὶ ἀποσπογίσας τὸν βαπτισθέντα μετὰ ὕδατος, λέγει οὕτως ὁ ἱερεὺς· Ἐλούσθης, ἐρωτίσθης, ἡγιασθης εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ. Εὐχὴ· Ὁ ἐνδυσάμενός σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... Goar. p. 304.

1. 24 οἵ. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον ἀρχάριον.

Δέσποτα ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον, ἐκ ψυχῆς λογικῆς καὶ σώματος εὐπρεποῦς κατασκευάσας αὐτόν... Goar. p. 306. Εἶτα λαβὼν τὴν σπαλίδαν (ψαλίδιον), ὁ ἱερεὺς κουρεύει τὸ παιδίον

σταυροειδῶς, λέγων· Κεῖρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ἰκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας. См. выше стр. 55. Καὶ ψάλλει ψαλμόν· Κύριε ὁ Κύριος ἡμῶν, ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομά σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ. Ὅτι ἐπῆρθη ἡ μεγαλοπρέπεια σου ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν. Ἐκ στόματος νηπίων καὶ θηλαζόντων κατηρτίσω αἶνον... Δόξα σοι ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς ἡμῶν δόξα. Δόξα Πατρί... Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν ταῖς πρεσβείαις τῆς παναχράντου...

л. 26 об. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποιήσιν.

Προσέρχονται οἱ θέλοντες εὐλογηθῆναι ὑπὸ τοῦ ἱερέως καὶ λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ ἀδελφότητος αὐτῶν τοῦ Κυρίου δεχθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ἀμισήτους καὶ ἀσκανδαλίστους αὐτοὺς διαμεῖναι πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτοῖς πᾶν πλημμέλημα... Εὐχὴ· Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος... Goar. p. 707. Καὶ εὐθὺς προσκυνοῦσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἀσπάζονται, ὁμοίως καὶ τὸν ἱερέα καὶ ἀλλήλους, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς.—Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν χορὸν τῶν ἁγίων σου μαθητῶν καὶ ἀποστόλων ἐπιλεξάμενος μίαν ἐκκλησίαν, μίαν ποίμνην, μίαν ἀδελφότητα, ἐξαποστείλας αὐτοὺς εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης κηρῶσαι τὰ σὰ προσταγμάτων. Αὐτὸς καὶ νῦν, ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοὺς δούλους τούτους ὁ δεῖνα, τοὺς προσελθόντας στήναι κατενώπιον τῆς ἁγίας δόξης σου καὶ ἀδελφοὺς γενέσθαι πνευματικούς, τήρησον αὐτοὺς ἐν τῷ ὀνόματί σου καὶ ἁγιάσον αὐτοὺς ἐν τῇ ἀληθείᾳ, ἵνα, κατὰ τὰς ἐντολάς σου πολιτευσάμενοι, κληρονόμους τῆς ἐπουρανίου...

л. 28. Εὐχὴ ἐπὶ μαγαρισάντων εἰς ἔθνος.

Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης πάσης κτίσεως, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος καὶ Σωτὴρ πάντων τῶν ἀνθρώπων, μάλιστα πιστῶν, ὁ μὴ παριδὼν τὸν ἄνθρωπον ἐκ τῆς τοῦ διαβόλου πανουργίας εἰς βυθὸν ἀπωλείας καὶ πλάνης κατενεχθέντα, ἀλλὰ διὰ τῆς σωτηρίου ἐνανθρωπήσεως τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν τοῦτον ἀναζητήσας καὶ σώσας, καὶ πρὸς ἑαυτὸν ἐπαναγαγών. Αὐτὸς, Δέσποτα φιλάνθρωπε, καὶ τὰ νῦν ἐπιβλεψὼν ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε, πρόβατον τῆς λογικῆς ποίμνης τοῦ Χριστοῦ σου ὑπάρχοντα, καὶ ὃν ἐλυτρώσω ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τῶν ἀθέων ἐχθρῶν, μεθ' ὧν ἀγνοία παιδικῇ καὶ ὃν βία τυραννικῇ τὰ τέως ἐκείνων πλάνης ἤδη μετήρχετο, καὶ κατηξίωσας αὐτὸν πάλιν¹⁾

¹⁾ Ркп. XI в. Синайск. библ. № 962 páλαι

τῆς τοῦ λαοῦ σου πολιτείας συνενωθῆναι, καταύγασον¹⁾ αὐτοῦ τὴν διά-
νοιαν, ὥστε²⁾ τὸν ἀνακείμενον τῆς ψυχῆς αὐτοῦ σπινθῆρα τοῦ σωτηριώδους
βαπτίσματος, ταῖς αὔραις τῆς σῆς χάριτος ἀναρρίπισθῆναι εἰς φλόγα πνευ-
ματικὴν, νοητῶς³⁾ ἐξαεθῆναι αὐτῷ καὶ τὴν τοῦ θείου Πνεύματος σφραγίδα
ἐκτυποτέρως ἀναφαίνεσθαι ἐν⁴⁾ τῷ ἁγίῳ σου Πνεύματι ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ
καὶ τοῖς λογισμοῖς διὰ τῆς σημειώσεως τοῦ σταυροῦ τοῦ Χριστοῦ σου, τὴν
εἰς σὲ ἐλπίδα καὶ τὴν τῆς ἀληθείας ἐπίγνωσιν, ἵνα γινώσκῃ καὶ προσκυνῇ
σε τὸν ἀληθινὸν Θεὸν καὶ Πατέρα, καὶ τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν καὶ Θεὸν
τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, καὶ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον καὶ
ἔνωσον αὐτὸν τῇ ἀγίᾳ σου καὶ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ
πάσης ἐθνικῆς ἀθεότητος συνήθειαν ἀπόστησον ἀπ' αὐτοῦ, καταύγασον
αὐτὸν ἐν ταῖς ἐντολαῖς σου καὶ τοῖς προστάγμασίν σου πολιτεύεσθαι, καὶ
τῆς τῶν θείων σου μυστηρίων ἀκατακρίτως ἀξιοῦσθαι μεταλήψεως, καὶ
ἐν τῇ μελλούσῃ ζωῇ τῆς ἐπουρανίου σου βασιλείας μέτοχον ἀναδειχθῆ-
ναι. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Conf.
Goar. pag. 690—691.

л. 30. Εὐχὴ ἐπὶ σπόρου ἀρχῆς.

Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πιτὴρ τοῦ Κυρίου
ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων. Goar. p. 557.

л. 30 об. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους. Goar. p. 524.

л. 31 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

Κύριε, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναι σοὶ ἐκ-
κλησίαν. Goar. p. 48b.

л. 32. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων μνήμης ἁγίων καὶ εἰς κοιμηθέντας. Goar. p. 524.

л. 32 об. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης ἀμπέλου. Goar. p. 552.

л. 33. Εὐχὴ, ὁπότεν θέλῃ γευματίσαι οἶνον.

Δέσποτα Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε Κύριε, ἐπιδε
ἐπὶ τὸν οἶνον τοῦτον καὶ ἐπὶ τοὺς μεταλαμβάνοντας ἐξ αὐτοῦ... Goar. p.
552. Молитва неокончена.

л. 34—35. Конецъ апостола и евангеліе для плавающихъ.

л. 36. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασπάσαι πλοῖον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας συμπλεῦσαι τοῖς ἁγίοις
μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις σου... Goar. p. 684. Καὶ περιγυρεύσας τὸ πλοῖον,

¹⁾ Ркп. XI в. Синайск. библ. № 962 κατάλαμψον ²⁾ τῶν ἁγίων σου
πνεύματι, ὥστε ἐναποκείμενον ³⁾ ἐν αὐτῶν ὄντος ⁴⁾ ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ καὶ τοῖς
λογισμοῖς.

ψάλλει τὸν ψαλμὸν τοῦτον· Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου... Καὶ ὁπόταν γυρίσῃ τρίτον καὶ εἴπῃ καὶ τὸν ψαλμὸν τοῦτον, λέγει μεγάλη φωνῇ· Κελεύοντος τοῦ Θεοῦ ἡμῶν καὶ τῶν ἁγίων ἀποστόλων, τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων Ἀκινδύνου Πηγασίου, Ἀφθονίου, Ἐλπιδιφόρου καὶ Ἀνεμποδίστου, τοῦ ἁγίου Φωκᾶ, Σώζοντος καὶ Βοηθοῦ καὶ πάντων τῶν ἁγίων, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐλέησον ἡμᾶς. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ εὐθὺς κατασπᾷ τὸ πλοῖον καὶ πλέον οὐδέν.

л. 38. Εὐχὴ εἰς τὸ στήσαι τόξον πλοίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοὺς οὐρανοὺς στερεώσας ἐν συνέσει καὶ τὴν γῆν θσμелиώσας καὶ τὸ ξύλον τῆς ζωῆς συναρμώσας... См. ркп. 1426 г. Синайск. библ. № 968.

л. 39. Чтенія изъ Евангелія.

XXII. № 960. Εὐχολόγιον, ркп. Синайск. библ. въ 16 долю листа на пергаментѣ (палимпсестъ, но хорошо смытый), 153 листа, писана почеркомъ XIII в. Рукопись плохо сохранившаяся, безъ начала и конца.

л. 1. Εὐχὴ θ'. τοῦ πεντηχοστοῦ ψαλμοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄφεςιν τοῖς ἀνθρώποις δωρησάμενος... Goar. p. 42. Εὐχὴ τῆς εισόδου τοῦ εὐαγγελίου τοῦ ὁρθρου· Ἑλλαμψον ἐν ταῖς ἡμέραις ἡμῶν, φιλάνθρωπε. Goar. p. 41. Σὺ γὰρ εἶ φωτισμὸς καὶ ἁγιασμὸς... Εὐχὴ ἐωθινή ια'. εἰς τοὺς αἶνους· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς ὑποστησάμενος... Goar. p. 42. Εὐχὴ ιβ'. τῆς ἀπολύσεως· Αἰνοῦμεν καὶ ὑμνοῦμεν, καὶ εὐλογοῦμεν... p. 42. Πληρώσωμεν τὴν ἐωθινήν δέησιν и т. д. Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ἄγιε, ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν... Goar. p. 44. Молитва эта неокончена, по отсутствию слѣдующихъ листовъ.

л. 3. Обрывки вечернихъ молитвъ.

л. 4. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ἀναστάσιμα ἑνδεκα.

л. 11 об. Εὐχαὶ ἐπὶ ἀρρώστους.

Εὐχὴ α'. Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ πέμψας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, πᾶσαν νόσον ἰώμενον. Goar. p. 678.

л. 12. Εὐχαὶ τῆς ἁγίας Πεντηχοστῆς.

Чинъ состоитъ изъ молитвъ, что у Гоара p. 597—603, но между молитвами положены стихиры. См. выше стр. 24. Послѣ

послѣдней молитвы: „Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος“ и возгласа ея: Σὺ γὰρ εἶ ἡ ἀνάπαυσις τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν... молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος... не прибавляется, но слѣдуетъ ек-тепыи: Πληρώσωμεν τὴν ἐσπερινὴν ἢ εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας τοὺς οὐρανοὺς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίαν. . p. 603.

л. 20. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα.

Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων εἰς ἔνωσιν συζυγίας καὶ συμβιώσεως... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ τῆσδε καὶ τῆς ἐν Θεῷ συζεύξεως καὶ ἀγάπης καὶ σωτηρίας... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εὐχὴ· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγών... Goar. p. 411. Καὶ εἶθ' οὕτως ἐπιδίδει αὐτοῖς τὰ δακτυλίδια, τὸ σιδηροῦν τῷ ἀνδρὶ καὶ τὸ χρυσοῦν τῇ γυναικί, καὶ ἀλλάσσει αὐτὰ γ'. λέγει· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὕψωσε με... Καὶ λέγει ὅλον τὸν ψαλμὸν καὶ παραδίδει ἀλλήλοις καὶ λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν... p. 311.

л. 21. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... весь псаломъ. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην καὶ καρπὸν κοιλίας... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων... Ὑπὲρ τοῦ χαρισθῆναι αὐτοῖς Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τίμιον τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εὐχὴ· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... Goar. p. 317. Καὶ λαμβάνει τὰ στέφανα καὶ ἄρχεται ψάλλειν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁδῶ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτούς. Καὶ στέφει αὐτούς. Καὶ κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρὸς αὐτῶν, παραδίδει ἀλλήλους καὶ εἰς τὸ δάκτυλον τὰ δακτυλίδια τῷ ἀνδρὶ σιδηροῦν, τῇ γυναικί χρυσοῦν καὶ λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομία... Goar. p. 318. Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν τοῦ ἐλεεῖν καὶ σῶζειν...

Εἶθ' οὕτως λέγει· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Πάτερ ἡμῶν.. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχὴ εἰς τὸ κοινὸν ποτήριον· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύει σου... p. 319. Καὶ ἐκφώνως· Τὰ προηγιασμένα ἄγχι τοῖς ἁγίοις. Μετὰ δὲ οὖν τὸ μεταδοῦναι αὐτοῖς τοῦ κοινοῦ ποτηρίου καὶ λέγει μεγαλοφώνως· Χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ (λέγω) χαίρετε τὸ ἐπιεικὲς ὑμῶν. *Κρασνοσελυεσσ.* Οἰκκ. Βαг. ркп. стр. 106. Καὶ λέγει· Δόξα σοι, Χριστὲ ὁ Θεός, ἀποστόλων τὸ καύχημα. Καὶ εἶθ' οὕτως· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾶ ἐπιδημίας Χριστός, ὁ ἄληθινός ἡμῶν ταῖς πρεσβεΐαις...

л. 23. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολῦσαι πικτόν.

Ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας. *Goar.* p. 320. Εὐχὴ ἑτέρα· Σύμφωνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοί σου... p. 325.

л. 23 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν.. *Goar.* p. 264.

л. 24. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθών. *См. выше стр. 53.*

л. 24 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Начало тоже, что въ Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 9. Послѣ огласительныхъ молитвъ, или κατὰ τὸ Ἀμὴν, ἀποδουθέντων καὶ ἀπολυθέντων τῶν βαπτιζομένων, καὶ ὑποστρέφει αὐτοῦς ἐπὶ δυσμὰς ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντας καὶ λέγει γ'. Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ... κ. τ. α. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ βαπτιζόμενος, πρὸς ἕκαστον τούτων, καὶ πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Καὶ ἀποκρίνεται ὁ βαπτιζόμενος· Ἀπετάξάμην. Καὶ ὅτε εἶπη γ'. Ἀπετάξάμην, καὶ στρέφει ὁ ἱερεὺς αὐτὸν κατὰ ἀνατολὰς λέγει· Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, καὶ λέγει αὐτὸ ἕως τέλους γ'. Καὶ ὅτε εἶπη αὐτὸ γ'. ἐρωτᾷ πάλιν ὁ ἱερεὺς πρὸς αὐτόν· Συνεταῶ τῷ Χριστῷ, καὶ ἀποκρίνεται ὁ ἀνάδοχος· Συνεταῶάμην. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ προσκύνησον αὐτόν. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου... *Goar* p. 281. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Εὐσπλαγγνος καὶ ἐλεήμων Θεός... Χρὴ γινώσκειν, ὅτι αὐτὴν τὴν εὐχὴν κατὰ μυστηρίων λέγει, ἀλλὰ καὶ τὸ Ἀμὴν καὶ εὐθὺς τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν.. Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου αἵτου.. Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι...

Ἵπὲρ τῆς πόλεως... Ἵπὲρ εὐκρασίας ἀέρων... Ἵπὲρ πλεόντων... Ἵπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλᾶβου, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Τὴν εὐχὴν ταύτην ὀφείλει λέγειν μεγαλοφώνως· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... Goar. p. 288. Καὶ ἐμφυσᾷ τὸ ὕδωρ καὶ σφραγίζει τῷ δακτύλῳ γ'. καὶ λέγει· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν... p. 289. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς. Κλίνας ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ εἰς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου καὶ ἐμφυσᾷ αὐτὸ γ'. λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν... p. 289. Πρόσχωμεν. Καὶ λαμβάνει τὸ τρυβλίον τοῦ ἁγίου ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροῦς τρεῖς, φάλλων τὸ Ἀλληλούια σὺν τῷ ὄχλῳ γ'. καὶ εἰθ' οὕτως ἐκφώνως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων... Καὶ προσφέρεται ὁ βαπτιζόμενος, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου αὐτοῦ καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων, λέγων· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ἐλαίῳ ἀγαλλιάσεως... Εἴτα χρίεται ὅλον τὸ σῶμα, καὶ λαμβάνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς καὶ βαπτίζει αὐτόν, λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Μετὰ δὲ τὸ βαπτίσαι αὐτόν, λαμβάνει αὐτόν καὶ εἰσέρχεται ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, φάλλων οὕτως· Μακαριοὶ ὦν... Καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... p. 290. Εἴτα χρίει αὐτόν τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτῶν, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ εἰθ' οὕτως ἀπέρχεται, φάλλων· Ὅσοι εἰς Χριστόν.

л. 35. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Ὁ λύτρωσιν ἀμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος. Goar. p. 303.

л. 35 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κεῖραι τρίχας παιδίου.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας τῆς σῆς ἀγαθότητος. Goar. p. 306.

— Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 267.

л. 36. Τάξις ¹⁾ γινομένη, εἰ συμβῇ μικρὸν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν ἐν ἁγρεῖ οἶνου ἢ ἐλαίου.

1) Чинъ этотъ, встрѣчающійся въ рукописяхъ постоянно, имѣеть самыя незначительныя особенности въ текстѣ (слич. выше стр. 47, 71 и др.), а посему мы будемъ его излагать далѣе въ томъ лишь случаѣ,

αἱ. 37. Εὐχὴ ἐπὶ φρέατος μιανθέντος.

Χρὴ πρῶτον ἀντλῆσαι ἐκ τοῦ φρέατος κήλους σαράντα, καὶ εἴθ' οὕτως βάλλει ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων, καὶ θυμῷ ὁλόγυρον τὸ φρέαρ, εὐχεται οὕτως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ ἀνεκδιηγήτῳ ἀγαθωσύνη. Goar. p. 479.

α. 37 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας. Goar. p. 485.

α. 38. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου. Goar. p. 483.

α. 38 об. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου. Goar. p. 484.

α. 39. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος. Goar. p. 707.

— Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι παιδίον ἀπὸ ἐκκλησίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἡγαπημένου Παιδὸς σου, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τέκνα Θεοῦ καλέσας ἡμᾶς... Goar. pag. 561. Καὶ εἴθ' οὕτως προσκυνοῦν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἀσπάζονται, καὶ ἐν εὐρίηνῃ ἀπολύονται.

α. 40. Εὐχὴ εἰς τὸ πράσσαι πλοῖον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐντειλάμενος τῷ Νῶε κατασκευάσαι κιβωτὸν πρὸς σωτηρίαν τῷ κόσμῳ. Goar. p. 559.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ θακρῶν ἄφρων πταισμάτων ὠρησάμενος... Goar. 537.

α. 40 об. Εὐχὴ εἰς τρώγην ἀμπέλου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... Goar. p. 552.

α. 41. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων ἁγίων.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε... p. 524.

α. 41 об. Εὐχὴ ἄλλῃ εἰς κόλυβι ἁγίων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, καὶ τὴν θάλασσαν... См. выше стр. 35.

— Εὐχὴ ἀποδημούντων. См. выше стр. 33.

α. 42. Εὐχὴ ἐπὶ μιαινοφασγάντων. Goar. p. 534.

α. 42 об. Εὐχὴ ἐπὶ προπετῶς ὀμνούντων. Goar. p. 534.

когда онъ представить какія пибудь характерныя особенности, во всѣхъ же остальныхъ случаяхъ будемъ ограничиваться простымъ указаніемъ на него.

— Εὐχή ἐπὶ ψυχῆς κρινομένης.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντας ἀνθρώπους θέλων σωθῆναι... Goar. p. 587.

... λ. 43. Εὐχή ἐπὶ σπόρου. Goar. p. 557.

... λ. 43 οβ. Ἀκολουθία εἰς ἀσθενούντας ἐπὶ τῶν ἑπτὰ πρεσβυτέρων.
... κτ'. Ἀφ' ἐσπέρης ὀφείλει τιθῆναι κανδήλαν μεγάλην καὶ τίθεται ἐν τῇ
ἀγία τραπέζῃ, καὶ φάλλει τὸν ἐξάψαλμον καὶ ἀρτύει αὐτὴν ὁ πρῶτος πρε-
σβύτερος, καὶ ἄπτει(;) εὐτὴν καὶ εἴθ' οὕτως λέγει· Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ ψυχῶν
καὶ σωμάτων. Goar. p. 338. Εἴτα λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνω-
θεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου αἵμου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ
ἡμῶν ὁ δεῖνα ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἀφέσεως... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον...
Τῆς παναγίας... Καὶ λέγει· Ἀλληλούια γ'. καὶ λέγει τροπάριον, ἥχος πλ.
β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Δόξα καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας... Καὶ ἄρχεται
φάλλειν τὸν κανόνα εἰς ἥχον β'. Ὁδὴ α'. Δεῦτε λαοί.. Πάντες πιστοί,
δεῦτε συμφώνως τιμήσωμεν τὴν Θεοτόκον· Χριστὸν γὰρ κυχῆσασα... Ὁ
χαρακτήρ τῆς ὑποστάσεως τῆς πατρικῆς ἐκ σοῦ λαβὼν τὸ φύρμα...
Τῶν χερουβὶμ τιμιωτέρα ὑπάρχουσα. Αὐτὸν ἡμῖν τῆς ἁμαρτίας ἐγέννη-
σας τὸν εὐεργέτην Κύριον... Послѣ 3 пѣсни: Ἐτι καὶ ἔτι... Ὑπὲρ τοῦ
δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἀφέσεως... Ὑπὲρ τοῦ
συγχωρηθῆναι αὐτὸν πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον. Ἀντιλαβοῦ,
σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἀγαθέ,
φιλόνθρωπε, εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε, ὁ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσιν μα-
λακίαν ἰώμενος, ἴασαι τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα, ἐξέγειρον ἀπὸ κλίνης¹⁾
ὀδύνης, ἐπίσκεψαι ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ ἀποδώξον ἀπ' αὐτοῦ
πᾶσαν ἀρρώστιαν καὶ ἀνίθνηϊαν, ἵνα, ἐξαναστὰς τῇ χειρὶ σου τῇ κραταιᾷ,
δουλεύσῃ σοι μετὰ πάσης εὐχαριστίας, ὁμῶν σὺν ἡμῖν τὸ προσκυνη-
τὸν²⁾ ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύμα-
τος... Καὶ λέγει κάθισμα· Τὸν πλοῦτον θεωρήσας τῶν ἀρετῶν τοῦ Ἰωβ
συλλῆσαι... Δόξα καὶ νῦν, Οἱ τὴν σὴν προστασίαν... Послѣ 6 пѣсни таже
ектенья и молитва: Δέσποτα παντοκράτωρ, φιλόψυχε, φιλόδουλε Σωτὴρ
τῶν ἀπάντων, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ ταπεινῶν καὶ ἀνυψῶν, ὁ παι-
δεύων καὶ πάλιν ἰώμενος, ἴασαι τὸν ἀδελφόν ἡμῶν ὁ δεῖνα τὸν ἀσθενούντα,
ἐπίσκεψαι ἐν τῷ ἐλέει σου καὶ ἔκτεινον τὸν βραχίονά σου τὸν ἀόρατον,
τὸν πλήρη ἰάσεως καὶ θεραπείας, καὶ ἀνάστησον αὐτὸν ἀπὸ κλίνης ἀρ-

¹⁾ Рнк. Синайск. библ. XIII в. № 966 ἀπὸ κλίνης ἀρρώστιας καὶ
στρωμνῆς κακώσεως ²⁾ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπές.

ῥωστίας, ἐπιτίμησον τῷ πνεύματι τῆς ἀσθενείας, ἀπόστησον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν πληγὴν, πᾶσαν ἀλγηδὸνα, πᾶσαν μάστιγα, πᾶσαν ἀρρώστιαν, πάντα πυρετὸν ἢ ῥίγος, καί, εἴ τι ἂν ἐστὶν ἐν αὐτῷ πλημμέλημα, ἄνες, ἄφες, οἴκτειρον, συγχώρησον διὰ τὴν σὴν φιланθρωπίαν. Ναί, Δέσποτα, φεῖσαι τοῦ πλάσματος σου ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ σοὶ δόξα πρέπει τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ... Δόξα, Διαπλέων τὸ πέλαγος τῆς παρουσίας ζωῆς μου... Καὶ νῦν, Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς... После 9 пѣсни таже ектения и молигва: Βασιλεῦ θεραπευτὰ τῶν καμνόντων, σὲ θαίμονες τρέμουσι καὶ τῇ σῇ προσταῖει ὑποχωρεῖ πᾶσα νόσος καὶ πειρασμὸς ἅπας· σὲ ὁ τὰ λυθέντα μέλη πηγνύων, ὁ τὸν θάνατον ἐλαύνων, ὁ τὰ κείμενα σώματα ἀπ' αἰώνως παραχρῆμα ἐγείρων, διὸ δυσωποῦμέν σε, Δέσποτα, δὸς τῷ δούλῳ ὁ δεῖνα τὴν ὑγίαν καὶ τῆς νόσου ταύτης ἐλευθέρωσον. Δυνατὲ φιλάνθρωπε, καὶ μηκέτι αὐτὸν ἐν κλίνῃ ἐπιστρέψῃς εἶναι, ἀλλ' ὥς ἐκεῖνον τὸν ἐν τριάκοντα καὶ ὀκτὼ ἔτεσι κατακείμενον εἰς τοὺς πόδας αὐτοῦ ἔστησας, οὕτως καὶ τῷ δούλῳ σου τούτῳ τὴν ὑγίαν δώρησαι, ὁ αἶρων τοῦ κόσμου τὴν ἁμαρτίαν. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Καὶ ποιεῖ ἐκτενήν καὶ ἀπολύει.

Τῇ δὲ ἐπαύριον συνάγονται οἱ ἱερεῖς ἐπτά, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρός... Καὶ ἄρχεται ψάλλειν τροπάριον εἰς ἤχον πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, Δόξα καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... καὶ ποιεῖ ἐκτενήν· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ Ἰλεων καὶ εὐμενῆ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν ἀγαθὸν καὶ φιλάνθρωπον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἀσθενείαις ἡμῶν τοῦ... Ὑπὲρ ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἀφέρσεως... Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ Κυρίῳ... Ταῖς πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου... Τοῦ ἀγγέλλειν τὸ πρῶτον... Δόξα καὶ νῦν. Εὐχὴ ἀντιφώνου πρῶτου· Κύριε, Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει καὶ ταῖς οἰκτιρμοῖς. Goar. p. 335. Ἀντίφωνον β'. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσε... Καὶ γὰρ ἐστερεώθη... Τὰ μαρτύριά σου, Δόξο, Ὁ μονογενὴς Υἱός... Ἐτι καὶ ἔτι. Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ πολὺς ἐν ἀγαθότητι, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως. Goar. p. 341. Ἐκφώνησις· Ὅτι Θεὸς ἐλέους ὑπάρχεις. Ἀντίφωνον γ'. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα.. Προϋπάσωμεν τὸ πρόσωπον. Ὅτι Θεὸς μέγας καὶ βασιλεὺς μέγας... Εὐχὴ τῆς εἰσόδου· Αἰτούμενά σου, Κύριε ὁ Θεός, ὅπως ἐπιστάξης τὸ ἑλεός σου ἐπὶ τὸ ἔλαιον τοῦτο. Goar. p. 347. Ἵνα καὶ αὐτοὶ σὸν ἡμῖν δοξάσωσι... Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν εἰς ἕκστος τῶν ἱερέων ἅπτει τὸ αὐτότουρβον(;) αὐτοῦ, ποιῶν εἰς τὸ ἔλαιον σταυροὺς τρεῖς, καὶ εἶθ' οὕτως ἄρχεται ὁ

καθ' εἰς ἱερεὺς λέγων· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν... Ἐπι δεόμεπα ὑπὲρ τῶν δούλων Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ ὁδεῖνα καὶ παντὸς τοῦ οἴκου αὐτῶν ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἁφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν... Καὶ εἴθ' οὕτως τὸ Ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ψάλλει Τρισάγιον, προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με. Στίχος· Μακάριος ὁ συνιὼν ἐπὶ πτωχόν... Καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου... Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα λάβετε. Goar. p. 337. Ἀλληλούια, Ἐπιβλέψον ἐπ' ἐμέ... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, διήρχετο ὁ Ἰησοῦς τὴν Ἱερουζαλήμ... Goar. p. 339. Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ ποιεῖ ἐκτενήν, καὶ λαβόντες οἱ ἱερεῖς ἐκ τοῦ ἐλαίου, ἀλείφουσι τὸν ἀσθενοῦντα ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς, λέγοντες τὴν εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Ἐπι δεόμεθα, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, ἔπιθε ἐπὶ τὴν ἡμετέραν αἵτησιν καὶ ἴασαι τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα ἐκ πάσης νόσου καὶ πάσης μαλακίας, καὶ ὑγείαν καὶ ἄφεσιν ἁμαρτιῶν δώρησαι αὐτῷ... Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ φυλάσσων διαθήκην... Goar. p. 337 καὶ μετόχους ἡμᾶς ποιήσας τοῦ ἁγίου ὀνόματος αὐτοῦ, μετέστησεν ἡμᾶς ἐκ τῆς καταδυναστείας τοῦ διαβόλου καὶ εἰς τὴν αὐτοῦ βασιλείαν ἐκάλεσεν. Αὐτὸς, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ἔπιθε ἐφ' ἡμᾶς, οὗς ἠρξάμεθα οὐκ ἐν αἵματι διαθήκης καθαρῶς ζῆσαι, ἀλλ' ἐν ἐλπίδι ἁγίῳ καὶ ἔδωκας τοῖς φοβουμένοις σε σημειώσιν τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου καὶ τὴν σφραγίδα τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, εἰς τὸ γενέσθαι αὐτοὺς Χριστοῦ ποίμνην, λαὸν περιούσιον, ἔθνος ἅγιον, βασιλείον ἱεράτευμα, καὶ ἐκκαθάρσας ἡμᾶς ἐν ὕδατι... καὶ Ἰωάννη τῷ ἐκλεκτῷ σου, καὶ ἰκάνωσον ἡμᾶς γενέσθαι διακόνους τῆς καινῆς σου διαθήκης καὶ χρίειν τῷ ἐλαίῳ σου τούτῳ, ὑπὲρ ὧν ἐποιήσας, ὅπως ἂν, ἀπεκδυσάμενοι τὴν ἀσέβειαν, ἐνδυσώμεθα σε τὸν Κύριον καὶ Θεὸν ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν διὰ τοῦ ἁγιάσματος τούτου. Ἐκφώνως· Ἐλέει καὶ φιλοανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου... Καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ἔλαιον, ποιῶν σταυροῦ τύπον, καὶ εἰσέρχεται ἕτερος ὁ ἱερεὺς· Ἐγὼ ὑπάρχω τὸ δένδρον τὸ ἄκαρπον, Κύριε... Ἄλλο, Ὡς κύματι θαλάσσης... Δόξα καὶ νῦν, Πάντα ὑπὲρ ἔνοιαν, πάντα ὑπερένδοξα... Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι. Σοφία, τὸ προκείμενον· Ἰσχύς μου καὶ ὑμνησίς μου. Στίχος Παίδεῦον ἐπαίδευσεν. Ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὀφείλομεν ὑμεῖς δυνατοί. Goar. p. 338. Ἀλληλούια. Ἐλέησόν μέ, ὁ Θεός. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, νομικός τις προσήλθε τῷ Ἰησοῦ. Goar. p. 337. Ἐλέησον ἡμᾶς (см. выше), ἐκφωνεῖ· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα. Καὶ εὐθὺς ἡ εὐχὴ αὕτη· Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλαιον τοῦτο ἔλαιον ἀγαλλιᾶσεως Πνεύματος ἁγίου, ἔλαιον ἀγαπῶντος, ἔλαιον ἀναγεννήσεως, ἔλαιον ἁγιασμοῦ... ἐν

τῷ τῆς ἀναγεννήσεως ἐλαίῳ ἀφόβως ἀρύονται, ἐκλάμποντες, ὥς οἱ ἀστέρες τοῦ οὐρανοῦ τῇ φαιδρότητι, μὴ ἔχοντες σπίλον ἢ ῥυτίδα... Goar. p. 338. Ἐκφώνως· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπίᾳ... Καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ἔλαιον γ'. καὶ ἄπτει τὸ αὐτότουρβον καὶ μετέρχεται. Κάθισμα· Παροικοῦσα ἐν τῇ γῇ ψυχὴ μου, μετανόησον... Ἔως πότε ψυχὴ μου ἐπιμένοις τοῖς πατήρασιν... Καὶ εἰσέρχεται ὁ γ'. ἱερεὺς, προκείμενον ἤχος β'. Κύριος φωτισμός μου... Στίχος· Κύριος ὑπερασπιστής. Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὑμεῖς ἐστὲ ναὸς Θεοῦ ζῶντος... Goar. p. 341. Ἀλληλούια. Τὰ ἐλέη σου, Κύριε. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ. Goar. p. 340 Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἀγαθός... Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ὁ ὑπὸ πάσης κτίσεως προσκυνούμενος... Goar. p. 339 καὶ ἔχσαι τῷ πλήθει τοῦ ἐλέους σου, πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων δυνάμεων ἀσωμάτων ἀρχαγγέλων, τοῦ τίμου Προδρόμου, τῶν ἁγίων καὶ πνευστήμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος, Ἑρμολάου καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ἐκφώνως· Ὅτι ἐλέους καὶ φιλανθρωπίας... Ἐρχεται ἕτερος ἱερεὺς καὶ λέγει κάθισμα· Τὴν τχπεινὴν μου ψυχὴν... Διαπλέων τὸ πέλαγος τῆς... Δόξα καὶ νῦν· Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς... Προκείμενον ἀποστόλου· Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με... Στίχος· Μακάριος ὁ συνιών... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, σὺ θέλω ὑμᾶς ἀγνοεῖν ὑπὲρ τῆς θλίψεως. Goar. p. 342. Ἀλληλούια. Ὑπομένων ὑπέμεινα. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, εἰσῆλθεν ὁ Ἰησοῦς εἰς τὰ μέρη Τύρου καὶ Σιδῶνος. Goar. p. 343. Καὶ ποιεῖ ἐκτενὴν, τὸ Κύριε ἐλέησον, καὶ ἡ εὐχὴ αὕτη· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι, σὺ, Κύριε, ὁ ἐνισχύσας ἡμᾶς διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων ἐλαίῳ μετὰ προσευχῆς ὑπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῖς ἀσθενοῦντας θεραπεύειν. Σὺ Ἀυτός, Δέσποτα, ποίησον τοῦτο τὸ ἔλαιον εἰς ἴασιν καὶ σωτηρίαν τοῖς ἐξ αὐτοῦ χρισμένοις, εἰς δόξαν τοῦ ἁγίου σου ὀνόματος, ἀποδιώκων πᾶσαν νόσον ἐξ αὐτοῦ καὶ πᾶσαν μαλακίαν, ὁ μόνος ψυχῶν καὶ σωμάτων ἱατρός, ὅπως, μετασχόντες τῆς σῆς φιλανθρωπίας, δοξάσωμεν τὴν σὴν ἀγαθότητα. Ὅτι σὺ ὑπάρχεις ὁ Δοτὴρ τῶν ἀγαθῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Καὶ σφραγίζει τὸ ἔλαιον καὶ ἄπτει αὐτότουρβον, καὶ εἰσέρχεται ἕτερος καὶ λέγει κάθισμα· Κριτοῦ καθηζομένου... Ψυχὴ, τὰ ὧδε πρόσκαιρα, τὰ δὲ ἐκεῖθεν... Δόξα καὶ νῦν. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Σὺ, Κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς... Στίχος· Σῶσόν με, Κύριε, ὅτι ἐκλέλοιπεν... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἐφεσίους·

Ἄδελφοί, ὁ Θεὸς πλούσιος ὢν ἐν ἐλέει διὰ τὴν πολλὴν ἀγάπην... Τέλος Ἰνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσωμεν. Ἀλληλούια. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τὴν παραβολὴν ταύτην· ὁμοιωθὴ ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν δέκα παρθένοις... Goar. p. 342. Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. α. τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. καὶ ἡ εὐχὴ αὕτη· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ κηθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν σου. См. выше стр. 103, прим. Ὅτι σὺ ἰατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Καὶ ἐμφραῖ τὸ ἔλαιον καὶ ἅπτε· τὸ αὐτότουρβον αὐτοῦ, ἀπέρχεται καὶ ψάλλει τροπάρια, ἤχος, πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον, Δόξα, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Καὶ ἔρχεται ς'. ἱερεὺς καὶ λέγει προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου... Στίχος· Ἡ σωτηρία σου, ὁ Θεός, ἀντελάβετο... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Γαλάτας· Ἀδελφοί, ὁ καρπὸς τοῦ πνεύματος ἐστὶν ἀγάπη. Goar. p. 343. Ἀλληλούια. Ἐπιβλεψὼν ἐπ' ἐμὲ καὶ ἐλέησον. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἐλθὼν ὁ Ἰησοῦς εἰς τὴν οἰκίαν Πέτρου. Goar. p. 341. Ἐλέησον ἡμᾶς. Ἐτι δεόμεθα σου, Κύριε, ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, τοῦ ἐν ἀσθενείᾳ κατκειμένου καὶ τοῦ ἐλέους Κυρίου... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ καταπέμψας τοὺς ἐπτὰ ἀρχαγγέλους εἰς τὸν οἶκον Ζαχαρίου. См. выше стр. 186, прим. Καὶ εἰσέρχεται ἕτερος ἱερεὺς καὶ λέγει κάθισμα, ἤχος πλ. δ'. Ὁμματι εὐσπλαγγνῶ, Κύριε, ἰδοὺ... Ὡς τοῦ κριτοῦ παρόντος... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα. Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι. Σοφία, ψαλμὸς τῷ Δαβίδ, προκείμενον ἤχος πλ. α'. Ἐπακούσαι σου, Κύριε, ἐν ἡμέρᾳ, ὑπερασπίσαι σου... Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, παρακαλῶ ὑμᾶς· νοουθετεῖτε τοὺς ἀτάκτους. Goar. p. 344. Ἀλληλούια, Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ... Τέλος· καὶ ἤλειψαν ἐλαίῳ πολλοὺς ἄρρώστους καὶ ἐθεραπεύοντο. Ἐλέησον ἡμᾶς. Ἐτι σοὺ δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης σου τῆς δεῖνα τοὺς τὰ σὰ ἐλέη ἐπιδομένους, ταχέας ἐπισκέψεως καὶ ὑγείας καὶ σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν εἰπωμεν. Κύριε ἐλέησον λ'. Ὅτι ἐλεήμων... Εὐχὴ· Ὁ Θεός ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων, ὁ πάντα οἰκονομῶν ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 132, прим. 3. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν ταύτην ὀφείλει ψάλλειν· Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ καὶ ἔξ'. ψαλμὸν τοῦ Ψαλτηρίου· Ἀναστήτω ὁ Θεός. Καὶ εἴθ' οὕτως ἀλείφουν τὸν ἄρρωστον ἐκ τοῦ ἐλαίου ἕκαστος αὐτῶν κατὰ τὴν τάξιν, λέγει ὁ καθ' εἰς τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Goar. p. 338 διὰ

τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου ζωοποιήσων αὐτόν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, ἵνα καὶ τὴν ὀφειλομένην σοὶ εὐχαριστίαν ἐν ἀγαθοεργίᾳ ἀποπληροῦνται πρεσβείαις τῆς ὑπερενδόξου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Χρὴ γινώσκειν, ὅτι τοιοῦτος ἄνθρωπος, ὅσπερ ὀφείλεται ποιεῖν τὸ ἔλαιον τὸ ἅγιον τοῦτο, ἕως ἑπτὰ ἡμερῶν οὔτε ἐξαποδύεται οὔτε νίβγεται, ἀλλὰ προσκαρτερεῖ τῇ ἀγίᾳ ἐκκλησίᾳ ἕως συμπληρώσεως τῶν ἑπτὰ ἡμερῶν, οἱ δὲ ἱερεῖς οἱ τοιοῦτοι οἱ ἑπτὰ λειτουργοῦσι τὰς ἑπτὰ ἡμέρας εἰς πρὸς εἰς καθ' ἣν ἡμέραν ὑπὲρ τοῦ τοιοῦτου ἀσθενοῦς, μετὰ δὲ συμπληρώσεως τῶν ἑπτὰ ἡμερῶν λούεται καὶ ἀλλάσσει καὶ κατηχιζεται ὑπὸ τοῦ πρώτου ἱερέως, τῶν τοιούτων ἑπτὰ, εἰς ἐπήκοον πάντων τῶν συλλειτουργῶν αὐτοῦ· Βλέπε, ἀδελφέ, τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς σου ἐν τῷ παρόντι αἰῶνι, μὴ προσπταίσης τῷ Θεῷ· τὰ γὰρ πρώην σου ἐγκλήματα ἐξέλιπε διὰ τῆς προστάξεως ἡμῶν, τῶν ἀναξίων ἱερέων, κατὰ χάριν Χριστοῦ νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας.

л. 61. Чтенія апостольскія и евангельскія на цѣлый годъ съ септября по августъ и на великій постъ. По недостатку листовъ, весьма многія чтенія отсутствуютъ.

cod. **XXIII.** № 966. Εὐχολόγιον Σинаϊσκ. библ., рукопись въ 16 долю на пергаменѣ (палимпсестъ, по мѣстамъ даже двойной), 102 листа, писана почеркомъ XIII вѣка. Рукопись несомнѣнно южно-итальянскаго происхожденія, такъ какъ въ чинѣ литургіи поминая умершими: Ῥόπερτος ῥηγός (1101—1154) καὶ Γουλιέλμος ῥηγός (1154—1166).

л. 1. Ἀκολουθία ἐξομολογουμένων.

Первая страница вытерта на столько, что нѣтъ никакой возможности прочесть начало чина, но изъ дальнѣйшаго изложенія его становится яснымъ, что здѣсь мы имѣемъ тотъ самый чинъ, съ весьма пезначительными особенностями, который напечатанъ у *I. Morini. Commentarius historicus de sacramento poenitentiae. Venet. 1702 an. pag. 616—620.* Конецъ чина изложенъ такъ: Ποιήσαντος οὖν Τρισαγίου, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, τροπάριον ἤχος δ'. Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν, Δόξα καὶ νῦν, Τῇ Θεοτόκῳ ἔκτενώς, εἶτα ἔκτενῇ καὶ ἀπολύει.

л. 10. Κανονάριον, ἐκτεθὲν παρὰ Ἰωάννου τοῦ Νηστευτοῦ.

Τέκνον, τί ἰσχύεις φυλάξαι; κατὰ γὰρ ἰσχὺν καὶ προαίρεσιν τοῦ δεχομένου τὰ ἐπιτίμια δίδονται... Конецъ: Νινευῖται οὐ πολλῶν ἐδεήθησαν

τῶν ἡμερῶν εἰς τὸ μετανοῆσαι, ἀλλὰ τριῶν ἡμερῶν μόνον. *I. Morini* pag. 620.

λ. 21. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν ἐπιτιμίοις ὄντων καὶ ἑαυτοῦ ὄρκῳ δεσμοφύτων.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱὸς καὶ Λόγος τοῦ Πατρός, ὁ πάντα δεσμὸν τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν. *Goar*, p. 528.

λ. 21 οβ. Εὐχὴ τοῦ ὑπὸ δεσμοῦ ὑπὸ ἱερέως λυομένου.

Εὐσπλαγχνε, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρισμοὺς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον. *Goar*, p. 521.

— Εὐχὴ εἰς ἐνυπνιαζόμενον ἀδελφόν.

Πολυεύσπλαγχνε Κύριε, ἀκήρατε, ἀμόλυντε, μόνε ἀναμάρτητε. *Goar*, p. 529.

λ. 22. Τάξις, γινομένη εἰς ἐξομολόγησιν ἐτέραν.

Εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὴν ἐκκλησίαν καὶ ἀλλάσσει, καὶ θυμῷ, καὶ ἄρχεται καθ' ἑαυτόν, καὶ ἀποκρίνων, καὶ ἐκφωνῶν, καὶ ὁ θέλων ἐξομολογήσασθαι στέκει εἰς τὸ διάστυλον, καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς(ς), λέγων· Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλόγημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ ἐπισκέψεως αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καθαρισθῆναι αὐτὸν ἀπὸ παντὸς πονηροῦ, μὴ ἔχοντος σπῆλον ἢ ῥυτίδα, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθῆναι αὐτὸν καὶ ἡμᾶς τῆς αἰωνίου κολάσεως... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι ἀγαθὸς εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ εὐθὺς τὸ Τρισάγιον καὶ λέγει· Πρόσχωμεν. Προκείμενον, ἤχος δ'. Ἐξομολογεῖσθε τῷ Κυρίῳ, ὅτι ἀγαθός. Στίχος· Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Τιμόθεον· Τέκνον Τιμόθεε, πιστὸς ὁ λόγος καὶ πάσης ἀποδοχῆς ἄξιος... Τέλος· τιμὴ καὶ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Ἀλληλουῖα, ἤχος πλ. δ'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, πρᾶγῶν ὁ Ἰησοῦς, εἶδεν ἄνθρωπον, καθήμενον ἐπὶ τῷ τελωνίῳ, Ματθαῖον λεγόμενον... Τέλος· οὐ γὰρ ἤλθον καλεῖσαι δικαίους, ἀλλὰ ἁμαρτωλοὺς εἰς μετάνοιαν. Εἶπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθῆναι ἡμᾶς... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ... Εὐχὴ τῆς ἐκτενῆς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενῆ ταύτην ἱκεσίαν... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ ἡλεων, εὐμενῆ... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς παρά Θεοῦ ἁνωθεν βοήθειας, ὑγείας καὶ σωτηρίας, καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ... Καὶ ὑπὲρ τοῦ προσδεῖσθαι Κύριον τὸν Θεὸν τὴν νυνὶ αὐτοῦ δέησιν καὶ συγκαταριθμῆσαι αὐτὸν τῷ χορῷ τῶν σωζομένων, καὶ λυτρωθῆναι αὐτὸν τῶν προτέρων αὐτοῦ σφαλμάτων... Εἶπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Ἐκφωνήσις· Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Καὶ εἰθ'

οὕτως· Εἰρήνην πᾶσι. Καὶ τῷ Πνεύματί σου. Καὶ προσέρχεται ὁ μέλλων ἐξομολογεῖσθαι καὶ βάλλει γονυκλισίαν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ κεῖται ἐν τοῖς γόνασιν αὐτοῦ, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρῃ διὰ διακρύων ἄφρετιν ἁμαρτιῶν αὐτοῖς δωρησάμενος. *Goar. p. 537.* Δέσποτα Κύριε, ὁ καλῶν δικαίους εἰς ἁγιασμόν καὶ ἁμαρτωλοὺς εἰς τὸ σῶσαι αὐτούς. *I. Morini. De sacramento poenitentiae p. 618.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐσπλαγχνε, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, ὁ διὰ τοὺς οἰκτιρμούς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱόν εἰς τὸν κόσμον *Ibid. pag. 625.* Καὶ εἴθ' οὕτως ἀνιστᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς λέγει· Ἰδοὺ θελήματι τοῦ φιλανθρώπου Θεοῦ, τοῦ πάντας θέλοντος σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, προσέδραμες τῇ ἁγίᾳ τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίᾳ τοῦ καθαρῆσαι ἑαυτὸν ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας· βλέπε οὖν, τέκνον, μὴ αἰσχυνθῆς με καὶ ἀποκρύψῃς τίποτε ἐκ τῶν ἔργων σου καὶ κατακριθεῖς. Καὶ αὐτὸς ἀποκρίνεται· Πάτερ, ἡμαρτον εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Συγχωρήσει σοι ὁ Θεός. Ὁμοίως κατὰ πάντα οὕτως ἀποκρίνεται· Συγχωρήσει σοι ὁ Θεὸς ἕως τέλους. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ταῦτα πάντα πρὸ τοῦ ἐξεπεῖν ἡμᾶς, ἃ ἔλεξας, ἐγὼ γε ὁ τάλας πέπραχα δὲ καὶ ἄλλα πλεῖστα, ἃ φρίττει ἡ γλῶσσα τοῦ λαλεῖν αὐτά, ἀλλ' οὐκ ἀπογινώσκω τῆς ἑμαυτοῦ σωτηρίας, ὅμως ἀφορῶ εἰς τὸ πέλαγος τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ ἐλέους τοῦ Θεοῦ τοῦ δωρηθῆναι ἡμῖν λύτρον ἀμπλακημάτων. Καὶ εἴθ' οὕτως λέγει τὸν Ν'. φαλμὸν καὶ τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Καὶ τοῦτον ὅλον φάλλεται μετὰ γονυκλισίας καὶ τὸ Κύριε, συγχώρησον γ'. τὸ Κύριε, ἰλάσθητι γ'. Λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων καὶ πάσης σαρκός, ὁ Θεὸς τῶν μετανοούντων, ὁ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων δοὺς ἐξουσίαν τοῦ λύειν πᾶσαν ἁμαρτίαν, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, ὁ τοὺς ἀπατηθέντας ἐκ φρενοβλαβῶν πρκαδόσεως ἐπιστρέψας εἰς σωτηρίαν. Αὐτὸς, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, πρόσδεξα καὶ τὸν δοῦλόν σου τοῦτον ἀνανήψαντα ἐκ τῆς τοῦ διαβόλου παγίδος καὶ προσδραμούντα τῇ ἁγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ· καὶ δεόμεθ' αὐτοῦ, Κύριε, καὶ παρακαλοῦμέν σε, ποιήσον αὐτὸν ἐπαρίθμιον γενέσθαι μετὰ τῶν σωζομένων, διαψύλαξον αὐτόν, ὅτι νεκρὸς ἦν καὶ ἀνέζησεν, ἀπολωλὸς ἦν καὶ εὗρεθ'· διό, Κύριε, δώρησαι αὐτῷ νοῦν ἀγαθόν, ἵνα ἀμώμως καὶ ὁσίως δοξολογήσῃ σε ἐν τῇ ἀληθείᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ ἡ δύναμις, καὶ ἡ δόξα... Εὐχὴ ἡγουν ἀπολυτική· Ὁ Θεός, ὁ δι' ἡμᾶς ἐνανθρωπήσας καὶ παντὸς τοῦ κόσμου τὰς ἁμαρτίας βασιλεύων... *I. Morini. De sacramento poenitentiae pag. 643.* Καὶ εἴθ' οὕ-

τως καθεζόμενοι, ἐρωτᾷ αὐτόν. ἐν φαίδρῳ τῷ προσώπῳ καὶ εἰλικρινεῖ δια-
θέσει· Βλέπε, τέκνον, μὴ αἰσχυρόμενος ἀποκρύψῃς τι πλημμέλημα, ἀλλὰ
περιωρευσῇς... На зтомъ обрываетъ изложене чина.

λ. 25. Εὐχολόγιον, περιέχον τὴν πᾶσαν ἀκολουθίαν τῆς ἐκκλησια-
στικῆς καταστάσεως.

Εὐχὴ εἰς τὸ ἀμυιένεσθαι τὸν ἱερέα τὴν ἱερατικὴν στολὴν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χρι-
στοῦ, ἐπὶ δὲ ἐπ' ἐμὲ τὸν ἁμαρτωλὸν καὶ ἀνάξιον δοῦλόν σου ἐν τῇ ὥρᾳ
ταύτῃ καὶ στολὴν περιβαλλόμενον ἱεράν, δύναιμι ἐξ ὕψους κατὰπεμψον καὶ
ἐνίσχυσόν με τῇ χάριτι τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, ἐνδεδυμένον τὴν τῆς
ἱερωσύνης χάριν παραστῆναι τῇ ἱερᾷ ταύτῃ τραπέζῃ καὶ ἱερουργῆσαι τὸ
ἄχραντόν σου σῶμα καὶ τὸ τίμιον αἶμα. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα καὶ
προσκύνησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ...

— Εὐχὴ τοῦ θυμιάματος.

Θυμιάμά σοι προσφέρομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 50.

λ. 25 οβ. Εὐχὴ τῆς προθέσεως, ἣν ἰστώμεν καὶ λέγομεν ἐνώπιον
τῇ προθέσει.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον τὴν τροφήν τοῦ παν-
τός κόσμου τὸν Κύριον ἡμῶν. Goar. p. 51.

— Ἀρχὴ τῆς θείας λειτουργίας τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου
τοῦ Χρυσοστόμου.

Молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὕψηλοῖς κατοικῶν... надпи-
сывается: εὐχὴ τῶν κατηχομένων πρὸ τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς τοῦ ὁσίου
πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. Молитва: Οὐδεὶς ἅγιος...—εὐ-
χὴ τοῦ χειρουβικοῦ. По прочтении молитвы: Οὐδεὶς ἅγιος... ὁ ἱερεὺς
Μνήσθητί μου, δέσποτα. Καὶ ὁ διάκονος· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται
ἐπὶ σέ, καὶ δυνάμεις ὕψιστου ἐπισκιάσει σοι, τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου.
Μνήσθητι καὶ ἐμοῦ, δέσποτα. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Μνησθεὶς Κύριος ὁ Θεὸς
ἡμῶν καὶ ὁμῶν εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν. Εἴτα ἀπονίπτονται
ἀμφότεροι τὰ ἄκρα τῶν δακτύλων, κατὰ τὴν παράδοσιν τοῦ ἁγίου πρω-
τοπιστοῦ Διονυσίου τοῦ Ἀρεοπαγίτου. Εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς μυστικῶς·
Νίψομαι ἐν ἀδάοις τὰς χεῖρας... καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου, ᾧ
δὲ κατοικήσω, ὅτι ἤτησάμην αὐτήν, αὐτὴ ἡ κατάπαυσίς μου εἰς αἰῶνα
αἰῶνος. Goar. p. 49. Εὐχὴ εἰς τὸ συστεῖλαι· Ἐκ δυνάμεως εἰς δύ-
ναμιν. Красноелицевъ Свѣдѣн. о Ватикан. ркп. стр. 279.

λ. 46. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου.
Εὐχὴ τῶν κατηχομένων α'. πιστῶν, μετὰ τὴν εὐχὴν τῆς ἐκτενῆς·
Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν. Goar. p. 138. Такъ на-

чинается этотъ чинъ. Во время пѣнія „Иже херувимы“, ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ χειρουβικοῦ. Οὐδεὶς ᾄσῃ... Ἐρχόμενος ὁ διάκονος, τὰ ἅγια βασιτάζων καὶ τῷ ἱερεῖ ἐγχειρίζων αὐτά, λέγει· Εὐλογεῖτε, ἅγιοι. Ὁ δὲ ἱερεὺς, δεχόμενος αὐτά, λέγει· Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου. Καὶ ἐπαίρων τὸ κάλυμμα, ἀποκαλύπτει τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ τὸν δίσκον, καὶ εἶθ' οὕτως καλύπτει αὐτὰ μετὰ τῆς νεφέλης, εἶτα στρέφεται ὁ προσεστὼς λέγει τοῖς συλλειτουργοῦσιν αὐτῷ· Εὐχεσθε, ἀδελφοί. Καὶ ἀποκρίνονται πάντες· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ, καὶ δύνῃς ὑψίστου ἐπισκιάσει σοι. Μνησθητι ἡμῶν, δέσποτα. Ὁ δὲ λέγει· Μνησθεῖη Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ. Οἱ δὲ ἀποκρίνονται· Ἀμήν. Γένοιτο. Εἶτα ἀπονίπτονται τὰς χεῖρας, λέγονται· Νίψομαι ἐν ἁθώοις τὰς χεῖρας ἡμῶν καὶ κυκλώσωμεν τὸ θυσιαστήριον τοῦ Θεοῦ ἡμῶν. Ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν δέσιν... κ. τ. λ.

л. 46 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

Ἐν πρώτοις ἀλλάσσει ὁ ἱερεὺς καὶ οὕτως ἄρχεται λέγων· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου.. Ὁ λαὸς ἄρχεται τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία. Ὁ λαός· Δεῦτε προσκυνήσωμεν, τὸ Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου. Ἐν ὅσον ψάλλεται τὸ προσομιχόν, ὁ ἱερεὺς τελεῖ τὴν πρόθεσιν καὶ σκεπάσας καὶ θυμιάσας τὰ ἐνδοθεν καὶ τὸν ναὸν ὅλον, καὶ δοὺς τὸν θυμιατὸν τῷ ὑπηρέτῃ, καὶ τελειωθέντος τοῦ λόγου τὸ προσομιχόν, ἄρχεται ὁ ἱερεὺς τὴν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ· Εὐχή α'. τοῦ λυχνικοῦ· Κύριε οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων. Goar. p. 163. Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει. Εἰρήνη πᾶσιν. Εἶτα στιχολογεῖται· Πρὸς Κύριον, καὶ μετὰ τὴν στιχολογίαν, ὁ ἱερεὺς· Ἔτι καὶ ἔτι... Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης ἡμᾶς... Goar. p. 163.. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ Πνεύματί σου. Τὸ Κύριε ἐκέκραξα εἰς τὸν ἦχον τῶν στιχηρῶν τοῦ Τριωδίου, ἰστώμεν στιχηρὰ γ'. καὶ ψάλλομεν τὰ β'. στιχηρὰ τοῦ κυρ Ἰωσήφ καὶ β'. τοῦ κυρ Θεοδώρου, τὸ μαρτυρικόν, Δόξα καὶ νῦν, εἰσοδεύει μετὰ μανουαλίου καὶ θυμιατοῦ. Εὐχὴ τῆς εἰσόδου· Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας. Goar. p. 164. Σοφία, ὁρθοί. Ὁ λαός· Φῶς ἰλαρόν. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ ψάλτης τὸ προκείμενον, λέγει τὴν Γένεσιν, καὶ μετὰ τὴν Γένεσιν, τὸ προκείμενον τῆς Παροιμίας. Ὁ ἱερεὺς, ἰστάμενος ἔξω τῶν ἁγίων θυρῶν μετὰ θυμιατοῦ καὶ κρατῶν δεξιᾷ χειρὶ κηρόν, σφραγίζει σταυροῦ τύπον τὸ θυσιαστήριον, λέγει· Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσιν. Ὁ ψάλτης τὴν Παροιμίαν, καὶ μετὰ τὴν Παροιμίαν, ὁ ψάλτης ἦχος πλ. β'. Κατευθυνθήτω...

Στίχος· Κύριε ἐκέκραξα... Στίχος· Μὴ ἐκκλίνῃς... Ὁ ψάλτης· Κατευθυνθήτω. Ὁ λαός· Ἐπχρσις τῶν χειρῶν μου. Ὁ ψάλτης· Ἐπαρσις τῶν χειρῶν μου Ὁ ἱερεὺς· Εἴπωμεν πάντες... Далѣе обычный порядокъ. Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Δέσποτα πανάγιε, ὑπεράγαθε. Goar. p. 166. Молитва заамвонная: Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντας...

λ. 52 οἷ. Εὐχὴ εἰς τὸ σφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η΄. ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. p. 264. Καὶ πληρῶν τὴν εὐχὴν, σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος καὶ ἀπολύει.

λ. 53. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα καὶ παιδίον τῇ μ΄. ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακκλοῦμεν, καὶ ἱκετεύομεν· Αὐτὸς οὖν ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ὁ πᾶσαν λογικὴν τε καὶ ἄλογον φύσιν... Goar. p. 267.

λ. 54. Εὐχὴ εἰς τὴν μίαν καὶ εἰς ἑτέρας γυναικας, λαγχάνοντας εἰς λοχὴν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 267 τοῦ ναοῦ τῆς δόξης σου, ἀπόπλυνον αὐτῆς τὸν ῥύπον τοῦ σώματος καὶ τὸν σπῆλον τῆς ψυχῆς, ποιῶν αὐτὴν ἀξίαν τῆς μεταλήψεως τοῦ τιμίου σώματος καὶ αἱματός σου. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον...

— Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον μετὰ τῆς μητρὸς αὐτοῦ τῇ μ΄. ἡμέρᾳ.

Ἰστέον λαβεῖν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον εἰς τὴν ἀριστεράν χειραν, εἰσέρχεται εἰς τὸν ναόν, λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν μετὰ Μαρίας τῆς ἀπειρογάμου καὶ ἀγίας Μητρὸς σου. См. выше стр. 25 прим. τῇ χάριτί σου τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ ἡμῶν εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ ἀνάρχου σου Πατρὸς καὶ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος νῦν... Καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς, ἵσταται ὁ ἱερεὺς ἐν τοῖς προθύροις τοῦ θυσιαστηρίου, ποιεῖ αὐτὸ τὸ παιδίον ἢ ἀνάδοχος αὐτοῦ τρεῖς προσκυνήσεις, καὶ τίθησιν αὐτὸν εἰς τὸ ἕδρανος, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις ὡς βρέφος τῷ νομικῷ ναφ̄ προσαχθεῖς. Goar. p. 267. Καὶ μετὰ τὸ σφραγίζειν αὐτὸ κάτω κεῖμενον, καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει καὶ ἐξέρχεται.

Εὐχὴ 55. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἀποδύει αὐτὸν καὶ ἀπολύει, καὶ ἱστησιν αὐτὸν κατὰ ἀνατολάς, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτὸν γ'. καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ, τὸ στόμα καὶ τὸ στῆθος, βελὼν τὴν χεῖρα εἰς τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος βαπτισθῆναι, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου... Ἰστέον, ὅτι, πρὸς δυσμὰς στρεφόμενος, ὁ ἱερεὺς ἀναγινώσκει τοὺς ἀφορισμοὺς τούτους· Ἐπιτιμᾷ σοι Κύριος, διάβολε... p. 275. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ φοβερός... p. 272. Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς στρεφόμενος κατὰ ἀνατολάς· Κύριε Σαβαώθ, ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ... p. 276. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον τὸν πρὸς ὦρην βαπτιζόμενον· Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε. Goar. p. 276. Εἶτα ἐμφυσᾷ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ γ'. καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ, καὶ τὸ στῆθος, καὶ τὸ στόμα, λέγει· Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ πᾶν πονηρόν... Goar. p. 277. Далѣ, какъ въ ркп. М. Синод. библ. № 279. Дмитріевскій. Прил. стр. 10, 11. Вопросы написаны также. „Вѣрую“ читаетъ трижды оглашаемый или его восприемникъ. Прибавки: Καὶ βαπτίζομαι въ формуλῃ: Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ ἡβῆτῃ. т. 61. Ἀκολουθία καὶ τάξις τῶν βαπτισμάτων.

Ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὴν κολυμβήθραν καὶ θυμῷ αὐτὴν σταυροειδῶς, εὐλογεῖ λέγων· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ εὐσεβεστάτου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τοῦ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ πηγὴν ζωῆς... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι ἐν αὐτῷ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτησαί... Ὑπὲρ τοῦ πάντα ἐν αὐτῷ ψυχοφθόρον πολέμιον τῇ δυνάμει βυθισθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ τέκνου φωτὸς ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ θεία αὐτὸν κατὰ τοῦ ἀντιπάλου ἐνδύσασθαι δυνάμει τοῦ ἐλαίου τῆς χρίσεως, τοῦ σκεύους αὐτὸν γενέσθαι πρὸς ὑποδοχὴν τοῦ θείου μύρου... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆ καὶ βέβαιαν... Ὑπὲρ τοῦ κοινὸν αὐτὸν γενέσθαι τοῦ ἀχράντου σώματος... Ὑπὲρ τοῦ κληρονόμον αὐτὸν ἀναδειχθῆναι τοῖς τῶν δικαίων βιοῦσιν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίως. Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτὸν μυστικῶς· Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός... Καθ' ἑαυτὸν λέγει τὴν ἐκφώνησιν καὶ τὸ Ἀμήν, εἶτα λέγει ἐκφώνως· Πρόσχωμεν. Μέγας εἶ, Κύριε, θυμαστά τὰ ἔργα σου... Goar. p. 288. Καὶ ἐμφυσᾷ γ'. εἰς τὸ ὕδωρ, σφραγίζων τῷ δακτύλῳ, λέγει· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν... p. 289. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ. Φερόμενον τὸ ἄγγεῖον τοῦ ἐλαίου ὑπὸ τοῦ διακόνου, κλίνας τὴν κεφαλὴν ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ ἄγγεῖον, ἐμφυσᾷ γ'. καὶ σφραγίσας, λέγει τὴν

εὐχὴν μυστικῶς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τοῖς ἐν τῇ κιβωτῇ. Goar. p. 289. Ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Λαβὼν τὸ τρυβλίον ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ποιῶν ἐξ αὐτοῦ σταυροῦ τύπον εἰς τὸ ὕδωρ, ψάλλον τὸ Ἀλληλούια, ἤχος πλ. β'. μετὰ καὶ τοῦ λαοῦ. Εἴτα ἐκφώνως ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητός ὁ Θεός... Εἴτα προσφέρεται τῷ ἱερεὶ ὁ μέλλων βαπτισθῆναι, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ (αὐ)τοῦ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ ἐπὶ τοῦ στήθους καὶ τῶν μεταφρένων, λέγει· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ἔλαιον ἀγαλλιάσεως... Εἴθ' οὕτως χρίει ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ ὅλον τὸ σῶμα. Καὶ μετὰ τοῦτο βάλλει ὁ ἱερεὺς τὸ λέντιον καὶ τὰ ὑπομανίκια καὶ βαπτίζει αὐτόν, λέγει· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος.. Ἐκάστη προσήρει κατάγων αὐτόν καὶ ἀνάγων, λέγει ὁ ἱερεὺς, καὶ οἱ ψάλλται λέγουν· Μακάριοι ὦν... Λέγει γ'. Δόξα καὶ νῦν, Καὶ ὦν ἀπεκαλύφθησαν αἱ ἁμαρτίαι. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ μύρου· Εὐλογητός εἰ, Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τοῦ ἁγιασμοῦ... p. 290. Καὶ ὁ λαός· Ὅσοι εἰς Χριστόν... γ'. Δόξα καὶ νῦν. Ὁ ἱερεὺς, λαβὼν τὸ ἅγιον μύρον, χρίει τὸν βαπτισθέντα, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων, λέγει οὕτως, χρίων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.. Καὶ μετὰ τὸ ἐνδυσθῆναι τὸν βαπτισθέντα, ἐπιτίθησιν αὐτῷ ὁ ἱερεὺς τὸ κουκούλιον, λέγει· Λάβε στολὴν λαμπράν καὶ ἄμωμον, ἣν προσκομίσεις διὰ χειρὸς σου πρὸ τοῦ βήματος τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ ἔξεις ζωὴν αἰώνιον. Ἀμήν. Ἀποδίδει τὸ κηρί, λέγει· Λάβε ταύτην τὴν λαμπάδα καὶ τήρησον αὐτὴν ἄσβεστον, ἵνα, ὅταν ἔλθῃ ὁ Κύριος ἐν τῷ γάμῳ, δυνήθῃς αὐτῷ ὑπαντῆσαι μετὰ τῶν ἁγίων (αὐ)τοῦ ἐν αὐτῇ οὐρανίῳ καὶ ἔξεις ζωὴν αἰώνιον. Ἀμήν. Λέγει ὁ ἱερεὺς· Πορεύεσθε ἐν εἰρήνῃ.

λ. 66 σβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον τῇ η'. ἡμέρα τοῦ βαπτίσματος αὐτοῦ.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἐνδυσάμενος τὸν Χριστόν τὸν ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν... Goar. p. 304. Καὶ μετὰ τοῦτο λαμβάνει ὕδωρ εἰς ἀγγεῖον καὶ ἐμφυσᾷ εἰς αὐτὸ γ'. καὶ σφραγίσας, λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθαρίσας ἡμᾶς ἐν τῇ ἀγίᾳ σου κολυμβήθρᾳ. Goar. p. 305. Καὶ εἴθ' οὕτως ἀπονίπτει τὸ πρόσωπον τοῦ νεοφωτίστου τῷ ὕδατι καὶ ἀπολύει αὐτοῦ καὶ σταυρίον μετὰξιν καὶ ἀπολύει.

λ. 67. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ εἰκόνι τιμήσας τὸν ἄνθρωπον Εὐχολόγιον τ. II.

πον... Goar. p. 306. Λαβὼν ὁ ἱερεὺς ψαλλίδιον, κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ μετὰ τοῦτο· Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν Goar. p. 306.

λ. 68. Εὐχαὶ εἰς ἀρρώστους.

1) Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν... См. выше стр. 107. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... 2) Ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε Κύριε. См. выше стр. 197. 3) Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ Κύριος τῶν κυριευόντων καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως, ὁ εἰσακούων πάντων τῶν ἐπιθεσμένων τῆς σῆς βοηθείας, καὶ τὰ νῦν δυσωποῦμέν σε καὶ δεόμεθα, καὶ παρακαλοῦμεν, μνήσθητι τοῦ ἐν ἀρρώστια κατακειμένου ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα, ἐπίσκεψαι αὐτὸν ἐν τῷ σωτηρίῳ σου, ἐπιφάνηθι αὐτῷ ἐν τῇ χρηστότητί σου, ἀπέλατον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν, ἀνάστησον αὐτὸν ἀπὸ κλίνης ἀρρώστιας καὶ ἀπὸ στρωμνῆς κακώσεως, καὶ χάρισαι αὐτὸν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ ἐρῶμενον ψυχῇ καὶ σώματι καὶ πνεύματι εἰς τὴν σὴν δοξολογίαν. Ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν... 4) Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια πάθη λόγῳ θεραπεύσας. См. выше стр. 56. 5) Κύριε παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ, ὁ παιδεύων καὶ μὴ θανατῶν, ὁ ὑποστηρίζων τοὺς καταπίπτοντας καὶ ἀνορθῶν τοὺς κατηραμένους. Прилож. стр. 127, см. выше стр. 107. 6) Κύριε ὁ Θεός, ὁ ῥυσάμενος τοὺς τρεῖς παῖδας ἀπὸ καμίνου πυρὸς καὶ Δανιὴλ ἐκ στόματος λεόντων, καὶ τὴν πενθερὰν Πέτρου ἀπὸ πυρετοῦ, καὶ πᾶσαν νόσον ἡμῶν ἀπελκύνειν ἀοράτως δυνάμενος, ῥύεσθαι τε θανάτου (καὶ) μετατιθέναι πρὸς ζωὴν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸν σὸν οἰκέτην φιλανθρωπίας ὁμματι, ἐπιτίμησον τῇ νόσῳ, ὀρεξομιάσεως χεῖρα τῷ κάμνοντι, ῥῦσαι αὐτὸν ἀπὸ τῆς συνεχούσης αὐτὸν ἀνάγκης καὶ κακώσεως καὶ θραῦσον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν νόσον καὶ πάντα πυρετόν, ἐπιφάνηθι αὐτῷ κατὰ τὴν χρηστότητα τῆς ἀγαθωσύνης σου, ὅπως αὐτὸς καὶ ἡμεῖς σοί, τῷ χορηγῷ παντὸς ἀγαθοῦ, δόξαν καὶ μεγαλοπρέπειαν ἀναπέμπωμεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἀγίῳ Πνεύματι. 7) Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος δυνατὸς καὶ ἐλεῆμων, ὁ πάντα οἰκονομῶν... Прил. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 132, прим. 3. 8) Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ καλὸς ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, ὁ τὰς νόσους ἡμῶν ἀπόνως βρυστάζων, οἷ τῷ μῶλωπι αὐτοῦ ἡμεῖς πάντες ἰάθημεν, ὁ τὸν θάνατον θανατώσας καὶ τοῖς ἐν τοῖς μνήμασι ζωὴν χαρισάμενος, ὁ τὸν Λάζαρον ἐκ νεκρῶν ἀναστήσας τετραήμερον, ὁ ἐπίσκεψάμενος τὴν πεν-

θεράν Σίμωνος, τῶν ἀποστόλων τοῦ κορυφαίου Πέτρου, καὶ ἐπὶ λόγῳ ἀποστήσας αὐτῆς τὸν πυρετόν, ὁ τοῖς δυοῖς χρεοφειλέταις τὸ δάνειον χαρίσάμενος, καὶ τῇ ἀμαρτωλῷ γυναικὶ ἄφρατον ὠρησάμενος, Αὐτὸς πολυεὶς σπλαγχνῶν Κύριε, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε, ὁ μετατανοῶν ἐπὶ κακίαις ἀνθρώπων ἐπίδε ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε καὶ δῖωξον ἀπ' αὐτοῦ τὴν κεφαλαλγίαν, τὸ ζῆλος, τὸ βῆρος, τὸν καύσωνα, καὶ λύτρωσαι αὐτὸν ἀπὸ φρικιασμοῦ, ἀπὸ ῥίγους, ἀπὸ πυρετοῦ, ἀπὸ ἡμέρας πονηρᾶς καὶ ὥρας, καὶ ἀπὸ ὀφθαλμῶν πονηρῶν ἀνθρώπων, ἀπὸ δαιμονίου μεσημβρινοῦ καὶ ἀπὸ πάσης νόσου καὶ μαλακίας, πρᾶϋνον τὸν πόνον, φυγάδευσον τὸν πυρετόν, δῖωξον τὴν ἀσθενείαν, ἔνχ καὶ αὐτὸς μνησθεῖν τὴν προφητείαν Δαβὶδ, τὴν λέγουσιν· Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεός σου καὶ κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰκτιρμῶν σου, ἐξάληψον ἀπ' ἐμοῦ πᾶσαν ἀμαρτίαν καὶ πᾶσαν ῥαθυμίαν, πᾶσαν ἀρρώστιαν καὶ βλασφημίαν· Σὺ γὰρ εἶ ὁ ἀληθινὸς ἰατρός τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Сн. вышше стр. 58.

л. 71. Εὐχὴ πρὸς κλητικὴν εἰς ἀρρώστους εἰς ἀγίαν (sic) ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

Παρθένε Δέσποινα Θεοτόκε Μαρία, ἡ τὸν Θεὸν λόγον κατὰ σὰρκα γεννήσασα, ἡ πάσης κτίσεως ὁρατῆς τε καὶ ἀοράτου ὑπερτέρα, τιμὴν δεξαμένη, βοήθησον τῷ δούλῳ σου τῷδε, τῷ μὴ ἔχοντι τινα πρὸς βοήθειαν καὶ ἰκέτευσον τὸν ἄχραντόν σου Υἱὸν τοῦ ἐλεῆσαι καὶ ῥύσασθαι αὐτὸν ἐκ τῆς χαλεπῆς ταύτης νόσου· οὐδὲ γὰρ δυσχερές, οὐδὲ ἄτοπον παρὰ τῷ Υἱῷ σου ὑπάρχει, τῷ καὶ τοὺς βραβάρους ἐλεοῦντι καὶ τὸν ἥλιον αὐτοῦ ἀνατέλλοντι καὶ βρέχοντι ἐπὶ δικαίους καὶ ἀδίκους· καὶ γὰρ ποτε οἱ στυγρόσαντες αὐτὸν ἄξιοι πάσης τιμωρίας ὑπῆρχον, ἀλλ' Αὐτὸς τῇ ἐαυτοῦ εὐσπλαγχνίᾳ ἐρρύσατο αὐτούς.—Καὶ οὗτος, εἰ καὶ ἄξιος ὑπάρχει τιμωρίας, ἀλλ' εἷς ἐστὶ τῶν πιστευόντων εἰς Αὐτόν, καὶ ὡς τὴν πενθεράν ἤγειρε τοῦ ἀποστόλου Πέτρου καὶ τοῦ βασιλικοῦ τὸν παῖδα ἀνέστησεν, οὕτως καὶ τοῦτον ἐν τάχει ἀνάστησον διὰ τῆς σῆς ἰκεσίας, πρὸ πάντων τὴν σὴν βοήθειαν αἰτοῦντα, ἔπειτα δὲ ἀγγέλους, ἀρχαγγέλους, προφῆτας, μάρτυρας, ὁσίους, δικαίους, διδασκάλους, ἀποστόλους, τὸν προφῆτην καὶ μάρτυρα βαπτιστὴν Ἰωάννην, Πέτρον καὶ Ἰάκωβον, Ἀνδρέαν καὶ Ἰωάννην, Ματθαῖον καὶ Βαρθολομαῖον, Φίλιππον καὶ Θωμᾶν, Σίμωνα καὶ Ἰάκωβον Ἀλφαίου, Ἰούδαν καὶ Ματθαῖον, τὸν πρωτομάρτυρα Στέφανον, τὸν ἀρχιδιάκονα, καὶ μέγα Λαυρέντιον, τὴν τῶν ἀναργύρων δυνάδα, Κοσμᾶν καὶ Δαμιανόν, Σέργιον καὶ Βάκχον, Κύρον καὶ Ἰωάννην, Παντελεήμονα καὶ Ἐρμόλαον, τὸν ἐνδοξόν Γεώργιον, τὸν μέγιστον Δημήτριον, τὸν θαυμαστὸν Θεόδωρον,

τὸν ὅσιον Νικόλαον, τοὺς κλεινοὺς Ὑπάτιον καὶ Ἰάσονα, τὸν θεῖον Ἀναστάσιον καὶ τὸν θαυματουργὸν Γρηγόριον καὶ πάντας τοὺς ἁγίους· καὶ γὰρ χάριν παρ' αὐτοῦ ἔλαβον τοῦ δεσμεῖν καὶ λύειν καὶ ἰάσθαι τὰς νόσους τῶν ἀνθρώπων, ἵνα διὰ τῶν πρεσβειῶν σου καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἰάσεως τύχῃ καὶ σωτηρίας ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, δοξάζων σὺν ἡμῖν τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος.

λ. 72. Εὐχὴ εἰς ψυχὴν κρινομένην.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντας ἀνθρώπους θέλων σωθῆναι. Goar. p. 587

λ. 72 οβ. Εὐχὴ ἐν κοιμήσει ἱερέως.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σου μόνον τὸ ζῆν ἀθάνατε, καὶ ἡ δόξα ἀκατάληπτος. Goar. p. 452.

λ. 73. Εὐχὴ ἐν κοιμήσει νηπίου.

Ὁ φυλάσσων τὰ νήπια, Κύριε. Goar. p. 478.

λ. 73 οβ. Ἀκολουθία καὶ τάξις τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Μετὰ τῆς ἀπόλυσιν τῆς θείας λειτουργίας, οὗ λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθετε, ἀλλὰ ἀντὶ τούτου λέγει· Σοφία, καὶ ἐξερχόμεθα εἰς τὸν λουτήρα μετὰ θυμιατοῦ καὶ μανουαλίων, ψάλλουσιν εὐθὺς οἱ ψάλται τροπάριον, ἡχος πλ. δ'. μετὰ μέλους· Φωνὴ Κυρίου... Στίχος· Ἐνέγκατε τῷ Κυρίῳ υἱοὶ Θεοῦ. Τὸ αὐτὸ τροπάριον. Στίχος· Ἐνέγκατε τῷ Κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ. Τὸ αὐτό. Καὶ εὐθὺς τὰ στιχηρά· Σήμερον τῶν ὑδάτων... Στίχος· Ἡ θάλασσα ἶδε... Ὡς ἄνθρωπος ἐν ποταμῷ... Στίχος· Τί σοι ἐστὶν ἡ θάλασσα, ὅτι ἔφυγες, καὶ σοὶ Ἰορδάνη... Πρὸς τὴν φωνήν... Δόξα καὶ νῦν, Τάδε λέγει Κύριος πρὸς Ἰωάννην... Μετὰ στιχηρά λέγει τὰς προσφητείας τὰς γ'. καὶ εὐθὺς ἡ συναπτὴ· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης. Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ εὐσεβεστάτου... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμήσαι... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ πᾶσι τοῖς τε χρισμένοις καὶ μεταλαμβάνουσιν... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὸ ἀποτροπὴν καὶ καθαρτήριον καὶ ἁγιασμὸν οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτοὺς κληρονόμους τῆς οὐρανίου βασιλείας διὰ τοῦ ὕδατος... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν καθ' ἑαυτὸν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱὸς... Goar. p. 368. Καὶ πληρώσας τὴν εὐχὴν, λέγει καθ' ἑαυτὸν τὸ Ἀμήν, καὶ εὐθὺς ἀρχεται ἐκφώνως· Πρόσχωμεν. Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου...

Goar. p. 370. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου... Εἴτα λαβὼν τοὺς σταυροὺς, βαπτίζει, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεῖ... καὶ τῶν φαλλόντων φαλλόντων τροπάριον, ἤχος α'. 'Εν Ἰορδάνῃ βαπτιζομένου... Εἴθ' οὕτως ἀπογεύεται ἐξ αὐτοῦ καὶ δίδει καὶ τῷ λαῷ. Εὐθὺς ὁ διάκονος· 'Εν εἰρήνῃ προέλθετε. 'Ο ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, τὴν ὀπισθάμβωνον καὶ ἀπολύει.

π. 77. Ἀκολουθία εἰς υἱοθετοῦντας.

Προσκαλεῖται ὁ ἱερεὺς τὸν μέλλοντα υἱοθετῆσαι σὺν τῷ υἱοθετομένῳ καὶ ἵστησιν αὐτοὺς ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, λέγοντος τοῦ ἱερέως· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... 'Εν εἰρήνῃ... 'Υπὲρ τῆς ἁνωθεν... 'Υπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τοῦδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ διαθέσεως καὶ ἀγαθῆς ἐπιτηδεύσεως, καὶ ἔργου πνευματικοῦ, καὶ εἰρήνης, καὶ ὁμονοίας αὐτῶν τοῦ... 'Υπὲρ τοῦ ἐν ἀγαθοεργίᾳ καὶ εὐαρέστῳ ἡπολιτεία αὐτοὺς βῶσαι τοῦ... 'Υπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβροῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας.. Πρόσχωμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, διὰ τοῦ ἡγαπημένου σου Παιδός. Goar. p. 561. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. 'Ο ἱερεὺς εὐχεταὶ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός... p. 562. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἀπλώσας τὰς χεῖρας εἰς τὰ ἅγια θυρία τοῦ υἱοθετοῦντος, λαβὼν ὁ ἱερεὺς τῆς χειρὸς τὸν υἱοθετούμενον, διαβάζει τοῦτον γ'. ἀπὸ τῶν μασχαλῶν τοῦ υἱοθετοῦντος, λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ σπλάγγνα ἐλέους σου κατελθὼν ἐπὶ σωτηρίαν p. 562. not. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν, ποιεῖ μετάνοιαν ὁ υἱὸς εἰς τοὺς πόδας τοῦ πατρὸς καί, κρατήσας αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τῆς χειρὸς, δίδωσιν αὐτὸν τῷ πατρί, λέγων· Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν καὶ ἀπολύει.

π. 78 ob. Ἀκολουθία καὶ τάξεις εἰς μνηστρα.

Δεῖ εἰδέναι, ὅτι, ἐὰν ἐστὶν εὐλόγημα καὶ στεφάνωμα, ἡ μὲν εὐλόγησις γίνεται ἐν τῷ νάρθηκι, ἡ δὲ στεφάνωσις ἐν τῷ ναῷ, εἰ δὲ ἐν ἐκ τῶν δύο εἰς τὸν ναόν. Πρῶτον τίθεται σέλιον καὶ ματεπιπίδιον(;), καὶ εἴθ' οὕτως τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον τίθησιν ἐπάνω τοῦ ματεπιπιδίου καὶ δύο δακτυλίδια, τὸ μὲν χρυσοῦν, τὸ δὲ ἕτερον ἀργυροῦν, καὶ τὰ μνηστρα, καὶ προσέρχονται οἱ μέλλοντες στεφανωθῆναι ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, καὶ ἵστησιν τὸν μὲν νεώτερον ἐκ δεξιῶν, τὴν δὲ κόρην ἐξ εὐωνύμων, καὶ δίδωσι πρὸς ἓνα κηρόν, λέγει πρὸς ἓνα ἕκαστον· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, καὶ εἴθ' οὕτως συναπτῇ· 'Εν εἰρήνῃ... 'Υπὲρ τῆς ἁνωθεν... 'Υπὲρ τῆς εἰρήνης... 'Υπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... 'Υπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνη-

στρα... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ μνηστευομένων εἰς ἔνωσιν... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τῆσδε καὶ τῆς ἐν Θεῷ μνηστεύσεως αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Πρόσχωμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγών. Goar. p. 311. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν ἐκκλησίαν... Ibid. Λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια ἀπὸ τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, δίδωσι τῷ ἀνδρὶ καί, οὕτως τιθέντων ἐν τοῖς δακτύλοις αὐτῶν, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεὶ. . Καὶ ἀπολύει.

π. 79 οβ. Ἀκολουθία εἰς γάμους.

Προσέρχονται οἱ μέλλοντες στεφανωθῆναι τῷ ἱερεῖ, καὶ ἵστησιν αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου βήματος, καὶ φέρουσι τῷ ἱερεῖ τὰ στεφάνια καὶ τὸ κοινὸν ποτήριον (εἰς) γεῦσιν τοῦ κονδίτου, καὶ ἵστησιν αὐτὰ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ ἐξ ἀριστερῶν τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ὁ ἀνὴρ λαϊκός, ζῶν νει αὐτῷ σπαθήν, εἰ δὲ κληρικός, τίθησιν αὐτῷ στιχάριον, καὶ ἵστησι τὸν μὲν νεώτερον ἐκ δεξιῶν, τὴν δὲ κόρην ἐξ εὐωνύμων, καὶ δίδωσιν αὐτοῖς πρὸς ἕνα κηρόν, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ μνηστευομένων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦ δεῖνα καὶ τῆς δεῖνα καὶ τῆς ἐν Θεῷ συζεύξεως αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Πρόσχωμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναικα... Goar. p. 317. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηρίῳδῃ σου οἰκονομία καταξιώσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... p. 318. Εἰδ' οὕτως στεφανοῖ αὐτούς, λέγων· Ὁ Πατὴρ εὐλογεῖ, ὁ Υἱὸς στεφανοῖ, τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον παραγίνεται καὶ τελειοῖ. Τούτων δὲ γενομένων, οἱ φάλται, ἡχος βάρυς· Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας... Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος εὐθηνούσα, οἱ υἱοί σου, ὡς νεόφυτα... Καὶ τούτου φαλλομένου, δίδωσιν αὐτοῖς τῆς ἀχράντου κοινωνίας, ἔπειτα προσφέρει τὸ κοινὸν ποτήριον καὶ λέγει εἰς αὐτὸ τὴν εὐχὴν τούτην· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου. Goar. p. 319. Εἰδ' οὕτως ποτίζει αὐτοὺς ἐκ τρίτου καὶ κατακλᾷ τὸ ποτήριον εἰς τὴν γῆν, καὶ πλέξας τὰς χεῖρας αὐτῶν τὰς δεξιὰς, λέγει· Πορεύεσθε ἐν εἰρήνῃ.

λ. 81 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ αἶρειν τὰ στέφανα.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλόγησας ἡμᾶς τῇ εὐλογίᾳ σου τῇ ἀγίᾳ. Goar. p. 326.

λ. 82. Εὐχὴ ἐπὶ διγαμῶν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραὰμ φίλον καλέσας καὶ τὸν Ἰσαὰκ καὶ τὸν Ἰακώβ εἰς γυναικὰ τῇ Λείᾳ συνάψας. Ркп. XVI в. Свято-гроб. библ. № 615. л. 292.

λ. 82 οβ. Ἀκολουθία καὶ τάξις εἰς ἀδελφοποίησιν.

Προσέρχονται οἱ μέλλοντες ἀδελφοὶ γενέσθαι τῷ ἱερεῖ, καὶ αὐτὸς τίθησιν τὸ εὐαγγέλιον εἰς τὸ στήθος τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ ὁ πρῶτος ἀδελφὸς τίθησι τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπάνω τοῦ εὐαγγελίου καὶ ὁ δευτέρος ἐπάνω τῆς χειρὸς τοῦ πρώτου ἀδελφοῦ, καὶ εἶδ' οὕτως σφραγίσας αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῶν δούλων... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς πνευματικὴν ἀγάπην καὶ τὴν εἰς ἀλλήλους τιμὴν τοῦ... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν δωρησῆται αὐτοῖς βίον ἄμεμπτον καὶ πολιτείαν εὐάρεστον... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Πρόσχωμεν. Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν... Goar. p. 708. Εἰρήνῃ ὑμῖν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῖν χαρισάμενος, ἐντειλάμενος ἡμῖν ἀγαπᾶν ἀλλήλους. Goar. p. 707. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς ἀφάτου σου οἰκονομίας καταξιώσας ἀδελφοὺς καλέσαι τοὺς ἁγίους ἀποστόλους καὶ κληρονόμους τῆς βασιλείας σου, αὐτοὺς τοὺς δούλους σου τόνδε καὶ τόνδε ἀδελφοὺς πνευματικοὺς ἀνάδειξον καὶ ἐν μέσῳ αὐτῶν γενέσθαι καταξίωσον, ἀσκανδαλίστους ἐκ τῶν μεθοδιῶν τοῦ διαβόλου καὶ τῶν πονηρῶν αὐτοῦ πνευμάτων, ὅπως, ἐν ἀρετῇ καὶ δικαιοσύνῃ προκόπτοντας καὶ ἐν ἀγάπῃ εἰλικρινεῖ, δοξάζεται δι' αὐτῶν καὶ δι' ἡμῶν πάντων τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐνδοξαζόμενος ἐν βουλῇ ἁγίων, ὁ μέγας καὶ φοβερός ὑπάρχων ἐπὶ πάντας τοὺς περικύκλω σου, εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους, χάρισαι αὐτοῖς τὴν γνῶσιν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, ὁδήγησον (αὐ)τοὺς ἐν τῷ ἁγίῳ φόβῳ σου, εὐφρανον αὐτοὺς ἐν τῇ δυνάμει σου, ἵνα γένωνται πνευματικοὶ ἀδελφοὶ ὑπὲρ τοὺς σαρκικούς. Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων τὰ σύμπαντα... Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινά ἐφορῶν. Goar. p. 708. Καὶ ἀσπασάμενοι τὸ ἄγιον εὐαγγέλιον καὶ εἶδ' οὕτως ἀλλήλους, καὶ ἀπολύει.

1. 85. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἀγίας Πεντηκοστῆς.

Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... εἶτα ὁ λαός· τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου, καὶ οὕτως συναπτὴ ὑπὸ τοῦ ἱερέως, ἀλλαγμένου τὰ ἔπιπλα αὐτοῦ ὅλα, ἤγουν τὸ στιχάριον καὶ φελώνιον· Ἐν εἰρήνῃ. Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὅτι πρέπει σοι. Εἰρήνῃ πᾶσι. Κύριε ἐκέκραξα, τὰ στιχηρά, τὸ Δόξα καὶ νῦν, τὸ Φῶς ἱλαρόν, προκείμενον· Τίς Θεὸς μέγας, ἀναγνώσματα γ'. ὁ ἀπόστολος, τὸ εὐαγγέλιον· Οὕτως ὁψίας... Εἴπωμεν πάντες... Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα... Αὐταὶ αἱ εὐχαὶ λέγονται οὔτε πολλὰ μικρά, οὔτε μεγάλα, ἀλλὰ μεσαῖα· Ἀχραντε, ἀμίαντε... Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν εὐχὴν τοῦ λυχνικοῦ· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ. Goar. p. 597—598. Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Σὸν γὰρ ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν. Ἀντίφωνον, ἦχος β'. Ἠγάπησα, ὅτι εἰσακουσεται Κύριος τῆς φωνῆς... Ταῖς πρεσβείαις... Ὅτι ἔκλινε τὸ οὖς αὐτοῦ ἐν ἐμοί... Ταῖς πρεσβείαις... Ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων ὁ Κύριος... Ταῖς πρεσβείαις... Φυλάσσων τὰ νήπια ὁ Κύριος καὶ ἔσωσεν... Ταῖς πρεσβείαις... Δόξα καὶ νῦν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν σὴν εἰρήνην... Goar. p. 599. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν β'. εὐχὴν τοῦ λυχνικοῦ· Κύριε, Κύριε, ὁ ῥυσάμενος ἡμᾶς... p. 600. Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Εὐδοκία καὶ χάριτι τοῦ μονογενοῦς... Ἀντίφωνον β'. ἦχος πλ. β'. Ἐπίστευσα, διὸ ἐλάλησα... Σῶσον ἡμᾶς, Παράκλητε ἀγαθέ, ψάλλοντες.. Ἐγὼ εἶπα ἐν τῇ ἐκστάσει μου... Δόξα, Ὁ μονογενὴς Υἱός, Καὶ νῦν, Τὴν ὑπερένδοξον τοῦ Χριστοῦ Μητέρα καὶ τῶν ἀγγέλων ἀγιωτέραν, ἀσιγήτως ὑμνήσωμεν... Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα... Ἡ ἀεννάως βρύουσα ζωτικὴ. Goar. p. 600. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος... Goar. p. 601. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν ταύτην εὐχὴν δ'. Σὸν ὡς ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μυστήριον, Δέσποτα τῶν ἀπάντων ποιητά... p. 601. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Σὺ γὰρ εἶ ἀνάπυσις τῶν ψυχῶν... Ἀντίφωνον γ'. Αἰνεῖτε τὸν Κύριον πάντα τὰ ἔθνη... Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός... Ἐπαινέσατε αὐτὸν πάντες οἱ λαοί... Ἅγιος ὁ Θεός κ. τ. α. Δόξα, Ἅγιος ὁ Θεός... Καὶ νῦν, Ἅγιος ὁ Θεός... Καὶ εὐθὺς Καταξίωσον, Κύριε, τὰ στιχηρά, ἦχος γ'. Νῦν εἰς σημεῖον... Δόξα, ἦχος πλ. δ'. Δεῦτε λαοί... Καὶ νῦν, Ἐτέχθης. Νῦν ἀπολύεις, τὸ Τριάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν. Εὐλογητὸς εἶ, Χριστὲ ὁ Θεός... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ἐτι ὑπὲρ τοῦ ἰλεων, εὐμενῇ... Ὑπὲρ τοῦ εὐσεβεστάτου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ περιεστώτος... Ὅτι ἐλεήμων. Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐ-

χήν· Ὁ Θεός ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν. Goar. p. 602. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἐσπέραν πάσαν κ. τ. λ. Ὅτι ἀγαθός καὶ φιλόανθρωπος... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ κλίνας τοὺς οὐρανούς. Goar. p. 603. Σοφία. Ἐν εἰρήνῃ προέλθετε. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι. Ὁ ἱερεύς· Ἐλεον, εἰρήνην καὶ ἄφεσιν ἁμαρτιῶν παράσχου ἡμῖν, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, διὰ πρεσβειῶν τῆς παναχράντου σου Μητρὸς καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ἐκφώνως· Ὁ ὢν εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν καὶ ἀπολύει.

π. 95 οβ. Ἀκολουθία καὶ τάξις, γινομένη ἐπὶ μιαροῦ, πίπτοντος εἰς πηγὴν ὕδατος.

Χρὴ πρῶτον ἀντλήσκει λάδους ἰε΄. καὶ ἐκχέεσθαι, καὶ ἄψαι κηρούς καὶ στήσαι ἔνθεν καὶ ἔνθεν, καὶ θυμιάσαι κύκλῳ τοῦ φρέατος, καὶ λέγειν τὸν ἱερέα τὴν συναπτήν· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ ἐπιφοιτήσει... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τῶν ἀντλούντων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναχρίας... Goar. p. 480. Κύριε παντοκράτωρ, ὁ Θεός ὁ μέγας καὶ ἀνεξιχνίατος См. выше стр. 48. Καὶ πληρώσας τὴν εὐχήν, λέγει καθ' ἑαυτὸν καὶ τὸ Ἀμήν καὶ ἀπάρχεται ἐκφώνως· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ ὀπτασίας καὶ φωνῆς νομοθετήσας τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων σου Πέτρῳ... См. выше стр. 34. καὶ καθάρισον εἰς αὐτὰ πᾶν ἀκάθαρτον καὶ τὴν κηλίδα τῶν ψυχῶν ἡμῶν ἀπόσμουξον, καὶ ἀκατακρίτως ἡμᾶς καταξίωσον μεταλαβεῖν ἐκ τοῦ πώματος αὐτῶν, ὡς ποιητῆς καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσόν μου, ὁ περιπατήσας ἐπὶ τῶν ὑδάτων καὶ ἁγιάσας αὐτά, εὐλόγησον πάντας ἡμᾶς τοὺς κεκληκότας τοὺς ἑαυτῶν αὐχένας καὶ σημαίνοντας τὸ τῆς δουλείας πρόσχημα καὶ καταξίωσον τὸν ἐπίλοιπον τῆς ζωῆς ἡμῖν χρόνον ἀπολαῦσαι τῆς τῶν ὑδάτων σου μεταλήψεως καὶ γενέσθω ἡμῖν, Κύριε, εἰς ὑγίαν ψυχῆς καὶ σώματος· Σὺ γὰρ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν, Χριστὲ ὁ Θεός... Καὶ ποιῶν σταυροῦ τύπον εἰς τὸ ὕδωρ μετὰ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων καὶ ἀπολύει.

π. 97 οβ. Τάξις, γινομένη εἰς συμβῆ μιαρὸν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἄγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

Χρὴ ἐπαίρειν αὐτὸ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον καὶ ρίπτειν ἔξω καὶ πλύνειν ἕτερον ἄγγεῖον ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ μεταστρέφει τὸν οἶνον ἢ τὸ ἔλαιον εἰς τὸ ἄγγεῖον, καὶ βαλεῖν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων, καὶ ἄπτειν

κηρούς δύο καὶ στήσαι ἔνθεν καὶ ἔνθεν, καὶ λέγειν τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ σωτηρίᾳ διαστειλόμενος. Goar. p. 482. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θρυμαστός, ὁ ἀνεκδιηγήτῳ ἀγαθωσύνη... Goar. p. 479. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν πάλιν ἐπιχέει ἐκ τοῦ ἀγιάσματος σταυροειδῶς τρίτον, καὶ ἀπογεύεται ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ὕδατος ἐκείνου, παρουσία πάντων τῶν ἐκεῖ εὐρισκομένων. Εἰ δὲ συμβῇ τὸ ἀκάθαρτον τὸ ἐμπεσόν χρονῖσαι ἐν τῷ ἀγγεῖῳ τοῦ ἐλαίου ἢ τοῦ οἴνου καὶ συσαπῆναι, ἐκχέσθω τὸ τοιοῦτον εἶδος καὶ μηδὲν ἐξ αὐτοῦ ἄπτεσθαι, μηδὲ εὐχὴ γίνεσθαι.

λ. 99. Εὐχὴ εἰς ἀγγεῖον μινανθέν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ εἰπών· τὰ ἐν τῇ ὁδῶν ᾗ ὄντα μισρά καὶ ἀκάθαρτα πάντα καθαρὰ εἶναι. См. выше стр. 117.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμέλιον οἰκίας.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ εὐλογήσας τὴν σκηνὴν Ἀβραὰμ ὑπὸ τὴν δρυὶν τὴν Μαμβρὴν καὶ θεμέλιον αὐτῇ τιθεὶς ἄρρηκτον καὶ ἀποστείλας αὐτῷ ἀγγέλους καὶ ἀρχαγγέλους, Αὐτὸς Δέσποτα καὶ Κύριε, τῇ ἀοράτῳ σου ἐπιφανείᾳ εὐλόγησον τὸ θεμέλιον τοῦτο, ὥστε γενέσθαι αὐτὸ οἰκητήριον σωτηρίας, ἵνα καὶ οἱ ἐν αὐτῷ μέλλοντες κατοικεῖν ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ τὰς ἐντολάς σου τηρήσωσιν. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... .m. 20.

— Εὐχὴ ἐν εἰσόδῳ οἴκου νέου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν Ζαχαρίου. Goar. p. 484.

λ. 99 ὁδ. Εὐχὴ εἰς ἀπαρχὴν σπόρου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, θεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε τὸν σπόρον καὶ τοὺς καρπούς τούτους καὶ πάσης τῆς γῆς, τοὺς ἐπὶ τοὺς σοὺς οἰκτιρμούς πεποιθότας, αὐξήσον, εὐλόγησον, τελειώσον, σώους καὶ ἀβλαβεῖς αὐτοὺς διαφυλάξον, καὶ δὸς τοῖς δούλοις σου ἐπ' εὐλογίας τὰ σὰ εἰσφέρειν ἀλύπως καταλαβεῖν πάντα πόνον καὶ φθόνον καὶ πειρασμὸν ἀποδίωξον ἀπ' αὐτῶν, πᾶσαν φαρμακίαν κατάργησον ἀπὸ τῆς χώρας ταύτης, περιχαράσσων αὐτὴν ταῖς ἀγγελικαῖς σου δυνάμεσι διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι...

λ. 100. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ πολλὴν σου εὐσπλαγχνίαν ἀγαγὼν ἡμᾶς. Goar. p. 524.

λ. 100 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀμπέλου φυτευομένης.

Σὺ εἶ, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἀμπελος ἡ ἀληθινή καὶ ὁ Πατήρ σου γεωργὸς ἐστίν. Goar. p. 551. ...

λ. 101. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ζωηφόρος ἀμπελος, ἡ ἐπὶ σταυροῦ ἐκουσίως ὕφωθεῖσα καὶ ὑποτάξασα ἡμῖν τὸν τῆς εὐφροσύνης οἶνον, Αὐτὸς ἐπιδε ἐκ τῶν ἀγίων σου ὕψωμάτων καὶ εὐλόγησον τὴν ἀμπελον ταύτην καὶ πλήθυνον τὰ γεννήματα αὐτῆς, ὅπως, οἱ μέλλοντες αὐτὴν τρυγᾶν, θεασάμενοι τοὺς ληνοὺς ὑπερεκχεομένους, εὐχαριστίαν σὺν ἡμῖν ἀναπέμψωσι τῇ σῇ μεγαλειότητι, δοξάζοντες τὸν ἀναρχόν σου Πατέρα σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι.

Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι σταφυλὰς. εἰς τὴν

Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκῆσας ἀμπελον κληθῆναι. Goar. p. 552. Barb. Codex. S. Marci.

λ. 101 οβ. Εὐχὴ εἰς τὴν εὐλόγησιν οἴνου νέου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν, εὐλόγησον, ἀγίασον τὸν οἶνον τοῦτον, εὐφρανον τὰς ψυχὰς τῶν ἐξ αὐτοῦ πινόντων καὶ πλήθυνον αὐτὸν αὐτοῖς ἐκ τῆς πίστεως τοῦ οἴκου σου, ὅπως εὐφρανόμενοι ἐξ αὐτοῦ δοξάζωμεν τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς.

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προσφερόντων ἀπαρχὰς καρπῶν νέων.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ ἀπαρχῇ τῶν καρπῶν νέων τῶν προσφερόντων. Goar p. 522.

λ. 102. Εὐχὴ ἐπὶ καρποφορούντων καὶ καμπανισμάτων (sic).

Πηγὴ τῶν ἀγαθῶν, Δέσποτα βασιλεῦ καὶ εὐεργέτα τῶν σῶν ποιημάτων. Goar. p. 523.

— Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι βαίτα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χερουβίμ, ὁ ἐξεγείρας τὴν δυναστείαν σου. Goar. p. 589.

XXIV. № 967. Εὐχολόγιον Синайск. библ. рукопись на пергаменѣ въ 8 долю, 65 листовъ, писана разгонистою крупною скорописью XIII в.

λ. 1. Τάξις καὶ ἀκολουθία τῆς πρώτης ἀποκάρσεως, ἡγουν τοῦ μανθόου.

Ἄφ' ἐσπέρας τίθενται τὰ ἱμάτια τοῦ μέλλοντος κουρευθῆναι ὑποκάτωθεν τῆς ἀγίας τραπέζης, καὶ μετὰ τὸ λυχνικόν, φάλλοντες τὴν παννυχίδα. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. καὶ τὸ Ὁ κατοικῶν, καὶ Ἀλ-

ληλούια, ἤχος δ'. Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν, καὶ τὸν Ν'. στιχηρὰ ἤχος β'. προσόμοια· Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πίστει προσερχόμενος πρὸς σέ, Δέσποτα, σῆς ἐπὶ τρίβους δικαιοσύνης... Ἐχων τὴν πηγὴν τῶν οἰκιτισμῶν, τῶν ἁμαρτωλῶν ὁ μὴ θέλων, Χριστέ, τὸν θάνατον... Τεῖχος ὑπερβήσομαι ἐν σοὶ τῶν ἁμαρτιῶν τῶν ἀμέτρων μου, ὑπεράγαθε... Goar. p. 405. Ὁ κινῶν, ἤχος β'. ῥῶδ' α'. Δεῦτε λαοὶ ἄσωμεν. Ἐπὶ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν δραμόντα, Χριστέ, τὸν τῷ ἁγίῳ σχήματι νῦν προσερχόμενον... Ὑπείσελθεῖν τὸν σὸν χρηστὸν ζυγόν, ἀγαθέ, καὶ τὸ φορτίον, Δέσποτα... Ὁ δι' ἡμᾶς σάρκα φορέσας καὶ θάνατον ὑπὲρ ἡμῶν ὡς εὐσπλαγχνος... Goar. p. 403—405. Καὶ τὸ πρῶτ' ἄρχεται ἡ λειτουργία, καὶ ἵσταται ὁ μέλλων κουρεύεσθαι ἐν τῷ βασιλικῷ πολῶνι, φορῶν τὰ ἐξ ἔθους ἱμάτια, καὶ εἰσέρχεται ἔσωθεν τῆς θύρας τῆς ἐκκλησίας, καὶ ποιῶν μετανοίας γ'. λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόσους σου εἶναι νομοθετήσας... Goar. p. 380. Λέγε πρῶτον τὰ ἀντίφωνα, ὅτι λήθη γέγονε καὶ τότε τὰς εὐχάς. Ἀντίφωνον α'. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου. Ἀντίφωνον β'. Δόξα τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ... Ἀντίφωνον γ'. Αἶνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... ἤχος δ'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου μνησθητι, Κύριε. Μακάριοι οἱ πτωχοί... η δρ. καὶ εὐθέως οἱ μακαρισμοί. Ὅτε ἐν τῷ πάθει ὀλῃστῆς συνεσταυρωτό σοι, τότε ἐν τῷ Πνεύματι ἐπέγνω σε Θεὸν ἐν σαρκί... Μακάριοι οἱ δεδιωγμένοι. Ὅσοι· τὰ ἐν κόσμῳ ποθητὰ ἐγκατελίπετε, ἵνα μὴ τῶν μελλόντων ἀγαθῶν... Μακάριοι ἐστέ... Πάντων τῶν προσκαίρων καὶ φθαρτῶν κατεφρόνησας... Χαίρετε καὶ ἀγαλλιᾶσθε... Τρίβον τὴν πλατείαν καὶ εὐρύχωρον ἀφέμενος... Goar. p. 414. Εἰς γυναῖκας· Μύρον καινωθέντι τῷ Θεῷ ἐπονομάσθητι, ἵνα ἀξιωθῇς εὐαρέστως... Χαίρει ἐπὶ σοὶ καὶ τῶν ἀγγέλων τὰ στρατεύματα, εὐφραίνεται πατέρων καὶ δικαίων τὸ πολίτευμα... Θεοτοκίον· Χαῖρε τῆς παρθενίας τὸ ὑπέρτιμον καλλώπισμα... Καὶ εἰσοδεύει καὶ λέγει τὸ τροπάριον, ἤχος α'. Ἀγαλάς πατρικᾶς... Τοῦτο ψάλλει δευτέρον καὶ λέγει· Δόξα καὶ νῦν, Μητέρα σε Θεοῦ ἱκετεύομεν πάντες... Καὶ ἄρχεται τροπάριον, ἤχος δ'. Ἦθελον δάκρυσιν... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου... Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μυστικῇ... Goar. p. 406. Δόξα καὶ νῦν. Ἀντίφωνον β'. ἤχος δ'. Ζάλη ἁμαρτημάτων περιέχει με... Στίχος· Ἐλέησόν με, ὁ Θεός... Μὴ ἀποστρέψῃς με ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, Κύριε... Δόξα καὶ νῦν, Ἐξ ἀχράντων λαγόνων σου, Θεοτόκε πανόμνητε, p. 414. Ἀρχομένου δὲ τοῦ γ'. ἀντιφώνου ἔρχεται ὁ μέλλων κουρεύεσθαι ἕως τοῦ ἄμβωνος καὶ ἵσταται, καὶ λέγει τροπάριον ἤχος δ'. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Στίχος· Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου. Καὶ εἴθ' οὕτως εἰσέρχεται, εἰς σολέαν, καὶ λέγει πάλιν τροπάριον, ἤχος

δ'. Δεῦτε πάντες οἱ κοπιῶντες... Στίχος· Ἐπλανήθην, ὡς πρόβατον. Πρό-
 βατον εἰμί... Στίχος· Δεῦτε προσκυνήσωμεν... Goar. p. 406. Καὶ τούτου
 λεγομένου, ἔρχεται καὶ πίπτει ἔμπροσθεν τοῦ βήματος καὶ οὐκ ἀνίστα-
 ται μέχρι συμπληρώσεως τοῦ ἀντιφώνου, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη
 πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Δέσποτα Κύριε, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλάν-
 θρωπος, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ ἀγαθὸς ἐν οἰκτιρμοῖς, ὁ μὴ βουλό-
 μενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὡς τὸ ἐπιστρέφαι καὶ ζῆν αὐτόν, σύν-
 τριψον τὸν σατανὰν ὑπὸ τοὺς πόδας τοῦ δούλου σου τοῦδε, πρόσδεξαι αὐ-
 τοῦ τὴν μετάνοιαν καὶ ἑξομολόγησιν καὶ ἀποταγὴν, ἴσασι τὸ σύντριμμα
 τῆς καρδίας αὐτοῦ, μόρφωσον δι' ἔργων ἀγαθῶν ἐν αὐτῷ τῷ Χριστῷ σου,
 μεθ' οὗ εὐλογητός εἶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ τίθῃσιν ὁ
 ἱερεὺς τὸ ψαλλίδιον εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἐπερωτᾷ αὐτόν, λέγων
 οὕτως. Ἐρώτησις· Τί προσῆλθες, τέκνον; Ἀπόκρισις· Ποιῶν τὸν βίον
 τῆς ἀσκήσεως, πάτερ. Ἐρώτησις· Ποθεῖς ἀξιωθῆναι τοῦ ἀγγελικοῦ σχή-
 ματος καὶ καταταγῆναι ἐν τῷ χορῷ τῶν σταυρωσάντων ἑαυτοὺς τῷ Κυρίῳ;
 Ἀπόκρισις· Ναί, ἂν θέλῃ ὁ Θεός, πάτερ. Ἐρώτησις· Μὴ ἔκ τινος ἀνάγκης
 ἢ βίας; Ἀπόκρισις· Οὐχί, τίμιε πάτερ. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὅντως κα-
 λὸν ἔργον ἡρετίσω, τέκνον, ἐὰν καὶ τελειώσης· τὰ γὰρ καλὰ ἔργα κόπῳ
 κτῶνται καὶ πόνῳ κατορθοῦνται. Ἐρώτησις· Ἐκουσίᾳ σου τῇ γνώμῃ προ-
 σέρχεις τῷ Χριστῷ εὐπροαιρέτως καὶ ἰδιοθελῶς; Ἀπόκρισις· Ναί, διὰ τῶν
 εὐχῶν σου πάτερ. Ἐρώτησις· Παραμένεις τῷ μοναστηρίῳ ἕως ἐσχάτης
 σου ἀναπνοῆς; Ἀπόκρισις· Ναί, ἐὰν κελεύῃ ὁ Θεός, πάτερ. Ἐρώτησις·
 Ὑποτάσσεις τῷ προεστώτι καὶ πάσῃ τῇ ἐν Χριστῷ ἀδελφότητι; Ἀπόκρισις·
 Ναί, ἐὰν θέλῃ ὁ Θεός, πάτερ. Ἐρώτησις· Φυλάττεας σεαυτὸν ἐν παρ-
 θενίᾳ καὶ εὐλαβείᾳ ἕως ἐσχάτης σου ἀναπνοῆς; Ἀπόκρισις· Ναί, ἐὰν
 θέλῃ ὁ Θεός, πάτερ. Ἐρώτησις· Ὑπομένεις πᾶσαν θλίψιν τοῦτ' ἔστι
 πείναν καὶ δίψαν καὶ ὅσα τοιαῦτα διὰ τὴν ἀγάπην τοῦ Θεοῦ; Ἀπόκρισις·
 Ναί, ἐὰν κελεύῃ ὁ Θεός, πάτερ. Καὶ ὁ ἱερεὺς κατηχίζει τὸν ἀδελφόν,
 λέγων οὕτως· Ἀδελφέ μου, καταλιμπάνεις τὸν βίον, σωθῆναι θέλων· βλέ-
 πε σεαυτόν, περισφυγζόν σου τὸν νοῦν. См. ркп. XV в. Іерусал. дубл.
 № 273 л. 4. Ἐρώτησις· Εἰπέ οὖν, ἀδελφέ, ὡς αὐτοῦ τοῦ Κυρίου καὶ
 τῶν ἁγίων αὐτοῦ δυνάμεων καὶ πάντων τῶν συμπαρόντων πιστῶν καὶ
 ἀκούοντων, ἔκουσίᾳ γνώμῃ ἄνευ δισταγμοῦ προσέρχεις τῷ ἀσκητικῷ βίῳ;
 Ἀπόκρισις· Ἐκουσίως προσέρχομαι, τίμιε πάτερ. Εἴτα ἐγείρει αὐτόν καί,
 κρατήσας αὐτόν τῆς δεξιᾶς χειρός, φέρει αὐτόν ἐν τῷ θυσιαστη-
 ρίῳ καὶ ποιεῖ μετάνοιαν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέ-
 ζης, καὶ προσκυνεῖ τῷ ἁγίῳ εὐαγγελίῳ καί, ἐκτείνας τὴν χεῖρα, ὁ ἱε-

ρεύς λέγει· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως ἐνταῦθα πάρεστι... ἐλθεῖν ἐπὶ τοῦτο
 ἀγγελιοειδὲς ἐπάγγελμα· βλέπε, ὅτι σὺ ἐκ προθέσεως ἠθέλησας τὸ ἀγγελι-
 κὸν σχῆμα τοῦτο. Ἀποκρίσις· Ναί, τίμιε πάτερ. Καὶ ὅταν συντάξῃται
 αὐτόν, τότε, κειμένου τοῦ εὐαγγελίου εἰς τὸ ἀντιμίνισιν καὶ τοῦ φαλλι-
 δίου ἐπάνω, λέγει ἀποτασσομένῳ· Λάβε, τέκνον, τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος
 μοι αὐτῷ. Καὶ ὅτε ἐκτείνῃ τὴν χεῖρα εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον τοῦ λα-
 βεῖν τὸ φαλλίδιον, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ
 Χριστοῦ λαμβάνεις αὐτό· βλέπε τίνι προσέρχῃ καὶ τίνι συντάσῃ καὶ τίνι
 ἀποτάσῃ. Εὐλόγητός ὁ Θεός... Καὶ κουρεύει αὐτόν σταυροειδῶς, λέγων·
 Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, συ-
 ναποβαλλόμενος σὺν ταῖς θριξὶ καὶ τὰς κοσμικὰς ἐπιθυμίαις εἰς τὸ ὄνο-
 μα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἴπωμεν ὑπὲρ
 αὐτοῦ, τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ εἴθ' οὕτως λαμβάνουσιν αὐτόν οἱ μοναχοὶ
 καὶ κουρεύουσιν εἰς τὸ διακονικόν, ψάλλοντες τὸν Ν'. Ὁ δὲ διάκονος ἐν
 τῷ ναῷ ἄρχεται λέγειν τὴν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ καὶ τὰ λοιπά. Τοῦ δὲ
 ἱερέως ποιούντος τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος ἕως τὸ
 Ὑπὲρ πλεόντων... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦ δεῖνα... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμ-
 πτως... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Προ-
 κείμενον· Κύριος φωτισμός μου... πρὸς Κολοσσαεῖς (Ἐφεσίους)· Ἀδελ-
 φοί, ἐνδυναμοῦσθε ἐν Κυρίῳ. Goar. p. 387. Ἀλληλούια, ἤχος πλ. δ'. Τὰ
 διαβήματά μου. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει
 ὀπίσω μου ἐλθεῖν... Τέλος· ἕως ἂν ἴδωσι τὴν βασιλείαν τοῦ Θεοῦ ἐλη-
 λυθῇσαν ἐν δυνάμει. Καὶ εὐθὺς ψάλλει ἀντίφωνον δ'. Ἡνοικται ἡ θύρα
 τῆς μετανοίας. Στίχος· Εἰσελθὶ τὸ ἀξίωμα μου. Καὶ εἰσέρχονται ἕως
 τοῦ ἁμβωνος· Ὁ ζυγός μου χρηστός... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή
 καὶ ἄχραντος Παρθένος... Ἀρχομένου δὲ τοῦ β'. ἀντιφώνου, εἰσέρχεται
 ἕως τῆς σολέας. Ἀντίφωνον γ'. ἤχος γ'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς... Στίχος·
 Ἰδοὺ δὴ τί καλόν... Ἐγγὺς Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν... Δόξα καὶ
 νῦν, Ἀγιόπρωτε σεμνή.. Goar. p. 415. Καὶ λέγει εὐχὴν ἐπάνω τῶν
 ἱματίων· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, εὐλόγησον τὰ περιβόλαια ταῦτα διὰ
 τῆς χάριτός σου, ἃ ὁ σὸς οἰκέτης περιβάλλεσθαι μετὰ χαρᾶς ἡρετίσαστο, βε-
 βαίωσον αὐτόν ἐν τῇ ἀμωμήτῳ πίστει σου, ῥύσαι αὐτόν ἀπὸ πάσης βλάβ-
 ης τοῦ ἀντικειμένου διαβόλου, ἵνα καὶ ἐν κατανύξει, τοῦ ἑαυτοῦ τέλους
 προσέχων, μετὰ τοῦ προσφύτου καθ' ἐκάστην βοᾷ ἐν τῇ ταπεινώσει ἡμῶν,
 μνησθητι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν· σὺ γὰρ εἶ ὁ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν
 καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ... Καὶ ἐνδύει
 αὐτόν, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸν τῆς δικαιοσύνης

χιτῶνα τοῦ τιμίου προσχήματος εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἴπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον. Ἐδυομένου δὲ αὐτοῦ, ψάλλουσιν οἱ μοναχοὶ τροπάριον, ἥχος δ'. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας, ζώσασθε τὴν ζώνην τῆς σωφροσύνης, δεξασθε τὸ σημεῖον τοῦ σταυροῦ, τοὺς πόδας τοὺς νοητοὺς ὀπλίσασθε τῆς ἐγκρατείας τοὺς πόρους καὶ εὐρήσετε ἀνάπαυσιν ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν. Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ μοναδικοῦ σχήματος εἰς στολὴν ἀφθαρσίας εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸ πρόσχημα τοῦ μοναδικοῦ σχήματος εἰς τὸ ὄνομα... Ἄγιε ἀγαθὲ ἀγαθοῦ Πατρός Υἱέ, ὁ τὴν ὑπερηφανίαν ἐκκόπτων... *Goag. p. 391.* Καὶ ἀσπάζονται οἱ ἀδελφοὶ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον σὺν τῷ ἀδελφῷ, ψάλλοντες τροπάριον, ἥχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου... Στίχος· Αὕτη ἡ ἡμέρα. Καὶ πάλιν τὸ αὐτὸ τροπάριον, Δόξα καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Καὶ νῦν Μεγάλων χαρισμάτων, ἀγνή Παρθένε, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἴπωμεν πάντες, καὶ τελεῖται ἡ θεία λειτουργία, καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς λειτουργίας ἀπτουσιν οἱ μοναχοὶ κηρούς, ὀψικεύοντες τὸν ἀδελφόν, ἀπέρχονται εἰς τὴν τράπεζαν, ψάλλοντες τροπάριον ἥχος β'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ...

λ. 19. Ἀκολουθία τοῦ ἀποστολικοῦ.

Ζήτηι τὴν ἀκολουθίαν τῆς παννυχίδος εἰς τὸ μικρὸν σχῆμα, καὶ τὸ πρωτὶ ἄρχεται ἡ λειτουργία, καὶ ἵσταται ὁ μέλλων κουρεῦεσθαι ἐν τῷ βασιλικῷ πυλῶνι, φορῶν τὰ ἐξ ἔθους ἱμάτια καὶ λέγει τὰ ἀντίφωνα. Ἀντίφωνον α'. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου.. Δόξα τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ... Ἀντίφωνον β'. Αἰνεῖ ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... Δόξα καὶ νῦν. Ὁ μονογενὴς Υἱός. Ἀντίφωνον γ'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου... Καὶ εὐθὺς οἱ μακαρισμοὶ ἥχος δ'. Ζήτηι αὐτὰ εἰς τὴν ἀκολουθίαν τοῦ μανδύου καὶ εἰσοδος, καὶ μετὰ τὴν εἰσοδον, λέγει τροπάριον, ἥχος α'. Ἀγκάλας πατρικῆς... Τοῦτο λέγει γ'. καὶ εἶθ' οὕτως τροπάριον ἥχος δ'. Ἦθελον δάκρυσιν... καὶ τὰ λοιπὰ ζητεῖ ἔμπροσθεν, καὶ εὐθέως εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιμὴν ὁ καλὸς καὶ ἀποσπῶν ἐκ τῆς πλάνης τὰ λογικὰ πρόβατα. *Ркн. XV в. Iерусал. патр. библ. № 273 л. 4.* Καὶ εὐθὺς ἐπερωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς λέγων· Τί προσήλθες, τέκνον; *и т. д. Ἀπόκρισις·* Ποθῶν τὸν βίον... Ἐρώτησις· Ποθεῖς ἀξιωθῆναι... *Вопросы и ответы тѣже, что въ малой схимѣ.* Καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχή· Βλέπε, τέκνον, οἷας συνδήκας δίδω· τῷ Θεῷ... *Goag. p. 407,* παρουσία τοῦ Κυρίου ἡμῶν, Ἰησοῦ Χριστοῦ· ἀγγελικὸς βίος γὰρ τῆς ἀσκήσεως καὶ θαυμστός καὶ ὑπερκόσμιος, ὃθεν καὶ ἀγῶνις πολλοὺς ἔχει, ὁμοίως δὲ καὶ θλίψεις καὶ πειρασμούς· διὰ τοῦτο γὰρ καὶ ἡ σοφία τοῦ Θεοῦ παραινεῖ

λέγουσα· τέκνον, εἰ προσέρχῃ δουλεύειν τῷ Θεῷ, ἐτοίμασον τὴν ψυχὴν σου εἰς πειρασμόν, εὐθύνον τὴν καρδίαν σου καὶ καρτέρησον καὶ μὴ σπεύσῃς ἐν καιρῷ ἐπαγωγῆς. Καὶ πάλιν λέγει· Υἱέ, μὴ ὀλιγώρει παιδείας Κυρίου, μηδὲ ἐκλύου ὑπ' αὐτοῦ ἐλεγχόμενος· ὃν γὰρ ἀγαπᾷ Κύριος, παιδεύει, μαστιγοῖ δὲ υἱόν, ὃν παραδέχεται. Καὶ ὁ ἅγιος Ἰάκωβος ὁ ἀπόστολος λέγει· Μακάριος ὁ ἄνθρωπος, ὃς ὑπομένει πειρασμόν, ὅτι, δοκιμος γενόμενος, λήφεται τὸν στέφανον τῆς ζωῆς, ὃν ἐπηγγείλατο ὁ Θεὸς τοῖς ἀγαπῶσιν αὐτόν, καὶ ἀθλητῆς δὲ οὐ στεφανοῦται, ἐὰν μὴ νομίμως ἀθλήσῃ, κατὰ τὸν μακάριον Παῦλον, τὸ δὲ ἄθλον ἐστίν, ἵνα τίς διὰ τὸν ἐπερχόμενον αὐτῷ κακόν πειρασμόν νικήσας τὸν διάβολον, τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν κληρονομήσῃ· καὶ γὰρ μέγας ἀθλητῆς Ἰωβ οὕτως ἐπειράσθη ὑπὸ τοῦ διαβόλου, ὡς μὴ μόνον κατὰ τοῦ σώματος αὐτοῦ λαβεῖν χώραν, ἀλλὰ καὶ κατὰ τῶν κτηνῶν καὶ τῶν τέκνων αὐτοῦ καὶ διὰ τῆς ὑπομονῆς... Ἐρώτησις· Εἰπὲ οὖν, ἀδελφέ, ὡς αὐτοῦ τοῦ Κυρίου... Ἀπόκρισις· Ἐκουσίως προσέρχομαι, τίμιε πάτερ. Εὐχὴ· Ὁ Θεός, οὗν καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ χορηγὸς τοῦ ἁγίου καὶ ζωοποιοῦ Πνεύματος, ὁ διὰ τοῦ μονογενοῦς αὐτοῦ Υἱοῦ ἐκκόψας τὴν ὑπερφανίαν τοῦ ἀντικειμένου καὶ ἐπιχέων τὴν δόξαν τῆς ταπεινοφροσύνης ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν ἁγίων αὐτοῦ, καὶ στεφανῶν αὐτοὺς τῷ ἀμαραντίνῳ στεφάνῳ τῆς ζωῆς, καὶ ὁδηγῶν αὐτοὺς εἰς τὴν ζωὴν τὴν αἰώνιον καὶ εἰς τὴν στενὴν ὁδόν, δι' ἧς διήλθον οἱ ἅγιοι πατέρες καὶ ἀπειλήσαν τοὺς τόπους τῆς αὐτῶν ἀναπαύσεως. Αὐτὸς δῶκε σοι μερίδα καὶ κληρὸν μετ' αὐτῶν ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, ᾧ ἡ δόξα τὸ κράτος νῦν καὶ αἰεὶ... Καὶ σπραγίζει ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπὶ σέ... GOAR. p 385. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Δέσποτα καρδιογνώστα τῶν ἀπάντων, εὐλόγησον καὶ ἁγιάσον τὸν δοῦλόν σου τόνδε καὶ ἐπίθες τὴν χειρὰ σου ἐπ' αὐτόν καὶ κατὰπεμψον αὐτῷ τὴν χάριν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, τὸ ἔνδυμα τῆς ψυχῆς αὐτοῦ καθαρὸν διαφύλαξον, τὴν ἀγνίαν τοῦ σώματος ἀμίαντον διατήρησον, καὶ δός αὐτῷ ἀγωνίσασθαι καὶ κατισχύσαι πάσης ἀντικειμένης ἐνεργείας, χαριζόμενος αὐτῷ τὸν τῆς δικαιοσύνης ἀμαράντινον στέφανον. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις... Εἴτα ἐγείρει αὐτόν καὶ κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρός, εἰσφέρει αὐτόν ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ. См. выше стр. 221. При пострижении волею, священникъ говоритъ: Ὁ ἀδελφός ἡμῶν κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ παραλαμβά-

νουςιν αὐτόν οἱ μοναχοὶ καὶ κουρεῦουσιν αὐτόν ἐν τῷ νάρθηκι, ψάλλοντες καὶ τὸν ἄμωμον. Καὶ ὁ ἱερεὺς ἄρχεται τὴν συναπτὴν τοῦ Τρισαγίου, καὶ λέγει ὁ ἡγούμενος ἐτέραν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε... Ὑπὲρ τοῦ ἀπαλλαγῆναι αὐτόν πάσης κοσμηκῆς ἐπιθυμίας καὶ τῶν κατὰ σάρκα συγγενῶν αὐτοῦ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτόν ὑψηλότερον τῶν τοῦ κόσμου φρονημάτων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεός. . Προκείμενον, ἦχος δ'. Νομοθέτησόν με, Κύριε, τὴν ὁδόν... Στίχος· Συνέτισόν με καὶ ἐξερευνήσω... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κολοσσαεῖς· Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε, ὡς ἐκλεκτοὶ τοῦ Θεοῦ ἅγιοι καὶ ἡγαπημένοι... Τέλος· ἄδοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. Ἀλληλούια, ἦχος πλ. δ'. Τὰ διαβήματά μου. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον и αντιφωνы тѣже, что и въ первомъ чинѣ. καὶ λέγει εὐχὴν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου ῥυσάμενος... Goar. p. 378. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ, εὐλόγησον καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε. Goar. p. 379. Καὶ ἐπαίρονται τὰ ἱμάτια ἐκ τοῦ θαλασσιδίου, καὶ ἐνδύει αὐτόν ὁ ἡγούμενος, λέγων οὕτως. Εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον τὰ περιβόλαια (что въ первомъ чинѣ стр. 222). Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸν τῆς δικαιοσύνης χιτῶνα τοῦ τιμίου προσχήματος εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ μοναχικοῦ σχήματος, στολὴν ἀφθαρσίας, εἰς τὸ ὄνομα... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ κουκούλιον τῆς ἀκακίας καὶ ταπεινοφροσύνης, εἰς περικεφαλαιάν σωτηρίας, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβεν τὸ πρόσχημα τοῦ μοναχικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, κάκεινος κλίνει τὸν αὐχένα, καὶ ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Ὁ πάντα νοῦν ὑπερβαίνων καὶ πάντα λογισμόν καὶ πᾶσαν ἔννοιαν προγινώσκων, ἄorate, ἄφραστε, ἀκατάληπτε, ἀπερινόητε παντοκράτωρ, πανάγιε βασιλεῦ, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ ἀγαθὸς ἐν οἰκτιρμοῖς, εὐθεῖαν καὶ ἀναμάρτητον τὴν ὁδὸν τῆς δικαιοσύνης παράσχου τῷ δούλῳ σου τῷδε, πᾶσαν ἐνέργειαν τοῦ πονηροῦ ἀπελαύνων ἀπ' αὐτοῦ, εἰρήνην οὐράνιον δώρησαι αὐτῷ, καὶ παράσχου αὐτῷ σῶφρονα λογισμόν, ταπεινόφροναν νοῦν, ἐνάρετον πολιτείαν, ὅπως ἐν εὐχαῖς καὶ ὕμνοις καὶ ᾠδαῖς πνευματικαῖς δοξάσῃ τὴν ἀνυπερβλητὸν σου ἀγαθότητα τοῦ Πατρός καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, σοὶ ἔκλινεν ὁ δοῦλός σου τὴν ἑαυ-

τοῦ κεφαλῆν, σοὶ ὑπέταξε τὸν αὐχένα τῆς ψυχῆς αὐτοῦ καὶ τοῦ σώματος, ἔκτεινόν σου τὴν χεῖρα τὴν ἁγίαν οὐρανόθεν καὶ εὐλόγησον αὐτὸν καὶ εἰσάκουσον τῆς δεήσεως αὐτοῦ, τὴν πρόθεσιν τῆς ψυχῆς αὐτοῦ τελείωσον, τὸν δρόμον τῆς πίστεως αὐτοῦ ἀκαταίσχυντον διατήρησον, κόσμησον αὐτὸν ἐν πάσῃ εὐλαβείᾳ, θρέψον αὐτὸν θείαις λόγοις, σόφισον αὐτὸν μαθήμασιν ἐπουρανίοις, συνέτισον αὐτὸν τῇ παρά σου ἐπιστήμῃ, στήριξον αὐτὸν εἰς τὸν φόβον σου, ἐνίσχυσον αὐτὸν κατὰ τοῦ ἀντιπάλου, δὸς αὐτῷ πατεῖν ἐπάνω ὄψεων καὶ σκορπίων καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ, χάρισαι αὐτῷ ταπεινοφροσύνης πλοῦτον, βεβαίωσον αὐτὸν τῇ ὀρθοδόξῃ σου πίστει, εὐφρανον αὐτὸν τῇ σῇ ἀγάπῃ, δὸς αὐτῷ καὶ ἡμῖν μεριδα ἔχειν μετὰ τῶν ἁγίων σου, χριστιανὰ τὰ τέλη τῆς ζωῆς πᾶσιν ἡμῖν χαριζόμενος διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἁγχιῳ καὶ ζωοποιῳ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Καὶ γίνεται ὁ ἀσπασμὸς εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ψάλλοντες οἱ ἀδελφοὶ τροπάριον, ἦχος δ'. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας, ζώσασθε τὴν ζώνην τῆς σωφροσύνης... Στίχος· Ἐξεζήτησέ σε... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό. Στίχος· Ἀγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό. Ἄλλο τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Στίχος· Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ... Καὶ λέγει τὸ αὐτό. Στίχος· Αὕτη ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν ὁ Κύριος... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα καὶ νῦν, Μεγάλων χαρισμάτων, ἀγνή Παρθένε. Καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς, λέγων· Εἴπωμεν πάντες καὶ τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν. Καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς λειτουργίας, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἱσταται, ψάλλων τὸ τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου, καὶ ἀσπάζονται οἱ ἀδελφοὶ τὸ εὐαγγέλιον, τὸν ἡγουμένον καὶ τὸν ἀδελφόν, καὶ μετὰ τὸ ἀσπάσασθαι, ἅπτονται κηρὸς οἱ ἀδελφοὶ καὶ ὀψικεύουν τὸν ἀδελφόν, ψάλλοντες τροπάριον, ἦχος β'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό. Στίχος· Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χερουβίμ... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα καὶ νῦν, Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου, καὶ ποιεῖ εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

1. 33 οβ. Τάξις καὶ ἀκολουθία τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου σχήματος.

Ἀφ' ἐσπέρας τίθενται τὰ ἱμάτια ἐν τῷ ἱερατεῖ ὑποκάτω τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ γίνεται ἡ παννυχὶς ὑπὲρ αὐτοῦ. Εἰς τὸ Ἀλληλουία, ἦχος δ'. Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι... κάθισμα, ἦχος δ'. Κατεπλάγη Ἰωσήφ. Τὴν προσελθοῦσάν σοι ψυχὴν πρόσδεξαι, εὐσπλαγχνε Σωτήρ... Ἄλλο· Ὁ προσελθὼν τῷ Κυρίῳ τοῦ δουλεύειν αὐτῷ, ἐτοιμάζου προθύμως... Ζῆτει τὰ στιχηρὰ εἰς τοῦ μαγδούου τὴν ἀκολουθίαν καὶ τὸ κανόνα. Ὁ κανὼν, ἦχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρυθραῖον... Θαλάσσης βιωτικῆς

τὸν κλύδωνα ἀποταξάμενος ὁ ἐραστής τῆς δόξης σου, Χριστέ... Σήμερον βαπτίζεται τοῖς δάκρυσιν τῆς κατανύξεως... Ἀγνεῖαν, ἐγκράτειαν, ταπείνωσιν, ὑπακοήν, προσευχήν... Ἐξαποστειλάριον· Ἀπολωλότα πρόβατα ἡλίδες ζητῶν, ὡς εὐσπλαγχνός... Εἰς δὲ τὴν λειτουργίαν ἴσταται ὁ μέλλων κურεύεσθαι ἐν τῷ βασιλικῷ πυλῶνι, φορῶν τὰ ἐξ ἔθους ἱμάτια, καὶ ἄρχονται οἱ μοναχοὶ τὰ ἀντίφωνα τῆς λειτουργίας, блаженны и тропари, раздѣленные на три антифона тѣже, что и въ чинѣ малаго пострижения. Послѣ третьяго антифона, ἀντίφωνον ἦχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπιβλέψον ἐξ οὐρανοῦ... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα καὶ νῦν, Ὁ διὰ σέ Θεοτόκε... καὶ εὐθὺς ἀνιστάμενος μετὰ τὸ τέλος τοῦ θεοτοκίου, προτίθεται τὸ εὐαγγέλιον, καὶ ἀνωθεν αὐτοῦ τίθεται τὸ φαλλίδιον, καὶ ἄρχεται ποιεῖν τὴν συναπτὴν οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε καὶ τῆς παρὰ Κυρίου βοήθειας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι τὰ διαβήματα αὐτοῦ εἰς ὁδὸν εἰρήνης καὶ τρίβους δικαιοσύνης τοῦ... Ὅπως ὁ φιλόανθρωπος ἀξίωση αὐτόν με τῆς ἀποθέσεως τὸν τριχῶν καὶ τῆς ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπίζόντων. *Goar. p. 385.* Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς ἐρωτᾶν αὐτόν· Τί προσήλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων. Вопросы, что выше стр. 222, по сѣ нѣкоторою перестановкою въ порядкѣ. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴ· Βλέπε, τέκνον, οἷας συνήκας δίδεις... τῇ δευτέρᾳ παρουσίᾳ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ· γίνωσκε τοιγαροῦν λοιπὸν ἀπὸ τῆς παρουσίας... κατὰ τὸν ἀπόστολον, ἐν οὐρανοῖς ὑπάρχει, διόπερ ἀγώνησαι, ἀδελφέ, δουλεῦσαι γνησίως τῷ καλέσαντι Δεσπότῃ, ἀπαλλάγηθι τῆς τῶν ματαιοτήτων προσπαθείας, μίσησον τὴν πρὸς τὰ κάτω ἔλκουσάν σε ἐπιθυμίαν, ὅλον σεαυτὸν τὸν πόθον μετὰθες πρὸς τὰ οὐράνια, γινώθι τοῦ σχήματος τὴν δύναμιν, γινώθι ἐπὶ τίνι συντάσσει καὶ τίνι ἀποτάσσει νῦν, ἀδελφέ· γυναικὶ καὶ τέκνοις, πατρίδι, συγγενεῖς, ἑτερεῖς, φίλοις, συνήθεσι, φροντίσι, κτίσεσιν, ὑπάρξεσιν, τῇ κενῇ καὶ ματαίᾳ δόξῃ, ἀναλαμβάνεις δὲ ἑαυτὸν τὴν πτωχείαν τὴν τοῦ Κυρίου, τὴν ταπείνωσιν, τὴν ἐξουδένωσιν, τὴν μέχρι θανάτου ὑπακοήν πρὸς τε τὸν ἐν Κυρίῳ πατέρα σου καὶ τὴν πνευματικὴν ἀδελφότητα.—Ὡ τῆς καινῆς μίξεως! ὦ τῆς δωρεᾶς τοῦ μυστηρίου! δεύτερον βάπτισμα λαμβάνεις, ἀδελφέ, σήμερον. *Goar. p. 407—409.* Ἐρώτησις· Ταῦτα πάντα οὕτω καθομολογεῖς κ. τ. λ. Ἀπόκρισις· Ναί, ἐάν κελεύῃ ὁ Θεὸς καὶ ἡ εὐχή σου, πάτερ. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ πανοικτίρμων ὢν Θεὸς καὶ πολυέλεος... *Goar. p. 409.* Εἰς γυναικας· καὶ τῶν ἁγίων γυναικῶν Θέκλας, Εὐπραξίας, Ὀλυμπιάδος καὶ τῶν

σὺν αὐταῖς, μεθ' ὧν κληρονομήσεις τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Καὶ στραφεῖς ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τρίτον, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κλίνει τὰ γόνατα ὁ λαμβάνων τὸ σχῆμα, καὶ ὁ ἱερεὺς· Ὁ ὧν Δέσποτα παντοκράτωρ, ὑψιστε βασιλεῦ... Goar. p. 409. Εἰρήνην πᾶσι.— Τὰς κεφαλὰς. Ἅγιε Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Goar. p. 410. Εἶτα ἐγείρει αὐτὸν καὶ λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν, καὶ ὁ ἱερεὺς ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος ἀποκείρεσθαι καὶ λέγει εὐχὴν· Κύριε, Κύριε, οὐ τίθημι ἐμὴν χεῖρα ἀμαρτωλὴν, ἀλλὰ τὴν χεῖρα τὴν κραταιάν... Ркп. XV в. Пашт. Аѳон. м. Καὶ κρατήσας αὐτὸν τῆς δεξιᾶς χειρός, εἰσφέρει αὐτὸν ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ и т. д., какъ въ первомъ чинѣ. По непорочныхъ, καὶ ἄρχονται τοῦ Τρισαγίου, καὶ ὁ ἡγούμενος ποιεῖ συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ἀπαλλαγῆναι... Ὑπὲρ ἀφέσεως τῶν ἀμαρτιῶν... Ὑπὲρ τοῦ διάγειν αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιος εἶ... Καὶ λέγει προκείμενον, ἀποστολὴ и евангеліе, что у Goar. p. 413. Ἀλληλούια, ἥχος πλ. β'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Εἰς δὲ τὰς γυναῖκας λέγει (εὐανгеліе) τῶν δέκα παρθένων, καὶ ἀπὸ τοῦ εὐαγγελίου εἰσφέρουσι τὸν ἀδελφὸν ἕως τοῦ ἱερατείου, φορῶν τὸ κολόβιον μόνον ἐν τῷ ταπεινῷ τῷ σώματι καὶ τῇ ψυχῇ, ἅπτοντες κηρὸς οἱ ἀδελφοί, ψάλλουσιν οἱ ἀδελφοί τροπάριον, ἥχος δ'. Ἡνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας и др. тропари, что въ первомъ чинѣ. Ἀντίφωνον α'. εἰς γυναῖκας, ἥχος δ'. Νύμφη παρθένε φιλόχριστε... Στίχος· Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι... Σταύρωσον τὰ μέλη, φιλόχριστε, νέκρωσον τὰ μέλη τῇ ἐγκρατεῖα... Στίχος· Ἐκ βαθέων ἐκέκραξα... Θέκλαν μιμουμένη τὴν πρωτομάρτυρα, Παύλῳ δὲ πισθεῖσα ἀνάκραζον... Ἀντίφωνον β'. ἥχος γ'. εἰς γυναῖκας· Ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς φοβεῖσθαι τὸν Κύριον, διὸ φιλόχριστοι νῦν προσέλθετε... Δόξα καὶ νῦν, Ἐν γυναίξιν ἁγία Θεοτόκε Μητέρα... Ἀρχομένου δὲ τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἔρχεται ἔμπροσθεν τοῦ βήματος καὶ λέγει ἀντίφωνον γ'. ἥχος α'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότη, φύγωμεν τὰς κοσμικὰς ἐπιθυμίας... Στίχος· Αὕτη ἡ πόλις τοῦ Κυρίου... Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χεῖρας ἐφαπλώσας ἡμᾶς προσκαλεῖται... Δόξα καὶ νῦν, Χαίρεις παρ' ἡμῶν, ἁγία Θεοτόκε, τὸ σεπτὸν κειμήλιον ἀπάσης τῆς οἰκουμένης.. p. 415. Καὶ ὅταν πληρώσουν τὰ ἀντίφωνα, εἰσάγει αὐτὸν ἔνδον τοῦ θυσιαστηρίου καὶ προσφωνεῖ ὁ ἱερεὺς τοῖς διακόνοις, λέγων οὕτως· Ἐνέγκατε τὴν στολὴν τὴν πρῶτην καὶ ἐνδύσατε αὐτόν, καὶ ζώσατε τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ ζώνην δερματί-

νην, ἵνα τὴν νέκρωσιν τοῦ Ἰησοῦ ἐν τῷ σώματι περιφέρῃ· ἀσφαλίσασθε δὲ καὶ τοὺς πόδας αὐτοῦ, ἵνα μὴ γυμνῇ τὴν πτέρνην προσεγγίσῃ τῷ δράκοντι. Εἰσελθόντος δὲ τοῦ κουρευομένου ἔμπροσθεν τοῦ βήματος μετὰ τοῦ ἀναδόχου, ἐπαίρονται τὰ ἱμάτια τὰ ὑποκάτωθεν τῆς ἀγίας τραπέζης, καὶ ποιεῖ εὐχὴν ὁ ἱερεὺς ἐπάνω αὐτῶν, λέγων οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον τὰ περιβόλαια ταῦτα διὰ τῆς σῆς χάριτος... СМ. ВМІЕ СТР. 222. Καὶ ἐνδύει αὐτὸν ὁ ἡγούμενος, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα σωτηρίας καὶ ἀγαλλιᾶσεως... Ἐνδυσομένου δὲ αὐτοῦ, ψάλλουσιν οἱ μοναχοὶ τροπάριον, ἥχος δ'. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας, ζώσασι τὴν ζώην τῆς σωφροσύνης... Καὶ τοῦ κουκουλίου βαλλομένου, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸ κουκούλιον τῆς ἀκακίας, τῆς ταπεινοφροσύνης, εἰς περικεφαλαίαν ἐλπίδος καὶ σωτηρίας, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Στίχος· Ἐξεζήτησέ σε... Καὶ πάλιν λέγει· Ἐνδύσασθε χιτῶνα... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸν ἀνάλαβον, τὸν ἀναλαμβάνοντα τὸν σταυρὸν ἐπὶ ὤμων... Στίχος· Ἀγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ τῷ βοηθῷ. Καὶ πάλιν λέγει· Ἐνδύσασθε χιτῶνα... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ζώννυται τὴν ὀσφὺν αὐτοῦ, δύναμιν ἀληθείας, εἰς νέκρωσιν τοῦ σώματος, εἰς τὸ ὄνομα... Ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα περιβάλλεται τὸ σουδάριον τοῦ ἀγίου σχήματος εἰς σκέπην σωτηρίου, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Στίχος· Δεῦτε ἀγαλλισώμεθα... Ἄλλο τροπάριον, ἥχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος εἰς στολὴν ἀφθαρσίας, εἰς τὸ ὄνομα... Στίχος· Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἦν... καὶ λέγει· Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου... Ἀδελφὸς ὁ δεῖνα ὑποδύεται τὰ σανδάλια... Соар. р. 411. Στίχος· Ἀγαλλιᾶσονται τὰ χεῖλη μου... Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου... Καὶ μετὰ τὸ περιβάλλεσθαι τὴν στολὴν τοῦ μοναδικοῦ σχήματος, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἀνέλαβε τὸ μοναδικὸν σχῆμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Δόξα καὶ νῦν, Μεγάλων χαρισμάτων... Καὶ λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ εὐθὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεός, ὁ τῶν ἀγαθῶν χορηγός καὶ τῆς παρθενίας φύλαξ καὶ τῆς ἐναρέτου πολιτείας φυτουργός, δώρησαι τῷ δούλῳ σου τούτῳ δύναμιν πνευματικὴν ἐν τῷ κάλλει, ὃ ἐξελέξατο, τελείωσον αὐτὸν ἐν τῷ φόβῳ σου, ἀκηλίδωτον καὶ ἄσπιλον διατήρησον τὴν ψυχὴν καὶ τὸ σῶμα αὐτοῦ ἐν τῇ ἀγγελικῇ ταύτῃ πολιτείᾳ, πάντοτε τὰ σὰ μεριμνῶντα, καὶ ἄσβεστον τὴν λαμπάδα τῆς εὐφροσύνης κατέχοντα ἐν τῇ προσεγγίσει τοῦ ἐπουρανίου νυμφίου. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται. Καὶ λέγει· Πρόσχωμεν. Εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου καὶ ἀμεταμέλητος ἐν τοῖς χαρίσμασί σου. Ркп. XV р. Іерусал. патріарш. библ. № 273, γεραίρη τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ

τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Τοῖς ἔχουσιν ἐξακολουθῶν τοῦ μεγάλου Ἡλιοῦ, καὶ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ. Εἰς γυναικας λέγει· Τοῖς ἔχουσιν ἐξακολουθοῦσα τῆς πρωτομάρτυρος Θέκλης, Εὐπραξίας καὶ Ὀλυμπιάδος, ἵνα, φθάσασα τὸ μέτρον τῆς τελειότητος, τὸν δρόμον τελέσῃ, τὴν πίστιν τηρήσῃ καὶ ἐνδύσῃται... См. тамъ же. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλήν... Goar. p. 412. Καί μετὰ ταῦτα ἄπτουσι κηρὸν τέλειον καὶ ἐπιδίδωσι τῷ ἀδελφῷ, καὶ ἐπερωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, λέγων· Ἀνέλαβες τὸ ἀγγελικὸν σχῆμα; Ἀπόκρισις· Ἀνέλαβον, πάτερ. Ἐρώτησις· Ἀνέλαβες τὴν στολὴν τῶν ἁγίων ἀποστόλων; Ἀπόκρισις· Ἀνέλαβον, πάτερ. Ἐρώτησις· Ἀνέλαβες τὴν ἀγνείαν τῆς παρθενείας; Ἀπόκρισις· Ἀνέλαβον, πάτερ. Καὶ ὅταν ἐκ τρίτου ὁμολογήσῃ, ἐκτείνας ὁ ἱερεὺς τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν, εὐχεται· Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ ἐν ἀνθρώποις. Ркп. XV в. русск. Паптелеим. моп. ꙗа Аѡонѣ. Καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ἀνὴρ, δίδωσιν αὐτῷ ἀγάπην, καὶ εἰ μὲν ἐστὶ λειτουργία, ψάλλει καὶ ταῦτα τὰ τροπάρια, ἥχος α΄. Ἐπέγνωμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Καὶ εἴθ' οὕτως ἐκτενὴ, καὶ ἡ λοιπὴ ἀκολουθία τῆς λειτουργίας. Μετὰ δὲ τὴν πλήρωσιν τῆς ἁγίας λειτουργίας, λαμβάνει ὁ ἡγούμενος τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἱσταται, καὶ ἱστανται οἱ μοναχοί, ἀσπάζοντες τὸ εὐαγγέλιον καὶ τὸν ἀδελφόν, ψάλλοντες τροπάριον, ἥχος α΄. Ἐπέγνωμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Στίχος· Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον... Καὶ πάλιν τὸ αὐτό. Στίχος· Ἀγαλλιάσωνται.. ἥχος πλ. α΄. Τὸ στάδιον τῶν ἀρετῶν ἡνέφκεται· οἱ βουλόμενοι ἀθλῆσαι εἰτέλιθετε, ἀναζωσάμενοι τὸν καλὸν τῆς νηστείας ἀγῶνα... Στίχος· Δεῦτε ἀκούσατε... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ δυσωπούμενος Μητέρα... Καὶ εἴθ' οὕτως ὀφικεύουν τὸν ἀδελφόν, ἄπτοντες κηρούς, κρατοῦντος τοῦ ἀναδόχου τῆς δεξιᾶς χειρὸς τὸν νεοφώτιστον, καὶ ψάλλουσι τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὁ ποιμένων τόν... Στίχος· β΄. Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χερουβίμ... Στίχος γ΄. Ἐξέγειρον τὴν δυναστείαν σου... Στίχος δ΄. Ὁ Θεός, ἐπίστρεψον ἡμᾶς... Κατὰ στίχους λέγει· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον... Δόξα καὶ νῦν, Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν... Οὕτως δὴ χρή ποιεῖν τὰς ζ΄. ἡμέρας, πλὴν τούτων ἱερεύειν καὶ ἀναπαύειν αὐτὸν ὑπερφῶς, τὸ δὲ κουκούλιον μὴ ἐκβάλλειν τῆς ἐαυτοῦ κεφαλῆς ἕως τοῦ ἀπολοῦσθαι τῇ ζ΄. ἡμέρᾳ, μὴ προκειμένης ἀνάγκης, ἢ ἄλλο τι τοῦ σχήματος λύειν. Καὶ πάλιν μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἐκ τῆς τραπέζης, πάλιν αὐτοὺς ἀνάπτειν κηρία καὶ προάγειν τὸν θυμιατόν, καὶ ὀφικεύειν αὐτὸν ἕως τῆς ἐκκλησίας, ψάλλοντες τὸ αὐτὸ τροπάριον καὶ τὸ αὐτὸ θεοτοκίον· Ῥῦσαι ἡμᾶς.

λ. 62. Ἀκολουθία τοῦ ἀπολουτροῦ τοῦ ἁγίου σχήματος τῇ ζ'. ἡμέρᾳ.
 Εἰσέρχεται ὁ τὸ σχῆμα λαβὼν εἰς τὴν εἰσοδὸν τῆς λειτουργίας καὶ μετὰ τὸ εὐαγγέλιον, ποιῶντος τὴν ἐκτενὴν, προστίθῃσι στίχον· Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ τελείας ὑπομονῆς καὶ σωτηρίας αὐτοῦ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εἰ δὲ ἄνευ λειτουργίας θέλεις ἀποκουκουλίσαι αὐτόν, ἄρχεται λέγων· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν σκέπης καὶ βοηθείας, σκέπης αὐτοῦ τοῦ Κυρίου τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως καὶ ἀκατακρίτως διαφυλαχθῆναι αὐτόν ἐν τῇ μοναδικῇ πολιτείᾳ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι. . Εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τῶν ἐν ἀσκήσει βιωσάντων. Goar. p. 420. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναχίας ἀχράντου... Χάριτι καὶ οἰκιρμοῖς... Τὰς κεφαλὰς. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀμεταμέλητος ἐν τοῖς χαρίσμασί σου καὶ πλούσιος ταῖς δωρεαῖς τῆς ἀγαθότητός σου, ὁ περιποιησάμενος τὸν δοῦλόν σου τόνδε εἰς τὴν σωτηριώδη ταύτην ζωὴν, Αὐτὸς Δέσποτα, διατήρησον αὐτόν, ἐν ᾧ ἤξειώθη ἁγιασμῷ, πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ, καὶ μὴ ἀπορρίψῃς αὐτόν ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, μηδὲ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἀντανέλῃς ἀπ' αὐτοῦ, ἀλλὰ σκέπασον αὐτόν τῇ ἀοράτῳ σου δεξιᾷ καὶ τῇ τῆς ἀφθαρσίας ἐνδύματι μέχρι οὗ καταντήσῃ εἰς τὴν αἰώνιον ζωὴν. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ ἡ δύναμις, καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρός... Καὶ στραφεὶς σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τρίτον καὶ λέγων αὐτῷ οὕτως· Ἰδοῦ, ἀδελφέ, ἡξειώθης τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος· βλέπε οὖν, πῶς συνέθου δουλεύειν τῷ Θεῷ, πρῶτον ἀγαπᾶν αὐτόν ἐξ ὅλης καρδίας, καὶ τὰ ἀρεστὰ αὐτῷ διαπράττεσθαι, ἀόκνως τε λατρεῦειν αὐτῷ νυκτὸς τε καὶ ἡμέρας, ἀδιαιλείπτως ἀγαπᾶν τὸν πατέρα σου καὶ τοὺς ἀδελφούς σου, ἀγογγύστως ἐπιτελῶν πάντα τὰ παρ' αὐτῶν ἐπιτασσόμενα, κτῆσαι διακρίσιν, τὴν ἀκρόπολιν τῶν ἀρετῶν, λέγω δὴ τὸ διακρίνειν τοὺς ἐρχομένους σοι λογισμοὺς πότερον ἐκ τοῦ Θεοῦ εἰσὶν, ἢ ἐκ τοῦ ἐναντίου· καὶ τοὺς μὲν φαύλους ἀπέχεσθαι, τοὺς δὲ ἀγαθοὺς ἐπισπάσασθαι· ἔχειν ὑπακοήν, τὴν κρηπίδα τῶν ἀρετῶν, τὴν ὁξέως ἀνοίγουσάν σοι πύλας τῶν οὐρανῶν καὶ τῷ θρόνῳ τοῦ Θεοῦ παριστῶσαν, κτῆσαι ταπεινοφροσύνην, τὴν ἀπὸ γῆς εἰς οὐρανοὺς ἀνάγουσαν καὶ τῷ Χριστῷ ἀφομοιοῦσαν τὸν ἄνθρωπον¹⁾ ἀόκνως, κτῆσαι καὶ τῶν πατέρων σύντροφον, μακροθυμίαν δὲ καὶ πραότητα, καὶ τὰς λοιπὰς ἀρετάς, ὡς ἐκ πάντων τῶν πατέρων ἐπαινουμένας ἀναλαβὼν, ἵνα καὶ τὴν τῶν πραέων γῆν κληρονο-

¹⁾ Ркн. XVI в. Синайск. библ. № 985 τὴν δὲ νηστείαν, ὡς πρώτην νομοθεσίαν καὶ παραδείσφ εἰσοικίζουσιν τὸν ἄνθρωπον ἀόκνως.

μήσης, ἐν δὲ τοῖς ἐπερχομένοις σοι πειρασμοῖς, ἔκ τε τῶν ἀοράτων καὶ ὁρατῶν ἐχθρῶν, ὑπομονὴν κτήσαι¹⁾· ὁ γὰρ ὑπομείνας εἰς τέλος οὗτος σωθήσεται, ἡσυχίαν δέ, ὡς ἀσκητικὸν γυμναστήριον καὶ γλώσσης χαλινόν, καὶ Πνεύματος ἁγίου δοχεῖόν σε ἀπεργαζομένην, λάβε σύνοικον καὶ ὁμοδίαιτον καὶ ὁμοτράπεζον, πρὸς δὲ τούτοις πᾶσι καὶ ταῖς ὁμοίαις²⁾ ἀρεταῖς οἰκτιρμῶν ἔσω, καθὼς καὶ ὁ Πατὴρ ἡμῶν ὁ οὐράνιος οἰκτιρμῶν ἐστίν, ἀπεχόμενος³⁾ τῶν φαύλων καὶ ἀπηγορευμένων πράξεων· μίσους, γογγυσμοῦ, ἀδιακρισίας, παρακοῆς, ὑπερηφανίας, τῆς ἐχθρᾶς τοῦ⁴⁾ Θεοῦ, γαστριμαργίας, δι' ἧς ἀπεβλήθη Ἦσαῦ, ὀργῆς τῆς ἀπολλούσης φρονίμους, ῥαθυμίας, ἀργολογίας, τῆς ἀποδιωκούσης τὸν φόβον τοῦ Θεοῦ, καὶ εὐσπλαγχνίας τῆς ἀντιπασσομένης τῷ Θεῷ καὶ Πατρί· τούτων δὲ ἀπεχόμενος καὶ τῶν ἀρετῶν ἐργάτης γενόμενος, ἀξιωθήσῃς τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας... Καὶ πάλιν λέγει· Ἔτι ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ σωτηρίας αὐτοῦ τοῦ... Καὶ εἴθ' οὕτως χαλᾷ τὸ κουκούλιον ἀπὸ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ὁ ἡγούμενος, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων... Καὶ ἀσπασάμενος αὐτόν, σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ ἀπολύει, καὶ ἔρχεται καὶ ἴσταται μετὰ τῶν ἀδελφῶν εἰς τὸν ἴδιον τόπον.

XXV. № 982 Εὐχολόγιον Синайск. библи., рукопись въ 8 долю, 196 листовъ, писана на бомбиципѣ размашистымъ почеркомъ XIII в. Изъ позднѣйшихъ приписокъ замѣчательна слѣдующая: ἔτους ,εζαοη'. (1470 г.) ἐγράφησαν ἐτοῦτα τὰ γράμματα διὰ χειρὸς ἐμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ Βασιλικοῦ ἀπὸ τὴν Προῦσαν. Рукою писца сдѣлана слѣдующая замѣтка: Εὐχου τῷ γράψαντι τιμωτάτῳ (sic) ἁμαρτωλῷ ἐμοὶ Μακαρίῳ τῶν μοναχῶν καὶ ἱερέων (л. 78 об.). Рукопись перебита и писана разными почерками.

л. 1. Εὐχολόγιον сὺν Θεῷ, περιέχον πᾶσαν ἀκολουθίαν.

Ἀρχὴ τῆς λειτουργίας τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν, Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Чинъ состоитъ изъ молитвъ. Молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν... надписывается: κατηχουμένη τοῦ Χρυσοστόμου... и послѣдняя: Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν—„Εὐχὴ πρὸς τὸν λαόν“. Есть указаніе и на молитву: εὐχὴ ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ, но самой молитвы нѣтъ.

¹⁾ Ркп. XVI в. Синайск библи. № 985 ἔχε ²⁾ καὶ οἰκτιρμῶν ἔσω ³⁾ ἀπέχου δὲ τῶν φαύλων ⁴⁾ нѣтъ.

λ. 8. (Εὐχή ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ) λεγομένη, ἀποτιθεμένου τοῦ ἱερέως τὰ ἅγια δῶρα. Εὐχή· Πληρώσαντες πᾶσαν τὴν ἐν τῷ ναῷ σου δικαιοσύνην, εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ἐν τῷ ἁγίῳ τόπῳ τούτῳ, ἔνθα τὰ ἅγια τῶν ἁγίων ἐπαναπαύεται, ὅτι κατηξίωσας ἡμᾶς μετασχεῖν τοῦ ἀχράντου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου, ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

λ. 8 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου ἄρχεται ἀπὸ τῆς εὐχῆς τῆς ἐκτενῆς, αἱ δὲ πρώην εὐχαι εἰσὶ τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Εὐχή κατηγουμένη τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν οὐρανοῖς κατοικῶν... Молитва: „Οὐδεις ἄξιος... подписывается: Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ὑπὲρ ἑαυτοῦ, τοῦ μυστικοῦ δεῖπνου, молитва: „Ἦνυσται καὶ τετέλεσται“— „Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ δικαονικῷ“, молитва: „Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου.— „Εὐχή ἀπολυτική“.

λ. 19. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

Εὐχαί, λεγόμεναι μετὰ τὸ εἰπεῖν ὁ ἱερεὺς ἦ ὁ διάκονος τὴν συναπτήν· Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας... Goar. p. 164. Εὐχή ἀντιφώνου β'. Κύριε οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων... p. 163. Εὐχή ἀντιφώνου γ'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης ἡμᾶς... Ibid. Εὐχή τοῦ μυστικοῦ ὕμνου· Οὐδεις ἄξιος τῶν συνδεδεμένων... Εὐχή ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους ἡμέρας ταύτας... p. 168.

λ. 23 об. Εὐχαί, λεγόμεναι εἰς τὸ λυχνικὸν καὶ ἕτεραι εἰς τὸν ὄρθρον.

Три первая, что у Гоара, четвертая молитва: Ἐσπέρας καὶ πρωί... Goar. p. 164, пятая.—Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε παντοκράτωρ... p. 35, шестая и седьмая, что у Гоара на пятомъ и шестомъ мѣстахъ, восьмая: Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ φωτίσας τὴν ἡμέραν τῷ φωτὶ τῷ ἡλιακῷ... p. 35, девятая: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ αἰώνιος, ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος, ὁ καταξίωσας ἡμᾶς καὶ ἐν ταύτῃ τῇ ὥρᾳ στήναι ἐνώπιον τῆς ἀπροσίτου σου δόξης. Goar. p. 36, десятая молитва: Ὁ Θεὸς ὁ τῶν κρυπτῶν γνώστης... p. 36. одинадцатая: εὐχή πιστῶν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ ἀπρόσιτον οἰκῶν φῶς... p. 37, двѣнадцатая: εὐχή ἡγουν ἀπόλουςις· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον... p. 29, тринадцатая: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας τοὺς οὐρανοὺς... p. 32. Четырнадцатая εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κλῖνον τὰς καρδίας ἡμῶν εἰς ὑπακοὴν τῶν θείων σου προσταγμάτων καὶ ἀποστρέφον τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς διανοίας ἡμῶν, τοῦ μὴ προσκεῖσθαι τῇ κοσ-

μικῇ ματαιότητι, ἀλλ' ἐνατενίζειν τῷ κάλλει τῆς δόξης σου διὰ παντός καταξίωσον. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Χριστὸς ἀληθινὸς ὁ Θεός.

л. 27 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

8 молитвъ, что у Гоара р. 39—41, девятая: Εὐχὴ ἀντιφώνου, ἡγουν τοῦ πεντηκοστοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄφεσιν... р. 42, десятая Εὐχὴ τῶν αἰνῶν· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς... р. 42, одинадцатая Εὐχὴ κατηγουμένων τῆς ἀπολύσεως· Εὐλόγησον καὶ νῦν, Κύριε, τοὺς δούλους σου τοὺς κατηγουμένους... р. 45, двѣнадцатая Κύριε, Κύριε, σὴ ἐστὶν ἡ ἡμέρα καὶ σὴ ἐστὶν ἡ νύξ... р. 45. Εὐχὴ ἡγουν ἀπόλυσις· Αἰνοῦμεν καὶ ὑμνοῦμεν καὶ εὐλογοῦμεν... р. 42. Κύριε, ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν... р. 44.

л. 32. Εὐχὴ εἰς μετανοοῦντα.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ Υἱὲ τοῦ Θεοῦ τοῦ ζώντος, ἀμὲν καὶ ποιμήν ἡμῶν, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου... р. 536.

л. 33. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. См. выше стр. 25.

л. 33 об. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν εισέρχεσθαι παιδίον εἰς τὸν ναὸν μ'. ἡμέρας.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τοῦ μεγαλοφωνοτάτου τῶν προφητῶν Ἠσαίου προκαταγγείλας ἡμῖν Гоар. р. 268. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται, λέγων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον. Прилож. къ Богослуж. въ русск. церкв. въ XVI в. ч. I, стр. 13. Εἴτα ἐπαίρει τὸ παιδίον ἢ μήτηρ ἐκ τῆς μάμμης καὶ ἐπιδίδει τῷ ἱереῖ, καί, λαβὼν αὐτὸ ὁ ἱερεὺς εἰσάγει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, λέγων· Νῦν ἀπολύεις... Καὶ τίθησι τὴν κεφαλὴν τοῦ παιδίου ὁ ἱερεὺς εἰς τὰς τετραγωνίας τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Νῦν καὶ αἶε καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ εἰδ' οὕτως ἀποτίθεται αὐτὸ ἔμπροσθεν εἰς τὰ ἅγια θυρία, καὶ ποιεῖ γ' μετανοίας. Ἐὰν δέ!)... λαμβάνει αὐτὸ ὁ ἱερεὺς (λέγων) τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πηγὴ τῶν εὐλογιῶν καὶ φυλάσσων τὰ νήπια... Гоар. р. 265.

л. 34 об. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς τίκτουςαν, ὅταν μέλλῃ εἰσελθεῖν εἰς τὴν ἐκκλησίαν μετὰ τὰς μ'. ἡμέρας.

Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Δέσποτα

1) Это мѣсто вытерто.

παντοκράτωρ, ὁ Πατήρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τε καὶ ἄλογον... Goar. p. 267. Εὐχὴ ἄλλη. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 267.

л. 35. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Начало см. Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 9—11. На возгласъ священника: Προσκύνησον αὐτῷ. Καὶ ἀποκρίνεται Προσκυνῶ Πατέρα καὶ Υἱόν καὶ ἅγιον Πνεῦμα. Εκτενῆς со-стоитъ изъ слѣдующихъ прошеній: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τοῦ καταφοι-τῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχοκτόνου πολεμίου δύναμιν βυθισθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ πάσας ἐν αὐτοῖς καταδῶναι... Ὑπὲρ τοῦ τέκνον φωτός... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐπ' αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτός ἀναδειχθῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτιζομένους... Ὑπὲρ τοῦ θεῖαν αὐτοῦς... Ὑπὲρ τοῦ σκεύη γενέσθαι... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐ-τοὺς ἀξίους τῆς κλήσεως.. Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο, ὡς τὰ ῥεῖθρα τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆ καὶ βεβαίαν... Ὑπὲρ τοῦ κα-ταπλουτῆσαι αὐτοῦς... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως αὐτοὺς μεταλαμβάνειν.. Ὑπὲρ τοῦ κληρονόμους αὐτοὺς ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀν-τιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Conf. Goar. p. 245. Дальнѣйшія по-рядокъ, какъ въ Прилож. къ Богосл. въ русск. ц. въ XVI в. ч. I, стр. 13. Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι πάντας, ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς ψάλλων· Μακάριοι ὦν... καὶ λέγει σὺν τῷ λαῷ τὸν στίχον τοῦτον γ'. καὶ δοξάζει καὶ λέγει· Εὐλογητὸς Χριστὸς ὁ Θεός... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεη-θῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ. Goar. p. 290. Καὶ εὐθέως· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Καὶ λέγει αὐτὸ γ'. Εὐχὴ εἰς τὸ μυρίσαι παιδίον· Παντοδύναμε παντοκράτωρ ὁ Θεὸς καὶ Πα-τήρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ἀναγεννῆσαι εὐδοκήσας τοὺς παῖ-δας καὶ τὰς παιδίσκας σου δι' ὕδατος καὶ Πνεύματος ἁγίου, ὁ καὶ δι' αὐτοῦ παρασχὼν ἄφεσιν ἁμαρτιῶν· Αὐτὸς Δέσποτα, κατάπεμψον ἐπ' αὐτοὺς τὸ ἅγιον καὶ ἐπταπλάσιόν σου Πνεῦμα, Πνεῦμα σοφίας καὶ συνέσεως, Πνεῦμα βουλῆς καὶ ἰσχύος, Πνεῦμα γνώσεως καὶ εὐσεβείας, Πνεῦμα φόβου Θεοῦ, ἔμπλησον αὐτοὺς τοῦ φοβεροῦ καὶ ἁγίου σου Πνεύματος καὶ σημειώσον ἐπ' αὐτοὺς τὸ σημεῖον τοῦ σταυροῦ σου, εὐσπλαγχνισθεὶς εἰς ζωὴν διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, μεθ' οὗ σοι δόξα, κράτος, τιμὴ καὶ προσκύνησις ἅμα τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Καὶ χρίει ὁ ἱερεὺς τῷ ἁγίῳ μύρῳ τοὺς βαπτισθέντας, ποιεῖ τοῦ σταυροῦ τὸν τύπον

ἐπὶ τοῦ μετώπου, λέγων· Σφραγὶς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου, καὶ ἐπὶ τοὺς μυκτήρας λέγων· Χρῆσμα ἀρραβῶνος βασιλείας οὐρανῶν. Καὶ ἐπὶ τὰς ἀκοὰς λέγων· Χρῆσμα μετοχῆς ζωῆς ἀθανάτου, καὶ ἐπὶ τὰ μετάφρενα λέγων· Πλήρωμα δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου καὶ ἔξωθεν τῶν δύο χειρῶν, λέγων· Θώραξ πίστεως καὶ ἀληθείας, καὶ ἐπὶ τοὺς πόδας λέγων· Βάσις θείας ὁδοῦ καὶ χρῆσμα δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Μετὰ τὸ μυρῆσαι οὖν τοὺς νεοφωτιστούς λέγει· Εὐδόκησον δὴ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ταύτην τὴν συμπληρωτικὴν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος οἰκονομίαν τελειῶσαι ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους, τοὺς κατηχηθέντας ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου καὶ βαπτισθέντας, ὥς δὲ καθάπερ διὰ τῆς τοῦ... (Здѣсь обрывается чинъ).

л. 44. Молитвы изъ чина на водосвященіе, но безъ начала.

л. 51. Τῇ κυριακῇ τῆς Πεντηκοστῆς ἐσπέρχ εἰς τὴν γονυκλισίαν.

Μετὰ τὸ Φῶς ἱλαρόν, προκείμενον, ἤχος δ'. Μὴ ἀπορρίψης με ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, Κύριε, καὶ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον... Στίχος· Ἀπόδος μοι τὴν ἀγαλλίειν τοῦ σωτηρίου... καὶ εὐθέως τὰς προφητείας, καὶ μετὰ τοῦτο ὁ ἀπόστολος Πράξεων· Ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις, ἔκρινεν ὁ Παῦλος... Τέλος· προσέπεμπε δὲ αὐτὸν εἰς τὸ πλοῖον. Ἀλληλούια ἤχος πλ. δ'. Τὸ πνεῦμά σου... Εὐαγγέλιον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· ἐάν τις ἀγαπᾷ με... Τέλος· ἵνα ὅταν γένηται, πιστεύσητε. Καὶ εὐθὺς τροπάριον, ἤχος γ'. Νῦν εἰ σημεῖον τοῖς πᾶσιν... Ἔτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα ἐν εἰρήνῃ τοῦ... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται εἰς ἐπήκοον πάντων τὴν εὐχὴν· Ἀχραντε, ἀμίαντε... Εὐλογητός εἶ, Κύριε... Goar. p. 597—598. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Σὸν γὰρ ἐστίν... Ὁ λαὸς τὰ ἀντίφωνα, καὶ οἱ ψάλλται εὐθέως ἄρχονται τὸ προσόμοιον, ἤχος γ'. Νῦν τὸν Παράκλητον... Ἔτι καὶ ἔτι κλίνοντες... Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... p. 559. Κύριε, Κύριε, ὁ ῥυσάμενος... p. 600. Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Εὐδοκία καὶ ἀγαθότητι τοῦ μονογενοῦς σου. Ὁ λαὸς τὰ ἀντίφωνα, εὐθέως ψάλλουσι τὸ τροπάριον, ἤχος γ'. Νῦν περιβάλλονται κράτος... Ἔτι καὶ ἔτι κλίνοντες... Ἀεννάως βρῦουσα ζωτικὴ καὶ φωτιστικὴ πηγὴ. p. 600. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος... p. 601. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεός... Ὁ λαὸς τὰ ἀντίφωνα, εὐθὺς Καταξίωσον, Κύριε... Ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν, τοῦ διακόνου λέγοντος τὰς αἰτήσεις. Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... p. 602. Ὅτι ἀγαθός... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας τοὺς οὐρανοὺς καὶ καταβάς. p. 603. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ὦν... καὶ τὴν εὐχὴν ὁ ἱερεὺς καὶ ἀπολύει.

л. 59 об. Διακονικά ἐπὶ ἀνομβρίας.

Εἰπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλόμενος... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὁ συνάγων νεφέλας... Ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕδωρ... Βροχὴν ἐκούσιον... Ὁ περιβάλλων τὸν οὐρανόν... Goar. p. 613. См. продолжение этой ектении въ этой рукописи на л. 69. Ὅτι ἀκατάληπτός σου ἡ δόξα, καὶ τὸ ἔλεός σου ἀμέτρητον, καὶ ἡ φιλανθρωπία σου ἄφατος, ναὶ Δέσποτα, κατὰ τὴν σὴν εὐσπλαγχνίαν ἐπὶ βλεφον ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὸν ἅγιον οἶκον τοῦτον καὶ ποιήσον μεθ' ἡμῶν καὶ μετὰ τῶν συνεχομένων ἡμῖν πλούσια τὰ ἐλέη σου, κατὰ τοὺς οἰκτιρμοὺς σου, καὶ εἰρήνην τὴν σὴν δὸς ἡμῖν, κατὰ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν· πάντα γὰρ ἀπέδωκας ἡμῖν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κτίσαι ἡμᾶς, ἵνα ἀξίως τῶν προσταγμάτων πολιτευσάμενοι γενώμεθα κληρονόμοι τῆς αἰωνίου σου ζωῆς, ἧς ἐπηγγείλω πᾶσι τοῖς φοβουμένοις σε καὶ φυλάττουσι... ἀφιστάμενος, ἀλλὰ ῥύσμενος ἐκ διαφόρων πειρασμῶν τοὺς ἐπικαλουμένους σε, ὁ διαχωρίσας τὸ φῶς ἀπὸ τοῦ σκότους καὶ διὰ τῆς σῆς χάριτος περιελὼν ἀφ' ἡμῶν πᾶσαν πονηρίαν καὶ ἐπαγωγὴν διαβολικὴν... Ἄφες τὰ κρυπτὰ ἡμῶν ἁμαρτήματα τῶν ἀδύλων... Ὁ Θεὸς μόνος ἀγαθὸς καὶ ἰσχυρὸς ὁ Θεός, ὁ διὰ τῆς οἰκονομίας τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ τοῦ ὀφθέντος ἐπὶ τῆς γῆς... Ὁ οὐρανόθεν καταπέμφας τὸ ἅγιον καὶ πανάγιον καὶ ζωοποιόν σου Πνεῦμα, αὐτός. Здѣсь опять нѣтъ листвоу.

Εὐχὴ ὁμοία Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ διὰ τῆς ἐπιφοιτήσεως τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος τὸν Ἰορδάνην παταμὸν ἀγιάσας καὶ θεῖον ἀποτελέσας δοχεῖον...

л. 61. Εὐχὴ συνοδικὴ εἰς τὸ ἀνοῖξαι τὰς ἐκκλησίας, τὰς ὑπὸ αἵρετικῶν λειτουργηθείσας, παρὰ ὀρθοδοξων πρώην ἐνθρονιασθείσας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε, τὸν ἔλεων καὶ εὐμενῇ, ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν εἰ καὶ ἐξ αἵρετικῶν ἐγχειρήσεως... Goar. p. 494

л. 61 об. Τάξις, γινομένη εἰς ἀδελφοποίησιν.

Στέκει ὁ ἱερεὺς καὶ ἄγει αὐτοὺς ἔμπροσθεν τοῦ βήματος εἰς τὰ κάκελλα καὶ προσφέρει τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ βάλλει τὴν δεξιὰν χεῖρα τοῦ μικροτέρου, ἐπὶ τὰ ἐπάνω τὴν δεξιὰν χεῖρα τοῦ μεγαλητέρου καὶ ἅπτουσι κηρούς, καὶ σφραγίζει αὐτοὺς γ'. καὶ λέγει οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν δούλων... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς πνευματικὴν ἀγάπην... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς δωρησεται αὐτοῖς... Здѣсь обрывается чинъ.

2 листа содержатъ въ себѣ конецъ какой-то молитвы.

π. 63 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ παιδίου διδομένου εἰς τὸ μαθητευθῆναι.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τῷ σῶ ὁσὺν Δαχβὶδ χαρισάμενος τῆς πνευματικῆς χάριτος, τοῦ διὰ ψαλμοῖς καὶ ὕμνοις καὶ ᾠδαῖς πνευματικαῖς ὕμνεῖν σε τὸν ἀληθινόν Θεόν...

π. 64. Εὐχὴ εἰς τεκνοποίησιν.

Ἄγει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἐνώπιον τοῦ βήματος καὶ ἅπτει κηρούς, καὶ δίδει τῷ πνευματικῷ πατρί, καὶ τίθησι τὸ εὐαγγέλιον ἐνώπιον αὐτῶν, προσκυνοῦν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον οἱ δύο, καὶ θέτει, ὁ θέλων λαμβάνειν τὴν εὐχὴν, τὴν χεῖρα τὴν δεξιὰν ἐπάνω τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου καὶ λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δι' εὐσπλαγχνίαν ἐλέους κατελθὼν ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, καὶ διὰ τὴν πολλὴν σου χρηστότητα ταπεινώσας ἑαυτὸν καὶ ὑποδείξας ὁδὸν σωτηρίας τῷ γένει τῶν ἀνθρώπων, καὶ διὰ τὴν ἀγάπην τὴν σὴν ἐκτείνας τὰς ἀχράντους σου χεῖρας ἐπὶ τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ καὶ ἀχράντου σου σταυροῦ· Σὺ Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίβλεψον τῇ σῇ ἀγαθότητι ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τὸν σὸν παῖδα, τὸν ἐκ βρέφους ἀγιασθέντα ὑπὸ σοῦ τοῦ ἱερέως, καθὼς ἐπέβλεψας, Κύριε, ἐπὶ τὴν σὴν ἡγιασμένην Μητέρα, παρεστῶτος τοῦ ἡγχιπημένου σου μαθητοῦ Ἰωάννου, καὶ εἰπὼν αὐτῇ· γύναι, ἰδοὺ ὁ υἱός σου, εἶτα τῷ μαθητῇ· ἰδοὺ ἡ μήτηρ σου, καὶ ἀπ' ἐκείνης τῆς ὥρας ἐκλήθη αὐτῇ Ἰησοῦς. Αὐτὸς Δέσποτα φιλάνθρωπε, ἀνοίξον τὰ ὦτα τῆς καρδίας τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα καὶ φώτισον τὸν νοῦν καὶ τὴν διάνοιαν αὐτοῦ, ἵνα ἀμέμπτως καὶ σωφρόνως φυλάξῃ καὶ τηρήσῃ τὰ πιστά, ὡς υἱὸς ἀγαπητὸς τῷ πατρί αὐτοῦ, καὶ τὰ σὰ προστάγματα, Κύριε, βεβαιῶν, καὶ τῆς θείας σου φωνῆς ἐπηχοῦμενος ποιήσῃ τοῖς τοῦ ἄρχοντος Νικοδήμου λέγουσι· ἐὰν μή τις γεννηθῇ ἄνωθεν, οὐ μὴ εἰσελεύσεται εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν. Αὐτὸς καὶ νῦν, φιλάνθρωπε Κύριε, εὐλόγησον καὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα, ἀναγεννῶν αὐτὸν τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν, καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις... Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ἐπαίρει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς ἔμπροσθεν αὐτοῦ καὶ γυρίζει αὐτὸν γ'. τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ μετὰ τοῦτο πίπτει καὶ προσκυνᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ εἶθ' οὕτως ἐκτείνει ὁ πατὴρ ὁ πνευματικὸς τὰς χεῖρας εἰς τὰ ἅγια διάστυλα, καὶ γυρίζει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς γ'. ἐκ τῶν μαχαλῶν αὐτοῦ, λέγων αὐτῷ· Τί λαμβάνεις; Ἀποκρισὶς· Υἱὸν θετὸν ἀπὸ ἐκκλησίας, γ'. Καὶ εὐθέως παραδίδει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τῷ πνευματικῷ αὐτοῦ πατρί, λέγων· Σήμερον παραλαμβάνεις τὸν πνευματικόν σου υἱόν, διὰ πρεσβειῶν τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου, τῶν τιμίων ἀρχαγγέλων ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων ἐνδόξων

πανευφήμων ἀποστόλων καὶ πάντων αὐτοῦ τῶν ἁγίων, καὶ εἴθ' οὕτως
βάζει αὐτὸν εἰς τὸν κόλπον τοῦ πνευματικοῦ πατρὸς αὐτοῦ καὶ σκεπάζει
αὐτὸν μετὰ κολοβίου παλαιοῦ, ἃν δὲ ἐστὶ γυνὴ μετὰ μακκάβη (sic) αὐτοῦ, καὶ
εἴθ' οὕτως ὁ ἱερεὺς, ἐκφωνήσῃς· Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἁγιάζων...
Διὰ ῥήσεων ἐκβάλλει αὐτὸν ἐντεῦθεν καὶ πίπτει εἰς τοὺς πόδας αὐτοῦ
γ'. ὁ υἱός, καὶ ἀσπάζεται αὐτὸν ὁ πατὴρ καὶ ἀπέρχεται ἐν εἰρήνῃ, δο-
ξάζοντες Πατέρα Υἱὸν καὶ Πνεῦμα ἅγιον εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.
'Αμήν.

Два листа вставочные.

л. 67. 'Ακολουθία, γινομένη πρὸς μέλλοντα· ἐγκλείεσθαι εἰς ἐγκλείστρας.

Μετὰ τὸ τέλος ἐωθινήν θείαν λειτουργίαν, ἄπτοντες κηρούς, ἀπερχό-
μεθα εἰς τὴν ἐγκλείστραν, ἐπακολουθοῦντος καὶ τοῦ μέλλοντος ἐγκλείεσθαι,
φάλλοντες τροπάρια, ἤχος βαρύς· Ὡς ἄσωτος υἱὸς ἦλθον ἀγῶ οἰκτιρμῶν
δέξαι με... Στίχος· Ἐλέησόν με, Κύριε... Μὴ ἀπορρίψῃς με ἀπὸ τοῦ προ-
σώπου σου... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν... Ὁ
διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν
καὶ παρὰ τοῦ Θεοῦ σκέπτης καὶ βοηθείας αὐτοῦ καὶ σωτηρίας τῆς ψυχῆς
αὐτοῦ τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ στηριχθῆναι αὐτὸν ἕως τέλους ἐν τῷ φόβῳ τοῦ Κυ-
ρίου καὶ ἐνάρετον ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτὸν πᾶν
πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι αὐτόν...
Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν, ὅταν εἰσέρχεται εἰς τὴν ἐγκλείστραν· Κύριε ὁ Θεὸς
ἡμῶν, ὁ χάριτι τοῦ παναγίου σου Πνεύματος ἀπὸ γενεῶν ἀρχαίων ἐκλεξάμε-
νος ἄνδρας ὁσίους καὶ γυναικας, οὓς προέγνως καὶ προώρισας, ἐπ' ἐσχά-
των δὲ τῶν χρόνων διὰ τῆς ἐνανθρωπήσεως τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ
τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, σφραγίσας ἡμᾶς
ἐαυτῷ λαὸν περιούσιον καὶ διαφόροις ἀρεταῖς κατακοσμήσας· πᾶν γὰρ
δώρημα ἀγαθὸν ἐκ σοῦ καταπέμπεται τοῦ Πατρὸς τῶν οἰκτιρμῶν. Αὐτός
Δέσποτα, καὶ τοῖς τὸν μονήρῃ βίον ποθοῦσι προστάξας ἀπαρνήσασθαι
ἐαυτοὺς καὶ σοὶ τῷ μόνῳ τῷ αἰωνίῳ Θεῷ κολλᾶσθαι ἀνεχομένους· Αὐ-
τὸς ἐν τῇ δόξῃ σου ἐπαγγεिलाμένος αὐτοῖς τὰ αἰῶνια ἀγαθά, ὅθεν καὶ ὁ
παρὼν δοῦλός σου ἀποταξάμενος ταῖς τοῦ κόσμου ἐλπίσιν, καὶ πιστεύσας
ταῖς ἀγαθαῖς σου ἐπαγγελίαις, προσέρχεται τῇ σῇ ἀγαθότητι δι' ἐμοῦ τοῦ
ἁμαρτωλοῦ καὶ ἀχρείου δούλου σου, τὸν σταυρὸν καὶ τὴν νέκρωσιν τοῦ
Χριστοῦ σου ἐαυτῷ περιφέρων, διό, Δέσποτα φιλόανθρωπε, δεόμεθα καὶ πά-
ρακαλοῦμέν σε συνεργῆσαι ἡμῖν ἀοράτως ἐπὶ τοῖς ὕψ' ἡμῶν ἐπ' αὐτῷ
τελουμένοις ἐπὶ τῇ ἱερᾷ ταύτῃ ἐγκλείστρᾳ πρὸς περισσοτέραν ἀσφάλειαν,
εἰσάγαγε δὲ αὐτὸν εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλὴν τοῦ ἀγωνίσασθαι συν-
εισελθεῖν μετὰ τῶν πέντε φρονίμων παριθένων εἰς τὸν νυμφῶνα· τῆς βα-

σιλείας σου. Ὅτι πᾶσα δόσις ἀγαθὴ καὶ πᾶν αἷτημα τῶν φοβουμένων σε Αὐτὸς ἐκπληροῖς εἰς σωτηρίαν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Ἰῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν, εὐχεται λέγων· Ὁ Θεός, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος, ὁ σεμνύνας τὴν ἐκκλησίαν σου τῷ μοναδικῷ κόσμῳ καὶ παρασχόμενος αὐτῷ μίμησιν ἀγγελικῆς καταστάσεως διὰ σωφροσύνης καὶ ἐγκρατείας καὶ τῆς σῆς διὰ παντὸς δοξολογίας καὶ τῆς σῆς μεγαλειότητος. Αὐτὸς Δέσποτα πανάγιε, παντοκράτωρ, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλήν, καὶ συγκαταριθμήσον αὐτὸν εἰς τὸ λογικόν σου ποίμνιον, καθάρον τὸ φρόνημα αὐτοῦ ἀπὸ σαρκικῶν ἐπιθυμιῶν καὶ τῆς κενῆς ἀπάτης τοῦ βίου, καὶ χάρισαι αὐτῷ καὶ ἡμῖν τοῖς δούλοις σου διηνεκῶς πατεῖν ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ... Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἀγαθῶν χορηγός καὶ τῆς ἐναρέτου πολιτείας γεωργός, φύλαξον. См. выше стр. 32, εἰς τὸν οὐράνιον νυμφῶνα ἐν σοὶ τῷ Κυρίῳ καὶ Θεῷ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστῷ ἅμα τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ σὺν τῷ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

л. 68. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀπὸ ἔχθρας εἰς ἀγάπην μετιόντων.

Λέγει τὴν εὐχὴν πρὸς αὐτούς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς ἀγάπης φυτουργός καὶ τῆς εἰρήνης γεωργός, καὶ τῆς ὁμονοίας Δοτήρ, χάρισαι τοῖς δούλοις σου τούτοις, τοῖς ἐν διαστάσει γενομένοις, τὴν ἀγάπην, τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου, διάρρήξον αὐτῶν τὰς πολυπλόκους τῶν ἀμαρτημάτων σειράς, καὶ μὴ παρίδης αὐτοὺς ἐμπαλαιωθῆναι τοῖς διαβολικοῖς τῆς ἔχθρας ἀμαρτήμασιν, ἀλλ' ἐνδυνάμωσον αὐτοὺς ἐν ἀγαθῇ πολιτείᾳ περιπτυσσομένους ἀλλήλους ἐν ἀγάπῃ, ὅπως τοῦ λοιποῦ κατὰ τῆς δυναστείας τοῦ ἐναντίου ἀνδρεϊσάμενοι, δευτέροις παλαίσμασι τὴν ἐχυτῶν κατάραν ἀνακαλέσωνται, καὶ δώρησαι αὐτοῖς τὰ τῆς εἰρήνης φρονεῖν ἐν ἀλλήλοις κατὰ Χριστὸν Ἰησοῦν, ἵνα ὁμοθυμαδὸν ἐν ἐνὶ στόματι δοξάζωσί σε τὸν πατέρα τοῦ ἀληθινοῦ φωτός· καὶ δὲ αὐτοῖς προσλαμβάνεσθαι ἀλλήλους ἐν ἀγάπῃ, καθὼς καὶ ὁ μονογενὴς σου Υἱὸς προσελάβετο ἡμᾶς, χαριζόμενος αὐτοῖς διὰ τῆς πρὸς τὸν Χριστὸν ἀγάπης δουλεύειν ἀλλήλοις, ὅπως πλεονάσῃ ἐπ' αὐτοὺς ἡ διὰ τῆς σῆς ἀγάπης ἐνεργουμένη χάρις, ἵνα καὶ αὐτοὶ ἀναπληρώσωσι τὸν νόμον τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ.

л. 69. Продолжение ектеньи о бездождии. Μέδυσον τοὺς αὐλακὰς τῆς γῆς καὶ πληθύνον τὰ γεννήματα αὐτῆς.. Ὁ ἀνατέλλων τὸν ἥλιον ἐπὶ πονηροὺς καὶ ἀγαθοὺς καὶ βρέχων ἐπὶ δικαίους καὶ ἀδίκους, τελεσφόρησον τοὺς καρποὺς τῆς γῆς, εὐσπλαγχνε ὁ Θεός, δεόμεθα. Ὡς ὀφθαλμοὶ δού-

λων εἰς χεῖρας τῶν κυρίων αὐτῶν, οὕτως οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν πρὸς σέ, ὁ Θεός, ὅπως οἰκτειρήσῃς ἡμᾶς, δεόμεθα. Ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν ἐπιβλέψον ἐπὶ τὴν ταπείνωσιν τοῦ λαοῦ σου, φιλάνθρωπε, δεόμεθα. Ὁ ἀναβαλλόμενος φῶς, ὡς ἱμάτιον, μνησθήτι, ὅτι χοῦς ἐσμέν, καὶ οἰκτείρησον ἡμᾶς δεόμεθα. Μὴ μνησθῇς τῶν ἀνομιῶν ἡμῶν, Δέσποτα· ἐὰν γὰρ ἀνομίας παρατηρήσῃς, Κύριε, Κύριε, τίς ὑποστήσεται. Ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἰκτιρμοὶ σου, Κύριε, καὶ ἐπίσχεψαι τὴν γῆν ἐν ὕδασι δεόμεθα. Εἰσάκουσον ἡμῶν, Κύριε, ὅτι χρηστὸν τὸ ἔλεός σου καὶ πῖανον τὴν γῆν τῇ εὐλογίᾳ σου δεόμεθα. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι τὴν πόλιν ἡμῶν ταύτην καὶ πᾶσαν... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς παρὰ σου, Κύριε, βοήθειας καὶ ἀντιλήψεως... Καὶ ὑπὲρ τοῦ περιστῆναι τοῦ λαοῦ καὶ ἀπεκδεχομένης... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπὶ δεόμεθα εἰσακοῦσαι... Καὶ ὑπὲρ τοῦ ἀποστρέφαι πᾶσαν βουλὴν.

λ. 69. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, τοῦ λαοῦ κράζοντος. Goar. p. 612—613. Дѣѣ первыя.

λ. 70 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφαγησάντων.

λ. 71. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἶδους μιανθέντος ὑπὸ ἀκαθάρτου ἢ θηρίου, ἢ οἰουδὴποτε ἀτόπου πράγματος ἐμπίπτοντος ἐν φρέατι, ἢ ἐν λάκκῳ, ἢ ἐν σκεύει τινί. Χρὴ ρίπτεσθαι τὸ ἀκάθαρτον καὶ εἶθ' οὕτως ἀντλεῖν κάδους τεσσαράκοντα καὶ θυμῖαν, καὶ λέγει τὴν συναπτὴν τῶν ἁγίων θεοφανίων, καὶ βάλλει ἁγίασμα τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς, καὶ οὕτως τὴν εὐχὴν· Ἄγιε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ εὐσπλαγχνίᾳ καὶ τῇ ἐπὶ γῆς ἐπιδημία πᾶσαν ἀκαθαρσίαν τοῦ ἐχθροῦ καταργήσας... Goar. p. 481. Εὐχὴ ἄλλη· Ἐν τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεός τῆς ἀληθείας, καὶ ἐν τῇ δυνάμει τοῦ Πνεύματός σου τοῦ ἁγίου ἐπορεύομαι τοῦτο... Εὐχὴ ἄλλη· Πάτερ ἅγιε ἅμα Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι ἐπιβλέψον ἐπὶ τὰ ὕδατα ταῦτα εὐμενεῖ ὀφθαλμῷ καὶ ἰλέῳ καὶ γαληνῷ βλέμματι... Goar. p. 479.

λ. 72 об. Εὐχὴ εἰς κεκοινωμένους.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ δοὺς ἐξουσίαν καὶ ἐντολὴν τοῖς δούλοις σου τοῖς προφῆταις καὶ ἀποστόλοις.

— Εὐχὴ, γινομένη πρὸς χριστιανούς, ὑπαχθέντας μὲν ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας δὲ ἐξ αὐτῆς καὶ τῇ τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίᾳ προσδραμόντας.

Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος, ὁ Σωτὴρ πάντων ἀνθρώπων, μάλιστα πιστῶν... pag. 690.

λ. 73 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὕδατος μεταλαμβάνομένου ἐπὶ θεραπείας ἀρρώστου καὶ φυλακῆς οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ μεγαλῶνυμος, ὁ ποιῶν θαυμάσια μεγάλα μόνος ἐνδοξά τε καὶ ἀνεξιχνίαστα.

1. 73. Εὐχὴ εἰς τὸ γενέσθαι κατηγούμενον πρὸς ὥραν.

Ἐμφυσᾷ αὐτῷ ὁ ἱερεὺς γ'. καὶ σφραγίζει γ'. λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα καὶ ὁμοίωσιν.

Εὐχὴ ἐπὶ ἐθνικοῦ λαμβάνοντος ὄνομα.

Σοὶ τῷ Υἱῷ καὶ δημιουργῷ πάσης κτίσεως, τῷ τὰ πάντα συστησάμενῳ τῷ λόγῳ σου, προσάγωμεν τὸν ἄνθρωπον τοῦτον ἐπὶ τὸ σὲ γινώσκειν καὶ τὸ ὄνομά σου ἐπικαλεῖσθαι τὸ ἅγιον καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, λύτρωσαι τὸν δοῦλόν σου τοῦτον ἀπὸ πάσης ἀκαθαρσίας, ἀπὸ πάσης διαβολικῆς πλάνης, ἀπὸ πάσης αἰρετικῆς κακονοίας, καὶ ἀπέργασον αὐτὸν σκεῦος ἐκλεκτὸν τοῦ εἶναι δοῦλόν σου κεκλημένον, ἀπὸ τῆς σήμερον ἡμέρας χριστιανὸν γνωρίζομενον, σὴν σφραγίδα φοροῦντα παρὰ σοί, κατεδυνάμενον εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθὸν διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου τοῦ ἀγαθοῦ Θεοῦ ἡμῶν, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.

1. 74 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

1. 75. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα.

1. 75 οβ. Εὐχὴ εἰς καρπὸν νέον.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου νέου.

1. 76. Εὐχὴ ἐπὶ οἰκείας περιεργασμένης, ἢ ἄλλως πως ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων ὀχλουμένης.

Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ὁ τοῖς χερουβὶμ ἐποχούμενος καὶ τῶν σεραφὶμ ἡνίοχος.

1. 77 οβ. Στιχηρὰ τοῦ ἁγιασμοῦ κατὰ ἀλφάβητον, что у Гоара р. 358—359, но безъ послѣднихъ стихиръ, начиная съ „И нынѣ“. Καὶ εὐθὺς λέγει· Τῆς εὐσπλαχνίας τὴν πύλιν... Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς и др. Ектенья съ двумя прошениями о водѣ и молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός τοῖς ἔργοις, ὁ πάσης φαινομένης καὶ νοουμένης κτίσεως δημιουργός... pag. 361.

1. 81. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

1. 81 οβ. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

1. 82. Εὐχὴ εἰς τὸ δοῦναι βᾶϊα τῇ κυριακῇ πρὸ τοῦ Πάσχα.

1. 82 οβ. Εὐχὴ ἐτέρα.

Συνάπτει καὶ αὐτήν· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τῆς κιβωτοῦ τὸν τύπον τῆς ἐκκλησίας ὑποδείξας. p. 590.

— Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι κρέας εἰς τὸ Πάσχα. Молитва неокончена. Далѣе снова вставлены 2 листа.

λ. 84 об. Εὐχή ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

λ. 86. Εὐχή τοῦ ἁγίου Τρύφωνος εἰς ἄμπελον. Ἀναγινώσκεται δὲ τῇ ἁγίᾳ καὶ μεγάλῃ ε΄. καὶ τῇ ἁγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ, καὶ ὅταν βλαβῇ καρπός, ψάλλων τὸν κανόνα τοῦ ἁγίου Τρύφωνος καὶ λαμβάνων ἔλαιον ἐκ τῆς κανδήλας αὐτοῦ ἀλείφει τὰ κλάδια. См. выше стр. 119—121.

Два листа снова вставка.

λ. 89. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν σχῆμα.

Начало чина до апостола, что въ ркп. XIV в. Ватоп.-Афон. библ. № 133 съ тою разницею, что постриженіе происходитъ въ алтарѣ. Чтеній изъ апостола и евангелія не достаесть. Конечъ изложенъ съ незначительными измѣненіями. Αὕτη ἡ τάξις γίνεται κατὰ τὴν πρώτην ἡμέραν, τὰς δὲ ἐτέρας ἑξ ἡμέρας μένει ἐν τῷ διακονικῷ, ξηροφαγῶν καὶ σχολάζει ἀπὸ τῶν ἔργων, προσκαρτερῶν τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ τῇ ἐβδόμῃ.

λ. 107. Ἀκολουθία εἰς νοσοῦντας.

Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τοῦ ἀσθενοῦντος ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ τῆς παρὰ Θεῷ ἐπισκέψεως... Ὑπὲρ τῆς ὑγείας καὶ σωτηρίας αὐτοῦ. Εὐχή· Πάτερ ἅγιε ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. p. 338. Εὐχή· Ἀγαθὲ φιλόανθρωπε, εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε... См. выше стр. 197, прим. Εὐχή· Δέσποτα, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, φιλόφυγε, φιλόδουλε, Σῶτερ, παντοκράτωρ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. См. выше стр. 198. Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ἐπίσκεψαι τὸν ἀδελφόν ἡμῶν ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ χάρισαι αὐτῷ τὴν παροῦσαν ὑγείαν καὶ ὁλοκληρίαν, ῥυόμενος αὐτὸν ἀπὸ πάσης νόσου καὶ μαλακίας ψυχικῆς καὶ σωματικῆς, ἀνιστῶν αὐτὸν ἀπὸ κλίνης ὀδύνης, ὀδηγῶν ἐπὶ τὸν ἅγιόν σου ναὸν τῆς προσευχῆς, συνάπτων πάλιν αὐτὸν τῇ ἱερᾷ καὶ λογικῇ σου ποίμνῃ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ δόξαν καὶ εὐχὴν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι... Сн. выше стр. 45. Εὐχή ἄλλη εἰς νοσοῦντας· (Два листа вставочные) Βασιλεῦ θεραπευτὰ καμνόντων, Ἰησοῦ Χριστέ, σὲ δαίμονες τρέμουσι. См. стр. 198. καὶ δεσμεύων τὰ συντρίμματα αὐτῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀχράντῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ... Εὐχή ἄλλη εἰς ἀσθενοῦντας· Δέσποτα Κύριε παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ ὁ Θεός, ὁ παιδεύων καὶ μὴ θανατῶν. См. выше стр. 107. Εὐχή ἄλλη εἰς ἀσθενοῦντας· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ Κύριος τῶν κυριευόντων καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως. См. выше стр. 210. Εὐχή ἄλλη εἰς ἀσθενοῦντας·

Ἔτι δεόμεθά σου, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων, ὁ πάντων ἐξουσιαστὴς παρακληθήτι, Δέσποτα, ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ ἀνάστησον αὐτὸν ἀπὸ κλίνης ὀδύνης καὶ στρωμνῆς κακώσεως, ὁ τὴν πενθερὰν τοῦ ἁγίου Πέτρου πυρετῷ συνεχομένην ἀναστήσας, ἀνάστησον τὸν δοῦλόν σου ἀπὸ τῆς ἀρρώστιας ταύτης καὶ ἀποκατάστησον καὶ τὸν δοῦλόν σου τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ, ἵνα πάλιν δοξάζῃ σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν... Εὐχὴ ἄλλη εἰς νοσοῦντας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἐξουσίαν ἔχων ἀφιέναι ἁμαρτίας καὶ τὸ ζῆν παρεχόμενος, πολυεῦπλαγχνε Κύριε, ὁ πᾶσαν νόσον καὶ μαλακίαν ἰώμενος, ἴασαι καὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ ἐξέγειρον αὐτὸν ἀπὸ κλίνης ὀδυνηρᾶς, ἀπέλασον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ψυχικὴν τε καὶ σωματικὴν, ἀποδίωξον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν πληγὴν, πᾶσαν ἀλγυθῶνα, πᾶσαν μᾶστιγα, πάντα πυρετόν, πᾶν ῥέγος, πᾶν νόσημα ἀπὸ κεφαλῆς ἕως ποδῶν, ἄφες αὐτῷ ἁμαρτίας καὶ τὰ ἐξ ἁμαρτιῶν ἐπίπονα, καὶ πάντα πειρασμόν, καὶ πᾶσαν ἐπανάστασιν τοῦ ἀντικειμένου διὰ τῆς δυνάμεως τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ εἴ τι ἐστὶν ἐν αὐτῷ πλημμέλημα ἄνες, ἄφες, συγχώρησον, ὅπως καὶ αὐτὸς ἐξεγερθεὶς δόξαν σοι προσαναπέμψῃ, ἀπαλλαγεὶς τῆς ὀδυνηρᾶς ταύτης νόσου, ἐν ψαλμοῖς καὶ ὕμνοις καὶ εὐχαριστηρίοις ᾠδαῖς Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἰατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εὐχὴ ἄλλη τῆς Θεοτόκου εἰς ἀσθενοῦντας· Παρθένε Δέσποινα, ἡ τὸν Θεὸν λόγον κατὰ σάρκα κυήσασα. См. выше стр. 211. Προκείμενον, ἦχος δ'. Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησον. Μακάριος ὁ συνιών. Ὁ ἀπόστολος καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου· Ἀδελφοί, μακαρίζομεν τοὺς ὑπομένοντας... Ἀλληλούϊα ἦχος πλ. δ'. Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, εἰσελθόντι τῷ Ἰησοῦ εἰς Καπερναοὺμ.

λ. 112 ὁβ. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοοῦντος.

Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων, ὁ μακρόθυμος καὶ πολυέλεος... Morin. p. 618.

— Εὐχὴ β'. ἐπὶ μετανοοῦντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ καλῶν δικαίους εἰς ἁγιασμόν καὶ ἁμαρτωλοὺς εἰς τὸ δικαιοῦσαι αὐτούς... Ibidem.

λ. 113. Προσευχὴ περὶ ἐξομολογήσεως. Λέγει ὁ ἱερεύς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ μέγας θαυμαστός, ὁ φυλάσσων τὴν διαθήκην σου...

λ. 117. Ἀφορισμοὶ τοῦ ἁγίου Βασιλείου ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων. Goar. p. 578—580.

л. 120 об. Προσευχή τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Τὴν θεῖαν καὶ ἁγίαν, καὶ μεγάλην, καὶ φοβερὰν τε καὶ φρικτὴν καὶ ἄστεκτον ὀνομασίαν, ὡσαύτως καὶ ἐπὶ κλησιν ποιῶμαι πρὸς τὴν σὴν ἐπιτίμην, διάβολε. pag. 582.

л. 121. Εὐχὴ εἰς τὴν ἀρχὴν τοῦ σπόρου.

— Εὐχὴ ἐπὶ θέρους καὶ ἁλωνος.

л. 121 об. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης ἀμπέλου καὶ εὐλογήσεως οἴνου.

л. 123. Ἀκολουθία, ἔχουσα εὐαγγέλια ὁμοίως καὶ ἀποστόλους τῶν ἐπισήμων ἑορτῶν.

л. 186. Παρεμίи на вечерни св. Духа въ Пятидесятницу. Ἡσαΐου· Ἐπὶ βλεφόν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ, Κύριε, καὶ ἴδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου... Ἱερεμίου· Τάδε λέγει Κύριος· θαρσεῖτε, τέκνα, βοήσατε πρὸς τὸν Θεὸν καὶ ἐξέλτε ἡμᾶς. Δανιήλ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὃς ἐξηγάγεας τὸν λαόν σου ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐν χειρὶ κραταιᾷ.

л. 190. Антифоны на праздники.

л. 192. Заамвонныя молитвы на праздники Рождества Богородицы, Воздвиженія креста, Рождества Христова, Богоявленія, Срѣтенія, Благовѣщенія, въ великую субботу, на Пасху, на Вознесение и въ Пятидесятницу.

Въ началѣ и концѣ рукописи по три пергаментныхъ листа изъ Τριῶδι.

XXVI. № 1039. Литургія апостола Ιαкова безъ начала, ркп. въ 16 долю листа, 90 листовъ, писана на бомбиципѣ крупною и четкою скорописью XIII в. Чинъ начинается концомъ молитвы, предшествующей чтенію символа вѣры: οὐράνιον ἄρτον, τὴν τροφὴν τοῦ παντὸς κόσμου, τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ἐξαποστείλας Σωτῆρα καὶ λυτρωτὴν καὶ εὐεργέτην... Болѣе или менѣе подробное изложеніе порядка давнаго чина сдѣлано нами въ книгѣ: „Богослуженіе страстной и пасхальной седмицъ во св. Іерусалимѣ въ IX—X в.“ стр. 272—275, 278—283 въ примѣчаніяхъ. Въ данной рукописи заслуживаютъ особеннаго вниманія надписи: εὐχὴ τοῦ ἁγίου Βασιλείου (л. 16 об.) надъ молитвою: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίσας ἡμᾶς καὶ ἀγαθὸν εἰς τὴν ζωὴν ταύτην... Swainson pag. 258 и нѣсколько молитвъ въ концѣ чина: Εὐχὴ ἀπολυτική· Ὁ θυσίαν αἰνέσεως καὶ λατρείαν εὐάρεστον τὴν λογικὴν καὶ ἀνάμικτον... pag. 325, неизвѣстная Свайнсону Εὐχὴ ἄλλη· Δέσποτα Χριστὲ ὁ Θεὸς

ἡμῶν, ὁ βασιλεὺς τῶν αἰώνων καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, εὐχαριστοῦ-
 μέν σοι ἐπὶ πᾶσαν. См. въ „Богослуж. страстной и пасхальной сед-
 мицѣ“ стр. 283, прим. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῷ διακονικῷ με-
 τὰ τὴν ἀπόλυσιν· Ἐκ δυνάμεως εἰς δύναμιν πορευόμενοι... pag. 327
 и, наконецъ, Εὐχὴ τελευταία· Ὑπολόγεται ὁ Θεός, ὁ εὐλογῶν καὶ
 ἀγιάζων, καὶ διαφυλάττων, καὶ σκέπων, καὶ εἰρηνεύων ἐν ἀγάπῃ τὴν ζωὴν
 πάντων ἡμῶν διὰ τῆς μεταλήψεως τῶν ἀγίων αὐτοῦ μυστηρίων. Тамъ
 же и Swains. pag. 328.

XIV ВѢКЪ.

XXVII. № 964 Εὐχολόγιον, ркп. Синаиск. библ. на пергаменѣ
 въ 16 долю листа, 40 листовъ, писана скорописью XIII—XIV в.
 Въ этой рукописи содержатся чины монашескаго погребенія. Пер-
 вый листъ, заключающій въ себѣ описаніе приготовленія мощей
 усопшаго къ погребенію, совершенно затертъ и неудобенъ для
 прочтенія. На второмъ листѣ мы находимъ стихи первой статьи
 17 каензмы, за которою слѣдуютъ вторая и третья статьи. Послѣ
 ектеньи, тропари: „Святыхъ ликъ обрѣте источникъ жизни“ и др.
 Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Τὸ ξένον τῆς Παρθένου μυστήριον τῷ κόσμῳ...
 ἤχος α'. Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Ἐργῷ Σω-
 τήρ μου, δεικνύεις, ὅτι σὺ εἶ ἡ πάντων ἀνάστασις... Θεοτοκίον· Ἀμαρ-
 τωλὼν τὰς δεήσεις πρόσδεχε... ἤχος β'. Οἶμοι, ὅσον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυ-
 χὴ χωριζομένη... Ὡς ἄνθος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται... Καὶ
 νῦν, Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου... ἤχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα...
 Ἀνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα, ὁ δρόμος βραχύς... Θεοτοκίον· Ἐν γυ-
 ναϊξὶ ἀγία Θεοτόκε Μῆτερ ἀνύμφευτε... ἤχος δ'. Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου
 προσπάθεια... Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Ἡ μόνη ἀγνή... ἤχος пл. α'.
 Οὐκ ἔστι τῶν ἐν τῷ βίῳ τερπνῶν οὐδέν, ὃ οὐ παρελεύσεται... Ἐμνήσθην
 τοῦ προφήτου βοῶντος... Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα εὐλογημένην...
 ἤχος пл. β'. Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοургόν σου γέγονε...
 Ἐτίμησας εἰκόνι σου τὸ τῶν χειρῶν σου, Σῶτερ, πλαστούργημα... Θεὸν
 ἐκ σοῦ σαρκωθέντα ἔγνωμεν, Θεοτόκε... ἤχος βαρύς· Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ
 ὁμοίωσιν πλαστοургήσας... Λυεῖ ἅπασαν λύπην ὁ θάνατος μεταδοθεὶς ἐκ
 τοῦ Ἀδάμ τὴν φύσιν ἡμῶν... Δόξα καὶ νῦν, Εἰρήνην σου πρεσβεύαις τῆς
 Θεοτόκου τὴν ζωὴν ἡμῶν... ἤχος пл. δ'. Θρηνῶ καὶ ὁδύρομαι... Goar.
 p. 428—429. Ῥευστοὶ πῶς γεγόναμεν ἀφθαρτον εἰκόνα φορέσαντες...

Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Αὐτός μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... и др. тропари съ припѣвомъ: „Аллилуїя“ Goar. p. 457—459. Послѣ тропаря: Συγκαίμεθα μόνον ἀκούοντες... слѣдуютъ: Ἀνανήψωμεν πάντες ἄνθρωποι... Παναγία Παρθένε ἀνύμφευτε... Τὸν μεταστάντα ἐξ ἡμῶν ἐκ τῶν προσκαίρων... Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Καί εὐθὺς λέγονται οἱ μακαρισμοὶ ἤχος πλ. β'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου μνησθητι и т. д. Δηστήν τοῦ παραδείσου, Χριστέ, πολίτην ἐπὶ σταυροῦ σοι βοήσαντι... Ὁ ζωῆς κυριεύων καὶ τοῦ θανάτου ἐν ταῖς αὐλαῖς σου... Εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς: Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσι. Προκείμενον: Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος: Πρὸς σέ Κύριε κεκράξομαι... Ὁ ἀπόστολος, евангеліе. Goar. p. 430. Конечъ перваго евангелія: ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτόν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. β'. εὐαγγέλιον νεκρώσιμον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην ἁγίου εὐαγγέλιον· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμὶ ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Конечъ: ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτούς ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Ὁ ἱερεὺς: Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός: τὸ Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς: Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. Goar. p. 424. Εἴτα ὁ ἱερεὺς: Δόξα σοι Χριστέ ὁ Θεός... Ὁ λαός: Δόξα Πατρί... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν, καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν, μακαρίζουσι τὸν τεθνεῶτα καὶ προσφέρουσιν αὐτόν ἐν τῷ τάφῳ, καὶ ἐνθάπτουσιν ἐκεῖ τὸ λείψανον καί, ἀποτιθεμένου τοῦ λειψάνου ἐν τῷ τάφῳ, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ σκάπττον καὶ σφραγίζει τὸν τάφον σταυροειδῶς, λέγων· Σφραγίσαντες τὸν λίθον, ἡσφαλίσαντο τὸν τάφον, μετὰ τῆς κουστωδίας. Λέγει αὐτὸ γ'. Εἴτα ρύπτει τὸν πηλὸν ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου, φάλλων καὶ λέγων· Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεύς... Λέγει καὶ αὐτὸ γ'. Εἴτα τὸν Ν'. φαλμὸν γ'. καὶ εὐθὺς μνημονεύει πάλιν, ὡς προεῖρηται, τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

1. 21. Ἀκολουθία τῆς κηδείας τῆς μοναχικῆς τάξεως.

Ἐδλογεῖ ὁ ἱερεὺς καὶ ψάλλουσι τὸ Τρισάγιον σὺν τῷ Πάτερ ἡμῶν, καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, εἴτα ἔρχεται ὁ ἄμωμος εἰς ἤχον πλ. α'. καὶ μετὰ τὸν ἄμωμον ψάλλουσι τὰ τροπάρια, ἃ προεγράφησαν εἰς τὴν ἀρχὴν τοῦ ἐξοδιαστικοῦ, εἴτα πάλιν μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, καὶ ἄρχονται ἤχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων. Δόξα καὶ νῦν, Τὸ ξένον τῆς Παρθένου μυστήριον, καὶ ἀρχόμεθα τὸν Ν'. φαλμὸν καὶ τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν. Ποία τοῦ βίου τρυφὴ διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις... Στιχηρὰ νεκρώσιμα προσόμοια, ἤχος α'. Πανεύφημοι μάρτυρες. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα... Ὑπὲρ τὰ ὀρώμενα τὰ σά... Σταυρῷ σου γηθόμενοι... θεοτοκίον· Χριστὸν ἐκδυσώπησον τὸν σόν... νεκρώσιμον, ἤχος β'. Οἱμοὶ οἶον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ χωριζομένη ἐκ τοῦ σώματος... Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου... Στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πρώμην τοῦ θα-

νάτου... ἵνα τοὺς ἀνθρώπους κοινωνοὺς... Εὐὰς τῆς προμήτορος ἀγνή... νεκρώσιμον, ἥχος γ'. Πάντα ματαιότης τὸ ἀνθρώπινον, οὐκ ὑπάρχει... Προσόμοια, ἥχος γ'. Μεγάλη τοῦ σταυροῦ. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον... Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὐσπλαγχνος... θεοτοκίον· Λαμπάδα νοητὴν σὲ βαστάζουσιν... Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... ἥχος δ'. νεκρώσιμον· Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Προσόμοια, ἥχος δ'. Ἐδωκας σημειώσιν. Ὅντως φοβερώτατον τὸ τοῦ θανάτου μυστήριον... Ὑπνος ἀναδέδεικται... Γένος τὸ ἀνθρώπινον πρὸς ἀφθαρσίαν... Ῥήσεσιν ἐπόμενοι τῶν θεηγόρων, πανάμωμε... νεκρώσιμον, ἥχος πλ. α'. Οὐκ ἔστιν ἐν τῷ βίῳ τερπνὸν οὐδέν, ὃ οὐ παρελεύσεται... Στιχηρὰ ἥχος πλ. α'. Χαίροις... Αἴγλη τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ... Ψάλλειν παναρμονίῳ φωνῇ... Ὅπου τῶν προφητῶν ὁ χορός... Νόμῳ τῆς ἀμαρτίας ἡμᾶς... νεκρώσιμον, ἥχος πλ. β'. Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοουργόν σου γέγονε πρόσταγμα... Στιχηρὰ, ἥχος πλ. β'. Ὅλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον... Νεκρωσιν ὑπέμεινας ζωοποιὸν ἐκουσίως... Ζώντων κυριεύοντα... Ὁφθης ἐνδιδαιτήμα θεοπρεπὲς Παναγία... ἥχος βαρὺς νεκρώσιμον· Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστοουργήσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον... Στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος βαρὺς· Καταφρονήσαντες. Νενεκρωμένος ὠράθης ἐπὶ σταυροῦ... Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει... Ὡς ἀδαπάνητον ἔχων τῶν ὠρεῶν... Νόμου τὸ πλήρωμα τίττεις... νεκρώσιμον, ἥχος πλ. δ'. Θρηνῶ καὶ ὀδύρομαι... Ἀγνή Παρθένε τοῦ Λόγου πύλη... Στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος πλ. δ'. Ὁ τοῦ παραδόξου θαύματος. Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας... Ἱεραρχήσας, ὡς ἄνθρωπος... Βάθει σοφίας ἀρρήτου σου... Λόγος ὑπάρχων ὁρατὸς ὁμοφυῆς τῷ Πατρί... θεοτοκίον· Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἀναρχὸν Λόγον Θεοῦ. Οἱ ἀναβαθμοὶ всѣхъ вѣсѣмъи гласовъ Goar. p. 439—444. Καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς καὶ εὐθὺς τὸ κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Καὶ μετὰ τοῦτο ἀναγινώσκονται οἱ οἴκοι τῶν μοναχῶν, ποίημα τοῦ ταπεινοῦ Ῥωμανοῦ τοῦ ψάλτου· Τοῖς τοῦ βίου τερπνοῖς ἐνατενίζον и др. См. ркп. Іерус. патріарш. библ. XV в. № 273 и 53. Ко всѣмъ тропарямъ прицѣвъ: Ἀλληλουία. Μετὰ τῶν ἁγίων, εἴτα τοὺς μακαρισμοὺς (см. въ первомъ чинѣ), προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἥχος πλ. β'. Μακαρία ἡ ὁδός... Στίχος· Ἐπίστρεψον, ψυχή μου, εἰς τὴν ἀνάπαυσιν. Ὁ ἀπὸστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· χάρις τῷ διδόντι ἡμῖν τὸ νίκος διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλουία, ἥχος πλ. β'. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους... Τέλος· ἀλλὰ μεταβαίνει ἐκ τοῦ θανάτου εἰς τὴν ζωὴν. Καὶ εὐθὺς λέγονται τὰ τοιαῦτα τροπάρια, ἥχος πλ. δ'. Ἀμέτρητος ὑπάρχει ταῖς ἀσώτως βιοῦσιν... Ἐβρόντησεν ἡ σάλπιγξ, ἐξ

ὕπνου νεκροὶ ἐξάνιστατε, ζωὴν ποθοῦντες τὴν αἰώνιον, δέξασθε... Ῥυσάμενός με, Λόγε, τῆς ἀπάτης τοῦ βίου, ὡς γέγραπται... Τροπάρια, ἤχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί. Στίχος· Ἐν τῷ ἐκλείπειν... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός... Στίχος· Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς γῆς... Πᾶσα τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων ἡ δόξα τῆς πλάνης σβέννυται... Στίχος· Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησε. Μόνος κραταῖος καὶ δυνατός, μόνος φοβερὸς ἐν ἰσχύει... Ὁμοῖς τὸν σταυρὸν ἀναλαβὼν, σὺ ἀνεπιστρέφω καρδίᾳ κατηκολούθησας, Κύριε... Σχῆμα μοναστῶν ἀναλαβὼν, μάκαρ, ἀδιστάκτῳ καρδίᾳ κατηκολούθησας... Εἰς ἡγοούμενον· Ποίμνης ἐπιστήμης γεγωνώς, πάτερ, λογικῆς ἐπὶ χλόην ταύτην ἀσκήσεως... Δόξα, ἤχος πλ. β'. Ἀδελφοί μου πνευματικοί, μή μου ἐπιλάβεσθε, ὅταν προσεῦχεσθε... Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ὡς προέγραψε, εἶτα δοξάζει καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ πληρώματος· Χριστὸς ἀληθινός... τῇ πρεσβείᾳ τοῦ ὁσίου καὶ δικαίου Λαζάρου τὴν ψυχὴν τοῦ προαπελθόντος... Καὶ μακαρίζει αὐτὸν πᾶς ὁ λαὸς καὶ κηδεύουν τὸ λείψανον, ὡς προσεῖρηται.

л. 37. Κανὼν φαλλόμενος εἰς κόλυβα τῶν κοιμηθέντων κοσμικῶν.

ᾠδὴ α'. ἤχος πλ. δ'. Ὑγρὰν διοδεύσας... Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ καὶ πάθει πάθος μιμησάμενοι... Νεότητος πταίσματα παρορῶν καὶ τὰς ἁμαρτίας ὑπερβαίνων, Χριστὲ Σῶτερ... Ἦς ἔτυχον δόξης τε καὶ χαρᾶς οἱ τὴν μακαρίαν κεκτημένοι... Συνέλαβες Λόγον τὸν τοῦ Θεοῦ σαρκὶ ἐνωθέντα καθ' ὑπόστασιν...

XXVIII. 971 Εὐχολόγιον, ркп. Синайск. библи. въ полулистѣ, 306 листовѣ, писана крупнымъ почеркомъ XIII—XIV в., со множествомъ виньетокъ и заглавныхъ буквъ. Начала въ рукописи нѣтъ. На послѣднемъ листѣ рукою XIV в. писано: Δέησις τοῦ ἱερέως μοναχοῦ καὶ ἀρχιεπισκοπῆς τοῦ Σινᾶ ὁρους Ν'.

л. 1. Начинается рукопись съ середины молитвы послѣ „Побѣдную пѣснь“ въ чинѣ литургіи Василія Великаго. Въ моментѣ пресуществленія стоятъ слова: Ματαβαλὼν τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ. На полѣ позднѣйшею рукою указано читать: „Господи, иже пресвятаго“. Кромѣ молитвы заамвонной обычной, стоитъ и другая: Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς..

л. 23. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

Чинъ обычный. Разница небольшая, но интересная, заключается въ описаніи чтенія паремій и благословенія свѣчею. Εἶτα τὸ δεῦτερον проκείμενον, καὶ ἐξέρχεται ὁ διάκονος μετὰ δύο κηρίων ὁπίσω τοῦ ἁμβωνος, καὶ λέγει· Σοφία. Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσι. Πρόσχωμεν.

Καὶ θυμιᾷ τὸν λαόν, καὶ εἰσέρχεται ἔνδον τοῦ βήματος, καὶ λέγει τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ φῶς. Ὁ ἱερεὺς λέγει· Εὐλογημένος εἰ ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων. Ἐῖτα ἀναγινώσκεται ἡ παροιμία, καὶ λέγει τὸ Κατευθυνθήτω. Во время пѣнія „Нынѣ силы небесныя“, ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτὸν λέγει τὸν πεντηχοστόν. На поляхъ замѣчено другою рукою, но стараго времени, читать во время этой пѣсни молитву: Ὁ Θεὸς ὁ ἐπισκεψάμενος ἡμᾶς ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ χάριτι παρκαστῆναι τῷ ἀγίῳ θυσιαστηρίῳ σου... и, при чтеніи 50 псалма, кадить св. трапезу и весь алтарь.

л. 40 об. Εὐχὴ εἰς τὴν ἀπόθεσιν τῶν ἄρτων.

Καὶ νῦν δεόμεθά σου, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, μὴ κατασχύνῃς ἡμᾶς, μηδὲ ἀπαλλοτριώσῃς ἡμᾶς τῆς σῆς ἀγαθότητος, ἀλλ' ἔμπλησον ἡμᾶς τῆς σῆς πίστεως καὶ ἐλπίδος καὶ ἀγάπης, ἵνα διὰ παντὸς ὁμνοῦμεν καὶ εὐλογοῦμεν καὶ δοξάζωμεν τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεῖ..

л. 41. Чинъ святыхъ богоявленій.

Начинается чинъ раньше заамвонной молитвы, пѣніемъ стихирь: „Гласъ Господень“. Послѣ паремій полная великая ектенья съ прибавочными прошеніями: Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι αὐτά, ὡς τὰ ἰορδάνια... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ πηγὴν ἀφθαρσίας... Ὑπὲρ τῶν ἀντλούντων καὶ ἀρβυρόμενων εἰς ἁγιασμόν ψυχῶν καὶ σωμάτων... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἁγιασμοῦ πηγὴν καὶ παντὸς πάθους... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ δυνάμει καὶ ἐπιφοιτήσῃ τοῦ παναγίου Πνεύματος δαίμοσιν ὀλέθριον, ταῖς ἐναντίας δυνάμεσιν ἀπρόσιτον, τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεόν φωνῆς τῆς δεήσεως ἡμῶν καὶ ἀναδείξαι τὰ ὕδατα ταῦτα ἁγιασμοῦ δῶρον, ἁμαρτημάτων λυτήριον, νοσημάτων ἀλεξιτήριον, τοῦ Κυρίου δηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Остальной порядокъ обычный. Нѣтъ молитвы Софронія, патріарха іерусалимскаго, но за то прибавлена въ концѣ, послѣ молитвы на главопреклоненіе, молитва: Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκὺ μεταποιήσας... Goar. p. 363.

л. 52 об. Εὐχαὶ τῆς ἁγίας Πεντηχοστῆς, ἥτοι τῆς γονυκλισίας.

л. 83. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς τὸν ὄρθρον τῆς βασιλοφύρου, ὅτε μέλλῃ δοῦναι τὰ βᾶϊα τῷ λαῷ.

л. 84 об. Εὐχαὶ τοῦ θεοῦ νικτῆρος τῇ ἁγίᾳ καὶ μεγάλῃ πέμπτῃ.

λ. 89. Εὐχὴ τοῦ εὐαγγελίου τοῦ ὁρθρου.

Ἑλλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν. Goar. p. 41.

λ. 90. Εὐχὴ ἐτέρα τοῦ εὐαγγελίου.

Ὁ τὸ φῶς σου τὸ ἀληθινὸν ἀνατείλας κατὰ πᾶσαν τὴν οἰκουμένην.

См. выше стр. 52.

λ. 91. Εὐχὴ ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου ἢ ψάλτου. Goar. p. 195.

λ. 92. Εὐχὴ ἐπὶ μελλούσης λαμβάνειν σχῆμα μοναστρίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας Goar. p. 382.

λ. 93. Εὐχαὶ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... pag. 707. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον...

Τῆς παναγίας... Ὁ ἱερεὺς· Σὺ γὰρ εἶ τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν... Εἰρήνη πᾶσι.

Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν

χαρισάμενος, ὁ ἐντειλάμενος ἡμῖν ἀγαπᾶν ἀλλήλους... p. 707. Τοῦ Κυρίου

δεηθῶμεν. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν καὶ τὰ τα-

πεινὰ ἐφορῶν, ὁ διὰ τὴν σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... p. 708.

λ. 96 об. Ἀκολουθία εἰς τεκνοποίησιν.

Ἄγει (αὐ)τοὺς ὁ ἱερεὺς ἐνώπιον τοῦ βήματος καὶ ἄπτει κηρούς, καὶ

δίδωσι τῷ πνευματικῷ πατρί, καὶ τίθησι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐνώπιον αὐτῶν,

καὶ προσκυνοῦν οἱ δύο, καὶ τίθησι τὴν χεῖρα τὴν δεξιὰν ἐπάνω τοῦ εὐαγ-

γελίου ὁ μέλλων λαμβάνειν τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱε-

ρεὺς εὐχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ

διὰ σπλάγχνα ἐλέους κατελθὼν ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων

καὶ διὰ τὴν πολλὴν χρηστότητα ταπεινώσας ἑαυτόν. Goar. pag. 562 var.

lect. Сн. выше стр. 237.

λ. 100. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα, καὶ σέ ἱκετεύομεν. Goar. p. 264.

λ. 101. Εὐχὴ ἐπὶ βρέφους τεσσαρακονημέρου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς ἱερὸν ἀνελθὼν... Прилож. къ Богослуж. въ русск. п. въ XVI в. ч. I стр. 19.

λ. 102. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς τίκτουςαν, ὅταν μέλλῃ εἰσελθεῖν εἰς τὴν ἐκκλησίαν μετὰ τὰς μ'. ἡμέρας.

Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τε καὶ ἄλογον... pag. 267.

λ. 103. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιᾶρόν τι ἢ ἀκάθαρτον ἐμπεσεῖν προσφάτως εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

Χρή τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον... Goar. p. 481 καὶ τότε μεταβάλλεται ὁ οἶνος ἢ τὸ ἔλαιον ἐκ τοῦ μιανθέντος ἀγγείου εἰς τὸ καταπλυθέν, καὶ ἴσταται ὁ ἱερεὺς, ποιῶν τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου σωτηρίῳ οἰκονομίᾳ διαστειλάμενος. Goar. p. 482. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα καλὰ λίαν ποιήσας καὶ οὐδὲν κοινὸν ἐν κόσμῳ διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων ἀποφηνάμενος, εἰμὴ τῶν λογιζομένων τι κοινὸν εἶναι καὶ ἀκάθαρτον Conf. pag. 478. Εἴθ' οὕτως ἐπιβάλλει ἐπάνω τοῦ μεταβληθέντος οἴνου ἢ ἐλαίου ἐκ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων, ποιῶν ὁμοίως σταυροὺς τρεῖς, καὶ λαμβάνει πρῶτος ὁ ἱερεὺς καὶ ἀπογεύεται αὐτοῦ παρουσίᾳ πάντων. Εἰ δὲ συμῆῃ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον χρονίσει ἐν τῷ ἀγγεῖῳ τοῦ οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου, ὥστε συσπαῖναι, ἐκχεέσθω ὁ οἶνος ἢ τὸ ἔλαιον, καὶ μηδεὶς ἐξ αὐτοῦ ἀπογευέσθω.

л. 108 об. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἶδους μιανθέντος ὑπὸ ἀκαθάρτου ἢ θηρίου ἢ οἰουδῆποτε ἀτόπου πράγματος ἐμπεσόντος εἰς φρέαρ, ἢ εἰς λάκκον ἢ εἰς ἄλλον σκεῦος.

Три молитвы см. выше стр. 241.

л. 113. Εὐχὴ εἰς κεκοινωμένον ὕδωρ. См. выше стр. 241.

л. 115. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Чинъ почти дословно сходенъ съ ркп. Синод. библ. № 279. Прилож. стр. 9—15. Разница незначительная. О патриархѣ здѣсь не говорится. Ектенѣя излагается нѣсколько отлично: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμήσαι... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ εὐκρασίας... Ὑπὲρ πλεόντων... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι ἐν τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ τέκνον φωτὸς ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτὸν ἀξίως τῆς κλήσεως... Ὑπὲρ τοῦ θεῖαν αὐτὸν κατὰ τῶν ἀντιπάλων ἐνδύσασθαι δύναμιν ἐλαίῳ... Ὑπὲρ τοῦ σκευὸς αὐτὸν γενέσθαι... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως αὐτὸν μεταλαμβάνειν τῶν ζωοποιῶν μυστηρίων... Ὑπὲρ τοῦ κοινωνῶν αὐτὸν ἀναδειχθῆναι τῶν ἐπηγελημένων ἀγαθῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς παρὰ τοῦ Κυρίου βοήθειας... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... О помазаніи елеемъ говорится такъ: καὶ ἔρχεται ὁ βαπτιζόμενος ἐπὶ τὸν ἱερέα, καὶ λαμβάνων ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου, καὶ τοῦ στήθους καὶ τῶν μεταφρένων τοῦ βαπτιζομένου καὶ λέγει· Χρίσται ὁ δεῖνα... Καὶ τότε χρίσται ὑπὸ τῶν διακόνων ὅλον τὸ σῶμα αὐτοῦ. Καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται, λέγοντος τοῦ ἱερέως οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δεῖνα... Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι τὸν βαπτιζόμενον, ἄρχε-

ται ὁ ἱερεὺς, ψάλλον σὺν τῷ λαῷ οὕτως· Μακάριοι ὦν... Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τοῦτο γ'. δοξάζει καὶ εὐχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... p. 290. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ταύτην, τοῦ ψάλλοντος λέγοντος· Ὅσοι εἰς Χριστόν... χρίεται ὁ ἱερεὺς τῷ ἁγίῳ μύρῳ τοὺς βαπτισθέντας, ποιῶν τὸν τοῦ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτῆρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου, ὁ δὲ φάλτης λέγει· Μακάριοι ὦν ἀφῆθησαν... Μετὰ τὸ μυρῶσαι οὖν τοὺς νεοφωτιστούς, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Εὐδόκησον δὴ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ταύτην τὴν συμπληρωτικὴν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος οἰκονομίαν τελειῶσαι... Прилож. стр. 22, прим. 4. Καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τῶν νεοφωτιστῶν εἰς τὴν εἴσοδον, καὶ γίνεται ἀκολούθως ἡ θεία λειτουργία, καὶ ἐξέρχονται οἱ βαπτισθέντες καὶ εἰς τὰ ἅγια καὶ μεταλαμβάνουσι τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος, καὶ ἀπέρχονται ἐν εἰρήνῃ.

л. 145 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τοὺς βαπτισθέντας τῇ η'. ἡμέρᾳ.

Τῇ δὲ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ ἔρχονται οἱ βαπτισθέντες καὶ ἄπτουν κηρία, καὶ ἀποφέρει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ βαπτιστηρίῳ καὶ εὐχεται. Εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς θείας σου κολυμβήθρας τὴν οὐράνιον ἔλλαμψιν... p. 304. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος... p. 303. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Εὐχὴ· Οἱ ἐνδυσάμενοι τὸν Κύριον καὶ Θεὸν ἡμῶν p. 304. Καὶ μετὰ τοῦτο λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ὕδωρ καὶ σφραγίζει αὐτὸ τρίτον, καὶ νίπτει τὰ πρόσωπα αὐτῶν καὶ τὰς χεῖρας, καὶ τοὺς πόδας κάτω ἐν τῷ βαπτίσματι, λέγων· Ἐδικαιώθης, ἡγιασθης, ἐφωτίσθης, ἀπελούσθης τὰς ἁμαρτίας σου ἐν τῷ ὀνόματι τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ καὶ ἐν τῷ Πνεύματι τοῦ Θεοῦ, ᾧ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ λύει τὰ σταυρία αὐτῶν καὶ ἀπολύει.

л. 149. Εὐχὴ εἰς τριχοκουρίαν.

Εὐχὴ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ πανάχραντος Σωτὴρ, ὁ τῇ παντοῦργῳ δυνάμει καὶ τῇ συνεκτικωτάτῃ σου προμηθεΐᾳ παραγαγὼν ἐκ τῶν μὴ ὄντων εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα, ὁ τὸν ἄνθρωπον τιμήσας καὶ τοὺς αὐτῷ τὸ κατ' εἰκόνα σου καὶ καθ' ὁμοίωσιν, ὁ τὴν κατὰ πρόσβασιν ἡμῖν ἡλικίαν διδούς καὶ τὴν πρόσοφιν ἡμῶν θριξίν ὠραΐζων, ὁ τὸν θεράποντά σου Ἀβραάμ ἀποστείλας κεῖραι τὴν κόμην τοῦ σοῦ ἀρχιερέως Μιλχισεδέκ, ὅπως ἅπασαν αὐτὸν ἀπαρχὴν προσδεκτέαν προσενέγκῃ εἰς ναόν σου. Αὐτὸς καὶ τοὺς φαινοὺς φημί ἀποστόλους σου τῷ ἁγιασμῷ σου στηρίξας καὶ δοὺς αὐτοῖς εἰρήνην καὶ χάριν ἀνεκλάλητον. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, παράσχου τῷ δούλῳ σου τῷδε ἀντὶ τῆς κουρᾶς τῶν ἐν τῇ κεφαλῇ τριχῶν

ἄσυχον λογισμόν, ἵνα κατὰ τὰς ἐντολάς σου ἐν ἐπιεικείᾳ καὶ σεμνότητι βίου πολιτευσάμενος καταξιωθῇ πρὸς τοῖς ἐπιγείοις σου ἀγαθοῖς καὶ τῆς ἐπουρανίου σου βασιλείας, καὶ τὸν ταύτας πίστει Χριστοῦ καὶ εἰλικρινεῖ σχέσει δεχόμενον δώρησαι εὐλογίαν καὶ ἀγαλλίασιν σωτηρίας κατὰ τὴν εὐλογίαν τοῦ ὁσίου καὶ δικαίου Συμεών, τοῦ δεξαμένου ἐν ἀγκάλαις σε τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν ἐπὶ τῆς ἐνσάρχου σου οἰκονομίας, καὶ τοὺς τεκόντας δὲ γονεῖς ἐπισύναφον μεζόνως μέχρι τέλους ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμολογίᾳ καὶ τοὺς συνελθόντας καὶ παρεστῶτας εὐλόγησον εὐλογίᾳ πνευματικῇ, ὅτι σὺ εἶ ἡ σωτηρία πάντων ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν... Καὶ κείρει σταυροειδῶς τὴν κεφαλὴν, λέγων οὕτως· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Νῦν καὶ αἰεὶ... Καὶ μετὰ τοῦτο εὐχεται ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον. p. 306.

1. 152 οβ. Τάξις, γινομένη πρὸς χριστιανούς ὑπαχθέντας μὲν ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας δὲ ἐξ αὐτῆς καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ Θεοῦ προσδραμόντας.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος, ὁ Σωτὴρ πάντων τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 690.

1. 155 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ πλοίου, μέλλοντος πλέειν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας συμπλεῦσαι τοῖς ἁγίοις σου μαθηταῖς... pag. 684.

1. 156 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ Θεὸς αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου. p. 581.

1. 157 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... p. 424.

1. 158 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἱερέως τελευτήσαντος.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοὺ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν καὶ παρακαλοῦμεν...

1. 159. Εὐχὴ εἰς τριχοκουρίαν.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὸν προπάτορα ἡμῶν Ἀβραάμ... См. выше стр. 55.

1. 160 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων (εἰς) μνήμην ἁγίων.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὴν θάλασσαν. См. выше стр. 35.

1. 161. Εὐχὴ ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν προσφέρειν σοὶ κατὰ πρόθεσιν. pag. 522.

λ. 162. Ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου καὶ κελεύσας τῇ γῇ παντοδαπούς ἐκφύειν καρπούς. pag. 524.

λ. 163. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν κτίζεσθαι σεβάσιμον οἶκον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναι σοὶ ἐκκλησίαν. pag. 485.

λ. 164. Εὐχὴ ἐπὶ θεμέλιον οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τοὺς οὐρανούς ἐν συνέσει καὶ θεμελειώσας τὴν γῆν ἐπὶ τὴν ἀσφάλειαν αὐτῆς. pag. 483.

λ. 165. Εὐχὴ (εἰς) εὐλογίαν οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ κατὰξιώσας ὑπὸ τὴν σκέπην Ζακχαίου εἰσελθεῖν... pag. 484. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ εὐλογήσας τὸν οἶκον Λάβαν ἐπὶ τῇ εἰσόδῳ Ἰακώβ... p. 571.

λ. 167. Εὐχὴ συνοδικὴ ἐπὶ λύσεως ἐκκλησίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε τὸν ἕλεον καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν. pag. 494.

λ. 167 οβ. Εὐχὴ ἐὰν σαλευθῇ ἡ ἁγία τράπεζα.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὅτι τὴν σὴν ἐξέχεας χάριν ἐπὶ τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους... pag. 491.

λ. 168 οβ. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν λιτῇ διὰ φόβον. Πάλιν σου Κύριε τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότη. pag. 636.

λ. 169 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας, κράζοντος τοῦ λαοῦ.

Κύριε ἐλέησον. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ διὰ τὸν πρὸς σὲ ζῆλον ἐπακούσας Ἡλιοῦ τοῦ προφήτου. Goar. p. 613. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ ἀνομβρίας· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἀναγαγὼν νεφέλας... Goar. p. 614.

λ. 173. Διακονικὰ ἐπὶ ἀνομβρίας. См. выше стр. 237, 240.

λ. 176 οβ. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν ἀριστᾶν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπουράνιος καὶ ζωοποιὸς ἄρτος... pag. 569.

λ. 177. Εὐχὴ μετὰ τοῦ ἀρίστου.

Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιланθρώπῳ Θεῷ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοί. p. 569.

λ. 178. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀριστῆσαι.

Μετὰ τὸ Εὐφράνθητι ἐπὶ τοῖς εἰρηκόσι μοι... Εὐχαριστοῦμέν σε καὶ ἀνυμνοῦμέν σε, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ...

λ. 179. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συνοδεύσας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ. См. выше стр. 33.

λ. 179 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἄρρώστου.

Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. См. выше стр. 107.

λ. 180. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ κλίνης ἄρρώστου.

Κύριε παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ. См. выше стр. 107.

λ. 181 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἄρρώστου.

Κύρια, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου. Goar. p. 335.

λ. 182. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβίδ. pag. 536.

λ. 183 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων... p. 537.

λ. 184. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὀμνούντων.

Ὁ Θεός, ὁ τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως τὸ εὐάλωτον καὶ ἀσθενὲς ἐπιστάμενος. p. 534.

λ. 185. Εὐχὴ ἐπὶ ἀμνοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ προσδεξάμενος Ἀβραάμ τὴν ὀλοκάρπωσιν. pag. 567.

λ. 185 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ σποράς.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ ποιήσας τὴν γῆν καὶ τὸν οὐρανὸν ἐπ' αὐτήν.

λ. 186 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

Ὁ Θεὸς ὁ φιλάνθρωπος, οὗς ἔδωκας καρπούς... pag. 522.

λ. 187. Εὐχὴ εἰς κῆπον καὶ εἰς ἀγρὸν καὶ εἰς σπóρον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ποιήσας τὰ πάντα ἐν λόγῳ σου...

λ. 188 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ φυτείας ἀμπέλου.

Σὺ εἶ, Χριστέ, ἡ ἀμπελος ἡ ἀληθινή, καὶ ὁ Πατὴρ σου ὁ γεωργὸς ἐστί... p. 551.

λ. 189. Εὐχὴ ἐπὶ σταφυλῆς καὶ λοιπῆς ὀπώρας, ὅτε μέλλουσιν ἐπιλύσειν.

Εὐλόγησον, Κύριε, τοὺς καρπούς σου τούτους τοὺς νέους. См. выше стр. 47.

λ. 190. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγην.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἀμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱόν... p. 552.

λ. 191. Εὐχὴ ἐπὶ κατασκευῇ πλοίου.

Ἐπίβλεψον, ὁ Θεός, ἐπὶ τὴν κατασκευὴν τοῦ πλοίου τούτου...

λ. 192. Εὐχή ἐπὶ ψυχὴν κρινομένην.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντα ἄνθρωπον θέλων σωθῆναι... pag. 587.

λ. 193. Εὐχή τῶν ἀποδείπνων.

Δὸς ἡμῖν, Δέσποτα, πρὸς ὕπνον ἀπιούσιν... Въ чинѣ малаго повечерія.

λ. 194. Εὐχή, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, ὅταν ἀπέρχεται κοιμηθῆναι.

Ὁ Θεὸς προσκυνητός, Ἰησοῦ Χριστέ, καθευδοντά με φύλαξον ἐν τῇ ἀθανάτῳ σου βουλῇ καὶ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ...

λ. 195. Εὐχή περὶ ἐνουπνιαζομένων ἀδελφῶν.

Πολυεύσπλαγχνε Κύριε, ἀκήρατε, ἀμόλυντε, μόνε ἀναμάρτητε... pag. 529.

λ. 196. Εὐχή ἐπὶ σεισμοῦ.

Ὁ φοβερός καὶ θαυμαστός καὶ μέγας ἐνδοξὸς τε καὶ ἀληθινὸς Θεός. pag. 623.

λ. 197. Εὐχή ἐπὶ μοναχῷ ἐν καιρῷ πολεμίου.

Δέσποτα Ἰησοῦ, σὺ εἰ βοηθός μου ἐν ταῖς χερσί σου εἰμί, σὺ γινώσκεις τὸ συμφέρον μοι, βοηθήσόν μοι, μὴ ἐάσῃς με ἁμαρτῆσαι εἰς σέ...

λ. 199. Εὐχή ἐπὶ αἵτου μανθέντος.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν καὶ δοὺς ἡμῖν ἐξουσίαν...

λ. 202. Εὐχή ἐπὶ ἐθνικοῦ, λαμβάνοντος ὄνομα. См. выше стр. 242.

λ. 203. Εὐχή ἐπὶ παιδίου, διδομένου μαθητευθῆναι. См. выше стр. 238.

λ. 205. Апостолы и евангелія на различные случаи.

λ. 229 об. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ πρώτου σχήματος.

Μετὰ τὰ ἀντίφωνα, γενομένης τῆς εἰσόδου, ψάλλεις εἰς τὸ Δόξα τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, εἰς δὲ τὸ Καὶ νῦν, Ἀγκάλας πατρικὰς διανοῖξαι μοι. Ὁ δὲ μέλλων καρῆναι ἵσταται ἔξω τῆς πύλης, ἤτοι εἰς τὸν νάρθηκα, εἶτα πληρουμένου τοῦ τροπαρίου τούτου, δίδονται πᾶσι τοῖς μοναχοῖς κηρία, τοῦ ἡγουμένου ἱσταμένου ἔσωθεν τοῦ βήματος, ὁ δὲ μέλλων καρῆναι ἀδελφός, κρατούμενος ἀπὸ τῆς χειρὸς ὑπὸ τοῦ ἐκκλησιάρχου, ἄγεται πρὸς τὸ βῆμα, καὶ εἰ ἐστὶν ἱερεὺς καὶ μέλλειν πάλιν ἱερατεῦσιν, ποιεῖ ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης μετανοίας γ'. τῷ δὲ καθηγουμένῳ μίαν, εἰ δ' οὐκ ἔστιν ἱερεὺς, ἵσταται ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου καὶ ποιεῖ τὰς μετανοίας, ὁμοίως καὶ ὁ ὢν ἱερεὺς καὶ κωλύεται τοῦ ἱερουργεῖν καὶ ἐρωτᾷται παρὰ τοῦ προσεστῶτος· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ... Ποθῶν τὸν βίον τῆς ἀσκήσεως. Ναί, τίμιε πάτερ. Ὅντως καλὸν ἔργον καί. Ἐκουσία γνώμη... Ναί, τίμιε πάτερ. Μὴ ἔκτινος ἀνάγκης, ἣ βίας; Οὐχί, τίμιε πάτερ. Παραμένεις τῷ μοναστηρίῳ καὶ τῇ ἀσκήσει ἕως ἐσχάτης σου ἀνακνοῆς;

Ναί, τίμει πάτερ. Βλέπε, ἀδελφέ, οἷας συνθήκας δίδως τῷ Δεσπότη Θεῷ... Goar. p. 383. τῇ δευτέρᾳ παρουσίᾳ τοῦ Κυρίου ἡμῶν. Εἷτα κλίνει τὴν κεφαλὴν, καὶ τοῦ διακόνου εἰπόντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, τίθησιν ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ τὸ σχηματολόγιον, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόσους σοι εἶναι νομοθετήτας... Goar. p. 380. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπὶ σέ... p. 385. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν. Goar. p. 379. Καὶ τίθεται τὸ φαλλίδιον εἰς τὸ ἀντιμῖνσι(ον) καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὸν μέλλοντα κουρεῦσθαι ἐρχόμενον πρὸς τὸ ἀντιμῖνσι(ον) καὶ βαλόντα μετάνοιαν· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν ἀοράτως ἐνταῦθα πάρεστι· βλέπε, ὅτι οὐδεὶς σε ἀναγκάζει ἐλθεῖν ἐπὶ τὸ ἀγγελιοειδὲς τοῦτο ἐπάγγελμα· βλέπε, ὅτι σὺ ἐκ προθέσεως θέλεις τὸ μοναχικὸν τοῦτο σχῆμα. Καὶ αὖθις συντάσσεται, λέγει πρὸς αὐτὸν πάλιν· Εἰ οὖν θέλεις ἀξιωθῆναι τοῦ ἀγγελικοῦ τούτου σχήματος, λάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος τῷ ἡγουμένῳ. Καὶ ἐπιδιδόντος αὐτοῦ τὸ φαλλίδιον, ὁ ἱερεὺς λέγει· Ἰδοὺ ἐκ χειρὸς Κυρίου λαμβάνεις αὐτό· βλέπε τίνι προσέρχῃ, τίνι συντάσῃ καὶ τίνι ἀποτάσῃ. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων... καὶ κουρεῖ αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Κεῖρεται ὁ ἀδελφός ἡμῶν... Κύριε ἐλέησον γ'. Περιβάλλει τε αὐτὸν τὸ παλλίον λέγει· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν λαμβάνει τὸ παλλίον, ἤτοι τὸν ἀρράβωνα τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος... Καὶ μετὰ ταῦτα ἐκβάλλουσιν αὐτὸν ἔξω καὶ κουρεῖουσιν, λέγοντες τὸν ἄμωμον, καὶ πάλιν εἰσέρχεται εἰς τὴν ἐκκλησίαν, τοῦ διακόνου λέγοντος τὰ ἐξ ἔθους διακονικά, ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, ὁ κατὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου ῥυσάμενος τὸν δοῦλόν σου τόνδε. Goar. p. 378.

λ. 238. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Ἄφ' ἐσπέρας εἰσφέρει τὸ ἱμάτιον καὶ τὰ λοιπὰ ὁ μέλλων κουρεῖσθαι καὶ ἀποτίθεται ἐν τῷ θαλασσιδίῳ τῆς ἁγίας τραπέζης. Εἰς τὴν λειτουργίαν τὰ τυπικὰ καὶ οἱ μακαρισμοί, ἀντίφωνον α'. ἤχος δ'. Ἦθελον δάχρυσιν ἐξαλεῖψαι... Τίς χειμαζόμενος... Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μουσικῇ τῆς ἀναγεννήσεως... Δόξα, Ῥῦσαι ἡμᾶς... Ἀντίφωνον β'. Ζάλη ἁμαρτημάτων... Πάλιν τὸ αὐτὸ τροπάριον, Δόξα, Ἦ μόνη ἀγνή... Τοῦ δὲ γ'. ἀντιφώνου ἀρχομένου, ἔρχεται ὁ μέλλων λαβεῖν τὸ σχῆμα καὶ ἵσταται πλησίον τοῦ ἄμωμος. Ἀντίφωνον γ'. Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια, ποῦ ἔστιν ἡ τῶν προσκαίρων φαντασία... Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατε... Καὶ τούτου λεγόμενου τοῦ στίχου, ἔρχεται εἰς τὴν σολεάν. Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες... Στίχος· Δεῦτε προσκυνήσωμεν... Καὶ ἔρχεται καὶ προσπίπτει εἰς τὰ ἅγια θυρία καὶ οὐκ ἀνίσταται μέχρι συμπληρώσεως τοῦ αντιφώ-

νου. Τροπάριον, ἤχος δ'. Κύριε, Κύρια, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Δόξα, 'Ο
 διὰ σέ θεοπάτωρ Δαβίδ... Καί νῦν, τὸ αὐτό. Καί οὕτως ἴστησιν αὐτὸν καί
 ἐπερωτᾷ. 'Ερώτησις· Τί προσήλθες, ἀδελφέ... Ποθεῖς καταξιωθῆναι τοῦ ἀγ-
 γελικοῦ σχήματος, καί καταταγῆναι ἐν τῷ χορῷ τῶν μοναζόντων; Ναί,
 τίμιε πάτερ. Ὅντως καλὸν ἔργον ἐξελέξω... Вопросы тѣже, что и у
 Гоара р. 407. Отвѣты на нихъ утвердительные: Ναί, τίμιε πάτερ.
 Βλέπε, τέκνον, οἷας συνθήκας δίδως τῷ Θεῷ... Всѣ молитвы тѣже, что у
 Гоара р. 407—410. Между молитвами лишь возгласы: Εἰρήνη πᾶσι.
 Τὰς κεφαλὰς. Послѣ молитвы: Ὁ ἅγιε Κύριε τῶν δυνάμεων... Καί κρα-
 τήσας τῆς χειρὸς αὐτοῦ, εἰσάγει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ καί ποιεῖ μετα-
 νοίας γ'. καὶ ἀνιστάμενος ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον, καὶ ἐκτείνας τὴν
 χεῖρα αὐτοῦ, ὃ κατηχητὴς λέγει πρὸς αὐτόν· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως
 ἐνταῦθα πάρεστι... Ναί, τίμιε πάτερ. Καί λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Δά-
 βε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καί ἐπιδόντος αὐτά, λέγει αὐτῷ ὁ
 ἱερεὺς· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ... Καί μετὰ τοῦτο λέγει πρὸς
 αὐτόν· Εὐλόγητός ὁ Θεός... Καί εὐθέως κεῖρει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων·
 Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην... Καί ἀπάγουσιν αὐτόν οἱ
 μοναχοὶ ἐν τῷ διακονικῷ καί, κουρεύοντες αὐτόν, φάλλουσι τὸν ἄμωμον,
 τοῦ ἱερέως ποιοῦντος τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου. Ὁ διάκονος λέγει τὴν
 συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ
 τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστά-
 των... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμήσαι... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ εὐκρασίας...
 Ὑπὲρ πλεόντων... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμ-
 πτως καὶ ἀνεμποδίστως... Ὑπὲρ τοῦ ἀπαλλαγῆναι αὐτόν πάσης κοσμι-
 κῆς ἐπιθυμίας... Ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐ-
 τὸν ὑψηλότερον τῶν τοῦ κόσμου φρονημάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι αὐ-
 τὸν τὸν παλαιὸν ἄνθρωπον καὶ ἐνδύσασθαι τὸν νέον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθῆ-
 ναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι ἅγιος εἶ... Προκείμενον,
 ἤχος γ'. Κύριος φωτισμός... Στίχος· Κύριε ὑπερασπιστής... Апостолъ и
 евангеліе, что у Гоара р. 413. Λεγομένου δὲ τοῦ εὐαγγελίου, φέρου-
 σιν αὐτόν μέσον τῶν βασιλικῶν πυλῶν, φοροῦντα τὸ κολόβιον, βαστάζοντα
 καὶ τὴν λαμπάδα· μετὰ δὲ τὸ εὐαγγέλιον, ἄρχεται τὸ ἀντίφωνον καὶ ἄπ-
 τουσιν οἱ ἀδελφοὶ τοὺς κηρούς, ἕως οὗ γένηται ὁ ἀσπασμός. Ἀντίφωνον
 α'. ἤχος δ'. Ἡνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Ὁ ζυγός μου χρηστός
 ἐστί... Ἀντίφωνον β'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα πεπλη-
 ρώκατε... Στίχος· Ἰδοὺ δὴ τί καλόν... Ἐγγὺς Κύριος πᾶσι τοῖς ὑπομένου-
 σιν αὐτόν... Ἀρχομένου δὲ τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἔρχεται εἰς τὴν ἁγίαν
 θύραν. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότη... Στίχος· Ἐξελοῦ

με καὶ ῥύσαι με ἐξ ὕδατων... Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν... Χαίροις παρ' ἡμῶν, ἀγία Θεοτόκε... Καὶ ἐνδύει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς καὶ λέγει· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα... и т. д. Одежды и слова, произносимыя при этомъ, что у Гоара р. 411. Τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. ψάλλονται δὲ καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα, ἥχος δ'. προσόμοια· Ἦνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας, ζώσασθε τὴν ζώνην... Στίχος· Αὕτη ἡ πόλη. Ἀγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ, τῷ βοηθῷ ἡμῶν... Δόξα, Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα... Ἔτερον τροπάριον, ἥχος πλ. β'. μετὰ τὸ ἀμφιάσμα· Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Στίχος β'. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ... Στίχος γ'. Αὕτη ἡ ἡμέρα... Τὸ αὐτὸ τροπάριον, Δόξα καὶ νῦν, Μεγάλων χαρισμάτων... Εὐχαί, ἃς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου... Goar. p. 411. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου. Goar. p. 412. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ἐξέρχεται ὁ διάκονος μετὰ τοῦ εὐαγγελίου, καὶ ἀσπάζεται αὐτὸ ὁ ἀποκαρεῖς καὶ οἱ μοναχοί, ψάλλοντες ταῦτα, ἥχος α'. Ἐπιγινώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Στίχος· Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον. Στίχος· Δεῦτε ἀκούσατε... Δόξα, Χαίρε, Θεοτόκε παρθένε. Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμόν, λέγει ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες... καὶ τὰ λοιπὰ τῆς λειτουργίας. Μετὰ δὲ τὴν ἀπόλυσιν ὁ ψικεύουσιν αὐτὸν ἅπαντές ἕως τῆς τραπέζης μετὰ τῶν κληρίων, ψάλλοντες· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ. Στίχος· Ὁ Θεός, ἐπίστρεφον ἡμᾶς. Ἀνισταμένων δὲ ἀπὸ τῆς τραπέζης, φέρουσιν αὐτὸν ἕως τῆς ἐκκλησίας, ψάλλοντες τὸ προεγραμμένον τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τά... Στίχος· Ἡ καρδιά μου καὶ ἡ σὰρξ μου... Τὰς δὲ ἑπτὰ ἡμέρας σχολάζει ἀπὸ τῶν ἔργων, προσκαρτερῶν τῇ ἐκκλησίᾳ, ἔπειτα ἀποκουκουλίζει αὐτόν, λέγων τὴν εὐχὴν· Πολυέλεε Θεὲ καὶ Κύριε, ὁ δωρησάμενος τῷ δούλῳ σου. Goar. p. 419. Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Εὐχή· Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ... Ibidem.

л. 273 об. Κανὼν εἰς σχῆμα μοναχοῦ, φέρων ἀκροστιχίδα τήνδε· Θεῖον μοναστὰ σχῆμα πιστῶς ἀμπέχου Ἰωάννου μοναχοῦ. Ὁδὴ α'. ἥχος β'. Θαλάσσαν τὴν ἐρυθράν... Θαλάσσης βιωτικῆς ἐκλίποντα τὰς ζαλώδεις... Ἐκλάμπεις ταῖς τῆς ἀγνεύσεως χάριτος... Ἰκρίῳ τῷ διὰ σὲ πατάσαντι φιλανθρώπως... Ὁ κτίσας ἐν οὐρανῷ στρατεύματα... Τὸ πλῆθος τῶν οἰκτιρῶν ..

л. 282 об. Ἀκολουθία (νεκρώσιμος) τοῦ πρώτου σχήματος.

Начало чина, т. е. описание обряда омовения усопшаго и приготовление его къ погребению, сходно съ чиномъ Ватопед.-Аѳон. ркп. XIV в.

№ 133. Καὶ οὕτως (т. е. послѣ одѣянія) ἀπάγουσιν αὐτὸν εἰς τὴν ἐκκλησίαν καὶ τίθησιν εἰς τὸν νάρθηκα, καί, τοῦ ἐκκλησιαάρχου κρούσαντος τὸ ξύλον, συναγόνται πάντες οἱ μοναχοί, καὶ δίδονται (αὐ)τοῖς τὰ κηρία καὶ ἀπάρχονται ψάλλειν ἁμωμον ἕως τοῦ Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε... Τῶν ἀγίων ὁ χορός... κ. τ. λ. Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. κ. Μνήσθητι τοῦ δούλου σου... Μακάριοι οἱ πτωχοί... Μνήσθητι, εὐσπλαγχνε, καὶ ἡμῶν καὶ ἐμνημόνευσας... Μακάριοι οἱ πραεῖς... Ἀνάπαυσον τὸν δούλόν σου, ὁ Θεός... Goar. p. 445. Στιχηρά, ἥχος πλ. δ'. Ἀθάνατε, οἰκτίρμον, καὶ τῶν νεκρῶν... Ἐπ' ὧμος τὸν ζυγόν σου, ὡς ἀράμενον... Ἰδοὺ καιρὸς οἰκτίρμον τῶν ἁκρῶν μνησθῆναι... Ῥημάτων τῶν ἐν λόγοις μὴ μνησθῆς ἐσφαλμένων... Φιλάνθρωπε οἰκτίρμον, ἐλεῆμον καὶ μόνε μακρόθυμε... pag. 448—449. Προκείμενον, ἥχος πλ. δ'. Μακαρία ἡ ὁδός... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Θεσσαλονικεῖς Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν... Апостолъ и евангеліе у Гоара pag. 430. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ αἰμνήστου δούλου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν κατατάξῃ... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ καὶ τὴν βασιλείαν... Ὅτι σὺ εἰς ζωὴ καὶ ἡ ἀνάστασις... Εἴτα τελεῖται ὁ ἀσπασμός. Στιχηρά, ἥχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Στίχος Ἐγὼ εἶπα ἐν τῷ ὕψει... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί... Στίχος Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις... Στίχος Ἐξῆλθε καὶ ἀπῆλθε... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... p. 431—432. Στίχος Τὸ πνεῦμά μου παρ' ἐμοί... Τρέμω τὸ κριτήριον καὶ τὴν ἐν τῷ βήματι γύμνωσιν... Στίχος Ἐξέλιπον γάρ μου οἱ ὀφθαλμοί. Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὁδυρμός, μέγας στεναγμός... Στίχος Εἴλου γάρ μου τὴν ψυχὴν... Ὅτε ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ μέλλει μετὰ βίας ἀρπᾶσθαι... Θεοτοκίον Χαῖρε, κτίσις πᾶσά σοι βοᾷ, χαῖρε, Παναγία παρθένε... Καὶ ἄραντες τὴν κλίνην, ἔρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, φαλλόντων τῶν μοναχῶν Ἀνάπαυσον Σωτήρ... Καὶ εἰδ' οὕτως τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἡσυχως. Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μετὰ τῶν ἀγίων ἀνάπαυσον... Καὶ ἐν τῷ κοιμητηρίῳ ψάλλουσιν οὕτως Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Εἰσαγαγὼν κατὰ φύτευσιν... Σὺ εἰ ὁ Θεός, ὁ καταβάς... Κύριος ποιμαίνει με... Εἰς τὴν κατάπαυσίν σου... Ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσεως... Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμών... Ἡ μόνῃ ἀγνὴ καὶ ἄχραντος... Στίχος Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα... Σὲ ἔπλασάς με, Κύριε... Στίχος Μὴ εἰσέλθῃς εἰς κρίσιν... Ἡ αἰδὶμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ σήμερον πληροῦται... Σὲ δωσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ... Ὁ θάνατός σου, Κύριε... Στίχος Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Παντοκράτωρ ὕψιστε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἀνάπαυσον... Θεοτοκίον Τὰ οὐράνια ὕμνεῖ σε, κεχαριτωμένη... Καὶ τούτων οὕτω τελεσθέντων, ὁ ἐπὶ τῷ κηδεύειν τεταγμένος μετὰ μαχαίρας, ἀποτεμῶν τὰ

ἄκρα τοῦ μανδύου, τὰ ἐν τοῖς δυοῖς πλαγίοις, ἀλλὰ μὴν καὶ τὸ ἄκρον τὸ πρὸς τοὺς πόδας, εἴτα διχῇ τὸ πᾶν διελὼν καὶ διατρήσας τὸν μανδύαν κατὰ τὰ πλάγια ἄκρα, καὶ ἀπὸ τοῦ εὐωνύμου μέρους καὶ τὸ τοῦ δεξιοῦ λωρίον εἰς ἀλληλα διαβιβάζων καὶ συνδέων ἀμοιβαδόν, ἀποτελεῖ γ'. σταυροὺς καὶ τῷ ὑπολειφθέντι μέρει τῶν δύο λωρίων δεσμεῖ τοὺς πόδας, καί, λαβὼν ἔλαιον ἐν ἀγγεῖῳ, ἐπιχέει ἄνωθεν τοῦ λειψάνου σταυροειδῶς, καὶ οὕτως ἅπαντες τὸ λείψανον θάπτουσι, ψαλλόντων τῶν παρεστώτων. Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου, κατέλιπον τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς μου. . Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ Δαβίδ... Κατάπαυσιν δικαίους ἡτοίμασας... Εἰρήνευσον πρεσβείαις... Εἴτα γίνεται Τρισάγιον καὶ ἐκτενή, τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ ἀπολύει.

л. 297 об. Κανὼν εἰς μοναχοὺς κοιμηθέντας, φέρων ἀχροστιχίδα τῇνδε· Ἄδω μονασταῖς δεῦτερον τερπνὸν μέλος. Ὡδὴ α'. ἤχος β'. Δεῦτε, λαοί, ἄσωμεν... Αἵ γλῃ τῇ σῇ τῇ φωτοφόρῳ καταύγασον... Δρόμον τῆς σῆς διατέλεσας ἀσκήσεως... Ὡς πλαστοργὸς καὶ ζωοδότης τὸν δοῦλόν σου... θεοτοκίον· Μήτηρ Θεοῦ ἀναδειχθεῖσα, πανάμωμε...

XXIX. Илитарій Есфигменской библіотеки на Аѳонѣ на пергаменѣ, писанный въ 1306 г., какъ говоритъ о томъ слѣдующая приписка: „ἐν ἔτει ,ζωιδ'. ἰνδικτιῶνος δ'. μηνὶ ἰουλίῳ“.

Ἡ θεία καὶ ἱερὰ λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Ἐν 1) τῷ μέλλοντι τῷ ἱερεὶ σὺν Θεῷ λειτουργῆσαι, ὅταν νίπτεται, λέγει· Νίψωμαι ἐν ἁθώοις τὰς χεῖράς μου καὶ κυκλώσω τὸ θυσιαστήριόν σου. Καὶ ὅταν ἐπιστρέψῃ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ κατ' ἀνατολάς, λέγει· Κύριε, ἡγάπησα εὐπρέπειαν οἴκου σου καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου. Καὶ προσκυνήσας γ'. ἐν ταῖς ἀγίαις εἰκόσι, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεός μου, ἐξαπόστειλόν μοι βοήθειαν ἐξ ἀγίου κατοικητηρίου σου καὶ ἐνίσχυσον. Πληρουμένης γοῦν τῆς εὐχῆς, ποιεῖ μετάνοιαν τοῖς ἀδελφοῖς, καὶ λαβὼν παρ' αὐτῶν συγχώρησιν, εἰσέρχεται ἐν τῷ ἀγίῳ βήματι, ποιῶν εὐλογητὸν καὶ λαβὼν τὸ στιχάριον φορέσας, ψησίν· Ἀγαλλιάσεται ἡ καρδιά μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ, ἐνέδουσε. Εἰς τὸ ἐπιτραχήλιον· Ἡ χάρις καὶ ἡ βοήθεια τοῦ Πνεύματος ἔσται μεθ' ἡμῶν πάντοτε. Ὡς ἐν μέσῳ τῶν μα-

1) Чинъ проскомидіи и особенности момента причащенія священнослужителей въ алтарѣ напечатаны, по этому списку, проф. Н. Θ. Красносельцевымъ въ I выпускѣ его «Матеріаловъ для исторіи чино-последованія литургіи св. Іоанна Златоустаго». Казань, 1889. стр. 9—16.

θητῶν σου παρεγένου Σωτῆρ ἡμῶν τήν. Εἰς τὴν ζώνην· Ὁ Θεός, ὁ περιζωννύων με δύναιμι καὶ ἔθετ(ο) ἄμωμον. Ἐν τῇ δεξιᾷ χειρὶ· Δεξιὰ¹⁾ σου, Κύριε, δεδοξασται, ἐν ἰσχύει ἡ δεξιὰ... Ἐν δὲ τῇ ἀριστερᾷ· Αἱ χεῖρες σου ἐποίησάν με καί. Εἰς τὸ φελώνιον· Οἱ ἱερεῖς, Κύριε, ἐνδύσονται δικαιοσύνην. Πορευόμενος ἐν τῇ ἀγίᾳ προθέσει, λέγει· Καὶ δύσαντες τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ἀπήγαγον πρὸς (Πιλάτον).

Καὶ λαβὼν ἀπὸ τῶν προσφορῶν μίαν, σφραγίζει αὐτὴν μετὰ τῆς λόγχης τετραμερῶς, λέγων· Εἰς δόξαν καὶ ἀνάμνησιν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Λέγει τοῦτο γ'. Τέμνων δέ, λέγει ἐν μὲν τῷ ἐνὶ μέρει· Ὡς πρόβατον ἐπὶ σφαγὴν ἤχθη. Ἐν δὲ τῷ θατέρῳ· Καὶ ὡς ἄμνός ἄμωμος ἐναντίον τοῦ κείραντος αὐτὸν ἄφωτος. Ἐν δὲ τῷ τρίτῳ· Οὕτως οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα αὐτοῦ. Ἐν δὲ τῷ τετάρτῳ· Ἐν τῇ ταπεινώσει αὐτοῦ ἡ κρίσις αὐτοῦ ἤρθη. Καὶ ἐν τῷ ἐκ πλαγίου· Τὴν δὲ γενεὰν αὐτοῦ τίς διηγήσεται. Εἶτα αἶρων τὸ σφραγισθὲν ἅγιον σῶμα ἀπὸ τῆς προσφορᾶς, λέγει· Ὅτι αἱρεται ἀπὸ τῆς γῆς ἡ ζωὴ αὐτοῦ πάντοτε. Καὶ θεὶς τὸ τοιοῦτον ἅγιον σῶμα ὑπτιον ἐν τῷ δίσκῳ, λέγει· Θύσον, δέσποτα. Καὶ θύει τὸν ἄρτον σταυροειδῶς, λέγων· Θύεται ὁ ἄμνός τοῦ Θεοῦ ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς καὶ σωτηρίας. Εἶτα λαβὼν νάμα καὶ ὕδωρ, βάλλει εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγων· Ἐνωσον, δέσποτα. Ἐνωσις τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Εἰς τῶν στρατιωτῶν λόγχῃ τὴν πλευρὰν αὐτοῦ ἐνούξε, καὶ εὐθέως ἐξῆλθεν αἷμα καὶ ὕδωρ. Καὶ ὁ ἑωρακὴς μεμαρτύρηκε, καὶ ἀληθινὴ ἐστὶν ἡ μαρτυρία αὐτοῦ, πάντοτε νῦν. Ἐπειτα ποιεῖ τὴν τῶν ἐτέρων προσφορῶν προσκομὴν, ἡγουν εἰς μὲν τὴν δευτέραν λέγει· Εἰς δόξαν καὶ τιμὴν τῆς ὑπερευλογημένης ἐνδόξου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας. Εἰς δὲ τὴν τρίτην· (на полѣ: Τῇ δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ προστασίαις) Τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου, Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, καὶ πάντων τῶν προφητῶν²⁾ τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήμεων ἀποστόλων τῶν ιβ'. (12) καὶ ο'. (70): Τῶν ἁγίων καὶ δικαίων Ἰωακείμ καὶ Ἀννης, καὶ τῶν ἁγίων θεοστεπτῶν βασιλέων Κωνσταντίνου καὶ Ἑλένης: Τῶν ἐν ἀγίοις πατέρων ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Γρηγορίου τοῦ

¹⁾ Этот стихъ читается дурно, такъ какъ это мѣсто въ свиткѣ разорвано. ²⁾ Послѣ двухъ точекъ вездѣ въ рукописи начинаются слова съ красныхъ точекъ. Въ спискѣ Пanteleimonovskago монастыря, изданномъ Н. Красносельцевымъ, здѣсь стоитъ указаніе на четвертую προσφοράν—εἰς τὴν δ'. „Материалы“ стр. 11.

Θεολόγου, Γρηγορίου τοῦ Νύσσης, Γρηγορίου τοῦ Δεκαπολίτου, Γρηγορίου Ἀκραγαντίνων, Γρηγορίου θαυματουργοῦ, Γρηγορίου τοῦ τῆς μεγάλης Ἀρμενίας: Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρός ἡμῶν ἀρχιεράρχου καὶ θαυματουργοῦ Νικολάου: Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρός ἡμῶν Ἀθανασίου τοῦ μεγάλου, Κυρίλλου, Ἰωάννου τοῦ Ἐλεήμονος, καὶ τοῦ ἐν ἁγίοις πατρός ἡμῶν ἱερομάρτυρος Βλασίου, Μοδέστου, Πολυχάρπου, καὶ πάντων τῶν ἱεραρχῶν καὶ ἱερομαρτύρων: Τῶν ἁγίων καὶ ἀρχιδιακόνων Στεφάνου καὶ Εὐπλου: Τῶν ἁγίων θαυματουργῶν ἱατρῶν, ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Ἑρμολάου καὶ Παντελεήμονος: Τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μεγάλων μαρτύρων Δημητρίου, Γεωργίου καὶ Θεοδώρου, Τρύφωνος, Εὐσταθίου, Εὐστρατίου, Αὐξεντίου, Μαρδαρίου καὶ Ὁρέστου: Τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων μ'. καὶ πάντων τῶν μαρτύρων: Τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου, Εὐθυμίου, Ἀρσενίου, Θεοδοσίου τοῦ κοινοβιάρχου, Σάββα, Μακαρίου, Ἐφραίμ, Εὐφροσύνου, Ἰωάννου τοῦ τῆς Κλίμακος, Ἰωάννου τοῦ Καλυβίτου καὶ Θεοδώρου τοῦ Στουδίτου, καὶ πάντων τῶν ὁσίων πατέρων ἡμῶν: Τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μεγάλων μαρτύρων γυναικῶν Θέκλας, Βαρβάρας, Ἀναστασίας, Αἰκατερίνης, Κυριακῆς, Φωτεινῆς, Μαρίνης, Παρασκευῆς καὶ πάντων τῶν ἁγίων μαρτύρων καὶ ὁσίων γυναικῶν: Τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων τῶν τιη'. (318): Τῶν ἁγίων προπατόρων, πατέρων, πατριαρχῶν, προφητῶν, ἀποστόλων, κηρύκων, εὐαγγελιστῶν, μαρτύρων, ὁμολογητῶν, ἐγκρατευτῶν καὶ παντός πνεύματος ἐν πίστει τετελειωμένου: Τοῦ ἁγίου τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, ὧν ταῖς ἰκεσίαις πρόσδεξαι, Κύριε, τὴν θυσίαν ἡμῶν ταύτην εἰς τὸ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον καὶ μνήσθητι, Κύριε, τῶν προσενεχόντων καὶ δι' οὗς σοι προσήγαγον. Εἰς τὴν ε'. (πέμπτην). Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων βασιλέων ἡμῶν, παντός τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπεδίου αὐτῶν: Ὑπὲρ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητος: Ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας, σωτηρίας, ἀφέσεως ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ Ἰακώβου, ἀρχιερέως, Ἰωάννου καὶ Καλλινίκης μοναχῆς: Ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἁγίαις ἐκκλησίαις καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων: Ὑπὲρ πάσης ψυχῆς χριστιανῶν, θλιβομένης καὶ καταπονουμένης, ἐλέους Θεοῦ καὶ βοηθείας ἐπιδομένης, σκέπης τοῦ ἁγίου τόπου τούτου, καὶ τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῷ, εἰρήνης καὶ καταστάσεως σύμπαντος κόσμου, εὐσταθείας τῶν ἁγίων ἐκκλησιῶν, σωτηρίας καὶ βοηθείας τῶν μετὰ σπουδῆς καὶ φόβου Θεοῦ κοπιώντων καὶ διακονούντων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν: Ὑπὲρ τῶν ἀπολειφθέντων καὶ ἐν ἀποδημίαις ὄντων, ἰάσεως τῶν ἐν ἀσθενείαις κατακειμένων: Ὑπὲρ

ἀναρρύσεως τῶν αἰχμαλώτων, καὶ ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν, τῶν ἐν ταῖς διακονίαις ὄντων, καὶ πάντων τῶν διακονούντων καὶ διακονησάντων ἐν τῇ ἀγίᾳ μονῇ ταύτῃ: Ὑπὲρ κοιμήσεως, αἰνέσεως, μακαρίας, μνήμης καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ Ἀμφιλοχίου ἱερομονάχου, Ῥαβουλοῦ μοναχοῦ, Ἰωαννικίου μοναχοῦ, Γεωργίου, καὶ πάντων τῶν προαπελθόντων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐνθάδε κειμένων καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθοδόξων. Μνήσθητι, Κύριε, κατὰ τὸ πλήθος τοῦ ἐλέους σου καὶ τῆς ἐμῆς ἀναξιοτήτος, καὶ συγχώρησόν μοι πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον. Εἴθ' οὕτως λαβὼν θυμίαμα, βάλλει εἰς τὸ θυμιατήριον, εὐλογῶν αὐτὸ καὶ λέγων· Θυμίαμα προσφέρομεν, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰς ὁσμὴν εὐωδίας, ὃ προσδεξάμενος εἰς τὸ ἅγιον καὶ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον, ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ. Εἴτα τίθεται ὁ ἀστερίσκος ἐπάνω τοῦ θείου ἄρτου, λέγων· Καὶ κατελθὼν ὁ ἀστήρ, ἔστη, οὗ ἦν κείμενον τὸ παιδίον. Καὶ μετὰ ταῦτα τίθεται τὸ κάλυμμα, λέγων· Τῷ λόγῳ Κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν. Καὶ εἰς τὸ ἕτερον· Σκέπασον ἡμᾶς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτερυγῶν σου, ὁ Θεός, ἀποδιώξον ἀφ' ἡμῶν πάντα ἐχθρόν... Καὶ εἰς τὸν αἶρα· Ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ, καὶ τῆς κινήσεως αὐτοῦ πλήρης ἡ γῆ. Εἴτα, σκεπασθέντων τῶν ἁγίων δώρων μετὰ τῶν καλυμμάτων, λέγει· Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν, εὐπρέπειαν... καὶ τὰ λοιπὰ τοῦ ψαλμοῦ ἕως τέλους. Ἐπειτα λέγει ἐπὶ τῇ προθέσει τῶν τιμίων δώρων, τὸ Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ποιεῖ ἀπόλυσιν μουσικῶς, καὶ οὕτως ἀπέρχεται θυμιᾷν ἅπαντα τὸν ναὸν καὶ τοὺς ἀδελφούς, θυμιῶν δέ, ψάλλει ἡσύχως· Κρίνόν μοι, Κύριε, ὅτι ἐγὼ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύθην (Ψαλμ. XXV вещь). Εὐχὴ τῆς προθέσεως· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον τὴν τροφὴν τοῦ παντός κόσμου... καὶ λυτρωτὴν εὐλογοῦντα... εἰς τὸ ἅγιον καὶ ὑπερουράνιον... τῶν προσενεγκόντων καὶ δ' ὅς προσήγαγον... Swains. The greek Liturgies. pag. 108.

Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρός... Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν κ. τ. λ. Swains. pag. 110—111. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι... Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... κ. τ. α. Εὐχὴ τοῦ α'. ἀντιφώνου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ κράτος ἀνείκαστον... pag. 111. Εὐχὴ τοῦ β'. ἀντιφώνου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σῶσον τὸν λαόν σου... pag. 112. Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ. Τῆς παναγίας. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Ὁ Κύριος ἐβασίλευσε... κ. τ. α. Εὐχὴ τοῦ γ'. ἀντιφώνου· Ὁ τὰς κοινὰς ταύτας καὶ συμφώνους... pag. 113. Ἐτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... κ. τ. λ. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα κ. τ. α. Εὐχὴ τῆς εἰσόδου· Δέσποτα Κύριε ὁ

Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα... pag. 114. Σοφία, ὀρθοί. Δεῦτε προκυνήσωμεν. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν.. Εὐχὴ τοῦ Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαύομενος... pag. 115—116. Μετὰ δὲ τὸ Τρισάγιον, λέγει· Πρόσχωμεν. Εἰρήνην πᾶσι, τὸ προκείμενον, ὁ ἀπόστολος. Εὐχὴ πρὸ τοῦ εὐαγγελίου· Ἐλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν, Χριστέ ὁ Θεός... ἀπρόσιτον φῶς καὶ τοὺς τῆς διανοίας ἡμῶν... Σὺ γὰρ εἶ ὁ φωτισμός καὶ ἁγιασμός ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ ζωοποιῷ σου Πνεύματι εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. pag. 117. Σοφία, ὀρθοί ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου ἐκ τοῦ κατὰ... Καὶ μετὰ τὸ εὐαγγέλιον· Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ, ὁ Θεός... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Εὐχὴ τῆς ἐκτενοῦς· Κύριε ὁ Θεὸς τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἵκεσίαν... pag. 119. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ φιλοχρίστων βασιλέων ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν... Ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας καὶ σωτηρίας, ἀφéseως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ἐτι δεόμεθα καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν παρισταμένων.. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλέημων καὶ φιλάνθρωπος Θεός... Εὐξασθε οἱ κατηχούμενοι... Οἱ πιστοὶ ὑπὲρ τῶν κατηχουμένων... Κατηχήση αὐτοὺς τὸν λόγον τῆς ἀληθείας... Ἀποκαλύψη αὐτοῖς τὸ εὐαγγέλιον τῆς δικαιοσύνης... Ἐνώση αὐτοὺς τῇ ἀγίᾳ αὐτοῦ... Σῶσον, ἐλέησον, ἀντιλαβοῦ... Οἱ κατηχούμενοι τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Εὐχὴ κατηχουμένων α΄. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν... Ἐκφώνησις· Ἰνα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δοξάζωσι.. pag. 119. Οἱ κατηχούμενοι προσέλθετε. Εὐχὴ πιστῶν α΄. μετὰ τὸ ἀπλωθῆναι τὸ ἅγιον εἰλητόν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε βασιλεῦ τῶν δυνάμεων, τῷ καταξιώσαντι ἡμᾶς παρυστῆναι... pag. 120. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Σοφία. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα. Ἐτι καὶ ἔτι. Εὐχὴ πιστῶν β΄. Πάλιν καὶ πολ- λάκις σοι προσπίπτομεν... pag. 121. Εὐχὴ τοῦ χερουβικοῦ· Οὐδεὶς ἄξιος τῶν συνδεδεμένων ταῖς σαρκικαῖς ἐπιθυμίαις... ἀλλ' ὁμως διὰ τὴν ἄμετρον καὶ ἄρρητόν σου φιλανθρωπίαν... pag. 122—123. Τὸν πεντηκοστόν. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Σοφία. Ἐκφώνησις· Ὅπως ὑπὸ τοῦ κράτους... Εἴτα λέγει μυστικῶς, θυμῶν τὴν ἀγίαν τράπεζαν καὶ τὰ ἅγια· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ ἔως τοῦ· Ἀρατε πύλας, οἱ ἄρχοντες. Καὶ μετὰ ταῦτα· Πληρώσωμεν τὴν δέξιν ἡμῶν... Ὑπὲρ τῶν προσκομισθέντων τιμίων δώρων... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ρουσθῆναι... Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ (τραπέζῃ)· Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος, ὁ δεχόμενος θυσίαν αἰνέσεως... pag. 125. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ἀγγελον εἰρήνης... Συγγνώμην καὶ ἄφεσιν...

Τὰ καλὰ καὶ συμφέροντα... Τὸν ὑπόλοιπον χρόνον τῆς ζωῆς ἡμῶν... Χριστιανὰ τὰ τέλη τῆς ζωῆς... Τῆς παναγίας. Ἐκφώνησις· Διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Εἰρήνην πᾶσι. Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους. Τὰς θύρας, τὰς θύρας... Πιστεύω εἰς ἕνα Θεὸν Πατέρα παντοκράτορα... Στῶμεν καλῶς, στῶμεν μετὰ φόβου. Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Ἄνω σχῶμεν τὰς καρδίας ἡμῶν. Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ. Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται· Ἄξιόν καὶ δίκαιον σέ ὑμνεῖν, σέ εὐλογεῖν... pag. 128. Ἐκφώνησις· Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον ἄδοντα, βοῶντα, κεκραγότα καὶ λέγοντα. Εὐχεται κλινόμενος· Μετὰ τούτων καὶ ἡμεῖς τῶν μακαρίων δυνάμεων... pag. 128—129. Ἐκφώνησις· Λάβετε φάγετε τοῦτό ἐστι τὸ σῶμά μου... Ὁμοίως καὶ τὸ ποτήριον μετὰ τὸ δειπνῆσαι, λέγων. Ἐκφώνησις· Πίετε ἐξ αὐτοῦ πάντες, τοῦτό ἐστι τὸ αἷμά μου τὸ τῆς καινῆς διαθήκης... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Μεμνημένοι τοίνυν τῆς σωτηρίου ταύτης ἐντολῆς... pag. 129. Ἐκφώνησις· Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοὶ προσφέροντες κατὰ πάντα καὶ διὰ πάντα. Ἐπιπροσφερόμεν σοὶ τὴν λογικὴν ταύτην καὶ ἀναίμακτον λατρείαν... pag. 130. Καὶ ἀνιστάμενος καὶ σφραγίζων τὰ ἅγια δῶρα, λέγει· Καὶ ποιήσον τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον τίμιον σῶμα τοῦ Χριστοῦ σου. Ἀμήν. Τὸ δὲ ἐν τῷ ποτηρίῳ τούτῳ τίμιον αἷμα τοῦ Χριστοῦ σου. Ἀμήν. Μεταλαβὼν αὐτὰ τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ. Ἀμήν. Μνήσθητι ἡμῶν, δέσποτα ἅγιε. Καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται· Ὡς τε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν... Ἐκφώνησις· Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου, ὑπερευλογημένης... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου προφήτου, Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, προστασίαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἁσωμάτων, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφρόνων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων ἱεραρχῶν, τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων, τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, καὶ τοῦ ἁγίου τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου, ὧν ταῖς ἱκεσίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός. Καὶ μνήσθητι πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου. Μνήσθητι, Κύριε, τὰς ψυχὰς τῶν δούλων σου Ἀμφιλοχίου ἱερομονάχου, Ῥαβουλοῦ μοναχοῦ, Ἰωαννικίου μοναχοῦ, Γεωργίου, Ἰωάννου, Θεοδοῦλου μοναχοῦ, Θεοδότῃς, Ζωῆς, Κοσμᾶ ἱερομονάχου, Γερασίμου μοναχοῦ, Μιχαὴλ καὶ Εὐδοκίας, Γερβασίου μοναχοῦ, Μαρίας, Σοφίας, Ματθαίου μοναχοῦ, Σάββα μοναχοῦ, Μεθοδίου μοναχοῦ, Νικολάου ἱερομονάχου, Δημητρίου καὶ Εἰρήνης. Μνήσθητι, Κύριε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου Κωνσταντίνου¹⁾... καὶ ἀνάπαυσον αὐτούς,

¹⁾ Это многоочіе означает пустое мѣсто въ свиткѣ, оставленное, очевидно, для записи другихъ именъ.

ἐνθα ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Ἔτι παρακαλοῦμέν σε· μνήσθητι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς... pag. 132—133. Ἐκφώνησις· Ἐν πρώτοις μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν τοῦδε, ὃν χάρισαι ταῖς ἀγίαις σου ἐκκλησίαις... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Μνήσθητι, Κύριε, τῆς ἀγίας μονῆς ταύτης, ἐν ᾗ παροικοῦμεν... pag. 133—134... Μνήσθητι, Κύριε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου Ἰακώβου ἀρχιερέως, Νίφωντος ἱερομονάχου, Νικάνορος ἱερομονάχου, Ἀρσενίου ἱερομονάχου, Ἰσαὰκ ἱερομονάχου, Θεοδώρου μοναχοῦ, Ἰωάννου καὶ Καλλινίκης μοναχῆς, Ὀλυμπιάδος μοναχῆς, Εἰρήνης μοναχῆς, Μανουὴλ καὶ Εἰρήνης, Θεοδοσίου ἱερομονάχου, Δημητρίου καὶ Ἀννης, Κωνσταντίνου καὶ Ἀννης καὶ Καλλινίκης μοναχῆς, Ξένου καὶ Μαρίας. Ἐκφώνησις· Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στόματι καὶ μὴ καρδίᾳ δοξάζειν... Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν... Πάντων τῶν ἀγίων μνημονεύσαντες... κ. τ. λ. pag. 134—135. Ὁ ἱερεὺς ἐπαύχεται· Σοὶ παρακατατιθέμεθα τὴν ζωὴν ἡμῶν ἅπασαν καὶ τὴν ἐλπίδα... pag. 135. Ἐκφώνησις· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Πάτερ ἡμῶν... Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία. Εἰρήνη πᾶσι τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Βασιλεῦ ἀόρατε... pag. 136. Ἐκφώνησις· Χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... pag. 136. Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἀγίοις. Πλήρωσον, δέσποτα, τὸ ἅγιον ποτήριον τοῦτο. Πλήρωμα Πνεύματος ἀγίου. Ἀμήν. Εἴτα βάλλει τὸ ἅγιον ζέον, λέγων· Ζέσις πλήρης πίστεως Πνεύματος ἀγίου. Ἀμήν. Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ σήμερον, Υἱὲ Θεοῦ... Τὰς ἀνομίας μου πάριδε, Κύριε, ὁ ἐκ Παρθένου... Ὡς ὁ ἄσπτος υἱὸς ἦλθον κἀγώ, οἰκτίρμων. Ὡς ὁ περιπεσὼν εἰς τοὺς ληστὰς καὶ τετραυματισμένος... Ἐκαστος, ὅπου σώζεται, ἐκεῖ δικαίως... Καὶ αὐθις λέγει· Συγγώρησόν με, δέσποτα ἅγιε. Καὶ λαβὼν τὸν θεῖον ἄρτον ἐν δεξιᾷ, ποιῶν μετ' αὐτοῦ σταυρὸν γ'. εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος. Πιστεύω, Κύριε, καὶ ὁμολογῶ, ὅτι σὺ εἶ ὁ Υἱὸς καὶ Λόγος τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ὁ ἐλθὼν. Ὅτε δὲ μεταλαμβάνῃ τοῦ θείου ἄρτου, ἀσπάζεται αὐτόν, λέγων· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ἄχραντον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνος ἱερομόναχος εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. Ἀμήν. Ὅμοίως καὶ εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ζωοποιὸν αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος. Καὶ μετὰ τὸ μεταλαβεῖν, λέγει ἡσύχως· Τῆς ἀγίας ἐνδόξου καὶ ἀχράντου σαρκὸς σου, Χριστέ, μετέλαβον καὶ τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σου αἵματος ἡξιώθην ὁ ἀνάξιος, καὶ τῆς βασιλείας σου μὴ στερήσης με.

Εἶτα εἰσχομίζει τὰ ἅγια ἀπὸ τοῦ δίσκου ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ φόβου Θεοῦ, βληθείσης καὶ τῆς ἁγίας λαβίδος ἐν αὐτῷ, προσέχων δε ἀκριβῶς μή τι κατελείφθῃ ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ τοῦ ἁγίου καὶ φρικώδους σώματος. Καὶ αὐτὸς στραφεὶς πρὸς τὸν λαόν, λέγει ἡσυχως· Μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως προσέλθετε. Εἶτα σφραγίζει πάντας, λέγων· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου. Εὐχὴ μετὰ τὴν ἁγίαν μετάληψιν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλάνθρωπε... pag. 141. Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου. Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων. Ἐκφώνησις· Πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Πληρωθῆτω τὸ στόμα. Καὶ μετὰ τὸ ὑποστρέφαι λέγει· Ὅρθοι οἱ μεταλαβόντες κ. τ. λ.. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν... Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος· Εὐλογῶν τοὺς εὐλογούντάς σε... pag. 142. Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ· Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν... p. 143.

Ἀπόστολος καὶ εὐαγγέλιον εἰς πάσας τὰς ἑορτάς τῆς Θεοτόκου.

Ἀκολουθία τοῦ ἑσπερινοῦ. Чинъ обыкновенный. На сугубой ектеніи поминаются въ числѣ живыхъ императоры Андроникъ и Михаилъ и Марія. Н. Красносельцевъ въ первомъ видѣть Андроника II Палеолога (1281—1332, а второмъ Михаила Палеолога VIII (1261—1281), его предшественника. Матеріалы для исторіи чиновослѣдств. литургіи св. Іоанна Златоустаго в. 1 стр. 8—9. Молитва на главопреклоненіе положена слѣдующая: Παντοκράτωρ Δέσποτα, ὁ τὸ μέτρον τῆς ἡμέρας πληρώσας καὶ τὸ σκότος θέμενος ἐπὶ συστάσει τῆς νυκτός. См. выше стр. 163. Εἶη τὸ κράτος τῆς βασιλείας σου εὐλογημένον καὶ δεδοξασμένον τοῦ Πατρὸς.

Τὰ τοῦ ὁρθροῦ· Καὶ ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι ἡμᾶς τῆς ἀκροάσεως τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου... Σοφία ὀρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου. Εἰρήνην πᾶσιν. Ἐκ τοῦ κατὰ ὁδεῖνα τὸ ἀνάγνωσμα. Εἴπωμεν πάντες ἐξ ὅλης ψυχῆς... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Πληρώσωμεν τὴν ἐωθινὴν δέξιν... Goar. p. 44. Ὅτι Θεὸς ἐλέους, οἰκτιρῶν καὶ φιλανθρωπίας... Εἰρήνην πᾶσι... Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Καὶ εὐθὺς τὴν εὐχὴν μυστικῶς· Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τῷ παντεφόρῳ σου ὄμματι ἐπιβλέπων ἐπὶ πᾶσαν τὴν κτίσιν... Goar. p. 44. Σοφία. Ὁ ὢν εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν.

Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου νουθεσία πρὸς τοὺς ἱερεῖς· Πρόσεχε σεαυτόν, ὦ ἱερεῦ, καὶ οἷς μέλλεις διδάσκειν, καὶ βλέπε τὴν διακονίαν, ἣν παρέλαβες, ἵνα αὐτὴν πληρῇς· οὐ γὰρ ἐπίγειον

διακονίαν ἐνεχειρίσθης, ἀλλὰ οὐράνιον, οὐκ ἀνθρώπων, ἀλλὰ ἀγγέλων σπουδάζε σεαυτὸν παραστῆσαι τῷ Κυρίῳ ἐργάτην ἀναίσχυντον...

Позднѣйшею рукою приписана: Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας τοῦ ἐσπερινοῦ. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. pag. 32. Εἰς τὸ κράτος τῆς βασιλείας σου.

XXX. № 177 Εὐχολόγιον на бомбицинѣ Филовеевской библиотеки на Аѳонѣ въ 8 долю листа, 391 листъ, рукопись писана прекраснымъ вязаннымъ почеркомъ 1332 года, какъ это можно заключать на основаніи пасхалии, начинающейся съ 6840 года. Начала рукописи нѣтъ. Много вставокъ, писанныхъ другими почерками.

л. 1. Стихиры на стиховнѣ въ чинѣ вечерни Пятидесятницы.

л. 3. Оглавление Евхологія.

л. 7. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. Особенности чина см. въ ркп. XV—XVI в. той же библ. № 164.

л. 28 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 48. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Чинъ переполненъ особенными молитвами, рѣдко встрѣчающимися въ другихъ его спискахъ, а именно: Εὐχὴ τῆς προθέσεως. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν ὁδὸς σωτηρίας, σὺ ἰκάνωσον ἡμᾶς προσενέγκειν σοι θυσίαν... Εὐχὴ ἑτέρα. Κύριε, Κύριε, νῦν δεόμεθά σου, ὁ Θεός, ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, μὴ κατασχύνης ἡμᾶς τῆς εἰς σὲ πίστεως... Εὐχὴ τοῦ θυμιάματος. Ὁ Θεὸς ὁ ὑψίστος καὶ ἀόρατος καὶ ἀχειροποίητος, ὁ προσδεχάμενος τὰ δῶρα αὐτά... Εὐχὴ τοῦ χειρουβικοῦ ὕμνου. Ὁ Θεός, ὁ ἐπισκεψάμενος, ὁ ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν, Δέσποτα Κύριε, καὶ χαρισάμενος ἡμῖν... Goar. pag. 171. Εὐχὴ εἰς τὸ ὑψῶσαι τὸν ἄρτον. Ἀγαθὲ καὶ φιλόφρων, καὶ διὰ τῆς μεσιτείας τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Conf. Swainson. pag. 264—265.

л. 62. Ἀκολουθία τῶν ἀποστολοευαγγελίων τῆς ἐβδομάδος ὅλης и цѣлаго года.

л. 202 об. Молитвы на различные случаи.

л. 210 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ.

л. 222¹⁾ Ἀκολουθία εἰς ἀρραβῶνα γάμων.

л. 224. Ἀκολουθία εἰς ἐκκλησιαστικὸν γάμον.

л. 233. Ἀκολουθία τοῦ ἀσθενοῦς ἐλαίου.

¹⁾ Чины брака, елеосвященія и крещенія писаны рукою XVI в.

л. 270. Ἀκολουθίαι τοῦ μεγάλου βαπτίσματος.

Въ началѣ огласительныхъ молитвъ крещаемый стоитъ κατ' ἀνατολὰς ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ ἐμφυσῶν αὐτῷ τρίτον, σφραγίζει ὁ (ιερεὺς) τὸ στόμα αὐτοῦ, τὸ μέτωπον καὶ τὸ στῆθος, καὶ ποιήσας εὐλογητόν, ἅψας καὶ θυμιάσας, καὶ ποιήσας Τρισάγιον, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε... (л. 270). Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι, ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς, ψάλλων· Μακάριοι ὦν... καὶ λέγει σὺν τῷ λαῷ τὸν στίχον τοῦτον καὶ δοξάζει καὶ λέγει· Τὴν χάριν ἔλαβε, τὸν Χριστὸν ἐνδέδυται, τὴν πίστιν τετήρηκε, τὴν πηγὴν τῆς ζωῆς (л. 285).

л. 300. Евангельскія и апостольскія чтенія на цѣлый годъ.

л. 366. Пасха.iiя.

л. 367. Ἀκολουθία τοῦ ἀκαθίστου.

XXXI. № 99 Илитарій на пергаменѣ Діонисіатской библи. на Аѳонѣ писанъ нѣкимъ Іоасафомъ въ 6894 году 10 апрѣля, т. е. въ 1386 г. Кромѣ чина литургіи св. Іоанна Златоустаго, состоящаго изъ однихъ лишь молитвъ, въ Илитаріѣ имѣются слѣдующіе чины хиротоній:

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Goar. p. 196.

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου. p. 204.

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου. Μετὰ τὴν τοῦ Τρισαγίου συμπλήρωσιν, ἄνεισιν ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὴν κρητίδα, τὴν πρὸς τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ προσάγεται τούτῳ παρὰ τῶν συμπαρόντων τριῶν ἀρχιερέων ὁ χειροτονεῖσθαι μέλλων ἐκ τοῦ δεξιοῦ μέρους, ὁ δὲ χαρτοφύλαξ ἐκ τοῦ ἀριστεροῦ μέρους δίδωσιν αὐτῷ χάρτην, ἐν ᾗ γέγραπται ταῦτα· Ψήφω καὶ δοκιμασίᾳ θεοφιλεστάτων μητροπολιτῶν καὶ ὁσιωτάτων ἀρχιεπισκόπων ἡ θεία χάρις. Conf. Goar. p. 249—250 называется и городъ, въ который рукополагается новопоставляемый. Ἐπιτιδομένου τοίνυν τοῦ τοιοῦτου τοῦ χαρτίου τῷ ἀρχιερεὶ καὶ τοῦ χαρτοφύλακος λέγοντος, τὸ Πρόσχωμεν, ὁ ἀρχιερεὺς ἀναγινώσκει τὰ γεγραμμένα εἰς ἐπήκοον τῶν παρεστώτων καὶ πάντων φωνούντων ἐκ γ'. τὸ Κύριε ἐλέησον, ἀναπτύσσει τὸ εὐαγγέλιον ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ ἐπιτίθησι τῇ κεφαλῇ τοῦ χειροτονουμένου, συνεπαπτομένων καὶ τῶν ἄλλων ἀρχιερέων, Εἴτα ποιῶν σταυροὺς γ'. ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ καὶ ἔχων ἐπικειμένην τὴν (αὐ)τῶν χεῖρα ἐπεύχεται οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ νομοθετήσας. Goar. p. 250. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, λέγει τῶν συγχειροτονούντων ἀρχιερέων εἰς λεπτήν φωνήν, ὅσον ἀκούειν τοὺς συμπαρόντας ἐπισκόπους καὶ ἀποκρίνεσθαι τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπι-

σκόπου ἡμῶν τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας... Ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ὅπως ὁ φιλάνθρωπος... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Καὶ τούτων ῥηθέντων, ὁ ἀρχιερεὺς, ἔχων ὡσαύτως τῇ τοῦ χειροτονουμένου κορυφῇ τὴν χεῖρα ἐπικειμένην, εὐχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὸ μὴ δύνασθαι... Goar. p. 251. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν αἶρει τὸ εὐαγγέλιον κ. τ. λ. Goar. p. 251.

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου. Goar. p. 244.

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου. Goar. p. 210. Конечъ: Κατὰ δὲ τὸν τῆς μεταλήψεως τῶν θείων μυστηρίων καιρὸν, πρῶτος τῶν ἄλλων διακόνων χειροτονηθεὶς τοῦ θεοῦ ἄρτου μετέχει παρὰ τοῦ χειροτονήσαντος ἀρχιερέως, καὶ μεταλαμβάνει τοῦ τιμίου αἵματος πρὸ αὐτοῦ. Λέγει καὶ τὸ Ὅρθοι μεταλαβόντες. Ἐπεὶ δὲ ἔξεστι τὴν τοῦ διακόνου χειροτονίαν κ. τ. λ. Goar. p. 211.

XXXII. № 133 (744). Евхологій, рукопись Ватопед.-Аѳонск. библи. на бомбидинѣ въ листѣ, 332 листа, писана четкою скорописью XIV в. На сугубой ектеніи поминаются, какъ живые, *деспина* (л. 375 ὑπὲρ εὐσεβεστάτης καὶ φιλοχρίστου δεσποίνης) *Анна Савойская*, бывшая съ 1341 г. по 1347 г. правительницею государства, за малолѣтствомъ сына своего Іоанна V Палеолога, самъ императоръ Іоаннъ V и его супруга Елена (л. 297, об. 375) изъ рода Кантакузень, съ которою онъ вступилъ въ супружество 21 мая 1347 г. Время написанія рукописи Ватопедской библіотеки, слѣдовательно, можно относить ко второй половинѣ XIV вѣка, но не позже 1368 года, когда вліяніе на государственныя дѣла Анны Савойской прекратилось окончательно. Н. Θ. Красносельцевъ. Матеріалы для исторіи чинопоследованія литургіи св. Іоанна Златоустаго в. I. стр. 34.

л. 1 об. Πίναξ ἀκριβῆς τοῦ παρόντος βιβλίου.

л. 2. Τάξις¹⁾ γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Εὐχολ. Goar. p. 195.

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου. Goar. p. 204.

л. 2 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ τοῦ διακόνου. Ὁφείλοντος εἶναι χρόνων τελείων εἴκοσι καὶ πέντε. Μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν ἀγίαν ἀναφορὰν καὶ τὰς θύρας ἀνοιγῆναι κ. τ. λ. Goar. p. 210—211. Въ ектеніи

¹⁾ Всѣ чины хиротоніи писаны рукою XVI вѣка.

имѣются прошения: Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων βασιλέων... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν παρισταμένων καὶ χρηζόντων τῆς παρὰ Θεοῦ βοηθείας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ...

л. 3 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου.

Ὁφείλοντος εἶναι χρόνων λ'. Μετὰ τὸ εἰσενεχθῆναι καὶ ἀποτεθῆναι τὰ θεῖα δῶρα ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ.. Εὐχολ. Goar. p. 244.

л. 5 Ὡ Ἰησοῦ!) Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Κύριε καὶ Λόγε τοῦ ζώντος Θεοῦ, ποιμὴν καὶ ἀμνέ, ὁ αἴρων τὴν ἀμαρτίαν τοῦ κόσμου κ. τ. λ. p. 536.

л. 6—15. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

О чтеніи тропаря: „Господи, иже пресвятаго“ не говорится; чинъ начинается молитвою тῆς προθέσεως, а оканчивается: Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ.

л. 15 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

Начинается чинъ „Εὐχὴ тῆς προθέσεως“, а оканчивается „Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ“. Словъ: Μεταλαβὼν τῷ Πνεύματί σου— нѣтъ.

л. 28 об. Ἡ θεία μυσταγωγία τῶν προηγιασμένων.

Εἰσελθόντος τοῦ ἱερέως ἐν τῷ ἀγίῳ θυσιαστηρίῳ καὶ τὴν ἱερὰν ἐνδυσάμενου στολήν, καὶ εὐλογήσαντος τὸν εὐλογητὸν Θεόν, ψάλλεται²⁾ συνήθως ὁ προοιμιακὸς ψαλμός· αὗτος δὲ λέγει τὰς εὐχὰς τοῦ λυχνικοῦ. Εὐχὴ ἀντιφώνου πρώτου· Κύριε οἰκτίρμον καὶ ἐλεῆμον, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε. Goar. p. 163. Εὐχὴ ἀντιφώνου δευτέρου· Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης ἡμᾶς. p. 163. Εὐχὴ ἀντιφώνου τρίτου· Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, μνήσθητι ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν. p. 163. Εἶτα τοῦ ψαλμοῦ τελεσιθέντος, ἄρχεται τῆς συναπτῆς· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθώμεν, κ. τ. λ. Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν, ψάλλεται τὸ Πρὸς Κύριον, ὁ δὲ ἱερεὺς ἀπέρχεται ἐν τῇ ἀγίᾳ προθέσει, καί, ἐξενεγκὼν τὸν ζωοποιὸν ἄρτον, προτίθησιν ἐν τῷ ἀγίῳ δίσκῳ³⁾, ποιῶν καὶ ἑνώσιν, οὗ μέντοι λέγων τι τῶν συνήθων τῇ προθέσει⁴⁾, ἀλλὰ μόνον περικαλύψας τὰ ἅγια, θυμιάσας ἀπέρχεται. Ποιεῖ δὲ ἐν τῇ στιχολογίᾳ καὶ ἑκάστην δόξαν, συναπτὴν μικρὰν καὶ ἐκφωνή-

¹⁾ Молитва эта писана рукою XVII вѣка. ²⁾ Въ ркн. Есфигмен. библ. на Аѳонѣ XV н. № 208 ψάλλεται τὸ σύνθημα καθίσμα τοῦ ψαλτηρίου, ἦτοι τὸ Πρὸς Κύριον ³⁾ δίσκῳ μετὰ τῆς προσοχῆς καὶ εὐλαβίας, ποιῶν ⁴⁾ τῇ προθέσει ἢ εὐχὴν προθέσεως, εἰ καὶ ἐν τισι εὑρηται εὐχὴ προθέσεως, ἀλλὰ μόνον περικαλύψας.

σεις· Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστίν... Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Ὅτι ἡγίασαι καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον... Ἐν δὲ τῷ ψάλλεσθαι τὸ Κύριε ἐκέκραξα, θυμῷ κατὰ τὸν τύπον¹⁾. Εὐχὴ τῆς εἰσοδου· Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας αἰνοῦμεν... p. 164. Σοφία, ὀρθοί²⁾. Καὶ εἰσέρχεται εἰς τὸ ἅγιον βῆμα καὶ λέγει· Πρόσχωμεν. Εὐρῆνη πᾶσι. Σοφία· Ὁ ἀναγνώστης τὸ προκείμενον τῆς προφητείας καὶ τὴν Γένεσιν. Μετὰ δὲ τὸ δεύτερον προκείμενον, ἀνίσταται ὁ ἱερεὺς καί, λαβὼν τὸν κηρόν, ἀπτόμενον ἐν τῇ δεξιᾷ χειρὶ³⁾ μετὰ καὶ τοῦ θυμιατοῦ, ἵσταται ἐνώπιον τῆς ἁγίας τραπέζης, καί, σφραγιζὼν σταροειδῶς, λέγει· Σοφία, ὀρθοί. Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσι, καὶ εὐθὺς αἱ Παροιμίαι⁴⁾. Εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐρῆνη σοι. Σοφία. Καὶ ὁ ψάλτης τὸ Κατευθυνήτω. Εἴτα ἡ ἐκτενὴ· Εἴπωμεν πάντες, κ. τ. λ. Εὐχὴ τῆς ἐκτενοῦς ἱκεσίας· Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἱκεσίαν... p. 164. Εὔξασθε οἱ κατοικοῦμενοι τῷ Κυρίῳ, κ. τ. λ. p. 164. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται⁵⁾. Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίστης καὶ δημιουργός... p. 165. Ὅσοι κατηχοῦμενοι προέλθετε. Ἰστέον, ὅτι ἀπὸ τῆς δ' μεσονησιμῶν, προστίθεται καὶ τὰ ὑποτεταγμένα διακονικὰ σὺν τῇ εὐχῇ, καὶ ὀφείλεις ἅμα τῷ εἰπεῖν τὴν ἄνωθεν ἐκφώνησιν, τὸ Ἴνα καὶ αὐτοί, ἄρξασθαι οὕτως· Ὅσοι κατηχοῦμενοι προέλθετε, οἱ κατηχοῦμενοι προέλθετε, ὅσοι πρὸς τὸ φῶτισμα κ. τ. λ. p. 165—168. Разница далѣе лишь въ надписаніи нѣкоторыхъ молитвъ: „Ὁ τῶν ἀρρήτων καὶ ἀθεάτων“ надписывается: „Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ θεῖα δῶρα... и послѣдняя: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸν ἡμᾶς—Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ.

л. 34. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

Первыя четыре молитвы тѣже, что и у Гоара p. 28--29, пятая: Εὐχὴ τῆς εἰσοδου· Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας. p. 31, шестая: Εὐχὴ ἀπολύτωσης· Ὁ Θεός, ὁ μέγας, ὁ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... p. 29 и главопреклоненія: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ... p. 32.

л. 36--40. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Молитвъ двѣнадцать. Εὐχολ. Goar. p. 39 — 42. Десятая надписывается: Εὐχὴ τοῦ πεντηχοστοῦ. Къ двѣнадцати молитвамъ

¹⁾ Κατὰ τὸν τύπον ἢ εἰσοδος μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, εὐχὴ τῆς εἰσοδου ²⁾ Σοφία, ὀρθοί. Μετὰ τὴν εἰσοδον καὶ τὸ πρῶτον ἀνάγνωσμα, ἦτοι τὴν Γένεσιν, ἔτι δὲ καὶ τὸ δεύτερον προκείμενον, ἀνίσταται ὁ ἱερεὺς .. ³⁾ ἐν τῇ δεξιᾷ χειρὶ--- нѣтъ. ⁴⁾ Καὶ εὐθὺς ἀναγινώσκεται ἡ Παροιμία Εἴτα τὸ Κατευθυνήτω καὶ ἡ ἐκτενὴ παρὰ τοῦ διακόνου Εἴπωμεν. ⁵⁾ Εὐχὴ κατηχομένων πρὸ τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίστης ..

присоединяется и молитва главопреклоненія безъ всякаго надписанія. р. 44.

л. 40 об. Μηνολόγιον, ἔχον διαφόρους ἀποστόλους, εὐαγγέλια τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ.

л. 187. Εὐχὴ εἰς τὸ κατасφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. А. Дмитриевскій. Приложение къ Богослужен. въ русск. церкви въ XVI в. ч. I, стр. 6—7.

л. 187. Τῇ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ πάλιν προσάγεται. Тамъ же стр. 7—8.

л. 189. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. Тамъ же стр. 9—11.

л. 193. Εὐχαὶ τῶν ἁγίων βαπτισμάτων, ἃς ποιεῖ ὁ πατριάρχης προηγησαμένων τῶν εἰρημένων, μάλιστα τῷ μεγάλῳ σαββάτῳ ἑσπέρας. Тамъ же стр. 12—15. Разница лишь въ великой ектеніи, которая вполне сходна съ помѣщенною въ Евхологіонѣ Гоара, и въ отсутствіи замѣчанія: Ἐν δὲ τοῖς λοιπαῖς ἑορταῖς, ὅτε ἐν τῷ μικρῷ φωτιστηρίῳ κ. т. л.

л. 197 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος. Εὐχολ. Goar. р. 303. Καὶ λαβὼν σπόγγον καινὸν ἐξ ὕδατος, ἀποσπογγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὰ ὦτα καὶ τὰ λοιπά, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων πάντα ἄνθρωπον, ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον νῦν καὶ ἀεί.

л. 197 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας... Goar. р. 304. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Ὁ ἐνδυσάμενός σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεόν... Goar. р. 304.

л. 198. Εὐχὴ εἰς τὸ кουρεῦσαι παιδίον. А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 16.

л. 199. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης.

Чинъ этотъ до обхожденія вокругъ храма съ мощами и пѣнія тропаря: Ὁ ἐν τῇ πέτρᾳ τῆς πίστεως οἰκοδομήσας τὴν ἐκκλησίαν сходенъ съ чиномъ въ Евхологіонѣ Гоара [pag. 655—661. Послѣ же этого тропаря, онъ излагается такъ: Ὅτε δὲ πλησιάσουςι τῷ καθιερωμένῳ ναῷ, φάλλουσι· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἀποστόλων τὸ καύχημα. Ἅγιοι μάρτυρες οἱ κηλῶς ἀθλήσαντες. Καὶ ἡνίκα φθάσουςιν εἰς τὴν μέσην τοῦ ναοῦ πύλην, κεκλεισμένην οὖσαν, μετὰ καὶ τῶν λοιπῶν, ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ ἀεί καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ τιθέντος αὐτοῦ τὸν δίσκον

εἰς τράπεζαν, ἐπὶ τούτων ἡτοιμασμένην· οἱ μὲν φάλται κατὰ τὸ σχῆμα τῶν ἐγκαινίων, φάλλουσι τὸ Ἄρατε πόλας, ὁ δὲ ἀρχιερεὺς λέγει καθ' ἑαυτὸν εὐχὴν τῶν ἐγκαινίων· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας... p. 662. Μετὰ δὲ τὸ Ἀμήν, ἐνθὺς ἐπιφέρει τὴν εἰδικασμένην τῆς εἰσόδου εὐχὴν, ἔχουσαν οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα... p. 662. Далѣ до молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καὶ ταύτην τὴν δόξαν τοῖς ὑπὲρ σοῦ ἀθλήσασιν τοже, что у Гоара, p. 662—663, съ опущениемъ лишь указанія на нѣніе сгихирѣ самогласныхъ. Послѣ молитвы чинъ оканчивается такъ: Καὶ εὐθέως οἱ φάλται, δοξάζοντες, ἐπισυνάπτουσι τὸ Τρισάγιον, καὶ πᾶσα ἡ θεία μυσταγωγία. Μέχρι δὲ συμπληρώσεως ἡμερῶν ἑπτὰ καθ' ἑκάστην ἐν τῷ τοιούτῳ ναῷ κ. τ. λ. Goar. p. 664.

л. 207 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης τῆς ἀγίας τραπέζης. Goar. p. 490—491.

л. 209. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ... Goar. p. 485.

л. 210. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, καὶ εὐθὺς Κύριε εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, τὸ Θεὸς Κύριος, ἡχος δ'. Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν μόνος ὑπάρχων. Εἶτα ὁ Ν'. καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν. Goar. p. 332—334 съ кондакомъ: Προστασία τῶν χριστιανῶν, по безъ „Достоѣно есть“ и ексапостиларія. Στιχηρά, ἡχος δ'. Ἐδωκας σημείωσιν. Ἐδωκας τὴν χάριν σου κ. λ. λ. Goar. p. 334—335, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν κ. τ. λ. А. Дмитриевскій. Приложен. стр. 120—135. Разница заключается лишь въ опущеніи послѣ молитвы: Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς, замѣчанія: Ἐκαστος οὖν τῶν ἱερέων, βάλλων ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλαν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην.

л. 227. Εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.

Εὐχολ. Goar. p. 378—379. Конецъ читается такъ: Εἶτα (т. е. послѣ молитвы: Εἰς τὸν ζυγόν σου) κουρεύει αὐτὸν καὶ ἐνδύει τὸ ῥάκος καὶ τὸ χαμιλαῦχιν, οὐ μέντοι λέγει ἐκ τῶν συνήθων.

л. 228. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἡγουν τοῦ μανδύου.

Μετὰ τὸ κρουσθῆναι τὸ ξύλον τῆς λειτουργίας, καὶ ἄρξασθαι τοὺς ἀδελφοὺς τῶν ὥρων, εἰσφέρει ὁ ἐκκλησιαρχὴς τὸν μέλλοντα ἀποκαρῆναι, καὶ ποιεῖ γονυκλισίας γ'. ἐμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ εἰς τοὺς χορούς, εἶτα τῷ ἡγουμένῳ. Καὶ τότε ἐξερχόμενος ἐν τῷ νάρθηκι, ἀποτίθεται πάντα τὰ συνήθη ἱμάτια, καὶ αὐθις, εἰσαχθεὶς ἐνδοθεν τῶν βασιλι-

κῶν πολῶν παρὰ τοῦ ἐκκλησιάρχου, ἵσταται μετὰ κολοβίου ἄζωστος, ἀνυπόδετος, ἀσκεπής, ὁδόνην μόνον περικακαλυμμένος διὰ τὸ εὐσχημον. Ψαλλομένων δὲ τῶν συνήθων ἀντιφώνων, καὶ τῆς εἰσόδου γενομένης, λέγεται εἰς τὸ Δόξα κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἰς δὲ τὸ Καὶ νῦν, ἦχος α΄. Ἀγκάλας πατρικᾶς¹⁾... Τὸ²⁾ βῆμά σου φρικτόν... Μητέρα σε Θεοῦ ἐπιστάμεθα πάντες. Τούτων δὲ ψαλλομένων, ἀπελθὼν ὁ ἀποκαρῆναι μέλλων προσπίπτει ἐνώπιον τῶν ἀγίων θυρῶν³⁾, ἐκεῖσε τοῦ ἡγουμένου ἵσταμένου, καὶ δίδονται κηρία παρὰ τοῦ ἐκκλησιάρχου⁴⁾. Ὁ δὲ μέλλων κουρευθῆναι, ποιεῖ μετανοίας γ'. ἔμπροσθεν τῶν ἀγίων θυρῶν, εἴτα τῷ ἡγουμένῳ, καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν μετάνοιαν, ὡς εἴρηται, ἐπερωτᾶται. Δεῖ εἰδέναι, ὅτι ἐάν ἐστιν ὁ ἡγούμενος ἱερεὺς, ἐπερωτᾷ τοῦτον, εἰ δ' οὐκ, ἐπερωτᾶται παρὰ τοῦ ἱερέως. Ἐρώτησις· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων τῷ ἀγίῳ θυσιαστηρίῳ καὶ τῇ ἀγίᾳ συνοδίᾳ ταύτῃ; Ἀπόκρισις· Ποθῶν τὸν βίον τῆς ἀσκήσεως, τίμιε πάτερ. Εἴτα λέγει ὁ ἡγούμενος, ἦται ὁ ἱερεὺς· Ὅντως καλὸν ἔργον καὶ μακάριον ἐξελέξω, ἀλλ' ἐὰν καὶ τελειώσης· τὰ γὰρ καλὰ ἔργα κόπῳ κτῶνται καὶ πόνῳ κατορθοῦνται. Ἐρώτησις· Ἐχουσία σου γνώμη προσέρχῃ τῷ Κυρίῳ; Ἀπόκρισις· Naί, τοῦ Θεοῦ συνεργοῦντος, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Μὴ ἐκ τινος ἀνάγκης, ἢ βίας; Ἀπόκρισις· Οὐχί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Παραμένεις τῷ μοναστηρίῳ καὶ τῇ ἀσκήσει μέχρι τῆς ἐσχάτης σου ἀναπνοῆς; Ἀπόκρισις· Naί, τοῦ Θεοῦ συνεργοῦντος, τίμιε πάτερ. Καὶ εὐθὺς ἡ κατήχησις αὕτη· Βλέπε, τέκνον, οἷας συνθήκας δίδως τῷ Δεσπότη Χριστῷ... Goar. p. 383. Ἐρώτησις· Ταῦτα πάντα οὕτω καθομολογεῖς... Ἀπόκρισις· Naί, τοῦ Θεοῦ συνεργοῦντος, τίμιε πάτερ. Εἴτα τὴν εὐχὴν ταύτην· Πανοικτίρμων ὦν Θεὸς καὶ πολυέλεος κ. τ. λ. Εὐχολ. Goar. p. 384. Въ молитвѣ нѣтъ словъ: Ἐπὶ δὲ γυναικῶν· Τῆς ἀγίας πρωτομάρτυρος Θέκλης, κ. τ. λ. pag. 385. Εἴτα κλίνει μικρὸν τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, καὶ τίθησιν ὁ ἱερεὺς ἐπάνω αὐτῆς τὸ σχηματολόγιον, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάν-

¹⁾ Въ ркн. XVI в. Есфигм. библ. № 208 Ἀγκάλας πατρικᾶς ἐκ γ'. Τούτου ψαλλομένου, ὁ ἀποκαρῆναι μέλλων ἀπελθὼν προσπίπτει ἔμπροσθεν τῶν ἀγίων θυρῶν, ἐκεῖσε καὶ τοῦ ἡγουμένου ἵσταμένου, καὶ ποιεῖ μετανοίας γ'. καὶ ἐτέραν τῷ ἡγουμένῳ καὶ εὐθὺς ἐρωτᾶται, ὁ δὲ ἐκκλησιάρχης διανέμων τὰ κηρία. Δεῖ δὲ εἰδέναι. ²⁾ Ркн. XV в. Діонис. библ. № 452. Другихъ стихирѣ нѣтъ. ³⁾ Тамъ же Μετὰ δὲ τὸ Ἀγκάλας πατρικᾶς ἔρχεται ὁ καθηγούμενος μετὰ τῶν ἀδελφῶν πλησίον τῶν διαστολῶν καὶ ἵσταται ἐκεῖ καὶ δίδονται ⁴⁾ ἐκάστῳ ἀνά ἓν καὶ ἄπτουσιν αὐτά.

των· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξίους εἶναι νομοθετήσας... Εἰρήνη πᾶσι. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγή... Goar. pag. 385. Εἷτα ἐκτείνει τὴν χεῖρα εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ὁ ἱερεὺς καὶ ἐπερωτᾷ αὐτόν, λέγων· Ἴδου ὁ Χριστὸς ἀοράτως ἐνταῦθα... Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ, ἐκ προαιρέσεως. Καὶ μετὰ τὸ συντάξασθαι, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Λάβε τὸ ψαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ ἐπιδόντος αὐτοῦ τὸ ψαλλίδιον τῷ ἡγουμένῳ, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς πάλιν· Ἴδου ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ψαλλίδιον ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ ἡγουμένου, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας... Εἷτα κουρεύει αὐτόν σταυροειδῶς ὁ ἱερεὺς, λέγων· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς.. Ὁ λαός, τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Εἷτα ἐνδύει αὐτόν τὸ ἱμάτιον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται χιτῶνα... Ἡ ζώνη· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα, περιζώννυται... Τὸ παλλίον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λαμβάνει τὸ παλλίον... Τὰ σανδάλια· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα ὑποδύεται τὰ σανδάλια.. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου τόνδε εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλήν... Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἔλαβε τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος... Εὐχολ. Goar. p. 385—386. Παραλαβόντες δὲ αὐτόν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικόν, ἢ εἰς τὸν νάρθηκα, κουρεύουσι, λέγοντες τὸν ἄμωμον, ὁ δὲ διάκονος λέγει· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ. Τῆς παναγίας. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν. Ὁ λαός τὸ Τρισάγιον, εἷτα τὸ προκείμενον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ προκείμενον· Κύριος φωτισμός μου. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἐφεσίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ἐνδυναμοῦσθε ἐν Κυρίῳ pag. 387. Ἀλληλούια. Οὗτος ὁ πτωχὸς ἐκέκραξε. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Εἶπεν ὁ Κύριος· εἴ τις θέλει ὀπίσω μου ἐλθεῖν, ἀπαρνησάσθω ἑαυτόν. Τέλος· ἕως ἂν ἴδωσι τὴν βασίλειαν τοῦ Θεοῦ. Καὶ καθεξῆς τελεῖται ἡ θεία λειτουργία. Μετὰ δὲ τὸ εὐαγγέλιον, ὁ κουρευθεὶς ἀδελφός, εἰσελθὼν εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τοὺς ἀδελφούς καὶ ἱσταται, ἔνθα προσταγῇ, βασιτάζων καὶ τὴν λαμπάδα αὐτοῦ μέχρι τῆς ἀπολύσεως. Ὁ ψικεύει δὲ καὶ τὰ ἅγια μετὰ τῆς λαμπάδος αὐτοῦ, καὶ ἐν τῇ εἰσόδῳ αὐτῷ καὶ ἐν τῇ ὑποστροφῇ ἕως τῶν ἁγίων θυρῶν.

λ. 233. Ἀκολουθία γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικόν καὶ ἅγιον σχῆμα.

Ἀφ' ἐσπέρας ἐκφέρονται τὰ τε ἱμάτια καὶ τὰ λοιπὰ τοῦ μέλλοντος κουρευθῆναι εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, καὶ ἀποτίθενται ἐν τῷ θαλασσιδίῳ τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ ψάλλονται ἐν τῇ ἐσπέρᾳ μὲν τῇ παρμονῇ τὰ στιχηρὰ τοῦ σχήματος μετὰ τοῦ ἁγίου τῆς ἡμέρας, εἰς δὲ

τὸν ὄρθρον ψάλλεται ὁ κανὼν¹⁾). Εἰ δὲ μὴ γε, ψάλλεται ὁ κανὼν καὶ τὰ στιχηρὰ μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τοῦ ἑσπερινοῦ. Στιχηρά, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου σε. Πίστει προσερχόμενος πρὸς σέ, Δέσποτα, τῆς σῆς ἐπὶ τρίβους... Ἐχων τὴν πηγὴν τῶν οἰκτιρμῶν, τῶν ἁμαρτωλῶν... Τεῖχος ὑπερβήσομαι ἐν σοί. pag 405. Σῶσον²⁾, Θεοτόκε ἀγαθὴ, τὸν ὑπὸ τὴν σκέπην τὴν θείας σου καταφεύγοντα... Ὁ κανὼν. Εὐδόκιμον τέλος εἶδοκίμω μοι, Χριστέ, παράσχου, ποίημα Εὐδοκίμου. Ὁδὴ α'. ἤχος β'. Δεῦτε λαοί. Ἐπὶ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν δραμόντα... Goar. p. 403—405. Εἰς δὲ τὴν λειτουργίαν, ψάλλουσι τὰ τυπικά. Ἰσταται³⁾ δὲ ὁ μελλοκουρίτης ἀπ' ἀρχῆς τῆς θείας λειτουργίας ἔνδον τῆς βασιλικῆς πύλης πλησίον τοῦ ἡγουμένου, φορῶν τὰ πρὸς συνήθη αὐτοῦ ἱμάτια μέχρι τῆς εἰσόδου. Ψάλλονται οἱ μακαρισμοὶ τῆς ἡμέρας εἰς δ'. εἰ δὲ ἐστὶ κυριακὴ, εἰς ς'. καὶ οὗτοι εἰς ἕξ, ἤχος δ'. Ὅτε ἐν τῷ πάθει ὁ ληστής συνεσταυροῦτό σοι... Ὅσοι τὰ ἐν κόσμῳ πόθειν ἐγκατελίπετε... Ὁ θέλων πάντα, εἰς ἐπίγνωσιν ἔλθειν... Πάντων τῶν προσκαίρων, ὡς φθαρτῶν σὺ κατεφρόνησας... Ὁ πάσας τῆς σαρκὸς τὰς ἡδονὰς ἀποστησάμενος⁴⁾... Τρίβον⁵⁾ τὴν πλατείαν καὶ εὐρύχωρον ἀφέμενος... Χαῖρε τῆς παρθενίας τὸ ὑπέρτιμον καλλώπισμα... pag. 414. Εἵτα τῆς εἰσόδου γενομένης, ὁ μελλοκουρίτης ἀποβάλλει ἀπὸ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ τὸ κάλυμμα καὶ τὰ ἐν τοῖς ποσὶ καλλίγια, καὶ ἵσταται λοιπὸν ἐπὶ τῆς πύλης ἀπόσκεπος καὶ ἀνυπόδετος, ἐξωσμένος, δὲ μέχρις ἂν εἰσέλθῃ⁶⁾ εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον. Μετὰ οὖν τὴν εἰσόδον, Δόξα καὶ νῦν, Ἀγκάλας πατρικὰς διανοῖξαι. Τὸ βῆμά σου φρικτόν... Μητέρα σε Θεοῦ ἐπιστάμεθα πάντες... καὶ ἐξῆς ψάλλουσιν οἱ παρόντες τὰ ἐφεξῆς γ'. ἀντίφωνα. Ἦθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι. Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα. Τίς χειμα-

¹⁾ Въ ркп. Есфигм. дпбл. № 208 ψάλλεται ὁ κανὼν καὶ τῆς λοιπῆς ἀκολουθίας. Στιχηρά, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου σε... Πίστει προσερχόμενος κ. τ. λ. ²⁾ Этого тропаря нѣтъ. ³⁾ Ἰσταται δέ, τούτων ψαλλομένων, ὁ μελλοκουρίτης ἔνδον τῆς βασιλικῆς πύλης, φορῶν τὰ κατὰ συνήθη ἱμάτια αὐτοῦ, μέχρι τῆς εἰσόδου. Ἐν δὲ τοῖς μακαρισμοῖς, ψάλλονται οἱ τῆς ἡμέρας καὶ οἱ τοῦ σχήματος εἰς ς'. Μακάριοι οἱ πτωχοὶ τῷ πνεύματι... Μακάριοι οἱ πενθοῦντες. Μακάριοι οἱ πραεῖς. Μακάριοι οἱ πεινῶντες καὶ διψῶντες. Μακάριοι οἱ ἐλεήμονες. Ὅτε ἐν τῷ πάθει ὁ ληστής... ⁴⁾ послѣ этого тропаря слѣдуетъ: Τριάδα προσκυνοῦμεν ἑμοῦσιον... ⁵⁾ этого тропаря нѣтъ. ⁶⁾ μέχρις ἂν ἔλθῃ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν. Μετὰ δὲ τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ κοντάκιον ψάλλεται καὶ τὸ παρόν, ἤχος α'. Ἀγκάλας πατρικὰς καὶ ἐξῆς ψάλλουσιν οἱ παρόντες τὰ γ'. ἀντίφωνα...

ζόμενος καὶ προστρέχων. Ἐξελεξάμενος παραρρίπτεισθαι. Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μουσικῇ τῆς ἀναγεννήσεως... Δόξα καὶ νῦν, Ῥῶσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Ἀρχομένου δὲ τοῦ β'. ἀντιφώνου, μεθίσταται ¹⁾ ὑπὸ τοῦ ἐκκλησιάρχου τῶν βασιλικῶν πολὺν ὀλίγον ὁ τὸ σχῆμα μέλλον λαβεῖν. Ἀντιφωνον β'. ἦχος δ'. Ζάλη ἀμαρτημάτων περιέχει με, Σωτήρ. Ἀντιλαβοῦ μου κατὰ τὸ λόγιόν σου... Δόξα καὶ νῦν, Ἐκ παντοίων κινδύνων τοὺς δούλους σου. Ἀρχομένου δὲ τοῦ γ'. ἔρχεται ἕως τοῦ ἄμβωνος. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια ²⁾). Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν, κἄκεῖ ἵσταται καὶ λέγεται τὸ παρὸν τροπάριον, ἦχος δ'. Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου. Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες... Ἐπλανήθην, ὡς πρόβατον. Πρόβατον εἰμὶ τῆς λογικῆς σου ποιμένης. Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ... Goar. pag. 406. Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται διὰ τῆς σωλέας ³⁾ ἕως τῶν ἁγίων θυρῶν, προσπίπτει καὶ οὐκ ἀνίσταται, μέχρις οὗ πληρωθῇ τὸ ἀντίφωνον. Λέγεται δὲ τροπάριον, ἦχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ .. Δόξα καὶ νῦν, Ὁ διὰ σέ, θεοπάτωρ προφῆτης Δαβὶδ ⁴⁾). Εἴτα ἀναστάντα αὐτόν, ἐπερωτᾷ ὁ ἱερεὺς, λέγων· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ κ. τ. λ. Goar. p. 407. Καὶ εὐθὺς ἡ κατήχησις ταύτη· Βλέπε, τέκνον, οἷας συνθήκας δίδως τῷ Δεσπότῃ Χριστῷ... p. 407. Ἐρώτησις· Ταῦτα πάντα οὕτω καθομολογεῖς ἐπ' ἐλπίδι τῆς δυνάμεως... Ἀπόκρισις· Ναί, τοῦ Θεοῦ συνεργοῦντος, τίμιε πάτερ. Εἴτα τὴν εὐχὴν· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος... Goar. p. 409. Εἴτα ⁵⁾ σφραγίζει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ λαμβάνοντος τὸ σχῆμα τρίς, μετὰ δὲ τὸ κατὰσφραγισθῆναι ὁ κατηχούμενος προσπίπτει ἕως συμπληρώσεως τῆς εὐχῆς τῆς κεφαλοληκισίας. Καὶ λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς, στραφεὶς κατὰ ἀνατολὰς, λέγει εἰς ἐπήκοον πάντων· Ὁ ὢν Δέσποτα παντοκράτωρ, ὕψιστε βασιλεῦ τῆς δόξης... p. 409 Καὶ εὐθὺς τίθεται τὸ φαλλίδιον ἐπάνω τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, εἴτα ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσι. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς ⁶⁾ τὴν εὐχὴν τῆς κεφαλοληκισίας εἰς

¹⁾ μεθίσταται ὀλίγον τῶν βασιλικῶν πολὺν ἐπὶ τὰ ἐνδότερα ὁ τὸ σχῆμα μέλλον... ²⁾ После этого тропаря слѣдуетъ: Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου, φόβον Κυρίου διδάξω ὑμᾶς. Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ ἵσταται καὶ λέγει τὸ παρὸν τροπάριον· Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες. ³⁾ διὰ τῆς σωλέας—пѣтъ ⁴⁾ Вмѣсто богородична, —Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος. ⁵⁾ Ὁ δὲ ἱερεὺς σφραγίζει κατὰ ἀνατολὰς λέγει· Ὁ ὢν, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὕψιστε βασιλεῦ... ⁶⁾ Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται, κλινομένου τοῦ κατηχουμένου· Ἄγιε Κύριε.

ἐπήκοον πάντων· Ἄγιε Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ Πατήρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... p. 410. Καί στραφεῖς ὁ ἱερεὺς ἐγείρει αὐτόν¹⁾, καὶ ποιήσαντος αὐτοῦ μετάνοιαν, εἶτα ἀναστάντος καὶ ἀσπασαμένου τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἐκτείνας τὴν χεῖρα ὁ κατηχητής, ὑποδεικνύων αὐτῷ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, λέγει πρὸ αὐτοῦ· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως ἐνταῦθα πάρεστι... x. t. λ. p. 410—411. Εἶτα κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων οὕτως· Ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς. . pag. 411—412. Καί εὐθὺς παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικόν, ἧ εἰς τὸν νάρθηκα, καὶ κουρεύουσιν αὐτόν, φάλλοντες τὸν ἄμωμον, καὶ εὐθὺς λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν... x. t. λ. p. 412—413. Καί εὐθὺς τὸ Τρισάγιον, ἧ Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Προκειμένον· Κύριος φωτισμός μου. Κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς. Πρὸς Κολασσαεῖς· Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε, ὡς ἐκλεκτοὶ τοῦ Θεοῦ ἅγιοι... Τέλος· ἄδοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. Οὗτος ὁ πτωχὸς ἐκέκραξε. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπε ὁ Κύριος· ὁ φιλῶν πατέρα, ἢ μητέρα ὑπὲρ ἐμέ p. 413. Τοῦ δὲ εὐαγγελίου ἀρχομένου ἀναγινώσκεισθαι x. t. λ. cm. ркп. Свято-гроб. библ. въ Константинополѣ XVI в. № 68. Ἐνδυσμένου δὲ αὐτοῦ, φάλλεται παρὰ τοῦ λαοῦ ἡχος δ΄. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας... Αὕτη ἡ πύλη τοῦ Κυρίου, δίκαιοι. Καὶ πάλιν τὸ αὐτὸ τροπάριον. Ἀγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ. Εἰσέλθετε ἐνώπιον αὐτοῦ. Καὶ πάλιν τὸ αὐτὸ τροπάριον. Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα καὶ προστασίαν. Μετὰ δὲ τὸ ἀμφιέσασθαι αὐτόν, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ κλίναντος αὐτοῦ τὸν αὐχένα, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τὰς ὑποτεταγμένας εὐχάς, φαλλόντων ἔξωθεν τῶν παρεστώτων· Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ, ἐνέδυσσε γάρ με... Τὸ αὐτὸ δὲ πολλάκις λέγεται. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα... Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν. Ἀγαλλιᾶσθωσαν ἐνώπιον. Καὶ πάλιν τὸ αὐτὸ τροπάριον. Δόξα καὶ νῦν. Μεγάλων χαρισμάτων ἀγνὴ πρῶθεν... Εἰσὶ δὲ αἱ εὐχαί, ἃς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, αὗται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου... p. 411. Εἰρήνῃ πᾶσι. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου... p. 412. Τούτων οὖν οὕτως τελεσθέντων, ἐπαίρει ὁ διάκονος τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἵσταται ἔξωθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ προσκυνεῖ πρῶτος ὁ λαβὼν τὸ σχῆμα, καὶ ἵσταται πλησίον τοῦ διακόνου, ἔπειτα πάντες οἱ ἀδελφοὶ διέρχονται, προσκυνοῦντες τὸ εὐαγγέλιον, εἶτα ἀσπάζόμενοι αὐτόν. Ἐν δὲ τῷ ἀσπασμῷ φάλλουσι τὸ τροπάριον, ἡχος α΄. Ἐπιγνῶμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... p. 414 φάλλεται δὲ

¹⁾ Ἐγείρει αὐτόν, κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρὸς αὐτοῦ καὶ ποιήσαντος... x. t. λ.

τοῦτο¹⁾, ἕως οὗ γένηται ὁ ἀσπασμός. Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον πάντες οἱ ὄσοι. Ἀγαλλιάσονται τὰ χεῖλη μου. Δεῦτε ἀκούσατε καὶ διηγήσομαι ὑμῖν. Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε, Θεοτόκε παρθένε, χαῖρε καύχημα τῆς οἰκουμένης... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμόν, ἵσταται ὁ νεοκουρίτης, ἐνθα προσετάρχη, μέχρι συμπληρώσεως τῆς θείας λειτουργίας· καὶ τῶν ἀγίων δὲ δώρων προσφερομένων, ὀψικεύει ἔμπροσθεν, καὶ πάλιν εἰσελθὼν, ἵσταται ἐκεῖ. Ὁ διάκονος λέγει· Εἴπωμεν πάντες ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς καὶ τὰ λοιπά, ὡς σύνηθες. Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα. Καὶ ὑπὲρ τῶν παρισταμένων... Τελεσθεΐσης δὲ τῆς θείας λειτουργίας, ἄπτουσιν οἱ ἀδελφοὶ πάλιν τὰ κηρία, καὶ ἀπέρχονται μετὰ τοῦ νεοκουρίτου εἰς τὸ τραπεζάριον, ὀψικεύοντες αὐτόν καὶ ψάλλοντες τὸ παρὸν τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ οὐρανοῦ καὶ ἴδε... Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ.. Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν. Κύριε, ἐξέγειρον τὴν δυναστείαν. Ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων²⁾. Εἴθ' οὕτως τὸ Ὑψώσω σε, ὁ βασιλεὺς μου. Εἴτα ἀναστάντες ἀπὸ τῆς τραπέζης, συναπέρχονται εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ψάλλοντες, τὸ Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον³⁾. Δόξα καὶ νῦν. Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος, ὁ θρόνος τῆς δικαιοσύνης. Τὰς δὲ ἑπτὰ ἡμέρας ὁ νεοκουρίτης προσκαρτερεῖ τῇ ἐκκλησίᾳ, σχολάζων ἀπὸ τῶν ἔργων, καὶ τῇ ζ'. ἡμέρᾳ ποιεῖ αὐτῷ ὁ ἱερεὺς εὐχὴν καὶ αἶρει τὸ κουκούλιον ἀπὸ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, χαλῶν ὀπισθεν· Πολυέλεε⁴⁾ Κύριε, ὁ δωρησάμενος τῷ δούλῳ σου.. ρ. 419. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εἰς ἐπήκοον πάντων· Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ, τὴν ὑλαίαν κεφαλὴν⁵⁾. Ibidem

л. 249 од. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

Ἐπειδὴν τις τῶν μοναχῶν ἀνκαπύσῃ, ἐπεὶ οὐ δεῖ λούεσθαι τὸ σῶμα αὐτοῦ, ἀλλ' οὐδὲ ὀρᾶσθαι ὅλως γυμνόν, ὁ εἰς τοῦτο τεταγμένος, ἤγουν ὁ ἐκκλησιάρχης ἀποσπογγίζει τὸ λείψανον μετὰ χλιαροῦ ὕδατος ἐν σπόγγῳ, ποιῶν πρῶτον μετὰ τοῦ σπόγγου σταυρὸν ἐν τῷ μετώπῳ τοῦ τελευτήσαντος, ἐν τῷ στήθει καὶ ταῖς χερσὶ καὶ τοῖς γόνασιν. Εἴθ' οὕτως φέρει καθαρὸν ἱμάτιον, καὶ ἐνδύει αὐτόν, μηδαμῶς τὴν γύμνωσιν θεασάμενοι. Μετὰ δὲ τὸ ἐνδύσασθαι, περιβάλλει αὐτῷ τὸ κουκούλιον, εἰ μεγαλόσχη-

¹⁾ Πολλάκις. ²⁾ Антон. ркп. XV в. нмнѣ Импер. Спб. библ. Ἀφῆ-
κας τὰς ἀνομίας.. Κύριε, καταφυγὴ ἐγενήθης... ³⁾ Стихи: Ὡς ἀγαπητὰ τὰ
οικηνώματα Κύριε τῶν δυνάμεων. Ἡ καρδία μου καὶ ἡ σὰρξ μου... Καὶ
γὰρ στρουθίον εὗρεν. ⁴⁾ Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουκούλισαι. ⁵⁾ Послѣ молитвы слѣ-
дуютъ стихиры: Ἀγκάλας πατρικὰς διανοίξαι μοι, σπεῦσον... Τὸ βῆμά σου
καὶ ἡ κρίσις δικαία... Ἀχραντε Θεοτόκε, ἡ ἐν οὐρανοῖς εὐλογημένη... καὶ
ἀπόλοις.

μος εἶη, περιθεῖς τὴν περικεφαλαίαν ἄνωθεν τῆς κεφαλῆς καὶ καταβί-
 βάσας αὐτὴν μέχρι τοῦ πώγωνος, ὥστε μὴ ὁρᾶσθαι τὸ πρόσωπον τοῦ
 λειψάνου. Εἷτα περιτίθῃσιν αὐτῷ τὸν ἀνάλαβον καὶ περιζώννυσιν λῶρον,
 καὶ ὑποδύει αὐτῷ σανδάλια. Εἷτα ἀπλουῖται ὁ μανδύας αὐτοῦ ὀρθῶς ἐπὶ
 μήκους, καὶ τίθεται ἐπάνω τοῦ λειψάνου, καὶ ῥάπτουσιν αὐτὸν μετὰ σφη-
 κώματος ἀπὸ κεφαλῆς ἕως ποδῶν. Καὶ ποιεῖ εὐλογητὸν ὁ ἱερεὺς καὶ Τρι-
 σάγιον καὶ λέγει τροπάριον· Ἀνάπαυσον ¹⁾, Σωτὴρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων,
 Δόξα καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατεῖλας, Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός. Ἐτι
 δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα. Καὶ ὑπὲρ τοῦ
 συγχωρηθῆναι... Ὅπως ὁ Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν. Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ. Καὶ
 ἡ εὐχή ²⁾ μυστικῶς· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Εἰθ' οὕ-
 τως αἵρεται τὸ λείψανον καὶ τίθεται ἐν κλίνῃ ³⁾, ψάλλοντος τὸ Τρισάγιον
 μετὰ μέλους, καὶ τὸ Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός. Τίθεται δὲ τὸ λεί-
 ψανον ἐν τῇ γῇ δις ἕως ἂν ἀπέλθῃ ἐν τῷ κοιμητηρίῳ ἢ ἐν τῷ νάρθηκι.
 Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὸ Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός κ. τ. λ. καὶ τὴν εὐχὴν
 μυστικῶς ⁴⁾. Μετὰ δὲ τὸ ἀποκομισθῆναι τὸ λείψανον, καὶ συναχθέντων
 πάντων, εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς καὶ ἄρχεται ὁ ψάλτης, χωρὶς τὸ Ἀλληλούια,
 Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε... Καὶ εὐθὺς τὸν ἄμωμον. Μακάριοι οἱ ἄμωμοι...
 Goar. p. 439. Εἷτα Ἐτι καὶ ἔτι. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως κ. τ. λ.
 Ἡ εὐχή· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων. Ὅτι σὺ εἴ ἡ ἀνάστασις. Τροπάρια πλ. α'.
 Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν. Δόξα ⁵⁾ καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου. Εἷτα οἱ ἀνα-
 βιβαιοὶ ⁶⁾, ἡχος α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαί με κ. τ. λ. Goar. p. 439—445.
 Εἷτα (т. е. послѣ евангелiя) γίνεται ἀσπασμὸς καὶ ψάλλομεν στιχηρὰ
 πρὸς· Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου σε. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δώμεν... Δεῦτε
 ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελ-
 φοί, ποῖος κοπετός... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δώμεν... Ὅταν ἐκ τοῦ
 σώματος ψυχὴ μέλλῃ μετὰ βίας... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί, ἴδωμεν

¹⁾ Ркп. Есфигм. библ. № 208 Μετὰ πνευμάτων δικαίων и т. д. ²⁾ καὶ
 ἡ εὐχή, ἥτις παρὰ τινων μὲν λέγεται εἰς ἐπήκοον, παρὰ δὲ τῶν ἀγιορειτῶν
 μυστικῶς· οὕτως γὰρ εἴθισται αὐτοῖς· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων ³⁾ καὶ εἰσφέρεται
 ἐν τῷ νάρθηκι, ψάλλοντων τῶν ἀδελφῶν ⁴⁾ Слѣдуетъ замѣчанiе: Τοῦτο, ὡς
 ἐμοὶ δοκεῖ, ὀφείλει γίνεσθαι, ἐν οἷς μοναστηρίοις ἐστὶ τὰ κοιμητήρια πλησίον τοῦ
 καθολικοῦ ναοῦ, καὶ τιθέσιν αὐτὸ ἀπὸ τοῦ νοσοκόμου ἕως τοῦ ναοῦ τρίς· τὰ γὰρ
 ἔχοντα ἔξωθεν τῆς μονῆς ἰδίᾳ τὰ κοιμητήρια, ποιοῦσι τοῦτο μετὰ τὸ τέλος τῆς
 ἀκολουθίας, ἐξερχόμενοι τοῦ θάψαι αὐτό. ⁵⁾ Κα' πάντα τὰ ἐν ἀγνοίᾳ, Καὶ νῦν,
 Ὁ ἐκ Παρθένου ⁶⁾ Ἐνταυθὰ τινες λέγουσιν τὸν Ν'. πρῶτον, εἷτα τοὺς ἀναβιβα-
 σμούς. Ркп. Синайск. библ. 1475 г. № 980 κύρ Θεοδώρου Στουδίτου.

τὸ πέρας... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις πᾶσα... Πάντα τὰ τοῦ σώματος... Τρέμω τὸ κριτήριον, Χριστέ, καὶ τὴν ἐν τῷ βήματι γύμνωσιν... Μέγας ὁ κλυθμός καὶ ὀδυρμός... Πάντες δυσωποῦμέν σε, Χριστέ, νῦν ἐν κατανύξει βοῶντες... Μίαν ὑποστάσει τρισὶ σέβοντα θεότητα πίστει. Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ... Conf. Goar. p. 445—446. Καὶ μετὰ τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὴν κλίνην, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, ψάλλοντες, τὸ Ἅγιος ὁ Θεός. Ἐναποτίθεται δὲ τὸ λείψανον τρίτον ἕως τοῦ κοιμητηρίου, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν συνήθη συναπτὴν ¹⁾, λέγομεν καὶ τὰ παρόντα Ποία τοῦ βίου τροφὴ διαμένει λύπης... Ἐργῷ, Σωτήρ μου, δεικνύεις, ὅτι σὺ εἶ πάντων... Τὸ τοῦ θανάτου κράτος, Χριστέ, κατήργησας... Ὡς ἄνθος μαραίνεται, καὶ ὡς ὄναρ ²⁾. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει... Ἄνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα... Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησόμεθα τῷ ἀδεκάστῳ... Ψυχὴν, ἣν μετέστησας ἐκ τῶν προσκαίρων, Σωτήρ... Ἐμνήσθην τοῦ προσφύτου, βοῶντος· ἐγὼ εἰμὶ γῆ.. Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις, τὸ πλαστοουργόν σου... Ἄλγος τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν ἡ τοῦ ξύλου... Ἀληθῶς ματαιότης τὰ σύμπαντα... Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, ζωοδότα... Ὁ θάνατός σου, Κύριε, τοῖς νεκροῖς ζωὴν ³⁾.. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Ὁ βυθὼ σοφίας φιλανθρωπῶς πάντα οἰκονομῶν ⁴⁾... Γῆ χανοῦσα ὑπόδεξαι τὸν ἀπὸ σοῦ πλυσθέντα... Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, καὶ οἱ πάλοι... Πνευματικοί μου ἀδελφοί, μὴ μου ἐπιλαθήσεσθε, ὅταν προσεύχησθε... Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου... Σὺ ἐπλασάς με, Κύριε, καὶ ἔθηκας... Ἡ ἀσιδίμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ σήμερον... Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ· Ἐγὼ εἰμὶ ἡ ἀνάστασις... Παντοκράτωρ Κύριε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου... Θρηνῶ καὶ ὀδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω... Δέσποινα, πρόσδεξαι τὰς δεήσεις τῶν δούλων σου ⁵⁾...

¹⁾ Есфигм. № 208 и Антонинов. библ. XV в. ψάλλονται δὲ κατὰ τὰ παρόντα τροπάρια. ²⁾ Еще стихиры: Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθὸς τοῦ δούλου σου. ³⁾ Антонин. ркп. Λαμπράς καὶ θείας τυχεῖν λάμψεως τῆς σῆς, Χριστέ... Ὁ ὢν τῇ φύσει Χριστὸς καὶ εὐπλαγχνος... Σκηνὴν ἀγίαν ἀγνή, γινώσκομεν καὶ κιβωτὸν καὶ πλάκα σε τοῦ νόμου τῆς χάριτος ⁴⁾ тамъ же и Есфигм. библ. № 208 καὶ φθάσαντες ἐν τῷ κοιμητηρίῳ, βάλλουσι τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, λέγοντες τροπάριον, ἥχον πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα. Καὶ ἐπιχεεὶ ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου κανδήλαν, μεστήν ὕδατος καὶ ἐλαίου, ποιῶν σταυροῦ τύπον, καὶ λέγων· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα... Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος... Καὶ εὐθὺς ἀσφαλίζεται ὁ τάφος, ἡμεῖς δὲ ψάλλομεν ἰδιόμελα, ἥχος πλ. β'. Πνευματικοί ἀδελφοί, μὴ μου ἐπιλαθήσεσθε.. κ. τ. α. ⁵⁾ Εἴτα

Ὅτε δὲ βάλλομεν τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, ἐπιχέει ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου κηνὴν ὕδατος καὶ ἐλαίου, ποιῶν τύπον σταυροῦ τρίτον, λέγων καὶ τὸ Ἀλληλούια, ἐκ τρίτου, καὶ τὸ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς, ἅπαξ. Καὶ οὕτως ἀσφαλιζεται ὁ τάφος, εἴτα Τρισάγιον, Μετὰ πνευμάτων δικαίων..., Εἰς τὴν κατάπαυσιν, Δόξα, Σὺ εἰ, ὁ Θεός, ὁ καταβάς, Καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα... καὶ τὰ λοιπά. Καὶ γίνεται τελεία ἀπόλυσις. Βάλλομεν καὶ μετανοίας ἱβ'. ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος ἀδελφοῦ ἡμῶν.

λ. 266. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ.

Εὐχολ. Goar. p. 358—362. Разница заключается въ описаніи тропарей: „Χαῖρε ὄρος, χαῖρε βᾶτε“ до „Τῆς εὐσπλαγγνίας τὴν πύλην“ и въ ектеніи послѣ евангелія, изложенной въ такомъ порядкѣ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν εἰρήνης... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι οὕτῳ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον κ. τ. λ.

λ. 270. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

Чинъ состоитъ изъ 6-ти молитвъ. Goar. p. 597—601. Последняя 6-тая молитва: Ὁ Θεός ὁ μέγας καὶ αἰώνος, ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος Goar. p. 601 оканчивается словами: Καὶ μετὰ παρρησίας δοξάσωμεν ἐπὶ πᾶσι, σὲ τὸν μόνον ἀληθινὸν καὶ φιλόανθρωπον Θεόν.

λ. 275 об. Διακονικά εἰς ἀνομβρίαν.

Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον... Ὁ ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτων τῆς γῆς... Ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης... Ὁ περιβάλλον τὸν οὐρανὸν ἐν νεφέλαις... Βροχὴν ἐκούσιον ἀφόρισον... Εἰσάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός, ὅτι Χριστόν... Ἐπεὶ δεόμεθα καὶ ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν ἁγίαν μονὴν ταύτην... Goar. p. 612—613.

λ. 276 об. Εὐχή, λεγομένη ἐπὶ ἀνομβρία.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τὸν πρὸς σέζῃλον ἐπακούσας Goar. p. 613. Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς. Goar. p. 614.

Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν... Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. α., εἴτα Ἐλέησον ἡμᾶς καὶ τὰ λοιπά, εὐχή καὶ ἀπόλυσις. Ἡ εὐχή τῆς ἀπολύσεως οὕτως: Χριστός ὁ ἀληθινὸς Θεός ἡμῶν... Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιωμακάριστε ὁδε μοναχέ καὶ αἰμύνητε ἀδελφεῖ ἡμῶν. Τοῦτο λέγεται παρὰ τῶν ψαλτῶν καὶ παρὰ πάντων τῶν ἀδελφῶν, ἐκ τρίτου, εἴτα καὶ τὰς συνήθεις δώδεκα μετανοίας παρὰ πάντων ὑπὲρ τοῦ κεκοιμημένου, καὶ ἀπερχόμεθα .

λ. 277. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ σὸν ἅγιον αἷμα ὑποβαλλόμενος. Goar. p. 486.

λ. 277 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ. Goar. p. 537.

λ. 268. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὁμνούντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων καταξιώσας καταβῆναι ἐπὶ τῆς γῆς, ὁ εἰπὼν, ὅτι ὅσα ἂν λύσητε ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται λελυμένα ἐν τῷ οὐρανῷ, καὶ ἡμεῖς τῇ γῇ προστάξει θαρρήσαντες, ἐλύσαμεν τὸν δοῦλόν σου τόνδε τοῦ ἔρκου, οὗ ὥμοσε καὶ δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε, ὅπως συγχωρήσῃς αὐτῷ, καὶ μὴ λογισθῆς αὐτῷ τὴν τοιαύτην ἁμαρτίαν, ἀλλὰ ἄφεςιν ἁμαρτιῶν αὐτῷ τε καὶ ἡμῖν δώρησαι. Σὺ γὰρ εἰ μόνος ἀναμάρτητος, καὶ δυνάμενος ἀφίεναι ἁμαρτίας, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας.

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφοριζομένων, ἢ λόγῳ ἑαυτοὺς δεσπούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ φοβερὸς καὶ δυνατός, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρμοὺς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον. Goar. pag. 531.

λ. 273. Εὐχὴ ἐπὶ μικροφαγησάντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν Goar. pag. 534.

— Εὐχὴ ἐπὶ μιροῦ τινος ἐμπεσόντος εἰς φρέαρ.

Χρὴ πρῶτον ἀντλήσαι ἐκ τοῦ φρέατος κάδους μ'. καὶ ἐκχέειν, εἴτα βαλεῖν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς ἐκ τρίτου καὶ ἅψαι κηρούς, καὶ θυμᾶσαι πέριξ, καὶ οὕτως ἐπεύξασθαι τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ ἀνεκδιηγῆται ἀγαθωσύνη. Goar. p. 479 Εἰ δὲ ἐν ἐτέρῳ σκεύει κενῷ ἐμπέσει μιρόν, χρὴ καὶ αὐτὸ πλύνεσθαι καί, βαλλομένου ἁγιάσματος σταυροειδῶς, γίνεσθαι καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἅγιος, ἁγιάσον τὸ σκεῦος τοῦτο... Goar. p. 482. Εἰ δὲ συμβῇ μιρόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου, χρὴ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον παραχρῆμα αἵρεσθαι καὶ ρίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἀγγεῖον πλύνεσθαι ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ τὸν ἱερέα λαβόντα θυμιατόν... Goar. pag. 481.

λ. 280 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, σὺ εἰ ἡ ἄμπελος ἡ ἀληθινή. Goar. pag. 551.

λ. 281. Εὐχὴ ἐπὶ τρυγητοῦ.

Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν καὶ Θεόν. Goar. pag. 552.

λ. 281 οβ. Εὐχή εἰς ψυχορράγοῦντας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πάντας ἀνθρώπους θέλων σωθῆναι Goar. pag. 487.

λ. 282. Εὐχή ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ.

Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει... Goar. pag. 583.

— Εὐχή ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν τοῦ Ζακχαίου εἰσελθεῖν. Goar. pag. 484.

λ. 282 οβ. Εὐχή ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν... Goar. pag. 536.

— Εὐχή ἐπὶ πυρεττόνων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια καὶ δεινὰ πάθη λόγῳ μόνῳ θεραπεύσας. Goar. pag. 549.

λ. 283. Εὐχή ἐπὶ λογισμῶν αἰσχυρῶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς μου, οὗ ἐν χερσὶν οἱ κληροὶ μου .. Goar. pag. 536.

λ. 283 οβ. Εὐχή ἐπὶ εὐλόγησιν οἴνου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος ἔπιθε ἐπὶ τὸν οἶνον τοῦτον. Goar. pag. 553.

— Εὐχή λεγομένη ἐν κολύβοις ἀγίων μνήμην.

Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε. Goar. pag. 524.

λ. 284. Ἐπὶ πλοίῳ, ἄρτι κατασκευασθέντι καὶ μέλλοντι πλεῖν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐντειλάμενος τῷ Νῶε κατασκευάσαι κιβωτὸν πρὸς σωτηρίαν τοῦ κόσμου. Goar. pag. 559.

λ. 184. Εὐχή ἐπὶ ἄγρᾳ ἰχθύων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εἰπὼν τῷ προπάτορι Ἐδὰμ· αὐξάνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν καὶ ἀρχέτωσαν τῶν ἰχθύων τῆς θαλάσσης, καὶ τῶν πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ, καὶ πάντων τῶν ὄντων ἐπάνω τῆς γῆς διὰ τοῦ ἀγαπητοῦ σου Υἱοῦ, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ ἡμῶν, τοῦ εἰπόντος τοῖς ἀγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις· χαλάσατε τὰ δίκτυα εἰς τὰ δεξιὰ μέρη τοῦ πλοίου καὶ εὐρήσετε ἐκεῖ πληθὺς ἰχθύων, καὶ εὐλογήσαντος τοὺς πέντε ἄρτους καὶ τοὺς δύο ἰχθύας καὶ πληθὺς λαὸν χορέσαντος. Αὐτὸς εὐλογησὼν τὴν ἄγρην ταύτην καὶ πληθύνων τοὺς ἰχθύας ἐν αὐτῇ, ὅτι σὺ εἶ ὁ Δοτὴρ τῶν ἀγαθῶν καὶ φύλαξ τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

π. 284 οβ. Εἰς κατασκευὴν σκάφους.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὴν σὴν ἄφατον φιланθρωπίαν καὶ ἀνεξιχνίαστον ἀγαθότητα καταξιώσας, διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν καὶ τοῦ κόσμου ἀνέγερσιν, σάρκα ἀναλαβέσθαι καὶ ψηλαφηθῆναι, καὶ συνοδεῦσαι, καὶ συμπλεῦσαι τοῖς ἁγίοις σου ἀποστόλοις, ὁ ἐν εὐτελεῖ ξύλῳ κελεύσας πεζοβατεῖν τὸ τῆς θαλάσσης τέλμα, ὃν τρέμει ὁ οὐρανὸς καὶ ἡ γῆ, καὶ ἡ θάλασσα, καὶ ἡ ἄβυσσος καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς. Αὐτὸς φιλάνθρωπε βασιλεῦ, καὶ κατὰ πάντα ἀγκυθὲ, κατὰπεμψὼν τὴν χάριν σου ἐπὶ τὸ εὐτελὲς τοῦτο πλοῖαριον καὶ εὐλόγησον αὐτό, ὁδηγῶν αὐτὸ ἐπὶ λιμένα θελήματός σου, λυτρούμενος αὐτὸ ἀπὸ φορᾶς καὶ ζάλης καὶ κλύδωνος, καὶ μὴ καταποντισάτω αὐτὸ καταιγὶς ὕδατος, μὴ δὲ καταπιέτω αὐτὸ βυθός, μὴ δὲ ἐπέλθοι αὐτῷ κίνδυνος μέγας ἢ μικρός, ἀλλ' ἔλθοι καὶ ἡ εὐλογία σου, καὶ ἡ χρηστότης, καὶ ἡ ἀγαθωσύνη σου ἐπ' αὐτὸ καὶ ἐπὶ τὰς ἐμπεπιστευμένας τούτῳ ψυχάς, θεόμενιά σου, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ῥυόμενος αὐτάς ἀπὸ συναντήματος πονηροῦ, ἀπὸ φαντασμάτων πονηρῶν. Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν.

π. 385. Περὶ τῶν ἐν ἐπιτιμίαις ὄντων καὶ ἑαυτοὺς ὄρκῳ δεσμοῦντων.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Λόγος τοῦ Πατρὸς, ὁ πάντα δεσμὸν τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν τῷ σῶ ἔκουσίῳ πάθει διαῤῥήξας. Goar. pag. 528.

π. 285 οβ. Εὐχὴ ἐξ ἐπιτιμιῶν λυομένων.

Εὐσπλαγχνε, ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρμοὺς. Goar. pag. 531.

π. 286. Τοῦ ἁγιωτάτου καὶ λογιωτάτου πατριάρχου κὺρ Φιλοθέου εὐχὴ εἰς τὴν παναγίαν Δέσποιναν τὴν Θεοτόκον, ἐκτεθεῖσα αὐτομάτως ἐπὶ τοῖς κεινοφανέσιν αὐτῆς θαύμασιν.

Παρθένε Δέσποινα Θεοτόκε, ἡ τὸν μονογενῆ τοῦ Θεοῦ Λόγον, τὸν πάσης ὁρατῆς καὶ νοητῆς κτίσεως ποιητὴν καὶ Δεσπότην, τὸν ἕνα τῆς Τριάδος, Θεόν τε καὶ ἄνθρωπον ὑπὲρ φύσιν καὶ λόγον γεννήσασα, τὸ σκῆνωμα τῆς θεότητος, τὸ πάσης ἀγιωσύνης καὶ χάριτος δοχεῖον, ἐν ᾧ κατώκησε τὸ πλήρωμα τῆς θεότητος σωματικῶς, εὐδοκίᾳ τοῦ Θεοῦ καὶ Πατρὸς καὶ συνεργίᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἡ πάσης κτίσεως βασιλικῶ καὶ θεοπρεπείᾳ ἀξιώματι ἀνυπερβλήτως ὑπερκειμένη καὶ ὑπερέχουσα, ἡ δόξα καὶ τρυφή καὶ ἄρρητος εὐφροσύνη τῶν ἀγγέλων, ὁ βασιλικὸς τῶν ἀποστόλων καὶ τῶν προφητῶν στέφανος, ἡ θαυμαστή καὶ ὑπερφυὴς τῶν μαρτύρων ἀνδρία, ἡ τῶν ἀγώνων αὐτῶν καὶ τῆς νίκης ἀφορμὴ καὶ τῶν ἀθλητικῶν στεφάνων, καὶ τῶν αἰδίων καὶ θεοπρεπῶν ἀμοιβῶν πρόξενος, ἡ ὑπέριμνος τῶν ὁσίων τιμὴ καὶ δόξα, ἡ τῆς ἡσυχίας ἀπλανὴς ὁδηγὸς καὶ δι-

δάσκαλος, ἡ τῶν ἀποκκλύψεων καὶ τῶν πνευματικῶν μυστηρίων θύρα, ἡ πηγὴ τοῦ φωτός, ἡ πύλη τῆς αἰωνίου ζωῆς, ὁ τοῦ ἐλέους ἀκένωτος ποταμός, ἡ πάντων τῶν θεοπρεπῶν χαρισμάτων τε καὶ θαυμάτων ἀνεξάντλητος θάλασσα, σοῦ δεόμεθα, καὶ σὲ παρακαλοῦμεν τὴν συμπαθεστάτην Μητέρα τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότη, ἰλάσθητι ἡμῖν τοῖς ταπεινοῖς καὶ ἀναξίοις δούλοις σου. Ἐπίβλεψον εὐμενῶς ἐπὶ τὴν αἰχμαλωσίαν καὶ τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν, ἴασαι τὰ συντρίμματ' αὐτῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, τοὺς ὁρατοὺς καὶ ἀοράτους πολεμίους καταλύσον· πύργος ἰσχύος, ὅπλα πολεμικά, παράταξις ἰσχυρὰ καὶ στρατηγὸς καὶ πρόμαχος ἄμαχος, γενοῦ τοῖς ἀναξίοις ἡμῖν ἀπὸ προσώπου τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν, δεῖξον ἐν ἡμῖν τὰ ἀρχαῖά σου ἐλέη, καὶ τὰ θαυμάσια σήμερον, δεῖξον τοῖς ἀνόμοις ἐχθροῖς ἡμῶν, ὅτι μόνος βασιλεὺς καὶ Δεσπότης, ὁ σὸς Υἱὸς καὶ Θεός, καὶ σὺ Θεοτόκος κυρίως ἡ τὸν ἀληθινὸν Θεὸν κατὰ σάρκα γεννήσασα, καὶ δαμάσαι πάντα καὶ ἰσχύεις ἐνεργεῖν, ὅσα καὶ βούλει ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ τῆς γῆς. Πᾶσι τὰς αἰτήσεις πρὸς τὸ συμφέρον ἐκάστῳ δώρησαι, Δέσποινα· τοῖς νοσοῦσι τὴν ὑγίαν, τοῖς ἐν θαλάσῃ τὴν γαλήνην καὶ τὴν κυβέρνησιν, ὁδοιποροῦσι συνοδεύουσα καὶ φυλάττουσα, αἰχμαλώτους τῆς πικρᾶς ῥυομένη δουλείας· παραμυθουμένη τοὺς λυπούμενους, τὴν πενίαν καὶ πᾶσαν σωματικὴν ἄλλην κουφίζουσα κάκωσιν, τῶν ψυχικῶν ἀρρώστημάτων καὶ τῶν παθῶν πρὸ πάντων ἀπαλλάττουσα πάντας, ταῖς σαῖς ἀοράτοις προστασίαις καὶ εἰσηγήσεσιν, ἵνα τὴν ὁδὸν τῆς προσκαίρου ταύτης ζωῆς καλῶς καὶ ἀπροσκόπως ἀνύσαντες, καὶ τῶν αἰωνίων ἐκείνων ἀγαθῶν διὰ σοῦ ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν ἐπιτύχοιμεν· τοὺς δὲ πιστοὺς βασιλεῖς ἡμῶν, τοὺς τῷ φοβερῷ τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ σου τιμηθέντας ὀνόματι, καὶ τῇ σῇ πεποιδότῃ προστασίᾳ καὶ χάριτι, καὶ σὲ προβαλλομένους ἐν παντὶ καὶ μεσίτιν καὶ πρόμαχον κατὰ τῶν ἐπικειμένων ἐχθρῶν, ἀοράτως ἐνίσχυσον, διάλυσον τὸ ταῖς ψυχαῖς αὐτῶν ἐπικείμενον τῆς ἀθυμίας νέφος. Ἀφ' ἐλε ἀπὸ τοῦ πόνου τῆς ψυχῆς αὐτῶν, καὶ λαμπρὰν τὴν εὐθυμίαν καὶ τὴν χαρὰν ἀντεισάγαγε, εἰρηνικὸν καὶ ἀστασίαστον τὸ κράτος καὶ τὴν βασιλείαν αὐτοῖς ἀποκατάστησον. Ῥῦσαι, Δέσποινα, ταῖς πρεσβείαις σου τὴν ἐξαιρέτως ἀνακειμένην σοι ταύτην ποίμνην καὶ πᾶσαν πόλιν καὶ χώραν ἀπὸ λιμοῦ, λοιμοῦ, σεισμοῦ, καταποντισμοῦ, πυρός, μαχαίρας, ἐπιδρομῆς ἀλλοφύλων καὶ ἐμφυλίου πολέμου, καὶ πᾶσαν ὀργὴν τὴν καθ' ἡμῶν κινουμένην δικαίως ἀπόστρεψον, εὐδοκίᾳ καὶ χάριτι τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ καὶ Θεοῦ σου, ὃ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις, σὺν τῷ ἀνάρχῳ Πατρὶ καὶ τῷ συναϊδίῳ καὶ ζωοποιῷ Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς...

Δέσποτα¹⁾ Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ σοφίας ἀρρήτῳ λόγῳ πάντα πρὸς τὸ τοῦ πλάσματος συμφέρον οἰκονομῶν, καὶ τὴν μὲν πρόσκαιρον ταύτην ἡμῶν ζωὴν διὰ τῶν δεξιῶν καὶ ἀριστερῶν τῆς δικαιοσύνης ὀπλῶν λυσitelῶς καὶ χρησίμως διακρατῶν, τὰς δὲ τῶν μελλόντων ἀγαθῶν ἐλπίδας ἀσφαλεῖς ἐντεῦθεν ἡμῖν χαριζόμενος, ὁ καὶ τὴν πονηρὰν καὶ κακοποιὸν ταύτην τῶν ἀνόμων ἐχθρῶν δύναμιν, οἰονείτινα μάστιγα σιδηράν, ἢ θυρίον ἀνήμερον, ἢ κεραυνόν τινα καὶ πρηστῆρα πρὸς παιδαγωγίαν ἡμῖν ἐπαφεῖς, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης ἡμᾶς, μηδὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύσης ἡμᾶς, ἵνα μὴ ἐπιχαρῇ ὁ ἐχθρὸς ἐπὶ τῇ πτώσει καὶ τῇ φθορᾷ ἡμῶν, μηδὲ εἴπωσι, ποῦ ἔστιν ὁ Θεὸς αὐτῶν, ἐγενήθημεν ὄνειδος τοῖς γείτοσιν ἡμῶν, μυκτηρισμὸς καὶ χλευασμὸς τοῖς κύκλῳ ἡμῶν, τὰς πόλεις ἡμῶν ἀλλότριοι κατέχουσιν ἀπέναντι τῶν ὀφθαλμῶν (λ. 288) ἡμῶν· τὰ ἔμπροσθεν αὐτῶν παράδεισος τρυφῆς, καὶ τὰ ὀπισθεν αὐτῶν πεδίον ἀφανισμοῦ, διεσπάρημεν ἐπὶ πᾶν ἔθνος καὶ μακρὰν χώραν, καὶ ἀπερῥίφθημεν, ὡς τέκνα μωμητᾶ, γενεὰ σχολιὰ καὶ παραπικραίνουσα· σίδηρον διήλθεν ἡ ψυχὴ ἡμῶν, ἔθεντο τὰ θνησιμαῖα τῶν δούλων σου βρώματα τοῖς πετεινοῖς καὶ τοῖς θηρίοις τῆς γῆς, ἐῴχεαν τὸ αἷμα αὐτῶν, ὥσει ὕδωρ, ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφαγῆς καὶ οὐκ ἔστιν ὁ ρύόμενος, ἀλλὰ σὺ Πατὴρ ἡμῶν εἶ, καὶ πρὸς σὲ καταφεύγομεν. Τὸ ὄνομά σου ἐπικαλούμεθα, ἐπίστρεψον, Κύριε, τὴν αἰχμαλωσίαν ἡμῶν, περιποιῆσαι τοὺς υἱοὺς τῶν τεθνατωμένων, ἀπόδος τοῖς γείτοσιν ἡμῶν ἑπταπλασίονα εἰς τὸν κόλπον αὐτῶν, τὸν ὄνειδισμόν αὐτῶν, ὃν κατὰ σοῦ βλασφημοῦντες ὀνειδίζουσι, Δέσποτα· ὑπεράσπισαι τῆς ποιμένης σου ταύτης, καὶ παντὸς τοῦ χριστωνόμου πληρώματος, διὰ σαυτὸν καὶ τὸ τίμιον αἷμα τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, ὃ δι' ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους φιλανθρωπῶς ἐκένωσε, τοὺς δὲ πιστοὺς βασιλεῖς ἡμῶν δύναμιν κατὰ τῶν πολεμίων ἐνδύσας ἀήττητον, λάλησον εἰρήνην εἰς τὴν καρδίαν αὐτῶν ὑπὲρ ἀλλήλων, ὑπὲρ τῆς ἐκκλησίας σου, ὑπὲρ τοῦ λαοῦ σου παντὸς, συντετριμμένου τοῖς πειρασμοῖς, ὡς ὄρᾳς, καὶ ταλαιπωρουμένου πάντοθεν, ὡς ἂν τὸ καταλειφθὲν τῆς ζωῆς ἡμῶν βραχὺ λείψανον εἰρηνικόν τε καὶ (λ. 288 ὁβ.) ἀτάραχον ζήσαιμεν, οἰονείτινα θανατηφόρον λύμην τὴν πονηρὰν ταύτην καὶ ἀνώμαλον στάσιν τῶν ἀγγείων τῆς ψυχῆς ἐκκενώσαντες, πρεσβείαις τῆς ὑπερευλογημένης Θεοτόκου, τῶν θεοφόρων ἀποστόλων, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, εὐδοχίᾳ καὶ ἀγαθότητι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ.

¹⁾ Въ Εὐχολογ. XV в. о. арх. Автокина эта молитва надписывается такъ: Εὐχὴ κατὰ πολεμίων τοῦ αὐτοῦ.

Τοῦ αὐτοῦ εὐχὴ εἰς ἀνομβρίαν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ζῶντι καὶ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ καὶ τῷ ζωοποιῷ καὶ ὁμοτίμῳ σου Πνεύματι, πᾶσαν τὴν ὀρωμένην καὶ ἀόρατον κτίσιν ἀπὸ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι παραγαγών, ὁ τὸν αἰσθητὸν καὶ περιγείον τοῦτον κόσμον τοῖς μεγάλοις τέσσαρσι στοιχείοις, ὡσπερεὶ τινα βασιλείον οἶκον τέσσαρσι στύλοις διαβαστάζεσθαι καὶ πρὸς τὸ ἀτάλευτον καὶ ἀδιάλυτον παραμένειν κελεύσας, εἰς δόξαν τῆς παντοδυνάμου σου δόξης καὶ ἀγαθότητος, καὶ ζωὴν καὶ ὑπηρεσίαν τοῦ κατ' εἰκόνα σὴν δημιουργηθέντος ἀνθρώπου, αὐτὸς πανάγαθε βασιλεῦ, οἶονεὶ νοσοῦντα τοῦτον καὶ σαλευόμενον νῦν τῇ ἐνδείᾳ καὶ στερήσει τοῦ ὕδατος τῷ ῥήματι τῆς δυνάμεώς σου, πρὸς τὸ ὑγιὲς καὶ ἀπερίτρεπτον ἀποκατάστησον, αὐθις δὸς κατὰ καιρὸν τὸν συνήθη καὶ φυσικὸν ὑετὸν τῇ γῇ, ὡς ἂν τὸ κατὰ φύσιν γόνιμον αὐτῆς εἰς ἐνέργειαν καὶ ἀποτελεσμα προαγάγῃ, (λ. 289) καὶ μὴ διακεκαυμένη καὶ ἄγονος γένηται παντοίων σπερμάτων καὶ φυτῶν καὶ παντὸς βλαστήματος, ἃ φυσικῶς ἐξάγειν ἄνωθεν ἐκελεύσθη τῷ σῷ προστάγματι, κέρασον τῷ μεγίστῳ καὶ καθολικῷ τοῦ ἡλίου πυρὶ τὴν τοῦ ὕδατος δρόσον ἄνωθεν, ἵνα τῇ συμμέτρῳ καὶ κατὰ φύσιν θέρμῃ, τρέφῃ καὶ πρὸς αὐξησιν φέρῃ, καὶ σώματα καὶ σπέρματα καὶ φυτὰ καὶ μὴ ἄκρατον ὄν καταφλέξῃ, καὶ ἀποτεφρώσῃ τὴν γῆν, καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῇ, τῷ ἀέρι τούτῳ τὴν φυσικὴν ἀπόδος ὑγρότητα, ταῖς νεφέλαις ἐντειλάμενος συνήθως ἄνωθεν βρέχειν ἐπὶ τῆς γῆς, ὡς ἂν εὐκρατος αὐθις καὶ ὁμαλὸς ἀποκαταστάς, ὑγιεινὸς καὶ σωτήριος γένηται τῷ κόσμῳ παντί, ἀνθρώποις καὶ κτήνεσι, φυτοῖς τε καὶ σπέρμασι, καὶ πᾶσι τοῖς πρὸς σύστασιν δεομένοις αὐτοῦ. Οἴδαμεν, φιλάνθρωπε Δέσποτα, ὅτι τὸ παρὰ φύσιν ἡμᾶς ἐνεργεῖν καὶ ζῆν ἁμαρτάνοντας ἐνώπιόν σου διὰ παντὸς καὶ ὀπίσω πορευομένους τῶν πονηρῶν ἐπιθυμιῶν ἡμῶν, τὴν παρὰ φύσιν ταύτην τῶν στοιχείων ἐργάζεται κίνησιν, καὶ ὡς σπέρμα στίζεται καὶ πλήττεται ἡ δι' ἡμᾶς δημιουργηθεῖσα ἀναίσθητος κτίσις, ἵνα, ἡμεῖς παιδευθέντες, εἰς αἰσθησιν ἔλθωμεν τῆς ἀπαιδευσίας καὶ τῶν σφαλμάτων ἡμῶν, ἀλλὰ σὺ μακρόθυμος καὶ πολέλεος ὢν, ἄρρητός τε (λ. 289 ὁβ.) φιλάνθρωπία καὶ δύναμις, καὶ τὸ πλήθος τῶν ἀνομιῶν ἡμῶν ἄφες, καὶ τὸ παρὰ φύσιν ἅπαν κηταλῶσας, εἰς τὴν φυσικὴν ὑγίαν καὶ εὐεξίαν καὶ ἰσότητα, καὶ ἡμᾶς καὶ τὴν αἰσθητὴν ταύτην σου κτίσιν, ὡς πάντων ποιητῆς καὶ Δεσπότης πάλιν ἀποκατάστησον, ἵνα κατὰ γενεὰς καὶ γενεάς, δοξάζεται σου τὸ παντοδύναμον καὶ φιλάνθρωπον ὄνομα, πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, τῶν θεφόρων ἀποστόλων, καὶ πάντων τῶν ἀγίων, εὐδοχίᾳ καὶ ἀγαθότητι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ σὺν τῷ πανα-

γίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
νας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

л. 290. Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά.

Чинъ этого, по настоящему списку, напечатанъ проф. Н. Θ. Красносельцевымъ въ его „Матеріалахъ для исторіи чинопоследова-
нія литургіи св. І. Златоустаго“ в. І стр. 36—78.

л. 300 об. Τὰ διπλοκατηχούμενα, ἃ λέγονται ἀπὸ τῆς τετράδος τῆς
μεσονηστήμιου μέχρι τῆς μεγάλης τετράδος.

— Αἰτήσεις, ἃς λέγει ἐν τῷ μεγάλῳ ἑσπερινῷ.

л. 301 об. Οἱ οἴκοι τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου.

л. 307. Πῶς¹⁾ χρῆ δέχεσθαι τοὺς ἀπὸ αἱρέσεων τῇ ἀγία τοῦ Θεοῦ
καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ προσερχομένους. Goar. pag. 694.

л. 308. Ὅπως χρῆ ἀναθεματίζειν ἐγγράφως τὴν αἵρεσιν αὐτῶν, τοὺς
ἀπὸ Μανιχαίων προσιόντας τῇ ἀγία τοῦ Θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ
ἐκκλησίᾳ. Cotelierius. Patres apostolici. Amstelaed. 1724 an. t. I p.
543, not—545; А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 26—45.

л. 312 об. Τάξις γινομένη τοῖς ἀπὸ Μανιχαίων ἐπιστρέφουσι πρὸς
τὴν καθαρὰν καὶ ἀληθῆ πίστιν ἡμῶν τῶν χριστιανῶν. Goar. pag. 700.

л. 313. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, διάταξις περὶ τῶν δια-
φόρῳ τρόπῳ καὶ ἡλικίᾳ ἐπιστρέφόντων. Goar. pag. 689. Молитвы тѣ-
же, по имѣютъ надъ собою слѣдующія надписанія: а) Εὐχὴ ἰλασμοῦ
εἰς τὸν ἀπ' ἀρνήσεως ἐπιστρέφοντα πρὸς τὴν ἡμετέραν πίστιν, б) εἰς ἰλασ-
μὸν εὐχὴ ἄλλη, μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν ψαλμὸν Ν'. καὶ λζ'. καὶ ρβ', γ) εὐχὴ πρὸς
χριστιανούς ὑπαχθέντας ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας δὲ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ
προσδραμόντας, δ) εὐχὴ ἀποστατήσαντος παιδὸς καὶ μαχαρίσαντος καὶ με-
τανοῦντος. Молитва на главопреклонение и послѣдняя послѣ мнро-
помазанія безъ заглавій.

л. 317. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχούμενον. Goar. p. 283.

л. 317 об. Πῶς δεῖ δέχεσθαι τὸν ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν
πίστει προσερχόμενον. Goar. pag. 282.

л. 218. Ἐκθεσις ἀκριβεστέρα περὶ τοῦ πῶς δεῖ δέχεσθαι τὸν ἐξ
Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχόμενον. А. Дмитриевскій.
Прилож. стр. 68—82; Conf. Patres apostolici t. I, pag. 504—507,
not. I.

л. 321 об. Περί Μελχισεδεκитῶν τῶν καὶ Θεοδοτιανῶν καὶ Ἀθιγγάνων.

л. 323. Χρὴ οὖν τοὺς ἀπὸ Ἀθιγγάνων προσιόντας καὶ βαπτίζεσθαι μέλλοντας τοῦτο λέγειν. Α. Дмитриевскій. Прилож. стр. 46—53.

л. 324. Τάξις ¹⁾ γινομένη τοῖς ἀπὸ Σαρακηνῶν ἐπιστρέφουσι πρὸς τὴν καθαρὰν καὶ ἀληθῆ πίστιν ἡμῶν χριστιανῶν. Conf. Mign. Patrol. Curs. complet. t. CXL, col. 124—135.

л. 327 об. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερομονάχου.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοῦ μόνον τὸ ζῆν ἀθάνατε. Goar. pag. 452.

л. 328. Εὐχὴ ἐπὶ ²⁾ τελευτήσαντος διακόνου ἢ καὶ εἰς μοναχοὺς πάντας..

ἽΟ οἰκῆσιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα διέπων ³⁾ τὰ ἐν τῇ γῇ, Αὐτὸς ἐπίστασαι τὴν ἐργασίαν τοῦ τελευτήσαντος ἀδελφοῦ ἡμῶν ⁴⁾, ἣν ἐν τῷ οἴκῳ σου ὑπὸ σοῦ ⁵⁾ δυναμούμενος μεθ' ἡμῶν ἐξετέλεσε, καὶ ⁶⁾ ἄμειψαι, ἀγαθέ, τῇ ἐκεῖθεν ἀνέσει ⁷⁾ καὶ παράσχου αὐτῷ ἐν φωτὶ κατοικίαν ⁸⁾, ἐν χώρᾳ δικαίων, πάντων ἀνοημάτων συγχωρῶν αὐτῷ τὰ ὀφειλήματα, καὶ ἡμῖν βοήθειαν παρεχόμενος ἐν τῷ φωτὶ τῶν προσταγμάτων σου μέχρις ἂν, καὶ ἡμεῖς ταύτης τῆς σκιᾶς ἀξιωθῶμεν. Ὅτι προσκυνητὸν ὑπάρχει τὸ ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

— ἽΑφορκισμὸς τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

ἽΟ Θεὸς τῶν θεῶν καὶ Κύριος τῶν κυρίων, ὁ τῶν πυρίνων ταγμάτων δημιουργός. Goar. pag. 578. ἽΑφορκισμὸς α'. ἽΕξορκίζω σε τὸν ἀρχέκανον τῆς βλασφημίας, τὸν ἀργηγὸν τῆς ἀνταρσίας... Goar. pag. 579.

л. 330 об. ἽΕν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἽΙωάννου τοῦ Χρυσοστόμου ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

ἽΟ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου. Goar. pag. 581. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεός, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος, ὁ μόνος Χριστὸς καὶ ἐπιεικής, ὁ μόνος οἰκτίρμων καὶ πολυέλεος Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν ἽΙησοῦ Χριστοῦ, τοῦ ἐπὶ Ποντίου Πιλάτου σταυρωθέντος, καὶ τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἐγερθέντος, καὶ εἰσελθόντος εἰς δόξαν τὴν ἑαυτοῦ καὶ τὴν σὴν, ἐλθέτω ἡ χάρις σου ἐφ'

¹⁾ Исслѣдованіе о «происхожденіи чина присоединенія мухамеданъ къ прав. христ. вѣрѣ» напечатано А. Яблоковымъ въ Прав. Сѣб. 1881 г. кн. III, стр. 230—283. ²⁾ Рук. Синайск. библ. XV в. № 984 εἰς διάκονον κοιμηθέντα ³⁾ περιέποντα τὰ ἐπὶ γῆς, αὐτὸς ⁴⁾ καὶ δούλου σου ⁵⁾ нѣтъ—ὑπὸ σοῦ ⁶⁾ διὸ ⁷⁾ τὴν ἐκεῖθεν ἀνέσειν ⁸⁾ κατοικῆσαι.

ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου, τόνδε, καὶ ἐνδυναμώσάτω ἡμᾶς, Κύριε, τὸ εὐαγγέλιον τῆς διδασκαλίας σου. Πάτερ εὐσπλαγχνε, φώτισον ἡμῶν τὰ σπλάγχνα, καὶ πάντα τὰ μέλη τῷ σὺ θελήματι, καὶ καθάρισον ἡμᾶς ἀπὸ πάσης κακίας καὶ ἁμαρτιῶν, συντήρησον δὲ ἡμᾶς ἀσπίλους καὶ ἀμώμους ἀπὸ πάσης περιεργείας τοῦ ἀντικειμένου, καὶ χάρισαι ἡμᾶς, Κύριε, κατὰ τὴν σὴν χρηστότητα, τὰ σὰ νοεῖν, τὰ σὰ φρονεῖν, ἐν τοῖς σοῖς ἀναστρέφεισθαι, τὸν σὸν φόβον φοβεῖσθαι, ποιεῖν τὰ εὐχάριστά σοι ἕως τῆς ἐσχάτης ἡμῶν ἀναπνοῆς καὶ ἡμέρας καὶ ὥρας. Ἐπικαλούμεθά σε, τὸν ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν, οἱ ἁμαρτωλοὶ ἡμεῖς, ὅπως ἂν κατὰ τὸ ἀνεκδιτήγητόν σου ἔλεος, σφραγίσῃς ἡμῶν τὸ σῶμα, καὶ τὴν ψυχὴν καὶ τὸ πνεῦμα, καὶ διατηρήσῃς ἀπὸ παντὸς πονηροῦ δαίμονος, ἀπὸ παντὸς ἐρπετοῦ ἰοβόλου, ἀπὸ παντὸς θηρίου, τοῦ ἐπὶ τῆς γῆς, ἀπὸ πάσης ἀνομίας, ἀπὸ πάσης φαρμακείας, καὶ ἀπὸ πάσης πλάνης, ἀπὸ πάσης ματαιότητος, ἀπὸ πάσης πορνείας καὶ πλεονεξίας, ἀπὸ πάσης νόσου καὶ μαλακίας, ἀπὸ παντὸς ψεύδους καὶ πάσης ῥαδιουργίας, καὶ πάσης παγίδος τοῦ ἀντικειμένου ἡμῖν. Πάτερ ἀφθαρσία, σκέπασον τὸν δοῦλόν σου τῇ σῇ εὐσπλαγχνίᾳ, καὶ μὴ ἐγκαταλίπῃς ἡμᾶς, μὴ δὲ ποιήσῃς ἐπίχαρμα ἐχθρῶν, καὶ ἐξουθένημα λαοῦ καὶ καταπάτημα δαιμόνων, ἀλλ' ἵνα ἡ σὴ χάρις, τὸ σὸν ἔλεος ᾗ μετ' ἡμῶν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν, ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ ἡ δύναμις, καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ.

π. 331 οβ. Ἀκολουθία εἰς μνήστρα.

Εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ὁ διάκονος τὰ διακονικά, ὁ δὲ ἱερεὺς τὰς εὐχὰς ταύτας· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα... Goar. p. 311. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος... Ibid. Ὁ δὲ διάκονος ταῦτα τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς τοῦ ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ συζευχθῆναι αὐτοὺς καὶ ἀφαπθῆναι τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν διαφυλάξῃ τὴν κοίτην αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Καὶ μετὰ τὸ πληρῶσαι τὸν διάκονον τὴν συναπτήν, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεός, ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. p. 317. Εἴτα στέφει ἀμφοτέρους, καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς, παραδίδωσιν ἀλλήλοις, καὶ λέγει· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριώδει σου οἰκονομία... Goar. p. 318. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, μεταδίδωσιν αὐτοῖς τῆς ζωοποιῶς κοινωνίας, εἴτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ποτήριον οἴνου κοινὸν καὶ ἐπέouchεται οὕτως. Εὐχὴ τοῦ κοινοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ

πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου. . p. 319. Εὐχὴ εἰς τὸ ἄραι τὰ στέφανα·
 Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... p. 320. Εὐ-
 χὴ εἰς τὰ παστολόσια· Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοι σου, Κύριε...
 p. 325.

XXXIII. № 362 (607) Εὐχολόγιον, ркп. библ. лавры Саввы Освященнаго (нынѣ патриаршей іерусалимской библ.) въ 16 долю, 75 листовъ, писана на пергаменѣ крупнымъ и красивымъ почеркомъ XIV в. Изъ надписей интереснѣйшею нужно считать собственноручную подпись въ началѣ рукописи: Σωφρόνιος, πατριάρχης τῆς ἁγίας πόλεως, сь датою, по словамъ А. Пападопуло-Керамевса, 7107 или 1598—1599 г. (Διάταξις τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας. Ἐν. Ἀθῆν. 1890 σελ. 8; Ἱεροσολυμιτ. βιβλιοθ. τ. β'. ἐν Πετροπολ. 1894 σελ. 613).

л. 1. Ἄλλη τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης.

Прѡ τῆς ἀρχῆς τῆς θείας λειτουργίας ἀποστέλλεται εἴτε λιθοξόος, εἴτε χρυσοχόος καὶ τοὺς σαλευθέντας κίονας, οἷς βαστάζεται ἡ ἁγία τράπεζα, ἀποσπογγίζει καὶ κοιτάζει πρὸς τοὺς ἰδίους τόπους, καὶ μετὰ τοῦτο γεμίζει τὰς ἀρμονίας... Goar. p. 492. Оканчивается прошениями: Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν ὁ δεῖνα καὶ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν αὐτοῦ, τοῦ Κυρίου... Ἐκτενέστερον ὑπὲρ αὐτοῦ καὶ τῶν συμπαρόντων αὐτῷ ἱερέων...

л. 1 об. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—602.

л. 8. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. Goar. p. 655—664. Въ текстѣ есть небольшія особенности, отмѣченныя нами въ ркп. Аѡн.-Ватоп. библ. 1533 г. № 133 л. 302.

л. 26. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὴν κατάθεσιν τῶν λειψάνων.

Ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἅγιος τῶν ἁγίων, ὁ Θεὸς τῶν ἀποστόλων καὶ βασιλεὺς τῶν μαρτύρων, τὸ καύχημα τῶν ἁγίων σου καὶ ὁ στέφανος πάντων τῶν εὐαρεστησάντων τῷ ὀνόματί σου, μνησθητι ἡμῶν, Κύριε, ἐν τῇ εὐδοκίᾳ τοῦ λαοῦ σου, ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ἐν τῷ σωτηρίῳ σου, χάρισαι ἡμῖν μνημονεύειν τῶν ἁγίων σου καὶ κοινωνεῖν αὐτῶν τοῖς παθήμασι. Ναί, Κύριε ὁ Θεός, πιστὸς ἐν τοῖς λόγοις, ὁ χαρισάμενος τοῖς ἁγίοις σου μάρτυσι τὸν ἀγῶνα τὸν καλὸν ἀγωνίσασθαι, καὶ τὸν δρόμον τῆς εὐσεβείας τελειῶσαι καὶ τὴν πίστιν τῆς ἀληθινῆς ὁμολογίας φυλάττειν, παρακληθῆναι καὶ χάρισαι ἡμῖν τοῖς σοῖς οἰκέταις μέρος καὶ κληρὸν ἔχειν μετὰ πάντων τῶν ἁγίων σου, ἵνα, μιμηταὶ αὐτῶν γενόμενοι, καταξιώθω-

μεν τῶν ἀποκειμένων αὐτοῖς ἀγαθῶν. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανδρωπία τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητός.

λ. 26 οβ. Ἐτέρα εὐχή, λεγομένη ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν καλλινίκων σου μαρτύρων καταγωνισάμενος τὸν ἐχθρὸν ἡμῶν διάβολον, χάρισαι ἡμῖν τοῖς σοῖς οἰκέταις μέρος ἔχειν καὶ κοινωνίαν μετὰ τῶν ἁγίων σου, δὸς ἡμῖν ἀγαπᾶν τοὺς ἀγαπῶντάς σε καὶ μιμεῖσθαι αὐτῶν τὸν ζῆλον καὶ τὴν ἐλπίδα, ποιήσον ἡμᾶς μαθητάς τῶν ἀθλησάντων ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας, τῶν ἐκχεάντων τὰ ἑαυτῶν αἵματι ὑπὲρ τῆς ὁμολογίας τοῦ μεγάλου καὶ προσκυνητοῦ ὀνόματος τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ καταξίωσον ἡμᾶς εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις αὐτῶν ἀντέχεσθαι τῆς πίστεως καὶ τῆς ἀληθείας τοῦ λόγου σου διὰ τὴν ἐλπίδα, τὴν ἀποκειμένην ἐν τοῖς οὐρανοῖς, τοῖς ἡγαπηκόσι τὴν ἐπιφάνειαν τοῦ Χριστοῦ σου, ἵνα σοι, εὐχαριστοῦντες καὶ σοὶ δουλεύοντες, τύχωμεν τῶν ἐπουρανίων δωρεῶν σου. Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ ἐν ἁγίοις κατοικεῖς καὶ ἐν αὐτοῖς θαυματουργεῖς.

λ. 27 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης. Goar. pag. 490—491.

λ. 30. Εὐχή τοῦ ἁγίου Τυχασίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, ἐπὶ λύσεως ναοῦ, ὑπὸ αἱρέσεως μιανθέντος, λεγομένη ἔξω τοῦ πυλῶνος τῆς ἐκκλησίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε τὸν Ἰλεων καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν καὶ τὴν ἐκκλησίαν διὰ τῶν ἀποστόλων. Goar p. 494.

λ. 31. Εὐχή λεγομένη ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε τὸν Ἰλεων καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν, εἴ τις ἐξ αἰρετικῆς ἐγχειρίσεως ἐπιτριβῇ μώμησις τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ τούτῳ, περίελε ταύτην τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, καὶ καταξίωσον ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους δούλους σου ἀκατακρίτως προσφέρειν ἐν αὐτῷ τὰς ἀναιμάκτους καὶ λογικὰς καὶ θυσίας καὶ λατρείας ἡμῶν πρεσβείαις τῆς ἀειπαρθένου Θεομήτορος καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν. Conf. Goar. pag. 494.

— Εὐχή ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, βεβηλωθέντος ὑπὸ ἐθνικῶν ἢ ὑπὸ αἰρετικῶν καθυβρισθέντος· Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ναὸν τοῦτον ἀναδείξας..... γινώσκεται δόξης ἢ παρὰ τῶν ἐκταρχάντων καὶ σχισάντων τὴν σὴν ἐκκλησίαν ἐν ἀθετήσει καὶ ὕβρει τῶν ἀχράντων εὐαγγελίων καὶ τῶν ἀποστολικῶν καὶ πατρικῶν καὶ κανονικῶν παραδόσεων. Αὐτὸς πάλιν ἰλέψω προσδεχόμενος... Goar. pag. 495.

λ. 32. Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον ἢ ζῶον ἄλογον κατὰ τὸν πάλαι νόμον ἀκάθαρτον καὶ ἄθυτον, ἢ ἔθανεν, ἢ ἐγέννησεν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὴν πολλὴν καὶ ἄφατον ἀγαθότητα καταξιώσας ὀνομασθῆναι τὸν ναόν... ἀνδροκτόνου διαβόλου, ἢ ἀλόγου θανάτῳ ζῶου, ἢ γεννήσει κατὰ τὸν πάλαι σὸν ἅγιον νόμον ἀθύτου καὶ ἀκαθάρτου. Αὐτὸς πάλιν διὰ τὸ πολὺ καὶ ἀμέτρητον ἔλεός σου... Goar. pag. 496.

λ. 33 οβ. Εὐχὴ ἱκετήριος εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

Δέχου τοίνυν, πανευμενεστάτη, τίμια δῶρα καὶ σοὶ μόνῃ ἀρμάζοντα παναγία Παρθενομήτορ, παρ' ἡμῶν τῶν ἀναξίων δούλων σου, ἡ πασῶν γενεῶν τιμιωτέρα, καὶ πάντων ὁρατῶν τε καὶ ἀοράτων δημιουργημάτων ὡραιότερα φανεῖσα, μακαρία ἡ ῥίζα τοῦ Ἰεσοῦ καὶ τρισμακάριστος ὁ οἶκος Δαβὶδ, ἐν ᾧ σὺ ἐβλάστησας, ὁ Θεός, ἐν μέσῳ σου καὶ οὐ σαλευθήσῃ· ἡγίασε γάρ σε, τὸ σκήνωμα αὐτοῦ, ὁ ὕψιστος, ἐν σοὶ διχθῆκαι καὶ ὀρκωμοσίαι Θεοῦ πρὸς τοὺς πατέρας ἡμῶν τέλος εὐκλεέστατον ἐδέξαντο, ὅτι διὰ σοῦ γέγονε Κύριος τῶν δυνάμεων μετ' ἡμῶν, μακαρία σὺ ἐν γενεαῖς γενεῶν, θεομακάριστε, ἡ πάσης κτίσεως οὐρανίων τε καὶ ἐπιγείων ὑψηλοτέρα φανεῖσα, ἡ τῶν χερουβὶμ λαμπροτέρα καὶ τῶν σεραφὶμ ἐνδοξοτέρα, παρθενίας καύχημα, πιστῶν στήριγμα, καὶ νῦν, πανύμνητε Θεοτόκε, μὴ παύσῃ πρεσβεύουσα ὑπὲρ ἡμῶν, τῶν ἀναξίων δούλων σου, ῥυσθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης περιστάσεως, καὶ τῷ φιλοχρίστῳ βασιλεῖ ἡμῶν πᾶσαν ἐπιβουλὴν καὶ τυραννίδα κατὰβαλλε, καὶ πᾶσαν βαρβάρων θρασυτητα νέκρωσον, καὶ πάντα τῶν ἐπανισταμένων αὐτῷ τὰ φρυάγματα ταπεινώσον ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτοῦ· διὰ σοῦ γάρ, Δέσποινα, καὶ τὸν Υἱὸν τοῦ Θεοῦ ἐγνωρίσαμεν, καὶ ἡξιώθημεν τοῦ παναγίου αὐτοῦ σώματος καὶ αἵματος, καὶ μέχρι τέλους ἡμᾶς ἀκατακρίτους διαφυλάξον ταῖς ἱκεσίαις, ἵνα ἐν πασιν ἅπαντες σωζόμενοι, σέ μὲν πόθῳ μεγαλύνωμεν, τῷ δὲ Υἱῷ σου δόξαν ἀναπέμπωμεν σὺν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοῦ αἰῶνα.

λ. 34 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου. Goar. pag. 194—195.

λ. 35 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.

Προσάγεται τῷ ἀρχιερεῖ ¹⁾ ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι.. Goar. pag. 203. Καὶ οὕτω λαμβάνων εὐλογία, ἀπερχόμενος, ἵσταται ἔμπροσθεν τῶν

¹⁾ Ркн. патриаршей Александр. библ. (въ Каирѣ) 1407 г. № 371 τῷ πατριάρχῃ ὁ ἀναγνώστης μετὰ φαινολίου, εἰ δὲ μοναχὸς ἐν μετὰ τοῦ μανδύου, κελεύει δὲ ὁ πατριάρχης.

ἀγίων θυρῶν. Οὕτω γίνεται καὶ εἴπερ εἰσὶ πολλοὶ χειροτονούμενοι ὑποδιάκονοι, τῆς εὐχῆς μόνον μικρὸν ὑπαλλασσομένης πρὸς πολλούς.

λ. 36 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου. Вмѣсто архи-
діакона дѣйствуетъ μέγας χαρτοφύλαξ. Goar. pag. 208—209. Καὶ
οὕτως ὁ ἐπὶ τοῦ ἁμβωνος διάκονος λέγει τὸ Πάντων τῶν ἀγίων. Κατὰ
δὲ τὸν τῆς μεταλήψεως τῶν θείων μυστηρίων καιρὸν, πρῶτος τῶν ἄλλων
ὁ διάκονος, ὁ χειροτονηθεὶς, τοῦ θείου ἄρτου μετέχει παρὰ τοῦ ἀρχιερέως καὶ
μεταλαμβάνει τοῦ τιμίου αἵματος πρὸ αὐτῶν παρὰ τοῦ μεταδιδόντος τῷ
ἀρχιερεῖ, καὶ πρώτου δεχομένου παρ' αὐτοῦ τὸ ἅγιον ποτήριον ἀρχιερέως
ἢ καὶ ιερέως. Αὐτὸς δὲ λέγει καὶ τὰ διακονικὰ ταῦτα· Ὁρθοὶ μεταλα-
βόντες... Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν· Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν, καὶ τὸ Τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ταῦτα μὲν, ὅτε γίνεται λειτουργία τελεία, ἐπεὶ δὲ
ἔξεστι τὴν τοῦ διακόνου χειροτονίαν καὶ ἐν τοῖς προηγιασμένοις ποιεῖν.
Ἰστέον, ὅτι μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ προηγιασμένα κ. τ. λ. Goar. p. 209.

λ. 40 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου. Ὁφείλει
εἶναι χρόνων... Goar. pag. 242. Принимаютъ въ алтарѣ рукополагае-
маго πρωτοπαπᾶς καὶ ὁ δευτερεύων τῶν ιερέων. Дѣйствуетъ πατριάρ-
χος. Замѣчания: Ἰστέον δε, ὅτι ὅταν φάλλωσι τὸ Ἅγιοι μάρτυρες κ. τ.
λ. нѣтъ. Возгласъ: „Πρόσχωμεν гоюритъ μέγας χαρτοφύλαξ. Въ ек-
теніи есть прошение о царѣ. Объ епитрахили говорится: καὶ φέρει τὸ
ὀπισθεν τοῦ ὡραρίου αὐτοῦ ἐπὶ τὸ ἔμπροσθεν τοῦ δεξιοῦ μέρους, λέγων·
Ἄξιός, ἢ περιτίθῃσιν αὐτῷ ἐπιτραχήλιον, καὶ φάλλουσι τὸ Ἄξιός πρότερον
οἱ τοῦ βήματος τρεῖς, ἔπειτα οἱ φάλται τρεῖς. По облаченіи въ фелонь, καὶ
οὕτως ἀσπάζεται τὸν ἀρχιερέα καὶ τοὺς πρεσβυτέρους καὶ οὕτως, ἀπερ-
χόμενος ὁ χειροτονηθεὶς ἐπὶ τὸ δεξιὸν μέρος τῆς ἀγίας τραπέζης, ἐρεί-
σας αὐτοῦ τὸ μέτωπον, λέγει καθ' ἑαυτὸν τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Καὶ
οὕτως ὁ ἐν τῷ ἁμβωνί διακονος, λαμβάνων καιρὸν, ἄρχεται λέγων ταῦτα·
Πληρώσωμεν τὴν δέσιν ἡμῶν καὶ τὰ λοιπά. Ὅτε δὲ τελειωθῶσι τὰ ἅγια
καὶ μέλλῃ εἰπεῖν ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν τήνδε· Ὡστε γενέσθαι τοῖς
μεταλαμβάνουσι, προσέρχεται ὁ χειροτονηθεὶς πρεσβύτερος, καὶ ἐπιδίδωσιν
αὐτῷ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν παρακαταθήκην, λέγων πρὸς αὐτὸν οὕτως· Λάβε
τὴν παρακαταθήκην. Новопоставленный λειτουργεῖ καθ' ἑκάστην ἐπὶ ἐπτὰ
ἡμέρας.

λ. 44 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου.

Πρὸ τοῦ φθᾶσαι τὸν καιρὸν τῆς λειτουργίας, οἱ ὑπηρέται εὐτρεπί-
ζουσι τὴν ἀναβάθραν τοῦ ἀρχιερέως, τιθέντες αὐτὴν ἔνδον τοῦ ναοῦ ἐν
ταῖς βασιλικαῖς πόλαις, ἢ καὶ ἐν τῷ νάρθηκι, καὶ ἐν τῷ τέλει τῶν βαθ-
μίδων ἐκατέρωθεν αὐτῆς τιθέασι θρόνους ἀρχιερατικούς, μέσον δὲ τῶν

θρόνων τούτων ἀπὸ τῆς τελευταίας βαθμίδος ζωγραφεῖ ὁ ἐπὶ τῆς εὐταξίας αἰτὼν μετὰ φεγγίου τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, ποιῶν πρὸς τὸ μέρος τῆς ἀναβάθρας, περὶ δὲ τοὺς πόδας αὐτοῦ ζωγραφεῖ σχῆμα πόλεως καὶ κάτωθεν τῆς πόλεως ὡς ποταμούς τρεῖς. Καὶ ταῦτα καλῶς εὐτρεπίσας, ἴστησιν ὑπηρέτας ἔξωθεν τῶν θρόνων, φυλάσσοντας τὴν ζωγραφίαν ὥστε μὴ διέρχεσθαι τινὰς καὶ καταπατεῖν ταῦτα. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς φορέσας ἀνέρχεται ἐν τῇ ἀναβάθρᾳ διὰ μέσου τοῦ αἵτου, τῶν ἄλλων πάντων ἔνθεν καὶ καχεῖθεν ὑποχωρούντων, ἵνα μὴ πατήσωσιν αὐτόν, εἴτα ὑποχωροῦσι πάντες καὶ κάθηνται ἐν ἐνὶ μέρει. Ὁ δὲ ¹⁾ χαρτοφύλαξ ἀπέρχεται μετὰ τοῦ ὑπομνηματογράφου καὶ τοῦ ἱερομνήμονος, ἐπομένων αὐτῷ, προπορευομένου αἰεὶ τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας, καὶ προσκαλεῖται πρῶτον τοὺς φάλτας, οἳ καὶ ἐρχόμενοι, στάντες ἀπαντικρὺ τοῦ πατριάρχου καὶ προσκυνήσαντες, φάλλουσι τρεῖς τὸ Εἰς πολλά ἔτη, δέσποτα. Μετὰ τούτους προσκαλεῖται τοὺς ἄρχοντας τῆς ἐκκλησίας, οἳ καὶ ἐρχόμενοι κατὰ τάξιν καὶ κατὰ συζυγίαν, προσκυνοῦντες· οἱ μὲν ἔξωκατάκηλοι κάθηνται ἐν ταῖς βαθμῖσι τῆς ἀναβάθρας, ὁ δὲ πρωτονοτάριος καὶ ὁ λογιθέτης ἀνέρχονται καὶ ἴστανται ἑκατέρωθεν τοῦ ἀρχιερατικοῦ ²⁾ θρόνου, οἱ δὲ λοιποὶ ἴστανται κάτω μετὰ τὴν ἀναβάθραν ἔξ ἑκατέρου μέρους. Εἴτα προσκαλεῖται τοὺς ἐπισκόπους ³⁾, οἳ καὶ ἐρχόμενοι μετὰ φαινολίων λευκῶν καὶ προσκυνοῦντες κατὰ συζυγίαν, κάθηνται ἐν τοῖς προεστρεπισμένοις θρόνοις. Καὶ τελευταῖον προσκαλεῖται τὸν ὑποφῆφιον, ὃς καὶ ἐρχόμενος μετὰ φαινολίου λευκοῦ καὶ ἐπιτραχηλίου κατὰ ποταμὸν προσκυνεῖ, καί, στάς ἀπαντικρὺ τοῦ πατριάρχου, ἀναγινώσκει τὴν ἰδίαν ὁμολογίαν εἰς ἐπήκοον πάντων. Καὶ μετὰ τὴν ἀνάγνωσιν ἀνιστάμενος ὁ ⁴⁾ χαρτοφύλαξ ἀπέρχεται ἐν τῷ τόπῳ, ἔνθα ἴσταται ὁ ὑποφῆφιος καί, λαβὼν τὴν αὐτοῦ κεφαλὴν τῇ ἰδίᾳ δεξιᾷ καὶ ταύτην ὑποκλίνας, ἀσχεπῇ οὖσαν, ἐκφωνεῖ· Κελεύσατε. Καὶ πάντων ἀνισταμένων, ἀνίσταται ὁ ἀρχιερεὺς ⁵⁾ καί, ἔχων πρὸς αὐτόν τὴν χεῖρα ἐκτεταμένην, ἐκφωνεῖ· Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος διὰ τῆς ἡμῶν μετριότητος προχειρίζεται σε μητροπολίτην τῆς θεοσώστου πόλεως τῆσδε. Καὶ οἱ μὲν φάλται φάλλουσι τρεῖς τὸ Εἰς πολλά ἔτη, δέσποτα, ὁ δὲ ⁶⁾ χαρτοφύλαξ, κρατῶν τὸν χειροτονούμενον ἀπὸ τῆς κεφαλῆς, ἀνέρχεται διὰ τοῦ αἵτου πρὸς τὸν ἀρχιερέα ⁷⁾ καὶ ὑποδείκνυσιν αὐτῷ ἀσπάσασθαι τὸ τοῦ ἀρχιερέως ⁸⁾ δεξιὸν γόνυ, τὴν δεξιὰν χεῖρα καὶ τὴν δεξιὰν παρεῖαν. Εἴτα ἀπέρχεται εἰς τοὺς ἐπισκόπους καὶ ἀσπάζεται καὶ αὐτοὺς εἰς τὸ στόμα, καὶ πάλιν ἴστησιν αὐτόν ὁ ⁹⁾ χαρτοφύλαξ ἐν τῷ συνήθει τόπῳ καί, ὑπο-

¹⁾ Μέγας ²⁾ πατριαρχικὸς ³⁾ ἀρχιερεὺς ⁴⁾ μέγας ⁵⁾ καὶ ὁ πατριάρχης ⁶⁾ μέγας ⁷⁾ πρὸς τὸν πατριάρχην ⁸⁾ πατριάρχου ⁹⁾ μέγας.

κλίνας αὖθις τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, ἐκφωνεῖ· Κελεύσατε. Καὶ πάλιν ἀνιστάμενος ὁ ἀρχιερεὺς¹⁾, ἔχων ὁμοίως καὶ τὴν χεῖρα ἐκτεταμένην, ἐκφωνεῖ· Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος ἔστι μετὰ σοῦ. Καὶ πάλιν οἱ ψάλλται ψάλλουσι τρίς τὸ Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα. Καὶ οὕτω μικρὸν προπέμψας αὐτὸν ὁ μέγας χαρτοφύλαξ παραδίδωσι τοῖς ὑπηρέταις, καὶ ἀπέρχονται σὺν αὐτῷ εἰς τὸ ἅγιον βῆμα. Καὶ φορέσας πᾶσιν τὴν ἱερατικὴν στολὴν καὶ ἐπιγονάτιον, κάθηται ἐν τῷ διακονικῷ, οὔτε δὲ εἰς τὴν εἴσοδον ἐξέρχεται, οὔτε ἐκφώνησιν λέγει. Οἱ δὲ ἐπίσκοποι²⁾, ἀνιστάμενοι καὶ προσκυνοῦντες τὸν ἀρχιερέα³⁾ καὶ λαμβάνοντες εὐλογίαν, ἀπέρχονται ἐν τῷ συνήθει τόπῳ καὶ φορένουσιν⁴⁾. Ὁ δὲ ὑποψήφιος ἵσταται ἐν τῷ διακονικῷ. Καὶ μετὰ τὴν τοῦ Τρισαγίου⁵⁾ συμπλήρωσιν, παραλαμβάνουσιν αὐτὸν ἐξ ἑκατέρου μέρους ὁ τε πρωτοπαπᾶς καὶ ὁ δευτερεύων τῶν ἱερέων καί, ἐξέρχόμενοι διὰ τῆς θύρας τοῦ διακονικοῦ, προπορευομένου τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας, διέρχονται διὰ τῆς σωλῆας μέχρις ἂν φθάσωσιν εἰς τὰς ἁγίας θύρας. Ὅταν δὲ φθάσωσι τὰς ἁγίας θύρας, ἀπολύουσιν αὐτὸν οἱ πρεσβύτεροι, καὶ παραλαμβάνουσιν αὐτὸν δύο ἐπίσκοποι οἱ πρῶτοι καί, προπορευομένου τοῦ ἱερομνήμονος καὶ τοῦ δευτερεύοντος τῶν διακόνων καὶ ψαλλόντων τὸ Ἅγιοι μάρτυρες, στρέφουσιν αὐτὸν κύκλῳ τῆς ἁγίας τραπέζης τρίς. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς⁶⁾ ἵσταται εἰς τὴν κρηπίδα, τὴν πρὸ τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ προσάγουσιν αὐτῷ τὸν χειροτονούμενον, ὃς καὶ σφραγιζόμενος τὴν κεφαλὴν τρίς παρὰ τοῦ ἀρχιερέως⁷⁾, ἐρείσας τε τὸ μέτωπον τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, κλίνει καὶ ἀμφοτέρους τοὺς πόδας. Ὁ δὲ⁸⁾ χαρτοφύλαξ ἐπιδίδωσι τῷ ἀρχιερεῖ⁹⁾ χάρτην γεγραμμένον, τὸ λεγόμενον πτερὸν, καὶ ἐκφωνεῖ· Πρόσχωμεν. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς¹⁰⁾, λαβὼν τὸ πτερὸν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ καί, τὴν δεξιὰν ἔχων ἐπικειμένην τῇ τοῦ χειροτονούμενου κεφαλῇ, ἀναγινώσκει τὰ ἐν τῷ πτερῷ γεγραμμένα εἰς ἐπήκοον πάντων, λέγων οὕτως· Ψήψω καὶ δοκιμασίᾳ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων¹¹⁾. Ἡ θεία χάρις, ἥ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα. *Gloss. p. 249.* Καὶ ἐκφωνοῦσι πάντες ἐκ τρίτου τὸ Κύριε ἐλέησον¹²⁾. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς σφραγι-

1) Ὁ πατριάρχης 2) ἀρχιερεῖς 3) τὸν πατριάρχην 4) ὁ δὲ δευτέρων τῶν διακόνων, πρότερον προσκυνήσας τρίς κατὰ ἀνατολάς, λέγει πρὸς αὐτὸν (см. ниже въ литургіи) 5) *Нѣтъ* τοῦ Τρισαγίου 6) καὶ ἀνίσταται ὁ πατριάρχης καὶ προσάγουσιν αὐτῷ 7) παρὰ τοῦ πατριάρχου 8) μέγας 9) πατριάρχῃ τὸ λεγόμενον πτερὸν 10) πατριάρχης 11) τῶν θεοφιλεστάτων μητροπολιτῶν καὶ τῶν ὁσιωτάτων ἀρχιεπισκόπων. Εἰ δὲ μητροπολίτης ἐστὶν ὁ χειροτονῶν, λέγει· Ψήψω καὶ δοκιμασίᾳ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων καὶ ὁσιωτάτων πρεσβυτέρων καὶ διακόνων. 12) Εἴτα τὸ εὐαγγέλιον ὁ πατριάρχης, ἀναπτύσων, ἐπιτίθησι τῷ τραχήλῳ καὶ τῇ κεφαλῇ.

ζει καὶ αὐθις τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τρίς, εἴτα αἶρει τὸ εὐαγγέλιον καί, ἀναπτύξας, ἐπιτίθησι τῷ τραχήλῳ καὶ τῇ κεφαλῇ αὐτοῦ, συνεφαπτομένων καὶ τῶν ἀρχιερέων πάντων¹⁾, καὶ ἔχων ὁ ἀρχιερεὺς ἐπικειμένην αὐτῷ τὴν χεῖρα εὐχετῆαι οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὀνομαθετήσας ἡμῖν... Ibid. pag. 250—251. Εἴτα (т. е. послѣ чтенія всѣхъ молитвъ) λαβὼν τὸ ὠμοφόριον, περιτίθησι τῷ τραχήλῳ τοῦ χειροτονουμένου, λέγων· Ὁ Ἄξιος. Λέγουσι δὲ τοῦτο οἱ τοῦ βήματος τρίς καὶ οἱ ψάλλται τρίς. Εἴτα πάλιν ἐκφωνοῦσιν οἱ ψάλλται εἰς καθ' εἷς· Ὁ Ἄξιος. Καὶ οὕτως ἀσπάζονται τὸν χειροτονηθέντα, αὐτός²⁾ τε ὁ χειροτονήσας καὶ οἱ λοιποὶ ἐπίσκοποι, καὶ τῆς συνήθους εὐφημίας τελεσθείστης, ἀπέρχονται εἰς τὸ σὺνθρονον, καὶ καθεζόμενος πρῶτος ὁ χειροτονηθεὶς εἰρηνεύει εἰς τὸν ἀπόστολον, καὶ πρῶτος τῶν ἄλλων τοῦ τιμίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ μεταλαμβάνει.

л. 50 об. Διάταξις³⁾ τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας, πῶς γίνεται ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ.

Ὁ πατριάρχης⁴⁾, μέλλων τὴν θεῖαν ἐπιτελέσαι μυσταγωγίαν, κατέρχεται ἐκ τοῦ στασιδίου αὐτοῦ· καὶ εἰ μὲν ψάλλουσιν ἔτι τὸν ὄρθρον, φορᾷ ἐμπροσθεν τοῦ στασιδίου αὐτοῦ μετὰ τὸ τέλος τῆς ἐννάτης ὥδης,

¹⁾ Πρὸ τοῦ τεθῆναι δὲ τὸ εὐαγγέλιον σφραγίζει καὶ αὐθις τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τρίς, τοῦ δὲ εὐαγγελίου τιθέντος, ὁ πατριάρχης εὐχετῆαι οὕτως. ²⁾ Ὁ πατριάρχης καὶ οἱ ἀρχιερεῖς πάντες, καὶ πάλιν ὁ πατριάρχης καὶ οἱ ἀρχιερεῖς, ἀσπάζόμενοι τὴν ἁγίαν τράπεζαν, ἀνέρχονται ἐν τῷ σὺνθρόνῳ, καὶ λέγει ὁ διάκονος πρὸς τὸν πατριάρχην· Κελεύσον, δέσποτα (См. чинъ литургiи виже). ³⁾ Настоящій Διάταξις патриаршаго служенiя литургiи, по этой самой рукописи, былъ напечатанъ А. Пападопуло-Κεραμεвсомъ въ аѳинской газетѣ „Ἀνάπλασις“ за 1890 г. и изданъ имъ потомъ отдѣльною, въ 24 долю листа, брошюрою подъ заглавiемъ: «Διάταξις τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας, πῶς γίνεται ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ». Ἐν Ἀθῆναις. 1890 σελ. 11—31. Брошюра посвящена бывшему вселенскому патриарху Иоакиму III, пребывающему нынѣ на покой на Аѳонѣ. Въ виду рѣдкости самой брошюры, напечатанной въ ограниченномъ количествѣ для друзей, а также въ виду нѣкоторыхъ погрѣшностей и пропусковъ въ текстѣ этого изданiя, замѣченныхъ нами, изъ коихъ одинъ въ сел. 21 дѣлаетъ его неудобовразумительнымъ: Εἰ δὲ ἐνι μεταξὺ χειροτονία ἢ πρεσβυτέρου, ἢ διακόνου, ἐνδύεται αὐτὸ μέχρι τοῦ καιροῦ τῆς ὁψώσεως τῶν ἁγίων(?), мы рѣшились вновь переиздать „Διάταξις“. Къ тому же насъ побуждаетъ и намѣренiе сдѣлать сопоставленiе этого чинопослѣдованiя съ Διάταξις-омъ въ изложении діакона и протопотарiя великой церкви, господина Димитрія Γεμισты, жившаго во второй половинѣ XIV вѣка (Mikl. et Müller. Acta et diplomat. Vindob. 1860 an. t. I, pag. 494) ⁴⁾ Ркп. Александр. библ. № 371 κατερχόμενος, εἰ μὲν ψάλλουσιν ἔτι τὸν ὄρθρον.

εἰ δὲ οὐ φάλλουσιν, ὅπισθεν τοῦ στασιδίου. Ἐρχόμενοι γοῦν οἱ διάκονοι καὶ προσκυνοῦντες, κρατοῦντες ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν ἕκαστος τὸ στιχάριον καὶ τὸ ὠράριον, λαμβάνουσιν εὐλογίαν παρὰ τοῦ πατριάρχου καὶ φορένουσιν αὐτοὶ πρῶτον. Ὁ δὲ πατριάρχης, ἐκβαλὼν τὸ μανδύον εἴτα προσκυνήσας τρεῖς κατὰ ἀνατολάς, λέγει καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρά σου ¹⁾... Καὶ πληρώσας αὐτήν, ἄρχεται ἐνδύεσθαι τὴν ἀρχιερατικὴν στολήν, ἀλλάσσοντας αὐτὸν τοῦ κανστρίσιου, συνεργοῦντων αὐτῷ καὶ τῶν λοιπῶν διακόνων. Ὅτε δὲ ἐνδύεται τὸ στιχάριον, λέγουσιν οἱ ὑπερετοῦντες διάκονοι· Ἀγαλλιάσεται ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Εἰς δὲ τὸ ἐπιτραχήλιον ²⁾ λέγουσιν· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκχέων τὴν χάριν αὐτοῦ ἐπὶ τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Εἰς δὲ τὴν ζώνην ³⁾· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ περιζωννύων με δύναμιν τῇ αὐτοῦ φιλανθρωπίᾳ καὶ χάριτι, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Εἰς δὲ τὸ δεξιὸν ἐπιμάνικον ⁴⁾ λέγουσιν· Ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, δεδοξασται ἕως τοὺς ὑπεναντίους Ἕτεροι δὲ λέγουσι· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὕψωσε με. Εἰς δὲ τὸ ἀριστερόν ⁵⁾· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με ἕως τὰς ἐντολάς σου. Ὁ δὲ ἐπὶ τῶν γονάτων, λαβὼν τὸ ἐπιγονάτιον ⁶⁾, περιτίθῃσιν αὐτὸ ἀπὸ τοῦ μέρους κάτωθεν τῆς ζώνης, λέγων· Περιζῶσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μηρόν σου, δυνατέ, τῇ ὡραιότητί σου καὶ τῷ κάλλει σου. Εἰς δὲ τὸ φαινόλιον ⁷⁾, ἦτοι τὸν σάκκον λέγουσιν· Οἱ ἱερεῖς σου, Κύριε, ἕως τοῦ ἀγαλλιάσονται. Ὁ δὲ κανστρίσιος, λαβὼν τὸ ὠμοφόριον ⁸⁾, ἐπιτίθῃσι τῷ ὠμῷ τοῦ πατριάρχου, λέγων· Ἐπὶ τῶν ὤμων, Χριστέ, τὴν πλανηθεῖσαν ἄρας φύσιν, ἀναληφθεὶς τῷ Θεῷ καὶ Πατρὶ προσήγαγες ⁹⁾. Ἰστέον ¹⁰⁾ δέ, ὅτι τὴν ἀρχιερα-

1) Αὐτὴν δὲ ταύτην εὐχὴν λέγουσι καὶ οἱ πρεσβύτεροι καὶ οἱ διάκονοι πρὸς ἐκυτοῦς (Ркп 1541 г. лавры АѠан. Δ № 80 ἐνδύόμενοι τὰς ἑαυτῶν στολάς), εἴτα ἄρχεται ὁ πατριάρχης ἐνδύεσθαι 2) εὐλογοῦντος αὐτὸ τοῦ πατριάρχου καὶ ἀσπαζομένου, λέγουσιν. 3) Τὴν ζώνην εὐλογοῦντος, λέγουσιν. 4) Τὸ δὲ δεξιὸν ἐπιμάνικον εὐλογοῦντος καὶ ἀσπαζομένου, λέγουσιν. 5) Καὶ τὸ ἀριστερόν ὁμοίως εὐλογοῦντος καὶ ἀσπαζομένου 6) ἔρχεται πρὸς τὸν πατριάρχην, ὃς εὐλογεῖ καὶ ἀσπάζεται τοῦτο, καὶ περιτίθῃσιν αὐτὸ ὃ ἐπὶ τῶν γονάτων κάτωθεν τῆς ζώνης ἀπὸ τοῦ δεξιοῦ μέρους, λέγων 7) Εὐλογοῦντος δὲ καὶ τὸ φαινόλιον τοῦ πατριάρχου, ἦγουν τὸν σάκκον, λέγουσιν. 8) Ἀσπαζομένου δὲ καὶ τὸ ὠμοφόριον, ἐπιτίθῃσιν αὐτὸ ὁ κανστρίσιος τῷ πατριάρχῃ, λέγων 9) Αὐτὰ δὲ ταῦτα λέγουσι καὶ οἱ πρεσβύτεροι, ἐνδύόμενοι ἐν ἐκάστῳ τῶν ἱερατικῶν ἐνδυμάτων, δίχα τοῦ ἐπιγονάτου καὶ τοῦ ὠμοφορίου ὁμοίως καὶ οἱ διάκονοι, ἐνδύόμενοι τὸ στιχάριον, λέγουσι τὸ προγραφέν, ἦγουν τὸ Ἀγαλλιάσεται ἡ ψυχὴ μου. Τὸ δὲ ὠράριον ἀσπαζόμενοι περιτιθέασιν τῷ ἑαυτῶν ἀριστερῷ ὠμῷ. 10) Этого замѣчанія нѣтъ.

τικὴν στολήν, ἤγουν τὸ στιχάριον, τὸ ἐπιτραχήλιον, τὰ ἐπιμάνικα, τὸ ἐπιγονάκιον, τὸ φαινόλιον καὶ τὸ ὠμοφόριον πρῶτον εὐλογεῖ καὶ ἀσπάζεται, εἷτα περιβάλλεται αὐτήν, μόνην δὲ τὴν ζώνην εὐλογεῖ, οὐ μὴν καὶ ἀσπάζεται.

Ὅταν τοίνυν ἄρξῃται φορένειν ὁ πατριάρχης, οἱ ἀρχιερεῖς, ἐρχόμενοι καὶ προσκυνοῦντες κατὰ τάξιν, προσκαλουμένου αὐτοῦ τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας, ἀπέρχονται εἰς τὸν συνήθη τόπον καὶ φορένουσι¹⁾. Τοῦτο δὲ γίνεται, μὴ οὔσης χειροτονίας ἀρχιερατικῆς· εἰ γάρ ἐστι χειροτονία, οὐ φορένουσι νῦν, ἀλλ' εἰσερχόμενοι εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, ἐνδύονται ἐπάνω τῶν μανδύων φαινόλια ἱερατικά²⁾ καὶ κάθηνται, περιμένοντες τὸν καιρὸν. Τοῦ δὲ ὀρθροῦ πληρωθέντος, μετὰ τὴν μεγάλην δοξολογίαν, εἰς τῶν διακόνων, ἀνερχόμενος ἐν τῷ ἁμβωνί, ποιεῖ τὴν ἐκτενήν καὶ τὰς αἰτήσεις³⁾, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν ἐκφώνησιν χωρὶς ἀπολύσεως. Ὁ δὲ πατριάρχης, μετὰ τὴν δοξολογίαν, προπορευομένου ἔμπροσθεν τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας καὶ τῶν διακόνων κατὰ συζυγίαν καὶ κατὰ τάξιν, ἀνέρχεται ἐν τῇ ἀναβάθρᾳ διὰ μέσου τοῦ αἵτου⁴⁾, εἶπερ ἐστὶ⁵⁾ χειροτονία ἀρχιερέως. Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν ἐπὶ τῷ χειροτονουμένῳ τάξιν, οἱ μὲν ἀρχιερεῖς ἀπέρχονται καὶ φορένουσιν, ὁ δὲ δευτερεύων τῶν διακόνων, πρότερον προσκυνήσας τρις κατὰ ἀνατολάς, λέγει πρὸς ἑαυτόν· Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, εἷτα στρέφεται πρὸς τὸν πατριάρχην καὶ, ὑποκλίνας τὴν κεφαλὴν ἑαυτοῦ, κρατῶν καὶ τὸ ὠράριον τοῖς τρισὶ δακτύλοις τῆς δεξιᾶς χειρὸς καὶ ὑποδεικνύς αὐτό, λέγει· Καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ Κυρίῳ, δέσποτα, εὐλόγησον. Καὶ ὁ πατριάρχης, ἀνιστάμενος καὶ σφραγίζων αὐτόν, λέγει· Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεί. Εἷτα ὁ διάκονος· Εὐξαί ὑπὲρ ἐμοῦ, δέσποτα. Καὶ ὁ πατριάρχης· Κατευθύναι Κύριος τὰ διαβήματά σου. Καὶ πάλιν ὁ διάκονος· Μνήσθητί μου, δέσποτά μου ἅγιε. Καὶ ὁ πατριάρχης· Μνησθεῖν σου Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ. Καὶ οὕτως ἀσπασάμενος ὁ διάκονος τὸ ὠράριον, ἀπέρχεται καὶ ἀσπάζεται καὶ τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου καὶ λαμβάνει εὐλογίαν. Καὶ εὐθὺς ὁ πατριάρχης κατέρχεται καὶ ἵσταται ἐν τῷ συνήθει τόπῳ τοῦ μέρους τοῦ δεξιοῦ τῶν βασιλικῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, καὶ χειροτονεῖ ἀναγνώστας καὶ ὑποδιακόνους⁶⁾. Εἰ⁷⁾ δὲ οὐκ ἔστι χειροτονία ἀρ-

¹⁾ Ἐπιλεγόντων τῶν ὑπηρετούντων αὐτοῖς ἐν ἐκάστῃ τῶν ἐνδυμάτων τὰ προεξηγμένα ²⁾ λευκά ³⁾ καὶ γίνεται ἡ κεφαλοκλιτία καὶ ἡ ἐκφώνησις χωρὶς ἀπολύσεως. ⁴⁾ Τῶν ἄλλων πάντων ἐνθεν καὶ κἀκεῖθεν ὑποχωρούντων, ἵνα μὴ (см. выше чинъ рукоположенія въ епископа) ⁵⁾ Этого замѣчанія нѣтъ ⁶⁾ Улѣдуютъ далѣе и самыя чины. ⁷⁾ Ἰστέον δέ, ὅτι οὐκ ἔστι χειροτονία κ. τ. λ.

χειρέως,¹⁾ οὐ λαμβάνει τὸν καιρὸν, καθὼς εἶπομεν²⁾, οὔτε ὁ πατριάρχης ἀνέρχεται ἐν τῇ ἀναβάθρᾳ, ἀλλὰ μετὰ τὴν τῶν ἀναγνώστων καὶ ὑποδιακόνων χειροτονίαν ἐν τῷ συνήθει τόπῳ πρὸ τῶν βασιλικῶν πυλῶν, ἵσταμένου τοῦ πατριάρχου. Ὁ δευτερεύων λαμβάνει τὸν καιρὸν καὶ οὕτω πέμπει διάκονον ἕτερον ποιῆσαι τὴν ἑναρξιν τῆς λειτουργίας.

Ἀνερχόμενος τοίνυν ὁ διάκονος εἰς τὸν ἄμβωνα, προσκυνεῖ κατέναντι τῶν ἁγίων θυρῶν τρεῖς μετ' εὐλαβείας, καὶ λέγων καθ' ἑαυτὸν τὸ Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις, καὶ τὸ στόμα μου... καὶ οὕτως ἐκφωνεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα. Καὶ ἄρχεται³⁾ ὁ τὴν προσκομιδὴν ποιήσας, λέγων· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία. Εἶτα ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν καὶ τὰ λοιπά. Τούτων δὲ λεγομένων⁴⁾, λέγει καὶ ὁ πατριάρχης τὰς εὐχὰς τῶν τριῶν ἀντιφώνων, κρατοῦντος τὸ κοντάκιον τοῦ ἱερομνήμονος. Τὸ δὲ αὐτὸ τοῦτο ποιοῦσι καὶ οἱ ἀρχιερεῖς, ἐν ᾧ ἵστανται τόπῳ. Ὁ δὲ ποιήσας⁵⁾ ἱερεὺς τὴν προσκομιδὴν⁶⁾ λέγει τὰς τρεῖς ἐκφωνήσεις. Εἶτα⁷⁾, ἐλθόντων καὶ τῶν ἀρχιερέων καὶ σταθέντων ἐξ ἀριστερῶν τοῦ πτριάρχου, ὁ ἐν τῷ ἄμβωνι ὁ διάκονος⁸⁾ εἰσέρχεται εἰς τὸ ἅγιον βῆμα καὶ λαμβάνει τὸ εὐαγγέλιον ἀπὸ τῶν χειρῶν τοῦ ἱερέως, καὶ ποιοῦσι τὴν εἴσοδον, τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας⁹⁾ ἔμπροσθεν αὐτῶν προπορευομένου μετὰ νάρθηκος. Ὁ μὲν οὖν διάκονος, ὁ κρατῶν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἐλθὼν ἐπιδίδωσιν αὐτὸ τῷ δευτερεύοντι τῶν διακόνων, ὁ δὲ ποιήσας τὴν προσκομιδὴν ἱερεὺς, ἐρχόμενος καὶ προσκυνῶν τὸν πατριάρχην, λαμβάνει εὐλογίαν καὶ ἵσταται ἐξ ἀριστερῶν τῶν ἀρχιερέων, καὶ οἱ λοιποὶ ἱερεῖς κατὰ τάξιν¹⁰⁾. Κλινόντων δὲ πάντων τὰς κεφαλὰς, λέγει ὁ δευτερεύων· Τοῦ Κυρίου δεη-

1) Прибавлено: ὁ δευτερεύων τῶν διακόνων 2) ἐν τῇ ἀναβάθρᾳ καθημένου τοῦ πατριάρχου, ἀλλὰ μετὰ τὸ φορέσαι τὸν πατριάρχην καὶ ἀπελθεῖν εἰς τὸν συνήθη τόπον πρὸ τῶν βασιλικῶν πυλῶν, λαμβάνει τὸν καιρὸν μετὰ τὴν ἀναγνώστων καὶ ὑποδιακόνων χειροτονίαν καὶ οὕτω πέμπει διάκονον ἕτερον ὁ δευτερεύων ποιῆσαι τὴν ἑναρξιν τῆς λειτουργίας 3) ὁ δευτερεύων τῶν ἱερέων, ἢ ἕτερος ὁ τὴν προσκομιδὴν 4) ἀνίσταται καὶ ὁ πατριάρχης καὶ λέγει τὰς εὐχὰς 5) Δεῖ δὲ γινώσκειν, ὅτι ὁ ποιήσας 6) αὐτὸς ποιεῖ καὶ τὴν ἑναρξιν τῆς λειτουργίας, αὐτὸς λέγει καὶ τὰς τρεῖς ἐκφωνήσεις. Ὁ δὲ ἱερεὺς, τούτων λεγομένων, λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ πρώτου ἀντιφώνου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ κράτος ἀνεῖκαστον... Καὶ μετὰ τὴν ἐκπλήρωσιν τῆς συναπτῆς, ἐκφωνεῖ ὁ ἱερεὺς· Ὅτι πρέπει σοι πάντα δοῦναι... Καὶ οἱ μὲν ψάλλται ψάλλουσι τὸ α'. ἀντίφωνον, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ δευτέρου ἀντιφώνου и т. д. 7) Нѣтъ замѣчанія оу архіереевъ. 8) κατερχόμενος 9) Нѣтъ прибавки: τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας до μετὰ νάρθηκος. 10) Ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 καὶ οἱ διάκονοι ὁμοίως κατὰ τὴν τάξιν ἐκ δεξιῶν τοῦ ἀρχιερέως.

θῶμεν, ἅμα καὶ τὸ ὥραριον κρατῶν τοῖς τρισὶ δακτύλοις τῆς δεξιᾶς χειρὸς. Καὶ λέγει ὁ πατριάρχης καὶ οἱ ἀρχιερεῖς καὶ οἱ ἱερεῖς τὴν εὐχὴν τῆς εἰσόδου ¹⁾. Αὐτῆς δὲ τελεσθείσης, λέγει ὁ διάκονος πρὸς τὸν πατριάρχην· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἁγίαν ²⁾ εἴσοδον, δεικνύων ³⁾ ἅμα καὶ πρὸς ἀνατολὰς μετὰ τοῦ ὥραριου, οὕτως ὡς κρατῶν αὐτό. Καὶ ὁ ⁴⁾ πατριάρχης, ποιῶν σταυρὸν κατὰ ἀνατολὰς, λέγει· Εὐλογημένη ἡ εἴσοδος τῶν ἁγίων σου πάντοτε νῦν... Εἴτα ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον. Ὁ δὲ διάκονος, στάς εἰς τὸ μέσον, ἀντικρὺ τοῦ ἄμβωνος, ἀνυφοῖ τὰς χεῖρας μικρόν, καί, δεικνύων τὸ εὐαγγέλιον, λέγει· Σοφία, ὀρθοί. Καὶ οὕτω γίνεται ἡ εἴσοδος. Οὕτω δέ, ὡς εἶπη ὁ διάκονος· Σοφία, ὀρθοί, ἐκφωνοῦσιν οἱ ἐπισκοπιανοί· Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα. Ἐρχομένης δὲ τῆς εἰσόδου κατὰ ἓνα ποταμόν, ἐκφωνοῦσιν οἱ αὐτοί· Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα. Ὅταν δὲ ἄρξωνται λέγειν τοῦτο, ἴστανται πάντες καὶ ἀρχιερεῖς, καὶ ἱερεῖς ⁵⁾, καὶ διάκονοι, καὶ ὁ πατριάρχης αὐτός. Ὅταν δὲ ⁶⁾ ἔλθῃ πλησίον τῶν ἁγίων εἰκόνων καὶ προσκυνήσῃ αὐτάς, ἄρχονται λέγειν οἱ ψάλται εἰς καθ' εἷς· Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα, ἕως ἂν ἔλθῃ ἐν τῇ σωλαίᾳ. Ἐρχόμενοι δὲ πάντες εἰς τὰς ἁγίας θύρας κατὰ συζυγίαν ἐνταῦθα μερίζονται, καὶ ἀσπάζεται ὁ εἷς τὴν μίαν θύραν καὶ ὁ ἕτερος τὴν ἄλλην, καὶ οὕτως εἰσέρχονται εἰς τὸ ἅγιον βῆμα· οἱ δὲ διάκονοι ἀσπάζονται καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν. Ὅταν δὲ φθάσῃ ὁ πατριάρχης εἰς τὰς ἁγίας θύρας, ἀσφαλίζουσιν αὐτάς οἱ ὠστιάριοι, καὶ ἀσπάζεται πρῶτον τὴν δεξιάν, εἴτα τὴν εὐώνυμον, καὶ οὕτως ἀνοίγουσιν αὐτάς καὶ εἰσέρχεται, καὶ ὀπισθεν αὐτοῦ οἱ ἀρχιερεῖς καὶ οἱ ἱερεῖς, ἀσπαζόμενοι καὶ αὐτοὶ τὰς ἁγίας θύρας, ὡς καὶ οἱ διάκονοι. Ἄμα δὲ τῷ εἰσελθεῖν τὸν πατριάρχην ⁷⁾, λαμβάνει τὸν θυμιατὸν ἐκ τοῦ κανστρισίου, καὶ θυμιᾷ κύκλῳ σταυροειδῶς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, φαλλόντων τῶν διακόνων τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, καὶ ἀποδιδούς τὸν θυμιατὸν τῷ κανστρισίῳ, θυμιᾶται παρ' αὐτοῦ. Εἴτα λαμβάνει τὸ δικέριν ἀπ' αὐτοῦ καὶ ἀνέρχεται εἰς τὴν κρηπίδα τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ κρατῶν τὸ δικέριν ἐν τῇ δεξιᾷ, ποιεῖ σταυροὺς τρεῖς ἄνωθεν τοῦ εὐαγγελίου ⁸⁾, λέγων καθ' ἑαυτόν· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ

¹⁾ Ркп. Александр. дибл. № 371 μυστικῶς. Εὐχὴ τῆς εἰσόδου Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς.. ²⁾ Ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 τὴν μικράν ³⁾ Нѣтъ всего этого замѣчанія ⁴⁾ Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς λέγει ⁵⁾ Ркп. Александр. дибл. № 371 πρεσβύτεροι ⁶⁾ προσκυνήσῃ τὰς ἁγίας εἰκόνας ⁷⁾ κανστρίσιος, ἔχων προεутреπισμένον τὸν θυμιατὸν, βαλὼν ἐν αὐτῷ θυμίαμα, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ θυμίαμα. Ὁ δὲ εὐλογῶν αὐτό, λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ θυμιάματος καθ' ἑαυτόν καὶ λαμβάνων αὐτὸ ἀπὸ τῶν χειρῶν αὐτοῦ ⁸⁾ τοῦ ἐπὶ τῆς τραπέζης κειμένου, λέγων καθ' ἑαυτόν.

ἕως τοῦ ἡ δεξιὰ σου. Καὶ ἀποδίδωσι τὸ δικέριν τῷ κανστρισίῳ, ὁ δὲ δευτερεύων τῶν διακόνων, ἐρχόμενος ἔμπροσθεν τοῦ πατριάρχου, κλίνας τὴν κεφαλὴν, κρατῶν ἅμα καὶ τὸ ὠράριον, ὡς¹⁾ εἴρηται, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν καιρὸν τοῦ Τρισαγίου. Ὁ δὲ πατριάρχης, σφραγίζων αὐτόν, λέγει· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν²⁾. Τοῦ δὲ κοντακίου πληρωθέντος παρὰ τῶν ψαλτῶν, ὁ λαβὼν τὸν καιρὸν τοῦ Τρισαγίου διάκονος, ἐλθὼν ἐγγὺς τῶν ἁγίων θυρῶν, δείκνυσι τὸ ὠράριον αὐτοῦ τοῖς ἐκτός, λέγων· Καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων³⁾. Μετὰ δὲ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς, ψαλλομένου τοῦ Τρισαγίου τρίς παρὰ τῶν ψαλτῶν, ψάλλουσι τοῦτο καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ διάκονοι ἅπασι, τρίς προσκυνοῦντες ἐν τῷ ψάλλειν αὐτόν. Ἐῖτα οἱ μὲν ψάλλται λέγουσι τὸ δοξολογίαν, ὁ δὲ πατριάρχης, λαβὼν τὸ τρικέριν ἀπὸ τοῦ κανστρισίου, ποιεῖ αὐθις σταυροὺς τρεῖς ἄνωθεν τοῦ εὐαγγελίου⁴⁾, κρατῶν καὶ τὸ τρικέριν ἐν τῇ δεξιᾷ, λέγων καὶ τὸ Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Πληρωθέντος δὲ τοῦ Δόξα, ψάλλουσιν οἱ τοῦ βήματος τὸν Τρισάγιον, ὁμοίως, καὶ ψάλλουσιν οἱ ψάλλται πάλιν, καὶ πάλιν οἱ τοῦ βήματος. Τοῦ δὲ τελευταίου Τρισαγίου ψαλλομένου παρὰ τοῦ βήματος, ὁ πατριάρχης, κατέχων τὸ τρικέριν ἐν τῇ δεξιᾷ, στρέφεται πρὸς δυσμὰς καὶ εὐλογεῖ τὸν λαὸν τρίς. Πληρωθέντος⁵⁾ δὲ τοῦ Τρισαγίου, καθήμενος ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ μικρὸν ἀναπαύεται, εἴ ἐστι χειροτονία δηλονότι⁶⁾, ὁμοίως καὶ οἱ ἀρχιερεῖς· εἰ δὲ μὴ ἐστίν, ἀνέρχεται ἐν τῷ συνθρόνῳ μετὰ τῶν συλλειτουργούντων αὐτῷ ἀρχιερέων καὶ ἱερέων. Καὶ τούτων κατὰ τὴν ἰδίαν τάξιν ἱσταμένων καὶ τοῦ Τρισαγίου παρ' αὐτῶν ψαλλομένου, ὁ πατριάρχης, βλέπων πρὸς δυσμὰς, εὐλογεῖ μετὰ τοῦ τρικερίου τὸν λαὸν τρίς. Ὅταν δὲ κινήσῃ ἀνέρχεσθαι εἰς τὸ⁷⁾ σύνθρονον, ἀσπάζεται πρῶτον τὴν ἁγίαν τράπεζαν⁸⁾ καὶ οἱ ἀρχιερεῖς καὶ οἱ ἱερεῖς. Καὶ τοῦ διακόνου εἰπόντος· Κέλευσον, δέσποτα, λέγει ὁ πατριάρχης· Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος... Ἐῖτα πάλιν ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν

¹⁾ Ὡς πολλάκις ²⁾ Ἰστέον, ὡς μετὰ τὴν εὐχὴν ταύτην, εἰ μὴ ἐστι χειροτονία ἀρχιερέως, γίνεται ἡ φήμη τῶν βασιλέων καὶ τοῦ πατριάρχου, καθημένου τοῦ πατριάρχου ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ. Εἰ δὲ χειροτονία ἐστίν, γίνεται μετὰ τὸ Τρισάγιον, ὡς προῖων εὐρήσεις σαφέστερον ³⁾ καὶ ἄρχονται οἱ ψάλλται τοῦ Τρισαγίου, ὁ δὲ πατριάρχης λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην καὶ τὴν ἐκφώνησιν αὐτῆς μουσικῶς. Εὐχὴ τοῦ Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος... Τελεσθεῖσης δὲ τῆς εὐχῆς καὶ τῆς ἐκφωνήσεως ⁴⁾ τοῦ ἐπὶ τῆς τραπέζης κειμένου ⁵⁾ РКИ. лавры Аѳан. Δ № 80 нѣтъ до словъ: εἴ ἐστι χειροτονία δηλονότι ⁶⁾ РКИ. Александр. библ. № 371 εἰ γὰρ μὴ ἐστι χειροτονία, ἀνέρχεται ἐν τῷ συνθρόνῳ αὐτοῦ μετὰ τῶν συλλειτουργούντων. ⁷⁾ ἐντὸς σύνθρονον ⁸⁾ Далѣе слѣдуетъ: ὅπως ὁ ὑποψήφιος εἰς τὸ ἅγιον εἰσέρχεται βῆμα.

ἄνω καθέδραν. Καὶ πατριάρχης· Εὐλογημένος εἶ ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης τῆς βασιλείας σου πάντοτε νῦν. Καὶ εὐθὺς ὁ μὲν πατριάρχης κάθεται ἐν τῷ συνθρόνῳ, οἱ δὲ ἀρχιερεῖς¹⁾ καὶ ἱερεῖς ἐκατέρωθεν αὐτοῦ, καὶ γίνεται ἡ ψῆμη τῶν βασιλέων καὶ τοῦ πατριάρχου. Ἰστέον δέ, ὅτι ὅτε οὐκ ἔνι χειροτονία ἀρχιερέως, γίνεται ἡ ψῆμη πρότερον²⁾, πρὸ τοῦ εἰπεῖν τὸ κοντάκιον, καὶ μετὰ τὴν ψῆμην ἐκφωνεῖ ὁ δομέστικος· Κύριε, σῶσον τοὺς βασιλεῖς. Καὶ ὁ ἕτερος· Καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν. Καὶ ὁ ἄρχων τῶν κοντακίων Δόξα, καὶ ψάλλεται τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, καὶ εὐθὺς τὸ Τρισάκιον³⁾. Καὶ μετὰ τὴν πλήρωσιν, ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ πατριάρχης· Εἰρήνη πᾶσι, καὶ τὰ λοιπὰ⁴⁾. Μετὰ δὲ τὴν πλήρωσιν τοῦ ἀποστόλου, ἐκφωνεῖ⁵⁾ ὁ πατριάρχης· Εἰρήνη σοι. Εἰ δὲ ἐχειροτονήθῃ ἀρχιερεὺς, λέγει οὗτος τὸ Εἰρήνη σοι. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ψάλτης· Ἀλληλουῖα, ψαλμόν. Ἐτι⁶⁾ δὲ τοῦ ἀποστόλου λεγομένου, θυμιᾷ ὁ διάκονος. Τοῦ δὲ Ἀλληλουῖα ψαλλομένου, ὁ μέλλων ἀναγινώσκειν τὸ εὐαγγέλιον, προσκυνήσας τρεῖς ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, εἶτα ἀνελθὼν εἰς τὴν κρηπίδα⁷⁾, καὶ τὰ συνήθη εἰπόντος ὁμοίως καὶ τοῦ πατριάρχου, λέγει ὁ διάκονος· Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα. Καὶ λαβὼν⁸⁾ τὸ εὐαγγέλιον, ἐξέρχεται, διακόνων τεσσάρων προπορευομένων αὐτοῦ⁹⁾, οἵτινες¹⁰⁾ μέλλουσιν ἐκ διαδοχῆς εἰπεῖν τὰς αἰτήσεις. Ὁ δὲ πατριάρχης, ἐκβαλὼν τὸ ὡμο-

1) Нѣтъ упоминанія оу архіерейхъ и священникахъ *) μετὰ τὸ εἰσελθεῖν τὸν πατριάρχην μετὰ τῆς εἰσόδου καὶ θυμιᾶσαι τὴν ἁγίαν τράπεζαν κύκλῳ, καὶ σφραγίσαι μετὰ τοῦ δικερίου ἐπάνω τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, καθημένου ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ, γίνεται ἡ ψῆμη, καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ὁ δομέστικος· Κύριε, σῶσον τοὺς βασιλεῖς *) ἐν δὲ τῷ συνθρόνῳ ἀνελθόντος τοῦ πατριάρχου, ὁ χειροτονηθεὶς ἀρχιερεὺς, προσελθὼν αὐτῷ καὶ προσκυνήσας, καὶ λαβὼν εὐλογία, κάθεται ἐν τῷ δεξιῷ μέρει ἐπάνω τῶν πρώτων ἀρχιερέων. Καὶ λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν 4) Апостоль читаль ὁ ἀναγνώστης ἐν τῷ ἄμβωνι 5) ὁ λαβὼν ἀρχιερεὺς τὴν εὐλογίαν· Εἰρήνη σοι 6) πρὸ δὲ τούτου, λεγομένου ἔτι τοῦ ἀποστόλου, εἰς τῶν διακόνων, λαβὼν τὸ θυμιατήριον καὶ θυμίαμα βαλὼν, πρόσσειι τῷ πατριάρχῃ, λέγων· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ θυμίαμα· τοῦ δὲ συνήθως εὐλογήσαντος, θυμιᾷ ὁ διάκονος τὴν ἁγίαν τράπεζαν κύκλῳ, εἶτα τὸν πατριάρχην, τοὺς ἀρχιερεῖς, τοὺς πρεσβυτέρους καὶ διακόνους, καὶ αὐθις τὸν πατριάρχην, καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν ἔμπροσθεν μόνον 7) καὶ ὑποκλίνας τὴν κεφαλὴν τῷ πατριάρχῃ, ὑποδεικνὺς ἅμα καὶ τὸ ὥραριον συνήθως τῇ δεξιᾷ χειρὶ ἄνωθεν τοῦ εὐαγγελίου, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν εὐαγγελιστὴν τοῦδε τοῦ ἁγίου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ. Καὶ ἀνιστάμενος ὁ πατριάρχης καὶ σφραγίζων αὐτόν, λέγει· Ὁ Θεὸς διὰ πρεσβειῶν... δυνάμει πολλῇ. Καὶ οὕτως ὁ μὲν διάκονος, εἰπὼν τὸ Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα 6) ἀνὰ χειρὸς 8) καὶ ἀνέρχεται ἐν τῷ ἄμβωνι 10) нѣтъ этого замѣчанія.

φόριον στρέφεται πρὸς ἀνατολάς, καὶ λέγει καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἐλλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις.. καὶ ¹⁾ τὸ Κλῆνον, Κύριε, ὅλον τὸν ψαλμόν, εἴτα ἀσπάζεται τὴν αὐτόθι ἵσταμένην ἁγίαν εἰκόνα, καὶ οὕτω στρέφεται πρὸς δυσμὰς, περιμένων τὴν πλήρωσιν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου. Οὕτω ²⁾ ποιῶσι καὶ οἱ ἀρχιερεῖς, πλήν τοῦ ἀσπασμοῦ τῆς ἁγίας εἰκόνης, διὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν ἑτέρας ἁγίας εἰκόνης πλησίον αὐτῶν. Δεῖ δὲ γινώσκειν, ὅτι μετὰ τὸ ἐκβαλεῖν τὴν πατριάρχην τὸ ὠμοφόριον ³⁾, πλέον οὐκ ἐνδύεται αὐτό, εἰ μὴ κατὰ τὸν καιρὸν τῆς τῶν ἁγίων μυστηρίων ὑψώσεως ⁴⁾, πρὶν εἰπεῖν τὸν διάκονον τὸ Πρόσχωμεν. Εἰ δὲ ἐν μεταξὺ χειροτονία ἢ πρεσβυτέρου, ἢ διακόνου, ἐνδύεται αὐτὸ μέχρι ⁵⁾ τοῦ καιροῦ τῆς χειροτονίας μόνον, καὶ πάλιν ἀποδύεται αὐτὸ μέχρι τοῦ καιροῦ τῆς ὑψώσεως τῶν ἁγίων, τότε δὲ αὐτὸ ἐνδύμενος φορεῖ τοῦτο μέχρι τέλους τῆς λειτουργίας. Οἱ δὲ ἀρχιερεῖς ⁶⁾ ἐν τῷ καιρῷ μὲν τῆς χειροτονίας οὐκ ἐνδύονται, ἀπὸ δὲ τοῦ καιροῦ τῆς τῶν ἁγίων ὑψώσεως ἐνδύμενοι φοροῦσι μέχρι τέλους τῆς λειτουργίας· ἰδίᾳ δὲ λειτουργοῦντες, τὰ αὐτὰ ποιῶσι τῷ πατριάρχῃ. Τοῦ δὲ εὐαγγελίου πληρωθέντος, λέγει ὁ πατριάρχης πρὸς τὸν διάκονον· Εἰρήνη σοι, καὶ κατέρχεται τοῦ συνθρόνου. Ὁ δὲ ἀναγνοὺς τὸ εὐαγγέλιον ⁷⁾ πρόσσεισι τῷ πατριάρχῃ, ἄρτι κατελθόντι τοῦ συνθρόνου καὶ ἐγγύζοντι τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ δίδωσιν αὐτῷ ἀσπάσασθαι τὸ εὐαγγέλιον. Ὁ δὲ ἀσπασάμενος καὶ εἰπὼν πρὸς αὐτόν· Σωθείης, καὶ εὐλογήσας αὐτόν, ἵσταται μικρὸν αὐτόθι· ἄρχειται δὲ ὁ πρῶτος τῶν ἐν τῷ ἄμβωνι ἵσταμένων διακόνων τῆς ἐκτενῆς, λέγων οὕτως· Εἴπωμεν πάντες καὶ τὰ λοιπά. Ὅταν δὲ λέγῃ· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων, ἀνέρχεται ὁ πατριάρχης εἰς τὴν μικρὰν ἀναβάθραν, κειμένην ἐνδον τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ εὐλογεῖ τὸν λαόν, σφραγίζων αὐτὸν τρίς μετὰ τοῦ τρικερίου, ἐκφωνούντων τῶν

¹⁾ ἢ τὸ ²⁾ ὁμοίως ἐκβάλλουσι καὶ οἱ ἀρχιερεῖς πάντες τὰ ὠμοφόρια αὐτῶν. Ὁ δὲ δευτερεύων τῶν διακόνων, κατέχων ἐν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ τὸ ὠμοφόριον τοῦ πατριάρχου, μετὰ τὸ πληρωθῆναι τὸ Ἀλληλοῦῖα, ἐκφωνεῖ. Σοφία, ὀρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου. Λέγων δὲ τοῦτο, βλέπει πρὸς δυσμὰς, ἤγουν πρὸς τὸν ἐν τῷ ἄμβωνι. Ἐκ τοῦ κατὰ τόνδε ἁγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. Καὶ αὐθις ὁ ἀπὸ τοῦ βήματος διάκονος· Πρόσχωμεν. Δεῖ γινώσκειν, ὅτι.. ³⁾ ψαλλομένου τοῦ Ἀλληλοῦῖα ⁴⁾ κοινωνίας ⁵⁾ κατὰ τὸν καιρὸν ⁶⁾ οἱ δὲ ἀρχιερεῖς, οἱ συλλειτουργοῦντες δηλονότι τῷ πατριάρχῃ· ἰδίᾳ γάρ καὶ αὐτοὶ λειτουργοῦντες τὰ αὐτὰ ποιῶσι τῷ πατριάρχῃ, ἐν τῷ καιρῷ μὲν τῆς χειροτονίας οὐκ ἐνδύονται τὰ ὠμοφόρια αὐτῶν, ἀπὸ δὲ τοῦ καιροῦ τῆς τῶν ἁγίων ὑψώσεως ἐνδύμενοι φοροῦσι πάντα μέχρι τέλους τῆς λειτουργίας. Τοῦ δὲ εὐαγγελίου πληρωθέντος... (Въ ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 нѣтъ замѣчанія объ архіереяхъ) ⁷⁾ διάκονος, κατερχόμενος τοῦ ἄμβωνος.

φαλτῶν τὸ Κύριε ἐλέησον τρίς ¹⁾). Ἐῖτα ὑποστρέφων ἵσταται ἐν τῇ κρη-
πιδι τῆς ἀγίας τραπέζης, λέγων τὴν εὐχὴν ²⁾ καὶ τὴν ἐκφώνησιν· Ὅτι
ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος. . Καὶ οὕτως ἄρχεται ὁ ἐν τῷ ἁμβωνί δεύτε-
ρος διάκονος, λέγων· Εὐξασθε οἱ κατηχούμενοι. Καὶ πληρωθέντων τῶν
διακονικῶν τῶν κατηχομένων, ἐκφωνεῖ ὁ χειροτονηθεὶς ἀρχιερεὺς, ἥ, εἰ
μὴ ἐστὶν ἀρχιερέως χειροτονία ³⁾, ὁ πρῶτος τῶν ἀρχιερέων· Ἵνα καὶ αὐ-
τοὶ σὺν ἡμῖν ⁴⁾). Ἐῖτα ἄρχεται ὁ τρίτος διάκονος, λέγων· Ὅσοι κατηχού-
μενοι. Ταῦτα δὲ λέγοντος, οἱ ἐν τῷ βήματι διάκονοι ὑφαπλοῦσι τὸ εἰλη-
τόν ⁵⁾). Τῆς δὲ εὐχῆς πληρωθείσης, ἐκφωνεῖ ὁ δεύτερος ἀρχιερεὺς τὴν

¹⁾ Ἐν τῇ ὑπὲρ τῶν βασιλέων ἐκτενῇ ²⁾ τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ τῆς ἐκ-
τενοῦς ἱκεσίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενῇ ταύτην ἱκεσίαν. . Ταύτην δὲ λέ-
γουσι καὶ πάντες οἱ ἀρχιερεῖς καὶ οἱ πρεσβύτεροι, τοῦ χειροτονηθέντος ἀρχιε-
ρέως, ἵσταμένου πρώτου πρὸ τῶν ἄλλων πάντων. Ταύτης δὲ λεγομένης παρὰ τοῦ
πατριάρχου, ὁ διάκονος λέγει καὶ τὰ λοιπὰ τῆς ἐκτενῆς· Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐ-
σεβεστάτων... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου. Ἰστέον, ὡς εἰμὲν ἐν τῇ με-
γάλῃ ἐκκλησίᾳ τελεῖται ἡ λειτουργία, μετὰ τοῦτο ἐκφωνεῖ ὁ πατριάρχης, εἰ δὲ ἐν
ἐτέρᾳ, μνημονεύει ὁ διάκονος τῶν τε κτητόρων καὶ ἐτέρων τινῶν, ὧν ἔχει συνήθη,
καὶ οὕτως ἐκφωνεῖ ὁ πατριάρχης· Ὅτι ἐλεήμων.. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ὁ μὲν
πρῶτος διάκονος, προσκυνήσας καὶ κατελθὼν ἐν τῷ βήματι εἰσέρχεται, ἄρχεται
δὲ ὁ δεύτερος ἐν τῷ ἁμβωνί· Εὐξασθε οἱ κατηχούμενοι. Τούτων δὲ λεγομένων,
ὁ πατριάρχης λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ κατηχομένων πρὸ τῆς ἀγίας ἀνα-
φορᾶς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν. ³⁾ Λέγει ταύτην ⁴⁾ καὶ μετὰ
τὸ Ἀμήν, προσκυνήσας ὁμοίως καὶ ὁ δεύτερος διάκονος κατέρχεται, ἄρχεται δὲ ὁ
τρίτος... ⁵⁾ ὁ δὲ πατριάρχης λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ πιστῶν α'. μετὰ τὸ
ἀπλωθῆναι τὸ εἰλητόν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... Τοῦ δὲ
πατριάρχου τὴν εὐχὴν πληρώσαντος, νεβει τις τῶν ἐν τῷ βήματι διακόνων τῷ ἐν
ἁμβωνί διακόνῳ καὶ εὐθὺς λέγει· Σοφία. Καὶ ἐκφωνεῖ ἕτερος ἀρχιερεὺς, ὁ πρῶ-
τος δηλονότι μετὰ τὸν χειροτονηθέντα, εἰ μὴ ἐστὶ χειροτονία, ὁ δεύτερος τὴν ἐκ-
φώνησιν ταύτην· Ὅτι πρέπει... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ὁ μὲν τρίτος διάκονος προ-
σκυνήσας κατέρχεται, ἄρχεται ὁ τέταρτος, λέγων· Ἔτι καὶ ἔτι... Ταῦτα δὲ τοῦ
διακόνου λέγοντος, ὁ πατριάρχης λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ πιστῶν β'. Πα-
λιν καὶ πολλάκις... Ταύτην δὲ τοῦ πατριάρχου πληρώσαντος, αἰσθόμενος ὁ ἐν τῷ
ἁμβωνί διάκονος εὐθὺς λέγει· Σοφία, καὶ ὁ πατριάρχης ἐκφωνεῖ τὴν ἐκφώνη-
σιν ταύτην· Ὅπως ὑπὸ τοῦ κράτους... Καὶ ἄρχονται οἱ ψάλλται τοῦ χερουβικοῦ
ὕμνου. Ὁ δὲ καντρίσιος, λαβὼν τὸν θυμιατὸν καὶ θυμιάμα βαλὼν, πρόσσει τῷ
πατριάρχῃ καί, τυχὼν εὐλογίας ἐπὶ τῷ θυμιάματι, θυμιατὸν σταυροειδῶς κύκλῳ τὴν
ἀγίαν τράπεζαν καὶ τὸν πατριάρχην. Ὁ δὲ πατριάρχης, τοῦ χερουβικοῦ ᾄδομέ-
νου, λέγει καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ· Οὐδεὶς ἄξιος... Ταύτην οὖν
τελέσας, ὁ πατριάρχης ἀπέρχεται εἰς τὰς ἀγίας θύρας...

ἐκφώνησιν ταύτην· Ὅτι πρέπει σοι. Εἴτα ἄρχεται ὁ τέταρτος διάκονος, λέγων· Ἐτι καὶ ἔτι. Καὶ τῆς εὐχῆς πληρωθείσης, ἐκφωνεῖ ὁ πατριάρχης· Ὅπως ὑπὸ τοῦ κράτους σου. Καὶ τὴν εὐχὴν εἰπὼν, ἀπέρχεται εἰς τὰς ἁγίας θύρας καὶ λαμβάνει νίψιμον παρὰ τῶν ὑποδιακόνων, ὑποστρέφων δὲ ἵσταται ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγων καθ' ἑαυτὸν τὸν χειρουβικόν, τρεῖς προσκυνῶν ἐν τῷ λέγειν αὐτόν. Εἴτα στρέφεται πρὸς δυσμὰς, περιμένων τὴν τῶν ἁγίων εἴσοδον. Οἱ δὲ ἀρχιερεῖς, καὶ αὐτοὶ ἀπονιπτόμενοι, ἵστανται ἐξ ἑκατέρου μέρους τοῦ βήματος ἀπὸ τῶν ἁγίων θυρῶν μέχρι τῆς ἁγίας τραπέζης. Ὁ δὲ κανστρίσιος θυμῶν λέγει τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός¹⁾), καὶ θυμιάσας τὰ ἅγια καὶ εἰπὼν· Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, λέγει πρὸς τὸν πρωτοπαπᾶν· Ἐπαρον, δέσποτα, τὰς χεῖρας ἡμῶν²⁾). Ὁ³⁾ δὲ ἐπάρας τὸν ἅγιον δίσκον καὶ εἰπὼν· Ἐπάρατε τὰς χεῖρας, τίθησιν ἐπάνω τῆς κορυφῆς τοῦ εἰπόντος τὸ εὐαγγέλιον⁴⁾), καὶ οὕτω γίνεται ἡ εἴσοδος, προπορευομένου τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας ἔμπροσθεν, εἴτα τοῦ κανστρίσιου μετὰ τοῦ ὡμοφोरίου τοῦ πατριάρχου καὶ τοῦ θυμιατοῦ, ἡ τοῦ δευτερεύοντος τῶν διακόνων, εἴτα τῶν κρατούντων τὰ ῥιπίδια διακόνων, μεθ' οὗς ὁ τὸν ἅγιον ἄρτον κρατῶν, καὶ ὅπισθεν αὐτοῦ οἱ κρατοῦντες τοὺς λοιποὺς δίσκους, εἴτα ὁ πρωτοπαπᾶς μετὰ τοῦ ἁγίου ποτηρίου, καὶ οἱ λοιποὶ ἱερεῖς κατὰ τάξιν, ὅπισθεν δὲ πάντων οἱ κρατοῦντες ἐπὶ κεφαλῆς τὸν ἀέρα διάκονοι, καὶ μετ' αὐτοὺς πάλιν οἱ ὑποδιάκονοι, κατέχοντες καὶ τὸ χερνιβόξεστον⁵⁾). Ὅταν δὲ ἔλθῃ ὁ κρατῶν⁶⁾ τὸν ἅγιον ἄρτον, κατερχόμενος ὁ πατριάρχης ἀφ' ἧς ἵσταται κρηπῖδος καὶ, προσυπαντῶν αὐτῷ, λαμβάνει τὸν δίσκον ἀπὸ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ καὶ τίθησιν αὐτόν ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, συνεφαπτομένου καὶ αὐτοῦ. Ὁμοίως ποιεῖ καὶ εἰς τὰ ἐμπεπλησμένα ἅγια ποτήρια, θυμίωντος αὐτὰ τοῦ κρατοῦντος τὸν θυμιατὸν διακόνου, εἰς δὲ τὸν ἀέρα συνεφάπτονται πάντες ἀρχιερεῖς, ἱερεῖς καὶ διάκονοι, λέγοντες· Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ. Καὶ τίθησιν ὁ πατριάρχης τὰ ποτήρια ἐξ ἑκατέρου μέρους τοῦ δίσκου, ἐν παρ' ἑν, καὶ αἵρουσιν οἱ διάκονοι τὰ καλύμματα τῶν, καὶ οὕτως τίθεται ὁ ἀήρ.

¹⁾ Ἀπέρχεται ἐν τῇ προθέσει μετὰ καὶ τῶν λοιπῶν πρεσβυτέρων καὶ διακόνων καὶ θυμιά τὰ ἅγια καὶ εἰπὼν καθ' ἑαυτὸν τὸ Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι. ²⁾ τὰς χεῖράς σου εἰς τὰ ἅγια. ³⁾ Καὶ ὁ πρωτοπαπᾶς, ἄρας ⁴⁾ τὸ εὐαγγέλιον διακόνου, συνεφαπτομένου καὶ αὐτοῦ μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ ἀσφαλείας ⁵⁾ διερχόμενοι δὲ τὸν ναόν, εὐχονται ἅπαντες ὑπὲρ πάντων, καὶ οἱ ἱερεῖς· Μνησθεὶν ὑμῶν Κύριος ὁ Θεός ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ. Ἐρχόμενοι δὲ πάντες εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, λέγουσιν ἕκαστος πρὸς τὸν πατριάρχην· Μνησθεὶν Κύριος ὁ Θεός τῆς ἀρχιερωσύνης σου ἐν τῇ βασιλείᾳ... ⁶⁾ διάκονος.

Καὶ τοῦ κανστρισίου θυμιῶντος καὶ λέγοντος¹⁾. Ἀγάθυνον, Κύριε, ἕως
 ῥίλους τοῦ ψαλμοῦ, παντῶν προσκυνησάντων ἐμπροσθεν τῶν ἁγίων, ὑπο-
 κλίνας ὁ πατριάρχης μικρὸν τὴν κεφαλὴν ἐφ' ἑκάτερα τὰ μέρη, στρα-
 φείς, λέγει· Εὐλογεῖτε, ἅγιοι. Καὶ πάντες προσκυνήσαντες αὐτόν, λέγουσι·
 Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται. Καὶ εὐθὺς λέγουσι· Μνήσθητι ἡμῶν, δέσποτα
 ἅγιε. Καὶ ὁ πατριάρχης λέγει· Αὐτὸ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον μνησθεῖν ὑμῶν
 ἐν²⁾... Τοῦ δὲ χειρουβικοῦ πληρωθέντος, ἐρχόμενος ὁ πατριάρχης εἰς τὰς
 ἁγίας θύρας σφραγίζει τὸν λαὸν τρίς μετὰ τοῦ τρικερίου³⁾. Καὶ εἰ⁴⁾
 ἐστὶ χειροτονία πρεσβυτέρου, καθήμενος ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ, ἀναπαύεται
 ἕως γυρώσουσι τὸν μέλλοντα χειροτονεῖσθαι πρεσβύτερον τὴν ἁγίαν τρά-
 πεζαν τρίς, εἴτα ἀνίσταται καί, ἐνδυσάμενος τὸ ὠμοφόριον καὶ τελέσας
 τὴν χειροτονίαν, ἀποδύεται πάλιν τὸ ὠμοφόριον. Καὶ λέγει ὁ διάκονος·
 Πληρώσωμεν τὴν δέξιν καὶ τὰ λοιπά, ὁ δὲ πατριάρχης τὴν εὐχὴν καὶ
 τὴν ἐκφώνησιν· Διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ. Ὅταν δὲ
 εἴπῃ ὁ διάκονος· Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους, ἀσπάζεται ὁ πατριάρχης τὴν
 ἁγίαν τράπεζαν, λέγων⁵⁾· Ἀγαπήσω σε, Κύριε, ἡ ἰσχὺς μου. Εἴτα οἱ
 ἄρχιερεῖς κατὰ τάξιν ἀσπάζονται τὴν ἁγίαν τράπεζαν, εἴτα τὴν δεξιὰν
 τοῦ πατριάρχου χεῖρα, κειμένην ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, εἴτα τὴν παρειὰν
 αὐτοῦ, ἐν ᾧ καὶ λέγει ὁ μὲν πατριάρχης· Ὁ Χριστὸς ἐν μέσῳ ἡμῶν,
 οἱ δὲ ἀποκρίνονται αὐτῷ· Καὶ ἔστι καὶ ἔσται. Πρῶτος δὲ πάντων ὁ χει-
 ροτονηθεὶς ἐστὶν ἄρχιερεὺς ἐν πάσῃ τῇ τῆς λειτουργίας ὑπηρεσίᾳ. Ἀσπά-
 ζονται δὲ καὶ ἀλλήλους, ὁμοίως καὶ οἱ πρεσβύτεροι ποιοῦσιν, ἀσπαζόμε-
 νοι τὴν ἁγίαν τράπεζαν, τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου καὶ τὴν παρειὰν, τοὺς
 ἄρχιερεῖς καὶ ἀλλήλους. Καὶ οἱ διάκονοι⁶⁾ δέ, ἐν ἐνὶ μέρει τοῦ βήματος ἀπερ-

1) Ἐν τῷ θυμῷ· Ἀγάθυνον, Κύριε 2) Μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ χειρουβι-
 κοῦ δηλονότι καὶ τὴν συνήθως παρ' αὐτοῦ πρὸς τὸν λαὸν μετὰ τοῦ κηρίου γινο-
 μένην εὐλογίαν καὶ τοῦτο, εἴπερ ἐστὶ χειροτονία οὐδόλως κάθηται, ἀλλὰ μετὰ
 τὴν εἰρημένην εὐλογίαν, ὁ μὲν διάκονος, ἐν τῷ ἄμβωνι ἀνελθὼν, τὰς συνήθεις
 λέγει αἰτήσεις, ὁ δὲ πατριάρχης λέγει καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν καί, καθήμενος ἐν
 τῷ σελλίῳ, μικρὸν ἀναπαύεται. 3) Далѣ слѣдуетъ чинъ рукоположенія во
 священника. 4) Послѣ хиротоніи слѣдуетъ замѣчаніе: καὶ οὕτως ὁ ἐν
 τῷ ἄμβωνι διάκονος, λαμβάνων καιρόν, ἔρχεται λέγων ταῦτα· Πληρώσωμεν τὴν
 δέξιν... Τούτων δὲ λεγομένων παρὰ τοῦ διακόνου, ὁ πατριάρχης λέγει τὴν εὐ-
 χὴν ταύτην· Εὐχὴ προσκομιδῆς, μετὰ τὴν ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ τῶν θείων δώ-
 ρων ἀπόθεσιν· Κύριε ὁ Θεός, ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος. Ὁ μέντοι διάκο-
 νος ἐπισυνάπτει καὶ ταῦτα ἀδιαστάτως· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον.. 5) καθ' ἑαυτὸν τὸ
 6) καὶ οἱ διάκονοι ἀλλήλους, а вставки: ἐν ἐνὶ μέρει τοῦ βήματος ἀπερχόμε-
 νοι—нѣтъ.

χόμενοι, ἀλλήλους ἀσπάζονται, πρότερον ἕκαστος αὐτῶν τὸ οἰκεῖον ἀσπάζόμενος ὡράριον καθ' ἓνα ἀσπασμόν. Πληρωσάντων δὲ τῶν πρεσβυτέρων τὸν ἀσπασμόν, ὁ ἐν τῷ ἄμβωνι διάκονος ἐκφωνεῖ· Τὰς θύρας, τὰς θύρας¹⁾. Ὅταν δὲ λέγῃ· Στῶμεν καλῶς, λαμβάνουσιν οἱ ἀρχιερεῖς μετὰ τοῦ πατριάρχου καὶ τῶν πρεσβυτέρων, καὶ διακόνων τὸν ἀέρα, καὶ αἵρουν αὐτὸν ἀπὸ τῶν ἁγίων, κατὰ μικρὸν ὑψοῦντες αὐτὸν καὶ λέγοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός. Ὁ δὲ πατριάρχης ἐκφωνεῖ· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου²⁾. Καὶ ὅταν εἴπῃ· Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ, εἰσέρχεται ὁ ἐν τῷ ἄμβωνι διάκονος, καὶ ποιεῖ ἀσπασμόν μετὰ τῶν λοιπῶν διακόνων³⁾. Ὅτε δὲ μέλλει εἰπεῖν ὁ δευτερεύων τῶν διακόνων πρὸς τὸν πατριάρχην· Εὐλόγησον, δέσποτα,

1) Καὶ λέγεται τὸ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, οὗ πληρωθέντος, ἐκφωνεῖ αὖθις ὁ διάκονος· Στῶμεν καλῶς. 2) Καὶ ὁ μὲν λαὸς λέγει· Καὶ μετὰ τοῦ πνεύματος σου. Ὁ δὲ πατριάρχης αὖθις· Ἄνω σχῶμεν τὰς καρδίας. Ὁ λαός· Ἐχόμεν πρὸς τὸν Κύριον. Ὁ δὲ πατριάρχης· Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ 3) Ὁ δὲ πατριάρχης κλινόμενος ἐπεύχεται· Ἄξιον καὶ δίκαιόν σε ὑμνεῖν... Καὶ ὁ πατριάρχης ἐκφωνεῖ· Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον. Καὶ τοῦτον τοῦ πατριάρχου λέγοντος, αἶρει ὁ δευτερεύων τῶν διακόνων τὸν ἀστερίσκον ἀπὸ τοῦ ἁγίου δίσκου, καὶ σπογγίσας αὐτὸν ἐπὶ τοῦ εἰλητοῦ καὶ ἀσπασάμενος τίθῃσιν αὐτὸν ἐπάνω τοῦ εἰλητοῦ εἰς μέρος. Ἄλλοι δὲ δύο τῶν διακόνων, λαβόντες δύο ῥιπίδια, ἵστανται ἐξ ἑκατέρου μέρους τῆς ἁγίας τραπέζης ἐκ πλαγίου καὶ ῥιπίζουσιν ἐπάνω τῶν ἁγίων μετὰ πάσης εὐλαβείας, ὥστε μὴ καθῆσθαι μύϊαν ἢ τι τῶν τοιοῦτων ζωῦφιν. Ὁ δὲ πατριάρχης κλινόμενος ἐπεύχεται· Μετὰ τούτων καὶ ἡμεῖς τῶν... Ἐκφώνησις· Λάβετε, φάγετε... Μυστικῶς· Ὁμοίως καὶ τὸ ποτήριον... Ἐκφώνησις· Πίετε ἐξ αὐτοῦ... Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ πατριάρχης κλινόμενος ἐπεύχεται· Μεμνημένοι τοίνυν... Ἐκφώνησις· Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν... Καὶ πάλιν ὁ πατριάρχης κλινόμενος ἐπεύχεται· Ἐτι προσφερομέν σοι τὴν λογικὴν ταύτην... Καὶ οὕτως ἀνιστάμενος προσκυνεῖ αὐτός τε ὁ πατριάρχης καὶ οἱ λοιποὶ πάντες, λέγων καὶ τὸ τροπάριον τοῦτο τρίς· Κύριε, ὁ τὸ πανάγιόν σου Πνεῦμα ἐν τῇ τρίτῃ ὥρᾳ... καὶ προσκυνεῖ τρίς. Εἴτα ὁ δευτερεύων τῶν διακόνων, μικρὸν ὑποκλίνας τὴν κεφαλὴν καὶ δεικνύων σὺν τῷ ὡραρίῳ τὸν ἅγιον δίσκον, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν ἅγιον ἄρτον. Καὶ ὁ πατριάρχης εὐλογεῖ ἐπάνω τοῦ ἁγίου ἄρτου (вѣ ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 приобщаеио: σταυροειδῶς), λέγων ἡρέμα· Καὶ ποιήσον τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον τίμιον σῶμα τοῦ Χριστοῦ σου. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Καὶ πάλιν ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ ἅγιον ποτήριον. Ὁ δὲ πατριάρχης, εὐλογῶν αὐτό, λέγει· Τὸ δὲ ἐν τῷ ποτηρίῳ τοῦτ' ἐστιν αἷμα τοῦ Χριστοῦ σου. Εἰ δὲ εἰσὶ πολλά, λέγει τοῦτο πληθυντικῶς, εἴτα πάλιν ὁ διάκονος· Εὐλόγησον καὶ ἀμφοτέρω, δέσποτα. Καὶ ὁ πατριάρχης, εὐλογῶν ἐπάνω τῶν ἁγίων, λέγει· Μεταβλῶν τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ. Καὶ ὁ διάκονος, εἰπὼν· Ἀμήν, Ἀμήν, καὶ περισσότερον ἐτι τὴν κεφαλὴν ὑποκλίνας, λέγει· Μνησθητί μου, δέσποτα, τοῦ ἁμαρτωλοῦ. Καὶ ὁ πατριάρχης λέγει πρὸς αὐτὸν καὶ τοῖς λοι-

τὸ ἅγιον ποτήριον, εἴπερ εἰσὶ πολλά, λέγει πληθυντικῶς. Καί μετὰ τὸ τελειωθῆναι τὰ ἅγια, λέγει ὁ πατριάρχης πρὸς τοὺς διακόνους· Μνησθεῖν ὑμῶν Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ. Καί εὐθύς, εἰ ἔχειροτονήθη πρεσβύτερος, προσέρχεται καὶ ἐπιδίδωσιν αὐτῷ ὁ πατριάρχης τὴν παρακαταθήκην. Ὅταν δὲ ἐκφωνήσῃ τὸ Ἐξαιρέτως, λέγουσι καὶ οἱ ἀρχιερεῖς καὶ ὁ πατριάρχης καὶ οἱ διάκονοι καθ' ἑαυτοὺς τὸ Ἄξιόν ἐστι.

ποῖς διακόνοις· Μνησθεῖν ὑμῶν Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ. Καί εὐθύς προσέρχεται ὁ χειροτονηθεὶς πρεσβύτερος, καὶ ἐπιδίδωσιν αὐτῷ ὁ πατριάρχης τὴν παρακαταθήκην, λέγων πρὸς αὐτὸν οὕτως· Λάβε ταύτην τὴν παρακαταθήκην... Ὁ δὲ λαβὼν καὶ ἀσπασάμενος τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου, μεθίσταται ἐν ᾧ πρό-ερον ἴστατο τόπῳ, τὰς μὲν χεῖρας θεῖς ἐπάνω τῆς ἁγίας τραπέζης, τὴν δὲ κεφαλὴν ἔχων ἐπικειμένην ταῖς χερσίν, εὐχόμενος καθ' ἑαυτὸν αὐθις καὶ λέγων τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Ὁ δὲ πατριάρχης, αὐθις κλινόμενος, ἐπέδχεται· Ὡστε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν εἰς νῆψιν ψυχῆς... Καί εὐθύς ἐκφωνήσας· Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου... Καὶ τοῦτο εἰπὼν ὁ πατριάρχης λέγει καὶ αὐτός καθ' ἑαυτὸν τὸ Ἄξιόν ἐστιν, ὡς ἀληθῶς... Ὁ δὲ κανστρίσιος, λαβὼν τὸν θυμιατὸν καὶ θυμίαμα βαλὼν παρὰ τοῦ πατριάρχου συνήθως εὐλογεῖ ἐπὶ τῷ θυμιάματι, θυμιᾷ σταυροειδῶς κύκλῳ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, λέγων καθ' ἑαυτὸν καὶ τὸ Ἄξιόν ἐστιν. Εἶτα θυμιᾷ τὸν πατριάρχην, τοὺς ἀρχιερεῖς καὶ τοὺς διακόνους, καὶ αὐθις τὸν πατριάρχην, καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ ἀποτίθῃ τὸν θυμιατὸν. Ὁ δὲ πατριάρχης, κλινόμενος αὐθις, ἐπεύχεται· Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου.. Ταύτης οὖν τελεσθεύσης πρὸ τοῦ ἐκφωνῆσαι τὸν πατριάρχην, λέγει εἰς τῶν διακόνων ἑνδοθεν τοῦ βήματος μεγαλοφώνως· Καὶ ὧν ἕκαστος κατὰ διάνοιαν ἔχει. Καὶ πάντων καὶ πσιῶν. Καὶ οὕτως ἐκφωνεῖ ὁ πατριάρχης· Μνησθητι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς ὀρθοδόξων τῶν ὀρθοτομούντων τὸν λόγον τῆς σῆς ἀληθείας. Ἰστέον (Въ ркп. лавры Аѳлн. Δ № 80 этого замѣчанія нѣтъ) δὲ ὡς εἰ μὲν πατριάρχης ἐστὶν ὁ τὴν λειτουργίαν ἐπι-ελὼν, λέγει τὴν ἐκφώνησιν ταύτην, εἰ δὲ ἀρχιερεὺς, οὐ λέγει ταύτην, ἀλλὰ τήνδε· Ἐν πρώτοις μνησθητι, Κύριε, τοῦ ἀρχιεπισκόπου. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος εἰς ἐπήκοον πάντων ἑνδοθεν τοῦ βήματος τὰ δίπτυχα ταῦτα· Ὁδε τοῦ ἁγίου αὐτοῦ (Въ ркп. лавры Аѳанасіи Δ № 80 нѣтъ поименованія патріарховъ, священника, царя и никакихъ замѣчаній о службѣ патріарха и митрополита) καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, ὅδε Ἀλεξανδρείας, ὅδε Ἀντιοχείας, ὅδε Ἱεροσολύμων καὶ ὑπὸ τοῦ προσκομίζοντος τὰ ἅγια δῶρα Κορίφ Θεῷ ἡμῶν τοῦδε τοῦ ἐντιμωτάτου ἱερέως, τῶν συμπρόντων ἱερέων, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος· ὑπὲρ σωτηρίας, κράτους, νίκης καὶ διαμονῆς τῶν εὐσεβεστάτων καὶ φιλοχρίστων βασιλέων ἡμῶν ὅδε καὶ ὅδε, ὑπὲρ εἰρήνης καὶ κατεστάσεως τοῦ σύμπαντος κόσμου καὶ ὧν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ἐκκλησιῶν, ὑπὲρ ἀπολυτρώσεως τῶν ἀδελφῶν, τῶν αἰχμαλώτων, εὐδοώσεως καὶ ἐνισχύσεως τοῦ φιλοχρίστου

Πρὸ δὲ τοῦ εἰπεῖν τὸν πατριάρχην τὴν ἐκφώνησιν ταύτην· Μνήσθητι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς, λέγει εἰς τῶν διακόνων ἑνδοθεν· Καὶ ὢν ἕκαστος κατὰ... Ἰστέον δέ, ὅτι, εἰ ἀρχιερεύς ἐστιν ὁ λειτουργῶν, λέγει· Ἐν πρώτοις μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἀρχιεπισκόπου. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν λέγει ὁ διάκονος τὰ δίπτυχα. Καὶ πληρώσας προσκυνεῖ τὸν πατριάρχην καὶ λαμβάνει παρ' αὐτοῦ εὐλογίαν. Καὶ ὅταν ἐκφωνήσῃ ὁ πατριάρχης τὸ Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη, καθήσας ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ, εἴπερ ἐστὶ χειροτονία διακόνου, μικρὸν ἀναπαύεται. Καὶ μετὰ τὴν χειροτονίαν λέγει ὁ διάκονος· Πάντων τῶν ἁγίων¹⁾. Μετὰ δὲ τὸ τελειῶσαι τὸν πατριάρχην τὴν εὐχὴν ταύτην· Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξ ἁγίου, εὐθὺς φο-

σταυροῦ, σωτηρίας τοῦ περισπῶτος λαοῦ. Καὶ πάντων καὶ πασῶν. Ὅταν λειτουργῇ ὁ πατριάρχης, λέγονται οὕτω τὰ δίπτυχα· ὁ δεῖνος τοῦ ἁγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, ὁ δεῖνος Ἀλεξανδρείας, ὁ δεῖνος Ἀντιοχείας, ὁ δεῖνος Ἱεροσολύμων, τῶν συμπαρόντων ἀρχιερέων, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας καὶ τὰ λοιπά. Ὅταν λειτουργῇ μητροπολίτης μετὰ προτροπῆς τοῦ πατριάρχου· Ὁ δεῖνος τοῦ ἁγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, ὁ δεῖνος Ἀλεξανδρείας, ὁ δεῖνος Ἀντιοχείας, ὁ δεῖνος Ἱεροσολύμων καὶ ὑπὲρ τοῦ προσκομίζοντος τὰ ἅγια ὄψα Κυρίῳ τῷ Θεῷ ἡμῶν ὁ δεῖνος, τοῦ πανιερωτάτου μητροπολίτου ὁ δεῖνος καὶ ὑπερίτιμος, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου καὶ τὰ λοιπά. Καὶ πληρώσας τὰ δίπτυχα, ἔρχεται καὶ προσκυνεῖ τὸν πατριάρχην καὶ λαμβάνει παρ' αὐτοῦ εὐλογίαν. Ὁ δὲ πατριάρχης αὖθις ἐπεύχεται· Μνήσθητι, Κύριε, τῆς πόλεως, ἐν ᾗ... καὶ μνημονεῦε, ὧν βούλεται ζώντων, μυστικῶς, καὶ οὕτως ἐκφωνεῖ· Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στήματι... Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ ὁ πατριάρχης αὖθις ἐκφωνεῖ· Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη... (Въ ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 далѣе говорится: Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ταύτην, εἰ ἔχει χειροτονίαν διάκονου, καθημένος ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ, μικρὸν ἀναπαύεται). Καὶ οὕτω καθημένος ἐν τῷ σελλίῳ, μικρὸν ἀναπαύεται. Чинъ рукоположенія во діакона.

¹⁾ Ταῦτα δὲ τοῦ διακόνου λέγοντος, ὁ πατριάρχης κλινόμενος ἐπεύχεται· Σοὶ παρακατατιθέμεθα τὴν ζωὴν ἡμῶν. Ταύτην δὲ τὴν εὐχὴν τοῦ πατριάρχου λέγοντος, ὁ διάκονος ἀδιαστάτως ἐπισυνάπτει καὶ ταῦτα· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Καὶ ταῦτα τοῦ διακόνου εἰπόντος, ἐκφωνοῖς· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν. Ὁ πατριάρχης πάλιν ἐκφωνεῖ· Ὅτι σου ἐσὶν ἡ βασιλεία... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λέγει πάλιν ὁ πατριάρχης· Εἰρήνην πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Καὶ τοῦτο εἰπὼν, κλίνει καὶ αὐτὸς σὺν τοῖς ἄλλοις τὴν κεφαλὴν μικρὸν ἄχρι τῆς ἐκφωνήσεως. Ὁ δὲ πατριάρχης κλινόμενος ἐπεύχεται· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Βασιλεῦ ἀράτε... Καὶ εὐθὺς ἐκφωνεῖ οὕτως· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπίᾳ... Καὶ πάλιν σὺν κλινόμενος ἐπεύχεται· Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξ ἁγίου... Ταύτην δὲ τελείας, εὐθὺς φορένει τὸ ὠμοφόριον ὁ πατριάρχης, τοῦτο ποιοῦσι καὶ οἱ ἀρχιερεῖς. Ὁ μέντοι διάκονος ἵσταται, καθ' ἑαυτὸν εὐχόμενος καὶ προσέχων τῷ πατριάρχῃ

ρένει τὸ ὠμοφόριον, ὁμοίως καὶ οἱ ἀρχιερεῖς. Ὁ δὲ πατριάρχης, μελί-
σας τὸν ἅγιον ἄρτον, λαβὼν τὴν ἄνω μερίδα, μερίζει αὐτὴν ἀναλόγως
πρὸς τὰ ποτήρια, καὶ ἕκαστον τῶν τμημάτων ἐμβάλλει τῶν ποτηρίων
ἐκάστω, ποιῶν σταυρὸν σὺ αὐτῇ ἐπάνω τοῦ ἁγίου ποτηρίου, καὶ λέγων·
Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Καὶ ὁ διάκονος τὸ Ἀμήν. Μετὰ δὲ τὸ ἐγγεῖναι
τοῦ ζέοντος τὸ ἀρκοῦν ἐκάστω τῶν ποτηρίων, ὁ πατριάρχης ἢ ὁ πρω-
τοπαπᾶς, προτροπῇ αὐτοῦ, διαιρεῖ τὰς λοιπὰς μερίδας τοῦ ἁγίου ἄρτου
εἰς λεπτά, πρὸς τὸ ἀρκέσαι πᾶσιν. Εἴτα ὁ χειροτονηθεὶς ἀρχιερεὺς προσ-
ελθὼν, ἢ ὁ εὐρισκόμενος πρῶτος τῶν ἄλλων, εἰ μὴ ἐστὶ χειροτονία, καὶ
λαβὼν μερίδα τοῦ ἁγίου ἄρτου, δίδωσι τῷ πατριάρχῃ. Ὁ δὲ λαβὼν αὐ-
τὴν τῇ δεξιᾷ χειρὶ καὶ τοῖς τρισὶ δακτύλοις συσφίγγας αὐτὴν ἐν τῇ πα-
λάμῃ τοῖς λοιποῖς δυσὶ δακτύλοις λαμβάνει ἄλλην μερίδα, καὶ δίδωσιν
αὐτῷ¹⁾, καὶ δεξιόμενος ἀσπάζεται τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου καὶ τὴν

τὸν ὀφθαλμόν, καὶ ὅταν ἴδῃ ἐκείνον τὴν εὐχὴν συντελέσαντα καὶ ἀρξάμενον προσ-
κυνεῖν, συμπροσκυνεῖ καὶ αὐτὸς ἐν ᾧ ἴσταται τόπῳ. Τοῦτο δὲ ποιοῦσι καὶ πάν-
τες οἱ λειτουργοῦντες. Καὶ ὅταν ἴδῃ πάλιν ἐκείνον, ἐκτείναντα τὰς χεῖρας καὶ
ἀψάμενον τοῦ ἁγίου ἄρτου, ἐκφωνεῖ· Πρόσχωμεν. Καὶ ὁ πατριάρχης, ὑψῶν τὸν
ἅγιον ἄρτον, ἐκφωνεῖ· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις (Въ ркп. Аѳан. лавры Δ № 80
прибавлено: Μετὰ τοῦτο, εἰ ἐστὶ χειροτονία πρεσβυτέρου, ἀποτίθησιν ὁ πρε-
σβύτερος τὸν δοθέντα αὐτῷ ἅγιον ἄρτον ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ, καὶ ἴσταται μικρὸν
αὐτόθι, εὐχόμενος καθ' ἑαυτόν, ὃ μὲν διάκονος εἰσέρχεται). Καὶ εἰσέρχεται ὁ διά-
κονος εἰς τὸ βῆμα, ὃ δὲ πατριάρχης, εἰπόντος τοῦ διακόνου· Μέλισον, δέσποτα,
τὸν ἅγιον ἄρτον, μερίζει τὸν ἅγιον ἄρτον εἰς μερίδας δ'. λέγων ἐν τῷ μερίζειν
ἡρέμα· Μερίζεται καὶ διαμερίζεται ὁ ἀμνὸς τοῦ Θεοῦ... καὶ τίθησιν αὐτὰς ἐν τῷ
ἁγίῳ δίσκῳ σταυρουειδῶς. Καὶ ὁ διάκονος, δεικνύων σὺν τῷ ὡραρίῳ τὰ ἅγια πο-
τήρια, λέγει· Πλήρωσον, δέσποτα. Καὶ ὁ πατριάρχης, τὴν ἄνω μερίδα λαβὼν καὶ
μερίσας αὐτὴν ἀναλόγως πρὸς τὰ ποτήρια (Въ ркп. лавры Аѳан. прибав-
лено: εἴπερ εἰσὶ πλείονα δηλονότι), ἕκαστον τῶν τμημάτων ἐμβάλλει τῶν πο-
τηρίων ἐκάστω, ποιῶν σταυρὸν σὺν αὐτοῖς ἐπάνω τοῦ ἁγίου ποτηρίου καὶ λέ-
γων Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ὁ δὲ διάκονος, εἰπὼν τὸ Ἀμήν, δέχεται τὸ
εἰσοχομισθὲν ζέον (Въ ркп. лавры Аѳан. καὶ προσενηγκῶν αὐτό, λέγει πρὸς τὸν
ἀρχιερέα· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ ζέον), καὶ ὁ μὲν πατριάρχης, εὐλογῶν αὐτό,
λέγει· Ζέοις Πνεύματος ἁγίου Ὁ δὲ διάκονος, κρατῶν τῇ μὲν ἀριστερᾷ χειρὶ
ἕκαστον τῶν ποτηρίων, τῇ δὲ δεξιᾷ τὸ ζέον, ἐγγεῖναι τοῦ ζέοντος τὸ ἀρκοῦν ἐκάστω.
Ὁ μὲν πατριάρχης ἢ ὁ πρωτοπαπᾶς, προτροπῇ αὐτοῦ λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον,
διαιρεῖ τὰς λοιπὰς μερίδας τοῦ ἁγίου εἰς λεπτά...

¹⁾ Ὁ δὲ κάτωθεν μὲν ὑποθεῖς τὴν ἀριστερὰν χεῖρα, ἐπιθεῖς δὲ αὐτῇ τὴν
δεξιάν, δέχεται ταύτην καὶ συσφίγγει τοῖς δακτύλοις πρὸς τὸ μὴ ἐκπεσεῖν τι καὶ
ἀσπάζεται τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου.

παρειάν, τοῦ μὲν πατριάρχου λέγοντος· Ὁ Χριστὸς ἐν μέσῳ ἡμῶν, τοῦ δὲ ἀρχιερέως· Καὶ ἔστι καὶ ἔσται ¹⁾). Μεταλαβόντες δὲ τοῦ ἐν χερσίν ἁγίου σώματος, ἀποσπογγίζουσι τὰς χεῖρας αὐτῶν εἰς τὸ εἰλητόν. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς, λαβὼν τὸ πρῶτον ποτήριον, μεταδίδωσι τῷ πατριάρχῃ, εἶτα ὁ πατριάρχης τῷ ἀρχιερεῖ. Καὶ οὕτως ὁ μὲν ἀρχιερεὺς, λαβὼν τὸ ποτήριον μετὰ τοῦ καλύμματος, συνεργούντων αὐτῷ καὶ διακόνων τινῶν δι' ἀσφάλειαν, ἵσταται ἐπὶ τοῦ δεξιοῦ κίονος, ἐκδεχόμενος τοὺς προσερχομένους ἐπὶ τὸ μεταλαβεῖν. Ὁ δὲ πατριάρχης, λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον, μεταδίδωσι τοῖς λοιποῖς ἀρχιερεῦσι καὶ πρεσβυτέροις τῶν μερίδων τοῦ ἁγίου ἄρτου ²⁾, εἶτα μεταλαμβάνουσι καὶ ἀπὸ τοῦ ἁγίου ποτηρίου. Τῷ δὲ πρῶτῳ τῶν λοιπῶν ἀρχιερέων ³⁾ κοινωνήσαντι ἀρχιερεῖ ἐπιδίδοται παρὰ τῶν διακόνων τὸ δεύτερον ποτήριον καὶ ἵσταται ἐν τῷ ἀριστερῷ κίονι, καὶ μετ' αὐτοὺς ἵστανται οἱ τὰ λοιπὰ ποτήρια κατέχοντες. Οἱ δὲ διάκονοι, πρότερον ἀπελθόντες ἐν μέρει τοῦ ἁγίου βήματος καὶ συγχώρησιν παρ' ἀλλήλων ἐξαιτησάμενοι καὶ λαβόντες, δεσμήσαντες ἄμχ καὶ τὰ ὠράρια ἑαυτῶν, προσέρχονται καὶ αὐτοί, καὶ μεταλαμβάνουσι τοῦ ἁγίου ἄρτου καὶ τοῦ ἁγίου ποτηρίου. Τῆς δὲ κοινωνίας τελεσεθείσης, τὰ μὲν ἅγια ποτήρια ἀποτίθενται παρὰ τῶν διακόνων ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, ὁ δὲ δευτερεύων τῶν διακόνων, λαβὼν μετὰ χεῖρας τὸν τε ἅγιον δίσκον καὶ τὴν μούσαν, εἰσχομίζει πάντα ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ ⁴⁾. Ὁ δὲ πατριάρχης,

¹⁾ Καὶ κόψαντες ἀμφοτέροι ἐμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, εὐχονται καθ' ἑαυτοὺς, λέγοντες· Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ, εἶτα Πιστεῦω, Κόριε, καὶ ὁμολογῶ... Καὶ τελευταῖον εἰπόντες τὸ Μὴ μοι εἰς κρῖμα ἢ εἰς κατάκριμα γένοιτο ἢ μετάληψις... μεταλαμβάνει ἑκάτερος τοῦ ἐ· χερσὶ μετὰ φόβου καὶ πάσης ἀσφαλείας, τὰς χεῖρας ἔχοντες ἐπ' αὐτῇ τῆς ἁγίας τραπέζης, εἶτα ἀποσπογγίζουσι· αὐτὰς μετὰ τοῦ εἰλητοῦ. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς, λαβὼν τὸ πρῶτον ποτήριον, μεταδίδωσι τῷ πατριάρχῃ, κρατοῦντι ἐπὶ τοῦ πώγωνος καὶ τοῦ στήθους κάλυμμα. Λαβὼν, τοῖνον ὁ πατριάρχης καὶ ἀμφοτέραις ταῖς χερσὶ τὸ ποτήριον μετὰ τοῦ καλύμματος, μεταλαμβάνει τρίτον ἐξ αὐτοῦ, καὶ μετὰ τοῦτο τὰ χεῖλῃ ἑαυτοῦ τε καὶ τοῦ ἱεροῦ ποτηρίου τῷ ἐν χερσὶ καλύμματι ἀποσπογγίσας καὶ αὐτοῦ ποῦ παρὰ τὸ χεῖλος ἔξω τοῦ ποτηρίου ἀσπασάμενος, λαμβάνει μὲν αὐτὸς τὸ ποτήριον, δίδωσι δὲ τῷ ἀρχιερεῖ τὸ κάλυμμα, καὶ οὕτω μεταλαμβάνει καὶ αὐτὸς ὁμοίως τὰ αὐτὰ ποιῶν. Καὶ οὕτως ὁ μὲν ἀρχιερεὺς, λαβὼν τὸ ποτήριον μετὰ τοῦ καλύμματος, συνεργούντων αὐτῷ καὶ διακόνων τινῶν δι' ἀσφάλειαν, ἵσταται ἐπὶ τοῦ δεξιοῦ κίονος, ἐκδεχόμενος τοὺς προσερχομένους ἐπὶ τῷ μεταλαβεῖν, ὁ δὲ ἀρχιερεὺς λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον ²⁾ καὶ ποιῶσιν ἕκαστος, ὡς ἄνωθεν εἴρηται ³⁾ Нѣтъ — τῶν λοιπῶν ἀρχιερέων ⁴⁾ Прибавлено: μετὰ φόβου καὶ πάσης ἀσφαλείας, ὥστε μηδὲν τι τῶν λεπτοτάτων ἐκπεσεῖν ἢ καταλειφθῆναι.

τούτου γινομένου, ἐπιλέγει τὴν τῆς εὐχαριστίας εὐχὴν¹⁾). Ἐῖτα λαβὼν ὁ δευτερεύων τὸ ἅγιον ποτήριον, καί, προπορευόμενος τοῦ πατριάρχου, ἔρχεται εἰς τὰς ἁγίας θύρας, ὁ δὲ πατριάρχης, λαβὼν ἀπὸ τῶν τοῦ διακόνου χειρῶν τὸ ἅγιον ποτήριον, μεταδίδωσι διὰ τῆς λαβίδος τοῖς ὑποδιακόνους καὶ ἀναγνώσταις²⁾). Τοῦ δὲ ἁγίου ποτηρίου ἀποτεθέντος ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ³⁾), θυμιᾷ ὁ δευτερεύων τὰ ἅγια ἐκ τρίτου, λέγων· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός. Ὁ δὲ πατριάρχης, λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον⁴⁾), ἐπιτίθησι τῇ κεφαλῇ ἐνὸς τῶν διακόνων, καί,⁵⁾ εἰπὼν ἡρέμα· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, εῖτα ἐκφωνεῖ· Πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας⁶⁾). Τὰ δὲ ἅγια ποτήρια λαμβάνουσι πρεσβύτεροι καὶ ἀποφέρουσιν ἐν τῇ προθέσει. Ἀπέρχονται δὲ καὶ διάκονοι σὺν αὐτοῖς, κατὰ τὸν ἀριθμὸν τῶν ποτηρίων, καὶ εἰσχορίζουσι τὰ ἅγια. Οἱ δὲ ὑποδιάκονοι, εἰσερχόμενοι εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, διδῶσι νίψιμον τῷ πατριάρχῃ. Ὁμοίως καὶ πάντες οἱ κοινωνήσαντες, ἀπερχόμενοι ἐν τῷ συνήθει τόπῳ, ἀπονίπτονται τὰς χεῖρας καὶ τὰ πρὸ τῶν χειλέων ἑαυτῶν, λέγοντες⁷⁾). Νῦν ἀπολύεις⁸⁾), καὶ τὰ λοιπά. Μετὰ δὲ τὸ εἰπεῖν τοὺς ψάλλτας τὸ Πληρωθῆτω, ὁ ἀρχιδιάκονος, ἡ εἴπερ ἔχειροτονήθη διάκονος, ἐξελθὼν⁹⁾) λέγει τὰ διακονικά· Ὁρθοί, μεταλαβόντες. Ὁ δὲ πατριάρχης¹⁰⁾), τοῦ εἰλητοῦ διπλωμένου, ἐκφωνεῖ· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός. Ἐξελθὼν δὲ ὁ δευτερεύων τῶν ἱερέων, εἰ δὲ¹¹⁾) ἐγένετο

¹⁾ Εὐχὴ μετὰ τὴν ἁγίαν μετάληψιν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιάνθρωπε... Ὁ δὲ δευτερεύων τῶν διακόνων, τὴν λαβίδα ἐν τῷ ποτηρίῳ βαλὼν καὶ καλύψας αὐτὸ μετὰ καλύμματος, αἶρει αὐτό, καί, προπορευόμενος τοῦ πατριάρχου, ἔρχεται εἰς τὰς ἁγίας θύρας καὶ δείκνυσι τοῖς ἐκτός, λέγων· Μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως ἔλθετε. Αὐτὸς δὲ ὁ πατριάρχης, λαβὼν ἀπὸ τῶν τοῦ διακόνου χειρῶν²⁾) τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος καὶ μετὰ τοῦτο εὐλογεῖ τὸν λαόν, λέγων· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου... ³⁾ λαβὼν ὁ δευτερεύων τῶν διακόνων τὸν θυμιатὸν καὶ θυμίαμα βαλὼν, καὶ συνήθως λαβὼν ἐπ' αὐτῷ εὐλογίαν παρὰ τοῦ πατριάρχου, θυμιᾷ τὰ ἅγια ἐκ τρίτου, λέγων ἡρέμα· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς... Καὶ μετὰ τίθησι τὸν θυμιатὸν ἐν τῷ ἰδίῳ τόπῳ ⁴⁾ κεκαλυμμένον ὄντα ⁵⁾ καὶ πρῶτον μὲν λέγει ἡρέμα. ⁶⁾ Καὶ ψαλλομένου τοῦ Πληρωθῆτω, ὁ μὲν τὸν δίσκον λαβὼν διάκονος ἀπέρχεται ἐν τῇ προθέσει ⁷⁾ καθ' ἑαυτὸν ⁸⁾ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, ἀπολυτίκιον, τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας καὶ θεοτοκίον, τὸ Κόρις ἐλέησον τρίς. Τὴν τιμιωτέραν τῶν.. καὶ ἀπόλυσις. Μετὰ τὸ πληρῶσαι τοὺς ψάλλτας τὸ Πληρωθῆτω ⁹⁾ ἐν τῇ σωλαίᾳ, ἡ εἴπερ ἐν χειροτονίᾳ διακόνου, ὁ χειροτονηθεὶς διάκονος, εἰς τὸν ἄμβωνα ἀνελθὼν, λέγει τὰ διακονικά ταῦτα· Ὁρθοί, μεταλαβόντες...¹⁰⁾ ¹¹⁾ ¹²⁾ ¹³⁾ ¹⁴⁾ ¹⁵⁾ ¹⁶⁾ ¹⁷⁾ ¹⁸⁾ ¹⁹⁾ ²⁰⁾ ²¹⁾ ²²⁾ ²³⁾ ²⁴⁾ ²⁵⁾ ²⁶⁾ ²⁷⁾ ²⁸⁾ ²⁹⁾ ³⁰⁾ ³¹⁾ ³²⁾ ³³⁾ ³⁴⁾ ³⁵⁾ ³⁶⁾ ³⁷⁾ ³⁸⁾ ³⁹⁾ ⁴⁰⁾ ⁴¹⁾ ⁴²⁾ ⁴³⁾ ⁴⁴⁾ ⁴⁵⁾ ⁴⁶⁾ ⁴⁷⁾ ⁴⁸⁾ ⁴⁹⁾ ⁵⁰⁾ ⁵¹⁾ ⁵²⁾ ⁵³⁾ ⁵⁴⁾ ⁵⁵⁾ ⁵⁶⁾ ⁵⁷⁾ ⁵⁸⁾ ⁵⁹⁾ ⁶⁰⁾ ⁶¹⁾ ⁶²⁾ ⁶³⁾ ⁶⁴⁾ ⁶⁵⁾ ⁶⁶⁾ ⁶⁷⁾ ⁶⁸⁾ ⁶⁹⁾ ⁷⁰⁾ ⁷¹⁾ ⁷²⁾ ⁷³⁾ ⁷⁴⁾ ⁷⁵⁾ ⁷⁶⁾ ⁷⁷⁾ ⁷⁸⁾ ⁷⁹⁾ ⁸⁰⁾ ⁸¹⁾ ⁸²⁾ ⁸³⁾ ⁸⁴⁾ ⁸⁵⁾ ⁸⁶⁾ ⁸⁷⁾ ⁸⁸⁾ ⁸⁹⁾ ⁹⁰⁾ ⁹¹⁾ ⁹²⁾ ⁹³⁾ ⁹⁴⁾ ⁹⁵⁾ ⁹⁶⁾ ⁹⁷⁾ ⁹⁸⁾ ⁹⁹⁾ ¹⁰⁰⁾ ¹⁰¹⁾ ¹⁰²⁾ ¹⁰³⁾ ¹⁰⁴⁾ ¹⁰⁵⁾ ¹⁰⁶⁾ ¹⁰⁷⁾ ¹⁰⁸⁾ ¹⁰⁹⁾ ¹¹⁰⁾ ¹¹¹⁾ ¹¹²⁾ ¹¹³⁾ ¹¹⁴⁾ ¹¹⁵⁾ ¹¹⁶⁾ ¹¹⁷⁾ ¹¹⁸⁾ ¹¹⁹⁾ ¹²⁰⁾ ¹²¹⁾ ¹²²⁾ ¹²³⁾ ¹²⁴⁾ ¹²⁵⁾ ¹²⁶⁾ ¹²⁷⁾ ¹²⁸⁾ ¹²⁹⁾ ¹³⁰⁾ ¹³¹⁾ ¹³²⁾ ¹³³⁾ ¹³⁴⁾ ¹³⁵⁾ ¹³⁶⁾ ¹³⁷⁾ ¹³⁸⁾ ¹³⁹⁾ ¹⁴⁰⁾ ¹⁴¹⁾ ¹⁴²⁾ ¹⁴³⁾ ¹⁴⁴⁾ ¹⁴⁵⁾ ¹⁴⁶⁾ ¹⁴⁷⁾ ¹⁴⁸⁾ ¹⁴⁹⁾ ¹⁵⁰⁾ ¹⁵¹⁾ ¹⁵²⁾ ¹⁵³⁾ ¹⁵⁴⁾ ¹⁵⁵⁾ ¹⁵⁶⁾ ¹⁵⁷⁾ ¹⁵⁸⁾ ¹⁵⁹⁾ ¹⁶⁰⁾ ¹⁶¹⁾ ¹⁶²⁾ ¹⁶³⁾ ¹⁶⁴⁾ ¹⁶⁵⁾ ¹⁶⁶⁾ ¹⁶⁷⁾ ¹⁶⁸⁾ ¹⁶⁹⁾ ¹⁷⁰⁾ ¹⁷¹⁾ ¹⁷²⁾ ¹⁷³⁾ ¹⁷⁴⁾ ¹⁷⁵⁾ ¹⁷⁶⁾ ¹⁷⁷⁾ ¹⁷⁸⁾ ¹⁷⁹⁾ ¹⁸⁰⁾ ¹⁸¹⁾ ¹⁸²⁾ ¹⁸³⁾ ¹⁸⁴⁾ ¹⁸⁵⁾ ¹⁸⁶⁾ ¹⁸⁷⁾ ¹⁸⁸⁾ ¹⁸⁹⁾ ¹⁹⁰⁾ ¹⁹¹⁾ ¹⁹²⁾ ¹⁹³⁾ ¹⁹⁴⁾ ¹⁹⁵⁾ ¹⁹⁶⁾ ¹⁹⁷⁾ ¹⁹⁸⁾ ¹⁹⁹⁾ ²⁰⁰⁾ ²⁰¹⁾ ²⁰²⁾ ²⁰³⁾ ²⁰⁴⁾ ²⁰⁵⁾ ²⁰⁶⁾ ²⁰⁷⁾ ²⁰⁸⁾ ²⁰⁹⁾ ²¹⁰⁾ ²¹¹⁾ ²¹²⁾ ²¹³⁾ ²¹⁴⁾ ²¹⁵⁾ ²¹⁶⁾ ²¹⁷⁾ ²¹⁸⁾ ²¹⁹⁾ ²²⁰⁾ ²²¹⁾ ²²²⁾ ²²³⁾ ²²⁴⁾ ²²⁵⁾ ²²⁶⁾ ²²⁷⁾ ²²⁸⁾ ²²⁹⁾ ²³⁰⁾ ²³¹⁾ ²³²⁾ ²³³⁾ ²³⁴⁾ ²³⁵⁾ ²³⁶⁾ ²³⁷⁾ ²³⁸⁾ ²³⁹⁾ ²⁴⁰⁾ ²⁴¹⁾ ²⁴²⁾ ²⁴³⁾ ²⁴⁴⁾ ²⁴⁵⁾ ²⁴⁶⁾ ²⁴⁷⁾ ²⁴⁸⁾ ²⁴⁹⁾ ²⁵⁰⁾ ²⁵¹⁾ ²⁵²⁾ ²⁵³⁾ ²⁵⁴⁾ ²⁵⁵⁾ ²⁵⁶⁾ ²⁵⁷⁾ ²⁵⁸⁾ ²⁵⁹⁾ ²⁶⁰⁾ ²⁶¹⁾ ²⁶²⁾ ²⁶³⁾ ²⁶⁴⁾ ²⁶⁵⁾ ²⁶⁶⁾ ²⁶⁷⁾ ²⁶⁸⁾ ²⁶⁹⁾ ²⁷⁰⁾ ²⁷¹⁾ ²⁷²⁾ ²⁷³⁾ ²⁷⁴⁾ ²⁷⁵⁾ ²⁷⁶⁾ ²⁷⁷⁾ ²⁷⁸⁾ ²⁷⁹⁾ ²⁸⁰⁾ ²⁸¹⁾ ²⁸²⁾ ²⁸³⁾ ²⁸⁴⁾ ²⁸⁵⁾ ²⁸⁶⁾ ²⁸⁷⁾ ²⁸⁸⁾ ²⁸⁹⁾ ²⁹⁰⁾ ²⁹¹⁾ ²⁹²⁾ ²⁹³⁾ ²⁹⁴⁾ ²⁹⁵⁾ ²⁹⁶⁾ ²⁹⁷⁾ ²⁹⁸⁾ ²⁹⁹⁾ ³⁰⁰⁾ ³⁰¹⁾ ³⁰²⁾ ³⁰³⁾ ³⁰⁴⁾ ³⁰⁵⁾ ³⁰⁶⁾ ³⁰⁷⁾ ³⁰⁸⁾ ³⁰⁹⁾ ³¹⁰⁾ ³¹¹⁾ ³¹²⁾ ³¹³⁾ ³¹⁴⁾ ³¹⁵⁾ ³¹⁶⁾ ³¹⁷⁾ ³¹⁸⁾ ³¹⁹⁾ ³²⁰⁾ ³²¹⁾ ³²²⁾ ³²³⁾ ³²⁴⁾ ³²⁵⁾ ³²⁶⁾ ³²⁷⁾ ³²⁸⁾ ³²⁹⁾ ³³⁰⁾ ³³¹⁾ ³³²⁾ ³³³⁾ ³³⁴⁾ ³³⁵⁾ ³³⁶⁾ ³³⁷⁾ ³³⁸⁾ ³³⁹⁾ ³⁴⁰⁾ ³⁴¹⁾ ³⁴²⁾ ³⁴³⁾ ³⁴⁴⁾ ³⁴⁵⁾ ³⁴⁶⁾ ³⁴⁷⁾ ³⁴⁸⁾ ³⁴⁹⁾ ³⁵⁰⁾ ³⁵¹⁾ ³⁵²⁾ ³⁵³⁾ ³⁵⁴⁾ ³⁵⁵⁾ ³⁵⁶⁾ ³⁵⁷⁾ ³⁵⁸⁾ ³⁵⁹⁾ ³⁶⁰⁾ ³⁶¹⁾ ³⁶²⁾ ³⁶³⁾ ³⁶⁴⁾ ³⁶⁵⁾ ³⁶⁶⁾ ³⁶⁷⁾ ³⁶⁸⁾ ³⁶⁹⁾ ³⁷⁰⁾ ³⁷¹⁾ ³⁷²⁾ ³⁷³⁾ ³⁷⁴⁾ ³⁷⁵⁾ ³⁷⁶⁾ ³⁷⁷⁾ ³⁷⁸⁾ ³⁷⁹⁾ ³⁸⁰⁾ ³⁸¹⁾ ³⁸²⁾ ³⁸³⁾ ³⁸⁴⁾ ³⁸⁵⁾ ³⁸⁶⁾ ³⁸⁷⁾ ³⁸⁸⁾ ³⁸⁹⁾ ³⁹⁰⁾ ³⁹¹⁾ ³⁹²⁾ ³⁹³⁾ ³⁹⁴⁾ ³⁹⁵⁾ ³⁹⁶⁾ ³⁹⁷⁾ ³⁹⁸⁾ ³⁹⁹⁾ ⁴⁰⁰⁾ ⁴⁰¹⁾ ⁴⁰²⁾ ⁴⁰³⁾ ⁴⁰⁴⁾ ⁴⁰⁵⁾ ⁴⁰⁶⁾ ⁴⁰⁷⁾ ⁴⁰⁸⁾ ⁴⁰⁹⁾ ⁴¹⁰⁾ ⁴¹¹⁾ ⁴¹²⁾ ⁴¹³⁾ ⁴¹⁴⁾ ⁴¹⁵⁾ ⁴¹⁶⁾ ⁴¹⁷⁾ ⁴¹⁸⁾ ⁴¹⁹⁾ ⁴²⁰⁾ ⁴²¹⁾ ⁴²²⁾ ⁴²³⁾ ⁴²⁴⁾ ⁴²⁵⁾ ⁴²⁶⁾ ⁴²⁷⁾ ⁴²⁸⁾ ⁴²⁹⁾ ⁴³⁰⁾ ⁴³¹⁾ ⁴³²⁾ ⁴³³⁾ ⁴³⁴⁾ ⁴³⁵⁾ ⁴³⁶⁾ ⁴³⁷⁾ ⁴³⁸⁾ ⁴³⁹⁾ ⁴⁴⁰⁾ ⁴⁴¹⁾ ⁴⁴²⁾ ⁴⁴³⁾ ⁴⁴⁴⁾ ⁴⁴⁵⁾ ⁴⁴⁶⁾ ⁴⁴⁷⁾ ⁴⁴⁸⁾ ⁴⁴⁹⁾ ⁴⁵⁰⁾ ⁴⁵¹⁾ ⁴⁵²⁾ ⁴⁵³⁾ ⁴⁵⁴⁾ ⁴⁵⁵⁾ ⁴⁵⁶⁾ ⁴⁵⁷⁾ ⁴⁵⁸⁾ ⁴⁵⁹⁾ ⁴⁶⁰⁾ ⁴⁶¹⁾ ⁴⁶²⁾ ⁴⁶³⁾ ⁴⁶⁴⁾ ⁴⁶⁵⁾ ⁴⁶⁶⁾ ⁴⁶⁷⁾ ⁴⁶⁸⁾ ⁴⁶⁹⁾ ⁴⁷⁰⁾ ⁴⁷¹⁾ ⁴⁷²⁾ ⁴⁷³⁾ ⁴⁷⁴⁾ ⁴⁷⁵⁾ ⁴⁷⁶⁾ ⁴⁷⁷⁾ ⁴⁷⁸⁾ ⁴⁷⁹⁾ ⁴⁸⁰⁾ ⁴⁸¹⁾ ⁴⁸²⁾ ⁴⁸³⁾ ⁴⁸⁴⁾ ⁴⁸⁵⁾ ⁴⁸⁶⁾ ⁴⁸⁷⁾ ⁴⁸⁸⁾ ⁴⁸⁹⁾ ⁴⁹⁰⁾ ⁴⁹¹⁾ ⁴⁹²⁾ ⁴⁹³⁾ ⁴⁹⁴⁾ ⁴⁹⁵⁾ ⁴⁹⁶⁾ ⁴⁹⁷⁾ ⁴⁹⁸⁾ ⁴⁹⁹⁾ ⁵⁰⁰⁾ ⁵⁰¹⁾ ⁵⁰²⁾ ⁵⁰³⁾ ⁵⁰⁴⁾ ⁵⁰⁵⁾ ⁵⁰⁶⁾ ⁵⁰⁷⁾ ⁵⁰⁸⁾ ⁵⁰⁹⁾ ⁵¹⁰⁾ ⁵¹¹⁾ ⁵¹²⁾ ⁵¹³⁾ ⁵¹⁴⁾ ⁵¹⁵⁾ ⁵¹⁶⁾ ⁵¹⁷⁾ ⁵¹⁸⁾ ⁵¹⁹⁾ ⁵²⁰⁾ ⁵²¹⁾ ⁵²²⁾ ⁵²³⁾ ⁵²⁴⁾ ⁵²⁵⁾ ⁵²⁶⁾ ⁵²⁷⁾ ⁵²⁸⁾ ⁵²⁹⁾ ⁵³⁰⁾ ⁵³¹⁾ ⁵³²⁾ ⁵³³⁾ ⁵³⁴⁾ ⁵³⁵⁾ ⁵³⁶⁾ ⁵³⁷⁾ ⁵³⁸⁾ ⁵³⁹⁾ ⁵⁴⁰⁾ ⁵⁴¹⁾ ⁵⁴²⁾ ⁵⁴³⁾ ⁵⁴⁴⁾ ⁵⁴⁵⁾ ⁵⁴⁶⁾ ⁵⁴⁷⁾ ⁵⁴⁸⁾ ⁵⁴⁹⁾ ⁵⁵⁰⁾ ⁵⁵¹⁾ ⁵⁵²⁾ ⁵⁵³⁾ ⁵⁵⁴⁾ ⁵⁵⁵⁾ ⁵⁵⁶⁾ ⁵⁵⁷⁾ ⁵⁵⁸⁾ ⁵⁵⁹⁾ ⁵⁶⁰⁾ ⁵⁶¹⁾ ⁵⁶²⁾ ⁵⁶³⁾ ⁵⁶⁴⁾ ⁵⁶⁵⁾ ⁵⁶⁶⁾ ⁵⁶⁷⁾ ⁵⁶⁸⁾ ⁵⁶⁹⁾ ⁵⁷⁰⁾ ⁵⁷¹⁾ ⁵⁷²⁾ ⁵⁷³⁾ ⁵⁷⁴⁾ ⁵⁷⁵⁾ ⁵⁷⁶⁾ ⁵⁷⁷⁾ ⁵⁷⁸⁾ ⁵⁷⁹⁾ ⁵⁸⁰⁾ ⁵⁸¹⁾ ⁵⁸²⁾ ⁵⁸³⁾ ⁵⁸⁴⁾ ⁵⁸⁵⁾ ⁵⁸⁶⁾ ⁵⁸⁷⁾ ⁵⁸⁸⁾ ⁵⁸⁹⁾ ⁵⁹⁰⁾ ⁵⁹¹⁾ ⁵⁹²⁾ ⁵⁹³⁾ ⁵⁹⁴⁾ ⁵⁹⁵⁾ ⁵⁹⁶⁾ ⁵⁹⁷⁾ ⁵⁹⁸⁾ ⁵⁹⁹⁾ ⁶⁰⁰⁾ ⁶⁰¹⁾ ⁶⁰²⁾ ⁶⁰³⁾ ⁶⁰⁴⁾ ⁶⁰⁵⁾ ⁶⁰⁶⁾ ⁶⁰⁷⁾ ⁶⁰⁸⁾ ⁶⁰⁹⁾ ⁶¹⁰⁾ ⁶¹¹⁾ ⁶¹²⁾ ⁶¹³⁾ ⁶¹⁴⁾ ⁶¹⁵⁾ ⁶¹⁶⁾ ⁶¹⁷⁾ ⁶¹⁸⁾ ⁶¹⁹⁾ ⁶²⁰⁾ ⁶²¹⁾ ⁶²²⁾ ⁶²³⁾ ⁶²⁴⁾ ⁶²⁵⁾ ⁶²⁶⁾ ⁶²⁷⁾ ⁶²⁸⁾ ⁶²⁹⁾ ⁶³⁰⁾ ⁶³¹⁾ ⁶³²⁾ ⁶³³⁾ ⁶³⁴⁾ ⁶³⁵⁾ ⁶³⁶⁾ ⁶³⁷⁾ ⁶³⁸⁾ ⁶³⁹⁾ ⁶⁴⁰⁾ ⁶⁴¹⁾ ⁶⁴²⁾ ⁶⁴³⁾ ⁶⁴⁴⁾ ⁶⁴⁵⁾ ⁶⁴⁶⁾ ⁶⁴⁷⁾ ⁶⁴⁸⁾ ⁶⁴⁹⁾ ⁶⁵⁰⁾ ⁶⁵¹⁾ ⁶⁵²⁾ ⁶⁵³⁾ ⁶⁵⁴⁾ ⁶⁵⁵⁾ ⁶⁵⁶⁾ ⁶⁵⁷⁾ ⁶⁵⁸⁾ ⁶⁵⁹⁾ ⁶⁶⁰⁾ ⁶⁶¹⁾ ⁶⁶²⁾ ⁶⁶³⁾ ⁶⁶⁴⁾ ⁶⁶⁵⁾ ⁶⁶⁶⁾ ⁶⁶⁷⁾ ⁶⁶⁸⁾ ⁶⁶⁹⁾ ⁶⁷⁰⁾ ⁶⁷¹⁾ ⁶⁷²⁾ ⁶⁷³⁾ ⁶⁷⁴⁾ ⁶⁷⁵⁾ ⁶⁷⁶⁾ ⁶⁷⁷⁾ ⁶⁷⁸⁾ ⁶⁷⁹⁾ ⁶⁸⁰⁾ ⁶⁸¹⁾ ⁶⁸²⁾ ⁶⁸³⁾ ⁶⁸⁴⁾ ⁶⁸⁵⁾ ⁶⁸⁶⁾ ⁶⁸⁷⁾ ⁶⁸⁸⁾ ⁶⁸⁹⁾ ⁶⁹⁰⁾ ⁶⁹¹⁾ ⁶⁹²⁾ ⁶⁹³⁾ ⁶⁹⁴⁾ ⁶⁹⁵⁾ ⁶⁹⁶⁾ ⁶⁹⁷⁾ ⁶⁹⁸⁾ ⁶⁹⁹⁾ ⁷⁰⁰⁾ ⁷⁰¹⁾ ⁷⁰²⁾ ⁷⁰³⁾ ⁷⁰⁴⁾ ⁷⁰⁵⁾ ⁷⁰⁶⁾ ⁷⁰⁷⁾ ⁷⁰⁸⁾ ⁷⁰⁹⁾ ⁷¹⁰⁾ ⁷¹¹⁾ ⁷¹²⁾ ⁷¹³⁾ ⁷¹⁴⁾ ⁷¹⁵⁾ ⁷¹⁶⁾ ⁷¹⁷⁾ ⁷¹⁸⁾ ⁷¹⁹⁾ ⁷²⁰⁾ ⁷²¹⁾ ⁷²²⁾ ⁷²³⁾ ⁷²⁴⁾ ⁷²⁵⁾ ⁷²⁶⁾ ⁷²⁷⁾ ⁷²⁸⁾ ⁷²⁹⁾ ⁷³⁰⁾ ⁷³¹⁾ ⁷³²⁾ ⁷³³⁾ ⁷³⁴⁾ ⁷³⁵⁾ ⁷³⁶⁾ ⁷³⁷⁾ ⁷³⁸⁾ ⁷³⁹⁾ ⁷⁴⁰⁾ ⁷⁴¹⁾ ⁷⁴²⁾ ⁷⁴³⁾ ⁷⁴⁴⁾ ⁷⁴⁵⁾ ⁷⁴⁶⁾ ⁷⁴⁷⁾ ⁷⁴⁸⁾ ⁷⁴⁹⁾ ⁷⁵⁰⁾ ⁷⁵¹⁾ ⁷⁵²⁾ ⁷⁵³⁾ ⁷⁵⁴⁾ ⁷⁵⁵⁾ ⁷⁵⁶⁾ ⁷⁵⁷⁾ ⁷⁵⁸⁾ ⁷⁵⁹⁾ ⁷⁶⁰⁾ ⁷⁶¹⁾ ⁷⁶²⁾ ⁷⁶³⁾ ⁷⁶⁴⁾ ⁷⁶⁵⁾ ⁷⁶⁶⁾ ⁷⁶⁷⁾ ⁷⁶⁸⁾ ⁷⁶⁹⁾ ⁷⁷⁰⁾ ⁷⁷¹⁾ ⁷⁷²⁾ ⁷⁷³⁾ ⁷⁷⁴⁾ ⁷⁷⁵⁾ ⁷⁷⁶⁾ ⁷⁷⁷⁾ ⁷⁷⁸⁾ ⁷⁷⁹⁾ ⁷⁸⁰⁾ ⁷⁸¹⁾ ⁷⁸²⁾ ⁷⁸³⁾ ⁷⁸⁴⁾ ⁷⁸⁵⁾ ⁷⁸⁶⁾ ⁷⁸⁷⁾ ⁷⁸⁸⁾ ⁷⁸⁹⁾ ⁷⁹⁰⁾ ⁷⁹¹⁾ ⁷⁹²⁾ ⁷⁹³⁾ ⁷⁹⁴⁾ ⁷⁹⁵⁾ ⁷⁹⁶⁾ ⁷⁹⁷⁾ ⁷⁹⁸⁾ ⁷⁹⁹⁾ ⁸⁰⁰⁾ ⁸⁰¹⁾ ⁸⁰²⁾ ⁸⁰³⁾ ⁸⁰⁴⁾ ⁸⁰⁵⁾ ⁸⁰⁶⁾ ⁸⁰⁷⁾ ⁸⁰⁸⁾ ⁸⁰⁹⁾ ⁸¹⁰⁾ ⁸¹¹⁾ ⁸¹²⁾ ⁸¹³⁾ ⁸¹⁴⁾ ⁸¹⁵⁾ ⁸¹⁶⁾ ⁸¹⁷⁾ ⁸¹⁸⁾ ⁸¹⁹⁾ ⁸²⁰⁾ ⁸²¹⁾ ⁸²²⁾ ⁸²³⁾ ⁸²⁴⁾ ⁸²⁵⁾ ⁸²⁶⁾ ⁸²⁷⁾ ⁸²⁸⁾ ⁸²⁹⁾ ⁸³⁰⁾ ⁸³¹⁾ ⁸³²⁾ ⁸³³⁾ ⁸³⁴⁾ ⁸³⁵⁾ ⁸³⁶⁾ ⁸³⁷⁾ ⁸³⁸⁾ ⁸³⁹⁾ ⁸⁴⁰⁾ ⁸⁴¹⁾ ⁸⁴²⁾ ⁸⁴³⁾ ⁸⁴⁴⁾ ⁸⁴⁵⁾ ⁸⁴⁶⁾ ⁸⁴⁷⁾ ⁸⁴⁸⁾ ⁸⁴⁹⁾ ⁸⁵⁰⁾ ⁸⁵¹⁾ ⁸⁵²⁾ ⁸⁵³⁾ ⁸⁵⁴⁾ ⁸⁵⁵⁾ ⁸⁵⁶⁾ ⁸⁵⁷⁾ ⁸⁵⁸⁾ ⁸⁵⁹⁾ ⁸⁶⁰⁾ ⁸⁶¹⁾ ⁸⁶²⁾ ⁸⁶³⁾ ⁸⁶⁴⁾ ⁸⁶⁵⁾ ⁸⁶⁶⁾ ⁸⁶⁷⁾ ⁸⁶⁸⁾ ⁸⁶⁹⁾ ⁸⁷⁰⁾ ⁸⁷¹⁾ ⁸⁷²⁾ ⁸⁷³⁾ ⁸⁷⁴⁾ ⁸⁷⁵⁾ ⁸⁷⁶⁾ ⁸⁷⁷⁾ ⁸⁷⁸⁾ ⁸⁷⁹⁾ ⁸⁸⁰⁾ ⁸⁸¹⁾ ⁸⁸²⁾ ⁸⁸³⁾ ⁸⁸⁴⁾ ⁸⁸⁵⁾ ⁸⁸⁶⁾ ⁸⁸⁷⁾ ⁸⁸⁸⁾ ⁸⁸⁹⁾ ⁸⁹⁰⁾ ⁸⁹¹⁾ ⁸⁹²⁾ ⁸⁹³⁾ ⁸⁹⁴⁾ ⁸⁹⁵⁾ ⁸⁹⁶⁾ ⁸⁹⁷⁾ ⁸⁹⁸⁾ ⁸⁹⁹⁾ ⁹⁰⁰⁾ ⁹⁰¹⁾ ⁹⁰²⁾ ⁹⁰³⁾ ⁹⁰⁴⁾ ⁹⁰⁵⁾ ⁹⁰⁶⁾ ⁹⁰⁷⁾ ⁹⁰⁸⁾ ⁹⁰⁹⁾ ⁹¹⁰⁾ ⁹¹¹⁾ ⁹¹²⁾ ⁹¹³⁾ ⁹¹⁴⁾ ⁹¹⁵⁾ ⁹¹⁶⁾ ⁹¹⁷⁾ ⁹¹⁸⁾ ⁹¹⁹⁾ ⁹²⁰⁾ ⁹²¹⁾ ⁹²²⁾ ⁹²³⁾ ⁹²⁴⁾ ⁹²⁵⁾ ⁹²⁶⁾ ⁹²⁷⁾ ⁹²⁸⁾ ⁹²⁹⁾ ⁹³⁰⁾ ⁹³¹⁾ ⁹³²⁾ ⁹³³⁾ ⁹³⁴⁾ ⁹³⁵⁾ ⁹³⁶⁾ ⁹³⁷⁾ ⁹³⁸⁾ ⁹³⁹⁾ ⁹⁴⁰⁾ ⁹⁴¹⁾ ⁹⁴²⁾ ⁹⁴³⁾ ⁹⁴⁴⁾ ⁹⁴⁵⁾ ⁹⁴⁶⁾ ⁹⁴⁷⁾ ⁹⁴⁸⁾ ⁹⁴⁹⁾ ⁹⁵⁰⁾ ⁹⁵¹⁾ ⁹⁵²⁾ ⁹⁵³⁾ ⁹⁵⁴⁾ ⁹⁵⁵⁾ ⁹⁵⁶⁾ ⁹⁵⁷⁾ ⁹⁵⁸⁾ ⁹⁵⁹⁾ ⁹⁶⁰⁾ ⁹⁶¹⁾ ⁹⁶²⁾ ⁹⁶³⁾ ⁹⁶⁴⁾ ⁹⁶⁵⁾ ⁹⁶⁶⁾ ⁹⁶⁷⁾ ⁹⁶⁸⁾ ⁹⁶⁹⁾ ⁹⁷⁰⁾ ⁹⁷¹⁾ ⁹⁷²⁾ ⁹⁷³⁾ ⁹⁷⁴⁾ ⁹⁷⁵⁾ ⁹⁷⁶⁾ ⁹⁷⁷⁾ ⁹⁷⁸⁾ ⁹⁷⁹⁾ ⁹⁸⁰⁾ ⁹⁸¹⁾ ⁹⁸²⁾ ⁹⁸³⁾ ⁹⁸⁴⁾ ⁹⁸⁵⁾ ⁹⁸⁶⁾ ⁹⁸⁷⁾ ⁹⁸⁸⁾ ⁹⁸⁹⁾ ⁹⁹⁰⁾ ⁹⁹¹⁾ ⁹⁹²⁾ ⁹⁹³⁾ ⁹⁹⁴⁾ ⁹⁹⁵⁾ ⁹⁹⁶⁾ ⁹⁹⁷⁾ ⁹⁹⁸⁾ ⁹⁹⁹⁾ ¹⁰⁰⁰⁾

πρεσβύτερος, οὗτος λέγει τὴν εὐχὴν· Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε, Κύριε. Ταύτης δὲ λεγομένης, ὁ πατριάρχης, στάς ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, ἢ ἕτερος ἀρχιερεὺς, ὃν ἂν προτρέψῃ, διανέμει τῷ λαῷ ἀντίδωρον, καὶ λέγει τὴν ἀπόλυσιν¹⁾, σφραγίζων καὶ τὸν λαὸν τρίς, ἢ οὕτως

¹⁾ Ὁ προτραπείς ἀρχιερεὺς διανέμει τῷ λαῷ τὸ ἀντίδωρον. Ὁ δὲ τὴν ὁπισθάμβωνον εἰπὼν εὐχὴν ἱερεὺς, ἀπελθὼν ἐν τῇ προθέσει, λέγει καὶ τὴν τελευταίαν εὐχὴν ταύτην· Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν... Οἱ μέντοι τὰ ἅγια εἰσκομίζοντες διάκονοι μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ ἀσφαλείας συστέλλουσιν αὐτά, ἀποπλύναντες τρίτον τὰ ἅγια ποτήρια τῷ οἶνῳ καὶ τῷ ὕδατι, καὶ ἐκμάσσοντες ἀκριβῶς πᾶσαν τὴν ὑγρότητα τῷ σπόγγῳ, ὥστε μὴ ἐναπολειφθῆναι τὴν τοχούσαν νοτίδα. Ταῦτα δὲ συστειλάντες καὶ διαθέντες καλῶς, ἀπονίπτονται καὶ αὐτοὶ ὁμοίως τοῖς λοιποῖς ἐν τῷ συνήθει τόπῳ, λέγοντες καὶ τὰ εἰρημένα. Ὁ μέντοι πατριάρχης μετὰ τὸ διανεῖμαι τὸ ἀντίδωρον (въ ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 καὶ πληρωθῆναι καὶ τὸ Εὐλογῆσαι τὸν Κύριον), αὐτόθι ἰστάμενος εἰς τὰς ἁγίας θύρας, ποιεῖ (въ ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 ἔκφωνεῖ· Εὐλογία Κυρίου. Τοῦτο δὲ λέγων, σφραγίζει τὸν λαόν, καὶ οὕτως οἱ μὲν ψάλλοντες λέγουσι Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον γ'. ὁ δὲ ἀρχιερεὺς ἢ ὁ ἱερεὺς ποιεῖ ἀπόλυσιν. Εἰ δὲ δεσποτικὴ ἐστὶν ἑορτή... См. въ ркп. Александр. библ. № 371, гдѣ это поставлено въ концѣ чина) τὴν ἀπόλυσιν καὶ σφραγίζει τρίς τὸν λαόν καὶ ὑποστρέψας, ἀποδύεται τὰ ἀρχιερατικά, κάτω που ἰστάμενος περὶ τὰς τοῦ συνθρόνου βαθμίδας, λεγόντων τῶν διακόνων, τῶν ὑπηρετούντων, τὸ Νῦν ἀπολύεις, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ κοντάκιον, Δόξα καὶ νῦν, Τὴν τιμιωτέραν. Καὶ ποιεῖ ὁ πατριάρχης ἡρέμα τὴν ἀπόλυσιν, καὶ καθήμενος ἐν τῇ σελλίῳ αὐτοῦ, μικρὸν ἀναπαύεται, εἶτα ἀναστὰς καὶ προσκυνήσας ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ τῷ Θεῷ εὐχαριστήσας ἐπὶ πᾶσι, καὶ Δόξα σοι, Κύριε, πάντων ἐνεκεν ἐπειπὼν, ἐξέρχεται, ἢ οὕτως· μετὰ τὸ πληρωθῆναι τὸ Εὐλογῆσαι ὃν Κύριον, ἔκφωνεῖ· Εὐλογία Κυρίου ἐφ' ὑμᾶς τῇ αὐτοῦ φιланθρωπία καὶ χάριτι... Τοῦτο δὲ λέγων, σφραγίζει καὶ τὸν λαόν, καὶ οὕτως ὁ μὲν λαὸς λέγουσι· Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον τρίς, ὁ δὲ ἀρχιερεὺς ποιεῖ ἀπόλυσιν. Εἰ μὲν δεσποτικὴ ἐστὶν ἑορτή, κατὰ τὴν ἀπολυτίκην, εἰ δ' ἁγίου μεγάλου τινός ἐστι μνήμη, ἔκφωνεῖ ἐν τῇ ἀπολύσει καὶ τὸ τοῦ ἁγίου ὄνομα καὶ τὰ λοιπά, καθὼς προεγράφη, καὶ οὕτως, μετὰ τὸ Εὐλογία Κυρίου, λέγει τὸν στίχον τοῦτον ἀντὶ ἀπολύσεως· Διὰ πρεσβειῶν τῆς παναχράντου σου Μητρὸς καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ οὕτως ἀπέρχεται. Σημείωσις (въ ркп. лавры Аѳан. Δ № 80 нѣтъ этого замѣчания) Ἐπεὶ δὲ ἔξεστι τὴν τοῦ διακόνου χειροτονίαν καὶ ἐν τοῖς προηγιασμένοις ποιεῖν, ἵστέον, ὅτι μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ προηγιασμένα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ πρὶν εἰπεῖν τὸν διάκονον· Πληρώσωμεν τὴν ἐσπερινὴν δέησιν, προσάγεται ὁ χειροτονεῖσθαι μέλλων, καὶ γίνεται ἡ χειροτονία, ὡς προεγράφη.

ἐν τῷ λέγειν αὐτόν· Εὐλογία Κυρίου ἐφ' ὑμᾶς, σφραγίζει καὶ τὸν λαόν. Ἀποδύεται δὲ ὁ πατριάρχης τὰ ἀρχιερατικά, κάτω που ἰστάμενός περὶ τὰς τοῦ συνθρόνου βαθμίδας, λεγόντων τῶν διακόνων, τῶν ὑπηρετούντων, τὸ Νὺν ἀπολύεις τὸν δοῦλόν σου καὶ τὰ λοιπά, καὶ ποιεῖ ὁ πατριάρχης ἡρέμα τὴν ἀπόλυσιν, καὶ καθήμενος ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ, ἐν ᾧ ἀπεφόρεσε τόπῳ, μικρὸν ἀναπαύεται. Εἴτα ἀναστὰς καὶ προσκυνήσας ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ τῷ Θεῷ εὐχαριστήσας ἐπὶ πάντων καὶ Δόξα σοι, Κύριε, πάντων ἕνεκεν ἐπειπὼν, ἐξέρχεται.

л. 61 об. Τάξις γινομένη τῇ μεγάλῃ πέμπτῃ ἐν τῇ ἐκπλύσει τῆς ἁγίας τραπέζης. Goar. pag. 497—499.

л. 65. Περὶ δὲ τῆς ἁγίας τραπέζης, ἧς τὰ ἄμφια παλαιωθέντα διεφθάρσαν. Goar. pag. 501.

л. 65 об. Εὐχή πρὸ τῆς θείας μυσταγωγίας.

Ὁ Θεός, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τοῖς χερουβὶμ ἀθεώρητος καὶ τοῖς σεραφὶμ ἀκατανόητος. См. выше стр. 170—171.

л. 66 об. Ἐτέρα εὐχή εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

Υπέραγνε Μῆτερ τοῦ ὑπερευλογημένου Θεοῦ, ἐνίσχυσόν μου τὴν ἐλεεινότητα, ἵνα ἀπροσκόπως ἀνύσαι τὴν προκειμένην λειτουργίαν τοῦ Υἱοῦ καὶ Θεοῦ σου πρεσβείαις καὶ ἱκεσίαις σου, ὡς παρῆρσιν κεκτημένη πρεσβεύειν ὑπὲρ ἡμῶν...

л. 67. Τάξις ἐπὶ χειροτονίᾳ σταυροφόρου.

Κατερχομένου τοῦ πατριάρχου ἀπὸ τοῦ στασιδίου αὐτοῦ καὶ ἰσταμένου ἐν ταῖς ὑπ' αὐτὸ βαθμῖσιν, ὁ μέλλων χειροτονηθῆναι, εἰσελθὼν ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι, εἰ μὲν διάκονος εἴη, φορένει τὸ στιχάριον αὐτοῦ καὶ τὸ ὠράριον καὶ ἐπάνω τούτων φαιλόνιον, καὶ ἐν τῇ κεφαλῇ περβρίπτάριον(ς), εἰ δὲ πρεσβύτερος πᾶσαν τὴν ἱερατικὴν στολὴν καὶ περβρίπτάριον, καί, ἐξελθὼν ἔξω, ἔρχεται πλησίον τοῦ πατριάρχου, τοῦ δὲ μεγάλου χαρτοφύλακος ποιήσαντος μετάνοιαν τῷ πατριάρχει καὶ συνήθως κρατήσαντος τοῦ μέλλοντος χειροτονηθῆναι τὴν κεφαλὴν, καὶ ἐκφωνήσαντος τὸ Κελεύσχετε, ὁ πατριάρχης ἀναστὰς, ἔχων τὴν δεξιὰν χεῖρα, ἀπηρωρημένην πρὸς εὐλογίαν, ἐκφωνεῖ τὸ Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος προχειρίζεται σε(τὸν) μέγαν τῆς ἁγιωτάτης τοῦ Θεοῦ μεγάλης ἐκκλησίας. Τῶν δὲ φαλλόντων μεγαλοφώνως τὸ Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα, καθίζει ὁ πατριάρχης ἐν ταῖς εἰρημέναις βαθμῖσι, καὶ ἐλθὼν ὁ χειροτονηθεὶς ἀσπάζεται τὸ τοῦ πατριάρχου γόνυ, τὴν χεῖρα καὶ τὴν παρεϊάν, ὁμοίως ἀσπάζεται καὶ τοὺς ἄλλους σταυροφόρους. Εἴτα κομίζουσιν οἱ ὑπηρέται τῷ πατριάρχει τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καί, λαβὼν τοῦτο, ἐπιδίδωσι τῷ χειροτονηθέντι, εἰπὼν πρὸς αὐτόν· Λάβε τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ κρίνε κατὰ τὰ ἐν αὐτῷ γε-

γραμμένα, εἰδώς, ὥς ἐν ᾧ κρίματι κρίνεις, κριθήσῃ, καὶ ἐν ᾧ μέτρῳ μετρεῖς, ἀντιμετρηθῇσῃ. Ὁ δὲ δεξιόμενος τοῦτο ἀσπάζεται τὴν τοῦ πατριάρχου χεῖρα, ὑπὸ τῶν ὑπηρετῶν εὐτρεπίζεται ὁ τοῦ πατριάρχου θρόνος, ἔχων ἐπάνω καὶ τὸ βλατίον καὶ τίθεται ἀντικρὺ τῆς εἰκόνης τοῦ Χριστοῦ, τῆς ἐν ταῖς ὡραίαις πύλαις οὐσης, τὸν μέντοι χειροτονηθέντα λαβόντες οἱ ἐπισκοπιανοὶ καὶ ὁ πρεσβύτερος καὶ ὁ διάκονος φορεμένοι, ἀπέρχονται ἐν τῷ τόπῳ, ἐν ᾧ καὶ ὁ θρόνος ἡτοιμάσθη, καὶ ποιήσαντος τοῦ ἱερέως Εὐλογητόν, ψάλλεται τὸ Τρισάγιον καὶ ἀπολυτίκιον τοῦ Χριστοῦ. Καὶ μνημονεύσαντος τοῦ διακόνου τοὺς βασιλεῖς, τὸν πατριάρχην καὶ τὸν χειροτονηθέντα, καθήσαντός τε τοῦ ἀρτίως χειροτονηθέντος ἐν τῷ θρόνῳ, γίνεται φήμη τῶν βασιλέων, τοῦ πατριάρχου καὶ αὐτοῦ τοῦ χειροτονηθέντος, καὶ εὐθὺς ἡ ἀπόλυσις.

л. 68. Рукою XVI в. Τύπος ἀποκρίσεως εἰς μήνυμα χειροτονίας ἀρχιερέως ἐν τῷ πατριαρχείῳ τῶν Ἱεροσολύμων.

л. 58 об. Тою же рукою: Τύπος ἀποκρίσεως εἰς μήνυμα χειροτονίας ἀρχιερέως ἐν τῷ πατριαρχείῳ Κωνσταντινουπόλεως.

л. 69. Рукою XV в. написаны апостолы, евангелія и три молитвы изъ чина елеосвященія.

XXXIV. № 965. Рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа, 52 листа, писана на пергаменѣ почеркомъ XIV в. Начала и конца рукописи нѣтъ. Въ рукописи изложенъ чинъ елеосвященія, начинающийся вторымъ тропаремъ изъ канона Арсенія. Goar. p. 332—334. Послѣ канона στιχηρά, ἤχος δ'. προσόμοια· Ἐδωκας σημειώσιν. Ἐδωκας τὴν χάριν σου... Βλέψον, ἀκατάληπτε... Goar. p. 334—335. Πρόσδεξαι, φιλάνθρωπε, τῶν οἰκετῶν σου τὴν δέσιν... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ τὸ καθαρώτατον, εἴτα τὸ Τρισάγιον, καὶ εὐθὺς τροπάρια, ἤχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Καὶ νῦν, Πολλὰ τὰ πλήθη, Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας, σωτηρίας... Τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἔλεων, εὐμενῇ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι... τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος... Καί, εἰ μὲν ἐστὶν ἑσπέρα, γίνεται ἀπόλυσις, εἰ δὲ πρωί, τίθεται ἐν τῷ μέσῳ τετραπόδιον μετὰ σκεύους, ἔχοντος σῖτον, καὶ κανδήλαν μετὰ οἴνου, καὶ εὐθὺς λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, καὶ εὐθὺς τὸ Τρισάγιον, Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. τὸ Ν'. τὸ Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ καὶ τὸ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, εἰδ' οὕτως ψάλλονται στιχηρά, κατανυκτικὸν κατ' ἤχον καὶ θεοτοκίον. Τούτων δὲ φαλλομένων, λέγεται ἡ προκειμένη εὐχή παρ' ἐνὸς ἐκάστου ἱερέως, βάλλοντος ἔλαιον ἐν τῇ κανδήλῃ. Εὐχή· Κύριε, ἐν τῷ

ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς. Goar. p. 335. Τὰ κατ' ἦχον τροπάρια, ἦχος α'. Ἐν ἀνομίαις συλληφθεὶς ἐγὼ ὁ ἄσωτος... ἦχος β'. Μητέρα σὲ Θεοῦ ἐπιστάμεθα πάντες... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα πηγὴ... ἦχος γ'. Παροικοῦσα ἐν τῇ γῇ, ψυχὴ μου, μετανόησον... Καταφυγὴ καὶ δύναμις ἡμῶν... ἦχος δ'. Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι, Κύριε... Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενωῶς νῦν προσδράμωμεν... ἦχος πλ. α'. Ψυχὴ τὰ ὧδε πρόσκαιρα, τὰ δὲ ἐκεῖθεν αἰώνια... ἦχος πλ. β'. Τὴν ταχεῖαν σου σκέπην... Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν... ἦχος βαρύς, Τοῦ τελώνου τὴν μετάνοιαν οὐκ ἐξήλασα καὶ τῆς πόρνῃς τὰ δάκρυα κέκτημαι... Ὡς ἔχουσα τὸ συμπαδές... Ὁμματι εὐσπλάγχνῳ, Κύριε... Ἡ νοητὴ πόλις τῆς ζωῆς... Καὶ εὐθὺς κοντάκιον, ἦχος γ'. Τὴν ψυχὴν μου, Κύριε, ἐν ἀμαρτίαις... πλ. δ'. Ἅγιοι, ἀνάρχουροι καὶ θαυματουργοί... Οἱ τὴν χάριν λαβόντες... ἦχος β'. Πρεσβεῖα θερμὴ καὶ τεῖχος... πλ. β'. Προστασία τῶν χριστιανῶν... Εἴθ' οὕτως προσέρχεται ὁ μέλλων ποιῆσαι τὸ ἅγιον ἔλαιον μέσον τῶν ἱερέων καί, ποιήσας κατ' ἀνατολὰς μετανοίας τρεῖς καὶ μίαν πρὸς τοὺς ἱερεῖς, λέγει· Εὐλόγησατε, συγχωρήσχετε μοι τῷ ἀμαρτωλῷ, εἴτε ἡμαρτον ἐν λόγῳ, ἐν ἔργῳ, ἐν γνώσει, ἐν ἀγνοίᾳ, καὶ εὐξασθε ὑπὲρ ἐμοῦ. Καὶ λέγουσιν· Ὁ Θεὸς συγχωρήσαι σοι καὶ ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι. Εἴτα ὁ πρωτοπαπᾶς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῆς κανδήλας· Ἀναρχε, ἀδιάδοχε, ἅγιε τῶν ἁγίων, ὁ τὸν μονογενῆ σου Υἱόν. Goar. p. 337, Καὶ εὐθὺς Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε καὶ τῆς σωτηρίας αὐτοῦ... Ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως... Ὑπὲρ τοῦ ἐλθεῖν ἐπ' αὐτῷ τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, φωτίζουσιν αὐτοῦ τὴν διάνοιαν... Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι αὐτὸν τῆς βασιλείας... Ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Прилож. къ Богослуж. въ русск. церкв. въ XVI в. ч. I, стр. 120, прим. 1. Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι. Προκείμενον, ἦχος α'. Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλεος... Goar. p. 336, апостолъ и евангеліе Прилож. стр. 123. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας, σωτηρίας... τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἰλεων, εὐμενῇ καὶ εὐδιάλλακτον... τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν καὶ ἡ εὐχή· Εὐδιάλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος. Goar. p. 339. Прилож. стр. 124. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Εἰσάκουσον, Κύριε. Εἰσάκουσον, Δέσποτα. Εἰσάκουσον, Ἅγιε. Εἴτα ἅπτει τὴν ὕραλλίδα καί, λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ἀλείφει, λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Прилож. стр. 111. Иже въ липъ нмѣпъ Θαλαλαίου καὶ Τρύφωνος. Ὁ δεῦτερος ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ

и т. д. полная великая ектенѣя, что выше. Εἰρήνη πᾶσι. Προκείμενον, ἦχος β'. Ἰσχύς μου καὶ ὕμνησις,.. Στίχος· Παιδεύων ἐπαίδευσέ με... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους, евангеліе отъ Луки. Прилож. стр. 124. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. что выше. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή· Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ τῆς δόξης Прил. стр. 127. Εἴτα ἀλείφει ἅγιον ἔλαιον, λέγων τὴν προγραφεῖσαν εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Ὁ τρίτος ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ и т. д. великая ектенѣя, что выше. Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι. Προκείμενον, ἦχος пл. δ'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με. Στίχος· Ὅτι τὰ βέλη σου... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους β'. Ἀδελφοί, ὑμεῖς ἐστέ ναὸς Θεοῦ ζώντος. Goar. p. 341. Ἀλληλουῖα, ἦχος пл. β'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεος. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς. Goar. p. 340. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή· Ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε Прилож. стр. 128—129. Καὶ ἀλείφει ἅγιον ἔλαιον κατὰ τοὺς προλαβόντας. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ δ' ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ и т. д. Προκείμενον, ἦχος δ'. Ἐν ᾗ ἂν ἡμέρα, ἀποστόλῃ и евангеліе, что въ Прилож. стр. 128. Εἴτα Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος. Goar. p. 342. Εἰσάκουσον, Κύριε. Εἰσάκουσον, Δέσποτα. Εἰσάκουσον, Ἄγιε. Καὶ ἀλείφει ἅγιον ἔλαιον, ἐπιλέγων καὶ τὴν προγεγραμμένην εὐχὴν κατὰ τοὺς προλαβόντας. Εἴτα ἄρχεται ὁ πέμπτος ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ и т. д., прокимень, ἀποστόλῃ и евангеліе, что въ Прилож. стр. 129. Εἴτα Ἐλέησον ἡμᾶς.. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ σωμάτων ἡμῶν... Goar. p. 343. Εἰσάκουσον, Κύριε. Εἰσάκουσον, Δέσποτα. Εἰσάκουσον Ἄγιε. Καὶ ἀλείφει ἅγιον ἔλαιον, καθὼς καὶ οἱ ἕτεροι. Εἴτα ἄρχεται ὁ ἕκτος ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ и т. д., прокимень, ἀποστόλῃ и евангеліе, что въ Прилож. стр. 130—131. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἡ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. p. 345. Καὶ ἀλείφει ἅγιον ἔλαιον, ἐπιλέγων καὶ τὴν προγεγραμμένην εὐχὴν. Ὁ ἔβδομος ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ... и т. д. Προκείμενον, ἦχος пл. β'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου... Στίχος· Ἐλέησόν με, Κύριε, ὅτι ἀσθενής... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Τιμόθεον· Τέκνον Τιμόθεε, ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι πῇ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ... Τέλος· τῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ μετὰ δόξης αἰωνίου. Ἀλληλουῖα, ἦχος пл. δ'. Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Σωτὴρ ἡμῶν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις τὰ παραπτώματα αὐτῶν... Τέλος· ὅπου γάρ ἐστὶν ὁ θησαυρὸς ὑμῶν, ἐκεῖ ἔσται καὶ ἡ καρ-

διὰ ὑμῶν. Ἐλέησον ἡμᾶς... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν καὶ εὐχή· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβὶδ ἐπὶ τοῖς ἰδίῳις πλημμελήμασιν ἄφεσιν δωρησάμενος καὶ τοῦ Μανασσῆ τὴν ἐπὶ μετανοίᾳ προσευχὴν προσδεξάμενος, αὐτὸς καί. Слич. Прилож. стр. 134. Зѣсь рукопись обрывается.

XXXV. № 994, рукопись Синайск. библи. въ 24 долю листа, 216 листовъ, писана на бомбициниѣ разгошистымъ небрежнымъ почеркомъ XIV в.

л. 1. Чинъ елеосвященія начинается стихирами: Μητέρα σε Θεοῦ ἐπιστάμεθα... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα πηγὴ... Недостаётъ нѣсколькихъ листовъ. Καὶ νῦν, Ἐκ παντοίων κινδύνων τοὺς δούλους σου φύλαττε. Εἴτα γίνεται ἑκτενὴ ὑπὸ τῶν ζ'. ἱερέων, καὶ εὐθὺς συνάπτονται τὰ διακονικὰ τοῦ ἁγίου ἐλαίου. Λέγει ὁ πρῶτος ὁ ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἔλαιον τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς ἐκ Θεοῦ ἐπισκέψεως, συγχωρήσεως πλημμελημάτων καὶ ὑπὲρ τοῦ ὑπελθεῖν ἐπ' αὐτὸν τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Εὐχή. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου... Goar. p. 335. Стиχηρὰ σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἦχος δ'. Ἐδωκας τὴν χάριν σου... и др. Goar. p. 334—335. Ὁ κανὼν τοῦ ἁγίου ἐλαίου p. 332—334. Εἴτα λέγει διακονικὰ τοῦ ἁγίου ἐλαίου, λέγει ὁ πρῶτος· Ἐν εἰρήνῃ (см. выше), καὶ λέγει εὐχὴν· Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει... Goar. p. 335. Εἴτα βάλλει ἔλαιον εἰς τὴν κανδύλην σταυροειδῶς, καὶ λέγουσιν οἱ ἐπτὰ ἱερεῖς καθεξῆς τὴν εὐχὴν ταύτην, βάλλοντες ἔλαιον εἰς τὴν κανδύλην, καὶ μετὰ τοῦτο λέγει θεοτόκια, ἦχος α'. Μητέρα σε Θεοῦ... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα... Καταφυγὴ καὶ δύνამις ἡμῶν... Τῇ Θεοτόκῳ ἑκτενῶς νῦν προσδράμωμεν... Τὴν ταχείαν σου σκέπην... Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν ἐμῶν... Ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου, Δόξα καὶ νῦν, Ἡ νοητὴ πόλις... Λέγει τὸ πρῶτον προκείμενον. Порядокъ апостольскихъ чтеній, евангелій и молитвъ почти тотъ же, что и въ Прилож. стр. 122—134. Разница слѣдующая: послѣ евангелій нѣтъ ектевны; послѣ каждой молитвы καὶ ἀποκρίνονται οἱ ἱερεῖς καὶ ὁ λαὸς ἐκ γ'. Εἰσάκουσον, Κύριε, εἰσάκουσον, пятое евангеліе отъ Іоанна: Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἐκ τοῦ μαθηταῖς· μὴ ταρატтесѣω ὑμῶν ἡ καρдіа... Τέλος· ἐὰν θέλητε, αἰτήσεσθε καὶ γενήσεται ὑμῖν. Седьмой апостолъ къ Тимофею: Τέκνον Τιμόθεε, ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι τῇ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ... Τέλος· τῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ μετὰ δόξης αἰωνίου. Ἀλληλουάριον, ἦχος δ'. Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ Σωτήρ... Εὐαγγε-

λιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις τὰ παράπτωματα αὐτῶν... Τέλος· ἐκεῖ ἔσται καὶ ἡ καρδία ὑμῶν. Послѣ 7 молитвы καὶ τίθῃσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ ἀρρώστου ἀσκεπάστου καὶ ἄζώστου, καὶ κρατοῦσιν οἱ ἕξ ἱερεῖς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ὁ ἔβδομος ἱερεὺς ἀναγινώσκει τὴν παροῦσαν εὐχὴν μεγαλοφώνως. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐσπλαγχνε, πολυεὐσπλαγχνε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον... Прилож. стр. 133. Εἶτα ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ μετὰ τὸν ἀσπασμὸν συναλείφουσιν αὐτὸν καθεξῆς οἱ ζ'. ἱερεῖς τὸ μέτωπον, τὴν κεφαλὴν, τὸ στήθος, τὰς χεῖρας, τὰ γόνατα καί, εἰ δυνατόν, ὅλον τὸ σῶμα, ἔπειτα· πάλιν λέγουσιν οἱ ἱερεῖς ὅλοι καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. p. 338... σωματικῆς καὶ ψυχικῆς ἀρρώστιας διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ ζωοποιήσον αὐτὸν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, ἵνα καὶ τὴν ὀφειλομένην σοι εὐχαριστείαν ἐν ἀγαθοεργίᾳ ἀποπληροῖ·—Σὸν γὰρ ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν, καὶ σὺ εἰ ὁ ἰατρός τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, ὁ Θεός, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ... Ἀλείφοντες δὲ οἱ ἱερεῖς τὸν ἀσθενῆ, ψάλλουσι καὶ τὸ Ἑλέησόν με, ὁ Θεός... Εἶτα ψάλλουσι στιχηρὰ τῶν ἁγίων Ἀναργύρων, Δόξα, ἤχος δ'. Πηγὴ ἱαμάτων ἔχοντες Ἀνάργυροι... Καὶ νῦν, Ἐκ παντοίων κινδύνων... Εἶτα γίνεται ἐκτενὴ ὑπὸ τῶν ζ'. ἱερέων Ἑλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνά ὑγείας, σωτηρίας... Μνημονεύουσι δὲ καὶ οἱ ζ'. ἱερεῖς κατὰ τάξιν, καὶ οὕτως γίνεται τελεία ἀπόλυσις, λεγομένου Χριστὸς ἀληθινός...

л. 89. Στιχηρὰ σὺν Θεῷ τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Ἦχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου σου. Πίστει προσερχόμενον πρὸς σέ... Ἐχων τὴν πηγὴν τῶν οἰκτιρμῶν... Τεῖχος ὑπερβήσομαι ἐν σοί... Ὁ κανὼν, φέρων ἀκροστιχίδα· Εὐδόκιμον τέλος Εὐδοκίμω μοι, Χριστέ, πρᾶσχου. Ὡδὴ α'. ἤχος, Δεῦτε λαοὶ ἄσωμεν... Ἐπὶ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν. Goar. p. 403. Εἰς τὴν λειτουργίαν, ἀντίφωνον α'. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... ἀντίφωνον β'. Δόξα τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ, ἀντίφωνον γ'. Ἰσταται δὲ ὁ τὸ σχῆμα μέλλων λαμβάνειν, ἀρχομένου τοῦ πρώτου ἀντιφώνου τῆς λειτουργίας ἔνδον τῆς βασιλικῆς πύλης, φορῶν δὲ τὰ πρὸς συνήθειαν καθημερινὰ αὐτοῦ ἱμάτια μέχρι τῆς εἰσόδου... Нѣтъ листа. Ὅταν ἔλθῃς ἐν τῇ δόξῃ σου... Μνήσθητί μου, Κύριε... Ὅσοι ἐν κόσμῳ ποθεῖνὰ ἐγκατελίπατε... Ὁ θέλων πάντας εἰς ἐπίγνωσιν ἐλθεῖν... Πάντων τῶν προσκαίρων... Πάντας τῆς σαρκὸς τὰς ἡδονάς... Τρίβον τὴν πλατείαν καὶ εὐρύχορον... Δόξα, Χαῖρε τῆς παρθενίας... Goar. p. 414. Εἶτα εἰσόδος, τοῦ διακόνου λέγοντος· Σοφία, καὶ ψάλλουσιν οἱ παρόντες μοναχοὶ τὰ ἀντίφωνα, καὶ καὶ ἑκάστην Δόξαν, βραχὺ μεθιστάμενος ἕως τῆς ἐπάρξεως

τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἐν ᾧ λέγεται τροπάρια. Недостаетъ нѣсколькихъ листовъ. Далѣе до конца чинъ, что въ ркн. № 971 л. 238 Син. библ. См. выше стр. 259—260.

л. 183 об. Κατήχησις σύντομος τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων и т. д. Всѣ вопросы слиты въ одно. На послѣдній изъ нихъ постригаемый отвѣчаетъ: Ναί, τίμια πάτερ. Εὐχὴν ὁ ἱερεὺς· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεός. p. 409. Καὶ σφραγίζει ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τρίτον καί, τοῦ διακόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, εὐχεται ὁ ἱερεὺς ταῦτα· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν ὁ ἀξιόσους σου εἶναι νομοθετήσας... Goar. p. 385. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς. Εὐχεται ὁ ἱερεὺς ταῦτα· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας... Goar. p. 382. Εἶτα ἐγείρει αὐτὸν καί, κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρός, εἰσφέρει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, καὶ ποιεῖ μετάνοιαν, καὶ ἀνιστάμενος προσκυνεῖ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καί, ἐκτείνας τὴν χεῖρα αὐτοῦ, ὁ κατηχητὴς λέγει· Ἰδοὺ ὁ Χριστός... и т. д. pag. 385—386. Καὶ ἀπὸ τοῦ εὐαγγελίου (послѣ пострижения), εἰσερχομένου αὐτοῦ μετὰ τοῦ κολοβίου ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, ἐνδύει αὐτὸν ὁ κατηχητὴς, λέγων· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται κ. т. д. Goar. p. 386. Καὶ μετὰ τὸ ἀμφιᾶσθαι αὐτόν, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ κλίνοντος τὸν αὐχένα τοῦ λαμβάνοντος τὸ σχῆμα, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου... p. 412. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχή· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου... p. 413.

л. 199 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία τοῦ προσχήματος.

Μετὰ τὸ σημεῖναι τὴν λειτουργίαν καὶ συναχθῆναι πάντας, ψάλλουσαν τὸ Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου, καὶ τὸ Αἶνει ἡ ψυχὴ μου, καὶ τὸ Ὁ μονογενὴς Υἱός, καὶ τότε φέρει τὸν κουρευόμενον ὁ ἱερεὺς καί, θείς τὸ εὐαγγέλιον εἰς τὸ ἀντιμίνει(ον) καὶ τὸ φαλλίδιον ἐπάνω αὐτοῦ, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπὶ τὸν κουρευόμενον. Εὐχή· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε... p. 378. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν... p. 376. Εἶτα ἐρωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (καί) λέγει· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, и т. д. Goar. pag. 407. Βλέπε, τέκνον, οἷας συνθήκας δίδως... до тѣхъ δευτέρω παρουσίᾳ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Καὶ μαθὼν τὴν γνώμην αὐτοῦ ἀσφαλῶς, ἀπάρχεται τῆς κατηχήσεως ταύτης· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως... Goar. p. 385. Καὶ εἰθ' οὕτως (т. е. послѣ пострижения) παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ μοναχοὶ καὶ κουρεύουσιν ἐν τῷ διακονικῷ, ψάλλων τὸν ἁμωμόν, ἐν δὲ τῷ ναῷ ἄρχονται τοὺς μακαρισμούς, καὶ γίνεται ἡ εἵσοδος, καὶ τὸ

εἰσοδικόν, καὶ πρὸ τοῦ Τρισαγίου φέρουσι πάλιν τὸν κουρευθέντα ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ λέγει εὐχὴν ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ χορηγὸς τοῦ ἁγίου καὶ ζωοποιοῦ Πνεύματος, ὁ διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ ἐκκόψας τὴν ὑπερῆφανίαν τοῦ ἀντικειμένου καὶ ἐπιχέων τὴν δόξαν τῆς ταπεινοφροσύνης... См. выше стр. 224. Καὶ ἐνδύει αὐτὸν στιχάριον μαῦρον καὶ παλῖον, καὶ μανδύον, λέγει οὕτως· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸ πρόσχημα τῆς ἀγγελικῆς καταστάσεως, εἵπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ, τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Καὶ μετὰ ταῦτα πάλιν ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπίζόντων ἐπὶ σὲ Goar. p. 385. Καὶ εὐθέως ἄρχεται τὴν συναπτὴν τοῦ Τρισαγίου λέγει κατὰ προσθήκην ὁ διάκονος· Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ... Ὑπὲρ τοῦ διάγειν αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ διάγειν αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι... Goar. p. 387.

л. 124. Εὐχὴ εἰς ἀποθνήσκοντα νήπια, ἔχουσα τὸ προοίμιον πάνυ σύντομον τῶν ἁγίων βαπτισμάτων.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάσης κτίσεως... p. 303. Καὶ εὐθέως βάλλει ἔλαιον εἰς τὸ ὕδωρ, εἶτα Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... καὶ στολίζει αὐτόν, ἀλείφει τῷ ἁγίῳ μύρῳ, καὶ λέγει· Ὅσοι εἰς Χριστόν...

XXXVI. № 990 Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа, 83 листа, писана четкимъ почеркомъ XIV в. Начала въ рукописи нѣтъ.

л. Чинъ погребенія мірскихъ чловѣкъ. Начинается тропарями „Путь узкій“ и др. тропари, ектенья, канонъ: „Υἱρὰν διοδεύσας... Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ... Νεότητος πταίσματα παρορῶν... Συνέλαβε Λόγον τοῦ Πατρὸς... прокимень, апостолъ и евангеліе. Goar. pag. 340. Δόξα καὶ νῦν, Πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε... Καὶ γινομένου ἀσπασμοῦ, ψάλλονται ταῦτα, ἥχος β'. προσόμοια· Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί... Τρέμω τὸ κριτήριον, Χριστέ... Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα κατ' ἥχον, ἥχος α'. Ποία τοῦ βίου τρυφὴ διαμένει... Ἐργῳ, Σωτήρ μου, δεικνύεις... ἥχος β'. Ἐκ γῆς πλαστουργήσας με εἰς γῆν πάλιν πορεύεσθαι... Ὡς ἄνθος μαραίνεται... ἥχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... Ἀνθρώποι, τί μάτην ταραττόμεθα... Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Εἰς τὴν κατάπαυσίν σου, Κύριε... Ἦχος πλ. α'. Ἐμνήσθην τοῦ προφῆτου βοῶντος... Σὺ ἐπλάσας με, Κύριε, καὶ ἔδηκας ἐπ' ἐμέ... ἥχος πλ.

β'. Ἀρχή μοι καὶ ὑπόστασις... Ἄλγος τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτησεν... ἦχος βαρύς· Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν ζωοδότα... Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστουργήσας... ἦχος πλ. δ'. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Ὁρηνῶ καὶ ὁδύρομαι... pag. 42J. Δόξα, Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ· ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Καὶ νῦν, Ἀγνή Παρθένε... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὑρεῖν αὐτὸν χάριν καὶ ἔλεος... Ἐτι δεόμεθα καὶ ὑπὲρ ἀναπαύσεως πάντων τῶν προκοιμηθέντων... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Ὅτι ἐλεήμων... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Ἀπόλυσις· Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Χριστὸς ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν...

л. 24 об. Ἀκολουθία νεκρώσιμος, ψαλλομένη ἐπὶ κολύβων.

Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντων νεκρῶν καὶ ζώντων νῦν καὶ ἀεί... φαλμός 90, Ἀλληλουία, Ὁ βυθοῖς σοφίας... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος, καὶ λιμένα... ὁ πεντηχοστός, στιχηρὰ νεκρώσιμα κατ' ἦχον· Ποία τοῦ βίου τρυφή... ἦχος β'. Ὡς ἄνθος μαραίνεται... ἦχος γ'. Πάντα ματαιότης... ἦχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Εἰς τὴν κατάπαυσιν... Δόξα Σὺ εἶ ὁ Θεός... Καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή... Ἐτι καὶ ἔτι..., τὸ κοντάκιον, ἦχος πλ. δ'. Μετὰ τῶν ἀγίων ἀνάπαυσον... ὁ οἶκος· Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις... ἦχος πλ. α'. Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος... ἦχος πλ. β'. Ἀρχή μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοургόν σου... ἦχος βαρύς· Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... ἦχος πλ. δ'. Ὁρηνῶ καὶ ὁδύρομαι... Δόξα καὶ νῦν, Καθὼς εἶπας Κύριε τῇ Μάρθᾳ... Δόξα καὶ νῦν, Ἀγνή Παρθένε... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἀπόλυσις· Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν...

л. 30 об. Ἐτερος κανὼν νεκρώσιμος. Goar. p. 426.

л. 38. Блаженны всѣхъ восьми гласовъ.

XXXVII. № 983 Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа, 199 листовъ, писана на бомбицианѣ крупнымъ почеркомъ XIV в. Начала въ рукописи вѣтъ.

л. 1. Чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста, состоящій изъ молитвъ.

л. 31. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας λεγόμεναι εἰς λοχικόν. Goar. pag. 597—563.

л. 71. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου.

Предъ чиномъ имѣется полустертое изображение св. Василия Великаго. Въ концѣ чина находимъ двѣ заамвонныя молитвы: „Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντας“... и Дѣспота Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Σωτήρ

ἡμῶν, ὃ καταξιώσας ἡμᾶς τῆς σῆς δόξης κοινωνοὺς γενέσθαι... Swains. pag. 170 not. 2.

л. 146. 'Επὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου. Goar. p. 251 Cod. S. Marci.

л. 156. Хиротонія во священника p. 244. Cod. S. Marci.

л. 164. 'Επὶ χειροτονίᾳ διακόνου. p. 211. Codex. S. Marci, но безъ замѣчанія о рукоположеніи за литургією преждеосвященныхъ.

л. 172. 'Επὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου. Goar. p. 204.

л. 175 об. 'Επὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου. Goar. p. 195. Cod. S. Marci.

л. 177 об. Διακονικά τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

'Εν εἰρήνῃ... 'Υπὲρ τῆς ἀνωθεν... 'Υπὲρ τῆς εἰρήνης... 'Υπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... 'Υπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο... 'Υπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι... 'Υπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι... 'Υπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς... 'Υπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ ἁγίασμα καὶ σωτηρίαν... 'Υπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πᾶσι τοῖς χριομένους... 'Υπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς... 'Υπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... 'Αντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... 'Ο πρόλογος τῶν ἁγίων Θεοφανίων· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός... Goar. p. 368. Εὐχὴ ἐτέρα τῶν Φώτων· 'Ο Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκὺ μεταποιήσας. Goar. pag. 363. Δοξάζομέν σε, Δέσποτα πανάγιε, παντοκράτωρ, προαιώνιε βασιλεῦ. Goar. p. 369. Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου... p. 370. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. 'Οἱερὸς ἐπεύχεται· Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν... p. 371. Евангеліе на водоосвященіе.

XXXVIII. № 991 Εὐχολόγιον греко-арабскій, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа, 203 листа, писана разными и весьма дурными почерками XIV в.

л. 1 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. Но эта надпись сдѣлана неправильно, такъ какъ подъ нею изложенъ чинъ елеосвященія, начинающійся канономъ. Goar. p. 332. Εἷτα συναχθέντων ἐπτὰ πρεσβυτέρων, ποιῶσι καὶ τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν. 'Ο πρῶτος ἱερεὺς· 'Εν εἰρήνῃ... τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν... ἤχος δ'. 'Εδωκας τὴν χάριν σου... Βλέψον, ἀκατάληπτε... Χρίσει τοῦ ἐλαίου σου... 'Εν εἰρήνῃ... 'Υπὲρ τῆς ἀνωθεν... 'Υπὲρ τῆς εἰρήνης... 'Υπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... 'Υπὲρ τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν Νικολάου πατριάρχου¹⁾...

¹⁾ Это, нужно полагать, имя александрийскаго патріарха Николая III.

Ἵπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἔλαιον τοῦτον τοῦ Κυρίου... Ἵπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ καὶ τῆς ἐκ Θεοῦ ἐπισκέψεως, συγχωρήσεως... Ἵπὲρ τοῦ ῥυσιθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀχράντου, ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων Ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Ἑρμολάου, Παντελεήμονος, Διομήδους, Αἰμιλιανοῦ καὶ τοῦ ἁγίου προφήτου καὶ ἐνδόξου προδρόμου καὶ Βαπτιστοῦ Ἰωάννου καὶ πάντων τῶν ἁγίων... Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς εὐχὴν τοῦ ἁγίου ἐλαίου· Κύριε, Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς... ρ. 335. Θεοτοκία λέγει, ἥχος α΄. Μητέρα σὲ Θεοῦ... ἥχος β΄. Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα... ἥχος γ΄. Καταφυγὴ καὶ δύναμις ἡμῶν... ἥχος δ΄. Τῇ Θεοτόκῃ ἐκτενῶς... ἥχος πλ. α΄. Τὴν ταχεῖάν σου σκέπην... ἥχος πλ. β΄. Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν ἑμῶν... ἥχος βαρύς· Ὡς ἔχουσα τὸ συμπαθές... Ὁ πρῶτος ἱερεὺς προκείμενον. *Порядокъ чтенiй изъ апостола и евангелiя, что въ ркп. Синайск. библ. № 994. (См. выше стр. 323) Седьмой апостолъ къ Ефесеймъ: Ἀδελφοί, ἐνδυναμοῦσθε ἐν Κυρίῳ καὶ ἐν τῷ κράτει... Τέλος τὴν μακάριαν τοῦ Πνεύματος, ὃ ἐστὶ ῥῆμα Θεοῦ. Послѣ перваго евангелiя читается молитва: Δέσποτα Χριστέ βασιλεῦ τῶν αἰώνων, ὃ ἐξ οὐκ ὄντων τὰ πάντα παραγαγών, ὃ τὸν ὁρατὸν κόσμον ὑποστήσας λόγῳ τε καὶ δυνάμει... Послѣ втораго: „Εὐδιᾶλλαхτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων... Прилож. стр. 124. Послѣ третьяго—Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς ἰατρός τῶν ψυχῶν, οὗ τῷ μῶλωπι πάντες σοι ἰάθημεν, ὁ ποιμὴν ὁ καλὸς ὁ εἰς ζήτησιν... Goar. p. 343. Послѣ четвертаго—Παιδεύων καὶ ἰώμενος, ἐγείρων ἀπὸ γῆς... Goar. p. 342. Послѣ пятаго: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν τῶν δυνάμεων, ἐπὶ πᾶσιν, ὅς ἐποίησας εἰς τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν, ὅτι ἐν τῷ ἐλέει σου καὶ τῇ εὐσπλαγχνίᾳ σου οἰκονόμησας τὴν ζωὴν ἡμῶν... Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ Κύριος τῶν κυριεύοντων καὶ Θεὸς πάσης· παρακλήσεως, ὁ παρακαλῶν πάντας τοὺς ἐπιδεομένους... См. выше стр. 210. Послѣ седьмаго—Ἐτι δεόμεθά σου, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων καὶ ἐλεήμων, ὁ πάντων ἐξουσιастής, παρακλήθητι. См. выше стр. 244. Послѣ каждой молитвы ἀποκρίνονται· Εἰσάκουσον, Κύριε γ΄. Καὶ μετὰ τὴν πρόχειρόν τὴν(;) προσφέρει τὸν μέλλοντα τὸ συναλεῖψαι καὶ τὸν σὺν αὐτῷ ἔμπροσθεν τῆς κανδήλας, εἴτα ἔρχονται οἱ ἱερεῖς καὶ ἵστανται ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ τρεῖς καὶ ἐξ εὐωνύμων τρεῖς, καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς ἐβδομος καὶ τίθησι τὸ ἱερόν εὐαγγέλιον ἐπάνω ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀρρώστου, καὶ οἱ ἑξ πρεσβύτεροι κρατοῦσι τὸ εὐαγγέλιον τῇ δεξιᾷ αὐτῶν χειρί, ὁ ἐβδομος λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάντων· Εὐσπλαγγνε, πολυέλεε, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον... Прилож. стр. 133. Εἴτα συναλεῖ-*

φεται ὁ ἀσθενὴς ἀδελφὸς ὑπὸ τῶν ἱερέων ἐξομολογουμένων, ἕκαστος λέγει τὴν εὐχὴν ἐν τῷ πέλφ(;) Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Ὅτι ἐστὶν ἐν κρίσει, ὁ ἀσθενὴς λέγει τὸν στίχον· Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου, τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. Καὶ μετὰ τὸ ἀλεῖψαι καὶ αὐτὸ λέγει τὸ τροπάριον, ἤχος δ'. Πηγὴ ἰαμάτων... Δόξα καὶ νῦν, Μὴν ἀγνή... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου... καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν ἀπόλυσιν· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν... Εἴτα παραμένει ὁ ἀσθενὴς ἀδελφὸς ἐν τῇ ἀγίᾳ ἐκκλησίᾳ ἑπτὰ ἡμέρας, συναλείφεται δὲ καὶ ἀπὸ τῆς ἀγίας κανδήλας, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 99 ὑβ. Ἀκολουθία τοῦ ἀγιασμοῦ τῶν ἀγίων Θεοφανίων.

Начало чина обычное. Послѣ евангелія ектения: „Εἰπώμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς καὶ πατριάρχου... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν Βηθλεὲμ γεννηθεὶς καὶ ἐν φάτνῃ ἀνακληθεὶς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πηγάζων ἡμῖν φωτισμὸν καὶ ἀγιασμόν, δεόμεθα, ὁ ἐν Ἰορδάνῃ βαπτισθῆναι παραγενόμενος... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ περᾶναι ἐν αὐτοῖς ταῦ ψυχικόνου πολέμιου τὴν δύναμιν... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτιζομένους, ὡς τοὺς φωστῆρας... Ὑπὲρ τῶν εὐτρεπιζομένων εἰς τὸ ἅγιον βάπτισμα καὶ τῆς... Ὑπὲρ εὐκρασίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων, ὁδοιπορούντων... Ὑπὲρ πάντων τῶν χρυζόντων τῆς παρὰ τοῦ Θεοῦ... Καὶ ὑπὲρ τοῦ περιεστῶτος λαοῦ καὶ ἀπεκδεχομένου τὸ παρὰ σοῦ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Кроме этихъ прошеній, далѣ слѣдуютъ еще 28 прошеній о водѣ, изъ которыхъ нѣкоторыя повторяются въ другой разъ. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός... Goar. p. 368. Εἴτα λέγει· Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ, ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία γ'. Κύριε τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις... γ'. Πληρωθήτω τὸ στόμα μου... γ'. Τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται μεγαλοφώνως· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιαζῶν τὰ σύμπαντα. Δοξάζομέν σε, Δέσποτα Θεὲ παντοκράτωρ, πραιοῦνιε βασιλεῦ... Goar. p. 369. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου... p. 371. Βαπτίζει τὸν σταυρόν, Ἀλληλούια, Στίχος· Ἰδοὺ σε ὕδατα, ὁ Θεός, Ἰδοὺ σε ὕδατα καί... Δόξα καὶ νῦν, Αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων ἡγιασθησαν, Χριστοῦ φανέντος, Χριστοῦ βαπτισθέντος ἐν δόξῃ σήμερον ἐν τῷ Ἰορδάνῃ. Στίχος· Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων ὁ Θεὸς τῆς δόξης... Δόξα καὶ νῦν, Μέγας ὁ σταυρὸς ἐφάνη ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ καταβαίνου-

σιν δοῦλοι τῆς ἁμαρτίας καὶ ἀναβαίνουσι τέκνα τῆς ἀφθαρσίας· δεύτερον
φῶς λαβόντες καὶ τὸν μαργαρίτην Χριστὸν ἐνδυσάμενοι, τροπάριον γ'. Ἐν
Ἰορδάνῃ... Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων πάντας ἡμᾶς διὰ
τῆς μεταλήψεως τῶν ἁγίων καὶ ἀχράντων καὶ ζωοποιῶν αὐτοῦ μυστη-
ρίων νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Ἐκφώνησις: Ὅτι ἡγίασ-
ται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπές.

л. 130. Чинъ литургіи Василя Великаго состоитъ изъ ектеній и молитвъ. Въ отпустѣ упоминается евангелистъ Маркъ и великомученикъ Георгій, что также указываетъ на александрійское происхожденіе настоящей рукописи.

π. 164. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀγαῖσαι τὸ παιδίον ἐν τῇ ἀγδῶν ἡμέρᾳ καὶ λαβὼν ὄνομα ἀπὸ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. τὸ εὐχόμεθα...
Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα... Goar. p. 264.

λ. 165. Εὐχὴ εἰσερχομένου παιδίου ἐν τῇ μ'. ἡμέρᾳ εἰς τὸν ναόν.
 Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν
 ἀνθρώπων. Goar. p. 267. Κατακόσμησον τὸν νυμφῶνά σου Σιών καὶ
 ὑπόδεξαι τὸν βασιλέα Χριστόν, ἄσπασαι τὴν Μαριὰμ τὴν ἐπουράνιον πύ-
 λην· αὐτὴ γὰρ θρόνος χειρουβικὸς ἀναδεΐχθεις, αὐτὴ βαστάζει τὸν βασι-
 λέα τῆς δόξης, νεφέλῃ φωτὸς ὑπάρχει· ἡ Παρθένος, φέρουσα ἐν χειρὶ
 Υἱὸν προεωσφόρον, ὃν, λαβὼν Συμεὼν ἐν ἀγκάλαις αὐτοῦ, ἐκήρυξε λαοῖς·
 Δεσπότης αὐτὸς εἶναι ζωῆς καὶ τοῦ θανάτου καὶ Σωτὴρ τοῦ κόσμου.
 Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις
 κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερόν ἀναλθών. Прплож. 19.

л: 168. Чинъ крещенія. Ἐκ τῆς ἀρχαίας ἑκδόσεως
Начинается обычными огласительными молитвами. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἀποδυομένου αὐτοῦ καὶ ἀπολυομένου, ἀποστρέφει αὐτὸν ἐπὶ δυσμᾶς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος· ἢ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ πρὸς ἕκαστον τούτων· τριτὸν· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ ὡς κυρίῳ Χριστῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι.

[illegible]

Καὶ μετὰ ταῦτα πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐπεταξάμην τῷ ἱστανᾷ. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος· Ἐπεταξάμην. Καὶ ὅτε ἔφη τοῦτο τρίτον, πάλιν λέγει αὐτῷ ὁ ἱερεὺς· Ἐμφύσησον αὐτῷ. Καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ ὁ κατηχούμενος ἢ ὁ ἀνάδοχος. Καὶ μετὰ τοῦτο ἱστᾷ αὐτὸν πάλιν κατὰ ἀνατολὰς, κάτω τὰς γεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει τρίτον· Καὶ συντάσσομαι τῷ

Χριστῷ καὶ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν Πατέρα παντοκράτορα καὶ τὸ λοιπὸν μέχρι τέλους... Далѣ, какъ въ Прилож. стр. 11. Διακονικὰ τοῦ ἁγιασμοῦ, μετὰ τὸ θυμᾶσαι τὴν ἁγίαν κολυμβήθραν... Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου ὁίκου... Ὑπὲρ τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι ἐν τοῖς ὕδασι τούτοις... Ὑπὲρ τοῦ πᾶσαν ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχοκτόνου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἐπ' αὐτά... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτισομένους... Ὑπὲρ τοῦ ἀσφαλῆσαι αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ περιπατῆσαι αὐτοὺς ἀξίους... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εὐχὴ μετὰ τὸ θυμᾶσαι τὴν ἁγίαν κολυμβήθραν καὶ ἀποδοῦναι τὸν θυμικὸν γίνεται ἡ συναπτὴ εὐχὴ ὑπὸ τοῦ διακόνου καί, ταύτης γινομένης, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην, κλινομένου αὐτοῦ· Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός... См. Прилож. стр. 12—13. По крещеніи поетъ священникъ Μακάριοι ὦν... γ'. καὶ Δόξα καὶ νῦν, καὶ λέγει σὺν τῷ στίχῳ τούτῳ, ἦχος πλ. δ'. Μέγας ὁ σταυρὸς ἐφάνη ἐν τῇ... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ... Goar. p. 290. Εὐχὴ εἰς τὰ μυρίσαι τὸ παιδίον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν· Παντοδύναμε παντοκράτωρ, ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ἀναγεννῆσαι εὐδοκήσας τοὺς παῖδας καὶ τὰς παιδίσκας σου (διὰ τῶν ὕδατος καὶ Πνεύματος ἁγίου... Καὶ χρεῖε αὐτοὺς τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν τοῦ σταυροῦ τύπον· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἐπὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς· Χρίσμα ἅγιον ζωῆς ἀκαταλύτου. Ἐπὶ τὰ ὦτα· Χρίσμα μετέχον ζωῆς ἀθανάτου. Ἐπὶ τοῦ μυκτῆρος· Χρίσμα ἀρράβωνας βασιλείας οὐρανῶν. Ἐπὶ τοῦ λάρυγγος· Χρίσμα εἰς περιποίησιν ψυχῶν καὶ σωμάτων. Ἐπὶ τὸ στῆθος· Εἰς ἔνδυμα τοῦ βασιλικοῦ ἀξιώματος. Ἐπὶ μεταφρένων· Πλήρωμα δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἐξωθεν τῶν δύο χειρῶν· Θώρηκα πίστεως καὶ ἀληθείας. Ἐπὶ τοὺς πόδας· Βάσις θείας ὁδοῦ. Χρίσμα δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ὅσοι εἰς Χριστόν... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐδόκησον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ταύτην τὴν συμπλήρωσιν... Прилож. стр. 22. Παντοδύναμε παντοκράτωρ, ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ἀναγεννῆσαι εὐδοκήσας... (См. выше).

19. 200. Омовение младенца. За крест. крест. крест. 19.

Ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς θείας κολυμβήθρας τὴν οὐράνιον ἔλλαμψιν τοῖς βαπτισομένοις παρέχων... Goar. p. 304. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος τοῖς δούλοις σου δωρησάμενος... p. 303. Τοῦ

Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή τῆς καταλύσεως τῶν ὑδάτων· Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ συνάγων τὰ ὕδατα εἰς τὰς συναγωγὰς αὐτῶν καὶ θεῖς τὴν ἄμμον ὄριον θαλασσῶν καὶ στεγάζων ἐν ὕδασι τὰ ὑπερῷα αὐτοῦ καὶ φυλάσσων πᾶσαν φύσιν αἰσθητὴν καὶ νοεράν, ἐπίστρεφον καὶ ὕδωρ τοῦτο εἰς τὴν φύσιν αὐτοῦ πρώτην καὶ κλίσιν αὐτοῦ. Ὅτι σὺ εἶ λύτρωσις πάντων ἡμῶν καὶ σωτήρ. δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ...

XXXIX. № 981 Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библи. въ 16 долю листа писана частию на бумагѣ, а частию на бомбицинѣ разными почерками. Основа Служебника писана на бомбицинѣ почеркомъ красивымъ и четкимъ XIV в., а добавленіе къ нему на бумагѣ сдѣланы рукою XVI в. Листовъ 291. Рукопись замѣчательна въ томъ отношеніи, что представляетъ механическую попытку соединенія древнихъ чиновъ, съ позднѣйшими.

л. 1. Ἀκολουθία νεκρώσιμος XVI в.

17 каѳизма, Τῶν ἀγίων ὁ χορός... и др. Ποία τοῦ βίου τρυφή... ἦχος β'. Οἱμοι οἷον ἀγῶνα... и т. д. Goar p. 428—429. Ὅποῖον ποτήριον μένει τοῖς βροτοῖς ἀπαραίτητον καὶ οὐδεὶς πρὸ τοῦ ποιεῖν γινώσκει... Καὶ νῦν, Ἡ σκέπη σου, Θεοτόκε Παρθένε... Τὰ κοντάκια πλ. δ'. Τὸν μεταστάντα ἐξ ἡμῶν... Αὐτὸς μόνος παρέχεις... Goar. p. 457. После тропаря: Συνοδεύσατε, φίλοι... слѣдуютъ: Ἐγὼ εἶδον καὶ νῆπια θνήσκοντα... Παναγία Παρθένε, ἀνύμφευτε. Ко всѣмъ этимъ тропарямъ припѣвъ Ἀλληλουία. Лжстѣн тоῦ πхраδѣисου и другія египхирь на блаженны, а погомъ евангеліе и ектенья см. у Goar. p. 430. Εἶθ' οὕτως γίνεται ἀσπασμός ἦχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός... Πάντα τοῦ σώματός μου νῦν τὰ ὄργανα... Οἷα ἡ ζωὴ ἡμῶν ἐστὶν ἄνθος καὶ ἀτμὶς τε... Σήμερον ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανόγχις... Σήμερον μπαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέφομεν... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μῆτερ, τοῦ ἀδύτου ἡλίου... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε τῶν θλιβομένων παραμοῦθια. Goar. p. 453. Ἐτέρα εὐχή εἰς ἱερέα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σου τὸ ζῆν ἀθάνατον... p. 452. Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν Χριστὸς ὁ ἀληθινός... Εἶθ' οὕτως αἵρεται ὁ νεκρὸς ἐν τῷ τάφῳ, ἀδόμενον καὶ τὸ Τρισάγιον. Τιθέντος δὲ τοῦ νεκροῦ ἐν τῷ τάφῳ, σφραγίζει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς μετὰ τῆς κανδύλας σταυροειδῶς καὶ λέγει· Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος νενέχρωται γ'.

л. 24 XVI в. Канὼν εἰς ψυχὸρράγοῦντας. Goar. p. 585. Въ концѣ канона двѣ молитвы: Δέσποτα Κύριε παντοκράτωρ, ὁ πάντων ἀνδρῶν

πων θέλων σωθῆναι... p. 587. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἱερέα ψυχορράγοῦντα· Εὐ-
χαριστοῦμέν σε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 452.

л. 3 об. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου ἔλαιου ὑπὸ ζ'. ἱερέων XVI β.

'Εσπέρας ἡ πρωὶ συναχθέντες οἱ ἑπτὰ ἱερεῖς ἐν ἐκκλησίᾳ ἡ ἐν οἴκῳ, εὐλογοῦντος τοῦ πρώτου ἱερέως, ψάλλουσι Τρισάγιον, Κύριε ἐλέη-
σον β'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. καὶ τὸν Ν'. καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν η σπη-
χιρυ. Goar. p. 332. Εἴτα τὸ Τρισάγιον καὶ εὐθὺς τροπάρια, 'Ελέησον
ἡμᾶς... Πολλὰ τὰ πλήθη... 'Ελέησον ἡμᾶς... Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ...
Καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον γ'. καὶ ἀπόλυσις. 'Ο ἱερεὺς ὁ πρῶτος τὸ 'Ελέησον ὁ
Θεὸς γ'. τὸ Πιστεύω. Τούτου δὲ λεγομένου, λέγεται ἡ προκειμένη εὐχὴ
παρ' ἐνὸς ἐκάστου ἱερέως, βάλλοντος ἔλαιον· Κύριε ὁ τῷ ἐλέει καὶ τοῖς
οἰκτιρμοῖς σου... Goar. p. 335. Εἴτα τροπάρια τῆς ἐβδομάδος· Τῶν οὐ-
ρανίων στρατιῶν... Μνήμη δικαίου... Σῶσον, Κύριε... Οἱ τῶν ἀποστόλων
πρωτόθρονοι... Κανόνα πίστεως... Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι, Κύ-
ριε... Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς... 'Αγιοι 'Ανάγυροι... 'Ο τῶν αἰχμαλώτων
ὁ ἐλευθερωτής... Καὶ εὐθὺς τὰ κοντάκια· Τὴν ψυχὴν μου, Κύριε, ἐν ἁμαρ-
τίαις παντίαις... Οἱ τὴν χάριν λαβόντες τῶν ἱαμάτων... 'Αρχιστράτηγοι
Θεοῦ λειτουργοί... Προφήτου Θεοῦ καὶ Προδρόμου... 'Ο ὑψωθείς ἐν τῷ
σταυρῷ... Τοὺς ἀσφαλεῖς καὶ θεοφθόγγους... 'Εν τοῖς μύροις ἅγιε ἱερουρ-
γός... 'Εκ τῶν οὐρανῶν... 'Ωφθης βάσις ἀσιςτος.. Θεολόγῳ γνώσει σου...
Γεωργηθεὶς ὑπὸ Θεοῦ ἀνεδείχθης .. Προστασία τῶν χριστιανῶν... Τῇ ὑπερ-
μάχῳ στρατηγῷ... Εἰ δὲ ἐστὶ μεγάλη ἐβδομάς λέγει· 'Ο 'Ιακώβ ὠδύρετο
τοῦ 'Ιωσήφ τὴν στέρνησιν... τῇ μεγάλῃ τρίτῃ, ἡχος β'. Τὴν ὥραν ψυχὴ τοῦ
τέλους ἐννοήσασα... τῇ μεγάλῃ δ'. Ὑπὲρ τὴν πόρνην, ἀγαθὴ, ἀνομήσας δα-
κρύων ὄμβρους... Τὰ ἄνω ζητῶν... Τῇ μεγάλῃ πέμπτῃ· 'Οτε οἱ ἐνδοξοί...
Τὸν ἄρτον λαβὼν εἰς χεῖρας ὁ προδότης .. Τῇ μεγάλῃ παρασκευῇ, ἡχος
πλ. δ'. Τὸν δι' ἡμᾶς σταυρωθέντα... Χειρόγραφον εἰκόνα μὴ σε... Τὴν
ἄβυσσον ὁ κλείσας νεκρὸς ὁράται... Εἴθ' οὕτως προσέρχεται ὁ μέλλων
ποιῆσαι τὸ ἅγιον ἔλαιον μέσον τῶν ἱερέων καὶ ποιήσας κατὰ ἀνατολὰς
μετνοίας γ'. καὶ μίαν πρὸς τοὺς ἱερεῖς, λέγει· Εὐλογήσατε, συγχωρήσατέ
μοι τῷ ἁμάρτωλῳ, εἴτι ἡμαρτον ἐν λόγῳ, ἐν ἔργῳ, ἐν γνώσει, ἐν ἀγνοίᾳ,
καὶ εὐξασθε ὑπὲρ ἐμοῦ. Καὶ λέγουσιν· 'Ο Θεὸς συγχωρήσαι σοι ἐν τῷ
νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι. Εἴτα λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς· Τοῦ Κυρίου
δεηθῶμεν, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῆς κανδήλας· 'Αναρχε,
ἀδιάδοχε, ἅγιε ἁγίων. Goar. p. 337. Καὶ εὐθὺς ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων
Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... 'Εν εἰρήνῃ .. Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς
εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ οἴκου τούτου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τούτου... Ὑπὲρ τοῦ
ἐλθεῖν ἐπ' αὐτὸν τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ καταξίω-

δῆναι... Ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι, ἀγιασθῆναι τὸ
 ἔλαιον τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι αὐτὸν καὶ ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς
 παναγίας... Ὅτι πρέπει. Ἀντίφωνον α'. Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... Στί-
 χος· Τοῦ ἀναγγέλλειν τὸ πρωΐ... Ἐτι καὶ ἔτι... Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν εὐ-
 πρέπειαν... Στίχος· Καὶ γὰρ ἐστερέωσε. Τὰ μαρτύριά σου... Δόξα καὶ νῦν,
 Ὁ μονογενὴς Υἱός... Ἐτι καὶ ἔτι... Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ...
 Στίχος· Προφθάσωμεν τῷ... Ὅτι Θεὸς μέγας Κύριος... Ὅτι ἐν τῇ χειρὶ
 αὐτοῦ τὰ πέρατα... Ὅτι αὐτοῦ ἐστὶν ἡ θάλασσα... Σοφία ὀρθοί. Δεῦτε
 προσκυνήσωμεν. Ζήτηί τὰ κοντάκια ὀπίσω, οἷα βούλεις. Καὶ τούτων ῥη-
 θέντων, λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὅτι ἅγιος εἴ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... καὶ εὐθὺς Ὅσοι εἰς
 Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν, λέγει
 ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι. Σοφία, ψαλμὸς τῷ Δαβίδ. Πρόσχω-
 μεν, προκείμενον, ἥχος α'. Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλεος. Στίχος· Ἀγαλλιάσθε
 δίκαιοι... ἀποστολѣ и евангеліе въ Прилож. стр. 123. Καὶ εὐθὺς Ἐλέ-
 ησον ἡμᾶς καὶ τὰ ἕτερα τῆς ἐκτενοῦς, Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος...
 Εὐδιάλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος... Прилож. стр.
 124. Καὶ λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ἀλείφει λέγων· Πάτερ ἅγιε ἰατρὲ ψυχῶν
 καὶ σωμάτων. Goar. p. 338. Прибавлено лишь имя Георгія велико-
 мученика. Καὶ τῆς εὐχῆς ταύτης λεγομένης ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ
 ἀνθρώπου, λέγουσιν οἱ ἕτεροι ἱερεῖς· Κύριε ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν
 σταυρόν σου ἡμῖν δέδωκας. Προκείμενον, ἥχος β'. Ἰσχύς μου καὶ ὕμνη-
 σίς μου... Στίχος· Παιδεύων ἐπαίδευσε... ἀποστοлѣ и евангеліе въ Прил.
 стр. 124. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ,
 ἅγιε βασιλεῦ τῆς δόξης. Прилож. стр. 127; Goar. p. 340. Καὶ εὐθὺς
 λέγει· Κύριε ὄπλον... Ὁ τρίτος ἱερεὺς ψαλμὸς τῷ Δαβίδ· Κύριε μὴ τῷ
 θυμῷ. Στίχος· Ὅτι τὰ βέλη. Πρὸς Κορινθίους. Goar. p. 341. Εὐαγγέλιον
 κατὰ Ματθαῖον... p. 240. Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Ὁ προαιώνιος Θεός,
 ἡ τοῦ ἐλέους πηγὴ, τὸ τῆς ἀγαθότητος πέλαγος, ἡ τῆς φιλάνθρωπίας ἀνε-
 ξιχνίαστος ἄβυσσος, ὁ διὰ τὴν πολλὴν σου φιλάνθρωπίαν... Κύριε ὄπλον κατὰ
 τοῦ διαβόλου. Σοφία. Πρόσχωμεν. Προκείμενον, ἥχος δ'. Ἐπακούσαι σου,
 Κύριε... Στίχος· Ὑπερασπίσαι σου. Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς. Ἀποστοлѣ и
 евангеліе см. Прилож. стр. 128. Ἐλέησον ἡμᾶς. . Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,
 ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος... Goar. p. 342. Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ...
 Προκείμενον, ἀποστοлѣ и евангеліе Прилож. стр. 129—130. Ἐτι δεό-
 μεθα ὑπὲρ ἐλέους... Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς
 ἰατρός τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων. Goar. p. 343. Κύριε ὄπλον κατὰ
 τοῦ διαβόλου. Προκείμενον, ἥχος δ'. Ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι. Στίχος· Υἱοὶ ἀν-
 θρώπων ἕως πότε... ὁ ἀπόστολος πρὸς Κολοσσαεῖς· Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε,

ὥς ἐκλεκτοὶ τοῦ Θεοῦ... Τέλος· ψαλμοῖς καὶ ὕμνοις καὶ ᾠδαῖς πνευματικαῖς ἐν χάριτι ᾄδοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. Ἀλληλουάριον, Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ Κυρίῳ... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν ἀγίου εὐαγγελίου· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἡρώτα τις τῶν φαρισαίων τὸν Ἰησοῦν τοῦ φαγεῖν μετ' αὐτοῦ καὶ εἰσελθὼν εἰς τὴν οἰκίαν τοῦ φαρισαίου ἀνεκλήθη... Τέλος· εἶπε δὲ πρὸς τὴν γυναῖκα· ἡ πίστις σου σέσωκέ σε, πορεύου εἰς εἰρήνην. Ἐλέησον ἡμᾶς... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἰατρὰ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ τὰ χρόνια πάθη θεραπεύων. Goar. p. 345. Προκειμένον, ἤχος πλ. β'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης... Στίχος· Ἐλέησόν με. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους α'. Goar. p. 340. Ἀλληλουάριον, ἤχος πλ. δ'. Ἐπακούσαι σου, Κύριε. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον. Прилож. стр. 132, прим. 2. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ πολὺς ἐν ἀγαθότητι, Κύριε, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως, ὁ καὶ ἐνηγχῆσας ἡμῖν διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων. Прилож. стр. 130, прим. 3. Πηγὴ ἰαμάτων... Νεῦσον παρακλήσεσιν... Εἰ δὲ ἔστιν μεγάλη ἐβδομάς, Δόξα καὶ νῦν, ἤχος α'. Ἐν ταῖς λαμπρότησι τῶν ἁγίων σου... Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Ὁ πρωτοπαπᾶς, σταθεὶς κατὰ ἀνατολὰς, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ· Εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ... Прилож. стр. 133. Εὐχὴ ἑτέρα· Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε καὶ αἶδιε, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὥς τὸ ἐπιστρέφαι καὶ ζῆν αὐτόν. Goar. p. 346. Εἴτα ποιεῖ ἀπόλυσιν μετὰ τῶν ἱερέων· Βλέπε, ἀδελφέ, τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς σου ἅπαν μὴ προσπτεύης τῷ Θεῷ· τὰ γὰρ πρῶτά σου ἐγκλήματα συνεχώρησέ σοι ὁ Θεός διὰ τῆς δεήσεως τῶν τιμίων ἱερέων Κυρίου.

л. 72. Εὐχέλαιον νεκρώσιμον XVI в.

Καὶ εὐθὺς τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ ἀναπαύσεως... Ὑπὲρ τοῦ κοινωνοῦ αὐτὸν γενέσθαι τοῖς ἀλήκτου χαρᾶς... Ὑπὲρ τοῦ ἀπολαῦσαι... Ὑπὲρ τοῦ εἰσδεχθῆναι αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ μετασχεῖν αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν... Τὰ ἐλέη... Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις... καὶ εὐθὺς τὸ προκειμένον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Ἀλληλουάριον, Μακάριος ὢν... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους· ὁ Πατὴρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται... Ἐλέησον ἡμᾶς... и т. д. ваупокоѣнная ектенѣя. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θανάτου δεσμοὺς ἀλύτους καὶ κλειθρὰ ἄδου διαρρήξας, πονηρῶν δὲ πνευμάτων τὰ πλήθη καταπατήσας... Καὶ εὐθὺς τροπᾶριον· Μετὰ πνευμάτων δικαίων καὶ τὰ λοιπά. Καὶ ἄρχεται ὁ β'. ἱερεὺς, προκειμένον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ

ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, εἰ Χριστὸς κηρύσσεται, ὅτι ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται, πῶς λέγουσί τινες ἐν ὑμῖν... Ἀλληλουάριον, Μακάριος ἀνὴρ, ὅς.. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμὴν Ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων καὶ πιστεύων τῷ πέμψαντί με... Ἐλέησον ἡμᾶς καὶ τὰ λοιπὰ καὶ εὐχὴ· Θεὲ καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, γένους θνητοῦ τε καὶ ἀθανάτου καὶ πάσης φύσεως ἀνθρωπίνης, Δημιουργέ... Μετὰ πνευμάτων δικαίων, καὶ ἄρχεται ὁ γ'. ἱερεὺς προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγήγερται ἐκ νεκρῶν, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων ἐγένετο... Ἀλληλουάριον, Ἐπίστρεψον, ψυχὴ μου... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· οἱ καταξιωθέντες τοῦ αἵωνος ἐκείνου τυχεῖν... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὅπως Κύριος ἡ τ. δ. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ποιητὰ τῶν ἀπάντων, ἥ τε πρόσκαιρος λύσις τῶν κτισμάτων καὶ ἡ μετ' αὐτῶν συνάφεια καὶ ἀνάπαυσις... τροπάριον· Ἀνάπαυσον, Σωτήρ. Καὶ ἄρχεται ὁ δ'. ἱερεὺς προκείμενον· Κύριος ποιμαίνει με... Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλω ἀγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων, ἵνα μὴ λυπησθε... Ἀλληλουάριον, Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἐτι δεόμεθα... Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπαγγειλόμενος ἡμῖν κατὰ τὰς ἀγίας σου καὶ ἀψευδεῖς ἐπαγγελίας... Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Καὶ ἄρχεται ὁ ε'. ἱερεὺς προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, τί ποιήσουσιν οἱ βαπτιζόμενοι ὑπὲρ τῶν νεκρῶν, εἰ ὅλως νεκροὶ οὐκ ἐγείρονται... Ἀλληλουάριον, Ἐπίστρεψον, ψυχὴ μου... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτό ἐστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με... Ἐλέησόν με... Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ δοὺς καταστολὴν δόξης ἀντὶ Πνεύματος ἀκηρίας καὶ τῇ ἀβρότῳ σου σοφίᾳ ἐνώσας ψυχὴν τῷ σώματι... Ἀληθῶς ματαιότης τὰ σύμπαντα... Καὶ ἄρχεται ὁ ἕκτος ἱερεὺς προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὕτη σὰρξ, ἀλλὰ ἄλλη μὲν ἀνθρώπων... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· ἐὰν μὴ ὁ κόκκος τοῦ σίτου πεσὼν εἰς τὴν γῆν ἀποθάνῃ... Ἐλέησον ἡμᾶς ἡ τ. δ. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ τὸν θάνατον καταργήσας καὶ τὸν διάβολον καταπατήσας καὶ ζωὴν τῷ κόσμῳ σου χαρισάμενος... Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Καὶ ἄρχεται ὁ ζ'. ἱερεὺς προκείμενον· Κύριος ποιεῖ με... πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν Κυρίῳ φρα-

νεῖ, καὶ ὁ μὴ φρονῶν τὴν ἡμέραν Κυρίῳ οὐ φρονεῖ... Ἀλληλουάριον, Μακάριος ὁν... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἔτι δεόμεθα... Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ἡ πηγὴ τῆς ζωῆς καὶ τῆς ἀθανασίας, ὁ πλάσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον, χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς... Καὶ εὐθύς· Μετὰ πνευμάτων δικαίων καὶ τὰ λοιπά, τὸ Πάτερ ἡμῶν, ἐκτενή, τὰ συνήθη καὶ εὐχή· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... καὶ ὁ ἀπόστολος, εὐχὴ ἐτέρᾳ, λεγομένη ὑπὸ τοῦ πρώτου ἱερέως ἀντὶ τοῦ Βασιλεῦς ἁγίε... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάσης αἰσθητῆς τε καὶ νοουμένης κτίσεως Δημιουργός, ὁ τῷ ῥήματι φέρων τῆς ἀρρήτου δυνάμεώς σου...

л. 93. Εὐαγγέλια καθ' ἐκάστην ἐβδομάδα XVI в.

л. 102 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως XVI в. МОЛИТВЫ И ЕКТЕНИИ.

л. 122. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων XVI в.

л. 133—135. Чистые листы.

л. 136 об. Εὐχὴ λεγομένη εἰς κόλυβα, γινόμενα εἰς μνήμην τῶν ἁγίων XIV в.

л. 137. Τῇ ἀγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ τοῦ Πάσχα ἐσπέρας XIV в. ОБЫЧНЫЙ ЧИНЪ.

л. 137. Αἰτήσεις τῶν ἁγίων Θεοφανίων XIV в.

л. 139. Чинъ акаѳиста XIV в.

л. 140. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων. ОБЫЧНЫЙ ЧИНЪ XIV в.

л. 149. Τροπάρια, φαλλόμενα τὰς ἀρχιμηνίας τῶν μηνῶν.

Ἦχος πλ. β'. Ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου... Ἀνυμνοῦμεν τὸν Υἱόν... Βασιλέων, προφητῶν... Στίχος· Ἐπὶ πλεῖον πλυνόν... Ἡ γενὼν Σὺ σωτηρίᾳ καὶ προστατίς... Στίχος· Ὅτι τὴν ἀνομίαν μου ἐγὼ γινώσκω... Δώρησαί μοι τὰς ἐλπίδας, Θεοτόκε, κεκτημένος... Στίχος· Καὶ τὸ πονηρὸν ἐνώπιόν σου Ζώωσόν με ἢ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα καὶ Δεσπότην... Στίχος· Ὅπως ἄν... Ἡ τὸν κτίστην τῶν ἀπάντων... Στίχος· Ἴδου γὰρ ἐν ἀνομίαις... Θεοτόκε, ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα... Στίχος· Ἴδου γάρ... Ἰλεῶς μοι τῶν ἐν θλίψεσι τοῦ βίου, Θεοτόκε, ὑπάρχουσα... Στίχος· Ῥαντιεῖς με... Κατὰ χρέως ἐκβοῶμέν σοι τὸ χαῖρε δυσωποῦντες... Στίχος· Ἀκουτιεῖς μοι ἀγαλλίασιν... Λύεις πάντων ὀφλημάτων, Θεοτόκε... Στίχος· Καρδίαν καθάραν. Νοσημάτων καὶ παντοίων ἀλγηδόνων, Θεοτόκε... Στίχος· Μὴ ἀπορρίψῃς με ἀπὸ τοῦ προσώπου... Εἶνον θαῦμα ἐπὶ σοί, θεογεννήτωρ... Στίχος· Ἀπόδος μοι... Ὁ ναός σου,

θεομήτωρ, ἀνεφάνη... Στίχος· Διδάξω ἀνόμους... Παναγία ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτήρα, Θεοτόκε... Στίχος· Ῥῦσαι με ἐξ αἱμάτων... Ῥίζαν πλάνης οἱ ἀπόστολοι τεμόντες... Στίχος· Κύριε, τὰ χεῖλη μου... Σῶσον πάντας, παναγία Θεοτόκε... Στίχος· Ὅτι θελήσεις. Τί προστρέχων τῷ ναῷ σου, Θεοτόκε... Στίχος· Ἀγάθυνον, Κύριε... Ὑπερτέρα σὺ ὑπάρχεις τῶν κτισμάτων, παναγία... Στίχος· Τότε εὐδοκήσεις θυσιάν... Φεῖσαι φεῖσαι τοῦ λαοῦ σου, Θεοτόκε, τῶν πιστῶν σε... Στίχος· Τότε ἀνοίσουσιν... Χαῖρε ὄρος, χαῖρε βάτε, χαῖρε πύλη... Δόξα, Ψάλλομέν σοι ἐκβοῶντες τὸ χαῖρε... Καὶ νῦν, Ὡ Παρθένε τῶν πενθούντων χαρμωσύνη, ἀπὸ ζάλης... Χρὴ οὖν γινώσκειν, ὅτι τὰ τροπάρια ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου ψάλλονται, εἰδ' οὕτως ἄρχεται ὁ ἱερεὺς σὺν τῷ λαῷ μετὰ τοῦ θυμιατοῦ καὶ κηρῶν καὶ τοῦ τιμίου σταυροῦ, ἀπέρχεται ἐν τῇ φιάλῃ, ψάλλει τροπάρια· Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Καὶ ὅταν φθάσῃ ὁ ἱερεὺς σὺν τῷ λαῷ ἔμπροσθεν τῆς φιάλης, ἐκφωνεῖ οὕτως· Εὐλόγητος ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων πάντα ἀνθρωπον ἐρχόμενον... καὶ ἄρχεται ψάλλειν τροπάρια εἰς ἤχον, πλ. δ'. Νῦν ἐπέστη καιρὸς ἡ δρ. Goar. p. 359. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον... Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαινίσαι Κύριον τὸν Θεόν... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκιάσαι ἐξ οὐρανοῦ ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ Ὑψίστου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν ἀναδείξῃ ἡμᾶς υἱοὺς καὶ κληρονόμους τῆς βασιλείας... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν μεγαλοφώνως· Κύριε ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός τοῖς ἔργοις. Goar. p. 361. Καὶ βαπτίζων τὸν τίμιον σταυρόν· Ὅτι σὺ εἰ ἡ πηγὴ τῶν ἱαμάτων... καὶ ἄρχεται τροπάριον πλ. δ'. Τῶν σῶν δωρεῶν... Δόξα, Χαῖρε κεχαριτωμένη... Εἶτα ἐκτενὴ καὶ ἀπόλυσις.

л. 155 об. Ἡ παραμονὴ τῆς ἀγίας τοῦ Χριστοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν Γεννήσεως XIV в. Чинъ вечерни, утрени и литургии на самый праздник Рождества Христова.

л. 162 об. Διάτξεις τῆς ἀγρυπνίας XIV в.

Чинъ изложенъ по уставу іерусалимскому.

л. 169. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡ'. ἡμέρᾳ XIV в.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. p. 264. Καὶ πληρῶν τὴν εὐχὴν, σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος καὶ ἀπολύει.

л. 169 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον, ἡγουν εἰς τὸ λαβεῖν αὐτοῦ ἄρχῃν τοῦ εἰσαγεσθαι ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις, ὡς βρέφος τῷ νομικῷ νηθ̄ προσαχθεῖς. Goar. p. 201.

л. 170 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηγούμενον XIV в.

Чинъ крещенія до помазанія елеємъ сходенъ съ чинами XIV в. предыдущихъ рукописей и Тактикона М. Синод. библ. № 279 Прилож. стр. 9—14. Ἐν δὲ τῷ ἀλείφεισθαι τοῦτον (т. е. крещаемого), ὁ ἱερεὺς βάλλει τὸ λέντιον καὶ τὰ μανίκια καὶ, δεσμῷ περισταλὲς τὴν στολὴν ἑαυτοῦ, βαπτίζει, ποιεῖ δὲ τὸν βαπτιζόμενον καταδύναи εἰς τὸ ὕδωρ καὶ ἀναδύнаи ἐκ τρίτου, καὶ τριῶν τελείων καταδύσεων καὶ ἀναδύσεων γινομένων, κατέχων ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν τοῦ βαπτιζομένου ἢ ἄλλως ὡς ἐξὸν διακρατῶν αὐτόν, εἰ νηπιός ἐστι, καὶ βαπτίζων ὀρθιον κατὰ μὲν τὴν πρώτην καταδύσιν, τελεσθεῖσης δηλονότι τῆς καταδύσεως καὶ ἤδη ἐν τῷ ἀναδύεσθαι τὸν βαπτιζόμενον, ὥστε ταῖς ἀναδύσεσι τὴν ἐκφώνησιν συμπεραίνεισθαι τῶν ὀνομάτων τῆς τρισυποστάτου θεότητος, ἐκφωνεῖ τὸ Ὄνομα τοῦ Πατρὸς, κατὰ δὲ τὴν δευτέραν κατὰδύσιν ἐκφωνεῖ τὸ Ὄνομα τοῦ Υἱοῦ, κατὰ δὲ τὴν τρίτην κατὰδύσιν ἐκφωνεῖ τὸ Ὄνομα τοῦ παναγίου Πνεύματος, ἐν ἐκάστῳ ὀνόματι ἐπιλέγοντος τοῦ διακόνου σὺν τῷ λαῷ τὸ Ἀμήν. Λέγει γοῦν οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς· Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Μετὰ δὲ τὸ τελεσθῆναι τὸν βαπτισμόν, νίπτεται ὁ ἱερεὺς καὶ ἐκβάλλει τὸ λέντιον καὶ τὰ μανίκια καὶ τὸν ἀνάδεσμον, καὶ τοῦ διακόνου εἰπόντος τὸ Πρόσχωμεν, ψάλλεται τὸ Μακάριοι ὦν .. Τοῦτου δὲ τρισυνομένου τοῦ στίχου, λέγεται Δόξα καὶ νῦν, εἶτα ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλόγητός εἷ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν. Goar. p. 290. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ψάλλεται τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Τοῦτου δὲ φαλλομένου, χρίει τῷ ἁγίῳ μύρῳ τὸν νεοφώτιστον, ὁ ἱερεὺς, σταυροῦ τύπον ποιῶν ἐπὶ τῷ μετώπῳ καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτῆρων καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων, καὶ τῶν χειρῶν, καὶ τῶν γονάτων, τοῦ στήθους τε καὶ τοῦ μεταφρένου, ἐν ἐκάστῃ χρίσει ἐπιλέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Μετὰ δὲ ταῦτα, ποιῶν εὐχὴν ἀπολύσεως, ὁ ἱερεὺς τῆς θείας λειτουργίας ἀπάρχεται.

л. 188. Εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ XIV в.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος. Goar. p. 303. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λαβὼν ὁ ἱερεὺς σπόγγον καινὸν ἐξ ὕδατος, ἀποσπογγίζει τοὺς τόπους, ἔνθα ἐχρίσθη τὸ ἅγιον μύρον, λέγων· Εὐλόγητός ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων...

λ. 189. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάρααι παιδίον ἀπὸ τὴν ἁγίαν τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίαν XIV B.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἡγαπημένου παιδός σου Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... pag. 561. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ποιεῖ αὐτοὺς προσκυνεῖν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἀσπάζονται (αὐτὸ) πρῶτον ὁ πνευματικός πατήρ, εἶτα ὁ πνευματικός υἱὸς καὶ ἀπέρχονται ἐν εἰρήνῃ.

λ. 190. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν κτίζεσθαι σεβάσμιον οἶκον, τοῦ ἡμελείου ἀποτιθεμένου XIV B.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναι σοι ἐκκλησίαν... pag. 485.

λ. 190 οβ. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα XIV B.

Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων εἰς ἔνωσιν συζυγίας καὶ συμβιώσεως... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν καὶ πᾶσι τοῖς παροῦσι καὶ συνεύχομένοις ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀρχάντου... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα. Goar. p. 311. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἔθνων μνηστευσάμενος... p. 311. Чинл оканчивается рукою XVI B. Вмѣсто возгласа: Соі γὰρ πρέπει στοιτῆ: Ὅτι πρέπει σοι (πᾶσα) δόξα... Εἶτα λαμβάνει τὰ δακτυλίδια ἀπὸ τῆς ἁγίας τραπέζης ὁ ἱερεὺς καὶ ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τοὺς δούλους σου τόνδε καὶ τήνδε, καὶ στήριξον τὸν ἀρράβωνα αὐτῶν ἐν πίστει καὶ ὁμονοίᾳ... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἐπιδίδωσι τῷ ἀνδρὶ τὸ χρυσοῦν δακτυλίδιον, τὸ δὲ σιδηροῦν τῇ γυναικὶ καὶ ἐναλλάσσει αὐτὰ ἐκ τρίτου, καὶ οὕτως κρατήσας ὁ ἱερεὺς τὰς δεξιὰς, συμπλέκει ἀλλήλους, καὶ ἀσπάζεται ὁ νομφίος τὴν μνηστὴν καὶ ἐξέρχονται.

λ. 192. Листъ чистый.

λ. 193. Ἀκολουθία στεφανώματος XIV B.

Ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. (Ὁ ἱερεὺς) ἐκφωνεῖ· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... до конца. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Θεῷ συζεύξεως... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον

καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... Goar. p. 317. Καὶ λαμβάνει τὰ στέφανα καὶ τίθησιν εἰς τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτόν. Ὡσαύτως καὶ εἰς τὴν γυναῖκα, καὶ ἐνοῖ τὰς δεξιὰς αὐτῶν χεῖρας, εἴτα λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδαίᾳ σου οἰκονομία καταξιώσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar. p. 318. Καὶ καταξιώσων ἡμᾶς Δέσποτα... Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς.. Εὐχὴ τοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην... Goar. p. 319. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ προηγιασμένα ἅγια... Καὶ μεταλαμβάνει αὐτούς, εἴτα δίδει αὐτοῖς τὸ κοινὸν ποτήριον, φαλλομένου καὶ τὸ Ποτήριον σωτηρίου... Εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε· τὸ ἐπιεικὲς ἡμῶν γνωσθήτω πᾶσιν ἀνθρώποις, ὁ Κύριος ἐγγὺς καὶ μεθ' ἡμῶν ἐστὶ πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ... Εἴτα γίνεται εὐχὴ καὶ ἀπόλυσις· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾷ ἐπιδημίας τίμιον, ἀναδείξας τὸν γάμον Χριστὸς ὁ ἀληθινός... Рукою XVI в. сдѣланы слѣдующія добавленія· Ἐπικαλοῦμαι σε, Κύριε Θεὲ Πάτερ παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλοῦμαι τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον, τὸν στερεωτὴν καὶ ἀρχηγὸν τῆς σωφροσύνης, τὸν στεφανοῦντα τοὺς παρθενικοὺς γάμους, τὸν διδόντα τὴν σωφροσύνην... Εἴτα λαμβάνει τὰ στέφανα ὁ ἱερεὺς ὁμοῦ καὶ τὰ δύο τῇ δεξιᾷ χειρὶ καὶ στέφει αὐτούς, λέγων οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον... Τοῦτο μὲν λέγει ἐκ β'. ἐναλάσσω (αὐτὰ) ἐπὶ τὰς κορυφὰς αὐτῶν, τὸ δὲ τρίτον λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ, ἐκ τρίτου, καὶ εὐθὺς προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἐθήκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν στέφανον ἐκ λίθου. Στίχος· Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει... Ὁ ἀπόστολος Goar. p. 318, по сѣ концемъ: οὕτως ἀγαπάτω ὡς ἐαυτόν, евангеліе Goar. r. 318. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εἰπών· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, στεφάνωσον τοὺς δούλους σου ὅδε καὶ ἥδε τῇ σῇ εὐσπλαχνίᾳ καὶ χάριτι, σύξευσον αὐτούς ἐν σωφροσύνῃ καὶ σεμνότητι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Καὶ καταξιώσον. Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὅτι σοῦ ἐστίν. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ τοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας καὶ τῇ ἰσχύϊ σου. Goar. p. 319. Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἡμῶν, ὁ τὸν τοῦ ἐνιαυτοῦ στέφανον εὐλόγησας, καὶ τοὺς παρόντας στεφάνους ἐπιτίθεσθαι παραδούς, τοῖς νόμῳ γάμου συναπτομένοις ἀλλήλοις.. Goar. p. 325.

л. 203. Εὐχὴ εἰς τὸ λύσαι στέφανα XIV в.

Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 320.

— Εὐχὴ εἰς τὴν παστολουσίαν.

Νομφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοί σου, Κύριε. Goar. p. 325.

λ. 203 οβ. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν XIV β.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῖν χαρισάμενος... Goar. p. 707. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Δέσποτα Κύριε, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομία Ἰάκωβον καὶ Ἰωάννην, τοὺς υἱοὺς Ζεβεδαίου... Ркп. Свят.-гроб. библ. XV н. № 8 л. 57. Εἴτα ἀσπάζονται ἀλλήλους καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 204 οβ. Εἰς τὸ κεῖραι τρίχας παιδίου XIV β.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας διὰ τῆς σῆς ἀγαθότητος εὐλογήσας τὸ παρὸν νήπιον διὰ χειρὸς ἐμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ... Conf. Goar. p. 306. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον ἐκ ψυχῆς λογικῆς. pag. 306.

λ. 206. Чистый.

λ. 206. Εὐχὴ εἰς τὸ σιβάσαι (sic) γυναῖκα εἰς τὰς ἐκκλησίας, μετὰ τὸ πληρῶσαι αὐτάς τὰς μ'. ἡμέρας. XIV β.

Κύριε ὁ Θεός, ὁ πραραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ἔπιθε ἐπὶ τὴν δούλην σου τήνδε καὶ δώρησαι αὐτῇ τὴν καταφυγὴν ἐν τῇ ἀγίᾳ σου καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ... См. выше стр. 176.

λ. 206 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιροφαγησάντων XIV β.

λ. 207. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογία οἴκου.

— Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ περιεργαζομένῳ.

λ. 208 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

λ. 209. Εὐχὴ κεφαλοκλισίας, ἀρμόζουσα ἐπὶ πάσῃ λιτῇ καὶ δεήσει παντὶ τρόπῳ γινομένη.

λ. 209. Εὐχὴ ἐπὶ σεισμῷ.

λ. 210 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας.

λ. 211. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

λ. 211 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημόντι.

λ. 212 Εὐχὴ ἐπὶ λογισμῶν αἰσχυρῶν.

λ. 213. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστῳ ἀλειφομένῳ τὸ τῆς εὐχῆς ἔλαιον.

Εὐσπλαγχνε καὶ συμπαθέστατε Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν.

λ. 215. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ τι ἐρπετὸν εἰς φρέαρ ἐμπσεῖν.

λ. 216. Εἰ δὲ εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου ἐμπέσει τι μιαιρόν.

λ. 217 οβ. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου.

λ. 218. Εὐχὴ εἰς τὸ τρυγῆσαι ἄμπελον.

л. 218 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασπάσαι πλοῖον.

л. 219. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστων.

Δέσποτα παντοκράτωρ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ ταπεινῶν καὶ ἀνοψῶν... См. выше стр. 197.

л. 220. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστῳ καὶ μᾶλλον πυρεττοῦντι.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια καὶ δεινὰ πάθη λόγῳ μόνῳ θεραπεύσας... См. выше стр. 56.

л. 220 об. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ ἀρρώστω.

Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ πέμψας τὸν μονογενῆ σου Υἱόν... р. 338.

л. 221. Εὐχὴ ἐπὶ ὀχλουμένοις ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἡμᾶς ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου. pag. 581.

л. 221 об. Εὐχὴ ἐπὶ θλιβομένοις καὶ χειμαζομένοις.

л. 222. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ

л. 223. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

11-ть молитвъ, что у Гоара р. 39—42. Молитвадевятая опущена. 10 молитва надписывается: εὐχὴ εἰς τοὺς αἰῶνες, а однанадцатая—εὐχὴ ἡγούν ἀπόλοισις. Къ одиннадцати молитвамъ присоединяется молитва на главопреклонение.

л. 230. Εὐχαὶ τῆς ἀγίας Πεντηχοστῆς, λεγόμεναι μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν τελευταίαν εὐχὴν τοῦ λυχνικοῦ. Goar. р. 597—603.

л. 247. Μηνὶ αὐτοῦ ς'. τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Νικολάου. Вся служба.

л. 262. Листъ чистый.

л. 262. Рукою XVI в. написаны разные каноны.

XL. № ρμδ'.--104 Εὐχολόγιον, ркп. Александрийской (въ Каирѣ) патриаршей библиотеки писана на бомбидинѣ четкою прекрасною скорописью XIV в. Имѣется и точная дата въ этой рукописи 6991—1483 г., написанная въ одной изъ арабскихъ приписокъ, но другою позднѣйшею рукою. Весь евхологій переведенъ по арабски, а потому рукопись имѣетъ одинъ столбецъ греческій, а другой арабскій на каждой страницѣ. Листовъ 179. Начала нѣтъ.

л. 1. Арабскій текстъ.

л. 2. Конецъ чина посвященія въ чтеца, т. е. конецъ поученія: Τέχνον ὁ πρῶτος βαθμὸς τῆς ἱερωσύνης... и т. д. до конца чина. Goar. р. 197.

— Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου.

Τοῦ ἀρχιερέως ἵσταμένου πρὸ τῆς ἀγίας τραπέζης... Goug. p. 204. ὅτε μέλλῃ εἰσοδεῦν προσάγεται ὁ χειροτονεῖσθαι μέλλων, φορῶν φαινόλιον, καὶ βάλλει μετάνοιαν τῷ ἀρχιερεῖ, λέγων· Κύριε, εὐλόγησον. Καὶ λέγει ὁ ἐπίσκοπος, σφραγιζὼν αὐτόν· Ὁ Κύριος εὐλογήσῃ σε εἰς ὑποδιακόνους τῆς ἀγίας τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίας τῆσδε, τοῦ τόπου ἧ πόλεως, ἧ χωρίου, ἧ μονῆς, ἧ κάστρου. Εἶτα τίθησι τὸ ὠμοφόριον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, καὶ κελεύει πρῶτον ὁ ἀρχιερεὺς... Goug. p. 240. Послѣ молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἑνὸς καὶ τοῦ αὐτοῦ ἀγίου Πνεύματος... Ἐπειτα ἐνδύει αὐτῷ τὸ στιχάριον καὶ (εἰς τὸ) ζώσασθαι, εὐλογοῦντος τοῦ ἀρχιερέως, καὶ λέγει· Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα στιχάριον ὑποδιακονίας εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος νῦν. Καὶ λαβὼν ὁ ἀρχιερεὺς τὸ μαנדύλιον, ἐπιτίθησι τῷ τοῦ χειροτονηθέντος ὠμῳ... Ibid. ἐν τῷ νίπτεσθαι τὸν ἀρχιερέα λέγει τρίτον· Ὅσοι πιστοί, καὶ κρατῶν ὁ ἀρχιερεὺς τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, λέγει οὕτως· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονεν ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ τοῦδε ὑποδιάκονος τῆς ἀγιωτάτης ἐκκλησίας τῆσδε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος. Καὶ λέγει ὁ λαός· Ἀξίος γ'. καὶ οὕτως σφραγιζόμενος ἅπειςιν εἰς τοὺς ὑποδιακόνους. Ἐπληρώθη ἡ χειροτονία τοῦ ὑποδιακόνου.

λ. 3. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία διακόνου.

Ὁφείλοντο εἶναι χρόνων τελείων εἴκοσι καὶ πέντε. Μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν ἀγίαν ἀναφορὰν καὶ τὰς θύρας ἀνοιγῆναι, καὶ τὸν ἀρχιερέα ἐκφωνεῖναι τὸ Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη, πρὶν εἰπεῖν τὸν διάκονον τὸ Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες... ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι προσάγεται ὑπὸ τοῦ ἀρχιδιακόνου καὶ ἐτέρων διακόνων δύο, καὶ ἐξέρχονται ἀπὸ τῆς προθέσεως, ψάλλοντες τὸ Βασιλεῦ οὐράνιε. Ἐλθόντες δὲ εἰς τὰς ὡραίας πύλας, ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιδιάκονος· Προσφέρομεν τὸν εὐλαβέστατον ἀδελφὸν ἡμῶν τόνδε τὸν ὑποδιάκονον εἰς διάκονον τῆς ἀγιωτάτης ἐκκλησίας¹⁾ τῆσδε, εἴπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ. Κύριε ἐλέησον, τρίς. Καὶ πᾶς ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον, τρίς. Καὶ φέρουσιν αὐτὸν ἔμπροσθεν τοῦ ἀρχιερέως καί, ποιήσας μετάνοίαν, λέγει· Κύριε, εὐλόγησον. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς· Ὁ Θεὸς εὐλογήσῃ σε εἰς διακόνους τῆς ἀγιωτάτης ἐκκλησίας τῆσδε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος. Καὶ τίθησι τὸ ὠμοφόριον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, καὶ λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς ἐκφωνεῖ· Ἡ θεία χάρις, ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῇ... Goug. p. 210. Въ ектеѣи при-

¹⁾ Ркп. XV в. Діонис. аѳонск. м. № 489 τῆσδε καὶ φέρουσιν αὐτὸν ἔμπροσθεν τοῦ ἀρχιερέως..., а прочихъ словъ нѣтъ.

бавлены прошения: Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων (послѣ прошенія Ὅπως ὁ φιλόανθρωπος)... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Послѣ второй молитвы: Ὁ Θεός, ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ τῇ ἀφθάρτῳ σου φωνῇ... Εἴτα εὐλογεῖ ὁ ἀρχιερεὺς τὸ ὠράριον, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δεῖνος ὠράριον διακονίας εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονεν ὁ δεῖνος διάκονος τῆς ἀγιωτάτης ἐκκλησίας τῆσδε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ ἐκφωνεῖ ὁ λαός· Ἀξίος γ'. Εἴτα ἀσπαζόμενος ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως, ἐπιδίδωσιν αὐτῷ τὸ ἅγιον ῥιπίδιον καὶ ἴστησιν αὐτὸν ἐκ πλαγίου τῆς ἁγίας τραπέζης πρὸς τὸ ῥιπίζειν, καὶ οὕτως ὁ ἐπὶ τοῦ ἁμβωνος διάκονος λέγει· Πάντων τῶν ἁγίων... Κατὰ δὲ τὸν τῆς μεταλήψεως τῶν θείων μυστηρίων καιρὸν πρῶτος τῶν ἄλλων διακόνων ὁ χειροτονηθεὶς τοῦ θείου ἄρτου μετέχει παρὰ τοῦ χειροτονήσαντος ἀρχιερέως, καὶ μεταλαμβάνει τοῦ τιμίου αἵματος πρὸ αὐτῶν παρὰ τοῦ διδόντος τῷ ἀρχιερεὶ καὶ πρῶτου δεχομένου παρ' αὐτοῦ τὸ ἅγιον ποτήριον ἱερέως ἢ καὶ ἀρχιερέως, καὶ τούτου μεταλαμβάνων, εἴτα εὐλογεῖ αὐτὸν ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ ἐξερχόμενος λέγει· Ὅρθοι μεταλαβόντες. Καὶ οὕτως τελειοῦται ἡ χειροτονία τοῦ διακόνου, εὐχαριστοῦντες τῷ Θεῷ.

λ. 6. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακονίσης, ἣτις ὀφείλει εἶναι χρόνων τεσσαράκοντα, παρθένος ἀγνή καί, κατὰ τὸ νῦν κρατοῦν, μονάζουσα, μεγαλοσύμῳν, κεκαρμένη τε κοσμίως, καὶ εἰς τοσοῦτον διὰ τῆς ἐπανθούσης αὐτῇ ἀρετῆς ἀνηγμένη εἰς ὕψος, ὥς ἀμιλλᾶσθαι κατὰ γε τοῦτο τοῖς ἀληθῶς ἀνδράσι, κἀντεῦθεν ἀξιοῦσθαι καὶ τῆς τοσαύτης τιμῆς. Τελεῖται τοίνυν καὶ ἐπὶ ταυτῇ πάντα, ὅσα καὶ ἐπὶ τοῖς διακόνοις, ὀλίγων τινῶν γινομένων ἐνηλλαγμένως· προσάγεται γὰρ τῇ ἱερᾷ τραπέζῃ μαφωρίῳ καλυπτομένη τὴν κεφαλὴν, οὗ τὰ ἀμφοτέρω ἄκρα ἐμπροσθεν ἀπηώρηται, καὶ μετὰ τὸ ῥηθῆναι· Ἡ θεία χάρις, οὐ κλίνει γόνυ, καθάπερ ὁ διάκονος, ἀλλὰ μόνην τὴν κεφαλὴν, καὶ ὁ ἀρχιερεὺς, σφραγίζων ταύτην τρίς καὶ ἔχων ἐπικειμένην αὐτῇ τὴν χεῖρα, εὐχεται οὕτως· Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ ἅγιος καὶ παντοδύναμος. Goar. p. 218. Καὶ λεγομένων τῶν διακονικῶν, ἃ λέγεται καὶ ἐπὶ τοῖς διακόνοις, ὁ ἀρχιερεὺς, ἔχων ὡσαύτως τῇ τῆς χειροτονουμένης κορυφῇ τὴν χεῖρα ἐπικειμένην, εὐχεται οὕτως· Δέσποτα Κύριε, ὁ μηδὲ γυναῖκας ἀναθεμένας ἑαυτὰς καὶ βουλῇ θείᾳ. Goar. p. 218. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν περιτιθῆσι τῷ τραχήλῳ ταύτης ὑποκάτωθεν τοῦ μαφωρίου τὸ διακονικὸν ὠράριον, φέρων εἰς τὸ ἐμπροσθεν τὰς δύο ἀρχάς, καὶ οὕτως ὁ ἐπὶ τοῦ ἁμβωνος διάκονος λέγει τὸ Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες. Μετὰ δὲ τὸν τῆς μεταλήψεως τῶν θείων μυστηρίων καιρὸν, κοινωνεῖ μὲν τοῦ θείου σώ-

ματος καὶ αἵματος μετὰ τοὺς διακόνους, λαμβάνουσα δὲ τὸ ποτήριον ἐκ τῶν τοῦ ἀρχιερέως χειρῶν οὐδενὶ μεταδίδωσιν, ἀλλ' εὐθὺς ἐπιτίθῃσιν αὐτὸ τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ. Ἐπληρώθη ἡ χειροτονία τῆς διακονίσης.

λ. 7. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀρχidiaκόνου. Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἀρχιερεὺς ἐπὶ ἀρχidiaκόνῳ. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός· ἡμῶν, ὁ τὴν ἱερωσύνην χαρισάμενος τῷ γένει ἡμῶν καὶ τὴν ταύτης τιμὴν καὶ δωρεὰν τοὺς ἐνδουμένους αὐτὴν ἀβλαβεῖς καταστησάμενος καὶ ἱερατικῶ διατάττειν, καὶ διδοὺς κοσμεῖν τοὺς ὑποβεβηκότας λειτουργοὺς τῶν μυστηρίων σου· Αὐτὸς ἐνδυσον τὴν χάριν σου τοῦτον τὸν ἀδελφὸν ἡμῶν ὁ δεῖνα καὶ τῇ σεμνότητι κατακόσμησον αὐτὸν ἐν ἀρχῇ διακόνων τοῦ λαοῦ σου, καὶ καλοῦ ὑποδείγματος ἑαυτὸν γενέσθαι καταξίωσον, καὶ δὸς ἐν γῆρᾳ καλὸν διαβῆναι τὸν βίον, εὐδόκησον καὶ πάντας ἡμᾶς, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, ἐλέησον νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Conf. Goar. pag. 238. Καὶ εὐλογήσαντος τοῦ ἀρχιερέως τὰ ὑπομάνικα, ἐνδύει αὐτὰ καί, κρατῶν τὴν κεφαλὴν, λέγει· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονεν ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἀρχidiaκόνος τῆς ἀγιωτάτης ἐκκλησίας τῆσδε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... καὶ ἐκφωνεῖ πᾶς ὁ λαός· Ἀξιος γ'.

λ. 8. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία πρεσβυτέρου.

Чинъ вырванъ и написанъ инымъ почеркомъ XV в. Goar. p. 242—243.

λ. 10. Чинъ поставленія въ хорепископа.

Начала нѣтъ. Имѣются лишь двѣ молитвы: Δέσποτα Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ περιόδῳ τῶν θείων καὶ ἐνδόξῳ σου ἀποστόλων ἅπασαν τὴν κτίσιν ἁγιάσας καὶ φωτὸς εὐσεβείας καὶ θεογνωσίας ἐμπλήσας, Αὐτὸς καὶ νῦν τῇ συνεργείᾳ τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος τὸν παρόντα δοῦλόν σου τόνδε εἰς ἱεράν καὶ περιοδείαν, καὶ διακονίαν, ἣν ἐκλήθῃ, ἐνίσχυσον καὶ τῆς σῆς ἀρωγῆς καὶ εὐμενείας ἀξιώσον, ἱθὺσον δι' αὐτοῦ τὴν σωτηρίαν τῶν αὐτοῦ ἐγχειρισθέντων πρακτέων τῇ σῇ ἀγαθότητι. Εὐδοκίᾳ τοῦ ἀνάρχου σου Πατρὸς καὶ συνεργείᾳ τοῦ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος ὁ ὢν εὐλογητὸς καὶ δεδοξασμένος πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ἐτέρα εὐχὴ ἐξαίρετος εἰς χωρεπισκόπους· Δέσποτα Χριστὲ ὁ Θεός· ἡμῶν, ὁ τῶν ἁγίων σου ἐκκλησιῶν πρόνοιαν. См. ркп. 1407 г. Алекс. библ. № 371 л. 47 об. Εἴτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονεν ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν χωρεπίσκοπος τῆς πόλεως τῆσδε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ λέγει πᾶς ὁ λαός· Ἀξιος γ'. Καὶ λαβὼν ὁ ἀρχιερεὺς ἐπιτίθῃσιν ἐπιγο-

νάτιον ἐπὶ τὸ μέρος αὐτοῦ τὸ δεξιόν. Καὶ οὕτως τελειοῦται ἡ διάταξις τοῦ χωρεπισκόπου.

л. 10 об. Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἀρχιερεὺς ἐπὶ ἀρχιεπρεσβύτερον.

Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἱερωσύνην, ἣν χαρισάμενος τῷ γένει ἡμῶν... Goar. p. 238. Ὁ ἀρχιερεὺς, κρατῶν τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονεν ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῦνα πρωτοῖερεὺς τῆς ἀγιωτάτης τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίας τῆσδε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ. Καὶ λέγει πᾶς ὁ λαός· Ἄξιος. γ'.

л. 11. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου καὶ μητροπολίτου. См. рки. XVI в. Син. библи. № 974 л. 138. Синайская рукопись безспорно списокъ съ настоящей рукописи. Поэтому арабскій текстъ описаній обрядовыхъ дѣйствій во всѣхъ чинахъ остается безъ перевода въ обѣихъ рукописяхъ. Заглавія чиновъ сдѣланы весьма часто на арабскомъ языкѣ и тоже безъ перевода на греческій языкъ.

л. 16 об. Πῶς δεῖ ὁ ἀρχιερεὺς αὐτὸν ἐνθρονιάζεσθαι Ibid. л. 141 об.

л. 18 об. Κατάστασις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀρχιεπισκόπου καὶ πατριάρχου. Ibid. л. 143 об.

л. 25. Ἑρμηνεία τοῦ ἐνθρονιασμοῦ τοῦ πατριάρχου εἰς τὸν θρόνον τοῦ ἀποστόλου τοῦ εὐαγγελιστοῦ Μάρκου τὴν καθολικὴν ἐκκλησίαν. Ibid. л. 149.

л. 28 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. Ibid. л. 153.

л. 45. Заглавіе арабское съ переводомъ на греческій языкъ: Τάξις ἐγκαινίων ἁγίας τραπέζης, βεβηλωθείσης ὑπὸ ἄλλοφύλων. Ibid. л. 173.

л. 47 об. Ἀκολουθία ναοῦ καὶ ἐκκλησίας, μιανθέντων ὑπὸ ἐθνῶν καὶ αἵρετικῶν. Ibin. л. 175.

л. 48. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ναόν, βεβηλωθέντα ὑπὸ ἀθέων ἐθνῶν. Ibid. л. 176.

л. 48 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῷ εὐλογῆσαι θυσιαστήριον, μιανθέν ὑπὸ αἵρετικῶν. Ibid. л. 177.

л. 49. Ἀκολουθία ἐπὶ σαλευθείᾳ τραπέζης. Ibid. л. 177.

л. 49 об. Τάξις, γινομένη-ἐπὶ τῶν ἀντιμινσίων. Ibid. л. 178.

л. 55. Εὐχὴ ἐπὶ δίσκον καὶ ναοῦ ποιδ(ιον?)

Λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος· Ἐπὶ προσευχῇ στᾶ(ς). Λέγει ὁ ἐπίσκοπος· Εἰρήνην πᾶσι. Καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος· Προσεύξασθε. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἐπίσκοπος λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κατάπεμψον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,

ἐπὶ τοὺς δίσκους τούτους. Goar. p. 172. Конецъ чина см. въ ркп. Синайск. библ. XV в. № 1006 л. 31 об.

л. 55 об. Εὐχὴ ἐπὶ ποτήριον καινόν. Ibid. л. 32.

л. 56 об. Ἀκολουθία τοῦ νιπτῆρος τῇ ἀγία καὶ μεγάλῃ πέμπτῃ. Λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλόγητός ὁ Θεός... Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν. Καὶ λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, Κύριε, ἐλέησόν με ὁ Θεός, εἴτα Τριῳδία, ἡχος πλ. δ'. ᾠδὴ ε'. τοῦ κυροῦ Ἀνδρέου. Τὸν ζῶφον τῆς ψυχῆς μου... Ἡὐτρέπιστο τὸ δεῖπνον. Иѣсни 8 и 9, Стиχηρὰ φαλλόμενα τοῦ νιπτῆρος· Ὁ λεντίῳ ζωσάμενος и т. д., что у Goar. p. 591, ектенія и молитвы Ibid. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος· Καὶ ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι... καὶ ἄρχεται τὸ εὐαγγέλιον μεγαλοφώνως, καὶ ἵσταται ὁ ἀρχιερεὺς, ποιῶν, καθὼς περιέχει τὸ εὐαγγέλιον. Ὅτε οὖν λέγῃ· τίθησι τὰ ἱμάτια, ἀποτίθησι καὶ οὗτος τὸν μανδύαν. Ὅτε δὲ (εἶπῃ) τὸ Δαβὼν λέντιον, διεζώσατο, λαβὼν τὸ σάβανον ζώνουσιν ἑαυτόν. Ὅτε εἴπῃ· Εἴτα βάλλει ὕδωρ εἰς τὸν νιπτῆρα, βάλλει καὶ αὐτὸς ὕδωρ χλιαρόν. Καὶ ὅταν λέγῃ· Ἡρξάτο νίπτειν τοὺς πόδας τῶν μαθητῶν, ἄρχεται καὶ οὗτος νίπτειν ἱερεῖς, διακόνους καὶ ἀναγνώστας ἰβ'. Καὶ ὅτε πληρωθῇ ὁ ἀριθμὸς τῶν δώδεκα, λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος καὶ τὸ λοιπὸν εὐαγγέλιον, ὁ δὲ ἀρχιερεὺς ἀποζώννυται τὴν σινδῶνα καὶ περιβάλλεται τὸν μανδύαν, καὶ μεδιστάμενος ὁ ἀρχιδιάκονος, ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Καὶ ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι. Καὶ λέγει τὸ δεύτερον εὐαγγέλιον. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Πρὸ τῆς ἐορτῆς τοῦ Πάσχα εἰδώς. Goar. p. 593. Во время омовенія ногъ, поютъ: Тѣ συνδέσμῳ τῆς ἀγάπης... Ἡ τὸ ἄσχετον κρατοῦσα καὶ ὑπερῶν ἐν αἰθέρει ὕδωρ... Μαθηταῖς ὑποδεικνύει ταπεινώσεως ὁ Δεσπότης τύπον... Ἐρχεται οὖν πρὸς τὸν Σίμωνα (продолженіе евангелія Goar. p. 593). При омовеніи ногъ Симона, поютъ: Πρὸς σὲ ὀρθρίζω. Ῥυθέντες πόδας καὶ προκαθαρθέντες... Ὁρᾶτε, ἔφης, φίλοι, μὴ θροεῖσθε· νῦν γὰρ ἡγγικεν ὥρα ληφθῆναι με χτανθῆναι... Καὶ ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι ἡμᾶς и другое евангеліе и молитва, что у Гоара pag. 594. Послѣ молитвы діаконъ: Σοφία. Ὁ λαός· Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Ἀγιάσει ἡμᾶς νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων... Καὶ γίνετα ἀπόλυσις.

л. 65 об. Евангельскія чтенія на важнѣйшіе дни церковнаго года.

л. 76. Εὐαγγέλια τῶν παννυχίδων τῆς πρώτης ἐβδομάδος τῶν ἀγίων νηστειῶν.

λ. 78 об. (Εβανγελίε) τῇ κυριακῇ τῶν βαίων εἰς τὸν ὄρθρον.

λ. 79 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσσοστόμου λόγος εἰς τὴν λαμπρὰν κυριακὴν τῆς ἁγίας καὶ ἐνδόξου Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν ἀναστάσεως.

λ. 81. Τάξις καὶ χειροτονία εἰς ἡγούμενον καὶ ἡγουμένην.

Ἐπὶ προχειρήσεως ἡγουμένης προσάγεται ἡ μέλλουσα χειρίζεσθαι καὶ τῶν φηρισμένων αὐτῇ μοναχῶν καὶ φάλλουσι· Βασιλεῦ οὐράνιε, καὶ λέγουσι· Προσφέρομεν τὴν εὐλαβεστάτην ἀδελφὴν ἡμῶν ἡ δεῖνα μοναχὴν εἰς ἡγουμένην τῆς ἁγίας μονῆς ταύτης τοῦ ἁγίου τοῦδε, εἵπωμεν ὑπὲρ αὐτῆς. Κύριε ἐλέησον γ'. Εἴτα ἐπιτίθουσιν ὁ ἀρχιερεὺς τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῆς, σφραγίζων τρίς, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ διὰ παντός τῆς ἀνθρώπων σωτηρίας πρόνοιαν ποιούμενος... См. ркп. 1407 г. Александр. библи. № 371 л. 38. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν. Goar. p. 395. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν αἶρει τὸ περικείμενον αὐτῆς παλίον καὶ περὶτίθουσιν αὐτῇ ἕτερον παλίον, καὶ ἀσπάζονται αὐτὴν αἱ ἀδελφαί.

λ. 82. Εὐχὴ εἰς χειροτονίαν ἡγουμένου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ τάγματα καὶ βαθμούς. См. вь ркп. Александр. библи. № 371 л. 48.

λ. 82 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφοριζομένων ἢ λόγῳ δεσμευόντων.

Ὁ Θεός ὁ φοβερός καὶ δυνατός, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρμούς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον... Goar. p. 531.

λ. 83. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων. См. вь ркп. XVI в. Синайск. библи. № 974 л. 101, по сь вѣкоторыми особенностями, указанными нами вь вариантахъ къ эгоѣ послѣдней.

λ. 95. Τάξις γινομένη τῶν ἁγιασμῶν ὁδᾶτων τοῦ Νεῖλου, ἐν ᾗ τελεῖται τῇ κυριακῇ τῶν ἁγίων πατέρων τιγ'. πρὸ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. См. вь ркп. Синайск. библи. № 974 л. 114, сь небольшими особенностями вь текстѣ, отмѣченными вь вариантахъ.

108. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἀντίφωνα καὶ εὐχαὶ τῆς παννουχίδος τῶν ἁγίων νηστεῶν.

Ἀντίφωνον α'. ἦχος πλ. α'. ψαλμὸς ριθ'. Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με ἐκέκραξα... Ὡς οἰκτίρμων Κύριε... Κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχὴν μου

ἀπὸ χειλέων... Ὡς οἰκτίρμων, Κύριε... Μετὰ τῶν μεσούντων... Ὡς οἰκτίρμων... Ὃταν ἐλάλουν αὐτοῖς... Ὡς οἰκτίρμων, Κύριε. Εὐχὴ εἰς τὴν παννυχίδα α'. Ὅι κατὰ τὸν καιρὸν τῆς ἡμέρας τῇ θεωρίᾳ τῆς ἐν τῇ κτίσει μεγαλουργίας σου ἐντροφήσαντες, Κύριε... См. выше стр. 13—14 вѣ вариантахъ. Ἀντίφωνον β'. ἤχος πλ. β'. Ἦρα τοὺς ὀφθαλμοὺς εἰς τὰ ὄρη... Τῆς εὐσπλαγχνίας τήν. Ἡ βοήθειά μου παρὰ Κυρίου, τοῦ ποιήσαντος... Τῆς εὐσπλαγχνίας τήν... Κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντός κακοῦ... Τῆς εὐσπλαγχνίας τήν... Κύριος φυλάξει τὴν εἰσοδὸν σου καὶ τὴν ἔξοδόν σου. Τῆς εὐσπλαγχνίας. Δόξα καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας... Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Σε τὸ αἶδιον καὶ ἀνέσπερον φῶς, ὁ Θεὸς ἡμῶν... См. выше стр. 14 вѣ вариантахъ. Ἀντίφωνον γ'. ἤχος πλ. β'. Εὐφράνθη ἐπὶ τοῖς εἰρηκόσι μοι... Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε. Ἐστῶτες ἦσαν οἱ πόδες ἡμῶν... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐνεκα τῶν ἀδελφῶν μου... Ἐλέησον... Ἐνεκα τοῦ οἴκου Κυρίου... Ἐλέησον... Δόξα καὶ νῦν, Ἐλέησον. Ὅ τὴν αὔπνον καὶ ἀκατάπαυστον δοξολογίαν ὑπὸ τῶν ἐν οὐρανοῖς ἀσωμάτων. См. выше стр. 14 вѣ вариантахъ. Εὐχὴ δ'. τῆς ἀπολύσεως· Δέσποτα παντοκράτωρ ἀκατάληπτε, ἡ ἀρχὴ φωτός καὶ ἀπερινόητος δύναμις. Тамъ же. Εὐχὴ κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κλίνων τὰς καρδίας ἡμῶν... См. выше стр. 15.

л. 111. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβοις μνήμαις ἁγίων καὶ εἰς τὴν μνήμην τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Θεοδώρου τοῦ Τύρωνος.

Ὅ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε... Goar. p. 524.

л. 111 об. Εὐχὴ εἰς τοὺς πέντε ἄρτους.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλόγησας τοὺς πέντε ἄρτους... Goar. p. 34, но нѣсколько расширена противъ обычной.

л. 112. Εὐχὴ εἰς μετάληψιν καὶ εὐλογίαν σταφυλῆς.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον τὸν καρπὸν τοῦτον τὸν νέον τῆς ἀμπέλου... См. выше стр. 47.

л. 112 об. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ εὐλογίᾳ σταφυλῆς ἐπὶ τρύγῃ.

Ὅ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν Κύριον ἡμῶν καὶ Θεὸν Ἰησοῦν Χριστόν. Goar. p. 47.

л. 113. Отпусты на всѣхъ правдники.

Εἰς τὴν ὕψωσιν τοῦ τιμίου Σταυροῦ· Δόξα τῇ ἁγίᾳ ὑψώσει σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι. Ὅ ὑψωθείς ἐν τῷ Σταυρῷ ἐκουσίως Χριστός ὁ ἀληθινός... Εἰς τὴν Χριστοῦ γέννησιν ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα τῇ ἁγίᾳ γεννήσει σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν. Ὅ ἐν Βηθλεὲμ γεννηθεὶς καὶ ἐν φάτνῃ ἀνακλιθεὶς Χριστός ὁ ἀληθινός... Остальные вѣ этомъ же родѣ.

л. 114. Μεγαλυνάρια τῶν ἑορτῶν, φαλλόμενα εἰς τὴν θ'. ὡδὴν τῶν κανόνων (на праздниѣи Богородичныѣи и Христовы).

л. 115. Имена мужскія и женскія для постригающихся въ монахи.

л. 118. Арабскій текстъ, лишь изрѣдка прерываемый одною или двумя молитвами на греческомъ языкѣ.

л. 150 (почеркъ другой). Εὐχή εἰς τὸν οἰκονόμον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα σοφῶς οἰκονομῶν. Goag. pag. 232.
Σὲ ἱκετεύομεν, εὐσπλαγγχε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goag. p. 394.

л. 150 об. Λέγει ταύτην καὶ πατριάρχης. Εὐχή, ἣν λέγει ἀρχιερεὺς ἔμπροσθεν τοῦ βασιλέως, ὅτε μέλλῃ χειροτονηθῆναι· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων καὶ τῶν κυριευόντων ἀπάντων Κύριος, ὁ δι' αὐτοῦ τὸ τῆς οἰκονομίας ἐκτελέσας μυστήριον...

л. 152. Διάταξις εἰς ἀρχιερέα.

Ὅτε μέλλῃ ψηφισθῆναι ἀρχιερεὺς, στέλλει ὁ πατριάρχης δύο τῶν αὐτοῦ κληρικῶν σταυροφόρους· μέγας χαρτοφύλαξ καὶ μέγας σακελλάριος, καὶ ὑπάγουσιν εἰς τὸν ψηφισθέντα τὸ μήνυμα καὶ λέγουσιν· Ὁ παναγιώτατος ἡμῶν αὐθέντης καὶ δεσπότης, πάππας καὶ πατριάρχης τῆς μεγάλης πόλεως Ἀλεξανδρείας καὶ πάσης Αἰγυπτίας, καὶ Αἰθιοπίας, Λυβίας, Πενταπόλεως, καὶ κριτῆς τῆς οἰκουμένης καὶ ἡ μετ' αὐτὸν θεία καὶ ἱερὰ μεγάλη σύνοδος ἔχει σε ὑποψήφιον τῆς ἀγιωτάτης μητροπόλεως τῆσδε τῆς θεοσωστού πόλεως τῆσδε. Καὶ ἀποκρίνεται οὗτος, ὀρθίως ἐστώς· Τίς εἰμι ἐγὼ ὁ ἐλάχιστος καὶ ἁμαρτωλός, ὅτι ὅλως ἐμνήσθη μου ὁ παναγιώτατός μου αὐθέντης καὶ δεσπότης, πάππας καὶ πατριάρχης; На этомъ чинѣ обрывается.

л. 153. Чинъ обрученія

Начала πῆττ. Δέσποτα Ἰησοῦ Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῦ ἀνάρχου Πατρός. См. въ ркп. XVI в. Сип. библ. № 977 л. 314. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένх... Goag. p. 311. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν γ'. Ὁ τῷ παιδί τοῦ πατριάρχου Ἀβραάμ συμπορευθεὶς ἐν τῇ Μεσοποταμίᾳ, στελλομένῳ νυμφευθῆσαι τοῦ Κυρίου αὐτοῦ... См. выше стр. 95. Εἴτα δίδωσιν αὐτοῖς πρὸς ἓνα δακτύλιον καὶ ἀλλάσσουσιν, εἴτα σφραγίζει αὐτούς. Λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν εἰς μνήστρα· Δεξιὰ Ἰησοῦ ἄχραντε Υἱέ, τοῦ Πατρός... Ркп. Сип. библ. № 977. Καὶ τοῦ δὲ εἰπόντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμᾶς τῷ Κυρίῳ, καὶ ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος. Goag. p. 311.

л. 154. Ἀκολουθία εἰς τὸ στεφανῶσαι τοὺς νομίμῳ γάμῳ συναπτομένους. Ркп. Синайск. библ. № 977 л. 319, но съ небольшими особенностями, указанными нами въ вариантахъ къ послѣдней.

л. 162 об. Арабскій текстъ съ небольшими отрывками греческаго текста.

л. 174. Εὐχὴ ἐπὶ τεθνῶτας ἀρροισθέντας ὑπὸ τινων, ὅτε ἐν τῷ βίῳ ὑπῆρχον· ὀφείλει οὖν ἀναγνώσθηναι ὑπὸ ἀρχιερέως ἐπάνω τοῦ τάφου.

Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπὶ τῷ κορυφαίῳ τῶν σῶν μαθητῶν καὶ τῷ ἀποστόλῳ Πέτρῳ τὴν σὴν ἐκκλησίαν οἰκοδομήσας.

л. 174 об.—179. Арабскій текстъ.

179. Πρόσεχε σεαυτῷ καὶ βλέπε τὴν διακονίαν, ἣν παρέλαβες. На-
ставленіе къ священнику.

XLII. № 491 Εὐχολόγιον, рукопись Аеоно-Кутлумушскаго монастыря на пергаменѣ въ полулистѣ, 358 листовъ, писана прекраснымъ почеркомъ XIV вѣка. Евхологій этотъ написанъ для женскаго константинопольскаго монастыря Спаса Филантропа, какъ это видно изъ слѣдующей прибавки въ одномъ изъ чиновъ: καὶ ἐτέθησαν ἐν τῇ σεβασμίᾳ ταύτῃ τοῦ Φιλανθρώπου μονῇ (л. 78 об.) и изъ того, что многіе чины этого евхологія составлены примѣнительно къ женской обители.

л. 7. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ ἀγίου ἐλαίου, ἀγιαζομένου ἀπὸ τῶν ἐπτὰ πρεσβυτέρων.

Обычное начало, 50 псаломъ, канонъ Арсенія, стихиры на хвалитѣхъ, Трисвятое, тропари: „Помилуй насъ, Господи“, „Господи, помилуй насъ“, „Многая множества“, сугубая ектенія „Ἐλέησον ἡμᾶς“. На второе прошеніе: „Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὕψους“, поютъ 40 разъ „Господи помилуй“, а послѣ третьяго: Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἔλεως, εὐμενῇ καὶ εὐδιᾷ λαχόντες γενέσθαι... 3 раза „Господи помилуй“. Послѣ возгласа: Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος,—καὶ εἰ μὲν ἐστὶ ἐσπέρας, γίνεται ἀπόλουσις, εἰ δὲ πρωΐ, τίθεται ἐν τῷ μέσῳ τετραπόδιον и начинается приготовленіе къ освященію масла. Обычное начало, 50 и 90 псалмы, поются *κατανοητικὰ καὶ θεοτοκία* (См. Прилож. стр. 122), но съ нѣкоторыми добавленіями, при чемъ читается молитва: Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει... *Goar. p. 335*, кондаки (Тамъ же стр. 122), εἰδ' οὕτως προσέρχεται ἡ μέλλουσα ποιῆσαι τὸ ἅγιον ἔλαιον посреди священниковъ, испрашиваетъ у нихъ прощеніе: Εὐλογήσατε... стр. 122, на что священники отвѣчаютъ: Ὁ Θεὸς συγχωρήσαι σοι καὶ ἐν τῷ νῦν (αἰῶνι) καὶ ἐν τῷ μέλλοντι, молитва надъ кандиломъ: Ἀναρχε, ἀδιάδοχε... *p. 337*, ектенія великая (стр. 120, прим.), прокимень (стр. 122, прим. 3) апостолъ и евангеліе, ектенія великая съ молитвою и

молитва (стр. 123) Εὐδιάλλαχτε Κύριε (стр. 125 прим. 2, стр. 123), Εἰσάκουσον и т. д. стр. 123. Послѣ молитвы: „Отче святыи“, ектенія великая, что выше. Прокимны, апостолы и евангелія тѣже, что въ ркп. Синод. библи. № 498, см. Прилож. стр. 121—135 въ вариантахъ, но седьмой апостолъ изъ посланія къ Тимоѳею: Ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι, евангеліе отъ Луки: Ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις. Молитвы до четвертой, что въ ркп. № 498, но послѣ четвертаго евангелія, Κύριε ὁ Θεός, ὁ παιδεύων Goar. p. 342; послѣ пятаго евангелія Εὐχαριστοῦμέν σοι p. 343, послѣ шестого—Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν ἰατρὲ p. 345, послѣ на ектеніи, Ὁ Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν. Goar. p. 346, а затѣмъ молитвы: Πάτερ ἄγιε... Goar. p. 338 и, по положеніи евангелія на голову,—Εὐσπλαγχνε, πολυέλεε. Прилож. стр. 133. Конечъ, какъ въ ркп. Синод. библи. № 498, но безъ оглашенія. Тамъ же стр. 135.

л. 60. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ.

л. 69. Εὐχαί εἰς ἀρχαρέαν μοναχὴν ῥασοφοροῦσαν Goar. p. 378, но безъ описаній обрядовыхъ дѣйствій.

л. 70. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἤγουν τοῦ μανδουωτικοῦ.

Начало, что въ ркп. Ватоп. библи. № 133, (См. выше стр. 276) безъ замѣчаній объ игуменѣ и священникѣ; дѣйствуютъ игуменія и еклісиархиса. Въ числѣ вопросовъ имѣются: Ἀρνή τοὺς κατὰ σάρκα γονεῖς, φίλους καὶ πᾶσαν κοσμικὴν προσπάθειαν διὰ τὴν ἀγάπην τοῦ Χριστοῦ; Ἀπόκρισις: Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις: Ἐξήγγειλας πᾶσαν ἀνομίαν καὶ πᾶσαν ἀμαρτίαν; Ἀπόκρισις: Ναί, τίμιε πάτερ, τὴν ἀνομίαν μου ἐγνώρισα καὶ τὴν ἀμαρτίαν μου οὐκ ἐκάλυψα. Ἐρώτησις: Ἀποτάσσει τῷ κόσμῳ καὶ τοῖς ἐν τῷ κόσμῳ κατὰ τὴν ἐντολὴν τοῦ Κυρίου; Ἀπόκρισις: Ναί, τίμιε πάτερ... Διατηρεῖς σεαυτὴν ἐν φόβῳ Θεοῦ καὶ ἀγάπῃ τελείᾳ πρὸς ἐκάστην τῶν λοιπῶν; Ἀπόκρισις: Τοῦ Θεοῦ συνεργοῦντός μοι, τὰ πάντα προθύμως φυλάττω. Εἶτα λέγει ὁ ἱερομόναχος: Βλέπε, ἀδελφή... Goar. p. 383. Ἰησοῦ Χριστοῦ... Послѣ молитвы: Κύριε ὁ Θεός ὁ ἀξιόους εἶναι Goar. p. 385 положена другая молитва: Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν ὄντως ἀγαπήσας Goar. p. 328..., послѣ словъ: Ἰδοὺ ὁ Χριστός... Ὅταν δὲ συντάξεται, λέγει πάλιν πρὸς αὐτόν: Εἰ οὖν ἐκ προαιρέσεώς σου θέλεις τὸ ἀγγελικὸν σχῆμα λαβεῖν. Δάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι. Облаченіе въ хитонъ положено послѣ молитвы: Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, εἰσάγαγε τὴν δοῦλὴν σου... p. 386, а затѣмъ ἐγχειρίζει αὐτῇ ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτῆς χειρὶ ὁ κατηχητής τὸν τίμιον σταυρόν, λέγων οὕτως: Εἶπεν ὁ Κύριος: ὅστις θέλει ὀπίσω... Εἴθ' οὕτως ἐν τῇ λαίᾳ αὐτῆς χειρὶ ἐγχειρίζει αὐτῇ ἐφαπτομένην λαμπάδα, λέ-

γων οὕτως· Εἶπεν ὁ Κύριος· οὕτω λαμψάτω... Goar. p. 413. Καὶ τιθέντος ἀναλογίου, ἐπιτίθεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, εἶτα ἀσπάζεται πρῶτον ἡ ἀποκαρεῖσα τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, εἶθ' οὕτως τὴν ἡγουμένην καὶ καθ' ἑξῆς τὰς λοιπὰς ἀδελφάς, ἀγομένη ὑπὸ τῆς ἐκκλησιαρχίσεως, ψαλλουσῶν τῶν ἀδελφῶν τὰ στιχερὰ τὸ Δεῦτε, πιστοί, ὁμοφρόνως νῦν ἀσπασώμεθα, ἅτινα στιχερὰ προεγράφησαν καὶ ἐτέθησαν ἐν τῇ σεβασμίᾳ ταύτῃ τοῦ Φιλανθρώπου μου ἡ, Δόξα, τὸ κοντάκιον, Καὶ νῦν, θεοτοκίον, εἶτα τὸ Τρισάγιον, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου. Εἰσοδεουσμένων δὲ τῶν ἁγίων, προπορεύεται ἡ ἀποκαρεῖσα, ὀψικεύουσα μετὰ τῆς λαμπάδος, ἄχρις οὗ εἰσέλθωσιν εἰς τὸ ἅγιον βῆμα. Μετὰ δὲ τὴν ἀπόλυσιν, ὀψικεύεται ἡ ἀποκαρεῖσα ὑπὸ πασῶν τῶν ἀδελφῶν, φωτοφορουσῶν ἕως τῆς τραπέζης, ἐν ἣ καὶ διακονεῖ αὐτὴ ἀνεπαισχύντως· συντάττει γὰρ τότε ταύτην ταῖς ὑπηρετούσας ἡ καθηγουμένη, καὶ ὅποια καὶ ἦ, τὴν τῶν ἀδελφῶν εὐλογίαν αὐτὴν προμηθουμένη· προπέμπουσαι δὲ ταύτην αἱ ἀδελφαὶ ψάλλουσι τὸ Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον... ἐπιλέγουσι δὲ τοῦτο ἀπερχόμεναι ἐν τῇ τραπέζῃ ἐκ τρίτου, εἶτα τὸ Ὑψώσε σε, ὁ Θεός μου.

л. 79. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Начало у Goar. p. 403. Благословень Богъ, Трисвятое, 50 псаломъ и канонъ, стихиры Goar. p. 403—404, Трисвятое, Отче нашъ, тропари: Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσχεψαι... Τῇ Θεοτόκῃ ἔκτενως..., ектенія съ молитвою и отпустъ. Самый чинъ сходенъ съ мужскимъ въ ркп. № 133 Ватоп. библи. См. выше стр. 278—282. Здѣсь лишь яснѣе указывается, что діаконъ выноситъ евангеліе, говоритъ „Премудрость прости“ и поются антифоны. На снятіе куколя положены двѣ молитвы, что у Goar. p. 419, безъ третьей отпустной.

л. 111 об. Ἀκολουθία εἰς ψυχὸρραγοῦντας.

Начало у Goar. p. 585—587, Трисвятое, Отче нашъ, „Помилуй насъ, Господи“, „Господи, помилуй“, „Многая множества“, ектенія сугубая съ молитвою прилежнаго моленія и отпустъ.

л. 118. Канὼν ἑτερος εἰς τὴν ὑπεραρίαν Θεοτόκον ἱκετήριος εἰς ἐξομολόγησιν καὶ εἰς ψυχὸρραγοῦντα. Conf. Goar. p. 686.

л. 122 об. Ἑτερος канὼν παρακλητικὸς εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ψαλλόμενος ἐπὶ ψυχὸρραγοῦσιν.

л. 128. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευταίᾳς μοναχῆς.

Начало, какъ въ ркп. № 133 Ватоп. библи. См. выше стр. 282—284 до пѣнн „Ангельскій соборъ“, послѣ ектеніи блаженны и стихиры Дамаскина и Теофана, что въ ркп. патр. Іерус. библи. XV в. № 273, но безъ антифоновъ, ектенія, Со святыми упокой и кресты Ромапа съ припѣ-

вами Аллилуія, прокиментъ, апостолъ изъ Коринѳяны: „Христосъ воста
отъ мертвыхъ“, евангеліе Goar. p. 430 и на цѣлованіе стихиры: Δεῦτε
τελευταῖον. Ποῦος χωρισμός... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νῦν... Οἶα ἡ ζωή...
Σήμερον ἡ τοῦ βίου... Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς... Δεῦτε ἐν τοῖς τάφοις...
Πᾶσαι αἱ ὁρῶσαι με... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας... Послѣ цѣлованія берутъ
мощи и идутъ въ усыпальницу, при пѣніи Ἀνάπαυσον, Σωτήρ... Ὁ ἐκ
Παρθένου... Трисвятое, Отче нашъ, Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μήτηρ
ἀγία. По приходѣ въ усыпальницу, Ὁρῶντές με ἄφωνον... „Со духи пра-
ведныхъ скончавшихся“. Прицѣвъ: Εἰσαγαγὼν καταφύτευσον... Σὺ εἶ ὁ Θε-
ός... Εἰς τὴν κατάπαυσίν... Στίχος· Ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσεως... Τὴν αἰετάρα-
χον θάλασσαν... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή. Стихирь: Σὺ ἐπλασάς με, Κύ-
ριε... Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ... Ἡ αἰοίδιμος φωνή... Слава и нынѣ, Σε
δουσωποῦμεν... Θάνατός σου, Κύριε... Στίχος· Ἡ φυγὴ αὐτῆς... Παντοκράτωρ
ὑφίστα... Δόξα καὶ νῦν, Τὰ οὐράνια ὕμνεϊ σε. Потомъ погребають мощи,
священникъ возливаетъ масло отъ кандила, говоря „Аллилуія“ и
задѣлываетъ цементомъ гробъ съ пѣніемъ тропарей: Τῷ τύπῳ τοῦ
σταυροῦ σου... Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ, тотъ же тропарь, Слава и
нынѣ, Ὡ Κύριε, προστασία πάντων... Πνευματικαὶ μου ἀδελφαί, μὴ μου
ἐπιλάβεσθε... Στίχος· Μνήσθητι, Κύριε... Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας...
Δόξα, Κατάπαυσιν δίκαιοις... Νῦν, Εἰρήνευσον πρεσβείαις, Трисвятое,
Отче нашъ, Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός, Δόξα καὶ νῦν, Μήτηρ ἀγία
ἡ τοῦ ἁφράστου... ектенія и отпустъ.

л. 175 об. Ἀκολουθία ἐν νεκρωσίμοις. Панихида съ пѣніемъ канона.

л. 190. Εὐχαὶ διάφοραι.

л. 192 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ ἐγκαινίοις ναοῦ. Состоить изъ двухъ
моливъ.

л. 208 об. Εὐχαὶ ἀντιφώνου πρώτου. Вечернія моливы въ коли-
чествѣ 13. На пятomъ мѣстѣ: Εὐλογητὸς εἶ Κύριε. Goar. p. 35 на 8
мѣстѣ: Εὐχὴ η'. τῆς εἰσόδου p. 31, на девятомъ, десятомъ и одинадца-
томъ p. 35—36, причемъ одинадцатая молива надписывается такъ:
Εὐχὴ ια'. ποίημα Γερμανοῦ πατριάρχου (л. 213 об.), на двѣнадца-
томъ—Εὐχὴ ιβ'. τοῦ λυχνικοῦ· Ὁ Θεός ὁ μέγας καὶ ὑψίστος... p. 29
и на тринадцатомъ—на главопреклоненіе.

л. 216 об. Ἀρχὴ τῶν ἐωθινῶν εὐχῶν, Goar. p. 39—42, при-
чемъ 9 моливъ надписывается: Εὐχὴ τοῦ εὐαγγελίου τοῦ ὁρθρου (л.
229 об.), 10 моливъ—„Εὐχὴ ἐωθινή θ'. ἤτοι τοῦ πεντηχοστοῦ“ (л.
222) и двѣнадцатая—„Εὐχὴ εἰς τοὺς αἰῶνας“ (л. 223 об.).

л. 224 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα
τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Подъ этимъ заглавіемъ изложенъ чинъ крещенія, сходный съ изданнымъ мною въ Прилож. стр. 9—16. Есть небольшая разница. Въ ектеніи прошенія слѣдуютъ въ такомъ порядкѣ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ δεῖνος τοῦ νῦν προσερχομένου τῷ ἀγίῳ βαπτίσματι... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτῷ τὸ ὕδωρ τοῦτο λουτρὸν παλιγγενεσίας... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας...

л. 245 об. Εὐχὴ ἄλλη τῶν ἀγίων βαπτισμάτων, ἔχουσα τὸ προοίμιον σύντομον. Κύριε ὁ Θεὸς, ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός... pag. 303.

IIIIX

Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφωτισθέντα τῇ η'. ἡμέρᾳ. См. выше стр. 275. Чинъ постриженія волосъ у новокрещаемого тотъ же самый.

л. 249 об. Εὐχαὶ τοῦ ἀγίου νιπτῆρος, γινόμεναι ἐν τοῖς μοναστηρίοις. Goar. p. 592—594.

л. 252. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 275—276.

л. 273 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσῃ ἁγίᾳ τραπέζῃ. Ibid. л. 207. Goar. p. 490—491.

л. 277. Ἀκολουθία τῶν ἀγίων Θεοφανίων.

л. 285 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ ἐγκαίνιοις ναοῦ и другія молитвы на различные случаи.

л. 310. Τάξις γινομένη ἐπὶ μνήστροις βασιλέων καὶ λοιπῶν ἀνθρώπων. См. Красносельцевъ Свѣдѣн. о литург. ркп. Ватиканск. библиот. стр. 111—114.

л. 3. 8. Εὐχαὶ τῆς λιτῆς τοῦ μεγάλου ἑσπερινοῦ и другія молитвы на разные случаи.

л. 333 об. Τάξις γινομένη εἰς τεκνοποίησιν и другія молитвы.

л. 339. Τάξις γινομένη πρὸς τὸν μέλλοντα ἐγκλίσασθαι.

л. 343. Τάξις γινομένη ἐπὶ τина φιλόχριστον προσελθόντα καὶ αἰτοῦντα γενέσθαι ἀδελφὸν ἡμῶν πνευματικόν ἐν τῇ ἁγίᾳ μονῇ ταύτῃ.

Λέγει ὁ ἱερεὺς Εὐλογητὸν καί, ἡμῶν φαλλόντων τὸ Τρισάχιον, διδόνται κηρία τοῖς ἀδελφοῖς, εἴθ' οὕτως φάλλομεν τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ως ἐν μέσῳ τῶν μαθητῶν... Εἶτα δοξάζομεν τὸ ἀπολυτίκιον τοῦ ἀγίου, ἐν ᾧ κατοικοῦμεν, Καὶ νῦν, Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἀγίων... Ὁ δὲ μέλλων γενέσθαι ἀδελφὸς ποιεῖ μετάνοιαν ἔμπροσθεν τῶν ἀγίων θυρῶν καὶ ἐτέραν εἰς τὸ ἐν μέρος τοῦ μυακίου καὶ ἐτέραν εἰς τὸ ἄλλο, εἶτα, στραφεὶς ὀπίσθεν, ποιεῖ πρὸς μίαν μετάνοιαν τοὺς δύο χοροὺς καὶ ἀποσκηπα-

σθεῖς ὑποκλίνει τῷ ἡγουμένῳ τὴν ἑαυτοῦ κεφαλὴν, ὁ δὲ ἐπιθεὶς ἐπὶ τὴν τοῦτου κεφαλὴν τὸ εὐχολόγιον, Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν εἰπὼν, εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε, μονογενές, ἀναρχον γέννημα τοῦ συνάρχου Πατρὸς...

Л. 346. Εὐχὴ ἐπὶ προχειρίσει βασιλέως. Goar. p. 726—727.

Л. 350. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως· διατάξεις περὶ τῶν διαφόρων τρόπων καὶ ἡλικιᾶ ἐπιστρεφόντων. См. выше стр. 292.

XLII. № 356 Συνοδικόν, рукопись Аѳинской національной библиотеки при университетѣ въ 4 долю листа, 46 листовъ, писана на пергаменѣ весьма четкимъ почеркомъ XIV вѣка. Рукопись съ весьма значительными дефектами въ началѣ, въ срединѣ и въ концѣ и восполняется лишь современною ей Кутлумушскою аѳонскою рукописью, содержащею въ себѣ подобный же чинъ Синодика. Начинается Синодикъ: καὶ ἔαρ σὺ ἐπλάσας αὐτά, μνήσθητι ταύτης... а оканчивается: Ἐκφώνησις· Φιλοθέου, τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ λήξει γενομένου ἀγιωτάτου καὶ αἰοδύμου πατριάρχου, τοῦ στερρόως ὑπὲρ τῆς ἐκκλησίας Χριστοῦ, καὶ τῶν ὀρθῶν αὐτῆς δογμάτων, καὶ λόگوις, καὶ πράξεσι, καὶ διδασκαλίαις, καὶ διαλέξεσι καὶ συγγράμμασιν ἀγωνισαμένου. Αἰωνία ἡ μνήμη γ'. Синодикъ, по составу своему и изложению, за весьма незначительными особенностями, сходенъ съ напечатаннымъ въ Триφῶδιον 1873 Ἐκτίτησιν. σελ. 138—150. Особенности рукописнаго чина состоятъ въ слѣдующемъ: а) указывается при нѣкоторыхъ возгласеніяхъ способъ ихъ произношенія, какъ напр., χαμαὶ καὶ ἐκφώνησις, б) анаѳематизмы противъ митрополита керкирскаго Константина предваряются двумя небольшими анаѳематизмами, не попавшими въ печатный Синодикъ: Τοῖς λαληθεῖσι κακῶς καὶ ἀσεβῶς παρὰ τοῦ χρηματίσαντος μητροπολίτου Κερκύρας Κωνσταντίνου τοῦτου Βουλγαρίας, τοῖς καὶ παρ' αὐτοῦ ἀναθεματισθεῖσιν. Ἀνάθεμα α'. Πᾶσι τοῖς φρονοῦσι τὰ τοιαῦτα. Ἀνάθεμα γ'. с) послѣ анаѳематизма противъ Иреника Іоанна прибавлено: Ὅλοις τοῖς αἵρετικοῖς. Ἀνάθεμα γ'. что, по печатному Синодику, положено произносить предъ анаѳематизмами противъ Варлаама и Акиндина, d) опущенъ анаѳематизмъ на упомянутыхъ еретиковъ, содержащійся въ печатномъ (сел. 147) чинѣ: „Πᾶσι τοῖς δυσσεβέσιν αὐτῶν λόγοις τε καὶ συγγράμμασιν. Ἀνάθεμα γ'“. Ἀρεῖφ τῷ πρώτῳ θεομάχῳ καὶ ἀρχηγῷ τῶν αἵρέσεων до Μιχαήλ, τοῦ ὀρθοδόξου ἡμῶν βασιλέως καὶ Θεοδώρου, τῆς μα-

χαριωτάτης βασιλίδος. Αἰωνία ἡ μνήμη γ'. включительно, е) послѣ анаѳематизмовъ на Варлаама и Акиндина имѣются слѣдующія возгласенія въ честь здравствующихъ царей: Πολλὰ τὰ ἔτη τῶν βασιλέων. Ὁ Θεός, φυλάξει τὸ κράτος αὐτῶν. Ὁ Θεός, τὴν βασιλείαν αὐτῶν εἰρηνεύσαι. Οὐράνιε βασιλεῦ, τοὺς ἐπιγείους φύλαξον, f) въ печатномъ (зел. 148—149) чинѣ возгласеніе вѣчной памяти Іоанну Дукѣ, вслѣдствіе корректурнаго недосмотра, изложено неправильно въ такомъ видѣ: Ἰωάννου, τοῦ ἐν εὐσεβεῖ τῇ μνήμῃ γενομένου αἰοδίου βασιλέως ἡμῶν τοῦ Δούκα, τοῦ διὰ θείου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος μετονομασθέντος πάλιν (?) Θεοδώρου μοναχοῦ, тогда какъ въ описываемой нами рукописи это возгласеніе распадается на два и читается вполнѣ вразумительно такъ: Ἰωάννου, τοῦ ἐν εὐσεβεῖ τῇ μνήμῃ γενομένου αἰοδίου βασιλέως ἡμῶν τοῦ Δούκα. Αἰωνία ἡ μνήμη γ'. Θεοδώρου, τοῦ ἐν εὐσεβεῖ τῇ μνήμῃ γενομένου αἰοδίου βασιλέως ἡμῶν τοῦ Δούκα, τοῦ διὰ τοῦ θείου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος μετονομασθέντος πάλιν Θεοδώρου μοναχοῦ. Αἰωνία ἡ μνήμη γ'. g) объ императорѣ Іоаннѣ Кантакузенѣ, въ монашествѣ Іоасафѣ, замѣчено въ рукописномъ чинѣ: τοῦ στερρώως ὑπὲρ τῆς ἐκκλησίας Χριστοῦ καὶ τῶν ὀρθῶν αὐτῆς δογμάτων, καὶ λόγοις, καὶ πράξεσι, καὶ διαλέξεσι, καὶ συγγράμμασιν ἀγωνισαμένου. Αἰωνία ἡ μνήμη, h) въ числѣ императрицъ въ нашемъ чинѣ послѣ Θεодоры называются имена Ζωῆς καὶ Θεοδόρας (второй), i) въ печатномъ чинѣ, сравнительно съ описываемымъ нами, помпнаются послѣ Ирины, въ монашествѣ Евгеніи, императрицы: Θεодора, въ монашествѣ Евгенія, и Ирина вторая (зел. 149) и k) на возгласеніи имени Анны, въ монашествѣ Анастасіи, словомъ и дѣломъ подвизавшейся въ борьбѣ противъ ученія Варлаама и Акиндина, рукопись наша обрывается, имѣя цѣлую страницу пустою, а затѣмъ слѣдуютъ провозгласенія вѣчной памяти: Γερμανοῦ, Τραχισίου, Νικηφόρου. κ. τ. λ. (зел. 149).

XLIII. № 33 Συνοδικόν, рукопись Аѳоно-Кутлумушской библіотеки изъ 16 долю листа, 100 листовъ, писана на пергаменѣ прекраснымъ почеркомъ XIV в., за исключеніемъ четырехъ начальныхъ листовъ, писанныхъ на бумагѣ почеркомъ XVI в. Начинается чинъ такъ: Ἐποφειλομένη πρὸς Θεὸν ἐτήσιος εὐχαριστία κ. т. λ. По составу и расположенію статей, входящихъ въ этотъ Синодикъ, кутлумушскій списокъ, за немногими исключеніями, сходенъ съ вышеописаннымъ аѳинскимъ спискомъ. Разности заклю-

чаются въ слѣдующемъ: 1) имѣются указанія на способъ произнесения извѣстныхъ возглашеній въ такомъ родѣ: γεγωνότερ α (φωνῇ) и ἐκφωνήσεις, 2) послѣ нѣкоторыхъ возглашеній „Ἀνάθεμα“ поется трижды, 3) анаѳематизмы противъ Н. Василага, Сотириха и прочихъ предваряются анаѳематизмомъ: Τὰ εἰσυχθέντα καὶ λαληθέντα παρὰ Μιχαήλ, τοῦ γεγωνότος διδασκάλου πρωτεκδίκου... (Напечатанъ Ѳ. И. Успенскимъ въ его „Синодикъ въ недѣлю православія“ Одесса. 1893 г. стр. 22), 4) въ анаѳематизмахъ противъ Итала и его школы послѣ десятаго прибавлено замѣчаніе: „Μηνὶ Μαρτίῳ γύ. ἰνδ. ε'. ἔτους 6590=1082“ и одиннадцатый анаѳематизмъ: Τοῖς παρὰ τὴν χριστιανικὴν καὶ ὁρθόδοξον πίστιν... (См. у Ѳ. И. Успенскаго въ Синодикъ стр. 18), 5) анаѳематизмы противъ Варлаама и Акиндина, напечатанные по настоящей рукописи преосв. Порфиріемъ Успенскимъ подъ № 45 въ его „Исторіи Аѳона“ ч. III, отд. II. Спб. 1892 г. стр. 780—785, не содержатъ въ себѣ, сравнительно съ печатными въ Тріоди 1783 г., анаѳематизма на Аргира (у Ѳ. И. Успенскаго. Синодикъ стр. 34), 6) провозглашеніе вѣчной памяти императору Іоанну Кантакузину, въ монашествѣ Іоасафу, написанное рукою XVI—XVII в., изложено, какъ въ печатномъ чинѣ, безъ прибавки: τοῦ στερρώς ὑπὲρ τῆς ἐκκλησίας κ. т. λ., 7) вслѣдъ за этимъ слѣдуетъ провозглашеніе вѣчной памяти императору Мануилу Палеологу, въ монашествѣ Матѳею, совершенно опущенное въ печатномъ и аѳинскомъ Синодикахъ, 8) нѣтъ упоминанія и о деспиѣ Аннѣ (см. Τριώδ. 1783 σελ. 149), въ монашествѣ Анастасіи, 9) но за то поминаются *четыре* деспины *Ирины*, изъ коихъ двѣ имѣли въ монашествѣ имя Евгеніи (мірское имя послѣдней деспины въ рукописи опущено), тогда какъ въ печатномъ называются только три и 10) послѣ имени послѣдней деспины *Ирины* рукою XVI—XVII в. приписано: Ἐλένης τῆς.

XLIV. № 163 Илитарій Ксенофской Аѳонск. библ. на тонкомъ узкомъ пергаменѣ XIV в.

Чинъ поставленія въ епископа (безъ начала).

Ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου.

Μετὰ τὸ εἰσενεχθῆναι τὰ ἅγια δῶρα καὶ ἀποτεθῆναι ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ πληρωθῆναι τὸν μυστικὸν ὕμνον. Οἱ τὰ χερουβὶμ μυστικῶς, ἐπιδίδοται τῷ ἀρχιεπισκόπῳ ὁ πρὸς συνήθειαν χάρτης, ἐν ᾧ γέγραπται, ἃ καὶ ἐκφωνεῖ εἰς ἐπήκοον πάντων ταῦτα. Ἡ θεία χάρις Goar. p. 242.

Καὶ λέγουσιν οἱ συμπάροντες γ'. τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ προσάγεται ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι, καὶ τούτου γονυκλιτοῦντος. ποίων ὁ ἀρχιερεὺς σταυροῦς γ'. ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ καὶ ἔχων ἐπιχειμένην αὐτὴν τὴν χεῖρα, ἐπεύχεται οὕτως· Ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχος καὶ ἀτελεύτητος... Goar. p. 242. Καὶ ποιεῖ εἰς τῶν πρεσβυτέρων εὐχὴν διακονικὴν οὕτω· Ἐν εἰρήνῃ κ. τ. λ. Goar. p. 243 съ прибавленіемъ прошеній: Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Καὶ πάντων τῶν χρηζόντων... Καὶ ἐν τῷ γίνεσθαι ταύτην εὐχὴν ὑπὸ πρεσβυτέρου. Goar. p. 245, но съ небольшими особенностями, отмѣченными у еп. Порф. Успен. „Втор. путеш. по св. горѣ Аѳонской“ М. 1880 стр. 49.

καὶ ἔπειτα

Ἐπὶ χειροτονία διακόνου. Goar. p. 211, но по изложенію схиженъ съ чиномъ священническаго рукоположенія. Прибавка, имѣющаяся здѣсь у Гоара, въ данномъ спискѣ не указана: Τὰ δὲ αὐτὰ καὶ ἐπὶ διακονίᾳς ἀνευ τοῦ γονυκλιτῆσαι αὐτὴν· ἐκείνη γάρ μόνην τὴν κεφαλὴν κλίνει, καὶ μετὰ τὴν θείαν μετάληψιν λαμβάνουσα τὸ ἅγιον ποτήριον παρὰ τοῦ χειροτονήσαντος αὐτὴν, οὐδενὶ μεταδίδωσιν ἐξ αὐτοῦ, ἀλλ' εὐθέως ἀποτίθεται αὐτὸ ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ.

Ἐπὶ χειροτονία διακονίᾳς Goar. p. 218.

Ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου p. 204 cod. S. Marci. Конецъ: Εἴτα κράζει ὁ χειροτονούμενος ὑποδιάκονος γ'. Ὅσοι πιστοὶ καὶ δίδωσι νίψασθαι τῶν χειροτονησάντων.

καὶ ἔπειτα

Ἐπὶ προχειρίσει ἀναγνώστου καὶ ψαλτοῦ. Προσάγεται ὁ μέλλων προχειρίζεσθαι ἀναγνώστης τῷ ἀρχιεπισκόπῳ, καὶ λαμβάνει τὸ φαλλίδιον, καὶ κεῖρει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ δίδωσιν αὐτὸν καρῆναι, καὶ μετὰ τὸ καρῆναι προσάγεται τῷ χειροτονοῦντι, ὁ δὲ ἐπιθεὶς τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ σφραγίζων γ'. ἐπεύχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ Goar. p. 194. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν δίδεται τῷ μὲν ἀναγνώστῃ ἀποστολικὸν βιβλίον καὶ ἀναγινώσκει, αὐτῷ δὲ ψαλτῇ Ψαλτήριον καὶ λέγει προκείμενον.

Ἐπὶ προχειρίσει ἡγουμένου. Goar. p. 396.

Ἐπὶ μνηστροῖς βασιλέων καὶ λοιπῶν См. Втор. путеш. по Аѳону еп. Порф., стр. 51—54, но издатель ектенью на вѣнчаніе не привелъ цѣликомъ, оговорившись καὶ ἐξῆς, и опускаетъ нѣкоторыя иныя статьи. Ектенья читается такъ: Ἐν εἰρήνῃ καὶ τὰ λοιπὰ καὶ ἐξῆς. Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦ δεινός καὶ τῆσδε τῶν συναπτομένων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν... Τῆς παναγίας...

При возложеніи вѣнца на невѣсту, говорится: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτήν. Въ концѣ чина имѣется слѣдующее наставленіе, опущенное еп. Порфириемъ: Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε, τὸ ἐπιεικὲς ὑμῶν γνωστῇτω πᾶσιν ἀνθρώποις, ὁ Κύριος ἐγγὺς καὶ μηδὲν μεριμνᾶτε, καὶ ὁ Θεὸς τῆς εἰρήνης ἔσται μεθ' ὑμῶν.

Ἐπὶ ποιήσει μύρου, γινομένη τῇ ἀγίᾳ καὶ μεγάλῃ πέμπτῃ. Goar. p. 504 Cod. Cript.-ferrat. MS. Bessarionis. Между молитвами „Миръ всѣмъ“ и „Главы ваша“.

Εὐχὴ εἰς τὴν ἀπαμφίαν τῆς ἀγίας τραπέζης, τὴν γινομένην τῇ ἀγίᾳ πέμπτῃ ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως, μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τῆς τριδέκτης οὕτως: πρῶτον θυμιᾷ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν ἀγίαν τράπεζαν κατὰ τὸ ἔθος περίε, καὶ εἰθ' οὕτως ποιεῖ τὴν εὐχὴν ταύτην καθ' ἑαυτόν, καὶ εἰς τὸ τέλος ἐκφωνεῖ, καὶ ἀποκρίνονται οἱ σὺν αὐτῷ τὸ Ἀμήν, καὶ τότε ἀπαμφιάζουσι τὴν ἀγίαν τράπεζαν, καὶ καταπλύνουσι μετὰ σπόγγων καινῶν καὶ ὕδατος χλιαροῦ καὶ ῥοδοστάγματος, καὶ ἀποσπογγίζουσιν αὐτὴν μετὰ ἐγγχειρίων, εἰτα πάλιν ἀμφιάζουσι καὶ πάλιν θυμιᾷ κατὰ τὸ ἔθος, καὶ οὕτως ποιεῖ τὴν ἑτέραν εὐχὴν καθ' ἑαυτόν, καὶ εἰς τὸ τέλος ἐκφωνεῖ, εἰτα διανέμει τὰ σπογγάρια, καὶ οὕτως γίνεται ὁ νιπτήρ. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ζωοποιῷ σου θανάτῳ τὸν θάνατον... Goar. p. 498. Εὐχὴ μετὰ τὴν ἐκπλυσιν. Ὁ ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων Θεός, ὁ δι' ἄφατον ἀγαθότητα πρὸς λειτουργίαν. Ibidem. Ὁ λαός, Ἀμήν.

Чинъ литургіи Василия Великаго начинается Εὐχὴ τῆς εισόδου, или, лучше сказать, молитвою третьяго антифона. Начала нѣтъ.

Въ концѣ приписка: Μέμνησο Μηνᾶ, τοῦ γεγραφότος θύτου.

XLV. № 161 Илитарій XIV в. Аѳоно-Ксенофской библіотеки, содержащій чинъ литургіи Іоанна Златоуста безъ начала.

Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

Послѣ възгласа ὁ ἱερεὺς κλινόμενος εὐχεται. Κύριε οἰκτίρμων Goar. p. 113 Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναχρίας... Ὅτι πρέπει... Καὶ εἰθ' οὕτως Δεῦτε προσκυνήσωμεν. Καὶ λέγομεν τὸ Φῶς ἱλαρόν. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν τῆς εισόδου. Ἐσπέρας καὶ πρωί. Молитвы антифоновъ тѣже, что у Гоара p. 193. Ἐτι καὶ ἔτι οἱ κλίνοντες τὰ γόνата. Εὐχὴ τῆς εισόδου. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κχαστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα καὶ στρατιάς ἀγγέλων καὶ ἀρχαγγέλων... Дальнѣйшій чинъ обыкновенный. На послѣднемъ мѣстѣ стоитъ молитва: Εὐχὴ ἐν τῷ θυ-

σιστηρίφ· Ἀπὸ τῶν ἁγίων εἰς τὰ ἅγια πορευόμενοι ἡμεῖς ἁμαρτωλοὶ
См. Втор. путеш. по Азоту стр. 48.

Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου.

Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ἰώμενος τὰ συντρίμματα τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν Goar. p. 335.

Εὐχὴ ἐτέρη ἐπὶ ἀρρώστου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια πᾶθη θεραπεύσας τῷ λόγῳ μόνῳ, ὁ τὴν πενθερὰν Πέτρου πυρέσσουσαν ἰασάμενος. См. выше стр. 56.

Εὐχὴ ἐπὶ ἀρρώστου.

Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων (перечисления именъ святыхъ нѣтъ). Goar. p. 107.

Εὐχὴ ἐπὶ μέλλοντι λαμβάνειν σχῆμα μοναχοῦ, ὅτε βάλλῃ μανδύαν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιους σου εἶναι νομοθετήρας τοὺς τὰ βιωτικά πάντα καταλιπόντας... Goar. 385. Миръ веѣмъ и Главы ваша. На этомъ обрывается илитарій.

ИЛИТАРІЙ

XLVI. Илитарій библиотеки Павры пр. Аθανасія на Аѳонѣ писанъ на пергаменѣ четкою скорописью XIV в. Начинается илитарій такъ: τι τῶν τοῦ διαβόλου ἐν τῇ ψυχῇ διὰ τοῦτο ἐστῶτες ἄνω τείνετε τὰς χεῖρας, ὥς παρὰ ἀγγέλων ἐρευνώμενοι, μήτι τῶν τοῦ διαβόλου κρύπτηται παρ' ὑμῖν Goar. p. 279—281, но съ концемъ послѣ возгласа: Σὺν γὰρ ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Εἶτα δίδοται καιρὸς καὶ τελεῖται ἡ θεία λειτουργία.

Τάξις γινομένη ἐπὶ λιτῇ, μελλούσῃ τῆς μεγάλης ἐκκλησίας ἐξέρχεσθαι. См. ниже рук. парижск. нац. библ. № 2'3 (Coislian.) л. 79 об. 1027. г.

Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ ἐγκαινίων ναοῦ.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας... Goar. p. 662. Ἡ δὲ εὐχὴ αὕτη λέγεται καὶ εἰς ἐγκαινία ναοῦ παντὸς ἁγίου μικρὸν τοῦ ἀρχιερέως ἐναλλάττοντος, καὶ ἀντὶ τοῦ εἰπεῖν· Τὸν ἐγκαινισμόν ἐορτάζοντας τοῦ σεβασμίου ναοῦ, λέγοντος· Τὴν ἀνάμνησιν ἐορτάζοντας τοῦ ἐγκαινισμοῦ τοῦ σεβασμίου ναοῦ· λέγεται δὲ καὶ εἰς ἐγκαινία ναοῦ τῆς Θεοτόκου ὀλίγον τοῦ ἀρχιερέως πάλιν ἐναλλάσσοντος, καὶ ἀντὶ τοῦ εἰπεῖν· Τοῦ σεβασμίου ναοῦ τοῦ ἁγίου τοῦδε λέγοντος· Τοῦ σεβασμίου ναοῦ τῆς ἁγίας ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας. Μετὰ δὲ τὸ Ἀμήν, εὐθὺς ἐπιφέρει τὴν εἰθισμένην τῆς εἰσόδου εὐχὴν, ἔχουσιν οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,

ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα... Goar. p. 662. Καὶ ὅτε λέγειν ἄρ-
ξονται τρίτον τὸ Ἄρατε πόλας, σφραγίζει πάντας ἐκ γ'. καὶ ἀνοίγο...
Конца нѣтъ.

Вторая сторона илтарія починается: ἔτι καὶ δουλικῇ χειρὶ βα-
πτισθῆναι ἐν Ἰορδάνῃ... т. е. молитвою изъ чина великаго водоосвя-
щенія. Goar. p. 368. Σοὶ γὰρ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις
σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου
Πνεύματι νῦν καὶ αἰεῖ... Καὶ πληρώσας τὴν εὐχὴν, λέγει καθ' ἑαυτὸν τὸ
'Αμήν καὶ εὐθέως ἀπάρχεται ἐκφωνῶνς· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά
τὰ ἔργα... Goar.. p. 370. Послѣ политвы главопреклоненія, отпустъ:
'Ο διὰ τὴν ἡμετέραν κάθαρσιν ἐν Ἰορδάνῃ βαπτισθεὶς Χριστὸς ἀληθινὸς
Θεός...
Τάξις, γινομένη ἐπὶ μνήστροις βασιλέων καὶ λοιπῶν.

Μετὰ τὴν θείαν λειτουργίαν, τοῦ ἀρχιερέως ἐν τῷ ἱερατείῳ, παρί-
στανται οἱ μέλλοντες ζεγυρῶσαι πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν.. См. ркп. М.
Синод. библ. № 279 Свѣд. о нѣкотор. литург. рук. Ватик. библ.
Н. Красносельцева стр. 111—113. Послѣ сокрушенія сосуда ѣκνοι
κλᾶ καὶ ἐκφωνεῖ· Ὁ Θεὸς τῆς εἰρήνης ἔσται μεθ' ὑμῶν πάντοτε νῦν
καὶ αἰεῖ... καὶ οὕτως ἐξέρχονται. На поляхъ рукою позднѣйшею ука-
зано читать: Χαίρετε ἐν τῷ Κυρίῳ πάντοτε...

Εὐχὴ εἰς λύσιν τῶν στεφάνων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν τῶν ἐμῶν στέφανον εὐλογήσας...
Goar. p. 325.

Εὐχὴ λεγομένη ἐν λιτῇ γινομένη διὰ φόβον τινα.

Πάλιν σου, Κύριε τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότης μνήμη παιδείας, πά-
λιν ἀχρείων δούλων... Goar. pag. 636.

Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕδωρ
τῆς θαλάσσης... См. ниже вѣ ркп. 1027 г. Париж. пац. библ. №
213 л. 99.

Εὐχὴ εἰς εὐλόγησιν σταφύλης.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μο-
νογενῆ σου Υἱόν... Goar. pag. 552.

XLVII. В. № 7 Εὐχολόγιον лавры пр. Аѳанасія Аѳонскаго,
ркп. вѣ 32 долю листа, 226 листовъ, писана на пергаменѣ четкимъ
почеркомъ XIV в. Начала нѣтъ.

л. 1. Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ τοῦ πληρώματος.

λ. 1 οβ. Εὐχὴ κολύβων εἰς μνήμην ἁγίου.

λ. 2. Εὐχὴ κολύβων εἰς κοιμηθέντας.

λ. 4. Εὐχὴ κατηγουμένων πρὸ τῆς ἁγίας ἀναφορᾶς τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου. Изложены молитвы этой литургии.

λ. 6 οβ. Ἡ θεία λειτουργία τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς τῶν προηγιασμένων. κτενέχκε νόνκετειν

λ. 38. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ λυχνικοῦ.

Три первые молитвы обычные, четвертая: „Εὐχὴ πρὸ τοῦ Κύριε ἐκέκραξα—Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας... Goar. p. 31, εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως—Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... p. 20, εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς... p. 32.

λ. 42 οβ. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

6 молитва: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε... p. 40, εὐχή, λεγομένη εἰς τὸ ἐωθινόν εὐαγγέλιον, ψαλλομένου τοῦ προκειμένου Ἑλλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις... p. 41, εὐχὴ τοῦ πεντηκοστοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας... p. 42, εὐχὴ τῶν αἰνῶν· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς... p. 42, εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως· Αἰνοῦμεν καὶ ὕμνοῦμεν... p. 42, εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας· Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν... p. 44.

λ. 51. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς ἀπὸ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθήτω τὸ φῶς... Goar. p. 264.

λ. 52. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου. См. выше стр. 53. κκακκκκ

λ. 52 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν διὰ τοῦ λόγου σου δημιουργήσας. См. выше стр. 69; Conf. Goar. pag. 217.

λ. 53 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

λ. 62. Τάξις τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, γινομένη ἐν τῷ βαπτιστηρίῳ. См. выше стр. 1—3.

λ. 72 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτιζόμενον. См. выше стр. 4.

λ. 73. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον. Тамъ же.

λ. 73 οβ. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν. См. Костам.—Аѳон. библ. XV в. № 19 л. 106.

λ. 74. Τάξις καὶ ἀκολουθία γινομένη, ἐὰν συμβῇ μίαρὸν πεσεῖν εἰς ἄγγεον ἢ οἶνου ἢ ἐλαίου. 2 молитвы.

л. 76. Εὐχὴ ἐπὶ φρέατος μiasθέντος.

л. 77 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

л. 78 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιροφαγησάντων.

л. 79 об. Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν ἀριστᾶν.

— Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἐκ τοῦ ἀρίστου.

л. 80. Εὐχὴ λεγομένη εἰς χριστιανὸν ἀπαχθέντα αἰχμάλωτον, καὶ μαγαρήσαντα, ἐπιστρέψαντα δὲ καὶ προσδραμόντα τῇ ἀγίᾳ ἐκκλησίᾳ Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ.

л. 82. Περι τάξεως; γινομένης ἐπὶ μνηστοῖς βχσιλέων καὶ λοιπῶν. Чинъ сходень съ Синод. ркп. № 279. См. у Краснос. Описан. Ватиканск. ркп. стр. 111.

л. 84. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος. См. тамъ же, но есть и небольшие разности: послѣ „Отче нашъ“, κρατῶν δὲ τὸ ποτήριον. Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια καὶ κοινωνεῖ αὐτούς, εἶτα ποιεῖ τὴν εὐχὴν τοῦ κοινοῦ ποτηρίου... Послѣ общей чаши: καὶ ἐκφωνεῖ ὁ ἱερεὺς λέγει: Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν... Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε... καὶ οὕτως ἐξέρχονται.

л. 88. Εὐχὴ εἰς τὴν λύσιν τῶν στεφάνων. Goar. p. 325.

л. 88 об. Εὐχὴ ἐπὶ διγάμων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ τὸν Ἀβραὰμ φίλον καλέσας... Ркп. XVI в. Свято-гроб. библ. № 615 л. 292.

л. 89 об. Позднѣйшей руки: Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίαν οἴκου.

л. 91 Ἀπόστολοι καὶ εὐαγγέλια.

л. 119 об. Προκείμενα καὶ ἀλληλουάρια.

л. 123. Мѣсяцесловъ съ евангельскими и апостольскими чтеніями на избранные дни.

л. 150. Чинъ великаго водоосвященія.

л. 174. Евангельскія и апостольскія чтенія на постъ и Пятидесятницу.

л. 195. Чинъ Пятидесятницы.

л. 226. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ τὰ ια'. Обрывается рукопись на первомъ евангеліи.

XLVIII. Δ. № 93 Εὐχολόγιον, ркп. той же библ. въ 16 долю листа, 225 листовъ, писанъ на пергаменѣ почеркомъ XIV в.

л. 1. Ἀπόστολος τοῦ ἀγίου προφήτου Ἠλίου и евангеліе.

л. 5. Апостолъ и евангеліе въ четвергъ страстной седмицы.

л. 21. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου. Πρόλογος καὶ ἀκριβῆς διάταξις περὶ τοῦ μετὰ φρίκης καὶ κατανύξεως καθυπουργεῖν τοῖς θεοῖς μυστηρίοις.

Πρόσχες σεαυτῷ, ὃ πρεσβύτερε, καὶ βλέπε τὴν διακονίαν, ἣν παρέλαβες.

л. 22. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

л. 22 об. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴνου.

л. 23. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἄμπελον.

л. 23 об. Εὐχὴ εἰς εὐλόγησιν οἴνου.

л. 24. Апостолъ и евангеліе преподобныхъ.

л. 25 чистый.

л. 26. Апостолъ и евангеліе апостоламъ Петру и Павлу.

л. 28 об. Евангеліе Богородицѣ.

л. 30. Литургія св. Златоуста.

л. 45 об. Литургія Василия Великаго.

л. 68 об. Литургія преждеосвященныхъ даровъ.

л. 78 об. Апостольскія и евангельскія чтенія по Мѣсяцеслову.

л. 139 об. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας.

л. 153 об. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 167 об. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ ἁγιασμοῦ.

л. 178. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 196 об. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ εὐαγγέλια ἐωθινὰ τὰ ια'.

л. 213. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

л. 216. Утреннія молитвы безъ начала.

л. 223. Новой руки: Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς εἰς τὸν μέλλοντα μεταλαμβάνειν.

Χ V В Ъ К Ъ.

XLIX. № 1021. Илитарій на пергаменѣ Синайск. библіотеки содержащій въ себѣ чинъ литургіи Василия Великаго, писанъ по черкомъ XIV—XV в. На поляхъ рукою современною написанію илитарія сдѣланы киноварью нѣкоторыя, не лишеныя интереса, замѣчанія, въ родѣ слѣдующихъ: 'Ο διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν καιρὸν τοῦ Τρισαγίου. 'Ο ἀρχιερεὺς· 'Οτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Καὶ οἱ ψάλται τὸ Τρισάγιον. 'Ο ἀρχιερεὺς ὁμοίως τὸ Τρισάγιον δις καὶ εἰς τὴν καθέδραν μίαν. 'Ο διάκονος, λαβὼν τὸν τρίκεριν καὶ ἀπελθὼν εἰς τὰς θύρας, λέγει· Εὐλόγει Κυρίου τὴν δόξαν. 'Ο ἀρχιερεὺς,

ἀνάψας τὸ μίαν (sic) τοῦ τρικερίου, λέγει· Τριάδος ἡ φανέρωσις. Ὁ διάκονος· Κύριε, Κύριε, ἐπέβλεψον ἐξ οὐρανοῦ. Ὁ διάκονος· Κέλευσον, δέσποτα. Καὶ ἀπέρχονται ἐν τῇ καθέδρᾳ. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος. Ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἄνω καθέδραν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογημένος εἴ ἐπὶ θρόνου δόξης τῆς βασιλείας σου, ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν βίμ πάντοτε νῦν καὶ οἱ αἰεὶ. Καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ Τρισαγίου, θυμᾷ ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ οἱ ἱερεῖς ἐξέρχονται μετὰ λαμπάδων ἐκ τοῦ βήματος... По великомъ входѣ: Ὁ διάκονος· Εὐξαι ὑπὲρ ἐμοῦ, δέσποτα ἅγιε. Ὁ ἀρχιερεὺς· Κατευθύναι Κύριος τὰ διαβήματά σου. Ὁ διάκονος· Μνήσθητί μου, δέσποτα ἅγιε. Ὁ ἀρχιερεὺς· Μνησθεῖη σου Κύριος, ὁ Θεός...

Пис...

L. № 59 (62). Εὐχολόγιον, ркп. Аеоно-Костамонитской библи. на бомбиципѣ писана четкимъ и весьма изящнымъ почеркомъ XIV—XV столѣтій. Отъ сырости рукопись настолько испорчена, что въ нѣкоторыхъ мѣстахъ совершенно неудобочитаема

Чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста состоитъ изъ молитвъ. Эта часть евхологіи наиболѣе испорченная.

Εὐχή τοῦ ἁγίου μάρτυρος Τρύφωνος.

Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων...

...δ.

Въ чинѣ молитва на водоосвященіе начинается такъ: Δοξάζομεν, Δέσποτα πανάγιε παντοκράτωρ... ркп. XVI в. Св.-гроб. библи. № 68.

Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ.

Εὐχή εἰς λόγον γυναῖκα.

Τρισαγίον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ τῆς Θεοτόκου· Ἡ γέννησίς σου Θεοτόκε χαρὰν ἐμήνυσε, Δόξα καὶ νῦν, τὸ κοντάκιον Ἰωακείμ καὶ Ἄννα ὀνειδισμοῦ ἀτεκνίας. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, πᾶσαν φύσιν λογικὴν καὶ νοερὰν συστησάμενος. Goar. p. 267.

Ἀκολουθία εἰς τὸ βαπτίσαι παιδίον.

Εὐχή εἰς λόγον γυναῖκα.

М. XIX

Κύριε Σαβαώθ ὁ Θεός τοῦ Ἰσραὴλ, ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον. Дмитриевскій Прил. стр. 3.

Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον τοῦ λαβεῖν ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Прилож. стр. 7.

Εὐχή ἀφορκισμοῦ πρώτου. Чинъ крещенія.

Εὐχή εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Εὐχή εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον.

Ἰστέον, ὅτι βαστάζει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον εἰς τὴν ἀριστεράν αὐτοῦ χειρὰ, εἰσέρχεται εἰς τὸν ναὸν καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον τῆς Ὑπαπαντῆς· Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε Παρθένε... Δόξα καὶ νῦν, τὸ κοντάκιον· Ὁ μήτραν παρθενικὴν ἀγιάτας, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν μετὰ Μαρίας, τῆς ἀγίας σου Μητρός. Прилож. стр. 19. Καὶ ἰστάμενος ὁ ἱερεὺς ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, ποιεῖ τρεῖς μετανοίας καὶ τίθησιν αὐτὸν πρὸ τοῦ βήματος εἰς τὸ ἔδαφος καὶ εὐχεται· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις, ὡς βρέφος τῷ νομικῷ ναῷ προσαχθεὶς... Goar. pag. 267. Καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, καὶ λαμβάνει ὁ ἀνάδοχος.

Εὐχή εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 267.

Εὐχαὶ διάφοροι.

Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ въ количествѣ 7 съ главопреклонною.

Εὐχαὶ ἐωθιναί. Молитвъ 12.

Εὐχαὶ ἑτεραι διάφοροι.

Апостольскія и евангельскія чтенія.

Ἀκολουθία τῆς γονοκλισίας τῆς Πεντηχοστῆς.

Ἀκολουθία εὐχελαίου (руки XVI в.)

Чины постриженія въ монахи.

LI. № 780 Εὐχολόγιον, рукопись Аѳѳно-Иверской библи. въ 16 долю, 168 листовъ, писана скорописью 1400 года, какъ говорить о томъ приписка въ концѣ рукописи: Ἐτελειώθη ἡ παροῦσα βίβλος ἐν ἔτει ςϠη'. Ἰνδικτιῶνος η'. μηνὶ Φεβρουαρίῳ, νῦν τὸ κατὰ δύναμιν μὴ ἀμελήσαντες εὐχεσθε δοθῆναι μοι λύσιν σφαλμάτων.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. Чинъ литургіи состоитъ изъ молитвъ и діаконскихъ прошеній. Тропаря: „Господи, иже пресвятаго твоего Духа“ нѣтъ.

л. 13. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου. Чинъ тоже состоитъ только изъ молитвъ.

л. 29. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 36. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

Εὐχολόγιον τ. II.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητὸν καὶ ἀρχόμεθα· Κύριε, εἰσάκουσον. См. начало въ моеѣ книгѣ „Богослуж. въ русск. церкв. въ XVI в. Прилож. стр. 119 прим. 4 (Рук. Севаст. собр. № 473). Послѣ канона Трисвятое, ἀπολυτίκιον· Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν μόνος ὑπάρχων, Χριστέ... Καὶ γίνεται ἑκτενὴ καὶ ἀπόλουσις. Εἴτα συναγμένων τῶν ἱερέων καὶ στολισαμένων, ἐκφωνεῖ εἰς ἐξ αὐτῶν· Εὐλόγησον, δέσποτα. Καὶ ὁ πρωτοπαπᾶς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία καὶ εὐθὺς· Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἔλαιον τοῦτο τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ καὶ ἐπιφοιτήσῃ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς ἐκ Θεοῦ ἐπισκέψεως καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων αὐτοῦ, καὶ ὑπὲρ τοῦ ἐλθεῖν ἐπ' αὐτὸν τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας. Ὅτι πρέπει σοι... Λέγοντος¹⁾ δὲ τοῦ ἱερέως τὰ διακονικά, ἐπιβάλλουσιν οἱ ἱερεῖς κατὰ τάξιν εἰς τὴν κανδήλαν ἔλαιον, λέγοντες καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ἰώμενος... Goar. p. 335. Εἴτα²⁾ λέγονται τὰ τροπάρια ταῦτα· Μητέρα σε Θεοῦ... ἡχος β'. Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα πηγὴ... ἡχος γ'. Καταφυγὴ καὶ δύναμις ἡμῶν, Θεοτόκε... ἡχος δ'. Τῇ Θεοτόκῳ ἑκτενωῶς... ἡχος πλ. α'. Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ... ἡχος πλ. β'. Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν... ἡχος πλ. γ'. Ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου ἄχραντε... ἡχος πλ. δ'. Ἡ νοητὴ πόλις... Δόξα, Ἁγιοὶ Ἀνάργυροι... Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα... Καὶ ποιεῖ μετανοίας τρεῖς ὁ ἀδελφός³⁾, ὑπὲρ οὗ ἡ εὐχὴ τοῦ ἁγίου γίνεται, πρὸς τοὺς ἱερεῖς, καθ' ἑκάστην προσκύνῃσιν λέγων· Εὐλογήσατε, δεσπότη μου ἅγιοι, εὐξασθε καὶ συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ. Καὶ⁴⁾ συγχωρεῖται παρὰ τῶν ἱερέων, καὶ εὐθὺς⁵⁾ τὸ προκείμενον· Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλεός σου... ἀποστολὴ и евангеліе у Гоара pag. 337. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ibid. Εὐχή· Ἀναρχε, ἀδιάδοχε⁶⁾ Ibid. Καὶ

1) Ркп. Афон - Костам. библ. XV в. № 19 Λεγόμενων δὲ τούτων παρὰ τοῦ ἱερέως, ἐπιβάλλουσιν οἱ ἱερεῖς ἑκάστος ὀλίγον ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλαν, λέγοντες 2) καὶ εὐθὺς ἄρχονται τὰ τροπάρια ταῦτα, ἡχος α'. 3) ἄνθρωπος πρὸς τοὺς ἱερεῖς καὶ λέγει 4) καὶ εὐλογεῖται καὶ συγχωρεῖται 5) εἴτα λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς τὸ προκείμενον 6) На полѣ ркп. № 780 написано тою же рукою: Ἰστέον, ὅτι, πληρωμένης τῆς εὐχῆς, λέγεται τροπάριον· Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ... Τοῦτο παισθεμένον πάσαις ταῖς εὐχαῖς. Ркп. № 19 Χρίει τὸν ἀσθενὴ μὲ ἅγιον ἔλαιον, καὶ οἱ ἕτεροι ἱερεῖς λέγουσι τροπάριον· Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου, καὶ ἄπει τὸ ἀπρότομβον καὶ θυμῷ. Εἴτα ἄρχεται ὁ δεῦτερος ἱερεὺς τὸ προκείμενον, ἡχος β'.

λαβὼν παρὰ τοῦ δευτέρου ἱερέως τὸ ἅγιον ἔλαιον, κρατῶν αὐτό, ἐπιτίθησι τὰς χεῖρας τῇ κεφαλῇ τοῦ, δι' ὃν ἡ εὐχή γίνεται, καὶ εἰπὼν τὴν παροῦσαν εὐχὴν καθ' ἑαυτόν, ἔπειτα ἀλείφει τοῦτον σταυροειδῶς. Ὅμοίως καὶ οἱ λοιποὶ ποιοῦσι· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν... Goar. p. 338. Ὁ δεύτερος ἱερεὺς τὸ προκείμενον· Ἰσχύς μου, апостолъ, евангеліе, ектеңья и молитва, что въ Прил. стр. 124¹⁾). 3 προκείμενον· Κύριος φωτισμός μου, апостолъ и евангеліе Ibid. стр. 126²⁾). 4 προκείμενον· Ἐν ᾗ ἂν ἡμέρᾳ ἐπικαλέσωμαι σε, апостолъ и евангеліе Goar. p. 341, ектеңья и молитва Прилож. стр. 128³⁾). Ὁ πέμπτος ἱερεὺς προκείμενον· Σὺ Κύριε, φυλάξαις ἡμᾶς... апостолъ и евангеліе и молитва Goar. p. 342⁴⁾). Ὁ ἕκτος ἱερεὺς προκείμενον· Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, апостолъ, евангеліе и молитва Ibid. pag. 343⁵⁾). Ὁ ἑβδομος ἱερεὺς προκείμενον· Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου, апостолъ, евангеліе и молитва Goar. p. 344, 345⁶⁾). Ὑπομένων ὑπέμεινα τὸν Κύριον καὶ προσέσχε μοι. Φῶς δικαίους διὰ παντός· οἱ γὰρ ἅγιοι ἐν σοὶ φωτισθέντες... Πηγὴ ἱαμάτων ἔχοντες... Δόξα καὶ νῦν, Νεῦσον παρακλήσεσι. Εἴτα τιθέασι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ, δι' ὃν ἡ εὐχή γίνεται, καὶ ὑпанеχόντων τοῦτο καὶ κρατούντων τῶν ἱερέων, λέγει ὁ πρῶτος τὴν εὐχὴν ταύτην· Βασιλεῦ ἅγιε... p. 346. Λέγεται δὲ καὶ ὁ στίχος οὗτος τρεῖς παρὰ τῶν ἱερέων, τὸ Ἐπάκουσόν μου, Κύριε, Εἰσάκουσόν μου, Κύριε, Ἐλέησόν με, Κύριε, εἴτα ἕκτενὴ καὶ ἀπόλουςις. Καὶ ποιεῖ ὁ ἀδελφὸς πάλιν μετανοίας τρεῖς, καὶ εὐλογεῖται καὶ συγχωρεῖται παρὰ τῶν ἱερέων.

л. 56. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασσοφοροῦντα. Goar. pag. 378, но съ прибавкою въ началѣ чина „Придите поклонимся“ и 50 псалма.

л. 57. Ἀκολουθία τοῦ πρώτου σχήματος ἤτοι τοῦ μανδηλίου(;).

л. 65. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 83. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.

л. 83 об. Ἀπόστολοι καὶ εὐαγγέλια τῆς ἑβδομάδος.

1) Εἴτα (т. е. послѣ молитвы) ἄπει τὸ (ἀπρό)τουβίον καὶ θυμῷ, εἴτα ἄρχεται ὁ τρίτος ἱερεὺς 2) εἴτα ἄρχεται ὁ δ'. ἱερεὺς τὸ προκείμενον 3) εἴτα ἄρχεται 4) καὶ ἄπει (послѣ молитвы) τὸ ἀπρότουβον, καὶ ἄρχεται ὁ ζ'. 5) καὶ ἄρχεται ὁ ζ'. 6) καὶ ἄπει τὸ ἀπρότουβον, καὶ ἡμεῖς λέγομεν τὸ Κύριε, ἔπλον κατὰ τοῦ διαβόλου, Δόξα, Πηγὴ ἱαμάτων... Καὶ νῦν, Ἐκ παντοίων κινδύνων, εἴτα τίθῃσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον εἰς τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀσθενοῦς, καὶ κρατεῦσιν αὐτὸ καὶ οἱ ἐπτά, καὶ ἄρχεται ὁ πρωτοπαπᾶς μεγαλοφώνως τὴν εὐχὴν· Βασιλεῦ εὖ ἅγιε... εἴτα ἀσπάζεται ὁ ἀσθενὼν τὸ εὐαγγέλιον, καὶ λέγουσιν οἱ ἱερεῖς ἕκ τρίτου· Εἰσάκουσόν μου, Κύριε, ἕκτενὴ καὶ ἀπόλουςις.

- λ. 91 οβ. Ἀπόστολοι καὶ εὐαγγέλια εἰς διαφόρους μνήμας ἁγίων.
 λ. 110. Εὐχὴ εἰς εὐλόγησιν οἴνου.
 λ. 110 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.
 λ. 111. Εὐχὴ ἐπὶ τὸν προπετῶς ὀμνύοντα.
 — Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν ἐπιτιμίαις ὄντων καὶ ἑαυτοῖς ὀρκῶ δεσμοῦντων.
 λ. 111 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφασάντων.
 λ. 112. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ ἡ μιαιρόν, ἥ τι ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν ἐν ὑποληνίῳ οἴνου ἢ ἀγγεῖῳ ἐλαίου.
 λ. 113. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς σκεῦος μισθέν.
 λ. 113 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ αἰσχρῶν λογισμῶν.
 λ. 114. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.
 λ. 114 οβ. Εὐχὴ τῶν ἐξ ἐπιτιμίων λυομένων.
 λ. 115. Εὐχὴ ἐπὶ πᾶν εἶδος ἀβρώστίας.
 — Εὐχὴ σταφυλῶν εὐλογῆσαι.
 λ. 115 οβ. Εὐχὴ εἰς ὕδωρ μινθέν.
 λ. 116. Εὐχὴ λεγομένη παρὰ τοῦ ἱερέως ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος μεταλαβεῖν τῆς ἁγίας κοινωνίας.
 — Εὐχὴ ἑτέρα, λεγομένη καὶ αὕτη παρὰ τοῦ ἱερέως ἐπὶ τῶν ἐξομολογουμένων καὶ τοῖς θεοῖς καὶ φρικτοῖς προσιέναι μελλόντων (μυστηρίοις).
 λ. 118. Συγχωρικὸν γράμμα, ὅπερ ποιεῖ ὁ πνευματικὸς πατήρ τοῖς αἰτουμένοις αὐτό.
 λ. 118 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ Φώτων.
 λ. 125. Ἀκολουθία μικροῦ ἁγιασμοῦ.
 λ. 130. Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς, ὅτε τὸν ἁγιασμὸν τόνδε ποιήσει εἴτε εἰς χωράφιον, ἢ κήπον, ἢ ἀμπελῶνα, ἢ εἰς ποιμνὴν προβάτων καὶ λοιπῶν ζώων μετὰ τὸ ῥαντίσαι τὸ ἁγίασμα.
 λ. 130 οβ. Κανὼν εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν περὶ νίψεως.

Акаѳистъ.

- λ. 133 οβ. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.
 λ. 137. Τὰ ἐωθινὰ ἑνδεκα ἀναστάσιμα εὐαγγέλια.
 λ. 145. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου.
 λ. 145 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.
 λ. 146. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου.
 λ. 148. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου.
 λ. 150. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου, πατριάρχου καὶ μητροπολίτου.
 λ. 152 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ τῶν μοναχῶν.
 λ. 165. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ τῶν κοσμικῶν.

ЛII. Изъ рукописнаго Типикона Аѳоно-Ватопедск библ. 1404—1405 г. № 324 (935).

л. 226. Εἰδησις περὶ τοῦ βαπτίσματος.

Εἰ μὲν ἐστὶν ἡλικίας τελείας ὁ μέλλων βαπτισθῆναι, ἀποδύει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς καὶ ἀπολύει, καὶ ἴσῃσι κατ' ἀνατολάς, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίς, καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, λέγων· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν· εἰ δὲ βρέφος ἐστί, κρατεῖ τοῦτο ἡ μαία ἐν ταῖς ἀγκάλαις αὐτῆς, ἰσταμένη κατ' ἀνατολάς ἔξωθεν τῆς ἐκκλησίας, ὁ δὲ ἱερεὺς ποιεῖ, ὡς δεδηλωται. Μετὰ δὲ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς ἄρχεται τῶν ἀφορκισμῶν. Ἀφορκισμός α'. Ἐπιτιμᾷ σοι Κύριος, διάβολε. Ἀφορκισμός β'. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος ὁ φοβερὸς. Ἀφορκισμός γ'. Κύριε Σαβαώθ ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ. Εἴτα τὴν εὐχὴν· Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε. Καὶ ὅταν ἔλθῃ ἐν τῷ τόπῳ, ἐν ᾧ λέγει· Ἀπὸ φαντάσματος πονηροῦ, ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίς καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ, τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει· Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ. Μετὰ δὲ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς στρέφει αὐτὸν ἐπὶ δυσμᾶς ὁ ἱερεὺς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ ἐρωτᾷ αὐτὸν οὕτως· Ἀποτάσση τῷ σατανᾷ; Καὶ ἀποκρίνεται ὁ βαπτιζόμενος, ἢ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ λέγων· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ. Καὶ αὐθις ἐρωτᾷ αὐτόν· Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ; Καὶ ἀποκρίνεται· Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ. Καὶ αὐθις ἐρωτᾷ· Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ; Καὶ ἀποκρίνεται· Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ. Καὶ πάλιν· Καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ; Καὶ ἀποκρίνεται· Καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ. Καὶ πάλιν ἐρωτᾷ· Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ; Καὶ ἀποκρίνεται· Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ. Καὶ μετὰ ταῦτα πάλιν ἐρωτᾷ γ'. Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Καὶ ἀποκρίνεται· Ἀπεταξάμην. Καὶ ὅτε εἴπῃ τοῦτο γ'. λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ ἔμπτυσον αὐτόν. Καὶ μετὰ τὸ ἐμπτύσαι γ'. στρέφει αὐτόν κατὰ ἀνατολάς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει γ'. Σύνταξον τῷ Χριστῷ. Καὶ ἀποκρίνεται· Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν. Καὶ ὅτε πληρώσει τρίς τὸ Πιστεύω, ἐπερωτᾷ ὁ ἱερεὺς· Συνεταξῶ τῷ Χριστῷ; Καὶ ἀποκρίνεται· Συνεταξάμην. Καὶ ὅτε εἴπωσι τοῦτο τρίς, λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ προσκύνησον αὐτῷ. Καὶ προσκυνοῦντος αὐτοῦ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Δέσποτα ὁ Θεός, ὁ προσκαλεσάμενος. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται μυστικῶς· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ πάντας ἀνθρώπους. Ἐκφώνησις· Σὸν γὰρ ἐστί τὸ ἐλεεῖν· Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ἀπέρχεται εἰς τὴν κολυμβήθραν καὶ θυμιᾷ αὐτήν. Εἴτα ἄρχεται τῶν εἰρηνικῶν· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου, Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν, Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος, Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου αἵκου, Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ, ἐν ᾧ καὶ σφραγίζει αὐτὸ γ'. Ὑπὲρ τοῦ βασιλεῖα ἀφθάρτου, Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτό, Ὑπὲρ τοῦ ναταπεμ-

φθῆναι αὐτόν. Ὑπὲρ τοῦ τέκνον φωτός, καὶ ὑπὲρ πάντων. Ὑπὲρ τοῦ ῥυ-
σθῆναι. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, Τῆς παναγίας ἀχράντου. Τοῦ δὲ διακόνου λέ-
γοντος ταῦτα, ὁ ἱερεὺς λέγει καθ' ἑαυτὸν εἰς τὸ ὕδωρ τὴν εὐχὴν ταύτην·
Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων καὶ οὐκ ἐκφωνεῖ, ἀλλὰ καὶ τὸ Ἀμήν καθ'
ἑαυτὸν λέγει. Μετὰ δὲ τὸ πληρῶσαι τῷ διακόνῳ τὴν συναπτήν, ἀπάρχε-
ται ὁ ἱερεὺς τῆς εὐχῆς μεγαλοφώνως· Μέγας εἰ, Κύριε. Ὅταν δὲ φθάσῃ
εἰς τὸ Φυγέτωσαν ἀπ' αὐτοῦ, ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ὕδωρ γ'. καὶ σφραγίζει τῷ
δακτύλῳ γ'. καὶ λέγει· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν καὶ τὰ ἐξῆς.
Καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς
ἡμῶν. Καὶ κλίνει τὴν κεφαλὴν εἰς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου, βασταζόμενον
ὑπὸ τοῦ διακόνου, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ γ'. καὶ σφραγίζει γ'. καὶ λέγει· Δέ-
σποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν. Ἐκφωνήσις· Εἰς δόξαν καὶ τι-
μὴν. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, λέγοντος τοῦ διακόνου· Πρόσχωμεν, λαμβάνει
ὁ ἱερεὺς τρυβλίον τοῦ ἁγίου ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυ-
ροὺς γ'. ψάλλων τὸ Ἀλληλούια γ'. σὺν τῷ λαῷ, εἰτα ἐκφωνήσιν λέγων·
Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων. Καὶ εὐθέως λαμβάνει ὁ ἱε-
ρεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον
ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων, λέγων· Χρίεται
ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἔλχιον ἀγαλλιάσεως εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς
καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ τότε χρίεται ὑπὸ διακόνου
ὅλον τὸ σῶμα αὐτοῦ ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου, καὶ εὐθέως βαπτίζει ὁ ἱερεὺς
ἐν τῇ ἀγίᾳ κολυμβήθρᾳ ἐν τρισὶ καταδύσεσι, λέγων οὕτως· Βαπτίζεται ὁ
δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ.
Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Καὶ εὐθέως ἀνάγων αὐτὸν ἐκ
τῆς κολυμβήθρας, ψάλλει σὺν τῷ λαῷ· Μακάριοι ὧν ἀφένθησαν αἱ ἀνο-
μίαι, Δόξα καὶ νῦν, πάλιν τὸ αὐτό. Καί, τοῦ διακόνου ποιούντος μικρὰν συνα-
πτήν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ. Εἰδ'
οὕτως χρεῖε ὁ ἱερεὺς τὸν βαπτισθέντα τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύ-
πον ἐπὶ τοῦ μετώπου, τῶν ὀφθαλμῶν, τῶν μυκτήρων, τοῦ στόματος καὶ
τῶν ὠτων, καὶ λέγει· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου, καὶ ψάλλει γ'.
Μακάριοι ὧν ἀφένθησαν, καὶ κυκλοῖ ὁ ἱερεὺς ἢ τὸν θεῖον λουτρόν, ἢ τὸν
ναὸν ἐκ τρίτου, συνεφεπομένου καὶ τοῦ βαπτισθέντος καὶ τοῦ ἀναδόχου,
ψάλλων· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε, εἰδ' οὕτως ποιεῖ ἐκτενὴν ὁ διά-
κονος, μνημονεύων τοῦ τε νεοφωτίστου καὶ τοῦ ἀναδόχου αὐτοῦ, καὶ οὕτως
γίνεται ἀπόλυσις.

Τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ προσέρχεται ὁ νεοφώτιστος τῷ θείῳ ναῷ μετὰ
τοῦ ἀναδόχου αὐτοῦ καὶ εὐλογήσας αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, λέγων εὐχὴν· Κύριε
ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν. Καὶ μετὰ τὸ τέλος, λαβὼν σπόγγον

καινόν μεθ' ὕδατος, ἀποσπογγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὰ ὦτα καὶ τὰ λοιπά, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται μυστικῶς· Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστόν. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν ἐστὶ τὸ ἐλεεῖν. Λέγεται καὶ ἐτέρα εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας. Εἰ δὲ μέλλει ἀποκουρεῦσαι αὐτόν, λέγει καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας. Καὶ μετὰ τὸ τέλος λαμβάνει φαλλίδιον, κουρεύει αὐτόν σταυροειδῶς, ἐπιλέγων· Κεῖρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Εἰδ' οὕτως λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ ἡ εὐχή μυστικῶς· Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν γίνεται ἀπόλυσις.

1. 228. Ἀκολουθία ἀγιασμοῦ.

Μετὰ τὸν εὐλογητὸν Τρισάγιον καὶ τὰ λοιπά. Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν, Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς καὶ ὁ Ν΄. Ἀλληλούια, ἤχος πλ. β΄. μετὰ τῶν στίχων αὐτοῦ, τροπάρια· Ἐλέησον ἡμᾶς, Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας, ὁ πεντηκοστὸς καὶ εὐθύς τὰ κδ΄. στιχηρά τῆς Θεοτόκου, ἤχος πλ. α΄. Πρὸς· Ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου· ἐνωμένως δὲ τούτοις λέγομεν καὶ ἕτερα ὅμοια εἰς ἀγίους διαφόρους, ἡγουν τῶν ἀσωμάτων, τοῦ Προδρόμου, τῶν ἀποστόλων, τῶν μαρτύρων, τῶν ὁσίων, τῶν ἱεραρχῶν, τῶν ἀναργύρων καὶ ἐτέρων, ὧν ἂν βούλοιτό τις, Δόξα, τὸ τριαιδικὸν Τὸν Πατέρα καὶ Υἱόν, Καὶ νῦν, Κύριε, ἡ τεκοῦσα, καὶ εὐθέως ἕτερα στιχηρά, ἤχος πλ. δ΄. Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς, Νάμασιν ἐπομβρίσας, Δόξα, Παρθένος ἔτεκες, Καὶ νῦν, Παναγία Θεοτόκε τῶν χειρῶν ἡμῶν, καὶ σὺν τούτῳ τὸ Τρισάγιον ἐκ τρίτου, Δόξα καὶ νῦν, Ἅγιος ἀθάνατος καὶ πάλιν τὸ Τρισάγιον ἅπαξ. Ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Εἰρήνη πᾶσι, Σοφία. Ψαλμὸς τοῦ Δαβίδ, προκείμενον, ἤχος, δ΄. Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με, Στίχος· Μακάριος ὁ συνιών, ὁ ἀπόστολος τῆς καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου· Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα λάβετε, εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ διήρχετο ὁ Ἰησοῦς εἰς τὴν Ἱερικὴν, καὶ εὐθύς· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν καὶ τὰ λοιπά τῆς συναπτῆς, εἴτα προστίθῃ καὶ ταῦτα, ἐν οἷς εὐλογεῖ τὸ ἐν τῇ λεκάνῃ ὕδωρ, λέγων· Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο, καὶ τὰς ἐτέρας ὁμοίας αἰτήσεις· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, Τῆς παναγίας ἀχράντου. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι. Εἰρήνη πᾶσι. Καὶ ἡ εὐχή μεγαλφώνως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ. Μετὰ δὲ τὴν ταύτης ἐκπλήρωσιν· Ὅτι σὺ εἶ ἡ πηγὴ τῶν ἱαμάτων, Εἰρήνη πᾶσι, Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, καὶ ἡ εὐχή μυστικῶς· Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου, καὶ εὐθύς λαμβάνει τὸν σταυρὸν ὁ ἱερεὺς καὶ, ἐμβάπτων αὐτόν ἐν τῷ ὕδατι, λέγει καθ΄

ἐαυτόν· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς· Ἐν ἄλλῃ· Δόξα τῇ ἀγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ, εἶτα ἐκφωνεῖ τροπάριον, ἡχος β'. Τῶν σῶν δωρεῶν, ὃ καὶ φάλλεται ὑπὲρ πάντων ἐκ τρίτου, ὁ δὲ σταυροειδῶς ἐμβάπτων τὸν σταυρὸν ἐν τῷ ὕδατι ἐκ γ'. εἶτα ῥαντίζει τὸν λαὸν ἅπαντα καὶ τὸν οἶκον ἐκ τοῦ ἀγιάσματος, φαλλόντων ἡμῶν· Πηγὴν ἱαμάτων καὶ θεοτοκία εἰς τὸν αὐτὸν ἔχον· Νεῦσον παρακλήσεων, Ἐκ παντοίων κινδύνων ῥῦσαι ἡμᾶς, Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, καὶ ἕτερον ἕως οὗ ῥαντισθῶσι πάντες, εἶτα ἐκτενῆς προστιθεμένης καὶ τῆς αἰτήσεως τῆς Ἰπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι, ἐκφώνησις· Ἐπάκουσον ἡμῶν, καὶ γίνεται ἀπόλυσις·

LIII. № 371 (Μη'). Εὐχολόγιον, ркп. патриаршей Александрийской библи. въ Каирѣ, въ 16 долию листа, 155 листовъ, писана четкою скорописью 1407 года, какъ это видно изъ слѣдующей приписки: Ἐτελειώθη διὰ χειρὸς ἐμοῦ τοῦ ταπεινοῦ Ἰωακείμ, μητροπολίτου Σουπακίου, ἔτους ς' αἰ'. Ἰνδικτιῶνος ιε'. μηνι Ἰουλίῳ κη'. ἡμέρᾳ πέμπτῃ. Ταπεινὸς μητροπολίτης Σουπακίου Ἰωακείμ. Въ рукописи есть немало и позднѣйшихъ приписокъ и молитвъ, которыя, при описаніи, мы отмѣтимъ.

л. 1. Διάταξις τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας, πῶς γίνεται ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ, ἐν ᾗ καὶ ἡ τάξις τῶν χειροτονιῶν, πότε καὶ πῶς γίνεται ἐκάστη, συνταχθεῖσα παρὰ τοῦ πρωτονοταρίου τῆς ἀγιωτάτης τοῦ Θεοῦ μεγάλης ἐκκλησίας κυροῦ Δημητρίου τοῦ Γερμιστοῦ. Haberti. Ἀρχιερατ. Paris. 1643 pag. 1—7. Разности въ чинѣ проскомидіи сравнительно съ печатнымъ текстомъ заключаются въ прибавленіи эпитета: ἐνδόξου ἀποστόλου καὶ первомученику архидіакону Стефану, въ поименованіи τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν Ἀναργύρων и въ чтеніи особаго, кромѣ употребляющагося нынѣ, стиха, при поставленіи звѣздицы на дискосъ, Τῷ λόγῳ Κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν...

л. 6. Πότε φορένει ὁ πατριάρχης, μέλλων τὴν θείαν ἐπιτελέσαι μυσταγωγίαν καὶ ἐν ποίῳ τόπῳ καὶ περὶ τῶν ὑπηρετούντων αὐτῷ. Ὁ δὲ πατριάρχης κατερχόμενος, εἰ μὲν ψάλλουσιν ἔτι τὸν ὄρθρον, φορένει... См. выше стр. 301—318 въ вариантахъ и у Haberti Ἀρχιερατικ. pag. 17.

л. 9. Чинъ хиротоніи въ епископа см. выше стр. 298.

л. 11. Ὅπως γίνεται ἡ χειροτονία τῶν ἀναγνωστῶν. Goar. p. 144—195, но отсутствуетъ замѣчаніе о посвященіи въ чтеца, когда нѣтъ литургіи.

л. 12. Ὅπως γίνεται ἡ τῶν ὑποδιακόνων χειροτονία. См. выше стр. 297.

λ. 28 об. Ὅπως ὁ ὑποψήφιος εἰς τὸ ἅγιον εἰσέρχεται βῆμα. Ὁ δὲ ὑποψήφιος ἵσταται εἰς τὸ διακονικόν, καὶ παραλαμβάνουσιν αὐτὸν ἐξ ἑκατέρου μέρους... См. выше стр. 300 и вариант.; Conf. Haber. p. 66.

λ. 29 об. Ὅπως γίνεται ἡ τοῦ πρεσβυτέρου χειροτονία. См. тамъ же стр. 298.

λ. 37 об. Ὅπως γίνεται ἡ τοῦ διακόνου χειροτονία. Тамъ же.

τ. 47 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ χωρεπισκόπου.

Ὅταν φορέσῃ ὁ πατριάρχης, προσάγεται ὁ χειροτονεῖσθαι μέλλων ὑπὸ τοῦ χαρτοφύλακος ἔμπροσθεν τοῦ πατριάρχου καί, κλίνας τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει ὁ χαρτοφύλαξ ἢ καὶ ἀρχιδιάκονος τὸ Προσχωμεν. Καὶ ἐγερθεὶς ὁ πατριάρχης ἐκφωνεῖ, λέγων εἰς ἐπήκοον τῶν περιεστώτων ἔχοντα οὕτως· Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος διὰ τῆς ἡμῶν μετριότητος προχειρίζεται σε χωρεπίσκοπον τῆς θεοσώστου πόλεως ὁ δεῖνος. Καὶ ψάλλοντες ἐκ τρίτου τὸ Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα. Εἶτα ὁ πατριάρχης, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ καὶ ἔχων ἐπικειμένην αὐτῇ τὴν χεῖρα, εὐχεται οὕτως· Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἁγίων σου ἐκκλησιῶν πρόνοιον αἰεὶ τὴν προσήκουσαν ποιούμενος, καὶ διαφόροις χαρίσμασι τοὺς ἐκτεταγμένους τῶν θείων αὐτῶν κληρῶν καταχαρίσας, καὶ διαφόρους ἱεράς λειτουργίας ἐπ' αὐτῶν καταστησάμενος, εὐλόγησον καὶ νῦν τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα, τὸν κληθέντα εἰς τὴν διακονίαν τῶν χωρεπισκόπων, τοῦ ἐπιστρέφειν τοὺς πεπλανημένους εἰς τὴν ὁδὸν τῆς ἐπιγνώσεώς σου καὶ τοὺς ἐσκοτισμένους εἰς τὸ φῶς τῆς ἀληθείας σου, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ δοξασθῇ τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ φέροντες ἐπιγονάτιον, περιτίθῃσι τοῦτο ὁ ἀρχιερεὺς τὸν χειροτονηθέντα τὸ μέρος αὐτοῦ τὸ δεξιόν, λέγων· Ἀξιος. Καὶ οἱ περιεστώτες, ψάλλοντες ἐκ τρίτου τὸ Ἀξιος, εἶτα στένουν εἰς τὴν τάξιν αὐτοῦ καὶ οὕτως ἄρχεται ἡ θεία λειτουργία.

λ. 48 об. Εὐχὴ γινομένη τοῦ ἡγουμένου.

Λαμβάνει αὐτὸν ὁ χαρτοφύλαξ καὶ προσάγει τῷ ἀρχιερεῖ, καὶ ἐκδύουσιν αὐτὸν τὸ παλλίον αὐτοῦ, καὶ ἐνδύουσιν αὐτὸν φαινόλιον, καί, κλίνας τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει ὁ χαρτοφύλαξ ἢ ἕτερος διάκονος τὸ Κελεύσατε. Καὶ ἐγερθεὶς ὁ πατριάρχης ἐκφωνεῖ, λέγων· Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος διὰ τῆς ἡμῶν μετριότητος προχειρίζεται σε καθηγούμενον τῆς σεβασμίας μονῆς ὁ δεῖνα, καὶ ψάλλοντες ἐκ τρίτου τὸ Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα. Εἶτα ὁ πατριάρχης, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ καὶ ἔχων ἐπικειμένην αὐτῇ τὴν χεῖρα, εὐχεται οὕτως· Ὁ Θεός, ὁ διὰ παντὸς τῆς τῶν ἀνθρώπων σωτηρίας πρόνοιον ποιούμενος. Goar. pag. 393. Εὐχὴ ἐτέρα· Δέσποτα

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ τάγματα καὶ βαθμοὺς καὶ θέμενος τοὺς μὲν ἀποστόλους καὶ εὐαγγελιστάς, τοὺς δὲ ποιμένας καὶ διδασκάλους πρὸς καταρτισμὸν τοῦ χριστιανικοῦ λαοῦ σου καὶ ὁδηγίαν τῆς ἡγαπημένης κληρονομίας σου, καὶ ὀρίσας τοὺς μὲν ἄρχειν, τοὺς δὲ ἄρχεσθαι, καὶ τοὺς μὲν ποιμαίνειν, τοὺς δὲ ποιμένεσθαι, ἵνα μηδὲν ἧ ἐν ἡμῖν ἄτακτον καὶ ἀνώμαλον· Αὐτὸς καὶ τὸν παρόντα δοῦλόν σου, ἐκλεγέντα καὶ προχειριζόμενον παρ' ἐμοῦ διὰ τῆς σῆς ἀγαθῆς χάριτος ἡγούμενον καὶ ποιμένα τῶν λογικῶν σου προβάτων, ἐν ἀμέμπτῳ πολιτείᾳ διαφυλάξον, καὶ δὸς αὐτῷ σύνεσιν καὶ σοφίαν, καὶ δύναμιν ποιμαίνειν τὸ ἐμπιστευθὲν αὐτῷ λογικὸν ποίμνιον, καὶ εἰρήνην καὶ ὁμόνοιαν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεται οὕτως· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου. Goar. p. 395 καὶ ἀνάδειξον τὸν δοῦλόν σου τοῦτον πιστὸν καὶ φρόνιμον οἰκονόμον... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ἐπικίρει τὸ περικείμενον αὐτῷ φαινόλιον, καὶ περιτίθῃσιν αὐτῷ τὸ παλλίον αὐτοῦ, καὶ ἀσπασάμενος δίδωσιν αὐτῷ δεκανίκιον καὶ ἀπολύει.

λ. 50 οβ. Εὐχὴ γινομένη πρωτοπαπᾶ. Goar. p. 238.

λ. 51 οβ. Δίβελλος τῆς ὁρθῆς τῶν χριστιανῶν πίστεως· Πιστεύω εἰς Πατέρα καὶ Υἱὸν καὶ Πνεῦμα ἅγιον, τὴν ἁγίαν Τριάδα καὶ ὁμοούσιον, τὴν διαιρετὴν μὲν τοῖς προσώποις, ἀδιαίρετον δὲ τῇ οὐσίᾳ καὶ τῇ θεότητι...

λ. 54 οβ. Ἑρώτησις· Ὅποία ἐστὶν ἡ ἀληθινὴ πίστις ἡμῶν τῶν χριστιανῶν ἢ θεότης. Ἀποκρίσις· Πατήρ, Υἱός, Πνεῦμα ἅγιον Θεὸς εἷς, πρόσωπα τρία οὐσία, ὑποστάσεις τρεῖς, φύσις μία, ἰδιότητες τρεῖς, μορφὴ μία, χαρακτῆρες τρεῖς...

λ. 55. Ὁμολογία τῶν ἀρχιερέων· Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν... Πρὸς τούτοις ἀποδέχομαι τὰς ἁγίας οἰκουμενικάς ἐπτὰ συνόδους... См. ниже ркп. Синайск. дибл. XV в. № 1006 л. 43.

λ. 59 οβ. Εἰς προχείρισιν πατριάρχου εἰς πατριάρχην Ibid. λ. 37.

λ. 66. Τάξις γινομένη ἐπὶ τῶν ἀντιμινσίων. Ibid. λ. 30. Goar. pag. 518—519.

λ. 67 οβ. Εὐχὴ τοῦ ἁγίου δίσκου. Ibid. λ. 31 οβ. Ркп. № 1006.

λ. 68. Εὐχὴ ἑτέρα τοῦ ποτηρίου. Ibid. λ. 32.

λ. 69. Περὶ τῶν ὑπηρετισχένων ἐργαλείων εἰς ἀνακαίνισιν ἱερῶν σκευῶν ἐκ τῶν ἀποκρίσεων τοῦ ἱερωτάτου ἐπισκόπου Κύπρου πρὸς τὸν ἱερώτατον ἐπίσκοπον Δυρράχίου, τὸν Καβάσιαν.

λ. 70 οβ. Εἰ συμβζική χεθῇ ἐκ τῶν ἁγιασμάτων τι, ἢ καὶ ὅλον, ἢ τὸ ἅγιον ποτήριον, ἢ ὁ ἅγιος δίσκος.

λ. 71 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. Goar. p. 655—664, по есть нѣкоторыя и особенности. Такъ, напр., нѣтъ тропаря: „Святїи мученицы“, при обхожденїи съ мощами вокругъ храма. Послѣ молитвы: Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας... замѣчено: Ἡ δὲ αὕτη λέγεται καὶ εἰς ἐγκαίνια ναοῦ παντὸς ἁγίου Goar. pag. 666. Codex Cryptoferraten. Bessarionis. Μετὰ δὲ τὸ Ἀμὴν εὐθὺς ἐπιφέρει τὴν εἰθισμένην τῆς εἰσόδου εὐχήν, ἔχουσαν οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς... Goar. p. 662. Послѣ послѣдней молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰ καὶ ταύτην τὴν δοξαν τοῖς ὑπὲρ σοῦ ἀβλήσασιν ἁγίοις μάρτυσιν ὠρησάμενος... замѣчено: καὶ εὐθὺς οἱ ψάλλται δοξάζοντες ἐπισυνάπτουσι τὸ Τρισάγιον, καὶ πᾶσα ἡ θεία μυσταγωγία πληροῦται κατὰ τὴν τῶν ἐγκαίνιων ἀκολουθίαν. Μέχρι δὲ συμπληρώσεως ἡμερῶν ζ'... Goar. p. 664

λ. 88 об. Εὐχή τῶν ἀντιμινσίων.

Θυσιαστήριον τοῦ ἁγίου τοῦδε, ἱερουργηθὲν ὑπὸ τοῦ δεῖνος μητροπολίτου ἢ ἐπισκόπου τῆςδε τῆς πόλεως μηνὶ τῷ δεῖνι· εἰ δὲ ἐν τῇ πόλει γένωνται, προστίθεται ἐπὶ δεῖνος τοῦ ἁγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου μηνὶ τῷ δεῖνι.

λ. 89. Τάξις ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, βεβηλωθέντος ὑπὸ ἐθνῶν, γίνεται οὕτως.

Ποιεῖ εὐλογητὸν ὁ ἱερεὺς καὶ ποιεῖ ἁγιασμὸν τοῦ κατὰ μῆνα, καὶ ῥαντίζει τὴν ἐκκλησίαν, εἶτα Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, εἶτα λέγει τὴν εὐχήν ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ναὸν τοῦτον ἀναδείξας κατοικητήριον σὸν διὰ τῆς ἐπιφοιτήσεως τοῦ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος... Goar. p. 495. Καὶ ῥαντίζει τὴν ἁγίαν τράπεζαν ἐκ τοῦ ἁγιάσματος, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

λ. 89 об. Εὐχή, λεγομένη ὑπὸ ἱερέως ἢ ἀρχιερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν, συγχωρῶν αὐτοῦ πάντα τὰ ἁμαρτήματα.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Ὡς καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἄμνέ, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου... Goar. p. 536.

λ. 93. Ἀκολουθία εἰς τὸ καθιερῶσαι ἀντιμίνσια μετὰ ἁγίων λειψάνων εἰς τὸ ἱεουργεῖν ὁ ἱερεὺς εἰς ἐκκλησίας χαλασμένας καὶ ἁγίας τραπέζας, λείψανα μὴ ἐχούσας. См. ниже Рвп. Синайск. библ. XVI в. № 993 л. 57, по съ нѣкоторыми особенностями въ текстѣ, указанными нами въ вариантахъ къ синайскому списку.

л. 98. 'Ακολουθία, ὅτε ποιήσῃ ὁ ἱερεὺς ἀλλαγὴν κενούργιον, οἷον στιχάριον καὶ φελώνιον καὶ τὰ ἕτερα.

Ποιεῖ ὁ ἀρχιερεὺς Εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἶτα σφραγίζει ταῦτα καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ζωοποιῷ σου θανάτῳ τὸν θάνατον νεκρώσας καὶ ἡμᾶς τῶν παθῶν καὶ τῆς ἁμαρτίας ἀναστήσας, Αὐτὸς καὶ νῦν εὐλόγησον τὴν ἱερατικὴν στολὴν ταύτην, ὡς ἡυλόγησας τῶν ἀρχιερέων σου Μελχισεδέκ, Ἀβραάμ, Μωϋσέως καὶ Ἀαρὼν καὶ τοῦ προφῆτου σου Ζαχαρίου, ἵνα καὶ ἡμεῖς, ἀκατακρίτως ἐνδυόμενοι ταύτην, αἰνῶμεν καὶ δοξάζωμεν τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ εὐλογεῖ ὁ ἀρχιερεὺς καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

л. 98 об. 'Ακολουθία εἰς τὸ ἀγιάσαι σκεύη· κενούργιον οἷον ποτήριον καὶ δίσκον καὶ τὰ ἕτερα. Εὐχὴ πρῶτον τοῦ ἁγίου δίσκου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κατάπεμψον ἐπὶ τὸν δίσκον τοῦτον. Ркп. Синайск. библ. № 1006 л. 31.

л. 99. Εὐχὴ τοῦ ποτηρίου. Ibid. л. 32.

л. 100. Τάξις ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βιαίως, ἡ γυναῖκα ἐγέννησεν ἢ ἔθανεν, ἢ ἄλογον ζῶον, κατὰ τὸν παλαιὸν νόμον ἀκάθαρτον καὶ ἄθυτον, ἢ ἐγέννησεν, ἢ ἔθανεν.

Προηγούμενως σφραγίζει τὴν πόρταν τῆς ἐκκλησίας καὶ ποιεῖ ἡμέρας τεσσαράκοντα ἡσφαλισμένην, καὶ ἔρχεται ὁ ἀρχιερεὺς μετὰ τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ ἀνοίγει τὴν ἐκκλησίαν, καὶ φορένει τὴν ἀρχιερατικὴν στολὴν, καὶ τίθεται λεκάνι, καὶ γεμίζει αὐτὸ ὕδωρ, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ γίνεται ἁγιασμός τοῦ κατὰ μῆνα, καὶ ῥυτίζει τὸν ναὸν ὅλον καὶ ἀγιάζει αὐτόν, εἶτα εἰσέρχεται ἐντὸς τοῦ βήματος καὶ ἀπαμφιάζει τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ καταπλύνει αὐτόν, ὡς ἐν τῇ ἀγίᾳ πέμπτῃ, εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῆς ἀγίας τραπέζης. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ πολλὴν καὶ ἄφατον ἀγαθότητα καταξιώσας ὀνομασθῆναι. Gorg. p. 496. Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν καὶ ἄρχεται τῆς λειτουργίας.

л. 101. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἀγίας τραπέζης. Gorg. p. 492.

л. 106. Εὐχὴ ἐπὶ ἀρχιερατικῶν. См. ркп. Синайск. библ. 1510 г. № 1006 л. 34 об.

л. 106 об. Εὐχὴ εἰς μέγαν οἰκονόμον.

Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα σοφῶς οἰκονομῶν, καὶ τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ τὴν σωτηρίαν ἡμῶν ἐργασάμενος. Goar. p. 232.

λ. 107. Εὐχὴ γινομένη, ὁσάκις ἔλθῃ πατριάρχης εἰς τὸν βασιλέα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων καὶ Κύριος τῶν κυριευόντων. Goar. p. 733.

λ. 107 об. Ἑρμηνεία περὶ πατριάρχου. Ркп. Свят.-гроб. библ. 1665 г. λ. 154. Послѣ возгласа діакона: Πρόσχωμεν. Καὶ ὁ πατριάρχης· Ψήφω καὶ δοκιμασίᾳ τῶν θεοφιλεστάτων...

λ. 109. Ἀκολουθία εἰς χειροτονίαν χωρεπισκόπου.

Μετὰ τὴν εἴσοδον τοῦ εὐαγγελίου, πρὸ τοῦ Τρισαγίου, γίνεται ἡ χειροτονία. Προσάγεται παρὰ τοῦ χαρτοφύλακος καὶ τοῦ πρώτου τῶν ἱερέων ὁ μέλλων χειροτονηθῆναι χωρεπίσκοπος καὶ ποιεῖ μετανοίας γ'. ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγων· Κύριε, εὐλόγησον. Καὶ λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Ὁ Θεὸς εὐλογήσει σε εἰς χωρεπίσκοπον τοῦδε τοῦ τόπου, καὶ εὐλογεῖ αὐτόν· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν. Καὶ λέγει εἰς τῶν πρεσβυτέρων· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα, τοῦ νῦν προχειριζομένου χωρεπισκόπου τοῦ Κυρίου... Ὅπως ὁ φιλάνθρωπος Θεὸς ἄσπιλον καὶ ἀμώμητον χαρίσῃται αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἐμπιστευθείσης αὐτῷ λογικῆς ποίμνης τοῦ... Τῆς παναγίας... Καὶ σφραγίσας αὐτόν ὁ ἀρχιερεὺς, ἔχων τὸ ὠμοσφόριον ἐν τῇ τούτου κεφαλῇ, ἐπιθεὶς ὁ ἀρχιερεὺς τὴν χειρὰ ἐπ' αὐτῷ. Λέγει ὁ ἀρχιεπίσκοπος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς, ἔχων τὴν χειρὰ ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει· Ὁ τὴν κathedού σου ἐκκλησίαν διὰ τῆς τῶν ἐν αὐτῇ λειτουργῶν εὐσχημοσύνης κατακοσμῶν, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, Σὺ καὶ τὸν δοῦλόν σου, ὃν κατηξίωσας τὴν τοῦ χωρεπισκόπου δέξασθαι ἱερουργίαν, ρύθμισον πρὸς πᾶσιν εὐταξίαν καὶ καταστάσιν εἰρηνικὴν, πλήρωσον αὐτόν πάσης πίστεως, καὶ ἀγάπης καὶ δυνάμεως, καὶ ἁγιασμοῦ διὰ τῆς ἐπιφοιτήσεως τοῦ ζωοποιοῦ καὶ παναγίου σου Πνεύματος· οὐ γὰρ ἐν τῇ ἐπιθέσει τῶν ἐμῶν χειρῶν, ἀλλ' ἐν τῇ ἐπίσκοπῇ τῶν σῶν οἰκτιρμῶν δίδοται χάρις τοῖς ἀξίοις σου, ἵνα, πάσης ἁμαρτίας ὑψηλότερος γενόμενος, ἐν τῇ φοβερᾷ τῆς κρίσεως ἡμέρᾳ ἀμέμπτως παραστή τῷ φοβερῷ βήματί σου καὶ τὸν μισθὸν δέξῃται τὸν ἀδιάφυστον τῆς ἐπαγγελίας χάριτι καὶ φιλάνθρωπῃ τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ· σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν. Εὐχὴ· Κλῖνον, Κύριε, τὸ ὄς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν, καὶ ἀνάδειξον τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα πιστὸν καὶ φρόνιμον οἰκονόμον. Goar. p. 359 Σὺ γὰρ προσκυνητὸς καὶ δεδοξασμένος ὑπάρχεις

ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ὁ μονογενὴς σου Υἱὸς καὶ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν... Καὶ ἐνδύει αὐτὸν φελώνιον, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δεῖνος χωρεπίσκοπος τῆς χώρας τῆς δεῖνα φελώνιον χωρεπισκόπων Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Καὶ ἀσπάζεται αὐτὸν ὁ ἀρχιερεὺς καὶ οἱ ἱερεῖς ἅπαντες, καὶ γίνεται ἡ εὐχὴ τοῦ Τρισαγίου καὶ τὰ λοιπὰ τῆς λειτουργίας.

л. 111—119 чистые.

л. 120. Молитвы надъ новорожденнымъ ребенкомъ, писанныя инымъ почеркомъ и посящія арабскія надписанія.

Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Τῆς εὐσπλαχνίας τὴν πύλην ἀνοίξον, Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάσας ἐκ τοῦ χοῦς τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐξ αὐτοῦ ἀναπλάσας γυναικα, καὶ ἰσοτιμία τιμήσας αὐτήν, παραβάντας δὲ αὐτοὺς τὴν ἐντολήν σου ἐκβαλὼν τοῦ παραδείσου σου... Прилож. стр. 3. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ ἀληθινὸς τῆς ζωῆς, ὁ χαρισάμενος ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους δούλους σου εὐλογεῖν καὶ ἀγιάζειν τοὺς ὑπερχομένους τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ καὶ προσκυνοῦντας τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον...

л. 121. Молитвы въ 40 день.

Εὐλογητὸς ὁ Θεός, Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν τροπάριον· Ἐλέησον ἡμᾶς, Δόξῃ, Κύριε ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Χαῖρε κεχαριτωμένη Θεοτόκε... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον Μωυσέως εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν ὑπὸ Μαρίας τῆς Μητρός σου... См. выше стр. 25. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, παραγενοῦ καὶ ἐπὶ τὴν δούλην σου τήνδε καὶ δὸς αὐτὴν εἰσελθεῖν εἰς τὴν ἀγίαν σου ἐκκλησίαν... Гоар. р. 267. Ἀνοιγέσθω ἡ πύλη τοῦ οὐρανοῦ... Νῦν ἀπολύεις... Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε.

л. 123 чистый.

л. 124. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου σχήματος, γενομένη εἰς περίστασιν. Ркп. Син. библи. XXI в. № 985 л. 3, но съ нѣкоторыми особенностями, указанными въ вариантахъ.

л. 127 об. Συστατικὸν πνευματικὸν γράφε οὕτως.

л. 128. Безъ начала богословскаго содержания граммата съ подписью: Ἰωάννης ἐλѣφ Θεοῦ πιστὸς βασιλεὺς καὶ αὐτοκράτωρ Ῥωμαίων ὁ Καντακουζηνός, ὁ διὰ τοῦ θείου καὶ μοναχικοῦ σχήματος μετονομασθεὶς Ἰωάσαφ μοναχός.

л. 130. Συστατικὸν ἀρχιερέως.

л. 31. Τροπάρια, ψαλλόμενα εἰς τὴν παράκλησιν τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου.

л. 134. Στιχηρά, ψαλλόμενα εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον ἐν τῇ τεσσαρακοστῇ.

л. 137—145 арабскій текстъ.

л. 146—149 чистые.

л. 150. Исповѣданіе вѣры.

л. 154 об. Образцы писемъ къ царю и патріарху.

LIV. № 450. Εὐχολόγιον, ркп. Αεοно-Діонисиатской библи. въ 4 долю листа писана почеркомъ крупнымъ и красивымъ 1408 г. Приписка къ рукописи гласитъ слѣдующее: 'Ετελειώθη τὸ παρὸν βιβλίον διὰ χειρὸς ἐμοῦ ἁμαρτωλοῦ Διονυσίου ἱερομονάχου ἐν ἔτει ς' αὐγ' Ἰνδικτιῶνος πρώτης, ἐν μηνὶ Δεκεμβρίῳ ιγ'. ἡμέρα τρίτη, ὥρα ἐνάτη.

л. 1. рукою XVI в. Εὐχή, ἣν λέγει ἱερεὺς ἢ ἀρχιερεὺς ἐπὶ τοὺς μέλλοντας μεταλαβεῖν τῶν ἀχράντων μυστηρίων.

л. 6. 'Ακολουθία τοῦ βαπτίσματος.

Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως.

л. 7. 'Ετέρα ἀκολουθία εἰς τὸ σαραντίσαι παιδίον.

Одна молитва, обрядъ внесенія въ алтарь съ чтеніемъ: „Нынѣ отпускаеши“ до „Свѣтъ во откровеніе языковъ“ и положеніе младенца предъ св. вратами съ словами: Τὸ δὲ παιδίον ἡῤῥξανε καὶ ἐκρατοῦτο Πνεύματι.

л. 8. 'Ακολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον, ἡγουν βαπτίσαι.

л. 21 об. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

л. 22. Εὐχή εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

л. 24. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

Обычное начало, псаломъ: Κύριε εἰσάκουσον, тропари: Помилуй: насъ Господи и т. д., 50 псаломъ и обычный канонъ (Goar. p. 332), но безъ акростиха: εὐχή ἐλαίου φαλμός ἐξ 'Αρσενίου и съ перестановкою тропарей, изъ которыхъ получается такая фраза: εὐχή ὁ (μόνος, нынѣ Σὺ μόνος) ἐλέψ... Стихиры: Οὐρανῶν ὑπάρχουσα πλατυτέρα, χερουβὶμ καὶ θρόνων ἐνδοξοτέρα... Ὕμνους τῶν χειλέων μου μὴ παρίδης... Οἱ πεπρωμένοι τῇ διανοίᾳ... Ἡ ἀπηλπισμένων ἐλπίς βεβαία... Δόξα, Πανάχραντε Παρθένε ἀγνή... Καὶ νῦν, Ἀνύμφευτε Παρθένε... Τρισάγιον, ἀπολυτίκιον· Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν... καὶ γίνεται ἐκτενής καὶ ἀπόλυσις.

Εἴτα συνηγμένων τῶν ἱερέων καὶ στολισαμένων, ἐκφωνεῖ εἰς ἐξ αὐτῶν· Εὐλόγησον, δέσποτα· Καὶ ὁ πρωτοπαπᾶς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... καὶ εὐδύς· Ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ, εἴτα ἡ συναπτὴ Goar. p. 335, по съ прибавкою прошепѣи оубъ архіепископѣ и царѣ. Λέγοντος δὲ τοῦ ἱερέως τὰ διακονικά, ἐπιβάλλουσιν οἱ ἱερεῖς κατὰ τάξιν εἰς τὴν κανδήλαν ἔλαιον, λέγοντες καὶ τὴν εὐχὴν· Κύριε ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς. Goar. p. 335. Εἴτα λέγονται τὰ τροπάρια ταῦτα κατ' ἤχον· Μητέρα σε Θεοῦ ἐπιστάμεθα πάντες, Παρθένον ἀληθῶς... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα πηγὴ συμπαθείας ἀξίωσον ἡμᾶς, Θεοτόκε... Καταφυγὴ καὶ δύναμις... Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς νῦν προσδράμωμεν... Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... Ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου ἄχραντε... Ἡ νοητὴ πύλη τῆς ζωῆς ἡμῶν, ἄχραντε Θεοτόκε... Δόξα, Ὁ ἅγιοι Ἀνάργυροι... Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα ἔχομεν... Καὶ ποιεῖ μετανοίας γ' ὁ ἀδελφός, ὑπὲρ οὗ ἡ εὐχὴ τοῦ ἁγίου ἐλαίου γίνεται, πρὸς τοὺς ἱερεῖς καθ' ἑκάστην προσκύνησιν, λέγων· Εὐλογήσατε, δεσπότη μου ἅγιοι, εὐξασθε καὶ συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ. Καὶ συγχωρεῖται παρὰ τῶν ἱερέων καὶ εὐδύς προκείμενον. Goar. p. 337 и т. д. См. выше стр. 370—371.

л. 56. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασσοφοροῦντα.

Начало чина, какъ у Гоара pag. 378—379, но здѣсь, послѣ постриженія, положено читать третью молитву: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπὶ σέ Goar. p. 385. Εἴτα ἐνδύει αὐτὸν τὸν χιτῶνα, τὸν μινθῶνα καὶ τὸ καμηλαύχιον, μηδὲν ἐπιλέγων, καὶ ποιεῖ ἀπόλουσιν.

л. 58 об. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουάτω.

Ἀπὸ ἐσπέρας φέρουσι τὰ ἱμάτια καὶ τὰ λοιπὰ τοῦ μέλλοντος κουρευθῆναι ἔμπροσθεν τῆς εἰκόνης Χριστοῦ καὶ τίθενται, καὶ ἐν τῷ ὄρθρῳ φάλλεται ὁ κανὼν τοῦ σχήματος καὶ τὰ στιχηρὰ (имѣются въ рукописи на лицѣ) см. выше стр. 279, ркп. Ватоп. библ. № 133 въ великой схимѣ, и у Goar. p. 403. Εἰς δὲ τὴν λειτουργίαν φάλλονται πρῶτον τὰ συνήθη ἀντίφωνα, ἤχουν Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου... Αἶνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... καὶ οἱ μακαρισμοί. Ἰσταται δὲ ὁ μέλλων λαβεῖν τὸ σχῆμα, ἀρχομένης τῆς λειτουργίας, ἐνδον τῆς βασιλικῆς πόλης, φορῶν τὰ συνήθη αὐτοῦ ἱμάτια μέχρι τῆς εἰσόδου, εἴτα φάλλονται καὶ οἱ μακαρισμοί τοῦ σχήματος εἰς ἤχον δ'. Ὅσοι τὰ ἐν κόσμῳ ποθεινὰ ἐγκατελίπετε... Ὁ θέλων πάντας εἰς ἐπίγνωσιν ἐλθεῖν τοῦ φωτισμοῦ... Πάντων τῶν προσκαίρων ὡς φθαρτῶν... Πάσας τῆς σαρκὸς τὰς ἡδονὰς ἀποσεισάμενος... Τρίβον τὴν πλατείαν καὶ εὐρύχωρον ἀφέμενος... Ἔτερα εἰς γυναικας· Βίον τὸν ἐνάρετον σεμνὴ ἐπιποθήσασα... Παύλῳ μαθητῇ... Μύρῳ καινωθέντι τῷ Χριστῷ... Χαίρει

ἐπὶ σοί.. Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε τῆς παρθενίας τὸ ὑπέρτιμον... Τῆς εἰσόδου δὲ γενομένης, ὁ μελλοκουρίτης ἀποβάλλει τὸ ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ κάλυμμα καὶ ἐν ποσὶ καλύγρια καὶ ἵσταται ἐζωσμένος μέχρις ἂν ἔλθῃ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν. Εἶτα τὸ παρὸν στιχηρόν· Ἀγκάλας πατρικᾶς... καὶ εὐθὺς ἀντίφωνα. Ἀντίφωνον α'. ἤχος γ'. Ἦθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι... Στίχος· Ὡς ἀγαπητά... Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων... Στίχος· Ἐξελεξάμην παραριπτεῖσθαι... Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μουσικῇ τῆς ἀναγεννήσεως... Δόξα καὶ νῦν, Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Ἀρχομένου δὲ τοῦ δευτέρου ἀντίφωνου, μεθίσταται ὁ τὸ σχῆμα μέλλων λαβεῖν τῶν βασιλικῶν πυλῶν ὀλίγον. Ἀντίφωνον δεύτερον, ἤχος ζ'. Ζάλη ἀμαρτημάτων περιέχει με, Σωτήρ... Στίχος· Εἰπάτωσαν οἱ λελυτρωμένοι... Ἀντιλαβοῦ μου κατὰ τὸ λόγιόν σου καὶ ζήσόν με... Δόξα καὶ νῦν, Ἐκ παντοίων κινδύνων τοὺς δούλους σου... Ἀντίφωνον γ'. ἤχος δ'. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Στίχος· Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου... Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται εἰς τὴν σωλαίαν, κάκει ἵσταται, εἶτα τὸ παρὸν τροπάριον· Δεῦτε πρὸς με πάντες... Στίχος· Ἐπλανήθην, ὡς πρόβατον... Πρόβατον εἰμὶ τῆς λογικῆς σου ποιμένης... Τούτου δὲ λεγομένου, ἔρχεται διὰ τῆς σωλαίας ἕως τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ προσπίπτει καὶ οὐκ ἀνίσταται μέχρις ὅτου πληρωθῇ τὸ ἀντίφωνον. Ἀντίφωνον, τροπάριον, ἤχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπιβλέψον ἐξ οὐρανοῦ... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος... Εἶτα κελεύει αὐτὸν ἀναστῆναι ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ, ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπερωτᾷ αὐτὸν ταῦτα, λέγων οὕτως. Ἐρώτησις· Τί προσήλθες... καταταγῆναι τῷ χορῷ τῶν μοναζόντων; Ἀποκρίσις· Ναί, τίμιε πάτερ. Вопросы, что у Гоара, по съ прибавкою: Ἀποτάσσει τῷ κόσμῳ καὶ τοῖς ἐν κόσμῳ κατὰ τὴν ἐντολὴν τοῦ Κυρίου; Ἀποκρίσις· Ναί, τίμιε πάτερ. Оглашение: „Влѣпте, τέκνον, съ небольшими прибавками въ текстѣ противъ Гоаровскаго чтенія р. 383—384. Послѣ молитвы· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος... στραφεὶς ὁ ἱερεὺς σφραγίζει ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ λαμβάνοντος τὸ σχῆμα τρίτον, μετὰ δὲ τὸ κατασφραγίσει αὐτόν, προσπίπτει ὁ κατηγούμενος ἕως συμπληρώσεως τῆς εὐχῆς τῆς κεφαλολκισίας, ὁ δὲ ἱερεὺς, στραφεὶς κατὰ ἀνατολάς, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάντων ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ· Ὁ ὢν Δέσποτα παντοκράτωρ ὕψιστε Гоар. р. 409. Καὶ εὐθὺς τίθεται τὸ φαλλίδιον ἐπάνω τοῦ εὐαγγελίου, εἶτα ἡ εὐχὴ παρὰ τοῦ ἱερέως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξίους σου εἶναι νομοθετήσας. Гоар. р. 385. Εἶτα λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Ἴδού ὁ Χριστὸς ἀοράτως... Ἀποκρίσις· Ναί, τίμιε πάτερ, ἐκ προαιρέσεως. Καὶ μετὰ τὸ συντάξασθαι, λέγει πρὸς αὐτόν· Λάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ ἐπιδόντος αὐτῷ τὸ φαλλίδιον, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς·

Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ... καὶ εὐθὺς ἡ εὐχή αὐτῇ εἰς ἐπήκοον πάντων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγή... Goar. p. 385 καὶ λαβὼν τὸ ψαλλίδιον ὁ ἱερεὺς ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ ἀνθρώπου, λέγει οὕτως· Εὐλόγητός ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι... Εἴτα κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, συναποβαλλόμενος ταῖς θριξὶ καὶ τὰς κοσμικὰς ἐπιθυμίας εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Εἰς τὸν χιτῶνα· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα δικαιοσύνης καὶ ἀγαλλιάσεως, τὸν ἄρραβῶνα τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον, τρίς. Εἰς παλλίον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει παλλίον... εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Εἰς τὴν ζώνην· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα περιζώννυται τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ, δύναμιν ἀληθείας, εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ... Εἰς τὸ καμηλαύχιον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα περιβάλλεται τὴν περικεφαλαίαν, τὸν ἄρραβῶνα τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ... Εἰς τὰ σανδάλια· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ὑποδύεται σανδάλια τῆς ἐτοιμασίας τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, τὸν ἄρραβῶνα τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰπωμεν... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸ μοναδικὸν σχῆμα ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ἐνδυσομένου δὲ αὐτοῦ, ψάλλονται τὰ τροπάρια ταῦτα, ἥχος δ'. Ἦνοιται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας... Στίχος· Αὕτη ἡ πόλις... Ἀγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ, τῷ βοηθῷ ἡμῶν... Δόξα καὶ νῦν, Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα... τροπάριον ἥχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου... Τούτων οὖν πληρωθέντων, αὐθις ἡ εὐχή· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν. Goar. p. 379. Εἴτα δίδοται τῷ κουρευθέντι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ γίνεται ἄσπασμός μετὰ πάντων, ψαλλομένου τοῦ παρόντος στιχηροῦ, ἥχος α'. Ἐπιγνώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Τοῦ ἄσπασμοῦ τελευτῶντος, λέγεται τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἴτα τὸ Τρισάγιον καὶ ὁ ἀπόστολος τῆς ἡμέρας, εἰδ' οὕτως καὶ ὁ τοῦ σχήματος. Προκειμένον· Κύριος φωτισμός μου, στίχος· Κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς... ὁ ἀπόστολος Goar. p. 387. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον (sic)· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἀκολουθεῖν... Τέλος· ἐληλυθυῖαν ἐν δυνάμει. Καὶ καθεξῆς ἡ θεία λειτουργία. Τελεσθείσης δὲ τῆς λειτουργίας, ἄπτουσιν οἱ ἀδελφοὶ τοὺς αὐτοὺς κηροὺς καὶ ἀπέρχονται ἐν τῇ τραπέζῃ, ψάλλοντες τροπάριον, ἥχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ... τὸ (αὐτὸ) τροπάριον. Στίχος· Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν... τὸ τροπάριον. Στίχος· Ἐξέγειρον τὴν δυναστείαν σου... ὁμοίως, Στίχος· Ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... ὁμοίως, Στίχος· Ἀφῆκας τὰς ἀνομίας... ὁμοίως, Στίχος· Κύριε, καταφυγή ἐγενήθης... ὁμοίως, Δόξα καὶ νῦν, Ἦ λαμπρά ἡ ἄσβε-

στος..., καὶ εἴθ' οὕτως φάλλεται ὁ τῆς τραπέζης φαλμός· Ὑψώσω σε, ὁ Θεός μου, καὶ τὰ ἕτερα τούτων καὶ ἀπόλουςις. Εἰ δὲ οὐκ ἔστι λειτουργία, γίνεται ἐκτενὴ (краткая сугубая) καὶ εὐθὺς ἀπόλουςις. Εἴτα ἀδελφός τις κουρεύει αὐτόν, φάλλων καὶ τὸν ἄμωμον.

л. 84 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Γενομένης τῆς πρώτης εἰσόδου τῆς λειτουργίας, ἔρχεται ὁ μέλλων λαβεῖν τὸ μέγα σχῆμα ἔμπροσθεν τῶν ἀγίων θυρῶν καὶ προσπίπτει καὶ οὐκ ἀνίσταται μέχρι συμπληρώσεως τῶν ἀντιφώνων· φάλλονται δὲ ταῦτα τὰ ἀντίφωνα· ἀντίφωνον α'. ἦχος δ'. Ἦνοιχται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Στίχος· Προσέχετε, λαός μου... Ὁ ζυγός μου χρηστός ἐστί... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ λαμπάς ἡ ἄσβεστος... Ἀντίφωνον β'. ἦχος γ'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως... Στίχος· Τί καλὸν ἢ τί τερπνόν... Ἐγγὺς Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν... Δόξα καὶ νῦν, Ἀγίοπρωτε, σεμνή, ἐγκώμιον οὔσα τῶν οὐρανίων... Ἀντίφωνον γ'. ἦχος α'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότη... Στίχος· Ἐξαπόστειλον τὴν χειρὰ σου... τροπάριον ἦχος α'. Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χειρας ὑψαπλώσας... θεοτοκίον· Χαίροις παρ' ἡμῶν ἀγία Θεοτόκε Παρθένε... Εἴτα κελεύει ἀναστῆναι τὸν μέλλοντα καὶ ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς εἰς ἐπήκοον τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἄγιε Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ Πατήρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, εὐλόγησον τὸν δοῦλόν σου Goar. p. 410. Τῆς οὖν εὐχῆς πληρωθείσης, περιτίθησιν αὐτῷ τὸν ἀνάλαβον καὶ τὸ κουκούλιον, καὶ τὴν ζώνην, καὶ τὸ μανδύον, καὶ τὸ καμηλαύχιον, λέγων καθ' ἓνα ἕκαστον ταῦτα. Δεῖ γινώσκειν, ὅτι τὸ μέγα σχῆμα λαμβάνων διότι ἐκδιδίσκεται, ἅπερ φορεῖ, ἡγουν τὸ καμηλαύχιον, τὸ μανδύον, τὴν ζώνην καὶ τὰ σανδάλια, ἓνα βάλῃ τὸ κουκούλιον, τὸν ἀνάλαβον, καὶ εἴθ' οὕτως τὰ ἕτερα τούτων, τούτου ἕνεκεν καὶ τὰ τοιαῦτα πάλιν λέγονται πρὸς αὐτόν, ἡγουν Ὁ ἀδελφός ἡμῶν λαμβάνει τὸ καὶ τὸ. Ὁφείλει οὖν εἰπεῖν καὶ εἰς πάντα· εἰς τὸν χιτῶνα· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται... (см. выше въ чинѣ малой схимы), εἰς τὸν ἀνάλαβον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸν ἀνάλαβον, ἀναλαμβάνων τὸν σταυρὸν αὐτοῦ ἐπὶ τῶν ὤμων καὶ ἀκολουθῶν τῷ Δεσπότη Χριστῷ, εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον. Ὁ λαὸς τὸ Κύριε ἐλέησον, τρίς. Εἰς τὸ κουκούλιον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸ κουκούλιον τῆς ἀκαχίας εἰς περικεφαλαίαν ἐλπίδος σωτηρίας, εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον. Остальные возглаголенія, при надѣваніи пояса, мантии, камилавки, сандалій и схимы, а равно стихиры, которыя пѣлись при этомъ, тѣже, что и въ чинѣ малой схимы. Τούτων δὲ φαλλομένων (τ. ε. стихиры Ἦνοιχται ἡ θύρα τῆς μετανοίας κ. τ. λ.) παρὰ τῶν μοναχῶν, ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν μεγάλην συναπτήν. Goar. p. 412—423, но безъ прошеній о домѣ и

архиепископѣ. Εἰθ' οὕτως τὴν εὐχὴν ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου καὶ ἀμεταμέλητος ἐν τοῖς χαρίσμασί σου Goar. p. 411. Ἐπισύναφον καὶ ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου τόνδε εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλήν... pag. 412. Εἴτα διδωσι τῷ λαβόντι τὸ μέγα σχῆμα τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ γίνεται ἀσπασμὸς παρὰ πάντων, φал-λομένου τοῦ παρόντος στιχηροῦ, ἤχος α'. Ἐπιγνῶμεν, ἀδελφοί... и прочее до апостола, какъ въ чинѣ малоѣ схимы. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Γαλάτας ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὁ καρπὸς τοῦ Πνεύματος ἐστὶν ἀγάπη... Τέλος· καὶ οὕτως ἀναπληρώσατε τὸν νόμον τοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλουάριον καὶ εὐαγγέ-λιον. Goar. pag. 413. Καὶ καθεξῆς ἡ θεία λειτουργία· εἰ δὲ οὐκ ἔστι λειτουργία, γίνεται ἐκτενὴς καὶ ἀπόλυσις, ἡγουν Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεό-μεθα ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως τῶν ἁμαρτιῶν... Ὑπὲρ τοῦ συγ-χωρηθῆναι αὐτῷ... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος... καὶ εὐδὺς ἀπόλυ-σις. Εἰ δὲ ἐνὶ λειτουργίᾳ, ἅπτουσιν οἱ ἀδελφοὶ τοὺς κηροὺς καὶ συναπέρ-χονται μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τὴν τράπεζαν κ. τ. λ. (см. выше чинѣ малоѣ схимы). Εἴτα ἀναστάντες ἀπὸ τῆς τραπέζης, συναπέρχονται αὐτῷ εἰς τὴν ἐκκλησίαν, φάλλοντες τὰ προγεγραμμένα τροπάρια· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά... Στίχος· Ἡ καρδιά μου καὶ ἡ σάρξ... Στίχος· Καὶ γὰρ στρουθίον εὔρεν ἐαυτῷ... Τὰς δὲ ἐπτὰ ἡμέρας ὁ νεοφώτιστος προσκαρτερεῖ τῇ ἐκκλησίᾳ, σχολάζων ἀπὸ τῶν ἔργων, τῇ δὲ ἐβδόμῃ ἡμέρᾳ ποιεῖ εὐχὴν ὁ ἱερεὺς καὶ αἶρει τὸ κου-κούλιον ἀπὸ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, χαλῶν αὐτὸ ὀπισθεν. Σημειωτέον, ὅτι, εἰ ἔστιν ὁ ἀδελφὸς ἄξιος μεταλαβεῖν τῶν ἁγίων δώρων, εἰσοδεῦει καὶ μετα-λαμβάνει.

λ. 95. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.

Μετὰ τὴν τελείωσιν τῶν ἐπτὰ ἡμερῶν, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν καὶ λέγεται Τρισάγιον, εἴτα τροπάρια ταῦτα, ἤχος β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε ἐλέησον... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας... Τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ τὰς εὐχὰς ταύτας· Πολυέλεε Κύριε... Goar. p. 419. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ... Ibid. Εἴτα σφραγίζων τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τρίς, ποιεῖ ἀπόλυσιν.

λ. 97. Σημειωτέον εἰς κανονικάς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρ-θενίαν οὕτως ἀγαπήσας. Goar. p. 382. Εἰ δὲ οὐκ ἐνὶ λειτουργίᾳ, Τρι-σάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυ-νήσωμεν γ'. Εἴτα τὸν Ν'. τὸν κανόνα, τοὺς μακαρισμοὺς καὶ καθεξῆς τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν.

λ. 97. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

- λ. 109 οβ. Ἀκολουθία μικροῦ ἁγιασμοῦ.
 λ. 118 οβ. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.
 λ. 133. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.
 λ. 138 οβ. Εὐχαὶ διάφοροι.
 λ. 167. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

Ἐπειδὴν τις τῶν μοναζόντων... См. выше стр. 282 Ркп. Ват. библ. № 133 καὶ εὐθὺς (т. е. послѣ заупокойной ектенѣи) τὸ λειψάνον εἰσφέρουσιν ἐν τῷ νάρθηκι, ψάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός..., δίδοντες καὶ κηρία τοῖς ἀδελφοῖς· ἅπτουσιν δὲ καὶ ἐπὶ τοῦ λειψάνου κηρία τέσσαρα, ἐπάνω δὲ αὐτοῦ τίθεται καὶ εἰκὼν τοῦ Χριστοῦ, καὶ εὐθὺς θυμιᾷ ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου σταυροειδῶς, καὶ ἱσταται ἐπάνω τοῦ λειψάνου, λέγει· Εὐλογητός ὁ Θεός... καὶ ἄρχονται τοῦ Τρισαγίου, τὸ Παναγία Τριάς. Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον β'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. τὸν Ν'. εἶτα τὸν ἁμῶμον εἰς ἦχον πλ. α'. καὶ ἐκφωνεῖ· Εὐλογητός εἰ, Κύριε... Goar. p. 424—426. Εἶτα τὰ τροπάρια ταῦτα· Εὐλογητός εἰ, Κύριε... Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς... κ. τ. λ. Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος, εἴπερ ἐστίν· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως κ. τ. λ., εἰθ' οὕτως τροπάριον, ἦχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτήρ... θεοτοκίον· Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας... Εἶτα οἱ ἀναβαθμοὶ καὶ τὰ στιχηρὰ и до евангелія Goar. pag. 439—445, по съ опущеніемъ второго тропаря „подобнаго“. Послѣ евангелія γίνεται ὁ ἀσπασμὸς καὶ ψάλλονται τὰ τελευταῖα τροπάρια, ἦχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί... Ὅταν ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί... Τρέμω τὸ κριτήριον, Χριστέ... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός... Πάντες δυσωποῦμεν, Χριστέ... Τοῦτο τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστί... Δόξα, Μίαν, ὑποστάσει τρισί, σέβοντες Θεότητα πίστει. Καὶ νῦν, Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ... Εἶτα Τρισάγιον καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. λ. Goar. p. 446. Послѣ ектенѣи Δόξα καὶ νῦν καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

Εἶτα αὖθις ἀρχὴ παρὰ τοῦ ἱερέως καὶ, ἄραντες τὴν κλίνην μετὰ τοῦ λειψάνου, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, ψάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, εἶτα νεκρώσιμα στιχηρὰ καὶ καθίσματα κατ' ἦχον. Ἐναποτιθουσι δὲ τὸ λειψάνον τρίς ἕως τοῦ κοιμητηρίου, καὶ ὁ ἱερεὺς συναπτὴν τὴν συνήδη, τὰ καθίσματα, ἦχος δεύτερος· Ὡς ἄνθος μαραίνεται... Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησώμεθα... Ψυχὴν, ἣν μετέστησας ἐκ τῶν προσκαίρων... Σὺ ἐπλάσας με, Κύριε... Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις... Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν ζωοδότα... Ἐν χώρᾳ ζώντων, Κύριε, καὶ ἐν σκηναῖς τῶν δικαίων σου... Ὁ

θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Καὶ φθάσαντες ἐν τῷ κοιμητηρίῳ, βάλλουσι τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, λέγοντες τροπάριον, ἥχος πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα... Εἶτα ὁ ἱερεὺς ἐπιχέει τὸ ἔλαιον ἐπάνω τοῦ λείψανου, ποιῶν δι' αὐτοῦ σταυρὸν καὶ λέγων· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς... καὶ ἕτερον, ἥχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... καὶ εὐθὺς σφκλίζεται ὁ τάφος, ἡμεῖς δὲ φάλλομεν τὰ ἰδιόμελα ταῦτα, ἥχος πλ. β'. Πνευματικοὶ ἀδελφοί, μή μου ἐπιλάβησθε... ἥχος πλ. δ'. Καὶ τὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρτᾳ· ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Δόξα, ὁ αὐτός, Θρηνῶ καὶ ὁδύρομαι... Καὶ νῦν, Δέσποινα, πρόσδεξαι τὰς δεήσεις... Εἶτα Τρισάγιον καὶ τὰ τροπάρια· Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. λ. *Послѣ ектењи* καὶ ἡμεῖς ποιῶμεν μετανοίας ἱβ'. καὶ ὁ ἡγούμενος· Δόξα σοι, ὁ Θεός... καὶ ὁ ἱερεὺς τὸ Χριστὸς ὁ ἀληθινός, ἡ Ὁ ἀναστάς ἐκ νεκρῶν... καὶ ἡμεῖς τὸ Αἰωνία σου ἡμνήμη, ἀξιομακάριστε ὁ δεῖνα μοναχὲ καὶ ἀείμνηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν.

π. 199 οἰ. Ἀκολουθία εἰς κοσμικοὺς κοιμηθέντας.

Εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ἀρχόμεθα τῶν ἁμώμων, μετὰ δὲ τὸν ἁμῶμον εὐθὺς λέγει ὁ ψάλτης στίχον· Ἐγγισάτω ἡ δέησίς μου ἐνώπιόν σου, καὶ ἄρχονται τὰ τροπάρια ταῦτα· Οὐκ ἔστι τῶν ἐν τῷ βίῳ τερπνῶν οὐδέν... Στίχος· Εἰσέλθοι τὸ... Ἰάσαι τὴν συντριβὴν μου, Σῶτερ, σαυτὸν κενώσας ὁ ὕψιστος... Στίχος· Ἐξερευζόντο τὰ χεῖλη μου... Καθεῖλας τὴν τοῦ θανάτου ὄφρυν τῷ πᾶθει, ἀναμάρτητε... Στίχος· Φθέγγεται ἡ γλῶσσά μου τὸ λόγιόν σου... Ὁ μόνος τὰ τῶν ἀνθρώπων εἰδώς, Χριστέ... Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου. *Goar. p. 425* καὶ ταῦτα τὰ εὐλογητάρια· Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς εὖρε πηγὴν... κ. τ. λ. Ἀνάπαυσον, ὁ Θεός, τὸν δοῦλόν σου καὶ κατὰ τζον αὐτόν... Δόξα, Τὸν ἀναρχον καὶ Υἱόν σου, Δέσποινα, καὶ Θεὸν ἡμῶν ἀπαύστως, ὃν ἔτεκες, ἐκδυσώπει, πάντα γε, τῆς ἐκ δεξιῶν σου παραστάσεως δειχθῆναι ἡμᾶς καὶ τρυφήσαι αἰωνίου ἀπολαύσεως. Καὶ νῦν, Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδὸς καὶ πάλιν κτενόησα ἐν τοῖς μνήμασι, καὶ εἶδον τὰ ὅσα τὰ γεγυμνωμένα, καὶ εἶπον· ἄρα τίς ἐστι βασιλεὺς ἡ πένης, ἡ δίκαιος, ἡ ἁμαρτωλός, ἀλλὰ ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων τὸν δοῦλόν σου. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν ἑκτενὴν καὶ εὐθὺς ἀντίφωνον ἥχος πλ. β'. Ἐν τῷ οὐρανῷ τοὺς ὀφθαλμούς... Στίχος· Πρὸς σὲ ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς... Ἀλληλούια. Στίχος· Ἰδοὺ ὡς ὀφθαλμοὶ δούλου... Ἀλληλούια. Στίχος· Ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χεῖρας τῆς κυρίας... Ἀλληλούια. Ἐλέησον ἡμᾶς τοὺς ἐξουθενημένους... Στίχος· Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Ἀλληλούια. Στίχος· Ὅτι ἐπὶ πολὺ ἐπλήσθημεν... Ἀλληλούια. Στίχος· Ἐπὶ πλέον ἐπλήσθη ἡ ψυχὴ ἡμῶν... Ἀλληλούια. Ἀγίῳ Πνεύματι πανσωστικῇ αἰτίᾳ... Δόξα καὶ νῦν, Δέσποτα Χριστέ, ὅταν μετὰ φόβου παρίστανται... Καὶ οἱ

μακαρισμοί, ἤχος πλ. β'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου. Goar. p. 430 καὶ εὐ-
 θὺς τὸ πρὸν ιδιόμελον· Δεῦτε καὶ θεάσασθε ἅπαντες ξένον θέγμα καὶ πα-
 ράδοξον... Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν.
 Εἰρήνην πᾶσι. Σοφία. Τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Μακαρία ἡ ὁδός...
 Ἐπίστρεψον, ψυχῆ μου... Καὶ ὁ λαός· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς, ἐκ γ'.
 Πρὸς Κορινθίους πρώτης ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγγήγερται ἐκ νε-
 κρῶν... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Ἀλληλουία, ψαλμὸς Δα-
 βίδ, στίχος· Μακάριος, ὃν ἐξελέξω καὶ προσελάβου... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰω-
 ἀννην Goar. p. 430 καὶ εὐθὺς ψάλλονται τὰ τελευταῖα τροπάρια, ἤχος
 β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πο-
 νηρά... Πάντα τὰ τοῦ σώματός μου νῦν ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... Μέ-
 γας ὁ κλυθμὸς καὶ ὀδυρμός... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι Ἀδάμ... Θεοτοκίον·
 Χαῖρε πᾶσα κτίσις σοι βοᾷ... Εἴτα δοξάζουσιν εἰς ἤχον πλ. α'. καὶ
 ψάλλουσι τὸ παρὸν ιδιόμελον μετὰ μέλους· Ὁρῶντές με ἄφωνον... Εἰ
 βούλει, εἰπέ τὸ παρὸν στιχηρὸν· Ἐξέλιπον ἐκ τῆς συγγενείας μου... Καὶ
 νῦν, Θεοτοκίον· Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα ἐγνωμεν, Θεοτόκε Παρθένε...
 Καὶ εὐθὺς Τρισάγιον καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγα-
 θός... Δόξα καὶ νῦν, Μήτηρ ἁγία ἡ τοῦ... Καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς τὸν
 κεκοιμημένον, καὶ οὕτω γίνεται ἀπόλυσις. Μετὰ δὲ τούτων πάντων, ἄραν-
 τες τὴν κλίνην, ἀπερχόμεθα ἐν τῷ μνήματι, ψάλλοντες ἡσύχως τὸ Ἅγιος
 ὁ Θεός, κάκεισε φθάσαντες ψάλλομεν· Μετὰ πνευμάτων δικαίων καὶ τὰ
 ὅμοια. Ὅταν δὲ βάλῃ τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὸ τρο-
 πάριον τοῦτο· Γῆ χανοῦσα, ὑπόδεξαι τὸν ἀπὸ σοῦ... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς
 μίαν τῶν κρεμαμένων κανδηλῶν, ἐπιχέει ἐπάνω τοῦ λειψάνου τὸ ἔλαιον
 σταυροειδῶς, λέγων· Ῥαντιεῖς με ὑσώπω... καὶ λέγει ψαλμὸν μέχρι τέ-
 λους. Λαβὼν δὲ καὶ δίκελλαν, ὁ ἱερεὺς ποιεῖ ἐν τῷ μνήματι σταυρόν, λέ-
 γων· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα... Εἴτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς·
 Ἐλέησον ἡμᾶς, εἴτα ἕτερα τούτων καὶ τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς τῶν πνευ-
 μάτων καὶ ποιεῖ τελείαν ἀπόλυσιν.

λ. 209. Ἀκολουθία, ψαλλομένη εἰς ἱερεῖς.

Μετὰ τὸν ἄμωμον εὐθὺς ἄρχονται ταῦτα τὰ εὐλογητάρια. Goar. p. 425.
 Καὶ εὐθὺς μνημονεύει, εἴτα ἀντίφωνον α'. ἤχος πλ. β'. ἐνταῦθα ἄρχον-
 ται ψάλλειν ἀλληλουάρια κατὰ στίχον, εἰς τὸν αὐτὸν στίχον (т. е. поются
 антифоны 6 гласа: первая три съ припѣвами и Аллилуія, что
 выше въ чинѣ мірскаго погребенія) καὶ εὐθὺς· Ἔτι καὶ ἔτι, τὴν ἐκ-
 τενήν, εἴτα ἄρχεται ὁ ψάλτης τοῦ ἐτέρου χοροῦ, λέγων οὕτως· ἀντίφω-
 νον β'. ἤχος πλ. δ'. Εἰ μὴ Κύριος ἦν ἐν ἡμῖν... δῖς, Στίχος· Εἰ μὴ
 ἔτι Κύριος ἦν... Ἀλληλουία, Στίχος· Εἰπάτω δὴ Ἰσραὴλ... Ἀλληλουία,

Στίχος· 'Εν τῷ ἐπαναστῆναι ἀνθρώπους... 'Αλληλούια, Στίχος· 'Εν τῷ ὀργισθῆναι τὸν θυμὸν αὐτοῦ... 'Αλληλούια... Τοῖς ὁδοῦσιν αὐτῶν μὴ μου ληφθῆτω ἡ ψυχὴ... δὶς, Στίχος· Εὐλογητὸς Κύριος, ὃς οὐκ ἔδωκε... 'Αλληλούια, Στίχος· 'Η ψυχὴ ἡμῶν, ὡς στρουθίον ἐρρύσθη... 'Αλληλούια, Στίχος· 'Η παγὶς συνετριβη καὶ ἡμεῖς... 'Αλληλούια, Στίχος· 'Η βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου... 'Αλληλούια, Τριαδικόν· 'Αγίῳ Πνεύματι ἐνθέωσις τοῖς πᾶσιν, εὐδοκία, σύνεσις... δὶς, Δόξα, 'Αλληλούια, 'Καὶ νῦν, 'Αλληλούια, καὶ εὐθύς τὸ παρὸν στιχηρόν· Δεῦτε καὶ θεάσασθε ἅπαντες ξένον καὶ φρικτὸν θέαμα τοῖς πᾶσι γνωριζόμενον... δὶς, εἴθ' οὕτως ὁ ἱερεὺς· 'Ετι καὶ ἔτι, τὴν συναπτήν, καὶ εὐθύς ἄρχεται ὁ τοῦ ἐτέρου χοροῦ ψάλλτης, λέγων οὕτως· Οἱ πεποιθότες ἐπὶ Κύριον... δὶς, Στίχος· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... 'Αλληλούια, Στίχος· Οἱ πορευόμενοι ἐν ταῖς ὁδοῖς... 'Αλληλούια, Στίχος· Τοὺς πόνοὺς τῶν καρπῶν σου... 'Αλληλούια, Στίχος· Μακάριος εἷ, καὶ καλῶς σοι... 'Αλληλούια· 'Εν ἀνομίαις χεῖρας αὐτῶν ὁ τῶν δικαίων κληρὸς... δὶς, Στίχος· Οἱ υἱοὶ σου, ὡς νεόφυτα... 'Αλληλούια, Στίχος· Εὐλογῆσαι σε Κύριος ἐκ Σιών... 'Αλληλούια, Στίχος· Καὶ ἴδοις τὰ ἀγαθὰ 'Ιερουσαλήμ... 'Αλληλούια, 'Αγίῳ Πνεύματι τὸ κράτος ἐπὶ πάντων... Δόξα, 'Αλληλούια, Καὶ νῦν, 'Αλληλούια, εἴτα τὸ παρὸν στιχηρόν· Δέσποτα Χριστέ, ὅταν μετὰ φόβου παρίστανται τῶν ἀγγέλων αἱ δυνάμεις... δὶς, καὶ εὐθύς οἱ μακαρισμοί, ἥχος πλ. β'. 'Εν τῇ βασιλείᾳ σου... κ. τ. λ. Μακάριοι οἱ ἐλεήμονες... Τὸ ἄχραντόν σου σῶμά τε καὶ τὸ αἷμα ἱερουργῶν ὁ οἰκέτης σου.. δὶς, Μακάριοι οἱ καθαροὶ τῇ καρδίᾳ... Μακάριοι οἱ εἰρηνοποιοί... Σὲ τὸν ἀμνὸν τὸν ἁμωμόν τε καὶ θεῖον... δὶς, Μακάριοι οἱ δεδιωγμένοι... Μακάριοι ἐστέ ὅταν ὀνειδίσωσιν... Τῶν θεῶν μυστηρίων ὑπηρέτης ἀναδειχθεὶς ὁ οἰκέτης σου... δὶς, Χαίρετε καὶ ἀγαλλιᾶσθε... Δόξα, 'Ανάρχῳ καὶ γεννήσει τε καὶ προόδῳ Πατέρα προσκυνῶ τὸν γεννήσαντα... Καὶ νῦν, Πῶς ἐκ μαζῶν σου γάλα βρῦεις, Παρθένε... κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Μακαρία ἡ ὁδός... Στίχος· 'Επίστρεψον, ψυχὴ μου... Καὶ ὁ λαός· 'Η ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς, ἐκ τρίτου τὸ αὐτό... Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς Παύλου· 'Αδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν 'Ιησοῦ Χριστοῦ· 'Αλληλουάριον· Μακάριος, ὃν ἐξελέσω. Εὐαγγέλιον κατὰ 'Ιωάννην. *Goar.* p. 430 καὶ εὐθύς· Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός... Μέγας ὁ κλαυθμός... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι 'Αδάμ... 'Αρτι ἡ τοῦ βίου πονηρά... Εἴτα δοξάζουσιν εἰς ἥχον πλ. β'. καὶ ψάλλουσι τὸ παρὸν ἰδιόμελον μετὰ μέλους· 'Αδελφοὶ πνευματικοὶ καὶ συλλειτουργοί μου, μὴ μου ἐπιλάθῃσθε... Καὶ νῦν, Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα ἐγνωμεν, Θεοτόκε Παρθένε... Εἴτα τὰ λοιπὰ καθεξῆς συνήθως, καὶ οὕτω γένεται τελεία ἀπόλυσις.

л. 261. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα νεκρῶν.

Первый канонъ см. у Гоара pag. 426, а другой ἡχος πλ. δ'. Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ καὶ πάθει πάθος μιμησάμενοι.. Νεότητος παταίσματα παρορῶν καὶ τὰς ἀμαρτίας ὑπερβαίνων.. Ἦς ἔτυχον δόξης τε καὶ χαρᾶς... θεοτοκίον Συνέλαβε λόγον τὸν τοῦ Θεοῦ...

LV. № 9 Сборникъ литургій, рукопись библи. Аѳоно-Пантелеимоновскаго русскаго монастыря писана на пергаментѣ четкою скорописью 1409 года, какъ это видно изъ приписки въ концѣ рукописи: Θεοῦ τὸ δῶρον, Θεοῦ πόνος Ἀντωνίου. Ἔτους ,ςϠιζ'. Ἰνδικτ. β'. μηνὶ Φεβρουαρίῳ α'. Въ началѣ и въ концѣ рукописи имѣется много позднѣйшихъ приписокъ, изъ которыхъ нѣкоторыя не лишены интереса, напр., Тῷ ,ςϠιζ'. ἐκοιμήθη εἰς Θεσσαλονίκην Ἰωάννης ὁ β'. μετονομασθεὶς Ἰωάσαφ. Тούτῳ τῷ ἔτει κατηγορήθη Ματθαῖος ὁ πατριάρχης εἰς τὴν ἁγίαν Σοφίαν λειτουργεῖσαι καὶ τῷ ,ςϠιθ'. ἀπέθανεν. Δοσιθ. Ἱστορία περὶ τῶν ἐν Ἱεροσολύμοις πατριαρχευσάντων, σελίδ. 87 и другая приписка: Тῷ δὲ καιρῷ τῇ εἰκοστῇ τρίτῃ τοῦ Μαρτίου μηνὸς τοῦ ,ςϠηη'. ἔτους τέθνηκεν ἡ ἐν μακαρίᾳ τῇ λήξει αἰοίδιμος Βιρήνη, ἡ διὰ τοῦ θείου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος Ὑπομονὴ μοναχὴ μετονομασθεῖσα, καὶ ἐτάφη εἰς τὴν μονὴν τοῦ Παντοκράτορος, πλησίον τοῦ μακαρίτου καὶ αἰοδήμου βασιλέως τοῦ σοζύγου αὐτῆς. Въ рукописи имѣются двѣ миниатюры и нѣсколько виньетокъ весьма неискусной работы.

л. 2. Ἦ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 28. Ἦ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. Чинъ состоитъ изъ молитвъ.

л. 44 об. Εὐχὴ τῆς προθέσεως.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν τὸ μέγα τοῦτο τῆς σωτηρίας μυστήριον, Σὺ ἰκάνωσον ἡμᾶς προσφέρειν σοι θυσίαν ἀναίμακτον, θυσίαν προηγιασμένην εἰς δόξαν καὶ αἴνον τοῦ Χριστοῦ σου. Ὅτι ηὐλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεί.

л. 44 об. Ἦ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

LVI. № 968 Εὐχολόγιον, рукопись Синайской библиотеки въ 16 долю на великолѣпномъ пергаментѣ писана скорописью четкою и красною 1426 года. Время написанія рукописи опредѣляется приписками въ концѣ ея, изъ коихъ одна 1426 г. напечатана у Кондакова

„Путеш. на Синай въ 1881 г.“ Одесса 1882. стр. 115 и Gardthaus. Catal. Codic. græc. Sinait. p. 207. а вторая 1429 г. въ печати не известна еще и читается такъ: Τοῦτο τὸ Εὐλόγιον ἐγένετο διὰ τὴν μεγάλην ἐκκλησίαν τοῦ ἁγίου προφήτου μεγάλου Μωϋσέως καὶ τῆς ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος Αἰκατερίνης διὰ ἐξόδου καὶ κόπου τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου ἀειμνήστου δούλου τοῦ Θεοῦ Μωϋσέως ἱεροδιακόνου, ποτὲ οἰκονόμου ἐν τῇ νήσῳ Κρήτῃ, ὅστις δὲ ὑστερήσει αὐτὸ τῆς ἁγίας μονῆς, νὰ ἔχῃ τὴν ἀράν τῶν ἐπτὰ συνόδων καὶ τοῦ ἁγίου Μωϋσέως κατὰδικον. Ἐγράφη μὲ τὸ θέλημα τοῦ ἐπισκόπου ἀγιωτάτου Σάββα εἰς χιλίους τετρακοσίους εἴκοσι ἑννέα μηνὶ Μαρτίῳ ἡ'. ἔτους δὲ ἀρχῆς κόσμου ἐξακισχίλιοστῷ ἑννακισιοστῷ τριακοστῷ ἐβδόμῳ. Листовъ въ рукописи 488.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

Начинается литургия молитвою: εὐχή τῆς προθέσεως· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον..., послѣ которой замѣчено: Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ χεῖρας τὸ κοντάκιον, καὶ ποιεῖ μετανοίας γ'. ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγει καθ' ἑαυτὸν Δόξα ἐν ὑψίστοις, δὶς, Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξον, ἀπαξ, εἶτα ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, καὶ ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς...

л. 22. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου. Листы перемѣшаны.

л. 56. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 60. Εἰς τὸ λυχνικόν, λεγομένου συνήθως τοῦ προσημιακοῦ ψαλμοῦ, ὁ ἱερεὺς ποιεῖ καὶ αὐτὸς τὰς συνήθεις εὐχὰς τοῦ λυχνικοῦ, εἶτα τὴν συναπτὴν καὶ τὴν ἐκφώνησιν, καὶ εὐθὺς στιχολογοῦνται τὰ Πρὸς Κύριον. Γινομένων καὶ τῶν μετανοιῶν εἰς τὸ Ἀλληλούϊα· ἐν ἐκάστῳ δὲ ἀντιφώνῳ συναπτὴ μικρὰ καὶ ἐκφώνησις. Ὅτε δὲ ἀρξώμεθα τῆς εἰρημένης στιχολογίας, ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς ἐν τῇ ἁγίᾳ προθέσει καί, λαβὼν τὸν προηγιασμένον ἄρτον μετ' εὐλαβείας πολλῆς, τίθησιν ἐν τῷ δίσκῳ· βαλὼν δὲ καὶ εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον οἶνον συνήθως καὶ ὕδωρ, θυμιάσας αὐτὰ καὶ περικαλύψας ἀπέρχεται· οὐ μέντοι λέγει τῶν συνήθων ἐν τῇ προθέσει ἢ εὐχὴν προθέσεως, ἐὰν καὶ ἐν τισιν εὐρηται προθέσεως εὐχή, ἀλλ' ἢ μόνον τὸ Δι' εὐχῶν τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν... ἢ Κύριε Ἰησοῦ Χιε τοῦ Θεοῦ, ἐλέησόν με τὸν ἁμαρτωλόν· προηγιασμένη γὰρ ἐστὶ καὶ τελειωμένη αὕτη ἡ θυσία. Εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα θυμῷ ὁ ἱερεὺς, ὡς ἔθος, εἰσοδος μετὰ τοῦ θυμιατοῦ καὶ μανουαλίου καὶ ἡ εὐχή τῆς εἰσόδου τοῦ λυχνικοῦ, Σοφία, ὀρθοί, τὸ Φῶς ἱλαρόν. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱε-

ρεύς· Ειρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης τὸ προκείμενον τῆς προφητείας, καὶ ἀναγινώσκεται ἡ Γένεσις, εἶτα τὸ β'. προκείμενον, καὶ μετὰ τοῦτο ἀνίσταται ὁ ἱερεὺς, ἐκφωνοῦντος τοῦ διακόνου τὸ Κελεύσατε. Λαβὼν οὖν ὁ ἱερεὺς ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ χειρὶ θυμιατὸν καὶ μανουάλιον μετὰ κηροῦ ἵσταται κατενώπιον τῆς ἀγίας τραπέζης καὶ σφραγίζων σταυροειδῶς, λέγει· Σοφία, ὀρθοί. Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσι. Καὶ ἀναγινώσκεται ἡ Παροιμία, εἶτα ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη σοι, Σοφία, καὶ ὁ ψάλτης τὸ Κατευθυνθήτω καὶ ἐκτενής. Ἰστέον, ὅτι ἀπὸ τῆς τετράδης τῆς μεσονηστήμου μέχρι καὶ τῆς μεγάλης τετράδης προτίθεται καὶ τὰ τῶν διπλοκατηγουμένων διακονικῶς σὺν τῇ εὐχῇ, καὶ ὀφείλει, ἅμα τῷ εἰπεῖν τὸ Ἵνα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δοξάζωσιν, ἄρξασθαι οὕτως· Ὅσοι κατηγούμενοι προέλθετε καὶ τὰ λοιπά. Οὐ λέγεται δὲ εὐχὴ χερουβικοῦ. Μετὰ δὲ τὴν εὐχήν· Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ἔτι κεκαλυμμένων ὄντων τῶν θείων δώρων μετὰ τῆς προσφοράς, ἦτοι τοῦ ἀέρος, βαλὼν ὁ ἱερεὺς τὴν χεῖρα ἄπτεται τοῦ ζωοποιοῦ ἄρτου μετ' εὐλαβείας καὶ φόβου πολλοῦ καὶ ἐκφωνεῖ· Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια. Οὐ γὰρ ὑφοῖ ἄρτίως τὰ ἅγια, εἶτα ἀνακαλύψας αὐτὰ ἐκπληροῖ τὴν μετάληψιν, μελίσας τὸν ἅγιον ἄρτον.

л. 62. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

Молитвъ 10. Первые четыре, что у Гоара р. 28—29, пятая: Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ὁ ἐπιστάμενος τὸν νοῦν Goar. р. 35 not., шестая и седьмая, что у Гоара пятая и шестая р. 29, восьмая: Ἐσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας... р. 31, девятая: Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ φωτίσας τὴν ἡμέραν τῷ φωτὶ τῷ ἡλιακῷ Goar. р. 35, десятая: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος... р. 29 и послѣднею молитвою стоитъ: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ... р. 32.

л. 67. Εὐχαὶ ἐωθινᾷ.

Первые восемь, что у Гоара pag. 39—41, на девятомъ мѣстѣ стоитъ десятая, на десятомъ одиннадцая, на одиннадцатомъ—двѣнадцатая. Послѣдняя молитва: Κύριε, ἄγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν... Goar. р. 44.

л. 73 об. Ἀκολουθία εἰς λοχοῦσαν.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς Ὅτι σοῦ ἐστίν, ἀπολυτίκιον τὸ παρὸν εἰς ἥχον δ'. εἰ βούλει, εἰ δ' οὖν τῆς ἡμέρας, Ἡ γέννησίς σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἕτερον ὅμοιον· Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε Παρθένε, εἶτα ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα ἐν σοφίᾳ τῷ λόγῳ σου δημιουργήσας καὶ ἐκ μὴ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγών, ὁ δια-

σώσας τὴν δούλην σου ἐκ τῆς συνεχούσης τεκνογονίας, ἔπιθε ἐπ' αὐτῆς, καὶ τὸ ἐξ αὐτῆς γεννηθὲν παιδίον εὐλόγησον καὶ τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ ἀσπίλους αὐτοὺς διατήρησον. Ἐκφώνως· Ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ἐτέρα εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ τὸν ἄνθρωπον πλάσας ἰδίαις χερσίν... Дмитриевскій. Прилож. стр. 4—5. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Ἐτέρα εὐχή, λεγομένη ἐπὶ τὴν μαίαν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ Goar. p. 263. Αὗται αἱ εὐχαὶ λέγονται εἰς γέννησιν, εἰ ζῇ τὸ βρέφος, εἰ δ' οὐ, εἰπὲ τὰς εἰς ἀπόβασιν γεγραμμένας. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Σαβᾶὺθ ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ, ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον. Прилож. стр. 1 Ἐτέρα εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τῷ λόγῳ σου δημιουργήσας... Goar. p. 367 καθάρισον ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καὶ παντὸς ῥύπου ἁμαρτημάτων, ἐλευθέρωσον αὐτὴν προσερχομένην τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ καὶ συναρίθμησον τῇ ἀγίᾳ σου ποίμνῃ καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.

л. 76 об. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως.

Ἰστέον, ὅτι τῇ η'. ἡμέρᾳ προσάγεται τῷ ναῷ παρὰ τῆς μαίας τὸ βρέφος ἐπὶ τὸ λαβεῖν ὄνομα. Ἐστώσης δὲ τῆς μαίας ἔξωθεν τοῦ ναοῦ, κρατούσης τὸ βρέφος ἐπὶ χειρᾶς, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, λέγων τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἰδ' οὕτως, εἰσελθὼν ἡ μαία μετὰ τοῦ βρέφους, ἵσταται ἔμπροσθεν τῆς θύρας τοῦ ναοῦ, ὁ δὲ ἱερεὺς ἐμῖνυσά εἰς τὸ πρόσωπον μετὰ τοῦ βρέφους ἕως τοῦ στήθους σταυροειδῶς τρίς, ὁμοίως καὶ κατασφραγίζει σταυροειδῶς μετὰ τῆς χειρὸς τρίς, εἰτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν... Goar. p. 264. Αὕτη λέγεται, ζῶντος τοῦ βρέφους, εἰ δ' οὐ, λέγεται ἡ παροῦσα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἀληθινὸς ἄρτος τῆς ζωῆς ἡμῶν... Goar. p. 264, по сѣ небольшею слѣдующею передѣлкою: καθάρισον ἐκ τοῦ ἀπελθόντος ἐξ αὐτῆς σωματικοῦ μολυσμοῦ διὰ τῆς ὁκταημέρου καθάρσεως, καὶ εὐλόγησον αὐτὴν καὶ τὴν ζύμην αὐτῆς, καὶ πάντα τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτῆς. καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Δεῖ δὲ γινώσκειν, ὅτι τὸ γεννηθὲν βρέφος, ἐὰν ἄρα ἀσθενῇ... Goar. p. 265.

λ. 78. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς τὸ σαραντῆσαι παιδίον μετὰ τῆς μητρός.

Τῇ δὲ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ πάλιν προσάγεται ἐν τῷ ναῷ τὸ βρέφος παρὰ τῆς μητρός, ἥδη κεκαθαρμένης καὶ λελουμένης οὖσης, παρόντος καὶ τοῦ μέλλοντος ἀναδέχεσθαι τοῦτο κατὰ τὸ βάπτισμα· ἵσταμένης δὲ τῆς μητρός μετὰ τοῦ παιδίου ἔξωθεν τῆς θύρας τοῦ ναοῦ, βελών ὁ ἱερεὺς πετραχήλιον ἢ φελώνιον ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ ἄρχεται τοῦ Τρισαγίου, εἶτα τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἰ βούλει, καὶ τὸ παρόν· Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε Παρθένε, Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων... Εἴθ' οὕτως ἵσταται ἡ μήτηρ μετὰ τοῦ παιδίου, ἔχουσα ἐν ταῖς ἰδίαις ἀγκάλαις αὐτὸ καί, κλινούσης τὴν κεφαλὴν ἅμα τῷ βρέφει πρὸ τῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, καὶ τὴν τοῦ τιμίου σταυροῦ σφραγίδα ποιῶν ὁ ἱερεὺς, ἀπτόμενός τε τῆς κεφαλῆς αὐτῆς, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν τὸν Πατέρα τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πάσῃ λογικῇ τε καὶ ἄλογον φύσιν *Goar. p. 267*. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ... *p. 267* ἐν τῇ συμπληρώσει τῶν τεσσαράκοντα ἡμερῶν, καὶ ποιήσων αὐτὴν ἀξίαν γενέσθαι τῆς μεταλήψεως τοῦ τιμίου σώματός σου καὶ αἵματος. Ἐκφώνως· Ὅτι ἡγιάσται καὶ δεδοξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρός καὶ τοῦ Υἱοῦ... Αὗται αἱ εὐχαὶ λέγονται καὶ μόνον ἐπὶ τὴν μητέρα, εἰ οὐχ εὐρίσκεται τὸ βρέφος, καί, γενομένης ἀπολύσεως, εἰσέρχεται εἰς τὸν οἶκον αὐτῆς· εἰ δὲ ζῇ τὸ βρέφος, μετὰ τὸ εἰπεῖν τὰς προγραφείσας εὐχάς, ὀφείλει ποιῆσαι οὕτως· ἐμφυσησαι εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σταυροειδῶς τρίς καὶ σφραγίσαι τῇ χειρὶ γ'. εἶτα ἄρξασθαι οὕτως. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν... *Πηλιοκ. στρ. 19*. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν εἰσέρχονται ἐν τῷ ναῷ, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον ἐπὶ χειρὸς καί, εἰ μὲν ἐστὶ ἄρρην, κυκλοῖ αὐτὸ τρίς γύρωθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, σχηματίζων αὐτὸ εἰς τὰ τέσσαρα μέρη, ὡς προσκυνοῦν, εἰ δὲ ἐστὶ θῆλυ, ποιεῖ οὕτως ἔξω τῶν ἁγίων θυρῶν εἰς τὰς ἁγίας εἰκόνας, λέγων· Νῦν ἀπολύεις... ἕως τοῦ· Φῶς εἰς ἀποκάλυψιν, εἶτα τίθησιν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις, ὡς βρέφος τῷ νομικῷ ναῷ προσαχθεῖς... *Goar. pag. 267*. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν σφραγίζει ὁ ἱερεὺς τὸ μέτωπον τοῦ παιδίου καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, λέγων· Τὸ παιδίον ἠῤῥξανε καὶ ἐκραταιοῦτο Πνεύματι, καὶ χεὶρ Κυρίου ἔστω μετ' αὐτοῦ. Ἀμήν, καὶ εὐθὺς γίνεται ἀπόλυσις οὕτως· Ὁ ἐν ἀγκάλαις τοῦ δικαίου Συμεὼν βασταχθῆναι καταδεξάμενος Χριστὸς ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν

πρεσβείαις τῆς παναχράντου αὐτοῦ Μητρὸς καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι. Καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει αὐτὸ καὶ ἐξέρχεται.

λ. 81 οβ. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηγούμενον, ἡγουν βαπτίσαι.

Αὐτεῖς ὁ ἱερεὺς τὴν ζώνην... καὶ ἱστησιν αὐτὸν κατὰ ἀνατολὰς μετὰ τοῦ ἀναδόχου, μονοχίτωνά... καὶ σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον ἕως τοῦ στήθους ἐκ τρίτου, οἷον ἐμφυσᾷ ἀπὸ τοῦ μέτωπον ἕως τοῦ στήθους γ'. ποιῶν καὶ σταυροὺς γ'. μετὰ τῆς χειρὸς, εἶτα λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου... Слнч. Прил. стр. 20. Δεῖ εἰδέναι, ὅτι πρὸς ἀνατολὰς βλέπων ὁ ἱερεὺς, λέγων τὰς εὐχάς, καὶ στραφεὶς ἐμφυσᾷ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ γ'. καὶ σφραγίζει αὐτὸ γ'. ἀπὸ τοῦ μετώπου ἕως τοῦ στήθους, λέγων οὕτως· Ἐξέλκσον ἀπ' αὐτοῦ πᾶν πονηρόν... λέγει ἐκ γ'. εἶτα ἄρξου· Πνεῦμα πλάνης, πνεῦμα πονηρίας и т. д. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ἀποστρέφει ὁ ἱερεὺς πρὸς δυσμὰς τὸν βαπτιζόμενον, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει τρίς, ἀποκρινομένου τοῦ βαπτιζομένου τὰ ὅμοια, ἢ τοῦ ἀναδεχομένου, κἂν ἢ βάρβιχος ὁ βαπτιζόμενος, ἢ παιδίον. Ὁ ἱερεὺς ἄρχεται, λέγων τρίς· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ.

Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ.

Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ.

Καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ.

Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ.

Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηγούμενος πρὸς ἕνα ἕκαστον τούτων, ἢ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ. Καὶ μετὰ ταῦτα ὁ ἱερεὺς ἐρωτᾷ αὐτόν· Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Καὶ ὁ μέλλων βαπτίζεσθαι λέγει, ἀποκρίνεται· Ναί, ἀπεταξάμην. Καὶ ὅτε εἶπη τοῦτο τρίς, λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ ἔμπτυσον αὐτῷ. Καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς πρὸς δυσμὰς ἐν τῷ ἀριστερῷ μέρει μετὰ τοῦ βαπτιζομένου, οἷον καὶ τοῦ ἀναδόχου, ἐμπτύουσιν αὐτῷ ἅμα, οἷον τῷ σατανᾷ, κάτω βλέποντες ἐπὶ τῆς γῆς, καὶ τοῦτο ποιῶντος, ἱστᾷ πάλιν αὐτόν κατὰ ἀνατολὰς, δεδεμένον φόβῳ τὰς χεῖρας, καὶ λέγονται ἐκ τρίτου· Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ, γ'. καὶ Πιστεύω εἰς ἕνα Θεόν, γ'. Καὶ ὅτε πληρώσει ἐκ τρίτου τὸ ἅγιον σύμβολον ὁ μέλλων βαπτίζεσθαι, ἐρωτᾶται παρὰ τοῦ ἱερέως· Συνετάξω τῷ Χριστῷ; Καὶ ἀποκρίνεται· Συνετάξάμην. Καὶ γίνεται ἡ ἐρώτησις καὶ ἀπόκρισις ἐκ γ', εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Προσκύνησον αὐτῷ. Προσκυνῶ Πατέρα Υἱὸν καὶ ἅγιον Πνεῦμα, Τριάδα ὁμοούσιον καὶ ἀχώριστον. Μετὰ δὲ τὸ προσκυνῆσαι τῷ Κυρίῳ τὸν μέλλοντα βαπτίζεσθαι, ὁ ἱερεὺς λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου ὁ δέσνα... Слнч. р. 281. Εὐδοκία καὶ χάριτι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι... Τότε ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ θυμιατοῦ εἰς τὴν κολυμ-

βήθηραν καί, θυμιῶν αὐτὴν σταυροειδῶς, λέγων· Ἐν εἰρήνῃ. Порядокъ пропеліи, что въ ркп. М. Сина. библ. № 473. Прил. стр. 12, прим. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός... Goar. p. 288. Καθ' ἑαυτὸν δὲ λέγεται καὶ τὴν ἐκφώνησιν καὶ τὸ Ἀμήν, εἴτα ἐκφώνως· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα... pag. 288. Καὶ ποιεῖ σταυρὸν ἔσω εἰς τὴν κολυμβήθραν καὶ εὐλογεῖ τὸ ὕδωρ· Καὶ δὸς αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... p. 289. Καὶ ἐμφυσῶν εἰς τὸ ὕδωρ γ'. καὶ σφραγίζει τῷ δακτύλῳ γ'. λέγων· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν... γ'. ὑποχωρησάτωσαν ἡμῖν πάντα τὰ ἐναέρια καὶ ἀφανῇ εἰδωλα, καὶ μὴ κρυβήτω τῷ ὕδατι τούτῳ δαιμόνιον σκοτεινόν. Καὶ εὐλογεῖ εἰς τὸ ὕδωρ μίαν καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον· Μηδὲ συγκαταβήτω π τ. δ. Goar. p. 289. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ κλίνας ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου, βασταζόμενον ὑπὸ τοῦ διακόνου, ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίς καὶ σφραγίζει τρίς, καὶ λέγει μυστικῶς, καὶ ποιεῖ σταυρὸν ἐπάνω τοῦ ἐλαίου· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῖς ἐν κιβωτῷ τοῦ Νῶε... p. 289. Καὶ ἀνιστάμενος ἐκφωνεῖ· Εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεῖ... Λαβὼν δὲ ὁ ἱερεὺς τὸ ἔλαιον ἐκφέρει εἰς τὴν κολυμβήθραν σταυροειδῶς ἐκ τρίτου, ἐπιλέγει ἐν ἐκάστῳ σταυρῷ τὸ Ἀλληλούια, συμφάλλοντος τούτῳ καὶ τοῦ λαοῦ, εἴθ' οὕτως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἐλαίου τῷ δακτύλῳ καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους καὶ τῶν μεταφρένων τοῦ μέλλοντος βαπτίζεσθαι, λέγων· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιᾶσθαι εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ ¹⁾ τότε χρίεται ὑπὸ τοῦ διακόνου ἢ τοῦ ὑπηρέτου ὁ μέλλων βαπτίζεσθαι τὸ σῶμα ἐκ τοῦ ἐλαίου. Ὁ δὲ ἱερεὺς, λαβὼν ἐπὶ χεῖρας τὴν σινδόνα καὶ δῆσας σταυροὺς τρεῖς, τίθησιν ἐν τῷ τραχήλῳ τοῦ ἀναδόχου, καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς, ὁμοίως λαβὼν τὸ παιδίον ἐπὶ χεῖρας, καταδύει αὐτὸ εἰς τὴν κολυμβήθραν τρίς, λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν, κατὰδυσιν α'. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν, κατὰδυσιν β'. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν, κατὰδυσιν γ'. Ἀνάγων αὐτὸν ὀρθιον καὶ κατάγων ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ εἰς μίαν ἐκάστην κατάδυσιν, καὶ εὐθὺς οἱ ψάλλται· Μακάριοι, ὧν ἀφέθησαν αἱ ἀνομίαι... Εἴτα ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων... Καὶ λαβὼν τὸ μύρον, χρίει τὸν νεοφώτιστον, σταυροῦ τύπον ποιῶν ἐπὶ τε τοῦ μετώπου

¹⁾ Ркп. 1516 г. № 977 Синайск. библ. все это до словъ: καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς ὁμοίως λαβὼν пропущено.

καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτῶν, καὶ τῶν χειρῶν, καὶ τῶν γονάτων, τοῦ στήθους τε καὶ τῶν μεταφρένων, ἐκάστη χρίσει ἐπιλέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καί, ἐνδύσας αὐτόν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν *Goar. p. 290.* Καὶ λαβὼν τὸν θυμιατόν, βαλὼν θυμίαμα καὶ εὐλογῶν αὐτόν, περικυκλοῖ τὴν κολυμβήθραν ἐκ γ'. μετὰ τοῦ ἀναδόχου καὶ τοῦ βαπτιζομένου, θυμιᾷ σταυροειδῶς, φάλλων· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... φάλλων δὲ αὐτὸ ἐκ γ'. Δόξα καὶ νῦν, Χριστὸν ἐνεδύσασθε, καὶ πάλιν Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε. Καὶ μετὰ τούτων λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

λ. 98. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος τῷ δούλῳ σου δωρησάμενος... *Goar. p. 303.* Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, λαβὼν σπόγγον καινὸν ἐξ ὕδατος, ἀποσπογγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὰ ὦτα καὶ τοὺς λοιποὺς τόπους, ἔνθα ἐχρίσθη τὸ ἅγιον μύρον. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας τὴν οὐράνιον ἔλλαμψιν. *Goar. p. 304.* Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... *p. 304.*

λ. 99 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον. *Goar. p. 306.* Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν κείρει αὐτοῦ τὰς τρίχας σταυροειδῶς· Κεῖρεται ὁ δούλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ... Ποιεῖ δὲ τὴν κουράν οὕτως· ἀρχὴν ποιῶν ἀπὸ τῆς κορυφῆς τὸ μέτωπον δεξιὰ καὶ ἀριστερά, καὶ διδωσιν αὐτὰς τῷ ἀναδόχῳ. Εἶτα Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας τῆς σῆς ἀγαθότητος... *p. 306.* Καὶ οὕτως λύει ὁ ἱερεὺς τὸ σάβανον καὶ πάντα τὰ φωτιστικά, καὶ ἀπολύει αὐτὸν ἐν εἰρήνῃ... Εἰ δ' οὖν ἔτι βαστάζων ἐν τῷ τραχήλῳ αὐτοῦ ὁ ἀνάδοχος τὸν νεοφώτιστον, λαβὼν ἐπὶ χειρὸς ὁ ἱερεὺς ἵσταται ἐνώπιον τῶν ἁγίων θυρῶν, ἀνάγων αὐτὸν καὶ κατὰ γων ἐκ τρίτου, ποιῶν σταυρόν καὶ λέγων ἐκ γ'. Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, ἡγιασθῆς, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Εἶτα βαλὼν ἐπὶ γῆς τὸν νεοφώτιστον ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων εἰκόνων, ποιεῖ ὁ ἀνάδοχος μετανοίας γ'. καὶ λαβὼν αὐτόν, ἀπέρχονται ἐν εἰρήνῃ, ὁ δὲ ἱερεὺς ποιεῖ ἀπόλυσιν τελείαν.

λ. 101 οβ. Τάξις βαπτίσματος εἰς νήπιον, κατεπειγόμενον ὑπὸ θανάτου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός... *Goar. p. 303.* Μετὰ δὲ τὴν τῆς εὐχῆς συμπλήρωσιν, λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ βρέφος,

βαπτίζει αὐτό, κατάγων εἰς τὸ ὕδωρ καὶ ἀνάγων ἐκ γ'. ἐκφωνῶν ἐν μὲν τῇ α'. καταδύσει τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, ἐν δὲ τῇ β'. τὸ ὄνομα τοῦ Υἱοῦ, ἐν δὲ τῇ γ'. τὸ ὄνομα τοῦ παναγίου Πνεύματος, ὡς ἀκριβέστερον ἐν τῷ μεγάλῳ βαπτίσματι ἐδηλώθη, καὶ μετὰ ταῦτα χρίει αὐτὸ τῷ ἁγίῳ μύρῳ κατὰ τὴν τῆς ἐκκλησίας παράδοσιν καὶ ἀπολύει.

л. 103. Εὐχὴ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—504, по не достаетъ двухъ послѣднихъ молитвъ: Σὸν γάρ ὡς ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μυστήριον... ἢ Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν...

л. 115 об. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα.

Εἰσελθόντων τῶν νεονύμφων ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ἵσταται ὁ ἀνὴρ ἐκ δεξιῶν, ἡ δὲ γυνὴ ἐξ ἀριστερῶν· ἀπόκεινται δὲ καὶ τὰ δακτυλίδια δύο, χρυσοῦν καὶ ἀργυροῦν, ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ ὁ ἱερεὺς εὐλογεῖ, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἴτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ λέγομεν τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ κοντάκιον, καὶ εὐθὺς δίδει ὁ ἱερεὺς τοὺς κηροὺς τῶν νεονύμφων καὶ ἀλλάσσουν αὐτοὺς ἐκ τρίτου, εἴτα λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν ἡ τ. д. великая ектенѣя изъ 10 прошеній. Послѣ прошенія: „О плавающихъ, путешествующихъ“ слѣдуютъ прошенія: Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα τῇ χάριτι... Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων πρὸς ἔνωσιν συζυγίας... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς σωφροσύνην. Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ καὶ τῆς ἀγάπης καὶ σωτηρίας αὐτῶν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς ἀκατάγνωστον διαγωγὴν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα φιλάνθρωπε Κύριε, ὁ ἐν προφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας ἡμᾶς... См. ниже ркп. XV в. Свят.-гроб. библ. № 8 л. 44. Καὶ ἄρας τὰ δακτυλίδια ἐκ τῆς ἁγίας τραπέζης, δίδει τὸ μὲν χρυσοῦν τῷ ἀνδρί, τὸ δὲ ἀργυροῦν τῇ γυναικί, καὶ ἀλλάσσουν αὐτὰ ἐκ γ'. 1), εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δότε δακτυλίδιον εἰς τὴν δεξιάν αὐτοῦ καί, ἐξενέγκαντες τὴν στολὴν τὴν πρώτην, ἐνδύσατε αὐτόν. См. выше стр. 182. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὴν ἀληθειάν σου καὶ τὴν ἐπαγγελίαν σου. См. ркп. Свят.-гроб. библ. № 8, вѣ прим. Αὐτὸς ἐξαπέστειλον τὴν ἀληθειάν σου ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ τὴν δούλην τήνδε ἐν πίστει καὶ ἀγάπῃ· διὰ δακτυλιδίου σφραγισθήσονται θησαυροὶ καὶ οἶκοι φυλαχθήσονται, διὰ δακτυλιδίου δίδοται ἀρράβων ἀληθείας καὶ

1) Ркп. XVI в. № 978 ἵνα καταλήξῃ τὸ χρυσοῦν τῇ γυναικί, εἴτα λέγει. Εὐχολόγιον т. II.

στηριχθήσονται, διὰ δακτυλιδίου ἐκηρύχθη νίκη τῇ Θάμαρ, διὰ δακτυλιδίου ἐδόθη ἐξουσία τῷ Ἰωσήφ ἐν Αἰγύπτῳ, διό και ὁ Πατήρ ἡμῶν ὁ οὐράνιος ἐλεήμων γέγονεν ἐπὶ τὸν Υἱὸν αὐτοῦ και ἰδὼν αὐτὸν εἶπε· Χριστὸς ὁ Θεός, ὁ ἐν Τριάδι ὑμνούμενος, εὐλογῇσει, ἀγιάσει, στηρίξει. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἀγαθὸς και φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σωτήρ ἀγαθὲ και φιλόανθρωπε, τὸν ἀβραάμωνα τοῦτον... Тамъ же л. 44. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγών... Goar. p. 311. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἔθνων προμνηστευσάμενος... Ibid. και γίνεται ἀπόλυσις.

Εἰ δὲ βούλονται και ἐνταῦθα στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται εἰς τὸ μέσον τοῦ ναοῦ μετὰ θυμιατοῦ και λαμπάδων, ψάλλων και ψαλμὸν ριζ'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... Δόξα και νῦν. Ἀπόκεινται δὲ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ στέφανα δύο και ποτήριον φιάλου, πλήρες οἴνου, ἔχον προηγιασμένον και τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγων· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα και τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα και τῆς ἐν Θεῷ συζεύξεως... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην και καρπὸν κοιλίας... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν και θυγατέρων τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς στέφανον τίμιον και ἀμαράντινον... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν δωρήσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον και ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναικα. Goar. p. 317. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός... p. 315. Ἐκφώνησις· Ὅτι εὐλόγηται και δεδόξασται τὸ πάντιμον... (вѣ молитвѣ есть весьма непачительная особенности). Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἶ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός και τῶν αἰώνιων ἀγαθῶν δοτῆρ... Ркп. № 8 Свят-гроб. библ., прим. Καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς χεῖρας, παραδίδει ἀλλήλους, λέγων· Παράλαβε Μαρίαν τὴν γυναῖκα σου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἀπάντων Πατήρ χεῖρα πρὸς χεῖρα διδούς, Ἰησοῦ Χριστέ, στεφανώσας... Ibid. Στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς τοὺς ἁγίους σου παῖδας, φύλαξον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς διεφύλαξας τὸν προφήτην Δανιὴλ ἐν τῷ λάκκῳ ἐκ στόματος λεόντων, και ἔλθοι ἐπ' αὐτούς ἡ χάρις ἐκείνη, ἣν μέλλουσι λαμβάνειν οἱ καλῶς εὐαγγελίσαντες ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ τῇ μεγάλῃ, και διαφύλαξον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντοτε και τοὺς δούλους σου τοὺς

νεονύμφους, καὶ εὐφρανον αὐτοὺς ἐπὶ τέκνα φωτός, καὶ διαφύλαξον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντας ἡμᾶς τῆς ἐκ δεξιῶν σου παραστάσεως, ἵνα ἀπαύστως ὑμνοῦμέν σε τὸν μόνον ἀληθινὸν καὶ φιλόανθρωπον Θεὸν ἡμῶν. Ἐκφώνησις· Σὺ γάρ εἰ ὁ στέφανος, ὁ δοθησόμενος, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Καὶ ἄρας τοὺς στεφάνους ἐκ τῆς ἀγίας τραπέζης, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς μυστικῶς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὰ στέφανα τῶν ἀγίων σου ἀποστόλων, μαρτύρων καὶ προφητῶν καὶ χαρισάμενος αὐτοῖς πίστιν ἀμώμητον καὶ λόγον μεταδόσεως καὶ δικαιοσύνης, ἵνα, κατὰ τὰς ἐντολάς σου πολιτευσάμενοι, καταξιωθῶσι τῆς ἐκ δεξιῶν σου παραστάσεως. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου... См. выше стр. 183. Καὶ κρατήσας ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα, στέφει τὸν ἄνδρα, λέγων Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ κατάρτησον αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου, ἐκ τρίτου. Καὶ στεφανοῖ αὐτὸν τὸν νεόνυμφον, ὁμοίως καὶ τὴν νύμφην, λέγων τὸ αὐτό. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον τὴν δοῦλὴν σου τῇδε... Εἶτα τὸν ψαλμὸν· Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεὺς... (до конца). Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἔκτεινον τὴν χειρὰ σου καὶ εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους... Ркп. Свят.-гроб. библ. № 8. Ἐπιθεὶς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν στέφανον ἐκ λίθου τιμίου καί, ὥς ἡ ἐλαία κατάκαρπος καὶ ὥς ἡ ἄμπελος εὐθηνοῦσα ἐν τοῖς κλίτεσιν αὐτῆς οἱ υἱοὶ αὐτῶν, ὥς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλω τῆς τραπέζης αὐτῶν· δὸς αὐτοῖς ἀπὸ τῆς ὁρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πίότητος τῆς γῆς πρεσβείαις τῆς ἀχράντου σου Μητρός καὶ πάντων τῶν ἀγίων σου. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιον ὑπάρχεις τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... Сн. выше стр. 30. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 318. Προκείμενον ἀποστόλου, ἀποστολѣ, евангеліе и ектењя тѣже, что и въ ркп. Свят.-гроб. библ. № 8. По возгласѣ: Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπικαλούμεθά σε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλοῦμαι τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον... Тамъ же Сн. выше стр. 342. Καὶ οὗς ὁ Θεὸς συνέzeugεν, ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω, τὸ μυστήριον τοῦτο μέγα ἐστί. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὥς εὐλόγησας τὸν γάμον τῷ Τωβίτ τῷ σῷ δούλῳ. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός τὸν γάμον τοῦτον, ὥς εὐλόγησας τὴν μήτραν Σάρρως καὶ ἔδωκας αὐτῇ υἱὸν τὸν Ἰσαὰκ καὶ Ἰσαὰκ τὸν Ἰακώβ, καὶ Ἰακώβ τοὺς δώδεκα πατριάρχας, οἵτινες οἰκονόμησαν τὸν οἶκον Ἰσραήλ. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὥς εὐλόγησας Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός,

τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας τὸν Μωϋσῆν καὶ τὴν Σεπφώραν. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἑλισάβετ. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας Ἰωακείμ καὶ τὴν Ἄνναν. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας τὸν γάμον τὸν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας κατ' ἐκείνην τὴν εὐλογία. Φιλάνθρωπε Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, εὐλόγησον τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ τὴν δούλην σου ἡ δεῖνα, εὐφρανον αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων· Σὺ γὰρ εἶπας, Κύριε, αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε, καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, καὶ κατακυριεύσατε αὐτῆς· καὶ νῦν, φιλάνθρωπε Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, δὸς αὐτοῖς ἐκ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἐκ τῆς πλότητος τῆς γῆς, ἔμπλησον τὰ ταμειᾶ αὐτῶν παντός ἀγαθοῦ ἀπὸ καρποῦ, σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου καὶ πάσης ἀγαθωσύνης, ἵνα, ἔχοντες καὶ περισσευόμενοι, μεταδίδωσι τοῖς χρεῖαν ἔχουσιν. Ἐκφώνησις· Εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ἀγγελον εἰρήνης... Goar. p. 318—319. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα. . Πάτερ ἡμῶν... Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Καὶ προσφέρουσι τὸ κοινὸν ποτήριον, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τυχτὴν μυστικῶς ἐπάνω αὐτοῦ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ τῇ ἰσχύϊ σου ποιήσας τὰ πάντα. Goar. p. 319. Χάριτι, οἰκτιρμοῖς καὶ φιλάνθρωπίᾳ... Καὶ λαβὼν τὸ κοινὸν ποτήριον ὁ ἱερεὺς δίδει τοῦ ἀνδρὸς μερίδα, λέγων· Ἐξ ἀμπέλου πολυκάρπου καὶ πηγῆς ἀθανάτου πίης, ζῆς (sic), νεόνομφε· ἡ ἁγία Τριάς εὐλογῇ σε. Ὁμοίως καὶ τῆς νύμφης¹⁾). Καὶ εὐθὺς λέγων· Ζήσατε, οἱ νεόνομφοι²⁾· ἡ ἁγία Τριάς διαφυλάξει πάντοτε. Καὶ εἰσοδεύουσιν οἱ νεόνομφοι μετὰ τοῦ ἱερέως, ψάλλοντες τροπάριον εἰς ἧχον βαρύν· Ἅγιοι μάρτυρες... Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἀποστόλων κύχχημα... Καὶ³⁾ ἕτερον εἰς ἧχον πλ. δ'. Μετὰ φόβου καὶ τρόμου καὶ εὐλαβείας... Ἐπὶ σοὶ χαίρει, κεχαριτωμένη, πᾶσα ἡ κτίσις... Δόξα. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε... См. выше стр. 184. Τοῦ Κυρίου δεηθῶ-

1) Ркп. Синайск. библ. № 978 τὸ αὐτὸ κοινωνικόν· Γεῦσασθε καὶ ἴδετε... ἢ τὸ Ποτήριον σωτηρίου· εἰ βούλονται, λέγον· αἰ καὶ τὰ δύο· εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς²⁾ εἰς αἰῶνα αἰῶνος· ἡ ἁγία Τριάς ὑμᾶς ἀχωρίστους διαφυλάξει. Καὶ κρατοῦσιν οἱ παράνομφοι τὰ στέφανα τῶν νεονύμφων, καὶ εἰσοδεύουσι μετὰ τοῦ ἱερέως, ψάλλοντες δὲ καὶ τροπάρια εἰς ἧχον³⁾ καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὸν παράδεισον ἀναμάτω· φυτεύσας ... εἴτα λέγει νεονύμφους· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ... Εὐχὴ· Σὲ ἰκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν.

μεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν παράδεισον ἀκαμάτως φυτεύσας καὶ τὸν ἄνθρωπον οἰκείαις χερσὶ πλάσας, καὶ λαβὼν ἀπόνως ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ καὶ εἰπὼν πρὸς αὐτόν· ἔνεκεν τούτου καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα καὶ προσκολληθήσεται τῇ γυναικὶ αὐτοῦ, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σὰρκα μίαν. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους καί, ὥς ἔθηκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στέφανόν γαμικόν, στεφάνωσον τούτους ἐν ἐλεεί καὶ οἰκτιρμοῖς, καὶ ποίησον αὐτοὺς εἰς σὰρκα μίαν, εἰς ὁμόνοιαν ἀδιαίρετον, δώρησαι αὐτοῖς ὁμοτροπίαν ἀπαράλλακτον, ζωὴν πολυχρόνιον, σπέρμα ὅσιον· εὐφρανον αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων, ἵνα καὶ αὐτοὶ διὰ τεκνογονίας σωθῶσι· Σὺ γάρ, Κύριε, καὶ παρθενίαν ἡγίασας καὶ τοὺς δούλους σου ἐν εἰρήνῃ διαφύλαξον. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ... Сп. выше стр. 5. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους, οὓς ἠδῶκας συναφθῆναι πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν καὶ εὐλόγησον αὐτούς, ὥς εὐλόγησας Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, Ἰσαάκ καὶ Ῥεβέκκαν, Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥαχὴλ, Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ, καὶ δὸς αὐτοῖς ἐπὶ τέκνοις σωφροσύνην καὶ μακροημέρευσιν βίου, καὶ υἰεὶαν μετὰ δόξης, καὶ τοὺς παρόντας καταξίωσον εἰς τὴν βασιλείαν σου τὴν ἐπουράνιον. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἠεὶ ὑμῶν καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεῖ...

л. 136. Εὐχὴ τοῦ ἀποστεφανώματος.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar. p. 320 ἀσπίλους καὶ ἀμώμους καὶ ἀνεπιβουλεύτους διατήρησον εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις τῆς παναρχάντου σου Μητρὸς καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ἐκφώνησις· Σὺ γάρ εἰ ὁ εὐλογῶν καὶ ἁγιάζων τὰ σύμπαντα, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν...

л. 137. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἁγιαζομένου ὑπὸ ἑπτὰ πρεσβυτέρων.

Ἐσπέρας ἢ πρωὶ συναχθέντες οἱ ζ'. ἱερεῖς ἐν ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν οἴκῳ, εὐλογοῦντος τοῦ πρώτου ἱερέως, ψάλλομεν τὸ Κύριε, εἰσάκουσον... Καὶ μετὰ τὸ τέλος μικρὰ συναπτή· Ἐτι καὶ ἔτι, Θεὸς Κύριος, Ἀλληλούια κατὰ τὴν ἡμέραν, εἴτα τροπάρια εἰς ἦχον πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν ἄνοιξον ἡμῖν... καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν, οὗ ἡ ἀκρόστιχος· Εὐχὴ ἐλαίου φαλμός ἐξ Ἀρσενίου. Ὠδὴ α'. ἦχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρυθραῖον. Ἐλαίῳ τῆς εὐσπλαγχνίας... Goar. p. 332—335 и стихиры на хвалитѣхъ. Καὶ εὐθὺς

λέγουσι τὸν Ν'. Τούτου δὲ λεγομένου, λέγεται ἡ προκειμένη εὐχή παρ' ἐνὸς ἐκάστου ἱερέως, βάλλοντος ἔλαιον καὶ οἶνον ἐν τῇ κανδήλῃ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου. Goar. p. 335 Εἶτα ὁ διάκονος τὸ προκείμενον, ἀποστολѣ и евангеліе, что у Гоара p. 337, ектеңья: Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπι δεόμεθα, ὑπεράγαθε Κύριε, ἐπίδε τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα τὸν ἐν ἀσθενείᾳ ψυχῆς καὶ σώματος κατακείμενον, τοῦ ἐλέους σου ἐπιδεόμενον, τῆς ταχείας ἐπισκέψεως, ἀναστάσεώς τε καὶ ἰάσεως... Ἐκφώνησις. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἄναρχε, ἀκατάληπτε, ἀδιάδοχε Κύριε, ἅγιε ἁγίων, ὁ τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν ἐξαποστείλας, ἰώμενον πάντα τὰ πάθη τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, ὁ φυλάσων τὴν διαθήκην σου καὶ διδοὺς τὸ ἔλεός σου τοῖς ἀγαπῶσί σε καὶ τὴν ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ Παιδός σου Ἰησοῦ Χριστοῦ... καὶ μετόχους ἡμᾶς ποιήσας τοῦ ὀνόματος αὐτοῦ τοῦ ἁγίου, μετέστησεν ἡμᾶς ἐκ τῆς δυναστείας τοῦ διαβόλου καὶ εἰς τὴν αὐτοῦ ἀδιάδοχον βασιλείαν ἐκάλεσεν. Αὐτὸς οὖν, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ἐπίδε ἐφ' ἡμᾶς, οὓς οὐκ ἠυδόκησας ἐν αἵματι διαθήκης καθαρῖζεσθαι, ἀλλ' ἐν ἐλαίῳ ἁγίῳ, καὶ ἔδωκας τοῖς ψοβουμένοις σε σημείωσιν τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου καὶ τὴν σφραγίδα τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος εἰς τὸ γενέσθαι αὐτοὺς τοῦ Χριστοῦ ποίμνιον, βασιλεῖον ἱεράτευμα, ἄνθος ἁγίων, καὶ καθαρίσας ἡμᾶς ἐν ὕδατι, ἁγιάσας τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ, ὄντως καὶ ἡμῖν δώρησαι τὴν χάριν εἰς τὴν διακονίαν ταύτην, ὡς ἔδωκας Μωϋσεῖ, τῷ θεράποντί σου, καὶ Σαμουὴλ, τῷ ἐκλεκτῷ σου, καὶ ἰκάνωσον ἡμᾶς γενέσθαι διακόνους τῆς κληρονομίας σου διαθήκης, χρίων τὸ ἔλαιον τοῦτο, ὑπὲρ ὧν ἐποίησας, ὅπως ἂν ἐκδυσάμενοι τὴν ἀσέβειαν καὶ τὰς κοσμικὰς ἐπιθυμίας μὴ ἀποθάνωμεν τῇ ἁμαρτίᾳ. Ζήσαντες δὲ τῇ δικαιοσύνῃ σου, ἐνδυσάμενοι τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν διὰ τοῦ ἁγιάσματος τοῦ μέλλοντος ἀπογεύεσθαι. Ἐκφώνησις. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν¹⁾... Conf. Goar. p. 337 Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν σταυρόν σου ἡμῖν δέδωκας. Καὶ εὐθὺς ἀπαλείψας τὸν ἀσθενῆ, ποιῶν τὸν τύπον τοῦ τιμίου σταυροῦ, λέγων· Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου, ἡ Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ τῶν ψυχῶν... Καὶ ἔκτοτε, ποιήσας μετάνοιαν τοῖς ἱερεῦσιν, ἵσταται ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ. Εἶτα ὁ δεύτερος ἱερεὺς τὸ προκείμενον, ἀποστοлѣ и

¹⁾ Ркп. Спн. библ. № 978 καὶ εὐθὺς ἄψας τὸ αὐτὸ τροῦβον (sic) αὐτοῦ καὶ ἐμφυσήσας ἐν τῇ κανδήλῃ γ'. ποιῶν καὶ τὸν τύπον τοῦ τιμίου σταυροῦ, καὶ ἔκτοτε ποιήσας μετάνοιαν τοῖς ἱερεῦσιν, ἵσταται ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ καὶ λέγει· Κύριε ὅπλον... Πρόσχωμεν, второѣ ἀποστοлѣ и т. д.

вангеліе Goar. p. 333—339 и екте́нья, что выше. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα μακρόθυμε, εὐδιάλλακτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος, ὁ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς ἀκακίαις ἡμῶν. Прилож. стр. 124, Conf. Goar. p. 339... πρὸς τὸ μηκέτι ἐπίχαρμα γενέσθαι αὐτὸν τῷ διαβόλῳ, ἀλλ' ἵνα γένηται τὸ ἔλαιον τοῦτο εἰς αὐτὸν ἔλαιον ἀγιοσύνης, ἔλαιον ἀναγεννήσεως, ἔλαιον ἀγιασμοῦ, ἔνδυμα βασιλικόν, θώραξ δυνάμεως, πάσης διαβολικῆς ἐνεργείας ἀποστροφή, σφραγὶς ἀνεπιβούλευτος, ἀγαλλίαμα καρδίας, εὐφροσύνη αἰώνιος, ἵνα οἱ ἐκ τούτου χριόμενοι, ὡς ἐν τῷ τῆς ἀναγεννήσεως ἐλαίῳ ἀφόβως ἁρύνονται, ἐκλάμποντες ὡς οἱ ἀστέρες τοῦ οὐρανοῦ τῇ λαμπρότητι, μὴ ἔχοντες σπῖλον ἢ ρυτίδα, καὶ δεχθῶσιν εἰς τὰς αἰωνίους ἀναπαύσεις, καὶ δέξωνται τὸ βραβεῖον τῆς ἄνω κλήσεως ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ· χάριτι δὲ καὶ φιλοanthropία τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ παναγίου σου Πνεύματος νῦν... Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν σταυρόν; καὶ ποιεῖ ὁμοίως ὁ ἱερεὺς. Προκείμενον εἰς ἤχον γ'. Κύριος φωτισμός μου... Στίχος· Κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου... Πρὸς Κορινθίους β'. Ἀδελφοί, ὑμεῖς ἐστέ ναὸς Θεοῦ ζῶντος. Goar. p. 341. Ἀλληλουία, ἤχος γ'. Τὰ ἐλέη σου, Κύριε... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ... p. 340. Ἐλέησον ἡμᾶς... и т. д. что выше. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ὁ ὑπὸ πάσης κτίσεως προσκυνούμενος... Goar. p. 339 καὶ ἄφρσιν ἁμαρτιῶν καὶ ἴσαι αὐτὸν ἐν τῷ πλήθει τοῦ ἐλέους σου, ὅτι σὺ εἶ ὁ παιδεύων καὶ μὴ θανατῶν, ὁ ὑποστηρίζων τοὺς καταπίπτοντας... Прилож. стр. 127. Εὐαρεστοῦντα τὸ θέλημα σου πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἁσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου, Σαμφῶν καὶ Διομήδους, Μωκίου καὶ Θαλαλαίου καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἶ ἡ πηγὴ τῶν ἱαμάτων, Χριστέ ὁ Θεός, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί... Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Καὶ ποιεῖ ὁ ἕτερος ὁμοίως. Προκείμενον, ἤχος δ'. Ἐγὼ εἶπα· Κύριε, ἐλέησον, ἴσαι τὴν φυγὴν μου... Στίχος· Μακάριος ὁ συνιῶν... Πρὸς Κορινθίους β'. Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἄγνοεῖν περὶ τῆς θλίψεως ἡμῶν Goar. p. 342. Ἀλληλουάριον, ἤχος δ'. Ὑπομένων ὑπέμεινα τὸν Κύριον..., Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἦλθεν ὁ Ἰησοῦς εἰς τὰ μέρη Τύρου καὶ Σιδῶνος... Goar. p. 343. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέ-

γας, ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι. Прилож. стр. 130, прим. 3 ὁ μόνος ψυχῶν καὶ σωμάτων ἰατρός. Αὐτὸς ἴασαι καὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ ἐξέγειρον αὐτὸν ἀπὸ κλίνης ὁδυνηρᾶς, ἀπὸ στρωμνῆς κακώσεως. Ναί, Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, μονογενὴ Λόγε τοῦ Πατρός, ὁ πάντα δεσμὸν ἁμαρτιῶν ἡμῶν τῷ σὺ ἐκουσίῳ πάθει θεραπεύσας, ὁ ἐμφυσήσας εἰς τὰ πρόσωπα τῶν σῶν ἀποστόλων καὶ εἰπών· Λάβετε Πνεῦμα ἅγιον, ἃν τινων ἀφῆτε τὰς ἁμαρτίας, ἀφίενται αὐτοῖς· ἃν τινων κρατῆτε, κεκράτηνται. Σὺ Δέσποτα, διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων ἐχαρίσω τοῖς κατὰ καιρὸν ἱερουργοῦσιν ἐν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ ἐπὶ γῆς ἀφίεναι ἁμαρτίας καὶ δεσμεύειν καὶ λύειν πάντα σύνδεσμον ἀδικίας, διὸ δεόμεθά σου, Δέσποτα παντοκράτωρ, ἔπιδε καὶ νῦν ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε τὸν παρεστηκότα ἐνώπιόν σου, ἐπιχορήγησον αὐτῷ τὸ σὸν ἔλεος διὰ τῆς χρίσεως τοῦ ἁγίου ἐλαίου τούτου, διὰρρήξον τὸν δεσμὸν τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ, καὶ εἴ τι ἐν ἀγνοίᾳ ἐλάλησεν, ἢ ἔπραξεν ἀπὸ μικροψυχίας, εἰδὼς τὴν ἀνθρωπίνην ἀσθένειαν, ὡς φιλόανθρωπος καὶ ἀγαθὸς Δεσπότης πάντα τὰ ἐκούσια καὶ τὰ ἀκούσια ἁμαρτήματα συγχώρησον, ὅτι σὺ εἶ ὁ λύων τοὺς πεπεδημένους καὶ ἀνορθῶν τοὺς κατερραγμένους, ἡ ἐλπίς τῶν ἀπελπισμένων, καὶ ἀνάστασις τῶν πεπτωκότων. Αὐτὸς καὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα ἐλευθέρωσον τοῦ δεσμοῦ τῶν ἁμαρτημάτων καὶ ἀποδίωξον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν ἄρρώστιαν καὶ ἀσθένειαν, ἵνα, ἐξαναστὰς τῇ κραταίᾳ σου χειρὶ, δουλεύει σοι μετὰ πάσης εὐχαριστίας, ὁμῶν σὺν ἡμῖν τὸ πανάγιον καὶ προσκυνητὸν ὄνομά σου τοῦ Πατρός καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Καὶ ποιεῖ καὶ αὐτὸς ὁμοίως, καὶ οὕτως ἱσταται ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ. Προκειμένον, ἤχος δ'. Σὺ, Κύριε, φυλάξαις ἡμᾶς... Στίχος· Σῶσόν με, Κύριε, ὅτι ἐκλέλοιπε... Πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, ὁ Θεός, πλούσιος ὢν ἐν ἐλέει, διὰ τὴν πολλὴν ἀγάπην αὐτοῦ... Τέλος· ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσωμεν. Ἀλληλουάριον, ἤχος πλ. α'. Τὰ ἐλέη σου, Κύριε... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπε Κύριος τὴν παραβολὴν ταύτην· ὁμοιώθη ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν. Goar. p. 342. Ἐλέησον ἡμᾶς. κ. τ. δ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος, ὁ ἐγείρων ἀπὸ γῆς πτωχόν. Goar. p. 342. Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Προκειμένον, ἤχος πλ. β'. Ἐπακούσαι σου, Κύριος, ἐν ἡμέρᾳ... Ἐξαποστεῖλαι σοι βοήθειαν. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, παρακαλῶ ὑμᾶς· νουθετεῖτε τοὺς ἀτάκτους. Goar. p. 344. Ἀλληλουάριον, ἤχος πλ. β'. Ἐγὼ εἶπα· Κύριε, ἐλέησον... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκεῖνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ... Τέλος· καὶ ἤλειπον ἐλαίῳ πολλοὺς ἄρρώστους καὶ ἐθεράπευσαν. Ἐλέησον

ἡμᾶς... и т. д. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε¹⁾ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων, ὁ πάντα οἰκονομῶν... Прилож. стр. 132, прим. 3. Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Προκειμένον, ἡχος πλ. δ'. Μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου... Στίχος· Ἡ σωτηρία σου, ὁ Θεός, ἀντιλαμβάνεται. Πρὸς Γαλάτας ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὁ καρπὸς τοῦ Πνεύματός ἐστιν ἀγάπη Goar. p. 343. Ἀλληλούια πλ. δ'. Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἐλθὼν ὁ Ἰησοῦς εἰς τὴν οἰκίαν Πάτρου Goar. p. 341. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταπέμψας τοὺς ἐπτά ἀρχαγγέλους ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ Ζακχαίου. См. выше стр. 186, прим. Ὑπεραι εὐχαὶ μεγάλαι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχαριστοῦμέν²⁾ σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν. Goar. p. 343. Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα³⁾ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταπέμψας τοὺς ἐπτά ἀρχαγγέλους ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ Ζακχαίου. Также молитва, что выше по до словъ: καὶ εὐλόγησον τὸ ἔλαιον τοῦτο, καὶ τοῖς ἐξ αὐτοῦ χριστομένοις δὸς πίστιν ἄμετρον καὶ εὐλογίαν ἀδιάληπτον. Ὅπως εὐαρεστήσωσί σε τὸν μόνον ἀληθινόν Θεόν ἡμῶν, καὶ εἰσάκουσον καὶ ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν δεομένων σου, ὁ ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια πάθη θεραπεύων, ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἐν τῷ λαῷ. Goar. p. 345... οὐ γὰρ ἔπλασας τὸν ἄνθρωπον εἰς ἀπώλειαν, ἀλλ' εἰς περιποίησιν ψυχῆς καὶ σώματος, εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις τῆς πανομνῆτου καὶ παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων καὶ ἐπουρανίων δυνάμεων σωμάτων Μιχαήλ καὶ Γαβριήλ, Οὐριήλ καὶ Ῥαφαήλ καὶ πάντων τῶν ἀγίων, τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ἡ πηγὴ τῶν ἱαμάτων, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Ὑῖῳ... Εὐχή, λεγομένη ὑπὸ τοῦ πρώτου ἱερέως, κρατῶντες ἕτεροι ἱερεῖς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ ἀρρώστου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐσπλαγχνε, ἀναλλοίωτε, ἀκατάληπτε, πολυέλεε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν⁴⁾ Прилож. стр. 133 слич. Εὐχολ. Goar. p. 346. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. p. 338 διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου καὶ ζωοποίησον αὐτὸν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, ἵνα καὶ τὴν

1) Ркп. XVI в. Синайск. библ. № 978 Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν. Goar. p. 343.

2) эта молитва стоит послѣ 6 евангелія. 3) Этой молитвы нѣтъ 4) за молитвою стоитъ замѣчаніе: εἰ βούλει, λέγει καὶ τὴν ῥοχὴν ταύτην τῆς διατάξεως· Влѣте, ἀδελφε, τὸ ὑπόλοιπον τῆς ζωῆς σου...

ὀφειλομένην σοι εὐχαριστίαν ἐν ἀγαθοεργίᾳ πλήρει πρεσβεΐαις τῆς ὑπερ-
ευλογημένης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων καὶ
ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρό-
μου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀπο-
στόλων καὶ τῆς ἁγίας Ἀναστασίας τῆς φαρμακολοτρίας, καὶ πάντων σου
τῶν ἁγίων. Ἐκφώνησις: Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύ-
νησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Δόξα
καὶ νῦν, Πηγὴ ἱαμάτων¹⁾), καὶ γίνεται ἀπόλοσις.

λ. 176. Ἀκολουθία τοῦ φωτισμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Чинъ обычный. Goar. p. 366—372. Въ числѣ прошеній о водѣ
три: Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ...
Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ ρεῖθρον ἰάσεως... Молитвы Софронія іеруса-
лимскаго нѣтъ.

λ. 186. Ἐτέρα ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

Μετὰ τὸν εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ
ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς: Ὅτι σοῦ ἐστίν... καὶ εὐθὺς Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσ-
ευχῆς μου... Ἀλληλούια, ἤχος πλ. β'. Στίχος α'. Ἐκ νυκτὸς ὀρθρίζει
κ. τ. α. τροπάριον εἰς ἥχον τὸν αὐτόν. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον
ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Θεοτοκίον. Τῆς εὐσπλαγχνίας
τῆς πύλης ἀνοιξον... ὁ Ν'. καὶ εὐθὺς τὰ κδ'. τροπάρια, τὰ κατὰ ἀλφάβητον
εἰς ἥχον τὸν αὐτόν πλ. β'. Ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου δεξαμένη... Ἀνυ-
μνοῦμεν τὸν Υἱόν σου... Goar. p. 358—359, но съ тою разницею, что
вмѣсто тропаря: Тіς προστρέχων τῷ ναῷ σου, Θεοτόκε... стоитъ: Ταῖς
πρεσβεΐαις, ἐλεῆμον, τῆς Μητρός σου τῆς ἀχράντου... и не достаеѣтъ
послѣднихъ семи тропарей, начиная съ Χαῖρε ὄρος... Послѣ еван-
гелія, ектенья: Ἐν εἰρήνῃ. Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης...
Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσε-
βεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ
τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτῷ
δύναμιν ἱαματικὴν διὰ τῆς ἐπιφοιτήσεως τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι
τοῖς ὁδοῦ τούτοις τὴν κάθαρσιν τῆς ἁγίας Τριάδος... Ὑπὲρ τοῦ φωτι-
σθῆναι ἡμᾶς φωτισμὸν γνώσεως διὰ τῆς ὁμοουσίου Τριάδος τοῦ... Ὑπὲρ
τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι σύ

1) Καὶ νῦν, Νεῦσον παρακλήσειν, εἴτα ἐκτενή. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεό-
μεθα ὑπὲρ ἐλθούς, ζωῆς.. Ὑπὲρ τοῦ συγχωρήσεως.. Ὅτι ἐλεῆμων.. καὶ ποιεῖ
ἀπόλοσιν· Χριστὸς ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν... (и поминается имя Іакова апостола),
εἴτα λέγει· Εὐλόγησατε, δέσποτα ἅγιοι, συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ ἐκ γ'.

εἴ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων τὰ σύμπαντα, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ εὐθὺς τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ὁ ἐν Τριάδι ἁγία προσκυνούμενος... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσόν μου Goar. p. 362. Καὶ εὐθὺς λαμβάνει τὸν τίμιον σταυρὸν ὁ ἱερεὺς καὶ ἐμβάπτων ἐν τοῖς ὕδασι, ἐκ τρίτου, κατὰ γων αὐτὸν ὀρθριον, λέγει καθ' ἑαυτόν. Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα ἐκφωνεῖ τροπάριον εἰς ἤχον β'. Τῶν σῶν δωρεῶν (На полѣ замѣчено: ἐν ἄλλοις εὗρον· Δόξα τῇ ἁγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ) ἐκ γ'. καὶ ἡμεῖς αὐδῖς τὸ αὐτό, ὁ δὲ ἱερεὺς ῥαντίζει τὸν λαὸν ἅπαντα ἐκ τοῦ ἁγιάσματος, καὶ τὸν οἶκον, φαλλόντων ἡμῶν· Πηγὴν ἱαμάτων... Δόξα, ἤχος πλ. β'. Ἀτελεύτητος ὑπάρχει τῶν ἁγίων ἡ χάρις, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Μεταβολὴ τῶν θλιβομένων.. Οὐδεὶς προστρέχων ἐπὶ σοί, εἴτα ἡ ἐκτενὴ· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν πόλιν ταύτην.. Τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Goar. p. 33 καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

л. 196. Ἐτέρα ἀκολουθία τῆς κοινῆς παρακλήσεως.

Обычный молебный канонъ: Ὑγρὰν διοδεύσας ὥσει ξηράν... Πολλοὺς συνεχόμενος πειρασμοῖς... съ обычнымъ началомъ и концемъ и чтениемъ евангелія Богородицѣ.

л. 204. Εὐχαί, λεγόμεναι ἐν τῇ λιτῇ τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν καὶ εἰς μνήμας ἁγίων. Goar. p. 32—34.

л. 208. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι παιδίον ἀπὸ τὴν ἐκκλησίαν. Goar. p. 561.

л. 209. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου Goar. p. 485.

л. 209 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας. Goar. p. 486.

л. 210 об. Εὐχὴ ἀπολυτίκιον εἰς ἡμέραν ἑορτῆν τοῦ Προδρόμου.

Ὁ τὸν ἐν σώματι ἄγγελον καὶ μέγαν ἐν γεννητοῖς γυναικῶν Ἰωάννην πρὸ προσώπου τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Δέσποτα, ἐξαποστείλας.

л. 211. Εὐχὴ ἐν ἡμέρᾳ κατανύξεως.

Σὴς ἐν τόπῳ ἁγίῳ σου στάσεως καταξιωθέντες, ἡμεῖς οἱ ἀνάξιοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ μηδεμίαν ἀγαθοεργίαν ἔχοντες προσαγαγεῖν...

л. 211 об. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερέως.

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοῦ μόνον ἐστὶ τὸ ζῆν ἀθάνατε... p. 452.

л. 212 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἱερέα τελευτήσαντα.

Κύριε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σοφίᾳ σου πλάσας ἐκ γῆς τὸν ἄνθρωπον... p. 465.

λ. 213. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ. Goar. p. 483.

ι. 213 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου. Goar. p. 484.

— Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ περιεργαζομένῳ.

λ. 215. Εὐχὴ ἐπὶ σεισμῳ.

Ὁ φοβερός καὶ θαυμαστός καὶ μέγας, ὑπερένδοξός τε καὶ ἀληθινὸς Θεός, ὁ ποιῶν πάντα καὶ μετασκευάζων αὐτά. Goar. p. 623.

λ. 215 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. p. 613.

λ. 216. Εὐχὴ ἐν ἀπαρχῇ σπόρου.

λ. 216 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους καὶ ἁλωνος. pag. 524.

λ. 217. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα. Goar. p. 551.

λ. 218. Εὐχὴ εἰς μεταλήψιν σταφύλης τῇ ἑκτῇ τοῦ Αὐγούστου.

Εὐλόγησον, Κύριε, τὸν καρπὸν τοῦτον τὸν νέον τῆς ἀμπελῶνος διὰ τῆς τοῦ ἀέρος εὐκρασίας... p. 553.

ι. 218 οβ. Εὐχὴ, λεγομένη τῇ ιε'. τοῦ Αὐγούστου εἰς τὴν Κοίμησιν τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱόν. Goar. 552.

λ. 219. Εὐχὴ ἐν ἀρχῇ τρύγης κοινῆς.

Ὁ προσκυνητὸς Σωτὴρ καὶ πάντων Θεός, ὁ τὴν ἄμπελον φυτεῦθῃν τῷ δικαίῳ σου Νῶε καθυποδείξας. См. выше стр. 72.

ι. 219 οβ. Εἰς τὸ εὐλογῆσαι οἶνον νέον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος μεγάλα καὶ ἀνεξίχνιαστα, ὁ καὶ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταποιήσας.

— Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ οἴνου νέου.

Κύριε ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, ἔπιδε ἐπὶ τὸν οἶνον τοῦτον καὶ ἐπὶ τοὺς μεταλαμβάνοντας ἐξ αὐτοῦ. Goar. p. 553.

λ. 220. Εὐχὴ ἐτέρα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ εὐλογήσας αὐτοῖς τὸν γάμον καὶ τὰς ἐξ ὑδρίας τοῦ ὕδατος εἰς οἶνον μεταβαλὼν... См. ркп. XV в. патр. ierusc. διбл. № 273.

λ. 220 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

— Εὐχὴ τῶν ἐξ ἐπιτιμιῶν λυομένων. Goar. p. 531.

λ. 221. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων. p. 536.

λ. 222. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων. p. 537.

— Εὐχὴ ἐπὶ προπετῶς ὁμνούντων. p. 534.

λ. 222 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων. p. 581.

λ. 223. Εὐχὴ ἐπὶ ψυχὴν κρινομένην ἐν ὥρᾳ θανάτου. p. 587.

λ. 223 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μιαινομένων. Goar. p. 534.

π. 224 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ στήσαι τοξάριον πλοίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοὺς οὐρανοὺς στερεώσας ἐν συνέσει καὶ τὴν γῆν θεμελιώσας (ἐπὶ τῶν ὑδάτων), καὶ τὸ ξύλον τῆς ζωῆς συναρμώσας, Αὐτὸς καὶ νῦν συναρμώσον τὴν ναῦν ταύτην καὶ κυβέρνησον αὐτήν εἰς λιμένα σωτηρίας. Ὅτι σὺ εἶ ὁ λιμὴν καὶ καταφυγὴ τῶν πλεόντων καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι...

— Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἐν τειλάμενος τῷ Νῶε καὶ κατασκευάσαι κιβωτόν. Goar. p. 559.

π. 225 οβ. Ἐπὶ πλοίου, μέλλοντος πλέειν.

Τρισάγιον καὶ τὰ λοιπά, τὸ τροπάριον καὶ τὸν κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἶτα Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὴν ναῦν ταύτην ὑπὸ τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι τοὺς ἐν αὐτῇ πλεόντας ὑγιαίνοντας (ἐπανελθεῖν) εἰς τὰ ἴδια αὐτῶν τοῦ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δοὺς ἐν θαλάσῃ ὁδὸν καὶ ἐν ὕδασι ἰσχυροῖς τρίβον σωτηρίας, ὁ διὰ ξύλου εὐτελοῦς διακυβερνῶν πάντας, Αὐτός, Δέσποτα, σύμπλευσον τοῖς δούλοις σου καὶ χάρισαι αὐτοῖς λιμένα σωτηρίας καὶ ἐλπίδα πίστεως, ὁδηγῶν αὐτοὺς τῷ σημείῳ τοῦ σταυροῦ σου. Σὺ γὰρ εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν...

π. 226. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὸ κατασπάσαι πλοῖον ἐν τῇ θαλάσῃ, ἥτοι ἀποπλεῖν.

Εὐλογητὸς Κύριος ὁ Θεὸς τοῦ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὴν θάλασσαν, ὁ ὀρίσας τὰ ἄψυχα ζῷα ταῦτα ἀπὸ ὀρέων καὶ κοιλάδων καταβαίνειν κόπτεσθαι, πρίζεσθαι, πελεκᾶσθαι, συναρμώζεσθαι εἰς ξύλον ἓν, καὶ ἐντειλάμενος τῷ Νῶε κατασκευάσαι κιβωτόν εἰς σωτηρίαν τοῦ κόσμου. Αὐτὸς εἶ ὁ εἰπὼν· εἰσελθε εἰς τὴν ναῦν ταύτην καὶ τὰς ψυχὰς τῶν πλεόντων ἐν αὐτῇ διάσωσον, ὁ ἐν ἀφύχοις ζῷοις διὰ τῆς δόξης ἐμπιστεύσας τὰς ψυχὰς αὐτῶν, ἐλπίζοντας κυβερνηθῆναι παρὰ τῆς σῆς δεξιᾶς, ῥῦσαι, Κύριε, τὸ πλοῖον τοῦτο ἀπὸ βιαίων ἀνέμων καὶ ἀπὸ πάντων τῶν βρυχίων πνευμάτων, καὶ ἀπὸ τῶν σάλων τῆς θαλάσσης, ὁ καὶ μετὰ τὴν σάρκωσιν τῆς σῆς φιλανθρωπίας συμπλευσας τοῖς ἁγίοις σου μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις, καὶ διασώσας αὐτοὺς ἐκ τοῦ κλύδωνος τῆς θαλάσσης. Ναί, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπάκουσον κάμου τοῦ ἁμαρτωλοῦ καὶ ἀναξίου δούλου σου ἐν τῇ ᾠρᾷ ταύτῃ, ὁδήγησον τὸ πλοῖον τοῦτο ἀπὸ λιμένα εἰς λιμένα σωτηρίας. Ὅτι σὺ εἶ ὁ λιμὴν τῆς σωτηρίας ὁ ἀχείμαστος, καὶ ἀπόστειλον τὸν ἄγγελόν σου Μιχαήλ, καὶ περιφύλαττε, καὶ κυβέρνησον, καὶ λύτρωνε τὸ πλοῖον τοῦτο ἀπὸ πονηρῶν καὶ ἀκαθάρτων πνευμάτων, καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός, διὰ πρεσβειῶν

τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, τῶν τιμίων ἁσωμάτων ἀρχαγγέλων καὶ πασῶν τῶν ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἀρχιεράρχου καὶ θαυματουργοῦ Νικολάου Μύρων τῆς Λυκίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ὁ λιμὴν ὁ ἀχείμαστος, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν.

λ. 227 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος καὶ εὐρέσει ὕδατος. Goar. p. 550.

λ. 228. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοῦ τινος πεσόντος εἰς φρέαρ. См. выше стр. 286.

λ. 229. Ταῖς γινομένη, εἰ συμβῇ μικρόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου. Goar. p. 481.

λ. 230. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι τῆς τραπέζης.

λ. 230 об. Εὐχὴ ἑτέρα, ἣ λέγεται εἰς λιτὴν καὶ εἰς ἐπιδρομὴν ἐθνῶν, καὶ εἰς λοιμόν, καὶ εἰς φθορὰν τοῦ θανατικοῦ ἢ καὶ εἰς πᾶσαν αἰτησιν... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν πόλιν ταύτην καὶ πᾶσαν τὴν πόλιν. Goar. p. 33.

λ. 231. Εὐχὴ τῶν κολύβων. Goar. p. 524.

λ. 231 об. Εὐχὴ τῶν μνημοσύνων.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. p. 424.

λ. 232. Ἀκολουθία εἰς ῥεῦσιν ὑπνίου.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Δόξα σοι ὁ Θεός, Βασιλεῦ οὐράνιε, τὸ Τριάκιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν, τὸν Ν'. φαλμόν Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα, καὶ τὸν λδ'. Δίκασον, Κύριε, τοὺς ἀδικούντας, καὶ τὸν ξ'. Εἰσάκουσον, ὁ Θεός, εἰτα τὰ τροπάρια ταῦτα εἰς ἥχον β'. Ἡμαρτον εἰς σέ, Σῶτερ, ὡς ὁ ἅσματος Υἱός... Κράζω σοι, Χριστέ Σωτήρ, τοῦ τελώνου τὴν φωνήν... Ὡς ὁ ἅσματος Υἱός ἦλθον ἀγάω, οἰκτίρμων... Δόξα, Ὡς ὁ περιπεσὼν εἰς τοὺς ληστὰς καὶ τετραυματισμένος... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην ἀνοιξόν... τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. μετανόιας ν'. καὶ εὐχὴν· Πάλιν ὑπεσκέλισθην ὁ τάλας τὸν νοῦν τῇ πονηρᾷ συνηθείᾳ τῆς ἁμαρτίας δουλεύων, πάλιν ὁ τοῦ σκότους ἀρχων καὶ τῆς ἐμπαθοῦς ἡδονῆς ὁ γεννήτωρ αἰχμάλωτον εἴλε με, καὶ ὥσπερ δοῦλον τεταπεινωμένον τῷ ἑαυτοῦ θελήματι ταῖς ἐπιθυμίαις τῆς σαρκός δουλεῦειν καταναγκάζει με...

λ. 235. Здѣсь двѣ молитвы, написанныя инымъ почеркомъ: Πολυέλεε, εὐσπλαγχνε Κύριε, ἀκήρατε, μόνε ἀναμάρτητε. Goar. p. 529. и Ἀχραντε, ἀμόλυντε, πολυεύσπλαγχνε Κύριε, ὁ τῇ ἀναλήψει τῆς ἀνθρω-

πότῃτος τὴν ἡμετέραν φύσιν τῆς φθορᾶς ἀπανυᾷας(;) καὶ τῇ ἐνώσει τῆς κρείττονος ὅλην καθαγιάσας ..

л. 235 об. Почеркомъ, отличнымъ отъ почерка писца, по древнѣйшаго времени: Εὐχὴ συγχωρητική, λεγομένη ὑπὸ πνευματικοῦ πατρός.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἀμνέ, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου... Goag. p. 536,

л. 238. Чтенія евангельскія и апостольскія на цѣлый годъ и на различные случаи.

ἡ δὲ οὐκ ἐστὶν ἀποστολική

LVII I. № 21 Εὐχολόγιον рукопись библи. Лавры пр. Аθανасія на Афонѣ въ листѣ, 297 листовъ, писана на бумагѣ въ 1435 году¹⁾, какъ значится въ припискѣ: Ἐτελειώθη τὸ παρὸν Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ παρ' ἐμοῦ Γρηγορίου, μοναχοῦ μὲν τῷ σχήματι, τῷ ἐπίκλην δὲ Ἀλλιάτῃ λεγομένῳ, διὰ συνδρομῆς καὶ ἐξόδου κυροῦ Μελετίου, τοῦ ἀπὸ τὴν Κερασέαν εὐχεσθε οὖν, ὅσοι μέλλετε ἐντυγχάνειν τοῦτο, καὶ δότε συγγνώμην τοῖς σφάλμασιν, ὡς ἀγροίκῳ παναγεῖ. Ἐγράφη οὖν ἐν μηνὶ Ἀπριλίῳ ἰνδ. γγ'. τοῦ ς' αὐγ'. ἔτους.

л. 1 об. Πίναξ βιβλίου.

л. 5. Διατάξεις τῆς θείας λειτουργίας καὶ τὰ διακονικά. *Красносельцевъ*. „Матер. для исторіи чинопослѣдств. литургіи св. I. Златоустаго“, в. I, стр. 36—78.

л. 21. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσостόμου. См. выше стр. 273.

л. 35. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου. См. выше стр. 273.

л. 54. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. См. выше стр. 273, но съ небольшими особенностями въ текстѣ.

л. 63 об. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 75 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ. См. выше стр. 285.

л. 82. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 89 об. Εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. Двѣ молитвы, что у Гоара pag. 378.

л. 90. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἡγουν τοῦ μανδύου. См. выше стр. 276, но съ небольшими особенностями, при одѣванні въ

¹⁾ Намъ извѣстенъ Илитарій 1431 года № 246 въ библіотекѣ Аѳоно-Каракальской, содержащій въ себѣ чинъ литургіи св. Іоанна Златоуста съ одними лишь молитвами.

слѣдующія одежды: хитонъ, паллій, камилавку (χαμιλαύκιον) или перикеφαλій, поясъ и сандалія и въ концѣ чина. Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου. Goar. p. 386, καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν λέγει· Ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸν ἀρραβῶνα... Εἶτα ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἅπαντας τοὺς ἀδελφούς, καὶ εἰ μὲν οὐκ ἐν λειτουργίᾳ, γίνεται ἐκτενὴ καὶ ἀπόλουςις, εἰ δ' οὖν, Δόξα καὶ νῦν, τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, καὶ τότε λέγει ὁ διάκονος τὴν συναπτὴν τοῦ Τρισαγίου, καὶ αὖθις ἡ θεία τελεῖται λειτουργία. Καὶ εἰ ἔστιν ὁ ἀδελφὸς ἅγιος, μεταλαμβάνει τῶν θείων μυστηρίων καὶ εἰσοδεύει καὶ εἰς τὰ ἅγια, εἰ δὲ οὐκ ἔστιν, ἵσταται, ἔνθα προσταγῇ παρὰ τοῦ ἡγουμένου.

л. 95. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше стр. 278— 282.

л. 114. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουκولیσαι. См. выше стр. 282.

л. 114 об. Εὐχὴ α'. ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. p. 613.

л. 115. Ἐτέρα εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. p. 614.

л. 115 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου. Goar. p. 485.

л. 116. Εὐχὴ ἑτέρα ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας. pag. 486.

л. 116 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων. pag. 537.

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐξ ἐπιτιμίων λυομένων pag. 531.

л. 117. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὀμνουόντων. См. выше стр. 286.

л. 117 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφορίζομένων, ἢ λόγῳ ἑαυτοῦς δεσμευόντων. Goar. pag. 531.

л. 118. Εὐχὴ ἐπὶ μιарοφαγησάντων. pag. 534.

л. 118 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος καὶ εὐρέσει ὕδατος.

л. 119. Εὐχὴ ἐπὶ μιарοῦ τινος ἐμπεσόντος εἰς φρέαρ. См. выше стр. 286.

л. 119 об. Εἰ δὲ ἐν ἐτέρῳ σκεύει. Тамъ же и у Goar. p. 482.

— Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιарόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου ἔχοντος. Goar. p. 481.

л. 120 об. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα. Goar. p. 551.

л. 121. Εὐχὴ ἐπὶ τρυγητοῦ. p. 552.

л. 121 об. Εὐχὴ ἐν ἀρχῇ σπόρου.

л. 122. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

л. 122 об. Εὐχὴ εἰς ψυχρὸράγαυντας. pag. 587.

— Εὐχὴ ἐπὶ σειсмоῦ.

л. 123. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προσφερόντων ἀπαρχάς.

л. 123 об. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ p. 483.

— Εὐχή ἐπὶ εὐλογία οἴκου. p. 484.

л. 124. Εὐχή ἐπὶ οἴκῳ περιεργαζομένῳ.

л. 125. Εὐχή ἐπὶ μετανοούντων. Goar. p. 536.

— Εὐχή ἐπὶ πυρεττόντων. p. 549.

л. 125 об. Εὐχή ἐπὶ λογισμῶν αἰσχυρῶν. p. 536.

л. 126. Εὐχή ἐπὶ πᾶν εἶδος ἀρρώστιας.

л. 126 об. Εὐχή εἰς ἄγρην ἰχθύων. См. выше стр. 287.

л. 127. Εὐχή ἐπὶ ἀνοίξει ἐκκλησίας, ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης, Ταρσίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως. Goar. p. 496.

— Εὐχή ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, βεβηλωθέντος ὑπὸ ἐθνῶν. p. 495.

л. 128. Εὐχή ἑτέρα, λεγομένη ἐν τῇ εἰσόδῳ πρὸ τῆς συνήθους, ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βιαίως p. 496.

л. 129. Εὐχή εἰς τεκνοποιήσιν.

л. 129. об. Εὐχή εἰς εὐλογίαν καὶ μετὰληψιν σταφυλῶν.

— Εὐχή ἐπὶ εὐλογία οἴνου. pag. 553.

л. 130 об. Εὐχή λεγομένη ἐν κολύβοις εἰς ἁγίων μνήμην.

л. 131. Εὐχή ἐπὶ πλοίου καινοῦ, κτισθέντος καὶ μέλλοντος ἐμβῆναι κατ' ἀρχὰς ἐν τῇ θαλάσῃ.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει καὶ θεμελιώσας τὴν γῆν ἐπὶ τῶν ὕδατων. См. выше стр. 413.

л. 132. Ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντος μοναχοῦ Ркп. Синайск. библ. 1546 г. № 977 л. 397 об.

л. 155. Εὐχή, ἣτις λέγεται παρὰ τοῦ ἀρχιερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα κοινωνῆσαι, συγχωρῶν αὐτῷ πᾶσαν ἁμαρτίαν.

л. 157. Εὐχή τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου Τρύφωνος.

л. 159. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἁγίῳ τῶν ια'. ἐωθινῶν εὐαγγελίων.

л. 167. Ἀποστειλάρια ἐωθινὰ ια'. σὺν τοῖς θεοτοκίαις καὶ ἰδιόμελα ἐωθινὰ ια'. τοῦ σοφωτάτου κὺρ Λέοντος Δεσπότη.

л. 173. Στιχηρά, φαλλόμενα τῇ κυριακῇ εἰς τὸν ὄρθρον μετὰ τὸν ἄμωμον.

л. 174. Τῷ σχιβᾶτῳ ἐσπέρας, εἰς τὸ Κύριε ἐκέκρξα, στιχηρὰ ἀναστάσιμα, ἦχος δ'. Здѣсь троицный канонъ, сѣдальны, антифоны, канонъ на утрени, стихиры на хвалитѣхъ.

л. 187. Ἀκολουθία τῆς ἀκαθίστου.

л. 187 об. Стихиры на всю недѣлю.

л. 208. Ἀκολουθία εἰς ἐγκαινισμὸν ναοῦ. Написаны это послѣдованіе и слѣдующее въ XV в. рукою Діонисія: χεῖρ ἁμαρτωλοῦ Διονυσίου ἱεροδιακόνου.

λ. 214. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἀγίας τραπέζης. См. выше стр. 275.

λ. 223. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὴν κατάθεσιν τῶν ἀγίων λειψάνων. См. выше стр. 295.

λ. 224 об. Εὐχὴ ἐτέρα μετὰ τὴν ἀπόθεσιν τῶν ἀγίων λειψάνων. См. выше 296.

λ. 224. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθεΐσαν ἀγίαν τράπεζαν. Goar. p. 490—491.

λ. 226—229 чистые.

λ. 230. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 8 молитвъ. См. выше стр. 274.

λ. 232 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 13 молитвъ. См. выше стр. 274.

λ. 237. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

λ. 245 об. Μεθοδίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, τοῦ ἀγιωτάτου, περὶ τῶν διαφόρων τρόπων καὶ ἡλικίᾳ ἐκ τῶν ἐθνικῶν ἐπιστρέφόντων. Goar. pag. 689.

λ. 246. Εὐχὴ ἰλασμοῦ εἰς τὸν ἀπ' ἀρνήσεως ἐπιστρέφοντα πρὸς τὴν ἡμετέραν πίστιν. pag. 689.

λ. 247. Εὐχὴ ἐπὶ χριστιανοῖς ὑπαχθεῖσι τῇ ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαι δὲ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ προσδραμοῦσιν. Ibid.

λ. 248. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποστήσαντος παιδὸς καὶ μαγαρίσαντος καὶ μετανοοῦντος. Goar. pag. 693—694.

λ. 249 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχούμενον, ποιῶν αὐτὸν κλῖναι γόνυ πρὸ τῶν πολλῶν, καὶ σφραγίζει αὐτὸν τρίς καὶ λέγει. Goar. p. 283.

λ. 250. Τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ μέλλειν ἀναγινώσκειν τινὰ ἢ ἀκροᾶσθαι.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἀνοιξὸν τὰ ὦτα καὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς καρδίας μου τοῦ ἀκούειν με τοὺς λόγους σου.

λ. 250 об. Τοῦ αὐτοῦ εὐχὴ, ἥτοι ἀφορκισμὸς πρὸς πάσχοντα ὑπὸ δαιμόνων, ἔτι δὲ πρὸς ἐκάστην ἀσθένειαν.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου Goar. pag. 581.

— Τοῦ αὐτοῦ εἰς τὸ αὐτό· Ἐπικαλούμεθά σε, Δέσποτα Θεὲ παντοκράτωρ, ὤψιστε βασιλεῦ, ἐπικαλούμεθά σε τὸν ποιήσαντα τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. p. 583.

λ. 251. Τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου εὐχὴ εἰς τὸ αὐτό.

Ὁ Θεὸς τῶν θεῶν καὶ Κύριος τῶν κυρίων, ὁ τῶν πυρίνων ταγμάτων δημιουργός. Goar. pag. 578.

л. 251 об. Ἐτερος ἀφορκισμὸς τοῦ αὐτοῦ εἰς τὸ αὐτό.

Ἐξορκίζω σε τὸν ἀρχέακον τῆς βλασφημίας, τὸν ἀρχηγὸν τῆς ἀνταρσίας. pag. 579.

л. 254. Ἀκολουθία τοῦ βαπτίσματος. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον.

Λαβὼν αὐτὸ ἔξω τῆς ἐκκλησίας, ἐμφυῶ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σταυροειδῶς γ'. ὁμοίως καὶ κατασφραγίσας αὐτὸ μετὰ τῆς χειρὸς γ'. λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. pag. 264.

л. 254 об. Ἀκολουθία ἐτέρα εἰς τὸ σαραντῆσαι παιδίον. Дмитриевскій. Прилож. стр. 18—20.

л. 255. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Чинъ сходенъ съ ркп. 1426 г. Син. библи. № 968 (см. выше стр. 398—400), но съ небольшими особенностями въ концѣ чина, начиная съ мнропомазанія. Особенности эти см. ниже въ ркп. XV в. Синайск. библи. № 972.

л. 264. Καὶ μετὰ ἡμέρας ζ'. πάλιν εἰσφέρουσιν αὐτὸν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι, καὶ λύει αὐτοῦ τὸ σάβανον, τὴν ζώνην и т. д. См. выше стр. 400.

л. 265 об. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

л. 286. Ἀκολουθία κοσμικὴ ἤτοι κηδεία.

л. 292. Κανὼν φαλλόμενος εἰς κοιμηθέντας κοσμικούς.

л. 294 об. Ἐτερος κανὼν εἰς κοιμηθέντας μοναχοὺς.

LVIII. Θ. № 142 Εὐχολόγιον, рукопись той же библи. въ четверку, 133 листа, писана четкою скорописью 1440 года. Дата эта содержится въ слѣдующей припискѣ къ настоящей рукописи: Ἐσταχῶθη τὸ παρὸν βιβλίον διὰ χειρὸς ἐμοῦ Γερασίμου, ἱερομονάχου καὶ δομestίκου Χριστοῦ τοῦ Ἀκαταλήπτου, μηνὶ σептемβρίῳ κζ'. ἔτους ς'μη'. ἰνδ. γ'.

л. 1. Τάξις ἐπὶ τελευτήσαντος μοναχοῦ.

л. 34. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα μοναχῶν.

л. 40. Ἐτέρα ἀκολουθία νεκρώσιμος εἰς κοσμικούς.

л. 44 об. Ἐτέρα ἀκολουθία νεκρώσιμος εἰς ἀρχιερεῖς.

Κανὼν: Τῷ θανάτῳ καταπατήσας τὸν θάνατον θείας ζωῆς ἀνέβλυσας... Ὁ τὸ πλούσιον ἀεὶ πηγάζων ἔλεος τοῖς εὐσεβῶς ἀεὶ προσδεχομέ-

νοις σε .. Ἰσχυρώτατος κατὰ θανάτου γέγονας... Ἐστερέωσας τὴν κλονουμένην φρέναν μου.

л. 49 об. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.

л. 56 Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον μοναχόν.

л. 57. Ἀκολουθία εἰς κουρὰν μανδιώτου.

л. 63. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 92 об. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.

л. 94. Ἀκολουθία τοῦ ἀγίου ἐλαίου.

LIX. Изъ рукописнаго Типикона Аѳонско-Ватопед. библ. 1468 года № 322 (934).

л. 274. Ἀκολουθία εἰς μνήστρα.

Λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια, τίθησιν αὐτὰ ἐπάνω τοῦ ἀγίου εὐαγγελίου ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ. Ὁφείλει δὲ ὁ ἀνὴρ ἵστασθαι δεξιὸν τῆς γυναικός, εἴτα ἐρωτᾷ αὐτοῦς. Ὅταν συνταχθῶσιν ἀλλήλοις, λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία. Εἴτα ὁ διάκονος ἄρχεται τὰ εἰρηνικά см. выше стр. 132. Καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα φιλάνθρωπε Κύριε, ὁ ἐν τῇ προφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας. См. ниже въ ркп. XV в. Свят.-гроб. библ. № 8. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα... Гоар. р. 311. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια καὶ δίδει πρῶτον τῷ ἀνδρὶ τὸ χαλκοῦν, εἴτα τῇ γυναικί, καὶ ἀλλάσσουν αὐτὰ ἀμφοτέρα ἕως τρίτου, καὶ πάλιν ἔρχεται τὸ χρυσοῦν εἰς τὸν ἄνδρα. Εἴτα ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πάσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν προμνηστευσάμενος... Ibid. Γίνωσκε δέ, ὅτι, ἐὰν θέλῃ στεφανῶσαι, ὑπάγει ἔμπροσθεν εἰς τὴν ἀκολουθίαν τῶν στεφάνων, εἰ δὲ θέλει στεφανῶσαι ἐνταῦθα, λέγει τὰ παρόντα· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Просительная ектеңья. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Καὶ εὐθὺς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας· τῇ ἰσχύϊ σου . πεποιημένων ὑπὸ σοῦ, ὁ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν καὶ ἐμπλήσας τῇ εὐφροσύνῃ τῆς σῆς ἀγαθότητος τοὺς ἐν Κανᾷ γάμφ τῆς Γαλιλαίας, καὶ τὸ ποτήριον τὸ κοινόν... Conf. Εὐχολ. pag. 319 и выше стр. 183. Καὶ κατὰ τοῦτο δίδει τοὺς νεογάμους καὶ πίνουσιν, εἰθ' οὕτως ἐκτενὴ καὶ ἀπόλουςις. Εἰ δὲ θέλει στεφανῶσαι ἐνταῦθα, συμπλέκων τὰς δεξιὰς αὐτῶν καὶ εἰσέρχεται εἰς μέσον τοῦ ναοῦ, προηγούμενου τοῦ ἱερέως μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, καὶ ἐν τῷ εἰσέρχεσθαι αὐτοὺς ψάλλει τὸν παρόντα ψαλμόν· Μακάριοι πάντες οἱ φο-

βούμενοι τὸν Κύριον... Καὶ εἰσελθόντες εἰς μέσον τοῦ ναοῦ κατεναντίον τῶν ἁγίων θυρῶν, ἀπολύουσι τὰς χεῖρας καὶ ἵστανται· ἀπόκεινται δὲ ἐν τῇ θεῖᾳ τραπέζῃ ποτήριον, ἔχον προηγιασμένα, καὶ στέφανοι δύο καὶ ποτήριον πλήρες οἴνου. Εἷτα λέγει· ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία.

λ. 277 οβ. Ἀκολουθία τῶν στεφάνων.

Μετὰ τὸν εὐλογητὸν ἄρχεται ὁ διάκονος τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ δωρῆσαι αὐτοῖς υἱούς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ εὐχή· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας... Goar. p. 317. Εἷτα στέφει αὐτοὺς λέγει οὕτως ὁμοίως καὶ τῇ γυναίκε· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον τὸν δούλόν σου ὁ δεῖνα. Εἷτα εὐλόγησας ἀμφοτέρους, λέγει· Καὶ κατὰστησον αὐτοὺς ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου. Εἰδ' οὕτως κρατήσας αὐτοὺς τὰς δεξιὰς χεῖρας, παραδίδει ἀλλήλοις καὶ λέγει οὕτως· Πηράλαβε, ὦ ἄνερ, ταύτην τὴν γυναῖκα, ἣν σοι ἐδώρησατο ὁ Θεός. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηρίᾳ σου οἰκονομία... Goar. pag. 318. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἦχος δ'. Δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτοὺς. Ἐθηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν. Ὁ ἀπὸστολος πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, αἱ γυναῖκες τοῖς ἰδίοις ἀνδράσιν ὑποτάσσεσθε... Τέλος· Ἡ δὲ γυνὴ ἵνα φοβῆται τὸν ἄνδρα. Ψάλλων τὸ Ἀλληλούια, στίχος· Ἡ γυνὴ σου, ὡς ἄμπελος. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην Goar. pag. 318, ἐκτενὴ· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων. Ἐτο прошение повторено въ рукописи, вѣроятно по ошибкѣ. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἐπισκόπου... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου... καὶ τῆς δούλης... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ περιεστῶτος λαοῦ καὶ ἀπεκδεχομένου. Ἐκφώνησις· Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ τῶν προπάτορα τοῦ γένους ἡμῶν Ἀδὰμ διὰ τῶν ἀχράντων σου χειρῶν ἐκ τῆς γῆς πλάσας κατ' εἰκόνα σου καὶ ὁμοίωσιν καὶ τὴν τούτου πλευράν διὰ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν εἰς γυναῖκα μεταμορφώσας... διὰ τῆς συζυγίας, ὁ τὸν θεράποντά σου Ἀβραάμ... Ὁ ἐκ ῥίζης Ἰεσσαὶ τὸ κατὰ σάρκα βλαστήσας, ὁ ἐν μήτρᾳ τῆς Παρθένου οἰκήσας καὶ ἐξ αὐτῆς σαρκωθεὶς εἰς σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. pag. 315. Εὐχὴ ἐτέρα τοῦ γάμου· Ἐπικαλούμεθά σου, Κύριε ὁ Θεός, τὸν μόνον φιλάνθρωπον... См. ниже въ ркп. Свят.-гроб. библ. № 8. Ἀντιλαβοῦ,

σῶσον и т. д. Просительная ектенья. Καὶ καταξιώσον ἡμᾶς. Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν. Εἴτα ἐκφωνεῖ· Ὅτι σοῦ ἐστίν. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ οἱ μὲν νηστεύοντες οἱ νεόνυμφοι μεταλαμβάνουσι τῶν προηγιασμένων, καὶ μετὰ τοῦτο δίδει αὐτοῖς τὸ κοινὸν ποτήριον τοῦ οἴνου. Εὐχὴ τοῦ πατρείου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὸ ποτήριον τῶν ἁγίων σου μαθητῶν καὶ ἀποστόλων εἰς ὁμόνοιαν καὶ ὁμοπιστίαν. См. выше стр. 31. Εἴτα ποτίζει αὐτοὺς ἐκ τρίτου, καὶ μετὰ τοῦτο χορεύει αὐτούς, ψάλλοντες τοὺς παρόντας εἰρμους τῆς Θεοτόκου, τὸ Ἦσαϊα, χόρευε... Δόξα σοι, Χριστέ Σωτὴρ Υἱὲ Θεοῦ μονογενές... Ἄγιοι μάρτυρες... Εἴτα ἐκτενὴ· Ἐλέησόν με, ὁ Θεός... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἐπισκόπου... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ περιεσιτώτος... Ὅτι ἐλεήμων... Εἴθ' οὕτως γίνεται ἀπόλυσις.

л. 284. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι στέφανα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar. pag. 320. Εἴτα λαβὼν τοὺς στεφάνους αὐτῶν ἀπὸ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν καὶ μανδήλιον ἓν. Ἐν δὲ τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ γίνεται ἡ λύσις τῶν στεφάνων, ἡ ὡς δόξει τῷ προσεστώτι. Εὐχὴ εἰς τὴν λύσιν τῶν στεφάνων· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς εἰσελθεῖν εἰς τὸν νομφῶνα τῶν δούλων σου ὁ δεῖνα, σὲ Κύριε τῶν δυνάμεων, ἐπικαλούμεθα συνεισελθεῖν καὶ εὐλογῆσαι τὴν λύσιν τοῦ θαλάμου, καθὼς εὐλόγησας τὸν γάμον ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας· τὴν σὴν χάριν καὶ σὴν εἰρήνην παράσχου αὐτοῖς καὶ τοῖς συμπαραῶσιν ἡμῶν πᾶσι καὶ συνισταμένοις. Ὅτι σοῦ ἐστὶ ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις, καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ. Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι καὶ ἀπόλυσις· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾷ ἐπιδημίας τίμιον ἀναδειξας τὸν γάμον... Κωνσταντίνου καὶ Ἐλένης καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι τὰς ψυχὰς ἡμῶν, ὡς μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος.

LX. № 980 Εὐχολόγιον, рукопись Синайской библи. вѣ 16 долю листа, 462 листа, писана скорописью 1475 года. Время написания определяется слѣдующею припискою: Ἐτελειώθη ἐν τῷ ἁγίῳ ὄρει Σινᾷ Ἀπριλίου ζ'. ἡμέρᾳ ς'. ὥρᾳ γ'. τοῦ ς' αἵπγ'. ἰνδικτιῶνος ζ'.

л. 1. Περί τοῦ πῶς χρὴ δέχεσθαι τοὺς ἀναθεματίζοντας τὴν ἰδίαν καὶ πᾶσαν αἵρεσιν καὶ μύρω θείῳ χριστομένους μόνον καὶ μὴ βαπτιζομένους. Προηγουμένως μέντοι χρὴ, ἥνίκα μέλλουσι προσάγεσθαι τῇ ὀρθῇ πίστει, νηστεύειν ἡμέρας ιε'. ἡ καὶ πλεον, καὶ σχολάζειν ταῖς εὐχαῖς πρωίας καὶ μεσημβρίας καὶ ἐσπέρας, μανθάνειν τε καὶ ψαλμούς.

Περὶ τῶν Ἀρμενίων καὶ Ἰακωβιτῶν.

Ὁφείλει ὁ ἱερεὺς ἰστᾶν τὸν ἀπὸ Ἀρμενίων ἢ Ἰακωβιτῶν ἐλθόντα πρὸς τὴν καθολικὴν ἐκκλησίαν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας κολυμβήθρας, καὶ λέγει αὐτῷ ταῦτα· Ὁ ἀπὸ τῆς βδελυρᾶς τῶν Ἀρμενίων καὶ Ἰακωβιτῶν αἰρέσεως τῇ ἁμωμῇ τῶν ὀρθοδόξων χριστιανῶν ὁλοφύχως προσερχόμενος πίστει, εἰπέ ταῦτα· Εὐτυχεῖ ¹⁾, τῷ ἀρχιμανδρίτῃ καὶ αἰρεσιάρχῃ, ἀνάθεμα. Διοσκόρῳ, συνίστορι αὐτοῦ, ἀνάθεμα. Ἰακώβῳ τῷ Τζατζάλῳ ἀνάθεμα. Σεργίῳ τῷ Σύρῳ καὶ ὁμόφρονι αὐτοῦ ἀνάθεμα. Σεργίῳ, τῷ Ἀρμενίῳ καὶ ἀρχηγῷ τῆς τῶν Ἀρμενίων αἰρέσεως, ἀνάθεμα. Σίμωνι, τῷ πρώτῳ αἰρετικῷ, καὶ Μοντανῷ καὶ Μάνεντι, Μαρκίῳ καὶ τῶν σὺν αὐτῷ, ἀνάθεμα. Ἀρείῳ, Εὐνομίῳ, Μακεδόνι, Διοσκόρῳ, Θεοδοσίῳ ἀνάθεμα. Τιμοθέῳ, Ἰουλιανῷ, Πέτρῳ τῷ κναφεῖ, καὶ Πέτρῳ τῷ μογγῷ, καὶ φιλοξένῳ τῷ τούτου μαθητῇ, ἀνάθεμα. Κύρῳ, Μακκρίῳ καὶ Πύρρῳ ἀνάθεμα. Τούτους πάντας, οὓς ἀναθεμάτισαν αἱ ἅγαι καὶ οἰκουμενικαὶ ἐπτὰ σύνοδοι, καὶ τοὺς ὁμόφρονας αὐτοῦ πάντας ἀναθεματίζω καὶ λέγω οὕτως· Εἴ τις οὐχ ὁμολογεῖ τὴν ἁγίαν Τριάδα· Πατέρα, Υἱὸν καὶ Πνεῦμα ἅγιον, ἀνάθεμα. Εἴ τις οὐ λέγει ἀναρχον τὸν Πατέρα, καὶ συνἀναρχον ὁμοίως τὸν Υἱὸν καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα, ἀνάθεμα. Εἴ τις λέγει μὴ εἰληφέναι τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν σάρκα ἐκ τῆς ἁγίας Παρθένου Μαρίας, ἀνάθεμα. Τοῖς κηρύττουσι τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν παθητὸν κατὰ τὴν θεότητα, ἀνάθεμα. Τοῖς μὴ ὁμολογοῦσι τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν ἀπαθῆ μὲν καὶ ἀθάνατον κατὰ τὴν θεότητα, παθητὸν δὲ καὶ θνητὸν κατὰ τὴν ἀνθρωπότητα, ἀνάθεμα. Εἴ τις λέγει ἔχειν τὸν Χριστὸν δύο ὑποστάσεις, ἀνάθεμα. Τοῖς μὴ δογματίζουσι δύο μὲν φύσεις καὶ δύο θελήσεις, μίαν δὲ τὴν ὑπόστασιν ἐπὶ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ἀνάθεμα. Τοῖς μίαν φύσιν ἐπὶ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ὁμολογοῦσι καὶ δεχομένοις, ἀνάθεμα. Τοῖς ἀθετοῦσι καὶ ἀναθεματίζουσι τὴν ἐν Χαλκιδόνι ἁγίαν καὶ οἰκουμενικὴν δ΄. σύνοδον ἀνάθεμα. Τοῖς μὴ προσκυνοῦσι καὶ τιμῶσι τὰς σεπτὰς καὶ τιμίας εἰκόνας τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τῆς ἄχραντου Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἀνάθεμα. Τοῖς μὴ ὁμολογοῦσι Μαρίαν τὴν ἄχραντον Μητέρα τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ κυρίως καὶ ἀληθῶς Θεοτόκον ἀνάθεμα. Τοῖς μὴ ἀποδεχομένοις τὴν πρὸς Φλαβιανόν, τὸν πατριάρχην Κωνσταντινουπόλεως, Λέοντος πάπα Ῥώμης ἐπιστολὴν, ἀνάθεμα. Τοῖς μὴ ἀποδεχομένοις τὴν ἑκτὴν σύνοδον, τὴν ἐν

¹⁾ Славянскій переводъ этихъ анаѳематизмовъ съ нѣкоторыми дополненіями напечатанъ нами въ Прилож. къ „Богослужен. въ русск. церкви въ XVI в.“ ч. I, стр. 54—60.

Κωνσταντινουπόλει τῶν συνελθόντων ἁγίων πατέρων κατὰ Θεοδώρου, Σεργίου, Πύρρου, Κύρου, Παύλου, καὶ τὴν ζ'. τὴν ἐν Νικαίᾳ, τὸ δευτέρον ὑπὲρ τῆς προσκυνήσεως τῶν ἁγίων καὶ σεβασμίων εἰκόνων συναχθεῖσαν, ἀνάθεμα. Ὅλοις τοῖς αἰρετικοῖς ἀνάθεμα. Ταῖς ἐναντία φρονοῦσι τῶν ἁγίων καὶ οἰκουμενικῶν ἐπτὰ συνόδων ἀνάθεμα. Εἴ τις προστίθῃσιν εἰς τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος τὸ Ὁ σταυρωθεὶς δι' ἡμᾶς, ἀνάθεμα. Εἴ τις οὐ προσκυνεῖ τὰς ἁγίας εἰκόνας, ἀλλὰ λέγει εἰδῶλα εἶναι, ἀνάθεμα. Εἴ τις οὐ βάλλει εἰς τὴν προσφοράν προζύμην καὶ ἄλας, οὔτε εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον ὕδωρ, ἀλλὰ λέγει ἁμαρτία ἐστίν, ἀνάθεμα. Τοῖς βάλλουσιν ἔλαιον εἰς τοὺς ἄρτους τῆς προθέσεως ἀνάθεμα. Τοῖς κρεοφαγοῦσιν ἐν τῇ ἐβδομάδι τῆς τυρινῆς ἀνάθεμα. Εἴ τις οὐ σφραγίζει τοὺς δυοὺς δακτύλοις, καθὼς καὶ ὁ Χριστός, ἀνάθεμα. Εἴ τις οὐχ ἐορτάζει εἰς τὰς κε'. τοῦ Μαρτίου μηνὸς τὸν Εὐαγγελισμόν τῆς Θεοτόκου, καὶ εἰς τὰς κε'. τοῦ Δεκεμβρίου μηνὸς τὴν ἁγίαν τοῦ Χριστοῦ γέννησιν, καὶ εἰς τὰς ζ'. τοῦ Ἰαννουαρίου μηνὸς τὰ Φῶτα, καὶ εἰς τὰς β'. τοῦ Φεβρουαρίου μηνὸς τὴν Ὑπαπαντήν, ἀνάθεμα. Εἴ τις λέγει, ὅτι ἡ κοινωνία καὶ ἡ λειτουργία τῆς τεσσαρακοστῆς ἐν καθημερινῇ ἁμαρτία ἐστί, καὶ ἐσθίει γάλα καὶ ὠὼν ἐν σαββάτῳ καὶ κυριακῇ, ἀνάθεμα. Εἴ τις ἱερεὺς λειτουργεῖ χωρὶς στιχαρίου, ἐπιτραχηλίου καὶ φελωνίου, ἢ συλλειτουργεῖ, ἢ συγκοινωνεῖ τοῖς αἰρετικοῖς τοῖς προγεγραμμένοις, ἢ ἐν ταῖς ἐκκλησίαις, αὐτῶν ψαλλόντων, εἰσέρχεται, ἢ προσάγει αὐτοὺς εἰς χειροτονίαν, ἀνάθεμα. Εἴ τις οὐ βαπτίζει εἰς τρεῖς καταδύσεις, ἦτοι Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν, ἀνάθεμα. Ὅλοις τοῖς αἰρετικοῖς ἀνάθεμα. Ἀποτάσσομαι γὰρ καὶ τοῖς δόγμασιν αὐτῶν καὶ τοῖς συνευδοκοῦσιν αὐτοῖς, καὶ τοῖς φρονοῦσι τὸ αὐτῶν, καὶ τοῖς συνεσθίουσιν αὐτοῖς, καὶ παντὶ αἰρετικῷ δόγματι, καὶ πιστεύω εἰς τὴν ἁγίαν ὁμοούσιον Τριάδα, κατὰ τὴν ἐκθεσιν τῶν ἁγίων πατέρων τῶν ὀρθοτομούντων τὸν λόγον τῆς ἀληθείας, καὶ ὑπισχνοῦμαι κατὰ Θεὸν ζῆν καὶ πολιτεῦσθαι, καὶ ὁμολογῶ Πατρός καὶ Υἱοῦ καὶ ἁγίου Πνεύματος εἶναι φύσιν μίαν· συνῆπται γὰρ τῇ φύσει οὐ φύσις· φύσει μία γὰρ ἐστίν. Ὅθεν, ἐπειδὴ φύσις μία καὶ θεότης μία, διαιρουμένης μὲν τρισῶς, εἰς μονάδα δὲ καταντῶσας, διὰ τὸν τῆς οὐσίας λόγον, διάτοι τοῦτο καὶ Πατέρα λέγω καὶ Υἱὸν δοξάζω, τὸ Πνεῦμα ἅγιον ὁμολογῶ, ἦτοι πρόσωπα γ'. οὐ λέγω δὲ τρεῖς οὐσίας, ἢ τρεῖς φύσεις, ἢ θεοὺς τρεῖς, ἀλλ' ἓνα Θεόν, μίαν οὐσίαν, ἦτοι φύσιν, οὐ λέγω μίαν ὑπόστασιν, ἵνα μὴ σαβελλίσω, ἀλλὰ τρεῖς ὑποστάσεις, τρία πρόσωπα ἐν μία θεότητι, οὐσίχτε μία καὶ φύσει πιστεύω. Καὶ μακάριός ἐστιν, ὅστις ἐν ταύτῃ τῇ πίστει τῇ στηριγμένῃ καὶ ἀμεταδέτῳ, ὁμολογῶν καὶ πιστεύων καὶ δοξᾶν συναναπέμπων τῷ ἀληθινῷ Θεῷ καὶ

Πατρί, τῷ ἀληθινῷ Υἱῷ καὶ Θεῷ ἐν τῷ παναγίῳ Πνεύματι καὶ ζῶσποσι εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Μετὰ ταῦτα πάντα λοιπὸν ἐρωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τρίτον· Πιστεύεις εἰς τὴν ἁγίαν καὶ ὁμοούσιον Τριάδα; Καὶ ἀποκρίνεται πρὸς ἕκαστα καὶ λέγει· Πιστεύω. Καὶ ἐπικλίνοντος τοῦ προσερχομένου τὴν κεφαλὴν, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην καὶ οὕτως εὐχεται· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ βουλόμενος πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι. Goar. p. 695. Καὶ χρίει αὐτὸν μύρῳ, καθὼς καὶ τοὺς νεοφωτίστους, τὴν αὐτὴν ἐπὶ κλησιν καὶ ἐπ' αὐτῷ ποιούμενος, ἔχουν λέγει ἐφ' ἕκαστον αἰσθητήριον, καὶ πάλιν λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας τέλειον ἀναδεῖξαι τὸν δοῦλόν σου. Goar. p. 695. Εἴθ' οὕτως κοινωνεῖ καὶ λαμβάνει παραγγελίαν ταῖς ἑπτὰ ἡμέραις μὴ φαγεῖν κρέας, ἢ τυρόν, ἢ ὠόν, μήτε νίψασθαι τὴν ὄψιν, ἀλλὰ καθὼς οἱ βαπτιζόμενοι οὕτως διατελεῖν, καὶ τῇ η'. ἡμέρᾳ ἀπολοῦεται.

Περὶ γινομένων βρέφων καὶ ἀποθνησκόντων. Δεῖ γινώσκειν, ὅτι τὸ γεννηθὲν βρέφος ἐάν ἄρα καὶ ἀσθενοῦν... Goar. p. 265.

л. 5. Τοπικὸν τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἀκολουθίας τῆς ἐν Ἱεροσολύμοις ἁγίας λαύρας τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πατρὸς ἡμῶν Σάββα. Αὕτη δὲ ἡ ἀκολουθία γίνεται καὶ ἐν ταῖς λοιπαῖς τῶν ἐν Ἱεροσολύμοις ἁγίων μονῶν.

Чинъ малой и великой вечерни.

л. 9. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχολογίου. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. См. выше стр. 395.

л. 12 об. Εὐχαὶ ἐωθίναί τοῦ ὄρθρου.

Молитвъ одинадцать, что у Гоара pag. 39—42. Опущена девятая.

л. 19. Εἰρηνικά τοῦ ἑσπερινοῦ.

л. 19 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντα μοναχόν.

Начало чина до евангелія съ незначительными особенностями сходно съ чиномъ въ рукописи Аѳѳо-Ватоп. библ. № 133. См. выше стр. 282—284. Разница въ томъ, что сейчасъ за антифонами Θεοдора Студита слѣдуютъ стихиры Іоанна Дамаскина (по двѣ послѣ каждаго антифона): Ποία τοῦ βίου τρυφὴ διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Ἐργῳ, Σωτὴρ μου, δεικνύς... что въ ркп. XV в. Iерусал. библ. № 273 и затѣмъ уже стихиры Θεοφана Goar. p. 439. Послѣ стихиръ 8 антифона слѣдуютъ стихиры, ἦχος пл. δ'. Ἀθάνατε, οἰκτίρμων τῶν νεκρῶν καὶ τῶν ζώντων, ὡς Κύριος... Ἐπ' ὧμων τὸν ζυγόν σου... Ἰδοὺ καιρὸς, οἰκτίρμων, τῶν δακρύων μνησθῆναι τοῦ δούλου σου... Νεκρώσεις, προσπαθείας καὶ γαστρὸς ἐγκρατείας ἐπίσκεψας, ξενώσεις κόσμου... Δόξα, Ῥημάτων τῶν ἐν λόγοις μὴ μνησθῆς ἐσφαλμένων τοῦ δού-

λου σου... Καί νῦν, Φιλάνθρωπε οἰκτίρμων, ἐλεήμων μόνη μακρόθυμε... Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος, καὶ εὐθὺς τὸ κοντάκιον, ἦχος πλ. δ'. Μετὰ τῶν ἀγίων... ὁ οἶκος· Αὐτός μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Παναγία Παρθένε ἀνόμφευτε... Καὶ πάλιν τὸ κοντάκιον, εἶτα τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Τὸν μετασπάντα ἐξ ἡμῶν ἐκ τῶν προσκαίρων... Ὁ ψάλτης τὸ ἀκροτελευταῖον τοῦ τροπαρίου· Ἵνα συμφώνως βοῶμεν ὑπὲρ αὐτοῦ, εἴθ' οὕτως οἱ μακαρισμοὶ Goar. p. 445, ἀποστολὴ καὶ εὐαγγελίε, καὶ αὐθις γίνεται ὁ ἀσπασμός, καὶ ψάλλομεν στιχηρά, ἦχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανόντι... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν δῶμεν, ἀδελφοί καὶ πατέρες, τὸν πρὸ μικροῦ μεθ' ἡμῶν... Ἐχεις τὴν ἐλπίδα πρὸς Θεόν... Ἐνός γεροντός τῶν συγγενῶν καὶ τῶν ἐν τῷ βίῳ φροντίζων... Σχῆμα μοναστῶν ἀναλαβών... Πάντα τὰ τοῦ σώματός μου νῦν ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός, ποῖος θρήνος... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανηγυρίς... Ὅτε ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ μέλλει μετὰ βίας ἐκσπᾶσθαι... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν καὶ γινώμεν... Πάντες δυσωποῦμεν, Χριστέ... Τοῦτο τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστὶ τὸ ἀπαραχώρητον τέλος... Τρέμω τὸ κριτήριον Χριστοῦ... Μέγας ὁ κλαυθμός, ὦ ἀδελφοί, μέγας στεναγμός... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου... Δόξα, Ποίμνης ἐπιστήμων γεροντός... Νεῦσον παρακλήσεσι, Χριστέ... Καὶ αὐθις μετὰ τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὸ λείψανον οἱ ἀδελφοί, καθὼς ἔθος ἐστὶ, ψάλλουσι τὸ Ἅγιος ὁ Θεός... Μετὰ δὲ τὸ Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ, εἴθ' οὕτως· Ἀνάπαυσον, Σωτήρ... Μνήσθητι, Κύριε, καὶ ἕτερα τροπάρια, ἦχος γ'. Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησώμεθα... Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστευργόν σου γέγονε πρόσταγμα... Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... Ἐναποθέτουσι δὲ εἰς γ'. τὸ λείψανον, ἕως οὗ φθάσωσιν εἰς τὸν τάφον ἅπαξ, καὶ δις καὶ τρίς· καθὲν δὲ ἀπόθεμα ποιεῖ ὁ ἱερεὺς αἰτησιν, ὁμοίως λέγει καὶ τὴν εὐχὴν. Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν αἴρουσι τὸ λείψανον καὶ, φθάσαντες ἐν τῷ κοιμητηρίῳ, ψάλλουσιν αὐτὸ ἐν τῷ τάφῳ, εἶτα ψάλλομεν τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα, ὑπόδεξαι... Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμών... Ἡ αἰδιδίμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα... Λαβὼν δὲ ὁ ἱερεὺς κανδήλαν, ἐπιχέει ἐπάνω τοῦ λειψάνου σταυροειδῶς, λέγει· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς... Καὶ αὐθις ἀσφαλιζεται ὁ τάφος, ἡμεῖς δὲ ψάλλομεν στιχηρά, ἦχος πλ. δ'. Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασκηταί, μὴ μου ἐπιλάβησθε... Καθὼς εἶπας, Κύριε, Μάρθα· ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Τροπάριον, ἦχος βαρύς· Ἐξέλειπον ἀπὸ τῆς συγγενείας... Δόξα, Θρηγῶ καὶ οὐδύρομαι, Καὶ νῦν, Δέσποινα, πρόσδεξαι τὰς δεήσεις...

λ. 60. Εὐχή τοῦ μεγάλου Βασιλείου συγχωρητική.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος... Goar. p. 536. Εὐχή ἀφέσιμος πατρὸς πνευματικοῦ· Ἡ πανάγαθος ἀνταγαθότης καὶ ζωοπάροχος σοφία τοῦ Θεοῦ καὶ Πατρός...

λ. 63. Εὐχή ἐπὶ ἀποδημούντων.

— Εὐχή ἐπὶ μετανοούντων.

λ. 63 οβ. Εὐχή ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

— Συγχωρητικὴ πνευματικοῦ πατρὸς πρὸς τὸν ἐξομολογούμενον.

Годъ ,сн 48'.

λ. 64. Εὐχή ἐπὶ δίσκου ναοῦ καινόν.

Κατάπεμψον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τοὺς δίσκους τούτους... Goar. p. 672.

— Εὐχή εἰς ποτήριον καινόν.

Ἐπίταξον, Κύριε, ἐπὶ τὸ ποτήριον τοῦτο ἐκ τῶν ἀπεριγράπτων κολπῶν σου τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον... p. 672.

— Εὐχή εἰς ποτήριον καινούριον.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ ποτήριον τῆς καινῆς σου διαθήκης ἀγιάσας... p. 671.

λ. 64 οβ. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι σταφυλὰς ἐν τῇ ς'. Αὐγούστου.

λ. 65. Σχηματολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ, ἔχον ἀκολουθίαν ῥασοφόρου, μικροσχήμου καὶ μεγαλοσχήμου.

Ἀκολουθία εἰς τὸ ἐνδύσασθαι ῥάσα.

Μετὰ τὸ τελεσθῆναι τὴν ἱερὰν μυσταγωγίαν, ἵσταται ὁ μέλλων λαμβάνειν τὴν θεϊαν εὐλόγησιν ἔσωθεν τῶν βασιλικῶν πυλῶν καὶ ποιεῖ τῷ ἡγουμένῳ μετανοίας γ'. θεόμενος τοῦ εὐλογηθῆναι, καὶ πληρουμένου τοῦ ὀπισθάμβωνος, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, καὶ ἡμεῖς Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. Ὁ Ν'. Πληρουμένου δὲ τούτου, ψάλλομεν τροπάριον, ἦχος α'. Ἀγκάλας πατρικὰς διανοιξαί μοι σπεύδον... ἦχος βαρὺς, Ὡς περιπεσὼν εἰς τοὺς ληστὰς καὶ τετραυματισμένος... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Εὐρύχωρον χωρίον τοῦ ἀχωρήτου... Ἰσταται δὲ ὁ μέλλων εὐλογηθῆναι ἀσκεπῆς, ἄζωστος, ἀνυπόδετος, εἶτα ὁ ἱερεὺς τὰς εὐχάς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἄγιε ἀγαθέ, ὁ τοῦ ἀγαθοῦ Πατρὸς Υἱός, ὁ τὴν ὑπερηφάνειαν ἐκκόπτων. См. ниже ркп. XV в. Iерус. сбл. № 273. Εὐχή ἐτέραν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατὰ τὸ πολυέλεός σου. Goar. p. 378. Εἰρήνην παῖσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εἰς τὸν ζυγόν, Δέσποτα, τὸν σωτήριον πρόσδεξαι τὸν δοῦλόν σου τόνδε... Ibidem. Εἶτα κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ.

Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰ-
 ὶνες... Καὶ ἐνδύει αὐτὸν τὸν χιτῶνα καὶ τὸ καμηλαύκιον, μηδὲν ἐπιλέ-
 γων, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

1. 68. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουώτου.

Ὁ μέλλων κουρευθῆναι ἀδελφός εἰσέρχεται καὶ ἵσταται εἰς τὸν νάρ-
 θηκα, τὰ δὲ ἱμάτια αὐτοῦ εἰσφέρουσιν ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου· μετὰ
 δὲ τὴν εἴσοδον ψάλλουσι τὸ Ἀγκάλας πατρικὰς διανοῖξά μοι σπεῦσον, ἐκ
 γ'. Καὶ εἰσφέρουσι τὸν ἀδελφὸν γυμνόν, ἄζωστον καὶ ἀνυπόδετον, καὶ ποιεῖ
 ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν μετανοίας τρεῖς καὶ τὸν ἡγοῦμενον μίαν καὶ
 ἐπερωτᾷται· Τί προσήλθες... Ποθεῖς τὸν βίον τῆς ἀσκήσεως; Ἀπόκρισις·
 Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ποθεῖς ἀξιωθῆναι τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος...
 καὶ διὰ τοῦτο ζητεῖς τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήμα-
 τος; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὅντως καλὸν ἔργον καὶ μακάριον ἐξε-
 λέξω и т. д., какъ у Goar. p. 383. Отвѣтъ на каждыи вопросъ утвер-
 дительный: Ναί, τίμιε πάτερ. Βλέπε, τέκνον, οἷας συνθήκας δίδως τῷ
 Δεσπότη Θεῷ, καὶ ὅπως ἐκουσία τῇ γνώμῃ ἐπὶ τοιαύταις συνθήκαις τὸν
 ἀρράβωνα λαμβάνεις τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος· ἄγγελοι γὰρ
 πάρεσιν ἀοράτως ἀπογραφόμενοι σου τὴν ὁμολογίαν, ἣν καὶ μέλλεις ἀπαι-
 τεῖσθαι ἐν τῇ δευτέρᾳ παρουσίᾳ τοῦ Κυρίου ἡμῶν. Ἐρώτησις· Ταῦτα
 πάντα οὕτω καθομολογεῖς... Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Καὶ στραφεὶς
 ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολὰς λέγει· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος,
 ὁ τὰ ἄχρηντα σπλάγχχνα... Goar. p. 384. Καὶ σφραγίζει αὐτὸν τρίτον
 ἐπάνω τῆς κεφαλῆς, εἷτα κλίνει μικρὸν τὴν κεφαλὴν, καὶ τοῦ διακόνου
 εἰπόντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, τίθησιν ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τῆς κεφαλῆς
 αὐτοῦ τὸ σχηματολόγιον καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην, εἰ δ' οὐκ ἔστι διά-
 κωνος, λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόους
 σου εἶναι νομοθετήσας... p. 385. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Καὶ πάλιν
 ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς
 καὶ καταφυγὴ πάντων... p. 386. Καί, λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἀνὰ χειρας τὸ ἅγιον
 εὐαγγέλιον, ἐπιτίθησι τὸ φαλλίδιον ἐν τῷ εὐαγγελίῳ, ὁ δὲ μέλλων κου-
 ρευθῆναι λαμβάνει αὐτὸ μετὰ εὐλαβείας καὶ ἐπιδίδωσι τῷ ἱερεὶ καί, δε-
 ξάμενος αὐτοῦ, ὁ ἱερεὺς λέγει πρὸς αὐτόν· Ἴδου ἐκ τῆς χειρός... Εἷτα
 λέγει· Εὐλόγητός ὁ Θεός, ὁ θέλων σωθῆναι... Εἷτα κουρεῖ αὐτὸν σταυ-
 ροειδῶς, λέγων· Ὁ ἀδελφός ὁ δεῖνα κείρεται... Εἰς χιτῶνα Ὁ ἀδελφός
 ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα δικαιοσύνης, τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ
 ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... Εἰς τὸ παλλίον· Ὁ ἀδελ-
 φός ἡμῶν ὁ δεῖνα περιβάλλεται τὸ παλλίον, τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου
 καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Εἰς τὸ καμηλαύκιον· Ὁ ἀδελφός

ἡμῶν ὁ δεῖνα περιβάλλεται τὴν περικεφαλαίαν, τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Εἰς τὴν ζώνην· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα περιζώννυται τὴν ὀσφὺν αὐτοῦ δυνάμιν ἀληθείας, τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Εἰς τὰ σανδάλια· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ὑποδύεται τὰ σανδάλια τῆς ἐτοιμασίας τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ. *Goar. p. 379.* Εἶτα ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἅπαντας τοὺς ἀδελφούς, καὶ εἰ μὲν ἐν λειτουργίᾳ, Δόξα, καὶ λέγει κοντάκιον τῆς ἡμέρας, καὶ καθεξῆς τὰ ἕτερα. Καί, εἰ ἐστὶν ὁ ἀδελφὸς ἅγιος, μεταλαμβάνει τῶν θείων μυστηρίων, καὶ εἰσοδεύει καὶ εἰς τὰ ἅγια, εἰ δ' οὐκ ἔστι λειτουργία, γίνεται ἐκτενὴ καὶ ἀπόλουςις. Εἶτα ἀδελφὸς τις κωρεύει αὐτόν, ψάλλουσι καὶ τὸν ἄμωμον.

λ. 75. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Чинъ тотъ же, что въ ркп. № 133 Асоно-Ватоп. библ. (см. выше стр. 278—282), но съ нѣкоторыми особенностями. Такъ, напр., постриженіе происходитъ въ алтарѣ; послѣ евангелія поются антифоны: Ὑνοικτα ἢ θύρα. . Στίχος Προσέχεται λαὸς μου... Ὁ ζυγὸς μου χρηστός... Δόξα νῦν, Ἡ λαμπὰς ἢ ἄσβεστος и т. д. Второй и третій антифонъ, что въ ркп. Синайск. библ. № 971. См. выше стр. 259. Σημειωτέον, ὅτι, εἰ ἐστὶν ὁ ἀδελφὸς ἅγιος μεταλαμβάνει τῶν ἁγίων δώρων, εἰσοδεύει καὶ μεταλαμβάνει.

λ. 110. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος. См. выше стр. 388.

λ. 212. Ἀκολουθία ἐπὶ μονάσαντος, εἶτα πάλιν κοσμήσαντος, ἔπειτα αὖθις ἐπιστρέφοντα καὶ μετανοοῦντα.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἔλθειν, ὁ διὰ τὸ ἀπολωλὸς πρόβατον ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον Σωτῆρα καὶ λυτρωτὴν, ἵνα σὴν ἀναζητήσῃ εἰκόνα· σοῦ δεόμεθα καὶ σέ ἱκετεύομεν, πρόσδεξαι τὸν δοῦλόν σου τόνδε, τὸν καταφεύγοντα εἰς τοὺς σοὺς οἰκτιρμοὺς, ἐκ παιδόθεν μὲν τῆς ἀγγελικῆς καταστάσεως ἀξιωθέντα, κατὰ ἀμέλειαν δὲ καὶ ῥάθυμον γνώμην ταύτην ἀρνησάμενον, καὶ μετανοήσαντα καὶ πάλιν ὁρομήσαντα πρὸς τὴν ἀρχαίαν αὐτοῦ διαγωγὴν τῆς μοναδικῆς πολιτείας, καὶ πρὸς τὴν σὴν ὑποστρέφας ἀγαθότητα, ἔχχεον ἐπ' αὐτόν, Δέσποτα, τῆς σῆς φιλάνθρωπίας τὴν εὐσπλαγχνίαν,

πρόσδεξαι αὐτόν, ὡς τὸν ἄσωτον πρὸς σέ τὸν Πατέρα καὶ Θεὸν ἐπιστρέ-
 φοντα καὶ μετανοοῦντα γνησίως, ἀπόστησον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν πλάνην τοῦ
 μισοκάλου ἐχθροῦ, καὶ συντρίψον τὸν σατανὰν ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτοῦ, καὶ
 συναρίθμησον αὐτόν τῇ ἀγίᾳ σου ποιίμνῃ, καὶ ἔνωσον αὐτόν τῇ ἀγίᾳ σου
 ποιίμνῃ, καὶ ἔνωσον αὐτόν τῇ μάνδρᾳ τῶν λογικῶν σου προβάτων, ἐπίγρα-
 ψον αὐτοῦ τὸ ὄνομα ἐν τῇ βίβλῳ τῆς ζωῆς, κόσμησον αὐτόν τῇ δόξῃ τοῦ
 πναγίου ὀνόματος τοῦ Χριστοῦ σου, ἵνα γένηται συναρίθμιος τοῖς πρω-
 τοτόκοις καὶ δικαίοις τοῖς ἀπογεγραμμένοις ἐν οὐρανῷ, καταξίωσον αὐτόν
 τῆς δυνάμεως καὶ ἐπιφοιτήσεως καὶ τῆς εὐδοκίας τοῦ παναγίου σου Πνεύ-
 ματος, μέτοχον αὐτὸν ἀπέργασαι μετὰ πάντων τῶν ἁγίων σου, καὶ τῆς
 χάριτος καὶ τῆς δωρεᾶς τοῦ παναγίου Σώματος τοῦ Χριστοῦ σου εἰς ἄφε-
 σιν μὲν τῶν προγενομένων αὐτοῦ ἁμαρτημάτων, σωτηρίαν δὲ καὶ σκέπην
 τοῦ τε πνεύματος καὶ τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ σώματος αὐτοῦ, καὶ εἰς βε-
 βαίωσιν τῆς ἀγγελικῆς ταύτης καὶ μοναδικῆς πολιτείας, ἣν ἐπηγγείλατο
 καὶ ἡγάπησε· μετανοήσας δὲ γνησίως, δὸς αὐτῷ ἐν παντὶ καιρῷ καὶ ἐν
 παντὶ τόπῳ καὶ ὥρᾳ πρὸς σέ καταφεύγειν ἐν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ, σχο-
 λάζειν καὶ τὰ εὐάρεστά σοι ἐπιτελεῖν, ἵνα ἀκούσῃ καὶ αὐτὸς τῆς μακα-
 ρίας φωνῆς ἐκείνης τῆς λεγούσης· Δεῦτε, οἱ εὐλογημένοι τοῦ Πατρὸς
 μου, κληρονομήσατε τὴν ἡτοιμασμένην ὑμῖν βασιλείαν ἀπὸ καταβολῆς
 κόσμου, ἧς καὶ ἡμᾶς ἀξίωσον, ὁ Θεὸς ἡμῶν, διὰ τοῦ ἐλέους τῆς φιλαν-
 θρωπίας σου. Χάριτι καὶ φιλανθρωπία... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ
 κλίνας οὐρανούς καὶ καταβὰς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ὁ διὰ
 τοῦ τιμίου σταυροῦ λυτρωσάμενος ἡμᾶς τῆς κατάρας καὶ τῆς φθορᾶς, καὶ πρὸς
 αἰώνιον ζῶν ἐπαγαγών· Αὐτός, φιλάνθρωπε Κύριε, ὁ εἰπών, ὅτι μεγάλη
 χαρὰ γίνεται ἐν τῷ οὐρανῷ ἐπὶ ἐνὶ ἁμαρτωλῷ μετανοοῦντι, πρόσδεξαι τὸ
 ἀπολωλὸς σου πρόβατον τόδε, πρὸς σέ τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐπιστρέφοντα καὶ
 τὴν σὴν ἐπιζητοῦντα εὐσπλαγχνίαν, καὶ ὡς ποιμὴν καλός, τοῦτον διάσω-
 σον καὶ ῥύσαι αὐτόν ἐκ τῆς πλάνης τοῦ διαβόλου, καὶ ἔνωσον αὐτόν τῇ ποιί-
 μνῃ τῶν λογικῶν σου προβάτων· εἰ γὰρ καὶ ὡς ἄνθρωπος ἡμαρτεν, ἀπα-
 τηθεὶς ὑπὸ τοῦ διαβόλου, καὶ ἠθέτησε τὴν ἐπαγγελίαν αὐτοῦ, ἀρνησά-
 μενός σε τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ Δεσπότην καὶ Θεὸν καὶ φιλάνθρωπον,
 ἀλλὰ νῦν ἐπιστρέφοντα καὶ ἐξομολογούμενον τὰς ἁμαρτίας αὐτοῦ πρόσδε-
 ξαι τῇ ἀφάτῳ σου φιλανθρωπία, καὶ συναρίθμησον αὐτόν τοῖς ἀξίως σοι
 δουλεύουσιν ἐν τῇ μοναδικῇ ταύτῃ καὶ ἀγγελικῇ πολιτείᾳ, διδούς αὐτῷ
 διὰ τῆς χάριτος καὶ ἐπιφοιτήσεως τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος δύναμιν καὶ
 ἰσχύον κατὰ τοῦ ἐχθροῦ, ὥστε πατεῖν καὶ συντρίβειν πάσας τὰς μεθοδείας
 αὐτοῦ, καὶ τειχιζέσθαι καὶ φρουρεῖσθαι τῇ ταπεινοφροσύνῃ καὶ τῇ φυ-
 λακῇ, καὶ τῇ τηρήσει τῶν σῶν ἁγίων ἐντολῶν. Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν,

Θεός τοῦ ἐλεεῖν... Καί κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, ἣν ἀφρόνως καὶ παραλόγως ἐξέθρεψεν, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... εἴπωμεν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Καὶ εὐθὺς σφραγίζει τὸν χιτῶνα καὶ ἐνδύει αὐτὸν καὶ τὰ λοιπά, ἅπερ πρότερον περιεβέβλητο· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ ἅγιόν σου σχῆμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ καταπέμψας τὸ πανάγιόν σου Πνεῦμα εἰς τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους καὶ τῆς αὐτοῦ δυνάμεώς τε καὶ χάριτος ἐμπλήσας αὐτούς, καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε ἐκ τῆς πλάνης τοῦ σκότους ἐπιστρέψας καὶ πρὸς τὸ θαυμαστόν σου καὶ αἰδίδιον φῶς ὁδηγήσας, καὶ τὴν προτέραν αὐτοῦ ἀναλαβεῖν πολιτείαν ἀξιώσας, καὶ τοῖς ὁσίοις μοναχοῖς συγκαταριθμήσας· Αὐτός, φιλάνθρωπε, ἀνάδειξον αὐτὸν σκεῦος ἐκλογῆς καὶ κατακόσμησον αὐτὸν ἐν ἀρεταῖς, καὶ δὸς αὐτῷ πάντοτε κατὰ τὸ θέλημά σου πορεύεσθαι, καὶ καταξιώσων αὐτὸν σὺν ἡμῖν ἐν ἀπολαύσει γενέσθαι τῆς ἐπουρανίου σου καὶ ἀθανάτου τραπέζης, ἵνα, τὸν καλὸν ἀγῶνα ἀγωνισάμενος καὶ τὸν θεῖον δρόμον τελέσας, καὶ τὴν πίστιν ὀρθοδόξως τηρήσας, τύχῃ τοῦ στεφάνου τῆς σῆς δικαιοσύνης καὶ τῶν ἁγίων ἀγαθῶν, ὧν καὶ ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε, Κύριε. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Εἴτα ποιεῖ μετάνοιαν τῷ ἡγουμένῳ καὶ ἀσπάζεται πάντας τοὺς ἀδελφούς, καὶ ἴσταται πλησίον τῆς βασιλικῆς πύλης ἔσθθεν μέχρι συμπληρώσεως τῆς θείας λειτουργίας, καί, εἰ μὲν ἐφυλάχθη καὶ οὐ περιέπεσεν εἰς τινα πάθη, μεταλαμβάνει τῶν θείων μυστηρίων, εἰ δὲ ἐβρώπωνεν ἑαυτὸν καὶ κατεμόλυνεν ἐν ἁμαρτίαις, μένει ἀκοινωνήτος, φυλάττων τὸ ὥρισμένον αὐτῷ ἐπιτίμιον πρὸς τὸ εἶδος τῆς ἁμαρτίας.

λ. 215 Εἰς εὐλόγησιν οἴκου.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητὸν καὶ λέγει Τρισάγιον, τὸ ἀπολυτίκιον καὶ τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, καὶ ψαλμὸν σγ'. καὶ οζ'. εἰ δὲ βούλει, εἰπὲ τοὺς ψαλμοὺς τούτους καλλιοτέρους· τὸν Ν'. καὶ κς'. εἴτα συναπτή· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν οἶκον τοῦτον εἰς πλησμονὴν σοφίας καὶ χάριτος... Ὑπὲρ τοῦ τοὺς ἐν αὐτῷ οἰκοῦντας καὶ διαμένοντας... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι ταῖς δωρεαῖς ἀγαθαῖς καὶ πλοῦτον παντοδαπόν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν τοῦ Ζαχαρίου εἰσελθεῖν. Goar. p. 484.

λ. 215 οβ. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ οἴκῳ περιεργαζομένῳ.

λ. 216 οβ. Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ αὐχμοῦ καὶ ἀνομβρίας.

λ. 217 οβ. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἀνομβρίαν.

л. 218. Εὐχὴ ἐτέρα· Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης.

л. 219. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα. См. выше стр. 401—405, по сѣ нѣкоторыми отличіями. Такъ, чинѣ въ обрѣченія описываемой рукописи нѣтъ молитвы: Σωτὴρ ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε, τὸν ἀρράβωνα τοῦτον..., а въ чинѣ вѣнчанія молитвы: Εὐλογητὸς εἶ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός... и слѣдующей за ней формулы: Καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς χειρὰς, παραδίδει ἀλλήλους, λέγων· Παράλαβε Μαρίαν... Послѣ псалма: Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται... чинѣ излагается такъ: Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας... Goar. p. 318. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Πάτερ ἡμῶν... Ὅτι σοῦ ἐστίν и т. д.

л. 233 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιарοῦ τινος πεσόντος εἰς φρέαρ. См. выше стр. 286.

л. 234 об. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιарὸν τι, ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου. Goar. p. 481.

л. 236. Εὐχὴ ἐπὶ μιароφαγησάντων.

л. 236 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος καὶ εὐρέσει ὕδατος. p. 550.

л. 237. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου.

л. 237 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

л. 238. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς εὐλογίαν οἴκου.

л. 239 об. Εὐχὴ εἰς πᾶν εἶδος μianθέν.

л. 240. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ πᾶν εἶδος μianθέν.

л. 240 об. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ μιарοῦ πεσόντος εἰς ἀγγεῖον καινόν.

л. 241. Εὐχὴ ἐπὶ σκεύους μianθέντος.

л. 241 об. Εὐχὴ ἐπὶ μαχαρίσαντος εἰς ἔθνος

л. 243. Ἀκολουθία εἰς λοχοῦσαν.

Это молитвословіе, а равно и самый чинъ крещенія и послѣдующія за нимъ молитвословія буквально тѣже, что и въ Синайск. ркп. № 968. См. выше стр. 395—400. Рукою писца на полѣ замѣчено: Καὶ ἐνδύει αὐτὸν χιτῶνα, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα χιτῶνα ἀγαλλιάσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Ὁμοίως καὶ εἰς τὴν ζώνην· Ζώννυται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ζώνην ἀγαλλιάσεως.

л. 274. Τάξις βαπτίσματος εἰς νήπιον, κατεπειγόμενον ὑπὸ θανάτου. См. выше стр. 400.

л. 277. Ἀκολουθία τοῦ ἀγίου ἐλαίου.

Μετὰ τὸν εὐλογητόν, Τρισάγιον, Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου... Δόξα καὶ νῦν, Θεός

Κύριος, ἡχος πλ. α'. Τὴν ταχείαν σου σκέπην καὶ τὴν βοήθειαν καὶ τὸ ἔλεος δεῖξον... ἐκ γ'. εἰθ' οὕτως τὸν Ν'. καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν и стихирь. Goar. p. 333—335. Εἶτα Τρισάγιον, τροπάριον· Τῇ Θεοτόκῃ ἐκτενῶς νῦν προσδράμωμεν... καὶ εὐθὺς γίνεται ἀπόλυσις, καὶ λαμβάνει συγχώρησιν ὁ ἀσθενῶν. Ὁ δὲ πρωτοπαπᾶς ἡ ὁ ἡγούμενος ποιεῖ εὐλογητόν, Εὐλογημένη ἡ βασιλεία, καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ἀρχόμεθα οἱ πάντες ἐξ Ἰσου τὸν 90 ψαλμόν, Καὶ νῦν, Ἀλληλούια, ἡχος πλ. β'. εἶτα τροπάρια κατανυκτικά· Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε, ἐλέησον... Δόξα, Τῆς εὐσπλαχνίας... Εἰθ' οὕτως ἄρχονται τὰ διακονικά· πρῶτον ὁ ἡγούμενος, καὶ καθ' ἑξῆς οἱ ἱερεῖς πάντες· Ἐν εἰρήνῃ. Goar. p. 335. Καὶ φάλλομεν· Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... Ταῖς πρεσβείαις... Δόξα καὶ νῦν, Ταῖς πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου... Τοῦτων δὲ φαλλομένων, λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς ἡ ὁ ἡγούμενος τὴν εὐχὴν μυστικῶς ἐπάνωθεν τῆς κανδήλας, εἶτα βάλλει ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλαν, καὶ λέγουσιν οἱ ἐπτά ἱερεῖς καθεξῆς τὴν (εὐχὴν) ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς. Goar. p. 335. Εἶτα βάλλει ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλαν. Ἀντίφωνον β'. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσε... Καὶ γὰρ ἐστερέωσε... Δόξα καὶ νῦν, Ὁ μονογενὴς Υἱός... συναπτὴ μικρά, ἐκφώνησις· Ὅτι ἀγαθός. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ... Ὅτι Θεὸς μέγας Κύριος... Δεῦτε προσκυνήσωμεν... Εἰθ' οὕτως καθίσματα, ἡχος α'. Μητέρα σε Θεοῦ ἐπιστάμεθα... Εὐσπλαχνίας ὑπάρχουσα... Καταφυγὴ καὶ δύναμις ἡμῶν... Τῇ Θεοτόκῃ ἐκτενῶς.. Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ... Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν ἐμῶν... Ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου, ἄχραντε... Ἡ νοητὴ πύλη τῆς ζωῆς, ἄχραντε.. Δέσποτα, πρόσδεξι· τὰς δέησεις.. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι ἀγαθός... Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Прокейменον. Прокимны, апостольскія и евангельскія чтенія и молитвы, что въ Прилож. стр. 123—131, но съ небольшою разницею. Пятое евангеліе читается отъ Иоанна: Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἐαυτοῦ μαθηταῖς· μὴ ταρασσέσθω ὑμῶν ἡ καρδιά. Послѣдній апостолъ къ Ефесеямъ: Ἀδελφοί, ἐνδυναμοῦσθε ἐν Κυρίῳ, καὶ ἐν τῷ κράτει τῆς ἰσχύος αὐτοῦ... Τέλος· καὶ τὴν μάχαιραν τοῦ Πνεύματος, ὃ ἐστὶ ρῆμα Θεοῦ. Евангеліе отъ Матѳея: Εἶπεν ὁ Κύριος· ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις τὰ παραπτώματα αὐτῶν. Послѣ молитвы перваго евангелія, стихирόν, ἡχος πλ. δ'. Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν σταυρόν σου... Ὁ δὲ ἱερεύς, σφραγίσας τρίτον τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀσθενοῦντος, λέγει· Εἰσάκουσον, Κύριε. Ἐλέησον, Δέσποτα. Συγχώρησον, Ἄγιε. Εἰθ' οὕτως ἀλείφει αὐτόν, λέγων οὕτως· Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ἡ εὐχὴ μυστικῶς ἐπάνωθεν τὴν κεφαλὴν· Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων.. p. 338. Εἶτα ἄρχεται ὁ δεύτερος ἱε-

ρεὺς ὡσαύτως καὶ οἱ ἕτεροι ἕως τῶν ἑπτὰ. Μετὰ δὲ τὴν τοιαύτην εὐχὴν (т. е. послѣ 7 евангелій), τίθουσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ νοσοῦντος καὶ λέγουσιν ὁμοῦ ἑπτὰ ἱερεῖς ταύτην τὴν εὐχὴν, μάλιστα δὲ ὁ πρῶτος αὐτῶν καὶ μόνον· Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυεύσπλαγχνε Κύριε. Goar. p. 346. Καὶ εὐθὺς ἀσπάζεται ὁ νοσῶν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, οἱ δὲ ἱερεῖς λέγουσι καὶ ταύτην τὴν εὐχὴν, ὁμοῦ συνελθόντες, ἣν ἕκαστος ἔλεγεν ἰδίᾳ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ κάμνοντος. Εὐχὴ· Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Goar. p. 338 διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ ζωοποίησον αὐτόν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, ἵνα καὶ τὴν ὀφειλομένην σοὶ εὐχαριστίαν ἐν ἀγαθοεργίαις ἀποπληροῇ. Σὺν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Δόξα, ἡχος δ'. Πηγὴ ἱαμάτων... Καὶ νῦν, Νεῦσον παρακλήσεις σὺν οἰκετῶν... εἴτα ἐκτενή καὶ ἀπόλυσις.

л. 308. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῶν κεκοιμημένων, ψαλλομένη ὑπὸ ἑπτὰ πρεσβυτέρων καὶ ὁλοκαυτουμένη. См. Εὐχολ. 1555 г. edit.-Venet.

л. 360 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου.

л. 361. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.

л. 362. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Goar. p. 366—372. Молитвы Софронія иѣтѣ.

л. 376. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ, γινομένου κατὰ μῆνα.

Μετὰ τὸ ἀπολῦσαι τὸν ὄρθρον, ἐξερχομένων ἐν τῷ λουτρῷ, αἶρει τὸν τίμιον σταυρὸν ὁ ἱερεὺς μετὰ δίσκου καὶ βασιλικῶν κλάδων οὐκ ἐπὶ κεφαλῇ, καί, προσερχομένης ἁγίας εἰκόνης μετὰ λαμπάδων, ψάλλουσιν οἱ ἀδελφοὶ τροπάριον, ἡχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ τὰ ἕτερα δύο, καὶ τούτων ψαλλομένων, ἵσταται ὁ ἱερεὺς ἔμπροσθεν τοῦ λουτροῦ καὶ λέγει καθ' ἑαυτὸν οὕτως· Εὐλόγημένη ἡ εἰσοδος τῶν ἁγίων σου διὰ τῆς τεκούσης σε Θεοτόκου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ, εἴτα ψάλλομεν τὰ παρόντα τροπάρια κατὰ ἀλφάβητον. Εἰ δὲ οὐ ψάλλομεν τὴν ἀρχὴν τοῦ μηνὸς τὸν ἁγιασμόν, καθὼς γράφομεν ἄνωθεν, μετὰ τὸν εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν и т. д. Обычное малое водосвящение.

л. 383. Περί τῆς ἀκολουθίας τοῦ νιπτῆρος. Goar. p. 591—594.

л. 387. Εὐχὴ εἰς θυσιαστήριον, μινθὲν ὑπὸ αἵρετικῶν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ναὸν τοῦτον ἀναδείξας κατοικητήριον... Goar. p. 495.

л. 387 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνοίξει ἐκκλησίας, ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης.

л. 391. Ἀκολουθία τῶν ὥρων. Παραμονὴ τῆς Χριστοῦ γεννήσεως Δεκεμβρίῳ κδ'.

λ. 406. Αἱ ὧραι τῶν Φώτων.

λ. 418 об. Ἀκολουθία τῶν ὥρων τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης παρασκευῆς.

λ. 446. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—603.

λ. 457. Ἀκολουθία τοῦ ψυχορῥαγοῦντος. Goar. p. 585—588.

λ. 461 об. Στιχηρὰ εἰς ἀρχαρίους μοναχοῦς.

Ἀγάπησον ἀγρυπνίαν, νηστείαν... Ἀλλὰ πολέμει λέγω καὶ νὰ σωθῆς, μοναχέ и др.

LXI. Θ. № 88 Εὐχολόγιον, рук. Лавры пр. Аѳанасія Аѳонскаго въ 16 долю листа, 519 листовъ, писана четкимъ мелкимъ почеркомъ 1475 г. Ἐτελειώθη τὸ παρὸν Εὐχολόγιον, гласитъ приписки, διὰ χειρὸς Νεοφύτου ἱερομονάχου ἔτους ,ςϠπγ'. μηνὸς Ἀπριλίου ε'. εἰς τὴν λαύραν τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Ἀθανασίου τοῦ ἐν τῷ Ἀθῶνι.

λ. 1. Ἐρώτησις· Ἐὰν ἀπέλθω εἰς ἀγάπην ἢ εἰς ξένους ἀδελφοὺς καὶ καθημένος ἐπὶ τραπέζης, ἐπιτρέψει με ὁ πρεσβύτερος ἢ ὁ ἀββὰς τοῦ εὐλογῆσαι ἢ ποιῆσαι εὐχὴν· ὀφείλω ὑπακοῦσαι ἢ οὐ; Ἀποκρίσις· Πᾶς ἱερεὺς, ἐπιτρέπων μοναχὸν φιλὸν τοῦ ποιῆσαι εὐχὴν ἔμπροσθεν αὐτοῦ ἄγνωστος καὶ ἀνόητος...

λ. 5. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου περὶ τοῦ μετὰ φρίκης καὶ κατανύξεως καθυπουργεῖν τὸν ἱερέα τοῖς θείοις μυστηρίοις· Πρόσεχε σεαυτῷ, ὦ πρεσβύτερε, καὶ βλέπε τὴν διακονίαν...

λ. 5 об. Τοῦ Χρυσοστόμου ἀπὸ τοὺς Μαργαρίτας· Πείθεσθε τοῖς ἡγουμένοις ὑμῶν καὶ ὑπαίκετε· αὐτοὶ γὰρ ἀγρυπνοῦσιν ὑπὲρ τῶν ψυχῶν ὑμῶν.

Есть нѣсколько и другихъ небольшихъ статей изъ Златоуста, Василия Великаго и пр. Нила. Последняя неокончена.

λ. 8. Τοῦ ἁγιωτάτου καὶ σοφωτάτου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως νέας Ῥώμης καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου κυροῦ Φιλοθέου διάταξις σαφῆς τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ διακονικά.

λ. 20 об. Εἰδησις τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων. Отмѣченъ обычай произносить возгласъ: „Свѣтъ Христовъ“ диакону, но обычай этотъ считается мѣстнымъ.

λ. 24. Ἀρχὴ τοῦ μικροῦ ἑσπερινοῦ. Εἰδησις, πῶς ὀφείλει ὁ ἱερεὺς μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τῆς θ'.

λ. 25. Ἀρχὴ τοῦ μεγάλου ἑσπερινοῦ.

λ. 33. Τὰς δὲ κυριακάς, ἐν αἷς οὐδὲν γίνεται ἀγρυπνία, γίνεται οὕτως.

λ. 35. Περί τοῦ μεσονυκτικοῦ τῶν κυριακῶν.

λ. 36. Τῇ κυριακῇ ἐσπέρα. Служба на всю недѣлю.

λ. 43 об. Ἀκολουθία εἰς τὴν ζόμην.

λ. 44. Εἰδησις περὶ τοῦ πῶς δεῖ θυμιᾶν τὸν ἱερέα.

λ. 44 об. Отпусты на цѣлую недѣлю.

λ. 45. Мѣсяцесловъ съ отпустами на цѣлый годъ.

λ. 48. Μεγαλυνάρια для дванадесятихъ праздниковъ. На Срѣтеніе положень, между прочимъ, мегалинаρίи πατριάρχα Γερμανα: Ἀγκαλίζεται χερσίν ὁ πρεσβύτερος Συμεὼν τὸν τοῦ νόμου ποιητὴν καὶ Δεσπότην τοῦ παντός...

λ. 49. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 66. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

λ. 89 об. Ἡ λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

λ. 101. Τάξις καὶ εὐχαὶ τῶν χειροτονιῶν. Τάξις γινομένη ἐπὶ προχειρήσει κηροφόρου καὶ δεποτάτου.

Προσαγόμενος ὁ τοιοῦτος τῷ ἀρχιερεῖ κλίνει τὴν κεφαλὴν καὶ σφραγίζων αὐτῷ γ'. ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεταί· Ὁ πᾶσαν κτίσιν τῇ αἵγλῃ λαμπρύνας τῶν θαυμασιῶν σου, Κύριε... Goar. p. 198 καὶ ἐνδουδίσκει αὐτὸν τὴν τετυπωμένην στολὴν καὶ εὐχόμενος ἀπολύει.

λ. 101 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Goar. p. 194.

λ. 102. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου p. 204.

λ. 103 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου. p. 210.

λ. 106 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου. p. 244.

λ. 109. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου. p. 249.

λ. 212. Τάξις καὶ εὐχαὶ ἐπὶ προχειρήσεως ἡγουμένου.

λ. 114. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 10 молитвъ.

λ. 116 об. Εὐχαὶ τοῦ ὀρθρου. 13 молитвъ съ главопреклонною.

λ. 121. Εὐχαὶ διάφοροι¹⁾).

¹⁾ Молитва индикта приписывается Афанасію, патриарху вселенскому, и начинается такъ: Δέσποτα παντοκράτωρ, Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, ὁ λόγφ μόνφ..., а надъ маслинами—Μακαρίου τοῦ Μακρῷ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ ἀμέτρητος...

л. 244. 'Αποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος и на цѣлый годъ.

л. 296 об. Служба на всю недѣлю страстной седмицы и всей Пятидесятницы.

л. 324. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ἀναστάσιμα τὰ ἑνδεκα.

(Изъ рукописи вырвано нѣсколько листовъ).

л. 331 об. 'Ακολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

л. 337 об. 'Ακολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 348. 'Ακολουθία τῆς ἀκαθίστου.

л. 358. 'Ακολουθία τῶν ἐγκαινίων.

л. 365. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρῶσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης.

л. 376. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθεΐσαν ἁγίαν τράπεζαν.

л. 380. 'Ακολουθία τοῦ βαπτίσματος.

Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεχώ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς, ὅταν τέξῃ, πρὸς αὐτὴν καὶ τὸν ἑαυτῆς οἶκον καὶ τὰς παρατουχούσας. Μετὰ τὸν εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ τὰ τροπάρια· 'Ελέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. τὸν Ν'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε παντοκράτωρ ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν... См. ниже ркп. XVI в. Сиб. библ. № 996 л. 161.

— Εὐχὴ ἐτέρα εἰς γυναῖκα λεχώ. Μετὰ τὸν εὐλογητόν, Τρισάγιον, Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ χοῦ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐξ αὐτοῦ ἀναπλάσας γυναῖκα... См. выше стр. 382 и Прилож. стр. 1. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεχώ· Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ Λόγε τοῦ Θεοῦ καὶ Πατὴρ Ὑἱ ἐκ μονογενέος, ὁ διὰ τὴν ἡμῶν σωτηρίαν εὐδοκίᾳ τοῦ ἀνάρχου σου Πατρός...

л. 181 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὀγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Ἰστέον, ὅτι τῇ μετὰ τὴν γέννησιν ὀγδόῃ ἡμέρᾳ προσάγεται τῷ ναῷ παρὰ τῆς μαίας τὸ βρέφος ἐπὶ τὸ λαβεῖν ὄνομα. Ἐστὼς οὖν ὁ ἱερεὺς ἔξω τῆς ἐκκλησίας πρὸ τῶν τοῦ ναοῦ πυλῶν, ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον κ. τ. λ. καὶ τὰ τροпάρια ταῦτα· 'Ελέησον ἡμᾶς, Δόξα, Κύριε, ἐλέησον, Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. καὶ τὸν Ν'. Εἷτα λέγει ἐπὶ τὸ βρέφος τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα. Goar. p. 264. Εἷτα ἐμφυσᾷ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σταυροειδῶς τρίτον, ὁμοίως σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον γ'. μετὰ τῆς χειρὸς καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, καὶ οὕτως ἀπολύει. Δεῖ δὲ γινώσκειν, ὅτι τὸ γεννηθὲν βρέφος... Goar. p. 265.

λ. 382. Τάξις καὶ εὐχαί εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναικα.

Ἰστέον, ὅτι τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ... Goar. p. 267 παρόντος καὶ τοῦ μέλλοντος ἀναδέχεσθαι τοῦτο κατὰ τὸ βάπτισμα, καὶ σπάντων πρὸ τῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. τὸ Κύριε ἐλέησον ἰβ'. τὸν Ν'. Πιστεύω, Ἄνεξ, ἄφες, καὶ εὐθὺς κλινούσης τὴν κεφαλὴν ἅμα τῷ βρέφει πρὸ τῶν πυλῶν, ἡγουν τῆς μητρὸς αὐτοῦ, τὴν τοῦ σταυροῦ σφραγίδα ποιῶν ὁ ἱερεὺς, ἀπτόμενός τε τῆς κεφαλῆς αὐτῆς, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν. Αὐτὸς οὖν ὁ Πατήρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Goar. p. 267. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Καὶ αὐθις ἐπεύχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... p. 267 καὶ εἰ μὲν ἄρῃεν ἐστὶ περιέρχεται... Дмитриевскій. Прилож. стр. 19. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις. Goar. p. 267. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, λέγων· Τὸ δὲ παιδίον ἡῤῥανε καὶ ἐκραταιοῦτο Πνεύματι, καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει αὐτὸ καὶ ἐξέρχεται.

Ἰστέον, ὅτι αἱ παροῦσαι τρεῖς εὐχαί, κἂν μήπως ἔφθασεν ἐντὸς τῶν μ'. ἡμερῶν βαπτισθῆναι τὸ παιδίον, λέγονται ἐπ' αὐτῷ πρὸ τοῦ βαπτίσματος καὶ ἐπὶ τῇ μητρὶ αὐτοῦ, παρόντος καὶ τοῦ μέλλοντος ἀναδέχεσθαι τοῦτο ἀπὸ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, ἔπειτα εὐθέως ἐνεργεῖται ἡ ἀκολουθία τῶν κατηγουμένων καὶ τοῦ φωτίσματος, εἰ βούλοιο ὁ ἔχων τὸ παιδίον, εἰ δὲ θέλει, παρατείνει καὶ πλείονας ἡμέρας εἰς αὐξησιν πλείονα τοῦ παιδός.

λ. 384. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τοῖς κατηγουμένοις φωτιζομένοις, ἡγουν βαπτίζομένοις.

Начало, какъ въ чинѣ водокрещенія. О молитвахъ оглашенія замѣчено: Таύτας τὰς πέντε εὐχὰς ἐπιλέγει ὁ ἱερεὺς τοῖς φωτιζομένοις τὸ ἔλαττον ἐκ γ'. (λ. 387 ὁβ.). На возгласъ священника: Καὶ προσκύνησον αὐτόν, καὶ προσκυνεῖ ἕως τρίτου (λ. 388). После молитвы: Δέσποτα ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου... Goar. p. 278 εἴτα λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον σὺν τῇ μαίᾳ, εἰσέρχεται ἐντὸς τῆς ἐκκλησίας, καὶ προσκυνοῦσι σταυροειδῶς εἰς τὸν ναόν, ἡγουν εἰς τὸ ἅγιον βῆμα καὶ εἰς τὰ λοιπὰ κλητικά, λέγοντες· Χαῖρε κεχαριτωμένη, τῆς Ὑπαπαντῆς τὸ τροπάριον δηλονότι, εἴτα παραδίδωσιν αὐτὸν ὁ ἱερεὺς πρὸς τοὺς ἀναδόχους αὐτοῦ, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

Μετὰ δὲ τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον, εἶπερ βούλεται κατ' αὐτὴν τὴν ἡμέραν βαπτίσαι, πλύνεται ὁ βαπτιστήρας καὶ βάλλει τὰ ὕδατα, ἀπέρχεται δὲ ὁ ἱερεὺς εἰς τὴν κολυμβήθραν μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, ἐνδεδυμένος φελώνιον καὶ ἐπιτραχήλιον καὶ ἐπιμανίκια, καὶ θυμιᾷ σταυροειδῶς τὴν κολυμβήθραν καὶ τοὺς παρεστῶτας, λέγων· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ νυνὶ προσερχομένου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι τὸ ὕδωρ τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ τέκνον φωτὸς ἀναδειχθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ σκευὸς γενέσθαι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Εἴτα λέγει μυστικῶς τὴν εὐχὴν ταύτην *Goar. p. 288—290.* О стрячкѣ для елея замѣчено: καὶ τίθησι τὸ τρυβλίον τοῦ ἐλαίου εἰς τὰς χεῖρας τοῦ συντέκνου (л. 392 об.), а о крещеніи: καὶ κολυμβᾷ αὐτὸ καλῶς (л. 393). Послѣ молитвы: Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε *Goar. p. 290*, εἴτα πιάνει ὁ ἱερεὺς τὸ ὑποκάμισον τοῦ βαπτισθέντος καὶ ἐνδύει αὐτόν, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸν χιτῶνα τῆς ἀφθαρσίας, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν, εἵπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον. Εἴτα λαμβάνει τὸ κουκούλιον αὐτοῦ καὶ λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁδε λαμβάνει τὸ κουκούλιον τῆς ἀνακίας, τὴν περικεφαλαίαν τοῦ σωτηρίου, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα λαμβάνει τὸν χιτῶνα αὐτοῦ, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα ἀγαλλιᾶσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα τὴν ζώνην ἢ τὸν λῶρον, λέγει· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα περιζώννυται τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα τὰ ὑποδήματα, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ὑποδύεται τοὺς πόδας αὐτοῦ, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἐνδύσας τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα Πνεύματος ἁγίου δικαιοσύνην, καὶ ἐπιθεῖς ἐπ' αὐτόν στέφανον τῆς δόξης σου, ὁ περιζώσας τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ ἐν ἀληθείᾳ καὶ τοὺς πόδας αὐτοῦ κατευθύνας εἰς ὁδὸν εἰρήνης, σκέπασον αὐτόν τῇ κραταιᾷ σου χειρί, φρούρησον αὐτόν τῇ παναλκεῖ σου δυνάμει, ἀγγέλῳ, πιστῷ φύλακι, παρακατάθου τοῦτον, ματαίωσον πάσας τὰς ἐπιβουλάς τοῦ πονηροῦ τὰς κατ' αὐτοῦ κινουμένας, καὶ ἄξιωσον αὐτόν εὐαρεστῆσαι σοι πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ δοξασθῇ σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ... Καὶ εἰσουδεύει τὸν νεοφώτιστον ἔμπροσθεν τῶν θυρῶν τοῦ ἁγίου βήματος, ψάλλων ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ λαοῦ· Ὅσοι εἰς Χριστόν... καὶ γυρίζει αὐτόν μετὰ τοῦ ἀναδόχου ἐκ γ'. εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ μεταδίδωσιν αὐτῷ τῶν ἁγίων μυστηρίων καί, εἰ μὲν θέλει, ἀπολύει καὶ ἀπέρχεται ἐν

τῷ οἴκῳ αὐτοῦ, ψαλλόντων τῶν παρεπομένων· Ὅσοι εἰς Χριστόν, εἰ δὲ θέλει, ἵνα ἀποκουρευῇ αὐτὸν κατ' αὐτὴν τὴν ἡμέραν, λέγει τὴν εὐχὴν· Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν... pag. 307. Εἶτα κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ... εἴπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον. Τοῦτο δὲ λέγει καὶ εἰς τὰς τέσσαρας μεραίας τοῦ κεφαλίου αὐτοῦ, ἀρχὴν ποιῶν ἀπὸ τῆς κορυφῆς, τὸ μέτωπον δεξιᾶ καὶ ἀριστερᾶ, καὶ συμπιάνει τὰς τρίχας αὐτοῦ μετὰ κηρίου ἀργοῦ καὶ ὑποκαίει ὀλίγον, ἐὰν ᾗ νήπιον, καὶ δίδωσιν αὐτὰς τῷ ἀναδόχῳ. Εἶτα λέγει πάλιν ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... p. 306 καὶ ἀπόλουσις.

1. 396 ὁβ. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον.

Τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ προσάγεται πάλιν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ὁ νεοφώτιστος εἰς τὸ ἀπολοῦσαι αὐτὸν καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν κ. τ. λ. какъ въ чинѣ воцерковленія. Τούτων δὲ λεγομένων, λύει αὐτοῦ τὸ σάβνον, τὴν ζώνην, τὴν περικεφαλαίαν, καὶ μετὰ τὸ Ἄνες, ἄφες, εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος... pag. 303. Καὶ εὐθὺς λαβὼν τὸ κουκούλιον ἐκ τῆς κεφαλῆς τοῦ νεοφωτίστου καὶ τὸ ἀναβόλιον, ψάλλει σὺν τῷ λαῷ· Κύριος ποιμαίνει με, εἶτα βάλλει ὕδωρ ἐν πίνακι καὶ βρέχει σπόγγον καινὸν ἢ βαμβάκινον, καὶ νίπτει τὸ μέτωπον τοῦ νεοφωτίστου καὶ τὸ στῆθος, τὴν δεξιὰν χεῖρα, τὰ ὦτα, καὶ τοὺς νεφρούς, καὶ γόνυ τὸ δεξιόν, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων... Εἶτα λέγει πρὸς τὸν νεοφώτιστον· Ἐβαπτίσθης, ἀπελούσθης, ἐφωτίσθης, ἐκαθαρίσθης, ἡγιασθῇς, ἀπελούσθης, ἐδικαιώθης ἐν τῷ ὀνόματι τοῦ Πατρὸς... Καὶ εὐθὺς τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας τὴν οὐράνιον ἔλλαμψιν... p. 304. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ, λεγομένη μυστικῶς· Ὁ ἐνδυσάμενός σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν Ibid. καὶ ἀπολύει αὐτὸν ἐν εἰρήνῃ.

1. 396. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, διάταξις περὶ τῶν διαφορῶν τρόπῳ καὶ ἡλικίᾳ ἐπιστρεφόντων. pag. 689.

1. 396 ὁβ. Εὐχὴ ἱλασμοῦ εἰς τὸν ἀπὸ ἀρνήσεως ἐπιστρέφοντα πρὸς τὴν ἡμετέραν πίστιν. p. 690.

1. 397 ὁβ. Εὐχὴ πρὸς χριστιανούς ὑπαχθέντας ἐθνικῇ πλάνῃ, στρέφαντας δὲ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ προσδραμόντας. p. 690.

1. 398. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποστατήσαντος παιδὸς καὶ μαχαρίσαντος καὶ μετανοοῦντος. p. 69'.

1. 399 ὁβ. Τάξις γινομένη εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχομένον. p. 283.

λ. 400. Τάξις καὶ ἀκολουθία γινομένη ἐπὶ μνήστοις. Обручение совершается во всей священнической одеждѣ и состоитъ изъ двухъ молитвъ.

λ. 401. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Γενομένης λειτουργίας, ἵστανται οἱ νεόνυμφοι ἐν τῷ νάρθηκι, ὁ δὲ ἱερεὺς μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν θεϊαν μεταλήψιν, ἤγουν μετὰ τὸ εἰσκομίσαι τὸν ἅγιον ἄρτον ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ καὶ σκεπάσας αὐτὸ συνήθως, λέγει τὴν εὐχὴν τῆς μεταλήψεως, καὶ οὕτως ἀνοίξας τὸ βηλόθυρον καὶ τὰ ἅγια θυρία, καί, λαβὼν θυριατόν, ἐξέρχεται διὰ τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ ἀπέρχεται ἕως τὰς ὥραιας πύλας, προπορευομένου μανουαλίου μετὰ κηροῦ, καὶ φθάσαντες εἰς τὰς ὥραιας πύλας εἰσέρχονται οἱ νεόνυμφοι μετὰ τῶν ὀφικευόντων εἰς τὸν ἐντὸς ναόν· προπορεύεται δὲ ἡ γυνὴ ἐξ ἀριστερῶν τοῦ ἀνδρός, καὶ ἀπαντᾷ αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς καὶ θυμιᾷ τοὺς νεονύμφους, καὶ λέγει· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς... Καὶ οὕτως εἰσέρχονται διὰ τὸ μεσαίτατον τοῦ ναοῦ, ἡγουμένου τοῦ ἱερέως καὶ τῆς λαμπάδος, καὶ λέγουσι ψαλμὸν ρκζ'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... Καὶ ἐλθόντες πρὸ τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, ἵστανται πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν· ἀποκλείνται δὲ ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ τὰ ἅγια δῶρα καὶ στέφανα δύο ἐξ ἀρχῆς τῆς λειτουργίας, καὶ ποτήριον ὕαλου πλήρες οἴνου. Μετὰ δὲ τὸ σταθῆναι πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν, λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν δούλων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον αὐτῶν, ὡς ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι αὐτῶν τὸν γάμον, ὡς εὐλόγησε Κύριος Σαββῶν καὶ Ῥεβέκκαν καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζευξέως αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίζεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην, καρπὸν κοιλίας πρὸς τὸ συμφέρον... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς παρὰ τοῦ Κυρίου βοηθείας... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀχράντου... Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ οἱ ψάλλται τὸ Ὁ ἅγιος ὁ Θεός..., εἶτα προκείμενον, ἤχος δ'. Δόξα καὶ τιμὴ ἑστεφάνωσας... Στίχος· Πάντα ὑπέταξας... Πρὸς Ἑφραίμους· Ἀδελφοί, ὡς τέκνα φωτὸς περιπατεῖτε... Τέλος· καὶ προσωποληψία οὐκ ἔστι παρ' αὐτῷ. Εὐαγγέλιον Γοαθ. p. 318. Εἴπωμεν πάντες. Κύριε παντοκράτωρ... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβῶν... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τῶν νεονύμφων... Καὶ ὑπὲρ τοῦ περιεστώτος λαοῦ καὶ ἀπεκδεχομένου τὸ παρὰ σοῦ πλοῦσιον ἔλεος..

ἽΟτι ἐλεήμων... καὶ εὐθύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... *Goar. p. 317.* Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν ἀρμολογεῖ τῶν νεονύμφων τὰς δεξιὰς, εἶτα λαβὼν τοὺς στεφάνους, ὁ ἱερεὺς τίθησιν ἐπάνω τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, λέγων ἐπὶ μὲν τῷ ἀνδρὶ· Ἐθηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν... Καὶ στεφανώνει αὐτόν, λέγων· Στέφεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα στέφανον ἀγαλλιᾶσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Ὁμοίως καὶ τῇ γυναικὶ τὰ αὐτά. *Εἰθ'* οὕτως φάλλει τὸ αὐτὸ ἐκ γ'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξη καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτούς... *Εἶτα* ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην μεγαλοφώνως. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπικαλούμεθά σε, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλούμεθα τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον Θεόν. *См. ркп. XV в. Свят.-гроб. библ. № 8; Св. выше стр. 403.* Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδαί σου οἰκονομία καταξιώσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... *Goar. p. 403.* Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ καταξιώσον ἡμᾶς... Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ κλινόμενος ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Ὑψιστε Θεὲ παντέφορε, ὁ τῷ λόγῳ τοῦ προστάγματός σου τὰ πάντα συστησάμενος, ἔπιδε ἐφ' ἡμᾶς ἐξ ἁγίου σου ὑψώματος καὶ ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους, ὁ τῇ σῇ χάριτι στεφανώσας αὐτούς καὶ θεὶς ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στέφανον γαμικόν, χάρισαι αὐτοῖς καὶ μακρότητα ἡμερῶν. Καὶ εὐθύς ὑψοῖ τὰ προηγιασμένα, λέγων· Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ ἐλθὼν εἰς τὰ ἅγια θυρία, συνήθως λέγει· Μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως, οἱ νεόνυμφοι, προσέλθετε. Καὶ μεταδίδωσιν ὁ ἱερεὺς τῶν νεονύμφων, φάλλοντες ὁ λαὸς τὸ Ποτήριον σωτηρίου. Ὁ δὲ ἱερεὺς τίθησι τὰ ἅγια ἐν τῇ ἁγίᾳ τρχπέξῃ, καὶ λαβὼν τὸ ἕτερον ποτήριον, ὅπερ ἔχει τὸν οἶνον, εἶτα δίδωσι τῷ ἀνδρὶ πιεῖν, αὐτὸς κατέχων τὸ ποτήριον, καὶ αὐθις τῇ γυναικὶ γ'. καὶ μετὰ τοῦτο ἐπιδίδωσι τὸ ποτήριον τῷ ἀνδρὶ καὶ πίνει ἐκεῖνος, εἶτα δίδωσι τῇ γυναικὶ τὸ ποτήριον καὶ πίνει χάκεινη, καὶ αὐθις δίδωσι τῷ ἀνδρὶ τὸ ποτήριον, ὁ δὲ ἐκπιὼν ἀποδίδωσι τὸ ποτήριόν τινι, ἧ λαμβάνει αὐτὸ ὁ ἱερεὺς συνθλάττει αὐτό. Καὶ μετὰ τὸ φαλθῆναι τὸ Ποτήριον σωτηρίου, λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ κοινοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχυρί σου καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην... *p. 319.* Καὶ ἀναλαμβάνει τὰ κηρία ὁ ἱερεὺς καὶ δίδει αὐτὰ τῷ πορεύεσθαι ἔμπροσθεν τῶν νεονύμφων, καὶ σφραγίζει αὐτούς ἐκ γ'. λέγων· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε... *Μεθ'* οὕτως λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ εἰς τὴν ἔπαρσιν τῶν στεφάνων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν τοῦ ἐνιαυτοῦ στέφανον εὐλογήσας *p. 325.* Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγε-

νόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... p. 320. Καὶ ἀναλαβὼν τοὺς στεφάνους ἀπὸ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, δίδωσιν αὐτοὺς τῷ ἀναδόχῳ, εἴτα ποιήσαντες γύρους γ'. ἔμπροσθεν καὶ ὀπίσθεν τῶν ἁγίων εἰκόνων, συμπεπλεγμένων τῶν χειρῶν τῶν νεονύμφων, κρατῶν ἀπὸ τῶν χειρῶν τοῦ ἱερέως, φάλλοντος αὐτοῦ τὸ Ἅγιοι μάρτυρες... καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν οὕτως· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾷ ἐπιδημίας τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον διὰ τῆς αὐτοῦ παρουσίας Χριστὸς ἀληθινός... καὶ ἀφίησιν αὐτούς. Ὁ δὲ ἱερεὺς ποιεῖ τὰ ἐλλείποντα τῆς λειτουργίας συνήθως, τὴν τε ἀποκόμισιν τῶν ἁγίων δώρων ἐν τῇ προθέσει καὶ τὰ συνήθη καθέξῃς. Δεῖ εἰδέναι, ὅτι ἐὰν γένηται εὐλόγημα, ἡγουν μνηστεία καὶ στεφάνωμα ὁμοῦ, ἡ μὲν εὐλόγησις γίνεται ἐν τῷ νάρθηκι, ἡ εἰς τὸ διακονικόν, τὸ δὲ στεφάνωμα γίνεται εἰς τὸν ναόν, εἰ δὲ ἐν ἐκ τῶν δύο, γίνεται εἰς τὸν ναόν.

л. 408. Εὐχὴ εἰς τὸ ἄραι καὶ λύσαι στέφανα τῇ η'. ἡμέρᾳ.

Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητός, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, Δόξα, τὸ κοντάκιον αὐτοῦ, Καὶ νῦν, Θεοτοκίον. Τούτων ἡλεγόμενων, λύει ὁ ἀνάδοχος τὰ στέφανα. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ τὸν γάμον εὐλόγησας... p. 320. Ἐκτενή· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... καὶ τὰ λοιπά, εἴτα Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας σωτηρίας... Ὅτι ἐλεήμων, καὶ ἀπόλυσις.

л. 408. Εὐχὴ λεγομένη εἰς διγάμους.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραὰμ φίλον καλέσας καὶ τὸν Ἰσαὰκ ὑπεραγαπήσας, καὶ τῷ Ἰακώβ εἰς γυναῖκα τὴν Λεῖαν συνάψας. Ркп. XVI в. Свят.-гроб. библ. № 615 л. 292.

л. 409. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἁγιαζομένου ὑπὸ ἑπτὰ πρεσβυτέρων. См. Дмитриевскій. Прилож. 119. Закапчивается такъ: ἡμεῖς ἐν τῇ ἁγίᾳ λαύρᾳ οὕτως φάλλομεν τὸ εὐχέλαιον, ὡς ὀρᾷς, ἐν δὲ ἐτέρῳ εὐχολογίῳ εὐρέθη οὕτως· Μετὰ τὸν κανόνα τὰ στιχηρά, συνάπτει, τὸ Ἀξίον ἐστιν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ τὸ τροπάριον, ἡχος δ'. Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν... Τῇ Θεοτόκῃ ἐκτενῶς..., εἴτα Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ζωῆς... Ὅτι ἐλεήμων, εἴτα Δόξα καὶ νῦν, καὶ ἀπόλυσις καὶ γίνεται συγχώρησις. Εἴτα λέγει ὁ προεστώς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία, ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἐλαϊον... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως... Ὑπὲρ τοῦ ἐλθεῖν τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, φωτίζουσιν αὐτοῦ τὴν διακονίαν... Ὑπὲρ τοῦ καταξιοθῆναι αὐτὸν τῆς βασιλείας... Ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι... Ὑπὲρ

τοῦ ῥουσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Τούτων δὲ λεγομένων, τὴν εὐχὴν ταύτην μυστικῶς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει... Goar. p. 335. Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν, λέγομεν· Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... Εἴτα Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εἴτα ὁ Κύριος ἐβασίλευσε, καὶ πάλιν Ἐτι καὶ ἔτι... Ὅτι ἀγαθός. Εἴτα Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ. Προφθάσωμεν, καὶ τὰ ἕτερα συνήθως τοῦ ἀντιφώνου. Σοφία, ὀρθοί, Δεῦτε προσκυνήσωμεν, εἴτα Τὴν ψυχὴν μου, Κύριε, ἐν ἀμαρτίαις παντοίαις., Τῇ ὑπερμάχῳ στρατηγῷ... Εἴτα λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν... Ἄναρχε, ἀδιάδοχε, ἅγιε ἁγίων pag. 337 Καί μετὰ τὴν εὐχὴν, εὐθὺς προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, καὶ λέγεται ὁ ἀπόστολος καὶ τὸ εὐαγγέλιον, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν παροῦσαν· Ὁ πρὸ αἰώνων Θεός, ἡ τοῦ ἐλέους πηγὴ, τὸ τῆς ἀγαθότητος πέλαγος, ἡ τῆς φιλανθρωπίας ἀνεξιχνίαστος ἄβυσσος, ὁ διὰ τὴν πολλὴν σου φιλανθρωπίαν καὶ τὴν πρὸς ἡμᾶς σου ἀγάπην... Καί μετὰ τὸ Ἀμήν, ὁ λαός· Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Εἴτα ἀνάπτει τὴν θρυαλλίδα καὶ λαβὼν ἄγιον ἔλαιον, ἀλείφει αὐτόν, λέγων· Πάτερ ἅγιε p. 338 н. т. д.

Εὐχὴ ἐτέρα τοῦ αὐτοῦ εὐχελαίου ζ'. καὶ εἰ ἂν θέλεις, λέγε· Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ πολὺς ἐν ἀγαθότητι, Κύριε ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν... Goar. p. 341. Сн. выше стр. 56.

л. 431. Ἐξομολόγησις, ἀναγινωσκαμένη ἐνώπιον τῶν τοῦ Χριστοῦ ἁγιωτάτων λειτουργῶν καὶ ἱερέων παρὰ τοῦ προσκαλουμένου αὐτοὺς καὶ ποιοῦντος τὸ εὐχελαίον· Θεώτατοι πατέρες καὶ δέσποται μου, πανηγιασμένοι καὶ πεφωτισμένοι λειτουργοὶ τῶν ἀχράντων καὶ ζωοποιῶν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μυστηρίων..

л. 434. Τάξις γινομένη εἰς ἀρχάριον μοναχὸν ῥασοφόρον.

л. 435 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος.

л. 445 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 467. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι.

л. 467 об. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.

л. 474. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

л. 490. Εἰ δὲ κοσμικὸς εἶη ὁ τεθνηκώς.

л. 493. Ἀκολουθία εἰς νεκρώσιμα κόλυβα μοναχῶν.

л. 497 об. Ἑτερος κανὼν, ψαλλόμενος εἰς μνημόσυνα κοσμικῶν.

— Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ψαλλομένου ὑπὲρ τῶν κεκοιμημένων ὑπὸ ζ'. ἱερέων.

л. 516. Εὐχὴ ἐπὶ ἱερέα τελευτήσαντα. 2 МОЛИТВЫ.

л. 517. Εὐχή ἐτέρα, λεγομένη ἐπὶ μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν θείων μυστηρίων, ποιηθεῖσα παρὰ Γρηγορίου ἱερομονάχου.

Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψίστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον...

LXII. № 995 Εὐχολόγιον, рукопись Синайск библи. в 24 долю, писана на бумагѣ скорописью 1481 года. Время написанія этой рукописи опредѣляется пасхалиєю, начинающеюся съ ςϠπθ'. и окончивающеюся ςϡϛθ'. Листовъ 118.

л. Пасхалия.

л. 4. Замѣтки о постахъ.

л. 5. Стихиры въ честь Богородицы.

л. 14 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ εὐχελαίου.

Συναχθέντες ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν τῷ οἴκῳ, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, καὶ φορένουσι οἱ ἐπτά ἱερεῖς τὴν ἱερατικὴν στολὴν, εἶτα ἄρχονται ψάλλειν τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, εἶτα Κύριε, εἰσάκουσον, καὶ τὸν Ν'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Κύριε, ἐλέησον... Τῆς εὐσπλαγχνίας... Εἰθ' οὕτως ἄρχονται ψάλλειν τὸν κανόνα ὡδὴ α'. ἦχος β'. Ἐν βοθρῷ κατέστρωσε ποτὲ τὴν Φαραωνίτιδα... Χαίροις ὄντως πάντων ἡ χαρά, χαῖρε ἡ ὁλόφωτος... Ἰκανός οὐχ οἶός τε ἐγώ, Δέσποτα, αἰτήσασθαι... Τὰς ἐλπίδας μου εἰς σέ, ἄχραντε, ἀνέθηκα... μνημονεύει τὸν ἄρρωστον, εἶτα βάλλει τὸ ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλαν, λέγων ἐπάνω αὐτῆς τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει τῶν οἰκτιρμῶν σου. Goar. p. 335. Εἶτα στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. β'. Ὅλην ἀποθέμενοι. Πάντες νῦν προσέλθωμεν ἐν κατανύξει καρδίας καὶ θερμῶς προσκλαύσωμεν... Ἠμάρτομεν, Δέσποτα, καὶ ἡνομήσαμεν σφόδρα ἀπὸ σοῦ σκιρτήσαντες... Δόξα, Τὸν πλοῦτον ἐσχόρπισα, ὃν μοι παρέσχες, Σωτήρ μου... Καὶ νῦν, Ἐν λύπαις ἀνάψύξιν, ἐν πειρασμοῖς σωτηρίαν, ἐν κινδύνοις ἄμιλλαν, ἐν ταῖς περιστάσεσι... Εἰθ' οὕτως τὸν προσελθόντα λαβὼν ἐκ τῆς χειρὸς αὐτοῦ λέγων Ἀγκάλας πατρικᾶς... Μητέρα σε Θεοῦ ἱκετεύομεν... ἔκτενή καὶ ἀπόλυσις. Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, καὶ ἄρχεται ὁ διάκονος τὰ εἰρηνικά, ὁ ἱερεὺς τὴν ἐκφώνησιν Ὅτι πρέπει, Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι... Ἐτι καὶ ἔτι... Ὅτι σὸν τὸ κράτος. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν... Ἐτι καὶ ἔτι... Ὅτι ἀγαθός... Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ... Σοφία, ὀρθοί, Δεῦτε προσκυνήσωμεν... Ἡ ψυχὴ μου, Κύριε, ἐν ἀμαρτίαις... Καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων, Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε. Προκείμενον ἢ ἀποστολὴ Goar. p. 336—337. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς... Τέλος· καὶ ἤλειπον ἐλαίῳ πολ-

λους ἄρρώστους καὶ ἐθεραπεύοντο. Ἐλέησον ἡμᾶς..., εἴτα τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε παντοκράτωρ καρδιογνώστα, παντοδύναμε, οἶδαμεν οἱ τάλανες, ὅτι ἐκ τῶν πονηρῶν ἡμῶν ἔργων τοῦ ἱερατεύειν ἐξώσθημεν... Εἴτα λέγων, καὶ ὁ ἱερεὺς ἀλείφει τὸν ἄρρώστον, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε, ἰατρέ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. p. 338. Послѣ Предтечи изъ святыхъ поминается лишь апостолъ Іаковъ. Δόξα καὶ νῦν, Μεταβολὴν τῶν θλιβομένων, τὸ Τρισάγιον, προκείμενον, ἤχος β'. Ἰσχύς μου, Στίχος· Παιδεύων ἐπαίδευσεν... ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, οὕτως καὶ ἡμεῖς λογιζέσθε ἑαυτοὺς νεκροὺς μὲν εἶναι τῇ ἁμαρτίᾳ... Τέλος· εἰς ὃν παρεδόθητε τύπον διδασκαλίας. Ἀλληλουάριον, ἤχος β'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἦν τις βασιλικός, οὗ ὁ υἱὸς αὐτοῦ ἠσθένη ἐν Καπερναοῦμ... Τέλος· ἐλθὼν ἐκ τῆς Ἰουδαίας εἰς τὴν Γαλιλαίαν. Ἐλέησον ἡμᾶς... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίσκεψαι τὸν δοῦλόν σου τόνδε ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, τὴν παρὰ σοῦ ὑγίαν καὶ ὁλοκληρίαν δωρούμενος, ρυόμενος αὐτὸν ἀπὸ πάσης νόσου καὶ μαλακίας. Сн. выше стр. 243. Εἴτα τροπάριον, ἤχος β'. Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου. Προκείμενον, ἤχος δ'. Ἐγὼ εἶπα, Κύριε... Στίχος· Μακάριος ἀνὴρ... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους. Goar. p. 338, εὐαγγέλιον. Goar. p. 345. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἡ εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἰατρέ ψυχῶν καὶ σωμάτων p. 338. Προκείμενον· Σύ, Κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς... Στίχος· Σῶσόν με, Κύριε, Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ἐλευθερωθέντες ἀπὸ τῆς ἁμαρτίας, ἐδουλώθητε τῇ δικαιοσύνῃ... Τέλος· ζωὴ αἰώνιος ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν. Ἀλληλουάριον, ἤχος β'. Κύριε μὴ τῷ θυμῷ σου... Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον Goar. p. 341. Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχὴ δ'. Κύριε, Κύριε, ὡς ἐπήκουσας τοῦ ἁγίου σου ἀποστόλου Πέτρου, ἐν τῇ ὥρᾳ τῇ ἐννατῇ προσευχομένου, καὶ δι' αὐτοῦ ποιήσας ἔλεος, ἐπάκουσον καὶ ἡμῶν ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ παρακαλούντων καὶ δεομένων... Προκείμενον, ἤχος, πλ. β'. Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν σου. Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, ἐκέκραξα. Ἀπόστολος. Goar. p. 343. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον (sic)· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, εἰσῆλθεν ὁ Ἰησοὺς εἰς Καπερναοῦμ καὶ ἠκούσθη, ὅτι εἰς οἶκόν ἐστι. Τέλος· λέγοντες, ὅτι οὐδέποτε τοιαῦτα εἶδομεν. Ἐλέησον ἡμᾶς... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι, ὁ Πατήρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων... Прилож. стр. 130, прим. 3. Εἴτα τὸ Τρισάγιον, Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Προκείμενον, ἤχος πλ. β'. Εὐξασθε καὶ ἀπόδοτε Κυρίῳ. Στίχος· Γνωστὸς ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους. Goar. p. 341. Ἀλληλουάριον, ἤχος πλ. δ'. Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ... Εὐ-

αγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἐπορεύετο ὁ Ἰησοῦς εἰς πόλιν καλουμένην Ναὶν... Τέλος· καὶ ὅτι ἐπεσεκέφατο ὁ Θεὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ. Ἐλέησον ἡμᾶς... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς ἐνσάρχου σου οἰκονομίας ἰασάμενος τὴν ἀνθρωπίνην φύσιν ὑπὸ τῆς πρώην ἀδαμιαίας... Прилож. стр. 134, прим. 6. Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου. Προκείμενον· Τοῖς ἁγίοις τοῖς... Στίχος· Προωρώμην τὸν Κύριον... Ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους. Goar. p. 340, εὐαγγέλιον Ibid. Ἐλέησον ἡμᾶς... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχή· Ὁ Θεὸς ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεημων, ὁ πάντα οἰκονομῶν... Прилож. стр. 132, прим. 3. Κύριε, ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Εἴθ' οὕτως λέγει· Πηγὴν ἱαμάτων... Δόξα, ἥχος πλ. β'. Ὅπου ἐπισκιάσει ἡ χάρις... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων τὴν εὐχὴν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ κάμνοντος, ἐπιθέντες καὶ οἱ ἕξ ἱερεῖς τὰς ἑαυτῶν χεῖρας. Εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε Κύριε, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον. Goar. p. 346. Εἴτα ποιεῖ ὁ ἀσθενῶν συγχώρησιν καὶ μετανοίας καὶ μεγάλας τρεῖς, λέγων· Εὐλογεῖτε, δέσποτα ἅγιοι, συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, γ'. καὶ γίνεται συγχώρησις καὶ ἀπόλυσις.

л. 50 об. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου εἰς κοιμηθέντας κοσμικοὺς τε καὶ μοναχοὺς, φορεσάντων ἐπάνω τοῦ τάφου τῶν ἐπτὰ ἱερέων.

Ἐκφωνεῖ ὁ πρῶτος· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία, εἴτα τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, εἴτα Ἀλληλουῖα τρίς, Ὁ βυθῷ σοφίας... Μήτηρ ἁγία ἀφράστου... καὶ τὸν Ν'. καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν εἰς κοιμηθέντας μοναχοὺς· ἔχει δὲ καὶ ἕτερον κανόνα εἰς κοσμικοὺς κοιμηθέντας, ὅπισθεν τούτου τοῦ μοναχικοῦ κανόνος, οὗ ἡ ἀρχὴ τοῦ κανόνος· Ἐν οὐρανίοις θαλάμοις. Goar. p. 426 καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν τῶν μοναχῶν. Ὡδὴ α'. ἥχος πλ. β'. Δεῦτε, λαοί... Οἱ ἐν σαρκὶ σύσκηνοι καὶ συμπολῖταί σου.. Τῆς ἀπειλῆς λύτρωσαι τοῦ αἰωνίου πυρός... Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἥχος α'. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας μεθέξεως. и др. Goar. p. 439. Εἴτα ὁ πρῶτος ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος λέγει τὰ εἰρηνικά (Заупокойная великая ектепья). Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διαφόρους ἡμῖν ὁδοὺς σωτηρίας ὑποδείξας... Εἴτα λέγει προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἥχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Θεσσαλονικεῖς (sic)· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν... Ἀλληλουάριον, Μακάριος ὃς πεισθήσεται... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτο ἔστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός... Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχή· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, εἰς ὃν ἀπερρίφθη ὁ δοῦλός σου ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτοῦ, ὃν ἠγάπησεν ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Εἰ δὲ ἐνὶ κοσμικός, λέγει οὕτως· Ὅτι διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος συνε-

σταυρώθη σοι, σκεπασάτω αὐτήν ἡ δεξιὰ σοῦ, Κύριε, καὶ μὴ καταλάβοι αὐτήν... Εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ ἄρχεται ὁ β'. τὸ προκείμενον, ἦχος α'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγερθεὶς, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων... Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε, Κύριε, τῶν θλιβομένων παραμυθία. *Goar. p. 453* καὶ λέγει· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ εἶτα ὁ γ'. ἀποστόλου προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὕτη σὰρξ... Ἀλληλουάριον, Μακάριος ἀνὴρ, οὗ μὴ προσθήσεται. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἐλέησον ἡμᾶς... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν... Τὸ προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Ἀλληλουάριον, ἦχος, πλ. β'. Μακάριος... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· πάντα μοι παρεδόθη ὑπὸ τοῦ Πατρὸς μου... Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχὴ· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ οἰκῇσιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα διέπων τὰ ἐν τῇ γῇ, σὺ καὶ τὴν ἐργασίαν ἐπίστασαι... *См. выше стр. 293*. Τὸ προκείμενον· Ἡ ψυχὴ μου. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Ἀλληλουάριον, Μακάρισον, ὃν πεισθήσεται... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας αὐτῷ Ἰουδαίους ὁ Πατὴρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται, καὶ ἐγὼ ἐργάζομαι... Ἐλέησον, ἡμᾶς... Εὐχὴ· Ὁ Θεός, ὁ μόνος φοβερός καὶ μέγας καὶ ἔνδοξος, ὁ ζωῆς καὶ θανάτου ἔχων τὴν ἐξουσίαν... Καὶ ἄρχεται ὁ ἔκτος τὸ προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμὴν, Ἀμὴν λέγω ἡμῖν, ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων καὶ πιστεύων τῷ πέμψαντι... Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχὴ δ'. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, δι' ὑπερβολὴν χρηστότητος καὶ ἀγαθότητος... Τὸ προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, ὡς τέκνα φωτὸς περιπατεῖτε... Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος· εἰάν τις τὸν λόγον τὸν ἐμὸν τηρήσει, θάνατον οὐ θεωρήσει εἰς τὸν αἰῶνα... Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρό-

σιτον, Goar. p. 449. Καὶ εὐθὺς φάλλειν τὰ Εὐλογητάρια· Τῶν ἁγίων ὁ χορός κ. τ. λ. καὶ εὐθὺς λέγει ὁ πρῶτος τὴν εὐχὴν ταύτην, κρατοῦντες ἀλλήλων τὰς ἑαυτῶν χεῖρας, ἐκφωνεῖ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα παντοκράτωρ, Θεὲ πατέρων καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, γένους παντὶς θνητοῦ τε καὶ ἀθανάτου καὶ πάσης φύσεως ἀνθρωπίνης, Δημιουργέ, συνισταμένοις καὶ πάλιν λυομένοις, ζωῆς τε καὶ τελευτῆς... Εἶτα μνημονεύει καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Καὶ γίνεται τελεία συγχώρησις καὶ ἀπόλυσις.

л. 102. Καταβασία τῆς ἁγίας ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος Παρασκευῆς. Полная служба.

LXIII. № 369 (№ 57 по Керамевсу¹⁾) Εὐχολόγιον, ркп. библ. Саввинскаго мон. (нынѣ патриарш. іерусалимскої) въ 24 долю, 221 листъ, писана на бумагѣ 1497 г. Годъ написанія рукописи значится въ пасхалии, начинающейся съ 7006 года (1497) и оканчивающейся 7022 (1513) (л. 211—221) и въ слѣдующей припискѣ: Μνησθητι, Κύριε, καὶ συγχώρησον τὴν ψυχὴν τῆς δούλης σου Νάρχατους, ἥτις ἐδωρήσατο τό παρὸν βιβλίον ἐμοὶ Σταυρενῶ ἱερεὶ ὑπὲρ ψυχικῆς σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῆς καὶ τοῦ πατρὸς αὐτῆς καὶ τῆς μητρὸς αὐτῆς, μηνὶ Αὐγούστῳ ιβ'. ἐπὶ ἔτους ,ζε'. Ἰνδικτιῶνος ιε'. (л. 128 об.).

л. 1. Чинъ погребенія начинается, въ силу отсутствія первыхъ листовъ, 17 каѳ. Между статьями положено произносить краткую ектенью. Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε. Τῶν ἁγίων ὁ χορός... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν τάξοι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Μνησθητι, Κύριε, τοῦ ἐν πίστει μεταστάντος ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος ὑπερβαίνων ἁμαρτίας... Ἀντιλαβοῦ... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεῆμων... Καθίσματα, ἦχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, Δόξα καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Περθένου... Ν'. φάλμὸς καὶ αἱ κανόνες· Βοηθὸς καὶ σκεπαστής... Ὁ τὸν θάνατον, Σωτήρ, τῷ θανάτῳ... Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεὺς ζωσπλῶν(;) στήσας... κ. τ. λ. Ἄλλος κανὼν Ὑγρὰν διοδεύσας... Ὁ φύσει ὑπάρχων τῇ θεικῇ... Τῶν ζώντων ὑπάρχων, Χριστέ, ζωή... Goar. p. 468. По 6 пѣсни „Со святыми упокой“... „Самъ единъ еси безсмертенъ“... икосъ: Ἀναστάντες οὖν πάντες συνάλθητε... и блаженны: Μνησθητί μου, ὁ Θεὸς ὁ Σωτήρ μου, ὅτι ἐν τῇ χώρᾳ... По 9

¹⁾ Подробное перечисленіе всѣхъ статей настоящей рукописи см. въ Ἱεροσολομιτ. βιβλιοθήκῃ. Ἐν Πετρ. 1894 τ. β'. σελ. 101—105.

пѣсни ексапостиларій: Νῦν ἐπαυσάμην καὶ εὖρον ἄνεσιν εἰπών... Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων ἐξουσιάζων, ὡς Θεός... Ὁ γλοκασμός τῶν ἀγγέλων... Εἰς τοὺς αἶνους καὶ τὰ στιχηρά· Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας ἐλευθερίαν βαφαις ἐρυθραῖς... Βάθει σοφίας ἀρρήτου σου... καὶ εὐθὺς Δόξα ἐν ὑψίστοις. Εἰ δὲ ἐστὶν ἐν καιρῷ ἐννάτης, λέγομεν τὸ Αἰνεῖτε τὸν Κύριον ἐκ τῶν οὐρανῶν... (весь псаломъ) Στιχηρὰ νεκρώσιμα τοῦ Δαμασκηνοῦ· Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει... Ἐργῶ, Σωτήρ μου, δεικνὺς ὅτι σὺ ἡ πάντων ἀνάστασις... Ἐν κόλποις Ἀβραάμ, ὁ Θεός, κατὰταξον... Δόξα καὶ νῦν, Ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ, Χριστέ ὁ Θεός.. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε παντοκράτωρ, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν τῆς δεήσεως... Καὶ μετὰ τὴν εὐχήν, λαβὼν ὁ ἱερεὺς θυμιατήριον καὶ ἀπαίρει πρὸς τὸν τάφον, λέγων τὸ Τρισάγιον μετὰ μέλους, ἕτερον· Εὐλόγητός εἶ, Χριστέ καὶ φιλόανθρωπε, τὴν ὁδὸν ἡμῶν εὐθύνον δεόμεθα. Καὶ ὅτε φθάνουσιν πρὸς τὸν τάφον, λέγει· Ὁ βύθῳ σοφίας, εἴτα Τρισάγιον, прокимень, апостолъ и евангеліе, что вынѣ, сугубая ектенья, во время которой читается εὐχή τῆς ἐκτενοῦς ἱκεσίας· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴν ἱκεσίαν πρόσδεξαι... При возгласѣ читается молитва: „Боже духовъ“. Εἴτα ἀρχεται ὁ προεστὼς θυμιάν τὸ λείψανον καὶ ἀσπάζεται, ὁμοίως καὶ οἱ λοιποί, καὶ φάλλομεν στιχηρὰ προσόμοια· Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός... Σήμερον ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λέλυται πανήγυρις πᾶσα... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦντες.. Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων τῆς πλάνης... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός, μέγας στεναγμός καὶ ὀδύνη... Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε πᾶσα κτίσις σοι βοᾷ, великая ектенья и молитва εὐχή τῆς καταθέσεως· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν τεχνευσάμενος, ὁ ἀντικείμενος ἠπάτησεν αὐτόν... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Ὅτι σὺ εἶ ἡ ζωή... Καὶ εἴθ' οὕτως τίθησι τὸ λείψανον εἰς τὸ μνημεῖον, καὶ σφραγίζων, λέγει· Χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς, ἔπλασας τὸν ἄνθρωπον καὶ τῷ σφῷ προστάγματι... Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς, ἔχων οἶνον καὶ ἔλαιον καὶ ποιεῖ ἐπάνω τοῦ λειψάνου σταυρόν, λέγει· Ῥαντιεῖς με ὑσώπῳ καὶ καθαρισθήσομαι, σκεπασθήσομαι ἀπὸ συστροφῆς πονηρευομένων, καὶ ἀπὸ τῶν ἐργαζομένων ἀνομίας, καὶ λέγει τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα, καὶ ἰδιόμελα· Δεῦτε καὶ θεάσασθε ἅπαντες ξένον καὶ φρικτὸν θαῦμα... Δόξα, Φοβερόν τὸ ἐμπεισεῖν εἰς χεῖρας Θεοῦ τοῦ ζῶντος... Καὶ νῦν, Ἀγνή Παρθένε τοῦ Λόγου, πύλη τοῦ Θεοῦ ἡμῶν... Καὶ εἴθ' οὕτως ἐπιτίθησι τοὺς ὀρυκτῆρους ἐπάνω τοῦ μνήματος, ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχήν· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἔχων πάσης σαρκὸς κυριότητα, ὁ βασιλεὺς τῶν αἰώνων... Εἰρήνη

πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία
p. 453. Εὐχὴ τῶν σκευῶν· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λόγῳ τὰ πάντα συστη-
σάμενος, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὰ σκεύη ταῦτα καὶ πάντας τοὺς συνελ-
θόντας... На этомъ обрывается чинъ.

л. 63. Ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντος νηπίου.

Обычное начало, 90 псаломъ, тропарь: Глубиною мудрости,
канонъ Goar. p. 474. Εἰς τοὺς αἶνους στιχηρά, ἤχος πλ. δ'. Βασιλι-
κῶς μοι ὑπέγραψας ἐλευθερίαν βαφαῖς ἐρυθραῖς τῶν δακτύλων σου... Βά-
θει σοφίας ἀρρήτου σου... Λόγος ὑπάρχων ἀόρατος ὁμοφυὴς τῷ Πατρί...
ᾧ συλλαβοῦσα τὸν ἀναρχον Λόγον Θεοῦ καὶ Θεὸν μητρικῇ παρῥησίᾳ σου
ἐκτενῶς ἰκέτευσ. Прокимень и апостолъ, что нынѣ, евангеліе отъ
Іоанна, сугубая ектенья. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ
φυλάσσων τὰ νήπια ἐν τῷ παρόντι βίῳ. p. 478. Трисвятое, Отче нашъ,
Помяни, Господи, яко благъ, Глубиною мудрости, Со святыми упо-
кой, Мήτηρ ἁγία ἡ τοῦ ἀφράστου φωτός... Εὐχὴ τῶν σκευῶν (что въ
предыдущемъ чинѣ) καὶ ἀπολύει.

л. 79. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγ-
δόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ
σὲ ἰκετεύομεν. Goar. p. 264.

л. 80. Εὐχὴ εἰς τὸ βαλεῖν παιδίον εἰς τὸ σαρανταήμερον· Κύριε
ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν (τεσ)σαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου ἐν τῷ ἱερῷ ἀνελθὼν
ὑπὸ Μαρίας τῆς ἁγίας Θεοτόκου σου... См. выше стр. 53.

л. 80 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,
ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ἔπιδε ἐπὶ τὴν
δούλην σου ταύτην... Тамъ же.

л. 81 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχομένον.

л. 108 об. Молитвы на различные случаи.

л. 116. Чинъ брака.

л. 124. Εὐχὴ ἐπὶ διγαμούντων.

л. 127. Εὐχὴ εἰς θυσίαν.

л. 129. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἁγίῳ κατορκιστήριον (sic) περὶ πνευμάτων
ἀκαθάρτων καὶ φυλακτήριον τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ.

Ὁ Θεὸς ὁ μόναρχος, ὁ ἀγέννητος, ὁ γεννητός, ὁ ἀναλλοίωτος, ὁ
ἀθάνατος Θεός, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν...

л. 140. Ἀπορκισμὸς τοῦ ἁγίου Γρηγορίου κατὰ τῆς ἄβρας τοῦ χα-
λεποῦ κινδύνου.

Ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἐπικαλοῦ-
μαι Θεὸν Πατέρα Παντοκράτορα καὶ τὸν Κύριον ἡμῶν... См. выше. стр. 118.

л. 144 об. 'Απορκισμός τοῦ Μεγάλου Βασιλείου ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ Θεὸς τῶν θεῶν καὶ Κύριος τῶν κυρίων. p. 578.

л. 146. 'Ετέρα εὐχή περὶ πνευμάτων ἀκαθάρτων 'Εξορκίζω σε τὸν ἀρχέκακον. p. 579.

л. 149. Евангелія на разные случаи.

л. 152. Εὐχή λεγομένη εἰς πᾶσαν ἀσθένειαν

Δέσποτα Κύριε, ὁ ἱατρὸς τῶν νοσοῦντων καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως.

л. 162. 'Απορκισμός περὶ κακῆς γυναικός.

л. 163. 'Απορκισμός τοῦ ἡμικράνου.

л. 168. Εἰς μνημόσυνα τῶν κεκοιμημένων.

л. 173. 'Επιστολὴ τῆς ἀγίας Κυριακῆς, πεμφθεῖσα ἐξ οὐρανοῦ καὶ ὀφθεῖσα πάπα Ῥώμης.

л. 194. Εὐχή ὑπὲρ κτηνῶν προβάτων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐλέησον ἡμᾶς. Ἀμήν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐλέησον ἡμᾶς. Κύριε, βοήθει. Ὁ ἅγιος Μάμας ὁ πρωτοποιμὴν εἶχε χιλιάδας αἰγας καὶ μυριάδας ἀμνάδας, καὶ ἐποίησε, τυροὺς καὶ κατεβαίνειν εἰς πόλιν Καισαρείας, καὶ ἐρόγειεν αὐτὰ χήρας καὶ ὀρφανούς, καὶ τυφλοὺς, καὶ χωλοὺς. καὶ ἀδυνάτους. Ἰδὼν δὲ ὁ διάβολος τὸν ἅγιον Μάμαν, τοῦτο ποιῶντα, ἐζήλωσεν αὐτόν, ἀνέστειλεν τὴν μοῖραν αὐτοῦ, λέγων· Ἐπάρατε τὰς ἐβδομήκοντα δύο αἰτίας καὶ βάλετε εἰς τὰς ἐβδομήκοντα δύο πηγὰς τῶν ὁρέων. Ὅταν δὲ ᾤλθον εἰς τὰ ποίμνια τοῦ ἀγίου Μάμα, καὶ ἔπεσον καὶ ἀπέθανον, τότε ὁ ἅγιος Μάμας, πεσὼν ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν καὶ ἔκλαιε πικρῶς. Καὶ κατῆλθεν ὁ ἀρχάγγελος Μιχαὴλ ἐξ οὐρανοῦ, λέγων αὐτῷ· Μάμα, δοῦλε Κυρίου, τί ὀδύρεσαι; Καὶ εἶπε πρὸς τὸν ἄγγελον· κύριε, τὴν εὐλογίαν, ἣν ἔδωκέ μοι ὁ Χριστός, ἐζήλωσεν ὁ διάβολος καὶ ἀπέχτεινεν αὐτά. Καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἀρχάγγελος· ἀνάστα, Μάμα, καὶ ἔπαρε ἐκ τριῶν πηγῶν ὕδωρ καὶ βάλε εἰς τὸ ἀγγεῖον, καὶ ἄρον τὰ πρόβατα εἰς τόπον ἀπόκρυφον, καὶ κράτησον ἄγγεϊον, καὶ εἶπε τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, εὐλόγησον. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πᾶσαν αἰτίαν προβάτων καὶ αἰγῶν καὶ βοῶν ἰώμενος καὶ τὰς νόσους ἀράμενος, ἐπικαλούμεθά σου, Δέσποτα Κύριε, ὅτι διὰ τὴν ἡμετέραν παρακοὴν ἐπῆλθε ψθορά καὶ διὰ τὴν ἄφατόν σου φιλανθρωπίαν ἤλθες καὶ ἔσωσες ἡμᾶς ἐκ τῆς πλάνης καὶ ἐπιβουλῆς τοῦ διαβόλου, καὶ τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτοῦ, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσόν μου, καὶ πρόσδεξάι μου τὴν ἐκτενήν, ὥς προσεδέξω τοῦ δικαίου σου Ἀβελ τὰ δῶρα ἐκ τῆς ποιμένης αὐτοῦ, ἴσαι καὶ εὐλόγησον τὰ πρόβατα καὶ τὰ κτήνη ταῦτα, ὥς εὐλόγησας τὰ ποίμνια τοῦ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ καὶ

Μωσῇ καὶ Ἀαρών· εὐδόκησον, Κύριε, τοῦ ῥύσασθαι τὰ πρόβατα καὶ τὰ κτήνη ταῦτα ἀπὸ πάσης νόσου, ἀπὸ ζήλου καὶ φθόνου, καὶ βαρυσυχίας, τυφλωσίας, λευκώματος, ὁρασμοῦ, συνδέσμων συνεπιστόνους(;), καὶ φουσιγόνους, καὶ σπλήνας, καὶ χολῆς, καὶ βδέλλας, καὶ δυσεντερίας, καὶ γλωσσοφυσίας, καὶ θυμοῦ, καὶ ψώρας, καὶ πλῆθους, καὶ φθαρίου, καὶ καρκίνου, καὶ σκορδαίου, καὶ σκώληκος, καὶ μύξους καὶ ἐπιδρομῆς σταυρίδος(;), καὶ φλουμῆδος(;), καὶ ἐντεροκουφισμοῦ, κρανιακοῦ, θαφιλῆδος(;), σκλέπου, καὶ κρατονίου, καὶ λημίας, καὶ ταινίας, καὶ δυσσουρίας, καὶ ὕδρολικοῦ, τετανοσφίμου, συκαμίνου, καὶ σφαληγίας(;), καὶ πκραλύμου(;), καὶ σειριάσματος, καὶ φαρμακίου. Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος καὶ διὰ πρεσβειῶν τοῦ ἁγίου Μάμαντος, Τάρσου, Θύρσου, Προκοπίου, Δομετιανοῦ, Παπᾶ, Βαβύλου, Παντελεήμονος, Νίκωνος καὶ Νικάνδρου, Βαρβάρας καὶ Ἰουλιανῆς, Μαρίνας καὶ Ἀναστασίας, Πολοκάρπου, Ἀκινδύνου καὶ Ἀνεμποδίστου, Ἀφθονίου, Πηγασίου, Ἐλπιδοφόρου, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς.

л. 197. Ἀπορκισμὸς καὶ φυλακτήριον τοῦ ἁγίου Τρύφωνος περὶ τῆς ἀμπέλου, κήπου καὶ τῶν χωραφίων.

л. 200. Περί ὄψεως.

л. 202. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιάσματος.

л. 217—220 Пасхалия.

LXIV. № 8 (182) Εὐχολόγιον, рукопись Святогробской библиотеки въ Константинополѣ XV вѣка, въ четверку, 194 листа, писана четкою скорописью на бомбицинѣ. Рукопись безъ начала и конца.

л. 1. Рукопись начинается чтеніями изъ пророка Іереміа, положенными на вечерни въ день Пятидесятницы. Вторая паремія: Ἐγένετο λόγος Κυρίου πρὸς με, λέγων· τί σὺ ὀρᾷς Ἰερεμίας; καὶ εἶπον· βακτηρίαν καρυῖνην ἐγὼ ὀρῶ... Τέλος· Ὅτι μετὰ σοῦ ἐγὼ εἰμι, τοῦ ἐξαίρεσθαί σε, λέγει Κύριος. 3 паремія: Τὰδε λέγει Κύριος· ἐμνήσθην ἐλέους νεότητός σου καὶ ἀγάπης τελειώσεώς σου... Τέλος· ἐξέστη ὁ οὐρανὸς ἐπὶ τούτῳ καὶ ἔφριξεν ἐπὶ τούτῳ, λέγει Κύριος. Καὶ ἀναστὰς ὁ ἱερεὺς καὶ στάς ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ἐκφωνεῖ ἀσκεπῆς ὢν· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀχραντε, ἀμίαντε, ἀναρχε... и т. д., какъ у Гоара pag. 597—601 до послѣдней молитвы: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος... Гоар. р. 601, которая, по этой рукописи, во первыхъ, читается тайно (μυστικῶς), а во вторыхъ, сравнительно съ подобною же молитвою, напечатанною у Гоара, значительно короче. Оканчивается она слѣ-

дующими словами: Καὶ μετὰ παρρησίας δοξάσωμεν ἐπὶ πᾶσι σὲ τὸν μόνον ἀκατάληπτον ἀληθινὸν Θεὸν καὶ φιλόανθρωπον Σωτῆρα ἡμῶν. Goar. pag. 601. Далѣе слѣдуютъ: Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... У Гоара напечатанъ другой возгласъ. Остальной порядоку, какъ у Гоара.

л. 12 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Goar. pag. 366.

Καὶ εὐθέως (т. е. послѣ евангелія) ἄρχεται ὁ διάκονος, εἴπερ ἐστὶ, τὰ διακονικὰ τοῦ ἁγιασμοῦ, ὧν λεγομένων, δίδονται κηρία τοῖς ἀδελφοῖς, ὁ δὲ ἱερεὺς ἀναγινώσκει καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν· Κύριε, ὁ μονογενὴς σου, εἰ δὲ οὐκ ἐστὶ διάκονος, λέγει τὴν εὐχὴν ὁ ἱερεὺς, ἀναγινωσκομένων τῶν προφητειῶν, ἵνα ἡ ἔτοιμος μετὰ τὸ πληρῶσαι τὰ διακονικὰ ἄρξασθαι τῆς ἐτέρας εὐχῆς. Τὰ διακονικὰ· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα... Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι ἡμᾶς ἐμπλησθῆναι τοῦ ἁγιασμοῦ τούτου διὰ τῆς τοῦ ὕδατος μεταλήψεως τῇ ἀοράτῳ ἐπιφανείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως, τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτῷ ἀφθαρσίας πηγὴ ἁγιασμοῦ... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι πᾶσι τοῖς χριστένοις ἐξ αὐτοῦ πίστει... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ φυλακτήριον καὶ ἁγιασμοῦ οἴκων... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι τὸν περιστώτα λαὸν ζωῆς αἰωνίου διὰ τοῦ ἁγιασμοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τῆς ἡμετέρας δεήσεως καὶ ἀναδεῖξαι τὸ ὕδωρ τοῦτο σωτηριώδη πηγὴν... Ὑπὲρ τοῦ ρυθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοὶ πᾶσα δόξα... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Καὶ εὐχὴ μυστικῶς μέχρι τοῦ Ἀμήν. Κύριε, ὁ μονογενὴς Υἱός... Goar. pag. 368. Послѣ молитвы на главопреклоненіе Goar. pag. 371, положена еще εὐχὴ ἐτέρα· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκύτατον. Goar. p. 363. Ἐκφώνησις· Σὺ γὰρ εἶ ἁγιασμός... Этою молитвою чинъ оканчивается. Далѣе нѣсколько листовъ вырвано.

л. 23. Κονεὶς τῆς молитвы: διὰ τὴν σωτηρίαν ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν, ὁ γινώσκων τὸ ἀσθενὲς τῆς φύσεως ἡμῶν... Goar. pag. 262.

— Εὐχὴ ἐτέρα τῆς λεγώνας (sic).

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς παναχράντου Δεσποίνης... Goar. pag. 261.

λ. 24. Εὐχή, λεγομένη εἰς τὰς εὐρεθούσας γυναῖκας τῇ ὥρᾳ τῆς γεννήσεως.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὁδόνῃ εἰπὼν Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ τὰ μιὰ καὶ ἀκάθαρτα πάντα καθαρὰ νομοθετήσας Πpилож. стр. 6; Εὐχολ. Goar. p. 263 съ концемъ: καὶ ἀξίωσον αὐτὰς ἀμέμπτως εἰσελθεῖν ἐν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ. Ὅτι σὺ ὑπάρχεις συμπαθῆς ἐπὶ τοῖς παραπτώμασιν.

— Εὐχή τῆς μαίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ἐνοποστάτῳ σου λόγῳ... Goar. pag. 263.

λ. 24 об. Εὐχή ἐτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἀναμάρτητος, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἀμαρτωλοῦ, ὡς τὸ ἐπιστρέφει καὶ ζῆν αὐτόν, πρόσδεξαι καὶ τῆς δούλης σου ὁδεῖν αὐτὴν μετάνοιαν, καὶ 1) ἔχσαι τὰ συντρίμματα αὐτῆς, καὶ δὸς αὐτῇ μετὰ φόβου καὶ ἀγάπης προσελθεῖν τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ καὶ προσελθεῖν τοῖς ἀχράντοις σου μυστηρίοις, καὶ ἀξίωσον αὐτὴν εὐαρέστως τοῦ δοξάζειν σε πάντοτε. Ὅτι ὑψόλγεται καὶ δεδοξασται τὸ πάντιμον... Τὴν τιμιωτέραν, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 25. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Ἰστέον, ὅτι τῇ μετὰ τὴν γέννησιν... Πpилож. стр. 6 ποιήσας οὖν ὁ ἱερεὺς εὐλογητὸν πρὸ τῶν πολῶν τοῦ ναοῦ, σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα... Goar. p. 264. Εὐχή ἐτέρα πρὸς ταύτην· Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τοῦ μεγαλοφωνοτάτου τῶν προφητῶν... Αὐτὸς ὁ φυλάσσων τὰ νήπια, Κύριε, εὐλόγησον καὶ τὸ παιδίον τοῦτο, καὶ καταξίωσον αὐτὸ δι' ὕδατος καὶ Πνεύματος τῆς τοῦ ἀγίου βαπτίσματος ἀναγεννήσεως, συγκαταριθμῶν αὐτὸ τῇ ἀγίᾳ ποίμνῃ τῶν λογικῶν προβάτων, τῶν ἐπιτεκλημένων τὸ ὄνομα τοῦ Χριστοῦ σου... Goar. pag. 268. Λαβὼν δὲ ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον ἐκ τῶν ἀγκαλῶν τῆς μαίας, ἵσταται πρὸ τῶν πολῶν τοῦ ναοῦ, λέγων τὸν ψαλμόν· Τὰ ῥήματά μου ἐνώπιόν σου, Κύριε... ἕως τὸ εἰσελεύσασθαι εἰς τὸν οἶκόν σου, προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἁγίόν σου, Κύριε. Καὶ εἰσέρχεται μέσον τοῦ ναοῦ, λέγων· Χαῖρε, κεχαριτωμένη

1) Ркп. Синайск. библ. XV в. № 988 καὶ καθάρισον αὐτῆς τὸν ῥόπον τοῦ σώματος καὶ τὴν σπῆλον τῆς ψυχῆς, καὶ καταξίωσον αὐτὴν ἀκατακρίτως μετασχεῖν τῶν ἀχράντων μυστηρίων καὶ προσπεσεῖν τοῖς οἰκτιρμοῖς σου. Ὅτι σὺ τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

Θεοτόκε Παρθένε... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τῆς κανδήλας ἔλαιον ἅγιον, χρίει τὸ μέτωπον τοῦ παιδός, λέγων· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ἔλαιον ἀγαλλιᾶσεως, τὸν ἀρράβωνα τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἶτα ἐπιδίδει τὸ παιδίον τῇ μαίᾳ, λέγων· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν προσελθὼν ὑπὸ Μαρίας... Goar. p. 267. Εἶτα σφραγίζει τὸ μέτωπον τοῦ παιδός καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν καὶ ἐξέρχεται.

л. 27 об. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα τεσσαράκοντα ἡμερῶν τῆς γεννήσεως αὐτῆς.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον τῆς ἡμέρας. Σημεῖωσαι· Δεῖ γινώσκειν, ὅτι τῇ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ προσάγεται ἡ γεννήσασα γυνὴ τῷ ναῷ ἐπὶ τὸ ἐκκλησιασθῆναι, ἵγουν ἀρχὴν λαβεῖν εἰσάγεσθαι εἰς τὴν ἐκκλησίαν, μετὰ τοῦ παιδίου αὐτῆς, κεκαθαρμένης καὶ λελουμένης, καὶ κλινούσης ταύτης τὴν κεφαλὴν ἅμα τῷ βρέφει πρὸ τῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, τὴν τοῦ σταυροῦ σφραγίδα ποιῶν ὁ ἱερεὺς, ἀπτόμενός τε τῆς κεφαλῆς, λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν... Goar. p. 267; Прилож. стр. 8. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 267. Τὴν τιμιωτέραν, καὶ γίνεται ἀπόλυσιν καὶ ἐξέρχονται. Δεῖ γινώσκειν... Прилож. стр. 7; Goar. p. 265.

л. 29. Νομικὸν ἐκ τῶν τηγ'. θεοφόρων πατέρων τῶν ἐν Νικαίᾳ. Χρὴ γινώσκειν, ὅτι εἰ αἱ πέντε μῆνας ἐγγυμονοῦσαι... Goar. p. 265.

л. 29 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Ἀποδύει αὐτὸν καὶ ὑπολύνει καὶ ἱστησιν αὐτόν... Прилож. стр. 9. Καὶ ἐμφυσᾷ τοῦ παιδός γ'. καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος καὶ λέγει· Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ... Прилож. стр. 10. Ἀποδουομένου δὲ καὶ ὑπολυομένου τοῦ βαπτιζομένου, ἵσταται, εἰ μέγας ἐστί, καὶ στρέφει αὐτόν πρὸς δυσμὰς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει ταῦτα ἐκ τρίτου, ἣ ὁ κατηχούμενος, ἣ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ, ἐὰν ἐστί βρέφος, ἣ βάρβαρος·

Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ;

Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ;

Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ¹⁾;

Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ;

Καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ;

¹⁾ Этого стиха нѣтъ въ Пандократор.-Аѳон. ркп. XV в. № 149.

Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος πρὸς ἕκαστον τούτων¹⁾ ἡ ὁ ἀνάδοχος. Καὶ ὅτε εἶπη τρίτον, πάλιν λέγει. Ἐρώτησις Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Καὶ ἀποκρίνεται²⁾. Ἀπόκρισις Ἀπεταξάμην. Καὶ ὅτε εἶπη τρίς³⁾, λέγει· (Ἐ)μπτυσον αὐτῷ. Ὑπαγε ὀπίσω μου, σατανᾶ⁴⁾. Εἴτα ἰστᾶ αὐτὸν κατὰ ἀνατολάς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει⁵⁾. Ἐρώτησις Συντάσσει τῷ Χριστῷ; Καὶ ἀποκρίνεται· Καὶ συντάσσομαι καὶ προσκυνῶ αὐτόν. Καὶ λέγει· Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν. Ἀποκρινομένου καθ' ἕκαστον τοῦ ἀναδόχου, ὡς εἴρηται, καὶ ὅτε πληρώσῃ τοῦτο τρίς, ἐρωτᾷ ὁ ἱερεὺς τὸν βαπτιζόμενον⁶⁾· Συνετάξω τῷ Χριστῷ; Καὶ ἀποκρίνεται· Συνεταξάμην. Καὶ ὅτε εἶπη τοῦτο γ'. λέγει· Προσκύνησον αὐτόν. Καὶ προσκυνήσας ὁ βαπτιζόμενος, ἡ ὁ ἀνάδοχος⁷⁾ λέγει· Προσκυνῶ Πατέρα, Υἱὸν καὶ ἅγιον Πνεῦμα, Τριάδα ὁμοούσιον καὶ ἀχώριστον τὴν βασιλεύουσαν εἰς αἰῶνα αἰῶνες. Ἀμήν. Снес. Прилож. стр. 10 и 11. Καὶ οὕτως εὔχεται ὁ ἱερεὺς, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου... Goar. pag. 278. Εἴτα ἀπέρχεται ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ⁸⁾ καί, βαλόντες ἐν αὐτῇ ὕδατος χλιαροῦ, θυμιᾷ κύκλῳ καὶ λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ προσερχομένου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Goar. p. 287. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ ἡ εὐχὴ μυστικῶς μέχρι τοῦ Ἀμήν Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Goar. pag. 288—289. При словехъ: Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν... замѣчено: καὶ ἐμφυσᾷ τὸ ὕδωρ καὶ σφραγίζει ἐκ τρίτου, λέγων· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Λαβὼν τοίνυν ὁ διάκονος⁹⁾ τὸ ἄγγεῖον τοῦ ἐλαίου¹⁰⁾, ἐμφυσᾷ αὐτῷ τρίτον ὁ ἱερεὺς καί, κλίνας ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν, εὔχεται μυστικῶς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν... Goar. pag. 289. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον τοῦ ἁγίου ἐλαίου, λέγει· Πρόσχωμεν. Καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροῦς γ'. ψάλλον τὸ Ἀλληλούια γ'.¹¹⁾ Ἐκφώνησις· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων... Καὶ προσφέρεται ὁ βαπτιζόμενος¹²⁾, καὶ

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. № 988 ἐκ τρίτου, καὶ μετὰ τοῦτο πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀπετάξω. ²⁾ ὁ κατηχούμενος ³⁾ ἐμφυσᾷ ὁ ἱερεὺς τὸ μέτωπον αὐτοῦ γ'. καὶ τότε λέγει· Ὑπαγε ⁴⁾ καὶ τοῦτο ποιήσαντος, ἰστᾶ αὐτὸν ⁵⁾ ἐκ τρίτου· Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ Πιστεύω εἰς ἓνα... καὶ ἐξῆς μέχρι τέλους ⁶⁾ πάλιν γ'. καὶ λέγει ⁷⁾ этого замѣчаниа нѣтъ ⁸⁾ καὶ θυμιᾷ σταυροειδῶς καὶ λέγει τὰς αἰτήσεις ⁹⁾ ὁ ἀνάδοχος ¹⁰⁾ καὶ κλίνας ὁ ἱερεὺς τὴν κεφαλὴν εἰς τὸ ἄγγεῖον τοῦ ἐλαίου, βασταζόμενον ὑπὸ τοῦ διακόνου, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ γ'. καὶ σφραγίζει τρίτον, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε... ¹¹⁾ σὺν τῷ λαῷ, εἴτα ἐκφωνεῖ ¹²⁾ ἐπ

χρίει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στήθος, καὶ τὰ μετάρρενα, καὶ λέγει· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Εἴτα χρίεται ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου ὁ βαπτιζόμενος ὅλον τὸ σῶμα ὑπὸ τῆς μαίας¹⁾, ἢ ὑπὸ τοῦ διακόνου²⁾. Καὶ δῆσας ὁ ἱερεὺς τὸ μανδήλιον, τίθει αὐτὸ ἐπὶ τοῦ τραχήλου, καὶ λαβὼν τὸ παιδίον, βαπτίζει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος... Ἐν ἐκάστη προῤῥήσει κατὰ γων αὐτὸν καὶ ἀνά γων εἰς τὸ ὕδωρ, εἴτα ψάλλει· Μακάριοι ὦν... Τοῦτο λέγει τρίτον καὶ δοξάζει. Καὶ λαβὼν ὁ ἀνάδοχος τὸ παιδίον εἰς τὰς ἀγκάλας αὐτοῦ, κρεμάμενον εἰς τὸ μανδήλιον, ἐνδύει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τὸν χιτωνίσκον, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δεῖνα χιτῶνα ἀφθαρσίας καὶ ἀγαλλιάσεως εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ τὸ ψάλλει ἤχος πλ. δ'. Χιτῶνά μοι παράσχου... Εἰς τὸ σταύρωμα ψάλλει, ἤχος πλ. δ'. Τῷ σταυρῷ ἐνδεδυμαι τὸ βάπτισμα εἴληψα, τὴν πηγὴν τοῦ λουτροῦ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἰς τὴν ζώνην λέγει· Περιζώννυται τὴν ὀσφύν ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ εἰς τὸ ὄνομα... Εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ... Goar. p. 290. Εἴτα ψάλλουσιν· Ὅσοι εἰς Χριστὸν, ἐκ γ'. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ μύρον, χρίει τὸν βαπτιζόμενον, λέγων ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν μεταφρένων, καὶ τῶν δύο ὠτων· Σφραγίς δωρεᾶς... Εἰς τὰ ὦτα λέγει· Εἰς ἀκοὴν πίστεως. Εἰς τὰς χεῖρας· Εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν. Εἴτα ἀπέρχεται καὶ τελεῖ τὴν θείαν λειτουργίαν.

л. 41 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφώτιστον τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῇ μετὰ τὸ βάπτισμα.

Ἄνθρωποι ἀμαρτιῶν... Goar. pag. 303. Ὁ δὲ ἱερεὺς, λαβὼν σπόγγον ἐξ ὕδατος, ἀποσπογγίζει τὸ μέτωπον τοῦ βαπτισθέντος καὶ τὰ ὦτα, λέγων· Ἐφωτίσθης, ἡγιασθης, ἀπελούσθης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς.

л. 42 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας... Goar. pag. 304. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... Ibidem.

τῶν πρεσβυτέρων, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, ποιεῖ σταυροῦ τύπον.

¹⁾ Нѣтъ. ²⁾ На той же самой страницѣ рукою XVI столѣтія сдѣланы приписки о томъ, какія слова нужно произносить священнику при помазаніи частей тѣла. Λέγει ἐν τῷ μετώπῳ· Σφραγίς δωρεᾶς... Εἰς τὰ ὦτα· Εἰς ἀκοὴν πίστεως καὶ φόβου Θεοῦ. Εἰς ὀφθαλμούς· Φώτισον τοὺς ὀφθαλμούς. Ἐν τῷ στόματι· Παῦσον γλῶσσάν σου. Ἐν τῇ καρδίᾳ· Καρδίαν καθαρὰν κτίσον... Εἰς χεῖρας· Εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν. Εἰς τοὺς πόδας· Τοῦ πατεῖν ἐπάνω ὁδοῦς.

λ. 43. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. pag. 306. Καὶ λαβὼν τὸ ψαλλίδιον, κουρεῦει τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς, λέγων· Κεῖρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα... Καὶ λαβὼν τὰς τρίχας, σμίγει ταύτας μετὰ κηροῦ, εἷτα λέγει· Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Σὲ ἰκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας... Goar. pag. 306 съ прибавкою словъ: καὶ εὐαρεστήσει σοι ἐν ἔργοις καλοῖς καὶ ἀγαθοῖς, ὡς περ ἡτοίμασας, ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσῃ. Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων καὶ πληθύνων τὰ σύμπαντα, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

λ. 44 об. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα. Ἀρχὴ τοῦ ἀρράβωνος.

Ἰσταται ὁ μὲν πρεσβύτερος ἐν τῷ ἱερατεῖῳ, οἱ δὲ ἀρμοζόμενοι πρὸ τῶν θυρῶν, καὶ λαβὼν ὁ πρεσβύτερος τὰ δακτυλίδια τῶν νεωτέρων καὶ τίθει αὐτὰ ἐν τῷ εὐαγγελίῳ, εἰδ' οὕτως ποιεῖ Εὐλογητόν, Τρισάχιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, καὶ κοντάκιον, εἰδ' οὕτως τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὴν ἀλήθειάν σου εἰς τὴν κληρονομίαν¹⁾ σου²⁾ καὶ τοῖς πατράσιν ἡμῶν τοῖς ἐκλεκτοῖς σου, Αὐτὸς ἐξαπόστειλον τὸ ἔλεός σου ἐφ' ἡμᾶς καὶ τοὺς δούλους σου τούσδε, καὶ στήριξον τὸν ἀρράβωνα αὐτῶν ἐν πίστει καὶ ἀγάπῃ³⁾, εὐλόγησον τὰ δακτυ-

— γ υ σ τ —

¹⁾ Ркп. Лавры пр. Аѳанасія XIII в. καὶ τὴν ἐπαγγελίαν σου ἐπὶ τοὺς δούλους σου τοῖς πατράσιν ἡμῶν τῶν καθ' ἑκάστην γενεάν καὶ γενεάν τοῖς ἐκλεκτοῖς, Αὐτὸς ἐξαπόστειλον τὴν ἀλήθειάν σου καὶ τὴν ἐπαγγελίαν σου ἐπὶ τὸν δούλόν σου ὁ δεῖνα καὶ ἐπὶ τὴν δοῦλὴν σου ἡ δεῖνα καὶ στήριξον. ²⁾ Ркп. XVI в. Свят.-гроб. библ. № 68 ἐπὶ τῶν δούλων σου τούτων στήριξον τὸν ἀρράβωνα. ³⁾ Прибавлено: διὰ δακτυλιδίου. Ркп. Лавры XIII в. σφραγισθήσονται θησαυροὶ καὶ οἶκοι φυλαχθήσονται διὰ δακτυλιδίου ἐδόθη ἐξουσία τῷ Ἰωσήφ ἐν Αἰγύπτῳ, διὸ καὶ ³⁾ Ркп. № 68 Свят.-гроб. библ. σφραγισθήσονται θησαυροὶ καὶ οἶκοι φυλαχθήσονται, διὰ δακτυλιδίου ἐκλήροχθη Χанаὰν ἐκ Ναζαρέτ καὶ διὰ δακτυλιδίου ἐξουσία τῷ Ἰωσήφ ἐν Αἰγύπτῳ ἐδόθη, δι' οὗ καὶ ὁ πατὴρ ἐλεήμων γέγονεν ἐπὶ τὸν υἱὸν αὐτοῦ καὶ ἰδὼν αὐτὸν εἶπεν· δότε τὸ δακτυλίδιον εἰς τὴν δεξιὰν αὐτοῦ καὶ ἐξενέγκατε τὴν στολὴν τὴν πρώτην, ἐνδύσατε αὐτὸν καὶ θύσατε τὸν μόσχον τὸν σιτευτὸν καὶ φαγόντες εὐφρανθῶμεν. Καὶ νῦν, Κύριε, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους εὐλογίαν τὴν οὐρανόθεν· τῷ λόγῳ σου τῷ ἀληθινῷ οἱ οὐανοὶ ἐστερεώθησαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς καὶ ἡ δεξιὰ(;) σου τῇ δεξιᾷ σου φυλαχθήσονται, καὶ εὐφροσύνην στήσον ἐνώπιον αὐτῶν, λυτρούμενος αὐτοὺς ἀπὸ πάσης ἐπιβουλῆς τοῦ ἐχθροῦ. Ὅτι ἐλεήμων.

λοθέσια αὐτῶν τῇ δεξιᾷ σου χειρί, καὶ εὐλογηθήσονται ἐν χαρᾷ καὶ εὐφροσύνῃ, καὶ ἄγγελος ἀγαθὸς ἔστω πρὸ προσώπου αὐτῶν, ῥυόμενος αὐτοὺς ἀπὸ πάσης διαβολικῆς ἐνεργείας, πάντοτε νῦν καὶ αἰεῖ... Εὐχὴ ἑτέρα· Πάτερ ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, τὸν ἀρρῆχβῶνα τοῦτον ἰσχυρόν καὶ βέβαιον διατήρησον, ἵνα γένηται αὐτοῦ τὸ συνάλλαγμα εἰς πολλὸν χρόνον καὶ ἀδιάλειπτον. Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιλόανθρωπος... Τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνθωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα... Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χαρίσεται αὐτοῖς σωφροσύνην καὶ μακροήμερευσιν καὶ τὴν εἰς ἀλλήλους ἀγάπην... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνος καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Θεῷ ἀγάπης καὶ σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα φιλόανθρωπε Κύριε, ὁ διὰ τῆς προφητικῆς φωνῆς ἐνισχύσας, ὅτι παρὰ σοὶ ἀρμόζεται ἀνδρὶ γυνή, σὺ καὶ τὴν παροῦσαν μνηστείαν ἀξίωσον¹⁾ τῆς παρὰ σοῦ εὐλογίας, καὶ συμπλήρωσον τὴν συζυγίαν²⁾ τῶν δούλων σου ὁ δεῖνος καὶ ἡ δεῖνα ἄμεμπτον³⁾, εὐάρεστον τῷ ζωοποιῷ σου θελήματι· Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ ἀπὸ γῆς πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἔδωκας αὐτῷ βοήθον κατ' αὐτοῦ, τὴν ἐκ πλευρᾶς αὐτοῦ πλασθεῖσαν γυναικα, καὶ ζεῦξας αὐτοὺς εἰς κοινωνίαν καὶ εἰς διαδοχὴν παιδῶν, καὶ αὖξῃσιν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων· καὶ νῦν. Κύριε, εὐλόγησον τὴν μνηστείαν τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνος καὶ ἡ δεῖνος, καὶ ἀξίωσον αὐτοὺς πληθυνθῆναι ἐν τῷ πληθῇ τῶν οἰκτιρμῶν σου, καὶ δὸς αὐτοῖς καρπὸν εὐλογίας, καὶ τρόπον εὐσε-

¹⁾ ТИШК. 1468 г. Ватоп. библ. κατοξίωσον καὶ πνευματικὴς εὐλογίας ²⁾ τὴν εὐλογίαν ³⁾ καὶ ἀνεπίληπτον εὐρεθῆναι καὶ εὐαρέστους τῶν ζωοποιῶν σου θελημάτων, χάρισαι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα, συμφωνίαν πίστεως καὶ ἔργα δικαιοσύνης, αὖξῃσιν αὐτοὺς ἐν τῷ πληθῇ τῶν οἰκτιρμῶν σου, τὴν εἰρήνην τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, βράβευσον ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν καὶ τῷ σφ' φόβῳ ὁδηγήσῃ αὐτοὺς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, σκέπασον αὐτοὺς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν περὺγων σου, ἄρρ' κτον τὸ πέρας αὐτῶν διατήρησον τὸν τῆς ἀσφαλείας νόμον, ὁ τὰ διηρημένα εἰς ἐνότητα συνάψας καὶ ποιήσας τὰ ἀμφότερα ἐν πληρίμα γὰρ νόμου ὑπάρχων, καὶ ἡμῖν προστάξας ἀγῶνα ἀγισθῶν, καὶ νῦν, εὐπλαγχνε Κύριε, καταξίωσον τοὺς δοῦλους σου τοὺς μνηστευομένους σωφρόνως καὶ ἀμεμπτως καὶ εὐσεβῶς διαπράξαντας ἐν τῇ συναφείᾳ αὐτῶν, ἵνα καὶ τὸν νομφικὸν γάμον καταξισθῶντες ἰδεῖν τοὺς στεφάνους τῆς χάριτός σου δέξωνται, δοξάζοντες οὖν ἡμῖν τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος.

βείας καὶ συμφωνίαν πίστεως καὶ σωφροσύνης, ἴνα, κατὰ σάρκα καὶ κατὰ πνεύματα καὶ κατὰ ψυχὴν ἐνωθέντες τῷ φόβῳ σου τῶν παρὰ σοῦ καταξιωθῶσιν εὐλογιῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ... Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα καὶ σύνδεσμον διαθέσεως τιθεὶς ἁρρήκτον, ὁ εὐλογήσας Ἰσαὰκ καὶ Ῥεβέκκαν. Goar. p. 311. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια, ἐπιδίδει τὸ μὲν χρυσοῦν τῷ ἀνδρί, τὸ δὲ ἀργυροῦν τῇ γυναικί, καὶ ἀλλάσσουν αὐτὰ ἐκ τρίτου. Ἔττα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν προμνηστευσάμενος ἑαυτῷ ἐκκλησίαν... καὶ φύλαξον αὐτοὺς ὑπὸ τὴν σκέπην τῶν πτερύγων σου ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Conf. Goar. p. 311. (Далѣе нѣсколько листовъ вырвано). Ὑπὲρ τοῦ ρυθιθῆναι... Очевидно, конецъ ектения въ чинѣ вѣнчанія. За возгласомъ: Ὅτι πρέπει... Καὶ εὐχαί. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... Goar. p. 317. Εὐλογητὸς εἶ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός καὶ τῶν αἰώνιων ἀγαθῶν δοτὴρ, ὁ στυλβώσας τὸ φῶς καὶ καλέσας ἡμέραν, ὁ τῇ μεγάλῃ σου σοφίᾳ συστησάμενος τὸν κόσμον καὶ τῇ ἀρρήτῳ σου βουλῇ παραθεὶς τὴν εὐπρέπειαν τοῦ κόσμου, ὁ τὸν δροσοβόλον οὐρανὸν καμαρώσας, καὶ τὸν ἀκτινόμορφον ἥλιον περιβολὴν φωτὸς ἀμφιάσας, καὶ τὴν τῶν ἀστέρων μορφήν συμφαιδρύνας, ὁ τὴν φεγγοειδῆ σελήνην διαυγᾶσας, καὶ ταύτην ὡς νύμφην νυμφῶνος πορεύεσθαι δαδουχήσας, ὁ τὰς ὀμβροτάκους νεφέλας διαπετάσας καὶ τὰ ἄνθη κελεύσας ἐκθαλπεῖν, ὁ τὴν ζωογόνον γῆν καρποφορεῖν κατὰ καιρὸν τῷ κόσμῳ ἐπαγγειλάμενος¹⁾, ὁ τὴν μεγάλην καὶ εὐρύχωρον θάλασσαν ὀροθετήσας, καὶ ἐν αὐτῇ ζῶα ἀναρίθμητα ἐμφωλεύσας²⁾, ὁ τοῦ μυστικοῦ γάμου νομοθέτης καὶ τῆς ἱερᾶς καὶ ἀφθάρτου νύμφης νυμφοστόλος, καὶ τοῖς ἐπ' ἐλπίδι³⁾ νυμφαγωγός, ὁ τῆς παρθενίας νυμφίος καὶ τοῦ νομικοῦ γάμου στεφανωτής, καὶ τῆς βιωτικῆς κοινωνίας ἀγαθὸς οἰκονόμος. Αὐτὸς οὖν, φιλόανθρωπε βασιλεῦ, ἐπλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἔθνηκας⁴⁾ αὐτὸν ἐπὶ τὸν κόσμον καὶ εἶπας· οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐπὶ τῆς γῆς, ποιήσωμεν οὖν βοηθὸν κατ' αὐτοῦ⁵⁾· ἐν ἐκστάσει οὖν ὕπνῳ κορέσας αὐ-

¹⁾ Ркп. 1426 г. Синайск. библ. № 968 παρέχειν ²⁾ τῇ κελεύσει σου καὶ τοῦ μυστικοῦ καὶ ἀχράντου καὶ σωματικοῦ γάμου ³⁾ νυμφευομένοις νυμφαγωγός καὶ τοῦ γάμου στεφανωτής, ὁ τῆς ἀφθαρσίας φύλαξ καὶ τῆς βιωτικῆς κοινωνίας ἀγαθὸς οἰκονόμος ⁴⁾ θέμενος ἐν πάσῃ τῇ κτίσει ⁵⁾ καὶ λαβὼν μίαν τῶν πλευρῶν.

τὸν ἔλαβες μίαν τῶν πλευρῶν τοῦ Ἀδὰμ καὶ ἔπλασας αὐτὴν εἰς γυναῖκα¹⁾, καὶ ἰδὼν αὐτὴν Ἀδὰμ εἶπε· τοῦτο ἦν ὅστουν ἐκ τῶν ὀστέων μου, καὶ σὰρξ ἐκ τῆς σαρκός μου, αὕτη κληθήσεται γυνή, ὅτι ἐκ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς ἐλήφθη αὕτη, ἔνεκεν τούτου καταλήψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα, καὶ προσκολληθήσεται τῇ ἰδίᾳ γυναικί, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν, καὶ οὗς ὁ Θεὸς συνέζευξεν, ἄνθρωπος μὴ χωρίζετω· αὐτὸς γὰρ εἶπας, Κύριε· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν²⁾ κατὰ τὴν λαμπρότητα τῶν ἀστέρων καὶ τὴν σοφίαν³⁾. Αὐτὸς Δέσποτα, ἐξαπόστειλον τὸν ἀρχάγγελόν σου Μιχαήλ, τὸν νυμφῶνα τοῦ παστοῦ εὐτρέπισαι, καὶ τὸν Γαβριὴλ τὰς συζυγίας⁴⁾ καὶ τὰ στέφανα συμπλέξαι. Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων... Καὶ παραδίδει ἀλλήλοις τὰς χεῖρας τὰς δεξιὰς, λέγων· Παράλαβε⁵⁾ Μαρίαν⁶⁾ τὴν γυναῖκά σου. Καὶ εὐχεται· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἀπάντων Πατήρ, ὁ χεῖρα πρὸς χεῖρα διδούς, Ἰησοῦς Χριστὸς ἔστεφάνωσε, τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐνυμφαγώγησεν, ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη παρίστανται, καὶ πᾶσαι στρατιαὶ τῶν ἀγγέλων⁷⁾· εὐλογήθης, νύμφη, ὡς εὐλογήθη Ἀβραάμ, ἐδοξάσθης, ὡς ἐδοξάσθη Ἰσαάκ, δοθήσεται σοι χάρις⁸⁾, ὡς τῇ Ἀννῇ, καὶ σοφία, ὡς τῇ Μαριάμ, καὶ ἔση⁹⁾ εὐλογημένη ἐν ὀνόματι Κυρίου¹⁰⁾ Θεοῦ παντοκράτορος, αὐξάνεσθαι εἰς χιλιάδας καὶ μυριάδας. Εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ¹¹⁾, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἐλισάβετ, διὸ ἐβλάστησας ἐξ αὐτῶν τὸν¹²⁾ Πρόδρομον Ἰωάννην, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,

1) Ркп. № 968 καὶ εἰπὼν· τοῦτο οὖν ὅστουν ἐκ τῶν ὀστέων μου 2) καὶ κατακυριεύσατε αὐτὴν 3) καὶ εὐτρέπισον τὸν νυμφῶνα τοῦ παστοῦ 4) ἔπλεκεν, ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη ἀκτινοφόροι παρίσταντο, πᾶσα δὲ ἡ κτίσις εὐφραίνεται, ὅτε ὁ γάμος ἐπετελεῖτο, καὶ νῦν, Δέσποτα Κύριε, ἐνταῦθα παραγένου καὶ εὐλόγησον τοὺς νυμφίους τούτους. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται. 5) Рук. Синайск. библ. № 988 нѣтъ этой формулы. 6) Вмѣсто этого: ἄνδρα 7) Ркп. XV в. Павт. Афон. мон. № 364 ἐπιθυμοῦσαι ἔτρεχον ἰδεῖν, εὐλογήθης, νύμφε 8) ὡς τὸν Δαβὶδ καὶ σοφία ὡς τὸν Σολομών, καὶ σὺ, νύμφη, εὐλογήθης ὡς ἡ Σάρρα, ἐπληθύνθης ὡς ἡ Ραχήλ, δοθήσεται σοι χάρις, ὡς τῇ Ἀννῇ 9) ἔσεσθα. 10) τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, αὐξάνεσθαι εἰς χιλιάδας καὶ πληθύνεσθαι εἰς μυριάδας, καὶ αἰνέσατε Κύριον τὸν Θεόν, τὸν ποιήσαντα ἡμᾶς, εὐλόγησον αὐτούς 11) εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Μωσῆ καὶ Σεπφώραν, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Δαβὶδ καὶ τὴν Μαλχῶ 12) δίκαιον καὶ Πρόδρομον καὶ Βαπτιστήν.

ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰωακείμ καὶ τὴν Ἄνναν, διὸ ἐβλάστησας ἐξ αὐτῶν τὴν ¹⁾ Δέσποιναν Θεοτόκον, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τοὺς δύο υἱοὺς Ζεβεδαίου, Ἰάκωβον καὶ Ἰωάννην. Στεφάνωσον αὐτούς ²⁾, ὡς ἐστεφάνωσας τοὺς ἁγίους σου παῖδας, εὐφρανον αὐτοὺς ἐπὶ τέκνα τῶν τέκνων, ἵνα ὑμνοῦσιν σε τὸν μόνον ἀληθινὸν καὶ φιλόανθρωπον Θεὸν ἡμῶν... Ὅτι ἡυλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον... Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευρὰν τοῦ προπάτορος Ἀδὰμ εἰς γυναῖκα μορφώσας... *Gos. p. 315.* Καὶ ἄρας τὰ στέφανα στέφει τὸν νεόνυμφον, λέγων· Δόξη καὶ τιμῇ στεφάνωσον ³⁾ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα ⁴⁾. Εἴτα ⁵⁾ τὴν νύμφην, λέγων· Ἐθήκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς ⁶⁾ αὐτῶν στέφανον ἐκ λίθου τιμίου, ζωὴν ἡτήσαντό σε... Καὶ ἔδωκας αὐτῶν ⁷⁾ μακρότητα ἡμερῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος ⁸⁾. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δόξη καὶ τιμῇ στεφανώσας τοὺς ἁγίους σου, Αὐτὸς δὸς ⁹⁾ τοῖς δούλοις σου τούτοις στέφανον δόξης καὶ τιμῆς, στέφανον εἰρήνης καὶ ἀγαλλιάσεως ¹⁰⁾ εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ καὶ... *Сн. вшпестр. 41.* Εὐχὴ ¹¹⁾ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου καὶ εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ λαβὼν κλάδους ἐλαίας, καὶ βαῖτα φοινίκων, καὶ ῥόδα ἐκ τοῦ παραδείσου, καὶ βότρυν ἐκ τῆς ἀμπέλου, καὶ μαργαρίτην ἐκ τῆς θαλάσσης, καὶ λίθον τίμιον ἐκ τῆς ἐρήμου, καὶ πλέξας διὰ καταπετάσματος ¹²⁾, ἐπίθεος ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στέφανον, καὶ δὸς αὐτοῖς ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς

¹⁾ Ркп. Пант. мон. № 364 Ἀγίαν Δέσποιναν Θεοτόκον καὶ ἀειπαρθένον Μαρίαν, ἐξ ἧς κατεδέξω προελθεῖν ²⁾ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῇ σῇ χρηστότητι διαφύλαξον αὐτούς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς διεφύλαξας τοὺς ἁγίους τρεῖς παῖδας ἐκ τῆς καμίνου τοῦ πυρός, διαφύλαξον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς διεφύλαξας τὸν προφῆτην Δανιὴλ ἐν τῷ λάκκῳ ἐκ στόματος λεόντων, ἔλθοι ἐπ' αὐτούς ἡ χάρις ἐκείνη, ἣν μέλλουσι λαμβάνειν οἱ καλῶν εὐαρεστήσαντες ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ τῇ μεγάλῃ, καὶ διαφύλαξον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοὺς δούλους σου, τοὺς παρανόμους, καὶ εὐφρανον ἐπὶ τέκνα τέκνων, καὶ διαφύλαξον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντας τοὺς συναγωνιζομένους, καὶ καταξίωσον πάντας ἡμᾶς τῆς ἐκ δεξιῶν σου παραστάσεως, ἵνα ἀπαύστως ὑμνοῦμέν σε τὸν μόνον ἀληθινὸν καὶ φιλόανθρωπον Θεὸν ἡμῶν. Ὅτι σὺ εἶ ἔνωσις καὶ ἀσφάλεια τῶν δούλων σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν. ³⁾ Ркп. Панд.-Аθон. библ. № 149 Στεφάνῳ ⁴⁾ Χριστέ ὁ Θεὸς ⁵⁾ τίθησι τὸν στέφανον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ νυμφίου, λέγει ⁶⁾ κεφαλῇ αὐτοῦ ⁷⁾ αὐτῷ ⁸⁾ Прибавлено: Εἴτα τὴν νύμφην ὁμοίως, ἔπειτα λέγει τὴν εὐχὴν ⁹⁾ Ркп. Х в. Снн. библ. № 958 παράσχου καὶ ¹⁰⁾ εἰς αἰνεσιν, εἰς δόξαν τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... ¹¹⁾ Ркп. Панд.-Аθон. библ. № 149 Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. ¹²⁾ Ркп. Снн. библ. № 958 (κατα)πετάσματος ἁγίου σου.

πιότητος τῆς γῆς. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εὐχὴ ἐτέρα ¹⁾). Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σὰρκα ²⁾ σου οἰκονομία τὸν γάμον, τὸν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar. p. 318. Προκείμενον, ἦχος βαρύς· Δόξη καὶ τιμὴ στεφάνωσον τοὺς δούλους. Στίχος· Ἐθνηκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς... Ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, αἰγυναῖκες τοῖς ἰδίοις ἀνδράσιν ὑποτασσέσθωσαν ὡς τῷ Κυρίῳ, ὅτι ὁ ἀνὴρ ἐστὶ κεφαλὴ τῆς γυναικός... Τέλος· Καὶ προσκολληθήσεται τῇ γυναικὶ αὐτοῦ, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σὰρκα μίαν, καὶ οὗτος ὁ Θεὸς συνέzeugen, ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω. Ἀλληλουάριον. Ἡ γυνὴ σου, ὡς ἄμπελος. Στίχος· Οἱ υἱοί σου, ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην. Goar. p. 318. Εἴπωμεν πάντες κ. τ. λ. Goar. p. 318. Εἰρήνη πᾶσι). Τὰς κεφαλὰς. Ἐπικαλούμεθά σε, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ ⁴⁾, τὸν μόνον ἀγαθόν ⁵⁾ καὶ φιλάνθρωπον, τὸν στερεωτὴν καὶ ἀρχηγὸν τῆς σωφροσύνης, τὸν στεφανοῦντα τοὺς παρθενικούς γάμους, τὸν διδόντα ⁶⁾ σωφροσύνην τοῖς μονογάμοις τοῦ ποθεῖν αὐτοὺς ἄλυπον ἱκαὶ ἀσκανδάλιστον βίον, τὰς συζυγίας αὐτῶν διατήρησον· ἐπὶ σοὶ γὰρ κεκλήκασιν τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς, σοῦ δέονται ⁷⁾ καὶ σὲ παρακαλοῦσι· Σὺ γὰρ εἶ ὁ πληρὺ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ εἰπόν· οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον... *Красносельцевъ* стр. 105; Goar. p. 316 καὶ οὗς ὁ Θεὸς συνέzeugen, ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω, τὸ μυστήριον τοῦτο μέγα ἐστίν, ἃ ὀφθαλμός οὐκ εἶδε, καὶ οὗς οὐκ ἤκουσε, καὶ ἐπὶ καρδίαν ἀνθρώπου οὐκ ἀνέβη, ἃ ἠτοίμασεν ὁ Θεὸς τοῖς ἀγαπῶσιν αὐτόν. Στεφάνωσον, Κύριε ὁ Θεός, τοὺς δούλους σου τούτους, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν ἥλιον καὶ τὴν σελήνην, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν χορὸν τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν κύκλον τοῦ ἐνιαυτοῦ, σύzeugen αὐτούς ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ, χάρισαι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας, καὶ εὐλόγησον αὐτούς, ὡς εὐλόγησας τὸν γάμον τῷ Ἰωβίτ τῷ σφῷ δούλῳ, εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας τὴν μήτραν Σάρρας καὶ ἔδωκας ⁸⁾ αὐτῇ υἱὸν τὸν Ἰσαάκ, εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν

¹⁾ Ркп. Панд - Аѳон. № 149 нѣтъ этого ²⁾ σαρκί ³⁾ этихъ возгласовъ нѣтъ ⁴⁾ Тип. Ватоп. библ. 1468 нѣтъ ⁵⁾ Idem ⁶⁾ τῇ ἀγάπῃ τοῦ ποθεῖν ⁷⁾ τῆς οἰκ. φιλάνθρωπίας, ἵνα αὐτοὺς διατηρῶν πάσας τὰς ἡμέρας αὐτῶν ἀμέμπτους· σὺ εἶ ὁ πληρὺ πλάσας τὸν ἄνθρωπον... *Красносельцевъ* стр. 105. Εὐλόγησον, ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας τὴν μήτραν Σάρρας. ⁸⁾ Это мѣсто въ Тип. 1468 читается такъ: ἔδωκας αὐτῇ υἱὸς τὸν Ἰσαάκ καὶ τὸν Ἰακώβ τοὺς δώδεκα πατριάρχους, οἵτινες οἰκοδόμησαν τὸν οἶκον Ἱερουσαλήμ. Εὐλόγησον, ὁ Θεός, τὸν γά-

γάμον τοῦτον, ὡς τὸν γάμον τὸν ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας, κατ' ἐκείνην τὴν εὐλογίαν, φιλάνθρωπε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον τὸν γάμον τοῦτον τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης σου ἡ δεῖνα, εὐφρανον αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων, καὶ τὰ νῦν, φιλάνθρωπε Κύριε, δὸς αὐτοῖς ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πίστεως τῆς γῆς, ἐμπλησον τὸν οἶκον αὐτῶν ἀπὸ καρποῦ σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου, καὶ ¹⁾ παντὸς ἀγαθοῦ, ἵνα ἔχοντες καὶ περισσευόμενοι μεταδίδωσι καὶ τοῖς χρεῖαν ἔχουσιν. Εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... *Goar. p. 318 и 319.* Καὶ καταξιώσον... Πάτερ ἡμῶν. Ὅτι σοῦ... Εἰρήνην πάσι. Τας κεφαλὰς ὑμῶν... Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου... *Goar. p. 319.* Εἴθ' οὕτως μεταλαμβάνουσιν οἱ νεόνυμφοι, ψάλλοντες ²⁾ κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου λήψομαι... Εἴτα λέγει· Ζήσονται οἱ νεόνυμφοι εἰς αἰῶνα αἰῶνος. Ἡ ἀγία Τριάς αὐτοὺς ἀχωρίστους διαφυλάξει. Καὶ εὐθὺς κρατοῦσιν οἱ παράνυμφοι τὰ στέφανα τῶν νεονύμφων ³⁾. Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει εὐχὴν· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε, τὸ ἐπιεικὲς ὑμῶν γνωσθήτω πᾶσιν ἀνθρώποις, ὁ Κύριος ἐγγύς, μηδὲν μεριμνᾶτε ⁴⁾, καὶ ὁ Θεός τῆς εἰρήνης ἔσται μεθ' ὑμῶν. Καὶ εὐθὺς ποιοῦσιν γύρους γ'. χορεύοντες καὶ ψάλλοντες τροπάρια, ἤχος βαρύς· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός... Ἄγιοι μάρτυρες... Ἐπὶ σοὶ χαίρει, κεχαριτωμένη ⁵⁾... Ὅταν ⁶⁾ φθάσωσιν εἰς τὴν πόλιν τοῦ παστοῦ, εἰσέρχονται οἱ γονεῖς αὐτῶν καὶ εὐχονται, καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας... (*См. ркп. Свят.-гроб. библ. № 615-1522 г.*) Εὐχὴ παστοῦ ⁷⁾ δέσων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας εἰσελθεῖν εἰς τὸν νυμφῶνα τῶν δούλων σου, εὐλόγησον τὸν γάμον τοῦτον, ὡς τὸν ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας, τὴν εἰρήνην καὶ τὴν χάριν σου παράσχου αὐτοῖς ἅμα καὶ τοῖς συμπαροῦσιν ἡμῖν. Ὅτι σοῦ ἐστίν... *Conf. Goar. p. 326.*

μον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας Μωϋσέα καὶ τὴν Σεπφώραν. Εὐλόγησον Κύριε, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἑλισάβετ. Εὐλόγησον, Κύριε ὁ Θεός, τὸν γάμον τοῦτον, ὡς εὐλόγησας τὸν ἐν Κανᾶ.

¹⁾ Тип. Ватоп. библ. 1468 г. καὶ παντὸς ἀγαθοῦ, ὥπως μεταδίδοντες καὶ τοῖς χρεῖαν ἔχουσιν εἰς δόξαν σοῦ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ... ²⁾ οἱ δὲ ψάλλται ψάλλουσιν ³⁾ Ркп. Синайск. библ. № 988 ζήτηι παπᾶ τὰ κουμπарικά. ⁴⁾ Ркп. Синайск. библ. № 984 φυλαττόμενοι ὑπὸ τῆς ἀγίας καὶ ὁμοουσίου καὶ ζωοποιῦ καὶ ἀδιαιρέτου Τριάδος πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ ⁵⁾ Ркп. Син. библ. № 988 Нѣтъ этого тропаря ⁶⁾ этого замѣчания въ Пандокр.-Аѳон. ркп. № 149 нѣтъ ⁷⁾ ἑτέρα.

Καὶ ἄρας τὰ στέφανα ὁ ἱερεὺς καὶ δῆσας αὐτὰ ἐν τῷ παστῷ. Μετὰ δὲ τὴν πλήρωσιν ¹⁾ τῶν ἡ'. ἡμερῶν, ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὸν οἶκον τῶν νεονύμφων καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ, τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῦ ἐνιαυτοῦ τὸν στέφανον εὐλογήσας... Goar. p. 325. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοι σου, Κύριε... Ibidem. Εἴτα εἰσέρχονται οἱ γονεῖς αὐτῶν καὶ εὖχονται ²⁾· Δῶῃ ὑμῖν Κύριος ἐκ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἐκ τῆς πλότητος τῆς γῆς, ἵνα ἔχοντες καὶ περισσεύοντες μεταδίδητε καὶ τοῖς χρεῖαν ἔχουσιν δι' εὐχῶν τῶν ἁγίων προπατόρων Ἀβραάμ, Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, τῶν ἁγίων προφητῶν, τῶν ἁγίων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων μαρτύρων, τῶν ἁγίων θεοσεπτῶν βασιλέων Κωνσταντίνου καὶ Ἑλένης, καὶ πάντων τῶν ἁγίων καὶ ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν. Καὶ ἀσπάζονται τὰ στέφανα καὶ τὰ πρόσωπα αὐτῶν, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 57. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

Εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀδελφοί, ἤκούσατε τὴν εὐαγγελικὴν φωνήν ³⁾, τὴν λέγουσαν ταῦτα· Ἐντέλλομαι ὑμῖν, ἵνα ἀγαπᾶτε ἀλλήλους, καὶ τοῦ μεγάλου Παύλου λέγοντος· ἡ ἀγάπη οὐ ζηλοῖ, ἡ ἀγάπη οὐ περπερεύεται ⁴⁾, οὐ φουσιῶται, οὐκ ἀσχημονεῖ, ἡ ἀγάπη οὐδέποτε ἐκπίπτει ἐν Χριστῷ τῷ Θεῷ ἡμῶν, ὡς Δαβὶδ προφητικῶς φάσκει· ἰδοὺ δὴ τί καλόν, ἢ τί τερπνόν, ἀλλ' ἢ τὸ κατοικεῖν ἀδελφούς ἅμα ἐν ἀγάπῃ Θεοῦ. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ἡ συναπτὴ· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ οἱ δεῖνοι καὶ τῆς ἐν Θεῷ ἀγάπης αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χάριση τὴν ἀγάπην αὐτῶν ἀνυπόκριτον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Ἐν εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, καὶ δούς αὐτῷ ἐξουσίαν ζωῆς αἰοδίου, ὁ εὐδοκήσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους... Goar. p. 708 См. выше стр. 32. Καὶ ἀλλάσσουν τὰς χεῖρας αὐτῶν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομία Ἰακωβόν τε καὶ Ἰωάννην, υἱοὺς Ζεβεδαίου, καταξιώσας ἀδελφούς γενέσθαι καὶ μαθητάς καὶ ἀποστόλους,

1) Далѣе до самой молитвы не записанъ порядокъ. Писецъ оборвалъ, не докончивъ слова: πλη... 2) Ркп. Синайск. библ. № 988 нѣтъ этого замѣчанія 3) Ркп. Пант. мон. № 364 ѡς φησιν вмѣсто τὴν λέγουσαν ταῦτα 4) нѣтъ.

Αὐτός καί νῦν, Δέσποτα, καί τοὺς δούλους σου τοὺς θεῖνας ἐνεῖρήνη καὶ ὁμονοία διατήρησον πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, ἐργαζομένους τὰς ἐντολάς σου, τὴν λαμπάδα αὐτῶν ἄσβεστον διατήρησον, συγκαταριθμῶν αὐτοὺς μετὰ τῶν πέντε φρονίμων παρθένων, σῶσον, ἐλέησον αὐτοὺς ἕνεκεν τοῦ ὀνόματός σου, τὸ ἐπικεκλημένον ἐπ' αὐτούς, καὶ καταξιώσον αὐτοὺς εὐρεῖν χάριν ἐνώπιόν σου, ὅτι οὐκ ἦν τὰ σαρκικά, ὡς τὰ πνευματικά. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συναθροίσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους ἐν νεφέλαις καὶ ἐνώσας αὐτοὺς ἐν Πνεύματι ἁγίῳ, ἔνωσον καὶ τοὺς ἐνταῦθα ἀδελφούς ἐν ἁγίῳ φιλήματι, ἐν εἰρήνῃ¹⁾ καὶ ἀγάπῃ ἀνυποκρίτῳ, ἐργαζόμενοι τὰς ἐντολάς σου. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεός, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῖν χαρισάμενος καὶ ἐντειλάμενος ἡμῖν ἀγαπᾶν ἀλλήλους... Goar. p. 707. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας, ζωῆς, σωτηρίας τῶν νῦν γενομένων ἀδελφῶν τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦ δεῖνα καὶ τοῦ δεῖνα, εἰπόμεν καὶ ὑπὲρ αὐτῶν. Κύριε ἐλέησον ἡμᾶς. Τὴν τιμιωτέραν. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις, καὶ ἀσπάζονται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἀλλήλους οἱ ἀδελφοί, καὶ ἀπέρχονται, νοθετῶν αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς.

Ι. 59. Ἀκολουθία, ἐὰν συμβῇ προσφάτως ἐμπεσεῖν ἐκ τῶν ἀκαθάρτων εἰς ἄγγεῖον οἴνου καὶ ἐλαίου. Χρὴ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον παραχρῆμα ρίπτεσθαι ἔξω, καὶ ἕτερον ἄγγεῖον πλυνέσθω καὶ βαλεῖν ἐν αὐτῷ, εἰς τὸ ἄγγεῖον τὸ πλυνθέν, ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, καὶ εἰθ' οὕτως τὸ μιν ἐν εἶδος μεταβάλλουσιν ἐντὸς τοῦ καινοῦ ἄγγείου, καὶ ποιήσας ὁ ἱερεὺς εὐλόγητόν, λέγει Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ, ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, καὶ ἡ εὐχὴ· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σὰρκα σου οἰκονομία διαστειλάμενος... Goar. p. 482. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ ἀνεκδιηγήτῳ ἀγαθότητι καὶ πλουσία προνοία διοικῶν τὴν τῶν ἀνθρώπων ζωὴν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ εἰς γλυκύτατον ποιήσας, ὁ τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων σου Πέτρῳ δι' ὀπτασίας καὶ φωνῆς νομοθετήσας... Αὐτός, Δέσποτα, καθάρισον καὶ τὸ εἶδος τοῦτο ἀπὸ παντός μολυσμοῦ καὶ ἀκαθάρτου ἰσθόλου τῶν ἐπὶ τῆς γῆς, καὶ εὐλόγησον αὐτὸ εἰς τὸ γενέσθαι πᾶσι τοῖς πίνουσιν ἐξ αὐτοῦ εἰς εὐφροσύνην καὶ ὑγείαν, ἵνα δοξασθῇ τὸ πανάγιον ὄνομά σου... Goar. p. 483. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν, βάλλει πάλιν ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς πρῶτον καὶ πίνει ἐξ αὐτοῦ, ὁμοίως καὶ ὁ λαός, καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Εἰ δὲ συμβῇ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον χρονῆσαι ἐν τῷ ἄγγειῳ... Goar. p. 483 ἡ εὐχὴν ποιῆσαι, ἀλλὰ δὴ καὶ τὸ ἄγγεῖον συντετριβίαι.

1) Εἰς εἰρήνην καὶ σωφροσύνην, εἰς ἀγάπην ἀνυπόκριτον καὶ εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν.

λ. 60 οβ. Εὐχή ἐπὶ παντός σκεύους μιανθέντος.

Δέσποτα καρδιογνώστα Κύριε, ὁ ἐπιστάμενος τὰ πάντα¹⁾ πρὶν γενέσεως²⁾, σὺ μόνος εἶ ὁ νομοθετήσας ἐν νόμῳ ἀγίῳ σου, ὅτι πᾶν σκεῦος μιανθὲν καὶ τὸ ἐν αὐτῷ συντριβήσεται, καθαιρεθήσονται δὲ κλίβανοι καὶ χυτρόποδες, ὅτι ἅγιοι ἐστέ³⁾, ὅτι ἐγὼ ἅγιός εἰμι φήσας⁴⁾, ὁ διὰ τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς Παύλου τοῦ ἀποστόλου⁵⁾ πάντα καθαρὰ τοῖς καθαροῖς κηρύξας· Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ἀγίασον τὸ σκεῦος τοῦτο διὰ τῆς ἐπιφανείας⁶⁾ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, ὅπως, τοῦ λοιποῦ ῥυθιζόμενοι πάσης ἀκαθαρσίας, καταξιωθῶμεν τῶν ἀχράντων σου μυστηρίων καὶ δόξαν σοὶ ἀναπέμπωμεν τῷ Πατρὶ.

λ. 61. Εὐχή ἐπὶ ἀνορύξει φρέατος. Goar. p. 550.

λ. 61 οβ. Εὐχή ἐπὶ καθαρισμοῦ φρέατος,

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα καλὰ λίαν ποιήσας καὶ οὐδὲν κοινὸν ἐν κόσμῳ διὰ τοῦ ἁγίου σου ἀποστόλου ἀποφηνάμενος. См. выше стр. 252.

λ. 62. Εὐχή ἐπὶ φρέαρ μιανθὲν.

Ἀντλησον ἐξ αὐτοῦ κάδους μ'. καὶ βάλε ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, καὶ θυμιάσας κύκλῳ τοῦ φρέατος, καὶ ποιήσας εὐλογητόν, ψάλλε Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ, τροπάριον καὶ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δι' ὀπτασίας σου καὶ φωνῆς νομοθετήσας. См. выше стр. 34.

λ. 63. Εὐχή ἐπὶ μιароφαγησάντων. Goar. p. 534.

λ. 63 οβ. Εὐχή ἐπὶ παντός εἶδους μιανθέντος.

Κύριε ὁ Θεός, ὁ μόνος ἅγιος καὶ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος... Goar. pag. 483.

λ. 64. Εὐχή ἐπὶ τῶν βρώμασι σκανδαλισθέντων Goar. p. 535.

λ. 64 οβ. Ἀκολουθία ἐπὶ τεκνοποιητῶν.

Εἰσέρχεται ὁ μέλλων υἱοθετεῖσθαι καὶ ἵσταται ἐν μέσῳ τοῦ θυσιαστηρίου, κρατῶν ἐν ταῖς δυοῖν χερσὶν αὐτοῦ λαμπάδας δύο ἄπτοντας. Καὶ ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ... τροπάριον καὶ ἡ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως, ὁ κατὰξιώσας ἡμᾶς

¹⁾ Ркл. Син. библ. № 258 ἀπόρρητα καὶ γινώσκοντα ²⁾ αὐτῶν ³⁾ ἔσεσθαι

⁴⁾ вѣтъ ⁵⁾ вѣтъ ⁶⁾ Ркл. Лавры пр. Аѳан. XIII в. τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τοῦ φωτήσαντος τὰ σύμπαντα καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, ὅπως τοῦ λοιποῦ ῥυθιζόμενοι πάσης ἀκαθάρτου πτώσεως ἐπειδὴ καὶ πράξεως εὐρεθῶμεν τῶν ἀχράντων καὶ ἀθανάτων μυστηρίων τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν καὶ τῆς οὐρανίου βασιλείας. Ὅτι σὺ εἶ καταφυγή.

τοὺς ταπεινοὺς γενέσθαι κληρονόμους τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν, διὰ τῆς ἐνανθρωπήσεως τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν, ὃν ἀπέστειλας εἰς τὸν κόσμον, γενόμενος ὑπὸ νόμον, ἵνα τοὺς ὑπὸ νόμον ἐξαγοράσῃ. ἵνα τὴν υἰοθεσίαν ἀπολάβωμεν διὰ λουτροῦ παλιγγενεσίας καὶ ἀνακαινώσεως Πνεύματος ἁγίου, καὶ δὸς ἡμῖν τὸν ἀρραβῶνα τοῦ Χριστοῦ σου χαρισάμενος ἡμῖν τὴν ἐπίγνωσιν τῶν θείων σου μυστηρίων. Αὐτός, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ἐπιβλεψὼν ἐξ οὐρανοῦ (ἐπὶ) ἁγίου σου θυσιαστηρίου, καὶ εὐδόκησον ἐν τῇ προθέσει, ἣ προεθέμεθα ἐνώπιόν σου, καὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνον, καὶ τὸν προσελθόντα σοι παῖδα τοῦ ἀναγεννηθῆναι ὑπὸ γαστρός τῆς ἁγίας σου ἐκκλησίας, καὶ ὑπὸ μητρὸς τοῦ ἁγίου σου θυσιαστηρίου, καὶ τοῦ τιμίου καὶ προσκυνητοῦ καὶ ἀχράντου σου εὐαγγελίου εὐρήσει εὐλογίαν πνευματικὴν καὶ τὸν μισθὸν τῶν πιστῶν καὶ φρονίμων οἰκονόμων ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ φοβερᾷ τῆς κρίσεώς σου τῆς δικαίας. Ὅτι παρὰ σοῦ δίδοται πᾶν δῶρημα καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸν παῖδα ἐκ τῆς δεξιᾶς χειρός, φέρει αὐτὸν ἔσωθεν τοῦ θυσιαστηρίου μετὰ τῶν δύο κηρῶν καί, προσκυνήσας τὴν ἁγίαν τράπεζαν ἐκ τρίτου, ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὸν ἱερέα. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κλῆνον Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σου, ὃ ἐν μήτρᾳ παρθενικῇ χωρηθῆναι καταδεξάμενος καὶ τεχθῆναι ἐν σπηλαίῳ, ὡς νήπιος, ὑπὸ Μαρίας. τῆς ἁγίας Μητρὸς σου, καὶ ἀχθεῖς ἐν ναφί τῃ νομικῇ μετὰ δώρων δύο νεοσσούς περιστερῶν κατὰ τὸ εἰδισμένον, καὶ ἐν ἀγκάλαις τοῦ πρεσβύτου βασταχθεῖς, καὶ ἀμείψας ἡμῖν τὴν χάριν καὶ τὴν δωρεάν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος. Αὐτός οὖν, βασιλεῦ ἀόρατε, ἔπιθε ἐπὶ τὴν προσευχὴν ἡμῶν, καὶ τὸν ἤδη προσενεχθέντα παῖδα ἐν τῇ ἁγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ, ἣν Αὐτός ἑτάξας, δῶρα προσενεγκόντα οὐ κατὰ νόμον ζευγὸς τρυγόνων ἢ δύο νεοσσούς περιστερῶν, ἀλλὰ κατὰ χάριν τῆς σῆς ἀγαθότητος, τὰς δύο λαμπάδας συνεζευγμένας ἐν ταῖς χερσὶ κατέχοντα, καὶ τὴν ἐν τῷ ναφί εἰσόδῳ τὸν τελειωτικὸν ἀσπασμὸν τῶν ἐντολῶν ἀναπλήρωσιν, ἵνα συνέλθῃ ἐν τῷ νυμφῶνι τῷ σῷ μετὰ τῶν πέντε παρθένων τὴν ψυχικὴν λαμπάδα κατέχοντα, καὶ λήφεται παρὰ σοῦ χάριν καὶ ἔλεος μετὰ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι πρέπει σοι... Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰς δύο λαμπάδας ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ παιδὸς καὶ ἱστησιν αὐτὰς ἑκατέρωθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ λέγει· Κύριε παντοκράτωρ ἐπουράνιε βασιλεῦ, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ αἰνετὸς καὶ δεδοξασμένος, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ φυτουργὸς τῶν ἀγαθῶν, εὐλογίᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος εὐλόγησον οὖν τοὺς ἀμφοτέρους σὺν τῷ Πατρὶ καὶ ἅμα τῷ Υἱῷ, ὁ ἀνακαλύψας τὴν πατρικὴν στοργὴν πρὸς τὸν Υἱόν, λέγων· ἐγὼ σήμερον γεγέννηκά σε, οὕτως καὶ ἐπὶ τοῦ φοβεροῦ βήματος

μετὰ παρρήσιας εἶπῃ· ἰδοὺ ἐγὼ καὶ τὸ παιδίον, ὃν μοι ἔδωκεν ὁ Θεός ἐκ τοῦ θυσιαστηρίου αὐτοῦ. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιάνθρωπος Θεός ὑπάρχεις... Καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

λ. 66 οβ. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου νέου.

Ἀπτούσι κηρούς δ'· τετραμερὴς τοῦ οἴκου καὶ εὐλογήσας ὁ ἱερεύς, λέγομεν Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὁ Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν στέγην Ζαχαρίου εἰσελθεῖν καὶ σωτηρίᾳ τῷ οἴκῳ αὐτοῦ γενόμενος κατὰ τὴν σὴν ἄχραντον καὶ ἀθάνατον φωνὴν¹⁾, τὴν ὑπὸ τῶν εὐαγγελιστῶν τῇ οἰκουμένῃ²⁾ κηρυχθεῖσαν, Αὐτὸς καὶ νῦν τοὺς ἐνταῦθα οἰκεῖν βουλομένους³⁾, δι' ἡμῶν τῶν ταπεινῶν⁴⁾ τὰς δεήσεις⁵⁾ εὐλόγησον⁶⁾, δόξασον, ἀβλαβεῖς καὶ ἀσινεῖς αὐτούς⁷⁾ ὑπὸ τὴν στέγην ταύτην διαφύλαξον διὰ τῶν σῶν ἀφθόνων δωρεῶν⁸⁾. Ὅτι πρέπει.

λ. 67. Εὐχὴ εἰς εἴσοδον οἴκου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὸν οἶκον Λάβαν ἐπὶ τῇ εἰσόδῳ τοῦ Ἰακώβ, ὁ εὐλογήσας τὸν οἶκον Πετεφρῇ ἐπὶ τῇ εἰσόδῳ τοῦ Ἰωσήφ, ὁ εὐλογήσας τὸν οἶκον Ἀβεδράχ ἐπὶ τῇ εἰσόδῳ τῆς κιβωτοῦ, ὁ εὐλογήσας τὸν οἶκον Ζαχαρίου καὶ εἰπὼν· σωτηρίᾳ σήμερον τῷ οἴκῳ τούτῳ ἐγένετο. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὸν οἶκον τοῦτον καὶ τοὺς ἐνταῦθα οἰκεῖν βουλομένους, καὶ διαφυλάξον αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ἀντικειμένων, καὶ εἰρήνην τὴν σὴν ἐπὶ τῇ εἰσόδῳ ἡμῶν χάρισαι, καὶ καταξιώσον αὐτοὺς ἐργάζεσθαι τὰς ἐντολάς σου. Ὅτι ἐλεήμων... Conf. Goar. pag. 571.

λ. 67 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας.

Κύριε, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναί σοι... Goar. p. 485.

— Εὐχὴ εἰς ἀπαρχὴν σπόρων.

Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει καὶ θεμελιώσας τὴν γῆν ἐπὶ τῶν ὑδάτων. Ρκп. № 954 Сив. библ.

λ. 68 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους. Goar. p. 524.

λ. 69. Εὐχὴ εἰς ἄλωνα, ὅταν θέλῃ μετρήσειν... pag. 523.

— Εὐχὴ ἐτέρᾳ Ὁ Ἅγιε Κύριε, ὁ πάντα τὰ φυτὰ πλήρη, τέλεια καὶ πεπληρωμένα ἐκ τῆς γῆς ἀνατείλας, καὶ δεδωκώς ἡμῖν αὐτά, ὡς λάχανα χορτοῦ, εὐχαριστοῦμεν τῇ ἀδιαδόχῳ σου βασιλείᾳ, ὅτι ἔδειξας ἡμῖν καρ-

1) Ρкп. XIII в. Лавры Аѳанасія на Аѳонѣ Πηγὴν 2) ἀληθῶς 3) βουληθέντας καὶ 4) ἀμαρτωλῶν 5) σοὶ προσάγοντας 6) ἀγίασον 7) ἐν πάσῃ τῇ κατοικήσει τῆς στέγης ταύτης ὑποδοκνεῖς διὰ τῶν 8) ἐπιγείων τε καὶ ἐπουρανίων.

πὸν πρῶτον τῶν γεννημάτων, διὸ δεόμεθά σου, Κύριε, εὐλόγησον καὶ πληθύνον ἤνπερ ἡμῖν παρέσχου τῶν ἀγαθῶν εὐλογίαν, ἄσηπτον, ἀμόλυντον ἀνεπιβούλευτον, εἰς καλὸν καὶ ἀγαθὸν καὶ τελεσφόρον, ἵνα καὶ ἡμεῖς ἐξ αὐτῶν προσφερόμεν σοι μυστικὸν ἄρτον προσκομιδῆς, καὶ μεταλαμβάνοντες καὶ στηρίζοντες ἐξ αὐτῶν, καὶ ἐν πλησμονῇ κορεσθέντες, ὥσπερ ἐπὶ τῶν πέντε ἄρτων διὰ σοῦ χορτασθῶμεν, τόνδε τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα, τὸν καλέσαντα ἡμᾶς, διάσωσον καὶ πᾶσαν τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἀπὸ πάσης ἐπιβουλῆς τοῦ ἀντικειμένου. Ὅτι σὺ εἶ ὁ χορηγὸς τῆς ζωῆς ἡμῶν, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν...

λ. 70. Εὐχὴ πρὸς τὸ φυτεῦσαι ἄμπελον. p. 551.

— Εὐχὴ εἰς τὰς σταφυλάς.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πρὶν μὲν τὴν γῆν τοῖς ἄνθεσι καλλωπίσας καὶ καρποφορίαν φυτοῖς ἅπαν τὸ ταύτης πρόσωπον ὠραΐσας... См. Евсигм. ркп. XVI в. № 208.

λ. 71. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγους.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱόν... Goar. p. 552.

λ. 71 οβ. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴνου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν, ὁ εὐλογήσας τὸ φρέαρ τοῦ Ἰακώβ.

— Εὐχὴ εἰς θυσιαστήριον μινθὲν ὑπὸ ἐθνικῶν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ναὸν τοῦτον ἀναδείξας κατοικητήριον τῆς σῆς ἁγίας δόξης... Goar. p. 495.

λ. 72 οβ. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁσωποῦμέν σε τὸν Ἰλεον... pag. 494.

λ. 73. Εὐχὴ εἰς ὕψωσιν σταυροῦ.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ ἅγιος λόγος τοῦ παντοκράτορος Θεοῦ, ὁ παθὼν καὶ ἀναστὰς καὶ χαρισάμενος σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, διὰ τοῦ τεθέντος ἡμῖν τοῦ τιμίου σταυροῦ εἰς καταφυγὴν καὶ συγχώρησιν τῶν ἡμαρτημένων ἡμῖν πταισμάτων, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ ἁγιάσων τὸν ἰδρυμένον τίμιον σταυρόν, ὅπως γένηται τοῦ οἴκου σου φυλακτήριον τὸν ἐνοικοῦντα σταυρόν καὶ παραφύλακα τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωματικῶν ἡμῶν, γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλεός σου ἐφ' ἡμᾶς διὰ τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τῇ πρεσβείᾳ τῆς ἐνδόξου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι πρέπει σοὶ πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις...

— Εὐχή εἰς σεισμόν.

Φοβερὸς καὶ θαυμαστός, καὶ μέγας, ἔνδοξός τε καὶ ἀληθινὸς Θεός...

Goar. p. 623.

λ. 74. Εὐχή εἰς φόβον.

Πάλιν σου τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότη, Κύριε Goar. p. 636.

— Εὐχή περὶ ἀνομβρίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὸν πρὸς σέ ζῆλον ἐπακούσας Ἡλιοῦ τοῦ Θεσβίτου... Goar. p. 613.

λ. 74 οβ. Εὐχή ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ὁ ἀνάγων τὰς νεφέλας ἐξ ἐσχάτων τῆς γῆς. Goar. p. 614.

λ. 75 οβ. Εὐχή, λεγομένη ὑπὸ τοῦ ἱερέως, ὅταν μέλλῃ μεταλαβεῖν ὁ λαός· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ἀμνὲ καὶ ποιμήν, ὁ τὸ δάνειον χαρισάμενος τοῖς δυοῖ χρεωφειλέταις... Goar. p. 536.

λ. 76 οβ. Εὐχή συγχωρητικὴ ὑπὸ πνευματικοῦ.

Ὁ Θεός, ὁ συγχωρήσας Δαβὶδ διὰ Νάθαν τὰ ἴδια ὁμολογήσαντι κακά... Goar. p. 538.

— Εὐχή ἐπὶ προπετῶς ὁμνούντων. Goar. p. 534.

λ. 77. Εὐχή ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρώσάμενος ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου... Goar. p. 581,

λ. 77 οβ. Εὐχή ἐν τῷ μέλλειν ἀριστᾶν.

Σὺ, Κύριε, ὁ ἐπουράνιος καὶ ζωοποιὸς ἄρτος, ἡ ἀληθινὴ τροφή τοῦ παντός κόσμου... Goar. p. 569.

— Εὐχή μετὰ τοῦ ἀρίστου.

Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιλανθρώπῳ Θεῷ ἡμῶν, ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοί... Goar. p. 569 конепъ: ἀνάδειξον πρεσβείαις τῆς πανυπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῇ δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήμεων ἀποστόλων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ὅτι σὺ ὁ εὐλογῶν.

λ. 78. Εὐχή εἰς εὐλογίαν οἴκου νέου.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν στέγην Ζακχαίου εἰσελθεῖν... См. выше стр. 470. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν... Goar. p. 483.

λ. 78 οβ. Εὐχή εἰς πλεῦσαι πλοῖον.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον ιβ'. τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, τὸ κοντάκιον,

θεοτοκίον, Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. φαλμός ρχ'. Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, Κύριε, Κύριε, ἡ ἐλπίς καὶ σωτηρία ἡμῶν, ὁ δὸς ἐν τῇ θαλάσῃ ὁδὸν καὶ ἐν ὕδατι ἰσχυράς τρίβους, καὶ διὰ ξύλου εὐτελοὺς σῶζων, ὡς δημιουργός...

λ. 79 οβ. Εὐχή ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ πλουσιόδωρος καὶ φωτοπάροχος, ὁ ἐλεήμων ἅμα καὶ πολυεύσπλαγχνος...

λ. 80. Εὐχή εἰς πόλεμον πορνείας.

Ψάλλει Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον, ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. τὸν ν'. εἶτα τροπάρια· Ὁ ποιμὴν ὁ καλὸς ὁ θεὸς τὴν ψυχὴν ὑπὲρ ἡμῶν, μόνε ἀγαθέ, συγχώρησον τὰ κρυπτὰ τῶν πεπραγμένων μου... Βεβαρημένος τῷ ὕπνῳ τῆς ῥαθυμίας φαντασιοῦμαι ἀπάτη τῆς ἁμαρτίας... Τῇ ἀγλύϊ τῶν παθῶν καὶ ταῖς τοῦ βίου ἡδοναῖς συμπλεκόμενος ὁ νοῦς... Δόξα καὶ νῦν, Παναγία Θεοτόκε τὸν χρόνον τῆς ζωῆς μου μὴ ἐγκαταλίπῃς με... Κύριε ἐλέησον μ'. Εὐχή· Πάλιν ὑπεσκελίσθην ὁ τάλας τὸν νοῦν. Gogr. pag. 703.

λ. 81 οβ. Εὐχή λεγομένη εἰς κάμινον ἀσβέστου.

Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὴν ἑπταπλάσιον φλόγα τῆς ἐν Βαβυλῶνι καμίνου εἰς δρόσον μεταβαλὼν. Gogr. pag. 570.

λ. 82 Εὐχή εἰς αὐπνον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κοιμήσας τὸν δοῦλόν σου Ἀβιμιλὲχ ὑποκάτω τῆς συχῆς τῆς ἑξαπτερύγου, καὶ τοὺς ἀγίους ἑπτὰ παῖδας τοὺς ἐν Ἐφέσῳ Ἰάμβλιχον, Μαξιμιανόν, Ἐξακουστουδιανόν, Διονύσιον, Ἰωάννην, Ἀντώνιον καὶ Μαρτινιανόν, κοιμήσον καὶ τὸν δοῦλόν σου ὁδεῖνα ὕπνον εἰρηνικόν, ὕπνον ἀναπαύσεως, ὕπνον ζωῆς, ὕπνον θεραπείας καὶ σωτηρίας, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ.

— Ἀκολουθία εἰς πτῶσιν προβάτων.

Ὅφειλει ἀφ' ἐσπέρας ψάλλειν τὴν ἀκολουθίαν τοῦ ἀγίου Μάμαντος καὶ εἰς τὸν ὄρθρον ὁμοίως, καὶ μετὰ ταῦτα ποιοῦσαι προσφοράς ἑπτὰ· μίαν τοῦ Κυρίου, καὶ ἄλλην τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου, καὶ ἄλλην τοῦ ἀγίου Ταρασίου, καὶ ἄλλην τοῦ ἀγίου Μάμαντος, καὶ ἄλλην τοῦ Νικοκυρίου, καὶ ἄλλην τοῦ πρωτοποιμῆν (sic). Ὅφειλει δὲ ἀπὸ ἀνατολικῇ βρύσιν νὰ ἐπάρῃ ἀρπακτικόν ὕδωρ, καὶ φέρει αὐτὸ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ κόπτει τοῦ ὀμπροστάρη (sic) τὸ κουδοῦνι, καὶ θέτει αὐτὸ εἰς τὸ μέσον τοῦ ναοῦ, καὶ βάλλει ἄλας, καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς τὴν θείαν λειτουργίαν, καὶ μετὰ τὸ δοθῆναι ὁ ἱερεὺς τὴν ἀναφοράν, εὐγένει ἀλλαγμένος καὶ ἱσταται ἐπάνω τοῦ κουδουνίου, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ ἀγίου Μάμαντος. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα παντοκράτωρ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ σπλάγχχνα ἐλέους σου καὶ οἰκτιρμῶν καταδεξάμενος διὰ

τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν τεχθῆναι ἐκ τῆς ἁγίας παρθένου Μαρίας, καὶ ὑπὸ μάγων προσκυνηθεῖς, καὶ σταυρωθεῖς, καὶ ταφεῖς, καὶ τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἀναστάς· Αὐτὸς οὖν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὴν ποιμνὴν τοῦ δικαίου Ἀβελ, τοῦ Ἀβραάμ τοῦ δικαίου, πέμψον καὶ τὴν εὐλογίαν σου ἐπὶ τὴν ποιμνὴν ταύτην, καὶ διαφύλαξον αὐτήν, καὶ περιτείχισον αὐτῆς ἅπαντα τὰ ἔσωθεν καὶ τὰ ἔξωθεν, ἀπὸ πάσης ἀσθενείας καὶ βλάβης τοῦ πονηροῦ, πρεσβείαις τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγάλου μάρτυρος Προκοπίου καὶ Δομετίου, Πλάτωνος καὶ Καλλισθένους, καὶ ταῖς πρεσβείαις τοῦ ἁγίου ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος Μάμαντος, Χρυσάνθου καὶ Δαρίας, Ἀνδρονίκου καὶ Ἰουλιανοῦ, σκέπασον, φύλαξον τὴν ποιμνὴν ταύτην καὶ εὐλόγησον αὐτήν, ὡς εὐλόγησας τῶν ἁγίων προπατόρων, καὶ διαφύλαξον ταύτην ἀπὸ πάντων ἐναντίων, ἀπὸ σπλήνους, ἀπὸ φλέγμονος, ἀπὸ ἀβδέλλας, ἀπὸ αἰτίας, ἀπὸ ψύξης, ἀπὸ τύφλας, ἀπὸ τζήλας, ἀπὸ ποδάγρας, ἀπὸ ψώρας, ἀπὸ καρδίας, ἀπὸ ρουχάλας, ἀπὸ γάζαν, ἀπὸ ὑπεργάζαν, ἀπὸ φλέγας, ἀπὸ ἐντέρων, ἀπὸ ἀκροχόρδων ἢ ἀπὸ τοῦ ἡμισυ τῆς ἡμισῆς (sic) αἰτίας, οὐ μὴ εἰσέλθῃ ἐπὶ τῆς ποιμνῆς ταύτης, ἢ βλάβῃς τοῦ πονηροῦ, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὴν εὐχὴν, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ κουδοῦνι καὶ ῥένει τὰ σφακτὰ σταυροειδῶς καὶ ῥείκει (sic) τὸ κουδοῦνι εἰς τὸ μέσον τῶν σφακτῶν, καὶ οἷον δόσει τὸ κουδοῦνι, ἐπέρνει αὐτὸ ὁ ἱερεὺς, καὶ ὁ ποιμὴν ἐπέρνει τὰ σφακτὰ καὶ ἀναχωρεῖ.

л. 83 об. Μηνὶ αὐγούστῳ κθ'. Ἡ ἀποτομή τῆς τιμίας κεφαλῆς τοῦ Προδρόμου. Апостоль и евангеліе на этотъ день.

л. 84 об. Τῶν ἁγίων ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ. Тоже самое.

л. 86. Ἀκολουθία εἰς Ἀσωμάτων. Тоже.

л. 87. Ἀκολουθία τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου. Тоже.

л. 87 об. Ἀκολουθία τοῦ Προδρόμου. Апостольскаго и евангелскаго чтенія нѣтъ, потому что вырванъ листь.

л. 88. Ἀκολουθία σταυρώσιμος. Чтенія на этотъ день изъ апостола и евангелія.

л. 88 об. Ἀκολουθία εἰς ἀποστόλους. Тоже.

л. 89. Ἀκολουθία εἰς ὁσίους. Тоже.

л. 90. Ἀκολουθία εἰς μάρτυρας. Тоже.

л. 91 об. Ἀκολουθία εἰς γυναῖκας μάρτυρας. Тоже.

л. 92 об. Ἀκολουθία εἰς τὸν μέγαν Δημήτριον, εἰς ἐτέρους μάρτυρας. Тоже.

л. 93 об. Μηνὶ αὐγούστῳ εἰς τὰς ς'. Εἰς τὴν μεταμόρφωσιν τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Тоже.

λ. 95. Εἰς τὴν παραμονὴν τῆς Χριστοῦ γεννήσεως. То же.

λ. 98 об. Εἰς τὴν λειτουργίαν τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Зѣбсь, кромѣ апостола и евангелія, помѣщены и антифоны.

λ. 100. Μαῖου η΄. τοῦ ἁγίου παρθένου Θεολόγου Ἰωάννου τοῦ εὐαγγελιστοῦ. Апостолъ и евангеліе.

λ. 101. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου. Въ чинѣ содержится нѣкоторыя любопытныя подробности. Такъ, напр., описывается великій выходъ: Εὐχὴ χειρουβικῶ ἀδομένου, ὁ λαὸς τὸ χειρουβικόν. Ὁ ἱερεὺς τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεός... Μετὰ δὲ τὸ τεθῆναι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ τραπέζῃ, λέγει· Καλῶς ἦλθον τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου. Τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μύσχους. Καὶ αἶρει τὰ καλύμματα καὶ σκεπάζει τὰ ἅγια δῶρα μετὰ τῆς ἀναφορᾶς καὶ λέγει· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν... Ο πᾶντι „Достойно есть“ замѣчено: Ἐκφώνησις· Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου... Χαῖρε, χαῖρε, χαῖρε, κεχαριτωμένη. Ἀξίον ἔστι... Μακαρίζομέν σε πᾶσαι αἰ γενεαί. Τῶν τιμίων τῶν οὐρανίων δυνάμεων ἁσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφῆτου Προδρόμου.... Моментъ приобщенія священнослужащихъ въ алтарѣ изложенъ такъ: Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν... Goar. p. 65. Καὶ ποιεῖ μετανοίας γ΄. λέγων· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός, καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου, ἐκ τρίτου. Εἴθ' οὕτως ὕψοι τὸν ἄρτον σταυροειδῶς, λέγων· Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ μερίζει τὸν ἄρτον καί, λαβὼν τὴν ἄνω μερίδα, βάλλει εἰς τὸ ποτήριον, λέγων· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Τὴν δὲ ἐτέραν λαβὼν, κύψας λέγει· Τοῦ δειπνοῦ σου τοῦ μυστικοῦ. . ἐκ τρίτου. Εἰς τὸ ζέον· Ζεσις Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ λέγει· Μεταλαμβάνω ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Καὶ λαβὼν τὸ ποτήριον, λέγει· Μεταλαμβάνει... Καὶ τελειωθείσης τῆς μεταλήψεως, λαβὼν τὸ ποτήριον, ὁ ἱερεὺς ἵσταται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ λέγει μυστικῶς· Μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως. Ἐκφωνεῖ· Προσέλθετε. Ὁ ἱερεὺς, εὐλογῶν τὸν λαόν, λέγει· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου... Εὐχὴ μετὰ τὴν μετάληψιν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόανθρωπε εὐεργέτα... Goar. p. 67. Εἴτα θυμιᾷ τὰ ἅγια δῶρα, λέγει μυστικῶς· Ὑψωσον, δέσποτα. Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός, ἐκ τρίτου. Εἴτα αἶρει τὰ ἅγια δῶρα, λέγων καθ' ἑαυτόν· Εὐλογητός ὁ Θεός ἡμῶν, εἴτα ἐκφωνεῖ· Πάντοτε νῦν καὶ αἰεί...

λ. 113 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν πάντοτε... и слѣдуютъ молитвы четырехъ антифоновъ. Первые три тѣ же, что и у Гоара въ его Εὐχο-

λόγιον pag. 163, а четвертая: 'Ο τοῖς ἀσιγήτοις ὕμνοις... Goar. p. 29. Во время пѣнія „Нынѣ силы небесныя“ положена, кромѣ обычной молитвы: Δέσποτα ἄγιε ὑπεράγαθε... Goar. p. 166, епие εὐχὴ ἐτέρα: 'Ο Θεός, ὁ ἐπισκεψάμενος ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, Δέσποτα Κύριε, καὶ χαρισάμενος παρρησίαν ἡμῖν... ναί. Δέσποτα παντοδύναμε Κύριε, εἰσάκουσον τῆς δεήσεώς μου· σὺ γὰρ εἶ ὁ ἐνεργῶν τὰ πάντα ἐν πᾶσι καὶ παρὰ σοῦ πάντες ἐπιζητοῦμεν βοήθειαν τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... The greek liturgies. G. A. Swainson. pag. 255—256.

л. 117 об. Εὐαγγέλια ἐωθινά. Сюда, кромѣ обычныхъ одинадцати воскресныхъ евангельскихъ чтеній, отнесены чтенія на дни Богоматери и Преображенія Господня.

л. 126. Μηνὶ μαΐφ εἰς κα'. τῶν ἁγίων μεγάλων βασιλέων καὶ ἱσαποστόλων Κωνσταντίνου καὶ Ἑλένης. Апостолъ и евангеліе на этотъ день.

л. 127. Μηνὶ ἰουλίφ κ'. τοῦ ἁγίου προφήτου Ἡλιοῦ. То же.

л. 128. Κυριάκῃ τῆς Ν'. То же.

л. 129. Ἑξοδιαστικόν, περιέχον τὴν ἅπασαν ἀκολουθίαν τῶν τεθνεώτων ἀποθανόντος τοῦ ἀνθρώπου.

Ἐρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὸν τόπον, οὗ ἀπέθανε, καὶ εὐλογεῖ καὶ εὐθὺς Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τροπάρια: Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός. . Μητέρα ἁγία τοῦ ἀγράντου... καὶ μνημονεύει: Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Καὶ εὐθὺς ἐπαίρουσι τὸν νεκρὸν καὶ φέρουσιν αὐτὸν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ ἄρχονται οἱ ἱερεῖς τὸν ἄμωμον. Вся 17 каѳизма. Послѣ второй статьи замѣчено: Εἰ μὲν ἐστὶ μοναχὸς ὁ νεκρὸς, λέγει τὸ τροπάριον καὶ αἵτησιν, εἰ δ' οὖν, λέγει: Σὸς εἰμὶ ἐγώ, σῶσόν με, ἦχος πλ. α'. Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμῶν... Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεός... Καὶ εὐθὺς λέγει ὁ ἱερεὺς αἵτησιν μέσης, καὶ εὐθὺς τὰ εὐλογητάρια Goar. p. 425. καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς κατὰ συνήθη στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος α'. Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Ἐργον, Σωτήρ μου, δεικνύς... Νέος Ἀδάμ γεγωνὸς τοῦ Θεοῦ... Εἰς ἱερεῖς: Ἐθου, Σωτήρ, ἐκλεκτοὺς λειτουργοὺς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ σου... Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις προσδεχομένη... Στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος α'. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς κ. τ. α. Goar. p. 439. Οἶμοι, οἶον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ μου, χωριζομένη ἐκ τοῦ σώματος... Ὡς ἄνθος μαραίνεται... Δεῦτε ἴδωμεν πάντες θαῦμα ὑπὲρ νοῦν... Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου εἰς σὲ ἀνατίθημι Μήτηρ... Στιχηρά, ἦχος β'. Ρύμην τοῦ θανάτου... κ. τ. λ. Goar. p. 440. Въмѣсто третьей стихира стоитъ — Сῶσαι τὸ σὸν πλάσμα βουληθεῖς... Στιχηρὰ νεκρώσιμα β'. ἦχου: Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει

μετὰ θάνατον... Ἄνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα, ὁ δρόμος βραχύς ἐστιν... Ῥευστός ὢν, ἄνθρωπε, τί μέγα φρονεῖς... Ἐν γυναιξίν ἁγία Θεοτόκε, Μήτηρ ἀνούμφευτε... Στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος γ'. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου... κ. τ. λ. Goar. p. 441. Στιχηρὰ νεκρώσιμα δ'. ἦχος. Ποῦ ἐστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Ἐπὶ ἦλθεν ὁ θάνατος, ὡς ἄρπαξ... Νῦν ἄπνουν σε βλέποντες θρηνοῦμεν... Στιχηρὰ, ἦχος δ'. Ὦντως φοβερώτατον... κ. τ. α. Goar. p. 441. Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος πλ. α'. Οὐκ ἐστι τῶν ἐν τῷ βίῳ τερπνῶν οὐδὲ ἐν, ὃ οὐ παρασालεύσεται... Ἰάσω τὴν συντριβὴν μου, Σωτήρ, σαυτὸν κενώσας ὁ ὕψιστος... Καθεῖλες τὴν τοῦ θανάτου ὄφρυν τῷ σῶ πάθει, ἀναμάρτητε... Εἰς ἰερεῖς. Τὸ θεῖον καὶ ἀκατάληπτον φῶς, Χριστέ, ἡ πάντων ἀνάστασις... Στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. α'. Αἴγλη τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ... Goar. p. 442. Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος πλ. β'. Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τῷ πλαστούργῳ σου γέγονε πρόσταγμα... Ἄλγος τῷ Ἀδάμ ἐχρημάτισεν ἡ τοῦ ξύλου ἀπόγευσις... Ἐτίμησας εἰκόνι σου τὸ τῶν χειρῶν σου, Σῶτερ, πλαστούργημα... Μεταβολὴ τῶν θλιβομένων, ἀπαλλαγὴ τῶν ἀσθενούντων... Στιχηρὰ, ἦχος πλ. β'. Ἐχων ἀκατάληπτον τὴν εἰς ἡμᾶς εὐσπλαγχνίαν... κ. τ. α. Goar. p. 443. Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος βαρὺς. Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστούργησας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον... Λύει ἅπασαν λοιπὸν ὁ θάνατος, μετατεθεὶς ἐκ τοῦ Ἀδάμ, τὴν φύσιν ἡμῶν... Ἀναβλέψωμεν καὶ κατὶδωμεν τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐρανοῦ... Στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος βαρὺς. Νενεκρωμένος ὥραϊθς ἐπὶ σταυροῦ... κ. τ. α. Goar. p. 443. Στιχηρὰ νεκρώσιμα. Θρηνῶ καὶ ὀδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον... Ῥευστοὶ πῶς γέγοναμεν ἄφθαρτον εἰκόνα φορέσαντες... Ὡ ποῖον ποτήριον μένει τοῖς βροτοῖς ἀπαραίτητον, καὶ οὐδεὶς πρὸ τοῦ πιεῖν γινώσκει τὴν σκυθρωπότητα... Ἡ σκέπη σου, Θεοτόκε Παρθένε, ἰατρεῖον ὑπάρχει πνευματικόν... Στιχηρὰ, ἦχος πλ. δ'. Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας ἐλευθερίαν βαφαῖς... κ. τ. α. Goar. p. 444. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, εἰτα τὸ κοντάκιον, ἦχος πλ. δ'. Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Οἱ οἴκοι. Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Goar. p. 444. Νουνεχῶς δυσωπῶ ἐπακούσατε μετὰ πόνου γὰρ ταῦτα καὶ φθέγγομεν, δι' ἡμᾶς γὰρ τὸν θρῆνον ἐποίησα... Ἀναστάντες οὖν πάντες συνάχθητε καὶ καθίσαντες, λόγον ἀκούσατε... Συγκαιόμεθα πάντες τοῖς δάκρυσιν, ὅταν ἴδωμεν λείψανον κείμενον... Τί πικρά τῶν θνησκόντων τὰ ῥήματα, ἅπερ φθέγγονται, ὅταν πορεύονται... Ἄρα ποῦ αἱ ψυχαὶ νῦν ὑπάγουσιν, ἄρα πῶς ἐν τῷ Ἄδῃ διάγουσιν... Συνοδεύσατε, φίλοι, τοῖς θνήσκουσι καὶ σπουδῇ πρὸς τὸ μνήμα προφθάσατε... Ἰδοὺ δὴ θεωρῶμεν τὸν κείμενον, ἀλλ' ἡμῖν τοῦ λοιποῦ μὴ προκείμενον... Οὐδεὶς γὰρ τῶν ἐκεῖθεν ἀνέλυσεν, ἵνα εἴπῃ ὑμῖν, πῶς διάγουσιν... Ἰπά-

γωμεν ὁδὸν τὴν αἰώνιον πρὸς τὸν μόνον Θεὸν τὸν ἀθάνατον... Τὰ γὰρ πάντα ἀφέντες, ὑπάγωμεν καὶ γυμνοὶ καὶ σ(τ)υγνοὶ παριστάμεθα... Ὑπομνήσχω ἡμᾶς πρὸς τὸν Κύριον, ἀδελφοί μου καὶ τέκνα, καὶ φίλοι μου... Τί ταράττει ἀκαίρως, ὦ ἄνθρωπε, μία ὥρα! καὶ πάντα παρέρχονται... Ἀνηλέησας, ἄνθρωπε, ἄνθρωπον, αὐτὸς μέλλει ἐκεῖ ἐλεῆσαι σε. . Πονηρὰ ἢ ὁδός, ἢ ἀπάγουσα, ἣν οὐδέποτε ὄντως ἐβάδισα, καὶ ἡ χώρα ἐκείνη ἀγνώριστος... Εἰ γὰρ χώραν ἐκ χώρας βαδίζοντες, ὁδηγούντων τινῶν καὶ δεόμεθα, τί ποιήσωμεν... Νεάνιδες, τοῦ λόγου ἀκούσατε καὶ μηκέτι κακῶς καλλωπίζεσθε... Οὐχ ὁράτε τὸ πῶς διανεύομεν ἐν τοῖς μνήμασιν, ὅταν εἰσέλθωμεν, οὗτος ἐνὶ τοῦ δεῖνα ὁ ἔργονος... Ὑλικῶν τῶν παθῶν οἱ προκείμενοι... Νεότης γὰρ καὶ κάλλος τοῦ σώματος τῷ καιρῷ τοῦ θανάτου μαραίνεται... Ὅταν ἄρχοντα ἴδωμεν θνήσκοντα, τότε μέγα μυστήριον βλέπομεν... Στρατιάς γὰρ ἰδὼν ὅλως ἔφριξεν ἑαυτὸν ταλανίζων καὶ ἔλεγε... Ἦσυχάσατε δὲ ἡσυχάσατε τῷ κειμένῳ λοιπὸν μὴ ὀχλήσεσθε... Ἐγὼ εἶδον νήπιον, θνήσκοντα καὶ ζωὴν τῶν βροτῶν ἐταλάνισα... Ἄρα πόσοι ἐξαίφνης ἠρπάγησαν ἐξ αὐτῶν τῶν παστῶν ἐν τῷ μνήματι.. Συγκαιόμεθα μόνον ἀκούοντες, ὅτι ἐνὶ ἐκείνῳ αἰώνιον... Παναγία Παρθένε ἀνύμφευτε, ἡ τεκοῦσα τὸ φῶς τὸ ἀπρόσιτον, δυσωπῶ ἱκετεῦω καὶ δέομαι... Къ каждой стихирѣ положенъ припѣвъ: Ἀλληλουῖα... Οἱ μακαρισμοὶ τῆς, что и у Гоара pag. 430, но съ прибавкою нѣкоторыхъ стихирѣ. Προκείμενον, ἀπόστολος, εὐαγγέλιον. Goar. p. 430, Εἴπωμεν πάντες... Εἴθ' οὕτως γίνεται ὁ ἀσπασμός, ψαλλόντων τροπάριον, ἤχος β'. Δεῦτε τελευταῖον... Ποῶς χωρισμός... Πάντα τὰ τοῦ σώματός μου νῦν... Σήμερον τῶν ματαίων ἢ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων τῆς πλάνης... Σήμερον ἢ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις πᾶσα τῆς ματαιότητος... Μέγας ὁ κλαυθμός... Δεῦτε οἱ ἀπόγονοι Ἀδάμ... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ... Βλέποντες τὸν κείμενον νεκρόν... Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα βουληθεὶς τῆς οἰκονομίας τῷ ὄντι βαθὺ μυστήριον... Ὅτε ἐπὶ βήματος τοῦ σοῦ μέλλωμεν παρίστασθαι πάντες... Σῶσαι τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ... Δόξα, Ὁρῶντές με ἄφωνον... Καὶ νῦν, Μεταβολὴ τῶν θλιβομένων... Conf. Goar. p. 431—432. Τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, καὶ εὐδὸς ἡ ἐκτενὴ, καὶ τὴν εὐχὴν Κύριε, Κύριε, τῶν θλιβομένων παραμυθία... Goar. p. 453. Εὐχὴ εἰς ἱερέα Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοῦ τὸ ζῆν ἀθάνατον... Goar. pag. 452. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Σὺ γὰρ εἶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου... Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 158. Τάξις γινομένη ἐπὶ τελευτήσαντος μοναχοῦ.

Μετὰ τὸ ἀποσπογγισθῆναι αὐτὸν καὶ κατὰ τὸ εἰωθὸς ἐνταφιασθῆναι, τίθεται ἐν τῷ νάρθηκι τῆς ἐκκλησίας, καὶ ἄπτουσι μανουάλια δ' . μετὰ κτ .

ρῶν δύο, μόνον πρὸς τὴν κεφαλὴν καὶ πρὸς τοῖς ποσί, καὶ κρούσας τὸ ξύλον ὃ ἐν τούτῳ τεταγμένος, συνάγονται οἱ ἄδελφοί καὶ ἵστανται κατὰ τὴν τάξιν καὶ δίδονται αὐτοῖς κηρία, καὶ ἄπτουσι πάντες. Ὁ δὲ ἱερεὺς εἰσελθὼν εἰς τὸ βῆμα, φορένει στολὴν πορφυράν καὶ θυμιάζει τὸ λείψανον σταυροειδῶς, ὡσαύτως καὶ τοὺς ἄδελφούς κατὰ τάξιν αὐτοῦ, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ εὐθὺς τροπάριον· Μνήσθητι, Κύριε... Δόξα καὶ νῦν, Μῆτερ ἁγία τοῦ ἀχράντου... Καὶ εὐθὺς Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειά... Καὶ πληρωμένου τοῦ ψαλμοῦ, Ἀλληλούια, εἰς ἦχον πλ. δ'. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ... Στίχος· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Τροπάριον· Ὁ βυθῷ σοφίας... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ καὶ τείχος... Εἴθ' οὕτως ἄρχεται ὁ προεστώς τὸν ἄμωμον. . Καὶ ὅταν ἔλθῃ εἰς τὸ Σὸς εἰμί ἐγώ, λέγει τροπάριον, ἦχος πλ. α'. Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν... θεοτοκίον· Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα .. Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς αἵτησιν, καὶ εἴθ' οὕτως ἄρχεται πάλιν τὸ Σὸς εἰμί ἐγώ... Καὶ ὅταν ἔλθῃ εἰς τὸ Φθέγξοιτο ἡ γλῶσσά μου, λέγει στιχηρά, ἦχος πλ. α'. Ὅσιε πάτερ. Ὅταν καθήσας ἐπὶ θρόνου κρῖναι πᾶσαν πνοήν, ἐτάζων ἐνθυμήσεις καὶ λογισμοὺς καρδιῶν... Στίχος· Φθέγξοιτο ἡ γλῶσσα. Ὁ κυριεύων καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων, Κύριος... Далѣе вырвано нѣскольکو листовъ. Послѣдованіе продожається: Καὶ εὐθὺς τὰ εὐλογητάρια, ἦχος πλ. α'. εἴτα λέγει αἵτησιν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀειμνήστου δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνος κοιμήσεως, ἀνέσεως... Ὑπὲρ τοῦ κοινωνόν αὐτόν γενέσθαι τῆς ἀλήκτου χαρᾶς καὶ εὐφροσύνης τῶν ἀπ' αἰῶνος ἁγίων... Ὑπὲρ τοῦ ἀπολαύσαι αὐτόν ἡχοῦ ἑορταζόντων ἁγγέλων χοροσταταίαις... Ὑπὲρ τοῦ εἰσδεχθῆναι αὐτόν, ἔνθα ἀπέδρα ὀδύνη, λύπη καὶ στεναγμός... Ὑπὲρ τοῦ μετασχεῖν αὐτόν τῆς ἐλλάμψεως τῆς μακαρίας καὶ ζωαρχικῆς Τριάδος... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν κατατάξῃ τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ καὶ τὴν βασιλείαν... Στιχολογοῦμεν τὰ Πρὸς Κύριον, ἦχος πλ. α'. Ἀλληλούια α'. Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με ἐκέκραξα, καὶ εἰσήκουσέ μου. Ἀλληλούια... κ. τ. α. Στιχηρά, ἦχος πλ. α'. Ἡ αἰοιδίμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβίδ... Δόξα, Σὺ ἐπλασάς με, Κύριε, καὶ ἔθηκας ἐπ' ἐμὲ τὴν χεῖρά σου... Καὶ νῦν, Ἡ κεχαριτωμένη μεσίτευσον ταῖς δεήσεσι... Ἦχος β'. Ἀλληλούια β'. Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὰ ὄρη κ. τ. λ. Τροπάριον, ἦχος β'. Τὸν τὰ βίου τερπνά, τῷ πόθῳ σου, Κύριε, ἐγκαταλίποντα θερμῶς... Δόξα, Τὸν ὑπακούσαντα τῆς ἐντολῆς σου, Χριστέ, καὶ ἄραντα τὸν σταυρόν σου... Καὶ νῦν, Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου... Ἦχος πλ. β'. Εὐφράνθη ἐπὶ τοῖς εἰρηκόσι μοι εἰς οἶκον Κυρίου... Ἀλληλούια γ'. κ. τ. λ. Στιχηρά,

ήχος πλ. β'. Πνευματικοί μου ἄδελφοί καί συνασκηταί, μή μου ἐπιλάβεσθε... Δόξα, Ἐπειδὴ πάντες πρὸς τὴν αὐτὴν ἐπειγόμεθα μονὴν καὶ τὸν αὐτὸν ὑποδύμεθα λίθον... Καὶ νῦν, Τὸ ὄμμα τῆς καρδίας μου ἐκπέμπω πρὸς σέ, Δέσποινα... Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῆς προαναπαυσαμένης ψυχῆς... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ οἰκῆσιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα διέπων τὰ ἐν τῇ γῇ ἐπίστασαι τὴν ἐργασίαν τοῦ τελευτήσαντος ἀδελφοῦ ἡμῶν.. См. выше стр. 293. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν... Σὺ γάρ εἰ ἡ ἀνάπαυσις... Καὶ ἄρχεται τοὺς ἀναβαθμούς, ἡχος πλ. β'. Goar. p. 440. Εἰ μὴ ὅτι Κύριος ἦ ἐν ἡμῖν οὐδεὶς ἡμῶν ἀντισχεῖν... Τοῖς ὁδοῦσιν αὐτῶν μή μου ληφθῆτω ἡ ψυχὴ, ὡς στρουθίον λόγε... Далѣе нѣскольکو листовъ вырвано. Некровѣдѣмъ тѣ πιστει, σφιγγόμενοι οἱ τῷ σώματι ἀποταξάμενοι... Ἀλληλουῖα... Παναγία Παρθένε ἀνόμεφετε, ἡ τεκοῦσα τὸ φῶς τὸ ἀπρόσιτον... Ὡς θεόνυμφος... Καὶ εὐθέως Οἱ μακαρισμοί, ἡχος β'. Goar. p. 445. Προκείμενον ἡχος β'. Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα. Ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Τέλος· ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτο ἔστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με... Τέλος· Καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ... Εἶπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀειμνήστου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Εὐχὴ εἰς ἱερέα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν... Goar. p. 452. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ.. Σὺ γάρ εἰ ἡ ἀνάστασις... Στιχηρά, ἡχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου... Πάντες δυσωποῦμέν σε, Χριστέ, νῦν ἐν κατανύξει βοῶντες... Σοῦ τὸ τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστὶ τὸ ἀπαραχώρητον τέλος... Ἐχων τὴν ἐλπίδα εἰς Θεὸν τὸν μονήρη βίον ποθήσας... Ἐένος γεγονῶς τῶν συγγενῶν καὶ τῶν ἐν τῷ βίῳ φροντῖδων... Σχῆμα μοναστῶν ἀναλαβῶν, μάκαρ, ἀδιστάκτῳ καρδίᾳ... Δόξα καὶ νῦν, Νεῦσον παρακλήσεις, Χριστέ, ταῖς τῆς παναχράντου Μητρός σου... Τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν (см. выше) Εὐχὴ εἰς μοναχούς καὶ εἰς ἱερεῖς· Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος, Ἰησοῦ Χριστοῦ, τὸν μετ' ἡμῶν σιδουλεύσαντα ἀδελφὸν καὶ ἱερέα, φιλάνθρωπε, τῆς ἐκεῖθεν ζωῆς κληρονόμον ἀνάδειξον, τῶν ἐντεῦθεν πληρμμεληθέντων αὐτὸν λήθην ποιήσον, ὡς ἀμαρτίας ἐλευθέρος, καὶ ἡμῶν τὸν βίον ἐν εὐμενίᾳ διάγαγε, ἵνα σοὶ εὐχαρίστως ὑπερετοῦντες,

τοῖς ἡτοιμασμένοις τοῖς σὲ θεραπεύουσιν ἐπιτόχωμεν, καὶ τῶν πενθούντων μνήσθητι, Κύριε, καὶ παρακάλεσον αὐτῶν τὴν καρδίαν καὶ παραμυθησάμενος ἐλέησον αὐτοὺς καὶ ἡμᾶς, καὶ σῶσον ἐν τῇ σῇ ἐνδόξῳ βασιλείᾳ. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... κ. τ. λ. Καὶ εὐθὺς αἴρεται τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, καὶ φάλλομεν τὸ Ἅγιος ὁ Θεός... Ὁ δὲ ἱερεὺς σφραγίζει τὸν τάφον μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, λέγει οὕτως· Αὐτὴ ἡ κατάπαυσίς μου εἰς αἰῶνας· ὦδε κατοικήσω, ὅτι ἡρετισάμην αὐτήν. Καὶ ἄρχονται θάπτειν αὐτόν, φάλλοντες τροπάρια, ἥχος γ'. Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου καὶ κατέλιπον τὸ λοιπόν... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα... Στίχος· Ἐπιποθεῖ καὶ ἐκλείπει... Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Στίχος· Ἡ καρδιά μου... Εἰς τὴν κατάπαυσίν σου, Κύριε... Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες... Σὺ εἶ ὁ Θεός, ὁ καταβὰς εἰς Ἀδην... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος ἡ Θεὸν ἀσπόρως κυήσασα... Εἴτα, τεθέντος τοῦ νεκροῦ ἐν τῷ τάφῳ, λέγει τροπάριον· Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος νενέκρωται, καὶ ὁ Ἀδης ἐσχύλεται... Στιχηρά, ἥχος πλ. δ'. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Στίχος· Κύριος ποιμαίνει με... Παντοκράτωρ ὕψιστε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἀνάπαυσον... Εἰς τόπον χλόης... Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ· ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Δόξα καὶ νῦν, Ἐγὼ, Παρθένε ἀγία Θεοτόκε, τὴν σκέπην σου... Εἴτα λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Εὐχὴ ἐπιτάφιος· Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεός... *Goar. pag. 437.* Εἴτα λέγει τροπάριον· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μετὰ τῶν ἁγίων πάντων... Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος... Τὸ Κύριε ἐλέησον ρ'. καὶ ποιῶσι μετανοίας ιε'. καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός.

л. 168. Ἀποστολο-εὐαγγέλια νεκρώσιμα.

л. 175. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, γινομένου ὑπὸ ἐπτὰ ἱερέων.

Ὅφειλε ὁ μέλλων ποιεῖν αὐτὸ προσκαλεῖσθαι ἀφ' ἐσπέρας οἱ ἱερεῖς καὶ φάλλουσιν ἐσπερινόν. Εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα, στιχηρά, ἥχος δ'. Ἀνάστησον, Κύριε, τὸν ἐν πλήθει ἁμαρτίας νόσφ κατακείμενον δεινῶς... Δέξαι τὸν δοῦλόν σου, προσδραμόντα τῷ λιμένι πίστει... Εὐσπλαγχνε Κύριε παντοκράτωρ, ἐλεήσας οἵκτειρον τὸν νοσοῦντα δεινῶς... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον. Εἰς τὸ Καταξίωσον, στιχηρά· Ἡθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι τῶν ἐμῶν πταισμάτων, Κύριε... Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων τῷ λιμένι τούτῳ οὐ διασώζεται... Πλύνον με τοῖς δάκρυσί μου, Σωτήρ... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον. Καὶ ἐὰν θέλεται, φάλλεται καὶ παράκλησιν, λέγει· Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς... Ὁ Θεὸς Κύριος, Ἀλληλούια εἰς ἥχον πλ. β'. τροπάριον· Ἐλέησον ἡμᾶς .. κ. τ. λ. Καὶ εὐθὺς ὁ Ν'. ὁ κανὼν, ἥχος β'. Πρὸς τὸ Βοηθός Βοηθὸς ἐν πειρασμοῖς, ἐν ταῖς ἀνάγκαις ρύστης γενοῦ μοι...

Εὐχολόγιον τ. II.

Ἐν ἐλέει Σέ, Σῶτερ, θεραπευόμενον ἐπιγνόντες ἔλαιον ἰδοῦ... Ἄλλος κανὼν
 ψδῆ α'. ἤχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρυθρόν. (Cm. γ Γοαρα pag. 332). Εἰς τοὺς
 αἰνους· Ἐδωκας χάριν... Βλέψον, ἀκατάληπτε, ἐξ οὐρανὸθεν εὐσπλαγχνος...
 Χρίσει τοῦ ἐλαίου σου... Δόξα, Πρόσδεξαι, φιλάνθρωπε, τῶν ἱκετῶν σου τὴν
 δέησιν... Καὶ νῦν, ὦ μύρησόν μοι, Δέσποινα, τοῦ σοῦ ἐλέους τὰνάματα ¹⁾)...
 Нѣскольکو листовъ не достаеѣ. Ψαλμός· Κύριος φωτισμός μου καὶ Σωτήρ
 μου... Μακάριος ὁ συνιὼν ἐπὶ πτωχὸν καὶ πένητα ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾶ, ῥύσεται
 αὐτὸν ὁ Κύριος... Εἶτα τὸν Ν'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Καὶ πληρωμένου τοῦ
 πεντηκοστοῦ, λέγει ὁ προεστὼς τὴν αἴτησιν ταύτην· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ
 τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐ-
 λογηθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως
 τὴν εὐλογία τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν
 τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὸ ἔλαιον τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ κα-
 ταφοιτῆσαι ἐπὶ τὸ ἔλαιον τοῦτο τὴν καθαρτικὴν τῆς ὁμοουσίου Τριάδος
 ἐνέργειαν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτοῦ τὸ ἔλαιον τοῦτο πρὸς καθαρισμόν
 ψυχῶν καὶ σωμάτων. Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι τοὺς ἐξ αὐτοῦ καὶ ἐν αὐτῷ
 χριστομένους, ὡς τοὺς φωστῆρας τοῦ οὐρανοῦ, μὴ ἔχοντας σπῖλον ἢ ῥυτί-
 δα... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνος καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι
 αὐτοῦ πᾶν ἁμάρτημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον. Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι
 αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράν-
 του... Ὅτι πρέπει... Καὶ πληρωμένης τῆς αἰτήσεως, λέγουσι τὴν εὐχὴν
 ταύτην καθ' ἑξῆς οἱ ἐπτὰ ἱερεῖς, βαλλόντος ἐκάστου ἔλαιον εἰς τὴν καν-
 δήλαν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς
 σου ἰώμενος ²⁾)... Goar. p. 235. Вырвано нѣскольکو листовъ. Конепѣ
 евангелія отъ Лукк: Νομικός τις προσῆλθε τῷ Ἰησοῦ... Goar. p.
 337. Εἴπωμεν πάντες... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπι δεόμεθα, ἀγαθὲ καὶ φι-
 λάνθρωπε, ἐπίδε ἐπὶ τὴν ἡμετέραν αἴτησιν καὶ ἐπίσκεψαι καὶ ἴασαι τὸν
 δοῦλόν σου ὁ δεῖνος ἐκ τῆς περιεχούσης αὐτὸν ψυχικῆς καὶ σωματικῆς
 ἀσθενείας καὶ ὑγείαν καὶ σωτηρίαν... Κύριε ἐλέησον ἱβ'. Ὅτι ἐλεήμων...
 Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ φυλάσσωσιν τὴν

¹⁾ Ркп. Панд.-Авон. биол. № 149 Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Δεῦτε
 προσκυνήσωμεν, καὶ ἀρχόμεθα ψαλμόνς'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ... Ἐλεον καὶ κρίσιν...
 Κύριος φωτισμός μου καὶ Σωτήρ μου. ²⁾ Εἶτα ἄρχεται ὁ προεστὼς καθίσμα κατι-
 νυχτικόν· Τὸ βῆμά σου τὸ φρικτόν... Ἀγκάλας πατρικᾶς... Μητέρα σε Θεοῦ... καὶ
 εὐθὺς ἄρχεται α'. λέγει προκείμενον, ἤχος α'. Γένοιτο, Κύριε... Καθολικῆς ἐπι-
 στολῇ· Ἰακώβου (Goar. p. 337) Εὐαγγέλιου ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ
 ἐκείνῳ, νομικός τις... Ibid.

διαθήκην σου καὶ διδοὺς τὸ ἔλεός σου τοῖς ἀγαπῶσί σε καὶ τὴν ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου Παιδὸς Ἰησοῦ Χριστοῦ... Goar. pag. 337. Καὶ ἄπει το ἄπτρότουβον αὐτοῦ καὶ μεθίσταται, λέγων ἐκ τρίτου· Εἰσάκουσον, Κύριε. Εἰσάκουσον Δέσποτα. Εἰσάκουσον, Ἄγιε. Εἴτα εἰσέρχεται ὁ β'. ἱερεὺς λέγει μετὰ πάντων τὰ τροπάρια ταῦτα, ἦχος β'. Ἐλέησόν με, εἶπεν ὁ Δαβίδ, καὶ γὰρ σοι κράζω ἡμартон, Σωτήρ... Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, ἐλέησόν με ἐπὶ δυσὶν ὁ Δαβὶδ ἁμαρτήμασιν ἐδρῆνει... Κύριε, μὴ παρίδῃς με δεόμενον ἀντιλήψεως καὶ βοηθείας... Προκείμενον β'. Ἰσχύς μου καὶ ὕμνησίς μου... Στίχος· Παιδεύων ἐπαίδευσέ με... Ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους... Εὐαγγέλιον. См. Прилож. стр. 124. Εἴπωμεν πάντες. Вырвано два листа. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον. Goar. pag. 340. Ἐλέησον ἡμᾶς и т. л. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ ὑπὸ πάσης κτίσεως προσκυνούμενος... καὶ ἴασαι αὐτὸν ἐν τῷ πληθεὶ τοῦ ἐλέους σου πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν τιμίων ἀρχαγγέλων καὶ πασῶν τῶν ἐπουρανίων δυνάμεων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφημῶν ἀποστόλων, τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου, Σαμφῶν καὶ Διομήδους, Μωκίου καὶ Θαλελέου, Τύχωνος καὶ Ἰωάννου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου... Conf. Εὐχολ. Goar. p. 331 и Прилож. стр. 112 Καὶ ἄψας τὸ ἄπτρότουβον ὑποχωρεῖ, λέγων· Εἰσάκουσον, Κύριε и т. л. См. Прилож. стр. 130. Καὶ ἄρχεται ὁ δ'. ἱερεὺς, λέγων τροπάρια, ἦχος δ'. Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι, Κύριε... Τῇ Θεοτόκῃ ἐκτενῶς νῦν προσδράμωμεν, ἁμαρτωλοὶ καὶ ταπεινοὶ... Προκείμενον, ἦχος δ'. Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, Στίχος· Μακάριος ὁ συνιών... Πρὸς Κορινθίους. Goar. p. 342. Εὐαγγέλιον... Ibid. pag. 343. Εἴπωμεν πάντες и т. л. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας καὶ ἰσχυρός, ὁ πολὺς ἐν ἐλέει... Ὅπως μετασχόντες τῆς σῆς φιλανθρωπίας δοξάσωμεν τὴν σὴν ἀγαθότητα πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου и далѣе, какъ предыдущая молитва, но безъ перечисленія именъ святыхъ. Прилож. стр. 130, прим. 3. Καὶ ἄψας τὸ ἄπτρότουβον ὑποχωρεῖ, λέγων· Εἰσάκουσον, Κύριε. Εἰσάκουσον, Δέσποτα. Εἰσάκουσον, Ἄγιε. Καὶ ἄρχεται ε'. ἱερεὺς μετὰ πάντων τροπαρίων, ἦχος πλ. α'. Κριτοῦ καθεζομένου καὶ ἀγγέλων ἐστῶτων... Ἐν κλίνῃ κατακείμενος ἁμαρτημάτων πολλῶν... Τὴν ταχεῖαν σου σκέπην καὶ τὴν βοήθειαν... Προκείμενον· Σύ, Κύριε, φυλάττεις ἡμᾶς. Στίχος· Σῶσον, Κύριε. Ἀπόστολος πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, ὁ Θεὸς πλούσιος ὢν ἐν ἐλέει διὰ τὴν πολλὴν ἀγάπην αὐτοῦ... Τέλος· Ἰνα ἐν τοῖς

περιπατήσωμεν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον¹⁾. Goar. pag. 142. Иста не доѣтаетъ. Ἀπόστολος ε'. πρὸς Θεσσαλονικεῖς... Goar. p. 344. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον²⁾. Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος τοὺς δώδεκα μαθητὰς αὐτοῦ... Τέλος· Καί· ἤλειφον ἐλαίῳ πολλοὺς ἀρρώστους καὶ ἐθεράπευον. Εἴπωμεν πάντες κ. τ. λ... что выше. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων, ὁ πάντα οἰκονομῶν ἐπὶ σωτηρίᾳ... Прилож. стр. 132, прим. 3. Καὶ ἄπτει τὸ ἀπτρότουβον, ὑποχωρεῖ, λέγων· Εἰσάκουσον, Κύριε η τ. δ. Καὶ εἰσέρχεται ὁ ζ'. ἱερεὺς, λέγων τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Ὁμματι εὐσπλάγχυν, Κύριε, ἴδε τὴν ἐμὴν ταπείνωσιν... Ὡς τοῦ κριτοῦ παρόντος μερίμνησον, ψυχή, καὶ τῆς φρικτῆς ἡμέρας τὴν ὥραν ἐννοῶ... Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα ἔχομεν... Προκείμενον· Μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον... Στίχος· Ἡ σωτηρία σου, ὁ Θεός, ἀντελάβετο... Πρὸς Γαλάτας. Goar. p. 343. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον. Ibid. pag. 341. Εἴπωμεν πάντες κ. τ. λ. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας εἰσελθεῖν ἐπὶ οἰκίαν Ζαχαρίου καὶ εἰπὼν· σήμερον σωτηρία τῷ οἴκῳ τούτῳ ἐγένετο, Αὐτός, φιλάνθρωπε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καταπερψον τὸ ἔλεός σου ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ προσκαλεσαμένου τὴν ἐνδοξοτάτην καὶ ἱερὰν θυσίαν ἡμῶν καὶ ἐπὶ τὸ ἅγιον ἔλαιον τοῦτο προϊστάμενον καὶ ἀναφερόμενον εἰς ὀλοκάρπωσιν τοῦ θυσιαστηρίου σου. Ναί, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπάκουσον ἡμῶν, ὡς ἐπήκουσας Ζαχαρίου τοῦ πενιχροῦ ἀνθρώπου καὶ εὐλόγησον τοῦτο τὸ ἔλαιον καὶ τοῖς ἐξ αὐτοῦ χρηομένοις, δὸς πίστιν ἄμετρον καὶ εὐλογίαν ἀδιάληπτον, ἵνα εὐαρεστήσωσί σε τὸν μόνον ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν εὐχαῖς καὶ πρεσβείαις τῆς πανυμνήτου καὶ παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας τῶν η δα-
лѣс, какъ выше. Καὶ ἄψας ἀπτρότουβον ὑποχωρεῖ. Εἴθ' οὕτως φέρουσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τίθῃσιν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀσθενούντος, καὶ κρατοῦσιν αὐτὸ οἱ ἐπτὰ ἱερεῖς ταῖς δεξιαῖς αὐτῶν χερσί, καὶ λέγει ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων εἰς ἐπήκοον πάντων. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Βασιλεῦ, ἅγιε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε... Прилож. стр. 133. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος, ὁ ἐγείρων ἀπὸ γῆς πτωχόν... Goar. pag. 342. Εὐχὴ ἑτέρα· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς ἱατρὸς τῶν ψυχῶν... pag. 343. Καὶ οὕτως ἅπαντες οἱ ἱερεῖς

1) Εἴπωμεν πάντες... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐ-τι σοῦ δεόμεθα, ἀγαθέ... "Ὅτι ἐλεήμων. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κατῆμενος ἐπὶ τῶν χειροβίμ καὶ ἐπὶ βλέπων ἀβύσσους... Прил. стр. 114. Καὶ ἄψας τὸ ἀπτρότουβον ὑποχωρεῖ, λέγων· Εἰσάκουσον, Κύριε. Εἰσάκουσον, Δέσποτα. Εἰσάκουσον, Ἄγιε. Καὶ ἄρχεται ὁ ε'. ἱερεὺς τροπάριον· Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε ἐλέησον... Τῆς εὐσπλαγχνίας... 2) Λουκᾶν.

ἀλείφουσι τὸν ἄρρωστον ἐκ τοῦ ἁγίου ἔλαιου εἰς ἕκαστος ἱερεὺς, λέγων καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Прилож. стр. 111, но безъ указанія на имя императора Іоанна и безъ перечисленія именъ святыхъ. Καὶ μετὰ τὸ ἀλείφαι τὸν νοσοῦντα, οἱ ἱερεῖς δοξάζουσιν· Πηγὴ ἱαμάτων... Θεοτοκίον, Καὶ νῦν, Νεῦσον πρᾶκλήσεις... Καὶ εὐθὺς μετὰ τὸ ἀλείφαι πάντας τοὺς περιευρεθέντας, λέγει ἐκτενὴν ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων ἐπάνω τοῦ ἀσθενοῦντος συνήθως, εἶτα λέγει τὴν κατήχησιν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάντων· Βλέπε, ἀδελφέ, τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς σου ἐν τῷ παρόντι αἰῶνι, μὴ προσκρούσης...¹⁾ Прилож. стр. 136, прим. въ № 498. Τὴν τιμιωτέραν, καὶ γίνεται τελεία ἀπόλουςις. Ὁ τοῖνον ποιήσας τὸ ἅγιον ἔλαιον οὔτε λούεται, οὔτε κρεοφαγεῖ μέχρι συμπληρώσεως ἡμερῶν ἐπτά.

л. 192 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ ἀπὸ πατρὸς πνευματικοῦ, κειμένη ἡ δεξιᾷ χεὶρ αὐτοῦ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ ἐξομολογουμένου.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἀμνέ. Goar. p. 536.

л. 194 об. Εἰς εὐχέλαιον ἕτερος κανὼν. Ὡς ἐν ἡπεύρῳ. Ἐν οὐρανίοις θαλάμοις διηνεκῶς... p. 426. Рукопись на этомъ обрывается.

LXV. № 149 Ἐὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Пандократорской библ. въ четвѣртку, 200 листовъ, писана четкою скорописью XV столѣтія. Начинается рукопись великою ектеньею въ чинѣ великой вечерни, который по изложенію сходенъ съ нынѣшнимъ, съ тою, впрочемъ, особенностію, что молитвы вечернія размѣщены здѣсь по всему чину между ектеньями.

л. 4. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς τὸν μέγαν ἑσπερινὸν τῶν ἑορταζομένων ἁγίων.

Ἐν πρώτοις ἐνδύεται ὁ ἱερεὺς ἐπιτραχήλιον καὶ τὴν ζώνην, ἐπάνω δὲ αὐτοῦ ἐνδύεται τὸ φελώνιον καὶ, λαβὼν τὸ θυμιστόν, ἵσταται ἐνώπιον τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ ὅλον τὸ ἱερατεῖον, λέγων μυστικῶς καθ' ἑαυτὸν τὸ Εὐλογητός ὁ Θεός, εἶτα ἐξέρχεται ἔξω ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων πυλῶν καὶ θυμιᾷ τὰς ἁγίας εἰκόνας καὶ τὸν ἅγιον ναὸν ὅλον, καὶ πάντας τοὺς παρεστῶτας ἐκεῖσε, προπορευομένου τοῦ διακόνου μετὰ μανουαλίου καὶ λαμπάδος ἀπτομένης, ἐκφωνεῖ καὶ τὸ Ке-

¹⁾ Послѣ молитвы: Ὁ τοῖνον ποιήσας τὸ ἅγιον ἔλαιον οὔτε λούεται, οὔτε κρεοφαγεῖ μέχρι συμπληρώσεως ἡμερῶν ἐπτά, καὶ συγχωρῆται παρὰ πάντων καὶ συγχωρούμενος.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ, τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ θεοτοκίον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός, ὁ πλάστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων. Прилож. стр. 3—4. Εὐχή ἐτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τοῦ Ἀδάμ καὶ τῆς Εὔας συγχωρήσας τὰ πταίσματα καὶ κατελθὼν ἐκ τῶν οὐρανῶν καὶ σαρκωθῆναι καταξιώσας ἐκ τῆς ἀγίας Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας... См. ркп. XV в. Костам. библ. № 19. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου. Goar. p. 261. Εὐχή, λεγομένη εἰς τὰς εὐρεθούσας γυναῖκας τῇ ὥρᾳ τῆς γεννήσεως. См. выше стр. 455. Εὐχή τῆς μαίας (двѣ) См. тамъ же. Εὐχή ἐτέρα εἰς ὅλας· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πα-

ραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, παραγενοῦ καὶ ἐπὶ τὰς δούλας σου, καὶ καθάρισον αὐτάς ἀπὸ παντός μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος, καὶ καταξίωσον ἀκατακρίτως ἅπτεσθαι παντός ἔργου. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγίασμός... Τὴν τιμιωτέραν καὶ γίνεται ἀπόλουςις.

λ. 61. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡ'. ἡμέρα τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. См. выше стр. 455. После послѣдней молитвы слѣдуетъ: Εὐχὴ τῆς μαίας τῆς ὀκτωημέρου καθάρσεως. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἀληθινὸς ἄρτος τῆς ζωῆς ἡμῶν Goar. p. 264. Καὶ γίνεται ἀπόλουςις.

λ. 64. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα τεσσαράκοντα ἡμερῶν τῆς γεννήσεως αὐτῆς.

Ἀπέρχεται ἡ γυνὴ λελουμένη μετὰ τοῦ παιδίου αὐτῆς καὶ εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Τρισάριον, τροπάριον τῆς ἡμέρας. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν. Goar. p. 267; Прилож. стр. 8. Εὐχὴ τῆς γυναικὸς προσαγούσης, μὴ παρόντος τοῦ παιδίου. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. pag. 267, но съ значительными пропусками. Καὶ εἰ μὲν ἐστὶ τὸ παιδίον ἀβάπτιστον, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς οὕτως, ὡς τῇ ὀγδόῃ ἡμέρᾳ λαβὼν τὸ παιδίον ὁ ἱερεὺς εἰσέρχεται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων εἰκόνων, λέγει τροπάριον. Χαῖρε, κεχαριτωμένη, εἶτα χρίει αὐτὸν ἅγιον ἔλαιον ἐκ τῆς κανδήλας τῆς εἰκόνης, εἶτα ἐπιτίθεται τὸ παιδίον τῇ μητρὶ αὐτοῦ, λέγει τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις. Goar. pag. 267.

λ. 65 ὑβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. См. выше стр. 456. Καὶ μετὰ τὸ βαπτίσαι αὐτὸν λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ ἁγίου μύρου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Παντοδύναμε, παντοκράτωρ, ὁ Πατήρ... Καὶ λαβὼν μύρον, χρίει τὸν βαπτισθέντα ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν δύο ὠτων, καὶ τῶν χειρῶν, καὶ τῶν γονάτων, λέγων. Σφραγίς δωρεᾶς. Εἰς τὰ ὦτα. Εἰς ἀκοὴν πίστεως Πνεύματος ἁγίου. Εἰς τὰς χεῖρας. Εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν. Εἰς τὰ γόνατα. Τοῦ πατεῖν ἐπάνω ὄψεων καὶ σκορπίων καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ. Καὶ μετὰ τὸ μυρῶσαι ὅλον τὸ σῶμα, ἐνδύεται τὸν χιτῶνα, καλέων τροπάριον, ἥχον πλ. δ'. Χιτῶνα μοι. Εἶτα τὰ σταυρία. Εἰς τὸ α'. σταύρωμα λέγει τροπάριον. Τῷ σταυρῷ См. выше стр. 458. Εἰς τὸ β'. σταύρωμα, λέγει τροπάριον. εἰρμὸς ἀπὸ τοῦ σταυροῦ. Σταυρόν χαράξας Μωϋσής... Εἰς τὴν ζώνην αὐτοῦ, λέγων. Περιζώννεται ὁ δοῦλος. См. выше стр. 458. Εὐλογητὸς εἶ, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν Goar. pag. 290. Ὁ λύτρωσιν ἀμαρτιῶν... p. 303. Οἱ ἐνδυσάμενοι... p. 304. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε... p. 306.

λ. 81. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι τὸ παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ τῇ εἰκόνι σὴ τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... p. 306. Εἰρήνη πᾶσι. Σε ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός... Ibidem. Καὶ εὐθὺς λαβὼν ὁ ἱερεὺς θυμιατόν, βάλλων θυμίαμα, γυρίζουν τὴν κολυμβήθραν γύρους τρεῖς ἅμα τῷ ἀναδόχῳ σὺν τῷ νεοφωτίστῳ, ψάλλοντες καὶ τὸ Ὕοσοι εἰς Χριστόν γ'. Εἷτα λαβὼν τὸ παιδίον ὁ ἱερεὺς ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ ἀναδόχου καὶ λαβὼν ὕδωρ ἐκ τῆς κολυμβήθρας, ἀπονίπτων τὸ πρόσωπον τοῦ παιδίου, λέγει Ἐδικαιώθης, ἐφωτίσθης, ἡγιασθης, ἀπελούσω, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

λ. 82. Ἀκολουθία εἰς παρθενικὴν μνηστείαν. Ἀρχὴ τοῦ Ἀρράβωνος. Εἰσέρχονται ἡ τε νύμφη καὶ ὁ νυμφίος, καὶ ἐρωτᾷ αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς, ἐὰν θέλῃ ἡ νύμφη τὸν νυμφίον, ὁμοίως καὶ ὁ νυμφίος τὴν νύμφην, καὶ ὁμολογήσαντες ἐκουσίως, εὐλογεῖ αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς καὶ ἄρχεται Τρισάχιον, καὶ λέγει ἀπολυτίκιον καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, καὶ ἄρχεται τὰς εὐχάς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὴν ἀλήθειάν σου... См. выше стр. 459—460. После ектенѣи молитва: Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πάσης κτίσεως. Goar. p. 315. Καὶ ἄρας τὰ δακτυλίδια ὁ ἱερεὺς ἐπιδίδει τῷ μὲν ἀνδρὶ τὸ χρυσοῦν, τῇ δὲ γυναικὶ τὸ ἀργυροῦν, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς, ποιῶν σταυρόν ἐν τῇ δεξιᾷ χειρὶ τοῦ ἀνδρός· Ἀρράβωνιζεται καὶ μνηστειάζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ὁμοίως καὶ τῇ γυναικὶ. Εἷτα ἀλλάσσουν αὐτὰ φοράς γ'. ὁμοίως καὶ τοὺς ἄρτους καὶ τοὺς κηρούς, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα... Goar. p. 311. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἔθνων... Ibidem. Καὶ ποιεῖ ἀπόλουσιν.

λ. 85. Εἰ δὲ βούλονται ἐνταῦθα στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται μέσον τοῦ ναοῦ μετὰ λαμπάδων, ψάλλοντες ψαλμόν ρζ'. Μακάριοι πάντες... Εἷτα τίθενται ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ στέφανα δύο, καὶ ποτήριον, πλήρες οἴνου, εἷτα λέγει τὰ διακονικὰ ταῦτα Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ τῆσδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν... Ὑπὲρ τῶν νῦν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς χάριν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς δωρήσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ... Goar. pag. 317. Εὐλογητὸς εἷ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός. См. выше стр. 461—466 до конца чина.

л. 96. Εὐχὴ ἐπὶ διγαμίας.

Ζήτηι τὰς διακονίας τοῦ ἁρράβωνος. Εἰ μὴ μόνον ἐὰν ἔστι παρθένος ἢ ὁ ἀνὴρ, ἢ ἡ γυνή, λέγει τὴν εὐχὴν τῶν στεφάνων διὰ τὸν παρθένον ἢ τὴν παρθένον, τὸν δὲ χῆρον ἢ τὴν χήραν οὐχί· διατὶ ἓνα καὶ μόνον στέφανον ἐποίησεν ὁ Κύριος τοῖς μονογάμοις, οὐχί δύο. Εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην τῆς διγαμίας. Εὐχὴ τῶν διγαμιῶν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραὰμ φίλον καλέσας. См. ркп. XVI в. Свят.-гроб. библ. № 68. Здѣсь же правила о второмъ бракѣ Тимофея александрійскаго и два Никиты ираклійскаго.

л. 97 об. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν. См. выше стр. 466—467. Οκαπчивається чинъ такъ: Τῷ συνδέσμῳ τῆς ἀγάπης, καὶ γίνεταί ἀπόλυσις, καὶ ἀσπάζονται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἀλλήλους καὶ ἀπέρχονται.

л. 100. Ἀκολουθία, γινομένη ἐὰν συμβῇ ἐμπεσεῖν προσφάτως.

л. 103. Εὐχὴ ἐπὶ καθαρισμοῦ ὕδατος.

л. 103 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιарοφαγησάντων. Goar. p. 534.

л. 104. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἵδους μiasθέντος. p. 483.

л. 105. Εὐχὴ ἐπὶ τεκνοποιητῶν. См. выше стр. 468—470.

л. 107. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου ἀποκτιζομένου.

л. 108. Εὐχὴ εἰς ἀπαρχὴν σπόρου. См. выше стр. 470.

л. 108 об. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους. Goar. p. 524.

л. 109. Εὐχὴ εἰς ἄλωνα. См. выше стр. 470—471, но съ прибавленіемъ третьей молитвы: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν τοῦ ἐνιαυτοῦ κύκλον εὐλόγησας...

л. 110 об. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἄμπελον. p. 551.

л. 111. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγους ἀμπέλου. p. 552.

л. 111 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὀφώσεως σταυροῦ. См. выше стр. 471.

— Εὐχὴ σειсмоῦ. p. 623.

л. 113. Εἰς λιτὴν φόβου. p. 636.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας. p. 613.

л. 116. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴνου. См. выше стр. 471.

л. 116. Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς, ὅταν μεταλαμβάνει ὁ λαός.

л. 117. Εὐχὴ συγχωρητικὴ ὑπὸ τοῦ πνευματικοῦ πατρὸς.

л. 118. Εὐχὴ ἐξομολογουμένων.

л. 118 об. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς οἶκον, ὅταν συνεπάρη ἄνθρωπος.

л. 120. Εὐχὴ ἐπὶ προπετῶς ὁμνουόντων. p. 534.

л. 120 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασπάσαι πλοῖον ἐν τῇ θαλάσσῃ.

л. 122 об. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων. p. 581.

л. 123. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας. p. 485.

л. 124. Εὐχὴ μετὰ τοῦ ἀρίστου. См. выше стр. 472.

— Εὐχὴ ἐν τῷ μέλλειν ἀριστᾶν. p. 569.

л. 124 об. Εὐχὴ ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς.

— Εἰς πᾶν σκεῦος μιανθέν.

л. 125. Εὐχὴ εἰς τὰς σταφυλάς. См. выше стр. 471.

л. 126. Ἀπόστολοι καὶ εὐαγγέλια τῆς ἐβδομάδος и на разные случаи.

л. 143 об. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ια'.

л. 154. Ἀκολουθία ἁγίου ἐλαίου. См. выше стр. 481—485 и прим.

л. 193 об. Ἀκολουθία μεγάλου Ἡλιοῦ.

Въ концѣ рукописи нѣсколько позднѣйшихъ прибавокъ: Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεχὼ μετὰ μ'. ἡμέρας, Εὐχὴ εἰς ποίμνην κτηνῶν и др.

LXVI. № 19 (20) Евхологій, рукопись Афонской Костамонитской библи. въ 16 долю, 202 листа, писана четкою скорописью XV вѣка. Рукопись отъ сырости весьма попорчена и во многихъ мѣстахъ съ трудомъ читается.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 14. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 29 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

Εὐχὴ, ὅταν προτίθωνται τὰ προηγιασμένα· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν ¹⁾, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν τὸ μέγα τοῦτο τῆς σωτηρίας μυστήριον, Σὺ ἰκάνωσον ἡμᾶς προσφέρειν ²⁾ σοι θυσίαν ³⁾ προηγιασμένην εἰς δόξαν καὶ αἶνον ⁴⁾ τοῦ Χριστοῦ σου. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται τὸ παντίμιον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεὶ Conf. Εὐχολ. Goar. p. 169 и выше стр. 393. Καὶ μετὰ τὸ ἐπικαλύψαι τὰ ἅγια, ἐξελθὼν ἄρχεται τῆς λειτουργίας τῶν προηγιασμένων ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία, καὶ εὐθὺς· Δεῦτε προσκυνήσωμεν, καὶ ὁ ἱερεὺς ἄρχεται τὰς ὑποτεταγμένας εὐχάς· Κύριε οἰκτιρῶν καὶ ἐλεήμων, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε. Goar. p. 163. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι. Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης ἡμᾶς... Goar. p. 163. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, μνήσθητι ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν. Goar. p. 163. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός. Ἐσπέρας καὶ πρωτὶ καὶ μεσημβρίας. Goar. p. 164. Λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν κ. τ. λ...

¹⁾ Ркп. арх. Антонина XV в. ὁ Θεὸς ἡμῶν нѣтъ ²⁾ προσενέγκαι ³⁾ приδвляево: εὐπρόσδεκτον ⁴⁾ ἔπαινον.

Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι... Καὶ φαλλομένου τοῦ Κύριε ἐκέκραξα καὶ τῶν στιχηρῶν, ἐξέρχεται ὁ διάκονος καὶ θυμῷ τὴν ἐκκλησίαν καὶ τὸν λαὸν καί, ὑποστραφεὶς ἐπάνω, ψάλλεται τὸ θεοτοκίον, λαμβάνει τὸ πυρίον καὶ ἐξέρχεται ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως πρὸς τὸ εἰσοδεῦσαι. Εἰ δὲ καὶ τύχει μνήμη ἁγίου ἢ μνημονεύοντος, αἶρει καὶ τὸ εὐαγγέλιον. Εὐχὴ τῆς εἰσόδου, ἣν λέγει κεκυφώς ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα καὶ στρατιάς ἀγγέλων καὶ ἀρχαγγέλων εἰς λειτουργίαν τῆς σῆς δόξης, ποιήσον σὺν τῇ εἰσόδῳ ἡμῶν εἰσόδον ἁγίων ἀγγέλων γενέσθαι συλλειτουργούντων ἡμῖν καὶ συνδοξολογούντων τὴν σὴν ἀγαθότητα. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα. Καὶ ἀνισταμένου αὐτοῦ, λέγει ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ λαός· Φῶς ἱλαρόν. Εἶτα δίδοται· Σοφία, καὶ λέγονται τὰ ἀναγνώσματα. Εἰς δὲ τὸ προκείμενον τῆς Παροιμίας, ἄψας κηρὸν ὁ διάκονος καὶ λαβὼν τὸ πυρίον, ἐξέρχεται ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως, λέγων· Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσιν. Εἶτα Κατευθυνθήτω καὶ εὐθὺς ἀπόστολος χωρὶς προκειμένου, εἴπερ ἔστι μνημονεύων, τὸ ἀλληλουάριον, τὸ εὐαγγέλιον καὶ τὴν ἐκτενήν, εἰ δ' οὐκ ἔστι ἀπὸ τοῦ Κατευθυνθήτω, λέγει ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες и т. д. Соар. р. 165—168.

л. 36 об. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. Молитвъ 10.

л. 39 об. Εὐχαὶ τοῦ ὄρθρου. Молитвъ 12.

л. 44. Ἀκολουθία τοῦ βαπτίσματος. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως.

Ὁφείλει ποιῆσαι οὕτως· ἔξω τῆς ἐκκλησίας ἐμφυσῆσαι εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σταυροειδῶς γ'. ὁμοίως καὶ κατασφραγίσαι μετὰ τῆς χειρὸς γ'. καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Дмитріевскій. Прилож. стр. 7.

л. 45. Εὐχὴ εἰς γυναικα λεχῶν¹⁾.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον, ἤχος α'. Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε, χαρὰν ἐμήνυσε πάσῃ τῇ οἰκουμένῃ... εἶτα Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Ἀδὰμ καὶ τῇ Εὐᾷ συγχωρήσας τῇ παραβάσει αὐτῶν, κατελθὼν ἐκ τῶν οὐρανῶν, καὶ σαρκωθεὶς ἐκ τῆς ἀειπαρθένου Μαρίας διὰ τὴν ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν σωτηρίαν, ὁ γινώσκων τὸ ἀσθενὲς τῆς ἀνθρωπίνης φύσεως, συγχώρησον καὶ τὴν δούλην σου ἢ δεῖνα, τὴν τεῖξασαν τὸ παιδίον διὰ τοῦ ἐλέους τῆς σῆς χρηστότητος· σὺ γὰρ εἶπας, Κύριε· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ κατακυριεύσατε τὴν γῆν, διὰ τούτου καὶ ἡμεῖς οἱ δοῦλοι σου θαρρόντες δεόμεθα τῆς φιλάνθρωπίας σου τῆς ἀνεξικάκου φόβῳ βοῶμεν·

¹⁾ Чинъ этого писанъ рукою XVI вѣка.

ἐπιβλεψόν ἐξ οὐρανοῦ καὶ ἴδε τὴν ἀσθενείαν ἡμῶν τῶν καταδίκων, καὶ συγχώρησον τὴν δούλην σου ἡ δεῖνα· καὶ παντός τοῦ οἴκου, ἐν ᾧ ἐγεννήθη τὸ παρὸν νήπιον, καὶ εἴ τι ἁμάρτημα ἐπράχθη ἐν αὐτῇ τῇ λεχούσῃ, ὡς ἀγαθὸς Θεὸς καὶ φιλόανθρωπος, συγχώρησον καὶ τῶν ἀφαμένων, ὅτι σὺ μόνος ἔχεις ἐξουσίαν ἀφιέναι ἁμαρτίας, πρεσβείαις τῆς παναχράντου σου Μητρὸς καὶ πάντων τῶν ἁγίων, ὅτι εὐλογητὸς εἶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Ἐτέρα εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν καὶ νοερὰν δημιουργήσας τῷ λόγῳ σου... Goar. p. 267. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. pag. 267.

λ. 46. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι παιδίον.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ τροπάριον, ἤχος α'. Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε Παρθένε... Εἴτα σφραγίζει τὸ παιδίον εἰς τὸ μέτωπον, εἰς τὴν καρδίαν καὶ ἐμφυσᾷ αὐτόν, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθῆτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου... Прилож. стр. 7.

— Εὐχὴ εἰς τὴν γυναῖκα¹⁾ εἰς τὸ σαραντῆσαι.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. p. 267.

λ. 46 об. Εὐχὴ ἑτέρᾳ εἰς τὸ παιδίον²⁾.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν... Прилож. стр. 19. Εἴτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ χεῖρας τὸ παιδίον, καὶ εἰ μὲν ἔστιν ἄρρεν, κυκλοῖ αὐτὸ τρίς γύρωθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, εἰ δὲ ἐστὶ θῆλυ, ἔξω τῶν ἁγίων θυρῶν, σφραγίζων αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγει· Ἐκκλησιαζέται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεῖ... τρίς, εἴτα Νῦν ἀπολύεις τὸν δοῦλόν... ἕως τὸ φῶς εἰς ἀποκάλυψιν, εἴτα τίθησιν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον ἐμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ λαμβάνει ἡ μητέρα (sic) αὐτοῦ καὶ ἀπόλυσις.

λ. 48 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον, ἡγουν βαπτίσματος. Дмитриевскій. Прилож. стр. 20—23.

λ. 98. Εὐχὴ (εἰς τὸ) ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Δύει αὐτοῦ τὸ σάβανον, τὴν ζώνην αὐτοῦ, τὴν περικεφαλαίαν, καὶ λέγει· Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Δύτρωσιν ἁμαρτιῶν... Goar. p. 303. Καὶ

1) Ὃταν δὲν εἶναι παιδίον, λέγει τὴν εὐχὴν τῆς γυναίκος, εἰ δὲ ἔστι παιδίον, λέγει καὶ τὰς τρεῖς εὐχὰς 2) Ὃταν τὸ παιδίον ἔστιν ἄρρωστον καὶ θέλει βάπτισμα, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην καὶ κλησάτοιν (sic) αὐτό.

λαβὼν μέρος ἐκ τῆς περικεφαλαίας, βάλλει εἰς τὸ ὕδωρ, καὶ ἀποσπογγίζει τὴν κάραν σὺν τῷ μετώπῳ, τὸ στῆθος καὶ τοὺς νεφρούς, λέγων· Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, ἡγιασθης, ἐκαθαρίσθης, καὶ ἀπολύει αὐτὸν ἐν εἰρήνῃ. См. Прилож. стр. 24.

л. 58. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον. Тамъ же стр. 24 и 25.

л. 59. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

л. 66. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

Начало и тропари до 25 тѣже, что въ ркп. 1522 г. Свят.-гроб. библ. № 615. Остальныхъ тропарей нѣтъ. Дальнѣйшій порядокъ, какъ въ указанной рукописи. Послѣ тропарей: „Спаси Господи“ и „Троихъ даровъ“ прибавленъ тропарь (ἕτερον, ἥχος δ΄). Πηγὴν ἱαμάτων... εἴτα Δόξα σοι, ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 72. Ἀκολουθία τοῦ ἄρράβωνος.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῷ παιδί τοῦ πατριάρχου Ἀβραάμ συμπουρευεῖς ἐν τῇ Μεσοποταμίᾳ... См. выше стр. 95. Εὐχὴ ἐτέρα· Πατὴρ ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε... См. ркп. Свят.-гроб. библ. № 615.

л. 72 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Ἰσθᾶ αὐτοὺς ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου καὶ ἄρχεται λέγων Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων ἀλλήλοις τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Εὐχεται ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεός ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα... Goar. p. 311. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος... Ibid. Εὐχὴ ἐτέρα· Ὁ Θεός ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... Ibid. pag. 317. Εἴτα στέφει ἀμφοτέρους, λέγων· Ἐθηκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στεφάνους. Καὶ κρατῶν τὰς δεξιὰς ἀμφοτέρων, παραδίδωσιν ἀλλήλοις καὶ λέγει φαιλμὸν κ'. Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεὺς ἕως ζωὴν ἡτήσατό σε καὶ ἔδωκας αὐτοῖς, καὶ λέγει τοῦτον τὸν στίχον γ'. καὶ εἰρηνεύει καὶ παεῖ καθέδραν, καὶ λέγει προκείμενον. Апостолъ и евангеліе въ ркп. Свят.-гроб. библ. № 615. Καὶ εὐδὺς συναπτῇ· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου и т. д. что выше, но съ прибавкою прошенія: Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν τοῦ Κυρίου. Послѣ прошенія: Ὅπως Κύριος ὁ Θεός... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηρίῳδῃ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας... Goar. p. 318. Ὁ ἱερεὺς εὐ-

χεται καθ' ἑαυτόν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευράν τοῦ προπάτορος Ἀδὰμ εἰς γυναῖκα μεταποιήσας. Текстъ изложень иначе противъ Гоара pag. 315. См. выше стр. 29. Καὶ ἀνιστάμενος ἐκφωνεῖ· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιланθρωπία... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν... καὶ λέγει ἕως Τὴν ἐνότητα. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα. Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστίν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός... p. 65. Ἐκφώνησις. Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα. Ὁ λαός· Εἰς Κύριος, κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου. Καὶ μεταδοὺς αὐτοῖς τῶν θείων μυστηρίων, ποιεῖ τὴν εὐχὴν τοῦ κοινοῦ ποτηρίου. Εὐχὴ· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχυρί σου... Goar. p. 318. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ λαβὼν τὸ ποτήριον, ἐπιδίδωσι πρῶτον τῷ ἀνδρὶ καὶ ἀπογεύεται, εἶτα τῇ γυναικὶ καὶ πάλιν τῷ ἀνδρὶ ἕως ἐκπύη, εἰθ' οὕτως λέγει· Ὁρθοὶ μεταλαβόντες. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Ὅτι σὺ εἰ ἁγιασμός. Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Καὶ ἐπευχόμενος αὐτοῖς, λέγει· Χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε... Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεθ' ὑμῶν.

л. 76. Εὐχὴ εἰς τὸ λῶσαι τὰ ἱερὰ στέφη.

Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος, ὁ εὐλογῶν ἔτι δίκαιον, καὶ τὸ σπέρμα αὐτοῦ ἐν γενεαῖς εὐθέων διατηρῶν, ὁ ταῖς διδασκαλαῖς αὐξάνων τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων, καὶ ταῖς διδασκαλαῖς¹⁾ κρατύνων, Αὐτὸς εὐλόγησον τὴν στρωμνὴν τῶν δούλων σου τούτων τῇ ἀγαθότητι καὶ τὴν συνάφειαν αὐτῶν ἁγιάσον, ὥς τὴν τῶν πατέρων ἡμῶν Ἀβραάμ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, περιθέμενος αὐτοῖς μήτραν, ἀγαλλιάσεως καρπὸν, ὁμολογουμένων²⁾ τὸ ἅγιον ὄνομά σου, καὶ ἀνάδησον αὐτοὺς ἔνδυμα ἀληθείας καὶ στέφανον κάλλους ἐν χειρὶ σου, καὶ γενοῦ αὐτοῖς ἔρεισμα ἐδραῖον ἐν ἀληθινῇ πίστει, καὶ εὐλόγησον τὴν ζωὴν αὐτῶν ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ. Ὅτι εὐλόγηται³⁾ καὶ δεδοξασται.

— Εὐχὴ εἰς τὰ ἀπολύσια.

Ὁ Θεός, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. См. ркп. Свят.-гроб. библ. № 615. Καὶ λύει τὰ στέφανα καὶ ἐξέρχονται.

л. 77. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

Чинъ состоитъ изъ молитвъ. Goar. pag. 597—602. Молитва: „Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος“ pag. 602 опушена.

л. 86. Εὐχὴ εἰς ψυχὴν κρινομένην.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντα ἄνθρωπον θέλων σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν. Goar. p. 587.

¹⁾ Ркп. Свят.-гроб. библ. № 615 ἐντολαῖς ²⁾ ὁμολογουμένων ³⁾ ἡγίασται.

— Ἑτεραι εὐχαὶ διάφοροι. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀρεσθεὶς ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναι σοὶ ἐκκλησίαν... Goar. pag. 485.

л. 86 об. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ σὸν ἅγιον αἶμα ὑποβαλλόμενος... Goar. pag. 486.

л. 87. Εὐχὴ εἰς εὐλόγησιν οἴνου. Goar. p. 553.

л. 87 об. Εὐχὴ εἰς εὐλόγησιν οἴνου.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱόν. Goar. p. 552.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συνοδεύσας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ. См. выше стр. 33.

л. 88. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. p. 613.

л. 88 об. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ ἀνομβρίας. Goar. p. 614.

л. 89. Εὐχὴ λεγομένη ἐν λιτῇ διὰ φόβου. Goar. p. 636.

л. 89 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων. Goar. p. 537.

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐξ ἐπιτιμιῶν λυομένων. pag. 531.

л. 90. Εὐχὴ τῶν προπετῶς ὀμνούντων. См. выше стр. 286.

— Εὐχὴ ἐτέρα εἰς προπετῶς ὀμνούντα ἢ εἰς εὐχόμενον καὶ μὴ ἀποδιδόντα. Goar. p. 534.

л. 90 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφοριζομένων ἢ λόγῳ ἑαυτοὺς δεσμευόντων.

Ὁ Θεὸς ὁ φοβερὸς καὶ δυνατός, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρμοὺς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν εἰς τὸν κόσμον. Goar. p. 531.

л. 91. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ τῶν ἐν ἐπιτιμίαις ὄντων καὶ ἑαυτοὺς ὀρκῶ δεσμευόντων. Goar. p. 528.

л. 91 об. Εὐχὴ ἐπὶ μαροφαγησάντων. Ibid. pag. 534.

л. 92. Εὐχὴ ἐπὶ πλοίου, μέλλοντος πλέειν. Goar. p. 684.

л. 92 об. Εὐχὴ εἰς κατασκευὴν σκάφους. См. выше стр. 288.

л. 93. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μiasθεν ἢ τι ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν.

Χρὴ ἐπαίρειν αὐτὸ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον καὶ ρίπτειν ἔξω, καὶ ἕτερον ἀγγεῖον πλύνεσθαι ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ ἐπιβάλλειν ἁγίασμα τῶν ἁγίων θεοφανίων εἰς τὸ ἀγγεῖον τρίτον, καὶ εἴθ' οὕτως τὸ μianθεν μεταβαλεῖν ἐν αὐτῷ, καὶ φέρειν δύο μανουάλια καὶ ιστάναι ἔνθεν καὶ ἔνθεν καὶ θυμῶν αὐτὸ τὸν ἱερέα σταυροειδῶς γύρωθεν ἐκ τρίτου, καὶ μετὰ τοῦτο

ιστάμενον κατὰ ἀνατολὰς ἐπεύχεσθαι· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐν τῇ ἐνσάρκῳ καὶ σωτηρίῳ σου οἰκονομίᾳ διαστειλάμενος... Goar. p. 482. Εἰ δὲ συμβῇ τὸ ἐμπесὸν ἀκάθαρτον χρονίσαι καὶ σαπῆναι, ἐκχέεσθαι τὸ εἶδος καὶ μηδενὸς τὸ σύνολον ἄπτεσθαι αὐτοῦ.

λ. 94. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς σκεῦος μiasθέν.

Δέσποτα καρδιογνώστα, ὁ ἐπιστάμενος τὰ ἀπόρρητα καὶ γινώσκων τὰ πάντα... См. выше стр. 468, прим. 1—6.

λ. 94. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν. Goar. pag. 536.

λ. 95. Εὐχὴ ἐπὶ πυρεττόντων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια καὶ δεινὰ πάθη λόγῳ μόνῳ θεραπεύσας. Goar. p. 549.

— Εὐχὴ ἐπὶ πᾶν εἶδος ἀρρώστιας.

Δέσποτα παντοκράτωρ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. p. 459.

λ. 95 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος. Goar. p. 550.

λ. 96. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ.

Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει. Goar. pag. 483.

— Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν τοῦ Ζαχαρίου... Goar. 484.

λ. 96 об. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ περιεργαζομένῳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπάνω πάσης ἀρχῆς καὶ ἐξουσίας. Ркп. Есѣигм. днбл. № 208 л. 66

λ. 97 об. Τάξις γινομένη εἰς χωράφιον, ἢ εἰς ἀμπελῶνα, ἢ εἰς κήπον, εἰ συμβῇ βλάπτεσθαι ὑπὸ ἐρπετῶν, ἢ ἄλλων εἰδῶν. Goar. p. 554.

λ. 98. Εὐχὴ τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Τρύφωνος. Goar. pag. 554—555.

λ. 100 об. Εὐχὴ, λεγομένη παρὰ τοῦ ἱερέως ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος μεταλαβεῖν τῆς ἁγίας κοινωνίας.

Ἐκλινε τὸν αὐχένα ὁ σὸς δοῦλος ὁ δεῖνα, ἀπεκδεχόμενος τὰ παρὰ σοῦ πλοῦσια ἐλέη, πλουσίαν τὴν παρὰ σοῦ πνευματικὴν εὐλογίαν, ἁγίαν, Κύριε, τὸ σῶμα καὶ τὴν ψυχὴν καὶ καταξίωσον αὐτὸν κοινωνῆσαι τῶν ἀχράντων, ἀθανάτων καὶ ζωοποιῶν μυστηρίων τοῦ Υἱοῦ σου καὶ ἄφεσιν ἁμαρτιῶν αὐτῷ δώρησαι, ὅτι προσκυνητὸς εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ μονογενεῖ σου Υἱῷ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι...

— Εὐχή, ὅταν (ἀπαίρη ἄνθρωπος ἀπὸ τῶν τῆδε· γράφει) δὲ ταύτην ὁ πνευματικὸς πατήρ εἰς χαρτίον καὶ βάλλει εἰς τὴν χεῖρα τοῦ τεθνηκότος διὰ τὸν φόβον τῶν τελωνίων τοῦ ἀέρος καὶ τοῦ σκότους τοῦ αἰῶνος τούτου· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ρκπ. XVI в. Ватопед. гр. № 134 ἔμπροσθεν τοῦ φοβεροῦ αὐτοῦ βήματος, ὁ ὧν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν.

л. 101. Εὐχή εἰς ὕδωρ μiasθέν.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δοὺς ἐξουσίαν καὶ ἐντολήν τοῖς δούλοις σου τοῖς προφήταις καὶ ἀποστόλοις, ἐν τῷ λόγῳ σου καθαρίζειν πάντα μολυσμὸν καὶ πάντα ἀκάθαρτον. Сн. выше стр. 241.

л. 101 об. Εὐχή ἐπὶ σεισμῷ.

Ὁ φοβερός καὶ θαυμαστός καὶ μέγας ὑπερένδοξός τε καὶ ἀληθινὸς Θεός. Goar. p. 623.

л. 102. Εὐχή ἐπὶ προσφερόντων ἀπαρχάς. Goar. p. 522.

— Εὐχή ἐπὶ βασιλείῳς γινομένη.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων. Goar. p. 733.

л. 102 об. Εὐχή εἰς τὸν σπόρον.

Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεός, ὁ ἐκ τῆς ἀσπόρου ἀρούρας καὶ ἐκ τῆς χώρας τῆς μὴ δεξαμένης τὴν σποράν βλαστήσας. См. ркп. XVI в. Есфигм. гр. № 208.

л. 103. Εὐχή ἐπὶ θέρους. Goar. p. 524.

— Εἰς ἄλωνα θέρους καὶ καρπῶν τε πληρωμάτων· Πηγὴ τῶν ἀγαθῶν, Δέσποτα παμβασιλεῦ καὶ εὐεργέτα. Goar. p. 523.

л. 103 об. Εὐχή εἰς κόλυβα ἁγίων. Goar. p. 524.

л. 104. Εὐχή εἰς κοιμηθέντας.

Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. Goar. p. 424.

л. 103. Εὐχή εἰς ἀπαρχὰς σταφυλῆς καὶ συκῶν τῇ ς'. τοῦ αὐγοῦστος μηνὸς ἐν τῇ ἑορτῇ τῆς Μεταμορφώσεως.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἄμπελος ἡ ἀληθινὴ ἡ μέθην μὴ ποιοῦσα σωματικὴν, ἐλευθερωσύνην (δὲ)γεννώσα πνευματικὴν, ὁ ἀσπόρως βλαστήσας ἐκ Παρθένου καὶ ἀνηρότου γῆς τῆς ἁγίας Μαρίας τῆς Θεοτόκου, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὸν καρπὸν τῆς ἀμπέλου ταύτης διὰ τοῦ ἀναξίου ἐμοῦ δούλου σου καὶ δὸς ἡμῖν πλήρη τὸν καρπὸν τῆς σῆς εὐλογίας πλουσίως, μεγαλόδωρε Κύριε, καὶ ἀνεστερητοὺς παντὸς ἀγαθοῦ ἀνάδειξον, ἵνα καὶ πένησιν ἐπαρκοῦντές σοι διὰ παντὸς εὐχαριστοῦμεν τῷ δοτῇρι πάντων τῶν ἀγαθῶν δωρημάτων. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιάνθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις.

— Εὐχή εἰς ἄγραν ἰχθύων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ πλήθους τῶν ὀφειλῶν σου φανερώσας τοῖς ἁγίοις σου μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις τὴν μεγαλωσύνην

τῆς δόξης τῆς ἀγιοσύνης σου καὶ ἐν τῇ λίμνῃ Γενησαρέτ ἐν τῇ ἄγρᾳ τῶν ἰχθύων ἐπιδείξας αὐτοῖς τὴν δυναστείαν σου, καὶ εἰπὼν ἐκθαμβομένῳ τῷ Σίμωνι Πέτρῳ· μὴ φοβοῦ, ἀπὸ τοῦ νῦν ἀνθρώπους ἔσῃ ζωγρῶν, εἶτα πάλιν μετὰ τὴν τριήμερον καὶ σωσικόσμιόν σου ἔγερσιν φανερώσας ἑαυτὸν τοῖς ἁγίοις σου ἀποστόλοις ἐπὶ τῆς θαλάσσης τῆς Τιβεριαάδος, κάκεισε τὴν ὥρεάν τῶν ἑκατὸν πεντήκοντα τριῶν ἰχθύων αὐτοῖς χορηγήσας. Αὐτὸς καὶ νῦν, φιλάνθρωπε βασιλεῦ καὶ δοτὴρ τῶν ἀγαθῶν, παρορῶν ἡμῶν τὰ πλημμελήματα τὰ ἐκούσια καὶ τὰ ἀκούσια τὴν αὐτὴν εὐλογίαν κατὰπεμψον καὶ ἐπὶ τὰ εὐτελῆ δίκτυα ταῦτα, καὶ ἔμπλησον αὐτὰ τῆς σῆς ὥρεας, παρέχων αὐτοῖς χάριν ἀνεξάλειπτον· πάντα γὰρ σὰ δωρήματα εἰσὶ πρεσβείαις καὶ ἱκεσίαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων καὶ πανευφημῶν ἀποστόλων καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ καὶ ἐν πᾶσι δοξάζεται σου τὸ πανάγιον ὄνομα σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ...

λ. 105. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν ἐλαίου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τοῖς ἐν τῇ κιβωτῷ τοῦ Νῶε. Ркн. Есфигм. библ. № 208. л. 72.

λ. 105. Εὐχὴ εἰς μνήμην ἁγίων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανόν. См. выше стр. 35.

λ. 106. Εὐχὴ ἐπὶ υἱοθετοῦ.

Κύριε ὁ ἀκατάληπτος ἡμῖν, ὁ τῇ παντοκρατορικῇ σου δυνάμει τὰ πάντα ποιοῦν καὶ οἰκονομῶν, μετασκευάζων πρὸς τὸ συμφέρον, ὁ τῷ θεράποντί σου Ἰωσήφ χρητῶσας ἀρέσαι τῷ Φαραῶ καὶ υἱοθετηθῆναι παρ' αὐτοῦ, καὶ κληρονομήσει αὐτῷ τε καὶ πάσῃ τῇ παρουσίᾳ αὐτοῦ καὶ τοὺς πρεσβυτέρους, καταπεμψον καὶ τὰ νῦν τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε τὸν υἱοθετούμενον παρὰ τοῦ δούλου σου τοῦδε καὶ σύνδησον τῇ πρὸς ἀλλήλους ἀγάπῃ. ἵνα, συγκληρονομοῦντες ἀλλήλοις ἐν θεϊκῇ σου παρουσίᾳ, δόξαν σοὶ ἀναπέμψωσι πάντοτε νῦν καὶ αἰεί.

— Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῖν. Goar. p. 707. Конецъ: ὥς ἐδωρήσω τοῖς ἁγίοις σου μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις τὴν σὴν εἰρήνην καὶ ἀγάπην, καὶ τούτοις παράσχου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, χαριζόμενος αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν αἰώνιον. Σὺ γὰρ εἰ φύλαξ.

λ. 106 об. Εὐχὴ τοῦ Χρυσοστόμου εἰς τὸ μέλλειν ἀναγινώσκειν, ἢ ἀναγινώσκοντος ἑτέρου, ἀκροᾶσθαι.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἄνοιξον τὰ ὄψα καὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς καρδίας μου τοῦ ἀκούειν με τοὺς λόγους σου καὶ συνιέναι καὶ ποιεῖν τὸ θέλημά σου, Κύριε, ὅτι πάροικος ἐγὼ εἰμὶ ἐν τῇ γῇ, μὴ ἀποκρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ τὰς ἐντολάς σου, ἀλλὰ ἀποκαλύψον τοὺς ὀφθαλμοὺς μου καὶ κατανοήσω τὰ θαυμάσια ἐκ τοῦ νόμου σου· ἐπὶ σοὶ γὰρ ἐλπίζω, ὁ Θεὸς μου, ἵνα μου φωτίσῃς τὴν καρδίαν.

— Εὐχὴ λεγομένη πρὸ τοῦ ὑπνῶσαι καὶ εἰς ἐνουπνιαζόμενον· Πολυεύσπλαγχνε Κύριε, ἀκήρατε, ἀμόλυντε, μόνε ἀναμάρτητε... Goar. p. 529.

л. 107. Εὐχὴ εἰς πόλεμον πορνείας. Goar. p. 530.

л. 107 об. Εὐχὴ ἐτέρα ὁμοία. Ibidem.

л. 108. Εὐχὴ ἐπὶ αἰσχυρῶν λογισμῶν. Goar. pag. 536.

л. 108 об. Εὐχὴ ἐπὶ διγαμοῦντας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντων κηδόμενος καὶ πάντων προνοούμενος. Goar. p. 329.

л. 109. Εὐχὴ ἐτέρα.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Λόγε τοῦ Θεοῦ καὶ Πνεύματος, ὁ ὕψωθεὶς ἐπὶ τοῦ σταυροῦ καὶ τὸ καθ' ἡμῶν διαῤῥήξας χειρόγραφον. Goar. p. 329.

л. 109 об. Ἀποστολο-ευαγγέλια.

л. 156. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

Εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ἄρχεται τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, εἴτα Θεὸς Κύριος, καὶ εἰ δὲ ἐστὶ μ'. Ἀλληλούια, εἴτα τὰ τροπάρια· Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε κ. τ. α., ψαλμὸς Ν'. τὸ Ἐλέησόν με, ὁ Θεὸς καὶ ἄρχεται τὸν κανόνα ᾠδὴ α'. ἤχος δ'. Θηλάσσης τὸ ἐρυθραῖον. Ἐλέω τῆς εὐσπλαχνίας, Δέσποτα... Goar. p. 332. После канона ексапостиларіѣ Goar. p. 334 καὶ εὐθὺς στιχηρά, ἤχος πλ. β'. Οὐρανῶν ὑπάρχουσα πλατυτέρα, χερουβίμ καὶ θρόνων ἐνδοξοτέρα καὶ πάσης τῆς κτίσεως ἀγνὴ τιμιωτέρα... Ὑμνοὺς τῶν χειλέων μου μὴ παρίδῃς, στεναγμοὺς τῆς καρδίας μου μὴ ἀθετήσῃς... Οἱ πεπωρωμένοι τῇ διανοίᾳ καὶ πεφορτισμένοι ταῖς ἁμαρτίαις... Ἡ ἀπελπισμένων ἐλπίς βεβαία καὶ ἁμαρτανόντων ἡ σωτηρία, Μαρία πανύμνητε ἀγνή καὶ Θεοτόκε, δέξαι... Δόξα καὶ νῦν, ὁ αὐτός, Τριήμερος ἀνέστης. Πανάχραντε Παρθένε ἀγνή, τοὺς δούλους σου περὶσωζε ἀπὸ πάσης ἐναντίας προσβολῆς... Ἀπολυτίκιον, ἤχος δ'. Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν μόνος ὑπάρχων, Χριστέ... καὶ γίνεται ἐκτενὴ καὶ ἀπόλυσις. Εἴτα περὶ τὴν πρέπουσαν ὥραν συνάγονται οἱ ἱερεῖς καὶ λαμβάνουσι κηρὸς καὶ ὑφάπτουσιν, εἴτα εἰς τῶν ἱερέων ἐκφωνεῖ τὸ Εὐλόγησον, δέσποτα, καὶ ὁ πρωτοπαπᾶς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς... καὶ ὁ ἀρξάμενος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Далѣе см. выше стр. 370—376, прим.

л. 174 об. Εὐχή, ἣν λέγουσιν οἱ ἱερεῖς, ὅτε χρίουσι τὸν ἀσθενή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Goar. pag. 338. Именъ святыхъ, кромѣ Іоанна Предтечи, нѣтъ. Καὶ ἀλείφοντες, λέγουσιν· Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου τοῦ ποιήσαντος...

л. 175. Εὐαγγέλια ἐθινά.

л. 182. Ἀποστολο-εὐαγγέλια τῆς ἀγίας τεσσαρακοστῆς.

LXVII. Εὐχολόγιον, рукопись библ. арх. Антонина (нынѣ Императ. Спб. публичной) въ 16 долю, 371 листъ, писана скорописью XV в.

л. 1. Εὐχαί, λεγόμεναι ἐν λιτανείαις εἰς πληγὴν θανατικοῦ, ποίημα τοῦ ἀγιωτάτου καὶ σοφωτάτου κυροῦ Φιλοθέου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ τῶν οἰκτιρμῶν ἀνεξάντλητος πηγὴ, τὸ τῆς φιλανθρωπίας ἀνεξιχνίαστον πέλαγος. Goar. p. 629.

л. 3. Εὐχή ἐτέρα εἰς τὴν αὐτὴν ὑπόθεσιν.

Ἡμάρτομεν, ἡνομήσαμεν, ἡδικήσαμεν ἐνώπιόν σου, πανάγαθε Δέσποτα. Goar. p. 630.

л. 5 об. Εὐχαί ἕτεραι τοῦ αὐτοῦ πατριάρχου κῆρ Φιλοθέου εἰς ἀνομβρίαν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ζῶντι καὶ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ. См. выше стр. 291.

л. 7 об. Κύριε, Κύριε, ὁ διὰ τοῦ σοῦ προφήτου Ἰησοῦ λύσας τὸν αὐχμὸν. Goar. p. 615.

л. 10. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ.

Начало обычное. Послѣ „Придите поклонимся“ 50 псаломъ и затѣмъ стихиры по алфавиту. Дальнѣйшій порядокъ до молитвы, какъ въ рукописи Ватопед.-Аѳон. XVI в. № 134—350. Послѣ ектенѣи положена молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὕψιστος, ὁ ἐν Τριάδι ἅγιος προσκυνούμενος, ἡ προαιώνιος φύσις... Въ молитвѣ между другими именами поминается Συμεὼν τοῦ ἐν τῇ Μάνδρᾳ. Дальнѣйшій порядокъ, какъ у Гоара pag. 362, но съ небольшими особенностями въ текстѣ. Ектенья и обычный отпустъ оканчивають этотъ чинъ.

л. 19. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἀγιασμοῦ.

Μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν ἱερέα τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχήν, νηστείας δηλονότι οὔσης, ἐξερχόμεθα πάντες ἐν τῷ ἁγίῳ λουτρῇ, προπορευομένου τοῦ ἱερέως μετὰ λαμπάδων καὶ θυμιατοῦ καὶ τοῦ τιμίου ξύλου, φάλλοντες τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων κ. τ. λ. Goar. p. 366. Про-

шенія слѣдуютъ въ такомъ порядкѣ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ ἀφθαρσίας πηγὴν, ἁγισμοῦ δώρον... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ φυλακτήριον καὶ ἁγιασμὸν οἰκων καὶ πρὸς πᾶσαν ὠφέλειαν ἐπιτήδειον... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ πᾶσι τοῖς χρωμένοις ἐξ αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας, ἀχράντου... Τοῦτων δὲ λεγομένων, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην μυστικῶς· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς, ὁ ἀληθινὸς Θεός. Goar. p. 368.

л. 28 об. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. pag. 597—603.

л. 39 чистый.

л. 40. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. См. выше стр. 274, но надписаніе имѣеть лишь одна пятая молитва.

л. 44. Εὐχαὶ ἐωθιναί. Goar. p. 39—42.

л. 52. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὶς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 69 об. Εὐχὴ ἐπὶ κολύβων ἁγίων. Goar. p. 524.

л. 71. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὶς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

Моментъ, послѣ перенесенія даровъ съ жертвенника на престолъ, описывается такъ: Καὶ μετὰ τὸ ἀποθεῖναι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ τραπέζῃ καὶ καλύψαι, κλινόμενος ἀριστερὰ μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, λέγει· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ καὶ δυνάμεις Ὑψίστου ἐπισκιάσει σοι καὶ συλλειτουργήσῃ σοι, εἰδ' οὕτως δεξιὰ· Αὐτὸ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον συλλειτουργήσῃ ἡμῖν καὶ ὑμῖν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ αἰεί. Ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν δέξιν ἡμῶν... Послѣ пресуществленія даровъ, на возгласъ діакона: Μνήσθητι ἡμῶν, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Μνησθεῖν ἡμῶν Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε νῦν. Ὁ διάκονος (послѣ молитвы: Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ)· Καὶ ὢν ἕκαστος κατὰ διάνοιαν ἔχει καὶ πάντων καὶ πασῶν. Послѣ молитвы: Πρόσχες, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, προσκυνεῖ ὁ ἱερεὺς ἐκ τρίτου καὶ λέγει μυστικῶς· Ὑψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν καὶ προσκυνεῖτε... Εὐθὺς ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς ὕψοι τὸν ἄρτον, λέγων· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Εἰδ' οὕτως μελίζει τὸν ἄρτον εἰς τέσσαρα μέρη, καί, λαβὼν ἐν μέρος ἐκ τοῦ ἄρτου, βάλλει εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγων· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου, πάντοτε νῦν. Εἰδ' οὕτως ποιεῖ

ὁ ἱερεὺς μετανοίας γ'. καὶ δέχεται ἐν μέρος καὶ κλινόμενος λέγει· Βασίλεϋ οὐράνιε, Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ. Καὶ ποιῶν σφραγίδα ἐκ γ'. λέγων· Σὺ εἶπας, Κύριε, ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα. Καὶ μετὰ τὴν μετάληψιν ποιεῖ μετανοίας γ'. καὶ οὕτως μεταλαμβάνει ἐκ τοῦ ἁγίου ποτηρίου καί, καλύπτων τὰ ἅγια, λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ μεταλήψει τῶν ἁγίων ἀχράντων... Goar. p. 148. Возгласа: „Спаси Боже люди твои“—нѣтъ.

л. 115 об. Εὐχὴ τῆς προθέσεως.

Ὁ Θεός, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν τὸ μέγα τοῦτο τῆς σωτηρίας μυστήριον. См. выше стр. 490, прим. и стр. 393.

л. 116. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Goar. p. 162—168.

л. 130. Ἀρχὴ τοῦ ἐξοδιαστικοῦ. См. выше стр. 282—285 и прим. Чинъ обрывается на стихирахъ при цѣлованіи: Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Ὁ θάνατός σου, Κύριε, τοῖς νεκροῖς ζωὴν ἐξήνθησεν...

л. 165 об. Ἔτερος κανὼν εἰς κοιμηθέντας, φέρων ἀκρόστιχον τήνδε· Θνήσκουσι πιστοῖς ὄγδοον πλέκω μέλος. Ὡδὴ α'. ἦχος πλ. δ'. Ὑψραν διδοεύσας. Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ καὶ πάθει πάθος μιμησάμενοι τὸ σεπτόν... Νεότητος πατάσματα παρορῶν... κ. τ. λ. Трисвятое, Отче нашъ, „Со духи праведныхъ“ и проч., ектенѣя и отпусть.

л. 170. Κανὼν εἰς κοιμηθέντας, οὗ ἡ ἀκρόστιχος αὕτη· Ἐκτον προσκύδω τοῖς ἀπελθοῦσι μέλοι, ἦχος πλ. β'. Ὡδὴ α'. Ὡς ἐν ἡπείρῳ... Ἐν οὐρανίοις θαλάμοις διηνεκῶς. Goar. p. 426—428. Далѣе листы перепутаны и нѣкоторыхъ не достаесть.

л. 178 об. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ τοῦ ἁγίου εὐχελαίου. Дмитриевскій. Прилож. стр. 119—135. Ектенѣя послѣ вліянія масла изложена сходно съ ркп. Москов. Синодал. библ. № 498. Тамъ же, стр. 120, прим. 1.

л. 214 об. Ἀκολουθία τῆς ἀνομβρίας.

Состоить этотъ чинъ изъ ектенѣи и двухъ первыхъ молитвъ. Goar. p. 612—613.

л. 2 8. Εὐχὴ τοῦ μεγάλου ἐσπερινοῦ εἰς τὴν λιτήν. Goar. pag. 32—33.

л. 221. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η'. ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Дмитриевскій. Прилож. стр. 6—7.

л. 222. Τῇ δὲ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ πάλιν προσάγεται τῷ ναῷ и т. д. Тамъ же стр. 7—9. Нѣтъ только надписанія: Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, μέλλων εἰσάξει τὴν λεχῶ εἰς τὴν ἐκκλησίαν.

л. 225. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηγούμενον. Тамъ стр. 9—15. Goar. p. 292—293. Есть нѣкоторыя разности противъ указаннаго списка. Такъ, отрицанія написаны вмѣстѣ и раздѣлены тремя точками, причемъ въ одной изъ этихъ формулъ нѣтъ фразы: Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ. Вмѣсто дуновенія положено плюновение—Ἐμπτοσον αὐτῷ. Объ оцѣваніи новокрещеннаго не говорится въ чинѣ. Мѣромъ помазываются, кромѣ указанныхъ въ Тактиконѣ Іоанна Кантакузина Прилож. стр. 14, еще слѣдующія части тѣла: καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν χειρῶν, καὶ τῶν ποδῶν. Нѣтъ замѣчанія: Ἐν δὲ ταῖς λοιπαῖς ἐορταῖς, ὅτε ἐν τῷ μικρῷ φωτιστηρίῳ и т. д. стр. 15.

л. 242 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ὁδόῳ ἡμέρα. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος... Ἐκφώνησις: Ὅτι ἠρλόγηται καὶ δεδόξασται... Goar. p. 303. Καὶ λαβὼν σπόγγον καινόν... Дмитріевскій. Прилож. стр. 16.

л. 243 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας τὴν οὐράνιον ἔλλαμψιν τοῖς βαπτιζομένοις παρέχων... Goar. p. 304. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς: Ὁ ἐνδυσάμενός σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... Ibid.

л. 244 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον. Дмитріевскій. Прилож. стр. 16.

л. 246. Διακονικὰ εἰς ἀνομβρίαν. Goar. p. 612—613. Не достаесть противъ Гоара лишь двухъ прошеній: Κατάπεμψον τοὺς ὑετούς... Καὶ οἰκτιρῶν καὶ ἐλεήμων... и возгласа: Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός..., но есть въ концѣ ектенѣ лишнее прошеніе: Καὶ ὑπὲρ τοῦ ἐπομβρίσαι τῇ γῇ ὑετον ἀγαθότητος.

л. 249. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας. Goar. p. 486.

л. 250. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων. Goar. p. 537.

л. 250 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ παρὰ πνευματικοῦ πατρὸς.

Ὁ Θεός, ὁ συγχωρήσας διὰ Νάθαν τῷ προφήτῃ Δαβὶδ τὰ ἴδια ὁμολογήσαντι κακὰ καὶ Πέτρῳ τὴν ἄρνησιν, κλαύσαντι ἰσχυρῶς, καὶ πόρνην δακρυσάσῃ ἐπὶ τοὺς ἀχράντους Αὐτοῦ πόδας, καὶ Μανασσῇ καὶ τῷ τελῶνῃ, ὁ εἰπών: Ἐξομολογεῖσθε ἀλλήλοις. Αὐτός, ὁ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστὸς συγχωρήσαι σε, ἀδελφε ὁ δεῖνα, καὶ εἴ τι οὐκ ἔφθισας, ὡς ἄνθρωπος ἐξγχεῖλαι ἐκουσίως καὶ ἀκουσίως, τῇ καὶ δι' ἄγνοιαν ὑπὸ πλῆθους ὀνομάτων διαφοροῖς πνευματικοῖς, συγχωρήσαι σε καὶ ταῦτα ὁ φι-

λάνθρωπος Θεὸς ἐν τῷ μέλλοντι, καὶ ἀκατάκριτον παραστήσαι σε ἐνώπιον τοῦ φοβεροῦ αὐτοῦ βήματος, ὃ ὦν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας Ἀμήν.

л. 251. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὀμνούντων. См. выше стр. 286.

л. 251 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφοριζομένων, ἢ λόγῳ αὐτοῦ δεσμευόντων Goar. p. 531.

л. 253. Εὐχὴ ἐπὶ μιροφαγησάντων. Goar. p. 534.

л. 254. Εὐχὴ ἐπὶ μικροῦ τινος ἐμπесόντος εἰς φρέαρ. См. выше стр. 286.

Далѣ слѣдуютъ тѣже молитвы и въ томъ же порядкѣ, какъ въ Εὐχολόγ. ркп. Ватопед.-Аѳон. библ. № 133. См. выше стр. 286—287.

л. 275. Ἀρχὴ τῶν ια'. ἐωθινῶν εὐαγγελίων.

л. 290. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἡγουν τοῦ μανδύου. См. выше стр. 276.

л. 301 об. Εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

л. 303. Τὰ διακονικὰ τῆς θείας λειτουργίας. Здѣсь содержатся ектенѣи, произносимыя діаконѣмъ во время литургіи. Изъ примѣчаній достойно вниманія слѣдующее: Εἰ δὲ εἰσὶ δύο διάκονοι, λέγουσι τοῦτο (т. е. ектенѣю обѣ оглашенныхъ) ἀμοιβαδὸν οἷον, ὃ μὲν ἔξω· Ὅσοι κατηχούμενοι προσέλθετε, ὃ δὲ ἔσω· Οἱ κατηχούμενοι προσέλθετε, καὶ αὖθις ὃ μὲν ἔξω· Ὅσοι κατηχούμενοι προσέλθετε, ὃ δὲ ἔσω· Μή τις τῶν κατηχομένων, καὶ εὐθὺς πάλιν ὃ ἐκτός· Ὅσοι πιστοὶ ἔτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

л. 307. Τὰ διπλοκατηχούμενα, ἃ καὶ λέγονται ἀπὸ τῆς τετράδος τῆς μεσονηστήμου μέχρι τῆς μεγάλης τετράδος.

л. 308. Εὐχὴ, λεγομένη παρὰ ἀρχιερέως ἢ ιερέως, ἢ καὶ παρὰ πνευματικοῦ πατρὸς συγχωρῶν τὰ ἐκούσια καὶ τὰ ἀκούσια ἁμαρτήματα, λύων πᾶσαν ἁρὰν καὶ ὄρκον ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ, τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἀμνέ, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου... Goar. p. 536.

л. 312. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικόν καὶ ἅγιον σχῆμα. См. выше стр. 272—282.

л. 351. Μεγαλυνάриа, φαλλόμενα τῷ ἀγίῳ καὶ μεγάλῳ σαββάτῳ εἰς Ἀρμων, τοῦτο ᾠστικὸν καὶ εἰς τοὺς δύο χορούς.

л. 366. Канонъ (неполный) плачъ Пресвятой Богородицы.

л. 371. Εὐχὴ εἰς ψυχοῤῥαγοῦντα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Goar. p. 587.

л. 371. об. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν ἐλαίου. Ркп. Есфигм. библ. № 208 л. 72.

LXVIII. № 73(274) Εὐχολόγιον, рукопись патриаршей библиотеки въ Иерусалимѣ на бумагѣ писана скорописью XV вѣка. Листовъ 141.

л. 1. Ἀκολουθία εἰς ῥασοφόρον μοναχόν.

Ἄγιε ἀγαθέ, ὁ τοῦ ἀγαθοῦ Πατρὸς Υἱός, ὁ τὴν ὑπερηφανίαν ἐκκόπτων καὶ καταργῶν τὴν ἔνστασιν τοῦ ἀντικειμένου, καὶ ἐκχέων τὴν δόξαν τῆς ταπεινοφροσύνης ἐπὶ τῆς κεφαλῆς τῶν ἁγίων καὶ στέφων αὐτοὺς τὸν στέφανον τῆς ζωῆς καὶ τῆς ἀθανασίας, καὶ ὁδηγῶν εἰς τὴν στενὴν ὁδόν, δι' ἧς εἰσῆλθον οἱ ἅγιοι πατέρες καὶ ἀπειλήφασιν τὸν τόπον τῆς ἀναπαύσεως· Αὐτὸς Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δώρησαι τὴν παρούσαν δύναμιν καὶ χάριν τῆς σῆς θεότητος ἐπὶ τὸ πνεῦμα καὶ τὴν ψυχὴν καὶ τὸ σῶμα τοῦ σοὶ προσελθόντος ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ δεξαμένου τὴν ἀπαρχὴν τοῦ ἁγίου σχήματος ἐν τῷ ὀνόματί σου, τῷ ἁγιάζοντι τὰ σύμπαντα, ἵνα καὶ τοῦτον ἔξης ἐν τῷ ὀνόματί σου τῷ παντοδυνάμῳ καὶ ἀγαθῷ. Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Conf. Goar. pag. 391. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Ὁ Θεὸς ὁ μεγαλόδωρος, ὁ ἐλκύσας τὸν δοῦλόν σου εἰς δεῖνα см. ркп. Ватопед. библ. XVI в. № 134 л. 126. Καὶ εὐθὺς κουρεῦει αὐτὸν σταυροειδῶς καὶ ἐνδύει αὐτὸν στιχάριον μαῦρον καὶ μικρὸν κουκούλιον καὶ ζώνην δερματίνην. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Δέσποτα Κύριε, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει... См. выше стр. 221. Καὶ ἀσπάζονται αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ καὶ ἀπόλυσις.

л. 2. Τάξις εἰς σχῆμα μοναχοῦ σταυροφόρου.

Εἰσφέρουσιν οἱ ἀδελφοὶ τὸν μέλλοντα φορέσαι τὸν σταυρὸν εἰς το διακονικὸν καὶ ἐπιτίθουσι τὸ φαλλίδιον ἐπὶ τὸ παρὰ τράπεζον καὶ τὸν σταυρὸν, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόυς σου εἶναι νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικὰ πάντα καταλιπόντας συγγένειαν. Goar. p. 380. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, ὁ κατὰ τὸ πολὺ ἐλεός σου ῥυσάμενος τὸν δοῦλόν σου τόνδε ἐκ τῆς ματαίας τοῦ κόσμου ζωῆς... Goar. p. 378. Εἴτα ἐγείρει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, καὶ λαμβάνει ὁ μέλλων κουρευθῆναι τὸ φαλλίδιον καὶ δίδωσιν αὐτῷ τῷ ἱερεῖ, ὁ δὲ λαβὼν αὐτὸ λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, νῦν καὶ αἰεὶ. Καὶ κουρεῦει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ...¹⁾ Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ἔλαβε τὸ σχῆμα τῆς ἀγγελικῆς καταστάσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς...²⁾ Κύριε ἐλέησον γ'. Λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε, Κύριε, ἡ δύ-

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. XVI в. № 978 Прибавлено: καὶ φορένει τὸν σταυρὸν καὶ λέγει· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ἔλαβε τὸ σχῆμα ²⁾ Ibid. Εἴτα πάλιν κλίνει τὴν κεφαλὴν, καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχεται.

ναμὶς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ ἐν τοῖς ἐπουρανίοις. *Goar. pag. 379.* Εἰρήνῃ πᾶσι Τὰ κεφαλὰς. Εἰς τὸν ζυγὸν σου, Δέσποτα, τὸν σωτήριον, πρόσδεξαι τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα, καὶ καταξιώσον αὐτὸν ἐν τῇ ποίμνῃ τῶν ἐκλεκτῶν σου. *Goar. p. 378.* Καὶ εὐθὺς ἀσπάζονται αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ καὶ ἀπόλυσις.

λ. 4. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου σχήματος, ἔχουσα οὕτως·

Ἄφ' ἐσπέρας εἰσφέρουσι τὰ ἱμάτια τοῦ μέλλοντος ἀποκαρῆναι εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον καὶ ἀποτίθενται ἐν τῷ θαλασσιδίῳ τῆς ἁγίας τῖρας πέζης· ἐν τῷ ὀρθρῳ οὖν συμφάλλεται καὶ ὁ κανὼν τοῦ σχήματος, καὶ εἰς τὴν λειτουργίαν φάλλομεν τὰ ἀντίφωνα, εἰ δὲ οὐκ ἔστι λειτουργία, εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, λέγομεν τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, εἰδ' οὕτως Ἀλληλουῖα εἰς ἦχον πλ. β'. καὶ λέγομεν τροπάρια Ἐλέησον ἡμᾶς, Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Πολλὰ τὰ πλήθη, εἶτα τὸν Ν'. καὶ τὸν παρόντα κανόνα ᾠδὴ α'. ἦχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρυθραῖον. *См. выше стр. 226—227.* Πο κανонѣ, сгичиры προσόμοια ἦχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πίστει προσερχόμενον κ τ. λ. *Goar. pag. 405—406.* Δόξα, ἦχος β'. Τῶν πεπραγμένων μοι δεινῶν... Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου... Εἰς τὴν λειτουργίαν τὰ ἀντίφωνα· Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου... Ἀντίφωνον β'. Αἶνει ἡ ψυχὴ μου, καὶ λέγει τοὺς μακαρισμοὺς. Ἰσταται δὲ ὁ τὸ σχῆμα μέλλων λαβεῖν ἐκτὸς τῶν βασιλικῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, φορῶν τὰ προσυνήθη καθημερινὰ ἱμάτια αὐτοῦ, καὶ μετὰ τὴν εἴσοδον λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ψάλλομεν χύμα εἰς ἦχον δ'. Ἦθελον δάκρυσιν... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα... Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων τῷ λιμένι· τούτῳ οὐ διασώζεται... Στίχος· Ἐξελεξάμην... Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μουσικῇ τῆς ἀναγεννήσεως... Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Εἶτα εἰσάγουσιν αὐτὸν μέσον τοῦ ναοῦ καὶ ἵσταται ἀσκεπῆς τὴν κεφαλὴν καὶ ἀνυπόδητος τοῖς ποσίν· ἄρχονται δὲ οἱ ἀδελφοί, φάλλουσιν ἀντίφωνον β'. ἦχος β'. Πρόβατον εἰμί τῆς λογικῆς σου ποίμνης... Στίχος· Εἰπάτωσαν οἱ... Ζάλη ἀμαρτημάτων περιέχει με, Σωτήρ... *Goar. p. 406.* Στίχος· Ῥαντιεῖς με ὑσσώπῳ καὶ καθαρισθήσομαι... Πλυνόν με τοῖς δάκρυσί μου, Σωτήρ, ὅτι ῥερόμην ἐν πολλαῖς ἀμαρτίαις... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Ἐξ ἀχράντων σου λαγόνων, Θεοτόκε πανύμνητε... Καὶ οὕτως εἰσφέρουσιν αὐτὸν ἕως τοῦ ἁμβωνος καὶ ἵσταται, φάλλεται δὲ ἀντίφωνον τρίτον· Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Καὶ τούτου λεγομένου, ἄγουσιν αὐτὸν εἰς τὴν σολαίαν, ἥτοι ἐγγύτερον τοῦ βήματος καὶ ἵσταται. Στίχος· Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου. Δεῦτε πάντες οἱ κοιπῶντες καὶ πεφορτισμένοι... Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν... Καὶ οὕτως φέρουσιν αὐτὸν καὶ προσπίπτει ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ οὐκ

ἀνίσταται μέχρι συμπληρώσεως τῶν ἀντιφώνων, καὶ εἰ' μὲν ἐστὶν ἱερεὺς καὶ μέλλει ἱερατεύειν, εἰσέρχεται ἐντὸς τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, ποιήσας μετανοίας γ'. καὶ τῷ προσεστώτι μίαν, εἰ δὲ οὐκ ἔστιν ἱερεὺς, ποιεῖ ἔξωθεν τοῦ θυσιαστηρίου τὰς αὐτάς μετανοίας· εἰ δὲ καὶ εἷς ἐστὶν ἱερεὺς, οὐ μέλλει δὲ ἱερατεύειν, ἐπίσης τῷ ἰδιότη, ποιεῖ καὶ αὐτὸς ἔξωθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ ψάλλομεν ἡμεῖς τὰ τροπάρια ταῦτα, ἦχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ καὶ ἴδε... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ προφήτης Δαβίδ... Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας διὰ τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων κατελθεῖν ἐκ τῶν οὐρανῶν καὶ τοῖς ἀνθρώποις συναναστραφεῖς, ὁ τὰ ἐνενήκοντα ἐννέα πρόβατα καταλιπὼν ἐπὶ τὰ ὄρη καὶ τοὺς βουνούς καὶ ἐπὶ τὸ πλανηθὲν ἀναδραμῶν καὶ εὐρῶν αὐτό, καὶ ἐπὶ τῶν ὤμων ἀναλαβὼν καὶ χαίρων ἐπ' αὐτῷ μᾶλλον ἢ ἐπὶ τοῖς ἐνενήκοντα ἐννέα τοῖς μὴ πλανηθεῖσιν, ὁ τὸν οἶκον σαρώσας καὶ συγκαλὼν τὰς ἑαυτοῦ δυνάμεις συγχαρῆναι ἐπὶ τῇ εὐρεθείᾳ δραχμῇ, ὁ ποιμὴν ὁ καλός, ὁ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ θείς ὑπὲρ τῶν προβάτων, ἡ θύρα καὶ ἡ ὁδὸς καὶ ἡ ἀλήθεια, δι' ἧς ἂν τις εἰσέλθῃ, σωθήσεται, ὁ εἰπὼν· οὐκ ἦλθον καλέσαι δικαίους, ἀλλὰ ἁμαρτωλοὺς εἰς μετάνοιαν, καθὼς καὶ ἡ εὐαγγελικὴ φωνὴ ἡ λέγουσα· ἦτις ἐστὶν Ἰησοῦς ὁ Χριστὸς λέγων· Ἐγὼ εἰμι τὸ φῶς τοῦ κόσμου, ὁ ἀκολουθῶν ἐμοὶ οὐ περιπατήσει ἐν τῇ σκοτίᾳ, ἀλλ' ἔξει τὸ φῶς τῆς ζωῆς, ἀναρχε, ἀόρατε, ἀνερμήνευτε, ὁ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι παραγαγὼν τὰ σύμπαντα, ὁ φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον καὶ θρόνον ἔχων τὸν οὐρανόν, τὴν δὲ γῆν ὑποπόδιον. Αὐτὸς ἐνίσχυσον τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα πρὸς τὸ ἀντιπαλαῖσαι τὰς τέχνας καὶ μεθοδίας τοῦ πανηροῦ, ρυόμενος αὐτὸν ἀπὸ πάσης ἐνεργείας διαβολικῆς καὶ ἀντικειμένης δυνάμεως. Ὅτι σὸν τὸ κράτος σου... Εἴθ' οὕτως ἀνιστᾷ αὐτὸν καὶ ἐπερωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, λέγων. Ἐρώτησις· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ... Goar. p. 407. Ἀποτάσσεις τῷ προσεστώτι καὶ πᾶσι τοῖς ἐν Χριστῷ ἀδελφοῖς; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Φυλάττεῖς ἑαυτὸν ἐν παρθενίᾳ καὶ σωφροσύνῃ ἕως ἐσχάτης σου ἀναπνοῆς; Ἀποκρίναι· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Φυλάττεῖς ἑαυτὸν ἐν παρθενίᾳ καὶ σωφροσύνῃ ἕως ἐσχάτης σου ἀναπνοῆς; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Σώζεις μέχρι θανάτου τὴν ὑπακοὴν τῷ προσεστώτι καὶ πάσῃ τῇ ἐν Χριστῷ ἀδελφότητι; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ὑπομένεις πᾶσαν θλίψιν καὶ στενοχωρίαν τοῦ μονήρους βίου διὰ τὴν βασιλείαν τῶν ἀνθρώπων; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεὺς· Βλέπε, τέκνον... Goar. p. 383 καὶ ὧν περ δέον ἐκφυγεῖν ἡ ἀποταγὴ τοίνυν οὐδὲν ἄλλο καθέστηκε κατὰ τὸν εἰπόντα, εἰ μὴ σταυροῦ καὶ θανάτου ἐπαγγελία· γίνωσκε τοίνυν ἀσφαλῶς ἀπὸ τῆς παρούσης ἡμέρας

σταυροῦσαι καὶ νεκροῦσαι τῷ κόσμῳ καὶ τὸν κόσμον σχοίης διὰ τῆς τελειο-
τάτης ἀποταγῆς; Ἀποκρισίς· Ναί, τιμὲ πάτερ. Καὶ ῥίπτει ἑαυτὸν ἐπὶ
πρόσωπον, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ
Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ χορηγὸς τοῦ ἁγίου καὶ ζωοποιοῦ Πνεύ-
ματος. См. выше стр. 224, сн. стр. 152 καὶ ἀνείληφان τὴν ἐλπίδα
τῆς αὐτῶν ἀναπαύσεως. Ὁ ποιμὴν ὁ καλός, ὁ ἀποσπῶν ἐκ τῆς πλάνης
τὰ λογικά σου πρόβατα ἐπὶ νομὴν σωτηρίας καὶ τοῖς σε ἐπιγινώσκουσι
τὴν ἄσκησιν διδούς, ὁ ἐκ τῶν κοσμικῶν δοξάζων τοὺς σὲ θεραπεύοντας ἄσ-
μασί τε ἀποστολικῶν καὶ προφητικῶν παραδόσεων σεμνύνων τοὺς ἐπιθυ-
μοῦντας, Αὐτὸς Δέσποτα φιλόανθρωπε, εὐλόγησον καὶ ἁγιάσον τὸν δοῦλόν
σου ὁ δεῖνα, τὸν νῦν, καταλιμπάνοντα τὸν πρόσκαιρον καὶ φθαρτὸν βίον
τοῦτον, χάρισαι αὐτῷ παρθενίαν, τῷ τῇ ψυχῇ τε καὶ σώματι προσελθόντι
σοι τῷ ἀμωμήτῳ νυμφίῳ, σύντριψον τὸν σατανᾶν ἐν τάχει ὑπὸ τοὺς πό-
δας αὐτοῦ καὶ ἀνάδειξον αὐτὸν φωστῆρα, λογικὸν πρόβατον τῆς ἁγίας σου
ποιμνῆς¹⁾, ἐργάτην ἀληθινὸν τοῦ ἁγίου σχήματος ἐν τῷ ὀνόματί σου τῷ
ἁγίῳ, τῷ ἁγιάζοντι τὰ σύμπαντα, ἵνα καὶ αὐτὸς ἁγιασθῇ. Ὅτι σὺ εἰ, ὁ
θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν,
καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί. Goar. p. 391. Εἴτα ἐγείρας
αὐτόν, εἰσηγεῖται ὁ ἱερεὺς οὕτως αὐτῷ· Ἀδελφέ μου, καταλιμπάνεις
τὸν βίον, σωθῆναι θέλων, βλέπε σεαυτὸν, περισφιγζόν σου τὸν νοῦν ἀπὸ
πάσης φαντασίας, ἀπορρίψον ἀπὸ σοῦ πᾶσαν φαντασίαν σαρκικὴν, ἀπόθου
πάντα τὰ ἥθη τοῦ κόσμου. Ἀδελφέ, μονάσαι παραγέγονας, μονάσαι σου
τὴν ψυχὴν ἀπὸ πάσης φροντίδος, τῆς ἐν τῷ οἴκῳ σου ὑπαρχούσης, ἤγουν
τοῦ προσκαιροῦ βίου· οὐδαμῶς γὰρ μεριμνῆσαι ὀφείλεις τοῦ λοιποῦ ὧν
καὶ νῦν ἐὰσαι βούλει πραγμάτων ἢ πατρός, ἢ μητρός, ἢ ἀδελφῶν, ἢ γυναι-
κός, ἢ ἀνδρός, ἢ τέκνων, ἢ τῶν λοιπῶν συγγενῶν. Ἀγαπητέ, τῷ μόνῳ
βίῳ ἐλήλυθας ἀσκήσαι, δίδωσον ἀπὸ τῆς καρδίας σου τῶν βρωμάτων πάν-
των τὰ ἡδέα, οἴνου τε τὸ πλεῖστον, τῶν ἐνδυμάτων τὰ μαλκκά, τὸν ὕπνον,
τὸν γέλωτα, τὴν ἀνεσιν, τὸν θόρυβον, τοὺς ὄρκους, τὸν ταχὺν περίπα-
τον, τὰς ἀπρεπεῖς ὁμιλίας, τὸν δόλον, τὴν μανιώδη ὀξύτητα, τὴν μνησικα-
κίαν, τὸν ζήλον, τὸν φθόνον, τὴν ἔχθραν, τὴν φιλονικίαν καὶ πάντα τὰ ὅμοια
αὐτῆς. Ἀδελφέ μου, τὴν ἀγγελικὴν²⁾ ποθεῖς πραγματεύεσθαι πολιτείαν,
γύμνωσον σεαυτὸν ἀπὸ πάντων τῶν τοῦ βίου πραγμάτων, μὴ μόνον τῶν
ὀρωμένων, ἀλλὰ καὶ τῶν διὰ τῆς σῆς ἐννοίας ζωγραφησθαι δυναμένων ἐν
τῷ ἀοράτῳ τῆς καρδίας ἐργαστηρίῳ, καὶ ἔνδυσαι ὡς θώρακα πίστεως τὴν

¹⁾ Ркп. XIII в. Синайск. библ. № 967 δεχομένων παρὰ σοῦ τὰς ἀπα-
χὰς τοῦ ἁγίου σχήματος ²⁾ πολιτεῖν ποθεῖς.

ἐκούσιον πτωχείαν, τὴν πείναν, τὴν δίψαν, τὴν γυμνότητα, ἔπειτα τὴν νηστείαν, τὴν τῶν βρωμάτων ἐνδειαν, τὴν τοῦ πλείστου οἴνου ἀποχήν, ἄλλως τε δὲ καὶ περὶ τὰ ἔργα σπουδὴν ἔχειν), ὅσα κατὰ τὴν ἀναγκαίαν τοῦ σώματος χρείαν, πόθησον χαμευνίαν, ἀγρυπνίαν²⁾, στάσιν, παννυχίαν, ἄσκησιν, τὴν τοῦ σώματος χαλιναγωγὸν καὶ καταστολήν. Ἀδελφέ μου, τὸν θόρυβον τοῦ κόσμου ἐμίσησας καὶ τὴν ἡσυχίαν ἐπεπόθησας ἀναλαβέσθαι, πραότητα σπουδάσων καὶ τὴν ὑπομονήν, λέγω δὴ τὴν ἀδιάστροφον λόγῳ τε καὶ ἔργῳ, τὰ χρήματα ἀπόθου, πόθησον δὲ δικαιοσύνην, τὴν τῆς ἀκτμημοσύνης μητέρα. Ἀγαπητέ, εἰρηνεύσαι ζητεῖς, εἰρηνεύσον τοὺς ἀτάκτους λογισμοὺς³⁾ καὶ τὴν σὴν καρδίαν ἀπὸ τούτων ἀεὶ διατήρησον καθαράν, ἡμέρωσον οὖν τὴν ψυχὴν καὶ τὸν νοῦν, ὥς ἐν γῇ βαθεῖα, καταβαλλόμενος τὰ ἐκ τῶν θείων Γραφῶν λόγια, ἅπερ εἰσὶ σωτηρίας σπέρματα καὶ πνευματικὴ τροφή, ἵνα οὕτω ὁδηγηθῇς δι' αὐτῶν πρὸς τὴν γνῶσιν τὴν ἀληθὴ τῶν αἰωνίων καλῶν· καὶ γὰρ ὥσπερ τὰ σπέρματα ἐν τόπῳ χερσῶδε ἀποπνίγεται ὑπὸ ἀγρίων βοτανῶν, καθὼς φησὶν ἐν εὐαγγελίῳ ὁ Κύριος, τὸν αὐτὸν δὴ τρόπον καὶ οἱ λόγοι τῶν θείων Γραφῶν⁴⁾ συμπνίγονται καὶ οὐ τελεσφοροῦσιν ἐν τῇ γῇ τῆς ψυχῆς τῇ χερσῶδε, ἔαν μὴ πρῶτον αἱ ῥίζαι τῶν ἀκαθάρτων λογισμῶν ἐξ αὐτῆς ἐκβληθῶσιν, αἵτινες εἰσὶν ἐπιθυμίαι πάσης σαρκικῆς ἡδονῆς, οἷον βρωμάτων, χρημάτων, φιλαργυρίας, δόξης καὶ τῶν τούτοις ὁμοίων. Εἰ οὖν ἐξ ὅλης σου τῆς ψυχῆς τῷ Κυρίῳ προσέδραμες, ἀδελφέ, ἀγάπησον αὐτὸν ἐξ ὅλης τῆς διανοίας σου, ἀποθούμενος πάντα τὸν κόσμον· ὅρα τοίνυν, ἵνα μὴ ἔγκειται ἐν τινι τῶν εἰρημένων ἢ καρδίᾳ σου πάθει καὶ γένηται σοι ἄργον τὸ ἐπιχειρήμα, καθαρὸς ἐστὶν ὁ νομφίος, καθαρεύειν θέλει καὶ τὴν ψυχὴν τὴν προσερχομένην αὐτῷ ἀπὸ πάσης πονηρᾶς ἐπιθυμίας, ἵνα τούτων ἀπεχόμενος γένησαι πνευματικὸς ἀνὴρ, τὴν κατὰ πνεῦμα ζωὴν ἀσπασάμενος. Βλέπε οὖν καθαρά σου τῇ διανοίᾳ προσελθεῖν σε τῷ βήματι τοῦ Χριστοῦ, μὴ ἐν δισταγμῷ τινι ἐνδουθῆναι θελήσης τὴν ἀγγελικὴν ταύτην στολήν⁵⁾, ἀλλ' ἐν ἀπλότῳ καὶ ἀδιστακτῷ καρδίᾳ, ἵνα ὁρῶν σου τὸ πρόθυμον

1) Ркп. Синайск. дибл. № 967 Πόθησον χαμαικοιτεῖν 2) τὴν τοῦ σάκου στολήν, ἀδελφέ μου, τῶν θορύβων τοῦ κόσμου ἐμίσησας, ἀναλάβου πραότητα καὶ ὑπομονήν, ὑπομονήν δέ σοι λέγω 3) καὶ φιλοκάλῃσον τὴν σεαυτοῦ πρόθεσιν ἐκ τῶν οἰκίων λογισμῶν τῶν φθειρόντων ἀνθρώπων, ἡμερώσον σου τὴν ψυχὴν 4) εἰς ψυχὴν, ἐν ἣ τυγχάνουσι τῶν ἀγρίων λογισμῶν αἱ ῥίζαι· ἐπιθυμίαι ἡδονῆς σαρκικῆς, ἐπιθυμίαι πλοῦτος, ἐπιθυμίαι βρωμάτων, ἐπιθυμίαι φιλαρχίας καὶ τὰ τούτοις παραπλήσια. Ἀδελφέ μου, ἐπὶ σωτηρίᾳ παρὰ γέγονας τῆς σῆς ψυχῆς καὶ τῆς διανοίας ἀποθέμενος 5) ἵνα ὁρῶν σε πρόθυμον ὁ νομφίος.

ὁ νομφίος Χριστὸς κατατάξῃ σε ἐν τῷ χορῷ τῶν ἀγγέλων, ᾧ καὶ γένοιτο πάντας ἡμᾶς ἀξιωθῆναι¹⁾). Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία... Εἴτα στραφεῖς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολὰς λέγει τὴν εὐχὴν· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος, ὁ τὰ ἄχραντα σπλάγχνα τῆς αὐτοῦ ἀνεξιχνιάστου ἀγαθότητος ὑπανοίγων παντὶ τῷ προσερχομένῳ αὐτῷ Goar. p. 384. Καὶ στραφεῖς σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ ἐπιτίθησι τὰς χεῖρας ἐπ' αὐτόν, λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ἐπιτίθημι τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τὸν πνευματικὸν ἡμῶν ἀδελφὸν ὁ δεῖνα Goar. p. 389. Καὶ ἔμπλησον αὐτόν τῆς πίστεως καὶ ἐλπίδος καὶ ἀγάπης, καὶ εὐφρανὼν αὐτόν ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐτοῦ, ἵνα αἰεὶ ἐκδουλεύων τῇ σῇ ἀγαθότητι προσκυνῇ καὶ δοξάζῃ τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον, αἰνῶν καὶ εὐλογῶν σε διὰ παντὸς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Καὶ λαβὼν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, τίθησι τὸ φαλλίδιον ἐπάνω αὐτοῦ καί, προσκυνήσας αὐτὸ ὁ μέλλων ἀποκείρασθαι, λέγει αὐτῷ ὁ ἱερεὺς· Βλέπε, ὅτι οὐδεὶς ἀναγκάζει σε εἰσελθεῖν ἐπὶ τὸ πρᾶγμα τοῦτο· βλέπε, ὅτι σὺ ἐξ οἰκείας σου προθέσεως καὶ προαιρέσεως προσῆλθες, ζητῶν τὸ ἅγιον σχῆμα; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεὺς· Ἴδου ὁ Χριστὸς ἐνταῦθα, βλέπε, ὅτι οὐδεὶς σε ἀναγκάζει... Δάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι. Καὶ λαβὼν αὐτό, δίδωσι τῷ ἱερεῖ, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἴδου ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ λαμβάνεις... Καὶ λέγει τοῦτο ἐκ τρίτου. Εἴτα πάλιν λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἔλθεῖν, νῦν καὶ αἰεὶ... Εἴτα λαβὼν τὸ φαλλίδιον, κουρεύει αὐτόν σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην... Εἴτα λαβὼν τὸν χιτῶνα, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸν χιτῶνα τῆς δικαιοσύνης καὶ ἀγαλλιásεως... Καὶ λαβὼν τὴν περικεφαλαίαν, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὴν περικεφαλαίαν τοῦ σωτηρίου, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ λαβὼν τὸ παλλίον μετὰ τοῦ σταυροῦ, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος εἰς στολὴν... ἀναλαμβάνόμενος τὸν σταυρὸν καὶ ἀκολουθῶν τῷ Δεσπότη Χριστῷ. Καὶ λαβὼν τὴν ζώνην, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα περιζώννυται τὸν ὄσφον αὐτοῦ, δύναμιν ἀληθείας, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ λαβὼν τὸ παλλίον τὸ ἔξωθεν, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ λαβὼν τὰ σανδάλια· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ὑποδύεται τὰ σανδάλια τῆς ἐτοιμασίας τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. № 967 ἐπιτυχεῖν διὰ τῆς χάριτος καὶ ἀγάπης τοῦ νομφίου, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας.

δεῖνα ἔλαβε τὸ μανδουαχὸν σχῆμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ εὐθὺς φάλλουσι τὰ τροπάρια· Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας, ζώσασθε τὴν ζω-
νὴν τῆς σωφροσύνης, δέξασθε τὸ σημεῖον τοῦ σταυροῦ... Στίχος· Ἀγαλλιᾶσθε
τῷ Θεῷ, καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἐχοντές σε,
Θεοτόκε, ἐλπιδὴ καὶ προστασίαν, ἐχθρῶν ἐπιβουλὰς οὐ προοῦμεθα... Οἱ δὲ
ἀδελφοὶ κουρεύουσιν αὐτόν, φάλλοντες τὸν Ἀμωμον, εἰτα λέγει ὁ ἱερεὺς, Τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις
σου καὶ ἀμεταμέλητος ἐν τοῖς χαρίσμασί σου pag. 411, по вѣ изложению
есть небольшая оскобенности. Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρῶν... Εἰτα ἀνακρί-
νει αὐτὸν πάλιν, λέγων οὕτως· Ἀνέλαβες τὴν στολὴν τὴν ἀγγελικὴν πολιτείαν;
Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ἀνέλαβες τὴν στολὴν τῶν ἁγίων
ἀποστόλων; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Καὶ ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐρα-
νόν· Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ См. Схиматолог. Θεοδ. Студ. вѣ ркп. Пант.
библ. XV в. Καὶ εἰ μὲν ἐστὶ λειτουργία, ποιῶμεν τὸν ἀσπασμόν ἐν φιλήματι
ἁγίῳ· ἐπιδίδοται γὰρ αὐτὸ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ διέρχεται σὺν αὐτῷ
πάσαν τὴν ἀδελφότητα, ποιῶν ἐπὶ ἐκάστῳ, ὡς ἔθος, τὸν ἀσπασμόν. Μετὰ
δὲ τοῦτο ἵσταται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν τοῦ βήματος μετὰ κηροῦ μέχρι
συμπληρώσεως τῆς θείας λειτουργίας, ὁ δὲ διάκονος ποιεῖ αἵτησιν μικράν
λέγων· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ
δεῖνα... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως τὸ μοναχικὸν σχῆμα διανῦσαι αὐτόν... Ὑπὲρ
τοῦ ἀπαλλαγῆναι αὐτόν πάσης κοσμικῆς προσπαθείας καὶ τῶν κατὰ σάρκα
γονέων αὐτοῦ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς. Ἀντι-
λαβοῦ, σῶσον. Ἦς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν.
Ἀντὶ δὲ τοῦ Τρισαχίου λέγων· Ὅσοι εἰς Χριστόν, εἰδὲ οὐκ ἔστι λειτουρ-
γία, λέγει τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἡχος πλ. β'. Δουλεύσατε τῷ
Κυρίῳ ἐν φόβῳ, Στίχος· Κύριος φωτισμός μου, καθολικῆς ἐπιστολῆς Πέ-
τρου· Ἀδελφοί, χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη πληθυνθείη ἐπὶ ἐπιγνώσει τοῦ Θεοῦ
καὶ Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν.. Τέλος· ταῦτα γὰρ ποιῶντες οὐ μὴ πταίση-
τέ ποτε. Ἀλληλούια, ἡχος β'. Ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τί τερπνόν... Εὐαγγέλιον
κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἐλθεῖν ἀπαρνησά-
σθω ἑαυτόν... Τέλος· ἕως ἄν ἴδωσι τὴν βασιλείαν τοῦ Θεοῦ ἐληλυθυῖαν
ἐν δυνάμει. Τελεσθείσης δὲ τῆς λειτουργίας αἵρουσιν οἱ μοναχοὶ τὸν νεο-
φώτιστον καὶ ὀφικεύουσιν αὐτόν πάντες ἕως τῆς κέλλης αὐτοῦ, φάλλον-
τες καὶ τὸ παρὸν τροπάριον, ἡχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρα-
νοῦ καὶ ἴδε... Στίχος· Ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ, καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα
καὶ νῦν, Ἡ μόνῃ ἁγνῇ καὶ ἄχραντος Παρθένος.

Καὶ τῇ η'. ἡμέρᾳ λέγει ὑπὲρ αὐτοῦ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω
αὐτοῦ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κυριε ἕως τέλους εἰς τὸν ζυγόν σου

τοῦτον τὸν χρηστὸν καὶ ἐλαφρὸν διατήρησον τὸν δοῦλόν σου... Goar. p. 418. Καὶ λέγει τροπάριον τοῦ ἀναλάβου, ἤχος δ'. Ἀναλαβόμενος ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν τὸν ἀνάλαβον τοῦ σχήματος τῶν ἁγίων ἀποστόλων εἰς θώρακα πίστεως καὶ ἐλπίδος καὶ ἀγάπης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Φέροντες οὖν, ἀδελφοί, ἐπὶ τῶν ὤμων τὸν σταυρὸν τοῦ Χριστοῦ, τῷ ἀχράντῳ συμβόλῳ τούτῳ προθύμως καὶ ἡμεῖς ἀκολουθήσωμεν ἀκλινῶς τὴν στενὴν διοδοῦντες ὁδόν, φύγωμεν καὶ τὰς κοσμικὰς ἐπιθυμίας, σωφρόνως καὶ δικαίως καὶ εὐσεβῶς βιώσαντες καὶ εὐρήσωμεν ἀνάπαυσιν ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν. Καὶ γίνεται ἀπό-
λυσις παρὰ τοῦ ἱερέως.

1. 25 ὁβ. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Ἀφ' ἐσπέρας εἰσφέρουσι τὰ ἱμάτια αὐτοῦ ἐν τῇ ἁγίᾳ ἐκκλησίᾳ καὶ ἀποτίθενται ἐν τῷ θαλασσιδίῳ τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ εἰς τὸν ὄρθρον φάλλουσι τὸν κανόνα, ἐὰν ἐστὶ λειτουργία, εἰ δ' οὐκ ἔστιν, εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, λέγομεν Τρισάγιον, τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, τὰ ἀλληλουάρια, ἤχος πλ. β'. τροπάρια, ἤχος ὁ αὐτός. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Ἐὐσπλαγχνίας, εἴτα τὸν Ν'. καὶ ψάλλομεν τὸν κανόνα, οὗ ἡ ἀκρόστιχος. Εὐδοκίμον τέλος εὐδοκίμῳ μοι, Χριστέ, παράσχου. Ὁδὴ α'. ἤχος β'. Δεῦτε λαοί. Ἐπὶ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν καταφυγόντα, Χριστέ. Goar. p. 403. Ὡδε λέγει τὴν μεγάλην συναπτὴν κατήχησιν, ἐγγραφή δὲ εἰς τὸ μικρὸν σχῆμα. Εἰς τὴν λειτουργίαν, ψάλλομεν τὰ Τυπικά, εἰ δὲ οὐκ ἔστι λειτουργία, ψάλλομεν τοὺς μακαρισμοὺς εἰς ἤχον δ'. Ὁ δὲ μέλλων τὸ μέγα σχῆμα λαβεῖν ἵσταται ἔνδον τῆς βασιλικῆς πύλης ἕως τοῦ πρώτου ἀντιφώνου, ἤχος δ'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου μνήσθητι ἡμῶν, Κύριε π. δρ. Ὅτε ἐν τῷ πάθει ὁ ληστής συνεσταυροῦτο σοι... η τ. δ. Goar. p. 414. Сп. выше стр. 279. Μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τούτων, ἵσταται ὁ ἕρ μέγα σχῆμα λαβεῖν μέλλων ἔξω τῶν βασιλικῶν πυλῶν ἐνδεδυμένος καὶ ἐξωσμένος, φορῶν καὶ τὸν μανδύαν αὐτοῦ καὶ τὰ σανδάλια ἐν τοῖς ποσίν, ἀσκεπὴς δέ. Εἴτα γίνεται εἰσόδος. Μετὰ δὲ τὴν εἰσόδον, εἰπόντος τὸ Σοφία ὀρθοί, ἀρχεται α'. ἀντίφωνον καὶ καθ' ἐκάστην δόξαν βραχὺ μεθιστάμενος ἕως τῆς ἀπάρξεως τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἐν ᾧ λέγομεν τροπάριον. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Φθάνει αὐτός ἐν τῷ ἄμβωνι, καὶ λεγομένου ἐτέρου, τροπάριον. Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες... Εἰσέρχεται εἰς τὴν σολαίαν, κάκει ἵσταται ἕως εἴπη τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν. Εἴτα εἰσέρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν καί, βαλὼν μετάνοιαν, ἵσταται μέχρι ἂν πληρωθῇ τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν... Ἀντίφωνον πρῶτον. Ἦθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι... Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων... Ἡ μόνη ἀγνὴ καὶ ἄχραντος Παρθένος... Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μυστικῇ τῆς ἀναγεννήσεως... Ῥῦσαι

ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Ἀντίφωνον β'. Ζάλη ἀμαρτημάτων περιέχει με, Σωτήρ... p. 406 Στίχος· Εἰπάτωσαν οἱ λευωμένοι. Πρόβατον εἰμί τῆς λογικῆς σου ποιμένης... Ἀντιλαβοῦ μου κατὰ τὸ λόγιόν σου καὶ ἕησόν με... Στίχος· Ῥαντιεῖς με ὕσώπω. Πλύνόν με τοῖς δάκρυσί μου, Σωτήρ... Ἐξ ἀχράντων λαγόνων σου, Θεοτόκε πανύμνητε... Ἀρχομένου δὲ τοῦ γ'. ἀντιφώνου, ἔρχεται ἕως τοῦ ἁμβωνος καὶ ἱσταται. Ἀντίφωνον τρίτον. Μὴ ἀπορρίψῃς με ἀπὸ τοῦ προσώπου σου... Ποῦ ἔστιν ἡ τῶν προσκαίρων φαντασία... Στίχος· Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατε. Δεῦτε πάντες οἱ κοπιῶντες καὶ πεφορτισμένοι... Ἐπλανήθη, ὡς πρόβατον. Πρόβατον εἰμί τῆς λογικῆς σου ποιμένης... Στίχος· Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ... Καὶ τούτου λεγομένου, εἰσφέρουσιν αὐτόν, καὶ πίπτει ἐναντίον τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ οὐκ ἀνίσταται μέχρι συμπληρώσεως τῶν ἀντιφώνων καὶ στραφεῖς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολάς, ψάλλομεν τὸ παρὸν τροπάριον, ἤχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπιβλεφον ἐξ οὐρανοῦ... Δόξα καὶ νῦν, Ὁ διὰ σέ, Θεοπάτωρ προφήτης Δαβὶδ... Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας διὰ τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων κατελθεῖν ἐκ τῶν οὐρανῶν... (См. въ чинѣ малой схиѣмы). Ἐρώτησις· Ἐκουσία σου βουλὴ προσέρχῃ τῷ Χριστῷ; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Μὴ ἔκ τινος ἀνάγκης ἡ βίας; Ἀπόκρισις· Οὐχί, τίμιε πάτερ. Ἀποτάσῃ τῷ κόσμῳ καὶ τοῖς ἐν τῷ κόσμῳ; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Παραμένεις τῷ μοναστηρίῳ καὶ τῇ ἀσκήσει ἕως ἐσχάτης σου ἀναπνοῆς; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ὑποτάσῃ τῷ προεστῶτι καὶ πᾶσι τοῖς ἐν Χριστῷ ἀδελφοῖς; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Φυλάττεις ἑαυτὸν ἐν παρθενίᾳ καὶ σωφροσύνῃ ἕως ἐσχάτης σου ἀναπνοῆς; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ὑπομένεις πᾶσαν θλίψιν καὶ στενοχωρίαν, τουτέστι πείναν καὶ δίψαν διὰ τὴν ἀγάπην τοῦ Θεοῦ; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεὺς, βλέπε, τέκνον, οἶας συνθήκας δίδως τῷ Δεσπότη Χριστῷ. Goar. p. 407. Φησὶ τὸ ἱερὸν λόγιον. Ἐρώτησις· Ταῦτα πάντα οὕτω καθομολογεῖς... Ibid. Καὶ στραφεῖς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολάς, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ πανοικτίρμων ὁ Θεὸς καὶ πολυέλεος Ibid. p. 409. Καὶ οὕτως σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ κλίνων εἰς τὸ ἔδαφος ὁ κατηχούμενος. Εἰσελθόντος τοῦ ἡγουμένου ἐν τῇ ἀγία τραπέζῃ, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς κλινόμενος εὐχεταί· Ὁ ὦν Δέσποτα παντοκράτωρ, ὕψιστε βασιλεὺ τῆς δόξης... Ibid. p. 409. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ἄγιε Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Ibid. p. 410. Εἴτα ἐγείρει αὐτόν ὁ ἡγούμενος καὶ εἰσφέρει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, καὶ ποιεῖ μετανόιας τρεῖς, καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἐκ-

τείνας τὴν χεῖρα, ὁ ἱερεὺς λέγει αὐτῷ· Ἴδου ὁ Χριστὸς ἐνταῦθα πάρεστι... Goar. p. 410. Καὶ ὅταν ταῦτα συντάξῃται, λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ φαλλίδιον, τίθησιν ἐπάνω τοῦ εὐαγγελίου καὶ λέγει αὐτῷ· Λάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ λέγει· Ἴδου ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ λαμβάνεις αὐτό, βλέπε τίνι συντάσῃ καὶ τίνι ἀποτάσῃ; Καὶ τοῦτο ποιήσας τρισσῶς, λαβὼν ὁ ἡγουόμενος τὸ φαλλίδιον λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, ὁ ὢν εὐλογημένος εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Καὶ κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην... Καὶ εὐθὺς λαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ οἱ ἀνάδοχοι αὐτῷ εἰς τὸ διακονικὸν καὶ κουρεύουσιν αὐτόν, φάλλοντες τὸν Ἀμωμον. Εἷτα λέγει (ἡ πολλὴ τοιοῦτο же рукою: καὶ σφραγίζει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς τοῖς τρισὶ δακτύλοις). Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα...¹⁾ Καὶ λαβὼν τὸ κουκούλιον, σφραγίζει αὐτόν λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται τὸ κουκούλιον τῆς ἀνακίας εἰς περικεφαλαίαν ἐλπίδος σωτηρίας... Καὶ λαβὼν τὸν ἀνάλαβον, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸν ἀνάλαβον τοῦ σχήματος τῶν ἁγίων ἀποστόλων, εἰς θώρακα πίστεως καὶ ἐλπίδος καὶ ἀγάπης, ἀναλαβὼν τὸν σταυρὸν ἐπὶ τῶν ὤμων καὶ ἀκολουθῶν τῷ Δεσπότη Χριστῷ, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, εἰπώμεν. Καὶ λαβὼν τὴν ζώνην, σφραγίζει αὐτήν, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα περιζώννεται τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ... Καὶ λαβὼν τὸ ἀποστολικόν, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ ἀποστολικὸν ἐπάγγελμα τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ λαβὼν τὰ σανδάλια, σφραγίζει αὐτὰ λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ὑποδύεται τὰ σανδάλια... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸ ἅγιον καὶ ἀγγελικὸν σχῆμα, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς... Καὶ οὕτως ἀρχόμεθα φάλλειν τὰ παρόντα στιχηρά· Ἦνοιχται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Στίχος· Προσέχετε, λαός μου. Ὁ ζυγός μου χρηστός ἐστὶ καὶ τὸ φορτίον μου ἐλαφρόν... Ἀντίφωνον β'. Ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς φοβεῖσθαι τὸν Κύριον... Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα πεπλήρωκας... Στίχος· Ἴδου δὴ τί καλόν... Ἐγγὺς Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν, ψυχὴ ζητοῦσα... Ἀγίοπρωτε σεμνὴ ἐγκώμιον οὔσα τῶν οὐρανίων ταγμάτων... Ἀντίφωνον γ'. ἤχος α'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, τῷ ἀγαθῷ Δεσπότη· φύγωμεν τὸν πλάνον κόσμον... Στίχος· Ἀνοίξατέ μοι πό-

¹⁾ На полѣ вверху тою же рукою написано: λαβὼν τὸ παλλίον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον... καὶ λαβὼν τὸ μέγα σχῆμα, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ μέγα σχῆμα τοῦ ἀποστολικοῦ ἐπαγγέλματος τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς...

λας δικαιοσύνης. Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χεῖρας ὑψαπλώσας, ἡμᾶς προσ-
 καλεῖται εἰς τὴν ἄνω πόλιν... Δόξα καὶ νῦν, Χαίροις παρ' ἡμῶν, ἁγία Θεο-
 τόκε, τὸ σεπτὸν κειμήλιον πάσης τῆς οἰκουμένης... Εἶτα κρατήσας ὁ ἱε-
 ρεὺς τῆς δεξιᾶς χειρὸς αὐτοῦ, εἰσάγει εἰς τὸ θυσιαστήριον, ἐνδύουσιν αὐ-
 τὸν οἱ ἀνάδοχοι, λέγοντος τοῦ ἱερέως αὐθις τὰς προγεγραμμένας ἐκφω-
 νήσεις ἐν τῷ ἐνδύεσθαι αὐτόν. Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα
 δικαιοσύνης καὶ ἀγαλλιᾶσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ...
 Ψάλλουσιν οἱ μοναχοὶ τὰ παρόντα τροπάρια εἰς ἧχον δ'. Ἦνοιται ἡ
 θύρα τοῦ παραδείσου, ἐνδύσασθε χιτῶνα δικαιοσύνης... Στίχος. Ἀγαλλιᾶ-
 σθε τῷ Θεῷ. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας, τὴν ζώνην τῆς σωφρο-
 σύνης... Καὶ λέγεται τοῦτο ἐκ δευτέρου, καὶ λέγομεν στίχον. Αὕτη ἡ πύλη
 τοῦ Κυρίου, καὶ πάλιν τὸν στίχον καὶ τὸ τροπάριον, Εἰσελθτε εἰς τὰς πύ-
 λας αὐτοῦ, Καὶ νῦν, Θεοτοκίον. Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐκπίδα καὶ προστα-
 σίαν... Καὶ εὐθὺς τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ
 Κυρίῳ... Τοῦτο δὲ λέγεται τρισσῶς. Μετὰ καὶ τῶν παρόντων, στίχος.
 Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ, στίχος. Ἀγαλλιᾶσθωσαν ἐνώπιον τοῦ
 Θεοῦ, στίχος. Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν, Δόξα καὶ νῦν, Μεγάλων χαρι-
 σμάτων, ἀγνή Παρθένε, μόνη Μήτηρ Θεοῦ, ἡξιώθης... Καὶ κλινομένου τοῦ
 νεοφωτίστου, λέγει ὁ ἱερεὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς
 ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου. Goar. p. 412. Εἰρήνην πᾶσι.
 Τὰς κεφαλὰς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου. Ibid. p.
 412. Καὶ λαβὼν ὁ διάκονος τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἵσταται ἔξωθεν τοῦ θυ-
 σιαστηρίου καὶ προσκυνεῖ ἡ ἀδελφότης αὐτοῦ καὶ τὸ ἅγιον σχῆμα τοῦ
 ἀδελφοῦ, ψαλλόντων ἡμῶν καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα τοῦ ἀσπασμοῦ, ἰδιόμελος
 ἦχος α'. Ἐπιγινώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Τοῦτο δὲ λέ-
 γεται δις καὶ τρίς μέχρι ἂν προσκυνήσωσι πάντες. Στίχος. Ἀγαλλιᾶσε-
 ται τὰ χεῖλή μου... Στίχος. Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον..., Δόξα καὶ νῦν, θεο-
 τοκίον. Χαῖρε, Θεοτόκε Παρθένε· χαῖρε καύχημα τῆς οἰκουμένης... Καὶ
 εὐθὺς ὁ διάκονος μεγάλην συναπτήν. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν...
 Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ πάσης ἐπισκοπῆς... Ὑπὲρ τῆς πόλεως...
 Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως, ἀκατακρίτως... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ
 ἀπαλλαγῆναι αὐτὸν πάσης κοσμικῆς... Ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως...
 Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι αὐτὸν τὸν παλαιὸν ἄνθρωπον... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆ-
 ναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι ἅγιος εἶ
 ὁ Θεὸς ἡμῶν..., εἶτα Ὅσοι εἰς Χριστόν... καὶ εὐθὺς τὸ προκείμενον τοῦ
 ἀποστόλου. Σὺ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα... Στίχος. Εἶπεν ὁ Κύριος τῷ Κυρίῳ
 μν... Ὁ ἀπόστολος καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου. Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα
 λάβετε τῆς κακοπαθείας καὶ τῆς μακροθυμίας... Τέλος· σώσει ψυχὴν ἐκ

θανάτου, καὶ καλύψει πλῆθος ἀμαρτιῶν. Στίχος· Ἐπεκαλοῦντο τὸν Κύριον. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· πάντα μοι παρεδόθη ὑπὸ τοῦ Πατρὸς μου... Τέλος· Ὁ γὰρ ζυγὸς μου χρηστός ἐστι καὶ τὸ φορτίον μου ἐλαφρόν. Ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες καὶ τὰ λοιπὰ συνήθως. Ὅτι ἐλεήμων. Καὶ ὀφικεύουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ ἔμπροσθεν τῶν ἀγίων θυρῶν μετὰ κηροῦ, τῆς θείας λειτουργίας τελεσθείσης, ἅπτουσιν οἱ ἀδελφοὶ τοὺς κηροὺς αὐτῶν καὶ συναπέρχονται μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τὴν τράπεζαν, κρατοῦντες αὐτὸν τῆς δεξιᾶς χειρὸς καὶ ψάλλοντες τροπάριον, ἡχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ. Στίχος· Ὁ καθηήμενος... Δόξα, τὸ αὐτὸ πάλιν, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν, Μητὲρ Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ... Καὶ μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἀπὸ τῆς τραπέζης, ἀπέρχονται πάλιν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ψάλλοντες τὸ αὐτὸ τροπάριον, τὸ Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ, καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Ὁ δὲ νεοφώτιστος σχολάζει ἐν ἑπτὰ ἡμέραις ἐκ παντὸς ἔργου σωματικοῦ, ἀπερχόμενος καθεκάστην ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, προσευχόμενος καὶ ἀναγινώσκων ἢ ἐν τῷ κελλίῳ αὐτοῦ τοῦτο ποιῶν καὶ μένων ἀπρόσιτος. Μετὰ δὲ τὴν ζ'. εἰσέρχεται εἰς τὸν καιρὸν τῆς θείας λειτουργίας καί, μετὰ τὸ ἀναγνωσθῆναι τὸ ἱερὸν εὐαγγέλιον, ποιεῖ συναπτὴν, ὡς ἔθος, ὁ διάκονος καὶ ἐπισυνάπτει πάλιν ὑπὲρ αὐτοῦ τοῦ νεοφωτίστου, λέγων οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει ἐπάνω τοῦ ἀδελφοῦ τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πολυέλεε Θεὲ καὶ Κύριε, ὁ δωρησάμενός τῷ δούλῳ σου ὁ δεῖνα διὰ τῆς ἀνακλήσεως τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος... Goar. p. 417. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ τὴν ἰδίαν κεφαλὴν σοι... Ibid. Καὶ σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ τρεῖς καὶ ἀποκουκουλίζει αὐτόν, καὶ παραινέσας τὰ τῆς σωτηρίας προσήκοντα πρὸς αὐτόν, ἀπολύει ἐν εἰρήνῃ.

л. 53. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς κηδῖαν μοναχοῦ. Ἐπειδὴν τις τῶν μοναχῶν. Conf. Εὐχολ. Goar. pag. 448 ὅλως γυμνόν, οἱ δὲ εἰς τοῦτο τεταγμένοι ἀποσπογγίζουσι τὸ λείψανον μετὰ χλιαροῦ ὕδατος καὶ σπόγγου οὕτως· πρῶτον ποιοῦντες μετὰ τοῦ σπόγγου ἐν τῷ μετώπῳ αὐτοῦ τοῦ τελευτηκότος, τὸ ὅλον πρόσωπον ἀποσπογγίζουσι καὶ ἐν τῷ στήθει σταυρὸν καὶ εἰς τὰς χεῖρας, καὶ εἰς τὰ γόνατα καὶ πλεῖον οὐδέν. Μετὰ δὲ τὸ ἀποσπογγίσαι, ἐκδύουσιν αὐτοῦ τὰ ἱμάτια, ἅπερ φορεῖ, καὶ ἐνδύουσιν αὐτόν ἱμάτια καθαρὰ, μηδαμῶς τὴν τούτου γύμνωσιν θεασάμενοι μὴθ' ἕτερον ἐάσας παρεῖναι. Μετὰ δὲ τὸ ἐνδύσαι, περιβάλλουσιν αὐτόν τὸ κου-

κύλιον, εἶγε μεγαλοσχήμεων ἐστί, περιτιθέντες τὴν περικεφαλαίαν ἀπὸ ἄνωθεν τῆς κεφαλῆς καὶ καταβιβάσαντες αὐτὴν ἄχρι τοῦ πώγωνος, ὥστε μὴ ὁρᾶσθαι τὸ πρόσωπον τοῦ λειψάνου. Εἶτα περιτίθῃσιν αὐτῷ τὸν ἀνάλαβον εἰς τὴν τάξιν αὐτοῦ, καὶ τὸ παλλίον χωρὶς τοῦ σταυροῦ καὶ περιζωνύει τὸν λῶρον αὐτοῦ, ἐπὶ δὲ τοὺς πόδας καλίγια καινά, ὡς ἔθος ἐστί τοῦ στολίσαι νυμφίον, εἶτα οὕτω εἰσφέρουσι τὸν μανδύαν αὐτοῦ, καὶ ἀνακουφίσαντες τὸ λείψανον ἐκ τοῦ ψιαθίου, ἀπλοῦσι τὸν μανδύαν αὐτοῦ ὑποκάτω ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς οὐ πλαγίως, καθὼς φορεῖται, ἀλλ' ὀρθῶς καὶ ἐπιμήκης, εἶτα μετὰ μαχαίρας σχίσαντες τὰ πλάγια τοῦ μανδύου καὶ λωρία ἐκβαλόντες ἀπὸ ἄνωθεν ἕως κάτωθεν, καὶ τοῦ μανδύου πάλιν τὰ πλάγια διατρήσαντες καὶ τὰ λωρία ἔνθεν ἀκεῖθεν διαβιβάσαντες, καὶ ἐπὶ τὰς τρύπας ὑποβάλλοντες, ποιοῦσι σταυροὺς τρεῖς μέχρι τῶν ποδῶν καὶ τὰ ὑπολειφθέντα λωρία δεσμοῦσι τοὺς πόδας, καὶ τιθέντες αὐτὸν ἐν τῇ κλίνῃ. Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητὸν ἐπάνω τοῦ λειψάνου καὶ ἀρχόμεθα τοῦ Τρισαγίου, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστί, τροπάρια νεκρώσιμα, ἡχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. α. Καὶ εὐθὺς γίνεται ἑκτενὴ· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Καὶ οὕτω ἄραντες τὸ λείψανον, εἰσφέρουσιν αὐτὸ ἐν τῷ νάρθηκι τῆς ἐκκλησίας κατέναντι τῆς βασιλικῆς πύλης, καὶ τοῦ ἐκκλησιάρχου τρεῖς κρούσαντος τὸ μέγα σημαντήριον, συνάγονται οἱ ἀδελφοί, καὶ δίδονται αὐτοῖς ἀνά κηρίου ἑνός, ἄψαντες δὲ καὶ ἐπὶ τοῦ λειψάνου κηρία δ'. καὶ τιθέντες ἐπάνω αὐτοῦ τὴν εἰκόνα τοῦ Χριστοῦ, εἶτα θυμιᾷ ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου καὶ ποιεῖ Εὐλογητὸν, καὶ εὐθὺς λέγομεν Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ Κύριε ἐλέησόν με ιβ'. τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. τὸν Ν'. Ἐλέησόν με ὁ Θεός, εἶτα ἄρχεται ὁ πρῶτος χορὸς εἰς ἡχον πλ. α'. Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε, δίδαξόν με τὰ δικαιώματά σου, καὶ ἄρχεται ὁ αὐτὸς χορὸς τὸν Ἀμωμον (17 καθισμα). Εἶτα (т. е. на первоѣ славѣ) ἄρχεται ὁ πρῶτος χορὸς γεγωνοτέρᾳ τῇ φωνῇ· Εἰς τὸν αἰῶνα οὐ μὴ ἐπιλάθωμαι τῶν δικαιωμάτων σου, ὅτι ἐν αὐτοῖς ἔζησάς με. Εἶτα πάλιν ὁ ἕτερος χορὸς· Εἰς τὸν αἰῶνα οὐ μὴ ἐπιλάθωμαι... Πάλιν ὁ πρῶτος χορὸς· Εἰς τὸν αἰῶνα οὐ μὴ ἐπιλάθωμαι... Καὶ εὐθὺς γίνεται συναπτὴ καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ἄρχεται ὁ β'. χορὸς καὶ αὐτὸς εἰς ἡχον πλ. α'. Ὅτι τὰ δικαιώματά σου ἐξεζήτησα. Ἐλέησόν με, Κύριε. Ὁ δὲ ἕτερος χορὸς ἄρχεται στίχον καὶ αὐτὸς· Ὅτι τὰ δικαιώματά σου... Ἐλέησόν με, Κύριε. Εἶτα ἄρχεται ὁ ἐναρξάμενος χορὸς στίχον· Σὸς εἰμι ἐγώ, σῶσόν με... (Въ концѣ статьи отъ стиха: Ἀρχοντες κατεδίωξάν με δωρεάν καὶ ἀπὸ τῶν λόγων σου... на поляхъ тою же рукою приписаны слѣдующіе припѣвы: Ἀβραάμ ἐν κόλποις καὶ μετὰ Λαζάρου τάξον, ἐλεή-

μων, ψυχὴν, ἣν προσελάβου. Ἐν σκηναῖς δικαίων ἐν μοναῖς ὁσίων τάξον, ἐλεήμων, ψυχὴν, ἣν προσελάβου. Ἀρχάγγελοι Κυρίου πρεσβεύετε ἀπαύτως ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος. Ἀπόστολοι Κυρίου πρεσβεύετε ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος. Μάρτυρες Κυρίου πρεσβεύετε... Προδρόμε Κυρίου πρέσβευε... Ἀσκηταὶ Κυρίου πρεσβεύετε... Παρθένε Θεοτόκε, πρέσβευε ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος) После окончания статьи καὶ ὁ ἕτερος χορὸς τὸν αὐτὸν στίχον· Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου..., εἶτα πάλιν ὁ πρῶτος χορὸς τὸν αὐτὸν στίχον, εἶτα ἄρχεται ὁ πρῶτος χορὸς εἰς ἦχον πλ. α'. τὸ Εὐλόγητός εἰ, Κύριε... Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς εὔρε πηγὴν τῆς ζωῆς... Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ὡς σύνηθες (т. е. после Ἀλληλουῖα, ἀλληλουῖα δόξα σοι ὁ Θεός). Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν, ψάλλομεν τὸ παρὸν στιχηρὸν νεκρώσιμον τοῦ Δαμασκηνοῦ, ἦχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ, Χριστέ ὁ Θεός... Μεθ' ἣν οἱ ἀναβαθμοί, ἦχος α'. ποίημα Θεοδώρου τοῦ Στουδίτου· Ἐν τῷ θλίβεσθαί με εἰσάκουσόν μου... Goar. p. 439. Εἶτα τὰ νεκρώσιμα τοῦ Δαμασκηνοῦ· Ποία τοῦ βίου τρυφὴ διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Ἐργῷ, Σωτὴρ μου, δεικνύς, ὅτι σὺ εἶ ἡ πάντων ἀνάστασις... Θεοτοκίον· Ἀχραντε Θεοτόκε, ἡ ἐν οὐρανοῖς εὐλογημένη καὶ ἐπὶ γῆς δοξολογουμένη... Καὶ εὐθὺς τὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ὧν ἡ ἀκρόστιχος κατ' ἦχον, Σόν, Χριστέ, δοῦλον γράβον ἐν ζώντων βιβλίῳ. Στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος α'. Πρὸς τὸ Πανεύφημοι μάρτυρες. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκαίας μεθέξεως... Οὐδεὶς ἀναμάρτητος... Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Ὑπὲρ τὰ ὁρώμενα τὰ σά... Σταυρῷ σου γηθόμενοι, σταυρῷ θαρρόντες, οἱ δοῦλοί σου... Χριστὸν ἐκδυσώπησον τὸν σὸν τόκον, Μητροπάρθενε... Ἀρχὴ τοῦ β'. ἦχου, ἀντίφωνον, ἦχος β'. μοναχοῦ Θεοδώρου· Ἐν τῷ οὐρανῷ τὰ ὅμματα... Goar. p. 440—441. Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα Ἰωάννου μοναχοῦ, ἦχος β'. Ὡς ἄνθος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται... Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθὸς τοῦ δούλου σου... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Θείας γεγόναμεν κοινωνοὶ φύσεως διὰ σοῦ, Θεοτόκε ἀειπάρθενε... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια Θεοφάνους, ἦχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πρώμην τοῦ θανάτου καὶ φθοράν σου τῷ ζωηφόρῳ θανάτῳ.. Ἵνα τοὺς ἀνθρώπους κοινωνοὺς θείας βασιλείας ἐργάσῃ... Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα, βουλευθεὶς τῆς οἰκονομίας τὸ ὄντως βαθὺ μυστήριον, θέλων ἐξετέλεσας... Δόξα, Τρόμῳ τῷ φρικτῷ καὶ φοβερῷ βήματι τῷ σῷ παρεστῶτες... Καὶ νῦν, Εὐὰς τῆς προμήτορος ἀγνῆς, σὺ τὴν ὀφειλὴν... Ἀρχὴ τοῦ γ'. ἦχου, ἀντίφωνον μοναχοῦ Θεοδώρου· Τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών... Goar. p. 440. Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα Ἰωάννου μοναχοῦ, ἦχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει μετὰ θάνατον... Ἄνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα; ὁ δρό-

μος βραχύς ἐστιν, ὃν τρέχουμεν... Ἐκαστος, ὅπου σώζεται ἐκαὶ δικαίως καὶ προστρέχει... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἦχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον, δι' οὗ ζωὴ δωδῶρηται... Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὐσπλαγχνος, ὁ ἔχων ἀγαθότητος πέλαγος... Ὑπνώσας ἐν τῷ τάφῳ, ὡς ἄνθρωπος, δυνάμει ἀηττήτῳ σου... Θεοτοκίον· Λαμπάδα νοητὴν σε βαστάζουσιν τὸ φέγγος τῆς θεότητος. Ἀρχὴ τοῦ δ'. ἦχου, ἀντίφωνον α'. ἦχος δ'. Ἐκ νεότητός μου πολλὰ πολεμεῖ με πάθῃ... Goar. p. 441. Νεκρώσιμα ὁ αὐτός. Μετὰ πνευμάτων δικαίων τετελειωμένων τὴν ψυχὴν... Εἰς τὴν κατάπαυσίν σου, Κύριε... Σὲ τεῖχος κέκτημαι, Θεοτόκε... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος δ'. Ἐδωκας σημείωσιν. Ὅντως φοβερώτατον τὸ τοῦ θανάτου μυστήριον... Ὑπνος ἀναδεδείχεται τῶν πιστευόντων ὁ θάνατος... Σὺ δικαιοσύνη τε ἁγιασμός ἡμῶν γέγονας καὶ ψυχῶν ἀπολύτρωσις... Δόξα, Γένος τὸ ἀνθρώπινον πρὸς ἀφθαρσίαν ἀνόλεθρον... Καὶ θεοτοκίον· Ῥήσασιν ἐπόμενοι τῶν θεηγόρων, πανάμωμε... Εἴτα γίνεται συναπτή καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ὡς σύνηθες. Καὶ εὐθὺς οἱ ἀναβαθμοί, ἦχος πλ. α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαί με... Goar. p. 441—442. Εἴτα νεκρώσιμα Ἰωάννου μοναχοῦ· Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδός... Σὺ ἐπλκσας, Κύριε, καὶ ἔθγκας ἐπ' ἐμέ τὴν χειρὰ σου... Ἡ κεχαριτωμένη μεσίτευσον ταῖς δεήσεσι... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἦχος πλ. α'. Χαίροις ὁ ζωηφόρος. Αἰγλή τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ... Ψάλλειν παναρμονίῳ φωνῇ δοξολογοῦντα τὸ σὸν κράτος εὐδόκησον... Ὅπου τῶν προφητῶν ὁ χορὸς τῶν ἀποστόλων καὶ μαρτύρων τὰ πράγματα... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Νόμφ τῆς ἁμαρτίας ἡμᾶς δεδουλωμένους ἡλευθέρωσας, Δέσποινα... Ἀρχὴ τοῦ πλ. β'. ἦχου οἱ ἀναβαθμοί. Ἀντίφωνον α'. Θεοδώρου· Ἐν τῷ οὐρανῷ τοὺς ὀφθαλμούς μου αἶρω... κ. τ. α. Goar. p. 442. Νεκρώσιμα Ἰωάννου μοναχοῦ, ἦχος πλ. β'. Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοουργόν σου γέγονε πρόσταγμα... Ἐτίμησας εἰκόνι σου τὸ τῶν χειρῶν σου, Σῶτερ, πλαστούργημα... Οὐδεὶς προστρέχων ἐπὶ σοὶ κατησχυμένος ἀπὸ σοῦ... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἦχος πλ. β'. Ὀλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον τὴν εἰς ἡμᾶς εὐσπλαγχιάν... Δόξα, Ζώντων κυριεύοντα θεαρχικὴ ἐξουσία... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁφθῆς ἐνδiciaίτημα θεοπρεπές, Παναγία... Ἀρχὴ τοῦ βαρέως ἦχου, Θεοδώρου, ἀντίφωνον α'. Τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών ἐκ πλάνης ἐπιστρέψας... νεκρώσιμα Ἰωάννου μοναχοῦ, ἦχος βαρύς· Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, ζωοδότα... Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστουργήσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὑμνοῦμέν σε, πανάχραντε Θεοτόκε... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος ὁ αὐτός, Καταφρονήσας. Θεοφά-

νους· Νενεκρωμένους ὥράθης ἐπὶ σταυροῦ... Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει..
 Δόξα, Ὡς ἀδαπάνητον ἔχων τῶν δωρεῶν τὴν μεγαλοπρέπειαν... Θεοτοκίον·
 Νόμου τὸ πλήρωμα τίτεις τὸν λυτρωτὴν σάρκα γενόμενον... Ἀρχὴ τοῦ
 πλ. δ'. ἤχου. Ἀντίφωνον α', Θεοδώρου· Ἐκ νεότητός μου ὁ ἐχθρὸς με
 πειράζων... Goar. pag. 444. Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἤχος ὁ αὐτός,
 Θρηνῶ καὶ δδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον... Ὁ θάνατός σου, Κύ-
 ριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... θεοτοκίον· Ἀγνή Παρθένε, τοῦ Λόγου
 πύλη... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια Θεοφάνους, ἤχος πλ. δ'. Ὡ τοῦ πα-
 ραδόξου. Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας ἐλευθερίαν, βαφαῖς ἐρυθραῖς τῶν δακ-
 τύλων σου... Ἱεραρχήσας, ὡς ἄνθρωπος σφαγιασθεὶς ἑαυτῷ... Δόξα, Βά-
 θει σοφίας ἀρρήτου σου ὁροθετεῖς τὴν ζωὴν... Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἀναρ-
 χον λόγον Θεοῦ... Εἴθ' οὕτως γίνεται ὁ θανὼν ἀδελφός, καθὼς προεγρά-
 φη. Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Ὁ οἶκος· Αὐτὸς μόνος ὑπάρ-
 χεις ἀθάνατος... Καὶ εὐθὺς Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον... ἔτεροι οἴκοι,
 ὧν ἡ ἀκρόστιχος· Τοῦ ταπεινοῦ Ῥωμανοῦ ψαλμωδοῦ. Τοῖς τοῦ βίου
 τερπνοῖς ἐνητένζον οὐ λογισμῷ θεωρῶν τὰ γινόμενα... Ἀλληλούια. Οὐ
 δὲ ἓνα βροτὸν εὖρον ἄλυπον· ὁ γὰρ κόσμος ἐκάστοτε τρέπεται... Ὑψαυ-
 χεῖ κατὰ πένητος πλούσιος κατεσθίων αὐτοῦ πᾶσαν ὑπαρξιν... Τοὺς
 ἀγάμους ἐλπίδες συγχόπτουσι, τοὺς ἐν γάμφῳ φροντίδες συντήκουσι...
 Ἀλμυρὰ τῆς θαλάσσης τὰ κύματα... Πειρατὰς καὶ χειμῶνας καὶ κλύ-
 δοντας περαιοῦνται οἱ χρήματα στέργοντες... Ἵνα δὲ συνελὼν εἶπω·
 ἅπαντα τὰ ἐν κόσμῳ σὺν τῷ κόσμῳ παρέρχονται... Νῦν εἰσὶν ἐν ἡμῖν
 οἱ βοῶντες συχνῶς κἂν μὴ τῷ στόματι... Ὅμως μέντοι οὐ πάντες ἐχώ-
 ρησαν, ὁ προσέταξε πᾶσιν, ἔφη σε... Ὑπεκκαίω ὑμῶν τὴν προαίρεσιν πρὸς
 τὸ ψάλλειν καὶ τέρπειν τὸν Κύριον... Ῥῦπον βίου καλῶς ἀπεφύγετε καὶ
 πηγῇ καθαρᾷ προσεφύγετε... Ὡν τὸν βίον καλῶς ἀπεφύγετε, τούτων νῦν
 καὶ τὴν μνήμην μισήσατε... Μὴ ἀλλήλων ἀπλῶς κατεπαίρεσθε, τί γὰρ
 ἔχεις, φησὶν, ὁ οὐκ ἔλαβες... Ἀλλ' ἐρεῖ τίς ἐγὼ περισσότερον, ὡς μαθὼν
 τὰς γραφάς, ἔχω καύχημα... Νεκρωθῶμεν τῇ πίστει σφιγγόμενοι οἱ τὰ
 σώματα ἀποταξάμενοι... Ὁ εἰπὼν ἐγὼ εἰμι ἄμπελος καὶ ὑμεῖς μου ὑπάρ-
 χετε κλήματα.. Ὑπ' ἐμοῦ νῦν ὑμεῖς ἐδιδάχθητε κατακρίνειν ἐμὲ τὸν τα-
 λαίπωρον... Ψυχικῶς τὸν κανόνα ποθήσατε, ὃν καλῶς καὶ φρονίμως τη-
 ρήσατε... Ἄν ὁ νοῦς σου ποτὲ σκανδαλίζῃ σε, ἐρεθίζων καὶ σὲ πρὸς τὴν
 ἔξοδον... Λέγει πάλιν πρὸς σὲ καὶ πῶς δύνασαι τὸν κανόνα τελεῖν τοῦ
 μονάζοντος... Μετὰ τῶν ἐργατῶν, ὧν ἐκάλεσεν ἔνδον τοῦ ἀμπελῶνος ὁ
 Κύριος... Ὁ καιρὸς τῆς ζωῆς ἡμῶν ἔφθασεν· ὁ γὰρ Κύριος τάχιον ἔρχε-
 ται... Σὺ οὖν, Δέσποτα, ὡς παντοδύναμος τὴν ζωὴν ἡμῶν πάντων κυβέρ-
 νησον... (Къ каждому изъ этихъ тропарей положенъ припѣвъ: Ἀλ-

ληλούια). Καὶ εὐθὺς μετὰ τοὺς οἴκους οἱ μακαρισμοί. Goar. p. 445, εἰ-
 τα λέγει ὁ ἱερεὺς прокименъ, апостолъ и евангеліе p. 430. Καὶ εὐ-
 θὺς Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ἐπὶ δὲ ὑπὲρ ἀναπαύσεως τῆς ψυχῆς... Ἵπὲρ
 τοῦ κοινωνόν αὐτόν... Ἵπὲρ τοῦ ἀπολαῦσαι αὐτόν... Ἵπὲρ τοῦ εἰσεδεχθῆ-
 ναι αὐτόν... Ἵπὲρ τοῦ μετασχεῖν αὐτόν... Ἵπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐ-
 τῷ... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός... Τὰ ελέη τοῦ Θεοῦ... Τοῦ Κυρίου δεηθῶ-
 μεν. Καὶ εὐχὴν· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Μετὰ δὲ τὴν παροῦσαν εὐ-
 χὴν ἐκφωνεῖ ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός τῶν πνευμάτων
 καὶ πάσης σαρκός, ὁ ἐκ γῆς χοῦν λαβὼν καὶ ἄνθρωπον οἰκοδομήσας, καὶ
 ζωὴν αὐτῷ δωρησάμενος, καὶ ἐντολὴν αὐτόν ἐκπαιδεύσας, φθόνῳ δὲ δια-
 βόλου παραβάτης γεγονώς καὶ ἐξόριστος, τοῖς οἰκείοις σου δὲ σπλάγγχνους
 κατακαμφθεὶς, καὶ αὐτόν ἀνακαλεσάμενος, ἐκ γῆς δὲ μεταστήσας πάλιν καὶ
 πρὸς ἕτερον κόσμον αἰώνιον διαβιβάσας. Αὐτὸς Κύριε, ἀνάπαυσον τὴν ψυ-
 χὴν τοῦ δούλου σου τοῦδε καὶ κατὰταξον αὐτόν ἐν τοῖς κόλποις Ἀβραάμ
 καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ἐν ἐκκλησίᾳ τῶν πρωτοτόκων τῆς ἁνῶ Ἰερουσαλήμ
 μετὰ τῶν ἁγίων, τῶν ἀπ' αἰῶνος εὐαρεστησάντων σοι. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς
 ἡμῶν καὶ εὐεργέτης πάντων καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ
 καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι... Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστα-
 σις, ἡ ζωή... Καὶ εὐθὺς γίνεται ὁ ἀσπασμός, ψαλλόντων ἡμῶν καὶ τὰ
 παρόντα νεκρώσιμα στιχηρά, ἡχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου σε. Δεῦτε τε-
 λευταῖον ἀσπασμόν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανέντι... Δεῦτε τῷ τάφῳ, ἀδελ-
 φοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν καὶ γινώμεν, ποῖος ὁ δοῦλος ἐκεῖ... Δεῦτε τε-
 λευταῖον ἀσπασμόν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανέντι... Ὅταν ἐκ τοῦ σώματος
 ψυχὴ μέλλει μετ' ἀνίας ἀρπάζεσθαι ὑπὸ ἀγγέλων φρικτῶν... Δεῦτε, ἀδελφοί
 πνευματικοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου καὶ τῆς παρουσίας ζωῆς... Τρέμω
 τὸ κριτήριον, Χριστέ, καὶ τὴν ἐν τῷ βήματι γύμνωσιν τῶν πταισμάτων
 μου... Πάντες δυσωποῦμέν σε, Χριστέ, νῦν ἐν κατανύξει βοῶντες καὶ προ-
 σευχῇ ἐκτενεῖ... Τοῦτο τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστὶ τὸ ἀπαραχώρητον τέλος καὶ
 ἐπιτίμιον, θάνατος καὶ τάφος γὰρ ἡμᾶς ἐκδέχεται... Μίαν ὑποστάσει
 τρισὶ σέβοντα θεότητα πίστει παντουργικῇ σε Τριάς... Σῶζε τοὺς ἐλπί-
 ζοντας εἰς σέ, Μῆτερ τοῦ ἀδύτου ἡλίου θεογεννήτρια... Μετὰ δὲ τὸν ἀσ-
 πασμόν, εἰ οὐκ ἔχει ἡμονὴ κοιμητήριον, ἢ καὶ ὁ τάφος οὐκ ἔστιν ἑτοιμός,
 λέγομεν Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν... Ὅτι σοῦ ἐστίν.
 Καὶ λέγομεν τὰ παρόντα νεκρώσιμα τροπάρια ταῦτα, ἡχος δ'. Μετὰ πνευ-
 μάτων δικαίων... κ. τ. α. Καὶ εὐθὺς γίνεται συναπτὴ παρὰ τοῦ ἱερέως·
 Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ ἡ εὐχὴ· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρ-
 κός... Ἐν ᾗ λέγεται παρὰ πάντων τῶν ἱερέων, καὶ γίνεται ἀπόλυσις· Ὁ
 ἀναστὰς ἐκ νεκρῶν... Ποιήσαντες δὲ ἀμφότεροι σταυρόν οἱ ἱερεῖς ἐπάνω

τοῦ λειψάνου, λέγουσι· Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιωμακάριστε ὁ δεῖνα καὶ ἀείμνηστε ἀδελφε ἡμῶν, ἐκ γ'. Εἶτα λέγεται παρὰ πάντων· Ὁ Θεός, μακάρισον καὶ ἀνάπαυσον αὐτόν, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται, καὶ ἡμᾶς ἐλεήσει διὰ τῆς αὐτοῦ ἀγαθότητος. Εἰ δὲ ἔστι κοιμητήριον ἐν τῇ μονῇ καὶ ὁ τάφος ἑτοιμος, ἀπόλυσιν οὐ ποιοῦμεν, ἀλλὰ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὴν κλίνην, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, φαλλόντων ἡμῶν τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἐκ γ'. ἡσύχως καὶ πάλιν τὸ Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας. Φθιάσαντες δὲ εἰς τὸ κοιμητήριον, ἄραντες τὸ λείψανον, θάπτουσιν αὐτὸ ἐν τῷ κοιμητηρίῳ, φάλλοντες καὶ τροπάρια, ἥχος πλ. δ'. Γῇ χανοῦσα ὑπόδεξιαι τὸν ἀπὸ σοῦ πλασθέντα χειρὶ Θεοῦ τὸ πρότερον... Καὶ λαβὼν ἔλαιον ὁ ἱερεὺς μετὰ κανδήλαν, ἐπιχέει ἄνωθεν τοῦ λειψάνου, ποιῶν τύπον σταυροῦ ἐκ γ'. λέγων καὶ τὸ Ἀλληλούια ἐκ γ'. καὶ Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτοῦ, ἡ οἰκουμένη καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ, ἅπαξ· ὁμοίως καὶ τὸ Ἐλαιον ἀγαλλιᾶσεως καὶ σωτηρίας ἐν σκηναῖς δικαίων, ὅπου ἡ ἀληκτος χαρά, ἐκεῖ Χριστὸς ὁ Θεός κατατάξει τὸ πνευμά σου. Καὶ αὐτὸ ἅπαξ καὶ οὕτως σφαιρίζεται ὁ τάφος, φαλλόντων ἡμῶν τροπάρια, ἥχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος νενέχρωται καὶ ὁ ἄδης ἐσχύλευται... Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ, πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα καὶ νῦν, Θεοτόκε ἡ προστασία πάντων τῶν δεομένων, εἰς σὲ καυχώμεθα... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἥχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων. Στίχος· Εἰσαγαγὼν καταφύτευσον εἰς τὴν κατάπαυσιν... Στίχος· Κύριος ποιμαίνει με καὶ οὐδὲν με ὑστερήσει. Σὺ εἰ ὁ Θεός, ὁ καταβάς εἰς Ἀδην... Στίχος· Ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσεως, ἥχος δ'. Τὴν ἀειτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμών, τῷ σῶ λιμένι προσέδραμε τῇ πίστει ὁ μεταστάς... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος ἡ Θεὸν ἀσπόρως κυήσασα... Ἔτερον, ἥχος πλ. α'. Ἡ αἰδιμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβίδ, σήμερον πληροῦται· ἄνθρωπος, λέγουσα, ὥσει χόρτος αἱ ἡμέραι αὐτοῦ... Στίχος· Μὴ εἰσέλθῃς εἰς κρίσιν, πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα· Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Στίχος· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς. Παντοκράτωρ ὤφιστε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἀνάπαυσον... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Τὰ οὐράνια ὕμνεῖ σε, κεχαριτωμένη. Ἔτερα νεκρώσιμα, ἥχος βαρύς· Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου, κατέλιπον τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς μου... Στίχος· Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ Δαβίδ... Πάλιν τὸ αὐτό. Στίχος· Ὡς ὤμοσε τῷ Κυρίῳ. Κατάπαυσιν δικαίοις ἡτοίμασας εἰσάγαγέ με, Σωτήρ... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Εἰρήνευσον πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου... Ἔτερα στιχηρὰ, ἥχος πλ. β'. Πνευματικοὶ ἀδελ-

φοὶ καὶ συνασκηταί, μὴ μου ἐπιλάθῃσθε... Στίχος· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς. Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ· ἐγὼ εἰμι ἀνάστασις... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Ἀγνή Παρθένε τοῦ Λόγου, πύλη τοῦ Θεοῦ ἡμῶν... Καὶ εὐθὺς τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὅτι σοῦ ἐστίν. Εἶτα τροπάρια, ἦχος β'. Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθὸς τῆς ψυχῆς τοῦ δούλου σου... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Μῆτερ ἁγία, ἥ τοῦ ἀφράστου φωτός... Εἴθ' οὕτως γίνεται ἐκτενὴ· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεὸς κ. τ. α. καὶ ἡ εὐχή· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... ἐν ἧ λέγεται παρὰ πάντων τῶν ἱερέων. Μετὰ δὲ τὸ τέλος λέγει ὁ καθηγούμενος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ εὐχὴ παρὰ μόνου τοῦ καθηγουμένου· Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοῦ ἐν τῇ μα...

Л. 96. Κανὼν ψαλλόμενος (εἰς) ψυχορῥαγοῦντας.

Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητὸν καὶ ἀρχόμεθα τοῦ ρμβ'. ψαλμοῦ τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου... Μετὰ δὲ τὸ τέλος τοῦ ψαλμοῦ, ψάλλομεν τὸ Θεὸς Κύριος εἰς ἦχον πλ. β'. καὶ ἀρχόμεθα τὰ παρόντα τροπάρια· Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, Δόξα καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην, ὁ Ν'. καὶ ἀρχόμεθα τοῦ κανόνος, ποίημα κυροῦ Ἀνδρέου Κρήτης τοῦ Ἱεροσολυμίτου. Ὡδὴ α'. ἦχος πλ. β'. Ὡς ἐν ἡπείρῳ πεζεύσας... Δεῦτε συνάχθητε πάντες οἱ εὐσεβῶς Goar. p. 585. После третей и 6 пѣсни, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἐκτενὴν, λέγει οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεος... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ζωῆς, εἰρήνης, ἐπισκέψεως, συγχωρήσεως... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ πάντα τὰ ἁμαρτήματα... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος. После 3 пѣсни, τροπάριον, Θεοτοκίον, ἦχος β'. Пресвѣа θερμὴ καὶ τεῖχος ἀπροσμάχητον... По 6 пѣсни, κοντάκιον, ἦχος πλ. β'. Τὴν ὑπὲρ ἡμῶν. Προστασία τῶν χριστιανῶν ἀκαταίσχυντε, μεσιτεία πρὸς τὸν ποιητὴν ἀμετάθετε... Ὁ οἶκος Ἐκτεινόν σου παλάμας, ἐν αἷς ὁ πάντων Δεσπότης... Εἶτα (т. е. после 9 пѣсни) λέγει· Ἀξιόν ἐστιν, ὡς ἀληθῶς. Δὸς ἡμῖν βοήθειαν, Θεοτόκε, δὸς ἡμῖν βοήθειαν τοῖς ἐλπίζουσιν ἐπὶ σέ... Δέσποινα καὶ Μῆτερ τοῦ λυτρωτοῦ... Καὶ λέγομεν τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς τὸ Ὅτι σοῦ ἐστίν, καὶ εὐθὺς τὰ παρόντα τροπάρια, ἦχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον, Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην, εἶτα γίνεται ἐκτενὴ παρὰ τοῦ ἱερέως· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ εὐχὴ εἰς ψυχορῥαγοῦντας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πάντας ἀνθρώπους θέλων σωθῆναι. Goar. p. 587. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις οὕτως· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν πρεσβείαις τῆς

παναχράντου αὐτοῦ Μητρὸς δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν καὶ πάντων τῶν ἁγίων.

л. 103. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

Начало и первая стихиры до Тὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν καὶ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον λέγοντες, что въ ркп. 1522 г. № 615 Свят.-гроб. библи. Καὶ νῦν, θεοτοκίδν· Θεοτόκε, ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα καὶ Δεσπότην, ἐκ κινδύνων καὶ θλίψεων... Ἔτερα στιχηρά ἰδιόμελα, ἥχος πλ. δ'. φάλλον-ται δὲ καὶ ταῦτα εἰς τὸν ἥχον αὐτὸν μετὰ μέλους· Νῦν ἐπέστη ὁ και-ρός, ὁ πάντας ἁγιάζων... Νάμασιν ἐπομβρίας, Χριστέ, πηγὴν τῶν ἰάσεων... Παναγία Θεοτόκε, τῶν χειρῶν ἡμῶν τὰ ἔργα κατεύθυνον... Прокименъ апостолъ и евангеліе. Goar. p. 360. Εἶτα ὁ διάκονος τὴν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ πάσης ἐπισκοπῆς... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ τοῦ ἁγια-σθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ... Ὑπὲρ τοῦ δωρη-θῆναι αὐτῷ δυνάμιν ἱαματικὴν... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ἐκφώνη-σις· Ὅτι πρέπει. Εὐχὴ, ἣν λέγει εἰς ἐπήκοον· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύ-ριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ... Goar. p. 361—362. Послѣ чина καὶ τὴν συνήθη ἅπασαν ἐκτενὴν· Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆ-ναι τὴν ἁγίαν μονὴν ταύτην... τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ εὐθὺς τὸ Ἐπά-κουσον ἡμᾶς, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν... Καὶ εὐθὺς γίνεται ἀπόλυσις.

л. 110. Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν ἁγίων μυστηρίων.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶν-τος, ποιμὴν ὑπάρχων καὶ ἀμνὸς ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου... Conf. Goar. p. 536.

л. 113. Εὐχὴ ἐτέρα.

Ἐκλινε τὸν αὐχένα ὁ σὸς δοῦλος ὁ δεῖνα, ὁ ἀπεκδεχόμενος τὰ παρὰ σοῦ πλούσια ἐλέη. См. выше стр. 496.

л. 113 об. Εὐχὴ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων ἄφεσιν ἁμαρτιῶν δωρησάμενος... Goar. p. 537.

л. 114. Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ σποράς.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ δημιουργὸς τῶν πάντων, ὁ ποιή-σας τὴν γῆν καὶ τὸν ἄνθρωπον ἐπ' αὐτήν... Goar. pag. 557.

л. 115 об. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

Σοί, Κύριε, τῷ τελειωτῇ πάντων καὶ κηδεμόνι καὶ λέγοντες καὶ ἀρ-χόμενοι τὴν εὐχαριστίαν ἐπὶ πᾶσι προσαναφέρομεν καὶ δεόμεθά σου, πα-

ράσχου ἡμῖν τὴν τῶν νέων καρπῶν μετάληψιν ἀκατάκριτον, καὶ συγκομιδὴν ἀνεπιβούλευτον, τὰ δράγματα πλήθυνον, τοὺς συγκομιζοντας ἐνίσχυσον, πολύχουν τὸν τῆς ἀρούρας καρπὸν ἐν τῇ ἄλῳνι ποίησον, ἵνα καὶ ὁ θερίζων χαίρει μετὰ τοῦ σπεύροντος καὶ ἀποκλείων μὴ ἀποκναίηται, ὥς τοῖς σοῖς ἀγαθοῖς εὐθηνούμενος. Ὅτι πῶ εἴ ὁ πληθύνων τὰ σύμπαντα, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἄλῳνα.

Ὁ Θεός, ὁ τῶν ὅλων ποιητὴς καὶ πάντων δημιουργός, ὁ εὐλογήσας τὴν σκηνὴν τοῦ Ἀβραάμ διὰ τῆς τηρήσεως αὐτοῦ καὶ ἀγγέλους ὁρατοὺς δεῖξας, ὁ διὰ τῆς φιλοξενίας αὐτῷ ἐπαγγειλάμενος στοχήσασθαι(;) τὸν Ἰσαάκ. Αὐτὸς καὶ νῦν εὐλόγησον τὴν ἄλῳνα ταύτην, ἐμπλησον, Κύριε, τὰ ταμιεῖα τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα, ἀπὸ σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου, αὐτὰ πληθυνθήσονται, ἵνα καὶ αὐτὸς ἐμπλησθῇσονται σου τοῦ μεταδίδειν ὀρφανοῖς καὶ πτωχοῖς προθύμως καὶ χήραις καὶ πένθησιν. Ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδόξασται σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς...

λ. 115. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἄλῳνα.

Ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν, Δέσποτα παμβασιλεῦ καὶ εὐεργέτα τῶν σῶν ποιημάτων, πρόσδεξαι κατὰ τὴν ἀγαθότητά σου τὴν καρποφορίαν τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα, εἰς ὁσμὴν εὐωδίας, ἐμπλησον αὐτοῦ τὰ ταμιεῖα. Goar. pag. 523.

λ. 115 οβ. Εὐχὴ εἰς θεμέλιον οἴκου. Goar. pag. 483.

λ. 116. Εὐχὴ εἰς φρέαρ μισοθέν.

Μετὰ τὸ ριφθῆναι τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον, δέον ἀντλήσαι κάδους μ'. ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, καὶ εὐχὴ Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ ἀνεκδιηγήτῳ ἀγαθωσύνη. Goar. p. 479.

λ. 116 οβ. Ἐπὶ πλοίοις, μέλλοντος πλεῖν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἐντειλάμενος τῷ Νῶε κατασκευάσαι κιβωτὸν πρὸς σωτηρίαν τοῦ κόσμου. Goar. p. 559.

λ. 117. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ πλεόντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ καταξιώσας συμπλεῦσαι τοῖς ἁγίοις σου μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις. Goar. p. 684.

— Εὐχὴ ἐπὶ δικτύων.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ πλήθους τῶν οἰκτιρμῶν σου φανερώσας. См. выше стр. 497—498.

λ. 118. Εὐχὴ ἐπὶ μελησίῳν τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Ζωσιμᾶ.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἐκ τοῦ ὄντος εἰς τὸ εἶναι τὰ σύμπαντα λόγῳ μόνῳ δημιουργήσας, Αὐτὸς Δέσποτα, διαφύλαξον καὶ τὰ

παρόντα μελήσια, τὴν εἴσοδον καὶ τὴν ἐξοδον ἀκλόνητον διατήρησον αὐτὰ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ, ὃν ἡρέτίσαντο κατοικεῖν ἀπὸ γενεᾶς. Ἁγίε Λαυρέντιε, ἅγιε Ἀγάπιε, ἅγιε Κοδράτε, ἅγιοι τεσσαράκοντα μάρτυρες καὶ ἅγιε Ζωσιμᾶ, καὶ ἅγιοι πάντες, διαφυλάξατε τὰ παρόντα μελήσια ἀπὸ πάντων τῶν ἐρπετῶν καὶ ἀπὸ τῶν πονηρῶν μερμηκῶν καὶ σκρηκῶν(;) καὶ τῆς βρουτηρίας, καὶ κάμπης, καὶ ἀπὸ πάντων τῶν ἐρπετῶν ἀβλαβῶς διαφυλαττόμενα, ὁμοίως δὲ καὶ ἀπὸ τῶν μερόπων, ὡς γὰρ πολυπλάσιον ἀποδώσουσι τὸν καρπὸν ἐν τῷ καιρῷ αὐτῶν, πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, τῶν τιμίων ἐπουρανίων, ἀχράντων νοερῶν δυνάμεων ἀσωμάτων, τῶν ἁγίων ἐνδόξων Ἀναργύρων, τῶν ἁγίων καὶ ὁσίων ἱεραρχῶν, καὶ τῇ πρεσβείᾳ τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Ζωσιμᾶ. Ὅτι σὺ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων καὶ πληθύνων τὰ σύμπαντα, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ.

λ. 119. Εὐχή, ὅταν ἀπαίρη ὁ ἄνθρωπος ἀπὸ τῶν τῆδε· γράφει δὲ ταύτην ὁ πνευματικὸς αὐτοῦ πατήρ εἰς χαρτί(ον) καὶ βάλλει εἰς τὴν χεῖρα τοῦ τεθνηκότος διὰ τὸν φόβον τῶν τελωνίων τοῦ ἀέρος καὶ τοῦ σκότους τοῦ αἵωνος τούτου.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατήρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ συγχωρήσει σοι, πνευματικόν μου τέκνον ὁ δεῖνα, ὅσα ἐνώπιον. См. ркп. Ватопед. библ. № 134 л. 359. Ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν.

— Εὐχή εἰς εὐλογίαν οἴνου. Goar. pag. 553.

λ. 119 об. Εὐχή ἑτέρα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος μεγάλα καὶ ἀνεξιχνίαστα, ὁ καὶ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταποιήσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Αὐτὸς Δέσποτα, ὡς ἐκεῖσε καὶ ἐνταῦθα παραγενόμενος, εὐλόγησον, ὃν περ ἐδωρήσω ἡμῖν εἰς εὐφροσύνην καρδίας οἶνον, ἵνα ἐπὶ σωτηρίᾳ γένηται τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν. Ὅτι σὺ ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν...

λ. 120. Κεφάλαια ὠραιότατα, α) περὶ βρώσεως καὶ πόσεως, β) περὶ μέθης, γ) περὶ ἀποχῆς κακῶν, δ) περὶ τῆς μὴ ἀγάπης τοῦ κόσμου, ε) περὶ χρημάτων, ζ) περὶ τοῦ μὴ ἐλπίζειν ἐπ' ἄνθρωπον, η) περὶ βρωμάτων.

λ. 120 об. Τοῦ Χρυσοστόμου καὶ τοῦ μεγάλου Βασιλείου περὶ πνευματικῶν καὶ τῶν εἰς αὐτοὺς ἐξομολογουμένων. Перечисляются качества исповѣдника.

λ. 122. Τοῦ Χρυσοστόμου ἐπιστολή.

Наставление о частомъ произношеніи молитвы: „Господи Исусе Христе“ и о значеніи этой молитвы.

л. 122 об. Τοῦ ἀββᾶ Βαρσανουφίου.

Наставление монаху о провождении времени въ келліи.

л. 123 об. Νικολάου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, ποίημα πρὸς τὸν πρῶτον ἄγιον, ὡς τυπικὸν κατὰ στίχον. Издается эта статья въ Иерусалимскихъ обычныхъ Типикахъ.

л. 131. Ἐκ τοῦ Τοπικοῦ τοῦ Ἀθωνος περὶ τῶν ἑορτῶν τῶν μεγάλων καὶ μικρῶν καὶ μεσαίων, ἐν αἷς δεῖ τὸν μοναχὸν ἀργεῖν ἐκ τοῦ ἔργου καὶ τὴν νηστείαν καταλύειν εἰς βρῶσιν καὶ πόσιν. Pitra. Spicil. Solesmens. t. IV. p. 455.

л. 134. Ἐζήσεν ἐν ἀνθρωπότητι ἡ ὑπεραγία Θεοτόκος ἐν τῷ ναῷ Κυρίου ἔτη ιδ'. καὶ τῷ οἴκῳ Ἰωσήφ μῆνας δ'. εὐαγγελιζέσθη καὶ ἔτεκε τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν ἔτη ιε'. καὶ ἐπὶ ἀνθρωπήσεως τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ἔτη λς'. μετὰ τὴν ἀνάληψιν ἔτη ια'. ὁμοῦ ἔτη νθ'. καὶ μετέστη εἰς οὐρανοὺς πρὸς Κύριον.

— Τοῦ ἀββᾶ Ἠσαΐου.

л. 135. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι παράκλησιν.

LXIX. № 373 (291) Ἐξοδιαστικόν, ркп. библ. Саввы Освященнаго (нынѣ патриаршей въ Иерусалимѣ) въ 16 долию листа, 119 листовъ, писана въ два столбца четкою скорописью XV в. Помѣтки, не важныя по содержанию, относятся къ 1575 и 1579 гг.

Εἴ τις ἐπίσκοπος, ἡ πρεσβύτερος, ἡ διάκονος, ἡ ὄλος τοῦ καταλόγου τοῦ ἱερατικοῦ ἐκδημήσει πρὸς Κύριον, ἀπέρχονται τρεῖς ἱερεῖς καὶ καταβιβάζουσιν αὐτὸν τῆς κλίνης, καὶ τιθέασιν ἐπὶ τῆς γῆς ἐν ψιαθίῳ καί, ἐπεὶ οὐ δεῖ λούεσθαι γυμνουμένου παρὰ τῶν ἱερέων, ἀποσπογγίζουσιν αὐτὸν μετὰ οἴνου ἢ μετὰ ὕδατος χλιαροῦ ἐν σπόγγῳ, ποιοῦντες ἐν τῷ μετώπῳ πρῶτον τοῦ τελευτήσαντος μετὰ τοῦ σπόγγου σταυρόν, καὶ ἐν τῷ ὄλῳ προσώπῳ, καὶ εἰς τὸ στῆθος σταυρόν, καὶ εἰς τὰς χεῖρας, καὶ εἰς τὰ γόνατα καὶ πλεον οὐδέν. Εἴθ' οὕτως ἐκδύουσιν αὐτὸν τὰ ἱμάτια, ἅπερ φορεῖ, καὶ ἐνδύουσιν καθαρὰ, μηδαμῶς τὴν τοῦτου γύμνωσιν ὀρῶντες, εἴτα τὴν ἱερατικὴν στολὴν ἅπασαν καὶ σκεπάζουσι τὸ πρόσωπον αὐτοῦ μετὰ τοῦ ἁέρος, καὶ τιθέασιν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω αὐτοῦ. Εἴτα χρούσαντες τὸ σιδηροῦν καὶ συναχθέντες ἅπαντες ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ἀπέρχονται οἱ ἱερεῖς ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ καὶ ἐνδύονται πάντες τὰς ἱερατικὰς στολὰς αὐτῶν, καὶ ἐξέρχονται μετὰ θυμιατοῦ καὶ λαμπάδων, προπορεύομένου τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ ἔμπροσθεν αὐτῶν, ἱερεῖς ἀκολουθοῦντες ὀπισθεν, λέγοντες μετὰ μέλους, εἰς ἥχον πλ. β'. προσόμοια τὸ Ὅλην ἀποθέμενοι. Σταυρὸς ἀνυψούμενος... Μωσῆς προετύπου σε... Σταυρὲ πανσεβάσμιε., Δόξα καί.

νῦν, θεοτοκίον ὁμοιον· Βουλὴν προαιώνιον... Φθασάντων δὲ ἐν τῷ τόπῳ, ὅπου ἐστὶ τὸ λείψανον, ἄρχονται τῆς εὐχαριστίας. Ἡ δὲ εὐχαριστία οὕτως ἔχει· Ποιοῦντος τοῦ ἱερέως Εὐλόγητόν, ἄρχονται τοῦ Τρισαγίου, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, εἴτα τὰ τροπάρια ταῦτα εἰς ἦχον δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων..., Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ.. Εἰς τὰ σκηνώματά σου, Κύριε... κ. τ. α. Οὕτως μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεὸς κ. τ. α. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Goar. p. 424. Μετὰ δὲ το. τέλος τῆς εὐχῆς, λέγομεν καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχοὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλεήμων, οἰκτίρμων, καὶ πολυέλεε, ὁ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν σταυρωθεὶς, καὶ ταφεὶς καὶ ἀναστὰς, αὐτός, Δέσποτα Χριστέ παντοκράτωρ, πρόσδεξαι τὴν δέησιν ἡμῶν καὶ ἀπάλλαξον τοῦ ἐξωτέρου σκότους τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ πάσης ἐτέρας δεινῆς κολάσεως, ὅτι ἐπὶ σὲ ἐλπίζομεν τὸν Σωτῆρα καὶ λυτρωτὴν τῶν ψυχῶν ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεὶ... Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἱερομονάχους· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον... ἐπιστρέφεις, τὸ τῆς ψυχῆς χρέος ἀπαιτῶν, Σὲ ἱκετεύομεν· πρόσδεξαι τὴν ψυχὴν τοῦ νῦν ἐξ ἡμῶν μνημονευθέντος ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα ἱερομονάχου καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, καὶ ἀνάπαυσον... Ὅτι σὺ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου... Conf. Goar. p. 449. Καὶ οὕτως ἄρχονται οἱ ἱερεῖς καὶ ἀνακλίνουσι τὸ λείψανον ἐν θρονίῳ ἢ ἐν κλίνῃ, καὶ ἄραντες αὐτόν σὺν τῷ θρόνῳ ἢ ἐν τῇ κλίνῃ, καὶ ἀπέρχονται ἐν τῷ ναῷ, φάλλοντες τὸ Τρισάγιον μετὰ μέλους· ἐστὶ δὲ ὁ ναὸς κεκλεισμένος παρὰ τοῦ προσμοναρίου, εἰ δὲ βαστάζουσιν τὸ λείψανον οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ἀκολουθοῦντες σὺν παντὶ τῷ λαῷ, ἀπέρχονται γύρωθεν εἰς τὸν ναόν, φάλλοντες ἐκ τρίτου καὶ τροπάριον εἰς ἦχον γ'. Ἡ ἐκκλησία στενάζει καὶ βοᾷ, ζητοῦσα τὸν ἱερέα, καὶ τὸ θυσιαστήριον ζητεῖ τὸν ποιμένα. Ὅμοίως δὲ φάλλοντες ἕτερον τροπάριον, ἦχος βαρύς· Ἅγιοι μάρτυρες οἱ καλῶς ἀθλήσαντες καὶ στεφανωθέντες... Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἀποστόλων τὸ καύχημα... Μετὰ δὲ ταύτην ἄρχεται ὁ προσεστώς μετὰ μέλους εἰς ἦχον γ'. ἔμπροσθεν τοῦ ναοῦ, τὸ Ἀνοίξατέ μοι πύλας δικαιοσύνης, ἵνα εἰσέλθω (καὶ) ἐξομολογήσωμαι τῷ Κυρίῳ. Ὁ δὲ προσμονάριος εὐθὺς ἀνοίγει τὴν πύλην, καὶ εἰσερχόμενοι φάλλοντες τροπάριον εἰς ἦχον πλ.β'. Χαῖρε ναὶ τοῦ Θεοῦ, χαῖρε τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, χαῖρε ἁγία τράπεζα, χαῖρε ἅγιον βῆμα Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν, χαῖρε ἁγία σκηνή, χαῖρε ἅγιον προπύλαιον, χαῖρε τοῦ Θεοῦ τὸ οἶκημα. Στίχος· Εἰσέλθοι τὸ ἀξίωμα μου, πάλιν τὸ αὐτό. Τούτου δὲ λεγομένου, ἀποτίθεται τὸ λείψανον ἐν τῷ μέσῳ

τοῦ ναοῦ καὶ τιθέασι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω αὐτοῦ, ὡς προέφημεν, καὶ τὰ μυνουάλια σταυροειδῶς μετὰ λαμπάδων, καὶ ἄρχεται ὁ προεστὼς μετὰ τοῦ θυμιατοῦ ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν ἄρχονται τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. καὶ εὐθὺς τὸ Δόξα τῇ ἁγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ καὶ ζωοποιῷ... καὶ ψάλλεται ὁ ἐξάψαλμος μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ φόβου Θεοῦ, μετὰ δὲ τὸν ἐξάψαλμον γίνεταί συναπτὴ μεγάλη ὑπὸ τοῦ διακόνου, καὶ ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ, ἡ ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ μακαρίας μνήμης καὶ αἰωνίας ἀναπαύσεως τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἱερομονάχου καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν τοῦ... Εἰ δὲ ἐστὶν ἄρχιερεὺς, οὕτως ὀφείλει· Ὑπὲρ τῆς μακαρίας μνήμης καὶ αἰωνίας ἀναπαύσεως τῆς ψυχῆς τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου ἀοιδίμου ἀρχιερέως ὁ δεῖνα τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ πᾶν πλημμέλημα... Ὑπὲρ τοῦ ἀπολαῦσαι αὐτὸν ἤχον (τῆς τῶν) ἑορταζόντων ἀγγέλων χοροστασίας τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ κοινωνόν αὐτὸν γενέσθαι τῆς ἀλήτου εὐφροσύνης τῶν ἀπ' αἰῶνος ἁγίων τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι αὐτὸν καὶ ἡμᾶς τῆς αἰωνίου κολάσεως τοῦ... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς τάξῃ τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ὅπου οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται τοῦ... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ καὶ τὴν φιλανθρωπίαν αὐτοῦ αἰτησάμενοι (παρά) Χριστῷ τῷ ἀθανάτῳ τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου... Καὶ ψάλλομεν Ἀλληλουῖα εἰς ἤχον πλ. δ'. Στίχος· Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ... Ψάλλομεν δὲ καὶ τροπάρια νεκρώσιμα εἰς ἤχον πλ. δ'. τὸ Προσταχθέν. Τὸν μεταστάντα εὐσεβῶς ἐκ τῶν προσκαίρων, ἐν ταῖς σκηναῖς τῶν ἐκλεκτῶν μετὰ δικαίων... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον ὁμοιον· Τῶν ἀσωμάτων σου, Χριστέ, καὶ τοῦ Προδρόμου, τῶν μαθητῶν, τῶν προφητῶν καὶ τῶν μαρτύρων... Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῖσμαι. Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς Παύλου τὸ ἀνάγνωσμα· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Τέλος· ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Καὶ ψάλλομεν τὸ Ἀλληλουῖα νεκρώσιμον εἰς ἤχον γ'. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· πᾶς ὅστις ὁμολογήσῃ ἐν ἐμοί... Τέλος· Πολλοὶ δὲ ἔσονται πρῶτοι ἔσχατοι καὶ ἔσχατοι πρῶτοι. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ἡ ὁ διάκονος οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. Εὐχὴ λεγομένη εἰς μοναχούς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σοφίᾳ σου κατασκευάσας τὸν ἄνθρωπον

πον καὶ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας αὐτόν... См. ркп. 1522 г. Свят.-гроб. библ. въ Константинополѣ № 615 л. 149. Ἐτέρα εὐχή εἰς ἱερομονάχους. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἐν δεσμοῖς τοῦ ἄδου κατεχομένου δούλου σου ὁ δεῖνα ἱερομονάχου καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, τοῦ πίστει ὁμολογοῦντός σε τὸν πρότερον ἄσαρκον ὄντα, ὕστερον δὲ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν ἐν τῇ μήτρᾳ τῆς ἀειπαρθένου Μαρίας οἰκήσαντα καὶ ἐξ αὐτῆς αὐθυπάρκτως σαρκωθέντα, καὶ ἡ σὰρξ, ἣν προσελάβου, ἐν τῇ θεϊκῇ σου δυνάμει ἀνασταῖσα καὶ εἰς φθοράν μὴ χωρήσασα, τὸν μονογενῆ Υἱὸν τοῦ Πατρὸς τὸν ἕνα τῆς Τριάδος καὶ μετὰ τὴν σάρκωσιν, τὸν εὐσπλαγχνίᾳ καὶ φιλανθρωπίᾳ Υἱὸν ἀνθρώπου γενόμενον, δύο φύσεις καὶ θελήσεις ἔχοντα, οὐκ ἐναντιούμενας, ὑποτασσόμενον δὲ τὸ τῆς σαρκὸς θέλημα τῷ θεϊκῷ θελήματι, καὶ δύο ἐνεργείας ἐν ἐνὶ προσώπῳ, ταύτῃ τῇ πίστει καὶ ὁμολογίᾳ τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα ἱερομονάχου ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ συλλειτουργοῦ ἐπιλαβόμενοι ἡμεῖς οἱ εὐτελεῖς δοῦλοί σου, ὁλοκαύτωσιν προσάγομέν σοι μετὰ ἔκτενοῦς ἐντεύξεως· ἐπάκουσον ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν δεομένων σου, καὶ παράσχου συγγνώμην τῷ δούλῳ σου, τῷ παροργίσαντί σε, ὡς σάρκα ἀνθρωπίνην φοροῦντι, καὶ ἀσθένειαν ἔχοντι, καὶ ὡς ἐπήκουσας τῇ δούλῃ σου Θέκλῃ τῇ πρωτομάρτυρι, τῇ ἐπὶ μητρὶ αὐτῆς εἰδωλολάτριδι, καὶ οὐ παρεῖδες τὴν δέησιν αὐτῆς, ἀλλ' ὡς ὑπεράγαθος καὶ εὐδιάλλακτος ἔδωκας αὐτῇ συγγνώμην, καὶ ὡς ἔλυσας τῆς μάστιγος Τραῖνῳ δι' ἔκτενοῦς ἐντεύξεως τοῦ δούλου σου Γρηγορίου τοῦ Διαλόγου, ἐπάκουσον καὶ ἡμῶν δεομένων σου, οὐκ ἐπὶ εἰδωλολάτριδι, ἀλλ' ἐπὶ τὸν πιστὸν σου δοῦλον, παροργίσαντά σε δι' ἀσθένειαν, διὰ τοῦτο ἁμαρτίας νεότητος καὶ ἀγνοίας αὐτοῦ μὴ μνησθῆς, Κύριε, ἀλλ' ἄνες τῶν δεσμῶν τοῦ σκότους, λύσον τῆς μάστιγος καὶ δὸς αὐτῷ συγγνώμην, καὶ ἀνάπαυσον αὐτὸν ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἐν τόπῳ χλοερῷ, ἐν τόπῳ ἀναψύξεως, ἔνθα ἀπέδρα πᾶσα ὀδύνη λύπη καὶ στεναγμός, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, εὐφραίνων πάντας τοὺς ἀπ' αἰῶνος ἁγίους σου εὐαρεστηκότας σοι. Ὅτι σὺ εἴ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τῆς ψυχῆς... Τροπάριον, ψαλλόμενον εἰς ἦχον β'. μετὰ τὴν ἐκφώνησιν· Εὐφρανον, Κύριε, σὺν ἐκλεκτοῖς τὸν δοῦλόν σου, καὶ ὅσα ὑπέσχου, πληρώσον ἱερουργήσαντα... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Μῆτερ ἁγία, ἡ τοῦ ἀφράστου φωτός, ἀγγελικοῖς σε ὕμνοις... Μετὰ δὲ ταῦτα ἱσταται ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ θυμιατοῦ ἐπάνω τοῦ λειψάνου, λέγων μετὰ μέλους εἰς ἦχον πλ. α'. Εὐλογητός εἰ, Κύριε, διδασόν με τὰ δικαιώματά σου, ἐκ γ'. Εἴτα ἀρχεται ὁ δομέστικος τοῦ δεξιοῦ χοροῦ τοῦ Ἀμώμου εἰς ἦχον πλ. α'. ἡ εἰς ἦχον β'. Ἀμωμοὶ ἐν ὁδῷ οἱ πορευόμενοι... Ἀλληλούια. Вся первая слава. Εἰ δὲ ἐστὶ κηδία μοναχοῦ, οὐ γίνεται τέλος ἕως τὸ Σὸς εἰμι ἐγώ,

σώσον ἡμᾶς. Ἐκεῖσε πάλιν μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, εἰ δὲ οὐκ ἔστιν, εὐθὺς μετὰ τὴν τελείωσιν τοῦ ψαλμοῦ τῆς στάσεως τῆς πρώτης, λέγεται τὸ ἀποστολοευαγγέλιον, προκειμένον, ἥχος πλ. β'. Τίμιος ἐναντίον Κυρίου ὁ θάνατος... Στίχος· Τί ἀνταποδώσωμεν τῷ Κυρίῳ. Πρὸς Ἑβραίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ἔχοντες ἀρχιερέα μέγαν... Τέλος· σὺ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα κατὰ τὴν τάξιν Μελχισεδέκ. Ἀλληλουάριον, ἥχος γ'. Μνήσθητι τῆς συναγωγῆς σου... Στίχος· Ὁ δὲ Θεὸς βασιλεὺς ἡμῶν πρὸ αἰώνων... Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἀκολουθεῖν, ἀπαρνησάσθω ἑαυτόν... Τέλος· ἕως ἂν ἴδωσι τὴν βασιλείαν τοῦ Θεοῦ ἐληλυθυῖαν ἐν δυνάμει. Ἐῖτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ὡς σύνηθες, λέγων· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... κ. τ. λ. Καὶ ἡ εὐχὴ αὕτη εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Goar. p. 437. ἡ ἐνθυμήσει ἡμαρτεν, συγχώρησον ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός, καὶ τῶν πενιθόντων ἀντιλήπτωρ καὶ παραμυθία γενοῦ καὶ καταύγασον τὴν ἀχλὺν αὐτῶν τῆς ἀθυμίας· τῷ νοερῷ σου φωτί, ἡμᾶς δὲ πάντας τοὺς συνελθόντας εἰς τὴν τοῦ τάφου τοῦ δούλου σου τιμὴν περικράτουν καὶ ἴλεως γενοῦ ἡμῖν ἐν ταῖς ἀνομίαις ἡμῶν. Δέσποτα Θεὲ καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, γένους θνητοῦ τε καὶ ἀθανάτου καὶ πάσης φύσεως ἀνθρωπίνης, Δημιουργέ, συνισταμένης τε καὶ πάλιν λυομένης, ζωῆς τε καὶ τελευτῆς, τῆς ἐνταῦθα διαγωγῆς καὶ ἐκεῖθεν μεταστάσεως, ὁ χρόνους μετρῶν τοῖς ζῶσι καὶ καιροὺς ἰστῶν θανάτου, κατάγων εἰς ἄδου καὶ ἀνάγων, δεσμεύων ἐν ἀσθενείᾳ καὶ ἀπολύων ἐν δυναστείᾳ, ὁ τὰ παρόντα χρησίμως οἰκονομῶν καὶ τὰ μέλλοντα λυσιτελῶς διοικῶν, ὁ τοὺς θανάτου κέντρῳ πληγέντας, ἀναστάσεως ἐλπίσιν εὐφραίνων. Αὐτὸς Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ἡ ἐλπίς πάντων τῶν περάτων τῆς γῆς καὶ τῶν ἐν θαλάσσῃ μακράν, ἐπάκουσόν μου δεομένου σου καὶ ἀνάπαυσον τὴν ψυχὴν τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁ δεῖνος ἐν τόποις φωτεινοῖς, ἐν τόποις γλοεροῖς, ἐν τόποις ἀναψύξεως, ἐνθα ἀπέδρα ὀδύνη, λύπη καὶ στεναγμὸς ἐν σκηναῖς δικαίων, καὶ εἰρήνης καὶ αἰνέσεως ἀξίωσον, ὅτι οὐχ οἱ νεκροὶ αἰνέσουσί σε, Κύριε, οὐ δὲ ἐλπιούσιν οἱ ἐν ἄδου τὴν ἐλεημοσύνην σου, ὅτι οἱ εἰς σὲ πιστεύουσιν οὐ θνήσκουσιν, ἀλλὰ ζῶσιν ἐν σοὶ εἰς αἰῶνα αἰῶνος ἐν τῇ βασιλείᾳ σου. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου... Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἱερομονάχους· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάσης κτίσεως Δημιουργός, ὁ οἰκῇσιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα διέπων ἐπὶ τῆς γῆς· Σὺ γὰρ ἐπίστασαι τοῦ πρὸς σὲ ἐκδημήσαντος ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα ἱερομονάχου καὶ συλλειτουργοῦ τὴν ἐργασίαν τὴν ἐν τῷ οἴκῳ σου ἐργασαμένην καὶ τὰ μεγαλεῖα σου ἐκτελέσαντος, καὶ ἄμειψον αὐτόν, ἀγαθὲ, τὴν ἐκεῖθεν ἄνεσιν, καὶ παράσχου αὐτῷ, ἐνθα

ἐστὶ φωτεινὴ κατοίκησις, ἐν χώρᾳ ζώντων, ἐν ταῖς τῶν δικαίων σου σκηναῖς μετὰ πάντων τῶν δικαίων σου, συγχωρῶν αὐτοῦ τὰ ὀφειλήματα, καὶ ἄξιωσον τῆς σῆς ἐλλάμφεως τε καὶ ἀγαθότητος. Ὅτι σὺ εἶ, ὁ ζώντων καὶ νεκρῶν κυριεύων, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ... Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν τῆς εὐχῆς, ἄρχεται ὁ δομέστικος τοῦ δευτέρου χοροῦ μετὰ μέλους, εἰς ἣχον β'. τὸ Αἰ χεῖρές σου... Ἐλέησόν με, Κύριε... Ἀλληλούια. *Весь псаломъ съ тѣмъ же припѣвомъ.* Εἰ δὲ καὶ ἐστὶν ἡ κηδία μοναχοῦ, ψάλλεται ὁ παρῶν στίχος ἐκ τρίτου εἰς ἣχον πλ. α'. Καὶ μετὰ τὸ τέλος μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, εἰ δὲ οὐκ ἔστι, ψάλλεται καὶ ὁ αὐτὸς στίχος, ὡς καὶ τοὺς ἄλλους, καὶ οὐ γίνεται ἡ δευτέρα στάσις τοῦ Ἀμώμου ἐνταῦθα, ἀλλὰ, καθὼς ἐστὶν διηρμηνευμένον, Σός εἰμι ἐγώ, σῶσόν με. Ἀλληλούια и д. т. Καὶ λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ φυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῖζομαι... Πρὸς Κορινθίους πρώτης ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· τῷ διδόντι ἡμῖν τὸ νίκος διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Καὶ ὁ ψάλτης λέγει τὸ ἀλληλουάριον, Μακάρισον, ὃν ἐξελέξω καὶ προσελάβου. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγώ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. Καὶ εὐθὺς λέγει τὴν παροῦσαν εὐχὴν εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀρρήτη σου σοφία δημιουργήσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τοῦ χοῦ τοῦτον ἀναμορφώσας, ὡς εἶδος καὶ κάλλος, καὶ ἐξωραΐσας, ὡς τίμιον καὶ οὐράνιον κτῆμα, εἰς δοξολογίαν καὶ εὐπρέπειαν τῆς σῆς δόξης καὶ βασιλείας, διὰ τὸ κατ' εἰκόνα καὶ καθ' ὁμοίωσιν τοῦτον παραγαγεῖν, τὴν ἐντολὴν δὲ παραβάντα τοῦ σοῦ προστάγματος καὶ μεταλαβόντα τῆς εἰκόνης, καὶ οὐ φυλάξαντος, καὶ διὰ τοῦτο, ἵνα μὴ τὸ κακὸν ἀθάνατον γένηται, ὡς φιλόανθρωπος κελεύσας τὴν κρᾶσιν καὶ μίξιν ταύτην τῷ σῷ θείῳ βουλήματι ἀποτέμνεσθαι τε καὶ διαλύεσθαι, τὴν δὲ φυχήν ἐκεῖθεν χωρεῖν, ἔνθα καὶ τὸ εἶναι προσελάβετο μέχρι τῆς κοινῆς ἀναστάσεως, διὰ τοῦτο δεόμεθ' αὐτοῦ τοῦ ἀνάρχου καὶ ἀθανάτου Πατρὸς καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, ἵνα μὴ παρίδῃς τὸ σὸν πλάσμα καταποθῆναι τῇ ἀπωλείᾳ, ἀλλὰ τὸ μὲν σῶμα διαλυθῆναι εἰς τὰ ἐξ ὧν συνετέθη, τὴν δὲ φυχήν καταταγῆναι ἐν χορῷ τῶν δικαίων. Ναί, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, νικησάτω σου τὸ ἄμετρον ἔλεος καὶ ἡ φιλανθρωπία σου ἡ ἀνείκαστος, καὶ εἴτε ὑπὸ κατάραν πατρός, ἢ μητρός, ἢ τῷ ἰδίῳ ἀναθέματι ὑπέπεσεν ὁ δοῦλός σου οὗτος, ἢ τινα τῶν ἱερομένων παρεπείκρανε καὶ δεσμόν ἄλυτον παρ' αὐτοῦ ἐδέξατο, ἢ ὑπὸ ἀρχιερέως βαρυτάτῳ ἀφορισμῷ περιέπεσεν, ἢ ἀμελείᾳ καὶ

ῥαθυμία χρησάμενος, οὐκ ἔτυχε συγχωρήσεως, συγχώρησον αὐτῷ δι' ἐμοῦ
 τοῦ ἁμαρτωλοῦ καὶ ἀναξίου δούλου σου καὶ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐν σκη-
 ναῖς δικαίων ἀγίων κατὰ ταξον. Ναί, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῷ κορυφαίῳ
 Πέτρῳ ταύτην τὴν ἐξουσίαν δούς, ὥστε τῶν ἁμαρτημάτων διδόναι τὴν
 ἄφεσιν καὶ εἰπών· ὅσα ἂν δήσῃ καὶ λύσῃ, ἵνα ὡσαυδεδεμένα καὶ λελυ-
 μένα, καὶ δι' αὐτοῦ τὴν ἐξουσίαν ταύτην καὶ ἡμεῖν χαρισάμενος, συγχώ-
 ρησον πάντα τὰ ἁμαρτήματα τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁ δεῖνα ἐν
 τε τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι πρεσβείαις τῆς σῆς ἐνδόξου καὶ πα-
 ναχράντου Μητροῦ καὶ πάντων τῶν ἀγίων. Ἀμήν. Ἐτέρα εὐχὴ εἰς ἱερομο-
 νάχους· Ὁ Θεός ὁ Θεός, ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος κριτὴς τῶν μεθ'
 ἡμῶν συμβουλευόντων, καὶ τὸν ἐκ τοῦ κόσμου τούτου ἐκδημήσαντα ἱερέα καὶ
 μοναστήν, φιλάνθρωπε, τῆς ἐκεῖθεν ζωῆς κληρονόμον ἀνάδειξον, τῶν ἐν-
 ταῦθα, ὡς ἄνθρωπον πλημμελήσαντα, λήθην ποιούμενος, ἁμαρτίας ἐλευ-
 θέρωσον, καὶ ἡμῶν τὸν βίον διεξάγαγε, ἵνα σοι εὐαρέστως αἰτούμενοι εἰς
 θεράπευσιν τῆς ἡτοιμασμένης ἁμαρτίας ἐλευθερώσῃς. Ὅτι σὺ εἰ ἀνά-
 στασις, ἡ ζωὴ καὶ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου... Слнч. выше стр. 57
 и 480. Εἶτα ὁ φάλτης ἄρχεται μετὰ μέλους εἰς ἥχον γ'. τὸ Ἐλέησόν με.
 Ἀλληλουῖα. Ἐπιβλεφόν ἐπ' ἐμέ καὶ ἐλέησόν με... Ἀλληλουῖα. Весъ
 псаломъ. Αἱ γενεαὶ πᾶσαι. Ἀβραάμ ἐν κόλποις καὶ μετὰ Λαζάρου τά-
 ξον, ἐλεήμων, ψυχὴν, ἣν προσελάβου. Ἀγαλλιάσσομαι ἐγὼ ἐπὶ τὰ λόγια
 σου, ὡς ὁ εὐρίσκων σκύλα πολλά... Στίχος· Ἀβραάμ ἐν κόλποις. Ἀδι-
 κίαν ἐμίσησα καὶ ἐβδελυξάμην... и т. д. Καὶ εὐθὺς λέγει ὁ πρῶτος χορὸς
 τὰ νεκρώσιμα εὐλογητάρια· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε, διδάξόν με... Τῶν ἀγίων ὁ
 χορὸς... Ὁ (σῆ) παλάμη ἐκ μὲν ὄντων πλάσας... Εἰκὼν εἰμι τῆς ἀρρήτου δό-
 ξης σου... Οἱ τὸν ἁμὸν τῆς ἀρρήτου κηρύξαντες... Ἱεραρχῶν καὶ ὁσίων,
 Κύριε, ἀσκητῶν καὶ πάντων τῶν ἀγίων, ἔνθα φωναὶ εὐλαβῶς δοξάζουσι
 σὺν χοροῖς τῶν θείων ἀρχαγγέλων μέλος τὸ Τρισάγιον μέλπουσι, σὺν αὐτοῖς
 ἡμᾶς σὺνταξον, ὡς εὐσπλαγχνος. Οἱ τὴν ὁδὸν τὴν στενὴν βαδίσαντες... Ἀνά-
 παυσον, ὁ Θεός, τὸν δούλόν σου. Δόξα, Τὸ τριλαμπές τῆς μιᾶς θεότητος...
 Καὶ νῦν, Χαῖρε σεμνὴ ἡ Θεόν... Ἀλληλουῖα, Ἀλληλουῖα Δόξα σοι ὁ Θεός
 γ'. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Κύριος ποιμαίνει... Στίχος· Τὴν ψυχὴν
 μου ἐπέστρεψε. Πρὸς Κορινθίους δευτέρας· Ἀδελφοί, οἴδαμεν, ὅτι ἐὰν ἡ
 ἐπίγειος ἡμῶν οἰκία τοῦ σκήνους καταλυθῇ.. Τέλος· Τοὺς γὰρ πάντας
 ἡμᾶς φανερωθῆναι δεῖ ἔμπροσθεν τοῦ βήματος τοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλου-
 ἄριον, Μὴ εἰσέλθῃς εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ δούλου σου. Εὐαγγέλιον κατὰ
 Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους...
 Τέλος· Ἰησοῦς δὲ ἐκρύβη καὶ ἦλθεν ἐκ τοῦ ἱεροῦ, διελθὼν διὰ μέσου αὐ-
 τῶν καὶ παρήγεν οὕτως. Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος· Ἐλέη-

σον ἡμᾶς... κ. τ. λ. Καὶ ἡ εὐχὴ εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.
 Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παντοκράτωρ, κλῆνον. Κύριε, τὸ οὖς σου
 καὶ ἐπάκουσόν μου καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε, τὸν ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως
 κεκοιμημένον, ἀνάπαυσον μετὰ τῶν ἁγίων σου, σύναφον καὶ στήσον ἐκ δεξιῶν
 σου ἐν τῇ βασιλείᾳ σου, ἀνάκλινον αὐτὸν εἰς κόλπους Ἀβραάμ καὶ ψώμισον
 αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ξύλου τῆς ζωῆς, ὅπως καὶ Αὐτὸς ἀκούσῃ τῆς εὐλογημένης
 φωνῆς τῆς λεγούσης· Δεῦτε, οἱ εὐλογημένοι τοῦ Πατρὸς μου, κληρονομήσατε
 τὴν ἡτοιμασμένην ὑμῖν βασιλείαν ἀπὸ καταβολῆς κόσμου, καὶ χάρισαι αὐτῷ,
 ὃ ὀφθαλμὸς οὐκ εἶδε καὶ οὖς οὐκ ἤκουσε, καὶ ἐπὶ καρδίαν ἀνθρώπου οὐκ
 ἀνέβη, ὃ ἡτοίμασεν ὁ Θεὸς τοῖς ἀγαπῶσιν αὐτόν, καὶ εἴ τι αὐτῷ πε-
 πλημμέλῃται ἢ παρεώραται, ὡς ἀνθρώπῳ, σάρκα φορέσαντι, Σὺ, ὡς ἀγα-
 θὸς καὶ φιλόανθρωπος, παριδεῖν καταξίωσον· ὑμῶν γάρ ἐστι τὸ εὐξασθαι,
 παρὰ σοῦ δὲ τὸ ἔλεος διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ
 Χριστοῦ, τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν
 αἰώνων. Ἀμήν. Ἐτέρα εὐχὴ εἰς ἱερομονάχους· Μνήσθητι, Κύριε, πάντων
 τῶν προαναπαυσασμένων πατέρων ἡμῶν ὀρθοδόξων δούλων σου καὶ τοῦ
 ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε, ἱερομονάχου καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, καὶ συγχώ-
 ρησον αὐτοῦ τὰ πλημμελήματα, καὶ εἴ τι ἡμαρτεν ἐκουσίως ἢ ἀκουσίως,
 καὶ ἄξιωσον αὐτὸν ἐν ταῖς τῶν δικαίων σου σκηναῖς, καὶ ἡμᾶς πάντας
 ἄξιωσον εὐχαριστεῖν σοι ἡμέραν ἐξ ἡμέρας τὸν ὑπόλοιπον χρόνον τῆς
 ζωῆς ἡμῶν. Σὺ γὰρ εἶ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάστασις... Καὶ εὐθὺς λέγομεν τὰ
 παρόντα στιχηρὰ εἰς ἤχον πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, μετὰ δι-
 καίων τὸν δοῦλόν σου... Δόξα, Καὶ πάντα τὰ ἐν ἀγνοίᾳ καὶ γνώσει... Καὶ
 νῦν, θεοτοκίον· Ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ, Χριστέ ὁ Θεός... Καὶ
 οὕτως λέγομεν τὸν Ν'. ψαλμόν. Μετὰ δὲ τὸν Ν'. ψαλμόν, φάλλομεν τὰ
 τροπάρια ταῦτα εἰς ἤχον πλ. α'. χῦμα· Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ
 βίου διαδραμών... Δόξα, Ἀνάπαυσον, Κύριε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου,
 ὡς εὐσπλαγχνός... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα
 εὐλογημένη... Καὶ μετὰ τὸ θεοτοκίον, φάλλομεν προσόμοια, ἦχος πλ. α'.
 Πρὸς τὸ Ὅσιε πάτερ. Ὅταν καθίσῃς ἐπὶ θρόνου κρῖναι πᾶσαν πνοήν...
 Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς. Ὁ κυριεύων καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων Κύριος
 καὶ πάντων ἀφθαρσία καὶ ἀπολύτρωσις... Ἐν γῇ πράεων, ἔνθα ἦχος ἔξα-
 κούεται τῶν ἑορταζόντων... Καὶ εὐθὺς ἀντίφωνον πρῶτον, ἦχος πλ. α'.
 Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με... Ἀλληλούια. Κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυ-
 χήν μου ἀπὸ χειλέων... Ἀλληλούια. Τί δοθείη σοι καὶ τί προστεθείη
 σοι... Ἀλληλούια. Τὰ βέλη τοῦ δυνατοῦ ἠκονημένα... Ἀλληλούια. Οἶμοι
 ὅτι ἡ παροικία μου ἐμακρύνθη, κατεσκήνωσα... Ἀλληλούια. Πολλὰ παρῶ-
 κησεν ἡ ψυχὴ μου... Ἀλληλούια. Ὅταν ἐλάλουν αὐτοῖς, ἐπολέμουν με...

Ἀλληλουῖα. Καὶ εὐθὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. α'. Ἐνθα εὐφραϊνομένων ἐστὶν ἡ κατοικία, ἔνθα ἡχος τερπνότητος... Ὡς ὅναρ τὰ τοῦ βίου εἰδὼς καὶ ἀσθενέστερα σκιᾶς ὁ ἰκέτης σου ἐμφρόνως αὐτῶν ὑπέστη... Λόγοις σου τοῖς σεπτοῖς παιδαρχῶν ὁ σὸς ἰκέτης τὰ ἐν κόσμῳ κατέλιπε... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον, ὁ αὐτός· Λαῖλαψ ἁμαρτιῶν χαλεπῶν ἐν τῷ πελάγει με τοῦ βίου κατέλαβεν... Καὶ ἀρχόμεθα τοὺς ἀναβαθμούς, ἀντίφωνον α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαί... κ. τ. α. Goar. p. 439. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα... Στίχος· Τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ ὄρος Κυρίου. Πρὸς Κορινθίους πρώτης ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγγήγερται ἐκ νεκρῶν... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Ἀλληλουάριον, Οὗτος λήψεται εὐλογίαν παρὰ Κυρίου. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτο ἔστι τὸ θέλημα. Τέλος· Καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἡ ὁ διάκονος οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχὴ εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία... Goar. p. 453. ἐν κόλποις Ἀβραάμ, ἀνάπαυσον. Ἰκετεύομέν σε, Υἱὲ καὶ Δόγε τοῦ ζῶντος καὶ ἀοράτου Πατρός, πολυέλεε Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ἡμεῖς οἱ τῇ προστάξει σου καταξιωθέντες ἱερουργεῖν σοι καὶ πρεσβεύειν ὑπὲρ τῶν πταιόντων σοι, ζώντων καὶ τεθνεότων, καὶ προσέταξας ἡμῖν, λέγων τῷ παναχράντῳ σου στόματι· ὅσα ἂν δῆσῃται ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται δεδεμένα ἐν τοῖς οὐρανοῖς, καὶ ὅσα ἂν λύσῃται ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται λελυμένα ἐν τοῖς οὐρανοῖς, διὰ τοῦτο, θαρρόντες εἰς τὸ πολὺ ἔλεός σου, προσάγομέν σοι μετὰ παρακλήσεως τὴν δέησιν ταύτην ὑπὲρ τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁδε. Αὐτὸς ἄνδρες, ἄφες, συγχώρησον τὰ ἐκούσια καὶ τὰ ἀκούσια πταίσματα, δεόμεθά σου, ἀπόλυσον αὐτὸν τῶν αἰώνιων δεσμῶν καὶ τῆς φυλακῆς, καὶ κατάταξον αὐτὸν εἰς τὸν φωτεινὸν σου χορόν, ἔνθα οἱ ἐκλεκτοὶ σου δοῦλοι ἐπαναπαύονται, καὶ ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ τοῦ προσώπου σου ἄγαλμα αὐτοὺς ἐν γῇ πράων, ἔνθα ἡχος ἐξακούεται τῶν ἑορταζόντων, ὅπου ἐκλάμπει, Χριστέ, τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου ἐν ταῖς σκηναῖς τῶν ἀγαπώντων σε, εἰς τόπον χλόης, οὗ ἀπέδρα λύπη καὶ στεναγμός, οἰκτίρμων, ὅπου ὁσίων καὶ ἐκλεκτῶν χοροστασαίαι ὁμνοῦσί σε τὸν Θεόν, (κατά)ταξον τὸν δοῦλόν σου τὸν πιστόν, ὃν προσελάβου, τὴν ἀπολύτρωσιν αὐτοῦ καὶ ὀφλημάτων διδούς, φιλάνθρωπε, ὡς μόνος ἀναμάρτητος, ἐλεῆμων καὶ ἀνεξίκακος. Ὅτι σὲ αἰσθανόμεθα ὑπεράγαθον λυτρωτὴν τῶν αἰώνιων δεσμῶν τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἱερομόναχον· Οὐκ ἔστι προσωποληψία παρὰ σοῦ, Κύριε, μίαν γὰρ εἰσόδον ποιήσας, ὥσπερ καὶ ἔξοδον, ὅθεν τὸ κοινὸν χρέος προφράσας(;) τοῦ δούλου σου ὁδε, ἱερομόναχον

ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ συλλειτουργοῦ, καὶ συνμοναστοῦ, ἀνάπαυσον αὐτὸν εἰς τὴν βασιλείαν σου, καὶ ὥσπερ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ σου λειτουργεῖν αὐτὸν ἀνέδεξας, οὕτω καὶ ἐν τῷ οὐρανῷ σου θυσιαστηρίῳ καταξίωσον αὐτὸν λειτουργεῖν σοὶ ἄπαυστα, ἐπὶ ἀνθρώπῳ πνευματικῇ καὶ ἱερατικῇ ἀξίᾳ ἐτίμησας καὶ ἐπὶ ἀγγέλων καὶ ἀρχαγγέλων τῇ σῇ ἀγαθότητι καταξίωσον· τὴν γὰρ ζωὴν αὐτοῦ εὐλόγησας καὶ τὴν ἔξοδον δικαίωσον, τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἀνάπαυσον μετὰ πάντων τῶν εὐαρεστησάντων σοι, ὧν καὶ ἡμᾶς καὶ σὴ εὐσπλαγχνία μετόχους ἀνάδειξον. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία τοῦ μογογενοῦς σου Υἱοῦ... Καὶ εὐθὺς λέγομεν κάθισμα, ἤχος β'. Σήμερον χωρίζομαι ἀπὸ τῆς συγγενείας μου... Καὶ μετὰ τὸ κάθισμα, ψάλλομεν στιχηρὰ τοῦ Δαμασκηνοῦ ταῦτα, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Πέντε, ἤχος α'. Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Ἔργω, Σωτήρ μου, δεικνύς, ὅτι σὺ εἶ πάντων ἀνάστασις... Νέος Ἀδὰμ γεγονώς τοῦ Θεοῦ, ἐπουράνιε ἔσωσάς με... Τί ὕψαυχεῖτε, βροτοί, καὶ ἐν βίῳ τί μάτην ταράττεσθε... Ἐθου, Σωτήρ, λειτουργοὺς ἐκλεκτοὺς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ σου μιμουμένους... Δόξα καὶ νῦν, Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις προσδεχομένη καὶ θλιβομένη στεναγμόν... Τὰ ὅλα στιχηρὰ τῆς Ὁκτωήχου ἔχουν τὴν τοιαύτην ἀκροστιχίδα· Σούς, Χριστέ, δούλους γράφον ἐν ζώντων βίβλῳ. Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἤχος πρῶτος· Πανεύφημοι μάρτυρες... Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας μεθέξεως τὸν μετασπάντα ἀνάπαυσον... Οὐδεὶς ἀναμάρτητος, οὐδεὶς τῶν ἀνθρώπων γέγονας... Ὑπὲρ τὰ ὁρώμενα τὰ σά, Σῶτερ, ἐπαγγέλματα, ἃ ὀφθαλμὸς οὐ τεθέαται καὶ οὐς οὐκ ἤκουσεν... Δόξα, Σταυρῷ σου γηθόμενος, σταυρῷ πεποιθώς ὁ δοῦλός σου... Καὶ νῦν, Χριστὸν ἐκδυσώπησον τὸν σὸν τόκον, Μητροπάρθενε, τὴν τῶν πταισμάτων συγχώρησιν... Καὶ μετὰ τὰ προσόμοια, ψάλλομεν στιχηρὰ, τροπάριον, ἤχος πλ. α'. Ἡ αἰὶδιμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ σήμερον πληροῦται... Δόξα, Σὺ ἐπλασάς με καὶ ἔθηκας ἐπ' ἐμέ τὴν χειρὰ σου... Καὶ νῦν, Ἡ κεχαριτωμένη μεσίτευσον σαῖς δεήσεσι... Εἴτα, λέγει ἀντίφωνον β'. ἤχος πλ. α'. Ἀλληλούια β'. Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὰ ὄρη... Ἀλληλούια, Ἀλληλούια. Ἡ βοήθειά μου παρὰ Κυρίου... Ἀλληλούια, Ἀλληλούια. Εἴτα ψάλλομεν τροπάριον, ἤχος β'. Τὰ τοῦ βίου τερπνὰ τῷ πόθῳ σου, Κύριε, ἐγκαταλιπόνια θερμῶς... Δόξα, Τὸν ὑπακούσαντα τῆς ἐντολῆς σου, Χριστέ, καὶ ἄραντα τὸν σταυρόν σου... Καὶ νῦν, Τὴν πᾶσιν ἐλπίδα μου εἰς σὲ ἀνατίθην, Μῆτερ τοῦ Θεοῦ... Εἴτα λέγομεν τὸ β'. ἀντίφωνον, ἤχος β'. Ἐν τῷ οὐρανῷ τὰ ὄμματα μου ἐκπέμπω κ. τ. α. Εἴτα τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β'. Μακάρισον, ὃν ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ. Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, εἰ γὰρ ἐχθροὶ ὄντες κατηλλάγημεν τῷ Θεῷ

διὰ τοῦ θανάτου τοῦ Υἱοῦ αὐτοῦ... Τέλος· Οὕτω καὶ ἡ χάρις βασιλεύσει διὰ δικαιοσύνης εἰς ζωὴν αἰώνιον διὰ Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ Κυρίου ἡμῶν. Ἀλληλουάριον, ᾠδὴ πλ. β'. Μακάριος, ὁ συνιών... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Ἐἶπεν ὁ Κύριος· οὐδεὶς ἀναβέβηκεν εἰς τὸν οὐρανόν, εἰ μὴ ὁ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβάς... Τέλος· ἵνα κρίνῃ τὸν κόσμον, ἀλλ' ἵνα σωθῇ ὁ κόσμος δι' αὐτοῦ. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεὸς κ. τ. λ. Εὐχὴ εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ τοῦ ἐλέους, ὁ πάντα φέρων ἀναδυσάμενος τῷ ῥήματι τῆς δυνάμεως, οὗ τῷ προστάγματι τὰ πάντα ὑπέκειν δουλεύοντα, ὁ τῇ μὲν θελήσει τὴν δύναμιν, τῇ δὲ δυνάμει τὴν θεοπρεπῆ καὶ παντουργὸν καὶ ἀκάματον ἐνέργειαν ἐφάμιλλον ἔχων, ὁ διὰ τῶν σῶν μαθητῶν καὶ ἀποστόλων τὴν τοῦ δεσμεῖν τε καὶ λύειν ἐξουσίαν καὶ ἡμῖν δεδωκώς τοῖς ἀναξίοις, ὁ εἰπών· ὅσα ἂν λύσητε ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται λελυμένα ἐν τῷ οὐρανῷ, καὶ ὅσα ἂν δήσητε ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται δεδεμένα ἐν τῷ οὐρανῷ, καὶ τὸν πιστὸν ἐξ ἡμῶν μεταστάντα δοῦλόν σου τῶν ἐκουσίων τε καὶ ἀκουσίων ἀπαλλάξας ἀμαρτημάτων πάντων, τῶν ἐπικειμένων λύσον δεσμῶν διὰ τῶν ἀναξίων ἡμῶν μνήσθητι τῆς φυσικῆς (αὐτοῦ) χρηστότητος καὶ τῶν οἰκτιρμῶν σου δεόμεθα καὶ τῆς ἀρρήτου καὶ ὑπερφυοῦς συγκαταβάσεως, ἣν ὑπὲρ λόγον μόνος εἰργάσω διὰ τὴν σωτηρίαν ἡμῶν, μνήσθητι τῆς ἀγαθῆς τούτου προθέσεως καὶ τῆς πρὸς ἀρετὴν οἰκειώσεως, οἶδας ὁ πάντα εἰδώς τὸ τῆς φύσεως καὶ τῆς διανοίας ἡμῶν εὐόλισθόν τε καὶ ἀπερίτρεπτον, καὶ ὅτι οὐδεὶς καθαρὸς ἐνώπιόν σου· Σὺ γάρ μόνος ἁγιασμοῦ πηγή, καὶ αὐτὸς καθαρσις· καθαρὸς γάρ μόνος πέλεις καὶ ἀναμάρτητος. Σὺ οὖν, ἀγαθὲ καὶ φιλόνητο, τὰ ἐν γνῶσει καὶ ἀγνοίᾳ συγχωρήσας ἀμαρτήματα καὶ πάντα τὰ δεσμὰ καὶ προσκόμματα, καὶ πᾶσαν ἔξιν οὐκ ἀγαθὴν καὶ αἰδιδίον καὶ δυσχερὴ καὶ ἀνόητον λύσας, σὺν ἁγίοις ἀνδράσι τοῦτον τάξον ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ὅπου ἀπέδρα ὁδύνη, λύπη καὶ στεναγμός, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, εὐφραίνει τοὺς ἀπ' αἰώνος ἁγίους σου πρεσβεῖαις τῆς παναγίας καὶ παναμώμου Μητρὸς σου, τῶν θεοειδῶν ἀγγέλων καὶ θείων σου μαθητῶν καὶ ἀποστόλων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι Σὺ εἴ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ, ἡ ἀνάπαυσις τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου ἀειμνήστου δούλου σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν.. Ἐτέρα εὐχὴ εἰς ἱερομονάχους. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ Παρθένου τεχθεὶς καὶ σάρκα φορέσας, καὶ ἄνθρωπος γενόμενος τέλειος Θεὸς καὶ τέλειος ἄνθρωπος, ὁ δι' ἐμέ κατ' ἐμέ γεγονώς καὶ σταυρὸν καὶ θάνατον τῇ σαρκὶ ὑπομείνας, ἀνάπαυσον τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ὁδεῖνα, ἱερομονάχου ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ συλλειτουργοῦ, καὶ τάξον αὐτὴν ἐν τῷ

φωτὶ καὶ τῇ χώρᾳ τῶν ζώντων. Ὅτι σὺ εἰ ἀνάστασις, ἡ ζωή... Τροπάριον νεκρώσιμον, ἤχος β'. Ἐν πίστει καὶ ἀγάπῃ, καὶ ἐλπίδι, καὶ πραότητι, καὶ ἀγνοίᾳ, καὶ ἐν τῷ ἱερατικῷ ἀξιώματι... Καὶ εὐθὺς λέγομεν ταῦτα τὰ ἰδιόμελα τοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Ὁδυρμός, ἤχος β'. Οἱμοι οἶον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ, χωριζομένη ἐκ τοῦ σώματος... Δεῦτε, ἴδωμεν πάντες θαῦμα ὑπὲρ νοῦν... Ὑλὴν πλούτου τί μάτην θέλγεσθε, βροτοί... Ῥύει μὲν πάντων τῶν ὄντων ἡ φύσις καὶ ὡς χόος ὑπὸ ἀνέμου ἀφανίζεται... Μύροις πάλαι τὴν τέφραν ἔχριον, οὐδαμῶς τῆς ὥρας ταύτης ἐμνημόνευσον... Οἱμοι ὥσπερ οὐκ ὦν ἐπὶ τῆς γῆς ποτε ἐταραττόμενη, ὁ θανὼν ἐκβοᾷ... Στόμα ἄλαλον ἔχων, πνεύματι βοῶ· μνεῖαν μου πάντοτε ποιεῖτε, γνωστοί... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου εἰς σὲ ἀνατίθην... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἤχος β'. Πρὸς τὸ Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Ῥύμην τοῦ θανάτου καὶ φθορὰν σου τῷ ζωηφόρῳ θανάτῳ καθεῖλες, Δέσποτα... Ἴνα τοὺς ἀνθρώπους κοινωνοὺς θείας βασιλείας ἐργάσῃ... Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα βουληθεὶς, τῆς οἰκονομίας τὸ ὄντως βαθὺ μυστήριον χαίρων ἐξετέλεσας, ὡς ὑπεράγαθος... Τρόμῳ τῷ φρικτῷ καὶ φοβερῷ βήματι τῷ σῶ παρεστῶτες οἱ ἀπ' αἰῶνος νεκροί... Εὐὰς προμήτορος, ἀγνῆς, σὺ τὴν ὀφειλὴν συλλαβοῦσα Θεὸν ἀπέτισας... Εἶτα ψάλλομεν στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος πλ. β'. Πρὸς τὸ Ἡ ἀπεγνωσμένη. Ἀπηγορευμένους τοῖς ἀδελφοῖς μου καὶ κεχωρισμένους τῶν προσφιλῶν μου... Βεβορβορωμένους ταῖς ἀμαρτίαις καὶ γεγυμνωμένους τῶν κατορθωμάτων κραυγάζω τῷ πνεύματι... Γένος καὶ πατρίδα νῦν καταλείψας, μόνος ἐπορευθῆν πρὸς ξένην τρίβον... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Μεταβολὴ τῶν θλιβομένων, ἀπαλλαγὴ τῶν ἀσθενούντων ὑπάρχουσα, Θεοτόκε πανύμνητε... Εἶτα λέγομεν ἀντίφωνον γ'. ἤχος πλ. α'. Εὐφράνθην ἐπὶ τοῖς εἰρηκόσι μοι εἰς οἶκον Κυρίου... Ἀλληλουῖα, ἀλληλουῖα, ἀλληλουῖα. Ἔστωτες ἦσαν οἱ πόδες ἡμῶν ἐν ταῖς αὐλαῖς σου... Ἀλληλουῖα γ'. Καὶ λέγομεν στιχηρά, ἤχος πλ. β'. Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασκηταί, μὴ μου ἐπιλάβεσθε, ὅταν ὑμνεῖτε τὸν Κύριον... Δόξα, Ἐπειδὴ πάντες πρὸς τὴν αὐτὴν ἐπιεγόμεθα μονὴν τὸν αὐτὸν καὶ ὑποδουόμεθα λίθον... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Τὸ ὄμμα τῆς καρδίας μου ἐκπέμπω πρὸς σέ, Δέσποινα... Καὶ εὐθὺς λέγομεν ἀντίφωνον, ἤχος γ'. Τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών σὺ ἐξεῖλυσαι ἐκ Βαβυλῶνος... κ. τ. α. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ὅτι ἐρρύσατε τὴν ψυχὴν μου, Στίχος· Τοὺς ὀφθαλμοὺς μου ἀπὸ δακρύων. Πρὸς Κορινθίους πρώτης ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, εἰ Χριστὸς κηρύσσεται, ὅτι ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται· πῶς λέγουσι τινὲς ἐν ὑμῖν... Τέλος· ἐπειδὴ γὰρ διὰ ἀνθρώπου ὁ θάνατος καὶ διὰ ἀνθρώπου ἀνάστασις νεκρῶν. Ἀλληλουῖον, Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐλη-

λυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ὁ Πατήρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται... Τέλος· καὶ εἰς κρίσιν οὐκ ἔρχεται, ἀλλὰ μεταβέβηκεν ἐκ τοῦ θανάτου εἰς τὴν ζωὴν. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος· Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. α. Εὐχὴ εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε, ὁ οἰκῆσιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα διέπων τὰ τῆς γῆς, Σὺ καὶ τὴν ἐργασίαν ἐπίστασαι τοῦ τελευτήσαντος ἀδελφοῦ ἡμῶν, ἦν ἐν τῷ αἰῶνι τούτῳ εἰργάσχετο, ἀμείψαι οὖν αὐτῷ δεόμεθα, μὴ κατὰ τὰς ἐπιγείους αὐτοῦ καὶ προσκαίρους πράξεις, ἀλλὰ κατὰ τὴν σὴν ἀμνησίκακον ἀγαθότητα, δώρησαι αὐτῷ ἀνεσθαι· οὐδεὶς γάρ ὤφθη ἀναμάρτητος, εἰ μὴ σὺ μόνος, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, μεγαλύνομεν καὶ δοξάζομεν τὸ κράτος τῆς δυνάμεώς σου, Κύριε, ὅτι μεγάλα καὶ ὑπερθαύμαστα ποιήσας οὐρανὸν καὶ γῆν, θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς ὡς οὐδὲν οὐκ ἐπελάβου ἀγγέλων, ἀλλὰ τῇ πολλῇ καὶ ὑπεραμετρήτῳ σου εὐσπλαγχνίᾳ καὶ φιλανθρωπίᾳ ἐπελάβου τῆς ἡμετέρας φύσεως τῆς φθαρτῆς, σχολίων ἐρπούσης, καὶ διὰ τὸ σῶσαι ἡμᾶς ἔπαθες ὑπὲρ ἡμῶν· τίς Δεσπότης ἀνεύθυνος ὑπὲρ δούλου αἰκίζεται ὡς σὺ, Δέσποτα; μεγαλύνομεν τὸ τῆς εὐσπλαγχνίας σου πέλαγος τὸ πολὺ, ὑπεράγαθε Δέσποτα, ὅτι διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν ἐκὼν ὑβρίσθης, ἐκὼν ἐραπίσθης, ἐκὼν ἐσταυρώθης, ἐλογχέυθης τὴν πλευράν, καὶ τὸ αἷμα τὸ ἄχραντον ὑπὲρ ἡμῶν ἐξέχεας· τίς αἰσθῆσιν ἔχων καὶ βλέπων ταῦτα τὰ ἄμετρά σου πρὸς ἡμᾶς σπλάγχνα οὐχ ὑπερθαυμάσεται τὸ κράτος τῆς εὐσπλαγχνίας σου, οὐ τοσοῦτον θαυμάζομεν τὸ μέγα ὑπερθαύμαστόν σου κράτος τῷ ποιήσαντι τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς, ὡς εὐδοκήσαντα γενέσθαι σε ἄνθρωπον καὶ παθόντα ὑπὲρ ἡμῶν, διὰ τοῦτο θαρρῆσαντες ἡμεῖς οἱ ἄχρεοὶ δοῦλοί σου, οἱ ταχθέντες ὑπὸ τῆς ὑπεραγάθου σου εὐσπλαγχνίας πρεσβεύειν ὑπὲρ ζώντων καὶ τῶν κατεχομένων ἐν ἄδου δεσμοῖς, ἰκετεύομέν σε, ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σου, πολυέλεε Κύριε, καὶ πρόσδεξαι τὴν δέησιν ταύτην ὑπὲρ τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁ δεῖνα τοῦ ἐξ ἡμῶν μεταστάντος καὶ ἄνες τῶν δεσμῶν καὶ ἀπόλυσον τὸν δούλόν σου τῆς μάστιγος ταύτης, καὶ ἀνάγαγε αὐτὸν ἐκ σκότους καὶ τῆς φυλακῆς καὶ κατάταξον αὐτὸν μετὰ τῶν ἐκλεκτῶν σου. Ὅτι σὺ εἰ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἱερομονάχους. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐσπλαγχνε, μακρόθυμε, πολυέλεε, ἐλεήμων Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντων τὰ κρύφια ἐπιστάμενος καὶ παρορῶν ἡμῶν τὰ πλημμελήματα, ὁ εἰπὼν· αἰτεῖτε καὶ δοθήσεται ὑμῖν. Αὐτός, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, συγχώρησον τὰ πλημμελήματα ἡμῶν τε καὶ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε ἱερομονάχου καὶ σullenτουργοῦ, καὶ τάξον αὐτὸν ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἐν τόπῳ χλοερῷ, ἐν τόπῳ ἀνέσεως καὶ ἀναπαύ-

σεως, ὅπου τῶν δικαίων τὰ πνεύματα καὶ μαρτύρων χωρεῖται εὐφραίνονται. Ὅτι σὺ εἶ πάντων τῶν κεκοιμημένων ἀνάπαυσις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ... Μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, λέγομεν κάθισμα, ἤχος πλ. β'. Ἐν κόλποις Ἀβραὰμ καὶ Ἰσῶρα τῶν ἐκλεκτῶν σου... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτόκε Παρθένε, ἰκέτευε τὸν Υἱόν σου τὸν ἐκουσίως προσπαγέντα ἐν τῷ σταυρῷ... Εἶτα λέγει τὰ στιχηρὰ ἡ ὥς τὰ ἰδιόμελα τοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ ταῦτα, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Παρακαλῶ, ἤχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει μετὰ θάνατον, οὐ παραμένει ὁ πλοῦτος... Ἄνθρωποι, τί μάτην ταρattόμεθα, ὁ δρόμος βραχύς ἐστίν, ὃν τρέχομεν, καπνὸς ὑπάρχει ὁ βίος... Ῥευστὸς ὢν, ἄνθρωπε, τί μάτην ταράττεσαι, τί ὑψαυχεῖς ὁ χαμερπής καὶ βροτός; τί οὐ φροντίζει τοῦ τέλους... Ἄνθους ἐσμέν ἄνθρωποι ἰσοσθενεῖς εὐμάραντοι· ἔτοιμοι γενόμεθα, καύσων θανάτου μαραίνει... Καθ' ὃν τρόπον ναῦς ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν πορείαν ποιοῦσα οὐκ ἰχνεύεται, οὕτως ἀνθρώπων ὁ βίος, οὕτως βροτῶν ἡ ἀξία... Ἀνύπαρκτοι, ὡς ὄναρ ἐσμέν, ὧς ἄνθρωποι, φάσμα μὴ κρατούμενον ὑπάρχον, δοκοῦντες εἶναι οὐκ ἐσμέν... Ληίζεται ἅπαντας ὁ θάνατος· οὐδεὶς γὰρ τὰς παγίδας αὐτοῦ διαφεύγει, πάντας τοὺς ἐπὶ γῆς μαραίνει... Ὅπως ἀπχτώμεθα οἱ ἄθλιοι· οἱ νέοι τὸ γῆρας ἀναμένουσιν, οἱ γηραιοὶ ἀπιστοῦσι τὴν τοῦ θανάτου ὀρεπάνην... Δόξα καὶ νῦν, Ἐν γυναιξὶν ἁγία Θεοτόκε Μητὴρ ἀνύμφευτε... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἤχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος νεκρῶται καὶ ὁ ᾄδης ἐσχύλευται... Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον, δι' οὗ ζωὴ θεδωρήται καὶ τρυφῇ ἡ ἀπόλαυσις τοῖς ἐν πίστει καὶ πόθῳ σε ὑμνοῦσι, μόνη πολυέλεε... Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὐσπλαγχνος, ὁ ἔχων ἀκχτάληπτον ἀγαθότητος πέλαγος... Δόξα, Ὑπνώσας ἐν τῷ τάφῳ, ὡς ἄνθρωπος, δυνάμει ἀηττήτῳ σου, ὡς Θεὸς ἐξανέστησας... Δόξα καὶ νῦν, Δαμπακά νοητὴν σε βασιτάζουσιν τὸ φέγγος τῆς θεότητος ὠμίλησαν παχύτητι... Εἶτα φάλλαμεν στιχηρὰ ἰδιόμελα τοῦ αὐτοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ· Ἰδοὺ κεῖμαι, ἀγαπητοί μου ἀδελφοί, ἐν μέσῳ πάντων σιγῶς καὶ ἄφωνος... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Λιμένα σε σωτηρίας ἔχομεν, Θεοτόκε Παρθένε, οἱ ἐν τῷ πελάγει τοῦ βίου χειμαζόμενοι... Εἶτα φάλλομεν τὸ ἀντίφωνον τοῦ δ'. ἤχου· Ἐκ νεότητός μου πολλὰ πολεμεῖ με πάθη... κ. τ. α. Εἶτα λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς σέ, Κύριε, κεκράξομαι... Πρὸς Κορινθίους πρώτης ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, τί ποιήσουσιν οἱ βαπτιζόμενοι ὑπὲρ τῶν νεκρῶν... Τέλος· εἰς ψυχὴν ζῶσαν ὁ ἔσχατος Ἀδὰμ εἰς πνεῦμα ζωοποιῶν. Ἀλληλουάριον, Μακαρία ἡ ὁδός, ᾗν πορεύεις. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς αὐτοῦ μαθηταῖς· εἰάν μὴ ὁ κόσμος

τοῦ σίτου πεσὼν εἰς τὴν γῆν ἀποθάνῃ, αὐτὸς μόνος μένει... Τέλος· Καὶ πᾶς ὁ ζῶν καὶ πιστεύων εἰς ἐμὲ οὐ μὴ ἀποθάνει εἰς τὸν αἰῶνα, ἀλλὰ ἔξει τὸ φῶς τῆς ζωῆς. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... κ. τ. α. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μόνος φοβερὸς καὶ ἔνδοξος, ὁ ζωῆς καὶ θανάτου ἔχων τὴν ἐξουσίαν, ὁ ἐπιστάμενος, ὁ δοὺς πνευμάτων καὶ ψυχῶν τόπους, φωτὸς ὅρια, καὶ μέτρα οὐρανοῦ, ἔργων ποσότητα καὶ πίστεως ὅλην. Αὐτὸς ἀνάπαυσον καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα ἐν ταῖς οὐρανίαις σου μοναῖς, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, καὶ δώρησαι αὐτῷ ἄνεσιν εἰς τὸ παραστῆναι μετὰ δικαιοσύνης τῷ φοβερῷ σου βήματι μετὰ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὁ Θεός, ὁ ἅγιος, ὁ δίκαιος καὶ φιλάνθρωπος, καὶ ὑπεράγαθος, ὁ συγχωρήσας διὰ Νάθαν τὸν προφῆτην Δαβὶδ καί, πολυθύσπλαγχνε, δι' ἡμῶν τῶν εὐτελῶν δούλων σου, οὓς ἐδικαίωσας τῇ φιλανθρώπῳ σου φύσει μεσιτεύειν, τοὺς διὰ τῶν ἐγκλημάτων παροργίζοντάς σε, πρόσδεξαι ἡμῶν τῇ μεσιτείᾳ, ὑπεράγαθε Κύριε, καὶ ἀνάπαυσον τὴν ψυχὴν τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁ δεῖνα ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἐν τόπῳ χλοερῷ, ἐν τόπῳ ἀναψύξεως, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, εὐφραίνει τοὺς ἀπ' αἰῶνος ἁγίους σου. Ὅτι σὺ εἰ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Ἑτέρα εὐχὴ εἰς ἱερομονάχους. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου κεκοιμημένου ἀδελφοῦ ἡμῶν ἱερομονάχου καὶ συλλειτουργοῦ, καὶ συγχώρησον αὐτοῦ πάντα τὰ πλημμελήματα, καὶ κατασκήνωσον αὐτόν, ὅπου ἀπέδρα ὀδύνη, λύπη καὶ στεναγμός, ἔνθα ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, εὐφραίνει πάντας τοὺς ἀπ' αἰῶνος ἁγίους σου, χάρισαι αὐτῷ τὴν βασιλείαν σου τὴν οὐράνιον καὶ τὴν μέθεξιν τῶν ἀφράστων σου αἰωνίων σου ἀγαθῶν, καὶ μακαρίας ζωῆς τὴν ἀπόλαυσιν. Ὅτι σὺ εἰ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Εἴτα τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Ἀδελφοί μου ἀγαπητοί, μὴ μου ἐπιλάβεσθε, ὅταν ὑμνεῖτε τὸν Κύριον... Καὶ εὐθὺς τὰ ἰδιόμελα τοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Πενθῶ, ἤχος δ'. Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Ἐπῆλθεν ὁ θάνατος, ὡς ἄρπαξ, ἐπῆλθεν ὁ φθορεὺς... Ἐνῦν ἄπνουν σε βλέποντες, θρηνοῦμεν... Θρῆνον ἐπ' ἐμοὶ μὴ ποιήσατε, ἄνθρωποι, θρῆνον γὰρ ἐπὶ νεκρὸν τελεῖσθαι οὐ γέγραπται... Ὡς ἔχομεν νῦν καιρὸν μετανοίας, ὡς ἔχομεν ἡμέραν πανηγύρεως... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἡ μόνη ἁγνὴ καὶ ἄχραντος... Ἑτεροστιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, πρὸς τὸ Ἐδωκας σημείωσιν. Ὅντως φοβερώτατον τὸ τοῦ θανάτου μυστήριον, κ. τ. λ. Goar. p. 441. Δόξα, Γένος τὸ ἀνθρώπινον πρὸς ἀφθαρσίαν ἀνόλεθρον ἐκ φθορᾶς ἀνακέχληται... Καὶ νῦν, Ῥῆσεσιν ἐπόμενοι τῶν θεηγόρων.... Καὶ εὐθὺς λέ-

γομεν τὸ παρὸν κοντάκιον εἰς ἤχον πλ. β'. 'Ὡς τῆς ζωῆς τῶν ἀνθρώπων καὶ τοῦ θανάτου ἐξουσιάζων... Καὶ ἐλθὼν ὁ ἀναγνώστης, ἱσταται ἐπάνω τοῦ λειψάνου, λέγων τοὺς οἰκους μετ' εὐλαβείας πρὸς ἀκρόασιν τῶν ἐστώτων ἀδελφῶν, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· 'Αναστασίου τοῦ ταπεινοῦ αἵνος· Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... 'Αλληλούια. Νουνεχῶς δυσωπῶ ἐπακούσατε... 'Αλληλούια и т. д. Goar. pag. 456—459. Ποσειδ' Ἄρα πόσοι ἐξαίφνης ελѣдуютъ стихирѣ: Εἶδον ἐγὼ καὶ νήπιον θνήσκοντα καὶ ζωὴν τὴν ἐμὴν ἐταλάνησα... 'Αλληλούια. Νεανίδων χορὸς ὑπακούσατε καὶ μηκέτι καλῶς καλλωπίζεσθε, οὐκ ἀκούετε, πῶς μνημονεύομεν... 'Αλληλούια. 'Όταν ἄρχοντα ἰδωμεν κείμενον, τότε μέγα μυστήριον βλέπομεν... 'Αλληλούια. Συγκαίόμεθα μόνον ἀκούοντες... 'Αλληλούια. Εἴτα λέγομεν καὶ ἕτερον κοντάκιον εἰς ἤχον πλ. δ'. Τὸν μεταστάντα ἀφ' ἡμῶν ἐκ τῶν προσκαίρων... 'Αλληλούια. Καὶ εὐθὺς λέγομεν ἑτέρους οἰκους, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· 'Ιλαρίωνος τὰ ὅλα· 'Ιδοὺ δὴ θεωρῶ τὸν ἐν βήματι, τῷ Χριστῷ λειτουργῶν, ὥσπερ ἄγγελος, νεκρὸν ὑπτιον ἤδη καὶ ἄφωνον... 'Αλληλούια. Λειτουργοὶ τοῦ Χριστοῦ μου, ἀκούσατε καὶ σὺν πόνῳ καρδίας θρηνησατε... 'Αλληλούια. Ἄρα πάντες καὶ ὕθται καὶ ἄρχοντες, βασιλεῖς καὶ δυνάσται πορεύονται... 'Αλληλούια. Ῥητορεῖαν οἱ ῤητορες παύσατε, καὶ φιλόσοφοι πάντες σιγήσατε, φοβερὸν τοῦ θανάτου μυστήριον... 'Αλληλούια. Ἱερεῖς καὶ ὁ κληρὸς θρηνησατε καὶ σὺν δάκρυσιν τούτῳ πενθήσατε... 'Αλληλούια. 'Ω φρικτοῦ μυστηρίου, διάκονε, πῶς τοὺς πόδας σου ἄρτι ἐξήπλωσας... 'Αλληλούια. Νοεροῖς ὀφθαλμοῖς κατοπρίζεσαι τῆς Τριάδος τὴν δόξαν ὁ θεοπίστας... 'Αλληλούια. Οὐχ ὁράτε, ὦ φίλοι, τοὺς θνήσκοντας, πῶς τιμὴν, χρυσόν, πλοῦτον κατέλιπον... 'Αλληλούια. Σπίλους τούτου, Χριστέ μου, ἀφάνισον, ὡς Χριστὸς ἐλεήμων καὶ εὖσπλαγχνος... 'Αλληλούια. Τὸν ὠραῖον ὀρώμενος ἅπαντες πρὸς τὸν τάφον νυνὶ ἀπαγόμενον... 'Αλληλούια. Ἄρα λοιπὸν τὰ κάλλη τοῦ σώματος καὶ στολὰς χρυσοπάστοις κατέλιπεν... 'Αλληλούια. Οἱ σοφοὶ καὶ οἱ ῤητορες τρέμουσι τοῦ θανάτου τὸ μέγα μυστήριον... 'Αλληλούια. Λειτουργοὶ τοῦ Χριστοῦ μου, ἀκούσατε καὶ ἡμεῖς τῷ θανάτῳ φοβήθητε... 'Αλληλούια. Ἀνυμνοῦμεν Παρθένε τὸν τόκον σου... 'Αλληλούια. Εἴθ' οὕτως ψάλλομεν τὰ τροπάρια ταῦτα μετὰ τῶν στίχων αὐτῶν, εἰς ἤχον β'. λέγοντες εἰς καθ' ἓν καὶ τὸ 'Η ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς. Πάλαι μὲν ὁ 'Αδὰμ γευσάμενος... Goar. pag. 454—455. Εἰ βούλει, εἰπέ καὶ ἕτερα τροπάρια, ἅπερ λέγονται εἰς τοὺς κοσμικοὺς μακαρισμούς, καὶ ἀντὶ τῶν στίχων τῶν μακαρισμῶν, λέγει τοὺςδε στίχους εἰς ἤχον πλ. β'. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Καὶ εὐθὺς τὰ τροπάρια ταῦτα. Πρὸς τὸ Οἱ ὅσιοί σου παῖδες ἐν τῇ καμῇν. Διηστὴν τοῦ παραδείσου, Χριστέ, πολίτην ἐπὶ σταυ-

ροῦ σοι βοήσαντα... Στίχος· Μακάριος ὁν... Ὁ ζωῆς κυριεύων καὶ τοῦ θανάτου ἐν ταῖς αὐλαῖς σου ἀνάπαυσον κ. τ. α... Εἴτα λέγομεν τὸν κβ': ψαλμὸν εἰς ἦχον, Κύριος ποιμαίνει με. Къ каждому стиху припѣвъ: Ἀλληλούϊα β'. Καὶ εὐθὺς ἀρχόμεθα τὸ πρῶτον ἀντίφωνον τοῦ πλ. α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαί με Δαβιτικῶς κ. τ. α. Προκειμένον τοῦ ἀποστόλου, ἦχος πλ. δ'. Πᾶσα ἡ γῆ προσκυνησάτωσάν σοι... Στίχος· Ἀλαλάξατε τῷ Κυρίῳ... Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελφοί, ὅσοι ἐβαπτίσθημεν εἰς Χριστὸν Ἰησοῦν... Τέλος· καὶ ἡμεῖς λογιζέσθε ἑαυτοὺς νεκροὺς μὲν εἶναι τῇ ἁμαρτίᾳ, ζώντας δὲ τῷ Θεῷ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν. Ἀλληλουάριον, ἦχος πλ. β'. Μακάριοι οὗς ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἐργάζεσθε μὴ τὴν βρῶσιν τὴν ἀπολλυμένην... Τέλος· καὶ ζωὴν διδοὺς τῷ κόσμῳ. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ἡ ὁ διάκονος· Ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχοῦς· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι δίκαιος ὢν καὶ τοὺς δικαίους ἀγαπῶν, τοὺς δὲ ἁμαρτωλοὺς ἐλεῶν· οὐκ ἤλθετε γὰρ καλέσαι δικαίους, τοὺς μὴ χρεῖαν μετανοίας ἔχοντας, ἀλλ' ὡς φιλάνθρωπος, ἦλθετε καλέσαι ἁμαρτωλοὺς εἰς μετάνοιαν καὶ τοὺς πρὸ τελευτῆς διὰ μετάνοίας πρὸς σὲ ἐρχομένους ἀγκαλιῇ καὶ δέχεται. Εὐχαριστοῦμέν σοι, ὑπεράγαθε, ὅτι τοὺς ἀνετοίμως ἀρπαγέντας καὶ ἀμετανοήτους καὶ ἐν τῷ ἅδῃ κατεχομένους, δι' ἐντεύξεως τῶν δούλων σου, ἀνύεις τῶν δεσμῶν καὶ λυτροῦσαι τοὺς σκότους, καὶ ἀνάγεις τῆς φυλακῆς, διὸ καὶ ἡμεῖς οἱ εὐτελεῖς δούλοι σου ἱκετεύομέν σε, εὐδιᾶλλαχτε Κύριε, ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σου, καὶ ὡς τὴν λαμπάδα ταύτην προσάγομεν, πρόσδεξαι, ὑπεράγαθε, τῇ συνήθει σου φιλάνθρωπία καὶ ἀνάπαυσον τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου, τοῦδε, καὶ ἄνεις τῶν δεσμῶν, καὶ λύτρωσαι τοὺς σκότους, καὶ ἀνάγαγε τῆς φυλακῆς, καὶ κατὰταξον αὐτόν, ὅπου οἱ δίκαιοί σου αὐλίζονται, καὶ ὅπου ἡ ἐπισκοπὴ τοῦ προσώπου σου εὐφραίνει πάντας τοὺς ἀπ' αἰῶνος ἁγίους σου. Ὅτι σὲ τὸν θεάνθρωπον Σωτῆρα καὶ λυτρωτὴν τῶν ψυχῶν ἡμῶν ὑμνοῦμεν καὶ δοξάζομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρί... Εἰ δὲ ἱερεὺς ἐστὶν ἡ ὡς ἱερομόναχος, ἔασον τὴν πρώτην, καὶ λέγε ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σοφίᾳ σου πλαστοργήσας τὸν ἄνθρωπον καὶ πάλιν αὐτόν εἰς γῆν ἀποστρέφειν νομοθετήσας διὰ τὴν ἁμαρτίαν, ὁ κατάγων εἰς ἅδου καὶ ἀνάγων, ὁ ἀποκτενῶν καὶ πάλιν ζωοποιῶν, πρόσδεξαι τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου, τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν καὶ συλλειτουργοῦ ὁ δεῖνα, καὶ ἀνάπαυσον αὐτόν ἐν κόλποις Ἀβραάμ, ἀνθ' ὧν ἐκοπίασεν, ἄρας τὸν σταυρὸν αὐτοῦ καὶ ἀκολουθήσας σοι, ὡς ἐνετείλω καὶ ὥσπερ τῆς ἐπὶ γῆς ἐκκλησίας σου κατέστησας αὐτόν λειτουργόν, οὕτω καὶ τοῦ ἐπουρανίου σου θυσιαστηρίου

ανάδειξον, Κύριε, ἀμείψασθαι αὐτὸν τοῖς πλουσίοις σου οἰκτιρμοῖς, καὶ εἴ τι, ὡς ἄνθρωπος ἤμαρτεν· σοὶ γὰρ μόνῳ τῷ ἀναμαρτήτῳ πρόσεσι, συγχώρησον, ὡς ἀγαθὸς καὶ ἀναμάρτητος Κύριος, καὶ ἀνάπαυσον αὐτὸν ἐν ταῖς μοναῖς τῶν ἁγίων σου, ἔνθα ἡχος καθαρὸς ἐορταζόντων. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἴ σὺν τῷ παναγίῳ.. Καὶ εὐθὺς λέγομεν τὸ παρὸν κάθισμα εἰς ἡχον πλ. α'. Γινώσκει ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι ἐν ἀμαρτίαις ἐγενόμεθα, διό σε ἱκετεύομεν... Εἶτα λέγομεν ἕτερα ἰδιόμελα τοῦ αὐτοῦ κυροῦ Ἰωάννου, ὢν ἡ ἀκροστιχίς· Οἶκτος, ἡχος πλ. α'. Οὐκ ἔστιν τῷ βίῳ τερπνὸν οὐδέν, δ' οὐ παρελεύσεται, οὐ πλοῦτος, οὐ τυραννίς, οὐ νεότητος ἄνθος... Ἰάσω τὴν συντριβὴν μου, Σῶτερ σαυτὸν κενώσας ὁ ὑψιστος· τῆς σῆς γὰρ ἐκπεπτωκὸς ἐντολῆς συνετρίβην.. Καθεῖλας τὴν τοῦ θανάτου ὀφρὺν τῷ σῶ πάθει, ἀναμάρτητε, γευσάμενος γὰρ τῆς ἀναμαρτήτου σου σαρκὸς Τὸ θεῖον καὶ ἀκατάληπτον φῶς, Χριστέ πάντων καὶ ἀνάστασις... Ὁ μόνος τὰ τῶν ἀνθρώπων εἰδώς, Χριστέ, ἀδελφὰ καὶ κρύφια τὰς καρδίας ὁ ἐρευνῶν... Σὺ εἶπας, Χριστέ, ὁ πιστεύων εἰς ἐμέ, θάνατον οὐκ ὀφεται, καὶ ὡς ἐγὼ φῶς ἐκ φωτός, οὗτος λάμπουσι σὺν ἐμοὶ οἱ ζητοῦντές με... Ἔτερα ἰδιόμελα τοῦ αὐτοῦ ἄνευ τῆς ἀκροστιχίδος, ἡχος ὁ αὐτός· Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ, σποδὸς καὶ πάλιν κατενόησα ἐν τοῖς μνήμασι... Στίχος· Ἐστῶτες ἦσαν... Σὺ εἶπας· ὁ πιστεύων εἰς σέ, Χριστέ, θάνατον οὐκ ὀφεται, ἀλλ' ὡς ἐγὼ ἐκ φωτός ἐν φωτὶ φῶς ὑπάρχω... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα εὐλογημένη.. Καὶ εὐθὺς λέγομεν τὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἡχος πλ. α'. Χαίροις ἀσκητικῶν. Αἰγλή τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ, τὸν μεταστάντα, ὡς οἰκτίρμων, κατὰταξον, σκηνώσας ἐν τόπῳ χλόης ἐπὶ ὑδάτων τῆς σῆς... Ψάλλειν παναρμονίῳ φωνῇ δοξολογοῦντα τὸ σὸν κράτος, εὐδοκήσας, οἰκτίρμων, τὸν μεταστάντα ἐκ τῶν προσκαίρων πρὸς σέ... Δόξα, Ὅπου τῶν προφητῶν ὁ χορὸς τῶν ἀποστόλων καὶ μαρτύρων τὰ τάγματα καὶ πάντων τῶν ἀπ' αἰῶνος δικαιοθέντων τῷ σῶ σωτηρίῳ πάθει καὶ τῷ αἵματι... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Νόμῳ τῆς ἀμαρτίας ἡμᾶς δεδουλωμένους ἡλευθέρωσας, Δέσποινα, ἐν μήτρᾳ... Καὶ εὐθὺς ψάλλομεν στιχηρὰ προσόμοια, ἡχος πλ. β'. Πρὸς τὸ Ἥ ἀπεγνωσμένη. Φοβερὸν τὸ τέλος τὸ τοῦ θανάτου καὶ φρικτὴ ἡ κρίσις ἡ τοῦ Δεσπότη· τὸ πῦρ γὰρ τὸ ἄσβεστον εὐτρέπισται ἐκεῖσε... Πάντες οἱ ἐν βίῳ προέστηχότες, δεῦτε ἐν τοῖς τάφοις ἐξεστηχότες ἐγκύψατε, ἴδετε τοῦ κόσμου τὴν ἀπάτην, ποῦ νῦν τὸ κάλλος καὶ ἡ δόξα τοῦ πλούτου... Νῦν ἐπὶ τὸν τάφον ὁ ἐπὶ θρόνον νῦν ὁ ἐν πορφύρᾳ φθορὰν ὑπέδῃ· οὐκ ἔστι ἐν θρόνῳ γὰρ, ἀλλ' ἐν μνήματι κεῖται... Πάντας τοὺς ἐνθέως μετατεθέντας ἐπὶ αἰωνίου ζωῆς ἐπ' ἐλπίδι

καὶ βίον ἀλλάξαντας... Δόξα, ἤχος πλ. β'. Δεῦτε καὶ θεάσασθε ἅπαντες
 ξένον καὶ φρικτὸν θέαμα τοῖς πᾶσι γνωρίζομενον, τὴν εἰκόνα τὴν νῦν
 ὀρωμένην... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Πρεσβεΐαις τῆς τεκούσης σε... Εἴτα λέ-
 γομεν ἀντίφωνον β'. εἰς ἤχον πλ. β'. Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα
 αὐτῆς... Ἀλληλούια, Ἀλληλούια. *Весь вселенный съ припѣвомъ къ*
каждому стиху 2-жды Аллилуія. Καὶ οὕτω τοὺς ἀναβαθμοὺς τοῦ πλ.
 β'. ἤχου· Ἐν τῷ οὐρανῷ τοὺς ὀφθαλμοὺς μου αἴρω... Δίς κ. τ. λ. Εἴτα
 λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β'. Ἡ φυγὴ αὐτοῦ ἐν
 ἀγαθοῖς. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς πρώτης ἐπιστολῆς... *Goar. p. 430.* Εὐαγ-
 γέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐ-
 τὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω
 αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος
 οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν εἰς μοναχοὺς. Τοῦ
 Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἀνεκδιήγητον εὐσπλαγχνίαν πλουτῶν Θεός, ὁ ἀμέ-
 τρητον ἔχων ἀγαθότητα, ὁ διὰ συγκατάβασιν ἀρρήτον κλίνας τοὺς οὐρα-
 νοὺς καὶ καταβεβηκώς ἐπὶ τῆς γῆς, καὶ ἐνανθρωπήσας διὰ τὴν κατὰ-
 κριτον φύσιν τοῦ γένους ἡμῶν, ὁ σταυρὸν καὶ θάνατον ὑπομείνας καὶ
 τὴν τοῦ κόσμου ἁμαρτίαν ἀράμενος, καὶ τὰς ἀσθενείας βαστάσας ἡμῶν,
 ὁ τὴν τοῦ ληστοῦ μετάνοιαν προσδεξάμενος, ὁ τὸν ἄσωτον υἱὸν ἀγκαλι-
 σάμενος ἐπιστρέφοντα, ὁ τὸν Μανασσὴν ἀνομήσαντα καὶ μεταμελησά-
 μενον σεσωκώς, ὁ τὴν πόρνην δακρύσασαν συγχωρήσεως ἀξιῶσας καὶ
 τοὺς ἀμέτρως πταίσαντας καὶ ἐξ ὅλης ἐπιστρέφοντας καρδίᾳς τῶν ἁγίων
 σου συντάξας χοροῖς, οὕτω καὶ σὲ τὸν κατὰ πνεῦμα ἀδελφόν τόνδε ἐφ'
 οἷς, ὡς ἄνθρωπος σάρκα φορῶν ἐπλημμέλησας, εὐμενῶς προσδέξαιτο καὶ
 λύσιν σοι τῶν ἐν τῷ βίῳ τούτῳ ἡμαρτημένων ἐκ νηπίας ἡλικίας καὶ μέχρι
 τελευταίας ἀναπνοῆς σου χάρισαιτο (καὶ) καταξιώσαι καὶ τῆς αἰδίου αὐτοῦ
 βασιλείας εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἱερομονά-
 χους· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὅτι σου μόνου ἐστὶ τὸ ζῆν
 ἀθάνατον καὶ ἡ δόξα ἀκατάληπτος, καὶ ἡ φιланθρωπία ἄφατος, καὶ ἡ βα-
 σιλεία ἀδιάδοχος, καὶ οὐκ ἐστὶ προσωποληψία παρὰ σοί· πᾶσι γὰρ ἀνθρώ-
 ποις κοινὸν τὸν θάνατον ἑταξας, τῶν ὄρων τῆς ζωῆς πληρωθέντων, διό
 ἰκέτευε, Δέσποτα Κύριε, τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα ἀδελφόν ἡμῶν καὶ συλ-
 λειτουργὸν γενόμενον, τὴν εἰς σὲ πίστιν καὶ ὁμολογίαν ὀρθὴν ἐσχηκότα
 καὶ ἀδιάληπτον καὶ ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου κοιμηθέντων,
 ἐν κόλποις Ἀβραάμ ἀνάπαυσον, καὶ ὥσπερ τῆς ἐπὶ γῆς ἐκκλησίας σου
 κατέστησας αὐτὸν λειτουργόν, οὕτω καὶ τοῦ ἐπουρανίου σου θυσιαστη-
 ρίου ἀνάδειξον, Κύριε· πνευματικὴν γὰρ ἀξίαν ἐπ' ἀνθρώπων ἐκόσμησας, ἐπὶ
 ἀγγέλων τῆς σῆς δόξης, ἀναμάρτητε, καταξίωσον. Αὐτός ἐπὶ γῆς τὴν ζωὴν

ἡμῶν ἐδόξασας καὶ τῇ μοναδικῇ πολιτείᾳ κατεκόσμησας, Αὐτὸς καὶ τὴν
 ἔξοδον αὐτοῦ ἐν τῇ τῶν ἀγίων σου εἰσόδῳ δικαίῳ σου, τὸ πνεῦμα αὐτοῦ
 μετὰ πάντων τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων συναριθμῶν. Ὅτι σὺ
 εἴ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου τοῦ-
 δε, Χριστέ... Καὶ εὐθὺς λέγομεν τροπάρια, ἤχος πλ. β'. Αἰφνίδιος ἐπέστη
 ἐπ' ἐμέ ὁ θάνατος καὶ ἐχώρησέ με τῶν ἰδίων μου σήμερον... Δόξα, Ἐλέη-
 σον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Καὶ
 οὕτως ψάλλομεν τὰ ἰδιόμελα τοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ, ὦν
 ἡ ἀκροστιχίς· Τετρασύλλαβος τοῦ ἀλφαβήτου ἤχος πλ β'. Ἀρχή μοι
 καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοουργόν σου γέγονε πρόσταγμα... Ἐτίμησας εἰκόνι
 σου τὸ τῶν χειρῶν σου, Σῶτερ, πλαστούργημα... Ἵνα μου τὸ ἀξίωμα τοῖς
 τῶν λοιπῶν ζώων διακρίνοιτο... Νόμον μοι, ὥσπερ φύλακα ἀρτιγενεῖ
 παιδί σου παρέδωκας... Ῥήματί σου τὸν δαίμονα παρακοήν μου, Σῶτερ,
 διήλεγξας... Φορέσας με τὸν ἄνθρωπον, ὡς συμπαθὲς Θεὸς καὶ φιλάν-
 θρωπος, χωρισθέντα δεινῶς δὲ τῆς ποιμένης σου... Ἔτερα τοῦ αὐτοῦ, ὦν
 ἡ ἀκροστιχίς· Ἄλγος. Ἄλγος τῶν Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν ἡ τοῦ ξύλου ἀπό-
 γευσις πάλαι ἐν Ἐδέμ, ὅτι ὄφρις ἰὸν ἐξηρεύετο... Λόγος τοῦ Θεοῦ ἐνυ-
 πόστατος νηπιᾶσαι εὐδόκησαι, σάρκα προσλαβὼν καὶ ψυχὴν νοερὰν αὐτε-
 ξούσιον... Γένος τῶν ἀνθρώπων βοήσωμεν, ὀρθοδόξως λατρεύοντες μίαν
 ἀληθὴν τρισυπόστατον φύσιν θεότητος... Ὅντως ματαιότης τὰ σύμπαντα
 καὶ γὰρ μάτην ταραττεται πᾶς γηγενὴς θησαυρίζων πυρὸς ὑπεκκαύματα...
 Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Σὺ εἴ πηγὴ τῆς ζωῆς ἡμῶν καὶ ἀνάστασις, Κύ-
 ριε, φῶς τε τῶν πιστῶν... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφά-
 νου, ἤχος ὁ αὐτός· Ὅλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον τὴν εἰς ἡμᾶς
 εὐσπλαγχνίαν καὶ πηγὴν ἀκένωτον... Νέκρωσιν ὑπέμεινας ζωοποιῶν ἐκου-
 σίως καὶ ζῶην ἐπήγασας καὶ τρυφὴν αἰδίου πιστοῖς δέδωκας... Ζώντων
 κυριεύοντα θαρχικὴ ἐξουσία καὶ νεκρῶν δεσπόζοντά σε, Χριστέ, γινώσκον-
 τες ἱκετεύομεν... Καὶ νῦν, Ὁφθης ἐνδιαίτημα θεοπρεπές, Παναγία, καὶ
 Θεὸν ἐχώρησας καὶ ἀγνή διέμεινας μετὰ γέννησιν... Καὶ εὐθὺς ψάλλο-
 μεν καὶ ἔτερα προσόμοια, ἤχος ὁ αὐτός, Ἡ ἀπεγνωσμένη. Θεοποιηθέν-
 τες τῇ μεταστάσει τῷ ζωοποιῷ σου νῦν μυστηρίῳ πρὸς σέ μεταβέβη-
 κεν ὁ θεὸς λειτουργός σου... Ἐνόν τὸ μυστήριον τοῦ θανάτου· ἐπεισέρ-
 χεται γὰρ πᾶσιν ἐν ἁωρίᾳ, ἡ φύσις λυμένεται. . Πεπολιτευμένος ἐν εὐσε-
 βείᾳ καὶ κεκοσμημένος ὁ ἱερεὺς σου, ὁ θύτης τῶν θείων μυστηρίων...
 Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα ἐγνώμεν, Θεοτόκε Παρ-
 θένε... Καὶ εὐθὺς ψάλλομεν ἀντίφωνον γ'. ἤχος, Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώ-
 ματά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων... Ἀλληλούια, Ἀλληλούια. Всѣхъ спасаюмъ
 съ припѣвомъ: Ἀλληλούια 2-жды. Καὶ εὐθὺς τὸ α'. ἀντίφωνον τοῦ βα-

ρέως ἤχου· Τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών... κ. τ. λ. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ φυγὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους β΄. ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν... Τέλος· διὰ πολλῶν εὐχαριστηθῆ ὑπὲρ ἡμῶν. Καὶ ψάλλομεν τὸ Ἀλληλούια. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας αὐτῷ Ἰουδαίους· ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα... Τέλος· Καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... κ. τ. λ. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχούς· Ὁ προαιώνιος Θεός, ἡ τοῦ ἐλέους πηγὴ, τὸ τῆς ἀγαθότητος πέλαγος, ἡ τῆς εὐσπλαγχνίας ἀνεξίχνιαστος ἄβυσσος, ὁ διὰ τὴν πολλὴν σου φιλανθρωπίαν καὶ τὴν πρὸς ἡμᾶς σου ἄμετρον ἀγάπην μέχρι καὶ δούλου μορφῆς· ἐαυτὸν κενώσας, καὶ πάσης πνευματικῆς φωτοχυσίας πληρώσας τὴν ἡμετέραν φύσιν, ἐξαίρετον δὲ δωρεὰν ἡμῖν χαρισάμενος, τὴν τῶν ἁμαρτημάτων διὰ μετανοίας συγχώρησιν ἐπὶ γῆς διὰ τῶν μαθητῶν καὶ ἀποστόλων, εἰπὼν αὐτοῖς· ἄντινων ἀφῆτε τὰς ἁμαρτίας ἀφίενται αὐτοῖς· ἄντινων κρατῆτε, κεκράτηνται, καὶ δι' αὐτῶν τοῖς ἐς ὕστερον ποιμέσι καὶ διδασκάλοις τὴν τοιαύτην δηλαδὴ ἐξουσίαν παρασχών, ὁ ταύτην τοίνυν τὴν χάριν ὑπὸ πολλῆς ἀγαθότητος ἀλληλοπαρόχως καὶ μέχρις ἡμῶν τῶν ταπεινῶν καὶ εὐτελῶν διαβιβάσας. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, συγχώρησον τὸν κεκοιμημένον δοῦλόν σου τόνδε, καὶ ἄφες αὐτῷ πάντα τὰ ἐκούσια καὶ ἀκούσια αὐτοῦ πταίσματα, τὰ ἐν γνώσει καὶ ἀγνοίᾳ, τὰ ἐν νυκτὶ καὶ ἐν ἡμέρᾳ, τὰ πρόδωλα, τὰ λανθάνοντα, ὅσα πνευματικοῖς πατράσιν ἐξηγγεῖλε καὶ τὴν κατὰ δύναμιν μετάνοιαν ἐν αὐτοῖς ἐπεδειξάτο, καὶ ὅσα κατὰ λήθην ἢ καὶ αἰσχύνην ἀπέκρυψε καὶ ἀνεξαγόρευτα ἴσως μετείλασε, καὶ ταῦτα συγχώρησον, ὁ ἀμνησίκακος καὶ ἐλεήμων Θεός, καὶ σύνταξον αὐτὸν τοῖς ἐκ δεξιῶν σου προβάτοις ἐν τῇ φοβερᾷ καὶ δικαίᾳ σου κρίσει τῆς ἐξετάσεως καὶ τῆς ἀνταποδώσεως σου τῆς δικαίας, πρεσβείαις τῆς πανυπεράγνου σου Μητρὸς τῶν θεοιδῶν ἀγγέλων καὶ ἐπουρανίων σου δυνάμεων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ὅτι σὺ εἴ ἡ ἀνάστασις καὶ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου ἀειμνήστου δούλου σου, Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Ἐτέρα εὐχὴ εἰς ἱερομονάχους· Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δημιουργὸς καὶ εὐεργέτης ἀπάσης τῆς κτίσεως, ὁ κατασκευάσας τὸν ἄνθρωπον ἐκ σώματος αἰσθητοῦ τε καὶ χοῦ καὶ νοεῖας καὶ ἀθανάτου ψυχῆς, ὁ τιμήσας αὐτὸν αὐτεξουσιότητι καὶ τῇ κατ' εἰκόνα καθομοιωσεί ἐπὶ τῆς γῆς καὶ ἀξιοπρεπῆ νομοθετήσας αὐτῷ τὴν διαγωγὴν, καὶ ἀνομήσαντι μὲν θάνατον ἐπάγων τὸ ἐπιτίμιον πρὸς σωφρονισμόν αὐτοῦ, διὰ δὲ τὴν πολλὴν σου φιλανθρωπίαν οἰκονομήσας αὐτῷ ζωὴν ἀκατάλητον διὰ θανάτου καὶ ἀναστάσεως, βίωσαντι αὐτῷ κατὰ τὰς

θείας σου ἐντολὰς καὶ ἐκ πλημμελιῶν ἐπιστρέψαντι καὶ αὐτὴν τὴν τῆς
 βασιλείας ἀπόλαυσιν χαρισάμενος, διὰ ἔλεος ἄφατον. Αὐτὸς καὶ τὸν δοῦ-
 λόν σου τόνδε ἱερέα καὶ μοναστὴν τοῦ σοῦ ἐλέους ἀξιώσον, καὶ εἴ τινας
 ποτὲ φωνὰς ἱκετηρίους ἀφῆκε σοι, ταύτας δὴ προσδεξάμενος, ἀνάπαυσον
 αὐτοῦ τὴν ψυχὴν, κατατάξας ἐν οὐρανοῖς, ἐνθα τὸ φῶς τοῦ προσώπου
 σου, ἐνθα ἡ ἄρρητος δόξα, ἡ ὄντως εὐφροσύνη καὶ ἀψευδὴς ἀγαλλίασις,
 ἐν δὲ τῇ παλιγγενεσίᾳ καὶ τὸ αὐτοῦ σῶμα τῷ πνεύματι συναγαγὼν καὶ
 ἀφθαρτήσας, καθὼς ὥρισας τὴν μετουσίαν τὴν ἡτοιμασμένην τοῖς δι-
 καίοις, ὀρίσον τῷ ἱκέτῃ σου τῷδε ὁ Χριστὸς Δεσπότης καὶ συμπαθὴς
 πάντα τοῦ δούλου σου τὰ πταίσματα καὶ τὰς ἁμαρτίας αὐτοῦ πάσας ἐξαφα-
 νίσας τῷ ἀπείρῳ πελάγει τῆς εὐσπλαγχνίας σου. Σὺ γὰρ εἴ καὶ ἡ ἀνά-
 στασις καὶ ἡ ἀνάπαυσις, καὶ ἡ ζωὴ, καὶ τρυφή τοῦ δούλου σου, Κύριε,
 καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εἴτα λέγομεν τὸ παρὸν τροπάριον,
 ἦχος βαρὺς· Ἐν χώρᾳ ζώντων, Κύριε, καὶ ἐν σκηναῖς τῶν δικαίων σου
 ἀνάπυσσον τὸν δοῦλόν σου... Δόξα, Ψυχὴν, ἣν προσελάβου, Σωτὴρ τοῦ
 κόσμου... Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Τὸ χαῖρε, σοὶ κραυγάζομεν σὺν τῷ ἀγ-
 γέλῳ, θεδνυμφε... Εἴτα ταῦτα τὰ ἰδιόμελα τοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ
 Δαμασκηνοῦ, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Κλαυθμὸς, ἦχος βαρὺς· Κατ' εἰκόνα σὴν
 καὶ ὁμοίωσιν πλαστουργήσας κατ' ἀρχάς... Λύει ἅπασαν τὴν φύσιν ἡμῶν,
 μεταδοθεὶς ἐκ τοῦ Ἀδὰμ ὁ θάνατος... Ἀναβλέψωμεν καὶ κατιδῶμεν τοὺς
 ἀστέρας τοῦ οὐρανοῦ... Ὑπνος ἔστω καὶ οὐ θάνατος τὸ τελούμενον νε-
 κροῖς μυστήριον... Θέσθω ἕκαστος βίον εὐχρηστον ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτοῦ
 ποιήσασθαι... Μὴ θρηνήσωμεν, ὃν ὁ Κύριος ἐξ ἡμῶν μετέστησεν... Ὁ
 Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ἄνθρωπον ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγὼν... Δόξα
 καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Σέ, Θεοτόκε, τεῖχος ἄρρηκτον καὶ ἐλπίδα... Ἔτερα
 στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἦχος ὁ αὐτός, πρὸς τὸ Κατα-
 φρονήσαντες πάντες. Νενεκρωμένους ὥραίης ἐπὶ σταυροῦ, μόνε ἀθάνατε...
 Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει καὶ γλυκασμῷ... Ὡς ἀδαπάνητον ἔχων τῶν δω-
 ρεῶν τὴν μεγαλοπρέπειαν... Νόμου τὸ πληρωμα εἰσέλθεις τὸν λυτρωτὴν
 σάρκα γενόμενον... Καὶ εὐθὺς ψάλλομεν στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. δ'·
 Ὁ ἐν Ἐδέμ παραδείσῳ. Δεῦτε πρὸ τέλους, πάντες ἀδελφοί, τὸν χοῦν
 ἡμῶν βλέποντες... Τί ἀπατᾶται ἄνθρωπος αὐχῶν... Ὁ τῇ χειρί σου πλά-
 σας τὸν Ἀδὰμ... Χριστὸς ἀνέστη, λύσας τῶν δεσμῶν Ἀδὰμ τὸν πρωτό-
 πλαστον... Δόξα καὶ νῦν, Ὁρῶντές με ἄφωνον καὶ ἄπνουν... Καὶ νῦν,
 θεοτοκίον· Πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Εἴτα λέγομεν τὸ α'.
 ἀντίφωνον τοῦ πλ. δ'. ἦχου. Ἐκ νεότητός μου ὁ ἐχθρὸς με πειράζει...
 δὶς κ. τ. λ. Καὶ εὐθὺς λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου εἰς ἦχον(?)
 Ψάλλατε τῷ Θεῷ ἡμῶν... Στίχος· Πάντα τὰ ἔθνη κροτήσατε. Πρὸς Κοριν-

θίους πρώτης ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, γνωρίζω ὑμῖν τὸ εὐαγγέλιον... Τέλος· οὕτω κηρύσσομεν καὶ οὕτω ἐπιστεύσατε. Ἀλληλουάριον, ἤχος γ'. Ἐπὶ σοί, Κύριε, ἤλπισα... Γενοῦ μοι εἰς Θεὸν ὑπερασπιστήν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἦν τις ἀσθενῶν Λάζαρος ἀπὸ Βηθανίας... Τέλος· Καὶ θεασάμενοι, ἃ ἐποίησεν ὁ Ἰησοῦς, ἐπίστευσαν εἰς αὐτόν. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἡ δὲ διάκονος, λέγων· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχοὺς· Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε, ὑπεράγαθε, πολυέλεε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸ πνεῦμα τῆς ἀληθείας, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ ὥς τὸ ἐπιστρέφαι καὶ ζῆν αὐτόν, παρακληθῆτι ἐπὶ τὴν δέησιν ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν ὑπὲρ τοῦ δούλου σου τοῦδε, καὶ συγχώρησον αὐτῷ, καὶ ἀπόλυσον τῆς μᾶστιγος, καὶ ἄνες τῶν ἀνιαρῶν καὶ ἀνάγαγε τοῦ σκότους, καὶ ἔκβαλε τῆς φυλακῆς· καὶ γὰρ ἐπηγγείλω, Δέσποτα φιλάνθρωπε, εὐδιάλλακτε Κύριε, ὅτι ὅσα ἂν αἰτήσητε τὸν Πατέρα ἐν τῷ ὀνόματί μου, δώσει ὑμῖν, οὕτω καὶ ἡμεῖς αἰτοῦμεν τὸ ὑπεράπειρον ἔλεος τῆς σῆς ἀγαθότητος, καὶ ἱκετεύομεν τὴν ἄρρητόν σου φιλάνθρωπίαν, ὅτι Θεὸς ὢν, ἀπαθὴς ἄνθρωπος ἐγένου καὶ ἐμαστίχθης, καὶ σταυρὸν καὶ θάνατον ὑπὲρ ἡμῶν ὑπέμεινας, καὶ τὸ τίμιόν σου αἶμα ὑπὲρ ἡμῶν ἐξέχεας, ἵνα πάντας σώσης ἡμᾶς, ταύτην δὲ τὴν πολλὴν σου καὶ ὑπεράγαθον ἀγαθότητα ἐχέγγυον ἔχοντες, δεόμεθα σου, προσφέροντες ταύτην τὴν ὀλοκαύτως ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως τῶν ἁμαρτιῶν τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου τοῦδε, πρόσδεξαι αὐτόν τῇ συνήθει σου φιλάνθρωπῃ, καὶ ἀνάπαυσον αὐτόν ἐν σκηναῖς τῶν δικαίων σου, καὶ ὅπου τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου καταλάμπει τοῖς ἀπ' αἰῶνος τὰ δικαιώματά σου ἀπ' ἀρχῆς μέχρι τέλους φυλάξουσιν, πρεσβεΐαις καὶ ἱκεσίαις τῆς ἀρρुπάρως συλλαβούσης καὶ τεκούσης σε καθ' ὑπόστασιν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, προστασίαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ καλλινίκων μαρτύρων, τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, οὓς αἰσθανόμεθα πρὸς σὲ πολλὴν παρῤῥησίαν ἔχοντας, ὡς πολλὰ κοπιάσαντας καὶ χάριν τοῦ πρεσβεύειν ὑπὲρ ἡμῶν παρὰ σοῦ κομισαμένους συμπρεσβευτάς προσλαβόμενοι ταύτην τὴν ἱκετηρίαν ὑπὲρ ἀνέσεως τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου τοῦδε προσάγομεν, καὶ εἰ διὰ τὰ πολλὰ ἡμῶν ἁμαρτήματα παραβλέπεις τὴν δέησιν ἡμῶν, εἰς τοὺς κόλπους τῶν ἁγίων μαθητῶν σου καὶ τῶν ἁγίων σου μαρτύρων ἐπίβλεψον, καὶ δὸς συγγνώμην τῇ θεϊκῇ σου δυνάμει, καὶ ἐλευθέρωσον αὐτόν τῆς ζοφώδους καὶ σκοτεινοτάτης κολάσεως καὶ τῶν πικρῶν τυράννων καὶ κολαστῶν δαιμόνων. Ὅτι σὲ τὸν Σω-

τῆρα καὶ λυτρωτὴν, τὸν δι' ἡμᾶς σταυρωθέντα ἐλευθερωτὴν τῆς ἀφεργουῶς καὶ πικρᾶς κολάσεως γινώσκομεν, θεάνθρωπε Κύριε, καὶ δόξαν σοὶ ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι... Ἐτέρα εὐχὴ εἰς ἱερομονάχους· Ὁ ὢν καὶ προὖν καὶ διαμένων εἰς τοὺς αἰῶνας, Κύριε, ὁ ὑπὸ πάσης νοητῆς οὐσίας δοξαζόμενος, ὁ εὐδοκῆσας παρὰ τῆς ἀνθρωπίνης εὐτελείας εὐχὰς καὶ θυμιάματα προσφέρεσθαι σοὶ τῷ παναγίῳ ὀνόματι. Μνήσθητι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοῦ ἀναπαυσομένου ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε καὶ συλλειτουργοῦ καὶ λυτρωσαι αὐτόν τῆς δυσώδους ἁμαρτίας διὰ τῆς σῆς ἀγαθότητος, καὶ ἐλέους καὶ φιλανθρωπίας ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως καταξίωσον. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις καὶ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπνοσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου, Χριστέ ὁ Θεός..

Εἴτα λέγομεν τὸ παρὸν τροπάριον εἰς ἥχον δ'. πρὸς τὸ Ταχὺ προκαταλάβετ' ὡς. Ψυχὴν, ἣν μετέστησας ἐκ τῶν προσκαίρων... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον ὁμοιον· Ταχὺ δέξαι, Δέσποινα, τὰς ἱκεσίας ἡμῶν... Εἴτα φάλλομεν στιχηρὰ ἰδιόμελα τοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ, ὢν ἡ ἀκροστιχίς· Θρηνῶ, ἥχος πλ. δ'. Θρηνῶ καὶ ὁδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον... Ῥευστοί, πῶς γεγονάμεν, ἀφθαρτον εἰκόνα φορέσαντες... Ἰὼ τοῦ ὄφews καὶ συμβουλῇ τῆς θεώσεως πετρυνισθέντες... Νεότητά σφριγῶσαν φεῖδεται οὐδόλως ὁ θάνατος.. Ὡ ποῖον ποτήριον μένει τοῖς βροτοῖς ἀποραίτητον... Δόξα καὶ νῦν, Ἀγνή Παρθένε τοῦ Λόγου... Ἐτερα στιχηρὰ κατὰ ἀλφάβητον τοῦ αὐτοῦ κυροῦ Ἰωάννου τοῦ Δαμασκηνοῦ, ὢν ἡ ἀκροστιχίς· Τετρασύλλαβος, ἥχος πλ. δ'. Ἀμέτρητος ὑπάρχει τοῖς ἀσώτως βιοῦσιν ἡ κόλασις... Ἐβρόντησεν ἡ σάλπιγξ, ὡς ἐξ ὕπνου νεκροὶ ἀναστήσονται... Ἰδοὺ καὶ τὰ στοιχεῖα οὐρανοῦ καὶ γῆ ἀλλαγῆσονται... Νενέκρωται ὁ Ἄδης τοῦ Χριστοῦ ἀναστάντος, θαρσεῖτε, νεκροί... Ῥυσάμενος, Λόγε, τῶν παθῶν τῷ τιμίῳ παθήματι... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Φανεῖς ἐκ τῆς Παρθένου παρθενίαν, Σωτὴρ μου, ἐδόξασας... Ἐτερα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κυροῦ Θεοφάνους, ἥχος ὁ αὐτός, Ὡ τοῦ παρὰδόξου. Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας ἐλευθερίαν βαφαῖς ἐρυθραῖς... Ἱερρχήσας, ὡς ἄνθρωπος, σφαγιασθεὶς αὐτόν, προσφορὰν προσεσήνοχας τῷ Πατρὶ καὶ Πνεύματι... Βάθει σοφίας ἀρρήτου σου ὁροθετεῖς τὴν ζωὴν... Λόγος ὑπάρχων ἀοράτως ὁμοφυὴς τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Πνεύματι σύνθρονος... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἀναρχον Λόγον Θεοῦ καὶ Πατρός... Εἴτα λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου εἰς ἥχον βαρύν· Τίμιος ἐναντίον Κυρίου ὁ θάνατος... Στίχος· Τί ἀνταποδώσωμεν τῷ Κυρίῳ... Πρὸς Ἑβραίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, μνημονεύετε τῶν ἡγουμένων ὑμῶν... Τέλος· τοιαύταις γὰρ θυσίαις εὐαρεστεῖται ὁ Θεός. Ἀλληλουάριον, Οἱ ἱερεῖς σου, Κύριε, ἐνδύσονται... Στίχος· Μακάριος ἀνὴρ ὁ

φοβούμενος... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· οὕτως ἡγάπησεν ὁ Θεὸς τὸν κόσμον... Τέλος· ὅτι ἐν Θεῷ ἐστὶν εἰργασμένα. Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος, ὡς συνηθες· Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. α. Καὶ λέγομεν τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχούς· Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοῦ ἐν πίστει καὶ ἐλπίδι ζωῆς αἰωνίου. *Goar. p. 437.* Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου ἀειμνήστου δούλου σου τοῦδε, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἱερομονάχους· Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος κριτής, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ. *См. выше стр. 480—481.* Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ... (*что выше*). Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, ψάλλουσιν οἱ ἱερεῖς τὸ κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον ... Καὶ ἐλθὼν ὁ ἀναγνώστης ἱσταται ἐπάνω τοῦ λειψάνου, λέγων τοὺς οἶκους μετ' εὐλαβείας πρὸς ἀκρόασιν τῶν ἐστώτων ἀδελφῶν, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Τοῦ ταπεινοῦ Ῥωμανοῦ ψαλμός· Τοῖς τοῦ βίου τερπνοῖς ἐνητένιζον λογισμῶ θεωρῶν τὰ γενόμενα καὶ σκοπήσας αὐτῶν τὰ ἐπώδυνα... Ἀλληλούια. Οὐδὲ ἓνα βροτὸν εἶρον ἄλυπον· ὁ γὰρ κόσμος ἐκάστοτε τρέπεται... Ἀλληλούια. Ὑψαυχεὶ κατὰ πένητος πλούσιος κατεσθίων αὐτοῦ πᾶσαν ὑπαρξίν· κοπιᾷ γεωργός καὶ ὁ κτήτωρ τρυγᾷ... Ἀλληλούια. Τοὺς ἀγάμους ἐλπίδες συγκόπτουσι τοὺς ἐν γάμῳ φροντίδες συντήκουσι... Ἀλληλούια. Ἀλμυρὰ τῆς θαλάττης τὰ κύματα γλυκερὰ τῇ κοιλίᾳ τὰ βρώματα... Ἀλληλούια. Πειρατὰς καὶ χειμῶνας καὶ κλύδωνας περαιοῦνται οἱ χρήματα στέργοντες... Ἀλληλούια. Ἵνα δὲ συνελὼν εἴπω, ἅπαντα τὰ ἐν κόσμῳ σὺν κόσμῳ παρέρχονται· ὅταν γὰρ πάντα βίον κερδήσωμεν... Ἀλληλούια. Νῦν εἰσὶν ἐν ἡμῖν οἱ βοῶντες συχνῶς, κἂν μὴ τῷ στόματι, ἀλλὰ τῷ πνεύματι... Ἀλληλούια. Ὅμως μέντοι οὐ πάντες ἐχώρησαν, ὃ προσέταξε πᾶσιν ὁ Κύριος... Ἀλληλούια. Ὑπεκκαίω ὑμῶν τὴν προαίρεσιν πρὸς τὸ ψάλλειν καὶ τέρπειν τὸν Κύριον... Ἀλληλούια. Ῥύπον βίου καλῶς ἀπεφύγετε καὶ πηγῇ καθαρᾷ προσεφύγετε τῶν ἀσάρκων τὸν βίον ζηλώσαντες... Ἀλληλούια. Ὡν τὸν βίον καλῶς ἀπεφύγετε, τούτων νῦν καὶ τὴν μνήμην μισήσατε... Ἀλληλούια. Μὴ ἀλλήλων ἀπλῶς κατεπαίρεσθε· τί γὰρ ἔχεις φύσιν... Ἀλληλούια. Ἀλλ' ἐρεῖ τις· ἐγὼ περισσότερον, ὡς εἰδὼς τὰς γραφάς, ἔχω καύχημα, τί οὖν ὁ ἁλιεὺς Πέτρος ἔμαθεν... Ἀλληλούια. Νευρωθῶμεν τῇ πίστει σφιγγόμενοι οἱ τὰ σώματα ἀποταξάμενοι· οἱ μισοῦντες ἡμᾶς οὐ καθεύδουσιν... Ἀλληλούια. Ὁ εἰπὼν· ἐγὼ εἰμι ἄμπελος καὶ ὑμεῖς μου ὑπάρχετε κλίματα... Ἀλληλούια. Ὑπεισῆλθε πολλάκις τὸν κάμνοντα ἀδελφὸν καὶ φησί· τί εἰς μάτην μογθεῖς, ἰδοὺ ἄλλος μὴ κάμνων πρωτεύει σου... Ἀλληλούια. Ψυχικῶς τὸν κανόνα ποθήσατε, ὃν καλῶς καὶ φρονί-

μως τηρήσατε μετ' ἀλλήλων μὴ ἀμφιβάλλετε... Ἀλληλούια. Ἄν ο ναὺς σου ποτὲ σκανδαλίζει σε ἐρεθίζων καὶ σὲ πρὸς τὴν ἔξοδον καὶ φησί· τί ἐνταῦθα ἐγκέκλεισαι... Ἀλληλούια. Λέγει πάλιν πρὸς σὲ καὶ πῶς δύνασαι τὸν κανόνα τελεῖν τοῦ μονάζοντος... Ἀλληλούια. Μετὰ τῶν ἐργατῶν, ὧν ἐκάλεσεν ἔνδον τοῦ ἀμπελῶνος ὁ Κύριος τοῦ καμεῖν... Ἀλληλούια. Ὁ καιρὸς τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐφθασεν· ὁ γὰρ Κύριος τάχιον ἔρχεται... Ἀλληλούια. (Εἰς ἡγούμενον)· Σὺ οὖν, Δέσποτα, ὡς παντοδύναμος, τὴν ζωὴν ἡμῶν πάντων κυβέρνησον... Ἀλληλούια. Παναγία Παρθένε ἀνόμεφευτε, ἡ τεκοῦσα τὸ φῶς τὸ ἀπρόσιτον... Καὶ μετὰ τοὺς οἴκους εὐθὺς οἱ μακαρισμοὶ εἰς ἡχον· Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου... κ. τ. λ. Μνήσθητι, εὐσπλαγχνε, καὶ ἡμῶν, καθὼς ἐμνημόνευσας τοῦ ληστοῦ... Goar. p. 445. Δόξα, Ἀναρχον Πατέρα καὶ τὸν Υἱὸν σύναρχον, Πνεῦμα ἐκπορευτόν... Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Πάντες μακαριζομέν σε, ἀγνή... Εἶτα λέγομεν τὸ προκείμενον ἀποστόλου εἰς ἡχον σ'. Τὸ στόμα μου λαλήσει σοφίαν. . Στίχος· Ἀκούσατε ταῦτα πάντα... Πρὸς Ἑβραίους ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελφοί, τοιοῦτος ἡμῖν ἔπρεπεν ἀρχιερεὺς... Τέλος· καὶ τῆς σκηνῆς τῆς ἀληθινῆς, ἣν ἔπηξεν ὁ Κύριος, καὶ οὐκ ἄνθρωπος. Ἀλληλουάριον, ἦχος β'. Στόμα δικαίου ἀποστάζει... Στίχος· Ὁ νόμος τοῦ Θεοῦ αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμήν, Ἀμήν λέγω ὑμῖν· ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων... Τέλος· ἀλλὰ τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος, λέγων οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς... Εἶτα λέγει καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς μοναχοὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἁγίε Κύριε, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος καὶ ὀλιγοψύχοις διδοὺς παραμυθίαν, ὁ ἀνελλιπὴς ἠθασαυρὸς τῶν ἐλπίζόντων ἐπὶ σέ, ὁ ζωοποιῶν τοὺς νεκροὺς καὶ καλῶν τα μὴ ὄντα, ὡς ὄντα, ὁ τῶν προσκαίρων ἡμᾶς ἀπαλλάξας καὶ τῶν ἀθανάτων ποιήσας τυχεῖν. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, ἀνάπαυσον τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου τοῦδε μοναχοῦ, καὶ δώρησαι αὐτῷ τὴν ἐν κόλποις Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ τῶν ἡγαπημένων σου ἀνάπαυσιν, φυλάττων αὐτόν εἰς τὴν μέλλουσαν σὴν δόξαν ἀποκαλύπτεσθαι, καὶ καταξιώσον αὐτὸν καταντῆσαι εἰς τοὺς αἰωνίους λιμένας, οὗς ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε. Σὺ γάρ εἰ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἱερωμένους· Ὁ ἀτελεύτητος Θεός, ὁ ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς δημιουργήσας τὸν ἄνθρωπον καὶ πρὸς τὴν ἐντεῦθεν διαγωγὴν καὶ τὴν ἐκεῖθεν ἀμοιβὴν χαρισάμενος τὸν μεθ' ἡμῶν συνοικήσαντα ἱερέα καὶ ἐξ ἡμῶν ἐκδημήσαντα, λήθην ποιούμενος καὶ ἡμῶν τὸν βίον ἐν γαλήνῃ ἐξάγαγε. Σὺ γάρ εἰ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου τοῦδε ἱερέως καὶ ἀδελφοῦ ἡμῶν, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομέν...

Ἰστέον, ὅτι εἰ μὲν ἱερατικῆς γέγονε τάξεως ὁ κεκοιμημένος, ἡ θεία καὶ ἱερὰ μυσταγωγία τελεῖται. Ἀρξαμένης τῆς ἱερουργίας, αἶρουσι τὸ λείψανον ἐκ τοῦ μέσου καὶ εἰσφέρουσιν ἐν τῷ νάρθηκι, καὶ ὅταν εἴπῃ ὁ ἱερεὺς· Ὅσοι κατηχούμενοι, προέλθετε, τότε πάλιν ἐπαίρουσιν αὐτὸν ἐκ τοῦ νάρθηκος καὶ φέρουσιν ἐν τῷ μέσῳ τοῦ ναοῦ ἕως οὗ πληρωθῇ ἡ θεία μυσταγωγία. Μετὰ δὲ τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχήν, γίνεται ὁ ἀσπασμός καὶ τὰ λοιπά. Εἴτα γίνεται ὁ ἀσπασμός, καὶ (τοῦτου) γενομένου, ψάλλομεν τὰ τροπάρια ταῦτα εἰς ἤχον β'. Πρὸς τὸ Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανέντι... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί καὶ πατέρες, τὸν χιθὼς ἡμῖν ἱλαρῶς συναγελαζόμενον... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου... Δεῦτε τῷ τῆς λήθης, ἀδελφοί, καὶ τῆς ἀμελείας θανάτῳ, ὅσοι ἐκπνεύσωμεν... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανέντι, εὐχαριστοῦντες Χριστῷ... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός... Τρέμω τὸ κριτήριον, Χριστέ, καὶ τὴν ἐν τῷ βήματι γύμνωσιν τῶν πταισμάτων μου... Πᾶσα τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων ἡ δόξα καὶ πλάνη σβέννυται... Ὁ μὴ τὸν σταυρὸν ἀναλαβὼν σοι ἀνεπιστροφῶν καρδίᾳ κατηκολούθησε, Κύριε... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός, μέγας στεναγμός καὶ ὀδύνη ὁ χωρισμός τῆς ψυχῆς ἀδης... Σχῆμα μοναστῶν ἀναλαβὼν, μάκαρ, ἀδιστάκτῳ καρδίᾳ κατηκολούθησας τῷ τὴν ἀπολύτρωσιν βροτοῖς παρέχοντι... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί καὶ πατέρες, τὸν πρὸ μικροῦ μεθ' ἡμῶν... Ἐχων τὴν ἐλπίδα εἰς Θεόν, τὸν μονήρῃ βίον ἐπόθησας, κόσμον κατέλιπες... Ἐένος γεγονώς τῶν συγγενῶν καὶ τῶν ἐν τῷ βίῳ φροντίδων... Πάντες δυσωποῦμέν σε, Χριστέ, νῦν ἐν κατανύξει βοῶντες... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἱερεῖς, τῷ θανέντι τὸν πρὸ μικροῦ μεθ' ἡμῶν καὶ συλλειτουργὸν ἡμῶν ἄπνουν ὀρῶντες νεκρόν... Δεῦτε, ἱερέων, ὁ χορός, δῶμεν ἄσπασμὸν μετὰ θρήνων, ὀλουζόμενοι πόθῳ ἀσπαζόμενοι τὴν τούτου χεῖρα νυνί... Ἦδη ἐν τῷ βήματι ἐστώς, τῶν πλημμελημάτων τὴν λύσιν καὶ ἁμαρτημάτων ζητῶν, Κύριον ἐκραύγάζεις... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι Ἀδάμ, ἴδωμεν εἰς γῆν βεβλημένον τὸν ἱερέα Θεοῦ... Θρήνῳ, ἱερέων ὁ χορός, καὶ σὺν πόνῳ καρδίας καταδακρύσωμεν... Πάντες οἱ ὀρῶντες τὸν νεκρόν, πόθῳ νῦν ἀσπάσασθε, φίλοι ἀγαπητοὶ καὶ γνωστοί... Μόνος κραταῖος καὶ δυνατός, μόνος φοβερὸς ἐν ἰσχύϊ ὑπάρχων, Κύριε... Εἰς ἡγούμενον· Ποίμνης ἐπιστάτης γεγονώς, Πάτερ, λογικὴν ἐπὶ χλόην ταύτην ἀσκήσεως... τριαδικόν· Μίαν ὑποστάσει τρισσεύοντα θεότητα πίστει παντουργικῇ σε, Τριάς θεία, τῇ προστάξει σου τὸν μεταστάντα πιστῶς... θεοτοκίον· Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μήτηρ τοῦ αἰδύτου ἡλίου... Δόξα, ἤχος πλ. β'. Ἀδελφοί

μου πνευματικοὶ καὶ συμμονασταί, μή μου ἐπιλάβεσθε, ὅταν προσεύχεσθε... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Εἴτα λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος βαρύν· Τίμιος ἐναντίον Κυρίου.. Στίχος· Τί ἀνταποδώσομεν... Πρὸς Ἑβραίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, τοιοῦτον ἔχομεν ἀρχιερέα, ὃς ἐκάθισεν ἐν δεξιᾷ τοῦ θρόνου... Τέλος· ἦτις ἐπὶ κρείττοσιν ἐπαγγελίαις νενομοθέτηται. Ἀλληλουάριον, ἤχος β'. Οἱ ἱερεῖς σου, Κύριε, ἐνδύσονται... Στίχος· Ὅτι ἐξελέξατο Κύριος τὴν Σιών. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἐλθὼν ὁ Ἰησοῦς εἰς τὰ μέρη Καισαρείας τῆς Φιλίππου, ἡρώτα τοὺς μαθητάς αὐτοῦ... Τέλος· Καὶ ὁ ἐὰν λύσης ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται λελυμένον ἐν τοῖς οὐρανοῖς. Καὶ οὕτως μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἢ ὁ διάκονος, λέγων οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ ἡ εὐχή εἰς μοναχούς. Ζήτηι εἰς τὴν ἀρχὴν τοῦ βιβλίου εἰς τὴν εὐχαριστίαν. Ἐτέρα εὐχή εἰς ἱερομονάχους, ζητεῖ καὶ αὐτὴν ἐκεῖσε. Καὶ οὕτως εἰσφέρουσι τὸ λείψανον εἰς τὸν τάφον, ψάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, λέγομεν καὶ τὰ παρόντα τροπάρια εἰς ἤχον βαρύν· Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου... Στίχος· Αὕτη ἡ κατάπαυσις μου εἰς αἰῶνα αἰῶνας... καὶ πάλιν τὸ αὐτὸ τροπάριον. Στίχος· Ἐπιποθεὶ καὶ ἐκλίπει ἡ ψυχὴ μου εἰς τὰς αὐλὰς τοῦ Κυρίου, καὶ πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα, ὅμοιον, Κατάπαυσιν δικαίους ἡτοίμασας, εἰσάγαγέ με, Σωτήρ, ἐν τῇ βασιλείᾳ σου... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Εἰρήνευσον πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου τὴν ζωὴν ἡμῶν... Εἴτα λέγομεν καὶ ἕτερον τροπάριον νεκρώσιμον, ἤχος γ'. Τὴν ὠραιότητα τῆς... Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησώμεθα τῷ ἀδεκάστῳ σου βήματι, Κύριε... Καὶ φθάσαντες ἐν τῷ κοιμητηρίῳ τὸ λείψανον, ψάλλουσι τροπάριον εἰς ἤχον πλ. δ'. Γῇ χανοῦσα ὑπόδεξαι... Εἴτα ὁ ἱερεὺς ἐπιχέει τὸ ἔλαιον ἐπάνω τοῦ λειψάνου, ἡγουν τὴν κανδήλαν τῆς θεήτος(;) αὐτοῦ ἐνδον τοῦ τάφου, ποιῶν σταυροῦ τύπον, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Λέγει δὲ καὶ τὸ αὐτὸ τροπάριον εἰς τὸ ἔλαιον εἰς ἤχον γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Εἴτα λέγομεν καὶ ἕτερον τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ· ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Εἴτα λαμβάνει καὶ πηλὸν μετὰ τοῦ πτύου ἢ καὶ χοῦν, καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπάνω τοῦ λειψάνου, λέγων· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς... Λέγει δὲ τὸ παρὸν τροπάριον εἰς ἤχον πλ. β'. εἰς τὸν πηλόν· Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεὺς ζωοπλαστήσας, ἀνέθηκάς μοι... Καὶ οὕτως ἀσφαλίζει τὸν τάφον, καὶ εὐθὺς τοὺς εἰρμούς τοῦ μεγάλου κανόνος, ἤχος πλ. β'. Βοηθός καὶ σκεπαστής... Στερέωσον, Κύριε, κ. τ. λ. Послѣ 9 пѣсни, Δόξα, τριαδικόν· Πατέρα δοξάσωμεν, Υἱὸν ὑπερψώσωμεν... Καὶ νῦν θεοτοκίον· Τὴν πόλιν σου, φύλαττε, θεογεννήτορ Πάναγνε... Ψάλλομεν δὲ καὶ ἕτερα τροπάρια εἰς ἤχον β'. Πρὸς τὸ Σω-

σόν με, Χριστέ Σωτήρ... Ἅγιος εἶ, ὁ ζῶντά με προσλαβών... Στίχος· Ἐλέη-
σόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα... Γέγονε πιστὸς αἰεὶ ἱερεὺς καὶ λειτουρ-
γός... Στίχος· Ἐπὶ πλεῖον πλύνόν με ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου... Ἀνάπαυσον,
Σωτήρ, ὃν μετέστησας πρὸς σέ... Στίχος· Ὅτι τὴν ἀνομίαν μου ἐγὼ
γινώσκω... Ἐθου ἐν τῇ σῇ, Χριστέ, ἐκκλησίᾳ τὸν πιστὸν ἱερέα... Στί-
χος· Σοὶ μόνῳ ἡμαρτον... Ζήσας εὐσεβῶς ἐν γῇ, τοῖς πτωχοῖς διεδίδου
τὸν πλοῦτόν σου... Στίχος· Ὅπως ἂν δικαιοθῇς ἐν τοῖς λόγοις σου... Ἡ
νεότης τῶν βροτῶν, ὡς σκιὰ παρέρχεται... Στίχος· Ἴδου γὰρ ἐν ἀνομίαις...
Θάνατον, Χριστέ, εὐρὼν διὰ ξύλου ἡδονῆς... Στίχος· Ἴδου γὰρ ἀληθειαν...
Ἰλάσθητί μοι, Σωτήρ, καὶ πυρὸς με ἐξελοῦ, ὅτι παρίσταμαί σοι ἐν τρό-
μῳ... Στίχος· Ῥαντιεῖς με ὕσσῳπῳ... Κάλλος ἅπαν καὶ μορφὴ γίνεται
τοῖς σκώληξι κόνις τε καὶ τέφρα... Στίχος· Ἀκουτιεῖς με ἀγαλλίασιν...
Δύσας ἔχθραν τῆς ζωῆς πρὸς ζῶν ἀθάνατον... Στίχος· Ἀπόστρεψον
τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν... Μνήσθητί μου σύ, Χριστέ, ἐν τῇ
βασιλείᾳ σου... Στίχος· Καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί... Νῦν μετέστη-
σας, Χριστέ, πρὸς τὸ φῶς τὸ ἄδυτον... Στίχος· Μὴ ἀπορρίψης με ἀπὸ
τοῦ προσώπου σου... Ξένος ὦφθην ἐπὶ γῆς ἀρεταῖς κοσμούμενος καὶ με-
ταστάντα, Σωτήρ... Στίχος· Διδάξω ἀνόμους τὰς ὁδοὺς σου... Ὅτι ἐκ τῶν
νεφελῶν οὐρανόθεν ἔρχεται, ὡς ἀστραπὴ μετὰ δόξης... Στίχος· Ῥῦσαί
με ἐξ αἱμάτων... Πῶς ἐκφεύξωμαι τὸ πῦρ, βάσανον καὶ ἀπειλήν, ὅτι πα-
ρίσταμαί σοι... Στίχος· Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις... Ῥύθμισον ἐκ δε-
ξιῶν σοῖς προβάτοις, ἀγαθὲ Δέσποτα τῶν ἀπάντων... Στίχος· Θυσία τῷ
Θεῷ... Σῶσον, Κύριε, τὸν σὸν ἱερέα καὶ ποιμένα τοῦ χριστωνόμου λαοῦ...
ὁῖς. Στίχος· Ἀγάθυνον, Κύριε... (δο κοηπα), τριαδικόν· Τρισυπόστατε
μονὰς καὶ ἀχώριστε Τριάς, ῤῥσαι τὸν σὸν ἱκέτην... Θεοτόκε ἡ ἐλπὶς καὶ
μεσίτρια ἡμῶν, ἱκέτευε τὸν κτίστην τὸν Υἱόν σου καὶ Θεόν... Δόξα, ἡχος
πλ. β'. Σῶζεσθε, σύνθρονοι τοῦ ἱεροῦ καὶ ἁγίων κληρὸς· ἐμὲ γὰρ σή-
μερον χωρίζει ὁ Κύριος... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἀρχαγγελικὸν λόγον ὑπε-
δέξω καὶ χερουβικὸς θρόνος ἀνεδείχθης... Εἴτα Τρισάγιον, τὸ Παναγία
Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα
εἰς ἡχον(;) Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῇ... Εἰς
τὴν κατάπαυσίν σου, Κύριε... Στίχος· Ἡ καρδιά μου καὶ ἡ σὰρξ μου... Σὺ
εἶ, ὁ Θεός, ὁ καταβάς εἰς ἄβυσσον καὶ τὰς ὁδὺν ἀλύσας... Δόξα, Ὁ θάνατός
σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἐγὼ, Παρ-
θένε ἁγία Θεοτόκε, τὴν σκέπην σου προστρέχων... Καὶ εὐθὺς λέγομεν τὸ
προκειμένον τοῦ ἀποστόλου, ἡχος βαρύς· Τίμιος ἐναντίον Κυρίου... Στί-
χος· Τί ἀνταποδώσωμεν... Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελ-
φοί, ὁ σπεῖρων φειδομένως, φειδομένως καὶ θερίσει... Τέλος· κατεργάζε-

ται δι' ἡμῶν εὐχαριστίαν τῷ Θεῷ. Ἀλληλουάριον, ἤχος β'. Φῶς ἀνέτειλε τῷ δικαίῳ... Στίχος· Ἐσκόρπισεν, ἔδωκε τοῖς πένησιν... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Τῇ μιᾷ τῶν σαββάτων ὄρθρου βαθέως, ἦλθον γυναῖκες ἐπὶ τὸ μνημεῖον... Τέλος· καὶ ἀπῆλθε πρὸς ἑαυτόν, θαυμάζων τὸ γεγονός. Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς ἡ ὁ διάκονος, ὡς σύνθητες, λέγων οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Goar. p. 424. Καὶ μετ' αὐτὴν προσθέτεις καὶ ταύτην. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν· Ἐγώ¹⁾ εἶπα· ἐν τῷ ὕψει τῶν ἡμερῶν μου πορεύσομαι ἐν πύλαις ἄδου, καταλείψω τὰ ἔτη τὰ ἐπιλοιπα. Εἶπα, ὅτι οὐκ ἔστιν οὐ μὴ ἴδω τὸ σωτήριον τοῦ Θεοῦ ἐπὶ τῆς γῆς ζώντων, οὐκ ἔστιν οὐ μὴ ἴδω ἄνθρωπον ἔτι μετὰ τῶν κατοικούντων, ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου, κατέλιπον τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς μου, ἐξῆλθε καὶ ἀπῆλθεν ἀπ' ἐμοῦ, ὥσπερ ὁ καταλύων σκηνὴν πῆξας τὸ πνεῦμά μου παρ' ἐμοῦ ἐγένετο, ὡς ἱστός ἐρίθου ἐγγιζούσης ἐκτεμεῖν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ παρεδόθην ἕως πρωΐ, ὡς λέγων οὕτως· συνέτριψε πάντα τὰ ὀστέα μου· ἀπὸ γὰρ τῆς ἡμέρας ἕως τῆς νυκτὸς παρεδόθην· ὡς χελιδῶν, οὕτως φωνήσω, καὶ ὥσει περιστερὰ, οὕτως μελετήσω· ἐξέλιπον γάρ μου οἱ ὀφθαλμοὶ ἀπὸ τοῦ βλέπειν με εἰς ὕψος τοῦ οὐρανοῦ πρὸς τὸν Κύριον, ὃς ἐξείλετό με καὶ ἀφείλετό μου τὴν ὀδύνην τῆς φυγῆς. Κύριε, περὶ αὐτῆς ἀπηγγέλθη σοι καὶ ἐξήγειράς μου τὴν πνοὴν καὶ παρακληθεὶς ἔζησα· εἴλου γάρ μου τὴν ψυχὴν, ἵνα μὴ ἀπόληται καὶ ἀπερρίψας ὀπίσω μου πάσας τὰς ἁμαρτίας μου· οὐ γὰρ οἱ ἐν ἄδου αἰνέσουσί σε, Κύριε, οὐδὲ οἱ ἀποθανόντες εὐλογήσουσί σε, οὐδὲ ἐλπιοῦσιν οἱ ἐν ἄδου τὴν ἐλεημοσύνην σου, οἱ ζῶντες εὐλογήσουσί σε, ὃν τρόπον καγώ· ἀπὸ γὰρ τῆς σήμερον παιδίᾳ ποιήσω, ἃ ἀναγγελοῦσι τὴν δικαιοσύνην σου, Κύριε τῆς σωτηρίας μου, καὶ οὐκ ἐκπαύσομαι εὐλογῶν μετὰ σωτηρίου πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου κατέναντι τοῦ οἴκου τοῦ Θεοῦ μου. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ, ἡ ἀνάπαυσις... Καὶ εὐθὺς μετὰ τὸ μνημονεύσαι, οὐ ποιεῖ ἀπόλυσιν, ἀλλὰ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, ἀρχεται ὁ διάκονος τὴν ἐκτενήν, εἰ δὲ οὐκ ἔστιν ὁ διάκονος, λέγει ταῦτα ὁ ἱερεὺς οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν ἁγίαν μονὴν ταύτην... τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ μακαρίας κοιμήσεως καὶ αἰωνίας ἀναπαύσεως τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου... τὸ Κύριε ἐλέησον Ν'. Ἐπάκουσον ἡμῶν ὁ Θεός... Καὶ εὐθὺς Δόξα σοι, Χριστὲ ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς ἡμῶν δόξα σοι, Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον, δέσποτα ἅγιε, εὐλόγησον. Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων ἐξουσιάζων Χριστὸς ὁ ἀληθινός... τῶν ὁσίων καὶ

¹⁾ Текстъ этой молитвы весьма испорченъ.

θεοφόρων πατέρων ἡμῶν, τοῦ ἁγίου καὶ δικαίου τετραήμερου Λαζάρου καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ ἐξ ἡμῶν μεταστάντος... Καὶ ψάλλουσι τὸ Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιομακάριστε τάδε καὶ αἰμένηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν, ἐκ γ'. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεὸς μακαρίσοι καὶ ἀναπαύσοι αὐτόν, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται, καὶ ἡμᾶς ἐλεήσει, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος. Καὶ μετὰ τὴν ἀπόλυσιν, ποιῶμεν καὶ μετανοίας ιβ'. ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος ἀδελφοῦ ἡμῶν, ὅσοι ὑπάρχωμεν ἐν τῷ μνήματι, λέγοντες· Ἀνάπαυσον, Κύριε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου τοῦδε, καὶ οὕτως ἀπερχόμεθα ἐν ταῖς κελλίοις ἡμῶν.

λ. 119 οβ. Διονυσίου μυστήριον περὶ τῶν ἱερῶν κεκοιμημένων· Συναγωγὴν ὁ ἱεράρχης ἱερὸν χορόν, εἰ μὲν ἱερατικῆς ἐγεγόνει τάξεως ὁ κεκοιμημένος, ἐπίπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου κατακλίνας αὐτὸν ἀπάρχεται τῆς πρὸς Θεὸν εὐχαριστίας. Mign. Patrol. Curs. complet. t. III col. 573.

LXX. Σχηματολόγιον Θεοδώρου ὁμολογητοῦ, ἡγουμένου τοῦ τῶν Στουδίου. Изъ рукописи XV в. № 604 Аѳон-Пантелеимоновскаго русскаго монастыря.

λ. 1. Ἀκολουθία εἰς ῥασοφόρον. Εἰσέρχεται εἰς τὸν ναὸν καὶ ποιεῖ μετανοίας γ'. ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, λεγομένου τοῦ Τρισαγίου, Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. καὶ εὐθὺς τὸν ψαλμόν· Ὁ Θεός, εἰς τὴν βοήθειάν μου πρόσχες... Κύριος φωτισμός μου καὶ Σωτὴρ μου τίνα φοβηθήσομαι... καὶ ὁ Ν. εἶτα τὰ τροπάρια, ἥχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν ἐμῶν, Θεοτόκε... Τὴν πᾶσιν ἐλπίδα μου... Εἰ δέ ἐστι γυνή· Τὸν νυμφίον σου Χριστὸν ἀγαπήσασα, τὴν λαμπάδα σου φαιδρῶς εὐτρεπίσασα, ταῖς ἀρεταῖς διέλαμψας, πανεύφημε... Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι, Κύριε, τὴν ἐν ἀμαρτίαις τὸν βίον ὅλον δαπανήσασαν... Διαπλέων τὸ πέλαγος τῆς παρούσης ζωῆς, ἐνθυμοῦμαι τὴν ἄβυσσον τῶν πολλῶν μου κακῶν... Τῇ Θεοτόκῃ ἐκτενῶς νῦν προσδράμωμεν... Εὐχή, εἰ ἐστὶν ἀνὴρ, ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ἐπαγγελίαις καὶ ἀμεταμέλητος ἐν τοῖς χαρίσμασί σου, καὶ ἄφατος ἐν τῇ φιланθρωπίᾳ σου, ὁ καλέσας τὸ πλάσμα σου κλήσει ἁγία καὶ συναγαγὼν τὸν δοῦλόν σου εἰς τὴν ἀγγελικὴν ταύτην καὶ ἐπουράνιον σου ζωὴν, δὸς αὐτῷ βίον εὐσχήμονα, πολιτείαν ἐνάρετον καὶ πᾶσαν ἐργασίαν, τὴν σοὶ ἀρέσκουσιν, ἵνα ἐν ἁγιασμῷ πολιτευσάμενος, ἄξιος γένηται τῆς λαμπρότητος τῶν ἁγίων καὶ τῆς βασιλείας τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ σοι πρέπει δόξα σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Conf. Geor. p. 411. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν βάλλεται αὐτῷ τὸ ὄνομα καὶ τὸ χαμιλαύχιον, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 2. Ἐτέρα εὐχή εἰς ῥασοφόρον.

Ὁ ἱερεύς· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, ὁ κατὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου ῥυσάμενος τὸν δοῦλόν σου τόνδε... ἀγάπην καὶ πραότητα χάρισαι αὐτῷ διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ Χριστοῦ σου. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμή... Goar. p. 378.

— Ἐτέρα εὐχή εἰς γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας... Goar. p. 382, HO CЪ ПРИБАВКОЮ ВЪ КОНЦѢ: πρὸς τὸ αὐτὴν εὐαρέστως πολιτευσάμενην, ὥς λαμπάδα φέρειν σοι τὴν τῆς σωφροσύνης...

— Εἰς (σ)χῆμα τοῦ μανδυώτου.

Εἰς τὴν λειτουργίαν, εἰς τὴν εἴσοδον εἰσφέρουσι τὸν μέλλοντα ἀποκαρῆναι ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν εἴσοδον, ἴσῃσι καὶ ἀνακρίνει αὐτὸν ὁ ἱερεύς, λέγων. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, καταλιμπάνεις τὸν βίον, σωθῆναι θέλων; Ἀπόκρισις· Ναί, δι' εὐχῶν σου, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Βλέπε σεαυτὸν, περίσφιζον τὸν νοῦν σου ἀπὸ πάσης φαντασίας, ἀπόρριψον ἀπὸ σοῦ πᾶσαν ἡδονὴν σαρκικὴν, ἀπόθου πάντα τὰ ἔθνη τοῦ κόσμου. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, μονάσαι παραγέγονας; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεύς· Μονάσόν σου τὴν ψυχὴν ἀπὸ πάσης φροντίδος, τῶν ἐν τῷ οἴκῳ σου ὑπαρχόντων, μηδαμῶς τοῦ λοιποῦ μεριμνῆσαι ὀφείλων, ὧν νῦν ἔασαι βούλει πραγμάτων ἢ πατρός, ἢ μητρός, ἢ γυναικός, ἀδελφοῦ τε, ἢ ἀδελφῆς, ἢ τέκνων, ἢ τῶν λοιπῶν συγγενῶν. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, τὸν μονήρην ἐλήλυθας ἀσκήσαι βίον; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεύς· Δίωξον ἀπὸ τῆς καρδίας σου τῶν βρωμάτων τὰ ἡδέα... см. выше стр. 508 καὶ τὰ τούτοις ὅμοια. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, τὴν ἀγγελικὴν ποθεῖς πραγματεύσασθαι πολιτείαν; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεύς· Γύμνωσον σεαυτὸν ἀπὸ πάντων τῶν γηγῆνων πραγμάτων... см. выше стр. 508—509 καὶ περὶ τὴν τῶν ἔργων σπουδὴν, τὴν χαμαικοιτίαν, τὴν ἀγρυπνίαν, τὴν τοῦ σάκκου στολήν. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, τὸν θόρυβον τοῦ βίου ἐμίσησας; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεύς· Αναλάβου πραότητα καὶ ὑπομονήν, λέγω δὴ τὴν ἀδιάστροφον λόγῳ τε καὶ ἔργῳ, καὶ τὰ χρήματα ἀπόθου, καὶ πόθησον τὴν ἀκτημοσύνην (τὴν) τῆς δικαιοσύνης μητέρα. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, ἡρεμῖσαι ζητεῖς; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεύς· Ἠρέμισόν σου τοὺς ἀτάκτους λογισμοὺς καὶ φιλοκάλησόν σου τὴν πρόθεσιν ἐκ τῶν οἰκείων λογισμῶν, τῶν φθειρόντων τὸν ἐντὸς ἡμῶν ἀνθρωπον, ἡμέρωσόν σου τὴν ψυχὴν καὶ τὸν νοῦν, ὥς εὐθεῖα γῆ, καταβαλλομένη τὰ τῶν θείων Γραφῶν λόγια, ἅπερ εἰσὶ σωτηρίας σπέρματα, πνευματικὴ τροφή, ἵνα οὕτως ὁδηγηθῇς δι' αὐτῶν εἰς αὐτῶν τὴν γνῶ-

σιν· ὥσπερ γὰρ οὐδὲν ὠφελήσει ἄνθρωπος, ρίπτων σπέρματα ἐν τόπῳ χερσῶδει, ἐν ᾧ τῶν ἀγρίων βοτανῶν αἱ ρίζαι ἀποπνίγουσι τὸν σῖτον, καθὰ φησιν ἐν εὐαγγελίοις ὁ Κύριος· τὸν αὐτὸν δὴ τρόπον οὐδὲν ὀνήσουσι, τῶν ἀγίων Γραφῶν οἱ λόγοι εἰς ψυχὴν, ἐν ᾗ τυγχάνουσι τῶν ἀγρίων βοτανῶν αἱ ρίζαι, λέγω δὴ ἐπιθυμία ἡδονῆς, σαρκὸς ἐπιθυμία, πλούτου ἐπιθυμία, βρωμάτων ἐπιθυμία φιλαργίας καὶ τῶν παραπλησίων αὐτῶν. Сн. выше стр. 509 и прим. 3 и 4. Ἐρώτησις· Ἀδελφέ μου, ἐπὶ σωτηρίᾳ τῆς σῆς ψυχῆς παραγέγονας; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεὺς· Προσέδραμες τῷ Σωτῆρι ἡμῶν Χριστῷ καὶ ἀγάπησον αὐτὸν ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς σου καὶ ἐξ ὅλης τῆς διανοίας σου, ἀποδιόμενος πάντα τὸν κόσμον· ὅρα μὴ ἔγκειται τι τῶν εἰρημένων παθῶν ἐν τῇ σῇ καρδίᾳ καὶ γένηται σοι ἄργον τὸ ἐπιχείρημα, καθαρὸς ἐστὶν ὁ νυμφίος, καθαρεύειν θέλει καὶ τὰς ψυχὰς τῶν προσερχομένων αὐτῷ ἀπὸ πάσης ἐπιθυμίας, ἵνα τούτων ἀπεχόμενος, γένηται πνευματικὸς. Βλέπε οὖν, ἀδελφέ μου, καὶ καθαρᾷ τῇ διανοίᾳ πρόσελθε, μὴ ἐν δισταγμῷ τι ἐνδοθῇς τὴν νυμφικὴν στολήν, ἵνα ὁρῶν σου τὸ πρόθυμον ὁ Νυμφίος κατατάξῃ σε εἰς τοὺς τῶν ἀγγέλων χορούς, ὧν γένοιτο πάντας ἡμᾶς ἀξιωθῆναι διὰ τῆς χάριτος καὶ ἀγάπης τοῦ νυμφίου Χριστοῦ, πρεσβεΐαις τῆς ὑπερενδόξου ἁγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, νῦν καὶ αἰεί... Сн. выше стр. 509—510. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς ἐκφώνως εἰς ἐπήκοον πάντων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόσους σου εἶναι νομοθετήσας... Goar. p. 380. Ἐτέρα εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπιζόντων εἰς σέ... Goar. p. 385. Καὶ εὐθὺς τίθησιν ὁ ἱερεὺς τὸ φαλλίδιον ἐπὶ τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, καὶ παραδίδωσιν ὁ ἱερεὺς τῷ κεῖραι μέλλοντι γ'. καὶ κουρεύει αὐτόν, λέγων οὕτως, ὁ δὲ κείρεσθαι μέλλον, ποιεῖ πρῶτον μετανοίας γ'. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς εἰς ἐπήκοον πάντων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὅδε, κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ... Goar. p. 386 εἰπόμεν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. καὶ φάλλουν τροπάριον, ἦχος δ'. Ἡνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἡ μόνη ἁγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος... Εἶτα βάλλεται τὸν μανδύαν, λέγει οὕτως· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὅδε λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ σχήματος τῶν ἁγίων ἀποστόλων, τὸν ἄρραβῶνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰπόμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν. Goar. p. 379. Далѣе въ рукописи, кажется, пропускъ. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν ὅδε ὑγείας, σωτηρίας καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ, καὶ ἀποθέσεως τῶν

τριχῶν, εἶπωμεν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παν-
αγίας. . Ὅτι ἅγιος εἷ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Δόξα καὶ νῦν, Τὴν τιμιωτέραν...
Ἐν ὀνόματι Κυρίου εὐλόγησον. Ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεός, οἰκτειρῆσαι ἡμᾶς...
Καὶ γίνεται ἀπόδουσις.

λ. 4. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ μεγάλου σχήματος, αὐ-
τοῦ γινομένου τῶν Στουδίου.

Ὅποτε μέλλει γενέσθαι μοναχός, εἰσφέρουσι τὴν πᾶσαν αὐτοῦ ἔν-
δυσιν εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον καὶ ἀποτίθουσιν ἐν τῷ θαλασσηδίῳ τῆς
ἀγίας τραπέζης, καὶ ψάλλεται ἐν τῷ ἀποδείπνῳ ἡ ἀκολουθία αὕτη· Μετὰ
τὸν Ν'. τὸν κανόνα. Ὠδὴ α'. ἤχος β'. Δεῦτε, λαοί... Ἐπὶ τὴν σὴν φι-
λανθρωπίαν... Канонъ тотъ же, что напечатанъ у Гоара pag.
403—406, но съ нѣкоторыми незначительными особенностями.
Такъ, напр., въ первой пѣсни не достаесть 3 стиха, въ третьей—
четвертаго, въ четвертой—третьяго, въ пятой—четвертаго, въ седь-
мой—третьяго, въ осьмой—второго и въ девятой—третьяго. Сѣ-
даленъ имѣется такой: ἤχος πλ. β'. Ψυχὴν καὶ σάρκα τῷ Θεῷ πί-
σται ἁκλινεῖ... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν... По шестой пѣсни, кон-
τάκιον, ἤχος δ'. Ὡς ἀπαρχάς. Ὁ ἐκ τοῦ βίου σήμερον πρὸς νοσητὸν πα-
ράδεισον τὴν κατοικίαν ποιήσας, εὐσπλαγχνε... Ὁ οἶκος· Τοῖς τοῦ κόσ-
μου терпνοῖς ἐνητένιζον... Καὶ εὐθὺς (т. е. послѣ канона) τὰ τροπά-
ρια ταῦτα, ἤχος β'. Πρὸς τὸ Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πίστει προσερχόμενος
πρὸς σέ, Δέσποτα. Goar. p. 405—406. Εἰς τὴν λειτουργίαν, ψάλλονται
οἱ μακαρισμοί. Goar. p. 414 not d. съ прибавкою одной стихирѣ:
Πάντων τῶν προσχαίρων καὶ φθαρτῶν κατεφρονήσατε... Далѣе нѣсколь-
кихъ листовъ не достаесть. (Πρά)σσοντας καὶ ῥιζοῦν ἄρχεται ἐν αὐ-
τοῖς ὁ τῶν ψυχῶν φθορεὺς... Goar. p. 408 (это окончание огласи-
тельной молитвы: Влѣте τέκνον). Ἐκφώνησις· Ταῦτα πάντα οὕτως κα-
θομολογεῖς ἐπ' ἐλπίδι δυνάμεως... pag. 409. Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πά-
τερ. Ἐτέρα εὐχή. Ὁ ἱερεὺς· Ὁ πανοικτίρμων Θεός καὶ πολυέλεος...
ἀξιῶν σε καὶ τῆς μερίδος τῶν ἁγίων καὶ ὁσίων πατέρων ἡμῶν Ἀντω-
νίου, Παχωμίου, Εὐθυμίου, Σάββα, Θεοδοσίου, Μελετίου, Ἐφραίμ καὶ τῶν
σὺν αὐτῷ, μεθ' ὧν κληρονομήσατε τὴν ἡτοιμασμένην ὑμῖν βασιλείαν ἐν οὐ-
ρανοῖς. Ἐκφωνοῦντος· Σὺ γάρ εἷ, ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ διαμένει σοι ἡ
βασιλεῖα καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Goar. p. 409. Ἐῖτα λαμβά-
νεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἴσταται ἔξωθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ προσ-
κυνεῖται πρῶτον ὁ λαβὼν τὸ ἅγιον σχῆμα, καὶ ἀσπάζεται τὸν ἡγούμενον
καὶ πάντας, ὁμοίως οἱ ἀδελφοὶ πάντες τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ αὐτόν.
Ἐν δὲ τῷ ἀσπασμῷ ψάλλομεν τροπάριον ἤχος α'. Ἐπιγνώμεν, ἀδελφοί,

τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν. *Goar. p. 414.* Καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τρίτον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν καὶ βάλλει μετάνοιαν, καὶ οὐκ ἀνίσταται ἄχρι τῆς πληρώσεως τῆς εὐχῆς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εἰς ἐπήκοον πάντων Ὁ ὢν Δέσποτα παντοκράτωρ... *Goar. p. 409.* Εἰρήνην πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται εἰς ἐπήκοον παντων Ἅγιε Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. *Goar. p. 410.* Καὶ σφραγίζων τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει οὕτως· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, οὐ τίθημι τὴν χειρὰ μου ἐγὼ ὁ ἁμαρτωλός, ἀλλὰ τὴν σὴν κραταίαν χεῖρα καὶ τὸν βραχίονά σου τὸν ὑψηλόν ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου τοῦτον, καὶ δέομαι τοῖς σοῖς οἰκτιρμοῖς, πρόσδεξι αὐτόν, ἐν μετανοίᾳ προσερχόμενον ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ, ὁλοκαύτωμα λογικόν, θυμιάμα πνευματικόν, λατρείαν ἐκούσιον, καὶ ἔγγραφον τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν βιβλῷ ζωῆς, κοινωνόν καὶ κληρονόμον δεικνύων μετὰ τῶν ἐκλεκτῶν σου τῆς ἐπουρανίου σου βασιλείας, ὁ ἐνδύων αὐτόν χιτῶνα δικαιοσύνης, ζῶσον αὐτόν τὴν ζώνην τῆς σωφροσύνης, περίβης αὐτόν τοῦ ζωοποιοῦ σου σταυροῦ τὴν χάριν, καθόπλισον αὐτόν τὴν τούτου δυναστείαν, περίβαλε αὐτόν στολὴν ἀφθαρσίας, τοὺς πόδας αὐτοῦ ὑπόδησον ἐν ἐτοιμασίᾳ τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, τὸ φρόνημα αὐτοῦ κάθιστον ἀπὸ ἀκαθάρτων ἐπιθυμιῶν, ῥύσαι αὐτόν ἀπὸ φαντασμάτων νυκτερινῶν καὶ μεθμερινῶν, λογισμῶν πονηρῶν, ἀπέλασον ἀπὸ τῆς καρδίας αὐτοῦ πᾶν ψεῦδος, πάντα δόλον, πᾶσαν πλεονεξίαν, πᾶσαν κίνησιν σαρκὸς καὶ πνεύματος ἀπηλλοτριωμένην τοῦ σοῦ θελήματος, ποιήσον αὐτόν πρόβατον τῆς τῶν σωζομένων ποιμένης, ἔνθα εὐφραينوμένων καὶ ἑορταζόντων ἡχος ἀναπέμπεται σοι τῷ φιλανθρώπῳ Θεῷ. Ὅτι σὺ εἶ, ὁ Θεὸς Κύριος καὶ Πατὴρ τῶν ὀρφανῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Καὶ ποιήσας σταυροῦ τύπον ἐπάνω αὐτοῦ, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Καὶ τίθησι τὸ φαλλίδιον ἄνω εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, παραδίδων ὁ μέλλων κείρεσθαι τῷ ἱερεὶ γ', ποιοῦντι μετὰ τοῦ φαλλιδίου καὶ σταυροῦς γ'. Ὁ ἱερεὺς λέγων οὕτως· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἁοράτως πάρεστι... *Goar. p. 410* ἐπὶ τοῦτο τὸ ἀγγελολοιγὸν ἐπάγγελμα. Βλέπε, ὅτι σὺ ἐξ οἰκείας προθέσεως θέλεις λαβεῖν τὸ ἀγγελικὸν τοῦτο καὶ ἅγιον σχῆμα. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ φαλλίδιον ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ μελλοχειρομένου καὶ λέγει· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ... Καὶ εὐθὺς πέρνει ὁ ἱερεὺς τὸ φαλλίδιον, λέγει μετὰ ζεοῦσης καρδίας μεγαλοφώνως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ κουρεῖ αὐτόν σταυροειδῶς, λέγων οὕτως, μετονομάζων κατὰ τὸ στοιχεῖον τοῦ ἁγίου ὀνόματος· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁδὸς κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς... Τὸ Κύριε

ἐλέησον γ'. Καὶ κουρεύουσιν αὐτόν, συνάπτων ὁ ἱερεὺς τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως... η τ. λ. Goar. p. 413. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου καὶ τὰ προκείμενα τοῦ ἀποστόλου· Κύριος φωτισμός μου... Στίχος· Κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου. Πρὸς Κολοσσαεῖς ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε, ὡς ἐκλεκτοὶ τοῦ Θεοῦ ἅγιοι... Τέλος· ἄδοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος, ὁ φιλῶν πατέρα ἡ μητέρα ὑπὲρ ἐμέ. Goar. p. 413. Τροπάρια· Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα πεπλήρωκας p. 415. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότη... Δόξα καὶ νῦν, Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν διὰ φιλανθρωπίαν... Goar. p. 415. Εἰσελθόντος εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ἐνδύει αὐτόν ὁ ἀνάδοχος, εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως εἰς ἕκαστον καὶ λέγοντος ταῦτα εἰς τὸ ἱμάτιον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁδε ἐνδύεται τὸν χιτῶνα τῆς δικαιοσύνης... Πάλιν εὐλογεῖ τὸ κουκούλιον καὶ λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁδε ἐνδύεται τὸ κουκούλιον τῆς ἀκακίας... Εἰς τὸν ἀνάλαβον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁδε λαμβάνει τὸν ἀνάλαβον, τῷ σταυρῷ τειχιζόμενος καὶ τῇ πίστει κατακοσμούμενος, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἰς τὸν λῶρον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁδε περιζώννυται τὴν ὁσφύν... Εἰς τὸν μανδύαν· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁδε λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Εἰς τὰ σανδάλια· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁδε ὑποδύεται τὰ σανδάλια τῆς ἐτοιμασίας... Τοῦτο λέγει ὕστερον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν οὕτως ἔλαβε τὸ ἅγιον καὶ ἀγγελικὸν σχῆμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, εἰπωμεν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ. Τροπάρια· Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας... Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Μονογενές, ὁμοούσιον, τῷ Πατρί σου καὶ τῷ Πνεύματι, ὁ ἐκ Παρθένου σαρκωθείς ἐλέησον ἡμᾶς. Conf. Goar. pag. 411. Εὐχῆς λεγομένης· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς παραγγελίαις σου... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Κύριε ὁ Θεός, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου... Goar. pag. 411—412. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ἀποκρίναι αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Ὑπέλαβες τὴν στολὴν τῶν ἁγίων ἀποστόλων· Ἀπόκρισις· Ὑπέλαβον δι' εὐχῶν σου, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ὑπέλαβες τὴν ἀγνεῖαν τῆς παρθενίας· Ἀπόκρισις· Ὑπέλαβον δι' εὐχῶν σου, τίμιε πάτερ. Ὁ ἱερεὺς, ἐκτείνων τὴν χεῖρα, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ, ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία, ἀληθῶς δόξα σοι, ἀθάνατε βασιλεῦ σὺν τῷ μονογενεῖ σου Υἱῷ καὶ τῷ Πνεύματι σου τῷ ἁγίῳ, ὅτι οὐ θελήσει θελήσῃς τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὥς

τὸ ἐπιστρέψαι καὶ ζῆν αὐτόν, ὅθεν καὶ νῦν πάντα¹⁾ εἰς καλὸν ἐνήργησας τῇ πανηγύρει ταύτῃ²⁾, ὅτι ἐνεκαίνισας τὸν δοῦλόν σου τοῦτον³⁾ πρόσφατον ὁδὸν σωτηρίας, καὶ χαίρουσιν ἐπ' αὐτῷ ἄγγελοι, ἀγάλλονται δίκαιοι, εὐφραχνόμεθα καὶ ἡμεῖς πάντες⁴⁾ ἄνθρωποι, καὶ δοξάζομεν τὸ πανάγιον ὄνομά⁵⁾ σου, ἀλλ' ἐπάκουσόν μου, Κύριε, Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ καὶ πάσης δόξης, καὶ πρόσδεξαι αὐτόν ἐν τῇ μερίδει τῶν ἐκλεκτῶν σου, ἐν τῇ βίβλῃ τῶν ζώντων, καὶ ἔστωσαν οἱ ὀφθαλμοί σου ἀνεωγμένοι καὶ τὰ ὦτα σου προσέχοντα εἰς τὴν φωνὴν τῆς δεήσεως αὐτοῦ, ὅπερ ἐν πάσῃ ὥρᾳ καὶ ἐν παντὶ πειρασμῷ βοῶντος αὐτοῦ πρὸς σὲ τὸν οἰκτίρμονα Δεσπότην μὴ ἀποστραφεῖν τεταπεινωμένους καὶ κατησχυμένους, ἀλλ' ἵνα εὕρηται χάριν καὶ ἔλεος εἰς εὐχαίρον βοήθειαν καὶ ἀκούσῃ τῆς μακαρίας φωνῆς τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν τῆς λεγουσῆς πᾶσι τοῖς ἀξίοις· Δεδτε οἱ εὐλογημένοι τοῦ Πατρὸς μου, κληρονομήσατε τὴν ἡτοιμασμένην ἡμῖν βασιλείαν ἐν τοῖς οὐρανοῖς· Σὺ γὰρ εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ διαμένει σου ἡ βασιλεία. Καὶ λαμβάνει τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἀσπάσας αὐτὸ ὁ ἱερεὺς πρῶτον καὶ οἱ λοιποὶ ἀδελφοί, ψάλλουσι τὸ τροπάριον εἰς ἧχον α'. Ἐπέγνωμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... *Goar. p. 387.* ἦχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πολυέλεε Θεέ, μακρόθυμε Κύριε, ὁ δωρησάμενος τῷ δούλῳ σου διὰ τῆς ἀναλήψεως τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος. *Goar. p. 419.* Καὶ ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἐν ἀσκήσει βιωσάντων... *Goar. p. 420.* Σὺ γὰρ εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εὐχή, λεγομένη ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ κειρομένου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ τὴν νεολαίαν κεφαλὴν... *p. 419* ἐκ πάσης ἐπιβουλῆς ὁρατῆς τε καὶ ἀοράτου. Ἀγαθὲ φιλάνθρωπε Κύριε, συνάριθμον ποίησον τὸν δοῦλόν σου τοῦτον τῆς ἱεράς σου ποιμνῆς καὶ τοῦ χοροῦ τῶν φρονίμων παρθένων, καταξιῶν μετὰ παιδρᾶς τῆς λαμπάδος, ἀνεπαισχύντῳ προσώπῳ, πεφωτισμένῃ καρδίᾳ ὑπαντῆσαί σοι Χριστῷ τῷ Θεῷ ἡμῶν καὶ τῆς ἐπουρανίου σου τυχεῖν βασιλείας. Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρμῶν καὶ φιλάνθρωπίας ὑπάρχεις. Καὶ ποιῶν σφραγίδας γ'. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν, ἀποκουκουλίζει αὐτόν, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἴτα ἀσπάζεται καὶ ἀπολύει

1) Εὐχολόγ. πατριαρχ. διβλ. въ Iерусал. XV в. № 273 πάντες οἱ καλῶς συνεργοῦντες 2) τῇ πνευματικῇ 3) τὸν διὰ τοῦ ἀγγελικοῦ καὶ θεοῦ σχήματος ἐπικληθέντα ὁ δεῖνα 4) οἱ ὁρῶντες αὐτόν καὶ δοξάζομέν σου τὸ 5) τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεί...

αὐτόν, λέγων· Μεθ' ἡμῶν ὁ Θεὸς πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

л. 9. Ἐἰς μοναχούς (чинъ погребенія).

Εὐλογητός εἶ, Κύριε. Μακάριοι οἱ ἄμωμοι... 17 καθισμα. Εὐλογητός εἶ, Κύριε... Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς εὗρε πηγὴν τῆς ζωῆς... Συναπτὴν μνημονεύων ὁ ἱερεὺς, εἶτα καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Μνήσθητι, εὐσπλαγχνε, καὶ ἡμῶν... Goar. p. 445. Δόξα, Ἀναρχὸν Πατέρα καὶ τὸν ἰὸν συνάναρχον... Καὶ νῦν, Δέσποινα Παρθένε, ἡ τὸν Θεὸν ἀσπύτως τεκούσα... Οἱ ἀναβιβαστοὶ, ἡχος α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαι... Антифимъ вѣстѣ съ стихирами 1ѣже, что и у Гоара напечатаны pag. 439—444, по съ ошущеніемъ третьей стихирѣ во всѣхъ антифонахъ. Μακαρία ἡ ὁδός, ἐν ᾗ πορεύῃ σήμερον... Ἐπίστρεψον, ψυχὴ μου... Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολή· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγγίγερται ἐκ νεκρῶν, ἀπρχὴ τῶν κεκοιμημένων... Τέλος· Ἰνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Ἀλληλουια, Μακάριοι, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην. Goar. p. 430. Εἶτα γίνεται ὁ ἀσπασμός, τοῦ δὲ γενομένου, φάλλονται τὰ τροπάρια ταῦτα, ἡχος β'. πρὸς τὸ Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί... Πάντα τὰ τοῦ σώματός μου νῦν ὄργανα ἀργά... Ὁμοιον· Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων τῆς πλάνης ἡ δόξα σβέννυται... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὁ ὀδυρμός... Δόξα καὶ νῦν, Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ... Εἶτα λέγει· Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν Goar. p. 431—432, 445. Εἶτα τροπάρια· Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμών... Ἡ αἰδοῖμος φωνὴ τοῦ θεοῦ Δαβίδ... Παντοκράτωρ ὤψιστε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου... Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλόανθρωπε... Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου... Goar. p. 446—447. Τοῦτο λέγει γ'. καὶ ἀπολύει.

л. 15. Μετὰ τὴν ἐκτενὴν· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως τῆς ψυχῆς τοῦ ἐν μακαρίᾳ τῇ μνήμῃ γενομένου αἰμνήστου δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ εὐχή· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Κανὼν, ψαλλόμενος εἰς μοναχοὺς, ἡχος πλ. δ'. Ὑγρὰν διεδεύσας. Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ... Νεότητος παίσματα παρορῶν... Ἦς ἔτυχον δόξης τε καὶ χαρᾶς οἱ τὴν μακαρίαν κεκτημένοι διχωγὴν... Συνέλαβε Λόγον τὸν τοῦ Πατρὸς σαρκί ἐνωθέντα καθ' ὑπόστασιν... Ἔτερα στιχηρὰ εἰς κοσμικοὺς· Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... ἡχος α'. Ποῖα τοῦ βίου τρυφὴ διαμένει λυπῆς ἀμέτοχος... ἡχος β'. Ὡς ἄνθος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται... ἡχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... ἡχος δ'. Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος... πλ. β'. Ἀρχή

μοι καὶ ὑπόστασις, τὸ πλαστοουργόν σου γέγονε πρότυγμα. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν ζωοδότα... πλ. δ'. Θρηγῶ καὶ ὀδυρομαι... Goar. p. 429. Μακαρία ἡ ὁδός... ἀποστολὴ καὶ εὐαγγέλιον, ὅτι γ. Γοαρ. p. 430. Ἰδιόμελον, ἦχος πλ. β'. Ὁρῶντές με ἄφωνον καὶ ἄπνον... Πρεσβυταίς τῆς τεκούσης σε... Goar. p. 432.

λ. 17. Ἐτερος κανὼν, ψαλλόμενος εἰς κοσμικούς, ἦχος πλ. β'. Ὡς ἐν ἡπείρῳ πεζεύσας... Ἐν οὐρανίοις θαλάμοις... Goar. p. 426—428. съ оупищеніемъ сѣдальна и иквса, συναπτὴ (r. e. ποσὶ βῆματα) καὶ ἀπόλουσις. Τέλος.

LXXI. № 364 Εὐχολόγιον, рукопись Папте есмонъ векаго мон. на Афонѣ въ 16 долю листа, 267 листовъ, писана четкою еск. рещью XV в. Приписка писца сѣбѣгующая: Δόξα σοι, ἅγια Τριάς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα. Εὐχου, Δέσποτα, τοῦ ταπεινοῦ καὶ ἁμαρτωλοῦ καὶ μὴ καταράσαι διὰ τοῖς πολλοῖς μου σφάλμασι καὶ τῆς ἀμετρήτου ἀγρυπνίας καὶ ραθυμίας καὶ ἀμελείας καὶ ἀσχημογράφῳ χειρὶ, εἴα διὰ τῶν σῶν εὐχῶν λυτρωθῇ τῆς κολάσεως. Εὐχεσθε ὑπὲρ ἐμοῦ, ἀδελφοί, ὅσοι τόχοιτε ἰδεῖν θείαν καὶ ἱερὰν βίβλον ταύτην. (л. 207 об.)

л. 1. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα ἀρχὴ τοῦ ἀρράβωνος. Начало, въѣ молитвы и ектеѣ тѣже, что выше стр. 459—460. по датѣ пропускъ. Писано начало позднѣйш. мѣ. почеркомъ, отличающ. отъ почерка самой рукописи. Продолжается чинъ: ἐθνῶν ἀναριθμητῶν λαῶν ποιησάμενος, ὁ τὸν Ἰσαὰκ σὺν τῇ Ῥεβέκκᾳ εὐλογήσας, καὶ τὸν τόκον αὐτῶν ἀγιάσας, ὁ τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥαχὴλ συζευξας καὶ τὸν τόκον αὐτῶν εὐλόγησας, ὁ τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσπενὴ συνορμόσας καὶ καρπὸν παιδοποιίας αὐτοῖς τὸν Ἐφραίμ καὶ τὸν Μανασσὴν χαρισάμενος, ὁ ἐκ τῆς ρίζης Ἰεσσαὶ τὸ κατὰ σάρκα βλαστήσας, ὁ τὸν Ζαχαρίαν σὺν τῇ Ἐλισάβετ προσδεξάμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Ὅτι σόν... Goar. p. 316. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα φιλανθρωπε Κυριε. ὁ ἐν τῇ προσφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας ἡμᾶς... См. выше стр. 460, прим. 1—3. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηγημένα συναγαγών. Goar. p. 311. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κυριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν προμνηστευσάμενος... Ibid. m. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ τῶν ἐπουρανίων Θεὸς καὶ τῆς ἐκκλησίας ὑπέρμαχος, τὰ φυτὰ τοῦ παραδείσου εὐξώσας καὶ θέμενος ἐν τῷ παραδείσῳ, εἰτα ἐπιγινούς τὴν ἐσπουτὴ σοφίαν, εἶπεν· Οὐ κалὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐπὶ τῆς γῆς, ποιήσωμεν οὖν βοηθὸν κατ' αὐτοῦ καὶ ἔδωκε τῷ Ἀδάμ ἑκστασιν καὶ ὕπνωσε, καὶ ἔλαβε μίαν ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ, καὶ ὠκοδόμησεν εἰς

γυναίκα, καὶ οὕς ὁ Θεὸς ἔσμιξεν, ἄνθρωπος μὴ χωριζέσθω· θέσθαι οὖν εἰς τὰς καρδίας αὐτῶν ὁμόνοιαν, φιλαδελφίαν καὶ παιδοχωγίας, γῆρας, ἵνα γένωνται, ὡς ἡ ἑλαία κατάκαρπος καὶ ὡς ῥόδον πικάζον ἐν Ἱερικῷ. Εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τοὺς δύο φωστῆρας, τὸν ἥλιον καὶ τὴν σελήνην, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τοὺς δύο χιτῶνας, τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ, εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὴν μεγάλην ἡμέραν τοῦ φωτός· διαφύλαξον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς διεφύλαξας τὸν Ἀβραάμ ἐν τῇ ὀρυτῇ τῇ Μαμβρῇ, διαφύλαξον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς διεφύλαξας τοὺς τρεῖς παῖδας ἐν τῇ καμίνῳ, διαφύλαξον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς διεφύλαξας Δαβὶδ τὸν βασιλέα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ λαβὼν χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς καὶ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ εἰπών· Οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐν τῇ γῇ, ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθὸν κατ' αὐτόν. Καὶ νῦν, Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξαπόστειλον τὴν εὐλογίαν σου τὴν πνευματικὴν ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους τὸν δοῦλόν σου τόνδε καὶ τὴν δούλην σου τήνδε, καὶ δὸς τῇ δούλῃ σου ταύτῃ ἐν πᾶσι ὑποταγῆναι τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς καὶ τῷ δούλῳ τούτῳ εἶναι κεφαλὴν τῆς γυναικὸς αὐτοῦ, καὶ δὸς αὐτοὺς βιώσαι κατὰ τὸ θέλημά σου· καὶ ὡς εὐλόγησας Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ ὡς εὐλόγησας Ἰσαάκ καὶ Ῥεβέκκαν, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ ὡς εὐλόγησας Ἰακώβ καὶ Ῥαχὴλ, εὐλόγησον καὶ τὴν συζυγίαν ταύτην, καὶ ὡς εὐλόγησας τοὺς δώδεκας πατριάρχας, εὐλόγησον καὶ τὴν συζυγίαν ταύτην, καὶ ὡς εὐλόγησας τὸν γάμον ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, εὐλόγησον καὶ τὰ μνηστρα ταῦτα. Ναί, ὁ Θεός, ἐπάκουσόν μου καὶ δώρησαι τοῖς δούλοις σου εὐτεχνίαν καὶ καρπὸν κοιλίας, καὶ τὴν κοίτην αὐτῶν ἀμείαντον διχτήρησον καὶ δὸς αὐτῷ(αῖς) ἀπὸ τῆς ὀρύσου τοῦ οὐρανοῦ ἄνωθεν καὶ ἀπὸ τῆς πίετης τῆς γῆς, καὶ ἔμπλησον αὐτοὺς παντὸς ἀγαθοῦ, καὶ καταλότμησον αὐτούς ἐν πάσῃ σωφροσύνῃ καὶ φόβῳ Θεοῦ, ἵνα καὶ διὰ τῶν δούλων σου τούτων δοξάζηται σοι τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Сп. вѣщаніе. 183. Еѡχол. Голг. р. 316. Χρή γινώσκειν, ἂν μνηστρα πατήσης μόνον, περὰ διδεις τὴν νόμφην τοῦ ἀνδρός καὶ λέγεις αὐτῷ· Πράλλαβε, ἄνερ, γυνή (sic), ἂν σοι ἐδωρήσατο ὁ Θεός. Τὴν τιμιωτέραν καὶ ἀπόλουςις.

λ. 6 οἰ. Ἀκολουθία τῶν στεφανωμάτων.

Λαμβάνει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τὰς δεξιὰς χειρὸς καὶ εἰσελθὼν ἐν τῷ ναῷ, φάλλομεν φαιλὸν ρκζ'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι, καὶ εὐ-

θύς ὁ ἱερεὺς ἄρχεται, εὐλογητόν· Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ἐν εἰρήνῃ...
 Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ
 τοῦ δούλου Θεοῦ... Ὑπὲρ τῶν νῦν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν...
 Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς
 τίμιον τὸν γάμον... Τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον συνυμναγωγῆσαι αὐτοὺς ἐν
 εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ αὐτοῦ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι
 αὐτοῖς στέφανον τίμιον καὶ ἀμαράντινον, τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι
 αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων... Τῆς παναγίας.. Ἐκφώνησις·
 Ὅτι πρέπει σοι... Εὐχὴ α'. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον
 καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα Gen. p. 317. Εὐχὴ
 β'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα, ὁ τῇ ἀρετῇ καὶ τῇ δυνάμει καὶ
 σοφίᾳ σου τὰ πάντα ποιήσας, ὁ τὸν ἄνθρωπον πλάσας ταῖς ἰδίαις χερσίν,
 ὁ εἰσαγαγὼν αὐτὸν εἰς τὸν κόσμον καὶ τάξας αὐτὸν γεωργόν, καὶ ἔδωκας
 αὐτῷ τροφὴν ζωῆς αἰωνίου καὶ φωτὸς ἀπόλαυσιν· Τούτων δὲ μελλόντων
 προητοιμασθέντων ὑπὸ σοῦ, στεφανοῦσθαι ἐν ἀνθρώποις ἐκέλευσας. Σὺ, Κύ-
 ριε, ἔδωκας γυναῖκα (εἰς) τὸν ἄνθρωπον εἰπὼν αὐτῷ· αὐξάνεσθε καὶ πλη-
 θύνεσθε, καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, καὶ πληθυνθῆναι, ὥς ἡ ἐλαία ἢ κατὰ-
 καρπος καὶ ὡς ἡ ἄμπελος ἡμεῖς ἐδηγούσα ἐν ταῖς κλήτεσιν αὐτῆς, οἱ υἱοί σου,
 ὥς νεόφυτα ἐλαίων κύκλῳ τῆς τραπέζης σου· ἰδοὺ οὕτως εὐλογηθήσεται
 ἄνθρωπος, ὁ φοβούμενος τὸν Κύριον· καὶ δὸς αὐτοῖς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,
 ἐκ τῆς ὁρᾶς τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πίστεως τῆς γῆς, ἐμπλησον τὸν
 οἶκον αὐτῶν σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου καὶ πάσης ἀγαθωσύνης, καὶ δὸς αὐ-
 τοῖς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν
 τὴν αἰώνιον. Ὅτι πρέπει σοι. Εὐχὴ γ'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλο-
 γητός εἷ, Κύριε Δέσποτα παντοκράτωρ. См. выше стр. 461. Καὶ εὐ-
 θύς παραδίδει δι' αὐτοὺς ἀμφοτέρους ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τὰς χεῖρας, λέγει
 οὕτως· Παράλαβε, ἄνερ, γυνή (sic), ἃν σοι ἐδωρήσατο ὁ Θεός. Καὶ ἡ εὐχὴ·
 Δεξιὰ ἄχραντος τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἡ
 πλάσασα τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν· αὕτη ἡ δεξιὰ σου,
 Κύριε, τὸν Μωϋσῆν ἐστρατοπέδευσεν, αὕτη ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, τὸν τυ-
 φλὸν ἐφωταγώγησεν, αὕτη ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, τὸν Μωϋσῆν ἐν ἐρυθρᾷ
 θαλάσσῃ μετ' εὐχαριστίας ὕμνων ᾠδὴν προσκομίζων, ἔλεγεν· Ὑψωθήτω
 ἡ χεὶρ σου, κραταιωθήτω ἡ δεξιὰ σου, Σὺ εἶπας διὰ τοῦ φαλμφοῦ σου
 Δαβὶδ· δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὕψωσε με. Σὺ εἶπας
 Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ· σὺ κληθήσῃς Πέτρος καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκο-
 δόμησάν μου τὴν ἐκκλησίαν, καὶ δώσω σοι κλεῖς τῆς βασιλείας τῶν οὐ-
 ρανῶν, καὶ ὃ ἐὰν δῇσῃς ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται δεδωμένον ἐν τῷ οὐρανῷ.
 Αὐτὸς οὖν, φιλάνθρωπε Κύριε βασιλεῦ, παραγενοῦ ἐν τῇ ὥρᾳ τῇ ἁγίᾳ

σου ταύτη, καὶ στήριξον τὰς δεξιὰς αὐτῶν σώας καὶ εὐτυχεῖς, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ. Сч. рип. 1516 г. Синайск. библ. № 977. Εὐχὴ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ τῶν ἀπάντων Πατὴρ χεῖρα πρὸς χεῖρα διδούς, Ἰησοῦς Χριστὸς ἐστεφάνωσεν.... См. выше стр. 462—463 въ примѣч. Κεὶ εὐθὺς λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα, στέφει αὐτοὺς γ'. λέγει οὕτως· Ὁ Πατὴρ στέφει, ὁ Υἱὸς εὐλογεῖ, τὸ πανάγιον Πνεῦμα ἐπισκιάζει. Λέγει αὐτὸ γ'. Δόξη καὶ τιμὴ στεφάνωσον αὐτοὺς καὶ κατὰστησον αὐτοὺς ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου. Ἐθῆκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν... καὶ ἔδωκας αὐτῷ μακρότητα ἡμερῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος. Καὶ ἡ εὐχὴ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῇ κραταῖᾳ σου χειρὶ, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν ἥλιον καὶ τὴν σεληνὴν, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν χορὸν τῶν ἀποστόλων, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τοὺς ἀγίους σου πάντας, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὴν ἀγίαν σου ἐκκλησίαν, στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν κύκλον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου, σύζευξον αὐτούς ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ, χάρισαι αὐτοῖς, Κύριε, καρπὸν κοιλίας, ἵνα ἴδωσιν υἱοὺς τῶν υἱῶν αὐτῶν, εὐφρανον αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων αὐτῶν, ζωὴν μακροήμερον δώρησαι αὐτοῖς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἵνα πάντοτε θαυμάζουσι σε τὸν μόνον ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν πρεσβείαις τῆς ἀχράντου σου Μητρὸς καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι πρέπει σοι... См. выше стр. 464. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar. p. 318. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπικαλοῦμεθά σε, Κύριε παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλοῦμεν τὸν στερεωτὴν καὶ ἀρρηγόν τῆς σωφροσύνης, τὸν στεφανοῦντα τοὺς παρθενικούς γάμους, τὸν διδόντα σωφροσύνην τοῖς μονογάμοις τοῦ ποθεῖν αὐτοὺς ἄλυπον καὶ ἀσκανδάλιστον (βίον), τὰς συζυγίας αὐτῶν διατελεῖν εὐδόκησον· ἐπὶ σοὶ γὰρ κελίκασι τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς, καὶ σοὺ θέονται καὶ σὲ παρακαλοῦσι· Σὺ γὰρ εἶ ὁ πληρὺ πλάσας τὸν ἄνθρωπον· μόνον ἐπὶ τῆς γῆς, ἐποίησας αὐτὸν βοηθὸν κατ' αὐτοῦ, ἔκστασιν οὖν ὑπὸν κορέσας αὐτόν, ἔλαβες μίαν τῶν πλευρῶν αὐτοῦ καὶ ἀνικοδόμησας γυναῖκα, καθὼς ἐνομοθέτησας ἀπ' ἀρχῆς· καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα καὶ τὴν μητέρα, καὶ προσκολληθήσεται τῇ ἰδίᾳ γυναικὶ καὶ ἔσονται οἱ δύο σὰρξ μία. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, ἐξαπόστειλον τὴν χειρὰ σου ἐξ ἁγίου κατοικητηρίου σου καὶ ἄρμωσον τὸν δοῦλόν σου τόνδε, καὶ τὴν δούλην σου τήνδε, ὅτι παρὰ σοὶ ἄρμόζεται ἀνδρὶ γυνή, σύζευξον αὐτοὺς ἐν εὐφροσύνῃ, στεφάνωσον αὐ-

τοὺς ἐν ἀγάπῃ, ἔνωσον αὐτοὺς εἰς σάρκα μίαν, χάρισαι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας, εὐτεχνίας ἀπόλαυσιν καὶ ἀκατα... Сн. выше стр. 342, 464. Далѣе нѣтъ листовъ. Апостолъ пишѣшииѣ съ копцемъ: καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν. Ἐκκλησιολογία. Ἡ γυνὴ σου, ὡς ἄμπελος... Εὐαγγέλιον пишѣшнее безъ конца. Εἴτα γυρίζει ὁ ἱερεὺς, ὁ λαὸς καὶ οἱ νεόνυμφοι τὸν ἔμπονον (ἄμβωνον) γ'. καὶ ψάλλουσιν· Ἁγιοὶ μάρτυρες... Δόξα σοι, Χριστέ... Ἡσαΐα χόρευε... Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Δόμη ὁμῖν Κύριος ὁ Θεὸς ἐκ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πύκτου τῆς γῆς, ἵνα ἔχουσι καὶ περισσευόμενοι μεταδίδωσιν τοῖς χρεῖαν ἔχουσι, πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς... Сн. выше стр. 466 Εἴτα ἔρχονται καὶ οἱ γονεῖς αὐτῶν καὶ εὐχονται αὐτοῖς, καὶ εὐθὺς Τὴν τιμιωτέραν, Δόξα σοι, Χριστέ... καὶ ἀπολύει· Ὁ ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν τὰς πρεσβείαις τῆς παναχράντου αὐτοῦ... Φυλάττοι ὁ Θεὸς τοὺς νεονύμφους σὺν τοῖς παραινύμφοις εἰς αἰῶνας... στερέωσον τὴν ἀγάπην αὐτῶν.

л. 15. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸν καὶ λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμησά... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ εὐχρασίας... Ὑπὲρ πλεόντων... Ὑπὲρ τῶν δούλων... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χρίσεται αὐτοῖς ἀγάπην... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς πचनाρίας... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ἀδελφοί, ἠκούσατε τὴν εὐαγγελικὴν φωνήν... Сн. выше стр. 466, прим. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοιωσιν... Сн. ркп. 1522 г. Свят.-грот. гробл. № 615. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συναθροίσας τοὺς ἁγίους σου μαθητάς καὶ ἀποστόλους ἐν Ἐφέσῳ καὶ ἐνώσας αὐτοὺς ἐν Πνεύματι ἁγίῳ Сн. выше стр. 467. Καὶ ἀλλάσσει τὰς χεῖρας αὐτῶν. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ Ἰάκωβον καὶ Ἰωάννην, τοὺς υἱοὺς Ζεβεδαίου, οὐκ ἀπηξίωσας ἀδελφοὺς καλεῖσαι, ἀλλὰ καὶ μαθητάς καὶ ἀποστόλους καλεῖσαι αὐτοὺς καὶ ἀναδείξας, Αὐτὸς καὶ νῦν τοὺς δούλους τούτους τοὺς πνευματικῇ ἀγάπῃ ἑαυτοὺς ἀδελφοὺς ὀνομάσαντας ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ... Сн. выше стр. 466—467. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος... Гоуг. р. 707. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπε δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ εἰσχωῦσαι... Ἐπε δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιάνθρωπος... Καὶ πληρώσας τὴν εὐχὴν, ἀπολύει αὐτοὺς καὶ ἀσπάζονται ἀμφοτέρω.

λ. 17 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα τῶν μ'. ἡμερῶν.

Εὐλογητόν, τὸ Τρισάχιον, ὡς συνήθως. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παρὰ γενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τῶν ἀνθρώπων καὶ ἐμφανισθεὶς ταῖς μυροφόροις γυναῖξιν, ἐπιδε ἐπὶ τὴν δούλην σου τὴν δεῖνα καὶ ἀπόπλυνον ἀπ' αὐτῆς τὸν ῥύπον τοῦ σώματος καὶ τὸν σπῖλον τῆς ψυχῆς διὰ τὴν ἄξι-
ξιν τῶν τεσσαράκοντα ἡμερῶν, καὶ ποιήσον αὐτὴν ἁγίαν τῆς εἰσόδου νῦν τῆς δόξης τῆς σῆς μεγαλειότητος. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιον ὑπάρχει τὸ παν-
άγιον... ΟΗ. выше стр. 53. Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συναντήσας ταῖς μυροφόροις γυναῖξιν καὶ εὐλογήσας αὐτάς, Αὐτὸς εὐ-
λόγησον καὶ τὴν δούλην σου τὴν δεῖνα καὶ δὸς αὐτὴν καταφυγεῖν τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν, ἵνα ἀκατακρίτως ἀξιωθῇ μεταλαβεῖν. ΟΗ. выше стр. 176. Καὶ τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει.

λ. 18 οβ. Ἀκολουθία εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η'. ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν· σημειω-
θήτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου... Гоуг. p. 264. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν... Дмитриевскій. Прилож. стр. 19, прим. Ркп. м. Сиб. 661. № 281. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἶ, Κύ-
ριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φυλάσσων τὰ νήπια... Гоуг. p. 265 σόφισον καὶ στήριξον, καὶ τέλειον ἀνάδειξον. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει. Χρεῖε αὐτὸ καὶ ἐλαίῳ ἐκ τῆς κανδήλας.

λ. 19 οβ. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Ἀποδύει αὐτὸν καὶ ἱστησι κατὰ ἀνατολάς, καὶ σφραγίζει ὁ ἱερεὺς μετὰ ἐμψυσήματος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς ἀληθείας. Гоуг. p. 275—276. После молитвы: Κύριε Σαβωῶθ ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ... слѣдуетъ ἀφορκισμὸς δ'. Ἐπίφκνον, Δέσποτα, τὸ πρόσωπόν σου... κα-
ταύγασον αὐτῶν τὴν διάνοιαν, βεβαίωσον αὐτοὺς ἐν τῇ πίστει, στήριξον ἐπ' ἐλπίδι, τελείωσον ἐν ἀγάπῃ, μέλη τίμια ἀνάδειξον τοῦ Χριστοῦ σου, τοῦ δόντος ἑαυτὸν ἀντίλυτρον ὑπὲρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Ὅτι σὺ εἶ ὁ φω-
τισμὸς τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Conf. Гоуг. p. 165. Εὐχὴ μετὰ τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον πρὸς ὦραν βαπτιζόμενον· Ὁ ὢν Δέσποτα Κύριε, ὁ ποιήσας ἄνθρωπον κχτ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν. Гоуг. p. 276. Καὶ ἐμψυσᾷ γ'. καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον, καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸν πώγωνα, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ... Καὶ ἀποστρέφει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς ἐπὶ δυσμὰς λέγει· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ и т. д. Τοῦτο λέγει γ'. ὁ ἱερεὺς σὺν τῷ ἀναδόχῳ. Καὶ πάλιν ἐπερωτᾷ αὐτὸν ἐκ

τρίτου· Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Καὶ λέγει· Ἀπεταξάμην. Καὶ ἐμφυσήσας αὐτῷ ὁ ἱερεὺς καὶ πάλιν ἰστᾷ αὐτὸν κατ' ἀνατολὰς λέγει· Καὶ συντάσσομαι τῷ Χριστῷ. Καὶ λέγει· Καὶ πιστεύω εἰς ἓνα Θεὸν Πατέρα. Δέγει αὐτό γ'. καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ ἱερεὺς· Συνεταξώ τὸν Χριστόν; Ἀποκρίνοντος δὲ τοῦ ἀναδόχου, λέγει· Συνεταξάμην. Καὶ λέγει· Καὶ προσκύνησον αὐτόν, καὶ λέγει· Προσκυνῶ Πατέρα Υἱὸν καὶ ἅγιον Πνεῦμα. Οὕτως πάλιν εὐχεται ὁ ἱερεὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου. Goar. p. 278. Καὶ εὐδὺς βάνει τὸ θερμόν, ἄρχεται τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτὸς ἀναφανῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτιζομένους... Ὑπὲρ τοῦ σκευὴ γενέσθαι ἡγιασμένα... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως αὐτοὺς μεταλαμβάνειν τῶν ἀχράντων καὶ ἐπουρανίων μυστηρίων... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι τὴν κολυμβήθραν ταύτην λουτρὸν παλιγγενεσίας καὶ ἀνακαινισμόν Πνεύματος πηγὴν ζωῆς... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτῷ ὕδωρ, ἀλλόμενον εἰς ζωὴν αἰώνιον... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ ἐξ ἁγίων ὕψωμάτων τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτῷ εἰς καθαρισμόν μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀχράντου, ὑπερευλογημένης, ἐνδόξου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου μετὰ πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες ἑαυτοὺς καὶ ἀλλήλους. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ ἐλεῆμων Θεός... Goar. p. 288—290. При словехъ: Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημειώσιν... καὶ φουσᾷ εἰς τὸ ὕδωρ τρίτον καὶ σφραγίζει αὐτό. По окончаніи молитвъ, Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ προσφέρεται τὸ ἔλαιον καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ γ'. καὶ σφραγίζει γ'. καὶ λέγει· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν. Goar. p. 289. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ ἔλαιον καὶ ποιεῖ εἰς τὴν κολυμβήθραν σταυροὺς γ'. ψάλλον τὸ Ἀλληλούια γ'. καὶ λαμβάνει τῷ δακτυλῷ αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ ἐλαίου, καὶ ποιεῖ σταυροὺς ἐπὶ τοῦ μετώπου, καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μετὰφρένων, λέγει· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... καὶ οὕτως ἀλείφει αὐτοῦ ὅλον τὸ σῶμα. Καὶ βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως, λέγει· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν... Καὶ ψάλλομεν· Μακάριοι ὧν ἀφέθησαν... γ'. καὶ ἀλείφει αὐτόν τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν δύο μυκτήρων, καὶ τῶν δύο ὧτων, λέγει δὲ οὕτως· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Εἰς ὑπακοὴν πίστεως. Ἀμήν. Καὶ ἐνδύσας αὐτόν, λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντο-

κράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν. *Goar. p. 290* Εἴτα ψάλλουσι τὸ Ὅσοι εἰς Χριστόν. Καὶ μετὰ ταῦτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων πάντα ἄνθρωπον, εἰς τὸν κόσμον ἐρχόμενον, πάντοτε νῦν καὶ ἀεί. Καὶ σταυρώσας τῇ χειρὶ τὸν βαπτισθέντα, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος. *Goar. p. 303*. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστόν καὶ Θεὸν ὑπέκλινόν σοι σὺν ἡμῖν τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς. *Goar. p. 304*. Καὶ μετὰ τῶν λυθέντων σταυρωμάτων καὶ ὕδατος ἀπονίπτει τὸν βαπτισθέντα, λέγει· Ἐδικαιώθης, ἡγιασθής, ἐφωτίσθης, ἀπελούσθης ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεί. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τῆς τριχοκουρίας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας. *Goar. p. 306*. Καὶ εὐθὺς κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγει· Κείρεται ἡ κόμη τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα πάλιν ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας τῆς σῆς ἀγαθότητος. *Goar. p. 306* καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

л. 31. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Ектенѣя совершѣтъ изъ слѣдующихъ прошеній: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν.. Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ δυνάμει... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτοῖς ἐξ ἁγίων ὕψωμάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ ἁγιασμόν καὶ σωτηρίαν τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἀποτρόπαιον καὶ καθαρτήριον πάσης ἐνεργείας καὶ ἐπιβουλῆς ὀρχτῶν τε καὶ ἀοράτων... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ καὶ καθαρισμόν πάσης νόσου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πᾶσι τοῖς χρηστέοις ἐξ αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τὴν φωνὴν.. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Τῆς πνευματικῆς ἀρχαίας... Ἐκφωνήσεις Ὅτι πρέπει σοι... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν κατὰ ἑαυτὸν (μυστικῶς)· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς... *p. 368* Καὶ εὐθὺς ἀρχεται ὁ ἱερεὺς λαμπρᾶ τῇ φωνῇ τὴν εὐχὴν· Δοξάζομέν σε, Δέσποτα παντοκράτωρ, προαιώνιε βασιλεῦ (на полѣ третон), δοξάζομέν σε τὸν Κτίστην καὶ Δημιουργὸν τῶν ἀπάντων... и дал. *Goar. p. 369*. Дръгнѣ двѣ молитвы тамъ же. Καὶ εὐθὺς καταδύει τὸν τίμιον σταυρὸν ἐν τῷ ἁγίῳ ὕδατι τοῦ Ἰορδάνου, λέγων· Δόξα τῇ ἀγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ καὶ ζωοποιῷ καὶ ἀδικιέτῳ καὶ ἀσυγχύτῳ καὶ ἀκαταλήπτῳ Τριάδι, πάντοτε νῦν καὶ ἀεί. Καὶ τοῦτο λέγει γ'. Καὶ εὐθὺς τροπάριον, ἥχος α'. Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτίζομένου σου, Κύριε... Καὶ ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ τιμίου σταυροῦ

καὶ τοῦ ἁγιάσματος ἁγιάζει πάντας. Μετὰ δὲ τὸ ἁγιασθῆναι, ποιεῖ ἐκτενήν καὶ μνημονεύει πάντας, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 39. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ ἐν ἐκάστου ἀρχῇ μηνός.

Ψάλλομεν τροπάρια, ἥχος πλ. β'. Ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου δεξαμένη... Τίς προστρέχει τῷ ναῷ σου, Θεοτόκε... Ῥῆξον πάντων ὀφλημάτων τὰς σειράς μου, Θεοτόκε... Сн. ркп. 1027 г. Париж. пап. библ. № 213 (Cnisl.) л. 209. Ἡ σὲ τεῖχος καὶ ἐλπίδα καὶ προστατήν, Θεοτόκε, καὶ λιμένα ἔχοντες, ἐκ πάσης βλάβης ἐχθρῶν φυλαχθεῖμεν. Σῶσον, παναγία Θεοτόκε, τοὺς κειμένους πταισμάτων ἐν βάθεισι... Тамъ же. Χαῖρε ὄρος, χαῖρε βάτε, χαῖρε πόλη... Δός, Χριστέ μου.. Ἡ τὸν κτίστην τῶν ἀπάντων... Σὺ εἰ τεῖχος ἀσφαλές καὶ προστασία τῶν πιστῶν σε τιμώντων, πανάμωμε, παντὸς κινδύνου ῥῦσαι τὰς ψυχὰς ἡμῶν.—Πάσης νόσου καὶ φθορᾶς καὶ ἀλγυλῆς καὶ κινδύνου πάντας ἐλευθέρωσον τοὺς σε τιμῶντας αἰεὶ, παμμακάριστε... Τὴν ἐν ζάλῃ πειρασμῶν καὶ τρικυμίας τῶν τοῦ Υἱοῦ πικρῶς κινδυνεύουσαν, Παρθένε, ποίμνην τὴν σὴν διαφύλαττε.—Δόξα, Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν... Καὶ νῦν, Κατὰ χρέως ἐνβοῶμέν σοι. Καὶ εὐθὺς ψάλλομεν τροπάρια, ἥχος πλ. β'. Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν... Ἔτερα τροπάρια, ἥχος πλ. δ'. Νῦν ἐπέστη ὁ κειρὸς... х. т. а. Goar. p. 358—360. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως, τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς φωτισμὸν γνώσεως διὰ τῆς ὁμοουσίου Τριάδος... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ὁ ἱερεὺς μυστικῶς· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός... Goar. p. 368. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται τὴν εὐχὴν μεγαλοφώνως ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῆ βουλῇ. Goar. p. 361. После молитвы на главопреклонение, священникъ καὶ λέγει· Δόξα τῇ ἁγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ... λέγει· Τῶν σῶν δωρεῶν... καὶ ἀπόλυσις.

λ. 44. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἶδους μιανθέντος· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, ὁ μόνος ἅγιος καὶ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος. Goar. в. 483.

λ. 45. Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ ἄλωνα.

Ὁ Θεὸς ὁ τῶν ὄλων ποιητὴς καὶ πάντων δημιουργός Сн. вышн стр. 525. Ἰνα καὶ σὺν ἡμῖν δοξάζουσι τὸ πανάγιον...

— Εὐχὴ ἐπὶ ἱερέως τελευτήσαντος.

Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος τὸν μετ' ἡμῶν συνδουλεύσαντα, ἐξ ἡμῶν δὲ ἐκδημήσαντα ἱερέα, φιλόανθρωπε... Сн. вышн стр. 480, 533

θεραπεύουσι τυχόμεν. Ὅτι σὺ εἴ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάστασις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

л. 45. Апостольскія и евангельскія чтенія, начиная съ Пасхи до недѣли всѣхъ святыхъ.

л. 70. Προκείμενα καὶ ἀλληλουάρια τῶν Ὁκτωήχων τὰ ἄμνημα.

л. 71. Порядокъ воскресныхъ и утреннихъ евангелій.

л. 71 об. Великіе прокимны на пасхальную недѣлю.

л. 72. Апостолы и евангелія на цѣлый годъ по воскресеньямъ.

л. 112 об. Апостольскія и евангельскія чтенія на постъ.

л. 172. Евангелія страстей Христовыхъ.

л. 208. Апостолы и евангелія на праздники цѣлаго года.

л. 267. Апостолы и евангелія надъ мертвыми. Конца въ рукописи не достаеъ.

LXXII. № 972 Εὐχολόγιον, ркп. Синайск. библи. въ 16 долю листа, 430 листовъ, писана четкимъ почеркомъ XV вѣка. Начальныхъ листовъ пять.

л. 1. „Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας“ начинается съ конца прокомидіи. Изложеніе, за весьма незначительными особенностями, сходно съ ркп. Ватоп. библи. № 133. *Н. Красносельцевъ*. „Матеріалы для исторіи чинопоследованія литургіи св. І. Златоустаго“, в. I, стр. 36—78.

л. 10 Параклисисъ въ честь Богоматери.

л. 18. Апостольскія и евангельскія чтенія на годъ.

л. 157 об. 11 утреннихъ евангельскихъ чтеній.

л. 169 об. Εὐχαὶ τοῦ λογιχοῦ. Goar. p. 28—29.

л. 173 об. Εὐχαὶ τοῦ ὁρθρου. Goar. p. 39—42, но опущена девятая молитва.

л. 179 об. Εὐχὴ εἰς θεμέλιον ναοῦ.

л. 180. Εὐχὴ εἰς ὕδωρ μισθέν.

л. 180 об. Εὐχὴ εἰς εὐλόγησιν αἶνου.

л. 181. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

л. 181 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

л. 182. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἶδους μισθέντος.

л. 183. Ἀκολουθία τοῦ βαπτίσματος.

Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως. См. выше стр. 491.

Τῇ δὲ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ πάλιν προσάγεται τῷ ναῷ ἐπὶ τῷ ἐκκλησιασθῆναι... См. Прилож. стр. 7—8, но безъ замѣчанія: „εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, μέλλων εἰσάξει τὴν λεχὼ εἰς τὴν ἐκκλησίαν, вмѣсто котораго въ концѣ чина имѣемъ слѣдующую прибавку: Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, λέγει· Τὸ δὲ παιδίον ἠῤῥαξε καὶ ἐκραταιοῦτο Πνεύματι, καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει αὐτὸ καὶ ἐξέρχεται.

л. 186. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον, ἤγουν βάπτισμα.

Λύει ὁ ἱερεὺς τὴν ζώνην τοῦ μέλλοντος φωτισθῆναι... См. Прилож. 20—21. Отрицанія изложены, какъ въ ркн. М. Сян. библи. № 279. Прилож. стр. 11, но безъ раздѣленій и безъ прибавленія: Συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ βαπτίζομαι. Послѣ ектенѣ прибавлено: εἴτα τὰς εὐχάς.

Τάξις ἑτέρα τῶν εὐχῶν τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, ἃς ποιεῖ ὁ πατριάρχης προηγησαμένων τῶν εἰρημένων, μάλιστα δὲ τῷ μεγάλῳ σαββάτῳ ἑσπέρας. Goar. p. 292—293. Слнч. Прил. стр. 13—15. Въ концѣ разница: Καὶ χρίει αὐτὸν τῷ μύρῳ σταυροειδῶς ἐν τῷ μετώπῳ, ἐν τῷ στήθει, εἰς τὰς ῥίνας, καὶ τὰ ὦτα, τὴν κοιλίαν, τοὺς νεφρούς, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ εὐθὺς οἱ ψάλλται· Ὅσοι εἰς Χριστόν... Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων... Καὶ μεταδίδωσιν αὐτῷ τῶν ἁγίων μυστηρίων καὶ ἀπολύει. Καὶ εὐθὺς ἀπέρχεται ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ, ψαλλόντων τῶν παρεπομένων· Ὅσοι εἰς Χριστόν... Καὶ μεθ' ἡμέρας ἐπτά πάλιν φέρουσιν αὐτὸν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι. Ἐν δὲ τῷ πατριαρχεῖῳ παρὰ τοῦ πατριάρχου, ὡς προεῖρηται, τῷ μεγάλῳ σαββάτῳ γίνεται ἡ βάπτισις. Μετὰ τὴν εὐχὴν τοῦ μύρου, ἀποδύεται τὴν στολὴν τῶν βαπτισμάτων καὶ βάλλει τῆς λειτουργίας, καὶ ἐξέρχεται ἐν τῷ ἀδύτῳ τοῦ βαπτιστηρίου, καὶ τοῦ ψάλτου λέγοντος· Ὅσοι εἰς Χριστόν... χρίει τοὺς βαπτισθέντας τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων, καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῆς κοιλίας, καὶ τῶν νεφρῶν, λέγει· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Καὶ μετὰ τοῦτο συμφάλλων τοῖς λοιποῖς τὸ Μακάριοι ὧν ἀφ' ἐθνήσαν... εἰσέρχεται μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τὴν εἴσοδον καὶ τελειοῦ ἀκολουθίαν τῆς θείας λειτουργίας.

л. 21. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφώτιστον τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ. См. выше стр. 492—493.

л. 201 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῖσαι παιδίον. Тамъ же.

л. 203. Чтенія апостольскія и евангельскія въ честь общихъ святыхъ.

λ. 207. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας. Goar. p. 597—601.

λ. 218. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

λ. 226 οβ. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ. См. выше стр. 285.

λ. 233 οβ. (Λειτουργία) τῶν προηγιασμένων.

λ. 242. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου.

λ. 264. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 247 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

Συναχθέντων ἐπὶ πρεσβυτέρων ἐν ἐκκλησίᾳ ἡ ἐν οἴκῳ, προτίθεται ἐν τῷ μέσῳ τετράπους καὶ ἐπάνω αὐτοῦ σκεδὸς τι ἔχον σῖτον καὶ κανδήλαν μετὰ οἴνου καὶ ἐλαίου, ἐν ἐτέρῳ ἀγγεῖῳ καὶ μοιζίδας ζ'. καὶ εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ψάλλεται ψαλμὸς ρμβ'. Κύριε, εἰσάκουσον, εἴτα τὸ Θεὸς Κύριος, τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας, ὁ Ν'. κανὼν, οὗ ἡ ἀκροστιχίς αὐτῇ· Εὐχὴ ἐλαίου ψαλμὸς ἐξ Ἀρμενίου. Goar. p. 332, στιχηρά, ἦχος δ'. Ἐδωκας τὴν χάριν σου... p. 334—335. Εἴτα προσέρχεται ὁ μέλλων ποιῆσαι τὸ ἅγιον ἔλαιον καὶ ποιεῖ κατὰ ἀνατολὴν μετανοίας γ'. καὶ εἰς τοὺς ἱερεῖς ἐτέρας, λέγει· Εὐλογήσατε, δέσποτα ἅγιοι, συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, εἴ τι ἥμαρτον ἐν λόγῳ, ἐν ἔργῳ, ἐν γνώσει, καὶ εὖξασθε ὑπὲρ ἐμοῦ. Γενομένης δὲ τῆς συγχωρήσεως, σταθεὶς ὁ πρῶτος ἔμπροσθεν τοῦ τετραποδίου, λέγει· Ἐν εἰρήνῃ. Goar. p. 335 καὶ τὴν εὐχὴν· Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς... Ibid. Ὅμοιως λέγουσι ταῦτα καὶ ποιῶσι καὶ οἱ λοιποί, εἴτα θεοτοκία κατ' ἥχον· Μητέρα σε Θεοῦ... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα... Ἐκαστος, ὅπου σώζεται.. Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς... Τὴν ταχεῖαν σου σκέπην καὶ τὴν βοήθειαν... Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν ἐμῶν, Θεοτόκε, πταισμάτων... Ὡς ἔχουσα τὸ συμπαλὲς εἰς τὴν ἀσθένειαν ἡμῶν... Ἡ νοητὴ πύλη τῆς ζωῆς ἡμῶν... Εἴτα λέγει ὁ πρῶτος· Πρόσχωμεν. Прокимны, апостолы, евангелія и молитвы тѣже, что въ ркн. № 473. Дмитріевскіѣ. Прилож. 123—134, прим. Послѣ послѣдней молитвы: „Εὐσπλαγγνε πολυέλεε“... εἴτα ἀλείφεται ὑπὸ τῶν ἱερέων, λεγόντων καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην χαμηλᾷ τῇ φωνῇ· Πάτερ ἅγιε ἱατρέ... καὶ ἀσπάζεται ὁ ἀδελφὸς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον. Ψαλλομένου δὲ τοῦ τροπαρίου τούτου· Τῶν σῶν ὄρωρων καὶ τοῦ ἐτέρου· Πηγὴ ἱαμάτων... συναλείφονται παρ' ἀλλήλων οἱ ἱερεῖς, καὶ ἀλείφουσι καὶ τοὺς παρεστῶτας πάρεξ τοῦ, δι' ὃν τὸ εὐχέλαιον γέγονεν, εἴτα λέγει ὁ πρῶτος· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπι δεόμεθα κατὰ τὸ μέγα ἔλεός σου... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας... Ὅτι ἐλεήμων... Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν, τροπάριον ἦχος δ'. Πηγὴν ἱα-

μάτων ἔχοντες... Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν... Goar. p. 338. Именъ свя-
тыхъ въ молитвѣ нѣтъ.

л. 308. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

л. 309. Ἀκολουθία εἰς кουρὰν мандυώτου. См. выше стр. 276—
278, но въ концѣ имѣеть отличие. Послѣ одѣянія, читается мо-
литва: Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν. . Goar. p. 379 καὶ
ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἅπαντας ἀδελφοὺς καὶ, εἰ μὲν ἔστι λειτουρ-
γία, Δόξα, καὶ λέγει κοντάκιον τῆς ἡμέρας καὶ καθεξῆς τὰ ἕτερα, καὶ εἰ
ἔστι καὶ ὁ ἀδελφὸς ἄξιος, μεταλαμβάνει τῶν θείων μυστηρίων καὶ εἰσο-
δεύει εἰς τὰ ἅγια, εἰ δὲ οὐκ ἔστι λειτουργία, γίνεται ἐκτενὴ καὶ ἀπόλυ-
σις. Ἐἵτα ἀδελφὸς τις куρεύει αὐτόν, ψάλλον τὸν Ἀμωμον. Сн. выше
стр. 416.

л. 316. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше
стр. 278, но послѣ евангелія, какъ выше стр. 259.

л. 342 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀποκουκولیσαι. См. выше стр. 388.
Σημειωτέον εἰς κανονικάς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν
οὕτως ἀγαπήσας... Goar. p. 382.

л. 344. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ. См. выше стр. 282, но въ
концѣ, послѣ евангелія, имѣеть нѣсколько иныхъ стихиръ.

л. 369. Ἀκολουθία εἰς μνημόсyна νεκρῶν. Чинъ панихиды съ
канономъ: Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Ληριστοῦ.

л. 375. Апостольскія и евангельскія чтенія.

л. 407 об. Ἀκολουθία τῆς ἀνομβρίας (неокончено).

л. 408. Молитвы надъ сосудомъ съ виномъ и др.

л. 409. Εὐχὴ ἐπὶ τρυγητοῦ ἀμπέλου.

л. 409 об. Εὐχὴ ἐπὶ ψυχοῤῥαγοῦντα.

л. 410. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίαν οἴκου.

л. 410 об. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

л. 411. Εὐχὴ ἐπὶ πυρεττόντων.

л. 411. Εὐχὴ ἐπὶ λογισμῶν αἰσχυρῶν.

л. 412. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν κολύβοις ἁγίων μνήμης.

л. 412 об. Εὐχὴ ἐπὶ πλεόντων.

— Εὐχὴ εἰς τὸ κατασκευᾶσαι πλοῖον.

л. 413. Εὐχὴ εἰς ἄγραν ἰχθύων.

л. 413 об. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι.

л. 414. Εὐχὴ ἐπὶ σειсмоῦ.

л. 415. Εὐχὴ ἐπὶ μεταλαμβάνοντας, λεγομένη πρὸ τῆς ἁγίας με-
ταλήψεως.

л. 417. Εὐχή ἐπὶ πᾶν εἶδος ἀρρώστιας.

— Εὐχή ἐπὶ βρώμασι σκανδαλισθέντων.

л. 417 об. Εὐχή ἐπὶ ὀρύξει φρέατος καὶ βρύσεως.

л. 418. Εὐχή ἐπὶ ἀνομβρίας. 3 молитвы.

л. 420. Εὐχή ἐπὶ μιαιοφαγήσαντας

л. 420 об. Εὐχή εἰς ἀδελφοποίησιν.

л. 421. Εὐχή ἐπὶ τῶν μετανοούντων καὶ εἰς ἐξαφορισμὸν τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Υἱὸς τοῦ Πατρὸς, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου... Goar. p. 536.

л. 422. Εὐχή ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπό τινων ἀφοριζομένων, ἡ λόγῳ δεσμευόντων.

л. 423. Εὐχή ἐπὶ τῶν προπετῶς ὀμνούντων.

— Εὐχή ἐπὶ σπόρου ἀρχῆς.

л. 423 об. Εὐχή ἐπὶ θέρους.

л. 424. Εὐχή εἰς ἄλωνα.

— Εὐχή ἐπὶ τοῖς ἀπὸ ἐχθρας εἰρηνεύουσιν.

л. 425. Ἀκολουθία εἰς ψυχοῤῥαγοῦσαν καὶ κρινομένην ψυχὴν καὶ δεῖ λῖαν ἐξελθεῖν ἐκ τοῦ σώματος. Goar. p. 585—587.

л. 428. Εὐχή εἰς τεκνοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἡγαπημένου Παιδὸς σου, Κυρίου δὲ ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... p. 561.

л. 429. Апостолъ и евангеліе на канунѣ Рождества Христова.

LXXIII. № 988. Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ ἀγίῳ, περιέχον τὴν ἀπασαν ἀκολουθίαν τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ. Ркп. той же библ. въ 4 долю, 261 листъ, писана четкимъ почеркомъ XV в.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λογιχοῦ, ἃς λέγει μυστικῶς ὁ ἱερεὺς.

Молитвъ девять и десятая на главопреклоненіе. На пятомъ мѣстѣ стоитъ молитва: Εὐλογητός εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ὁ ἐπιστάμενος τὸν νοῦν τῶν ἀνθρώπων, на шестомъ и седьмомъ, по Гоару, пятая и шестая, на восьмомъ—Εὐχή τῆς εἰσόδου •и на девятомъ—Εὐχή μετὰ τὴν εἵσροδον. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν. Goar. p. 29.

л. 6. Εὐχαὶ τοῦ ὁρθρου. Goar. p. 39—42.

л. 12 об. Εὐχαὶ τοῦ μεγάλου ἐσπερινοῦ. Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου... κ. τ. λ. Goar. p. 32—34.

λ. 15 οβ. Εὐχή, λεγομένη εἰς μνήμην ἀγίων, εἰς τὴν Παναγίαν· Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιλανθρώπῳ Θεῷ ἡμεῖς, οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δοῦλοί σου... Goar. p. 569.

λ. 6. Εὐχή, ἣν (λέγει) ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν ἁγίων μυστηρίων.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν ὑπάρχων καὶ ἀμνός... Goar. p. 536.

λ. 18 οβ. Εὐχή ἑτέρα· Ἐκλινε τὸν αὐχένα ὁ σὸς δοῦλος ὁ δεῖνα, ὁ ἀπεκδεχόμενος τὰ παρὰ σοῦ πλοῦσια ἐλέη... См. выше стр. 496.

λ. 19. Εὐχή ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

λ. 19 οβ. Εὐχή ἐπὶ αἰσχυρῶν λογισμῶν.

λ. 20. Εὐχή ἐξ ἐπιτιμιῶν λυομένων.

λ. 20 οβ. Εὐχή εἰς θεμέλιον ναοῦ.

λ. 21. Εὐχή, λεγομένη ἐπὶ σποράς.

λ. 21 οβ. Εὐχή ἐπὶ θέρους.

λ. 22. Εὐχή ἐπὶ ἄλωνα.

Ὁ Θεὸς τῶν ὅλων ποιητὴς καὶ πάντων δημιουργός... См. выше стр. 525 καὶ ἐλαίου αὐτοῦ πληθυνθήσεται σου τοῦ μεταδίδειν ὄρφανοῖς καὶ πτωχοῖς προθύμως καὶ χήραις καὶ πένησιν. Ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδόξασται.

λ. 22 οβ. Εὐχή ἑτέρα εἰς ἄλωνα

Ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν, Δέσποτα παμβασιλεῦ καὶ εὐεργέτα τῶν σῶν ποιημάτων... Goar. p. 523.

λ. 23. Εὐχή εἰς θεμέλιον οἴκου.

λ. 23 οβ. Εὐχή εἰς εὐλογίαν οἴκου.

λ. 24. Εὐχή εἰς τὸ μετὰ (εἰσιέναι) οἶκον.

— Εὐχή εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα.

λ. 25. Εὐχή εἰς μεταλήψιν σταφυλῆς.

— Εὐχή εἰς εὐλογίαν οἴνου νέου.

λ. 25 οβ. Εὐχή εἰς ὕδωρ μIANΘέν.

— Εὐχή εἰς φρέαρ.

λ. 26 οβ. Εὐχή εἰς φρέαρ μIANΘέν.

λ. 27 οβ. Εὐχή ἐπὶ μιαραφαγησάντων.

λ. 28. Εὐχή εἰς τὸ ἐμπεσεῖν εἶδος ἀκάθαρτον.

λ. 28 οβ. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰρὸν προσφάτως πεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

λ. 29 οβ. Εὐχή ἑτέρα.

λ. 30. Εὐχή ἀπὸ ἀνομβρίας.

λ. 30 οβ. Εὐχὴ εἰς σεισμόν.

λ. 31 οβ. Εὐχὴ εἰς λιτὴν διὰ φόβον.

— Εὐχὴ ἐπὶ πλοίου, μέλλοντος πλεῖν.

λ. 32. Εὐχὴ ἑτέρα ἐπὶ πλεόντων.

λ. 32 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ δικτύων.

λ. 33 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινος ἀφοριζομένων ἢ λόγῳ ἑαυτῷ δεσμευόντων.

λ. 34 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μελισσιῶν τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Ζωσιμᾶ.

λ. 35. Εὐχὴ, ὅταν ἐπαίρῃ ὁ ἄνθρωπος ἀπὸ τῶν τῆδε· γράφει δὲ ταύτην ὁ πνευματικὸς αὐτοῦ πατὴρ εἰς χαρτὶ καὶ βάλλει εἰς τὴν χεῖρα τοῦ τεθνηκότος διὰ τὸν φόβον τῶν τελωνίων τοῦ ἀέρος καὶ τοῦ σκότους τοῦ αἰῶνος τούτου.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ συγχωρήσει σε, πνευματικόν μου τέκνον. См. ркп. Ватоп. библ. № 134 л. 359.

λ. 35 οβ. Ἀκολουθία εἰς κάμνον. Ποιεῖ ἁγιασμόν, μετὰ δὲ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ ἁγιασμοῦ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὰς εὐχὰς ταύτας. Goar. p. 570—571.

λ. 37. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὁμνούντων.

λ. 37 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

λ. 38. Εὐχὴ ἐπὶ ποιμνίων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων Πέτρῳ διὰ τῆς κατενεχθείσης πρὸς αὐτὸν ὁδόνης ὑποδείξας, μηδὲν ἡγεῖσθαι κοινὸν ἢ ἀκάθαρτον, καὶ διὰ τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς Παύλου ἀναγγείλας ἡμῖν πάντα εἶναι τοῖς καθαροῖς καθαρὰ· ἁγιάζονται γάρ φησι διὰ λόγου Θεοῦ καὶ ἐντεύξεως. Αὐτὸς ἁγίασον τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ εἴ τις μολυσμὸς συνέβη γενέσθαι αὐτοῖς, ἀποκάθαρνον αὐτοὺς τῷ ἐλέει σου διὰ τῆς χάριτος τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, ἵνα μετὰ καθαροῦ συνειδότος μετασχόντες τῶν ζωοποιῶν καὶ φρικτῶν μυστηρίων τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Κυρίου δὲ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, δεξιᾶσιν διὰ παντὸς τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεί.

Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταδεξάμενος ὕλικῶς ἐνωθῆναι ἀναμαρτήτως καὶ ἀρρώπῳ τῇ ἡμετέρᾳ φύσει τῇ μεμολυσμένῃ καὶ ἀκαθάρτῳ, τῇ βερυπωμένῃ καὶ ἁμαρτωλῷ, καὶ ἁγιάσας καὶ καθάρισας αὐτὴν τῇ σῇ ἐνώσει διὰ λουτροῦ παλιγγενεσίας καὶ τῇ ἐκχύσει τοῦ παναχράντου καὶ παναγίου καὶ ζωοποιῶν σου αἵματος. Αὐτὸς ἁγίασον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους καὶ τὰ σκεύη αὐτῶν διὰ τῆς χάριτος τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, εὐλόγησον τὰ ἔργα τῶν

χειρῶν αὐτῶν καὶ πλήθυνον αὐτά, τὴν ποιμνὴν αὐτοῦ διαφύλαξον ἀπὸ πάσης ἐπιβουλῆς καὶ ἐπηρείας τοῦ διαβόλου, ἵνα πληθυνομένης ἀόκνως μετὰ πάσης σπουδῆς τε καὶ ἡλαρότητας, τὴν πρὸς τοὺς ἀδελφούς ἡμῶν πένητας συμπαίδειαν ἐπιδείκνυνται, ἐξ ὧν αὐτοῖς ἐπιχορηγεῖς, ἵνα οὕτως ἀγαθοεργοῦντες καὶ τῶν μελλόντων ἐπιτύχωσιν ἀγαθῶν, δοξάζοντες τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ.

Εὐχὴ ἑτέρα· Τῆς Παρθένου τεκούσης τοῦ Κυρίου γεννηθέντος πᾶσα φύσις λέλυται· ὁ γὰρ τῶν ὅλων Θεὸς τὰς ὁδύνας ἔλυσε τῶν πεπεδημένων, καὶ νίκην ἔχων, ἀνέστη ἐκ νεκρῶν, τὸν Ἀδὰμ ἀνέστησε καὶ τὸν κόσμον ἀνέπλασε, καὶ πᾶν κακὸν ἐκατήργησε, καὶ πᾶς ἄνθρωπος καὶ φθορὰν ἐδίωξεν ἀπὸ τῆς ποιμνῆς, καὶ βουκόλια τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, καὶ ζῶν ἐδωρήσατο διὰ δυνάμεως τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων καὶ ὁσίων καὶ ἀσκητῶν καὶ πάντων τῶν δικαίων, τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων Γεωργίου, Θεοδώρου, Δημητρίου, Ταρασίου, Μερκουρίου, τῶν ἁγίων τη'. Θεοφόρων πατέρων τῶν ἐν Νικαίᾳ, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἀρχιεράρχου καὶ θαυματουργοῦ Νικολάου, τῶν ἁγίων τεσσαράκοντα μαρτύρων, τῶν ἐν Σεβαστείᾳ τῇ λίμνῃ μαρτυρησάντων, τοῦ ἁγίου ἀρχιστρατήγου, τοῦ ἐν ταῖς Χώναις, τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου τῆς ἀλοητίσσης. Ἐξορκίζω πᾶσαν νόσον ἀπὸ τῆς ποιμνῆς τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, ὀρκίζω σας εἰς τὸν ὑψηλὸν θρόνον τοῦ Θεοῦ τὸν ἀσάλευτον, ὀρκίζω σας εἰς τὸ σημεῖον τοῦ Υἱοῦ αὐτοῦ καὶ εἰς τὴν ἄχραντον αὐτοῦ κορυφήν, ἣν ἤψατο ὁ Ἰωάννης ἐν Ἰορδάνῃ ποταμῷ, ὀρκίζω σας εἰς τοὺς ὁ'. εὐαγγελιστάς, ὀρκίζω σας εἰς τοὺς τιμίους Ἀσωμάτους, ὀρκίζω σας πᾶσαν νόσον καὶ φθορὰν καὶ πάθος, τὸν Θεὸν τῶν ἀγγέλων, τὸν Θεὸν τοῦ οὐρανοῦ, τὸν Θεὸν τῶν ἀστέρων, τὸν Θεὸν τοῦ ἡλίου, τὸν Θεὸν τῆς σελήνης, τὸν Θεόν, τὸν ῥυσάμενον Θέκλαν ἐκ πυρός καὶ τοὺς γ'. παῖδας ἐκ τῆς καμίνου, ἀνάλυσον, Κύριε, τὰ κτήνη ταῦτα ἀπὸ παντὸς πειρασμοῦ, καὶ ἀπόστρεψον πᾶν κακὸν εἰς τὰ ὀπίσω, ὡς ἀπέστρεψας τὸν θυμὸν σου ἀπὸ τὴν Νινευὶ πόλιν, ἀπόστρεψον, Κύριε, τὰς φρένας, τὰς μελλούσας ἔρχεσθαι εἰς τὰ ποιμνία τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, ἡ μαγίας πέψις, ἡ θηρίων ἡ ἄλλων οἰαδῆποτε νόσος ἡ περιεργίας, ὡς τὰ Σόδομα καὶ τὰ Γόμορρα, καὶ πᾶν φύλλον τῶν δένδρων ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ Πατρὸς τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἀληθινὸς ἁμνός. Goar. p. 589.

λ. 41. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς χώραν, εἰς ἀμπέλιον, εἰς κήπον· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ἀρχῇ τῆς δημιουργίας σου ποιήσας. Goar. p. 554.

Εὐχὴ ἑτέρα· Ἐπὶ τῷ ὀνόματι Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ ἡμῶν см. выше стр. 119—120, прим. Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα παντοκράτωρ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῷ κήπῳ σταυρωθεὶς, πέραν τοῦ Χειμάρρου τῶν Κέδρων παρεδόθης ἑαυτὸν τοῖς ἀνόμοις εἰς θάνατον, καὶ ἐν αὐτῷ καταπαγεῖς ἡ ζωὴ τῶν ἀπάντων. Αὐτὸς νῦν, ὁ Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπιβλεψὼν ἐξ ἁγίου κατοικητηρίου σου καὶ ἐπίσκεψαι τὸν τόπον τοῦτον, καὶ τὴν χώραν ταύτην, καὶ ἐπὶ πᾶν δέδρον καὶ φυτὸν, καὶ λάχανον, καὶ ἀπέλασον ἀπ' αὐτοῦ πάντα τὰ κακὰ θηρία καὶ ἐρπετὰ καὶ μυσαρά, τὰ ἀδικοῦντα καὶ βλάπτοντα τὴν ἄμπελον ταύτην καὶ τὴν χώραν καὶ πᾶν φυτὸν, καὶ φυγάδευσον ἀπ' αὐτὴν μακρόθεν καὶ ἀπάγων αὐτὰ εἰς τὰ ἄγρια ὄρη καὶ εἰς τὰ ἄκαρπα ξύλα, ἐκεῖ ἔδωκεν ὁ Θεὸς τὴν καθημερινὴν τροφήν, ἐκεῖ ἔλαβον ἐξουσίαν παρὰ τοῦ Σωτῆρος Χριστοῦ κατοικεῖν ἐν αὐτοῖς τοῖς ἀγρίοις καὶ ἀβάτοις τόποις καὶ οὐχὶ ἐνταῦθα. Εἰσὶ τὰ ὀνόματα τῶν θηρίων ταῦτα· ἄκρις, κάμπια, σκωληκοκάμπια, ψύος, ψύλλος, πρασίκουρος τὸ κακὸν θηρίον, σκώληξ, ψάμικας, μελίρα, μακρόποα, φυλίτης, φυλλίτις, καυλοκόπος, ἐπίμαλις, σκάνδαρις, καρτερίς, ἀλοκύρις, λῖς, παγκανὰς, ρουζάλ, ὀφίξ καὶ τὸ λεγόμενος κοχλύος καὶ τὸ ἐρχόμενον εἰς τὴν ἄμπελον καὶ ξηραίνων καὶ μαιίνων τὸν καρπὸν αὐτῆς, ἀσπάλακας, μύρμηξ, μαρουδιά, κουβαρίδης, χρυσόπτερος, λύος, φθειρες, καμπανός, ἐπισαλιζων, σκάρες, κνίπες, κώνωπες, ἐρυσίβη, βροῦχος, συαβρός¹⁾. Ταῦτα καὶ ἄλλα, ὅσα εἰσὶ τὰ βλάπτοντα, καὶ ἀδικοῦντα τὸν κήπον, ἢ τὴν χώραν ἢ ἄμπελον ταύτην τῶν πονηρῶν καὶ κακούργων θηρίων καὶ ἐρπετῶν καὶ μυσαρῶν ἐξορκίζομεν, ἐξορκίζομεν ἀπορκίζομεν ὑμᾶς κατὰ τοῦ φρικτοῦ καὶ ἐνδόξου ὀνόματος Κυρίου τοῦ Θεοῦ παντοκράτορος Ἀδαί, Ἐλωί, Σαβαὼθ κατὰ τῆς δυνάμεως αὐτοῦ τῆς φοβερᾶς αὐτῇ τῇ ὥρᾳ ἐξελθεῖν ὑμᾶς καὶ τῆς χώρας ταύτης καὶ πάσης τῆς περιοχῆς καὶ τῆς διακρίσεως τούτων καὶ τῆς ἀμπέλου καὶ τῆς διακρατήσεως αὐτῶν, καὶ μὴ ἐγκαταλείψητε ἢ ἀποκρυβῆθητε ἐν οἷῳ τόπῳ, ἀλλὰ καὶ μακρὰν πόρρω φυγαδεύθητε αὐτῇ τῇ ὥρᾳ, ἡμῶν λεγόντων τῶν ἀμαρτωλῶν, ὅπου ἀναγινώσκεται αὕτη ἡ παρῶσα εὐχὴ οὕτω (εἰς το) ὄνομα Κυρίου φυγαδεύθητε, ἵνα μὴ ἐξαποστείλῃ τὸν ἄγγελον αὐτοῦ, τὸν ἐξάρχοντα ὑμῶν καὶ δώσει καὶ μαστιγώσει καὶ κολάσει ἀτελεύτητα, παραδώσει ὑμᾶς, ὅτι αὐτῷ πρέπει δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας...

л. 45 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀσθενούντας.

Δέσποτα παντοκράτωρ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ ταπεινῶν καὶ ἀνυψῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος τὸν ἀδελφὸν ἡμῶν... см. выше стр. 197. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια πάθῃ λόγῳ θεραπεύσας... см. выше стр. 56. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παι-

¹⁾ Правписание вредоносных насекомых тоже, что въ рукописи.

δεύων καὶ μὴ θανατῶν... Прилож. стр. 127 Εὐχή ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, γενοῦ ἱατρὸς τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα, ἱάτρευσον αὐτὸν πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν· Σὺ γὰρ ἰώμενος τὰς νόσους ἡμῶν... Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ πᾶσαν νόσον ἰώμενος, ὁ παιδεύων ἡμᾶς καὶ ταῖς ἰάσεσι πάλιν διαναπαύων... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς ἰάσεως Δοτὴρ, ὁ ἐν τῷ ῥήματί σου φέρων τὴν ἱαματικὴν δύναμιν, ὁ ἐπιτιμῆσας τὸν πυρετὸν τοῦ κατακειμένου διὰ Πέτρου τοῦ θεράποντος... Ὁ Θεὸς ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων, ὁ πάντα οἰκονομῶν... Прилож. 132, прим. 3. Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων p. 338.

л. 49 об. Εὐχή ἐπὶ χριστιανῶν μαγαρισάντων ὑπὸ ἔθνους.

л. 50 об. Τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—603, по сѣ опущениемъ молитвы: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψίστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... и сѣ отпустомъ въ конѣ: Ὁ ἐν εἵδει πυρίνων γλωσσῶν καταπέμφας Πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐπὶ τοὺς ἁγίους αὐτοῦ μαθητὰς καὶ ἀποστόλους Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν...

л. 64. Εὐχή, λεγομένη εἰς γυναῖκα λεχώ.

Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, ἱσταμένου ἕσω τοῦ οἴκου, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον¹⁾, ἤχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... καὶ ἡ εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων Прилож. стр. 1. Εὐχή ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Ἀδὰμ καὶ τῇ Εὐᾷ συγχωρήσας τῇ παραβάσει αὐτῶν καὶ γεννηθεὶς ἐκ τῆς ἀχράντου Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ γινώσκων τὸ ἀσθενὲς τῆς ἀνθρωπίνης φύσεως, συγχώρησον καὶ τὴν δούλην σου, ἡ δεῖνα, τὴν γεννήσασαν²⁾ παῖδα ἐκ τῶν σῶν ἀφράστων οἰκιτιμῶν καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῷ οἴκῳ, ἐν ᾧ ἐγεννήθη τὸ παιδίον, διαφύλαξον, ὅτι μόνος ἔχεις ἐξουσίαν ἀφιέναι ἁμαρτίας πρεσβεΐαις τῆς πανυπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ

1) Ркп. Синайск. библи. XVI в. № 978 Ἡ γέννησίς σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἀνέτειλε τῷ κόσμῳ τὸ φῶς... Εἰ βούλει, εἰπέ καὶ τοῦ ἁγίου Ἐλευθερίου τὸ Δόξα, Καὶ τρόπων μέτοχος καὶ θρόνων διάδοχος τῶν ἀποστόλων γενόμενος... Καὶ νῦν, Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε, καὶ εὐθὺς αἱ εὐχαί. 2) τὴν τέξασαν σήμερον· Σὺ γὰρ εἶπας, Κύριε· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν καὶ κατακυριεύσατε αὐτήν, διὰ τοῦτο καὶ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δούλοι σου, θάρρους εἰς τὸ τῆς φιλανθρωπίας σου ἀνεξιχνίαστον πέλαγος καὶ εἰς τὸ ἅγιον ὄνομα τῆς μεγάλης σου βιαιότητος, ἐπίβλαψον ἐξ οὐρανοῦ, Κύριε, καὶ ἴδε τὴν ἀσθένειαν ἡμῶν τῶν καταδίκων καὶ συγχώρησον τὴν δούλην σου... ἡ δεῖνα τὴν γεννήσασαν παῖδα... Сн. выше стр. 491—492.

πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Сн. выше стр. 492. Εὐχὴ ἐτέρᾳ¹⁾ εἰς τὰς τυχοῦσας γυναῖκας τῆς λεχώ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὁδόνῃ εἰπὼν τῷ Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ... Прилож. стр. 6; Εὐχολόγ. Goar. p. 263—264. Сн. выше стр. 455.

Τῆς λεχώ εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ γεννηθεὶς ἐν σπηλαίῳ ὑπὸ τῆς παναχράντου Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ ἐτέχθης ἐν φάτνῃ, ὡς περ νήπιος καὶ βρέφος, καὶ ἐφάνης ἐν τῷ κόσμῳ, ὡς ἄνθρωπος διὰ τὸ μέγα σου ἔλεος. Αὐτὸς καὶ τὴν παροῦσαν δούλην σου ἡ δεῖνα τὴν γεννήσασαν παῖδα ἐκ τῆς σῆς ἀφάτου φιλανθρωπίας, εὐλόγησον καὶ διαφύλαξον αὐτὴν μετὰ τοῦ παιδίου αὐτῆς ἀπὸ πάσης τυραννίδος, ἀπὸ πάσης ζάλης, ἀπὸ πάσης φαρμακίας, καὶ εἴ τι ἀμάρτημα ἐπράχθη ἐν αὐτῇ, συγχώρησον, Κύριε, καὶ τὰς τυχοῦσας ἀδελφὰς ἡμῶν ἐν ὥρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτῆς, συγχώρησον, Κύριε, καὶ καθάρισον αὐτὰς ἀπὸ πάσης ἀκαθαρσίας, καὶ ἀξιώσον αὐταῖς εἰσελθεῖν εἰς τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν. Ὅτι σὺ ὑπάρχεις συμπαθὴς καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

л. 67. Εὐχὴ εἰς ἀπόβλησιν γυναικὸς καὶ μὴ ζῶν τὸ παιδίον. Πάτερ ἐπουράνιε καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, ὁ κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον πλάσας διὰ τῶν σῶν ἀχράντων χειρῶν, ὡς αὐτὸς ἐπίστασαι, καὶ οἰκονομήσας, ὡς οἶδας, καὶ ὡς ἡβουλήθης γεγενῆσθαι ἄνθρωπον ἐξ ἀμφοτέρων ἀνωτέρων ἄρρενος καὶ θήλεως, καὶ τοὺς μὲν εὐδοκεῖς καὶ γεννῶνται ζῶντες καὶ εἰς φῶς ἄγονται, τοὺς δέ, δι' οἷς οἶδας κρίμασι, παραχωρεῖς καὶ τελευτῶσιν ἐντὸς τῆς μήτρας τῆς μητρὸς αὐτῶν καὶ οὐκ ἀξιούνται καὶ τοῦ φωτὸς εἶδεῖν, οὐπερ ἡμεῖς οἱ ἐν τῷ κόσμῳ οἰκοῦντες ζῶμεν καὶ ἀπολαμβάνομεν, ἀλλ' ἐξέρχονται νήπια βιαίως, ἐστερημένα τῆς ζωῆς αὐτῶν. Αὐτός, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν τῶν ὄντων λογικὴν τε καὶ ἄλογον, διὰ τοῦ λόγου σου δημιουργήσας, πάντα ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγὼν τῷ σῷ θελήματι, καὶ διὰ τῆς σῆς φιλανθρωπίας διασώσας τὴν δούλην σου ἡ δεῖνα τὴν ἀποβαλομένην τὸ παρὸν καὶ μὴ ζῶν νήπιον, εἴτε ἐξ ἀμελείας, εἴτε ἀπὸ θυμοῦ, εἴτε ἀπὸ κόπου, εἴτε ἀπὸ πικρίας καὶ ἔσω πλήξεως, εἴτε ἐξ αἰφνης, εἴτε ἀπὸ δρόμου, εἴτε ἀπὸ κρημνήσεως, εἴτε ἀπὸ ἄλλης τινὸς συμπτώσεως ἢ αἰτίας, ἧς οὐκ ἐπιστάμεθα καὶ οὐκ εἶσας περιθῆναι καὶ αὐτῇ τὴν ζωὴν αὐτῆς. Αὐτὸς παντεπίσκοπε βασιλεῦ, δὸς αὐτῇ συγγνώμην καὶ καθάρισον αὐτὴν ἀπὸ πάσης ἀμαρτίας καὶ ἀπὸ παντὸς ρύπου, ἀπόπλυνον αὐτὴν καὶ τῆς ἐγγινομένης ἐν αὐτῇ κηλίδος, ὅπως διαβῆναι καὶ διαβάσῃ ἀνεπηρεάστως τὸν ἀποτεταγμένον αὐτῆς καιρὸν τῆς

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. № 978 3гоЙ молитвы пѣтъ.

ἀποκλήσεως αὐτῆς καὶ ἀκατακρίτως φθάσαι τὸν νενομισμένον τεσσαρακονθήμερον ὅρον, καὶ τότε προσέρχεται τῇ ἀγία σου ἐκκλησίᾳ· ἐπίβλεψον τοίνυν ἐπὶ τὴν δούλην σου ταύτην, ἐξεζήτησον, ἐξερεύνησον καὶ ἀπέλασον ἀπ' αὐτῆς πάντα τὰ ἐνεργήματα τοῦ διαβόλου, καὶ καθάρισον τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου καὶ τῇ ὀξείᾳ σου χαρισάμενος αὐτῇ ἐνεργείᾳ, καὶ δὸς αὐτῇ νίκην κατὰ τῶν ἀκαθάρτων αὐτῆς πνευμάτων, ὅπως τοῦ πὰρὰ σοῦ ἐλέους τυγχάνουσα καταξιωθῇ καὶ τῶν ἐπουρανίων σου μυστηρίων καὶ δόξαν σοὶ ἀναπέμψῃ τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι.

λ. 68. Εὐχὴ τῆς μαίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὥς τὸ ἐπιστρέφει καὶ ζῆν αὐτόν... См. выше стр. 455, прим. Εὐχὴ τῆς μαίας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ... Goar. p. 263 ζωογονοῦσα. Αὐτὸς Κύριε, εὐλόγησον τὴν δούλην σου ἣ δεῖνα καὶ πρόσδεξαι αὐτῆς τὴν μετάνοιαν καὶ ἀξίωσον αὐτὴν εἰσελθεῖν διὰ τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου καὶ τῆς εἰσόδου τοῦ θείου ναοῦ. Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόνηθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εὐχὴ τῆς μαίας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δοὺς τὴν χάριν καὶ εὐλογῶν, ὁ φυλάσσων νήπια ὑπὸ τῶν αὐτὰ δεχόντων, καθὼς εὐλόγησας διὰ Μωϋσέως μαίαν τὴν Σαλόμην, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὴν δούλην σου ἣ δεῖνα, διότι Σὺ, Κύριε, κατέδειξας αὐτὴν τὴν μαίαν διὰ τῶν ὑπὸ σοῦ γενομένων νηπίων, καὶ καταξίωσον τὴν δούλην σου ταύτην εἰσελθεῖν διὰ τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, μεθ' οὗ σοὶ δόξα, κράτος πρόκειται τιμὴ καὶ προσκύνησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ.

λ. 69 об. Εὐχὴ ἐτέρα τῶν η'. ἡμερῶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀληθινὸς ἄρτος τῆς ζωῆς ἡμῶν... См. выше стр. 396.

λ. 70. Ἀκολουθία τοῦ βαπτίσματος. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς ἑαυτοῦ γεννήσεως. См. выше стр. 491.

λ. 71. Τῇ δὲ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ... Прилож. стр. 7—9 съ опущениемъ замѣчанія: Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς μέλλων εἰσάξει τὴν λεχῶ εἰς τὴν ἐκκλησίαν и съ приобавкою въ концѣ: Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, λέγων· Τὸ δὲ παιδίον ἠῤῥξανε καὶ ἐκραταιοῦτο Πνεύματι. Καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει αὐτόν καὶ ἐξέρχεται, καὶ πιάσας ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον, λέγων· Τὰ ῥήματά μου ἐνώτισαι, Κύριε... ἕως τὸ Εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου, προσκυνήσω... Καὶ ποιῶν σταυροῦς τρεῖς ἐν τε τῇ ἄνω φιλίᾳ τῆς πύλης τοῦ ναοῦ καὶ ἐλθόντος ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, τίθῃσι τὸ παι-

δίον ἔμπροσθεν τῆς εἰκόνης τῆς Θεοτόκου ἔσωθεν τοῦ ναοῦ, λέγει τροπάριον· Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε Παρθένε... καὶ λαβὼν ἔλαιον ἐκ τῆς δεσποτικῆς κανδήλας, χρίει τὸν νήπιον καὶ λαμβάνει ἡ μαῖα τὸ παιδίον, καὶ ὁ ἱερεὺς ἀπόλυσιν ποιεῖ. См. выше стр. 575.

Л. 74. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοῦμενον, ἡγγουν βαπτίσαι.

Λύει ὁ ἱερεὺς τὴν ζώνην Прилож. стр. 20. Ἀποδυομένου καὶ ἀπολυομένου τοῦ βαπτιζομένου, εἰ μέγας ἐστί, στρέφει αὐτὸν πρὸς δυσμὰς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει ἐκ τρίτου· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ. См. выше стр. 456—458 и прим. до погружения въ водѣ. Ἐν δὲ τῷ ἀλείφεσθαι τούτους, ὁ πατριάρχης βάλλει τὸ λέντιον καὶ τὰ μανίκια καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζει, λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν βάπτισιν, νίπτεται καὶ ἐκβάλλει τὸ λέντιον καὶ τὰ μανίκια, καὶ τοῦ ἀρχιδιακόνου λέγοντος· Πρόσχωμεν, καὶ ἄρχονται οἱ ψάλλαι· Μακάριοι, ὧν ἀφείδθησαν... Καὶ λέγει τοῦτο γ'. καὶ δοξάζει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων... Καὶ εὐθὺς ἐνδύει τὸν χιτῶνα καὶ τὴν ζώνην καὶ τὰ σταυρώματα καὶ λαμβάνει αὐτὸν ἡ μαῖα καὶ σπαργανώνει καὶ λαμβάνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς καὶ κρεμνᾷ εἰς τὸν τράχηλον τοῦ ἀναδόχου, καὶ μετὰ τοῦτο εὐχεται ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἰ Κύριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν. Goar. p. 290. Καὶ λαβὼν θυμιατόν, ψάλλει· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... γυρίζοντες τῆς κολυμβήθρας γ'. Εἴθ' οὕτως χρίει τὸν βαπτισθέντα τῷ ἁγίῳ μύρῳ, σταυροῦ ποιῶν τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Εἴτα ἀποκουρεύει αὐτόν, λέγει· Κείρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα... κεῖρει δὲ (αὐ)τὸν σταυροειδῶς.

Л. 88 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον. Прилож. стр. 16.

Л. 90. Εὐχὴ τοῦ μύρου.

Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος. Goar. p. 303. Καὶ λαβὼν σπόγγον καινόν, ἀποσπογγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὰ λοιπά, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων πάντα ἄνθρωπον... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς κολυμβήθρας. Goar. p. 304. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Χριστὸν καὶ Θεὸν ἡμῶν... Ibid. καὶ γίνεται ἀπόλυσιν.

Л. 91 об. Εὐχὴ, λεγομένη μετὰ τεσσαράκοντα ἡμέρας.

Προσάγεται ἐν τῷ ναῷ ἡ μήτηρ μετὰ τοῦ παιδίου αὐτῆς, ἥτοι λελουμένη καὶ κεκαθαρμένη, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ ἀπολυτοκόνταχον τῆς ἡμέρας καὶ ἡ εὐχὴ,

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σὲ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν, Αὐτὸς οὖν ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Goar. p. 267. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 267, съ незначительными сокращениями. Ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρός.. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον, λέγει· Χαῖρε κεχαριτωμένη... Καὶ λαβὼν ἔλαιον ἐκ τῆς κανδήλας τῆς Θεοτόκου, ἀλείφει αὐτοῦ τὸ μέτωπον καὶ λέγει· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα... ἔλαιον ἀγαλλιᾶσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... νῦν καὶ αἰ... καὶ ἀπόλουςις μετ' εἰρήνης.

л. 93. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα, ἀρχὴ τοῦ ἀρραβῶνος. См. выше стр. 459—461. Недостающее здѣсь восполняется такъ: Εἰ δὲ βούλονται ἐνταῦθα στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται εἰς τὸ μέσον τοῦ ναοῦ, ὁ δὲ ἱερεὺς, εἰσελθὼν ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι, ἀποτίθησι δύο στέφανα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπεζῇ καὶ ποτήριον καινόν, μεστὸν οἴνου· εἰσερχομένων δὲ αὐτῶν τῶν νεογύμων ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ψάλλουσιν οἱ κληρικοὶ ψαλμόν· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... καὶ εὐδὺς ἄρχεται οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ πάσης ἐπισκοπῆς... Ὑπὲρ τῶν νῦν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χαρίσει αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι и т. д. что выше стр 461—466, съ самыми незначительными особенностями, указанными въ примѣчанияхъ.

л. 108. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

л. 119. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

Тропарі до „Слава“ тѣже, что у Гоара p. 358—359. Δόξα, Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Θεοτόκε, ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα... Молитва: Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρός, ὁ ἀληθινὸς Θεός. Goar. p. 368. Εὐχὴ ἑτέρα, ἣν λέγει εἰς ἐπήκοον· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός τοῖς ἔργοις, ὁ πάσης νοουμένης καὶ φαινομένης κτίσεως δημιουργός... p. 361. При погруженіи креста, поютъ: Тῶν σῶν δωρεῶν...

л. 129. Κανὼν, ψαλλόμενος εἰς ψυχὸρράγουντας. Goar. p. 585—587. Одна первая молитва.

λ. 136. Κανὼν παρακλητικός, ψαλλόμενος εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

λ. 144. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἁγιαζομένου ὑπὸ ἑπτὰ ἱερέων.

Συναχθέντες δὲ οἱ ἑπτὰ πρεσβύτεροι ἐν ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν οἴκῳ, προτίθεται ἐν τῷ μέσῳ τετράπους... См. выше стр. 445. После псалма 142, ψάλλομεν τὸ Θεὸς Κύριος εἰς ἤχον πλ. β'. μετὰ τῶν στίχων αὐτοῦ. Εἰ δὲ ἐστὶ μεγάλη μ'. χωρὶς σαββάτου καὶ κυριακῆς, ψάλλομεν τὸ Ἀλληλούια μετὰ καὶ τῶν στίχων αὐτοῦ, ἤγουν τόν, Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης... Στίχος· Ἐλέησόν με, Κύριε... καὶ εὐθὺς ἀρχόμεθα τὰ παρόντα τροπάρια εἰς ἤχον πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε, ἐλέησον... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... Εἴτα ὁ πεντηκοστός ψαλμὸς καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν τῆς Θεοτόκου¹⁾. Ὡδὴ α'. ἤχος πλ. δ'. ὁ εἰρμός· Ὑγρὰν διοδεύσας... Πολλοὺς συνεχόμενος πειρασμοῖς πρὸς σὲ καταφεύγω... Παθὼν με ταραττούσαι προσβολαί... Σωτήρα τεκοῦσάν σε καὶ Θεὸν δυσωπῶ, Παρθένε, λυτρωθῆναι... Ἐτερος κανὼν, οὗ ἡ ἀκροστιχίς· Εὐχῆς ἐλαίου ψαλμὸς ἐξ Ἀρσενίου... Goar. p. 332. Εἴτα ψάλλομεν στιχηρὰ προσόμοια τῆς Θεοτόκου εἰς ἤχον πλ. β'. Ἡ ἀπεγνωσμένη. Οὐρανῶν ὑπάρχουσα πλατυτέρα, χερουβὶμ καὶ θρόνων ἐνδοξότερα... Ὑμνοὺς τῶν χειλέων μου μὴ παρίδης... Οἱ πεπρωμένοι τῇ διανοίᾳ καὶ πεφορτισμένοι ταῖς ἁμαρτίαις Ἡ ἀπελπισμένων ἐλπίς βεβαία καὶ ἁμαρτανόντων ἡ σωτηρία... Δόξα, Θρήνησον, ψυχὴ μου, πρὸ τῆς ἐξόδου, πρόσπεσον τῷ κτίστῃ ἐν μετανοίᾳ... Καὶ νῦν, Τῇ συμπαθεστάτῃ σου προμηθεΐᾳ καὶ τῇ πανευσπλάγχνῳ κηδεμονίᾳ... Εἴθ' οὕτως προσέρχεται ὁ μέλλων ποιῆσαι τὸ ἅγιον ἔλαιον μέσον τῶν ἱερέων καὶ ποιήσας κατὰ ἀνατολὰς μετανοίας τρεῖς καὶ μίαν πρὸς τοὺς ἱερεῖς, λέγων· Εὐλογήσατε, συγχωρήσατε... Καὶ λέγουσι πάντες. Ὁ Θεὸς συγχωρήσει σοι καὶ ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι, καὶ εὐθὺς βάλλοντες ἔλαιον ἐν τῇ κανδήλῃ, εἴτα λέγει ὁ πρῶτος ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῆς κανδήλας· Ἀναρχε, ἀδιάδοχε, ἅγιε ἁγίων. Goar. p. 337. Εἴτα γίνεται συναπτὴ μεγάλη παρὰ τοῦ διακόνου, ἢ τοῦ πρώτου τῶν ἱερέων· Ἐν εἰρήνῃ η τ. д. Прилож. 120, прим. Καὶ εὐθὺς λέγεται ἡ παροῦσα εὐχὴ ἐπάνω τῆς κανδήλας, τῆς ἐχούσης τὸ ἔλαιον, παρ' ἐνὸς ἐκάστου τῶν ἱερέων. Ὁ πρῶτος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Μυστικῶς· Κύριε, ὁ ἐν ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου... p. 305. Ταύτης δὲ λεγομένης, λέγουσιν οἱ λοιποὶ τὸν Ν'. ψαλμόν, εἴθ' οὕτως λέγει ὁ πρῶτος αὐτῶν· Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσι.

¹⁾ Ркп. Синайск. библи. XVI в. № 989. Этого первого канона нѣтъ, а имѣется одинъ лишь канонъ Арсенія.

Σοφία, ὁ ἀναγνώστης ψαλμὸς τῷ Δαβίδ. Ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Ὁ ἀναγνώστης τὸ προκείμενον, ἦχος α'. Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλεός σου, ἀποστολῇ, εὐαγγελίῃ¹⁾ и ектењя. Прилож. стр. 123. Εὐδιάλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος²⁾... Тамъ же стр. 124. Εἴτα λέγομεν τροπάριον εἰς ἦχον πλ. δ'. Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου... Ὁ δὲ ἱερεὺς, ἄψας τὴν κανδήλαν καὶ σταυρώσας τὸ ἅγιον ἔλαιον ἐκ τρίτου, λέγει· Εἰσάκουσόν μου, Κύριε. Εἰσάκουσόν μου, Δέσποτα. Εἰσάκουσόν μου, Ἁγίε. Καὶ λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ἀλείφει τὸν ἀσθενῆ, ἐπιλέγων καὶ τὴν εὐχήν· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ δευτέρος ἱερεὺς прокимень³⁾, ἀποστολῇ, εὐαγγελίῃ и ектењя. Прилож. стр. 124. Δέσποτα· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ⁴⁾... Тамъ же стр. 127. Εἴτα ἀνάψας καὶ αὐτὸς τὴν τῆς κανδήλας θυραλίδα, λέγει· Εἰσάκουσόν μου, Κύριε. Εἰσάκουσόν μου, Δέσποτα. Εἰσάκουσόν μου, Ἁγίε. Σταυρώσας τοίνυν τὸ ἅγιον ἔλαιον πρῶτος ὁ ἱερεὺς ἐκ τρίτου, καὶ εὐθὺς ἀλείφει τὸ ἅγιον ἔλαιον καὶ αὐτὸς τὸν προλαβόντα ἱερέα, λέγων καὶ τὴν εὐχήν τὸ Πάτερ ἅγιε⁵⁾.. οἱ λοιποὶ λέγουσι τὸ τροπάριον· Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου. Εἴτα ἄρχεται ὁ τρίτος ἱερεὺς прокимень⁶⁾, ἀποστολῇ, εὐαγγελίῃ и ектењя. Прилож. стр. 126, прим. 6. Ἡ εὐχή⁷⁾ Ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε... Тамъ же стр. 128, καὶ εὐθὺς ἅπτει καὶ αὐτὸς и помазание, какъ выше. Четвертый прокимень⁸⁾, ἀποστολῇ⁹⁾, εὐαγγελίῃ¹⁰⁾ и ектењя. Прилож. стр. 128. Κύριε¹¹⁾ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος, ὁ ἐγεί-

1) Ркн. Синайск. библи. XVI в. № 989 εὐαγγελίῃ, что у Гоара р. 337 2) Вмѣсто этой молитвы стоитъ: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός, ὁ φυλάσσων τὴν διαθήκην σου... Goar. р. 337 διὰ τοῦ ἁγιάσματος τοῦ μέλλοντος ἐπαλείφεισθαι. Ὅτι οὐ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Εὐχὴ ἑτέρα· Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλαιον τοῦτο... Goar. р. 338 3) прокимень, что у Гоара. р. 338 4) молитва: Δέσποτα μικροθύμε, εὐδιάλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων... Прилож. стр. 124, Goar. р. 339. Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε Κύριε... Прилож. стр. 128. 5) Объ этой молитвѣ не упоминается 6) Κυρίως φωτισμός μου Goar. р. 340 7) Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ τῆς δόξης... Прилож. стр. 127, Goar. р. 340. Конецъ этой молитвы изложенъ съ нѣкоторыми особенностями. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ ὑπὸ πάσης κτίσεως προσκυνούμενος Goar. р. 339. Прилож. стр. 112 8) Ἐγὼ εἶπα· Κύριε, ἐλέησον 9) Goar. р. 342 10) Ibid. 343 11) Молитвы: Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, μονογενές Λόγε τοῦ Πατρὸς, ὁ πάντα δεσμὸν τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ

ρων ἀπὸ γῆς πτωχὸν καὶ ἀπὸ κοπρίας ἀνυψῶν πέννητα. Goar. p. 342. Помазание, какъ выше. Пятый прокимень¹⁾, апостолъ, евангеліе²⁾ и ектенѣя, что въ Прилож. стр. 129. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν³⁾... Goar. p. 343. Помазание, что выше. Εἴτα ἄρχεται ὁ ς'. ἱερεὺς προκείμενον⁴⁾ Ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι... Πρὸς Κολοσσαεῖς Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε, ὡς ἐκλεκτοὶ τοῦ Θεοῦ... евангеліе и ектенѣя. Прилож. стр. 131. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ τὰ χρόνια πάθη θεραπεύσας⁵⁾ Goar. p. 345. Помазание, какъ выше. Προκείμενον⁶⁾ Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου... Στίχος· Ἐλέησόν με, Κύριε... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Τιμόθεον β'. ἐπιστολῆς· Τέκνον Τιμόθεε, ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι τῇ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ... Τέλος· τῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ μετὰ δόξης αἰωνίου. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη σοι, Σοφία, ὁ ἀναγνώστης· Ἀλληλουῖα, ψαλμὸς τῷ Δαβίδ, ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν, Ἀλληλουάριον, ἥχος πλ. δ'. Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἵπεν ὁ Κύριος· ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις τὰ παραπτώματα αὐτῶν... Τέλος· ἐκεῖ ἔσται καὶ ἡ καρδιά ὑμῶν, εἴτα τὸ Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ἡ εὐχὴ⁷⁾· Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ πολὺς

μέγας, ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι Прилож. стр. 130, прим. 3 καὶ ἀνάψας τὴν τῆς κανδήλας θυραλλίδα, ἀλείφει τὸν ἀσθινῇ, λέγει καὶ τὴν εὐχὴν· Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν...

1) Ркп. Синайск. библ. XVI в. № 989 προκείμενον· Σὲ, Κύριε, φυλάξεις... Σωτὴρ ἡμῶν, Κύριε .. Πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, ὁ Θεὸς πλούσιος ὢν ἐν ἐλέει... Τέλος· ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσωμεν. Ἀλληλουάριον, ἥχος πλ. δ'. Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι 2) Goar. 342 3) молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος Goar. p. 342 Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κηθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν Прилож. стр. 114 съ пропускомъ имени. 4) Ἐπάκουσαί σου Κύριε ἐν ἡμέρᾳ .. Στίχος· Ἐξαποστείλαί σοι βοήθειαν... Πρὸς Θεσσαλονικεῖς ἐπιστολῆς. Goar. p. 344 Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ... Τέλος· ἤλειφον ἐλαίῳ πολλοὺς ἄρρώστους καὶ ἐθεραπεύοντο. 5) Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν Goar. p. 343. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δυνατὸς καὶ ἐλεήμων Прилож. стр. 132, прим. 6) Προκείμενον, ἥχος πλ. δ'. Μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον... Ἡ σωτηρία σου, ὁ Θεός... πρὸς Γαλάτας Goar. p. 343. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον Goar. p. 341. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων Goar. p. 345. 7) Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας εἰσελθεῖν ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ Ζαχαρίου καὶ εἰπών· σήμερον σωτηρία τῷ οἴκῳ τούτῳ ἐγένετο... Καὶ ποιεῖ καὶ αὐτὸς, ὡς καὶ οἱ λοιποὶ ἱερεῖς, εἴτα λέγομεν τροπάριον, θ. στοχίον· Τὰς αἰτήσεις τῶν πιστῶν... Εἴτα τίθουσι τὸ εὐαγγέλιον ἐπάνω.

ἐν ἀγαθότητι, Κύριε... Прилож. стр. 130, прим. 3. Εἶτα ἀνάψας τὴν τῆς κανδήλας θυραλλίδα καὶ εὐλογήσας τὸ ἅγιον ἔλαιον ἐκ τρίτου, λέγων· Εἰσάκουσόν μου, Κύριε. Εἰσάκουσόν μου, Δέσποτα. Εἰσάκουσόν μου, Ἅγιε. Οἱ δὲ λοιποὶ λέγουσι τὸ τροπάριον· Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου, ἐν ἧ λέγομεν καὶ ἕτερον τροπάριον, θεοτοκίον εἰς ἥχον α'. Τὰς αἰτήσεις τῶν πιστῶν... Καὶ εὐθὺς καὶ ἀλείφει καὶ αὐτὸς ἅγιον ἔλαιον τὸν ποιοῦντα ἐκ τῆς εὐλογηθείσης κανδήλας, τῆς ἐχούσης τὸ ἅγιον ἔλαιον, λέγων καὶ τὴν εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε... Λέγεται δὲ ἡ παροῦσα εὐχή, ὕστερον κοινὰ(ως) παρὰ πάντων τῶν ἱερέων, εἶτα ψάλλομεν στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος δ'. Ἐδωκας τὴν χάριν σου... Βλέπον, ἀκατάληπτε... Χρίσει τοῦ ἐλαίου σου... Goar. p. 334—335. Δόξα, ἥχος δ'. Πηγὴ ἱαμάτων... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Νεῦσον παρακλήσεσι... Εἶτα τίθουσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ προσελθόντος, κρατοῦντες αὐτὸν οἱ ἱερεῖς ταῖς δεξιαῖς χερσίν, ὁ δὲ πρῶτος ἱερεὺς, σταθεὶς κατὰ ἀνατολὰς, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐσπλαγγνε, πολυέλεε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ¹)... Прилож. стр. 133. Καὶ εὐθὺς λέγουσιν οἱ πάντες οἱ ἱερεῖς· Εἰσάκουσόν μου Κύριε. Εἰσάκουσόν μου, Δέσποτα. Εἰσάκουσόν μου, Ἅγιε. Τρισεύοντες αὐτό, εἶτα τίθουσιν ὁ προεστὼς τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ κάμνοντος καὶ λέγει εἰς ἐπήκοον πάντων· Βλέπε, ἀδελφέ, τὸ ὑπόλοιπον τῆς ζωῆς σου Прилож. стр. 135, прим. μεθ' ἣν γίνεται ἐκτενὴ παρὰ τοῦ πρώτου τῶν ἱερέων· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλεύους... Ἐπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ ἡ εὐχή· Ἐπάκουσον ἡμῶν²)... καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Сн. выше стр. 320—323.

л. 186 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντος κοσμικοῦ.

Ἐλθὼν ὁ ἱερεὺς, οὗ ἦν κείμενος ὁ τεθνηκώς, μετὰ θυματοῦ, ποιεῖ εὐλογητὸν ἐπάνω τοῦ λειψάνου, καὶ ἀρχόμεθα τοῦ Τρισαγίου, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν... μεθ' ἣν τροπάριον, ἥχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας... καὶ εὐθὺς ἐκτενὴ· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὁ Θεός

¹) Ркп. Синайск. библ. XVI в. № 989 Καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων... Δόξα, ἥχος δ'. Πηγὴ ἱαμάτων... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Νεῦσον παρακλήσεσιν ἢ Ἐκ παντοίων... Εἶτα τίθουσιν ὁ προεστὼς τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ κάμνοντος καὶ λέγει· Βλέπε, ἀδελφέ... ²) Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Δέσποτα πολυέλεε Κύριε... καὶ γίνεται ἀπόλυσις οὕτως· Χριστὸς ὁ ἀληθινός... (поминается апостолъ Іаковъ).

τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Εἴθ' οὕτως αἵρεται τὸ λείψανον καὶ τίθεται ἐν κλίνῃ, ψαλλόντων ἡμῶν τὸ Τρισάγιον μετὰ μέλους. Τίθεται δὲ τὸ λείψανον ἐν τῇ γῇ δις ἕως ἂν ἀπέλθῃ ἐν τῷ κοιμητηρίῳ ἢ τῷ νάρθηκι, καὶ λέγει ἐπ' αὐτῷ ὁ ἱερεὺς· Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ τὰ λοιπὰ σὺν τῇ εὐχῇ, καθὼς προεγράφη. Μετὰ δὲ τὸ ἀποκομισθῆναι τὸ λείψανον, συναχθέντων ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν τῷ νάρθηκι, καὶ εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ἄρχεται ὁ ψάλτης εἰς ἵχον β'. Ἀμωμοὶ ἐν ὁδῷ *Вся 17 каѳизма, раздѣленная на три статьи ектеньями. Послѣ третьей статьи, непосредственно тропари еіς ἵχον пл. α'.* καὶ τὸ Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε... Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς... κ. τ. λ. εἶτα λέγομεν τὸν Ν'. μεθ' ὃν τὰ νεκρώσιμα στιχηρὰ τοῦ Δαμασκηνοῦ, τροπάριον, ἵχος α'. Ποία τοῦ βίου τρυφή... Ἐργῷ Σωτήρ... Δόξα καὶ νῦν, Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις. *См. чины монашескаго погребенія, но безъ прибавленія третьей стихирь.* Ἐτέρα στιχηρὰ προσόμοια τοῦ κῦρ Θεοφάνους, ὧν ἡ ἀκροστιχίς κατ' ἵχον Σούς, Χριστέ, δούλους γράψον ἐν ζώντων βιβλίῳ· Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας κ. τ. λ. *Goar. p. 439 и т. д. Стихирь на всѣ 8 гласовъ.* Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, ὡς προεγράφη. Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν, λέγομεν τὸ κοντάκιον, ἵχος πλ. δ'. Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον... Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Παναγία Παρθένε ἀνύμφευτε, ἡ τεκοῦσα... καὶ αὖθις τὸ κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον. Οἱ μακαρισμοί, ἵχος πλ. β'. Δηστήν τοῦ παραδείσου, Χριστέ, πολίτην... Ἀθάνατος ὑπάρχων μόνε οἰκτιρμός τὸν μεταστάντα ἀνάπαυσον... Ἐν χώρᾳ τῶν ζώντων μετὰ δικαίων... Ἐλέησον τὸ πλάσμα σου, ἐλεήμων... Δόξα, Ἀνάρχω καὶ γεννήσει... Καὶ νῦν, Πῶς ἐκ μαζῶν σου... *Conf. Goar. p. 430.* Προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγήγερται ἐκ νεκρῶν... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Ἀληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ μνημονεύει, ὡς ἔθος. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν καὶ τὴν ἐκφώνησιν, γίνεται ὁ ἀσπασμὸς, ἐν ᾧ καὶ ψάλλομεν στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἵχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νῦν δὲ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός, ποῖος θρήνος... Ὅντως ματαιότης καὶ φθορὰ πάντα τὰ τοῦ κόσμου... Ὅταν ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ... Ἄρτι τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων ἡ δόξα... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις πᾶσα... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός... Ὅσα ἡ ζωὴ ἡμῶν ἐστὶν ἄνθος καὶ ἀτμὶς τε καὶ ὀρόσος... Δεῦτε, οἱ

ἀπόγονοι Ἀδάμ, εἰς γῆν κεκλημένον... Πάντες οἱ ὁρῶντές με νεκρόν... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μήτηρ τοῦ ἀδύτου ἡλίου... Ὁρῶντές με ἄφωνον καὶ ἄπνουν... Καὶ νῦν, Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα... Καὶ εὐθὺς Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, εἴτα τὰ παρόντα τροπάρια, ἦχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων и д. д. εἴτα ὁμοῦ ὅλοι οἱ ἱερεῖς λέγουσιν· Ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ μνημονεύει, καθὼς προεγράφη. Μετὰ τὴν εὐχὴν καὶ τὴν ἐκφώνησιν, γίνεται ἀπόλυσις οὕτως· Ὁ ἀναστὰς ἐκ νεκρῶν Χριστὸς ὁ ἀληθινός... Εἴτα λέγουσι πάντες οἱ ἱερεῖς, εὐλογοῦντες ἅμα καὶ τὸ λείψανον· Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἄξιωμακαρίστε ὁ δεῖνα, ἐκ γ'. Καὶ εὐθὺς λέγουσι πάντες οἱ ἀδελφοί· Ὁ Θεὸς μακαρίσοι καὶ ἀναπαύσοι αὐτόν. Εἴθ' οὕτως ἄραντες τὴν κλίνην, ἀπέρχονται ἐν τῷ τάφῳ ἢ τῷ κοιμητηρίῳ, φαλλόντων ἡμῶν τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἐκ γ'. ἡσύχως καὶ τὸ Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας. Φθάσαντες ἐν τῷ τάφῳ ἢ τῷ κοιμητηρίῳ, ἄραντες τὸ λείψανον, θάπτουσιν αὐτό, ψάλλουσι καὶ τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα... καὶ οὕτως σφалиζεται ὁ τάφος, φαλλόντων ἡμῶν τροπάριον, ἦχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε.. Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ... πάλιν τὸ αὐτό, Δόξα καὶ νῦν, Θεοτόκε, ἡ προστασία πάντων τῶν δεομένων... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων. Στίχος· Εἰσαγαγὼν καταφύτευσον.. Εἰς τὴν κατάπαυσίν σου.. Στίχος· Κύριος ποιμαίνει... Σὺ εἰ, ὁ Θεός, ὁ καταβάς εἰς ἄδου... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή... Εἰς τὸν πηλὸν τροπάριον, ἦχος πλ. β'. πρὸς τὸ Βοηθός καὶ σκεπαστής. Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεὺς ζωοπλαστήσας... Λέγεται τοῦτο πολλάκις, εἴτα τοὺς παρόντας εἰρμούς τοῦ πλ. β'. Βοηθός καὶ σκεπαστής... ὡδὴ γ'. Στερέωσον, Κύριε, ἐπὶ τὴν πέτραν... и т. д. всѣ девять пѣсней καὶ εὐθὺς τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς Ὅτι σοῦ... καὶ εὐθὺς τροπάριον νεκρώσιμον, ἦχος β'. Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Δόξα, Μῆτερ ἀγία, ἡ τοῦ ἀφράστου... Εἴτα γίνεται ἐκτενὴ παρὰ τοῦ ἱερέως· Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, καθὼς προεγράφη. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν καὶ τὴν ἐκφώνησιν, γίνεται ἀπόλυσις, ὡς προεγράφη. Εἴθ' οὕτως εἰσερχόμεθα ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν συνήθη ἐκτενὴν ἐντὸς τοῦ βήματος, ἔμπροσθεν τῆς ἀγίας τραπέζης· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι... Τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ ἡ εὐχή· Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός... καὶ γίνεται ἀπόλυσις· Χριστὸς ὁ ἀληθινός Θεός ἡμῶν... Εἴθ' οὕτως, στραφεῖς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολάς, ἐπεύχεται μετὰ τοῦ λαοῦ, ποιοῦντες καὶ μετανόιας ιβ'. ὑπὸ τοῦ κοιμηθέντος ἀδελφοῦ ἡμῶν, ὅσοι ὑπάρχουσιν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ· ἐν ἐκάστη δὲ μετνοία λέγουσιν· Ἦ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς αὐλισθήσεται. Στραφεῖς δὲ ὁ ἱερεὺς

ἀπὸ ἀνατολᾶς πρὸς δυσμᾶς, λέγει μεγαλοφώνως· Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιομακάριστε ὁ δεῖνα καὶ αἰείμνηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν. Εἶτα λέγουσιν ὁμοῦ πάντες οἱ ἀδελφοί· Ὁ Θεὸς μακαρίσοι καὶ ἀναπύσοι αὐτούς, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται καὶ ἡμᾶς ἐλεήσοι, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Εἶτα ἀπέρχονται ἐν τῷ οἴκῳ, ἔνθα ἀπέψυξεν ὁ μεταστάς ἀδελφός, ψάλλονται τροπάρια νεκρώσιμα, ἦχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων... καὶ τὰ ἕτερα, καὶ μνημονεύομεν, ὡς προεγράφη, ποιοῦντες καὶ ἀπόλυσιν, ὡς ἔθος.

л. 224. Ἀφορκισμὸς τοῦ Μεγάλου Βασιλείου εἰς πάσχοντας ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων. Goar. p. 578.

LXXIV. № 984 Εὐχολόγιον, рукопись той же библи. въ 4 долю листа, 234 листа, писана разгонистымъ почеркомъ XV вѣка. Имѣется на выходномъ листѣ слѣдующая приписка: 1687 Ἐποῦτο τὸ εὐχολόγιον ὑπάρχει κάμου Ἀνανίου, τλήμονος ἱερομονάχου τοῦ Λιβισιανοῦ καὶ τὸ ἀφιέρωσα εἰς τοὺς ἁγίους μ'. τοὺς ἐν τῷ Σιναίῳ ἁγίῳ ὄρει καὶ ὁ ξενώσας αὐτὸ ἐκ τῆς μονῆς τῶν ἁγίων μ'. ἔξει, ὡς ἐθνικός καὶ ὁ τελώνης καὶ ὁ προδότης Ἰούδας.

л. 1. Ἀρχὴ τοῦ εὐχολογίου καὶ τοῦ ἐσπερινοῦ.

Во время предначинательнаго псалма положено читать первыя три вечернія молитвы Goar. p. 28. Молитва входа на своемъ мѣстѣ. На сугубой ектеньѣ положено читать молитву прилежнаго моленія, а на ектеньѣ просительной—молитву на главопреклоненіе.

л. 5. Чинъ утрени.

Начинается Трисвятымъ и тропарями: Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν... Ὁ ὑψωθείς ἐν τῷ σταυρῷ... Προστασία φοβερά... Во время шестопсалмія три молитвы. Goar. p. 39—40. Далѣе чинъ обычный безъ молитвъ.

л. 9 об. Τῶν ἁγίων Θεοφανίων ὁ ἁγιασμὸς, μετὰ τὴν θείαν λειτουργίαν.

л. 19 об. Ἀκολουθία τῆς μνήστρας.

Μετὰ τὴν θείαν λειτουργίαν, τοῦ ἱερέως ἐστώτος ἐν τῷ ἱερατείῳ, παρίστανται οἱ μέλλοντες μνηστευθῆναι πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν, ὁ ἀνὴρ ἐκ δεξιῶν, ἡ δὲ γυνὴ ἐξ ἀριστερῶν (ἀ)πόκεινται δὲ ἐν τῷ δεξιῷ μέρει τῆς ἁγίας τραπέζης ἁκτουλίδια β'. χρυσὸν καὶ ἀργυρόν, ἀπόνέμονται πρὸς τὰ δεξιὰ, τὸ δὲ χρυσὸν πρὸς τὰ ἀριστερὰ οἱ συγγενεῖς ἀλλήλων, καὶ σφραγίσας ἐκ γ'. τὰς κεφαλὰς τῶν νεονύμφων ὁ ἱερεὺς, λέγοντος τοῦ διακόνου· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς, λέγοντος τοῦ διακόνου· Εὐλόγησον, δέσποτα, ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς

ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας... Καὶ τούτου λεγομένου, εὐχεται ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος... Goar. p. 311. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν ἐπιδίδωσι τῷ ἀνδρὶ τὸ χρυσοῦν δακτυλίδιον, τὸ δὲ ἀργυροῦν τῇ γυναικί, ποιῶν ἐν σχήματι σταυροῦ ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς (καὶ τοῦ Υἱοῦ) καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ... καὶ ἀλλάσσουν αὐτὰ ἐκ τρίτου, ὁμοίως καὶ τὰ κηρία καὶ οὕτως ὁ ἀνὴρ τὴν γυναῖκα, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἀπόλυσιν.

Ἐὰν δὲ βούλωνται στεφανωθῆναι, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα καὶ τίθουσιν αὐτὰ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ, καὶ ἄρχεται φορεμένος λέγειν οὕτως· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... καὶ ἄρχονται οἱ ψάλλαι τὸν παρόντα ψαλμόν, ψάλλουν μετὰ μέλους· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, τῶν νῦν συναπτομένων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸ Τρισάγιον, εἶτα ὁ ἀπόστολος, προκείμενον, ἦχος δ'. Δόξη καὶ τιμὴ ἐστεφάνωσας... Πάντα ὑπέταξας... Πρὸς Ἐφεσίους ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελφοί, ὡς τέκνα φωτὸς περιπατεῖτε... Τέλος· καὶ προσωποληψία οὐκ ἔστι παρὰ τῷ Θεῷ. Εἶτα τὸ ἀλληλουάριον, Ἡ γυνὴ σου (ὡς) ἡ ἄμπελος... Οἱ υἱοί σου, ὡς νεόφυτα. Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην. Goar. p. 318. Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, εἰρήνης... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ περιεστῶτος... Ὅτι ἐλεήμων... Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ, ἀνοικοδομήσας γυναῖκα καὶ συζεύξας αὐτὸν βοηθὸν (зѣбѣ пропекъ) τοῦ ποθεῖν ἑαυτοὺς ἄλυπον καὶ ἀσκανδάλιστον τὸν βίον τῆς συζυγίας αὐτῶν διατελεῖν εὐδόκησον· ἐπὶ σοὶ γὰρ κεκλίκασιν τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς, σοῦ θέονται καὶ σὲ παρακαλοῦσι· σὺ γὰρ εἶ ὁ πληῶν πλάσας τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐπὶ τῆς γῆς, ποίησον βοηθὸν κατ' αὐτοῦ... См. выше стр. 568. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ οἰκονομίᾳ... Goar. p. 318 καὶ καταξίωσον αὐτοὺς ἐν γήραϊ πίνον κατανατῆσαι, παράσχου δὲ αὐτοῖς τὴν χάριν καὶ τὴν εὐλογίαν, ἣν ἔδωκας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ καὶ τῷ δούλῳ Ἰωσήφ καὶ τῇ δούλῃ σου Ἀσυνέθ, καὶ ἔστωσαν οἱ ὀφθαλμοί σου ἀτενίζοντες εἰς αὐτούς, καὶ τὰ ὄψα σου

ἀκούειν τῆς δεήσεως αὐτῶν, εὐφρανον αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων· σὺ γὰρ εἶπας, Δέσποτα, τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον αὐτῶν διατέλεσον καὶ διατήρησον, ἀκηλίδωτον τὸν βίον αὐτῶν σὺν τῇ βιώσει διαμεῖναι εὐδόκησον, διαφύλαξον αὐτοὺς ἐν πίστει, ἐν ὁμονοίᾳ, ἐν ἀγάπῃ, ἐν εἰρήνῃ, ἐν ἀγιασμῷ μετὰ φόβου σου, ἵνα φοβῶνται σε πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν καὶ ἐργαζόμενοι τὰς ἐντολάς σου καταξιωθῶσι τῆς ἐπουρανίου βασιλείας. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... Ἀγγελον εἰρήνης... η τ. δ. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὑψιστε παντέφορος, ὁ τῷ λόγῳ τοῦ προστάγματός σου τὰ πάντα συστησάμενος, ἔπιθε ἐφ' ἡμᾶς ἐξ ἀγίου σου ὕψωματος καὶ ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους, ὅτι σὴ χάριτι ἐστεφάνωσας αὐτούς, καὶ θεὶς ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στέφανον γαμικόν, χάρισαι οὖν αὐτοῖς καὶ μακρότητα ἡμερῶν. Εἶτα λέγομεν· Πρόσχωμεν. Τὰ προηγιασμένα ἅγια. Μεταδίδει αὐτοῖς μετὰ ἐτέρου ἀγγελίου οἶνον ἀνὰ γ'. ἐνὶ ἐκάστη καὶ ραίνει ἀπὸ τοῦ οἴνου ἄνω ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, φάλλοντες οἱ φάλται· Ποτήριον σωτηρίου... Εἶτα συνθλάττει ὁ ἱερεὺς τὸ ἄγγεον τοῦ οἴνου, καὶ ἀναλαμβάνει τὰ κηρία καὶ δίδει αὐτὰ προπορεύεσθαι ἔμπροσθεν τῶν νεονύμφων καὶ σφραγίζων αὐτοὺς ἐκ γ'. λέγων· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε... См. выше стр. 465.

Εὐχὴ εἰς τὴν ἔπαρσιν τῶν στεφάνων.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 520 καὶ ἀναλαμβάνων τοὺς στεφάνους ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, καὶ δίδει αὐτοὺς τῷ ἀναδόχῳ, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 29 οδ. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ.

Объясню начало и тропари: Ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου... 4 стихъ Γηγενῶν σε τοῦ βροτείου παντός γένους... 12 Λύσον πάντας τῶν δεσμῶν τῶν ἐγκλημάτων... 16 Ὁμβρισόν μοι τοῦ ἐλέους σου, Παρθένε, θείαν δρόσον... 17 Προστασία τῶν ἀνθρώπων σὺ ὑπάρχεις, Παναγία, ἐλπίς καὶ βοήθεια... 21 Ὑμνον πάντες ἐκβοῶμέν σοι τὸ λυτροχρηστήριον, Παρθένε... 22 Φῶς τεκοῦσα, παναγία Θεοτόκε, φώτισόν με τὰ ὄμματα δέομαι... 23 Χαῖρε μόνη, ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου δεξαμένη... 24 Ψυχικῶν μου μολυσμάτων καὶ ρυτίδων, Θεοτόκε, ἀπόπλυνον δέομαι... Ω Παρθένε, ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα... Προστασίαις τῶν τιμίων ἀσωμάτων ἀρχαγγέλων, ἀγγέλων σου, Κύριε... Ταῖς πρεσβείαις προφητῶν καὶ ἀποστόλων καὶ μαρτύρων καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου... Ὡσπερ πάλαι τοὺς

δεσμώντας ἐλύτρωσας ἐκ θανάτου, οὕτως ἡμᾶς λύτρωσαι πειρατηρίων τοῦ βίου, Νικόλαε... Ἀναγύρων ἡ δυνάς ἱερωτάτη τοὺς ἐν νόσοις ἰάσασθαι, ἅγιοι Κοσμά καὶ Δαμιανέ, δεόμεθα πάντοτε. Σὺν ἁγίοις ἱεράρχαις καὶ ὁσίοις καὶ δικαίοις καὶ ἱερομάρτυσι, Χριστέ, πρεσβείαις σῶσον ψυχὰς ἡμῶν. Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν ἐξομολογοῦμεν... Ὡς τὸν κτίστην τῶν ἀπάντων συλλαβοῦσα ἐν γαστρί σου, Παρθένε, καὶ τέξασχ, Αὐτόν δυσώπει σῶσαι τὰς ψυχὰς ἡμῶν. Νῦν ἐπέστη ὁ καιρός... Καὶ νῦν, Παναγία Θεοτόκε τῶν χειρῶν ἡμῶν... ἀποστολѣ, евангеліе и ектењя: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτῷ δυνάμιν ἱαματικὴν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτῷ εἰς ἴασιν ψυχῆς καὶ σώματος... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εἴτα τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ. Goar. p. 361. Окончаніе общнное.

1. 38. Τάξις εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Εἰσέρχεται ἐν τῷ ναῷ καὶ ἐπιτίθησι τὴν χεῖρα ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἁπαξ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... κ. τ. λ. Goar. p. 275—276. Τάξις (εἰς) τὸ ἀποτάξαι παιδίον. Προσφέρει αὐτὸ ὁ ἀνάδοχος ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ ἐμφυσᾷ ὁ ἱερεὺς τρίτον καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στῆθος, εἴτα λέγει· Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ πᾶν πονηρόν... p. 277.

Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ; Ἀποτάσσομαι.

Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ; Ἀποτάσσομαι.

Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ; Ἀποτάσσομαι.

Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ; Ἀποτάσσομαι.

Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος πρὸς ἕκαστον τοῦτον ἢ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ· Ἀποτάσσομαι. Εἴτα πάλιν ὁ ἱερεὺς· Ἀπετάξω τῷ σατανᾷ; Καὶ ἀποκρίνεται ὁ κατηχούμενος· Ἀπεταξάμην. Καὶ ὅτε εἴπη τρίτον, ὁ ἱερεὺς· Καὶ ἐμφύσησον αὐτῷ. Καὶ μετὰ τὸ ἐμφυσῆσαι, ἵσταται αὐτόν κατὰ ἀνατολὰς κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα καὶ λέγων γ'. Καὶ συντάσση τῷ Χριστῷ; Συντάσσομαι τῷ Χριστῷ καὶ πιστεύω εἰς ἕνα Θεὸν μέχρι τέλους. Πρῶτος ὁ ἱερεὺς μέχρι τέλους. Ἐρωτᾷ ὁ ἱερεὺς τὸν βαπτιζόμενον πάλιν γ'. Συνεταξῶ τῷ Χριστῷ; Καὶ ἀποκρίνεται Συνεταξάμην. Καὶ (ὅτε) εἴπη τρίτον, λέγει ὁ ἱερεὺς· Καὶ προσκύνησον αὐτόν. Καὶ μετὰ ταῦτα εὐχὴν ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου... Goar. p. 278. Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι αὐτῷ βαπτιζομένους... Ὑπὲρ

τοῦ πάσαν ἐν αὐτῷ τοῦ ψυχοκτόνου πολεμίου τὴν δύναμιν βυθισθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ τέκνα φωτὸς ἀναφανῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτιζομένους τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ σκεύη γενέσθαι. αὐτοὺς ἡγιασμένα πρὸς ὑποδοχὴν τοῦ θείου μυστηρίου... Ὑπὲρ τοῦ ρυθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς καὶ ἀνάγκης... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Καὶ ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός. Goar. p. 288. Εἶτα ἀνιστάμενος ἐκφωνεῖ τὴν εὐχὴν ταύτην· Μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου. Ibid. Ἡ εὐχὴ εἰς τοὺς πρὸς ὥραν βαπτιζομένους καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ὕδωρ τρίτον, καὶ σφραγίζει τρίτον· Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν τοῦ σταυροῦ σου. Goar. p. 289. Εἶτα χύνει τὴν κανδήλαν. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ κλίνει τὴν κεφαλὴν ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου καὶ ἐμφυσᾷ τρίτον, καὶ σφραγίζει τρίτον, καὶ λέγει· τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τοῖς ἐν τῇ κιβωτῷ τοῦ Νῶε. Goar. p. 289. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, τοῦ διακόνου λέγοντος· Πρόσχωμεν, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ τρυβλίον τοῦ ἐλαίου καὶ ποιεῖ ἐξ αὐτοῦ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροὺς γ'. ψάλλον τὸ Ἀλληλούια σὺν τῷ ὄχλῳ, ἀποτίθεται τὸ τρυβλίον ἐκφωνεῖ· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων... Καὶ χρίεται ὁ βαπτιζόμενος ὑπὸ τοῦ ἱερέως τῷ ἁγίῳ ἐλαίῳ, ποιεῖ σταυροὺς ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους καὶ τῶν μεταφρένων, λέγει ὁ ἱερεὺς· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιᾶσεως, εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ χρίεται αὐτοῦ ὅλον τὸ σῶμα ὑπὸ τοῦ ἀναδόχου ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου... Καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως, κρατῶν αὐτοῦ ταῖς χερσὶ καὶ ὀρῶν αὐτοῦ τὸ πρόσωπον, λέγων οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος.. ὑπὲρ κεφαλῆς. Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι, ψάλλει ὁ ἱερεὺς σὺν τῷ ὄχλῳ τὸ Μακάριοι, ὧν ἀφείδθησαν... ἐκ γ'. Καὶ ἀμφυέννεται ὁ βαπτισθεὶς παρὰ τοῦ ἀναδόχου καὶ ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν. Goar. p. 290. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εἴσοδον καὶ κύκλῳ τοῦ ἄμβωνος μετὰ τοῦ βαπτιζομένου, ἀναδόχου, ψάλλον· Ὅσοι εἰς Χριστόν... κυκλῶν τοῦ ἄμβωνος ἐκ γ'. καὶ βαλὼν αὐτόν, εἶτα χρίει αὐτῷ τὸ μύρον, πρὸς τὸν βαπτισθέντα ποιῶν τύπον σταυροῦ ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῖς ὀφθαλμοῖς, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν δύο ὠτων, χειρῶν, ποδῶν, λέγει οὕτως ἐπὶ τοῦ μετώπου· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Ἐπὶ τῶν ὀφθαλμῶν· Εἰς φωτισμὸν γνώσεως. Ἀμήν. Ἐπὶ τῶν μυκτήρων· Εἰς ὁσμὴν εὐωδίας. Ἀμήν. Ἐπὶ τοῦ στόματος· Εἰς λόγον ἀληθείας. Ἀμήν. Καὶ (ἐπὶ) τῶν δύο ὠτων· Εἰς ἀκοήν

πίστεως. Ἀμήν. Ἐπὶ τῶν χειρῶν. Εἰς ζυγὸν δικαιοσύνης. Ἐπὶ τῆς καρδίας. Εἰς στηριγμὸν καρδίας. Καὶ τῶν δύο ποδῶν. Εἰς ὁδὸν δικικνωμάτων. Ἀμήν. Καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τῶν νεοφωτίστων, καὶ γίνεται ἡ ἀκολουθία τῆς θείας λειτουργίας, καὶ λαμβάνει τὰς τεταγμένας λειτουργίας καὶ κοινωνίας.

λ. 50 οβ. Εἰσέρχεται μετὰ τοῦ ἀναδόχου εἰς τὸ ἀπολοῦσαι, εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς συνήθως, εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν· Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος... Goar. p. 303. Καὶ λαβὼν ἄγγεῖον μετὰ οἴνου, ἀπονίπτει τὸν νεοφωτίστον μετὰ τῶν αὐτῶν ἀμφίων, λέγων· Ἐκκλησιάσθης, ἐβαπτίσθης, ἀπελούσθης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται τῆς εὐχῆς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθάρισας ἡμᾶς τοὺς δούλους σου. Goar. p. 305. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον. Goar. p. 506. Εἴτα κείρει τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς σταυροσιδῶς, λέγει· Κεῖρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας. Goar. p. 306. Καὶ ἀπόλυσις.

λ. 52 οβ. Εὐχὴ τοῦ σφραγίσαι τὸ παιδίον, τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ λαμβάνον ὄνομα.

Εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ ἐπιτραχηλίου καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, εἴτα ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἴτα σφραγίζει εἰς τὴν κανδήλαν καὶ ἐμφυσᾷ αὐτῷ· Κύριε, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθήτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Goar. p. 264.

λ. 53 οβ. Εὐχὴ μετὰ τὸ μ'.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάσαν φύσιν λογικὴν καὶ νοεράν δημιουργήσας τῷ λόγῳ σου... Goar. p. 267.

λ. 54. Τάξις μετὰ τὸ τεσσαρακοστὸν εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον.

Προσφέρει αὐτὸ ὁ ἀνάδοχος, καὶ ὁ ἱερεὺς μετὰ ἐπιτραχηλίου ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, ἀπολυτίκιον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν... Прилож. стр. 19. Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε Παρθένε... καὶ τὸ κοντάκιον· Ὁ μήτρην παρθενικὴν... Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ λόγος καὶ ὁ λόγος ἦν πρὸς τὸν Θεόν... Τέλος· ἡ χάρις καὶ ἡ ἀλήθεια διὰ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἐγένετο.

λ. 56. Εὐχὴ εἰς λεγῶνα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πλάστης καὶ Δημιουργὸς τῶν πάντων, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον... Прилож. стр. 1. Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεός

ἡμῶν, ὁ τῷ Ἀδὰμ καὶ τῇ Εὐᾷ συγχωρήσας καὶ καλέσας τῇ παραβάσει αὐτῶν. См. выше стр. 491.

л. 57 об. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα, ὅταν ἀποβάλλεται. Goar. p. 371. Λέγεται ἐκ γ'.

л. 58 об. Апостольскія и евангельскія чтенія недѣли и на разные случаи.

л. 74. Одиннадцать утреннихъ евангелій.

л. 87. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 107. Εὐχὴ εἰς τὸ ἄραι καὶ λύσαι στέφανα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας Goar. p. 320.

л. 108. Εὐχὴ ἐπὶ σαλευομένης τραπέζης.

Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐπ' ὀνόματι τοῦ κορυφαίου τῶν ἀποστόλων ὁμοφρόνως πέτρᾳ τὴν ἐκκλησίαν προσαγορεύσας, αὐτὸς Δέσποτα τῶν πάντων...

л. 108 об. Εὐχὴ, λεγομένη ἐπὶ ἀνομβρίας. Ектенѣя и первая молитва. Goar. p. 613.

л. 111. Εὐχὴ (ἐπὶ τοῦ) προσφέροντος σῖτον, οἶνον, ἔλαιον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν προσφέρειν σοὶ κατὰ πρόθεσιν. Goar. p. 522.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

л. 111 об. Εὐχὴ, ἐὰν λειτουργηθῇ ἐκκλησία ὑπὸ αἰρετικοῦ.

л. 112. Εὐχὴ εἰς ἅγιον ἔλαιον. Goar. p. 335.

л. 112 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου οἴκου.

— Εὐχὴ ἐπὶ φυτεύματος ἀμπελίου.

л. 113. Εὐχὴ ἐπὶ πάσας ὁπώρας.

л. 113 об. Εὐχὴ εἰς οἶνον νέον.

л. 114. Εὐχὴ εἰς τελευτήσαντα ἱερέα. Goar. p. 452.

л. 115. Εὐχὴ εἰς διάκονον κοιμηθέντα.

Ὁ οἰκησιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα περιέπων τὰ ἐπὶ τῆς γῆς. См. выше стр. 293, прим.

л. 116. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

л. 140. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 152. Чтенія апостольскія и евангельскія на постъ и Пятидесятницу.

л. 210 об. Κατήχησις, λεγομένη παρὰ τοῦ ἱερέως, ὅταν μέλλωμεν ἡμεῖς οἱ χριστιανοὶ μεταλαμβάνειν τῶν θείων καὶ ἀχράντων μυστηρίων.

Ἄδελφοί μου ἀγαπητοί καὶ παμπόθητοι, οἱ συναθροισθέντες εἰς τὴν ἁγίαν τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίαν πρὸς τὸ λατρεῦσαι Θεῷ ζῶντι ἐν ὁσιότητι καὶ δικαιοσύνῃ, καὶ τῶν ἀχράντων καὶ ἀθανάτων μυστηρίων μετασχεῖν, ἀκωλύτως ἀκούσατε· ἐγὼ ὁ ταπεινὸς καὶ πάντων τῶν ἱερέων ἐλαχιστότερος τὰς πράξεις ὑμῶν οὐ γινώσκω, τὰ ἐπιτηδεύματα ἀγνοῶ, καὶ διὰ τοῦτο τὸν τοῦ Θεοῦ φόβον βαλλόμενος, παραγγέλλω ἐνὶ ἐκάστῳ ὑμῶν, ἄνδρας τε καὶ γυναῖκας, μικροὺς τε καὶ μεγάλους· μηδεὶς οὖν ὑμῶν ἐνοχος ἁμαρτίας ὑπάρχων καὶ τῆς ἰδίας κατηγορούμενος πρὸ τοῦ μετανοῆσαι, ἐξομολογήσασθαι τολμήσῃ καταφρονητικῶς προσελθεῖν καὶ ἄψασθαι τὸ θεῖον πῦρ· ὁ γὰρ Θεὸς ἡμῶν πῦρ καταναλίσκων ἐστί, καὶ τοὺς μὲν πιστοὺς μετὰ φόβου προσερχομένους, ὡς Θεὸς καὶ κριτὴς καὶ βασιλεὺς πάντων ἡμῶν, φλογίζει καὶ κατακαίει τὰς καρδίας ἡμῶν, τὰς δὲ ψυχὰς φωτίζει, τῶν δὲ ἀπίστων καὶ μετ' ἀναισχυντίας προσδεχομένων φλογίζει καὶ κατακαίει τὰς ψυχὰς καὶ τὰ σώματα, διὰ τοῦτο πολλοὶ ἀσθενεῖς καὶ ἄρρωστοι, καὶ κοιμῶνται ἱκανοί, τοῦτ' ἐστὶν ἀποθνήσκονται πολλοὶ διὰ τὸ ἀναξίως μεταλαμβάνειν· μηδεὶς οὖν ὁ ὀμνύων, μηδεὶς ψεύστης, ἢ μοιχός, ἢ πόρνος, ἢ μαντεύμασι καταφεύγων, ἢ κατὰ τοῦ πλησίον ἔχων, ἢ ποιῶν τὰ λεγόμενα φυλακτά, ἅτινά εἰσιν δεσμοτῆρια τῶν ψυχῶν αὐτῶν, ἢ καὶ τὰ ὅμοια πράττοντες, οὐδ' ὅλως καταφρονητικῶς τολμήσῃ προσελθεῖν καὶ προσάψασθαι τῶν τοῦ Χριστοῦ μυστηρίων· ὁ γὰρ ἀναξίως μεταλαμβάνων τὸ Σῶμα καὶ Αἷμα τοῦ Χριστοῦ κρῖμα ἑαυτὸν ἐσθίει καὶ πίνει, ὁ λόγος τολμότερός ἐστιν ὑπὲρ πᾶσαν μάχαιραν δίστομον. Βλέπετε οὖν, ἀδελφοί μου, μηδεὶς τῶν προελθόντων ἁμαρτημάτων ἢ πράξεως ὑπάρχων, πρὸ τοῦ μετανοῆσαι καὶ ἐξομολογήσασθαι τολμήσῃ προελθεῖν καὶ ἄψασθαι τοῖς θείοις μυστηρίοις, διὸ πάλιν λέγειν οὐ παύομαι, οὐδὲ κατακρίνω ὑμᾶς, μὴ γένοιτο, ἀλλὰ παραινῶ καὶ μετὰ τὴν παραινέσιν ταύτην ἀδιδῶς εἰμι ἀπὸ τοῦ αἵματος ὑμῶν, ὑμεῖς ὄψεσθε, μηδεὶς ἀναξίως μεταλαμβάνει τοῦ Δεσποτικοῦ Σώματος καὶ Αἵματος· φοβερὸν γὰρ τὸ ἐμπεσεῖν, ἀδελφοί, εἰς χεῖρας Θεοῦ ζῶντος, διότι εἶπεν· οὐκ ἐστὶν, ὃς ἐξελεῖται ἐκ τῶν χειρῶν μου, ὅτι αὐτῷ πρέπει τιμὴ καὶ κράτος καὶ προσκύνησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Ἰῶ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεῖ.

λ. 212. Εὐχὴ εἰς τὰ βαβα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, ὁ φιλάνθρωπος Πατὴρ, ὁ τῶν χερουβὶμ Κύριος καὶ τῶν Σεραφὶμ ἡνίοχος...

λ. 213 ὁβ. Σπούδασον, ὦ ἱερεῦ, σεαυτὸν παραστῆναι ἐργάτην ἀνεπαίσχυντον, ὀρθοτομοῦντα τὸν λόγον τῆς ἀληθείας....

л. 214 об. Εὐχὴ εἰς σταφυλὰς.

л. 215. Κανὼν εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

Ἦχος πλ. δ'. Ὑγρὰν διοδεύσας. . Πολλοὺς συνεχόμενος πειρασμοῖς, πρὸς σὲ καταφεύγω... Παθῶν με ταραττοῦσι προσβολαὶ πολλῆς ἀθυμίας...

л. 219. Ἀκολουθία τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου τῆς ἀκαθίστου.

LXXV. № 986 Εὐχολόγιον, рукопись той же библи. въ 4 долю листа, 162 листа, писана четкою скорописью XV в. рукою священника Георгия, какъ это видно изъ слѣдующей приписки: Μέμνησον τοῦ γράφαντος τοῦ Θεοῦ θύτου. Γεώργιος, ἁμαρτωλὸς ἱερεὺς ὁ Παλανός.

Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ Διακονικοῦ. Αὕτη ἡ τάξις γίνεται ἐν τῇ σεβασμίᾳ λαύρᾳ ἐν τῷ ἁγίῳ ὅρει τοῦ Ἁθῶ· ἐκεῖθεν ¹⁾ γὰρ ἐστὶ τὸ παρὸν Διακονικόν.

Μέλλων ὁ ἱερεὺς λειτουργῆσαι ὀφείλει ἐγκρατεῦσθαι μικρὸν ἄφ' ἐσπέρας βρωμάτων καὶ πομάτων, ἔχειν τε εἰρήνην μετὰ πάντων, καὶ μὴ ἔχειν κατὰ τινος ἐχθρὰν τὸ σύνολον, ἵνα μὴ φυγαδεύσῃ τὸν Παράκλητον. Μετὰ δὲ τὸ ψάλλειν τὰς ὥρας, μέλλων εἰσεῖναι ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ θυσιαστήριον, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην μυστικῶς ἔμπροσθεν τῶν εἰκόνων, ποιῶν ἐκάστη εἰκὼν προσκυνήσεις γ'. Εὐχὴ· Κύριε, ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρά σου ἐξ ὕψους κατοικητηρίου σου... **GOAT.** p. 48. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν καὶ τὰς ἐπὶ τῶν ἁγίων εἰκόνων προσκυνήσεις καὶ ἀσπασμούς, εἰσέρχεται εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, καὶ λαβὼν τὸ στιχάριον ἀνὰ χεῖρας, παιεῖ μετανόιας γ'. ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης σὺν ἅμα τῷ διακόνῳ, λέγοντες μυστικῶς καὶ τὸ Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, καὶ ἀσπάζεται ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ὁ δὲ διάκονος τὸ ἄκρον τῆς ἁγίας τραπέζης, εἶθ' οὕτως λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ στιχάριον. Ὁ δὲ ἱερεὺς εὐλογεῖ τὸ στιχάριον, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ²⁾). Ἀμήν. Ἀσπασάμενος ³⁾ δὲ τὸν ἐν τῷ στιχαρίῳ σταυρόν, ἐνδύεται αὐτό, λέγων ἡρέμα καθ' ἐχυτὸν ἔκαστος· Ἀγαλλιάσεται ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... p. 48 πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ ⁴⁾). Εἶτα λαβὼν τὸ ἐπιτραχήλιον καὶ εὐλογήσας, ἀσπάζεται ⁵⁾ τὸν ἐν αὐτῷ σταυρόν, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ-

¹⁾ Ркп. XVI в. Александр. (въ Каирѣ) библи. № скд — 1070 вѣтъ прибавки: ἐκεῖθεν и т. д. ²⁾ прибавлено: ὁ διάκονος· Ἀμήν. ³⁾ Ἀσπασάμενοι δὲ τοὺς ἐν τοῖς στιχαρίοις αὐτῶν σταυροὺς, ἐνδύονται αὐτά, λέγοντες ⁴⁾ Ὁ διάκονος· Ἀμήν ⁵⁾ ἀσπάζεται αὐτό, ἡγουν τὸν ἐν αὐτῷ σταυρόν, λέγων.

χέων τὴν χάριν αὐτοῦ... p. 48. Περιθεὶς δὲ τῷ ἑαυτοῦ τραχήλῳ, λέγει· Καὶ δῆσαντες τὸν Ἰησοῦν, ἀπήγαγον καὶ παρέδωκαν αὐτὸν Ποντίῳ Πιλάτῳ τῷ ἡγεμόνι. Λαβὼν δὲ καὶ τὴν ζώνην καὶ εὐλογήσας αὐτὴν κατὰ τὸ μεσαιτάτον, ἀσπάζεται αὐτήν, καὶ περιζωσάμενος, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ περιζωννύων με δύνάμιν, καὶ ἔθετο ἄμωμον τὴν ὁδὸν μου, καταρτιζόμενος τοὺς πόδας μου, ὥσει ἑλάφου, καὶ ἐπὶ τὰ ὕψηλά ἰστῶν με, πάντοτε νῦν καὶ... Εἰς τὸ δεξιὸν ἐπιμάνικον λέγει· Ἡ δεξιὰ σου, Κύριε... πάντοτε νῦν καὶ αἰεῖ... Εἰς τὸ ἀριστερὸν ἐπιμάνικον λέγει· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησαν... πάντοτε νῦν... Εἴθ' οὕτως λαβὼν τὸ φελώνιον, καὶ εὐλογήσας τὸν τούτου σταυρόν, ἀσπάζεται αὐτόν, λέγων· Οἱ ἱερεῖς ἐνδύσονται... p. 49. Περιβαλλόμενος δὲ τοῦτο, ὡς ἐνὶ δεδιπλωμένον, ἀπέρχεται εἰς τὴν πρόθεσιν, τοῦ δὲ διακόνου προθέντος τὰ ἱερά κατὰ τὴν τάξιν αὐτῶν, ἡγουν τὸν μὲν δίσκον ἐν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ, τὸ δὲ ποτήριον ἐν τῇ δεξιᾷ. Εἴτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὴν προσφορὰν καὶ τίθησιν αὐτὴν ἐμπροσθεν αὐτοῦ ἐπάνω τῶν καλυμμάτων δεδιπλωμένων, κειμένων δηλονότι, καὶ ποιήσας γ'. προσκυνήματα, λέγει μυστικῶς· Ἐξηγόρασας ἡμᾶς... p. 49. καὶ τὸ 1) Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ γ'. εἴτα ἀσπάζεται πρῶτον τὴν ἀρίαν λόγχην, ὡς ἐπάνω τῆς προσφορᾶς κειμένην δηλονότι, εἴθ' οὕτως τὴν προσφορὰν καὶ λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ. Εἴτα λαβὼν ἐν μὲν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ τὴν προσφορὰν, ἐν δὲ τῇ δεξιᾷ τὴν ἀρίαν λόγχην, ποιεῖ τύπον σταυροῦ ἐν τῇ προσφορᾷ μετὰ τῆς ἀρίας λόγχης, λέγων ἐκ γ'. Εἰς ἀνάμνησιν τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Εἴτα πῆγνυσιν αὐτὴν ἐν τῷ τῆς δεξιᾶς χειρὸς αὐτοῦ μέρει ὀρθιον ἐπ' εὐθείας, λέγων· Ὡς πρόβατον ἐπὶ σφαγὴν ἤχθη 2). Ἐν δὲ τῇ ἐτέρᾳ ἀνατομῇ τῆς ἀριστερᾶς χειρὸς λέγει· Καὶ ὡς ἄμνός ἐναντίον τοῦ κείροντος αὐτὸν ἄφωνος, οὕτως οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα αὐτοῦ 3). Ἐν δὲ τῇ ἄνωθεν ἀνατομῇ λέγει· Ἐν τῇ ταπεινώσει αὐτοῦ ἡ κρίσις αὐτοῦ ἤρθη. Ἐν δὲ τῇ κάτωθεν ἀνατομῇ λέγει· Τὴν δὲ γενεὰν αὐτοῦ τίς διηγῆσεται... Πῆξας δὲ τὴν ἀρίαν λόγχην ἐκ πλαγίου τῆς προσφορᾶς καὶ περικόφας τὸν ἄρτον, λέγει· Ὅτι αἴρεται ἀπὸ τῆς γῆς ἡ ζωὴ αὐτοῦ, πάντοτε νῦν καὶ 4)... Ἐπιθεὶς δὲ τὸν ἄρτον ὑπτιον ἐν τῷ ἱερῷ δίσκῳ, θύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· Θύεται ὁ ἄμνός τοῦ Θεοῦ... p. 49. Εἴτα στρέφας αὐτόν ἐπὶ πρόσωπον, νύττει αὐτόν τῇ δεξιᾷ χειρὶ μετὰ τῆς λόγχης, λέγων· Εἰς τῶν στρατιωτῶν λόγχῃ τὴν πλευρὰν αὐτοῦ ἐνυξεν. Εἴτα λαβὼν ὁ διάκονος οἶνον καὶ ὕδωρ, ἐν μὲν τῇ δεξιᾷ χειρὶ τὸν οἶνον, ἐν τῇ

1) ἢ τὸ 2) прибавлено: Χριστὸς ὁ βασιλεὺς 3) ἐν κρίσει 4) ὁ διάκονος· Ἀμήν.

ἀριστερᾷ δὲ τὸ ὕδωρ, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἔνωσιν. Εὐλόγησας δὲ αὐτὰ ὁ ἱερεὺς, λέγων· Ἐνωσις Πνεύματος ἁγίου. Ὁ διάκονος Ἀμήν. Ποιήσας δὲ ὁ διάκονος τὴν ἔνωσιν ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ, λέγει· Καὶ εὐθέως ἐξῆλθεν αἷμα καὶ ὕδωρ, καὶ ὁ ἑωρακὴς μεμαρτύρηκε, καὶ ἀληθινὴ ἐστὶν ἡ μαρτυρία αὐτοῦ. Ὁ ἱερεὺς· Πάντοτε νῦν καί... Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Προσφορὰ β'. Εἶτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς προσφορὰν β'. λέγει· Εἰς τιμὴν καὶ μνήμην τῆς ὑπερευλογημένης... p. 56. Ἐκβαλὼν δὲ τὴν μεσαιτάτην μερίδα, τίθησιν αὐτὴν ἐν τῷ δεξιῷ μέρει τοῦ ἄρτου, ἥγουν εἰς τὸ μέρος τῆς ἀριστερᾶς αὐτοῦ χειρός. Προσφορὰ γ'. Εἶτα λαμβάνει τὴν γ'. προσφορὰν καὶ ἐπεύχεται οὕτως· Δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ Σταυροῦ, προστασίαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων Ἀσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου προδρόμου καὶ Βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων τῶν ιβ'. καὶ τῶν ο'. τῶν ἐν ἁγίοις πατέρων ἡμῶν καὶ οἰκουμενικῶν διδασκάλων Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Γρηγορίου τοῦ Θεολόγου, Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Ἀθανασίου τοῦ Μεγάλου, Κυρίλλου Ἀλεξανδρείας, Νικολάου τοῦ ἐν Μύροις, Γρηγορίου Νύσσης, Γρηγορίου τοῦ θαυματουργοῦ, Γρηγορίου τῆς μεγάλης Ἀρμενίας, Γρηγορίου Ἀκραγαντίνων καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἱεραρχῶν. Τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων Θεοδώρου, Γεωργίου, Δημητρίου, Προκοπίου, Νέστορος, τοῦ ἁγίου πρωτομάρτυρος καὶ ἀρχidiaκόνου Στεφάνου, καὶ πάντων τῶν ἁγίων μαρτύρων. Τῶν ὁσίων θεοφόρων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου, Ἀρσενίου, Εὐθυμίου, Σάββα, Ὁνούφριου, Μακαρίου τοῦ Μεγάλου καὶ Παχωμίου, Ἐφραίμ τοῦ Σύρου, Ἰωάννου τοῦ τῆς Κλίμακος, Ἀθανασίου τοῦ ἐν τῷ Ἀθῶ καὶ πάντων τῶν ὁσίων. Τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου. Τῶν ἁγίων καὶ δικαίων θεοπατόρων Ἰωακείμ καὶ Ἀννης. Τοῦ ἁγίου τῆς ἡμέρας τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, ὧν ταῖς ἱκεσίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός. Καὶ αἰρεῖ¹⁾ μερίδα μίαν καὶ τίθησιν αὐτὴν εἰς τὸ κάτωθεν μέρος τοῦ ἄρτου, καὶ καθεξῆς ἀπάσας στοιχηδόν, ἥγουν τὰς μερίδας. Προσφορὰ δ'. Εἶτα λαβὼν τὴν τετάρτην προσφορὰν, λέγει· Μνήσθητι, Κύριε, τῶν εὐσεβεστάτων καὶ φιλοχρίστων βασιλέων ἡμῶν, παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ πατρὸς καὶ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν τοῦδε. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ πατρὸς ἡμῶν, τοῦ καθηγουμένου δηλονότι, καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητος, καὶ πάν-

¹⁾ Ἐξ αὐτῆς.

των τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν πρεσβυτέρων, διακόνων, ὑποδιακόνων, ἀναγνώστων, καὶ πάντων, οὓς προσεκαλέσω εἰς τὴν σὴν διακονίαν, διὰ τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας, φιλάνθρωπε Δέσποτα. Καὶ αἶρει μερίδα μίαν καὶ τίθησιν αὐτὴν κάτωθεν τοῦ ἄρτου, ὡς δεδήλωται. Προσφορὰ ε΄. Ἐν δὲ τῇ ε΄. προσφορᾷ μνημονεύει, οὓς θέλει, ζῶντας. Προσφορὰ ς΄. Εἴτα λαβὼν τὴν ς΄. προσφορὰν, λέγει· Μνήσθητι, Κύριε, τῶν ἀειμνήστων καὶ μακαρίων κτητόρων τῆς ἀγίας μονῆς ταύτης, καὶ πάντων τῶν προαναπαυσασμένων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐνθάδε κειμένων καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθοδόξων. Καὶ μνημονεύει, οὓς θέλει, κεκοιμημένους κατ' ὄνομα. Εἴτα λέγει· Μνήσθητι, Κύριε, πάντων τῶν ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου, καὶ τῇ σῇ κοινωνίᾳ κεκοιμημένων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν ὀρθοδόξων. Καὶ αἶρει μερίδα. Προσφορὰ ζ΄. Εἴτα λαβὼν ἑτέραν προσφορὰν, λέγει· Μνήσθητι, Κύριε, τῆς ἐμῆς ἀναξιώτητος, καὶ συγχώρησόν μοι πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον. Καὶ αἶρει μερίδα, ὡς πολλάκις δεδήλωται. Εἴτα δίδωσι τὴν λόγχην τῷ διακόνῳ. Λαβὼν δὲ καὶ αὐτὸς μίαν προσφορὰν, μνημονεύει ἑαυτόν, καὶ οὓς θέλει, καὶ αἶρει μερίδα μίαν, καὶ αὐτὸς καὶ τίθησιν αὐτὴν ἐν τῷ δίσκῳ, ἐνθα δηλονότι ἐτίθη καὶ ὁ ἱερεὺς. Εἴτα λαβὼν ὁ διάκονος τὸν θυμιατὸν καὶ θυμίαμα, προσάγει τῷ ἱερεῖ καὶ λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ θυμίαμα. Εὐλογήσας δὲ τοῦτο ὁ ἱερεὺς, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Θυμιάμά σοι προσφέρομεν... ρ. 50. Εἴτα λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸν ἀστερίσκον, ἐξαπλοῖ αὐτόν ἐπάνω τοῦ θυμιάματος, καὶ θυμιάσας αὐτόν καὶ ἀσπασάμενος, ἵστησιν αὐτόν ἐπάνω τοῦ ἄρτου, λέγων· Τῷ λόγῳ Κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν καὶ τῷ πνεύματι τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν. Ἰδοὺ ὁ ἀστὴρ ἐλθὼν ἔστη ἐπάνω, οὗ ἦν τὸ παιδίον κείμενον, πάντοτε νῦν καί... Ὁ διάκονος τὸ Ἀμήν. Εἴτα λαβὼν τὸ κάλυμμα τοῦ δίσκου, καὶ θυμιάσας αὐτό, λέγει· τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ διάκονος τὸ Κύριε ἐλέησον. Εἴθ' οὕτως ἅπλοι αὐτὸ ὀρθιον ἐπάνω τοῦ δίσκου πρὸς ἀνατολὰς, περικαλύψας δὲ τὸν δίσκον καὶ συστείλας πάντοθεν τὸ κάλυμμα, λέγει τὸν ψαλμὸν ὅλον, ἡγουν Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν, εὐπρέπειαν ἐνεδύσατο... Εἴτα λαβὼν τὸ ἕτερον κάλυμμα καί, θυμιάσας αὐτό, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ διάκονος τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ περικαλύψας τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγει· Ἐκάλυψεν οὐρανούς ἡ ἀρετὴ σου, Χριστέ... ρ. 51. Ὁ διάκονος τὸ Ἀμήν. Ἰστέον, ὅτι τὸ κάλυμμα τοῦ δίσκου, τίθεται ὀρθιον πρὸς ἀνατολὰς, ὡς δεδήλωται, τὸ δὲ τοῦ ἀγίου ποτηρίου ἐγκαρσίως, ἵνα ποιῶσιν ὡς δῆθεν τύπον σταυροῦ. Λαβὼν δὲ τὸν ἀέρι'α καί, θυμιάσας αὐτόν, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ διάκονος τὸ Κύριε ἐλέησον. Εἴτα λέγει ὁ διάκονος· Σκέπασον,

δέσποτα, τὰ ἅγια. Ὁ δὲ ἱερεὺς σκεπάζει ἀμφοτέρω τὰ ἅγια δῶρα, λέγει· Σκέπασον ἡμᾶς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν... Ibid. Εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐπὶ τῇ προθέσει ταύτῃ τῶν τιμίων δώρων, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ διάκονος τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ εὐθὺς χαλᾷ τὸ φενώλιον ὁ ἱερεὺς κάτω καὶ ἄρχεται τὴν εὐχὴν τῆς προθέσεως¹⁾.

λ. 12. Ἡ θεία²⁾ λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

Εὐχὴ τῆς προθέσεως· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον... Goar. p. 51. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν, ποιεῖ ἀπόλυσιν ὁ ἱερεὺς οὕτως· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν, πρεσβείαις τῆς παναχράντου αὐτοῦ Μητρός, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι ἡμᾶς, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος. Εἶτα θυμιᾷ ἐκ γ'. τὴν πρόθεσιν καὶ λέγει καθ' ἕκαστον προσκύνημα· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ οὕτως εὐδοκήσας δόξα σοι. Καὶ τὸ Ἐν τάτῳ σωματικῶς... Καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ τροπαρίου, λαβὼν ὁ διάκονος τὸν θυμιατὸν, θυμιᾷ τὸ ἱερατεῖον ὅλον, λέγων καθ' ἑαυτὸν καὶ τὸν Ν'. ἀρχομένου ἀπ' ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης δηλονότι, εἶτα διὰ τοῦ νοτίου μέρους, καὶ κυκλοῖ πᾶσαν τὴν ἁγίαν τράπεζαν, εἰθ' οὕτως ἐξέρχεται διὰ τοῦ βορείου μέρους, καὶ θυμιᾷ τὸν ναὸν³⁾ ὅλον, εἶτα ὑποστρέφας, εἰσέρχεται διὰ τοῦ νοτίου μέρους εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, καὶ θυμιᾷ τὸ θυσιαστήριον ὅλον καὶ τὴν πρόθεσιν καὶ τὸν ἱερέα, ἀποτίθεται τὸν θυμιατὸν εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ. Τοῦ δὲ ἱερέως ἵσταμένου ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ἔρχεται ὁ διάκονος, καὶ ὑποκλίνας αὐτοῦ τὴν κεφαλὴν, κρατῶν καὶ τὸ ὠράριον αὐτοῦ τοῖς τρισὶ δακτύλοις τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ χειρός, λέγει τῷ ἱερεῖ· Καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ Κυρίῳ, δέσποτα, εὐλόγησον. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε, νῦν καὶ αἰεὶ. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Πάλιν ὁ διάκονος⁴⁾· Εὐξαι ὑπὲρ ἐμοῦ, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Κατευθῦναι Κύριος τὰ διαβήματά σου. Τῶν δὲ φαλλόντων τὰς ὥρας, φθασάντων εἰς τὸ τῆς ς'. τέλος, καὶ λεγόντων τὸ Κύριε ἐλέησον, ἀνοίγει ὁ κανθηλάπτης τὰς θύρας, καὶ εἰσελθόντων, λέγει ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεός, οἰκτερῆσαι ἡμᾶς. Ὁ καθηγούμενος τὸ Δόξα σοι ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς ἡμῶν, δόξα σοι. Ὁ λαός· Δόξα καὶ νῦν... Καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἀπόλυσιν τῶν ὥρων. Εἰθ' οὕτως ἐξέρχεται ὁ διάκονος διὰ τοῦ βορείου μέρους, καὶ ἐλθὼν ἵσταται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν,

1) Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον 2) Этого заглавія нѣтъ.

3) λαὸν 4) Μνησθητή μου, δέσποτα ἅγιε, τοῦ ἁμαρτωλοῦ. Ὁ ἱερεὺς· Μνησθεῖν σου Κύριος ὁ Θεός ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε νῦν. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Ὁ διάκονος· Εὐξαι ὑπὲρ ἐμοῦ, δέσποτα.

ποιῶν προσκυνήματα γ'. λέγων καθ' ἑαυτὸν τὸ Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ...
 δὶς, καὶ τὸ Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις... ἅπαξ, ὡσπερ ἄρα ποιεῖ καὶ ὁ
 ἱερεὺς. Μετὰ δὲ τὸ εἰπεῖν τὸν ἱερέα ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης ταῦτα,
 διαίρει τὸ βιλόθυρον ὁ διάκονος, καὶ ὑποκλίνας τὴν κεφαλὴν λέγει·
 Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία.. Ὁ διάκονος·
 Ἐν εἰρήνῃ κ. τ. λ. Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Ὁ λαὸς
 φάλλει τὰ ἀντίφωνα, ἡ τυπικά. Τούτων δὲ φαλλομένων, λέγει ὁ ἱερεὺς
 τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ ἀντιφώνου α'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ κρά-
 τος... p. 52. Εὐχὴ ἀντιφώνου β'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σῶσον τὸν λαόν
 σου... p. 53. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησις· Ὅτι
 σὸν τὸ κράτος. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'. Ὁ τὰς κοινὰς ταύτας καὶ συμφώνους...
 p. 53. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησις· Ὅτι ἀγα-
 θὸς καὶ φιλόανθρωπος... Εἴθ' οὕτως τὸ Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα... ἢ τοὺς
 μακαρισμούς, μεθ' οὓς ἡ εἴσοδος τοῦ¹⁾ εὐαγγελίου. Ἰστέον, ὅτι ἐν τῇ
 εἰσόδῳ, προπορεύεται ὁ διάκονος τοῦ ἱερέως, βαστάζων τὸ ἅγιον εὐαγ-
 γέλιον, ὁ δὲ ἱερεὺς ἀκολουθεῖ ὀπισθεν, κεχαλασμένου τοῦ φελωνίου αὐ-
 τοῦ, ἐλθόντες δὲ εἰς τὸν ὀμφαλόν, τὸν ἔμπροσθεν τῶν βασιλικῶν πυλῶν
 τοῦ ναοῦ· ὁ μὲν ἱερεὺς ἵσταται εἰς τὸ μέσον καί, ὑποκλίνας τὴν αὐτοῦ
 κεφαλὴν, λέγει τὴν εὐχὴν τῆς εἰσόδου, ὁ δὲ διάκονος ἵσταται εἰς τὸ δε-
 ξιὸν μέρος τοῦ ἱερέως, κρατῶν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον. Μετὰ δὲ τὸ τελειῶ-
 σαι τὸν ἱερέα τὴν εὐχὴν τῆς εἰσόδου, λέγει ὁ διάκονος μυστικῶς τὸ Ἀμήν,
 εἴτα λέγει ἡρέμα τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἁγίαν εἴσοδον.
 Ὁ δὲ χαράττει σταυρὸν πρὸς ἀνατολὰς τῇ δεξιᾷ χειρί, λέγων ἡρέμα καὶ
 αὐτός· Εὐλογημένη ἡ εἴσοδος τῶν ἁγίων σου. Κύριε. Εἴτα ἐλθὼν ὁ διά-
 κονος εἰς τὸ μέσον, ὑψοῖ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον σταυροειδῶς, λέγων μεγάλη
 τῇ φωνῇ· Σοφία, ὀρθοί. Ἀσπασαμένου δὲ τοῦ προσεστώτος καὶ τοῦ ἱερέως
 τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, εἰσοδεύουσιν, ἡμῶν δὲ φαλλόντων τὸ Δεῦτε προσκυ-
 νήσωμεν. Εὐχὴ τῆς εἰσόδου· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστή-
 σας ἐν οὐρανοῖς... p. 54. Μυστικῶς εἶπε τὴν ἐκφώνησιν ταύτην· Ὅτι πρέ-
 πει σοι πᾶσα δόξα... Ψαλλόντων δὲ τῶν ἀδελφῶν τὸ τροπάριον τοῦ κατὰ
 τὴν ἡμέραν ἁγίου καὶ τὸ κοντάκιον, καὶ θεοτοκίον προσόμοιον τοῦ κοντα-
 κίου, λέγει ὁ διάκονος τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν καιρὸν τοῦ Τρις-
 ἁγίου. Ὁ δὲ²⁾ εὐλογεῖ πρὸς ἀνατολὰς, λέγων· Εὐλογημένος εἷ, ὁ ἐν ἁγί-
 οῖς ἀναπαυόμενος καὶ ἐν Τριάδι ἁγία προσκυνούμενος πάντοτε, νῦν καὶ
 αἰεῖ... Ὁ δὲ διάκονος, κρατῶν τὸ ὠράριον αὐτοῦ τοῖς τρισὶ δακτύλοις τῆς
 δεξιᾶς χειρός, ἐπιστραφεὶς πρὸς τὸν λαόν, λέγει· Καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν

¹⁾ ἁγίου ²⁾ ἱερέως

αἰώνων. Εἰ δ' οὐκ ἔστι διάκονος, λέγεται παρὰ τοῦ ἱερέως, εὐλογοῦν-
 τος ἅμα καὶ τὸν λαόν, καὶ εὐθὺς ἄρχεται ¹⁾ ὁ λαὸς τοῦ Τρισαγίου.
 Ψαλλομένου δὲ τούτου, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου. Εὐχὴ
 τοῦ Τρισαγίου ὕμνου· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος... p. 55
 μυστικῶς· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Μετὰ δὲ τὸ τελειῶσαι τὴν εὐ-
 χὴν καὶ τὴν ταύτης ἐκφώνησιν μυστικῶς, ποιεῖ προσκυνήσεις γ'. ἐνώπιον
 τῆς ἁγίας τραπέζης, συνάμα τῷ διακόνῳ, λέγοντες καθ' ἑαυτοὺς καὶ τὸν
 Τρισάγιον. Εἴτα ὁ διάκονος λέγει· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν.
 Ὁ ἀναγνώστης τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ
 ἀναγνώστης τὴν ἐπιγραφὴν τῆς ἐπιστολῆς ²⁾. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν.
 Μετὰ δὲ τὸ τελειῶσαι τὸν ἀπόστολον ³⁾, ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη σοι. Ὁ διακό-
 νος· Σοφία ⁴⁾. Ἀλληλούϊα, ψαλμὸς τῷ Δαβίδ. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν.
 Ψαλλομένου δὲ τοῦ Ἀλληλούϊα, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην ⁵⁾. Εὐχὴ,
 λεγομένη πρὸ τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου· Ἐλλαμψον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν.
 p. 41. Ἀμήν. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν, θυμιᾷ ὁ διάκονος τὸ ἅγιον εὐαγγέ-
 λιον, κείμενον ἐπὶ τῆς ἁγίας τραπέζης, εἴθ' οὕτως τὸ θυσιαστήριον ἅπαν,
 εἴτα λέγει τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν εὐαγγελιστὴν τόνδε. Ὁ δὲ
 ἱερεὺς, εὐλογῶν τὸν διάκονον, λέγει· Ὁ Θεὸς διὰ πρεσβειῶν τοῦ ἁγίου
 ἐνδόξου καὶ πανευφήμου. . Μετὰ δὲ τοῦτο λαμβάνει τὸν κέραμον ὁ ἱε-
 ρεὺς, ἤγουν τὸ βλατίον, ὅπερ σκεπάζομεν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον σὺν τῇ
 ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ ἅπλοῖ αὐτὸ ἐπὶ τὸ στήθος τοῦ διακόνου, εἴτα ἐπιδί-
 δωσιν αὐτῷ τὸ εὐαγγέλιον· κρατῶν δὲ αὐτὸ ὁ διάκονος ἐπὶ τὸ στήθος,
 ὡς σύνηθες, σὺν τῷ βλατίῳ, ἐξέρχεται διὰ τῶν ἁγίων θυρῶν, προπορευο-
 μένων αὐτῶν δύο μαγουαλίων. Ὅταν δὲ φθάσῃ εἰς τὸν ὀμφαλόν, στα-
 θεῖς στρέφεται πρὸς ἀνατολὰς, καὶ αἱ δύο λαμπάδες ἔνθεν καὶ ἔνθεν.
 Συμπλέξαντες δὲ τὰς χεῖρας αὐτῶν οἱ ἀναγνώσται, ἕκαστος εἰς τὸν τοῦ
 ἐτέρου ὤμον, ἅπλοῖ ὁ διάκονος τὸ βλατίον ἐπάνω τῶν χειρῶν αὐτῶν
 καὶ τίθησι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον. Ὁ δὲ ἱερεὺς, σταθεῖς ἔμπροσθεν
 τῆς ἁγίας τραπέζης, ἐὰν οὐκ ἔχει τόπον ὀπισθεν, λέγει
 μεγάλη φωνῇ· Σοφία, ὀρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου... Ὁ διά-
 κονος· Ἐκ τοῦ κατὰ τόνδε ἁγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. Ὁ ἱερεὺς·
 Πρόσχωμεν. Ποιησάμενος δὲ ὁ διάκονος τὴν ἀνάγνωσιν τοῦ ἁγίου εὐαγγε-
 λίου, ἀποφέρει αὐτὸ καὶ δίδωσι τῷ ἱερεῖ. Ὁ δὲ εὐλογήσας αὐτόν, λαμ-
 βάνει τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐκ τῶν χειρῶν αὐτοῦ, ὁ δὲ διάκονος, σταθεῖς
 εἰς τὸ μέσον, ἄρχεται οὕτως· Εἵπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ...

¹⁾ Нѣтъ словъ: καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ λαὸς τοῦ Τρισαγίου ²⁾ τοῦ ἀποστό-
 λου ³⁾ λέγει ⁴⁾ ὁ ἀναγνώστης ⁵⁾ μυστικῶς

Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν τῆς ἐκτενοῦς ἱκεσίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενή... Ὁ διάκονος· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων βασιλέων ἡμῶν κράτους, νίκης, διαμονῆς, εἰρήνης, υἰείας, σωτηρίας αὐτῶν, καὶ τοῦ Κυρίου τὸν Θεὸν ἡμῶν ἐπὶ πλεῖον συνεργῆσαι κατευοδῶσαι αὐτοὺς ἐν πᾶσι, καὶ ὑποτάξαι ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτῶν πάντα ἐχθροὺς καὶ πολέμιον. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ φιλοχρίστων βασιλέων ἡμῶν τῶνδε¹⁾... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου τοῦδε... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ²⁾ καὶ πατρὸς ἡμῶν τοῦδε, καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητος, καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν διακονούντων καὶ διακονησάντων ἐν τῇ ἀγίᾳ μονῇ ταύτῃ. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν τῷ ἀγίῳ καὶ πανσέπτῳ ναῷ τούτῳ, ἀγροπνούωντων, κοπιώντων... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως τῶν ψυχῶν τῶν ἀειμνήστων καὶ μακαρίων κτητόρων τῆς ἀγίας μονῆς ταύτης, καὶ πάντων τῶν προχναπαυσαμένων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐνθάδε κειμένων καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθοδόξων. Ὅτι³⁾ ἐλεήμων καὶ φιάνθρωπος... Εὐξασθε οἱ κατηχούμενοι... κ. τ. λ. До херувимскої пѣсни порядокъ обѣднний. Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, τοῦ χερουβικοῦ ὕμνου ἄδομένου⁴⁾· Οὐδεὶς ἄξιός τῶν συνδεδεμένων р. 58. Ἰστέον⁵⁾, ὅτι τοῦ χερουβικοῦ ἄδομένου, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς σὺν τῷ διακόνῳ προσκυνήσεις γ'. ἔμπροσθεν τῆς ἀγίας τραπέζης, λέγοντες μυστικῶς καὶ τὸν χερουβικὸν ὕμνον, εἴθ' οὕτως ἄρχεται θυμιᾶν ὁ διάκονος κύκλῳ τὴν ἀγίαν τράπεζαν, λέγοντες καθ' ἑαυτὸν ἕκαστος τὸν Ν'. Ὅταν δὲ φθάσωσιν οἱ ψάλται· Καὶ τῇ ζωοποιῷ Τριάδι, ἀπέρχονται εἰς τὴν πρόθεσιν, καὶ θυμιᾷ ταύτην ὁ διάκονος ἐκ γ'. Φθασάντων δὲ τῶν ψαλτῶν· Πᾶσαν τὴν βιωτικὴν, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸν ἀέρα, καὶ τίθησιν αὐτὸν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ διακόνου, πρότερον δηλαδὴ εἰπόντος τοῦ διακόνου τὸ Ἐπαρον, δέσποτα. Ὁ δὲ ἱερεὺς, λαβὼν τὸν ἀέρα ταῖς ἀμφοτέραις χερσὶ, λέγει· Ἐπάρατε τὰς

1) На полѣ рѣкою ниспа замѣчено: οἷον τῶν βασιλέων τῆς ἡμέρας οἱμοὶ καὶ ποῦ οἱ φιλόχριστοὶ ἡμῶν βασιλεῖς. 2) На полѣ замѣчено: τοῦ κατηγουμένου τῆς μονῆς, ὁ δὲ λαϊκὸς ἱερεὺς τὸν πνευματικὸν αὐτοῦ μνημονεύει 3) ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἐλεήμων 4) Εἰ οὐκ ἔχεις ψάλτην, μέλλοντα ἀργῶς ψάλλαι τὸ χερουβικόν, εἰπεῖ πρῶτον τὴν εὐχὴν, εἶτα τὴν ἐκφώνησιν. 5) На полѣ замѣчено: χρὴ δὲ γινώσκειν τοῦτο. ὅτι τοῖς, ὡς ἔθος, ἀσθενεσι, κειμένοις ἐν μέσῳ τοῦ ναοῦ, εἰσοδευομένων τῶν ἁγίων, οὐ ψαύει τοῦτοις ὁ ἱερεὺς τῷ ποδὶ πόποτε, ὡς τινες εἰσθῆσαι ποιεῖν· λίαν γὰρ ἐστὶν ἐπιβλαβές, ἀλλὰ μόνον ἐπεβεχεται ὑπὲρ τοῦτων καὶ γυρίζων εἰσοδεύει.

χειρας ὑμῶν εἰς τὰ ἅγια, καὶ εὐλογεῖτε τὸν Κύριον, πάντοτε νῦν καί... Σκεπάσας τοῖνον τὴν κεφαλὴν τοῦ διακόνου, ὡς εἵπομεν, τῷ ἀέρι, καὶ ἀπὸ τοῦ μετώπου ἕως τῶν νώτων κρεμαμένου τοῦ ἀέρος, τίθησιν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ τὸν ἱερὸν δίσκον, λέγει τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς. Τοῦ δὲ διακόνου ἀμφοτέραις χερσὶ κρατοῦντος τὸν ἅγιον δίσκον, κρεμᾷ ὁ ἱερεὺς τὸν θυμιατὸν εἰς τὸν μικρὸν δάκτυλον). Προπορευομένου τοῖνον τοῦ διακόνου, ὁ ἱερεὺς ἐπεταὶ τούτῳ, τὸ ἅγιον ποτήριον ταῖς ἀμφοτέραις χερσὶ βαστάζων. Ποιουμένων δὲ τὴν εἴσοδον, κράζει μεγαλοφώνως ἐκ γ'. ὁ διάκονος· Πάντων ὑμῶν μνησθεῖν Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε νῦν καὶ αἰεί.. Ἰστέον²⁾, ὅτι, ὅταν φθάσῃ ὁ διάκονος πλησίον τοῦ καθηγουμένου τῆς μονῆς, λέγει· Μνησθεῖν Κύριος ὁ Θεὸς τῆς ἱερωσύνης σου ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ, πάντοτε νῦν καὶ αἰεί... Εἰ δ' οὐκ ἔστι διάκονος, ἐκφωνεῖται τούτο παρὰ τοῦ ἱερέως. Φθάσαντες³⁾ δὲ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, ἵσταται ὁ διάκονος μικρὸν καὶ λέγει ἡρέμα⁴⁾ Ἄρατε⁵⁾ πύλας, οἱ ἄρχοντες ὑμῶν, καὶ ἐπάριθητε πύλαι αἰώνιοι, καὶ εἰσελεύσεται ὁ Βασιλεὺς τῆς δόξης. Ἀνταποκριθεὶς δὲ ὁ ἱερεὺς λέγει· Θεὸς Κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν, εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου, καὶ τὸ Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ ἕως τοῦ κηδεύσας ἀπέθετο, καὶ τὸ Ὡς ζωηφόρος⁶⁾, ὡς παραδείσου... καὶ τὸ Τὸ τοῦ ὑψίστου ἡγιασμένον. Ἀποθέμενος τοῖνον ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον ποτήριον ἐπὶ τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ λαμβάνει καὶ τὸν ἅγιον δίσκον ἀπὸ τῆς κεφαλῆς τοῦ διακόνου καὶ τίθησιν αὐτὸν ἐκ δεξιῶν τοῦ ἁγίου ποτηρίου, ἡγουν τὸ βόρειον μέρος, εἶτα λαμβάνει⁷⁾ ὁ ἱερεὺς τὰ ἐπὶ τῶν ἁγίων καλύμματα, διπλοῖ καὶ τίθησιν αὐτὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ, ἐχόμενα τῶν ἁγίων, ἡγουν πλησίον, καὶ λαβὼν τὸν ἀέρα, θυμιατὸν αὐτὸν καὶ σκεπάζει τὰ ἅγια μετ' αὐτοῦ, καί, θυμιάσας αὐτά⁸⁾, λέγει· Καρδίαν συντετριμμένην καὶ τετα-

1) Τῆς ἀριστερᾶς αὐτοῦ χειρὸς 2) этого всего замѣчания до словъ: εἰ δ' οὐκ ἔστι διάκονος нѣтъ въ александрійской рукописи 3) φθάσαντων 4) Τὸ Θεὸς Κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν, εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου, καὶ τὸ Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ ἕως τοῦ κηδεύσας ἀπέθετο. 5) По поводу этого стиха замѣчено: Ἰστέον δέ, ὅτι τὸ Ἄρατε πύλαι, οἱ ἄρχοντες, οὐ λέγεται ἐνταῦθα, ὡς ὁ μακαριώτατος γράφει κύρ Ἰωάσαφ, ἀλλὰ μόνον τὸ Θεὸς Κύριος καὶ τὸ Ὁ εὐσχήμων... 6) Этотъ и слѣдующій тропари совершенно отсѣтствуютъ. 7) λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ ἐπὶ τῶν ἁγίων καλύμματα 8) ἐκ τρίτου λέγει· Ἀγαθονοι, Κύριε, ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου τὴν Σιών ἕως τοῦ τέλους· καὶ γὰρ ἕως τοῦ Καρδίαν συντετριμμένην καὶ τεταπεινωμένην, λέγεται πρὸ τῆς εἰσόδου ὁ ψαλμὸς εἰς τὴν πρόθεσιν.

πεινωμένην ὁ Θεὸς οὐκ ἐξουθενώσει. Λέγεται δὲ πρὸ τῆς εἰσόδου ὁ ψαλμὸς εἰς τὴν πρόθεσιν. Μετὰ δὲ τὸ θυμιᾶσαι τὰ ἅγια, κλίνας τὴν κεφαλὴν, λέγει τῷ διακόνῳ· Εὐξαι ὑπὲρ ἐμοῦ, διάκονε. Ὁ δὲ ὑποκλίνας τὴν κεφαλὴν, λέγει· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ, καὶ δύναμις ὑψίστου ἐπισκιάσει σοι. Ὁ ἱερεὺς· Αὐτὸ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον συλλειτουργήσει ὑμῖν καὶ ἡμῖν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Εὐλογηθεὶς δὲ παρὰ τοῦ ἱερέως ὁ διάκονος καὶ ἐξελθὼν εἰς τὸν συνήθη τόπον αὐτοῦ, ἄρχεται οὕτως· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν τῷ Κυρίῳ... κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνως· Διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ μονογενοῦς σου... Εἰρήνη πᾶσι. Ἀγαπήσωμεν... Ποιήσας δὲ ὁ ἱερεὺς γ' προσκυνήματα, ἀσπάζεται τὰ ἅγια, ὡς κεκαλυμμένα, πρῶτον μὲν ἐπάνω τοῦ ἁγίου δίσκου, εἶτα ἐπάνω τοῦ ἁγίου ποτηρίου, εἰθ' οὕτως τὸν ἐν τῷ ἁέρι σταυρόν, ἀσπάζόμενος δὲ αὐτὰ λέγει· Ἀγαπήσω σε, Κύριε, ἡ ἰσχὺς μου, Κύριος στερέωμά μου καὶ καταφυγή μου καὶ ῥύστης μου. Ὅταν οὖν προσκυνεῖ ὁ ἱερεὺς, συμπροσκυνεῖ καὶ ὁ διάκονος ἔξωθεν, ὅταν δὲ ἀσπάζεται ἐκεῖνος τὰ ἅγια, ἀσπάζεται καὶ αὐτὸς τὸν ἐν τῷ ὠραρίῳ αὐτοῦ σταυρόν, καί, ὅταν ἴδῃ αὐτὸν κρατοῦντα τὸν ἅερα, ἐκφωνεῖ· Τὰς θύρας, τὰς θύρας, ἐν σοφίᾳ πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς, κρατῶν τὸν ἅερα ἐπάνω τῶν ἁγίων, ὑψαὶ αὐτὸν μικρόν καὶ ὥσκει ἀνάγει καὶ κατὰγει αὐτόν, ἕως οὗ τελειωθῇ τὸ ἅγιον σύμβολον. Τούτου δὲ τελεσθέντος, ἐκφωνεῖ ὁ διάκονος· Στῶμεν καλῶς... Ὁ δὲ ἱερεὺς διπλοῖ τὸν ἅερα, ἐπιλέγων μυστικῶς καὶ τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ ἀσπασάμενος αὐτόν, ἐπιτίθῃσιν ἐπάνω τοῦ καλύμματος τοῦ δίσκου, ὡς ἀποτελέσαι τὰ δύο τύπον σταυροῦ, καὶ εὐθὺς ἐκφωνεῖ· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ... Ἄνω σχῶμεν τὰς καρδίας. Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ. Εἰσελθὼν δὲ ὁ διάκονος καὶ λαβὼν ῥιπίδιον ἢ κάλυμμα, ἀποσσοβεῖ τὰς μυίας ἐκ τῶν ἁγίων. Ὁ δὲ ἱερεὺς, κλίνας τὴν κεφαλὴν, ἐπεύχεται· Ἀξίον καὶ δίκαιον σέ ὑμνεῖν ... p. 60. Ἐκφώνησις· Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον... Τούτου δὲ λεγομένου παρὰ τοῦ ἱερέως, ὁ διάκονος αἶρει τὸν ἀστερίσκον καὶ, κρούσας ¹⁾ αὐτόν ὄρθιον ἡρέμας ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ, ἀποσπογγίζει αὐτόν τοῖς δακτύλοις, ἢ ἐν τῷ ἀντιμινσίῳ, καὶ ἀσπασάμενος αὐτόν, ἀποτίθῃσιν ἐπάνω τοῦ ἁέρος, βλέπων τὰ ἄκρα αὐτοῦ πρὸς ἀντολάς. Ὁ ἱερεὺς κλίνας ἐπεύχεται· Μετὰ τούτων καὶ ἡμεῖς τῶν μακαρίων δυνάμεων... p. 61 Δάβετε, φάγετε... Μυστικῶς· Ὁμοίως καὶ τὸ ποτήριον μετὰ τὸ δειπνήσαι, λέγων. Ἐκφώνως· Πίετε... Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται·

1) Нѣтъ словъ: καὶ κρούσας αὐτόν ὄρθιον ἡρέμας ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ, по нимѣется замѣчание совершенно противоположнаго характера: Οὐ κρούομεν ἐν τῷ δίσκῳ, ὡς ὁ μακαριώτατος ἐκεῖνος γράφει κυρ Ἰωάσαφ.

Μεμνημένοι τοίνυν. p. 61. Ἐκφώνησις· Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν... Λεγομένης δὲ τῆς ἐκφωνήσεως ταύτης, ὥσανε! ἐπιδείκνυσιν ὁ ἱερεὺς τὰ ἅγια τῇ δεξιᾷ χειρί. Ὁ ἱερεὺς κλίνων ἐπεύχεται· Ἐτι προσφερόμεν σοι τὴν λογικὴν ταύτην... p. 62. Καὶ ἀνιστάμενος ὁ ἱερεὺς, σφραγίζει τρίτον τὰ ἅγια δῶρα, λέγων· Καὶ ποιήσον τὸν μὲν ἄρτον... Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Τὸ δὲ ἐν τῷ ποτηρίῳ... Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Μεταβαλὼν τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ. Ὁ διάκονος· Ἀμήν, τρίς. Ὁ ἱερεὺς¹⁾ τὴν εὐχὴν· Ὡστε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν... p. 62. Ἐκφώνησις· Ἐξαίρετως... Ἐνταῦθα λέγει ὁ ἱερεὺς μυστικῶς τὸ Θεοτόκε Παρθένε... καὶ τὸ Ἀξιόν ἐστιν, ὡς ἀληθῶς... ποιῶν καὶ προσκυνήματα γ'. ὁ δὲ διάκονος τὰ δίπτυχα τῶν κεκοιμημένων. Ὁ δὲ ἱερεὺς κλίνας ἐπεύχεται· Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου προφήτου Προδρόμου... p. 63. Ἐκφώνησις· Ἐν πρώτοις μνήσθητι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς ὁρθοδόξων, οἷς χάρισαι... (Ἐὰν²⁾ ἐστὶ μοναστήριον, λέγεται τῆς μονῆς, ἐν ᾗ παροικοῦμεν). Ὁ διάκονος τὰ δίπτυχα τῶν ζώντων, ὁ δὲ ἱερεὺς κλίνων ἐπεύχεται· Μνήσθητι, Κύριε τῆς πόλεως, ἐν ᾗ παροικοῦμεν... p. 63 (Ἐνταῦθα μνημονεύει, οὕς θέλει, ζώντας). Ὁ ἱερεὺς· Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἐνί... Ἐκφώνησις· Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη... Ὁ διάκονος³⁾· Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες... κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Καὶ καταξιώσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν... Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Ὁ ἱερεὺς κλίνων ἐπεύχεται· Εὐχαριστοῦμέν σε, βασιλεῦ ἀόρατε... p. 65. Ἐκφώνησις· Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Ὁ ἱερεὺς κλίνας, ἐπεύχεται· Πρόσχε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ... Ibid. Ἐκφώνως· Πρόσχωμεν. Ὁ διάκονος· (sic) Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Εἰσελθὼν δὲ ὁ διάκονος προσφέρει τὸ ζέον τῷ ἱερεῖ, ὁ δὲ ἱερεὺς, μελίσας τὸν ἅγιον ἄρτον, λέγει· Μελίζεται καί... p. 65. Σταυροειδῶς δὲ κειμένων τῶν μερίδων, σφραγίζει αὐτάς, εἴτα αἶρει τὴν ἄνω μερίδα καὶ ἐμβαλλει αὐτὴν εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον, τοῦ δὲ διακόνου εἰπόντος αὐτῷ· Πλήρωσον, δέσποτα, τὸ ἅγιον ποτήριον. Χαράξας δὲ ὁ ἱερεὺς πρῶτον μετὰ τῆς μερίδος τύπον σταυροῦ, λέγει· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Εἴτα προσενεγκὼν ὁ διάκονος τὸ ζέον, λέγει τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ ζέον. Ὁ δὲ σφραγισάμενος αὐτό, λέγει· Εὐλογημένη ἡ ζέσις τοῦ παναγίου Πνεύματος, πάντοτε νῦν... Ἐμβαλλὼν δὲ τὸ ζέον ὕδωρ, ὁ διάκονος εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον ἐγχέει σταυροειδῶς, ἕως ἂν θερμανθῇ ἡ ἀριστερὰ χεὶρ αὐτοῦ, ἡ τοῦτο κρατοῦσα, λέγων· Ζέσις πίστεως πλήρης Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν,

1) Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται 2) нѣтъ этого замѣчания 3) ἄρχεται τῶν ἐμπροσθεν γεγραμμένων αἰτήσεων

καὶ τὸ Λουτρὸν τὸ θεῖον τῆς παλιγγενεσίας, λόγῳ κεραννύς συντεθειμένη φύσει, ὁμβροβλυτεῖς μοι ρεῖθρον ἐξ ἀκηράτου σου, νεφυγμένης σου πλευρᾶς, ὦ Θεοῦ Λόγε, ἐπισφραγίζων τῇ ζέσει τοῦ Πνεύματος... Εἴτα λαβὼν τὴν κάτωθεν μερίδα, τέμνει εἰς δύο, καὶ τὸ μὲν ἐν μέρος ἐπιδίδωσι τῷ διακόνῳ, λέγων οὕτως· Τὸ τίμιον καὶ ἅγιον, καὶ ἄχραντον, καὶ ζωοποιὸν Σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταδίδεται τῷ δούλῳ αὐτοῦ (τῷδε) ἱεροδιακόνῳ εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ, καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον· τὸ δὲ ἕτερον μέρος κατέχει αὐτὸς ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ παλάμῃ, λέγων καὶ αὐτὸς ὁμοίως· Τὸ τίμιον καὶ... Εἴτα κύφαντες ἀμφοτέρω, λέγουσι μυστικῶς· Τοῦ δείπνου σου τοῦ μυστικοῦ σήμερον... καὶ τὸ Τὰς ἀνομίας μου πάριδε, Κύριε, ὁ ἐκ Παρθένου τεχθεὶς καὶ τὴν καρδίαν μου κάθαρον, ναὸν αὐτὴν ποιῶν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, μὴ με ἐξουδενώσης ἀπὸ τοῦ σοῦ προσώπου, ὁ ἀμέτρητον ἔχων τὸ μέγα ἔλεος· καὶ τὸ Πιστεύω, Κύριε, καὶ ὁμολογῶ... ὣν πρῶτός εἰμι ἐγώ. Καὶ εὐθὺς ἐσθίουσι τὸν ἅγιον ἄρτον. Λαβὼν δὲ ὁ ἱερεὺς καὶ τὸ ἅγιον ποτήριον, κοινωνεῖ, λέγων· Μεταλαμβάνει ὁ δούλος τοῦ Θεοῦ (ὁδε) ἱερεὺς τὸ τίμιον, καὶ ἅγιον, καὶ ἄχραντον, καὶ ζωοποιὸν Αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν, καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. Καὶ μεταλαμβάνει τρεῖς ἐξ αὐτοῦ. Μεταδίδωσιν ὁμοίως καὶ τῷ διακόνῳ, μεταλαβόντες δὲ γ'. ἐξ αὐτοῦ ἕκαστος, σπογγίζει τῷ καλύμματι τὰ ἴδια χεῖλη, ὁμοίως καὶ τοῦ ἁγίου ποτηρίου, καὶ ἀσπασάμενος αὐτό, ἀποτίθεται ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, εἰθ' οὕτως ποιῶσιν ἀσπασμόν, λέγοντος τοῦ ἱερέως· Ὁ Θεὸς ἐν μέσῳ ἡμῶν. Ὁ διάκονος· Καὶ ἐστὶ καὶ ἔσται. Εἴτα τῶν ἁγίων λειψάνων συναχθέντων ὑπὸ τοῦ διακόνου διὰ τῆς λεγομένης μούσης μετὰ φόβου καὶ πάσης προσοχῆς καὶ ἐμβληθέντων τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ, ὁμοίως καὶ τῆς λαβίδος ἐμβληθείσης, εἴπερ εἰσὶ τινες μέλλοντες κοινωνῆσαι, σκεπάζεται τὸ ἅγιον ποτήριον τῷ ἰδίῳ καλύμματι, στραφέντες δὲ πρὸς τὸν λαόν, κρατῶν ὁ διάκονος τὸ ἅγιον ποτήριον ταῖς ἀμφοτέραις χερσὶ, λέγει μέσῃ φωνῇ· Μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως, καὶ ἀγάπης προσέλθετε. Καὶ εἰ μὲν εἰσὶ τινες βουλόμενοι κοινωνῆσαι, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον ποτήριον ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ διακόνου καὶ κοινωνεῖ αὐτούς, εἰδ' οὐκ εἰσὶν, ὑποστρέφει αὐτὸ ὁ διάκονος εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, ὁ δὲ ἱερεὺς, εὐλογήσας τὸν λαόν, λέγει μέσῃ φωνῇ· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου. Καὶ στραφείς λέγει τὴν εὐχὴν. Εὐχὴ, λεγομένη μετὰ τὴν ἁγίαν μετάληψιν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόφιλανθρωπε, εὐεργέτα... p. 67. Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν, θυμιᾷ ὁ διάκονος τὰ ἅγια ἐκ γ'. λέγων· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός, καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἢ δόξα σου. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸν ἱερὸν δίσκον μετὰ τῶν δύο

καλυμμάτων καὶ τοῦ ἀστερίσκου, τίθησιν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ διακόνου, τὸν δὲ θυμιατὸν κρεμᾷ εἰς τὸν μικρὸν δάκτυλον τῆς ἀριστερᾶς αὐτοῦ χειρός, αὐτὸς δὲ λαβὼν τὸ ἅγιον ποτήριον ταῖς δύο χερσί, λέγει ἡρέμας· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰθ' οὕτως ἐκφωνεῖ· Πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ στραφέντες πρὸς τὸν λαόν, ἐπιδείξαντες αὐτοῖς τὰ ἅγια, προσφέρουσιν εἰς τὴν πρόθεσιν, καὶ ὁ διάκονος διὰ τοῦ βορείου μέρους ἐξελθὼν, λέγει μεγαλοφώνως· Ὁρθοὶ μεταλαβόντες... Ἀντιλαβοῦ.. Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν... Τούτων δὲ λεγομένων, διπλοῖ ὁ ἱερεὺς τὸ εἰλητὸν καί, ἀσπασάμενος τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, τίθησιν ἐπάνω αὐτοῦ καὶ ἐκφωνεῖ· Ὅτι σὺ εἰ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν¹⁾.. Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος ἐκφωνουμένη· Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε, Κύριε... p. 68. Καὶ προσκυνήσας ἀσπάζεται τὰς ἁγίας εἰκόνας, καὶ εἰσελθὼν εἰς τὴν πρόθεσιν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ· Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου... Ibid. Ἐξελθὼν δὲ ὁ ἱερεὺς διανέμει τὸν κατακλαστόν, ὁ δὲ διάκονος τελειοῖ τὰ ἅγια καὶ ἀποπλύνει τὸ ἅγιον ποτήριον δις μὲν μετὰ οἴνου, ἅπαξ δὲ μετ' ὕδατος, εἷτα ἐκμάσσει τῷ σπόγγῳ ἀκριβῶς πᾶσαν τὴν τούτου ὑγρότητα, ὥστε μὴ ἀπολειφθῆναι ἐν αὐτῷ τὴν τυχοῦσαν νοτίδα, καὶ συστειλας τὰ ἱερά, ἀποκρίπτει τὰς ἑαυτοῦ χεῖρας καὶ τὰ χεῖλη, λέγων καθ' ἑαυτὸν τὸ Νῦν ἀπολύεις τὸν δοῦλόν σου, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ τροπάριον τῆς μονῆς, ἢ τῆς ἡμέρας, ἢ τοῦ θείου Χρυσοστόμου, Δόξα, τὰ κοντάκια αὐτοῦ, Καὶ νῦν, θεοτοκίον ὅμοιον, τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. Τὴν τιμιωτέραν, καὶ γίνεται παρὰ τοῦ ἱερέως ἀπόλυσις μυστικῶς· ἔξω γὰρ οὐ γίνεται ἀπόλυσις τελεία, ἀλλὰ μετὰ τὸ τέλος τοῦ ψαλμοῦ, ἐπευλογῶν ὁ ἱερεὺς τὸν λαόν, λέγει· Εὐλογία Κυρίου ἐφ' ἡμᾶς... Ὁ λαός· Δόξα καὶ νῦν, ὁ δὲ ἱερεὺς τὸν στίχον· Διὰ πρεσβειῶν τῆς παναχράντου σου Μητρός, καὶ πάντων τῶν ἁγίων, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐλέησον ἡμᾶς. Ἡμεῖς δὲ μακαρίζομεν²⁾ τοὺς κτήτορας τῆς μονῆς, εἰθ' οὕτως ἐξερχόμεθα τοῦ ναοῦ.

λ. 51. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ὅλης ἐβδομάδος.

λ. 54. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου.

λ. 76. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων, ποίημα Γερμανοῦ, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως.

1) Ἰστέον, ὅτι τὸ κάλυμμα τοῦ δίσκου τίθεται ἐνδον τοῦ δίσκου καὶ ὁ ἀστερίσκος διὰ δὲ τοῦ ἀέρος σκεπάζονται ἀμφότερα, ἐφαπλουμένου αὐτοῖς. 2) πολυχρονοῦμεν τοὺς βασιλεῖς συνήθως.

Начинается возгласомъ: „Благословенно царство“. Во время предначинательнаго псалма, читаются три первыя молитвы. Ἀρχαμένης δὲ τῆς σιχολογίας, ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς ἐν τῇ ἀγίᾳ προθέσει καὶ λαβὼν τὸν προηγιασμένον ἄρτον μετ' εὐλαβείας πολλῆς, τίθησιν ἐν τῷ ἱερῷ δίσκῳ, βαλὼν καὶ εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον οἶνον συνήθως καὶ ὕδωρ, θυμιάσας αὐτὰ καὶ περιχλύψας, ἀπέρχεται, οὐ μέντοι λέγει τί τῶν συνήθων ἐν τῇ προθέσει ἢ εὐχὴν προθέσεως, καὶ ἔν τισιν εὐρηται προθέσεως εὐχή, ἀλλ' ἢ μόνον Δι' εὐχῶν τῶν ἁγίων πατέρων... προηγιασμένη γὰρ ἐστὶ καὶ τελειωμένη αὐτὴ ἡ θυσία. Μετὰ δὲ τὴν σιχολογίαν καὶ τὴν ἐκφώνησιν, ψάλλομεν τὸ Κύριε ἐκέκραξα εἰς τὸν ἦχον τοῦ ἰδιομέλου τοῦ Τριψδίου, ἰστῶντες σιχηρταί. καὶ θυμιᾷ, ὡς ἔθος, καὶ ψάλλομεν τὸ ἰδιόμελον δις τοῦ Τριψδίου καὶ τὸ μαρτυρικὸν ἅπαξ, τὰ γ'. προσόμοια τοῦ Τριψδίου πρὸς μίαν, καὶ τοῦ Μηναίου γ'. δευτεροῦντες τὸ πρῶτον, Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον ὁμοιον πρὸς τὸν ἦχον τῶν προσομοίων τοῦ Μηναίου, εἰσόδος μετὰ θυμιατοῦ καὶ δύο λαμπάδων, προπορευομένου τοῦ κηρομανουαλίου. Εὐχὴ τῆς εἰσόδου. Ἑσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας. Ὁ διάκονος· Σοφία, ὁρθοί, τὸ Φῶς ἱλαρόν. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία, ὁ ἀναγνώστης τὸ προκείμενον τῆς προφητείας, καὶ γίνεται ἀνάγνωσις τῆς Γενέσεως, καὶ μετὰ ταῦτα τὸ β'. προκείμενον τῆς Παροιμίας. Μετὰ τοῦτο ἀνίσταται ὁ ἱερεὺς, ἐκφωνοῦντος τοῦ διακόνου· Κελεύσατε. Λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ χειρὶ θυμιατὸν καὶμανουάλιον μετὰ κηροῦ ἔσωθεν τοῦ βήματος, ἵσταται κατενώπιον τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ, στεραγιζων σταυροειδῶς, λέγει· Σοφία, ὁρθοί. Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσι. Καὶ ἀναγινώσκειται ἡ παροιμία, εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ψάλτης τὸ Κατευθυνθήτω. Далѣе чинъ обычный.

л. 87. Εὐαγγέλια ἀναστάσιμα τὰ ἑνδεκα.

л. 98 чистый.

л. 99. Ἀποστολοευαγγέλια εἰς διαφόρους ἁγίους.

л. 127. Τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

л. 140 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἄλωνα. 2 молитвы.

л. 141. Εὐχὴ εἰς ποιμνὴν κτηνῶν.

— Εὐχὴ ἑτέρα ἐπὶ ποιμνίου. 3 молитвы.

л. 143. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 151 об. Κανὼν, ψαλλόμενος εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

Πολλοὺς συνεχόμενος πειρασμοὺς πρὸς σὲ καταφεύγω, σωτηρίαν ἐπιζητῶν... Παθὼν με ταραττούσι προσβολαὶ πολλῆς ἀθυμίας...

л. 155 об. Κοντάκια τῆς ἐβδόμαδος.

л. 158. Другою новѣйшею рукою: Εὐχή τῆς μεταλήψεως·

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν ὑπάρχων... Goar. p. 536.

л. 160 об. Εὐχή, λεγομένη παρὰ τοῦ ἱερέως ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος μεταλαβεῖν τῆς ἀγίας κοινωνίας.

Ἐκλινε τὸν αὐχένα ὁ σὸς δοῦλος ἀπεκδεχόμενος τὰ παρὰ σοῦ πλούσια ἐλέη... См. выше стр. 496.

LXXVI. № 1006 Εὐχολόγιον, рукопись той же библи. въ 4 долю листа, 48 листовъ, на домбицивѣ (по Гардгаузену на бумагѣ) писана четкою скорописью XV в.

л. 1. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Goar. pag. 194.

л. 1 об. Ἀκολουθία ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.

Φορέσαντος τοῦ ἀρχιερέως καὶ πρὸ τῶν μεγάλων πυλῶν ἱσταμένου, προσάγεται ὁ χειροτονησάμενος, φορῶν φενώλιον, καὶ ἀποδύσαντες τοῦτον οἱ διάκονοι, περιτίθενται αὐτῷ στιχάριον καὶ ζωννύουσιν, εἰτα σφραγίζων τρίς τὴν αὐτοῦ κεφαλὴν καὶ ἐπιτιθεῖς αὐτοῦ τὴν χεῖρα, εὐχεται οὕτως· ὀφείλει δὲ κρατεῖν καὶ χερνιβόξεστον. Εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ ἐνός καὶ τοῦ αὐτοῦ ἀγίου Πνεύματος... Goar. p. 204.

л. 2 об. Ἀκολουθία ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου. Goar. p. 210.

л. 5. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρων. Goar p. 244.

На полѣ прибавлено: при облаченіи рукополагаемаго, произносить слѣдующую формулу: καὶ λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονεν ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἱερεὺς. Ὁ λαός· Ἄξιος.

л. 7 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου. Goar. p. 249—251.

л. 10. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει ἐν αὐτῷ ἀγίας τραπέζης. Goar. p. 655—664.

л. 26. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἀγίας τραπέζης. Goar. p. 492.

Въ концѣ прибавлены стихиры, апостолъ и евангеліе. Goar. p. 663.

л. 30. Τάξις γινομένη ἐπὶ τῶν ἀντιμινσιῶν. p. 518—519.

Послѣ Ἀλληλουία и стиховъ: Ὡς ἀγαπητά... Τὰ θυσιαστήριά σου καὶ λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Ἰδοὺ ἡγίασται καὶ τετελειώται, καὶ γέγονε θυσιαστήριον, ἅγια ἁγίων, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος.

л. 31 об. Εὐχή τοῦ ἀγίου δίσκου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κατάπεμψον ἐπὶ τὸν δίσκον τοῦτον. Goar. p. 672. Εἰτα ῥαίνει μέγα μύρον ἀπ' ἔσω, καὶ λέγει μεγαλοφώνως· Εἰς τὸ

ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεί... Λέγει δὲ καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἰδοὺ ἡγίασται καὶ τετελείωται ὁ ἅγιος δίσκος, δι' οὗ τὸ Σῶμα τοῦ Χριστοῦ προσφέρομεν ἐν αὐτῷ καὶ διαδίδοται τοῖς πιστοῖς εἰς ἄφесιν ἁμαρτιῶν καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον, πάντοτε νῦν καὶ αἰεί...

л. 32. Εὐχὴ ἐτέρα τοῦ ποτηρίου.

Ἐπίταξον, Κύριε, ἐπὶ τὸ ποτήριον τοῦτο, ἐκ τῶν ἀπεριγράπτων σου κόλπων. Goar. p. 672. Καὶ βάλλει μέσον τοῦ ἁγίου ποτηρίου μέγα μύρον καὶ εἰς τὸν ἅγιον δίσκον. Ἰδοὺ ἡγίασται καὶ τετελείωται τὸ ποτήριον τοῦ ἁγίου σου θυσιαστηρίου τῇ ἐνεργείᾳ τοῦ Πατρὸς καὶ τῇ ἐπιφοιτήσει τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεί... Εἶτα λέγει καὶ ταύτην τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ ποτήριον τῆς καινῆς σου διαθήκης ἁγιάσας. Goar. p. 671.

33. Συστατικὸν εἰς ἱερέα.

Παῦλος ὁ μέγας ἀπόστολος, τὸ στόμα τοῦ Κυρίου, συστατικαῖς τισιν ἐπιστολαῖς ἐφοδιάζων τοὺς ἑαυτοῦ μαθητάς, ἐφ' οἷς ἐν πόλεσι τὸ κήρυγμα τοῦ εὐαγγελίου κατεβιβάζετο ἀσφαλῶς ἐξαπέστελλεν, ὡς ἂν ἐντεῦθεν βέβαιον καὶ ἀληθὲς ἔχοντες εὐπαράδεκτοι εἶεν, ὅπου ἂν γένοιτο, καὶ μὴ ἀπρόσδεκτοι καὶ ὑπονοίας μεστοὶ τῷ ἁμαρτύρῳ τῆς ἐκεῖνων ἐπιστολῆς, τούτῳ τοίνυν τῷ μακαρίῳ ἀποστόλῳ καὶ ἡ ταπεινότης (ἡ μετριότης) ἡμῶν πειθομένη, ἅμα δὴ καὶ μιμουμένη τὸν παρόντα ὁ δεῖνα ὑπὸ τοῦ πνευματικοῦ αὐτοῦ πατρὸς μαρτυρηθεὶς ἄξιον τῆς ἱερωσύνης τῇ τοῦ Χριστοῦ χάριτι ἐχειροτόνησα αὐτὸν διάκονον· ὀφείλει οὖν δέχεσθαι ὁ τοιοῦτος, ὅπου ἂν καταλάβοι ἀκωλύτως καὶ ἐκτελεῖν τὰ τῆς ἱεροπραξίας, διὰ τοῦτο ἐγένετο καὶ τὸ παρὸν συστατικὸν γράμμα τῆς ἡμῶν ταπεινότητος (μετριότητος) καὶ ἀσφαλῶς ἐπεδόθη αὐτῷ μὴνὶ τῷ δεῖνι.

л. 33 об. Ἐνταλμα εἰς πνευματικόν.

Τὸ τῆς πνευματικῆς ἀναδοχῆς λειτούργημα ἀποστολικὸν τῷ ὄντι τυγχάνει ἄξίωμα καὶ μάλιστα τοῖς (ἐν) τῷ βίῳ νενεκρωμένοις καὶ ἀρίστην πολιτείαν ἐκ τῶν ἔργων ἐπιδεδειγμένοις τούτους καὶ γέρα καὶ τιμὰς ἐπαπολαύειν, χρὴ τοίνυν καὶ ὁ παρὼν τιμώτατος ἱερομόναχος ὁ δεῖνα, (ὅς) ἐκάτελαβε πρὸς με, ἵνα λάβῃ τὴν πνευματικὴν διαγωγὴν καὶ διὰ τὸ εὐρεῖν αὐτὸν βίον καθαροῦ, ἐπέδωκα πρὸς αὐτὸν τὴν πνευματικὴν διαγωγὴν τοῦ ἔχειν ἐπ' αἰεὶ ἀποκείρειν μοναχοὺς καὶ μοναστρίδας ἀκριματίστως καὶ ἀναδέχεσθαι τοὺς λογισμοὺς τῶν προσερχομένων πρὸς αὐτόν, καὶ ὡς ἀριστὸς ἰατρός κατὰ τὰς πληγὰς καὶ τὰ ἔμπλαστρα ἐπιτίθῃσιν· ὀφείλει δὲ καὶ αὐτὸς πορεύεσθαι ἐν πάσῃ εὐλαβείᾳ καὶ φόβῳ Θεοῦ, νηστείαις σχολάζειν καὶ ἀγρυπνίαις καὶ ἀλεημοσύναις τὸ κατὰ δύναμιν, καὶ ὅσα οὐ δύ-

ναται αὐτὸς διορθῶσαι τὰ τῶν βαρέων ἀμαρτημάτων ἀμαρτήματα, ἀναφέρειν ταῦτα πρὸς τὸν ἀρχιερέα τοῦ τόπου. Διὰ τοῦτο ἐγένετο καὶ τὸ παρὸν ἐνταλτήριο γράμμα τῆς ἡμῶν ταπεινότητος (μετριότητος), καὶ ἐπεδόθη αὐτῷ μηνί τῷ δεῖνι.

λ. 34. οβ. Εὐχὴ εἰς πρωτοπαπᾶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἱερωσύνην χαρισάμενος τῷ γένει ἡμῶν. GOR. p. 238.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀρχιδιακόνων.

Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ καινῇ σου διαθήκῃ ἐκλεξάμενος σεαυτῷ ἐγκρίτους διακόνους τοῦ προϊστασθαι τῶν χηρῶν καὶ τῶν ἐξ ὑπογείου πεπιστευκότων ἐπὶ σοὶ καὶ τῶν στεφάνων ἀξιῶν, Αὐτὸς καὶ τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα ἄνδρα πλήρη χάριτος καὶ ἀληθείας καὶ εὐταξίας (ἐπὶ) τὴν σὴν ἐκκλησίαν διατήρησον· εἰρήνης γὰρ σὺ εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Naí, Δέσποτα, Σὺ τοῦτον τὸν ἀδελφὸν ἡμῶν, τὸν λαχόντα πρωτεύειν τῶν ὑπ' αὐτῶν διακόνων, ἐνέργησον εὐαρέστως διαπρέπειν, καταξίωσον εὐχαῖς καθαραῖς ἀναπέμπειν σοι, ἀξίωσον αὐτὸν εὐχαῖς καὶ ἱκεσίαις τῆς ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου ἐνδόξου πανευφήμου ἀποστόλου καὶ ἱεράρχου Ἰακώβου τοῦ ἀδελφοῦ καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ἀμήν.

π. 35 οβ. Εὐχὴ εἰς χωρεπίσκοπον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας τῆς σῆς ἀγαθότητος, εὐλόγησον τὴν ἀγαθότητί σου καὶ ἁγιάσον τὸν δοῦλόν σου (τόνδε) διὰ χειρὸς ἐμοῦ τοῦ ἀμαρτωλοῦ ἀπὸ ἱερέα εἰς χωρεπίσκοπον τῆς ἁγίας τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίας (τῆσδε), ἐπιφοιτῶν αὐτὸν τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον, καὶ ἐπὶ τῇ ἀπαρχῇ τοῦ κείρασθαι αὐτοῦ τὴν κόμην, δὸς αὐτῷ προκόψαι ἐν ἡλικίᾳ καὶ πολὺ ἡ γῆρας, ὅπως ἴδῃ τὰ ἀγαθὰ Ἱερουσαλήμ πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ, καὶ εὐαρεστήσῃ σοι, οἷς προητοίμασας, ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσῃ. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Ἐκφώνως· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τοὺς ἁγίους πατέρας ἡμῶν Ἀβραάμ, Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ καὶ κληρονόμους αὐτοὺς τῆς σῆς βασιλείας ἀναδείξας, Αὐτὸς καὶ νῦν εὐλόγησον τὸν δοῦλόν σου (τόνδε) εἰς χωρεπίσκοπον καὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν ἁγιάσον, τὴν δὲ ζωὴν ἡμῶν ἀκατάκριτον διαφυλάξον πρεσβείαις τῆς ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Εἴτα δίδει αὐτῷ τὸ ἐπιγόνατον καὶ λέγει· Περιζῶσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μηρόν σου, δυνατέ. Καὶ πάλιν λέγει πρὸς αὐτόν· Εὐλόγητός Κύριος. Ἰδοὺ γέγονας χω-

ρεπίσκοπος τῆς πόλεως ἡμῶν (τῆσδε), εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεί.

π. 36. Εὐχὴ εἰς μέγαν οἰκονόμον.

Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα σοφῶς οἰκονομῶν, καὶ τῇ κατὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ. Guar. p. 232.

π. 37. Εἰς προχειρίσιν πατριάρχου εἰς πατριάρχην.

Ἄφ' ἐσπέρας ἐνθρονίζεται μετὰ δύο ἀρχιερέων, εἴτα μνημονεύουν τὸν, ὡς πατριάρχην, κάκεινος πολυχρονίζει τοὺς βασιλεῖς, καὶ τὸ πρῶτ' λειτουργεῖ μετὰ τοὺς τρεῖς ἀρχιερεῖς, ἡ δὲ δύο, εἰ δὲ μετὰ ἓνα, οὐδὲν γίνεται. Ἐὰν δὲ γένῃ εἶναι καθηρημένος καὶ ὁ χειροτονοῦμενος καὶ ὁ χειροτονήσας, ὁ πρῶτος δὲ ἀρχιερεὺς λέγει τὰς εὐχὰς ταύτας. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα παντοκράτωρ Θεὲ καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως. Ркп. XVI в. Синайск. библ. № 974. Εὐχὴ β'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ θέμενος ἡμᾶς εἰς τὸν κλῆρον τῆς διακονίας ταύτης, ὁ ἐπιστάμενος τὸν νοῦν τῶν ἀνθρώπων καὶ ἐτάζων καρδίας καὶ νεφρούς, ἐπάκουσον ἡμῶν διὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰκτιρμῶν σου, καὶ καθάρισον ἡμᾶς ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος, καὶ χάρισαι ἡμῖν ἐπιτελεῖν ἀγιοσύνην ἐν φόβῳ σου, περίελε ἄφ' ἡμῶν, ὡς νεφέλην τὰς ἀνομίας, καὶ ὡς γνόφον τὰς ἀδικίας, πλήρωσον ἡμᾶς τῆς δυνάμεώς σου καὶ τῆς χάριτος τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, καὶ τῆς ἐνεργείας τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, ἰκάνωσον ἡμᾶς διακόνους γενέσθαι τῆς καινῆς σου διαθήκης, ἵνα δυνηθῶμεν ἀξίους τοῦ ὀνόματός σου παραστῆναι λειτουργοὺς καὶ ἱερεῖς τῶν σῶν μυστηρίων, καὶ μὴ ἐάσης ἡμᾶς, Δέσποτα, κοινωνοὺς γενέσθαι ἁλλοτρίων ἀμαρτημάτων, ἀλλὰ καὶ τὰ ἡμέτερα ἐξάλειψον καὶ δὸς ἡμῖν μηδὲν ποιεῖν κατὰ πρόσληψιν, ἢ ἄκριτον πρόσκλησιν, ἀλλ' ἐκλέγεσθαι τοὺς ἀξίους καὶ προσάγειν τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ, ὅτι χρηστὸς εἶ καὶ πολυέλεος πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις σε ἐν ἀληθείᾳ καὶ σοὶ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις σὺν τῷ ἀνάρχῳ... Ὁ πρωτόθρονος ἐπίσκοπος λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου... Ὑπὲρ σωτηρίας ἀντιλήψεως τοῦ ἁγιωτάτου πατρὸς ἡμῶν (δεῖνος) τοῦ νῦν ἐνθρονιαζομένου πατριάρχου (δεῖνος) πόλεως... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ τοῦ μονογενοῦς σου Παιδὸς Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ркп. Синайск. библ. № 974. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν τοῦ Ἀβραάμ, Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ὁ προχειρισάμενος Μωϋσῆν δημαγωγόν, καὶ δι' αὐτοῦ ποιμένας τὸν Ἰσραὴλ, ὁ τὴν καθολικὴν σου ἐκκλησίαν συστησάμενος τῷ Αἰματι τοῦ Χριστοῦ σου, ὁ ἀναδείξας ἐν αὐτῷ ἱερεῖς καὶ διδασκάλους, δι'

ὧν ἐπληθύνθη καθ' ὅλης τῆς οἰκουμένης ἢ ἐπίγνωσις τῆς ἀληθείας, ὁ ἐν ἐκάστη γενεᾷ ἀναδείξας ἐκλεκτοὺς καὶ ποιμένας, πρῶτον Πέτρον χειροτονήσας καὶ πατριαρχικὸν αὐτῷ σύμβολον ἐπιδοῦς, καὶ στήριγμα ἐκκλησίας καλέσας αὐτόν. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, ἔπιθε ἐπὶ τὸν σὸν θεράποντα (τόνδε) καὶ ἔκλεξαι αὐτὸν τῇ ἐπουρανίῳ σου χάριτι εἰς ποιμένα καὶ πατέρα καὶ καθηγητὴν τῆς ἐκκλησίας τῆς ἁγίας σου, πρόεδρον αὐτὸν καὶ ἀρχηγὸν προχεῖρσαι τοῦ ἁγίου σου θυσιαστηρίου, συνεπισκόπησον ἐν πάσαις βουλαῖς καὶ πράξεσι καὶ τόποις, ἐγχεῖρισον δὲ αὐτῷ τὴν ἀποστολικὴν ἀξίαν, ἐπίδος αὐτῷ τῆς ἐκκλησίας σου τῆς ἁγίας, φώτισον αὐτὸν τῇ σῇ θεότητι, καὶ προσάγαγε αὐτὸν ἐκλογὴν χειροτονίας ἁγία κρίσει, δικαίᾳ βεβαιώσει, τελείᾳ ψήφῳ καὶ παναγίᾳ, γενοῦ αὐτῷ στόμα καὶ γλῶσσα, καρδία, διάνοια, λόγος, πράξεις καὶ πᾶν, ὅτι προνοοῦμενον ἀγαθόν, ἐπίνευσον, εὐδόκησον, εἰς τὸ γενέσθαι αὐτὸν τέλειον ἀρχιερέα, μιμητὴν τοῦ ἀρχιεπισκόπου Χριστοῦ, τιθέντα τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ὑπὲρ τῶν προβάτων, ἐνέργησον αὐτὸν χαρίσματα ἱλαμάτων, στήριξον τῷ Πνεύματί σου τὸ ἡγεμονικόν, ὥστε σκοπεῖν τὸ ποίμνιόν σου ἐν ὁσιότητι καρδίας ὀρθοτομοῦντα τὸν λόγον τῆς ἀληθείας, ἐπίφανον αὐτὸν φῶς τῶν ἐν σκότει, παιδευτὴν ἀφρόνων, διδασκάλων καὶ νηπίων, ἔνδυσον αὐτὸν δύνάμει ἐξ ὕψους εἰς τὸ ποιεῖν σημεῖα καὶ τέρατα ἐν τῷ λαῷ, ἐφ' ὅτε αὐτὸν προσφέρειν τὰς ἀναιμάκτους θυσίας τε καὶ λατρείας, προσκομίζειν σοι τὸ φρικτόν καὶ ἅγιόν σου Σῶμα, καὶ ἅγιον ἔλαιον χρίειν εἰς ἅγια θυσιαστήρια, ἀλείφειν ἐλαίῳ κεφαλὴν ἀσθενῶν καὶ ἁμαρτωλῶν, ἐγκαινίζειν καὶ καταφυτεύειν ἐκκλησίας ἁγίων μαρτύρων καὶ δικαίων καὶ κατατίθεσθαι λείψανα αὐτῶν καὶ θεμελιοῦν ἁγίων ναοὺς καὶ ἀνοικοδομεῖν, ἐπιτιθέναι τὰς χεῖρας καὶ ἐκλέγεσθαι πρὸς τὸ λειτουργεῖν τοὺς ἁγίους καὶ τιμίους τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ, ἐξ αἰρετικῆς ἀπάτης προσκαλεῖσθαι προσηλύτους, προσδέχεσθαι καὶ συγχωρεῖν ἁμαρτάνουσι, καὶ λύειν μετανοοῦντας, ἵνα καταρτίζεται ἐν πᾶσι τὰς ἐμπιστευθείσας αὐτῷ ψυχὰς παρὰ τῆς σῆς μεγαλωσύνης, διὰ τῆς ἡμῶν ταπεινώσεως, καὶ παραστῆναι ἀπροσκόπτως τῷ θείῳ σου βήματι, προσφέρειν σοι ἐν παρῳήσίᾳ τὰ λογικά σου πρόβατα ἐκ τῶν κόπων καὶ πόνων αὐτοῦ τῆς ἐκκλησίας σου συναχθέντα· οὕτως γὰρ τὸν μισθὸν ἀπολήφεται τῶν πιστῶν καὶ φρονίμων οἰκονόμων παρὰ τῆς φιλανθρωπίας σου, ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς παρουσίας τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ εὐλόγητός εἰ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεῖ... Ἐἵτα λαμβάνει ὁ ἀρχιεπίσκοπος διὰ χειρὸς τὸ ὠμόφορον ἀπὸ τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου καί, σφραγίσας, ἐνδύει αὐτόν· Στολιζεται ἡ ἁγία τοῦ Θεοῦ καθολικὴ καὶ ἀποστολικὴ ἐκκλη-

αία τὸν τιμιώτατον (τόνδε) τῆς ἀρχιερωσύνης ἀξίωμα. Εἶτα τὸν ἀπόστολον ζήτηι κυριακῇ τρίτῃ τῶν νηστειῶν Ἀδελφοί, ἔχοντες ἀρχιερέα... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην. Ζήτηι Σεπτεμβρίῳ β'. Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· ὑμεῖς ἐστε τὸ φῶς τοῦ κόσμου... Καὶ μετὰ τὸ εὐαγγέλιον, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ τὴν καθολικὴν ἐκκλησίαν. Ркп. Синайск. библ. № 974. Εἶτα ἐκφωνεῖ ὁ πρῶτος ἀρχιερεὺς ἐκφώνως· Ἡ θεία χάρις διὰ τῆς ἡμῶν ταπεινότητος ὑπεραναβιβάζει σε τὸν ἱερώτατον μητροπολίτην ἢ θεοφιλέστατον ἐπίσκοπον (τόνδε) εἰς πατριάρχην (τῆσδε) τῆς πόλεως. Εἶτα πολυχρονεῖ αὐτὸς ὁ πατριάρχης τοὺς βασιλεῖς, οἱ δὲ ἀρχιερεῖς τὸν πατριάρχην, καὶ γίνεται τελεία ἀπόλυσις.

λ. 42 об. Πρόλογος ὑποψηφίου.

Δέσποταί μου ἅγιοι, τοῦ σοφοῦ λέγοντος· φοβερὸς λόγος καρδίαν ἀνδρὸς ταράττει, ἰδιώτου μᾶλλον καὶ ἀμαθοῦς, τί οὐκ ἂν δράσειε, ἀλλ' ἐπειδὴ τῇ πίστει καὶ ἐλπίδι, καὶ αὐτὸς τῶν ἀλείων καὶ ἀγραμμάτων εἰμι μνηστής, οὓς τὸ πανάγιον Πνεῦμα παιδευτὰς ἀνέδειξε, καὶ τὴν οἰκουμένην δι' αὐτῶν ἐσαγγήνευσεν, ἐν τούτοις θαρρῶν ἀσμένως καθυπεῖκα τῇ θεῇ ψήφῳ τοῦ παναγιωτάτου μου δεσπότη πατρός καὶ πατριάρχου Ἱεροσολύμων, καὶ τῆς θείας καὶ ἱερᾶς συνόδου, καὶ προσκυνῶ καὶ ἀσπάζομαι, καὶ ὑποδέχομαι μετ' εὐλαβείας τὸν λόγον τὸν θεῖον καὶ τὴν τοιαύτην ἀποστολὴν μεμνημένος τοῦ ἀνοιξάντος θαυμαστῶς τὰ ὄτα τοῦ κωφοῦ καὶ ἀλάλου, καὶ ἀκούοντος παραδόξως καὶ λέγοντος, καὶ αὖθις ἀσπάζομαι τῇ ὑμῶν ἱερᾷ ἐπιδημίᾳ καὶ παρουσίᾳ καὶ τῷ μόνῳ Θεῷ δόξαν καὶ εὐχαριστίαν καὶ χάριτα ἀναπέμπω καὶ προσκυνῶ. Ὁ δεῖνα ἱερομόναχος ἐλέω Θεοῦ ὑποψήφιος μητροπόλεως ἢ ἐπίσκοπης. Πιστεύω εἰς ἓνα Θεὸν Πατέρα παντοκράτορα... Πρὸς τούτοις ἀποδέχομαι τὰς ἀγίας καὶ οἰκουμενικὰς ἐπτὰ συνόδους, αἵτινες ἐπὶ φυλακῇ τῶν ὁρθῶν δογμάτων συνηθροίσθησαν, καθομολογῶν τοὺς ὑπ' αὐτῶν διωρισμένους στέργειν καὶ φυλάττειν κανόνας καὶ τὰς ἀγίας διατάξεις, ὅσαι τοῖς ἱεροῖς ἡμῶν πατράσι κατὰ διαφόρους καιροὺς καὶ χρόνους διευτυπώθησαν, πάντας, οὓς ἀποδέχονται, συναποδεχόμενος, καί, οὓς ἀποστρέφονται, συναποστρεφόμενος, ἔτι καὶ τὴν ἐκκλησιαστικὴν εἰρήνην ὁμολογῶ διαφυλάττειν, καὶ κατ' οὐδένα τρόπον ἐναντία φρονεῖν αὐταῖς διὰ βίου παντός, κατὰ πάντα ἐπόμενος καὶ ὑποτασσόμενος τῷ παναγιωτάτῳ μου δεσπότη τῶν Ἱεροσολύμων πατριάρχῃ, προσεπαγγελλόμενός τε ἐν φόβῳ Θεοῦ καὶ θεοφιλεῖ γνώμῃ τὴν ἐγχειρισθεῖσάν μοι ποίμνην ἰθύνειν μετὰ φόβου Θεοῦ, πάσης ὑπολήψεως πονηρᾶς, καθαρὸν ἑμαυτὸν συντηρῶν, ὅπως

μοι περίεστι δύναμις. Ἔτι ἀσφαλίζομαι μηδέποτε τῶν δογματισθέντων¹⁾ παρὰ τοῦ γεγονότος Νικαίας Εὐστρατίου, καὶ ἀποκληθέντων ἀντιποιήσασθαι, ὡς ἄλλοτριῶν ὄντων τῆς ὀρθῆς πίστεως καὶ παρὰ τῆς ἐκκλησίας ἀποπεμφθέντων· ἀναθεματίζω δὲ καὶ τὰ δογματισθέντα καὶ λαληθέντα παρὰ Μιχαὴλ τοῦ γενομένου πρωτεκδίκου, καὶ μαίστορος τῶν ῥητόρων τοῦ Βασιλάκη Νικηφόρου καὶ Σωτηρίου, τοῦ ὑποψηφίου Θεουπόλεως μεγάλης Ἀντιοχείας, τοῦ ἐπονομαζομένου Παντευγένου, περὶ τῶν προσαγωγῆς καὶ θυσίας τοῦ τιμίου Σώματος καὶ Αἵματος τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ἔτι δὲ καὶ τῆς καθ' ἑκάστην παρὰ τῶν ἱερουργῶν τελουμένης, ὡς ὑποδοκιμασθέντα καὶ ἀποβληθέντα παρὰ τῆς ἀγίας τοῦ Χριστοῦ ἐκκλησίας. Ἔτι ἀσπάζομαι καὶ ὁμολογῶ τὰ περὶ τῆς ἐν τοῖς ἀγίοις εὐαγγελίῳ Δεσποτικῆς φωνῆς, τῆς ὁ Πατὴρ μου μείζων μου ἐστί, παρὰ τῶν ἀγίων πατέρων παραδοθέντα καὶ διατρανωθέντα, ὑπὸ τοῦ εὐσεβοῦς τόμου, τοῦ ἐκτεθέντος παρὰ τοῦ τρισμακάρου βασιλέως κῆρ Μανουὴλ τοῦ Κομνηνοῦ, ἡγουν ὅτι τὴν φωνὴν ταύτην εἰρηκεν ὁ Κύριος καὶ Θεὸς ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, καὶ κατὰ τὴν ἐν αὐτῷ κτιστὴν καὶ περιγραφτὴν φύσιν, καθ' ἣν πέπονθεν, μὴ λαμβανομένην γυμνὴν καὶ κεχωρισμένην τῆς θεότητος κατὰ τὴν φιλήν ἐπίνοιαν διαίρεσιν, μήτε πρὸς τὸ κοινὸν τῆς φύσεως ἀναγωμένην, ἀλλὰ καὶ τοῦ κατὰ τὰ μέτρα τῆς κενώσεως, μόνον εἰρηκέναι λέγοντας ταύτην τὴν φωνὴν καὶ τῇ κενώσει, μόνην προσαρμόζοντας, τοῦτ' ἐστὶ διὰ μόνην τὴν κέλευσιν, ἡγουν διὰ τὸ λαβεῖν σάρκα, καὶ οὐ κατὰ τὴν σάρκα, ἣν προσελάβετο καθυποβάλλω τῷ ἀναθέματι, δέχομαι καὶ τὰς περὶ τούτου ἐρμηνείας τῶν ἀγίων, πρὸς τούτοις στέργω καὶ ἀποδέχομαι καὶ τὰς κατὰ τὴν Κωνσταντινούπολιν συγκροτηθείσας ἱερὰς συνόδους ἐν τε τῷ περιωνύμῳ ναῷ τῆς ἀγίας τοῦ Θεοῦ λόγου Σοφίας καὶ ἐν τῷ θεοφρουρητῷ παλατίῳ κατὰ τοῦ Καλαβροῦ Βαρλαάμ, καὶ τοῦ μετ' ἐκεῖνον τὰ ἐκεῖνου φρονούντος, καὶ δόλῳ σπεύδοντος ἐπεκδικεῖν Ἀκινδύνου καὶ τῶν ὁμοφρόνων αὐτοῖς, οἱ τὴν κοινήν καὶ θεῖαν χάριν τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος, καὶ τὸ φῶς τοῦ μέλλοντος αἰῶνος, καθὼς καὶ οἱ δίκαιοι ἐλάμφουσιν, ὡς ὁ ἥλιος ὡς καὶ ὁ Χριστὸς ἐπέδειξεν ἐπ' ὄρους λάμπας, καὶ

1) Ркп. Свято-гроб. библи. 1665 г. опускаетъ дальнѣйшія подробности и заключаетъ такъ: παρὰ τῶν ἀγίων ἡμῶν πατέρων ἢ ἄλλως ὅπως ὁπωσδήποτε φρονεῖν. Πρὸς τούτοις πᾶσιν ὁμολογῶ καὶ ἃ κέκτηται προνόμια οὗτοι θρόνος τῶν Ἱεροσολύμων φυλάττειν ἀπαρεχγείρητα καὶ ἀτάλεια ἐν πάτῃ μου τῇ ζωῇ τῇ τοῦ Θεοῦ ἐνισχυόμενος δυνάμει, ᾧ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκυνῆσις, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

ἀπλῶς πᾶσαν δύναμιν καὶ ἐνέργειαν τῆς τρισυποστάτου θεότητος, καὶ πάν τὸ ὅπως οὖν διαφέρουν τῆς θείας φύσεως χριστὸν εἶναι δογματίζουσι καὶ κατατέμνουσι, καὶ οὗτοι δυσσεβῶς ἄκτιστα καὶ χριστὰ τὴν μίαν θεότητα καὶ τοὺς εὐσεβῶς ἄκτιστον τὸ θεϊότατον ἐκεῖνο φῶς καὶ πᾶσαν δύναμιν καὶ ἐνέργειαν πρεσβεύοντας θεῖαν, ὡς μηδενὸς ὄντος προσφάτου τῶν τῷ Θεῷ προσόντων φυσικῶς, διθεΐτας φρενοβλαβῶς ὀνομάζουσι καὶ πολυ-
 θεούς, ὡς καὶ οἱ Ἰουδαῖοι, Σαβελλιανοὶ τε καὶ Ἀρειανοὶ ὀνομάζουσιν ἡμᾶς, ἀλλ' ἡμεῖς τούτους τε καὶ κείνους, ὡς ὄντας ἀθέους καὶ πολυθεούς ἀποβα-
 λόμεθα καὶ τοῦ πληρώματος τῶν εὐσεβούντων, εἰ μὴ μεταμεληθεῖεν ὡς καὶ ἡ ἀγία τοῦ Χριστοῦ καθολικὴ καὶ ἀποστολικὴ ἐκκλησία διὰ τῶν προβάν-
 των τῶν ἱερῶν τόμων, τελέως ἐκκόπτομεν, πιστεύοντες εἰς μίαν θεότητα τρισυπόστατον καὶ παντοδύναμον, οὐδαμῶς τοῦ ἐνιαίου καὶ τῆς ἀπλότη-
 τος διὰ τὰς δυνάμεις ἢ τὰς ὑποστάσεις· ἔτι ἀσφαλίζομαι, ὅτι οὐ δέδωκα
 τι οἰονοῦν χάριν τοῦ ψηφισθῆναι με εἰς τὴν τοιαύτην ποίμνην, ἀλλ' οὐδὲ
 ὑπεσχέθην τι παρασχεῖν ἕνεκα τούτου πρὸς τινα, ἀλλὰ ἀσπάζομαι καὶ
 τὰς περὶ τούτου ἀποστολικὰς καὶ πατρικὰς παραδόσεις, ἀλλὰ δὴ καὶ τὴν
 ἀκρίβειαν τῆς νεαρᾶς παρὰ τοῦ τρισμακαρίστου καὶ αἰδιόμου ἡμῶν βα-
 σιλέως κύρ Ἀνδρονίκου τοῦ Παλαιολόγου, ἐπὶ τῇ τοιαύτῃ ἱερᾷ πράξει
 τὴν στεργθεῖσαν καὶ βεβαιωθεῖσαν παρὰ τῆς ἀγίας τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίας,
 καὶ ὑπισχνοῦμαι φυλάττειν ταύτην ἀπαρεγχείρητον. Πρὸς τοῦτοις ὁμολογῶ
 καὶ ἃ κέκτηται προνόμια ὁ πατριαρχικὸς θρόνος φυλάττειν ἀπαρεγχείρητα
 ἐν πάσῃ τῇ ζωῇ μου ἐν τῇ ἐμπιστευθείσῃ μοι ποίμνῃ, τῷ δὲ Θεῷ ἡμῶν
 πρέπει, δόξα, κράτος, τιμὴ καὶ προσκύνησις νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
 νας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

π. 47. Ἑρμηνεῖα περὶ πατριάρχου.

Ἀλλάσσει ὁ πατριάρχης τὴν ἀρχιερατικὴν στολὴν καὶ ἐξερχόμενος
 καθέεται ἐπὶ τῆς ἀναβάθρας ἐπὶ τῶν ὥραιων πυλῶν, παρισταμένων τῶν
 διακόνων, καὶ ἔρχονται οἱ εὐρισκόμενοι ἀρχιερεῖς, φοροῦνται φελώνια, καὶ
 ὀπισθεν πάντων ἐξέρχεται ὁ ὑποψήφιος, φερόμενος ὑπὸ τοῦ εὐταξίας καὶ
 τοῦ λογοθέτου, καὶ στέκεται ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ, ἐν ᾧ ἔστιν ὁ ἀετὸς ἀντικρὺ
 τοῦ πατριάρχου, καὶ ἀναγινώσκει τὴν ὁμολογίαν τοῦ. Μετὰ ταῦτα εὐγά-
 νει τὸ φόρεμα τῆς κεφαλῆς πρὸς τὸν πατριάρχην· Κελεύσατε. Καὶ ἐγερ-
 θεὶς ὁ πατριάρχης λέγει οὕτως· Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος διὰ τῆς
 ἡμῶν μετριότητος προχειρίζεται σε μητροπολίτην τῆς ἀγιωτάτης μητρο-
 πόλεως ὁ δεῖνας. Καὶ καθεσθεὶς ὁ πατριάρχης, ψάλλοντες τὸ Εἰς πολλὰ
 ἔτη, δέσποτα. Καὶ ἔρχεται ὁ χειροτονούμενος, κρατῶν ὁ σκευοφύλαξ, πρὸς
 τὸν πατριάρχην καὶ ποιεῖ μετάνοιαν καὶ ἀσπάζεται τὸ γόνατον καὶ τὴν
 χεῖρα τοῦ πατριάρχου, καὶ εἰς τὸν πῶγωνα, καὶ καθ' ἑξῆς τοὺς ἀρχιε-

ρεῖς, καὶ πάλιν γυριζόντων εἰς τὸν ἀετὸν, καὶ λέγει ὁ σκευοφύλαξ τὸ Κελεύσατε. Καὶ ἐγερθεὶς ὁ πατριάρχης· Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος ἔστω μετὰ σοῦ. Καὶ εἰσέρχεται ὁ χειροτονούμενος ἐν τῷ βήματι καὶ ἀλλάσσει τὴν ἀρχιερατικὴν στολὴν, βαλὼν μόνον τὸ ὑπογονάτιον. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, ἔρχονται δύο διάκονοι καὶ ἐπαίρουσι τὸν χειροτονούμενον, καὶ ἐξέρχονται ἀπὸ τοῦ ἀριστεροῦ μέρους τοῦ βήματος, καὶ φέρουσιν αὐτὸν ἐγγὺς τοῦ βήματος ἐπὶ τῶν πυλῶν τοῦ ἁμβωνος, καὶ πρὸ τοῦ εἰσελθεῖν αὐτὸν ἐγγὺς τοῦ βήματος, ἐξέρχονται δύο ἱερεῖς καὶ λαμβάνουσιν αὐτὸν καὶ ἀναφέρουσιν ἐντὸς τοῦ βήματος, εἴτα ἔρχονται δύο ἀρχιερεῖς καί, λαβόντες αὐτὸν ἀνὰ χεῖρας, προσπορεύονται ἔμπροσθεν αὐτῶν τρεῖς διάκονοι, καὶ ὁ ὕστερος κρατῶν μετὰ μανδηλείου κοντάκιον, κατέχοντας καὶ ἐν ταῖς χερσὶ κηρούς, ὅσοι παρατύχωσι, καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν κυκλοῦντες, ψάλλουσιν· Ἅγιοι μάρτυρες, οἱ καλῶς ἀθλήσαντες. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τρεῖς, φέρουσιν αὐτὸν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ ἀνίσταται καὶ ἀσπάζεται τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου, καὶ τίθησι τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ ἐπὶ τῆς τραπέζης, καὶ ἐπιθεὶς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τὴν χεῖρα ὁ πατριάρχης, λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν, καὶ ὁ πατριάρχης¹⁾· Ψῆψω καὶ δοκιμασίᾳ τῶν θεοφιλεστάτων μητροπολιτῶν προχειρίζομεν τὸν δεῖνα εὐλαβέστατον ἱερομόναχον τῆς ἀγιωτάτης μητροπόλεως ὁ δεῖνα. Ἡ θεία χάρις, ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα... Καὶ ἀνοίξας τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἐπιτίθησιν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ χειροτονουμένου, καὶ φέροντες κοντάκιον, ἀναγινώσκει εὐχὴν. Μετὰ ταῦτα ὁ πρῶτιστος τῶν ἀρχιερέων λέγει τὰ εἰρηνικά, καὶ πάλιν ὁ πατριάρχης τὴν εὐχὴν. Ἐπειτα ἐπαίρουσι τὸ εὐαγγέλιον καὶ φέροντες ὠμόφορον περιτίθησι τούτῳ ὁ πατριάρχης καὶ λέγει· Ἄξιος. Καὶ οἱ περιστώτες ψάλλοντες τὸ Ἄξιος, ἐκ τρίτου, ἔπειτα ἀσπάζεται ὁ χειροτονούμενος τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου, καὶ τὴν παρειάν καὶ καθέξῃς τοὺς ἀρχιερεῖς, καὶ οὕτως ἔστιν ἡ χειροτονία.

LXXVII. 1. № 103 Εὐχολόγιον рукопись библи. лавры Аѳан. Аѳонскаго въ четвертую долю листа, 484 листа, писана четкою скорописью первой половины XV в.

л. 1. Нѣсколько молитвъ на различные случаи.

л. 9. Столпъ евангельскихъ чтеній на утрени въ воскресные дни и замѣчаніе устава о томъ же.

¹⁾ На этомъ чинѣ поставленія въ патріарха обрывается въ ркп. Свят.-гроб. библи. 1665 г.

λ. 11. Εὐχή, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς συγχωρητικήν.

λ. 15. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

λ. 35. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 48. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

λ. 56 об. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος ἐν κυριακῇ и на цѣ-
мый годъ.

λ. 106 об. Εὐχαὶ διάφοροι, παρὰ τοῦ ἱερέως λεγόμεναι.

λ. 123. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ 7 съ молитвою на главопреклоне-
ніе. Послѣ 5 молитвы входа слѣдуетъ: εὐχή μετὰ τὴν εἴσοδον. Ὁ
Θεὸς ὁ μέγας ὁ ὕψιστος. p. 29.

λ. 125 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 11 молитвъ съ главопреклонною.

λ. 130 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

λ. 137. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

λ. 145. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

λ. 155. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

λ. 156. Ἀκολουθία εἰς κουρὰν μανδουῶτου. См. выше стр. 577.

λ. 163. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше
стр. 577.

λ. 187 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι. См. выше стр. 388.

λ. 189. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.

λ. 192 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ. См. выше стр. 282—285.

λ. 211 об. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα νεκρῶν. См. выше стр. 577.

λ. 215 об. Εὐαγγέλια ἀναστάσιμα ἐωθινὰ τὰ ἑνδεκα.

λ. 224 об. Ἀκολουθία ἱκετήριος εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

λ. 231. Молитвы на различные случаи.

λ. 242. Ἀκολουθία βαπτίσματος. См. выше стр. 574—575.

λ. 244 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον см. выше
стр. 575, но безъ упоминанія о патріаршемъ чинѣ крещенія въ ве-
ликую субботу.

λ. 254. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον τῇ η΄. ἡμέρᾳ. См. выше
стр. 492—493.

λ. 254 об. Εὐχή εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον. Дмитріевскій. При-
лож. стр. 24—25.

λ. 255 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου. См. выше стр. 576.

λ. 281. Μεθοδίου, ἁγιωτάτου πατριάρχου, διὰταξις περὶ τῶν δια-
φόρων τρόπων καὶ ἡλικιᾶ ἐπιστρεφόντων. Goar. p. 689.

Εὐχολόγιον τ. II.

л. 283. Εὐχὴ πρὸς χριστιανοὺς ὑπαχθέντας ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας δὲ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ προσδραμόντας. p. 690.

л. 284. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποστατήσαντος παιδὸς καὶ μαγαρίσαντος καὶ μετανοοῦντος. p. 691.

л. 286. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχούμενον. p. 283.

л. 286 об. Непорочны великой сѹдботы на утрени

л. 291. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας Θεοτόκου τῆς ἀκαθίστου¹⁾.

л. 315. Ἀποστολοευαγγέλια τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν.

л. 401. 12 евангелій сграстей Господнихъ.

л. 440. Ἀκολουθία τῶν ἐγκαινίων.

л. 452. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρῦσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 295.

л. 473. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης. Goar. p. 490—491.

л. 476 об. Εὐχὴ τοῦ ἁγίου Ταρασίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, ἐπὶ λύσεως ναοῦ, ὑπὸ αἵρετικῶν μιανθέντος, λεγομένη ἔξω τοῦ πυλῶνος τῆς ἐκκλησίας. p. 494.

л. 477. Εὐχὴ ἐτέρα λεγομένη, ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 296.

л. 478 об. Чтеніе изъ апостола на Срѣтеніе и въ недѣлю святыхъ и евангеліе на туже недѣлю.

л. 481. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον ἐκ προσώπου ἀνθρώπου ψυχορρέουontos καὶ μὴ δυναμένου λαλῆσαι.

LXXVIII. № 31 Εὐχολόγιον, рукопись той же библи. въ 16 долю листа, 257 листовъ, писана разными почерками второй половины XV в.

л. 1. Τοῦ ἁγίου καὶ σφωτάτου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως νέας Ῥώμης καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου κοροῦ Φιλοθέου διάταξις σαφῆς τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά. См. ркп. XVI в. Пантелеим. русск. на Аѳонѣ библи. N XXVIII л. 52 об.

л. 28 об. Εἰδήσις τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων. См. выше стр. 394.

л. 28. Ἀρχὴ τοῦ μικροῦ ἑσπερινοῦ. Ὑставъ службы.

¹⁾ Статьи съ акаѳиста по чинъ обновленія церкви писаны другою рукою и имѣють дату: „ἔτους Ϟζχθ'—1421“. Писецъ называетъ себя Мелетіемъ.

λ. 29. Ἀρχὴ τοῦ μεγάλου ἐσπερινοῦ (καὶ τοῦ ὁρθρου). Тоже.

λ. 40. Τὰς δὲ κυριακάς, ἐν αἷς οὐδὲν γίνεται οὕτως· τῷ σαββάτῳ ἐσπέρας μετὰ τὸ φαλθῆναι τὴν θ'...

λ. 42. Περὶ τοῦ ἀποδείπνου.

λ. 43 об. Περὶ τοῦ μεσονυκτίου τῶν κυριακῶν.

λ. 45. Τῇ κυριακῇ ἐσπέρας.

λ. 53 об. Ἡ παράκλησις.

λ. 61 об. Мѣсяцеловъ.

λ. 69. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 84. Толкованіе на литургію безъ начала и конца. Первые слова: Τῆς ἁγίας τελετῆς τῶν ἱερῶν μυστηρίων ἔργον μὲν ἢ τῶν δώρων εἰς τὸ θεῖον Σῶμα καὶ Αἷμα μεταβολή, τέλος δὲ τοὺς πιστοὺς ἁγιασθῆναι δι' αὐτῶν...

λ. 122. Γρηγορίου Νύσσης· Οὐ δεῖ ἐξετάζειν, ὅσα κέκρυπται τῶν νοημάτων ἢ τὸ ζητεῖν τίς ἢ οὐσία τοῦ Θεοῦ... Это начало статьи только въ 5 строкъ, а далѣе слѣдуетъ толкованіе на литургію: Τὸ σύνθρονον ἐστὶ τύπος τοῦ Δεσποτικοῦ θρόνου, ἐν ᾧ νικήσας τὸν κόσμον μετὰ σαρκὸς ἀνελήφθη καὶ ἐκάθισε· σύνθρονον γὰρ λέγεται καὶ οὗ θρόνος διὰ τὸ συγκαθεζεσθαι τὸν Υἱὸν μετὰ τοῦ Πατρὸς и т. д. Толкованіе неокончено.

λ. 132. Γερασίου, ἐλέφ Θεοῦ ἀρχιεπισκόπου Ἀδριανουπόλεως. Граммата 1443 года на поставленіе нѣкогo Иoакима, іеромонаха монастыря Иоанна Предтечи, ἐπονομαζομένης Πέτρας, во епископа Ἀγαθοπόλεως καὶ πάσης Ζωῦδρου.

λ. 133. Πρόσταγμα βασιλικὸν εἰς μετάθεσιν. Граммата 1445, утверждающая упомянутого Иoакима митрополитомъ Валахиі.

λ. 134. Ὅπως προβιβάζεται ἐπίσκοπος εἰς μητροπολίτην.

Εἰ μὲν ἡ ἐκκλησία αὐτοῦ τιμᾶται εἰς μητρόπολιν ἐξ ἐπισκοπῆς, ἢ ὁ βασιλεὺς ποιεῖ τοῦτο διὰ προστάγματος, ἢ ὁ πατριάρχης καὶ ἡ σύνοδος διὰ γράμματος καὶ γνώμῃ καὶ τοῦ βασιλέως, λέγει οὖν τὸ γράμμα τὸ πατριαρχικὸν οὕτως· Ἡ μετριότης ἡμῶν, εὐδοκία τοῦ κρατίστου μου καὶ ἁγίου αὐτοκράτορος καὶ γνώμῃ τῆς περὶ αὐτὴν ἱερᾶς καὶ μεγάλης συνόδου τῶν πνευρωτάτων ἀρχιερέων καὶ ὑπερτίμων τοῦ δεῖνος καὶ τοῦ δεῖνος, τιμᾷ διὰ τοῦ παρόντος γράμματος τὴν ἁγιωτάτην ἐπισκοπὴν τήνδε τῷ τῆς μητροπόλεως ὀνόματι καὶ τῇ προεδρίᾳ καὶ τὸν θεοφιλέστατον ἐπίσκοπον αὐτῆς μητροπολίτην ἀπὸ τοῦ νῦν παρκαλεῖται καὶ εἶναι καὶ

ὀνομάζεσθαι, ὥστε τοῖς λοιποῖς ὑπερτίμοις αὐτὸν συναριθμεῖσθαι καὶ τόπον καὶ τιμὴν ἔχειν μητροπολίτου ἐν τε στάσεσι καὶ καθέδραις καὶ ταῖς λοιπαῖς συνοδικαῖς καὶ ἐκκλησιαστικαῖς συνελεύσεσι, καὶ πᾶσι τοῖς τῶν μητροπολιτῶν δικαίοις καὶ προνομίοις· τούτου γὰρ χάριν ἀπολέλυται αὐτῷ δὴ τῷ ἱερωτάτῳ μητροπολίτῃ τῷ δεῖνι καὶ ὑπερτίμῳ ἐν ἁγίῳ Πνεύματι ἀγαπητῷ ἀδελφῷ τῆς ἡμῶν μετριότητος καὶ συλλειτουργῷ καὶ τὸ παρὸν αὐτῆς γράμμα δι' ἀσφάλειαν. Εἰ μὲν θέλει ὁ πατριάρχης ἢ ὁ βασιλεὺς δοῦναι αὐτῷ καὶ τόπον ἐκκλησίας τινός, προστίθεται καὶ τούτῳ ἐν τῷ γράμματι, ὅτι ἐδόθη δὲ αὐτῷ καὶ ὁ τόπος τοῦ δεῖνος μητροπολίτου, ὃν καὶ ὀφείλει κατέχειν ἡ αὐτοῦ· μόνος ἐφ' ὄρω τῆς ζωῆς αὐτοῦ, ἡ αὐτοῦ καὶ οἱ μετ' αὐτὸν μητροπολιταὶ τῆς ἐκκλησίας ταύτης. Εἴτα τοῦ πατριάρχου προκαθημένου, ὅταν αὐτὸς διακρίνει, καὶ συνεδριάζοντων αὐτῷ καὶ τῶν ἀρχιερέων, προσάγεται ὁ προβιβασθεὶς μητροπολίτης μετὰ τοῦ ἀρχιερατικοῦ μανδύου παρὰ τοῦ εὐταξίας, καὶ στάς ἀντικρὺ τοῦ πατριάρχου, ἀναγινώσκει τὴν ὁμολογίαν αὐτοῦ εἰς ἐπήκοον πάντων, ὥσπερ γίνεται καὶ ἐν τῇ χειροτονίᾳ· εἰ γὰρ καὶ ἐγένετο τοῦτο, ὅτε ἐχειροτόνησεν ἐπίσκοπος, ἀλλὰ τῷ μητροπολίτῃ αὐτοῦ ὑπεσχέθη ὑποτάσσεσθαι. Νῦν ἔχει δὲ καὶ ἡ ὁμολογία προσταγὴν καὶ ὑπογραφὴν· ὁ ταπεινὸς μητροπολίτης τῆσδε ὁ δεῖνα οἰκία χειρὶ προσέταξα ἢ ὑπέγραψα. Καὶ τῆς ὁμολογίας πληρωθείσης, προσκυνεῖ τὸν πατριάρχην καὶ, πάλιν ἐγγυτέρω γενόμενος, προσκυνεῖ, καὶ αὖθις, ὅταν γένηται πλησίον αὐτοῦ, καὶ οὕτως ἀσπάζεται τὸ γόνυ τοῦ πατριάρχου, τὴν χεῖρα καὶ τὴν παρεϊάν, τὰ δεξιὰ πάντα, εἴτα ἀσπάζεται καὶ τοὺς ἀρχιερεῖς πάντας ἐκατέρωθεν, καί, πάλιν στάς ἀντικρὺ, προσκυνεῖ τὸν πατριάρχην, καὶ οὕτως ὑπανιστάμενος αὐτῷ τῶν ἀρχιερέων, κάθηται καὶ αὐτὸς ἐν τῷ θρόνῳ τῷ ἀρχιερατικῷ μετὰ τῶν λοιπῶν μητροπολιτῶν· εἰ μὲν ἔχει τόπον, εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ, εἰ δὲ οὐκ ἔχει, κάτωθεν τῶν ἄλλων πάντων.

λ. 135. Ὅπως μετατίθεται ἐπίσκοπος εἰς μητροπολίτην.

Ἐτι δὲ μεταθέσις ἐστὶν ἐπισκόπου εἰς μητρόπολιν προτροπῇ τοῦ πατριάρχου· γίνονται ψῆφοι παρὰ τῶν ἀρχιερέων εἰς τὴν ἐκκλησίαν ταύτην, καὶ τιθέασιν πρῶτον ἐν ταῖς ψήφοις τὸ τοῦ ἐπισκόπου ὄνομα, εἴτα τῶν λοιπῶν δύο καί, προευνρεπισθέντος τοῦ ἐπισκόπου, γίνεται πρὸς αὐτὸν μῆνυμα παρὰ τοῦ πατριάρχου, καθὼς καὶ ἐν ταῖς λοιποῖς ὑποψηφίαις, αὐτοῦ τοῦ ἐπισκόπου βαλόντος ἐπιτραχήλιον καὶ φενώλιον, καὶ ὠμοφόριον, καὶ ὑπηρετήσαντος καὶ ἀπολογουμένου πρὸς τὸ μῆνυμα, καὶ μετὰ ταῦτα, τῆς συνόδου συναθροισθείσης, προκαθημένου τοῦ πατριάρχου, προσάγεται ὁ μετατεθείς καὶ ἀναγινώσκεται τὴν ὁμολογίαν αὐτοῦ, καὶ ποιεῖ καὶ τὸν ἀσπασμὸν κατὰ τὸν προγραφέντα τύπον, καὶ κάθηται ἐν τῷ τόπῳ τῶν

μητροπολιτῶν, ὕστερον δὲ λαμβάνει παρὰ τοῦ πατριάρχου τὴν συνοδικήν πράξιν καὶ τὰ λοιπὰ τῆς μεταθέσεως γράμματα

— Ὅπως μετατίθεται μητροπολίτης εἰς ὑψηλότεραν μητρόπολιν.

Εἰ δὲ μητροπολίτης μετατίθεται εἰς ὑψηλότεραν μητρόπολιν, γίνονται καὶ ἐπὶ αὐτῷ ψῆφοι προτροπῇ τοῦ πατριάρχου καὶ μήνυμα, καθὼς προεγράφη, αὐτοῦ τοῦ μετατιθεμένου ὑπηρετοῦντος, ὡς εἴρηται, μετὰ ἐπιτραρχηλίου καὶ φενωλίου καὶ ὁμοφορίου, καὶ ἀπολογουμένου πρὸς τὸ μήνυμα, καὶ προκαθημένου τοῦ πατριάρχου, καὶ συνεδριαζόντων τῶν ἀρχιερέων, προσάγεται ὁ μετατεθείς καὶ ποιεῖ τὸν ἀσπασμὸν ἀνευ τῆς ὁμολογίας, καὶ οὕτω καθήται εἰς τὸν τόπον τῆς ἐκκλησίας, εἰς ἣν μετετέθη, καὶ μετὰ ταῦτα λαμβάνει συνοδικὰ γράμματα μεταθέσεως παρὰ τοῦ πατριάρχου.

— Ὅπως δίδεται μητροπολίτῃ κατ' ἐπίδοσιν μητρόπολις. Граммата на митрополию съ перечисленіемъ обязанностей и правъ митрополита.

-- Ὅπως δίδεται μητροπολίτῃ ὑψηλότερος τόπος, ἐν ᾧ πρῶτον ἔλαχεν ἐκκλησίᾳ. Подобная граммата.

Ὁ δὲ πατριάρχης γίνεται οὕτως ἡ ἱερομόναχος ἐστὶν ἡ μητροπολίτης, προτροπῇ τοῦ βασιλέως γίνονται ψῆφοι, καὶ ἀπέρχονται τὰ ὀνόματα πρὸς τὸν βασιλέα μετὰ τοῦ ὑπομνηματογράφοντος, καὶ οἷον ὄνομα ἐκλέξεται ὁ βασιλεὺς, γίνεται μήνυμα, δύο ἀρχόντων τοῦ βασιλέως καὶ τῶν ἐκκλησιαστικῶν πάντων. Ἰσχυται δὲ ὁ μέγας χαρτοφύλαξ μετὰ τῶν δύο μεγιστάνων ἔμπροσθεν τοῦ μέλλοντος πατριάρχου, φορεμένου αὐτοῦ ἐπιτραρχηλίῳ μετὰ φαινωλίου, λεγόντων· Ὁ αὐθέντης ἡμῶν, ὁ αὐτοκράτωρ καὶ ἅγιος βασιλεὺς, προσκαλεῖται τὴν μεγάλην ἀγιωσύνην σου εἰς τὸν πατριαρχικὸν θρόνον Κωνσταντινουπόλεως. Εἰτα ἀπολογεῖται αὐτός· Εὐχαριστῶ τῷ ἁγίῳ αὐτοκράτορι βασιλεῖ, καὶ ὑποκύπτω τῷ θεῷ καὶ προσκυνητῷ αὐτοῦ ὀρισμῷ· καὶ εἰ μὲν ἐστὶ λόγιος, λέγει καὶ πλείονα· ἀπάρτι δὲ οὐκ ἔχει ἄδειαν ἱεουργεῖσαι, ἕως οὗ μηνυθῇ παρὰ τοῦ βασιλέως, ὅτε οὖν ὀρίσει ὁ βασιλεὺς, ἀπέρχονται πάντες οἱ τῆς συγκλήτου μετὰ πάντων τῶν ἐκκλησιαστικῶν, καὶ φέρουσιν εἰς βασιλέα καὶ φορένει ἐκτὸς μανδύου μετὰ ποταμῶν, εἰτ' αὐθις εἰσάγουσι πρὸς βασιλέα. Ὁ δὲ βασιλεὺς ἀνίσταται, κρατῶν τὸ δεκανίκιον καὶ λέγει· Ἡ ἁγία Τριάς, ἡ ὁρησαμένη μοι τὸ κράτος τῆς βασιλείας προχειρίζεται τὴν ἀγιωσύνην σου πατριάρχῃν Κωνσταντινουπόλεως. Εἰτα λαμβάνει τὸ δεκανίκιον παρὰ τοῦ βασιλέως, ἀσπάζεται δὲ τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ βασιλεὺς καὶ οἱ λοιποί. Εἰτ' αὐθις ἐξέρχεται καὶ ἀπέρχεται ἐν τῇ ἁγίᾳ Σοφίᾳ μετ' ἀπάντων τῶν συγκλητικῶν καὶ τῶν ἐκκλησιαστικῶν, ἐπικαθεζόμενος ἐπὶ ἱππῳ βασιλικῷ καὶ λευκῷ· καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ὥρα τῆς λειτουργίας, λειτουργοῦσι καὶ

χειροτονοῦσιν αὐτόν, εἴπερ ἔστιν ἱερομόναχος, εἰ δὲ μητροπολίτης ἔστιν, λειτουργεῖ μόνον μετὰ πάντων τῶν ἀρχιερέων καὶ ἐκκλησιαστικῶν, ἐπεὶ μία ἔστι μητροπολίτου, ἐπισκόπου καὶ πατριάρχου ἡ χειροτονία.

Дата ,сѡξε'.=1457.

λ. 138 об. Γράμμα περιεκτικόν, ὃ ποιοῦσιν οἱ ἀρχιερεῖς εἰς αἰχμαλώτους καὶ μάλιστα εἰς τοὺς αἰχμαλωτισθέντας ἀπὸ τῆς ἀθλήας Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Μολδοβλαχίας Ἰωακείμ σύνθεσις.

λ. 142. Εἰς γυναῖκα λεχώ. 2 молитвы.

λ. 143. Εἰς τὰς παρατυχοῦσας γυναῖκας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὃ τὰ ἐν τῇ ὁθόνῃ δειχθέντα Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ.

— Τάξις εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡ'. ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

λ. 144. Чинъ воцерковленія.

λ. 146. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Здѣсь замѣчено объ огласительныхъ молитвахъ: Ταύτας εἴ. εὐχὰς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τοῖς φωτιζομένοις ὁκτάκις ἢ δεκάκις, ἢ τὸ ἔλαττον τρισσεύει αὐτάς, καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, εἰ μέγας ἐστί, στρέφει αὐτόν πρὸς ἀνατολάς... (λ. 150 об.)

λ. 158 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον τῇ ἡ'. ἡμέρᾳ.

λ. 159 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τοῖς ἀπὸ Μανιχαίων ἐπιστρέφουσι πρὸς τὴν καθαρὰν καὶ τὴν ἀληθῆ πίστιν ἡμῶν τῶν χριστιανῶν. Goar. p. 700.

λ. 160 об. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, διάταξις περὶ τῶν διαφόρῳ τρόπῳ καὶ ἡλικίᾳ ἐπιστρεφόντων См. выше стр. 292.

λ. 164 об. Πῶς δέχεσθαι ἐξ Ἑβραίων τὸν τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχόμενον. Goar. p. 282.

λ. 168. Ἀπόταξις τῶν αἵρετικῶν Ἀρμενίων καὶ Ἰακωβιτῶν, οἳ οὐ βαπτίζονται, ἀλλὰ μυροῦνται.

λ. 171 об. Τάξις γινομένη εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχούμενον.

λ. 176. Τάξις γινομένη ἐπὶ μνήστρας.

Хронологія: Ἐγράφη τὸ παρὸν ἐν ἔτει ,сѡξε'=1457.

λ. 181. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Новой руки XV в.

λ. 187. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας. Goar. p. 597—602.

λ. 194. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. Goar. p. 655—664. Слнч. XVI в. Ватопед. библи. № 134.

λ. 206. Ἐτέρα εὐχή εἰς τὴν κατάθεσιν τῶν λειψάνων. См. выше стр. 295.

л. 206 об. Ἐτέρα εὐχή, λεγομένη ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 296.

л. 207. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθεΐσαν ἁγίαν τράπεζαν Goar. p. 490—491.

л. 209. Εὐχή τοῦ ἁγιωτάτου Ταρασίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, ἐπὶ λύσεως ναοῦ ὑπὸ αἱρέσεως μιανθέντος, λεγομένη ἔξω τοῦ πυλῶνος τῆς ἐκκλησίας. Goar. p. 494.

л. 209. Εὐχή ἐτέρα, λεγομένη ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 296.

л. 210. Εὐχή ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, βεβηλωθέντος ὑπὸ ἐθνικῶν ἢ ὑπὸ αἰρετικῶν καθυβρισθέντος. См. тамъ же.

л. 210 об. Εὐχή ἱκετήριος εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν Θεοτόκον. См. выше стр. 297.

л. 211. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου. Goar. pag. 194—195.

л. 212. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου. См. выше стр. 297.

л. 213. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία διακόνου. См. выше стр. 298.

л. 215 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία πρεσβυτέρου. См. тамъ же.

л. 218. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἐπισκόπου. См. выше стр. 298—299.

л. 222. Διάταξις τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας, πῶς γίνεται ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ. См. выше стр. 301—319.

л. 233 об. Τάξις γινομένη ἐν τῇ ἐκπλύσει τῆς ἁγίας τραπέζης τῇ μεγάλῃ πέμπτῃ. Goar. p. 497—499.

л. 235 об. Ἐν δὲ τοῖς μοναστηρίοις τελεῖται ἡ ἀκολουθία τοῦ νικητῆρος. Goar. p. 594.

л. 237 об. Περί δὲ τῆς ἁγίας τραπέζης, ἥς τὰ ἄρφια παλαιωθέντα διεφθάρησαν. Goar. p. 501.

л. 238. Εὐχή πρὸ τῆς θείας μυσταγωγίας. См. выше стр. 170—171.

л. 239. Εἰς τὴν Θεοτόκον. См. выше стр. 319.

— Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία σταυροφόρου. См. тамъ же.

л. 240. Τοῦ μακαριωτάτου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως νέας Ῥώμης καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου κυροῦ Φιλοθέου διάταξις τῆς θείας λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά. *Н. Красносельцевъ. „Матеріалы для исторіи чина литург.“* вып. I, стр. 36—78.

л. 253. Ἐτέρα εἰδήσις συντομωτέρη τῆς θείας λειτουργίας τοῦ Χρυσостόμου. Чинъ проскомидіи только съ небольшими отличіями въ текстѣ противъ полнаго чина.

LXXIX. Α № 105. Εὐχολόγιον, σὺν Θεῷ ἁγίῳ ἔχον τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἀκολουθίας καὶ τὴν τᾶξιν, рки. той же библи. въ 4 долю листа, 354 листа, писана скорописью XV в.

λ. 1. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 11 молитвъ.

λ. 5. Εὐχαὶ ἐωθινὰ 12 съ главопреклонною.

λ. 10. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως Χρυσοστόμου.

λ. 23 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

λ. 42. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

λ. 51 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

λ. 64. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

λ. 70 об. Τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

λ. 81. Ἀκολουθία λεγομένη εἰς γυναῖκα λεχώ.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὰ ἀπολυτικά τῆς ἡμέρας, καὶ τὸ κοντάκιον εἰ ἐστὶ Θεὸς Κύριος, εἰ δὲ ἐστὶν Ἀλληλούια, λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε ἐλέησον, Τῆς εὐσπλαγχνίας, εἰ δὲ βούλεις, λέγε ἕτερα· Ἡ γέννησίς σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ τὸ Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε, χαρὰν ἐμήνυσε. Εὐχὴ τῆς μαίας. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ τὰ πάντα ἐκ μὴ ὄντων παραγαγὼν... (Gor. p. 263. Εὐχὴ εἰς τὰς τυχούσας γυναῖκας. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὁθόνῃ εἰπὼν τῷ Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ τῷ p. 263—264, Прилож. стр. 6. Εὐχὴ εἰς τὴν λεχώ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα ἐν σοφίᾳ τῷ λόγῳ σου δημιουργήσας... См. выше стр. 395—396. Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ τὸν ἄνθρωπον πλάσας ἰδίαις χερσὶ καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ γυναῖκα συναρμώσας. Дмитриевскій. Прилож. стр. 4—5.

λ. 83. Εὐχαὶ εἰς ἀποβαλοῦσαν.

Εὐλογητός, Τρισάγιον κ. τ. λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Σαβῶθ ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ, ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν... Прилож. стр. 1. Ἐτέρα εὐχὴ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τῷ λόγῳ σου δημιουργήσας... См. выше стр. 396.

λ. 83 об. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς τὸ σφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως.

84 об. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς τὸ σφραγίσαι παιδίον μετὰ τῆς μητρός.

Κρομή Χαῖρε κεχαριτωμένη, положено: Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων καὶ τῆς Θεοτόκου... Отпустъ: Ὁ ἐν ἀγκάλαις τοῦ δικαίου Συμεῶν βλασταθῆναι καταδεξάμενος..

л. 87 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι.

О хожденіи кругомъ купели говорится: Θυμιᾷ ὁ ἱερεὺς τὴν κολυμπήθραν, περιερχόμενος αὐτὴν γύρωθεν μετὰ τοῦ ἀναδόχου, κατεχομένου ὅπ' αὐτοῦ καὶ τοῦ νεοφωτίστου βρέφους.

л. 99. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολῦσαι τὸν νεοφωτίστον τῇ η'. ἡμέρᾳ.

л. 100. Εὐχή εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

л. 101 об. Ἀκολουθία ἐπὶ μνηστρα βασιλέων καὶ πάντων ἀνθρώπων, ἤγουν εἰς ἀρραβῶνα.

Чинъ сходенъ по изложенію съ чиномъ въ ркп. № 968 Синайск. библи. (см. выше стр. 401—402), но имѣетъ и нѣкоторыя особенности. Въ началѣ чина обрученія, ὁ δὲ ἱερεὺς ἐρωτᾷ αὐτοὺς, λέγων τῷ ἀνδρί· Θέλεις αὐτὴν εὐλογητικὴν ἔχειν καὶ παρθενικὴν σου γυναῖκα, καθὼς ὀρίζει ἡ ἁγία τοῦ Θεοῦ ἐκκλησία; Ὁμοίως ἐρωτᾷ καὶ τὴν νόμφην. Предъ ектеншею καὶ λέγει (ὁ ἱερεὺς)· Γύρισε ὀπισθεν. Ектенша изложена въ такомъ порядкѣ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης.. Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα.. Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων... Ὅπως Κύριος χαρίσῃται... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τούτου... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν ἄσπιλον καὶ ἀμόλυντον τὴν συζυγίαν... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ἀντιλχβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοι. Молитвы тѣже, но нѣтъ возгласовъ: „Миръ вамъ“ и „Главы ваша“ въ концѣ и молитва: Σωτήρ ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε.. стоитъ въ чинѣ послѣднею съ замѣчаніемъ: „λέγεται ἡ εὐχή αὕτη ἐκ γ'. καὶ ἀπόλυσις“.

л. 104 об. Εἰ δὲ βούλονται στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται ἐν τῷ ναῷ τοῦ Θεοῦ καὶ ἵστανται οἱ νεόνυμφοι ἔξω τῶν πυλῶν, καὶ ἐξελθὼν ὁ ἱερεὺς μετὰ φελωνίου αὐτοῦ καὶ μετὰ θυμιατοῦ καὶ λαμπάδων, καὶ κρατῶν αὐτοὺς ἀπ' ἀλλήλων ταῖς χερσίν, εἰσάγει αὐτοὺς ἐν τῷ μέσῳ τοῦ ναοῦ, ψάλλον καὶ τὸν παρόντα ψαλμὸν εἰς ἥχον β'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... Καὶ εἰσελθόντες πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου, ἀπολύουσιν ἀλλήλων τὰς χεῖρας καὶ ἵστανται πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν· ἀπόκεινται δὲ ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ στέφανα δύο καὶ ποτήριον μετ' οἴνου καὶ ἄρτου, κλάσματα ἔξ μικρὰ πάνυ, εἰ οὐκ εἰσιν ἄξιοι κοινωνῆσαι τῶν ἀχράντων μυστηρίων, εἰ δὲ εἰσιν ἄξιοι, οὐ χρὴ ποιῆσαι κοινὸν ποτήριον, καὶ εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ἄρχεται· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβε-

στάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆσδε τῶν ἐπισυναπτομένων ἀλλήλοις πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν... Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι αὐτοῖς τὸν στέφανον αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας. *Goar. p. 317.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευράν τοῦ πρωτοπλάστου Ἀδάμ... *Сн. выше стр. 29. Goar. p. 315.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὁ λαβὼν χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς καὶ πλάσας ἔργον τίμιον τὸν ἄνθρωπον καὶ εἰπών... *См. выше стр. 183.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητός εἶ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς χορηγός καὶ τῶν αἰώνιων ἀγαθῶν δοτὴρ... *См. выше стр. 461.* Καὶ κρατήσας αὐτῶν τὰς δεξιὰς χεῖρας, παραδίδει τὴν γυναῖκα τῷ ἀνδρί, λέγων· Παράλαβε ὁ δεῖνα τὴν γυναῖκά σου, ὁ τῶν ἀπάντων Θεὸς χειρὶ παραδίδωσιν, ἢ ἕτερον· Παράλαβε Μαριάμ τὴν γυναῖκά σου, ὁ τῶν ἀπάντων Θεὸς παραδίδωσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δεξιὰ ἄχραντε τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... *См. выше стр. 567.* Καὶ εἰσελθὼν ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι, ἐπεύχεται μυστικῶς ἐπάνω τῶν στεφάνων, λέγων· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὰ στέφανα τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, μαρτύρων καὶ προφητῶν... *См. выше стр. 403, 183.* Καὶ κρατήσας ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα, ἐξέρχεται ἐκ τοῦ ἁγίου βήματος, πιάσας δὲ τὸ ἐν, χαράττει σταυρὸν ἐν τῇ κορυφῇ καὶ τῷ μετώπῳ τοῦ ἀνδρός, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον. *Сн. выше стр. 403* πάντοτε νῦν καὶ αἰεί... ἐκ γ'. Καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὴν εὐχήν, τίθησι τὸν στέφανον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ νεονόμου, λέγων· Ἔθηκες ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέφανον... Τὰ αὐτὰ καὶ ἐπὶ τὴν νεονόμην ὁμοίως, εἶτα Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δοξάζομέν σε, Δέσποτα παντοκράτωρ, ἐπὶ τῇ μεγαλειότητι, δοξάζομέν σε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ ἀνεξιχνίαστῃ αἰνέσει σου... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταζώσας. *Goar. p. 318.* Καὶ εἰ μὲν ἐστὶ λειτουργία, λέγει· Τρισάγιον, προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος δ'. Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας... Στίχος· Ἔθηκες ἐπὶ τὰς κεφαλὰς... Πρὸς Ἐφεσίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, εὐχαριστοῦντες πάντοτε ὑπὲρ πάντων... Τέλος· ἐν παιδείᾳ καὶ νο-

Θεσία Κυρίου. Ἀλληλουάριον, ἤχος δ'. Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος... Στί-
χος· Ὁ υἱός σου, ὡς νεόφυτος... Εὐαγγέλιον Goar. p. 318. Εἰπωμεν
πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν
εὐσεβεστάτων.. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ἐτι δεόμεθα
ὑπὲρ ἐλέους ζωῆς... Ὅτι ἐλεήμων... Ἐπικαλούμεθά σε, Κύριε Θεὲ παν-
τοκράτωρ, σὲ ἐπικαλούμεθα τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόνητον... См.
выше стр. 464, 403. Καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ἐν τῇ λειτουργίᾳ, καὶ εἰσὶν οἱ
νεόνυμφοι ἄξιοι κοινωνῆσαι, λέγει ὁ ἱερεὺς ἀπολυτίκιον καὶ τὸ κοντάκιον
τῆς ἡμέρας, εἶτα λέγει πάλιν ὁ ἱερεὺς ἡ ὁ διάκονος· Καὶ εἰς τοὺς αἰ-
ῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ ὁ λαὸς τὸ Τρισάγιον καὶ καθεξῆς ἡ θεία λει-
τουργία, καὶ οἱ νεόνυμφοι κοινωνοῦσιν, ὅταν ὁ ἱερεὺς ἡ ὁ διάκονος εἴπῃ·
Μετὰ φόβου Θεοῦ. Καὶ μετὰ τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχήν, λέγει ὁ ἱερεὺς
καὶ τὰς ἄλλας εὐχὰς τῆς εὐλογησεως ἕως τέλους, καὶ τὸ Εἶη τὸ ὄνομα
Κυρίου καὶ τὰ ἐξῆς, εἰ δὲ οὐκ ἐστὶ λειτουργία, ἀλλ' οὐδ' ἄξιοι κοινωνῆ-
σαι, λέγει ὁ ἱερεὺς ἡ ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Ἀντιλαβοῦ
Goar. p. 318—319. После молитвы: Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιῶν τῇ ἰσχύϊ
σου... p. 319 καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ κοινὸν ποτήριον καὶ ἔρχεται εἰς
τοὺς νεονύμφους καὶ μεταλαμβάνει αὐτοὺς, ψάλλον· Γεύσασθε καὶ ἴδετε,
καὶ διδοὶ καθ' ἐνὸς μερίδας μικρὰς γ'. εἶτα ποτίζει αὐτοὺς γ'. ψάλλον-
τες· Ποτήριον σωτηρίου... Ὁ δὲ ἱερεὺς, ὅταν ποτίζει τοὺς νεονύμφους
ἐκ γ'. καθ' ἓνα, λέγει· Ἐξ ἀμπέλου πολυχάρπου καὶ πηγῆς ἀθανάτου
πίτης, ζῆς, νεόνυμφε· ἡ ἁγία Τριάς εὐλογῇ σε. Καὶ εἰς τὸ τέλος λέγει·
Ζήσατε, οἱ νεόνυμφοι, ἡ ἁγία Τριάς ἀχωρίστους διαφυλάξει ἡμᾶς πάν-
τοτε νῦν καὶ αἰεῖ... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός εἰ αἰώνιος, ὁ τὸν
οὐρανὸν τοῖς ἄστροις κατακοσμήσας... Καὶ ποιήσας τὰ στέφανα ὁ σύντε-
κνος ἡ ἄλλος τις, ὁ δὲ ἱερεὺς πιάνει μετὰ τῆς εὐωνύμου χειρὸς τοὺς νεο-
νύμφους, μετὰ δὲ τῆς δεξιᾶς τὸν θυμιατόν, γυρίζει γύρους γ'. λέγων εἰς
ἤχον βαρὺν ἐκ γ'. Ἅγιοι μάρτυρες καὶ τὸ Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός. Καὶ
ἵστησιν αὐτοὺς κατὰ τάξιν, καὶ εἶπερ ἐστὶ μέλι καὶ ἄρτυρα εὐπρε-
πισμένα, γεύει αὐτοὺς λεπτομερῶς ἐκ γ'. καὶ ψάλλοντες εἰς
ἤχον πλ. δ'. Ἐπὶ σοὶ χαίρει, κεχαριτωμένη, πᾶσα ἡ κτίσις... Εἶτα λέ-
γει τὴν εὐχήν ταύτην ἐκ γ'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀδελφοί, χαίρετε
ἐν Κυρίῳ πάντοτε. См. выше стр. 184. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ
Θεός, ὁ τοῦ παντὸς κόσμου δημιουργός, ὁ τῆς φύσεως Δεσπότης καὶ τοῦ
γάμου νομοθέτης... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σὲ ἱκετεύομεν, ὁ Θεός ἡμῶν,
ἐπίβλεψον ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους... См. выше стр. 405. Καὶ εἰ
ἔχουσι πατέρα ἡ μητέρα, εὐχονται οὕτως· Δώῃ σας, ὁ Θεός, τέκνα ἡμῶν,
ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πίστεως τῆς γῆς, καὶ ἴδετε

τέκνα τῶν τέκνων ἐν πολλοῖς ἀγαθοῖς, καὶ τῷ Κυρίῳ δουλεύσητε. Ἀμήν.
Καὶ ἀσπάζονται αὐτοὺς καὶ τοὺς στεφάνους.

л. 119 об. Εὐχὴ εἰς τὴν ἔπαρσιν τῶν στεφάνων. См. выше стр. 442.

Послѣ 2 хъ молитвъ: αἶρει τὰ στέφανα, λέγων· Ὑπεραγία Θεοτόκε, σῶσον ἡμᾶς, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν. Καὶ λαβὼν τὰ στέφανα καὶ τὰ κηρία, φυλάττει αὐτὰ ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι.

л. 120. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς δίγαμον. См. выше стр. 443.

л. 121. Ἀρχὴ τοῦ μεγάλου ἐσπερινοῦ.

л. 126. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, γινομένου ὑπὸ ἑπτὰ ἱερέων.

л. 152. Εἰς τὸ ποιῆσαι παράκλησιν τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου.

л. 157. Κανὼν φαλλόμενος εἰς ψυχορῥαγοῦντας.

л. 162 об. Λύσεις καὶ συγχώρησις εἰς ἐπιτίμιον ἀφορισμοῦ, γινόμενου δι' αἰτίας καὶ πράξεις ἀθέσμων παρὰ τινων ἀνθρώπων ἀφρόνων.

л. 166 об. Εὐχαὶ ἤτοι ἐξορκισμοὶ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου πρὸς τὸν πάσχοντα ὑπὸ δαιμόνων καὶ πρὸς ἐκάστην ἀσθένειαν.

л. 171 об. Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου εἰς τὸ αὐτό.

л. 176. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 186 об. Ἑωθινὰ ἀναστάσιμα ια'.

л. 195. Молитвы на различные случаи.

л. 232 об. Τάξις βαπτίσματος εἰς νήπιον, κατεπειγόμενον ὑπὸ τοῦ θανάτου.

л. 241. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογούμενον.

Ἀνγκινώσκει αὐτὴν ἐπάνω τοῦ ἐξομολογούμενου ὁ πνευματικὸς αὐτοῦ πατήρ, ὡς πρὸ τοῦ ἐξομολογούμενου· Κύριε, εὐλόγησον. Εὗξου καὶ συγχώρησόν μοι, πάτερ καὶ πνευματικὲ δέσποτα, εἴ τι ἡμαρτον ἐν ὅλῳ μου τῷ ταλαιπώρῳ βίῳ καὶ ἐν πάσῃ τῇ ἀθλίᾳ καὶ αἰσχυρᾷ καὶ ματαίᾳ μου ζωῇ... Εὐχὴ, λεγομένη ὑπὸ ἱερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν ἀχράντων μυστηρίων, συγχωρῶν αὐτοῦ πάντα τὰ ἁμαρτήματα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε Θεοῦ τοῦ ζῶντος. Goar. p. 536.

л. 243. Ἑτέρα ἀκολουθία εἰς ἐξομολογούμενους.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ δακρύων... Goar. p. 537. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν. Goar. p. 536. Καὶ μετὰ τοῦτο κρατεῖ ὁ ἱερεὺς τῆς χειρὸς αὐτοῦ καὶ προσφέρει αὐτὸν ἐνώπιον τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ ἀποσκεπάζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, ἐὰν ἐνὶ καὶ ὁ τὸ διαῆμα φορῶν, ἐὰν ἐστὶν ἀνὴρ, ἢ δὲ γυνή, οὐ, ἐὰν ἐστὶν ἄββας, ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ βάλλει τὸ ἑαυτοῦ κουκούλιον καὶ ῥίπτει αὐτὸν ἔμπρο-

σθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἱερεὺς· Οὐκ εἰμὶ ἄξιος ἐγὼ δέ-
 ξασθαι τὴν σὴν ἐξομολόγησιν, ἀλλὰ δέξεται σε ὁ Θεὸς ὁ παντοδύναμος
 καὶ ῥύσεται σε ἐκ πασῶν σου τῶν ἁμαρτιῶν πρὸ πάντων ἐνεστῶτων καὶ
 μελλόντων, φωτίσει τὴν καρδίαν σου ἐξ ἁγίου Πνεύματος, διδάξει σε πάν-
 τοτε μεριμνῆσαι τὰ ἀρεστὰ αὐτοῦ, χαρίζεται σοι ταπεινώσιν ἀληθινήν,
 μικροθυμίαν καὶ ἀγάπην, ὑπομονὴν καὶ πραύτητα, καὶ διάκρισιν ἐν πά-
 σιν, οἷς ἔπραττες, καὶ ἐμβαλεῖ ἐν τῇ καρδίᾳ σου φόβον καὶ τὴν φιλαν-
 θρωπίαν αὐτοῦ, ῥύσεται σε ἐκ πάντων τῶν ἐπιτηδευμάτων τοῦ ἐχθροῦ
 καὶ ποιήσεις αἰεὶ ἐμμένειν ἐν ἀγαθοῖς πράξεις, καὶ κατευοδώσει σε εἰς τὴν
 ζωὴν τὴν αἰώνιον. Καὶ εὐθὺς λέγει τὸν Ν', εἶτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ,
 τέκνον, χάριτι Θεοῦ προσέδραμες ρκπ. XVI в. Костом.-аѡон. διδλ. №
 60 καὶ λέγει οὕτω· Σήμερον χαρὰ γίνεται ἐν οὐρανῷ ἐπὶ ἐνὶ ἁμαρτωλῶ
 μετανοοῦντι, καὶ εὐθέως ἄρχεται ἐξαγορεύειν, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Λέγε, ἀδελφέ,
 ἀνευρυθριάστως τὰς σὰς πράξεις· πάντες γάρ, ὡς ἄνθρωποι φθαρτοί, ἐνοχλή-
 θημεν ὑπὸ τοῦ ἐχθροῦ, πολλὰ καὶ ἡμαρτήσαμεν καὶ ἁμαρτάνομεν, ἀλλὰ (ἐπὶ)
 τοὺς οἰκτιρμούς τοῦ Θεοῦ θαρρόμεν, οὐ μὴ νικήσει τὸ πλῆθος τῶν ἡμετέρων
 κακῶν, ἐὰν διὰ μετανοίας εἰλικρινοὺς αὐτῷ προσιωμέν. Καὶ εὐθέως ἐρωτᾷ αὐ-
 τὸν ὁ ἱερεὺς· Πόσους, κύριε, ἀδελφέ, ἢ τέκνον, ἢ ἀδελφή, ἢ κυρία χρόνους
 ἐν πρώτοις ἐφθάρῃ ἢ παρθενία σου... Ταῦτα ἐν πρώτοις χρή τὰς ἐξομολογή-
 σεις ἀναδεχόμενον καὶ εἰς πόσας ὁμοῦ περιέπεσεν· ὁ ἀριθμὸς γὰρ ὑπὸ πάν-
 των ζητεῖται καὶ αἱ διαφοραὶ τῶν προσώπων· εἰσὶ γὰρ διάφοροι δοῦλοι, πόρ-
 ναι, χῆραι, ὑπανδροὶ, μονάστριαι, καὶ ἱερομῆναι, διακόνισσαι καὶ πρεσβύτε-
 ραι, καὶ ὅταν ταῦτα ἐρωτήσῃ, ἐρωτᾷ αὐτὸν περὶ ἀρσενοκοιτίας... Ἐρωτᾷ
 αὐτὸν καὶ εἰ ἔπεσεν εἰς μαλακίαν... Ταύτης γὰρ εἰσὶν αἱ διαφοραί, ἄλλος
 μὲν εἰς δύο ἀδελφὰς περιέπεσεν ἐκ πατρὸς ἢ ἐκ μητρός, ἢ καὶ ἀμφότε-
 ροι... Φθάνουσι δέ τινες ἕως ἐχυτῶν τῶν ἰδίων γυναικῶν τῆς ἀρρένομα-
 νίας ἐκτελεῖν ἔργον παρανομίας παρὰ φύσιν, καὶ μετὰ ταῦτα ἐρωτᾷ αὐ-
 τὸν καὶ περὶ κλεψιμαῶν καὶ φόνων καὶ ἀρνήσεως λογαρίων. Ἐρωτᾷ αὐ-
 τὸν περὶ πάντων, καὶ ὅταν ταῦτα καλῶς αὐτὸν ἐρευνήσῃ καὶ εἴπῃ ὁ ἐξο-
 μολογούμενος, ἢ τινα ἐξ αὐτῶν, ἢ ἐν, ἢ δύο, ἢ τὰ ἥμισυ, ἐνδέχεσθαι αὐτὸν καὶ
 εἰς ὅλα εὐρίσκεισθαι. Τότε ῥίπτει αὐτὸν τὸν ἐξομολογούμενον πάλιν ἔμπροσθεν
 τοῦ θυσιαστηρίου καὶ ἐπιμένων αὐτὸν ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε Ἰησοῦ
 Χριστέ, ὁ συγχωρήσας διὰ Νάθαν τοῦ Λαβίδ τὴν ἐξομολόγησιν. Γοог. p.
 538. Καὶ μετὰ τὸ ἐγεῖραι αὐτὸν ἀπὸ τῆς εὐχῆς, ἐρωτᾷ αὐτόν· Θέλεις
 προσκλαῦσαι καὶ μετανοῆσαι, ὑπὲρ ὧν ἔπραξας, ἵνα μᾶλλον εἰς αὐτὰ μη-
 κέτι ἐπιστραφῇς, καὶ εἰ φυλάξεις ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ τοῖς ὁδοῖς Κυρίου πο-
 ρευσῇ, οὐ μόνον συγχωρηθεῖσῃ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, ᾧ ἢ
 δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται τῆς εὐ-

χῆς ταύτης. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καλῶν δικαίους εἰς τὸ ἀγιάσαι καὶ ἀμαρτωλὸν εἰς τὸ δικαιῶσαι... Εὐχὴ ἑτέρα.
 // Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων, ὁ μακρόθυμος καὶ πολυέλεος, ὁ κλίνας οὐρανοὺς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. См. ркп. XV в. Аѳин.-Діонис. библ. № 489. Εὐχὴ ἑτέρα. Ἰλάσθητι, Κύριε, ἰλάσθητι τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν σου πάντα τὰ ψυχικὰ παραπτώματα τὰ ἐκούσίᾳ τε καὶ ἀκούοια τὰ ἐν παραβάσει, τὰ ἐκ ῥαθυμίας...

- л. 248. Περὶ τῶν ἑορτῶν τοῦ χρόνου ὅλου.
- л. 250. Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ μέλλοντα μεταλαβεῖν.
- л. 252. Ἀκολουθία τῆς ἀγίας μεταλήψεως.
- л. 278. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ τῶν μοναχῶν.
- л. 307. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασσοφοροῦντα.
- л. 308. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος.
- л. 324 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.
- л. 353. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι.
- л. 354. Εὐχὴ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου ἐπὶ τὸν ἀφορισμῷ δεσμευθέντα.

LXXX. № 489 Εὐχολόγιον, ркп. Аѳино-Діонисіатскої библ. въ 4 долю листа, 432 листа, писана почеркомъ XV вѣка, но къ этому времени можетъ быть относимъ основной текстъ рукописи, а множество прибавочныхъ листовъ писаны иными почерками и позднѣйшаго времени.

л. 1. Рукою иною, но XV в. написанъ чинъ обновленіи храма. Начала нѣтъ.

л. 5. Ἐτέρα εὐχὴ, ἐὰν συμβῇ τεθνᾶναι ἄνθρωπον ἔνδον τοῦ ναοῦ ἢ ἐκχέει αἷμα ἐκούσίως ἢ ἀκούσίως.

Ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων ὁ Θεός, εὐχαριστοῦμεν τὴν σὴν ἀγαθότητα, πανάγαθε βασιλεῦ, εὐδόκησον διὰ τῆς ἐμῆς ἀναξιώτητος... Καὶ εὐθύς ὁ ἀρχιερεὺς μυρώνει τὴν ἀγίαν τράπεζαν καὶ ὅλον τὸ θυσιαστήριον, εἴτα γίνεται ὁ ἀγιασμός.

л. 7. Εὐχὴ εἰς ἀπειλὴν σεισμῶ.

Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ φοβερός, καὶ θαυμαστός, ὑπερένδοξός τε καὶ ἀληθινός. Goar. p. 623.

л. 7 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἀπειλὴν σεισμῶ.

Βασιλεῦ ἅγιε, φιλόνθρωπε Δέσποτα, μακρόθυμε Κύριε, ὁ πάσης αἰσθητῆς... Goar. p. 624.

л. 10. Περὶ τῶν βαθμῶν τοῦ γάμου.

л. 17. Αἱ ἐναντίαι ἡμέραι τοῦ ὅλου ἐν αὐτοῦ, ἃς ἐφανέρωσεν ὁ Θεός.
Статья окончена.

л. 18. Рукою XVII в. Τάξις γινομένη ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας.

л. 19. Περὶ σταυροπηγίου.

л. 22. Отсюда начинается настоящий текстъ рукописи: Εὐχὴ, ἣν λέγει ὁ ἀρχιερεὺς ἐπὶ ἱστορηθεῖσαν καινὴν εἰκόνα.

Χρῖται αὐτὴν τῷ ἁγίῳ μύρῳ ἐν ταῖς τέσσαρσι μέρεσι, καὶ οὕτω εὐχεται· Εἰρήνη πάσι. Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Κύριε βασιλεῦ ἡμῶν.
Goar. p. 672.

л. 23. Εἰδήσεις τὸδε καὶ διαίρεσις τῶν εἰδῶν ἐνὸς ἐκάστου τὴν ποσότητα καὶ τὸ ἀρκετὸν ὄση. Статья о составленіи воскомастиха.

л. 23 об. Ἀκολουθία τῶν ἐγκαινίων. Вся служба съ стихирами, пареміями, канономъ, апостоломъ и евангеліемъ.

л. 50. Ἀκολουθία εἰς ἐγκαίνιον διέσκου καὶ ποτηρίου.

л. 51. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου. Goar. p. 197.

л. 54. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.

Τοῦ ἀρχιερέως ἱσταμένου. Goar. p. 204. Ἔλτα ἀποδύει (т. е. послѣ молитвы) αὐτὸν τὸ φαλόνιον καὶ ἐνδύει τὸ στιχάριον, λέγοντος τοῦ ἀρχιερέως· Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα στιχάριον τῆς ὑποδιακονίας εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ ζώννυται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τὴν ὁσφύν αὐτοῦ ἐν ἐτοιμασίᾳ τοῦ εὐαγγελίου, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς τὸ μανδήλιον, καὶ ἐπιτίθησι τοῦ χειροτονηθέντος τῷ ἀριστερῷ ὤμῳ, καὶ κελεύει λαβεῖν τὸ χερνιβόξεστον καὶ δοῦναι αὐτῷ νίψασθαι, καὶ ἐν τῷ νίψασθαι τὸν ἀρχιερέα, λέγει ὁ χειροτονηθεὶς γ'. Ὅσοι πιστοί. Καὶ κρατῶν ὁ ἀρχιερεὺς τὴν κεφαλὴν τοῦ χειροτονουμένου, λέγει οὕτως· Εὐλογητός Κύριος ἰδοὺ γέγονεν ὁ δοῦλος ὁ δεῖνα ὑποδιάκων τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας τῆσδε, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ οὕτως σφραγιζόμενος ἅπεισιν εἰς τοὺς ὑποδιακόνους. Сп. выше стр. 345.

л. 55 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου. См. выше стр. 345—346. Ἐλτα ἀσπάζόμενος ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως, ἀπέρχεται καὶ ἵσταται ἐκ πλαγίου τῆς ἁγίας τραπέζης, κρατῶν ῥιπίδιον, ὃς καὶ πρῶτος ἐν τῇ μεταλήψει τῶν ἄλλων μεταλαμβάνει, καὶ εἰ πρόσεστι ἐν τῷ τέλει αὐτός παρὰ τοῦ ἱερέως τοῖς προσιούσιν ἡσύχως μεταδίδει. Ἰστέον δὲ καὶ τοῦτο, ὅτι ταῦτα γίνεται, ὅτε ἐστὶ τελεία λειτουργία· εἰ δὲ προηγιασμένη τυχὸν τύχοιεν, μετὰ τὴν ἀπόθεσιν τῶν τιμίων δώρων τῆς μεγάλης εἰσόδου, προσφέρεται καὶ χειροτονεῖται διάκωνος κατὰ τὴν ἄνωθεν ὑποτύπωσιν. Μετὰ δὲ τὴν ὕψωσιν καὶ τὸ κοινωνικόν, ἔρχεται ὁ ἀρχιερεὺς ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν μετὰ τῶν δύο κιδόνων, βλέπων πρὸς τὸν λαόν, καὶ

τοῦ ἄρτι χειροτονήτου διακόνου ἔμπροσθεν αὐτοῦ ἵσταμένου μετὰ τοῦ τρι-
κηρίου, παραινεῖ αὐτόν οὕτως· Αἰνός σοι τῷ φιланθρωπῳ Θεῷ, τῷ μὴ
τοὺς εἰς σέ πλημμελοῦντας κολάζοντι, ἀλλ' ἐόντι διὰ τῆς μετανοίας ἀγα-
θῶς πρὸς σέ ἐπιστρέφειν καὶ λαμβάνειν ἄφεσιν...

λ. 63. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἱερέως.

Μετὰ τὸ ἀποτεθῆναι τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ τραπέζῃ, πληρωθέντος
τοῦ μυστικοῦ ὕμνου, εὐθὺς ὑπὸ τοῦ πρωτοπρεσβυτέρου ἢ ἄλλων ἱερέων
ἐξέρχεται ὁ μέλλων χειροτονηθῆναι, ψαλλόντων τὸ Βασιλεῦ οὐράνιε, ἢ
ὅ τι δ' ἂν ὀρίση ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ ἐξέρχονται ἐκ τῆς προθέσεως ἕως τοῦ
μέσον τοῦ ναοῦ, καὶ οὕτως ἄρχεται ὁ εὐγλωττος τῶν ἱερέων μεγαλοφώ-
νως οὕτως· Προσφέρεται ὁ εὐλαβέστατος διάκονος ὁ δεῖνα ἀδελφός ἡμῶν
τοῦ χειροτονηθῆναι εἰς ἱερέα τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας ὁ δεῖνα. Ὁ δὲ
μέλλων χειροτονηθῆναι ποιεῖ μετανοίας, καὶ γίνεται καὶ ἡ δευτέρα πρόσ-
φεσις ἕως τῇ πρώτῃ, καὶ ἔρχονται ἔμπροσθεν τοῦ ἱλαστηρίου ἐνώπιον
τοῦ ἀρχιερέως, καὶ ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιδιάκονος ἢ ἄλλος τις τὸ Πρόσχωμεν.
Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς λέγει· Ἡ θεία χάρις... Goar. p. 244. Καὶ εὐθὺς (τ.
e. послѣ молитвы: ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχος) εἰς τῶν πρεσβυτέρων ἢ τῶν πρω-
τοῖερέων ταῦτα λεπτῇ τῇ φωνῇ, ὅσον ἀκούειν (τοὺς) παρόντας καὶ ἀποκρίνε-
σθαι· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ
ἐπισκόπου ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὅπως ὁ φιλάνθρωπος
Θεὸς ἡμῶν... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμήσαι...
Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς τοῦ Θεοῦ βοη-
θείας... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς, ἐπικειμένην ἔχων
τὴν χεῖρα ἐπὶ τῇ τοῦ χειροτονουμένου κορυφῇ, εὔχεται οὕτως· Ὁ Θεὸς
ὁ μέγας ὁ θαυμαστός ἐν δυνάμει... Goar. p. 243. Καὶ εὐθὺς γυρίζει
τὸ ὄπισθεν τοῦ ὠραρίου καὶ εὐθὺς λέγει· Ἐνδύεται ὁ δεῖνα ἐπιτραχή-
λιον δικαιοσύνης τῆς ἱερωσύνης εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ ἐνδύε-
ται αὐτόν τὰ ὑπομάνικα καὶ εἰς τὸ δεξιὸν λέγει· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε
δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ἐποίησέ με. Εἰς δὲ τὸ ἀριστερὸν λέγει· Αἱ χεῖ-
ρές σου ἐποίησάν με καὶ ἐπλάσαν με. Καὶ ζώνουσιν αὐτόν, λέγων· Εὐ-
λογητὸς ὁ Θεός, ὁ περιζωννύων με δύναμιν, καὶ φορεῖ αὐτόν τὸ φελώ-
νιον, λέγων· Οἱ ἱερεῖς σου, Κύριε, ἐνδύσονται δικαιοσύνην. Καὶ πάλιν
λέγει· Ἐνεδύθη ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τὴν στολὴν τῆς ἱερωσύνης,
εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ σφραγίζων αὐτόν ἐπὶ τοῦ μετώπου, λέ-
γων· Σφραγίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἀπὸ διακόνων εἰς πρεσβύ-
τερον τῆς ἁγίας αὐτοῦ ἐκκλησίας τῆσδε, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ
Υἱοῦ... Καὶ εὐθὺς λέγει ὁ ἀρχιερεὺς οὕτως· Εὐλογητὸς Κύριος ἰδοὺ γέ-
γονεν ὁ δοῦλος αὐτοῦ ὁ δεῖνα πρεσβύτερος τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας τῆσδε,

εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Καὶ λέγει ὁ λαὸς γ'. Ἄξιος. Goar. p. 244. При вручении св. Тѣло, архιερεѣ говоритъ: Πρόσεχε τὴν παρακαταθήκην ταύτην, ἣν μέλλεις ἀπαιτεῖσθαι ἐν τῇ δευτέρᾳ παρουσίᾳ, μὴ ἐπιδώσης ταύτην αἰρετικοῦ ἢ νεκροῦ, ἢ διὰ δώρων, ἢ διὰ φόβον, ἢ δι' ἀπειλῶν, ἀλλ' οὖν ὡς τὰς κόρας τῶν ἀδολεούτων σου ὀφθαλμῶν οὕτως πρόσεξαι. Ὁ δὲ μετώπῳ ἐπιτίθουσιν ἢ τῷ ὀφθαλμῷ τῷ παρὰ αὐτοῦ κατεχομένῳ ἄρτι καὶ μένει κεκλιμένος οὕτως. Ὅτε δὲ εἴπῃ ὁ ἀρχιερεὺς· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις, τότε ὁ χειροτονηθεὶς ἀποδίδει τῷ ἀρχιερεὶ τὸν ἄρτον καὶ παρ' αὐτοῦ μεταλαμβάνει τῶν ζωοποιῶν μυστηρίων πρὸ τῶν ἄλλων πρεσβυτέρων, καὶ μεταδίδει αὐτὸς τοῖς ἔξωθεν χρῆζουσι· λέγει δὲ καὶ τὴν ὀπισθὰμβωνον εὐχὴν, καὶ λειτουργεῖ καθ' ἑκάστην ἐπὶ ἡμέρας ζ'. Μετὰ δὲ τὴν ὕψωσιν καὶ τὸ κοινωνικόν, ἔρχεται ὁ ἀρχιερεὺς μέσον τῶν ἁγίων θυρῶν, παρισταμένου ἔμπροσθεν αὐτοῦ ὁ καινοχειροτόνητος μετὰ τρικηρίου, παραινεῖ αὐτόν οὕτως· Πρόσεχε σεαυτόν, ὦ πρεσβύτερε, καὶ βλέπε τὴν διακονίαν, ἣν παρέλαβες, ἣν ἀρτίως ἐδέξω, ἵνα αὐτὴν πληροῖς...

л. 69. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι πρωτοπρεσβύτερον. Goar. p. 238.

л. 70 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου Goar. pag. 252—256.

л. 83. Τάξις εἰς τὸ ἐνθρονῆσαι ἐπίσκοπον.

Ἀρχεται ἡ θεία λειτουργία μέχρι καὶ τοῦ κατελθεῖν οἱ ψάλλται ἐκ τοῦ ἁμβωνος, καὶ ὅτε μέλλει ὁ διάκονος εἰπεῖν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, πρὶν εἴπῃ τοῦτο, ἀνέρχονται οἱ κληρικοὶ μετὰ τοῦ ἐπισκόπου καὶ τοῦ μέλλοντος ἐνθρονῆσαι αὐτόν ἀρχιερέως καὶ συγκαθίζουσιν αὐτόν εἰς τὸν σύνθρονον. Ἐῖτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὴν κορυφὴν αὐτοῦ τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ κλίνας τοὺς οὐρανοὺς τῇ ἀφάτῃ σου καινώσκει, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν τῶν δεομένων σου, καὶ ἀνάδειξον τὸν δοῦλόν σου τοῦτον, τὸν ἐνθροنيζόμενον παρ' ἐμοῦ τοῦ ἀναξίου δούλου σου, εἰς τὴν ἐπισκοπὴν καὶ προεδρίαν τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν καὶ ἀρχιεράρχου ὁδεῖνα, ὥστε γενέσθαι αὐτόν ἐπίσκοπον καὶ διάδοχόν ὁδεῖνα εἰς ποιμένα τῆς ἐμπιστευθείσης αὐτῷ λογικῆς ποιμνῆς τοῦ Χριστοῦ, εἰς δόξαν καὶ αἶνον τοῦ σοῦ κράτους, ποιμαίνοντα λαὸν αὐτοῦ ἐν ἔργοις καλοῖς καὶ ἀγαθοῖς προστάγμασιν (οἷς) καλῶς ἡρετίσω. Ὅτι ἅγιος εἶ... Ἐῖτα πολυχρονεῖται ὁ νέος ἐπίσκοπος, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ τελεῖται ὑπ' αὐτοῦ τοῦ νέου ἐπισκόπου ἡ θεία λειτουργία.

л. 85. Τάξις γινομένη ἐπὶ προχειρίσεως ἡγουμένου. Goar. p. 395.

л. 87. Τάξις γινομένη ἐπὶ προχειρίσει κηροφόρου καὶ δεποτάτου.

Προσαγόμενος ὁ τοιοῦτος τῷ ἀρχιερεὶ κλίνει τὴν κεφαλὴν καὶ σφραγίζων ἐκ γ'. ὁ ἀρχιερεὺς καὶ εὐχεται οὕτως· Ὁ πᾶσαν τὴν κτίσιν. Goar. p. 198. Καὶ οὕτως ἐνδιδύσκει αὐτὸν τὴν τετυπωμένην στολὴν καὶ ἐπευχόμενος ἀπολύει, καὶ πολυχρονεῖται ὁ ἀρχιερεὺς.

л. 88 об. Ἀκολουθία λεγομένη ὥρα, ἥνικα ἂν ὁ ἀρχιερεὺς λύσῃ ἱερέα ἀφορισθέντα. Goar. p. 531.

л. 90 об. Ἀκολουθία εἰς λύσιν ἀφορισμοῦ ἱερέως ἐπὶ κοσμικόν τινα δεσμευθέντα παρὰ τοῦτου τοῦ ἱερέως ἕνεκα ὕβρεως τινός. Goar. p. 532.

л. 92. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὸ λύσαι κανόνα εἰς ἀφορισθέντα. Goar. pag. 533.

л. 92 об. Εὐχὴ λεγομένη παρὰ τοῦ ἀρχιερέως εἰς λύσιν ὄρκου.

л. 93. Τάξις γινομένη περὶ ἀντιμινσίων. Goar. 518—520.

л. 99. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ. Чинъ не окончень.

л. л. 107—110 вставные, писанные рукою XVIII в.

л. 111. Περί τοῦ πῶς δεῖ ἐξομολογεῖσθαι.

Λαμβάνειν δὲ τὸν ἐξομολογούμενον ὁ τοῦτον καὶ τὰ αὐτοῦ ἀναδεχόμενος ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου καὶ ἱστᾶν αὐτὸν ἐκεῖ, εἰ δὲ μὴ ἔστιν ἐκκλησία εἰς καθρόν που καὶ ἀνακχωρημένον, ἡγουν ἡσυχον τόπον, καὶ συνεύχεσθαι μετ' αὐτοῦ τὸν Ν'. ψαλμόν, ἢ τὸν ξθ'. τὸ Τρισάγιον, τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ μετανοίας μ'. καὶ εὐθὺς ἀποσκεπάζει αὐτοῦ τὴν κεφαλὴν, εἰ καὶ αὐτὸς ἐστὶν τὸ διαῖδημα φορῶν, ἐὰν ἐστὶν ἀνὴρ, εἰ δὲ γυνή, οὐ· εἰ δὲ ἄββας ἐστί, βάλλει τὸ κουκούλιον αὐτοῦ, καὶ ῥίπτει αὐτὸν ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου ἐν τοῖς γόνασι τοῦ ἀναδόχου, ποιεῖ δὲ αὐτὸν εἰπεῖν τοῦτο· Ἐξομολογοῦμαί σοι, Πάτερ, Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, πάντα τὰ κρυπτά τῆς καρδίας μου. Καὶ ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ λέγει ἐπάνω αὐτοῦ τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καλῶν δικαίους εἰς τὸ ἁγιάσαι καὶ ἁμαρτωλοὺς εἰς τὸ σῶσαι καὶ μετανοοῦντας εἰς τὸ οἰκτερῆσαι, πρόσδεξαι τὴν μετάνοιαν τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα, τοῦ προσπίπτοντος τῇ ἀνεκδιηγήτῳ σου δυνάμει καὶ ἀγαθότητι καὶ μεγαλοπρεπείᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν ἐπὶ ἐξομολογήσει τῶν ἑαυτοῦ πλημμεληθέντων ἁμαρτημάτων, ἐλευθέρωσον αὐτόν, ὡς εὐσπλαγχνος, ἀπὸ πάσης σαρκικῆς ἁμαρτίας, λάμπρυνον αὐτόν ἐκ πάσης ῥερυπωμένης συνειδήσεως, καθάρισον καὶ ἐνδυνάμωσον αὐτόν ἐν ἐργασίᾳ τῶν ἐντολῶν σου, ἵνα καταξιωθῇ τῆς φιλανθρωπίας σου καὶ τύχῃ καὶ τῆς κοινωνίας τῶν θείων ἁγίων σου μυστηρίων τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν ἐν καθαρότητι ψυχῆς

καὶ σώματος, συναυξανόμενος ἐν τῇ ἐπιγνώσει τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, εὖροι τὸ μέγα σου ἔλεος μετὰ πάντων τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνος σοι εὐαρεστησάντων. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλάνθρωπιά τοῦ μονογενοῦς σου. Εἴτα ἀνιστᾷ ἑαυτὸν καὶ λέγων πρὸς αὐτὸν οὕτως· Ἰδοὺ θελήματι τοῦ Θεοῦ, τοῦ πάντας θέλοντος σωθῆναι, προσέδραμες τῇ ἁγίᾳ ἐξομολογήσει· βλέπε οὖν, τέκνον, μὴ αἰσχυνθῆεις ἀποκρύψῃς τί ἀπὸ τῆς ταπεινώσεως καὶ εὐτελείας μου καὶ ἔστω σοι γνωστόν, ὅτι οὐ μακρὰν εἶ ἀπὸ τῆς ὀργῆς καὶ ἀγανακτήσεως τοῦ Θεοῦ. Καὶ ὁ ἐξομολογούμενος ἀποκρίνεται, λέγων· Πάτερ, ἡμαρτον εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ ἐνώπιόν σου τόδε τόδε. Ἐκάστην ἁμαρτίαν, ἣν ἔπραξα, καὶ ὁ ἀνάδοχος (εἰς) ἐκάστην ἁμαρτίαν ἀποκρίνεται· Ὁ Θεὸς συγχωρήσει σοι, τέκνον. Καὶ μετὰ τὸ ἐξομολογήσασθαι ἅπαντα, κλίνει αὐτὸν πάλιν ἐπὶ τὴν γῆν· ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου καὶ ἐπεύχεται οὕτως· Εἰρήνη πᾶσι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ συγχωρήσας διὰ Νάθαν τοῦ προφήτου Δαβὶδ τὰ ἴδια ἁμαρτήματα. *Goar. p. 538.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων, μακρόθυμος καὶ πολυέλεος, ὁ κλινὰς οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὡς τὸ ἐπιστρέφαι καὶ ζῆν αὐτόν. Αὐτός, Δέσποτα φιλάνθρωπε, παρακλήθητι τῷ δούλῳ σου ὁ δεῖνα καὶ παράσχου αὐτῷ τόπον (καὶ) καιρὸν μετανοίας, συγγνώμην ἁμαρτιῶν, ἱλασμόν ἀνομιῶν καὶ ἄφεσιν πταισμάτων, χαριζόμενος αὐτῷ συγχώρησιν αὐτῷ, πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον, διαλλάγηθι αὐτῷ, συνάπτων δὲ τῇ ἁγίᾳ σου καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σου ἔστιν ἡ βασιλεία... *Cnf. Morini. De Sacram. Poenitentiae p. 618.* Καὶ ἀνιστᾷ αὐτόν, καὶ φάλλει φαλμὸν νε΄. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, ὅτι κατεπάτησέ με ἄνθρωπος... Καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ φαλμοῦ, ἐπεύχεται πάλιν οὕτως· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ μόνος ἀναμάρτητος, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὡς τὸ ἐπιστρέφαι καὶ ζῆν αὐτόν, πρόσδεξαι καὶ τοῦ δούλου σου τὴν μετάνοιαν καὶ ἴασαι τὰ συντρίμματα τῆς καρδίας αὐτοῦ, μορφώσας ἐν αὐτῷ τὸν Χριστὸν σου δι' ἔργων ἀγαθῶν καὶ πράξεσι καλοῖς τοῦ εὐαρεστησαί σοι καὶ καταξιωθῆναι τῶν ἀφθάρτων καὶ αἰωνίων ἀγαθῶν, ὧν ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε διὰ τῆς χάριτος καὶ δωρεᾶς τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, μεθ' οὗ σοι ὁόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ὁμοουσίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεί... Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ἀσπάζεται αὐτόν καὶ ἀπολύει.

л. 116 об. Иная рука XV в. Толкованіе на первую главу евангелиста Іоанна Богослова св. І. Златоуста.

л. 118. Духовническая грамота, писанная рукою XVIII в.

л. 119. Ὅρισμοί ἐκ τῶν θεῶν καὶ ἱερῶν κανόνων, ἀποφηνόμενοι ἐν ταῖς γινόμεναῖς θεοκρατήτοισι ἱεραῖς συνodois ἐν τῇ μεγίστῃ πόλει Πάμφου (sic) παρὰ τῶν ἱερωτάτων ταύτης προέδρων δις τοῦ ἐνιαυτοῦ.

л. 171—432. Статьи разнаго содержанія чрезвычайно разнообразныхъ почерковъ.

LXXXI. № 452 Εὐχολόγιον, ркп. той же библ. въ 4 долю листа, 401 листь, писана четкою скорописью XV в.

л. 1. Оглавленіе рукописи.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 7 молитвъ съ главопреклонною.

л. 5 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 11 молитвъ съ главопреклонною.

л. 11. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ τῆς διατάξεως τῆς θείας λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά. *Н. Красносельцевъ.* Матер. для исторіи чина литургіи в. I, стр. 36—78.

л. 32. Ἐτέρα διατάξεις τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων.

л. 37. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 63. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου. Въ концѣ чиновъ положены особые тропари св. Златоусту и Василю Великому.

л. 97. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 115. Ἀποστολοευαγγέλια.

л. 139. Столпъ утреннихъ евангельскихъ чтеній.

л. 140. Τὰ ἑνδεκα ἐωθινὰ εὐαγγέλια.

л. 153. Евангельскія чтенія на весь годъ по Синаксарю.

л. 171. Евангельскія и апостольскія чтенія на праздники года.

л. 203. Τῇ κυριακῇ τῆς Πεντηκοστῆς ἐσπέρα.

л. 219. Ἐξοδιαστικόν. См. выше стр. 282—285 и прим. по Есфигм. ркп. № 208.

л. 254. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

л. 255. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουτού, ἦτοι τοῦ μικροῦ σχήματος. См. выше стр. 276—278 и 577. Даетъ священникъ новопостриженному крестъ въ правую руку, говоря: Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἐλθεῖν, ἀπαρνησάσθω ἑαυτὸν καὶ ἀράτω τὸν σταυρὸν αὐτοῦ καὶ ἀκολουθήτω μοι. Ἄφας δὲ κηρὸν καὶ ἐμβαλὼν τῇ ἐτέρᾳ

χειρὶ λέγων· Εἶπεν ὁ Κύριος· οὕτω λαμβάτω τὸ φῶς. Предъ апосто-
ломъ поюгъ „Елицы во Христа“, вмѣстѣ Трисвятого. Новопостри-
женный прислуживаетъ прочимъ братіямъ за трапезою. Δίδοται δὲ
εἰς τὴν τράπεζαν ἐκάστῳ ἀδελφῷ ἐν ποτήριον ἀργυροῦν οἴνου εἰς τὴν
σωτηρίαν καὶ ἄφесιν τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ νεοκουρήτου.

л. 268. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше
стр. 577. Особенности тѣже, что и въ предыдущемъ чинѣ.

л. 203. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου. Начало до канона Арсенія
см. выше стр. 576. На хвалитѣхъ стихиры и ектенѣ великая у Гоара
pag. 334—335. Молитва: Κύριε ἐν ἐλέει читается послѣ ектенѣ παρὰ
τῶν ἱερέων ἐπάνω τῆς κανδήλας и за нею Ἀναρχε, ἀδιάδοχε безъ про-
долженія pag. 337. Тропари, что выше стр. 384. Елицы во Христа,
прокимень: Ἐγὼ εἶπα· Κύριε ἐλέησόν με, апостолъ Goar. p. 377 и
евангеліе. Прилож. стр. 123, ектенѣ и молитва: Εὐδοκίαλαхτε Κύ-
ριε тамъ же, стр. 124 и Πάτερ ἅγιε, прокимень второй: Ἐν ᾗ ἂν ἡμέρα,
апостолъ и евангеліе, что нынѣ, ектенѣ и молитва: Δέσποτα Κύ-
ριε ὁ Θεὸς παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ τῆς δόξης. Прилож. стр. 127.
Καὶ ποιῶν σταυροὺς τρεῖς τῇ δεξιᾷ χειρὶ ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει·
Εἰσάκουσόν μου, Κύριε. Εἰσάκουσόν μου, Δέσποτα. Εἰσάκουσόν μου, Ἄγιε.
Εἴτα λαβὼν ἐλαίον, λέγει τὴν εὐχὴν καθ' αὐτὸν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ·
Πάτερ ἅγιε... Εἴτα ἀλείφει αὐτὸν σταυροειδῶς τὸ μέτωπον, τὰς δύο πα-
ρειὰς καὶ ὑποκάτω τοῦ πώγωνος, ἔχουν τὸν γαργαρεῶνα καὶ ὀπισθεν τὸν
τένοντα καὶ τὰς παλάμας τῶν δύο χειρῶν... 3 прокимень: „Господи
да не яростію твоею“, апостолъ и евангеліе, что нынѣ, молитва:
Ἀγαθὲ καὶ φιλόνηρωπε. Goar. p. 341, четвертый прокимень: „Гос-
поди, услыши молитву мою“, апостолъ къ Римлянамъ: Ὅσοι Πνεύ-
ματι Θεοῦ ἄγονται, евангеліе Матѳея: Νομικός τις προσῆλθε τῷ Ἰη-
σοῦ, молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος p.
342, пятый прокимень: „Господи, что ся умножиши ся“, апостолъ
къ Галатамъ: Εἰδότες, ὅτε οὐ δικαιοῦται ἄνθρωπος ἐξ ἔργων νόμου,
евангеліе отъ Марка: Προσκαλεῖται ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς
и молитва: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν p. 345, проки-
мень шестой: Ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι, апостолъ къ Колоссянамъ: Ἐνδύ-
σασθε, ὡς ἐκλεκτοί, евангеліе отъ Луки: Ἠρώτα τις τῶν φαρισαίων
τὸν Ἰησοῦν, ἵνα φάγῃ μετ' αὐτοῦ... и молитва: Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει
καὶ πολὺς ἐν ἀγαθότητι p. 345, Прилож. стр. 130, прим., 7 прокимень:
„Господи да не яростію твоею“, апостолъ: Ἐνδυναμοῦσθε ἐν Κυρίῳ
καὶ ἐν τῷ κράτει..., евангеліе отъ Матѳея: Εἶπεν ὁ Κύριος· ἐὰν ἀφῇτε

τοῖς ἀνθρώποις τὰ παραπτώματα αὐτῶν и молитва: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἱατρὲ ψυχῶν... р. 345, помазываютъ, по обычаю, съ чтеніемъ: Εἰσάκουσον... и „Отче врачу“. Μετὰ ταῦτα προσφέρουσι καὶ ἱστώσιν αὐτὸν ἔμπροσθεν τοῦ τετράποδος ἀσκεπῆ ὄντα, καὶ ἵστανται οἱ ἔξ ἱερεῖς γυρωθὲν αὐτοῦ. Священники кладутъ руки на голову и евангеліе, и первый изъ нихъ читаетъ молитву: Εὐσπλαγχνε, πολυέλεε... Прилож. стр. 591. Εἴτα ἀλείφεται ὑπὸ τῶν ἱερέων, λεγόντων καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην χαμηλῇ φωνῇ: Πάτερ ἅγιε, καὶ ἀσπάζεται ὁ ἀδελφὸς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ποιοῦνται τροпари: Τῶν σῶν δωρεῶν... Πηγὴ ἰαμάτων... Νεῦσον παρακλήσεσι... Συναλείφονται δὲ παρ' ἀλλήλων οἱ ἱερεῖς καὶ ἀλείφουσι καὶ τοὺς παρεστῶτας παρὲς τοῦ, δι' ὃν τὸ εὐχέλαιον γίνεται, ек-тенья и отпустъ. Слич. ркп. Синайск. библи. XVI в. № 989 см. выше прим. стр. 589—591.

- л. 345. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.
- л. 363. Молитвы на различные случаи.
- л. 387. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.
- л. 392. Ἀκολουθία εἰς κοσμικοὺς κοιμηθέντας.

LXXXII. № 29. Εὐχολόγιον, ркп. Чаупской библи. въ Солунѣ въ 8 долю листа, 433 листа, писана четкою скорописью XV в. Въ рукописи много виньетокъ и заглавныхъ раскрашенныхъ буквъ.

л. 1. Рукою XVI в. написанъ Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας.

л. 7. Рука XV в. Ἀρχὴ τῆς λειτουργίας καὶ τῶν διακονικῶν. Чинъ до херувимской пѣсни, а далѣе отсутствуютъ листы.

л. 11. Литургія св. I. Златоуста. Начальнаго листа нѣтъ.

л. 29. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 56. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 69. Ἀποστολοευαγγέλια τῶν ἑορτῶν τοῦ ὅλου χρόνου.

л. 212 об. Одинадцать утреннихъ евангелій.

л. 224 об. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 236 об. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 246. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 253. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

л. 284 об. Εὐχὴ εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.

л. 285 Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἡγουν τοῦ μανδουώτου.

Μετὰ τὸ χροустήναι τὸ ξύλον τῆς λειτουργίας καὶ ἄρξασθαι τοὺς ἀδελφούς τῶν ὥρῶν, εἰσφέρει ὁ ἐκκλησιάρχης τὸν μέλλοντα ἀποκαρῆναι

καὶ ποιεῖ γονυκλισίας γ'. ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων εἰκόνων καὶ εἰς τοὺς χο-
 ροὺς, καὶ τῷ καθηγουμένῳ, καὶ ἐξελθὼν ἵσταται ἐν τῷ νάρθηκι· τῶν δὲ
 ὡρῶν τελειωθείσων, καὶ τῆς λειτουργίας δηλαδὴ ἀρχομένης, ἀποτίθεται
 πᾶσαν τὴν κοσμικὴν ἐσθῆτα, καὶ εἰσαχθεὶς ἔνδον τῶν βασιλικῶν πυλῶν
 παρὰ τοῦ ἐκκλησιαρχοῦ, ἵσταται μετὰ κολοβίου ἄζωστος, ἀνυπόδητος, ἀσκε-
 πής, ὡσπερ τις κατὰ δικός. Ψαλλομένων δὲ τῶν συνήθων ἀντιφώνων,
 καὶ τῆς εἰσόδου γινομένης, λέγεται εἰς τὸ Δόξα κοντάκιον τῆς ἡμέρας,
 Καὶ νῦν, ἦχος α'. Ἀγκάλας πατρικὰς διανοίξαι μοι... Λέγεται δὲ τοῦτο
 ἐκ γ'. Τοῦτου δὲ ψαλλομένου, ποιεῖ μετανόιας ἐπ' ἐδάφους γ'. ὁδηγοῦντος
 αὐτὸν καὶ τοῦ ἀναδόχου αὐτοῦ, ποιεῖ δὲ ὁμοίως καὶ ἐν τῷ μέσῳ τοῦ ναοῦ
 τρίς, εἴτα ἐλθὼν ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, ἐκεῖσε τοῦ καθηγουμέ-
 νου μετὰ τῶν ἀδελφῶν ἱσταμένου καὶ φῶτα ταῖς χερσὶ πάντων φερόν-
 των, ποιεῖ κἀκεῖσε μετανόιας καὶ αὐθις γ'. Εἴτα σταθεὶς οὗτος ὁρῆτιος,
 καὶ τὴν κεφαλὴν μικρὸν ὑποκλίνων, ἐρωτᾶται παρὰ τοῦ καθηγουμένου,
 εἰ ἔστιν ὁ καθηγουμένος ἱερεὺς, εἰ δ' οὐκ, ἐρωτᾶται παρὰ τοῦ ἱερέως
 οὕτως· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ .. Ποθὼν τὸν βίον τῆς ἀσκήσεως, τίμει πά-
 τερ. Εἴτα λέγει ὁ τὰς ἐρωτήσεις ποιῶν· Ὅντως καλὸν ἔργον καὶ μακά-
 ριον ἐξελέξω. Общные вопросы и приглашение. Ταῦτα πάντα οὕτω κα-
 θομολογεῖς ἐπ' ἐλπίδι τῆς δυνάμεως τοῦ Θεοῦ... Εἴτα ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς·
 Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος... Goar. p. 384 Εἴτα πλέον κλί-
 νας τὴν κεφαλὴν, καὶ τοῦ διακόνου εἰπόντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, πύθηναι
 ὁ ἱερεὺς τὸ εὐχολόγιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύ-
 την εἰς ἐπήκοον πάντων. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,
 ὁ ἀξίους εἶναι νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικὰ πάντα καταλιπόντας... Goar.
 p. 385 Εἰρήνη πᾶσι, Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν μυ-
 στικῶς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπίζόν-
 των ἐπὶ σέ... p. 385. Εἴτα ἐκτείνει τὴν χεῖρα εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον
 ὁ ἱερεὺς, λέγων· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως ἐνταῦθα πάρεστι... Ibid. Ἀπό-
 κρισις· Naί, τίμει πάτερ, ἐκ προαιρέσεως. Καὶ μετὰ τὸ συνταξασθαι, λέ-
 γει πρὸς αὐτὸν ὁ ἱερεὺς· Λάβε τὸ φαλλίδιον καὶ ἐπίδος μοι. Καὶ ἐπιδι-
 δόντος αὐτοῦ τὸ φαλλίδιον τῷ ἡγουμένῳ, λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ ἱερεὺς πάλιν·
 Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ λαμβάνεις αὐτό... p. 386. Καὶ λα-
 βὼν ὁ ἱερεὺς τὸ φαλλίδιον ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ ἡγουμένου, λέγει· Εὐλο-
 γητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι... Пострижение и
 одѣяние въ гиматіѣ, палліѣ, поясъ и сандалія и молитва: Κύριε ὁ
 Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου... p. 386. Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα
 ἔλαβε τὸν ἀρράβωνά τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος... Παραλαβόντες
 δὲ αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικόν, κουρεύουσι, λέγοντες καὶ τὸν Ἀμω-

μον. Ὁ δὲ διάκονος λέγει συναπτήν τοῦ Τρισαγίου, εἶτα τὸ προκείμενον καὶ τὸν ἀπόστολον καὶ τὸ εὐαγγέλιον, καὶ καθέστης ἡ θεία λειτουργία τελεῖται. Μετὰ δὲ τὸ εὐαγγέλιον ὁ ἀποκαρεὶς ἀδελφὸς ἀσπάζεται αὐτὸ καὶ τὸν προεστῶτα καὶ τοὺς ἀδελφούς καὶ ἵσταται, ἔνθα προσταγῇ τὸ πέρας ἐκδεχόμενος τῆς λειτουργίας. Слич. стр. 276—278.

л. 292 об. Τάξις γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν σχῆμα. Слич. стр. 278—282.

л. 318 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι.

л. 319 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ τελευτὴν χριστιανοῦ ἀνθρώπου.

Εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὸν οἶκον, ἔνθα κεῖται εὐτρεπισμένον τὸ λείψανον κατὰ τὴν συνήθειαν καὶ, ποιήσας εὐλογητόν, λέγει Τρισάγιον, εἶτα τροπάριον· Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, Δόξα καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας, καὶ εὐθύς· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ., εἰθ' οὕτως αἵρεται τὸ λείψανον καὶ τίθεται ἐν κλίνῃ, καὶ βαστάζοντες αὐτὸ εἰσφέρομεν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ψάλλοντες καὶ καθ' ὁδὸν τὸ Τρισάγιον μετὰ μέλους, καὶ τροπάριον ἤχος α'. Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός. Εἶτα συναχθέντων πάντων καὶ τοῦ ἱερέως εὐλογήσαντος τὸν εὐλογητόν τὸν Θεόν, ἄρχεται ὁ δομestικός· Ἀρωμοὶ ἐν ὁδῷ... Ἀλληλούια εἰς ἤχον β'. καὶ γίνεται ὁ Ἀρωμος, στάσεις γ'. εἰς δὲ τοὺς μοναχοὺς γίνεται δύο. После каждой статьи ектенія, а по третьей статьи: Εὐλογητός εἶ, Κύριε. . Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς εὔρε πηγὴν... ектенія и тропари: Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Δόξα, Καὶ πάντα τὰ ἐν ἀγνοίᾳ... Καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου, ἀνατείλας... антифоны. Ἰστέον, ὅτι εἰς κοσμικῶν λείψανα οὐ λέγονται οἱ ἀναβαθμοί, ἀλλὰ μετὰ τὴν ἀνωθεν ἐκφώνησιν, ἄρξαι τὰ παρόντα νεκρώσιμα ἰδιόμελα κατ' ἤχον· Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει... Ἔτερα στιχηρὰ τοῦ Θεοφάνους, ὧν ἡ ἀκροστιχίς· Σοὺς, Χριστέ, δούλους γράφον ἐν ζώντων βιβλίῳ. Антифоны всѣхъ гласовъ чередуются съ стихирами. Блаженства: Ληστὴν τοῦ παραδείσου. . а надъ монахами: Μνήσθητι τοῦ δούλου σου, ὁ Θεός, ὡς ἐμνημόνευσας τοῦ ληστοῦ... Апостолъ и евангеліе, ектенія, стихиры на пѣлованіе: Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός... Ποῖα τὰ τοῦ σώματός μου νῦν ὄργανα... Ποία ἡ ζωὴ ἡμῶν ἐστίν... Βλέποντες τὸν τεθνεῶτα ἀδελφόν... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι Ἀδάμ... Σήμερον ἡ τοῦ βίου πονηρά... Μέγας ὀκλαυθμός καὶ ὀδυρμός... Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς... Πάντες οἱ ὀρώντες με νεκρόν... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας... Ὁρῶντές με ἄφωνον... Пресбѣіais τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Τρισάγιον κ. τ. λ. Μετὰ πνευμάτων δικαίων... κ. τ. λ. и ектенія. Εἰς δὲ τοὺς μοναχοὺς σκόπει, πῶς γίνεται ἡ ἀπόλυσις. Μετὰ τὸν ἀσπασμόν καὶ τὸ θεοτοκίον, τροпάριον τὸ Σῶζε τοὺς

ἐλπίζοντας... Λίρονται τὸ λείψανον μετὰ τῆς κλίνης, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, ψάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεὸς καὶ τὰ στιχηρὰ ταῦτα Ἀνάπαυσον Σωτήρ... Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησομένῳ... Τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν... Καὶ ὅτε ἀπέλθωσιν εἰς τὸ κοιμητήριον, ψάλλουσιν ἦχος πλ. β'. Ὁρῶντές με ἄφωνον. Εἶτα ἄραντες τὸ λείψανον, θάπτουσιν, ἄδοντες τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα... Καὶ λαβὼν ἔλαιον ὁ ἱερεὺς μετὰ κανδήλας, ἐπιχέει ἄνωθεν τοῦ λειψάνου, ποιῶν τύπον σταυροῦ τρίτον, λέγων καὶ τὸ Ἀλληλούϊα ἐκ γ'. καὶ Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς, ἀπαξ, καὶ οὕτως σφалиζεται ὁ τάφος, ψάλλοντες τροπάριον, ἦχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ... Πνευματικοὶ μου ἀδελφοὶ καὶ συνασκηταὶ μου... Δόξα, Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ... Καὶ νῦν, Δέσποινα, πρόσδεξαι... Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. λ. Ἐλέησον ἡμᾶς.. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Βάλλομεν καὶ μετανοίας ιβ'. ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος ἀδελφοῦ, ὅσοι ὑπάρχομεν ἐν τῷ μνήματι. Снес. выше стр. 591—593.

л. 347. Τάξις γινομένη ἐπὶ τελευταίῃ μοναχοῦ.

Содержится лишь приготовление къ погребенію монаха, а савый чинъ изложенъ кратко.

л. 348 об. Εὐχαὶ τοῦ λυχικοῦ. 7 молитвъ.

л. 351 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 9 молитвъ.

л. 355 об. (Εὐχή), ὅταν τέκῃ γυνή.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν.

Goar. p. 264.

л. 356. Τῇ δὲ ὀγδόῃ ἡμέρᾳ.

л. 357. Воцерковление дитяти. Дмитриевскій. Прилож. стр. 7—9.

л. 360. Ἀκολουθία τοῦ βαπτίσματος. Тамъ же стр. 9—15.

л. 375. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφώτιστον. Тамъ же стр. 16.

л. 376 об. Ἀκολουθία εἰς μνήστρᾱ, ἡγουν ἀρραβῶνος.

Въ концѣ чина: λέγει τὸν παρόντα ἀπόστολον Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ· χαίρετε... εἶτα Ὁ μῆτρᾱν παρθενικὴν ἀγίασας... Δόξα σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα, καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Въ чинѣ не достаетъ одного листа.

л. 380 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἀγίας τραπέζης.

л. 383. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, διάταξις περὶ τῶν διαφόρῳ τρόπῳ καὶ ἡλικίᾳ ἐπιστρεφόντων.

л. 387. Ταρασίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, εὐχαὶ εἰς ἀνοίξια ἐκκλησίας, ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης.

л. 390. Εὐχαὶ διάφοροι.

л. 415. Ἀκολουθία τῆς ἀκαθίστου.

л. 423 об. Слово св. І. Златоуста на Пасху (не окончено).

л. 425. Два канона надъ умершими. Въ концѣ рукописи нѣсколько листовъ дописаны рукою XVI в., т. е. тою же самою, что и въ началѣ рукописи.

LXXXIII. № 690 Εὐχολόγιον, рки. Патмосской библии. въ 4 долю листа писана разными почерками XV вѣка. Листовъ въ рукописи 193.

л. 1. Молитва надъ коливомъ.

л. 2. Εὐχαὶ τοῦ λυχικοῦ. Молитвы вечерней литіи.

л. 3. Уставъ службы преждеосвященной литургіи.

л. 5. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

Въ концѣ чина приписка: Ἐτελειώθη ἡ θεία καὶ ἱερὰ λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου διὰ χειρὸς ἐμοῦ Δαμπυρνοῦ καὶ ἀναγνώστου ἐν ἔτει ςϠ4ε'. ἐν μηνὶ Μαρτίῳ χ' = 1487.

л. 21. Чинъ литургіи преждеосвященныхъ Даровъ безъ начала.

л. 36. Εὐχολόγιον, σὺν Θεῷ ἁγίῳ περιέχον τὴν ἅπασαν ἀκολουθίαν. Εὐχαὶ τοῦ λυχικοῦ. 8 молитвъ безъ входной и главопреклонной. За молитвами слѣдуетъ подробное изложеніе чина вечерняго богослуженія. На сугубой ектеньѣ положена молитва прилежнаго моленія.

л. 40 об. Ἑρμηνεία τοῦ ὁρθρου. Молитвъ 11 съ опущеніемъ 9.

л. 46 об. Τῇ κυριακῇ ἐσπέρα σημαίνει ταχύτερον διὰ τὴν γονυκλισίαν. На вечерни положены три пареміи: одна изъ пророка Исаіи и двѣ изъ пророка Іереміи.

л. 57. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Въ чинѣ послѣ главопреклоненія положено читать молитву: Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως τῷ λαῷ σου. Goar. pag. 363.

л. 64. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῆς νεομηνίας.

Молитва начинается такъ: Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς, ὁ ἀληθινὸς Θεός, ἡ πηγὴ τῆς ζωῆς καὶ τῆς ἀθανασίας..., по окончаніи которой слѣдуетъ нынѣшняя: Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός τοῖς ἔργοις... Goar. p. 361. При погруженіи креста, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς

τὸν τίμιον σταυρόν, καταδύει αὐτὸν ἐν τῷ ὕδατι, λέγων μεγαλοφώνως·
Φῶς ὁ Πατήρ, Φῶς ὁ Υἱός, Φῶς τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον. Δόξα τῇ ἀγίᾳ καὶ
ὁμοουσίῳ καὶ ζωοποιῷ καὶ ἀδιαιρετάτῃ Τριάδι πάντοτε... Εἴτα ψάλλει
τροπάρια, ἥχος β'. Τῶν σῶν δωρεῶν ἀξίους ἡμᾶς ποιήσον, Θεοτόκε Παρ-
θένε... Τοῦτο λέγει μέχρις οὗ ἁγιασθῶσι πάντες οἱ ἀδελφοί, Δόξα καὶ
νῦν, ἥχος δ'. Ἐκ παντοίων κινδύνων τοὺς δούλους σου φύλαττε, εὐλογη-
μένη Θεοτόκε.

λ. 69. Ἀκολουθία τοῦ ἀρχιερέως.

εἰσεύλ

Обычное начало съ тронаремъ и кондакомъ дня. Δέσποτα Κύ-
ριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὴν ἀλήθειάν σου εἰς τὴν κληρονομίαν
σου ἐν τοῖς πατράσιν ἡμῶν τοῖς ἐκλεκτοῖς σου... См. выше стр. 459.
Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἀγαθὲ καὶ φιλόνηρωπε, τὸν ἀρχιερέα τοῦ-
τον ἰσχυρόν см. выше стр. 460. Ὅτι σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν... Ἐν εἰρήνῃ...
Ἵπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ἵπὲρ τῆς εἰρήνης... Ἵπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ
μνηστρα... Ἵπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων πρὸς ἔνωσιν συζυγίας τοῦ... Ὅπως
Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς σωφροσύνην... Ἵπὲρ τοῦ δούλου
τοῦ Θεοῦ ὁδεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ... Ἵπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς
ἀκατάγνωστον διαγωγὴν... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέ-
πει... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πάσης κτίσεως δημι-
ουργός, ὁ τὴν πλευρὰν τοῦ προπάτορος Ἀδάμ εἰς γυναῖκα μορφώσας.
Goar. p. 315. Δέσποτα φιλόνηρωπε, ὁ ἐν τῇ προφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας.
См. выше стр. 460—461 прим. Καὶ λαβὼν τὰ δακτυλίδια ὁ ἱερεὺς
ἐπιδίδει τῷ ἀνδρὶ καὶ τῇ γυναίκί, καὶ ἀλλάσσουσιν αὐτὰ τρίς. Τοῦ Κυ-
ρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγών... p. 311.
Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν προ-
μνηστευσάμενος... p. 311. Ὁ Θεὸς τῆς εἰρήνης καὶ τῆς ἀγάπης ἔσται
μεθ' ὧν πάντοτε νῦν καὶ ἀπολύσις.

Εἰ δὲ βούλονται ἐνταῦθα στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται μέσον τοῦ ναοῦ
μετὰ λαμπάδων, ψάλλοντες οἱ κληρικοὶ ψαλμὸν ρκε'. ἀπόκεινται δὲ ἐν τῇ
ἀγίᾳ τραπέζῃ στέφανα δύο καὶ ἐν τῇ προθέσει (ποτήριον), πλήρες οἴνου,
καὶ ἄρχονται τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ἵπὲρ τῆς εἰρήνης... Ἵπὲρ τῶν
νῦν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ἵπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐ-
τοῖς σωφροσύνην... Ἵπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον... Ἵπὲρ τοῦ δω-
ρηθῆναι αὐτοῖς ἐν ὁράσει υἱῶν... Ἵπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς στέφανον
τίμιον καὶ ἀμάρντον. Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς δωρήσεται αὐτοῖς... Ἵπὲρ
τοῦ ρυθθῆναι.. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας.. Ὅτι πρέπει... Τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς
πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... p. 317. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Εὐλογητός εἶ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός, ὁ σπιλβώσας τὸ φῶς καὶ καλέσας ἡμέραν. См. выше стр. 461. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἀπάντων Πατήρ, ὁ χεῖρα πρὸς χεῖρα διδούς. См. выше стр. 462. Καὶ λαβὼν τὰ στέφανα, ὁ ἱερεὺς στέφει τὸν νεόνυμφον ὁμοίως καὶ τὴν νύμφην, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξη καὶ τιμῇ.. ἐκ γ'. Ὅμοίως καὶ τὴν νύμφην. Εἴτα λέγει· Ἐθνηκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν... Εἴτα λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δόξη καὶ τιμῇ στεφανώσας τοὺς ἀγίους σου ἀποστόλους, στεφάνωσον τοὺς νεονύμφους τούτους... Сн. выше стр. 463. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομία... р. 318. Προκείμενον, ἦχος βαρύς· Δόξη καὶ τιμῇ στεφάνωσον... Στίχος· Ἐθνηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν... Πρὸς Ἑφесίους· Ἀδελφοί, αἱ γυναῖκες τοῖς ἰδίοις ἀνδράσιν ὑποτασσέσθωσαν. Τέλος· ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω. Ἀλληλουάριον. Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος. Евангеліе, что у Goar. р. 318, краткая сугубая ектенія. Ἐπικαλούμεθά σε, Δέσποτα παντοκράτωρ, τὸν στερεωτὴν καὶ ἀρχηγὸν τῆς σωφροσύνης, τὸν στεφανοῦντα τοὺς παρθενικοὺς γάμους... См. выше стр. 464. Εἰρήνην πάσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ τοῦ κοινοῦ ποτηρίου· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου.. р. 319. Εἴτα δίδωσιν αὐτοῖς τὸ κοινὸν ποτήριον, καὶ ψάλλει· Ποτήριον σωτηρίου... Ζήσονται οἱ νεόνυμφοι εἰς αἰῶνα αἰῶνος. Ἡ ἁγία Τριάς ὑμᾶς ἀχωρίστους διαφυλάξει. Καὶ κρατοῦσιν οἱ παράνυμφοι τὰ στέφανα, καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχεταί· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε... См. выше стр. 465. Καὶ κρατοῦσιν οἱ παράνυμφοι τὰ στέφανα καὶ εἰσέρχονται ἕως τὸν παστόν, ψάλλοντες οἱ κληρικοὶ τροπάρια· Ἅγιοι μάρτυρες... Δόξα σοι, Χριστέ... Ἐπὶ σοὶ κεχαριτωμένη... Ὅταν φθάσωσιν εἰς τὴν πόλιν τοῦ παστοῦ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας εἰσελθεῖν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... р. 320. Εὐχὴ παστοῦ δήσεων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας εἰσελθεῖν εἰς τὸν νυμφῶνα τῶν δούλων σου... См. выше стр. 465. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῦ ἐνιαυτοῦ τὸν στέφανον εὐλόγησας. р. 325. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δούλοι σου, Κύριε р. 325. Εἴτα πάλιν Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, Κύριε ἐλέησον ιβ'. τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, θεοτοκίον, τὴν τιμιωτέραν, Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι, καὶ ἀπόλυσις. Слнч. выше стр. 459—466.

1. 77. Εὐχαὶ λεγόμεναι εἰς γυναῖκα, ὅταν γεννήσῃ.

Начало обихное. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον ἀπὸ τοῦ χυμοῦ. Дмитриевскій.

Прилож. стр. 1. Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῦ Ἀδάμ καὶ τῆς Εὐδᾶς συγχωρήσας τὰ παρχπτώματα αὐτῶν καὶ κατελθὼν ἐκ τῶν οὐρανῶν... Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας ἐν Βηθλεέμ, καὶ ὡς νήπιον τεθεὶς ἐν φάτνῃ καὶ ἐφάνης ἐν τῷ κόσμῳ... p. 261 Εὐχὴ εἰς τὰς εὐρεθοῦσας γυναῖκας εἰς τὸν οἶκον, ἐν ᾧ ἐγεννήθη τὸ παιδίον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὀθόνῃ εἰπὼν Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ... Прилож. стр 6, Goar. p. 263. Εὐχὴ τῆς μαίας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ... Goar. p. 263. Εὐχὴ ἑτέρα· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἀναμάρτητος, ὁ πλούσιος ἐν ἐλεεί καὶ οἰκτιρμοῖς... См. выше стр. 455.

л. 79. Εὐχὴ εἰς τὸ σφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡ'. ἡμέρᾳ ἀπὸ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθήτω τὸ φῶς... p. 264. Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τοῦ μεγαλοφωνοτάτου τῶν προσφητῶν Ἰσαίου προκαταγγείλας ἡμῖν τὴν ἐκ Παρθένου σάρκωσιν... См. выше стр. 455, p. 268. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδάριον, λέγει· Τὰ ῥήματά μου ἕως· Εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου... Καὶ εἰσέρχεται μέσον τοῦ ναοῦ, λέγει· Χαῖρε, κεχαριτωμένη, ὁμοίως καὶ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, λέγων· Ὁ καθάρωτατος ναὸς τοῦ Σωτῆρος. Εἶτα λαβὼν ἔλαιον ἀπὸ τὴν κανδήλαν, λέγει· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιάσεως τὸν ἀρραβῶνα τοῦ βαπτίσματος, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Εἶτα ὁ ἱερεὺς λέγει· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν εἰσελθεῖν ὑπὸ Μαρίας τῆς ἁγίας Μητρός... Прилож. стр. 19.

л. 80 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα τεσσαράκοντα ἡμερῶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παρχγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Прилож. стр. 18, прим. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν, Αὐτὸς ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν λογικὴν τε καὶ ἄλογον φύσιν. Goar. p. 267.

л. 81. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Здѣсь любопытно слѣдующее замѣчаніе: Καὶ μετὰ τὸ μυρῶσαι ὅλον τὸ σῶμα, ἐνδύει τὸ παιδίον τὸν χιτῶνα καὶ φάλλει· Χιτῶνά μοι παράσχου φωτεινόν... εἶτα σταυρωσίματα, φάλλονται εἰς τὸ πρῶτον· Τῷ σταυρῷ ἐνδεδυμαι, εἰς δὲ τὸ δεύτερον· Ὅπλον ἀήττητον καὶ Πάντοτε

ἔχοντες, Χριστέ... Послѣ омовенія καὶ λύσας τὰ σταυρία, λέγει· Νῦν ἀπολύεις.

л. 91. Молитвы на различные случаи.

л. 116. Апостольскія и евангельскія чтенія общимъ святымъ.

л. 133. 11 утреннихъ евангельскихъ чтеній.

л. 143. Εὐχή, ὅταν μέλλει μεταλαβεῖν ὄλους.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Ἀμὲν καὶ ποιμήν, ὁ τὸ δάνειον χαρισάμενος τοῖς дуαί χρεοφειλέταις... Goar. p. 536. Εὐχή συγχωρητικὴ ὑπὸ πνευματικοῦ πατρός· Ὁ Θεός, ὁ συγχωρήσας Δαβὶδ διὰ Νάθαν τὰ ἴδια ὁμολογήσαντι κακά... p. 538.

л. 144. Ἀκολουθία εἰς κοιμηθέντας.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς καὶ ψαλμὸς 4 и 17 каѳизма, „Благословенъ еси, Господи“, „Святыхъ ликъ обрѣте источникъ жизни“, стихиры. ἤχος α'. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας μεθέξεως... κ. т. л. Goar. p. 439 д. на всѣ восемьъ гласовъ, при чемъ нѣкоторые надписываются εἰς ἱερεῖς. Послѣ стихиръ 8 гласа, священникъ поминаетъ усопшаго, кондакъ: „Со святыми упокой“, икосъ: „Самъ единъ еси“ и блаженства: Ληστὴν τοῦ παραδείσου, Χριστέ, πολίτην... Ἀνοιξόν μου τὸ στόμα κ. т. л. Апостолъ и евангеліе, что нынѣ. Стихиры: Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Ποῖος χωρισμός... Πάντα τὰ τοῦ σώματός μου νῦν ὄργανα... Μέγας ὁ κλυθμός καὶ ὀδυρμός... Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα βουληθεῖς... Σῶσαι τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μήτηρ τοῦ ἀδότου Ἠλίου... Δόξα, Ὁρῶντές με ἄφωνον... Καὶ νῦν, Μεταβολή τῶν θλιβομένων, ἀπαλλαγὴ τῶν ἀσθενούντων... Снес. выше стр. 592—593.

л. 160 об. Ἀκολουθία εἰς μοναχοῦς.

Чинъ, за немвогими исключениями, тотъ же, что на стр. 478—481. Здѣсь находимъ и дополненія недостающаго выше. Послѣ стихиры: Ὁ κυριεύων καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων... слѣдуютъ другія стихиры: Ἐν γῇ πραέων, ἐνθα ἤχος ἐξακούεται... Ὅναρ τὰ ἐν τῷ βίῳ εἰδώς... Ἐνθα εὐφραινομένων ἐστὶν ἡ κατοικία, ἐνθα ἤχος терпнότητος... Λόγοις σου τοῖς σεπτοῖς παιδαρχῶν... Τὰ εὐλογητάρια, ἐκτενὴ (великая заукойная). Послѣ 6 антифона, ектенья съ молитвою: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων καὶ πάσης σαρκός, ὁ διδοὺς καταστολὴν δόξης ἀντὶ πνεύματος ἀκηδίας... См. выше стр. 531, Goar. p. 437. Послѣ молитвы: Ὁ μέγας ἀρχιερεύς... Καὶ εὐθὺς αἴρεται τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ. Αὕτη ἡ κατάπαυσις μου... Ἐξέλειπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου καὶ κατέλειπον... κ. т. л. Εἴτα βάλλει ἔλαιον ἐκ τῆς καθήλας καὶ λέγει τροпάριον· Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου... κ. т. л., ектенья съ мо-

литвою: Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν... p. 437. Εἶτα Ν'. καὶ κατα-
 χωννύουσιν αὐτὸν ἐν τῇ γῇ, εἶτα· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός, Δόξα καὶ
 νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα. Κύριε ἐλέησον ρ'. καὶ ποιοῦσιν οἱ μο-
 ναχοὶ μετανοίας, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν συνήθη αἵτησιν, Τὴν τιμιωτέραν καὶ
 ἀπόλουςις.

л. 174. Чтенія изъ апостола и евангелія на различные случаи.

л. 183. Τοῦ κῦρ Καλλίστου τοῦ Τηλικούδη περὶ ἡσυχαστικῆς τριβῆς.

л. 188. Ἔτερα κεφάλαια περὶ νήψεως Θεολήπτου Φιλαδεφίας.

л. 191. Апостольскія и евангельскія чтенія.

LXXXIV. № 715 Илитарій той же библи. на пергаментѣ, пи-
 санный скорописью XV в.

Εὐχή ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου.

Μετά τὸν Τρισάγιον... Goar. p. 251 καὶ ἐπιδίδοται αὐτῷ χάριτες,
 ἐν ᾗ γέγραπται· Ψήφω καὶ δοκιμασίᾳ ὁσιωτάτων ἐπισκόπων, θεοσεβεστά-
 των πρεσβυτέρων, θεοφιλεστάτων διακόνων καὶ παντὸς τοῦ εὐαγοῦς κλή-
 ρου καὶ λαοῦ τῆς θεοσόστου πόλεως τῆσδε. Ἡ θεία χάρις... Goar. p.
 250. Καὶ μετὰ τοῦτο προσάγεται αὐτῷ ὁ χειροτονητός, καὶ ἀναπτύσων ὁ
 ἀρχιεπίσκοπος τὸ εὐαγγέλιον... Goar. p. 251—252 до конца.

Εὐχή ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου καὶ τάξις γινομένη ἀκολουθίας ἐν
 τῷ χειροτονεῖσθαι πρεσβύτερον ὑπὸ τοῦ πατριάρχου τὸν πληροῦντα τὰ
 ἀρχidiaconικά.

Μετά τὸ εἰσενεχθῆναι τὰ ἅγια δῶρα. Goar. p. 244.

Εὐχή ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου.

Μετά τὸ γενέσθαι τὴν ἁγίαν ἀναφορὰν καὶ ἀνοιγῆναι τὰς θύρας.
 Goar. p. 211.

Εὐχή ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου. Goar. p. 204. Codex. Barberin.
 S. Marci.

Εὐχή ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου... p. 195.

Κανὼν ἐκκλησιαστικὸς ἡκριβόμενος εἰς μνηστρα. Ἰσταται ὁ ἀρ-
 χιεπίσκοπος ἐν τῷ ἱερατείῳ, οἱ δὲ ἀρμοζόμενοι πρὸ τῶν θυρῶν τοῦ
 ναοῦ, καὶ λαμβάνει ὁ ἀρχιεπίσκοπος δακτυλίδια δύο, καὶ τίθῃσιν αὐτὰ ἐν
 τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ κειμένου τοῦ ἁγίου ποτηρίου ἐν αὐτῇ, καὶ ἵσταται
 ὁ διάκονος, ποιῶν τὰ διακονικά, καὶ λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἀρ-
 χιεπίσκοπος· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν...
 Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν μνηστευσαμένων
 ἀλλήλων καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ δούλου αὐτοῦ καὶ τῆς δούλης
 τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Ἀν-

τιλαβοῦ, σῶσον... Ὁ Θεός, ὁ αἰώνιος... Gouar. p. 311. Εἶτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια, καὶ δίδει αὐτοῖς καὶ ἀλάσσει γ'. καὶ εὐθὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐξαποστείλας τὴν ἀλήθειάν σου καὶ τὴν κληρονομίαν σου καὶ τὴν ἐπαγγελίαν σου ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους... См. выше стр. 459, прим. 1 и 3 и 460. Середина этой молитвы и конецъ чина вытерты.

Чинъ вѣнчанія.

Начало чина вытерто. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι... Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων τοῦδε καὶ τῆσδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ ἀγάπης καὶ σωτηρίας αὐτῶν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν χαρίσεται... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς Παναγίας... Ὁ Θεός ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον. Gouar. p. 317. Ὁ Θεός ὁ ἀναρχος καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός... См. выше стр. 29. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Εὐλόγητός εἰ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῇ σῇ βουλήσει κατ' εἰκόνα σου καὶ ὁμοίωσιν συμπλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ εἰδὼν αὐτὸν ἔφησεν τῷ ἀγαπητῷ σου Υἱῷ· οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον ἐπὶ γῆς, ποιήσωμεν αὐτὸν βοηθὸν κατ' αὐτοῦ, καὶ ἐπάρας μίαν τῶν πλευρῶν αὐτοῦ, ἀνοίχο δόμησας αὐτῷ γυναῖκα καὶ ἔδωκας αὐτὸν βοηθὸν κατ' αὐτόν. Ἐτι καὶ νῦν πραραλοῦμέν σε, Δέσποτα, πάντα τὰ προκείμενα αὐτοῖς ἐν εἰρήνῃ κατεύθυνον Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Ἀβελ τὸν δίκαιον. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας τὸν δίκαιον Σὴθ μετὰ τῆς συγκοίτου αὐτοῦ, καὶ τῆς τεκνογονίας αὐτοῦ. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Νῶε, τὸν δευτέρου πατέρα τῆς οἰκουμένης ἐπὶ πλήθους υἰάτων. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας τοὺς δώδεκα πατριάρχας. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας τὰς δώδεκα φυλὰς τοῦ Ἰσραὴλ. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Ἰσαὰκ καὶ Ῥεβέκκαν. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Ἰακώβ καὶ Ῥαχὴλ. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Ἰωακείμ καὶ τὴν Ἄννν. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἑλισάβετ. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας Ζακχαῖον πανοικί. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας τὸν οἶκον Ὀνησιφόρου διὰ τῆς εἰσόδου Παύλου. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεός, ὡς ἡυλόγησας τὸν γάμον ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ ἐποίησας πρώτην καὶ μεγάλην εὐλογίαν σου. Καὶ κρατήσας τὰ στέφανα, ὁ ἀρχιερεὺς λέγει οὕτως· Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεὺς... Στίχος· Τὴν ἐπιθυμίαν τῆς καρδίας αὐτοῦ... Στίχος· Ὅτι προέφθασας αὐτὸν ἐν εὐλογίαις... Στίχος· Ἐθηκες ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐ-

τῶν... Καί· εἴθ' οὕτως τιθήσας (sic) τὰ στέφανα ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, λέγει γ'.¹⁾... Καί παραδίδει τὰς δεξιὰς αὐτῶν, λέγει· Ὁ Πατήρ τῶν οἰκτιρμῶν χειρὶ τὰ πάντα παραδίδεται. Λέγει γ'. Δόξη καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτῶν. Δεξιὰ ἄχραντε τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἡ δημιουργήσασα τὸν Ἀδὰμ, αὕτη ἡ δεξιὰ σου καὶ τοὺς ἁγίους ἐσόφισεν, αὕτη ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, τὸν Μωϋσῃν ἐφύλαξεν ἐν τῇ ἐρυθρᾷ θαλάσῃ, ἄδοντα καὶ ψάλλοντα· κραταιωθῆτω ἡ χεὶρ σου. Σὺ γὰρ εἶπας, Κύριε, διὰ τοῦ προφήτου σου Δαβίδ· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὤψωσέ με. Αὐτός καὶ νῦν, Δέσποτα, στήριξον τὰς δεξιὰς ταύτας ἀσπίλους καὶ ἀμώμους εἰς τὸ εὐαγγελισθῆναι ἀλλήλοις πάσας τὰς ἡμέρας αὐτῶν. Ὅτι σὺ εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Снес. выше стр. 567. Καὶ εὐθέως ποιεῖ καθέ(δ)ραν καὶ λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Прокимень, апостоль и евангеліе, что выше стр. 30. Краткая сугубая ектенія, возгласъ священника: „Яко милостивъ и человеколюбецъ Богъ“. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ πάντας θέλων σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν. Δέσποτα, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὁ λαβὼν χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς καὶ πλάσας ἔργον τίμιον τὸν ἄνθρωπον... См. выше стр. 183—184. Отличія въ текстѣ весьма небольшія. Конецъ молитвы читается такъ: Κατακόσμησον αὐτοὺς ἐν πάσῃ σωφροσύνῃ τῷ σὺ φόβῳ, ἵνα διὰ τῶν δούλων σου τούτων δοξάζουσι τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ὁ ἱερεὺς· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς... Ἐκφώνησις· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ... Гоар. р. 318. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τὰ προηγιασμένα ἅγια. Κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου²⁾... Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παρεγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ εὐλογῆσας τὸν γάμον καὶ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταποιήσας. Αὐτός, Δέσποτα Κύριε, καὶ τὸ ἐν τῷ ποτηρίῳ τούτῳ εὐλόγησον τῇ δυνάμει τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, ὥστε γενέσθαι τοῖς πίνουσιν ἐξ αὐτοῦ εἰς ὑγίαν καὶ σωτηρίαν, καὶ ἐν ὁμονοίᾳ φυλαχθῆναι αὐτοὺς εὐλόγησον πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν. Ὅτι ἡυλόγηται³⁾... Καὶ ψάλλον θεοτοκίον· Ἐπὶ σοὶ χαίρει. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποστεφανῶσαι· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐτρεπίσας διὰ τῆς σῆς παρουσίας καὶ εἰς νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοί σου τὴν κατὰ δύναμιν δοξολογίαν σου καὶ προσφέροντες, θεόμειθρά σου, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, πρόσδεξαι τὰ στέφ(ανα) αὐτῶν εἰς τὴν ἐπουράνιον σου βασιλείαν καὶ

1) Это мѣсто вытерто въ рукописи 2) тоже 3) тоже.

ἀξίωσόν πάντας τοὺς ἐν νόμῳ καὶ στεφάνῳ ἀφθαρσίας σου ἐπάθλω παρ-
θενείας τούτοις κατακοσμῶν. Αὐτός, Δέσποτα, τούτους τοὺς νεονύμφους
εὐλόγησον κατὰ τὴν εὐλογίαν τῶν πατέρων Ἀβραάμ, Ἰσὰκ καὶ Ἰακώβ,
χάρισαι αὐτοῖς ὕγειαν ψυχῆς καὶ σώματος, παιδοποιῶν ἀγαθὴν καὶ γέ-
ρας τίμιον...¹⁾ Сн. выше стр. 184. Εὐχὴ εἰς τὸ λύσαι στέφανον· Κύριε
ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανὰ τῆς Γαλιλαίας καὶ ἐκεῖσε τὸν
γάμον εὐλόγησας, αὐτοὺς καὶ νῦν εὐλόγησον τὴν ἑπαρσιν τῶν στεφάνων
τούτων, ἵνα καὶ διὰ τῶν δούλων σου δοξάζεται σου τὸ πανάγιον ὄνομα
τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ...²⁾ Νυμφῶνα καταντήσαντες... р. 325...³⁾

LXXXV. № 170 Εὐχολόγιον, рукоп. Аѳоно-Каравадьской библи. (безъ начала) писана прекрасною скорописью XV в. Листовъ 170.

л. 1. Литургія Златоуста. Начинается она молитвою 2 антифона.

л. 24. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου
τοῦ Μεγάλου.

л. 34 об. Ἡ θεία μυσταγωγία τῶν προηγιασμένων.

л. 43. Апостольскія и евангельскія чтенія на различные случаи.

л. 110. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν Θεοφανίων.

л. 116. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ.

л. 124. Молитвы на различные случаи.

л. 139. Εὐαγγέλια τὰ ἰα'.

л. 147. Молитвы вечернія и утреннія.

л. 154 об. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, διατάξεις περὶ
τῶν διαφορῶν τρόπων καὶ ἡλικίᾳ ἐπιστρεφόντων.

л. 158. Ἀκολουθία, ψαλλομένη τῇ μεγάλῃ μ'. ὅτε βούλη ποιῆσαι
προηγιασμένην. Стихиры и пареміи.

LXXXVI. № 155 Εὐχολόγιον, рукопись той же библи. въ 16
долю листа, 193 листа, писана скорописью XV в. Начала нѣтъ.

л. 2. Молитвы утреннія.

л. 5. Апостольскія и евангельскія чтенія.

л. 25. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 33 об. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεχοῦσαν.

л. 36 об. Εὐχαὶ τῶν κατηχομένων. Молитвы огласительныя
читаются 8 разъ или десять.

л. 46 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ μνηστροῖς βασιλέων καὶ λοιπῶν ἀν-
θρώπων.

¹⁾ Это мѣсто вытерто въ рукописи ²⁾ тоже ³⁾ тоже.

Брачушіеся входятъ въ церковь съ зажженными лампадами. Чинъ брака совершаетъ священникъ въ алтарѣ и оттуда выносятъ вѣнцы. При возложеніи вѣнцовъ, если вѣнчались цари, то говорилось: „Господи Боже нашъ, славою и честію“, а надъ частными лицами—„Положилъ еси на главахъ ихъ вѣнцы“. Чинъ изложенъ съ указаніемъ и на другую практику. Такъ, напр., здѣсь отмѣчается, что иногда священникъ чинъ вѣнчанія совершаетъ на срединѣ храма, что новобрачныхъ вводятъ въ алтарь, при пѣніи нынѣшнихъ тропарей.

л. 51 об. Εὐχὴ λεγομένη ἰδίῳς (sic) διγάμου.

— Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας (одно начало).

л. 52. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴνου.

л. 52. Ἀκολουθία ἐγκαινιασμοῦ.

л. 70 об. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

л. 90. Τάξις γινομένη εἰς ἀρχάριον μοναχόν, ἡγουν εἰς ῥασοφόρον.

л. 90 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουτώτου.

л. 96. об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 115. Ἀκολουθία εὐχελαίου εἰς τοὺς κοιμηθέντας.

л. 126. Ἀκολουθία εἰς νεκρώσιμον.

л. 136 об. Молитвы на различные случаи.

л. 166. Μνήμη τοῦ δικαίου πατριάρχου Ἀβραάμ, υἱοῦ τοῦ Θάρα.

Разныя историко-хронологическія замѣчанія.

л. 171. Παραίνεσις πρὸς τοὺς ἀναξίους καὶ μετὰ ἀφοβίας καὶ ἀνεσχυντίας προσερχομένους τοῖς θείοις μυστηρίοις.

л. 172. Ἀθανασίου, πατριάρχου Ἀλεξανδρείας, ἐρμηνεία, λύσις τινῶν ἐρωτημάτων.

л. 186 об. Нѣкоторыя молитвы.

л. 188. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν.

LXXXVII. № 51 Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Кесропотамской библ. въ 16 долю листа, 80 листовъ, писана крупнымъ почеркомъ XV в.

л. 1. Ἀκολουθία εἰς κοιμηθέντα μοναχόν.

л. 44 об. Ἀρχὴ τοῦ εὐχελαίου τῶν τεθνεώτων.

л. 69 об. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας.

л. 79. Εἰς ἀδελφοποίησιν.

XVI ВѢКЪ.

LXXXVIII. № 164 Εὐχολόγιον, рукопись Αθωνο-Φιλοθεεεωσской библи. въ 16 долю листа, 428 листовъ, писана разгонистымъ почеркомъ XV—XVI в. На рукописи имѣется неважная приписка позднѣйшей руки 1565 года.

л. 1. Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας.

Εἰς τὸ ἐπιτραχήλιον λέγει· Καὶ σχῆμα εὐφροσύνης περιεβάλλου μοι, ὅτι στέφανον ἐξ ἀκάνθων περιέθηκαν, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν· καὶ γὰρ ὁ ζυγὸς σου χρηστὸς καὶ τὸ φορτίον σου ἐλαφρόν ἐστιν. Вся проскомидія на одной просфорѣ. См. Кристоффер. списокъ у Goar. p. 85.

л. 15. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου. Возгласъ, при первомъ явленіи св. Даровъ, читается такъ: Ὅσοι μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως προσέλθετε.

л. 28. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

л. 52. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων τῆς ἁγίας καὶ πεφωτισμένης τεσσαρακοστῆς.

Εὐχὴ τῆς προθέσεως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν ὁδὸς σωτηρίας, Σὺ ἰκάνωσον ἡμᾶς προσενεγκεῖν σου θυσίαν... См. выше стр. 490. Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε, Κύριε, νῦν δεόμεθα, ὁ Θεὸς ἡμῶν, μὴ κατασχύνης ἡμᾶς τῆς εἰς σὲ πίστεως... Εὐχὴ τοῦ θυμιάματος· Ὁ Θεὸς ὁ ὄψιστος καὶ ἀόρατος καὶ ἀχειροποίητος, ὁ προσδεξάμενος τὰ δῶρα αὐτά... Подобный чинъ см. выше стр. 270.

л. 75 об. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 91 об. Апостольскія и евангельскія чтенія общимъ святымъ.

л. 100. Εὐχὴ τῆς μεταλήψεως τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 109. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἁγιαζομένου ὑπὸ ἐπτὰ ἱερέων. См. выше стр. 353. Молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος надписывается: καὶ ἡ εὐχὴ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

л. 152 об. Κανὼν εἰς ἐκκλησιαστικούς γάμους. См. выше стр. 96—101.

л. 168 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Goar. p. 264.

л. 169. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι παιδίον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθὼν. См. выше стр. 25, прим. Сн. Прилож. стр. 19.

л. 110. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα.

Двѣ обычные молитвы „женѣ родильницѣ“. Goag. p. 267.

л. 171. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

л. 173. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

л. 174 об. Τάξις γινομένη εἰς τὸ κατηχῆσαι παιδίον, ἥτοι βαπτίσαι.

л. 193. Εὐχὴ ἄλλη τῶν ἁγίων βαπτισμάτων.

л. 194. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τοὺς νεοβαπτισθέντας.

л. 195 об. Молитвы на различные случаи.

л. 198. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ἑνδεκα.

л. 214. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 224. Евангелія и апостолы на постъ и Пятидесятницу.

л. 327. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης Πεντηκοστῆς.

л. 339. Εὐαγγέλια δώδεκα τῶν ἁγίων παθῶν.

л. 370. Μηνολόγιον τῶν μεγάλων ἑορτῶν καὶ ἐπισήμων ἁγίων ἀποστολοευαγγέλια. Оканчивается 6 числомъ августа.

LXXXIX. № 689 Εὐχολόγιον, ркп. Патмосской библ. въ 4 долию листа, 189 листовъ, писана на бумагѣ почеркомъ XV—XVI в.

л. 1. Толкованіе Златоуста на притчу: „Изъде сѣятель сѣяти сѣмя“.

л. 9. Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ, περιέχον κατὰ τῆς ἐκκλησιαστικῆς διατάξεως διαφόρους ἀκολουθίας.

Чинъ малой вечерни и всенощнаго бдѣнія.

л. 19. Чинъ воздвиженія креста.

л. 20. Литургійные антифоны въ праздникъ воздвиженія.

л. 21 об. Κεφάλαια περὶ ἱερέων τοῦ Δοῦρράχίου.

л. 23. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 9 молитвъ.

л. 25 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 12 молитвъ.

л. 30 об. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

л. 35. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 66 об. Εὐχαὶ λεγόμεναι ἐπὶ ἀρρώστους. Молитвы Василия Великаго, Григорія Богослова, св. Епифанія и Іоанна Златоуста. Молитвы апокрифическаго содержания.

л. 79. Ἀκολουθία εἰς λεχώ.

л. 81. Εὐχὴ, ἣν λαμβάνει ἡ λεχὼ τῇ η΄. ἡμέρᾳ.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Ὅτι σοῦ, τὸ ἀπολυτίκιον καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσ

ποτα Κύριε, ὁ ἀληθινὸς ἄρτος τῆς ζωῆς ἡμῶν, ὁ καθαρίσας καὶ ἀναγεννήσας ἡμᾶς... p. 264. Εἰ δὲ ζῇ τὸ βρέφος, καὶ ἐρχομένου αὐτοῦ ἐκ κλησιασθῆναι, τοῦτ' ἐστὶ τοῦ λαμβάνειν ὄνομα τῇ ἡ'. ἡμέρᾳ, οὐ ποιεῖ ἀπόλυσιν, ἀλλὰ λέγει καὶ τὰς παρούσας εὐχὰς ταύτας. Начало обычное, священникъ благословляетъ чело и грудь младенца, дуеѣтъ трижды и читаетъ молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν... p. 264. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πᾶσαν τὴν λογικὴν φύσιν δημιουργήσας τῷ λόγῳ σου. См. выше стр. 396. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον καὶ ἵσταται ἐν τῇ μεγάλῃ πύλῃ τῆς ἐκκλησίας κατὰ ἀνατολήν, κρατῶν αὐτὸν εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ, καὶ λέγει τὸν ψαλμόν· Τὰ ῥήματά μου... ἕως τὸ Εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου, προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἁγίόν σου, ἐπιλέγων γ'. πρῶτον εἰς τὴν θύραν, δεύτερον ἐν τῷ μέσῳ τῆς ἐκκλησίας, τρίτον ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων εἰκόνων, εἶτα λέγει ἀπολυτίκιον, ἤχος δ'. Χαῖρε, κεχαριτωμένη... εἶτα λέγει τὸ Νῦν ἀπολύεις ἕως· ὅτι εἶδον οἱ ὀφθαλμοί μου τὸ σωτήριόν σου. Εἶτα λαμβάνει ἔλαιον ἐκ τῆς κανδήλας τοῦ Δεσπότου, σφραγίζων αὐτὸ ἐν τῷ μετώπῳ σταυροειδῶς, λέγων· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιάσεως, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ ἀποδίδει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον τῆς μαίας, εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φυλάσσων τὰ νήπια. Гога. p. 265 καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

λ. 86. Τάξις γινομένη εἰς τὸ σαραντῆσαι τῇ λεχώ.

Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον κ. τ. λ. τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ Χαῖρε, κεχαριτωμένη, εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ βρέφους πρῶτον, ἐὰν ζῇ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερόν... Дмитриевскій. Прилож. стр. 19. Εὐχὴ τῆς λεχώ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... p. 267. Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν οὕτως· Ὁ ἐν ἀγκάλαις τοῦ δικαίου Συμεὼν βασταχθεὶς Χριστὸς ὁ ἀληθινός...

λ. 87. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Ὁ κрещаемомъ замѣчено, что онѣ, послѣ отрицанія, істаѣ пάλιν κατὰ ἀνατολάς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα δεδεμένους μετὰ φόβου καὶ χαρᾶς. Облагается новокрещаемый імѣтион λευκὸν καὶ καθαρὸν, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα χιτῶνα ἀγαλλιάσεως... Εἶτα σταυρώματα λέγει· Σταυρὸν χαράξας Μωϋσῆς., ἔπειτα τὴν ζώνην, λέγων· Περιζώννυται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα λῶρον παρὰ τὴν ὀσφὺν τῆς διανοίας αὐτοῦ... По мнропомазаніи, καὶ λαβὼν τὸ θυμιατήριον, περικυκλοῦσι τὴν ἁγίαν κολυμβήθραν ἐκ γ'. θυμίων σταυροειδῶς καὶ φάλλων· Ὅσοι εἰς Χριστόν, послѣ чего непосредственно слѣдуетъ εὐχὴ εἰς τὸ

ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ η'. ἡμέρα... Ποιεῖ δὲ τὴν κουράν οὕτως· ἀρχὴν ποιεῖν ἀπὸ τῆς κορυφῆς τὸ μέτωπον, δεξιὰ καὶ ἀριστερά, ὅπισθεν καὶ ἔμπροσθεν, καὶ δίδωσιν αὐτὰς τῷ ἀναδόχῳ.

л. 102 об. Τάξις βαπτίσματος εἰς νήπιον, κατεπειγόμενον ὑπὸ θανάτου. См. выше стр. 400.

л. 105. Молитвы на различные случаи.

л. 123. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας Ν'. ἤγουν τῆς γονυκλισίας.

л. 136 об. Ἀκολουθία εἰς μνήστρας, ἤγουν εἰς ἀρραβῶνας δακτυλιδίου.

Начало обычное до Огче нашъ, тропарь и кондакъ дня, ек-тенья и молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους τὸν δεῖνα καὶ τὴν δεῖνα καὶ στήριξον τὸν ἀρραβῶνα... Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ τὰ διηρημένα... Goar. p. 311 καὶ ἀλλάσσουν τὰ δακτυλίδια τρίτον καὶ τὰ κηρία, εἰτα λέγει· Δέσποτα φιλάνθρωπε, ὁ ἐν τῇ προφη-τικῇ φωνῇ ἐνισχύσας ἡμᾶς, ὅτι παρὰ σοὶ ἀρμόζεται ἀνδρὶ γυνή... См. выше стр. 460. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν προμνηστευσάμε-νος... p. 311. Σωτὴρ ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε, τὸν ἀρραβῶνα τοῦτον ισ-χυρὸν καὶ βέβαιον διατήρησον, ἵνα γένηται τὸ συνάλλαγμα τοῦτο εἰς πο-λυχρόνιον καὶ εὐήμερον ζωὴν πάντοτε νῦν...

л. 139 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Послѣ псалма и ектеньи, Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρω-πον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... p. 317 Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός... p. 315. Δέσποτα φιλάνθρωπε Κύριε, ὁ ἐν τῇ προφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας ἡμᾶς, ὅτι παρὰ σοὶ ἀρμόζε-ται ἀνδρὶ γυνή... Священникъ беретъ вѣнцы со св. трапезы и, выходя, говорить: „Славою и честію вѣнчай его“ 3-жды, а полагая вѣнцы— „Положилъ еси на главѣ его вѣнецъ отъ камене честна“. Тоже и надъ невѣстою. Δοξάζομέν σε, Δέσποτα παντοκράτωρ, ἐπὶ τῇ σῇ με-γαλειότητι, δοξάζομέν σε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ ἀνεξιχνίασῳ αἰ-νέσει σου... Δός, νεόνυμφε, τὸ πλήρωμα καὶ λάβε τὴν νόμφην. Καὶ πα-ραδίδει αὐτῶν τὰς χεῖρας τὰς δεξιὰς, λέγων· Παράλαβε, Μαριάμ, τὴν γυ-ναῖκά σου. Εἰτα λέγει· Δεξιὰ ἄχραντε τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἡ πλάσασα τὸν Ἀδὰμ κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... См. выше стр. 567. Προκειμένον· Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας... Στί-χος· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς θαυμαστόν... Πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Евангеліе, что пшѣ, ектенья, Ἐπικαλούμεθα σε, Κύριε Θεὲ παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλοῦμαι τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλάνθρωπον, τὸν στερεωτὴν καὶ ἀρχηγὸν τῆς σωτη-

ρίας ἡμῶν... См. выше стр. 464. Отче нашъ, Вовμεмъ, „Святὰν
 святымъ“, „Единъ святъ“ „Πρὶςτупитε“, „Βρυσите и видите“, 'Ο
 Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου... р. 319 καὶ δίδει αὐτοῖς τὸ κοινὸν
 ποτήριον, λέγων· 'Εξ ἀμπέλου πολυχάρπου καὶ πηγῆς ἀθανάτου πίης, ζῆς,
 νεόνομφе. 'Η ἀγία Τριάς εὐλογῇ σε. Καὶ ποτίζει αὐτὸν ἐκ γ'. Тоже
 говорителся и невѣстѣ. 'Ο Θεός ὁ αἰώνιος, ὁ τὸν οὐρανὸν τοῖς ἀστροῖς
 κατακοσμήσας καὶ τὴν γῆν ποικίλα ἄνθη στεφανώσας... См. ркп. XVI в.
 Каирск. патр. библ. № 224—1070. Καὶ πιάνουν οἱ στεφανοκράτοροι τὰ
 στέφανα, λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ θυμιατὸν γυρίζει γύρους τρεῖς, λέγει· Δόξα
 σοι, Χριστέ ὁ Θεός... 'Αγιοι μάρτυρες... 'Ο τοῦ παντὸς κόσμου δημιουργὸς
 Θεός, ὁ τῆς φύσεως Δεσπότης εὐεργέτης καὶ τοῦ γάμου νομοθέτης...
 Καὶ εὐθὺς ἀπέρχονται εἰς τὸν παστὸν, προπορευομένων δύο λαμπάδων
 καὶ θυμιατῶν, καὶ ψάλλουσι θεοτοκίον τοῦ Δαμασκηνοῦ· Τὴν παγκόσμιον
 δόξαν. Εὐχὴ εἰς τὴν ἑпарсиn τῶν στεφάνων· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν,
 ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... См. ркп. XVI в. Каирск.
 библ. № 224—1070. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐτρεπίσας κατὰ
 νόμου καὶ στέφана ἀφθαρσίας ἐπάθλῳ παρθενείας τούτους κατακοσμών...
 Сп. выше стр. 184. Εἰς τὸ λύσαι τὰ στέφана· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ
 παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... р. 320. Καὶ ποιεῖ ἀπόλουςιν.

л. 155. Τάξις γινομένη εἰς τὸ ὕδωρ τῶν ἀγίων Θεοφανίων.

л. 164 об. 11 утреннихъ воскресныхъ евангелій.

л. 176. Евангельскія и апостольскія чтенія.

ХС. № 691 Εὐχολόγιον, ркп. той же библ. въ 4 долю листа,
 178 листовъ, писана разными почерками XV—XVI в. На крыш-
 кахъ рукописи имѣются замѣтки 1535, 1536, 1590 и 1591 годовъ.
 Начала и конца рукописи нѣтъ.

л. 1. Конецъ канона въ чинѣ елеосвященія и послѣдованіе
 до конца.

л. 27. Чинъ великаго водоосвященія XVI в. безъ начала и
 безъ конца, который приписанъ позднѣйшею рукою.

л. 34 об. 'Ακολουθία μικροῦ ἁγιασμοῦ XVI—XVII в.

л. 42. Молитвы на различныя случаи.

л. 45. Чинъ малой схимы безъ начала XV в.

л. 46. 'Ετέρα ἀκολουθία τοῦ ἁγίου καὶ σχήματος μικροῦ.

Имѣются вопросы: 'Ανέλαβες τὴν ἀγγελικὴν πολιτείαν; 'Απόκρι-
 σις· Ναί, τίμμε πάτερ. 'Ερώτησις· 'Ανέλαβες τὴν στολὴν τῶν ἀγίων

ἀποστόλων; Καὶ ἐκτείνας ὁ νεοφώτιστος τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν, λέγει· Δόξα σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι γ'. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνη, ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία, ἀληθῶς δόξα σοι, ἀθάνατε βασιλεῦ... См. выше стр. 562—563. При вручении свѣчи, говорится: „Тако да просвѣтитися“, а когда поется „Прінде поклонимся“ на литургіи, братія подходят и говорятъ: Εὐλόγησον, πάτερ. Πῶς καλεῖται τὸ ὄνομά σου; Ἀποκρίνεται· τόδε μοναχός. Οἱ ἀδελφοί· Σωθῆς, τόδε μοναχέ.

л. 60. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 89. Имена монашескія мужчинъ.

л. 91. Ἀπολογία Ἰωάννου τοῦ Νηστευτοῦ, δι' ἣν αἰτίαν συγκαταβατηκοτέρα τῶν ἄλλων ἀμαρτημάτων πᾶν δοκεῖ.

XCΙ. № 455 (ρις'). Εὐχολόγιον, рукопись Александрійской (въ Каирѣ) патриаршей библ. въ 16 долю листа, 225 листовъ, писана на бумагѣ скорописью 1501 года, какъ это видно изъ слѣдующей приписки къ рукописи въ концѣ: Τέλος εἴληψε σὺν Θεῷ τὸ παρὸν εὐχολόγιον τοῦ πνευματικοῦ κῆρ Ἰωάσαφ ἐκ τὰς (τῶν) Ἀθῆνας (ῶν) ἔτους 59'. Ἰνδικτ. δ'. μηνί Μαρτίῳ δ'. Μιχαήλ, ἀμαρτωλὸς κακομόναχος καὶ κακογράφος. γεπὸν.

л. 1. об. Лупникъ.

л. 2. Περί τοῦ πῶς χρή δεχέσθαι τοὺς ἀναθεματίζοντας τὴν ἰδίαν καὶ πᾶσαν αἵρεσιν καὶ μύρω θείῳ χρησμένους μόνον μὴ βαπτιζομένους. См. выше стр. 422—425.

л. 7. Τοπικὸν τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἀκολουθίας τοῖς ἐν Ἱεροσολύμοις ἁγίας λαύρας τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πατρὸς ἡμῶν Σάββα. Αὕτη δὲ ἡ ἀκολουθία γίνεται καὶ ἐν ταῖς λοιπαῖς τῶν ἐν Ἱεροσολύμοις ἁγίων μονῶν.

л. 13. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ Εὐχολογίου. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. См. выше стр. 425.

л. 17 об. Εὐχαὶ ἐωθιναὶ τοῦ ὁρθρου. Тамъ же.

л. 23. Εἰρηνικὰ τοῦ ἐσπερινου.

л. 25. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντα μοναχόν. Тамъ же.

л. 59 об. Εὐχὴ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου συγχωρητική, λεγομένη ὑπὸ ἀρχιερέως ἢ ἱερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τοῦ τιμίου Δεσποτικοῦ Σώματος καὶ Αἵματος τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, συγχωρῶν αὐτοὺς πάντα τὰ ἀμαρτήματα. Тамъ же стр. 427.

л. 72 об. Εὐχὴ ἀφέσιμος πατρὸς πνευματικοῦ. Тамъ же.

л. 73. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

— Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

λ. 73 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

λ. 74. Συγχωρητικὸν πνευματικοῦ πατρὸς πρὸς τὸν ἐξομολογούμενον.

λ. 75. Εὐχὴ ἐπὶ δίσκον καινόν. Goar. p. 672.

λ. 75 οβ. Εὐχὴ εἰς ποτήριον καινόν. p. 672.

— Εὐχὴ εἰς ποτήριον καινούργιον. p. 671.

λ. 76. Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι σταφυλὴν ἐν τῇ ς'. Αὐγούστου.

λ. 77. Σχηματολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ, ἔχον ἀκολουθίας ῥασοφόρου, μικροσχήμου καὶ μεγαλοσχήμου. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἐνδύσασθαι ῥάσα. См. выше стр. 426—428.

λ. 79. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδυώτου. См. выше стр. 428—429.

λ. 84. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше стр. 429.

λ. 106. Ἑπτὰ δὲ ἡμέρας προσκαρτερεῖ ὁ νεοφώτιστος ἐν τῷ νάρθηκι τῆς ἐκκλησίας, σχολάζων ἀπὸ παντός ἔργου πάρεξ ἀναγνώσεως. Μετὰ δὲ τὴν ἐβδόμην ἡμέραν ἀποκουκουλίζεται καὶ φροντίζει τῆς οἰκείας ψυχῆς αὐτοῦ τὴν στενὴν καὶ τεθλιμμένην ὁδὸν ὁδεύων, βοηθούντος τοῦ Θεοῦ. Τῇ δὲ ἐβδόμῃ ἡμέρᾳ εἰσέρχεται ὁ τὸ σχῆμα λαβὼν εἰς τὴν εἵσοδον τῆς λειτουργίας, καὶ μετὰ τὴν τελείωσιν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, ποιῶντος τὴν συναπτὴν τοῦ διακόνου, προστιθήσιν ὑπὲρ αὐτοῦ δέξαι· Ἐπιδεόμεθα ὑπὲρ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ τελείας ὑπομονῆς καὶ σωτηρίας αὐτοῦ, εἰπωμεν. Πολυέλεε Θεὲ καὶ Κύριε, δωρησάμενος. Goar. p. 419. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ. Ibid. καὶ ἀποκουκουλίζει αὐτόν.

λ. 107. Ἀκολουθία ἐτέρᾳ τοῦ μεγάλου σχήματος, ὡς ἐν συντόμῳ γινομένη ἐν περιστάσει ἀδελφοῦ. См. ркп. XVI в. Синайск. ѿбл. № 985, по есть и нѣкоторыя особенности. Начинается чинъ: Τρισάγιον, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν, ὁ Ν'. καὶ εὐθὺς ἀντίφωνον α'. κ. τ. λ., по стихи къ антифонамъ переставлены. Μετὰ δὲ τὴν ἀπόκαρασιν τοῦ ἀδελφοῦ, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου... Goar. p. 412. Εἶτα γίνεται ὁ ἀσπασμός, ψάλλοντες καὶ τὸ παρὸν στιχηρόν, ἥχος α'. Ἐπιγνώμεν, ἀδελφοί... Δόξα, Χαῖρε, Θεοτόκε Παρθένε... Κύριε, Κύριε, ἐπιβλεψόν γ'. Ἡ λαμπάς ἡ ἄσβεστος... Καὶ γίνεται συναπτὴ ὑπὲρ αὐτοῦ· Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε καὶ τῆς... Εἶτα τὰς εὐχὰς τοῦ ἀποκουκουλίσματος. Ζῆτει ταῦτα ὅλα ὁμοῦ ὀπισθεν.

λ. 112. Κανὼν, ψαλλόμενος ἐπὶ παννυχίδα νεκρώσιμον, φέρων ἀκροστιχίδα τήνδε· Οὐνίσκουσι πιστοῖς ὁγδοὺν πλέκω μέλος. Θανάτῳ θάνατον

τοῦ Χριστοῦ καὶ πάθει πάθος μιμησάμενοι... Νεότητος πταίσματα παρορῶν καὶ τὰς ἀμαρτίας ὑπερβαίνων, Χριστέ Σωτήρ... См. выше стр. 393.

л. 116. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ.

л. 123. об. Ἀκολουθία τοῦ ἀγίου ἐλαίου. См. выше стр. 432—434.

л. 149 об. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰρὸν ἢ ἕτερόν τι ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν ἐν ὑποληνίῳ οἴνου, ἢ ἐλαίου, ἢ ἄλλου τινὸς εἶδους.

л. 150 об. Εὐχή εἰς φρέαρ μιανθέν.

л. 151 об. Εὐχή ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

л. 152. Εὐχή ἐπὶ μιροσφαγησάντων.

л. 152 об. Εὐχή ἐπὶ παντός εἶδους μιανθέντος.

л. 153 об. Εὐχή ἐπὶ σκεύους μιανθέντος.

л. 154. Εὐχή ἐπὶ μαχαρίσχοντα εἰς ἔθνος.

л. 155. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι οἶνον.

л. 155 об. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι κόλυβα.

л. 156 об. Εὐχή εἰς προχείρησιν ἐκκλησιάρχου ἢ οἰκονόμου, ἢ κελαρίτου. См. ркп. XVI в. № 979 Синайск. библи.

л. 157 об. Εὐχή εἰς σταφυλὴν καινὴν.

л. 158. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι σταφυλὰς καὶ παντοίους καρπούς· Εὐλόγησον, Κύριε, τοὺς καρπούς τούτους τοὺς νέους, οὓς διὰ τῆς τοῦ ἀέρος εὐχρασίας καὶ τῶν σταγόνων τῆς βροχῆς.. См. выше стр. 47.

л. 158 об. Εὐχή ἐπὶ τρυγητοῦ σταφυλῆς καὶ ἐλαίας.

Ὁ προσκυνητός Θεὸς καὶ Σωτήρ τῶν ἀπάντων, ὁ τὴν τῆς ἀμπέλου φυτείαν τῷ δικαίῳ σου Νῶε ὑποδείξας... См. выше стр. 72.

л. 159. Εὐχή εἰς τὸ ῥασοφορεῖν τὸν μοναχόν.

Τρισάγιον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου ῥυσάμενος τὸν δοῦλόν σου τόνδε... Goar. p. 378.

л. 159 об. Εὐχή ἐπὶ μονάσαντος, εἴτα πάλιν κοσμίσαντος, ἔπειτα αὖθις ἐπιστρέφοντα καὶ μετανοοῦντα. См. выше стр. 429—431.

л. 163. Ἀκολουθία τῶν ἀγίων Θεοφανίων. См. выше стр. 434.

л. 172. Τῇ χοριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς. Goar. p. 597—603.

л. 181. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ η'. ἡμέρᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. p. 264.

л. 181 об. Εὐχή εἰς τὸ μ'. παιδίον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν εἰσελθὼν, βασταζόμενος ὑπὸ Μαρίας τῆς Μητρός σου... Прилож. стр. 19.

— Εὐχή εἰς τὸ μ'. γυναῖκα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ἐπίδε ἐπὶ τὴν δούλην σου ταύτην... См. выше стр. 53.

л. 182. Εὐχή εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον См. выше стр. 432.

Стихи, при облачении въ одежды, находятся въ самомъ текстѣ.

л. 193 об. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι παιδίον. Goar. p. 303.

л. 194. Εὐχή εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς σῆς ἀγαθότητος εὐλογήσας τὸ παρὸν νήπιον p. 306.

— Εὐαγγέλια ἐωθινὰ τὰ ἕνδεκα.

л. 204. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 213 об. Εὐχή εἰς ἀνοιξίαν ἐκκλησίας, ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης, Νικηφόρου πατριάρχου.

л. 216. Δώδεκα μὲν εἰσὶ τὰ ἄρθρα τῆς πίστεως· καὶ τὰ μὲν δύο ἐστὶ περιληπτικὰ πάντων τῶν περὶ Θεοῦ δογμάτων, ἕτερον δὲ περὶ τῶν ἔργων αὐτοῦ, καὶ ἕξ περὶ τῆς ἐνσάρχου οἰκονομίας, καὶ τρία περὶ τῆς μελλούσης καταστάσεως, ἅπερ ποσοῦμενα πληροὶ τὸν δώδεκα τὸν ἀριθμὸν.

л. 217. Забвчанія догословескаго характера.

л. 217 об. Εὐχή ἀφέσιμος πατὴρ πνευματικοῦ.

Ὁ Κύριος καὶ Θεὸς ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ἐνετείλατο τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις εἰπὼν· ὁ ἐάν δηρῇτε ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται δεδεμένον ἐν τοῖς οὐρανοῖς...

— Εὐχή λεγομένη εἰς λοχοῦσαν.

Δέσποτα ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τε καὶ ἄλογον διὰ σοῦ δημιουργήσας... Goar. p. 367. Сн. выше стр. 396.

л. 218 об. Νικολάου, τοῦ ἀγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, στίχοι περὶ διαίτης εἰς τὸν πρῶτον τοῦ ἁγίου ὅρους κύρ Ἰωαννίκιον.

л. 222 об. Συνοδικαὶ λύσεις καὶ προτροπαὶ περὶ μεγαλοσχημῶν τοῦ λειτουργεῖν.

л. 224 об. Столбъ евангельскихъ чтеній на цѣлый годъ.

XCII. № 974 Εὐχολόγιον, рукопись Синайск. библ. въ 4 долю листа, 431 листъ, писана разными почерками XVI в. Первая часть или чинъ священническаго погребенія имѣеть слѣдующую определенную дату 1510 года: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Στεφάνου τε τοῦ Καλοκὺρι, νοταρίου τε πόνος ἐν τῷ χωρίῳ Καμάρι εἰς ἀφί'. μηνός Σεπτεμβρίου ιθ'. Δόξα σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι.

α. 1. Τάξις γινομένη εἰς τελευταίην ἱερέως ¹⁾).

Λύουσιν αὐτὸν καὶ τίθουσιν αὐτὸν λινὸν σάβανον ²⁾, ὃ ἐρμηνεύεται δια-
κονίῃν (sic) καὶ ἐνδύουσιν αὐτὸν στιχάριον καὶ ἐπιτραχήλιον, καὶ ὑπομανίκια,
καὶ τὸ φελώνιον, καὶ ἔρχονται οἱ ἱερεῖς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ φορένει ὁ
πρῶτος φελώνιον καὶ ἄρχεται εὐλογητὸν μετὰ θυμιατοῦ, καὶ συναχθέν-
των τῶν ἐτέρων ἱερέων, λέγει· Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ
ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, καὶ τὸν ἐξάψαλμον, καὶ τὸ Ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ,
καὶ τὸν Ν'. καὶ ἔρχονται, ὅπου ἐστὶν τὸ λείψανον, καὶ λέγει τὸ Ἀλλη-
λουῖα, ἦχος πλ. δ'. καὶ τὸ ἀπολυτίκιον τοῦτον· Ὁ βυθοῖς σοφίας φιλαν-
θρώπως πάντα οἰκονομῶν... Δόξα, τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Σὲ καὶ τεῖ-
χος καὶ λιμένα ἔχομεν... Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει· Ἐτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... Ἐτι
δεόμεθα ὑπὲρ ἀναπαύσεως τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου... Ὑπὲρ τοῦ συγ-
χωρηθῆναι αὐτῷ... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ καὶ τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν...
Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. *Goar.*
p. 424. Καὶ οἱ ἱερεῖς σηκώνουν τὴν κλίνην, καὶ ψάλλουν τὸ Τρισάγιον
μετὰ μέλους, καὶ φέρουσι τὸ λείψανον εἰς τὸ θυσιαστήριον, ἔχουν τὰς
πύλας κεκλεισμένας, καὶ γυρίζουν αὐτὸν γ'. ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ψάλλουν τὸ
τροπάριον τοῦτο, ἦχος γ'. Ἡ ἐκκλησία βοᾷ, ζητοῦσα τὸν ἱερέα καὶ τὸ
θυσιαστήριον ζητεῖ τὸν ποιμένα. Εἵτα ἀνοίγουν τὰς πύλας, καὶ λέγει ὁ
προεστώς· Ἀνοίξατέ μοι πύλας δικαιοσύνης, ἵνα εἰσέλθω ἐν αὐτῇ, ἐξο-
μολογήσομαι τῷ Κυρίῳ. Καὶ τίθουν αὐτὸν ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων καὶ
διανέμουν τὰ κηρία, καὶ ἄπτουν τὰς λαμπάδας, καὶ ψάλλουν τὸ τροπάριον
τοῦτο, ἦχος πλ. β'. Χαῖρε, ναὲ τοῦ Θεοῦ... *См. выше стр. 528.* Στί-
χος· Εἰσέλθοι τὸ ἀξίωμά μου. Καὶ πάλιν τὸ αὐτό, καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητός
ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ οἱ ψάλλται· Εὐλογητός εἰ, Κύριε, διδάξόν με. Μακά-
ριοι οἱ ἄμωμοι ἐν ὁδῷ (17 καθῆσμα). *Послѣ первой ектеньи*, Δόξα καὶ
νῦν, Ἀλληλουῖα γ'. δόξα σοι, ὁ Θεός. Καὶ ἄρχεται ὁ πρῶτος ἱερεὺς προ-
κείμενον τοῦ ἀποστόλου· Μακαρία ἡ ὁδός... Στίχος· Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς
συγγενείας... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἑβραίους· Ἀδελφοί, ἔχοντες ἀρχιερέα
μέγα διαλελυθότα τοὺς οὐρανούς... Τέλος· σὺ εἰ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα
κατὰ τὴν τάξιν Μελχισεδέκ. Ἀλληλουῖα. Στίχος· Μνήσθητι τῆς συναγω-
γῆς σου. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω
μου ἐλθεῖν, ἀπαρνησάσθω ἑαυτόν... Τέλος· ἕως ἂν ἴδωσι τὴν βασιλείαν τοῦ

¹⁾ Чинъ этотъ во многомъ сходенъ съ чиномъ, напечатаннымъ
выше стр. 527—557. ²⁾ Въ рукописи 1522 г. № 615 Свят.-гроб. библи
прибавляется: καὶ λαζάρωμα τοῦτ' ἐστὶν διακονίῃν μακρὸν καὶ δένει τοὺς πό-
δας αὐτοῦ καὶ ἐνδύουσι τὸ στιχάριον κ. τ. λ.

Θεοῦ ἐληλυθεῖαν ἐν δυνάμει. Καὶ εὐθὺς λέγει τὴν αἴτησιν ὁ ἱερεὺς, ἤγουν
 τὰ εἰρηνικά, ἧ ὁ διάκονος· Ἔτι καὶ ἔτι π. τ. δ. καὶ εὐχὴ. Τοῦ Κυρίου
 δεηθῶμεν. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοῦ μόνου τὸ
 ζῆν, ἀθάνατε. *Goar. p. 452.* Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ β'. χορός· Ἐλέησόν με,
 Κύριε... Αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με... (*вторая статья*). Εἰς τοὺς μονα-
 χοὺς λέγει· Τὴν πολυτάραχον. *Послѣ 2-й статьи, Дѡξα καὶ νῦν, Ἀλ-*
ληλουῖα. Ὁ ἱερεὺς τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Εὐφρανθήσεται ἐπὶ
 Κύριον. Στίχος· Μακάριοι, ὧν ἀφέθησαν. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ
 πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· τῷ διδόντι ἡμῖν τὸ νῆκος διὰ
 τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλουάριον, ἤχος πλ. β'. Μακά-
 ριοι, οὓς ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος
 πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτο ἐστὶ τὸ θέλημα τοῦ
 πέμφαντός με... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ.
 Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει τὰ εἰρηνικά· Ἔτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... καὶ ἡ εὐχὴ.
 Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Οὐκ ἔστι προσωποληψία παρὰ σοῦ, Κύριε, μίαν
 εἴσοδον ποιήσας, ὥσπερ καὶ ἐξοδον, ὅθεν τὸ κοινὸν (χρέος) φθάσαντα
 τὸν δοῦλον τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα, ἱερέα καὶ ἀδελφὸν ἡμῶν, ἀνάπαυσον, ὥς
 καὶ τὴν ἐκκλησίαν σου λειτουργὸν ἀνέδειξας, οὕτως καὶ ἐν τῷ θυσιαστη-
 ρίῳ σου τῷ ἐπουρανίῳ κατὰταξον, Κύριε ὁ Θεός, αὐτὸν ἐπὶ ἀγγέλων την
 σὴν ἀγαθότητα καὶ δόξαν, τὴν ζωὴν αὐτοῦ ἐδόξασας καὶ ὑψόγησας τὴν ἐξοδον
 αὐτοῦ, δικαίωσον τὸ πνεῦμα αὐτοῦ μετὰ πάντων τῶν εὐαρεστησάντων, καὶ
 ἡμᾶς μετόχους ἀνάδειξον. Χάρτι καὶ φιλανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ,
 μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ... *Сн. выше стр. 535.* Εἶτα ἄρχεται ἡ γ'. στάσις, ἤχος
 γ'. Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ... Καὶ εὐθὺς (*т. е. послѣ 3 статьи*) φάλλουν μετὰ
 μέλους· Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου καὶ αἰνέσει, Σωτήρ... Λέγει τὰ εὐλογητάρια μετὰ
 στίχων· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε. Τῶν ἁγίων ὁ χορός... *з. т. л.* Ἀλληλουῖα,
 δόξα σοι ὁ Θεὸς γ'. καὶ εὐθὺς λέγομεν τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου,
 ἤχος πλ. α'. Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκη-
 νώματα... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὕτη σὰρξ... Τέ-
 λος· ὁ ἔσχατος Ἀδὰμ εἰς πνεῦμα ζωοποιεῖν. Ἀλληλουάριον, ἤχος πλ.
 β'. Ἀναστήσονται οἱ... Εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν· Τῇ μίᾳ τῶν σαββάτων,
 ὁρθρου βαθέως, ἦλθον ἐπὶ τὸ μνημεῖον... Τέλος· καὶ ἀπῆλθεν πρὸς ἐαυ-
 τὸν θαυμάζων τὸ γεγονός. Καὶ εὐθὺς πάλιν τὰ εἰρηνικά ὁ ἱερεὺς, ἧ ὁ
 διάκονος· Ἔτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... καὶ τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.
 Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς, ὁ δίκαιος κριτὴς τὸν μεθ' ἡμῶν δουλεύσαντα καὶ
 ἐκ τοῦ κόσμου ἐκδημήσαντα ἱερέα, φιλάνθρωπε... *Сн. выше стр. 533, по*
въ изложении есть незначительныя особенностя. *Сн. выше стр. 57,*
480. Конецъ: ἵνα εὐαρεστοῦμέν σοι θεράπευσιν τῆς ἡτοιμασμένης τῶν

οὐρανίων διαγωγῆς. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωή. Εἴτα λέγομεν τὰ νεκρώσιμα τροπάρια, ἤχος α'. Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύτης ἀμέτοχος... Ἐργῶ, Σωτήρ μου, δεικνύς, ὅτι Σὺ εἶ πάντων ἀνάστασις... Νέος Ἀδὰμ γεγωνὸς τοῦ Θεοῦ, Υἱὲ ἐπουράνιε... Ἐθου, Σωτήρ, ἐκλεκτοὺς λειτουργούς... Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις προσδεχομένη καὶ θλιβομένων στεναγμόν... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἤχος β'. Οἴμοι οἶον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ, χωριζομένη ἐκ τοῦ σώματος... Ὡς ἄνθος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται... Δεῦτε ἴδωμεν πάντες θαῦμα ὑπὲρ νοῦν... Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου εἰς σὲ ἀνατίθην... Ἔτερα στιχηρὰ, ἤχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει μετὰ θάνατον... Ἄνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα... Θεοτοκίον· Ἐν γυναιξίν, ἀγία Θεοτόκε, Μῆτερ ἀνύμφευτε... Ἔτερα στιχηρὰ, ἤχος δ'. Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Μετὰ πνευμάτων δικαίων τετελειωμένων... Θεοτοκίον· Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἤχος πλ. α'. Οὐκ ἔστι τῶν ἐν τῷ βίῳ τερπνῶν οὐδέν, ὃ οὐ παρελεύσεται... Ἐμνήσθην τοῦ προφῆτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδός... Θεοτοκίον· Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα εὐλογημένη... Ἔτερα στιχηρὰ, ἤχος πλ. β'. Ἀρχή μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοουργόν σου γέγονε πρόσταγμα βοηθέν... Ὁρατῆς με ζῶον σὺ πῆξαι φύσεως, γῆθεν μου δὲ τὸ σῶμα διέπλασας... Ἐτίμησας εἰκόνι σου τὸ σὼν χειρῶν, Σῶτερ, πλαστούργημα... Θεοτοκίον. Δόξα καὶ νῦν, τὸ αὐτό, Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα ἔγνωμεν, Θεοτόκε... Ἔτερα στιχηρὰ, ἤχος βαρύς· Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστοουργήσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον... Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, ζωοδότα... Θεοτοκίον· Εἰρήνευσον πρεσβείαις σου τῆς Θεοτόκου... Ἔτερα στιχηρὰ, ἤχος πλ. δ'. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Θρηνῶ καὶ ὀδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον... Θεοτοκίον· Ἀγνή Παρθένε τοῦ Λόγου Conf. Goar. p. 461—463. Τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β'. Ἡ φυγὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, ἐκέκραξα... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, εἰ Χριστὸς κηρύσσεται, ὅτι ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται, πῶς λέγουσι τινὲς ἐν ὑμῖν... Τέλος· καὶ διὰ ἀνθρώπου ἀνάστασις νεκρῶν. Ἀληλουάριον, Ἀναστήτω ὁ Θεὸς καὶ διασκορπισθῇ τωσαν... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν (Ἰωάννην); Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ὁ Πατήρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται. Goar. p. 452. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς ἡ ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ.τ.λ. καὶ ἡ εὐχὴ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Υἱὲ τοῦ Θεοῦ, ὃ ἐκ Παρθένου τεχθεὶς καὶ σὰρκα φορέσας, καὶ ἄνθρωπος γενόμενος ὁ διπλοῦς τῇ φύσει, ἀλλ' οὐ τῇ ὑποστάσει, ὁ τέλειος Θεὸς καὶ τέλειος ἄνθρωπος... См. выше стр. 537. Εἴτα ἀρχόμεθα τῶν καταβασίων κατ' ἤχον, στιχηρὰ προσ-

ὅμοια, οὗ ἡ ἀκροστιχίς ἐστὶν αὕτη· Τοὺς, Χριστέ, δούλους γράφον ἐν ζῶντι μέλλοντι, ἤχος α΄. Πανεύφημοι μάρτυρες. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας μεθέξεως... Ὑπὲρ τὰ ὀρώμενα τὰ σά, Σῶτερ, ἀπαγγέλματα... Θεοτοκίον· Χριστὸν ἐκδυσώπησαν τὸν σὸν τόκον, Μητροπάρθενε... Ῥώμην τοῦ θανάτου καὶ φθορὰν σου... Ἵνα τοὺς ἀνθρώπους κοινωνούς.. Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα βουληθεὶς τῆς οἰκονομίας σου... Εὐας τῆς προμήτορος, ἀγνή, σὺ τὴν ὀφειλὴν συλλαβοῦσα Θεὸν ἀπήντησας... Goar. p. 440. Εἶτα προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Εὐφρανθήτω ἐπὶ Κύριον... Στίχος· Μακάριοι, ὧν ἀφείδυσαν. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλων ὑμᾶς ἀγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων... Τέλος· καὶ οὕτως πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Ἀλληλουάριον, Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμήν, ἀμήν, λέγω ὑμῖν... Τέλος· ἀλλὰ τὸ θέλημα τοῦ πέμφαντός με Πατρός. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ ἱερεὺς πάλιν· Ἔτι καὶ ἔτι... κ. τ. λ. καὶ εὐχήν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ σοφίᾳ κατακοσμήσας καὶ κατασκευάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ εἰκόνι τῇ σῇ, ὁ Θεός, τιμήσας αὐτὸν καὶ θέμενος ἐν αὐτῷ πνεῦμα ζωῆς αἰωνίου, καταντήσαντες ἑαυτὸν, ὑπάγειν, τὸ μὲν ἐκ γῆς εἰς γῆν ἀναλύσας, τὴν δὲ ψυχὴν αὐτοῦ προσκαλεσάμενος. Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, πρόσδεξαι τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα πρεσβυτέρου καὶ ἀδελφοῦ ἡμῶν ἐν τόπῳ ἀναψύξεως καὶ εἴ τι ἥμαρτεν ἐν λόγῳ ἢ κατὰ διάνοιαν, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιάνθρωπος Θεός, συγχώρησον τὰ παραπτώματα αὐτοῦ. Σὺ γὰρ ὑπάρχεις ἐλεήμων καὶ φιάνθρωπος καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς... Сп. рки. 1522 г. № 615 Свят.-гроб. библ. Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος γ΄. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον, δι' οὗ ζωῆς δωδῶρηται... Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὐσπλαγχνος, ὁ ἔχων ἀκατάληπτον ἀγαθότητος πέλαγος... Ὑπνώσας ἐν τάφῳ, ὡς ἄνθρωπος δυνάμει... Λαμπάδα νοητὴν σε βαστάζουσιν τὸ φέγγος τῆς θεότητος... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος δ΄. Ἐδωκας σημείωσιν. Ὅντως φοβερώτατον τὸ τοῦ θανάτου μυστήριον... Ὑπνος ἀναδέδεικται τῶν πιστευόντων ὁ θάνατος... Σὺ δικαιοσύνη τε καὶ ἁγιασμὸς ἡμῶν γέγονας... Ῥήσεσιν ἐπόμενοι τῶν θεηγόρων πανάμωμε... Goar. p. 441—442. Τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Εὐφρανθήσεται... Στίχος· Μακάριοι, ὧν ἀφείδυσαν... Πρὸς Ἑβραίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν Κυρίῳ φρονεῖ... Τέλος· Ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ Ἀλληλουάριον, Ὁ Θεὸς ἡμῶν καταφυγή... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἐλθὼν ὁ Ἰησοῦς εἰς τὰ μέρη Καισαρίας τῆς Φιλιππου... Τέλος·

καὶ ὁ ἐὰν λύσῃς ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται λελυμένον ἐν τοῖς οὐρανοῖς. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὰ εἰρηνικά· Ἔτι καὶ ἔτι... κ.τ.λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Μνήσθητι, Κύριε, πάντων τῶν προαναπαυσασμένων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, καὶ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα ἱερέως καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, καὶ συγχώρησον αὐτοῦ τὰς ἀμαρτίας, εἴ τι ἥμαρτεν ἐκουσίως ἢ ἀκουσίως, καὶ ἡμᾶς καταξιώσον, Κύριε, ἡμέραν καθ' ἡμέραν εὐχαριστεῖν τῇ σῇ ἀγαθότητι καὶ μεγαλωσύνῃ διὰ μετανοίας πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁ δεῖνα, ἱερέως καὶ ἀδελφοῦ καὶ συλλειτουργοῦ, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν... См. выше стр. 534. Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος πλ. α'. Χαίροις ἀσκητικῶν. Αἰγλή τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ... Ψάλλειν παναρμονίῳ φωνῇ δοξολογοῦντα τὸ σὸν κράτος εὐδόκησον... Ὅπου τῶν προφητῶν ὁ χορὸς, τῶν ἀποστόλων καὶ μαρτύρων τὰ τάγματα... Νόμῳ τῆς ἀμαρτίας ἡμᾶς δεδουλωμένους ἡλευθέρωσας, Δέσποινα... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος πλ. β'. Ὀλὴν ἀποθέμενοι. Ἐχὼν ἀκατάληπτον τὴν εἰς ἡμᾶς εὐσπλαγχτίαν... Νέκρωσιν ὑπέμεινας ζωοποιὸν ἐκουσίως... Ζώντων κυριεύοντα θεαρχικῇ ἐξουσίᾳ... Ὁφειδὴς ἐνδιαίτημα θεοπρεπές, Παναγία... р. 442—443. Τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἐπίστρεφον, ψυχὴ μου... Στίχος· ἐγὼ εἶπα· ἐν τῷ ὕψει... Πρὸς Ἑβραίους· Ἀδελφοί, τοιοῦτος ἡμῖν ἔπρεπεν ἀρχιερεὺς... Τέλος· ἦν ἐπῆξεν ὁ Κύριος καὶ οὐκ ἄνθρωπος. Ἀλληλουῖα, Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἔστη ὁ Ἰησοῦς ἐπὶ τόπου πεδινοῦ... Τέλος· ἰδοὺ γὰρ ὁ μισθὸς ὑμῶν πολὺς ἐν τῷ οὐρανῷ. Καὶ ὁ ἱερεὺς πάλιν ἡ ὁ διάκονος ταῦτα τὰ εἰρηνικά χύμα· Ἔτι καὶ ἔτι κ.τ.λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἀτελεύτητος Θεός, ὁ ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς δημιουργήσας τὸν ἄνθρωπον. См. выше стр. 552. Ἔτερα στιχηρά, ἤχος βαρύς· Καταφρονήσαντες. Νενεκρωμένος ὠραίτης ἐπὶ σταυροῦ, ἀθάνατε... Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει καὶ γλυκασμῷ τῆς σῆς ὠραιότητος... Ὡς ἀδαπάνητον ἔχων τῶν δωρεῶν τὴν μεγαλοπρέπειαν... Νόμου τὸ πλήρωμα τίκεις... Ἔτερα στιχηρά, ἤχος πλ. δ'. Ὡς τοῦ παραδόξου. Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας... Ἱεραρχήσας, ὡς ἄνθρωπος... Βάθει σοφίας ἀρρήτου σου... Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἄναρχον Λόγον Θεοῦ... р. 443—444. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἰδοὺ δὴ εὐλογεῖτε. Στίχος· Οἱ ἐστώτες ἐν οἴκῳ Κυρίου. Πρὸς Ἑφεσίους· Ἀδελφοί, ὁ σπεύρων φειδομένως, φειδομένως καὶ θερίσει... Τέλος· εἴ τις κατεργάζεται δι' ἡμῶν εὐχαριστίαν τῷ Θεῷ. Ἀλληλουῖα· Αἱ ἡμέραι μου, ὥσει σκιά. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· βλέπετε ὑμεῖς ἑαυτοὺς· παραδώσουσι γὰρ ὑμᾶς εἰς συνέδρια... Τέλος· Ὁ δὲ ὑπομείνας εἰς τέλος οὗτος σωθή· Εὐχολόγιον τ. II.

σεται. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὰ εἰρηνικά· Ἔτι καὶ ἔτι... καὶ εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, τῶν θλιβομένων παραμυθία καὶ τῶν πενθούτων παράκλησις. Goar. p. 453. Καὶ μετὰ ταῦτα λέγεται τὸ κοντάκιον γ'. Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Καὶ εὐθύς, εἰ βούλη, φάλλουν ἰδιόμελα νεκρώσιμα, καὶ οἱ ἀναγνώσται λέγουν αἴκους μετὰ μέλους Ἀναστασίου τοῦ ταπεινοῦ· Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... κ. τ. α. Goar. p. 457—459, по сѣ прибавкою нѣкоторыхъ тропарей: Ὅταν ἴδωμεν ἄρχοντα θνήσκοντα, τότε μέγα μυστήριον βλέπομεν... Στρατιάς γὰρ εἰδὼν, ὅλως ἔφριξε, καὶ ὡς ἤλθεν ἡ ὥρα, ἐβόησεν... и въ самомъ концѣ: Ἡ τοὺς μεταστάντας ἐξ ἡμῶν ἐκ τῶν προσκαίρων κατασκηνώσας, ἀγαθέ... Къ каждому тропарю припѣвъ: Ἀλληλούια. Καὶ εὐθύς τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἥχος πλ. β'. Ὁ πατήρ μου καὶ ἡ μήτηρ μου... Στίχος· Κύριος φωτισμός μου... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται... Τέλος· Ἰνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πάσιν. Ἀλληλούια, ἥχος δ'. Μακάριος, ὁ συνιῶν ἐπὶ πτωχὸν καὶ πένητα... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· μὴ ἀπολέσω ἐξ αὐτοῦ, ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ εὐθύς ὁ ἱερεὺς μνημονεύει· Ἔτι καὶ ἔτι... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... См. выше стр. 531. Конецъ: ἡμᾶς δὲ τοὺς συνελθόντας εἰς τὴν τοῦ δούλου σου κηδεῖαν καὶ τιμὴν περικρατύνον καὶ ἔλεως γενοῦ ἡμῖν ἐν ταῖς ἀνομίαις ἡμῶν. Ὅτι σὺ εἰ ἡ ἄφεσις τῶν πταισμάτων ἡμῶν καὶ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου ὁ δεῖνα ἱερέως... Καὶ εὐθύς λέγομεν τοὺς μακαρισμούς· Πάλαι μὲν ὁ Ἀδάμ... Χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς... Δεῦρο, ψυχὴ μου, πρὸ τοῦ τέλους βόησον... Ὅταν ψυχὴ καὶ σῶμα χωρίζεται... Ὁ μεταστάς καὶ ἐν τάφῳ κείμενος... Τί με θρηνεῖτε δεινῶς, ὦ ἄνθρωποι... Τῇ ἀναστάσει πάντες ἀναστήσονται καὶ μὴ ἀποστήσωμεν... Ὁ πάνσοφος Παῦλος προηγόρευσε σαφῶς τὴν ἀνάστασιν πᾶσιν ἐκδιδάσκων... Δόξα, Σὺν Πατρὶ τὸν Υἱὸν δοξάσωμεν καὶ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον... Καὶ νῦν, θεοτοκίον τοῦτο· Ὑπερφῶς ἐν γαστρὶ σου, Δέσποινα, ἀσπύρως συνέλαβες ἐκ Πνεύματος ἁγίου... Conf. Goar. p. 454—455. Τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἥχος πλ. β'. Κύριε, ἐξέγειρον τὴν δυνάστείαν σου. Στίχος· Ἐπὶ σοί, Κύριε, ἔλπισα... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὅσοι ἐβαπτίσθημεν εἰς Χριστὸν Ἰησοῦν... Τέλος· καθὼς ἠθέλησε καὶ ἐκάστω τῶν σπερμάτων τὸ ἴδιον σῶμα. Ἀλληλουάριον, ἥχος δ'. Ἀνάστα, Κύριε, βοήθησον ἡμῖν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἣν τις ἀσθενῶν Λάζαρος ἀπὸ Βηθανίας... Τέλος· οἱ ἐλθόντες πρὸς τὴν Μαρίαν καὶ θεασάμενοι, & ἐποίησεν ὁ Ἰησοῦς, ἐπίστευσαν εἰς αὐτόν. Καὶ ὁ ἱερεὺς

τὴν αἴτησιν· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. καὶ ἡ εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Ἐγὼ εἶπα· ἐν τῷ ὕψει τῶν ἡμερῶν μου πορεύσομαι, ἐν πύλῃ ἄδου χατλήψομαι τὰ ἐπίλοιπα τῆς ζωῆς μου. См. выше стр. 556. Текст молитвы и въ данной рукописи также мало вразумителенъ. Конецъ молитвы читается такъ: ἀλλ' ἡμεῖς οἱ ζῶντες εὐλογοῦμέν σε, Κύριε, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ... Καὶ εὐθὺς γίνεται ὁ ἀσπασμὸς δύο, δύο, ψάλλοντες στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... Πᾶσα τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων ἡ δόξα καὶ πλάνη σβέννυται... Σήμερον ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός, μέγας κοπετός καὶ ὀδύνη... Βλέποντες τὸν προκείμενον νεκρόν... Ὅταν ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ μέλει μετὰ βίας ἀρπᾶσαι... Ὅτε ἐπὶ βήματος τοῦ σοῦ μέλλομεν παρίστασθαι... Ὅντως ματαιότης καὶ φθορὰ πάντα τὰ τοῦ κόσμου ἡδέα καὶ τὰ παράδοξα πάντες... Θεοτοκίον· Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μήτηρ τοῦ ἀδύτου ἡλίου... Δόξα, ἥχος πλ. β'. ψάλλοντες δίχορον· εἰ βούλει· Ὁρῶντές με ἄφρωνον καὶ ἄπνουν... Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Μεταβολὴ τῶν θλιβομένων, ἀπαλλαγὴ τῶν ἀσθενούντων... τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον, ἥχος β'. Μνήσθητι, Κύριε... καὶ Μητερ ἁγία... Εἴτα μνημονεύει καὶ μετὰ τὸ τέλος τῆς εὐχῆς, οὐ γίνεται ἀπόλυσις, ἀλλ' εὐθὺς αἱρεται τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, καὶ ψάλλομεν τὸν Ν'. ψαλμόν, καὶ φθάσαντες εἰς τὴν ταφὴν μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, λέγει· Αὕτη ἡ κατάπαυσις σου εἰς αἰῶνα αἰῶνος... Καὶ ἀρχίζει θάπτειν αὐτόν, ψάλλομεν τροπάρια, ἥχος πλ. β'. Γῆ χανοῦσα ὑπόδεξαι... Καὶ λέγει καὶ στίχον· Ἐξέλειπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου... Καὶ εὐθὺς κηδεύουν τὸ λείψκον, καὶ ψάλλουν καὶ θάπτουν αὐτοὶ μόνοι, ἤγουν οἱ ἱερεῖς, λέγει· Θέτε μοι λίθον καὶ πορεύεσθε εἰς εἰρήνην, ἔρχεται ὁ Χριστὸς καὶ ἀνοίγει μοι θύραν παραδείσου· ἄγγελοι γὰρ φωτὸς παρίστανται τῷ βασιλεῖ τῶν αἰῶνων. Καὶ βάνουν τὰς πλάκας καὶ σκεπάζουν αὐτόν, καὶ ὁ προσετώς ἱερεὺς τὸν πηλὸν σταυροειδῶς ἐπάνω τὰς πλάκας τοῦ τάφου, καὶ οἱ ψάλλται ψάλλουν τροπάριον· Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεὺς ζωοπλαστήσας, ἀνέθηκάς μοι σάρκα καὶ ὁστέα... Λέγεται ἐκ γ'. ἔπειτα τοὺς εἰρμούς τοῦ μεγάλου κανόνος· Βοηθός καὶ σκεπαστής... κ. τ. α. Δόξα, Ὑπερούσιε Τριάς, ἡ ἐν μονάδι προσκυνουμένη... Καὶ νῦν, Θεοτόκε, ἡ ἐλπίς καὶ προστασία τῶν σὲ ὑμνούντων... Εἴθ' οὕτως μετὰ τὸ ἐνταφιάσαι αὐτόν, Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ.τ.α. Καὶ μετὰ ταῦτα ψάλλουν τροπάρια ἰδιό-

μελα, Δόξα, ἡχος πλ. β'. Σώζεσθε, σύνηθρονι τοῦ ἱεροῦ καὶ ἁγίων κλη-
 ρος· ἐμὲ γάρ σήμερον χωρίζει ὁ Κύριος... Καὶ νῦν, θεοτοκίον ὁμοιον· Πρεσ-
 βείαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει μετὰ κλαυθμοῦ·
 'Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. καὶ τὴν εὐχὴν, εἰ βούλει· Ὁ Θεὸς τῶν πνευ-
 μάτων καὶ ἀπόλυσις· Ὑπεράγχι Θεοτόκε, ἐλέησον, καὶ ὁ λαός· Τὴν τι-
 μιωτέραν, καὶ Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς... Δόξα καὶ νῦν, Κύ-
 ριε εὐλόγησον, καὶ ἡ ἀπόλυσις· Ὁ ἀναστάς ἐκ νεκρῶν Χριστός... καὶ λέ-
 γουν οἱ ἀδελφοί· Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιομακάριστε ὁ δεῖνα γ'. Καὶ
 ἡμᾶς ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι... καὶ ἐλεήμων ὁ Θεός, καὶ ὁ λαός· Ὁ Θεὸς μα-
 καρίσοι καὶ ἀναπαύσοι (σε), ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται.

л. 101. Чинъ богоявленскаго водоосвященія.

Μετὰ δὲ τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχὴν, ἐξερχόμεθα πάντες ἐν τῷ λου-
 τήρι, προπορευομένου τοῦ ἱερέως¹⁾, ὡς σύνηθες, καὶ φάλλομεν τροπάρια
 εἰς ἡχον πλάγιον δ'. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων... Τοῦτο δὲ τριτ-
 σεύσαντες, φάλλομεν ἕτερα τροπάρια γ'. ἀπὸ τῶν ιβ'. ἡχος πλ. δ'. Σή-
 μερον τῶν ὑδάτων ἁγιάζεται ἡ φύσις... Ὡς ἄνθρωπος ἐν ποταμῷ ἤλθες.
 Χριστέ βασιλεῦ... Δόξα καὶ νῦν, Πρὸς τὴν φωνὴν τοῦ βοῶντος ἐν τῇ
 ἐρήμῳ.. Καὶ εὐθὺς λέγονται τὰ ἀναγνώσματα²⁾. Δόξα καὶ νῦν, Δεῦτε,
 ἅπαντες πιστοί, τὴν Ἰουδαίαν ἀφέντες, διέλθωμεν τὴν ἔρημον τοῦ Ἰορ-
 δάνου καὶ θεασώμεθα σήμερον ἐκεῖ τὸν δι' ἡμᾶς ἐπιφανέντα σαρκί, τὸ
 βάπτισμα αἰτοῦντα ἐν τοῖς ρείθροις Ἰορδάνου, τὸν Βαπτιστὴν παραιτού-
 μενον, καὶ βοῶντα τῷ φόβῳ· οὐ τολμῷ χειροθετῆσαι τῷ πηλίῳ παλάμῃ
 τὸ πῦρ, ὁ Ἰορδάνης καὶ ἡ θάλασσα ἔφυγον, Σωτήρ, καὶ ἀπεστράφησαν,
 καὶ γὰρ πῶς ἐπιθήσω ἐπὶ τὴν κορυφὴν σου χεῖρα, ἣν τρέμει τὰ σεραφίμ,
 ἀνεχώρησεν ὁ Ἰορδάνης, ὡς ἐδέξατο τὴν Ἥλιου δι' Ἑλισσαίου μελω-
 τήν, πῶς μὴ δύῃ εἰς χάος καὶ βάθος, βλέπων γυμνόν σε ἐν τοῖς ρεί-
 θροις, πῶς δὲ μὴ φλέξῃ με ὅλος ἐκ σοῦ πυρούμενος· τί βραδύνεις, Βαπ-
 τιστά, τοῦ βαπτίσαι τὸν Κύριόν μου; ὁ Ἰορδάνης βοᾷ πρὸς Ἰωάννην· τί
 τῶν πολλῶν κωλύεις τὴν κάθαρσιν; Πᾶσαν τὴν κτίσιν ἡγίασεν, ἄφει ἁγι-
 ᾶσαι καὶ ἐγώ, καὶ τῶν ὑδάτων τὴν φύσιν, ὅτι εἰς τοῦτο ἐπεφάνη. Προφητείας

1) Ркп. Александр. XIV в. библи. № 149—104 ἀρχιερέως μετὰ τοῦ
 θυμιατοῦ καὶ λαμπάδων, φάλλομεν τροπάριον, ἡχος πλ. δ'. Φωνὴ Κυρίου... Σή-
 μερον ἡ κτίσις φωτίζεται... εἰτα ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶν.
 Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ψάλτης· τὸ προκείμενον, ἡχος γ'. Κύριος φωτισμός μου..
 Στίχος· Κύριος ὑπερασπιστής τῆς ζωῆς μου. Προφητεία Ἠσαίου. 2) Слова: καὶ
 εὐθὺς λέγονται τὰ ἀναγνώσματα стоять вь данной рукописи, кажется, не
 на своемъ мѣстѣ.

Ἡσαίου τὸ ἀνάγνωσμα· Τάδε λέγει Κύριος Σαβαώθ, ἀντλήσατε ὕδωρ μετ' εὐφροσύνης... Τέλος· Ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραὴλ, λέγει Κύριος παντοκράτωρ. Προφητείας Ἡσαίου· Τάδε λέγει Κύριος Σαβαώθ· λούσασθε καὶ καθαροὶ γίνεσθε... Τέλος· Τὸ γὰρ στόμα Κυρίου ἐλάλησε ταῦτα. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους α'. ἐπιστολῇ·. Goar. p. 367. Ἀλληλούϊα, ἵχος πλ. δ'. Στίχος· Ἰδοσαν¹⁾ σε ὕδατα, ὁ Θεός, ἴδοσαν σε... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν. p. 367. Ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες.. Κύριε παντοκράτωρ ὁ Θεός τῶν... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν, ἀλλ' ἀναμένων τὴν εἰς σὲ ἐπιστροφὴν, ζωὴν τε καὶ μετάνοιαν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου²⁾... Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς καὶ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων βασιλέων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι καὶ ὑποτάξαι... Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν Βηθλεὲμ γεννηθεὶς καὶ ἐν ψάτνῃ ἀνακλιθεὶς, δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ πηγάζων ἡμῖν φωτισμὸν καὶ ἁγιασμὸν, δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὁ ἐν Ἰορδάνῃ βαπτισθῆναι παραγενόμενος, πληρῶσαι πᾶσαν δικαιοσύνην βουλόμενος, δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον³⁾. Conf. Goar. p. 376. Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὑπὲρ τοῦ εὐλο-

1) Ἐνέγκατε τῷ Κυρίῳ υἱοὶ Θεοῦ. Σ ἵχος· Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὕδατων.

2) Этого прошения и сльбующихъ четырехъ вѣтъ³⁾ Ὁ δὲ ὕδατος καὶ Πνεύματος ἀκακίαι· τὴν παλαιωθείσαν φύσιν ὑπὸ τῆς ἁμαρτίας δεόμεθά σου Ὁ διαρρήξας πέτρην ἐν ἐρήμῳ καὶ διψῶντι τῷ λαῷ σου κορέσας δεόμεθα... Ὁ δὲ ὕδατος καὶ Πνεύματος ἀπικλάδας τὸν Ἰσραὴλ ἐκ τῆς πλάνης τοῦ Βαὰλ δεόμεθα... Ὁ τὸ πικρὸν ὕδωρ ἐπὶ Μωϋσέως γλυκάνας καὶ διψῶντι τῷ λαῷ σου ἱσαάμενος δεόμεθα... Ὁ τὰ ἀτεκνοῦντα καὶ τονηρὰ ὕδατα διὰ Ἐλισσαίου ἄλατι θεραπεύσας, δεόμεθα... Ὁ τὰ Ἰορδάνια ρεῖθρα ἁγιάσας καὶ τὰς κεφαλὰς τῶν δρακόντων συντρίψας δεόμεθα... Ἄγιε, ἀόρατε καὶ ἀκατάληπτε, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ἀλλ' ἐκδεχόμενος τὴν ἐπιστροφὴν καὶ τὴν μετάνοιαν εἴπωμεν πάντες.. Ὁ τὴν ῥύμωσιν τοῦ Ἀδὰμ καλύψας διὰ τῆς ἐπιδηρίας τοῦ ἁγίου Πνεύματος δεόμεθά σου.. Ὁ τὴν φύσιν τῶν ὕδατων ἁγιάσας καὶ τὰς ψυχὰς τῶν ἀνθρώπων φωτίσας, δεόμεθά σου.. Ὁ πῦρ ἐν Ἰορδάνῃ καὶ Πνεῦμα ἅγιόν σου κεράσας καὶ πικρὸς ἡμῶν ἁμαρτίας ἀπελάσας, δεόμεθά σου Ὁ τὴν ἄχρατον σου κορυφὴν ὑποκλίνας τὴν δοῦλόν σου, ἵνα ἡμᾶς τῆς τυραννίδος ἀπαλλάξας δουλείας, δεόμεθά σου. Ὁ τέκνα φωτὸς διὰ τοῦ βηπτίσματος ἀναδείξας τοὺς ποτε ἐν καταδίκῃ ἁμαρτίας ὄντας δεόμεθά σου Ὁ διὰ Ἡσαίου τοῦ προφήτου σου κηρύξας· ἀντλήσατε ὕδωρ ἐκ τῶν πηγῶν τοῦ σωτηρίου, δεόμεθά σου. Ὁ ὑπὸ Ἰωάννου ἐν Ἰορδάνῃ βηπτισθῆναι εὐδοκῆσας, δεόμεθά σου. Σὺ ἐκκραταώσας ἐν τῇ δυνάμει σου τὴν θάλασσαν, Σὺ ἐθάλασας τὰς κεφαλὰς τῶν δρακόντων

γηθῆναι· τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι ἐν αὐτοῖς τοῖς ὕδασι τὴν καθαρτικὴν τῆς ὑπερουσίῃς Τριάδος τὴν δύναμιν, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Conf. p. 368. Ὑπὲρ τοῦ πάσιν ἐν αὐτοῖς τοῦ ψυχοκτόνου πολεμίου τὴν δύναμιν βυθισθῆναι, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι τοὺς ἐν αὐτῷ βαπτισομένους, ὡς τοὺς φωστῆρας τοῦ οὐρανοῦ, μὴ ἔχοντας σπῖλον ἢ ρυτίδα, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον.. Ὑπὲρ τῶν εὐτρεπισομένων εἰς τὸ ἅγιον βάπτισμα καὶ τῆς παρὰ τοῦ Θεοῦ σκέπης, καὶ βοήθειας αὐτῶν, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὑπὲρ εὐκрасίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων ὁδοιπορούντων... Ὑπὲρ τοῦ ρυθισθῆναι ἡμᾶς... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χαρίζοντων τῆς παρὰ τοῦ Θεοῦ βοήθειας καὶ ἀντιλήψεως δεηθῶμεν. Καὶ ὑπὲρ τοῦ περισπῶντος λαοῦ, καὶ ἀπεκδεχομένου τὸ παρὰ σοῦ μέγα καὶ πλούσιον ἔλεος, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεός σου, δεόμεθ' αὐτοῖς ἐπάκουσον ἡμῶν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς. Goar. p. 368. Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία¹⁾). Ὁ ἱερεὺς λέγει· Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις, καὶ τὸ στόμα μου ἀναγγελεῖ τὴν αἴνεσίν σου. Πληρωθῆτω τὸ στόμα μου αἰνέσεως, ὥπως ὑμνήσω τὴν δόξαν σου ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν μεγαλοπρέπειάν σου. Τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος,

ἐπὶ τοῦ ὕδατος δεόμεθ' αὐτοῖς Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων, ὁ Θεός τῆς δόξης, ἐβρόντησε, Κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν, δεόμεθ' αὐτοῖς. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφῆτου Ἡλίου τοῦ Θεοβίτου δεόμεθ' αὐτοῖς. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου κηρύξας βάπτισμα μετανοίας εἰς ἄφεσιν ἀμαρτιῶν, δεόμεθ' αὐτοῖς. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν τρισυπόστατον τῆς μιᾶς θεότητος ἐν Ἰορδάνῃ φανερώσας, δεόμεθ' αὐτοῖς. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφῆτου πάλιν εἰπὼν· Ἰδοὺσάν σε ὕδατα καὶ ἐφοβήθησαν δεόμεθ' αὐτοῖς. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν Βηθλεὲμ γεννηθείς.. Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου καὶ ἐνώσεως· πασῶν τῶν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ὁριζούντων ἐκκλησιῶν δεόμεθ' αὐτοῖς. Ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀντιλήψεως τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν τοῦδε τοῦ πατριάρχου καὶ τοῦδε τοῦ ἀρχιεπισκόπου, παντός τοῦ κλήρου καὶ τοῦ φιλοχρίστου λαοῦ, δεόμεθ' αὐτοῖς. Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκων. Ὑπὲρ τοῦ ρυθισθῆναι... Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου. (Поминаются Предтеча и евангелистъ Маркъ).

¹⁾ Этотъ и послѣдующіе два стиха произносятся по три раза.

νῦν καὶ αἰεῖ... Ὁ ἱερεὺς εὐχεται μεγάλη φωνῇ· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων τὰ σύμπαντα. Δοξάζο-
 μέν σε, Δέσποτα Θεὲ Πάτερ Παντοκράτωρ, ἀναρχε, προαιώνιε, μόνε βα-
 σιλεῦ· δοξάζομέν σε τὸν κτίστην καὶ δημιουργὸν τῶν ἀπάντων· δοξάζο-
 μέν σε καὶ σέ, Υἱὲ μονογενές, τὸν σύνθρονον καὶ ὁμοούσιον τοῦ ἀνάρχου
 σου Πατρός, καὶ τοῦ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος· δοξάζομέν σε τὸν ἐπὶ τῶν
 χερουβὶμ ἐποχούμενον καὶ ὑπὸ τῶν σεραφὶμ ἀνυμνούμενον· δοξάζομέν σε
 τὸν ὑπὸ τῶν ἀγγέλων δοξαζόμενον· δοξάζομέν σε τὸν ἐξ οὐκ ὄντων εἰς
 τὸ εἶναι παραγαγόντα τὰ σύμπαντα· Σὺ γάρ ἐν ἀρχῇ ἐποίησας τὰ σύμ-
 παντα καὶ προσέταξας, καὶ ἐγένετο τῷ σῷ θελήματι τὰ ὁρατὰ καὶ τὰ
 ἀόρατα· ὧν γὰρ φῶς ἀληθινὸν καὶ ἐν φωτὶ ἀναπαυόμενος, Σὺ τὴν τε-
 τραπέρατον κτίσιν ἐφώτισας καὶ ἐπλήρωσας, τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν,
 ὡς ἓνα οἶκον ἐθεμελίωσας, τὸ σκότος ὑποχωρεῖν ἐκέλευσας, καὶ τὸ φῶς
 ἐκλάμπειν ἀνελλειπῶς ἐποίησας, καὶ τὸν μὲν ὑπέρλαμπρον ἥλιον ἐκ πυ-
 ρὸς διακοσμήσας, πυριφλόγοις αὐγαῖς κυκλοῦν τὸν πόλον τοῦ οὐρανοῦ,
 πρὸς τὸ τῆς ἡμέρας στάδιον κατέστησας, σελήνην δὲ καὶ τὰς τῶν ἄσ-
 τρων χορείας πρὸς διαύγασμα τῆς νυκτὸς ἐκαλλώπισας, ἔτι δὲ καὶ τὴν
 τῶν ὕδατων παμπληθῆ φύσιν εἰς μίαν συναγωγὴν συναθροίσας, ἡ ξηρὰ
 ἀπεκαλύφθη, ἐρπετῶν καὶ πετεινῶν καὶ ἰχθύων γένη ἐποίησας· καὶ τὰ
 μὲν ἐν αὐτοῖς τοῖς ὕδατιν, ὡς ἐν κόλπῳ μητρός γαλουχούμενα νή-
 χονται, τὰ δὲ κατὰ τοῦ στερεώματος τοῦ οὐρανοῦ πετώμενα νεφελώ-
 δει τρόπῳ τὸν ἄερα κοσμοῦσιν, ὡσαύτως καὶ ἡ γῆ κατὰ μίμησιν τῆς
 ἑαυτῆς συντροφῆς παντοδαπῶν ἐρπετῶν τετραπόδων καὶ θηρίων γένη
 ἐξήγαγε, στεφανωθείσα τῇ τῶν ποικίλων ἀνθέων εὐκοσμίᾳ, καὶ τῇ τερ-
 πνότητι καὶ ὠραιότητι τῷ κάλλει τερπνῶν καὶ ἡδυπνῶν δένδρων ἀμε-
 τρήτῳ εὐκαρίᾳ, πρὸς γε τούτοις ἅπασι καὶ τοῖς ἀπειροπλάσις σου δη-
 μιουργήμασιν ἐπλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, καὶ
 τοῦ κόσμου κοσμῶν συνεχόσμησας αὐτόν, καὶ χερσὶν ἀχράντοις κατα-
 σκευασάμενος σοφῶς, ἔταξας αὐτὸν ἄρχειν καὶ δεσπόζειν πάντων τῶν
 ὑπὸ σοῦ πεποιημένων ἀγαθῶν, καὶ συνετίσας βλέπειν καὶ προνουεῖ-
 σθαι¹⁾ τῆς οἰκείας σωτηρίας, ὁ βροχῆς στήμονα ἀπεργασάμενος, καὶ
 ὡς ἔριον χιόνα τινάσων, καὶ μεθύσκων τὸ πρόσωπον τῆς γῆς, διὰ
 τὴν σωτηρίαν τῶν βροτῶν καὶ πετεινῶν καὶ τετραπόδων· Σὺ γάρ ὁ
 ποιητὴς τῶν ἀπάντων καὶ μέλει σοι περὶ πάντων. Ὅθεν τῶν ἀνωτάτων
 στοιχείων τὴν κτίσιν ἀθροίσαντες ἔγνωμεν, πῶς τὸ πάλαι σου ποίημα
 φρίττει σε, Δέσποτα· ἀδιάστατον γὰρ τὴν τούτων δημιουργίαν ἰσκόησαν-

¹⁾ προοκ νεῖσθαι

τες, τὸ πολυσέβαστόν σου ἐκπληττόμεθα ὄνομα· ἐπεὶ δὲ γὰρ προσήκει πά-
ση τῇ κτίσει τὸν αἶνόν σοι προσάγειν, τούτου χάριν ἐπὶ τὰ δευτέρα τῶν
ἀνωτάτων στοιχείων διαμένομεν¹⁾ κλήματα, ἅτινα ὑποποδίου σου τιμῆς
ἡξιώθησαν· ὀρῶντες γὰρ τῆς γῆς τὴν κτίσιν ἀκίνητον, νοοῦμέν σου τοῦ
κρατοῦντος τὴν φύσιν ἀσύνοπτον, ἐφάμιλλον δὲ καὶ τὸ τῆς θαλάσσης
τεκμήριον, πῶς διηνεκῶς αἰνεῖ τὸν ποιήσαντα· καὶ γὰρ ὠρυομένη ταῖς
κύμασι τῇ χέρσῳ προσμάχεται, πάσης τῆς οἰκουμένης σπεύδουσα κατ-
κλύσαι τὰ πέρατα, καὶ τῇ φάμμῳ κρουομένη δαμάζεται, καὶ τὸν ὅρον σου
φοβουμένη, ἀνθέλκει τὰ κύματα, ἀλλὰ ὑπὸ πηγῶν ἀενάων πλημμυροῦ-
σα, δοῖαν ἀναπέμπει τῷ κράτει σου, Δέσποτα, ποταμῶν δὲ βαθυγαίῳ
ἀκατάσχετα ρεύματα τῇ σῇ νεύσει καὶ δυνάμει τὴν γῆν ἅπασαν διαθέ-
ουσι καταρδεύοντα. Αὐτὸς οὖν, Δέσποτα πανάγιε, ἄχραντε, ἀναρχε, ἀό-
ρατε, ἀκατάληπτε, ἀπαράλλακτε, ἀνυπέρβλητε, ἀμέτρητε, ἀνεξίκακε Κύριε,
ὁ μόνος ἔχων ἀθανάσιαν, φῶς καὶ εἰκὼν τοῦ Πατρὸς ὑπάρχων ἀπρόσι-
τος, σαρκωθεὶς ἐκ Πνεύματος ἁγίου καὶ Μαρίας, τῆς ἁγίας ἐνδόξου Θεο-
τόκου καὶ ἀειπαρθένου ἐνανθρωπήσας ἅγιον βρέφος ἐδείχθης τὸ ἡμέτε-
ρον εὐτελὲς διοριθούμενος τεχνεὶς· Σὲ γὰρ ἐμήνυσεν, ὁ ἐν τῇ ἀνατολῇ
προκύψας ἀστήρ, ὅθεν ποιμένες καὶ μάγοι θεασάμενοι, τὴν τοῦ φωστήρος
φαιδρὰν καὶ ὑπέρλαμπρον ἑλλαμψὶν ἐξίσταντο· Καὶ οἱ μὲν οὖν ποιμένες
τὸ Δόξα ἐν ὑψίστοις μετ' ἀγγέλων συνέψαλλον, οἱ δὲ μάγοι τῶν ἀφ' ἡλίου
ἀνατολῶν μακροδρομήσαντες, καὶ ὑπὸ τούτου ὁδηγούμενοι, ὡς βασιλεῖ ἐν
πίστει δῶρά σοι προσέφερον, ἐδέσμευον σπαργάναις, καὶ ἔλυες τὰς τῶν
ἁμαρτημάτων σειρὰς καὶ πάσας τὰς τοῦ ἐχθροῦ δυνάμεις κατέβηες, καὶ
τὸν ἅπαντα κόσμον χαρᾶς ἐνέπλησας θεογνωσίας τῶν παραδόξων τῆς αὐξή-
σεώς σου μυστηρίων θαυμάτων τε καὶ ἰαμάτων. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα
δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ... Сн. вышше стр.
7—8. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς μεγάλη τῇ φωνῇ· Τριάς ἄκτιστε,
ἁμοούσιε, ἀναρχε, ἀόρατε, ἀκατάληπτε, ἀτελεύτητε, δημιουργε τῶν λογι-
κῶν οὐσιῶν, καὶ τῶν νοερῶν φύσεων. Гоар. р. 369... καὶ νῦν, ὑπερά-
γαλτε Δέσποτα, συγχώρησόν μοι ἀκατακρίτως βοᾶν σοι καὶ λέγειν· Δόξα
σοι, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, κατέλαβες τὰ Ἰορδάνου νάματα, καὶ Ἰωάν-
νης βλέπων, ἐβόα λέγων· τίτι τῇ γῇ πρὸς τὸ ὕδωρ ἔφθασε, τί ὁ Δεσπό-
της πρὸς τὸν δοῦλον ἐλήλυθε, τὸ ἔλαττον ὑπὸ τοῦ κρείττονος εὐλογεῖ-
ται, ὑπὸ τοῦ κτίσαντος τὸ κτίσμα καινουργεῖται. Ἐγὼ μὲν τὸ τῆς με-
τανοίας κηρύττω βάπτισμα, Αὐτὸς δὲ τὸ τῆς φιλανθρωπίας βάπτισμα πα-
ρέχει, ἀλλ' ἤκουσε, τὸ ἄφεξ ἄρτι, καὶ ἐξέτεινε τὴν χεῖρα ἐπὶ σέ, Χρισ-

¹⁾ διαβαίνομεν.

τέ, τὸν ἔχοντα τὸ μέγα ἔλεος· γυμνουμένου γὰρ τοῦ ἀχράντου σώματος ὑπὸ Ἰωάννου, περιβάλλεται ὕδατα τοῦ Ἰορδάνου, ἐβόησε τὰ χερουβὶμ ἀκαταπαύστῳ μᾶ φωνῇ λέγοντα· ἅγιος, ἅγιος, ἅγιος, ὁ ἐλθὼν καὶ βαπτισθεὶς ἐν Ἰορδάνῃ ποταμῷ καὶ φωτίσας πᾶν γένος, ἀνθρώπων. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῇ ἐπιφοιτήσει τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, δὸς ἡμῖν χάριν εἰς τὴν δικονίαν ταύτην, ἵνα, ἐν σοὶ τὸ κράτος ἔχοντες, ἐπιτάσσωμεν τοῖς πονηροῖς πνεύμασι. Καὶ νῦν δεόμεθ' αὐτοῦ σου, Κύριε, ἐξάλειψον τὰ παραπτώματα ἡμῶν καὶ παράστηθί μοι ἐν τῇ ὥρᾳ τῆς προσευχῆς ταύτης, ἵνα ἀκατακρίτως τολμῶ βοᾶν καὶ λέγειν· Εὐλογητὸς Κύριος ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ, ὅτι ἐπεσκέψατο καὶ ἐποίησε λύτρωσιν τῷ λαῷ αὐτοῦ· ἰδοὺ γὰρ ὁ τῆς ἐορτῆς ἐπέστη ἡμῖν καιρὸς, καὶ ἄγγελοι μετ' ἀνθρώπων ἐορτάζουσι καὶ χορὸς ἁγίων πλησιάζει ἡμῖν. Σήμερον ἡ χάρις τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἁγιαζούσα τὰ ὕδατα, οὕτως ἐπιφαίνεται. Σήμερον ὁ οὐρανὸς ἀγλαϊζόμενος δρόσον τῇ γῇ ἐπομβρίζει. Σήμερον ὁ ἥλιος ἄδυτος ἐπιφαίνεται, καὶ ὁ κόσμος τῷ φωτὶ καταυγάζεται. Σήμερον ἡ σελήνη λαμπραῖς ἀκτίσι τῷ κόσμῳ συλλαμπρύνεται. Σήμερον οἱ φωτοειδεῖς ἀστέρες τῇ ψυχρότητι τὴν οἰκουμένην καλλωπίζουσι. Σήμερον αἱ νεφέλαι ὑετοὺς δικαιοσύνης οὐρανὸθεν τὴν ἀνθρωπότητα ὀροσίζουσι. Σήμερον ὁ Κτίστης ὑπὸ τοῦ ἰδίου κτίσματος βουλήσει χειροθετεῖται. Σήμερον τὰ συστήματα τῶν ὑδάτων τὰ νῶτα ὑποστρωγωνοῦσι (sic) τοῖς ἔχνεσί σου, Δέσποτα. Σήμερον ὁ ἀόρατος ὁράσαι, ἵνα ἡμῖν ἐμφανίσῃς σεαυτόν. Σήμερον ὁ δοῦλος φόβῳ παρίσταται καὶ Δεσπότης ἔρχεται. Σήμερον ὁ ἀκλινὴς τῷ ἰδίῳ δούλῳ αὐχένα κλίνει τὸν σεαυτοῦ, ἵνα ἡμᾶς ἐκ τῆς δουλείας ἐλευθερώσῃς. Σήμερον ὁ ἀναρχος τῷ οἰκέτῃ αὐχένα κλίνει, ἵνα τὸν καθ' ἡμῶν βυθίσῃς δράκοντα. Σήμερον ὁ κλίνων ὄρη πρὸς δουλείαν καὶ ποταμοὺς παιῶν θαλάσσας, ὥς ἀμνὸς τῷ Προδρόμῳ παρίσταται. Σήμερον παρίσταται ἐκουσίως τῷ οἰκέτῃ τὸν κόσμον φωτίσαι, ᾧ τινι μέλλουσι τὰ σύμπαντα παρίστασθαι. Σήμερον ὁ Δεσπότης πρὸς τὸ βᾶπτισμα ἔρχεται, ἵνα ἀναβιβάζῃ εἰς ὕψος τὸν ἀνθρώπον. Σήμερον ὁ προφήτης πόθῳ προσέρχεται σοὶ τῷ Δημιουργῷ, ἀλλὰ τρέμων παρίσταται, ὁρῶν Θεοῦ συγκατάβασιν. Σήμερον τῆς συγκαταβάσεως ἡ ἄβυσσος ἐν κολυμβήθρᾳ καταδύεται, καὶ ὁ τῶν ὅλων δημιουργὸς ἐν ὕδασι βαπτίζεται. Σήμερον ἐκ σκότους ἀπηλλάγημεν καὶ τῷ φωτὶ τῆς θεογνωσίας καταυγαζόμεθα. Σήμερον ἡμῖν ὁ Δεσπότης διὰ τῆς παλιγγενεσίας τῆς εἰκόνης ἀναμορφοῖ τὸ ἀρχέτυπον. Σήμερον μυροπνεύστοις ρείθροις πᾶσα ἡ κτίσις ἀρδεύεται. Σήμερον τὰ τῶν ἀνθρώπων πταίσματα ἐν ρείθροις Ἰορδάνου ἀπαλείφονται. Σήμερον τὰ ἀλμυρὰ ὕδατα τῆς θαλάσσης εἰς γλυκέα μεταβλίσκονται τῇ ἐπιφανείᾳ τοῦ ἰδίου Δεσπότη. Σήμερον ὁ παράδεισος ἡνέφκεται τοῖς ἀνθρώποις, καὶ δικαίοις συναυλίζον-

ται. Σήμερον τὸ δυσσεβέστατον εἰδωλον δραπετεύεται, καὶ τῶν ἀνθρώπων τὸ γένος παρῤῥησιάζεται. Σήμερον τοῦ πάλαι θρήνου ἀπηλλᾶγμεν, καὶ ὡς νέος Ἰσραὴλ διεσώθημεν. Σήμερον τὰ πάλοι ῥάχη τῆς ἀμαρτίας ἀποθέμενοι, τῆς ἀφθαρσίας χιτῶνας ἐνδυσώμεθα. Σήμερον ὁ Δεσπότης ὑπὸ τοῦ δούλου βαπτίζεται. Σήμερον αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων ἡγιασθῆσαν, Χριστοῦ ἐπιφανέντος ἐν δόξῃ ἐν Ἰορδάνῃ ποταμῷ. Σήμερον ὁ Ἰορδάνης ἐστράφη εἰς τὰ ὀπίσω. Σήμερον τὰ Ἰορδάνου νάματα τοῖς ἀνθρώποις ἀναφέρεται. Σήμερον ἡ θάλασσα, ἰδοῦσα τὸν ἑαυτῆς Δεσπότην, ἔφυγε. Σήμερον τὰ ἄνω τοῖς κάτω προσομιλοῦσι, καὶ τὰ κάτω τοῖς ἄνω συνεορτάζουσι. Σήμερον φαιδρὰ καὶ μεγαλόφωτος ἡ τῶν ὁρθοδόξων πανηγυρίς. Σήμερον ἡ ἀχλὺς τοῦ κόσμου καθαιρεται τῇ ἐπιφανείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Σήμερον βασιλείας ὠνησώμεθα· τῆς γὰρ τοῦ Κυρίου βασιλείας τέλος οὐκ ἔστιν. Σήμερον ὁ Λυτρωτὴς ἐν Ἰορδάνῃ παραγέγονεν, ἵνα ἁγιάσῃ τὰ σύμπαντα. Σήμερον ὁ Πρόδρομος ἀθανάτου κορυφῆς ἤψατο. Σήμερον ὁ Ἰορδάνης πνέει μύρον εὐωδίας. Σήμερον τὰ ὄρη ἐσκιρτήσαν, ὥσει κριοί, καὶ οἱ βουνοί, ὥς ἀρνία προβάτων. Σήμερον τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐν εἶδει περιστερᾶς ἐξ οὐρανοῦ ἐπὶ τοῦ ὕδατος κατέρχεται. Σήμερον πᾶσα ἡ κτίσις κραυγάζει λέγουσα. Conf. Goar. p. 369—370. Καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχεται γεγωνοτέρᾳ φωνῇ· Μέγας εἴ. Κύριε, καὶ θαυμαστὰ τὰ ἔργα σου... ἐκ γ'. Σὺ γὰρ βουλήσει... κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κλῖνον, Κύριε. τὸ οὖς σου¹⁾.. Goar. p. 370—371. Καὶ εὐθὺς βαπτίζει τὸν σταυρόν²⁾ καὶ ἄρχεται³⁾ τὸ Ἀλληλούϊα. Ἰδοσάν σε ὕδατα, ὁ Θεός, ἰδοσάν σε ὕδατα καὶ ἐφοβήθησαν⁴⁾. Δόξα καὶ νῦν. Ὁ ἱερεὺς τροπάριον· Αἱ πηγαὶ τῶν ὑδά-

των¹⁾ Κλῖνον, Κύριε. τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησιν ἡμῶν καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν τῶν σῶν οἰκετῶν. ὁ ἐν Ἰορδάνῃ βαπτισθῆναι καταδεξάμενος καὶ ἁγιάσας τὰ ὕδατα. εὐλόγησον πάντας ἡμᾶς, Δέσποτα ἀγαθέ, πᾶσιν εὐλογίαν πνευματικὴν τοὺς διὰ τῆς κλίσεως τοὺς ἑαυτῶν αὐχένας σημαίνοντάς σοι τὸ τῆς δουλείας πρόσχημα καὶ μετόχου· ἡμᾶς ἀπεργασαί τῆς χάριτος τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, καὶ ἐξίους ἀναδείξον τοῦ ἁγιασμοῦ σου διὰ τῆς τοῦ ὕδατος ἀφῆς τε καὶ μεταλήψεως καὶ γενέσθω ἡμῖν, Κύριε, τὸ ὕδωρ τοῦτο εἰς ἀφραϊν πρᾶπωνμάτων, εἰς ἰλασμόν πλημμελημάτων ἐκουσίων τε καὶ ἀκουσίων, εἰς β·βαίωσιν υἱοθεσίας, εἰς στηριγμόν τῆς ὁρθοδόξου πίστεως, εἰς κατ'ἁριστηρίον ἀμέμπτου πολιτείας, εἰς φυλακτήριον ψυχῆς, σώματος καὶ πνεύματος. Σὺ γὰρ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν, Σωτὴρ καὶ φύλαξ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. ²⁾ О погруженіи креста не говорится въ лавномъ мѣстѣ. ³⁾ Ὁ ἀρχιερεὺς ψάλλει· Ἀλληλούϊα. ἤχος πλ. δ'. ⁴⁾ Ὁ λαός· Ἀλληλούϊα Ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι. Ὁ λαός· Ἀλληλούϊα. Ὁ ἀρχιερεὺς· Καὶ νῦν κ.λ. αἰ καὶ εἰς τοὺς αἰ-

των ἡγιασθήσαν, Χριστοῦ φανέντος, Χριστοῦ βαπτισθέντος ἐν δόξῃ σημερον ἐν τῷ Ἰορδάνῃ. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων, ὁ Θεὸς τῆς δόξης ἐβρόντησε, Κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν. Πάλιν λέγει (τὸ αὐτό). Δόξα καὶ νῦν. Μέγας σταυρὸς ἐφάνη ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ, καταβαίνουσι δούλοι τῆς ἁμαρτίας, καὶ ἀναβαίνουσι τέκνα τῆς ἀφθαρσίας, δευτερον φῶς λαβόντες καὶ τὸν μαργαρίτην Χριστὸν ἐνδυσάμενοι. Λεγομένης γ' καὶ βαπτίζει τὸν σταυρὸν ὁ ἱερεὺς. Τροπάριον, ἦχος α'. Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτιζομένου σου, Κύριε... Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην¹⁾. Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων πάντας ἡμᾶς διὰ τῆς μεταλήψεως τῶν ἁγίων καὶ ἀχράντων καὶ ζωοποιῶν αὐτοῖς μυστηρίων νῦν καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν.

1. 113 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ λύσαι τὸ βάπτισμα τῇ η'. ἡμέρα.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς εἰρήνης χορηγὸς καὶ τῆς εὐλογίας δοτὴρ, ἀγαθε Πατὴρ ἀγαθοῦ Υἱοῦ γεννήτορος, ὁ εὐλογήσας καὶ ἀγιάσας καὶ τὰ σώματα ἐν τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς καὶ ἀγιάσαι τὰ ὕδατα ταῦτα, καὶ φωτισθέντας τοῦ νοεροῦ καὶ ἀνεκδιηγήτου φωτός, φωτίσον ἡμᾶς φῶς γνώσεως, καὶ εὐλογήσας καὶ ἀγιάσας καὶ ἀνακαινίσας ἐν τῇ χάριτι τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ ἀναγεννήσας διὰ τοῦ βαπτίσματος ἐν τῇ δυνάμει τοῦ ἁγίου σου καὶ ζωοποιοῦ Πνεύματος, καθάρισας ἡμᾶς ἀπὸ πάσης κηλίδος ψυχικῆς τε καὶ σωματικῆς, ὦ ἅγιε Δέσποτα Κύριε, φύλαξον ἡμᾶς ἐν τῇ εὐλογίᾳ σου καὶ τῇ κλήσει τῶν ἁγίων σου, καὶ ἀξίους ἀνάδειξον τῆς αἰωνίου ζωῆς καὶ ἐπουρανίου βασιλείας τοῦ Χριστοῦ ἡμῶν Ἰησοῦ, μεθ' οὗ σοι δόξα πρέπει, σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν... Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 604.

ῶνας. Ὁ λαὸς Ἀλληλούια. Εἶτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς τροπάριον, ἦχος πλ. δ'. Αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων... Ὁ λαός· Αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων. Ὁ ἀρχιερεὺς στίχος· Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων... Ὁ λαός· Αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων. Ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα Πατρὶ καὶ νῦν.. Ὁ λαός· Αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων. Εἶτα ὁ ἀρχιερεὺς· Μέγας σταυρὸς ἐφάνη ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ. Ὁ λαός λέγει· Μέγας σταυρὸς ἐφάνη... Καὶ πάλιν ὁ ἀρχιερεὺς· Μέγας σταυρὸς ἐφάνη... Ὁ λαός· Μέγας σταυρὸς. Καὶ πάλιν ὁ ἀρχιερεὺς· Μέγας σταυρὸς ἐφάνη.. Ὁ λαός· Μέγας σταυρὸς ἐφάνη. Λέγει ὁ ἀρχιερεὺς γ' καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός γ'. καὶ εὐθέως ὁ ἀρχιερεὺς βαπτίζει τὸν σταυρὸν, καὶ ἄρχεται μόνος, ψάλλον τροπάριον, ἦχος α'. Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτιζομένου.

1) Этой молитвы нѣтъ.

114 οβ. Τάξις γινομένη (εἰς) τὸν ἁγιασμόν τῶν ὑδάτων τοῦ Νείλου, ἐν ᾗ τελεῖται τῇ κυριακῇ τῶν ἁγίων θεοφόρων πατέρων τιγ'. πρὸ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

-ркп. Μετὰ τῆς¹⁾ λειτουργίας ὁ διάκονος εἰπὼν· Ὁρθοὶ μεταλαβόντες..., ἐκφωνεῖ· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν, Χριστέ ὁ Θεός... Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν²⁾ τῆς εὐχῆς τῆς ὀπισθάμβωνος, εἶτα ψάλλει ὁ λαὸς³⁾ σὺν τῷ κλήρῳ τροπάριον στιχηρόν, ἤχος β'. Ἰδιόμελον· Ἐτέχθης, ὡς Αὐτὸς ἡτέλῃσας, ἐφάνης, ὡς Αὐτὸς ἡβουλήθης, ἐπαθες σαρκί, ὁ Θεός ἡμῶν, ἐκ νεκρῶν ἀνέστης, πατήσας τὸν θάνατον, ἀνελήφθης ἐν δόξῃ, ὁ τὰ σύμπαντα πληρῶν, καὶ ἀπέστειλας ἡμῖν Πνεῦμα θεῖον τοῦ ἀνυμνεῖν καὶ δοξάζειν σου τὴν θεότητα⁴⁾. Ὁ διάκονος λέγει τὴν⁵⁾ συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς καὶ πατριάρχου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τῆς πόλεως... Ὑπὲρ εὐκρασίας... Ὑπὲρ πλεόντων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσιθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὁ ἱερεὺς⁶⁾ ἐκφώνως· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα. Καὶ γίνεται ἡ ψήμησις παρὰ τοῦ δομεστίκου, καὶ ἀποκρίνονται πάντες· Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πανάριστε ἀρχιερεῦ ἀρχιερέων, ὁ δεῖνα ὁ πατριάρχης, πάπα πόλεως Ἀλεξανδρείας γέγονας τοῦ θρόνου, μεγάλως ἡξιώθης, διάδοχε Μάρκου, τοῦ πρώτου πατριάρχου, εἰς πολλὰ σου καὶ καλὰ τὰ ἔτη· ἡλλομεν ποιῆσαι καλὸν καιρὸν καὶ ἐνιαυτὸν εἶναι τοῦ θεσπεσίου⁷⁾ καὶ ἀρχιερέα ἡμῶν προέδραμεν, καὶ συμπρόντων ἡμῶν ταγμάτων, τιμίων ποιμένων ἀγελαρχῶν, καὶ τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν (ὁ δεῖνα) ἀρχιεπισκόπου τῆς ἡμετέρας πόλεως Αἰγύπτου, πρεσβυτέρων τε καὶ διακόνων καὶ λευιτῶν ἡμέραν ἀγιωσύνης, εἰρήνης τε τοῦ κόσμου, καὶ καινῆς τῆς ἐκκλησίας ταύτης· ἀνω. τῇ προνοίᾳ καὶ τῇ προσταξεί τοῦ Θεοῦ, Νεῖλε. Εἶτα λέγει ὁ αὐτὸς πάλιν γ'. Καὶ ἀποκρίνεται τὸ αὐτὸ ὁ λαὸς ἕως τρίτου. Εἶτα λέγει στίχον α'. Ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων, ἡτοίμασας τὴν τροφὴν αὐτῶν, ὅτι οὗτος ἡ ἐτοιμασία, τοὺς αὐλακας αὐτῆς μέθυσον, πληθύνον τὰ γεννήματα αὐτῆς, ἐν ταῖς σταγόνι αὐτῆς εὐφρανθήσεται ἀνατέλλουσα. Καὶ⁸⁾ πάλιν· Ἀνω τῇ προνοίᾳ καὶ τῇ προσταξεί τοῦ Θεοῦ, Νεῖλε. Στίχος β'. Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου, Κύριε, καὶ τὰ

¹⁾ Ркп. Александр. библи. XIV в. № 149—104 τῆς θαίας λειτουργίας, τοῦ διακόνου εἰπόντος ²⁾ λέγει ³⁾ ἰδιόμελον ἤχος β'. ⁴⁾ Δόξα καὶ νῦν, ἤχος πλ. β'. Ἀνέβη ὁ Θεός ἐν ἀλαλαγμῷ, Κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος τοῦ ἀνυψῶσαι τὴν πεσοῦσαν εἰκόνα τοῦ Ἀδὰμ καὶ ἀπέστειλε Πνεῦμα παράκλητον τοῦ ἁγιάσαι τὰς ψυχὰς ἡμῶν ⁵⁾ μεγάλην ⁶⁾ ὁ ἀρχιερεὺς ἐκφωνεῖ ⁷⁾ Это место рукописи неубообразимое. ⁸⁾ Καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός, ἐν μετῇ κομ. Νεῖλε

πεδιά σου πλησθήσονται πιότητος. Ὁ λαός¹⁾ Ἄνω τῇ προνοίᾳ καὶ τῇ
 προσταξεί τοῦ Θεοῦ, Νεῖλε. Στίχος γ'. Πιανθήσεται τὰ ὠραῖα τῆς ἐρή-
 μου, καὶ ἀγαλλίασιν οἱ βουνοὶ περιζώσονται, ἐνεδύσαντο οἱ κριοὶ τῶν
 προβάτων, καὶ αἱ κοιλάδες πληθυνοῦσι σῖτον· κεκραῖονται καὶ γὰρ ὕμ-
 νησουσιν. Ὁ λαός²⁾ Ἄνω τῇ προνοίᾳ καὶ τῇ προσταξεί τοῦ Θεοῦ,
 Νεῖλε. Ὁ διάκονος³⁾ Δόξα καὶ νῦν. Ὁ λαός⁴⁾ Ἄνω τῇ προνοίᾳ καὶ
 τῇ προσταξεί τοῦ Θεοῦ, Νεῖλε. Ὁ διάκονος⁵⁾ Ἄνω, Νεῖλε. Ὁ λαός⁶⁾
 λέγει· Ἄνω, Νεῖλε. Ὁ διάκονος⁷⁾ Ἄνω, Νεῖλε. Ὁ λαός⁸⁾ Ἄνω, ἄνω,
 Νεῖλε. Ὁ διάκονος Ἄνω, ἄνω, Νεῖλε⁹⁾. Ὁ λαός Ἄνω, ἄνω, ἄνω, Νεῖ-
 λε. Καὶ ἀποκρίνονται τὸ αὐτὸ ὁμοίως ὁ λαός γ'. καὶ γίνεται εἰσοδος. Καὶ
 ἐξέρχεται ὁ ἀρχιερεὺς σὺν τῷ κλήρῳ τὸν τίμιον σταυρὸν καὶ κηρίον μετὰ
 ῥιπιδίων καὶ θυμιατῶν καὶ τοῦ ἁγίου Εὐαγγελίου, καὶ ἔρχονται ἕως τῆς
 λεκάνης τῶν νερῶν καὶ ψάλλομεν τὸ στιχηρόν¹⁰⁾, ἤχος πλ. δ'. Δεῦτε, λαοί,
 τὴν τρισυπόστατον θεότητα προσκυνήσωμεν. GOAG. p. 604. Εἴτα λέγου-
 σι¹¹⁾ τὰ παιδία ταῦτα¹²⁾ Ἄγιε τοῦ Θεοῦ πανάριστε¹³⁾. Ὁ διάκονος¹⁴⁾
 λέγει συναπτὴν μικράν· Ἐτι καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς
 παναγίας. Ἐκφώνως¹⁵⁾ Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα. Εἴτα λέγει ἀντί-
 φωνον, ἤχος πλ. δ'.¹⁶⁾ Στίχος α'. Μακάριος ἀνὴρ. Ἀντιλαβοῦ μου, Κύ-
 ριε. Μακάριος ἀνὴρ, ὅς οὐκ ἐπορεύθη... Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε. Καὶ ἐν
 ὁδῷ ἀμαρτωλῶν οὐκ ἔστη... Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε. Ἀλλ' ἦ ἐν τῷ νόμῳ
 Κυρίου τὸ θέλημα αὐτοῦ... Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε. Καὶ ἔσται, ὡς τὸ ξύ-
 λον... Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε. Ὁ τὸν καρπὸν αὐτοῦ δώσει ἐν καιρῷ αὐ-
 τοῦ.. Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε... Ὅτι γινώσκει Κύριος ὁδὸν δικαίων... Ἀντι-
 λαβοῦ μου, Κύριε. Δόξα καὶ νῦν... Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε. Ἐτι¹⁷⁾ καὶ
 ἔτι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας. Ἐκφώνως¹⁸⁾ Ὅτι σὸν τὸ κράτος...
 Ἀντίφωνον β'. ἤχος β'. ψαλμὸς κη'. Ταῖς πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου¹⁹⁾.
 Ἐνέγκατε τῷ Κυρίῳ υἱοὶ Θεοῦ.. Ταῖς πρεσβείαις... Ἐνέγκατε τῷ Κυ-
 ρίῳ υἱοὺς κριῶν... Ταῖς πρεσβείαις... Προσκυνήσατε²⁰⁾ τῷ Κυρίῳ ἐν
 αὐτῇ ἀγίᾳ αὐτοῦ. Ταῖς πρεσβείαις.. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων...
 Ταῖς πρεσβείαις.. Φωνὴ Κυρίου ἐν ἰσχύϊ... Ταῖς πρεσβείαις... Κύριος ἰσ-
 χυὺν τῷ λαῷ αὐτοῦ δώσει... Ταῖς πρεσβείαις... Δόξα καὶ νῦν. Ταῖς πρεσ-

1) Καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός. 2) тоже 3) λέγει 4) καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός
 5) λέγει 6) καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός. 7) λέγει 8) καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός. 9) Нѣтъ
 двукратнаго и троекратнаго возгласеній: ἄνω и отвѣтовъ на нихъ, а
 прямо слѣдуетъ: Εἴτα γίνεται εἰσοδος¹⁰⁾ ἰδιόμελον, ἤχος πλ. δ'. 11) λέγει
 12) Прибавлено: τ' φη 13) Тоже: ἀρχιερεῦ 14) Εἴτα λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος¹⁵⁾ ὁ
 ἱερεὺς¹⁶⁾ ψαλμὸς α'. 17) ὁ διάκονος τὴν μικράν συναπτὴν Ἐτι καὶ ἔτι¹⁸⁾ ἐκ-
 φώνησις¹⁹⁾ нѣтъ припѣва 20) этого стиха нѣтъ.

βείαις... Ὁ διάκονος¹⁾· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνως· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος... Ψαλμὸς 134'. Ἀντίφωνον γ'. ἤχος γ'. Σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ Θεός, ἐν Σιών. Ἀλληλουῖα, Ἀλληλουῖα, Ἀλληλουῖα. Σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ Θεός, ἐν Σιών, καὶ σοὶ ἀποδοθήσεται εὐχὴ ἐν Ἱερουσαλὴμ. Ἀλληλουῖα γ'. Πλησθησόμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ οἴκου σου... Ἀλληλουῖα γ'. Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν... Ἀλληλουῖα γ'. Ἐξόδους πρωΐας καὶ ἑσπέρας τέρψεις... Ἀλληλουῖα γ'. Οὕτως ἡ ἐτοιμασία ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων... Ἀλληλουῖα γ'. Τὰς αὐλάκας αὐτῆς μέθυσον... Ἀλληλουῖα γ'. Εὐλογήσεις τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαιτοῦ τῆς χρηστότητός σου... Ἀλληλουῖα γ'. Ἐνεδύσαντο οἱ κριοὶ τῶν προβάτων... Ἀλληλουῖα γ'. Δόξα καὶ νῦν. Ἀλληλουῖα γ'. Ὁ διάκονος λέγει²⁾· Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὁ ἱερεὺς ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ σοί... Ὁ λαός³⁾· Ὅσοι εἰς Χριστόν... Ὁ ἀρχιερεὺς⁴⁾· τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὰ πάντα συστησάμενος τῇ ἀκαταλήπτῃ σου σοφίᾳ, ἅγιε ἁγίων ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ μόνος ἅγιος καὶ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος, ἅγιος ὑπάρχεις, ὁ τὴν ἀνυπερβλήτον δόξαν ἑαυτῷ κεκτημένος, ἅγιος ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα λόγῳ συστησάμενος, ἅγιος ὁ Θεός, ὃν τὰ τετράμορφα ζῶα ἀκαταπαύστῃ φωνῇ δοξάζουσιν, ἅγιος ὁ Θεός, ὁ ὑπὸ πληθους ἁγίων ἀγγέλων καὶ ἀρχαγγέλων ἄρασις τρεμόντων προσκυνούμενος, ἅγιος ὁ Θεός, ὁ τοῖς πολυόμμασι⁵⁾ χερουβὶμ τῇ αἰγιήτῃ φωνῇ τῷ ἀκοιμήτῃ ὄμματι ἐπιβλέπων καὶ ὑποκλίνων τὸ οὖς σου, ἅγιος ὁ Θεός, ὁ τοῖς ἐξαπτερυγοῖς σεραφὶμ ἐποχούμενος, καὶ ἐπικροτούντων τὰς ἑαυτῶν πτέρυγας καὶ τὸν ἐπινίκιον ὕμνον λεγόντων· ἅγιος, ἅγιος, ἅγιος Κύριος Σαβαώθ, προσδεχόμενος· ἅγιος γὰρ εἶ, ὁ Θεός ἡμῶν, ὃν ἀρχαὶ καὶ ἐξουσίαι ἐν οὐρανῷ προσκυνούμεν σοὶ⁶⁾, καὶ ἐπὶ γῆς ἄνθρωποι ἀνυμνοῦσι καὶ σέβουσιν. Αὐτός, φιλόανθρωπε Δέσποτα, πρόσδεξαι καὶ ἐκ στόματος ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν τὸν τρισάγιον ὕμνον προσφερόμενον παρ' ἡμῶν καὶ παρὰ παντός τοῦ λαοῦ σου, καὶ κατὰπεμψον ἐφ' ἡμᾶς πλοῦσις τὰ ἐλέη σου, πρεσβεΐαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ὁ διάκονος⁷⁾· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Πρόσχωμεν⁸⁾. Ἦχος β'. Ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων, ἡτοίμασας τὴν τροφὴν αὐτῶν, ὅτι οὕτως ἡ ἐτοιμασία. Στίχος· Εὐλογήσεις τὸν στέφανον⁹⁾ τοῦ ἐνιαιτοῦ τῆς χρηστότητός σου. Λέγει ἀνάγνωσμα α'.¹⁰⁾ Γε-

¹⁾ Λέγει ²⁾ нѣтъ—λέγει ³⁾ λέγει ⁴⁾ тоже ⁵⁾ τὰ πολυόμματα ⁶⁾ προσκυνοῦσι ⁷⁾ λέγει ⁸⁾ Καὶ λέγει ὁ ἀναγνώστης· προκείμενον ἤχος β'. ⁹⁾ нѣтъ ¹⁰⁾ Εἴτα λέγει ἀναγνώσματα γ'. τὸ α'. Γενέσως. (ὁς ἀνθ' ἡμῶν)

νέσεως τὸ ἀνάγνωσμα· Αὐτὴ ἡ βίβλος γενέσεως οὐρανοῦ τε καὶ γῆς, ὅτε ἐγένετο... Τέλος· ἐν τῷ παραδείσῳ τῆς τρυφῆς ἐργάζεσθαι αὐτὸν καὶ φυλάσσειν. Βασιλειῶν γ'. τὸ ἀνάγνωσμα· Εἶπον οἱ ἄνδρες τῆς πόλεως Ἰερριχὺ πρὸς Ἑλισσαιέ, ἰδοὺ ἡ κατοίκησις... Τέλος· Κατὰ τὸ ῥῆμα, ὃ ἐλάλησεν Ἑλισσαιέ. Τῆς ἐξόδου τὸ ἀνάγνωσμα· Ἐξῆρε Μωσῆς τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ ἀπὸ θαλάσσης ἐρυθρᾶς.. Τέλος· Εἰς τὴν ἔρημον Σίν, ὃ ἐστὶν ἀνὰ μέσον Αἰλείμ καὶ ἀνὰ μέσον Σινᾶ. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ σπείρων φειδομένως, φειδομένως καὶ θερίσει. Τέλος· κατεργάζεται δι' ἡμῶν εὐχαριστίαν τῷ Θεῷ. Ἀλληλουῖα¹⁾, ἤχος δ'. Σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ Θεός, ἐν Σιών²⁾... Πλησθησόμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ οἴκου σου... Στίχος γ'. Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου... Ὁ διάκονος· Σοφία ὀρθοὶ ἀκούσωμεν... Ὁ ἱερεύς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου³⁾. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, εἶδεν ὁ Ἰησοῦς πολὺν ὄχλον, καὶ εὐσπλαγχνίσθη ἐπ' αὐτὸν καὶ ἐθεράπευσε τοὺς ἀρρώστους αὐτῶν... Τέλος· Καὶ προάγειν αὐτὸν εἰς τὸ πέραν, ἕως οὗ ἀπολύσει τοὺς ὄχλους. Ὁ διάκονος⁴⁾ λέγει· Πάντες ἐκτενῶς δεόμεθά σου εἵπωμεν, πάντες ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς καὶ ἐξ ὅλης τῆς διανοίας ἡμῶν εἵπωμεν. Κύριε Πικτοκράτωρ, ἐπουράνιε βσιλεῦ, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς, καὶ κατελθὼν ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων δεόμεθά σου... Ὁ θαψιλῶς ἐν ταῖς θωραεῖς καὶ ἀναβλύζων ἡμῖν αἰεὶ τοῖς θείοις σου χαρίσμασι, δεόμεθά σου⁵⁾... Ὁ βλαστάνων καὶ αὐξάνων καὶ πάντα τρέφων, καὶ διηνεκῶς θάλλων ἡμᾶς τοὺς ἀναξίτους σου δούλους δεόμεθά σου... Ὁ συναγαγὼν τὰ ὕδατα εἰς συναγωγὴν μίαν καὶ μετεωρίσας τὰ ὕδατα ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν δεόμεθά σου... Ὁ μετρήσας τῇ χειρὶ σου τὸ ὕδωρ καὶ τὸν οὐρανὸν σπιθαμῇ, καὶ πᾶσιν τὴν γῆν δρακί, ὁ στήσας τὰ ὄρη σταθμῷ καὶ τὰς νάπας ζυγῷ, δεόμεθά σου. Ὁ παραδείσων φυτεύσας ἐν Ἑδὲμ κατ' ἀνατολάς, καὶ τετραῤῥυτον πηγὴν ἐν αὐτῷ πηγᾶσας, δεόμεθά σου... Ὁ διαῤῥήξας πηγὰς καὶ χειμᾶρρους, καὶ ὑποσκαίζων, ὡς βούλεται, τὸ ὕδωρ, δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὁ ἀφάτῳ φιλανθρωπίᾳ σου πάντα πρὸς τὰ ἡμέτερα κατασκευάσας καὶ ποιῶν πάντα ὑπὲρ ἐκ περισσοῦ τῆς αἰτήσεως ἡμῶν, δεόμεθά σου... Αὐτός, πλουσιόδωρε καὶ ἐλεήμων Θεέ, ἐπίσκεψαι τὴν γῆν τῆς Αἰγύπτου καὶ μέθυσον αὐτὴν ταῖς καλαῖς ἀναβάσει τοῦ Νείλου ποταμοῦ, δεόμεθά σου. Εὐφρανὼν καὶ ἀνακαίνισον τὸ πρόσωπον τῆς γῆς τῆς ἀμέτρου πλημμυρίας τοῦ Νείλου ποταμοῦ, δεόμεθά... Τὰς αὐλακὰς αὐτῆς μέθυσον, πλή-

¹⁾ Ἀλληλουάριον ²⁾ Στίχος β'. ³⁾ иѣтъ ⁴⁾ ὁ ἀρχιδιάκονος ⁵⁾ δεηθῶμεν.

θνον τὰ γεννήματα τῆς Αἰγυπτιακῆς χώρας καὶ τοῖς ὀρμήμασι τοῦ Νείλου, δεόμεθά σου ἐπάκουσον... Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου, καὶ τὰ πεδία τῆς Αἰγύπτου πληθύνάτωσαν (πίοτης), αἱ κοιλάδες αὐτῆς τοῦ αἵτου, δεόμεθά σου... Πικνῆθῶσιν¹⁾ τὰ ὠραῖα τῆς χώρας Αἰγύπτου, καὶ περιζωσάτωσαν οἱ βουνοὶ αὐτῆς ἐν ἀγαλλιάσει τὴν εὐλογίαν σου, δεόμεθά σου... Ὁ γενόμενος ἀρχιερεὺς τῆς ὁμολογίας ἡμῶν, καὶ ἀρχιερωσύνης κατὰ τὴν τάξιν Μελχισεδέκ, διὰ τοῦ παναγίου σου Πνεύματος τελειώσας, Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, τοὺς καταξιοθέντας τῆς ἀποστολικῆς ἐκκλησίας καθιέδρας τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν τοῦδε τοῦ πατριάρχου, τοὺς εὐαγοὺς καὶ θείους ἐπισκόπους, καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος, τούτους ἡμῖν δώρησαι καὶ ταῖς ἀγίαις σου ἐκκλησίαις σώους, ὁσίους, ἐντίμους, ὕγιεις, μακροημερεύοντας ἐν εἰρήνῃ πολλοὺς ἐτῶν περιόδους, δεόμεθά σου... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοστέπτων ἡμῶν ἀνάκτων, παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν, καὶ τῆς οὐρανόθεν βοῆθείας, σκέπης, νίκης, αὐτῶν δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι²⁾ τῆς ἀγίας Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν πόλεως καὶ τῆς βασιλευούσης πόλεως καὶ τῆς πόλεως ἡμῶν ταύτης, πάσης πόλεως καὶ χώρας, καὶ τῶν ἐν πίστει καὶ εὐλαβείᾳ Χριστοῦ οἰκούντων ἐν αὐταῖς, ἀπὸ λοιμοῦ, λιμοῦ, σεισμοῦ, καταποντισμοῦ, πυρός, μαχαίρας, ἐπιδημίας ἀλλοφύλων καὶ ἐμφυλίου πολέμου, εὐκραεῖς τε καὶ ἐπωφελεῖς δωρηθῆναι τοὺς ἀέρας, καὶ εὐλογηθῆναι τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς τοῦ Κυρίου χρηστότητος. Ὑπὲρ τῆς ἀπολυτρώσεως τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ ὑπὲρ τοῦ συντριβῆναι τὸν σατανᾶν ἐν τάχει ὑπὸ τοὺς πόδας ἡμῶν, καὶ ὑπὲρ τοῦ ἵλεων, εὐμενῆ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν ἀγαθὸν³⁾ καὶ φιλάνθρωπον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν, καὶ ἐλεῆσαι ἡμᾶς καὶ ἀποστρέφαι πᾶσαν ὀργήν, κινουμένην καθ' ἡμῶν, δεόμεθά σου ἐπάκουσον καὶ ἐλέησον. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς, κινδύνου τε καὶ ἀνάγκης, πικροῦ θανάτου τῶν ἀνομιῶν ἡμῶν δεόμεθά σου... Καὶ ὑπὲρ τοῦ περιεστώτος πιστοῦ λαοῦ καὶ ἀπεκδεχομένου τὸ παρὰ σοῦ, Κύριε, μέγα καὶ πλούσιον ἔλεος, ἱκετεύομέν σε, πολυέλεε, σπλαγγνίσθητι καὶ ἐλέησον. Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν χριστιάνουμον λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν ἐκ Πατρὸς κληρονομίαν σου, ἐπίσκεψαι τὸν κόσμον σου ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, ὕψωσον κέρας χριστιανῶν, καὶ ἀνάγαγε ἡμῖν τὰ ποτάμια ὕδατα ἐπὶ τὸ μέτρον αὐτῶν κατὰ τὴν σὴν χρηστότητα, καὶ τὴν εὐθουνίαν βράβευσον διὰ τοὺς πτωχοὺς τοῦ λαοῦ σου, καὶ πλήρωσον χαρὰς καὶ εὐφροσύνης τὰς καρδίας ἡμῶν τῇ πρεσβείᾳ τῆς πανάγου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου

¹⁾ Πικνῆθουσιν ²⁾ прибавлено καὶ ῥυσθῆναι ³⁾ πᾶς.

καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ τοῦ προδρόμου Ἰωάννου, τῶν θείων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, καὶ τοῦ ἁγίου καὶ μακκρίου πατρὸς ἡμῶν Μάρκου, τοῦ ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου ἰκετεύομέν σε, πολυέλεε Κύριε, ἐπάκουσον ἡμῶν καὶ ἐλέησον. Εἴτε ἄρχεται ὁ ἄρχιερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάντων, λέγων οὕτως· Ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνη ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία. γ'. Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις, καὶ τὸ στόμα μου ἀναγγελεῖ τὴν αἴνεσίν σου. γ'. Πληρωθῆτω τὸ στόμα μου αἰνέσεώς σου, ὅπως ὑμνήσω τὴν δόξαν σου, ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν μεγαλοπρέπειάν σου. γ'. Εὐχὴ τῶν ἁγιασμῶν τοῦ Νείλου· Δέσποτα ὑπεράγαθε, Κύριε παντοκράτωρ, ὁ Θεὸς πάσης παρακλήσεως, ὁ στερεώσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει, καὶ τοῦτον τῇ χορείᾳ τῶν ἄστρων στεφανώσας, ὁ τὴν γῆν θεμελιώσας ἐπὶ τῶν ὑδάτων, καὶ ταύτην ζωγραφήσας τοῖς ἄνθεσιν, ὁ παραδίδεισιν φυτεύσας ἐν Ἑδέμ, θέμενος ἐν αὐτῷ τὸ ξύλον τῆς ζωῆς, ὁ τὴν θάλασσαν ἐξαπλώσας, καὶ ἀσθενεῖα φάμμφ χαληνώσας, ὁ τὴν τετράρρυτον πηγὴν ἀναβλύζειν κελεύσας καὶ ταύτην εἰς τέσσαρας ἀρχὰς ποταμῶν καταμετρήσας, καὶ ὀνόμασιν ἰδίους γνωριμοποιήσας τὴν οἰκουμένην, καὶ ἐκάστῃ πορεῖαν ἐτοιμάσας τὴν τοῖς οἰκείοις τόποις πρέπουσαν, τὸν μὲν Φεισὼν τὴν εὐειλατικὴν τοῦ βορρᾶ χώραν κατακοσμήσας, Τίγγριν τε καὶ Εὐφράτην τὴν μέσου γῆν πορευέσθαι κελεύσας, τὸν δὲ Νεῖλον ἐξαιρετον κίνησιν ἐπιβρέειν προστάξας, τὰ καυστικότερα τοῦ νότου καὶ Αἰθιοπικὰ μέρη ποτίζειν, πελαγίζειν δὲ τὴν Αἴγυπτον καὶ ἀρδεύειν εἰς τελεσφορίαν καρπῶν, καὶ σιτοφορίας αὔξησιν, εἰς σωτηρίαν τῶν ἐνοικούντων προθυμούμενος, τούτου τοίνυν τῆς ἀναβάσεως ἀρχομένης, τὴν ἀπαρχὴν προσφέρομέν σοι γεραίροντες, δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε, εὐσπλαγχνε, οἰκτίρμον, εἰρηνικὴν αὐτοῦ τὴν ἀνάβχαιν γενέσθαι ἐπὶ τὸ μέτρον τὸ οἰκεῖον τεινομένην τῇ σῇ χάριτι. Ἀμήν. Παράσχου, ἀγαθέ, τὴν εὐλογίαν σου τῇ γῇ διὰ τῶν τοῦ Νείλου ποταμοῦ ὑδάτων). Αὔξησον τοὺς καρποὺς τῆς γῆς διὰ τὴν χρεῖαν τοῦ λαοῦ σου, τελείως τὴν εὐκτηρίαν κατακόσμησον. Ἀμήν. Παρὰ σοῦ γὰρ πηγὴ ζωῆς καὶ ἀβύσσου εὐλογιῶν καὶ πᾶσα δόσις ἀγαθῆ. Ἀμήν. Διὸ δεόμεθά σου, δημιουργε τοῦ παντός, εὐλόγησον τὰ τοῦ Νείλου ποταμοῦ ὕδατα διὰ τῶν προκειμένων ὑδάτων. Ἀμήν. Τὰ τοῦ Νείλου ποταμοῦ ρεῖθρα αὔξησον πρὸς καρπογονίαν τῆς γῆς²⁾ Ὡς γὰρ τῷ Νείλῳ ποταμῷ παριστάμενοι τὸ προκειμενον ὕδωρ τύπον ἔχοντες, καθικετεύομεν καὶ παρακαλοῦμεν τὴν σὴν ἀγα-

1) Ἀμήν 2) то же.

θόγητα, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν εὐλογίαν σου, κατάπεμψον τοῖς τοῦ Νείλου ποταμοῦ ὕδασιν. Ἀμήν. Ὡς γὰρ τὸ ἐξ αὐτοῦ πινόμενον ὕδωρ ζωτικὴν δύναμιν ἐμποιεῖ τοῖς σώμασιν, οὕτως καὶ ταῖς λαγαῖς τῆς γῆς καταποδούμενον αὐξήσιν καρπῶν ἐμποιεῖ, θρεπτικῶς τὰ ἐκ τῆς γῆς φεόμενα τελεσφοροῦν. Ἀμήν. Ὅθεν δυσωπώμεν σε, πολιορκίῳ καὶ φιλεύσπλαγγε καὶ φιλόψυχε Κύριε, ἀναβιβάσαι τὰ τοῦ Νείλου ποταμοῦ ὕδατα ἐπὶ τὸ μέτρον αὐτῶν¹⁾. Πληρωθήτω, Δέσποτα, ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ Νεῖλος ὑδάτων. Ἀμήν. Ἐτοίμασον τῷ λαῷ σου τροφήν δι' αὐτῶν, ὅτι οὗτός ἐστιν ἡ ἐτοιμασία σου. Ἀμήν. Ἐπίσκεψαι τὴν γῆν διὰ τῶν τοῦ ποταμοῦ ὑδάτων, καὶ μέθυσον αὐτήν, πλήθυνόν ἄμετρα ὕδατα καὶ πλούτισον αὐτήν²⁾. Τὰς αὐλακὰς αὐτῆς μέθυσον, πλήθυνον τὰ γεννήματα αὐτῆς³⁾. Εὐφρανθήτω ἡ γῆ καὶ ἀνατέλλουσα καρποὺς ἀγαθοὺς καὶ βριθοὺς ἀμφύτους καὶ ὠραῖζομένους τοῖς ἀνθεσιν διὰ τῶν τοῦ Νείλου ποταμοῦ ναμάτων⁴⁾. Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου καὶ τὰ πεδία τῆς γῆς πλησθήσονται πιότητος⁵⁾. Πιανθήσονται τὰ ὄρια τῆς γῆς Αἰγύπτου διὰ τῶν ποταμίων ὑδάτων⁶⁾, καὶ ἀγαλλίασιν αἱ ἄρουραι περιζώονται, καὶ αἱ κοιλάδες αὐτῆς πληθυνέτωσαν σῖτον διὰ τὴν χρείαν τοῦ λαοῦ σου⁷⁾. Εὐλόγησον δὲ καὶ ἡμᾶς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ καρποὺς ἀγαθοὺς, καὶ σοὶ εὐαρέστους ποιῆσαι ἀξίωσον, καὶ πνευματικῶς καρποφορῆσαι⁸⁾ ἐν τριάκοντα⁹⁾ καὶ ἐν ἐξήκοντα¹⁰⁾, καὶ ἐν ἑκατὸν¹¹⁾, ἐξιλασκόμενος τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν¹²⁾. Ὅτι εὐλόγηταί σου τὸ ὄνομα, δεδόξασται σου ἡ βασιλεία, ὑπερύμνητέ σου τὸ κράτος ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ γῆς τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ.. Ὁ διάκονος¹³⁾. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς¹⁴⁾ τὴν εὐχήν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα συστησάμενος τῇ ἀκαταλήπτῳ σου σοφίᾳ, ἐπιδε ἐπὶ τὴν ποίμνην σου, ἣν ἐκτήσω τῷ τιμίῳ σου αἵματι, καὶ λύτρωσαι αὐτήν ἀπὸ πάσης ἀπειλῆς, πορίζων αὐτήν ἐσθλοπραρόχως τοῖς θεοῖς σου οἰκτιρμοῖς, καὶ τὰ τοῦ Νείλου ποταμοῦ νάματα ἀνάγαγε ἐπὶ τὸ ἴδιον μέτρον αὐτῶν, εὐφρανὼν καὶ ἀνακαίνισον τὸ τῆς γῆς πρόσωπον, ὅπως ἐν εὐθηνεῖᾳ διάγωμεν, δοξάζοντες τὸ πανένδοξόν σου ὄνομα σὺν τῷ ἀθανάτῳ σου Πατρί, καὶ τῷ ὁμοθρόνῳ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ὁ διάκονος¹⁵⁾. Ἔτι τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχήν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ τὸν ἁγίόν σου Μάρκον ἀναδείξας μιμητὴν τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Κυρίου δὲ καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ τὴν τοῦ Παρακλήτου σου Πνεύ-

¹⁾ Ἀμήν ²⁾ тоже ³⁾ тоже ⁴⁾ тоже ⁵⁾ тоже ⁶⁾ тоже ⁷⁾ тоже ⁸⁾ тоже ⁹⁾ тоже ¹⁰⁾ тоже ¹¹⁾ тоже ¹²⁾ тоже ¹³⁾ λέγει ¹⁴⁾ ὁ ὀρχιερεὺς ¹⁵⁾ λέγει.

ματος δύνῃμιν εἰς αὐτὸν ἐπιζοιτήσας, καὶ θεοκήρυκα καὶ εὐαγγελιστὴν αὐτὸν τῇ οἰκουμένῃ χαρισάμενος, ἀπελάσαντα τὴν ἀχλὺν τῆς εἰδωλομανίας καὶ φωτίσαντα τὰ πέρατα ταῖς θείαις καὶ ἀκηράτοις μαρμαρυγαῖς τῆς σῆς ἀληθοῦς θεογνωσίας. Αὐτὸς οὖν, Δέσποτα, (τὸν) τὴν δι' αὐτοῦ κηρυχθεῖσαν ἡμῖν ὀρθόδοξον πίστιν φυλάττοντα, συμμετόχους καὶ κληρονόμους αὐτοῦ ἀνάδειξον ἡμᾶς τὴν τῶν οὐρανῶν βασιλείαν. Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητός εἴ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ ἅμα τῷ παναγίῳ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεί... Καὶ εὐθὺς λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς τὸ τίμιον ξύλον τοῦ ζωοποιοῦ σταυροῦ μετὰ χειρὰς καὶ εὐλογεῖ τὰ ὕδατα, λέγων¹⁾. Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Εἴτα ῥαντίζει ὁ λαὸς ἅπας ἐκ τῶν ἁγιασθέντων ὑδάτων, ψάλλοντες· Εὐλογήσω τὸν Κύριον... Καὶ τότε γίνεται ἡ ἀπόλυσις τῆς θείας λειτουργίας. Ὁ ἱερεὺς λέγει ἐκφώνως· Ἀλληλούϊα, ἦχος δ'. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων, ὁ Θεὸς τῆς δόξης ἐβρόντησεν, Κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν. γ'.²⁾ Ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων, ἡ τσίμασας τὴν³⁾... Τὰς αὐλακὰς αὐτῆς μέθυσον, πλήθυνον τὰ γεννήματα αὐτῆς⁴⁾. Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου, καὶ τὰ πεδία σου πλησθήσονται πύκνους. Δόξα καὶ νῦν. Ἀμήν⁵⁾).

л. 127 об. Τοῦτο δεῖ εἰδέναι, ὅτι τὰς καταλύσεις τῆς νηστείας ἐν ταῖς τῶν ἁγίων μνήμαϊς ἐν τοῖς κοινοβίοις παρατηροῦνται καὶ καταλύουσιν, αἱ δὲ λαῦραι καὶ πάντες οἱ καθ' αὐτῶν ζῶντες φυλάττειν καὶ νηστεύειν ὀφείλουσι, καὶ εἰς μόνας τὰς Δεσποτικὰς ἑορτὰς καταλύειν, ἵσως δὲ εἰ βούλονται τὴν Ν'. καὶ τὸ δωδεκαήμερον εἰς ἔλαιον καὶ οἶνον μόνον. Статья о постахъ съ перечисленіемъ самыхъ дней, въ которые бы- ваеъ разрѣшеніе.

л. 131. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ κηροφόρου καὶ βαστ- γάρη.

Προσαγόμενος ὁ τοιοῦτος τῷ ἀρχιερεὶ κλίνει τὴν κεφαλὴν, καὶ σφραγίσας αὐτὸν τρεῖς, ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεταὶ οὕτως· Ὁ πᾶσαν κτίσιν τῇ αἵγλῃ λαμπρόνας τῶν θαυμασίων σου, Κύριε, ὁ καὶ πρὶν γενέσθαι τὰς τῶν ἀνθρώπων γνώμας εἰδώς, καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι, τὰς προθέσεις ἐκάστου παραμετρῶν καὶ τοὺς ὑπηρετεῖσθαι σοι βουλομένους ἐνισχύων. Αὐτὸς καὶ

1) Καὶ λέγει· Ἀλληλούϊα Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Φωνὴ Κυρίου и т. д., а возгласы: Εἰς τὸ ὄνομα и др. стоятъ послѣ 2) Στίχος 3) прибавлено: τὴν τροφήν αὐτῶν. Στίχος 4) Στίχος 5) Καὶ βάλλει ὁ ἀρχιερεὺς τὸ τίμιον ξύλον τοῦ ζωοποιοῦ σταυροῦ εἰς τὰ ὕδατα, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς и т. д.

τὸν δοῦλόν σου (τόνδε) βασιτάζειν καὶ φέρειν τὴν ἁγίαν εἰκόνα αἰρετισάμενον, προτρέχειν λαμπαδηφόρον τῶν ἁγίων μυστηρίων... Ἐκφώνως· Ὅτι ἡγιάσται καὶ δεδούσται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς. Conf. Goar. p. 198. Εἴτα ἐνδύει αὐτὸν τὴν τετυπωμένην στολήν καὶ ἐπευχόμενος ἀπολύει.

λ. 131 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Goar. p. 194.

λ. 132 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου. Goar. p. 203.

λ. 133. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου, ὀφείλοντος εἶναι χρόνων κε'. τελείων. Goar. p. 210.

λ. 135 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου, ὀφείλοντος εἶναι χρόνων λ'. τελείων. Goar. p. 244. При вручении части св. Даровъ, архіерей говоритъ: Αἶψε ταύτην τὴν παρακαταθήκην... Goar. p. 243, а рукополагаемый читаетъ потомъ 50 псаломъ.

λ. 138. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου καὶ μητροπολίτου¹⁾.

Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος διὰ τῆς ἐμῆς μετριότητος προχειρίζεται μητροπολίτην τῆς θεοσώστου πόλεως (τῆσδε)²⁾. Βασιλεῦ οὐράνιε παράκλητε...³⁾ Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς ψάλτας. Κελεύσατε. Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα γ'.⁴⁾ Κύριε εὐλόγησον. Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς ἀναγνώστας. Κελεύσατε. Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς ὑποδιακόνους. Κελεύσατε. Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς διακόνους. Κελεύσατε. Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς ἱερεῖς. Κελεύσατε. Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς πρωτοπαπάδας. Κελεύσατε. Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν ὑποψήφιον. Κελεύσατε. Αὕτη ἡ πίστις τῶν ὀρθοδόξων εἰς τὴν ἁγίαν Τριάδα⁵⁾. Πιστεύω τοιγαροῦν εἰς Πατέρα Ὑἱὸν καὶ ἅγιον Πνεῦμα, τὴν παναγίαν καὶ ζωαρχικὴν Τριάδα καὶ

¹⁾ Ркп. Синайск. библ. XVI в. № 993 Ἀρχομένης τῆς θείας λειτουργίας, ἵσταται ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι ἐπίσκοπος ἢ μητροπολίτης ἐν τῷ ναῷ πρὸς τὰ ὄπισθεν. Μετὰ δὲ τὴν μικρὰν εἰσοδὸν, προσφέρουσιν αὐτὸν δύο ἀρχιερεῖς ἕως τὸ μέσον τοῦ ναοῦ, ἐν ᾧ ἐστὶν αὐτοῦ ἐγκεχαραγμένος, εἴτα ἐκφωνεῖ ὁ μέγας χαρτοφύλαξ, λέγων· Προσφέρομεν τὸν εὐλαβεστάτον ἱερέα ἐπίσκοπον ὁ δεῖνα ἔμπροσθεν τῶν πανιερωτάτων ἀρχιερέων, τοῦ παναγιωτάτου πατριάρχου, ἵνα λάβῃ τὴν χάριν τῆς ἀρχιερωσύνης τῆς θεοσώστου πόλεως τῆσδε, καὶ ὁμολογοῦμεν αὐτὸν ἅγιον. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ ἀρχιερεὺς· Ἡ χάρις τοῦ²⁾ ψάλλομεν³⁾ Εἴτα ὁ διάκονος· Κελεύσατε. Εὐλόγησον, δέσποτα, τοὺς ψάλτας. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς εὐλογῶν, οἱ ψάλλται· Εἰς πολλὰ ἔτη, δέσποτα γ'.⁴⁾ Ὁ διάκονος⁵⁾ Καὶ ὁ μέλλων λαμβάνειν τὴν ἀρχιερωσύνην ἵσταται ἐπάνω τοῦ αὐτοῦ, πατῶν αὐτόν, λέγων τὴν ὁμολογίαν αὐτοῦ, ἥτις ἐστὶν αὕτη, μεγαλοφώνως.

μονάδα, καθὼς βεβάπτισμαι καὶ τετελείωμαι, καὶ ἀναγεγέννημαι, Θεὸν τὸν Πατέρα ὁμολογῶ, Θεὸν τὸν Υἱόν, Θεὸν τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, ἐν τὰ τρία τῇ θεότητι, ὡς καὶ ἔμπαινον, τρία τὸ ἐν ταῖς ὑποστάσεσιν· εἷς γὰρ Θεὸς ἡ Τριάς διὰ τὸ ὁμοούσιον, εἰ καὶ διήρηται διὰ τὸ ἐτεροῦπόστικτον, αὐθίς τε ὁμολογῶ τὸν ἕνα τῆς Τριάδος, τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, διὰ φιλανθρωπίαν ἄμετρον ἐν σαρκὶ ἐληλυθέναι ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ καθ' ἡμᾶς γένους, δηλὸν ἐστίν, ἐκ τῆς ἀγίας καὶ παναμώμου Θεοτόκου, τὴν σάρκα ἀνειληφότα, δίχα σπορᾶς ἀνθρωπίνης, καὶ ἐκ γαστροῦ αὐτῆς κατὰ τὸ θεῖον λόγιον νόμῳ φύσεως γεγεννημένον, διπλοῦν ὄντα τὸν αὐτόν, ὅλον τέλειον τῇ θεότητι, καθ' οὗ τέτραπτο τοῦτο, ὅπερ καθ' ὑπόστασιν, ὡς ἐν δύο φύσεσι γνωριζόμενον, οὕτω θελήσει καὶ ἐνεργείαις, ἐν αἷς ἔδρασε καταλλήλως τὰ τε θεῖα καὶ ἀνθρώπινα, πρὸς τοῦτοις ἀποτρέπομαι πᾶσαν αἰρετικῆς κοινωνίας πλάνην, ἐπόμενος ταῖς ἀγίαις καὶ οἰκουμενικαῖς, καθὼς ἄνωθεν εἶπον, ἐπτὰ συνόδοις, προσκυνῶν καὶ ἀπεκδεχόμενος τὰς ἱεράς καὶ ἀσπετὰς εἰκόνας τοῦ τε Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τῆς Θεοτόκου, ἀποστόλων, προφητῶν καὶ μαρτύρων, καὶ πάντων ὁσίων καὶ δικαίων, οὐ μὴν ἀπλῶς, ἀλλὰ καὶ τὰς ἀχράντους αὐτῶν πρεσβείας ἐξαιτοῦμαι, ἱεροποιουμένας τὸ θεῖον, προσπύσσομαι καὶ πίστει, καὶ πόθῳ, καὶ φόβῳ, τὰ πανάγια αὐτῶν λείψανα, ὡς χάριτος θείας ἀνάπλεα, προσέτι καὶ πᾶσαν βίβλον θεόπνευστον παλαιᾶς τε καὶ καινῆς διαθήκης ἀποδέχομαι, ἔτι μὴν καὶ πάντων τῶν θεσπεσίων πατέρων, διδασκάλων τε καὶ ἀσκητῶν τοὺς βίους καὶ τὰ συγγράμματα, συνομολογῶ δὲ πρὸς τοῦτοις, καὶ τὸ μοναδικὸν σχῆμα, ὑψηλὸν τε εἶναι ἐπηρμένον καὶ ἀγγελικόν καὶ καθαρτικόν τε πάσης ἀκαθαρσίας, διὰ τελείας ἐπιβιώσεως, καὶ εἰς τὴν ταύτην ὁμολογίαν, τοῦ Θεοῦ βοηθοῦντος, ζήσω καὶ ἀποθάνω. Ἀμήν¹⁾. Ὁρθόδοξος, ὁρθόδοξος, ὁρθόδοξος²⁾. Ἡ χάρις τοῦ παναγίου Πνεύματος εἴη μετὰ σοῦ. Πάντα χορηγεῖ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, βρῦει προφητείας, ἱερέας τελειεῖ, ἀγραμμάτους σοφίαν ἐδίδαξεν ἁλιεῖς³⁾. Προσφέρομεν τὸν εὐλαβέστατον ἀδελφὸν ἡμῶν (ὁ δεῖνα) τὸν πρεσβύτερον εἰς ἐπίσκοπον τῆς πόλεως, εἰπόμεν ὑπὲρ αὐτοῦ. Καὶ ἀποκρίνεται ἅπας ὁ λαὸς τὸ Κύριε ἐλέησον γ'.⁴⁾ Ἡ θεία χάρις, ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα..⁵⁾ Καὶ λέγει πᾶς ὁ λαὸς τὸ Παράσχου, Κύριε γ'.⁶⁾ Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ νομοθετήσας ἡμᾶς διὰ τοῦ πανευφήμου σου ἀποστόλου Παύλου, βαπτιστῶν καὶ

¹⁾ Καὶ ἀποκρίνονται ²⁾ Ὁ ἀρχιερεὺς ³⁾ Εἴτα λέγουν οἱ προσφέροντες αὐτὸν ἐπίσκοποι ⁴⁾ ὁ ἀρχιερεὺς ⁵⁾ При посвященіи μητροπολιτῶν Ψήφφ καὶ δοκιμασίᾳ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων καὶ τῶν δωσωτάτων πρεσβυτέρων. ⁶⁾ Ркц. Синайск. библ. № 993 Εὐχὴ παρὰ τοῦ ἀρχιερέως.

ταγματῶν τάξιν. Gouar. p. 250. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ (δεῖνα) τοῦ νυνὶ προχειριζομένου ἐπισκόπου καὶ τῆς σωτηρίας αὐτοῦ τοῦ... Ὅπως ὁ φιλόανθρωπος Θεὸς ἄσπιλον καὶ ἀμώμητον αὐτῷ τὴν ἀρχιερωσύνην χαρίσῃται τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τῆς πόλεως ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθῆναι. Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὸ μὴ δύνασθαι τὴν ἀνθρώπου φύσιν, τὴν τῆς θεότητος ὑπενεγκεῖν οὐσίαν. Gouar. p. 251. Ἐκφώνησις· Στολιζέι σε ἡ ἀγία τοῦ Θεοῦ καθολικὴ καὶ ἀποστολικὴ ἐκκλησία, τὸ τιμιώτατον τῆς ἀρχιερωσύνης ἀξίωμα. Καὶ λέγουσιν· Ἀξίος γ'. Σοφία ὁρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου... Εἰρήνῃ πάσιν. Ἐπληρώθη ἡ χειροτονία τοῦ ἐπισκόπου, ἡ τοῦ μητροπολίτου.

λ. 141 οβ. Πῶς δεῖ ὁ ἀρχιερεὺς αὐτὸν ἐνθρονιάζεσθαι.

Προσφέρει ὁ μέλλων ἐνθρονιάζεσθαι τὰ θεῖα μυστήρια, παρόντων δύο ἢ καὶ τριῶν ἐπισκόπων ἐπαρχιωτῶν ἐνθρονιασθέντων, καὶ ὅταν μεταλαμβάνονται οἱ ἱερεῖς, μεταλαμβάνουσι καὶ οἱ παρόντες ἐπίσκοποι τὸν μέλλοντα ἐνθρονιάζεσθαι, καὶ καθέζουσιν αὐτὸν ἐπὶ τοῦ ἐνθρονίου τὸν ἐνθρονιασθέντα, τῶν δύο ἐπισκόπων ἐστώτων ἔνθεν καὶ ἔνθεν, καὶ λέγει πρῶτον ὁ εἰς τὰ δεξιὰ, εἶτα ὁ ἐξ ἀριστερῶν, οὕτως τοῦ λαοῦ ἔξω τοῦ ἱερατείου ἐστηκότος ἡσύχως, ἡμέρᾳ κυριακῇ ἢ μεγάλῃ ἑορτῇ· Ἡ θεία χάρις, ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα καὶ τὰ ἐλλείποντα ἀναπληροῦσα, ἐνθρονιάζει (ὁ δεῖνα) τὸν ἀδελφόν ἡμῶν (ὁ δεῖνα), τὸν ἁγιώτατον καὶ ἐνάρετον ἐπίσκοπον, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Καθ' ἕνα καὶ ἀνιστῶν τρίτον, ὡς ἐν τῷ βαπτίσματι. Καὶ ἀποκρίνονται πάντες ἐκ γ'. Ἀξίος, ἄξιος, ἄξιος. Εἶτα ποιεῖ ὁ ἐπίσκοπος εὐχὴν, τοῦ διακόνου (λέγοντος) τὰ εἰρηνικὰ ταῦτα· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν (δεῖνος) πατριάρχου εἰπωμεν. Τῆς παναγίας... Εἶτα ῥητέον ὑψιφώνως ταύτην· Καὶ ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν (δεῖνος), τοῦ νυνὶ ἐνθρονιαζομένου ἐπισκόπου, εἰπωμεν πάντες ἐκτενῶς. Κύριε ἐλέησον γ'. Εἶτα ὁ ἀρχιεπίσκοπος ὁ χειροτονῶν λέγει οὕτως· Δέσποτα παντοκράτωρ καὶ Κύριε τῶν ὅλων, Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν, καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως, Σὺ διαφύλαξον ποιμένα μετὰ ποιμένης· Σὺ γὰρ εἰ πρόφασις, Σὺ ἡ δύναμις, ἡμεῖς τὸ βοηθούμενον, Σὺ ὁ βοηθός, ὁ ἰατρός, ὁ Σωτὴρ, ἡ προσδοκία, καὶ ἡ ζωὴ, καὶ ἡ ἀνάστασις, καὶ συνελὼν εἰπω, Σὺ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς αἰώνιον ὑπαρξίν, σωτηρίας συνήρμωσας, πάντα δύνασαι, ῥύσαι, φύλαξον, σκέπασον, φρουρήσον· Σὺ γὰρ εἰ ὁ ἄρχων ἀρχόντων, καὶ Κύριος κυρίων, καὶ Δεσπότης δεσπο-

τῶν, καὶ βασιλεὺς βασιλέων, Σὺ δὸς ἐξουσίαν τῷ προκαθεζομένῳ καὶ χάριν λύειν, ἃ δεῖ λύειν, καὶ δεσμεῖν, ἃ δεῖ δεσμεῖν, Σὺ σοφισον, ὡς δι' ὄργάνου (ἁγιασμοῦ) δι' αὐτοῦ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ Χριστοῦ σου, ὡς καλὴν νόμφην διαφυλάξον, ὅτι παντοδύναμος καὶ παντοκράτωρ Θεὸς ὑπάρχεις, καὶ σοὺ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, καὶ τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ἐἵτα ἱστάμενος ὁ ἀρχιδιάκονος μετὰ καὶ ἄλλου κληρικοῦ ἐπὶ ἀναβαθμῶν εὐφημίζει, τοῦ λαοῦ ἀποκρινομένου· (Τοῦδε) τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου πολλὰ τὰ ἔτη. (Τοῦδε) τοῦ ἀγιωτάτου μητροπολίτου πολλὰ τὰ ἔτη. (Τοῦδε) τοῦ θεοφειστου ἐπισκόπου πολλὰ τὰ ἔτη. Τῆς παρουσίας ἁγίας συνόδου πολλὰ τὰ ἔτη. Τοῦ θεοφιλοῦς κλήρου πολλὰ τὰ ἔτη. Τῶν θεοστέπτων ἡμῶν ἀνάκτων πολλὰ τὰ ἔτη. Τοῦ εὐκλεεστάτου ἄρχοντος πολλὰ τὰ ἔτη. Τοῦ φιλοχρίστου λαοῦ πολλὰ τὰ ἔτη. Αὕξη (sic) ἡ πίστις τῶν χριστιανῶν. Αὕξη ἡ πίστις τῶν ὀρθοδόξων. Ὁρθοδόξων (τῆσδε) τῆς πόλεως πολλὰ τὰ ἔτη. Ἀπολαύσεις τοῦ θρόνου σου, ὁσιώτατε πάτερ. Ῥάβδον δυνάμεως ἐξαποστελεῖ σοι Κύριος ἐκ Σιών, καὶ κατακυριεύει ἐν μέσῳ τῶν ἐχθρῶν σου, μετὰ σοῦ ἡ ἀρχὴ ἐν ἡμέρᾳ τῆς δυνάμεώς σου, ἐν ταῖς λαμπρότησι τῶν ἁγίων σου, ἐκ γαστρὸς πρὸ ἑωσφόρου ἐγέννησά σε, ὥμοσε Κύριος καὶ οὐ μεταμεληθήσεται, σὺ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα κατὰ τὴν τάξιν Μελχισεδέκ, εἰρήνη καὶ ὁμόνοια καὶ μέγα ἔλεος. Ἐπληρώθη ἡ τάξις τοῦ ἐνθρονισμοῦ.

π. 143 ὁβ. Κατάστασις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀρχιεπισκόπου ἡ πατριάρχου.

Κύριε εὐλόγησον. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ἐπεὶ ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν (τοῦδε), τοῦ νῦν προχειριζομένου πατριάρχου τοῦ... Ὅπως ὁ φιλάνθρωπος Θεὸς ἄσπιλον καὶ ἀμώμητον χαρίζεται αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀρχιερωσύνης, ἐκτενῶς δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ρουσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀρχάντου... Τότε λέγει ὁ μέγας ἀρχιεπίσκοπος τὴν εὐχὴν ταύτην· Κηδεμῶν καὶ προστάτα τῆς ἐκκλησίας τοῦ Χριστοῦ σου, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ καθ' εἷς τῶν ἱερέων, προσιόντας σοι διὰ πίστεως, καὶ προσάγοντας ἐν ἑαυτοῖς τοὺς ἐπομένους λαοὺς, τοὺς ἐν τῇ σῇ χάριτι ποιμένας, ἐπίπνευσον τὴν ἀρχιερατικὴν χάριν τῷ δούλῳ σου (τῷδε) ἐν ὁμοιώματι τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, τῶν διαγγειλάντων τὴν δόξαν τοῦ Χριστοῦ σου, ὧν διαδόχους καὶ τοὺς νῦν ποιμένας, οὓς ἐγείρεις εἰς εὐεργεσίαν πάσης τῆς ἐκκλησίας, εἰς ἀληθινὴν πρεσβείαν τοὺς λόγους σου, καὶ δεκτὴν προσαγωγὴν τοῦ λαοῦ σου, καλλωπίζων κάλλει τῶν ἁγίων σου,

πρὸς τὸ παραστῆναι τῷ Χριστῷ σου ἐν παρῶρήσῃ, μεθ' οὗ σοι πρέπει δόξα ἅμα τῷ ἀγαθῷ καὶ παναγίῳ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ἐἵτα λέγει ὁ δεύτερος ἐπίσκοπος καὶ ἐτέραν εὐχὴν· Ἐτι τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ δεδωρηται τοῖς ἀγίοις αὐτοῦ ἀποστόλοις, οἱ καθιδρύσαν τὴν ἐκκλησίαν σου κατὰ τόπους εἰς ἔπαινον ἀδιαλείπτου τοῦ ὀνόματός σου, καὶ δὸς τῷ δούλῳ σου δεῖνα ποιμαίνειν ποίμνην σου ἁγίαν, λειτουργεῖν σοι ἡμέρας καὶ νυκτὸς ἀδιαλείπτως, προσφέρειν τὰ δῶρα τῆς ἁγίας σου ἐκκλησίας, ἀφιέναι ἁμαρτίας κατὰ τὴν ἐντολήν σου, εὐχαριστεῖν καὶ εὐχαρεστεῖν σοι ἐν πραότητι καὶ καθαρᾷ καρδίᾳ. Ὅτι εὐλόγηται σου τὸ ὄνομα τὸ δεδοξασμένον ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ γῆς τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς... Ἐἵτα λέγει ὁ τρίτος ἐπίσκοπος καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην. Ἐτι τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ τὴν ἀρχιερατικὴν δωρεὰν δεδοκῶς ἐν Ἰσραὴλ διὰ σωματικῶν λειτουργιῶν, καὶ τὴν πνευματικὴν ἐν ἡμῖν ἀρχιερωσύνην καταστήσάμενος, ἐπάκουσον ἡμῶν, Δέσποτα ὁ Θεὸς τῶν ταπεινῶν δούλων σου, καὶ κατὰστησον τὸν δοῦλόν σου τοῦτον ποιμένα καὶ πιστὸν λειτουργόν, καὶ φύλακα τῆς ἀμωμότητος πίστεως εἰς καταρτισμὸν τῆς ἁγίας σου ἐκκλησίας, εἰς προσαγωγὴν τῶν ἀλλοτρίων, καὶ τήρησιν τῶν ἰδίων, πρὸς τὸ δεῖξασθαι τὴν χάριν τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ αὐξάνεσθαι τὴν ἐκκλησίαν σου ταῖς ἐνεργείαις τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, καὶ παραστῆναι ἐνδοξον αὐτῷ τῷ Χριστῷ σου, μεθ' οὗ σοι πρέπει δόξα, τιμὴ καὶ μεγαλοπρέπεια, ἅμα τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην ἰδίως εἰς τὸν χειροτονούμενον πατριάρχην λέγουσιν αὐτὴν οἱ ἀρχιερεῖς ὅλοι καθ' ἐνὸς ἅπασι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Παιδὸς Ἰησοῦ Χριστοῦ θεόμεθα καὶ παρακαλουμέν σε, ἀνάδειξον τὸν δοῦλόν σου (τόνδε) ποιμένα τῶν ποιμένων σου καὶ ἀρχιερέα τοῦ λαοῦ σου καὶ τοῦ θυσιαστηρίου σου, μετασκεύασον αὐτόν, Δέσποτα, εἰς ἄνδρα τέλειον, ἕτερον ἐκ (sic) τῶν ἑτερον, δὸς αὐτῷ πατεῖν ἐπάνω ὄψεων καὶ σκορπίων καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ, χάρισαι αὐτῷ πνεῦμα σοφίας, πνεῦμα συνέσεως, πνεῦμα υἰοθεσίας, δὸς αὐτῷ τὰς κλεῖς τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν, ἃς παρέδωκας τῷ κορυφαίῳ Πέτρῳ καὶ προκρίτῳ σου, ὑπόταξον αὐτῷ ἀρχιερεῖς, τοὺς ἄρχοντας καὶ τοὺς δῆμους, ἵνα ἀμέμπτως λειτουργήσῃ σε, καὶ ὑπηρετῇ τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ, καὶ ποιμάνῃ πάντα τὸν λαόν σου ἐν ὁσιότητι καὶ εὐθύτητι, καὶ δικαιοσύνη, καὶ ἀληθείᾳ διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλόγητός εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ πανηγύῳ καὶ ἀγα-

θῶ καὶ ζωοποιῶ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Εἶτα
 ἐπαίρεται ἀπ' αὐτοῦ τὸ εὐαγγέλιον, καὶ λαβὼν ὁ πρῶτος ἀρχιεπίσκοπος σάκ-
 χον τὸν πολύσταυρον ἀπὸ τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου, καὶ σφραγίσας σταυ-
 ροειδῶς, ἐνδύει αὐτόν, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ (ὁδε) τὸν τί-
 μιον σάκχον εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύ-
 ματος... Καὶ λέγει πᾶς ὁ λαός· Ἄξιος, ἄξιος, ἄξιος. Ὁμοίως καὶ τὸ
 κριτάτον, ἐνδύει αὐτόν, λέγων· Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ τὸ τίμιον
 κριτάτον, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύμα-
 τος. Καὶ λέγει πᾶς ὁ λαός· Ἄξιος, ἄξιος, ἄξιος. Ὁμοίως, λαβὼν καὶ τὸ
 ὠμοφόριον ἀπὸ τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ σφραγίσας, ἐνδύει αὐτόν, λέγων·
 Στολίζει σε, ἀδελφεῖ ἡμῶν (ὁ δεῖνα), ἡ ἁγία τοῦ Θεοῦ καθολικὴ καὶ ἀπο-
 στολικὴ ἐκκλησία τὸ τιμιώτατον ὠμοφόριον, ἀλουργίδα, τῆς πατριαρχικῆς
 ἐπὶ θρόνου τῆς μεγάλης πόλεως Ἀλεξανδρείας ἀξίωμα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ
 Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου... Καὶ ἀποκρίνεται πάλιν πᾶς ὁ λαός·
 Ἄξιος γ'. Καὶ προσεγγίζει τὸν χειροτονούμενον καὶ ἀσπάζεται τὴν ἁγίαν
 τράπεζαν, καὶ λαβὼν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἀναβαίνει εἰς τὸν ἄμβωνα καὶ
 ἀναγινώσκει εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς
 τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους· Ἀμήν, ἀμήν λέγω ὑμῖν, ὁ μὴ
 εἰσερχόμενος διὰ τῆς θύρας εἰς τὴν αὐλήν τῶν προβάτων... Τέλος· Καὶ γε-
 νήσεται μία ποίμνη εἰς ποιμήν. Πολυχρόνιον ποιήσῃ ὁ Θεὸς τὸν δεσ-
 πότην ἡμῶν (τοῦδε) τοῦ θεοτιμίτου ἐπὶ θρόνου τῆς μεγαλοπόλεως Ἀλε-
 ξανδρείας, πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ λέγει πᾶς ὁ λαός· Ἀμήν. Γένοιτο, γέ-
 νοιτο. Ἀπὸ δόξης εἰς δόξαν πορευόμενοι, σὲ ὑμνοῦμεν τὸν Σωτῆρα τῶν
 ψυχῶν ἡμῶν. Ἔτι τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Τὰς
 κεφαλὰς ἡμῶν... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ τὴν καθολικὴν
 σου ἐκκλησίαν τῷ τιμίῳ αἵματι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ συστησάμενος,
 καὶ πᾶσαν τάξιν ἱερωσύνης καταστησάμενος, ὁ διὰ τὴν ὑπερβάλλουσαν ἀγα-
 θότητά σου θέμενος ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους δούλους σου εἰς τὸν κληροῖ τῆς
 διακονίας ταύτης, καὶ τὰς σωτηρίους ἡμῶν προσδεχόμενος προσφοράς, καὶ
 χαρισάμενος ἡμῖν ὁδηγοὺς πρὸς τὴν σὴν εὐαρέστησιν, δι' ὧν ἐπληθύνθη
 καὶ ἐδοξάσθη κατὰ πάσης τῆς οἰκουμένης ἡ γνῶσις τοῦ ὀνόματος τοῦ
 Χριστοῦ σου· ὁ Θεός, ὁ κατ' ἐκάστην γενεάν καὶ γενεάν γνωρίζων τοὺς
 ἐκλεκτούς σου, καὶ ἕκαστον πρὸς τὴν οἰκείαν διακονίαν προσκαλεσάμενος,
 ὡς ἐνίσχυσας τοὺς ἁγίους σου προφήτας καὶ ἀποστόλους, ὡς ἔχρισας τοὺς
 βασιλεῖς, ὡς ἡγιάσας τοὺς ἀρχιερεῖς, οὕτως καὶ νῦν, Δέσποτα, καὶ ἐπὶ
 τὸν δοῦλόν σου (τόνδε) ἐπένευχε τὴν μεγάλην χάριν σου καὶ ἀγαθὴν, ἐπι-
 σκηνησάτω ἐπ' αὐτόν ἡ δύναμις τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, στήριξον
 αὐτόν τῷ Πνεύματί σου τῷ ἡγεμονικῷ, Αὐτὸς αὐτῷ τὸ τῆς μεγάλης ἀρ-

χειρωσύνης καὶ τάξιν τὴν πατριαρχικὴν δῶρον κατάπεμψον, ὡς τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων Πέτρῳ τὰς κλεῖς τῶν οὐρανῶν αὐτῷ καταπιστεύων, ἀξίωσον αὐτὸν μιμητὴν γενέσθαι τοῦ ἀληθινοῦ ποιμένου, τιθεύοντα (sic) τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ὑπὲρ τῶν προβάτων, ποιήσον αὐτὸν γενέσθαι ὁδηγὸν τυφλῶν, φῶς τῶν ἐν σκοτίᾳ, παιδευτὴν ἀφρόνων, φωστῆρα ἐν κόσμῳ, ἵνα, καταρτίσας τὰς ἐμπιστευθείσας αὐτῷ ψυχὰς πρὸς πίστιν ὀρθόδοξον, καὶ ἐπίγνωσιν ἀληθῆ τῆς σῆς θεότητος, παραστῇ τῷ βήματι τοῦ Χριστοῦ σου, ἐκδεχόμενος τὸν μέγαν μισθόν, ὃν ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε ἐναθλήσασαι τῷ κηρύγματι τοῦ εὐαγγελίου. Ναί, ὁ Θεός, πλήρωσον αὐτὸν εἰς τὴν τιμιωτάτην ταύτην τάξιν τῆς δυνάμεώς σου καὶ τῆς χάριτος τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, καὶ τῆς ἐνεργείας τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, ἐλθέτω ἐπ' αὐτὸν ἡ δύναμις τοῦ εὐαγγελίου, χαρίσματα προφητείας, ἐνεργήματα δυνάμεως, διὰ τοῦ Πνεύματος τοῦ ἁγίου ἐπιτελεῖτω, εἰς δόξαν καὶ ἔπαινον τῆς ἁγίας δόξης σου τοῦ Πατρὸς, καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ἐἵτα λέγει ὁ πρωτοεπίσκοπος· Εὐλογητὸς Κύριος, ἰδοὺ γέγονας τέλειος ἀρχιερεὺς καὶ πατριάρχης. Καὶ λέγει ὁ κληρὸς· Ἄξιός γ'. Ὁμοίως καὶ πάντες οἱ ἀρχιερεῖς λέγουσι τὴν εὐλογίαν ταύτην εἰς καθ' εἰς ἅπαξ καὶ ἀσπάξουσιν αὐτόν. Τότε λαμβάνουσιν οἱ ἀρχιερεῖς τὸν θυμιατόν, καὶ ἔρχονται ὅλοι εἰς τὸν πατριάρχην θέσει(ν) τὸ θυμίαμα, καὶ λαμβάνει ὁ πατριάρχης τὸν τίμιον σταυρόν, καὶ γίνεται εἰσοδός, καὶ ὅλοι οἱ κληρικοὶ ψάλλουσιν ἔμπροσθεν αὐτοῦ τὸ ἰδιόμελον τοῦτο, ἦχος α'. Πάντα χορηγεῖ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, βρῦει προφητείας, ἱερέας τελειοῖ, ἀγραμμάτων σοφίαν ἐδίδαξεν, ἀλιεῖς θεολόγους ἀνέδειξεν, ὅλον συγκροτεῖ τὸν θεσμόν τῆς ἐκκλησίας, ὁμοούσιε καὶ ὁμόθρονε τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ Παράκλητε δόξα σοι. Ἐν ὀνόματι Κυρίου εὐλογεῖτε, ἅγιοι. Εὐλόγησον, δέσποτα. Εἰς ἀρχιερέα λέγει· Ὁ ὢν εὐλογητὸς Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ὁ λαὸς τὸ Ἀμήν. Στερεώσῃ ὁ Θεὸς τοὺς βασιλεῖς ἡμῶν. Ἐἵτα εὐλογεῖ ὁ πατριάρχης καὶ ἀπολύει. Ἐπληρώθη ἡ χειροτονία τοῦ πατριάρχου.

л. 139 об. Чинъ возведенія на патриаршіи престолъ александріискаго патриарха.

Ἀπὸ δόξης εἰς δόξαν πορευόμενοι, Σὲ ὑμνοῦμεν τὸν Σωτῆρα τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Πρόσχωμεν. Ἡ θεία χάρις, ἡ τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα, καὶ τὰ ἐλλείποντα ἀνὰ πληροῦσα, καὶ πρόνοιαν ἀεὶ ποιουμένη τῶν ἁγίων αὐτῆς ὀρθοδόξων ἐκκλησιῶν, ἐνθρονιάζει ἐν θρόνῳ τοῦ ἁγίου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Μάρκου τῆς μεγαλοπόλεως Ἀλεξανδρείας τὸν πατέρα ἡμῶν (τὸν δεῖνα), τὸν ἁγιώτατον καὶ ἐνάρετον πατριάρχην, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν. Καὶ τοῦ

Ἰοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Ὁ λαός· Ἄξιός γ'. Κρα-
 τοῦντες αὐτὸν τρεῖς μητροπολίται, καθίζων καὶ ἀνιστῶν (sic) τὸν πατριάρχην
 τρίτον, ὡς ἐν τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι, καὶ ἀποκρίνεται πᾶς ὁ λαός ἐκ τρί-
 του, λέγοντες πρότερον οἱ ἀρχιερεῖς· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν.
 Καὶ τοῦ Ἰοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Ἄξιός γ'. Καὶ
 λέγει εἰς ἀπ' αὐτῶν τῶν ἀρχιερέων τὴν ἐκτενὴν ταύτην· Ἐν εἰρήνῃ. Ὑπὲρ
 τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ σωτηρίας... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ἐτι ὑπὲρ σω-
 τηρίας καὶ ἀντιλήψεως τοῦ ἁγιωτάτου πατρὸς ἡμῶν (τοῦδε), τοῦ νῦν ἐν-
 θροναζομένου πατριάρχου, εἰπώμεν πάντες ἐκτενῶς. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ
 τῆς παρουσίας ἁγίας συνόδου, εἰπώμεν πάντες ἐκτενῶς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυ-
 σθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Δέσποτα παντοκράτωρ καὶ
 Κύριε τῶν ὅλων... Σὺ γὰρ εἴ ἡ πρόφασις πᾶσα ἀγαθῇ, Σὺ ἡ δύναμις τῶν
 ἀδυνατῶν, Σὺ ὁ βοηθὸς τῶν ἀβοηθήτων, Σὺ ὁ ἰατρός τῶν ψυχῶν καὶ τῶν
 σωμάτων, Σὺ ὁ Σωτήρ... Σὺ δὸς ἐξουσίαν τῷ προκαθεζομένῳ ἐν θρόνῳ
 ἀποστολικῷ τούτῳ καὶ χάριν λύειν, ἃ δεῖ λύειν... Снес. вышше стр. 694—
 695. (Τοῦδε) τοῦ ἁγιωτάτου καὶ παναγιωτάτου, πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ ὁ πᾶς
 ὁ κληρὸς λέγων· Πολλὰ τὰ ἔτη σου, δέσποτα, τρεῖς. Καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος
 λέγει· Σοφία ὀρθοί, ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου. Καὶ λέγει ὁ πα-
 τριάρχης· Εἰρήνη πᾶσι. Καὶ λέγει ὁ πατριάρχης· Ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον
 ἁγίου εὐαγγελίου... Καὶ λέγει ὁ λαός· Δόξα σοι, Κύριε, δόξα σοι. Καὶ οἱ
 ἀρχιερεῖς καὶ οἱ ἱερεῖς, καὶ οἱ διάκονοι λέγουσι· Πρόσχωμεν τῇ ἁγίᾳ ἀνα-
 γνώσει. Καὶ ὁ πατριάρχης ἀναγινώσκει τὸ εὐαγγέλιον· Ἀρχὴ τοῦ εὐαγ-
 γελίου Ἰησοῦ Χριστοῦ Ἰοῦ τοῦ Θεοῦ... Τέλος· Αὐτὸς δὲ βαπτίσει ὑμᾶς
 ἐν Πνεύματι ἁγίῳ. Πολυχρόνιον ποιήσει ὁ Θεὸς τὸν δεσπότην καὶ ἀρχι-
 ερέα ἡμῶν (τόνδε), τὸν πατριάρχην τὸν θεοτίμητον ἐπὶ θρόνου τῆς με-
 γαλοπόλεως Ἀλεξανδρείας, πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ ἀποκρίνεται πᾶς ὁ λαός·
 Ἀμήν. Γένοιτο. Πολλὰ τὰ ἔτη. Πολυχρόνιον ποιήσει ὁ Θεὸς τοὺς θεο-
 φόρους πατέρας ἡμῶν καὶ ἀρχιεπισκόπους ὀρθοδόξους, (ὁ δεῖνος) τοῦ μη-
 τροπολίτου, καὶ (ὁ δεῖνος) τοῦ μητροπολίτου, καὶ (ὁ δεῖνος) μητροπολίτου
 ἐπὶ τοὺς θρόνους αὐτῶν, πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ ἀποκρίνεται ὁ λαός· Ἀμήν.
 Γένοιτο, γένοιτο. Πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ λέγει πάλιν· Πολυχρόνιον ποιήσει ὁ Θεὸς
 τῶν θεοστέπων καὶ πιστοτάτων ἡμῶν ἀνάκτων (ὁ δεῖνος καὶ ὁ δεῖνος)
 ἐπὶ τῶν θρόνων τῆς βασιλείας αὐτῶν, πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ λέγει (ὁ λαός·)
 Ἀμήν. Γένοιτο, γένοιτο. Καὶ λέγει πάλιν· Πολυχρόνιον ποιήσει ὁ Θεὸς τῆς
 παρουσίας ἁγίας συνόδου, παντός τοῦ κλήρου καὶ τοῦ φιλοχρίστου λαοῦ,
 πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ ὁ λαός· Ἀμήν. Γένοιτο, γένοιτο. Πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ
 πάλιν λέγει μεγάλη φωνῇ· Αὖξή ἡ πίστις τῶν χριστιανῶν. Αὖξή ἡ πίστις
 τῶν ὀρθοδόξων. Αὖξή ἡ πίστις τῶν χριστιανῶν. Ἀπολαύσεις τοῦ θρόνου σου,

ἀγιώτατε πάτερ, πολλὰ τὰ ἔτη. Καὶ ὁ λαός· Ἀμήν. Γένοιτο, γένοιτο. Πολλὰ τὰ ἔτη, πολλὰ τὰ ἔτη, πολλὰ τὰ ἔτη σου, δέσποτα. Εἴτα ἐκφωνεῖ ὁ πρωτοψάλτης μεγάλη τῇ φωνῇ· Δύναμις. Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς.

л. 153. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 379. Прокименъ предъ апостоломъ: Ἅγιος ὁ ναός σου, θυμαστός ἐν δικαιοσύνῃ. Στίχοι· Σοὶ πρέπει ὕμνος... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἑβραίους Ἀδελφοί, ἔχομεν θυσιαστήριον, ἐξ οὗ φαγεῖν οὐκ ἔχουσιν ἐξουσίαν... Τέλος· τοιαύταις γὰρ θυσίαις εὐαρεστεῖται ὁ Θεός. Ἀλληλουάριον, ἦχος δ'. Πλησθησόμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς. Τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἀγίασμα, Κύριε.

л. 173. [Τάξις ἐγκαινίων ἁγίας τραπέζης, βεβηλωθείσης ὑπὸ ἄλλοφύλων)¹⁾. Εὐλογητός ὁ Θεός, ψαλμὸς πς'. Οἱ θεμέλιοι αὐτοῦ ἐν ταῖς ὄρεσι τοῖς ἁγίοις. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ναὸν ἅγιον οἰκοδομηθῆναι κελεύσας παρὰ Δαβὶδ καὶ Σολομῶντος, τῶν δούλων σου, καὶ ἀγιάσας αὐτὸν καὶ προσδεξάμενος ἐν αὐτῷ λειτουργίας εἰς ἀπολύτρωσιν πλημμελημάτων τοῦ λαοῦ σοῦ, Σοὶ κατὰ τοιοῦτον παρακαλοῦμεν τὸν οἶκον τοῦτον, εἰς δόξαν γενόμενον τῆς σῆς μεγαλειότητος, δὸς ναὸν ἅγιόν σου καλεῖσθαι καὶ τὴν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος δεῖξασθαι χάριν, ὥστε ἐν αὐτῷ τὰ σὰ χαρίσματα πηγάζειν καὶ τὰς εὐεργεσίας τὰς παρὰ σοῦ χάριτι τοῦ Χριστοῦ σου, μετ' οὗ σοὶ πρέπει δόξα σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Ὁ διάκονος λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ νῦν ἐγκαινιζομένου οἴκου τούτου ἁγιασθῆναι τῇ ἐπικλήσει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ στηριχθῆναι τὸν οἶκον τοῦτον καὶ διαφυλαχθῆναι τοὺς μετὰ πίστει καὶ εὐλαβείας καὶ φόβου Θεοῦ εἰσιόνταν ἐν αὐτῷ τοῦ... Ὑπὲρ τῶν ἀρχιερέων ἡμῶν ὁ δεῖνος τοῦ πατριάρχου, ὁ δεῖνος ἀρχιεπισκόπου τοῦ... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τῆς πόλεως ἡμῶν... Ὑπὲρ εὐχασίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων, ὁδοιπορούντων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς πναγίας... (упоминается имя святого храма). Εἴτα ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς, λέγων· Εὐλογητός ὁ Θεός, ὁ στηρίζων καὶ ἀγιάζων τὸν ναὸν τοῦτον εἰς τὸ ὄνομα τοῦ ἁγίου τοῦδε τοῦ ναοῦ ἕως τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος τούτου. Ὁ κληρικός· Ἀμήν. Ῥαντιεῖς με ὑσώπῳ.. Καὶ μετὰ τοῦτο κλινόμενος ὁ ἀρχιερεὺς καὶ εὐχεται μυστικῶς Ὁ κτίσας καὶ διακοσμήσας τὰ σύμπαντα Θεός

¹⁾ Заглавіе беремъ изъ рукописи XIV в. патріаршей александрійской (въ Каирѣ) библ. № 149—104.

καὶ εἰς ἀνάκλησιν καὶ βεβαίωσιν ταῦτα τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων δωρησάμενοι, ὁ καὶ τὸν τόπον τοῦτον τὸν ἅγιον εἰς δόξαν τοῦ ὀνόματός σου καὶ εἰς ὄνομα τοῦ ἁγίου ἐγείρας καὶ ἐγκαινίσαι ποιήσας, χάρισαι, Δέσποτα, ἐν αὐτῷ τελεῖσθαι διὰ τῆς ἐπικλήσεώς σου σημεῖα καὶ τέρατα ἐνδοξα καὶ πνευματικά, συνάξεις καὶ ἀγρυπνίας εἰς τιμὴν καὶ ἔπαινον τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ σοι πρέπει δόξα σὺν τῷ πατριῳ καὶ ἁγίῳ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ὁ ἀρχιερεὺς ψάλλει· Ἀλληλούϊα, ἦχος βαρὺς, γ'. Στίχος α'. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν. Ὁ κληρὸς· Ἀλληλούϊα, εἰς ἅπαξ. Στίχος β'. Ἐνεδύσατο Κύριος. Ὁ κληρὸς· Ἀλληλούϊα τρίς. Στίχος γ'. Τῷ οἴκῳ σου πρέπει. Ὁ λαός· Ἀλληλούϊα γ'. Δόξα καὶ νῦν. Ἀλληλούϊα γ'. Ἀλληλούϊα, Ἀλληλούϊα, Ἀλληλούϊα. Ὁ ἱερεὺς λέγων· Ἐνδύεται ἡ ἁγία τράπεζα αὕτη ἔνδυμα τῆς ἀγιότητος, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεὶ... Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἀρχιερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται. Εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε, ὁ διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων φωταγωγήσας καὶ ὁδηγήσας εἰς τὴν ἁγίαν ταύτην σωτήριον οἰκονομίαν τῶν ἁγίων σου θυσιαστηρίων, λυτήριον παντὸς νοσήματος, ἀρράβωνα ζωῆς... Goar p. 520. Ὅτι Θεὸς εἰρήνης, ἐλέους καὶ σωτηρίας ὑπάρχεις, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ τελειοῦται ἡ ἁγία λειτουργία, καὶ ἀσπάζεται τὸ ἱερατεῖον ὅλον, τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ ψάλλουσι τὸ ἀπολυτίκιον, τὸ κοντάκιον τοῦ ἁγίου τοῦ ναοῦ καὶ ἀπολύουσιν.

π. 175 οβ. Ἀκολουθία ναοῦ καὶ ἐκκλησίας μιανθέντων ὑπὸ ἐθνῶν καὶ αἱρετικῶν.

Λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ψάλλομεν Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, καὶ λέγομεν τὰ τροπάρια ταῦτα· Ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ποιῶν αἰεὶ μεθ' ἡμῶν... Δόξα, Ὡς ἐν μέσῳ τῶν μαθητῶν σου παρεγένου, Σωτήρ... Καὶ νῦν, Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων καὶ τῆς Θεοτόκου τὴν σὴν εἰρήνην διδούς... Ἐἵτα βάλλει ἁγιασμόν καὶ λέγει· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ εἰπὼν διὰ στόματός τοῦ προφήτου Δαβὶδ· ὁ Θεός, ἡλθωσαν ἔθνη εἰς τὴν κληρονομίαν σου, ἐμίαναν τὸν ναὸν τὸν ἅγιόν σου, ἐπίβλεψον ἐφ' ἡμᾶς τοὺς δούλους σου καὶ ἶδε τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν, ἐκ τῶν ἐθνῶν ἐπίστρεψον ἡμᾶς, ὁ Θεός, καὶ ἐπισυνάγαγε ἡμᾶς ἐκ τῶν ἐθνῶν τε καὶ ἐχθρῶν, καὶ ἐπάκουσον τῆς φωνῆς τῶν οἰκετῶν σου, καὶ κατὰπεμψον τὸ ἅγιόν σου Πνεῦμα ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὸν ἅγιον οἶκον τοῦτον, καὶ καθάρισον αὐτὸν ἐκ πάσης βλάβης καὶ ἀκαθαρσίας τῶν αἱρετικῶν καὶ ἀθέων ἐθνῶν, καὶ

ἀγαργνηῶν λαῶν, καὶ ἔστωσαν οἱ ὀφθαλμοί σου ἀτενίζοντες ἐν αὐτῷ. Ὅτι σὺ εἶ ἡ κάθαρσις ἡμῶν καὶ ἔλπις τῶν ψυχῶν ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν νῦν καὶ ἀεί...

λ. 176. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ναόν, βεβηλωθέντα ὑπὸ ἀλλέων ἐθνῶν.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὸν ναὸν τοῦτον ἀναδείξας κατοικητήριον τῆς σῆς ἀγίας δόξης. Gouar. p. 495.

λ. 177. Εὐχὴ ἐπὶ τῷ εὐλογησάι θυσιαστήριον, μινθέν ὑπὸ αἵρετικῶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε τὸν ἱλεων καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἀμαρτίαις ἡμῶν, εἴ τις ἐξ αἵρετικῆς ἐγχειρίσεως ἐπιτριβῇ μώμησις... См. выше стр. 296. Конецъ: διὰ τῶν πρεσβειῶν τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ἀμήν.

— Ἀκολουθία ἐπὶ σαλευθείσῃ τραπέζῃ.

Εὐλογητὸς ὁ Θεός, καὶ ψάλλομεν Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, καὶ τὰ τροπάρια· Ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν... Ὡς ἐν μέσῳ τῶν... Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε.. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῆς ἀγίας ταύτης τραπέζης καὶ ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τῆς φωνῆς τῆς δεήσεως ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι ἐπ' αὐτὴν τὴν χάριν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ὡς καὶ ἐν τῷ ὑπερώῳ τῆς ἀγίας Σιών τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας... Κύριε ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ μέγας ἐν βουλαῖς καὶ δυνατὸς ἐν τοῖς ἔργοις, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν οὐρανίων μυστηρίων ἀποκάλυψιν διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων, καὶ ἐξαποστείλας αὐτοὺς ἐν ὄλῳ τῷ κόσμῳ κηρύττει καὶ διδάξει τὰς ἀγίας σου ἐντολάς καὶ ἐπ' αὐτῶν οἰκοδομησάμεναι ναοὺς καὶ ἐκκλησίας· δι' αὐτῶν, Κύριε, ἐπιβλεψὼν ἐπὶ τὴν ταπεινῶσιν ἡμῶν καὶ ἁγιάσον τὸ παρὸν θυσιαστήριον ἐν τῇ ἐπιφοιτήσει τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος διὰ τῆς ἐπιθέσεως τῶν χειρῶν ἡμῶν, καὶ ποιήσον αὐτόν ναόν ἅγιον, καὶ ἑνδοξὸν πέτρην ἀρράχῃ καὶ ἀσάλευτον, λίθον ἀκρογωνιαῖον τεθεμελιωμένον ἐπὶ τὰς οἰκοδομὰς τῶν προφητῶν καὶ ἀποστόλων, ἵνα δοξασθῇ καὶ ἐν αὐτῷ τὸ πανάγιον ὄνομά σου σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεί...

λ. 178. Τάξις γινομένη ἐπὶ τῶν ἀντιμινισίων.

Ὁ ἀρχιερεὺς λέγει· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ σωτηρίας καὶ ἀντιληψέως τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν ὁ δεινὸς ἀρχιεπισκόπου, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας, παντὸς τοῦ κλήρου καὶ τοῦ λαοῦ τοῦ... Ὑπὲρ τῶν παρόντων καὶ συνευχομένων ἡμῖν ἐν ταύτῃ τῇ ἀγίᾳ ὥρᾳ καὶ ἐν παντὶ καιρῷ πατέρων τε καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, σπουδῆς καμάτου καὶ λυτρώσεως τῆς ταπεινώσεως ἡμῶν ταύτης πάσης πόλεως καὶ χώρας τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ

ἀγιασθῆναι τὸ θυσιαστήριον τοῦτο καὶ ἐλθεῖν ἐπ' αὐτῷ ἡ χάρις τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἐκτενῶς δεηθῶμεν. Ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν καὶ συγχωρήσεως πάντων τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν καὶ τοῦ ῥυθθῆναι καὶ σωθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς, κινδύνου καὶ ἀνάγκης τοῦ... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Εὐχὴ εἰς τὸ ἀγιάσαι θυσιαστήριον. Ὁ ἀρχιερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Ὁ πάσης φύσεως Δεσπότης καὶ τῆς κτίσεως ἀπάσης δημιουργός. Goar. p. 519. Ὁ ἱερεὺς λέγει. Ἐτι καὶ ἔτι τοῦ Κυρίου... Ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην. Κύριε παντοκράτωρ, ὁ μέγας καὶ ἰσχυρός καὶ δυνατός. Goar. p. 519. Ἐῖτα ὁ ἀρχιερεὺς χρίει τὰ θυσιαστήρια τῷ ἁγίῳ μύρῳ σταυροειδῶς καὶ λέγει. Ἀλληλούια, τρίς, ἤχος πλ. β'. Στίχος. Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ βασιλεὺς μου καὶ ὁ Θεός. Στίχος. Τὰ θυσιαστήριά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων. Καὶ σφραγίζει τῷ ἁγίῳ μύρῳ τὸ δεύτερον καὶ δοξάζει, λέγων τὸ Ἀλληλούια. Στίχος. Ἐμίσησα ἐκκλησίαν πονηρευομένων καὶ... Στίχος β'. Νίφομαι ἐν ἀθώοις τὰς χεῖράς μου... Καὶ τότε χρίσει καὶ τελειώσει αὐτά, λέγει ψαλμὸν κβ'. Κύριος ποιμαίνει με καὶ οὐδέν με ὑπερῇσει εἰς τόπον... Ἐῖτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ ἱερεὺς. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν. Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, εὐχαριστοῦμέν σοι διὰ παντός. Goar. p. 520. Ἴδου ἡγίασται καὶ τετελείωται καὶ γέγονε θυσιαστήριον ἅγια ἁγίων, ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς ψαλμὸν κβ'. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν... Ἐτι ἐκτενῶς ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ σωτηρίας... Ὑπὲρ σωτηρίας.. Ὑπὲρ ἀφέσεως... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Goar. p. 520. Καὶ ὑπὲρ τοῦ ἁγίου τόπου τούτου καὶ ἐν αὐτῷ τιμίου καὶ ἐνδόξου θυσιαστηρίου τοῦ ἀγιασθέντος, καὶ τοῦ καταξιωθῆναι πάντας ἡμᾶς τῆς τῶν οὐρανῶν βασιλείας, Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν ἱκετεύσωμεν. Ὁ ἐπίσκοπος λέγει τὴν εὐχὴν. Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, ὁ τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν ἀρρήτως σου σοφίᾳ θεμελιώσας. Goar. p. 517. Καὶ λέγει ὁ ἀρχιεπίσκοπος. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ ἱερεὺς λέγει. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἀρχιερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων φωταγωγήσας. Goar. p. 520. Καὶ λέγει προκείμενον, ἀπόστολον, εὐαγγέλιον. Goar. p. 520—521. Ψαλμὸς ριζ'. Ἐξομολογεῖσθε τῷ Κυρίῳ... ἀφείλει λέγεσθαι πρὸ τῆς εὐχῆς. Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς.

л. 185. Μάρκου (κεφάλαια). Марковья главы съ 18 по 66. Начиная главою о службѣ трехъ святителей въ предъуготовительныя недѣли, а оканчиваются замѣчаниями о службѣ Іоанна Богослова въ Пятидесятницу и краткимъ замѣчаніемъ о постѣ апостоловъ.

л. 231—232 чистые.

л. 233. Вводная часть къ Типикону Саввы Освященнаго протѣйшей редакціи.

л. 262. листъ чистый.

л. 263. Синаксарь Типикона съ 1 сентября по 11 октября.

л. 293. Чинъ умовенія ногъ (неполный).

л. 300. Ἰωάσαφ, ἱερομονάχου, μεγάλου πρωτοσυγγέλου, ἀποκρίσεις πρὸς τὰς ἐρωτήσεις, αἱ ἠρώτησεν ὁ εὐλαβέστατος ἐν ἱερεῦσι κύρ Γεώργιος ὁ Δραζίνος.

л. 314 об. Ἀναστασίου μοναχοῦ, ἡγουμένου τοῦ Σινᾶ ὄρους τοῦ ἁγίου, λόγος ψυχοφελῆς ἐπὶ αἰσχυρῶν λογισμῶν ἀκαθάρτων.

Πόθεν ἡ ψυχὴ τοῦ ἀνθρώπου πολλάκις λαλεῖ τινας ἔνδοθεν λογισμοὺς καὶ λόγους αἰσχυροῦς...

л. 322. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ τῆς Κλίμακος περὶ τῶν ἀνεκφράστων βλασφημίας λογισμῶν.

Χαλεπὴς ῥίζης καὶ μητρὸς χαλεπώτατον ἀπόγονον εἶναι ἐν τοῖς φιδάσασιν ἀκηκόαμεν...

л. 326 об. Μηνὶ Μαΐῳ εἰς τὴν α'. τοῦ ἁγίου προφήτου Ἰερемίου.

л. 327 об. Сказаніе изъ Лѣтствицы о помыслахъ.

л. 329 об. Κεφάλαιον τοῦ ἀββᾶ Μωϋσέως τοῦ Αἰθίοπος.

Ἐἶπεν ὁ ἀββᾶς Μωϋσῆς ὁ Αἰθίοψ· ἐν ταῖς ἐσχάταις ἡμέραις τοῦ ἐβδόμου αἰῶνος ἀμεληθῆσεται τὸ μοναχικὸν σχῆμα...

л. 331 об. Ἐἶπεν ὁ ἀββᾶς Καρίων, ὅτι πολλοὺς κόπους σωματικοὺς ἐποίησα πλεόν τοῦ υἱοῦ μου τοῦ Ζαχαρία.

л. 334—338 чистые.

л. 339. Βαθμολογίαι ἀνιόντων καὶ κατιόντων συγγενῶν τῶν ἐξ αἵματος καὶ τῶν ἐκ πλαγίου, ἀλλὰ δὴ καὶ τῶν ἐξ ἀγχιστίας.

л. 340 об. Νομοκάνων ἐκ διαφορῶν ἁγίων τῆς τε συνόδου καὶ τῶν ἁγίων ἀποστόλων καὶ ἄλλων πατέρων. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου ἐπιτίμια ἐπὶ τῶν παραπιπτόντων ἐξ οἰκείας ραθυμίας.

л. 363. Часы на канунѣ Рождества Христова (псалмы обычные), вечерня, утреня и литургія на самый праздникъ.

л. 391. Ἀκολουθία εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν ἡμῶν Θεοτόκον ἡ λεγομένη ἀκάθιστος.

л. 397 об. Κανὼν (εὐ)χαριστήριος εἰς τὴν ὑπεραγίαν καὶ Δέσποιναν ἡμῶν Θεοτόκον· Χριστοῦ βίβλον ἔμφυχον ἐσφραγισμένην σε Πνεύματι...

л. 402 об. Κανὼν τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου, ποίημα κύρ Θεοφάνους· Πολλοὺς συνεχόμενος πειρασμοῖς...

л. 407 об. Ἀκολουθία εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν καὶ Δεσπότην γλυκύτατον περὶ νήψεως.

л. 415. Ἀκολουθία τοῦ νικητῆρος.

л. 424. Чистый.

л. 425. Стихиры на Рождество Христово.

ХСIII. № 163. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Каракальской библиот. въ 16 долю листа, 411 листовъ, писана почеркомъ четкимъ и изысканнымъ 1512 года. Приписка гласитъ слѣдующее: Ἐν ἔτει ζχ'. δι' ἐξόδου κυρ Ἰωακείμ, ιερομονάχου καὶ πνευματικοῦ, ὁ δὲ γράψας Ἠσαΐας τλήμων. Ὁ Χριστὸς ἐστὶν ἀρχὴ καὶ τέλος δόξα σοι. Αὕτη ἡ βίβλος ὑπάρχει τῆς μονῆς τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πρωτοκορυφαίων ἀποστόλων Πέτρου καὶ Παύλου, ἐπονομαζομένης τοῦ Καρακάλου.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία¹⁾ τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 33. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 73. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγησμένων.

л. 89. Εὐχολόγιον, περιέχον ἅπασαν ἀκολουθίαν. Εὐχαὶ λυχνικοῦ. Третья молитва надписывается: Εὐχὴ τῆς εἰσόδου, четвертая—εὐχὴ ἀπολύσεως: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας, ὁ ὑψίστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασία... Пятое мѣсто занимаетъ молитва на главопреклоненіе.

л. 91. Εὐχαὶ ἐωθιναὶ ἦτοι τοῦ ὄρθρου.

14 молитвъ. 7 молитва: Τῇ διατάξει σου, Κύριε, διαμένει ἡμέρα. Goar. p. 45. 8—εὐχὴ τοῦ εὐαγγελίου, 9—εὐχὴ τοῦ πεντηχοστοῦ, 10—εὐχὴ 8'. Ἀγαθὼν θησαυρὲ πηγῆς ἀενάου. p. 40, 11—εὐχὴ δεκάτη: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν σωτηρίων. Ibid., 12—εὐχὴ εἰς τοὺς αἰῶνες: Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς... p. 42, 13—τῆς ἀπολύσεως: Αἰνοῦμεν καὶ ὑμνοῦμεν... Ibid. и 14—главопреклонная.

л. 96. Εὐχὴ εἰς γέννησιν γυναικός.

л. 96 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Послѣ молитвы читается „Радуйся обрадованная“ и „Нынѣ отпушаеши“. Дитя прикладывается къ обѣимъ сторонамъ царскихъ дверей и полагается близъ нихъ. Вторая молитва: Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις. Дмитриевскій. Прилож. стр. 13.

¹⁾ Эти три чина литургій написаны рукою XVI в.

λ. 97 об. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντίσαι γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 267.

λ. 98 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Въ чинѣ крещенія новопросвѣщенный постригается со словами: Κεῖρεται ὁ δοῦλος... При надѣваніи куколя, говорится: Φορένει ὁ δοῦλος (τοῦ Θεοῦ) τὸ κουκούλιον τῆς ἀκακίας...

λ. 110. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

λ. 118. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

λ. 124. Молитвы на различные случаи.

λ. 127. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

138. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς μνηστρα.

Въ концѣ чина священникъ γυροῖ αὐτοὺς τρίτον, ψάλλον сὺν τῷ λαῷ τρίς· Ὁ μῆτραν παρθενικὴν...

λ. 141. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

λ. 162 об. Молитвы на различные случаи.

λ. 166 об. Τάξις сὺν Θεῷ εἰς πρῶτον σχῆμα.

λ. 175 об. Τάξις γινομένη τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

λ. 192. Τάξις ἑτέρα ἐπὶ τῶν ῥασοφορούντων.

λ. 193 об. Евангельскія и апостольскія чтенія.

λ. 385 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

λ. 405 об. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα νεκρῶν.

λ. 408 Молитва прощальная предъ причащеніемъ.

λ. 409 об. Εὐχὴ ἑτέρα, λεγομένη παρὰ τοῦ ἱερέως ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος μεταλαβεῖν τῆς ἁγίας κοινωνίας.

(Ἐ)κλινε τὸν αὐχένα ὁ σὸς δοῦλος ὁ δεῖνα, ἀπεκδεχόμενος τὰ παρὰ σοῦ πλοῦσια ἐλέη.. См. выше стр. 496.

λ. 410. Εὐχὴ ἑτέρα, λεγομένη παρὰ τοῦ ἱερέως.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱὸς καὶ Λόγος τοῦ Πατρὸς, ὁ πάντα δεσμὸν τῶν ἁμαρτιῶν τῷ σῷ ἔκουςίφ πάθει διαρρήξας... Goar. p. 528.

λ. 410 об. Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν, πρόσδεξαι τὸν δοῦλον τόνδε, τὸν κλίνοντα τὸν ἑαυτοῦ αὐχένα ἐνώπιον τῆς ἁγίας δόξης σου...

XCIV. № 977. Εὐχολόγιον, рукопись греко-арабская Синайск. библи., писанная разными, но четкими почерками начала XVI в. Въ концѣ рукописи имѣется приписка: Ἐτους ζκδ'. (1516 г.) ἰνδικτιῶνος γ'. ἀφίνω ἐγὼ ἱερομόναχος Ἀρσένιος ὁ Σύρος τὸ εὐχολόγιον ἐτοῦτο τοῦ ἁγίου ὁρους Σινᾶ καὶ ἕως τέλους μου, νὰ ἔνῃ εἰς τὴν ἐξουσίαν μου καὶ μετὰ τὸν ἐμὸν θάνατον νὰ ἔνῃ εἰς τὴν ἐξουσίαν τοῦ μοναστηρίου, καὶ εἴ τις τὸ ὑστερήσει τῆς ἁγίας μονῆς τοῦ ἁγίου ὁρους Σινᾶ, νὰ ἔχη τὰς ἀράς τῶν τιη'. θεοφόρων πατέρων, τῶν ἐν Νικαίᾳ τὸ πρῶτον συνανθροισθέντων. Далѣе подпись арабская и имя Арсенія. Подпись эта безспорно принадлежит одному изъ писцовъ настоящей рукописи. Рукопись въ 4 долю листа, 478 листовъ.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λογιχοῦ.

Молитвъ 10 и однадцатая на главопреклоненіе.

л. 5 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

Молитвъ 11 и двѣнадцатая на главопреклоненіе. Опущена, по Гоару, девятая молитва.

л. 11. Εὐχὴ τῶν κολύβων.

л. 12. Εὐχὴ εἰς μεταλήψιν σταφυλῆς καὶ πάσης ὁπώρας.

Εὐλόγησον, Κύριε, τὸν καρπὸν τοῦτον τὸν νέον τῆς ἀμπέλου... См. выше стр. 47. Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἀμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν καὶ Θεὸν τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν... Goar. p. 552.

л. 13. Τῷ σαββάτῳ ἐσπέρας. Вся служба воскресная перваго гласа.

л. 47. Ἀκολουθία εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν καὶ Δεσπότην Χριστόν τὸν γλυκύτατον Ἰησοῦν. Канонъ и стихиры.

л. 53 об. Ἀκολουθία εἰς τὴν ὑπερχίαν καὶ Δέσποιναν ἡμῶν.

л. 55. Ἀκολουθία τῆς κοινῆς παρακλήσεως.

л. 61 об. Ἀκολουθία εἰς τὴν ὑπεραγίαν καὶ Δέσποιναν ἡμῶν Θεοτόκον ἢ λεγομένη ἀκαθίστος.

л. 80. Канὼν εἰς τὴν ἁγίαν καὶ λαμπρὰν κυριακὴν τῆς ἁγίας καὶ ζωηφόρου Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν Ἀναστάσεως. Полная служба.

л. 93. Τῇ αὐτῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς ἐσπέρας.

Чинь отъ Гоаровскаго р. 597—604 отличается тѣмъ, что послѣ молитвы: Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν σὴν εἰρήνην... прибавлена молитва: Σὸν ὡς ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μυστήριον, Δέσποτα τῶν ἀπάντων καὶ ποιητὰ, ἦ τε πρόσκαιρος λύσις τῶν σῶν κτισ-

μάτων., и въ концѣ опущена молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... Goar. p. 602.

л. 113. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 133. Εὐχαὶ λεγόμεναι ἐν τῇ λιτῇ τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν καὶ εἰς μνήμας ἁγίων.

л. 137 чистый.

л. 138 об. Εὐχὴ εἰς ἀνοιξίαν ἐκκλησίας, ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης τοῦ ἐν ἁγίοις πατριάρχου Ταρσίου.

л. 139 об. Εὐχὴ ὁμοία τοῦ ἁγιωτάτου Νικηφόρου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως.

л. 142 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

Къ стихирамъ прибавлены, послѣ Слава и пѣнѣ, Прострчіаіς τοῦ τιμίου ταξιάρχου τῶν ἀγγέλων Μιχαήλ, φιλόνθρωπε, τὴν πίστιν ἡμῶν ἀσάλευτον φύλαττε. Ταῖς πρεσβείαις τοῦ τιμίου προφήτου καὶ Προδρόμου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὰς νόσους πάντων ταχέως θεράπευσον. Τῇ δυνάμει τοῦ σταυροῦ σου, πανοικτίρμον, τῶν βαρβάρων τὰ θράση κατάβαλε καὶ (ἐν) εἰρήνῃ τὴν ποιήνην σου φύλαττε. Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων ἀποστόλων καὶ μαρτύρων, Χριστέ, καὶ ὁσίων σου τὴν πίστιν ἡμῶν ἀσάλευτον φύλαξον. Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων σου μαρτύρων Μακκαβίων, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ Σολομονῆς τοὺς δούλους σου σκέπασον. Ταῖς πρεσβείαις τοῦ ὁσίου Συμεῶν τοῦ ἐν τῇ μάνδρᾳ τοῦ στηλίτου, Κύριε, κινδύνων πάντων καὶ θλίψεων λύτρωσαι. Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων ἀνιχνύρων, Ζωοδότα, τὰς νόσους τῶν δούλων σου τὰς τῶν ψυχῶν καὶ σωμάτων ἴασαι. Ἦχος β'. Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς и т. д. Молитва: Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ ἐν Τριάδι ἁγία προσκυνούμενος, ἡ προαιώνιος φύσις, ἡ ὑπερούσιος μεγαλειότης.

л. 152 об.—153. Арабскій текстъ.

л. 154. Чинъ проскомидіи.

Τὴν ἄχραντον εἰκόνα σου προσκυνούμεν... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Κύριε, ἐξαπόστειλον τὴν χειρὰ σου... Τὸ σὸν ἱερόν, Χριστέ, θυσιαστήριον πατεῖν ἱερῶς καταξίωσον καὶ Θεοῦ πανευλαβῶς τὸ πανάχραντον Σῶμά σου, τὸ τιθὲν ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς καὶ σωτηρίας, πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ... Ἀγαλλιάσεται ἡ ψυχὴ μου... πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ... Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ ἐκχέων τὴν χάριν... Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ περιζωνύων δύναμιν... Ἐξηγόρασας ἡμᾶς ἐκ τῆς κατάρας τοῦ νόμου.. Εἰς ἀνάμνησιν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ... Надъ первой просфорой совершается все, какъ у Goar. p. 49. По положеніи Агнца на дискосѣ, говорится: Нѣѡν,

δέσποτα. Καὶ λέγει· Εἰς τῶν στρατιωτῶν λόγχῃ τὴν πλευρὰν αὐτοῦ ἔνυξε. Καὶ λαβὼν τὸ νάμα καὶ τὸ ὕδωρ, εὐλογεῖ καὶ λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἁγίαν ἔνωσιν ταύτην. Λέγει· Εὐλογημένη ἡ ἔνωσις τῶν ἁγίων σου, Κύριε, πάντοτε νῦν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ἐκχέει ἐκ τρίτου λέγει· Καὶ εὐθέως ἐξῆλθεν αἷμα καὶ ὕδωρ, καὶ ὁ ἑωρακὼς μεμαρτύρηκε καὶ ἀληθινὴ ἐστὶν ἡ μαρτυρία αὐτοῦ. Εἶτα λαβὼν ἐν ταῖς χερσὶ τὴν δευτέραν προσφορὰν, λέγει· Εἰς τιμὴν καὶ μνήμην τῆς ὑπερευλογημένης.. Goar. p. 50. Καὶ αἵρων μερίδα, τίθησιν ἐξ ἀριστερῶν τοῦ ἁγίου ἄρτου Ἐν τρίτῃ προσφορᾷ λέγει· Τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου... Ibid. Безсребреники не называются по именамъ. Нѣтъ также между отцами и пр. Арсенія. Ἐπαίρων μερίδα, τίθησιν ἐν τῷ ἀριστερῷ. Λαβὼν τετάρτην προσφορὰν, λέγει· Ὑπὲρ πάσης ἐπισκοπῆς ὀρθοδόξων τοῦ ἀρχιεπισκόπου ὁ δεῖνα, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου, τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος. Τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων βασιλέων ἡμῶν καὶ τῶν ἀδελφῶν, καὶ συλλειτουργῶν ἡμῶν πρεσβυτέρων, καὶ διακόνων, καὶ πάντων τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν, οὓς προσεκαλέσω εἰς τὴν σὴν διακονίαν διὰ τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας, πανάγαθε Δέσποτα. Μνήσθητι, Κύριε, τῆς ἐμῆς ἀναξιώτητος καὶ ἐλεεινότητος, καὶ συγχώρησόν μοι πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον. Εἶτα λέγει, οὓς ἔχει ζῶντας κατ' ὄνομα. Καὶ οὕτως αἶρει τὴν μερίδα καὶ τίθησιν ὑποκάτω τοῦ ἁγίου ἄρτου. Εἰδ' οὕτως λαβὼν τὴν πέμπτην προσφορὰν, λέγει· Ὑπὲρ μνήμης καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τῶν μακαρίων ὀρθοδόξων κλητόρων τῆς ἁγίας μονῆς ταύτης. Εἶτα μνημονεύει τοῦ χειροτονήσαντος αὐτὸν ἀρχιερέως καὶ ἐτέρων, ὧν ὄνομα. Λέγει οὕτως· Καὶ ἐλθὼν ὁ ἀστήρ ἔστη ἐπάνω, οὗ ἦν τὸ παιδίον. (Εἰς) τὸν ἅγιον δίσκον λέγει· Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν ἐμπρέπειαν. ἡ τις οὐ σαλευθήσεται. Κάλυφον, δέσποτα. Καὶ θυμιῶν τὸ β'. κάλυμμα, σκεπάζει τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγει· Ἐκάλυψεν οὐρανούς ἡ ἀρετὴ σου, Χριστέ, καὶ τῆς σίνεσεώς σου πλήρης ἡ γῆ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σκέπασον, δέσποτα. Καὶ θυμιᾷ τὸν ἀέρα, σκεπάζει ἀμφοτέρα, ἐπιλέγων· Σκέπασον ἡμᾶς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτερυγῶν σου, ἀποδιώξον ἀφ' ἡμῶν πάντα ἐχθρὸν καὶ πολέμιον, εἰρήνευσον ἡμῶν τὴν ζωὴν, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς καὶ τὸν κόσμον σου, καὶ σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Далѣе два листа вырѣзаны.

л. 158. Ἀκολουθία τοῦ φωτισμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

Чинъ обычный. Нѣтъ молитвы Софронія, п. іерусалимскаго.

л. 172. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

л. 174. Ἀκολουθία εἰς κουρὰν μανδουώτου. См. выше стр. 428.

Отвѣты постригаемаго на вопросы священника, какъ у Гоара.

л. 182 об. 'Ακολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше стр. 429. Конца чина нѣтъ. Не достаеѣтъ 6 листовъ.

л. 222. Чинъ елеосвященія.

Чинъ не имѣеѣтъ начала. По составу своему онъ почти дословно сходенъ съ напечатаннымъ выше стр. 405—410. Разница заключается лишь въ отсутствіи второй молитвы: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταπέμψας τοὺς ἐπτὰ ἀρχαγγέλους ἐπὶ οἶκον τοῦ Ζαχαρίου... См. выше стр. 409 и тропаря предъ этою молитвою: Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου.

л. 260 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ ὑπὸ πατρὸς πνευματικοῦ ἐπὶ τῶ μέλλοντι μεταλαμβάνειν τῶν θείων μυστηρίων.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Ὡίε καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἀμνέ. Goar. p. 536.

л. 264 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

л. 265. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

л. 266. Εὐχὴ τῶν ἐξ ἐπιτιμίων λυομένων.

л. 266 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

л. 267. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὁμνούντων.

л. 268. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων.

л. 268 об. Εὐχὴ ἐπὶ ψυχὴν κρινομένην ἐν ὥρᾳ θανάτου.

л. 269 об. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντο: ιερέως.

л. 270 об. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου.

л. 271. Εὐχὴ ἐπὶ σεισμῷ.

л. 272. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας.

л. 273. Εὐχὴ ἐν ἀρχῇ σπόρου.

л. 274. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους καὶ ἄλωνος.

л. 275. Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι οἶνον νέον. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος... См. выше стр. 526.

— Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ οἴνου νέου. Goar. p. 553.

л. 276. Εὐχὴ ἐτέρα. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγνόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ εὐλογήσας αὐτοὺς τὸν γάμον...

л. 276 об. Εὐχὴ λεγομένη ἐν λιτῇ διὰ φόβον.

л. 277. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

л. 278. Εὐχὴ ἐπὶ κλίνης ἀρρώστου.

Κύριε παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ τῆς δόξης, ὁ παιδεύων καὶ μὴ θανατῶν... См. выше стр. 107.

л. 279. Εὐχὴ ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου. Goar. p. 335.

λ. 279 οβ. Εὐχὴ εἰς κῆπον καὶ εἰς ἀγρὸν καὶ εἰς σπóρον.

λ. 280 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μιροφαγησάντων.

λ. 281 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μικροῦ τινος, πεσόντος εἰς φρέαρ. См. выше стр. 286.

λ. 283. Εὐχὴ ἑτέρα ἐπὶ μαινομένου ὕδατος καὶ παντὸς ἄγγους.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα καλὰ λίαν ποιήσας καὶ οὐδὲν κοινὸν ἐν κόσμῳ διὰ τοῦ ἁγίου σου ἀποστόλου ἀποφηνάμενος... Εἰ δὲ ἐν ἑτέρῳ σκεύει κενῷ ἐμπέσει μιρόν, χρὴ καὶ αὐτὸ πλύνεσθαι καί, βαλλομένου ἁγιάσματος σταυροειδῶς, λέγεσθαι τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἅγιος, ἁγιάσον τὸ σκεῦος τοῦτο τῇ ἁγιαστικῇ σου ἐπιφοιτήσει. p. 482.

λ. 284 οβ. Τάξις γινομένη. εἰ συμβῇ μιρόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἄγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

Χρὴ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον παραχρῆμα αἵρεσθαι καὶ ρίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἄγγεῖον πλύνεσθαι καθαρὸν ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν καὶ μετὰ τοῦτο βαλεῖν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων, ποιοῦντα τρεῖς σταυρούς, καὶ τότε μεταβαλεῖν τὸ ἐλαίον ἢ τὸν οἶνον εἰς αὐτὸ ἐκ τοῦ μιανθέντος ἄγγείου καὶ ἄψαι κηρούς δύο καὶ θυμιάσαι καὶ οὕτως εὐξασθαι· Ἐν εἰρήνῃ... κ.τ.α. Goar. p. 480. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Ἄγιε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ εὐσπλαγγνῇ ἐπὶ γῆς ἐπιδημία πᾶσαν ἀκαθαρσίαν τοῦ ἐχθροῦ καταργήσας... Goar. p. 241. Καὶ ἐπιχέων αὐτῷ ἐκ τοῦ ἁγιάσματος τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς, ἀπογευέσθω πρῶτον ὁ ἱερεὺς τοῦ οἴνου, εἰ μέντοι συμβῇ τὸ ἐμπεσόν ἀκάθαρτον χρονίσαν ἐν τῷ ἄγγεϊ τοῦ οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου σαπῆναι, ἐκχέεσθαι ταῦτα καὶ μηδένα αὐτῶν ἅπτεσθαι.

λ. 287. Εὐχὴ εἰς τὸ κατὰσφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν. Goar. p. 264. Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πηγὴ τῶν εὐλογιῶν, ὁ φυλάσσων τὰ νήπια. Goar. p. 265. Καὶ μετὰ ταῦτα δίδει ὁ ἱερεὺς εὐχὴν τῆς γεννησάσης αὐτοῦ μητρός. Ὁ ἱερεὺς· τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τε καὶ ἄλογον διὰ τοῦ Λόγου σου δημιουργήσας, καὶ τὰ πάντα ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι παραγαγών. Σὺ, Δέσποτα, διασώσας καὶ ἁγιάσας τὴν θεραπείαν σου τῷ σὺ ὀνόματι ἀναμάρτητον καὶ αἰδῶν, καὶ καθαρὰν δεδειγμένην τοῦ εἰσιέναι εἰς τὸν ἅγιόν σου ναόν, καὶ συναριθμηθῆναι τῷ χριστωνόμῳ λαῷ, τοῖς σοῖς ἐντάλμασι πορευομένη, καὶ ἐκτελεῖν σου τὸ πανάγιον θέλημα, καὶ τὸν γεγεννημένον ἐξ αὐτῆς παῖδα εὐλόγησον, αὐξήσον,

σωφρόνισον, ὅτι Σὺ ἐπανάγγαγες αὐτόν καὶ ἔδειξας αὐτῷ τὸ αἰσθητόν σου
φῶς, ἵνα καὶ τοῦ νοητοῦ σου φωτὸς καταξιωθῇ ἐν καιρῷ εὐθέτω, καὶ
συγκαταρίθμησον αὐτόν μετὰ τῶν ἐκλεκτῶν σου θρεμμάτων τῇ ἀγίᾳ σου
ποιμνῇ διὰ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὅτι
αὐτῷ πρέπει πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις νῦν καὶ ἀεὶ... Слич. выше
стр. 91. Ἐἵτα ἐπαίρει τὸ παιδίον ἢ μήτηρ ἐκ τῆς μάμης καὶ ἐπιτίθει τῷ
ιερεῖ, καὶ λαβὼν αὐτό, ὁ ἱερεὺς εἰσάγει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, λέγει ψαλ-
μὸν κς'. ἢ πγ'. γυρίζων τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, λέγων· Νῦν ἀπολύεις, καὶ
ἀποτίθῃσιν αὐτὸ εἰς τὰ ἅγια θυρία. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.
Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερόν
ἀνελθὼν. Прилож. стр. 19.

л. 287. Εὐχὴ εἰς τὴν παροῦσαν λοχεῖαν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ μόνος ἀναμάρτητος, ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει
καὶ ἀγαθὸς ἐν οἰκτιρμοῖς. См. выше стр. 455.

л. 288 чистый.

л. 289. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον, ἤγουν βαπτίσαι.
См. выше стр. 398—400. Отрицанія отъ сатаны написаны слитно.

л. 113. Τάξις βαπτίσματος εἰς νήπιον, κατεπειγόμενον ὑπὸ θανάτου.
См. выше стр. 400—401.

л. 314. Чинъ обрученія.

Ἐνδύεται ὁ ἱερεὺς, προσευχὴ θυμιάματος, θυμιᾷ τὸ θυσιαστήριον τοῦ
ναοῦ καὶ λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία...
Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ
τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ μνηστευομένων ἀλλήλους... Ὑπὲρ τῶν
ὁσίων πατέρων ἡμῶν τοῦδε πατριάρχου καὶ τοῦδε ἀρχιεπισκόπου, τοῦ τι-
μίου... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα πρὸς σωτη-
ρίαν... Ὑπὲρ τοῦ ρυθθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ ἱε-
ρεὺς εὐχεταὶ α'. Δέσποτα φιλάνθρωπε, Κύριε, ὁ διὰ τῆς προφητικῆς φω-
νῆς ἐνισχύσας... См. выше стр. 460. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι... Ὁ ἱε-
ρεὺς εὐχὴν β'. Δέσποτα Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τοῦ ἀνάρχου
Πατρὸς συνάναρχος Υἱός, ἐπ' ἐσχάτων δὲ τῶν ἡμερῶν ἐξ ἀειπαρθένου Κό-
ρης προελθὼν σεσαρκωμένος, ὁ τὴν παρθενίαν ἀγιάσας καὶ σεμνογαμίαν
τιμήσας, καὶ ἀγνοίαν εὐλογήσας, ὁ τὴν ἁγίαν σου καθολικὴν καὶ ἀποστο-
λικὴν ἐκκλησίαν ἀρρόήτως ἑαυτῷ μνηστευσάμενος διὰ μεσιτείας τῶν ἁγίων
σου ἀποστόλων, καὶ ἀρραβῶνα αὐτῇ δοὺς τὸ ἄχραντόν σου Σῶμα καὶ τὸ
τίμιον Αἷμα, δακτύλιον τοὺς ἡλούς, καὶ τὸν στέφανον τὸν σταυρὸν καὶ διὰ
τὴν ταφὴν τὸν παράδεισον. Εὐχὴ ἐτέρα· Ὁ Θεός ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διη-
ρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα καὶ σύνδεσμον διαθέσεως. . Goar. p. 311.

Δεξιὰ Ἰησοῦ. ἄχραντε Υἱὲ τοῦ Πατρὸς, ὁμοούσιε καὶ συναϊδίε τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Σὺ ἀπ' ἀρχῆς ἔπλασας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν καὶ ἔδωκας (εἰς) αὐτὸν ἐξουσίαν πάντων τῶν ἐπὶ γῆς, ἡ σὴ δεξιὰ. Κύριε. τὸν Μωϋσῆν κατὰ τυράννον Φαραὼ ἐνίσχυσεν. ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, τὸν τυφλὸν ἐφωταγώγησεν, αὕτη ἡ παντοδύναμος δεξιὰ σου, Κύριε, τὸν λαὸν διήγαγεν. ὡς διὰ ξηρᾶς, μέσον ἐρυθρᾶς θαλάσσης. εὐχαριστικὴν τοῖνον καὶ νῦν ᾠδὴν προσφέρομεν, ὁ Θεός. λέγοντες· ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, δεδοξασται ἐν ἰσχύϊ, κραταιωθήτω ἡ χεὶρ σου, ὑψωθήτω ἡ δεξιὰ σου καὶ πάλιν διὰ τοῦ ψαλμωδοῦ καὶ προφήτου σου Δαβὶδ ἔφη· δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὕψωσε με. Αὐτὸς οὖν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῇ παντοδυνάμῳ σου δεξιᾷ ὕψωσον τοὺς νεοσύμφωνους καὶ δούλους σου, ἀοράτως παραγενόμενος ἐπὶ τὰς δεξιὰς αὐτῶν, καὶ εὐλόγησον καὶ συνέτισον αὐτούς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σὺ εἶ ὁ σύνδεσμος τῆς εἰρήνης καὶ ἀγάπης. Σωτὴρ καὶ φύλαξ τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν καὶ εὐχαριστίαν καὶ προσκύνησιν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας.

л. 319. Ἀκολουθία εἰς τὸ στεφανῶσαι τοὺς νομίμῳ γάμῳ συναπτομένους.

Εἰσερχονται ¹⁾ οἱ νυμφεῖοι καὶ οἱ παρόνυμοι. βασιτάζοντες τὰς ἀπαρχὰς αὐτῶν καὶ ἐπιδίδωσιν τῷ ἱερεῖ, καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς. Ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν... Goad. p. 317 Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Ὅτι πρέπει... Καὶ εὐθὺς ἄρχεται θυμιᾶν πάντα τὸν λαόν, ψάλλων τὸ Τρισάγιον, καὶ δοξάζει καὶ λέγει θεοτοκίον. ἤχος πλ. δ'. Ἡ νοσητὴ πύλη τῆς ζωῆς, ἄχραντε Θεοτόκε... Πρόσχωμεν. Ὁ ψάλτης· προκείμενον, ἤχος γ'. Κύριος φωτισμός μου... Κύριος ὑπερασπιστής... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ἐφρεσίους· (sic) Ἀδελφοί, καθὼς ὁ Χριστὸς κεφαλὴ ἐστὶν τῆς ἐκκλησίας... Τέλος· ἡρμωσάμεν γὰρ ὑμᾶς ἐνὶ ἀνδρί, παρθένον ἀγνήν παραστήσαι τῷ Χριστῷ. Ἀλληλουία, Ἡ γυνὴ σου, ὡς ἄμπελος.. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην Goad. p. 318 ²⁾. Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντο-

¹⁾ Чинъ по началу весьма сходенъ съ напечатаннымъ выше стр. 151. ²⁾ Ркп. александр. библи. № 149—104 Стиχηρόν. ψαλλόμενον μετὰ τῷ εὐαγγελίῳ, ἤχος πλ. α'. Ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας γάμος ἐγένετο, παρόντος τοῦ Κυρίου... См. ниже стр. 715.

κράτωρ... 1) Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς τὸν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... Ὑπὲρ τῶν νυνὶ συναπτομένων ἀλλήλοις εἰς γάμου κοινωνίαν τοῦ... Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων δούλων τοῦ Θεοῦ καὶ τῆς ἐν Χριστῷ εἰρήνης, εὐζωΐας καὶ σωτηρίας αὐτῶν τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἄμεμπτον καὶ ἀκατάγνωστον τὴν συμβίωσιν αὐτῶν διαμεῖναι δεηθῶμεν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον. Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιάνθρωπος... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ μόνος ἐκ μόνου ἀνάρχου Θεοῦ Πατρὸς γεννηθεὶς, σὺναρχε Λόγε Θεοῦ, ὁ πάσης ὁρατῆς τε καὶ ἀοράτου κτίσεως δημιουργός, ὁ τὸν προπάτορα τοῦ γένους ἡμῶν Ἀδὰμ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι διαμόνην ἀγαθότητα παραγαγὼν τε καὶ διαπλάσας, καὶ τὴν τούτου πλευρὰν δι' οἰκίαν φιλανθρωπίαν εἰς γυναῖκα μορφώσας, καὶ ἀμφοτέρους αὐτούς. Gouar. p. 315, во сь значительными измѣненіями въ текстѣ. Εἴτα ἐπαίρει εὐλογίας καὶ τὰ κηρία, καὶ τίθει τὸν ζυγόν, καὶ στέφει αὐτούς, λέγει· Ὁ Πατὴρ εὐλογεῖ, ὁ Υἱὸς στεφανοῖ, τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον παραγίνεται καὶ τελειοῖ. Ὁ ψάλτης τὸ προκείμενον Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτούς. Καὶ κρατεῖ τὰ στέφανα, λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτούς καὶ κατάρτησον αὐτούς ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου νῦν καὶ ἀεὶ... Καὶ κρατεῖ τὴν δεξιὰν χεῖρα τῆς γυναίκος, συνάψας τῷ ἀνδρὶ, καὶ λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς... Ἡ εὐχὴ· Στεφάνωσον αὐτούς τῇ σῇ χάριτι, σύζευξον αὐτούς ἐν ὁμοφροσύνῃ καὶ σεμνότητι, εὐλόγησον αὐτοὺς ἐν γήραϊ. Gouar. p. 322... στεφάνωσον αὐτούς, ὡς τὸν Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσηνέθ, ὡς τὸν Μωσῆν καὶ τὴν Σεπφώραν, ὡς τὸν Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἐλισάβετ, καὶ ἔστωσαν οἱ ὀφθαλμοί σου ἀτενίζοντες ἐν αὐτοῖς. Δέσποτα, ἐν ἐλέει διὰ παντός καὶ τὰ ὄτα σου προσέχοντα τοῦ ἀκούειν τῆς φωνῆς τῆς δεήσεως αὐτῶν, γεννηθήτω ἐν αὐτοῖς τὸ ῥηθὲν διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος· ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος, εὐθηνούσα ἐν τοῖς κλίτεσι τῆς οἰκίας σου, οἱ υἱοί σου, ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τραπέζης σου. Ἴδου οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος, ὁ φοβούμενος τὸν Κύριον. Κύριος ὁ Θεὸς εὐλογήσει ὑμᾶς καὶ δίδωσιν ὑμῖν εἰρήνην, ὁμόνοιαν καὶ ἀγάπην ἐν παντὶ ἔργῳ ἀγαθῷ εἰς δόξαν καὶ ἔπαινον τοῦ ὑπεραγάθου Θεοῦ καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Καὶ μετὰ τοῦτο δίδωσιν αὐτοῖς τῆς ζωοποιοῦ κοινωνίας καί, λαβὼν ποτήριον οἴνου, σφραγίσας, λέ-

1) Прибавлено: Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον.

γει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τὸ ποτήριον τῶν ἁγίων μαθητῶν καὶ ἀποστόλων... См. выше стр. 31. Конец: Καὶ τοῖς ἐξ αὐτοῦ μεταλαμβάνουσιν ὁμόνοιαν χάρισαι καὶ εὐλογήσας καταξίωσον νῦν καὶ ἀεὶ... 'Ετέρα εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου καὶ ἐδράσας τὴν οἰκουμένην, κοσμήσας τὸν στέφανον πάντων τῶν πεποιημένων ὑπὸ σοῦ, ὁ τὸ πόμα σου τὸ ἅγιον τοῖς ἁγίοις σου ἀποστόλοις βλύσας, ὃ ἡ ἀγία καὶ ἄρχαντός σου πλευρὰ ἐπήγαγεν. Αὐτὸς καὶ τὸ ποτήριον τοῦτο τὸ κοινόν, ὃ συνηθεία ἡτοίμασα τοῖς συναπτομένοις ἀλλήλοις, εὐλόγησον εὐλογίαν πνευματικὴν καὶ παράσχου αὐτὸ τοῖς δούλοις σου εἰς ἐνωτικὴν στοργὴν καὶ ὁμόνοϊαν, εἰς διᾶθαι σωτηρίας καὶ συνέσεως. Καὶ δίδωσι πρῶτον τῷ ἀνδρὶ ἔπειτα τῇ γυναικὶ καί, πιούσα ὀλιγον, τὸ ἐπιλοιπον πίνει ὁ ἀνὴρ, καὶ ψάλλει¹⁾. Δόξα σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι. Στίχος· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι...²⁾ 'Ο ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξίωσας ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 318. Εἴτα³⁾ (θ)λίπει ὁ ἱερεὺς τὸ ποτήριον καὶ λέγει· Ἀμήν. Ζῆς ζῆς, νεόνομφε· ἡ Τριάς ἀχώριστος σῶζη καὶ φιλάττη σε. 'Ο ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. 'Ο διάκονος· Τὰς κεφαλὰς 'Ο ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ἐπικαλοῦμαι σε, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλοῦμαι τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον. См. выше стр. 403 — 404. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι τὰ στέφανα λέγει· Εὐλογητὸς Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς τῇ εὐλογίᾳ σου τῇ ἀγίᾳ. Goar. p. 326. Στιχηρά, ψαλλόμενα μετὰ τὸ εὐαγγέλιον, ἦχος πλ. α'. Ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας γάμος ἐγένετο, παρόντος τοῦ Κυρίου, ἔφη ἡ ἄμεμπτος πρὸς τὸν Σωτῆρα· σῖνον οὐκ ἔχουσι, στραφεῖσα δὲ λέγει τοῖς διακόνοις· γεμίσατε τὰς ὑδρίας ὕδατος, οἱ δὲ ἐποίησαν, ὡς ἐκελεύσθησαν· ὁ δὲ φιλόστοργος καὶ παντοδύμος Θεὸς εὐλόγησε καὶ τὸ ὕδωρ σῖνον ἐποίησεν, ὃ παραδόξου θαύματος, ὃ φρικτοῦ μυστηρίου, τίς δύναται ταῦτα ποιεῖν, εἰ μὴ ὁ μόνος Κύριος καὶ Θεὸς Ἰσραὴλ, ὁ ὑπὸ τῶν χειρουζιμ ἀνυμνούμενος καὶ ὑπὸ τῶν σεραφίμ δοξαζόμενος, καὶ ὑπὸ πάσης κτίσεως δορυφορούμενος, μέγα σου τὸ ἔλεος καὶ μεγάλη ἰσχύς σου, φιλόανθρωπε, καὶ μεγάλη ἡ δύναμίς σου δόξα σοι.

п. 336. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τοὺς θέλοντας δευτερογάμον.

Φέρει αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς καὶ παρίστη(σι) τοὺς δύο ἐν (μέσῳ) ὁμοῦ, καὶ ἄρχεται ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. 'Ο ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία. 'Ο λαός· Ἀμήν. Πάτερ ἡμῶν. 'Ο ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· 'Οτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασι-

1) Александр. ркв. № 149 — 104 Ποτήριον σωτηρίου λήψομαι. Καί μετὰ τὸ ποτήριον, λέγει ὁ ἀρχιερεὺς 2) Καὶ τζακίας τὸ ποτήριον, λέγει Ζῆς, ζῆς, νεόνομφε· ἡ Τριάς ἀχώριστος σῶσον, δυσωποδμέν σε.

λεία. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πρόνοια τῶν ὅλων καὶ πάσης κτίσεως δημιουργέ, ὁ τὴν πολυαρμόνιον καὶ κυκλοκίνησιν τοῦ παντός συναρμόσας καὶ συζευξας, ὁ ἐξ ἀρχῆς τῆς ἀκαταλήπτου σου σοφίας ἐκ τῆς πλευρᾶς τὸν πρωτόπλαστον Ἀδὰμ καὶ τὴν μητέρα πάντων Εὐὰν διαπλάσας καὶ ταύτην αὐτῷ ὑποδείξας εἰπών· τοῦτο νῦν ὅσπου ἐκ τοῦ ὅσπου μου καὶ σάρξ ἐκ τῆς σαρκός μου, ἕνεκα τούτου καταλήψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα, καὶ προσκολληθήσεται πρὸς τὴν γυναῖκα αὐτοῦ, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν· παρὰ σοῦ γάρ, Δέσποτα, ἀρμόζεται γυνὴ ἀνδρί. Αὐτὸς οὖν, φιλάνθρωπε, δεόμεθα καὶ παρακαλούμεν σε τὴν σὴν ἀγαθότητα τῇ δεξιᾷ σου τῇ ὑψηλῇ καὶ τῷ δακτύλῳ σου ἐνωτὰ πάντα ἐποιήσας, εὐλόγησον καὶ νῦν, Κύριε, τοὺς δούλους σου τούτους, δι' ὧν συνεληλύθαμεν ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ, ἁσπίλους καὶ ἀμώμους ὁδήγησον καὶ διατήρησον αὐτούς, θωρούμενος αὐτοὺς τὴν σὴν εἰρήνην καὶ ἀντίληψιν, καὶ σωτηρίαν πάντων τῶν ἐλπίζόντων εἰς σέ, ἵνα διὰ παντός αἰνοῦσι καὶ δοξάζουσι τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον. Σὺ γάρ εἰ, ὁ τὰ διηρημένα εἰς ἐνότητα συνάψας καὶ ποιήσας τὰ ἀμφότερα ἓν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ. Καὶ μετὰ τῆς εὐχῆς, κρατήσας αὐτῶν τὰς χεῖρας, ὁ ἱερεὺς παραδίδωσιν ἀλλήλους, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ μετὰ τοῦτο, λαβὼν ποτήριον οἴνου, σφραγίσας, λέγει τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχυρί σου. Goar. p. 319. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ συναφείας τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων συστησάμενος, ὁ εἰπών· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, εὐλόγησον τὸν δοῦλόν σου τόνδε, καὶ τὴν δούλην σου τήνδε, τοὺς λαμβάνοντας τὴν εὐλογίαν ταύτην, καὶ κατεύθυνον αὐτοῖς πάντα τὰ προκείμενα πρὸς τὸ συμφέρον χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἰ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εὐχὴν· Ὁ Θεός ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συνάγων εἰς ἐνότητα. Goar. p. 311. Εἰς τὸ λύσαι πάντας τῇ γ'. ἡμέρᾳ. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανὰ τῆς Γαλιλαίας. Goar. p. 320.

λ. 339 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸν οἶκον τῶν νομφίων. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλόγησας ἡμᾶς τῇ εὐλογίᾳ σου τῇ ἁγίᾳ. Goar. p. 326. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι.

Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θαλάμῳ εὐπρεπεῖς ἀξίων πάντας τοὺς ἐν νόμῳ καὶ στεφάνῳ ἀφθαρσίας. См. выше стр. 184.

л. 341. Εὐχὴ εἰς τὴν τράπεζαν.

Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας τοὺς πέντε ἄρτους καὶ τοὺς δύο ἰχθύας ἐν τῇ ἐρήμῳ, καὶ ἐξ αὐτῶν πεντακισχιλίους ἄνδρας χωρὶς γυναικῶν καὶ παιδίων χορτάσας, τὴν τράπεζαν ἡμῶν εὐλόγησον καὶ τὸν οἶκον τοῦτον σκέπασον καὶ διαφύλαξον, καὶ ἡμᾶς πάντας ἐλέησον καὶ εἰς ἀνάπαυσιν πάντων τῶν χριστιανῶν ὀρθόδοξων, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος.

л. 341 об. Εὐχὴ τῇ γ'. ἀνδρὶ γυναίκα καὶ ἀνδρός¹⁾.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν τοῦ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ὁ εὐλογήσας αὐτοὺς καὶ τὸ σπέρμα αὐτῶν εἰς τελείαν εὐλογίαν, ὁ εὐλογήσας τὴν κοίτην Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ καὶ τὰς τέσσαρας αὐτοῦ γυναῖκας, καὶ ἐξ αὐτῶν δώδεκα πατριάρχας ἔδωκας αὐτῷ, εὐλόγησον τὴν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα καὶ τὴν δούλην σου τήνδε ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ, καὶ δὸς αὐτοὺς σπέρμα εὐλογημένον, ὅτι Σὺ, Κύριε, γινώσκεις τὴν ἀσθενῆ φύσιν τῶν ἀνθρώπων. Ναί, Δέσποτα Κύριε, φύλαξον, εὐλόγησον, καθάρισον αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ πονηροῦ καὶ ἀπὸ τῶν ἔργων αὐτοῦ. Ὅτι σὺ ὁ δοτὴρ τῶν ἀγαθῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

л. 342 об.—349. Текст арабскій чиновъ вѣнчанія.

л. 350. Евангельскія и апостольскія чтенія.

л. 386. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνον.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, εἴθ' οὕτως· Ὁ κατοικῶν ἐν βοθηθείᾳ, εἰτα Ἀλληλούια, ἤχος πλ'. δ'. Στίχος· Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ... τροπάριον· Ὁ βυθῷ σοφίας φιλανθρώπως πάντα οἰκονομῶν... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος... Εὐλογητός εἰ, Κύριε... Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς κ. τ. λ. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων τοὺς δούλους σου... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ, Χριστέ ὁ Θεός... Εἰτα ὁ Ν'. ὁ κωνὼν φῶς α'. ἤχος πλ. β'. Ὡς ἐν ἡπείρῳ πεζεύσας... Ἐν οὐρανίοις θαλάμοις διηνεκῶς... Κατακοσμήσας τὰ πάντα ζῶν μикτόν.. Τρισάγιον, Πανηγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον· Μετὰ πνευμάτων δικαίων. κ. τ. λ. Προκείμενον, ἤχος πλ. β'. Αἱ ψυχαὶ αὐτῶν... Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῶμαι. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν περὶ τῶν κοιμημένων... Τέλος· καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Ἀλληλούια,

¹⁾ Такое неудовбразумительное заглавіе стоитъ въ рукописи.

Μακάριοι, οὗς ἐξελέξω... Στίχος· Ἐπάκουσον ἡμῶν... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους... Τέλος· ἀλλὰ τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... καὶ ποιεῖ ἀπολοῦσιν· Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων ἔχων τὴν ἐξουσίαν Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν... Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιομακάριστε καὶ ἀείμνηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν. Ὁ Θεὸς μακαρίσει καὶ ἀναπαύσει αὐτόν, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται καὶ ἡμᾶς ἐλεήσει, ὡς ἐλεήμων Θεός, καὶ ποιεῖ συγχώρησιν.

λ. 397 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντος μοναχοῦ.

Начало чина до антифоновъ см. выше стр. 282—283. За антифонами слѣдуютъ тропари Іоанна Дамаскина и Θεοφана Начертаннаго см. выше стр. 536 и далѣе, съ припѣвами: Ἀλληλούια, что въ чинѣ священническаго погребенія. Goar. p. 457, блаженны Goar. p. 445. Προκειμενον, ἤχος πλ. δ'. Μακαρία ἡ ὁδός, ἣν πορεύει σήμερον... Στίχος· Ἐπίστρεφον, ψυχὴ μου... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγγήγερται ἐκ νεκρῶν... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Евангеліе. Goar. p. 430. Εἶτα γίνεται ὁ ἀσπασμὸς καὶ φάλλομεν στιχηρά, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... Οἷα ἡ ζωὴ ἡμῶν ἐστὶν ἄνθος καὶ ἀτμίστε καὶ δρόσος... Σήμερον ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις πᾶσα... Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων... Βλέποντες τεθνεῶτα ἀδελφόν... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι Ἀδὰμ, ἴδωμεν εἰς γῆν βεβλημένον... Πάντες οἱ ὀρώντές με νεκρόν, πόθω νῦν ἀσπασάσθε... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μήτηρ τοῦ αἵτου ἡλίου... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὴν κλίνην, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, φάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός. Κατὰ ταῦτα τὰ στιχηρά, ἤχος πλ. α'. Ἀνάπυσσον, Σωτήρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων... Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθὸς τὸν δοῦλον... Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησόμεθα... Ἄλγος τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν ἡ τοῦ ξύλου ἀπόγευσις... Καὶ ὅταν ἀπέλθωσιν εἰς τὸ κοιμητήριον, φάλλουσιν ἰδιόμελον, ἤχος πλ. β'. Ὁρῶντες ἄφωνον καὶ ἄπνουν προκειμενον... Εἶτα ἄραντες τὸ λείψανον, θάπτουσιν, ἄδοντες ἤχος πλ. δ'. Γῇ χανοῦσα ὑπόδεξαι... Καὶ λαβὼν ἔλαιον ὁ ἱερεὺς μετὰ κανδήλαν, ἐπιχέει ἄνωθεν τοῦ λειψάνου, ποιῶν τύπον σταυροῦ τρίτον, λέγων καὶ τὸ Ἀλληλούια γ'. καὶ Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς, ἀπαξ. Καὶ οὕτως ἀσφαλίζεται ὁ τάφος, φαλλόντων ἡμῶν τροπάριον, ἤχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Στίχος· Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ Δαβὶδ... Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασχηταί... Δόξα, ἤχος πλ. δ'. Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρτῃ· Ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Καὶ νῦν, Δέσποτά, πρόσδε-

ξαι δεήσεις... Τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν... Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. λ. Ἐλέησον, ἡμᾶς κ. τ. λ. (молитва) καὶ ἀπολύει οὕτως· Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων ἐξουσιάζων... Αἰώνια ἡ μνήμη... γ'. Ὁ Θεὸς μακαρίσει. (что выше) καὶ ποιεῖ συγχώρησιν καὶ ἅς ποιήσῃ ἕκαστος ἀδελφὸς μετανοίας ιε'.

л. 440. Текст арабскій тогоже чина.

л. 476. Оглавление рукописи.

ХСV. № 470 Εὐχολόγιον, рукопись Аѳон-Кутлумушской библи. въ 16 долю, 115 листовъ, писана почеркомъ 1520 года, какъ это видно изъ слѣдующей приписки: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ πόνος Γεωργίου πρεσβυτέρου ἐν ἔτει ζκη'. ἰνδ. η'. ἐν μηνί Ἰουλίῳ κδ'.

л. 2. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

л. 5. Молитвы утреннія.

л. 12. Εὐχαὶ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς, ἦται τοῦ ἁγίου Πνεύματος.

л. 28. Εὐχαὶ εἰς οἶκον λεχώ. 2 молитвы.

л. 29. Εὐχὴ, ὅταν ἀποβάλληται, οἶον σκοτωθῇ.

л. 30 об. Εὐχαὶ τοῦ саранτισμοῦ.

л. 32 об. Εὐχὴ εἰς τὸ σφραγίσαι παιδίον λαβεῖν ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

Послѣ обычнаго начала, тропаря и кондака и обычной молитвы, λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ βρέφος, ἵσταται πρὸ τῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, λέγων ψαλμόν· Τὰ ῥήματά μου ἐνώτισαι, Κύριε... ἕως τὸ Εἰσελεῦσθαι εἰς τὸν οἶκόν σου, προσκυνήσω πρὸς τὸν ναὸν τὸν ἅγιόν σου. Εἴτα τίθῃσι τὸ παιδίον χαμαὶ καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

л. 33. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Достоинно замѣчанія слѣдующее мѣсто этого чина: Καὶ λαβὼν τὸ ἅγιον μύρον, χρίει τὸν βαπτιζόμενον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ στήθους καὶ χειρῶν καὶ ποδῶν, καὶ λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Εἰς τὰ ὦτα· Εἰς ἀκοήν πίστεως. Εἰς τὰς χεῖρας· Τοῦ ἐργάζεσθαι ἔργα δικαιοσύνης. Εἰς τὰ πόδια· Τοῦ περιπατεῖν ἐπάνω ὄψεων καὶ σκορπίων καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ. Καὶ μετὰ τὸ μυρῶσαι ὅλον τὸ σῶμα, ἐνδύει τὸν χιτῶνα καὶ ψάλλει ἦχος πλ. δ'. Χιτῶνά μοι παράσχου φωτεινόν... Εἴτα κουκούλιον· Φορένει ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ κουκούλιον. Σταυρόν χαράξας Μωσῆς...

л. 52. Ἀκολουθία εἰς μνήστρα.

Священникъ кукалѣ аυτόυς κύκλῳ τοῦ ἄρβωνος, ψάλλων· Ἅγιοι μάρτυρες... καὶ Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός.

л. 57 об. Εὐχή ἐπὶ διγάμων.

л. 58. Молитвы на различные случаи.

л. 63. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 71. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 81—83 чистые.

л. 84. Εὐχαὶ ἐλαίου.

XCVI. № 615 (757) Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ, рукопись Свято-гробской библиотеки въ Константинополѣ, въ четверку, 354 листа, писана на бумагѣ мелкою скорописью 1522 года. Время происхожденія этой рукописи опредѣляется слѣдующею припискою въ концѣ ея: Ἐτελειώθη τὸ παρὸν βιβλίον τὸ Εὐχολόγιον διὰ χειρὸς κάμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ Μανουήλ, τοῦ ἐκ τῆς νήσου Κρητός (sic), ἐκ πόλεως Χανδάκου κατὰ τῷ ζλ'. μηνὶ Μαΐῳ κθ'. διὰ πλείστων δὲ ἀγαθῶν εἰς τὰ τῆς φιλοξενίας καὶ φιλοπτωχείας, ὧν ἐμνήσθημεν τοῦ τιμιωτάτου καὶ εὐλαβεστάτου καὶ μουσικωτάτου ἀρίστου πάνυ παπᾶ κὺρ Ἀνδρέου, καὶ δευτερεύων (sic) τῆς μεγάλης τοῦ Θεοῦ ἁγίας ἐκκλησίας, ἡβουλήθημεν καὶ ἡμεῖς πρὸ βραχὺ δουλεύσαι αὐτοῦ, πρὸ ἀνταμοιβῆν τῶν πολλῶν ἐλεημοσυγῶν αὐτοῦ, ὧν ἔφημεν, τὸ παρὸν βιβλίον, καὶ ἀξιώσῃ αὐτὸν Κύριος ὁ Θεός, ἵνα μακροημερεύσῃ καὶ διαβιβάσῃ τιμιώτατα τὸ παρὸν εἰς τὴν ἀξιοτητα τῆς ἱερωσύνης αὐτοῦ εἰς ἔτη πολλά.

л. 1. Πίναξ τοῦ παρόντος τοῦ βιβλίου.

л. 4. Ἀκολουθία τοῦ ἑσπερινοῦ. Молитвъ свѣтильничныхъ 8.

Ὁ ἱερεὺς λέγει ἔσωθεν ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι τὰς εὐχὰς τοῦ λυχνικοῦ μυστικῶς, ἱστάμενος ἀσκεπής.

л. 10 чистый.

л. 11—12 Конецъ одинадцатой утренней молитвы и вся двѣнадцатая. Goar. p. 42.

л. 12 об. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ια'.

л. 27. Ἀπόστολοι καὶ εὐαγγέλια τῆς ὅλης ἑβδομάδος.

л. 40 чистый.

л. 41. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, καὶ ἄρχονται τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς, καὶ εὐθὺς τὸ Θεός Κύριος καὶ ἐπέφανεν εἰς ἤχον πλ. β'. καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα εἰς ἤχον πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. Τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεός... καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν, ποίημα Ἀρσενίου μοναχοῦ, οὗ ἡ ἀκροστιχίς: Εὐχῆς ἐλαίου φαλμός ἐξ Ἀρσενίου Goar. p. 332.

Εἴτα Ἀξίόν ἐστι, ὡς ἀληθῶς, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, εἴτα προγεγραμμένα τροπάρια, τὸ Ἑλέησον ἡμᾶς, Κύριε.—κ. τ. α. Καὶ μνημονεύει ὁ διάκονος· Ἑλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους... Ὅτι ἐλεήμων... Κύριε ἐλέησον, γ'. καὶ ἀπόλουςις. Ὁ δὲ ἀσθενῶν ποιεῖ συγχώρησιν, λέγων ἐκ τρίτου· Δέσποτα ἅγιοι, συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ. Οἱ δὲ ἱερεῖς πάντες ἀποκρίνονται αὐτῷ ῥόμῳ, λέγοντες καὶ αὐτοί· Ὁ Θεὸς συγχωρήσει σοι καὶ ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι. Εἴτα λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Καὶ ὁ πρῶτος ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Α. Дмитріевскаго. Прилож. стр. 120, прим. 1. Послѣ возгласа: Ὅτι πρέπει σοι, οἱ δὲ ἱερεῖς ψάλλουσι τὸ Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ Κυρίῳ... Ἐν ᾧ δὲ λέγονται ταῦτα, λέγεται ἡ αὐτὴ εὐχὴ παρ' ἐκάστου τῶν ἱερέων· Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ὥμενος. Goar. pag. 335. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. α. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν.. Ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι... Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα... Εἴτα κοντάκιον, ἥχος γ'. Τὴν ψυχὴν μου, Κύριε, ἐν ἁμαρτίαις.. Goar. pag. 336. καὶ τὸ Τῇ ὑπερμάχῳ στρατηγῷ... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ δὲ πρῶτος τῶν ἱερέων λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἀναρχε καὶ ἀδιάδοχε, ἅγιε ἁγίων. Goar. pag. 337. Καὶ ὁ διάκονος· Καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν... Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Πρόσχωμεν. Σοφία. Προκείμενον· Γένοιτο τὸ ἐλεός σου... Στίχος· Ἀγαλλιᾶσθε δίκαιοι. Σοφία. Καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου τὸ ἀνάγνωσμα· Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα λάβετε Goar. pag. 337. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην. Дмитріев. Прилож. стр. 123. Ἑλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι ἐλεήμων... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εὐδιάλλακτε Κύριε... Прилож. стр. 124. Εὐχὴ ἐτέρα, λεγομένη μυστικῶς ἐν τῷ χρίσθαι τὸν ἀσθενοῦντα τῷ ἁγίῳ ἐλαίῳ· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ τῶν ψυχῶν Goar. pag. 338, но съ тою разницею, что изъ святыхъ упоминаются только Косма и Даміанъ. Προκείμενον· Ἰσχύς μου καὶ ὕμνησίς μου... Στίχος· Παιδεύων ἐπαίδευσε. Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς Goar. pag. 338. Εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν Ibid. pag. 339. Ἑλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα... Ὅτι ἐλεήμων... Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ. Прилож. стр. 127. Προκείμενον· Κύριε μὴ τῷ θυμῷ σου. Στίχος· Ὅτι τὰ βέλη σου. Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς. Goar. pag. 341. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον pag. 340. Ἑλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε... Прилож. стр. 128. Προκείμενον· Ἐν ᾗ ἂν ἡμέραν... Στίχος· Κύριε, εἰσάκουσον. Πρὸς Ῥωμαίους... Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν. См. Прилож. Εὐχολόγιον τ. II.

128. Ἐλέησον ἡμᾶς. Καὶ ἡ εὐχή· Κύριε ὁ Θεός, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος Goar. pag. 342. Προκείμενον· Κύριε, τί ἐπληθύνθησαν. Στίχος· Τοῦ Κυρίου σωτηρία... Πρὸς Γαλάτας... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον... Ἐλέησον ἡμᾶς... Прилож. стр. 129, 130. Καὶ ἡ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸς ἰατρός Goar. pag. 343. Προκείμενον· Ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι. Στίχος· Υἱοὶ ἀνθρώπων ἕως πότε. Πρὸς Κολοσσαεῖς... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν... Ἐλέησον ἡμᾶς. Прилож. стр. 130, 131. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν Goar pag. 345. Προκείμενον· Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου. Στίχος· Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Πρὸς Τιμόθεον ἐπιστολῆς· Τέκνον Τιμόθεε, ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι τῇ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ. Τέλος· Τύχῳσι τῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ μετὰ δόξης αἰωνίου. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος· Ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις. Прилож. стр. 132, прим. 1. Ἐλέησον ἡμᾶς... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ πολλὸς ἐν ἀγαθότητι, Κύριε... Goar. pag. 341. Καὶ συναλείφας αὐτόν, σφραγίζει, εἶτα συστήσαντες χορὸν κύκλῳ τοῦ ἀνθρώπου καὶ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ κατέχοντες, ἐκφωνεῖ ὁ πρῶτος τὴν εὐχὴν ταύτην μεγαλοφώνως. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε πολυέλεε... Goar. p. 346. Καὶ λέγουσιν ἅπαντες τὴν εὐχὴν μεγαλοφώνως. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ τῶν ψυχῶν... Ζῆτει αὐτὴν εἰς τὴν ἀρχὴν τῆς παρουσίας ἀκολουθίας, καὶ μετὰ τὸ τέλος ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ὁ ἀνθρωπος. Καὶ οἱ ἱερεῖς, λαβόντες τὰ συναλειπτήρια, βάφουσι πάντες εἰς τὸ ἅγιον ἔλαιον, καὶ ἵστανται, ὁ πρῶτος, εἶτα ἔρχεται ὁ δευτέρος καὶ συναλείφει αὐτόν. Ὁ πρῶτος λέγων· Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου, τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. Ὁμοίως καὶ ὁ δευτέρος συναλείφει τὸν πρῶτον, τὸν αὐτὸν λόγον εἰπών, καὶ καθ' ἑξῆς ἅπαντες ἀλλήλους σὺναλειφθέντες, φάλλουσι καὶ τροπάριον, ἥχος δ'· Πηγὴν ἰσμάτων... Καὶ νῦν θεοτοκίον· Νεῦσον παρακλήσεσι, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

1. 22 σβ. Τάξις καὶ ἀκολουθία τοῦ νεκρωσίμου εὐχελαίου.

Συναχθέντων τῶν ζ'. ἱερέων ἐν τῷ τύμβῳ τοῦ τεθνεώτος, ἄρχεται ὁ πρῶτος τὸ εὐλογητόν, ἔπειτα ἄρχονται· Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ. Πληρουμένου δὲ τούτου, λέγει ὁ διάκονος· Ἔτι καὶ ἔτι... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ μνήμης κοιμήσεως... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν κατατάξει τὸ πνεῦμα αὐτοῦ... Ὅτι σὺ εἰ ἀνάστασις. Εἰρήνη πᾶσι· Καὶ φάλλομεν τὸ Ἀλληλούια εἰς ἦχον πλ. δ'. Στίχος· Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω. Στίχος· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Ὁ βυθοῖς σοφίας φιλανθρώπως πάντα οἰκονομῶν... Δόξα, τὸ τέλος, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Σε καὶ τεῖχος καὶ λιμένα ἔχοιμεν... Καὶ εὐδὺς ὁ Ν'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός...

καὶ ὁ κανὼν, οὗ ἡ ἀκροστιχίς· Θνήσκουσι πιστοῖς ὄγδοον πλέκω μέλος, ᾧδῃ α'. ἤχος πλ. δ' Ὑγρὰν διοδεύσας.. Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ.. Νεότητος πταίσματα παρορῶν.. κ. τ. λ. Εἴτα εἰσέρχεται ὁ προγενὴς βουλόμενος καὶ λέγει πρὸς τοὺς ἱερεῖς· Εὐλογήσατε, δέσποταί ἅγιοι, εὖξασθε καὶ συγχωρήσατε τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα. Καὶ ἀνταποκρίνονται αὐτῷ οἱ ἱερεῖς· Ὁ Θεὸς ἀναπαύσει αὐτὴν ἐν τόπῳ φωτεινῷ. Καὶ λέγεται τὰ τοιαῦτα ἐκ τρίτου, καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ πρῶτος, λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου συγχωρῶν τὰ παραπτώματα ἡμῶν, αὐτός, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ἀνάπαυσον τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα ἐν τόποις φωτεινοῖς, ἐν τόποις χλοεροῖς, ἐν τόποις ἀναψύξεως, συγχώρησον αὐτοῦ πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον ἐν λόγῳ ἢ ἔργῳ, ἢ κατὰ διάνοιαν πλημμεληθὲν ὑπ' αὐτοῦ, ἵνα καὶ ἐν τούτῳ δοξασθῇ σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ... Καὶ εὐθὺς καθίσματα, ἤχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων τὸν δοῦλόν σου... Μήτηρ Θεοῦ παναγία, τὸ τεῖχος τῶν χριστιανῶν... Καὶ εὐθὺς τὰ στιχηρά, ἤχος α' Ἰσοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας μεθέξεως... Οὐδεὶς ἀναμάρτητος, οὐδεὶς τῶν ἀνθρώπων γέγονεν... Χριστὸν ἐκδυσώπησον τὸν σὸν τόκον, Μητροπάρθενε... Δόξα, Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Θεοτοκίον· Χαῖρε, Παρθένε Θεοτόκε, χαῖρε καύχημα τῆς οἰκουμένης... Πρόσχωμεν. Εἰρήνην πᾶσι. Σοφία. Ψαλμὸς τῷ Δαβίδ· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος· Πρὸς σε, Κύριε, ἦρα τὴν ψυχὴν... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἀνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Εἰρήνην σοι. Σοφία. Ἀλληλούια. Ψαλμὸς τῷ Δαβίδ, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγελιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐργάζεσθε μὴ τὴν βρῶσιν τὴν ἀπολλυμένην. Τέλος· καὶ ζωὴν διδοὺς τῷ κόσμῳ. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπὶ δεόμεθα ὑπὲρ μνήμης κοιμήσεως... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτοῦ πᾶν πλημμέλημα... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ἡ εὐχή· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων Goar. p. 424. Καὶ ἄρχεται ὁ δεύτερος ὁ ἱερεὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Ῥύμην τοῦ θανάτου καὶ φθορὰν σου τῷ ζωηφόρῳ θανάτῳ... Τρόμφ τῷ φρικτῷ καὶ φοβερῷ βήματι... Εὐὰς τῆς προμήτορος ἀγνῆς... Δόξα, Οἱμοὶ οἷον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ, χωριζομένη ἐκ τοῦ σώματος... θεοτοκίον· Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, ἐκέκραξα. Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων ἐγένετο... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ

Θεός τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτό ἐστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. καὶ εὐχή· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Εἶτα τρίτος ἱερεὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος γ'. Τῷ τύπῳ σου. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον... Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὐσπλαγχνος, ὁ ἔχων ἀκατάληπτον ἀγαθότητος πέλαγος... Ὑπνώσας ἐν τῷ τάφῳ, ὡς ἄνθρωπος... Δόξα, νεκρώσιμον· Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... θεοτοκίον· Ἐν γυναιξὶν ἁγία Θεοτόκε Μήτηρ ἀνύμφευτε... Καὶ εὐθὺς προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ Κύριε ἦρα τὴν ψυχὴν. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλω ὑμᾶς ἀγνοεῖν. Τέλος· καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Εἰρήνη σοί. Σοφία. Ψαλμός τῷ Δαβίδ. Ἀλληλούια. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ... Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Ὁ δ'. ἱερεὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος δ' Ὅντως φοβερώτατον τὸ τοῦτου θανάτου μυστήριον... Ὑπνος ἀναδέδεικται τῶν πιστευόντων ὁ θάνατος... Σὺ δικαιοσύνη τε καὶ ἁγιασμός ἡμῶν γέγονας καὶ ψυχῶν ἀπολύτρωσις... Δόξα, νεκρώσιμον· Μετὰ πνευμάτων δικαίων τετελειωμένων τὴν ψυχὴν... Ἡ μόνη ἁγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος... Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ. Στίχος· Πρὸς σέ Κύριε ἦρα τὴν ψυχὴν... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὐτὴ σὰρξ. Τέλος· ὁ ἔσχατος Ἀδὰμ εἰς πνεῦμα ζωοποιοῦν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα... Τέλος· ὅτι σὺ εἶ Χριστὸς Υἱὸς τοῦ Θεοῦ. Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ ἄρχεται ὁ ε'. ἱερεὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. α'. Χαίροις ἀσκητικῶν. Αἵγλη τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ, τὸν μεταστάνα... Ψάλλειν παναρμονίῳ φωνῇ δοξολογοῦντα τὸ σὸν κράτος εὐδόκησον, οἰκτίρμον, τοὺς μεταστάντας... Νόμῳ τῆς ἁμαρτίας ἡμᾶς δεδουλωμένους ἠλευθέρωσας, Δέσποινα... Δόξα καὶ νῦν, νεκρώσιμον· Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος... Ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδός... Θεοτοκίον· Δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα εὐλογημένη, πρέσβευε σωθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν. Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, ἦρα τὴν ψυχὴν. Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Τέλος· ἵνα νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Ἀλληλούια, ἦχος πλ. β'. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι τὸ φῶς τοῦ κόσμου. Τέλος· ὅτι οὐπω

ἦκει ἡ ὥρα αὐτοῦ. Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ ἄρχεται ὁ ἔκτος ἱερεὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. β'. Ὁλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον τὴν εἰς ἡμᾶς εὐσπλαγχνίαν, καὶ πηγὴν ἀκένωτον θεϊκῆς χρηστότητος, πολυέλεε... Νέκρωσιν ὑπέμεινας ζωοποιὸν ἐκουσίως καὶ ζωὴν ἐπήγασας... Ὁφθης ἐνδιαιτήμα, θεοπρεπὲς Παναγία, καὶ Θεὸν ἐχώρησας... Δόξα, Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τῷ πλαστοργῷ σου γέγονε πρόσταγμα... θεοτοκίον· Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα ἐγνωμεν, Θεοτόκε Παρθένε... Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ Κύριε, ἦρα τὴν ψυχὴν... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, οὕτω καὶ ὑμεῖς λογιζέσθε ἑαυτοὺς νεκροὺς μὲν εἶναι τῇ ἁμαρτίᾳ... Τέλος· εἰς ὃν παρεδόθητε τύπον διδασχῆς. Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμήν, ἀμήν, λέγω ὑμῖν, ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων. Τέλος· τὸ θελημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ ἄρχεται ὁ ζ'. ὁ ἱερεὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. δ'. Ὁ τοῦ παραδόξου θαύματος. Βασιλικῶς μοι ἐπέγραψας ἐλευθερίαν βαφαῖς... Ἱεραρχήσας, ὡς ἄνθρωπος, σφραγισθεὶς ἑαυτὸν προσφορὰν προσενήνοχας... Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἀναρχον λόγον Θεοῦ... Δόξα, νεκρώσιμον· Θρηνῶ καὶ ὀδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον... Τὰ οὐράνια ὕμνεϊ σε, κεχαριτωμένη Μήτηρ ἀνύμφευτε... Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ Κύριε, ἦρα τὴν... Πρὸς Ἐφραίμους· Ἀδελφοί, ὁ Θεὸς πλούσιος ὢν ἐν ἐλέει διὰ τὴν πολλὴν ἀγάπην αὐτοῦ, ἣν ἡγάπησεν ἡμᾶς... Τέλος· ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσωμεν. Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς, οἱ πατέρες ὑμῶν ἔφαγον τὸ μάννα... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. α. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ μετὰ τὸ τέλος αὐτοῦ, συστήσαντες κύκλῳ τοῦ τύμβου χορὸν οἱ ζ'. ἱερεῖς, ἐκφωνεῖ ὁ πρῶτος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Βασιλεῦ ἄγιε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ. Прилож. стр. 133. Сравни. Εὐχολογ. Goar. p. 346. Эта молитва примѣнена къ умершему лицу, а поэтому въ ней встрѣчаются такія выраженія: οὐ τίθημι ἐμὴν χεῖρα ἁμαρτωλὸν καὶ ἀναξίαν ἐν τῷ τύμβῳ τοῦ μνημονευθέντος ἀδελφοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα κ. τ. λ. Εἶτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, εἶτα τροπάριον· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθὸς τὴν ψυχὴν... Μήτηρ ἁγία τοῦ ἀφράστου φωτός.. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγουσιν ὅλοι ὁμοῦ τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 114 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ τῶν μοναχῶν.

Ἐπειδὴν τις τῶν μοναχῶν πρὸς Κύριον ἐκδημήσῃ, οὐ δεῖ λούεσθαι αὐτοῦ τὸ σῶμα, καθὼς τοῖς κοσμηκοῖς, ἀλλ' οὐδὲ ὀρᾶσθαι γυμνόν. . Goar. p. 438. Εἴτα τὸν ἀνάλαβον εἰς τὴν τάξιν αὐτοῦ, καὶ τὸ πᾶλλιον, ἐπὶ τοὺς πόδας καλύγρια καινά, ὡς περ ἔθρος ἐστὶ τοῦ στολίσαι νυμφίον. Εἴθ' οὕτως εἰσφέρουσι τὸν μανδύαν αὐτοῦ καὶ ἀποκουφίζουν τὸ λειψάνον ἐκ τοῦ ψιαθίου, καὶ ἀπλοῦσι τὸν μανδύαν αὐτοῦ ὑποκάτω ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς, καὶ μετὰ μαχαίρας σχίσαντες τὰ πλάγια τοῦ μανδύου καὶ λωρία δύο ἐκβαλόντες ἀπὸ ἄνωθεν ἕως κάτωθεν, καὶ τοῦ μανδύου πάλιν τὰ πλάγια διατρυπήσαντες, καὶ τὰ λωρία ἔνθεν καὶ κεῖθεν διαβιβάσαντες, καὶ ὑπὸ τὰς τρύπας ὑποβαλόντες, ποιοῦσι σταυροὺς τρεῖς μέχρι τῶν ποδῶν, καὶ τὰ ὑπολειφθέντα λωρία δεσμοῦσι τοὺς πόδας. Εἴτα κρούσαντες τὸ σιδηροῦν καὶ ἄραντες τὸ λειψάνον, εἰσφέρουσιν ἐν τῷ νάρθηκι, διδόντες κηρία τοῖς ἀδελφοῖς, ἅπτουσι δὲ καὶ ἐπὶ τοῦ λειψάνου κηρία δ', ἐπάνω δὲ αὐτοῦ τίθεται ἡ εἰκὼν τοῦ Δεσπότης Χριστοῦ. Καὶ εὐθὺς θυμῷ ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου σταυροειδῶς, καὶ ποιεῖ εὐλογητὸν καὶ ἄρχεται τοῦ Τρισαγίου, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον β'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ', ὁ Ν', εἴτα ἄρχονται τὸν ἄμωμον εἰς ἦχον πλ. α'. Εὐλογητὸς εἰ Κύριε... Εἴτα ἄμωμος· Μακάριοι ἄμωμοι... (Ἀλληλουῖα, ἀλληλουῖα δόξα σοι ὁ Θεός, ἐκ τρίτου) Вся 17 каѳизма съ раздѣленіемъ на славы, но безъ ектеній. Καὶ εὐθὺς τὰ εὐλογητάρια· Εὐλογητὸς εἰ Κύριος.. Τῶν ἀγίων ὁ χορὸς Goar. pag. 425. Ὁ διάκονος τὴν συναπτὴν, λέγων οὕτως· Ἐτι καὶ ἔτι... Далѣе порядокъ до апостола, какъ у Гоара pag. 439—445, но съ опущеніемъ въ настоящей рукописи нѣкоторыхъ тропарей, въ антифонахъ. Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ, καὶ ὁ μὴ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ οὐ φρονεῖ... Τέλος· Ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Евангеліе, ектенья и стихиры на цѣлованіе, что у Гоара pag. 445, но съ прибавкою: Δεῦτε τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν καὶ γνῶμεν.. Δόξα, Μίαν ὑποστάσει· τρισὶ σέβοντα θεότητος πίστιν... и съ опущеніемъ стихиръ второй, третьей и четвертой. Goar. p. 445, 446. Καὶ μετὰ τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὴν κλίνην μετὰ τοῦ λειψάνου, ἀπέρχονται εἰς τὸν τάφον, φάλλοντες· Ἅγιος ὁ Θεός. Ἀποτιθέασι δὲ τὸ λειψάνον ἕως τοῦ φθάσωσιν εἰς τὸν τάφον τρίτον, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν συνήθη ἐκτενήν· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Εἴτα φθάσαντες εἰς τὸν τάφον, φάλλομεν τὰ παρόντα τροπάρια, ἦχος β'. Ὡς ἄνθρωπος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται καὶ διαλύεται πᾶς ἄνθρωπος... Ἐτερον, ἦχος γ'. Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώ-

πινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει μετὰ θάνατον... ἤχος πλ. δ'. Ἀθάνατε οἰκτίρμον τῶν νεκρῶν καὶ ζώντων, ὡς Κύριος βουλήσει θεία, ὃν ἐκ γῆς νῦν μετέστησας... Ἐπ' ὧμων τὸν ζυγόν σου, ὡς ἀράμενον, Σῶτερ, τοῦ δούλόν σου ζυγοῦ πταισμάτων... Ἰδοὺ καιρὸς, οἰκτίρμον, τῶν δακρύων μνησθῆναι τοῦ δούλου σου καιρὸς τοῦ βλέψαι... Ῥημάτων, τῶν ἐν λόγοις μὴ μνησθῆς ἐσφαλμένων τοῦ δούλου σου, σαρκὸς κινήσεις... Δόξα καὶ νῦν, Φιλάνθρωπε οἰκτίρμον, ἐλεήμων καὶ μόνε μακροθύμει Χριστέ, κριτὰ μου... Καὶ εὐθὺς μνημονεύει, ἔπειτα ὁ ἀπόστολος καὶ τὸ εὐαγγέλιον, ζητεῖ ὁπισθεν. Καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ εὐαγγελίου τὸ Δεῦτε τελευταῖον, καὶ εὐθὺς τὰ παρόντα τροπάρια, ἤχος δ'. Τὴν αἰετάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμῶν τῷ σῶ λιμένι προσέδραμε τῇ πίστει... Ἡ αἰοιδίμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ σήμερον πληροῦται, ἄνθρωπος, λέγουσα, ὡσεὶ χόρτος αἱ ἡμέραι αὐτοῦ... Ἦχος πλ. δ'. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος, εἰ μὴ γὰρ ἐν μνήματι κατετέθης... Παντοκράτορ ὤψιστε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἀνάπαυσον ἐν σκηναῖς τῶν ἁγίων... Δόξα καὶ νῦν, Τα σὺράνια ὤμνεῖ σε, κεχαριτωμένη Μήτηρ ἀνύμφευτε, καὶ ἡμεῖς δοξολογοῦμεν τὴν ἀνεξιχνίαστόν σου γέννησιν... ἤχος βαρὺς, Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς ἀδελφότητος κατέλιπον τὸ λοιπὸν τῆς ζωῆς μου... Κατάπαυσον δικαίους ἡτοίμασας, εἰσάγαγέ με, Σωτήρ, ἐν τῇ βασιλείᾳ σου... Εἰρήνευσον πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου τὴν ζωὴν ἡμῶν τῶν βοώντων σοι... Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, καὶ πάλιν τὰ παρόντα τροπάρια, ἤχος πλ. β'. Ἀληθῶς ματαιότης τὰ σύμπαντα, ὁ δὲ βίος σκιά καὶ ἐνύπνιον· καὶ γὰρ μάτην ταράσσεται πᾶς γηγενής... Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν ζωοδότα, ὃν μετέστησας ἀδελφὸν ἡμῶν... Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, εἴτα τροπάριον, ἤχος πλ. β'. Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασκηταί, μὴ μου ἐπιλάθησθε, ὅταν προσεύχησθε... Δόξα, ἤχος πλ. δ'. Θρηγῶ καὶ ὀδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον καὶ ἴδω ἐν τοῖς τάφοις... Νῦν, Θεοτοκίον· Ἀγνή Παρθένε, τοῦ Λόγου πύλη, τοῦ Θεοῦ ἡμῶν Μήτηρ, ἰκέτευε σωθῆναι τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου... Καὶ βάλλοντες τὸ λείψανον εἰς τὸν τάφον, καὶ χέουσι τὴν κανοῆλαν ἐπάνω αὐτοῦ, λέγοντες τὸ παρὸν τροπάριον, ἤχος πλ. δ'. Γῇ χανοῦσα ὑπόδεξαι τὸν ἀπὸ σοῦ πλασθέντα χειρὶ Θεοῦ τὸ πρότερον... Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῇ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτοῦ. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος κατήργηται καὶ ὁ ἄδης νενέχρωται... Καὶ εὐθὺς ἀσφαλίσαντες τὸν τάφον, εἴτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ τὰ τροπάρια· Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. λ. Goar. pag. 423, но съ прибавкою предъ вторымъ стихомъ припѣва: Τοῦ Κυρίου ἡ γῇ... Καὶ ὁ ἱερεὺς· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπεδεόμεθα ὑπὲρ κοιμήσεως... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ πᾶν ἁμάρτημα...

Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ, τὴν βασιλείαν... Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Εἴτα, ὁ Θεὸς οἰκτειρῆσαι ἡμᾶς, καὶ γίνεται ἀπόλουςις, καὶ ποιούμεν μετανοίας ἱβ'. ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος.

л. 149. Ἀκολουθία, γινομένη ἐπὶ ταφῆς ἱερέως ¹⁾).

Ἐν τῷ θανεῖν τὸν ἱερέα, λούουσιν αὐτὸν καὶ τίθουσιν μετὰ λινὸν καὶ σάββνον, καὶ τὸ λαζάρωμα, τουτέστι διακονίειν μακρὸν, καὶ δένει τοὺς πόδας αὐτοῦ, καὶ ἐνδύουσι τὸ στιχάρι(ον) φελώνιον, καὶ φορένουσιν αὐτὸν σανδάλια, καὶ σκεπάνει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ ἐγχείριον, καὶ ἐπιτίθουσιν σταυροὺς τρεῖς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, καὶ τρεῖς εἰς τὸ στήθος αὐτοῦ, ἅπτει κηρία ἐπτὰ καὶ θυμιᾷ ὅλον τὸν οἶκον, καὶ ἐὰν ἔστι μεσημέριον καὶ τὴν κάτω, ψάλλονται ἐπ' αὐτῷ τὰ ἐσπερινά, εἰ δὲ μεσονύκτιον καὶ τὴν ἄνω, ψάλλονται τὰ ἑωθινά, τὸ Ψαλτήριον ὅλον καὶ τὸν ἄμωμον. Καὶ ὅτε θέλousι κινῆσαι αὐτόν, δίδεται τὸ εὐαγγέλιον εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ.

л. 149 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ ταφῆς πρεσβυτέρου.

Ἐν τῷ εἰσφέρεισιν αὐτὸν ἐν τῷ ναῷ καὶ ποιεῖ εὐλογητὸν, Τρισάγιον, εἴτα ἀντίφωνον α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαί με Goar. p. 439, по сь при-
бавкою: Ἀγίω Πνεύματι πᾶσα ἡ κτίσις καινουργεῖται, πάλιν δραμουσα εἰς τὸ πρῶτον... Καὶ εὐθὺς στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἥχος α' Ἰωάννου μονα-
χοῦ· Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Goar. p. 428.
Ἔτερον, ἥχος ὁ αὐτός· Ἐργῷ, Σωτήρ μου, δεικνύς, ὅτι σὺ εἶ ἡ πάντων, ἀνάστασις, λόγῳ, Λόγε, Λάζαρον ἐκ νεκρῶν ἐξανέστησας... Ἔτερα στιχηρά, ἥχος ὁ αὐτός· Πανεύφημοι μάρτυρες... Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυ-
κειάς μεθέξεως, τὸν μεταστάντα ἀνάπαυσον... Οὐδεὶς ἀναμάρτητος, οὐδεὶς τῶν ἀνθρώπων γέγονεν... (Ἵπερ ²⁾) τὰ ὀρώμενα τὰ σά, Σῶτερ... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Χριστὸν ἐκδυσώπησον, τὸν σὸν τόκον, Μητροπαρθένε... Goar. p. 439—440. Ἰδιόμελον, ἥχος πλ. β'. Τοῦ ἱερέως τὸ καύχημα, ὑπαγγέλων τι-
μώμενον, λειτουργὸς γενόμενος τὴν κέλousιν ἐτέλεσε τῆς σῆς παραδόξου ἐγέρσεως, δευτεροῦντες αὐτό, ἡ ἐκτενὴ εἰς τοὺς κοιμηθέντας, εἴτα ὁ πρῶτος ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς, ὁ δίκαιος κριτής, τὸν μεθ' ἡμῶν συνδουλεύοντα καὶ ἐκ τοῦ κόσμου ἐκδημήσαντα ἱερέα, φυλάνθρωπε Κύριε, τῆς ἐκεῖθεν ζωῆς κληρονόμον ἀνάδειξον, τὸν ἐνταῦθα, ὡς ἀνθρώπῳ πλημ-
μεληθέντα, καὶ τῶν ἀμαρτιῶν λήθην ποιούμενος, ὡς ἀμαρτίας) ἐλεύθε-

¹⁾ Краткое изложение этого чина см. у проф. Н. Θ. Красносельцева „По поводу нѣкоторыхъ церковныхъ службъ и обрядовъ, нынѣ не упо-
требляющихся“. Каз. 1889, стр. 198.

²⁾ Недостающее въ этомъ чинѣ мы восполняемъ по ркп. XVI в. библи. русскаго Пантелеимоновскаго монастыря на Аѳонѣ № 305.

ρος, καὶ τὸν δοῦλόν σου τοῦτον, τὸν ἐξεληθόντα τοῦ βίου τούτου, ἀξίω-
σον αὐτὸν σὺν τοῖς θεράπουσί σου, τοῖς ἀπ' αἰῶνος εὐαρεστήσασί
σοι καὶ τύχη τῆς ἡτοιμασμένης ζωῆς, ἣν ἡτοίμασας τοῖς ἀγαπῶσί σε,
Κύριε. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ ἐν μακαρίᾳ
τῇ μνήμῃ γενομένου ἀειμνήστου δούλου σου ἱερέως, Χριστὲ ὁ Θεὸς
ἡμῶν καὶ σοὶ... Сн. выше стр. 57, 480. Εἶτα τὸ Τρισάγιον. Προκει-
μενον· Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με. Στίχος· Μακάριος ὁ συνίων. Ἀπό-
στολος. Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς
χοϊκός. Τέλος· διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλουάριον· Μα-
κάριοι οἱ κατοικοῦντες... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ
ἐκείνῳ, Μαρία εἰστήκει πρὸς τὸ μνημεῖον κλαίουσα ἔξω... Τέλος· Ὅτι ἑώρακε
τὸν Κύριον, καὶ ταῦτα εἶπεν αὐτῇ. Καὶ εἰσοδεύουσιν αὐτὸν οἱ ἑπτὰ πρε-
σβύτεροι. Εἶτα ἀντίφωνον β'. Goar. p. 440, по съ прибавкою на И ннѣѣ:
Ἀγίῳ Πνεύματι ζωαρχία καὶ γέρας· πάντα γὰρ τὰ κτιστά.. Νεκρώσιμον,
ἦχος β'. Ὡς ἄνθος μαραίνεται καὶ ὡς ὄναρ παρέρχεται καὶ διαλύεται
πᾶς ἄνθρωπος... Οἶμοι, οἶον ἄγῳνα ἔχει ἡ ψυχὴ, χωριζομένη ἐκ τοῦ
σώματος, οἶμοι, τότε πόσα δακρύει... Ἑτέρα, ἦχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου.
Ῥώμην τοῦ θανάτου Goar. p. 440. Ἵνα τοὺς ἀνθρώπους κοινωνοὺς
Ibidem. Δόξα, Σῶσαι τὸ σὸν πλάσμα βουληθεὶς τῆς οἰκονομίας... Καὶ νῦν,
θεοτοκίον· Εὐὰς τῆς προμήτορος... Goar p. 440, τροπάριον ἰδιόμελον, ἦχος
πλ. β'. Ἡ ψυχὴ ἐβγένουσα, τῶν ἀγγέλων διελέγετο, κλήτωρ ἦλθες ἐπ'
ἐμὲ... Λέγεται δις. Ὁ διάκονος· Ἔτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Καὶ εὐχὴ παρὰ
τοῦ ἱερέως· Οἵκησιν ἔχων τῶν οὐρανῶν καὶ πάντα διέπων τὰ ἐπὶ τῆς
γῆς, Σὺ μόνος ἐπίστασαι τοῦ ἐξ ἡμῶν μεταστάντος τὰ πλημμελήματα,
ἃ ἐν τῷ παρόντι εἰργάσατο, ἄμειψαι γοῦν αὐτὸν τὴν ἐν τῷ φωτὶ κατοικίαν,
καὶ τὴν ἐν τῷ χορῷ τῶν δικαίων, καὶ πάντων τῶν ἀμαρτημάτων καὶ
ἀνομιμμάτων συγχώρησιν. Ὅτι Σὺ εἶ ὁ Θεὸς τῶν ζώντων καὶ τῶν κεκοιμημέ-
νων, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ, καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ
Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας Снec. стр. 293. Εἶτα τὸ
Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε. Προκείμενον, ἦχος πλ. α' Μακάριοι
οἱ κατοικοῦντες... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου. Πρὸς Κορινθίους·
Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὐτὴ σὰρξ... Τέλος· Ὁ δεῦτερος Ἀδὰμ εἰς
πνεῦμα ζωοποιοῦν. Ἀλληλουάριον, Ἀναστήσονται οἱ νεκροί. Εὐαγγέλιον·
Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῇ μίᾳ τῶν σαββάτων Μαρία Μαгдаληνὴ ἔρχεται
πρῶτῃ... Τέλος· Ἀπῆλθον οὖν πάλιν πρὸς ἑαυτοὺς οἱ μαθηταί. Καὶ πάλιν γυ-
ρίζουσιν αὐτὸν τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ. Ἀντίφωνον γ' Goar p. 440. (Καὶ νῦν¹⁾),

¹⁾ Въ рукописи не достаетъ двухъ листовъ. Недостающее воспол-
няемъ по той же ркп. № 305.

Ἄγιῳ Πνεύματι ἐνθεωρεῖται πᾶσα ἀγιότης... Τροπάριον νεκρώσιμον, ἦχος ὁ αὐτός· Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον... Δόξα, ὅμοιον· Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὖσπλαγχνος... Καὶ νῦν, Λαμπάδα νοητὴν σε βαστάζουσιν... τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ὅπου χορὸς τῶν ἀγγέλων, ὅπου τάγματα τῶν ἐκλεκτῶν... Λέγει αὐτὸ τρίς. Εἴτα ὁ τρίτος ἱερεὺς· Ἐτι καὶ ἔτι... κ. τ. λ. Ὅτι Σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ἡ εὐχή· Οὐκ ἔστι προσωποληψία παρὰ σοί, Κύριε, μίαν γὰρ εἴσοδον ἐποίησας, ὥσπερ καὶ ἔξοδον... Снес. стр. 670, 535). Καὶ εὐθὺς τὸ Ἅγιος ὁ Θεός. Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἐν εἰρήνῃ ἐπὶ τὸ αὐτό. (Στίχος)· Ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐγγίγεται ἐκ νεκρῶν, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων... Τέλος· Ἰνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Ἀλληλουάριον, Ἐλέησόν με, ὁ Θεός... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Οὐσῆς ὀφίας, τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ τῇ μιᾷ τῶν σαββάτων, καὶ τῶν θυρῶν κεκλεισμένων... Τέλος· Ζωὴν ἔχhte ἐν τῷ ὀνόματι αὐτοῦ. Καὶ πάλιν γυρίζοντες αὐτὸν τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ. Στάσις δ'. Ἀντίφωνον α', ἦχος δ'. Ἐκ νεότητός μου Goar. p. 441. Δόξα καὶ νῦν, Ἄγιῳ Πνεύματι ἀναβλύζει τὰ τῆς χάριτος... Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων τετελειωμένων τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου... Εἰς τὴν κατὰπασίην σου, Κύριε... Ἔτερα στιχηρά, ἦχος δ'. Ἐδωκας σημείωσιν. Ὅντως φοβερώτατον τὸ τοῦ θανάτου μυστήριον, πῶς ψυχὴ ἐκ τοῦ σώματος βιαίως χωρίζεται... Ὑπνος ἀναδέδεικται... Δόξα, Σὺ δικαιοσύνη τε καὶ ἁγιασμός ἡμῶν γέγονας... Καὶ νῦν, Ῥήσεσιν ἐπόμενοι Goar. p. 441. Τροπάριον ἰδιόμελον, ἦχος πλ. β'. Ἡ ἐκκλησία βοᾷ σοι, ζητεῖ τὸν ἱερέα καὶ τὸ θυσιαστήριον ζητεῖ τὸν ποιμένα... Λέγει δὶς. Καὶ εὐθὺς· Ἐτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ δ'. ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν Goar. p. 452. Εἴτα τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν... Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Εὐφράνθητε ἐπὶ Κύριον... Στίχος· Μακάριοι ὧν ἀφένθησαν. Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, οὐδεὶς ἡμῶν ἑαυτῷ ζῇ, καὶ οὐδεὶς ἡμῶν ἑαυτῷ ἀποθνήσκει... Τέλος· Ἰνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Ἀλληλουάριον, Ἀγαλλιᾶσθε δίκαιοι. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ὁ Πέτρος ἀναστὰς ἔδραμεν ἐπὶ τὸ μνημεῖον... Τέλος· Καὶ ὡς ἐγνώσθη αὐτοῖς ἐν τῇ κλάσει τοῦ ἄρτου. Καὶ πάλιν γυρίζοντες αὐτόν. Στάσις ε'. Ἀντίφωνον α'. ἦχος πλ. α'. Ἐν τῷ θλίβεσθαι με Goar p. 442, съ прибавкою на конѣх: Ἄγιῳ Πνεύματι θεολογοῦντες φῶμεν... Ἔτερα στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἦχος πλ. α'. Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδός, καὶ πάλιν κατενόησα ἐν τοῖς μνήμασιν... Ὅμοιον·

Σὺ ἔπλασάς με, Κύριε, καὶ ἐθήκας ἐπ' ἐμέ τὴν χειρὰ σου... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος ὁ αὐτός· Χαίροις ἀσκητικῶν. Αἰγλή τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ... Ψάλλειν παναρμονίῳ φωνῇ... Δόξα, Ὅπου τῶν προφητῶν χορός... Καὶ νῦν, Νόμῳ τῆς ἀμαρτίας ἡμᾶς δεδουλωμένους Goar. p. 442. Ἰδιόμελον, ἥχος πλ. α'. Τί ποιήσεις, ῥάθυμε ψυχή, ὅταν φθάσῃς τὸ βῆμα τὸ φρικτόν... Λέγεται αὐτὸ δις, εἶτα μνημονεύει, καὶ ἡ παροῦσα εὐχή ὁ ε'. πρεσβύτερος· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σοφίᾳ κατασκευάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ τῇ σῇ εἰκόνι, ὁ Θεός, τιμῆσας αὐτὸν καὶ ἐνθήμενος ἐν αὐτῷ πνεῦμα ζωῆς, καὶ εἰσαγαγὼν αὐτὸν εἰς τὸν κόσμον τοῦτον πολιτεύεσθαι ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως, ζωῆς αἰωνίου, καταντήσαντες δὲ αὐτὸν ὑπάγειν, τὸ μὲν σῶμα εἰς γῆν ἀναλύσας, τὴν δὲ ψυχὴν αὐτοῦ προσκαλούμενος. Αὐτὸς καὶ νῦν πρόσδεξαι τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἱερέως ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἐν τόπῳ ἀναψύξεως, καὶ εἴ τι ἐν λόγῳ ἥμαρτεν, ἡ ἔργῳ, ἡ κατὰ διάνοιαν, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός, συγχώρησον· Σὺ γὰρ ὑπάρχεις ὁ Θεὸς ἡμῶν, Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Сн. выше стр. 672. Εἶτα τὸ Ἅγιος ὁ Θεός... Προκείμενον, ἥχος γ'. Ὁ πατήρ μου καὶ ἡ μήτηρ μου ἐγκατέλιπον... Στίχος· Κύριος φωτισμός... Πρὸς Θεσσαλονικεῖς ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, περὶ τῶν χρόνων καὶ τῶν καιρῶν οὐ χρεῖαν ἔχετε ὑμῖν γράφεσθαι... Τέλος· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεθ' ὑμῶν. Ἀμήν. Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἀναστὰς ὁ Ἰησοῦς πρῶτῃ πρώτῃ σαββάτου, ἐφάνη πρῶτον Μαρίας τῇ Μαγδαληνῇ... Τέλος· Διὰ τῶν ἐπακολουθούντων σημείων. Ἀμήν. Καὶ πάλιν κυκλοῦσιν αὐτόν. Στάσις ς'. Ἀντίφωνον α'. ἥχος πλ. β'. Ἐν τῷ οὐρανῷ τοὺς ὀφθαλμοὺς κ. τ. α. Goar. p. 442, съ прибавленіемъ на И пнѣѣ Ἀγίῳ Πνεύματι ἐνθέσεις τοῖς πᾶσιν... Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἥχος πλ. β'. Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοῦργόν σου γέγονε πρόσταγμα... Ἄλγος τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν, ἡ τοῦ ξύλου ἀπόγευσις πάλαι ἐν Ἐδὲμ... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος ὁ αὐτός· Ὅλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον.. Νέκρωσιν ὑπέμεινας ζωοποιὸν ἐκουσίως καὶ ζωὴν ἐπήγαγας... Δόξα, Ζώντων κυριεύοντα... Νῦν, Ὁφθης ἐνδιαίτημα, θεοπρεπὲς Παναγία, καὶ Θεὸν ἐχώρησας... Goar pag. 443. Τροπάριον, ἥχος πλ. β'. Ἰεράν ἀξίαν στολισάμενος ἐν Πνεύματι... δις. Εἶτα μνημονεύει, καὶ ἡ εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Μνήσθητι, Κύριε, πάντων τῶν προαναपाυσαμένων ψυχῶν καὶ τοῦ ἀδελφοῦ καὶ τοῦ συλλειτουργοῦ ἡμῶν ὁ δεῖνα ἱερέως, καὶ συγχώρησον αὐτῷ τὰς ἀμαρτίας αὐτοῦ, εἴτι ἥμαρτεν ἐκουσίως καὶ ἀκουσίως, ἡμᾶς δὲ καταξίωσον, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡμέραν καθ' ἡμέραν εὐχαριστεῖν τὴν σὴν μεγαλειότητα διὰ μετανοίας πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Σὺ γὰρ εἴ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ σοῦ δούλου, Χριστέ

ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Сн. выше стр. 534, 673. Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Προκείμενον, ἤχος πλ. β'. Ἰδοὺ δὴ εὐλογεῖτε τὸν Κύριον. Στίχος· Οἱ ἐστῶτες ἐν οἴκῳ Κυρίου. Ἀπόστολος· Πρὸς Κορινθίους πρώτης· Ἀδελφοί, Χριστὸς κηρύσσεται, ὅτι ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται, καὶ πῶς λέγουσί τινες ἐν ὑμῖν... Τέλος· Ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων ἐγένετο. Ἀλληλουάριον, Αἱ ἡμέραι ἡμῶν ὥσει σκιά παράγουσιν. Εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν· Τῇ μιᾷ τῶν σαββάτων, ὄρθου βαθέος, ἦλθον γυναῖκες ἐπὶ τὸ μνημα... Τέλος· Καὶ ἀπῆλθε πρὸς ἑαυτὸν θαυμάζων τὸ γεγονός. Καὶ πάλιν κυκλοῦσιν αὐτόν. Στάσις ζ'. Ἀντίφωνον α'. ἤχος βαρύς· Τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών... κ. τ. λ. Goar. p. 443 съ прибавкою на Иныѣ Ἀγίῳ Πνεύματι τὰ σύμπαντα τὸ εἶναι ἔχει... Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἤχος ὁ αὐτός· Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν ζωοδότα, ὃν μετέστησας... Ἔτερον· Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστουργήσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον Goar. pag. 429. Ἔτερα στιχηρά, ἤχος ὁ αὐτός, προσόμοια· Καταφρονήσαντες. Νενεκρωμένοι ὠράθης... Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει... Δόξα, Ὡς ἀδαπάνητον ἔχων... Νῦν, Νόμου τὸ πλήρωμα... Goar pag. 443. Τροπάριον ἰδιόμελον, ἤχος πλ. α'. Φῶς ἡμῖν ἔλαμψας, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ ἡ ἐκτενὴ εἰς κοιμηθέντας καὶ ἡ εὐχή· Ὁ ἀτελεύτητος Θεός, ὁ ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς δημιουργήσας τὸν ἄνθρωπον πρὸς τὴν ἐντεῦθεν διαγωγὴν εἰς τὴν ἐκεῖθεν ἀμειβὴν χαρισάμενος, τὸν μετ' ἡμῶν σοι δουλεύοντα καὶ ἐξ ἡμῶν ἐκδημήσαντα ἱερέα, φιλόνητο, τῆς ἐκεῖθεν ζωῆς κληρονόμον ἀναδείξον, τὰ ὡς ἄνθρωπον αὐτῷ πλημμεληθέντα λήθην ποιούμενος, καὶ ἡμῶν τὸν βίον ἐν γαλήνῃ διεξάγαγε, ἵνα εὐαρέστως σοι ὑπηρετούμενοι τοῖς ἡτοιμασμένοις τοῖς σοῖς θεράπουσιν ἀφθαρσίας μετάρχωμεν. Ὅτι σὺ εἰς τὴν ζωὴν καὶ τὴν ἀνάστασιν, καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ δούλου σου, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Сн. выше стр. 552. Ἅγιος ὁ Θεός... Προκείμενον, ἤχος πλ. β'. Μακαρία ἡ ὁδός σου... Στίχος· Ἐπίστρεψον ψυχὴν μου. Ἀπόστολος· Πρὸς Ἑβραίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, τοιοῦτος ἡμῖν ἔπρεπεν ἀρχιερεὺς... Τέλος· Τῶν ἁγίων λειτουργὸς καὶ τῆς σκηνῆς ἀληθινῆς, ἣν ἐπηξεν ὁ Κύριος καὶ οὐκ ἄνθρωπος. Ἀλληλουάριον. Προσεολογίσθη μετὰ τῶν... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· πάντα μοι παρεδόθη ὑπὸ τοῦ Πατρὸς μου. Τέλος· Καὶ τὸ φορτίον μὴ ἐλαφρόν ἐστιν. Καὶ πάλιν κυκλοῦσιν αὐτόν. Ἀντίφωνον α'. τῆς ἡ' στάσεως, ἤχος πλ. δ'. Ἐκ νεότητός μου ὁ ἐχθρός μου... Goar pag. 444, съ прибавкою: Ἀγίῳ Πνεύματι θεολογίας μονὰς τρισαγία· ὁ Πατὴρ γὰρ ἄναρχος... Στιχηρὰ νεκρώσιμα, ἤχος πλ. δ'. Θρηνηῶ καὶ ὀδύρομαι Goar pag. 429. Πῶς παρεδόθημεν τῇ φθορᾷ, πῶς συνεζεύχθημεν... Ἔτερον· Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος... Ἔτερα στιχη-

ρὰ προσόμοια, ἦχος ὁ αὐτός· "Ω τοῦ παραδόξου θαύματος. Βασιλικῶς μοι
 ὑπέγραψας... "Ομοιον· Βάθει σοφίας... Δόξα, ὁμοιον· Λόγος ὑπάρχων ἀόρατος
 ὁμοφυῆς τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Πνεύματι σύμβρονος... Νῦν, 'Ως συλλαβοῦσα...
 Goar pag. 444. Τροπάριον, ἰδιόμελον ἦχος πλ. β'. Σώζεσθε, σύμβρονι τοῦ
 ἱεροῦ· ἐμὲ γὰρ χρῆζει ὁ Κύριος, πρόσταγμα ἔθετο καὶ οὐ παρελεύσεται... 'Η
 ἐκτενὴ εἰς κοιμηθέντας καὶ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κλῖνον
 τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν καὶ τὸν δοῦλόν σου τοῦτον
 ἱερέα, ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως κεκοιμημένον... См. выше стр. 534, по
 сь инымъ концомъ: εἴτι δὲ αὐτῷ πεπλημμέλῃται λόγῳ ἢ ἔργῳ ἐκου-
 σίως ἢ ἀκουσίως, Σὺ ἀγαθὸς Θεὸς καὶ φιάνθρωπος συγχώρησον πάντα,
 διότι ἡμῶν ἐστί, Κύριε, τὸ εὖξασθαι, παρὰ σοῦ δὲ τὸ ἔλεος. Σὺ γὰρ εἶ ὁ
 Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εἴτα "Οσοι εἰς Χριστόν...
 Προκείμενον, ἦχος δ'. 'Εξομολογεῖσθε τῷ Κυρίῳ. Στίχος· Εἰπάτω
 δὴ οἶκος... Πρὸς Κορινθίους· 'Αδελφοί, τί ποιήσουσιν οἱ βαπτιζόμενοι ὑπὲρ
 τῶν νεκρῶν... Τέλος· Καὶ ἐκάστῳ τῶν σπερμάτων τὸ ἴδιον σῶμα. 'Αλ-
 ληλουάριον. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Τῷ
 καιρῷ ἐκείνῳ ἀναστὰς ὁ 'Ιησοῦς ἐκ νεκρῶν ἔστη ἐν μέσῳ τῶν μαθη-
 τῶν αὐτοῦ... Τέλος· Αἰνοῦντες καὶ εὐλογοῦντες τὸν Θεόν. 'Αμήν. Καὶ
 πάλιν κυκλοῦσιν αὐτόν. Εἴτα γίνεται ἀσπασμὸς καὶ φάλλουσι στιχηρὰ
 προσόμοια, ἦχος β'. "Οτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δώμεν,
 ἀδελφοί... Στίχος· 'Ἐν εἰρήνῃ ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμηθήσομαι. Ποῖος χωρι-
 σμός, ὦ ἀδελφοί... Στίχος· 'Εθεντό με ἐν λάκκῳ... Πάντα τὰ τοῦ σώ-
 ματος νυνὶ ὄργανα... Στίχος· Οἱ θεωροῦντές με... Οἶα ἡ ζωὴ ἡμῶν...
 Στίχος· Κύριε, ἡγάπησα εὐπρέπειαν... 'Αρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ... Goar.
 p. 445, кромѣ припѣвовъ. Στίχος· 'Ἐν ἡμέρᾳ πονηροῦ ῥύσεται αὐτόν.
 'Αρτι τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων τῆς πλάνης... Στίχος·
 Μακάριος ὁ συνιῶν. Δεῦτε ἐν τοῖς τάφοις, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν
 καὶ γνῶμεν... Στίχος· 'Εγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με. Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι
 'Αδὰμ, ἴδωμεν εἰς γῆν βεβλημένην τὸ κατ' εἰκόνα ἡμῶν... Στίχος· Τότε
 ἀποθάνεται καὶ ἀπολεῖται. Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμὸς, μέγας στεναγ-
 μὸς καὶ ὀδύνη, ὁ χωρισμὸς τῆς ψυχῆς... Στίχος· Εἰσελεύσομαι εἰς τὸν
 οἶκον... Τοῦτον καθορῶντες τὸν νεκρόν, τύπον ἀναλάβωμεν πάντες τῆς τελευ-
 ταίας ῥοπῆς... Στίχος· 'Εως οὗ εὕρω... Μόνος κραταῖος καὶ δυνατός, μόνος
 φοβερός ἐν ἰσχύϊ, ὑπάρχων, Κύριε., Δόξα, Πάντες οἱ ὀρῶντές με νεκρόν,
 πόθῳ νῦν ἀσπάσασθαι, φίλοι ἀγαπητοὶ καὶ γνωστοί... Καὶ νῦν, θεοτοκίον·
 Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μῆτερ τοῦ ἀδούτου ἡλίου, θεογεννητορ ἀγνή...
 Καὶ εὐθὺς γίνεται ἡ σύναξις τῶν ἱερέων, καὶ φέρουσιν αὐτόν ἐπὶ τὸ
 μνημεῖον, καὶ αἶρει ὁ διάκονος τὸ θυμιατήριον καὶ μανουαλίον, πορευό-

μενος ἔμπροσθεν, καὶ πάντες οἱ ἱερεῖς, βασιλεύοντες τὸ λείψανον μετὰ τοῦ θρόνου καὶ ἀνέρχονται εἰς τὸ μνημεῖον, καὶ θυμιᾷ ὁ ἱερεὺς αὐτοῦ ἔσθωθεν, καὶ τίθουσιν αὐτὸν ἐν αὐτῷ, καὶ φάλλουσιν· Εἰσελθὼι τὸ ἄξιωμα μου ἐνώπιόν σου, Κύριε, καὶ τὸ Αὐτὴ ἢ κατὰπαυαίς μου εἰς αἰῶνα αἰώνων. Καὶ τροπάριον, ἦχος β΄. Ἑρετισάμην ἐγὼ τὴν κατοίκησιν ταύτην ἕως τῆς παρουσίας τοῦ αἰῶνός σου, Κύριε. Καὶ μετὰ τοῦτο εἰσφέρουσι μύρον, οἶνον καὶ ἔλαιον, ἐπιχέαντες αὐτὰ τὸ λείψανον σταυροῦς τρεῖς, φάλλοντες· Ῥαντιεῖς με ὕσσώπῳ καὶ καθαρισθήσομαι. Καὶ εὐθὺς καλύπτουσιν τὸν τάφον, καὶ φάλλουσι στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος πλ. β΄. Ἡ ἀπεγνωσμένοι. Φοβερὸν τὸ ἔργον τὸ τοῦ θανάτου καὶ φορικτὴ ἡ κρίσις ἡ τοῦ Δεσπότη· τὸ πῦρ γὰρ τὸ ἄσβεστον ἡυτρέπισται· ἐκεῖθεν... Στίχος· Οἱ ὀφθαλμοί μου ἠσθένησαν. Πάντες οἱ ἐν βίῳ προτεθνηκότες, δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ ἔξεστηκότες, ἐγκύψαντες ἰδῶμεν τὴν τοῦ κόσμου ἀπάτην... Στίχος· Ἐθεντό με ἐν λάκκῳ... Πάντα ματαιότης ματαιοτήτων τὰ τερπνὰ τοῦ κόσμου καὶ τὰ ἡδέα· ὁ τάφος γὰρ ἄπαντας μαραίνει τε καὶ φθείρει... Καὶ μετὰ ταῦτα, Ὅσοι εἰς Χριστόν... Προκείμενον, ἦχος δ΄. Ἐθεντό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ. Στίχος· Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας μου... Ὁ ἀπόστολος· Πρὸς Κορινθίους ἀ ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ἐὰν ἡ ἐπίγειος ἡμῶν οἰκία τοῦ σκήνους καταλυθῇ... Τέλος· Φανερωθῆναι δεῖ ἔμπροσθεν τοῦ βήματος τοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλουάριον, Ἐκάθισέ με ἐν σκοτεινοῖς. Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἦν τις ἀσθενῶν Λάζαρος ἀπὸ Βηθανίας ἐκ τῆς κώμης... Τέλος· Καὶ θεασάμενοι, ἃ ἐποίησεν ὁ Ἰησοῦς, ἐπίστευσαν εἰς αὐτόν. Καὶ εὐθὺς Οἱ μακαρισμοί, ἦχος πλ. β΄. Πρὸς τὸ Ληστήν τοῦ παραδείσου. Ἐν τῇ βασιλείᾳ... Ὁδὸν ἡμῖν ὁ δεῖξας ἀθανασίας τῇ ἀναστάσει σου, Κύριε, ζωῆς ἀφθόρου μέτοχον δεῖξον... Στίχος· Μακάριοι οἱ ἐλεήμονες... Ἀπέστειλας ἐξ ὕψους καὶ προσελάβου ἐκ τῶν προσκαίρων τὸν δοῦλόν σου... Στίχος· Μακάριοι οἱ καθαροί... Χριστὸς σὲ ἀναπαύσει ἐν χώρᾳ ζώντων καὶ πύλας παραδείσου ἀνοίξει σοι... Μακάριοι ἐστέ, ὅταν ὀνειδίσωσιν... Ἐγκύψατε καὶ ἰδετε ἐν τοῖς τάφοις, ὅτι γυμνὰ ὅστέα ὁ ἄνθρωπος... Δόξα, Ὁ τῶν ψυχῶν δεσπότης καὶ τῶν σωμάτων, οὗ ἐν χειρὶ ἡ πνοὴ ἡμῶν... Καὶ νῦν, Πῶς ἐκ μαζῶν σου γάλα βλύζεις, Παρθένε, πῶς τρέφεις τὸν τροφέα τῆς κτίσεως... Εἶτα ὁ διάκονος τὴν ἐκτενὴν· Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ Μεγάλου Βασιλείου· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ γίνεται ἀπόλυσις, λέγων οὕτως· Ὁ ἀναστάς ἐκ νεκρῶν... Καὶ φάλλουσιν· Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἄξιωμακάριστε ὁ δεῖνα ἱερεῦ ἢ πρεσβύτερε καὶ ἀείμνηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν, ἐκ τρίτου. Καὶ ἀπονίπτουσι τὰς χεῖρας αὐτῶν ὕδωρ (sic) καὶ ἐξέρχονται. Τῇ δὲ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ μνημεῖον, λέγει εὐλογητόν, Τρισάριον, Παναγία Τριάς,

Πάτερ ἡμῶν, καὶ τὰ παρόντα τροπάρια Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μετὰ τῶν ἀγίων ἀνάπαυσον... καὶ τὰ ἕτερα τροπάρια, τὸ Ἑλέησόν με, ὁ Θεός, εἴτα προκείμενον, ἡ ἔκτενὴ καὶ εὐχή· Ὁ Θεός τῶν πνευμάτων... καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν. Καθ' ἕκαστον δὲ πρωτὶ ἕως ἡμέρας θ' οὕτως ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ μνημείῳ.

л. 201 об. Ἀκολουθία εἰς ἄνθρωπον ψυχορράγοντα καὶ κρινόμενον ὑπὸ θανάτου.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν ἐν τῷ οἴκῳ, ἐν ᾧ ὁ ἄνθρωπος κατακεῖται, καὶ εὐθὺς Τρισάχιον κ. τ. λ. Goar p. 585. Ὁ Ν', καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν ποίημα κύρ Ἀνδρέου Κρητοῦ, ᾧδὴ α', ἡχος πλ. β'. Ὡς ἐν ἡπεῖρῳ πεζεύσας... Goar. pag. 585—587. Послѣ канона, Ἀξιόν ἐστιν, εἴτα Τρισάχιον κ. τ. λ. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ ψάλλομεν τὰ τροπάρια ταῦτα· Ἑλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. τὸ Κύριε ἐλέησον μ'. καὶ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πάντας ἀνθρώπους θέλων σωθῆναι... Goar. pag. 587, но съ прибавкою въ срединѣ: ἡ ἐλπίς τῶν ἀπηλπισμένων, κρίσει τῇ παρὰ Σοῦ ἐλεήσας, κέλευσον, Δέσποτα φιάνθρωπε, ἀπολυθῆναι ἐν εἰρήνῃ τὸ πνεῦμα τῆς δούλης σου ἡ δεῖνα καὶ κατὰταξον εἰς τὰς αἰωνίους σου μονὰς μετὰ πάντων... Goar pag. 587 et conf. pag. 588, not. 6 и д. in var. lect.

л. 209. Ἀκολουθία τῆς κοινῆς παρακλήσεως. Обычный молебенъ Богоматери съ акаѳистомъ, Goar p. 673.—677, на которомъ положены припѣвы. Ἐν ἑκάστῃ δὲ ᾧδῃ λέγε ταῦτα, ἡγοῦν τὸ Διάσωσον ἀπὸ κινδύνων τοὺς δούλους σου, Θεοτόκε... Καὶ τὸ Ἐπίβλεψον ἐν εὐμενείᾳ, πανύμνητε Θεοτόκε... Κύριε ἐλέησον. Оканчивается послѣдованіе ектењіею: Ἑλέησον ἡμᾶς. Въ этомъ чинѣ нѣсколько листиковъ написаны позднѣйшею рукою.

л. 218 об. Ἔτερος κανὼν εἰς τὴν αὐτὴν Κυρίαν καὶ Δεσποίνην Θεοτόκον.

Ψάλλεται δὲ ἡμέρα παρ' ἡμέραν εἰς τὴν νηστείαν ταύτην τοῦ Αὐγούστου, ἡχος πλ. δ'. Ἀρματηλάτην... Τῶν λυπηρῶν ἐπαγωγαὶ χειμάζουσι τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν... Ἐξ ἀμετρήτων ἀναγκῶν καὶ θλίψεων καὶ ἐξ ἐχθρῶν δυσμενῶν... κ. τ. α.

л. 226. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἀγιασμοῦ. Goar. p. 366—372. Противъ Гоаровскаго чива великаго водоосвященія въ настоящей рукописи имѣются и нѣкоторыя особенности. Ектенѣя, напр., излагается въ такомъ порядкѣ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀγιασθῆναι τὸ ὕδωρ...

Ἵπέρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως, τὴν εὐλογίαν... Ἵπέρ τοῦ ἐπιβλέψαι Κύριον τὸν Θεὸν ὑπὲρ τὰ ὕδατα τὰ ταῦτα καὶ ἀγιάσαι αὐτά... Ἵπέρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πρὸς καθαρισμόν... Ἵπέρ τοῦ καταπεμφθῆναι ἡμῖν... Ἵπέρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Conf. Εὐχολ. Goar p. 368. Καὶ εὐχεται ὁ ἱερεὺς καθ' ἐκυτόν τὴν εὐχὴν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ μονογενὴς Υἱὸς Goar p. 368. Послѣ: Сои γὰρ πρέπει πᾶσα δόξα... Καὶ οὕτως ἄρχεται ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν μεγαλοφώνως· Μέγας εἶ, Κύριε κ. τ. λ. Goar p. 370 et c.

Л. 327 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ. Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν καὶ εὐθὺς Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς, Ὅτι σοῦ ἐστίν... Τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ'. Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεὸς, καὶ εὐθὺς τὰ τροπάρια, ἥχος πλ. β'. Ἡ τὸ χαῖρε δι' ἀγγέλου... Goar p. 358 и далѣе, но съ разницею въ нѣкоторыхъ тропаряхъ: 4 тропарь: Гένος πάντων ἀνυμνεῖ σε, Θεοτόκε τῶν ἀνθρώπων, καὶ πίστει δοξάζει σε., 10 тропарь: Ἰεὼς μοι, τῷ ἐν θλίψεσι τοῦ βίου, Θεοτόκε, ὑπάρχεις γὰρ στήριγμα, 11—Λύσον πάντων ὀφλημάτων, Θεοτόκε, τὰς σειράς μου, τοῦ πόθῳ προστρέχοντος. 18—Ῥῆξον πάντων ὀφλημάτων τὰς σειράς μου, Θεοτόκε, καὶ σῶσόν με, δέομαι... 21—Ἵπερτέρα τῶν κτισμάτων σὺ ὑπάρχεις, Παναγία, λιμένα σε ἔχοντες... 22—Φῶς τοῦ κόσμου σου ὑπάρχεις, Θεοτόκε· τὸν γὰρ κτίστην... 23—Χαῖρε ὄρος, χαῖρε βᾶτε... 24—Ψάλλομέν σοι, ἐκβοῶντες, παναγία Θεοτόκε, ἐλπίς καὶ βοήθεια... 25—ᾠ Παρθένε, ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα καὶ Δεσπότην κινδύνων καὶ θλίψεων, καὶ πάσης βλάβης τοὺς δούλους σου... 26—Δόξα, Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν καὶ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, λέγοντες... Νῦν, 29—Ἡ ἀρρήτως¹⁾ ἐπ' ἐσχάτων συλλαβοῦσα καὶ τεκοῦσα... 28—Ταῖς πρεσβείαις, ἐλεήμων... 29—Τῇ πρεσβείᾳ ἐνδόξων ἀρχαγγέλων, ἀγγέλων καὶ τῶν ἄνω τάξεων... 30—Τῇ πρεσβείᾳ τοῦ τιμίου καὶ ἐνδόξου βαπτιστοῦ... 31—Τῇ πρεσβείᾳ τῶν ἐνδόξων ἀποστόλων... 32—Τῇ πρεσβείᾳ τῶν ἐνδόξων Ἀναργύρων... Δόξα, ᾠ Παρθένε ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα Goar p. 359 νῦν, ᾠ παρθένε, τῶν πενθούντων χαρμოსύνη καὶ δοχεῖον τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι ἅγιος εἶ ὁ Θεός... Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς, ὁ πάντας ἀγιάζων... κ. τ. α. Goar p. 359. Послѣ евангелія, ектеңья въ такомъ порядкѣ: Ἐν εἰρήνῃ... Ἵπέρ τῆς ἁνωθεν... Ἵπέρ τῆς εἰρήνης... Ἵπέρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ἵπέρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὄδωρ... Ἵπέρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς

¹⁾ Приписаны этотъ и слѣдующіе тропари рукою XVIII в.

ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτῷ δύναιμι λαματικὴν διὰ τῆς ἐπιφοιτήσεως... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς φωτισμὸν γνώσεως... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν ἀναδειξῇ ἡμᾶς υἱοὺς καὶ κληρονόμους... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει... Καὶ εὐθὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς, ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ὁ ἐν Τριάδι ἁγία προσκυνούμενος, ἡ προαιώνιος φύσις, ἡ ὑπερούσιος καὶ ἀτελεύτητος μεγαλειότης, ἡ ἀνεξίχνιαστος δύναμις, ἡ ἀρρήτος ἐξουσία, ἡ τῆς σοφίας πηγὴ... Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ εὐχεῖται μυστικῶς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖν σου. *Goar p. 362.* Καὶ εὐλογῶν τὰ ὕδατα σταυροειδῶς, κατὰ γων τὸν σταυρὸν ὀρθιον καὶ ψάλλων τροπάριον, ᾠχος β'. Ἡ τὸ Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν σου... Τῶν σῶν δωρεῶν... Εἴτα ῥαντίζει σταυροειδῶς τὴν μονὴν καὶ τοὺς ἐκεῖσε, εἴθ' οὕτως ἀσπάζεται τὸν σταυρὸν ὁ ἱερεὺς καὶ πᾶς ὁ λαός. Τούτων δὲ ῥαντιζομένων τὰ παρόντα ἰδιόμεια· Πηγὴν ἱαμάτων... *Goar p. 362.* Ἐκ παντοίων κινδύνων τοὺς δούλους σου φύλαττε, εὐλογημένη Θεοτόκε... Νεῦσον παρακλησεσι... Καὶ εἰ βούλεις, εἰπέ καὶ ἄλλα, ὅσα θέλεις, εἴτα ἐκτενή καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

λ. 248. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας, ἥτοι τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκостῆς. *Goar p. 597—603.*

λ. 264. Ἀκολουθία εἰς γυναῖκα λεχῶ.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, εἴτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον ιβ'. εἰ δὲ βούλει, τροπάριον, ᾠχος δ'. Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε, χαρὰν ἐμήνυσσε πάσῃ τῇ οἰκουμένῃ... Καὶ εὐθὺς τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάστης καὶ δημιουργὸς τῶν πάντων *Πρὶλοж. стр. 3—4.* Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τυχούσας γυναῖκας. τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὁδῷ εἰπὼν Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ *Πρὶλοж. стр. 6; Conf. Εὐχολ. Goar p. 263—264 и выше стр. 455.* Εὐχὴ ἐτέρα. τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Λόγε Θεοῦ Πατρός, γιὰ μονογενές, ὁ διὰ τὴν ἡμῶν σωτηρίαν εὐδοκία τοῦ ἀνάρχου Πατρός καὶ συνεργεῖα τοῦ παναγίου Πνεύματος τοῦ ὁμοουσίου καὶ συνκρίτου, καὶ ζωοποιῦ, κατελθὼν ἐν τῷ τέλει τῶν αἰώνων ἐν μήτρᾳ τῆς ἁγίας Παρθένου καὶ κυηθεὶς ἀφράστως καὶ ἀρρήτως, ὡς οἶδας αὐτὸς μόνος ἄνθρωπος γεγονώς τέλειος, ἵνα ἡμᾶς λυτρώσῃς τῆς τοῦ ἐχθροῦ τυραννίδος, καὶ τὴν πρώτην ἁρὰν ἀφανίσῃς, ἡμᾶς τῇ ἀντιδόσει τῆς θεότητος εἰς οὐρανοὺς ἀνυψώσῃς, καὶ τῷ πατρικῷ ἐνδρῶσας θρόνῳ, καὶ ὡς περ τὴν ἀειπαρθένον τὴν Μητέρα καὶ πρό τόκου μείναςαν καὶ μετὰ τόκον ἀνώδυνον ἐφύλαξας, οὕτως εὐδόκησον, πολυεύσπλαχχνε Δέσποτα, ὑπεράγαθε Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, καὶ τὴν νυνὶ τεκοῦσαν δούλην σου τήνδε ῥυθθῆναι πάσης ἐπιβουλῆς τοῦ ἐχθροῦ

καὶ τῇ σῇ χάριτι καὶ ἁγιασμῷ κάθαρτον, ἁγίασον τῇ δωρεᾷ καὶ ἐπιφοιτήσῃ τοῦ Ἀγίου σου Πνεύματος, ἵνα καὶ αἱ ταύτῃ ἐξυπηρετήσασαι γυναῖκες ἐν τῷ τίττειν, ἅμα δὲ καὶ οἱ παρατυχόντες ἄπικτες ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ, προσιόντες ἀδιστακτικῶς τοῦ σοῦ ἁγιασμοῦ ἀπολύσωσιν, εὐδόκησον δὲ καὶ τὸ τεχθὲν διαφυλαχθῆναι ἀνώτερον τῶν ἐπινοιῶν τοῦ ἐχθροῦ, καὶ ἀξιοθῆναι τοῦ λουτροῦ τῆς παλιγγενεσίας, καὶ τίμιον σκευὸς γενέσθαι τῆς σῆς χάριτος, καὶ τῇ μεθέξει τῶν ἀχράντων καὶ θείων σου μυστηρίων, κληρονόμον γενέσθαι τῆς οὐρανίου βσιλείας σου, ἵνα καὶ δι' αὐτοῦ δοξάζηται σου τὸ πανάγιον ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ Ἀγίου Πνεύματος... Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 266 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ σαραντῆσαι παιδίον.

Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τὸ Κύριε ἐλέησον, εἰ δὲ τροπάριον, ἦχος α'. Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε παρθένε... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν... Начало см. Прилож. стр. 8, а продолжение у Гоара р. 267. Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Тамъ же, по сѣмъ божию перестановкою словъ. Εἶτα τὸ παιδίον αὐτὸς μετὰ χειρὸς λαβὼν ὁ ἱερεὺς καὶ ἐπιτιθεὶς τὸ στόμα τούτου παρ' ἑκάτερα τῶν ἁγίων θυρῶν ἐν σχήματι ἀσπισμοῦ. Τὸ αὐτὸ δὲ καὶ εἰς τὴν ἁγίαν ποιῶν τράπεζαν, σχηματίζει αὐτὸ ὡς προσκυνοῦν, καὶ τὰ ἐξῆς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις βρέφος τῷ νομικῷ ναῷ προσαχθεὶς... Гоар. р. 267. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, σφραγίζει τὸ μέτωπον καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει αὐτό, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

л. 269 Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον, ἦχον βσιπτίσαι.

Начало см. въ Приложен. стр. 20. На второй заклинательной молитвѣ обрывается послѣдованіе чина крещенія, по недостатку листовъ, и продолжается далѣе съ конца молитвы: «Συντριβήτωσαν ὑπὸ τὴν σημείωσιν τοῦ τύπου τοῦ σταυροῦ σου Goar. pag. 289 Εἶτα φέρων τὸ ἔλαιον, ἐμφυσᾷ εἰς αὐτὸ ὁ ἱερεὺς τρίτον καὶ σφραγίζει αὐτὸ τρίτον, λέγων· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ δὲ ἱερεὺς, κλινόμενος ἐπεύχεται μυστικῶς· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πτερόων ἡμῶν Goar pag. 289. Λαβὼν δὲ ὁ ἱερεὺς τὸ ἔλαιον, ἐκχεῖ αὐτὸ εἰς τὸ ὕδωρ σταυροειδῶς τρίτον, φάλλον σὺν τοῖς παρούσι τὸ Ἀλληλούια, εἰθ' οὕτως λέγει· Εὐλόγητός ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ φωτίζων... Καὶ λαμβάνει εὐθέως ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων, λέγων· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἔλαιον ἀγαλλιιάσεως. Καὶ αὐθις χρίεται ὑπὸ τῆς μαίας ὅλῳ τῷ σώματι, τὸ δὲ παιδίον, χαρὰ καὶ κέμεναι. Λαβὼν ὁ ἱε-

ρεὺς αὐτό, καταδύει αὐτὸ εἰς τὴν κολυμβήθραν τρίτον, ἐπιλέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Ἀγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας... Ἐκάστη προσήρει κατάγων καὶ ἀνάγων, καὶ εὐθέως ἀνάγων αὐτὸ ἐκ τοῦ ὕδατος τῆς ἁγίας κολυμβήθρας, θέτει αὐτὸ ἐν ταῖς ἀγκάλαις τοῦ ἀναδόχου, ψάλλοντες· Μακάριοι ὦν... Καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων... Εἶτα λέγει εὐχὴν εἰς ἅγιον μύρον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἶ. Κύριε ὁ Θεός παντοκράτωρ... Goar p. 290. Εἶτα χρίει αὐτόν... Прилож. стр. 23. После «Ὅσοι εἰς Χριστόν.. εἶτα ἱστάμενος ὁ ἱερεὺς μνημονεύει τὸν νεοφώτιστον σὺν τῷ ἀναδόχῳ, καὶ γίνεται ἀπόλουσις, εἰ μὴ γε λειτουργεῖ, καὶ τὴν εὐχὴν τῆς κουράς καὶ κουρεύει αὐτό, εἶτα τὴν ἑτέραν εὐχὴν. Ἀπερχόμενοι δὲ ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ, ψάλλουσιν οἱ παρεπόμενοι τὸ Ὅσοι εἰς Χριστόν... Καὶ μετὰ ἐπτὰ ἡμέρας πάλιν φέρουσιν αὐτόν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι, ἐνδύει δὲ αὐτοῦ τὸ σάβανον, τὴν ζώνην... См. до конца Прилож. стр. 24. Ἐτέρα εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός... и до конца Прилож стр. 25 сь прибавкою: Елѣт' боῦτως μνημονεύει τὸν ἀνάδοχον καὶ ποιεῖ ἀπόλουσιν.

л. 279 Ἀκολουθία εἰς μνηστρα βασιλέων καὶ λοιπῶν, ἡγουν εἰς ἀρράβῳνα.

Ἰστανται οἱ νεόνυμφοι πρὸ τῶν ἁγίων πολῶν, τὸν μὲν ἄνδρα ἐκ δεξιῶν, τῇ δὲ γυναικὶ ἐξ ἀριστερῶν, καὶ τίθησι τὰ δακτυλίδια ἐπάνω τοῦ μανουαλίου, ἔνθα ἐστὶν ἡ ἁγία εἰκών, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ δὲ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν, εἶτα Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάχιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἶτα τὸ παρόν· Τοῦ σταυροῦ σου τὸν τύπον ἐν οὐρανῷ θεασάμενος, καὶ ὡς ὁ Παῦλος τὴν κλῆσιν οὐκ ἐξ ἀνθρώπων δεξάμενος... κοντάκιον· Κωνσταντῖνος σήμερον σὺν τῇ μητρὶ τῇ Ἑλένῃ τὸν σταυρὸν ἐμφαίνουσι τὸ πανσεβάσμιον ξύλον... Καὶ ὁ διάκονος τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων βασιλέων ἡμῶν παντός τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα τῇ χάριτι τοῦ Ἀγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην καὶ σύνεσιν... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι αὐτούς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει σοι... Confer. Εὐχολ. Goar p. 310. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα... Goar p. 311. Εὐχὴ τῶν ἀρράβῳνων. Τοῦ Κυρίου δεηθῶ.

μεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ παιδί τοῦ πατριάρχου Ἀβραάμ συμπορευθεὶς... Goar p. 311, но съ прибавною: τοὺς δὲ συμπαρόντας ἀγίασον καὶ διαφύλαξον εὐχαῖς καὶ ἱκεσίαις τῆς ὑπερενδόξου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι Σὺ εἶ φύλαξ καὶ σκέπη πάντων ἡμῶν, ὁ Θεὸς, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί... Εὐχὴ ἐτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σῶτερ ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε, τὸν ἀρράβῳνα τοῦτον ἰσχυρὸν καὶ βέβαιον διαφύλαξον, ἵνα γένηται αὐτοῖς τὸ συνάλλαγμα¹⁾ τῆς συναφείας, εὐσταθές, εἰρηνικόν, πολυχρόνιον, ἀδιάλυτον καὶ ἀκατάγνωστον· Σὺ γὰρ εἶ Κύριος μόνος καὶ δύνασαι πάντα, ἀδυνατεῖ δέ σοι οὐδέν. Ὅτι· σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις... Εἶτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια καὶ ἀνταλλάσσει ταῦτα τοῖς νεονύμφοις ἐκ τρίτου, καὶ τὸ μὲν χρυσοῦν, εὐλογῶν αὐτό, δίδωσι τῷ ἀνδρί, τὸ δὲ ἀργυροῦν τῇ νύμφῃ, καὶ λαβὼν τὰς δεξιὰς χειρῶν αὐτῶν, παραδίδωσιν ἀλλήλοις, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος... Goar p. 311 Καὶ λαβὼν αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἐκ τῶν πεπλεγμένων χειρῶν, φέρων αὐτοὺς ὀλίγον ἔμπροσθεν αὐτοῦ, ψάλλον τὸν παρόντα ψαλμόν, ἥχος β'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... до конца безъ припѣвковъ. Δεῖ γινώσκειν, ὅτι ἐὰν θέλωσιν ἐν τῷ αὐτῷ καὶ στεφανωθῆναι, ἵσταται αὐτοὺς ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ λέγει τὰ διακονικὰ τοῦ στεφανώματος καὶ τὴν ἀκολουθίαν ὅλην, εἰ δὲ εὐλογῆσαι μόνον, ποιεῖ ἐκτενὴν καὶ ἀπόλυσις.

л. 283 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος τὴν συναπτήν, λέγων οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ. Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τῆς ἐν Θεῷ συζεύξεως καὶ ἐνώσεως καὶ ὁμονοίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς χαρίσεται αὐτοῖς τὸν γάμον τίμιον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι αὐτοὺς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναικα... Goar p. 317. Εἶτα λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ἐν στέφανον²⁾ ἀπὸ τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ σχη-

¹⁾ Ркп. святогроб. библи. XVI в. № 86, καὶ συνάλλαγμα αὐτῶν εἰς πῶλον χρόνον καὶ ἀδιάλειπτον. Ὅτι Σὺ εἶ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων... ²⁾ Ркп. Сиб. библи. 1566 г. № 996 τὸν στέφανον ποιεῖ σταυροῦ τύπον εἰς τὴν κεφαλὴν τοῦ γαμβροῦ, λέγων· Στέφεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Ὁμοίως καὶ εἰς τὴν

ματίσας σταυροῦ τύπον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ γαμβροῦ, λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτόν. Εἷτα λαβὼν καὶ τὸ ἕτερον στέφανον, στέφει τὴν νύμφην, λέγων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτήν. Εἶθ' οὕτως εὐλογεῖ ἀμφοτέρους, λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτούς. Ἐθῆκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στεφάνους ἐκ λίθων τιμίων, ζωὴν ἡτήσατό σε καὶ ἔδωκας αὐτοῖς μακρότητα ἡμερῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος. Καὶ συμπλέξας ἀλλήλων τὰς δεξιὰς αὐτῶν χεῖρας, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριώδῃ σου οἰκονομίᾳ... Goar p. 318. Προκείμενον ¹⁾, ἤχος δ'. Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας... Στίχος· Κύριε ὁ Κύριος ἡμῶν ὤς... Πρὸς Ἐφεσίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, οὕτως ὀφείλουσιν οἱ ἄνδρες ἀγαπᾶν τὰς ἑαυτῶν γυναῖκας, ὡς τὰ ἑαυτῶν σώματα... Τέλος· Καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν. Ἀλληλουάριον. Ἐθῆκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν... Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην Goar p. 318 Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐλέησον ἡμᾶς. . Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους... Ὅτι ἐλεήμων... ²⁾ Καὶ εἰ μὲν ἔστι καθαρὸν καὶ πρῶτον συνοικέσιον, καὶ βούλονται κοινωνῆσαι, λέγει ὁ ἱερεὺς μεγαλοφώνως τὴν ἐκφώνησιν ταύτην· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Καὶ τίθεται τὸ ποτήριον ἐπάνω τοῦ μανουαλίου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου, καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην, καὶ κοσμήσας τὸν στέφανον πάντων τῶν πεποιτημένων ὑπὸ σοῦ, ὁ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν καὶ ἐμπλήσας τῇ εὐφροσύνῃ τῆς σῆς ἀγαθότητος τοὺς ἐν τῷ γάμῳ ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ τὸ ποτήριον, τὸ κοινὸν τοῦτο... Goar p. 319. Καὶ αὐθις ψάλλουσι· Ποτήριον σωτηρίου λήψομαι... Καὶ λαβὼν τὸ ποτήριον ὁ ἱερεὺς ποτίζει πρῶτον τῷ ἀνδρί, εἶτα τῇ γυναικὶ ἐκ τρίτου. Δεῖ εἰδέναι, ὅτι ἐὰν ἐστὶ πρῶτον συνοικέσιον καὶ εἰσὶν καθαροὶ καὶ ἄμωμοι, καὶ θέλουσιν ἵνα κοινωνῆσαι ἐκ τοῦ ἀχράντου σώματος καὶ τοῦ τιμίου αἵματος τοῦ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, φυλάσσεται μερὶς ταύ-

γυναῖκα λαβὼν τὸ στέφανον, ποιεῖ σταυρὸν λέγει· Στέφεται ἡ δοβλὴ τοῦ Θεοῦ. καὶ εὐθέως εὐλογεῖ αὐτούς ἐκ γ' λέγων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτούς. Ἐθῆκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν κ. τ. λ.

¹⁾ Ἐθῆκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν... ²⁾ За возгласомъ молитва: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριώδει σου οἰκονομίᾳ καταξίωσας Goar pag. 330. Ἀντιλαβοῦ, σώσον... Τὴν ἡμέραν... Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα... Ὅτι σοῦ ἐστίν... Εἰρήνῃ πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ εὐλογεῖ τὸ ποτήριον, λέγει τὴν εὐχὴν μυστικῶς· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου Goar p. 331 и т. д. до конца, какъ у Гоара.

του ἀπὸ τῆς λειτουργίας καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν ἱερέα· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, λέγει ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν, ἡ ὁ διάκον(ος)· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος, εἰς Κύριος... Καὶ τότε κοινωνεῖ αὐτούς, φάλλοντες τὸ Ποτήριον σωτηρίου... Εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν ἐπάνω τοῦ κοινού ποτηρίου τὸ Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας... См. выше. стр. 741. Καὶ ὕστερον δίδωσιν ὁ ἱερεὺς τὸ κοινὸν ποτήριον, εἶτα τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ, πάντοτε πάλιν ἐρῶ χαίρετε. Красное слово. Свѣд. о нѣк. литург. рукоп. Ват. библи. стр. 106. Εἶτα λαβὼν ὁ ἱερεὺς τοὺς νεανόμφοις ἐκ τῶν πεπλεγμένων χειρῶν, εἰσοδεύει γύρῳθεν, φάλλον τὸ Ἅγιοι μάρτυρες... Δόξα σοι Χριστέ ὁ Θεός... Ψάλλον αὐτά, συνακολουθῶν τοὺς νεανόμφοις καὶ ὁ σύντεκνος. Εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ τὸν ἐκεῖσε γάμον εὐλογῆσας, αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους εἰς εἰσόδους καὶ ἐξόδους, πληθύνον αὐτῶν τὴν ζωὴν, ἀνάλαβε αὐτῶν τοὺς στεφάνους ἐν τῇ βασιλείᾳ σου καὶ ἐν τῇ ἐπάρσει τῶν στεφάνων αὐτῶν, παράσχου αὐτοῖς στεφάνους αἰωνίους, ἀμαραντίνους, ἀνεπιβουλεύτους, ἀμώμους καὶ ἀσπίλους, διατηρῶν αὐτοὺς, πάντοτε νῦν καὶ αἰεῖ... Conf. Gouh p. 320. Εἶτα ποιεῖ ἐκτενήν· Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεός... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους ζωῆς... Καὶ αὖτις μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, ποιεῖ ἀπόλυσιν· Ὁ ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον... Gouh p. 320.

л. 290 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπᾶραι τὰ στέφανα.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὸν τοῦ ἐνιαυτοῦ στέφανον εὐλογῆσας... Εὐχολ. Gouh p. 325.

л. 291 Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὸ λύσαι τὰ ἱερά στέφανα.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός ὁ ἅγιος καὶ δίκαιος, ὁ εὐλογῶν ἔτι δίκαιον... Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὰ ἀπολύσια. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας καὶ τοὺς ἐκεῖσε ὄντας εὐλογῆσας, αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ, εὐλόγησον αὐτῶν τὴν ζωὴν, ἀνάλαβε τοὺς στεφάνους αὐτῶν ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν, ἀσπίλους καὶ ἀμέμπτους καὶ ἀνεπιβουλεύτους διαφυλάττων καὶ σκέπων αὐτοὺς τῇ χάριτί σου. Ὅτι σὺ εἰ εὐλογῶν καὶ ἁγιάζων τὰ σύμπαντα, Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ.. Καὶ εὐθὺς ποιεῖ ἀπόλυσιν.

л. 292. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς διγαμοῦντας

Εὐλογήσαντος τοῦ ἱερέως, λέγομεν Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν, τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ εὐθὺς Τοῦ Κυρίου δεη-

θῶμεν. Καὶ ἐπιτιθεμένων τῶν στεφάνων ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραὰμ φίλον καλέσας καὶ τὸν Ἰσαὰκ ὑπεραγαπήσας καὶ τῷ Ἰακώβ εἰς γυναῖκα τελείαν συνάψας, οἰκονομήσας δὲ αὐτὸν καὶ δευτέρας κοίτης ἐν Ῥαχὴλ κοινωνήσαι, αὐτὸς καὶ νῦν εὐλόγησον καὶ (τοὺς) δούλους σου τόνδε καὶ τήνδε, καὶ ἀγιάσον τοὺς δευτέρου συνοικέσιον ἐρχομένους, διὰ τε τὴν τῆς φύσεως ἐπήρειαν καὶ τὴν ἐν νεότητι ἐπισυμβᾶσαν χηρίαν· Σὺ γὰρ Κύριε συγκαταβαίνων τῇ ἀσθενείᾳ ἡμῶν διὰ Παύλου τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς σου ἐνομοθέτησας, κρεῖσσον εἶναι τῆς σωματικῆς πυρώσεως, τὸν ἐν Κυρίῳ γάμον ἀστασίαστον αὐτῶν καὶ εἰρηναίαν τὴν ζωὴν διατήρησον, σωφρόνως αὐτοὺς βιοῦν εὐδοκῶν καὶ τοῖς προστάγμασί σου ἐπαγρυπνεῖν, μὴ παρεμποδιζομένους ἐκ τοῦ τῆς συζυγίας δεσμοῦ. Ὅτι σὺν τῷ κράτει καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βίσιλεια καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ. . Красноесельц. стр. 113 прим. Καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

л. 293 об. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

Εἰσερχονται εἰς τὸν ναὸν καὶ τίθησιν ὁ ἱερεὺς τὸ ἀναλόγιον καὶ εἰσφέρει τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐν τῷ ἀναλογίῳ, καὶ ὁ προειπὼν, τίθησ' πρῶτος τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, εἶτα ὁ δευτέρος καὶ ὁ τρίτος καὶ ζύνει αὐτούς, καὶ βασιτάζουσι κηρούς ἅπτοντας, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, ἀπολυτίκιον τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς καὶ τῆς ἡμέρας καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος... Goar. pag. 707. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, καὶ ποιήσας καὶ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, καὶ δὸς αὐτὸν ἐξουσίαν πᾶσι σαρκὸς αἰδίου, ὁ καὶ νῦν εὐδοκήσας τοὺς ἁγίους σου μαθητάς καὶ ἀποστόλους σου Φίλιππον καὶ Βαρθολομαῖον ἀδελφούς γενέσθαι, οὐ δεσμουμένους φύσεως, ἀλλὰ πίστεως τρόπῳ, ὁ καὶ τοὺς ἁγίους σου μάρτυρας Σέργιον καὶ Βάκχον, ἀδελφούς γενέσθαι καταξιώσας καὶ τοὺς δούλους σου τούτους εὐλόγησον τόνδε καὶ ὁ δεῖνα, οὐ δεσμουμένους φύσεως, ἀλλὰ πίστεως τρόπῳ, δὸς αὐτοῖς τοῦ ἀγαπᾶν ἀλλήλους καὶ ἀμισεῖσθαι καὶ ἀσκανδαλίστους, ἵνα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν ὁδοῦσιν τὸ πανάγιον ὄνομά σου πρεσβείαις τῆς ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων ἐνδόξων πανευφήμων ἀποστόλων Φιλίππου καὶ Βαρθολομαίου, τῶν ἁγίων μαρτύρων Σεργίου καὶ Βάκχου, τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μεγάλων μαρτύρων Γεωργίου καὶ Δημητρίου καὶ Θεοδώρων, καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου· Ὅτι Σὺ εἰ ὁ εὐλογῶν καὶ ἀγιάζων, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν

δόξαν... См. выше стр. 31—32, 466. Εἰρήνην πάσι. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν χορὸν τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων ἐπιλεξάμενος εἰς μίαν ποίμνην καὶ ἐκκλησίαν μίαν καὶ ἐξαποστείλας αὐτοὺς εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκημένης κηρύττει τὰ σὰ προστάγματα, αὐτὸς καὶ τοὺς δούλους σου τούτους, οὓς ἠυδόκησας στήναι ἐνώπιόν σου καὶ ἀδελφοὺς γενέσθαι πνευματικοὺς οὐ δεσμῷ φύσεως, ἀλλὰ τρόπῳ πίστεως καὶ Πνεύματος Ἁγίου, αὐτὸς, φιλάνθρωπε, κατὰ-πεμψον τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος εἰς τὸ ἀγαπᾶν ἀλλήλους ἀφθόνως, ἀμίσως, ἀσκανδαλίστως, καὶ ἐν εὐχαριστίᾳ εἶναι αὐτοὺς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν, πρεσβείαις τῆς πανάγνου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι ἠυλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου... Εἴτα ψάλλομεν τροπάριον εἰρημένον, ἦχος πλ. β'. Τῷ συνδέσμῳ τῆς ἀγάπης... Goar. pag. 708. Δις ἡ ὅσον βούλει. Εἴτα Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους... Καὶ ἀσπάζονται ἀλλήλοις οἱ ἀδελφοὶ καὶ κοινωνεῖ αὐτοὺς καὶ ἀπέρχονται. Εἰ δὲ θέλουν γενέσθαι λειτουργίαν, μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸ εὐαγγέλιον, γίνεται ἡ ἀκολουθία καὶ εἰς τὴν ἐκτενὴν πάλιν μνημονεύονται οἱ ἀδελφοποιηθέντες καὶ ἀπόλουςις.

1. 296 οβ. Εὐχὴ, ἣτις λέγεται παρὰ τοῦ ἀρχιερέως ἢ τοῦ ιερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν θείων μυστηρίων.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ λόγε Θεοῦ τοῦ ζῶντος ποιμὴν καὶ ἀμὲν Goar p. 536.

1. 300. Τᾶς γινόμενῃ, εἰ συμβῇ μιὰν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν ἐν ὑποληνίῳ οἴνῳ ἢ ἀγγεῖῳ ἐλαιῷ.

Χρὴ τὸ ἐμπεσόν καὶ ἀκάθαρτον παραχρῆμα αἵρεσθαι καὶ ρίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἀγγεῖον πλύνεσθαι καθαρῶς ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ οὕτω τὸν ἱερέα λαβόντι θυμίαμα, ποιεῖ εὐλόγητόν, καὶ ἄρχεται τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, καὶ θυμῶν αὐτὸ δεόντως ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ μετὰ τοῦτο βαλεῖν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων, ποιῶν τρεῖς σταυροὺς. καὶ τότε μεταβαλεῖν τὸ ἐλαιὸν ἢ τὸν οἶνον εἰς αὐτὸ ἐκ τοῦ μαιθέντος ἀγγείου, καὶ ἅψαι κηρὸς δύο καὶ θυμιασαι σταυροειδῶς γύροθεν ἐκ τρίτου, καὶ οὕτως ἐπεύξασθαι τῷ ἀγγεῖῳ. Μετὰ δὲ τὸ Τρισάγιον καὶ τὸ ἀπολυτίκιον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ ἐνσάρκῳ καὶ σωτηρίῳ σου οἰκονομία διαστείλαμενος, μὴ τὰ εἰσπορευόμενα εἰς τὸ στόμα κοινοῦν τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ πάντα καθαρὰ εἶναι τοῖς καθaroῖς, ὁ ἐπὶ τῇ εἰς σέ πίστει ταῦτα ἐργαζομένοις, καὶ ὁ διὰ τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς σου Παύλου τοῦ ἀπο-

στόλου.. Goar. p. 481. Καὶ ἐπιχέων αὖθις ἐκ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων τρίτον σταυροειδῶς, ἀπογευέσθω πρῶτον ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἁγιασθέντος, εἶτα ὁ λαὸς καὶ ποιεῖ ἀπόλουςιν. Εἰ μὲν τι συμβῇ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον χρονίσαντος ἐν τῷ ἀγγεῖῳ ἢ τοῦ οἴνου, ἢ τοῦ ἐλαίου καὶ σαπῆναι, ἐκχέεσθαι τὸν οἶνον, ἢ τὸ ἔλαιον καὶ μηδὲνα αὐτὸν ἄπτεσθαι.

λ. 302. Ἀκολουθία εἰς φρέαρ μανθέν.

Χρῆ πρῶτον ἀντλήσαι ἐκ τοῦ φρέατος κάδους μ'. καὶ χύσαι ἔξω, καὶ οὕτως βαλεῖν ἁγίασμα τῶν ἁγίων θεοφανίων σταυροειδῶς τρίτον, ἄψαι τε κηρούς καὶ θυμιᾶσαι πέριξ, καὶ οὕτως ἐπεύχεται, καὶ πρῶτον ποιεῖ εὐλογητὸν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ θεοτοκίον, καὶ αὖθις ἄρχεται οὕτως· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ καὶ ἐπιφοιτήσῃ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου. . Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας. . Ὅτι πρέπει... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ μέγας καὶ ἀνεξιχνίαστος, καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁρατῆς τε καὶ ἀοράτου, ὁ τῷ κορυφαίῳ τῶν ἀποστόλων σου Πέτρῳ δι' ὄράματος... См. выше стр. 48. Καὶ ποιεῖ σταυρὸν μετὰ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων καὶ ἀπογεύεται πρῶτον ὁ ἱερεὺς.

λ. 303 οβ. Εὐχὴ εἰς σκεῦος μινθέν.

Ὅμοίως δὲ εἰ καὶ ἐν ἐτέρῳ σκεύει κενῷ ἐμπέσσι μιάρων. Χρῆ καὶ αὐτὸ πλύνεσθαι, καὶ βαλλομένου ἁγιάσματος σταυροειδῶς γίνεσθαι εἰς τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα καρδιογνώστα, ὁ ἐπιστάμενος τὰ ἀπόρρητα καὶ γινώσκων τὰ πάντα πρὶν γενέσεως αὐτῶν, Σὺ μόνος ὁ νομοθετήσας ἐν νόμῳ ἁγίῳ σου. . См. выше стр. 468.

λ. 304 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τρυγὴν ἀμπέλου.

Ὁ Θεὸς Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας ἄμπελον κληθῆναι Goar. pag. 552.

λ. 305. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς εὐλόγησιν οἴνου.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, ἔπιθε ἐπὶ τὸν οἶνον τοῦτον Goar. pag. 553.

λ. 306. Εὐχὴ ἐπὶ πλοίου μέλλοντος πλεῦσαι. Δέσποτα Κύριε, ὁ καταξιώσας συμπλεῦσαι τοῖς μαθηταῖς. Εὐχολ. Goar. pag. 684.

λ. 306 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπέλων. Σὺ εἰ ἡ ἄμπελος ἡ ἀληθινή, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ὁ Πατὴρ σου ὁ γεωργός ἐστιν, Σὺ καὶ τοὺς ἀποστόλους σου ἐκάλεσας κλήματα... Goar. pag. 551.

л. 307 об. Εὐχή ἐπὶ θέρους

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὴν πολλὴν σου εὐσπλαγγίαν ἀγαθῶν ἡμᾶς καὶ κατὰ τὸν καιρὸν τοῦτον, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, ὁ πλάσας θέρος καὶ ἔαρ καὶ εὐλογήσας τὸν κύκλον τοῦ ἐνιαυτοῦ Goar. pag. 524.

л. 308. Εὐχή ἐτέρα εἰς τὸ σπεῖραι σπóρον ἐν τῇ ἀρούρᾳ τῆς γῆς.

Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τῆς ἀσπόρου ἀρούρας καὶ ἐκ τῆς χώρας τῆς μὴ δεξιμένης τὴν σπορὰν βλαστήσας, τῆς ἀειπαρθένου Θεοτόκου Μαρίας. См. ниже ркп. м. Есфигм. № 208.

л. 310—327. Μηνολόγιον σὺν Θεῷ ἀγίῳ.

л. 328—339. Кондаки и тропари отъ недѣли мытаря и фарисея по недѣлю всѣхъ святыхъ.

л. 339 об. Εὐχή, λεγομένη εἰς ἄμπελον, εἰς κήπον, εἰς περιβόλιον, εἰς χωράριον καὶ εἰς χώραν, εἰ συμβῇ βλάπτεσθαι ὑπὸ ἐρπετῶν.

Δεῖ γίνεσθαι λειτουργίαν... Goar. p. 554—556, по безъ упоминанія имени—'Ιουλιανοῦ καὶ Λίβους ἢ καὶ ἀμφοτέρων. После первой молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ἀρχῇ τῆς δημιουργίας сдѣдуетъ третья молитва, по Гоару, а третье мѣсто занимаетъ вторая у Гоара.

л. 346 об. Вышеприведенная приписка о времени написанія рукописи.

л. 347. Начинаются молитвы, писанныя рукою XVIII столѣтія: Εὐχή ἐπὶ οἰκίας περιεργασμένης ὑπὸ κακῶν.

Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ὁ τοῖς χειροῦσι ἐποχοούμενος, ὁ ὑπεράνω πάσης ἀρχῆς, ἐξουσίας καὶ δυνάμεως καὶ κυριότητος, Σὺ εἶ μέγας καὶ φοβερός...

л. 349. Εὐχή εἰς πᾶσαν ἀρρώστιαν.

Δέσποτα παντοκράτωρ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ ταπεινῶν καὶ ἀνυψῶν καὶ παιδεύων πάλιν ἰώμενος... Goar. p. 549.

л. 349 об. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι ἐδέσματα κρεῶν τῇ ἀγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ τοῦ Πάσχα.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητον, τὸ Χριστὸς ἀνέστη γ'. εἶτα 'Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπίσχεψαι, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, εἰς τὰ ἐδέσματα τῶν κρεῶν καὶ ἀγιάσον αὐτὰ... Goar. pag. 566.

л. 350 об. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι τυρόν καὶ ὠά.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν ἀπάντων... Goar. p. 568.

Εὐχή ἐπὶ ἄλλοτος.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Ἱεριχῶ ἐπὶ Ἑλισσαίου τοῦ προφήτου... Goar. p. 561.

л. 351. Εὐχή τῶν ἁγίων ἑπτὰ παιδῶν εἰς ἀσθενῆ καὶ μὴ ὑπνοῦντα.

Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰνετὸς καὶ ἀκατάληπτος, καὶ ἀνεκδήγητος... Goar. p. 559.

л. 353. Εὐχή εἰς νηπίον.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχνεὺς ἐκ τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου... Goar. pag. 261.

XCVII. № 129 Ω. Εὐχολόγιον, рукопись лавры св. Аѳанасія на Аѳонѣ въ 4 долию листа, 373 листа, писана скорописью 1522 года, какъ это видно изъ слѣдующей приписки въ концѣ ея: Ἔτους, ζλ' Ἰνδικτ. ιε' ἐν δὲ τῆς ἐνσάρχου οἰκονομίας, αφκβ' μαρτίῃ ιε' ἡμέρᾳ γ'. Οἱ καὶ γραφεῖς ἁμαρτωλοὶ Πέτρος ἱερεὺς καὶ πρωτοπαπᾶς Κάρπος εὐχεσθὲ τοῦς. Рукопись начала не имѣеть.

л. 1. Чинъ вечерни безъ начала.

л. 2. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

л. 6. Εὐχαὶ τῆς παννουχίδος.

л. 8. Молитвы на великой вечерни.

л. 11. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς, ἥτοι τῆς γονυκλισίας.

л. 20. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 27. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ εἰς τὰς ἀρχιμηνίας.

л. 34 об. Εὐχή λεγομένη εἰς τὰς γυναῖκας καὶ τὰς ἐν τῇ λεχώ, εἰς τὴν μαίαν.

л. 35. Εὐχή, λεγομένη εἰς γυναῖκα λεχώ.

л. 35 об. Εὐχή εἰς ἀπόβλυσιν γυναῖκα.

л. 36 об. Τάξις βαπτίσματος εἰς νηπίον, κατεπειγόμενον ὑπὸ θανάτου.

л. 37. Εὐχή εἰς κατασφραγίσαι πικιδίον τῇ ἡ' ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

л. 38. Εὐχή μ' τῶν ἡμερῶν.

л. 39 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ τὸ ἅγιον βάπτισμα.

л. 49 об. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ἡ' ἡμέρᾳ.

л. 50 об. Εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

л. 51 об. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα γάμου.

л. 59 об. Εὐχή τοῦ θαλάμου, ἡγουν τοῦ παστοῦ.

л. 61. Ἀκολουθία εἰς διγαμοῦντας.

л. 63. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι ἀδελφοποιήσιν.

λ. 64 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπάραι παιδίον ἀπὸ ἐκκλησίαν.

λ. 66. Ἀκολουθία ἐὰν συμβῇ τὸ ἐμπεσεῖν πρὸς φρέατος ἐκ τῶν ἀκαθάρτων и другія молитвы на различные случаи.

λ. 88. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

λ. 108 об. Ἀκολουθία παρακλητικὴ εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

λ. 114. Апостольскія и евангельскія недѣльные чтенія на цѣлый годъ.

λ. 268. Утреннія 11 евангелій.

λ. 265 об. Апостольскія и евангельскія чтенія на цѣлый годъ по Мѣсяцеслову.

XCVIII. № MLXI. Ἀκολουθία εἰς ἱερεῖς κεκοιμημένους изъ рукописнаго евангелія русской Пантелеимоно-аѳонской библіотеки 1535 года¹⁾, л. 191—229.

Ἀπέρχονται δύο ἡ τρεῖς ἱερεῖς καὶ ἐνδύουσιν αὐτὸν καὶ ἀποπλύνουσιν αὐτὸν καὶ ἀποσπογγίζουσι καὶ ἐνδύουσιν ἱμάτιον καθαρὸν καὶ ἀντὶ σαβάνου στιχάριον, ἐπιτραχήλιον καὶ φελώνιον, ψάλλοντες τὸν ν΄, καὶ καλύπτουσι τὸ πρόσωπον αὐτοῦ μετὰ καλύμματος, καὶ τιθέασιν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ χεὶρὶ γεγραμμένην τὴν ὀπισθάμβονον εὐχήν, καὶ εὐλογήσαντος τοῦ ἱερέως, εἰσφέρουσι τὸ λείψανον ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, λέγοντες τὸ ἐξ᾽ ἀψαλμον, στάσεις β΄ καὶ μνημονεύουσιν, ὡς ἔθος τῶν ἱερέων. Ἐλθόντες εἰς τὴν ἐκκλησίαν, θέτουσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπὶ στέρνοις τοῦ λειψάνου καὶ ἄψαντες κηροῦς μνημονεύουσι, ψάλλοντες τὸ Ἀλληλούια μετὰ τῶν στίχων καὶ τῶν τροπαρίων, καθὼς δηλοῖ τὴν τῶν λαϊκῶν ἀκολουθίαν, καὶ ψάλλουσι τὸ Ἀωμον ὡς(ς) σύνηδες. Ὅταν δὲ μέλλουσιν εἰπεῖν τὸ Ἐγγισάτω ἡ δέησίς μου ἐνώπιόν σου, Κύριε, κατὰ τὸ λόγιόν σου συνέτισόν με, σὺν τῷ στίχῳ, ἄρξου ἐδῶ πᾶσαν τὴν ἀκολουθίαν, καὶ ψάλλομεν τὰ παρόν(τα) τροπάρια ταῦτα εἰς ἥχον πλ. α΄. Οὐκ ἔστι τῶν ἐν τῷ βίῳ τερπνῶν οὐδὲν, ὃ οὐ παρελεύσεται... Στίχος· Εἰσέλθοι τὸ ἄξιμά μου... Ἰάσω τὴν συντριβὴν μου, Χριστέ, σάυτον κενώσας ὁ ὕψιστος. . Στίχος· Ἐξηρεῦσαντο τὰ χεῖλη μου ὕμνον... Καθεῖλες τὴν τοῦ θανάτου ὀφρὴν τῷ σῷ πάθει ἀναμάρτητε.. Στίχος· Φθέγγαιτο ἡ γλῶσσα μου τὰ λόγιά σου... Ὁ μόνος τὰ τῶν ἀνθρώπων εἰδώς, Χριστέ, ἄδῃλα καὶ κρύφια... Στίχος· Γενέσθω ἡ χεὶρ σου τοῦ σῶσαί με. . Τὸ θεῖον καὶ ἀκατάληπτον φῶς, Χριστέ πάντων, ἡ ἀνάστασις ὁ ἄυλος γλυκασμός...

¹⁾ Приписка въ рукописи: Ἐτελειώθη μηνὶ δεκεμβρίῳ εἰκάδι τετάρτῃ ἡμέρᾳ ε΄ νηκτιῶνος ἡ΄, ἀφ' ἑται ἀπὸ Χριστοῦ χεὶρὶ Νικολάου ἱερέως τοῦ προνοητοῦ.

Στίχος· Ἐπεπόθησεν ἡ ψυχὴ μου τὸ σωτήριόν σου... Σὺ εἶπας· πᾶς ὁ πιστεῦων εἰς σέ, Χριστέ, θάνατον οὐκ ὄψεται... Εἴτα ψάλλει ὁ πρῶτος χορός· Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου... Εἴτα ὁ β' χορός· Ἐπλανήθητι ὡς πρόβατον ἀπολωλός... Εἴτα εὐλογητός εἶ, Κύριε, διδάξόν με... Τῶν ἁγίων ὁ χορός εὗρε πηγὴν τῆς ζωῆς... κ. τ. λ. Εἴτα μνημονεύουσιν οἱ ἱερεῖς καὶ εὐχὴ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον... *Goar. pag. 452.* Καὶ αὐθις κάθισμα, ἡχος πλ. α'. Τὸν συνάναρχον Λόγον. Ὁ δι' ἡμᾶς ὑπομείνας σταυρὸν καὶ θάνατον καὶ νεκρώσας τὸν Ἀδὴν... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον τὸ αὐτὸ. Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας, καὶ αὐθις ὁ κανὼν ᾠδῇ α' ἡχος β' Βυθοῦ ἀνεκάλυψε... Ὡδὴν ἐπιτάφιον συμφώνως ᾄσωμεν τῷ μόνῳ ἀθανάτῳ... Χθὲς μεθ' ἡμῶν συμβιωτεύων, σήμερον ἐν τάφῳ βιωτεύει... Γνωστοὶ συγγενεῖς καὶ ἀδελφοί μου, βλέπετε τὸν τόπον τῆς ταφῆς μου... Ἐν βίβλῳ τῆς ἄνω κληρουχίας τάξῃ τὴν ψυχὴν μου ὁ Δεσπότης... Ἀπάντων ἐπέκεινα κτισμάτων καὶ ἁγιωτέρα τῶν ἀγγέλων... Εἴθ' οὕτως (Ποcлѣ третѣй пѣсни) ἡ εὐχὴ· Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία... *Goar. pag. 453.* Προκείμενον· Αἱ ψυχαὶ αὐτῶν. Στίχος· Πρὸς σέ Κύριε κεκράξομαι. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Θεσσαλονικεῖς ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἄγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων. Τέλος· καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐλληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμὴν Ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων... Τέλος, ἀλλὰ τὸ θέλημά σου πέμψαντός με Πατρός. Καὶ οὕτως μνημονεύει ὁ ἱερεὺς. Πο 6 пѣсни ἡ εὐχὴ· Εὐχαριστοῦμέν σε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν... *Goar. pag. 452.* Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὡς δι' ἐνὸς παραπτώματος εἰς πάντας ἀνθρώπους εἰσῆλθε τὸ κατὰκριμα... Τέλος· οὕτως ἡ χάρις βασιλεύσει διὰ τῆς δικαιοσύνης εἰς ζωὴν αἰώνιον. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐλληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ὁ Πατήρ μου, ἕως ἄρτι ἐργάζεται. Τέλος· ἀλλὰ μεταβέβηκεν ἐκ τοῦ θανάτου εἰς τὴν ζωὴν. Εἴτα τὸ κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... καὶ τοὺς εἰρμούς τῶν κοσμικῶν. Εἴθ' οὕτως (Ποcлѣ 9 пѣсни) μνημονεύει ὁ ἱερεὺς. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ νόμος τοῦ Πνεύματος τῆς ζωῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ ἡλευθέρωσέ με... Τέλος· εἰ δὲ πνεύματι τὰς πράξεις τοῦ σώματος θανατοῦτε ζήσεσθε. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· οὕτως ἡγάπησεν ὁ Θεὸς τὸν κόσμον... Τέλος· ὅτι ἐν τῷ Θεῷ ἐστιν εἰργασμένα. Καὶ εὐθὺς τὰ παρόντα τροπάρια, ἡχος α'. Ποία τοῦ βίου τροφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... Εἴτα οἱ ἀναβαθμοὶ κατ' ἡχον α' Ἐν τῷ θλίβεσθαι

με... Εἶτα τὰ στιχηρά¹⁾ ἤχος α' Πανεύφημοι μάρτυρες. Σοῦ, Σῶτερ, δεόμεθα τῆς σῆς γλυκείας μεθέξεως... Οὐδείς ἀναμάρτητος, οὐδείς τῶν ἀνθρώπων γέγονεν... Ὑπὲρ τὰ ὁρώμενα τὰ σὰ ἐπαγγέλματα, & ὁ ὀφθαλμός οὐ τεθέαται... Ἐργῳ, Σωτήρ μου, δεικνύς, ὅτι Σὺ εἶ πάντων ἀνάστασις... Θεοτοκίον· Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων καὶ τῆς Θεοτόκου. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ἐν σαρκὶ ὄντες Θεῷ ἀρέσαι... Τέλος· εἰ δὲ πνεύματι τὰς πράξεις τοῦ σώματος θανατοῦτε ζήσεσθε. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν, ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐργάζεσθε μὴ τὴν βρῶσιν τὴν ἀπολλυμένην. Τέλος· ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καὶ ζωὴν διδοὺς τῷ κόσμῳ. Στιχηρά ἤχος β' Ὡς ἄνθος μαραινεται καὶ διαλύεται πᾶς ἄνθρωπος... Οἱμοὶ οἷον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ χωριζομένη... Θεοτοκίον· Ὡς ἐλαία κατάκαρπος ἡ πάρθενος εὐλόγησε.. Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος β'. Στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Ῥύμην τοῦ θανάτου καὶ φθορὰν σου... Σῶσαι τὸν σὸν πλάσμα βουλήθεις... Εὐὰς τῆς προμήτορος ἀγνῆ... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κολοσσαεῖς· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐστὶ ἀγάπη τῆς πίστεως... Τέλος· ἀσπίλους καὶ ἀμώμους καὶ ἀνεγκλήτους κατενώπιον αὐτοῦ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτο ἔστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Στιχηρὰ ἤχος γ'. Πάντα ματαιώτης τὰ ἀνθρώπινα... Στίχος· Αἱ ψυχαὶ αὐτῶν ἐν ἀγαθοῖς... Ἀνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα... Ἀγιόπρωτε σεμνή... Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος, γ' στιχηρὰ προσόμοια ἤχος γ'. Τριήμερος ἀνέστη. Δοξάζω τὸν σταυρόν σου τὸν τίμιον... Ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ εὐσπλαγχνος... Θεοτοκίον· Ῥῶσαι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ἀνάγκης, Θεοτόκε Δέσποινα... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους (Κορινθίους). Ἀδελφοί, Χριστὸς ὑπὲρ πάντων ἀπέθανε, ἵνα οἱ ζῶντες μηκέτι ἐν τοῖς ζῶσιν... Τέλος· ἵνα ἡμεῖς γινώμεθα δικαιοσύνη Θεοῦ ἐν αὐτῷ. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς. Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Ἦχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων... Εἰς τὴν κατάπαυσίν σου, Κύριε... Ἡ μονὴ ἀγνῆ... Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος δ', στιχηρά, ἤχος δ'. Ἐδωκας σημείωσιν. Ὑπνος ἀναδεδεικται τῶν πιστευόντων ὁ θάνατος... Σὺ δικαιοσύνη τε (καὶ) ἁγιασμός ἡμῖν γέγονας... Γένος τὸ ἀνθρώπινον πρὸς ἀφθαρσίαν ἀνόλεθρον... Ῥῆσεσιν ἐπόμενοι τῶν θεηγόρων πανάμωμε... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς

¹⁾ Большинство стихиръ см. въ чинѣ монашескаго погребенія. Εὐχολογ. Gogr. pag. 439—444.

ἐγγήγερται ἐκ νεκρῶν... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Εὐαγγέλιον. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῦ ἑαυτοῦ μαθηταῖς· πάντα μοι παρεδώθη. Τέλος· καὶ τὸ φόρον μου ἐλαφρόν ἐστιν. Ἦχος πλ. α΄. Ἐμνήσθην τοῦ προφήτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδός... Σὺ ἔπλασάς με, Κύριε, καὶ ἔδηκας ἐπ' ἐμέ τὴν χειρὰ σου... Ἡ προεκλελεγμένη εἰσάκουσον τῆς φωνῆς ἡμῶν... Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος πλ. α΄, στιχηρὰ ἤχος πλ. α΄. Χαίροις ἀσκητικῶν. Αἴγλη τοῦ σοῦ προσώπου, Χριστέ... Ὅπου τῶν προφητῶν ὁ χορὸς, τῶν ἀποστόλων καὶ μαρτύρων τὰ τάγματα... Θεοτοκίον· Νόμου τῆς ἁμαρτίας ἡμᾶς δεδουλωμένους ἡλευτέρωσας, Δέσποινα... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Γαλάτας· Ἀδελφοί, εἰδότες, ὅτι οὐ διακαίουται ἄνθρωπος ἐξ ἔργων νόμου... Τέλος· τοῦ Θεοῦ τοῦ ἀγαπήσαντός με καὶ παραδόντος ἑαυτὸν ὑπὲρ ἐμέ. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμὴν, ἀμὴν λέγω ἡμῖν, ἐάν τις τὸν λόγον τὸν ἐμὸν τηρήσῃ. Τέλος· διελθὼν διὰ μέσου αὐτῶν καὶ παρήγεν οὕτως. Στιχηρὰ ἤχος πλ. β΄. Ἄλγος τοῦ Ἀδάμ ἐ χρημάτισεν... Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοργόν σου γέγονεν... Θεοτοκίον· Πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος πλ. β΄ στιχηρὰ ἤχος πλ. β΄. Ὅλην ἀποθέμενοι. Ἐχων ἀκατάληπτον τὴν εἰς ἡμᾶς εὐσπλαγχνίαν... Νέκρωσιν ὑπέμεινας ζωοποιὸν ἐκουσίως καὶ ζῶν ἐπήγασας... Ζώντων κυριεύοντα θεαρχικὴ ἐξουσία... Θέλει τοῦ ἐλέους ὑπάρχεις γὰρ καὶ σωζεις ὡς Θεός... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν ὑπὲρ τῆς θλίψεως ἡμῶν... Τέλος· διὰ πολλῶν εὐχαριστηθῇ ὑπὲρ ἡμῶν. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· εἰ ὁ Θεὸς Πατὴρ ὑμῶν ἦν... Τέλος· θάνατον οὐ μὴ θεωρήσῃ εἰς τὸν αἰῶνα. Στιχηρὰ ἤχος βαρὺς· Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν ζωοδότα... Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστοργήσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον... Λύτρωσαι, Θεοτόκε, τῶν συνεχουσῶν ἡμᾶς ἁμαρτιῶν... Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος βαρὺς, στιχηρὰ ἤχος βιρὺς. Καταφρονήσαντες. Νενεκρωμένος ὥραθης ἐπὶ στυροῦ... Τῷ ἀκηράτῳ σου κάλλει καὶ γλυκασμῷ τῆς σῆς ὥραιότητος... Ὡς ἀδαπάνητόν ἔχων τῶν δωρεῶν τὴν μεγαλοπρέπειαν... Τὴν μόνην μετὰ τόκου ἀγνὴν παρθένον... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν Κυρίῳ φρονεῖ... Τέλος· ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσει. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἀκολουθεῖν... Τέλος· βασιλείαν τοῦ Θεοῦ ἐληλυθῶσαν ἐν δυνάμει. Στιχηρὰ ἤχος πλ. δ΄ Ὁρηνώ καὶ ὁδύρομαι... Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασία γέγονε πρόξενος... Οἱ ἀναβαθμοὶ ἤχος πλ. δ΄, στιχηρὰ ἤχος πλ. δ΄ Ὁ τοῦ παραδόξου θαύματος. Βασιλικῶς μοι

ὑπέγραψας, ἐλευθερίαν βαφαῖς... Βάθει σοφίας ἀρρήτου σου ὁροθετεῖς
 τὴν ζωὴν... Ὡς συλλαβοῦσα τὸν ἀναρχον Λόγον Θεοῦ καὶ Θεόν... Οἱ μα-
 καρισμοί· Πάλαι μὲν ὁ Ἀδὰμ γευσάμενος κ. τ. λ. *Goar. pag. 454.*
 Εἶτα μνημονεύουσιν οἱ ἱερεῖς, τὸ Τρισάγιον, προκείμενον ἤχος δ' Μακαρία
 ἡ ὁδός. Στίχος· Ἐπίστρεφον ψυχὴ μου... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Θεσσαλονι-
 κεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων...
 Τέλος· εἰς ἀπάντησιν τοῦ Κυρίου εἰς ἀέρα καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ
 ἐσόμεθα. Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ
 Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἀμήν,
 ἀμήν λέγω ὑμῖν, ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων... Τέλος· ἀλλὰ τὸ θέλημα
 τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Εἰθ' οὕτως μνημονεύουσιν οἱ ἱερεῖς καὶ ἀσπά-
 ζονται τὸ λείψανον, ψάλλοντες τὰ προσόμοια, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ
 ξύλου σε νεκρόν. Δεῦτε, ἀδελφοί καὶ συλλειτουργοί, γινώμεν τὸ ἐξέσιον
 τέλος.. Οἱμοι ποία ὥρα φοβερά, οἱμοι χωρισμός συνοδίας καὶ ἀδελφό-
 τητος... Θρήνος καὶ κλαυθμός καὶ ὀδυρμός νῦν ἐν τῇ παρουσίᾳ ἡμέρα
 τῆς ἐκδημίας... Δεῦτε, οἱ ποιμένες τοῦ Χριστοῦ, βλέποντες ἰδοὺ με-
 ταστάντα... Κρίσει τῇ δικαίᾳ σοῦ, Σῶτερ, ἔστησας ψυχῆς ἡγεμόνα...
 Ποίμνης ἐπισήμων γεγωνός, Πάτερ, λογικῆς ἐπὶ χλόην... Πᾶσα τῶν
 τρωτῶν νῦν ἡ πληθὺς σώζεται ταῖς σαῖς ἰκεσίαις... Στίχος· Ἐπίστρεφον
 ψυχὴ μου... Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συλλειτουργοί μου, μὴ μου
 ἐπιλάθεσθε... Μνημονεύετε μου, ἀδελφοί καὶ συλλειτουργοί μου... Δόξα
 ἤχος πλ. β' τοῦ Δαμασκηνοῦ. Ὁρῶντές με ἄφωνον... Καὶ νῦν, Πρεσβείαις
 τῆς τεκούσης σε. Εἶτα ἀπέρχονται ἐν τῷ τάφῳ καὶ κηδεύουν τὸ λεί-
 ψανον καὶ σφραγίζουσιν τὸν τάφον, ψάλλοντες τὰ παρόντα τροπάρια, ἤχος
 πλ. β'. Ἡ αἰσιδημος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ σήμερον πληροῦται... Δόξα
 Ἀθανάτος σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονεν πρόξενος... Θεοτοκίον· Ἀγνή
 παρθένος τοῦ Λόγου, πύλη τοῦ Θεοῦ ἡμῶν... Εἶτα καλύψαντες τὸν τάφον
 ἀναγινώσκουσι τὸν ἀπόστολον καὶ εὐαγγέλιον, καὶ τὸν λόγον τοῦ ἁγίου
 Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. Πρὸς Κολοσσαεῖς· Ἀδελφοί, εὐχαριστοῦμεν
 τῷ Θεῷ καὶ Πατρὶ τῷ ἰκνωσάντι ἡμᾶς... Τέλος· ἵνα γένηται ἐν πᾶσιν
 αὐτός πρωτεύων. Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ
 ἤγγισεν ὁ Ἰησοῦς εἰς Βηθανίαν, ὅπου ἦν ὁ Λάζαρος ὁ τεθνηκώς... Τέ-
 λος· ὅτι Σὺ εἶ ὁ Χριστὸς ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ, ὁ εἰς τὸν κόσμον ἐρχόμενος.
 Εἶτα κηθίζουσιν οἱ ἱερεῖς γύρωθεν τοῦ τάφου καὶ ἀναγινώσκειται ὁ λόγος
 τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ
 Χρυσοστόμου, λόγος εἰς τὸν μάταιον βίον καὶ περὶ τῆς δευτέρας παρου-
 σίας τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Εὐλόγησον, δέσποτα. Ἀγαπητοί
 μου ἀδελφοί, ὅσοι τὰ τοῦ βίου μάταια καὶ ἀπολλυμένα πράγματα, βλέ-

πατε πάλιν τὸν ἡμέτερον· ὁ γὰρ πλοῦτος παρέρχεται καὶ ἡ δόξα ἀπολύεται καὶ πάντα ἀλλάσσονται... Слово неокончено.

XCIX. № 21. Εὐχολόγιον, ркп. лавры св. Аѳанасія на Аѳонѣ въ 4 долю листа, 408 листовъ, писана четкимъ почеркомъ 1536 года, какъ значится въ припискѣ: Ἐτελειώθη τὸ παρὸν βιβλίον, χειρὶ ἐμοῦ ἁμαρτωλοῦ Λουκᾶ ἱερομονάχου Προκοπίου (sic) ἐν χρόνοις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ 1536 (года), καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες συγχωρήσατέ μοι διὰ τὸν Κύριον, ὅτι ἁμαθὴς εἰμι, ὅμως δεομαί σας λέγετε· Ὁ Θεὸς συγχωρήσαι τὸν γράψαντα ταῦτα, καὶ γὰρ λέγω· Ὁ Θεὸς συγχωρήσαι τὸν ἀναγινώσκοντα (л. 388 об.). Изъ приписки въ началѣ рукописи тою же рукою видно, куда предназначалась эта рукопись: Τὸ αὐτὸ βιβλίον ἐδώθη τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας τῆς λεγομένης Φανερωμένης ἐν τῇ πόλει Πάμφῳ διὰ μνημόσυνον ἐμοῦ εὐτελοῦς Λουκιανοῦ ἱερομονάχου, καὶ ὅστις βουλευθεῖη ξενῶσαι αὐτὸ ἐκ τῆς ῥηθείσης μονῆς τὸ τῆς ἱεροσυλίας ἔξει ἐπιτίμιον, καὶ αἱ ἀναγινώσκοντες συγχωρήσατέ μοι δια τὸν Κύριον, λέγετε. Ὁ Θεὸς συγχωρήσαι τὸν γράψαντα καὶ διδόντα. Вторая приписка: Ἐκ Μεσσηνίας τῆς Σικελίας εἰς Κύπρον и повдѣйшеі руки приписка: Ἀγαπητὲ ἀδελφε κατὰ πνεῦμα παπᾶ κὺρ Κωνσταντίνε, σὲ τέκα, δεῖξαι τὸ αὐτὸ βιβλίον, καὶ βλέποντά το μνήσθητι τῆς ἀγάπης καὶ μὴ μου ἐπιλάσθην (sic) ἐν ταῖς προσευχαῖς σου κἄν τε ζῶ κἄν τε θνήξω· Ἐρρωσο. Εἰς ἅπαντας τοὺς φιλοῦντας ἡμᾶς ποιῶ μετανοίας, ἐξαιρέτως εἰς τὴν ἀγαπητὴν ἀδελφὴν Μακαρίαν μοναχὴν.

л. 3. Заглавіе: Πίναξ. Εὐχολόγιον, σὺν Θεῷ ἀγίῳ περιέχον τὴν ἅπασαν ἀκολουθίαν, πλουσιώτατον μετὰ καὶ νομοκανόνων ὀλίγον χρήσιμον.

л. 4. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 8 молитвъ, 9 молитва прилежнаго моленія и 10 на главопреклоненіе.

л. 6 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 12 молитвъ.

л. 10 об. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα¹⁾.

л. 11 об. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης ἀμπέλου.

— Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴνου.

л. 12. Εὐχὴ ἐπὶ σπόρου.

л. 12 об. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

л. 13. Εὐχὴ ἐπὶ ἀλῶνος.

л. 13 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας.

¹⁾ Предъ каждой молитвой возглашается: Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

л. 13 об. Εὐχὴ ἐπὶ οἰκοδομούντων οἰκίας.

л. 14. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογία οἴκου.

л. 14 об. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἵδους μιανθέντων.

л. 15. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφαγησάντων.

л. 15 об. Τάξις γινομένη ἐὰν συμβῇ μιαρὸν ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου ἢ μέλιτος.

л. 16 об. Ἀκολουθία εἰς φρέαρ μιανθέν.

л. 17. Εὐχὴ λεγομένη μετὰ τὸ ἀριστῆσαι.

л. 19. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς ἄριστον.

л. 21 об. Εὐχαὶ περὶ λύσεως ἀφορισμοῦ. 4 МОЛИТВЫ.

л. 24. Εὐχὴ εἰς ψυχὴν κρινομένην.

л. 24 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποπλοῦν πλοῖον.

л. 25. Εὐχὴ εἰς κατασκευὴν πλοίου.

л. 25 об. Εὐχὴ εἰς ἄγραν ἰχθύων.

л. 26—27 чистые.

л. 28. Ἀκολουθία τοῦ κατὰ μῆνα γινομένου τεσσαροκοστῆς (ἀγιασμοῦ).

Μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τοῦ ὁρθρου ἱστάμεθα ἐν τῷ νάρθηκι, κάκει εὐτρεπισθέντος τοῦ λουτῆρος, ὁ ἱερεὺς προέρχεται μετὰ τοῦ τιμίου σταυροῦ καὶ θυμιατοῦ, προπορευομένων καὶ λαμπάδων ἀπτομένων, καὶ τῶν ἀδελφῶν ψαλλόντων ἐκ γ' ἤχου πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε ἐλέησον... Τῆς εὐσπλαγχνίας... Ταῦτα τὰ τροπάρια ψάλλονται ἕως οὗ φθάσωσιν εἰς τὸν τόπον, ὁ δὲ ἱερεὺς, ἔξωθεν ἔτι ἱστάμενος, λέγει· Εὐλογημένη ἡ εἵσδος διὰ τῆς τεκούσης σε Θεοτόκου, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, πάντοτε νῦν... Καὶ ὁ λαὸς ψάλλων οὕτως. Стихиры и т. д.

л. 36. Ἀκολουθία εἰς γένναν γυναικὸς ἥτοι εἰς λεχοῦσαν. Εἰσερχόμενος ὁ ἱερεὺς παιεῖ εὐλογητὸν ἔξωθεν τῆς οἰκίας καὶ λέγει τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν, τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, Δόξα καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... Καὶ εἰσερχεται ἔσω καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Εἰρήνη πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ χοῦ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐξ αὐτοῦ ἀναπλάσας γυναῖκα.... См. выше стр. 382. Εἰρήνη πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν σπηλαίῳ γεννηθεὶς διὰ τὴν ἡμῶν σωτηρίαν καὶ ἀνάπλασιν... Conf. Goar. p. 261. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς τοὺς ταπεινοὺς καὶ ἀναξίους δούλους σου εὐλογεῖν, ἀγιάζειν τοὺς προσερχομένους (εἰς) τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον..... Εἰρήνη πάσιν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν καὶ ἄλογον τῷ λόγῳ σου δημιουργήσας... Goar. p. 267.

Εἰρήνην πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατήρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι παραγαγών. Goar p. 261.

λ. 38 οβ. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὰς γυναῖκας, τὰς ἐν τῇ λεχώ. Εἰρήνην πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀληθινὸς ἄρτος τῆς ζωῆς, ὁ χαρισάμενος ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους δούλους σου... Conf. Goar. pag. 264.

— Τῆς μαίας. (Εὐχὴ τῆς μαμμῆς). Εἰρήνην πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 287. Καὶ θυμῷ τὸν οἶκον, ἔνθα κεῖται ἡ λεχώ καὶ ῥαντίζει αὐτὸν ὕδωρ (sic) τῶν ἁγίων θεοφανίων καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

λ. 39. Ἀκολουθία εἰς τὸ λαμβάνειν ὄνομα τὸ παιδίον τῇ ἡ' ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Εἰσέρχεται ἡ μαία μετὰ τὸ παιδίον καὶ ἵσταται ἔξω τῆς πύλης τῆς ἐκκλησίας, καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς καὶ εὐλογεῖ τὸ παιδίον, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας καὶ θεοτοκίον, οἷον θέλει. Καὶ οἷον ὄνομα θέλ(ουν) ὁ πατήρ καὶ ἡ μήτηρ αὐτοῦ, ἐπονομάζει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον καὶ λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἡ εὐχὴ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν... Goar. p. 264. Εὐχὴ τῆς μητρὸς τοῦ παιδίου· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθάρισας καὶ ἀναγεννήσας ἡμᾶς διὰ τῆς ἐνσάρκου σου οἰκονομίας. Goar. p. 264. Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν. Οὐ μέντοι τὸ σύνολον βάλλει τὸ παιδίον εἰς τὴν ἐκκλησίαν. Ἡ πολὺ· τοῦτ' ἐστὶ δὲν ἐμπάζει τὸ παιδίον ἔσω εἰς τὴν ἐκκλησίαν οὐδὲ πωσὼς ἔως τασσαράκοντα ἡμέραις.

λ. 40. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἐκκλησιᾶσαι παιδίον μετὰ μ' ἡμέρας τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

Ἐάν τε ἄρσεν κἂν τε θῆλυ εἰσέρχεται ἔξω πρὸ τῶν πυλῶν τῆς ἐκκλησίας ἡ μήτηρ μετὰ τὸ παιδίον, εἰσέρχεται δὲ ὁ ἱερεὺς καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας. Εἰρήνην πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον Μωϋσέως... Св. Прил. стр. 19. Εἰρήνην πάσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν ἀτρέπτως ἐνανθρωπήσας, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ὡς βρέφος προσαχθεὶς ἐν τῷ ναῷ... Εἶτα εὐλογεῖ τὴν μητέρα τοῦ παιδίου καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 267. Εἶτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον ἐκ τῆς μητρὸς αὐτοῦ, καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ἄρσεν, ψάλλει ἰδιόμελον, ἤχος πλ. β'.

Ἄνοιγέσθω ἡ πύλη τοῦ οὐρανοῦ... Εἰ δὲ ἐστὶ τὸ παιδίον θῆλυ, λέγει ἡχος πλ. δ'. Μετὰ τὸ τεχθῆναί σε, θεόνυμφε Δέσποινα, παρεγένου ἐν ναῷ Κυρίῳ... Καὶ φέρει αὐτὸ ἐνδὸν τοῦ ναοῦ, φάλλων τὸν εἴ φαλμόν· Τὰ ῥήματά μου ἕως τὸ Προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἁγίόν σου ἐν φόβῳ σου. Καὶ προσκυνεῖ εἰς τὰς δ' ἑσθ' ἡμέρας τῆς ἐκκλησίας, εἴτα εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ τοῦ παιδίου εἰς τὸ ἅγιον βῆμα καὶ κυκλοῖ αὐτὸ γύρωθεν τοῦ βήματος, εἴθ' οὕτως ἐξέρχεται καὶ τίθησιν αὐτὸ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν ὀπίσθιον, εἴτα ποιεῖ ἡ μήτηρ αὐτοῦ μετανοίας μ', καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς τὸ παιδίον· Εἰρήνη πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε παντοκράτωρ, ὁ μόνος δημιουργὸς καὶ Σωτὴρ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, δεόμεθά σου καὶ ἱκετεύομεν· καταξίωσον τὸν δοῦλόν σου ὁδεῖνα τῆς χάριτος καὶ τῆς θεογνωσίας, αὐξήσον τῇ πίστει καὶ δικαιοσύνῃ. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ἅγιον ἔλαιον ἐκ τῆς κανθάρου τῆς Θεοτόκου καὶ σφραγίζει αὐτῷ τύπον σταυροῦ καὶ λέγων· Σημειωθήτω ἐφ' ἡμᾶς τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἴτα λέγει· Εἰρήνη πάσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. p. 267 καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

л. 43. Ἀκολουθία εἰς τὰ ἀποθνήσκοντα νήπια πρὸς ὦραν βαπτίζομενα. Сокращенный чинъ.

л. 46. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

Чинъ въ самомъ началѣ не представляетъ любопытныхъ особенностей сравнительно съ подобными чинами той же эпохи, но въ дальнѣйшемъ изложеніи таковыхъ особенностей довольно много. Предъ молитвою надъ елеемъ замѣчается: Εἴτα σφραγίζει τὸ ἔλαιον ἐκ γ' καὶ ἐμφυσᾷ αὐτὸ γ' καὶ λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Послѣ священника: χρίεται ὑπὸ τῶν ἀναδόχων ὁ βαπτιζόμενος, καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Δεσπότης καὶ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ ὢν εὐλογητός εἰς τοὺς αἰῶνας, εὐλογῇ καὶ σὲ ἐπὶ ἀγαθῇ σου πίστει... Молитва эта зачеркнута, что въ этомъ евхологіѣ наблюдается часто и по отношенію къ другимъ молитвамъ и обрядамъ. По крещеніи священникъ: λούει τὸ βρέφος ὅλον τὸ σῶμα αὐτοῦ. При одѣванні въ ἱμάτιον καὶ ἐνδύμα τῆς κεφαλῆς, священникъ произноситъ формулы: Ἐνδύεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁδεῖνα κ. τ. λ. Εἴτα περιζώννεται αὐτὸν τὴν ζώνην ἀπὸ τὸν τράχηλον αὐτοῦ, καὶ καταβάζει αὐτόν, ποιῶν σταυροῦ τύπον εἰς τὴν καρδίαν αὐτοῦ, καὶ γυρίζει αὐτόν ὀπίσθεν, καὶ δένει αὐτήν, λέγων τροπάριον· Σταυρωθέντος σου,

Χριστέ, ἀνηρέθη τυραννίς, ἐπατήθη ἡ δύναμις τοῦ ἐχθροῦ οὔτε γὰρ ἄγγελος, οὐκ ἄνθρωπος, ἀλλὰ αὐτὸς Κύριος ἔσωσεν ἡμᾶς δόξα σοι. Ὁ ἕτερον· Τὸν σταυρὸν ἐφόρεσε καὶ τὴν πίστιν ἔλαβεν ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ. Ἀλληλούια. Ὁ ἕτερον· Τῷ σταυρῷ ἐνδεδυμαι, τῇ πίστει ἐσφραγισμαὶ τὴν ἀένναον ζωὴν. Ἀλληλούια. Ὁ ἕτερον· Τὸν σταυρὸν ἐφόρεσε καὶ τὴν πίστιν ἔλαβε τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι, τῷ Χριστῷ ἠκολούθησεν ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ. Ἀλληλούια. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν· Εὐδόκησόν δη, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ταύτην τὴν συμπλήρωσιν τῆς τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος οἰκονομίας... Εἴτα εἰσοδεοῦν ὁ ἱερεὺς καὶ οἱ ἀναδόχοι σὺν αὐτοῖς καὶ τὸ βρέφος βασταζόμενον κύκλῳ τῆς κολυμβήθρας, ἡσύχως ψάλλοντες ἐμμελῶς καὶ εὐρύθμως τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν... Καὶ μετὰ τοῦτο πορεύονται εἰς τὸν οἶκον, ψάλλοντες ἐν τῇ ὁδῷ τὸ προγραφέν τροπάριον· Ὅσοι εἰς Χριστὸν... καὶ ποιεῖ ἀπολύσιν· Ὁ ἐν Ἰορδάνῃ ὑπὸ Ἰωάννου βαπτισθῆναι κχταδεξάμενος διὰ τὴν ἡμῶν σωτηρίαν... Καὶ πολυχρονίζουσιν τὸν νεοφώτιστον· Πολυχρόνιον ποιῆσαι ὁ Θεὸς τὸν νεοφώτιστον σὺν τοῖς γονοῖς (γονεῦσι) καὶ τοῖς ἀναδόχοις αὐτοῦ εἰς πολλὰ ἔτη.

Ι. 59 οβ. Ἐκ τῶν διατάξεων τῶν ἁγίων ἀποστόλων περὶ τὸ βάπτισμα, καὶ ὅπως χρῆ βαπτίζειν καὶ εἰς τίνος θάνατον κεφάλαια.

ΙΙ. 62. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφώτιστον.

Μετὰ γ' ἡμέραν τοῦ βαπτίσματος αἵρεται ὁ νεοφώτιστος ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ μετὰ τῶν ἀναδόχων καὶ ἄπτουσι κηρία, καὶ φέρει αὐτὸν ἐν τῷ βαπτιστηρίῳ καὶ ποιεῖ Εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἴτα Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῆς θείας σου κολυμβήθρας. Goar. pag. 304. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν... p. 303. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς... Οἱ ἐνδυσάμενοί σε τὸν Θεὸν ἡμῶν pag. 304. Εἴτα λύει τὰ σταυρία τοῦ ὁ ἱερεὺς καὶ ἐκδύει αὐτὸν τελείως καὶ καθίζει αὐτὸν ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ καὶ λαβὼν ὕδωρ μὲ τὰς χεῖρας αὐτοῦ ὁ ἱερεὺς σφραγίζει αὐτὸν ἐν τῇ κεφαλῇ ἐκ γ', λέγων οὕτως· Ἐβαπτίσθης, ἡγιασθης... Ἀπολούσω τὰς ἁμαρτίας σου ἐπὶ ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν... Καὶ λούει αὐτὸν ὅλον τὸ σῶμα, ὁμοίως καὶ οἱ ἀναδόχοι, εἴτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς ἐκ τῶν κηρίων τῶν ἀναδόχων καὶ σφραγίζει εἰς τὴν κεφαλὴν τοῦ νεοφωτίστου σταυροειδῶς, εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... Goar. pag. 306. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σὲ ἱκετεύομεν, ὁ διὰ τοῦ πληρώ-

ματος.. Goar. p. 306. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ φαλίδιον καὶ κείρει αὐτοῦ τὰς τρίχας σταυροειδῶς καὶ λέγει· Κείρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τελείαν ἀπόλυσιν.

λ. 64 οἱ. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα ἤγουν χάρμοαν (sic).

Εἰσέρχεται ὁ ἀνὴρ καὶ ἡ γυνή καὶ ἵστανται ἔξω τῆς ἐκκλησίας εἰς προπύλαιον, ὁ μὲν ἀνὴρ ἐκ δεξιῶν, ἡ δὲ γυνή ἐξ ἀριστερῶν καὶ ἐπιδίδωσι τῷ ἱερεῖ δακτυλίδια δύο, καὶ λαμβάνει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς καὶ τίθησιν αὐτὰ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ, τὸ μὲν τοῦ ἀνδρὸς δεξιὰ, τῆς δὲ γυναικὸς ἐξ ἀριστερῶν συνεγγύς, καὶ σφραγίζει ὁ ἱερεὺς τὰς κεφαλὰς τῶν νεονόμφων ἐκ γ', ποιῶν Εὐλογητόν... Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα ταῦτα τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν καὶ συμβίωσιν τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι αὐτοὺς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁμοφροσύνῃ καὶ ἀγαλλιάσει... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁδεῖν καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ, τῆς ἐκ Θεοῦ ἀγαπήσεως καὶ σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι τέκνα εἰς διαδοχὴν γένους καὶ πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι αὐτοὺς τε καὶ ἡμῖν καὶ πᾶσι τοῖς παροῦσι καὶ συνευχομένοις ἡμῖν καὶ πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι αὐτοὺς εἰσόδους καὶ ἐξόδους... Ὑπὲρ τῶν συμπαραγενομένων καὶ συνευδοκούντων ταύτῃ τῇ θεϊκῇ νομοθεσίᾳ... Ὑπὲρ τοῦ ρυθθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς πικναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάντα ἐν σοφίᾳ ποιήσας, ὁ τὸν προπάτορα τοῦ γένους ἡμῶν Ἀδὰμ οἰκειαίς σου παλάμαις πλάσας καὶ τὴν τούτου πλευράν εἰς γυναῖκα μορφώσας, εὐλόγησας αὐτοὺς καὶ εἰπὼν· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν καὶ κατακυριεύσατε αὐτήν, ἕνεκεν τούτου καταλείψει Goar. p. 316. Ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω· οὕτως γὰρ εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος, ὁ φοβούμενος τὸν Κύριον. Εὐλόγησον αὐτοὺς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ, εὐλόγησον αὐτοὺς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας Δαβὶδ καὶ τὴν Μελχὼ, εὐλόγησον αὐτοὺς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας τὸν Μωϋσῆν καὶ τὴν Σεπφώραν, εὐλόγησον αὐτοὺς ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας Ἐλκνανὰν καὶ τὴν Ἄνναν τὴν προφῆτιν, δι' ὧν ἐβλάστησας τὸν ἐκλεκτὸν προφῆτην Σαμουὴλ, τὸν χρίοντα τοὺς ἀξιους βασιλεύειν ἐν Ἰσραὴλ, εὐλόγησον αὐτοὺς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας Ἰωακείμ καὶ τὴν Ἄνναν, δι' ὧν ἐβλάστησας τὴν ἄχραντον Παρθένον, ἐξ ἧς προῆλθεν ὁ Λυτρωτὴς τοῦ κόσμου, εὐλόγησον αὐτοὺς, ὁ Θεός, ὡς εὐλόγησας Ζαχαρίαν καὶ Ἐλισάβετ καὶ τὸν

Πρόδρομον ἀναδείξας τῷ λαῷ τῆς σῆς παρουσίας, ἔλθῃ ἐπ' αὐτοὺς ἡ χάρις ἐκείνη, οἷαν ἔσχεν ἡ ἁγία Ἑλένη, εὐρουσα τὸ τίμιον ξύλον τοῦ σταυροῦ, τὴν αὐτὴν χαρὰν καὶ εἰρήνην ἐξαπόστειλον, Κύριε, ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους καὶ δώρησαι αὐτοῖς πίστιν ἀκαταίσχυντον, ἀγάπην ἀνυπόκριτον, πλησμονὴν σοφίας, τὴν εἰς ἀλλήλους ἀγάπην, τὴν ἐπὶ τέκνοις χαρὰν, τὸν σύνδεσμον τῆς εἰρήνης· Σὺ γάρ εἰ, Κύριε, ὁ καὶ παρθενίαν ἐγκωμιάζων, καὶ γάμον εὐλογῶν, μνημόνευσον, ὁ Θεός, καὶ τῶν ἀναθρεψάντων γονέων, καὶ σῶσον, Κύριε, τοὺς πιστοὺς καὶ ὀρθοδόξους κοσμοκράτορας σὺν Θεῷ νικητὰς μεγάλους βασιλεῖς ἡμῶν καὶ πάντας τοὺς συνελθόντας καὶ συνεξαμένους ἡμῖν διαφύλαξον. Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ Θεὸς αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα Goar. p. 311. Ὅτι εὐλόγῃται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπές... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ τοῦ ἀβράβωνος δακτυλίδια καὶ δίδει αὐτὰ ἐνὶ ἐκάστῳ τὸ ἴδιον, καὶ μετὰ τοῦτο πάλιν λαμβάνει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς καὶ καταλλάσσει αὐτὰ ἀλλήλοις, τὸ μὲν τοῦ ἀνδρός δίδει τῇ νύμφῃ, τῇ δὲ νύμφῃ δίδει τὸ τοῦ νυμφίου, ἡγουν τοῦ γαμβροῦ, καὶ λέγει· Ἐπιδίδωμι τὸν ἀβράβωνα τοῦτον εἰς πίστωσιν καὶ βεβχίωσιν τῶν ὑποτεταγμένων τῇ ἀληθείᾳ καὶ δικαιοσύνῃ. Καὶ λέγει ψαλμὸν ἡ' ἐκ γ'. Κύριε ὁ Κύριος ἡμῶν, ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομά σου... Λέγει καὶ τὸ παρὸν ἐκ τρίτου· Σῶτερ ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, τὸν ἀβράβωνα τοῦτον ἰσχυρὸν καὶ βέβαιον διατήρεις, ἵνα γένηται τὸ συνάλλαγμα τοῦτο (εἰς) πολυχρόνιον βίον καὶ ἀσκανδάλιστον. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει καὶ τὸν ψαλμὸν· Κύριε ὁ Θεός (Κύριος) ἡμῶν... Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἔθνων προμνηστευσάμενος... Goar p. 311. Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας Ἀβραὰμ καὶ τὴν Σάρραν, ὁ εὐλογήσας Ἰακώβ καὶ τὴν Ραχήλ, ὁ εὐλογήσας Μωϋσὴν καὶ τὴν Σεπφώραν, ὁ εὐλογήσας Ἰωσήφ καὶ Ἀσυνέθ, ὁ εὐλογήσας Ζαχαρίαν καὶ τὴν Ἐλισάβετ, ὁ εὐλογήσας Ἰωακείμ καὶ τὴν Ἄνναν, καὶ ἔδωκας αὐτοῖς σπέρμα δικαιοσύνης Μαρίαν τὴν ἁγίαν Θεοτόκον, εὐλόγησον αὐτοὺς, Κύριε, ὡς εὐλόγησας τὸν ἐν Κανᾷ γάμον τῆς Γαλιλαίας καὶ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταποιήσας, καὶ τὸν ἐκεῖσε λαὸν μυστικῇ σίνεσσι κατηύφρανας. Αὐτὸς Δέσποτα, ὡς ἐκεῖσε καὶ ἐνταῦθα παραγενοῦ καὶ εὐλόγησον τὰ νεόφυτα ταῦτα, εὐλόγησον τὰ μνηστρα ταῦτα, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ τὴν κοίτην αὐτῶν ἀμίαντον διχμεῖναι εὐδόκησον, ὑψωθήτωσαν τῇ ἀρετῇ, ὠραιωθήτωσαν τῇ πίστει, ὡς κέδροι καὶ ὡς κυπάρισσοι, καὶ ὡς φυτὰ ἐλαιῶν, εὐλογηθῇς, νυμφίε, ὡς Ἀβραὰμ δοξασθῇς ὡς Ἰσαὰκ, καὶ ὑψωθῇς ὡς Ἰακώβ, εὐφραίνου καὶ σὺ νύμφη

μετὰ τοῦ νυμφίου, οὗ συνεζεύχθης, καὶ τίμα τὸν ἄνδρα, ὃν ἡτοίμασε σοι Κύριος ὁ Θεός σου ¹⁾). Καὶ προσκυνοῦσι τὰς ἁγίας εἰκόνας καὶ ἀσπάζονται οἱ δύο ὁμοῦ, καὶ οὕτως ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἀπόλυσιν· Χριστὸς ἀληθινὸς ὁ Θεός ἡμῶν... Καὶ πολυχρονίζουσιν τοὺς νεονύμφους οὕτως· Πολυχρονίους ποιῆσαι ὁ Θεός τοὺς νεονύμφους σὺν τοῖς γονοῖς (εὗσι) αὐτῶν εἰς πολλὰ ἔτη, καὶ συμπλέκει αὐτῶν τὰς δεξιὰς ἀλλήλων καὶ ἐξέρχονται.

л. 68 об. Γάμος. Ἀκολουθία τοῦ στεφάνωματος. Εἰσέρχονται ὁ τε ἀνὴρ καὶ ἡ γυνὴ διὰ μέσου τοῦ ναοῦ μετὰ λαμπάδων καὶ θυμιάματος, καὶ ἐλθόντες πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου ἀπολύουσιν ἀλλήλων τὰς χεῖρας· καὶ ἵστανται πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν ὁ μὲν ἀνὴρ δεξιὰ, ἡ δὲ γυνὴ ἀριστερὰ, τὰ δὲ στέφανα πλέκονται ὑπὸ τῶν παρανύμφων, καὶ λαμβάνει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς καὶ τίθησιν αὐτὰ ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ σκευὸς ὕελου πλήρες οἴνου, καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς καὶ ποιεῖ Εὐλογητὸν, Εὐλογημένη ἡ βασιλεία..., Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νῦν εὐλογομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι γάμον τοῦτον, ὡς τὸν ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι ἄγγελον ἐξ οὐρανοῦ τοῦ εὐλογῆσαι τὰ στέφανα ταῦτα τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ στέφανα αὐτῶν, ὡς τῶν ἁγίων ἀποστόλων τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁδεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ τῆσδε καὶ τῆς ἐκ Θεοῦ συζευξέως καὶ σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν ὑμῶν... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς κοίτην ἀμείαντον... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα *Goar. p. 317.* Εὐχὴ τῶν στεφάνων (На полѣ свѣтъка: εἰπὲ τὴν εὐχὴν ταύτην ἀπάνω εἰς τὰ στέφανα). Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός, ὁ βασιλεὺς πάντων ἡμῶν, ὁ πάντοτε καὶ πανταχοῦ παρὼν, ὁ ἐκ ποικίλων καὶ διαφόρων ἀνθέων στεφανῶν τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας καὶ εὐλόγησας τὸν γάμον καὶ ἐν αὐτῷ θαυματουργήσας ὡς Θεός, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς στεφάνους τούτους καὶ ἁγιάσον αὐτούς, ἵνα οἱ καταξιούμενοι τῆς τούτων στέψεως λάβωσιν

¹⁾ Вь рукописи текст молитвы продолжается и далѣе, но перечеркнутъ рукою писца.

ἔλεος καὶ χάριν εὖρωσιν εἰς εὐκαιρον βοήθειαν, ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδό-
 ξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομα τοῦ Πατρὸς.—Καὶ λαμβάνει
 ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα καὶ στέφει αὐτοὺς ἀμφοτέρους, ποιῶν σταυροῦ τύπον
 ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, τοῦτ' ἔστιν ἀντικατάλληλα τὰς χεῖρας αὐτοῦ
 σταυροειδῶς, ἡγουν δεξιὰν χεῖρα εἰς τὸν ἄνδρα καὶ τὴν ἀριστερὰν εἰς
 τὴν γυναῖκα¹⁾ καὶ λέγει· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξη καὶ τιμῇ... στεφά-
 νωσον αὐτούς, ἐκ γ'. Ἐβθηκας ἐπὶ τὰς κεφαλὰς... ἕως· καὶ ἔδωκας αὐ-
 τοῖς μακρότητα ἡμερῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος, ἄπαξ. Καὶ μετὰ τὴν τούτων
 πλήρωσιν σήκου τὰς χεῖράς σου καὶ ἀντικατάλλαξε τὰς χεῖράς σου καὶ
 οὐ τοὺς στεφάνους, τοῦτ' ἔστι τὸ ἀποπάνω χεῖριν θές ὑποκάτω, καὶ πρό-
 σεχε πάντα νὰ εἶναι τὸ δεξιὸν χεῖριν εἰς τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀνδρός, καὶ
 ποιήσων τοῦτο ἐκ γ', λέγων τὸ κατὰ συνήθ(ειαν)· Ὁ Πατὴρ εὐλογεῖ, ὁ
 Υἱὸς στεφανοῖ, τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον συνευδοκεῖ καὶ διαμένει πάσας τὰς
 ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν... ἐκ γ', καὶ παραδίδει ταῖς χερσὶ τῶν πα-
 ρανύμφων τὰ στέφανα ὅπισθεν καὶ κρατοῦσιν αὐτὰ ἐπὶ τὰς κεφαλὰς
 αὐτῶν, εἶτα λέγει· Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς
 ἡμῶν, ὁ δόξη καὶ τιμῇ στεφανώσας τοὺς ἀγίους μάρτυρας, αὐτὸς πα-
 ράσχου καὶ τοῖς δούλοις σου τούτοις στέφανα δόξης καὶ τιμῆς, στέφανα ἀγαλλιᾶ-
 σεως, στέφανα εἰρήνης, εἰς αἴνεσίν σου καὶ δόξαν τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ
 καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεὶ... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξη καὶ
 τιμῇ στεφάνωσον αὐτούς καὶ κατάρστησον αὐτούς ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν
 σου, στεφάνωσον αὐτοὺς τῇ σῇ χάριτι. Goar. p. 322, но съ небольшо-
 шими въ ней особенностями. Καὶ κρατήσας τὴν δεξιὰν χεῖρα τῆς
 γυναικός, ἐπισυνάπτει τῇ χεὶρὶ τοῦ ἀνδρός λέγει οὕτως· Παράλαβε
 αὐτὴν ἐκ ναοῦ Κυρίου, ἵνα δώσης λόγον ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως περὶ αὐτῆς.
 Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδεῖ
 σου Goar. p. 318. Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ
 ἄχραντος, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ὁ πάσης
 κτίσεως δημιουργός. Goar. p. 315, но въ текстѣ есть опущенія и
 незначительныя вставки противъ Гоара. Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου
 δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ πολυ-
 ὤμνητος καὶ ἀνέκφραστος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ
 ὁμοίωσιν, ἵνα δεσπόζη τῶν ὑπὸ σοῦ κτισθέντων ἀπάντων... Προκειμένον
 τοῦ ἀποστόλου, ἡχος βαρύς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξη καὶ τιμῇ... Στί-

¹⁾ На полѣ: Μηδὲ σηκώσης τὰς χεῖράς σου, ἀλλὰ μόνον θές τὰ στέφανα
 καὶ λέγε ταύτην.

χος· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς θαυμαστόν τὸ ὄνομά σου... Πρὸς Ἐφεσίους ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελφοί, εὐχαριστοῦμεν τῷ Θεῷ καὶ Πατρὶ, ὑποτασσόμενοι ἀλλήλοις ἐν φόβῳ Χριστοῦ... Τέλος· Ἐν παιδείᾳ καὶ νοουθεσίᾳ Κυρίου. Ἀλληλουάριον, ᾠχος πλ. δ'. Ἡ γυνὴ σου ὡς ἄμπελος. Στίχος. Οἱ υἱοὶ σου ὡς γεόφυτοι... Εὐαγγέλιον Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην Goar. pag. 318. Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν συμπαρόντων ἀδελφῶν ἡμῶν πρωτοιερέων, ιερέων, ἀναγνωστῶν καὶ λαϊκῶν, ὑγείας, σωτηρίας... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα, ὑγείας, αὐξήσεως... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν δωρήσῃ αὐτοῖς τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμίαντον... Ἔτι δεόμεθα καὶ ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς παρὰ τοῦ Κυρίου βοηθείας καὶ ἀντιλήψεως... Ὅτι ἐλεήμων... Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὴν ἡμέραν πᾶσαν... κ. τ. λ. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς.. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ἀπάνω εἰς τὸ ποτήριον μυστικῶς· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχυρί σου Goar. pag. 319. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ ποτήριον¹⁾ εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ οὐ τοῦ οἴνου, ἀλλὰ πρῶτον τοῦ μέλιτος καὶ ἀμυγδαλῶν, καὶ λαμβάνει ἐν ἀμύγδαλον μετὰ τοῦ μέλιτος, καὶ ἐπιδίδει πρῶτον τῷ ἀνδρὶ ἐκ τρίτου, ἔπειτα τῇ γυναικὶ καὶ αὐτῇ ἐκ γ', καὶ πληρεῖ τὸ ἐν ἀμύγδαλον εἰς τοὺς δύο, τοῦτ' ἔστιν εἰς τὸν ἄνδρα καὶ εἰς τὴν γυναῖκα, καὶ ἐν τῷ μεταλαμβάνειν αὐτοὺς λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός, καὶ δίδει αὐτῷ μίαν, Καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ δίδει αὐτῷ δύο, καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, καὶ δίδει αὐτῷ τρεῖς, ὁμοίως καὶ τῇ γυναικὶ. Εἶτα λαμβάνει τὸ ποτήριον τοῦ οἴνου καὶ μεταλαμβάνει αὐτοὺς πρῶτον τὸν ἄνδρα ἐκ γ', εἶτα τὴν γυναῖκα καὶ αὐτὴν ἐκ γ', λέγων καθὼς ἄνωθεν ἐδιδάχθης. Καὶ μετὰ τὸ μεταλαβεῖν αὐτούς, λέγει· Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ καὶ ἡ ἀγάπη τοῦ Θεοῦ... πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ. Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δούλοι σου, Κύριε. Goar. p. 325. Καὶ λέγει ψαλμόν· Μακάριοι πάντες... Εἰθ' οὕτως φάλλει τροπάριον, ᾠχος βαρύς· Ζῆ, ζῆ (sic), νεόνυμφοι, ἡ Τριάς ἡ ἀχώριστος φυλάξῃ σας... ἐκ γ'. Εἰθ' οὕτως βάλλουν οἱ νεόνυμφοι μετὰ-

¹⁾ На полѣ рукою писца замѣчено: Σημεῖωσαι· Καὶ ἐὰν μὲν ποιήσῃς τὸν γάμον εἰς τὴν λειτουργίαν καὶ εἰσὶν ἄξιοι, μετάλαβε αὐτοὺς τοῦ τιμίου Σώματος καὶ Αἵματος τοῦ Σωτῆρος, καὶ ἄφες τοῦ μέλιτος καὶ τοῦ οἴνου· εἰ (δὲ) ὑπάρχουν κατὰ τὴν ἡμετέραν ἀσθένειαν, ποίησον, ὡς ἐδιδάχθης καὶ καθὼς ἔχεις συνήθειαν.

νοιαν ἀμφότεροι μέσον καὶ εἰς τοὺς χοροὺς πρὸς μίαν, καὶ ὁ ἱερεὺς εὐ-
 λογεῖ αὐτοὺς καὶ λέγει· Κύριος ὁ Θεὸς εὐλογῇσθε ὑμᾶς καὶ ἐμπλήσει
 ὑμᾶς παντὸς ἀγαθοῦ, καὶ συμβιώσετε ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ καὶ ἴδετε
 υἱοὺς τῶν υἱῶν ὑμῶν. Εἷτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὴν δεξιὰν χεῖρα τῆς
 γυναῖκος καὶ παραδίδει αὐτὴν τῷ ἀνδρί, λέγων οὕτως· Πρόσεχε, ἀδελφέ,
 ὅτι λαμβάνεις ταύτην τὴν γυναῖκα ἐκ ναοῦ Κυρίου· ἄγγελοι γὰρ πά-
 ρεισιν ἀοράτως καὶ συμμαρτυροῦσί σου τῇ ὁρμασίαν, ὅπως δώσης λόγον
 ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως δι' αὐτῆς. Καὶ τῇ γυναικὶ λέγει· Ἐπαρε σκο-
 πόν, κόρη μου ἡδε, πῶς πέρνεις τὸν ἄνδρα τοῦτον ὀμπρὸς (sic) τοῦ
 Χριστοῦ καὶ τῆς Θεοτόκου, ἀπανθιδόν (sic) μαρτυροῦντο ἄγγελοι καὶ
 κάτω ἄνθρωποι, νὰ τοῦ ὑποστάσῃσαι μὲ πάντα φόβον Θεοῦ, ὡς ἀντὶ
 σοῦ, διατὶ μέλλεις νὰ δώσης καὶ σὺ λόγον Θεοῦ διὰ λόγου του. Εἷτα
 πέρνει τὸν ἄνδρα καὶ τὴν γυναῖκα ἐκ τῶν δεξιῶν χειρῶν καὶ εἰσοδοῦσιν
 γύρωθεν τοῦ ἀναλογίου σὺν τοῖς παρχνύμοις, ψάλλου(ν) τροπάριον, ἡχος
 βαρὺς Ἁγιοὶ μάρτυρες... ἐκ γ'. Καὶ μετὰ τὸ ἐξελθεῖν ἐκ τοῦ ναοῦ
 ψάλλ(ει) θεοτοκίον, ἡχος δ' Ὁ καθαρώτατος ναὸς τοῦ Σωτῆρος..., εἴ(τα)
 ἐν τῇ ὁδῷ τὰ τῶν Ὁκτωήχων θεοτοκία, ἡχος α' Τὴν παγκόσμιον δό-
 ξαν, ἡχος β' Παρῆλθεν ἡ σικὰ τοῦ νόμου..., ἡχος γ' Πῶς μὴ θαυ-
 μάσωμεν, ἡχος δ' Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ προφήτης Δαβίδ, ἡχος πλ.
 α' Ἐν τῇ ἐρυθρᾷ θαλάσῃ, ἡχος πλ. β' Τίς σε μὴ μακαρίσει, ἡχος
 βαρὺς Μήτηρ μὲν ἐγνώσθης..., ἡχος πλ. δ' Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν...,
 Δόξα καὶ νῦν, Μετὰ τὸ τεχθῆναι σε, Θεόνυμφε Δέσποινα.

λ. 81 ὁβ. Εὐχὴ εἰς λύσιν τὰ στέφανα (sic). Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν,
 ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας Goar. p. 320. Ἐπισυνάπτει
 καὶ αὐτὴν εἰς τὸ λῦσαι πικρόν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐτρε-
 πίσας, ἀξιῶν πάντας τοὺς ἐν νόμῳ καὶ τῷ σῶ ἄφθάρτῳ στεφάνῳ τού-
 τούς κατακοσμῶν... См. выше стр. 184. καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν· Ὁ ἐν
 Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας τὸ ὕδωρ οἶνον ἐκτελῶν Χριστὸς ὁ ἀληθινός... Καὶ
 πολυχρονίζει τοὺς νεονύμφους καὶ ἐξέρχονται· Πολυχρόνιον ποιήσχι,
 Κύριε, τοὺς νεονύμφους σὺν τοῖς γονεῦσι (вѣ ркп. γονεῖς) καὶ τοῖς
 συνανακειμένοις αὐτοῖς εἰς πολλὰ ἔτη.

λ. 82 ὁβ. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα διγάμων.

Εἰσέρχονται οἱ μέλλοντες τοῦ συζευχθῆναι καὶ ἵστανται εἰς τὴν
 πύλην τῆς ἐκκλησίας ἔξωθεν καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός...
 Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ
 μνηστρα ταῦτα τῶν διγάμων τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύ-
 ματος... Ὑπὲρ τῆς συζυγίας καὶ ὁμονοίας τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα
 καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ

ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει... Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα σωμαγαγῶν εἰς ἐνότητα Goar. pag. 328. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλῖδια ἐπιδίδει αὐτοῖς πρὸς ἓν καὶ ἀλλάσσει αὐτὰ καὶ δίδει ὁ ἀνὴρ τῆς γυναικός, ἡ δὲ γυνὴ τοῦ ἀνδρός, καὶ ἀσπάζονται οἱ δύο ὁμοῦ, εἰδ' οὕτως ποιεῖ ἀπόλυσιν, καὶ εἰ μὲν βούλονται τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ εἰς τέλειον γάμον ἀρμωσθῆναι, κρατεῖ αὐτοὺς ἐκ τῶν δεξιῶν χειρῶν καὶ εἰσέρχονται ἔνδον τοῦ ναοῦ.

1. 83 οβ. Ἀκολουθία εἰς ἱερολογίαν διγάμων. Ἰσταται τὸ ἀνδρόγυνον ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν ὁ ἀνὴρ ἐκ δεξιῶν, ἡ δὲ γυνὴ ἐξ ἀριστερῶν, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν δεύτερον γάμον τοῦτον τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι αὐτούς, Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥαχὴλ..., Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραάμ φίλον καλέσας. См. выше стр. 743. Εἷτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ στέφανα καὶ ἐναποτιθήσιν αὐτὰ ἐν ταῖς κεφαλαῖς αὐτῶν, ἐναλλάσσων καὶ λέγων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσας αὐτούς, ἔθηκες ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν στεφάνους ἐκ λίθων τιμίων. Τοῦτο ποιεῖ ἐκ γ' σταυροειδῶς, ἐναλλάσσων αὐτοῦ τὰς χεῖρας καὶ οὕτω στέφει αὐτούς. Ἰστέον, ἐὰν μὲν εἰσι τὰ δύο μέρη δίγαμα οὐ στέφονται, ἀλλὰ τὰ εἰρηνικά μόνον καὶ αἱ εὐχαὶ εἰς τὴν τάξιν αὐτῶν λέγονται, εἰ δὲ ἓν μέρος δίγαμον στέφονται. Εἰρήνη πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν τοῦ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, ὁ εὐλόγησας αὐτούς καὶ τὸ σπέρμα αὐτῶν εἰς εὐλογίαν τελείαν. См. выше стр. 717. Εἷτα λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ μέλι καὶ μεταλαμβάνει αὐτούς ἐκ γ', ἔπειτα καὶ οἴνου ὁμοίως μεταλαμβάνει αὐτούς ἐκ γ', καὶ εἰσοδεύουν αὐτούς, ψάλλ(οντες) τροπάριον Ἁγιοὶ μάρτυρες... Εἷτα ποιοῦσιν ὁμοῦ τῷ ἱереὶ μετάνοιαν καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰς δεξιὰς αὐτῶν καὶ παραδίδει τῷ ἀνδρὶ τὴν γυναῖκα, λέγων· Πρόσεχε, ἀδελφέ, ὅτι λαμβάνεις ταύτην τὴν γυναῖκα ἐκ ναοῦ Κυρίου καὶ ὑπὸ τοῦ ἱερέως· ἄγγελοι γὰρ πάρεσιν ἀοράτως καὶ συμμαρτυροῦσιν ταύτην τὴν ὁρμασίαν, ἵνα παραδώσῃς ταύτην τῷ Κυρίῳ ἐν ἡμέρᾳ τῆς κρίσεως. Πάλιν λέγει τὸ αὐτὸ καὶ τῇ γυναικὶ καὶ γίνεται πολυχρονισμὸς τῶν νεονύμφων ἢ τῶν γηραιονύμφων. Σημεῖωσαι· Τριγαμίαν οὐκ ἔχει, διὸ οὐδὲ εὐχαὶ ἐτυπώθησαν. Εἰ δὲ τύχοι ἐκ πολ-

λῆς ἀνάγκης ἐξ ἐπιτροπῆς τοῦ ἀρχιερέως, εἰπὲ τὴν ἀκολουθίαν τοῦ δι-
γάμου.

л. 86. Ἐκ τοῦ νομοκανόνου. О бракъ.

л. 88. Κανόνες διάφοροι Παύλου τοῦ ἀποστόλου.

л. 91. Περὶ τῶν ἐξαγορεύσεων.

л. 105 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰω-
άννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 119. Εὐχὴ συγχωρητικὴ τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 120. Ἀκολουθία τοῦ παρακλητικοῦ.

л. 130. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 161. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων. При по-
груженіи креста: κατὰ συνήθειαν λέγει· Φῶς ὁ Πατήρ, φῶς ὁ Υἱός,
φῶς καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα (л. 171 об.).

л. 173 об. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 186 об. Стихиры общія святымъ съ канонами, а также
Христу и Богоматери.

л. 232 об. Κανὼν χαιρετισμὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον, ποί-
ημα τοῦ εὐσεβεστάτου βασιλέως κυροῦ Θεοδώρου τοῦ Λάσκαρη.

л. 236. Ἀκολουθία τοῦ ἀκαθίστου.

л. 259. Τῇ κυριακῇ ἐσπέρας στιχηρὰ κατανοκτικὰ εἰς τὴν ὑπερ-
αγίαν Θεοτόκον и на цѣлюю недѣлю.

л. 296. Κατήχησις τῆς ἀσκητικῆς ἀκολουθίας.

л. 298 об. Θυκαρὰ μοναχοῦ εὐχαί, συλλεχθεῖσαι ἀπὸ τῆς θείας
Γραφῆς, τὰ πλεῖστα δὲ ἀπὸ τοῦ ἁγίου Ἐφραίμ τοῖς βουλομένοις πολε-
μῆσαι τὴν ἑαυτῶν πρὸς τὰ πάθη καὶ τὰς ἡδονάς.

л. 328. Κανόνες σὺν Θεῷ παρακλητικοὶ εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον
καὶ ἕτεροι διάφοροι.

л. 375. Каноны въ честь Троицы, Ангела, Богородицы.

л. 384 об. Κανόνες κατανοκτικοὶ κατὰ ἥχον ψαλλόμενοι τῇ ἁγίᾳ
τεσσαρακοστῇ.

л. 397 об. Κανὼν εἰς φόβον σειсмоῦ.

л. 401. Κανὼν ψαλλόμενος εἰς ἀνομβρίαν. 2 канона.

С. № 134 (745). Евхологія, рукопись Аѳоно-Ватопедской
библ. въ 16-ю долю, 458 листовъ, писана скорописью 7046 (1538)
года, что видно изъ приписки: Δόξα τῷ Θεῷ Ἀμήν. Ἐπληρώθη ἡ
παροῦσα βίβλος ἐν ἔτει ζμς', ἰνδικτιῶνος α'. Δόξης αἰεὶ φροντίσαι τῆς αἰω-
νίου· ἡ γὰρ παροῦσα ψεύδεται καθ' ἡμέραν. Ἡ μὲν χεῖρ ἡ γράψασα
σῆπεται τάφῳ, γραφὴ δὲ μένει αἰῶνας ἀπεράντους. Οἱ ἀναγινώσκοντες τῷ

γράφοντι δότε μοι συγχώρησιν, ὡς ἔθος, φίλοι. Τῷ συντελεστῇ τῶν καλῶν Θεῷ χάρις. Εὐχου καὶ τοῦ γράψαντος, εἰ θέλεις, πάτερ Δανιήλ, τοῦ τάλανος τάχα καὶ ῥακενδύτου (л. 349 об.).

л. 1. Οἱ κύκλοι (Пасха́лія).

л. 2. Ἑρμηνεία, πῶς δεῖ εὐρίσκειν εἰς ποῖόν τῆς Ὀκτωήχου ἤχον πίπτει ἡ ἀρχὴ τοῦ Τριωδίου.

Καθασίλου Βουλγαρίας.

Ὁ χρόνος ἐστὶ ἐβδομάδες νβ' καὶ, εἰ βούλει, εὐρεῖν εὐκολον εἰς οἷον ἤχον πίπτει ἡ ἀρχὴ τοῦ Τριωδίου.

л. 3. Пасха́лія съ лунникомъ, причемъ сдѣланы изображенія луны въ четырехъ ея фазахъ.

л. 5 об. Εὐχὴ συγχωρητική.

л. 6. Πίναξ τοῦ παρόντος βιβλίου.

л. 7 об. Διαίρεσις τῶν ἐπτὰ θανάσιμων ἁμαρτιῶν.

л. 8 об. Ἐκ τῶν διατάξεων τῶν ἁγίων ἀποστόλων.

л. 9. Τοῦ ἁγίου Εὐλογίου, πατριάρχου Ἀλεξανδρείας. Канонические вопросы.

л. 10. Выдержки изъ лечебника XVII в.

л. 13. Порядокъ евангельскихъ чтеній на воскресной утрени.

л. 13 об. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ τὰ ια'.

л. 18 об. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. См. выше стр. 274.

л. 20. Ἀρχὴ τοῦ ὁρθρου αἰ εὐχαί. Εὐχολ. Goar p. 39—42.

л. 23. Ὕμνοι τριαδικοὶ (τῶν Ὀκτωήχων ἄμα) τὰ φωταγωγικά.

л. 24 об. Θεοτοκία, ἅπερ λέγεται μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τοῦ ἐσπερινοῦ, μετὰ τὸ ἀπολυτίκιον, καὶ εἰς τὸ Θεὸς Κύριος καὶ εἰς τὸ τέλος τοῦ ὁρθρου.

л. 25 об. Ἀπολυτίκια ἀναστάσιμα τῶν Ὀκτωήχων σὺν ταῖς θεοτοκίαις καὶ ταῖς ὑπακοαῖς αὐτῶν.

л. 27 об. Канὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον.

л. 29. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 35 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 45. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 51. Ἀκολουθία εἰς παράκλησιν ἀσθενῶν, χεимаζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων καὶ ἐπηρεαζόντων.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, εἶτα Δόξα σοι ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι, Βασιλεῦ οὐράνιε ἕως τέλους, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ', εἰθ' οὕτως Κύριε εἰσάκουσον

τῆς προσευχῆς μου ἕως τέλους, Θεὸς Κύριος, εἴτα τροπάριον, ἦχος δ' Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν μόνος ὑπερέχων, Χριστέ... ἐκ θ'. Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς, ἀπαξ, ὁ Ν', εἴτα τὸν παρόντα κανόνα. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον, εἰς τοὺς ἀσωμάτους, εἰς ἀποστόλους, καὶ εἰς πάντας τοὺς ἁγίους. Εὐχολ. Goar p. 575. Послѣ 6-й пѣсни прокименъ: Τὰ ἐλέη σου, Κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα ἄσσομαι и евангеліе отъ Матѳея: Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ. Τέλος· δωρεὰν ἐλάβετε, δωρεὰν δότε. Послѣ 9-й пѣсни: Ἄξιόν ἐστιν, Πᾶσαι τῶν ἀγγέλων αἱ στρατιαί... Δέσποινα ἡ Μήτηρ τοῦ Λουτρωτοῦ... Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς... Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεός... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους... Καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ... Ὅτι ἐλεήμων... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἄναρχε, ἀδιάδοχε, ἅγιε ἁγίων, ὁ τὸν μονογενῆ σου Υἱόν... Goar p. 337. Εἰς βασιλείας οὐρανῶν κληρονομίαν. Ὅτι Θεὸς ἐλέους οἰκτιρμῶν καὶ φιλάνθρωπίας ὑπάρχεις, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Καὶ σφραγίζων τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ ἐκ γ', λέγει· Εἰσάκουσον, Κύριε, εἰσάκουσον, Δέσποτα, εἰσάκουσον, Υἱέ. Εἰδ' οὕτως· Κύριε ὅπλον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν σταυρόν σου... Καὶ ἀνάπτει τὴν θρυαλλίδα, καὶ λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ἀλείφει τὸν ἀσθενοῦντα, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἅγιε, ἰατρὲ τῶν ψυχῶν... А. Дмитриевскій, Прилож. 123.

л. 53 об. Εὐχαί, ἦτοι ἐξορκισμοὶ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου πρὸς τοὺς πάσχοντας ὑπὸ δαιμόνων, καὶ πρὸς ἐκάστην ἀσθένειαν. Goar p. 578--584.

л. 56 об. Εὐχαί τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Χρυσσοστόμου εἰς τὴν αὐτὴν ὑπόθεσιν. Goar p. 583.

л. 59. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 63 об. Ἀποστολοευαγγέλια цѣлаго года.

л. 102 об. Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ ἀνομβρίᾳ. Goar pag. 613.

л. 103. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ ἀνομβρίᾳ. Goar. p. 614.

л. 103 об. Εὐχὴ ἐπὶ σεισμῷ. Goar. p. 623.

л. 104. Εὐχὴ ἐπὶ πλοίῳ ἄρτι κατασκευασθέντι καὶ μέλλοντι πλέειν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν¹⁾, ὁ ἐντειλάμενος τῷ Νῶε κατασκευᾶσαι κιβωτὸν πρὸς σωτηρίαν τῷ κόσμῳ, ἀψύχῳ²⁾ ξύλῳ κυβερνᾶσθαι τῇ παρὰ

¹⁾ Ркп. Син. библ. № 959: τῶν πατέρων. ²⁾ ὁ ἐκ πολλῶν ξύλων εὐδοκήσας τὴν ναῦν ταύτην ἐν γενέσθαι καὶ συναρμωσθῆναι· Αὐτὸς γάρ, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὁ εὐδοκήσας ἀψύχῳ ξύλῳ.

σοῦ χάριτι τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων, αὐτός, Δέσποτα, καὶ τὴν ναῦν ταύτην διάσωσον, δὸς αὐτῇ ἄγγελον ἀγαθόν, εἰρήνης¹⁾ ὁδηγόν, τοὺς μέλλοντας πλέειν ἐν αὐτῇ διάσωσον²⁾, δὸς αὐτοῖς, Κύριε, καὶ εἰς τὰ ἴδια αἰεὶ καταλαμβάνειν ὑπαικόντας, πρεσβεΐαις³⁾ τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Εἰσέρχεται μετὰ θυμιάματος ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ πλοῦτον, ψάλλον τὸν ρχ' ψαλμόν, τὸ Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς, εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Conf. Goar. pag. 559.

— Εὐχὴ ἐπὶ πλεόντων.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας συμπλεῦσαι τοὺς ἁγίους σου μαθηταῖς. См. выше стр. 57.

л. 104 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἄγρα ἰχθύων. Ibidem.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εἰπὼν τῷ προπάτορι Ἀδὰμ. См. выше стр. 287.

— Εὐχὴ, λεγομένη ἐν ἀρχῇ σπόρων. Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας γῆν καὶ ἄνθρωπον ἀπ' αὐτῆς. Goar. pag. 557.

л. 105. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας. Goar. pag. 486.

— Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ οἴκου. Goar p. 483.

л. 105 об. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου. Goar. pag. 484.

— Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα. Goar p. 551.

л. 106. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ σταφυλῶν καὶ ἐπὶ τρύγῃσι. Ibidem pag. 552.

— Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴνου. Goar. p. 553.

л. 106 об. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνθρώπῳ μιαινομένῳ. Goar p. 534.

л. 107. Εὐχὴ εἰς μανθὲν ὕδωρ. См. выше стр. 286.

л. 108. Εὐχὴ εἰς ἀνοιξιν ἐκκλησίας ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε τὸν Ἰησοῦν καὶ εὐμενῇ ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν. Goar p. 494.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένῳ. Goar p. 537.

л. 108 об. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοοῦντι.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβὶδ... Goar p. 536.

¹⁾ Τοῖς μέλλουσι πλέειν. ²⁾ διαφύλαξον. ³⁾ Εὐχαῖς καὶ ἱκεσίαις τῆς παναχράντου Θεοτόκης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν...

— Εὐχὴ κατὰ λογισμῶν αἰσχυρῶν.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός μου, οὗ ἐν χερσὶ σου οἱ κληροὶ μου.
Goar. pag. 536.

λ. 109. Εὐχὴ, ἐπὶ συγχωρήσει ὄρκου λεγομένη.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ πνυτοκράτωρ, ὁ ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων καταξιώσας καταβῆναι ἐπὶ τῆς γῆς. См. выше стр. 286.

Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφοριζομένων ἢ λόγῳ ἑαυτὸν δεσμευόντων. Goar p. 531.

λ. 109 об. Εὐχὴ ἐπὶ πυρέττοντι.

Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια καὶ δεινὰ πάθη θεραπεύσας λόγῳ μόνῳ. Goar. pag. 549.

λ. 110. Εὐχὴ ἐτέρα.

Πάτερ ἄγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὁ πέμψας τὸν μονογενῆ σου Υἱόν, τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν. А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 123.

λ. 110 об. Εὐχὴ λεγομένη ἐπὶ ψυχὸρραχοῦντι. Goar. p. 587.

— Εὐχὴ λεγομένη ἐν κολλυβοῖς ἁγίων. Goar. pag. 524.

λ. 111. Εὐχὴ ὑπὲρ τῶν κεκοιμημένων. Goar. p. 424.

λ. 111 об. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου. См. выше стр. 276. Разница лишь въ прибавкѣ троика: Тῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς въ началѣ чина.

λ. 126. Ἀκολουθία εἰς ῥασσοφοροῦντα Goar. pag. 378—379.

При постриженіи волосъ произносится формула: Ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός, ἀμήν, καὶ τοῦ Υἱοῦ, ἀμήν, καὶ τοῦ Ἁγίου Πνεύματος, ἀμήν, νῦν καὶ αἰεῖ... καὶ ἐνδύει αὐτόν τὸν μανδύαν καὶ τὸ καμηλαύχιον, μηδὲν ἐπιλέγων. Καὶ μετὰ τὸ ἐνδύσαι αὐτόν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεξιῶμεν. Ὁ Θεός ὁ μεγαλόδωρος, ὁ ἐλκύσας τὸν δοῦλόν σου τὸν δεῖνα καὶ ἐναρξάμενος ἐν αὐτῷ ἔργον ἀγαθόν, δὸς αὐτῷ ζῆλον ἐνάρετον, ὑπομονὴν ἀράθυμον, νῆψιν διηγεκῆ, κατάπλησον αὐτόν τῷ παναγίῳ σου Πνεύματι, ἐνόπλισον αὐτόν κατὰ πάσης ἐναντίας δυνάμεως, ἵνα δυνηθῇ ἀσφαλῶς μένειν ἐν τῇ πρὸς σέ πίστει πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ, χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλανθρωπείᾳ τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ σου, μετ' οὗ εὐλογητός εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεῖ... Καὶ ποιεὶ ἀπόλυσιν.

— Ἀκολουθία τοῦ πρώτου σχήματος, ἢ ὡς τοῦ μανδύου. См. выше стр. 276—278. Небольшая особенность есть въ самомъ началѣ: Ψαλλομένων δὲ τῶν συνήθων ἀντιφώνων, καὶ τῆς εἰσόδου γε-

νομένης, λέγεται εἰς τὸ Δόξα κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἰς δὲ τὸ Καὶ νῦν, ἦχος α' Ἀγκάλας πατρικᾶς. Τούτου δὲ ψαλλομένου, ἀπελθὼν ὁ ἀποκαρῆναι μέλλων, προσπίπτει ἐνώπιον τῶν ἁγίων θυρῶν, ἐκεῖσε τοῦ ἡγουμένου ἱσταμένου. Μετὰ δὲ τὸ προγραφέν τροπάριον, ἔρχεται ὁ καθηγούμενος μετὰ τῶν ἀδελφῶν πλησίον τῶν διαστύλων καὶ ἵστανται ἐκεῖ, καὶ δίδονται κηρία παρὰ τοῦ ἐκκλησιάρχου ἐκάστῳ ἀνὰ ἓν, καὶ ἄπτουσιν αὐτὰ πάντες. Ὁ δὲ μέλλων κουρευθῆναι ποιεῖ μετανοίας γ' ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, εἴτα τῷ ἡγουμένῳ... κ. τ. λ. См. выше стр. 277, прим. 1.

л. 130 об. Ἀκολουθία γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν καὶ ἅγιον σχῆμα. См. выше стр. 278—282.

л. 143. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

Ἐπειδὴν τις τῶν μοναχῶν πρὸς Κύριον ἐκδημήσῃ. См. выше стр. 726. δεσμοῦσι τοὺς πόδας, καὶ τιθέντων αὐτὸν ἐν κλίνῃ, εἰ μὲν εὐρεθῇ ἐκεῖ ἱερεὺς, ποιεῖ ἐπάνω τοῦ λειψάνου εὐλογητὸν καὶ λέγει Τρισάχιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, εἴτα Μετὰ πνευμάτων δικαίων, Δόξα, Σὺ εἶ ὁ Θεός, ὁ καταβάς εἰς Ἀθῆναι, Καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή, εἰθ' οὕτως Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεός... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ... Ὅπως Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν... Τὰ ἐλέη... τὴν εὐχὴν τὸ Ὁ Θεός τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... καὶ ἀπόλυσις. Εἴτα κρούσαντες τὸν σημαντήρα γ' καὶ ἄραντες τὸ λείψανον, εἰσφέρουσιν ἐν τῷ νάρθηκι τῆς ἐκκλησίας, καὶ συναχθεῖσι τοῖς ἀδελφοῖς, διδόντες αὐτοῖς κηρία, ἄψαντες καὶ ἐπὶ τοῦ λειψάνου κηρία δ', καὶ θέντες ἐπάνω αὐτοῦ καὶ εἰκόνα τοῦ Χριστοῦ, θυμιᾷ ὁ ἱερεὺς σταυροειδῶς ἐπάνω αὐτοῦ, εἴτα ποιεῖ εὐλογητὸν καὶ ἄρχεται ὁ ψάλτης· Εὐλογητός εἶ, Κύριε, καὶ ὁ ἄμωμος εἰς ἦχον πλ. α' χωρὶς ἀλληλουαρίων, Μακάριοι οἱ ἄμωμοι. . GORG p. 424—426. За 17-ой каѳизмоѣ и неперочными сѣбдугиотъ тропари: Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων τὸν δοῦλόν σου... Ὁ ἐκ Παρθένου ἀντειλας τῷ κόσμῳ... κ. τ. λ. См. выше стр. 283. Послѣ: Ὁ θυτῶ σοφίας φιланθρωπως πάντα οἰκονομῶν чинъ излагается такъ: Ὅτε δὲ βάλλομεν τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, λέγει τροπάριον ἦχος πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα, ὑπόδεξαι τὸν ἀπὸ σοῦ πλασθέντα... Εἴτα ἐπιχέει ὁ ἱερεὺς ἐπάνω τοῦ λειψάνου κανδήλαν μεστήν ὕδατος καὶ ἐλαίου, ποιῶν σταυρόν, καὶ λέγει· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς. Καὶ ἕτερον ὁ ἱερεὺς· Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Καὶ εὐθὺς ἀσφαλίῃται ὁ τάφος, ἡμεῖς δὲ ψάλλομεν ἰδιόμελα, ἦχος πλ. β' Πνευματικοί μου ἀδελφοί, μὴ μου ἐπιλαθῆσεσθε... ἦχος πλ. α' Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου... κ. τ. λ. См. выше стр. 284 и прим. 4. Послѣ тропаря: Δέσποινα, πρόσδεξαι

τὰς δεήσεις τῶν δούλων σου, чинъ оканчивается такъ: Εἴτα Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, τὰ τροπάρια ἤχος δ' Μετὰ πνευμάτων... Εἰς τὴν κχτάπαυσίν σου. Δόξα, Σὺ εἶ ὁ Θεός, Καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή, Ἐλέησον ἡμᾶς καὶ τὰ λοιπὰ, εἴτα τὴν εὐχὴν μυστικῶς· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Ἐκφώνως· Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωή... Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον, Ὁ ἀναστάς ἐκ νεκρῶν... Καὶ ἡμεῖς τὸ Αἰώνία σου ἡ μνήμη ἐκ γ', καὶ ποιοῦσι πάντες οἱ ἀδελφοὶ μετανοίας ε', ἐξ ὅλης φυγῆς δεόμενοι ὑπὲρ τῆς φυγῆς τοῦ τετελευτηκότος. См. выше стр. 285, прим.

л. 158. Εἰς μοναχοῦ μνημόσυνον. Ἀκολουθία ἐν κολλύβοις μοναχοῦ.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, εἴτα τὸ Ὁ κατοικῶν ἐν βοθηθείᾳ, ὅλον, καὶ μετὰ τοῦτο, τὸ Ἀλληλουῖα εἰς ἤχον πλ. δ', τροπάριον Ὁ βουδῶ... Δόξα τὸ αὐτό, Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος, εἴτα μετὰ μέλους τὸ Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε, καὶ ἀρχόμεθα τοῦ ἁμώμου· Μακάριοι οἱ ἁμωμοὶ, καὶ τὰ εὐλογητάρια ἱμοῦ, εἴτα Ἀνάπαυσον, Σωτήρ ἡμῶν, Δόξα καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου, καὶ αὐτὰ ἱμοῦ εἰς τὰ εὐλογητάρια, εἴτα τὸν Ν', καὶ εὐθὺς ἀρχόμεθα τοῦ κανόνος. Κανὼν εἰς κοιμηθέντα μοναχόν, οὗ ἡ ἀκροστιχίς· Θνήσκουσι πιστοῖς ὁγδοὸν πλέκω μέλος. Ὡδὴ α', ἤχος πλ. δ'. Ὑγρὰν διοδεύσας. Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ καὶ πάθεισι πάντος μιμησάμενοι... Νεότητος πταίσματα παρορῶν, καὶ τὰς ἀνομίας ὑπερβαίνων, Χριστέ Σωτήρ. Εἴτα Τρισάγιον, τροπάρια ἤχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων τετελειωμένων τὴν φυγὴν τοῦ δούλου. Goar. p. 423. Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεὸς καὶ τὰ λοιπὰ, τὴν εὐχὴν μυστικῶς τὸ Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων, εἴτα Δόξα καὶ νῦν, καὶ Κύριε ἐλέησον, Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν... Καὶ ἡμεῖς· Αἰώνία σου ἡ μνήμη, ἀξιωμακάριστε ὁδε, καὶ ἀείμνηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν, ἐκ γ'. Δόξα σοὶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα.

л. 161. Εἰς λαϊκὸν μνημόσυνον. Ἀκολουθία ἐν κολλύβοις.

Πρῶτον Εὐλογητὸν ὁ ἱερεὺς, εἴτα Ὁ κατοικῶν ἐν βοθηθείᾳ, ὅλον. См. предыдущее послѣдованіе. Καὶ ἀρχόμεθα (послѣ 50-го псалма) τοῦ κανόνος. Κανὼν εἰς κοιμηθέντα λαϊκόν, οὗ ἡ ἀκροστιχίς· Ἐκτον προσαυδῶ τοῖς ἀπελθοῦσι μέλος. Ἦχος πλ. δ'. Ὡδὴ α'. Ὡς ἐν ἡπείρῳ. Ἐν οὐρανίοις θαλάμοις διηνεκῶς οἱ γενναῖοι... Goar. p. 426—428. Εἴτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, καὶ τὰ τροπάρια· Μετὰ Πνευμάτων δικαίων καὶ τὰ ἕτερα, какъ въ предыдущемъ чинѣ.

л. 164. Псалтирь съ 20 каѳизмами.

л. 234 об. Пѣсни Моисея, изъ Второзаконія и др.

л. 241 об. Служба 2-го гласа изъ Октоиха на всю недѣлю.

л. 286. Ἀκολουθία τῆς ἀγίας μεταλήψεως. Капонѣ и молитвы ко причащенію.

π. 294 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου. Εὐχολ. Goar p. 194.—195. Копецъ читается такъ: Καὶ μετὰ τὸ Ἀρχὴν, λαμβάνων ὁ ἀρχιερεὺς βιβλίον ἀποστολικόν καὶ ἀνοίξας αὐτό, δίδωσι τῷ ἀναγνώστῃ, καὶ τοῦ ἀρχιδιακόνου ἐκφωνοῦντος· Πρόσχωμεν, λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Ἐιρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία, καὶ λέγει ὁ ἀναγνώστη· προκείμενον τῆς ἡμέρας, καὶ ἀναγινώσκει καὶ ἀπὸ τοῦ ἀποστόλου, οἷος· ἂν τύχη ἐν τῷ ἀνοίγειν τὸ βιβλίον τὸν ἀρχιερέα, ὀλίγον ἀπὸ τῆς ἀρχῆς καὶ ὀλίγον ἀπὸ τοῦ τέλους, καὶ λαμβάνων εἰρήνην παρὰ τοῦ ἀρχιερέως, ἅπεισιν εἰς τοὺς ἀναγνώστας.

π. 295. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου.

Τοῦ ἀρχιερέως ἱσταμένου ἀπὸ τοῦ δεξιοῦ μέρους τῶν βασιλικῶν πυλῶν, πρὶν ἄρξασθαι τῆς λειτουργίας, προσάγεται αὐτῷ ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι. Goar. pag. 204.

π. 295 οβ. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία διακόνου, ὑφείλοντος εἶναι χρόνων τελείων καί. Μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν ἀγίαν ἀναφορὰν καὶ τὰς θύρας ἀνοιγῆναι καὶ τὸν ἀρχιερέα ἐκφωνῆσαι τὸ Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, πρὶν εἰπεῖν τὸν διάκονον τὸ Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες, ἔτι ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι ἵσταται ἐν τῇ σωλῆα καὶ ἐξερχόμενοι δύο διάκονοι, λαμβάνουσιν αὐτὸν ἀπὸ τῶν χειρῶν, καὶ εἰσερχόμενοι εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, κυκλοῦσι μετ' αὐτοῦ τρεῖς τὴν ἀγίαν τράπεζαν, προπορευομένου τοῦ ιερομνήμονος καὶ τοῦ δευτερεύοντος τῶν διακόνων, ψάλλοντες τὸ Ἅγιοι μάρτυρες οἱ καλῶς· εἶτα φέρουσιν αὐτὸν ἔμπροσθεν τῆς ἀγίας τραπέζης, καὶ προσκυνεῖ τρεῖς, καὶ προσάγεται τῷ ἀρχιερεῖ, καὶ ἵσταται κατὰ τὸ δεξιὸν μέρος, ὁ δὲ χαρτοφύλαξ ἐκ τοῦ ἀριστεροῦ δίδωσι τῷ ἀρχιερεῖ χάρτην ἑγγράφον, καὶ ἐκφωνοῦντος αὐτοῦ τοῦ χαρτοφύλακος ἡ καὶ τοῦ ἀρχιδιακόνου· Πρόσχωμεν, ἀναγινώσκει τὰ γεγραμμένα ὁ ἀρχιερεὺς εἰς ἐπήκουον τῶν περιεστώτων, ἔχοντα οὕτως· Ἡ θεία χάρις, ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα... Καὶ πάντων λεγόντων ἐκ τρίτου τὸ Κύριε ἐλέησον, ὁ χειροτονούμενος κλίνει τὸ δεξιὸν γόνυ, καὶ ὁ ἀρχιερεὺς, ποιῶν ἐπὶ τῇ κεφαλῇ αὐτοῦ σταυροῦς τρεῖς καὶ ἔχων ἐπικειμένην αὐτοῦ τὴν χεῖρα, εὐχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ προγνώσει τῇ σῇ... κ. τ. λ. Goar pag. 208—209. Κατὰ δὲ τὸν τῆς μεταλήψεως καιρὸν πρῶτος τῶν ἄλλων διακόνων ὁ χειροτονηθεὶς τοῦ θείου Ἄρτου μετέχει παρὰ τοῦ χειροτονήσαντος αὐτὸν καὶ μεταλαμβάνει τοῦ τιμίου Αἵματος, καὶ μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν λαὸν τὸ Πληρωθήτω, αὐτὸς λέγει· Ὁρθοὶ μεταλαβόντες καὶ τὰ λοιπά. Ἐπεὶ δὲ ἔξεστι

τὴν τοῦ διακόνου χειροτονίαν καὶ ἐν τῇ προηγιασμένῃ ποιεῖν. Goar. p. 211.

л. 297 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου, ὀφείλοντος εἶναι χρόνῳ λ' τελείων. Μετὰ δὲ τὸ εἰσενεχθῆναι καὶ ἀποτεθῆναι τὰ θεῖα δῶρα εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, πληρωθῆναι τε τὸν μυστικὸν ὕμνον, ὁ χειροτονεῖσθαι μέλλων ἵσταται ἐν τῇ σωλῆα καταντικρὺ τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ἐξερχόμενοι δύο διάκονοι λαμβάνουσιν αὐτὸν ἀπὸ τῶν χειρῶν, καὶ ὅτε φθάσει εἰς τὰς ἁγίας θύρας, ἀπολύουσιν αὐτὸν δύο πρεσβύτεροι καὶ κυκλοῦσι τὴν ἁγίαν τράπεζαν τρίς, προηγούμενου τοῦ ἱερομνήμονος καὶ τοῦ δευτερεύοντος τῶν διακόνων, ψάλλοντες τὸ Ἁγιοὶ μάρτυρες. Ἐῖτα προσάγεται καὶ προσκυνεῖ τὴν ἁγίαν τράπεζαν τρίς, κλίνας ἀμφοτέρα τὰ γόνατα, ἵσταται κατὰ τὸ δεξιὸν τοῦ ἀρχιερέως μέρος, καὶ τοῦ χαρτοφύλακος διδόντος τῷ ἀρχιερεῖ χάρτην ἔγγραφον, καὶ ἐκφωνοῦντος αὐτοῦ ἢ τοῦ ἀρχιδιακόνου τὸ Πρόσχωμεν, ἀναγινώσκει τὰ γεγραμμένα ὁ ἀρχιερεὺς εἰς ἐπήκοον τῶν περιστώτων, ἔχοντα οὕτως· Ἡ θεία χάρις, ἢ πάντοτε τὰ ἀσθενῇ θεραπεύουσα... Καὶ λέγουσι πάντες τὸ Κύριε ἐλέησον, γ'. Πάλιν οὖν σφραγίσας αὐτὸν τρίς καὶ τὴν χεῖρα ἔχων ἐπικειμένην αὐτοῦ τῇ κεφαλῇ, τοῦ διακόνου εἰπόντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, ἐπεύχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Ὁ Θεὸς δ' ἀναρχος καὶ ἀτελεύτητος, ὁ πάσης κτίσεως πρεσβύτατος ὑπάρχων... Goar p. 242. Καὶ τοῦτων (т. е. ектеһиѣ) λεγομένων, ὁ ἀρχιερεὺς, ἔχων ὁμοίως τὴν χεῖρα ἐπικειμένην τῇ τοῦ χειροτονουμένου κορυφῇ, εὐχεται οὕτως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας ἐν δυνάμει... Goar. pag. 243. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, φέρει τὸ ὀπισθεν τοῦ ὠραρίου αὐτοῦ ἐπὶ τὰ ἐμπροσθεν, ἐκφωνῶν τὸ Ἄξιος. Καὶ ψάλλεται τοῦτο τρίτον παρὰ τῶν τοῦ βήματος, καὶ τρίτον παρὰ τῶν ψαλτῶν. Ἐῖτα φανόλιον αὐτὸν ἐνδύων, ἐκφωνεῖ πάλιν τὸ Ἄξιος, καὶ ψάλλεται ὁμοίως καὶ τοῦτο, εῖτα ἀσπάζεται αὐτὸν ὁ χειροτονήσας καὶ οἱ πρεσβύτεροι, καὶ ἵσταται μετὰ τῶν λοιπῶν πρεσβυτέρων. Ὅταν δὲ ἁγιασθῇ ὁ ἄρτος τῇ ἐπικλήσει τοῦ Παναγίου Πνεύματος, λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς ἐκ τοῦ δίσκου τὸν ἅγιον Ἄρτον, ὃν ὡς παρακαταθήκην προσεκόμισεν ἐν τῇ προθέσει ὁ ἱερεὺς, καὶ δίδωσιν εἰς τοῦ χειροτονηθέντος τὰς χεῖρας, λέγων· Λάβε ταύτην τὴν παρακαταθήκην καὶ φύλαξον αὐτήν ἕως τῆς παρουσίας τοῦ Κυρίου, ὅτε παρ' αὐτοῦ μέλλεις ἀπαιτεῖσθαι αὐτήν. Ὁ δὲ λαβὼν καὶ ἀσπασάμενος τὴν χεῖρα τοῦ ἀρχιερέως, μεθίσταται ἐν ᾧ πρότερον ἵστατο τόπῳ, τὰς μὲν χεῖρας θείας ἐπάνω τῆς ἁγίας τραπέζης, τὴν δὲ κεφαλὴν ἔχων ἐπικειμένην ταῖς χερσίν, εὐχόμενος καθ' ἑαυτὸν αὐθις καὶ λέγων τὸ Ἐλέησόν με ὁ Θεός, καὶ μένει κεκλιμμένος οὕτως· Ὅτε δὲ μέλλει λέγειν ὁ ἀρχιερεὺς· Τὰ ἅγια τοῖς

ἁγίοις, τότε ὁ χειροτονηθεὶς ἀποδίδωσιν αὐτῷ τὸν ἅγιον ἄρτον, μεταλαμβάνει δὲ καὶ πρὸ τῶν ἄλλων πρεσβυτέρων τοῦ τιμίου Σώματος καὶ Αἵματος τοῦ Χριστοῦ, ποιεῖ δὲ καὶ τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχὴν καὶ λειτουργεῖ καθ' ἑκάστην ἐπὶ ἑπτὰ ἡμέρας.

л. 299 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἐπισκόπου.

Μετὰ τὴν τοῦ Τρισαγίου συμπλήρωσιν, δύο πρεσβύτεροι, λαμβάνοντες ἀπὸ τοῦ διακονικοῦ τὸν χειροτονεῖσθαι μέλλοντα καὶ ἐξερχόμενοι, προηγούμενου τοῦ ἱερομνήμονος καὶ τοῦ δευτερεύοντος τῶν διακόνων, φέρουσιν αὐτὸν διὰ τῆς σωλέας εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, καὶ ὅτε φιλάσει εἰς τὰς ἁγίας θύρας, ἀπολύουσιν αὐτὸν οἱ πρεσβύτεροι καὶ λαμβάνουσιν αὐτὸν δύο ἀρχιερεῖς καὶ κυκλοῦσι τρεῖς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, ψάλλοντες τὸ Ἅγιοι μάρτυρες, κρατοῦσι δὲ πάντες κηρία καὶ ἄπτουσιν, εἰτα προσάγεται τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ καὶ προσκυνεῖ τρεῖς, καὶ ἵσταται ἀπὸ τοῦ δεξιοῦ μέρους. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς λαμβάνει τὸ πτερόν παρὰ τοῦ χαρτοφύλακος καὶ ἀναγινώσκει τὰ γεγραμμένα εἰς ἐπήκοον πάντων. Εἰ μὲν οὖν πατριάρχης ἐστὶν ὁ χειροτονῶν καὶ ὁ χειροτονούμενος μητροπολίτης, γέγραπται ταῦτα· Ψήφω καὶ δοκιμασίᾳ θεοφιλεστάτων μητροπολιτῶν, ὁσιωτάτων ἀρχιεπισκόπων. Ὡσαύτως καὶ εἰ μητροπολίτης ἐστὶν ὁ χειροτονῶν μητροπολίτην προτροπῇ τοῦ πατριάρχου, εἰ δὲ μητροπολίτης χειροτονεῖ ἐπίσκοπον ἐν τῇ ἰδίᾳ ἐκκλησίᾳ, γέγραπται ταῦτα· Ψήφω καὶ δοκιμασίᾳ θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων καὶ ὁσιωτάτων πρεσβυτέρων· Ἡ θεία χάρις, ἡ πάντοτε... Goar. pag. 250. Καὶ πάντων φωνούντων ἐκ τρίτου τὸ Κύριε ἐλέησον. См. выше стр. 271.

л. 302. Τάξις γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. Goar. p. 655—667 и ниже. Ркп. Париж. над. библ. 1027 г. № 213 (Coislin).

л. 312 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης. Εὐχολ. Goar. p. 490—491.

л. 313. Ἀκολουθία τῆς λαμπρᾶς (κυριακῆς). Службы въ великую субботу на литургіи и на Пасху.

л. 320. Пареміи срастной седмицы.

л. 324. Συγχωρητικὸν τοῦ σοφωτάτου πατριάρχου κὺρ Μαξίμου τοῦ Δογίου. Εἰς ἀφορισμόν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ, ὁμοούσιε καὶ Θεὲ συμπαθέστατε, ὁ τὴν ἄφατον καὶ μεγίστην οἰκονομίαν ποιήσας καὶ συγκατάβασιν ὑπὲρ τοῦ ἀνθρωπίνου γένους, ὁ ἐλθὼν καλέσαι καὶ καλέσας ἁμαρτωλοὺς εἰς μετάνοιαν. . Α. Алмазовъ. Тайная исповѣдь въ прав. восточн. церкви. Одесса, 1894, т. III, стр. 83.

л. 324 об. Συγχωρητικόν· Ἡ μετριότης ἡμῶν ἀπὸ τῆς χάριτός τε καὶ δωρεᾶς τοῦ παναγίου καὶ ζωαρχικοῦ Πνεύματος, τῆς δοθείσης ὑπὸ τοῦ Κυρίου τοῖς ἁγίοις ἀποστόλοις, εἰρηκότος αὐτοῖς. Тамъ же, стр. 76—77.

л. 325. Ἡ μετριότης ἡμῶν τὴν ἐκ τῶν ἀποστολικῶν παραδόσεων ἀπὸ ἀλληλοδιαδόχων μέχρι τοῦ νῦν κατελθοῦσαν ἀναδεξαμένη τάξιν...

л. 325 об. Περὶ τῶν ἀρνησαμένων, εἴτα ἐπιστρεφόντων, ἡ ἐπ' αὐτοῖς ἀκολουθία καὶ διόρθωσις, γινομένη παρὰ τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου κυρ Γενναδίου τοῦ Σχολαρίου.

Πρῶτον στήσας αὐτὸν ἐν τῷ νάρθηκι ἔμπροσθεν τῆς πόλης τοῦ ἁγίου ναοῦ τῆς ἐνδοτέρας, ποίει ταύτην τὴν ἀκολουθίαν· Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον ἱβ'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δημιουργήσας ἡμᾶς καὶ ἀναπλάσας διὰ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ ὑπερβολῇ ἀγαθότητος θύρας μετανοίας ἀνοίξας πᾶσι τοῖς ἁμαρτάνουσιν ἐκουσίως ἡ ἀκουσίως.... Молитва неокончена. Вырваны листы.

л. 326. Выдержка изъ отцевъ церкви практическаго характера.

л. 333. Διάλεξις Ἰουδαίου τινὸς καὶ χριστιανοῦ.

л. 337. Θεοδωρήτου ἐξηγήσεις εἰς αὐτό.

л. 340 об. Μεθοδίου, τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου, διατάξεις περὶ τῶν διαφορῶν τρόπων καὶ ἡλικία ἀρνούμενων τὴν ἀμώμητον πίστιν καὶ πάλιν ἐπιστρεφόντων.

Εἰ μὲν παιδίον συνελήφθη καὶ ἡρνήσαστο... Goar. p. 689. Εἰ δέ τινες ἡτομολήσαν ἀπὸ προαιρέσεως... Goar. pag. 693 μόνον τέλειαι τὴν ἡλικίαν, ἀλλὰ καὶ τὸν λοιπὸν τῆς ζωῆς αὐτῶν χρόνον μὴ ἐπιλανθανέσθωσαν τὸ τοσοῦτον ἀμάρτημα καὶ ἀμελῶς διαχεισθῶσαν, ἀλλ' ἐν κατανύξει καὶ συντριμμῷ καρδίας ὁδευέτωσαν, ἐπικαλούμενοι, διὰ παντὸς τὸν τοῦ Θεοῦ ἔλεον.

— Εὐχαὶ ἱλαστικαὶ πρὸς χριστιανούς, ὡπχιθέντας ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας δὲ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ προσδραχμόντας· Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος... Goar. pag. 690 Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Καὶ πάλιν κλίνας, ἐπεύχεται μυστικῶς· Ὁ κλίνας οὐρανοὺς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar. pag. 691. Τότε ὁ ἱερεὺς τὸν μέλλοντα μωρωθῆναι ἱστησιν αὐτόν, βλέπον(τα) κατὰ δυσμὰς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα καὶ λέγοντα· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ. Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ. Καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ. Καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ. Καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ. Ἀποτάσσομαι τῷ Μωάμεθ. Καὶ πᾶσι τοῖς δόγμασιν αὐτοῦ. Καὶ

πάσῃ τῇ ἀσεβείᾳ αὐτοῦ. Καὶ πάσῃ τῇ πλάνῃ αὐτοῦ. Καὶ πάσῃ τῇ αἰρέσει αὐτοῦ. Καὶ ἀνάθεμα αὐτῷ καὶ τῇ διδασκῇ αὐτοῦ. Καὶ ἀποκρίνεται εἰς ἕκαστον τούτων ἐκ τρίτου καὶ τότε στρέφεται κατὰ ἀνατολάς, λέγων Καὶ συντάσσομαι τῷ Κυρίῳ μου Ἰησοῦ Χριστῷ, ὡς ἐν τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι· Συνεταξάμην. Καὶ Πιστεύω εἰς ἕνα Θεὸν Πατέρα παντοκράτορα.. Καὶ λέγει αὐτὸ ἕως τέλους. Τότε λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον μύρον, σφραγίζει αὐτοῦ τὸ μέτωπον, τὰς χεῖρας καὶ τοὺς πόδας, ἐπιλέγων· Σφραγίς ὁρωεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ ἐπεύχεται ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ. Εὐχὴ ματὰ τὸ ἅγιον μύρον· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τῆς ἀποστολῆς τοῦ πνευμάτου Πνεύματος... Gouar. pag. 692. Εἶτα τὸν ψαλμὸν· Ὑψώσω σε, ὁ Θεός μου, ὁ βασιλεὺς μου, Δόξα καὶ νῦν, Τὴν τιμιωτέραν, Ὁ Θεὸς οἰκτιρηῇσαι, ἐκτενὴ καὶ ἀπόλουςις.

λ. 343. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποστήσαντο· παιδὸς καὶ μαγαρίσκαντος καὶ πάλιν ἐπιστρέψαντος ἐν μετανοίᾳ.

Λαμβανέτω ἐπιτίμιον τεσσαράκοντα ἡμέρας μὴ φαγεῖν κρέας, ἢ ἰχθύας, ἢ τυρόν, ἢ ὠόν, ἢ ἔλαιον ἢ οἶνον, τρέφεσθαι δὲ ἄρτῳ καὶ ὕδατι καὶ ὁσπρίῳ βραχέντι ὕδατι, καὶ καθ' ἑκάστην ἡμέραν ποιείτω μετανόιας ρ', καὶ τὸ Κύριε ἐλέησον ρ', καὶ τὸ Κύριε ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ ρ', ποιείτω δὲ ταῦτα μετὰ κατανύξεως συντετριμμένης καρδίᾳς, εἶτα λαμβανέτω τὴν εὐχὴν ταύτην παρὰ τοῦ ἀναδεξαμένου αὐτὸν πνευματικοῦ πατρὸς ἢ ἀρχιερέως, πληρωθέντων τῶν τεσσαράκοντα ἡμερῶν. Ἡ εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν... Gouar. pag. 691. Εἶτα ἐρωτᾷ αὐτὸν τὰς προγεγραμμένας ἀποταγὰς τοῦ σατανᾶ καὶ τῶν ἀσεβειῶν καὶ τὰς εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν συνταγὰς, καὶ οὕτως ἀπομυρώνει αὐτόν.

λ. 344. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ ἐνσάρκῳ σου οἰκονομίᾳ εὐλόγησας τὴν Βηθλεὲμ καὶ τὴν Γεθσημανῇ. Gouar. p. 556.

λ. 344 οβ. Περὶ τῆς συλλήψεως τοῦ ἀνθρώπου, τῆς κατασκευῆς, τῆς γεννήσεως αὐτοῦ, ἔτι δὲ καὶ τοῦ θανάτου καὶ τῆς αὐτοῦ προσκυνήσεως ἐν τῷ Θεῷ θρόνῳ.

Συνουσιάζομένων τοῦ ἀνδρὸς μετὰ τῆς γυναικὸς καὶ τῆς γυναικὸς μετὰ τοῦ ἀνδρὸς, ἡ μὲν μήτρα τῆς γυναικὸς, ἀνεωγμένη οὖσα, ἐκδέχεται τὸν ἀπὸ τοῦ ἀνδρὸς μέλλοντα σπόρον χέεσθαι. Κατελθόντος δὲ τοῦ σπόρου τοῦ ἀνδρὸς καὶ εἰσελθόντος ἐν τῇ μήτρᾳ, εὐθὺς ἀσφαλίζει ἢ μήτρα καὶ φυλάσσει τὸν σπόρον, μεμονωμένον μέχρι τρίτης ἡμέρας, κατὰ δὲ τρίτην ἡμέραν χέεται καὶ ἀπὸ τῆς γυναικὸς αἷμα καὶ σμίγεται

μετὰ τοῦ ἀνδρικοῦ σπόρου καὶ γίνεται ὥσπερ κόμμα κρέα(τος), κατὰ δὲ τὴν ἐννάτην ἡμέραν τυποῦται καὶ μένει σουπωμένον μέχρι τῆς τεσσαρακοστῆς ἡμέρας, κατὰ δὲ τὴν τεσσαρακοστὴν ἡμέραν τυποῦται τύπον βρέφους καὶ ἐμψυχοῦται καὶ πάλιν ἐν τῷ τρίτῳ μηνὶ παρὰ (?) τὸ βρέφος καὶ ἐν τῇ κοιλίᾳ τῆς γυναικὸς, καὶ ἐν τῷ ἐννάτῳ μηνὶ γεννᾶται τὸ βρέφος, καὶ ἐν τῇ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ μετὰ τὴν γέννησιν αὐτοῦ προσφέρεται ἐν τῷ ναφί καὶ ἀγιάζεται. Ὡσαύτως καὶ τελευτήσαντος τοῦ ἀνθρώπου, πάλιν ἐν τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ ταφῆς ῥήγνυται τὰ ἐντὸς αὐτοῦ, ἤγουν ἡ κοιλία καὶ τὰ ἔντερα, καὶ λέγεται ῥῆξις, κατὰ δὲ τὴν ἐννάτην ἡμέραν διασχίζεται ἡ ὄψις τῆς σαρκὸς, καθάπερ ζύμη ὑπερναβασθεῖσα, καὶ λέγεται φθορά, κατὰ δὲ τὴν μ' ἡμέραν τῆς τελευτῆς αὐτοῦ διαχωρίζεται ἄρμος ἀπὸ τὸν ἄρμον αὐτοῦ καὶ λέγεται διαφθορά, ἅτινα εἰσι τρία πάθη μετὰ τὸν θάνατον ῥῆξις, φθορά καὶ διαφθορά. Ὁμοίως καὶ ἡ ψυχὴ μετὰ τὸν θάνατον μέχρι τριῶν ἡμερῶν προσμένει ἐν τῇ γῇ, μετὰ δὲ τὴν τρίτην ἡμέραν ἀνάγουσιν αὐτὴν οἱ ἄγγελοι, καὶ ἐν τῇ ἐννάτῃ ἡμέρᾳ γίνεται κρίσις τῆς ψυχῆς μετὰ τῶν ἐν τῷ ἄερί τελωνίων καὶ τῶν ἀγγέλων, πρὸς δὲ τὴν τεσσαρακοστὴν ἡμέραν τῆς τελευτῆς προσάγεται τῷ τοῦ Θεοῦ θρόνῳ καὶ λαμβάνει ἀπόφασιν ἐκ Θεοῦ τοῦ εἶναι ἐν ἀποτεταγμένῳ τόπῳ μέχρι τῆς κοινῆς ἀναστάσεως, καὶ ἰδοὺ αἶθρει, ὅτι πᾶσαι αἱ πράξεις τοῦ ἀνθρώπου ἐν τῇ τρίτῃ καὶ ἐννάτῃ καὶ μ' ἡμέρᾳ γίνονται, διὰ τοῦτο ποιούμεν μνημόσυνα τοῦ τελευτήσαντος τρίτα, ἔννατα, τεσσαρακοστά, τριηνιαῖον καὶ ἐννεάμηνα, κατὰ τὴν ἀκολουθίαν τῆς γεννήσεως αὐτοῦ, δηλονότι τοῦ ἀνθρώπου. Δεῖ γινώσκειν καὶ τοῦτο, ὅτι εἰ μὲν πολλὴν θερμότητα ἔχει ὁ ἀνὴρ ἐν τῷ συνουσιασμῷ αὐτοῦ καὶ συλλάβῃ ἡ γυνή, τὸ παιδίον ἐκεῖνο ἄρρεν ἐστίν, εἰ δὲ οὐκ ἔχει πολλὴν θερμότητα, ἀλλὰ μικρὸν ὑποψυχρίζει, τὸ συλληφθὲν παιδίον ἰθὺλον, ἐπεὶ διὰ τὸ ὑπόψυχρον τοῦ ἀνδρὸς κατὰ τὴν ὥραν τοῦ συνουσιασμοῦ τοῦ παιδίου, καὶ εἰ μὲν ὁ σπὸρος τοῦ ἀνδρὸς ὑπερπερισεύει τοῦ γυναικείου αἵματος, ὁμοιάζει τὸ παιδίον τὸ πατρικὸν γένος, εἰ δὲ τὸ γυναικεῖον αἷμα ὑπερπερισεύει τοῦ ἀνδρικοῦ σπόρου, ὁμοιάζει τῆς γυναικὸς τὸ γένος.

λ. 345. Τὰξις γινομένη εἰς χωράφιον, ἢ εἰς ἀμπελῶνα, ἢ εἰς κῆπον, εἰ συμβῇ βλάπτεσθαι ὑπὸ ἐρπετῶν ἢ ἄλλων εἰδῶν.

Δεῖ γενέσθαι λειτουργία... Γοαρ. p. 354... καὶ ὕδωρ τὸ τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ, οὐ μὴν δὲ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, ἐπεὶ τὰ δευτερεῖα ἐπέχετ' τῶν θείων μυστηρίων, καὶ ἐπιρραίνων ὁ ἱερεὺς σταυροειδῶς τὸ χωράφιον, ἢ τὸν ἀμπελῶνα, ἢ τὸν κῆπον, πρῶτον λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός...

Ἔτι θεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν ἁγίαν μονήν... εἴτα λέγει τὰς εὐχάς. *Goar. p. 354—356.*

λ. 347. Εὐχή τοῦ ἁγίου Ὑπατίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα καὶ καθ' ὁμοίωσιν, καὶ δοὺς αὐτῷ ἐξουσίαν ζωῆς αἰώνιου, εἴτα ἐκπεσῶν ἐκ τοῦ παραδείσου διὰ τῆς παρακοῆς, μὴ παριδὼν, ἀλλ' οἰκονομήσας διὰ τῆς ἐνανθρωπήσεως τοῦ Χριστοῦ σου τὴν σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα φιλάνθρωπε, ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ τὸν ταπεινὸν καὶ ἀνάξιον δοῦλόν σου καὶ ἐπάκουσόν μου, καὶ ὅπου ἂν γένηται ἡ μνήμη μου, καὶ ὅστις ἐπικαλέσεται τὸ ὄνομά μου, ἐπάκουσόν μου καὶ ἐλέησον ἅπαντας, καὶ δὸς αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον, καὶ εἴ τις ἐπικαλεῖται τὸ ὄνομα τοῦ ἀναξίου δούλου σου ἐξ ὅλης ψυχῆς, ἀποδίωξον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν γοητείαν καὶ φαρμακίαν, καὶ περιεργίαν, καὶ μὴ ἐπέλθῃ ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ ὄφις αἰσθητὸς ἢ νοητός, ἢ ἔχιδνα, ἢ σκορπίος, ἢ κακὴ ῥῶγα, ἢ ἀκρίς, ἢ κάμπη ἢ βροῦχος, ἢ κάνθροι, ἢ κουσσαροτή, ἢ σιδηρίτης, ἢ λιμός, ἢ λοιμικὴ νόσος, ἢ μάχη τις, ἢ μῆσος, ἢ ἄλλο τι πονηρόν, ἀλλὰ ἀποδίωξον ταῦτα πάντα ἀπὸ τῶν δούλων σου τούτων, ἔτι δὲ τὰς ἀμπέλους αὐτῶν ἀγροὺς καὶ κηπία φύλαξον ἀπὸ παντός πονηροῦ καὶ ἀκαθάρτου πράγματος, καὶ δὸς αὐτοῖς, Κύριε, πλησμονὴν σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου, καὶ εὐλόγησον αὐτοὺς καὶ τοὺς οἴκους αὐτῶν, εἰσόδους καὶ ἐξόδους, μικροὺς τε καὶ μεγάλους, ὑγίαν ψυχῆς καὶ σώματος καὶ εἰρήνην πᾶσιν, καὶ ἐὰν οἱ δοῦλοί σου ἐν δικαστηρίῳ, ἢ ἐν πολέμῳ, ἢ ἐν θαλάσσῃ, ἢ ἐν μάχῃ τινὶ περιπέσωσι, ταχέως σωθῇσονται, καὶ ἐὰν ἔχωσι πλῆθος ἁμαρτιῶν καὶ ἐπικαλέσωνται τὸ ὄνομα τοῦ ἀναξίου δούλου σου, συγχώρησον αὐτοῖς πᾶσαν ἁμαρτίαν καὶ δὸς μοι κλῆρον ἐξουσίας ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς κρίσεως ἐνώπιον τῶν ἁγίων ἀγγέλων, ὅταν μέλλῃς κρῖναι ζῶντας καὶ νεκρούς, ἵνα σώζῃς πάντας τοὺς ἐπικαλουμένους με. Καὶ εὐθὺς γέγονε φωνὴ πρὸς αὐτόν· θάρσει χαίρων, Ὑπάτιε, ἤκουσα τῆς δεήσεώς σου καὶ ἦλθον πληρῶσαι πάντα, ὅσα ἂν ᾔτησας. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις τῷ Πατρὶ...

λ. 348—349. Разныя приписки позднѣйшаго времени, не имѣющія важнаго значенія.

λ. 350. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τοῦ μικροῦ. Μετὰ τὸ εὐλογητόν, τὸ Κύριε εἰσάκουσον κ. τ. λ. *Goar. pag. 358—359.* Ῥῥσαι πάσης ἀπειλῆς... Σῶσον πάντας... Ταῖς πρεσβείαις, ἐλεῆμον... Ὑπὸ πάντων δυσωπούμενος... Φεῖσαι, Σῶτερ, τῶν ψυχῶν... Χαῖρε κόσμου... Ψάλλομέν

σοι... ὦ Παρθένε, ἡ τεκοῦσα... Προσκυνοῦμεν καὶ τιμῶμεν καὶ ὑμνοῦμεν τὸν σταυρόν σου, Χριστέ, τὸν πανάγιον ἐκ πάσης νόσου... Τῇ δυνάμει τοῦ σταυροῦ σου, Ζωοδότα, φωτίσον με... Ταξiάρχᾳ πρωτοστάτα τῶν ἀγγέλων σὺν τοῖς ἄνω... Ὁ κηρύξῃς τὴν μετάνοιαν ἀνθρώποις, τοῦ Κυρίου Βαπτιστὰ καὶ Πρόδρομε... Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἐνδόξων ἀποστόλων, Ζωοδότα... Ταῖς πρεσβείαις τῶν μεγάλων διδασκάλων Βασιλείου, σοφοῦ Γρηγορίου τε καὶ Ἰωάννου... Τὴν ὀξεῖαν καὶ θερμὴν σου προστασίαν καὶ τὴν σκέπην, παμμακάρ Νικόλαε... Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων ἀθλοφόρων Δημητρίου, Γεωργίου, σοφῶν Θεοδώρων τε καὶ Ἀρτεμίου.. Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων Ἀναργύρων καὶ μαρτύρων καὶ πάντων ἁγίων σου... Ἀθλοφόρε τοῦ Χριστοῦ Πατελεῆμον, τοὺς τῇ σκέπῃ τῇ σῇ καταφεύγοντας ταῖς σαῖς πρεσβείαις... Τῶν ἁγίων καὶ δικαίων προπατόρων ταῖς πρεσβείαις ἀπάντων δικαίων τε καὶ τῶν ὁσίων... Τὴν ἐν ζάλῃ πειρασμῶν καὶ τρικυμίαις ταῖς τοῦ βίου πικρῶς κινδυνεύουσαν... Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν... Καὶ νῦν. Ἡ ἀρρήτως ἐπ' ἐσχάτων συλλαβοῦσα. Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς ὁ πάντας ἀγιάζων κ. τ. λ. Goar. pag. 359. Послѣ евангелiя. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν εἰρήνης... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ ἐπιφοιτήσει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... и далѣе, какъ у Гоара pag. 361. Въ молитвѣ именѣ святыхъ не имѣется.

л. 354. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τοῦ μεγάλου. Goar p. 366—772. Разница въ изложеніи ектеңи и въ описаніи молитвы Софронiя патрiарха.

л. 358 об. Ἀκολουθία εἰς τὸν ἀκάθιστον ὕμνον τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας. Полная служба съ стихирами.

л. 366. Εὐχὴ εἰς τὸ βαπτῆσαι παιδίον καὶ εἰς γυναῖκας λεχοῦσας.

Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεχοῦσαν, ὅταν ἀποδαλθῇ παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας... Goar. p. 271. Ταύτην εἰπὼν ἐκ τρίτου, ἀπόλυε.

л. 366 об. Εὐχὴ εἰς λοχεῖαν γυναικός, ἡνίκα τέξῃ.

Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, τὸ Τρισάγιον, τὸ ἀπολυτίκιον· Χαῖρε κεχαριτωμένη, τὸ κοντάκιον· Ὁ μήτραν παρθενικὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ τὸν ἄνθρωπον πλάσας ἰδίαις χερσίν... А. Дмитриевскiй, Прилож. 4. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὸ τεχθὲν δρέφος· Δέσποτα

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς ἀγίας Θεοτόκου...
 Прилож. стр. 5. Εὐχὴ ἐτέρα· Δέσποτα Κύριε Παντοκράτωρ, ὁ ἰώμενος
 πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν... Тамъ-же. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 367 об. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὰς ἐπιλεχούσας ἐν τῇ κυήσῃ τῆς
 γυναικός.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὁθύνῃ εἰπὼν τῷ Πέτρῳ. При-
 лож. стр. 6.

л. 368. Ἀκολουθία, ὁπότεν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι μ' ἀπὸ τῆς
 γεννήσεως τῆς γυναικός. Λαβοῦσα τὸ παιδίον, ἡ μήτηρ ἔρχεται ἐπὶ τὴν
 ἐκκλησίαν καὶ ἵσταται ἔξω τῶν πυλῶν τοῦ ναοῦ, καὶ ποιήσας ὁ ἱερεὺς
 τὸ εὐλογητόν, λέγει τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν,
 τροπάριον· Ἐλέησον ἡμᾶς, Δόξα, Κύριε ἐλέησον, Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγ-
 χνίας. Ἐπειτα ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα
 καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν, αὐτὸς νῦν ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου
 ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Прилож. стр. 8. Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς
 ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. . Goar.
 p. 267. Καὶ λαβὼν αὐτὴν ὁ ἱερεὺς εἰσέρχεται εἰς τὸν ναόν, καὶ προσκυ-
 νήσας τὰς ἀγίας εἰκόνας, ἀσπάζεται αὐτάς, καὶ ἀπολύει.

л. 368 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ὀνομάσαι τὸ παιδίον τῇ ὁγδόῃ
 ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Ποιεῖ εὐλογητόν ὁ ἱερεὺς καὶ λέγει τὸ τρις-
 άγιον, τὸ Πάτερ ἡμῶν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τοῦ ἀγίου τῆς
 μονῆς, εἶτα σφραγίζει τὸ παιδίον τρίτον καὶ ἄρχεται τῆς εὐχῆς· Κύριε
 ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθῆτω τὸ φῶς
 τοῦ προσώπου σου... Goar. p. 264. Καὶ σφραγίζων τὸ μέτωπον αὐτοῦ
 καὶ τὸ στήθος, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν
 τεσσαράκοντα ἡμέραις ὡς δρέφος προσαχθεὶς ἐν τῷ νομικῷ ναῷ ὑπὸ
 Μαρίας... Εὐχολ. Goar. pag. 267. Ἰνα καταξιωθῇ τοῦ ἀγίου σου βα-
 πτίσματος, καὶ τύχῃ τῆς μακαριότητος τῶν ἐκλεκτῶν σου ἐν τῇ βασι-
 λείᾳ σου, φυλαττόμενος τῇ χάριτι τῆς ἀγίας καὶ ὁμοουσίου Τριάδος. Σοὶ
 γὰρ πρέπει πᾶσα δόξα κ. τ. λ. Καὶ λαβὼν τὸ παιδίον ὁ ἱερεὺς εἰς τὰς
 χεῖρας αὐτοῦ, εἰσάγει αὐτὸ ἐντὸς τοῦ ναοῦ, λέγει· Ὁ καθαρώτατος ναός.
 Καὶ εἰσελθὼν ἄχρι ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, ποιεῖ μετάνοιαν καὶ
 ἐκκλησιάζει αὐτό, λέγων οὕτως· Ἐκκλησιάζεται ὁ δοῦλος... ἐκ τρίτου,
 καὶ ἀπάγει αὐτὸ μέχρι τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ ἐπίθεις τὸ στόμα αὐτοῦ
 ὡς ἐν σχήματι ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη τῆς ἀγίας τραπέζης τελεῖ τῆς
 προσκυνήσεως. Οὕτως ποιούμεν εἰς παιδίον ἄρρεν, εἰ δὲ θήλυ ἐστίν, οὐ
 προσάγει αὐτὸ ἐνδον τοῦ θυσιαστηρίου, ἀλλ' ἔξωθεν τῶν ἁγίων θυρῶν
 τελεῖ τὴν προσκύνησιν, λέγει· Ὁ μήτραν παρθενικὴν, Νῦν ἀπολύεις

τὸν δοῦλον. Εἴτα ποιεῖ ὁ ἀνάδοχος μετάνοιαν καὶ λαμβάνει τὸ παιδίον παρὰ τοῦ ἱερέως. Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν τεσσαράκοντα ἡμερῶν τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερόν ἐλθὼν... αὐξήσον τὸν δοῦλόν σου, ὁ δεῖνα, ἵνα τύχη τοῦ λουτροῦ τῆς ἀφθαρσίας, καὶ γένηται τέκνον φωτὸς καὶ ἡμέρας, καὶ τυχὼν τῆς μερίδος τῶν ἐκλεκτῶν σου, κοινωνὸς γένηται τοῦ σώματος... См. выше стр. 53. καὶ ἀπολύει.

л. 269 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος... А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 20, прим. 4.

л. 377. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας πεντηκοστῆς. См. выше стр. 285.

л. 381 об. Χερουβικὸν τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου σαββάτου.

— Χερουβικὸν τῆς ἁγίας μ'.

— Εἰς τὸ Ἐξαίρετως τῆς θεῆας λειτουργίας τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

л. 382. Περί συγγενείας. О степеняхъ родства и прѣпятствіяхъ къ браку.

л. 392 об. Πατριάρχου Ἀντιοχείας κύρ Θεοδώρου τοῦ Βαλσαμῶνος. Вопросы и отвѣты.

л. 395. Μεθοδίου τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου διατάξεις περὶ τῶν διαφορῶν τρόπων καὶ ἡλικίας ἐπιστρεφόντων. Goar. p. 689—692.

л. 397 об. Εὐχή, λεγομένη ὑπὸ ἱερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν, πρόσδεξαι δοῦλόν σου τόνδε, τὸν κλίναντα τὸν αὐτοῦ αὐχένα ἐνώπιον τῆς ἁγίας δόξης σου.

— Ἑτέρα εὐχή, λεγομένη παρὰ ἀρχιερέως, ἢ ἱερέως, ἢ πνευματικοῦ πατρὸς εἰς τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἀμνέ, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου. Goar. p. 536.

л. 399. Εὐχή συγχωρητική, ἣν δίδει ὁ πνευματικὸς εἰς χεῖρας τοῦ κεκοιμημένου.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, συγχωρήσει σοι, πνευματικόν μου τέκνον, ὁ δεῖνα, ὅσα ἐνώπιον αὐτοῦ τῇ ἐμῇ ἐξομολογήσω ἐλαχιστότητι, καὶ ὅσα κατὰ λήθην ἢ πληθος οὐκ ἔφθασας ἔξαγγεῖλαι τῇ ἐμῇ οὐθενότητι, συγχωρήσει σοι καὶ ταῦτα ὁ φιλόανθρωπος Θεὸς ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι, καὶ ἀκατάκριτόν σε παραστήσει ἔμπροσθεν τοῦ φοβεροῦ αὐτοῦ βήματος, ὁ ὢν εὐλογημένος. Ἀμήν.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιῶν μεγάλα καὶ θαυμάσια, ἐνδοξά τε καὶ ἐξαισία τέρατα ἐν τῷ οὐρανῷ καὶ ἐν τῇ γῇ, ὁ θεραπεύων πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν, ὁ τοῖς ἁγίοις σου ἐπτὰ παισί, Μαξιμιλιανῷ, Ἰαμβλίῳ, Μαρτίνῳ, Διονυσίῳ, Ἰωάννῃ, Ἐξακουστοδιανῷ καὶ Ἀντωνίνῳ, τὸν ὕπνον πρόξενον σωτηρίας χαρισάμενος τοῦ ἐκφυγεῖν τοῦ παρανόμου βασιλέως Δεκίου τὴν ἀπειλήν, αὐτὸς καὶ τῷ δούλῳ σου, ὁ δεῖνα, δὸς ὕπνον γλυκύν, καὶ ῥῶσιν σώματος καὶ ψυχῆς, εἰ καὶ ὡς ἄνθρωπος τὰς ἐντολάς σου παρέβη, συγχώρησον, Κύριε, καὶ ἀνάστησον καὶ φωτίσον αὐτοῦ τὴν ψυχὴν, καὶ καθάρισον αὐτὸν ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος πρεσβείαις τῆς ἀειπαρθένου Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σὺν τῷ ἀνάρχῳ Πατρὶ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.

λ. 449 οβ. (Ἐν)ταλτήριον. Ἡ ταπεινότης ἡμῶν διὰ τοῦ παρόντος γράμματος αὐτῆς τῷ τιμιωτάτῳ ἱερομονάχῳ κὺρ ὁ δεῖνα ἐκχωρεῖ καὶ ἄδειαν δίδωσιν εἰς τὸ τῆς πνευματικῆς πατρότητος ἀξίωμα, ὥστε εἶναι ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ ὀνομάζεσθαι παρὰ πάντων πνευματικὸς πατήρ, ὀφείλοντες διδόναι πρὸς αὐτὸν πᾶσαν εὐλάβειαν καὶ τιμὴν, ὅστις καὶ ὀφείλει δέχεσθαι πάντων τὰς ἐξαγορεύσεις τῶν κεχυρμένων μολώπων τῶν προσιόντων αὐτῷ, καὶ ἀνακρίνειν αὐτοὺς καὶ ἐρευνᾶν τὰ ἐν βάθει διανοήματα αὐτῶν, καὶ τὰς πράξεις καταμανθάνειν ἐπὶ τῷ τὰς ἀρχὰς μὲν καὶ τὰς αἰτίας σπεύδειν ἰστάναι, καὶ ὡς δυνατόν ἀνακόπτειν, τὰ δὲ τέλη καὶ ἐνεργήματα εὐθύνειν κανονικῶς πρὸς τὰς ἔξεις μέντοι καὶ διαθέσεις τῶν ἐξαγορευομένων κατὰ τὰς δυνάμεις καὶ τὰς ποιότητας, καὶ γίνεσθαι τοῖς πᾶσι τὰ πάντα ἀπλῶς, νῦν μὲν ἐπέχων, νῦν δὲ ἀνείεις, καὶ τοῖς μὲν αὐστηροτέροις χρώμενος τῶν φαρμάκων, τοῖς δὲ τὸ γλυκᾶζον συγκεκλυῖς, ἄλλοτε ἐλέγχων, ἐπιτιμῶν, ἄλλοτε πάλιν παρηκολῶν, νοουθετῶν, καὶ παντὶ τρόπῳ τὰ πρὸς σωτηρίαν τῶν ἀνακειμένων αὐτῷ ψυχῶν διοικονομούμενος, διὰ τοῦτο δῆσαι μὲν, ἃ δεῖ δεθῆναι, λῦσαι δὲ πάλιν τὰ λύσεως ἄξια, καὶ τοὺς ἐνθένδε μεθισταμένους σὺν ἀφέσει τῶν πταισμάτων, εἰς τὰ ἐκεῖσε παρὰπέμψαι δικαστήρια, τοὺς δὲ πρὸς τὸ τῆς ἱερωσύνης ἀξίωμα ἐναγομένους, ἀκριβέστερον δεῖ ἐρευνᾶν, ἵνα μὴ λάθῃς ἑαυτῷ ἄλλοτρίας συκοινωνεῖν ἁμαρτίας, ἐκχωροῦμεν δὲ αὐτῷ κείρειν τε μοναχοὺς, τοὺς τοῦτο προαιρουμένους ἐν τῇ ζωῇ αὐτῶν, εἴτε καὶ ἐν ταῖς τελευταίαις ἀναπνοαῖς, μετὰ συντηρήσεως μέντοι τοῦ μοναχικοῦ ἐπαγγέλματος, μετὰ δηλαδὴ καθαρᾶς ἐξομολογήσεως τῶν ἀποταγῶν καὶ συνταγῶν καὶ τῆς πρὸς τὸν ἀνάδοχον παρακαταθήκης τοῦ ἀποκειμένου ἐπὶ τούτῳ ἐγεγόνει καὶ τὸ ἐνταλτηριῶδες γράμμα τῆς ἡμῶν ταπεινότητος καὶ ἐπεδόθη τῷ διαλαληθέντι ἄνωθεν τιμιωτάτῳ ἱερομονάχῳ κὺρ ὁ δεῖνα, ἐν μηνὶ φεβρουαρίῳ κθ' ἰνδ. γ.

Ταπεινὸς ἐπίσκοπος Ἱερισσοῦ καὶ ἁγίου ὄρους Γρηγόριος.

л. 400. Κανονάριον, διαγορευθὼν περὶ πάντων τῶν παθῶν λεπτομερῶς καὶ τῶν τούτοις προσφόρων ἐπιτιμίων, περὶ τε τῆς ἁγίας κοινωνίας, βρωμάτων, καὶ πομάτων καὶ εὐχῆς. А. Алмаз. Тайная испов., т. III, I. стр. 12—13.

л. 403. Πῶς δεῖ τοὺς πνευματικοὺς πατέρας οἰκονομεῖν τοὺς αὐτοὺς ἐξομολογουμένους. Выдержки изъ Номоканона.

л. 422 об. Κανονάριον τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Νηστευτοῦ, περιέχον περὶ ἐξαγορευέως τῶν ἐξομολογουμένων τὰ ἑαυτῶν ἁμαρτήματα τοῖς πνευματικοῖς αὐτῶν πατράσι, καὶ πῶς δεῖ τούτους κανονίζειν... См. А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 101—104.

л. 424. Μηνολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ.

Тропарн и кондаки на цѣлый годъ.

л. 447 об. Ἀπολογητικὸν πρὸς τοὺς μέλλοντας ἀποκομῖσαι τὸ μήνυμα τοῦ πατριάρχου εἰς τὸ τῆς ἀρχιερωσύνης διακόνημα.

Ἐγὼ μὲν ἀνάξιον ἑμαυτὸν οἶδα οὐ πρὸς τοσοῦτον μόνον ὕψος ἐπισκοπικῆς ἀξίας, ἀλλ' οὐδὲ πρὸς τι τῶν ἐν τοῖς ἱεροῖς εὐτελεῶν διακονημάτων, ἐπεὶ δὲ κρίμασιν, οἷς οἶδεν ἁρρήτοις ὁ πάντα οἰκονομῶν Θεός, εἰς τοῦτο κεκίνηκε τὴν παναγιώτατον ἡμῶν δεσπότην καὶ οἰκουμενικὸν πατριάρχην καὶ τὴν περὶ αὐτὸν θείαν καὶ ἱερὰν σύνοδον, ὥστε μοι τὸ μέγα τοῦτο ἐγχειρῖσαι λειτούργημα, ἰδοὺ ταῖς ἁγίαις αὐτῶν θαρρῆσας εὐχαῖς, προσκυνῶ καὶ ὑπείκω τῷ θεοκινήτῳ τούτων κελεύσματι, καὶ δέχομαι τὴν προστασίαν τῆς ἱερᾶς ταύτης διακονίας, γένοιτο δὲ λιταῖς τῶν ἐπιταττόντων τοῦτο θείων ἀνδρῶν, ἵνα μοι καὶ λόγος σωτήριος ἐν ἀνοίξει τοῦ στόματός μου δοθῇ πρὸς ὠφέλειαν ἐγχειριζομένων μοι ψυχῶν, καὶ πολιτεία θεοφιλῆς, ὡσάν καὶ Θεῷ καὶ τοῖς προστάταις τῶν ἁγίων αὐτοῦ ἐκκλησιῶν καὶ παντὶ τῷ χριστωνύμῳ συστήματι εὐάρεστος εἶην, καὶ διὰ τοῦτο τῶν μελλόντων ἀξιωθείην ἁγαθῶν. Ἀμήν.

л. 447 об. Τοῦ ἁγίου Μαξίμου περὶ λ' ἀργυρίων.

л. 448. Τὰ ἁμαρτήματα, τὰ τὴν ἱερωσύνην κωλύοντα, πραττόμενα ἢ πρὸ τῆς ἱερωσύνης, ἢ μετὰ τὴν ἱερωσύνην.

л. 449 об. Ἀκολουθία τῆς μνήστρας, ἥγρου τοῦ ἁρράβωνίσματος. Goar p. 310—312.

л. 450 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος. Goar p. 314—319.

Особенности слѣбующія: а) въ великой ектепіи не достаетъ двухъ прошеній: Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς εὐτεχνίαν... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα Goar

р. 315; б) нѣтъ молитви: Εὐλογητὸς εἴ Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῦ μυστικοῦ καὶ ἀχράντου γάμου ἱεουργός... Goar. р. 316 и в) конецъ послѣ Δόξα σοι Χριστὲ ὁ Θεός, ἀποστόλων καύχημα... въ описываемой рукописи излагается такъ: Εἶτα ἐπαίρει τοὺς στεφάνους ὁ ἱερεὺς καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾶ ἐπιδημίας τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον, Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν... Goar р. 320.

л. 454. Εὐχὴ εἰς τὰ βαῖα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ κτίστης καὶ δημιουργὸς τῶν πάντων.

л. 454 об. Ἀκολουθία εἰς υἱοθεσίαν. Goar pag. 561—562.

Разница въ отсутствіи тропаря и кондака въ началѣ и въ ипомѣ изложеніи окончанія: Καὶ λαμβάνει τὸν υἱὸν ὁ πατὴρ ἐκ τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ πίπτει ὁ υἱὸς εἰς τοὺς πόδας τοῦ πατρὸς, καὶ μεταλαμβάνουσι τῶν θείων μυστηρίων, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 450 об. Краткія хронологическія замѣчанія о соборахъ вселенскихъ.

л. 456 об. Ἐκ τῆς βίβλου Ἐξόρας κα'. Не окончена статья.

СІ. № 135. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Каракальскаго монастыря, въ 16 долю листа, 435 листовъ, писана въ 1539 году, какъ свидѣтельствуетъ о томъ слѣдующая приписка въ рукописи: „Μηνὶ δεκεμβρίῳ ἰθ' ἔτους ς'μζ' ἰνδικτ. ζ'. Ἰωακείμ ἱερομόναχος“.

л. 1. Διάταξις τῆς λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά. Н. Θ. Красносельцевъ. Матеріалы для исторіи чинопоследованія литургіи св. І. Златоустаго, в. I, стр. 36—78.

л. 26. Οглавление Евхологія.

л. 27. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσостόμου.

л. 41. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 60. Ἡ θεία μυσταγωγία τῶν προηγιασμένων.

л. 68 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐσπερινοῦ.

л. 71. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

л. 78. Εὐαγγελскія и апостольскія чтенія.

л. 157. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 165 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

л. 176. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 188. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

л. 228. Молитвы на различные случаи и чины обращения къ православноѣ церкви патріарха Меθοдія и другіе.

л. 257. Ἀκολουθία εἰς ῥασοφόρον.

л. 258 об. Τάξις, γινομένη εἰς τὸ μικρὸν σχῆμα, ἥτοι εἰς τὸν μέλλοντα παραμανθῶθῃναι.

л. 268. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

л. 330. Ἀκολουθία τῆς παρακλήσεως.

л. 336. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ.

л. 374 об. Молитвы на различные случаи.

л. 399. Ἀκολουθία, ψαλλομένη ἐπὶ ἀνομβρίᾳ. Κανὼν εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν ἐπὶ τῇ αὐτῇ ὑποθέσει.

л. 404 об. Κανὼν εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον, ψαλλόμενος ἐν κοιναῖς συμφοραῖς καὶ θλίψεσι παντοίαις καὶ περιστάσεσιν.

л. 409 об. Κανὼν ψαλλόμενος εἰς ψυχόρραγοντας.

л. 415. Οἱ οἴκοι τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου. Ακαθιστῆ.

л. 425. Ἀκολουθία, ὅταν ἐνοπνιασθῇναι.

л. 431 об. Εὐχή εἰς τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν.

СП. Δ 80 (нынѣ Е. 74). Λειτουργіариον, ркп. библіотеки лавры Аѳанасія на Αθωνѣ въ четвертку, 129 листовъ, писана мелкимъ четкимъ почеркомъ 1541 года, какъ значится въ припискѣ: Ἐγγόνει (sic) τὸ παρὸν Τακτικὸν διὰ συνδρομῆς καὶ ἐξόδων τοῦ πανιερωτάτου καὶ σεβασμιωτάτου μητροπολίτου Νέων Πατρῶν τῆς Ἑλλάδος, κυροῦ Γρηγορίου ἐπὶ ἔτους ς' μθ' ἰνδ. ιδ'.

л. 1. Διάταξις¹⁾ τῆς θείας λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τῶν χειροτονιῶν ἢ τάξις, πότε καὶ πῶς γίνεται ἐκάστη. См. выше стр. 376.

л. 5. Πότε φορένει ὁ ἀρχιερεὺς, μέλλων τὴν θείαν ἐπιτελέσαι μυσταγωγίαν, καὶ περὶ τῶν ὑπηρετούντων αὐτόν.

Ἐρχόμενοι γοῦν οἱ διάκονοι προσκυνοῦντες, κρατοῦντες ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν ἕκαστος τὸ στιχάριον καὶ τὸ ὠράριον. См. выше 302—318 въ примѣчаніяхъ. Здѣсь вездѣ вмѣсто патріарха дѣйствующимъ лицомъ является епископъ или архіерей.

л. 8 об. Ὅπως γίνεται ἡ χειροτονία τῶν ἀναγνωστῶν. Goag. pag. 194—195.

л. 9 об. Ὅπως γίνεται ἡ τῶν ὑποδιακόνων χειροτονία. См. выше стр. 297.

¹⁾ Всѣ чины этой рукописи въ изложеніи особенностей имѣютъ полное сходство съ чинами ркп. 1407 г. № 371 патріаршей Каирской библіотеки.

λ. 10 об. Ἰστέον, ὅτε οὐκ ἔστι χειροτονία ἱερέως, ὁ δευτερεύων τῶν διακόνων. См. выше стр. 304. Нѣтъ замѣчанія, что протіе архіереи читаютъ молитвы антифоновѣ. Καὶ μετὰ τὴν πλήρωσιν τῆς συναπτῆς ἐκφωνεῖ ὁ ἱερεὺς· Ὅτι πρέπει... καὶ οἱ μὲν ψάλλται ψάλλουσι τὸ πρῶτον ἀντίφωνον, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ β' ἀντιφώνου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σῶσον τὸν λαόν σου... Μετὰ δὲ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ πρώτου ἀντιφώνου, ποιεῖ ὁ διάκονος μικρὰν συναπτὴν. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν οἱ μὲν ψάλλται ψάλλουσι τὸ δεύτερον ἀντίφωνον, ὁ δὲ μέγας χαρτοφύλαξ, προσκυνῶν τὸν ἀρχιερέα, λομβάνει τὸν ὑπομνηματογράφον καὶ τὸν ἱερομνήμονα, προσδοκιοῦντες τοῦ ἐπὶ τῆς εὐταξίας, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Εὐχὴ ἀντιφώνου τρίτου· Ὁ τὰς κοινὰς ταύτας... Μετὰ δὲ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ δευτέρου ἀντιφώνου πάλιν ὁ διάκονος· Ἐπι καὶ ἔτι... Ἐκφωνήσεις· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος... Καὶ οὕτως ψάλλουσι οἱ ψάλλται τὸ τρίτον ἀντίφωνον, ὁ δὲ διάκονος, ὁ ἐν τῷ ἄμβωνι, κατερχόμενος. См. выше стр. 304. Καὶ οὕτως γίνεται εἰσόδος. Καὶ μετὰ τὴν εἰσόδον καθέζεται ἐν τῷ σελλίῳ ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ οὕτως γίνεται ἡ γῆμη τῶν βασιλέων καὶ τοῦ ἀρχιερέως. Ὁ δὲ δευτερεύων τῶν διακόνων ἐρχόμενος ἔμπροσθεν τοῦ ἀρχιερέως, κλίνας τὴν κεφαλὴν, κρατῶν ἅμα καὶ τῷ ὠραρίῳ, ὡς πολλὰκις εἴρηται, λέγει· Εὐλόγησον, θέσποτα, τὸν καιρὸν τοῦ Τρισαγίου. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς σφραγίζων αὐτόν, λέγει· Ὅτι ἅγιος εἰ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ὁ μέντοι δευτερεύων τῶν διακόνων, ὁ τὸν καιρὸν λαβὼν τοῦ Τρισαγίου, ὡς ἄνωθεν εἴρηται, τοῦ κοντακίου πληρωθέντος... См. выше стр. 306. Εἰ γὰρ μὴ ἔστι χειροτονία, ἀσπάζεται πρῶτον τὴν ἁγίαν τράπεζαν, εἶτα ἀνέρχεται ἐν τῷ συνθρόνῳ μετὰ τῶν συλλειτουργούντων αὐτῷ ἱερέων, καὶ τούτων κατὰ τὴν ἰδίαν τάξιν ἱσταμένων καὶ τοῦ Τρισαγίου παρ' αὐτῶν ψαλλομένου, ὁ ἀρχιερεὺς βλέπων πρὸς θυμᾶς, εὐλογεῖ μετὰ τοῦ κηρίου τὸν λαόν τρίς. Οὕσης οὖν, ὡς εἴρηται, χειροτονίας, πληρωθέντος τοῦ Τρισαγίου, καθήμενος ἐν τῷ σελλίῳ αὐτοῦ, μικρὸν ἀναπαύεται.

λ. 17. Σημείωσαι περὶ τοῦ πατριάρχου, ὅταν χειροτονῇ ἀρχιερέα, πότε καὶ πῶς ὁ ὑποψήφιος εἰς τὸ ἅγιον εἰσέρχεται βῆμα.

Ὁ δὲ ὑποψήφιος ἱσταται ἐν τῷ διακονικῷ. См. выше стр. 300 и варианты. Объ архіереяхъ и умовеніи ими рукъ на херувимскоій пѣсни нѣтъ замѣчанія. Послѣ великаго выхода: καὶ καθήμενος ἐν τῷ σελλίῳ ἀναπαύεται. Τοῦ δὲ χειροτονικοῦ πληρωθέντος, ἐρχόμενος ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὰς ἁγίας θύρας, σφραγίζει τὸν λαόν τρίς μετὰ τοῦ τρικηρίου, καὶ αὐθις στραφεῖς καθίηται, εἰ ἔστι χειροτονία, εἰ δ' οὐκ, οὐ καθίηται.

л. 30. Ὅπως γίνεται ἡ τοῦ πρεσβυτέρου χειροτονία.

Ὁ δὲ μέλλων πληρωθῆναι πρεσβύτερος, ἵσταται ἐν τῇ σωλῆξ καὶ ἐξερχόμενοι διάκονοι, λαμβάνουσιν αὐτὸν ἐξ ἑκατέρου μέρους καὶ ψέρουσιν αὐτὸν ἄχρι τῶν ἁγίων θυρῶν... См. выше стр. 298.

л. 41 об. Ὅπως γίνεται ἡ τοῦ διακόνου χειροτονία.

Καὶ ἐξελθόντες δύο διάκονοι λαμβάνουσι τὸν μέλλοντα χειροτονεῖσθαι διάκονον, ἐστῶτα ἐν τῇ σωλῆξ. Тамт-же.

л. 53. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 77 об. Εἰδόντες τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγουμένων.

л. 78 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγουμένων.

л. 90. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. См. выше стр. 379.

л. 113. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης. Goar. pag. 492.

л. 115. Τάξις, γινομένη ἐπὶ ἐγκαίνια ναοῦ.

л. 116. Τάξις, γινομένη τῇ μεγάλῃ πέμπτῃ ἐν τῇ ἐκπύσει τῆς ἁγίας τραπέζης Goar. pag. 497—499.

л. 118. Περὶ τραπέζης ἁγίας, ἧς τὰ ἄμψα διεφθάρησαν pag. 501.

л. 118 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου νικητοῦ.

л. 123. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγισμοῦ.

л. 128 об. Ἐνταλμα πνευματικόν.

Ἡ ταπεινότης ἡμῶν ἀνατίθῃ σοι τῷ εὐλαβεστάτῳ ἱερομονάχῳ, ὁ δεῖνα, τὸ λειτούργημα τῆς πνευματικῆς πατρότητος.

л. 129. Συστατικὸν εἰς ἱερέα.

Τοὺς ἱεροῦσθαι λαχόντας συστατικοὺς ἐφοδιάζεσθαι γράμμασιν...

СН. № 94. Εὐχολόγιον, рукопись библиотеки національного Аѳинскаго университета въ 16 долю листа, 288 листовъ, писана четкою скорописью 1542 года, какъ о томъ говоритъ слѣдующая приписка: Δόξα σοί, ἁγία Τριάς, ἐνεκα πάντων. Σωθῇ ὁ γράψας, ἐλεηθῇ ὁ ἔχων. ἸϛN' ἔτους ἰνδικτιῶνος ιδ' (л. 179).

л. 1. Чинъ вечерни съ тремя первыми свѣтильными молитвами.

л. 4. Ἀρχὴ τοῦ ὁρθρου. Свѣтильныхъ молитвъ положено и здѣсь тоже три.

л. 8. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 24. Εκτενία на бездождіе безъ начала.

л. 25. Εὐχή εἰς ἀδελφοποίησιν.

л. 25 об. Εὐχή εἰς ἄγιον ἔλαιον.

л. 26. Εὐχή ἐπὶ θεμελίον οἴκου.

— Εὐχή ἐπὶ φυτευομένης ἀμπέλου.

л. 26 об. Εὐχή εἰς οἶνον νέον.

л. 27. Εὐχή ἐπὶ τελευτήσαντα ἱερέα.

л. 27 об. Εὐχή εἰς διάκονον κοιμηθέντα.

л. 28. Εὐχή ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

л. 28 об. Εὐχή ἐπὶ τρύγης ἀμπέλου.

л. 29. Εὐχή ἐπὶ πάσης ὁπώρας.

л. 29 об. Наставление священнику о достойномъ приготавленіи себя къ совершенію литургіи.

л. 31. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 41 об. Ἀκολουθία εἰς τὴν λοχείαν τῆς γυναικός.

Обычное начало и тропарь дня. Κύριε Σαβαώθ, ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραήλ, ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον. А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 1. Εὐχή ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Ἀδὰμ καὶ τῇ Εὐᾷ συγχωρήσας τῇ παραβάσει αὐτῶν. См. выше стр. 491, 583, 600.

л. 42 об. Εὐχή μετὰ ἡ' ἡμέρας τῆς μαίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων, ἐπίδε ἐπὶ τὴν δούλην σου ταύτην. См. выше стр. 486—487, 53.

л. 43. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγῖσαι παιδίον.

Τῇ ἡ' ἡμέρᾳ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς μετὰ ἐπιτραχηλίου καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἶτα σφραγίζει αὐτὸ εἰς τὸ μέτωπον, εἰς τὴν καρδίαν, καὶ ἐμφυσᾷ αὐτό, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθῆτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου. Прилож. стр. 19. См. Εὐχολογ. Goar. p. 264. Αὕτη ἡ εὐχή λέγεται καὶ τῇ λεχούσῃ μετὰ τὸ μ'. Λέγεται καὶ ἡ εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν καὶ νοερὰν δημιουργήσας τῷ λόγῳ σου. Goar. p. 267.

л. 44. Τάξις μετὰ τὸ τεσσαρακοστὸν εἰς τὸ ἐκκλησιᾶσαι παιδίον.

Προσφέρει αὐτὸ ὁ ἀνάδοχος ἐν τῷ ναῷ, ἐστηκώς ἔσω τῆς πόλης καὶ ὁ ἱερεὺς μετὰ ἐπιτραχηλίου· ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὴν εὐχὴν ἐκ γ'. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν μ' ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀναβλῶν. Прилож. стр. 19. Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον καὶ εἰσφέρει ἔσω

ἐν τῷ νῳ, λέγων Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε Παρθένε... καί τὸ κοντάκιον· Ὁ μήτραν παρθενικὴν ἀγιάσας.

л. 45. Τάξις εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

л. 49. Τάξις εἰς τὸ ἀποτάξιαι παιδίον μετὰ τὸ κατηχηθῆαι.

л. 57. Εἰς τὸ ἀπολοῦσαι. Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς συνήθως, εἴτα τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν. Goar. p. 303. Καὶ βαλὼν οἶνον εἰς ἄγγετον, ἀπονίπτει τὸν νεοφώτιστον μετὰ τῶν αὐτοῦ ἀμφίων, λέγων· Ἐκκλησιάσθης, ἐβαπτίσθης, ἀπομυριάσθης (sic), ἀπελούσθης, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθάρισας ἡμᾶς τοὺς δούλους σου ἐν τῇ ἀγίᾳ σου κολυμβηθῶρα. Goar. p. 305.

л. 58. Εὐχὴ εἰς τὸ κορυεῦσαι παιδίον.

л. 59 об. Εὐχὴ τῇ κυριακῇ εἰς τὰ βαΐα.

л. 60 об. Τῇ ἀγίᾳ καὶ μεγάλῃ πέμπτῃ, ἐν ᾗ μέλλομεν οἱ χριστιανοὶ μεταλαμβάνειν.

л. 62. Εὐχὴ εἰς πνευματικόν.

л. 62 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 72. Апостольскія и евангельскія чтенія.

л. 99. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

л. 127. Εἰς ἀρχαίριον ῥασοφοροῦντα.

л. 134. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν καὶ ἅγιον σχῆμα.

л. 158. Чинъ погребенія монаховъ.

л. 181. Σεπερβρίου γ' τὰ ἐγκαίνια τῆς Χριστοῦ Ἀναστάσεως, ψάλλεται δὲ ἡ ἀκολουθία αὕτη, ὅταν μέλλῃ καθιερωθῆναι ἡ ἐκκλησία τοῦ Θεοῦ.

л. 190 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιέρωσιν ναοῦ.

л. 210. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσῃ τραπέζῃ, ὅταν μέλλῃς σαλευθεῖσαν ἁγίαν τράπεζαν τῇ ἐκκλησίᾳ καθιδρῶσαι.

л. 215. Апостольскія и евангельскія чтенія на цѣлый годъ.

CIV. № 486. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳопо-Діонисіатской библиотеки въ 4 дою, 219 листовъ, писана въ 1543 году монахомъ Досифеемъ. Δόξα σοί, ἅγία Τριάς, ὃ ἐν οὐρανοῖς ἐμὸς Θεός, ὁ Πατήρ καὶ Υἱὸς καὶ τὸ παράκλητον Πνεῦμα, ἡ ἐμὴ λατρεία καὶ τὸ σέβας, ὅτι πεπεράτωταί μοι καὶ παρὸν ποκτίον, καὶ οἱ ἐντευζόμενοι εὐχεσθὲ μοι, εἰ ἐνδέχεται· ἔνεκεν τούτου καὶ ἐγράφη, ὁ δὲ γράψας Δοσίθεος· ἦν ὁ τάλας

καὶ μοναχὸς τάχα. Ἐπει δὲ Ἰουλίῳ καὶ ὁ κλέψων ἦ ἀποξενώσων τοῦτο τὸ πικτίον ἐκ τῆς μονῆς τῆσδε τοῦ τιμίου Προδρόμου καὶ Βαπτιστοῦ Ἰωάννου τοῦ ἱερατείου, δηλαδὴ τῆς λεγομένης τοῦ Διονυσίου, ἔστω ἡ μερίς αὐτοῦ μετὰ τοῦ Ἰούδα καὶ τῶν λοιπῶν ἱεροσύλων. Ἐγράφη δὲ ἐν τῇ ῥηθείᾳ μονῇ, ἣ καὶ κτήρια αὐτῆς ὑπάρχει.

л. 1. Ἐξοδιαστικόν.

л. 47. Πρῶτον ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητὸν εἰς τὴν ἀκολουθίαν τοῦ ἀρχιερίου ῥασοφόρου.

л. 49. Ἀκολουθία εἰς κυρτὴν μανδύωτον.

л. 68. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 116 об. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκονκουλίσματος.

л. 119. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 174 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 190. Молитвы на различные случаи.

CV. № 421. Рукопись Аѳѳно-Паутелеимоновской библиотеки въ четвертку, 48 листовъ, писана красивою скорописью 1545 года. Время ея написанія опредѣляется слѣдующею припискою: Δόξα σοί, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐνεκα πάντων. Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Θεοφίλου πόνος (имя писца повторяется и на л. 7 внизу) ἐν ἔτει ἸΝΥ'. Принадлежала эта рукопись некогда Аѳѳно-Ватопедскому монастырю, какъ гласить о томъ слѣдующая приписка: Ἡ παροῦσα θεία καὶ ἱερὰ λειτουργία ἀφιεροῦται τῷ θεῷ καὶ ἱερῷ βήματι τῆς θείας καὶ ἱερᾶς μεγάλης παλαιᾶς λαύρας τοῦ Βητοπεδίου, καὶ εἴ τις ταύτην ἀφαιρεῖ καὶ ἰδιοποιηθῇ, ἐχέτω τὴν Θεοτόκον ἀντίδικον. Рукопись содержитъ главнымъ образомъ: Φιλοθέου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, διάταξις τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας, описанный съ указаніемъ всѣхъ важнѣйшихъ вариантовъ проф. Н. Θ. Красносельцевымъ въ его книгѣ: „Матеріалы для исторіи чинопослѣдованія литургіи св. Іоанна Златоустаго“. Каз. 1880, стр. 37—74 въ примѣч. На поляхъ рукописи внизу находимъ замѣчанія писца въ объясненіе нѣкоторыхъ обрядовыхъ дѣйствій: Ἰστέον, ὅτι ἕκαστον ἱεράμφιον ἀσπάζεται αὐτὸ εἰς τὸν πόλον καὶ λέγει: Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. (л. 2 об.). Ἐξιδέναи δεῖ, ὅτι σταυροειδῶς ἐξάγει τὰς μερίδας ἐκ τῆς σφραγίδος, ἃς προσφέρει ὁ ἱερεὺς (л. 4 об.). Ἰστέον, ὅτι εἰς ἕκαστον τάγμα τῶν ἁγίων καὶ εἰς ἕκαστον ἅγιον, ὃν βούλεται, καὶ εἰς ἕκαστον ζῶντα ἢ τεθνεῶτα αἶρει μερίδα (л. 5) и т. п.

Въ рукописи, кромѣ Διάταξις'а патріарха Филофея имѣется еще молитва надъ коливомъ и выдержка изъ Симеона Солунскаго о тайнѣ Божественной литургіи.

CVI. Рукопись Аѳоно-Есфигменской бібліотеки въ 16 долю листа, 181 листь, писана тѣмъ-же писцемъ и одинаковымъ почеркомъ, что и предыдущая рукопись. Приписка въ концѣ рукописи: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Θεοφίλου πόνοσ ἐν ἔτει 'ζΝγ'. Изъ позднѣйшихъ приписокъ любопытна слѣдующая: Αἱ παροῦσαι θεῖαι καὶ ἱεραὶ λειτουργίαι ἀφιεροῦνται τῇ σεπτῇ καὶ ἱερᾷ μονῇ τοῦ ὄρους ἸΑθω, τῇ ἐπικαλουμένῃ τοῦ Ἑσφιγμένου, καὶ εἴ τις αὐτὰς ἀποξενώσῃ ἀπ' αὐτῆς, γὰρ ἔχῃ ἀντίδικον τὸν ἐν δόξῃ ἀναληφθέντα. Ἀμήν. Διάταξις литургіи писанъ съ того-же оригинала, что и въ предыдущей рукописи. Кромѣ чина литургіи Св. Іоанна Златоуста, здѣсь имѣются литургіи Василия Великаго, и преждеосвященныхъ даровъ, апостольскія и евангельскія чтенія, въ честь Богоматери и усонныхъ и молитва надъ коливомъ.

CVII. № 48. Рукопись Аѳоно-Костамонитской бібліотеки въ 16 долю листа писана рукою того-же переписчика¹⁾, что и двѣ предыдущія рукописи, но въ 1546 году. Приписка писца гласитъ слѣдующее: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Θεοφίλου πόνοσ ἐν ἔτει 'ζΝδ'. Рукопись содержитъ въ себѣ три обычныхъ чина литургіи, апостольскія и евангельскія чтенія, чинъ малаго водоосвященія, разрѣшительную молитву предъ причащеніемъ, молитву надъ коливомъ и нѣкоторые практическіе вопросы, относящіеся къ чину литургіи.

CVIII. № 480. Рукопись Аѳоно-Кутлумушскаго монастыря въ 16 долю листа, 98 листовъ, писана почеркомъ 1547 г. того-же писца Теофила. На рукописи приписка писца та-же самая: Δόξα σοί, ὁ Θεός ἡμῶν, ἐνεκα πάντων. Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Θεοφίλου πόνοσ. Въ составъ рукописи вошли три чина литургіи и вопросы и отвѣты изъ Симеона Солунскаго о таинствѣ Евхаристіи. Διάταξις литургіи патріарха Филофея дословно сходенъ съ рукописью Пантелеимоновскаго монастыря 1545 г. № 421. (См. выше стр. 790).

¹⁾ Проф. Ламбросъ на основаніи характера письма (ὡς δείκνυται ὁ γραφικὸς χαρακτήρ) считаетъ ошибочно писцемъ этой рукописи современника Теофила Кирилла Навпактійца (Λαμπρ. Κατάλογ. τῶν ἐν ταῖς βιβλιοθήκαις τοῦ ἁγίου ὄρους ἐλληνικῶν κodicῶν, Ἐν Ἀθῆν. 1888, т. α' μ. α' σελ. 101 и 98).

СІХ. № 151. Εὐχολόγιον, рукопись Асоно-Каракальского монастыря въ 16 долю листа, 262 листа, писана въ 1553 году, какъ говоритъ о томъ приписка: ἔτους ,ζξϛ' μηνὶ νοεμβρίῳ εἰς ιθ'.

Рукопись безъ начала.

л. 1. Κонецъ чина вечерни.

л. 2 об. Ἦ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 20. Εὐχαὶ τοῦ λογιχαῦ.

л. 22 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

л. 27 об. Апостольскія и евангельскія чтенія.

л. 44 об. Εὐχαὶ διάφοροι.

л. 61. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

л. 89. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 97. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

л. 106. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

л. 113. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

Εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς καὶ ἀλλάσων τὴν ἱερατικὴν στολὴν λευκὴν καὶ ἐπιμανίκια, καὶ ἀπτομένων πάντων τῶν κληρῶν, λαβὼν ὁ ἱερεὺς θυμιατόν, ἀπέρχεται ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ καὶ θυμιᾷ κύκλῳ, καὶ ἀποδοὺς τὸ θυμιατόν, προσκυνεῖ καὶ σφραγίζει μετὰ τοῦ κληροῦ γ', εἴτα λέγει ὁ διάκονος: Εὐλόγησον, δέσποτα κ. τ. λ.

л. 119. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

л. 120. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

л. 121. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης.

л. 123 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου.

л. 124. Εὐχὴ ἑτέρα ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας.

л. 124 об. Μεθοδίου, τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, διάταξις περὶ τῶν διαφόρων τρόπων καὶ ἡλικιᾶ ἐπιστρεφόντων.

л. 130. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχούμενον.

л. 131 об. Περὶ τοῦ πῶς δέχεσθαι τὸν ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν καθαρᾷ πίστει προσερχόμενον.

л. 138. Τάξις, γινομένη τοῖς ἀπὸ Σαρακηνῶν ἐπιστρέφουσι πρὸς τὴν καθαρὰν καὶ ἀληθῆ πίστιν ἡμῶν τῶν χριστιανῶν.

л. 145. Τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου κὺρ Φιλοθέου εὐχὴ εἰς τὴν παναγίαν Δέσποιναν τὴν Θεοτόκον, ἐκτεθεῖσα αὐτομάτως ἐπὶ τοῖς καινοφανέσιν Αὐτῆς θαύμασιν.

Παρθένε Δέσποινα Θεοτόκε, ἡ τὸν μονογενῆ τοῦ Θεοῦ Λόγον, τὸν πάσης ὁρατῆς καὶ νοητῆς κτίσεως... См. выше стр. 283.

- λ. 147. Εὐχὴ κατὰ πολεμίων τοῦ αὐτοῦ.
- λ. 149. Εὐχαὶ εἰς γυναῖκα τῇ πρώτῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως τοῦ παιδίου αὐτῆς.
- λ. 150 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγῖσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.
- λ. 152. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεγῶνα μετὰ μ' ἡμέρας.
- λ. 152 об. Εὐχὴ εἰς τὴν μητέρα τοῦ παιδίου.
- λ. 153. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιᾶσαι παιδίον.
- λ. 155. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα, ὅταν ἀποβάλληται.
- λ. 156. Σχηματολόγιον, σὺν Θεῷ ἀγίῳ περιέχον τὴν ἅπαντα ἀκολουθίαν. Ἀκολουθία εἰς ῥασοφόρον.
- λ. 157 об. Τάξις, γινομένη εἰς τὸ μικρὸν σχῆμα, ἦτοι εἰς τὸν μέλλοντα παρχμανδωθῆναι.
- λ. 166. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν καὶ ἅγιον σχῆμα.
- λ. 200. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.
- λ. 230. Молитвы на различные случаи.
- λ. 253. Ἀκολουθία εἰς κόλλυβι κακοιμημένων μοναχῶν.
- λ. 258. Ἄλλος κανὼν εἰς κόλλυβι κοσμητικοῦ.

СХ. Н № 104. Εὐχολόγιον, ркп. библ. лавры пр. Аѳанасія на Аѳонѣ въ 4 долю, 216 листовъ, писана почеркомъ 1561 года, какъ значится въ припискѣ: Ἐτελειώθη τὸ παρὸν εὐχολόγιον διὰ χειρὸς εὐτελοῦς Κυρίλλου μοναχοῦ, διὰ συνδρομῆς καὶ ἐξόδου τοῦ τιμωτάτου ἐν ἱερομονάχοις κυροῦ Θεοφάνους κατὰ τὸ ςξθ' ἰνδ. δ', καὶ εἴ τις βουληθῇ ἀποξενῶσαι αὐτὸ ἐκ τῆς χειρὸς αὐτοῦ, ἐχέτω τὰς ἀράς τῶν τῇ θεοφόρων πατέρων καὶ τῶν ἁγίων πάντων. Начала нѣтъ.

- λ. 1. Правила изъ Номоканона о крещеніи.
- λ. 8. Εὐχὴ συγχωρητική, ἣτις λέγεται παρὰ τοῦ πνευματικοῦ ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν.
- λ. 11. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.
- λ. 18. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.
- λ. 28 об. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοούμενον.
- λ. 45. Чинъ водерковленія.
- λ. 47 об. Молитвы на различные случаи.
- λ. 61. Εὐχὴ εἰς ἀρχάριον ῥασοφορῶντα.
- λ. 62. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἦτοι τοῦ μανδύου.
- λ. 67 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 95. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.

л. 97. Μεθοδίου τοῦ ἀγιοτάτου πατριάρχου διατάξεις περὶ τῶν διαφόρων τρόπων καὶ ἡλικιᾶ ἐπιστρεφόντων. Зѣсь излагаются разные молитвы надъ обращающимися къ церкви христiанскоѣ.

л. 103. Πῶς δεῖ δέχεσθαι τὸν ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχόμενον.

л. 105. Ἐκθεσις ἀκριβεστέρα περὶ τοῦ πῶς δεῖ δέχεσθαι τὸν ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχόμενον.

л. 113 об. Ἀκολουθία γονυκλισίας.

л. 125 об. Ἀκολουθία εἰς κόλλυβα κεκοιμημένων μοναχῶν.

л. 130 об. Ἔτερος κανὼν εἰς κόλλυβα κοσμικοῦ.

л. 135. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

л. 163. Τὰ ια' ἐωθινὰ εὐαγγέλια.

л. 174. Апостольскія и евангельскія чтенія общимъ святымъ, въ дни педѣли и на отдѣльные господскіе, богородичные и святыхъ праздники.

л. 214. Εὐχὴ τοῦ ἁγίου μεγάλου μάρτυρος Τρύφωνος. 2 молитвы.

CXI. № 996. Εὐχολόγιον, ркп. Синайской библ. въ 16 долю, 183 лисга, написана мелкою скорописью 1566 τοδα, 12 Μαρτα. На л. 153 находимъ слѣдующую приписку: ἐν τῷ ζ' οὐδ' ἔτει, μηνί Μαρτίῳ εἰς τὰς ιβ'.

л. 1. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἀγίῳ κεφάλαια διάφορα ἐκ τοῦ νομίμου τοῦ ἐν ἱερομονάχοις κύρ Ματθαίου· ἐπιτομή ὡς ἐν κεφαλαίῳ.

л. 27. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 46. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς χωράφιον ἢ ἀμπελώνιον, ἢ κήπον, (εἰ συμβῇ) βλάπτεσθαι ὑπὸ ἐρπετῶν.

л. 47. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν Θεοτόκον.

л. 51. Ἔτερος κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν Θεοτόκον τὴν ἀμόλυντον.

л. 60 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ψαλλομένη ὑπὸ ζ' ἱερέων, συναχθέντων ἐν ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν οἴκῳ. Gorg p. 332—346.

л. 90. Εὐχὴ ἐπὶ μιароφαγησάντων.

л. 90 об. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων.

л. 91 об. Εὐχὴ μετὰ θάνατον συγχωρητική.

— Εὐχὴ συγχωρητικὴ εἰς τὸν μέλλοντα ἐξομολογεῖσθαι, ἦν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς.

л. 93 об. Εὐχὴ ἐπὶ πᾶσαν ἀρρώστιαν.

л. 94. Εὐχή ἐπὶ ὀρύξει φρέατος.

л. 94 об. Εὐχή τοῦ ἀγίου μάρτυρος Τρύφωνος, λεγομένη εἰς κήπους καὶ ἀμπελῶνας καὶ εἰς χωράφια. 2 молитвы.

л. 97 об. Εὐχή εἰς τὸ εὐλογῆσαι τυρόν καὶ ὠά.

— Εὐχή, ὅταν ἀπέρχεται παιδίον μανθάνειν τὰ ἱερὰ γράμματα.

л. 98. Ἀκολουθία εἰς παῖδας κακοσκόπους. 2 молитвы.

л. 100. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 111. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ἀναστάσιμα.

л. 120. Отрывокъ изъ Старчества.

л. 121. Εὐχή εἰς ἀρχάριον ρασσοφοροῦντα. Goar. pag. 378. Одна молитва.

л. 121 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος. Ibid. p. 382—387.

л. 127. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος Goar. p. 403—414 съ тою разницею, что начало изложено такъ: Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ Κύριε ἐλέησον ἐβ', τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν, ὁ Ν', ὁ κανὼν и т. д. и нѣсколько иначе переставлены стихиры послѣ канона, за которыми предварительно слѣдуютъ: „Достойно есть“ Трисвятое, Отче нашъ и потомъ уже тропари: „Ἦθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι и др., называемые у Γοара аптифонами.

л. 149 об. Μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τῶν ἐπτὰ ἡμερῶν. Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς καὶ τὰ λοιπά, Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε ἐλέησον... Κύριε ἐλέησον ἡμᾶς... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν. Εὐχή εἰς τὸ ἀποκοινοῦντα. Goar. pag. 419.

л. 150 об. Εὐχή εἰς κανονικάς.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας. Goar. pag. 382.

л. 151. Ἀκολουθία εἰς μνήστρα, ἦτοι ἀρράβωνας.

Ἰστανται ὁ μὲν ἀνὴρ ἐκ δεξιῶν, ἡ δὲ γυνὴ ἐξ ἀριστερῶν, τίθουσι δὲ τὰ δακτυλίδια. Εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Βασιλεῦ οὐράνιε и т. д. См. выше стр. 739. Послѣ 3 молитвы: Σῶτερ ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια, εὐλογεῖ, ποιεῖ τύπον σταυροῦ εἰς τὸ μέτωπον, λέγων Ἀρράβωνιζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τὴν δούλην τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... καὶ ἐπιτίθει τὸ δακτυλίδιον τῷ ἀνδρὶ, εἶτα τῇ γυναικί, λέγων Ἀρράβωνιζεται ἡ δούλη.. ποιεῖ σταυρόν μετὰ τοῦ δακτυλιδίου ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, καὶ ἐπιτίθησιν ἐν τοῖς δεξιούς δακτύλοις, εἶτα ἀλλάσσει τὰ δακτυλίδια ἐκ γ', εἶτα τὴν εὐχὴν Εἰρήνην πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν...

Goar. pag. 311. Λέγε καὶ τὸν παρόντα ψαλμόν· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν Κύριον... κ. τ. λ. См. выше стр. 740.

л. 153 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος. См. выше стр. 740—742 и примѣн.

л. 159 об. Εὐχή εἰς τὸ ἐπάραι στέφανα, εἰς τὴν λύσιν στεφάνων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν τοῦ ἐνιαντοῦ στέφανον εὐλογήσας.

Goar. p. 325.

л. 160. Κεφάλαια περὶ διγάμων. Goar. pag. 327.

л. 160 об. Ἀκολουθία εἰς διγάμον. См. выше стр. 742—743.

л. 161. Ἀκολουθία εἰς γυναῖκα λεχώ.

Μετὰ τὸ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον ἤχος δ'. Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε, χαρὰν ἐμήνυσε... κοντάκιον· Ἰωακείμ καὶ Ἄννα ὀνειδισμοῦ ἀτεκνίας..., εἶτα, Κύριε, ἐλέησον μ' καὶ ἡ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάστης καὶ δημιουργὸς ἡμῶν. Прилож. стр. 3—4. Εὐχή ἐτέρα· Δέσποτα παντοκράτωρ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα.... Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον καὶ ἀπόλυσις.

л. 162 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα.

Ποιεῖ εὐλογητόν, Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον ἤχος α' Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε παρθένε... κοντάκιον· Γαστέραν παρθενικὴν ἀγιάσας τῷ τόκῳ σου... Κύριε ἐλέησον μ' καὶ εὐχή· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀπελθὼν. Прилож. стр. 19. Εὐχή ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar. pag. 264.

л. 164. Εὐχή εἰς γυναῖκα, ὅταν ἀποβάλληται. Goar. pag. 271.

л. 165. Ἀκολουθία τοῦ ἀγίου βαπτίσματος.

Μετὰ τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως, ὀφείλει ποιῆσαι εὐλογητόν, Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Ὅτι σοῦ ἐστίν, ἔξω τῆς ἐκκλησίας ἐμφυσῆσαι εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ, καὶ σφραγίσας μετὰ τῆς χειρὸς τρίτον, λέγει τὴν εὐχήν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθῆτω τὸ εὖ. Goar p. 264. Εἶτα ὀφείλει φέρειν τὸ παιδίον εἰς τὰς ὥραίᾳς πύλας, βασταζόμενον ὑπὸ γυναικὸς, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ παιδίον, ἀπέρχεται ἔμπροσθεν τῆς εἰκόνος Χριστοῦ, καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ἄρρεν, ποιεῖ ὡς ἐν σχήματι ἀσπασμοῦ εἰς τὴν εἰκόνα Χριστοῦ, εἰ δὲ θῆλυ, εἰς τὴν εἰκόνα

τῆς Θεοτόκου, σφραγίζει δὲ αὐτὸ τρεῖς, λέγων· Νῦν ἀπολύεις ἕως· φῶς εἰς ἀποκάλυψιν, καὶ τίθησιν αὐτὸ ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας εἰκόνης, λέγων· Τὸ δὲ παιδίον ἠῤῥξανε καὶ ἐκραταιοῦτο Πνεύματι. Εἰσελθὼν ὁ ἀνάδοχος, βαλὼν μετανόιας γ', λαμβάνει τὸ παιδίον καὶ ἐπιστρέφει, ὁ δὲ ἱερεὺς λύει τὴν ζώνην τοῦ παιδίου καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ γ', καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον καὶ τὸ στήθος ἐκ γ', τίθησι τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ παιδίου, λέγων· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεός. Goar. pag. 275—277. Ταύτας ε' εὐχὰς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ὁ κτ' αἰς. Ἀποδουμένον καὶ ἀπολυομένου τοῦ βαπτιζομένου, στρέφει αὐτὸν πρὸς δυσμὰς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, (καὶ) λέγει ἐκ γ'· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ... Прилож. стр. 21—23. Καὶ εὐθὺς (т. е. послѣ покаянія мыромъ) ἡ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον. Goar. p. 306. Εἶτα κείρει αὐτοῦ τὰς τρίχας σταυροειδῶς, λέγων· Κεῖρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... καὶ εὐθὺς ἡ εὐχή· Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας... Прил. стр. 24. Καὶ λαβὼν θυμιατὸν ὁ ἱερεὺς, ποιεῖ εἴσοδον γύρωθεν τῆς ἁγίας κολυμβήθρας, ψάλλων καὶ τὸ Ὅσοι εἰς Χριστὸν γ'. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων... Καὶ μεταδίδει αὐτῷ τῶν φρικτῶν καὶ ἐπουρανίων μυστηρίων καὶ τὴν εὐχήν. Εὐχὴ πρὸς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον. Λύει αὐτοῦ τὸ σάβανον, εἶτα· Εἰρήνην πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος. Goar. pag. 303. Καὶ λαβὼν μέρος ἐκ τῆς περικεφαλαίας, βάλλει εἰς τὸ ὕδωρ καὶ ἀποσπογγίζει τὴν κάραν σὺν τῷ μετώπῳ καὶ τῷ στήθει καὶ τοῖς νεφροῖς, λέγων· Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, ἡγιάσθης, ἐκαθαρίσθης, ἄπελθε ἐν εἰρήνῃ, Δόξα καὶ νῦν καὶ ἀπόλουςις.

л. 179. Ἀκολουθία, τυπωθεῖσα ὑπὸ τῆς μεγάλης καὶ ἁγίας συνόδου, εἰς τοὺς ἐκ τῶν λατινικῶν αἱρέσεων ἐπιστρέφοντας τῇ ὀρθοδόξῳ τε καὶ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ τῆς Κωνσταντινουπόλεως, ἀλλὰ δὴ τοῖς τρισὶν ἁγιωτάτοις πατριαρχείοις τῆς ἀνατολῆς, Ἀλεξανδρείας, Ἀντιοχείας καὶ Ἱεροσολύμων· ἐτυπώθη ἐν ἔτει 6992 ἐν Κωνσταντινουπόλει ἐπὶ τῆς πατριαρχίας τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου κὺρ Συμεῶν.

Листы въ рукописи перемѣнены и перебиты.

СХІІ. № 469. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Діонисіатскаго монастыря въ 8 долю листа, 114 листовъ, писана почеркомъ 1572 года, какъ видно изъ слѣдующей приписки: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Θωμᾶ ἱερέως πόνος ὑπάρχει ἐν Κωνσταντινουπόλει ἐπὶ ἔτους ,ζπ' ἰνδικτιῶνος ιε', ἐν μηνὶ Ἰουνίῳ κε'.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 14 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 32 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Γρηγορίου τοῦ Διαλόγου.

л. 40. Чтенія апостольскія и евангельскія недѣльныя.

л. 52 об. Εὐχὴ εἰς τὸ σφραγῖσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡμέρᾳ. Здѣсь же и чинъ крещенія.

л. 63. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς οἶκον (τῆς) λεχούσης.

л. 63 об. Εὐχὴ (εἰς) ἐτέρας γυναῖκας.

л. 64. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῶσαι παιδίον.

— Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιᾶσαι γυναῖκα.

л. 64 об. Εὐχὴ ἐπὶ θυσίαν κτηνῶν.

л. 65. Εὐχὴ ἐπὶ θυσίαν ἁλατος.

— Εὐχὴ ἐπὶ θυσίαν εἰς βοῶν.

л. 65 об. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 72 об. Ἀκολουθία τοῦ Ἀρράβωνος.

л. 73. Κανὼν ἐκκλησιαστικὸς ἐπὶ ἀρμόστρων.

л. 76. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

л. 80 об. Ἀκολουθία ἐπὶ διαγαμούντων.

л. 81 об. Молитвы на различные случаи.

л. 83. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 102 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 107. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ια'.

СХІІІ. № 487. Εὐχολόγιον, рукопись Аеоно-Діонисіатскоѣ библи. въ 16 долю листа, 355 листовъ, писана скорописью 1573 года. Приписка о времени написанія читается такъ: Δόξα τῷ ἁγίῳ Θεῷ ἡμῶν. Ἀμήν. Ἐγράφη ἐπὶ ἔτους ,ζπα'. Δῶρον τὸ παρὸν τοῦ Θεοῦ συνεργεῖα ἔγραψεν ἰδοὺ Χριστόφορος ἐν πόνῳ (л. 263). Начала въ рукописи не имѣется.

л. 4. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

л. 13 об. Ἀκολουθία εἰς κοσμικοὺς κοιμηθέντας.

л. 18. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα νεκρῶν.

л. 24. Ἐξοδιαστικόν.

л. 43 об. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφόρον.

λ. 44. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουώτου.

Ποιεῖ γονυκλισίας γ' ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν. . Καί ὅτε ἐξερχόμενος ἐν τῷ νάρθηκι, ἀποτίθεται πάντα τὰ συνήθη ἱμάτια καὶ αὐθις, εἰσαχθεὶς ἐνδοθεν τῶν βασιλικῶν πυλῶν πρὸς τοῦ ἐκκλησιάρχου, ἵσταται μετὰ κολοβίου ἄζωστου, ἀνυπόδετος καὶ ἀσκεπής, ἡ δὲ γυνὴ ὁδόνῃ μόνῃ περικαλυμμένη διὰ τὸ εὐσχημον... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἀνὰ χεῖρας τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἐπιτίθῃσι τὸ ψαλίδιον ἐν τῷ εὐαγγελίῳ, λέγων τῷ μέλλοντι κουρευθῆναι. Λάβε τὸ ψαλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Ὁ δὲ μέλλων κουρευθῆναι λαμβάνει αὐτὸ μετ' εὐλαβείας καὶ ἐπιδίδωσι τῷ ἱερεῖ. Τοῦτο δὲ γίνεται ἐκ γ'. По облачении взяв егъχειрѣзетъ αὐτῷ σταυρὸν ἐν τῇ δεξιᾷ χειρί, λέγων. Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἐλθεῖν... Ἀφ' αὐτοῦ δὲ κηρὸν καὶ ἐμβαλὼν τῇ ἐτέρᾳ χειρί, λέγει. Εἶπεν ὁ Κύριος· οὕτω λαμφάτω... О постриженіи волосъ говорится: Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπαρμόν, παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικὸν ἢ εἰς τὸν νάρθηκα, καὶ ἐξ αὐτῶν εἷς κουρεῖ αὐτόν, ἤγουν τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, ποιῶν ἐν αὐτῇ παπαλίθραν, οἱ δὲ λοιποὶ φάλλουσι τὸν Ἀρμυὸν ψαλμόν... Μετὰ δὲ τὸ ἀποκαρῆναι τὰς τρίχας, εἰσέρχεται ὁ ἀδελφὸς ἐνδον τοῦ ναοῦ καὶ ἵσταται, ὅπου ἂν προσταγῇ, βασιλεύων καὶ τὸν κηρὸν αὐτοῦ μέχρι τῆς ἀπολύσεως. Ὁψικεύει δὲ καὶ τὰ ἅγια μετὰ τοῦ κηροῦ αὐτοῦ ἐν τῇ εἰσόδῳ αὐτῶν καὶ ἐν τῇ ὑποστροφῇ ἕως τῶν ἁγίων θυρῶν... Δίδονται δὲ εἰς τὴν τράπεζαν ἐκάστῳ ἀδελφῷ ἕν ποτήριον ἀργυροῦν οἶνος εἰς σωτηρίαν καὶ ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ νεοκουρήτου.

λ. 52. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

λ. 72 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.

λ. 73 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

λ. 98 οβ. Τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν τὰ εὐαγγέλια τῆς λειτουργίας καὶ οἱ ἀπόστολοι.

λ. 136. Τὰ ια' ἐωθινὰ εὐαγγέλια.

λ. 143 οβ. Τοῦ ὁρθρου εὐαγγέλια, ἤγουν τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν καὶ τῶν μεγάλων ἁγίων.

λ. 153. Ἀκολουθία τῶν Φώτων.

λ. 160. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

λ. 169. Αἱ ἀπολύσεις τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν τοῦ ἐνιαυτοῦ.

λ. 170. Молитвы на различные случаи.

λ. 184. Ὅπως χρή δέχεσθαι τοὺς ἀπὸ ἐθνικῆς πλάνης ἐπιστρέφοντας πρὸς τὴν ἀμώμητον καὶ καθολικὴν τῶν χριστιανῶν ἡμῶν πίστιν.

λ. 185. Ὅπως χρή δέχεσθαι τοὺς ὑπαχθέντας ἐθνικῇ πλάνῃ καὶ πάλιν ἐπιστρέφοντας.

- λ. 188. Молитвы разрешительныя.
- λ. 194. Νομοκάνων.
- λ. 247. Τῇ κυριακῇ τῆς ὀρθοδοξίας. Полная служба этого дня.
- λ. 254. Служба на первое января.
- λ. 264. Μηνολόγιον.
- λ. 279. Разные тропари, богородичны и т. п.
- λ. 288. Προφητεῖαι, λεγόμεναι εἰς μνήμας ἁγίων καὶ τῆς Θεοτόκου.
- λ. 296. Περί τῆς ὑψώσεως τῆς παναγίας.
- λ. 298. Паремии на 26 сентября и 24 мая.
- λ. 301 об. Μεγαλυνάρια, φαλλόμενα εἰς τὰς δεσποτικῶν ἑορτῶν ἐννάτας ᾠδὰς, εἰς τὴν εἴσοδον τῆς Θεοτόκου.
- λ. 306 об. Утреннія 11 евангеліѣ.
- λ. 307. Ἀκολουθία, τυπωθεῖσα ὑπὸ τῆς Μεγάλης ἐκκλησίας συνόδου ἐν Κωνσταντινουπόλει εἰς τοὺς ἐκ τῶν λατινικῶν αἱρέσεων τῇ καθολικῇ προσερχομένους ἐκκλησίᾳ τῶν δ' πατριαρχικῶν θρόνων ἐπὶ τῶν ἡμερῶν τοῦ ἁγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου κύρ Συμεῶν, ἐν ἔτει 6992, ματφ κη'.
- λ. 304. Περί ἀρνούμενων τὴν πίστιν ἐν γνώσει ἡ ἀγνοίᾳ.
- λ. 305 об. Εὐχὴ πρὸς χριστιανόν, ὑπαχθέντα μὲν ἐθνικῇ πλάνῃ, ἀπιστρέψαντα δὲ ἐξ αὐτῆς καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ Θεοῦ προσδραχμόντα.
- λ. 306. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποστήσαντος παιδὸς καὶ μαχαρίσαντος καὶ αὐθις μετανουῶντος.
- λ. 307. Ἐκθεσις ἀπλουστέρα καὶ συντομωτέρα, συντεθεῖσα παρὰ τοῦ λογιωτάτου καὶ σοφωτάτου μεγάλου χαρτοφύλακος τῆς Μεγάλης τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίας, καὶ δοθεῖσα ἱρισμῷ τοῦ παναγιωτάτου ἡμῶν δεσπότης καὶ αὐθέντου, τοῦ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου κύρ Ἰερεμίου, ἐπὶ ἔτει τῶν τρεχόντων ζτζ'. О бракахъ.
- λ. 312-313. Позднѣйшія приписки.
- λ. 314. Лунникъ и Пасхалия.
- λ. 317. Κανὼν εἰς ψυχὴν κρινομένην.
- λ. 321. Περί τῶν ἐξ αἱμάτων ζ' βαθμοῦ.
- λ. 330 об. Περί λύσεως γάμου.
- λ. 333. Περί γάμων καὶ περὶ διαφορᾶς συγγενικῶν βαθμῶν, ποῖα εἴσι κεχωλωμένα καὶ ποῖα ἀχώλυτα.
- λ. 334. XVII в. Βροντολόγιον τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ.
- λ. 340. Περί προικός.
- λ. 343. Περί προγαμίας δωρεᾶς μεταξύ ἀνδρός καὶ γυναικός.
- λ. 345. Избранные псалмы на дни праздничные.

CXIV К. № 60. Εὐχολόγιον, ркп. лавры пр. Αθανασία на Αθονѣ въ 16 долю листа, 205 листовъ, писана въ 1578 году, какъ гласить приписка: 'Ετελειώθη ἐν μηνὶ 'Απριλίῳ ια', ἔτους 'ξπς' ἰνδ. ζ'.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

л. 3 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

л. 8. 'Ακολουθία τῆς γονυκλισίας, ἔχουν τῇ κυριακῇ τῆς Πεντηκοστῆς, ἐσπέρας.

л. 18 об. Молитвы на различные случаи.

л. 24. Литургія Іоанна Златοуста.

л. 39. Литургія Βασιλία Великаго.

л. 59. Литургія преждеосвященныхъ даровъ.

л. 67. 'Ακολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 74. 'Ακολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 81 об. 'Ακολουθία τοῦ εὐχελαίου.

л. 110. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

л. 126. Τάξις καὶ ἀκολουθία, γινομένη ἐπὶ μνήστροις.

л. 136 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἄραι καὶ λῦσαι στέφανα τῇ η' ἡμέρᾳ.

л. 137. Εὐχὴ λεγομένη εἰς διγάμους.

л. 138. Апостольскія и евангельскія чтенія.

л. 156. 'Ακολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ.

л. 178 об. Ἄλλος κανὼν νεκρώσιμος εἰς κοσμηκούς.

л. 182. 'Ακολουθία τοῦ ἀκαθίστου ὕμνου τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου.

л. 197. Εὐαγγέλια ἐωθινά ια'.

CXV. № 134 (593). Εὐχολόγιον, рукопись святогробской библиотеки въ Константинополѣ въ 16 долю листа, 380 листовъ, писана четкимъ почеркомъ 1584 года, какъ значится въ припискѣ: ἐν ἔτει ἐπτακισχλίστῳ ἐννενηκιστῳ δευτέρῳ ἰνδικτιῶνος (;) καὶ ἐπεδόθη τῷ ἐντιμωτάτῳ καὶ εὐγενεστάτῳ Κόρῳ (?).

л. 1. Πίναξ ἀκριβῆς τῆς παρούσης πυκτίδος.

л. 9. Ἑρμηνεία τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας.

л. 9 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως. Чинъ съ подробнымъ изложениемъ обрядовыхъ дѣйствій.

л. 24. Αἱ ἀπολύσεις αἱ δεσποτικαὶ τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ.

л. 24 об. Εἰδήσεις περὶ τοῦ προηγιασμένου ἄρτου.

л. 25. Ἐναρξίς τοῦ Χρυσοστόμου, ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου, τοῦ ἀρχιεπισκόπου Καισαρίας Καππαδοκίας τοῦ Μεγάλου

л. 35. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Γρηγορίου ἀρχιεπισκόπου τῶν προηγιασμένων. Чинъ проскомидіи отличается сложностію и обиліемъ молитвъ, какія въ другихъ спискахъ этого чина не встрѣчаются.

л. 45. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 51. Чтенія изъ Апостола и Евангелія общимъ святымъ.

л. 53. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπομυρῆσαι τὸν τίμιον σταυρόν. См. ниже ркп. XII—XIII в. № 355 той-же библи. л. 94.

л. 54. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγῆσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

л. 54 об. Τῇ δὲ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ πάλιν προσάγεται τῷ ναῷ ἐπὶ τῷ ἐκκλησιασθῆναι, ἡγουν ἀρχὴν λαβεῖν τοῦ εἰσαγεῖν εἰς τὴν ἐκκλησίαν.

Дѣѣ молитвы женѣ родильницѣ, самый обрядъ водерковленія съ внесеніемъ въ алтарь и молитва: Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν μ' ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερόν ἀπελθών. См. выше стр. 176.

л. 55 об. Τάξις, γινομένη εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. Чинъ во многомъ сходенъ съ ркп. № 355 XII—XIII в. той-же библи.

л. 64. Ἡ ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἀγιαζομένου ὑπὸ ἑπτὰ ἱερέων. См. выше стр. 320—323.

л. 80. Ἀκολουθία εἰς ἀρραβῶνα γάμου.

Μετὰ τὸ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν καὶ τὸ ἀπολυτίκον, κοντάκιον τῆς ἡμέρας, Δόξα, τροπάριον Ὁ Θεός τῶν πατέρων ἡμῶν, καὶ νῦν, Θεοτοκίον. Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων... εἶτα τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ τῷ παιδί τοῦ πατριάρχου Ἀδραᾶμ συμπορευθεῖς. См. выше стр. 95. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

— Ἀκολουθία εἰς μνηστρα. См. выше стр. 95, но съ пропускомъ словъ: στέχει δὲ καὶ τὸ ποτήριον τῆς ἁγίας κοινωνίας ἐν τῇ трапѣзѣ. Оканчивается замѣчаніемъ: καὶ εἴπερ ὧσι νήστεις, ποιεῖ αὐτοὺς κοινωνῆσαι, εἶτα Δόξα καὶ νῦν, Τὴν τιμιωτέραν, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 81. Κανὼν εἰς ἐκκλησιαστικούς γάμους. См. выше стр. 96—101. Однѣ молитвы безъ раздѣленія исалмами и безъ обряда поднязыванія меча жениху. Послѣ великой ектеніи: ὁ ἱερεὺς πάλιν ἐκφωνεῖ Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς... Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν... Ὁ ἱερεὺς· Ὁτι σοῦ... Εἰρήνην πᾶσιν Τὰς κεφαλὰς. О литургіи пѣтъ упоминанія, а сейчасъ послѣ мо-

литвы и главопреклоненія και κοινωναῖ αὐτοὺς τῶν θείων μυστηρίων και λέγει· Ὁρθοὶ οἱ μεταλαβόντες... ἕως τέλους, εἶτα βάλλει οἶνον εἰς δύο ποτήρια και λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τῶν ποτηρίων. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου. Goar. p. 319. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ λαός· Σοὶ Κύριε. Ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἀγαθὸν ἥλιον ἐν ἄρματι πυρίνῳ... См. выше стр. 101, εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν τῆς ἀπολύσεως εἰς ἐπήκοον πάντων· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε... Δόξα και νῦν, Τὴν τιμιωτέραν και γίνεται ἀπόλυσις· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾶ ἐπιδημίας τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον... Καὶ αἶρει (τὰ) στέφανα ἀπὸ τῆς κεφαλῆς αὐτῶν και εὐλογῆσας αὐτοὺς ἀπολύει.

λ. 86 οδ. Ἡ ἀκολουθία ἐπὶ διγαμούντων.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, τροπάριον τῆς ἡμέρας, εἶτα συναπτὴ και ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, και ἡ εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ κελεύσας ἐνωθῆναι τὸν ἄνδρα. См. выше стр. 126. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Ὁ κλίνας οὐρανούς και καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Тимъ-же. Καὶ γίνεται ἀσπασμός ἐπ' ἀλλήλων. Χρὴ γινώσκειν, ἐὰν μὲν εἰσιν οἱ ἀμφότεροι δίγαμοι, λέγονται ἐπ' αὐτοὺς αἱ εὐχαὶ αὗται και μόναι, και μεταλαμβάνουσι τῶν θείων μυστηρίων, λέγεται δὲ και ἐπ' αὐτοὺς και ἡ εὐχὴ τῶν ποτηρίων, καθάπερ ἐπὶ γάμου, εἶτα ἐπιδίδει αὐτοῖς και τὰ κοινὰ ποτήρια, και πίνουσιν αὐτά, εἰ δέ ἐστι τὸ ἐν μέρος δίγαμος, ἵστησιν αὐτούς, και λέγει τὰς εὐχὰς ταύτας και τὰ λοιπὰ τοῦ γάμου, καθὼς προεγράφησαν, και στέφεται ὁ δίγαμος διὰ τοῦ ἀγάμου.

λ. 86 οδ. Τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

λ. 92 οδ. Ἀκολουθία, ὅταν τίττι, ἡ γυνή.

Ἰσταται ὁ ἱερεὺς ἔξω τῆς οἰκίας ἐν τῇ πύλῃ, πάντων τῶν τυχόντων ἐν τῇ γεννήσει τοῦ παιδίου ἐντὸς ὄντων, και ἄψας κηρὸν και θυμιᾶσας, ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ ἀπολυτίκιον και τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας και εὐδύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, και λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ χοῦς πλάσας τὸν ἄνθρωπον και ἐξ αὐτοῦ ἀναπλάσας γυναῖκα, και ἰσοτιμήσας αὐτούς... А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 3. Τὴν τιμιωτέραν και ἀπόλυσις. Εἶτα εἰσέρχεται ἐντὸς, θυμιᾷ τὸ εἰκονοστάσιον και ἄπτει ἐκεῖ κηρὸν, και οὕτω θυμιᾷ ὅλον τὸν οἶκον και ἐξέρχεται.

λ. 93. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἐκκλησιᾶσαι γυναῖκα. Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς (εὐλογητόν), Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, εἶτα τροπάριον τῆς ἡμέρας και λέγει τὴν

ἑὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. См. выше стр. 176.

л. 93 об. Ἀκολουθία γινομένη, ἐὰν συμβῇ μιᾶρόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

л. 94. Εὐχὴ εἰς ἀρχὴν σπόρου.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀρχὴν θέρους.

л. 94 об. Ἀκολουθία ¹⁾ ἐπὶ ἀνομβρίαν. Goar. p. 613.

— Ἀκολουθία ἐπὶ σεισμοῦ. Goar. p. 623.

л. 95. Εὐχὴ ἐπὶ τοῖς ἀπὸ ἐχθρας εἰρηγεύουσαι. См. выше стр. 121.

— Ἀκολουθία ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων. Goar. pag. 535.

л. 95 об. Ἀκολουθία ἐπὶ μετανοούντων. Goar. p. 536.

— Ἀκολουθία ἐπὶ ἐξομολογουμένων. Goar. p. 537.

л. 96. Ἀκολουθία εἰς κατάρτισιν πλοίου.

— Ἀκολουθία ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ.

— Ἀκολουθία ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου. Goar. p. 484.

л. 96 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιαινοφαγῶντων. Goar. pag. 534.

— Ἀκολουθία, ἐὰν τις μαγαρίσῃ καὶ πάλιν ἐπιστρέψῃ.

л. 97. Ἀκολουθία ἐπὶ σωροῦ ἐν παντὶ καρπῶν εἶδει.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ τὰ πάντα ποιήσας. См. выше стр. 116.

л. 97. Ἀκολουθία εἰς τὸ λῦσαι κανόνα. См. выше стр. 110.

— Ἀκολουθία ἐπὶ ψυχομαχούντων καὶ βιαζομένων. Тамъ-же.

л. 98. Ἀκολουθία εἰς πᾶσαν ἀσθένειαν βοῶν καὶ προβάτων καὶ αἰγῶν.

Τρισάγιον καὶ ἡ εὐχὴ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πᾶσαν ἀσθένειαν βοῶν καὶ προβάτων καὶ αἰγῶν ἐπιστάμενος, ἐπικαλούμεθα σε, βασιλεῖ ἀκήρατε, ἀνόδυε, εἰ καὶ ἐξ ἡμετέρων ἀμαρτιῶν ἐπῆλθε νόσος τοῖς κτήνεσιν ἡμῶν, ἀλλὰ τῇ ἀφάτῳ σου φιλανθρωπίᾳ ἤλθες καὶ ἔσωσας ἡμᾶς, ἀνακαλεσάμενος ἡμᾶς ἐκ τῆς πλάνης καὶ ἐπιβουλῆς τοῦ ἀντικειμένου διαβόλου, καὶ τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτοῦ· καὶ γὰρ σὲ φρίττουσι καὶ τρέμουνσι πᾶσι αἱ ἐναντίαι δυνάμεις, σὲ ὕμνεῖ καὶ αἰνεῖ καὶ δοξολογεῖ πᾶσα πνοή, σὲ ἐπικαλούμεθα τὸν μόνον Θεόν, πάριδε τὰ πλήθη τῶν ἀμαρτιῶν ἡμῶν καὶ πρόσδεξαι τὴν ἐκτενὴ ἡμῶν δέησιν, ὥς εὐλόγησας τὴν πόλιν ἡμῶν

¹⁾ Всюду молитвы называются ἀκολουθία, потому что предваряются обычнымъ началомъ. Молитвы въ большинствѣ тѣ-же, что и въ ркп. Синайск. опбл. 1153 г. № 973. См. выше стр. 100 и т. д.

Ἀβραάμ, καὶ Ἰσαάκ, καὶ Ἰακώβ, καὶ Δαβὶδ, καὶ τῶν ἀγραυλοῦντων ποιμένων ἐπὶ τῇ σωτηρίᾳ τῶν ἀνθρώπων, τῇ γενομένῃ διὰ τῆς ἐνανθρωπήσεώς σου, καὶ ὠδήγησας τῷ Ἀστέρι, καὶ τῷ θαύματι ἀγγελικαῖ στρατιαὶ δόξαν καὶ εὐχαριστεῖαν ἀνέπεμπον τῷ κράτει σου, Κύριε. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ νῦν, Κύριε, τὴν ποιμνὴν ταύτην, καὶ ῥῦσαι αὐτὴν ἀπὸ πάσης νόσου καὶ ζήλου, καὶ φθόνου, καὶ βαρυνχίας, καὶ λευκώματος, ἐβρασμοῦ καὶ συνδέσμου, κρατονίου, ὕπατος, σπλήνος, βδέλλας, καὶ δυσεντερίας, κοιλίας, θυμοῦ, χώρας ἀρμονίας καὶ μυξας, χουτατίδος καὶ χασβατίου, μυσερῶν καὶ τραχώματος, στραβίδος καὶ ναρκισμοῦ, μαμουδίου καὶ βατράχου, σκορδασμοῦ καὶ δυσουρίας, βδελισμοῦ καὶ ὕδρουκιδος, θαίμονος καὶ χολῆς, ἀνατριχιασμοῦ καὶ βοτανισμοῦ, ὕδροκώμου καὶ ἐντεροκοπισμοῦ, θηρῶν καὶ ἀκανθῶν, ἀπνοτήματος καὶ φαρμάκου, καὶ τὸ ἦμυσι τοῦ ἡμύσου, καὶ τῶν λοιπῶν τοῦ πάθους, ὧν γινώσκωμεν καὶ ὧν οὐ γινώσκωμεν, ἀπέλασον, ἀποδώξον πᾶν πνεῦμα πονηρὸν καὶ ἀκάθαρτον ἀπὸ ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν αὐτῶν. Ἐξορκίζω σε καὶ ἀφορκίζω σε τοὺς δώδεκα ὑετοὺς τοῦ οὐρανοῦ καὶ εἰς τὴν Μητέρα τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ καὶ κατὰ τῶν ἁγίων καὶ ἀχράντων δυνάμεων, ὧν ταῖς ἀπαύστοις δοξολογίαις καὶ ἱκεσίαις παρακλήθητι, πολυέλεε Κύριε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, ὃ ἔχων ἐξουσίαν πάσης πνοῆς, καὶ ῥῦσαι τὴν ποιμνὴν ταύτην καὶ πάντα τὰ ἐξυπηρετοῦντα κτήνη τοῖς δούλοις σου ἀπὸ πάσης νόσου καὶ λοιμικῆς, ὀνομασθείσης καὶ ἀνωρύμου, καὶ παράσχου αὐτοῖς ὕγειαν καὶ ὀλοκληρίαν, παρεμβάλλων κύκλῳ δι' ἁγίου ἀγγέλου σου, φυλάττων καὶ ρυόμενος αὐτὰ ἡμέρας καὶ νυκτός, ἵνα δι' αὐτῶν τὸ πρὸς ἐργασίην καὶ τροφὴν ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δοῦλοί σου εἰσπορίζομενοι, μεμνήμεθα καὶ τῶν πενήτων καὶ δόξαν σοὶ καὶ εὐχαριστίαν ἀναπέμπωμεν, τῷ Πατρὶ... См. выше стр. 124—125, 452, 474.

л. 98 об. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων ἐπτὰ πκίδων εἰς ἀσθενῆ μὴ ὀπνοῦντα.

л. 99 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ εὐλογῆσαι ἄλας. См. выше стр. 103.

— Εὐχὴ εἰς τὸ εὐλογῆσαι ἐδέσματα κρεῶν τῇ ἀγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ τοῦ Πάσχα.

л. 100. Εἰς τὸ εὐλογῆσαι τυρόν.

— Ἀκολουθία εἰς τὴν εὐλόγησιν τῶν ἄρτων τοῦ Θωμᾶ. См. выше стр. 124.

л. 100 об. Εὐχὴ, ὅταν ἀπέρχεται παιδίον μανθάνειν τὰ ἱερὰ γράμματα.

— Ἀκολουθία εἰς κακοσκόπους παῖδας.

л. 101 об. Εὐχὴ εἰς πόλεμον πορνείας. 2 МОЛИТВЫ.

λ. 102. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

— Εὐχὴ εἰς τὸ σαλευθῆναι τὴν ἀγίαν τράπεζαν.

λ. 102 об. Ἀκολουθία ἐπὶ τρύγης ἀμπέλου. Goar p. 552.

— Ἀκολουθία ἐπὶ κλίνης ἀρρώστου. См. выше стр. 107.

λ. 103. Ἀκολουθία ἐπὶ ἀνορύξεως φρέατος.

— Ἀκολουθία ἐπὶ κατασκευῇ πλοίου.

λ. 103 об. Ἀκολουθία ἐπὶ φρέαρ μινθέν. См. выше стр. 117.

λ. 104. Ἀκολουθία εἰς μινθέν σκεῦος κοῦφον. Тамъ-же стр. 117.

— Ἀκολουθία ἐπὶ παντός εἶδους μινθέντος. Goar. p. 483.

λ. 104 об. Εὐχὴ τοῦ ἀγίου μεγάλου μάρτυρος Τρύφωνος, λεγομένη εἰς ἀμπελῶνας, εἰς δένδρα, εἰς χωράφια καὶ εἰς κήπους.

λ. 105 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ πατρὸς πνευματικοῦ πρὸς πνευματικὸν υἱόν. Издана А. Алмазовымъ въ Тайн. исповѣд. въ прав.-восточной церкви т. III, отл. II, стр. 68, но съ вѣкоторыми погрѣшностями.

— Μαρτυρία πνευματικοῦ πατρὸς πρὸς πνευματικὸν τέκνον.

Ὁ δεῖνα ἱερεὺς ἐλάχιστος, προτροπῇ θείᾳ τοῦ πανιερωτάτου μητροπολίτου Τραπεζοῦντος, ὁ δεῖνα, τὰς τῶν ἀνθρωπίνων λογισμῶν καὶ πράξεων ἐξαγορείας δεχόμενος, συνίστημι καὶ τὸν παρόντα πνευματικὸν μου παῖδα, τόνδε, κατὰ τὴν τῶν ἑαυτοῦ λογισμῶν ἐξαγορείαν τὴν πρὸς ἐμέ, καὶ μαρτυρῶ, ὡς οὐδέν ἐστι τὸ κωλύον αὐτῷ κατὰ τὴν κανονικὴν παρατήρησιν εἰς ἱερέα προβῆναι καὶ ἐν καθέδρᾳ πρεσβυτέρων αἰνεῖν τῶν ἐπὶ πάντων Θεόν, καὶ τούτου χάριν τὸ παρὸν αὐτῷ τῆς ἡμετέρας συστάσεως ἐπιδίδεται γράμμα

— Ἀκολουθία εἰς τὸ εὐλογῆσαι οἶνον.

λ. 106. Εὐχὴ τῆς μεταλήψεως τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 106 об. Ἀκολουθία εἰς κόλλυβον μνήμης ἀγίων, ἑορταζομένων εἰς τὴν τράπεζαν. Goar. pag. 524.

λ. 107. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς κόλλυβα.

Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ αἰνετὸν καὶ δεδοξασμένον. См. выше стр. 111.

λ. 108. Εὐχὴ ἐπὶ θυσιῶν.

— Εὐχὴ ἐπὶ θυσίας (εἰς) βοῶν. См. ниже ркп. XII—XIII в. той-же библи. № 355.

λ. 108 об. Διδασκαλία περὶ καταστάσεως ἱερέων καὶ περὶ τοῦ μὴ καταφρονεῖν τῆς ἱεραῆς λειτουργίας· Πρόσεχε σεαυτὸν, ὦ ἱερεῦ, καὶ βλέπε διακονίαν...

λ. 109. Παραγγελία, γινομένη παρὰ τοῦ ἱερέως πρὸς τὸν λαὸν μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τοῦ ὄρθρου καὶ ὅτε δίδει (εἰς) τὸν λαὸν τῶν ἀχράντων μυστηρίων, προσφωνεῖ τὸν λαὸν λέγων· Ἀδελφοί μου ἀγαπητοί, οἱ συναθροισθέντες εἰς τὴν ἁγίαν τοῦ Θεοῦ μεγάλην ἐκκλησίαν πρὸς τὸ λατρεῦσαι τῷ Θεῷ ἐν ὁσιότητι καὶ δικαιοσύνῃ, καὶ τῶν ἀχράντων Αὐτοῦ μυστηρίων μεταλαβεῖν βουλόμενοι, ἀκούσατε· ἐγὼ ὁ ταπεινὸς καὶ πάντων ἐλάχιστος τὰς γνώμας ὑμῶν οὐ γινώσκω, τὰς πράξεις ὑμῶν οὐκ ἐπίσταμαι, τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν ἀγνοῶ, διὰ τοῦτο τῷ Θεῷ βαλλόμενος φόβῳ, παρακαλῶ καὶ παραγγέλλω ἐνὶ ἐκάστῳ ὑμῶν ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ, παραινῶ, λέγων· μηδεὶς ἔνοχος ἁμαρτίας ὑπάρχων, καὶ ὑπὸ τῆς ἰδίας κατηγορούμενος συνειδήσεως, πρὸ τοῦ μετανοῆσαι τολμῆσαι καταφρονητικῶς μετασχεῖν τῶν ἀχράντων καὶ ζωσποίων μυστηρίων· εἰ δὲ μήγε κρίμα ἑαυτῷ ἐσθίει καὶ πίνει, ἕκαστος ὑμῶν δοκιμαζέτω ἑαυτὸν καὶ οὕτως ἐκ τοῦ ἄρτου ἐσθιέτω καὶ ἐκ τοῦ ποτηρίου πινέτω, διὸ πάλιν λέγω καὶ λέγων οὐ παύομαι· ἄθως εἰμι ἀπὸ τοῦ αἵματος ὑμῶν, ὑμεῖς ὅψασθε τοῦ Δεσποτικοῦ σώματος καὶ αἵματος μηδεὶς ἀναξίως μεταλαμβάνων· ὁ γὰρ Θεὸς ἡμῶν πῦρ καταναλίσκων ἐστί, καὶ τῶν πιστῶς προσερχομένων αὐτῷ ἀναλίσκει καὶ καταφλέγει τὰς ἁμαρτίας, τὰς δὲ ψυχὰς φωτίζει, τῶν δὲ ἀπίστων φλογίζει καὶ κατακαίει τὰς ψυχὰς, καὶ διὰ τοῦτο ἐν ὑμῖν, ὡς φησὶν ὁ ἀπόστολος· πολλοὶ ἀσθενεῖς καὶ ἄρρωστοι καὶ κοιμῶνται ἱκανοί, τοῦτ' ἐστὶν ἀποθνήσκουσι πολλοί· μηδεὶς ταῖνυν ὀμνύων ἢ ἐπίορκος, ἢ ψεύστης, ἢ κλέπτης, ἢ πόρνος, ἢ μοιχός, ἢ ἀρσενοκοίτης, ἢ κτηνοβάτης, ἢ ἄρπαξ, ἢ μέθυσος, ἢ λοιδορός, ἢ μῖσος, ἢ φθόνον ἔχων κατὰ τινος, ἢ φόνον πεποιηκώς, ἢ μάντεσι καταφεύγων, ἢ τιμωρύχος, ἢ δέτης, ἢ λύτης, ἢ μανιχαῖος, ἥτοι παυλικιανὸς τολμήσει προσελθεῖν καὶ τῶν φρικτῶν τοῦ Χριστοῦ ἄψασθαι μυστηρίων· ὁ γὰρ λόγος τοῦ Θεοῦ τιμιώτερος ὢν ὑπὲρ πᾶσαν μάχαιραν δίστομον, καὶ δεικνύμενος ἄχρις ἁρμονιῶν καὶ μυελῶν καὶ χρυπτικῶν μυσήσεων καὶ ἐννοιῶν καρδίας, βλέπετε, ἀδελφοί μου, μηδεὶς τῶν καταλεγομένων τολμήσῃ ἀναξίως μεταλαβεῖν· φοβερόν γάρ ἐστι τὸ ἐμπεσεῖν εἰς χεῖρας Θεοῦ ζῶντος· αὐτὸς γὰρ εἶπεν, ὅτι οὐκ ἔστιν, ὃς ἐξελεῖται ἐκ τῶν χειρῶν μου.

λ. 110. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ.

λ. 116. Ἀκολουθία εἰς κοσμικὸν κοιμηθέντα. Краткое и обычное изложение чина погребения.

λ. 117 об. Марковья главы съ 83 по 106 главѹ.

λ. 121. Εὐχή, ὅταν ποιῇς τινα ἀφέσιμον.

Ὁ Θεὸς ὁ πολυεύσπλαγχνος καὶ μακρόθυμος, ὁ δι' ἡμᾶς τοὺς ταπεινοὺς ἐνανθρωπήσας, καὶ παντός τοῦ κόσμου τὴν ἁμαρτίαν ἀράμενος·

л. 122 об. Ἀκολουθία εἰς καθιέρωμα ναοῦ ἐν τῷ μικρῷ ἑσπερινῷ. Полная служба вечерни и утрени.

л. 129. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης. Goar. p. 655—661 сь незначительными отступленіями.

л. 138 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης. Goar p. 490—491.

л. 139 об. Εἰς τὰς ἑορτάς, ὅπου βουλευσαι τῆς ἀγρυπνίας. Чинъ литіи в всеобщаго бдѣнія.

л. 142. Γράφομεν ἐνταῦθα καὶ τὸ ιη' κάθισμα τοῦ Ψαλτηρίου εἰς στιχολογίαν τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης τεσσαρακοστῆς εἰς τοὺς ἑσπερινοὺς τῆς λειτουργίας.

л. 145. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ τοῦ Μηνολογίου.

л. 244 об. Апостольскія и евангельскія чтенія на постъ и Пятидесятницу.

л. 367. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ τὰ ἑνδεκα.

л. 372. Κανὼν εἰς τὴν ἁγίαν καὶ ὁμοούσιον καὶ ζωοποιὸν Τριάδα καὶ εἰς πάντας τοὺς ἁγίους εἰς ἀπειλὴν λοιμικῆς ἀσθενείας.

Παῖσις ἐλέω Θεοῦ πατριάρχης τῆς ἁγίας Πόλεως. Позднѣйшая приписка.

СХVI. № 69. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳопо-Протатской библиотеки въ 8 долю листа, писана скорописью 1592 года. Приписка (л. 263 и 265) къ рукописи напечатана С. Ламбросомъ въ его Κατάλογ. τῶν ἐν ταῖς βιβλιοθήκαις τοῦ ἁγίου ὁρους ἐλληνικῶν κωδίκων т. α' р. α' σελ. 24 Ἀθην. 1888.

л. 1—11 об. Οглавление рукописи.

л. 12 об. Ἀκολουθία εἰς κόλλυβιν τῶν κεκοιμημένων μοναχῶν.

л. 20. Εὐχαὶ τοῦ λοχικοῦ. 7 молитвъ.

л. 22 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 13 молитвъ.

л. 28. Ἀκολουθία τῶν ἀποστόλων καὶ εὐαγγελίων τῆς ὅλης ἐβδομάδος и на различные случаи.

л. 66. Εὐχὴ εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.

л. 66 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἥτοι μανδύου.

л. 78. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 103. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

л. 131. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου εὐχελαίου.

л. 164. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 174. Ἀκολουθία τοῦ ἀκαθίστου.

л. 187 об. Литургія св. Іоанна Златοуста.

л. 189 об. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

л. 205. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

л. 211. Εὐχαὶ τῶν ἁγίων βαπτισμάτων.

л. 219. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα ἐν ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

л. 221. Молитвы на различные случаи.

л. 236. 11 утреннихъ евангелій.

л. 248. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 260. Εὐχὴ συγχωρητικὴ, ἣτις λέγεται παρὰ τοῦ ἀρχιερέως ἢ ὑπὸ πνευματικοῦ πατρός.

Въ концѣ рукописи приписанъ другою рукою: Κανὼν παρακλητικὸς νεκρώσιμος, ψαλλόμενος εἰς τὸ κοιμητήριον.

СХVІІ. № 68. Εὐχολόγιον, рукопись Святотробеской библиотеки въ Константинополѣ въ 16 долю листа, 222 листовъ, писана четкою скорописью XVI в. Въ концѣ рукописи приписка: «Λασκαρίνα Μανώλη, Ἀργυροπολίνα Δημνέα στὸ κοντοσκάλι». Μὴν νοέμβριος ζ', ὁ Μανο(υ)ήλ.

л. 1. Αἱ εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 7 молитвъ.

л. 4. Εὐχαὶ ἐωθιναί. Молитвъ 13.

л. 9 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 17 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

л. 28 об. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

л. 35. Εὐχὴ ὅταν χρίουν εὐχοδότην.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πρὶν μὲν τὴν γῆν τοῖς ἄνθεσι καλλωπίσας, καὶ καρποφορίαν... См. ниже Ркп. Есфигм. библ. XVI в., № 208, л. 70.

— Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογία οἴνου. Goag. p. 553.

л. 35 об. Εὐχὴ μικροῦ τινος ἐμπесόντος εἰς φρέαρ.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δοῦς ἐξουσίαν καὶ ἐντολὴν τοῖς δούλοις σου, τοῖς προφῆταις καὶ ἀποστόλοις, ἐν τῷ λόγῳ σου καθαρίζειν πάντα μολυσμόν... См. ниже Есфигм. ркп. № 208 л. 73.

л. 36. Εἰ δὲ ἐν ἐτέρῳ σκεύει κενῷ ἐμπέσῃ μιарόν, χρὴ αὐτὸ πλύνεσθαι, καὶ βαλλομένου ἁγιάσματος σταυροειδῶς, λέγεσθαι καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα καρδιογνώστα, ὁ ἐπιστάμενος τὰ ἀπόρρητα. См. выше стр. 468.

л. 37. Ἐὰν συμβῇ τι μιарὸν ἐμπесеῖν εἰς ἄγγετον οἴνου ἢ ἐλαίου, ἔξελε αὐτὸ καὶ βάλε τὸ (οἶνον ἢ ἐλαιον) εἰς τε ἱερὸν ἄγγετον, καὶ πλύνον αὐτὸ καλῶς,

καὶ ἔρχεται ὁ ἱερεὺς, καὶ θυμιᾷ καὶ βάλλει ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανίων, καὶ ποιῶντα σταυροὺς τρεῖς εἰς αὐτό, τὸν οἶνον ἢ τὸ ἔλαιον, καὶ θυμιάσαντα, ἐπεύξασθαι οὕτως· Ὁ Ἅγιε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ εὐσπλάγχνῳ ἐπὶ γῆς ἐπιδημία... Goar. p. 481.

λ. 38. Εὐχή ἐπὶ μαροφαγησάντων. Goar. p. 534.

λ. 38 ὁβ. Εὐχή, λεγόμενη εἰς ψυχόρραγοῦντα.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ συγχωρήσει σοι πνευματικόν μου τέκνον... См. выше стр. 781.

— Εὐχή ἑτέρα εἰς ψυχόρραγοῦντα.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ... Goar. p. 587.

λ. 39. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου... Θεὸς Κύριος... Τῇ Θεοτόκῳ ἔκτενῶς... Οὐ σιωπήσομεν ποτέ... Ὁ κανὼν, ὧδή α', ἤχος δ' Ὑψίστης τὸ ἐρυθραῖον... Goar p. 339 до тропари: Ταχὺς εἰς βοήθειαν μόνος ὑπάρχων, Χριστέ. Goar. pag. 335. Ἔθεται τετραπόδιον καὶ ἄνωθεν πινάκιον καὶ εἰς τὸ πινάκιον αἶτος καὶ εἰς τὸν αἶτον κανδήλα με ἐπτὰ φυτρία, εἴτα τὸν Ν', καὶ τὸ Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ... καὶ Πιστεύω εἰς ἕνα... Βάλλει ὁ πρωτοπαπᾶς οἶνον καὶ ἔλαιον ἐν τῇ κανδήλῃ, καὶ πάντες οἱ ἱερεῖς ἐπιβάλλουσιν ἔλαιον εἰς καθ' εἷς κατὰ τὴν τάξιν ἐν τῇ κανδήλῃ, λέγοντες καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τοῦ ἐλαίου· Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει... Goar p. 337. Καὶ εὐθὺς τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἔλαιον τοῦτο δυνάμει... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι αὐτὸν τῆς βασιλείας... Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι... Τῆς παναγίας, ἀχράντου, ὑπερευλογημένης... Ὅτι πρέπει. Εἴτα λέγονται τροπάρια ταῦτα κατ' ἤχον α'. Μητέρα σε Θεοῦ... κ. τ. λ. См. Приложение стр. 122, по на Слава: Ὁ ἅγιοι ἀνάργυροι... Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα ἔχομεν... Καὶ ἔρχεται ὁ μέλλων ποιῆσαι τὸ εὐχέλαιον, λέγει· Εὐλογεῖτε, δεσπότα ἅγιοι, καὶ συγχωρήσατέ μοι. Ὁ Θεός, ἀδελφέ, συγχωρήσαι καὶ ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλλοντι. Καὶ εὐθὺς τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἐλεός σου... Καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου. Goar. pag. 337. Евангеліе, молитвы, ектенія, апостолъ и евангеліе вторые, какъ у Гоара pag. 337—339. Послѣ втораго евангелія молитва: Εὐδιᾶλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος... Прилож. стр. 124—126. При помазаніи масломъ, кромѣ обычной молитвы: „Πάτερ Ὁ Ἅγιε...“ pag. 338, положено еще произносить: „Ὁ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου, τοῦ

ποιήσαντος τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. Трєіій апостолѣ и евангеліе, что у Гоара pag. 340, а молитва: Δέσποτα Κύριε παντοκράτωρ, ἅγιε βασιλεῦ... Прилож. стр. 127. Четвертые апостолѣ и евангеліе, что у Гоара pag. 341, а молитва: Ἀγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε. См. Прилож. стр. 128. Далѣе чинъ схищенъ съ чиномъ у Гоар. pag. 341—346.

л. 32 об. Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ ἱερεὺς δοτικὴν (εἰς) λεχῶνα, ὅταν γεννηθῇ παιδίον.

Καὶ λέγει εὐλογητόν, τροπάριον· Ἡ γέννησίς σου, Θεοτόκε Παρθένε... ἐκ τρίτου. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν... Goar p. 267.

л. 63. Καὶ εἰς τὸν σαραντισμὸν ταύτην τὴν εὐχὴν λέγει παρὰ τὰς θύρας τοῦ θυσιαστηρίου· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις βρέφος τῷ νομικῷ ναῷ προσαχθείς... Goar. p. 267. Καὶ σφραγίζει τὸ παιδίον, καὶ ἡ μήτηρ βαλλοῦσα ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων εἰκόνων μετανοίας μ'. καὶ ἐπαίρει τὸ παιδίον καὶ ἐξέρχεται τοῦ ναοῦ. Εἰ δέ γε προλαβὼν βαπτισθῇ, προσέρχεται ἡ μήτηρ μόνη, τῆς καὶ κλινούσης τὴν κεφαλὴν, ὁ δὲ ἱερεὺς σφραγίζει αὐτὴν σταυροῦ τύπον, καὶ ἀπτόμενος αὐτήν, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγει· τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς μόνος, ὁ ἐπὶ σωτηρίᾳ παραγενόμενος... Goar. p. 267. Εἶτα ἐξέρχεται.

л. 64 Τάξις, γινομένη εἰς βαπτῖσαι παιδιά.

Конецъ чина любопытенъ своими подробностями: Καὶ εὐθέως χρίεται (εἰσεμῶ) ἀπὸ τῆς μαίης ὅλον τὸ σῶμα, καὶ μετὰ ταῦτα δένει καινὸν σινδόνι τὰ δύο ἄκρα αὐτοῦ, καὶ ἐνδύει αὐτὸ ἐν τῷ τραχήλῳ, εἶτα ἐπαίρει τὸ παιδίον ἀπὸ τῆς μαίης καὶ βαπτίζει αὐτὸ καὶ λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ. Κατάγει αὐτὸ καὶ ἀνάγει τρίς, καὶ λέγει τὰ προγραφέντα ἄνωθεν, καὶ μὴ τολμήσῃ ἄψασθαι τις τῆς κολυμβήθρας. μήτε ἀνάδοχος, μήτε ἡ μακμή, καὶ λέγει· Μακάριοι, ὧν ἀφείθησαν... Λέγει αὐτὸ ἐκ τρίτου, καὶ ψάλλει καὶ τὸ Ὅσοι εἰς Χριστόν, ἐκ τρίτου. Περιβάλλει αὐτὸ ἱμάτια καινὰ καὶ κουκούλιον, ὡς συνήθως, εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐλογητὸς εἷ, Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ... Goar. pag. 290. Καὶ λαβὼν ψαλίδιον, κείρει τὴν κόμην αὐτοῦ σταυροειδῶς ἐκ τρίτου· Κείρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Εἶτα χρίει τὸν βαπτισθέντα ὁ ἱερεὺς τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου, τῶν ὀφθαλμῶν καὶ τῶν μυκτήρων, τοῦ στόματος, τῶν ὠτων, τῶν χειρῶν, τῶν ποδῶν, τῶν μεταφρένων καὶ εἰς πάντα τὰ μέλη αὐτοῦ, καὶ λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος Ἀγίου, Ἀμὴν. Εἶτα τελειώνει αὐτῷ τοῦ

βαπτίσματος, ὡς κύκλου βολή. Καί οὕτως μνημονεύει τὸν νεοφώτιστον σὺν τῷ ἀναδόχῳ αὐτοῦ καὶ αὐτῆς τελεῖ ἀπόλουσιν.

Λ. 75 οἰ. Ἀκολουθία εἰς μνήστρα ἕως εἰς νεονόμους.

Ἀρχεται ὁ ἱερεὺς τὸ Εὐλογητὸς ὁ Θεός, καὶ θυμιᾷ καὶ λέγει· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... Καὶ θυμιᾷ τὸν λαὸν καὶ αὐτῆς τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ νῦν μνηστευομένου εἰς ἔνωσιν. Ὑπὲρ τοῦ δούλου (τοῦ) Θεοῦ ὁ δεῖνα, τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ ἀγαπήσεως αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα... *Goar. p. 311.* Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἔθνῳ προμνηστευσάμενος ἐκκλησίαν... *Ibid. m.* Ἰσταται δὲ ἡ γυνὴ ἐξ ἀριστερᾶς τοῦ ἀνδρός, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ χρυσοῦν καὶ τὸ ἀργυροῦν, καὶ δίδει τὸ χρυσοῦν τῷ ἀνδρί, τὸ δὲ ἀργυροῦν τῇ γυναικί, καὶ ἀλλάσσουν ἀμφοτέρως ἐκ τρίτου, λέγων ὁ ἱερεὺς· Καὶ ἐπὶ τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ ἔβαλον κλήρους. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἁγαθὲ καὶ φιλόανθρωπε, τὸν ἀρράβωνα τοῦτον... *См. выше стр. 740.* Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐξάπαστειλας τὰ ἐλέη σου καὶ τὴν ἀλήθειάν σου. *См. выше стр. 459, прим.* Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ παιδί τοῦ πατριάρχου Ἀβραάμ... *См. выше стр. 740.*

Λ. 77 οἰ. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν. Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ τῆσδε καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζεύξεως αὐτῶν... Ὑπὲρ τῶν νῦν συναπτομένων εἰς γάμου κοινωνίαν καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συμζύσεως αὐτῶν. Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὡς τῶν ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτοῖς καρπὸν κοιλίας εἰς προσθήκην τῆς ἁγίας σου ἐκκλησίας καὶ ἔπαινον τοῦ ἁγίου σου ὀνόματος. Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτοὺς υἱοὺς φωτός καὶ κληρονόμους τῆς οὐρανίου βασιλείας. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... *Goar. p. 317.* Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός. *Goar p. 315.* Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τοὺς δούλους σου τούτους καὶ εὐλόγησον αὐτούς, καθὼς εὐλόγησας Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥεβέκκαν, Ἰωσήφ καὶ τὴν Ἀσυνέθ. Εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε, καθὼς εὐλόγησας τοὺς δώδεκα πατριάρχας, ὡς εὐλόγησας τὸ ποτήριον τῶν δώδεκα ἀποστόλων· τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον παρέστη, ἡ ἁγία Θεοτόκος νυμφαγωγεῖ,

οἱ ἅγιοι ἄγγελοι καὶ ἀρχάγγελοι προσευχῇ προσεύχονται, ἡ θάλασσα καὶ πᾶσα ἡ κτίσις φαιδρύνεται· ὅτι γὰρ ἐπλάσθη ὁ ἄνθρωπος καὶ ἡ γυνὴ ψυχοδομήθη καὶ ἔνωσις τῶν ἀμφοτέρων γέγονε τότε, αἱ συζυγίαι ἐκηρύττοντο, ὅτε γάμου μυστήριον ἐτελεῖτο. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, Σὺ ἐποίησας ἄρσεν καὶ θῆλυ, Σὺ ἐπλασας ἄνδρα καὶ γυναῖκα, Σὺ παραγένου ἐνθάδε καὶ εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους. Εὐλογηθῆς, ἄνερ, ὡς Ἀβραάμ, μεγαλυνθῆς ὡς Ἰσαάκ, πληθυνθῆς ὡς Ἰακώβ, σοφισθῆς ὡς ὁ Σολομών, λάβῃς χάριν καὶ πρόγνωσιν ὡς ὁ Ἰωσήφ. Καὶ σὺ, νόμφῃ, κατὰ τὸ εἰρημένον, εὐλογηθῆς ὡς ἡ Σάρρα, μεγαλυνθῆς ὡς ἡ Ρεβέκκα, πληθυνθῆς ὡς ἡ Ραχήλ, λάβῃς χάριν καὶ πρόγνωσιν ὡς ἡ Ἀσυνέθ, ἵνα πολλῶν τρόπων εὐαρεστήσετε τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ... Καὶ λαβὼν αὐτὸς τα στέφανα, λέγει εἰς τὸν νεόνυμφον· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον τὸν δοῦλόν σου ὁ δεῖνα. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον τὴν δούλην σου ἡ δεῖνα. Καὶ τὸ Κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου... ἕως τέλους, καὶ τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδαί σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας... Goar. p. 318. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἐβραῖος ἐπὶ τὴν κεφαλὴν. Στίχοι· Ὅτι ἔδωκας αὐτοῖς. Πρὸς Ἑφραίμους· Ἀδελφοί, χαίρετε πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε, τὸ ἐπιεικὲς ἡμῶν γνωσθήτω πᾶσιν ἀνθρώποις... Τελος· Ἀλλὰ ἐκτρέφετε αὐτὰ ἐν παιδείᾳ καὶ νοουθεσίᾳ Κυρίου... Evangelie, 4^{to} 1111th. Goar. pag. 318. Καὶ καταξιώσον ἡμᾶς... Πάτερ ἡμῶν... Ὅτι σοῦ ἐστι. Εἰρήνη πᾶσι... Τὰς κεφαλὰς. Ὁ Θεὸς ὁ φιλόανθρωπος, ὁ τῇ σῇ οἰκονομίᾳ διοικῶν τὰ πάντα, σὺ οὐρανόθεν ἐξαπόστειλον τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον ἐπὶ τὴν συζυγίαν ταύτην καὶ ἁγιάσον αὐτούς, καὶ εὐλόγησον αὐτὴν καὶ τὸ ποτήριον τοῦτο τῇ τούτων μεταλήψει, καὶ ἀντιλαβοῦ αὐτοῖς ἐν ταῖς τρίβαις σου, χάρισαι αὐτοῖς, ὁ τῶν δυνάμεων Κύριος, βίον εὐσχήμονα, πολιτείαν σεμνήν, καὶ δώρησαι αὐτοῖς ἐν καιρῷ εὐθέτω τεκνογονίαν ἀγαθήν, καὶ ζωὴν αἰώνιον, τῇ πρεσβείᾳ τῆς ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ἀμήν. Πρόσχωμεν. Καὶ ποτίζει αὐτοὺς κοινοῦ ποτηρίου ἐκ τρίτου, καὶ φάλλουσι· Ποτήριον σωτηρίου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον τῇ ἰδίᾳ σου μορφῇ, καὶ πάλιν ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα, καὶ εὐλόγησας αὐτούς, εἰπών· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε, καὶ πληρώσατε τὴν γῆν καὶ κατακυριεύσατε αὐτῆς, καὶ ἀμφοτέρους ἐν μέλος ἀναδείξας, καὶ πατέρα πλήθους ἐθνῶν ἀναριθμήτου λαοῦ ποιήσας, ὁ τὸν Ἰσαάκ καὶ τὴν Ρεβέκκαν χαρισάμενος, ὁ τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Ραχήλ συζεύξας, ὁ τὸν Ἰωσήφ

καὶ τὴν Ἀσυνέθ συναρμώσας, καὶ τὴν τῶν ἀστέρων μορφὴν φαιδρόνας, ὁ τὸν ἀκτινόμορφον ἥλιον περιβαλὼν τὸ φῶς, καὶ αὐτὸν ὡς νυμφίῳ ἐν σώματι ἐκπέμπσας, ὁ τὴν ζωοτρόφον γῆν κατακοσμήσας, καὶ διὰ τῆς ὁρόσου τὰ ἀνθη θάλλσας, ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, Κύριε, ἀρχηγὸς καὶ δοτὴρ τῶν ἀπάντων, σὺ εἶ ὁ κτίσας ἄρσεν καὶ θῆλυ, σὺ ἐπλασας ἄνδρα τε καὶ γυναῖκα ὑπὲρ τὴν λαμπρότητα τοῦ ἡλίου, καὶ εἰπὼν ἔνεκεν τούτου καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα, καὶ προσκολληθήσεται τῇ γυναικί, καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν, καὶ οὗς ὁ Θεὸς συνέζευξεν, ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω· ἐποίησας γὰρ αὐτοὺς ἡγεμόνας ἐν τῇ ἀνατολῇ, καὶ κατακυρεύουσιν ἕως περάτων τῆς οἰκουμένης, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτοὺς καὶ κατάστησον αὐτοὺς ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου πάντοτε, νῦν, καὶ ἀεὶ... Εἴτα γυρίζουσιν αὐτοὺς κύκλῳ γ', φάλλων τὸ Ἅγιοι μάρτυρες... Δόξα σοι, ὁ Θεός... Εἴτα τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Πατήρ, ὁ Υἱὸς καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα... Goar. p. 320. Εἴτα εἰσέρχονται οἱ γονεῖς κατὰ τὴν τάξιν καὶ ἀσπάζονται, καὶ εὐχεται αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Νυμφῶνα καταντήσαντες... Goar. pag. 325. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους... Ὅτι ἐλεήμων... Καὶ ἀπόλυσις· Ὁ διὰ τῆς ἐν Κανᾷ ἐπιδημίας... τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Προκοπίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι ἡμᾶς, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Conf. Goar p. 320. Φυλάττει ὁ Θεὸς τοὺς νεονύμφους σὺν τῷ παραινύμφῳ αὐτῶν εἰς πολλὰ ἔτη.

л. 84 об. Ἀκολουθία εἰς ῥασοφόρους. Goar. p. 378—379.

л. 85. Ἀκολουθία τοῦ κουρευθῆναι μοναχόν.

Чинъ начинается прямо вопросами къ постригаемому ἐμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ; Goar p. 383. На первые вопросы постригаемый отвѣчаетъ: Ναί, τίμιε πάτερ, но съ вопроса: Φυλάττεις σεαυτὸν ἐν παρθενίᾳ съ прибавкою: τοῦ Θεοῦ βοηθοῦντος. Καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολάς, λέγει τὴν εὐχὴν Ὁ πανοικτίρμων Θεός. Goar p. 384. Καὶ σφραγίζει τρίτον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς, καὶ κλίνει τὴν κεφαλὴν μικρόν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἄξιός σου εἶναι νομοθετήσας... Goar. pag. 385. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ ταφυγή... Ibidem. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ φαλίδιον καὶ θέτει αὐτὸ ἐν μέσῳ τοῦ βιβλίου καὶ λέγει πρὸς τὸν κατηχοόμενον οὕτω· Ἰδοὺ Χριστὸς ἀοράτως... Goar p. 385. Одежды, въ которыя облачается новопостригаемый, тѣ-же, которыя указаны у Гоара p. 386, но слѣдуютъ онѣ въ такомъ порядкѣ: χιτῶν, παλλίον, ζώνη, σανδάλια, καμηλαύχιον. Послѣ облаченія молитва:

Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ... εἰς τὸ ἐπιλαβεῖσθαι τῆς αἰωνίου σου ζωῆς, ἵνα ἀξίως πολιτεύηται κατὰ τὰς ἐντολὰς τοῦ μόνογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ. Conf. Goar p. 393. Καὶ οὕτως ἀσπάζεται αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, εἶτα ἐπαίρει τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἵσταται ἐν ᾧ τόπῳ εἰς τὴν δόσιν τοῦ ἀντιδώρου, ἀσπάζονται αὐτὸν οἱ ἀδελφοί, πρῶτον τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἔπειτα τὸν νεόκουρον. Μετὰ δὲ τὸν ἀσπασμὸν γίνεται ἐκτενὴ καὶ ἀπόλυσις.

л. 91. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Πρὸ τῆς λειτουργίας εἰσέρχεται εἰς τὴν ἐκκλησίαν, πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν ἵσταται ὁ μέλλων κουρευθῆναι, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν, Δόξα σοι, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... κ. τ. λ. Εἰθ' οὕτως Δεῦτε προσκυνήσωμεν, Ἐλέησόν με, ὁ Θεός и т. д., какъ въ чинѣ малой схимы. Καὶ στραφεὶς (по прочтении молитвъ) ὁ ἱερεὺς, κρατήσας τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ χειρὸς καὶ ποιήσαντος μετανοίας γ', καὶ ἀναστάντος καὶ ἀσπασαμένου τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, ἀποδεικνύων αὐτῷ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, λέγει πρὸς αὐτόν· Ἰδοὺ ὁ Χριστός... Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι... После пострижения καὶ εὐθὺς παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοί εἰς τὸ διακονικόν ἢ εἰς τὸν νάρθηκα, φάλλοντες τὸν ἄμωμον, τοῦ δὲ ἱερέως τὴν τοῦ Τρισαγίου εὐχὴν ἐξερχομένου, ὁ διάκονος λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... апостолъ и евангеліе. Goar. pag. 412—413. Τοῦ δὲ εὐαγγελίου ἀρχομένου ἀναγινώσκεισθαι, φέρουσιν οἱ ἀδελφοί τὸν ἀπακουρεύοντα ἀδελφὸν καὶ ἱστᾶσιν αὐτόν πρὸ τῆς βασιλικῆς πύλης, κατέχοντα κηρὸν ἄπτοντα καὶ φοροῦντα κολόβιον, ἄζωστον δὲ ὄντα καὶ ἀπόσκεπον καὶ ἀνυπόδετον, ἄπτουσι δὲ καὶ οἱ παρόντες κηρούς, ἕως οὗ ὁ ἀσπασμὸς γένηται. Μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ εὐαγγελίου, φάλλονται τὰ τροπάρια ταῦτα· Ἀντίφωνον α', ἤχος δ'. Ἦνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας, δράμωμεν προδύμως... Στίχος· Προσέχετε, λαός μου... Ὁ ζυγός μου Χριστός ἐστι καὶ τὸ φορτίον μου ἐλαφρόν... Δόξα καὶ νῦν. Ἡ λαμπάς ἡ ἄσβεστος, ὁ θρόνος τῆς δικαιοσύνης... Πληρωθέντος δὲ τοῦ πρώτου ἀντιφώνου καὶ ἀρχομένου τοῦ δευτέρου, ἔρχεται εἰς τὸ μέσον τοῦ ναοῦ. Ἀντίφωνον β', ἤχος γ'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα πεπλήρωκας, καταλιπὼν πᾶσαν συγγένειαν... Στίχος· Ἰδοὺ δὴ τί καλόν... Ἐγγὺς Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν, ψυχὴ ζητοῦσα... Δόξα καὶ νῦν. Ἀγιώπρωτε, σεμνὴ, ἐγκώμιον οὖσα τῶν οὐρανίων ταγμάτων... Ἐν δὲ τῷ ἄρξασθαι τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἔρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν. Ἀντίφωνον γ', Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγχιῷ Δεσπότη, φύγωμεν τὰς

κοσμικὰς ἐπιθυμίας... Στίχος Ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρα. Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χεῖρας ὑφαπλώσας, κρούουσιν ἀνοίγει τὸν νομφῶνα... Δόξα καὶ νῦν, Χαίροις παρ' ἡμῶν, ἁγία Θεοτόκε παρθένε... Ἐνδύει αὐτὸν ὁ ἀνάδοχος εἰς τὸ ἱμάτιον, ὁ ἱερεὺς λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνχ ἐνδύεται... Goar. pag. 411. Εἰθ' οὕτως καὶ (т. е. послѣ облачения) εὐχῇ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου... Goar. pag. 411. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλον σου... Goar p. 412. Τούτων οὖν οὕτως τελεσθέντων, ἐπαίρει ὁ διάκονος τὸ ἱερὸν εὐαγγέλιον, ἵσταται ἔξωθεν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ προσκυνεῖ πρῶτον ὁ λαβὼν τὸ σχῆμα, καὶ εὐθέως ἵσταται πλησίον τῶν ἁγίων εἰκόνων, κρατοῦντος καὶ τὸ εὐαγγέλιον καὶ διδομένου τοῦ ἀντιδῶρου, ἀσπάζονται οἱ ἀδελφοὶ πρῶτον τὸ εὐαγγέλιον ἔπειτα τὸν ἀδελφόν. Μετὰ τὴν ἐξδόμην ἡμέραν, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν καὶ τὰ τροπάρια· Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε κ. τ. λ. καὶ τὰς εὐχὰς ταύτας· Πολυέλεε, ὁ ὠρησάμενος τῷ δούλῳ σου... Goar pag. 419. Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ... Ibidem.

λ. 103. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 117. Εὐχὴ τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Τρύφωνος, λεγομένη εἰς κήπους καὶ ἀμπελῶνας καὶ εἰς χωράφια, λεγομένη μετὰ τοῦ ἁγιασμοῦ. Goar p. 554.

λ.λ. 121—122 чистые.

λ. 123. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

Достойна замѣчания слѣдующая особенность: Εἴτα (т. е. послѣ молитвы: Ἡμᾶς δὲ πάντας τοὺς ἐκ τοῦ ἐνός ἄρτου...) λαβὼν τὸ θυμιατόν, καὶ θυμῖα, λέγων· Χαῖρε, χαῖρε, χαῖρε, κεχαριτωμένη, καὶ τὰ ἐξῆς, ἐκ τρίτου, εἴτα ἐκφωνεῖ· Ἐξαίρετως τῆς πεναγίας...

λ. 143 об. Порядокъ вечерни въ среду первой недѣли великаго поста.

λ. 147. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Goar. pag. 163—168.

λ.λ. 158—162 совершенно чистые.

λ. 163. Апостолы и евангелія на различные дни года.

л. 183. Εὐχή ἐπὶ μετανοούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθην μετανοήσαντι τῷ Δαβίδ. Goag. p. 536.

л. 184 чистый.

л. 185. Ἀρχὴ τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

Начинается чинъ 17 каѳизмоу, за которою сейчасъ-же слѣдуютъ стихиры съ припѣвами: „Благословенъ еси, Господи“ Goag. pag. 425. Дальнѣйшій порядокъ до конца изложенъ также, какъ у Гоара въ чинѣ монашескаго погребенія pag. 439--447, но съ небольшою разницею, а именно послѣ блаженствъ прямо слѣдуютъ стихиры: Ἀθάνατε, οἰκτίρμον, τῶν νεκρῶν καὶ τῶν ζώντων ὁ Κύριος... Δόξα, Ἰδοὺ καίρο:, οἰκτίρμον, τῶν δακρῶν μνησθῆναι τοῦ δούλου σου, καίρο: τοῦ βλεψαι... Καὶ νῦν, Μεγαλόνομέν σε, Θεοτόκε παρθένε, καὶ δοξάζομέν σε, οἱ πιστοί, κατὰ χρέος... Εἴτα μνημονεύει и затѣмъ поются стихиры на цѣлованіе умершаго, Goag. p. 445.

л. 208 чистый.

л. 209. Ἀρχὴ τοῦ εὐλογηταρίου εἰς τὰ νεκρώσιμα.

Краткое изложенеіе чина погребенія мірянъ. Весь чинъ состоитъ главнымъ образомъ изъ стихиръ (Goag. p. 425—432), блаженствъ, апостола и евангелія (pag. 430) и стихиръ на цѣлованіе, среди которыхъ указаны для пѣнія и 8 пѣсень изъ канона св. Андрея Критскаго: „Помощникъ и покровитель“.

л. 219. Εὐχή συγχωρητική, λεγομένη παρὰ ἀρχιερέω: ἢ πνευματικοῦ πατρὸς πρὸς τὸν μέλλοντα ἐξομολογεῖσθαι.

— Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ ζώντος Θεοῦ, ποιμήν... Goag p. 536.

СХVІІІ. № 425. Сборникъ литургій той-же библіотеки, рукопись въ 16 долю листа, 142 листа, писана четкою скорописью XVI вѣка. Рукопись имѣетъ въ себѣ изображенія святыхъ І. Златоуста, Василия Великаго и Григорія Богослова (ὁ ἅγιος Γρηγόριος ὁ Θεολόγος, л. 52) и множество вишнетокъ и заглавныхъ буквъ, сдѣланныхъ красками, хотя и не имѣющія художественнаго значенія.

л. 1. Πίναξ σὺν Θεῷ ἁγίῳ, περιέχων τὰ κάτωθεν γεγραμμένα καὶ τὰ φύλλα κατὰ τάξιν, ὅπου νὰ εὕρῃ αὐτά τινες εὐχολα.

л. 4. Διάταξι: τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας παρὰ τοῦ ἁγιωτάτου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως, τῆς Νέας Ῥώμης, καὶ οἰκουμένου πατριάρχου, κυρίου Φιλοθέου.

Μέλλων δὲ ὁ ἱερεὺς τὴν θείαν ἐπιτελεῖν μυσταγωγίαν, ὀφείλει προηγουμένως μὲν κατηλλαγμένος εἶναι μετὰ πάντων, καὶ μὴ ἔχειν τι κατὰ τινος, καὶ τὴν καρδίαν, ὅση δύναμις, ἀπὸ πονηρῶν τηρῆσαι λογισμῶν, ἐγκρατεύσασθαι μικρὸν ἂν ἑσπέρως καὶ ἐρηγορέναι μέχρι τοῦ τῆς ἱερουργίας καιροῦ. Τοῦ δὲ καιροῦ ἐπιστάντος, μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν συνήθη τῷ προεστῶτι μετάνοιαν, εἰσέρχεται ἐν τῷ ναῷ, καὶ ἐνωθεὶς τῷ διακόνῳ, ποιῶσιν ὁμοῦ πρὸς ἀνατολὰς προσκυνήματα γ' καὶ λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ δὲ ἱερεὺς· Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν... Δόξα σοι, ὁ Θεός, δόξα σοι. Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, Ἐλέησον ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, ἐξαπόστειλον τὴν χειρὰ σου ἐξ ὕψους κατοικητηρίου σου... (Gosar. p. 48. Καὶ ἀπέρχονται καὶ ἀσπάζονται τὴν εἰκόνα τοῦ Χριστοῦ, λέγοντες· Τὴν ἄχραντον εἰκόνα σου προσκυνοῦμεν... Ἀσπάζονται τῆς Θεοτόκου, λέγοντες· Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα... καὶ τοῦ Προδρόμου, λέγοντες· Προφῆτα Θεοῦ καὶ Πρόδρομε... Καὶ εἰσέρχονται ἐντὸς τοῦ βήματος, λέγοντες· Εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου καὶ προσκυνήσω πρὸς ναόν... Ἐν ταῖς λεμπρότητι τῶν ἁγίων σου, πῶς εἰσελεύσομαι, ὁ ἀνάξιος. Καὶ λαμβάνουσιν ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν ἕκαστος τὸ στιχάριον καὶ ποιοῦσι προσκυνήματα γ' πρὸς ἀνατολὰς, λέγοντες καθ' ἑαυτὸν ἕκαστος τὸ Ὁ Θεὸς ἱλασθητί μοι, τῷ ἁμαρτωλῷ. Καὶ ἐνδύμενος ὁ ἱερεὺς τὴν ἱερατικὴν στολήν, λέγει ὁ διάκονος· εἰς ἕκαστον τῶν ἱερῶν ἐνδυμάτων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εἷτα λαβὼν ὁ διάκονος τὸ στιχάριον σὺν τῷ οὐραρίῳ ἐν τῇ δεξιᾷ χειρί, πρόττει· τῷ ἱερεῖ, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ στιχάριον σὺν τῷ ὠραρίῳ. Καὶ ὁ ἱερεὺς, σφραγίζων αὐτά, λέγει οὕτως· Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ ἐπειπὼν ὁ διάκονος τὸ Ἀμήν, ἀσπάζεται τὴν χεῖρα αὐτοῦ, εἷτα ἀποχωρεῖ εἰς ἓνα μέρος τοῦ θυσιαστηρίου καὶ ἐνδύεται τὸ στιχάριον, λέγει τὸ Ἀγαλλιάσεται ἡ ψυχὴ μου. Καὶ τὸ οὐράριον ἀσπασάμενος, τίθησι τῷ ἀριστερῷ ὤμῳ. Τὰ δὲ ἐπιμανίχια περιτιθέμενος ταῖς χειρσίν, εἰς μὲν τὸ δεξιὸν λέγων· Ἡ δεξιὰ σου, Κύριε... Εἰς δὲ τὸ ἀριστερόν· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με... Εἷτα ἀπελθὼν ἐν τῇ τραπέζῃ, εὐτρεπίζει τὰ ἱερά, τὸν μὲν ἅγιον δίσκον τιθεὶς ἐν τῷ μέρῳ τῷ ἀριστερῷ, τὸ δὲ ἅγιον ποτήριον ἐν τῷ δεξιῷ καὶ τὰ ἄλλα σὺν αὐτοῖς, λέγει καὶ αὐτά· Κύριε, ἡγάπησα εὐπρέπειαν οἴκου σου... καὶ τὸ Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Καὶ ὁ ἱερεὺς δὲ οὕτως ἐνδύεται, λαβὼν τὸ στιχάριον ἐν τῇ ἀριστερᾷ χειρί, καὶ προσκυνήσας γ' κατὰ ἀνατολὰς, ὡς εἴρηται, σφρα-

γίξει αὐτό, λέγων· Ἀγαλλιᾶσεται ἡ ψυχὴ μου... Εἶτα λαβὼν τὸ ἐπιτρα-
χήλιον καὶ σφραγίσας, περιτίθεται αὐτό, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν...
ὅτι ἐκεῖ ἐνετείλατο Κύριος τὴν εὐλογίαν ζωῆς ἕως τοῦ αἰῶνος, πάντοτε
νῦν καὶ αἰεὶ καὶ... Εἶτα λαβὼν τὴν ζώνην, σφραγίζων καὶ ἀσπασάμενος,
λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ περιζωννύων με δύναμιν, καὶ ἔθετο ἄμωμον
τὴν ὁδόν μου, κχταρτιζόμενος τοὺς πόδας μου ὡσεὶ ἐλάφου, καὶ ἐπὶ
τὰ ὕψηλά ἰστῶν με, πάντοτε, νῦν... Τὰ δὲ ἐπιμανίκια εἰς μὲν τὸ δεξιὸν
λέγει· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, δεξιὰ Κυρίου ὠψωσέ με, ἡ δεξιὰ
σου, Κύριε, δεδόξασται ἐν ἰσχύϊ.... πάντοτε, νῦν καὶ αἰεὶ... Ἐν δὲ
τῷ ἀριστερῷ λέγει· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με καὶ ἔπλασάν με,
συνέτισόν με καὶ μαθήσομαι τὰς ἐντολάς σου πάντοτε, νῦν...
Εἶτα λαβὼν τὸ φελώνιον καὶ σφραγίσας, ἀσπάζεται αὐτό, λέγει· Οἱ
ἱερεῖς σου, Κύριε, ἐνδύσονται δικαιοσύνην, καὶ οἱ ὅσιοί σου ἀγαλλιᾶ-
σονται ἕνεκεν Δαβὶδ τοῦ δούλου σου πάντοτε... Ἐπειτα ἔρχεται εἰς τὸ
χωνευτήριον καὶ νίπτει τὰς χεῖρας, λέγει· Νίψομαι ἐν ἀθώοις τὰς χεῖράς
μου... καὶ διηγῆσασθαι πάντα τὰ θαυμάσιά σου, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεὶ...
Καὶ λαβὼν τὴν προσφορὰν καὶ τὴν ἁγίαν λόγχην, καὶ ποιεῖ μετὰ τοῦ
διακόνου προσκυνήματα γ', λέγοντες ἕκαστος τὸ Ὁ Θεὸς ἱλασθητί μοι,
τῷ ἁμαρτωλῷ, καὶ τὸ Ἐξηγόρασας ἡμᾶς ἐκ τῆς κατάρας... Καὶ λέγει
κατὰ μίαν ἐκάστην ἀνατομήν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λαμβάνει ὁ
ἱερεὺς ἐν μὲν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ τὴν προσφορὰν, ἐν δὲ τῇ δεξιᾷ τὴν
ἁγίαν λόγχην, καὶ σφραγίζων μετ' αὐτῆς τρίτον ἐπάνω τῆς σφραγίδος
τῆς προσφορᾶς, λέγει· Εἰς ἀνάμνησιν τοῦ Κυρίου... γ'. Καὶ εὐθὺς πῆγνυσι
τὴν ἁγίαν λόγχην ἐν τῷ δεξιῷ μέρει τῆς σφραγίδος, καὶ λέγει, ἀνα-
τέμνων· Ὡς πρόβατον ἐπὶ σφαγὴν ἤχθης, Χριστὲ βασιλεῦ. Τοῦ Κυρίου
δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Ὅταν γὰρ οὐκ ἔνι διάκονος, ὁ ἱερεὺς λέγει καὶ
τὸ Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ πάλιν εἰς τὸ
ἄλλον μέρος λέγει· Καὶ ὡς ἄμνός ἐναντίον τοῦ κείροντος αὐτόν... Ἐν τῷ
ἄνω μέρει τῆς σφραγίδος λέγει· Ἐν τῇ ταπεινώσει αὐτοῦ... Ἐν δὲ τῷ
κάτω· Τὴν δὲ γενεάν αὐτοῦ... Ὁ δὲ διάκονος, ἐνορῶν εὐλαβῶς τῇ τοιαύτῃ
τελετῇ Ἐπαρον, δέσποτα. Καὶ ὁ ἱερεὺς, ἐμβλῶν τὴν ἁγίαν λόγχην
ἐκ πλαγίου τοῦ δεξιοῦ μέρους τῆς προσφορᾶς, ἐπαίρει τὸν ἅγιον ἄρτον,
λέγει οὕτως· Ὅτι αἴρεται ἀπὸ τῆς γῆς ἡ ζωὴ αὐτοῦ. Καὶ ἐπαίρων
αὐτόν καὶ θέτων αὐτόν εἰς τὸν ἅγιον δίσκον, λέγει· Ἐπάρατε τὰς χεῖρας
ὑμῶν εἰς τὰ ἅγια καὶ εὐλογεῖτε τὸν Κύριον. Εὐλόγησέ σε Κύριος ἐκ
Σιών, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. Καὶ τιθεὶς αὐτόν ὑπτιον
ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ, εἰπόντος τοῦ διακόνου· Θῦσον, δέσποτα. Καὶ ὁ ἱερεὺς
θύει αὐτόν σταυροειδῶς, οὕτως λέγει· Θύεται ὁ ἄμνός τοῦ Θεοῦ... Καὶ

στρέφει τὸ ἕτερον ἐπάνω, τὸ ἔχον τὸν σταυρόν, εἰ μήπως ἐνι ζέων καὶ ἀτμιζων· τότε γὰρ ὑπτίος κείσθω, ἵνα μὴ ποιήσῃ κάτωθεν ὑγρότητα. Καὶ ὁ διάκονος· Νῦξον, δέσποτα. Καὶ νύττων αὐτόν ἐν τῷ δεξιῷ μέρει μετὰ τῆς λόγχης, ὅσον φαίνεται, ὅτι ἔχει τομήν, καὶ λέγει· Εἷς τῶν στρατιωτῶν λόγχῃ τὴν πλευράν αὐτοῦ ἔνυξε καὶ εὐθέως ἐξῆλθεν ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ αἷμα καὶ ὕδωρ, καὶ ὁ ἑωρακὴς μεμαρτύρηκε καὶ ἀληθινὴ ἐστὶν αὐτοῦ ἡ μαρτυρία, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί. Ὁ διάκονος ἐκχέει ἐν τῷ ἀγίῳ ποτηρίῳ ἐκ τοῦ νάματος ὁμοῦ καὶ ὕδατος, εἰπὼν πρότερον πρὸς τὸν ἱερέα· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἁγίαν ἔνωσιν. Ὁ ἱερεὺς λέγει· Εὐλογημένη ἡ ἔνωσις τῶν ἁγίων σου, Κύριε, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί. Ὁ δὲ ἱερεὺς λαβὼν ἐν ταῖς χερσὶ τὴν δευτέραν προσφοράν, λέγει· Εἰς τιμὴν καὶ μνήμην τῆς ὑπερευλογημένης Δεσποίνης... εἰς τὸ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον, ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί. Καὶ αἶρων μερίδα μεγάλην, τίθησιν ἐκ δεξιῶν τοῦ ἁγίου ἄρτου, λέγει· Παρέστη ἡ βασίλισσα, ἐν ἱματισμῷ διαχρύσῳ περιβεβλημένη, πεποικιλμένη. Ἐν δὲ τῇ τρίτῃ προσφορᾷ λέγει· Δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, προστάσις τῶν παμμεγίστων ταξιαρχῶν Μιχαὴλ καὶ Γαβριὴλ, καὶ πασῶν τῶν ἐπουρανίων δυνάμεων ἁσωμάτων, καὶ οὕτως ἐν τῷ ἀριστερῷ μερίδα βαλὼν. Καὶ λαμβάνει ἐτέραν προσφοράν, λέγει· Τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ Βαπτιστοῦ Ἰωάννου. Τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφρόνων ἀποστόλων τῶν δώδεκα καὶ ἐβδόμηκοντα. Μερίδα. Τοῦ ἁγίου πρωτομάρτυρος καὶ ἀρχιδιακόνου Στεφάνου. Μερίδα. Τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων Δημητρίου, Γεωργίου, Θεοδώρου, Ἀρτεμίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων μαρτύρων. Μερίδα. Τῶν ἐν ἁγίοις πατέρων ἡμῶν καὶ οἰκουμενικῶν διδασκάλων Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Γρηγορίου τοῦ Θεολόγου καὶ Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Ἀθανασίου καὶ Κυρίλλου, Νικολάου τοῦ ἐν Μύροις καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἱεραρχῶν. Μερίδα. Τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου, Εὐθυμίου, Σάββα, Ὁνουφρίου, Ἀθανασίου τοῦ ἐν τῷ Ἀθῶ καὶ πάντων τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν. Μερίδα. Τῶν ἁγίων θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμά καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου, Σαμφῶν καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἀναργύρων. Μερίδα. Τῶν ἁγίων καὶ δικαίων θεοπατόρων Ἰωακείμ καὶ Ἄννης, τοῦ ἁγίου τοῦ δεῖνος, τοῦ κατὰ τὴν ἡμέραν λαχόντος, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, ὧν ταῖς ἰκεσίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ὁ Θεός. Εἶτα λαβὼν ἐτέραν προσφοράν, λέγει τὸν ἐπίσκοπον καὶ τοὺς ζῶντας, οὓς βούλεται, χάρις πᾶσα ἕνα κατ' ὄνομα. Εἶτα Ὑπὲρ πάσης ψυχῆς ἐπισκοπῆς ὀρθοδόξων, τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν

τοῦδε, τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου τῆς ἐν Χριστῷ διακονίας, καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος· τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων βασιλέων ἡμῶν. Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς ἡμῶν τοῦ δεῖνος καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητος, τῶν ἀδελφῶν καὶ συλλειτουργῶν ἡμῶν, πρεσβυτέρων, διακόνων καὶ πάντων τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν, οὕς προσεκαλέσω εἰς τὴν σὴν κοινωνίαν διὰ τῆς σῆς εὐσπλαγγίας, πανάγαθε Δέσποτα. Εἴτα λέγει καὶ οὕς θέλει κατ' ὄνομα ζῶντας. Ὑπὲρ μνήμης καὶ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν τῶν μακαριωτάτων κτητόρων τῆς ἀγίας μονῆς ταύτης. Εἴτα μνημονεύει τοῦ χειροτονήσαντος αὐτοῦ ἀρχιερέως καὶ ἐτέρων, ὧν θέλει, ζώντων καὶ τεθνεώτων κατ' ὄνομα, καὶ τελευταῖον λέγει· Καὶ πάντων τῶν ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου καὶ τῇ σῇ κοινωνίᾳ κεκοιμημένων ὀρθοδόξων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, φιλόανθρωπε Κύριε. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τῆς λιτῆς μέχρι τέλους, τὸ Ὑπὲρ πάσης ψυχῆς χριστιανῶν θλιβομένων τε καὶ καταπονουμένων, μνησθῆτι, Κύριε, καὶ τῆς ἐμῆς ἀναξιοτήτος καὶ συγχώρησόν μοι πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον καὶ ἀκούσιον καὶ πρόσδεξαι τὴν θυσίαν ταύτην εἰς τὸ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον, ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν χάριν τοῦ Παναγίου Πνεύματος πάντοτε, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Καὶ λαμβάνει θυμιάμα καὶ θέτει εἰς τὸ θυμιατόν καὶ λέγει τὴν εὐχὴν. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Θυμιάμά σοι προσφέρομεν, Χριστέ ὁ Θεός... *Goar* p. 50. Καὶ λαβὼν τὸν ἀσπερίσκον, θυμιά αὐτόν καὶ θέτων αὐτόν ἐπάνω τοῦ ἁγίου ἄρτου, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Οὕτως γὰρ λέγει εἰς ὅλας τὰς ὁρχὰς τῶν ἐνδυμάτων τῆς προσκομιδῆς καὶ τῶν εὐχῶν καὶ ὅλης σχεδὸν τῆς λειτουργίας. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Τῷ λόγῳ Κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν καὶ τῷ Πνεύματι τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν. Καὶ ἰδοὺ ὁ ἀστήρ ἐλθὼν ἔστη ἐπάνω, οὗ ἦν τὸ παιδίον. Καὶ λαμβάνει τὸ πρῶτον κάλυμμα, θυμιά καὶ θέτει αὐτὸ ἐπάνω τοῦ ἁγίου δίσκου, σκεπάζων αὐτόν, καὶ λέγει τὸ Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν... ἕως τέλους. Ὅμοίως καὶ ἕτερον κάλυμμα, θυμιάσας, σκεπάξει τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ λέγει· Ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ καὶ τῆς αἰνέσεως αὐτοῦ πλήρης ἡ γῆ. Καὶ θυμιάσας τὸν αέρα, καὶ θέτει εἰς τὰ ἅγια πάντων ἐπάνω καὶ λέγει· Σκέπασον αὐτὰ καὶ ἡμᾶς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν περυγῶν σου, ἀποδώξον ἅψ' ἡμῶν πάντα ἐχθρόν κ. τ. λ. ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Καὶ οὕτως, κύψας τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ, λέγει· Ἐπὶ τῇ προθέσει τῶν τιμίων δώρων τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν τῆς προθέσεως· Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον... Εἴτα τὸ Ἄξιόν ἐστιν ὡς ἀληθῶς. Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον γ', εὐλόγησον, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν, λέγων· Χριστὸς ἀληθινὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν ταῖς πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης,

αὐτοῦ Μητροῦ, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου, καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι ἡμᾶς ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Καὶ θυμιάσας ἐπάνω τῶν ἁγίων δώρων ἐκ τρίτου, λέγει· Ἐν τάφῳ σωματικῶς... Δόξα, Ὡς ζωηφόρος... Καὶ νῦν, τὸ Τοῦ ὑψίστου ἡγιασμένον... Εἴτα λέγει τὸν ν' καὶ θυμιᾷ τὸ θυσιαστήριον καὶ ὅλην τὴν ἐκκλησίαν, καὶ στραφεὶς καὶ τὸ θυμιατὸν θέσας, προσκυνεῖ κατέναντι τοῦ θυσιαστηρίου καὶ λέγει· Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ... ἐκ γ'. Κύριε, τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις καὶ τὸ στόμα... Κύριε, τί ἐπληθύνθησαν οἱ θλιβόντες με... Βασιλεῦ οὐράνιε... Δόξα καὶ νῦν, Ἐν τῷ ναῷ ἐστῶτες τῆς... Καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὸ ἅγιον ἀντιμήνσιον καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ αὐθις ἄρχεται ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία...

λ. 10. Εὐχὴ τῆς προθέσεως. Gouar p. 51.

λ. 12. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

Чинъ литургiи съ весьма развитымъ ритуаломъ. Моментъ пѣнія херувимскоѣ пѣсни описывается такъ: Πληρωθείσης δὲ τῆς εὐχῆς, λέγουσι καὶ αὐτοὶ τὸν χερουβικὸν ὕμνον, εἴτα λαβὼν ὁ διάκονος τὸ θυμιατὸν καὶ θυμίαμα βελών, πρόβεισι τῷ ἱερεῖ, καὶ λαβὼν εὐλογίαν παρ' αὐτοῦ, θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν γύρωθεν καὶ τὸ ἱερατεῖον ὅλον καὶ τὸν ἱερέα, λέγει δὲ καὶ Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς ἕως· τὸ πρόσωπον τοῦ Θεοῦ Ἰακώβ. Εἴτα τὸν πεντηκοστὸν καὶ τὰ τροπάρια κατανοητικῶς, ὅσα καὶ βούλεται, ὁμοῦ μετὰ τοῦ ἱερέως, καὶ ἀπέρχονται ἐν τῇ προθέσει, προπορευομένου τοῦ ἱερέως καὶ τοῦ διακόνου, καὶ θυμιάσας τὰ ἅγια, καθ' ἑαυτὸν εὐχόμενος τὸ Ὁ Θεὸς ἰλάσθητί μοι, τῷ ἁμαρτωλῷ, λέγει πρὸς τὸν ἱερέα· Ἐπαρον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς, ἄρα τὸν ἀέρα, ἐπιτίθησι τῷ ἀριστερῷ ὤμῳ αὐτοῦ, λέγει· Ἐπάρατε τὰς χεῖρας ὑμῶν εἰς τὰ ἅγια καὶ εὐλογεῖτε τὸ Κύριον. Εἴτα τὸν ἅγιον δίσκον λαβὼν, ἐπιβάλλει τῇ τοῦ διακόνου κεφαλῇ, ἔχει ἅμα ὁ διάκονος καὶ τὸ θυμιατὸν ἐν τῶν δακτύλων. Αὐτὸς δὲ τὸ ἅγιον ποτήριον ἀνὰ χεῖρας λαβὼν, ἐξέρχεται διὰ τοῦ βορείου μέρους, προπορευομένων αὐτῷ λαμπάδων, καὶ περιέρχονται τὸν ναόν, εὐχόμενοι καθ' ἑαυτούς καὶ λέγοντες· Πάντων ὑμῶν μνησθεῖν ὁ Θεός... Εἰσελθὼν δὲ ὁ διάκονος ἔνδον τῶν ἁγίων θυρῶν, ἵσταται ἐν τοῖς δεξιόις, καὶ μέλλοντος τοῦ ἱερέως εἰσελθεῖν, λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ διάκονος· Μνησθεῖν Κύριος ὁ Θεός τῆς ἱερωσύνης σου ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε, νῦν καὶ ἀεί.. Καὶ ὁ ἱερεὺς πρὸς αὐτόν· Μνησθεῖν Κύριος ὁ Θεός τῆς ἱεροδιακονίας

σου ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε, νῦν καὶ αἰεῖ... Καὶ ὁ ἱερεὺς ἀποτίθησι τὸ ἅγιον ποτήριον ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, τὸν δὲ ἅγιον δίσκον λαβὼν ἀπὸ τῆς τοῦ διακόνου κεφαλῆς, ἀποτίθησι καὶ αὐτὸν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, λέγει· Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ... Ἐν τάφῳ σωματικῶς... Ὡς ζωηφόρος ὡς παραδείσου... Εἴτα, τὰ μὲν καλύμματα ἄρας ἀπὸ τοῦ ἱεροῦ δίσκου καὶ τοῦ ἁγίου ποτηρίου, τίθησιν ἐν ἐνὶ μέρει τῆς ἁγίας τραπέζης, τὸν δὲ ἀέρα ἀπὸ τῶν διακόνου ὤμων λαβὼν καὶ θυμιάσας, σκεπάζει δι' αὐτοῦ τὰ ἅγια, λέγων· Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ... Ταῖς μυροφόροις γυναιξίν... Καὶ λαβὼν τὸ θυμιατὸν ἐκ τῶν τοῦ διακόνου χειρῶν, θυμιά τὰ ἅγια γ', λέγει· Τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μόσχους. Καὶ ἀποδοὺς τὸ θυμιατὸν καὶ χαλάσας τὸ φελώνιον, κλίνας τε τὴν κεφαλὴν, λέγει πρὸς τὸν διάκονον· Μνησθητί μου, ἀδελφε καὶ συλλειτουργέ. Καὶ ὁ διάκονος πρὸς τὸν ἱερέα· Μνησθεὶ Κύριος ὁ Θεὸς τῆς ἱερωσύνης σου ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ. Εἴτα καὶ ὁ διάκονος ἀποκλίνει καὶ αὐτὸς τὴν κεφαλὴν, κρατῶν ἅμα καὶ τὸ ὠράριον ταῖς τρισὶ δακτύλοις τῆς δεξιᾶς, λέγει πρὸς τὸν ἱερέα· Εὐξαί ὑπὲρ ἐμοῦ, δέσποτα ἅγιε. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ καὶ δύναιμι ὑψίστου ἐπισκιάσει σε. Καὶ ὁ διάκονος· Τὸ αὐτὸ Πνεῦμα συλλειτουργήσῃ ἡμῖν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Καὶ εὐθὺς ὁ αὐτός· Μνησθητί μου, δέσποτα ἅγιε. Καὶ ἱερεὺς· Μνησθεὶ σου Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε, νῦν. Καὶ ἐπειπὼν τὸ Ἀμήν, καὶ ἀσπασάμενος τὴν τοῦ ἱερέως δεξιάν, ἐξέρχεται, καὶ στὰς ἐν τῷ συνήθει τόπῳ, λέγει· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν κ. τ. λ.

Во время пѣнія „Достоѣно естъ“ Ὁ μὲν διάκονος θυμιά τὴν ἁγίαν τραπέζαν γύρωθεν καὶ λέγει καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Χαῖρε, κεχαριτωμένη, εὐλογημένη σύ... Ἀξίόν ἐστιν ὡς ἀληθῶς... Ἐπὶ σοὶ χαίρει, κεχαριτωμένη... Τῇ ὑπερμάχῳ στρατηγῷ... Σέ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα. Μνημονεύει δὲ καὶ ὧν βούλεται ζώντων καὶ τεθνεώτων, ὁ δὲ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ἐξακριτέως τῆς παναγίας, ἀχράντου... Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου, προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήμων ἀποστόλων, τῶν ἐν ἁγίοις πατέρων ἡμῶν μεγάλων ἀρχιερέων καὶ οἰκουμενικῶν διδασκάλων, Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Γρηγορίου τοῦ Θεολόγου καὶ Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν καὶ θαυματουργοῦ Νικολάου καὶ τῶν λοιπῶν θεοφόρων πατέρων, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ καλλινίκων μαρτύρων, Γεωργίου τοῦ τροπαιοφόρου, Δημητρίου τοῦ Μυροβλήτου, Θεωδώρων Τύρωνος καὶ Στρατηλάτου, τῶν ὁσίων πατέρων ἡμῶν, τῶν ἐν ἀσκήσει λαμπάντων, τῶν ἁγίων καὶ πανενδόξων δικαίων θεοπατόρων Ἰωακείμ καὶ Ἀννης, τοῦ ἁγίου τοῦδε, οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων σου τῶν

ἁγίων, ὧν ταῖς ἱκεσίαις ἐπίσχεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός. Καί μνησθητι πάντων
 τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου, καί ἀνάπαυσον
 αὐτούς, ἐνθα καταλάμπει τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Ἐτι παρακληοῦμέν
 σε, μνησθητι, Κύριε, πάσης ἐπισκοπῆς ὁρδοδόξων... Ἐν πρώτοις μνησθητι,
 Κύριε... Εἴτα μνημονεύει, οὓς θέλει ζῶντας καὶ κεκοιμημένους. Μνησθητι,
 Κύριε, κατὰ τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου καὶ τῆς ἐμῆς ἀναξιοτήτος καὶ
 συγχώρησόν μοι πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον καὶ ἀκούσιον, καὶ μὴ διὰ
 τὰς ἐμὰς ἁμαρτίας κωλύσης τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος
 ἀπὸ τῶν προκειμένων δώρων. Καὶ ὁ διάκονος πρὸς τὴν θύραν στάς, λέγει·
 Τοῦ δεῖνος τοῦ πατριάρχου ἢ τοῦ μητροπολίτου, ὅστις ἂν ᾖ, καὶ τὰ
 λοιπὰ, εἴτα μνημονεύει τὰ δίπτυχα τῶν ζώντων. Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπεύ-
 χεται· Μνησθητι, Κύριε, τῆς πόλεως, ἐν ᾗ παροικοῦμεν... Goar. pag. 63.
 Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στόματι... Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη τοῦ μεγάλου Θεοῦ...
 Ὁ διάκονος λαβὼν καιρὸν παρὰ τοῦ ἱερέως καὶ ἐξελθὼν, στάς ἐν τῷ
 συνήθει τόπῳ, λέγει· Πάντων τῶν ἁγίων... Σοὶ παρακατατιθέμεθα τὴν
 ζωὴν ἡμῶν. Goar. pag. 64. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα.. Ὁ λαὸς
 τὸ Πάτερ ἡμῶν... Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστιν, εἴτα· Εἰρήνη πάσιν. Ὁ
 διάκονος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται κλινόμενος· Εὐχα-
 ριστοῦμεν, βασιλεῦ ἀόρατε... Goar. p. 65. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Πρόσχες,
 Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν... Goar. pag. 65. Σύναψον δὲ καὶ τὴν
 εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεός, ἄνες, ἄφες, συγχώρησόν μοι τὰ παραπτώματά μου,
 τὰ ἐν ἀγνοίᾳ... Goar. pag. 66. Καὶ ποιεῖ μετανοίας γ', λέγει· Τὰς ἀνομίας
 μου πάριδε, Κύριε, ὁ ἐκ παρθένου τεχθεὶς, καὶ τὴν καρδίαν μου καθά-
 ρισον, ναὸν ποιῶν τοῦ ἀχράντου σώματός σου καὶ αἵματος, μὴ με ἐξου-
 δενώσης, ὁ ἀμέτρητον ἔχων τὸ μέγα ἔλεος. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέη-
 σον ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν
 πύλην... Ὡς ἐμνήσθης, Χριστέ, τοῦ πιστοῦ ληστοῦ ἐν τῷ σταυρῷ, μνη-
 σθητι καὶ ἐμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ ἐν τῇ βασιλείᾳ σου. Ὑψώσω σε, ὁ Θεός
 μου, ὁ βασιλεὺς μου, καὶ εὐλογήσω τὸ ὄνομά σου εἰς τὸν αἰῶνα καὶ εἰς
 τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος. Ὅταν δὲ ὁ ἱερεὺς, ἐκτείνων τὰς χεῖρας, καὶ ἀπτομένου
 τοῦ ἁγίου ἄρτου πρὸς τὸ ποιῆσαι τὴν ἁγίαν ὕψωσιν, ἐκφωνεῖ ὁ διάκονος·
 Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος, εἰς Κύριος Ἰησοῦς
 Χριστός... Ὁ διάκονος εἰσελθὼν, ἵσταται ἐκ δεξιῶν τοῦ ἱερέως, καὶ λέγει·
 Μέλισσον, δέσποτα, τὸν ἅγιον ἄρτον. Καὶ μελίζει αὐτὸν εἰς τέσσαρα μέρη,
 λέγων· Μελίζεται καὶ διαμερίζεται... καὶ τοὺς μελίζοντας ἀγιάζει. Ὁ
 διάκονος· Πλήρωσον, δέσποτα, τὸ ἅγιον ποτήριον. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς
 ἐκ τοῦ ἁγίου ἄρτου τὴν ἄνω κειμένην μερίδα, βάλλει εἰς τὸ ἅγιον πο-
 τήριον, λέγων· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ὁ διάκονος· Ἀμην. Εἴτα

λαμβάνει τὸ ζέον, λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὴν ἁγίαν ζέσιν. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ ἁγία ζέσις τοῦ παναγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεί... Ὁ διάκονος· Ἀμήν. Καὶ ἐκχέει ἐξ αὐτοῦ τὸ ἀρκοῦν ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ σταυροειδῶς, λέγει· Ζέσις πίστεως Πνεύματος Ἁγίου. Ἀμήν. Λέγει δὲ καὶ τοῦτον· Λουτρὸν τὸ θεῖον τῆς παλιγγενεσίας... Ὁ δὲ ἱερεὺς λαβὼν ἐν τῇ δεξιᾷ παλάμῃ αὐτοῦ τὴν μερίδα τοῦ μελιζομένου ἁμνοῦ, τὴν κειμένην κάτωθεν, καὶ λέγει· τὸ Τίμιον καὶ πανάγιον καὶ πανάχραντον σῶμα Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταδίδοται μοι τῷ ἀναξίῳ καὶ ἁμαρτωλῷ, ὁ δεῖνα, ἱερεῖ· εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν μου καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. Λέγει· Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ... ἐκ γ', καὶ τὸ Πιστεύω, Κύριε, καὶ ὁμολογῶ... ἕως τὸ ὧν πρῶτος εἰμι ἐγώ, ἐκ γ'. Ἐπειτα, καὶ Πιστεύω, ὅτι τοῦτο αὐτό ἐστι... ἕως τέλους. Ἡτοίμασας γὰρ ἐνώπιόν μου τράπεζαν ἐξεναντίας τῶν θλιβόντων με... Μὴ μοι γένοιτο τὰ ἅγια, Δέσποτα φιλόνητο, ἡ μετάληψις τῶν ἀχράντων σου μυστηρίων τούτων καὶ ζωοποιῶν, εἰς κρίμα ἢ εἰς κατάκριμα... Καὶ μεταλαβὼν, κοινωνεῖ καὶ ἐκ τοῦ ἁγίου ποτηρίου, λέγει· Τὸ τίμιον καὶ πανάγιον αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταλαμβάνω καὶ ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, καὶ ἁμαρτωλὸς ἱερεὺς εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεί... Καὶ ἀποσπογγίζει τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγει· Τοῦτο ἡψατο τῶν χειλέων μου... Εἶτα λαβὼν ἅγιον δίσκον καὶ τὴν μοῦσαν, συστέλλει τὰ ἅγια καὶ εἰσκομίζει ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πάσης ἀσφαλείας, ὥστε μὴδὲ κόνιον τι καταλειφθῆναι ποσῶς ἐκεῖσε, καὶ λέγουσιν ἀμφότεροι σὺν τῷ ἱερεῖ· Τῆς τιμίας καὶ ἁγίας σαρκὸς σου, Χριστέ, μετέλαβον, καὶ τοῦ τιμίου αἱματός σου ἡξιώθην, καὶ τῆς βασιλείας σου μὴ στερήσης με, τὸν ἀνάξιον. Ἐθελῶς πόθω με, Χριστέ, καὶ ἡλλοίωσας τῷ θεῷ σου ἔρωτι, ἀλλὰ κατάφλεξον πυρὶ αὐλῷ τὰς ἁμαρτίας μου, καὶ ἐμπλησθῆναι τῆς ἐν σοὶ τροφῆς καταξίωσον, ἵνα τὰς δύο σκιρτῶν μεγαλύνω, ἀγαθέ, παρουσίᾳς σου.— Ἐν ταῖς λαμπρότησι τῶν ἁγίων σου, πῶς εἰσελεύσομαι ὁ ἀνάξιος... Τοῦ ἀχράντου σου σώματος καὶ τοῦ τιμίου αἱματος μυστικῶς ἄξιωθεις γενέσθαι συμμέτοχος, εὐχαριστῶ, ἀνυμνῶ, δοξολογῶ, προσκυνῶ καὶ μεγαλύνω, ἀγαθέ, τὴν παρουσίαν σου καὶ συγκατάβασιν πάντοτε, νῦν καὶ ἀεί.. Καὶ θέτει ὁ ἱερεὺς τὸν ἀστερίσκον μόνον ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ, ἐπάνω αὐτοῦ καὶ τὰ δύο ὥροκαλύμματα, καὶ σκεπάσας τὰ ἅγια μετὰ ἐνὸς καλύμματος, ὁ ἱερεὺς κλίνει, ἐπεύχεται· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόνητο... Goar. pag. 67. Ὁ διάκονος· Μετὰ φόβου Θεοῦ καὶ πίστεως προσέλθετε. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου. Ὁ ἱε-

ρεύς· Σῶσον, ὁ Θεός, τὸν λαόν σου... Εἶτα θυμιᾷ ἐκ γ' τὰ ἅγια, λέγει· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς, ὁ Θεός... Ἀνέβη ὁ Θεός ἐν ἀλαλαγμῷ, Κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος· Κύριος ἀνέβη εἰς οὐρανοὺς καὶ ἐβρόντησεν αὐτούς, κρινεῖ ἄκρα γῆς, δίκαιος ὢν. Καὶ ἄρας τὰ ἱερά, λέγει καθ' ἑαυτόν· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν... Καὶ ἐκφωνεῖ· Πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί...
 • Ὁ διάκονος· Ὁρθοὶ οἱ μεταλαβόντες τῶν θείων... κ. τ. λ. Ἐκφώνως· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν... Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος, ἐκφωνουμένη· Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε, Κύριε... Goar. pag. 68. Εὐχὴ ἐν τῷ συστεῖλαι τὰ ἅγια· Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου... Goar. p. 68. Εἶτα εἰσέρχεται εἰς τὴν ἁγίαν πρόθεσιν καὶ συστελεῖ τὰ ἅγια μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ ἀσφαλείας, ἀποπλύνας τὸ ἅγιον ποτήριον οἶνω δις καὶ ἐν ὕδατι ἅπαξ, καὶ ἐκμᾶζας ἀκριβῶς τὴν ὑγρότητα τοῦ ἁγίου ποτηρίου μετὰ τοῦ ἁγίου σπόγγου, ὥστε μὴ ἀπολειφθῆναι νοτιδα ποσῶς ἐκεῖσε ἢ λεπτότατος μαργαρίτης τὸ σύνολον. Μετὰ δὲ τὸ συστεῖλαι ταῦτα, καλῶς ἀπονίπτεται τὰς χεῖρας καὶ χειλέων αὐτοῦ ἐν τῷ συνῆθει τόπῳ, λέγων· Ἐπὶ πλεῖον πλυνόν με ἀπὸ τῆς ἀνομίας... Εἶτα τὸ Νῦν ἀπολύεις τὸν δοῦλόν σου... Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν, τροπάριον καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέρας καὶ τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, εἶτα τοῦ Χρυσοστόμου τροπάριον, ἡχος δ'· Ἡ τοῦ στόματός σου.. κοντάκιον· Ἐκ τῶν οὐρανῶν ἐδέξω τὴν θείαν χάριν... Τῇ ὑπερμάχῳ στρατηγῷ τὰ νικητήρια... Κύριε ἐλέησον ἱβ', Δόξα καὶ νῦν. Τὴν τιμιωτέραν τῶν χερουβίμ... Ἐν ὀνόματι Κυρίου εὐλόγησον. Ὁ Θεός οἰκτειρήσαι ἡμᾶς καὶ εὐλογήσαι ἡμᾶς, Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον γ', εὐλόγησον. Ὁ Θεός διὰ πρεσβειῶν τῆς παναχράντου σου Μητρός.. Καὶ ἐσελθὼν ἔξω, ἀσπάζεται τὰ ἅγιας εἰκόνας καὶ εὐλογεῖ τὸν λαόν, λέγων· Φυλάξαι Κύριος ὁ Θεός πάντας τῇ αὐτοῦ χάριτι πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί...

λ. 32. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου, ἀρχιεπισκόπου Καισαρίης καὶ Καππαδοκίας, οὐρανοφάντορος τοῦ Μεγάλου.

λ. 53. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Goar. pag. 163.—168.

λ. 61. Ἑρμηνεῖα τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων. Goar pag. 161—162.

λ. 64. Евангельскія чтенія отъ субботы мясопустной до по- недѣльника св. Духа.

λ. 131. Ἀπόστολοι καὶ εὐαγγέλια τῆς ὅλης ἐβδόμαδος.

λ. 136. Εἰς τὴν γέννησιν τῆς Θεοτόκου εὐαγγέλιον τοῦ ὁρθρου.

л. 137. Чтенія апостольскія на вознесеніе Господне, въ субботу седьмую, въ Пятидесятницу и въ поведѣльникъ св. Духа.

СХІХ № 305 Евхологій, рукопись Аѳѳно-Пантелеимоновскаго монастыря въ 22 долю листа, 417 листовъ, писана скорописью довольно четкою ХVІ в. Чины этой рукописи сходны по изложению съ чинами въ рукописи Святогробской библіотеки 1522 года № 615 (757).

л. л. 5—63. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου. См. выше стр. 720—722.

л. 63 об. Τάξις καὶ ἀκολουθία τοῦ νεκρώσιμου εὐχελαίου. См. выше стр. 722—725.

л. 110 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ τῶν μοναχῶν. См. выше стр. 726—728.

л. 162. Ἀκολουθία, γινομένη ἐπὶ ταφῆς ἱερέως. См. выше стр. 728.

л. 162 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ ταφῆς πρεσβυτέρου. См. выше стр. 728—735. Такъ какъ этотъ весьма любопытный чинъ священническаго погребенія въ данной рукописи сохранился вполнѣ, то изъ него мы и дополнили недостающее въ томъ-же чинѣ въ рукописи Святогробской библіотеки № 615 (757).

л. 242. Ἀκολουθία εἰς ἄνθρωπον ψυχῶρραγούντα καὶ κρινόμενον ὑπὸ θανάτου. См. выше стр. 735.

Листы 251 и 252 чистые.

л. 253. Ἀκολουθία παρακλητικὴ εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν Θεοτόκον, καθὼς φάλλεται τὴν μ' τοῦ Αὐγούστου. См. выше стр. 735.

л. 268. Ἔτερος κανὼν εἰς τὴν αὐτὴν Κυρίαν καὶ Δέσποιναν Θεοτόκον. См. выше стр. 735.

л. 270. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ. См. выше стр. 735.

Далѣе нѣсколько листовъ вырвано.

л. 285. Чинъ вечерни Пятидесятницы.

л. 311. Чинъ Крещенія. См. выше стр. 737—739.

л. 340 об. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα διακλῶν καὶ λοιπῶν ἀνθρώπων, ἡγούον εἰς ἄρραβῶνα. См. выше стр. 739—740.

л. 347 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος. См. выше стр. 740—742.

л. 358 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπᾶραι τὰ στέφανα.

л. 359 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὸ λῦσαι τὰ ἱερὰ στέφανα. См. выше стр. 742.

л. 361 об. Ἐτέρα ἀκολουθία εἰς διαγαμούντας. См. выше стр. 742—743. Недостаетъ нѣсколькихъ листовъ.

л. 363 об. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰρὸν ἢ ἀκάθαρτον προσ-
φάτως ἐμπεσεῖν ἐν ὑποληνίῳ οἶνου, ἢ ἀγγείῳ ἐλαίου. См. выше стр. 744.

л. 367. Ἀκολουθία εἰς φρέαρ μιανθέν. См. выше стр. 745.

л. 370. Εὐχὴ εἰς σκεῦος μιανθέν. См. выше стр. 745. Нѣсколько
листовъ вырвано.

л. 371 Тропарι и кондаки на недѣли поста и пятидесятницы.

л. 387. Μηρολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ.

СХХ. № 780. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библиотеки и мо-
настыря въ 16 долю листа, 100 листовъ, писана скорописью
XVI в. Начала и конца рукописи нѣтъ.

л. 1. Конецъ вечернихъ молитвъ.

л. 2. Εὐχαί, λεγόμεναι εἰς τὸν ὄρθρον. 11 молитвъ съ главо-
приклонной.

л. 5 об. Εὐχὴ τῆς προδέσεως. Чинъ литургіи состоитъ изъ
молитвъ св. I. Златоуста. Любопытенъ моментъ послѣ молитвъ:
Πρόσχε, Κύριε... Εἶτα, читаемъ во евхологіѣ, ποιεῖ μετανοίας γ', λέγων
τὸ Βασιλεῦ οὐράνιε, καὶ Τὸν νομφῶνά σου, εἶτα ἐκφωνεῖ ὁ ἱερεὺς· Πρόσχω-
μεν. Ὁ δὲ λαὸς ἀποκρινόμενος, λέγει· Βοήθεια τῶν χριστιανῶν. Ὁ δὲ
ἱερεὺς λέγει· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ δὲ λαὸς λέγει· Εἰς ἅγιος... Ὁ δὲ
ἱερεὺς, λαβὼν τὸν ἅγιον ἄρτον, λέγει οὕτως· Μέλισσον, δέσποτα, τὸν ἅγιον
ἄρτον.

л. 14. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 21. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

л. 27 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοούμενον. Послѣ помазанія
елеемъ, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ μανδύλιον, δένει ἐπὶ τὸν τράχηλον τοῦ
ἀναδόχου, λέγων· Ὁ Θεός, ὁ περυσζωννύων με δύναμιν, ἔθετο ἁμωμον
τὴν ὁδόν μου, καταρτίζόμενος τοὺς πόδας μου ὥσει ἐλάφου, καὶ ἐπὶ τὰ
ὕψηλά ἰστών με, διδάσκων χειράς μου εἰς πόλεμον, καὶ ἔθου τόξον χλ-
κοῦν εἰς τοὺς βραχίονάς μου. Εἶτα λαβὼν τὸ παιδίον, ὁ ἱερεὺς ὑψοῖ αὐτὸ
λέγων· Βηπτιζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός.
Καὶ κατὰ γων αὐτὸ ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ, ἐπαίρει ἀπὸ τοῦ
ὕδατος καὶ βάλλει ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ. Εἶτα πάλιν
αἶρει αὐτό, καὶ κατὰ γων, λέγει· Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Καὶ ποιεῖ ὁμοίως καὶ
λέγει· Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος ὡς καὶ ἀεὶ... Εἶτα λούει αὐτοῦ ὅλον
τὸ σῶμα καλῶς. Καὶ οἱ ψάλλται ψάλλουσιν· Μακάριοι ὧν ἀφειθήσαν...
Εἰρήνην πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ὁμῶν. Εὐχὴ τοῦ μύρου μυστικῶς· Εὐλο-
γητός εἶ, Κύριε, ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... Γιοαг.

pag. 290. Καὶ ἐνδοξομένου τοῦ νεοφωτίστου παρὰ τοῦ ἱερέως, ψάλλομεν·
 Χιτῶνά μοι παράσχου... Εἴτα σταυρώματα, λέγει· Περίζωσε τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μηρόν σου, ἀγαθὲ, τῇ ὡραιότητί σου καὶ τῷ κάλλει σου. Λέγει καὶ τοῦτο· Τῷ σταυρῷ ἐνδεδυται, τὸ βάπτισμα εἴληψε, τὴν πηγὴν τοῦ λουτροῦ τοῦ ἁγίου Πνεύματος... Εἴτα λέγει· Σταυρὸν χαράξας Μωσῆς... Εἴτα λαβὼν τὸ μύρον, χρίει τὸν βαπτισθέντα, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου, καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, λέγει· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Ἐπὶ δὲ τῶν χειρῶν· Εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν. Ἐπὶ δὲ τῶν γονάτων· Τοῦ πατεῖν ἐπάνω ὄψεων καὶ σκορπίων καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ. Εἰρήνην πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εἴτα τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... Goar. p. 290. Εἰρήνην πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐχὴ μυστικῶς εἰς τὸ κουρεῦσαι· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας... Goar. p. 306. Καὶ κουρεῦει αὐτὸ σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Εἰρήνην πᾶσιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σε ἱκετεύομεν, Κύριε, ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας... Goar. pag. 306. Εἴθ' οὕτως ψάλλει· Ὅσοι εἰς Χριστόν... γυρίζοντες τὴν κολυμβήθραν ἐκ γ', ὁ δὲ ἀνάδοχος, λαβὼν τὰς τρίχας, κολλᾷ αὐτάς εἰς τὰ ἁγίостυλα, ποιῶντος αὐτοῦ μετανοίας γ', ὁ δὲ ἱερεὺς ποιεῖ ἀπόλουσιν.

л. 36 об. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα. Ἀρχὴ τοῦ ἀρχαζώνος.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ κοντάκιον καὶ θεοτοκίον. Πρῶτον συμφωνεῖ αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς ἕτερον πρὸς ἕτερον καὶ ἴστησι τὸν μὲν ἄνδρα ἐκ δεξιῶν, ἡ δὲ γυνὴ ἐξ ἀριστερῶν τοῦ ἀνδρός, εἴτα· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀποστείλας τὴν ἀληθειάν σου εἰς κληρονομίαν σου τοῖς πατράσιν ἡμῶν, τοῖς καθ' ἑκάστην ἡμῶν γενεάν ἐλεκτοῖς σου... См. выше стр. 453. Εἴτα δίδει αὐτοῖς καθ' ἑν κηρὸν ἓνα, καὶ ἄρας τὰ δακτυλίδια ὁ ἱερεὺς χρυσοῦν καὶ ἀργυροῦν, καὶ λέγει· Θησιάζεται (sic) καὶ ἀρχαζωνιάζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Λέγει ἐκ γ'. Καὶ δίδει τῷ μὲν ἀνδρὶ τὸ χρυσοῦν καὶ τῇ γυναικὶ τὸ ἀργυροῦν, ὁμοίως καὶ ἄρτους δύο, καὶ ἀλάσσουν γ', εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Πάτερ ἀγαθὲ καὶ φιάνθρωπε, τὸν ἀρχαζῶνα τοῦτον ἰσχυρόν καὶ βέβαιον διατήρησον... См. выше стр. 460, 470. Λέγει γ'. Καὶ εὐθὺς τὴν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὰ μνηστρα...

Ἵπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς σοφρυσὸν καὶ μακροημέρευσιν, τὴν εἰς ἀλλήλους ἀγάπην... Ἵπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς ἀκατάγνωστον διαγωγὴν... Ἵπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Θεῷ ἀγάπης καὶ σωτηρίας αὐτῶν.. Ἵπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος, ὁ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευρὰν τοῦ προπάτορος Ἀδάμ διὰ τῆς σῆς φιλάνθρωπίας εἰς γυναῖκα μεταμορφώσας.. *Goar. p. 463.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα φιλάνθρωπε, ὁ ἐν τῇ προφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας ἡμᾶς, ὅτι παρὰ σοῦ ἀρμόζεται ἀνδρὶ γυνή... *См. выше стр. 460.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγών... *Goar. p. 311.* Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν προμνηστευσάμενος ἑαυτῷ ἐκκλησίαν... *См. выше стр. 461.* Τὴν τιμωτέραν... Δόξα σοι ὁ Θεὸς ἡμῶν. . καὶ ἀπόλουςις.

Εἰ δὲ βούλονται ἐνταῦθα στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται εἰς τὸ μέσον τοῦ ναοῦ μετὰ θυμιατοῦ καὶ λαμπάδων, λέγων μετὰ ἁσματος τὸν ψαλμὸν τοῦτον· Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... Καὶ ἐλθόντες ἔμπροσθεν τῶν θυρῶν, ἀπόκεινται δὲ ἐν τῇ ἀγίᾳ τραπέζῃ στέφανοι δύο καὶ ποτήριον ὕδατος πληρὲς οἴνου, ἔχων προηγιασμένον καὶ ἅγιον ποτήριον. Εἶτα λέγει· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἐν εἰρήνῃ κ. τ. λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα... *См. выше стр. 461.* Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογητὸς εἶ, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ τῆς ζωῆς ἀρχηγός καὶ τῶν αἰώνιων ἀγαθῶν δοτῆρ... *См. выше стр. 461.* Καὶ παραδίδοει ἀλλήλοις τὰς δεξιὰς χεῖρας, λέγων· Παράλαβε Μαρίαν τὴν γυναῖκά σου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶν ἀπάντων Πατήρ, χεῖρα πρὸς χεῖρα διδούς.. *См. выше стр. 462.* Καὶ ἄρας τὰ στέφανα, ὁ ἱερεὺς στέφει ταῦτα ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, λέγων· Δόξη καὶ τιμὴ ἐστεφανώσας αὐτούς... λέγει ἐκ γ', καὶ στέφει τὸν νεόνυμφον, ὁμοίως καὶ εἰς τὴν νύμφην γ', καὶ κρατῶν αὐτοὺς ὁ ἀνάδοχος, λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δόξῃ καὶ τιμῇ στεφανώσας τοὺς ἁγίους σου, Αὐτὸς πρᾶσχος καὶ τοῖς δούλοις σου... *См. выше стр. 463.* Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου... *См. выше стр. 463.* Πλέξας διὰ πετάσματος ἁγίου σου, ἐπίθεες ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν στέφανον ἐκ λίθου τιμίου, καὶ ὥσει ἐλαία κατάκαρπος, καὶ ὥσει ἄμπελος εὐθηνούσα ἐν ταῖς κλίτεσιν αὐτῆς, οἱ υἱοὶ αὐτῶν νεόφυτοι ἐλαίων κύκλω τῆς τραπέζης αὐτῶν, δὸς αὐτοῖς ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πύκνους τῆς γῆς

πρεσβείαις τῆς παναρχάντου σου Μητρὸς καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων.
 Ἀμήν. Ὅτι ἅγιον ὑπάρχει τὸ ὄνομά σου, τοῦ Πατρὸς... Τοῦ Κυρίου
 δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδῇ σου οἰκονομίᾳ καταξιώσας
 ἐν Κηνᾷ τῆς Γαλιλαίας... Goar p. 318. Апостолъ къ Ефесецямъ,
 евангеліе отъ Іоанна, что выпѣ. Конецъ апостола: ἡ δὲ γυνὴ ἵνα
 φοβῆται καὶ τιμᾷ τὸν ἄνδρα· τοῦτο γάρ ἐστι δίκαιον καὶ εὐπρόσδεκτον
 ἐνώπιον Κυρίου καὶ ἀγγέλων Θεοῦ. После сугубой ектеѣи, Τοῦ Κυ-
 ρίου δεηθῶμεν. Ἐπικαλούμεθά σε, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, παντοκράτωρ,
 σὲ ἐπικαλοῦμαι τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον, τὸν στερεωτὴν καὶ
 ἀρχηγὸν τῆς σωφροσύνης... См. выше стр. 464. Просительная екте-
 ния, Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς... τὸ Πάτερ ἡμῶν. Ὅτι σοῦ ἐστιν. Εἰρήνη
 πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς... Εὐχὴ τοῦ ποτηρίου μυστικῶς· Ὁ Θεός, ὁ τὰ
 πάντα ποιήσας τῇ ἰσχυρί σου... Goar. p. 319. Εἵτα μεταλαμβάνει αὐτούς,
 φαλλόντων κοινωνικόν· Γεύσασθε καὶ ἴδετε... ἕτερον Ποτήριον σωτηρίου..
 Λέγει ὁ ἱερεὺς· Ζήσονται εἰς αἰῶνα αἰῶνος, οἱ νεόνυμφοι, καὶ ἡ ἁγία
 Τριάς ὑμᾶς ἀχωρίστους διαφυλάξει. Καὶ εὐθὺς κρατοῦσιν οἱ παρὰ νυμφοι
 τὰ στέφανα, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Κυρίῳ πάντοτε...
 См. выше стр. 465. Καὶ αὐτοὺς γυρίζουν γ', καὶ γίνεται εἰσοδος μετὰ
 τῶν νεόνυμφων καὶ παρανύμφων, φαλλόντων τροπάρια, ἥχος βαρύς·
 Ἄγιοι μάρτυρες... Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός... ἥχος πλ. δ'. Ἐπὶ σοὶ χαίρει,
 κεχαριτωμένη... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παραγε-
 νόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας... См. выше стр. 742.

л. 46. Εὐχὴ παστοῦ δεήσεων τῶν στεφάνων. Τοῦ Κυρίου δεη-
 θῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ καταξιώσας τοὺς δούλους σου εἰς νομ-
 φῶνα συνεισελεῖν... См. выше стр. 465. Καὶ ἄρας τὰ στέφανα, δένει
 αὐτὰ εἰς τὸν παστόν, καὶ δίδει αὐτῶν (sic) καὶ μέλι τετρακάριον. Καὶ
 ὅταν πληρωθῶσιν ἡμέραι η', ἀπέρχεται πάλιν ὁ ἱερεὺς εἰς τὸν παστόν,
 καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς λύσιν τῶν στεφά-
 νων. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τοῦ ἐνιαυτοῦ στέ-
 φανον εὐλογήσας... Goar. p. 325. Νυμφῶνα καταντήσαντες οἱ δοῦλοι
 σου, φιλόανθρωπε... Ibid. Καὶ εἰσέρχονται οἱ γονεῖς καὶ ἀσπάζονται αὐ-
 τοὺς καὶ εὐχονται οὕτως· Δώη σας ὁ Κύριος, παιδία μου, ἀπὸ τῆς
 δρόσου τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἀπὸ τῆς πίστεως τῆς γῆς, καὶ πλήθος σίτου,
 οἴνου καὶ ἐλαίου καὶ ἀπὸ παντὸς ἀγαθοῦ. Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεός Ἐτι
 δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ζωῆς... Εἵτα λέγει· Δόξα σοι, ὁ Θεός... Καὶ ἀπό-
 λυσις· Ὁ εὐλογήσας τὸν γάμον...

л. 47. Молитвы на различные случаи.

л. 60. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

л. 62. Чтенія изъ Апостола и Евангелія.

л. 84 об. Τάξις, λεγομένη εἰς μνημόσυνον καὶ εἰς κόλλυβα.

л. 87 об. Ἀπολυτίκια καὶ κοντάκια.

л. 96 об. Τῇ ἀγία καὶ μεγάλῃ κυριακῇ τοῦ Πάσχα. Служба пасхальной литургіи.

л. 97. Служба литургіи Пятидесятницы.

л. 99. Εἰς γυναικας μάρτυρας. Евангеліе и апостолѣ.

л. 99 об. Εὐχὴ εἰς ἄγραν ἰχθύων.

л. 100. Слово Златоуста на утрени Пасхи. Не окончено.

CXXI. № 435. Служебникъ, рукопись Аѳоно-Пантелеимоновскаго монастыря въ 16 долю листа, 68 листовъ, писана скорописью конца XVI вѣка. Въ концѣ рукописи читаемъ слѣдующую приписку позднѣйшей руки: Τὸ παρὸν βιβλίον εἶναι αἱ τρεῖς λειτουργίαι Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, τοῦ Μεγάλου Βασιλείου, καὶ ἡ προηγιασμένη, ὑπάρχει γοῦν τῆς καθ' ἡμᾶς μονῆς τῆς κυρίας ἡμῶν Πορτιανῆς, ἐδόθη γοῦν παρ' ἐμοῦ, Γερμανοῦ ἱερομονάχου καὶ ἡγουμένου ἐν τῷ μονοδρίῳ τοῦ Μαγουλά εἰς καιρόν, ἵνα πορευθῶσιν οἱ ἐκεῖσε μοναχοί, ὃ τε Δανιήλ καὶ οἱ σὺν αὐτῷ. καὶ τὰ ἱερὰ καὶ ποτήριον μετὰ πάσης τῆς οἰκονομίας αὐτῶν ἄνευ καθιερώσεως, μενέτωσαν δὲ ταῦτα εἰς τὴν ἐξουσίαν τὴν ἡμετέραν ἀδιαιλώβητα καὶ μὴ κυριευόμενα ὑπ' αὐτῶν, μηδὲ ἐχέτω τις ἐξουσίαν αὐτῶν εἰς αὐτὰ παρὰπαν.

л. 1 об. Ὁ πάντα τελεσφορήσας τῷ λόγῳ σου, Κύριε. Goar pag. 524.

л. 3. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 16. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου. Въ чинѣ противъ прошеній великой ектеньи: Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων... и Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι замѣчено: οὐ γίνεται νῦν (л. 16 об.).

л. 37. Εἰδῆσις τῆς θείας λειτουργίας προηγιασμένων. См. выше стр. 394.

л. 38 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Goar. pag. 163—168.

л. 48. Τοῦ μακαριωτάτου καὶ ἀγιωτάτου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως, Νέας Ῥώμης, καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου κὺρ Φιλοθέου διάταξις τῆς θείας λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά. Особенности этого чина указаны проф. П. Θ. Красносельцевымъ въ книгѣ:

„Материалы для исторіи чинопослуждованія литургіи св. І. Златоустаго“ стр. 36—37 въ примѣчаніяхъ.

л. 61. Ἐτέρᾳ διατάξει τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων.

Μετὰ τὸ Μνήσθητι ἡμῶν, Κύριε, ψαλλομένου τοῦ Χορὸς ἐπουράνιος, ἐνούμενοι ὁ ἱερεὺς καὶ ὁ διάκονος, ποιῶσι τῷ ἡγουμένῳ μετάνοιαν ἢ εἰς τὸ στατίδιον αὐτοῦ, καὶ οὕτω ποιῶσιν εἰς τὸ μέσον μετανοίας τρεῖς καὶ εἰς τοὺς χοροὺς ἀνά μίαν, καὶ εἰσερχόμενοι εἰς τὸ ἱερατεῖον, ἐνδύονται τὰ συνήθη, εὐλογῆσαντος τοῦ ἱερέως, λέγοντες καὶ τὰ κατὰ συνήθειαν, καὶ ἐρχόμενοι ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ποιῶσιν ἑναρξίην ἕως τὸ Δόξα ἐν ὑψίστοις, ποιῶνται καὶ μετανοίας τρεῖς, καὶ ἀσπάζονται καὶ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, ὡς δηλονότι ὀπισθεν, καὶ τὸ καιρὸς τοῦ ποιῆσαι καὶ τὰ ἄλλα, καὶ ἱστάμενοι περιμένουσιν ἕως οὗ πληρωθῶσιν αἱ μετάνοιαι, καὶ ἐξερχόμενος εἰς τὸν συνήθη τόπον ὁ διάκονος καὶ ποιῶν μετανοίας τρεῖς, ἐκφωνεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ τοῦ λυχνικοῦ ψαλλομένου, ὁ ἱερεὺς λέγει τὰς εὐχὰς τοῦ λυχνικοῦ, καὶ οὕτως ἄρχεται ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν κ. τ. λ. Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνήσας· Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα. Καὶ λεγομένου τοῦ Ψαλτηρίου, ὁ ἱερεὺς καὶ ὁ διάκονος ἀπέρχονται εἰς τὴν πρόθεσιν, καὶ ποιήσαντες προσκυνήματα τρία, ὁ μὲν ἱερεὺς, ἀψάμενος τοῦ ἁγίου ἄρτου τοῖς δυοῖν δακτύλοις, τίθησιν αὐτὸν εἰς τὸν δίσκον. Ὁ δὲ διάκονος ἐγγχεῖ τῷ ποτηρίῳ ἐκ τοῦ οἴνου καὶ τοῦ ὕδατος, δεξιόμενος πρότερον ἐπ' αὐτὰ εὐλογήσεις, καὶ οὕτω, λαβὼν τὸ θυμιατὸν καὶ θυμιάμα θείν, αἰτεῖ εὐλόγησιν, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει εὐχὴν τοῦ θυμιάματος, εὐλογῶν αὐτό. Καὶ οὕτως, καλύψας αὐτὰ συνήθως, μηδὲν ἐπιλέγων, καὶ θυμιάσας ἐπάνω αὐτῶν, ἀπέρχεται, καὶ ὅτε πληρωθῇ ἡ πρώτη δόξα, λέγει· Ἐτι καὶ ἔτι. Goar. p. 163. Καὶ μετὰ τὴν τρίτην δόξαν ὁ διάκονος τὰ αὐτά, ὁ ἱερεὺς· Ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδοξάται, καὶ αὐθις· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Καὶ ψαλλομένου τοῦ Κύριε ἐκέκραξ, ὁ ἱερεὺς θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, τὸ ἱερατεῖον καὶ τὸ διακονικόν, εἴτα λαμβάνει ὁ διάκονος τὸ θυμιατὸν καὶ θυμιᾷ συνήθως. Ὅτε δὲ ἔλθῃ τὸ Δόξα καὶ νῦν, εἰσοδεύουσι μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, εἰ δὲ ἐν εἰπεῖν εὐαγγέλιον, ὡς τοῦ Προδρόμου, τῶν ἁγίων μ' καὶ τῶν τριῶν τῆς μεγάλης ἐβδόμαδος ἡμερῶν, εἰσοδεύουσι μετὰ τοῦ εὐαγγελίου. Καὶ ὅτε εἰσέλθωσιν, ὁ διάκονος λέγει· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης τὰ προκείμενα, ὁ διάκονος αὐθις· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης τὴν ἐπιγραφὴν ἕως τὸ Γενέσεως τὸ ἀνάγνωσμα. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Καὶ τῶν ἁγίων θυρῶν ἀνεψφγμένων οὕσῳ, ἵσταται ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης τὸ μυχουάλιον μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, καὶ πληρωθέντος τοῦ ἀναγνώστητος,

λέγει ὁ διάκονος· Κελεύσατε. Ὁ ἀναγνώστης τὰ προκείμενα. Ὁ διάκονος· Σοφία ὀρθοί. Καὶ ὁ ἱερεὺς, προλαβὼν καὶ κρατήσας ἀμφοτέραις χερσὶ τὸ μαγουάλιον μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, καὶ χαράττων σταυρόν, λέγει· Φῶς Χριστοῦ φαίνει πᾶσιν. Ὁ ἀναγνώστης ἐπιγραφὴν τοῦ δευτέρου ἀναγνώσματος. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Καὶ μετατίθεται μαγουάλιον μετὰ τοῦ θυμιατοῦ, κλειομένων τῶν ἁγίων θυρῶν. Ὅτε δὲ πληρωθῇ τὸ ἀνάγνωσμα, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη σοι. Ὁ διάκονος· Σοφία, πρόσχωμεν. Καὶ φαλλομένου τοῦ Κατευθυνθήτω, κλίνουσι καὶ αὐτοὶ καὶ ἀνίστανται ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ὡς ἐστὶ συνήθες, εἰς δὲ τὸ τελευταῖον σπουδαιότερον βάλλουσι μὲν αὐτοὶ τὰς τρεῖς μετανοίας. Καὶ μετατίθῃσιν ὁ διάκονος τὸ εὐαγγέλιον, καὶ λαβὼν εὐλογίαν, ἐξέρχεται, λέγων· Εἴπωμεν πάντες. Εἰ δὲ ἔχει ἀπόστολον καὶ εὐαγγέλιον, ὡς τοῦ Προδρόμου καὶ τῶν ἁγίων μ', μετὰ τὸ Κατευθυνθήτω λέγει ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης· Ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης τὴν ἐπιγραφὴν τοῦ ἀποστόλου. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Καὶ πληρωθέντος τοῦ ἀποστόλου, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη σοί. Ὁ διάκονος· Σοφία. Ὁ ἀναγνώστης· Ἀλληλούια, Ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ. Ὁ διάκονος· Πρόσχωμεν. Ἐν ὧσφ δὲ λέγεται ὁ ἀπόστολος, θυμῷ συνήθως ὁ διάκονος, καὶ φαλλομένου τοῦ Ἀλληλούια, αἰτεῖ συνήθως τὴν εὐχὴν ὁ διάκονος καὶ ἐξέρχεται, καὶ τοῦ ἱερέως εἰπόντος· Σοφία ὀρθοί ἀκούωμεν. Ὁ διάκονος· Ἐκ τοῦ κατὰ τὸν δεῖνα ἁγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. Ὁ ἱερεὺς· Πρόσχωμεν. Καὶ πληρωθέντος τοῦ εὐαγγελίου, λέγει ὁ διάκονος· Εἴπωμεν πάντες... Εἰ δὲ ἐνὶ μόνον εὐαγγέλιον, ὅσον ἐν ταῖς τρισὶ τῆς μεγάλης ἐβδομάδος ἡμέραις, ἔτι φαλλομένου τοῦ Κατευθυνθήτω, αἰτεῖ ὁ διάκονος τὴν εὐχὴν, καὶ πληρουμένου τοῦ τελευταίου, ἐξέρχεται καὶ λέγει τὸ εὐαγγέλιον, καὶ οὕτως ἄρχεται· Εἴπωμεν πάντες κ. τ. λ. Goar. p. 164—165. (Ἡ μεγάλη εἰσοδος). Καὶ εἰσελθόντος τοῦ διακόνου καὶ θυμιάσαντος, ἐνούμενοι, λέγουσι τὸ Νῦν αἱ δυνάμεις, προσκυνοῦνται τρεῖς, καὶ εἰσοδεύουσι, λέγοντες τὸ Μνησθεῖν πάντων ὑμῶν. Καὶ εἰσελθόντες καὶ ἀποθέμενοι τὰ ἅγια, περικαλύπτει μετὰ τοῦ ἀέρος αὐτά, μηδὲν ἐπιλέγων, καὶ χαλῶν τὸ φελώνιον, οὕτως αἰτεῖ παρὰ τοῦ διακόνου τὴν εὐχὴν, ἣν καὶ αὐτὸς αὐτῷ παρέχων, συνήθως λέγων· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται. Καὶ ὁ διάκονος· Μνήσθητί μου, δέσποτα ἅγιε. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Μνησθεῖν σου, ποιῶντες καὶ τὰς τρεῖς μετανοίας. Εἴτα ἐξελθὼν, ὁ διάκονος λέγει· Πληρώσωμεν τὴν εὐχὴν. Goar. p. 166—167. Καὶ ὁ ἱερεὺς, ἔτι κεκαλυμμένων ὄντων τῶν ἁγίων, εἰσάγει ἡρέμα τὴν δεξιὰν αὐτοῦ χεῖρα, καὶ ἀπτόμενος τοῦ ἁγίου ἄρτου τοῖς δυοῖν δακτύλοις καὶ ὑφῶν αὐτόν, φωνοῦντος ἔξωθεν τοῦ διακόνου· Πρόσχωμεν. Ἐκφωνήσας· Τὰ προηγιασμένα

ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁφείλει ὑφωῦσθαι ὁ ἅγιος ἄρτος ἐνταῦθα, ὡς ἡρμήνευται, μὴ μέντοι ὑφωθεῖς ἐν τῇ τελείᾳ, εἰ δὲ ὑφώθη, οὐχ ὑφούται, πλὴν ἄπτεται τοῖς δυοῖν δακτύλοις, καὶ οὕτως αἶρει τὸν ἀέρα, τὸν ἀστερίσκον, καὶ τοῦ διακόνου εἰπόντος· Μέλισον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς λέγει· Μελίζεται καὶ διαμερίζεται. Καὶ ἐμβαλόντος τοῦ ἱερέως τὴν μερίδα τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ, λέγει ὁ διάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός. На этомъ чинѣ обрывается. Не достаетъ конца.

л. 65—67. Два чтенія изъ Апостола и три чтенія изъ Евангелія.

СХХII. № 208. Λειτουργίαι καὶ εὐχολόγιον, рукопись Λεονο-Есфигменской библиотеки въ 16 долю листа, 296 листовъ, писана мелкою, но четкою скорописью XVI в.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 15. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 32 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. См. выше стр. 270.

л. 41. Молитвы вечернія. См. выше стр. 274. Не достаетъ начала первой молитвы.

л. 45 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί. Молитвъ одинадцать. Goar. pag. 39—42. Опущена 11 молитва.

л. 54 об. Εὐχή εἰς γυναικα, ὅταν ἀποβάλλεται. Goar pag. 271.

л. 56. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ. См. выше стр. 778—779, съ тою разницею, что предъ каждою стихирою положены прииѣвы соотвѣтственно содержанію стихирь.

л. 64 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ θεμελίῳ οἴκου.

Παραγίνεται ὁ ἀρχιερεὺς ἢ ἱερεὺς καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ λεγόμενου Τρισαγίου, αὐτὸς θυμιᾷ, μετὰ δὲ τὸ Πάτερ ἡμῶν, ἐκφωνεῖ· Ὅτι σοῦ ἐστί, καὶ λέγονται τροπάρια, εἴτε θεοτοκία, εἴτε κατανοητικά, οἷα βούλοίτο τις, ἢ τῆς τοχούσης ἐορτῆς, καὶ μετὰ ταῦτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει... Goar. pag. 483. Εἶτα λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ζωῆς... Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεός..., εἶτα Δόξα καὶ νῦν, καὶ ἀπολύει.

л. 65 об. Εὐχή ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴκου.

Γίνεται καὶ ἐνταῦθα ἡ προγραφεῖσα ἀκολουθία, εἶτα ἡ εὐχή· Ὁ

Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν τοῦ Ζακχέου εἰσελθεῖν... Goar. pag. 484. Εἴτα μνημονεύει αὐτοὺς καὶ ἀπολύει.

λ. 66. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κατεργαζομένῳ.

Ποιεῖ καὶ ἐνταῦθα ὁ ἱερεὺς ὁμοίως, ὡς προεγράφη, εἴτα τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐπάνω πάσης ἀρχῆς καὶ ἐξουσίας, ὁ μέγας καὶ φοβερός ἐπὶ πάντας τοὺς περὶ κύκλῳ σου, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν ἐν ἰσχύϊ σου, καὶ κατορθώσας τὴν οἰκουμένην ἐν σοφίᾳ σου, ὁ πύλας συντρίψας χαλκᾶς καὶ μοχλοὺς σιδηροὺς συνθλάσας, ὁ τὸν ἰσχυρὸν δῆσας καὶ τὰ σκεύη αὐτοῦ διαρπάσας, ὁ τὸν δράκοντα τὸν μέγαν, τὸν σκολιόν, τῷ ἀγκίστρῳ τῆς ἐνανθρωπήσεως ἐλκύσας καὶ δεσμοῖς αὐτὸν ζόφου πεδήσας, αὐτός, Κύριε, ἡ ἀσφάλεια τῶν εἰς σὲ ἐλπίζόντων, τὸ ὀχυρὸν τεῖχος τῶν ἐπὶ σοὶ πεποιθότων, ἀπέλασον πᾶσαν διαβολικὴν ἐνέργειαν, πᾶσαν σατανικὴν ἔφοδον, πᾶσαν ἐπιβουλὴν ἐναντίας καὶ ἀντικειμένης δυνάμεως ἀπὸ τῆς οἰκίας ταύτης καὶ τῶν ἐν αὐτῇ κατοικούντων, τὴν σημείωσιν τοῦ φοβεροῦ σου τροπαίου κατὰ δαιμόνων, τὸν σταυρόν, φορούντων καὶ τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον ἐπικεκλημένων. Ναί, Κύριε, ὁ τὸν λεγεῶνα τῶν δαιμόνων ἀποδιώξας, ὁ τῷ ἀκαθάρτῳ πνεύματι τὴν ἐκ τοῦ κωφοῦ καὶ ἀλάλου ἀνεπιστρόφως ἔξοδον ἐπιτάξας, ὁ φήσας τοὺς ἐπεγνωκότας σε πατεῖν ἐπὶ πᾶσαν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ, αὐτός ἀνωτέρους πάσης ἐπιβουλῆς τοὺς ἐν τῷδε τῷ οἴκῳ διατήρησον, ρυόμενος ἀπὸ φόβου νυκτερινοῦ, ἀπὸ συμπτώματος καὶ δαιμονίου μεσημβρινοῦ, ἵνα τῆς σῆς ἀπολαύοντες οἱ δοῦλοί σου ἀσφαλείας, φάλλωμεν ὁμοφώνως τὸ Κύριος ἡμῶν βοηθὸς καὶ οὐ φοβηθισόμεθα, τί ποιήσει ἡμῖν ἄνθρωπος, καὶ οὐ φοβηθισόμεθα κακά. Ὅτι σὺ μεθ' ἡμῶν εἶ, ὁ Θεός, ὁ κραταιός καὶ αἰώνιος, καὶ σοῦ μόνου ἐστὶ ἡ δόξα... εἴτα μνημονεύει αὐτοὺς καὶ ἀπολύει.

λ. 67. Εὐχὴ λεγομένη εἰς τὸν σπόρον.

Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐκ τῆς ἀσπόρου ἀρούρας καὶ τῆς χώρας τῆς μὴ δεξαμένης σποράν βλαστήσας, τῆς ἀειπαρθένου¹⁾ καὶ Θεοτόκου Μαρίας, ὁ τοὺς ἁγίους σου μαθητάς καὶ ἀποστόλους πέμψας εἰς τὴν οἰκουμένην²⁾ σπεῖραι τὸν λόγον τῆς ἀληθείας, ὁ ἐπαυξήσας καὶ

1) Ркп. № 973 Син. библ. Нѣтъ упоминанія о Богоматери. 2) Εἰς τὸν κόσμον σπεῖραι τὸν σπόρον τῆς γεωργίας καὶ ἐπαυξήσας καὶ πληθύνας τὰ ὠρεῖα τοῦ Ἰωσήφ, καὶ εὐλογήσας τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ, εὐλόγησεν καὶ τὸ σπέρμα τοῦ δοῦλου σου τοῦδε, καὶ πληθύνον καὶ αὐξήσον τὴν γεωργίαν αὐτοῦ καὶ τὸν σπορὸν αὐτοῦ, ἵνα χορτάσῃ δυνατοὺς καὶ ἀδυνατούς, πλουσίους καὶ πένητας, ἱερεῖς καὶ μοναχοὺς, ἵνα χορταζόμενοι, σοὶ δόξαν ἀναπέμπωσιν. Ὅτι πρέπει σοὶ πᾶσα δόξα...

πλεονάσας τὸν σπόρον τῆς γεωργίας αὐτῶν, ὁ εἰπὼν πᾶσι τοῖς ὑπὸ τοῦ σου προσταγματος ἀνατείλασιν ἐπὶ τῆς γῆς· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, ὃ τὴν ἑκατοστέουσαν κριθὴν τοῦ Ἰσαὰκ εὐλόγησας καὶ τὰ ὠρεῖα Ἰωσήφ πλατύνας, Αὐτότ, Κύριε, εὐλόγησον τὸν καταβαλλόμενον τῇ γῇ σπόρον τοῦ δούλου σου τοῦδε, καὶ δὸς αὐτῷ τὴν μεγάλην σου εὐλογίαν, ἵνα χορτάσῃ πένητας καὶ ξένους, δυνατοὺς τε καὶ ἀδυνατοὺς, ὅπως χορταζόμενοι, σοὶ δόξαν ἀναπέμπωμεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεί.

λ. 67 οβ. Τάξις, γινομένη εἰς χωράφιον ἢ εἰς ἀμπελῶνα, ἢ εἰς κῆπον, εἰ συμβῇ βλάβεσθαι ὑπὸ ἐρπετῶν ἢ ἄλλης βλάβης. Goar p. 554—556. Молитвы мученика Трифона нѣтъ.

λ. 69. Εὐχὴ εἰς ἄλωνα θέρους, καρπῶν πεπληρωμένην.

Πηγὴ τῶν ἀγαθῶν, Δέσποτα παμβασιλεῦ, καὶ εὐεργέτα τῶν σὼν ποιημάτων... Goar. p. 523.

— Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, σὺ εἶ ἡ ἀμπελος ἡ ἀληθινή, καὶ ὁ Πατήρ σου ὁ γεωργός ἐστι. Goar p. 551.

λ. 70. Εὐχὴ ἐπὶ τῇ τῶν σταφυλῶν εὐλογίᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πρὶν μὲν τὴν γῆν τοῖς ἀνθρασι καλλωπίσας καὶ καρποφορίᾳ φυτῶν ἅπαν τὸ ταύτης πρόσωπον ὠραίσας, ἄρτι δὲ διὰ τῆς τῶν στοιχείων τετρακτύος τῆς γῆς, φημί καὶ τῶν σταγόνων τοῦ ὕδατος, τῆς τε τοῦ ἀέρος εὐχράσιος, καὶ τῆς θερμότητος τοῦ ἡλίου, τούτους πεπείρους γενέσθαι εὐδοκήσας, εὐλόγησον καὶ τὰς σταφυλάς ταύτας τῇ σῇ ἀγαθότητι, ὅπως ὧσιν ἡμῖν εἰς εὐφροσύνην καὶ εὐχαριστίαν τῆς ἀπειρου ἰσχύος τοῦ κράτους σου, καὶ δι' αὐτῶν προσφέρωμέν σοι δῶρα εἰς ἰλασμόν τῶν ἡμετέρων ἀμαρτιῶν διὰ τοῦ ἱεροῦ καὶ ζωοποιοῦ καὶ ἀγίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ εὐλογητός εἶ ἐν τῷ παναγίῳ Πνεύματι.

λ. 71. Εὐχὴ εἰς τρύγην ἀμπέλου. Goar. p. 552.

λ. 71 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴνου. Goar. p. 553.

λ. 72. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν ἐλαίου.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῖς ἐν τῇ κίβωτῷ τοῦ Νῶε περὶστερὰν ἀποστείλας, κάρφος ἐλαίας ἔχουσαν ἐπὶ τοῦ στόματος, καταλλαγῆς σύμβολον, σωτηρίας τε τῆς ἀπὸ τοῦ κατακλυσμοῦ καὶ τὸ τῆς χάριτος μυστήριον δι' ἐκείνων προτυπώσας, ὁ καὶ τῆς ἐλαίας τὸν καρπὸν εἰς ἀποπλήρωσιν τῶν ἀγίων σου μυστηρίων χορηγήσας, ὁ δι' αὐτοὺς καὶ τοὺς ἐν νόμῳ Πνεύματος ἀγίου πληρώσας καὶ τοὺς ἐν τῇ χάριτι τελειῶν,

αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοῦτο τὸ ἔλαιον τῇ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ καὶ ἐπιφοιτήσει τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, ὥστε γενέσθαι αὐτὸ χρίσμα ἀφθαρσίας, ὄπλον δικαιοσύνης, ἀνακατασκευῆς ψυχῆς καὶ σώματος, πάσης διαβολικῆς ἐνεργείας ἀποτρόπαιον, εἰς ἀπαλλαγὴν καὶ καθάρσιν πάντων τῶν χρησιμεύων πίστει, ἣ καὶ μεταλαμβάνοντων ἐξ αὐτοῦ, εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ ζωοποιοῦ σου Πνεύματος...

л. 72 об. Εὐχὴ εἰς τὸ θέρος. Goar. p. 524.

л. 73. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος. Goar p. 550.

л. 73 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιανοῦ τινος, ἐμπεσόντος εἰς φρέαρ. Χρὴ πρῶτον ἀντλήσαι ἐκ τοῦ φρέατος κήδους μ' καὶ ἐκχέειν, εἴτα βαλεῖν ὕδωρ τῶν ἁγίων Θεοφανείων σταυροειδῶς ἐκ γ', φάλλοντα Τρισάγιον καὶ τὸν Ν', ἅψαι τε καὶ κηροῦς καὶ θυμιάσαι πέριξ, καὶ οὕτως ἐπεύξασθαι. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δοὺς ἐξουσίαν καὶ ἐντολὴν τοῖς δούλοις σου, τοῖς προφήταις καὶ ἀποστόλοις, ἐν τῷ λόγῳ σου καθαρίζειν πάντα μολυσμὸν καὶ πᾶν ἀκάθαρτον, δεόμεθά σου, καθὼς ἐκαθάρισας τὰ ὕδατα ἐν τῇ ἐρήμῳ διὰ Μωσέως τοῦ δούλου σου, καὶ καθὼς ἐγλύκανας τὰ πικρὰ καὶ πονηρὰ ὕδατα δι' Ἐλισσαίου τοῦ προφήτου, καὶ ἡγίασας τὰ ὕδατα τοῦ Ἰορδάνου, καὶ τοῖς διαβήβασί σου εὐλόγησας τὴν θάλασσαν, οὕτω καὶ νῦν εὐλόγησον τὸ ὕδωρ τοῦτο ἐν τῇ δυνάμει τοῦ Πνεύματός σου τοῦ ἁγίου, καὶ δὸς πᾶσι τοῖς ἐξ αὐτοῦ χρωμένοις, εἴτε διὰ πόσεως, εἴτε διὰ ἄλλης τινὸς χρείας, ὑγίαν, καθαρισμόν ἀπὸ πνεύματος πονηροῦ, ἀπὸ παντὸς ἀκαθάρτου. Ὅτι ἐλεῆμων καὶ φιάνθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις...

л. 74. Εἰ δὲ ἐν ἐτέρῳ σκεύει καινῷ ἐμπέσῃ μιανόν, χρὴ αὐτὸ πλύνεσθαι, καὶ βαλλομένου ἁγιάσματος σταυροειδῶς, λέγεσθαι καὶ τὴν εὐχὴν ταύτην. Δέσποτα καρδιογνώστα, ὁ ἐπιστάμενος τὰ ἀπόρρητα. См. выше стр. 468, прим. 1—6.

л. 75. Εἰ δὲ συμβῇ μιανόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς τὸ ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου. Goar. p. 481. После молитвы καὶ ἐπιχέων αὐτῇ τὸ ἁγίασμα τρίτον σταυροειδῶς, ἀπογεύεσθω πρῶτον ὁ ἱερεὺς τοῦ οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου. Εἰ δὲ γε συμβῇ τὸ ἐμπεσόν κ. τ. λ. Ibidem.

л. 76. Εὐχὴ ἐπὶ μιροφαγησάντων. Goar. p. 534.

л. 77. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίᾳ. Goar. p. 613.

л. 77 об. Εὐχὴ ἐτέρα τῇ αὐτῇ ὑποθέσει.

Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς... Goar. p. 514.

λ. 78. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων.

Ὁ Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συνοδεύσας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ, καὶ συνῆνευθυσας τῷ δούλῳ σου Ἰωσήφ. См. выше стр. 33.

— Εὐχὴ, λεγομένη ἐν λιτῇ διὰ φόβον.

Πάλιν σοῦ, Κύριε, τοῦ φιλανθρώπου, μνήμη παιδείας, καὶ πάλιν δούλων ἀχρείων συγχωρήσεως δεήσεις γινωσκόντων. Goar p. 636.

λ. 79. Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ θαυμάτων ἄφεσιν ἁμαρτιῶν δωρησάμενος. Goar pag. 537.

λ. 79 об. Εὐχὴ, ἡ λεγομένη ἀφέσιμος.

Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, συγχωρήσαι σοι, πνευματικόν μου τέκνον. См. выше стр. 781.

λ. 80. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὁμνούντων. См. выше стр. 286.

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἀλόγως ὑπὸ τινων ἀφοριζομένων ἢ λόγῳ ἑαυτοὺς δεσμευόντων.

Ὁ Θεὸς ὁ φοβερός καὶ δυνατός, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρμοὺς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου Υἱόν εἰς τὸν κόσμον. Goar. p. 531.

λ. 81. Ἐρώτησις ἐκ τῶν τοῦ ἁγίου Ἀναστασίου τοῦ Συναΐτου· Ἐάν τις ὀρίσῃ τι ἀγαθόν...

λ. 81 об. Εὐχὴ ἐπὶ τεθνεῶτι, ἀφορισθέντι ὑπὸ τινος, ὅτε ἐν τῷ βίῳ ὑπῆρχεν, ἀναγινώσκεται δὲ ὑπὸ ἀρχιερέως μετὰ τὴν θείαν λειτουργίαν· Δέσποτα πολυέλεε Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπὶ τῷ κορυφαίῳ τῶν σῶν μαθητῶν καὶ ἀποστόλων Πέτρῳ... Goar. pag. 546.

λ. 82. Εὐχὴ ἐπὶ πυρετιόντων.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ χρόνια καὶ δεινὰ πάθη λόγῳ μόνῳ θεραπεύσας... Goar pag. 549.

λ. 83. Εὐχὴ ἐπὶ λογισμῶν αἰσχυρῶν. Goar. pag. 536.

λ. 84. Εὐχὴ, λεγομένη ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βιαίως, ἢ ζῶον ἄλογον, κατὰ τὸν πάλαι νόμον ἀκάθαρτον, ἢ θανεῖν, ἢ γεννηθῆαι. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ πολλὴν καὶ ἄφροντον ἀγαθότητα... ἀνδροκτόνου διαβόλου ἢ ἀλόγου θανάτῳ ζῶου, ἢ γεννηθῆαι κατὰ τὸν πάλαι σὺν ἁγίῳ νόμον αἰθέτου καὶ ἀκαθάρτου, Αὐτὸς πάλιν... Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἅγιος ἡμῶν. Goar. pag. 496.

λ. 85. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τῶν ἀρνούμενων τὴν πίστιν ἐν γνώσει ἢ ἀγνοίᾳ, ἔπειτα διὰ μετανοίας ἐπιστρεφόντων.

Εἰ μὲν παιδίον συνελήφθη... Goar p. 689. Ἐγγίζοντος δὲ τοῦ πληρώματος τῶν δύο τεσσαρακοστῶν, ἐπὶ ἡμέρας ἑπτὰ δεχέσθωσαν εὐχὰς ἱλαστηρίου, καὶ ἀπὸ τῶν συνευρισκομένων πάντων τὸν ἐξιλασκόμενον

ὕμνον ὑπὲρ αὐτοῦ τῷ ἱερεῖ ποιείτωσαν, ἤγουν λεγέτωσαν ἐκτενῶς τὸ Κύριε ἐλέησον ρ', καὶ ὡς ἀνωτέρω διεταξάμεθα, λουέσθωσαν καὶ χριέσθωσαν μύρω, καὶ λειτουργίας γινόμενης, ἀξιούσθωσαν τῶν ἁγίων μυστηρίων, σχολάζοντες, καθὼς οἱ φωτιζόμενοι, τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ τῇ λειτουργίᾳ τὰς ὁκτὼ ἡμέρας. Εἰ δέ τινες ἀπὸ προαιρέσεως ἠτουμώθησαν. Goar. pag. 693, π. 1. Αἱ δὲ ἱλαστήριοι εὐχαί, ἃ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, εἰσὶν αὗται· Δίκαιος εἰ Κύριε, καὶ εὐθεὺς αἱ κρίσεις σου... Goar. p. 689. Εὐχὴ ἐτέρα ἱλαστική· Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν πάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος... Goar p. 690.

1. 89. Τάξις, γινομένη περὶ χριστιανούς μαχαρίσαντας.

Λαμβάνει ἐπιτίμιον, μὴ φαγεῖν κρέας, ἢ ὄψάριον, ἢ τυρόν, ἢ ὠόν, ἢ ἔλαιον, καὶ οἶνον μὴ πιεῖν, τρέφεσθαι δὲ ἄρτῳ καὶ ὕδατι, ἕως ἡμερῶν τεσσαράκοντα, καὶ ποιεῖν καθ' ἐκάστην μετανοίας ἑκατόν, καὶ λέγειν ἐν ἐκάστη τὸ ὁ Θεὸς ἱλάσθητί μοι, καὶ λαμβάνειν τὴν εὐχήν· Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν πάντων. Goar p. 690. Πληρωθεῖσιν δὲ τῶν εἰρημένων ἡμερῶν, ἵστησιν αὐτόν ὁ ἱερεὺς, θλέποντα πρὸς δυσμάς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει τρίτον· Ἀποτάσσομαι τῷ σατανᾷ, καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ, καὶ πᾶσι τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ, καὶ πάσῃ τῇ λατρείᾳ αὐτοῦ, καὶ πάσῃ τῇ πομπῇ αὐτοῦ· ἀποτάσσομαι καὶ τῷ Μουχουμέτ, καὶ πᾶσι τοῖς δόγμασιν αὐτοῦ, καὶ πάσῃ τῇ αἰρέσει αὐτοῦ· Καὶ ἀποκρίνεται ταῦτα ἐκ τρίτου.

1. 90. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

1. 91. Ἀκολουθία τοῦ πρώτου σχήματος, ἥτοι τοῦ μανθόου.

Μετὰ τὸ κρουσθῆναι τὸ ξύλον τῆς λειτουργίας... См. выше стр. 276. Δεῖ δὲ εἰδέναι, ὡς εἰ μὲν ἐστὶν ὁ ἡγούμενος ἱερεὺς, ἐρωτᾷται παρ' αὐτοῦ, εἰ δ' οὐκ, ἐπερωτᾷται παρὰ τοῦ ἱερέως τοῦ τὴν ἐφημερίαν λαχόντος. Εἰ δὲ χωρὶς λειτουργίας μέλλει γίνεσθαι, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, καὶ ἄρχεται τῶν ἀντιφώνων· Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... Αἶνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον. Εἰδ' οὕτως ἄρχεται τοὺς μακαρισμούς· Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου μνήσθητι ἡμῶν. Κύριε. Οἱ μακαρισμοὶ ἤχος δ'. См. выше стр. 3-4--385 Καὶ εὐθὺς παρόντα κατανοητικά. Тамъ-же. Псалѣмъ 'Ρῶσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Ἀνοιξὼν τὰ τῆς καρδίας σου ὦτα, ἀδελφέ... Goar p. 383—384. Εἶτα τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ πανοικτίρμων Θεὸς καὶ πολυέλεος, ὁ τὰ ἄχραντα σπλάγχχνα... Goar. pag. 384—385. Καὶ κλίνας τὴν κεφαλὴν ὁ κειρόμενος, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόους εἶναι νομοθετήσας... Goar. pag. 385. Εἰρήνην πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ

ἐλπίς καὶ καταφυγή... Ibidem. Εἴτα ἐκτείνει τὴν χεῖρα ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, λέγει· 'Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀσπάζεται... 'Απόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ, ἐκ προαιρέσεως. Καὶ μετὰ τὸ συντάσσασθαι λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ ἱερεὺς· Λάβε τὸ ψαλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ λαβὼν τὸ ψαλίδιον ἐκ τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ ἱερεὺς· 'Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ λαμβάνεις... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ψαλίδιον ἐκ τῶν χειρῶν αὐτοῦ, λέγει· Εὐλόγητός ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι... Εἴτα κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, λέγων· 'Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ... 'Ὁ λαός· τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. 'Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται χιτῶνα... κ. τ. λ. Gouar. pag. 386. 'Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, περιβάλλεται τὴν περικεφαλαίαν... 'Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ὑποδύεται τὰ σανδάλια... 'Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἔλαβε τὸ μοναδικὸν σχῆμα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, καὶ τοῦ Υἱοῦ... Εἴτα ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ εὐχή ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ· Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς ἐν πάσῃ· εὐλογία... Gouar p. 392. Εἴτα πάλιν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ἡ ἑτέρα εὐχή· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλον, τόνδε, εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλήν... Gouar. p. 386. Καὶ πρὸς λαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοί εἰς τὸν νάρθηκα, κουρεύουσιν αὐτὸν, λέγοντες τὸν ἄμωμον. 'Ὁ δὲ ἱερεὺς, εἰ ἔστι λειτουργία, λέγει τὴν συναπτὴν Τρισαγίου, εἰ δ' οὐκ, τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου. Далѣе прокименъ, апостолъ и евангеліе тѣ-же, что у Гouara, pag. 387. Μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ εὐαγγελίου ὁ ἀποκαρεῖς ἀδελφός ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον καὶ τὸν προσεστώτα καὶ τοὺς ἀδελφούς, καὶ ἵσταται, ἐνθα ἐπιταγῇ. 'Ἐν δὲ τῷ ἀσπασμῷ ψάλλεται τὸ παρὸν ἰδίόμελον, ἡχος α'. 'Ἐπιγινῶμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Gouar. p. 387. Στίχος· 'Αγαπήσατε τὸν Κύριον. Στίχος· 'Αγαλλιάσεται τὰ χεῖλη μου, ὅταν ψάλλω... Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε, Θεοτόκε Παρθένε, χαῖρε, καύχημα τῆς οἰκουμένης... Καὶ μετὰ τὸν ἀσπασμόν, εἰ οὐκ ἔστι λειτουργία, γίνεται ἐκτενὴ παρὰ τοῦ ἱερέως καὶ ἀπόλουςις.

λ. 97 οὐ. Εὐχή, λεγομένη ἰδίως εἰς τὰς κανονικάς· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας... Gouar. p. 382.

— 'Ακολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше стр. 278—279. 'Ἐνδυσμένον δὲ τοῦ ἀδελφοῦ, ψάλλεται παρὰ τῶν παρόντων τροπάριον, ἡχος δ', 'Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας... Στίχος. Αὕτη ἡ πόλη τοῦ Κυρίου... 'Αγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ, τῷ βοηθῷ... 'Αγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Μεγάλων χαρισμάτων, ἀγνή Παρθένε, μόνῃ Μήτηρ Θεοῦ, ἡξιώθη... Κλίνοντας δὲ τὴν κεφαλὴν τοῦ τὸ σχῆμα λαβόντος, λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός

ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς παραγγελίαις σου... Goar p. 411. Εἰρήνην πάσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου... Goar p. 412. Τούτων οὕτω τελεσθέντων, εἰ μὲν ἔστι λειτουργία, γίνεται ὁ ἀσπασμὸς οὕτως· αἶρει ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἀσπάζεται αὐτὸ ὁ τὸ σχῆμα λαβὼν, καὶ τὸν προσεστῶτα, καὶ τὸν ἱερέα, εἶτα καὶ τοὺς ἀδελφούς, διίστησιν ἱσταμένους κατὰ τάξιν, ἀσπαζόμενοι πρῶτον τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, εἶτα καὶ τὸν ἀδελφόν. Ἐν δὲ τῷ ἀσπασμῷ λέγεται· Ἐπιγινώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Goar. p. 414. Καὶ τοῦτο πολλάκις λέγεται μετὰ τῶν ὑποκειμένων στίχων· Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον πάντες οἱ ὅσοι αὐτοῦ... Ἀγαλλιάσεται τὰ χεῖλη μου... Χαῖρε, Θεοτόκε Παρθένε, χαῖρε, καύχημα τῆς οἰκουμένης... Καὶ εὐθὺς παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοί εἰς τὸ διακονικόν, ἢ εἰς τὸν νάρθηκα, καὶ κουρεύουσιν αὐτόν, ψάλλοντες τὸν ἄμωμον. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν εἰρήνης... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέμπτως καὶ ἀκατακρίτως... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι τὴν ψυχὴν αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἀπαλλαγῆναι αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ διάγειν αὐτόν ἐν πάσῃ εὐλαβείᾳ καὶ σεμνότητι καὶ τελείῳ φόβῳ Θεοῦ, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι αὐτόν παλαιὸν ἄνθρωπον καὶ ἐνδύσασθαι τὸν νέον, τὸν κατ' εἰκόνα Θεοῦ κτισθέντα... Ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ. Τῆς παναγίας... Ὅτι ἅγιος εἰ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Εἶτα τὸ Τρισάγιον, μετ' οὗ τὸ προκείμενον. Далѣе прокименѣ, апостолъ и евангеліе тѣ же, что у Goar p. 413. Μετὰ γοῦν τὴν συμπλήρωσιν τοῦ εὐαγγελίου, εἰ βούλει, ψάλλονται τὰ παρόντα τροπάρια εἰς ἥχον α'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότῃ.. Στίχος· Ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρά σου ἐξ οὐρανό... Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν, τὰς χεῖρας ὑψαπλώσας, ἡμᾶς προσκαλεῖται... Goar. p. 415. Ἰσταται δὲ ὁ νεοκατήχητος ἐν τῷ ἐπιταγῇ τόπῳ μέχρι συμπληρώσεως τῆς θείας λειτουργίας. Τελεσθείσης δὲ τῆς λειτουργίας, ἅπτουσιν οἱ ἀδελφοί τοὺς κηρούς αὐτῶν, καὶ ἀπέρχονται μετὰ τοῦ νεοκουρήτου εἰς τὴν τράπεζαν, ὀψικεύοντες αὐτόν, καὶ ψάλλοντες τὸ παρὸν τροπάριον, ἥχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ. Καὶ λέγομεν τοῦτο πολλάκις. Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος, ὁ θρόνος τῆς μεγαλωσύνης... Εἰθ' οὕτως τὸ Ὑψώσω σε, ὁ Θεὸς μου... Προσκαρτερεῖ δὲ ὁ νεόκουρος ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ τὰς ζ' ἡμέρας.

π. 120. Ἀποστολο-ευαγγέλια τῆς ὅλης ἐβδομάδος.

π. 128. Ἀποστολο-ευαγγέλια εἰς διαφόρους ἁγίους.

π. 136. Εἰς τὰς δεσποτικὰς ἑορτὰς καὶ ἄλλας ἐπισήμους ἡμέρας τῶν μηνῶν ἀποστολο-ευαγγέλια τοῦ ὁρθρου καὶ τῆς λειτουργίας.

λ. 174 об. Τὰ ἀπὸ τοῦ τελώνου καὶ φαρισαίου ἕως τῆς κυριακῆς τῶν ἁγίων πάντων.

λ. 225. Προκείμενα ἀναστάσιμα τῶν ὀκτωήχων, ἦτοι εἰς τὸν ὄρθρον.

λ. 225 οδ. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ τὰ ια'.

λ. 234. Εὐαγγέλια τοῦ ὄρθρου εἰς διαφόρους ἁγίους.

λ. 236. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ, τελουμένη τῇ ἡμέρᾳ τῶν Φώτων.

λ. 253. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

Συναγονται ἐπτὰ ἱερεῖς, ἡ τρεῖς κατὰ ἀνάγκην, καὶ ποιήσαντος τοῦ πρώτου ἱερέως εὐλογητόν, ψάλλεται παρὰ πάντων τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου. См. А. Дмитриевскій. въ Прилож. къ Богослуж. въ русск. ц. въ XVI в. стр. 120—135. Разница въ томъ, что нѣтъ послѣ молитвы: Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς, замѣчания: ἕκαστος οὖν τῶν ἱερέων и т. д. См. Прилож. стр. 121. Послѣ молитвы: Ἀναρχε, ἀδιάδοχε, ἅγιε ἁγίων, тамъ же стр. 123 положенъ тропарь: Κύριε, ὁπλον κατὰ τοῦ διαβόλου, ἕως τέλους, καὶ σφραγίζων τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ ἐκ γ', λέγει: Εἰσάκουσόν μου, Κύριε. Εἰσάκουσόν μου, Δέσποτα. Εἰσάκουσόν μου, Ἄγιε. Καὶ ἀνάπτει τὴν θρυαλλίδα, καὶ λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ἀλείφει τὸν προσελθόντα, λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην μυστικῶς, μᾶλλον δὲ πρὸ τῆς εὐχῆς λέγει: Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου. Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. См. Прилож. стр. 123.

Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ. См. выше стр. 228—285 и прим.

СХХIII. № 214. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библиотеки, въ 24 долю листа, 173 листа, писана скорописью XVI вѣка. Нѣтъ ни начала, ни конца.

λ. 1. Чинъ монашескаго погребенія безъ начала.

λ. 31 об. Чинъ елеосвященія падъ мертвыми.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς πρῶτος εὐλογητόν ἐπάνω τοῦ τάφου, καὶ ἀρχόμεθα· Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ, καὶ τὸ Ἀλληλούια. Ὁ βάθει σοφίας... Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα, τὸν Ν' καὶ τὸν κανόνα, ὥδῃ α', ἥχος πλ. δ'· Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ. Νεότητος πταίσματα παρορῶν, καὶ τὰς ἁμαρτίας ὑπερβαίνων, Χριστέ Σωτήρ... По 9 пѣсни ексапостиларіѣ и стихирѣ: Βασιλικῶς μοι ὑπέγραψας ἐλευθερίαν βαφαῖς и др. Εἶτε τίθεται τὸν σῖτον καὶ ἔλαιον, καὶ λέγουσι τὴν εὐχὴν ταύτην οἱ ἐπτὰ ἱερεῖς: Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διαφόρους ἡμῖν ὁδοὺς σωτηρίας ὑποδείξας, καὶ πολυτρόπως τὴν σωτηρίαν τῶν ἁμαρτωλῶν λαβεῖν

κηδόμενος... Προκειμένον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... στίχος· Μακαρία ἡ ὁδός.. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγείρεται, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἀμὴν λέγω ὑμῖν... Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἐν ἐλπίδι ἀναστάσεως... Ὁ β' ἱερεὺς προκειμένον· Πρὸς σέ, Κύριε, ἐκέκραξα... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, οὕτω καὶ ὑμεῖς λογίζεσθε ἑαυτοὺς νεκροὺς μὲν εἶναι τῇ ἁμαρτίᾳ... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμὴν, ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων... Ὁ γ' ἱερεὺς προκειμένον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἐλέησον ἡμᾶς... Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ διδοὺς καταστολὴν δόξης ἀντὶ πνεύματος ἀκηδίας... Goar. p. 437 (вырвано). Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτό ἐστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός... Ἐλέησον ἡμᾶς. κ. τ. λ. Ὁ οἰκιστὴν τῶν οὐρανῶν ἔχων, καὶ πάντα διέπων τὰ ἐν τῇ γῇ. См. выше стр. 293. Ὁ πέμπτος ἱερεὺς προκειμένον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οἶδαμεν, ὅτι ἐὰν ἡ ἐπίγειος ὑμῶν οἰκία τοῦ σκηνοῦς καταλυθῇ... Κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἐλέησον ἡμᾶς... Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοὺ μόνον τὸ ζῆν ἀθάνατον καὶ ἡ δόξα ἀκατάληπτος... Goar. pag. 452. Ὁ ἕκτος ἱερεὺς προκειμένον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος· ἀμὴν, ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ἐὰν τις τὸν λόγον μου τηρήσῃ, θάνατον οὐ μὴ θεωρήσῃ εἰς τὸν αἰῶνα... Ἐλέησον ἡμᾶς... Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον. Goar p. 449. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος· ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ἐὰν μὴ φάγητε τὴν σάρκα τοῦ Υἱοῦ τοῦ ἀνθρώπου καὶ μὴ πίνετε αὐτοῦ τὸ αἷμα... Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δημιουργὸς καὶ Σωτὴρ καὶ κριτὴς ζώντων καὶ νεκρῶν, ὁ κατὰγον εἰς ἄδου καὶ ἀνάγων... Καὶ εὐθὺς τὰ εὐλογητάρια, εἶτα Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ πληρουμένου τούτου, λέγει ὁ πρωτοπαπᾶς εἰς ἐπήκοον πάντων· Δέσποτα παντοκράτωρ, Θεὲ πατέρων, καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, γένους παντός θνητοῦ τε καὶ θανάτου καὶ πάσης φύσεως ὁρατῆς τε καὶ νοουμένης δημιουργέ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ἐπάνω τοῦ τάφου καὶ ἀπόλυσις.

λ. 60. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ εὐχελαίου εἰς ζῶντας.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ὁ πρῶτος εὐλογητόν, καὶ λέγει τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου... Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν, Δόξα καὶ νῦν, Ἡ καταφυγὴ καὶ δύναμις..., εἶτα τὸν Ν', ὁ κανὼν· Ἐλέω τῆς εὐσπλαγχνίας, Δέσποτα... Goar. p. 332—334. Поелѣ стихирѣ, Трисάγιον καὶ τὸ τροπάριον· Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν... καὶ γίνεται ἔκτενῃ καὶ ἀπόλοις. Εἶτα πάλιν ὁ πρῶτος ἱερεὺς εὐλογητόν καὶ ἄρχεται· Ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ, καὶ βάλλει τὸ ἔλαιον εἰς τὴν κανδήλην, καὶ λέγουσιν τὴν εὐχὴν ταύτην οἱ ζ' ἱερεῖς· Κύριε, ἐν ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ἰώμενος... Goar. p. 337. Εἶτα ψάλλει τὰ τροπάρια ταῦτα, ἦχος α', Μητέρα σε Θεοῦ... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα... Ἡ καταφυγὴ καὶ δύναμις.. Τῇ Θεοτόκῃ ἔκτενως... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλιν... Ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου... Ἅγιοι ἀνάρχουροι... Ἡ νοσητὴ πόλη τῆς ζωῆς ἡμῶν... Καὶ ἄνθρωπος ποιεῖ μετανοίας γ', λέγων· Εὐλογεῖτε, δεσπότη... ἐκ γ', καὶ ἄρχεται ὁ πρῶτος ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἔλαιον... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ χρισμένῳ τῷ δούλῳ... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς εὐσπλαγχνίας... Ὅτι πρέπει πᾶσα... Καὶ εὐθὺς προκείμενον· Γένουτο, Κύριε, τὸ ἔλεός σου... Καθολικῆς ἐπιστολῆς Goar p. 337. Εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, νομικός τις προσῆλθε τῷ Ἰησοῦ. Goar pag. 337. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἀναρχε, ἀδιάδοχε... Goar. pag. 337. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, λαβὼν παρὰ τοῦ β' ἱερέως τὸ ἅγιον ἔλαιον, κρατῶν αὐτό, ἐπιτίθῃσι τὰς χεῖρας τῇ κεφαλῇ τοῦ προσκαλεσαμένου, λέγων μυστικῶς τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε... Goar. p. 338. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, χρίει τοῦτον σταυροειδῶς, ἐπιλέγων· Ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι Κυρίου..., εἰς τὴν δεξιὰν χεῖρα· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν..., εἰς τὴν ἀριστεράν· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησαν. Ὁ δεύτερος ἱερεὺς προκείμενον. Апостолъ, евангеліе и ектеңья Goar. p. 338—339, молитва: Εὐδιάλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων... Прилож. стр. 124. Третій прокимень, апостолъ и евангеліе и ектеңья Goar p. 340, молитва: Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἅγιε βασιλεῦ, ὁ παιδεύων... Прилож. стр. 127. Четвертый прокимень, апостолъ, евангеліе и молитва Goar. pag. 341. Пятый прокимень, апостолъ, евангеліе и молитва Goar. pag. 132. Шестой прокимень, апостолъ, евангеліе и молитва у Goar p. 343. Седьмой прокимень, апостолъ, евангеліе, ектеңья и молитва Goar. p. 344—345. Εἶτα τίθουσιν ὁ α' τῶν ἱερέων τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀνθρώπου, καὶ συναχθέντες οἱ ἱερεῖς, ἄπτονται τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, καὶ ἐκφωνεῖ· Τοῦ

Κυρίου δεηθῶμεν. Βασιλεῦ ἅγιε, εὐσπλαγχνε καὶ πολυέλεε... Πρμιοж-
ср. 133. Καὶ ἀσπάζεται ὁ ἀσθενὴς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον. Πηγὴ ἱαμά-
των... Καὶ νῦν, Νεῦσον παρακλήσεαι... ἔκτενή καὶ ἀπόλουςις.

л. 104 Ἀκολουθία εἰς νήπια ἀπὸ τριετοῦς καὶ κατωτέρω.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, τὸ Ἀλληλούια, τὸν Ν' καὶ εὐθὺς ὁ κανὼν. Ἄσωμεν ὥδὴν τῷ Θεῷ... Σήμερον χωρίζεται τὸ μητρικὸν νήπιον... Ἀπόστολος καὶ εὐαγγέλιον τῶν λαϊκῶν, καὶ εὐθὺς τὰ στιχηρά, ἦχος δ' Παῶν ἀνακράζει Χριστός· ἄφετε δὲ τούτους ἐξέρχεσθαι πρὸς με... Ἦτησας ὃν μετέστησας, Σωτήρ, ἄφνω ἀρπασθέντα δὲ τοῦτον, ὥσπερ στρουθεῖον... Δόξα, Ὁ θάνατος νιπίοις καύχημα, τῆς μοχθηρᾶς γὰρ σαρκὸς ἐπεδήμησεν ἄφθορος... Καὶ νῦν, Δέσποινι, πρόσδεξαι... Τρισάγιον καὶ τὴν εὐχὴν καὶ ἀπόλουςις.

л. 114. Ἀκολουθία εἰς ἱερέα κοιμώμενον.

Ἀπέρχεται ἕτερος ὁ ἱερεὺς, ἐνδύμενος τὴν ἱερατικὴν στολὴν, καὶ λαβὼν καὶ τοῦ κοιμηθέντος τὸ ἐπιτραχήλιον καὶ τὸ φελώνιον, καὶ τὸ κάλυμμα τοῦ ἁγίου ποτηρίου, καὶ τὸν σταυρὸν τοῦ ναοῦ, καὶ εἰκόνα τοῦ Χριστοῦ, καὶ τὸ εὐαγγέλιον, καὶ ἀπέρχεται εἰς τὸν οἶκον, ἐνθα ἐστὶ τὸ λείψανον, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἱμάτια καθαρά, ἐνδύει αὐτὸν καὶ τὸ ἐπιτραχήλιον καὶ τὸ φελώνιον, καὶ τίθεται σταυρὸν εἰς τὸ στῆθος καὶ τὴν εἰκόνα εἰς τὸ προσκεφάλαιον, καὶ τὸ εὐαγγέλιον εἰς τὴν δεξιὰν χεῖρα, τὸ κάλυμμα εἰς τὸ πρόσωπον, καὶ δένει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ μετὰ μανδιλίου καθαροῦ, καὶ οὐκέτι ἄφεται τις κοσμικὸς πρὸς αὐτὸν τὸ σύνολον, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ ἄρχεται Τρισαγίου, καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν λέγει τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Καὶ λαβὼν τὸ Ψαλτήριον, ψάλλει αὐτὸ ὁ ἀναγνώστης, καὶ ὁ ἱερεὺς ἀναγινώσκει τὸ εὐαγγέλιον ὅλον δι' ὅλης τῆς νυκτός, καὶ τὸ πρῶτον συνάξονται ἱερεῖς εἰς τὸν ναόν, καὶ ἐνδύμενος καθ' εἷς τὴν ἱερατικὴν στολὴν, καὶ λαμβάνουσι τὸν σταυρὸν τῆς λιτῆς καὶ τὰς εἰκόνας τοῦ ναοῦ, καὶ ἕκαστος θυμιατὸν καὶ λαμπάδα, καὶ πορεύονται εἰς τὸ λείψανον καὶ ποιῶσιν, ὅσοι καὶ ἂν ἔτυχον, εὐλογητόν μεγαλοφώνως ἐνδὸν τοῦ λειψάνου, καὶ εὐθὺς ψάλλουσι τὸ Τρισάγιον, καὶ θέτουσιν αὐτὸν ἐπὶ θρόνον, καὶ πορεύεται ὁ σταυροφόρος ἔμπροσθεν, ἔπειτα οἱ βαστάζοντες τὰς ἁγίας εἰκόνας, καὶ ὀπισθεν οἱ δ' ἱερεῖς, βαστάζοντες τὸ λείψανον, καὶ οἱ ἐπίλοιποι, ψάλλοντες τὸ Τρισάγιον, καὶ ποιῶσι στάσεις γ', πορευόμενοι καὶ ποιῶντες ἔκτενήν ὑπὲρ τοῦ κεκοιμημένου, καὶ φθάσαντες εἰς τὸν ναόν, εἰσοδεύουσι μετὰ τὸν σταυρὸν καὶ μετὰ τὰς εἰκόνας καὶ μετὰ τὸ λείψανον φοράς γ' γύρωθεν τοῦ ναοῦ, καὶ τίθενται αὐτὸν ἐν τῷ νάρθηκι, καὶ ἐὰν γίνεται ὁ τάφος ἔσωθεν, ἄγουσιν εἰς τὸν νάρθηκα, εἰ δὲ ἐστὶν ὀπισθεν τοῦ βήματος, καὶ βλέπουν αὐτὸν

ἐν τῷ μέσῳ τοῦ ναοῦ καὶ ψάλλουσιν αὐτόν. Εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ἀρχόμεθα τὸν 90 ψαλμόν· Ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ, εἴθ' οὕτως ἄρχεται· Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου.. Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τῆς μνήμης κοιμήσεως, ἀναπαύσεως, αἰνέσεως... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς συγχωρήσῃ αὐτῷ πᾶν πλημμέλημα... Ὑπὲρ τοῦ κατατάξαι τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἐν τόπῳ φωτεινῷ... Ὑπὲρ τοῦ καταγίνειν αὐτὸν ἐν κόλποις Ἀβραάμ... Ὑπὲρ τοῦ συναριθμηθῆναι αὐτὸν ἐν χωρῷ τῶν ἐκλεκτῶν... Ὑπὲρ τοῦ εὑρεῖν αὐτὸν χάριν καὶ ἔλεος ἐν τῇ ἡμέρᾳ... Ὑπὲρ τοῦ καταμεμφθῆναι αὐτῷ ἀγίου ἀγγέλους εἰρηνικούς, ὁδηγοῦντας αὐτόν... Ὑπὲρ τοῦ παρασταθῆναι αὐτὸν ἄμεπτον καὶ ἀκατάκριτον τῷ φοβερῷ βήματι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀχράντου. Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ, τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν μυστικῶς· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Goar. p. 437. Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἴ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ... Εἰς τὸ Ἀλληλούια, εἰς ἥχον πλ. δ'. Στίχος· Ἄνθρωπος, ὥσει χόρτος αἱ ἡμέραι αὐτοῦ, ὥσει ἄνθος τοῦ ἀγροῦ... Στίχος· Ὅτι πνεῦμα διήλθεν ἐν αὐτῷ... Στίχος γ'· Τὸ δὲ ἔλεος τοῦ Κυρίου ἀπὸ τοῦ αἰῶνος... Στίχος δ'· Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου... Καὶ εὐθὺς τροπάρια, ἥχος πλ. δ'. Βάθει σοφίας... Δόξα καὶ νῦν, Σε καὶ τεῖχος.. Εἴθ' οὕτως ἄρχεται ὁ ἄμωμος, καὶ μετὰ τὸν ἄμωμον τὰ εὐλογητάρια. Goar. pag. 451. Τροπάριον· Ὁ σκότος καὶ ταραχος τοῦ βίου ἀνόητος καθέστηκεν... Καὶ συναπτὴ· Ἐτι καὶ ἔτι... Ὅτι σὺ εἴ ἡ ἀνάστασις... Εἴτα τὸ κάθισμα, ἥχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Μήτηρ Θεοῦ παναγία, τὸ τεῖχος τῶν χριστιανῶν... Εἴθ' οὕτως ἀναβαθμοὶ 1, 2, 3 гласовъ по 3 первыхъ стиха. Καὶ εὐθὺς ὁ ἀπόστολος καὶ εὐαγγέλιον. Goar. p. 430. Καὶ εὐθὺς ψάλλομεν οὕτως· Κύριος ποιμαίνει καὶ οὐδὲν με ὑστερήσει... Ἀλληλούια γ'· Ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσεως ἐξέθρεφέ με. Ἀλληλούια γ'. Τὴν ψυχὴν μου ἐπέστρεψε... Ἀλληλούια γ'... Нѣсколько листовъ вырвано. Εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν... Goar pag. 452. Εἴτα κάθισμα· Σήμερον χωρίζομαι ἀπὸ τῆς συνόδου μου... Ὁ ἀπόστολος καὶ εὐαγγέλιον. Goar pag. 452. Ἀντίφωνον β'. Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς. Ἀλληλούια γ'. Εἴτα τὸ τροπάριον, ἥχος β'. Ἐν πίστει καὶ ἀγάπῃ καὶ ἐλπίδι... Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν... Goar. pag. 452. Καὶ εὐθὺς λέγει κάθισμα, ἥχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Ὁ ἀπόστολος, εὐαγγέλιον. Goar pag. 453. Ἀντίφωνον γ'. Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων. Ἀλληλούια γ'. Καὶ λέγει τροπάρια· Ἀδελφοί μου ἀγαπητοί, μή μου ἐπιλάβησθε... Ἀδελφοί μου καὶ συλλειτουργοί μου, μή μου ἐπιλάβησθε,

ὅταν προσεύχεσθε... Εἴτα λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, τῶν θλιβομένων παραμυθία. Goar. pag. 453. Τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Αἰφνίδιος ἐπέστη ἐπ' ἐμὲ ὁ θάνατος... Δόξα, Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε .. Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαχνίας τὴν πύλην... Апостолъ, евангеліе и Блаженны. Goar. p. 454. Προκείμενον· Μαχαρία ἡ ὁδός... Στίχος· Ἐπίστρεψον ψυχὴ μου... Апостолъ, евангеліе, канонъ съ икосами и съ припѣвами аллилуія тѣ-же, что у Goar. pag. 455—462 съ тою разницею, что въ описываемой рукописи не достаесть въ икосахъ стиховъ: Αὐτός μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... и Ἄρα πόσοι ἐξαίφνης ἠρπάγησαν..., но прибавлены: Αἱ νεάνιδες τὸν λόγον ἀκούσατε... Οὐχ ὁράτε τὸ πῶς διανέβομεν ἐν τοῖς μνήμασιν... Ὅταν ἄρχοντα ἰδῶμεν θνήσκοντα... Στρατείας γὰρ ὁδὸν ὅλος ἔφριξα... Въ стихирахъ на хвалитѣхъ послѣ стихиръ; „Πεπολιτευμένος ἐν εὐσεβείᾳ καὶ κεκοσμημένος слѣдуетъ: Δεῦτε θεάσασθε ἅπαντες ξένον... Въ стихирахъ самогласныхъ нѣтъ стихиръ: Σῶζου, μάταίε βίε... Послѣ Ἰδοὺ κεῖμαι, ἀγαπητοί μου, прибавлена: Ἐν μέσῳ πάντων σὺ γὰρ καὶ ἄφωνος..., Нѣтъ стихиръ: Ἐπῆλθεν ὁ θάνατος, ὡς ἄρπαξ... Послѣ Ἡ μόνη ἀγνή... прибавлена: Σῶζου, μάταίε βίε, σῶζεσθε, πάντες φίλοι..., Послѣ Ἀρχή μοι... нѣтъ: Ἐτίμησας εἰκόνι σου τὸ τῶν χειρῶν... и Λύει πᾶσαν λύπην... Послѣ θρηνῶ καὶ ὁδύρομαι, καὶ γίνεται ἀσπασμός καὶ ἀρχόμεθα τελευταῖον· Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί... Στίχος· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ. Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός, ποῖος θρήνος... Στίχος· Οὗτος ἐπὶ θαλασσῶν... Σήμερον τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων... Στίχος· Τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ ὄρος... Ὅντως ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανήγυρις πᾶσα... Στίχος· Ὡς οὐκ ἔλχβεν... Μέγας ὁ κλαυθμός καὶ ὁδυρμός, μέγας στεναγμός. Στίχος· Οὗτος λήφεται εὐλόγιαν... Βλέπων τὸν προκείμενον νεκρόν, τόπον ἀναλάβωμεν πάντες... Στίχος· Αὕτη ἡ γενεά... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι Ἀδὰμ, ἴδωμεν εἰς γῆν βεβλημένην τὴν κατ' εἰκόνα ἡμῶν... Στίχος· Κύριος ποιμαίνει... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦντες... Ὅτε ἐκ τοῦ σώματος ψυχὴ μέλλει μετὰ βίας ἀρπᾶσθαι ὑπὸ ἀγγέλων φρικτῶν... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν καὶ κόνιν... Ὅντως ματαιότης καὶ φθορὰ πάντα τὰ τοῦ βιοῦ ἡδέα καὶ τὰ παράδοξα... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντες εἰς σέ, Μητερ τοῦ αὐτοῦ ἡλίου... Δόξα, Ὁρῶντές με ἄφωνον... καὶ νῦν, Πρεσβεαίαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Εἴτα Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ Κυρίῳ... На этиомъ рукописѣ обрывается.

СХХIV. № 60 (63). Εὐχολόγιον, рукопись Аѳино-Костамонитской библиотеки, въ 16 долю листа, 192 листа, писана четкою скорописью XVI вѣка. Рукопись значительно попорчена отъ сырости.

л. 1. .. περιέχων τὴν ἅπασαν ἀκολουθίαν ἐσπερινοῦ τοῦ σαββάτου.

л. 8. Ἀρχὴ τοῦ ὄρθρου. Чинъ полунощницы.

л. 9. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ ὄρθρου. Goar p. 39—44. Священникъ возглаголетъ предъ „Слава въ вышнихъ Богу“: Δόξα τῷ δεῖξαντι τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν. Послѣ тропарей: „Днесъ спасеніе міру бысть“ замѣчается: εἰ θέλει, λέγει εὐαγγέλιον θεοτοκίον, ἔπειτα ἡ μεγάλη ἐκτενὴ παρὰ τοῦ ἱερέως ἐντὸς τοῦ ἀγίου βήματος.

л. 18 об. Ἀκολουθία εἰς ἐξομολογούμενον.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, εἶτα τὸ Τρισάχιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστι ἡ βασιλεία, καὶ ἔρχεται ὁ μέλλων ἐξομολογεῖσθαι καὶ βάλλει μετάνοιαν καὶ μ', κείμενος ἔμπροσθεν τοῦ βήματος, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς: Εὐλόγησον, δέσποτα. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συγχωρήσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καθαρισθῆναι αὐτὸν ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτῷ πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον καὶ ἀκούσιον... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσιθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς, καὶ ἀνάγκης. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ παντοδύναμος, ἰλασθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, ἵνα καταξιωθῶσιν εὐχαριστεῖν, διὰ ἐμοῦ τοῦ ἀναξίου δούλου σου κατὰ τὸ μέγα σου ἔλεος... Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ ὀκτῶν ἁφῶν ἁμαρτιῶν ὠρησάμενος. . Goar p. 537. Εὐχὴ ἐτέρα· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβίδ. Goar p. 536. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Υἱὲ τοῦ Θεοῦ ζῶντος, ἀμνὲ καὶ ποιμὴν. Ibidem, pag. 536. Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων, μακρόθυμος καὶ πολυέλεος, См. выше стр. 643. Ἀνιστὰ αὐτὸν ἐκ τοῦ ἐδάφους τῆς γῆς, λέγων πρὸς αὐτόν· Ἐγὼ μὲν, ὦ τέκνον, οὐκ εἰμι ἄξιος δεῖξασθαί σου τὴν ἐξομολόγησιν, ἀλλὰ προσδέξεται σοι ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ καὶ παντοδύναμος, καὶ ῥύσεται σε ἐκ πησῶν σου τῶν ἁμαρτιῶν, ὥνπερ ἐν γνώσει καὶ ἐν ἀγνοίᾳ ἐτέλεσας, καὶ φωτίσει τὴν καρδίαν σου ἐξ ἀγίου Πνεύματος, καὶ διδάξει σε μεριμνᾶν πάντοτε τοῦ λαλῆσαι τὰ ἀρεστὰ αὐτῷ....¹⁾ καὶ ἀγάπην, ὑπομονήν, πάρ-

¹⁾ Стерто въ рукописи.

ζητα καὶ διάκρισιν ἐν πᾶσι εὐπράττειν, καὶ ἐμβαλεῖν εἰς τὴν καρδίαν σου τὸν φόβον καὶ τὴν φιλανθρωπίαν αὐτοῦ, καὶ ῥύσεται σε ἐκ πάντων τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτοῦ τοῦ ἐχθροῦ, καὶ ποιήσῃ σε ἐμμένειν ἐν ἀγαθαῖς πράξεσι, καὶ κατευοδώσῃ σε εἰς τὴν ζωὴν τὴν αἰώνιον. Καὶ λέγει τὸν Ν' φαλμόν, καὶ τὰ τροπάρια, ἥχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Πολλὰ τὰ πλήθη... Εἶθ' οὕτως λέγει ὁ ἐξομολογούμενος· Ἐξομολογοῦμαι σοι, Πάτερ, Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, πάντα τὰ κρυπτά τῆς καρδίας μου. Ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ χάριτι Θεοῦ προσέδραμες τῇ ἀγίᾳ ἐκκλησίᾳ, μὴ οὖν αἰσχυνοῦν καὶ ἀποκρούῃς τι τῶν πεπραγμένων σου καὶ κατακριθῆς ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ καὶ τῶν ἀγίων αὐτοῦ, ὅτι ἐνταυθὶ ἐστὶ ἡ ἄρεσις τῶν ἀμαρτημάτων. Καὶ εὐθὺς λέγει τὰ ἑαυτοῦ πταίσματα. Λέγει ὁ ἱερεὺς· Θέλεις, τέκνον, τοῦ προσκλαῦσαι καὶ μετανοῆσαι, ὑπὲρ ὧν ἔπραξας, ἵνα μὴ κέτι πάλιν εἰς αὐτὰ ἐπιστραφῇς, καὶ ἐὰν φυλάξῃς ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ τὰς ὁδοὺς τοῦ Κυρίου πορεύσῃς, οὐ μόνον συγχωρηθήσῃ, ἀλλὰ καὶ δόξης ἀξιωθήσῃ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ καλῶν δικαίους εἰς τὸ ἀγιάσαι καὶ ἀμαρτωλοῦς εἰς τὸ σῶσαι αὐτοὺς καὶ μετανοοῦντας εἰς τὸ οἰκτερῆσαι αὐτούς, πρόσδεξι τὴν μετανοοῦσαν τοῦ δούλου σου, προσπίπτοντος τῇ μεγαλοπρεпеίᾳ σου, τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, ἐν ἐξομολογήσει... См. выше стр. 642. Προκείμενον ἥχος δ'. Ἐγὼ εἶπα· Κύριε, ἐλέησόν με καὶ ἴσασι τὴν ψυχὴν μου. Στίχος· Μακάριος ὁ συνίων ἐπὶ πτωχοῦς. Ἀπόστολος πρὸς Τιμόθεον· Τέκνον Τιμόθεε, πιστός ὁ λόγος καὶ πάσης ἀποδοχῆς ἄξιος... Ἀλληλούια· Κύριε μὴ τῷ θυμῷ σου. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκεῖνῳ παράγων ὁ Ἰησοῦς, εἶδεν ἄνθρωπον καθήμενον ἐπὶ τὸ τελώνιον... Τέλος· ἀλλὰ ἀμαρτωλοῦς εἰς μετάνοιαν. Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου σου ὁ δεῖνα καὶ τῆς παρὰ τῷ Θεῷ ἄνω βοήθειας, ὑγείας, σωτηρίας αὐτοῦ. Ὑπὲρ τοῦ προσδέξασθαι Κύριος ὁ Θεός τὴν ἐξομολόγησιν αὐτοῦ, καὶ ἀριθμῆσαι αὐτὸν τῷ χορῷ τῶν σωζομένων, καὶ λυτρωθῆναι τῶν προτέρων ὀφθαλμάτων, εἴπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε, ἐλέησον. Ὅτι ἐλέημων καὶ φιλάνθρωπος Θεός ὑπάρχεις... Καὶ εὐθὺς τὴν ἀπόλυσιν καὶ λέγει· Ὁ Κύριος σώσει σε, ὁ Κύριος φυλάσσει σε, ὁ Κύριος σκέπει σε, ὁ Κύριος διατηρήσει σε.

л. 26 об. Молитвы на различные случаи.

л. 44. Ἀκολουθία μεγάλου ἀγιασμοῦ.

Ектенѣя читается такъ: Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν.. Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου αἵμου... Ἐν Ἱερὸν ἁγίῳ βαπτισθεῖς, τὴν φύσιν τῶν ὁδῶν ἡγίασας τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ τῆς ἀρχαίας ἀμαρ-

τίας τὴν ἀπόφασιν λύσας, καὶ χαρισάμενος ἡμῖν τῆς πάλαι υἱοθεσίας... Ὁ ἐπὶ Μωϋσέως γλυκάνας καὶ διψῶντι τὸν λαόν σου κορέσας... Ὁ ὑπὸ Πατρός μαρτυρηθεὶς ὑπὸ Πνεύματος ἁγίου ἀναδειχθῆναι... Ἐν Ἰορδάνῃ βαπτισθεὶς καὶ τὰ ρεῖθρα τῶν ὑδάτων... Ὁ τέκνα φωτὸς διὰ τοῦ βαπτίσματος δεῖξας τοὺς ποτε ἐν αἰχμαλωσίᾳ ὄντας... Ὁ ὑπὸ δούλου βαπτισθεὶς, ἡμῖν υἱοθεσίαν χαρισάμενος, καὶ Ἰωάννην ἐπιθῆναί σοι δεξιὰν κελεύσας... Ὁ τὸν πατρικὸν κόλπον μὴ κενώσας, καὶ ἐν ὑμῖν ὁ λόγος... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ ὕδατα τῇ δυνάμει... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι τοῖς τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως, τὴν εὐλογίαν... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι αὐτὰ πρὸς ἱατρείαν ψυχῶν καὶ σωμάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἀναδειχθῆναι πηγὴν ἀφθαρσίας, ἁγιασμοῦ δώρον, νοσημάτων ἀλεξήτηριον... Ὑπὲρ τῶν ἀντλούντων καὶ ἀρρομένων αὐτὰ εἰς ζωὴν αἰώνιον... Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι ἡμᾶς μεταληψάντων ὑδάτων... Ὑπὲρ τοῦ ἐπιφάναι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τὸ πρόσωπον αὐτοῦ, καὶ ἀνακινῆσαι καὶ εὐλογῆσαι αὐτὰ... Ὑπὲρ τοῦ κατχοιτῆσαι τοὺς ὕδασι τούτοις τὴν καθαρτικὴν δύναμιν τῆς ὑπερουσίου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ ἁγιασμοῦ πηγὴν, παντός πύθους ἀπαλλαγὴν... Σῶσον ἡμᾶς, Χριστέ ὁ Θεός, τῇ τῇ ἐπιφανείᾳ... Ἀντιλαβὸν, σῶσον... Τῆς παναγίας... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν εἰς ἐπήκοον πάντων· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός, ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ Πατρὸς, ὁ ἀληθινὸς Θεός, ἡ πηγὴ τῆς ζωῆς καὶ τῆς ἀθανασίας... Goar. p. 368 Εὐχή· Δοξάζομέν σε, Δέσποτα, Θεὲ παντοκράτορ, προάνρχε, προκίωνε βασιλεῦ... Goar pag. 369 См. выше стр. 679. Τριάς ἀναρχε, ἀόρατε, ἀκατάληπτε, ἀπερίνοητε, ἀπερίγραπτε, ἀναλλοίωτε... Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστά τὰ ἔργα σου. Goar pag. 370. Εἰθ' οὕτως σφραγίζει τὸ ὕδωρ μετὰ τοῦ σταυροῦ γ', καὶ λέγει τοῦτο· Μέγας σταυρὸς ἐφάνη ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ· ἀναβαίνουσιν δοῦλοι τῆς ἁμαρτίας καὶ καταβαίνουσιν τέκνα τῆς ἀφθαρσίας, δευτέρον φῶς ἐλάβομεν καὶ τὸν μαργαρίτην τὸν Χριστὸν ἐνεδυσάμεθα. См. выше стр. 683. Тропарь, εἶτα ῥαντίζει τὸν θεῖον ναὸν καὶ τὰς ἁγίας εἰκόνας καὶ τὸν λαόν, καὶ δοξάζει στιχηρά, ἤχος πλ. β'. Ἀνυμνήσωμεν, οἱ πιστοί, ектепья и отпустъ.

л. 53. Чинъ малаго водоосвященія.

Начинается обычными тропарями, послѣ которых замѣчено: Χρή γινώσκειν, ὅτι τὰ τροπάρια ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου ψάλλονται, εἰθ' οὕτως ἄρχεται ὁ ἱερεὺς σὺν τῷ λαῷ μετὰ θυμιατοῦ καὶ κηρῶν καὶ τοῦ τιμίου σταυροῦ, ἀπέρχεται ἐν τῇ ψιάλῃ, ψάλλει τροπάρια· Τῆς εὐσπλαγγνίας τὴν πόλιν... Καὶ ὅταν φθάσῃ ὁ ἱερεὺς ἔμπροσθεν τῆς ψιάλης, ἐκφωνεῖ οὕτως· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων πάντα ἄνθρωπον, ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον, νῦν καὶ ἀεί... εἶτα τροπάρια ἤχος πλ. δ. Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς... κ. τ. α. Послѣ тропаря: Панагія Θεοτόκε

παρθένε... Ἁγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς. Ἐν εἰρήνῃ. Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου. Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ δοθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι τὸ Πνεῦμα... Ὑπὲρ τοῦ ἀνακαίνισαι Κύριον τὸν Θεὸν τὸ φῶς τῶν καρδιῶν ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἐπισκιάσαι ἐξ οὐρανοῦ ἐφ' ἡμᾶς τὴν χάριν τοῦ ὀψίστου... Ὅπως Κύριος... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζομένων τῆς παρὰ σοῦ βοηθείας καὶ ἀντιλήψεως... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀχράντου... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν μεγαλοφώνως εἰς ἐπήκοον πάντων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστός τοῖς ἔργοις, ὁ πάσης φύσεως (καὶ) φαινομένης κτίσεως δημιουργός... (εὐρηανο). Καὶ ἐπίσχεψαι καὶ ἐλέησον, καὶ ἴσασαι πάντας κατὰ τὸ μέγα σου ἔλεος. Ἐῖτα λέγει· Δόξα τῇ ἁγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ καὶ ζωοποιῷ καὶ ἀδιαιρέτῳ Τριάδι πάντοτε, νῦν... Καὶ λαβὼν τὸν τίμιον σταυρόν, λέγων, καὶ βαπτίζει αὐτὸν ὕδατος ἐν τῷ ὕδατι· Σῶσον, Κύριε... καὶ ἀγιάζει τὸν ναὸν καὶ τὰς ἁγίας εἰκόνας, εἰς οὕτως τὸν λαόν, καὶ ψάλλει στιχηρὰ ἰδιόμελα, ἤχος δ'. Πηγὴ ἱαμάτων... Νεῦσον παρακλησέσιν... Τῶν σῶν δωρεῶν... Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε παρθένε... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πόλυν... Ἐῖτα ποιεῖ ἐκτενὴν μεγάλην καὶ μνημονεύει τὸν ἀρχιερέα, τὸν προεστῶτα καὶ τὸν λαόν, καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

λ. 57 ὁβ. Εὐχὴ εἰς λεχοῦσαν γυναῖκα.

Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστι ἡ βασιλεία, τὸ Κύριε ἐλέησον ἱβ', Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ', ὁ Ν', Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, καὶ εὐχὴ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν τε καὶ ἄλογον... См. выше стр. 396; Goar pag. 267.

λ. 58. Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ ταῖς λαχοῦσαις γυναῖξί, ταῖς ἀφαμέναις τῇ λεχοῦσῃ.

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὀδόνῃ εἰπὼν Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ... См. выше стр. 455. Прплож. стр. 6;

λ. 58 ὁβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδί(ον) τῇ ἡ' ἡμέρᾳ καὶ βάλλει τὸ ὄνομα τῆς ἡ' ἡμέρας.

Προσάγεται τῷ νηὶ παρὰ τῆς μαίας τῷ βρέφει καὶ τῆς μητρὸς (sic) αὐτοῦ ἐπὶ τὸ λαβεῖν ὄνομα, καὶ εἰπὼν ὁ ἱερεὺς τὰ· εὐχὰς, καὶ ἐκκλησιάζει τὸ βρέφος ὄνομα, εἰ ἄρρεν ἐστίν, εἰ δέ ἐστι θῆλυ, Μαρία, καὶ μετὰ τοῦτο σφραγίζει αὐτό, λέγων τὴν εὐχὴν ταύτην· καὶ βαλὼν ὄνομα, οἶον

τοῖς γονεῦσιν ἀρέσκεται. Καί μετὰ τὸ ἐκκλησιάσαι τὸ βρέφος, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν. Πρὶλοж. стр. 8. Καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἐλθὼν, ὑπὸ Μαρίας βασταζόμενος... Πρὶλοж. стр. 19.

— Χρὴ γινώσκειν, ὅτι τὸ γεννηθὲν βρέφος, ἐὰν ἄρα καὶ ἀσθενοῦν μὴ θηλάζῃ. Πρὶλοж. стр. 7 См. Goar pag. 265.

л. 53. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναικα.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar p. 267. Εἶτα τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστι. Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε παρθένε... Ὁ μήτραν παρθενικὴν.

л. 60. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν λιτῇ διὰ φόβον.

Πάλιν σου, Κύριε, τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότης μνήμη παιδείας. Goar pag. 636.

— Ἀκολουθία εἰς τὸ παιῆσαι κατηχούμενον. Ἀποδύει αὐτὸν καὶ γυρίζει τὸ στόμα αὐτοῦ κατὰ ἀνατολάς, καὶ σφραγίζει τὸ στόμα αὐτοῦ, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Αἰνεῖτε, παιδιὰ, Κύριον· αἰνεῖτε τὸ ὄνομα... Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε ὁ Θεός... Goar. p. 275 Καὶ φουσᾷ αὐτῷ γ', καὶ σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα, καὶ τὸ στήθος, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Ἐξέλασον ἀπ' αὐτοῦ τὸ πονηρόν... Μετὰ δὲ τὴν εὐχὴν ἀποστρέφει ὁ ἱερεὺς τὸν κατηχούμενον σὺν τῷ ἀναδόχῳ ἐπὶ δυσμᾶς, κάτω τὰς χεῖρας ἔχον(τας) καὶ λέγει· Ἀποτάσσομαι τῷ στανᾷ. Ὁ κατηχούμενος καὶ ὁ ἀνάδοχος ἀποκρίνονται· Ἀπεταξάμην. Ὁ ἱερεὺς· Καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ... Καὶ λέγει αὐτὸ ἐκ γ' καὶ ὁ ἀνάδοχος καὶ ὁ κατηχούμενος, τὸ Ἀπεταξάμην. Εἶτα ὁ ἱερεὺς· Καὶ ἐμπτύσατε αὐτόν. Μετὰ δὲ τὸ ἐμπτύσαι, ἵστανται πάλιν κατὰ ἀνατολάς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχον(τες)· Συνεταξῶ τῷ Χριστῷ· Ὁ κατηχούμενος καὶ ἀνάδοχος· Συνεταξάμεθα αὐτῷ. Ὁ ἱερεὺς· Καὶ προσκυνήσατε αὐτῷ. Μετὰ δὲ τὴν προσκύνησιν ὁ ἱερεὺς ἐρωτᾷ· Ἀληθῶς συνεταξῶ τῷ Χριστῷ· Ὁ βαπτιζόμενος σὺν τῷ ἀναδόχῳ· Ἀληθῶς συνεταξάμην. Ὁ ἱερεὺς· Ἀξίον καὶ δίκαιον, καὶ τὸ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, ἐκ γ'. Καὶ πάλιν, συνεταξάμην καὶ προσκυνήσωμεν αὐτῷ. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην, κλινόμενος, ἐπεύχεται· Δέσποτα Κύριε, προσκάλεσαι τὸν δοῦλόν σου πρὸς τὸ ἅγιον φῶτισμα. Goar pag. 278. Ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν. Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὄδωρ... Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι τοὺς

ἐν αὐτῷ βαπτιζομένους ἀσπίλους... Ὑπὲρ τοῦ ἀκατακρίτως μεταλαμβάνειν αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν... Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός. Goar pag. 238—289. Καὶ λαμβάνει (т. е. поспѣшитъ) Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ κιβωτῷ (τοῦ Νῶε) τὸ τρυβλίον τοῦ ἐλαίου, τὸ δὲ παιδίον κάτω κείμενον, καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς αὐτό, καταδύει αὐτὸ εἰς τὴν κολυμβήθραν, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ βρέφος, καὶ ἀνυφοῖ αὐτὸ ἐκ γ' εἰς τὴν κολυμβήθραν, λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν. Καὶ τοῦ Υἱοῦ. Ἀμήν. Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Ἀμήν. Καὶ εὐθὺς Μακάριοι, ὧν ἀφέθησαν αἱ ἀνομίαι, καὶ ὧν ἀπεκαλύφθησαν... καὶ λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων... Καὶ λαμβάνει ὁ πρεσβύτερος ἐκ τοῦ ἁγίου ἐλαίου τῷ δακτύλῳ αὐτοῦ, καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου αὐτοῦ καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῶν μεταφρένων τοῦ βαπτιζομένου, καὶ λέγει οὕτως· Χρίεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα ἐλαιον ἀγαλλιάσεως εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς, ψάλλον σὺν τῷ λαῷ· Μακάριοι, ὧν ἀφέθησαν. Καὶ ὅταν εἴπῃ γ', καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν. Goar pag. 290. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον μύρον, χρίει αὐτὸν σταυροειδῶς εἰς τὸ μέτωπον, καὶ τοὺς ὀφθαλμούς, καὶ τοὺς μυκτῆρας, καὶ τὸ στόμα καὶ τὰς ἀκοάς, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου πάντοτε, νῦν καὶ αἰεῖ.

Ἑρμηνεία εἰς τὸ μεταλαμβάνειν τὸ παιδίον· εἰσέρχεται εἰς τὴν ἐκκλησίαν μὲ τὸ βρέφος, ἀσπάζονται τὰς ἁγίας εἰκόνας, ψάλλοντες· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε. Ὁ ἱερεὺς· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς, Δέσποτα. Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος, εἰς Κύριος... Κοινωνικόν· Πατήριον σωτηρίου, καὶ μεταλαμβάνει τὸ βρέφος, καὶ ψάλλοντες· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε, λέγων οὕτως γ', καὶ τὴν εὐχὴν· Ὁ λύτρωσιν διὰ τοῦ ἁγίου σου βαπτίσματος τῷ δούλῳ σου δωρησάμενος... Goar pag. 303.

Εὐχὴ εἰς τὸ κορυβεῖν τὸ παιδίον.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον... Goar pag. 306. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας τῆς σῆς ἀγαθότητος... Goar. p. 306.

л. 70 об. Ἀκολουθία εἰς γυναῖκα, ὅτε ἀποβάλλεται. Goar. p. 271.

л. 11 об. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

Ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστι. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁγίας... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης.

τοῦ σύμπαντος κόσμου... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς ἄνωθεν τὴν εἰρήνην... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος. *Goar pag. 707.* Εὐχὴ ἐτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν. *Ibidem.* Κύριε ὁ διὰ στόματος λαλήσας Δαβὶδ τῷ δούλῳ σου· ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τί τερπνόν, ἀλλ' ἢ τὸ κατοικεῖν ἀδελφοῖς ἐπὶ τὸ αὐτό, καὶ ἐκλεξάμενος καὶ συναγαγὼν τοὺς ἁγίους σου μαθητάς καὶ ἀποστόλους εἰς ἐνότητα καὶ ἀγάπην πνευματικὴν... Τῷ συνδέσμῳ τῆς ἀγάπης... Εἴτα ἀσπάζονται ἀλλήλους, καὶ ποιεῖ ἀπόλουςιν.

л. 72 об. Ἀκολουθία εἰς μνήστρα.

Εὐλογητὸς ὁ Θεός... καὶ εὐθὺς λέγει τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νῦν μεμνηστευμένων ἀλλήλοις πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα καὶ τῆς δούλης τοῦ Θεοῦ ἡ δεῖνα καὶ παρὰ Θεῷ συζεύξεως καὶ ἀγάπης αὐτῶν..... (ἡμῶν). Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα. *Goar. pag. 311.* Εἴτα δίδει ὁ ἱερεὺς τὰ δακτυλίδια τὸ ἀργυροῦν τῷ ἀνδρὶ καὶ τὸ σιδηροῦν τῇ γυναικὶ καὶ ἀλλάσσει ἐκ γ', καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε, (ὁ τὴν ἐξ ἔθνων προμνηστευσάμενος) ἐκυτοῦ ἐκκλησίαν πορθένον ἀγνήν, εὐλόγησον τὰ μνήστρα ταῦτα. *Goar. pag. 311.*

л. 73. Чинъ вѣнчанія. Начало вырванο. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν συναπτομένων πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον, ὥς τὸν γάμον ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Ὑπὲρ τῶν νεονύμφων δούλων τοῦ Θεοῦ καὶ τῆς ἐν Χριστῷ συζυγίας αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρισηται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων... Ὑπὲρ τοῦ καθαρὰν καὶ ἀμίαντον διαφυλαχθῆναι τὴν συζυγίαν αὐτῶν... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον. Τῆς παναγίης, ἀχράντου... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅμιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον, καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ. *Goar p. 74.* Ἐπικαλούμεθά σε, Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, σὲ ἐπικαλούμε, τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον, τὸν στερεωτὴν καὶ ἀρχηγὸν τῆς σωτηρίας. *Сн. вышше стр. 464.* Εἴτα στέφει αὐτοὺς τοὺς στεφάνους καὶ λέγει· Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας τὸν πρωτομάρτυρά σου Στέφανον. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτούς. Στέφεται ὁ δούλος τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ λέγει αὐτῷ ἐκ γ', σταυρώνει καὶ θέτει τὰ στεφάνια, καὶ λέγει· Ὁ Πατὴρ εὐλογεῖ, καὶ ὁ Υἱὸς θέτει, καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα

ἐπισκιάζει. Εἶτα· Ἐθνηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ... μακρότητα ἡμερῶν εἰς αἰὼνα αἰῶνος, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Εἶτα στέφει τὴν γυναῖκα· Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος εὐθηνουῖσα. Στίχος· Οἱ υἱοί σου, ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τραπέζης σου. Στίχος· Ἰδοὺ οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος, ὁ φοβούμενος τὸν Κύριον. Μετὰ δὲ τὸ χειρῶσαι αὐτοὺς ὁ ἀνάδοχος, λέγει ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σωτηριῳδαίᾳ σου οἰκονομία καταξίωσας ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας... *Goar. pag. 318.* Εἶτα ἀπόστολος, περικείμενον· Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας. Πρὸς Ἐφεσίους (?) ἐπιστολῇ· Ἀδελφοί, χαίρετε ἐν Χριστῷ πάντοτε, πάλιν ἐρῶ χαίρετε... Τέλος· Πάντα νοῦν, φρουρησεὶ τὰς καρδίας ἡμῶν καὶ τὰ νοήματα ἡμῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ... Ἀλληλουία, Ἰδοὺ οὕτως εὐλογηθήσεται... Στίχος· Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος.. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσήλθον οἱ φαρισαῖοι τῷ Ἰησοῦ, πειράζοντες αὐτόν, καὶ λέγοντες· εἰ ἔξεστιν ἀνθρώπῳ ἀπολῦσαι τὴν γυναῖκα... Ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς· οὐ πάντες χωροῦσιν τὸν λόγον αὐτὸν ἄλλ' οἷς δέδοται. Εἶτα λέγει μικρὰν ἐκτενὴν· Ἐλέησον ἡμᾶς... Καὶ ἀποφάσεως τῶν νεονόμων... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Καὶ ἔχει ὁ ἱερεὺς ἐνωμένον τὸ ποτήριον καὶ λέγει· Καταξίωσον. Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Κοινωνικόν. Ποτήριον σωτηρίου... Καὶ κοινωνεῖ τοὺς νεονόμους. Καὶ μετὰ τὸ μεταλαβεῖν, ἐπεύχεται· Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην. *См. выше стр. 183.* Εὐχὴ εἰς τὸ ἐπᾶραι στέφανον· Ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας, καὶ εὐλογήσας τὸν γάμον. *Goar p. 320.* Εὐχὴ εἰς τὸ λῦσαι παστὸν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐπρεπήσας, ἀξίωσον. *См. выше стр. 184; Сп. стр. 31.* Καὶ λέγει ἐκ γ'· Ζησατε, νεόγαμοι, καὶ πολυχρονήσατε· Τριάς ἡ ἀχώριστος φυλάξοι σας. Καὶ χορεύουσι γύρωθεν ἔσωθεν τοῦ ναοῦ ἐκ γ', καὶ ψάλλουσιν· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός... Ἕτερον· Ἀγιοὶ μάρτυρες, οἱ καλῶς ἀθλήσαντες... Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν, καὶ πολυχρονεῖ τοὺς νεονόμους κατὰ τὸν ἀνάδοχον.

л. 77 об. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης Πεντηκοστῆς.

СХХV. № 975. Εὐχολόγιον, рукопись Синайской библиотеки въ 16 долю листа, 403 листа, писана скорописью XVI в.

л. 1. Ἐκθεσίς πίστεως ὀρθοδόξου.

л.л. 3—12 Молитвы Марка іеромонаха.

л. 13. Συναξάρια τοῦ αὐγούστου μηνὸς съ житіями.

λ. 120. Λόγος περὶ τῆς τιμῆς εὐρέσεως τοῦ ζωοποιῦ σταυροῦ.

Τοῦ διακοσιοστοῦ τρίτου ἐγένετο κατὰ τὸν καιρὸν ἐκεῖνον, βασιλεύοντος Κωνσταντίνου τοῦ μεγάλου βασιλέως.

λ. 133. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου, λόγος ἕτερος περὶ τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιῦ σταυροῦ.

Τί εἶπω; τί λαλήσω; τίνας ὑμᾶς καλέσω, πρόβατα ἢ ποιμένας, ναύτας ἢ κυβερνήτας...

λ. 147 οβ. Ἅλλος λόγος ἱστορικὸς τοῦ ἁγίου Ἰακώβου καὶ Ἰωάννου τοῦ ἀρχιεπισκόπου Θεσσαλονίκης, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν. На Успеніе.

Ἦνίκα ἔγνω Μαρία παρὰ τοῦ Κυρίου, ὅτι ἀπετέθη τὸ σῶμα, ἦλθε πρὸς αὐτὴν ὁ μέγας ἄγγελος καὶ εἶπε.

λ. 179 οβ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Κυρίλλου, ἀρχιεπισκόπου Ἀλεξανδρείας, λόγος εἰς τὴν Ὑπαπαντὴν τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Χαῖρε σφόδρα, θύγατερ Σιών, κήρυξε θύγατερ Ἱερουσαλήμ, χόρευε λαὸς πόλεως τῆς τοῦ Θεοῦ, σκιρτήσατε πύλαι.

λ. 190 οβ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου, λόγος εἰς τὴν μεταμόρφωσιν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Ἦκουες ἀρτίως τοῦ Δεσπότη Χριστοῦ λέγοντος· εἰσὶ τινες τῶν ὧδε ἐστώτων...

λ. 198. Чистый.

λ. 199. Ἀκολουθία εἰς λοχοῦσαν и весь чинъ крещенія. См. выше стр. 395—400.

λ. 231. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τελευταίῃ μοιχαυ. См. выше стр. 718.

λ. 270. Ἀρχὴ τῶν μνημοσύνων τῶν κοιμηθέντων, ὅταν βοῦλεται μνημονεῦσαι τὰ κόλλυβα.

λ. 278. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου. Прилож. стр. 119—135.

λ. 302. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἀκολουθίας εἰς τὸ κουρεῦσαι λαϊκόν, τοῦ ποιῆσαι ῥασοφόρον μοναχόν. См. выше стр. 505, но съ прибавленіемъ обычнаго начала.

λ. 303 οβ. Τάξις εἰς σχῆμα σταυροφόρου. См. выше стр. 505.

λ. 305 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου μικροῦ σχήματος. См. выше стр. 506—512.

λ. 336 οβ. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше стр. 512—516.

л. 370. Ὀνόματα ἀρσενικὰ μοναχῶν и женскія.

Относительно чиновъ монашескихъ замѣчено: Ταῦτα γίνονται ἐν μοναῖς μεγίσταις καὶ κοινοβίοις, ἡμεῖς δὲ λέγομεν ἅπαντα τὰ γεγραμμένα, καὶ οὕτως γίνεται ἡ τάξις, καθὼς γέγραπται ἐκ τοῦ μικροῦ σχήματος, ἡγουν εἰς τὴν ἀπόλυσιν, εἰ βούλει, καὶ τὰ ἐκεῖσε τροπάρια, καὶ μετὰ τὴν ἀπόλυσιν εἰσέρχονται οἱ ἀδελφοὶ εἰς καθ' εἷς, λέγουσι τῷ ἀποκαρέντι ἀδελφῷ· Εὐλόγησον, πάτερ· πῶς καλεῖται τὸ ὄνομά σου; Καὶ οὕτως εἰς ἐστίασιν εἰσέρχονται οἱ ἀδελφοί, καὶ γίνεται ἡ παράκλησις, ὡς προεγράφη.

л. 372 чистый.

л. 373. Разныя статьи изъ св. отцевъ аскетическаго содержания.

СХХVI. № 978. Εὐχολόγιον, σὺν Θεῷ ἁγίῳ περιέχον ἀνελλιπῶς πᾶσαν ἀκολουθίαν τῆς ἱερατικῆς διατάξεως, рукопись той-же библиотеки въ 16 долю листа, 401 листъ, писана разными почерками XVI в.

л. 1. Ἀρχὴ τῶν εὐχῶν τοῦ λοχικοῦ.

л. 3 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί, τοῦ ὁρθρου δηλονότι. Молитвъ 11. Оупущена девятая, по Гоару. 12 молитва на главопреклонение.

л. 8 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 23. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 42 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Возгласъ: „Свѣтъ Христовъ“, свшценникъ произноситъ передъ трапезοю, а діаконъ „ἔξωθεν τοῦ βήματος“. Великій выходъ съ св. дарами совершается, καθὼς ἐν τῇ τοῦ Χρυσοστόμου λειτουργίᾳ καὶ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

л. 52 об. Εἴκοσι τέσσαρες οἵκοι τῆς Θεοτόκου. Λέγονται δὲ οἱ θεϊότατοι οἵκοι ἐντὸς τοῦ ἁγίου βήματος, τινὲς λέγουσι τούτους ἐνώπιον τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ κατὰ μίμησιν τοῦ πανσέπτου ἀγγέλου, θεωρῶν καὶ διαλεγόμενος τὴν πάναχνον Θεοτόκον· ποίημα Σεργίου πατριάρχου, τοῦ καὶ μετέπειτα τῇ αἰρέσει, ὡς φασί τινες, ἐμπροσθέντος.

л. 57. Εὐχή, λεγομένη ὑπὸ τοῦ ἱερέως ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τοῦ τιμίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, συγχωρῶν αὐτοῦ πάντα τὰ ἁμαρτήματα· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός

ἡμῶν, Ὡὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν ὑπάρχων καὶ ἀμὸς...
 Morin. De sacra poenitentia pag. 645.

λ. 61. Εὐχὴ συγχωρητική, ἣν λέγει ὁ πνευματικὸς ἐπὶ μετανοοῦντα.

Ἡ πανάγαθος αὐταγαθότης καὶ ζωοπάροχος σοφία τοῦ Θεοῦ καὶ Πατρός, ὁ Κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστός, ὁ ἀληθινὸς Θεός.

λ. 62. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

λ. 68. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων. МОЛИТВЫ СОФРОНІЯ ПЪТЪ. При погружении тропарь поютъ „Во Иорданѣ“, а испивая воды: „Τριάδος ἡ φανέρωσις ἐν Ἰορδάνῃ γέγονεν“... Πρόσεχε σεαυτὸν, ὦ ἱερεῦ, μὴ ἐπιδῶσης τινὶ τῶ μὴ νηστεύοντι τὸ ἅγισμα τοῦ πίνειν, ὥσπερ τινὲς ἀμαθεῖς ποιοῦσι, λογιζόμενοι ἐπειδὴ ρίπτουσιν αὐτὸ ἐν ταῖς πλατείαις, ἀρμόζει καὶ πίνειν αὐτὸ καὶ οἱ μὴ νηστεύοντες· ἅπαγε, ἐπειδὴ πρῶτον πίνομεν τὸ ἅγισμα, ἔπειτα ἐσθίωμεν τὸ ἀντίδωρον. Μετὰ δὲ τὴν λειτουργίαν τῆς αὔριον οὐ ρίπτεται ἅγισμα τὸ σύνολον, ἀλλὰ τιμᾶται καὶ προσέγεται καὶ δεύτερον τῆς ἁγίας κοινωνίας.

λ. 76. Ἀκολουθία ἐπὶ γέννησιν γυναικός. См. выше стр. 583—584 и прим.

λ. 78. Εὐχαὶ τῆς μαίας.

Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἀμαρτωλοῦ. См. выше стр. 455. Εὐχὴ ἐτέρα τῆς μαίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῶ ἐνυποστάτῳ σου λόγῳ τὰ πάντα δημιουργήσας... Goar pag. 263 и выше стр. 535. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις οὕτως· Ὁ ἐν σπηλαίῳ γεννηθεὶς καὶ ἐν φάτνῃ ἀνακλιθεὶς Χριστός, ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν, πρεσβείαις τῆς παναχράντου αὐτοῦ Μητρός, τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος Ἐλευθερίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων.

λ. 79. Εὐχὴ εἰς ἀπόβλησιν γυναικός καὶ μὴ ζῶν τὸ παιδίον.

Πάτερ ἐπουράνιε καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, ὁ κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον πλάσας... См. выше стр. 584—585.

λ. 80. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡ' ἡμέρᾳ, ἥγουν ἐκκλησιάζσαι.

Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, Τρισάγιον, καὶ μετὰ τὸ Πάτερ ἡμῶν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ κοντάκιον, καὶ ἐξελθὼν ἔξω τῆς ἐκκλησίας, ἐμφυσᾷ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σταυροειδῶς γ', ὁμοίως καὶ σφραγίζει μετὰ τῆς χειρὸς τρίτον, καὶ λέγει τὴν εὐχήν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρχαλοῦμεν, σημειώθῃτω τὸ φῶς. Goar p. 264. Δεῖ γνώσκειν, ὅτι τὸ γεννηθὲν βρέφος... Goar. p. 265.

л. 81. Τῇ δὲ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ πάλιν προσάγεται τῷ ναφ̃ ἐπὶ τῷ ἐκκλησιασθῆναι. Прилож. стр. 7—9 съ тѣми особенностями, какія указаны выше стр. 585, но безъ прибавленія, начинающа со словъ: καὶ πιάσας ὁ ἱερεὺς καὶ τὸ παιδίον κ. τ. λ.

л. 83. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοούμενον.

См. выше стр. 586, но съ инымъ изложениемъ въ концѣ чина: Εἰ δὲ ἱερεὺς ἐστὶ μόνος καὶ παιδίον κάτω κείμενον, λαβὼν αὐτό, καταδύει αὐτό εἰς τὴν κολυμβήθραν, καὶ κατάγει αὐτό καὶ ἀνάγει γ', λέγει· Βαπτίζεται ὁ δεῖνα εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ μετὰ τὸ βαπτισθῆναι, γενέσθαι βάπτισιν, πίπτει καὶ ἐκβάλλει τὸ λέντιον καὶ τὰ μανίκια, καὶ τοῦ ἀρχidiaκόνου λέγοντος· Πρόσχωμεν, ἄρχονται οἱ ψάλται· Μακάριοι ὦν... Τοῦτο λέγεται γ' καὶ δοξάζει ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ μετὰ τοῦτο, λέγοντος τοῦ διακόνου· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ εὐθὺς εὐχὴ εἰς τὸ μύρον, ἣτις λέγεται παρὰ τοῦ ἱερέως ἢ τοῦ ἀρχidiaκόνου· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ... Goar. pag. 290. Καὶ χρίει αὐτὸ τῷ μύρῳ σταυροειδῶς ἐν τῷ μετώπῳ, ἐν τῷ στήθει, εἰς τὰς ῥίνας, καὶ τὰ ὦτα, τὴν κοιλίαν, τοὺς νεφρούς, λέγει· Σφραγίς δωρεᾶς... καὶ εὐθὺς οἱ ψάλται· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε..., ποιῶντες καὶ γούρους γ', εἶτα ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν...

л. 103 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφώτιστον. Καὶ ἡ εὐχὴ· Εἰρήνη πάνιν. Τὰς κεφαλὰς. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος... Goar pag. 303. Καὶ λαβὼν μέρος ἐκ τῆς περικεφαλαίας, βάλλει εἰς τὸ ὕδωρ καὶ ἀποσπογγίζει τὴν κάραν σὺν τῷ μετώπῳ, τὸ στήθος καὶ τοὺς νεφρούς, λέγει· Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, ἡγιάσθης καὶ ἀπολύει αὐτὸν ἐν εἰρήνῃ.

л. 104. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε ὁ Θεός τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολυμβήθρας. Goar p. 306. Εἶθ' οὕτως κείρει αὐτοῦ τὰς τρίχας σταυροειδῶς, λέγων· Κεῖρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς... Ἀρχὴν ποιῶν ἀπὸ τοῦ μετώπου τῆς κορυφῆς δεξιᾶ, καὶ ἀριστερᾶ, καὶ δίδωσιν αὐτὰς τῷ ἀναδόχῳ, καὶ πάλιν λέγει· Εἰρήνη πάνιν. Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν... Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσας τὸν ἄνθρωπον. Goar. p. 306. Εἶτα λέγει ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης· Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεός... Ἐπεὶ δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ζωῆς, εἰρήνης... τοῦ δοῦλου τοῦ Θεοῦ ὁ δεῖνα τοῦ νεοφωτίστου, καὶ τοῦ ἀναδόχου ὁ δεῖνα. Κύριε ἐλέησον γ'. Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι αὐτοῖς πᾶν πλημμέλημα... Τὸ Κύριε ἐλέησον μ' καὶ ἡ εὐχὴ· Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεός ὁ Σωτήρ...

Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν καὶ τὴν ἐκφώνησιν λέγει· Δόξα καὶ νῦν, καὶ γίνεται ἀπόλουσις οὕτως· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας καὶ παναρχάντου αὐτοῦ Μητρός, τῶν ἁγίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν, τοῦ ἁγίου Συμεὼν τοῦ θεοδόχου καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι ἡμᾶς, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος. Εἴτα λέγομεν· Πολυχρόνιον ποιῆσαι ὁ Θεὸς τὸν νεοφώτιστον σὺν τῷ ἀναδόχῳ, καὶ ἡμᾶς ἐλεῆσαι διὰ τῆς ἑαυτοῦ ἀγαθότητος. Λαβὼν δὲ ὁ ἱερεὺς τὸ βρέφος, ἵσταται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν καὶ σχηματίζει αὐτὸ ὡς προσκύνησις, λέγει γ'· Ἀξία ἡ ἀγία καὶ ὀρθόδοξος πίστις τῶν ὀρθοδόξων χριστιανῶν πάντοτε, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ... καὶ ἐπιδίδει αὐτὸ τῷ αὐτοῦ ἀναδόχῳ καὶ ἐξέρχεται.

л. 106. Ἀκολουθία ἐπὶ μνηστρα βασιλέων καὶ λοιπῶν. См. выше стр. 401—405 и примѣчанія.

л. 120 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς δίγαμον.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραάμ φίλον καλέσας. См. выше стр. 743.

л. 121. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

Συναγθέντες οἱ ἐπὶ πρᾶτος πρεσβύτεροι ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν οἴκῳ, προτίθεται ἐν τῷ μέσῳ τετράπους, καὶ ἐπάνω αὐτοῦ ἁγίαν εἰκόνα, φέρουσαν ἐκτύπωμα τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ἢ τῆς Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου, καὶ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ σκεῦος τι, ἔχον σῖτον καὶ κανδήλαν μετὰ οἴνου, καὶ ἔλαιον ἐν ἐτέρῳ ἀγγείῳ, καὶ μοιβίδας ζ', καὶ εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ψάλλεται ψαλμὸς ρμβ', τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου ἕως τέλους, εἴτα τὸ Ἀλληλούϊα γ', ἔπειτα ὁ ἱερεὺς λέγει· Ἐτι καὶ ἔτι... Ὅτι πρέπει... Εἴτα τὸ Θεὸς Κύριος καὶ ἐπέφανεν... στίχους· Ἐξομολογεῖσθε τῷ Κυρίῳ κ. τ. λ. τροπάρια ἤχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. καὶ ὁ Ν', καὶ κανὼν Goar p. 332, стихирь. Εἴτα προσέρχεται ὁ μέλλων ποιῆσαι ἅγιον ἔλαιον καὶ ποιεῖ κατ' ἀνατολὰς μετανοίας τρεῖς καὶ εἰς τοὺς ἱερεῖς ἑτέρας, λέγων οὕτως· Εὐλογῆσατε, δεσπότη ἅγιοι... Приложен. стр. 122. Καὶ ἀγνοίᾳ, καὶ εὐξασθε ὑπὲρ ἐμοῦ. Γνωμένης δὲ συγχωρήσεως, σταθεὶς ὁ πρῶτος ἔμπροσθεν τοῦ τετραπόδου, λέγει τα εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ἔλαιον τοῦτο... Ὑπὲρ τοῦ δούλου... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας, ἀρχάντου... Ὅτι πρέπει... Conf. Εὐχ. Goar p. 335. Λέγοντος δὲ τοῦ ἱερέως τὰ διακονικά, ἐπιβάλλουσιν οἱ ἱερεῖς, εἰς ἕκαστος, ἔλαιον εἰς τὴν κινδῆλαν, ἡγουν ὁ πρῶτος ἕως τοῦ ἐσχατοῦ, ὁ Ν'. Εὐχὴ τοῦ ἐλαίου· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει... Goar. pag. 335. Λέγεται δὲ αὕτη ἡ εὐχὴ ὑπὸ καθ' ἑνὸς τῶν ζ' ἱερέων, εἴτα λέγει ὁ πρῶτος ἱερεὺς τὸ προκείμενον. Апостольскія и евангельскія чтенія и молитвы См. выше стр. 589—591 и примѣч.

- λ. 175. Εὐαγγέλια ἑωθινά ια'.
- λ. 185 οβ. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ὅλης ἐβδομάδος.
- λ. 194. Апостолы и евангелія общимъ свѣтымъ.
- λ. 204. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφαισάντων.
- λ. 204 οβ. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴνου νέου. 2 МОЛИТВЫ.
- λ. 205 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκου κτιζομένου.
- Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου. Ектенія и 2 МОЛИТВЫ.
- λ. 207 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μιανοῦ πεσόντος εἰς φρέαρ.
- λ. 208. Εὐχὴ ἐπὶ πᾶν εἶδος ἡ σκευὸς μιανθέν.
- λ. 208 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ ὀρύξαι φρέαρ καὶ εὐρεῖν ὕδωρ.
- λ. 209. Εὐχὴ συγγορητική, ἣν γράφει ὁ πνευματικός, καὶ βάλλει εἰς τὴν χεῖρα τοῦ τεθνηκότος τοῦ μὴ φοβεῖσθαι τα ἐναέρια πνευματα.
- Εὐχὴ εἰς ἄγραν ἰχθύων.
- λ. 210. Εὐχὴ εἰς ἀρχὴν σπόρου.
- λ. 210 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θέρου καὶ ἀλωνος.
- Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα.
- λ. 211 οβ. Εὐχαὶ εἰς μετὰληψιν σταφυλῆς, 2 МОЛИТВЫ.
- λ. 212. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγης ἀμπέλου.
- λ. 212 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ στήσαι τοξάριον πλοίου.
- λ. 213. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὸ κατχοπάσαι πλοῖον ἐν τῇ θαλάσῃ, ἥτοι ἀποπλέειν.
- λ. 214. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῇ εἰσόδῳ πρὸ τῆς συνήθους ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βιαίως.
- λ. 215. Λέγεται ἡ τοιαύτη εὐχὴ ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ ζῶον ἄλογον καὶ ἀκάθαρτον, ἡ ἄθυτον εἰθανε, ἡ ἐγέννησεν.
- λ. 215. Εὐχαὶ εἰς χωράφιον, ἡ ἀμπελον, ἡ κῆπον, βλαπτόμενον ὑπὸ ἐρπετῶν, ἡ ἐτέρων κακῶν καὶ πονηρῶν. 2 МОЛИТВЫ.
- λ. 217. Εὐχὴ εἰς ποίμνην κτηνῶν.
- Τάξις, γινομένη ἐὰν συμβῇ μιανὸν ἢ ἀκάθαρτον πεσεῖν προσφάτως εἰς ἔλαιον, ἡ εἰς οἶνον, ἡ εἰς ἕτερον εἶδος.
- λ. 218 οβ. Εὐχὴ πρὸς χριστιανὸν μαγαρίσαντα, ὑπαχθέντα τῇ ἐθνικῇ πλάνῃ, καὶ ἐπιστρέψαντα καὶ τῇ εκκλησίᾳ τοῦ Θεοῦ προσδραμόντα.
- λ. 219 οβ. Ἀκολουθία εἰς τοὺς ἀπὸ αἱρέσεως ἐρχομένους, τὸ πῶς δεῖ δέχεσθαι τούτους ἐν τῇ ἀγίᾳ τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίᾳ.
- λ. 221. Εὐχὴ ἐπὶ χριστιανοῖς, ὑπαχθεῖσιν ἐθνικῇ πλάνῃ.
- λ. 222 οβ. Εὐχὴ ἀπιστήσαντος παιδος καὶ μαγαρίσαντος, εἴτα μετανόησαντος.

λ. 224 οβ. Ἀκολουθία εἰς ἄνθρωπον ψυχορράγοντα, κρινόμενον, δυσασποσπάστως ἔχοντα τὴν βίαν τῆς ψυχῆς.

λ. 230. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν ἐπὶ ἀνομβρίας· ποίημα Ἀνδρέου Κρήτης.

λ. 238. Ἀκολουθία τῆς ἀγίας Πεντηκοστῆς.

λ. 247. Εὐχὴ, λεγομένη εἰς θυσιαστήριον, μιανθὲν ὑπὸ ἐθνῶν.

2 МОЛИТВЫ.

λ. 248. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας.

λ. 248 οβ. Εὐχὴ τοῦ ἀρίστου.

λ. 249. Εὐχὴ εἰς τὴν παναγίαν μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἐκ τοῦ ἀρίστου. Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιλανθρώπῳ Θεῷ... Gouar. pag. 569.

— Εὐχαὶ τῆς λιτῆς ἀκολουθίας.

λ. 251. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῇ εὐλογῇ τῶν ἄρτων.

— Εὐχὴ τῶν κολλυβίων.

λ. 251 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ πᾶν εἶδος ἀσθενείας.

λ. 252. Εὐχὴ ἐπὶ τοῖς ἀπὸ ἔχθρας εἰρηνεύουσιν.

λ. 252 οβ. Εὐχὴ εἰς ἐνυπνιασμόν ρεύσεως.

— Εὐχὴ συγχωρητική, ἣν γράφει ὁ πνευματικός, καὶ βάλλει εἰς τὴν χεῖρα τοῦ τεθνηκότος τοῦ μὴ φοβεῖσθαι τὰ ἐναέρια πνεύματα.

λ. 253. Εὐχὴ τῶν ἐξ ἐπιτιμιῶν λυομένων.

λ. 253 οβ. Ἀκολουθία, ὅταν μέλλῃ λειτουργῆσαι τὰ προηγησμένα.

Каѳизма и стихирѣ.

λ. 263. Τάξις πρὸς σχῆμα μοναχοῦ σταυροφόρου. См. выше стр. 505.

λ. 265. Ἀκολουθία τοῦ ἀγίου σχήματος, ἥρουν τοῦ μικροῦ, ἔχουσα οὕτως. См. выше стр. 506—512.

λ. 282 οβ. Ἑτέρα ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Μετὰ τὸ εὐλογητόν, Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάριον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Κύριε ἐλέησον β', Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ', ὁ Ν', ὁ κανὼν. Gouar pag. 403—405, στιχηρὰ προσόμοια pag. 405 сѣ догворочнымъ: Νεῦσον προστασία ἀγαθῇ... καὶ εὐθὺς οἱ μακαρίσμοι, ἥχος δ'. См. выше стр. 279. Εἶτα εἰσέρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ βαλὼν μετάνοιαν, ἔπταται, καὶ εὐθὺς ψάλλουσιν ἀντίφωνον ἥχος δ'. Ἡθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι... и др. См. выше стр. 512—513. Καὶ ἄρουν αὐτὸν πλησίον τοῦ ἄμβωνος, ἀντίφωνον β' и γ'. См. выше стр. 513 Εἶτα, στραφεὶς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολάς, λέγει τροπάριον τοῦτο β', ἥχος δ'. Κύριε, ἐπιβλεψὼν ἐξ οὐρανοῦ... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον. Ὁ διὰ τὴν θεοπάτωρ προφήτης Δαβὶδ... Εἰθ' οὕτως ἀνιστᾷ αὐτὸν καὶ ἐπε-

ρωτᾷ ὁ ἱερεὺς, λέγει οὕτως: Τί προσῆλθες, ἀδελφέ; Goar. pag. 407 съ прибавленіемъ вопроса: Ὑποτάσσεται τῷ προεστώτι καὶ πᾶσι τοῖς ἐν Χριστῷ ἀδελφοῖς; Далѣе порядокъ до одѣянія, что у Гоара р. 407—411 съ небольшими особенностями, а именно: постриженіе священниками происходитъ въ алтарѣ, а послѣ него постригаютъ діаконы или восприемники (οἱ ἀνάδοχοι). При одѣяніи новопостригаемаго, три антифона и остальной порядокъ чина, за немногими исключеніями. См. выше стр. 514—516. Главныя особенности даннаго чина состоятъ въ прибавкѣ фразы: „ἔρχεται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, κἀκείσε ἵσταται“, при пѣніи первой стихиры 3 антифона; въ чтеніи апостола изъ посланія къ Колоссянамъ; въ особомъ богородичнѣ: Ἡ μόνη ἁγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος, на пути изъ церкви въ трапезу, и въ отсутствіи замѣчанія, какъ проводиль новопостриженный 7 первыхъ дней послѣ пострига.

л. 306 об. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀποκουκουλίσαι. Goar p. 419.

л. 307. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου. Goar p. 194.

л. 307 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ προχειρίσει ἡγουμένου. Goar p. 395, но безъ ектеніи. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν (т. е. послѣ 2 молитвъ) ὃ περιέχεται ὁ προχειρισθείς, καὶ περιτίθησιν αὐτῷ ἕτερον, καὶ οὕτως ἀσπαζόμενος, ἀπολύει αὐτόν.

л.л. 309—310 чистые.

л. 311. Ἐξοδιαστικὸν μοναχῶν.

Начало чина до апостола См. выше стр. 478—486, но въ данной рукописи прибавлены особыя молитвы. Послѣ первой ектеніи въ домѣ читаются молитвы: Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... Goar p. 437 и Κύριε, ἐλεήμον, οἰκτίρμον καὶ πολυέλεε, ὁ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν σταυρωθεὶς καὶ ταφείς καὶ ἀναστάς... См. выше стр. 528. Послѣ первой статьи: Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ δοὺς καταστολήν ὁδῆς ἀντὶ πνεύματος ἀκρίδίας... Goar p. 437. Послѣ второй статьи: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ ἀρρήτῳ σου σοφίᾳ δημιουργήσας τὸν ἄνθρωπον... См. выше стр. 532. Послѣ вѣнчанія: Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, κλῆνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσόν μου, καὶ τὸν δοῦλόν σου τόνδε ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως... См. выше стр. 534. Послѣ антифоновъ: Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία καὶ τῶν πενθούντων παράκλησις... Goar. pag. 453. Ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους: Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός. Τέλος: διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην. Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐηλυθότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους: ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Καὶ εὐθὺς

λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεὸς κατὰ τό... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρῶν καὶ τοῦ ἐλέους, ὃς πάντα φέρεις, ἀναδησάμενος τῷ ῥήματι τῆς δυνάμεως, οὗ προστάγματι τὰ πάντα ὑπείκει δουλεύοντα... См. выше стр. 537. Ἐῖτα γίνεται ἀσπασμός, καὶ γινομένου, φάλλομεν τὰ τροπάρια ταῦτα εἰς ἥχον β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανόντι, εὐχαριστοῦντες Θεῷ... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί καὶ πατέρες, τῷ χθὲς ἡμῖν ἰλαρῶς... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου... Δεῦτε τῷ τῆς λήθης, ἀδελφοί... Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ, ἀδελφοί, βλέψωμεν τὴν τέφραν... Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανόντι, εὐχαριστοῦντες Χριστῷ... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός, ποῖος θρῆνος... Τρέμω τὸ κριτήριον, Χριστέ, καὶ τὴν ἐν τῷ βήματι γύμνωσιν τῶν πταισμάτων μου... Πᾶσα τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων ἡ δόξα.. Ὡμοῖς τὸν σταυρὸν ἀναλαβὼν, σοὶ ἀνεπιστρόφῳ καρδίᾳ κατηκολούθησε... Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμός, μέγας στεναγμός καὶ ὀδύνη... Σχῆμα μοναστῶν ἀναλαβὼν, μάκαρ, ἀδιστάκτῳ καρδίᾳ κατηκολούθησας... Εἰς ἡγούμενον· Ποίμνης ἐπιστάτης γεγονώς... Μίαν ὑποστάσει τρισὶ σέβοντα θεότητα πιστεῖ... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ, Μῆτερ τοῦ ἀδύτου ἡλίου... Δόξα, Ἀδελφοί μου πνευματικοί καὶ συμμονασταί... Καὶ νῦν, Πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Ἐῖτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, λέγων· Ἐλέησον ἡμᾶς... Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε, ὁ οἴκησιν ἔχων τὸν οὐρανόν, καὶ πάντα διέπων τῆς γῆς... См. выше стр. 539. Ἐῖτα ἄραντες τὸ λειψάνον μετὰ τῆς κλίνης, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, φάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, καὶ μετὰ τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, λέγομεν τὰ αὐτά, ἥχος γ'. Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησόμεθα τῷ ἀδεκάτῳ σου βήματι, Κύριε... Καὶ φθάσαντες ἐν τῷ κοιμητηρίῳ, φάλλουσι τροπάριον, ἥχος πλ. δ'. Γῆ χανοῦσα, ὑπόδεξαι τὸν ἀπὸ σοῦ πλασθέντα... Ἐῖτα ὁ ἱερεὺς ἐπιχέει τὸ ἔλαιον ἐπάνω τοῦ λειψάνου, ἤγγουν ἐκ τοῦ ἐνὸς κανδηλίου, ποιῶν σταυροῦ τύπον, εῖτα λαμβάνει καὶ πηλὸν μετὰ τοῦ πτύου, καὶ ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπάνω τοῦ λειψάνου, ἡ χοῦν, λέγων· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πληρωμα... Λέγει δὲ καὶ τὸ αὐτὸ τροπάριον ἐπάνω τοῦ ἐλαίου· Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Ἕτερον εἰς τὸν πηλόν, λέγων· Τὸν πηλόν ὁ κεραμεὺς ζωοπλαστήσας, ἀνέθηκέ με... Καὶ οὕτω φάλλομεν καὶ τοὺς εἰρμούς τοῦ μεγάλου κανόνος, ἥχος πλ. β' (всѣ 9 пѣсней). Ἐῖτα τὸ Τρισάγιον, τὸ Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς Ὅτι σοῦ ἐστιν... καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα, ἥχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. α. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Goar pag. 424. Ὁ Θεός, ὁ μόνος φοβερὸς καὶ ἐνδοξος, ὁ ζωῆς καὶ θανάτου ἐξουσίαν ἔχων, ὃ ἐπιστάμενος

ὁδοὺς πνευμάτων καὶ ψυχῶν τόπους, φωτὸς ὅρια καὶ μέτρα οὐρανοῦ...
 См. выше стр. 541. Καὶ ποιεῖ ἐκτενὴν ἐν τῷ τέλει· Ἐλέησον ἡμᾶς...
 Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν ἀγίαν μονὴν ταύτην... Ἐτι
 δεόμεθα ὑπὲρ μακαρίας κοιμήσεως... Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ
 ἡμῶν... Δόξα καὶ νῦν, Κύριε, εὐλόγησον. Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων...
 Καὶ ψάλλουσιν Αἰωνία σου ἡ μνήμη... Λέγει· ἐκ γ' ὁ ἱερεὺς· Ὁ Θεὸς
 μακαρίσαι καὶ ἀναπαύσαι αὐτόν... Καὶ μετὰ τὴν ἀπόλυσιν ποιούμεεν μετα-
 νοίας μ' ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος ἀδελφοῦ, ὅσοι ἂν ὑπάρχωσιν ἐπὶ τῇ κη-
 δεύσει αὐτοῦ.—См. выше стр. 553—557.

СХХVII. № 979. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библиотеки въ
 16 долю листа, 420 листовъ, писана скорописью XVI в.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. См. выше стр. 707.

л. 8 об. Εὐχαὶ ἑωθιναί. См. Тамъ-же.

л. 16. Ἀκολουθία εἰς μνημόστυνον. См. выше стр. 717.

л. 29. Τάξις καὶ ἀκολουθία ἐπὶ τελευτήσαντος μοναχοῦ. См. выше
 стр. 718—719.

л. 77. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον. См. выше стр. 427.

л. 79. Ἀκολουθία εἰς κουρὰν μανδουώτου. См. выше стр. 428—429.

л. 88. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См.
 выше стр. 429.

л.л. 125—127 чистые.

л. 128. Ἀκολουθία εἰς τὸν μέγαν τοῦ Θεοῦ προφήτην, θεράποντα
 Μωϋσῆν. Полная служба.

л. 160. Μηνὶ Νοεμβρίῳ κε' μνήμην ἐπιτελοῦμεν τῆς ἀγίας ἐνδόξου,
 πανευφύμου καὶ πανσόφου μάρτυρος Αἰκατερίνης.

л. 213. Ἀκολουθία τῶν ἀγίων Θεοφανίων. Чинъ обычный безъ
 молитвы п. Софронія.

л. 224. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ.

л. 233. Ἀκολουθία εἰς γέννησιν γυναικός.

Ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν,
 Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ ἀπολυτίκιον καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, εἴτα τοῦ Κυ-
 ρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα ἐν σοφίᾳ τῷ
 λόγῳ σου δημιουργήσας... Дальнѣйшій порядокъ этого послѣдованія,
 при нареченіи имени младенца См. выше стр. 395—396.

л. 237. Εἰς τὸ σκραντῆσαι παιδίον μετὰ τῆς μητρὸς, ἥδη κεκ-
 θαρμένης καὶ λελουμένης οὔσης· ἱσταμένης τῆς μητρὸς μετὰ τοῦ παι-

δίου ἔξωθεν τῆς θύρας τοῦ ναοῦ, καὶ κλινούσης τὴν κεφαλὴν ἅμα τὸ βρέφος, καὶ τὴν τοῦ τιμίου σταυροῦ σφραγίδα ποιῶν ὁ ἱερεὺς, ἀπτόμενός τε τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν... Дальнѣйшій порядокъ этого послѣдованія см. выше стр. 397.

л. 240 об. Εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. См. выше стр. 398—400.

л. 257 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ. См. выше стр. 400.

л. 258 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον. См. тамъ-же.

л. 260 об. Τάξις βαπτισμάτων εἰς νήπιον, κατεπειγόμενον ὑπὸ θανάτου. См. тамъ-же.

л. 262. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα. См. выше стр. 401—405.

л. 282 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου. См. выше стр. 405—410. Опущена лишь молитва въ концѣ: Πατερ ἅγιε.

л. 313. Εὐχαί, λεγόμεναι ἐν τῇ λιτῇ τῶν δεσποτικῶν ἑορτῶν, и другія молитвы на различные случаи. См. выше стр. 411—414.

л. 344. Εὐχαὶ τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

л. 361. Ἀποστολο-ευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος и на различные случаи.

л. 383 об. Εὐαγγέλια ἐωθινά.

л. 399 об. Ἀκολουθία τῆς κοινῆς παρακλήσεως.

л. 409. Κανὼν εἰς προχείρισιν ἐκκλησιάρχου, ἡ οἰκονόμου, ἡ κελ-
λαρίτου, ἡ οἰνοχόου, ἡ παραστάτου, ἡ ἄλλου τινός.

Μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸ εὐλογητόν, ὁ ἱερεὺς λέγει· Τρισάγιον, τὸ τρο-
πάριον τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, καὶ θεοτοκίον, εἶτα Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν,
καὶ παρευθὺς ὁ ἡγούμενος τὴν εὐχὴν ταύτην· Σὲ ἱκετεύομεν, πολυεύ-
σπλαγχνε Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸν ἀλάθητον, καὶ παντέφορον. καὶ ἀνερμή-
νευτον, καὶ μισθαποδότην Θεόν, ἔπιθε ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου, ὁ δεῖνα, τὸν
προχειριζόμενον παρ' ἡμῶν τῶν εὐτελῶν καὶ ἀναξίων δούλων σου
εἰς τὸ διακονεῖν πάσῃ τῇ ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητι μετὰ συνέσεως
καὶ εὐλαβείας καὶ φόβου Θεοῦ, ἐν πάσῃ ἰσχύϊ ἑαυτοῦ, ἀγογγύστως μετὰ
ὕπακοῆς καὶ ὑπομονῆς πολλῆς· Σὺ γὰρ μείζονας ἀπεφάνησας τοὺς διακο-
νοῦντας μᾶλλον ἢ τοὺς διακονουμένους. Ναί, Δέσποτα Κύριε, δὸς αὐτῷ
καλῶς τὸ ἐπίταγμα διακονῆσαι θεαρέστως, ἵνα καὶ τὸν μισθὸν ἐκείνων
τῶν πιστῶν καὶ φρονίμων οἰκονόμων τύχῃ, καὶ ἀκούσῃ τῆς μακαρίας
σου φωνῆς, τῆς λεγούσης· εὖ δοῦλε ἀγαθὲ καὶ πιστέ, ἐπὶ ὀλίγα ἦς
πιστός, ἐπὶ πολλῶν σε καταστήσω· εἴσελθε εἰς τὴν χαρὰν τοῦ Κυρίου
σου. Ὅτι· σὺ εἶ ὁ εὐλογῶν.

л. 416. Εὐχὴ ἀφέσιμος πνευματικοῦ πατρὸς. 2 молитвы.

л. 418 об. Εὐχὴ ἐπὶ βρώμασι σκανδαλισθέντων.

л. 419 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ ἐξομολογουμένου, θεὸς χεῖρα·

Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ πολυέλεος, ὁ ἀνεξίκακος, ὁ μακρόθυμος, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὥς τὸ ἐπιστρέψαι καὶ ζῆν...
См. выше стр. 643.

СХХVIII. № 985. Εὐχολόγιον, рукопись Синайской библиотеки въ 16 долю листа, 272 листа, писана скорописью XVI в.

л. 1. Ἀκολουθία εἰς τὸ κουρεῦσαι λαϊκόν. См. выше стр. 505. но съ прибавленіемъ обычнаго начала.

л. 1 об. Τάξις εἰς σταυροφόρον. См. выше стр. 505.

л. 3. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, γινομένου ἐν περιστάσει¹⁾.

Ἀντίφωνον α', ἦχος δ'. Ἦνοιχται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Στίχος²⁾. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός... Ἦθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι... Στίχος· Ἐπὶ πλεῖον πλύνον... Τίς χειμαζόμενος... Στίχος· Σοὶ μόνῳ ἡμαρτον καὶ τὸ πονηρόν... Ζάλη ἁμαρτημάτων περιέχει... Στίχος· Κύριος φωτισμός μου... Πλύνόν με τοῖς δάκρυσί μου, Σωτήρ... Στίχος· Ὡς ἀγαπητά... Πρόβατόν εἰμι τῆς λογικῆς σου ποιμένης... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Εἴτα ἡ συναπτὴ· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν, ὁ δεῖνα, καὶ τῆς παρὰ τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι αὐτὸν τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος τοῦ... Ὑπὲρ τοῦ συναριθμηθῆναι αὐτὸν τῇ ἀγίᾳ τοῦ Θεοῦ καὶ ἱερᾷ ποιμνῇ τοῦ... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ὢν, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὕψιστε βασιλεῦ τῆς δόξης³⁾... Γκαг. р. 419. Εὐχὴ ἐτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πρὸ αἰώνων ἐκ Πατρὸς γεννηθεὶς, καὶ ἐπ' ἐσχάτων διὰ τὴν σωτηρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων καταλεῖψαι τὰ ἐννεήκοντα ἐννέα πρόβατα, λέγω δὴ τὰς ἐπουρανίους δυνάμεις, μὴ ἀποστάς ἐξ αὐτῶν, καὶ κατελθὼν ἐπὶ γῆς, σαρκοθεὶς ἐκ Παρθένου ἁγίας, καὶ ἀναζητήσας τὸ πεπλανημένον πρόβατον... Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Εὐλόγητός ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους... Καὶ κουρεύει· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ... Εἴτα ἐνδύει αὐτὸν χιτῶνα, κουκούλιον, ἀνάλαβον, παλῖον, ζώνην, σανδάλια, καὶ σχῆμα⁴⁾. Стихи, что у Гоара pag. 411. Εἴτα

¹⁾ Ркп. Александр. библи. № 371. Ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐλογητόν, καὶ λέγει ἀντίφωνον, ἦχος δ'. ²⁾ Стихи опущены всё. ³⁾ Этой молитвы нѣтъ. ⁴⁾ После

ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου. *Goar. p. 411.* Καὶ ἀπόλυσαι.

λ. 9. Σχηματολόγιον, σὺν Θεῷ ἁγίῳ περιέχον ἅπασαν ἀκολουθίαν. Εὐχὴ εἰς ῥασοφόρον.

Εἰσέρχεται ὁ μέλλων φορέσαι αὐτό, καὶ ἐκδύουσιν αὐτὸν τὰ κοσμικά, ὅταν μέλλουσιν εἰπεῖν τὸν ἀπόστολον, εἰτα κλίναντος αὐτοῦ τὴν κεφαλὴν, εὐχεται ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων... *См. выше стр. 510.* Εἰτα κόπτει αὐτοῦ τὰς τρίχας, λέγει· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ὁ μετονομαζόμενος οὕτως, κείρεται τὰς τρίχας τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... εἰπωμεν ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον. Εἰτα λαβὼν τὸ ῥάσον, λέγει· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ὁ μετονομαζόμενος οὕτως, ἐνδύεται ἕνδυμα δικαιοσύνης εἰς τὸ ὄνομα... Εἰτα ζώννυται αὐτόν, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ὁ μετονομαζόμενος ὁ δεῖνα, ζώννυται τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ δυνάμιν ἀφθαρσίας καὶ ἀληθείας εἰς τὸ ὄνομα... Εἰτα τὸ καλα(υ)μαύχιον, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ὁ μετονομαζόμενος οὕτως, ἐνδύεται τὴν περικεφαλαίαν τῆς σωτηρίας εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός... Εἰθ' οὕτως λέγει τὴν ἐτέραν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξίους σου εἶναι νομοθετήσας.. *Goar p. 380.* Καὶ τὰ ἕτερα συνήθως, καὶ ἀπολύει.

λ. 9 οβ. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, τοῦ λεγομένου μανδύου, ἔχουσα οὕτως·

Ἀφ' ἐσπέρας εἰσφέρονται τὰ ἱμάτια τοῦ μέλλοντος κουρευθῆναι, καὶ ἀποτίθενται ἐν τῇ θαλασσίδῃ τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ εἰς τὸν ἐσπερινὸν στιχολογοῦμεν συνήθως, καὶ ψάλλομεν σπικηρά, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πίστει προσερχόμενος πρὸς σέ... κ. τ. α... *Goar p. 405.* Δόξα καὶ νῦν, Τίς μὴ μακαρίσει σε... Ὁ κανὼν, φέρων ἀκροστιχίδα· Εὐδόκιμον τέλος εὐδοκίμῃ μοι, Χριστέ, παράσχου. *Goar p. 403—405.* Εἰς τὴν λειτουργίαν ἀντίφωνον α'. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου. Ἀντίφωνον β'. Αἰνεῖ ἡ ψυχὴ μου. Ἀντίφωνον γ', οἱ μακαρισμοί. Ἰσταται ὁ μέλλων λυμβάνειν τὸ ἅγιον σχῆμα, ἀρχομένου τοῦ πρώτου ἀντιφώνου τῆς λειτουργίας, ἔδον τῶν βασιλικῶν πυλῶν, φορῶν τὰ συνήθη αὐτοῦ ἱμάτια μέχρι τῆς εἰσόδου,

οδῆνιᾱ· εἰτα ἐπιδίδει αὐτῷ σταυρὸν εἰς τὸ δεξιὸν χεῖριν καὶ λέγει οὕτως· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἐλθεῖν, ἀπαρνησάσθω ἑαυτόν, καὶ ἀράτω τὸν σταυρὸν αὐτοῦ, καὶ ἀκολουθήτω μοι. Καὶ δίδει εἰς τὸ ἕτερον χεῖριν κερίν, λέγων· Εἶπεν ὁ Κύριος· οὕτως λαμψάτω τὸ φῶς ἡμῶν ἐμπροσθεν τῶν ἀνθρώπων... Καὶ ἀσπάζοντες αὐτὸν πάντες οἱ μοναχοί, ψάλλονται οὕτως· Ἐπιγνώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δυνάμιν... Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ οὐρανοῦ... Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

φάλλονται δὲ οἱ μακαρισμοί, ἡχος δ'. Μακάριοι οἱ πτωχοί... и т. д. Διὰ ξύλου ὁ Ἀδὰμ παραδείσου γέγονεν ἄποικος... Τὸν σταυρὸν τὸν τοῦ Χριστοῦ ἐν μετανοίᾳ καὶ πίστει κατέχοντας... Σήμερον δάκνεται ὁ θῆρ καὶ φευκτικῶς λοιπὸν ἀποδύρεται... Οἱ τεθλιμμένην καὶ στενὴν τὴν ἐν Χριστῷ ὁδὸν προελόμενοι... Ἀφθαρσίας στολισμός ὁ χιτῶν οὐράνιος γίνεται... Δεῦτε ἀνάψωμεν, πιστοί, ὡς φωτεινὴν λαμπάδα τοῦ Πνεύματος. Τὸν χιτῶνα τῆς στολῆς πνευματικῶς φυλάξωμεν... Ὡς ἄσωτος υἱὸς ἐκδαπανήσας ὅλον τὸν βίον μου... Δόξα, Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν καὶ τὸ Πνεῦμα πάντες τὸ ἅγιον ὁμοφρόνως οἱ πιστοί... Καὶ νῦν, Θυμιατήριον χρυσοῦν καὶ κιβωτὸν καὶ στάμνον καὶ τράπεζαν... Καὶ τῆς εἰσόδου γινομένης, ἵσταται ὁ μέλλων λαμβάνειν τὸ ἅγιον σχῆμα ἔξω τῆς πόλης ¹⁾, ἀπάρχεται φάλλων, ἡχος α'. Ἀγκάλας πατρικᾶς... Δόξα καὶ νῦν, Μητέρα σε Θεοῦ ἱκατεύομεν πάντες... Καὶ εἰσαγαγὼν αὐτὸν ἔνδον ²⁾ τῶν πυλῶν, φορῶν τὰ κατὰ τὴν συνήθειαν ἱμάτια αὐτοῦ, φάλλοντες τὰ τροπάρια ταῦτα. Ἀντίφωνον ³⁾ α', ἡχος δ'. Ἦθελον δάκρυσιν. См. выше стр. 506. Εἴτα ποιεῖ μετανοίας γ', καὶ εἰσέρχεται πλησίον τοῦ ἄμβωνος, καὶ ἵσταται, καὶ ⁴⁾ πάλιν ἄρχεται τὸ δεύτερον ἀντίφωνον, ἡχος δ'. Ζάλη ἀμαρτημάτων ⁵⁾... Στίχος· Μὴ ἀπορρίψῃς με... Μὴ ἀπορρίψῃς με ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, Κύριε, μὴ χωρίσῃς με τῶν καλῶν σου... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος... Ἀρχομένου δὲ τοῦ τρίτου ἀντιφώνου ⁶⁾, ἔρχεται ὁ μέλλων καρῆναι ἔμπροσθεν τοῦ ἄμβωνος, καὶ ἵσταται πάλιν, καὶ φάλλουσι ἀντίφωνον γ', ἡχος δ'. Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια· ποῦ ἔστιν ἡ τῶν προσκαίρων... Στίχος· Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατε... Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες καὶ πεφορτισμένοι... Στίχος· Ἐπλανήθην, ὡς πρόβατον. Πρόβατόν εἰμι τῆς λογικῆς σου ποιμένης... Δεῦτε ⁷⁾ προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ, καὶ κλαύσωμεν ἐναντίον Κυρίου... Καὶ τούτου λεγόμενον, ἔρχεται καὶ προσπίπτει εἰς τὰ ἅγια θυρία, καὶ οὐκ ἀνίσταται μέχρι συμπληρώσεως τοῦ ἀντιφώνου. Τὸ τροπάριον ⁸⁾ τοῦτο, ἡχος δ'. Κύριε ⁹⁾, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ καὶ ἴδε ¹⁰⁾... Καὶ ὅταν πληρωθῇ, ἐγείρεται. Δόξα καὶ νῦν, ἡχος δ'. Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ

1) Ркп. патр. ієрусал. библ. № 68. XV в : τροпάρια κατανυκτικά, ἡχος α'. 2) ἐν μέσφ τῶν πυλῶν, φορῶν τὰ κοσμικὰ ἱμάτια, φάλλουσι. 3) Нѣтъ згого слова. 4) καὶ φάλλουσι τὸ β' ἀντίφωνον. 5) Прибавлены стихи: Ῥανιѣиς με... Πλὴνόν με τοῖς δάκρυσιν... 6) ἡχος δ'. Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια. 7) Ἄσωμεν καὶ προσπέσωμεν. 8) Нѣтъ: τὸ τροπάριον τοῦτο. 9) Κύριε, Κύριε... 10) Δόξα καὶ νῦν, Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ... Εἴτα λαβὼν αὐτὸν ἐκ τῆς χειρός, ἀνιστᾷ καὶ ἔρωτᾷ αὐτόν, λέγων· Τί προσῆλθες...

προφήτης Δαβίδ... Ἐρώτησις. Εἴτα λαβὼν αὐτὸν τῆς χειρός, ἀνιστὰ, λέγων· Τι προσήλθες, ἀδελφέ... См. выше стр. 507. Καὶ εὐθὺς κατήχησις· Βλέπε, τέκνον, οἷχς συνήκας δίδως. Goar p. 407. Καὶ ὧνπερ δέον ὑμᾶς ἐκφυγεῖν. Ὁ Κύριος, ἀδελφέ, στηρίζει σε ἐν ταύτῃ τῇ ὁμολογίᾳ, ἣν ὁμολόγησας ἐνώπιον ἀγγέλων καὶ ἀνθρώπων, εὐάρεστόν σε ἀναδείξει, κατὰ τὸ αὐτοῦ θέλημα πολιτευσάμενον, εὖρεῖν ἔλκος καὶ κληρον μετὰ πάντων τῶν ἁγίων, τῶν ἀπ' αἰῶνος αὐτῷ εὐαρεστησάντων. Καὶ εἴτα οὕτως ἔχει· ἄκουσον τῆς κατηχήσεως ταύτης· Ἰδοὺ, ἀδελφέ μου, καταλιμπάνεις τὸν βίον, σωθῆναι θέλων· βλέπε σεχυτόν, περισφιγζόν σου τὸν νοῦν... См. выше стр. 508—510. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Εἴτα εὐχεται ὁ ἱερεὺς, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιους εἶναι νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικά. Goar p. 380. Καὶ εὐθέως ἐπιτίθησι τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ ἡγούμενος ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μέλλοντος κουρευθῆναι, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου, Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ἐπιτίθημι τὴν χεῖρά μου. Goar. p. 389. Καὶ λαβὼν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ὁ ἱερεὺς, καὶ ἐπάνω αὐτοῦ ἐπιτίθεις τὸ ψαλίδιον, λέγει τῷ ἀδελφῷ¹⁾· Ἰδοὺ, ἀδελφέ, ὁ Χριστὸς ἀοράτως... См. выше стр. 510. После пострижения· καὶ εὐθὺς παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικόν, καὶ κουρεύουσιν αὐτόν, λέγοντες τὸν Ἀμωμον. Τοῦ δὲ ἱερέως²⁾ λέγοντος τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου, ὁ διάκονος λέγει συναπτὴν ταύτην· Ἐν εἰρήνῃ. Goar. p. 412. Εἴτα τὸ Τριάγιον, καὶ εὐθὺς τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου. Αποστολῆς. Goar. pag. 413³⁾. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει ὀπίσω μου ἀκολουθεῖν... Τέλος· ἕως ἂν ἴδωσι τὴν βρασιλείαν τοῦ Θεοῦ ἐληλυθυῖαν ἐν δυνάμει. Μετὰ τὸ εὐαγγέλιον φέρουσιν αὐτόν⁴⁾ ἔμπροσθεν τοῦ βήματος, ψάλλοντες⁵⁾ τροπάριον, ἤχος δ'. Ἦνοιχται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Εἴθ' οὕτως⁶⁾ ἐνδύει αὐτόν ὁ ἱερεὺς, λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται χιτῶνα δικαιοσύνης καὶ ἀγαλλιέσεως, στολὴν ἀφθαρσίας, εἰς τὸ ὄνομα... Εἴτα λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν λαμβάνει τὸν ἀνάλαβον⁷⁾ μετὰ τοῦ σταυροῦ εἰς τὸ ὄνομα... Εἴτα παλίον· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λαμβάνει τὸ παλίον, τὸν ἀρραβῶνα τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... Εἰς τὴν ζώνην· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, περιζώννεται τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ δύνάμιν ἀληθείας, εἰς νέκρωσιν

1) τῷ μάλλοντι καρῆναι. 2) Ὁ δὲ διάκονος λέγει τὴν αἵτησιν ταύτην· Ἐν εἰρήνῃ. 3) πρὸς Ἐφεσίους· Ἐνδύσασθε, ὡς ἐκλεκτοί... Τέλος· Ἐν καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. 4) κουρευθέντα. 5) ψάλλουσι. 6) Εἴτα. 7) одебъ аналави не горворится.

τοῦ σώματος καὶ ἀνακαίνισιν Πνεύματος, εἰς τὸ ὄνομα... Εἰς τὸ καλο(υ) μαχίον λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, περιβάλλεται τὴν περικεφαλαίαν ἀγγελικοῦ σχήματος εἰς τὸ ὄνομα... Εἶτα τὰ σανδάλια· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ὑποδύεται τὰ σανδάλια εἰς ἐτοιμασίαν τοῦ εὐαγγελίου τῆς εἰρήνης, εἰς τὸ ὄνομα... Εἰς τὸν μέγαν μανδύαν· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λαμβάνει τὸ πρόσχημα τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος εἰς τὸ ὄνομα... Εἶτα λέγει τὴν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ἐπαγγελίαις καὶ ἀμεταμέλητος ἐν τοῖς χαρίσμασί σου, καὶ συναγαγὼν τὸν δοῦλόν σου εἰς τὴν ἀγγελικὴν ταύτην καὶ ἐπουράνιον ζωὴν, δὸς αὐτῷ βίον εὐσχήμονα, πολιτείαν ἐνάρετον, καὶ πᾶσαν ἐργασίαν, τὴν σοὶ ἀρέσκουσαν, ἵνα ἐν ἁγιασμῷ πολιτευσάμενος τῶν ἁγίων σου καὶ τῆς βασιλείας σου, μεθ' οὗ σοι πρέπει πᾶσα δόξα, σὺν τῷ παναγίῳ Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεῖ... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπίζόντων ἐπὶ σέ. *Glor pag. 385.* Καὶ εὐθὺς λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἵσταται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ποιεῖ μετανοίας ¹⁾ ὁ καρεῖς μοναχός, καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ²⁾, οὕτως ἵσταται πλησίον τοῦ ἱερέως, καὶ εἶθ' οὕτως πάντες οἱ ἀδελφοί, ἀσπαζόμενοι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἔπειτα τὸν ἀδελφόν. Καὶ γινομένου τοῦ ἀσπασμοῦ, φάλλουσι τροπάριον, ἥχος α'. Ἐπιγνώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν ³⁾... Καὶ εἰ μὲν ἐστὶ λειτουργία, ἵσταται ὁ ἀποκαρεῖς πλησίον τοῦ ἁγίου θυσιαστηρίου μετὰ κηροῦ ⁴⁾, καὶ τῶν ἁγίων ⁵⁾ προσερχομένων, αὐτὸς προπορεύεται ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως. Μετὰ δὲ τὴν ἀπόλυσιν ἄπτουσι πάντες τοὺς κηροὺς αὐτῶν, καὶ ἀπέρχονται μετ' αὐτῶν ἕως τῆς τραπέζης, φάλλοντες τροπάριον, ἥχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος α'. Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ... Στίχος β'. Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν, ἐμφάνηθι. Στίχος γ'. Ἐξέγειρον τὴν δυναστείαν σου καὶ ἐλθε εἰς τὸ σῶσαι... Στίχος δ' ⁶⁾. Ὁ Θεός, ἐπίστρεψον ἡμᾶς, καὶ ἐπίφανον τὸ πρόσωπον... Ψάλλουσιν αὐτό, ἕως ὅτου ἀπέλθωσιν εἰς τὴν τράπεζαν ⁷⁾.

1) прибавлено: γ'. 2) καὶ τὸν πνευματικὸν πατέρα, καὶ ἵσταται πλησίον αὐτοῦ, καὶ μετὰ ταῦτα εἰσεύχονται πάντες οἱ ἀδελφοί, καὶ ἀσπάζονται αὐτοὶ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὸν ἀδελφόν ἀποκαρέντα. 3) Δόξα καὶ νῦν. Τῶν οὐρανίων ταγμάτων... 4) Μετὰ λαμπάδος. 5) Καὶ τῶν ἁγίων δώρων προσερχομένων ποιῆσαι τὴν μεγάλην εἰσόδον, προπορεύεται καὶ αὐτὸς ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως, καὶ εἶθ' οὕτως ἵσταται προσερχόμενος, κρατῶν τὴν λαμπάδα ἀπτομένην. 6) *Нѣтъ этого стиха, а вмѣсто него: Δόξα καὶ νῦν, Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον...* 7) ἐν ἡ ποιοῦσιν οἱ ἅπαντες οἱ ἀδελφοὶ πρᾶκτικὴν μεγάλην διὰ τὴν ἀγαλλίασιν καὶ χαρὰν τοῦ ἀποκαρέντος ἀδελφοῦ.

λ. 31 οβ. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου σχήματος, ἔχουσα οὕτως· Ἀφ' ἐσπέρας εἰσφέρονται τὰ ἱμάτια αὐτοῦ τοῦ μέλλοντος λαβεῖν τὸ ἅγιον σχῆμα, καὶ ἀποτίθενται ἐν τῇ θαλασσίδῃ τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης τραπέζης. Ὡδὴ α', ἥχος πλ. β'. Ὡς ἐν ἡπεύρῳ πεζεύσας ὁ Ἰσραὴλ ἐν ἀβύσσῳ ἔχνεσιν... Τῆς εὐσπλαγχνίας ὁ πλοῦτος, ὁ ἰλασμός τῶν ψυχῶν, ἡ κάθαρσις... Τὸ φωταυγές τῆς ψυχῆς μου τῆς ζοφερᾶς... Προσπίπτω σοι, ὡς ἡ πόρνη, ὡς ὁ ληστής.. Εἰς τοὺς αἶνους στιχηρά, ἥχος πλ. β'. Τριήμερος ἀνέστης Ὁ φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον, τῷ φωτισμῷ σου λάμπρυνον τὰς αἰσθήσεις... Ἀγγέλων συμπολίτην με καὶ σχήμασι καὶ πράξεσι... Εἰς τὸν νυμφῶνα, Κύριε, τὸ τάλαντον αὐξήσασα. ταῖς φρονίμοις... Δόξα καὶ νῦν, Συνέλθατε, χοροὶ μοναστῶν, χορεῖαν στησώμεθα μετὰ ἀγγέλων... Εἰς τὴν λειτουργίαν. Ἀντίφωνον α', Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... Ἀντίφωνον β', Δόξα τῷ Πατρὶ... Αἶνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... Ἀντίφωνον γ', οἱ μακαρισμοί, ἥχος δ'. Διὰ ξύλου ὁ Ἀδάμ παρὰ δαίσου γέγονεν ἄποικος... Ὅτε ἐν τῷ παθεῖ ὁ ληστής συνεσταυροῦτο... Gouar. pag. 414. Καὶ τῆς εἰσόδου γινομένης η τ. δ. первый антифонъ, что въ маіюй ехумъ Во второмъ антифонѣ послѣ стихиръ: Μη ἀπορρίψῃς με ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, Κύριε... Στίχος· Εἰπάτωσαν οἱ λελυτρωμένοι... Ἀντιλαβοῦ μου, Κύριε, κατὰ τὸ λόγιόν σου. Δόξα καὶ νῦν, Ἐξ ἀχράντων λαγόνων σου, Θεοτόκε παύσητε... Ἀρχομένου δὲ τρίτου ἀντιφώνου η τ. δ., какъ въ предыдущемъ чинѣ до конца антифона. Εἷτα¹⁾, πρὸ τῆς ἐρωτήσεως, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μεγαλοδῶρος, ὁ ἐλκυσας τὸν δοῦλόν σου, τόνδε, ἐναρξάμενος ἐν αὐτῷ ἔργον ἀγαθόν. См. выше стр. 769, по безъ возгласа: Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς αὐτοῦ. Ἐρώτησις· Τί προσήλθες... Ἀπόκρισις· Ποιῶν τὸν βίον τῆς ἀσκήσεως... Ἐρώτησις· Ποιεῖς ἀξιωθῆναι τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος... Ἀπόκρισις· Νοί, τίμιε πάτερ. Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει· Ὅπως καλὸν ἔργον καὶ μακάριον ἐξελέξω, τέκνον, ἀλλ' ἐὰν καὶ τελειώσης· τὰ γὰρ καλὰ ἔργα κόπῳ κτῶνται καὶ μόχθῳ κατωρθοῦνται· καὶ γὰρ πεινάσαι ἔχεις, καὶ διψᾶσαι, καὶ γυμνητεῖσαι, καὶ χιμευῆσαι, καὶ ὕβρισθῆναι, καὶ πάντα τὰ θλιβερά παθεῖν, καὶ ἐὰν ὑπομείνης, θάρσει, ἀδελφέ, ὅτι καὶ πρὸς ὀλίγον ὁ κάματος, ἀλλὰ αἰωνία ἡ ἀνάπαυσις. Далѣе какъ у Гоуарі р. 407--410. Послѣ молитвы: Ὁ ὢν, Δέσποτα παντοκράτωρ... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας. Gouar. p. 382. Εἷτα λέγει· Ἅγιε Κύριε τῶν δυνάμεων.

1) Κειμένου τοῦ ἀδελφοῦ ἐπὶ τὴν γῆν, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ὁ πνευματικὸς πατήρ.

Goar p. 410. Εἴτα ἐγείρει¹⁾ αὐτόν, καὶ κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρὸς αὐτοῦ, εἰσφέρει ἐν τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ, καὶ ποιεῖ μετανοίας γ', καὶ ἀνιστάμενος, ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἐκτείνας τὴν χεῖρα αὐτοῦ, ὁ καθηγητὴς λέγει πρὸς αὐτόν· Ἰδοὺ, ἀδελφέ, ὁ Σωτὴρ ἡμῶν Ἰησοῦς Χριστὸς ἀοράτως ἐντυχθὼς πάρεστι... Далѣ до апостола, какъ въ предъидущемъ чинѣ. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κολασσαεῖς²⁾· Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε, ὡς ἐκλεκτοὶ Θεοῦ... Τέλος· καὶ ψάλλοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον. Goar. pag. 413. Καὶ πληρουμένου τοῦ εὐαγγελίου, εἰσφέρουσι τὸν ἀποκαρέντα ἀδελφὸν οἱ ἀδελφοὶ μέσον τῶν βασιλικῶν πυλῶν, φοροῦντα κολόβιον, ἐξυπόλυτον καὶ ἄζωσταρην καὶ ἀσκέπαστον, καὶ ἄπτοντες τοὺς κηρούς, ἄρχονται τὰ ἀντίφωνα³⁾, ἥχος δ'. Ἦνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Στίχος· Προσέχετε, λαὸς μου... Ὁ ζυγὸς μου χρηστός ἐστι... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος... Ἀρχομένου δὲ τοῦ β' ἀντιφώνου, ἔρχεται εἰς τὴν σιλωάνα καὶ ἴσταται, οἱ δὲ ἀδελφοὶ ψάλλουν, ἥχος γ'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα πεπληρώκας... Στίχος· Ἰδοὺ δὴ τί καλόν, ἢ τί τερπνόν. Ἐγγὺς ἐστι Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν. Δόξα καὶ νῦν, Ἀγιόπρωτε, σεμνή, ἐγκώμιον ὅσα τῶν οὐρανίων... Ἀρχομένου δὲ τρίτου ἀντιφώνου, ἔρχεται ὁ μοναχὸς πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ψάλλουν, ἥχος α'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότη... Στίχος· Ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρά σου ἐξ ὕψους ἁγίου σου, ἐξελοῦ... Καὶ τούτου λεγομένου, κρατήσας τῆς χειρὸς αὐτοῦ, ὁ ἱερεὺς εἰσάγει αὐτόν εἰς τὸ βῆμα, ψαλλόντων τῶν ἀδελφῶν τροπάριον, ἥχος α'. Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χεῖρας ἐφαπλώσας... Δόξα καὶ νῦν, Χαίροις παρ' ἡμῶν, ἁγία Θεοτόκε παρθένε... Εἰσελθόντος δὲ αὐτοῦ εἰς τὸ βῆμα, ἐνδύει αὐτὸν ὁ ἀνάδοχος, λέγοντος τοῦ ἱερέως ταῦτα· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται χιτῶνα π. τ. δ. Goar p. 411, по помяну въ одеждѣ таковѣ: χιτῶν, κουκούλιον, ἀνάλαβον. λῶρον, τὰ σανδάλια, τὸ μέγα μανδύον. Ἐνδυομένου δὲ αὐτοῦ πάντα, ψάλλουσιν οἱ μοναχοὶ τροπάρια εἰς ἥχον δ'. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς ἀφθαρσίας... Στίχος· Αὕτη ἡ πόλις τοῦ Κυρίου, δίκαιοι εἰσελεύσονται... Στίχος· Ἀγαλλιᾶσθε τῷ Θεῷ τῷ βοηθῷ ἡμῶν. Δόξα καὶ νῦν, Ἐχόμεν σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα καὶ σωτηρίαν ἐχθρῶν ἐπιβουλάς... Καὶ μετὰ τὸ ἀμφιασθῆναι τὸν ἀδελφόν, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ κλίνοντος αὐτοῦ τὸν αὐχένα, καὶ τοῦ ἱερέως ποιούντος τὰς ὑποτεταγμένας εὐχάς,

1) Καὶ λαβὼν αὐτόν ἐκ τῆς δεξιᾶς χειρὸς, εἰσφέρει ἐν τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ. 2) Αποστολὴ. Goar. pag. 413. 3) ἀργὰ καὶ μετὰ μέλους.

φάλλουσι τροπάριον, αἷθις ἐνδύουσιν, ἤχος πλ. β'. Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Στίχος α'. Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ. Στίχος β'. Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν ὁ Κύριος... Στίχος γ'. Ἀγαλλιᾶσθωσαν ἐνώπιον Κυρίου. Καὶ κατὰ στίχον λέγει τὸ προγεγραμμένον τροπάριον. Δόξα καὶ νῦν, Μονογενὲς ὁμοούσιε τῷ Πατρὶ σου καὶ Πνεύματι... Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ κλινομένου τοῦ κορυφέντου ἐμπροσθεν τοῦ ἱερέως, μεγιστοφώνως· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν πάσαις ταῖς ἐπαγγελίαις σου. Gouar. p. 411. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου, τόνδε, εἰς τὴν πνευματικὴν σου αὐλήν. Gouar p. 412. Καὶ μετὰ τὸ τελειῶσαι αὐτὸν τὴν εὐχήν, ἐπαίρει ὁ διάκονος τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἵσταται ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ προσκυνεῖ πρῶτον ὁ λαβὼν τὸ σχῆμα, καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἵσταται πλησίον τοῦ διακόνου, τοῦ κρατούντος τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἔρχονται πάντες οἱ ἀδελφοί, προσκυνοῦντες τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, εἶτα ἀσπάζονται τὸν ἀδελφόν. Ἐν δὲ τῷ ἀσπασμῷ φάλλουν τροπάριον, ἤχος α'. Ἐπιγνώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Στίχος. Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον πάντες οἱ ὄντες αὐτοῦ... Στίχος β'. Ἀγαλλιᾶσεται τὰ χεῖλη μου, ὅταν φάλλωσιν. Στίχος. Δεῦτε ἀκούσατε καὶ διηγήσομαι. Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε, Θεοτόκε παρθένε, χαῖρε, καύχημα τῆς οἰκουμένης... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμόν, εἰσελθόντος αὐτοῦ εἰς τὸ θυσιαστήριον, ἔρχεται ὁ διάκονος ἢ ὁ ἱερεὺς, λέγει· Εἵπωμεν πάντες ἐξ ὅλης... Τελεσθεΐσης τῆς θείας λειτουργίας, ἄπτουσιν οἱ ἀδελφοὶ κηρούς, καὶ συναπέρχονται μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τὴν τράπεζαν, τῶν ἀναδόχων αὐτοῦ κατεχόντων τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ χειρός, καὶ οὕτως ὀψικεύοντες αὐτόν, φάλλοντες τροπάριον, ἤχος δ'. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος. Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ πρόσχευς ὁδηγῶν... Στίχος β'. Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν ἐμφάνηθι ἐναντίον... Στίχος γ'. Ἐξείγειρον τὴν δυναστείαν σου καὶ ἐλθέ εἰς τὸ σῶσαι... Στίχος δ'. Ὁ Θεὸς ἐπίστρεψον ἡμᾶς καὶ ἐπίφανον τὸ πρόσωπον.—Στίχος ε'. Ἀφῆκας τὰς ἀνομίας τῷ λαῷ σου, ἐκάλυψας πάσας τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν. Στίχος ς'. Κύριε, κταφυγὴ ἐγεννήθης ἡμῖν... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος παρθένος... Εἶτα ἀνιστάμενος ἀπὸ τῆς τραπέζης, συναπέρχονται αὐτῷ εἰς τὴν ἐκκλησίαν, φάλλον τὸ προγεγραμμένον τροπάριον. Στίχος α'. Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, Κύριε... Στίχος β'. Ἡ καρδίᾳ μου καὶ ἡ σὰρξ μου... Στίχος γ'. Καὶ γὰρ στρουθίον εὗρεν ἑαυτῷ οἰκίαν... Καὶ πάλιν φάλλουν οἱ ἀδελφοὶ τὸ προγεγραμμένον τροπάριον μετὰ μέλους. Τὰ δὲ ἐπὶ τὰς ἡμέρας ὁ νεοφώτιστος προσκαρτερεῖ ἐν τῇ

ἐκκλησίᾳ, σχολάζων ἀπὸ τῶν ἔργων, ἕως οὗ ἀποκουκουλίσῃ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς.

π. 59. Ἀκολουθία εἰς τὸ κατενέγκαι τὸ κουκουλίων τῆς ἐβδόμης ἡμέρας.

Εἰσέρχονται οἱ τὸ σχῆμα λαβόντες εἰς τὴν εἴσοδον τῆς λειτουργίας τῇ ζ΄ ἡμέρᾳ, καὶ μετὰ τὸ εὐαγγέλιον, δίδεται σοφία, καὶ ἀνίστανται οἱ τὸ σχῆμα λαβόντες εἰς τὰ ἅγια θυρία, καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, κακείνων κληνάντων τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Πολυέλεε Κύριε, ὁ δωρησάμενος τοῖς δούλοις. Goar pag. 417. Εἰρήνην πάσιν. Τὰς κεφαλὰς. Τὸν τῇ πυρίνῃ κεφαλῇ τὴν ἰδίαν κεφαλὴν σοί. Goar pag. 417. Εὐχὴ ἑτέρα· Ὁ ἅγιε καὶ φιλόανθρωπε Κύριε, ἐναριθμίους ποιήσον τοὺς δούλους σου, τοῦδε, τῇ ἱερᾷ σου ποίμνῃ καὶ τῷ χορῷ τῶν φρονίμων παρθένων. Goar. pag. 420. Καὶ μετὰ τοῦτο κατηχεῖ αὐτοὺς τάδε· Ἰδοὺ, ἀδελφέ. ἡξιώθης τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, βλέπε οὖν, πῶς συνέθου δουλεύειν τῷ Χριστῷ. См. выше стр. 231 и прим. Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ διάκονος· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ καὶ ἀδελφοῦ ἡμῶν, τοῦδε, καὶ τῆς ἐν Χριστῷ σωτηρίας αὐτοῦ, εἰπωμεν πάντες· Κύριε, ἐλέησον. Ὁ λαός· Κύριε, ἐλέησον, ἐκ γ', καὶ εἰθ' οὕτως ὁ ἱερεὺς χαλᾷ τὸ κουκουλίων, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ᾧ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. См. выше стр. 231—232.

π. 61 οἵ. Ἀκολουθία εἰς ἱερεῖς κεκοιμημένους.

Εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς ὁ ζῶν εἰς τὸν τόπον, ὅπου ἀπέθανε, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν. καὶ λέγει Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν. τροπάριον· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός.. καὶ μνημονεύει· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... Ἐτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός.. Καὶ σηκώνουσιν αὐτὸν οἱ ἱερεῖς καὶ φέρουσιν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ ἄπτουσι κηρούς, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, εἶτα ἄρχονται τὸν ψαλμόν, τὸ Ὁ κατοικῶν ἐν βοθηθείᾳ... Καὶ τελειωθέντος τοῦ ψαλμοῦ, Ἀλληλοῦια καὶ στίχος· Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ .. Καὶ λέγει· Ὁ βυθῷ σοφίας... Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα..., εἶτα τὸν ἄμωμον (17 καθῆσμα). Псалмъ пер- воѣ статиѣ, προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀρχαῖς.. Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῖζομαι. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων... Τέλος· καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Ἀλληλοῦια, ἤχος πλ. α'. Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω. Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ. Εὐαγγέλιον ἐκ

τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμήν, ἀμήν λέγω ὑμῖν· ὅτι ὁ τὸν λόγον μου ἀκούων καὶ πιστεύων τῷ πέμψαντι... Τέλος· ἀλλὰ τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει, ὡς ἔθος, καὶ ἄρχονται τῆς ἐτέρας στάσεως. Προκείμενον· Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες... Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν Κυρίῳ φρονεῖ.. Τέλος· ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ. Ἀλληλουία. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ὁ Πιτὴρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται, καὶ ἐγὼ ἐργάζομαι... ἀλλὰ μεταβέβηκεν ἐκ τοῦ θανάτου εἰς τὴν ζωὴν. Καὶ μνημονεύει συνήθως. Третья статья: Καὶ εὐθὺς τὰ εὐλογητάρια εἰς ἦχον πλ. α'. Ὁ ἀποστόλος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· Καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ μνημονεύει συνήθως, καὶ εὐθὺς ἦχος πλ. α'. Ἀνάπυσον, Σωτήρ ἡμῶν, μετὰ δικαίων.. Δόξα καὶ νῦν, Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ.. Καὶ ἄρξου στιχηρὰ προσόμοια, ἦχος α'. Σοῦ, Σῶτερ, δέσμεθα, τῆς σῆς η δр., что у Гоара въ чинѣ монашескаго погребенія, р. 439—444. За этими стихирами слѣдуютъ другія: Ποία τοῦ βίου τρυφή διαμένει λύπης ἀμέτοχος... См. выше стр. 671. Послѣ стихирѣ на всѣ восемь гласовѣ, προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῖξομαι. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, τί ποιήσουσιν οἱ βαπτιζόμενοι ὑπὲρ τῶν νεκρῶν... Τέλος· καὶ ἐκάτω τῶν σπερμάτων τὸ ἴδιον σῶμα. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐργάσθε, μὴ τὴν βρωσὴν τὴν ἀπολλυμένην... Τέλος· Καὶ ζωὴν διδούς τῷ κόσμῳ. Καὶ μνημονεύει, καὶ σὺν τούτῳ τὸ κοντάκιον, καὶ τοὺς οἴκους, ἀρχῶς λέγει τοῦτο τὸ κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπυσον, Χριστὲ ὁ Θεός... Λέγει καὶ τοῦτο, ἄλλο κοντάκιον, ἦχος πλ. δ'. Τὸν μεταστάντα ἐξ ἡμῶν ἐκ τῶν προσκαίρων κατσχηνώσεις, ἀγαθέ, ἐν ταῖς αὐλαῖς σου.. Ὁ οἶκος, ποίημα Ἀναστασίου τοῦ ταπεινοῦ· Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος. η δр. См. выше стр. 674. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῖξομαι. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὕτη σὰρξ... Τέλος· ἀλλὰ τὸ ψυχικόν, ἔπειτα τὸ πνευματικόν. Ἀλληλουία, Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω. Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι

ὁ ἄρτος... Τέλος· ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ μνημονεύει συνηθως, καὶ εὐθὺς καὶ τοὺς μακαρισμούς, ἥχος πλ. β'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου... Ἀγαστήν τοῦ παραδείσου, Χριστέ, πολίτην... Ἀκούσωμεν, τί κράζει ὁ παντοκράτωρ... Βουλὴν Θεοῦ παρήλλαξα τῇ προθέσει αὐθιμερὸν ὁ ἄθλιος... Γυμνὸς εὐρέθην τότε διὰ τοῦ ξύλου, γυμνὸς κυφοροῦμαι καὶ τίκτομαι... Ἐγκύψωμεν καὶ ἴδωμεν ἐν τοῖς τάφοις... Ὁ ζωῆς κυριεύων καὶ τοῦ θανάτου, ἐν ταῖς αὐλαῖς σου ἀναπαυσον... Γενοῦ παραμυθία τῶν θλιβομένων... Χριστόν σε ἀναπαύσει ἐν χώρᾳ ζώντων... Δόξα, Ἀνάρχω καὶ γεννήσει τε καὶ προόδω... Καὶ νῦν, Πῶς ἐκ μαζῶν σου γάλα βρύεις, Παρθένε... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐλληνοφύτας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτό ἐστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντος... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ γίνεται ὁ ἀσπασμός, καὶ φάλλομεν, ἥχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανόντι... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός, ποῖος θρήνος... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λύεται πανύγχις πᾶσα τῆς μεταιότητος... Πάντα τὰ τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦνται... Ὦντως τῶν ματαίων ἡ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων ἡ δόξα... Τρέμω τὸ κριτήριον, Χριστέ, καὶ τὴν ἐν τῷ βήματι... Δεῦτε, οἱ ἀπόγονοι Ἀδάμ, ἴδωμεν εἰς γῆν βεβλημένον... Ὦντως μχταιότης καὶ φθορὰ πάντα τὰ τοῦ κόσμου ἡδεα καὶ τὰ περὶδοξα... Χαῖρε, πᾶσα κτίσις σοι βοᾷ, χαῖρε, Θεοτόκε παρθένε... Δόξα, ἥχος πλ. β'. Ὁρῶντές με ἄφωνον καὶ ἄπνον προκείμενον... Εἰ δὲ βούλει, λέγε ἄλλο. Δόξα, ἥχος πλ. β'. Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συλλειτουργοί, μὴ μου ἐπικάθησθε, ὅταν ὑμνήτε τὸν Κύριον... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Μεταβολὴ τῶν θλιβομένων, ἀπαλλαγὴ τῶν ἀσθενούντων... Ἀποστολος πρὸς Κορινθίους α'. Ἀδελφοί, οἶδαμεν, ὅτι ἐὰν ἡ ἐπίγειος οἰκία τοῦ σκήνους καταλυθῇ... Τέλος· ἐμπροσθεν τοῦ βήματος τοῦ Χριστοῦ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα, καὶ πίνων μου τὸ αἷμα... Τέλος· ὅτι σὺ εἶ ὁ Χριστός, ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζώντος. Καὶ μνημονεύει συνηθως, καὶ εὐθὺς ἐπισυνάπτωμεν καὶ β' εὐχάς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, τὸν μεθ' ἡμῶν σοὶ δουλεύσαντα ἀδελφὸν καὶ ἱερέα, φιλάνθρωπε... См. выше стр. 670. 533. Εὐχὴ ἐτέρα· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι σοῦ τὸ ζῆν μόνον ἀθάνατον. Goar pag. 452. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. Goar p. 424. Καὶ δὸς αὐτὸ εἰς τὴν

χειρα τοῦ κεκοιμημένου· Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν.
Goar pag. 68. Καὶ ἀπόλυσιν.

л. 104. Ἐξοδιαστικόν, περιέχον τὴν ἅπασαν ἀκολουθίαν τεθνεώτων.
См. выше стр. 476—478. Начало чина до пѣнія 17 каѳизмы отличается нѣсколько по изложению: Ἀποθανόντος τοῦ ἀνθρώπου, ἔρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὸν τόπον, οὗ ἀπέθανε, καὶ ποιεῖ Εὐλογητόν, Τρισάγιον, Μνήσθητι, Κύριε... Μῆτερ ἁγία τοῦ... Ἐλέησον ἡμᾶς и т. д. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... καὶ εὐθὺς ἐπαίρουσι τὸν νεκρὸν καὶ φέρουσιν αὐτὸν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν, καὶ ἡμεῖς ψαλμὸς τοῦ Δαβὶδ 90, Ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ, Δόξα καὶ νῦν, καὶ ψάλλομεν τὸ Ἀλληλούϊα μετὰ μέλους κατὰ τὴν τάξιν, καὶ λέγονται καὶ στίχοι· Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον... Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Ὁ βυθὸς σοφίας... Δόξα, Τῷ ποιητῇ καὶ πλάστῃ... Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεύχος... Καὶ ἄρχονται οἱ ἱερεῖς τὸν ἄμωμον. Конецъ чина изложенъ послѣ возгласа: Σὺ γὰρ εἶ ἡ ἀνάπαυσις... въ такомъ видѣ: Καὶ ἀπάγουσι τὸν τεθνεῶτα ἐν τῷ τάφῳ τοῦ ἐνταφιάσαι αὐτόν, ψάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός... Καὶ μετὰ τὸ τεθῆναι τὸ λείψανον ἐν τῷ τάφῳ, λέγει ἐκ γ'. Γῇ χανοῦσα, δέξει τὸν ἀπὸ σοῦ πλασθέντα... Καὶ ὅταν βάλλωσιν αὐτόν ἐν τῷ τάφῳ, λέγει· Θέσθε μοι λίθον, πορεύεσθε ἐν εἰρήνῃ, ἔρχεται ὁ Χριστός... Καὶ καλύπτουν αὐτόν ἡ μὲ πλάκας ἡ μὲ σανίδιον, τότε ῥίπτει ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ τάφῳ τὸν πηλὸν σταυροειδῶς, καὶ ψάλλοντες οὕτως· Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεὺς ζωοπλαστήσας, ἐνέθηκέ μοι σάρκα καὶ ὀστά... Ὡδή, ἦχος πλ. β'. Βοηθὸς καὶ σκεπαστής... Στερέωσον, Κύριε, ἐπὶ τὴν πέτραν τῶν ἐντολῶν σου... и т. д. всѣ пѣсни великаго канона. Τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Δόξα καὶ νῦν, Μῆτερ ἁγία τοῦ ἀχράντου φωτός, ἀγγελικοῖς ὕμνοις τιμῶντες... Καὶ καταχωννύουσιν αὐτόν, καὶ παραδίδουσι τὸν χοῦν τῷ χοί, ὁ δὲ ἱερεὺς θυμῶν ἐπάνωθεν τοῦ τάφου, ὁ Ν', καὶ μνημονεύει, λέγων· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα и т. д. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἀπόλυσιν, καὶ γίνεται συγχώρησις, καὶ μακαρίζομεν τὸν τεθνεῶτα, καὶ ἀπερχόμεθα, εὐχαριστοῦντες τῷ Θεῷ.

л. 144 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τελευτήνῃ τὸν μοναχόν. См. выше стр. 478—481. Такъ какъ напечатанный нами чинъ имѣетъ дефекты, то мы ихъ дополняемъ по этой рукописи. Первая вставка: Στίχος· Γενέσθω ἡ χεὶρ σου... Ἐν γῇ πράξεων, ἐνθα ἦχος ἐξακούεται ὁ τῶν ἑορταζόντων, ὅπου ἐκλάμπει, Χριστέ... Ἄλλος στίχος, ἦχος πλ. α'. Χαίροις, ἀσκητικῶν... Στίχος· Ἐπεπόθησα τὸ σωτήριόν σου. Ὅναρ τὰ

ἐν τῷ βίῳ εἰδῶς καὶ ἀδρανέστερα σκιᾶς ὁ ἰκέτης σου... Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου. Ἐνθα εὐφραϊνομένων ἐστὶν ἡ κατοικία, ἐνθα ἡχος τερπνότητος... Στίχος: Ἐπλανήθην, ὡς πρόβατον... Λόγοις σου τοῖς σεπτοῖς παιδαρχῶν, ὁ σὸς ἰκέτης τὰ ἐν κόσμῳ κατέλιπε... καὶ εὐθὺς τὰ εὐλογητάρια. Ἐν εἰρήνῃ... κ. τ. λ. Вторая вставка: Οἱ ἀναβαθμοί. (первые три стиха трех первых глав) Goar p. 440. Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... и т. д. Εὐχὴ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός, ὁ δοὺς καταστολὴν δόξης... Goar pag. 437. Καὶ τῶν πενθούντων ἀντιλήπτωρ καὶ παραμυθίχ... Ibidem Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ. . Το κοντάκιον, ἡχος πλ. δ'. Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου... Τοῖς τοῦ βίου τερπνοῖς ἐνητένιζον λογισμοῖς, θεωρῶν τὰ γενόμενα... Οὔτε ἓνα βροτὸν εἶδον ἄλυπον· ὁ γὰρ κόσμος ἐκάστοτε τρέπεται. . Ὑψανχεῖ κατὰ πένητος πλούσιος, κατεσθίων αὐτοῦ πᾶσαν δύναμιν, κοπιᾷ γεωργός... Ἀλμυρὰ τῆς θαλάσσης τὰ ὕδατα καὶ γλυκεῖα ἢ βρώσις τῷ λάρυγγι ριφοκινδυνοὶ ἔμαλλον ἀνθρωποῖ... Πειρατίας καὶ χειμῶνας καὶ κλύδωνας παρορώσιν οἱ χρήματα στέργοντες... Ἵνα δὲ συνελὼν εἶπω, ἅπαντα τὰ ἐν κόσμῳ σὺν κόσμῳ παρέρχονται· ὅταν γὰρ πάντα κόσμον κερδήσωμεν... Νῦν εἰσιν ἐν ἡμῖν οἱ βιοῦντες μοι, καὶ μὴ τῷ στόματι, ἀλλὰ τῷ πνεύματι... Ὅμως μέντοι οὐ πάντες ἐχώρησαν, ὡς ὁ Κύριος τότε προσέταξεν... Ὑποκαίω ὑμῶν τὴν διάνοιαν πρὸς τὸ ψάλλειν καὶ τέρπειν τὸν Κύριον... Ῥύπον βίου καλῶς ἀπεφύγετε, καὶ πηγῇ καθαρᾷ προσεφύγετε, τῶν ἀσάρκων τὸν βίον ζηλώσαντες. . Ὡς τὴν κτίσιν καλῶς ἀπεστράφητε, τούτων λήθην τῆς μνήμης ποιήσατε... Μὴ ἀλλήλων ἀπλῶς κατεπαίρεσθε· τί γὰρ ἔχεις, φησὶν, ὃ οὐκ ἔλαβες, ὁ νηστεύων... Ἀλλ' ἐρεῖ τις, ἐγὼ περισσότερον, ὡς μαθὼν τὰς γρχφάς, ἔχω καύχημα... Νευρωθῶμεν, τῇ πίστει σφιγγόμενοι, οἱ τῷ σώματι ἀποταξάμενοι. . Сл. выше стр. 551. Евангеліе, по атому чину, положено нпое: Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐλληνοδότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους· ὁ Πατὴρ μου ἔως ἄρτι ἐργάζεται... Τέλος· ἀλλὰ μεταβέβηκεν ἐκ τοῦ θανάτου εἰς τὴν ζωὴν. Иначе нѣсколько изложено конецъ чина: Εἶτα, τεθέντος τοῦ νεκροῦ ἐν τῷ τάφῳ, σφραγίζει αὐτόν ὁ ἱερεὺς μετὰ τῆς κανδήλης, λέγει ἡχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε, ὁ θάνατος νενέχρωται... Εἶτα στιχηρά, ἡχος πλ. δ'. Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονε πρόξενος· εἰ μὴ γὰρ ἐν μνήματι κατετέθης... Στίχος· Κύριος ποιμαίνει με... Παντοκράτωρ ὤψιστε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἀνάπαυσον... Στίχος· Εἰς τόπον χλόης... Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ· ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... Δόξα καὶ νῦν, Ἐγὼ, Παρθένε ἀγία Θεοτόκε, τῇ σκέπῃ σου... Ἐν εἰρήνῃ κ. τ. α. Εὐχὴ ἐπιτάφιος λεγομένη· Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοῦ ἐν πίστει

καὶ ἐπ' ἐλπίδι ζωῆς αἰωνίου... Goar pag. 437. Καὶ εὐθὺς λέγομεν· Ἐλέησόν με ὁ Θεός. Καὶ τούτου λεγομένου, χώνουσιν αὐτόν, μετὰ ταῦτα λέγει τροπάριον· Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Δόξα, Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ, τὴν ψυχὴν... Καὶ νῦν, Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα ἔχομεν... Εἴτα τὸ Κύριε ἐλέησον ρ', καὶ ποιῶσι πάντες οἱ μὲν ἀρχοὶ μετανόησας ιε', καὶ εὐχονται ἐπάνω αὐτοῦ, καὶ ὁ ἱερεὺς ποιεῖ τὴν συνήθη αἵτησιν καὶ ἀπόλυσις.

л. 164 об. Ἀποστολο-ευαγγέλια νεκρώσιμα.

л. 172. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, γενομένου ὑπὸ ἑπτὰ ἱερέων.

См. выше стр. 481—485. Чинъ этого сохранился вполне, а по-семи дополняемъ недостающее въ чинѣ, выше описанномъ нами. Первая вставка: Καὶ νῦν, Ὁμβρησόν μοι... (Неправильно напечатано: Ὡ μύρησόν μοι. См. выше стр. 485, строка 5.) Δέσποινα, τοῦ σοῦ ἐλέους τὰνάματα... Εἴτα Τρισάγιον, καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Τῇ δὲ ἐπαύριον συνάγονται οἱ ἑπτὰ ἱερεῖς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, καὶ τίθουσι τετράποδον, ἐπάνωθεν δὲ τούτου κανδήλαν, καὶ ποιεῖ ὁ προεστὼς εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, Δεῦτε προσκυνήσωμεν, ψαλμὸς 137. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με... ψαλμὸς ρ'. Ἐλεον καὶ κρίσιν ἄσομαί σοι, Κύριε... ψαλμὸς 137. Κύριος φωτισμός μου καὶ Σωτήρ μου, τίνα φοβηθήσομαι... Вторая вставка: Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου... Goar p. 335. Εἴτα λέγει καθίσματα νυκτικά, ἤχος α'. Τὸ βῆμά σου φρικτόν καὶ ἡ κρίσις δικαία, τὰ ἔργα μου δεῖνά... Ἀγκάλας πατρικᾶς διανοῶξαι μοι σπεῦσον, ἀσώτως τὸν ἐμὸν κατηγάλωσα βίον... Μητέρα σε Θεοῦ ἱκετεύομεν πάντες, Παρθένον ἀληθῶς ἐν οἰκτιρμοῖς σοι βοῶμεν... Прокейменон, апостолъ и евангеліе. Goar. pag. 337. Послѣ второго евангелія третья вставка: Εἴπωμεν πάντες... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἔλαιον τοῦτο ἔλαιον ἀγαλλιᾶσεως Πνεύματος ἁγίου. Прилож. стр. 109; Goar pag. 338. Καὶ σφραγίσας, ἅπτει τὸ ἀπτότρουβον αὐτοῦ, καὶ μεθίσταται, λέγει· Εἰσάκουσον, Κύριε· εἰσάκουσον, Δέσποτα· εἰσάκουσον, Ἀγίε. Εἴτα εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς, λέγει τροπάριον, ἤχος γ'. Παροικῶσα ἐν τῇ γῇ, ψυχὴ μου, μετανόησον χροὺς ἐν τάφῳ... Ἔως πότε, ψυχὴ μου, ἐπιμένεις τοῖς πταίσμασιν... Ἐκαστος, ὅπου σώζεται, ἐκεῖ δικαίως καὶ προστρέχει... Прокейменон и евангеліе Goar. pag. 340, а апостолъ: Ἀδελφοί, ὑμεῖς ἐστέ ναὸς Θεοῦ ζῶντος. Goar pag. 341. Εἴπωμεν πάντες... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὑψιστος, ὁ ὑπὸ πάσης κτίσεως προσκυνούμενος... Goar pag. 339. См. выше стр. 483. Четвертая вставка: Εὐαγγέλιον (пятое) κατὰ Ματθαῖον. Εἶπεν ὁ Κύριος τὴν παραβολὴν

ταύτην. Goar. p. 342. Εἰπωμεν πάντες... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν, καὶ ἐπιβλέπων ἄβυσσους, ἔπιθε ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου, ὁ δεῖνα, καὶ ἐπίσκεψαι αὐτὸν τῇ φιλανθρωπίᾳ σου καὶ τῇ ἀμετρήτῳ σου δυνάμει ἐξ ἁγίου ὑψώματος δόξης σου, καὶ ἀπόστησον ἀπ' αὐτοῦ πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μολυσμάν, καὶ ἀποκατάστησον αὐτὸν ὑγιαίνοντα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἰατρός τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, Χριστέ ὁ Θεός, καὶ σοί... Сн. Прилож. стр. 114. Καὶ ἄψας τὸ ἀπτότρουβον, ὑποχωρεῖ, λέγει· Εἰσάκουσον, Κύριε· εἰσάκουσον, Δέσποτα· εἰσάκουσον, Ἄγιε. Καὶ ἄρχεται ὁ ζ' ἱερεὺς, λέγει τροπάρια, ἦχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς· ἐπὶ σοὶ γὰρ πεποιθᾶμεν... Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην ἀνοιξον ἡμῖν, εὐλογημένη Θεοτόκε. Προκείμενον, ἦχος πλ. β'. Ἐπακούσαι σου Κύριος ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως... Στίχος· Ἐξαποστεῖλαι σοὶ βοήθειαν ἐξ ἁγίου... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, παρακαλῶ ὑμᾶς, νουθετεῖτε τοὺς ἀτάκτους. Goar. p. 344. Чинъ настоящій имѣетъ и небольшія особенности сравнительно съ выше напечатаннымъ. Такъ, о молебнѣ сдѣлано такое замѣчаніе: Καὶ ἂν ἔχουν τὸ πρόθυμον, καὶ φάλλουσι καὶ παράκλησιν. При помазаніи болящаго, кромѣ словъ: Εἰσάκουσον, Κύριε κ. т. л., положенъ послѣ перваго евангелія и тропарь: „Κύριε, ὄπλον κατὰ τοῦ διαβόλου τὸν σταυρόν σου“. Нѣсколько иначе изложено замѣчаніе о четвергомъ священникѣ: Καὶ ἄπτει τὸ ἀπτότρουβον αὐτοῦ, καὶ μεθίσταται, λέγει ἐκ γ'. Εἰσάκουσον, Κύριε· εἰσάκουσον, Δέσποτα· εἰσάκουσον, Ἄγιε. Εἶτα εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς, λέγει μετὰ παντὸς τροπάρια, ἦχος δ'. Τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν ἐπίσκεψαι, Κύριε, τὴν ἐν ἁμαρτίαις... Διαπλέων τὸ πέλαγος τῆς παρούσης ζωῆς, ἐνθυμοῦμαι τὴν ἄβυσσόν τῶν... (Ἐτα сгнхира по ошибкѣ пропущена нами выше стр. 483). Τῇ Θεοτόκῳ ἐκτενῶς νῦν προσδράμωμεν, ἁμαρτωλοὶ καὶ ταπεινοί, καὶ προσπέσωμεν...

л. 220 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ ἀπὸ πατρὸς πνευματικοῦ· κειμένης τῆς δεξιᾶς χειρὸς αὐτοῦ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ τοῦ ἐξομολογουμένου, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ποιμὴν καὶ ἀμνέ, ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου. Goar pag. 536.

л. 223. Ἀκολουθία εἰς νήπιον τεθνηκός.

Μετὰ τὸ τέλος τοῦ ἀμώμου, φάλλει τὰ εὐλογητάρια, εἶτα μνημονεύει, καὶ εὐδὸς ὁ Ν', καὶ ἄρχεται τὸν κανόνα, ὡδὴ α', ἦχος πλ. δ'. Ὑγρὰν διωδεύσας. Ὁ σάρκα πτωχεύσας, Λόγε Θεοῦ... Goar p. 474—477.

Πο 6 πѣсни, ἐκτενή, τὸ κοντάκιον· Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον... καὶ ὁ οἶκος· Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις... Ἕτεροι οἵκοι εἰς νήπιον οὗτοί εἰσιν· Οὐδὲν ἔστιν πατὴρ συμπαθέτερον, οὐδὲν ἔστι μητὴρ ἀθλιώτερον... Πολλάκις γὰρ ἔμπροσθεν τοῦ μνήματος τοὺς μαζοὺς ἐγκατέχουν καὶ λέγουσιν... Εἰ καὶ σοὺ τὸ συμφέρον ἐγένετο, ἀλλ' ἡμᾶς ἐν ὁδύνῃ κατέλιπας... Μὴ βαρύνῃς με, μήτερ, τοῖς δάκρυσιν, μὴ λυπήσῃς, πάτερ, τοῖς θρήνοις σου τὸν Ἰώβ... Παναγία Παρθένε ἀνύμφευτε... Къ каждому икоу припѣвъ: „Ἀλληλούια“. Πο 9 πѣсни, συναπτή, ἑξαποστειλάριον, ἤχος γ'. Νῦν ἀνεπαυσάμην καὶ εὖρον ἄνεσιν πολλήν... Θεοτοκίον· Νῦν ἐξελεξάμην τὴν θεομήτορα κόρην... Εἰς τοὺς αἶνους στιχηρά προσόμοια, ἤχος πλ. δ'. Ὡ τοῦ παραδόξου θαύματος. Θάνατος νηπίοις ἄνεσις· τῶν γὰρ τοῦ βίου κακῶν... Θάνατος νηπίοις καύχημα· τῆς μοχθηρᾶς γὰρ σαρκός... Θάνατος νηπίοις στέφανος... Ὡ τίς μὴ θρηνησέι, τέκνον, τὴν σὴν ἐκ τοῦ βίου τούτου πενθηρὰν σου μετástασιν... Δόξα, ἤχος πλ. δ'. Τῶν πατρικῶν μου σπλάγχων, ὁ Θεός, ταχέως ἐστέρημαι, μὴ χωρίσῃς με τῆς βασιλείας σου, Χριστέ... Καὶ νῦν, Ἀγνή παρθένε, τοῦ Λόγου... Καὶ εὐθὺς οἱ μακαρισμοί, ἤχος πλ. β'. Ληστήν τοῦ παραδείσου, Χριστέ, πολίτην ἐπὶ σταυροῦ σοι βοήσαντα... Ἐκ μητρικῶν ἀγκαλῶν μου ἐχωρίσθη, Σωτήρ, βοᾷ σοι τὸ νήπιον... Ἀνάπαυσον, οἰκτίρμον, ὡς ἐλεήμων, ὁ ἐξελέξω ἄφθορον νήπιον... Δόξα, Ἀνάρχω καὶ γεννήσει τε καὶ προόδῳ Πατέρα προσκυνῶ τὸν γεννήσαντα... Καὶ νῦν, Ὅν ἔτεκες, Παρθένε ἀνερμήνευτος, διὰ παντὸς ὡς Θεὸν ἡμῶν.. Προκείμενον, ἤχος πλ. β' Μακαρία ἡ ὁδός, ἡ πορεύη. Στίχος· Ἐπίστρεψον, ψυχὴ μου, εἰς τὴν ἀνάπαυσιν... Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὕτη σὰρξ, ἀλλὰ ἄλλη μὲν ἀνθρώπων... Τέλος· ἀλλὰ τὸ ψυχικόν, ἔπειτα τὸ πνευματικόν. Ἀλληλούια, Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ προσέφερον τῷ Ἰησοῦ παιδία, ἵνα ἄφηται αὐτῶν... Τέλος· τιθεὶς τὰς χεῖρας ἐπ' αὐτά, εὐλόγησεν αὐτά. Εἶτα λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ μακαρίας καὶ τὰ λοιπά, καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ψάλλει τὰ τελευταῖα στιχηρά, ἤχος β'. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δώμεν, ἀδελφοί, τῷ νηπίῳ, εὐχαριστοῦντες Θεῷ... Πᾶσιν ἀνακράζει ὁ Σωτήρ· ἄψετε τὰ νηπία πρὸς με εἰς τὰς αὐλούς μονάς, οὕτως γὰρ ἠυδόκησα... Οἷα ἡ ζωὴ ἡμῶν ἐστίν; ἄνθος καὶ ἀτμὶς καὶ ὡς δρόσος... Νεῦσον παρακλήσεις, Χριστέ, ταῖς τῆς παναχράντου μητρός σου... Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ φυλάσσων τὰ νηπία ἐν τῷ παρόντι βίῳ... Goar pag. 478. Ἐν οἷς αὐλίζονται τῶν δικαίων τὰ πνεύματα. Αὐτός, Δέσποτα Σωτήρ ὑπεράγαθε, καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ νηπίου τούτου ἀνάπαυσον, ὅτι αὐτός

εἶπας· τῶν γὰρ τοιούτων ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ... Καὶ εὐθὺς τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν. Καὶ λέγει τὰ τροπάρια ταῦτα, ἡχος δ'. Μετὰ πνευμάτων δικαίων τετελειωμένων... и т. д. Εἶτα λέγει ἐκτενῆς· Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ τὰ ἐξῆς. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... καὶ τελεία ἀπόλυσις.

л. 233 об. Канѡνъ въ свѣтъ. Голосъ р. 585—587.

л.л. 237—239 чистѣе.

л. 240. Ἀκολουθία τῶν ἐγκαινίων ἐπὶ ἀνεγερθέντος ναοῦ.

Ἐσπέρα εἰς τὸ λυχνικόν, εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα ἰσθῶμεν στίχους ς', καὶ ψάλλομεν στιχηρὰ τοῦ κατὰ τὴν μονὴν ἁγίου γ', καὶ τῶν ἐγκαινίων γ', στιχηρά, ἡχος δ'. Ἐδωκας σημεῖωσιν. Σήμερον ὁ ἔνθεος καὶ ἱερός καὶ σεβασμῖος, τοῦ Θεοῦ οἶκος ἔνθεος, φαιδρῶς ἐγκαινίζεται... Ἡστράψεν ἡ ἄνωθεν φωτοφανὴς αἴγλη, λάμπουσα καὶ τὰ πάντα φωτίζουσα πιστῶς οὖν τιμῆσωμεν... Μέσον γῆς ὑφούμενοι, προκατιδεῖν ἐφίεμενοι τοῦ σταυροῦ σκηπτρον ἔνθεον, ψυχὰς ἐκκαθάρωμεν... Δόξα, τοῦ κατὰ τὴν μονήν, Καὶ νῦν, ἐγκαινίων. Εἰ δ' οὐκ ἔχει ὁ ἅγιος Δόξα, ἡχος β' τῶν ἐγκαινίων, καὶ ἂν ἔχη καὶ ὁ ἅγιος. Βασιλειῶν τρίτης τὸ ἀνάγνωσμα· Ἔστη Σολομὼν κατὰ τὸ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου Κυρίου... Παροιμιῶν τὸ ἀνάγνωσμα· Ὁ Θεὸς τῇ σοφίᾳ ἐθεμελίωσε τὴν γῆν... Τέλος· τοῦ εἶναι εἰς ὄνομά σου πάσας τὰς ἡμέρας τοῦ αἰῶνος. Παροιμιῶν τὸ ἀνάγνωσμα· Ἡ σοφία ὑποδόμησεν ἑαυτῇ οἶκον, καὶ ἠπῆρεισε στύλους ἐπτὰ... Τέλος· τούτῳ γὰρ τῷ τρόπῳ πολὺν ζήσῃ χρόνον, καὶ προστεθήσεται σοὶ ἔτη ζωῆς. Καὶ εὐθὺς λέγει· Εἰπωμεν πάντες... καὶ μνημονεύει, οὕς θέλει, καὶ πάλιν λέγει· Κύριε παντοκράτωρ, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων... и т. д. Εἰρήνην πᾶσι. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς καὶ καταβάς... καὶ τὰ ἰδιόμελα τῶν ἐγκαινίων, ἡχος α'. Ἐγκαινίζου, ἐγκαινίζου... Στίχος· Ὑψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν... ἡχος α'. Πάλαι μὲν ἐγκαινίζων τὸν ναόν... ἡχος β'. Τὸν ἐγκαινισμὸν τελοῦντες πανιέρου ναοῦ τῆς Ἀναστάσεως, σὲ δοξάζομεν, Κύριε... Ταῦτα λέγει καὶ τὸ πρωτὶ εἰς τὴν εἴσοδον τῶν ἱερέων. Δόξα, ἡχος γ'. Πρὸς ἑαυτὸν ἐπανάγου, ἄνθρωπε... ἡχος α'. Ἐγκαινίζεται σήμερον ἡ ἐξ ἔθνων ἐκκλησία... Στίχος· Εἰργάσω σωτηρίαν ἐν μέσῳ τῆς γῆς... ἡχος πλ. α'. Ἐπὶ τῶν κόλπων τῶν πατρικῶν ἐπαναπαυόμενος, Λόγε... ἡχος πλ. β'. Ἐγκαινίεσθε, ἀδελφοί, καὶ τὸν παλαιὸν ἄνθρωπον ἀποθέμενοι... ἡχος πλ. β'. Τὴν μνήμην τῶν ἐγκαινίων ἐπιτελοῦντες, Κύριε, σὲ τὸν τοῦ ἁγιασμοῦ δοτῆρα... ἡχος πλ. β'. Ἐγκαίνια τιμᾶσθαι παλαιὸς νόμος καὶ καλῶς ἔχων... ἡχος πλ. β'. Ἐδοῦ πύργον ἰσχύος τὴν ἐκκλη-

σίαν σου, Χριστέ, προαιώνιε Λόγε... Ἀπολυτίκιον τῆς μονῆς τοῦ ἁγίου καὶ τῶν ἐγκαινίων· Ὡς τοῦ ἄνω στερεώματος τὴν εὐπρέπειαν. Εἰς τὸν ὄρθρον, εἰ μὲν θέλει ὁ προεστώς, φάλλομεν τὸν πολυέλαιον καὶ ψαλμὸν τοῦ ἁγίου, οἱ ἀναβαθμοὶ τοῦ δ' ἤχου, προκείμενον ἤχος δ'. Πλησθησόμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς. Στίχος· Σοὶ πρέπει ὕμνος, τῷ Θεῷ... Πᾶσα πνοή. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκεῖνω ἐγένετο τὰ ἐγκαίνια ἐν Ἱεροσολύμοις... Τέλος· κἀγὼ ζωὴν αἰώνιον δίδωμι αὐτοῖς. Ὁ κανὼν, ὦδὴ α', ἤχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρυθραῖον. Ὁ στύλῳ καθοδηγῶν τῷ πνεύματι τὴν ἐξ ἐθνῶν Ἰσραήλ. Εὐχολ. edit. Venet. 1749 p. 240. Ἐξαποστειλάριον· Μέσον τῆς γῆς ὁ Κύριος καὶ Θεὸς εἰς σωτηρίαν... Καὶ ἑτέρα ἀκολουθία συνήθως.

α. 251 οδ. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τοῖς ἐγκαινίοις τοῦ ἡδὴ καθιερωθέντος ναοῦ ἁγίου, καὶ ἐπὶ σαλευθείσης τῆς ἁγίας τραπέζης.

Τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ, ἐν ἣᾷ καθιερῶται ὁ εὐκτήριος οἶκος, γινομένων τοῦ λυχνικοῦ καὶ πνυνυχίδος ἐν μιᾷ τῶν σύνεγγυς καθιερωθέντος εὐκτηρίῳ ἐκκλησίᾳ, τῇ δηλωθησομένῃ διὰ τοῦ κηρυκτοῦ τῶν συνάξεων, ἔνθα, δηλονότι, καὶ τὰ ἅγια λείψανα μένουσιν. Καὶ παραγίνεται ἔωθεν ἐκεῖσε ὁ ἀρχιερεὺς μετὰ τῶν σὺν αὐτῷ, εἶτα ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιδιάκονος· Εὐλόγησον, δέσποτα. Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος τὴν συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ η τ. δ. Κύριε ὁ Θεὸς καὶ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ πάντα ποιῶν καὶ πραγματευόμενος. Goar p. 656. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Καὶ ἀρχιερεὺς εὐχεταί· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πρεσβείαις τῆς ὑπερενδόξου, ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου. Goar. p. 661. Καὶ φάλλουσιν οἱ ψάλται· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἀποστόλων καύχημα... Ἀγιοὶ μάρτυρες, οἱ κελῶς ἀθλήσαντες... Καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν λιτὴν, ἔρχονται εἰς τὰς πύλας τοῦ ναοῦ, καὶ ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς εἶ, Χριστέ ὁ Θεὸς τῶν χριστιανῶν, εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Εἶτα ἐκφωνεῖ· Ἄρατε πύλας, οἱ ἄρχοντες, καὶ τὰ λοιπά. Καὶ ἀνοίγονται αἱ πύλαι, καὶ εἰσέρχεται ἐν τῷ ναῷ, καὶ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν τῆς εἰσόδου, καὶ οἱ ἱερεῖς τὸ ἀπολυτίκιον καὶ τὰ ἕτερα. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα. Goar p. 662. Καὶ μετὰ τὰ ἰδιόμελα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρασθεὶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναί σοι ἐκκλησίαν. Goar pag. 485. Καὶ φέρουσιν ἐπάνω τῆς ἀλλαγῆς τοῦ ἀρχιερέως τάπητα καινούργιον, ἡγουν ὡς σάβανον καὶ χειρομανδύλιον, καὶ καταδένουν αὐτὸν μετὰ ζωνάρια, καὶ δίδοται καιρὸς τῷ ἀρχιδιακόνῳ, καὶ ἐκφωνεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Καὶ φέρουσι πεύχην καὶ προσκεφάλαιον, καὶ κλίνει ὁ ἀρχιερεὺς τὸ γόνυ, καὶ ἐκφωνεῖ ὁ διά-

κονος· Ἔτι καὶ ἔτι κλίναντες τὰ γόνατα... Καὶ ἕτεροι· Κύριε ἐλέησον γ'. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχος καὶ αἰδώς, ὁ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι παραγαγών... Goar p. 657. Ἐπισυνάπτει καὶ ταύτην· Σέ, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ἡ ἐλπίς πάντων τῶν περὰ τῆς γῆς καὶ τῶν ἐν θαλάσῃ μακράν... Goar p. 658. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, τὸ κοντάκιον τῶν ἐγκαινίων, καὶ ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Goar pag. 658. Καὶ μετὰ τὸ ταφῆναι τὰ ἅγια λείψανα, φέρουσι κηρομάστιχα μετὰ μαρμάρου, καὶ βάλλουσιν ἐντὸς τοῦ κιονίου, καὶ μετὰ τοῦτο ὁ μὲν ἀρχιερεὺς ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν ταύτην, οἱ δὲ ἱερεῖς αἵρουσι τὴν τράπεζαν καὶ ἀποθέτουν αὐτὴν ἄνω. Εὐχὴ τοῦ ἀρχιερέως· Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ κορυφαίῳ σου τῶν ἀποστόλων Πέτρῳ φήσας, ὅτι σὺ εἶ Πέτρος καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομήσω μου τὴν ἐκκλησίαν.... Καὶ εἰθ' οὕτως, κρατούντων τῶν ἐπὶ τὰ ἱερέων τὴν τράπεζαν καὶ ὑψούντων, ἐπιτεθέντων τὰ κηρομάστιχα, ἀπέρχονται, ψάλλοντες ἐκ γ' τὸν ψαλμόν· Ὑψώσω σε, ὁ Θεὸς μου, ὁ βασιλεὺς μου... Καὶ ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς τῶν χριστιανῶν πάντοτε... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν ἐπιφέρεται σίτλα τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, πεπληρωμένη ὕδατος χλιαροῦ, καὶ ἐπικλίνας αὐτοῦ τὴν κεφαλὴν, εὐχεταὶ ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγίας τὰ ρεῖθρα τοῦ Ἰορδάνου. Goar. pag. 659. Καὶ μετὰ τοῦτο ἐπιχέει γ' τῆς τραπέζης ἐκ τοῦ χλιαροῦ ὕδατος, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Καὶ φέρει πανὶν λευκὸν πῆχεις γ' καὶ ἡλιοσάπουνον, καὶ ρίπτει ἐπάνω τῆς τραπέζης, καὶ ἐκμάσσει αὐτὴν μετὰ τοῦ νίτρου καὶ τοῦ ἡλιοσαπούνου, καὶ μετὰ σπόγγου καινοῦ καὶ καθαροῦ, ἐν δὲ ταῦτα γενέσθαι, ψάλλει ψαλμόν καὶ λέγει οὕτως· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, Κύριε... Καὶ μετὰ τοῦτο λαμβάνει καινὸν ροδόσταγμα, καὶ ἐπιχέει τὴν τράπεζαν σταυροειδῶς, λέγων· Ῥαντιεῖς με ὑσώπω... λέγει τοῦτο ἐκ τρίτου καὶ δοξάζει ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα τῷ ἁγίῳ Θεῷ ἡμῶν εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Καὶ λαμβάνει σάβανον καινὸν ἀπηρτισμένον, ἔχον εἰς τὰ τέσσαρα ἄκρα σχοῖνους λεπτούς, οὓς τῇ τραπέζῃ ἐφαπλουμένου, δεσμοῦνται οἱ σχοῖνοι σταυροειδῶς ὑποκάτωθεν τῆς τραπέζης κατὰ τὸν ὄρθιον κίονα, τὰ δὲ σένδονα τὰ πρώην ἐκμάσσοντα τὴν ἁγίαν τράπεζαν, κατακόπτονται παρὰ τοῦ ἀρχιερέως, καὶ δίδονται ἀντιμίνισια τοῖς ἱερεῦσι καὶ ἱερουργοῦσι, ψάλλοντες ψαλμόν· Μνησθητι, Κύριε τοῦ Δαβὶδ καὶ πάσης τῆς πραότητος αὐτοῦ... Καὶ δοξάζει ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Καὶ φέρονται τὸ ἄγγεῖον τοῦ μύρου, ποιεῖ ὁ ἀρχιερεὺς ἐπὶ τῆς ἁγίας τραπέζης καὶ τοὺς κίονας αὐτῆς, καὶ ψάλλει τὸ Ἀλληλούϊα, ὡς ἐπὶ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, λέγει ψαλμόν ρλβ'. Ἰδοὺ δὴ

τί καλόν, ἢ τί τερπνόν... Καὶ ἐκφωναῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα σοι, ἅγια Τριάς ὁ Θεὸς εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν. Καὶ λαμβάνει τὴν ἑνδυσιν, ἐνδύουσι τὴν τράπεζαν, καὶ νιπτομένου τὰς χεῖρας, λέγων· Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν, εὐπρέπειαν ἐνεδύσατο... Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, ὁ τὴν ἁγίαν ἐκκλησίαν ἀρρήτῳ σοφίᾳ θεμελιώσας... Goar p. 660. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων. Goar. pag. 661. Καὶ βασιτάζων τὸ μύρον, ὁ ἀρχιερεὺς ποιεῖ σταυροὺς πανταχοῦ τῆς ἐκκλησίας, ψάλλοντες τὸν ψαλμὸν κθ'. Κρῖνόν με, Κύριε, ὅτι ἐγὼ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύθην... Καὶ μετὰ ταῦτα δοξάζει ὁ ψάλτης, καὶ ψάλλομεν στιχηρὰ τοῦ κατὰ τὴν μονὴν τοῦ ἁγίου, καὶ εἰθ' οὕτως δοξάζει ὁ ἀρχιερεὺς· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἡ ἐλπίς ἡμῶν, καὶ ἡ ἀπόλυσις. Εἰς δὲ τὴν λειτουργίαν προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἀποστοлъ и евангеліе. Goar pag. 663. Χερουβικὸν τοῦ ἐνθρονιασμοῦ· Σιγησάτω πᾶσα σάρξ... Κοινωνικόν· Κύριε, ἡγάπησα εὐπρέπειαν οἴκου σου...

л. 268 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου, λόγος εἰς τὴν δευτέραν παρουσίαν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Μετὰ τὴν ἀνάληψιν τοῦ Κυρίου εἰς τοὺς οὐρανούς, ἤκουσαν οἱ μαθηταὶ φωνῆς λεγούσης αὐτοῖς· οὕτως ἐλεύσεται, ὃν τρόπον ἐθεάσασθε αὐτόν...

СХХІХ. № 989. Εὐχολόγιον, рукопись Синайской библіотеки, въ 16 долю листа, 322 листа, писана четкимъ почеркомъ ХVІ в. Въ концѣ рукописи имѣется слѣдующая приписка: Εὐχολόγιον τοῦ ὁσιωτάτου καὶ τιμιωτάτου ἐν ἱερομονάχοις καὶ πνευματικοῖς πατράσι κυρ Ἰωαννικίου, καὶ ἀφῆκεν αὐτὸ εἰς τὴν μεγάλην ἐκκλησίαν τοῦ Σινᾶ ὄρους, καὶ εἴ τις τὸ ξενώσει ἀπὸ τὸ ἅγιον μοναστήριον καὶ ἀπὸ τὸ καθολικόν, νὰ εἶνε ἀφορισμὸς παρὰ Θεοῦ παντοκράτορος, καὶ ἀπὸ τῶν τριακοσίων δέκα καὶ ὀκτὼ θεοφόρων τῶν ἐν Νικαίᾳ πατέρων, καὶ τὸ ἀνάθεμα. Ἐκοιμήσθην ὁ ἄνθρωπος Ἰωαννίκιος καὶ πνευματικὸς πατήρ ἐν ἔτει ςξβ' (1554), Σεπτεμβρίῳ κδ', ἡμέρᾳ κυριακῇ, ὥρα ζ', ἑορτῇ τῆς ἁγίας Θέκλας εἰσαποστόλου καὶ πρωτομάρτυρος. Имя писца означено въ слѣдующей припискѣ: Γόνου συζεύξας, ὑποκλίνας δὲ χάραν, χεῖρας ἐκτείνας πρὸς τὰς θείας τετραδάς, ἐκπεπλήρωκα τὴν θεοσδωτον βίβλον. Θεοῦ τὸ δῶρον, Θωμᾶ Πατρολόγου πόνος, τάχα καὶ θύτου.

л. 1 об. Εὐχὴ τῶν κολλύβων.

л. 2. Оглавление рукописи.

л.л. 3—5 чистые.

л. 6. Εὐχαὶ τοῦ λοχικοῦ. См. выше стр. 707.

л. 12. Εὐχαὶ ἐωθιναί, ἤτοι τοῦ ὁρθρου. Тамъ-же.

л. 20. Συνοδικόν, ἀναγινωσκόμενον τῇ¹⁾ κυριακῇ τῆς ὁρθοξίας ἐν τῇ λειτουργίᾳ.

Синодикъ этотъ въ большей части сходенъ съ изданнымъ проф. Θ. И. Успенскимъ въ его книгѣ: „Синодикъ въ недѣлю

¹⁾ Ркп. Синайской библиотеки XV в. № 531: τῇ ἀγίᾳ κυριακῇ τῆς ἀγίας τεσσαρακοστῆς, ἥρουν τῆς ὁρθοδοξίας. Этотъ второй синайскій списокъ Синодика сравнительно съ своднымъ Синодикомъ, напечатаннымъ Θ. И. Успенскимъ въ его книгѣ: „Синодикъ въ недѣлю православія“ стр. 1—40, имѣетъ слѣдующія особенности: 1) въ поминовеніи архіепископовъ Іоанна, Николая и Георгія, (стр. 10), подвизавшихся въ борьбѣ противъ иконоборцевъ, имя послѣдняго замѣнено другимъ: Γερμανοῦ; 2) именъ „начальствовавшихъ ересью“ въ положеніяхъ противъ иконоборцевъ (стр. 13—14) не имѣется, но стоятъ они послѣ положенія противъ монаха Нила; 3) положеній противъ Богомиловъ (стр. 19—20) нѣтъ; 4) отсутствуютъ совершенно положенія 4, 6 и 7 (стр. 24—25) противъ Н. Василага, Сотиріа и прочихъ; 5) положеніе противъ Іоанна Ириника (стр. 27—28) стоитъ здѣсь послѣ положенія противъ митрополита керкирскаго Константина; 6) опущены всѣ положенія противъ Варлаама и Акиндина (стр. 30—38), и прямо, послѣ анаѳематствованія Іоанну Ирину, слѣдуетъ заключительная часть Синодика (стр. 39), 7) въ которой, вмѣсто: Εἰ τις τῆς χριστιανοκατηγόρικῆς αἰρέσεως., стоитъ неизвѣстное въ печати анаѳематствованіе: Τῷ δεχομένῳ τὰ δυσσεβῆ αἰρέσεως λογίστρια ἀνάθεμα, и далѣе слѣдуютъ всѣ положенія, не вошедшія въ русскіе Синодики (стр. 39—40, прим. 1) и 8) по заключеніи, многолѣтствованія въ этомъ списокѣ излагаются такъ: Πολλὰ τὰ ἔτη τῶν ὁρθοδόξων χριστιανῶν. Μιχαήλ τοῦ ὁρθοδόξου ἡμῶν βασιλέως, καὶ Θεοδώρας, μητρὶς αὐτοῦ, Αἰωνία ἡ μνήμη. Βασιλείου, Κωνσταντίνου, Λέοντος, Ἀλεξάνδρου, Χριστοφόρου, Ῥωμανοῦ, Κωνσταντίνου, Ῥωμανοῦ, Νικηφόρου, Ἰωάννου, Βασιλείου, Κωνσταντίνου, Ῥωμανοῦ, Μιχαήλ, Κωνσταντίνου, Μιχαήλ, Ἰσαακίου, Κωνσταντίνου, Ῥωμανοῦ, Μιχαήλ, Νικηφόρου, Ἰωάννου, Ἀλεξίου, Μανουήλ, τοῦ διὰ τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος Μатθαίου μοναχοῦ μετονομασθέντος, καὶ Ἀλεξίου, τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ, Ἰσαακίου, τοῦ διὰ τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος Ἰωαννικίου μετονομασθέντος, Ἀλεξίου, Θεοδώρου, Ἀλεξίου, τῶν τὴν οὐράνιον βασιλείαν τῆς ἐπιγείου ἀνταλλαξαμένων, Αἰωνία ἡ μνήμη. Εὐδοκίας, Θεοφανοῦς, Θεοδώρας, Ἐλένης, Θεοφανοῦς, Θεοδώρας, Αἰκατερίνης, Εὐδοκίας, Μαρίας, Εἰρήνης, Ἀννης, Ξένης, μοναχῆς, Εὐφροσύνης, Ἀννης, τῶν εὐσεβεστάτων ἀγούστων, Αἰωνία ἡ μνήμη. Γερμανοῦ, Ταρσαίου, Νικηφόρου καὶ Μεθοδίου, τῶν ἀοιδίμων καὶ μακαρίων πατριαρχῶν, Αἰωνία ἡ μνήμη.

Православія. Сводный текстъ съ приложеніями. Одесса, 1893 г.^а. Отличія нашего списка состоятъ въ слѣдующемъ: 1) опущены въ прологѣ слова: Ἀντάλαγμα δ' ἂν εἴεν τοῦ Χριστοῦ οἱ τῷ θανάτῳ αὐτοῦ ἐξαγορασθέντες до словъ: Ἐν γὰρ ταῖς εἰκόσιν ὀρῶμεν τὰ ὑπὲρ ἡμῶν κ. т. л. (стр. 3—5); 2) послѣ прокимна: „Τίς Θεὸς μέγας“ слѣдуетъ вставка: Οἱ προφῆται, ὡς εἶδον, οἱ ἀπόστολοι, ὡς ἐδίδασκαν, κ. т. л. (стр. 8) среди „положеній противъ иконоборцевъ“, но опущены слова: Τοὺς φαυλιστάς γὰρ τῆς σῆς δόξης κ. т. л. (стр. 5—6) до начала „положеній противъ иконоборцевъ“; 3) вмѣсто перенесеннаго выше 8 положенія противъ иконоборцевъ въ настоящемъ Синодикѣ вставлено слѣдующее новое положеніе, неизвѣстное по печатнымъ спискамъ: „Τῶν γοῦν διαστέλλειν θεόθεν δυναμωθέντων τὴν ἐν τῷ νόμῳ παραγγελίαν καὶ τὴν ἐν χάριτι διδασκαλίαν, καὶ τὸ ἐν ἐκείνῳ μὲν ἄορατον, ἐν ταύτῃ δὲ καὶ ὀρατὸν καὶ φηλαφητόν, καὶ διὰ τοῦτο τὰ ὀραθέντα καὶ φηλαφηθέντα εἰκονογραφούντων καὶ προσκυνούντων“ 4) отсутствуютъ слова: Αὕτη ἡ πίστις τῶν ἀποστόλων, имѣющіяся въ печатныхъ Синодिकाхъ; 5) иначе нѣсколько излагается возглашеніе вѣчной памяти патриархамъ: Ἰγνατίου, Φωτίου, Στεφάνου, Ἀντωνίου καὶ τοῦ Νικολάου, τῶν ἀγιωτάτων καὶ ὀρθοδόξων πατριαρχῶν (Сн. стр. 9), за которымъ слѣдуетъ 6) новое возглашеніе, неизвѣстное по печатнымъ Синодикамъ: „Ἰωάννου τοῦ Χρυσостόμου, Βασιλείου τοῦ Μεγάλου καὶ Γρηγορίου τοῦ Θεολόγου, τῶν αἰοδιμῶν ἀρχιεραρχῶν καὶ οἰκουμενικῶν διδασκάλων, αἰωνία ἡ μνήμη γ'“ 7) совершенно отсутствуютъ положенія съ 2* по 5* (стр. 11—13) въ анафематизмахъ противъ иконоборцевъ; 8) съ 2 по 4 (стр. 15—16) и съ 8 по 10 (стр. 17—18)—положенія противъ Io-

Ἰγνατίου, Φωτίου, Στεφάνου, Ἀντωνίου, Νικολάου, Εὐθυμίου, Στεφάνου, Τρόφωνος, Θεοφιλᾶκτου, Πολυεύκτου, Ἀντωνίου, Νικολάου, Σισινίου, Σεργίου, Εὐστρατίου, Ἀλεξίου, Μιχαήλ, Κωνσταντίνου, Ἰωάννου, Κοσμᾶ, Εὐστρατίου, Νικολάου, Ἰωάννου, Λέοντος, Μιχαήλ, Θεοδοῦτου, Κωνσταντίνου, Λεουκά, Μιχαήλ, Χαρίτωνος, Θεοδοσίου, Γερασίμου, Νικήτου, Ἰωάννου, Μιχαήλ, Θεοδώρας, Μαξίμου μοναχοῦ καὶ Μανουήλ τῶν ὀρθοδόξων καὶ οἰκουμενικῶν πατριαρχῶν, αἰωνία ἡ μνήμη. Χριστοφόρου, Θεοδώρου, Ἀγαπίου, Ἰωάννου, Νικολάου, Ἡλίου, Θεοδώρου, Βασιλείου, Πέτρου, Θεοδοῦτου, Νικηφόρου, Ἰωάννου, Κυρίλλου τῶν αἰοδιμῶν πατριαρχῶν Ἀντιοχείας, αἰωνία ἡ μνήμη. Ἰωάννου, Ἰωάννου Στεφάνου, Νικήτου, Βασιλείου, Νικήτου, Ἰωάννου, Λέοντος, Μιχαήλ, Κωνσταντίνου, Ἡλίου, Βασιλείου, Κωνσταντίνου, Νικολάου, Ἰωάννου, Μανουήλ, Μαξίμου μοναχοῦ, Νικολάου καὶ Νικηφόρου, αἰωνία ἡ μνήμη. Ἡ ἁγία Τριάς αὐτοὺς ἐδόξασε...

анна Итала и его школы; 9) нѣтъ положеній противъ Богомиловъ (стр. 19—20); 10) имѣется слѣдующее новое положеніе противъ Евстрагія и Льва Халкидонскаго: Τὰ εὐρεθέντα ἀλλότρια τῶν ὀρθῶν δογμάτων τῆς ἐκκλησίας ἐν τοῖς γραφεῖσι κατὰ Ἀρμενίων δυοὶ λόγοι: παρ' Εὐστρατίου, τοῦ γεγονότος μητροπολίτου Νικαίας, τὰ καὶ ἀναθεματισθέντα, Ἀνάθεμα α'. 11) отсутствуетъ напечатанное проф. Успенскимъ второе положеніе противъ нихъ-же (стр. 21); 12) не находимъ положеній съ 2 по 9 противъ Н. Василяки, Сотириха и проч. (стр. 23—27), но за первымъ положеніемъ слѣдуетъ анаѳематизмъ, находящійся въ печатномъ чинѣ: Τοῖς ἀποβαλλομένοις τὰς τῶν ἁγίων πατέρων φωνάς, τὰς ἐπὶ συστάσει τῶν ὀρθῶν δογμάτων... (Трифѡд. Ἐνετίησι 1783, σελ. 144) и 13) новый анаѳематизмъ, въ печатномъ Синодикѣ распавшійся на два и изложенный съ большею подробностію (Трифѡд. 1783 г. σελ. 144—145): „Οἱ μετὰ χρόνου: τινὰς τῶν περὶ τῆς Κυριακῆς φωνῆς τῆς Ὁ Πατήρ μου μείζων μου ἐστὶ, κυρωθέντων τε καὶ δογματισθέντων, γεγονότες ἀναθεματισμοί, τῶν ἀμαθῶς καὶ ἀσεβῶς ἀντιφερομένων καὶ ἀντιλεγόντων πρὸς ταῦτα, οἷς συνεφώνει τότε καὶ ὁ χρηματίσας μητροπολίτης Κερκύρας, Κωνσταντῖνος ὁ τῆς Βουλγαρίας, ἄν μετὰ χρόνου καὶ οὗτος ἐδέχθη, ἀποστὰς τῶν τοιούτων καὶ τοῖς ὀρθόφροσι προστεθείς, καὶ ἀναθεματίσας τὰ κακῶς καὶ ἀσεβῶς παρ' αὐτοῦ δογματισθέντα καὶ λαληθέντα. 13) послѣ положенія противъ Іоанна Иринека (стр. 27—28) прямо слѣдуетъ заключеніе Синодика: Ὅλοις αἰρετικοῖς ἀνάθεμα х. т. л. (стр. 39); 14) въ заключительной части, вмѣсто послѣдней статьи: Εἴ τις τῆς χριστιανοκατηγορικῆς αἰρέσεως х. т. л., совершенно опущенной, находимъ новую статью: „Τοῖς λέγουσιν, ὅτι ὁ ἐν Κορίφ γάμος καὶ ἡ κατὰ Θεὸν κρεωφαγία βδελυκτά εἰσι τῷ Θεῷ, Ἀνάθεμα α'“, и три другія статьи, указанныя Θ. И. Успенскимъ въ подстрочномъ примѣчаніи: Εἴ τις τὰς εὐαγγελικὰς ἐξηγήσεις... Εἴ τις Χριστὸν τὸν Θεὸν ἡμῶν περίγραπτον... Τοῖς μὴ ἀσπαζομένοις τὰς ἁγίας καὶ σεπτὰς εἰκόνας... (стр. 39—40, прим. 1). Непосредственно за этими статьями слѣдуетъ многолѣтне царствующему дому въ формулахъ, указанныхъ нами выше стр. 359, и провозглашеніе вѣчной памяти благочестивымъ царямъ, царицамъ, патриархамъ и епископамъ:

Κωνσταντῖνου καὶ Ἑλένης τῆς αὐτοῦ μητρός, τῶν εὐσεβεστάτων μεγάλων βασιλέων, καὶ πρώτων ὀρθοδόξων χριστιανῶν, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Μιχαήλ, τοῦ ὀρθοδόξου ἡμῶν βασιλέως, καὶ Θεοδώρα: τῆς αὐτοῦ μητρός, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Βασιλείου, Κωνσταντίνου, Λέοντος καὶ Ἀλεξάνδρου, Χριστοφόρου καὶ Ῥωμανοῦ, Νικηφόρου καὶ Ἰωάννου, Βασιλείου καὶ Κωνσταντίνου, Ῥωμανοῦ καὶ Μιχαήλ, Κωνσταντίνου, Μιχαήλ, Ἰσαακίου, Κωνσταντίνου, Ῥωμανοῦ, Ἀνδρονίκου, Μιχαήλ, Νικηφόρου, Ἰσαακίου, Ἀλεξίου, Ἀλεξίου καὶ Ἰωάννου, τῶν τὴν οὐράνιον βασιλείαν τῆς ἐπιγείου ἀλλαξαμένων, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Εὐδοκίας, Θεοφανοῦς καὶ Ἑλένης, Θεοφανοῦς καὶ Θεοδώρας, Ζωῆς, Θεοδώρας, Αἰκατερίνης, Εὐδοκίας, Μαρίας, Εἰρήνης καὶ Εἰρήνης, τῶν εὐσεβεστάτων αὐγουστῶν, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Σιλθέστρου, Δαμάσου, Κελεστίνου, Λέοντος, Βιγίλιου, Ἀγαθωνος, Ἀδριανοῦ καὶ Γρηγορίου τοῦ Διαλόγου, τῶν ἁγιωτάτων καὶ μακαριωτάτων παπᾶδων τῆς πρεσβυτέρας Ῥώμης, καὶ πάντων τῶν ὁμοφρονησάντων αὐτοῖς ἐπισκόπων Ῥώμης, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Ἰγνατίου, Φωτίου, Στεφάνου καὶ Ἀντωνίου, Νικολάου καὶ Εὐθυμίου, Στεφάνου, Τρύφωνος, Θεοφυλάκτου, Πολυεύκτου, Ἀντωνίου, Νικολάου, Σισινίου, Σεργίου, Εὐσταθίου, Ἀλεξίου, Μιχαήλ, Κωνσταντίνου, Ἰωάννου, Κοσμᾶ, Εὐστρατίου, Νικολάου, Ἰωάννου, Λέοντος, Μιχαήλ, Θεοδότου, Κωνσταντίνου, Λουκᾶ, τῶν ὀρθοδόξων ππτριάρχων, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Χριστοφόρου, Θεοδώρου, Ἀγαπίου καὶ Ἰωάννου, Νικολάου καὶ Ἡλίου, Θεοδώρου, Βασιλείου, Πέτρου, Θεοδοσίου, Νικηφόρου, Ἰωάννου, Λουκᾶ καὶ Ἀθανασίου, τῶν ἀοιδίμων ππτριάρχων Ἀντιοχείας, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Βαρνάβα τοῦ πανευφήμου ἀποστόλου καὶ γενναιομάρτυρος, καὶ Ἐπιφανίου τοῦ σοφωτάτου, τῶν μακαριωτάτων ἀρχιεπισκόπων Κύπρου, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Σεργίου, Δομετίου, Πορφυρίου, Πλουτάρχου, Βαρνάβα, Θεοδώρου, Βασιλείου, Ἀρχαδίου, Ἀνθίμου, Δαμιανοῦ, Σαθίνου, Ἀκακίου, Γελασίου, Θεοφάνους, Ἰωάννου, Ἐπιφανίου, Γρηγορίου, Εὐθυμίου, Ἰωάννου, Ἀλεξίου, Ἐπιφανίου, Βασιλείου, Νικολάου, Θεοδωρήτου, Ἰωάννου καὶ Βαρνάβα, τῶν ἀρχιεπισκόπων Κύπρου, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Ἡρακλείδου, Μνάσωνος, Ῥόδωνος, Δημητριάνου, Μακεδωνίου, Λαζάρου, Τύχωνος, Ζήνωνος, Φιλαγρίου, Ἀρχαδίου καὶ Νίκωνος, Αὐξηβίου, Εὐλαλίου, Θεοδότου, Δημητριάνου, Πάππου, Ἀθανασίου, Εὐσταθίου, Νικήτου, Σπυριδῶνος, Φίλωνος, Συνεσίου, Σωσικράτους, Τριφυλίου, Τυχικοῦ καὶ Ζήνωνος, τῶν ἐν ταῖς κατὰ Κύπρον ἁγιωτάταις ἐπισκοπαῖς εὐσεβῶς ἀρχιερατευσάντων καὶ θαύμασι διαλαμψάντων, αἰωνία ἡ μνήμη γ'.

Ἡ ἁγία Τριάς αὐτοὺς ἐδόξασεν. Αἰωνία ἡ μνήμη τῶν ὀρθοδόξων χριστιανῶν. Τούτων τοῖς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας μέχρι θανάτου ἄθλοις τε

καὶ ἀγωνίσμασι καὶ διδασκαλίαις παιδαγωγεῖσθαι τε καὶ κρατύνεσθαι...
 Θ. И. Успенскій Синод. стр. 40. Ἦχος δ'· „Ὁ ἐξ ὑφίστου“. Οἱ τὴν
 εἰκόνα τὴν σὴν μὴ προσκυνοῦντες, Παναγία Δέσποινα, νῦν ἀπολέσθωσαν,
 ὥσπερ ὁ ἄφρων ὁ Ἀρειος σὺν Νεστορίῳ, Μακεδωνίῳ τε καὶ τὸν Σεβή-
 ρον, ἀνάθεμα Μάνεντι καὶ τοῖς αὐτοῦ φοιτηταῖς, Ἀπολλινάριον, Σίμωνα
 σὺν Διοσκόρῳ, τοῖς ἀγαπήσασι πῦρ τὸ ἄσβεστον, ἡμεῖς δὲ πάντες ἀσπα-
 ζόμεθα καὶ τιμῶμεν, Ἀγνή, τὴν εἰκόνα σου, ἐν ἡμέρᾳ τῆς δίκης λυτρω-
 θῆναι τῆς κολάσεως.—Θεοτόκε παντάνασσα, τῶν ὀρθοδόξων τὸ καύχημα,
 αἰρετικῶν τὰ φρυάγματα καὶ τὰ πρόσωπα καταίσχυνον, τῶν μὴ προσκυ-
 νούντων ἤμηδὲ τιμώντων.

л. 38. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα. См. выше стр. 276.

л. 39 об. Ἀκολουθία εἰς κουρὰν μανδουώτου. См. выше стр. 428—419.

л. 47. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. См. выше стр. 429, 278—282.

л. 80 об. Σημειωτέον εἰς κανονικὰς γυναῖκας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας, ὡς καὶ μητέρα
 τῆς σῆς οἰκονομίας ἐπιγράψασθαι. Голг р. 382. Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν.

л. 81 об. Ἐτέρα ἀκολουθία ἐπὶ τὸ ἀναδύσασθαι ῥάσα γυναικί.
 Εὐχή· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν προφῆταις λαλήσας, καὶ προκηρύξας
 τὸν φωτισμὸν τῆς γνώσεώς σου ἔσεσθαι ἐπ' ἐσχάτων τῶν ἡμερῶν πᾶσι
 τοῖς ἔθνεσιν, ὁ μὴ θέλων τινὰ τῶν ὑπὸ σοῦ πεπλασμένων ἀνθρώπων
 ἀμοιρεῖν τῆς σῆς σωτηρίας, ὁ νόμους ἐκθέμενος διὰ τῆς ἐκλογῆς Παύλου
 τοῦ ἀποστόλου σου τοῖς ἐν πίστει παλιτευομένοις ἀνδράσι καὶ γυναῖξιν,
 ἵνα οἱ μὲν ἀκαλύπτῳ τῇ κεφαλῇ προσφέρωσιν αἵνεσιν καὶ δοξολογίαν
 τῷ ἁγίῳ ὀνόματί σου, αἱ δέ, κεκαλυμμένη τῇ κεφαλῇ, μετ' αἰδοῦς καὶ
 σωφροσύνης κοσμοῦσιν ἑαυτάς ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς, καὶ ὕμνους προσάγωσι
 τῇ δόξῃ σου, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὴν δούλην σου, ἡ δεῖνα, καὶ κόσμησον
 τὴν αὐτῆς κεφαλὴν κόσμῳ τῷ σοὶ εὐαρέστῳ, ὅπως, κατὰ τὰς ἐντολάς
 σου πορευομένη, καὶ τὰ μέλη πρὸς σωφρονισμόν παιδαγωγοῦσα, τύχη
 τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ
 σοὶ πρέπει δόξα σὺν τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας
 τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

л. 82 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἀγιαζομένου ὑπὸ ἐπτὰ
 πρεσβυτέρων. См. выше стр. 588—590, прим.

л. 127 об. Ἐξοδιστικὸν τῶν μοναχῶν.

Начало чина до апостола см. выше стр. 282—283 съ тою
 разницею, что на каждомъ антифонѣ стоитъ особая стихира на

Слава и на И ѿнынѣ. За антифонами предѣ блаженными положены
иконы. Соар р. 457—459. Апостолъ πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ
πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος· τῷ διδόντι ἡμῖν τὸ νίκος διὰ
Ἰησοῦ Χριστοῦ. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς
ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἀμήν, ἀμήν λέγω ὑμῖν, οὐ δύναται ὁ
Υἱὸς ποιεῖν ἄφ' ἑαυτοῦ οὐδέν... Τέλος· ἀλλὰ μεταβέβηκεν ἐκ τοῦ θανάτου
εἰς τὴν ζωὴν. Εἶτα συναπτή· Ἐλέησον ἡμᾶς ὁ Θεός... Καὶ εὐθὺς γί-
νεται ἀσπασμός, γενομένου δέ, ψάλλονται στιχηρά, ἤχος β'. Δεῦτε τελευ-
ταῖον ἀσπασμόν δώμεν, ἀδελφοί... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί... Πᾶσα
τῶν ματαίων ἢ ἐλπίς καὶ τῶν ἐπιγείων... Ὁμοῖς τὸν σταυρὸν ἀναλαβών,
σοὶ ἀνεπιστρόφῳ καρδίᾳ κατηκολούθησε.. Μέγας ὁ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρ-
μός, μέγας στεναγμός... Σχῆμα μοναστῶν ἀναλαβών, μάκαρ, ἀδιστάκτῳ
καρδίᾳ κατηκολούθησας... Εἰς ἡγοούμενον· Ποίμνης ἐπιστάτης γεγονώς...
Δόξα, Ἀδελφοί μου πνευματικοὶ καὶ συμμονασταί... Καὶ νῦν, Πρεσβείαις
τῆς τεκούσης σε, Χριστέ, καὶ τῶν μαρτύρων σου... Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς
οὕτως· Ἐλέησον ἡμᾶς... молитва. Καὶ εὐθὺς ποιεῖ ἀπόλυσιν. Εἰ δὲ
βούλει, εὐθὺς μετὰ τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὸ λείψανον μετὰ τῆς κλίνης,
ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, ψάλλοντες· Ἅγιος ὁ Θεός, εἶτα νεκρώ-
σιμον, ἤχος γ'. Τὴν ὥραιότητα. Ὅτε τῷ λόγῳ σου παραστησόμεθα...
Καὶ φθάσαντες ἐν τῷ κοιμητηρίῳ τὸ λείψανον, ψάλλουσι τροπάριον, ἤχος
πλ. δ'. Γῆ· χανοῦσα, ὑπόδεξις... Εἶτα ὁ ἱερεὺς ἐπιχέει τὸ ἔλαιον ἐπάνω
τοῦ λειψάνου, ἡγουν τὴν κανδήλαν, τεθέντος αὐτοῦ ἔνδον τοῦ τάφου,
ποιῶν σταυροῦ τύπον, εἶτα λαμβάνει καὶ πηλὸν μετὰ τοῦ πτύου, καὶ
ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπάνω τοῦ λειψάνου, ἢ καὶ χοῦν, λέγων· Τοῦ Κυ-
ρίου ἢ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα... λέγοντες καὶ τὸ τροπάριον εἰς ἔλαιον· Τῷ
τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε..., ἕτερον εἰς τὸν πηλόν· Τὸν πηλόν
ὁ κεραμεὺς ζωοπλαστήσας... Ὅμοίως καὶ τοὺς εἰρμούς τοῦ μεγάλου κα-
νόνο, ἤχος πλ. β'. Βοηθὸς καὶ σκεπαστής... Στερέωσον, Κύριε, ἐπὶ τὴν
πέτραν и т. д. Τρισάγιον... Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. α. Ἐλέησον
ἡμᾶς... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ διαφυλαχθῆναι τὴν ἀγίαν μονὴν ταύτην...
Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ κοιμήσεως... Κύριε ἐλέησον ρ', καὶ μετανοίας ν'.
Ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν... Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός...
Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον, Δέσποτα, εὐλόγησον. Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ
ζώντων ἐξουσιάζων... (праведный Лазарь поминается). Αἰωνία σου
ἢ μνήμη, ἀξιομακάριστε, ὁ δεῖνα, καὶ ἀείμνηστε ἀδελφεῖ ἡμῶν. Ὁ Θεὸς
μακαρίσοι καὶ ἀναπαύσοι αὐτόν, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται, καὶ ἡμᾶς
ἐλεήσει, ὡς ἀγαθός.

л. 174. Ἐξοδιαστικὸν ἕτερον τῶν κοσμικῶν.

См. выше стр. 591, но съ небольшою разницею. Послѣ Три-святого поются тропари: Μνήσθητι, Κύριε..., Μήτηρ ἁγία, ἡ τοῦ ἀφράστου... и не говорится о положеніи мощей на землю, во время несенія ихъ въ церковь. Послѣ непорочныхъ и стиховъ „Святыхъ ликъ“, положена ектенья: Ἐλέησον ἡμᾶς и кондакъ: Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον, Χριστέ... Καὶ καλοφωνοῦσιν οἱ ψάλται τὸ Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Ὁ δὲ κανονάρχης ἀναγινώσκει τὰ παρόντα νεκρώσιμα ἡσυχῶ φωνῇ· Ποία τοῦ βίου τρυφή. См. выше стр. 592. Εἷτα μνημονεύει συνήθως, καὶ εὐθὺς κοντάκια, ἦχος пл. δ'. Μετὰ τῶν ἁγίων ἀνάπαυσον. . Οἴκοι, οὗ ἡ ἀκροστιχίς· Ἀναστασίῳ τοῦ ταπεινοῦ αἵνος· Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Νουνεχῶς δυσωπῶ ἐπακούσατε... Gorg p. 457—459. Μακαρισμοί, ἦχος пл. β'. Ἐν τῇ βασιλείᾳ σου μνήσθητι... Ληστὴν τοῦ παραδείσου, Χριστέ... Ὁ ζωῆς κυριεύων καὶ τοῦ θανάτου... Ὁ τῶν ψυχῶν δεπόζων... Χριστὸς σε ἀναπαύσει ἐν χώρᾳ ζώντων... Ἐγκύψωμεν καὶ ἰδωμεν ἐν τοῖς τάφοις... Ἀκούσωμεν, τί κράζει ὁ παντοκράτωρ... Δόξα, Ἀνάρχῳ καὶ γεννήσει τε καὶ προσῶ... θεοτοκίον· Πῶς ἐκ μαζῶν σου γάλα βρῦει, Παρθένε... Προκείμενον, ἦχος пл. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Πρὸς Ἑβραίους (sic) ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, οὐ θέλωμεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων... Τέλος· καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Ἀλληλουάριον, ἦχος пл. β'. Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγελίον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ ποιεῖ ἀπολύειν, καὶ γίνεται ἀσπασμός, ψάλλοντες καὶ τὸ παρὸν ἰδιόμελον, ἦχος пл. β'. Ὁρῶντές με ἄφωνον... Καὶ μετὰ τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὴν κλίνην μετὰ τοῦ λειψάνου, ἀπέρχονται εἰς τὸ μνήμα, ψάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός. Τεθéntος δὲ τοῦ λειψάνου ἐν τῷ τάφῳ, λέγομεν τροπάριον, ἦχος пл. δ'. Γῇ χανοῦσα., εἷτα λαβὼν πηλὸν ὁ ἱερεὺς, ποιεῖ σταυροῦ τύπον ἐπάνω τῆς σοροῦ, λέγων· Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεύς, καὶ εὐθὺς τοὺς εἰρημοὺς τοῦ μεγάλου κανόνος, Εἷτα Τρισάχιον, Πάτερ ἡμῶν, Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μήτηρ ἁγία... Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός... καὶ οὕτως γίνεται τελεία ἀπόλυσις.

л. 190 об. Ἀκολουθία τοῦ μνημοσύνου.

Εὐλογοῦντος τοῦ ἱερέως, ἀρχόμεθα τὸν ψαλμὸν μετὰ μέλους· Ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ... Δόξα καὶ νῦν, καὶ ἄρχεται ὁ ἱερεὺς, καλοφωνῶν τὸ Ἀλληλουῖα. Στίχος· Μακάριοι, οὓς ἐξελέξω... Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον... Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Εἷτα τροπάρια μετὰ μέλους· Ὁ βυθὼ σοφίας... Δόξα, Τῷ ποιητῇ καὶ πλάστῃ καὶ Θεῷ... Καὶ νῦν, θεο-

τοκίον· Σὲ καὶ τεῖχος καὶ λιμένα ἔχομεν... Εἶτα· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε... Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς κ. τ. λ. Εἶτα μνημονεύει ὁ ἱερεὺς· Ἔτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Εὐδὺς τροπάριον νεκρώσιμον, ἦχος πλ. α'. Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Καὶ πάντα τὰ ἐν ἀγνοίᾳ καὶ γνώσει, φιλάνθρωπε... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ ἐκ Παρθένου ἀνατείλας τῷ κόσμῳ... Καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, καὶ εἰ μὲν βούλεται ποιῆσαι μικρὸν μνημόσυνον, λέγει· Μετὰ τῶν ἁγίων... Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... εἶτα Δόξα, ἦχος πλ. δ'. Θρηνῶ καὶ ὁδύρομαι... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἀγνή παρθένε... καὶ εὐδὺς Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Μῆτερ ἁγία, ἡ τοῦ ἀφράστου... Καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, καὶ γίνεται τελεία ἀπόλυσις. Εἰ δὲ θέλει ποιῆσαι μνημόσυνον μέγα, καὶ ψάλλει τὸν κανόνα, λέγει τὸν Ν', καὶ μετὰ τὸ τέλος αὐτοῦ ἄρχεται ὁ νεκρώσιμος κανὼν, εἰς δὲ τέλος τῆς τρίτης ᾠδῆς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, λέγει· Ἔτι καὶ ἔτι κ. τ. λ. Μετὰ τὴν ἐκφώνησιν τροπάριον νεκρώσιμον, ἦχος πλ. β'. Ἀληθῶς ματαιότης τὰ σύμπαντα... θεοτοκίον· Παναγία Θεοτόκε τὸν χρόνον... Καὶ ἄρχεται ἡ δ' ᾠδή. Μετὰ δὲ τὸ τέλος τῆς σ' ᾠδῆς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς, καθὼς προεγράφη, καὶ εὐδὺς τὸ κοντάκιον, ἦχος πλ. δ'. Μετὰ τῶν ἁγίων... Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Παναγία Παρθένε ἀνύμφευτε, ἡ τεκοῦσα τὸ φῶς... Εἰς δὲ τὸ τέλος τοῦ κανόνος, ψάλλομεν ἰδιόμελα, Δόξα, ἦχος πλ. δ'. Θρηνῶ καὶ ὁδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἀγνή Παρθένε... Εἰ δὲ ἐστὶ μοναχός, λέγει τὸ ἰδιόμελον τοῦτο· Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασκηταί... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ, καὶ τῶν μαρτύρων σου... Εἶτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν. Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μετὰ πνευμάτων δικαίων κ. τ. λ., καὶ εὐδὺς μνημονεύει ὁ ἱερεὺς μετὰ καὶ τῆς εὐχῆς. Μετὰ δὲ τὴν ἐκφώνησιν τὸ Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, εὐδὺς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς ἀπόλυσιν οὕτως· Δόξα σοι, Χριστέ... Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον, εὐλόγησον. Ὁ ἱερεὺς· Ὁ καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων (поминается праведный Лазарь)... Εἶτα· Αἰωνία σου ἡ μνήμη, ἀξιωμακάριστε, ὁ δεῖνα... Καὶ εὐδὺς λέγουσι πάντες· Ὁ Θεὸς μακαρίσει καὶ ἀναπαύσει αὐτόν. См. выше стр. 718.

л. 198 об. Κανὼν, ψαλλόμενος εἰς τὸ μνημόσυνον.

Θανάτῳ τὸν θάνατον τοῦ Χριστοῦ... Νεότητος πταίσματα παρορῶν...

л. 204. Κανὼν, ψαλλόμενος εἰς ἱερεῖς.

Ῥόδῃ ἐπιτάφιον συμφώνως ᾄσωμεν τῷ μόνῳ ἀθανάτῳ... Ὁ χθὲς μεθ' ἡμῶν συμβιωτέων σήμερον ἐν τάφῳ καθορᾶται... Γνωστοί, συγγενεῖς καὶ ἀδελφοί μου...

λ. 210. Κανών, ψαλλόμενος εἰς κόλλυβα μοναχοῦ.

Οἱ ἐν σαρκὶ σύσκηνοι καὶ συμπολιταὶ σου... Τῆς ἀπειλῆς λυτρώσαι τοῦ αἰωνίου πυρός... Σοὶ τῷ Χριστῷ πίστεως πόνοις προσέδραμεν...

λ. 214 οβ. Ἔτερος κανών εἰς μονάζουσιν.

Δέσποτα πανοικτίρμον, τὴν σὴν οἰκέτιν αὐτός... Ἰλεως ἔσο, Λόγε, τῇ σῇ ἱκετίδι, ὁ καὶ πταισμάτων... Πάντα τὰ ἐν ἀγνοίᾳ, ἐκούσια καὶ ἀκούσια...

λ. 218 οβ. Ἀκολουθία εἰς ἄνθρωπον ψυχορράγοντα καὶ κρινόμενον.

λ. 224 οβ. Εἰς τὸ ποιῆσαι παράκλησιν.

λ. 233 οβ. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

λ. 245. Εὐχὴ εἰς τὸν ἄλωνα. 4 МОЛИТВЫ.

λ. 247 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸν οἶνον. 5 МОЛИТВЪ.

λ. 250. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

λ. 270. Τῇ κυριακῇ τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

λ. 286 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τραπέζης.

— Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι τῆς τραπέζης.

λ. 287. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ (съ ектењею).

λ. 288 οβ. Εὐχὴ εἰς εὐλογίαν οἴκου.

λ. 289. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ περιεργαζομένων.

λ. 290. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων.

λ. 290 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοφαισάντων.

λ. 291 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος καὶ εὐρέσει ὕδατος.

λ. 292. Εὐχὴ ἐπὶ μιαιοῦ τινος πεσόντος εἰς φρέαρ.

λ. 293. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ μιαιόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου.

λ. 294 οβ. Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα.

λ. 295. Εὐχὴ εἰς μετάληψιν σταφυλῆς Αὐγούτου ς' (2 МОЛИТВЫ).

λ. 296. Εὐχὴ ἐν τῷ τάφῳ, ἡνίκα βάλλῃ ἔλαιον σταυροειδῶς ἐπάνω τοῦ λειψάνου.

λ. 296 οβ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ταρασίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, εὐχὴ εἰς ἀνοξιν ναοῦ, ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθέντος.

λ. 297. Εὐχὴ εἰς ἀνοξιν ναοῦ, βεβηλωθέντος ὑπὸ ἐθνῶν.

λ. 298. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῇ εἰσόδῳ πρὸ τῆς συνήθους ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βιαίως.

λ. 299. Λέγεται δὲ ἡ τοιαύτη εὐχὴ καὶ ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ ζῶον ἄλογον, καὶ κατὰ τὸν πάλαι νόμον ἀκάθαρτον καὶ ἄθυτον, ἢ ἔθανεν, ἢ ἐγέννησεν ἐνσπλάττοντος μικρὸν τοῦ ἀρχιερέως, ἅπτει.

λ. 299. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλόγησιν σπόρου παντός (2 МОЛИТВЫ).

λ. 301. Εὐχὴ ἐπὶ θέρους.

л. 301 об. Τάξις, γινομένη εἰς χωράφιον, ἥ εἰς ἀμπελῶνα, ἥ εἰς κῆπον, εἰ συμβῇ βλάπτεσθαι ὑπὸ ἐρπετῶν.

л. 303. Ἀκολουθία εἰς κάμινον (3 МОЛИТВЫ).

л. 306. Εὐχὴ εἰς τὸ στῆσαι τοῦζάριον τοῦ πλοίου. 2 МОЛИТВЫ.

л. 307 об. Εὐχὴ εἰς τὸ κατασπάσαι πλοῖον ἐν τῇ θαλάσῃ.

л. 308 об. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου (2 МОЛИТВЫ).

л. 310. Εὐχὴ εἰς ἱερέα τελευτήσαντα.

л. 311. Τάξις, γινομένη εἰς ἀδελφοποίησιν.

Εἰσέρχονται οἱ θέλοντες γενέσθαι ἀδελφοὶ ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως, ὁ δὲ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, εἶτα Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, εἶτα ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ τὸ κοντάκιον, εἶτα Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἀσκανδαλίστους διαμεῖναι τῇ ἀγάπῃ καὶ ἀδελφότητι αὐτῶν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναχράντου... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξίωσας διὰ τῆς ἐπιφοιτήσεως τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος συναφθῆναι... Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος... Goar pag. 407. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Δέσποτα Κύριε, ὁ ἐν τῇ κτὰ σάρκα σου οἰκονομίᾳ Ἰάκωβον καὶ Ἰωάννην, τοὺς υἱοὺς Ζεβεδαίου... См. выше стр. 466—467. Καὶ εὐθὺς τροπάριον, ἤχος πλ. β'. Τῷ συνδέσμῳ ἀγάπης... Τὴν φιλαδελφίαν κτησώμεθα, ὥς ἐν Χριστῷ ἀδελφοί... Εἶτα ἀσπάζονται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ ἀλλήλους, καὶ γίνεται παρὰ τοῦ ἱερέως ἐκτενὴ καὶ ἀπόλυσις.

л. 313 об. Εὐχὴ, ὅταν μέλλῃ ἀπαίρειν ὁ ἄνθρωπος ἀπὸ τῶν τήνδε.

л. 314. Εὐχὴ ἀφέσιμος ἐπὶ λύσει ἀμαρτημάτων.

л. 315. Εὐχὴ συγχωρητικὴ εἰς πᾶσαν ἀράν καὶ ἀφορισμόν, λεγομένη εἰς τεθνεῶτα.

л. 316 об. Εὐχὴ εἰς λύσιν ὄρκου καὶ ἀφορισμοῦ.

л. 317. Εὐχὴ, ἣν ποιεῖ ὁ πνευματικὸς πατήρ μετὰ τὴν ἐξομολόγησιν τοῦ ἀνθρώπου ἐπάνω τῆς τούτου κεφαλῆς.

Ὁ προαιώνιος Θεός, ἡ τοῦ ἐλέους πηγὴ, τὸ τῆς ἀγαθότητος πέλαγος...

А. Алмазовъ. Тайная исповѣдь, т. III, отд. II, стр. 48.

л. 318 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ, ἣν ποιεῖ ὁ πνευματικὸς μετὰ τὴν ἐξομολόγησιν.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Ὑιὲ καὶ Λόγε. Goar. p. 536.

л. 321. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγους.

л. 322. Слова при одѣяніи монаховъ.

CXXX. № 993. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библиотеки въ 16 долю листа, 131 листъ, писана двумя почерками XVI в.

л. 1. Οглавление.

л. 8. Ἐκθεσις ἀπλουστέρα τε καὶ συντομωτέρα περὶ κεκωλυμένων καὶ ἀκωλύτων γάμων, συντεθεῖσα παρὰ Μανουήλ, τοῦ μεγάλου χαρτοφύλακος τῆς ἀγίας καὶ σεβασμίας τοῦ Θεοῦ μεγάλης ἐκκλησίας, καὶ ἐκδοθεῖσα ὀρισμῷ τοῦ παναγιωτάτου πατριάρχου κυροῦ Ἱερεμίου.

л. 34 об. Ἐτέρα ἐκθεσις κυροῦ Μανουήλ Ξανθοπούλου, καὶ μεγάλου ἐκκλησιάρχου Κωνσταντινουπόλεως, περὶ κεκωλυμένων γάμων καὶ ἀκωλύτων.

л. 57. Ἀκολουθία εἰς τὸ καθιερῶσαι ἀντιμίνσια μετὰ ἀγίων λειψάνων, εἰς τὸ ἱεουργεῖν ὁ ἱερεὺς εἰς ἐκκλησίας χαλασμένας καὶ ἀγίας τραπέζας, λείψανα μὴ ἐχούσας, καὶ ἐν παντὶ τόπῳ.

Φορένει ὁ ἀρχιερεὺς τὴν ἀρχιερατικὴν στολὴν ἅπασαν, καὶ λαζαρόνεται μετὰ βαμβακεροῦ πανίου ἀπὸ τὰς μασχάλας καὶ κάτω μέχρι ποδῶν, καὶ ζώννεται ἐπάνω μετὰ ζωναρίου, καὶ εἰς τὰς δύο χεῖρας δύο μανδύλια, δεδεμένα μετὰ ζωναρίων, καὶ εὐθὺς τίθεται πεύγην καὶ προσκεφάλαιον πρὸ τῶν ἀγίων θυρῶν, καὶ τὰ ἀντιμίνσια ἐν κομμένα καὶ βαμμένα, καὶ τίθενται εἰς τὴν ἀγίαν τράπεζαν, καὶ ἐπάνωθεν τοῦ ἀντιμινσίου ποιεῖ τόπον, ἵνα ἀποθέσῃ τὰ ἅγια λείψανα¹⁾, καὶ πρῶτον λαμβάνει τὰ κάθωτεν εἶδη· κηρίον, λίβανον, μαστίχην, λάδανον, πατίτην, ὅς ἐστιν οἴνου τρυγία²⁾, σμύρναν, λεγομένην ἀράπικα μώρπο τάραχ ἄσφαρ³⁾, καὶ ἁλώνην, λεγομένην ἀράπικα σάπρσου κούτρι ἄσφαρ, καὶ μάρμαρον τετριμμένον, καὶ τρίβει⁴⁾ αὐτὰ εἰς ἰγδίον καθαρὸν, καὶ βάλλει αὐτὰ εἰς ἀγγεῖον καινόν, καὶ βράζει τα νὰ ἐνωθοῦσιν ὅλα ὁμοῦ, καὶ ὕστερον ῥάπτει μικρὰ πουγγία, καὶ βάλλει ἀπὸ τὰ εἶδη τὰ βρασμένα μέσα εἰς τὰ πουγγία, καὶ τότε βάλλει εἰς τὸ πουγγίον τρεῖς μερίδας ἐκ λειψάνων μαρτυρικῶν, καὶ

1) Ркн. Александрійской библ. № 371 καὶ βάλλει εἰς πουγγίον μικρὸν τρεῖς μερίδας λείψανα μαρτυρικά, μετὰ εἶδη βρασμένα εἰς ἀγγεῖον καινόν, βάλλει κηρίον. 2) нѣтъ этого объясненія и другихъ, имѣющихся въ основномъ синайскомъ спискѣ. 3) нѣтъ. 4) βάλλει εἰς τὸ πουγγίον πρῶτον ἀπὸ τὰ εἶδη, εἶτα βάλλει τὰς τρεῖς μερίδας τὰ λείψανα, καὶ πάλιν βάλλει ἀπὸ τὰ εἶδη, καὶ σκεπάζει τὰ λείψανα, καὶ ῥάπτει τὸ πουγγίον, καὶ βάλλει αὐτὸ εἰς τὸν δίσκον, καὶ ἐπάνωθεν τοῦ ἀγίου δίσκου τὸν ἀστέρα, καὶ σκεπάζει αὐτὰ μετὰ ποτηροκαλύμματος, καὶ τίθεται ἐν τῇ προθέσει, καὶ ᾄπει κηρὸν ἐπάνωθεν αὐτοῦ, καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος λέγει· Ὑεῖ καὶ ἔτι, κλίναντες τὰ γόνατα, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς κλίνει τὰ γόνατα.

πάλιν βάλλει ἀπὸ τὰ εἶδη τὰ βρασμένα εἰς τὰ πουγγία ἐπάνω τῶν λειψάνων, καὶ ῥάπτει αὐτά, καὶ βάλλει αὐτὰ ὅλα εἰς τὸν ἅγιον δίσκον, καὶ ἐπάνωθεν τοῦ ἁγίου δίσκου τὸν ἀστέρα, καὶ σκεπάζει αὐτὰ μετὰ τοῦ ἁγίου ποτηροκαλύμματος, καὶ βάλλει αὐτὰ ἐν τῇ προθέσει, καὶ ἄπτει κηρὸν ἐπάνωθεν αὐτῶν, καὶ τότε λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία... Ἱεροδιάκονος λέγει· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς ἡμῶν πάπα καὶ πατριάρχου, ὁ δεῖνα, καὶ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν αὐτοῦ, καὶ τῶν συμπρόντων αὐτῷ ἀρχιερέων καὶ ἱερέων, τοῦ... Ὑπὲρ τῶν παρόντων καὶ συνευχομένων ἡμῖν ἐν ταύτῃ τῇ ἀγίᾳ ὥρα καὶ ἐν παντὶ κειρῷ, πατέρων τε καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, σπουδῆς, καμάτου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ θυσιαστήρια ταῦτα... Ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν... Τῆς παναχίας, ἀχράντου... Ὅτι εὐλογητὸς καὶ δεδοξασμένος ὑπάρχεις ἐν τοῖς ἁγίοις σου μάρτυσι πάντοτε... Εἴτα λέγει ὁ διάκονος· Ἐτι καὶ ἔτι, κλίναντες τὰ γόνατα, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς, κλίνας τὰ γόνατα ἐπάνω τοῦ προσκεφαλαίου, εὐχεται τὰς εὐχὰς ταύτας· Ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχος καὶ ἀίδιος, ὁ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα παραγαγών. Goar pag. 657. Ὁ πάσης φύσεως Δεσπότης, καὶ τῆς κτίσεως ἀπάσης δημιουργός. Goar pag. 519. Καὶ ἀνίσταται ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ ἔρχεται εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν. Ὁ δὲ διάκονος λέγει· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς πάπα καὶ πατριάρχου ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὰ θυσιαστήρια ταῦτα... Ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Τῆς παναχίας, ἀχράντου... Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ ἐν ἁγίοις, τοῖς ὑπὲρ σοῦ ἀθλήσασι τιμίους μάρτυσιν, ἐπαναπαύει, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, τῷ Πατρί... Conf. Goar p. 658. Ὁ διάκονος¹⁾· Ἐτι καὶ ἔτι, κλίναντες τὰ γόνατα, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς, κλινόμενος, ἐπεύχεται. Εὐχὴ τοῦ ῥοδοστάγματος²⁾· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἁγιάσας τὰ ρεῖθρα τοῦ Ἰορδάνου διὰ τῆς σωτηριώδους σου ἐπιφανείας... Goar pag. 559³⁾. Καὶ μετὰ τὸ εὐλογῆσαι αὐτό, σφραγίζει αὐτὸ τρίς, καὶ ἐπιχέει τὰ ἀντιμύσσια στυροειδῶς, λέγων· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Ῥαντιεῖς με ὑσσώπῳ καὶ καθαρισθήσομαι... ἀγαλλιάσονται ὅστέα τεταπεινωμένα⁴⁾). Εἴτα ἀπέρχεται ἐν τῇ προθέσει μετὰ τῶν ἱερέων καὶ διακόνων καὶ λαμπάδων, καὶ λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς

1) Нѣтъ этого. 2) Опущено это надписаніе. 3) Εἴτα πέρνει τὸ ῥοδοστάγμα ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ σφραγίζει αὐτὸ τρίς, καὶ ἐπιχέει... 4) Καὶ ἀποδίδεται τὸ λαζάρωμα ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης.

τὸν ἅγιον δίσκον, σκεπασμένον μετὰ τοῦ ἀέρος, καὶ θέτει αὐτὸν ἐπάνω τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, καὶ εἰσοδεύει, καὶ ἔρχεται μέχρι τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ἴσταται, καὶ ὅτε εἰσοδεύει, οἱ φάλται φάλλουσι τὸ Ἁγιοὶ μάρτυρες. Καὶ ¹⁾ τότε λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Ἄρατε πύλας... μεγαλοφώνως. Καὶ ἀνοιγομένων τῶν θυρῶν, εἰσέρχεται ἐντὸς τοῦ βήματος, καὶ γυρίζει κύκλῳ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, προπορευομένων αὐτῶν λαμπάδων καὶ θυμιατῶν, καὶ φαλλόντων τῶν φαλτῶν· Ἁγιοὶ μάρτυρες... Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός... ²⁾ Οἱ μαρτυρήσαντες διὰ σέ, Χριστέ, πολλὰς βασάνους ὑπέμειναν, καὶ τέλειον ἀπέλαβον τὸν στέφανον ἐν οὐρανοῖς, ἵνα πρεσβεύουσιν ὑπὲρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Καὶ μετὰ τὸ γυρίσαι τρίς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καὶ ταύτην τὴν δόξαν τοῖς ὑπὲρ σοῦ ἀθλήσασιν ἁγίοις μάρτυσι δωρησάμενος... *Goor. pag. 663.* Εὐχὴ εἰς τὴν κατάθεσιν τῶν λειψάνων. Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεται· Ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἅγιος τῶν ἁγίων, ὁ Θεὸς τῶν ἀποστόλων καὶ βασιλεὺς τῶν μαρτύρων, τὸ καύχημα τῶν ἁγίων σου, καὶ ὁ στέφανος πάντων τῶν εὐαρεστησάντων τῷ ὀνόματί σου... *См. выше стр. 295.* Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιланθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ σοὶ πρέπει δόξα σὺν τῷ παναγίῳ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Εἴτα λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς τὰ ἅγια λείψανα καὶ βάλλει εἰς τὰ ἀντιμίνσια, καὶ ῥάπτει αὐτά, καὶ μύρον βάλλει εἰς τὰ ἀντιμίνσια, ποιῶν σταυρὸν μέσον εἰς τὰ ἀντιμίνσια καὶ εἰς τὰ τέσσαρα πλάγια ³⁾. Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων, ὁ βασιλεὺς μου καὶ ὁ Θεός μου. Στίχος· Τὰ θυσιαστήριά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων... Καὶ δοξάζει, λέγων τὸ Ἀλληλουῖα. Στίχος· Ἐμίσησα ἐκκλησίαν πονηρευομένων, καὶ μετὰ ἀσεβῶν οὐ μὴ καθίσω. Στίχος· Νίψομαι ἐν ἁθύοις τὰς χεῖρας. Καὶ ὅτε χρίσῃ καὶ τελειώσῃ αὐτά, λέγει τὸν φαλμὸν κβ'· Κύριος παιμαίνει με καὶ οὐδὲν με ὑστερήσει... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν καλλινίκων σου μαρτύρων καταγωνισάμενος τὸν ἐχθρὸν ἡμῶν διάβολον, *См. выше стр. 296* ⁴⁾. Εἴτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, εὐχα-

1) Καὶ εἰς τὰς ἁγίας θύρας λέγει ὁ ἀρχιερεὺς. 2) Καὶ ἀποθέτει τὸν ἅγιον δίσκον ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. 3) Καὶ οὕτως λέγει τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν καλλινίκων... 4) Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν, καὶ ἀποδίδεται τὰ λαζαρώματα, ἅπερ ἐνεδύσατο, καὶ ἐὰν ἔστι λειτουργία, ἄρχονται τῆς λειτουργίας, εἰ δ' οὐ, ἀποφορένει τὴν ἀλλαγὴν τοῦ καὶ ἀπέρχεται.

ριστοῦμέν σοι διὰ παντός, ὅτι ἦν ἐξέχεας χάριν ἐπὶ τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους... Goar pag. 520. Ἰδοὺ ἡγίασται, καὶ τετελειώται, καὶ γέγονε θυσιαστήρια ἅγια ἁγίων. Ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ αἰεὶ... Εἴτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς ψαλμὸν 92. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν, εὐπρέπειαν ἐνεδύσατο. Εἴτα ψαλμὸν ριζ'. Ἐξομολογεῖσθε τῷ Κυρίῳ, ὅτι ἀγαθός, ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ἔλεος αὐτοῦ... Ὁ διάκονος· Ἐπι ἐκτενῶς ἐν εἰρήνῃ... Ἰπὲρ σωτηρίας... Ἰπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν... Τῆς παναγίας, ἀχράντου, ὑπερευλογημένης... Καὶ ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου καὶ τῶν τιμίων ἐνδόξων θυσιαστηρίων, τῶν ἁγιασθέντων, καὶ τοῦ καταξιωθῆναι πάντας ἡμᾶς τῆς οὐρανῶν βασιλείας, Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν ἱκετεύσωμεν. Ὁ ἀρχιερεὺς ἐκφωνῶς· Ὅτι εὐλόγηται, καὶ ἡγίασται, καὶ δεδοξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου, τοῦ Πατρὸς... Προκείμενον, ἀποστολὴ καὶ εὐαγγέλιον. Goar pag. 520—521. Εἴτα λέγει ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν· Κύριε τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς, ὁ τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν ἀρρήτῳ σοφίᾳ θεμελιώσας... Goar. p. 517. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς... Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τῶν ἁγίων σου ἀποστόλων φωταγωγήσας... Goar. pag. 520. Δόξα σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι, καὶ γίνεται ἀπόλυσις, καὶ ἀποδύεται τὰ λαζαρώματα, καὶ ἐὰν ἔστι λειτουργία. ἄρχονται αὐτῆς, εἰ δ' οὐκ ἔστιν, ἀποφορένει καὶ ἀπέρχεται.

л. 73. Περι τοῦ πῶς χρή δεχεσθαι τοὺς ἀναθεματίζοντας τὴν ἰδίαν καὶ πᾶσαν αἵρεσιν, καὶ μύρω θείῳ χριστομένους μόνον καὶ μὴ βαπτιζομένους. См. выше стр. 422—425.

л. 77 об. Ἐκθεσις ἀκριβεστέρα περὶ τοῦ πῶς δεχεσθαι τοὺς ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχομένους. Прилож. стр. 68—88.

л. 84. Ἀπόταξις τῶν αἵρετικῶν Ἀρμενίων, ὅπως ὀφείλουσιν ἀναθεματίζειν, ἐπιστρέφοντες πρὸς τὴν πίστιν τῶν ὀρθοδόξων Ῥωμαίων, οἳ οὐ βαπτίζονται, ἀλλὰ μυροῦνται.

л. 90. Εὐχαὶ ἐπὶ ἀρρώστου.

л. 100. Отрывокъ изъ сочиненія противъ латинянъ безъ начала, имѣющій весьма близкое отношеніе къ чину крещенія ихъ, напечатанному въ Требникѣ М. изданія 1651—52 г.

л.л. 103—104 чистые.

л. 105. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου ἢ μητροπολίτου. См. выше стр. 692—694 и варианты.

л. 111. Τάξις ἐπὶ χειροτονίᾳ πατριάρχου. Πῶς δεῖ ἀρχιερεὺς ἐνθρονιάζεσθαι. См. выше стр. 694—698.

л. 114 чистый.

л. 115. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας μεταλήψεως.

л. 128. Указатель евангельскихъ чтеній на цѣлый годъ.

СХХХΙ. Σκδ—1070 (№ 207.) Εὐχολόγιον, рукопись патриаршей Александрійской библиотеки въ Каирѣ въ 16 долю листа, 183 листа, писана скорописью XVI в. Писецъ называетъ себя священникомъ Ниломъ, какъ это видно изъ слѣдующей приписки въ чинѣ литургіи: Μέμνησο τοῦ γράφαντος, ὃ Θεοῦ θύτα, Νείλου τάλανος (л. 25 об.).

л. 1. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ διακονικοῦ. Αὕτη ἡ τάξις γίνεται ἐν τῇ σεβασμίᾳ λαύρᾳ, τῇ ἐν τῷ ὄρει τοῦ Ἀθῶ. См. выше стр. 602—614 и варианты.

л. 47. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 76. Εὐχὴ ἐπὶ παντὸς εἵδους μιανθέντος.

л. 76 об. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογίᾳ οἴνου.

л. 77. Εὐχὴ εἰς ἄλωνα θέρους, καὶ καρπῶν πεπληρωμένην.

л. 77 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιροφαγησάντων τινῶν ἀνθρώπων.

л. 79. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. См. выше стр. 615.

л. 91 об. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ μιὰρὸν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν ἐν ὑποληνίῳ οἴνου, ἢ ἀγγεῖῳ ἐλαίου, ἢ ἄλλῳ τι(νί.)

л. 93. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ τῶν Φώτων.

л. 205 об. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα, ἥγουν ἀρράβωνας.

Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ τροπάριον τῆς ἡμέρας, Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον ὁμοιον, εἶτα ἴστηαι τὸν γαμβρόν ἐπὶ τὸ δεξιὸν μέρος, τὴν δὲ νόμφην ἐξ ἀριστερῶν αὐτοῦ, καὶ δίδει αὐτοῖς κηρία ἄπτοντα. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς δακτυλίδια δύο, τὸ μὲν ἐν χρυσοῦν, τὸ δὲ ἕτερον ἀργυροῦν, καὶ ἀποτίθηναι αὐτὰ ἐντὸς τοῦ βήματος ἐπάνω τῆς ἁγίας τραπέζης, εἶτα ἄρχεται ὁ διάκονος ἢ ὁ ἱερεὺς τῆς μεγάλης συναπτῆς· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νῦν μνηστευομένων... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ, τῶνδε, καὶ τῆς ἐν Θεῷ συζεύξεως... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν, πᾶσιν τοῖς παροῦσι καὶ συνευχομένοις ἡμῖν, πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐτοῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην καὶ χάριν τέκνων, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι...

Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Καὶ ἐρωτᾷ αὐτοὺς καὶ λέγει· Θέλεις, γαμβρέ, ὀρέγեսαι, ἀγαπᾷς ἐπάραϊ τὴν κερά, ἡ δεῖνα, γυναῖκα ἐν τῷ φωτὶ τῆς ἡμέρας, καθὼς γέγονεν ἀπ' ἀρχῆς κόσμου; Καὶ ἀποκρίνεται ὁ γαμβρός· Ναί, τίμιε, παρὰ Θεῷ καὶ ἀνθρώποις. Εἴτα ἐρωτᾷ καὶ τὴν νύμφην καὶ λέγει· Θέλεις, κερά ἡ δεῖνα, ἐν τῷ φωτὶ τῆς ἡμέρας, καθὼς ἀπ' ἀρχῆς καὶ ἀρχῶν κόσμου ἐγένετο; Ναί, ἅγιε τοῦ Θεοῦ. Καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὰ διηρημένα συναγαγὼν εἰς ἐνότητα. *Goar pag. 311.* Καὶ δίδει ὁ ἱερεὺς τὸ χρυσοῦν δακτυλίδιον τῷ γαμβρῷ, τῇ δὲ νύμφῃ τὸ ἀργυροῦν, καὶ ἀλάσσουν αὐτὰ ἐκ γ', εἴτα ἀλάσσουν καὶ τὰ κηρία ἐκ γ', καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα φιλάνθρωπε Κύριε, ὁ ἐν τῇ προφητικῇ φωνῇ ἐνισχύσας ἡμᾶς. *См. выше стр. 460, прим. (Имѣются въ текстѣ весьма незначительныя особенности).* Εὐχὴ ἐτέρα τοῦ ἀρράβωνος. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐξαποστείλας τὴν ἀλήθειάν σου καὶ τὴν κληρονομίαν σου. *См. выше стр. 459—460, по сь вариантам.* Εὐχὴ ἐτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἐθνῶν μνηστευσάμενος ἑαυτῷ ἐκκλησίαν. *Goar pag. 311.* Εὐχὴ ἐτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σῶτερ ἀγαθὲ καὶ φιλάνθρωπε, τὸν ἀρράβωνα τοῦτον ἰσχυρὸν καὶ βέβαιον διατήρησον. *См. выше стр. 663.* Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 109 об. Ἀκολουθία τοῦ στεφανώματος.

Μετὰ τὴν θείαν λειτουργίαν ἐξέρχεται ὁ ἱερεὺς ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ εἰσφέρουσι τοὺς νεονύμφους ἔσωθεν τῆς ἐκκλησίας, κρατῶν αὐτοὺς ἐκ τῆς δεξιᾶς χειρός, λέγων τὸν ψαλμὸν τοῦτον εἰς ἤχον β'. Μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι... *Съ припѣвкомъ къ каждому стиху „Аллилуія“.* Μετὰ δὲ τὸ εἰπεῖν τὸν ψαλμὸν ὅλον, ἀρχεται ὁ ἱερεὺς τὴν μεγάλην συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τῶν νῦν στεφανωμένων πρὸς γάμου κοινωνίαν... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸν γάμον τοῦτον... Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εὐφρανθῆναι αὐτοὺς ἐν ὁράσει υἱῶν καὶ θυγατέρων αὐτῶν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν χαρίσεται αὐτοῖς τίμιον τὸν γάμον... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεθῆναι αὐταῖς σωφροσύνην, ὁμοφροσύνην καὶ χάριν τέκνων... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς παναγίας... Ὅτι πρέπει... Καὶ εὐθὺς λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας. *Goar. p. 317.* Εὐχὴ ἐτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ ἄχραντος καὶ πάσης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὴν πλευράν τοῦ πρωτοπλάστου Ἀδάμ.

Goar p. 315; Сн. выше стр. 29—30. Καὶ εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, καὶ λαμβάνει τὰ στέφανα, καὶ ἐξελθὼν, στρέφει πρὸς τοὺς νεονύμφους, λέγων· Δόξη καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτὸν καὶ κατέστησας αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου. Καὶ περιθεὶς τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀνδρός, λέγει· Ἔθηκες ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέφανον ἐκ λίθου... μακρότητα ἡμερῶν. Καὶ λέγει τοῦτο ὁ ἱερεὺς ἐκ γ'. Καὶ εἰς τὴν νύμφην λέγει πάλιν ὁμοίως· Δόξη καὶ τιμῇ... καὶ περιθεὶς τῇ κεφαλῇ αὐτῆς, λέγων· Ἔθηκες ἐπὶ τὴν κεφαλὴν... Λέγει αὐτὸ ἐκ γ'. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δοξάζομέν σε, Δέσποτα παντοκράτορ, ἐπὶ τῇ σῇ μεγαλειότητι· δοξάζομεν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπὶ τῇ ἀνεξιχνιάστῳ αἰνέσει σου· στεφάνωσον τοὺς δούλους σου τούτους, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ στεφανώσας τὴν γῆν τοῖς ἄνθεσι· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ στεφανώσας τὴν θάλαυσαν ψάμφ'· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὴν ἡμέραν τῷ φωτί σου τῷ ἡλιακῷ· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὴν νύκτα ταῖς τῆς σελήνης αὐγαῖς· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὰ τεῖχη τῆς ἁῶν Ἱερουσαλήμ· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν παράδεισον τῇ καλλίστῃ εὐπρεπείᾳ· στεφάνωσον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς ἐστεφάνωσας πᾶσαν τὴν ἄπειρον τῆς ἀνθρωπίνης φύσεως. Εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Σὴμ καὶ Ἰάφεθ, υἱοὺς Νῶε· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Ἀβραὰμ καὶ τὴν Σάρραν· εὐλόγησον αὐτούς, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰσαὰκ καὶ τὴν Ῥεβέκκαν, εὐλόγησον αὐτούς· ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν Ἰακώβ καὶ τὴν Ῥαχήλ· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Σαμουὴλ τὸν προφῆτην ὑπὸ Ἡλίου τοῦ ἱερέως· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Δαβὶδ καὶ τὴν Μελχὶ· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Ζαχαρίαν σὺν τῇ Ἐλισάβετ· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Ἰωακείμ καὶ τὴν Ἄνναν· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὰ Ἰορδάνια βεῖθρα ἐν τῇ ἀφράστῳ σου βαπτίσει· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὸν ἐν Κανᾶ γάμον τῆς Γαλιλαίας· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας Ζακχαίου τὸν οἶκον· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τοὺς ἀγίους σου ἀποστόλους· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὰ πλήθη τῶν προφητῶν, ὁσίων καὶ δικαίων καὶ ἁγίων μαρτύρων· εὐλόγησον αὐτούς, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὡς εὐλόγησας τὴν ἄχραντόν σου Μητέρα, ταῖς πρεσβείαις αὐτῆς καὶ ἡμεῖς, οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δοῦλοι σου, θαρρόντες, λέγομεν· τὸ Ἅγιον Πνεῦμα ἐνυμφαγῶγει, ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη ἐκύκλουν, τὰ ζῶα

ἐσκήρτουν καὶ εἰς ἀπάντησιν ἔτρεχον, τὰ δένδρα λυγίζόμενα, τοὺς κλάδους κατέσιον, ἡ θάλασσα καὶ πᾶσα ἡ γῆ, ἡ κτίσις ἐφαιδρύνετο, ὅτε ἐπλάσθη ὁ ἄνθρωπος, καὶ ὅτε ἐκτίσθη ἡ γῆ. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, Σὺ ἐπλάσας αὐτοὺς ἀπ' ἄρχῆς, ἄνδρα τε καὶ γυναῖκα, Σὺ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, καὶ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν, ἵνα δείξης, ὅτι Σὺ ὁ τοῦ γάμου νομοθέτης, καὶ τῶν ἀπάντων ποιητής. Αὐτός, Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τὰ νεόφυτα ταῦτα, τὴν κοίτην αὐτῶν ἀμίαντον διατήρησον, παράστησον αὐτοὺς ἐν τοῖς ἐπουρανίοις σου χαρίσμασι, χάρισαι αὐτῶν τὴν κοίτην ἀμίαντον, καὶ δὸς αὐτοῖς πολιτείαν ἀνεύθυνον καὶ βίον ἀλοιδόρητον, χρόνους μακροὺς, δεόμεθα σου, Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Εὐλογηθῆς νυμφίε, ὡς εὐλογηθῆ ὁ Ἀβραάμ καὶ Ἰσαάκ καὶ Ἰακώβ, δοξασθῆς, (ὡς) Ἰωσήφ. Καὶ σύ, νύμφη, κατὰ τὸ εἰρημένον σοι, εὐλογηθεῖσα, ὡς ἡ Σάρρα, δοξασθεῖσα, ὡς ἡ Ῥεβέκκα καὶ πληθυνθεῖσα ὡς ἡ Ῥαχὴλ, καὶ ἔσται σοι εὐλογία καὶ σύνεσις, ἵνα ἐν πολλῷ τῷ τρόπῳ εὐφρανθῇσεται νυμφίος ἐπὶ νύμφην, οὕτως εὐφρανθῇσεται Κύριος ἐφ' ὑμᾶς, καὶ ἴδῃς υἱοὺς τῶν υἱῶν σου κύκλῳ τῆς τραπέζης σου, καὶ δόξῃ ὑμῖν Κύριος ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ὁρόσον καὶ ἐκ τῆς πίστεως τῆς γῆς, σίτου, οἴνου καὶ ἐλαίου, ἵνα πρέποντες τῷ βίῳ τούτῳ, καὶ τοῖς δεομένοις ὑμῖν ἀρκέσησθε διὰ τῆς παναχράντου Θεοτόκου, καὶ τοῦ ἁγίου ἐνδόξου πρωτομάρτυρος καὶ ἀρχιδιακόνου Στεφάνου. Ναί, Δέσποτα Θεὲ τῶν ἀπάντων, ὁ λαβὼν χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς... См. выше стр. 183—184, 566, до словъ: ἐν πάσῃ σωφροσύνῃ καὶ τῷ φόβῳ. Στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε, ὡς ἐστεφάνωσας τὸν ἥλιον καὶ τὴν σελήνην· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε, (ὡς ἐστεφάνωσας) τὸν χορὸν τῶν ἀποστόλων· στεφάνωσον αὐτούς, Κύριε, ὡς ἐστεφάνωσας τοὺς ἁγίους σου μάρτυρας... ἵνα ἴδωσιν υἱοὺς τῶν υἱῶν αὐτῶν, ἵνα πάντοτε δοξάζωσί σε τὸν Θεὸν διὰ τῆς ἀχράντου σου Μητρός. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις... См. выше стр. 568. Δεξιὰ ἄχραντε τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Ἰϋοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, ἡ πλάσασα τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν. См. выше стр. 567. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἥχος βαρύς· Δόξη καὶ τιμὴ ἐστεφάνωσας αὐτούς. Στίχος· Κύριε, ὁ Κύριος ἡμῶν, ὡς θυμαστόν... Πρὸς Ἐφεσίους· Ἀδελφοί, ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ τῷ Θεῷ Πατρὶ... Τέλος· καὶ προσωποληψία οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ. Ἀλληλοῦτα, ἥχος δ'. Ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην. Goar p. 318. Καὶ εὐθὺς γίνεται ἐκτενὴ παρὰ τοῦ ἱερέως, λέγων οὕτως· Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτωρ... Ἐλέησον ἡμᾶς.. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ φιλοχρίστων ἡμῶν βασιλέων... Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, καὶ τῆς

δούλης τοῦ Θεοῦ, τῆσδε, συζεύξεως καὶ ἀγκλήσεως αὐτῶν τοῦ... Ὅτι ἐλεῆμων... Καὶ εὐθὺς ἡ εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐπικαλούμεθα σε, Κύριε Θεέ, Πάτερ παντοκράτορ, σὲ ἐπικαλοῦμαι, τὸν μόνον ἀγαθὸν καὶ φιλόανθρωπον. См. выше стр. 464. Καὶ εὐθὺς λέγει· Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς... Καὶ λέγει ὁ λαὸς τὸ Πάτερ ἡμῶν. Καὶ εἰσελθὼν εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, λέγει· Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἰς ἅγιος, εἰς Κύριος Ἰησοῦς Χριστός... Κοινωνικόν· Γεύσασθε καὶ ἴδετε. Καὶ στραφεὶς πρὸς τὸν λαόν, λέγει· Προσέλθετε. Ὁ λαός· Εὐλόγημένος. Καὶ μεταδίδει τὰ ἅγια τοῖς νεονύμφοις. Καὶ εὐθέως τίθησι τὰ ἅγια ἐν προθέσει, καὶ προσκομίζει αὐτά, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω τοῦ κοινοῦ ποτηρίου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ τὸν οὐρανὸν τοῖς ἄστροις κατακοσμήσας, καὶ γῆν ποικίλοις ἄνθεσι στεφανώσας, ὁ τὰ ἐπουράνια τοῖς ἀνθρώποις δωρησάμενος καὶ τὴν τῶν ἐπιγείων ἀγαθῶν τὴν ἀπόλαυσιν, ὁ εὐλόγησας τὸν Ἀβραάμ καὶ τὴν Σάρραν, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου τούτους, καὶ σύναψον αὐτοὺς ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ, χάρισαι αὐτοῖς πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον. Καὶ εὐθὺς κρατῶντες οἱ στεφανοκράτορες τὰ στέφανα, ἵστανται, ὁ δὲ ἱερεὺς, λαβὼν θυμιατὸν μετὰ θυμιάματος, εἰσδεύει μετὰ τοὺς νεονύμφους ἐνδον τοῦ ναοῦ ἐκ γ', ψάλλοντες στιχηρὰ μαρτυρικά, ἦχος βαρύς· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ἀποστόλων καύχημα... Ἅγιοι μάρτυρες... Λέγοντες καὶ τὸ Ἐπὶ σοὶ χαίρει.. Καὶ εὐθὺς ἡ εὐχή. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ τοῦ παντὸς κόσμου δημιουργὸς Θεός, ὁ τῆς φύσεως Δεσπότης, εὐεργέτης καὶ τοῦ γάμου νομοθέτης, ὁ τὸ μὴ βδελυκτὸν εἶναι πᾶσιν εὐδοκήσας, ἀλλὰ διὰ τῶν ἁγίων σου γραφῶν τίμιον ἀναδείξας τὸν γάμον, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν, καὶ συζεύξας αὐτῷ βοηθὸν κατ' αὐτοῦ, διὰ τὸ οὕτως ἀρέσαι τῇ σῇ μεγαλειότητι, ἀλλ' ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα, καὶ ἐνώσας αὐτοὺς εἰς σάρκα μίαν, καὶ εὐλόγησας αὐτοὺς καὶ εἰπὼν· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, καὶ κατακυριεύσατε αὐτήν· οἶθεν ὁ λόγος τῆς χάριτος ἄρχων ἐγένετο, καὶ ἐπλήρωσε πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς. Αὐτὸς οὖν, Δέσποτα πάντων, ἄρμωσον τὸν δοῦλόν σου, ὁ δεῖνα, καὶ τὴν δούλην σου, τῆσδε, τίμιον αὐτοῖς τὸν γάμον καὶ τὴν κοίτην ἀμικτὸν ἀναδείξον, εὐλόγησον αὐτοῖς εἰσόδους καὶ ἐξόδους, πληθύνον ἐν ἀγαθοῖς τὴν ζωὴν αὐτῶν, εὐλόγησον αὐτοὺς ἐν γῆρα πίονι καὶ πίστει ἀσφαλές, δὸς αὐτοῖς μακρότητα ἡμερῶν, χάρισαι αὐτοῖς πάντοτε τὸν σοφὸν καὶ τὸν εἰς σὲ πόθον, δὸς αὐτοῖς ἐν σοὶ καυχομένοις εἰπεῖν τὴν ἀποστολικὴν φωνήν· τίμιος ὁ γάμος καὶ ἡ κοίτη ἀμικτὸς Ναί, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐπάκουσον ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν, ὁ παραγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλι-

λαίας, καὶ τὸν ἐκεῖσε γάμον εὐλογήσας, καὶ διὰ τῆς σῆς παρουσίας θαυματουργήσας ἐν αὐτῷ. Αὐτότῃ, Δέσποτα βασιλεῦ τῶν ἀπάντων, εὐλόγησον τὴν συζυγίαν τῶν δούλων σου τούτων, καὶ ἔστωσαν οἱ ὀφθαλμοί σου ἀτενίζοντες εἰς αὐτούς, καὶ τὰ ὦτά σου ἀκούειν τῆς φωνῆς τῆς δεήσεως αὐτῶν, γεννηθῆτω ἐν αὐτοῖς τὸ ῥηθὲν διὰ Δαβίδ, λέγοντος· ἡ γυνή σου, ὡς ἄμπελος εὐθηνούσα ἐν τοῖς κλίτεσι τῆς οἰκείας σου, οἱ υἱοί σου, ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τριπέζης σου· ἰδοὺ οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος, ὁ φοβούμενος τὸν Κύριον. Καὶ οὕτως ἀπέρχονται εἰς τὸν παστὸν, προπορευομένων δύο κηρομανουαλίων καὶ θυμιατοῦ, ψάλλουσι θεοτοκίᾳ τοῦ Δαμασκηνοῦ κατ' ἤχον. Τὴν παγκόσμιον δόξαν καὶ τὰ ἐξῆς, ἕως οὗ ἀπέλθωσιν εἰς τὸν παστὸν, καὶ μετὰ ταῦτα λέγει τὰς εὐχάς, καὶ ἐπαίρει τὰ στέφανα, καὶ γίνεται ἀπόλυσις. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παρχγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, καὶ τὸν ἐκεῖσε γάμον εὐλογήσας, καὶ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν, Αὐτὸς εὐλόγησον τὴν στολὴν τοῦ θαλάμου τούτου καὶ τὴν ἑπαρσιν τῶν στεφάνων τῶν νεονύμφων, καὶ ζευχθέντας νυμφίους ἀμφοτέρους εὐλόγησον καὶ δόξασον ἐν τοῖς ἀγαθοῖς σου δωρημάσιν, οἷς προητοιμάσας ἐν πάσῃ τῇ γῇ γενέσθαι εἰς διατροφήν πάντων ἀνθρώπων, καὶ ἀποδίδῶσιν ἀπ' αὐτῶν πάντα σύνδεσμον ἀδικίας, καὶ δὸς τοῖς δούλοις σου τούτοις ἐν πολιῷ γῆρα συναντήσαι, ἵνα καὶ δι' αὐτῶν δοξαζήται σου τὸ πανάγιον ὄνομα, τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θάλαμον εὐτρεπίσας κατὰ νόμον, στέφανα ἀφιδαρσίας ἐπάθλῳ παρθενείᾳ τούτους κατακασμών, εὐλόγησον τοὺς δούλους σου τούτους καὶ εὐλογίαν σου, ἣν ἐδωρήσω τοῖς πατράσιν ἡμῶν, Ἀβραὰμ καὶ Ἰσαὰκ καὶ Ἰακώβ, χάρισαι αὐτοῖς τὴν ὑγίαν καὶ ζωὴν ψυχῆς καὶ σώματος. Ὅτι σὺν τῷ κράτος... См. выше стр. 184, 657—658. Εὐχὴ μετὰ τὸ λῦσαι τὰ στέφανα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παρχγενόμενος ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας. Goar. pag.320. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

л. 126 читай.

л. 127. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 139. Ἀκολουθία εἰς λαχοῦσαν γυνήν (sic).

Ὁ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Πανηγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον, ἤχος α'. Ἦ γέννησίς σου, Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Δόξα, ἤχος δ'. Καὶ τρόπων μέτοχος καὶ θρόνων διάδοχος... Καὶ νῦν, θεοτοκίον. Τὸ ἀπ' αἰῶνος ἀπόκρυφον καὶ ἀγγέλοις ἄγνωστον μυστήριον... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν, καὶ τὴν θάλασσαν, καὶ πάντα

τὰ ἐν αὐτοῖς, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐκ τῆς πλευρᾶς αὐτοῦ ἀνοικοδομήσας γυναῖκα καὶ συζεύξας αὐτούς, λέγων· αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, ὁ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν ἡμῶν τεχθεὶς ἐκ τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὸν οἶκον τοῦτον καὶ πάντας, τοὺς ἐν αὐτῷ οἰκοῦντας, σὺν τῇ τεκούσῃ, καὶ τὸ ἐξ αὐτῆς τεχθὲν νήπιον, καὶ ταῖς τυγχανούσαις γυναῖξιν σὺν τῇ δούλῃ σου, ἡ δεῖνα, τὴν μαῖαν, καὶ ταῖς προσελθούσαις γυναῖξιν καὶ τέκνα, καὶ εὐλόγησον πάντας, ὡς εὐλόγησας τὸ σπήλαιον ἐν Βηθλεὲμ καὶ τὸν οἶκον Ζακχαίου. Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ τὸν οἶκον τοῦτον, καὶ τοὺς δούλους σου, καὶ τὰς δούλας σου, καὶ τὰ τέκνα αὐτῶν, πρεσβείαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου ἱερομάρτυρος Ἐλευθερίου, καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἰ ὁ εὐλογῶν καὶ ἁγιάζων αὐτούς, Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, τῷ Πατρὶ... Εὐχὴ ἑτέρα· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οἶκον ἁγίασον, ψυχῆς λυτρωτά. Αὐτὸς φιλάνθρωπε βασιλεῦ, ἁγίασον τὸν οἶκον τοῦτον, καὶ τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν αὐτῷ ἁμιάντους καὶ ἀκινδύνους διαφυλάξον, καὶ τὸ γεννηθὲν βρέφος διαφύλαξον, καὶ πάντας τοὺς συνελθόντας, μαίας ἔστω καὶ γυναῖξιν ἑτέραις, καθάρισον αὐτὰς ἀπὸ παντὸς ῥύπου, καταρτιζων εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν, καὶ ἀξιώσον αὐτὰς ἀμέμπτους καὶ ἀπταιστούς ἀπὸ παντὸς ἔργου πονηροῦ, ἁμιάντως καὶ ἀκωλύτως. Ὅτι σὺ εἰ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, τῷ Πατρὶ... Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀδὰμ καὶ τὴν Ἑβαν συγχωρήσας τὴν παράβασιν αὐτῶν, κατελθόντα δὲ ἐκ τῶν οὐρανῶν καὶ σαρκωθέντα ἐκ τῆς ἁγίας παρθένου καὶ Θεοτόκου Μαρίας, εὐδοκήσας δὲ διὰ τὴν τῶν ἁμαρτωλῶν σωτηρίαν, γινώσκων τὴν ἀσθενείαν τῆς σαρκὸς τῆς ἀνθρωπίνης φύσεως, συγχώρησον τὴν δούλην σου, ἡ δεῖνα, τὴν τέξασαν πικρίδιον, ἐκ τῶν σῶν οἰκτιρμῶν· Σὺ γὰρ εἶπας, Δέσποτα, αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε καὶ πληρώσατε τὴν γῆν, διὰ τοῦτο οἱ δοῦλοί σου δεόμεθα, θαρρόντες διὰ τῆς φιλάνθρωπίας σου τῆς ἀνεξικάκου, φόβῳ μὲν πρὸ τῆς ἁγίας βασιλείας σου τῷ ἁγίῳ ὀνόματί σου, ἐπίβλεψον καὶ ἴδε τὴν ἀσθενείαν ἡμῶν τῶν καταδίκων, καὶ συγχώρησον τὴν δούλην σου, ἡ δεῖνα, καὶ παντὸς τοῦ οἴκου, ἐν ᾧ ἐγεννήθη τὸ παιδίον, καὶ εἴ τις ἁμαρτία ἐπράχθη ἐν αὐτῇ τῇ τεκούσῃ καὶ ταῖς ἀψαμέναις αὐτῆς, ὁ Θεὸς συγχώρησον, ὅτι μόνος ἔχεις ἐξουσίαν ἀφιέναι ἁμαρτίας πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι Θεὸς ἐλέους, οἰκτιρμῶν καὶ φιλάνθρωπίας ὑπάρχεις... См. выше стр. 583, прим. 2; 491. Εὐχὴ ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς παναχράντου

Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας. Goar. p. 261 съ пѣкаторыми незначительными особенностями въ текстѣ. Εὐχή ἑτέρα. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα πνιτοκράτορ, ὁ ἰώμεμενος πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν. Goar. p. 261.

λ. 144. Εὐχή ἑτέρα εἰς ἡ' ἡμερῶν γυνή(αἷκα).

Τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας καὶ ἀπολυτίκιον, οἷον βούλει, καὶ ἡ εὐχή Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἀληθινὸς ἄρτος τῆς ζωῆς ἡμῶν. Goar p. 264 съ пѣкаторыми примеченіями въ текстѣ. Εὐχή ἑτέρα εἰς ἡ' ἡμερῶν γυνή (γυναῖκα). Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν προφῆταις λαλήσας, καὶ προκηρύξας τὸν φωτισμὸν τῆς γνώσεως τοῦ ἐσεσθαι ἐπ' ἐσχάτων γενεῶν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι, ὁ μὴ θέλων τινὰ τῶν ἐκ τῶν χειρῶν σου πεπλυσμένων ἀνθρώπων ἀμοιρεῖν τῆς αὐτοῦ σωτηρίας, ὁ διὰ τοῦ σκεύους τῆς ἐκλογῆς σου, Παύλου τοῦ ἀποστόλου, ἐντειλάμενος ἡμῖν πάντα εἰς δόξαν ποιεῖν τῆς σῆς ἀγαθότητος, καὶ νόμον ἐκθέμενος δι' αὐτοῦ τοῖς ἀνδράσι, τοῖς πίστει πολιτευομένοις, ἀκατακαλύπτῃ τῇ κεφαλῇ προσφέρειν σοι αἴνεσιν, ἐν δὲ τῇ πίστει σου καθωπλισμένοι αἱ γυναῖκες, κατακεκαλυμμένοι τὴν κεφαλὴν, μετ' αἰδοῦς καὶ ἐν σωφροσύνῃ κοσμοῦσαι ἑαυτὰς ἐν ἔργοις ἀγαθοῖς καὶ ὕμνοις καὶ προσευχαῖς, εὐαρεστοῦσαι τῇ δόξῃ σου, Αὐτός, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, εὐλόγησον ταύτην διὰ τῆς ὀκτωημέρου ἐγέρσεως, καὶ κόσμησον τὴν ἑαυτῆς κεφαλὴν κόσμον τὸν σοὶ εὐάρεστον καὶ ἐράσιμον, εὐσχημοσύνην τε τιμὴν καὶ εὐπρέπειαν αὐτῇ χαριζόμενος, ὅπως, κατὰ τὰς ἐντολάς σου πολιτευσαμένη καὶ τὰ μέλη πρὸς εὐφροσύνην παιδαγωγούσα, τυχεῖν τῶν αἰώνιων σου ἀγαθῶν εὐχαῖς καὶ ἰκεσῖαις τῆς ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρμῶν καὶ φιλανθρωπίας σὺ ὑπάρχεις, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεί... См. выше стр. 892; Goar p. 309. τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν καὶ τὰ ἀπολυτίκια, τὰ προγεγραμμένα ἔμπροσθεν, καὶ ἀπόλυσις· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν, πρεσβείαις τῆς παναχράντου αὐτοῦ Μητρός, δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου ἱερομάρτυρος Ἐλευθερίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι ἡμᾶς, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος.

λ. 146. Ἀκολουθία εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως.

Ὁφεῖλει ποιῆσαι οὕτως ἕξω τῆς ἐκκλησίας· ἐμφυσησάτω εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σταυροειδῶς γ', ὁμοίως καὶ κατασφραγίσαι μετὰ τῆς χειρὸς

γ', καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθήτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. . G. ar p. 264.

λ. 147. Εὐχὴ τῶν μ' ἡμερῶν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ παρακαλοῦμεν καὶ ἱκετεύομεν· Αὐτὸς οὖν ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν λογικὴν τε καὶ ἄλογον φύσιν τῷ λόγῳ σου δημιουργήσας. G. ar. p. 267. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεός, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Ibid. Εἶτα τὸ παιδίον μετὰ χειρὰς λαμβάνων, ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ θυσιαστήριον ἀπάγει. . Α. Дмитриевскій. Прилож. стр. 8. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις βρέφος τῷ νομικῷ προσαχθεὶς ὑπὸ Μαρίας τῆς ἀπειρογάμου σου Μητρός. Прилож. стр. 8. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν σφραγίζει τὸ μέτωπον αὐτοῦ καὶ τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος, λέγων· Τὸ δὲ παιδίον ᾠξανε καὶ ἐκραταιοῦτο τῷ Πνεύματι. Καὶ οὕτως ὁ ἀνάδοχος λαμβάνει αὐτὸ καὶ ἐξέρχεται.

λ. 149 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοούμενοι, ἤγουν βαπτίσαι. См. выше стр. 398, во съ нѣкоторыми особенностями въ текстѣ. Отрпцаніе отъ сатаны изложено слитно. Послѣ помазанія елсеѣмъ замѣчено: ἐν δὲ τῷ ἀλείφειναι τούτους, ὁ πατριάρχης βάλλει τὸ λέντιον καὶ μανίκια, καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζει καὶ λέγει· Βαπτίζεται ὁ δεῖνα. Εἰ δὲ ἱερεὺς ἐστὶ καὶ μόνος, καὶ παιδίον κάτω κείμενον, λαβὼν αὐτό, καταδύει αὐτὸ εἰς τὴν κολυμβήθραν, κατάγων αὐτὸ καὶ ἀνάγων, λέγων· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν βάπτισιν, νίπτεται καὶ ἐκβάλλει τὸ λέντιον καὶ τὰ μανίκια. Καὶ τοῦ ἀρχιδιакόνου λέγοντος· Πρόσχωμεν, ἄρχονται οἱ ψάλται· Μακάριοι, ὧν ἀφείθησαν αἱ ἀνομίαι... Τοῦτο γ' λέγει, καὶ δοξάζει ὁ ἱερεὺς, ἤχος πλ. β'. Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων... Καὶ μετὰ τοῦτο λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ ἁγίου μύρου· Εὐλογητὸς εἰ, Κύριε, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... G. ar p. 290 Καὶ χρίει αὐτόν τῷ μύρῳ σταυροειδῶς ἐν τῷ μετώπῳ, ἐν τῷ στήθει, εἰς τὰς ῥίνας καὶ τὰ ὦτα, τὴν κοιλίαν, τοὺς νεφρούς, λέγει· Σφραγὶς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ εὐθὺς οἱ ψάλται· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε... Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων καὶ ἀγιάζων πάντα ἄνθρωπον... Καὶ μεταδίδωσιν αὐτῷ τῶν ἁγίων μυστηρίων, καὶ εὐθὺς ἀπέρχεται ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ, φαλλόντων τῶν παρεπομένων.

Καὶ μεθ' ἡμέρας ἐπτὰ πάλιν φέρουσιν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι. Μετὰ τὴν εὐχὴν τοῦ μύρου, ἀποδύεται τὴν στολὴν τῶν βαπτισμάτων καὶ βάλλει τῆς λειτουργίας, καὶ ἐξέρχεται ἐν τῷ ὕδατι τοῦ

βαπτιστηρίου, καὶ τοῦ φάλτου· Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθητε. Χρεῖαι τοὺς βαπτισθέντας τῷ ἁγίῳ μύρῳ, ποιῶν σταυροῦ τύπον ἐπὶ τοῦ μετώπου, καὶ τῶν ὀφθαλμῶν, καὶ τῶν μυκτήρων, καὶ τοῦ στόματος, καὶ τῶν ὀπίστων, καὶ τοῦ στήθους, καὶ τῆς κοιλίας, καὶ τῶν νεφρῶν, λέγων· Σφραγίς δωρεᾶς Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ μετὰ τοῦτο, συμπάλλον τοῖς λοιποῖς τὸ Μακάριοι, ὧν ἀφένθησαν αἱ ἀνομίαι.., εἰσέρχεται μετὰ τοῦ νεοφωτιστοῦ εἰς τὴν εἴσοδον, καὶ τελεῖ ἀκολουθῶς τὴν θείαν λειτουργίαν.

л. 167. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν νεοφώτιστον.

Τῇ ἡ' ἡμέρᾳ λύει αὐτοῦ τὸ σάβανον, τὴν ζώνην, τὴν περικεφαλαίαν, καὶ λέγει· Εἰρήνη πάσιν. Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν. Ὁ λύτρωσιν τῶν ἁμαρτιῶν. Goar pag. 303. Καὶ λαβὼν μέρος ἐκ τῆς περικεφαλαίας, βάλλει εἰς τὸ ὕδωρ, καὶ ἀποσπογγίζει τὴν κάραν σὺν τῷ μετώπῳ, τὸ στήθος καὶ τοὺς νεφρούς, λέγει· Ἐβαπτίσθης, ἐφωτίσθης, ἡγιάσθης, καὶ ἀπολύει αὐτὸν ἐν εἰρήνῃ.

л. 168. Εὐχὴ εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον.

Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Σὲ ἱκετεύομεν, Κύριε, ὁ Θεὸς τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ πληρώματος τῆς κολομβήθρας. Goar p. 305. Εἴθ' οὕτως κείρει αὐτοῦ τὰς τρίχας σταυροειδῶς, λέγει· Κείρεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ εἰς τὸ ὄνομα... Ἀρχὴν ποιῶν ἀπὸ τῆς κορυφῆς τοῦ μετώπου δεξιὰ καὶ ἀριστερά, καὶ διδωσιν αὐτὰς τῷ ἀναδόχῳ, καὶ πάλιν· Εἰρήνη πάσιν. Τὰς κεφαλὰς... Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ εἰκόνι σου τιμήσῃς τὸν ἄνθρωπον... Goar pag. 306. Καὶ ποιεῖ ἀπόλυσιν οὕτως· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν. Φυλάττοι Κύριος ὁ Θεός· καὶ τὸν νεοφώτιστον ἡμῶν ἀδελφὸν εἰς αἰῶνα αἰῶνος, καὶ ἡμᾶς ἐλεῆσαι διὰ τῆς ἐαυτοῦ ἀγαθότητος.

л. 169. Εὐχὴ ἐξομολογητικὴ, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν ἁγίων μυστηρίων.

л. 172. Ἀντίφωνα господскихъ праздниковаъ.

л. 175. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ. 7 молитвъ.

л. 177. Εὐχαὶ τοῦ ὀρθρου. Goar p. 39—42.

СХХХІІ. № 199. Евхологiон, рукопись той-же библиотеки въ 16 долю листа, 94 листа, писана чегкою скорописью XVI в.¹⁾. Въ

¹⁾ Кромѣ этого евхологiя, въ библиотекѣ александрійской патриархiи въ Каирѣ имѣется другой евхологiй XVI в. подъ № 112, къ сожалѣнiю, весьма сильно разбитый и съ неполными чинами. Рукопись эта въ 16 долю листа, 118 листовъ, (въ 1888 г. ихъ было 124, какъ мы видѣли

концѣ рукописи нмѣется приписка: Τὸ παρὸν ὑπάρχει τῆς μονῆς τοῦ ἁγίου ὁρους. Συνᾶ, καὶ ὁ ξενώσας αὐτὸ ἔστω ἀφωρισμένος καὶ ἀσυγχώρητος παρὰ Θεοῦ Παντοκράτορος, καὶ παρὰ τῶν ἁγίων ἐπτὰ καὶ οἰκουμένων συνόδων, καὶ ἡ μερίς αὐτοῦ μετὰ Ἰούδα τοῦ προδότου.

- л. 1. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἀναγνώστου καὶ ψάλτου.
- л. 2. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου.
- л. 3. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου.
- л. 7 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου.
- л. 11. Ἀποστολοευαγγέλια, λεγόμενα εἰς ἐγκαίνια θεῶν ναῶν.
- л. 13 об. Молитвы на различные случаи.
- л. 27. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης.
- л. 50. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσῃ ἁγία τραπεζῇ.
- л. 54 об. Ἄλλη τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσῃ ἁγίᾳ τραπέζῃ.
- л. 57. Εὐχὴ εἰς ἀρχάριον ῥισοφοροῦντα.
- л. 58. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἥτοι τοῦ μανδυώτου.
- л. 64 об. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν σχῆμα.
- л. 89. Καθίσματα καὶ στιχηρά καὶ κανὼν τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

СХХХІІІ. А № 104. Εὐχολόγιον, рукопись лавры пр. Аѳанасія на Аѳонѣ, въ 16 долю листа, 403 листа, писана рукою монаха Никандра XVI в. Писецъ о себѣ говоритъ въ такой припискѣ: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Νικάνδρου μοναχοῦ πόνος, καὶ οἱ κύπτοντες ῥδῆν, εὐχεσθε τῷ ἁμαρτωλῷ (л. 30). На рукописи нмѣется слѣдующая позднѣйшая приписка: Προστέθη τὸ παρὸν Εὐχολόγιον Ματθαίου ἱερομονάχου ἐν τῷ ἀρμαρίῳ τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Ἀθανασίου εἰς ψυχικὴν σωτηρίαν, γὰ μνημονεύεται ἐν τῷ βῆματι.

- л. 1. Чинъ малаго водоосвященія.
- л. 10. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.
- л.л. 30—33 чистые.

лично) и заключать въ себѣ конецъ чина крещенія (нынѣ нѣтъ его), конецъ чина богоявленскаго водоосвященія, начало малаго водоосвященія, неполный чинъ вечерни пятидесятницы, чинъ брака, молитвы на различные случаи, изъ коихъ немало апокрифическаго характера, чинъ елеосвященія надъ болящими, чинъ елеосвященія надъ умершими, снова молитвы на различные случаи и праздничныя чтенія изъ Апостола и Евангелія.

- λ. 34. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.
 λ. 66. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.
 λ. 89 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.
 λ. 125. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.
 λ. 141. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.
 λ. 146 об. Εὐχαὶ τοῦ ὀρθρου.
 λ. 152 об. Εὐχαὶ διάφοροι, παρὰ τοῦ ἱερέως λεγόμεναι.
 λ. 226. Ἀκολουθία ἀποστόλων καὶ εὐαγγελίων.
 λ. 285 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.
 λ. 316. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα νεκρῶν.
 λ. 322. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.
 λ. 328. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.
 λ. 329. Εἰς κουρὰν μανδουώτου.
 λ. 337 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.
 λ. 358 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.
 λ. 386. Ἀκολουθία εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον, ἡ λεγομένη ἀκάθιστος.

CXXXIV. Θ № 81. Εὐχολόγιον, рукопись той-же лавры въ 16 долю листа, 251 листѣ, писана почеркомъ XVI в.

λ. 1. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἀγιαζομένου ὑπὸ ἑπτὰ πρεσβυτέρων.

λ. 42. Ἀκολουθία τοῦ θείου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

— Τάξις, γινομένη εἰς ἀρχάριον μοναχὸν ῥασοφόρον.

λ. 45. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος.

λ. 64. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

λ. 109. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι.

λ.λ. 111--112 чистые.

λ. 113. Κεφάλαια τοῦ ἁγίου Βασιλείου. Ὁ φρονεὺς κατὰ μὲν τὸν νόμον ἀποθνησκέτω...

λ. 114. Ἐπιτίμια ἐν ἐπιτομῇ τῶν ἁγίων ἀποστόλων, τοῦ Μεγάλου Βασιλείου καὶ ἀπὸ τῶν οἰκουμενικῶν συνόδων.

λ. 161. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

λ. 197. Ἀκολουθία τῆς ἐν τῇ ἁγίᾳ Πεντηκοστῇ γονυκλισίας.

λ. 200. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ὅλης ἐβδομάδος καὶ εἰς διαφόρους ἁγίους.

λ. 214 об. Ἀκολουθία τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου τῆς ἀκαθίστου.

л. 216 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ, κατὰ μῆνα γινομένου.

л. 223. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

л. 231 об. Ἀκολουθία τῆς Πεντηκοστῆς.

л. 245—246 чистые.

л. 217. Συμαών, ἀρχιεπισκόπου Θεσσαλονίκης, εὐχή συγχωρητική ὑπὲρ τινων ἀδελφῶν, μετὰ θάνατον ὑπὸ ἀφορισμῷ εὐρευθέντων. Ὁ ἀγαθὸς καὶ ἐλεήμων Θεός, ὁ τοῦ ἀγαθοῦ καὶ ἐλεήμονος Πατρὸς συναΐδος Λόγος.

А. Алмазовъ. Тайная исповѣдь т. III, отд. II, стр. 85.

СХХХV. I № 58. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библиотеки въ 16 долю листа, 202 листа, писана дурнымъ почеркомъ XVI в.

л. 1. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

л. 27. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥισκοφοῦντα.

л. 27 об. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουώτου.

л. 34 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 59. Εὐχαὶ τοῦ λογιτικοῦ.

л. 61 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

л. 67. Εὐχή ἐπιβατήριος, ὅτε καθίσταται πρὸς τὴν λαχοῦσαν ἄρτι πρῶτως χειροτονηθεὶς ὁ ἀρχιερεὺς, πρὸ τῆς εἰσόδου τῆς εἰς τὴν πόλιν ἐν αὐτῇ τῇ εἰσόδῳ.

Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ μεγάλῃ σου βουλῇ καὶ ἀνυπερβλήτῳ οἰκονομίᾳ μαθητάς ἀλιεῖς ἐκλεξάμενος, καὶ ἰδιώτας τούτους ὄντας καὶ ἀσθενεῖς, στομώσας...

л. 69. Εὐχή εἰσιτήριος ἄρτι πρῶτως πρὸς τὸν βασιλέα.

Ὁ παντεπόπτης Θεός, ὁ τῶν ὑπερκοσμίων εἰκόνας καταστησάμενος τὰ ἐπίγεια, καὶ βασιλείᾳ καὶ ἱεροσύνῃ τὴν ἐνταῦθά σου κληρονομίαν...

л. 70. Εὐχή ἐτέρα ἐν τῷ εἰσιέναι πρὸς βασιλέα.

Εἰρήνη τῷ οἴκῳ τούτῳ· Σοῦ γάρ τοῦ τῆς εἰρήνης Θεοῦ θεία κέλευσις αὐτῇ πρὸς τοὺς ἁγίους σου μαθητάς, ὧν εἰς διαδοχὴν ἀξιωθέντες κατασταθῆναι οἱ εὐτελεῖς ἡμεῖς...

л. 72. Εὐχή ἄλλη ἐν τῷ εἰσιέναι πρὸς βασιλέα.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ πάσης ἀρχῆς καὶ βασιλείας ἀναρχος βασιλεῖα καὶ ἀρχή, δι' οὗ βασιλεῖς τε καὶ ἄρχοντες ἄρχουσι καὶ βασιλεύουσι τῶν ὑπ' αὐτοὺς τεταγμένων.

л. 72 об. Εὐχή ἐτέρα εἰσιόντι τῷ ἀρχιερεῖ εἰς τὴν λαχοῦσαν αὐτῷ πόλιν.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάσης ὁρατῆς τε καὶ νοουμένης κτίσεως δημιουργός, ὁ τὸν ἐκ γῆς προσληφθέντα ἄνθρωπον ψυχῇ νοεῖν

καὶ εἰκόνι σου θείᾳ τιμήσας... II. Сурку. Къ исторiи исправленiя книгъ въ Болгарiи въ XIV в. СПб. 1890, ч. I, стр. LXXXIII.

л. 74 об. Εὐχή, λεγομένη ἐν τῇ λιτῇ τῆς ἀρχῆς τῆς ἰνδίκτου. Ἡ αὐτὴ λέγεται καὶ παρ' ὅλον τὸν Σεπτέμβριον, ἢ καὶ κατὰ τὰς ἀρχὰς τοῦ Ὀκτωβρίου, λιτῆς λεγομένης.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ζῶντι καὶ ἐνοποστάτῳ σου Λόγῳ, καὶ τῷ συμφυεῖ αὐτῷ καὶ ζωοποιῷ καὶ ὁμοτίμῳ σου Πνεύματι, τὴν νοητὴν καὶ τὴν ὁρωμένην σου κτίσιν... См. выше стр. 211.

л. 75 об. Τοῦ αὐτοῦ εὐχὴ ἱκετήριος εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ῥηθιδεῖσα ἐν αὐχμῷ καὶ δυσκρασίαις, καὶ ἐναντιότησιν ἀνέμων, καὶ ἐφόδοις βαρβρικοῖς.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ἐνοποστάτῳ καὶ ἀνάρχῳ σου Λόγῳ, καὶ τῷ ζωοποιῷ καὶ ὁμοτίμῳ Πνεύματι, ἐκ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα παραγαγών.. Goar pag. 636.

л. 77 об. Εὐχή, λεγομένη ἐν ταῖς λιταῖς τῆς τεσσαρακοστῆς.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ βουλῇ καὶ νεύματι μόνῳ παραγαγών ἐκ μὴ ὄντων εἰς τὸ εἶναι τὰ σύμπαντα, ὁ βρώσει πικρᾷ ξύλου...

л. 78 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν ἐπὶ πληγῇ.

Ἡμάρτομεν, ἡγομήσαμεν, ἡδικήσαμεν ἐνώπιόν σου, πανάγαθε Δέσποτα· παρέβημέν σου τὰς σωτηρίους ἐντολάς. Goar pag. 630.

л. 80 об. Εὐχὴ ἱκετήριος εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ἐν λιτῇ καὶ δεήσει λεγομένη.

Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ῥήματί σου τὸ πᾶν ἐκ μὴ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγών... Goar pag. 616.

л. 82. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς τὸν Κύριον Ἰησοῦν Χριστόν ἱκετήριος ἐπὶ αἰχμαλωσίας.

Παντοκράτορ Δέσποτα μακρόθυμε, πολυέλεε, εὐσυμπάθητε, εὐδιάλλακτε, φιλόνηρωπε, πανάγαθε, ὑπεράγαθε, ὑπερόνυμε, ἀπειροδόναμε, παντοδόναμε Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Goar pag. 631.

л. 84 об. Εὐχὴ ἑτέρα κατὰ πολέμιων.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ σοφίᾳς ἀβρόχῳ λόγῳ πάντα πρὸς τὸ τοῦ πλάσματος συμφέρον οἰκονομῶν... См. выше стр. 290.

л. 85 об. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἀνομβρίαν. 3 молитвы Goar. pag. 614—615, и далѣе молитвы на различные случаи.

л. 106 Разныя статьи догматическаго, каноническаго и историческаго содержанiя.

СХХХVI. Α № 154. Εὐχολόγιον, рукопись той же библиотеки, въ 24 долю листа, 321 листъ, писана почеркомъ XVI в.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 42 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 65. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 85 об. Позднѣйшей руки: Εὐχή τῶν ἐπτὰ παίδων εἰς ἀσθενῆ καὶ μὴ ὑπνοῦντα.

л. 88. Εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον τῇ η' ἡμέρᾳ.

л. 89. Εὐχή (εἰς) λεγοῦσαν γοναῖκα.

л. 91. Μετὰ τὸ πληρῶσαι ἡ γυνή ἡμέρας μ'.

Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις τοῦ νόμου εἰς τὸ ἱερὸν ἀνελθών... См. выше стр. 53.

л. 92 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηγούμενον.

л. 118. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 132. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 181 об. Молитвы на различные случаи.

л. 191 об. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος πὺν ὀμνίμῃς свѣтымъ.

л. 216. Ἀκολουθία τοῦ θαύτου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος εἰς ἀρχάριον μοναχὸν ῥхсоφόρον.

л. 217. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος.

л. 229. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 256. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι.

л. 257. Молитвы на различные случаи.

л. 260 об. 11 утреннихъ евангельскихъ чтеній.

л. 271. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 281 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ τῶν μοναχῶν.

л. 299 об. Ἀκολουθία εἰς νεκρώσιμα κόλλυβα μοναχῶν.

л. 304. Ἔτερος κανὼν νεκρώσιμος εἰς κοσμικοὺς.

л. 307 об. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην ἐν τῇ ἐξόδῳ αὐτῆς.

л. 312. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 320. Новой руки: Ἀκολουθία, τοπωθεῖσα ὑπὸ τῆς μεγάλης ἐκκλησίας ἐν Κωνσταντινουπόλει, εἰς τοὺς ἐκ τῶν Λατινικῶν αἵρεσέων τῇ καθολικῇ προσερχομένους ἐκκλησίᾳ τῶν πατριαρχικῶν θρόνων.

СХХХVII. № 468. Εὐχολόγιον, рукопись Аопно-Діонисіатскої библиотеки, въ 16 долю листа, 258 листовъ, писана почеркомъ XVI в. Начала и конца рукописи нѣтъ.

л. 1. Начинается евхологіѣ възгласомъ священника: Λάβετε φάγετε въ литургіи св. Іоанна Златоуста.

л. 5. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ μεγάλου πατρὸς Βασιλείου (чинъ не оконченъ).

л. 22. Литургія преждеосвященныхъ даровъ. Начинается молитвою: Ὁ τοῖς ἀσιγήτοις ὕμνοις.

л. 28. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 34 об. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 41. Εὐχὴ εἰς λοχὸν γυναῖκα.

л. 41 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ βηπτίσαι παιδίον.

л. 52. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουρεῦσαι παιδίον.

л. 52 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀπολοῦσαι νεοφώτιστον

л. 53 об. Εὐχὴ εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον.

л. 54 об. Εὐχὴ εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα.

л. 55. Εὐχαὶ διάφοροι.

л. 66. Εὐχαὶ ἐωθιναί. 13 молитвъ.

л. 70 об. Различныя молитвы.

л. 76. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου.

л. 100. Εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.

л. 101. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος.

л. 107 об. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν σχῆμα.

л. 130. Εὐαγγελοαπόστολοι.

л. 253. 11 угреннихъ евангелій.

л. 253. Прокимны и аллилуаріи.

СХХХVIII. № 441. Евхологіон, рукопись той-же библіотеки, въ 16 долю листа, 315 листовъ, писана скорописью XVI в. Имѣются въ началѣ и въ концѣ приписки позднѣйшей руки 7100, 7099 и 7105 годовъ и 1612 года. Начала рукописи нѣтъ.

л. 1—3. Позднѣйшія приписки.

л. 4. Орологіи или Часословъ.

л. 57. Синаксарь съ тропарями и кондаками.

л. 165. Тропаріи в кондаки на постъ и пятидесятницу.

л. 114. Различныя каноны Богородицѣ и Иисусу Сладчайшему.

л. 161. Εὐχαί, συλλεχθεῖσαι ἀπὸ τῆς θείας Γραφῆς, τὰ πλεῖστα δὲ ἀπὸ τοῦ ἁγίου Ἐφραίμ, τοῖς βουλομένοις πολεμῆσαι τὴν ἑαυτῶν πρὸς τὰ πάθη καὶ τὰς ἡδονὰς ἐγκειμένην προαίρεσιν.

л. 204 об. Ἀκολουθία εἰς μικρὸν ἁγιασμόν.

- л. 207 об. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.
 л. 210. Ἀκολουθία εἰς κοῦράν μανδυώτου.
 л. 214 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.
 л. 230 об. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.
 л. 231 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.
 л. 256. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ κοσμικοῦ.
 л. 259. Κανὼν, ψαλλόμενος εἰς μνημόσυνον κοσμητικῶν.
 л. 262. Σαββάτου τῆς ἀκαθίστου. Акѡистъ Богоматери.
 л. 275 об. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας μεταλήψεως.
 л. 297. Ἀκολουθία ἐπὶ νυκτερινῆς φαντασίας.
 л. 308 об. Τῇ ἁγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ τοῦ Πάσχα κανὼν.
 л. 312. Столпъ евангельскихъ утреннихъ чтеній.

СХХХΙХ. № 31. Εὐχολόγιον, рукопись Чаусской библиотеки въ Солувѣ, въ 16 долю листа, 225 листовъ, писана скорописью XVI в.

- л. 1. Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας, ἐν ᾗ καὶ τὰ διακονικά.
 л. 13. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.
 л. 23 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.
 л. 39 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.
 л. 45 об. Εὐχαὶ διάφοροι.
 л. 61 об. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην.
 л. 65. Ὁ ἕτερος κανὼν παρχλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον ἐκ προσώπου ἀνθρώπου ψυχοῤῥαγοῦντος, καὶ μὴ δυναμένου λαλῆσαι.
 л. 69. Ἀποστολοευαγγέλια.
 л. 91. Молитвы отъ духовъ нечистыхъ Василия Великаго.
 л. 95. Τοῦ ἁγίου Ἐπιφανίου ἐξορκισμὸς ἐπὶ ἀκαθάρτων πνευμάτων. Ἐπικαλοῦμαι σε, ἐπικαλοῦμαι σε, Θεέ, Πάτερ παντοκράτορ, ὤψιστε, ἀπερίγραπτε... (нѣтъ конца).
 л. 99. Чинъ великаго водоосвященія (безъ начала).
 л. 104 об. Апостолъ на празники въ честь Богородицы (безъ конца).
 л. 105. Чинъ малой схимы (безъ начала и конца).
 л. 109. Чинъ великаго ангельскаго образа (безъ начала).
 л. 125. Ἀκολουθία εἰς ἀποκουκουλίσαι.
 л. 126 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

- л. 144 об. Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνα νεκρῶν.
 л. 148. Чинъ воцѣрковіенія (безъ пачала).
 л. 149 об. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.
 л. 160 об. Εὐαγγέλια ἀναστάσιμα ἐωθινὰ ια'.
 л. 168 об. Преподобнымъ апостолъ и евангеліе.
 л. 170. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας.
 л. 178 об. Εὐχαὶ τοῦ λοχικοῦ. 10 молитвъ.
 л. 183 об. Εὐχαὶ τοῦ ὀρθρου. 12 молитвъ.
 л. 188. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου (безъ конца).
 л. 209. Молитвы на различные случаи.
 л. 218 об. Ἀκολουθία εἰς νυκτερινὴν φαντασίαν.
 л. 220. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἁγίας τραπέζης.
 л. 222. Εὐχαὶ τοῦ ἁγίου Ταρασίου, πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως.
 л. 224 об. Τροπάρια, φαλλόμενα εἰς τὸν ἐνταφιασμὸν τῷ ἁγίῳ καὶ μεγάλῳ σαββάτῳ (безъ конца).

CXI. № 716. Илитарій Патмосской библиотеки на пергаменѣ, содержащій: Διακονικὸν καὶ Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας, писанъ по черкомъ XVI в.¹⁾

Ἰστέον, ὅτι ἐν τῷ μέλλειν ἐκτελέσαι τὴν θεῖαν λειτουργίαν, ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς καὶ ὁ διάκονος καὶ ἵστανται πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ποιῶσι μετανοίας τρεῖς, ἀσπαζόμενοι τὰς ἁγίας εἰκόνας, εἴτα εἰσέρχονται εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὸ στιχάριον ἐν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ καὶ προσκυνεῖ τρίτον κατὰ ἀνατολὰς, καὶ σφραγίζων αὐτό, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός.. καὶ οὕτως λέγει· Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου... Εἴτα λαβὼν τὸ ἱερὸν ἐπιτραχήλιον, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ ἐκχέων τὴν χάριν... Ὁ δὲ διάκονος, λαβὼν καὶ αὐτὸς τὸ τε ὠράριον καὶ τὸ στιχάριον ἐν τῇ ἀριστερᾷ χειρὶ, ποιεῖ τῷ ἱερεὶ μετάνοιαν, λέγων· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν ἐνδυσόμενον. Καὶ ὁ ἱερεὺς σφραγίζει ταῦτα ἢ τοῦτον, καὶ λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν πάντοτε... Εἴτα ἀπέρχονται οἱ δύο ὁμοῦ ἐν τῇ ἁγίᾳ προθέσει, καὶ λαμβανει ὁ ἱερεὺς τὴν προσφοράν, καὶ λέγει, ἱστάμενος κατὰ ἀνατολὰς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός πάντοτε... Εἰς ἀνάμνησιν Κυρίου Θεοῦ... Ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Ὡς πρόβατον... GOMT p. 49. Ὁ διάκονος· Ἄρον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς!

_____ Εὐχ. Σονη. 1777

¹⁾ I. Саккеліонъ относитъ его безъ достаточныхъ основаній къ XIV в. Πατριακή βιβλιοθήκη σελ. 276.

Ὅτι αἵρεται.. Ὁ διάκονος· Θύσον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Θύεται ὁ ἄμνος τοῦ Θεοῦ ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς καὶ σωτηρίας, ὁ πάντοτε θυόμενος καὶ μηδέποτε δαπανώμενος. Ὁ διάκονος· Νύξον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εἰς ἐκ τῶν στρατιωτῶν... καὶ ὁ ἐωρακώς μεμαρτύρηκε, καὶ ἀληθινὴ ἐστὶ ἡ μαρτυρία αὐτοῦ, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί. Ὁ διάκονος, λαβὼν οἶνον καὶ ὕδωρ, ποιεῖ ἔνωσιν ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ. Λέγει ὁ διάκονος τῷ ἱερεῖ· Εὐλόγησον, δέσποτα, καὶ τὸ αἶμα καὶ τὸ ὕδωρ. Αὐτῷ ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγει· Εὐλογημένον τὸ αἶμα καὶ τὸ ὕδωρ τῷ Πνεύματι σου, πάντοτε, νῦν... Εἶτα λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὰς ἐπιλοιπούς τέσσαρας προσφοράς. Καὶ εὐθὺς λαβὼν ὁ διάκονος τὴν πέμπτην προσφοράν, μνημονεύει τεθνεῶτα καὶ ζῶντας. Ἐπειτα λαβὼν ὁ διάκονος τὸ θυμιατὸν μετὰ θυμιάματος, λέγει πρὸς τὸν ἱερέα· Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸ θυμίαμα. (Ὁ ἱερεὺς)· Θυμιάμά σοι προσφέρομεν.. Λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸν ἀστέρα, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ ἱερεὺς· Τῷ λόγῳ Κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν καὶ τῷ Πνεύματι τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν· καὶ ἰδοὺ ἀστήρ ἔστη ἐπάνω, οὗ ἦν τὸ παιδίον. Λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ πρῶτον κάλυμμα, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν. Дальнѣйшій порядокъ, какъ у Гвара р. 51.—Послѣ великаго выхода, священникъ прѣдъ τὸν διάκονον· Εὐξαι ὑπὲρ ἐμοῦ, διάκονε. Καὶ λέγει ὁ διάκονος τῷ ἱερεῖ· Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ... Ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει πρὸς αὐτόν· Τὸ αὐτὸ Πνεῦμα συλλειτουργήσει ἡμῖν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί. Καὶ ὁ διάκονος· Ἀμήν. Εἶτα λέγει ὁ διάκονος· Μνησθητι καὶ ὑπὲρ ἐμοῦ, δέσποτα ἅγιε. Καὶ ὁ ἱερεὺς· Μνησθεῖν σου Κύριος ὁ Θεός ἐν τῇ βασιλείᾳ. Εἶτα ἐξέρχεται ἐκ τοῦ βήματος, λέγων οὕτως· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν... Далѣ послѣдованіе чина обычное.

CXLI. № 703. Εὐχολόγιον сборный той-же библиотеки, писанъ частію на бумагѣ, частію на пергаменѣ и притомъ разными почерками. Рукопись въ 16 долю листа, 240 листовъ. Начала нѣтъ.

л. 1. Чинъ малаго водоосвященія XVI в. безъ начала и конца.

л. 5. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Ομοφانیων XV в.

л. 20 об. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν XV в.

л. 23. Чинъ елеосвященія. Письмо XV—XVI—XVII вѣковъ.

Многіе листы отсутствуют.

л. 53. Молитвы на различные случаи XVI в. иной руки.

л. 72. Чинъ литургіи св. І. Златоуста съ подробнымъ изложениемъ XV в.

л. 117. Нѣсколько отрывковъ изъ литургіи преждеосвященныхъ даровъ.

л. 123. На пергаменѣ XIV—XV в. чинъ литургіи св. Василия Великаго. Почти современною рукою написаны поминовенія п апъ Римскаго Павла и патріарха Виссаріона (л. 128).

л. 161. Молитва надъ коливомъ.

л. 163. Ἀκολουθία ἐπὶ μνήστροις βασιλέων καὶ λοιπῶν.

л. 179. Чинъ вѣнчанія на пергаменѣ XIII в., но безъ начала.

л. 182. Молитвы на различные случаи.

л. 194 об. Апостольскія и евангельскія чтенія на праздники и дни чтимыхъ святыхъ.

л. 222 об. 11 утреннихъ евангельскихъ чтеній.

л. 230. Служба Пасхи.

л. 232. Малое водоосвященіе. Къ тропарямъ припѣвы изъ молитвы: Величитъ душа моя.

л. 236. Ἀκολουθία εἰς τοὺς ἀσθενοῦντας ὑπὸ ζ' πρεσβυτέρων. Послѣдованіе обрывается на стихирахъ на хвалитѣхъ.

СХІІ. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Ксиропотамской библіотеки, въ 16 долю листа, писана различными почерками XVI в.

л. 2. Ἀκολουθία εἰς τεθνεῶτας.

л. 20. Ἀκολουθία νεκρώσιμος εἰς κοσμικοὺς ἀνδρας καὶ γυναῖκας.

л. 29. Ὁ κανὼν τῶν νηπίων.

л. 35. Εἰς δὲ ἱερέα κοιμηθέντα.

— Ἀκολουθία εἰς κόλλυβα ἱερέως.

л. 50. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου ὑπὲρ τῶν κεκοιμημένων.

л. 58. Νεκρῶν εὐχέλαιον. Апостолы и евангелія.

л. 68. Ἀναπαυσιμᾶριον σὺν Θεῷ ἁγίῳ, περιέχον ἀκολουθίαν εἰς ἱερομονάχους καὶ μοναχοὺς.

л. 69. Ἀκολουθία εἰς μοναχοὺς.

л. 84 об. Εἰς κόλλυβα μοναχῶν καὶ ἱερομονάχων καὶ ἱερέων.

л. 87. Стихиры надъ умершими.

л. 88. Κανὼν εἰς γυναῖκας μοναζούσας.

л. 90. Εἰς ἀνδρας λέγει τὸν κανόνα τοῦ νεκροευχελαίου τῶν ζώντων ὑπάρχει κανὼν ἀναπαύσιμος εἰς κοιμηθείσας γυναῖκας.

СХІІІ. № 41 Εὐχολόγιον, рукопись той-же библіотеки, въ 16 долю листа, 264 листа, писана скорописью XVI в.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 14. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 32. Ἡ θεία μυσταγωγία τῶν προηγησμένων.

л. 39. Ἀποστολοεὐαγγέλια τῆς ἐβδομάδος и общимъ святымъ.

л. 56. Молитвы на различные случаи.

л. 68. Ἀκολουθία σὺν Θεῷ ἁγίῳ τοῦ εὐχελαίου. На канонѣ положенъ припѣвъ: „Помилуй мя, Боже, помилуй мя“.

л. 91. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ μικροῦ.

л. 97 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ μεγάλου.

л. 104 об. Ἀκολουθία εἰς ῥασοφοροῦντα.

л. 105. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἥ ὡς τοῦ μανθόου.

л. 112. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν καὶ ἅγιον οἶχημα.

л. 135. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

л. 162 об. Ἀκολουθία ἐν κολλύβοις μοναχοῦ, ἥτοι εἰς μνημόσυνον.

л. 167 об. Εἰς λαϊκὸν μνημόσυνον.

л. 171 об. Εὐχὴ εἰς τὸ βαπτίσαι παιδίον καὶ εἰς γυναῖκας λεχούσας. Εὐχὴ εἰς γυναῖκα λεχούσαν, ὅταν ἀποβαλθῇ παιδίον. А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 4; См. выше стр. 779.

л. 172 об. Εὐχὴ εἰς λοχεῖαν γυναικός, ἥτις τέξῃ. См. Приложенія стр. 4—5, но съ прибавленіемъ тропарей, послѣ обычнаго начала, „Помилуй насъ, Господи“, „Господи, помилуй насъ“, и „Милосердія двери“.

л. 174. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὰς ἐπιλαχούσας ἐν τῇ κούρῃ τῆς γυναίκος. Тамъ-же стр. 6; См. выше стр. 780.

л. 175. Ἀκολουθία εἰς τὸ ὀνομάσαι τὸ παιδίον τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ. Тамъ-же стр. 18, прим. Послѣ обычнаго начала и здѣсь вставлены тѣ-же тропари: „Помилуй насъ, Господи“, и пр.; См. выше стр. 780—781.

л. 176 об. Ἀκολουθία, ὅποταν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι μ' ἀπὸ τῆς γεννήσεως τῆς γυναίκος. Тамъ-же стр. 18, прим.; См. выше стр. 780.

л. 178. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος. Тамъ-же стр. 20, прим. 1—4; стр. 21, прим. 1; стр. 22—23, прим. 4; стр. 24, прим. 1, 6.

л. 190 об. Παράκλησις τῆς Παναγίας.

л. 194. Мѣсяцесловъ.

л. 132. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἁγίας Πεντηκοστῆς.

л. 240. Εὐχή συγχωρητική, λεγομένη παρὰ ἀρχιερέως, ἢ ιερέως, ἡ πνευματικοῦ πατρὸς εἰς τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν *Goar pag. 536.*

л. 242. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρος ἡμῶν ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως Φιλοθέου τοῦ σοφωτάτου εὐχή, λεγομένη πάνυ γε ὠφέλιμος εἰς τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν εἰς πειρασμοὺς πολυτρόπους, ἀπερχομένους εἰς πάντα ἄνθρωπον διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν, εἰς σεισμοὺς καὶ θανάτικόν, εἰς πόλεμον ἀλλοφύλων, εἰς συκοφαντίας, μαγείας καὶ πονηρίας τῶν κακοποιῶν ἀνθρώπων, εἰς ἁγιασμόν καὶ φύλαξιν τῶν οἰκούντων ἐν οἰκίαις καὶ πανταχοῦ, καὶ ἔστι πάνυ ὠφέλιμος, ἐὰν ὑπὸ ιερέως καθ' ἕκαστον μῆνα ἀναγιγνωσκομένη, ὁμοίως καὶ τῆς Θεοτόκου εἰς πᾶν ἔργον ἀγαθόν. II. Сырку. Къ исторіи исправленія книгъ въ Болгаріи въ XIV в., т. I, стр. LXXXII, 172.

л. 243. Τοῦ αὐτοῦ σοφωτάτου καὶ λογιωτάτου Φιλοθέου πατριάρχου εὐχή εἰς κοσμοσώτειραν καὶ ἐλπίδα τῶν χριστιανῶν τὴν παναχρίαν Θεοτόκον, καὶ (εἰς) πᾶν ἔργον ἀγαθὸν ἀναφερομένη.

л. 244. Διήγησις πενωφέλιμος Μακκαρίου μοναχοῦ τοῦ Αἰγυπτίου.

л. 246. Κανονάριον, διαγορευθὸν περὶ πάντων τῶν παθῶν λεπτομερῶς καὶ τῶν τούτοις προσφόρων ἐπιτιμιῶν, περὶ τε τῆς ἁγίας κοινωνίας, βρωμάτων καὶ πομάτων καὶ εὐχῆς. A. Алмазовъ. Тайная исповѣдь, т. III, отд. 1, стр. 12—13.

л. 255. Συνοδικαὶ καὶ ἀποστολικοὶ κανόνες καὶ τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

л. 259 об. Ἐκ τοῦ βίου τοῦ ἁγίου Ἀνδρέου, τοῦ διὰ Χριστὸν σκλοῦ.

л. 263. Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Νηστευτοῦ и другихъ отцевъ правила по разнымъ вопросамъ церковной практики.

CXIV. № 340. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Кутлумушской библиотеки, въ 16 долю листа, 450 листовъ, писана четкимъ почеркомъ XVI в. Въ концѣ рукописи имѣется приписка писца: Εὐχου κάμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ Σισώη τοῦ μοναχοῦ, διὰ τὸν Κύριον Δέσποτα εὐχου.

л. 2. (Εὐχή), λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ.

— Апостолы и евангелія на различные случаи.

л. 156 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

л. 172 об. Εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.

л. 174. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἤγγουν τοῦ μανδύου.

л. 191. Ἀκολουθία, γινομένη εἰς τὸ μέγα καὶ ἀγγελικὸν καὶ ἄγιον σχῆμα.

л. 245 об. 'Ακολουθία σὺν Θεῷ ἀγίῳ τοῦ εὐχελαίου. При нали-
ваніи масла въ кандило, каждый священникъ читаетъ 90 псаломъ
и символъ вѣры.

л. 301 об. 'Ακολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ.

л. 360. Κανὼν εἰς κοιμηθέντας.

л. 375. 'Ακολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 393 об. 11 утреннихъ евангелій.

л. 413. Διακονικά εἰς ἀνομβρίαν и молитвы на различные случаи.

CXLV. № 358. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библіотеки, въ 16
долю листа, 162 листа, писана мелкою четкою скорописью XVI в.

л. 1. Εὐχαὶ τοῦ λυχνικοῦ.

л. 6 об. Εὐχαὶ ἐωθιναί.

л. 12. Утреннія воскресныя евангелія.

л. 17 рб. 'Ακολουθία εἰς γυναῖκα λεχοῦσαν.

Εἰσέρχεται ὁ ἱερεὺς ἐν τῷ οἴκῳ, ἐν ᾧ ἔτεκεν ἡ γυνή, καὶ λαμ-
βάνει θυμίαμα καὶ θυμῖα τὸν οἶκον καὶ τὴν τέξασαν, καὶ τὴν μαῖαν, καὶ
τὰς ἐτέρας, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ ἄρχεται τὸ Βασιλεῦ οὐράνιε, τὸ
Τρισάγιον, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, τὸ Κύριε ἐλέησον
ιβ', τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν, τὸν Ν', τὸ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, τὸ Ἄνεις,
ἄφεις, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστὶν, τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας καὶ
τὸ κοντάκιον καὶ οὕτως ἄρχεται τὴν εὐχὴν· Κύριε παντοκράτωρ, ὁ Θεὸς
τῶν δυνάμεων, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν... См. выше стр. 907.
Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάστης καὶ δημιουργὸς τῶν πάντων, ὁ πλάσας
τὸν ἄνθρωπον ἀπὸ τοῦ χοῦ... А. Дмитриевскій. Прилож. стр. 1.
Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὁδῷ εἰπὼν τῷ Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ,
τὰ μικρὰ καὶ ἀκάρθρα πάντα... Тамъ-же стр. 6. Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ
Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς παναγίας ἀχράντου Δεσποίνης
ἡμῶν Θεοτόκου. Goar pag. 271. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ
ἐνυποστάτῳ σου Λόγῳ τὰ πάντα ἐκ μὴ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγών...
Goar. p. 263.

л. 24. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς βάπτισιν ἀνθρώπου. Начало чина
такое же, какъ и въ послѣдованіи надъ женою родившею. Послѣ
кондака дня εἰπ' οὕτως προσφέρεται ὁ νεοφώτιστος παρὰ τοῦ ἀναδόχου,
καὶ ἐμφυσᾷ ὁ ἱερεὺς εἰς τὸ πρόσωπον γ', λέγει· Λάβε Πνεῦμα ἅγιον.
Отпустъ: Ὁ ἐν Ἰορδάνῃ βαπτισθῆναι καταδεξάμενος ὑπὸ Ἰωάννου.

л. 35. 'Ακολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ.

л. 40 об. 'Ακολουθία τῶν ἀγίων Θεοφανίων.

λ. 48 οβ. Ἀκολουθία εἰς μνηστρα γάμου.

Моментъ возложенія вѣнцовъ описывается такъ: Καὶ εὐθὺς φέρουσι τὸν σύντεκνον καὶ ἵσταται ὀπισθεν τῶν νεονύμφων, ὁ δὲ ἱερεὺς, λαβὼν τὰ στεφάνια, εὐλογῶν τὰς κεφαλὰς αὐτῶν, λέγων· Ὁ Πατὴρ εὐλογεῖ, ὁ Υἱὸς στέφει καὶ τὸ Πνεῦμα (τὸ) ἅγιον ἐπισκιάσει ἐπ' αὐτούς. Καὶ λέγει αὐτὸ ἐκ γ'. Μετὰ δὲ ταῦτα, λαβὼν τὸν ἕνα στέφανον, λέγει τῷ ἀνδρὶ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτόν. Καὶ κρατεῖ τὸν στέφανον ὀπισθεν ὁ ἀνάδοχος τῇ δεξιᾷ χειρὶ. Εἵτα λαβὼν πάλιν ὁ ἱερεὺς τὸν ἕτερον στέφανον, θέτει ἐν τῇ κεφαλῇ τῆς γυναικὸς, λέγων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξῃ καὶ τιμῇ στεφάνωσον αὐτήν. Κρατῶν δὲ ὁ ἀνάδοχος τοὺς στεφάνους, ἀλλάσσει φορὰς β'. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνην πᾶσιν. Σοφία. Πρόσχωμεν. Προκείμενον, ἡχος δ'. Πάντα ὑπέταξαι ὑποκάτω. Στίχος· Δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας. Ἀδελφοί, αἱ γυναῖκες τοῖς ἰδίοις ἀνδράσιν ὑποτασσέσθωσαν, ὡς τῷ Κυρίῳ... Τέλος· ἀλλὰ ἐκτρέφετε αὐτὰ ἐν παιδείᾳ καὶ νοουθεσίᾳ Κυρίου. Послѣ „Отче нашъ“, καὶ εἰ βούλονται μεταλαβεῖν τῶν θείων μυστηρίων, κρατῶν ὁ ἱερεὺς ἅγιον ποτήριον μετὰ τῶν προηγιασμένων, λέγων· Πρόσχωμεν. Προηγιασμένα τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Ὁ λαός· Εἴς ἅγιος, εἰς Κύριος Ἰησοῦς Χριστὸς εἰς δόξαν Θεοῦ... Καὶ οὕτως κοινωνεῖ αὐτοὺς τῶν θείων μυστηρίων. Εἰ δὲ καὶ οὐ βούλονται μεταδοθῆναι τῶν θείων μυστηρίων, φέρουσι ποτήριον, πλήρες οἴνου, καὶ ἀπὸ ψωμί κομμάτια γ' ἐν τῷ δίσκῳ, καὶ ἔρχεται ὁ ἱερεὺς, λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην ἐπάνω αὐτῶν· Ὁ Θεός, ὁ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου καὶ στερεώσας τὴν οἰκουμένην, Goar pag. 319. Καὶ κρατῶν ὁ ἱερεὺς τὸ ποτήριον, μεταδίδεται τῷ ἀνδρὶ δίς, τῇ δὲ γυναικὶ μία. Καὶ ἢ μὲν εἰς τὸ ψωμίον λέγει· Ποτήριον σωτηρίου λήψομαι. Καὶ αὖθις ἄρχεται ὁ ἱερεὺς, λέγων τὴν εὐχὴν· Αὐτοθελὴς καὶ αὐτοφυὴς καὶ αὐτοβούλετος Θεὸς ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ Πατρὸς, Λόγος ἀγαθός...

λ. 56. Ἀκολουθία εἰς διγάμους.

λ. 57. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

λ. 72 οβ. Ἀκολουθία εἰς κοιμηθέντα ἱερέα.

Полная утренняя съ непорочными, канономъ и стихирами, среди которыхъ положено читать одиннадцать чтеній изъ Евангелія и Апостола, но безъ молитвъ. Καὶ γίνεται δοξολογία μεγάλη, καὶ εἰσοδεύουν τὸ λείψανον οἱ ἱερεῖς μετὰ τοῦ θρόνου, καὶ μετὰ τὴν δοξολογίαν ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον.

λ. 100 οβ. Ἀναπαυσιμάριον τῶν νηπίων. Goar p. 472.

λ. 104 οβ. Ἀκολουθία τῶν τεθνεώτων λαϊκῶν.

λ. 111 οβ. Ἀκολουθία εἰς ψυχορράγουστας.

л. 114 об. Молитвы на различные случаи.

л. 122 об. Апостольскія и евангельскія чтенія на цѣлый годъ.

л. 139 об. 'Ακολουθία τοῦ νεκρωσίου ἐν χειλαίῳ, ποίημα Νικολάου, μητροπολίτου Ἀθηνῶν.

CXLVI. № 217. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Филоѳеевскаго монастыря, въ 24 долю листа, 403 листа, писана красивымъ мелкимъ почеркомъ XVI в.

л. 1. 'Ακολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιάσματος.

л. 9. Διάταξις τῆς θείας λειτουργίας τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσσοστόμου. Goar p. 47.

л. 35. Διάταξις τῆς θείας ἱερουργίας τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου. Goar p. 135.

л. 54. Ἑρμηνεία τῆς θείας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων. Goar pag. 161.

л. 56. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων. Goar pag. 161. Codex Morelianus.

л. 64 об. Слово св. I. Златоуста на Пасху.

л. 66. Апостольскія и евангельскія чтенія на всю Пятидесятницу.

л. 89 об. 'Ακολουθία τῆς γονυκλισίας.

л. 104. Апостольскія и евангельскія чтенія на цѣлый годъ.

л. 275 об. Молитвы на различные случаи.

л. 287 об. 'Ακολουθία εἰς γυναῖκα λεχώ.

л. 288 об. Εὐχή εἰς τὰς παρατυχοῦσας γυναῖκας.

л. 289. Εὐχή εἰς γυναῖκα, ὅταν ἀποβάλληται. Goar. p. 271.

л. 289 об. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ.

л. 290 об. Εὐχή εἰς τὸ σαραντῆσαι γυναῖκα. p. 267.

л. 291. Εὐχή εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι παιδίον. p. 267—268.

л. 292. 'Ακολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. p. 275.

л. 297. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

л. 305. 'Ακολουθία εἰς μνηστρα, ἥγουν τοῦ ἀρράβωνος.

л. 309 об. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 339. 'Ακολουθία εἰς νήπια τελευτήσαντα.

л. 339 об. 'Ακολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ τῶν κοσμικῶν.

л. 355. 'Ακολουθία εἰς μνημόσυνον κοσμικῶν.

л. 359 об. Τάξις, γινομένη εἰς τὸ φορέσαι τινὰ ράσον μόνον καὶ καλυμνύχιον.

л. 361. Τάξις τοῦ μικροῦ σχήματος.

л. 368 об. Τάξις τοῦ θείου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

Въ числѣ одеждѣ, кромѣ хитона, кукуля, апалава, пояса, палия, сандаλій и одежды великой схимы, называется и σουδάριον τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 388 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ τῶν μοναχῶν.

CXLVII. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Баракальскаго монастыря, въ 24 долю листа, 262 листа, писана разными почерками XVI в. На оборотѣ 73 листа имѣется позднѣйшая приписка 1535 года (μηνὶ Φεβρουαρίῳ κβ', ἔτους ζμγ'), написанная весьма неразборчиво.

л. 1. Литургія св. I. Златоуста безъ начала. При вліяніи теплоты, положено произносить, кромѣ „Исполненія св. Духа“, слѣдующія молитвословія: Καὶ τῷ θεορρότῳ αἵματι καινοθέντι... Καὶ ἐξηγόρασας ἡμᾶς... εἶτα καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Λουτρών τὸ θεῖον τῆς παλιγγενεσίας... Τὰς ἀνομίας μου πάριδε, Κύριε... Ὡς ὁ ἄσωτος υἱὸς ἦλθαν καγώ... Ὡς περιπεσὼν εἰς τοὺς ληστὰς..., ποιῶντες καθ' ἓν τροπάριον μετάνοιαν α'.

л. 18. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς γεννήσεως αὐτοῦ.

л. 19. Εὐχή εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραχρησόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Goar pag. 267.

л. 19 об. Εὐχή ἐτέρα εἰς τὸ ἐκκλησιάσαι γυναῖκα.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πᾶσαν φύσιν λογικὴν. Goar p. 267.

л. 20 об. Εὐχή τοῦ саранτισμοῦ. Двѣ молитвы женѣ родильницѣ.

л. 22. Εὐχή, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν, συγχωρῶν αὐτῷ πάντα τὰ ἐκούσια καὶ ἀκούσια ἁμαρτήματα, καὶ πᾶσαν ἄρὰν καὶ ὄρκον, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου Χρυσοστόμου.

Κύριε, οἶδα, ὅτι οὐκ εἰμι ἄξιος, οὐδὲ ἱκανός, ἵνα μου ὑπὸ τὴν στέγην. Въ молитвахъ ко причащенію.

л. 25. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

л. 58. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

л. 74. Чтенія изъ Аποστοла и Евангелія.

л. 174. Ἀκολουθία εἰς ἀρράβωνας γάμου.

Ὁ τῷ παιδὶ τοῦ πατριάρχου Ἀβραάμ. Goar p. 311.

л. 174. Ἀκολουθία ἐπὶ μνηστείας.

л. 175. Ἐκκλησιαστικός (κανών) εἰς γάμους. См. выше стр. 925, по сѣ нѣкоторыми незначительными прибавленіями: Ὁ Θεὸς τῆς εἰρήνης καὶ ἀγάπης ἔσται μεθ' ὑμῶν· εἴτα πάλιν ὁ ἱερεὺς· Θέλοντα καὶ θελομένων. Καὶ τῶν παρόντων ἀποκρινομένων· Ναί, ἂν θέλῃ ὁ Θεός. Ο причащеніи брачующихся говорится такъ: Καὶ λαμβάνει ὁ ἱερεὺς τὰ ποτήρια μετὰ κοινωνίας τὸ ἐν καὶ ἄλλο, καὶ λέγει· Καὶ ἔκλινεν ἐκ τούτου εἰς τοῦτο, πλὴν ὁ τρυγίας αὐτοῦ οὐκ ἐξουθενώθη. Λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ ποτηρίου· Ὁ Πατὴρ τῆς οἰκουμένης, ὁ ἐλθὼν μετὰ δόξης πολλῆς, ὁ παραγενόμενος τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ... Μετενώνει τὰ ποτήρια τὸ ἐν εἰς ἄλλο, καὶ λέγει· Ὅτι σὺ εἶ ὁ Πατὴρ ἐν τῷ Υἱῷ, καὶ ὁ Υἱὸς ἐν τῷ Πατρὶ, ἅμα τῷ παναγίῳ καὶ ἁγιοθῷ... Καὶ μετὰ τοῦτο ἐπιδίδει τὰ ποτήρια καὶ πίνουσι, καὶ ἐπισφραγίζει ὁ ἱερεὺς καὶ λέγει· Ἐν εἰρήνῃ προέλθετε, καὶ ἀγάπῃ πορεύεσθε. Καὶ ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Καὶ ἀπέρχεται εἰς παστὸν οἶκον.

л. 188. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 230. Ἀκολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. Одежды крещасемаго называются диадήματα.

л. 252. Εὐχὴ, λεγομένη ἐπὶ μέλλοντα μεταλαβεῖν τινα, συγχωρῶν αὐτῷ πάντα τὰ ἐκούσια καὶ ἀκούσια ἁμαρτήματα.

л. 256. Ἀκολουθία τῆς κοινῆς παρακλήσεως.

CXLVIII. № 528. Рукопись Аѳоно-Діонисиатской библіотеки, въ 16 долю листа, 66 листовъ, писана почеркомъ XVI в.

л. 1. Διάταξις τῆς τοῦ πατριάρχου λειτουργίας πῶς γίνεται ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ, ἐν ᾗ καὶ ἡ τάξις τῶν χειροτονιῶν τότε καὶ πῶς γίνεται ἐκάστη, συνταχθεῖσα παρὰ τοῦ πρωτονοταρίου τῆς ἁγιωτάτης τοῦ Θεοῦ μεγάλης ἐκκλησίας, διακόνου κυροῦ Δημητρίου τοῦ Γεμιστοῦ. См. выше стр. 301—318 и прим.

л. 57. Чинъ литургіи преждеосвященныхъ даровъ, но письмо другой руки позднѣйшаго времени.

CXLIX. № 375. Εὐχολόγιον, рукопись патріаршей іерусалимской библіотеки, въ 16 долю листа, 226 листовъ, изъ собранія монастыря св. Саввы, писана скорописью XVI вѣка. Приписка 1535 года въ концѣ приводится Пападопуло—Κεραμεвсомъ въ Ἱεροσολ. βιβλιοθήκῃ τ. α', σελ. 501.

λ. 1. Εὐχή εἰς γυναῖκα λεχώ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ τοῦ χοῦς πλάσας ἄνθρωπον καὶ ἐξ αὐτοῦ ἀναπλάσας γυναῖκα... Прилож. стр. 3.

λ. 2. Εὐχή εἰς τὰς παρατυχοῦσας γυναῖκας.

Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, παρακαλοῦμέν σε, δεόμεθα, ἵνα ταύτην τὴν διασωθεῖσαν δούλην σου, τήνδε, καθαρίσῃς ἀπὸ πάσης κηλίδος...

λ. 2 об. Εὐχή εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ἡμέρᾳ.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, σοῦ δεόμεθα. Goar pag. 264. Неокончена молитва.

λ. 3 чистый.

λ. 4. Конец молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ... Goar. p. 267.

λ. 4 об. Εὐχή ἐτέρα εἰς τὸ σαραντήσαι.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν μ' ἡμέραις βρέφος τῷ νομικῷ ναῷ προσαχθεῖς. p. 267. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. Ibidem.

λ. 6. Εὐχαὶ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχοῦμενον. Обычный чинъ.

λ. 31 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ἁγιαζομένου ὑπὸ ζ' ἱερέων.

Μετὰ τὸ εὐλογητόν, τὸ Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς, καὶ τὸ Θεὸς Κύριος, καὶ τὸν Ν', καὶ ὁ κανὼν. Goar pag. 332—335. Постъ стихирь: τὸ Ἀξιόν ἐστιν, τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, καὶ τὰ τροπάρια· Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Πολλὰ τὰ πλήθη... Ὁ διάκονος· Ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ γίνεται ἀπόλυσις, καὶ ποιεῖ συγχώρησιν ἕως γ', καὶ εὐθὺς λέγει ὁ ἱερεὺς τὸ εὐλογητόν, Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ', τὸν Ν' καὶ τὸ Πιστεύω. Τούτων δὲ λεγομένων, λέγεται ἡ εὐχή· Κύριε, ὁ ἐν ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου p. 335. Εἴτα λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Прилож. стр. 120, прим. καὶ τὰ ἀντίφωνα· Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι, καὶ τὰ ἐξῆς καὶ ἡ εὐχή· Ἀναρχε, ἀδιάδοχε. Goar pag. 337 οὐρανῶν κληρονομίαν. Ὅτι Θεὸς ἐλέους, οἰκτιρμῶν καὶ φιланθρωπίας ὑπάρχεις, καὶ σοὶ τὴν δόξαν... Ὁ διάκονος· Καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων, καὶ ψάλλουσι τὸ Ὅσοι εἰς Χριστόν. Прокименъ и апостолъ у Гоара p. 337. Евангеліе κατὰ Ἰωάννην. Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἀνέβη ὁ Ἰησοῦς εἰς Ἱερουσόλυμα, ἔστι δὲ ἐν τοῖς Ἱερουσόλοις, ἐπὶ τῇ προβατικῇ κολυμβήθρᾳ. Прилож. стр. 123. Καὶ εὐθὺς Ἐλέησον ἡμᾶς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ ἡ εὐχή· Εὐδιάλλαχτε Κύριε, ὁ μόνος ἐλεήμων Прилож. стр. 124—125. Εἴτα ἀλείφει ἅγιον ἔλαιον, λέγων τὴν εὐχήν· Πάτερ ἄγιε, ἰατρέ. Goar pag. 338 (именъ Фотія и Анн.

киты нѣтъ), прокименъ, апостолъ и евангеліе р. 338—339, молитва: Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ὁ Παντοκράτωρ. Прилож. стр. 127. Дальнѣйшій порядокъ апостольскихъ и евангельскихъ чтеній. См. Прилож. 131—133 и прим., за исключеніемъ послѣдняго апостола: πρὸς Τιμόθεον· Τέκνον Τιμόθεε, ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι... Τέλος· Μετὰ δόξης αἰωνίου. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαίου· Εἶπεν ὁ Κύριος, ἐάν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις τὰ παραπτώματα... Τέλος· Ἐκεῖ ἔσται καὶ ἡ καρδία ὑμῶν. Молитвы слѣдуютъ въ такомъ порядкѣ: послѣ третьяго евангелія — Ἀγαθέ, φιλόνθρωπε, εὐσπλαγχνε. Прилож. стр. 128, послѣ четвертаго — Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος. Goar pag. 342, послѣ пятаго — Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, 343, послѣ шестого — Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἰατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων, р. 345, послѣ седьмого — Ὁ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι. Прилож. стр. 130 прим. 3. Πηγὴν ἱαμάτων ἔχοντες... Εἶτα ὁ πνευματικὸς εὐχὴν τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar pag. 346. Καὶ γίνεται ἀπόλουσις.

л. 68 об. Молитвы на различные случаи.

л. 79 об. Ἀρχὴ τοῦ σχηματολογίου. Εἰς ἀρχάριον μοναχόν. Goar pag. 378—379.

л. 81 об. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδρώτου

Ὁ μέλλων κουρευθῆναι ἀδελφός. См. выше стр. 428 Καὶ λαβὼν τὸ φαλίδιον, θέτει ἐπάνω καὶ λέγει (εἰς) τὸν νεόκουρον ὁ ἱερεὺς· Λάβε το φαλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ λαβὼν, ἐπιτίδωσι τῷ ἱερεῖ, ἀσπαζόμενος ὁ νεόκουρος ἐκ γ'. Καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ λαμβάνεις αὐτό, βλέπε τίνι προσέρχῃ... Одежды: ῥάσον. παλλίον, κμηλαύχιον, ζώνην, σινδόαλια, μανδύον. По облаченіи молитва: Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν, ὁ εὐλογήσας ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ. Goar p. 393. ἐπιλαβέσθαι τῆς αἰωνίου ζωῆς, ἵνα ἀξίως πολιτεύηται κατὰ τὰς ἐντολάς τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητός εἶ, σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ... Εἶτα ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ πάντα τοὺς ἀδελφούς. Καὶ εἰ μὲν ἐν λειτουργίᾳ, εἰσοδεύει ὁ ἀδελφός, καὶ εἴ ἐστιν ἄξιος ὁ ἀδελφός, μεταλαμβάνει τῶν θείων μυστηρίων, εἰ δὲ οὐκ ἐστιν λειτουργία, γίνεται μόνον ἐκτενὴ παρὰ τοῦ ἱερέως καὶ ἀπόλουσις, εἶτα ἀδελφός τις κουρεύει αὐτόν, ψάλλον τὸν Ἀρμόμον.

л. 95. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος. Чини, за немногими особенностями въ изложеніи, сходенъ съ чиномъ выше стр. 278—281, прим. изъ ркн. № 208 Есфигм. монастыря.

- λ. 131. 'Ακολουθία τῆς γονυκλισίας τῆς ἀγίας Ν'.
- λ. 149. 'Ακολουθία τῶν ἀγίων Θεοφανίων.
- λ. 157. 'Ακολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ, τοῦ κατὰ μῆνα γινομένου.
- λ. 165. 'Ακολουθία τοῦ ἐξοδιστικοῦ.

Начало чина до евангелия См. выше стр. 389. Ἐἵτα γίνεται ὁ ἀσπασμός, καὶ φάλλομεν στιχηρά, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου· Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμόν... Τὰ πάντα τοῦ σώματος νυνὶ ὄργανα ἀργὰ θεωροῦντες... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός... Οἷα ἡ ζωὴ ἡμῶν ἐστίν, ἄνθος καὶ ἀτρίς· τε καὶ ὁρόσος... Ἄρτι ἡ τοῦ βίου πονηρὰ λίσσεται πανήγυρις πᾶσα... Σῶζε τοὺς ἐλπίζοντας εἰς σέ... Ἔτερα ἰδιόμελα, ἤχος δ'. Τὴν αἰτετάρachον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραχμών... Ἡ αἰοίδιμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ... Παντοκράτωρ Κύριε, τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου ἀνάπαυσον... Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας... Goug. pag. 445—446, Εἰρήνευσον πρεσβείαις τῆς Θεοτόκου... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμόν, ἄραντες τὴν κλίνην, ἀπέρχονται εἰς τὸ κοιμητήριον, φάλλοντες Τρισάχιον καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Γῆ χανοῦσθ, ὑπόδεξαι τὸν ἀπὸ σοῦ πλασθέντα χειρὶ Θεοῦ τὸ πρότερον... Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ, ἐγὼ εἰμι ἡ ἀνάστασις... ἤχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασχηταί... Ἐἵτα θάπτουσί τὸ λείψανον· λαβὼν γὰρ ἔλαιον μετὰ κανδήλας, ἐπιχέει ἄνωθεν τοῦ λειψάνου, ποιῶν τύπον σταυροῦ γ', λέγων τὸ Ἀλληλουῖα ἐκ γ', καὶ Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ ἅπαξ, καὶ οὕτως λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς. Ἡ ἐκφώνησις, καὶ εὐθὺς ἀσφαλίζεται ὁ τάφος.

- λ. 210 οἷ. Ἔτερα στιχηρά, φαλλόμενα εἰς κοσμικοὺς κοιμηθέντας.

Ποία τοῦ βίου τρυφή διχμενὶ λύπης ἀμέτοχος... Ὡς ἄνθος μαραινεται καὶ ὥς ὄναρ παρέρχεται... Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα, ὅσα οὐχ ὑπάρχει μετὰ θάνατον... Ὄντως φοβερώτατον τὸ τοῦ θανάτου μυστήριον... Ἐμνήσθη τὸ προφῆτου βοῶντος· ἐγὼ εἰμι γῆ καὶ σποδός... Ἀρχὴ μοι καὶ ὑπόστασις τὸ πλαστοουργόν σου γέγονε πρόσταγμα... Ἀνάπυσσον, Σωτὴρ ἡμῶν ζωοδότα... Θρηνῶ καὶ ὀδύρομαι, ὅταν ἐννοήσω τὸν θάνατον... Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανασίας γέγονεν πρόξενος... Ἀγνή παρθένε, τοῦ Λόγου πύλη, τοῦ Θεοῦ ἡμῶν Μήτηρ... Προκείμενον· Αἱ ψυχαὶ αὐτῶν ἐν ἀγαθοῖς. (Στίχος)· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκραῖομαι. Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλομεν ὑμᾶς ἀγνοεῖν... Τέλος· καὶ οὕτω πάντοτε σὺν Κυρίῳ ἐσόμεθα. Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Ἐἶπεν ὁ Κύριος, πρὸς τοὺς πεπιστευκότας, πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· ἀναστήσω ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Δόξα, ἤχος πλ. β'. Ὁρῶντές με ἄφωνον καὶ ἄπνον προκείμενον... Καὶ νῦν, Θεὸν ἐκ σοῦ σαρκωθέντα... Ἐἵτα μνημονεῖ καὶ ἀπόλυσις.

л. 215 об. Κανὼν εἰς κοιμηθέντας. Goar pag. 426—428.

л. 221. Κανὼν εἰς κοιμηθέντας μοναχοὺς. См. выше стр. 393.

CL. Εὐχολόγιον, рукопись патриаршей іерусалимской библиотекы, въ 16 долю листа, 164 листа, писана скорописью четкою и красивою XV—XVI вѣка.

л. 2. 'Ακολουθία τοῦ μικροῦ ἀγιασμοῦ. Чинъ состоитъ только изъ стихиръ.

л. 9. 'Ακολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων. Въ чинѣ находимъ замѣтку: 'Ιστέον, ὅτι ἡ παροῦσα εὐχή, ἡγούνη τὸ Δοξάζομέν σε, Δέσποτα, ἀναγινώσκεται μὲν παρά τισιν, ἐν δὲ τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ οὐκ ἀναγινώσκεται, ἀλλὰ μετὰ τὴν συναπτὴν καὶ τὴν ἄνωθεν εὐχὴν, ἐκφωνεῖ ὁ ἱερεὺς μεγαλοφώνως· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ καθεξῆς τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν, ποίημα Σωφρονίου, πατριάρχου Ἱεροσολύμων. При чтеніи молитвы: Μέγας εἶ, Κύριε..., два раза благословляется вода и читаются при этомъ слѣдующіи слова: Καὶ σῶσον, Κύριε, τοὺς πιστοὺς δούλους σου ὀρθοδόξους καὶ εὐσεβεῖς χριστιανούς. γ'.

л. 33. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, ψαλλομένη ὑπὸ ἑπτὰ ἱερέων, συναχθέντων ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν οἴκῳ.

Εὐλογούντος τοῦ πρώτου τῶν ἱερέων, ἀρχόμεθα τὸ Βασιλεῦ σὺράνιε, τὸ Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ', τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν, Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, εἴτα συναπτὴ μικρά, τὸ Ἀλληλούια, ἥχος πλ. β'. Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς... Στίχος· Ἐλέησόν με, Κύριε. Εἴτα τὰ τροπάρια· Ἐλέησον ἡμᾶς Κύριε... Δόξα, Κύριε, ἐλέησον... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαχνίας, καὶ ὁ Ν', καὶ ὁ κανὼν, οὗ ἡ ἀκροστιχίς· Εὐχῆς ἐλαίου, ψαλμὸς Ἀρσενίου. Goar. p. 332—334, стихиры 334—335. Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τροπάριον, ἥχος δ'. Ταχὺς εἰς ἀντίληψιν... Εἴτα προσέρχεται ὁ μέλλων ποιῆσαι τὸ ἅγιον ἔλαιον, καὶ ποιεῖ κατὰ ἀνατολὰς μετανοίας γ', καὶ εἰς τοὺς ἱερεῖς ἐτέραν, καὶ λέγει· Εὐλογήσατε, δεσπότης ἅγιοι, συγχωρήσατέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, εἴτι ἡμαρτον ἐν λόγῳ, ἐν ἔργῳ... Καὶ σταθεὶς ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων ἐμπροσθεν τοῦ τετραποδίου, λέγει τὰ εἰρηνικά, εἰπόντος τοῦ ἱεροδιακόνου· Ἐν εἰρήνῃ... Goar. pag. 335. Εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν τοῦ ἐλαίου ἀπέναντι τῇ κανδήλᾳ. Ἰστέον, ὅτι ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ ἀντὶ ὕδατος οἶνον εἰς τὴν κανδήλαν τοῦ εὐχελαίου βάλλουσι· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς. Goar p. 335. Εἴτα ψάλλουσι ταῦτα τὰ τροπάρια κατ' ἥχον, ἥχος α'. Ἀγκάλας πατρικάς. Μητέρα σε Θεοῦ...

Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα πηγὴ... Ἐκαστος, ὅπου σώζεται... Τὴν ταχεῖαν σου σκέπην καὶ τὴν βοήθειαν... Πολλὰ τὰ πλήθη τῶν ἡμῶν, Θεοτόκε... Καὶ ἕτερα, ὅσα βούλει, εἶτα ἀντίφωνον α΄ Ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι. Τῆς πρεσβείας... Ἔτι καὶ ἔτι... Ἀντιλαβῶ. Τῆς παναγίας... Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Ἀντίφωνον β΄ Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν... Ταῖς πρεσβείαις τῶν ἁγίων.. Συναπτὴ μικρά. Ἀντίφωνον γ΄ Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα... Σῶσον ἡμᾶς, Υἱὲ Θεοῦ.. Σοφία, ὁρθαί. Δεῦτε προσκυνήσωμεν. Ὅσοι εἰς Χριστόν. Καὶ εὐθὺς λέγει ὁ πρῶτος· Πρόσχωμεν. Εἰρήνῃ πᾶσιν. Σοφία. Ὁ διάκονος, εἶτε οὖν ἓνας ἐξ αὐτῶν, προκείμενον, ἀποστολῇ, евангеліе, молитвы, ектеніи и возглаголеніи: Εἰσακούσόν μου, Κύριε, и т. д. первые и вторые, что въ Прилож. стр. 122—126. Молитва: „Отче свѣтый, врачу душъ и тѣлесъ“, какъ у Goar p. 338. Прокимень 3: Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ. Στίχος· Ὅτι τὰ βέλη σου. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὑμεῖς ἐστέ ναὸς Θεοῦ ζώντος.. Τέλος· ἐν φόβῳ Θεοῦ. Ἀλληλουῖα, Ἐλέησόν με, ὁ Θεός. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ. Τέλος· δωρεὰν ἐλάβετε, δωρεὰν δότε. Ектенія, Ἀγαθὲ καὶ φιλόνηρωπε, εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε. Прилож. стр. 128. Апостолъ и евангеліе четвертые. Прилож. стр. 128, молитва: Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ παιδεύων καὶ πάλιν ἰώμενος. Goar p. 342. Пятыя апостолъ и евангеліе. Прилож. стр. 129—130, молитва: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν Goar p. 343. Шестыя апостолъ и евангеліе. Прилож. стр. 130—131. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεός ἡμῶν, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar p. 345. Прокείμενον (7), ἤχος πλ. β΄ Κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου. Στίχος· Ἐλέησόν με. Πρὸς Τιμόθεον· Τέκνον Τιμόθεε, ἐνδυναμοῦ ἐν τῇ χάριτι τῇ ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ... Τέλος· ἵνα καὶ αὐτοὶ σωτηρίας τύχωσι τῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ μετὰ δόξης αἰωνίου. Ἀλληλουῖα, ἤχος πλ. δ΄ Ἐπάκουσον ἡμῶν. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Βῆπεν ὁ Κύριος· ἐὰν ἀφῆτε τοῖς ἀνθρώποις τὰ παραπτώματα... Τέλος· ἐκεῖ ἔσται καὶ ἡ καρδιά ὑμῶν. Ектенія. Ὁ Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβίδ. Goar p. 536. Εἰσακούσον, Κύριε Εἰσακούσον, Δέσποτα Εἰσακούσον, Ἅγιε Εἶτα ἀνάπτει τὴν θυραλλίδα, καὶ λαβὼν ἅγιον ἔλαιον, ἀλείφει τὸν προσελθόντα, λέγων τὴν εὐχὴν· Πάτερ ἅγιε. Εἶτα τιθοῦσι τὸ εὐαγγέλιον ἐπάνω τῆς κεφαλῆς τοῦ κλινόντος, κρατοῦντες αὐτὸ οἱ ἱερεῖς ταῖς δεξιαῖς χερσίν, ὁ δὲ πρῶτος, στραφεὶς κατὰ ἀνατολὰς, λέγει· Εὐσπλαγχνε, πολυέλεε Κύριε, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ. Прилож. стр. 133. Εἶτα ἀσπάζεται ὁ προσελθὼν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ψάλλεται στιχηρόν, ἤχος

δ'· Πηγὴν ἰαμάτων, Δόξα καὶ νῦν, Νεῦσον παρακλήσεσιν. Εἴθ' οὕτως λέγει ὁ πρῶτος ἱερεὺς· Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, ὑγείας, σωτηρίας... Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἔλαιον, εὐμενῆ καὶ εὐδιάλλακτον... Ἐπάκουσον ἡμῶν. Εἰρήνη πάσι. Τὰς κεφαλὰς... Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 33. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, ἐπιτίθῃσιν ὁ πρῶτος τῶν ἱερέων τὴν δεξιὰν αὐτοῦ χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀναδεξαμένου τὸ ἅγιον ἔλαιον, καὶ λέγει τὴν κατήχησιν ταύτην, προλέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Βλέπε, ἀδελφέ, τὸ ὑπόλοιπον τῆς ζωῆς σου. μὴ προσκρούσῃς τῷ Θεῷ... Καὶ γίνεται τελεία ἀπόλυσις.

1. 93. Τάξις, γινομένη εἰς τὸ φορέσαι τινὰ ῥάσον μόνον καὶ καμηλαύχιον.

Μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τῶν ὥρων, εἰσφέρουσι τὸν μελλοκουρίτην καὶ ἱστῶσιν αὐτὸν μέσον τοῦ ναοῦ, ὁ δὲ ἱερεὺς ποιεῖ εὐλογητόν, Παναγία Τριάς, τὸ Πά.ερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ', καὶ ὁ Ν', ὁ δὲ μελλοκουρευθεὶς ποιεῖ μετάνοιαν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας εἰκόνας Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν, καὶ τῆς Θεοτόκου ὁμοίως, καὶ τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, καὶ τοῦ προεστῶτος, κρατῶν αὐτὸν ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ ἀπὸ τὴν δεξιὰν αὐτοῦ χεῖρα, καὶ ἐκδύει αὐτὸν τὰ κοσμικά, κλίνοντο τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ μικρόν, σφραγίζει αὐτὸν τὰς τρίχας σταυροειδῶς ὁ ἱερεὺς, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, κείρεται... Εἰπωμεν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον, καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παντὸς ἀγαθοῦ δοτὴρ καὶ τελειωτῆς, ἡ ἀρχὴ καὶ τὸ τέλος... Εἴτα εὐλογεῖ ὁ προεστὼς τὰ ἄμφια, καὶ στολιζει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, λαβὼν τὸ ῥάσον, λέγων· Ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται ἐνδυμα δικαιοσύνης, εἰς τὸ ὄνομα... Καὶ ζώννυται αὐτόν, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ζώννυται τὴν ὁσφὺν αὐτοῦ δύναμιν ἀφθαρσίας, εἰς τὸ ὄνομα... Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, περιβάλλεται τὴν περικεφαλαίαν τῆς σωτηρίας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κεφαλὴν... Εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 378. Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

1. 97. Τάξις καὶ ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος, ἥτοι τοῦ μανδύου.

Ἀφ' ἐσπέρας εἰσφέρουσι τὰ ἱμάτια αὐτοῦ καὶ τὰ κολόβια, καὶ τιθέασιν αὐτὰ ὑποκάτω τῆς θείας τραπέζης ὑπὸ τὸ θαλασσιδίον, καὶ ἐπὶ τὴν αὖριον ἐν τῇ λειτουργίᾳ, μετὰ τὴν εἴσοδον καὶ τὸ ἀπολυτίκιον καὶ δοξάζουσιν, ἀλλ' εὐθὺς ἐνουμένων τῶν δύο χορῶν, λέγουσι τὰ τροπάρια ταῦτα, ὁ δὲ ἀδελφὸς ἵσταται ἀσκεπής καὶ ἄζωστος, γυμνόποδος, ἔξω τῶν βασιλικῶν πυλῶν μετὰ πάσης εὐλαβείας. Ἀντίφωνον, ἦχος α'. Ἀρχάλας πατρικάς... Ὅτι τὸ πέλαγος πολὺ τῶν παραπτωμάτων μου, Σωτήρ.. Ὅτι

ἐννοίαις πονηραῖς καὶ ἔργοις καταδικασμαί, Σωτήρ... Δόξα καὶ νῦν, Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις... Τοῦτου δὲ ψαλλομένου, λαμβάνει αὐτὸν ὁ ἀνάδοχος αὐτοῦ τῆς δεξιᾶς χειρός, καὶ εἰσάγει ἔσω τῶν βασιλικῶν πυλῶν, κάκεισε ποιήσαντος μετανοίας γ' ἐπὶ γῆς, ἵσταται κεκληκὼς τὸν αὐχένα αὐτοῦ, ἡμεῖς δὲ ψάλλομεν Ἀντίφωνον β', ἤχος β'. Ἡμαρτον εἰς σέ, Σωτήρ, ὡς ὁ ἄσωτος υἱός... Κράζω σοι, Χριστέ Σωτήρ... Δόξα καὶ νῦν, Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου... Ἀντίφωνον γ'. Σῶσον με, Κύριε ὁ Θεός μου... Τὸν διεσπαρμένον μου νοῦν συναγάγε, Κύριε... Ἐν γυναιξίν ἁγία Θεοτόκε... Τοῦτον δὲ ψαλλομένον, ὁ ἀδελφός ἔρχεται εἰς τὴν σωλέαν, ἦτοι ἐν τῷ μέσῳ τοῦ ναοῦ, κάκεισε ποιήσας μετανοίας γ', ἵσταται, ὡς ἔρημεν, οἱ ἀδελφοὶ ψάλλουσιν ἀντίφωνον δ', ἤχος δ'. Ἦθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι... Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων... Ζάλη ἀμαρτημάτων... Πρόβιτόν εἰμι... Δόξα καὶ νῦν Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ... Καὶ εὐθὺς ἐπερωτᾷ αὐτὸν ὁ ἡγούμενος, ἢ ὁ ἱερεὺς, λέγων· Τί προσῆλθες... *Goar p. 338.*

Послѣ оглашенія прямо молитва: Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ ἀξιόσους σου εἶναι νομιθεήσας... *Goar p. 385.* Εἰρήνην πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγή. *Ibidem.* Καὶ λαβὼν τὸ ἄγιον εὐαγγέλιον ἀπὸ τῆς ἁγίας τραπέζης, τίθησιν ἐπάνω αὐτοῦ τὸ ψαλίδιον, καὶ λέγει ἐκ γ' εἰς ἐπήκοον πάντων· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως... Καὶ λέγει· Λάβε τὸ ψαλίδιον... Ὁ δὲ μελλοκουρίτης ἀδελφός, λαβὼν τὸ ψαλίδιον, κρατεῖ αὐτό, καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει μεγαλοφώνως· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρός... Καὶ λαβὼν τὸ ψαλίδιον ἐκ τῆς χειρός αὐτοῦ, λέγων· Εὐλογητός ὁ Θεός, ὁ θέλων... καὶ κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα κείρεται. Τὸν σταυρόν· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λαμβάνει τὸν ἀνάλαβρον, ἀναλαμβάνων τὸν σταυρόν ἐπ' ὤμων, καὶ ἀκολουθῶν τῷ Δεσποτῇ Χριστῷ, εἰς τὸ ὄνομα... τὸ ἱμάτιον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται τὸν χιτῶνα τῆς δικαιοσύνης... τὸ παραμάνδουον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, περιβάλλεται τὸ παλλίον, τὸν ἀρράβωνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰς τὸ ὄνομα... τὸ κάμηλαύχιον· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν περιβάλλεται τὴν περικεφαλαίαν... τὴν ζώνην· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, περιζώννεται τὴν ὀσφὺν αὐτοῦ... τὰ ὑποδήματα· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν... Ὁ μανδύας· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἔλαβε τὸν ἀρράβωνα. Καὶ σφραγίσας τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀδελφοῦ, ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτηρίας ἡμῶν. *Goar. pag. 379.* Καὶ λαβὼν ὁ νεόκουρος τὸν σταυρόν ἢ τὸ εὐαγγέλιον παρὰ τοῦ ἡγουμένου ἢ τοῦ ἱερέως, λέγοντος· Εἶπεν ὁ Κύριος· ὅστις θέλει... Εἴτα δίδει αὐτῷ κηρίον ἀπτούμενον, λέγων· Εἶπεν ὁ Κύριος· οὕτως λαμψάτω τὸ φῶς... Καὶ βαστάζων ὁ ἀπο-

καρεῖς τὸν σταυρόν ἢ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὸ κηρίον ἀπτούμενον, ἱστάμενος πρὸ τῶν ἁγίων θυρῶν, ἔρχεται ὁ ἡγούμενος, ἢ ὁ ἱερεὺς, καὶ ἀσπάζεται τὸν σταυρόν, ἔπειτα δὲ τὸν νεόκουρον, καὶ οὕτως ἄρχονται πάντες οἱ ἀδελφοί, ποιοῦντες ἀσπασμὸν κατὰ τάξιν. Ἐν ὧσφ δὲ γίνεται ὁ ἀσπασμός, φάλλεται τὸ παρὸν ἰδιόμελον, ἤχος α΄. Ἐπιγινώμεν, ἀδελφοί. Δόξα καὶ νῦν, τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, τὸ Τρισάγιον. Προκίμενъ, апостолъ и евангеліе р. 387. Καὶ εὐθὺς λέγει· Ἐλέησον ἡμᾶς... καὶ τὰ λοιπά, ἕως τοῦ μνημονεῦσαι τοὺς βασιλεῖς καὶ τὸν προεστώτα κατὰ τὸ σύνθηδες. Εἶτα λέγει· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, καὶ τῆς παρὰ τοῦ Κυρίου σκέπης καὶ βοηθείας αὐτοῦ... Ὑπὲρ τοῦ ἀμέπτως καὶ ἀκατακρίτως καὶ ἀνεμποδίστως τὸν σκοπὸν τοῦ μοναχικοῦ σχήματος ἐνδύσαι αὐτὸν τοῦ Κυρίου. Ὑπὲρ τοῦ φωτισθῆναι αὐτοῦ τὴν ψυχὴν ἐγκρατεῖα καὶ ἀσκήσει καὶ τελείῳ τοῦ Θεοῦ... Ὑπὲρ ἀφέσεως καὶ συγχωρήσεως τῶν ἁμαρτιῶν.. Ὑπὲρ τοῦ ἀποθέσθαι αὐτὸν τὸν παλαιὸν ἄνθρωπον καὶ ἐνδύσασθαι τὸν νέον, τὸν κατ' εἰκόνα Θεοῦ κτισθέντα, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυθθῆναι... Καὶ τὰ λοιπὰ τῆς λειτουργίας, γίνεται τελεία ἀπόλυσις, καὶ εἰσερχόμεθα ἐν τῇ τραπέζῃ, διακονεῖ ὁ ἀδελφός μετὰ τῶν τραπεζαρίων μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ εὐλαβείας.

1. 117 οβ. Τάξις τοῦ Θεοῦ καὶ ἀγγελικοῦ μεγάλου σχήματος. Goar p. 403—406. Εἰς τὴν λειτουργίαν, ἀρχομένων τῶν τυπικῶν, ἱσταται ὁ μέλλων λαμβάνειν τὸ σχῆμα p. 414. Τῇ εἰσόδῳ γινομένης, ἀποβάλλει ὁ μέλλων λαμβάνειν τὸ ἅγιον καὶ ἀγγελικὸν μέγα σχῆμα τὸ ἐκ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ κάλυμμα καὶ τὰ ἐν τοῖς ποσὶ καλίγια, καὶ ποιήσας μετανοίας γ', ἱσταται, καὶ μετὰ τὴν εἰσόδον λέγομεν τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἶτα τὰ παρόντα ἀντίφωνα, ἤχος δ΄. Ἦθελον δάκρυσι· ἐξαλειψαί... Στίχος· Ἡ καρδίᾳ μου. Ἄπας ὁ βίος μου μετὰ πορνῶν καὶ τελωνῶν... Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων... Στίχος· Ἐξελεξάμην. Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μυστικῇ τῆς ἀναγεννήσεως.. Δόξα καὶ νῦν, Ῥῦσαι ἡμᾶς... Ἀντίφωνον β', ἤχος δ΄. Ζάλη ἁμαρτημάτων περιέχει με, Σωτήρ, καὶ μηκέτι φέρων τὸν κλύδωνα... Στίχος· Εἰπάτωσαν οἱ λελυτρωμένοι... Ἀντιλαβοῦ μου κατὰ τὸ λόγιόν σου καὶ ζήσόν με.. Δόξα καὶ νῦν, Ἐξ ἀχράντων τῶν λαγόνων... Τούτου δὲ ψαλλομένου, ἔρχεται χειροκρατούμενος ὁ ἀδελφὸς μέχρι τοῦ ἄμβωνος, κάκεισε ποιήσας μετανοίας γ', ἱσταται, καὶ ἡμεῖς ψάλλομεν ἀντίφωνον γ', ἤχος δ΄. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Στίχος· Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατε. Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες... Στίχος· Ἐπλανήθην, ὥς πρόβατον. Πρόβατόν εἰμι τῆς λογικῆς σου ποιήσεως... Στίχος· Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν.. Τούτου δὲ λεγομένου, προσπίπτει ὁ ἀδελφός ἐμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν μέχρι

συμπληρώσεως τοῦ ἀντίφωνου, καὶ ἡμεῖς ψάλλομεν τὸ τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπέβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ.. Καὶ εὐθὺς ἐπερωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς· πρᾶξις φωνῇ· Τί προσῆλθες... Goar p. 407. Ὡς καλὸν ἔργον... См. выше стр. 831. Ἐκουσία τῇ βουλῇ καὶ γνώμῃ προσέρχῃ τῷ Κυρίῳ; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Εὐπροαιρέτως καὶ ἰδιοθελῶς; Ἀπόκρισις· Ναί, Θεοῦ εὐδοκοῦντος, τίμιε πάτερ. Ἀποτάσσει τῷ κόσμῳ... Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Παραμένεις τῷ μοναστηρίῳ... Φυλάττεις σεαυτόν... Σώζεις μέχρι θανάτου... Ὑπομένεις πᾶσαν θλίψιν... Ναί, δι' εὐχῶν σου ἁγίων, τίμιε πάτερ. Καὶ εὐθὺς ἄρχεται ὁ ἱερεὺς τῆς μεγάλης κατηχήσεως εἰς ἐπήκοον πάντων· Βλέπε, τέκνον, οἷας συνθήκας δίδως. Goar pag. 407. Ἐρώτησις· Ταῦτα πάντα οὕτω καθομολογεῖς... Ναί, δι' εὐχῶν σου, τίμιε πάτερ. Καὶ στραφεὶς κατὰ ἀνατολάς, λέγει· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεός καὶ πολυέλεος... Goar p. 409. Καὶ σφραγίζει τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀδελφοῦ γ', ὁ ἀδελφός προσπίπτει μέχρι τῆς συμπληρώσεως τῆς εὐχῆς ταύτης, καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολάς, εὐχεται εἰς ἐπήκοον πάντων· Ὁ ὢν, Δέσποτα παντοκράτωρ... Goar p. 409. Καὶ εὐθὺς τίθησι τὸ φαλίδιον ἐπάνω τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, καὶ λέγει· Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Καὶ λέγει τὴν εὐχὴν· Ἄγιε Κύριε τῶν δυνάμεων... p. 410. Καὶ ἀνιστὰ αὐτόν, καὶ κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρὸς, εἰσφέρει ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ποιήσας μετάνοιαν, ἀνιστάμενος προσκυνεῖ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἐκτείνει τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ ἱερεὺς, λέγει πρὸς τὸν λαβόντα τὸ σχῆμα ἐκ γ'. Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως ἐνταῦθα πρέσβη... Ἐῖτα λέγει πρὸς αὐτόν· Λάβε τὸ φαλίδιον καὶ ἐπίθες μοι. Καὶ δεξάμενος ὁ ἡγούμενος τὸ φαλίδιον ἐκ τῆς χειρὸς αὐτοῦ, ἐπιδίδωσι τῷ ἱερεῖ, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει πρὸς αὐτόν ἐκ γ'. Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ... Пострижение и одѣяние, что въ малой схимѣ съ приобавкою: Ὁ ἀδελφός ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λαμβάνει τὸ σοῦδάριον τοῦ ἁγίου καὶ ἀγγελικοῦ μεγάλου σχήματος εἰς τὸ ὄνομα... Ἐνδυναμένους δὲ τοῦ ἀδελφοῦ, ψάλλουσι τροπάριον, ἦχος δ'. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς ἀφθαρσίας.. Πάλιν τὸ τροπάριον. Στίχος· Αὕτη ἡ πόλῃ Κυρίου... Στίχος· Ἀγαλλιάσθε δίκαιοι. Πάλιν τὸ τροπάριον. Εἰσέλθετε ἐνώπιον αὐτοῦ... Πάλιν τὸ τροπάριον. Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἐχόντες σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα... Τροπάριον, ἦχος πλ. β'. Ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχὴ μου... Στίχος· Δεῦτε ἀγαλλιασώμεθα... Στίχος· Αὕτη ἡ ἡμέρα... Πάλιν τὸ τροπάριον. Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Μεγάλων χαρισμάτων, ἀγνή... Ἀντίφωνον, ἦχος δ'. Ἦνοιται ἡ θύρα τῆς μετανοίας.. Στίχος· Προσέχετε. Ὁ ζυγός μου χρηστός.. Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος, ὁ θρόνος τῆς δικαιοσύνης... Ἀντίφωνον β',

ἤχος γ'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα πεπληρώκατε... Στίχος· Ἐγγὺς Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Ἀγιόπρωτε, σεμνή, ἐγκώμιον... Ἀντίφωνον γ', ἤχος α'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί, ἀγαθῷ Δεσπότη... Στίχος· Ἐξήκοστέλειον τὴν χειρὰ σου... Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χειρας ὑφαπλώσας... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Χαίροις παρ' ἡμῶν, ἅγια Θεοτόκε... Ἐἵτα λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην εἰς ἐπήκοον πάντων. Дѣѣ молитвы и ектеѣя. Goar. pag. 411—413. Ἐἵτα λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, ἵσταται ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ προσκυνεῖ ὁ λαβὼν τὸ σχῆμα καὶ ἀσπάζεται αὐτό, εἵτα τὸν ἱερέα καὶ τὸν ἡγουμένον, καὶ καθεξῆς οἱ ἀδελφοί, καὶ μετὰ τὸν ἀσπασμὸν εἰσέρχεται ἔσω τῶν βασιλικῶν πυλῶν, καὶ ἵσταται μέχρι τῆς ἀπολύσεως τῆς θείας λειτουργίας, κρατῶν καὶ τὸν κηρὸν αὐτοῦ ἀπτόμενον, οἱ δὲ ἀδελφοί ἐν τῷ ἀσπασμῷ ψάλλουσιν ἰδιόμελον, ἤχος α'. Ἐπιγινώμεν, ἀδελφοί... τὸ κοντάκιον τῆς ἡμέρας, καὶ νῦν, Θεοτοκίον, καὶ εὐθὺς ὁ Τρισάγιος ὕμνος. Καὶ εἰ μὲν θέλει εἰπεῖν καὶ ἀποστολοεὐαγγέλιον, ζητεῖ ὀπισθεν. Μετὰ δὲ τὴν ἀπόλυσιν τῆς λειτουργίας, ἄψαντες οἱ ἀδελφοί πάντες κηρούς, ἀπέρχονται ἐν τῇ τραπέζῃ, ψάλλοντες τὸ παρὸν τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπιβλεψὼν ἐξ οὐρανοῦ... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος... Ὁ τοιοῦτος οὖν μοναχὸς προσκικτερεῖ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἡμέρας ἑπτὰ, σχολάζων ἀπὸ παντὸς ἔργου ἄνευ ἀναγνώσεως, εἰ ἐπίσταται· τῇ δὲ ζ' ἡμέρᾳ, μετὰ τὴν εἰσοδὸν καὶ ἀπολυτίκιον εἰσάγεται ὁ ἀδελφὸς ἐντὸς τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν· Πολυέλεε καὶ ἀκήρατε, ὁ δωρησάμενος. Goar. p. 419. Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους, εἰρήνης... Ὅτι ἐλεήμων... Καὶ γίνεται ἀπόλυσις.

1. 160 об. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ τι μιαρὸν, οἷον δῆποτε, ἐμπεσεῖν εἰς φρέαρ ὕδατος.

1. 162 об. Τάξις, γινομένη, εἰ συμβῇ τι μιαρὸν ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου, ἢ ἐλαίου, ἢ μελιτος, ἢ ἄλλου τινός.

СЛ. № 325. Εὐχολόγιον, рукопись библиотеки Саввы Освященнаго, въ 16 долю листа, 148 листовъ, писана разгонистымъ почеркомъ конца XV или начала XVI в.¹⁾ Описание его см. у Пападопуло-Кера-

1) Въ числѣ рукописей XVI в. Синайской библиотеки намъ извѣстны два евхологія: № 998 и № 1000. Въ первомъ содержатся чины постриженія въ монахи, чины погребенія монаховъ и мірскихъ людей, и любопытный чинъ или ακολουθія ἐπὶ μονάσαντος καὶ ἀθετήσαντος τὸ σχῆμα.

мевса 'Ιεροσολ. βιβλιοθ. τ. β'. σελ. 453—454. Чины дословно тѣ-же, что въ предыдущей рукописи № 367 той-же библиотеки. Чинъ великой схимы неоконченъ, прерывается на великой ектеньѣ.

XVII—XIX ВВ.

СЛП № 568. Εὐχολόγιον, рукопись той-же библиотеки, въ 16 долю листа, 222 листа, писана почерками XVI—XVII вв.

л. 1. Конецъ чина малаго водоосвященія.

л. 5 об. Εὐχή τῆς ὑπαπαντῆς τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ XVII—XVIII в.

Ὁ ἀναρχος Λόγος, ὁ ἐκ Πατρὸς ἀφράστως γεννηθεὶς πρὸ πάντων τῶν αἰώνων...

л. 7 чистый.

л. 8. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου, γινομένου ὑπὸ ζ' ἱερέων. См. выше стр. 481—485; Сп. стр. 881—882. Чинъ обрывается на молитвѣ: Εὐχαριστοῦμέν σοι, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀρχιδὸς ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων. G. 342.

л. 42. Чинъ священническаго погребенія безъ пачала и безъ конца. XVII в.

л. 50. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερομονάχου. XVI в. Μετὰ τὸ ἀποσπογγισθῆναι αὐτόν... См. выше стр. 478—479. Εἶθ' οὕτως ἄρχονται τὸν Ἀμωμον. Καὶ εὐθὺς τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες. Στίχος· Ὡς ἀγαπῶντα τὰ σκηνώματα. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, τί ποιήσουσιν οἱ βαπτιζόμενοι ὑπὲρ τῶν νεκρῶν... Τέλος· καὶ ἐκάστῳ τῶν σπερμάτων τὸ ἴδιον σῶμα. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους· ἐργάζεσθε, μὴ τὴν βρῶσιν τὴν ἀπολλυμένην... Τέλος· ὁ καταβαίνων ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καὶ ζωὴν διδοὺς τῷ κόσμῳ. Ектенья краткая сугубая кѣ ἀρχεται τὰ τροπάρια, ἡχος пл. а' μετὰ μέλους.

εἶτα πάλιν ἐπιστρέψαντος. См. выше стр. 429—431. Содержаніе евхологія № 1000 весьма разнообразно: здѣсь имѣется описаніе путешествія въ Иерусалимъ и на Синай, διάταξις τῆς ἐξομολογήσεως, перечисленіе смертныхъ грѣховъ, чинъ исповѣди Іоанна Постника (Прилож. стр. 101—106), епитимійникъ, чины погребенія монаховъ и мірекихъ челоувѣкъ, чинъ елеосвященія и молитва разрѣшительная надъ кающимся.

Τὴν πολυτάραχον θάλασσαν τοῦ βίου διαδραμών... Δόξα, τὸ τέλος, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Σὲ δουσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρι... Εἶτα ἄρξονται ἕτερον ἄμωμον· Σὸς εἰμί ἐγώ, σῶσόν με... Καὶ γίνεται μικρὰ αἵτησις παρὰ τοῦ ἱερέως καὶ ἄρξον τῆς γ' στάσεως· Ἐπιβλεψὼν ἐπ' ἐμέ... Καὶ εὐθὺς προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Μακαρία ἡ ὁδός... Στίχος· Ἐπίστρεψον, φυγὴ μου... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὡς δι' ἐνὸς παραπτώματος εἰς πάντας ἀνθρώπους... Τέλος· εἰς ζωὴν αἰώνιον διὰ Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ Κυρίου ἡμῶν. Ἀλληλουάριον. Στίχος· Οἱ ἱερεῖς σου, Κύριε, ἐνδύσονται... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ὁ Πιτὴρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται... Τέλος· μεταβέβηκεν ἐκ τοῦ θανάτου εἰς τὴν ζωὴν. Καὶ εὐθὺς μνημονεύει, ὡς προεγράφη. Καὶ εὐθὺς ψάλλουν τροπάρια, ἥχος πλ. α' μετὰ μέλους. Ὅσπερ πατέρ. Ὅταν καθίσῃς ἐπὶ θρόνου κρῖναι πᾶσαν πνοήν... Ὁ κυριεύων καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων... Ἐν γῇ πράεων, ἔνθα ἡχος ἐξακούεται... Ἔτερα στιχηρὰ προσόμοια, ἥχος ὁ αὐτός· Χαίροις ἀσκητικῶν. Ἐνθα εὐφρανομένων ἐστὶν ἡ κατρίκία... Ὅναρ τὰ ἐν τῷ βίῳ εἰδώς... Λόγοις σου τοῖς σεπτοῖς πειθαρχῶν... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Λαῖλαψ ἁμαρτιῶν χλιπεῶν ἐν τῷ πελάγει με τοῦ βίου κατέλαβεν... Εἶτα λέγει τὰ εὐλογητάρια εἰς ἥχον πλ. α'· Εὐλογητὸς εἶ, Κύριε. Τῶν ἁγίων ὁ χορὸς κ. τ. λ. Gouar p. 425. Εἰς μοναχοῦς· Οἱ τὴν ὁδὸν τὴν στενὴν... Εἰς ἱερεῖς· Ἐπαρχῶν καὶ ὁσίων, Κύριε, ἀσκητῶν καὶ πάντων τῶν ἁγίων, ἔνθα φωνὴ εὐλαβῶς δοξάζουσι σὺν χοροῖς τῶν θείων ἀρχαγγέλων, μέλος τὸ Τρισάγιον μέλπουσαι, σὺν αὐτοῖς ἡμᾶς σύνταξον, ὡς εὐσπλαγχνος. Великая ектенья. См. выше стр. 479. Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου· Ἄνθρωπος, ὥσπερ χόρτος... Στίχος· Ὡσεὶ ἄνθος τοῦ ἀγροῦ. Σοφία. Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, τὸ ἀδύνατον τοῦ νόμου, ἐν ᾧ ἡσθένει διὰ τῆς σαρκός... Τέλος· εἰπερ πνεῦμα Θεοῦ οἰκεῖ ἐν ὑμῖν. Ἀλληλουάριον. Οἱ ἱερεῖς σου, Κύριε, ἐνδύσονται. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἐκυτοῦ μαθηταῖς· οὕτως ἡγάπησεν ὁ Θεὸς τὸν κόσμον... Τέλος· ὅτι ἐν Θεῷ εἰσιν εἰργασμένα. Ἐλέησον ἡμᾶς κ. τ. λ. Καὶ εὐθὺς ἡ στιχολογία εἰς ἥχον πλ. α', καθ' ἑν(α) στίχον Ἀλληλούϊα α'. Ἀντίφωνον α', ἥχος πλ. α'. Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι κ. τ. λ. Εἶτα ψάλλομεν στιχηρὰ, ἥχος πλ. α'. Ἡ αἰοιδίμος φωνὴ τοῦ θείου Δαβὶδ σήμερον πληροῦται, ἀνθρώποις, λέγουσα... Δόξα, Σὺ ἔπλασάς με καὶ ἔθικας ἐπ' ἐμέ τὴν χεῖρά σου... Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἡ κεχαριτωμένη, μεσίτευσον σαῖς δεήσεσι... Ἀντίφωνον β', Ἀλληλούϊα β'. Ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὰ ὄρη κ. τ. λ. Καὶ εὐθὺς τροπάρια, ἥχος β'. Τὸν τοῦ βίου τερπνὰ τῷ πρόπῳ σου, Κύριε, ἐγκαταλιπόντα θερμῶς. Δόξα, Τὸν ὑπακούσαντα

τῆς ἐντολῆς σου, Χριστέ, καὶ ἄρα ντα τὸν σταυρόν σου .. Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου εἰς σέ... Ἀντίφωνον γ'. Εὐφράνθη ἐπὶ τοῖς εἰρηκόσι μοι εἰς οἶκον... Ἀλληλούϊα γ'. Καὶ εὐθὺς τοὺς ἀναβαθμοὺς (Антифоны 2, 3 и 4 гласовъ), καὶ εὐθὺς φάλλων τροπάρια, ἦχος πλ. β'. Πνευματικοί μου ἀδελφοί καὶ συνασκηταί... Δόξα, Ἐπειδὴ πάντες πρὸς τὴν αὐτὴν ἐπειγόμεθα μονήν.. Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Τὸ ὄμμα τῆς καρδίας μου ἐκπέμπω πρὸς σέ, Δέσποινα... Εἴτα ἴσταται ὁ ἱερεὺς ἄνωθεν τοῦ λειψάνου καὶ λέγει τὴν αἴτησιν ταύτην (общная). Ὁ οἶκησιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα διέπων... См. выше стр. 531, но съ вариантами. Καὶ θυμᾷ τὸ λειψάνον καὶ τοὺς ἱερεῖς κατὰ τὴν τάξιν, καὶ εὐθὺς λέγει τοὺς ἀναβαθμοὺς ὧδε (гласы 6, 7 и 8). Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἦχος πλ. β'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς. Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε. Σοφία. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων... Τέλος· ἵνα ἡ ὁ Θεὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσιν. Ἀλληλουάριον, Μακάριοι, οὓς... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ εὐθὺς εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ.. Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν εἰρήνης καὶ τῆς προαναπαυσάμενης ψυχῆς τοῦ ἀδελφοῦ... Ὑπὲρ τοῦ εἰσερχθῆναι τὸ πνεῦμα ἐν τόπῳ φωτεινῷ... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον.. Τῆς παναγίας.. Ὅτι ἀγαθός... Καὶ ἡ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός съ коупемъ Cod. Barber. S. Marci pag. 437. Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ.. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἶ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Εἴτα τὸν Ν' καὶ λέγομεν τὸν κανόνα, ὡδὴ α', ἦχος β'. Εἰρμός· Δεῦτε λαοί, ἄσωμεν ἄσμα. Οἱ ἐν σαρκὶ σύσκηνοι καὶ συμπολιταί σου... Τῆς ἀπειλῆς λύτρωσαι τοῦ αἰωνίου πυρός... Ἠλικὸν φέγγος σοι ἀντὶ σκιῶδους φθορᾶς... Послѣ 3 пѣсни, καὶ εὐθὺς προκείμενον· Μακαρία ἡ ὁδός, ἣ πορεύῃ. Στίχος· Ἐπίστρεψον, ψυχὴ μου. Σοφία. Ὁ ἀπόστολος· Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῇ· Ἀδελφοί, ὥσπερ δι' ἐνὸς ἀνθρώπου ἡ ἁμαρτία εἰσῆλθεν.. Τέλος· ἐν ζωῇ βασιλεύσῃ διὰ τοῦ ἐνὸς Ἰησοῦ Χριστοῦ. Ἀλληλουάριον, Μακάριοι, οὓς... Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Εἴτα λέγει τὴν συναπτὴν, ὡς προεγράφη. Послѣ 6 пѣсни, καὶ εὐθὺς λέγει προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἦχος πλ. δ'. Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου. Στίχος· Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες. Σοφία. Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν Κυρίῳ φρονεῖ. Τέλος· ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ

ζώντων κυριεύσῃ. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτό ἐστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με Πατρός... Τέλος· καὶ ἐγὼ ἀναστήσω αὐτὸν ἐν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ. Καὶ λέγει τὴν προγεγραμμένην αἴτησιν, καὶ εὐθὺς τὸ κοντάκιον, ἥχος πλ. δ'· Ἐν κόλποις τοῦ Ἀβραάμ καὶ χώρα τῶν ἐκλεκτῶν σου καταξιώσον, Χριστέ ὁ Θεός... Ὁ ἕτερος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, Κύριε τῶν δυνάμεων. Καὶ εὐθὺς τοὺς οἴκους· Ταῖς τοῦ βίου τερπνοῖς ἐνητένιζον λογισμοῖς... и др. См. выше стр. 880. Νευρωθώμεν τῇ πίστει σφιγγόμενοι, οἱ τὰ σώματα ἀποταξάμενοι... Τοὺς ἀγάμους ἐλπίδες συγκόπτουσι τοὺς ἐν γάμῳ φροντίδες συντήκουσιν... Πειρατάς καὶ χειμῶνας καὶ κλύδωνας... Ὅταν οὖν καὶ ἑνὸς ὑπεραίρεσθε τὸν δὲ τύφον ἐχθροῦ παροπιζέσθαι καὶ φαντάζει... Ἐπεισηλθε πολλάκις τὸν κάμνοντα ἀδελφόν καὶ φησίν... Ψυχικῶς τὸν κανόνα ποιήσαντες, ὃν καλῶς καὶ φρονίμως ἡρμώσασθε... Ἄν ὁ νοῦς πότε σκανδαλίζῃ σε, ἐρεθίζων πρὸς σὲ πρὸς τὴν ἔξοδον... Λέγει πάλιν πρὸς σέ, καὶ πῶς δύνασαι τὸν κανόνα τελεῖν τοῦ μόνάζοντος... Μετὰ τῶν ἐργατῶν, ὧν ἐκάλεσεν ἔνδον τοῦ ἀμπελώνος ὁ Κύριος... Ὁ αἰπὼν ἐγὼ εἰμι ἡ ἀμπελος, καὶ ὑμεῖς μου ὑπάρχετε κλήματα.. Στερεωθέντες τῇ πίστει, συστήκετε, τοὺς αὐχένους ἡμῶν κάτω κάμνοντες.. Ὁ καιρὸς τῆς χαρὰς ἡμῶν ἔφθασεν· ὁ γὰρ Κύριος τάχιον ἔρχεται... См. выше стр. 551—552. Ἀπ' ἐμοῦ νῦν ὑμεῖς ἐδιδάχθητε κατακρίνειν ἐμὲ τότε μέλλοντες... Τῶν ἀγγέλων τὸν βίον βιώσαι νῦν μέγας Κύριος ὄντως παρέχει ἡμῖν... Οὐκ ἄρεῖ μοι ὁ λόγος πρὸς ἔπαινον τῆς τοσαύτης ἡμερότητος... Σὺ οὖν, Δέσποτα, ὡς παντοδύναμος, τὴν ζωὴν ἡμῶν πᾶσαν κυβέρνησον.. Παναγία Παρθένε ἀνόμευτε, ἡ τεκοῦσα τὸ φῶς τὸ ἀπρόσιτον... Каждый иконь оканчивается Аллилуйя. Καὶ εὐθὺς τοὺς μακαρισμοὺς. Гоар р. 454—455, по съ прибавкою пѣкоторыхъ стихиръ. Καὶ εὐθὺς λέγει προκείμενον, ἥχος δ'· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ.. Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκράξομαι. Σοφία. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός... Τέλος διὰ Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ Κυρίου ἡμῶν. Ἀλληλουάριον, Μακάριος, ὢν. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα... Τέλος· Ὅτι σὺ εἶ ὁ Χριστός, ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζώντος. Καὶ εὐθὺς Εἰπωμεν πάντες... Ὅτι δεόμεθα... κ. τ. λ. Καὶ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν λέγει τὸν ἕτερον κανόνα (т. е. пѣсни 7, 8 и 9), καὶ εὐθὺς (послѣ 9) μνημονεύει, ἔπειτα λέγει τὰ ἐξαποστειλάρια, ἥχος πλ. α'. Νῦν ἐπανεπχυσάμην καὶ ὄρον ἄνεσιν πολλήν... Νῦν ἐξελεξάμην τὴν θεομήτορα κόρην... Στιχηρά, ἥχος πλ. δ'· Ἀμέτρητος ὑπάρχει.. Ἐβρόντησεν ἡ σάλπιγξ... κ. τ. λ. Гоар pag. 464. Εἶτα τὸ Τρισάγιον, Πα-

ναρία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός, τῆς ψυχῆς.. Δόξα, τὸ τέλος, Καί νῦν, Ὅτι πάντων ὑπάρχει τῶν ποιημάτων.. Καί εὐθὺς λέγει τὰ εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὅπως Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν τάξῃ τὸ πνεῦμα... Ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων... Ὑπὲρ τοῦ ρυσιθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τὰ ἐλέη τοῦ Θεοῦ... Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Καί ἡ εὐχή· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. *Goar* p. 452. Καί εὐθὺς γίνεται ὁ ἀσπασμός, καὶ ψάλλομεν στιχηρά, ἦχος α΄. Ὅτε ἐκ τοῦ ξόλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν... Στίχος· Ἰδοὺ δὴ τί καλόν. Ἐχων τὴν ἐλπίδα εἰς Θεόν, τὸν μονήρη βίον ποθήσας... Εἰνός γεγονώς τῶν συγγενῶν καὶ τῶν ἐν τῷ βίῳ φροντῖδων... Δεῦτε, ἀδελφοί πνευματικοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου... Πάντες δυσωποῦμεν νῦν ἐν κατανύξει βούωντες... Τοῦτο τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστὶ τὸ ἀπαρχώρητον τέλος... Ποίμνη· ἐπιστάτης γεγονώς, πάτερ, λογικῆς ἐπιχλόης... Δόξα καὶ νῦν, ὁ αὐτός, θεοτοκίον· Νεῦσον παρακλήσεις, Χριστέ, ταῖς τῆς παναχράντου Μητροῦ σου... Καί λέγει τὴν προγεγραμμένην αἴτησιν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος κριτής. *См. выше стр. 480.* Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἰ ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάστασις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου... Καὶ εἰσφέρουσι τὸ λείψανον εἰς τὸν τάφον, ψάλλοντες τὸ παρὸν τροπάριον· Αὐτὴ ἡ κατάπαυσις μου εἰς αἰῶνα αἰῶνος... Ἐτερον τροπάριον, ἦχος γ΄· Ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς συγγενείας μου καὶ κατέλιπον... Στίχος α΄· Ἐγὼ εἶπα ἐν τῷ ὕψει τῶν ἡμερῶν... Καί πάλιν τὸ αὐτό. Στίχος β΄· Ἐπιποθεῖ καὶ ἐκλείπει ἡ ψυχὴ μου. Κι πάλιν τὸ αὐτό. Καί σφραγίζει τὸ λείψανον μετὰ κανδήλαν(ης). Ὁ δὲ ἱερεὺς θυμιᾷ τὸν τάφον σταυροειδῶς καὶ τοὺς ἀδελφούς πάντας, καὶ λέγει τροπάρια ἕτερα, ἦχος πλ. δ΄. Μετὰ πνευμάτων δικαίων.. Ἐτερον· Σὺ εἰ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ἐτερον τροπάριον, ἦχος πλ. δ΄· Ὁ θάνατός σου, Κύριε, ἀθανάσιος γέγονε πρόξενος... Δόξα, ὁ αὐτός, ἦχος· Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ... Καί νῦν, θεοτοκίον· Ἐγὼ, παρθένε ἁγία Θεοτόκε, τὴν σκέπην σου... Ἐν εἰρήνῃ.. Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν κ. τ. λ. Σὺ γάρ εἰ ἡ ἀνάστασις καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Ἐἵτα λέγει τὴν ἐπιτάφιον εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία. *Goar* p. 453. Ἐἵτα τὸν Ν΄ καὶ τὸ Τρισάγιον, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστίν, τὸ Κύριε ἐλέησον ρ΄ καὶ ἀπόλουςις.

π. 93. Τάξις καὶ ἀκολουθία εἰς σταυροφόρον μοναχόν, ἐκτεθεισα παρὰ τῶν ὁσίων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου τοῦ μεγάλου, Εὐθυμίου, Σάββα, καὶ ἐτέρων πατέρων.

Εἰσφέρουσι δύο ἀδελφοὶ τὸν μέλλοντι φορέσαι σταυρὸν εἰς τὸ δια-
κονικόν, φορῶν μόνον (ὁ)ποκάμισον, ἀνυπόδετον, καὶ ἐπιτιθοῦσι τὸ φα-
λίδιον ἐπὶ τὸ παρατράπεζον καὶ τὸν σταυρὸν, καὶ ποιεῖ εὐλογητόν, Τρι-
άγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἔστιν, ἀπολυτίκιον καὶ
κοντάκιον τῆς ἡμέρας, ὁ δὲ ἱερεὺς φραγίζει τὴν κεφαλὴν τοῦ νεοφω-
τίστου ἐκ γ' καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε
ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιόσους σου εἶναι νομοθετήσας... Goar p. 380. Εἰρήνη
πᾶσιν. Ἦχος κεφαλᾶς. Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε, ὁ κατὰ τὸ πολὺ ἑλεός
σου ῥυσάμενος. Goar p. 378. διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ μονογενοῦς σου
Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ, σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωο-
ποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Ἐἵτα ἐγείρει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς καὶ ἐν-
δύει αὐτὸν στιχάρην μαῦρον, καὶ λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἐνδύεται
χιτῶνα τῆς ἀφθαρσίας, εἰπωμεν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ τὸ Κύριε ἐλέησον γ'.
Καὶ λαβὼν ὁ μέλλων κουρευθῆναι, δίδει τὸ φαλίδιον τοῦ ἱερέως (sic), ὁ
δὲ ἱερεὺς, λαβὼν αὐτό, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώ-
πους σωθῆναι, καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, νῦν καὶ ἀεὶ... Ὁ δὲ
ἀλλάσσει τὸ ὄνομα τοῦ νεοφωτίστου καὶ λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα,
κείρεται τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ. Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς· Ἀμήν.
Καὶ τοῦ Υἱοῦ· Ἀμήν. Καὶ Ἀγίου Πνεύματος· Ἀμήν. Νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς
τοὺς αἰῶνας... Καὶ βάνει αὐτῷ μικρὸν κουκούλιον καὶ ζώνην δερματίνην,
καὶ λέγει· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ἔλαβε τὸ σχῆμα τῆς ἀγγελικῆς καταστά-
σεως εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... εἰπωμεν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ
τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Κάκεινου κλίναντος τὴν κεφαλὴν, λέγει ἱερεὺς τὴν
εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε, Κύριε, ἡ δύναμις τῆς σωτη-
ρίας ἡμῶν. Goar. pag. 379. Εἰρήνη πᾶσιν. Ἦχος κεφαλᾶς ἡμῶν. Εἰς
τὸν ζυγόν σου, Δέσποτα, τὸν σωτήριον, πρόσδεξαι τὸν δοῦλόν σου...
Goar p. 378. Καὶ εὐθὺς ἀσπάζονται αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ καὶ ἀπόλυσις.
Сп. выше стр. 505—506.

1. 95 ο'. Ἐτέρα ἀκολουθία τοῦ ἁγίου σχήματος τοῦ μικροῦ.

Ἀφ' ἑσπέρας εἰσφέρουσι τὰ ἱμάτια αὐτοῦ τοῦ μέλλοντος κουρεῦ-
εσθαι εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, καὶ ἀποτίθενται ἐν τῷ θαλασσιδίῳ
τῆς ἀγίας τραπέζης ἢ ἐμπροσθεν τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, καὶ
αὐτὸς στέκεται κάτωθεν, φορῶν μόνον (ὁ)ποκάμισον καὶ ἀνυπόδετος, ἕως
τῆς μικρᾶς εἰσόδου, τότε φέρουσιν αὐτὸν δύο μοναχοί, προσκυνῶν καὶ
ψάλλων ἦχος α'. Ἀγκάλας πατρικᾶς... Εἰς τὸν ὄρθρον ψάλλεται ὁ κα-
νὼν τοῦ ἁγίου σχήματος, καὶ εἰς τὴν λειτουργίαν τὰ ἀντίφωνα, εἰ δὲ
οὐκ ἔστι λειτουργία, εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς, Τριάγιον, Παναγία Τριάς, Ὅτι
σοῦ ἔστιν, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ', Δεῦτε προσκυνήσωμεν, Ὁ Θεὸς εἰς τὴν

βοήθειάν μου... Κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς... καὶ εὐθὺς μικρὰ αἰτησίαι, τὸ Ἀλληλουῖα, ἤχος πλ. β', τροπάριον, ἤχος πλ. β'. Ἐλέησον ἡμᾶς... Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς· ἐπὶ σοὶ γὰρ πεποιθήμεν... Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνείας τὴν πύλην... Καὶ εὐθὺς ὁ Ν', ὁ κανὼν, ᾠδὴ α', ἤχος δ'. Θαλάσσης τὸ ἐρουδραῖον. См. выше стр. 226. Θαλάσσης βιωτικῆς τὸν κλύδωνα ἀποταξάμενοι. Σήμερον βαπτίζεσθε τοῖς δάκρυσι τῆς κατανύξεως... Ἀγνεῖαν, ταπεινώσιν, ἐγκράτειαν, ὑπακοήν, προσευχήν... Ξενίζεται φύσις, ἀειπάρθενε, ἡ τῶν ἀνθρώπων. Καὶ εὐθὺς στιχηρὰ προσόμοια, ἤχος β'. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πίστει προσερχόμενον πρὸς σέ, Δέσποτα, τῆς σῆς ἐπὶ τρίβους δικαιοσύνης με... Goar pag. 405—406. Καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Φόβο, πολυτρόπων λογισμῶν καὶ τῶν ἀναγκῶν καταγιγδес νῦν με χειμάζουσιν... Εἰς τὴν λειτουργίαν τὰ ἀντίφωνα, τὸ Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου... Καὶ τὸ Δόξα, Αἰνεῖ ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον, καὶ οἱ μακαρισμοί. Goar pag. 414. Μετὰ ταῦτα ἱσταται ὁ τὸ σχῆμα λαβὼν εἰς τὰς ὥραις πύλας τοῦ βήματος, ἀποδυόμενος τοὺς ἑαυτοῦ χιτῶνας, μόνον μετὰ ἐνὸς περιβολαίου ἀσκεπῆς καὶ ἄζωστος καὶ ἀνυπόδετος, εἴτα γίνεται εἰσοδος μικρά, καὶ ἄρχεται τὸ α' ἀντίφωνον, καὶ καθ' ἐκάστην Δόξα, βραχὺ μεθιστάμενος ἕως τῆς ἐνάρξεως τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἐν ᾧ λέγομεν τροπάριον· Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ. См. выше стр. 506—511. В антифонахъ имѣются прибавочные тропари. Въ оглашеніи, послѣ каждаго отдѣла, постригаемый произносить: Наі, тімє πάτερ. Постригаемый вводится въ алтарь—Καὶ εἰσφέρουσιν αὐτὸν ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, καὶ ποιεῖ μετανοίας γ', καὶ λαβὼν τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, τίθησι τὸ ψαλίδιον ἐπάνω αὐτοῦ, καὶ προσκυνήσας καὶ ἀσπάσας τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ὁ μέλλων ἀποκείρεσθαι, λέγει αὐτῷ ὁ ἱερεὺς· Ἐρώτησις· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἐνταῦθα πάρεστιν... Ο παλλιονѣ замѣчено: Καὶ λαβὼν παραμάντιον, λεγόμενον παλλίον, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, λαμβάνει τὸ παλλίον τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρός. Любопытно замѣчаніе: Καὶ ἐκτείνας ὁ νεοφώτιστος τὰς χεῖρας εἰς οὐρανόν, λέγει· Δόξα σοι, ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι. Καὶ ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Τοῦ Κυρίου δεηθώμεν. Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνη... См. выше стр. 511. Καὶ εἰ μὲν ἔστι λειτουργία, ποιῶμεν τὸν ἀσπασμόν, φίλημα ἀγαθὸν καὶ ἅγιον, καὶ ἐπιδίδωσι τῷ νεοφωτίστῳ κηρὸν ἄπτοντα, καὶ ἱσταται πλησίον τῶν ἁγίων θυρῶν τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς· Οὕτω λαμβάτω τὸ φῶς. Εἰ δὲ οὐκ ἔστι λειτουργία, κρατῶν ὁ διάκονος ἢ ὁ νεοφώτιστος τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἀσπάζονται πάντες οἱ ἀδελφοὶ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ τὸν νεοφώτιστον, ψάλλοντες τὸ Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν Χριστῷ. Ὡσον ἡμᾶς, Υἱὲ Θεοῦ, καὶ λέγουσιν· Εὐλόγησον,

πάτερ. Πῶς καλεῖται τὸ ὄνομά σου; Ἀποκρίνεται· Τόδε ὁ μοναχός. Οἱ ἀδελφοί· Σωθῆς, τόδε μοναχέ. Καί μετὰ τὸ τέλος τοῦ ἀσπασμοῦ, εἰσέρχεται μετὰ τοῦ διακόνου εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, καὶ λέγει ὁ διάκονος τὴν αἴτησιν. *Послѣ евангелія, Εἴπωμεν πάντες... Κύριε παντοκράτορ... Ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐπεὶ δεόμεθα καὶ ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν, ὁ δεῖνα, καὶ τῆς ἐν Χριστῷ τελείας ὑπομονῆς καὶ σωτηρίας αὐτοῦ εἴπωμεν... Τὸ Κύριε ἐλέησον γ'· Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος... Ἀπτούσιν οἱ ἀδελφοὶ τοὺς κηρούς αὐτῶν καὶ ὁψικεύουσιν αὐτὸν ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ συναπέρχονται μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τὴν τράπεζαν, κρατῶντος αὐτοῦ τῆς δεξιᾶς χειρὸς ἕως τὴν κέλαν (sic) αὐτοῦ, ἐν ἧ καὶ διακονεῖ αὐτὸς ἀνεπαισχύντως· συνάττει γὰρ τότε αὐτὸν ὁ καθηγούμενος τοῖς ὑπηρετοῦσι, καὶ ἵποδος καὶ ἦν, τὴν τῶν ἀδελφῶν εὐλογίαν αὐτῷ προμηθεύμενος, καὶ ψάλλουσι καὶ τροπάριον, ἧχος δ'· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος· Ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ πρόσχες. Τὸ αὐτὸ πάλιν. Ὁ καθηήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν βίμ. Τὸ αὐτό. Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἡ μόνη ἁγνή καὶ ἄχραντος παρθένος... Καί μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἀπὸ τῆς τραπέζης, ἀπέρχεται πάλιν εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ψάλλοντες τὸ αὐτὸ τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον, καὶ γίνεται ἀπόλυσις.*

Καὶ τῇ η' ἡμέρᾳ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην τοῦ νεοφωτίστου. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα Κύριε, ἕως τέλους, εἰς τὸν ζυγόν. См. выше стр. 511—512.

л. 119 об. Начало, какъ въ малой схимѣ. Канонъ и стихиры pag. 403, блаженны р. 414. См. выше стр. 279. Ἰσταται ὁ τὸ σχῆμα λαβὼν εἰς τὰς ὥραιάς πύλας τοῦ βήματος, ἀποδιδόμενος τοῦ ἐαυτοῦ χιτῶνας, μόνον μετὰ ἐνὸς περιβολαίου, ἀσκεπῆς καὶ ἄζωστος καὶ ἀνυπόδετος... 2) Καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολὰς ψάλλομεν τροπάριον· Ἀγκάλας πατρικῆς, καὶ σφραγίζει τὴν κεφαλὴν τοῦ νεοφωτίστου ἐκ γ', καὶ ψάλλομεν τροπάριον, ἧχος δ'· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ οὐρανοῦ, Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ, καὶ εὐθὺς ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἱλαστηρίου λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκῆσαι διὰ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... 3) Καὶ ῥίπτει αὐτὸν ἐπὶ πρόσωπον, καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ χορηγὸς τοῦ ἁγίου καὶ ζωοποιῶ Πνεύματος См. выше стр. 508. Καὶ ἐγείρει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς, καὶ στραφεὶς κατὰ ἀνατολὰς, εὐχεῖται· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος. Goar. pag. 409. *Послѣ молитвы*: 4) Ὁ ὢν, Δέσποτα παντοκράτορ. Καὶ ἐπιτίθῃσι τὴν χεῖρα ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν νεοφωτίστον· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου,

Κύριε ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ἐπιτίθημι τὴν χειρὰ μου... См. выше стр. 510. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Ἁγίε Κύριε τῶν δυνάμεων... р. 410. На слова: Влѣпте, ὅτι οὐδεὶς σε ἀναγκάζει... Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Καὶ εἶτα ταῦτα συντάσσεται, λέγει ὁ ἱερεὺς· Λάβε τὸ ψαλίδιον καὶ ἐπίδος μοι. Καὶ λαβὼν ὁ μέλλων κείρεσθαι τὸ ψαλίδιον, ἐπιδίδει αὐτὸ τῷ ἱερεῖ, ὃς ῥίπτει τοῦτο εἰς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρός... 5) Послѣ молитвы: Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου... Ἐρώτησις· Ἀνέλαβες τὴν ἀγγελικὴν πολιτείαν; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Ἐρώτησις· Ἀνέλαβες τὴν στολὴν τῶν ἁγίων ἀποστόλων; Ἀπόκρισις· Ναί, τίμιε πάτερ. Καὶ ἐκτείνας τὰς χεῖρας ὁ νεοφώτιστος εἰς τὸν οὐρανόν, λέγει· Δόξα σοι, ὁ Θεός, δόξα σοι γ', καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δόξα ἐν ὕψιστοις Θεῷ. См. выше стр. 511. Εἰρήνη πᾶσιν. Τὰς κεφαλὰς. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου р. 412. Послѣ этой молитвы дальнѣйшій порядокъ, что выше стр. 515—516 съ особенностями въ изложеніи, какъ въ малой схимѣ этого памятника.

л. 149. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ XVII в.

л. 154 об. Εὐχὴ ἐπὶ τὸν μέλλοντα μεταλαβεῖν τῶν ἁγίων μυστηρίων.

л. 156 чистый.

л. 157. Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων. XV—XVI в. При погруженіи креста, говорится: Φῶς ὁ Πατήρ, φῶς ὁ Υἱός, φῶς τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, ἑστὼς ὁ σταυρὸς ἐν τῷ ὕδατι. Δόξα τῇ ἁγίᾳ καὶ ὁμοουσίῳ καὶ ζωοποιῷ καὶ ἀδιαιρέτῳ Τριάδι πάντοτε, νῦν.

л. 166. Ἀκολουθία τοῦ ἁγιασμοῦ τῆς νεομηνίας.

л. 172. Εὐχὴ, λεγομένη τῇ πρώτῃ ἡμέρᾳ, ὅταν γεννήσῃ γυναῖκα. Μετὰ τὸ εὐλογῆσαι τὸν ἱερέα, τὸ Τρισάγιον. Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον καὶ ἐξ αὐτοῦ πλάσας τὴν γυναῖκα... Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰ ἐν τῇ ὀρθῇ εἰπὼν Πέτρῳ τῷ ἀποστόλῳ. р. 263. Εὐχὴ ἑτέρα· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τεχθεὶς ἐκ τῆς παναγίας ἀχράντου Δεοποιήσεως р. 261. Молитва безъ конца.

л. 173 Εὐχὴ εἰς κόλλωβα ἁγίων XV—XVI в. Письмо, отличное отъ всѣхъ предыдущихъ.

л. 173 об. Чинъ малаго водоосвященія.

л. 178. Чтенія изъ апостола и евангелія на цѣлый годъ.

л. 207. Чтенія изъ апостола и евангелія на память пророка Иліи и на Преображеніе XV в.

л. 210. Подобныя-же чтенія XVI в.

л. 224. Εὐχή, λεγομένη εἰς εὐλογίαν οἴνου.

л. 224 об. Εὐχή εἰς ἀδελφοποίησιν.

— Εὐχή ἐπὶ σπόρου ἀρχῆς.

л. 225. Εὐχή ἐπὶ θερούς ἀρχῆς. 2 молитвы.

СЛП. № 343. Εὐχολόγιον, рукопись Аомо-Кутлумушской библиотеки, въ 24 долю листа, 247 листовъ, писана разными почерками XVI—XVII вѣковъ 1).

л. 5. Мѣсяцесловъ.

л. 19. Ἀκολουθία ἐξοδιαστικοῦ.

1) Числится, по КATALOGУ синайскихъ рукописей В. Гардгаузена, евхологій XVI—XVII в. № 987 (Охон. 1886 an p. 216), содержащій въ себѣ „Ἀκολουθία“, но вѣрнѣе эту рукопись нужно относить къ отдѣлу смѣшанныхъ сборниковъ, содержаніе коихъ весьма разнообразно. Въ составъ этого сборника входятъ: 1) Ἀκολουθία εἰς διαφόρους λιτὰς καὶ ἀγροπνίας παρακλήσεις, 2) Κανὼν εἰς ἀνομβρίαν, 3) Ἀκολουθία, ἥγουν θέσεις ἐν αὐχμῷ ἀνομβρίας, 4) Κανὼν εἰς φόβον σεισμοῦ, 5) Κανὼν εἰς τὴν ἀρίαν καὶ ὑποοῦσιον Τριάδα καὶ εἰς πάντας τοὺς ἁγίους εἰς ἀπειλὴν λοιμικῆς ἀσθενείας, ἥγουν εἰς θανατικόν, 6) молитвы на различные случаи, входящія въ составъ евхологіи, 7) замѣчанія о чтеніи отеческихъ твореній въ теченіи четыредесятницы, 8) о толковыхъ евангеліяхъ, 9) молитвы заклиательныя, 10) εὐχή ἐπὶ ὕδατος ἀρρώστου, 11) Символь Св. Аθανасія, 12) письмо Авгаря къ І. Христу и другія апокрифическія статьи, 13) статьи о бракахъ каноническаго содержанія, 14 περὶ τοῦ μέτρου τῆς γῆς, 15) сказаніе Епифанія монаха и пресвитера о Богородицѣ, 16) его же объ изображеніи Христа, 17) Слово св. І. Златоуста о поклонахъ и милостыняхъ, 18) слово пр. Макарія о воскресеніи, 19) Откровеніе Богородицы о мученіяхъ и какъ наказываются грѣшники, 20) Διήγησις καὶ διάθεσις τοῦ δικαίου καὶ πατριάρχου Ἀβραάμ, ἐρώτησις δηλωτικὴ περὶ τοῦ θανάτου αὐτοῦ, 21) Ἀποκάλυψις τοῦ ἁγίου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ, πρῶτον ἡγαπημένου, Ἰωάννου τοῦ Θεολόγου. Λόγος περὶ τῶν ἁμαρτιῶν καὶ τῆς θείας καὶ ἀχράντου καὶ ἀναιμάκτου ἱερουργίας, 22) Θαῦμα τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος Θεοδώρου τοῦ Τύρωνος, 23) Ἀθλήσις τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος Νικήτα, 24) Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἁγίου Μκαρίου, τοῦ εὐρεθέντος ἀπὸ εἰκοσι μιλίων τοῦ παραδείσου и 25) Διήγησις περὶ τοῦ πάθους τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ καὶ τῆς ἁγίας αὐτοῦ ἀναστάσεως, συγγραφεὶς παρὰ Ἰουδαίου Αἰνέα ὀνόματι, ἣν μετένεγκεν ἐκ τῆς ἐβραϊκῆς γλώσσης εἰς τὴν Ῥωμαίων διάλεκτον Νικόδημος, ὕπαρχος Ῥωμαίος. Этотъ весьма разнообразный и любопытный по содержанію сборникъ представляетъ рукопись въ 16 долю листа, въ 243 листа.

л. 55. 'Ακολουθία εἰς μνήστρα.

л. 58. 'Ακολουθία τοῦ στεφανώματος.

Послѣ положенія вѣнцовъ на головы брачующихся и послѣ сплетенія ихъ рукъ, священникъ произноситъ: Χεῖρ Κυρίου ἐπὶ τὰς δεξιὰς ὑμῶν πάντοτε, νῦν...

л. 75. Аногольскія и евангельскія чтенія.

л. 115. 'Ακολουθία εἰς γυναῖκα λεχώ.

л. 116. 'Ακολουθία εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, λαμβάνον ὄνομα τῇ ὁγδόῃ ἡμέρᾳ τῆς αὐτοῦ γεννήσεως.

л. 117 об. Εὐχή εἰς τὸ εἰσελθεῖν παιδίον ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἡμερῶν μ'.

л. 123. 'Ακολουθία εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

Ὅς огласительныхъ молитвахъ замѣчено: Ταύτας τὰς ε' εὐχὰς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τοῖς φωτιζομένοις ὁ κ τ ά κ ι ς ἢ δ εκ ά κ ι ς.

л. 145. Εὐχή εἰς τὸ ἀπολοῦσαι τὸν φωτισθέντα.

л. 149. 'Ακολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

л. 197. Чинъ вечерни Пятидесятницы.

л. 221. 'Ακολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων.

л. 137. Канὼν τοῦ Προδρόμου. Два канона, изъ коихъ послѣдній только до 3 пѣсни.

CLIV. № 341. Εὐχολόγιον σὺν Θεῷ ἁγίῳ, рукопись той-же библиотеки, въ 16 долю листа, 273 листа, писана скорописью XVI в. (съ л.л. 8—173) и XVII в. (до конца).

л. 8. Апостолы и евангелія на пѣлый годъ.

л. 20. 'Ακολουθία τῆς παρχκλήσεως.

л. 25. 'Η θεία λειτουργία τοῦ ἁγίου Ἰωάννου Χρυσοστόμου. Ἐρμηνεῖα εἰς τοὺς ἀμαθεῖς τῆς θείας λειτουργίας.

Εὐλόγητός ὁ Θεός, καὶ ἄρχεται τὸ Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν, Κύριε ἐλέησον ἐβ', Δεῦτε προσκυνήσωμεν γ', καὶ ἄρχεται τριθέκτη, καὶ πληρουμένης τριθέκτης, ἄρχεται καὶ ποιεῖ μετάνοιαν τῷ προσεστώτι, καὶ λαβὼν καιρόν, ἀπέρχεται ἐν τῷ ναῷ, λέγει καθ' ἐκυτὸν μυστικῶς: Ἴδού βαδίζω πρὸς θεῖαν κοινωνίαν, πλαстуργέ, μὴ φλέξης με τῇ μετουσίᾳ. Τὰς ἀνομίας μου πάριδε, Κύριε, καὶ τὴν καρδίαν μου καθάρισον... Τὸν διεσπαρμένον μου νοῦν συνάγαγε, Κύριε, καὶ τὴν καρδίαν μου χερσωθεῖσαν... Καὶ εἰσελθόντες, βάλλει μετάνοιαν ἐνώπιον τῆς εἰκόνης τοῦ Δεσπότη Χριστοῦ, λέγων· Τὴν ἄχραντον εἰκόνα σου... Εὐσπλαγγνίας ὑπάρχουσα... Καὶ

ἀσπάζεται τὰς ἁγίας εἰκόνας, καὶ στραφεὶς πρὸς τοὺς ἐστῶτας, λέγει κλινόμενος· Εὐλογεῖτε, πατέρες, συγχωρήσατε... Καὶ εἰσελθὼν ἐν τῷ ἁγίῳ ἱλαστηρίῳ, λέγει καθ' ἑαυτὸν τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε ὁ Θεός μου, ἐξαπώστεйлόν μου... Καὶ εἰσέρχεται εἰς τὸ ἅγιον βῆμα, ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ λαβὼν τὸ στιχάριον, καὶ ἀσπασάμενος αὐτὸ ἐπὶ τὴν ὦαν τοῦ ἐν τῷ σταυρῷ φύλλου, λέγει μυστικῶς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Καὶ ἐνδουόμενος αὐτό, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀγαλλιᾶσεται ἡ ψυχὴ μου... Псаломъ: „Умыю въ неповинныхъ ружѣ мои“ читается до конца. Καὶ λαμβάνει προσφορὰν, τίθη(σιν) ἐπάνω αὐτῆς τὴν ἁγίαν λόγχην, καὶ προσκυνεῖ, λέγων· Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ... γ'. Просфоры три, при чемъ за третьею просфорою поминается Предтеча, всѣ святые, цари, умершіе и живые. При покровеніи дискаса звѣздницею, произноситъ священникъ: „Словомъ Господнимъ небеса утвердишася“ и „Се звѣзда, юже видѣша волеви“. Проскомидія оканчивается отпустомъ, при открытыхъ парскихъ дверяхъ. Καὶ κλείσας τὰ ἅγια θυρία, στρέφεται κατὰ ἀνατολὰς καὶ ποιεῖ μετάνοιαν γ', λέγων· Ὁ Θεός, ἰλάσθητι... Κύριε, τὰ χεῖλη μου... β'. Ἐν τῷ ναῷ ἐστῶτες τῆς δόξης σου... Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων καὶ τῆς Θεοτόκου τὴν σὴν εἰρήνην δὸς ἡμῖν καὶ ἐλέησον ἡμᾶς... На великомъ входе: Ὅτε φθάσῃ εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν, λέγει· Δέχου ἡ ἁγία τράπεζα τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις· καλῶς ἦλθεν ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης, καλῶς ἦλθε τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ αἶρει οὖν τὰ καλύμματα ἐκ τῶν ἁγίων, καὶ σκεπάζει αὐτὰ μετὰ τοῦ ἀέρος, λέγων· Τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον... После молитвы: „Вопми, Господи“, предъ причащеніемъ читаетъ священникъ: Тὰς ἀνομίας πάριδε Κύριε, ὁ ἐκ Παρθένου τεχθεὶς... Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε... Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Ὑψώσω σε, ὁ Θεός μου, ὁ βασιλεὺς μου... Ὡς ἐμνήσθης, Χριστέ, τοῦ πιστοῦ σου ληστοῦ, μνήσθητι καμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ὅτε ἐλθῇς ἐν τῇ βασιλείᾳ σου. Καὶ ὑφοῦ τὸν ἄρτον ἅγιον, λέγων· Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις... После вліянія теплоты и возгласа: Ζέσις πίστεως Πνεύματος ἁγίου, Ἀμήν. εἶτα εὐχεται καθ' ἑαυτὸν λέγων· Ὁ Θεός, ἄνεις, ἄφεις, συγχώρησόν μοι τῷ ἁμαρτωλῷ... Καὶ λαμβάνει μίαν μερίδα εἰς τὴν δεξιὰν χεῖρα αὐτοῦ, καὶ κλίνας τὴν κεφαλὴν, εὐχεται, λέγων· Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ... ἐκ γ'. Πιστεύω καὶ ὁμολογῶ... πρῶτός εἰμι ἐγώ. Καὶ γεύεται τὸν ἄρτον, λέγων· Σῶμα Χριστοῦ μεταλάβετε... Εἶτα ἀποσπογγίζει τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐν τῷ δίσκῳ, καὶ λαμβάνει τὸ ποτήριον μετὰ τοῦ καλύμματος μετὰ πάσης εὐλαβείας, λέγων· Θεορρότυπ σίματι κενωθέντι, Δέσποτα Χριστέ, ἐκ σῆς ἀχράντου πλευρᾶς καὶ ζωοποιού.

Καὶ πίνει ἐκ τοῦ ποτηρίου καὶ σπογγίζεται τὰ χεῖλη καὶ τοῦ ἁγίου ποτηρίου καὶ ἀσπάζεται αὐτό, λέγων· Τῆς σαρκός σου μετελάβομεν καὶ τοῦ αἵματος σου ἡξιώθημεν. Καὶ λαβὼν τὴν μοῦσαν, ἀποσπογγίζει τὸν ἅγιον δίσκον ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ, λέγων· Τὸ σῶμά σου τὸ ἅγιον, Κύριέ μου· Ἰησοῦ Χριστέ, γένοιτό μοι εἰς ζωὴν... Καὶ τίθησι τὴν ἁγίαν λαβίδαν ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ καὶ σκεπάζει αὐτὸ μετὰ τοῦ καλύμματος ἐν τῷ δίσκῳ... При третѣмъ явленіи съ св. дарями, священникъ θυμιᾷ σταυροειδῶς τὰ ἅγια δῶρα, λέγων· Ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανούς... Ἀνέβη ὁ Θεὸς ἐν ἀλαλαγμῷ. Εἶτα λέγει καθ' ἑαυτόν· Δόξα Χριστῷ, τῷ ἐν Τριάδι Θεῷ ἡμῶν, εἶτα λέγει· Πάντοτε, νῦν καὶ αἰεί... По окончаніи литургіи, при омовеніи чаши, священникъ произноситъ: Τοῦ ἀρχάντου σου σώματος καὶ τοῦ τιμίου σου αἵματος μυστικῶς ἁγιωθεὶς γενέσθαι συμμέτοχος, εὐχαριστῶ, ἀνυμνῶ, προσκυνῶ, εὐλογῶ καὶ δοξάζω, καὶ μεγαλύνω τὰ σωτήριά σου, Κύριε, πάντοτε... По облаченіи и по выходѣ изъ алтаря, священникъ ἀσπάζεται τὰς ἁγίας εἰκόνας, λέγων· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, Γιὲ τοῦ Θεοῦ, διὰ τῆς Θεοτόκου ἐλέγησον ἡμᾶς. Καὶ στραφεὶς πρὸς τὸν λαόν, λέγων· Φυλάξαι Κύριος ὁ Θεὸς πάντας ἡμᾶς. Καὶ ἡμεῖς Φυλάξαι Κύριος τοὺς εὐλογοῦντας καὶ λειτουργοῦντας καὶ ἁγιάζοντας ἡμᾶς εἰς αἰῶνα αἰῶνος..

λ. 60 οβ. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ Μεγάλου Βασιλείου.

λ. 98. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων, ποίημα τοῦ ἁγίου Γρηγορίου, πάπα Ῥώμης.

λ. 116. Ἀκολουθία Αὐταὶ αἱ εὐχαὶ λέγονται εἰς τὸν μέγαν ἑσπερινόν καὶ εἰς ἀρτοκλυσίαν καὶ παράκλησιν τῶν ἁγίων, καὶ ὅταν ψάλλωσι τὰ τροπάρια τῆς λιτῆς.

λ. 119 οβ. Ἀκολουθία εἰς γυναῖκας λεχούσας.

λ. 121. Ἀκολουθία ἐν τῇ ἡ' ἡμέρᾳ εἰς τὴν μαῖαν καὶ εἰς παιδίον.

λ. 121 οβ. Ἀκολουθία εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον, ἡγουν τοῦ ἐκκλησιαῶσαι αὐτό.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πρραγενόμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων... Goar p. 267; См. выше стр. 176. Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν, ὁ ἐν μ' ἡμέραις κατὰ τὸν νόμον εἰς τὸ ἱερόν. Прилож. стр. 19. Εἶτα λαμβάνει τὸ παιδίον ὁ ἱερεὺς μετὰ χεῖρας, ὑπάγει αὐτὸ εἰς τὸ θυσιαστήριον, καὶ στὰς ἔμπροσθεν τοῦ ἁμβωνος, λέγει· Χαῖρε, κεχαριτωμένη Θεοτόκε... Καὶ ἐπιθείς τὸ στόμα αὐτοῦ παρ' ἑκατέρᾳ τῶν ἁγίων θυρῶν, λέγει· Ὁ μήτραν παρθενικήν... Καὶ εἰσέρχεται (ἐάν ἐστί ἄρρεν) μετ' αὐτοῦ ἔνδον τῶν ἀδότην, καὶ ἴστησιν αὐτὸ ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ὡς προσκυνοῦν, λέγει· Ἐκκλησιάζεται ὁ

δοῦλος τοῦ Θεοῦ εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς. Ἀμήν. Καὶ στρέφει ὀπισθεν πρὸς δυσμὰς, λέγει· Καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος· δεξιᾷ καὶ ἀριστερᾷ· Νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Εὐθὺς ἵστησιν αὐτὸ ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης (εἰς) σχῆμα τῆς προσκυνήσεως, λέγει· Νῦν ἀπολύεις, τὸ δὲ θῆλυ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων πυλῶν εἰσφέρεται καὶ οὐκ ἔνδον, καὶ τίθησι τὸ παιδίον παρὰ τὰς ὥραϊας πόλας καὶ εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις, ὡς βρέφος τῷ νομικῷ προσαχθεῖς... Εὐχολ. Gorg pag 267.

л. 124 Ἐτέρα ἀκολουθία, ὅταν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι τοῦ καθαρισμοῦ αἱ μ'.

л. 124 об Ἀκολουθία εἰς γυναῖκα, ὅταν ἀποβάλλῃ, ἤγουν σκοτωθῇ τὸ νήπιον.

л. 127. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

Ἀλλάσσει ὁ ἱερεὺς πᾶσαν τὴν ἱερατικὴν στολήν, λέγων· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία..., καὶ ἄρχεται τὴν προγραφεῖσαι ἀκολουθίαν, ἐὰν οὐκ ἔτυχε σφραγισθεῖς ὁ φωτισθεῖς, εἰ δὲ σφραγισμένος ἔτυχε, πάλιν εὐλογεῖ ὁ ἱερεὺς καὶ τὸν προγραφέντα τύπον· Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν, τροπάριον τῆς ἡμέρας, Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν σου, Δόξα, ἀπολυτίκιον· Ἅγιοι ἀνάγυροι..., Καὶ νῦν, Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων, εἰτα σφραγίζει τὸ τοῦ παιδίου μέτωπον, τὸ στόμα καὶ τὸ στήθος. После первой молитвы, καὶ ἔμφυσᾷ εἰς τὸ πρόσωπον τοῦ νεοφωτίστου γ' καὶ εὐχεται· Ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου... Gorg pag. 275. Во время великой ектеньи, молитва: Εὐχὴ τῶν διπλοκατηγουμένων· Ἐπίφανον, Δέσποτα, τὸ πρόσωπόν σου... p. 165, а далее слѣдуетъ ектенья: Εὐξασθε οἱ πρὸς τὸ φῶτισμα... Ὁ εὐσπλαγχνος καὶ ἐλεήμων Θεός, ὁ ἐτάζων καρδίας καὶ νεφρούς... Gorg p. 288. Καὶ ἔμφυσᾷ εἰς τὸ ὄδωρ γ', σφραγίζει αὐτὸ γ' τοῖς τρισὶ δακτύλοις Συντριβήτωσαν ὑπο τὴν σημείωσιν... После елеопомазания, Εἰθ' οὕτως βαπτίζει αὐτὸν εἰς τὰς τρεῖς καταδύσεις, εἰς μὲν τὴν πρώτην λέγει· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, εἰς τὴν β'· Καὶ τοῦ Υἱοῦ, εἰς τὴν γ'· Καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος. Καὶ εἰς πᾶσαν κατὰ ὁυσιν¹⁾

¹⁾ Въ той-же библиотекѣ имѣется свхологиѣ № 483 XVI—XVII в. въ 16 долю листа, 257 листовъ, въ которомъ погруженіе крещаемаго описывается такъ: Καὶ μετὰ τοῦτο βαπτίζεται ὑπὸ ἱερέως· κρατῶν αὐτὸν χ-ρί, καὶ ὀρῶν αὐτοῦ τὸ πρόσωπον, λέγων οὕτως· Βαπτίζεται ὁ δοῦλος τοῦ Θεοῦ... Ὅταν δὲ εἰπῇ· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, καταδύει αὐτὸν ἕως γονάτων, Καὶ τοῦ Υἱοῦ ἕως στήθους, καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος ὑπὲρ κεφαλῆς (л. 61).

ἐκ χέων τὸ ὕδωρ ὁ ἱερεὺς εἰς κορυφὴν τοῦ νεοφωτίστου καὶ οὐκ ἄλλος τις, εἴτα ἐνθάπτει αὐτὸν κατ' ἀνατολὰς ἐν τῷ ὕδατι, λέγει· Νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ψάλλει τὸ Ἀλληλουῖα ἐκ γ'. Στίχος· Μακάριοι, ὧν ἀφείθησαν... Στίχος· Μακάριος ἀνὴρ, ᾧ οὐ λογίσεται Κύριος ἁμαρτίαν... Στίχος· Προσέλθετε πρὸς αὐτὸν καὶ φωτισθῆτε... Εἴτα λαμβάνει αὐτὸν ὁ ἀνάδοχος ἐκ τῆς ἀγίας κολυμβήθρας διὰ τῶν χειρῶν τοῦ ἱερέως ὑπταίς χερσί, σαβάνου λευκοῦ πρότερον ἐφαπλωθέντος ἐν ταῖς χερσίν. Ὅταν δὲ λάβῃ αὐτὸν ὁ ἀνάδοχος ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ ἱερέως, καὶ φωνεῖ ὁ ἱερεὺς, λέγων· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ φωτίζων πάντα ἄνθρωπον... Καὶ σφραγίζων αὐτοὺς ὁ ἱερεὺς, εὐχεταί· Εὐλογητὸς εἰ, ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ἡ πηγὴ τῶν ἀγαθῶν... *Goar pag. 290.* Εἴτα ἐνδύουσιν αὐτὸν στολὴν λευκὴν, καὶ σφραγίζων αὐτόν, ὁ ἱερεὺς λέγει πρὸς αὐτόν· Λάβε στολὴν λαμπράν καὶ ἄμωμον, ἣν προσκομίσεις δίχα ρύπου πρὸ τοῦ βήματος τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ ἕξεις ζωὴν αἰώνιον. Ζωννύουσιν αὐτόν μετὰ πορφυροῦ ῥάμματος καὶ λέγει· Περίζωσαι τὴν ὀσφὺν ταύτην δύναμιν ἀληθείας εἰς ἀποτροπὴν πάσης αἰσχροῦς καὶ πονηρᾶς πράξεως ὡς... Ἐπιτίθουσιν αὐτῷ καὶ κηρὸν ἀπτόμενον, λέγει· Λάβε τὴν λαμπάδα ταύτην καὶ τήρησον αὐτὴν ἄσβεστον, ἵνα, ὅταν ἔλθῃ ὁ Κύριος ἐν παρθενικῷ γάμφῳ, δυνήθῃς αὐτῷ ὑπαντῆσαι σοι μετὰ τῶν φρονίμων παρθένων καὶ πάντων τῶν ἀγίων ἐν αὐτῇ οὐρανίᾳ καὶ ζωῇ αἰωνίᾳ. Καὶ μετὰ ταῦτα περιτίθουσιν αὐτῷ καὶ κουκούλιον, λέγει· Λάβε περικεφαλαίαν σωτηρίας εἰς προτύπωσιν τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, καὶ κληρονομήσεις τὰ ἀποκείμενα ἀγαθὰ τοῖς ἡγαπηκόσι τὸν Κύριον καὶ ὁλοφύχως αὐτὸν ἐκζητήσασιν.

л. 142. Εὐχὴ εἰς τὸ κουκουλίσαι τὸν νεοφώτιστον. Ὁ λύτρωσιν ἁμαρτιῶν... *Goar p. 303.*

л. 142 об. Εὐχὴ εἰς τὸ τριχοκεῖραι τὴν νεοφωτίστου κεφαλὴν.

л. 144. Чинъ омовенія крещаемаго въ 8 день.

л. 144 об. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

л. 160 об. Ἀκολουθία εἰς ἀδελφοποίησιν.

л. 163 об. Ἀκολουθία τοῦ πλεῖσαι πλοῖον κατ' ἀρχὰς ἐν τῷ ὕδατι.

л. 167 об. Чинъ брака.

л.л. 174—273. Разныя статьи, къ евхологию не имѣющія отношенія.

CLV. № 120. Рукопись¹⁾ Аѳоно-Есфигменской библиотеки, въ 16 долю листа, 158 листовъ, писана почеркомъ 1602 года, какъ видно изъ слѣдующей приписки: Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ Ῥαβουλᾶ πόνοϋς ἔτους ἐν τῷ, ζρί (1602) μηνὶ Αὐγούστῳ, ἔνδον μονοδρίου τῆς Πέτρας, ἡγουμενεύοντος Δανιήλ καὶ ἱερομονάχου (л. 155).

л. 1. Φιλοθέου, τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, διάταξις τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας.

Μέλλων ὁ ἱερεὺς τὴν θείαν ἐπιτελέσαι μυσταγωγίαν... См. выше стр. 818. Τοῦ δὲ καιροῦ ἐπιστάντος, μετὰ τὸ ποιῆσαι μετάνοιαν τῷ προσεστώτι, εἰσέρχεται ἐν τῷ ναῷ ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ποιήσας προσκυνήματα τρία, λέγει· Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, ποιεῖ εὐλογητὸν καὶ λέγει· Βασιλεῦ οὐράνιε, Τρισάγιον, Πάτερ ἡμῶν, καὶ τὰ τροπάρια ταῦτα· Ἐλέησον ἡμᾶς... Δόξα, Κύριε ἐλέησον ἡμᾶς, Καὶ νῦν, Τῆς εὐσπλαγχνίας, τὸ Κύριε ἐλέησον ιβ', εἶτα ἔρχεται ἐν τῇ εἰκόνι τῇ δεσποτικῇ, καὶ λέγει· Τὴν ἄχραντον εἰκόνα σου... Εὐσπλαγχνίας ὑπάρχουσα πηγὴ... Κι λέγει τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς, ἥτοι ἡμέρας. Εἶτα ἀπέρχεται, ἐν ᾧ προίστατο τόπω, καὶ κλίνας τὴν κεφαλὴν μεγάλην (?), λέγει τὴν παρούσῃ εὐχὴν μυστικῶς· Κύριε ὁ Θεός μου, ἐξαπόστειλον. . Goar p. 48. Καὶ ποιήσας σχῆμα προσκυνήσεως, εἰσέρχεται ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι, εἰσερχόμενος λέγει· Ἐν ταῖς λαμπρότησι τῶν ἁγίων σου, πῶς εἰσελεύσομαι ὁ ἀνάξιος... Εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου, προσκυνήσω πρὸς ναὸν τὸν ἅγιόν σου... Εἶτα εὐτρεπίζει τὴν πρόθεσιν καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ λαβὼν στιχάριον, ἱσταται ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ ἀνακαλύψας τὸ ἱερὸν εὐαγγέλιον, ποιεῖ προσκυνήματα τρία, καὶ ἀσπάζεται αὐτὸ καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ λέγει ἡσύχως· Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν. Εὐλόγησον, δέσποτα, καὶ τὸ στιχάριον. Καὶ ἀσπασάμενος, ἐνδύεται λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἀγαλλιάσεται ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Goar. pag. 48. Ἐν δὲ τῷ ἐπιτραχηλίῳ λέγει· Εὐλογητός ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκχέων τὴν χάριν... Goar p. 48. Ἐπὶ τὴν ὄψιν τοῦ ἐνδύματός σου. Εἰς τὴν ζώνην λέγει· Εὐλογητός ὁ Θεός, ὁ περιζωννύων με δύναμιν... См. выше стр. 819. Καὶ ἐπὶ τὰ ὤψηλά ἱστών με, διδάσκων χεῖράς μου εἰς πόλεμον καὶ ἔθου τόξον χαλκοῦν τοὺς θραχίονάς μου, πάντοτε, νῦν... Εἰς τὸ δεξιὸν ἐπιμανίκιον· Δεξιὰ Κυρίου ἐποίησε δύναμιν, ἡ δεξιὰ σου, Κύριε, ἔδραυσεν... Goar pag. 48. Εἰς τὸ ἀριστερόν ἐπιμανίκιον· Αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με καὶ ἔπλασάν με, συνέτισόν με

¹⁾ На рукописи приписка рукою еписк. Порфирия Успенскаго: „Рукопись замѣчательная. Русскій, прочти ее“.

καὶ μαθήσομαι τάς... Εἰς τὸ φελώνι(ο)ν λέγει· Οἱ ἱερεῖς σου ἐνδύονται... Goar pag. 49. Χρὴ γινώσκειν τὸν ἱερέα, ὅτι τὰ ἐνδύματα τῆς ἱερωσύνης· πρῶτον εὐλογεῖ, εἶτα ἀσπάζεται, καὶ οὕτως ἐνδύεται. Εἰ δὲ ἔχει πολλίον, εἴτε ἐπιτρυχήλιον, εἴτε φελώνιον, οὐκ εὐλογεῖ, ἀλλὰ μόνον ἀσπάζεται καὶ οὕτως ἐνδύεται, ἐνδυσάμενος δὲ πᾶσαν τὴν ἱερατικὴν στολήν, ἀπέρχεται ἐν τῷ χωνευτηρίῳ, νίπτων τὰς χεῖρας αὐτοῦ, καὶ λέγει οὕτως· Νίψομαι ἐν ἁθύοις τὰς χεῖράς μου. Καὶ λέγει ἕως τέλους. Καὶ νιψάμενος, εὐτρεπίζει τὴν ἀγίαν πρόθεσιν, καὶ τίθησιν τὸ μὲν ποτήριον ἐκ δεξιῶν, τὸν δίσκον ἐξ ἀριστερῶν, καὶ λαβὼν προσφορὰν ἐπὶ χεῖρας, εἶτα καὶ τὴν λόγχην, θέτει αὐτὴν ἐπάνω τῆς προσφορᾶς, προσκυνεῖ γ', εὐχόμενος· Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ καὶ ἐλέησόν με γ', καὶ λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός ἡμῶν πάντοτε. Καὶ ποιεῖ σταυρὸν μετὰ τῆς ἀγίας λόγχης ἐπάνω τῆς προσφορᾶς ἐκ γ', λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εἰς ἀνάμνησιν τοῦ Κυρίου. См. выше стр. 819. Καὶ πῆξας τὴν λόγχην ἐκ τοῦ πλαγίου, αἶρει τὸν ἄρτον ἄνωθεν, λέγων· Ὅτι αἱρεταὶ ἀπὸ τῆς γῆς ἡ ζωὴ αὐτοῦ· ὑπὲρ γὰρ τῶν ἀνομιῶν τοῦ λαοῦ αὐτὸς ἤχθη εἰς θάνατον, τὸ δὲ μνημόσυνον αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος, πάντοτε... Εἶτα τίθησι τὸν ἅγιον ἄρτον ὑπτίον ἐν τῷ ἀγίῳ δίσκῳ καὶ χαράττει αὐτὸν σταυροειδῶς μετὰ τῆς ἀγίας λόγχης, λέγων· Θύεται ὁ ἄμνος τοῦ Θεοῦ, ὁ Υἱὸς τοῦ Πατρὸς· ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς καὶ σωτηρίας. Εἰτ' οὕτως νύττει αὐτὸν ἐν τῇ δεξιᾷ μετὰ τῆς ἀγίας λόγχης, λέγων· Εἰς δὲ τῶν στρατιωτῶν λόγχῃ ἔνοξεν αὐτοῦ τὴν πλευράν. Καὶ εὐλογεῖ τὴν ἔνωσιν, λέγων· Εὐλογημένη ἡ ἀγία ἔνωσις αὕτη πάντοτε, νῦν... Καὶ λαβὼν τὸν οἶνον ἐν τῇ δεξιᾷ χειρί, τὸ δὲ ὕδωρ ἐν τῇ ἀριστερᾷ, βάλλει ἐξ ἀμφοτέρων ἐν τῷ ἀγίῳ ποτηρίῳ· Καὶ εὐθέως ἐξῆλθεν αἷμα καὶ ὕδωρ, καὶ ὁ ἑωρακὴς μεμαρτύρηκε, καὶ ἀληθινὴ ἐστὶν ἡ μαρτυρία αὐτοῦ, πάντοτε... Ἐξηγόρασας ἡμᾶς ἐκ τῆς κατάρας τοῦ νόμου... Μετὰ δὲ τὴν ἔνωσιν λαμβάνει προσφορὰν καὶ τὴν λόγχην, ἐπεύχεται, λέγων· Εἰς τιμὴν καὶ μνήμην τῆς πανυπεράγνου Δεσποίνης ἡμῶν... Goar p. 50. Καὶ μνησθητι τῆς ἡμῶν ἐλεεινότητος καὶ ἀθλιότητος, καὶ φώτισόν μου τὸν νοῦν τῷ φωτὶ τοῦ ἀγίου σου εὐαγγελίου, καὶ ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, διὰ τῶν παναγίων αὐτῆς πρεσβειῶν. Καὶ λαβὼν μερίδα τρίγωνον, τίθησιν ἐκ δεξιῶν τοῦ θείου καὶ ζωοποιοῦ ἄρτου, ἐν ᾧ ἐστὶ τὸ Ἰησοῦς, λέγων· Παρέστη ἡ βασίλισσα ἐκ δεξιῶν σου ἐν ἱματισμῷ διαχρύσῳ περιβεβλημένη, πεποικιλμένη. Καὶ λαβὼν ἑτέραν προσφορὰν, λέγων· Δυναμίει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ... См. выше стр. 820. Καὶ τίθησι μερίδα ἐξ ἀριστερῶν τοῦ τιμίου ἄρτου. Τοῦ τιμίου,

ἐνδόξου προφήτου προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου Μερίδα. Καὶ τίθησι μερίδα ὑποκάτωθεν Ἀσωμάτων. Τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων Πέτρου καὶ Παύλου, τῶν δώδεκα καὶ ἑβδομήκοντα καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἀποστόλων, Μερίδα. Τῶν ἁγίων ἐνδόξων προφητῶν Μωϋσέως καὶ Ἀαρών, Ἡλίου καὶ Ἐλισσίου, τῶν ἁγίων τριῶν παιδῶν καὶ Δανιὴλ τοῦ προφήτου, Δαβὶδ καὶ Ἰεσσαί, Ἰερεμίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων προφητῶν. Τῶν ἁγίων θεοστέπτων βασιλέων καὶ ἱσαποστόλων Κωνσταντίνου καὶ Ἑλένης καὶ τῶν λοιπῶν ἁγίων βασιλέων, Μερίδα. Τῶν ἐν ἁγίοις πατέρων ἡμῶν καὶ οἰκουμενικῶν μεγάλων διδασκάλων καὶ ἱεραρχῶν, Βασιλείου τοῦ Μεγάλου, Γρηγορίου τοῦ Θεολόγου καὶ Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου, Ἀθανασίου καὶ Κυρίλλου, Διονυσίου καὶ Ἱεροθέου, Ἰακώβου τοῦ ἀδελφοθέου, Νικολάου τοῦ θαυματουργοῦ, Ἀχιλλίου Λαρίσσης, Οἰκουμενίου Τρίκκης, καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἱεραρχῶν. Τοῦ ἁγίου ἀποστόλου πρωτομάρτυρος καὶ ἀρχιδιακόνου Στεφάνου, Μερίδα. Τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ καλλινίκων μαρτύρων, Γεωργίου, Δημητρίου, Προκοπίου, Ἀρτεμίου, Μερκουρίου, Εὐστρατίου καὶ τῶν σὺν αὐτῷ καὶ πάντων τῶν ἁγιομαρτύρων. Τῶν ἁγίων ἐνδόξων ὁμολογητῶν, Παύλου Κωνσταντινουπόλεως, Θεοδώρου τοῦ Στουδίτου, Μαξίμου, Γουρία, Σαμονᾶ καὶ Ἀβίβου, Θεοδώρου καὶ Θεοφάνους τῶν αὐταδέλφων καὶ πάντων τῶν ἁγίων ὁμολογητῶν, Μερίδα. Τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου, Σαμφῶν καὶ Διομήδους, Τρύφωνος καὶ Θαλαλαίου καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἱατρῶν. Τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν, Παύλου τοῦ Θηβαίου, Ἀντωνίου τοῦ Μεγάλου, Ἀρσενίου, Εὐθυμίου, Σάββα τοῦ ἡγιασμένου καὶ Θεοδοσίου τοῦ Κοινοβιάρχου, Ὀνουφρίου, Παχωμίου καὶ Ἀθανασίου, Πέτρου τῶν ἐν τῷ Ἀἴθῳ καὶ πάντων τῶν ὁσίων, Μερίδα. Τῶν ἁγίων μαρτύρων γυναικῶν Θέκλης τῆς πρωτομάρτυρος, Αἰκατερίνας, Βαρβάρας, Ἀναστασίας, Ἰουλιανῆς, Παρασκευῆς, Λριστίνης, Μαρίνης, Κυριακῆς καὶ πασῶν τῶν ἁγίων μαρτύρων γυναικῶν. Τῶν ἁγίων καὶ ὁσίων γυναικῶν, Μαρίας τῆς Αἰγυπτίας, Θεοδώρας τῆς βασιλίσσης, Θεοδώρας τῆς ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, Πελαγίας, Φωτεινῆς, Μάρθας καὶ πασῶν τῶν ἁγίων ὁσίων γυναικῶν, Μερίδα. Τῶν ἁγίων καὶ δικαίων θεοπατόρων Ἰωακείμ καὶ Ἄννης, Μερίδα. Τοῦ ἁγίου, ὁ δεῖνα, τῆς ἡμέρας, οὐ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρός ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου. Ἐνταῦθα, εἰ τύχη τοῦ Μεγάλου Βασιλείου, λέγει τὸ ὄνομα αὐτοῦ καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Καὶ λαβὼν ἑτέραν προσφοράν, λέγει οὕτως· Ὡν ταῖς πρε-

βραίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός, καὶ δώρησαι ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον. Καὶ μνήσθητι τοῦ ὀρθοδόξου πληρώματος καὶ πάσης ἐπισκοπῆς ὀρθοδόξων καὶ παντὸς ἱερατικοῦ καὶ μοναχικοῦ τάγματος. Ἐπειτα πάλιν λέγει οὕτως· Τοῦ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, ὁ δεῖνα, ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἢ τοῦ ἐπισκόπου. Εἰ ἐν μοναστηρίῳ, λέγει οὕτως· Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἱερομονάχου, Μερίδα. Τῶν ἀδελφῶν καὶ συλλειτουργῶν ἡμῶν, πρεσβυτέρων, διακόνων, ὑποδιακόνων καὶ πάντων τῶν ἀδελφῶν, οὓς προσεκαλέσω εἰς τὴν συνδιακονίαν διὰ τῆς σῆς εὐσπλαχνίας, πανάγαθε Δέσποτα, Μερίδα. Τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἀγίαις σου ἐκκλησίαις καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων, τῶν κατὰ σάρκα καὶ κατὰ πνεῦμα συγγενῶν, πατέρων καὶ ἀδελφῶν, φίλων καὶ γνωστῶν, τῶν ἐντεταλαμένων ἡμῖν τοῖς ἀναξίοις εὐχεσθαι ὑπὲρ αὐτῶν, ὑπὲρ τῶν προσενηκάντων, καὶ δι' οὓς προσήγαγον, ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐν ταῖς διακονίαις ὄντων, καὶ πάντων τῶν διακονούντων, διακονησάντων ἐν τῇ ἀγίᾳ μονῇ ταύτῃ. Μερίδα. Ὑπὲρ πάσης πόλεως, χώρας, καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς, καὶ ὑπὲρ πάσης ψυχῆς χριστιανῶν ὀρθοδόξων. Ὑπὲρ τῶν προσενηκάντων, ὁ δεῖνα, καὶ ὑπὲρ ὧν τὰ δῶρα προσήγαγον. Τοῦτο λέγεται, ἐὰν ἐορτάζῃ τινάς, ἢ ἔφερε λειτουργίαν, εἴτα λέγει καὶ οὓς ἔχει ζῶντας κατ' ὄνομα, καὶ ὧν βούλεται, καὶ λέγει οὕτως· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου σου Ῥαβουλᾶ ἱερομονάχου. Καὶ συγχώρησον αὐτοῖς πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιόν τε καὶ ἀκούσιον. Καὶ λαβὼν ἐτέραν προσφοράν, λέγει· Ἐτι προσφερόμεν σοι τὴν θυσίαν ταύτην ὑπὲρ τῶν ἐν πίστει ἀναπαυσαμένων προπατόρων, πατέρων, πατριαρχῶν, προφητῶν, ἀποστόλων, κηρύκων, εὐαγγελιστῶν, μαρτύρων, ἱερομαρτύρων, ἐγκρατευτῶν, νηστευτῶν, ἱεραρχῶν, καὶ παντὸς τάγματος, ἐν πίστει τετελειωμένων, ὧν ταῖς ἰκεσίαις ἐπίσκεψαι ἡμᾶς, ὁ Θεός, καὶ πρόσδεξαι τὴν θυσίαν ταύτην εἰς τὸ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον. Καὶ μνήσθητι κάμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ διὰ τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου. Καὶ λέγει τὸ ὄνομα αὐτοῦ. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν ψυχῶν τῶν ἐν μακαρίᾳ τῇ λήξει γενομένων, εὐσεβεστάτων καὶ αἰοδίμων βασιλέων, πατριαρχῶν, ἀρχιερέων, ἱερέων, διακόνων, ἀναγνωστῶν καὶ παντὸς μοναχικοῦ τάγματος. Ὑπὲρ ἀναπαύσεως τῶν ψυχῶν τῶν κητόρων τῆς μονῆς ταύτης, καὶ πάντων τῶν προκοιμηθέντων πατέρων καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐνθάδε κειμένων καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθοδόξων. Καὶ μνημονεύει, ὅσα θέλει, κεκοιμημένων ὀνόματα ἅμα καὶ ζώντων κατ' ὄνομα. Καὶ λέγει οὕτως εἰς τὰ κεκοιμημένα· Καὶ ἔτι μνήσθητι πάντων, τῶν ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου καὶ τῇ σῇ κοινωνίᾳ κεκοιμημένων ὀρθοδόξων πατέρων καὶ

ἀδελφῶν, φιλάνθρωπε Κύριε, καὶ ἀνάπαυσον αὐτούς, ἔνθα οἱ δίκαιο ἀναπαύονται, καὶ κατὰταξον αὐτούς ἐν ταῖς σκηναῖς τῶν ἐκλεκτῶν σου, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς (τοῦ) προσώπου αὐτοῦ. Εἴτα τίθησι τὰς μερίδας ὑποκάτω τοῦ ἁγίου ἄρτου, καὶ λαβὼν τὴν μοῦσαν, συστέλλει καλῶς, ὥστε κεῖσθαι ἐν ἀσφαλείᾳ, καὶ μὴ ἐκπεσεῖν τι, ἔπειτα λαβὼν τὸ θυμιάτον καὶ βαλὼν θυμίαμα, πρῶτον λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Εἴτα τὴν εὐχὴν ταύτην· Θυμίαμά σοι προσφέρομεν, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν... Goar pag. 50. ἀντικατάπεμψον ἡμῖν τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Καὶ θυμιάσας τὸν ἀσπερίσκον, τίθησιν ἐπάνω τοῦ ἁγίου ἄρτου· Τῷ λόγῳ Κυρίου... См. выше стр. 821. οὗ ἦν τὸ παιδίον, πάντοτε. Καὶ θυμιάσας τὸ πρῶτον κάλυμμα, σκεπάζει τὸν ἅγιον ἄρτον σὺν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ, λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Κύριος ἐβασίλευσεν. Καὶ λέγει τοῦτον τὸν ψαλμὸν ἕως τέλους. Καὶ θυμιάσας τὸ δεύτερον κάλυμμα, σκεπάζει τὸ ἅγιον ποτήριον· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ἐκάλυψεν οὐρανοῦς... Goar p. 51. Καὶ θυμιάσας τὸν ἀέρα, σκεπάζει ἀμφοτέρα τὰ ἅγια, λέγων· Σκέπασον ἡμᾶς, ὁ Θεός... См. выше стр. 821. Κλίνει δὲ τὴν κεφαλὴν καὶ λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην τῆς προθέσεως. Εὐχὴ τῆς προθέσεως· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ Θεός, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον, τὴν τροφήν... Goar pag. 51. Εἴτα Ἀξιόν ἐστιν, Ἐν ὀνόματι Κυρίου, εὐλόγησον πάτερ, Ὁ Θεὸς οἰκτειρῆσαι ἡμᾶς, Δόξα καὶ νῦν, καὶ ἐὰν τύχη κυριακὴ, λέγει· Ὁ ἀναστὰς ἐκ νεκρῶν, εἰ δὲ ἄλλη ἡμέρα· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν, εἴτα προσκυνεῖ γ', λέγων· Πρόσδεξαι Κύριος ὁ Θεός τὴν δέησιν ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν. Εἴτα λαμβάνει θυμίαμα, πρῶτον λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, εἴτα λέγει τὴν εὐχὴν, θυμιᾷ τὰ ἅγια δῶρα σταυροειδῶς γ', λέγων· Εὐλογητὸς Χριστὸς ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ οὕτως εὐδόκησας, δόξα σοι. Καὶ μετὰ τὸ θυμιάσαι δῶρα, λέγει τὰ τροπάρια ταῦτα, εἰ δὲ ἐστὶ κυριακὴ, τὸν Ν', τὸ Ἀνάστασιν Χριστοῦ θεασάμενοι, εἴτα τροπάρια ταῦτα· Ἐν τάφῳ σωματικῶς. Ως ζωηφόρος. Τὸ τοῦ ὑψίστου ἡγιασμένον, ἔπειτα τὸν Ν', καὶ θυμιᾷ (τὸ) ἱερατεῖον ὅλον, θυμιᾷ καὶ τὰς ἁγίας εἰκόνας, ἔπειτα ἵσταται ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, προσκυνεῖ ἐκ γ', καὶ λέγει μυστικῶς· Βασιλεῦ οὐράνιε, ὅλον, Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ, δὶς, Κύριε τὰ χεῖλη μου ἀνοίξεις, ἅπαξ, καὶ ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ τὴν ἁγίαν τράπεζαν, εἴτα ἐκφωνεῖ λαμπρᾷ τῇ φωνῇ τὸ Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ.

л. 20 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου. На маломъ выходѣ. Καὶ εἰ ἐστὶ ἀρχιερεὺς ἢ ἡγούμε-

νος, διδίδει τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἀσπάζεται, εἰ δὲ οὐκ ἔστιν, ἀσπάζεται αὐτὸς καὶ ὑφοῖ τὰς χεῖρας μικρόν, καὶ δεικνύων τὸ εὐαγγέλιον, ποιῶν σταυρόν, καὶ λέγει· Σοφία, ὀρθοί, καὶ προσκυνήσας, εἰσέρχεται ἐν τῷ ἁγίῳ βήματι καὶ ἀποτίθεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, λέγει μυστικῶς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός, ὁ τρισαγίῳ φωνῇ ἀνυμνούμενος ὑπὸ τῶν χερουβιμ καὶ ὑπὸ πάσης τῆς ἐπουρανίου δυνάμεως δοξολογούμενος πάντοτε... За отсугтвiемъ одного листа въ рукописи, сугубая ектенья представлена здѣсь въ слѣдующихъ любопытнихъ замѣчанiяхъ: Καὶ μνημονεύει ἐνταῦθα, ὅσους βούλεται, ζῶντας καὶ κεκοιμημένους. Οἱ ἐν μοναστηρίῳ λέγουσι καὶ τοῦτο· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ καὶ πατὴρς ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἱερομονάχου, καὶ πάσης τῆς ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφότητος. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐν ταῖς διακονίαις ὄντων, καὶ πάντων τῶν διακονούντων καὶ διακονησάντων ἐν τῇ ἁγίᾳ μονῇ ταύτῃ. Οἱ ἐν τῷ κόσμῳ λέγουσι· Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων... Великіѣ выходи описываются такъ: Τοῦ δὲ χερουβικοῦ φαλλομένου, λέγει καὶ αὐτὸς τὸ χερουβικόν χύμα ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ποιεῖ προσκυνήματα γ', εἰδ' οὕτως λαβὼν τὸ θυμιατὸν καὶ θαλῶν θυμίαμα, λέγει τὴν εὐχὴν, καὶ θ' μιᾶσας, λέγει καὶ τὸν Ν', ἕως τὸ Ἀγάθυνον, Κύριε... Εἶτα ἀπέρχεται ἐν τῇ προθέσει, λέγει τὸ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν... Ἄνεε, ἄφεε... Πάτερ ἡμῶν, καὶ τροπάρια κατανυκτικά, καὶ μνημονεύει ζῶντας καὶ τεθνεώτας, ὅσους βούλει, καὶ μετὰ τοῦτο ἀπέρχεται ἐν τῇ προθέσει, καὶ θυμιάσας εὐχεται· Ὁ Θεός, ἰλάσθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, καὶ ἐλέησόν με. Εἶτα λέγει τὸ παρὸν τροπάριον ἐκ γ'. Τὸν νομφῶνά σου βλέπω, Σωτήρ μου, κεκοσμημένον... Καὶ προσκυνεῖ γ', εἶτα λαμβάνει τὸν ἄερα, καὶ ἐπιτίθησι τῷ ἑαυτοῦ ὦμφ, τὸ δὲ δισκάριον λαβὼν, ἐπιτίθησι τῇ κεφαλῇ, τὸ δὲ ποτήριον ἐν τῇ δεξιᾷ χειρί, καὶ οὕτως ἐξέρχεται καὶ ποιεῖ τὴν μεγάλην εἰσόδον, λέγοντος μυστικῶς· Ὁ ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός. Εἰσελθὼν δὲ ἐν τῷ μέσῳ τοῦ ναοῦ, εὐχεται μεγαλοφώνως· Μνησθεῖν πάντων ἡμῶν Κύριος ὁ Θεός ἐν τῇ βασιλείᾳ, πάντοτε. Καὶ ὅταν ἔλθῃ εἰς τὰ ἅγια θυρίδιχα, λέγει ἡσύχως· Ἄρατε πύλας, οἱ ἄρχοντες. Εἶτα λέγει· Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι Κυρίου, Θεός... Καὶ τίθησι τὸ ἅγιον ποτήριον ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ καὶ τὸ δισκάριον, λέγει· Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ. Καὶ ἐὰν τύχῃ κυριακή, λέγει τὸ ὅλον, εἰ δὲ ἄλλη ἡμέρα, μόνον ἕως τοῦ Κηδεύσας ἀπέθετο. Αἶρει δὲ καὶ τὸ κάλυμμα ἀπὸ τοῦ δισκαρίου καὶ λέγει· Ὅτε κατήλθες πρὸς τὸν θάνατον. Αἶρων δὲ καὶ ἀπὸ τὸ ποτήριον τὸ κάλυμμα, λέγων· Ταῖς μυροφόροις γυναῖξί... Καὶ ἐὰν τύχῃ κυριακή, λέγων ὅλον, εἰ δὲ ἄλλη ἡμέρα,

ἕως τοῦ Χριστοῦ δὲ διαριθρὰς ἐδείχθη ἀλλότριος, τὸν δὲ ἀέρα θυμιάσας, σκεπάζει ἀμφοτέρα τὰ ἅγια, λέγων καὶ τὸ παρὸν τροπάριον· Ὁ ζωηφόρος, ὡς παραδείσου. Καὶ θυμιάσας τὰ ἅγια ἐκ γ', λέγων· Ἀγάθυνον, Κύριε, ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου τὴν Σιών... λέγων καὶ τὸ Τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μόσχους. Καὶ προσκυνήσας ἐκ γ', λέγων Ἀλληλουῖα, ἀλληλουῖα, ἀλληλουῖα, δόξα σοι ὁ Θεός, ἐκ γ'. Καὶ μετὰ συμπλήρωσιν τοῦ χειρουβικοῦ, λέγων· Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν τῷ Κυρίῳ. . Goar pag. 59. Εὐχὴ μετὰ τὴν ἀπόθεσιν τῶν θείων δώρων· κλινόμενος ὁ ἱερεὺς εὐχεταὶ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ μόνος ἅγιος... Goar pag. 59—60. Ὁ ἱερεὺς προσκυνεῖ γ', λέγων μυστικῶς· Ἀγαπήσω Σε, Κύριε, ἡ ἰσχύς μου, Κύριος στερέωμά μου καὶ καταφυγὴ μου καὶ ῥύστης μου. Καὶ αὖθις ἀσπάζεται τὰ ἅγια, ὅσα κεκαλυμμένα, πρῶτα ἐπάνω τοῦ ἁγίου δίσκου, λέγει· Ἅγιος ὁ Θεός, εἴτα ἐπάνω τοῦ ἁγίου ποτηρίου· Ἅγιος ἰσχυρός, εἴτα τὴν ἁγίαν τράπεζαν· Ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς. Εἴτα ἐκφωνεῖ· Τὰς θύρας, τὰς θύρας. Εἴτα ὁ ἱερεὺς λαμβάνει τὸν ἀέρα ἀπὸ τῶν ἁγίων, κρατῶν ἀνασεύει τὸν ἀέρα ἐπάνω τῶν ἁγίων δώρων, λέγων καὶ αὐτὸς τὸ Πιστεύω. Εἰς τὸ τέλος ἐξῆς ὑψῶν τὸν ἀέρα, καὶ λέγει· Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός, ἅγιος ἀθάνατος, ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ ἀσπασάμενος τὸν ἀέρα, μετατίθῃσιν Τοῦ δὲ Πιστεύω εἰς ἓνα Θεὸν πληρουμένου ὑπὸ τοῦ λαοῦ, ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ, λέγων· Στῶμεν καλῶς, στῶμεν μετὰ φόβου... По освященіи Даровъ: Καὶ λαβὼν τὸ θυμίαμα, θυμῶν τὰ ἅγια, λέγων· Θεοτόκε παρθένε, χαῖρε, κεχαριτωμένη... Ἄξιόν ἐστιν... Ἐπὶ σοὶ χαίρει, κεχαριτωμένη... Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου... Ἐκφώνησις· Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου... Ἐνταῦθα μνημονεύονται τὰ δίπτυχα τῶν κεκοιμημένων, ὁ δὲ ἱερεὺς εὐχεταὶ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου, προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ. Goar p. 63. Καὶ μνήσθητι πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου. Ἐνταῦθα μνημονεύει, ὅσους θούλεται. Καὶ ἀνάπαυσον αὐτούς, ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου... Ibidem. Ἐκφώνησις· Ἐν πρώτοις μνήσθητι, Κύριε... Ἐνταῦθα μνημονεύονται τὰ δίπτυχα τῶν ζώντων. Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται· Μνήσθητι, Κύριε, τῆς μονῆς, ἐν ᾗ παροικούμεν, καὶ πάσης πόλεως καὶ χώρας καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς. Μνήσθητι, Κύριε, κατὰ τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου καὶ τῆς ἐμῆς ἀναξιοτήτος.. См. выше стр. 824. Μνήσθητι, Κύριε, πλεόντων, ὁδοιπορούντων, νοσούντων, καμνόντων, αἰχμαλώτων καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν. Ἐνταῦθα μνημονεύει ζώντων. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἀγίαις σου ἐκκλησίαις, καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων,

καὶ ἐπὶ πάντας ἡμᾶς τὰ ἐλέη σου ἐξαπώστειλον. Ἑκφώνησις· Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στόματι... ПОСЛА МОЛИТВЫ: „Πρόσχες, Κύριε“. Goar p. 65. Ἀνιστάμενος προσκυνεῖ τρεῖς ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, λέγει· Ὑψώσω σε, ὁ Θεός μου, ὁ βασιλεὺς μου, καὶ εὐλογήσω τὸ ὄνομά σου εἰς τὸν αἰῶνα, καὶ εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος. Καὶ ἀψάμενος τοῦ ἁγίου ἄρτου, ὑφοῖ τὸν ἅγιον ἄρτον σταυροειδῶς, καὶ λέγει· Πρόσχωμεν. Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Εἴθ' οὕτως μερίδας τὸν ἄρτον εἰς μερίδας τέσσαρας, τίθησιν αὐτὰς ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ σταυροειδῶς, λέγει ἐν τῷ μερίζειν· Μερίζεται καὶ διχμερίζεται... Καὶ λαβὼν τὴν ἄνω μερίδα, ποιεῖ μετ' αὐτῆς σταυρόν ἐπάνω τοῦ ἁγίου ποτηρίου, λέγων· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ εὐλογεῖ τὴν ζέσιν, καὶ λέγει· Εὐλογημένη ἡ ζέσις τῶν ἁγίων σου, Κύριε, πάντοτε. Καὶ ἐκχέει εἰς τὸ ἱερὸν ποτήριον· Ζέσις πίστεως Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Καὶ λέγει τὸ τροπάριον· Λουτρὸν τὸ θεῖον τῆς παλιγγενεσίας... λόγῳ κερανοὺς συντεθειμένη φύσει, ὁμβροβλυτεῖς μοι ρεῖθρον ἐξ ἀκηράτου, νενυγμένης σου πλευρᾶς, ὦ Θεοῦ Λόγε, ἐπισφραγίζων τῇ ζέσει τῆς πίστεως. Καὶ προσκυνήσας γ', λέγει γ'· Ὁ Θεός, ἱλασθητί μοι τῷ ἁμαρτωλῷ. Ἐπειτα λαμβάνει τὴν μερίδα, λέγει· Τὸ τίμιον καὶ πανάγιον σῶμα τοῦ μεγάλου Θεοῦ.. См. выше стр. 825. Καὶ λαμβάνει τὴν κάτω κεκλιμένην μερίδα τοῦ ἁγίου ἄρτου μετὰ τῆς δεξιᾶς χειρός, καὶ λαβὼν ἐντὸς τῆς παλάμης, ἀσπασάμενος, κλίνει τὴν κεφαλὴν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, εὐχόμενος καὶ λέγει· Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ ἐκ γ'. Πιστεύω καὶ ὁμολογῶ. См. выше стр. 825. Καὶ λαμβάνει ἐκ γ', καὶ ποιεῖ ἑαυτοῦ σταυρόν, ἔπειτα λέγει ἅπχξ· Ἔτι πιστεύω, ὅτι τοῦτο αὐτὸ ἐστὶ τὸ ἄχραντον σῶμά σου... Ἰδοὺ θαδίζω πρὸς θεῖαν κοινωνίαν, Πλαστοργέ, μὴ φλέξης με τῇ μετουσίᾳ· πῶρ γὰρ ὑπάρχεις, τοὺς ἀναξίους φλέγων, ἀλλ' οὖν κάθαρον ἐκ πάσης με κηλίδος. Μὴ μοι, Δέσποτα φιλόνηρωπε, εἰς κρῖμα ἢ εἰς κατάκριμα... Καὶ μεταλαμβάνει τὴν ἐν χειρὶ μερίδα μετὰ φόβου. Εἴτα λαμβάνει ταῖς δύο χειρὶ μετὰ καλύμματος τὸ ἅγιον ποτήριον καὶ μεταλαμβάνει γ' ἐξ αὐτοῦ, λέγει· Τὸ τίμιον καὶ πανάγιον καὶ ζωηρὸν αἶμα... См. выше стр. 825. Εἴτα ἀποσπογγίσας τὰ τε ἴδια χεῖλη καὶ τοῦ ἱεροῦ ποτηρίου, λέγει· Ἰδοὺ ἤψατο τῶν χειλέων μου... Ἐθελξας πόθῳ με, Χριστέ, καὶ ἡλλοίωσας τῷ θείῳ σου ἔρωτι... Καὶ μετὰ τοῦτο λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον καὶ τὴν λεγομένην μοῦσαν, εἰσκομίζει ἅπαντα ἐν τῷ ποτηρίῳ μετὰ φόβου, καὶ μετὰ τοῦτο προσκυνεῖ γ', καὶ εὐχαριστεῖ τῷ Θεῷ, κλινόμενος, λέγει τὴν εὐχὴν τῆς εὐχαριστίας· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόνηρωπε, εὐεργέτα τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Goar. pag. 67. По окончании литургии: Καὶ ἐλθὼν ἐν τῇ προθέσει, συστέλλει τὰ ἐναπολειφθέντα ἅγια, ἀποπλύ-

νων τρεῖς τὸ ἅγιον ποτήριον, τῷ οἴνῳ δῖς, καὶ τῷ ὕδατι ἅπαξ, ταῦτα συστείλας καὶ διαθείς καλῶς, ἀπονίπτεται, λέγων· Νῦν ἀπολύεις, Τρισάγιον, Παναγία Τριάς, Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν. Καὶ λέγει, εἴ ἐστι κυριακή, τροπάριον ἀναστάσιμον, καὶ τὴν ὑπκοήν, εἰ δὲ ἄλλη ἡμέρα, τοῦ ἁγίου τροπάριον, ἔπειτα τοῦ Χρυσοστόμου· Ἡ τοῦ στόματός σου, καὶ κοντάκιον· Ἐκ τῶν οὐρανῶν ἐδέξω τὴν θεϊαν χάριν, Δόξα, Ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν. Τῇ πρεσβείᾳ, Κύριε, πάντων τῶν ἁγίων... Κύριε ἐλέησον ιβ', Τὴν τιμιωτέραν, Δόξῃ καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον γ', καὶ ποιεῖ ἀπολύσιν· Ὁ Θεὸς διὰ πρεσβειῶν τῆς παναχράντου σου Μητρὸς καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, ἐλέησον ἡμᾶς. Ἀμήν. Καὶ ἀποδύεται πᾶσαν τὴν ἱερατικὴν στολήν, εἰτα προσκυνήσας καὶ εὐχαριστήσας τῷ Θεῷ, λέγει· Ὁ πανταχοῦ παρὼν καὶ τὰ πάντα πληρῶν, Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι. Καὶ οὕτως ἐξέρχεται καὶ ἐνδύεται τὸ ἱερατικὸν ἱμάτιον, προσκυνεῖ γ' ἔμπροσθεν τῆς εἰκόνης Χριστοῦ, λέγει· Δόξα σοι ὁ Θεὸς ἡμῶν, δόξα σοι. Γένοιτο, Κύριε, τὸ ἐλεός σου ἐφ' ἡμᾶς, καὶ στραφεῖς πρὸς τὸν λαόν, εὐλογῶν αὐτόν, λέγει· Φυλάξαι Κύριος ὁ Θεὸς πάντας ἡμᾶς τῇ αὐτοῦ χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ, πάντοτε καὶ νῦν καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

л. 70. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

Достоѣно замѣчанія въ этомъ чинѣ описаніе приготавленія св. Агнецъ для преждеосвященной литургіи: Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τοῦ ἄρτου μερίδα, βάλλει εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγων· Πλήρωμα Πνεύματος ἁγίου. Ἀμήν. Ὅτε προαγιάζει, μέλλει ὑψῶσαι, ὑψοῖ ἑμῶς, καὶ μελίξει τὸν προσκομιζόμενον πρῶτον ἄρτον, καὶ τίθησι μερίδα ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ, καὶ ἐκχέει τὸ ζέον. Εἰτα λαβὼν τὴν ἁγίαν λαβίδα μετὰ τῆς δεξιᾶς χειρός, βάπτει αὐτὴν ἐν τῷ ἁγίῳ αἵματι, τῇ δὲ ἀριστερᾷ λαμβάνει ἓνα ἕκαστον ἄρτον καὶ εἰσφέρει τὴν ἁγίαν λαβίδα, μετὰ τοῦ ἁγίου αἵματος βεβαμμένην, καὶ ἐγγίζει αὐτὴν ἐν τῷ ἁγίῳ ἄρτι στυροειδῶς, καὶ λέγει· Ἐνοῦται τὸ τίμιον καὶ πανάγιον καὶ ζωοποιὸν αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τῷ τιμίῳ αὐτοῦ σώματι. Ἀμήν. Καὶ ἀποτίθησι τὸν ἄρτον ἐν τῷ ἄρτοφορίῳ. Εἰτα λαμβάνει καὶ τοὺς ἐτέρους καὶ ποιεῖ ὡσαύτως εἰς ἓνα ἕκαστον, καὶ συστέλλει αὐτοὺς πάντας ἐν τῷ ἄρτοφορίῳ.

л. 125. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

О начальномъ возгласѣ этой литургіи замѣчается: Καὶ μετὰ τὸ ἀνάψαι τὰς κανδήλας καὶ σημεῖσαι, στέκουν ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τραπέζης, ποιοῦσι μετανοίας γ', καὶ ἀσπασάμενοι, ὡς εἶπαμεν, ἐξέρ-

χεται ὁ διάκονος ἔξω, καὶ στὰς λέγει· Εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεὺς· Εὐλογημένη ἡ βασιλεία τοῦ Πατρὸς, ἄλλοι δὲ λέγουσιν οὕτως· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε... Великіѣ выходи описывается такъ: Εὐχὴ χειρουργικοῦ οὐ λέγεται. Ὁ λαὸς ψάλλει τὸ Νῦν αἱ δυνάμεις, ὁ δὲ ἱερεὺς λέγει καὶ αὐτὸς τὸ Νῦν αἱ δυνάμεις χύμα, καὶ προσκυνεῖ, εἰτα λαβὼν θυμιατόν, καὶ θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν γύρωθεν, λέγει καὶ τὸν Ν', καὶ ἀνοίξας τὴν πόλιν, θυμιᾷ τὰς ἁγίας εἰκόνας. Καὶ οὕτως ἐξέρχεται ἐν τῇ ἁγίᾳ προθέσει, καὶ θυμιάσας τὰ ἅγια, προσκυνεῖ γ', λέγων· Ὡς ὁ ἄσωτος υἱὸς ἡλθον κἀγώ, οἰκτίρμων. Εἰτα λαβὼν τὸν ἀέρα καὶ θυμιάσας, τίθησιν ἐν τῷ ὄμφῳ αὐτοῦ, καὶ τὸ δισκάριον ἐν τῇ κεφαλῇ, τὸ δὲ ποτήριον ἐν τῇ δεξιᾷ χειρί, καὶ οὕτως ἐξέρχεται, καὶ ποιεῖ τὴν μεγάλην εἵσοδον, λέγει μυστικῶς· Ἅγιος ὁ Θεός. Οὐ λέγει δὲ τὸ Μνησθεὶν πάντων ὑμῶν μεγαλοφώνως, ἀλλὰ σιωπηρῶς καὶ μυστικῶς λέγει· Μνησθεὶν πάντων ὑμῶν Κύριος ὁ Θεός ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ, πάντοτε, καθὼς ἐστὶ θυσία μυστική. Καὶ εἰσέρχεται ἐντὸς τοῦ βήματος ὁ ἱερεὺς, τίθησι τὸ ἅγιον ποτήριον ἐν τῇ τραπέζῃ καὶ τὸ δισκάριον ὁμοίως, εἰτα αἶρει τὰ καλύμματα ἐκ τῶν ἁγίων, καὶ λαβὼν τὸν ἀέρα καὶ θυμιάσας, σκεπάζει τὰ ἅγια. Καὶ λαβὼν τὸ θυμιατόν, θυμιᾷ τὰ ἅγια, εἰτα ποιεῖ μετανοίας γ'. Μετὰ τὸ τελειωθῆναι τὸ Νῦν αἱ δυνάμεις, ἐξέρχεται ὁ διάκονος, ἡ ὁ ἱερεὺς καὶ λέγει ταῦτα· Πληρώσωμεν πάντες τὴν ἐσπερινήν... κ. τ. λ.

л. 155 об. Τῇ κυριακῇ ἐσπέρας καὶ τὸν ὄρθρον, ὅταν ποιῇ ἀπόλυσιν, οὕτως ποιεῖ. Недѣльные отпусты.

л. 157 оѧ. Ἐν τῷ ὄρθρῳ εἰς τὴν πρώτην στιχολογίαν, μικρὰ συναπτή.

CLVI. № 523. Εὐχολόγιον, рукопись Аѳоно-Діонисіатскоѣ библиотеки, въ 16 долю листа, 389 листовъ, писана мелкою скорописью 1613 года, какъ гласить слѣдующая приписка: "Ἐλαβε τέρμα τὸ παρὸν εὐχολόγιον διὰ χειρὸς ὑπ' ἐμοῦ Ἰακώβου, ἱερομονάχου ἐλαχίστου, ἐγράφη δὲ ἐπὶ ἔτους Ἱρκαῖ ἰνδ. ι', κατὰ μῆνα ὀκτώβριον, ἡγουμένου ὄντος μου αὐτῷ ἔτει. Ὁ γοῦν βουλευθεὶς ἀπασταλεῖσαι ἐξ ἐμοῦ καὶ ἐκ τῆς καθ' ἡμᾶς θείας καὶ ἱερᾶς μονῆς (наверху Διονυσίου), στερηθεὶς τῆς τῶν οὐρανῶν βασιλείας καὶ μετὰ τοῦ δυστήνου Ἰουδα τὸ αἰώνιον πῦρ κληρονομήσει καὶ τὰς ἀράς τῶν τη' θεοφόρων πατέρων τῶν ἐν Νικαίᾳ (л. 384 об.).

л. 1. Оглавление рукописи.

л. 4. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ ἁγισμοῦ.

λ. 10. Μετὰ δὲ τὴν τελείωσιν τοῦ ἁγιασμοῦ ἀρχόμεθα τὰς παρούσας εὐχὰς τοῦ ἁγίου Τρύφωνος. Μετὰ δὲ τῆς ἀπορρόαντίσεως ἀναγινώσκεται ἡ εὐχὴ τοῦ ἁγίου Τρύφωνος εἰς ἐπήκοον πάντων· Ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἐμοῦ τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ Τρύφωνος, ἀνδριζομένου καὶ ἀγαλλιωμένου ἐν τῷ περιάγειν με ἐν κόμῃ τῇ Λαμφάκῃ, ἐν τῇ ἐπαρχίᾳ τῆς Φρυγίας, λιμοῦ ἐπικρατοῦντος ἐν τῇ χώρᾳ, προσηυξάμην εἰς τὸν Κύριόν μου Ἰησοῦν Χριστόν, καὶ κατήλθον ἑπτὰ ἄγγελοι ἐκ τῶν οὐρανῶν πατάξαι, δεσμεῦσαι, ἐξορίσαι πάντα τὰ θηρία τῆς γῆς, τὰ πονηρά, τὰ ἀδικούντα χωράφια, ἀμπελῶνας, κήπους καὶ τὰ δένδρα, καὶ τοὺς μελισσῶνας, καὶ εὐξάμενός εἶπον· ἐπικαλοῦμαί σε, Θεὲ παντοκράτορ, προσκυνητέ, καὶ Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ καὶ ἅγιον Πνεῦμα, μία θεότης, μία βασιλεία, μία ἐξουσία καὶ μία δύναμις, ἀχώριστε Τριάς, ἡ τὸ πᾶν οὐσιώσασα, καὶ τοῖς ἀφίκτοις κρίμασι διανέμουσα τῇ ἀνθρωπότητι πᾶν ἀγαθόν, διό, Τριάς ἁγία θεότης ἐπάκουσον τῆς δεήσεώς μου τοῦ ἀχρείου δούλου σου, καὶ κατάπεμψον τὴν παρὰ σοῦ βοήθειαν, καὶ ἀποδίωξον τῇ ἀοράτῃ σου δυνάμει, δι' ἐπιστασίας ἁγίων ἀγγέλων σου, τὰ ἐπελθόντα ἡμῖν κακὰ διὰ πληθὺς ἁμαρτιῶν, καὶ διάσωσον τὰ χωράφια ταῦτα καὶ τοὺς ἀμπελῶνας, τοὺς κήπους, τὰ δένδρα, καὶ τὰς μελίσσας ἐκ τῶν ἰοβόλων θηρίων, τῶν τυρανούντων τοὺς καρποὺς αὐτῶν, ὧν καὶ τὰ ὀνόματά εἰσι ταῦτα· ἀκρίς, κάμπη, σκωλοκοκάμπη, σκώλυς γῆς, ἐρυσίδη, μαριῆς, θροῦχος, καλήγαλη, μακρόπους, ἦρα, φυλλόκουρος, καυλοκάπος (sic), ῥιζιώτης, κεφαλιώτης, ἦπα, ἐπίμαλος, πάππας, σιδηροτράχηλος, ποντικός, κουρευτῖνος, κοχλῖος, βοσπορινός, ἡδηρικός, ζαυχιπός, γοτθικός, μακρομήτης, κόνος, κόνων, ἐμφυλιστής, μίξις, βλαστοκόπος, κιγιών, φθειρα, ἀμιγδαλώρα, ῥιζοκόπος, κύδαλος, σιρός, τιθός, φυλλίτης, ρυγίτης, μῶρος, μύρμηξ, ἀσπάλαξ, ἐνδειξής, πτώξ, ἀλώπηξ, αὐριόχρηος (sic), δράκων, κύων, κonoῦ, τὸ μιαρὸν μαρουνίδιον, φαλίκουρος, καὶ πάντα τὰ ἀναβαίνοντα ἐπὶ τὴν ἄμπελον, ἐπὶ τὸ χωράφιον, ἐπὶ τὸν κήπον, ἐπὶ τὰ δένδρα, καὶ τὰς μελίσσας τῶν δούλων σου τούτων, ὅπως δοξάζεται καὶ ἐν αὐτοῖς καὶ παρὰ πᾶσι τὸ πανάγιον ὄνομά σου εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Ἐξορκίζω ὑμᾶς πάντα τὰ θηρία τῆς γῆς, τὰ ὀνομασθέντα ἐν τῷδε τῷ τόπῳ, καὶ τὰ ἀνώνυμα, εἰς τὰ ἐξαπτέρυγα σεραφίμ, καὶ τὰ πολυόμματα χερουβίμ, τὰ παρεστῶτα ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ ἐν ὑψίστοις καὶ λέγοντα· ἅγιος, ἅγιος, ἅγιος Κύριος Σαβαώθ, πλήρης ὁ οὐρανὸς καὶ ἡ γῆ τῆς δόξης σου. Ἐξορκίζω ὑμᾶς εἰς τὸ ὄνομα τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ τῶν χιλίων χιλιάδων, καὶ μυρίων μυριάδων ἀγγέλων. Ὁρκίζω ὑμᾶς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θεοτόκον, εἰς τὸν τίμιον σταυρόν, εἰς τὸν

ἅγιον Ἰωάννην¹⁾ τὸν Πρόδρομον, τοὺς ἁγίους προφῆτας καὶ ἀποστόλους, καὶ μάρτυρας, καὶ ὁσίους, καὶ ἀσκητάς, καὶ δικαίους, καὶ εἰς πάντα ἅγιον καὶ ἁγίαν τοῦ Δεσπότη Χριστοῦ, ἵνα ἐξέλθῃτε, καὶ ἀναχωρήσῃτε ἀπὸ τοῦδε τοῦ δούλου τοῦ Θεοῦ τοῦ ἀμπελῶνος, τῆς ἀρούρας, τοῦ κήπου καὶ τῶν δένδρων, καὶ μελισσῶν· εἰσήκουσε γὰρ ὁ Κύριος τῆς δεήσεώς μου, φωνὴ γὰρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἤλθέ μοι, λέγουσα, ὅτι ὅπου ἂν ἀναγνωσθῇ αὕτη ἡ εὐχὴ καὶ λαληθῇ αὐτῇ τῇ ὥρᾳ, ἀποστελῶ τὸν ἄγγελόν μου, τὸν ἔχοντα ἐξουσίαν κατὰ τῶν ἐρπετῶν καὶ τῶν θηρίων πάντων, καὶ ἐξώσῃ καὶ φυγαδεύσῃ αὐτὰ εἰς ἁγρίους, καὶ ἐρήμους, καὶ ἀδάτους τόπους, ὅπου οὐδεὶς τῶν ἀνθρώπων διώδευσε, πάντοτε. Сп. выше стр. 119—121. Δέησις πρὸς Μάρτυρα· Ἡμεῖς δὲ οἱ ἀνάξιοι δοῦλοί σου, ἅγιε τοῦ Θεοῦ Τρύφων, δεόμεθά σου, ἐπάκουσον καὶ ἡμῶν ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ, καὶ ἀποδίωξον ἄφ' ἡμῶν πάντα τὰ ἐρπετά, καὶ τὰ θηρία, τῇ μαρτυρικῇ σου παρρησίᾳ ἀπὸ τὰς ἀμπέλους ἡμῶν ταύτας, ἀπὸ τὰς ἀρούρας, ἀπὸ τοῦς κήπους, ἀπὸ τὰ δένδρα, καὶ ἀπὸ τὰς μελίσσας, ὅπως ὁμνῶμεν σὺν σοὶ καὶ δοξάζωμεν τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν καὶ ἅγιον Πνεῦμα, τὴν μίαν θεότητα, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Εἴτα τὸ εὐαγγέλιον τὸ κατὰ Λουκᾶν· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς· ἰδοὺ δίδωμι ὑμῖν τὴν ἐξουσίαν τοῦ πατεῖν... Τέλος· Ναὶ ὁ Πατήρ, ὅτι οὕτως ἐγένετο εὐδοκία ἐμπροσθέν σου.

л. 12 об. Εὐχαὶ διάφοροι.

л. 28. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 43. Εὐχὴ τῶν κολλύβων.

л. 43 об. Εὐχὴ τῶν σταφυλῶν.

л. 44. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

л. 53. Ἀποστολοευαγγέλια τῆς ἐβδομάδος.

л. 60 об. Εὐαγγέλια ἐωθινὰ ἀναστάσιμα τὰ ια'.

л. 70 об. Ἀποστολοευαγγέλια на цѣлый годъ.

л. 103 об. Ἀκολουθία τῇ κυριακῇ τῆς Πεντηκοστῆς.

л. 113 об. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστοῦ.

л. 139. Ἀκολουθία εἰς ἀρχάριον ῥασοφοροῦντα.

л. 140. Ἀκολουθία εἰς κουράν μανδουώτου.

л. 149. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

л. 172 об. Ἀκολουθία τοῦ ἀποκουκουλίσματος.

л. 174. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου εὐχελαίου.

1) τὸν τίμιον Πρόδρομον.

л. 202. Заклинательныя молитвы свв. Василия Великаго и
 Иоанна Златοуста.

л. 211. Ἀκολουθία εἰς παράκλησιν ἀσθενῶν, χειμαζομένων ὑπὸ
 πνευμάτων ἀκαθάρτων καὶ ἐπηρεαζόντων.

л. 215. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον.

л. 220 об. Ἀκολουθία τοῦ ἁγίου βαπτίσματος.

л. 230 об. Ἀκολουθία εἰς κοσμικοὺς τεθνεώτας.

л. 237. Κανὼν νεκρώσιμος εἰς μνημόσυνον μοναχοῦ.

л. 241. Ὁ ἕτερος κανὼν εἰς λαϊκὸν ἕνα.

л. 245. Ἀκολουθία εἰς ψυχὴν κρινομένην съ молитвою св.
 Нифонта.

л. 255. Αἱ παρακλήσεις τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου
 καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας. 2 κανона.

л. 264 об. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὸν τίμιον Πρόδρομον. 2
 κανона.

л. 273. Ἑρμηνεία περὶ τῆς ὕψσεως τῆς Παναγίας.

л. 275 об. Τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πατρὸς ἡμῶν Θεοδώρου τοῦ
 Στουδίτου προσοίμιον εἰς τὸν κατηχητικὸν λόγον τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς
 ἡμῶν Ἰωάννου, ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ Χρυσοστόμου,
 τῇ ἁγίᾳ καὶ μεγάλῃ Λαμπρᾷ, Κυριακῇ τῆς ἁγίας καὶ ἐνδόξου Χριστοῦ
 τοῦ Θεοῦ ἀναστάσεως.

Τί τοῦτο, πατέρες φιλέορτοι καὶ φιλόχριστοι, τίς ἡ τοσαύτη λαμ-
 προφορία...

л. 278. Νομοκάνων σὺν Θεῷ ἁγίῳ.

Ὁ δεχόμενος τοὺς λογισμοὺς τῶν ἀνθρώπων ὀφείλει εἶναι τύπος
 ἀγαθὸς τῶν πάντων.

л. 288. Νομοκάνονον, ἔχον κανόνας κατ' ἐπιτομὴν τῶν ἁγίων ἀπο-
 στόλων, τοῦ μεγάλου Βασιλείου καὶ τῶν συνόδων. 229 главъ.

л. 321. Κεφάλαια διάφορα, ἐκλογὴ ἐξ ἐτέρου Νομοκάνονος, καὶ αἱ
 ἐρωταποκρίσεις αἱ πλεῖσται τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου Ἀλεξανδρείας
 κυροῦ Μάρκου.

л. 353. Ὁμολογία πνευματικοῦ πατρὸς εἰς τὸν μέλλοντα ἱερωθῆναι.

л. 354. Ἐκ τῶν περὶ ἱερωσύνης λόγων τοῦ Χρυσοστόμου.

л. 355 об. Ἀκολουθία, τυπωθεῖσα εἰς τοὺς ἐκ τῶν λατινικῶν αἰ-
 ρέσεων ἐπιστρέφοντας τῇ ὀρθοδόξῳ τε καὶ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ ἡμῶν ὑπὸ
 τῆς ἁγίας καὶ οἰκουμενικῆς συνόδου, τῆς ἐν Κωνσταντινουπόλει συναθρο-
 σθείσης ἐπὶ ἀνατροπῇ καὶ καθαιρέσει τῆς ἐν Φλωρεντίᾳ συστάσεως πα-
 ρανόμου καὶ ἀθέσμου συνόδου κατὰ τὸ 6992 ἔτος.

л. 360. Ἑτέρα διάταξις Μεθοδίου πατριάρχου περὶ τῶν διαφόρων τρόπων καὶ ἡλικία ἀρνούμενων τὴν ἀμώμητον πίστιν καὶ πάλιν ἐπιστρέφόντων.

л. 364 об. Ἑτέρα διάταξις περὶ ἀποστήσαντος παιδὸς καὶ μαγαρίσαντος, οὐκ ἀρνησαμένου τὸν Χριστόν, ἀλλὰ μαγαρίσαντος καὶ πάλιν ἐπιστρέψαντος ἐν μετανοίᾳ.

л. 366. Ἑτέρα διάταξις περὶ τῶν ἀπὸ προαιρέσεως ἀρνησαμένων καὶ πάλιν ἐπιστραφέντων, γενομένη ἡ ἀκολουθία αὕτη καὶ διόρθωσις παρὰ τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου κὴρ Γενναδίου Σχολαρίου.

л. 372 об. Ἐκδίσεις ἀπλουστέρα καὶ συντομωτέρα γαμικῶν συναλλαγμάτων, συντεθεῖσα παρὰ τοῦ λογιωτάτου μεγάλου χαρτοφύλακος τῆς μεγάλης ἐκκλησίας, ἐπὶ ἔτους τρέχοντος ,ζλζ' ἐγένετο κατὰ τοῦτον τὸν τρόπον.

л. 383. Περὶ Λατίνων, ἡγουν Φράγκων.

л. 384. Τοῦ ἀγίου Ἰγνατίου τοῦ θεοφόρου.

л. 385. Позднѣйшею рукою: Εὐχὴ τῶν ἀγίων ἑπτὰ παίδων εἰς ἀσθενῆ καὶ μὴ ὑπνοῦντα.

л. 387 об. Столнь утреннихъ евангельскихъ чтеній.

CLVII. № 154. Архієратиконъ, рукопись патриаршей іерусалимской библіотеки въ листъ, 104 листа, писана четкимъ разгнустымъ почеркомъ 1660 года. Датируется эта рукопись слѣдующею весьма обширною припискою въ концѣ ея: Δικνὴλ πόνος ἐκ τῆς περιφήμου Πελοποννήσου ἐκ χώρας Δρομπολυτζᾶς. Ἡ χεὶρ μὲν, ἡ γράψασα, σήπεται τάφῳ, γραφὴ δὲ μεῖνῃ (sic) εἰς πληρεστάτους χρόνους. Αὕτη ἡ βιβλος ἐγράπτη (sic) ἔσωθεν εἰς θεῖαν καὶ ἱερὰν βασιλικὴν λυράν τοῦ ἀγίου Σάββα τοῦ ἡγιασμένου, ὑπὸ χειρὸς ἐμοῦ ταπεινοῦ καὶ ἀμαρτωλοῦ Δικνὴλ, καὶ ἀφιερῶθη εἰς τὸ κελλίον τοῦ πατριάρχου ἔνδον τῶν Ἱεροσολύμων. Ὅστις δ' ἂν βουλεῖται ὑστερῆσαι καὶ κλέψαι νὰ ἀκούσῃ τῆς φοβερᾶς καὶ ὀδυνηρᾶς φωνῆς ἐκ τοῦ Κυρίου ἐκείνης, τῆς λεγούσης· πορεύου ἀπ' ἐμοῦ, ὁ κατηραμένος, εἰς τὸ πῦρ τὸ αἰώνιον, τὸ ἡτοιμασμένον τῷ διαβόλῳ καὶ τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ, ἐπεὶ ὡς ἱερόσυλος κριθῇσῃ, καὶ ἔσται ἡ μερὶς αὐτοῦ μετὰ τῶν σταυρωσάντων τὸν Κύριον, καὶ κληρονόμος μετὰ τοῦ διαβόλου, ἔξει τε τὴν λέπραν τοῦ Γιεζῆ καὶ τὴν ἀγχόνην τοῦ Ἰούδα, καὶν τε ἀρχιερεὺς, καὶν τε ἱερομόναχος ἢ καὶ ἰδιώτης. Ἀμήν. Ἐν ἔτει ,αχξ', Αὐγούστου ζ'.

л. 1. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἀγίοις πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ Χρυσοστόμου.

λ. 24. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Βασιλείου τοῦ Μεγάλου.

λ. 54. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων.

λ. 68. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου καὶ ψάλτου.

λ. 69. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου.

λ. 71. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία διακόνου.

λ. 76. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία πρεσβυτέρου.

λ. 80. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἐπισκόπου.

λ. 85. Τάξις¹⁾, γινομένη ἐπὶ ψήφου τῶν ἀρχιερέων.

Συναχθέντων τῶν εὐρίσκομένων ἀρχιερέων ἐν τῷ τυχόντι ναῷ, ὁ πρῶτος τούτων ἵσταται ἔμπροσθεν τῶν βασιλικῶν πυλῶν μετὰ μανδύου καὶ ἐπιτραχηλίου, καὶ ποιήσας εὐλογητόν, ἄρχονται οἱ λαχόντες τὸ Βασιλεῦ οὐράνιε, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, καὶ ὁ πρῶτος τὸ Ὅτι σοῦ, εἶτα Εὐλογητὸς εἴ, Χριστὲ ὁ Θεός, ὁ πανσόφους καὶ τὰ ἐξῆς, καὶ τὸ κοντάκιον Ὅτε καταβὰς τὰς γλώσσας συνέχεε. Καὶ μετὰ ταῦτα τὸ Ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ μνημονεύει τὸν πατριάρχην, εἰθ' οὕτως ἢ ἀπόλυσις Ὁ ἐν εἶδει πυρίνων γλωσσῶν. Εἶτα καθίσαντες οἱ ἀρχιερεῖς, ἄρχεται ὁ ταχθεὶς κληρικὸς περὶ τῆς μητροπόλεως καὶ περὶ τοῦ τὸ χρέος ἀποτίσαντος ἀρχιερέως φθέγγεσθαι, καὶ οὕτως ψηφίζονται τρεῖς παρὰ τῶν ἀρχιερέων, καὶ γίνεται ἡ ψήφος.

λ. 85 οβ. Τάξις, γινομένη ἐν τῷ μικρῷ μηνύματι.

Ὁ παρὰ τοῦ πατριάρχου κελευθεὶς κληρικὸς ἀπέρχεται ἐν τῷ κελίῳ, ἐν ᾧ ὁ ὑποψήφιος κατοικεῖ, καὶ καθίσας, μηνύει αὐτόν, λέγων Ὁ παναγιώτατος ἡμῶν δεσπότης, ἰδὼν σου τὴν ἀγιωσύνην ἁγίαν οὖσαν πρὸς ποιμαίνειν τὴν ᾧδε μητρόπολιν, ἐπρόσταξεν ἡμᾶς μηνῦσαι αὐτὴν καὶ ἐτοιμασθῆναι. Αὐτὸς δὲ ἀναστὰς, κλίνει τὴν κεφαλὴν, μετανοίας τύπον, εὐχαριστῶν τῷ πατριάρχῃ.

λ. 86. Τάξις τοῦ μεγάλου μηνύματος.

Ἀπέρχεται ὁ πατριάρχης καὶ οἱ λοιποὶ ἀρχιερεῖς, καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ μοναχοί, καὶ οἱ τυχόντες λαῖχοι ἐν τῷ ναῷ, καὶ εὐθὺς ἄρχονται τοῦ ἐσπερινοῦ Τελειωθέντος δὲ ἐσπερινοῦ, πάλιν ὁ ἀρχιερεὺς ἐν τῷ κελίῳ αὐτοῦ. Εἶτα εἰσελθὼν ὁ οἰκονόμος, καὶ καιρὸν λαβὼν, καὶ τὴν χεῖρα τοῦ πατριάρχου ἀσπασάμενος, ἀπέρχεται ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ μετὰ τῶν λοιπῶν ἀρχιερέων καὶ ἵσταται ἐν τῷ μέσῳ τῆς ἐκκλησίας. Ὁ δὲ

¹⁾ Подобные же чины имѣются и въ сборникѣ 1665 года № 522 (473) въ библіотекѣ Святогробскаго метоха въ Константинополѣ.

ὕποψήφιος, ἐνδουθεῖς τὸ φελώνιον σὺν τῷ ἐπιτραχηλίῳ καὶ ἱστάμενος ἐπὶ τοῦ ἁγίου βήματος, ποιεῖ εὐλογητόν, καὶ ἄρχονται τὸ Βασιλεῦ σὺράνιε, τὸ Παναγία Τριάς, τὸ Πάτερ ἡμῶν, Ὅτι σοῦ ἐστιν, λέγοντες τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἡμέρας, εἴτα ὁ ὑποψήφιος τὸ Ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ μνημονεύει τὸν πατριάρχην, καὶ μετὰ ταῦτα ἐκδουθεῖς τὸ φελώνιον αὐτοῦ, ποιεῖ ἀπολύσιν, εἴτα ἱσταται ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου βήματος. Ὁ δὲ ταχθεὶς κληρικός μεγάλη τῇ φωνῇ ἀποκρίνεται, κρατῶν καὶ κηρόν εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ, καὶ ἄπτοντες τοῦτο, ποιούσι, λέγων ἐν τῷ μέσῳ τῆς ἐκκλησίας· Ὁ παναγιώτατος ἡμῶν αὐθέντης καὶ δεσπότης πατὴρ καὶ πατριάρχης τῆς ἁγίας πόλεως Ἱερουσαλὴμ προσκαλεῖται τὴν σὴν ἁγιωσύνην εἰς τὸν θρόνον τῆς ἁγιωτάτης μητροπόλεως ὁ δεῖνος. Καὶ μετὰ ταῦτα ὁ ὑποψήφιος ἀποκρίνεται· Ἐπειδὴ ὁ παναγιώτατος ἡμῶν αὐθέντης καὶ δεσπότης πατὴρ καὶ πατριάρχης τῆς ἁγίας πόλεως Ἱερουσαλὴμ ἠθέλησεν ἀναβιβάσαι καμέ, τὸν ἐλάχιστον δοῦλον αὐτοῦ, εἰς τὸ τῆς ἀρχιερωσύνης θείον ὄντως μέγα ἄξιωμα, ἰδοὺ πείθομαι τῷ θεῷ αὐτοῦ προστάγματι καὶ δέχομαι τὸ ἐπίταγμα, εὐχαριστῶ οὖν πρῶτον τῷ παναγιωτάτῳ μοι αὐθέντῃ καὶ δεσπότῃ, τῷ τοιαύτῃν πρόνοιαν ποιησαμένῳ εἰς ἐμέ, ἔπειτα δὲ καὶ τοῖς πανιερωτάτοις ἀρχιερεῦσι καὶ ὑπερτίμοις, τοῖς οὕτω φροντίδῃ ποιησαμένοις εἰς ἐμέ, ὧν ταῖς εὐχαῖς ἄξιώσοι με ὁ Θεός¹⁾ φυλάξαι τὸ ἐμπιστευθέν μοι ποιμνιον²⁾ καὶ παραστήσαι αὐτῷ καθαρὸν καὶ ἄσπιλον ἐν τῇ δευτέρᾳ πρρουσίᾳ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν³⁾. Ὁ παναγιώτατος ἡμῶν αὐθέντης καὶ δεσπότης πατὴρ καὶ πατριάρχης τῆς ἁγίας πόλεως Ἱερουσαλὴμ προσκαλεῖται τὴν ἀρχιερωσύνην σου λόγον μεταθέσεως ἀπὸ τὸν θρόνον τῆς ἁγιωτάτης μητροπόλεως ὁ δεῖνος εἰς τὸν θρόνον τῆς ἁγιωτάτης μητροπόλεως ὁ δεῖνος. Ἐπειδὴ ὁδηγηθεὶς ἐκ Θεοῦ, ὁ παναγιώτατος ἡμῶν αὐθέντης καὶ δεσπότης ἠθέλησε καμέ λόγον μεταθέσεως, τὸν ἐλάχιστον δοῦλον αὐτοῦ, ἀναβιβάσαι ἀπὸ τῆς ἁγίας μητροπόλεως ὁ δεῖνος εἰς τὸν θρόνον τῆς ἁγιωτάτης μητροπόλεως ὁ δεῖνος, ἰδοὺ πείθομαι καὶ τὰ ἐξῆς, ὡς καὶ τὰ ἄνωθεν. Καὶ τοῦτο ὅταν τινὰ οἱ ἀρχιερεῖς προσκαλοῦσιν⁴⁾. Οἱ πανιερώτατοι μητροπολίται, θεοφελέστατοι ἐπίσκοποι, τιμιώτατοι κληρικοί, εὐλαβέστατοι ἱερεῖς καὶ ὁ λοιπὸς ἅπας ὁ τοῦ Κυρίου χριστῶνυμος λαὸς προσκαλοῦνται τὴν ἀρχιερωσύνην σου λόγον μεταθέσεως

1) Ркл. Святогроб. библ. № 522 (473) прибавлено: Кѡριος ѡ Θεός.

2) прибавлено: λογικὸν τοῦ Χριστοῦ ποιμνιον ὁρθῶς. 3) прибавлена фраза: ὁ δεῖνος ἐλέφ Θεοῦ ὑποψήφιος τῆς ἁγιωτάτης ἐπισκοπῆς, τῆς δεῖνος, οἰκεία χειρὶ προέταξα. 4) прибавлено: εἰς θρόνον πατριαρχικόν.

εἰς τὸν μέγαν καὶ ὑψηλότατον καὶ πατριαρχικὸν θρόνον τῆς ἁγίας πόλεως Ἱερουσαλὴμ. Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν... до конца ¹⁾. Πρὸς τούτοις ἀποδέχομαι τὰς ἁγίας καὶ οἰκουμενικάς ἐπτὰ συνόδους. См. выше стр. 121.

л. 91. Εἰς προχείρισιν πατριάρχου εἰς πατριάρχην.

л. 100. Εὐχὴ συγχωρητικὴ ἐπὶ τὸν μεταληφόμενον.

CLVIII. № 725. Илитарій на пергаментѣ Патмосскоѣ библиотеки, содержащій въ себѣ діаконскія прошенія обычной литургіи, начиная съ просительной ектенѣи послѣ великаго выхода, писанъ почеркомъ XVII в. ²⁾. Для опредѣленія времени написанія его имѣетъ важное значеніе слѣдующій возгласъ діакона: Καὶ ὧν ἔκαστος κατὰ διάνοιαν ἔχει, καὶ πάντων καὶ πασῶν. Ὁ δεῖνα τοῦ ἁγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, ὁ δεῖνα Ἀλεξανδρείας, ὁ δεῖνα Ἀντιοχείας, ὁ δεῖνα Ἱεροσολύμων, ὁ δεῖνα Μοσχόβου καὶ πάσης Ῥουσίας τῶν ὁρθοδόξων πατριαρχῶν.

CLIX. № 646. Ἀκολουθία τοῦ ἐξοδιαστικοῦ τῶν ἱερέων. Ручкопись Патмосской библиотеки въ 16 долю листа, 64 листа, написана 5 мая 1707 года.

Ἐπειδὴν τις τῶν ἱερέων ἐκδημήσῃ πρὸς Κύριον, ἀπέρχονται οἱ εὐρεθέντες ἐκεῖσε ἱερεῖς, καταβιβάζουσι τὸ λείψανον ἀπὸ τῆς κλίνης καὶ τιθέασιν αὐτὸ ἐν ψαλιδίῳ ἐπὶ τῆς γῆς. Καὶ ἐπεὶ οὐ δεῖ λούεσθαι, ἀποσπογγίζουσιν αὐτὸ μετὰ ἐλαίου καθαροῦ διὰ σπόγγου, ἤγουν εἰς τὰς μασχάλας καὶ γόνατα, μῆγε γυμνουμένου αὐτοῦ κοιλίου, τὸ δὲ πρόσωπον αὐτοῦ καὶ τὰς χεῖρας πλύνουσι μετὰ ὕδατος χλιαροῦ, εἴτα ἐνδύουσιν αὐτὸν τὰ ἐξ ἔθους ἱμάτια, καὶ ἅπασαν τὴν ἱερατικὴν στολὴν, σκεπάζοντες τὸ πρόσωπον μετὰ τοῦ ἀέρος, καὶ θέτουσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον ἐπάνω αὐτοῦ, καὶ ἐν μὲν δεξιᾷ χειρὶ αὐτοῦ δίδουσι κοντάκιον τῆς ἁγίας λειτουργίας, ἤγουν τὸ Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντάς σε, Κύριε, ἐν δὲ τῇ ἀριστερᾷ τὸ συστατικὸν αὐτοῦ, καὶ ἀνακλίνουσιν αὐτὸν πρῶτον ἐν κλίνῃ, καὶ καθέζουσιν αὐτὸν ἐν θρονίῳ κατὰ τὴν συνήθειαν καὶ βούλησιν αὐτῶν. Εἴτα εἰσέρχονται οἱ ἱερεῖς ἐνδεδυμένοι τὰς ἱερατικὰς στολὰς αὐτῶν μετὰ τῶν ἐπιτραχηλίων, καὶ ἄρχεται ὁ προεστὼς τὸ Εὐλογητὸς ὁ Θεός, Τρισάχιον, Ὅτι σοῦ ἐστίν, καὶ τὰ τροπάρια, ἥχος δ΄. Μετὰ πνευμάτων κ. τ. λ.,

¹⁾ Прибавлена подпись: Ὁ δεῖνας ἐλέφ Θεοῦ ὑποψήσιος τῆς ἁγιωτάτης ἐπισκοπῆς, ὁ δεῖνα, οἰκεία χειρὶ ὑπάγραψκ. ²⁾ I. Саккеліонъ относитъ этотъ Илитарій къ XV в. (Паτριακή βιβλιοθήκη σελ. 277).

εἶτα Ἐλέησον ἡμᾶς... κ. τ. λ. сь молитвоιο: Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων... καὶ ἀπόλουςις, ὡς ἔθος. Καὶ εὐθὺς αἵρουσιν οἱ ἱερεῖς ἐπ' ὤμων αὐτῶν τὴν κλίνην μετὰ τοῦ λειψάνου, φέροντες ἐν τῷ ναῷ, προπορευομένου σταυροῦ μετὰ κηρῶν καὶ θυμιαμάτων, φάλλοντες τὸ Ἅγιος ὁ Θεός... Εἰ δὲ βούλονται, φάλλουσι τὰ παρόντα ποιήματα Ἰλαρίωνος ἱερομονάχου, ἤχος πλ. α'. Μεγαλυνόμεν σε, ζωοδότα Χριστέ, καὶ τιμῶμεν τὴν ταφὴν καὶ τὰ πάθη σου, δι' ὧν ἔσωσας ἡμᾶς ἐκ τῆς φθορᾶς... Вторая статья начинается: Ἄξιόν ἐστι μεγαλύνειν σε, τὸν ζωοδότην, τὸν ἐκ τάφου ἀναστάντα τριήμερον καὶ ζωώσαντα τὸ γένος τῶν βροτῶν. Третья статья: Αἰ γενεαὶ πᾶσαι σὲ δοξολογοῦμεν Χριστὸν τὸν ζωοδότην. Καὶ εἰσελθόντες ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, τιθέασι τὸ λείψανον ἐν μέσῳ τοῦ ναοῦ ἐν τῇ κλίνῃ, ἀνάπτοντες μανουᾶλια τριγύρου. Εἶτα ποιεῖ ὁ ἱερεὺς Εὐλογητόν, καὶ ὁ χορὸς τὸ Τρισάχιον, Ὅτι σοῦ ἐστιν. Σῶσον, Κύριε, τὸν λαόν σου καὶ τὰ ἑξῆς, καὶ ἄρχονται τὸν ἐξάψαλμον, λέγοντες αὐτὸν ἀπαρallάκτως, καθὼς καὶ ἐν τῷ ὄρθρῳ, θυμῶν καὶ τὸν ναόν, ὡς συνήθως. Ἐν ὅσῳ δὲ λέγεται ὁ ἐξάψαλμος, στιχολογεῖται ἐπάνω τοῦ λειψάνου παρὰ τοῦ ἱερέως τὸ ἱε' κάθισμα τοῦ Ψαλτηρίου, ἡχοῦν τὸ Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με, εἶτα παροῦσα συναπτὴ. См. выше стр. 529. После возгласа: Ὅτι πρέπει σοι... Ἀλληλούϊα сь стихами: Μακάριος, ὃν ἐξελέξω..., Καὶ τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ... Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς... Тропаріа, ἤχος β'. Ἀπόστολοι, μάρτυρες καὶ προφῆται, ἱεράρχαι... Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός... Μήτηρ ἁγία εἰ ἀφράστου φωτός.. Αἴτησις μικρὰ παρὰ τοῦ διακόνου, εἶτα ἄρχονται οἱ ψάλλαι εἰς ἤχον πλ. α'. Εὐλογητός εἰ, Κύριε... После первой статьи 17 каѳизмы, тропари: Σήμερον χωρίζομαι ἀπὸ τῆς συγγενείας μου... Ἡ ἐκκλησία βοᾷ, ζητοῦσα τὸν ἱερέα, καὶ τὸ θυσιαστήριον αἰτεῖ τὸν ποιμένα... Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε, ναὲ τοῦ Θεοῦ, χαῖρε τὸ ἅγιον θυσιαστήριον... См. выше стр. 528. Εἶτα προκείμενον, ἤχος α'. Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες... Στίχος: Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα... Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς Παύλου· Ἀδελφοί, τί ποιήσουσιν οἱ βαπτιζόμενοι ὑπὲρ τῶν νεκρῶν... Ἀλληλούϊα. Στίχος: Μακάριος, ὃν ἐξελέξω. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐργάζεσθε μὴ τὴν βρῶσιν τὴν ἀπολυμένην καὶ μοιτῶα Goar pag. 452. После второй ектеньи тропари: Ὁ μεταστάς ἐν τῷ τάφῳ κείμενος νεκρὸς εὐδιάλλακτος... Ἐφώνησεν ἡ σάλπιγξ, καὶ ὡς ἐξ ὕπνου νεκροὶ ἐξανίστανται... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ σκέπη σου, Θεοτόκε παρθένε... Προκείμενον, ἤχος β'. Μακαρία ἡ ὁδός... Στίχος: Ἐπίστρεφον, ἡ ψυχὴ μου... Πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολῆς· Ἀδελφοί, ὥσπερ δι' ἐνὸς παραπτώματος εἰς πάντας ἀνθρώπους ἦλθε κατάκριμα... Ἀλληλούϊα. Στίχος: Οἱ ἱερεῖς σου

ἐνδύσονται... Евангеліе, что у Гоара р. 452. Εἶτα εἰρηνικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τοῦ ἀειμνήστου δούλου τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ἱερέως καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν... Ὑπὲρ τοῦ δεχθῆναι τὸ πνεῦμα αὐτοῦ, ἔνθα οἱ δίκαιοι... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Καὶ ἡ εὐχή· Οὐκ ἔστι προσωποληψία παρὰ σοί, Κύριε... См. выше стр. 670, 535. Εἶτα ψαλμόν· Σὸς εἰμι ἐγώ. . κ. τ. λ., тропари: Ἰδοὺ κεῖμαι, ἀγαπητοί μου ἀδελφοί, ἐν μέσῳ πάντων... Σῶζου, μάταιε βίε, σῶζεσθε, πάντες φίλοι, συγγενεῖς τε καὶ τέκνα... Δόξα καὶ νῦν, Ἀδιόδευτε πόλῃ, μυστικῶς ἐσφραγισμένη... Προκειμενον, ἤχος γ'. Ἄνθρωπος, ὥσει χόρτος... Στίχος· Εὐλόγει, ἡ ψυχὴ μου. Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ νόμος τοῦ Πνεύματος τῆς ζωῆς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ ἡλευθέρωτέ με... Ἀλληλουῖα. Στίχος· Καυχῆσονται ὅσοι ἐν δόξῃ... Εὐαγγέλιον· Εἶπεν ὁ Κύριος τοῖς ἐαυτοῦ μαθηταῖς· οὕτως ἡγάπησεν ὁ Θεὸς τὸν κόσμον, ὥστε τὸν Υἱὸν αὐτοῦ τὸν μονογενῆ ἔδωκεν.. Αἰτήσις μικρὰ παρὰ τοῦ διακόνου, καὶ ἡ εὐχή παρὰ τοῦ ἱερέως· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, Υἱὲ καὶ Λόγε τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ἱκετεύομέν σε, οἱ δούλοι σου ἡμεῖς, οἱ τῇ προστάξει σου καταχθινθέντες ἱεουργεῖν σοι καὶ πρεσβεύειν... См. выше стр. 535. Ἀπόλυσον αὐτὸν τῶν αἰώνιων δεσμῶν, καὶ τάξον αὐτόν, ὅπου τῶν ἐκλεκτῶν αἱ χοροστασίαι ὑμνοῦσί σε τὸν μόνον ἀναμάρτητον. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Εἶτα ἀρχόμεθα τῆς γ' στάσεως, причемъ съ стиха: Ἀρχοντες κατεδίωξαν, начинаются припѣвы: Ἀρχάγγελοι Κυρίου, πρεσβεύσατε ἀπαύστως ὑπὲρ τοῦ κοιμηθέντος... Ἄγγελοι Κυρίου, πρεσβεύσατε... Πρόδρομε Κυρίου и т. д. Εἶτα εὐλογητάρια р. 451. Αἰτήσις μικρὰ καὶ ἡ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐκ Παρθένου τεχθεὶς καὶ σάρκα φορέσας, δανεισάμενος αὐτὴν ἐκ τῶν ἁγίων καὶ παρθενικῶν αἱμάτων αὐτῆς, καὶ γενόμενος ἄνθρωπος. См. выше стр. 537. Ангифонъ 1 гласа и тропари св. I. Дамаскина: Ποῖα τοῦ βίου τρυφή... Ἐργῷ, Σωτέρ μου... Νέος Ἀδὰμ γεγονώς... Τί ὕφαυχεῖτε, βρωτοί, καὶ ἐν βίῳ μάτην ταράττεσθε... Ἐθου, Χριστέ, λειτουργοῦ, ἐκλεκτοῦς... Δόξα καὶ νῦν, Ἀμαρτωλῶν τὰς δεήσεις προσδεχομένη... Προκειμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς. . Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε.. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, Χριστὸς ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται... Ἀλληλουῖα. Στίχος· Καὶ τὸ μνημόσυνον. Εὐαγγέλιον ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· εἰ ὁ Θεὸς Πατὴρ ὑμῶν ἦν, ἡγαπᾶτε ἂν ἐμέ· ἐγὼ γάρ ἐκ τοῦ Θεοῦ ἐξῆλθον... Αἰτήσις μικρὰ καὶ εὐχή· Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... Гоар pag. 437. Αὐτὸς Δέσποτα πολυέλεε, καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου, ὁ δεῖνα, ἱερέως ἀδελφοῦ

καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, ἀνάπαυσον ἐν τόπῳ φωτεινῷ, ἐν τόπῳ χλοερῷ, ἐν τόπῳ ἀναψύξεως, ἐν χώρᾳ ζώντων, ἔνθα ἀπέδρα ὁδύνη, λύπη καὶ στεναγμός, διότι οὐκ ἔστιν ἐν τοῖς δούλοις σου θάνατος, ὁ ἀληθὺς ἀθάνατος, ἀλλὰ ψυχῆς μετástasis, καὶ εἴ τι ἐν λόγῳ, εἰ ἐν ἔργῳ, εἰ ἐνθυμήσει ἡμαρτε, συγχώρησον, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος, καὶ τῶν πενθούντων ἀντιλήπτωρ καὶ παρχμυθία γενοῦ, καταυγάζων τὴν ἀχλὺν τῆς ἀθυμίας αὐτῶν τῷ νοερῷ σου φωτί. Ὅτι σὺ εἰ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ... Ἀντιφονη βγοpаго гласа и тропари: Οἶμοι, οἶον ἀγῶνα ἔχει ἡ ψυχὴ, χωριζομένη ἐκ τοῦ σώματος... Δεῦτε ἴδωμεν πάντες θαύματα ὑπὲρ νοῦν... Ὑλῃ πλούτου τί μάτην θέλγεσθε, βροτοί... Ῥευστὴ μὲν τῶν πάντων τῶν ὄντων ἡ φύσις καὶ ὡς χοός... Μύροις πάλαι τὴν τέφραν ἔχριον... Οἶμοι, ὥσπερ οὐκ ὦν ποτὲ ἐπὶ γῆς... Στόμα ἄλαλον ἔχων, πνεύματι βοῶ. Δόξα καὶ νῦν, Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου εἰς σέ ἀνκτίθημι... Προκείμενον· Μακάριοι οἱ κατοικοῦντες... Στίχος· Ὡς ἀγκιπτὰ τὰ σκηνώματα... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὥσπερ δι' ἐνὸς ἀνθρώπου ἡ ἀμαρτία εἰς τὸν κόσμον εἰσῆλθεν... Ἀλληλούϊα, Μακαρία ἡ ὁδός. Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς. Αἴτησις μικρά καὶ ἡ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανάσιαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον... Gοар рар. 449. Ἀντιφони 3 гласа и тропари: Πάντα ματαιότης τὰ ἀνθρώπινα... Ἀνθρωποι, τί μάτην ταραττόμεθα... Ῥευστός ὦν, ἄνθρωπε, τί μαίνεσαι, τί ὑψυχνεῖς... Ἄνθος ἐσμέν, ἄνθρωποι ἰσοσθενεῖς... Καθ' ὃν τρόπον ναῦς ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν... Δηρίζεται ἅπαντας ὁ θάνατος· οὐδεὶς γὰρ τὰς παγίδας αὐτοῦ διαφεύγει... Ὡς πῶς ἀπατώμεθα, οἱ ἄθλιοι οἱ νέοι· τὸ γὰρ οὐ φροντίζουσι... Δόξα καὶ νῦν, Ἐν γυναιξὶν ἁγία, Θεοτόκε Μήτηρ... Προκείμενον, ἡχος γ'. Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ, Κύριε, κεκράξομαι... Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί, ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ... Ἀλληλούϊα. Στίχος, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· τοῦτο ἔστι τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με, ἵνα πᾶς ὁ θεωρῶν τὸν Υἱόν... Αἴτησις μικρά καὶ ἡ εὐχή· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ μέγας ἀρχιερεὺς καὶ δίκαιος κριτής, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, τὸν μεθ' ἡμῶν σοι δουλεύσαντα ἀδελφόν. См. выше стр. 533. Ἀντιфони 4 гласа и тропари съ акростихомъ: Πενθῶ· Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια... Ἐπῆλθεν ὁ θάνατος, ὡς ἄρπαξ, ἐπῆλθεν ὁ φθορεὺς... Νῦν ἄπνουν σε βλέποντες, ἠρηνούμεν. Θρῆνον ἐπ' ἐμοὶ μὴ ποιήσατε... Ὡς ἔχομεν νῦν καιρὸν μετανοίας... Δόξα καὶ νῦν, Ἡ μόνη ἀγνή καὶ ἄχραντος Παρθένος... Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἡχος δ'. Κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχὴν μου... Πρὸς

Κύριον ἐν τῷ θλιβεσθαι... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, ὁ πρῶτος ἄνθρωπος ἐκ γῆς χοϊκός.. Ἀλληλουῖα. Στίχος· Μακκρία ἡ ὁδός... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα καὶ πίνων μου τὸ αἷμα.. Αἴτησις μικρά, καὶ ἡ εὐχή· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν σοφίᾳ σου κχτασχευάσας τὸν ἄνθρωπον. См. выше стр. 543. Антифонъ 5 гласа и стихиры съ акростихомъ: Οἶκτος. Οὐκ ἐστὶν ἐν τῷ βίῳ τερπνόν αὐδέν, ὃ οὐ παρελεύσεται... Ἰάσω τὴν συντριβὴν μου, Σῶτερ, σαυτὸν κενώσας... Καθεῖλες τὴν τοῦ θανάτου ὀφρύν... Τὸ θεῖον καὶ ἀκατάληπτον φῶς, Χριστέ πάντων, καὶ ἀνάστασις... Ὅταν καθίσῃ ἐπὶ θρόνου κρῖναι πᾶσαν τὴν γῆν... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα, εὐλογημένη... Προκείμενον· Πάροικος ἐγὼ εἰμι ἐν τῇ γῇ... Στίχος· Ἐξομολογήσομαί σοι, Κύριε... Πρὸς Θεσσαλονικεῖς· Ἀδελφοί, οὐ θέλω ὑμᾶς ἄγνοεῖν περὶ τῶν κεκοιμημένων... Ἀλληλουῖα. Στίχος· Ἀναστήσονται οἱ νεκροί... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· Ἀμήν, ἀμήν λέγω ὑμῖν, ὅτι ὁ ἀκούων τῶν λόγων μου καὶ πιστεύων... Αἴτησις καὶ ἡ εὐχή· Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία. См. выше стр. 535. Антифонъ 6 гласа, стихиры съ акростихомъ: Ἄλγος· Ἄλγος τῷ Ἀδὰμ ἐχρημάτισεν ἡ τοῦ ξύλου ἀπόγευσις... Λόγος τοῦ Θεοῦ ἐνυπόστατος νηπιάσαι εὐδόκησε... Γηγενεῖς, δεῦτε καὶ θεάσασθε ἅπαντες ξένον θέμα... Ὅντως ματαιότης τὰ σύμπαντα... Δόξα καὶ νῦν, Σὲ δυσωποῦμεν, ὡς Θεοῦ Μητέρα εὐλογημένη... Προκείμενον· Εὐφρανθήσεται δίκαιος... Στίχος· Εἰσάκουσον, ὁ Θεός, τῆς φωνῆς... Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οἶδαμεν, ὅτι ἐὰν ἡ ἐπίγειος ἡμῶν οἰκία τοῦ σκήνους καταλυθῇ... Ἀλληλουῖα Στίχος· Οἱ ἰερεῖς σου, Κύριε... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐγὼ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς... Αἴτησις καὶ εὐχή· Μνήσθητι, Κύριε, πάντων τῶν κεκοιμημένων ἀδελφῶν ἡμῶν, ὁ δεῖνα ἱερέως καὶ συλλειτουργοῦ, καὶ συγχώρησον αὐτῷ πάσας τὰς ἁμαρτίας καὶ πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον. Ναί, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ δημιουργήσας τὸν ἄνθρωπον πρὸς τὴν ἐντεῦθεν διαγωγὴν καὶ τῶν ἐκεῖθεν ἀμοιβὴν χαρισάμενος, Αὐτὸς καὶ τὸν δοῦλόν σου τοῦτον, τὸν μεθ' ἡμῶν συνοδεύσαντα καὶ ἐξ ἡμῶν νῦν ἐκδημήσαντα, τῆς ἐκεῖθεν κληρονόμου ἐνάδειξον, καὶ ἡμᾶς ἀξίωσον διὰ μετανοίας εὐαρεστῆσαί σοι πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις, ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάπαυσις... Антифонъ 5 гласа и стихиры съ акростихомъ: Κλαυθμός· Κατ' εἰκόνα σὴν καὶ ὁμοίωσιν πλαστουργήσας κατ' ἀρχὰς τὸν ἄνθρωπον... Αὐεῖ πᾶσαν λύπην ὁ θάνατος, μεταδοθεὶς ἐκ τοῦ Ἀδὰμ... Ἀναβλέψωμεν καὶ κατ-

ἰδωμεν τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐρανοῦ... Ὑπνος ἐστὶ καὶ οὐ θάνατος τὸ
 τελούμενον νεκροῖς μυστήριον... Θέσθω ἕκαστος ἡμῶν βίον εὐχρηστον
 ἐν τῇ κηρδίᾳ αὐτοῦ ποιήσασθαι... Μὴ θρηνησωμεν, ὃν Κύριος ἐξ ἡμῶν
 μετέστησεν... Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ἄνθρωπον ἐξ οὐκ ὄντων
 εἰς τὸ εἶναι παραγαγών... Δόξα καὶ νῦν, Σέ, Θεοτόκε, τεῖχος ἄρρηκτον
 καὶ ἐλπίδα, οἱ πιστοί, κεκτήμεθα... Προκείμενον· Τὰς εὐχάς μου τῷ Κυρίῳ
 ἀποδώσω... Στίχος· Τί ἀναποδώσωμεν τῷ Κυρίῳ... Πρὸς Φιλιππισίους·
 Ἀδελφοί, ἡμῶν τὸ πολίτευμα ἐν οὐρανοῖς ὑπάρχει... Ἀλληλούϊα. Μα-
 κάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς
 τοὺς πεπιστευκότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐὰν ὑμεῖς μείνητε ἐν τῷ
 λόγῳ τῷ ἐμῷ, ἀληθῶς μαθηταί μου ἐστέ... Αἴτησις καὶ εὐχή· Κύριε
 Ἰησοῦ Ἀριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων, μακρόθυμε καὶ
 πολυέλεε, ὁ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν γεννηθεὶς ἐκ τῆς ἁγίας Θεο-
 τόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ σταυρόν καὶ θάνατον κατεδέξω καὶ
 ταφείς καὶ ἀναστάς, Αὐτός, Δέσποτα Παντοκράτωρ, ταύτην τὴν μικρὰν
 δέησιν ἡμῶν, ἣν ποιούμεν ὑπὲρ τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου, ὁ δεῖνα,
 ἱερέως, ἀδελφοῦ καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, πρόσδεξαι τῇ συνήθει σου φι-
 λανθρωπία, καὶ ἀπάλλαξον αὐτὸν τοῦ ἐξωτέρου σκότους καὶ πάσης ἐτέρας
 δεινῆς κολάσεως, καὶ εἴ τι ἡμαρτεν ἐν λόγῳ, ἢ ἔργῳ, ἢ κατὰ διάνοιαν,
 ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος Θεὸς συγχώρησον καὶ ἀνάπαυσον αὐτόν,
 ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. Ναί, Κύριε παντοκράτωρ,
 ὁ ἐν τῇ σοφίᾳ σου πλάσας ἐπὶ γῆς τὸν ἄνθρωπον καὶ πάλιν εἰς γῆν
 αὐτόν ἀποστρέφειν νομοθετίᾳ διὰ τὴν ἁμαρτίαν, ὁ κατάγων εἰς ᾄδην
 καὶ ἀνάγων, ὁ ἀποκτείνων καὶ πάλιν ζωοποιῶν, πρόσδεξαι τὴν ψυχὴν
 τοῦ δούλου σου, καὶ ἀνάπαυσον, καὶ τάξον αὐτόν ἐν τοῖς κόλποις τοῦ
 δικαίου σου Ἀβραάμ, καὶ εἴ τι ὡς ἄνθρωπος ἡμαρτεν, συγχώρησον. Ὅτι
 σὺ εἶ ἡ ἀνάστασις.. Антифону 8 гласа и стихирны съ акростихомъ:
 Θρηνηῶ. Θρηνηῶ καὶ οἰδόμαι... Ρευστοὶ πῶς γεγόναμεν, ἀφθαρτον εἰκόνα
 φορέσαντες... Ἡ σάλπιγξ ἐβρόντησε, καὶ ὡς ἐξ ὕπνου νεκροὶ ἀναστή-
 σονται... Νεότητά θάλλουσιν φεῖδεται οὐδόλως ὁ θάνατος... Ὡ ποῖον πο-
 τήριον μένει τοῖς βροτοῖς ἀπαραίτητον... Δόξα καὶ νῦν, Ἀγνή Παρθένε,
 τοῦ Λόγου πύλη... Προκείμενον· Ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... Στίχος· Πρὸς σέ,
 Κύριε, ἐκέκραξα.. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, οὐ πᾶσα σὰρξ ἡ αὐτὴ
 σὰρξ, ἀλλὰ ἄλλη μὲν ἀνθρώπων... Ἀλληλούϊα. Στίχος· Ἀντιλαβοῦ μου
 κατὰ τὸ λόγιόν σου... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Εἶπεν ὁ Κύριος πρὸς
 τοὺς ἐληλυθότας πρὸς αὐτόν Ἰουδαίους· ἐγὼ ὑπάγω καὶ ζητήσετε με..
 Αἴτησις καὶ ἡ εὐχή· Δέσποτα Παντοκράτωρ, Θεὲ πατέρων καὶ Κύριε
 τοῦ ἐλέους, γένους θνητοῦ τε καὶ ἀθανάτου. См. выше стр. 531. Ἀλλὰ

ζῶσιν εἰς αἰῶνα αἰῶνος ἐν τῇ βασιλείᾳ σου. Ναί, Δέσποτα παντοκράτορ, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσόν μου καὶ ἀνάπαυσον αὐτὴν μετὰ τῶν ἁγίων σου, στήσον ἐκ δεξιῶν σου ἐν τῇ βασιλείᾳ σου. См. выше стр. 534. Σὺ ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς συγχώρησον, καὶ ὡς ἐπὶ τῆς γῆς λειτουργεῖν σοι ἡξιώσας, οὕτως καὶ ἐν οὐρανῷ μετὰ τῶν ἁγίων ἀγγέλων τάξον δοξολογεῖν καὶ ψάλλειν σοι, χαριζόμενος αὐτῷ καὶ ἡμῖν τὴν αἰώνιον βασιλείαν σου. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀνάστυσις, ἡ ζωή... Ἡἵτα τροπάρια Ἀνάπαυσον, Σωτὴρ ἡμῶν... Δόξα καὶ νῦν, Μνήσθητέ μου, ἀδελφοί καὶ συλλειτουργοί, μνήσθητέ μου... Ὁ Ν', καὶ κανών, ἡχος β'. Βυθοῦ ἀνεκάλυψε πυθμένα... Ὡδὴν ἐπιτάφιον συμφώνως ᾄτουμεν τῷ μόνῳ ἀθανάτῳ¹⁾... Ὁ χθὲς μεθ' ἡμῶν συμβουλεύων, τήμερον ἐν τάφῳ καθοράται... Δόξα, Ἐν βίβλῳ τῆς ἀνω κληρουχίας τάξει τὴν ψυχὴν σου ὁ Δεσπότης... Καὶ νῦν, Ἡ πάντων ὑπερτέρα τῶν κτισμάτων καὶ ἁγιωτέρα τῶν ἀγγέλων... Послѣ 3 пѣсни ектеня и молитва: Δέσποτα Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν καὶ τοῦ ἐλέους, ὁ πάντα φέρειν ἀναδυσάμενος. См. выше стр. 537. Слѣдальны: Ἀληθῶς ματαιότης τὰ σύμπαντα... Δόξα, Δεῦτε, πάντες ἀδελφοί, καὶ συνάχθητε μετὰ δακρύων ἐν τῷ χωρισμῷ τῆς ψυχῆς μου καὶ τοῦ σώματος. Καὶ νῦν, Παναγία Θεοτόκε, τὸν χρόνον τῆς ζωῆς μου μὴ ἐγκαταλίπης με... Послѣ 6 пѣсни ектеня и молитва: Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δημιουργὸς καὶ εὐεργέτης πάσης κτίσεως, ὁ κατασκευάσας τὸν ἄνθρωπον ἐκ σώματος χοίρου. См. выше стр. 547. Μετὰ τῶν ἁγίων πνευμάτων... Ἔτερον Ὁδοίς μοι τότε βοηθός, οὐ συγγενής, οὐ φίλος. Αὐτὸς μόνος ὑπάρχεις ἀθάνατος... Οἴκοι εἰς τὸν θάνατον τῶν ἱερέων, ὧν ἡ ἀκροστιχίς Ὁ τοῦ ταπεινοῦ Ἀμβροσίου ὁ ψαλμὸς οὗτος Ὁ προσκαίρου ζωῆς τὸ ἐπώδυνον, ἄνθρωποι πάντες, δεῦτε καὶ ἴδετε... Ἀλληλουῖα. Ὁ Θεός, ὅπου ἔκαμες τὰ οὐράνια τάγματα... Ἀλληλουῖα. Ὑψηλὰ καὶ μεγάλα μυστήρια τοὺς ἀνθρώπους ἡξιώσας... Ἀλληλουῖα. Τῆς μυστικῆς ἱεραρχίας διδάσκαλε, ἁγιώτατε Διονύσιε, νῦν πρόσφθασον... Ἀλληλουῖα. Ἀπορῶ καὶ δειλιῶ, πῶς νὰ ἄρξομαι ταύτης τῆς τρομερᾶς διηγήσεως... Ἀλληλουῖα. Πᾶσα φύσις ἀνθρώπων ἐμὲ κλαύσατε... Ἀλληλουῖα. Ἐπτὰ φορὰς τῆς ἡμέρας δὲν ἔφαλα κατὰ τὴν ἐντολήν... Ἀλληλουῖα. Ἱερεῖς τὸν ἱερέα τοῦτον στοχαζέσθε ἥσυχά καὶ ταπεινά κατακοίτεται... Ἀλληλουῖα. Νοερῶν στρατιῶν καὶ ἀγγέλων τὰ τάγματα... Ἀλληλουῖα. Ὁ δοῦλός σου, Κύριε, καλῶς σε ἐκήρυξεν... Ἀλληλουῖα. Ὑμεῖς δέ, ὡς συλλειτουργοί μου, ἀκού-

1) Прпчбвм: Μακάριος, ὄν... Κύριε, ἀνάπαυσον τὸν δοῦλόν σου...

σατε καὶ προσέχετε εἰς τὴν ζωὴν σας. Ἀλληλούϊα. Ἀλήθεια, ἀδελφοί, εἶπεν ὁ Κύριος, ὅτι πολλοὶ εἶναι οἱ κλητοί, ὡς ἐγώ, ἀλλὰ ὀλίγοι ἐκλεκτοί... Ἀλληλούϊα. Μίαν μόνην ἐλπίδα ἀπόμεινεν εἰς ἐμένα τὸν τάλαντα καὶ ἄσπτον... Ἀλληλούϊα. Βήματι τῆς κρίσεως τῷ τρομερῷ ὅλοι μέλλει νὰ παρασταθούμεν... Ἀλληλούϊα. Ῥῦσαι καὶ λύτρωσαί με, λοιπόν, Κύριε, ἀπὸ τοῦ ἄσβεστον πῦρ... Ἀλληλούϊα. Ὁ χρυσοῦς εἰς τὴν γλῶσσαν καλὰ με ἐδίδαξεν, ἀλλὰ δὲν τοῦ ἤκουον καθόλου ὁ ἄθλιος... Ἀλληλούϊα. Στρατιαι τῶν ἀγγέλων, βοηθήσατε τῆς ἀθλίης ψυχῆς μου τοῦ τλήμονος... Ἀλληλούϊα. Ἵνα τί σιωπῶ, ὥσπερ ἄπονος, καὶ δὲν λέγω τῶν συλλειτουργῶν καὶ φίλων μου... Ἀλληλούϊα. Ὁ Θεός, ὁ Θεός, ὅπου με ἐκάλετες, εἰς ἐμένα γνώσίς σου ἐθαυμαστώθη με... Ἀλληλούϊα. Ὑποκαρῶ καὶ παραγγέλω σας, φίλοι μου, συλλειτουργοὶ καὶ συμμερισταὶ τοῦ οὐρανοῦ ἄρτου... Ἀλληλούϊα. Οὔτε τοῦ Παύλου ἄκουα, ὅπου ἔλεγε νὰ προσέχω εἰς τὴν ἀνάγνωσιν... Ἀλληλούϊα. Ψεύδους γέννημα γέγονα τὴν ἀλήθειαν γὰρ ποτὲ δὲν ἠγάπησα... Ἀλληλούϊα. Ἀλλ' οὐδὲ πτωχοῦ ποτὲ δὲν ἔκλινα τὸ αὐτίον μου... Ἀλληλούϊα. Δογισμῶν πονηρῶν ἐργαστήριον εἰς τὴν ζωὴν μου ἐγέννηκα... Ἀλληλούϊα. Μέλλω νὰ κατακριθῶ εἰς τὴν ὥραν τῆς κρίσεως ἐγὼ ὁ ταλαίπωρός... Ἀλληλούϊα. Ὅταν βάλλω εἰς νοῦν μου τὰ ἔργα μου, τρέμω... Ἀλληλούϊα. Σήμερον, ἀδελφοί μου, χωρίζομαι τῆς ὑμῶν ἐπὶ γῆς ἀδελφότητος... Ἀλληλούϊα. Οἱ ἱερεῖς, ὅπου με τὴν ἀγίαν στολὴν ἐστολίσθητε, τὸν ἔλαφον ζηλώσατε καὶ τρέχετε εἰς τὴν βρῶσιν... Ἀλληλούϊα. Ὑπὲρ τοὺς πιστοὺς, ἀδελφοί, καλὸν παράδειγμα γίνεσθε... Ἀλληλούϊα. Τὸ χρεὼν ὁ χορὸς ψάλατε εἰς τὴν κοίμησιν τοῦ ἀδελφοῦ ὑμῶν καὶ χαίρεσθε... Ἀλληλούϊα. Ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθημεν, Χριστὸν ἐνεδύθημεν... Ἀλληλούϊα. Συντροφους καλοῦς, ἀδελφοί, πρέπει νὰ ἔχωμεν... Ἀλληλούϊα. Σύνναφον καὶ τοῦτους. Καὶ ἐὰν ἐκεῖνοι, ὅπου ἀπὸ χώραν εἰς χώραν ὑπάγουσιν, ἔχουσι χρεῖαν ἄλλους διὰ νὰ τοὺς ἐρμηνεύουσιν... Ἀλληλούϊα. Πονηρὰ εἶναι ἡ στρατα, ἀδελφοί, ὅπου ὑπαγένω, τὴν ὁποίαν ἄλλην φορὰν δὲν ἐπεριπάτησα... Ἀλληλούϊα. Ἡ νεότης καὶ ἡ εὐμορφία τοῦ κορμίου μας, ὧ ἄνθρωποι, εἰς τὸν καιρὸν τοῦ θανάτου μαραίνεται... Ἀλληλούϊα. Ἠσυχάσατε τὸ λοιπὸν καὶ σωπάσατε... Ἀλληλούϊα. Ἄν ἠλέησας, ἄνθρωπε, ἄνθρωπον, αὐτὸς ὁ Θεὸς μέλλει ἐκεῖ νὰ σὲ ἐλεήσῃ... Ἀλληλούϊα. Συντροφιάζετε, ὧ φίλοι, τοὺς ἀποθαμένους, συντροφιάζετε... Ἀλληλούϊα. Ἰδοὺ λοιπόν, ὅπου θεωροῦμεν τοῦτον τὸν ἱερέα νεκρὸν καὶ κοιτάται... Ἀλληλούϊα. Τί πικρὰ εἶναι τῶν ἀποθαμένων τὰ λόγια, τὰ ὅποια, ὅταν μισεύουν, οὕτως μᾶς λέγουσιν... Ἀλληλούϊα. Τί συγχύζεσαι ἀδιαφόρετε ἄνθρωπε, καὶ δὲν ἔχεις χορτασμὸν εἰς τοῦ κόσμου πράγματα... Ἀλληλούϊα. Οὐδένα πρᾶγμα δὲν ξεχάνεται εὐκολώτερα, ὥσάν

ὅπου ξεχάνουν οἱ ζωντανοὶ τὸν ἀποθαμένον... Ἀλληλούϊα. Κατακαίονται
 μόνον αἱ καρδίαις μας, ἄνθρωποι, νὰ ἀκούωμεν, πῶς εἶναι εἰς τὸν ἄλλον
 - κόσμον... Ἀλληλούϊα. Πάντοτε, ἀδελφοί μου, δὲν παύεται ὁ ἐχθρὸς,
 ἀλλὰ πολλῶν τρόπων τέχναις ἐργάζεται.. Ἀλληλούϊα. Ὅλα τὰ δάκρυα
 δὲν εἶναι μιᾶς λογῆς, ἀδελφοί, καθὼς λέγουσιν οἱ διδάσκαλοι... Ἀλληλούϊα.
 Καλὰ εἶναι τὰ δάκρυα, ὧς χριστιανοί, καλὰ εἶναι, μὰ ὅταν κλαίωμεν, καθὼς
 πρέπει... Ἀλληλούϊα. Σωπάτε τὸ λοιπὸν οἱ μυρολογῆτραις, μᾶλλον δαιμο-
 νολογῆτραις... Ἀλληλούϊα. Ἡσυχάσατε τὸ λοιπὸν καὶ σωπάσατε καὶ μὲ τὰ
 κλαύματά σας τὴν ψυχὴν τοῦ νεκροῦ μὴ πειράζετε.. Ἀλληλούϊα. Παναγία
 Παρθένε ἀνύμφευτε... Πάλιν· Μετὰ τῶν ἀγίων... ἡ αἴτησις καὶ εὐχή·
 Μνήσθητι, Κύριε, τῆς ψυχῆς τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου, ὁ δεῖνα,
 ἱερέως, ἀδελφοῦ καὶ συλλειτουργοῦ ἡμῶν, τοῦ πίστει ὁμολογοῦντός σε,
 ἐπάκουσον δὲ ἡμῶν τῶν ἀναξίως δεομένων σου, καὶ παράσχου συγγνώμην
 τῷ δούλῳ σου, εἰ καὶ παρώργισέ Σε, ὡς ἄνθρωπος, ὡς σάρκα ἄνθρω-
 πίνην φορέσαντι καὶ ἀπθνήειαν ἔχοντι, καὶ ὡς ἐπήκουσας τῇ θείῃ σου
 Θέλῃ τῇ πρωτομάρτυρι, τῇ ἐπὶ μητρὶ δεήσει εἰδωλοκάτριδι οὔσῃ, καὶ
 οὐ παρεῖδες, ἀλλὰ ὡς εὐδιᾶλλακτος Θεὸς ἔδωκας αὐτῇ συγγνώμην, οὕτως
 ἐπάκουσον ἡμῶν, δεομένων σου οὐκ ἐπ' εἰδωλοκάτριδι, ἀλλὰ ἐπὶ τὸν πιστόν
 σου δοῦλον καὶ ἱερέα, καὶ ἄνες, ἄφες αὐτοῦ τὰ ἐγκλήματα καὶ ἀνάπαυσον
 μετὰ πάντων τῶν ἀγίων σου, στήσον αὐτὸν ἐκ δεξιῶν σου ἐν τῇ βασι-
 λείᾳ σου, ἀνάκλινον αὐτὸν εἰς τοὺς κόλπους τοῦ Ἀβραάμ, Ἰσαακ καὶ
 Ἰακώβ, φώμισον αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ξύλου τῆς ζωῆς, ὅπως καὶ αὐτὸς ἀκούσῃ
 τῆς εὐλογημένης φωνῆς σου, τῆς λεγούσης· Δεῦτε οἱ εὐλογημένοι τοῦ
 Πατρὸς μου, κληρονομήσατε τὴν ἡτοιμασμένην ὑμῖν βασιλείαν ἀπὸ κατα-
 βολῆς κόσμου, καὶ χάρισον αὐτῷ, ὃ ὀφθαλμὸς οὐκ εἶδε, καὶ οὗς οὐκ
 ἤκουσε, καὶ ἐπὶ καρδίαν ἀνθρώπου οὐκ ἀνέβη, ὃ ἡτοίμασας ὁ Θεὸς τοῖς
 ἀγαπῶσι σε, καὶ αὐτὸς μὲν ὡς ἄνθρωπος ἤμαρτεν, Σὺ δὲ ὡς Θεὸς συγ-
 χώρησον, ἐμοὶ δὲ τὸ εὖξασθαί σοι, Κύριε, σοὶ δὲ τὸ ἔλεος. Ὅτι σὺ εἶ ἡ
 ἀνάστασις. ἡ ζωή... Послѣ 8 пѣсни аїтшшс καὶ εὐχή· Ὁ μέγας ἀρχιε-
 ρεὺς καὶ δίκαιος, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ, τὸν μεθ' ἡμῶν σοι δουλεύσαντα
 ἀδελφὸν καὶ συλλειτουργὸν ἡμῶν, ὁ δεῖνα. См. выше стр. 533. Послѣ
 9 пѣсни ектепшя· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς προαναपाυσαμένης ψυχῆς
 τοῦ ἀειμνήστου... Ὑπὲρ τοῦ μετασχεῖν αὐτὸν τῆς μακαρίας ἐλλάμψεως
 τῆς ἁγίας ὁμοουσίας καὶ ζωαρχικῆς Τριάδος.. Ὑπὲρ τοῦ δεχθῆναι τὸ
 Πνεῦμα αὐτοῦ, ἐνθα οἱ δίκαιοι... Ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ
 ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον.. Τῆς παναγίας... Ὅτι σὲ αἰνοῦσι... Ἐξ-
 αποστείλαριον· Νῦν ἀνεπαυσάμην καὶ εὔρον ἄνεσιν πολλήν... β'. Θεοτοκίον·
 Νῦν ἐξελεξάμην τὴν θεομήτορα κόρην. . Εἴτα προσόμοια, ἥχος πλ. β'.

Στίχος· Ἄνθρωπος, ὥσεί χόρτος αἱ ἡμέραι... Ξένον τὸ μυστήριον τοῦ θανάτου· καὶ γὰρ ἐπεισέρχεται ἐν ἀωρίᾳ... Στίχος· Ὅτι πνεῦμα διήλθεν ἐν αὐτῷ .. Ἀπηγορευμένους τοῖς ἀδελφοῖς μου καὶ κεχωρισμένους τῶν προσφιλῶν μου... Στίχος· Ἐξελεύσεται τὸ πνεῦμα αὐτοῦ... Γένος καὶ τὰ τέκνα μου καταλείψας .. Ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ ἀπολοῦνται... Βεβορβορωμένους ταῖς ἁμαρτίαις καὶ γεγυμνωμένους... Δόξα, Θεοποιηθέντες τῇ μεταλήψει τῶν ζωοποιῶν σου νῦν μυστηρίων... Καὶ νῦν, Πεπολιτευμένους ἐν εὐσεβείᾳ καὶ κεκοσμημένους ὁ ἱερεὺς σου... Προκείμενον, ἤχος πλ. β΄. Μακαρία ἡ ὁδός... Στίχος· Κατευθυνεῖ Κύριος τὰ διαβήματά σου. Πρὸς Κορινθίους· Ἀδελφοί, εἰ Χριστὸς κηρύσσεται, ὅτι ἐκ νεκρῶν ἐγήγερται .. Ἀλληλούϊα, Μακάριος, ὃν ἐξελέξω... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Ἦν πεν ὁ Κύριος πρὸς τοὺς ἐλληλυθότας πρὸς αὐτὸν Ἰουδαίους· ἐάν τις τὸν λόγον ἐμοῦ τηρήσῃ, θάνατον οὐ μὴ θεωρήσῃ... Αἵτησις, εἴτις γίνεται ἀσπασμός, ψάλλοντες τὰ παρόντα, ἤχος β΄. Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί, τῷ θανόντι... Στίχος· Κύριε, ἀνάπαυσον τὸν δοῦλον. Δεῦτε τελευταῖον ἀσπασμὸν δῶμεν, ἀδελφοί καὶ πατέρες, τῷ πρὸ μικροῦ μεθ' ἡμῶν... Δεῦτε, ἀδελφοί συλλειτουργοί, γινώμεν τὸ ἐξαίσιον τέλος... Δεῦτε, ἀδελφοί μου καὶ γνωστοί, ἴδωμεν τὸ πέρας τοῦ βίου... Οἷμοι ἡ ὥρα φοβερὰ, οἷμοι χωρισμός τῆς μονῆς μου καὶ ἀδελφότητος... Θρήνος καὶ κλαυθμὸς καὶ ὀδυρμὸς νῦν ἐν τῇ παρούσῃ ἡμέρᾳ τῆς ἐκδημίας τῆς σῆς.. Μόνος κραταιὸς καὶ δυνάτης, μόνος φοβερὸς ἐν ἰσχύϊ ὑπάρχων, Κύριε... Τοῦτο τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστὶ τὸ ἀπαρχώρητον τέλος καὶ ἐπιτίμιον... Ποῖος χωρισμός, ὦ ἀδελφοί, ποῖος κοπετός... Νεῦσον παρακλήσεις, Χριστέ, ταῖς τῆς παναχράντου Μητρός σου.. Δόξα, Ὁρῶντές με ἄφωνον καὶ ἄπνουν... Καὶ νῦν, Πρεσβεΐαις τῆς τεκούσης σε, Χριστέ... Εἴτα ἄραντες τὸ λείψανον, οἱ ἱερεῖς ψάλλονται τὸ Ἅγιος ὁ Θεός, καὶ τίθουσιν αὐτὸ ἐν τῷ τάφῳ, λέγοντες τὰ παρόντα· Αὕτη ἡ κατάπαυσις μου... ἤχος πλ. β΄. Γῆ χανοῦσα... Καθὼς εἶπας, Κύριε, τῇ Μάρθᾳ... Ἐξέλιπον ἀπὸ συγγενῶν μου... Δόξα καὶ νῦν, Ἐγὼ, Παρθένε ἀγία Θεοτόκε, τῇ σκέπῃ σου προστρέχω... Καὶ πρὶν νὰ καλύψουσι τὸν τάφον, λέγοντες Τρισάγιον, Ὅτι σοῦ ἐστὶν, τροπάριον τῆς προφητείας, ἤχος β΄. Ὁ συνέχων τὰ πέρατα... Δόξα, Μνήσθητι, Κύριε, ὡς ἀγαθός, τῆς ψυχῆς τοῦ δούλου σου., καὶ θεοτοκίον· Μήτηρ ἀγία, ἡ τοῦ ἀφράστου φωτός.. Προκείμενον τῆς προφητείας, ἤχος δ΄. Προφητείας Ἰεζεκιήλ· Ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεῖρ Κυρίου καὶ ἐξήγαγέ με ἐν Πνεύματι Κυρίου καὶ ἔτεκέ με ἐν μέσῳ πεδίου... Προκείμενον τοῦ ἀποστόλου, ἤχος πλ. β΄. Κύριος φυλάξει τὴν εἰσοδὸν σου.. Στίχος· Φυλάξοι τὴν ψυχὴν σου ὁ Κύριος. Πρὸς Ῥωμαίους· Ἀδελφοί,

ὅσοι εἰς Χριστὸν ἐβαπτίσθημεν, εἰς τὸν θάνατον αὐτοῦ ἐβαπτίσθημεν... Ἄλ-
 ληλοῦῖα. Στίχος· Ἀναστήσονται οἱ νεκροί... Εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην·
 Εἶπεν ὁ Κύριος· νῦν ἐδοξάσθη ὁ Υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου... Τέλος· ἵνα ἡ
 ἀγάπη, ἣν ἠγάπησάς με, ἐν αὐτοῖς τε καὶ ἐν ἐμοὶ. Ἄλλοι εἰδῶσι
 λέγειν τὸ εὐαγγέλιον τοῦ ἀγίου Λαζάρου, ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην· Τῷ
 καιρῷ ἐκείνῳ, ἦν τις ἀσθενὼν Λάζαρος ἀπὸ τῆς Βηθανίας, σὺ δέ, οἶον
 βούλει, λέγε ἐκ τῶν δύο. Μετὰ δὲ τὸ εὐαγγέλιον αἰτήσεις μικρὰ καὶ ἡ
 εὐχή· Δέσποτα πολυέλεε, Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μακρό-
 θυμος καὶ εὐσπλαγχνος καὶ ὑπεράγαθος, ὁ οἰκῇσιν ἔχων τὸν οὐρανὸν
 καὶ πάντα διέπων τὰ ἐπὶ τῆς γῆς, ὁ μὴ θέλων τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρ-
 τωλοῦ, ὥς τὸ ἐπιστρέψαι καὶ ζῆν αὐτόν, παρακληθήτη ἐπὶ τὰς ἐντεῦθες
 τῶν δούλων καὶ ἱκεσίας ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν· Σὺ γὰρ ἐπίστασαι τὴν
 ἐργασίαν τοῦ τελευτήσαντος ἀδελφοῦ ἡμῶν, ὁ δεῖνα, ἱερέως καὶ συλλει-
 τουργοῦ ἡμῶν, ἦν ἐν τῷ αἰῶνι τούτῳ εἰργάσχετο, ἀμείψαι οὖν αὐτὸν δεό-
 μεθα οὐ κατὰ τὰς ἐπιτελείας αὐτοῦ καὶ προσκαίρους πράξεις, ἀλλὰ κατὰ
 τὴν σὴν ἀμνησίκκον ἀγαθότητα, δώρησαι αὐτῷ ἄνεσιν, καὶ παράσχου
 συγγνώμην εἰς ὅσα σε, ὡς ἄνθρωπος, πρῶργισεν, ἀπόλυσον αὐτόν τῆς
 μάστιγος τῶν πονηρῶν πνευμάτων, ἀνάγαγε ἐκ τοῦ σκότους καὶ ἔκβαλε
 ἐκ τῆς φυλακῆς καὶ πάσης παιδεύσεως αὐτῶν. Σὺ γὰρ ἐπηγγείλω, Δέσ-
 ποτα, ὅτι ὅσα ἂν αἰτήσητε τὸν Πατέρα ἐν τῷ ὀνόματί μου, δώσει ἡμῖν,
 διό αἰτούμεθα, ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δούλοι σου, ὑπὲρ τῆς ψυχῆς αὐτοῦ,
 καὶ ἀνάπαυσον αὐτόν, ἔνθα οἱ δίκαιοι ἀναπαύονται, καὶ πᾶν ἁμάρτημα
 αὐτοῦ ἐκούσιν καὶ ἀκούσιν συγχωρήσας ἐξάλειψον, ὅτι οὐδεὶς ὥφθη ἐπὶ
 γῆς ἀναμάρτητος, εἰ μὴ Σὺ, ὁ καθαρὸς καὶ ἀμίαντος Θεός, ὁ εὐδοκήσας
 γενέσθαι ἄνθρωπος διὰ τὴν σωτηρίαν ἡμῶν καὶ ἀνεκαίνισας ἡμᾶς ἐξ
 ὕδατος καὶ πνεύματος, καὶ ἐκόσμησας ἡμᾶς διὰ τῆς μεγάλης ταύτης χά-
 ριτος τῆς ἱερωσύνης, ὁ καὶ πρεσβεῦειν ἔταξας ἡμᾶς ὑπὲρ τῶν τεθνεώτων,
 διό δεόμεθά σου, Κύριε, κατὰταξον αὐτόν μετὰ πάντων τῶν ἁγίων, τῶν
 ἀπ' αἰῶνος εὐαρεστησάντων σοι. Καὶ ὥσπερ ἐπὶ τῆς γῆς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ
 σου λειτουργῶν αὐτὸν κατέστησας, οὕτως καὶ ἐν τῷ οὐρανῷ σου θυσιαστηρίῳ
 μετὰ τῶν ἁγίων ἀγγέλων σου λειτουργεῖν καταξίωσον, ἐπὶ ἀνθρώπων πνευματικῇ
 ἀξιώσει, ἐπὶ ἀγγέλων τῇ σῇ δόξῃ εὐπρέπεσον καὶ ἀκατάκριτον τήρησον αὐτόν,
 τὴν ζωὴν ἐπὶ τῆς γῆς ἐδόξασας, αὐτὸς καὶ τὴν ἑξοδὸν αὐτοῦ ἐν τῇ εἰσόδῳ τῶν
 ἁγίων σου ποιήσον, καὶ εἴτι ἡμαρτεν ἐν λόγῳ, ἢ ἔργῳ, κατὰ νοῦν καὶ
 διάνοιαν, ἐν νυκτὶ καὶ ἡμέρᾳ, συγχωρήσας ἐξάλειψον, καὶ τῶν πενθούντων
 ἀντιλήπτωρ καὶ παραμυθία γενοῦ, Κύριε, καὶ παρηγόρησον αὐτούς, καὶ
 καταξίωσον τὴν ἀγλὴν τῆς ἀθυμίας αὐτῶν τῷ νοερῷ σου φωτί, καὶ ὅν
 ἡμεῖς ἐν τῷ μνήματι τούτῳ ὡς νεκρὸν τεθεῖκαμεν, Σὺ, Κύριε, ἐν τῇ

κοινῇ ἀναστᾶσει ἀνάστησον καὶ στῆσον τῆς δεξιᾶς μερίδος τῷ εὐαρεστῇ-
 σάντων σοι, καὶ ἡμᾶς, τοὺς συνελθόντας εἰς τὴν ἔξοδον ταύτην τοῦ
 δούλου καὶ ἀδελφοῦ ἡμῶν, ἐλέησον καὶ γενοῦ ἴλεος ταῖς ἀνομίαις ἡμῶν
 καὶ ἄμειψαι ἡμᾶς ἐν τῷ βραχύπνῳ (?) τούτῳ μετ' αὐτοὺς ἐν τῇ ἀνε-
 σπέρῳ δόξῃ τῆς βασιλείας σου πρεσβεύαις καὶ ἱκεσίαις τῆς πανυπερευλο-
 γημένης ἐνδόξου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας,
 δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ, προστασίαις τῶν τιμίων ἐπου-
 ρανίων νοερῶν ἀγγέλων θείων δυνάμεων ἁσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου
 προφήτου προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ
 πανευφύμων ἀποστόλων, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ καλλινίκων μαρτύρων,
 τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν, τῶν ἁγίων καὶ δικαίων θεοπα-
 τῶρων Ἰωακείμ καὶ Ἀννης καὶ πάντων τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἰ ἡ ἀνά-
 στασις... Καὶ μετὰ τὴν εὐχὴν λαβὼν ὁ ἱερεὺς χοῦν μετὰ πύου, καὶ
 θέσας αὐτὸ ἐπάνω τοῦ λειψάνου, λέγει· Τοῦ Κυρίου ἡ γῆ, καὶ ἐπι-
 χέων κανδύλα ἐπάνω αὐτοῦ, λέγων τροπάριον, ἦχος γ'. Τῷ τύπῳ τοῦ
 σταυροῦ σου, φιλάνθρωπε... Εἴτα καλύπτουσι τὸν τάφον, λέγοντες τοὺς
 εἰρμούς τοῦ μεγάλου κανόνος· Βοηθὸς καὶ σκεπαστής, καὶ τοὺς στίχους.
 Καὶ ὁ ἱερεὺς, ποιήσας πάλιν μετὰ πύου, καὶ θέσας ἐπάνω τῆς πλακῆς
 ἡ ἐπάνω τοῦ λειψάνου, ποιεῖ σταυροῦ τύπον, λέγει· Τὸν πηλὸν ὁ κερα-
 μεύς., καὶ εὐθὺς Τρισάγιον καὶ τὰ τροπάρια· Μετὰ πνευμάτων δικαίων
 κ. τ. λ., ектения съ молитвою: „Боже духовъ“, ἀπόλυσις. Αἰωνία σου
 ἡ μνήμη, ἁξιωμακάριστε δοῦλε τοῦ Θεοῦ, ὁ δεῖνα, ἱερεῦ καὶ ἀείμνηστε
 ἀδελφεῖ ἡμῶν. Αὐτὸν μακαρίσαι Κύριος ὁ Θεὸς καὶ ἡμᾶς ἐλεήσει καὶ
 σώσει, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος. Καὶ ποιοῦσιν οἱ ἱερεῖς καὶ ἅπας
 ὁ λαὸς ἐπάνω τοῦ τάφου μετανοίας ρ', λέγοντες· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ,
 διὰ τῆς Θεοτόκου ἀνάπαυσον τὸν δοῦλόν σου.

Ἀκολουθία εἰς μνημόσυνον ἱερέων.

Обычное начало, канонъ съ акростихомъ: Ὕμνον Ἰλαρίωνος,
 Χριστέ μου, δέχου. Ἀμήν, апостолъ и евангеліе по выбору, изъ имѣ-
 ющихся въ чинѣ погребенія, ектения и молитва: Δέσποτα Κύριε ὁ
 Θεὸς ἡμῶν, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον, ὁ ἀποκτείνων
 καὶ ζωοποιῶν, ὁ κατάγων εἰς ἅδου πύλας καὶ ἀνάγων... Gloria,
 pag. 452. Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός... и отпустъ.

CLX. Рукопись патриаршей скевофилакii въ Каирѣ въ 16
 долю листа, 30 листовъ, писана мелкою скорописью 1790 года.
 Надписывается: Φυλλάδα, ἐν ᾗ περιέχεται ἡ ἀκολουθία τῆς ἀναβάσεως
 τοῦ Νείλου.

л. 1 об. Τῇ ἁγίᾳ καὶ μεγάλῃ κυριακῇ τοῦ Πάσχα εἰς τὸν ἑσπερινόν. Вечернее евангеліе, раздѣленное на стихи для чтенія.

л.л. 2 об.—3. Разныя замѣчанія.

л. 4. Ὑετρα προσόμοια εἰς ἤχον πλ. δ΄. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων βοᾷ, λέγουσα· Δεῦτε ἴδετε πάντες πρᾶγμα θαυμάτων, θαῦμα πραγμάτων, τῆς τοῦ Νείλου ποταμοῦ πλημμύρας καὶ ἀναβάσεως, κρᾶζοντες· μέγας εἰ, Κύριε, καὶ θαυμαστός ἐν τοῖς ἔργοις σου, ὁδῶς σοι.—Σήμερον ἄβυσσος ἄβυσσον ἐπικαλεῖται εἰς βροχὴν ἐκούσιον καὶ ῥννίδα ἐλέους τοῦ θεικοῦ ἐπὶ τὸν ἐν Αἰγύπτῳ ποταμὸν κατελθεῖν, κητὰ τὴν τοῦ χρόνου περίοδον, ὅθεν κρᾶζομεν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, πλούσια τὰ ἐλέη σου καὶ τοὺς οἰκτιρμούς σου κατὰπεμψον ἡμῖν, ὡς φιλάνθρωπος.—Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λόγῳ σου τῷ παντουργῷ στερεώσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν ἐπὶ ὑδάτων ἐδράσας, καὶ τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ συνέχων καὶ τρέφων πᾶσιν τὴν κτίσιν, καὶ τῇ θεῖᾳ σου προνοίᾳ ποταμούς ἐκ τῶν ἄβυσσων τῆς γῆς ἀναβλύζειν ὁρίσας, Αὐτός, Κύριε, καὶ τὰς τοῦ ἐν Αἰγύπτῳ ποταμοῦ πλημμύρας ἀναβάσεις πρυτάνευσον, ὡς μόνος παντοδύναμος.

л. 5. Ἀκολουθία ἐπὶ τῇ τοῦ Νείλου ἀναβάσεως· τελεῖται δὲ τῇ κυριακῇ τῶν τιῇ θεοφόρων πατέρων. Обѣ зтомѣ чинѣ, не смотря на то, что онѣ во всемъ сходенѣ съ нижеслѣдующемъ, замѣчено: Ἡ παροῦσα ἀκολουθία ἐν πολλοῖς σφάλλεται.

л. 13 об. Ἡ πρώτη στάσις οἰκων ἀναγινώσκεται τῇ ἱκετηρίῳ ἀκολουθίᾳ τῆς ἀκαθίστου καὶ ἐν τῇ ἑσπέρᾳ τῆς παρασκευῆς τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς πρὸς τοῦ πατριάρχου. Послѣ ея окончанія, замѣчено: καὶ προσκυνήσας ἀσπάζεται τὴν εἰκόνα, εὐλογῶν τὸν λαόν.

л. 14 об. Ἀκολουθία τοῦ θείου καὶ ἱεροῦ νιπτήρος. G. 591—594.

л. 18. Ἀκολουθία ἐπὶ τῆς τοῦ Νείλου ἀναβάσεως· τελεῖται δὲ τῇ κυριακῇ τῶν τιῇ θεοφόρων πατέρων.

Τροπάρια, ἤχος πλ. δ΄. Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων βοᾷ, λέγουσα· θαῦμα παράδοξον τετέλεσται σήμερον ἐν τῇ Αἰγύπτῳ, πνεῦμα σοφίας, πνεῦμα συνέσεως, πνεῦμα φόβου Θεοῦ, τοῦ ἐπιφανέντος Χριστοῦ.—Ὅμοιον· Σήμερον τὰς εὐλαγίας σου αἰτοῦμεν κατιδεῖν, φιλάνθρωπε, ἐπὶ τοῖς Νειλώσις ὕδασι, καὶ προσπίπτοντες ἐν κατανύξει, βοῶμέν σοι· ὑδάτων πληρῶσον τὸν ποταμὸν σου, Δέσποτα, καὶ ἐλέησον ἡμᾶς.—Ὅμοιον· Τὴν πέτραν δις ποτε πατάξας Μωϋσῆς, ὑδάτων ποταμούς ἐξήγαγεν, οἱ δὲ διψῶντες παρ' ἐλπίδα ἔπιον, Σὲ δέ, Σωτήρ, τὸν ζῶντα λίθον, τῇ χάριτι τῆς σταυρικῆς ῥάβδου κρούοντες, τῆς σῆς ὠρεᾶς τὰ ῥεῖθρα ἐλπίζομεν ἰδεῖν ἐπὶ τὸν ποταμὸν σου τὸν ἅγιον, καὶ κατὰπεμψον αὐτὰ καὶ σῶσον ἡμᾶς.—Ὅμοιον· Ἰουδαίων τῷ ἔθνει τὰ πικρὰ ὕδατα εἰς γλυκύτητα μετχθαλόν, ἔδειξας

τὸ ἀνείκαστόν σου ἔλεος, τὰς δὲ ξηρὰς τῆς γῆς αὐλακας ταῖς νεφέλαις σου ἐμέθυσας ἐν ἱκεσίαις τῶν δούλων σου, ἀλλὰ καὶ νῦν τὰς ἡμῶν ἱκεσίας προσδεχόμενος, εὐφρανὼν ἡμᾶς ἐν τῇ πλημμύρᾳ τοῦ Νείλου, καὶ μέθυσον ἅπαν τὸ τῆς Αἰγύπτου πρόσωπον, ἵνα Σὺ δοξάζωμεν εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας.— Δόξα καὶ νῦν, ὅμοιον· Δεῦτε πάντα τὰ ἔθνη καὶ ἐνωτίσασθε πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν· θαῦμα, πᾶσαν ἔννοιαν ἐκπλήττον, ὁμβροὺς ἄνωθιεν τὰ ποικίλα τῶν δένδρων ἐκ προνοίας καταδέχεται, τὰ δὲ παντοδαπὰ τῶν φυτῶν κάλλη, ὕετοῖς καταποτίζεται, ἐξ ὧν λίμναι πλουτοῦνται, φρέατα ἐκβλύζουσι, πηγαὶ νάουσι, καὶ ποταμοὶ πρόσφατοι μετ' ἀενάων καλλιῆροῦσι, κάτωθεν δὲ πλήθος ὑδάτων εὐρρόων, οὐδέτις τῶν μυστικῶν προέφη, ὅτε ἐκ Θεοῦ ἡ φύσις ἐτίκτετο, ἀλλ' ἐθαυματούργησε τοῦτο ὁ τῆς κτίσεως ἀρχιτέκτων ἐπὶ τὸν ποταμὸν τῆς Αἰγύπτου, ἐξ ἐλέους οὕτως αἰτιώμενος· ἡλεώσωμεν τοίνυν τὸν ἡμᾶς ἐλεοῦντα ἐν ταῖς ἀγαθαῖς καὶ ἱεραῖς πράξεσιν, ἵνα καὶ νῦν ἐλεησῇται ἡμᾶς τῇ αὐτῇ πλημμύρᾳ, τῷ ᾗ θει τῆς αὐτοῦ ἀγαθότητος, ὑμνοῦντας αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας. Εἶτα ὁ διάκονος τὸ Σοφία, πρόσχωμεν. Γενέσεως τὸ ἀνάγνωσμα· Αὕτη ἡ βίβλος γενέσεως οὐρανοῦ τε καὶ γῆς... Τέλος· ἐργάζεσθαι αὐτὸν καὶ φυλάσσειν. Βασιλειῶν τετάρτης τὸ ἀνάγνωσμα· Εἶπον οἱ ἄνδρες τῆς πόλεως Ἱεριχώ πρὸς Ἑλισσαιέ. Τέλος· καὶ ἰάθη τὰ ὕδατα ἕως τῆς ἡμέρας ταύτης κατὰ τὸ ῥῆμα, ὃ ἐλάλησεν Ἑλισσαιέ. Προφητείας Ἡσαΐου τὸ ἀνάγνωσμα· Τὰδε λέγει Κύριος· ἀντλήσατε ὕδωρ μετ' εὐφροσύνης ἐκ τῶν πηγῶν τοῦ σωτηρίου.. Τέλος· Ὅτι ὑψώθη ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραὴλ ἐν μέσῳ αὐτῆς. Εἶτα ἀπόστολος¹⁾, προκείμενον, ἥχος πλ. β'. Πλησθισώμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ οἴκου σου, ἅγιος ὁ νᾶός σου, θαυμαστός ἐν δικαιοσύνῃ. Πρὸς Κορινθίους ἐπιστολῆς Παύλου τὸ ἀνάγνωσμα. См. выше стр. 687. Ἀλληλουάριον²⁾, Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων βοᾷ, λέγουσα... (Στίχος)· Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαιουτοῦ... Εἶτα ὁ διάκονος τὸ Σοφία, ὁρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου. Καὶ ὁ πατριάρχης· Εἰρήνη πᾶσιν. Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον ἁγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. См. выше стр. 687. Καὶ εὐθὺς ὁ διάκονος τὰ εἰρηνικά³⁾· Ἐν εἰρήνῃ.. Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου.. Ὑπὲρ τοῦ πατρὸς ἡμῶν πάπα καὶ πατριάρχου Παρθενίου⁴⁾ (1788—1805)... Ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης... Ὑπὲρ εὐκρασίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων, ὁδοιπορούντων... Ὑπὲρ τοῦ ἀγισθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ δυνάμει.. ἐκ γ'⁵⁾. Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Τῆς πα-

1) Варианты беремъ изъ рукописи № 13 патриаршей библиотеки въ Каирѣ: Καὶ εὐθὺς τὸ προκείμενον τοῦ ἀποστόλου. 2) Ἀλληλουάριον оупищенъ.

3) Ὁ διάκονος Ἐν εἰρήνῃ. 4) Нѣтъ имени. 5) Нѣтъ-ἐκ γ'.

ναγίας ἀρχάντου... Ὁ πατριάρχης¹⁾. Ὅτι πρέπει. Ἔϊτα²⁾ ἄρχεται ὁ πατριάρχης καὶ ψάλλει μετὰ κατανύξεως τὸ παρὸν³⁾ τροπάριον εἰς ἤχον πλ. β'. Εὐσπλαγγνε, μακρόθυμε καὶ πανοικτίρμων Κύριε, κατάπεμψον τὸ ἑλεός σου ἐπὶ τὸν λαόν σου. Ἐκ τρίτου⁴⁾ τὸ τροπάριον μετὰ τῶν στίχων. Στίχος⁵⁾. Ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ ἐπληρώθη ὕδατων. Στίχος⁶⁾. Ὅτι οὕτως ἡ ἐτοιμασία τὰς αὐλακὰς αὐτῆς μέθυσον. Καὶ πάλιν ὁ πατριάρχης ἄρχεται τοῦ δευτέρου⁷⁾ τροπαρίου, ἡχος ὁ αὐτός. Ὡς οἰκτίρμων Κύριε, ἐσπλαγγνίσθητι ἐπὶ τὸν λαόν σου, καὶ ἀνάγαγε τοῦ Νείλου τὰ ὕδατα, καὶ ἐλέησον ἡμᾶς, ὡς φιλόανθρωπος. Τὸ αὐτὸ ἐκ γ' μετὰ τῶν στίχων⁸⁾. Στίχος⁹⁾. Πληθύνον τὰ γεννήματα αὐτῆς ἐν ταῖς ἀμπέλαις. Στίχος¹⁰⁾. Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς. Καὶ πάλιν¹¹⁾ ὁ πατριάρχης· Δόξα, ὁ αὐτός· Τριάς ἡμοῦσαι, Πάτερ, Υἱὲ σὺν τῷ Πνεύματι, δέξαι μου τὴν δέησιν, καὶ εὐλόγησον τοῦ ποταμοῦ σου τὰνάματα, ἵνα πάντες εὐφρανθῶμεν καὶ δοξάσωμεν τὸ ἅγιόν σου ὄνομα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ὁ δὲ χορὸς τὸ Καὶ νῦν, Παναγία Δέσποινα, ἱκέτευσον τὸν Υἱόν σου καὶ πλάστην σου τοῦ ἐλεῆσαι τοὺς δούλους σου καὶ ἀναγαγεῖν τοῦ Νείλου τὰ ρεῖθρα εἰς ἀγαλλίαμα πάντων τῶν ἐθνῶν, τῶν τιμώντων τὸ ἅγιόν σου ὄνομα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἐῖτα ἄρχεται ὁ διάκονος ἐν κατανύξει¹²⁾. Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός. κατὰ τὸ μέγα ἑλεός σου... Ὁ μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον τοῦ ἁμαρτωλοῦ, ἀλλὰ ἀναμένων αὐτοῦ ἐπιστροφὴν καὶ τὴν μετάνοιαν, ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σου. Ὁ ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς, ἀνάγαγε τὰ ποτάμια ρεῖθρα τοῦ Νείλου καὶ ἐλέησον ἡμᾶς δεομένους σου. Ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης καὶ ἐκχέων αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς, κατάπεμψον τὴν εὐλογίαν σου ἐφ' ἡμᾶς δεομένους σου. Αὐτός Θεὲς πλουσιόδωρε, Δέσποτα πανοικτίρμων, ἐπίσκεψαι τὴν γῆν τῆς Αἰγύπτου... Ὑψρανὸν καὶ ἀνακαίνισον τὴν ἐπιφάνειαν τῆς γῆς τῆς Αἰγύπτου τῇ πλημμύρᾳ τῶν ὑδάτων τοῦ Νείλου καὶ ἐλέησον ἡμᾶς δεομένους σου. Τὰς αὐλακὰς αὐτῆς μέθυσον... Δέσποτα πολυέλεε, ἐπάκουσον ἡμῶν δεομένων σου. Εὐλόγησον τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ.. πληθύνάτωσαν τῶν παντοδαπῶν γεννημάτων τῆς σῆς ἀγαθότητος, καὶ ἐλέησον ἡμᾶς δεομένους σου¹³⁾. См. выше стр. 687—688. Καταδρόσισον καὶ κατάρδυσον τοῖς αὐτοῖς τοῦ Νείλου ὕδασι, καὶ τοὺς

1) Онущено: ὁ πατριάρχης. 2) Μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ἄρχεται. 3) τὸ κατὰ. 4) Нѣтъ: ἐκ γ' τὸ τροπάριον μετὰ τῶν στίχων. 5) Ὁ χορὸς. 6) ὁ δευτέρος χορὸς. 7) Словъ: τοῦ δευτέρου τροπαρίου, ἡχος ὁ αὐτός—Нѣтъ. 8) Нѣтъ этого замѣчания. 9) Ὁ χορὸς. 10) Ὁ δευτέρος (χορὸς). 11) Καὶ πάλιν—Нѣтъ. 12) Нѣтъ: ἐν κατανύξει. 13) ὡς φιλόανθρωπος: вѣсто: δεομένους σου.

πέριξ χρίζοντας, καὶ δεομένους τόπους, φιλάνθρωπε, ἡμῶν δεομένων σου. Ὁ οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων, οἰκτείρησον καὶ ἐλέησον ἡμᾶς τοὺς ἁμαρτωλοὺς δούλους σου δεομένους. Εἴτα ¹⁾ ὁ πατριάρχης· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλάνθρωπος Θεός... Εἴτα λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ δὲ πατριάρχης ἀναγινώσκει ²⁾ τὴν εὐχὴν ³⁾ ταύτην μεγαλοφώνως· Δέσποτα παντοκράτωρ ⁴⁾ καὶ Θεὸς τοῦ παντός, ἡ ὑπεραγία Τριάς, ὁ Πατὴρ, ὁ Υἱὸς καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα, ὁ εἷς καὶ μόνος Θεός, ὁ ὑπεράρχιος καὶ ὑπέρχρονος, ὁ ἄριστος καὶ ἀόρατος ἡγεμὼν, τὸ ἄμετρον καὶ ἀπειροδύναμον κράτος, ἡ ὑπερκατάληπτος σοφία, ὁ ὑπερουράνιος νοῦς, ὁ παντευμήχανος καὶ παντεπίσκοπος, τὸ τρισσοφάει κάλλος, τὸ ἀπρόσιτον καὶ ἀνέκφραστον, τὸ φῶς τὸ αἰεὶ διαλάμπον καὶ ἀμετάβλητον, ἡ ἀρχέτυπος τῶν ὅλων σφραγίς, ἡ αὐτοαγαθότης καὶ αὐτοουσία, καὶ αὐτοζωή, καὶ αὐτοδύναμις, αὐτοαδιάσειστον εἶναι τῶν ὄντων, καὶ τῶν λογικῶς ὑπαρχόντων ὁ λόγος, καὶ τῶν νοερῶς κινουμένων ἡ κίνησις, ἡ πανεύφορος αἰτία τῶν ἐγκοσμίων, καὶ ὁ ὑπέρτερος λαμπτήρ τῶν ἀγγελικῶν οὐσιῶν, ἡ ὑπέρσφορος καὶ δυνατωτάτη ψυχὴ, ἡ ἀήττητος δύναμις, ἡ ποδηγούσα καὶ προηγούμενη. Σὺ, ἡ νοητὴ μοῖρα, ἡ διαμερίζουσα καὶ εἰδοποιούσα τὴν κτίσιν, ἡ σχηματίζουσα τὴν αὐτῆς σύστασιν, ἡ διαγλύφουσα τὰ φυτὰ καὶ διαπλάττουσα τὰ ζῶα, Σὺ, ὁ τὴν τοῦ οὐρανοῦ κύκλῳ περιφέρων κίνησιν, ὁ πρόνοιαν ἀκατάπαυστον ἔχων τοῖς ἐν οὐρανῷ καὶ τοῖς ἐπὶ γῆς, ὁ τοῖς φυσικαῖς τὴν αὔξησιν ἐμφυτεύων καὶ τὴν εἰς ἄλληλα (sic) διαδοχὴν διαδέχεσθαι καὶ καρποφορεῖν ἐπιτηδεύων, Σὺ, Πάτερ ἡμῶν ἀγαθὲ καὶ βασιλεῦ πρᾶοτάτε, ἐπάκουσον ἡμῶν τῶν ἀναξίων καὶ ἁμαρτωλῶν σου δούλων ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ. διπλὰς τὰς δεήσεις ποιοῦμεν, καὶ διπλὰς τὰς ἀπολαύσεις τῶν αἰτήσεων παρὰ τῆς σῆς ἀμετρήτου ἀγαθότητος λήψεσθαι ἐκδεχόμεθα. Δεόμεθα ἵλεον γενέσθαι σε ἡμῖν τοῖς ἀμέτρως σοι πταισχησιν, ἀλλὰ καὶ ἐν ἀληθείᾳ ἐπιγνώσει ἐπιστρέφουσι, καὶ δοῦναι ἄφεσιν τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν, καὶ τοὺς οἰκτιρμούς σου ἀποδοῦναι ἐν τοῖς καρπογόνοις νόμασι τῶν πολυρρήτων τοῦ Νείλου ὑδάτων. Καὶ τοὺς γεωργούς οἴδαμεν, ὧς ἄριστε τοῦ παντός κυβερνήτα, ἀροτριᾶν τὸ τῆς γῆς πρόσωπον καὶ ἀποσπᾶν ῥιζόθεν τὰς ἀκάνθας, καὶ ὀμαλίζειν ἐπιμελῶς, τὰ σπέρματα ἐν καιρῷ καταφέροντας καὶ ἐν καιρῷ τὰς ἐκείνων γονὰς ἀναδέχεσθαι. Σὺ δὲ ὁ οὐράνιος καὶ ἐπίγειος γεωργός, ὁ τὰς αὐλακὰς τῶν

1) Καί. 2) Нѣтъ словъ: ἀναγινώσκει ἡ μεγαλοφώνως. 3) τὴν παρούσαν εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεός, ὁ μέγας τῇ δυνάμει καὶ θαυμαστός τοῖς ἀποτελέσμασι. См ниже (стр. 988; Εὐχὴ ἑτέρα. 4) Молитва эта оупущена, и чтение ея предоставлено усмотрѣнію настоятеля.

ἡμετέρων κητασκευάσας ψυχῶν, ἀροτρίασον αὐτάς τῇ σῇ συνέσει καὶ
 ἀπόσπασον τοῖς οἰκτιρμοῖς σου τὰς ἀκανθώδεις ἡμῶν ἀνομίας. Ταῦτά
 ποτε καὶ Δαβὶδ ὁ πατρόθεος πρὸς σέ ἱκετεύσαστο, ὅτε τοὺς δάκρυσι
 τὴν κλίνην κατέβρεχε καὶ κέγραγε καθαρθῆναι αὐτοῦ τὰ ἀνομή-
 ματα τοῖς ἀμέτροις σου οἰκτιρμοῖς, ἵνα εὖ γένηται σώματι καὶ ψυχῇ
 καρπογονῆσαι τὸ μυστήριόν σου φυτεύμασιν, οἷς μόνος Σὺ οἶδας, καὶ τρο-
 ποῖς, οἷς ἐπίστανται, συγχώρησον οὖν καὶ ἡμῖν τοῖς ἁμαρτωλοῖς καὶ ἀνα-
 ξίοις δούλοις σου, ἵνα εὖ γένηται τοῖς σώμασι, καὶ καθαρισθῶσιν αἱ ψυχαί,
 καὶ προσδεχθῶσιν αἱ δεήσεις ἡμῶν, καὶ ἔλθῃ τὸ ἔλεός σου ἐν ταῖς τοῦ
 ποταμοῦ σου Νείλου ἀναβάσεσι, φεῖσαι, φιλάνθρωπε, ἡμετέρων πταισμά-
 των, τὰς σὰς δὲ δωρεάς παράσχου ἡμῖν ἐν τῷ πλήθει τῶν τοῦ ποταμοῦ
 ρεϊθρων, ἀνάγαγε τοῦ ποταμοῦ Νείλου τὰ ὕδατα ἐπὶ τῆς γῆς τῆς Αἰ-
 γύπτου. Δοκεῖ, Κύριε τῶν ἀπάντων, ἐκπειράζειν σου τὸ γλυκὺ ἦθος καὶ
 ἐνοχλεῖν ταῖς παρακλήσεσι σου τὸ πρᾶον καὶ ἡμερον, ἀλλὰ κρεῖσσον
 κρύειν, καὶ θάρρος λαβεῖν, αἰτεῖν τε καὶ θαρρῆν δοθῆναι, ἣ ὑποπείσῃν
 τῇ ὀργῇ σου* καὶ παιδευθῆναι τῷ θυμῷ σου· σιδηρὰ ἐστὶν ἡ ῥάβδος τοῦ
 θυμοῦ σου, Δέσποτα, καὶ τίς ζήσεται ἐν ταῖς μάστιξι; αἱ μάστιγές σου,
 δικαιοσύνη κριτὰ, ἐσημειώθησαν ἐν τοῖς στόμασι τῶν ἁγίων σου προφη-
 τῶν, καὶ ἔμφοβοι γεγονάμεν, ἀναλῶσιν κατεψηφίσω τοὺς τριγυτοὺς καὶ
 πεπαῦσθαι τοὺς σπόρους· ἔθνη κατακεκαυμένα ὑπάρχειν τοὺς ἐγκατα-
 λιμπάνοντας τὰς ἐντολάς σου, καὶ ὡς ἀκάνθιας ἐν ἀγρῷ ἐρριμένους ἔφη,
 οὐρανόθρονε βασιλεῦ, ὅτι τρόμος λήψεται τοὺς ἀσεβεῖς καὶ ἡ ὀργή σου
 ἐπὶ τῶν ἀριθμῶν αὐτῶν τοῦ ἀπολέσαι αὐτοὺς καὶ παραδοῦναι εἰς σφαγὴν.
 Ἔτι τὴν γῆν τὴν ἔγκαρπον στραφῆναι εἰς πίσσαν καὶ εἰς θάζον, καὶ
 εἶναι καιομένην νυκτὸς καὶ ἡμέρας, καὶ ἐρημωθῆναι, καὶ κατοικεῖν ἐν αὐτῇ
 ὄρνεια καὶ θηρία παντοδαπά. Τούτων τῶν κακῶν, ᾧ παντοδύναμε βα-
 σιλεῦ, τί χεῖρον γένοιτο ἄν; διὰ τοῦτο μετὰ συντετριμμένης καρδίας γόνυ
 ψυχῆς ἡμῶν κάμπτοντες, δάκρυσι θερμοῖς τὰ πρόσωπα βρέχομεν δι'
 ἐξομολογήσεως δὲ καὶ κραυγῆς δημοσιεύομεν τὰς αἰθέσμους ἡμῶν πράξεις,
 καὶ βοῶντες λέγομεν· Σὺ, Κύριε, κριτὴς ἡμῶν, Σὺ ἄρχων ἡμῶν, Σὺ βα-
 σιλεὺς ἡμῶν, καὶ ἐπὶ Σοὶ ἠλπίσαμεν, ἐπὶ Σοὶ τὰς χεῖρας ἐκτείνομεν,
 εἰς Σὲ θαρρόντες προσπίπτομεν καὶ κράζομεν τὸ ἡμάρτομεν, ἠνομήσαμεν,
 ἡσεβήσαμεν, καὶ ὀπίσω τῆς δικαιοσύνης ἡμῶν τῆς πονηρᾶς ἐπορεύθημεν·
 ἱερεῖς καὶ ὁ λαός σου ἐξέστημεν ἐπὶ τῷ αὐτῷ, ἀπεκλείσαμεν τοὺς
 οἰκτιρμοὺς σου καὶ τὴν φιλάνθρωπίαν σου, καὶ σπλάγχνα ἐλέους Θεοῦ
 ἡμῶν διὰ τὴν κακίαν ἡμῶν καὶ τὴν πονηρίαν τῶν ἐπιτηδευμάτων, μεθ'
 ἧς ἀνεστράφημεν. Σὺ χρηστός, ἀλλὰ ἡμεῖς ἠνομήσαμεν. Σὺ μακρό-
 θυμος, ἀλλ' ἡμεῖς πληγῶν ἄξιοι. Σὺ φοβερός εἶ, καὶ τίς ἀντιστήσεται!

Σοι; τρόμος λήφεται ἀπὸ Σοῦ ὄρη, καὶ μεγέθει βραχίονός Σου τίς ἀντερίσει; Ἐὰν κλείσῃς τὸν οὐρανόν, τίς ἀνοίξει; καὶ ἐὰν κλείσῃς τοὺς κατάρρακτας σου, τίς συνάξει; Γινώσκωμέν Σου τὴν ἀγαθότητα, καίπερ ἀσυνετοῦντες. Μὴ ἀπορρίψῃς ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, μὴ νικησάτω ἡ ἀνομία ἡμῶν τὸ ἔλεός σου, ἀλλὰ τάχυνον τοῦ ἐλεῆσαι ἡμᾶς, καὶ μὴ μακρόνῃς ἅψ' ἡμῶν τοὺς οἰκτιρομούς σου· τάχυνον λέγομεν, ἵνα μὴ προφθάσῃ ὁ θυσιώδης καπνὸς τῶν ἁμαρτημάτων ἡμῶν εἰς τὴν ἀμόλυντόν σου ὁσμήν, καὶ λάβῃς τὸν ζυγὸν τῆς δικαιοκρισίας σου, καὶ ποιήσας κρίσιν, ψηφίσῃς τὴν ἀνταπόδοσιν. Οὐαί, ἡμῖν τότε τοῖς τάλαιπώροις, διότι ὁ ἄηρ φλογώδης γενήσεται, τὸ δὲ παμπόθητον ὕδωρ ἀποστραφήσεται, ἐμψράξει τὰς φλέβας ἡ γῆ καὶ ἀποξηρανθήσεται ἅπαν τὸ πρόσωπον αὐτῆς, τὴν δὲ λοιπὴν εὐκαρπον χώραν καὶ αὐχμηρίᾳ θεινῶς λήφεται. Μία βοή τοῖς πετεινοῖς μετὰ τῶν χερσαίων κλαυθμοῦ πλήρης ἀκουσθήσεται. Πρὸς τὰ πετεινὰ πετόμενα τὸν ὁρσισμὸν τοῦ ἀέρος ἐπιποθοῦντα, κρῶζειν λύπης ὑπὸ πολλῆς καὶ ἐνδεῆς τυχυμορῶν ἔσονται, ἐκπίπτειν δὲ σπεύσουσι μηκέτι τὴν ξηρασίαν δυνάμενα. Ταῦτ' οὖν καὶ τὰ κτήνη πεπονθότα τὴν τῆς δΐψης στένωσιν ὁλολύζειν, τὴν γῆν ὁμοιοῦσθαι τῇ ξηρᾷ πέτρᾳ, τοὺς χόρτους μαραίνεισθαι καὶ τοὺς βλαστοὺς σὺν τοῖς θένδροις ἀποξηραίνεσθαι. Οὐκέτι σκαφεῖ ἡ γῆ, ἀγριωθήσονται αἱ πόλεις, βοήσουσι τὰ πλήθη καὶ κλαύσουσι τὰ νήπια, καὶ ἐπὶ τοὺς μαστοὺς τῶν μητέρων ὀραμοῦσι, τὰς δὲ μητέρας ἀψώνους καὶ τεθνηκυίας εὐρήσουσιν αὐτοῦ. Τῶν ὁμοίων οὖν ἡμεῖς οἱ τάλανες μνησθέντες καὶ βεβαρυμένοι ὑπὸ τοῦ πληθους τῶν ἁμαρτιῶν, ἱκετεύομεν τὴν συμπαθεστάτην σου φιλικὴν ἀνθρωπιάν, ἵνα ἡμᾶς ἐλεήσῃς. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς, καὶ ἰλάσθητι ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν· ποίαν ἄλλην καταφυγὴν ἔχομεν, ἅγιε Πάτερ; ἢ ποῦ τὰς ὁδύνας λέγειν καὶ τοὺς πόνους ἐκβοᾶν, καὶ τὰς πληγὰς ἐνδεικνύειν, εἰ μὴ εἰς Σὲ τὸν πλάστην καὶ δημιουργὸν ἡμῶν; Γεωργὸς εἶ, Κύριε παντοκράτωρ, καὶ καρποφόρησον ἡμᾶς τῇ σῇ ἐπιμελείᾳ, πηγὴ ὑπάρχεις ἡμῶν ζωσα, καὶ πότισον τὰ διψῶντα ἡμῶν σπλάγχνα τῇ σῇ κυβερνήσει, θύρα μουσικὴ πέλεις ἐν εὐαγγελίοις, ἀνοῖξον δὲ καὶ εἰσάγαγε ἡμᾶς. Σὺ κτίστης ἡμῶν, καὶ μνησθήτι τῶν κτισμάτων σου. Σὺ Πατὴρ ἡμῶν εἶ, καὶ ἀνοῖξον τὰς πατρικὰς σου ἀγκάλας, καὶ δεῖξαι ἡμᾶς, μὴ ἀποβάλλῃς ἡμῶν τὰ δάκρυα καὶ τοὺς στεναγμούς διὰ τὸ πληθὺς τοῦ ἐλέους σου, μηδὲ ἀπορρίψῃς ἡμῶν τὰς αἰτήσεις διὰ τὴν ἄμετρον Σου ἀγαθότητα, ἀλλὰ κέλευσον τὴν γῆν, ἐν ᾗ ῥέει ὁ ἐκ παραδείσου γεῶν, τὴν τοσαύτην ξηρότητα εἰς μαλακότητα μεταβαλεῖν, καὶ ἀναβρῦσαι τὰ νεογόνᾳ τῶν ὑδάτων βεύμκτα, πρόσταξον τὴν γῆν ἀποδοῦναι τὰς διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν κρατηθείσας πηγὰς, καὶ ἔμπλησον τὸν δοῦλόν σου,

τὸν ποταμὸν Νεῖλον, τῶν τοῦ ἐλέους σου βεΐθρων, κατὰστησον ἐν στάθμῃ εἰρηρικῇ τοὺς ἀέρας, χάρισαι τῇ γῇ σου εὐφορίαν καρπῶν πολυειδῶν, ῥῦσαι καὶ τὴν πόλιν σου τυχύτην ἀπὸ πάσης ὀργῆς, καὶ ἀπὸ παντός κινδύνου, καὶ ἀπὸ παντός λιμοῦ, λοιμοῦ καὶ σεισμοῦ, διαφύλαξον τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταύτῃ πάντα, λάλησον ἀγαθὰ εἰς τὴν καρδίαν τῶν κρατούντων, ἵνα ἐν τῇ γαλήνῃ αὐτῶν ἡσύχιον βίον διάγωμεν. Ἐπὶ πάντας, ἀγαθὲ Δέσποτα, ἔκχεον τοὺς οἰκτιρμούς Σου καὶ τὰ ἐλέη σου πρεσβεΐαις τῆς παναχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, προστασίαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων Ἀσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Ἰησοῦ τοῦ Θεοβήτου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήμων ἀποστόλων, τοῦ ἁγίου ἐνδόξου πανευφήμου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Μάρκου, τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πατρὸς ἡμῶν Νικολάου, ἀρχιεπισκόπου Μύρων τῆς Λυκίας, τοῦ θαυματουργοῦ, τῶν ὁσίων τριακοσίων δέκα καὶ ὀκτὼ θεοφόρων πατέρων, τῶν ἐν Νικαίᾳ, ὧν καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν, καὶ πάντων Σου τῶν ἁγίων. Ὅτι σὺ εἶ ἡ τοῦ ἐλέους καὶ τῆς εὐσπλαχνίας ἀνεξιχνίαστος ἄβυσσος, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. Εὐχὴ ἐτέρα¹⁾. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ δυνάμει καὶ θαυμαστός τοῖς ἀποτελέσμασιν, ἄναρχε, ἀόρατε, ἀκατάληπτε, ἀνεξιχνίαστε, ὑπερούσιε καὶ ὑπέρβετε, ὁ λόγῳ σου τῷ παντουργῷ καὶ Πνεύματί σου τῷ τελεσιουργῷ ἐκ μὴ ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγαγὼν τὰ σύμπαντα, ὃς βουλῇσει τὴν δύναμιν σύνδρομον ἔχων ἐν ἑαυτῷ· τῆς γὰρ δυνάμεώς σου μέτρον ἰσόδροπον τὸ θέλημά σου ἐστί, τὸ δὲ θέλημά σου προνοΐας γνώρισμα ἐπὶ πᾶσαν τὴν κτίσιν ἀναδεικνύται. Σὺ γὰρ βουλῇσει ἐν ἀρχῇ τῆς δημιουργίας σου, σοφίας δύναμιν ἐναρξάμενος τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν ἐποίησας, καὶ γε σοφίας μεΐζωνος γνώρισμα ἐνδεικνύμενος, τὸν μὲν οὐρανὸν περιφερῇ, ὥσπερ καμάραν διέταξας, καὶ τοῦτον διὰ τῶν μεγάλων φωστήρων καὶ τῶν ἄλλων ἀστέρων κατεκόσμησας, τὴν δὲ γῆν ἐπὶ ὁδᾶτων ἐδράσας, χλόῃ τε καὶ χόρτῳ, καὶ ποικιλίᾳ σπερμάτων καὶ φυτῶν τερπνοτέραν ἀνέδειξας, ἀλλὰ καὶ στοιχείων θέσιν καὶ ἡλίου τροπᾶς, καὶ καιρῶν ἐναλλαγᾶς, τῇ κτίσει διαρκέσας συνέχεσθαι καὶ συντηρεῖσθαι ταύτην παρασκευάσας. Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὃ οἱ οὐρανοὶ τῶν οὐρανῶν, καὶ τὸ ὕδωρ τὸ ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν, ἄβυσσοί τε καὶ πᾶσαι αἱ πηγαὶ ὑπέκκουσι καὶ τῷ προσταγμάτι τῷ σὺ ἀπαρatreπτως

1) Молитва эта прибавлена въ позднѣйшее время, а въ двухъ настоящихъ чинахъ ея нѣтъ.

ὑποτάσσονται (πρόσταγμα γὰρ ἔθου, ὃ οὐ παρελεύσεται). Σ· γὰρ εἴ ὁ
 Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν καὶ ἐπισκε-
 πτόμενός τὴν γῆν, καὶ μεθύων αὐτὴν ἐξ ὑδάτων πολλῶν. Σὺ γὰρ εἴ ὁ
 Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτων τῆς γῆς καὶ ἐξάγων ἀνέ-
 μους ἐκ θησαυρῶν τοῦ παντοδυνάμου σου νεύματος εἰς ἔργον ἔμμονον
 τῆς σῆς ἀγαθότητος. Σὺ εἴ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν τῶν ὑδάτων ἄβυσσον
 εἰς λίμνας καὶ ὑλώδεις χώρας ἐπαρχῶν εἰς πλησμονὴν καὶ εὐφορίαν
 τῶν ἐπιγείων σου ἀγαθῶν. Σὺ εἴ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ προσκαλούμενος τὸ
 ὕδωρ τῶν θαλασσῶν καὶ ἐκχέων αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς,
 καὶ πληθύνων τὰ γεννήματα αὐτῆς εἰς ἔνδειξιν προνοίας σου τῆς φι-
 λανθρώπου. Σὺ γὰρ εἴ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συνταράσσων τὸ κύτος τῆς
 θαλάσσης καὶ ὑψῶν τὰ κύματα αὐτῆς, μὴ τὰ κατὰ ψάμμον ὄρια ὑπερ-
 βαίνειν δυναμένης εἰς φυλακὴν τοῦ προστάγματός σου. Θαυμαστοὶ οἱ
 μετεωρισμοὶ τῆς θαλάσσης, Κύριε, θαυμαστοὶ οἱ μετεωρισμοὶ τῶν ὑδά-
 των, Δέσποτα, θαυμαστοὶ οἱ μετεωρισμοὶ καὶ αἱ ἀναβάσεις τοῦ ἐν Αἰ-
 γύπτῳ ποταμοῦ Νείλου, Παντοδύναμε· βροχὴν γὰρ ἐκούσιον ἀφοριεῖς καὶ
 χορηγεῖς ἐν αὐτῇ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅθεν ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ
 ἐπληρώθη ὑδάτων. Ἐπῆραν οἱ ποταμοὶ, Κύριε, ἐπῆραν οἱ ποταμοὶ φωνάς
 αὐτῶν ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν, ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, Κύριε,
 πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας καὶ ποιεῖς. Οὐκ ἔστιν ὁμοίός σοι ἐν θεοῖς,
 Κύριε, οὐκ ἔστιν ὁμοίός σοι ἐν θαυμασίοις, ὅτι Σὺ εἴ ὁ Θεὸς μόνος, ὁ
 ποιῶν θαυμάσια, καὶ ἐκτελῶν τεράστια μεγάλα τε καὶ ἀνεξιχνίαστα,
 ἔνδοξα τε καὶ ἐξαίσια. Σὲ τοίνυν τὸν ποιητὴν καὶ συνοχέα τοῦ παντός
 ἱκετεύομεν, καὶ σοῦ δεόμεθα, λέγοντες· Κύριε, ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ
 ἁγίου σου, καὶ εὐσπλαγχνίσθητι ἐπὶ τὸ πλάσμα σου. Κύριε, ἄνοιξον τὴν
 χεῖρα τῆς πανσθενουργοῦ σου δυνάμεως, ὅπως τὰ σύμπαντα πλησιή-
 σονται χρηστότητος. Κύριε, ἄνοιξον τὴν θύραν τοῦ ἐλέους σου, ἵνα καρπο-
 φορήσῃ πᾶσα ἡ γῆ. Κύριε, ἐπάκουσον ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν καὶ πᾶριδε
 τὰ πταίσματα ἡμῶν, ὡς πολυέλεος. Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὅτι
 ἔργα τῶν χειρῶν σου, μνήσθητι, Κύριε, ὅτι χοῦς ἐσμέν· μνήσθητι,
 Κύριε, τῆς ἀσθενείας καὶ τῆς ταπεινώσεως ἡμῶν, καὶ ἐλέησον ἡμᾶς,
 καὶ δώρησαι τὴν ἀνάβασίν τε καὶ πλημμύραν τοῦ ποταμοῦ Νείλου, εἰς
 ἔλη καὶ ὑλώδεις χώρας γενέσθαι, εἰς καρποφορίαν καὶ εὐθηνίαν τῆς
 ἀνίκμου καὶ ἀνύδρου ταύτης γῆς. Σὺ γὰρ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, κατ' ἰδίαν
 ἀγαθότητα καὶ φιλανθρωπίαν τὸν Υἱόν σου τὸν μονογενῆ ἐξαποστείλας,
 καὶ ἐκ Παρθένου Μαρίας σάρκα φερέσαι καὶ ἐνανθρωπήσαι ἠυδόκησας,
 σταυρόν τε καὶ θάνατον, καὶ ταφὴν τριήμερον σαρκὶ καταδέξασθαι ἡθέ-
 λησας διὰ τὴν τοῦ κόσμου σωτηρίαν, ὃς μὲν τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἀναστὰς,

εἰς οὐρανούς ἀνελήφθη, ἔνθεν καὶ κατέπεμψε τὸ παρὰ σοῦ τοῦ Θεοῦ καὶ Πατρὸς ἐκπορευόμενον Πνεῦμα ἅγιον ἐπὶ τοὺς ἁγίους αὐτοῦ μαθητάς καὶ ἀποστόλους, ὃ καὶ ἐφώτισε καὶ ἐθαύρυνεν αὐτοὺς ἐν τῷ κόσμῳ κηρύξαι τὸ τῆς ἁγίας καὶ ὁμοουσίου, τριςυποστάτου τε καὶ ἀδιαιρέτου Τριᾶδος ὑπερούσιον καὶ ὑπέρθεον μυστήριον, ὡσαύτως δὲ καὶ τὸ τῆς ἐνανθρωπήσεως τοῦ Υἱοῦ σου μέγα καὶ ὑπὲρ φύσιν θαυμαστὸν καὶ ἀνερμήνευτον ἀποτέλεσμα καὶ διήγημα· Αὐτός¹⁾ οὖν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ νῦν τὸ Πνεῦμα σου τὸ ἅγιον κατὰπεμψον καὶ ἁγιάσον τὸ ὕδωρ τοῦτο (ἐκ γ'). Καὶ δὲς ἡμῖν καὶ παντὶ τῷ λαῷ σου πλοῦσι τὰ ἐλέη σου πρεσβεΐαις τῆς ἀπειράνδρου σε τεκούσης ἀγνῆς θεομήτορος ἀειπαρθένου Μαρίας, δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιῦ σταυροῦ, προστασίαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων Ἀσωμάτων, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, τοῦ τιμίου ἐνδόξου προφήτου Ἡλιοῦ τοῦ Θεοβήτου, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήμεων ἀποστόλων, τοῦ ἁγίου ἐνδόξου πανευφήμου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Μάρκου, τῶν ἐν ἁγίοις πατέρων οἰκουμενικῶν διδασκάλων καὶ ἱεραρχῶν, τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν Νικολάου, ἀρχιεπισκόπου Μύρων τῆς Λυκίας, τοῦ θαυματουργοῦ, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πολυάθλων μαρτύρων, τοῦ ἁγίου ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος Γεωργίου τοῦ τροπαιοφόρου καὶ θαυματουργοῦ, τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων, τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατέρων ἡμῶν Ἀντωνίου τοῦ μεγάλου, Μακαρίου τοῦ Αἰγυπτίου καὶ Σάββα τοῦ ἡγιασμένου, τῶν ἁγίων καὶ δικαίων θεοπατόρων Ἰωακείμ καὶ Ἄννης, καὶ τῶν λοιπῶν ἁγίων σου πάντων, ὧν καὶ τὴν ἁγίαν πανήγυριν ἐπιτελοῦμεν. (Καὶ φύλασσε, Κύριε, τοὺς ἀπκνταχοῦ τῆς οἰκουμένης πιστοὺς καὶ εὐσεβεῖς χριστιανούς), καὶ φύλασσε, Κύριε, τοὺς δούλους σου, τοὺς εὐσεβεῖς χριστιανούς, τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ πόλει ταύτῃ, καὶ φύλασσε, Κύριε, τοὺς δούλους τοὺς ἐπιτρόπους τῆς ἁγίας ἐκκλησίας ταύτης, καὶ φύλασσε, Κύριε, τοὺς δούλους σου, τοὺς περιστῶτας, καὶ ἐλέησον αὐτοὺς κατὰ τὸ μέγα σου ἔλεος, πάσης ἀνάγκης ρυόμενος. Μνήσθητι, Κύριε, πάντων τῶν εὐσεβῶν καὶ ὀρθοδόξων χριστιανῶν τῶν ἐλεσόντων ἡμᾶς καὶ ἐλεησάντων, καὶ τῶν διακονούντων ἀδελφῶν ἡμῶν. Μνήσθητι, Κύριε, παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος καὶ μοναχικοῦ σχήματος. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν ἀδελφῶν τῶν αἰχμαλώτων. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν ἐν ἀσθενείαις ταλαιπωρουμένων. Μνήσθητι, Κύριε, καὶ τοῦ περιστῶτος λαοῦ σου καὶ πᾶσιν τοῖς ἐπικαλουμένοις τὴν σὴν ἐξ ὕψους βοήθειαν τοὺς οἰκτιρμούς σου δώρησαι. Ναί,

¹⁾ Слова эти поставлены въ скобки, а замѣчаніе: ἐκ τρίτου стоить безъ нихъ.

εὐδιόλκατε καὶ μακρόθυμε καὶ πολυέλεε Κύριε, ἐπίβλεπον ἐξ ἁγίου κοιτητηρίου σου καὶ ἴδε καὶ ἐπίσκεψαι τὴν ἄμπελον ταύτην καὶ κατάρτισαι αὐτήν, ἣν ἐφύτευσεν ἡ δεξιὰ σου. Χάρισι αὐτοῖς τε καὶ ἡμῖν πάντα τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα καὶ ζωὴν τὴν αἰώνιον¹⁾. Ὅτι σὺ εἶ ὁ δοτὴρ τῶν ἀγαθῶν καὶ Θεὸς πάσης παρακλήσεως καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ... Εἴτα²⁾ Εἰρήνην πάσιν. Καὶ ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ δὲ πατριάρχης ἐπεύχεται³⁾ μυστικῶς· Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ ἐν Ἰερδάνῃ βαπτισθῆναι καταδεξάμενος καὶ ἁγιάσας τὰ ὕδατα, καὶ εὐλόγησον πάντας ἡμᾶς, τοὺς διὰ τῆς κλίσεως τοῦ ἑαυτῶν αὐχένος σημαίνοντας τὸ τῆς δουλείας πρόσχημα, καὶ καταξίωσον ἡμᾶς ἐμπλησθῆναι τοῦ ἁγιασμοῦ σου, διὰ τῆς τοῦ ποταμοῦ Νείλου ἀναβάσεως εἰς δόξαν ἀκατάπαυστον τῆς σῆς ἀγαθότητος. Ἀμήν. Ἐκφώνως· Σὺ γὰρ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν καὶ εὐχαριστιαν καὶ προσκύνησιν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.. Εἴτα⁴⁾ εὐλογεῖ τὰ ὕδατα μετὰ τοῦ τίμιου σταυροῦ, ψάλλων τὸ παρὸν τροπάριον ἐκ τρίτου, ἵμνος α΄. Ἐν Ἰερδάνῃ συ ἐβαπτίσθης, ὦ Κύριε, καὶ ἐν τῷ Νεῖλῳ ἐθαυμασιώθης, ὦ Δέσποτα· ὥς γὰρ ἐκεῖ ἡ Τριάς πεφανέρωται, οὕτω κἀνταῦθα Τριάς σεσημεῖωται ἐν τῷ πλήθει που τῶν ὁρέων σου, καὶ τροφή τῶν ἀνθρώπων καὶ τῶν κτηνῶν, ὁ πλημμυρήσας τὰ ὕδατα ὁ Θεὸς καὶ τὸν κόσμον χορτάσας δόξα σοι. Εἴτα⁵⁾ ῥαντίζεται ὁ λαὸς καὶ ἀπόλουσις.

CLXI. № 13 Ἀκολουθία ὑπὲρ τῆς ἀναβάσεως τοῦ Νείλου, ἣτις ἐτελεῖτο πρότερον κατὰ τὴν ἐπομένην κυριακὴν τῆς· Ἀναλήψεως, νῦν δὲ μετετεῖθη τῇ κυριακῇ τῶν ἁγίων πάντων. Рукопись патриаршей александрийской библиотеки (въ Каирѣ) въ листѣ, 17 листовъ, писана въ началѣ пастоящаго столѣтія, что видно изъ слѣдующей весьма обстоятельной вводной статьи: „Ἡ παρῶσα ἀκολουθία ἐφιλοπονῆθη μὲν παρὰ τοῦ μακαριωτάτου, σοφωτάτου τε καὶ ἁγιωτάτου πατριάρχου Ἀλεξανδρείας κυρίου κυρίου Γερασίμου (1621--1636), τοῦ μετὰ τὸν Κύριλλον Λούκαριν (ὡς φασὶν) χρηματίσκητος, τῷ χρόνῳ ὅμως τῷ πανθαμάτορι καὶ αὕτῃ ὑποπεσοῦσα,

1) Ἐκφώνησις. 2) Иѣтъ—εἴτα. 3) Καὶ ὁ πατριάρχης λέγει τὴν εὐχὴν μυστικῶς 4) Εἴτα λαμβάνει τὸν τίμιον σταυρὸν καὶ εὐλογεῖ τὰ ὕδατα ἐκ γ', κατὰ τῶν καὶ ἀνάγων αὐτὸν ὀρθιον, καὶ ψάλλων τὸ παρὸν ἐκ γ', ἵμνος α΄. 5) Εἴτα ἀσπάζεται τὸν τίμιον σταυρὸν, ὡσαύτως καὶ πᾶς ὁ λαός, ῥννιζων αὐτοὺς καὶ τὸν ναόν, ὁ δὲ χορὸς ψάλλει τὰ τροπάρια. Ζήτει αὐτὰ ἔμπροσθεν. Εἴθ' οὕτως ἀπόλουσιν.

συνεφθάρη μετὰ καὶ τῶν ἄλλων αὐτοῦ καὶ σχεδὸν ἐρῆρευσε, καὶ μόλις που διεσώθη μία αὐτῆς ἀντιγραφὴ, πλήρης πολλῶν καὶ παντοίων σφαλμάτων, ἥνπερ ὁ μακαριώτατος, θειότατος, σοφώτατός τε καὶ ἀγιώτατος ἡμῶν πάππας καὶ πατριάρχης κύριος κύριος Θεόφιλος (сβ 1805 г.), Λυβίας ὢν, διωρθώσατο, τὰ νῦν δὲ μετ' ἀκριβοῦς ἐπιμελείας τε καὶ ζήλου ἀντέγραψεν ὁ ἐν ἐμπορίοις ἐλάχιστος Δημήτριος Βλαστός, ὁ ἐκ τῆς νήσου Ῥόδου, ὡς ὁράται, διὰ προτροπῆς καὶ παρακινήσεως τοῦ πανοσιολογιωτάτου ἀγίου μέγα ἀρχιμανδρίτου, κυρίου κυρίου Νεκταρίου, καὶ ἐπιτρόπου τοῦ θρόνου τῆς Ἀλεξανδρείας, ὅθεν οἱ ἀναγινώσκοντες ταύτην, εὐχεσθε ὑπὲρ ἡμῶν. Ἐν Αἰγύπτῳ τῇ δ' Μαΐου ,αωκβ'. Ὁ ἐλάχιστος γραφεὺς Δημήτριος Βλαστός.

λ. 2. Μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸν ἱερέα τὴν ὀπισθὰ μβωνον εὐχήν, ἐξερχόμεθα παρὰ τῇ φιάλῃ, ἐχούσῃ ὕδωρ, καὶ φάλλομεν τὰ παρόντα τροπάρια, ἥχος πλ. δ', δις· Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων βοᾷ, λέγουσα· θαῦμα παράδοξον... Ὁμοίον· Φωνὴ Κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων βοᾷ, λέγουσα· δεῦτε ἴδετε πάντες πρᾶγμα θαυμάτων... Σήμερον τὰς εὐλογίας σου αἰτοῦμεν... Σήμερον ἄβυσσος ἄβυσσον ἐπικαλεῖται... Τὴν πέτρην δις ποτε πατάξας Μωϋσῆς.. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ λόγῳ σου τῷ παντουργῷ στερεώσας τὸν οὐρανόν... Ἰουδαίων τῷ ἔδνει τὰ πικρὰ ὕδατα εἰς γλυκύτατα μεταβαλὼν... Δόξα καὶ νῦν, ὁ αὐτός· Δεῦτε πάντα τὰ ἔδνη καὶ ἐνωτίσασθε πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν... См. выше стр. 982—983. Дальнѣйшій порядокъ такой же, какъ и въ предыдущей рукописи, за исключеніемъ первой молитвы, которая опущена въ настоящемъ чинѣ и помѣщена въ рукописи въ концѣ чина съ слѣдующею припискою: Ἰδοὺ καὶ ἑτέρα εὐχὴ ὁμοία τῇ πρώτῃ, ἐξ ὧν ἀναγινώσκει ὁ προεστὼς οἶαν βούλεται· Δέσποτα παντοκράτωρ καὶ Θεὸς τοῦ παντός, ἡ ὑπεραγία Τριάς... См. выше стр. 985.

На рукописи есть замѣтка: Νεκτάριος ἱερομόναχος.

ΠΡΙΒΑΒΛΕΝΙΕ.

CLXII. № 213. Εὐχολόγιον, рукопись Парижской національной библиотеки (Coislin) въ 16 долю листа, 211 листов¹⁾, писана четкимъ красивымъ почеркомъ 1027 года, какъ это видно изъ приписки въ ковцѣ рукописи: 'Εγράφη ἡ παροῦσα τοῦ Εὐχολογίου βίβλος καὶ ἐτελειώθη μηνὸς Αὐγούστου, ἰνδικτιῶνος ι', ἔτους ςϥλε', κτηθεῖσα Στρατηγίῳ πρεσβυτέρῳ τῆς Μεγάλης ἐκκλησίας καὶ τῶν πατριαρχικῶν εὐκτηρίων, περιέχουσα πᾶσαν ἀκολουθίαν καὶ τάξιν ἀκριβῶς, καθὼς ἐν τῇ ἀρχῇ ὁ πῖναξ δηλοῖ, ἐκτὸς τῶν λειτουργιῶν τοῦ ἁγίου Βασιλείου, καὶ τοῦ Χρυσοστόμου, καὶ τῆς τριτοέκτης, καὶ τῆς τῶν προηγιασμένων, θελήσει τοῦ γράψαντος καὶ κτησαμένου, διὰ τὸ ἔχειν ταῦτα εἰς Κοντάκια, μεθ' ὧν καὶ ἐνεργοῦσιν· ἔχειν δὲ αὐτὸν καὶ ἐν ἐτέρῳ βιβλιδαρίῳ εὐχὰς τῶν ἀντιφώνων τοῦ Ψαλτῆρος, ὡς στιχολογεῖ ἡ Μεγάλη ἐκκλησία κατὰ τὸν ἀριθμὸν αὐτῶν ὁ δ', καὶ τῶν ψδῶν εὐχὰς η', καὶ ἐτέρας εὐχὰς διαφόρους, λεγομένας κατὰ διαφόρους καιροὺς ἐπὶ κοίτην, μετὰ κοίτην, ἐπὶ κοινωνίᾳ, ἐπὶ ἐξομολογήσει, εἰς ὠφέλειαν ψυχῆς καὶ κατάνυξιν, καὶ λοιπὰ ἀμφοτέρω νοδ', καὶ τὴν ἐκλογὴν τῶν διαφορῶν ῥητῶν περὶ τῆς ἁγίας Τριάδος· ταῦτα γὰρ ὧδε οὐκ ἐγράφη. Сп. Biblioth. Coislina, Paris, 1715 an. pag. 272.

л.л. 1—2 вставочные, содержащiе конецъ перваго и начало второго изъ евангельскихъ чтенiй на утрени великаго пятка, письмо XIII в.

л. 3. Πῖναξ ἀκριβῆς τῆς γραφῆς τοῦ βιβλίου. Εὐχολόγιον, ἐστὶ δὲ τὸ βιβλίον Στρατηγίῳ, κτηθέν μοι θυηπόλῳ. Подробный перечень содержания. Всего статей 142.

л. 8. Εὐχὴ ἐπὶ θεμελίου ἐκκλησίας καὶ ἐπὶ σταυροπηγίου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐρχομείς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομηθῆναι ἐκκλησίαν... р. 485 съ вариантами: ἐπὶ ἀνοικοδομῇ τοῦ πρὸς σὴν δοξολογίαν κτιζομένου οἴκου, ἢ ἐπ' ὀνόματι τοῦ ἁγίου τοῦδε, τοῦ σοῦ θεραπεύοντος, ἐν τῷ πληθεὶ τῶν σῶν ἐπουρανίων... ὅπως ἂν

1) Въ евхологiѣ имѣется 29 тетрадей, по 8 листовъ въ каждой, слѣдовательно, первоначально въ рукописи должно быть 232 листа. Исключая два листа вставочные изъ другой рукописи, мы не досчитываемся нынѣ въ рукописи цѣлыхъ 23 листовъ.

καὶ ἐν αὐτῷ ἀκαταπαύσταις ψάδαις καὶ ὕμνοлогίαις ἀνυμνῶμεν σὲ τὸν μόνον ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν. Ἐκφώνηαι· Σοὶ γὰρ πρέπει δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ...

— Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ θεμελίῳ ἐκκλησίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ σὸν ἅγιον αἶμα ὑποβαλλόμενος θεμέλιον τῇ ἀγίᾳ σου ἐκκλησίᾳ, p. 486.

л. 8 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἀγίας τραπέζης. Goar pag. 655—664. Особенности текста указаны ниже в описании кодекса кардинала Виссаріона Крипто-ферратской библіотеки.

л. 19. Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσῃ ἀγίᾳ τραπέζῃ p. 490—491. Варианты см. ниже в той же рукописи Крипто-ферратского монастыря.

л. 21. Ἄλλη τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσῃ ἀγίᾳ τραπέζῃ. Goar. pag. 492, сь вариантами по Виссаріоновской рук. Грота-ферр. мон., но сь прибавленіемъ двухъ прошеній: Ὑπὲρ χρηζόντων τῆς παρὰ τοῦ Κυρίου βοηθείας. Τῆς παναγίας ἀχράντου ὑπερευλογημένης Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ τοῦ ἁγίου, οὗ ἐστὶν ἡ σαλευθείσα τραπέζα, μετὰ πάντων τῶν ἁγίων, которыхъ здѣсь читаются полнѣе.

л. 22. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὴν κατάθεσιν τῶν ἁγίων λειψάνων. См. выше стр. 296, но сь пропускомъ слова: αὐτοῖς вь концѣ и сь заключеніемъ: μεθ' οὗ σοὶ πρέπει δόξα σὺν τῷ παναγίῳ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.

л. 22. Εὐχὴ δευτέρα μετὰ τὴν κατάθεσιν τῶν ἁγίων λειψάνων. См. выше стр. 296, но сь особенностію: ἀθλητῶν τῆς εὐσεβείας вм. ἀθλησάντων ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας

Εὐχὴ εἰς τὴν ἀπαμφίαισιν τῆς ἀγίας τραπέζης¹⁾, τὴν γινομένην τῇ ἀγίᾳ πέμπτῃ ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τῆς τριτοέκτης οὕτως:

Прῶτον μὲν θυμιᾷ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν ἁγίαν τράπεζαν κατὰ τὸ ἔθος περίε, καὶ εἰθ' οὕτως ποιεῖ τὴν εὐχὴν ταύτην καθ' ἑαυτόν, καὶ εἰς τὸ τέλος ἐκφωνεῖ, καὶ ἀποκρίνονται οἱ σὺν αὐτῷ τὸ Ἀμήν, καὶ τότε ἀπαμφιάζουσι τὴν ἁγίαν τράπεζαν, καὶ καταπλύνουσι μετὰ σπόγγων καινῶν, καὶ ὕδατος χλιαροῦ, καὶ ῥοδοστάγματος, καὶ ἀποσπογγίζουσιν αὐτὴν μετὰ ἐγγχειρίων, εἴτα πάλιν ἀμφιάζουσι, καὶ πάλιν θυμιᾷ κατὰ τὸ ἔθος, καὶ οὕτως ποιεῖ τὴν ἐτέραν εὐχὴν καθ' ἑαυτόν, καὶ εἰς τὸ τέλος ἐκφωνεῖ,

¹⁾ Вь оглавлении прибавлено: τῆς Μεγάλης ἐκκλησίας.

εἶτα διανέμει τὰ σπογγάρια, καὶ οὕτω γίνεται ὁ νιπτῆρ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ ζωοποιῷ σου θανάτῳ τὸν θάνατον νεκρώσας... Goar pag. 498, по сь вариантами: καὶ νῦν κυκλοῦντας ἡμᾶς τοῦ σωτηρίου τύπου τὸν τάφον... καὶ τῆς ἐπουρανίου βασιλείας ἀνὰ δειξον. Ἐκφώνησις· Ὅτι παρὰ σοὶ ἐστὶν ἡ πηγὴ τῆς ζωῆς καὶ τῆς τῶν ἀγαθῶν ἀπολαύσεως καὶ τῆς ἀθανάτου δόξης, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ.

л. 23. Εὐχὴ μετὰ τὴν ἐκπλυσιν.

Ὁ ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων Θεός, ὁ δι' ἄφατον ἀγαθότητα πρὸς λειτουργίαν τοῦ παναγίου καὶ ἀχράντου σου θυσιαστηρίου τὴν ἡμῶν ἀχρειότητα προσλαβόμενος, αὐτός καὶ νῦν ἐπιβλεφον ἐφ' ἡμᾶς. На этомъ обрывается данная молитва, такъ какъ въ рукописи подостаеь нѣсколькихъ листовъ. Молитва напечатана Goar p. 498.

На отсутствующихъ листахъ, судя по оглавлению, содержались: а) Τάξις τοῦ νιπτῆρος, б) Ἐπὶ ποιήσει μύρου τῇ μεγάλῃ ε', ὁμοίως εὐχαί Goar. pag. 504, в) Ἀκολουθία ἐτέρα τοῦ νιπτῆρος, γινομένη ἐν τοῖς μοναστηρίοις, ἔχουσα εὐχάς (у Goar. p. 594) и d) Κατήχησις τῆς μεγάλης παρασκευῆς (р. 279—281), конецъ котораго и имѣется въ данной рукописи.

л. 25. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου. Goar. pag. 249—251. Αὕτη δὲ ἡ ἀκολουθία γίνεται καὶ ἐπὶ πατριάρχου καὶ ἐπὶ μητροπολίτου καὶ ἐπισκόπου.

л. 27 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ προ(ε)σβυτέρου, ὁ φείλωντος εἶναι χρόνων τριάκοντα τελείων. Goar p. 244, по сь вариантами: χάριτην ἐγγραφον... εἰς ἐπήκοον τῶν περιεστώτων ἔχοντα οὕτως... ποιῶν εἰς τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ σταυροῦς τρεῖς καὶ ἔχων ἐπικειμένην αὐτὴν χεῖρα... Καὶ λέγει ὁ πρῶτος τῶν προσβυτέρων ἢ ἕτερος πρεσβύτερος... Εκτενὴς, что въ епископскомъ поставленіи. φαινόλιον... Нѣтъ выраженія: καὶ ἀσπάζεται μόνην τὴν τοῦ ἀρχιερέως χεῖρα...

л. 29. Τάξις ¹⁾ ἀκολουθίας ἐν τῇ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου, τοῦ πληροῦντος ἀρχidiaκόνου ²⁾. Μετὰ τὸ εἰσενεχθῆναι τὰ ἅγια καὶ βληθῆναι τὸ καταπέτασμα, ἀποτίθηναι ὁ ἀρχidiaκόνος τὸ τοῦ πατριάρχου ὠμοφόριον ἐπάνω τοῦ καταπετάσματος ἐν τῷ δεξιῷ αὐτοῦ μέρει, καὶ ἵσταται ὀπι(σ)θεν

¹⁾ Въ оглавлении: ἐτέρα τάξις ἐπὶ χειροτονίᾳ πρεσβυτέρου, γινομένη παρὰ τοῦ πατριάρχου εἰς τὸν πληροῦντα τὸ ἀρχidiaκονικὸν τῆς Μεγάλῃς ἐκκλησίας.

²⁾ Cod. Cryptof. Bessarion: τὸ πληροῦν ἀρχidiaκονον.

τοῦ πατριάρχου, ἀναμένων πληρωθῆναι τὸν μυστικὸν ὕμνον, καὶ τότε ὁ μὲν ἐν τῷ ἄμβωνι διάκονος σιγᾷ, προσάγεται δὲ ὑπὸ τοῦ πρωτοπρεσβυτέρου¹⁾, καὶ λέγοντος τοῦ ὑπαισερχομένου ἀρχιδιάκονου· Πρόσχωμεν, ὑπαναγινώσκει τὸ κιταῳρίον ὁ πατριάρχης, λαμβάνων αὐτὸ ἐκ τοῦ χαρτοφύλακος. Καὶ τότε κλίνοντος τὰ γόνατα τοῦ χειροτονουμένου ἐν τῇ κρηπίδι τῆς ἁγίας τραπέζης, σφραγίζει αὐτοῦ τὴν κεφαλὴν τρίτον, καὶ ἔχων ἐπικειμένην τὴν χεῖρα, ποιεῖ τὴν πρώτην εὐχὴν. Καὶ μετὰ τοῦτο ποιεῖ ὁ πρωτοπρεσβύτερος εὐχὴν διακόνου, ἔχοντος τοῦ πατριάρχου τὴν χεῖρα ὁμοίως. Καὶ ποιῶντος τὴν β' εὐχὴν, ἧς πληρωθεῖσης, ἐγείρει τὸν χειροτονούμενον καὶ φέρει τὸ ὀπισθεν τοῦ ὠραρίου ἔμπροσθεν, καὶ ἐνδύει αὐτὸν φαινόλιον, καὶ δίδωσιν αὐτῷ ἀγάπην καὶ ἰστᾶ αὐτὸν μετὰ τῶν πρεσβυτέρων. Ὁ δὲ μέλλων εἰσεῖναι ἀρχιδιάκονος ἵσταται πλησίον τοῦ πατριάρχου, καὶ ἐπαίρων ὁ πατριάρχης ἐκ τῆς ἁγίας τραπέζης τὸ ὠμοφόριον, ἐπιδίδωσιν αὐτῷ, καὶ ἀπολύει τῷ ἐστῶτι ἐν τῷ ἄμβωνι διακόνῳ, καὶ λέγει· Πληρώσωμεν μέχρι τοῦ Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους, καὶ δίδωσιν ἀγάπην τῷ πατριάρχει ὁ χειροτονηθεὶς μετὰ τῶν πρεσβυτέρων, ἅψ' οὗ ἐφθάσθη ἀρχιδιάκονος. Μετὰ δὲ τὸ ῥηθῆναι τὸ ἅγιον μᾶθημα καὶ ἐπαρθῆναι τὸ καταπέτασμα, καὶ εἰπεῖν τὸ Ἄξιον καὶ δίκαιον, ἐπιδίδωσι τῷ χειροτονηθέντι ἄρτον ἐν ταῖς χερσί, καθά (sic) προεῖρηται μέχρι τοῦ εἰπεῖν· Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Καὶ οὕτως ἀποδίδους μεταδίδωσι τῷ πατριάρχει τῆς ἁγίας κοινωνίας, καὶ μεταλαμβάνει πρῶτος, καὶ εἰ συμβῇ ἐπισκόπους παρεῖναι, καὶ μεταλαμβάνων²⁾ τὸ ποτήριον ἐκ τοῦ πατριάρχου, μεταδίδωσι τοῖς κοινωνοῦσιν ἐν τῷ ἱερατεῖ.

л. 30. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακόνου, ὀφείλοντος εἶναι χρόνων τελείων εἴκοσι καὶ πέντε. Goar pag. 210—211, no съ варіан-тами: εἰς ἐπήκοον τῶν περιστώτων... Ектенья таже, что и въ чинѣ епископскаго поставленія. Καὶ πρώτου δεχομένου παρ' αὐτοῦ τὸ ἅγιον ποτήριον ἱερέως καὶ ἀρχιερέως... προ σμένει μέχρις ἂν οἱ τοῦ βήματος μεταλάβωσι...

л. 32. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ διακονίσσης, ἣτις ὀφείλει εἶναι μ' χρόνων παρθένος ἀγνή. См. выше стр. 346, no съ тою разни-цею, что въ одномъ случаѣ выраженіе: κεφαλὴν замѣнено харау и прибавлено обѣ ораръ замѣчаніе: τὰς δύο τοῦτου ἀρχάς.

л. 33 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονίᾳ ὑποδιακόνου. Goar. pag. 204. Нужно исправить: τοῦτον τὸν φαινόλιον... μαντύλιον... λέγει γ'· Ὅσοι πιστοί... ἅπεισιν εἰς τοὺς ὑποδιακόνους.

1) Ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι. 2) λαμβάνων.

λ. 34. Τάξις, γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου καὶ ψάλτου. Изданъ у Гоара pag. 194—195, variae lectiones Cryptof. cod. Bessarionis.

λ. 35. Εὐχή ἐπὶ προχειρίσει κηροφόρου καὶ δεποτάτου. См. выше стр. 436.

λ. 35 об. Τάξις, γινομένη ἐπὶ προχειρίσει ἡγουμένου.

Περικειμένου τοῦ ἀρχιερέως φαινόλιον καὶ ὠμοφόριον, προσάγεται αὐτῷ ὁ προχειριζόμενος, παρόντων καὶ τῶν ἐκλεξαμένων αὐτὸν μοναχῶν, καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, σφραγίζει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ γ' ὁ ἀρχιερεὺς καὶ εὐχεται οὕτως· Ὁ Θεός, ὁ διὰ παντός τῆς ἀνθρώπων σωτηρίας. Goar pag. 395. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, εἰρηνεύει ὁ ἀρχιερεὺς, καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, εὐχεται πάλιν οὕτως· Κλῆνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν. pag. 395. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, αἶρει τὸ παλλίον, ὃ περιέκειται ὁ προχειρισθείς, καὶ περιτίθῃσιν αὐτῷ ἕτερον, καὶ οὕτως ἀσπαζόμενος ἀπολύει αὐτόν.

λ. 36. Εὐχή ἐπὶ προχειρίσει βασιλέως. Goar p. 726—727... ὃ ἴσταται ἐν τῷ ἄμβωνι τούτου ἔμπροσθεν, ἴσταται μὲν ὁ πατριάρχης, παρίσταται δὲ ὁ μέλλων στέφεσθαι βασιλεὺς... εὐχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν... ἀναστήσαι βασιλέα. Во 2 молитвѣ: βασιλεῖ τῶν χιῶνων... ἡμερον=y Goara: ἡμερον... προαποτίθεται ἐκεῖσε ἐπὶ τραπέζης (y Goara: ἐπιτραπὲν) στέμμα... εἰσάγεται ἡ βασίλισσα παρὰ τῶν πρεποσίτων... ἐπὶ τῶν βασιλέων... εἴτα μεθίστωσιν (y Goara: μεθίστησιν) αὐτὴν καὶ ἀποκαλύπτουσι τὸ μαφόριον καὶ ἀπλοῦσιν αὐτὸ πρὸς τὸ μὴ βλέπεσθαι, καὶ οὕτω προσάγουσιν αὐτὴν τῷ πατριάρχῃ, καὶ λαμβάνων ὁ πατριάρχης...

λ. 38. Εὐχή (ἐπὶ) προχειρίσει καίσαρος, νωβελισίμου καὶ κουροπαλάτου. Goar p. 730.

λ. 38 об. Εὐχή ἐπὶ προαγωγῇ ἀρχόντων, ἦτοι πατρικίων. Goar pag. 731—732, по Bess. cod. et S. Marci. Въ концѣ чина: καὶ δίδωσι τῷ τῆς καταστάσεως καὶ βάλλει ἐκεῖνος αὐτὸ τῷ (y Goara: ἐνδύσας) πατρικίῳ...

λ. 39 об. Εὐχή, γινομένη ἐν τῷ μεγάλῳ σεκρέτῳ, ἀπιόντος τοῦ πατριάρχου πρὸς ὁδοποιρίαν καὶ ἐπανιόντος. Goar. p. 685.

— Εὐχή, γινομένη ὑσάκις ἔλθῃ ὁ πατριάρχης εἰς τὸν βασιλέα, ἐξαιρέτως δὲ τῇ ε' τῆς διακαινισίμου. Μετὰ τὸν ἀσπασμόν, λέγοντος τοῦ ῥεφερενδαρίου συναπτήν, εὐχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων. Goar pag. 733... τοὺς ἄρχοντας αὐτῶν

ἐν ὑπακοῇ καὶ φόβῳ ἀδωροδοκίτους (у Гоара ἀπροσδόκητος) δι(α)-
φύλαξον... τῶν ἀπὸ τῆς γῆς ἀγαθῶν, ἐπὶ τῆς βασιλείας αὐτῶν
δωρούμενος. Ὅτι εὐλόγηται σου τὸ πανάγιον ὄνομα... Καὶ μετὰ τὸ
Ἀμήν, λέγει· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἀρχιερεὺς
ἐπεύχεται· Σοὶ τῷ μόνῳ καὶ φιλανθρώπῳ κριτῇ. Goar p. 733. Ba-
riantny: ταῖς πάντων ἡμῶν καρδίαις, καὶ παράσχου αὐτῷ πάντα
πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα (у Гоара вставка: τῷ ὑπὸ σὲ βασιλεῖ)
καὶ κατάνοξον...

л. 40. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ βασιλέως, εἰσερχομένου τοῦ πατριάρχου
πρὸς αὐτόν. Goar p. 732—734. Βariantъ во второй молитвѣ: κατὰ
τὸ θέλημα σου (у Гоара: ὄνομα σου) πολιτευόμενοι, τυχώμεν...

л. 40 об. Εὐχὴ, γινομένη ἐν τῷ δρόμῳ ὑπὸ τοῦ πατριάρχου.
(Въ оглавлении объ этой молитвѣ замѣчено: Ἡ αὐτὴ καὶ ἐπὶ πλοίου
παντός, μέλλοντος πλεῖν). Μετὰ τὸ ρηθῆναι τὸν ρχ' ψαλμόν, λέγοντος
τοῦ διακόνου· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, εὔχεται οὕτω. (Издана у Гоара
по Bess. cod. pag. 684). Здѣсь и обрывается эта молитва, такъ
какъ въ рукописи недостаетъ нѣсколькихъ листовъ, содержа-
вшихъ въ себѣ, какъ это видно изъ оглавленія въ началѣ руко-
писи, слѣдующіе молитвы и чины: а) κη'. Ἐπὶ χελανδίων ἀποστελ-
λομένων κατὰ πόλεμον (у Гоара κατὰ πόλεως) εὐχὴ p. 985, б) κθ'.
Ἀκολουθία τῶν βαπτισμάτων. Εἰς τὸ κατασφραγίσαι παιδίον τῇ ὀδόῃ
ἡμέρᾳ εὐχὴ, в) λ'. Τῇ τεσσαρακοστῇ ἡμέρᾳ εὐχὴ, d) ла'. Εἰς τὸ ποιῆ-
σαι κατηχούμενον εὐχὴ, e) лб'. Τῶν ἀφορισμῶν εὐχαί, f) лγ'. Μετὰ
τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον πρὸς τὸν πρὸς ὦραν βαπτιζόμενον, ὅτε ἐμφουᾷ,
εὐχὴ, g) лд'. Ἡ ἀποταγή καὶ συνταγή. Μετὰ τὴν ἀποταγὴν εὐχὴ,
h) ле'. Τῶν ἁγίων βαπτισμάτων· Ὁ εὖσπλαγχνος καὶ λοιπαὶ εὐχαί,
i) лз'. Ἄλλη ἔχουσα τὸ προοίμιον σύντομον εὐχὴ, k) лз'. Εἰς τὸ ἀπο-
λοῦσαι τοὺς νεοφωτιστοὺς εὐχαί, l) лη'. Εἰς τὸ κουρεῦσαι παιδίον εὐχαί
и m) м'. Εἰς τεκνοποίησιν εὐχὴ. Конецъ этой молитвы и находится
въ данной рукописи на слѣдующемъ листѣ.

л. 41. Εὐχὴ εἰς ἀδελφοποίησιν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πάντα πρὸς σωτηρίαν ἡμῶν χαρισάμενος
Goar p. 707. Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς·
Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ τὸν χορὸν τῶν ἁγίων. См. выше стр. 190,
но конецъ читается нѣсколько иначе: Αὐτὸς εὐλόγησον καὶ νῦν τοὺς
δούλους σου, οὓς εὐδόκησας παραστῆναι κατενώπιον τῆς ἁγίας δόξης
σου... κληρονόμοι γένωνται τῆς βασιλείας. Ὅτι σὺ εἶ ὁ δοτὴρ τῶν ἀγα-
θῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

λ. 41. Εὐχὴ ἐπὶ πώγωνος κουρᾶ ἢ κεφαλῆς.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι. . Goar p. 309.

λ. 42. Εὐχὴ ἐπὶ τὸ ἀναδῆσασθαι κεφαλὴν γυναῖκα. Goar p. 309.

λ. 42 οβ. Ἀκολουθία τῶν ἀγίων Θεοφανίων.

Μετὰ τὸ ἀπολυθῆαι τὴν θείαν λειτουργίαν οὗ λέγει ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθατε, ἀλλ' εὐθέως γίνεται ὑπὸ τοῦ ἀρχιεπισκόπου συναπτή· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν τοῦ δεῖνος ἱερωσύνης, ἀντιλήψεως, διαμονῆς καὶ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν αὐτοῦ τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ἁγιασθῆναι τὸ ὄδωρ .. Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι αὐτῷ τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... Ὑπὲρ τῆς πόλεως .. Ὑπὲρ τῆς εὐκρασίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων... Τῆς παναγίας ἀχράντου... Καὶ τούτων λεγομένων, ὁ ἱερεὺς εὐχεται καθ' ἑαυτόν· Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ ὁ μονογενὴς Υἱός. Goar pag. 368. Καὶ πληρώσας τὴν εὐχὴν, λέγει καθ' ἑαυτόν· Ἀμήν, καὶ εὐθέως ἀπάρχεται ἐν ἐκφωνήσῃ· Μέγας εἶ, Κύριε, καὶ θαυμαστὰ τὰ ἔργα σου... Goar. p. 370. Τοῖς τε κεκλημένοις (γ Goara: χριστομένοις τὸν ἁγιασμόν, τὴν ὑγείαν) τὴν εὐλογίαν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Κλῖνον, Κύριε, τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν. Goar pag. 371.

λ. 45. Εὐχὴ ἄλλη εἰς τὸ ὄδωρ τῶν ἀγίων Θεοφανίων, λεγομένη ἐν τῇ φιάλῃ τοῦ μεσαυλοῦ Goar pag. 363.

λ. 45 οβ. Εὐχαὶ τῆς γονυχισίας τῆς ἀγίας Πεντηκοστῆς.

Μετὰ τὸ προκείμενον καὶ τὸ Κύριε ἐλέησον τῆς ἐκτενοῦς δεήσεως, τοῦ διακόνου λέγοντος· Κλίνοντες τὰ γόνατα, λέγει ὁ ἀρχιερεὺς ἐν ἐπηκώφ τὴν πρώτην εὐχὴν· Ἀχραντε, ἀμίαντε... Goar pag. 597. Καὶ ἐπισυναπτει τὴν α' εὐχὴν τῶν ἀντιφώνων τοῦ λυχνικοῦ, καθ' ἑαυτόν δέ· Εὐλογητός εἶ, Κύριε, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὁ φωτίσας τὴν ἡμέραν. Goar p. 598. Καὶ λεγομένης ταύτης καθ' ἑαυτόν, λαμβάνει καιρὸν ὁ ἐστὼς ἐν τῷ ἄμβωνι διάκονος καὶ λέγει· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον, ἀνάστησον καὶ δικφύλαξον. Καὶ οὕτω ποιεῖ συναπτήν· Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν. . Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης κ. τ. λ. τῶν αἰτήσεων, ἕς οὗ (ἕως οὗ) ἀρὰ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἀπολυθῆ, καὶ τότε λέγει· Τῆς παναγίας ἀχράντου, καὶ ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Σὸν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Καὶ μετὰ τὴν ἐκφωνήσιν ἀντίφωνον α'. Στίχος α'· Ἠγάπησα, ὅτι εἰσακούσεται... Ταῖς πρεσβείαις ἀγίων. Στίχος β'· Ὅτι ἔκλινε τὸ οὖς αὐτοῦ ἐμοί... Στίχος γ'· Ἐλεήμων Κύριος καὶ δίκαιος... Ταῖς πρεσβείαις... Στί-

χος δ'· Εὐαρεστήσω ἐνώπιον Κυρίου ἐν χώρᾳ ζώντων. Ταῖς πρεσβείαις. Δόξα καὶ νῦν. Εἴτα αὖθις λέγοντος τοῦ διακόνου· Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα, ποιεῖ ὁ ἀρχιερεὺς τὴν β' εὐχὴν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν σὴν εἰρήνην δεδωκώς τοῖς ἀνθρώποις. Goar pag. 599. Καὶ ἐπισυνάπτει καθ' ἐαυτὸν τὴν β' εὐχὴν τῶν ἀντιφώνων· Κύριε, Κύριε, ὁ ῥυσάμενος ἡμᾶς ἀπὸ παντὸς βέλους. Goar p. 600. Ἐπισυνάπτοντος δὲ αὐτοῦ, λέγει ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, καὶ ποιεῖ συναπτὴν· Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Τῆς παναγίας ἀχράντου. Ὁ ἀρχιερεὺς ἐκφωνεῖ· Εὐδοκία καὶ ἀγαθότητι τοῦ μονογενοῦς... Εἴτα ἀντίφωνον β'. Στίχος α'· Ἐπίστευσα, διό ἐλάλησα... Σῶσον ἡμᾶς, Παράκλητε ἀγαθέ, ψάλλοντάς σοι Ἀλληλούϊα. Στίχος β'· Ἐγὼ δὲ ἐταπεινώθην σφόδρα... Σῶσον ἡμᾶς. Στίχος γ'· Τὰς εὐχὰς μου τῷ Κυρίῳ ἀποδώσω... Σῶσον ἡμᾶς. Στίχος δ'· Ἐν αὐλαῖς οἴκου Κυρίου ἐν μέσῳ σου... Σῶσον ἡμᾶς. Δόξα, Ὁ μονογενὴς Υἱός. Καὶ νῦν, Τὴν ὑπερένδοξον τοῦ Χριστοῦ Μητέρα. Καὶ πάλιν λέγοντος τοῦ διακόνου· Ἐτι καὶ ἔτι κλίνοντες τὰ γόνατα, ποιεῖ ὁ ἀρχιερεὺς ἐν ἐκφωνήσῃ ὁμοίως τὴν γ' εὐχὴν· Ἡ ἀενάως βρούσχα ζωτικὴ καὶ φωτιστικὴ πηγὴ. Goar p. 601. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν γ' εὐχὴν καθ' ἐαυτόν· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος, ὁ ἅγιος καὶ φιλόανθρωπος. Goar pag. 601. Ἐπισυνάπτοντος δὲ αὐτοῦ, λέγει ὁ διάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν εἰρήνης... Τῆς παναγίας... Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἅγιος εἷ, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν ἀντίφωνον γ' τοῦ Τρισαγίου. Στίχος α'· Αἰνεῖτε τὸν Κύριον πάντα τὰ ἔθνη... Ἅγιος ὁ Θεός, ἅγιος ἰσχυρός... Στίχος β'· Ἐπαινέσατε αὐτὸν πάντες οἱ λαοί... Ἅγιος ὁ Θεός... Στίχος γ'· Ὅτι ἐκραταιώθη τὸ ἔλεος αὐτοῦ... Ἅγιος ὁ Θεός... (Στίχος δ')· Καὶ ἡ ἀλήθεια τοῦ Κυρίου μένει... Ἅγιος ὁ Θεός... Δόξα, Ἅγιος ὁ Θεός. Καὶ νῦν, Ἅγιος ὁ Θεός... Μετὰ δὲ τὸ τέλος τοῦ γ' ἀντιφώνου, τοῦ διακόνου ποιῶντος τὴν συναπτὴν τὸ Πληρώσωμεν τὴν δέησιν..., λέγει ὁ ἀρχιερεὺς τὴν δ' εὐχὴν ὅλην καθ' ἐαυτόν καὶ οὐδόλως ἐν ἐκφωνήσῃ· Σὸν ὡς ἀληθῶς καὶ μέγα ὄντως μυστήριον, Δέσποτα. Goar p. 601, по сѣ осодѣмъ концемъ См. выше стр. 16. Καὶ ἐπισυνάπτει τὴν δ' εὐχὴν τῆς ἀπολύσεως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ μόνος ἔχων ἀθανασίαν. Goar p. 602. Καὶ ὅτε εἴπη ὁ διάκονος· Τῆς παναγίας, ἐκφωνεῖ ὁ ἀρχιερεὺς· Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἀρχιερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος τὸ Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κλίνας οὐρανοὺς. Goar p. 603. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθατε. Καὶ ἀπερχόμεθα εἰς τὸν ἅγιον Πέτρον καὶ εἰς τὸ μέγα βαπτιστήριον καὶ ποιῶ-

μεν τὰ κατάγυρα, εἴτα γίνεται εἰς τὸ σκευοφυλάκιον ἡ διανομὴ τῶν κρηρίων (sic) παρὰ τοῦ πτριάρχου, καὶ ἐξερχόμεθα. Καὶ οὕτω μὲν ποιεῖ ἡ τοῦ Θεοῦ Μεγάλῃ ἐκκλησία τὴν τῶν εὐχῶν τῆς γονυκλισίας τῆς Πεντηκοστῆς ἀκολουθίαν, ὡς ἐγράφη, αἱ δὲ λοιπαὶ καὶ αἱ καθολικαὶ καὶ αἱ κατὰ τοὺς οἴκους καὶ τὰ μοναστήρια, ἄλλη ἄλλως ποιεῖ καὶ ἑτέρα ἑτέρως· αἱ μὲν γάρ, μετὰ τὸ προκείμενον καὶ τὴν ἔκτενὴν, ἱκεσίας τὰς τέσσαρας ἡμοῦ, καὶ οὕτω τὸ Καταξίωσον, Κύριε, καὶ τὰ στιχηρά· Νῦν εἰς σημείον, καὶ τὴν λοιπὴν ἀκολουθίαν, αἱ δέ, μετὰ τὸ προκείμενον, τὰς εὐχὰς καὶ τὴν ἔκτενὴν ἐν τῷ τέλει τοῦ λυχνικοῦ, αἱ δέ, μετὰ τὸ προκείμενον καὶ τὴν ἔκτενὴν, εὐχὴν μίαν καὶ στιχηρόν α', καὶ πάλιν ἑτέραν εὐχὴν καὶ ἕτερον στιχηρόν, καὶ αὐτὴς ἑτέραν καὶ ἕτερον, αἱ δὲ τὰς τρεῖς πρὸ τῶν στιχηρῶν καὶ τὴν δ' μετὰ τὰ στιχηρά, καὶ οὕτω· Νῦν ἀπολύσις τὸν δοῦλόν σου, αἱ δὲ τὰς τρεῖς μόνας καὶ τὴν δ' οὐ λέγουσιν, οὐ κηλῶς οὐδὲ δικαίως, ὡς ἕκαστος τῶν ἱερέων ἀκριβεῖας καὶ εἰδήσεως ἔχει, ἢ ἀμαθείας καὶ ἀγροικίας, ἢ καὶ ἴσως. ὡς καὶ τινες τῶν ἐκκλησιῶν παρέλαβον.

л. 55. Εὐχὴ ἀντιφώνου τοῦ λυχνικοῦ. Goar pag. 35 (pag. 28—29), по сѣ пропуюкомъ: Καὶ μετὰ τὸ προκείμενον καὶ τὸ Κύριε ἐλέησον, γίνεται ὑπὸ τοῦ ἱερέως εὐχὴ ἀντιφώνου α', ἐν ᾧ φάλλεται· Ταῖς πρεσβείαις, ἔχουσα οὕτως· Εὐλογητός εἶ, Κύριε. Goar p. 35. Εὐχὴ ἀντιφώνου β', ἐν ᾧ φάλλεται· Ὁ μονογενὴς Υἱός· Κύριε, Κύριε, ὁ ρυσάμενος ἡμᾶς. Goar p. 36. Εὐχὴ ἀντιφώνου γ', τοῦ Τρισαγίου· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ αἰώνιος Goar pag. 36. Εὐχὴ κατηχομένων μετὰ τὸ Τρισάγιον τοῦ λυχνικοῦ. Ἰστέον δέ, ὅτι οἱ κατηχοῦμενοι τοῦ λυχνικοῦ οὐ πάντοτε γίνονται, ἀλλ' ἐν πέμπτῃ καὶ τρίτῃ μόνον, καὶ οὐδὲ ἐν ταύταις ἀπλῶς, ἀλλ' ὅτε μὴ ἔχει λειτουργίαν ἡ ἐκκλησία ἢ λιτὴν· λειτουργίας γὰρ ἡ λιτὴ οὔσης, οὐ γίνονται. Ὁ Θεός, ὁ τῶν κρυπτῶν γνώστης. Goar p. 36. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ νῦν προσερχόμεθα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ. Goar pag. 37. Εὐχὴ πιστῶν β'· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸ ἀπόροιστον οἰκῶν φῶς Goar p. 37. Εὐχὴ γ' τῆς ἀπολύσεως· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος. Goar p. 29. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνην πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ κτίσας οὐρανούς. Goar pag. 32. Ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ προέλθωμεν.

л. 60. Εὐχὴ τῶν καταγύρων, γινομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ. Τοῦ διακόνου ποιούντος τὴν συναπτήν, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θησαυρὸς τῶν αἰώνιων ἀγαθῶν, ὁ παντὸς ἀγασμοῦ χορηγός, ὁ κτίσας ἡμᾶς ἐπ' ἔργοις ἀγαθοῖς, ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσωμεν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν, καὶ ποιήσον ἡμᾶς σκευὴ σου ἡγιασμένα καὶ εὐχρηστα τῷ Δεσπότῃ ἀναδειχθῆναι πρὸς πᾶν ἔργον ἀγαθὸν ἐξηρτισμέ-

νοὺς, ἐποικοδομεῖν ἐπὶ τῷ θεμελίῳ τῆς σῆς ἐπίγνωσεως χρυσόν, ἄργυρον, λίθους τιμίους, τὰς θείας καὶ ζωοποιούς ἐντολάς, πόλιν καὶ ἐν-
 διαίτημα τῆς σῆς ἀγαθότητος τὴν ἡμετέραν γενέσθαι ψυχὴν, ἵνα,
 ἐνοικῶν ἐν ἡμῖν καὶ ἐμπεριπατῶν, ὁδοποιήσῃς ἡμῖν καὶ τὴν εἰς τὴν
 αἰώνιον σου βασιλείαν ὁδὸν καὶ δόξαν. Ἐκφώνησις· Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς
 ἡμῶν, καὶ (ἐν) ἁγίοις ἐπαναπαύῃ καὶ σοὶ τὴν δόξαν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ
 πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα ἅγιε, ὑποκλί-
 ναντές σοι τὸν ἀνίχνα τοῦ σώματος, θεόμεθα, δὸς ἡμῖν πάντοτε ἐν ὀρθῷ
 καὶ ἀκλινεῖ τῷ φρονήματι τὴν οὐράνιον δόξαν περισκοπεῖν, καὶ τῇ σῇ
 προσανέχειν μεγαλειότητι. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ τὸ κράτος καὶ σοὺ ἐστὶν
 ἡ βασιλεία. См. выше стр. 13.

л. 60 об. Εὐχὴ, λεγομένη ἐν τῷ βαπτιστηρῷ μετὰ τὸ λυχνικόν.

Καὶ νῦν εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα, τῷ Θεῷ καὶ Πατρί, τῷ ἰκα-
 νώσῃντι ἡμᾶς εἰς τὴν μερίδα τοῦ κλήρου, τῶν ἁγίων ἐν τῷ φωτί, ὅτι
 ἐβρύσω ἡμᾶς ἐκ τῆς ἐξουσίας τοῦ σκότους, καὶ μετέστησας εἰς τὴν
 βασιλείαν τοῦ Υἱοῦ τῆς ἀγάπης σου, ἐν ᾧ ἔχομεν τὴν ἀπολύτρωσιν,
 τὴν ἄφεσιν ἁμαρτιῶν, δι' οὗ αἰτοῦμεν καὶ τῆς ἐπουρανίου σου δόξης
 τὴν κληρονομίαν, ἵνα, οἱ συμμορφωθέντες τῷ θανάτῳ τῆς σαρκὸς αὐτοῦ
 διὰ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος, διὰ τῆς κατὰ τὰς ἐντολάς αὐτοῦ πολιτείας
 καὶ ἀποστροφῆς πάντων τῶν σαρκικῶν παθημάτων, κοινωνοὶ καὶ τῆς
 ἀναστάσεως αὐτοῦ καὶ τῆς αἰωνίου βασιλείας ἐν τῇ λαμπρότητι τῶν
 ἁγίων σου, ἐν τῷ φωτί τοῦ προσώπου σου γενώμεθα. Ἐκφώνησις· Ὅτι
 σὺ εἶ ὁ φωτισμὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Ὁ ἱερεὺς·
 Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς· Κύριε, Κύριε, ὁ
 διὰ τῆς κατὰ σάρκα ἐπιφανείας τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν
 ἐγκαινίσας ἡμῖν ὁδὸν πρόσφατον καὶ ζῶσαν, τὴν δι' ὕδατος καὶ Πνεύ-
 ματος ἀναγέννησιν, Αὐτός, Δέσποτα, τὴν ἐν αὐτῷ τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι
 δεδομένην ἡμῖν τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος χάριν ἀναφαίρετον ἐν ἡμῖν
 διατήρησον, φωτίζων ἡμῶν τὰς ψυχὰς καὶ τὰ σώματα εἰς ἐπίγνωσιν τῆς
 σῆς ἀληθείας καὶ (ἐρ)γασίαν τῶν προσταγμάτων σου. Ἐκφώνησις·
 Ὅτι σὺ εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ Θεὸς τοῦ ἐλεεῖν... Ὁ διάκονος· Σοφία. Χριστός
 ὁ Θεὸς ἡμῶν διὰ πρεσβειῶν τῆς παναχράντου αὐτοῦ Μητρὸς καὶ τοῦ
 ἁγίου καὶ ἐνδόξου προφήτου Προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου, καὶ
 πάντων αὐτοῦ τῶν ἁγίων ἐλεήσει καὶ σώσει τὰς ψυχὰς ἡμῶν, πάντοτε
 νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν. См. выше стр. 13.

л. 60 об. Εὐχαὶ κατὰ παννυχίδα.

Тѣ-же, что выше стр. 13—15, но по тексту ближе всего
 стоятъ къ ркп. патриаршей Александрійской библіотеки № 104.
 (См. тамъ-же въ прим.).

л. 63 об. Εὐχαὶ μεσουνοκτιναί. См. выше стр. 62—63.

л. 65. Εὐχὴ ἐωθινή. Тѣ-же молитвы и съ тѣми замѣчаніями, что въ cod. Bessarion. Crypt-ferrat. bibl.

л. 70 об. Εὐχαὶ τῶν ὥρων τῆς ἡμέρας.

Εὐχὴ ὥρας α'. Ἀντίφωνον α'. Ὁ Θεός, ὁ ἐπὶ τῶν χειροβίῃ καθεζόμενος καὶ ὑπὸ τῶν σεραφίμ δοξάζόμενος. См. выше стр. 9. Εὐχὴ ὥρας α', ἀντίφωνον β'. Ἀκουστὸν ποιήσον ἡμῖν τὸ πρωὶ τὸ ἑλεός σου, ὁ Θεός ἡμῶν. См. выше стр. 35. Εὐχὴ ὥρας α', ἀντίφωνον γ'. Ὁ ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός ἡμῶν. См. выше стр. 35, но съ отличнымъ концемъ: ἀντικειμένων πνευμάτων πονηρίας, φώτισον τοὺς ὀφθαλμοὺς τῶν διανοιῶν ἡμῶν εἰς τὸ ἀπαύστως δοξάζειν σε σὺν τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ καὶ τῷ ζωοποιῷ σου Πνεύματι. Ἐκφώνησις: Ὅτι σὺ εἰς τὸ φῶς τὸ ἀληθινὸν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Εὐχὴ δ', ἤγουν ἀπολύσεως: Κύριε, Κύριε. σὴ ἐστὶν ἡ ἡμέρα καὶ σὴ ἐστὶν ἡ νύξ. Goar pag. 45. Ἐκφώνησις: Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Εὐχὴ τῆς κεφαλοκλισίας: Ὁ εὐλόγος καὶ ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός ἡμῶν. См. выше стр. 36, но съ прибавкою: τοὺς κλίνοντας τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς ἐνώπιόν σου...

л. 71 об. Εὐχὴ πρωϊνὴ¹⁾.

Ὁ Θεός τῶν δυνάμεων, ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰῶνων καὶ μένων εἰς τοὺς αἰῶνας, ὁ Δημιουργός τῶν ἀπάντων, ὁ ποιήσας τὸν ἥλιον εἰς φωτισμὸν τῆς ἡμέρας καὶ τὴν νύκτα εἰς ἀνάπαυσιν πάσης σαρκός, εὐχαριστοῦμέν σοι, ὅτι διήγαγες ἡμᾶς ἐν εἰρήνῃ τὴν νύκτα, καὶ προσήγαγες τῇ ἀρχῇ τῆς ἡμέρας ἐν εὐχαριστίᾳ, καὶ θεόμεθ' αὐτοῦ σου, ἐπίλαμψον ἡμῖν τὸν τῆς δικαιοσύνης σου ἥλιον καὶ ποιήσον ἡμᾶς υἱοὺς φωτός καὶ υἱοὺς ἡμέρας, ἵνα τὴν τε παροῦσαν ἡμέραν σωφρόνως διατελέσωμεν, καὶ πάντα τὸν χρόνον τῆς ζωῆς ἡμῶν ἀπροσκόπως διαβιώσωμεν. Ἐκφώνησις: Χάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ φιλοανθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἰ σὺν τῷ παναγίῳ... Εὐχὴ τῆς ἀπολύσεως: Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς πρὸς τὰς ἀρχὰς τῆς ἡμέρας ἐλθεῖν. См. выше стр. 66. Ἐκφώνησις: Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος Θεός.

л. 72. Εὐχὴ ὥρας α'. См. выше стр. 36—37. Всѣ молитвы, кромѣ послѣдней, послѣ возгласа діакона: Σοφία, т. е. Πανάγιε Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν. Третьяго часа имѣются только двѣ молитвы, которыя сходны съ напечатанными у насъ выше стр. 37, съ тою, однако, разницею, что возгласъ первой здѣсь читается такъ: Ὅτι

¹⁾ Въ оглавленіи онѣ называются: Ἑτεραι πρωϊναὶ εὐχαί.

σου ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δόξα., а возгласъ второй совершенно отсутствуетъ, такъ какъ въ рукописи снова недостаетъ нѣсколькихъ листовъ, содержащихъ въ себѣ молитвы (сѣб): а) νβ'. Τῆς τρίτης ὥρας, б) γγ'. Τῆς ἑκτης ὥρας εὐχαί, с) νδ'. Τῆς ἑνάτης ὥρας εὐχαί и d) Ἑτεροι τοῦ ἁγίου Βασιλείου μετὰ τὴν τῆς κλίνης ἐξανάστασιν καὶ ἐωθινὰ τῶν ὥρων καὶ αἱ λοιπαὶ ἀμφότεροι. Изъ этихъ послѣднихъ въ рукописи мы находимъ далѣе:

л. 74. Εὐχή ἐωθινή.

Δέσποτα ὁ Θεός, ὁ πρὸ ἐωσφόρου γεννηθεὶς ἐκ τοῦ Πατρός, τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν, ὃ φωτίζει πάντα ἄνθρωπον, ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον, ὁ δι' ἄφατον ἀγαθότητα τὴν σὴν ἐπ' ἐσχάτων τῶν χρόνων ἐκτελέσας οἰκονομίαν, καὶ τῷ φωτὶ τῆς ἐπιφανείας σου πρὸς λῆξιν καταστήσας τὴν συνέχουσαν νύκτα τὴν ζωὴν ἡμῶν, καὶ τὴν ἀνέσπερον ἡμέραν ἀναδείξας τῆς σῆς ἐπιγνώσεως, Αὐτὸς καὶ νῦν, θεόμενά σου, ἐξαπόστειλον τὸ φῶς σου τὸ ὑπερουράνιον, εἰς τὸ καταλάμψαι τοὺς νοερούς ὀφθαλμοὺς ἡμῶν, καὶ κυβέρνησον πᾶσαν κίνησιν τῆς καρδίας ἡμῶν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, προσδεχόμενος ταύτας ἡμῶν τὰς ἐωθινὰς δεήσεις, καὶ ἀντικαταπέμπων ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὴν σὴν κληρονομίαν πλοῦσια τὰ ἐλέη σου, παντός σκανδάλου καὶ προσκόμματος, καὶ ταραχῆς σκότους ἡμῶν τε καὶ αὐτῶν ἐκκλίνων τοῦ πόδας, καὶ ἄγγελον φωτός φύλακα τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ σώματος καὶ ὁδηγὸν παρεχόμενος, ἵνα ὑπ' αὐτοῦ ὁδηγούμενοι ἐν τῇ ὁδῷ τῶν ἐντολῶν σου, καταντήσωμεν εἰς τὴν σὴν εὐαρέστησιν, καὶ τύχωμεν τῶν ἐπηγγελμένων ἀγαθῶν, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν θείων καὶ νοερῶν λειτουργῶν σου χερουβὶμ τῆς πρώτης ἱεραρχίας καὶ διακοσμήσεως, δοξάζοντες καὶ εὐχαριστοῦντες εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

л. 74 об. Εὐχή τῆς πρώτης ὥρας.

Πάτερ ἅγιε, ὁ τὸν ἥλιον τῆς δικαιοσύνης, τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, εὐδοκήσας ἀνατεῖλαι ἡμῖν μετὰ τὴν νύκτα τοῦ νόμου καὶ τὴν τῆς συμπλήρωσιν, ὁ τῷ προφήτῃ Δαβὶδ ἐμπνεύσας εἰπεῖν· τὸ πρῶτ' παραστήσομαί σοι καὶ ἐπόψει με, Αὐτὸς καὶ ἐφ' ἡμᾶς τοὺς ἀναξίους, διὰ τὴν σὴν φιλανθρωπίαν παραστήνῃσι τολμῶντας τῷ προσώπῳ τῆς δόξης σου, ἐπίβλεψον ἐν οἰκτιρμοῖς καὶ χρηστότητι, καὶ παράσχου ἡμῖν τὴν παροῦσαν ἡμέραν, καὶ πάντα τὸν χρόνον τῆς ζωῆς ἡμῶν, διελθεῖν εὐλαβῶς καὶ εὐσχημόνως, συντηρῶν ἡμᾶς ἐξ ἀοράτων καὶ ὀρωμένων ἐχθρῶν, καὶ πᾶσαν ἐνθύμησιν καὶ πράξιν ἀπταιστως ἐν ἡμῖν ἐνεργεῖσθαι ποιῶν, καὶ πάντοτε, ὡς ὑπὸ τοῖς σοῖς ὀφθαλμοῖς ὄντας καὶ ὀρωμένους, ἐν εὐθύτητι καθοδήγησον, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν

Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν θείων καὶ νοερῶν σου λειτουργῶν, τῶν, οἷς ἐπαναπαύῃ, θρόνων τῆς πρώτης ἱεραρχίας καὶ διακοσμῆσεως, εἰς δόξαν σὴν καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ τοῦ παναγίου καὶ ἀγαθοῦ καὶ ζωοποιοῦ Πνεύματος νῦν.

λ. 75. Εὐχὴ τῆς γ' ὥρας

Ἄγιε Παράκλητε, τὸ Πνεῦμα τῆς ἀληθείας, τὸ ἐν τοῖς ἁγίοις ἐνοικῆσαν μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις διὰ τῆς εὐδοκίας τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ πληρῶσαν αὐτοὺς τοῦ παρὰ σοῦ ἁγιασμοῦ καὶ τῆς χάριτος, τὸ φωστῆρας τούτους ἀπεργασάμενον καὶ δι' αὐτῶν φωτίσαν τὸν κόσμον, καταξίωσον καὶ ἐν ἡμῖν τοῖς ἁμαρτωλοῖς τὴν σὴν ποιῆσαι ἐνοίκησιν, καὶ ἀπέλασον ἀφ' ἡμῶν πάντα ζόφον κακίας ἐν τῷ φωτί σου, ἀπόπλυνον ἡμᾶς τῶν προλαβόντων ῥύπων τῆς ἁμαρτίας, καὶ τῶν ἐτι κατ' ἡμῶν φερομένων ὑπ' αὐτῆς ἁμετόχους συντήρησον, δός ἡμῖν τὴν μετοχὴν τῆς σῆς καθαρότητος ἐν τῷ ἀποκαθάραι πάσαν ψυχῆς κηλίδι, καὶ ὅλην αὐτῆς ἁγιάσαι τὴν τριμερῆ δύναμιν, ὥστε πάντοτε τὴν σὴν ἐν αὐτοῖς οἴκησιν ἔχειν, καὶ τῇ σῇ γνώσει καὶ σοφίᾳ σου συνετιζέσθαι τὰ εὐθὴ καὶ συμφέροντα ἡμῖν τε καὶ παντὶ τῷ λαῷ σου, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν αὐλῶν καὶ νοερῶν λειτουργῶν σου, τῶν θείων κυριοτήτων τῆς δευτέρας καὶ μέσης ἱεραρχίας καὶ διακοσμῆσεως. Ὅτι παρὰ σοῦ πᾶσα εὐθύτης καὶ σωτηρία καὶ χορηγία τῶν ἀγαθῶν νῦν καὶ αἰεῖ.

λ. 75 υδ. Εὐχὴ τῆς ἑκτῆς ὥρας.

Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τὴν ἡμετέραν ἐν τῷ ξύλῳ κατάκρισιν τὰς ἀχράντους σου χεῖρας ἐπὶ ξύλου τανύσας, καὶ τὸ χειρόγραφον τῆς πρὸς τὴν ἁμαρτίαν ὑποταγῆς ἡμῶν διαῤῥῆξας, Αὐτὸς ἀπὸ πάσης ἐπιβουλῆς ῥῦσαι καὶ μεθοδεῖας τοῦ διαβόλου, καὶ τῇ σῇ κατασφάλισαι προνοίᾳ τὸν νοῦν ἡμῶν καὶ τὸ πνεῦμα, ἀπράκτους αὐτοῦ ποιῶν καὶ ἀνεργήτους τὰς κατ' ἡμῶν ἐπιχειρήσεις, μηδὲ ἀνέξῃ τὴν ἐλευθερίαν ἀπολέσαι ἡμᾶς, ἣν διὰ τοῦ ζωοποιοῦ αἵματος τῆς ἁγίας πλευρᾶς σου ἐλάβομεν, μηδὲ πάλιν κατ' ἡμῶν ἐπιχαίρειν τῷ ἐπιβούλῳ γέννηται δαίμονι, διὰ τοῦ τὴν αὐτοῦ δουλείαν καὶ τὴν ἐκ ταύτης αἰσχύνην ἐπαυχεῖν ἡμῖν, ἀλλὰ τήρησον ἡμᾶς ἀδουλώτους καὶ ἀνεπαισχύντους τῇ σῇ βοήθειᾳ καὶ ἀντιλήψει, δυναμουμένους καὶ τῇ παρὰ σοῦ δεδομένη ἐξουσίᾳ εἰς τὸ πατεῖν ἐπὶ πᾶσιν τὴν δύναμιν τοῦ ἐχθροῦ, σοὶ μόνῳ γνησίως δουλεύοντας, τὰ σοὶ εὐάρεστα μελετῶντας, τὰ σὰ ἔργα ἀμέπτως ἐπιτελοῦντας, καὶ σὲ ἀγαπῶντας ἐξ ὅλης καρδίας, τὸν ἀγαπήσαντα ἡμᾶς Δεσπότην, καὶ τοῖς ἑαυτοῦ σώσαντα πόνοις καὶ τραύμασι, καὶ τῆς σῆς θεραπείας καὶ νυκτὶ καὶ ἐν ἡμέρᾳ ὅλους ὄντας καὶ μηδέποτε ταύτης ἀφ-

ισταμένους, μηδὲ τῆς σῆς ἐνώσεως, ἵνα καὶ τῆς ἐκεῖθεν ἀπολαΐειν κατὰ ἀξιώθωμεν ἐγγύτητος, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν αὐλῶν καὶ νοερῶν λειτουργῶν σου, τῶν θείων δυνάμεων τῆς δευτέρας καὶ μέσης ἱεραρχίας καὶ διακοσμήσεως, καὶ δοξάζωμέν σε σὺν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

1. 76. Εὐχή τῆς 8' ὥρας.

Δέσποτα Κύριε, ἡ ζωὴ τῶν ὅλων, ὁ ὑπὸ τῆς ἀφάτου σου φιλανθρωπίας καὶ τῆς πολλῆς πρὸς τοὺς ἁμαρτωλοὺς εὐσπλαγχνίας, μηδὲ νεκρὸς ὀφθῆναι παραιτησάμενος, ἀλλ' ἐπὶ τοῦ παναγίου σταυροῦ σου τὸ μὲν Πνεῦμα παραιτέμενος τῷ Πατρὶ καὶ Θεῷ, τὸ δὲ ἄμωμον σῶμά σου ἀτίμως κρεμάσθαι παριδών, ἵνα τοιαύτῃ θριαμβεύσης οἰκονομία πάσαν τοῦ διαβόλου κατ' ἡμῶν τὴν ἰσχύν, Αὐτός, ἐν τῇ δυνάμει τῆς ζωοποιῶς σου νεκρώσεως τὰς σαρκικὰς ἀποκτείνας ἡμῶν ἐπιθυμίας, ἃς ἡ ἐνοικοῦσα ἐν τοῖς μέλεσιν ἡμῶν ἁμαρτία κατὰ τῆς ψυχῆς ἐρεθίζει καὶ ἀνακινεῖ, λύτρωσαι ἀπὸ παντὸς ψυχοφθόρου πολέμου ἔξωθεν ἢ ἐνδοθεν ἐπισυνεστῶτος, καὶ περιφρούρησον ἡμῶν τὴν ζωὴν ἀνώλειπτον, ἣν ἐδωρήσω ἡμῖν διὰ τοῦ μεταποιήσαντος ἡμᾶς πρὸς ἀφθαρσίαν θανάτου σου, καὶ ἐνσκηνωσάτω, Κύριε, καὶ ἐν τῷ Πνεύματι καὶ ἐν τῇ σκρὶ ἡμῶν ἡ τὰ πάντα ζωοποιούσα καὶ συγκροτοῦσα σωστικὴ σου δύναμις, τὸ σαρκικὸν φρόνημα καθυποτάσσουσα τῷ πνεύματι, καὶ εἰρηνικοποιούσα τὸν ἐν ἡμῖν πόλεμον, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ τῶν αὐλῶν καὶ νοερῶν λειτουργῶν σου, τῶν θείων ἐξουσιῶν τῆς δευτέρας καὶ μέσης ἱεραρχίας καὶ διακοσμήσεως, ἵνα ἐν τῇ σῇ δοξάζωμεν εἰρήνῃ τὸ πανάγιον ὄνομά σου σὺν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν.

1. 76 οδ. Εὐχή κατὰ τὴν ὥραν τὴν ἐσπερινήν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἀνθρωπίνην ζωὴν ἡμέρᾳ καὶ νυκτὶ διορίσας, ἵνα δι' ἀμφοτέρων συνεχόμενοι ἀδιαλείπτως εὐχαριστῶμεν καὶ μεγαλύνωμεν τὴν σὴν βασιλείαν καὶ κορυότητα, καὶ νῦν τὴν ἐσπερινὴν εὐχαριστίαν φόβῳ προσάγοντας, πρόσδεξαι τῇ σῇ ἀγαθότητι, συμπαιθῶς ἡμῖν ἐπικλίνων τὸ πανάγιον οὖς σου, καὶ προσδεχόμενος τὰς δεήσεις ἡμῶν, ἃς ἀναξίως τολμῶμέν σοι ἀναφέρειν, καὶ μὴ διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν ἐν ὀργῇ ἀφ' ἡμῶν ἐκκλίνης, ἀλλὰ παράσχου καὶ τῶν μέχρι τῆς παρούσης ὥρας ἡμαρτημένων τὴν συγχώρησιν, ὁ εἰδὼς τὴν ἀσθένειαν καὶ τὸ τῆς φύσεως ἡμῶν ὀλισθηρόν, καὶ τὸ ἐπιλοιπον τῆς ἡμέρας διελθεῖν ἀναμάρτητον, ῥῦσαι ἡμᾶς ἐν τῇ ὁδηγίᾳ σου ἐνέδρας τοῦ πονηροῦ

καὶ παραπτώματος ὀρωμένου καὶ ἀφανοῦς. Πάτερ εὐσπλαγχνε, ὁ διὰ τῆς φωτιστικῆς καὶ ἡμερινῆς σου γεννήσεως ἡμᾶς γεννήσας, εὐδόκησον, ὡς υἱοὺς φωτὸς καὶ ἡμέρας, τὴν σὴν ὁμοιότητα διασώζειν ἀνόθευτον, καὶ πρὸς σέ πάντοτε ἀνεμποδίστως ἐνατενίζειν, καὶ μὴ συγχωρήσης ὑπὸ τοῦ σκότους καταληφθέντας ἀπονυστάξει τοὺς ὀφθαλμοὺς ἡμῶν. ἀλλὰ γρηγοροῦντας μετάρησον ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς ζωῆς τυχύτης πρὸς τὴν ἐκεῖθεν ἀτελεύτητον ἡμέραν, καὶ παράστησον τῷ ἀκορέστῳ φωτὶ τοῦ προσώπου σου, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ τῶν ἱερῶν λειτουργῶν σου, τῶν θείων ἀρχῶν τῆς τελευταίας ἱεραρχίας καὶ διακοσμήσεως, ἵνα τῆς αὐτοῦ καταξιωθέντες ἀπολαύσεως, δοξάζωμέν σε εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

λ. 77 ὁβ. Εὐχὴ ἀπionτων εἰς κοίτην, ἥτοι ἀποδείπνου.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καὶ τῆς αἰωνίου ζωῆς χορηγός, ὁ καὶ τὴν ἐπίκαιρον ταύτην καὶ ὀνητὴν συνέχων ζωὴν ἡμῶν ἐν τῷ τάξει νύκτα καὶ ἡμέραν εἰς ἀλλήλων διαδοχὴν, ἵνα τῇ μὲν διὰ τῆς χορηγίας τῶν σῶν ἀγαθῶν ἐμπιπλῶνται καρδίαι, τῇ δὲ ἀπὸ τῶν ἡμερινῶν πόνων τῇ σαρὶ δωρηται ἡ ἄνεσις, Αὐτὸς καὶ νῦν, ἐπεὶ διὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰκτιρμῶν σου εὐδόκησας ἡμᾶς τοὺς ἀναξίτους παρελθεῖν τὸ στάδιον τῆς ἡμέρας καὶ τοῖς ὅροις ἐπιβῆναι τῆς νυκτός, παράσχου ἡμῖν τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ σώματος ἄνεσιν καὶ τὸν ὕπνον ἀνεόχλητον ἐκ πάσης βλάβης καὶ παντοίας διαβολικῆς ἐπηρείας ἀκάκωτον καὶ ἀτάραχον, ρῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ φόβου νυκτερινοῦ, ἀπὸ ῥαθυμίας καὶ σκοτώσεως λογισμῶν, ἵνα μὴ πρὸς θάνατον καθυπνώσωμεν, διέγειρον ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ ὕπνου καὶ τῆς ἡσυχίας τῆς κοίτης ἡμῶν πεφωτισμένους τοὺς ὀφθαλμοὺς τῆς ψυχῆς, τὰς αἰσθήσεις ἀβλαβεῖς καὶ ἀνεμποδίστους ἐξ ἀκηρίας καὶ νοηρότητος ἵνα πεφωτισμένη διανοία καὶ γλώσση προθύμῳ, καὶ χεῖλεσιν εἰς τὴν σὴν παραστῶμεν εὐχαριστίαν, πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν θείων καὶ νοερῶν λειτουργῶν σου καὶ ἀρχαγγέλων τῆς τελευταίας ἱεραρχίας καὶ διακοσμήσεως, καὶ δοξάζωμεν τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν καὶ ἀεί.

λ. 78. Εὐχὴ τῶν μεσονυχτιῶν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὸ αἰδίον ἀπαύγασμα τοῦ Πατρὸς, ὁ ἥλιος τῆς δικαιοσύνης, ὁ ἐν μέσῳ τῆς γῆς ἐπαρθεὶς καὶ τὴν ἀπὸ τοῦ αἵωνος νύκτα μειώσας τῆς ἁμαρτίας, κατὰύγασον καὶ ἐν ταύτῃ τῇ ὥρᾳ τῆς νυκτός τοὺς νοεροὺς ὀφθαλμοὺς μου, καὶ πρὸς σέ τούτους αἶρειν τολμῶντι ἐπίφανον τὸ πρόσωπόν σου καὶ ἐξαπόστειλον τὴν βοήθειάν σου, ρυόμενος ἐκ τῆς κατὰδυναστείας τοῦ ἄρχοντος τοῦ σκότους, καὶ τῶν ἐπι-

συνισταμένων δι' αὐτοῦ τῆς κακίας παθῶν κατὰ τῆς ζωῆς ἡμῶν, στηριζόν ἀκλόνητον καὶ νῦν καὶ πάντοτε παρεστώτα, ὡς ἀχρεῖον οἰκέτην, σοὶ τῷ Θεῷ μου καὶ βασιλεῖ, ἀπὸ πάσης πονηρᾶς φαντασίας, καὶ τὴν ταπεινὴν μου δέησιν ἀνεμπόδιστον καὶ ἀβδέλυκτον ποίησον ἀπὸ λογισμῶν ῥυπαρῶν καὶ προσερχομένων, ἵνα διὰ τῆς αὐτῶν δυσωδίας τὸ ἀνάξιον ἡμῶν πλεονάσωσιν, ἀλλὰ σὺ, εὐσπλαγχνε, ἡ τὰ πάντα πληροῦσα εὐωδία, πλήρωσον καὶ ἡμᾶς τῆς σῆς ἐνεργείας, καὶ καθάρισον ἀπὸ πάσης ἀκαθαρσίας σαρκὸς καὶ πνεύματος, καὶ πρόσδεξαι ἡμᾶς ἐξομολογουμένους τῇ ἀγαθότητί σου ἐπὶ πᾶσιν, οἷς ἐποίησας μεθ' ἡμῶν, καὶ μὴ ἀντιθέλῃς τοὺς οἰκτιρμούς σου, μηδὲ τὸ ἐπιβλέπειν ἀφέλῃς ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου, ἀλλὰ καὶ ἐν νυκτὶ καὶ ἐν ἡμέρᾳ, καὶ ἐν παντὶ καιρῷ ἐφύρων ἡμᾶς, συντήρησον ἐκ τῶν ἔργων τοῦ σκότους πρεσβεΐαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, τῶν ἁγίων ἀγγέλων τῆς τελευταίας ἱεραρχίας καὶ διακοσμήσεως δοξάζοντάς σε εἰς τοὺς αἰῶνας.

1. 78 οἶ. Εὐχὴ κατὰ τὴν ἑσπέραν.

Σοὶ, Κύριε, τῷ δεδωκότι ἡμῖν ἡμέραν εἰς ἐργασίαν καὶ νύκτα εἰς ἀνάπausιν, τὴν ἑσπερινὴν ἀποδιδόντες εὐχαριστίαν, αἰτούμεθα καὶ ἱκετεύομεν ὑπὸ τῆς σῆς χάριτος πάντοτε διαφυλάττεσθαι ἀπρόσκοποι, καὶ ἐν ἡμέρᾳ μὲν πρὸς ἐργασίαν τῶν θείων σου ἐντολῶν ἐνισχύεσθαι, ἐν νυκτὶ δὲ ἀφαντάσιστον καρποῦσθαι τὸν ὕπνον, ὃν εἰς ἀνάπausιν ἡμῖν δέδωκας, καὶ διὰ τῆς νῦν ἐπαινετῆς πολιτείας ἐπὶ τὴν μέλλουσαν προσαχθῆναι σου δοῦξαι.

1. 79. Εὐχὴ ἀπιόντων ἐπὶ κοίτην.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰς ὃν ἐπιστεύσαμεν καὶ οὗ τὸ ὄνομα τὸ ὑπὲρ πᾶν ὄνομα ἐπικεκλήμεθα, δὸς ἡμῖν εἰς ὕπνον ἀπιοῦσιν ἄνεσιν σώματος καὶ ψυχῆς, διατήρησον ἡμᾶς πάσης φαντασίας καὶ σκοτεινῆς ἡδυπαθείας ἐκτός, παῦσον τὰς ὀρμὰς τῶν παθῶν, σῴζου τὴν πύρωσιν τῆς ἐπικινεμένης σαρκὸς δώρησαι ἡμῖν σωφρόνως βιοῦν ἐν ἔργοις καὶ λόγοις, ὅπως ἐνάρετον πολιτεῖαν ἐπληρηρημένοι, τῶν ἐπηγγελμένων μὴ ἐκπέσωμεν ἀγαθῶν σου.

— Εὐχὴ ἐωθινή.

Δόξῃ σοι, Κύριε ὁ Θεός μου, ὁ τῇ θείᾳ σου καὶ φιλανθρώπῳ προνοίᾳ ἀξιώσας με τὸν ἀνάξιον ἐκ τοῦ ὕπνου ἀναστῆναι, καὶ τῆς εἰσόδου τυχεῖν τοῦ ἁγίου οἴκου σου, πρόσδεξαι, Κύριε, τὴν φωνὴν τῆς δεήσεώς μου, καὶ ἀξίωσον ἐν πνεύματι ταπεινώσεως καὶ καρδίᾳ συντετριμμένῃ τὴν ἐκ τῶν χειλέων μοι προσενεχθῆναι σοι αἴτησιν, ὅπως καὶ γὰρ κοινωνῶς γένωμαι τῶν εὐαρεστησάντων τὸ ὄνομά σου τῶ ἁγίον.

1. 79 οβ. Τάξις, γινομένη ἐπὶ λιτῇ μελλούσῃ τῆς Μεγάλῃς ἐκκλησίας ἐξέρχασθαι.

Κάτεισιν ὁ ἀρχιερεὺς καὶ εἰσέρχεται εἰς τὸ θυσιαστήριον διὰ τῆς πλαγίας, προπορευομένου τοῦ κανστρίσιου καὶ προσκυνοῦντος αὐτοῦ τρίτον, ἀνυφοῖ ὁ κανστρίσιος κατὰ τὴν ἐνδυτὴν τῆς ἁγίας τραπέζης ταβλίον καὶ ἀσπάζεται αὐτό, λαμβάνων δὲ καιρὸν ὁ ἀρχιδιάκονος ἐπιτρέπει τῷ διακόνῳ, καὶ μὴ λέγων τὸ Εὐλόγησον, δέσποτα, εὐθὺς φησιν· Ἐν εἰρήνῃ. Καὶ λαμβάνων ὁ ὑποδιάκονος τὸν σταυρὸν τὸν πρὸ τῆς ἁγίας τραπέζης, ἔρχεται σὺν αὐτῷ καὶ ἵσταται εἰς τὸ ἀριστερὸν τοῦ ἀρχιερέως μέρος, καὶ ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, μνησθητι ἡμῶν τῶν ἀμαρτωλῶν καὶ ἀχρείων δούλων σου. Goar. p. 639. Ὅτι ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ἄγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν καὶ παντεφόρῳ σου ὄμματι ἐπιβλέπων ἐπὶ πᾶσαν τὴν κτίσιν... Goar. pag. 639. Ἐκφωνήσεις· Σὺν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σῶζειν, ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Καὶ λαμβάνων καιρὸν ὁ ἀρχιδιάκονος ἐπιτρέπει τοῖς ψάλταις, καὶ ἀπάρχονται τοῦ τροπαρίου τῆς λιτῆς, εἰσερχομένου δὲ διακόνου ἐτέρου μετὰ θυμιατηρίου καὶ θυμιάματος καὶ λέγοντος τὸ Εὐλόγησον, δέσποτα, σφραγίζει τὸ θυμιάμα ὁ ἀρχιερεὺς καὶ φησι· Θυμιάμα σοι προσφέρομεν εἰς ὁσμὴν εὐωδίας, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἀντικατάπεμψον οὖν ἡμῖν τὴν χάριν τοῦ παναγίου σου Πνεύματος. Καὶ οὕτω τοῦ διακόνου θυμῶντος, αὐτὸς λαμβάνει τὸ εὐαγγέλιον ἀπὸ τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ ἵσταται ἐπάνωθεν τοῦ τὸν σταυρὸν βαστάζοντος, θυμῶν δὲ ὁ διάκονος τὴν ἁγίαν τράπεζαν καὶ τὸν ἀρχιερέα, κατέχοντα τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, μεθίσταται πρὸς τὸ θυμιάσαι καὶ τὸν σταυρὸν, εὐθέως οὖν λαμβάνει ὁ ἀρχιδιάκονος ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ ἀρχιερέως τὸ εὐαγγέλιον καὶ ἀσπάζεται αὐτὸ ὁ ἀρχιερεὺς. Προσάγοντος δὲ καὶ τὸν σταυρὸν τοῦ βαστάζοντος αὐτόν, ἀσπάζεται καὶ τοῦτον, καὶ οὕτως ἐξέρχονται πρῶτον μὲν ὁ διάκονος, ὁ κατέχων τὸ θυμιατήριον, εἶτα ὁ τὸν σταυρὸν βαστάζων, ἔπειτα ὁ ἀρχιδιάκονος μετὰ τοῦ εὐαγγελίου, καὶ ἐπὶ τούτοις ὁ ἀρχιερεὺς ὑπὸ τινος μὴ παρακρατούμενος. Ὅταν δὲ ἔλθωσιν εἰς τὸ τρίτον ποτάμιον, ὁ μὲν ἀρχιερεὺς ἵσταται μέσον, τὸ δὲ εὐαγγέλιον ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ, καὶ ὁ σταυρὸς ἐξ ἀριστερῶν, ἔνθα καὶ τὸ θυμιατήριον. Λέγοντος δὲ τοῦ ἀρχιδιακόνου· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, ὁ ἀρχιερεὺς φησιν· Εὐλογημένη ἡ δόξα Κυρίου ἐκ τοῦ τόπου τοῦ ἁγίου αὐτοῦ πάντοτε νῦν καὶ αἰεῖ... Εἶτα προσάγοντος τοῦ ἀρχιδιακόνου τὸ εὐαγγέλιον καὶ τὸν σταυρὸν τοῦ βαστάζοντος αὐτόν, ἀσπάζεται ἀμφοτέρω, καὶ ὁ τῶν ὑποδιακόνων δομέστικος φαινόλιον φέρει,

περιβάλλει τὸν αἶροντα τὸν σταυρόν, καὶ κατιόντων πάντων εἰς τὰς βασιλικὰς πόλεις, στρέφεται πρὸς ἀνατολὰς ὁ ἀρχιερεὺς καὶ εὐχεται, καὶ οὕτω καλύπτων τὴν ἑαυτοῦ κεφαλὴν ἀπέρχεται τῆς ὁδοῦ. Ἐρχομένης δὲ τῆς λιτῆς εἰς τὸν φόρον ἢ εἰς ἕτερον τόπον, ἔνθα ἂν ᾖ ὁ τύπος, δοξάζουσιν οἱ ψάλλται, καὶ γινομένης τῆς ἐκτενοῦς δεήσεως, ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκτενὴ ταύτην ἰκεσίαν πρόσδεξαι. Goar. p. 639. Ἐἵτα σφραγίζει τρίτον ἐπὶ τὸ ἔμπροσθεν μέρος καὶ ἐκφωνεῖ· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Ἐπειτα λέγει· Εἰρήνη πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, εὐχεται οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης. Goar. p. 639. Ἐκφωνήσας· Εἶη τὸ πανάγιον ὄνομα τῆς φιλανθρωπίας σου εὐλογημένον καὶ δεδοξασμένον τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ... Καὶ εὐθέως ἀπάρχονται οἱ ψάλλται τοῦ τροπαρίου, καὶ κινεῖται ἡ λιτὴ.

λ. 81 об. Ἐν λιτῇ¹⁾ διὰ φόβον, γινομένη καὶ τοῦ Σεπτεμβρίου καὶ Ἰουνίου εἴ ἐν τῷ κάμπῳ τοῦ τριβουναλίου ἔξω τῆς χρυσοῦς πόρτης, καὶ Ὀκτωβρίου καὶ τοῦ ἀγίου Δημητρίου τῇ μνήμῃ σεισμοῦ καὶ τῶν Ἀβάρων, καὶ τῶν ἀγίων Ἀναργύρων ἔξω τῆς πόρτης τῶν Βλαχερινῶν, καὶ τῇ δ' μετὰ τὴν κυριακὴν τῶν ἀγίων πάντων ἔξω τῆς χειρσαίου πόρτης, ἀπερχομένης τῆς λιτῆς εἰς τὴν Παλαιὰν Πέτραν. Μετὰ τὴν ἐκτενὴ ἰκεσίαν εὐχή τῆς κεφαλοκλισίας· Πάλιν σοῦ, Κύριε, τοῦ φιλανθρώπου Δεσπότης μνήμη παιδείας... Goar. p. 640.

— Τάξις, γινομένη τῇ α' Σεπτεμβρίου ἐν τῷ φόρῳ²⁾, ἡ ὁμοία τάξις καὶ τῇ ια' τοῦ Μαΐου εἰς τὸ γενέθλιον τῆς πόλεως, πλὴν ἄλλη ἀκολουθία τῶν ἀντιφώνων καὶ τῶν λοιπῶν, καὶ ἡ λιτὴ δὲ γίνεται ἐν τῇ Μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ. Чинъ напечатанъ нами въ „Описаниіи литург. рукописей, хранящихся на прав. востокѣ“ т. I, ч. I. Τοπικὰ 1895 г. стр. 152—154 съ тою разницею, что послѣ великоѣ ектењи положень възгласъ: Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν...

λ. 83 об. Τάξις, γινομένη ἐν τῷ κάμπῳ τοῦ τριβουναλίου, ἐν ταῖς ἑξ ἔθους ἐκεῖσε ἀπερχομέναις λιταῖς.

Μετὰ τὸ ἀνελθεῖν τὸν ἀρχιερεᾶ καὶ δοξάσαι τοὺς ψάλλτας, δεξασθαι δὲ καὶ τὸν λαόν, γίνονται ἀντίφωνα γ'· τὸ Πρὸς Κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι με καὶ τὰ λοιπά, καὶ μετὰ τὸ γ' ἀντίφωνον, λέγοντος τοῦ ἀρχι-

1) Въ оглавлении: Ἐν λιτῇ διὰ φόβον ἔξω τῶν πορτῶν εἰς τὴν ἐκτενὴ εὐχὴν. 2) Въ оглавлении прибавлено: „καὶ ὑποστρεφούσης τῆς λιτῆς εἰς τὰς λειτουργίας“.

διακόνου· Πρόσχωμεν, φησὶν ὁ πατριάρχης· Ὑπὲρ τῆς οἰκουμενικῆς καταστάσεως... Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων ἡμῶν βασιλέων... Ὑπὲρ τοῦ ἄσειστον καὶ ἄφλεκτον καὶ ἀναίμακτον διατηρηθῆναι.. Καὶ τοῦ λαοῦ λέγοντος τὸ Κύριε ἐλέησον, σφραγίζει τρίτον καὶ ἐκφωνεῖ· Ὅτι Θεὸς ἐλέους καὶ οἰκτιρμῶν.. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμὴν κάθεται ἐν τῷ θρόνῳ. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Σοφία, λέγει τὸ προκείμενον, καὶ μετὰ τὸ Ἀλληλούια, λέγοντος τοῦ ἀρχidiaκόνου· Ὁρθοὶ ἀκούσωμεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου, σφραγίζει τρίτον καὶ λέγει· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου. Εἴτα ἐκφωνεῖ· Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον. Ὁ ἀρχidiaκόνος· Ἐν σοφίᾳ πρόσχωμεν. Καὶ οὕτως ἀρχόμενος συναναγινώσκει τῷ διακόνῳ πᾶσαν τὴν περιοχὴν τοῦ εὐαγγελίου, καὶ μετὰ τὴν ἐκτενὴν, ὑποστρέφει ἡ λιτὴ εἰς τὸν ναὸν τοῦ Θεολόγου εἰς τὸ ἔβδ(ο)ν, καὶ τελεῖται ἡ θεία λειτουργία, ἡ εἰς τὸν ναὸν τοῦ ἁγίου Βαβύλα τῇ ε' τοῦ Ιουνίου μηνός. Conf. Goar. pag. 640.

1. 84. Τάξις, γινομένη ἐπὶ ἐγκαινίοις ναοῦ.

Τῆς λιτῆς τὸν τοιοῦτον ναὸν λαμβανούσης καὶ τῶν θυρῶν πκσῶν κλειομένων, ἴσταται ὁ ἀρχιερεὺς ἔμπροσθεν τῶν μέσων πυλῶν, κεκλεισμένων καὶ αὐτῶν οὐσῶν, καὶ φωνοῦσι μὲν οἱ ἀναγινῶσται ἔξωθεν τὸ Ἀρατε πύλας, ἀντιφωνοῦσι δὲ οἱ φάλται ἔσωθεν τὸ Τίς ἐστὶν οὗτος... Τοῦ δὲ ἀρχidiaκόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεταὶ οὕτως· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ διὰ τῆς ἁγίας αὐτοῦ καὶ θεοφόρου σαρκός, ἣν ἐπὶ σωτηρίᾳ καὶ ἀνακλήσει τοῦ τῶν ἀνθρώπων γένους ἐξ ἡγιασμένης παρθενίας γαστρὸς αὐτός ἐαυτῷ περιέειτο, ἐγκαινίσας ἡμῖν τῆς τῶν πρωτοτόκων ἐκκλησίας τῶν ἐν οὐρανοῖς ὑπογεγραμμένων τὴν εἴσοδον, ἐνθα ἤχος ἐορταζόντων καὶ φωνὴ ἀφράστου ἀγαλλιᾶσεως, Αὐτός, φιλόανθρωπε Δέσποτα, ἔπειδε ἐφ' ἡμᾶς τοὺς ἀμαρτωλοὺς καὶ ἀναξίους δούλους σου, τοὺς τὴν ἀνάμνησιν ἐορταζοντας τοῦ ἐγκαινισμοῦ ταύτης τῆς ἀγιοτάτης σου ἐκκλησίας, καὶ δι' αὐτῆς τοῦ χοίκοῦ σκήνους ἡμῶν μετὰ τῶν ψυχῶν, οὓς καὶ ναοὺς καὶ μέλη τοῦ Χριστοῦ σου διὰ τοῦ ἁγίου σου ἀπετέλεσας Πνεύματος, καὶ ταύτην μὲν μέχρι συντελείας αἰῶνος ἀσάλευτον μένειν τῷ παναγράντῳ σου Πνεύματι στηριζομένην καὶ παντοδαπαῖς κοσμουμένην ἀνάδειξον χάρισιν, ἡμᾶς δὲ καταξίωσον ἐν αὐτῇ αἰνέσεις καὶ δοξολογίας ἀκατακρίτως προσάγειν τῇ δόξῃ σου τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ καὶ Πατρὸς καὶ τοῦ ἀγαπητοῦ σου Παιδός, καὶ τοῦ ζωοποιῶ Πνεύματος, ἐν ἐπιγνώσει τῆς ἀληθείας σου πάντας ἡμᾶς ἀξίων πολιτεύεσθαι, ἵνα ἀπρόσκοποι καὶ βίῃ καὶ πολιτείᾳ τῇ ἁγίᾳ σου τελούμενοι χάριτι πρεσβείαις τῆς ἀχράντου Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας τὰς ὑπὲρ ἡμῶν αὐτῶν καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ

προσφέρωμέν σοι ἀκαταγνώστους δεήσεις, μερίδα τινὰ λαβεῖν μετὰ τῶν ἁγίων σου τῆς ἐν οὐρανοῖς βασιλείας σου ἱκετεύοντες. Σὺ γὰρ εἶ Θεὸς πλούσιος ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς καὶ μόνη χρηστότητι τοῦ κλήρου καταξιῶν τῶν εὐαρεστησάντων σοι τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ... Μετὰ δὲ τὸ Ἀμήν, εὐθὺς ἐπιφέρει τὴν εἰθισμένην τῆς εισόδου εὐχὴν, ἔχουσιν οὕτως· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα Goar. p. 662. Καὶ ὅτε εἴπωσι τρίτον τὸ Ἄρατε πόλας, σφραγίζει ταύτας ἐκ γ', καὶ ἀνοιγομένη γίνεται κατὰ τάξιν ἢ εἰσοδος.

л. 84. Εὐχὴ, προσφερομένη τῷ καιρῷ τῆς μεταλήψεως τῶν θείων μυστηρίων· Δέσποτα ἄγιε, ἀμύλυντε, ἄχραντε, ὁ μὴ ἀπαξιώσας διὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου τὴν ρυπωθεῖσαν φύσιν ἡμῶν ὑπὸ τῆς ἁμαρτίας ἀναμαρτήτως καὶ ἀρρύπαντως ἀναλαβεῖν...

л. 86. Εὐχὴ ἐτέρα τῆς ἁγίας κοινωνίας· Κύριε, οὐκ εἰμι ἅγιος οὐδὲ ἱκανός, ἵνα μου ὑπὸ τὴν στέγην εἰσελθῃς... Нѣнѣ въ молитвахъ къ причащенію.

л. 87. Εὐχὴ μετὰ τὴν μετάληψιν τῆς ἁγίας κοινωνίας· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐξ οὐρανοῦ καταβάς ἄρτος καὶ τῷ κόσμῳ ζῶν παρὰσχόμενος, ὁ ζωοποιὸν ἀποφύνας τὸ τίμιον σῶμα καὶ αἷμά σου...

л. 87 об. Εὐχὴ ἐπὶ κολλύβοις μνήμῃ ἁγίου. См. выше стр. 35, но съ небольшою особенностію въ текстѣ: καὶ καταξίωσον ἡμᾶς μεταλαβεῖν ἐξ αὐτῶν ἐπὶ υἰεῖα...

— Εὐχὴ ἐτέρα ἐπὶ κολλύβοις μνήμῃ ἁγίου. Goar p. 524.

л. 88. Εὐχὴ ἐπὶ κολλύβοις μνήμῃ κοιμηθέντος. Goar p. 526.

л. 88 об. Εὐχὴ θυμιάματος· Σοὶ τῷ πεπληρωμένῳ πάσης εὐωδίας καὶ εὐφροσύνης, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξ ὧν δέδωκας ἡμῖν, προσφέρωμεν τὸ θυμίαμα τοῦτο, ἀναληφθήτω δεόμεθα ἐνώπιόν σου ἐκ τῶν χειρῶν ἡμῶν εἰς ὁσμὴν εὐωδίας, εἰς ἄρεσιν ἁμαρτιῶν ἡμῶν, εἰς ἱλασμόν τοῦ λαοῦ σου, χάριτι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ.

— Εὐχὴ θυμιάματος ἐπὶ κεκοιμημένου· Ὁ ὦν καὶ προὖν, καὶ διαμένων εἰς τοὺς αἰῶνας. Κύριε, ὁ ὑπὸ πάσης νοητῆς δοξαζόμενος. Goar. p. 433.

— Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος κοσμικοῦ· Ὁ Θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σαρκός. Goar. p. 424. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος ἐτέρα· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δημιουργὸς καὶ Σωτὴρ τῶν ἀπάντων, καὶ κριτὴς ζώντων καὶ νεκρῶν. Goar. pag. 534. Варианты: Ἐν χώρᾳ φωτός = нм. ἐν ὧρᾳ φωτός. Копецъ: τῶν ἀπ' αἰῶνος εὐαρεστησάντων. Ἐκφώνησις· Ὅτι

σὺ εἴ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ κεκοιμημένου δούλου σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε, Κύριε, ἡ τῶν θλιβομένων παραμυθία... Goar. p. 453. Ἐκφώνησις· Σὺ γάρ εἴ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ σοῦ δούλου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

λ. 89 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερέως· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. p. 452. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἴ ἡ ἀνάπαυσις τοῦ σοῦ δούλου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε, Κύριε, τῶν θλιβομένων. Goar. pag. 453.

λ. 90. Εὐχὴ εἰς κοιμηθέντα διάκονον· Ὁ οἰκησιν ἔχων τὸν οὐρανὸν καὶ πάντα περιέπων τὰ ἐν τῇ γῇ. См. выше стр. 293, по тексту ближе кь ркп. Синадскоѣ библиотеки XV в. № 984 (См. тамъ-же прим.) Конецъ: τῆς σκιάς ἐπέξελθωμεν. Ἐκφώνησις· Ὅτι προσκυνητὸν ὑπάρχει τὸ ὄνομά σου τοῦ Πατρός.

λ. 90 οβ. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ τελευτῇ κεκοιμημένου· Παρὰ σοῦ καὶ πρὸς σέ τὰ πνεύματα τῶν ἐπεγνωκότων. Goar. p. 434.

— Εὐχὴ ἐπὶ τελευτῇ νηπίου· Ὁ φυλάσσων τὰ νήπια. Goar p. 478.

λ. 91. Εὐχὴ ἐπὶ τελευτῇ μοναχοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν τῇ σοφίᾳ σου πλάσας ἐκ γῆς τὸν ἄνθρωπον. Goar. pag. 465.

— Εὐχὴ, λεγομένη ἐν λιτῇ ἐν ἡμέρᾳ ἐορτῆς· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ ὢν εὐλογητὸς εἰς τοὺς αἰῶνας. Goar. pag. 640. Εἰρήνην πᾶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς· Δέσποτα Κύριε, κλῖνον τὰς καρδίας ἡμῶν. Goar. p. 641.

λ. 91 οβ. Εὐχὴ ἀπολυτικὴ ἐσπέρας σαββάτου· Παντοδύναμε Χριστέ, ὁ Θεὸς καὶ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ ἐπὶ συντέλειαν τῶν αἰώνων, ὡς ἐν ἐσπέρᾳ διὰ σαρκὸς ἐν κόσμῳ λάμψας δικαιοσύνης ἡλίου, καὶ τὸ σκότος τῆς ἀμαρτίας καὶ τοῦ θανάτου διασκεδάσας...

— Εὐχὴ ἐτέρα ὁμοίως· Δέσποτα Θεὲ θεῶν καὶ Κύριε τοῦ ἐλέους, ὁ τοῖς ζωποιοῖς σου παθήμασι λύσας τῆς τοῦ προπάτορος κατάρας τὸ ἐπιτίμιον...

λ. 92. Εὐχὴ ἀπολυτικὴ κυριακῆς ὀπισθάμβωνος· Μεσίτα Θεοῦ καὶ ἀνθρώπων Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, πλαστοργεῖ τῆς ἡμῶν φύσεως, ὁ σπεύρας ὑπὲρ ἡμῶν ἐπὶ τοῦ σταυροῦ τὸ σωτήριον αἷμά σου.

— Εὐχὴ ἐτέρα ὁμοίως· Φρικτὴ καὶ παράδοξος ὑπάρχει ἡ εἰς ἡμᾶς σου γεγонуτα φιλόανθρωπος οἰκονομία, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν...

— Εὐχὴ ἐτέρα ὁμοίως· Ἄφαιτος ἡ πρὸς ἡμᾶς σου ἀγάπησις (sic) Κύριε. См. выше стр. 43, по сь разночтеніями: παρακαλοῦντα εἰ-

ρήντην... καὶ σοὶ τῇ μετοχῇ τοῦ παναγίου αὐτοῦ σώματος.. Ἐνταῦθα μὲν διὰ βίου καὶ θεωρίας καὶ πολιτείας ἀρίστης, ἐκεῖ δὲ λυθέντων τῶν ἐσώπτρων τῇ ἀληθείᾳ, τῇ ἀπόπτῳ θεᾷ τῆς δόξης σου, ἐν αὐτῷ τῷ μονογενεῖ σου Υἱῷ, μετ' οὗ σοὶ πρέπει δόξα καὶ ἡ μεγαλοπρέπεια σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ.

λ. 94. Εὐχὴ εἰς ἑορτὰς τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου· Τίς λαλήσει τὰς δυναστείας σου, Κύριε, τίς ἀκουστάς ποιήσει πάσας τὰς αἰνέσεις τῆς περὶ ἡμᾶς σου ἀγαθότητος...

λ. 94 οβ. Εὐχὴ ἐτέρα τῆς Θεοτόκου ὀπισθάμβωνος· Δέχου τοίνυν, εὐμενεστάτη, τίμια δῶρα καὶ σοὶ μόνῃ ἀρμόζοντα, παναγία Παρθέने, παρ' ἡμῶν τῶν ἀναξίων δούλων σου... См. выше стр. 297.

λ. 95. Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος εἰς τὴν ἑορτὴν τοῦ Προδρόμου· Ὁ τὸν ἐν σώματι ἄγγελον καὶ μέγαν ἐν γεννητοῖς γυναικῶν Ἰωάννην, πρὸ προσώπου τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, Δέσποτα, ἐξαποστείλας...

— Εὐχὴ ἀπολυτικὴ εἰς μνήμην ἀποστόλων· Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ δωρησάμενος ἡμῖν τοὺς ἁγίους σου μαθητὰς καὶ ἀποστόλους, φύλακας, ἱατροὺς καὶ προστάτας...

λ. 95 οβ. Εὐχὴ ἀπολυτικὴ εἰς μνήμην προφητῶν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ ἐνεργείᾳ τοῦ παναγίου σου Πνεύματος τοὺς ἁγίους σου προφήτας φωτίσας...

λ. 96. Εὐχὴ εἰς μνήμην ὁσίων καὶ ἱεραρχῶν ἀπολυτικὴ· Δέσποτα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τοῦ Θεοῦ Λόγος καὶ Υἱὸς καὶ ἀμνός, ὁ καθαρώτατος ἱερεὺς, ὁ μύσχος ὁ ἄμωμος...

— Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος εἰς μνήμην μαρτύρων· Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ἁγίοις ἀναπαυόμενος, ὁ χαρισάμενος τοῖς ἁγίοις σου μάρτυσι τὸν καλὸν ἀγῶνα ἀγωνίσασθαι. См. выше стр. 68, по сь концемъ: πρεσβεῖαις τῆς ὑπερευλογημένης Μητρός σου καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. Ὅτι σὺ εἶ ὁ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν καὶ σοὶ πρέπει πᾶσα δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας.

λ. 96 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προσφερόντων ἀπαρχῇ· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν προσφέρειν σοι. Goar pag. 522.

λ. 97. Εὐχὴ ἐπὶ θυσίας κτηνῶν· Εὐλογητός εἶ, Κύριε ὁ Θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν... См. выше стр. 46.

— Εὐχὴ ἐπὶ μνήμης ἁγίων, γινομένη διὰ δόσεως κρεῶν, οἴνου, ἄρτων καὶ κολλύβων· Εὐλόγησας τὴν θυσίαν τοῦ Ἀβραάμ, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν. Goar. pag. 526.

λ. 97 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ τρῆπέζης· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐπουράνιος καὶ ζωοποιὸς ἄρτος, ἡ ἀληθινὴ τροφή τοῦ παντός κόσμου. Goar. p. 569.

λ. 98. Εὐχὴ εἰς τὴν εὐλόγησιν τοῦ κανισκίου τῆς τραπέζης. Ibid.

1. 98 οβ. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι τῆς τραπέζης· Σοὶ τῷ ἀληθινῷ καὶ φιλανθρώπῳ Θεῷ. Goar. p. 569. Εὐχὴ μετὰ τὸ ἄριστον· Ὁ Θεός, ὁ τρέφων ἡμᾶς ἐκ νεότητος ἡμῶν. Ibid. Εὐχὴ ἐτέρα· Σοὶ τῷ χορηγῷ τῆς ζωῆς ἡμῶν, Χριστέ ὁ Θεός, τῷ πᾶν ζῶον εὐδοκίᾳ ἐμπιπλῶντι, τῶν παρόντων ἀγαθῶν σου ἐμπλησθέντες, εὐχαριστίαν προσάγομεν καὶ δεόμεθα σου ἐμπλῆσαι ἡμᾶς πρὸς τῇ ἐγκοσμίῳ ταύτῃ εὐωχίᾳ, καὶ τῆς ἀκενώτου τῶν αἰωνίων σου ὧρεῶν ἀπολαύσεως. Ὅτι σὺ εἶ ἡ ἀληθὴς εὐφροσύνη τῶν καρδιῶν ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἀνομβρίας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ διὰ τὸν πρὸς σὲ ζῆλον ἐπακούσας Ἡλιοῦ τοῦ Θεοβήτου. Goar. pag. 613. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ ἀνομβρίας· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης καὶ ἐκχέων αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς, ὁ διὰ τὸν πρὸς σὲ ζῆλον ἐπακούσας Ἡλιοῦ τοῦ Θεοβήτου, καὶ τὸν κατὰ καιρὸν τῇ γῇ πεμπόμενον ὑετὸν ἐπισχευθῆναι κελεύσας, εἴτα πάλιν διὰ τῆς αὐτοῦ ἰκεσίας ὄμβρον καρποφόρον αὐτῇ χαρισάμενος. Αὐτός, Δέσποτα τῶν ἀπάντων, ὑπὸ τῆς ἰδίας σου εὐσπλαγχνίας δυσωπούμενος, πάριθε πάντα τὰ πεπλημμελημένα ἡμῶν, καὶ παντὸς λαοῦ σου τὰς ἐντεύξεις δεξάμενος, βροχὴν ἐκούσιον ἀφόρισον τῇ κληρονομίᾳ σου, καὶ τὰς αὐλακὰς τῆς γῆς μέθυσον, καὶ τὰ γεννήματα αὐτῆς πλήθυνον, ἀνατειλάτω ἡ γῇ ἔλεος, βλαστησάτω τὰ πεδία χόρτον τοῖς κτήνεσιν, ἐξαγέτω ἄρτον εἰς βρῶσιν καὶ γλόην τῇ δουλείᾳ τῶν ἀνθρώπων· οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ πάντων εἰς σὲ ἐλπίζουσι καὶ πάντα πρὸς σὲ προσδοκῶσι, δοῦναι τὴν τροφήν αὐτῶν εἰς εὐκαιρον, ἐπὶ σοὶ πεποιθήμεν, ἐκτὸς σοῦ ἄλλον οὐκ οἶδαμεν, τὰ παρὰ σοῦ πλοῦσια ἐλέη ἀπεκδεχόμεθα. Ἐκφώνησις· Σὺ γὰρ εἶ ὁ Θεός ἡμῶν, Θεός τοῦ ἐλεεῖν καὶ σώζειν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί.

1. 99 οβ. Εὐχὴ ἄλλη ἐτέρα ἐπὶ ἀνομβρίας· Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς. Goar. pag. 614. У Гоара пропущены: а̀νοιξὸн то̀υ̑с ка̀та̀ρ̀р̀а̀к̀тас то̀υ̑с о̀у̀ра̀но̀υ̑, ἐντειλαὶ ταῖς νεφέλαις τοῦ βρέξαι... и стонитъ: ἐξάγαγε вл. ἐξαγαγέτω.

1. 100. Εὐχὴ ἐπὶ σεισμοῦ· Ὁ φοβερός καὶ θαυμαστός καὶ μέγας, ὑπερένδοξός τε καὶ ἀληθινὸς Θεός. Goar. p. 623, но сь осοоѣнно-стиями: οἱ δὲ στῦλοι αὐτῆς ἐκ θεμελίων σαλεύονται, ὃν πάντα φρίσσει καὶ τρέμει... καὶ στήριξον τὴν χτίσιν, παῦσον τὸν κλόνον αὐτῆς..

— Εὐχὴ ἀπολυτικὴ ἐν ἡμέρᾳ κατανύξεως· Τῆς ἐν τόπῳ ἀγίῳ σου στάσεως καταξιοθίνετες ἡμεῖς οἱ ἀνάξιοι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ μηδεμίαν ἀγαθοεργίαν ἔχοντες προσαγαγεῖν, συντριβὴν καρδίας καὶ πνεύματος ταπεινώσιν ὑμῶν σοὶ τῷ μηδενὸς χρήζοντι τῶν ἡμετέρων ἀγαθῶν,

ίλασμόν ἁμαρτιῶν αἰτούμενοι παρὰ τῆς σῆς ἀγαθότητος καὶ φιλάνθρωπίας, εἰσάκουσον τῆς δεήσεως ἡμῶν, ὁ τὸν τελώνην μὴ ἐξουθενώσας, ταπεινούμενον ἐνώπιόν σου, ἀλλὰ δικαιοτέρον ἀναδείξας τοῦ δικαιούντος ἑαυτὸν φαρισαίου, οὗτινος τὴν καύχησιν καὶ τὴν ἐβδελυγμένην σοι μεγαλοῤῥήμοσύνην ἀπὸ τῆς γλώττης ἡμῶν ἀπελάσας, τὴν ἐγγίζουσάν σοι τοῦ τελώνου ταπείνωσιν δώρησαι, ὁ τοὺς ταπεινοὺς ὑψῶν καὶ τοὺς ὑψηλοὺς ταπεινῶν, καὶ καταξίωσον ἡμᾶς τῆς ἀποκειμένης τοῖς πτωχοῖς τῷ πνεύματι μακαριότητος ἐν τῇ βασιλείᾳ σου, διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ παναγίῳ σου Πνεύματι...

1. 101. Τάξις, γινομένη ἐπὶ μνήστροις βασιλέων καὶ λοιπῶν. Начало у Goar. p. 310 и ближе всего сходенъ въ текстѣ съ cod. Bessar. p. 312. Καὶ σφραγίσας ἐκ γ' τὰς κεφαλὰς τῶν ὀνομῶν ὁ ἀρχιερεὺς, λέγει ὁ διάκονος συναπτὴν· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν. Goar. pag. 312 v. lect. f. Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμησῆαι... Ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆσδε... Ὑπὲρ τοῦ παρασχεῖσθαι αὐτοῖς... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Καὶ τούτων λεγομένων, εὐχεται ὁ ἀρχιερεὺς· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος. Goar. p. 381. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἀρχιερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐξ ἔθνων μνηστευσάμενος. Goar. pag. 382. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, ἐπιδίδωσι τῷ ἀνδρὶ τὸν χρυσοῦν δακτύλιον, τὸν σιδηροῦν δὲ τῇ γυναικί, ἐκεῖνοι ἀντιδιδάσκει τούτους ἀλλήλοις, καὶ οὕτω κρατήσας, ὁ ἀρχιερεὺς συμπλέκει τὰς δεξιὰς ἀλλήλων καὶ κρατοῦντες ἐξέρχονται.—Εἰ δὲ βούλονται ἐν ταυτῷ καὶ στεφανωθῆναι, εἰσέρχονται διὰ τοῦ μέσου ναοῦ, ἡγούμενοι μετὰ θυμιατοῦ, καὶ λέγουσι ψαλμὸν κζ' Μακάριοι πάντες, καὶ ἐλθόντες πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου. Goar. pag. 328 not. c., какъ въ cod. Bessar. Такая же и ектения, но съ прибавкою: Καὶ ὑπὲρ τῶν χρηζόντων... Τῆς παναγίας... Λεγομένων (τούτων) ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεται· Ὁ Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ πλάσας τὸν ἄνθρωπον. Goar. p. 317, но съ инымъ концемъ: στεφάνωσον αὐτοὺς ἐν ἀγάπῃ, ἔνωσον αὐτοὺς εἰς σάρκα μίαν... Goar p. 320 not. h. Дальнѣйшій порядокъ, какъ въ кодексѣ Виссаріона Кристоферр. библіотеки not. c, I, п. Молитва: Ὁ Θεός, ὁ τὰ πάντα ποιήσας τῇ ἰσχύϊ σου... Goar. p. 319 имѣетъ разности: πεποιημένων ὑπὸ σοῦ, ὁ τὸ ὕδωρ εἰς οἶνον μεταβαλὼν καὶ ἐμπλήσας· τῇ εὐφροσύνῃ τῆς σῆς ἀγαθότητος τοὺς ἐν τῷ γάμῳ ἐν Κανᾷ τῆς Γαλιλαίας, καὶ τὸ ποτήριον τὸ κοινὸν τοῦτο... и надписывается: εὐχὴ τοῦ κοινοῦ ποτηρίου. Но возгласъ ея, εἶτα δίδωσι

τῷ ἀνδρὶ πιεῖν, αὐτὸς κατέχων τὸ ποτήριον, καὶ αὐθις τῇ γυναικί, καὶ μετὰ τοῦτο ἐπιδίδωσι τὸ ποτήριον τῷ ἀνδρὶ καὶ πίνει ἐκεῖνος, εἴτα δίδωσι τῇ γυναικί τὸ ποτήριον καὶ πίνει ἀκακίην, καὶ αὐθις δίδωσι τῷ ἀνδρὶ τὸ ποτήριον, ὁ δὲ ἐκπιών, ἀποδίδωσι τὸ ποτήριόν τινι, ἢ ὡς ἔνιοι κλᾶ, καὶ οὕτως ἐξέρχονται.

л. 103 об. Εὐχὴ εἰς τὴν λύσιν τῶν στεφάνων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν τοῦ ἐνιαυτοῦ στέφανον εὐλόγησας. Goar pag. 325.

л. 104. Εὐχὴ ἐπὶ διγάμων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν Ἀβραὰμ φίλον καλέσας. См. выше стр. 743.

л. 104 об. Εὐχὴ ἐπὶ ὀρύξει φρέατος καὶ εὐρέσει ὕδατος· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ παντοκράτωρ καὶ παντοδύναμος, ὁ ποιῶν πάντα καὶ μετασχευάζων. Goar. p. 550.

— Εὐχὴ ἐπὶ μιарοῦ τινος ἐμπεσόντος εἰς φρέαρ. Goar. pag. 479 var. lection a; pag. 489 var. lect. a (cod. Cryptof. Bissar.).

л. 115. Τάξις γινομένη, εἰ συμβῇ μιарόν τι ἢ ἀκάθαρτον προσφάτως ἐμπεσεῖν εἰς ἀγγεῖον οἴνου ἢ ἐλαίου. Χρὴ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον παραχρῆμα αἵρεσθαι καὶ ῥίπτεσθαι ἔξω καὶ ἕτερον ἀγγεῖον πλύνεσθαι καθαρίως ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ οὕτω τὸν ἱερέα λαβόντα θυμιατόν, θυμιάν αὐτὸ θεόντως ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν, καὶ μετὰ τοῦτο βαλεῖν ὕδωρ τῶν ἁγίων θεοφανίων, ποιῶν τρεῖς σταυρούς, καὶ τότε μεταβαλεῖν τὸ ἔλαιον ἢ τὸν οἶνον εἰς αὐτὸ ἐκ τοῦ μιανθέντος ἀγγείου, καὶ ἄψαι κηροὺς δύο, καὶ θυμιάσαι, καὶ οὕτως ἐπευξασθαι τῷ ἀγγεῖῳ· Ὁ Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῇ σῇ εὐσπλαγχνῇ ἐπὶ γῆς ἐπιδημία πᾶσιν ἀκαθαρσίαν τοῦ ἐχθροῦ κχταργήσας. Goar. p. 481 съ варіантомъ: ἀποστόλου Παύλου. Καὶ ἐπιχέων αὐθις ἐκ τοῦ ὕδατος τῶν ἁγίων θεοφανίων τρίτον σταυροειδῶς, ἀπογευσθῶ πρῶτον ὁ ἱερεὺς τοῦ οἴνου. Εἰ μέντοι συμβῇ τὸ ἐμπεσὸν ἀκάθαρτον χρονίσαν ἐν τῷ ἀγγεῖῳ τοῦ οἴνου ἢ τοῦ ἐλαίου σαπῆναι, ἐκχέεσθαι τὸν οἶνον ἢ τὸ ἔλαιον καὶ μηδὲνα αὐτῶν ἄπτεσθαι.

л. 106. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐν βρώμασι σκανδαλισθέντων. Goar. p. 535.

л. 106 об. Εὐχὴ ἐπὶ μιарοφορησάντων· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός, ὁ ἐν ὕψηλοις κατοικῶν... Goar. pag. 534, по съ варіантами: γευσσάμεν φρεσὶν, τῶν μὴ καθαρῶν, ὧν τὴν βρώσιν... ἀκατακρίτως ἐν καθαρότητι ψυχῆς τε καὶ σώματος μεταλαβεῖν τῶν φρικτῶν καὶ ἀθανάτων μυστηρίων, τοῦ ἀχράντου σώματος καὶ τοῦ τιμίου αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου.

л. 107. Τάξις καὶ ἀκολουθία, ἡ γινομένη παρὰ τῶν ζ' πρεσβυτέρων ἐπὶ ἐλαίῳ ἀρρώστου. Συναγομένων τῶν ζ' ἱερέων ἐν τῷ ναῷ τῆς οἰκίας, ἐν ᾗ ἡ τοιαύτη ἀκολουθία, γίνεται παρ' ἑνὸς τούτων ἢ προσκομιδῇ, εἴτ'

οὖν ἡ πρόθεσις τῶν ἄρτων προσκομίζονται δὲ προσφοραὶ ζ' κατὰ τὸν ἀριθμὸν τῶν ἱερέων, εἴτα μετὰ τοῦτο πρὸ τῆς ἐνάρξεως τῆς λειτουργίας, λέγοντος τοῦ μέλλοντος κατὰ τὴν ἡμέραν ταύτην ἱερουργῆσαι τὸ Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε, καὶ ψαλλομένου παρ' αὐτοῦ τοῦ Ν' Ἐλέησόν με ὁ Θεός, κατέχει ὁ ῥηθὲς ἱερεὺς τὸ ἀγγεῖον τοῦ ἐλαίου ἐπὶ τοῦτο ἡὐτρεπισμένον, καὶ κατακενοῖ τοῦτο κατ' ὀλίγον πρὸς τὸ καὶ τὸν ψαλμὸν πληρωθῆναι, κενοῦντος αὐτοῦ ἐν κανδήλᾳ καινῇ, εἴτα λέγει· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ ποιᾷ τὴν εὐχὴν ταύτην· Κύριε, ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου... GOAR. p. 335 съ варіантами: ἀπαλλαγὴν παντὸς πάθους, νόσου σωματικῆς, μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος... δοξασθῇ τὸ πανάγιον ὄνομα. Ἐκφώνησις· Σὸν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν ὁ Θεὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ. Καὶ λέγοντος αὐτοῦ τὴν τοιαύτην ἐκφώνησιν, ἅπτει τὴν μολυβίδα αὐτοῦ· προηὐτρεπισμένα γάρ εἰσι πάντα τὰ χρειώδη καὶ τετυπωμένα. Καὶ πάλιν λέγοντος αὐτοῦ· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, ὑπείσρχεται ἕτερος ἱερεὺς καὶ ποιᾷ τὴν τοιαύτην εὐχὴν καὶ ἅπτει, καὶ ἀπλῶς καθ' ἐξῆς οἱ λοιποὶ καὶ τὴν εὐχὴν λέγουσι καὶ ἅπτουσιν ὁ καθ' εἷς. Εἴτα γίνεται ἑναρξὺς τῆς θείας λειτουργίας, καὶ λέγονται τὰ ἀντίφωνα, καὶ μετὰ τὴν εἴσοδον δοξάζει καὶ λέγεται· Οἱ τὴν χάριν λαβόντες, Καὶ νῦν, θεοτοκίον· Θείας γεγόναμεν κοινωνοὶ φύ(σεως), εἴτα τὸ Τρισάγιον, προκείμενον· Ἐγὼ εἶπα, Κύριε, ἐλέησόν με. Στίχος· Μακάριος, ὃς συνιῶν ἐπὶ πτωχόν. Ὁ ἀπόστολος καθολικῆς ἐπιστολῆς Ἰακώβου· Ἀδελφοί, ὑπόδειγμα λάβετε. Ἀλληλούϊα, Ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμὲ καὶ ἐλέησον. Εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, προσκαλεσάμενος ὁ Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα. Τέλος· καὶ ἠλειφὸν ἐλαίῳ πολλοὺς ἀρρώστους καὶ ἐθεράπευον. Κοινωνικόν· Ποτήριον σωτηρίου. Εἰ δὲ τελεῖται ἡ τοιαύτη ἀκολουθία ἐν ἡμέρᾳ ἑορτασίμῳ ἁγίου μεγάλου, ὡς ἐπὶ τὸ πλεῖστον γὰρ τοῦ ἁγίου Θεοδώρου, ποιῶσι (sic) τοῦτο τῷ α' σαββάτῳ τῶν νηστειῶν, ἢ τῷ σαββάτῳ τοῦ Λαζάρου, καὶ ἀπλῶς λέγονται πρῶτον τὰ τῆς ἡμέρας, εἴτα τῶν ζ' πρεσβυτέρων. Ἰστέον δέ, ὅτι καὶ τὸ προκείμενον καὶ ὁ ἀπόστολος καὶ τὰ λοιπὰ πάντα παρὰ τῶν ἱερέων λέγονται. Μετὰ δὲ τὸ ῥηθῆναι τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχὴν, ἡ κλάσις τοῦ ἄρτου, ὡς εἰώθασιν, ἐν τοῖς οἴκοις οὐ γίνεται, ἀλλ' εὐθὺς βάπτωσι τὰ ἡὐτρεπισμένα μουνδίτζα (sic) μετὰ βαμβακίου οἱ ἱερεῖς εἰς τὴν κανδήλαν, καὶ ψαλλόντων πάντων, οὐ τῶν ἱερέων μόνον, ἀλλὰ καὶ τῶν τῆς οἰκίας κοσμικῶν τὸ Πηγὴν ἱαμάτων ἔχοντες, ποιῶσι πάντες οἱ ἱερεῖς, ἀρξάμενοι ἀπὸ τοῦ λειτουργήσαντος, τῷ οἰκοδεσπότῃ τῆς οἰκίας καὶ μετ' αὐτὸν τοῖς ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ πᾶσι, τὴν εὐχὴν ταύτην· Πάτερ ἅγιε, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σω-

μάτων. Goar. p. 338 съ варіантами: ἐκ τῆς περιεχοῦσης αὐτὸν σωματικῆς ἀσθενείας διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ σου, καὶ ζωοποιήσον αὐτόν κατὰ τὸ σοὶ εὐάρεστον, τὴν ὀφειλομένην εὐχαριστίαν ἐν ἀγαθοεργίᾳ ἀποπληροῦντα. Ὅτι σὸν τὸ κράτος καὶ σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία, καὶ ἡ δύναμις, καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ. Καὶ ἐν τῇ ἐκφωνήσῃ ἀλείψωσιν αὐτοὺς σταυροειδῶς μέτωπον, ὧτα καὶ στήθος καὶ τὰς χεῖρας. Καὶ μετὰ τὸ ἀλείφαι πάντας, πάλιν ἐπιβάπτωσι τὰ μουνδίτζα αὐτῶν, καὶ περιγυρεύουσι τὸν οἶκον πάντα, φάλλοντες τὸ αὐτὸ τροπάριον· Πηγὴν ἱαμάτων, καὶ τὸ Ἅγιοι ἀνάργυροι, καὶ Τὴν χάριν ἱαμάτων, καὶ ποιῶντες σταυροῦ τύπον μετὰ τοῦ ἁγίου ἐλαίου καθ' ἐκάστην θύραν καὶ θυρίδα, καὶ ὑπέρθυρον, καὶ παραστάδα, καὶ πεσὸν μέχρι καὶ τοῦ μαγειρείου καὶ σταύλου, ἐὰν ἐστὶν, εἴτα ὑποστρέφουσι καὶ συνάγονται πάντες εἰς τὴν οἰκίαν, ἐν ᾗ κοιμᾶσθαι εἴωθ' ἐν ὁ ἐορτάζων, καὶ δοξάζοντες φάλλουσι τὸ Οἱ τὴν χάριν λαβόντες, καὶ θυμιᾷ εἷς, εἴτα λέγει ἕτερος· Σοφία· ὀρθοὶ ἀκούσωμεν, καὶ ἀναγινώσκει ὁ λειτουργήσας εὐαγγέλιον κατὰ Λουκᾶν· Διήρχετο ὁ Ἰησοῦς εἰς τὴν Ἱεριχώ, εἴτα ἡ ἐκτενὴς δέησις· Ἐλέησον ἡμᾶς, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεος. Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων, ἢ Ὑπὲρ τοῦ Ἰλεων καὶ εὐμενῆ γενέσθαι. Καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρῆσαι ἡμῖν πᾶν πλημμέλημα. Ἐτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν δούλων τοῦ Θεοῦ τοῦδε καὶ τῆς συμβίου αὐτοῦ καὶ τῶν τέκνων, ἐὰν ἔχῃ, καὶ παντὸς τοῦ οἴκου αὐτοῦ, ὑγείας, σωτηρίας, ἐπισκέψεως καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ. Τὸ Κύριε ἐλέησον μ' καὶ ἐκφωνήσας· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεύς· Σοφία. Ὁ λαός· Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εὐλόγησον, δέσποτα. Ὁ ἱερεύς· Ὁ ὧν εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ὁ λαός· Ἀμήν. Στερεώσαι ὁ Θεὸς τοὺς βασιλεῖς. Δόξα καὶ νῦν, καὶ ποιεῖ τὴν εὐχὴν τῆς ἀπολύσεως· Χριστὸς ὁ ἀληθινὸς Θεὸς ἡμῶν ταῖς πρεσβείαις τῆς ὑπεραγίας Θεοτόκου, τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν καὶ Ἀναργύρων καὶ πάντων τῶν ἁγίων ἐλέησον καὶ σῶσον. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ ὑποστρέφονται ἐν τῷ εὐκτηρίῳ τοῦ οἴκου, λέγουσι τὸ Εὐλόγησω τὸν Κύριον ἐν παντὶ καιρῷ, καὶ γίνεται ἡ κλάσις τοῦ ἄρτου καὶ ἡ διανομή, καὶ μετὰ τὸ διακλύσαι, λαμβάνουσι τὴν δόσιν καὶ ὑποχωροῦσιν. Εἰ δὲ πλουσιωτέρα ἐστὶν ἡ τοῦ κεκληκότος προαίρεσις, καὶ ἀριστῶ(μεν) μετ' αὐτοῦ. Ἰστέον δέ, ὁ μὲν λειτουργήσας μετὰ τὸ τέλος τῆς ἀκολουθίας σβέννυσι τὸ ἀπτρότουβον αὐτοῦ καὶ ἀπομένει τὰ ἔξ, καὶ οὕτως ποιῶσι καὶ οἱ λοιποί, μετὰ τὸ λειτουργῆσαι σβεννύουσι· καθ' ἐκάστην γὰρ λειτουργεῖ εἷς μέχρις ὅτε πληρωθῶσιν οἱ ἐπτὰ. Εἰ μὲν τῇ μ' γένηται ἡ ἀκολουθία ἐν σαββάτῳ, προηγιασμένων φυλαττομένων, εἰ δὲ ἔξω τῆς μ', προσκομιδῆς γινομένης καθ' ἐκάστην.

λ. 109. Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ ἐλαίου ἀρρώστου· Ὁ πολὺς ἐν ἐλέει καὶ πλούσιος ἐν ἀγαθότητι, Κύριε. Goar. pag. 679.

λ. 109 Εὐχὴ ἐπὶ πυρεττόντων· Κύριε ὁ Θεός, ὁ τὰ χρόνια καὶ δεινὰ πάθη λόγῳ μόνῳ θεραπεύσας pag. 549.

— Εὐχὴ ἐπὶ πᾶν εἶδος ἀρρώστιας· Δέσποτα, Δέσποτα παντοκράτορ, ἱατρὲ ψυχῶν καὶ σωμάτων. Goar. pag. 549.

λ. 110. Εὐχὴ εἰς ψυχορῥαχοῦντας· Δέσποτα Κύριε, ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ πάντας ἀνθρώπους θέλων σωθῆναι καὶ εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας ἐλθεῖν, δεόμεθα καὶ παρακαλοῦμέν σε... Ὅτι σὺ εἰ ὁ λύων τοὺς πεπεδημένους, ὁ ἀνορθῶν τοὺς κατερράγμένους, ἡ ἐλπίς τῶν ἀπελπισμένων κρίσει τῇ παρὰ σοῦ ἐλεήσας, κέλευσον, Δέσποτα φιλόανθρωπε, ἀπολυθῆναι ἐν εἰρήνῃ τὸ πνεῦμα τοῦ δούλου σου καὶ καταπαῦσαι εἰς τὰς αἰωνίους μονάς μετὰ τῶν ἀγίων σου, χάριτι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητός εἰ σὺν τῷ παναγίῳ. Conf. Goar. pag. 587.

— Εὐχὴ ἐν τῷ τάφῳ, ἥνικα βάλ्लη μύρον ἢ ἔλαιον σταυροειδῶς ἐπάνω τοῦ λειψάνου· Μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεός ἡμῶν, τοῦ ἐν πίστει καὶ ἐλπίδι ζωῆς αἰωνίου κοιμηθέντος ἀδελφοῦ ἡμῶν τοῦδε. Goar. p. 437.

λ. 110 οβ. Εὐχὴ ἐν ἀρχῇ σπόρου· Κύριε ὁ Θεός ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας γῆν καὶ τὸν ἄνθρωπον ἐπ' αὐτῆς, ἐξ ἀρχῆς εἰπὼν ἐξαγαγέτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου, σπείρον σπέρμα κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοίότητα, καὶ μέχρι τοῦ νῦν διὰ τοῦ αὐτοῦ σου προστάγματος, ἐπιχορηγῶν σπέρμα τῷ σπείροντι καὶ τελεσφορῶν πάντα βουλήματι, κατὰπεμφον καὶ νῦν τὴν εὐλογίαν σου ἐπὶ τὰ σπέρματα ταῦτα, καὶ εὐδόκησον ταῦτα πολυπλασιασθῆναι ἰσχυρὶ σου, πληθύνον τὰ γεννήματα τῆς γῆς, εὐφρανθήτω ἐν ταῖς σταγόνι αὐτῆς ἀνατέλλουσα, ἵνα πληρούμενοι ἐκ τῶν ἀγαθῶν τοῦ οἴκου σου καὶ πρὸς ἐργασίαν τῶν ἐντολῶν σου διαναστώμεν. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἰ ὁ χορηγὸς τῆς ζωῆς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί. Conf. Goar. pag. 557.

— Εὐχὴ ἐπὶ θέρους· Σοὶ, Κύριε, τῷ τελειωτῇ πάντων καὶ κηδεμόνι καὶ λήγοντες καὶ ἀρχόμενοι τὴν εὐχαριστίαν ἐπὶ πᾶσι προσαναφέρομεν καὶ δεόμεθά σου, παράσχου ἡμῖν τὴν τῶν νέων καρπῶν μετάληψιν ἀκατάκριτον, καὶ συγκομιδὴν ἀνεπίβουλον, τὰ δράγματα πληθύνον, τοὺς συγκομίζοντας ἐνίσχυσον, πολύχουν τὸν τῆς ἀρούρας καρπὸν ἐν τῇ ἄλῳι ποίησον, ἵνα καὶ ὁ θερίζων χαίρῃ μετὰ τοῦ σπείραντος καὶ ὁ ἀποκλείων μὴ ἀποκναιῇται, ὥς τοῖς σοῖς ἀγαθοῖς εὐθηνούμενος.

λ. 111. Εὐχὴ ἐτέρα· Ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ διὰ τὴν πολλὴν σου εὐσπλαγχνίαν ἀγαθῶν ἡμᾶς καὶ κατὰ καιρὸν τοῦτον, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν

καὶ τὴν γῆν, ὁ πλάσας θέρος καὶ ἔαρ, ὁ εὐλόγησας τὸν κύκλον τοῦ ἐνι-
 αυτοῦ, καὶ στεφανώσας αὐτὸν τῇ τῆς ποικίλης χλόης καρποφορίᾳ ἐν ἄνθεσι
 τε καὶ δένδροις (sic), ὁ κελεύσας τὴν γῆν ἐξεγεγεῖν καρποὺς παντοδα-
 ποὺς εἰς ἀποτροφὴν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων καὶ παντὸς ζώου, Αὐτός,
 Κύριε, καὶ τὸν καρπὸν τοῦτον εὐλόγησον καὶ πλήθυνον, καὶ παράσχου
 τοῖς δούλοις σου τὴν μετ' εἰρήνης συγκομιδὴν αὐτοῦ καὶ ἀπόλαυσιν.
 Conf. Goar. p. 524.

— Εὐχὴ εἰς τὸ φυτεῦσαι ἀμπελῶνα· Σὺ εἴ ἡ ἄμπελος, Χριστέ,
 ἡ ἀληθινή. Goar. p. 551, нo cъ варіантами: Σὺ καὶ τὸν Ἰσραὴλ, ὡς
 ἄμπελον ἐξ Αἰγύπτου μετῆρας, ἐξέβαλες ἔθνη καὶ καταφυτεύ-
 σας αὐτήν... ἐπὶ τὸν ἀμπελῶνά σου τοῦτον, φύτευσον, ῥίξωσον,
 βάθυνον... ἀπὸ πάσης χιόνος καὶ ζάλης, κρυστάλλου φερομένου βιαίως,
 ἀπὸ φρίκης κεχυμένου καὶ πνεύματος καύσωνος, ἀπὸ καταιγίδος καὶ
 δαίμονος τυφῶνος, ἀπὸ πάσης ἀπαξαπλῶς ἐφόδου ὁρατοῦ καὶ ἀοράτου
 ἐχθροῦ... κατάρτισαι αὐτήν, ἣν ἐφύτευσε... εἰς ὥρας τρυγῆσαι
 καὶ προσκομίσαι ἐξ αὐτῆς...

л. 111 об. Εὐχὴ ἐν ἀρχῇ τρύγης κοινῆς· Ὁ προσκυνητὸς Σωτὴρ
 καὶ πάντων Θεός, ὁ τὴν ἄμπελον φυτευθῆναι τῷ δικαίῳ σου Νῶε καθ-
 υποδείξας, καὶ τὸ σταφυλῆς αἶμα τὸν οἶνον τὸν λαόν σου ποτίσας, εὐ-
 λόγησον τὴν παροῦσαν τρύγην, ἥς μετ' εὐχαριστίας σοι ἀπαρχόμεθα, ὡς
 ἂν τῶν σῶν δωρεῶν λαθόντες, καὶ τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοὶ προσφέροντες
 δοξάζωμεν τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ. Сн. выше стр. 72.

л. 112. Εὐχὴ ἐπὶ τρύγῃ· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ εὐδοκήσας
 ἄμπελον κληθῆναι τὸν μονογενῆ σου Υἱὸν καὶ Θεόν, τὸν Κύριον ἡμῶν
 Ἰησοῦν Χριστόν, καὶ δι' αὐτοῦ καρπὸν ἡμῶν ἀθανασίας χαρισάμενος, αὐτὸς
 καὶ τοῦτον τὸν καρπὸν τῆς ἀμπέλου εὐλόγησον καὶ τοὺς δούλους σου
 τοὺς μεταλαμβάνοντας ἐξ αὐτοῦ, τῆς ἀληθινῆς ἀμπέλου μετόχους ποιήσον,
 ἀνεπηρέαστον τὴν ζωὴν διαφύλαξον, εἰρήνην αὐτοῖς διὰ παντὸς χαρίζο-
 μενος καὶ ταῖς αἰωνίοις σου καὶ ἀναφαιρέτοις δωρεαῖς τὰς ψυχὰς αὐτῶν
 κατακόσμησον, πρεσβείαις τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων, τῶν
 ἀπ' αἰῶνός σοι εὐαρεστησάντων. Ἐκφώνησις· Ἀγαθότητι καὶ φιλανθρωπίᾳ
 τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ... Conf. Goar. p. 552.

— Εὐχὴ εἰς μετάληψιν σταφυλῆς· Εὐλόγησον, Κύριε, τὸν καρπὸν
 τοῦτον. Сн. выше стр. 47, нo cъ варіантами: ἵνα ᾗ ἐν ἡμῖν εἰς
 εὐφροσύνην προσενέγκαι σοι δῶρον ἐξιλασμόν ἁμαρτιῶν διὰ τοῦ ἱεροῦ
 καὶ ἁγίου σώματος τοῦ Χριστοῦ σου... Conf. Goar. pag. 553.

л. 112 об. Εὐχὴ, γινομένη ὑπὸ τοῦ πατριάρχου, ὅτε πρὸς συνή-
 θειαν ἐπιτελεῖ τὴν τρύγην ὁ βλασιεὺς καὶ τῇ ἐ' Αὐγούστου μηνὸς ἐν
 Βλαχέρναις. Goar. p. 552.

λ. 113. Εὐχὴ ἐπὶ οἴκῳ κτιζομένῳ· Ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν ἐν συνέσει. Goar pag. 483 съ варіантами: Ἐδρασον αὐτὸν (вм. ἰδρυσον) ἐπὶ τὴν στερεὰν πέτραν, ἣν κατὰ τὴν σὴν θείαν (ἐν)εὐαγγελίοις φωνήν οὐκ ἄνεμος...

λ. 113 об. Εὐχὴ ἐπὶ εὐλογία οἴκου· Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ καταξιώσας ὑπὸ τὴν σκηνὴν τοῦ Ζακχαίου εἰσελθεῖν. Goar. pag. 484.

— Εὐχὴ οἴκῳ περιεργαζομένῳ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὃ ἐπάνω πάσης ἀρχῆς καὶ ἐξουσίας. См. выше стр. 836.

λ. 114. Εὐχὴ εἰς ἀγάπην, ἥται εἰρήνην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῆς ἀγάπης φυτουργός. Goar. p. 706 съ вставкою: δὸς ἡμῖν τὸ αὐτὸ φρονεῖν κατὰ Χριστὸν Ἰησοῦν, χάρισαι ἡμῖν προσλαμβάνεσθαι ἀλλήλους...

λ. 114 об. Εὐχὴ ἐπὶ τοῖς ἀπὸ ἔχθρας εἰρηνεύουσιν· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσποτα φιλόφιλανθρωπε, τῷ βασιλεῖ τῶν αἰώνων. Goar. p. 705.

λ. 115. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποδημούντων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ συνοδεύσας τῷ θεράποντί σου Ἰακώβ. См. выше стр. 33.

— Εὐχὴ ἐπὶ ἐξομολογουμένων· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τῷ Πέτρῳ καὶ τῇ πόρνῃ διὰ θαυμάτων ἄφρασι ἀμαρτιῶν δωρησάμενος. Goar. p. 537. Ἐκφωνησις· Ὅτι Θεὸς ἐλέους οἰκτιρῶν καὶ φιλανθρωπίας ὑπάρχεις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν.

λ. 115. Εὐχὴ ἐπὶ πενθούτων· Κύριε, Κύριε, ὁ καὶ τοὺς ἐν θλίψει βιωτικῇ περιπίπτοντας παρακαλῶν, καὶ πάντων τῶν ἐν ὀλιγοφυχίᾳ ὄντων ἀντίληψις ὑπάρχων, αὐτὸς καὶ τὰ νῦν τοὺς τῷ πένθει τούτῳ κατεχομένους ψυχαγώγησον, πᾶσαν λύπην καὶ θλίψιν ἐγκειμένην ταῖς καρδίαις αὐτῶν ἀπόσμηξον, καὶ τὴν σὴν εὐφροσύνην δώρησαι αὐτοῖς. Ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πανάγιον ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς...

— Εὐχὴ ἐπὶ τῶν προπετῶς ὁμνούντων· Ὁ Θεός, ὁ τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως τὸ εὐάλωτον καὶ ἀσθενὲς ἐπιστάμενος. Goar. pag. 534.

— Εὐχὴ ἐπὶ λογισμῶν αἰσχυρῶν· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεός μου, οἷ ἐν ταῖς χερσί σου οἱ κλήροι μου... Goar. p. 536. Βαριανт: αἰσχυρῶν τωσαν οἱ ἐπανιστάμενοί μοι καὶ ἐντραπήτωσαν οἱ ζητοῦντές με... καὶ τῆς αὐτοῦ στρατιᾶς ἰσχύς τοῦ Πατρὸς καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος νῦν...

λ. 116. Εὐχὴ ἐπὶ μετανοούντων· Ὁ Θεός ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ διὰ τοῦ προφήτου σου Νάθαν μετανοήσαντι τῷ Δαβὶδ Goar. pag. 536. Ὅτι σὺ εἰ ὁ Θεὸς τῶν μετανοούντων καὶ σοὶ πρέπει δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ.

λ. 116 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῶν ἐξ ἐπιτιμίων λυομένων· Εὐσπλαγχνε, ἀγαθὲ καὶ φιλόφιλανθρωπε Κύριε, ὁ διὰ τοὺς σοὺς οἰκτιρμούς ἐξαποστείλας τὸν μονογενῆ σου. Goar. pag. 531.

λ. 117. Εὐχὴ ἐπὶ χειμαζομένων ὑπὸ πνευμάτων ἀκαθάρτων· Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος ἡμᾶς ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου p.581.

— Εὐχὴ ἄλλη ἐπὶ χειμαζομένων· Ὁ πᾶσιν ἀκαθάρτοις πνεύμασιν ἐπιτιμήσας. Goar. pag. 582.

λ. 117 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ θλιβομένοις καὶ χειμαζομένοις· Ἐπάκουσον ἡμῶν, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τῶν ἐν στενώσει ψυχῆς καὶ πνεύματος ἀκηδία κεκραγόντων πρὸς σέ, μὴ συγχωρήσης ἡμᾶς πειρασθῆναι, ὑπὲρ ὃ φέρειν δυνάμεθα, ἀλλὰ ποιήσον σὺν τῷ πειρασμῷ καὶ τὴν ἔκβασιν, εἰς τὸ δύνασθαι ἡμᾶς ὑπενεγκεῖν, ῥῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ἐπαγωγῆς ἐπηρημένης κακῶν, ἀπὸ θλίψεως καὶ στενοχωρίας, ἀπὸ πονηρῶν πνευμάτων καὶ ἀντικειμένης δυνάμεως, περικράτησον τὴν ἀσθένειαν τῶν ψυχῶν ἡμῶν, κατεύθυνον τοὺς πόδας ἡμῶν εἰς ὁδὸν εὐθείαν, εἰς ἐπίγνωσιν ἀληθείας καὶ τὴν ἐπὶ σοὶ πεποιθήσιν, ἑώρασον τὰς καρδίας ἡμῶν, καὶ ὁδὸς ἡμῖν ἐν συνειδήσει καθαρᾷ μετὰ παρρησίας κηρύττειν τὸν λόγον σου καὶ λατρεύειν σοὶ ἀπερισπάστως πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. Ἐκφώνησις· Ὅτι σὺ εἴ τῶν χειμαζομένων λιμὴν καὶ τῶν ἐν λύπῃ παράκλησις καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ Πατρί.

λ. 118. Εὐχὴ εἰς ἀνοίξια ἐκκλησίας ὑπὸ αἵρετικῶν βεβηλωθείσης Νικηφόρου πατριάρχου¹⁾· Ὁ Θεὸς τῶν δυνάμεων, ὁ θρόνον ἔχων τὸν οὐρανόν, τὴν δὲ γῆν ὑποπόδιον, ὁ ἀντίτυπα τοῦ οὐρανοῦ σκηνώματός σου τοὺς ἁγίους τούτους οἴκους ἀναδείξας εἰς κατασκήνωσιν τῆς ἁγίας δόξης σου, ἡμῶν δὲ τῶν ἁμαρτωλῶν καταφύγιον μέγα καὶ λιμένος σωτήριον, πρὸς ἰλασμόν πλημμελημάτων ἡμῶν καὶ παντὸς ρύπου ψυχικοῦ καὶ σωματικοῦ, καθάρσιον διὰ τῆς ἐπιτελουμένης ἐν αὐτοῖς θείας καὶ ἀναϊμάτου θυσίας, δυσωποῦμέν σε τὸν ἀγαθὸν Θεὸν ἡμῶν, γένοῦ ἡμῖν ἔλεως τοῖς ἀναξίοις, προσδεχόμενος ἡμᾶς καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ ἐντεύξει ἡμῶν· πιστεῖ γὰρ ἀδιστάκτῳ προσερχόμεθα, οὐκ εἰς τὴν ἀναξιότητα ἡμῶν ἀποβλέποντες, ἀλλ' εἰς τὴν σὴν θαρρόυντες ἐπιείκειαν καὶ τῆς φιλανθρωπίας σου τὸ ἀμέτρητον, ὁμολογεῖν δὲ ἄξιον, ὅτι τὰ σὰ χαρίσματα, ὡς ἀληθῶς ἀμεταμέλητα, καὶ ἡ χάσις τῆς δωρεᾶς τοῦ παναγίου Πνεύματος ἀνελάττωτος, διὰ τὸ πλῆθος δὲ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν, συγχωρήσας παρὰ τῶν ἀθετησάντων τὴν σωτήριον οἰκονομίαν τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν, δι' ἧς εὐδόκησας ἐν τῷ παρελθόντι χρόνῳ τοὺς θεῖους καὶ ἱερούς σου χρανθῆναι καὶ βεβηλωθῆναι ναούς, ἀλλὰ δεόμεθα τῆς σῆς ἀμνησι-κάκου εὐσπλαγχνίας, κλῖνον τὸ οὖς σου καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ

¹⁾ Въ оглавленіи эта и слѣдующія три молитвы носятъ такое надписаніе: „Εἰς ἀνοίξια ἐκκλησίας βεβηλωθείσης ὑπὸ αἵρετικῶν εὐχαί“.

Σωτήρ ἡμῶν, καὶ ἐν ταύτῃ τῇ ὥρᾳ, ἐν ᾗ ἐπικαλούμεθα τὴν ἀνέκφραστον σου φιλανθρωπίαν, καὶ ἀνάδειξον τὸν οἶκον τοῦτον τῇ ἐπιφοιτήσει τοῦ ζωαρχικοῦ καὶ καινοποιοῦ σου Πνεύματος καὶ νῦν οἰκητήριον τοῦ παναγίου σου ὀνόματος, ναὸν ἅγιόν σου καὶ σκηνωμα δόξης σου, τόπον καταπαύσεως, κιβωτὸν ἀγιάσματος σου, λελαμπρυσμένον τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου, τὴν ἀρχαίαν εὐκοσμίαν καὶ εὐπρέπειαν ἀμφιεννύμενον, καὶ τὴν ἄφθονόν σου χάριν καταπλουτιζόμενον, τοῦ ἀμέμπτως ἐπιτελεῖσθαι τῆς ἀγιαστίας ἐν αὐτῷ τὰ θεῖα μυστήρια, καὶ εἴ τι μολυσμοῦ καὶ κηλίδος παρὰ τῶν αἰρετιζόντων δυσσεβῶν, τῶν τολμησάντων βεβήλους καὶ ἄνοσιους χεῖρας θρασέως αὐτῷ ἐπαφείναι, προστέτριπται, Αὐτός, Δέσποτα, καθάρισον καὶ ὕψωσον πάλιν τὴν δόξαν αὐτοῦ καὶ ἀνάστησον τὰ κατεσκαμμένα σου θυσιαστήρια, καὶ περιποίησαι τὰ καθαιρεθέντα τὰ ἁγιά σου, ὁ ἀναστήσας τὴν σκηνὴν Δαβὶδ, τὴν πεπτωκυῖαν, καὶ ἀνοικοδομήσας τὰ πεπτωκότα αὐτῆς καὶ τὰ κχτεσκαμμένα ἀνορθώσας, τήρησον αὐτὸν ἀπὸ πάσης προσβολῆς ἐναντίας ἀνεπηρέαστον καὶ ἀνέπαφον, κραταίωσον μέχρι τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος ἀκλόνητον, καὶ πᾶσαν τὴν ἐκκλησίαν σου διαμένειν εὐδόκησον ἀκατάσειστον, ἄγισον δὲ καὶ ἡμᾶς τοὺς ταπεινοὺς, καὶ ἀπόσμηξον πάντα ῥύπον καὶ σπῆλον ψυχικόν τε καὶ σωματικόν, ἐξ ἁμαρτίας ἡμῖν ἐπερχόμενον, καὶ ἐν τῇ πίστει τῇ εἰς σὲ στηρίξον, καὶ ἐν τῇ ἀγάπῃ κραταίωσον, καὶ ἐν τῇ ἐλπίδι βεβαίωσον, καὶ τὸν φόβον σου ἐνίδρυσον ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν, καὶ ἀνοῖξον ἡμῖν σπλάγχχνα οἰκτιρμῶν φιλανθρωπίας σου, καὶ χάρισαι τὴν εἰς τὰ ἅγια τῶν ἁγίων σου εἰσοδόν, καταξιών ἐπιστάσιαν ἁγίων καὶ μακαρίων δυνάμεων παραγενέσθαι καὶ συνεισελθεῖν τοῖς δούλοις σου, χειραγωγῶσαν ἡμᾶς καὶ φωτίζουσας ἡμῶν τὸ ἡγεμονικόν, ἵνα ἐν καθαρῷ συνειδῶτι καὶ νῷ ἀνεπιθολώτῳ ἐπιβλίνοντες ἐν ναῷ ἁγίῳ σου, προσκυνήσωμεν ἐν ταῖς αὐλαῖς σου, Κύριε, καὶ ἀποδώσωμεν τὰς εὐχὰς ἡμῶν δεκτὰς ἐπὶ τὸ ἅγιον καὶ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον, τὰς μυστικὰς λατρείας καὶ πνευματικὰς μυσταγωγίας σοι προσφέροντες. Ἐκφώνησις· Χάριτι καὶ φιλανθρωπίᾳ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, μεθ' οὗ σοὶ πρέπει δόξα, ἅμχ τῷ ἁγίῳ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν...

λ. 119 οβ. Εὐχὴ ἐτέρα εἰς τὸ αὐτὸ Ταρασίου πατριάρχου· Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, δυσωποῦμέν σε. Goar. p. 494. Ψιπταῖ: προσετρίβη μώμησις βμ. λώβησις.

λ. 120. Εὐχὴ ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, βεβηλωθέντος ὑπὸ ἐθνικῶν· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν ναὸν τοῦτον ἀναδείξας κατοικητήριόν σου. Goar. p. 495. Βαρίαντη: ἐναλλάσσοντος μικρόν τοῦ ἀρχιερέως ἀπὸ τοῦ παρὰ τῶν ἀθέων ἐθνικῶν ἄχρι τοῦ δόξης, καὶ λέγοντος οὕτω (γ Γοαρα: ἀπὸ

τοῦ θυσιαστηρίου...) Εἶτα ἐπισυνάπτουντο· τὰ ἐξ ἧς ἀπὸ τοῦ Αὐτοῦ πάλιν.

λ. 120 οβ. Εὐχή, λεγομένη ἐν τῇ εἰσόδῳ, πρὸ τῆς συνήθους, ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ἐν ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βίαις¹⁾. Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ πολλὴν καὶ ἄφατον ἀγαθότητα. Goar. pag. 496—497. Εἶτα ἐπιφέροντο· τὸ Αὐτὸς πάλιν καὶ τὰ ἐξ ἧς.

λ. 121. Περὶ αἱρέσεων. Ὅπως χρή δεχέσθαι τοὺς ἀπὸ αἱρέσεων τῇ ἀγία τοῦ Θεοῦ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ προσερχομένους. Περὶ τῶν ὀφειλόντων χρισθῆναι μύρω. Goar. pag. 695 η var. lect. α—ε.

λ. 123. Περὶ αἱρέσεων διδόντων λιβελλούς· Νεστοριανούς δὲ καὶ Εὐτυχιανιστάς, Ἀπολιναριαστάς, Ἰακωβίτας ἦτοι Θεοδοτιανούς καὶ Γαϊκνιστάς καὶ Ἰουλιανιστάς χρή ποιεῖν λιβελλούς καὶ ἀναθεματίζειν Θεόδωρον Μοψουεστίας, Παῦλον Σαμοσατέα, Εὐτυχέα, Διόσκορον, Σεβήρον καὶ τοὺς φρονούντας τὰ αὐτῶν καὶ πάσας τὰς προαναφερομένας αἱρέσεις, καὶ μεταλαμβάνειν τῆς ἀγίας κοινωνίας.

λ. 123. Περὶ τῶν ἀναβαπτίζομένων· Εὐνομιανούς μέντοι τοὺς εἰς μίαν κατὰδουσιν. Goar. pag. 695. Τούτων ἕκαστον ἴστησιν ἔσω τῆς πύλης τῆς ἐκκλησίας, καὶ ἐπιθεῖς τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφαλὴν ποιεῖ εὐχὰς κατηχουμένων, καὶ γινομένων κατηχουμένων καὶ προσελθούσης ἐπ' αὐτῶν τῆς τῶν κατηχουμένων τάξεως, ὡς ἀνωτέρω γέγραπται, ἀναβαπτίζεται.

λ. 123 οβ. Εὐχὴ ἐπὶ αἱρετικῶν ἀναβαπτίζομένων· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ μεγαλύνουμος, ὁ τὸ πρὶν σκότος φωτίσας τῷ λόγῳ τοῦ στόματός σου. Goar. p. 700.

λ. 124. Ὅπως χρή ἀναθεματίζειν ἐγγράφως τὴν αἵρεσιν αὐτῶν τοὺς ἀπὸ Μηνιχαίων προσιόντας τῇ ἀγία τοῦ Θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ. Cotel. Patres apostolici t. 1 p. 543 not.; A. Дмитриевскій, Прилож. стр. 26—45. Καὶ διηνεκῶς ταρταρωθεῖη, εἴ τις οὐχ ὁμο(λο)γεῖται τὴν φύσεως τὴν ἀγίαν καὶ ὁμοούσιον καὶ ἀδιαίρετον Τριάδα, τὸν Πατέρα καὶ τὸν Υἱὸν καὶ τὸ ἅγιον Πνεῦμα, ἀλλ' ἐπέσκατόν τινα ἀγγελὸν ὁμολογούμενον τὸν Υἱόν, καὶ ἐξ ἐτέρας πάλιν ἐλάττονος φύσεως τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, τὸ ὁμοδόναμον Πατρός καὶ Υἱοῦ.—Ἀνάθεμα ἔστω, εἴ τις οὐχ ὁμολογεῖ τὸν Θεὸν ποιητὴν εἶναι τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς καὶ πάντων τῶν κτισμάτων, καὶ πλάστην τοῦ Ἀδάμ, καὶ δημιουργὸν τῆς Εὐας, ἀλλὰ τὸν ἀντικείμενον λέγει ἄρχοντα καὶ ποιητὴν τοῦ παντός, καὶ πλάστην τῆς ἀνθρωπείας φύσεως.—Ἀνάθεμα ἔστω, εἴ τις οὐχ ὁμο-

¹⁾ Въ оглавлении надписывается: Καὶ ἐρμηνεία ἐπὶ ἀνοίξει ναοῦ, ᾧ συνέβη θανεῖν ἄνθρωπον βίαιως, ἢ ζῶον ἄλογον καὶ ἀκάθαρτον ἔθανεν ἢ ἐγέννησεν, εὐχή.

λογεῖ τὸν Υἱὸν τοῦ Θεοῦ καὶ Λόγον ἀναλλοιώτως ἐξ αὐτοῦ πρὸ τῶν αἰώνων γεννηθέντα, καὶ ἐπ' ἐσχάτων τῶν χρόνων ἐκ τῆς ἀχράντου καὶ Θεοτόκου Μαρίας σαρκωθέντα, διὰ τὴν πολλὴν αὐτοῦ εὐσπλαγχνίαν, καὶ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν γενέσθαι ἄνθρωπον καὶ ἀναλαβέσθαι πάντα ἡμέτερα χωρὶς ἁμαρτίας, καὶ οὐ μεταλαμβάνει τῶν ἀθανάτων καὶ ζωοποιῶν μυστηρίων ἐν φόβῳ, ὡς αὐτῆς τῆς σαλῆς τῆς δεσποτικῆς, καὶ τοῦ ἁγίου καὶ τιμίου αἵματος τοῦ ἐκχυθέντος ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς, ἀλλ' ὡς ἄρτου φιλοῦ καὶ κραμάτος κοινοῦ.—'Ανάθεμα ἔστω, εἴ τις οὐ προσκυνεῖ τὸν τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ σταυρόν, οὐχ ὡς τυραννικὸν ὄπλον, ἀλλ' ὡς σωτηρίαν παντὸς τοῦ κόσμου, καὶ δόξαν γενόμενον, καὶ τοῦ ἐχθροῦ τὰς μηχανὰς καὶ ῥομφαίας εἰς τέλος καταργήσαντα καὶ ἀπολέσαντα, καὶ τὴν κτίσιν τῶν εἰδώλων λυτρωσάμενον καὶ νίκην τῷ κόσμῳ ἀναδειξάντα.—'Ανάθεμα, εἴ τις οὐ προσκυνεῖ τὴν σεβάσιμον καὶ ἁγίαν εἰκόνα τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὡς χαρικτήρα τοῦ σαρκωθέντος δι' ἡμᾶς Λόγου Θεοῦ, καὶ δοξάζει ὡς ἀνιστορῶν αὐτὸν ἐν τῷ εἰκόνος ὁμοιώματι, καὶ τῆς ἀχράντου αὐτοῦ Μητρὸς καὶ πάντων τῶν ἁγίων αὐτοῦ, ἀλλ' εἰδῶλα ἀποκαλῶν αὐτάς. 'Ανάθεμα ἔστω. 'Ανάθεμα Παῦλῳ τῷ Σαμουσαταίῳ καὶ Λουκᾷ καὶ Βλασίῳ, καὶ Βαρνάβᾳ, καὶ Ἀντωνίῳ, καὶ Ῥοδινᾷ, καὶ Ἀνθῇ, καὶ Νικολάῳ, καὶ Λέοντι, καὶ Πέτρῳ, καὶ τοῖς λοιποῖς ἅπασιν, τοῖς τριῶν τιράτοις διδασκάλοις τῆς νέας ταύτης αἱρέσεως καὶ προδρόμοις τοῦ Ἀντιχρίστου καὶ τοῦ σατανᾶ πλάσμασιν. 'Ανάθεμα αὐτοῖς.—Ταῦτα τοῦ προσερχομένου λέγοντος ἐπ' ἐκκλησίας, ποιοῦμεν αὐτὸν χριστιανόν, εἴτ' οὖν ἡγοῦμεθα, ὡς χριστιανὸν ἀβάπτιστον, οἷα τυχόν ἐστι τὰ τῶν χριστιανῶν παῖδια, τὰ μέλλοντα βαπτίζεσθαι, τῇ δὲ β' ἡμέρᾳ τοῖς κατηχουμένοις συναριθμοῦμεν, λέγοντες ἐπ' αὐτῷ τὴν εὐχὴν, ἣν ἐπὶ τῶν κατηχουμένων παίδων φαμέν, καὶ τὰ ἐξ ἧς χρόνισθα ταῖς τῶν ἐξορκισμῶν εὐχ(α)ῖς, καὶ οὕτως ἀκολούθως ἐπιτελοῦμεν πάντα τὰ ἐπὶ τῷ βαπτίσματι νενομισμένα.

л. 130 об. Тάξις, γενομένη ἐπὶ τοῖς ἀπὸ Μανιχαίων ἐπιστρέφουσι πρὸς τὴν καθαρὰν καὶ ἀληθῆ πίστιν ἡμῶν τῶν χριστιανῶν. Goar. p. 700. Разница весьма незначительная лишь въ изложеніи. Въ отъ-
павіяхъ, кромѣ Манента и Манихея, упоминается и Куврикій.

л. 132. Μεθοδίου, τοῦ ἀγιωτάτου πατριάρχου, διάταξις¹⁾ περὶ τῶν διαφόρων τρόπων καὶ ἡλικιᾶ ἐπιστρέφόντων. Goar. p. 689, по съ оро-

1) Этотъ діатакисъ изданъ проф. А. Алмазовымъ „Тайная исповѣдь“ т. III, II, отд. I, стр. 5—6, по съ нѣкоторыми пропусками.

бенипостяни: περιζωσθεῖς χρισθῆτω μύρω, ὡς οἱ βαπτιζόμενοι, καὶ φορεσάτω ἱμάτια καινά... ἐπὶ ὀκτὼ ἡμέρας... καθὼς καὶ οἱ φωτιζόμενοι τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ τῇ λειτουργίᾳ τὰς ἡ' ἡμέρας π. 693. Εὐχὴ ἱλασμοῦ εἰς τὸν ἀπὸ ἀρνήσεως ἐπιστρέφοντα πρὸς ἡμετέραν πίστιν. Goar. pag. 689. Εὐχὴ ἄλλη εἰς ἱλασμόν μετὰ τὸ εἰπεῖν ψαλμὸν Ν' καὶ λζ' καὶ ἑκατοστὸν δεύτερον, Δέσποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς κλεῖς βασιλείας σου. p. 690. Εὐχὴ πρὸς χριστιανούς ὑπαχθέντας ἐθνικῇ πλάνῃ, ἐπιστρέψαντας δὲ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ προσδραμόντας· Κύριε, Κύριε, ὁ τῶν ἀπάντων ποιητὴς καὶ Δεσπότης, ἡ πηγὴ τῆς ἀγαθότητος.. p. 690. Εὐχὴ ἐπὶ ἀποστατήσαντος παιδὸς καὶ μαγαρίσαντος καὶ μετανοοῦντος· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ὁ θέλων πάντας ἀνθρώπους σωθῆναι p. 691. Εὐχὴ ἐπὶ πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Ὁ κλίνας οὐρανούς καὶ καταβάς ἐπὶ σωτηρίᾳ τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων. p. 691. Καὶ λαμβάνων ἅγιον μύρον, σφραγίζει εἰς τὸ μέτωπον καὶ τὰς χεῖρας καὶ τοὺς πόδας, εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ὁ παντοκράτωρ, ὁ διὰ τῆς ἀποστολῆς τοῦ παναγίου σου Πνεύματος p. 692

л. 136. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι ἐθνικὸν κατηχούμενον. p. 283.

л. 137. Περί Μελχισεδεκитῶν τῶν καὶ Θεοδοτιανῶν καὶ Ἀδιγγάνων. Ἐκ τεσσάρων κακῶν εἰς ἓν συνελθόντων ἡ αἵρεσις αὕτη συνέστηκε· ἴδιον μὲν γὰρ οἱ ταύτῃ κεκρατημένοι παρὰ πάντας τοὺς ἄλλους αἰρετικούς ἔχοντες δόγμα, τὸν παρὰ τῇ θεῇ γραφῇ φερόμενον...

л. 139. Χρὴ οὖν τοὺς ἀπὸ Ἀδιγγάνων προσιόντας καὶ βαπτίζεσθαι μέλλοντας τοῦτο λέγειν· Ὁ δεῖνα, ὁ ἀπο Μελχισεδεκитῶν τῶν καὶ Θεοδοτιανῶν καὶ Ἀδιγγάνων. А. Дмитриевскій. Прилож. сир. 46—53.

л. 140. Τάξις, γινομένη ἐπὶ τοῖς ἀπὸ Σαρακηνῶν ἐπιστρέφουσι πρὸς τὴν καθαρὰν καὶ ἀληθῆ πίστιν ἡμῶν τῶν χριστιανῶν. Conf. Migne. Patr. Curs. Complet. t. CXL col. 124—135.

л. 145 об. Πῶς δεῖ δέχεσθαι τὸν ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχόμενον. Goar. p. 282—283. Ἐκθεσις ἀκριβεστέρα περὶ τοῦ πῶς δέχεσθαι τὸν ἐξ Ἑβραίων τῇ τῶν χριστιανῶν πίστει προσερχόμενον. А. Дмитриевскій. Прилож. сир. 68—82; Conf. Patres apostolic. t. 1, pag. 504—507, not. 1.

л. 151 об. Λόγος (въ оглавлении прибавлено: Γρηγορίου τοῦ Νικαίας) διαλαμβάνων, ὅτι οὐ χρὴ ταχέως ἐπιτιθέναι χεῖρα βαπτίζουσαν Ἑβραίοις (въ оглавлении: βαπτίζειν Ἑβραίους), εἰ μήτις ἀκριβῶς τοὺς πρότερον δοκίμασει· Τὴν ἀλήθειαν ἀρχὴν εἶναι τῶν τοῦ Θεοῦ λόγων

ὁ μέγας ἡμᾶς διδάσκει· Δαβὶδ καὶ πάντων αὐτὴν ἰσχυροτέραν ὁ σοφὸς ἀποδείκνυσιν Ἑσδρας... Слово заанимаеτѣ 13 листовъ рукописи.

λ. 164 об. Εὐχὴ ἐπὶ τοῦ μέλλοντος λαμβάνειν μαντήιον· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀξιότιμος σου εἶναι νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικὰ πάντα κα(τα)-λιπόντας... ρ. 385. Εὐρήνη παῶσιν. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἡ ἐλπίς καὶ καταφυγὴ πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπὶ σέ. ρ. 385. Чтеніе правильное: ζυγὸν σου τὸν χρηστὸν (вмѣсто: τὸν Χριστόν) καὶ τὸ ἐλαφρόν σου. Εἴτα κουρεύει αὐτὸν σταυροειδῶς, περιβάλλει τε αὐτὸν τὸ παλλίον, λέγων οὕτως· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα λαμβάνει τὸ παλλίον, τὸν ἀρραβῶνα τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, εἰπόμεν ὑπὲρ αὐτοῦ Κύριε, ἐλέησον. Παραλαβόντες δὲ αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικόν, κουρεύουσιν, λέγοντες τὸν Ἀμωμον, καὶ ἐλθὼν εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ἀσπάζεται τοὺς ἀδελφούς.

λ. 165 об. Εὐχὴ ἐπὶ τῆς μελλούσης λαμβάνειν σχῆμα μοναζούσης· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας. Goar. ρ. 382, по сѣ инымъ концемъ: πρὸς τὸ αὐτὴν εὐαρέστως πολιτευσαμένην, ὡς λαμπάδα φέρειν σοι τῆς σωφροσύνης τὴν ψαιδρότητα, τῷ ἐλαίῳ τῶν αὐτῆς...

λ. 166. Ἀκολουθία τοῦ προσχήματος τῶν μοναχῶν καὶ εὐχαί. Πρὸ τοῦ κουρεῦσθαι ἐρωτᾶται πρῶτον ταῦτα ὑπὸ τοῦ ἱερέως· Ἐκουσίᾳ σου γνώμῃ προσῆλθε· τῷ Χριστῷ н т. д. Goar. ρ. 379. Въ молитвѣ: Εὐχ-χριστουμέν σοι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν ρ. 378 нахолимъ сѣдѣющіе варианты: διαφύλαξον αὐτὸν ἕως θανάτου... καὶ πραότητα αὐτῷ διὰ παντός χαριζόμενος, διὰ τῶν οἰκτιρμῶν τοῦ Χριστοῦ σου, μεθ' οὗ εὐλογητός εἰ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι.

λ. 167. Κάθισμα τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου σχήματος, ἦχος δ'. Πρὸς Ταχὺ προκαταλαβέτωσαν. Οἱ θέλοντες ἔρχεσθαι, ψησὶν ὁ Κύριος, ὀπίσω μου. Goar. ρ. 403. Ἄλλο, ἦχος πλ. β'. Πρὸς Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πηγὴν. Ψυχὴν καὶ σάρκα Θεῷ πιστεῖ ἀκλινεῖ προσαναθέμενος, καὶ κόσμου τερπνὰ καὶ συγγενεῖς ἐγκαταλείψας, ζυγὸν τὸν ἐλαφρόν νῦν ἀράμενος, βίου ὅλου μελέτην τὸν θάνατον λογίζου. Τὸ κοντάκιον, ἦχος α'. Ἀγκάλας πατρικᾶς. Στιχηρά, ἦχος β'. Πρὸς Ὅτε ἐκ τοῦ ξύλου. Πιστεῖ προσερχόμενον πρὸς σέ... Ἐχων τὴν πηγὴν τῶν οἰκτιρμῶν... Τεῖχος ὑπερβήσομαι ἐν σοί... Goar. ρ. 405. Ὁ κανὼν, φέρων ἀκροστιχίδα τήνδε· Εὐδόκιμον τέλος εὐδοκίμῳ μοι, Χριστέ, παράσχου, Θεοφάνους ρ. 403.

λ. 171. Τάξις, γινομένη τοῦ ἁγίου καὶ μεγάλου σχήματος¹⁾. Ἀπὸ ἐσπέρας εἰσφέρονται τὰ ἱμάτια τοῦ μέλλοντος κουρεύεσθαι εἰς τὸ θυ-

¹⁾ Въ заглавіи обѣ этомъ чинѣ такъ говорится: Εἴτα τὰ περὶ τοῦ μεγάλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος, καθίσματα, στιχηρά, κανὼν καὶ οὕτω πάσα ἡ

σιαστήριον καὶ ἀποτίθενται ἐν τῷ θαλασσιδίῳ τῆς ἀγίας τραπέζης, καὶ εἰς τὸν ὄρθρον φάλλεται ὁ κανὼν τοῦ σχήματος, καὶ τὸ πρῶτ' εἰς τὴν λειτουργίαν φάλλεται ἀντίφωνον α'. Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου. Ἀντίφωνον β'. Αἶνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον. Ἀντίφωνον γ'. Οἱ μακαρισμοί. Ἰσταται δὲ ὁ τὸ σχῆμα μέλλων λαμβάνειν, ἀρχομένου τοῦ α' ἀντιφώνου τῆς λειτουργίας, ἔνδον τῆς βασιλικῆς πύλης, φορῶν τὰ πρὸς συνήθειαν καθημερινὰ ἱμάτια αὐτοῦ μέχρι τῆς εἰσόδου. Ψάλλονται δὲ οἱ μακαρισμοί, ἦχος δ'. Ὅτε ἐν τῷ πάθει ὁ ληστής... Ὅσοι τὰ ἐν κόσμῳ ποθεινὰ ἐγκατελίπετε... Ὁ θέλων πάντας εἰς ἐπίγνωσιν ἔλθειν... Goar. pag. 414. Πάντων τῶν προσκαίρων καὶ φθαρτῶν σὺ κατεφρόνησας, μόνον τὸν ἀθάνατον νυμφίον τε ἐπόθησας, φέρων καὶ τὸ σημεῖον τοῦ σταυροῦ ἐπωμίδιον μετὰ πίστεως, καὶ ἀκολουθῶν τῷ Χριστῷ. Πάσας τῆς σαρκὸς τὰς ἡδονὰς ἀποσεισάμενος... Τρίβον τὴν πλατεῖαν καὶ εὐρύχωρον ἀφέμενος... Θεοτοκίον· Χαῖρε πυχθενίας τὸ ὑπέρτιμον καλλώπισμα... Goar. p. 414. Εἴτα ἡ εἰσόδος, μετὰ δὲ τὴν εἰσόδον, τοῦ διακόνου λέγοντος· Σοφία, ψάλλουσιν οἱ συμπαρόντες τὰ ἀντίφωνα, καὶ καθ' ἑκάστην δόξαν βραχὺ μεδιστάμενος ἕως τῆς ἀπαρξέως τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἐν ᾧ λέγεται τροπάριον· Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια, φθάνει ἐν τῷ ἄμβωνι, καὶ λεγομένου ἐτέρου τροπαρίου· Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες, ἔρχεται εἰς τὴν σωλαίαν, κάκει ἵσταται ἕως εἴπη στίχον· Δεῦτε προσκυνήσωμεν. Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρίων, ἅμα δὲ καὶ προσπίπτει μέχρι συμπληρώσεως ἀντιφώνου, εἴθ' οὕτως ἀνισταμένου αὐτοῦ, ὁ ἱερεὺς τὰ προτεταγμένα. Ἔστι δὲ τὸ α' ἀντίφωνον οὕτω· ἦχος δ', Ἡθελον δάκρυσιν ἐξαλεῖψαι. Στίχος· Ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου. Τίς χειμαζόμενος καὶ προστρέχων.. Στίχος· Ἐξελεξάμην παραρρίπτεσθαι ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ Θεοῦ... Ἐν τῇ πηγῇ τῇ μουσικῇ τῆς ἀναγεννήσεως.. Δόξα, Ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν... Ἀρχομένου δὲ τοῦ β' ἀντιφώνου, μεδίσταται ὁ τὸ σχῆμα λαμβάνων τῶν βασιλικῶν πυλῶν ὀλίγον. Ἀντίφωνον β', ἦχος δ'. Ζάλη ἀμαρτημάτων... Στίχος· Εἰπάτωσαν οἱ λευιτρωμένοι ὑπὸ Κυρίου, οὗς ἐλυτρώσατο ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν... Ἀντιλαβοῦ μου κατὰ τὸ λόγιόν σου... Δόξα καὶ νῦν, Ἐξ ἀχράντων λαγόνων σου... Goar. pag. 414, not. g. Ἀρχομένου δὲ τοῦ γ' ἀντιφώνου, ἔρχεται ἕως τοῦ ἁμβωνος καὶ πάλιν ἵσταται. Ἀντίφωνον γ', ἦχος δ'. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ

τάξις καὶ ἀκολουθία, τὰ τε ἀντίφωνα καὶ οἱ μακαρισμοί, τὰ πρὸ τῆς εἰσόδου, τὰ μετὰ τὴν εἰσόδον, τὰ πρὸ τοῦ εὐαγγελίου, μετὰ τὸ εὐαγγέλιον, ἡ ἐρώτης καὶ ἀποκρίσεις, αἱ κατηχήσεις, αἱ εὐχαὶ καὶ τὰ λοιπά. Εἰσὶ δὲ εὐχαὶ σὺν τοῦ ἀποκουκλισματος (sic) ἀμφοτέραι ζ'.

κόσμον προσπάθεια... Δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου. Καὶ τούτου λεγομένου ἔρχεται εἰς τὴν σωλαίαν, κάκει ἵσταται, καὶ λέγεται τροπάριον, ἥχος δ΄. Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες... Στίχος· Ἐπλανήθην ὡς πρόβατον... Πρόβατόν εἰμι τῆς λογικῆς σου ποιμένης... Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν καὶ κλαύσωμεν... Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται καὶ προσπίπτει εἰς τὰ ἅγια θυρία καὶ οὐκ ἀνίσταται μέχρι συμπληρώσεως τοῦ ἀντιφώνου. Τροπάριον, ἥχος δ΄. Κύριε, Κύριε, ἐπιβλέψον ἐξ οὐρανοῦ p. 504. Ὁ διὰ σὲ θεοπάτωρ προφήτης Δαβίδ, μελωδικῶς. Καὶ εἶθ' οὕτως ἀνισταμένου αὐτοῦ, ἐπερωτᾷ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς λέγων· Τί προσῆλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ; Goar. p. 407. Отвѣтовъ нѣтъ ни на одинъ вопросъ. Объясненіе, что у Goar. p. 407, по сѣ вѣкото-рымъ разногласіямъ: πρὸς πάντα θλιβερά τῆς χαροποιῦ κατὰ Θεὸν ζωῆς... ἀγγελιοειδοὺς διαγωγῆς... διατριβῆς, ἀρκούντως ἡγωνίσω πρὸς τὰς βλασφημίας, καταλαλία, παρρησίαν... Ἐρώτησις· Ταῦτα πάντα οὕτως καθομολογεῖς... Εὐχὴ· Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος. Goar p. 409, сѣ вариантомъ: Ἀντωνίου, Εὐθυμίου καὶ τῶν σὺν αὐτοῖς.

π. 177. Ἐτέρα κατήχησις ἔχουσα οὕτως· Ὁ Κύριος ἡμῶν καὶ Θεὸς Ἰησοῦς Χριστός, προσκαλούμενος ἡμᾶς ἐπὶ τὴν τῆς σωτηρίας ὁδόν, λέγει· Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες καὶ περιφορτισμένοι, κἀγὼ ἀναπαύσω ἡμᾶς, ἄρατε τὸν ζυγόν μου ἐφ' ὑμᾶς καὶ μαθίετε ἀπ' ἐμοῦ, ὅτι πρῶός εἰμι καὶ ταπεινός τῇ καρδίᾳ, καὶ εὐρήσετε ἀνάπαυσιν ταῖς ψυχαῖς ὑμῶν· ὁ γὰρ ζυγός μου χρηστός καὶ τὸ φορτίον μου ἐλαφρόν ἐστι, κόπον λέγων τὸν τῆς ἁμαρτίας. Ὅταν γὰρ τοῦ κόπου τῆς ἁμαρτίας ἀπαλλαγῶμεν, εἰς εὐδὸν λιμένα καταντῶμεν τῆς σωτηρίας, τοῦτο ἐστι τὸν Κύριον ἡμῶν καὶ Θεὸν Ἰησοῦν Χριστόν· τότε γὰρ αὐτὸς ὑποδέχεται ἡμᾶς, οἷον ἐκ ζάλης καὶ τρικυμίας τῶν τοῦ διαβόλου παγίδων ἐλευθερωμένους, ἐπιτίθεισι δὲ ἡμῖν τὸν ζυγόν τῶν ἐντολῶν αὐτοῦ τὸν χρηστόν τε καὶ ἐλαφρόν, ὑποβάλλων ἡμᾶς τῇ πνευματικῇ ζεύγλῃ τοῦ θελήματος αὐτοῦ, καταδεσμῶν ἡμᾶς τῷ φόβῳ τῆς κρίσεως, ἵνα μηκέτι κατὰ σκοπέλων καὶ κρημνῶν τῆς ἁμαρτίας φερόμεθα, ἀλλὰ τὸν φόρτον πάσης πράξεως τοῦ θελήματος ἀποσεισάμενοι, ἐλευθερίαν δικαιοσύνης τὸ ἀρχαῖον ἀξίωμα ἀπολάβωμεν, ἧς τὸ τέλος βασιλείας οὐρανῶν κληρονομία, ἄφθαρτος καὶ ἀμάραντος τετηρημένη ἐν οὐρανοῖς, ἀκολουθήσωμεν ἀγαθῷ Δεσπότῃ, θέλοντι τὴν σωτηρίαν ἡμῶν· εἰς τοῦτο γὰρ ἡμᾶς ἔπλασεν, θέμενος ἐπ' ἔργοις ἀγαθοῖς, ἵνα ἐν αὐτοῖς περιπατήσαντες, ποιήσωμεν τὸ θέλημα αὐτοῦ τὸ ἀγαθὸν καὶ εὐάρεστον καὶ τέλειον, θῶμεν τὸν φόβον αὐτοῦ ἐν ταῖς καρδίαις ἡμῶν, κατανοήσωμεν, ἅπερ ἐπηγγέιλτο ἡμῖν

ἀγαθὰ, ὅτι συγκληρονόμους ἡμᾶς αὐτοῦ ἐποίησεν, ἐάν τηρήσωμεν αὐτοῦ τὰς ἐντολάς, χωρίσωμεν ἑαυτοὺς τοῦ ἀλλοτρίου, ἐπιγνώμεν τοῖς ἀγαθοῖς ἔργοις τὸν Θεόν ἡμῶν, μνησθῶμεν τῶν πρώτων συνθηκῶν, ὧν συνεθέμεθα μέλλοντες προσεῖναι τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι· ὑπεσχόμεθα γὰρ αὐτῷ ἀπέχεσθαι τοῦ διαβόλου καὶ πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ καὶ δουλεύειν αὐτῷ μόνῳ, τῷ Σωτῆρι Θεῷ, καὶ ποιεῖν πάντα τὰ προστάγματα αὐτοῦ. Γινώμεν, ὅτι αἱ φωναὶ ἡμῶν ἀνάγραπτοι εἰσιν, ἴδωμεν, ὅτι περὶ πάντων ἀπόκειται κρίσις καὶ ἀνταπόδοσις, καὶ ταῦτα ἀπαντήσεται ἡμῖν ἐπὶ τοῦ ἀπαραλογίστου βήματος, ὅταν πάντες γυμνοὶ καὶ τετραχληλισμένοι παρουσάμεθα ἐνώπιον ἀγγέλων καὶ ἀνθρώπων, εἰσπραττόμενοι δίκας περὶ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν, ὅταν, ἀμελήσασιν ἡμῖν τῆς ἑαυτῶν σωτηρίας, κατηγορήσῃ ὁ ἀλλότριος, ὅτι λόγῳ μὲν τῷ Θεῷ συνεταξάμεθα, ἔργῳ δὲ αὐτῷ δεδουλεύκαμεν, ὅτε οὐκ ἔστι πρεσβεία εὐπρόσδεκτος ἁγίων, ἢ δικαίων δυνάμεων ὑπὲρ ἡμῶν, ἀλλὰ πᾶς ἄνθρωπος, ᾧ ἐπεδόθη ἐργασίας, ταύτης καὶ ἀπολαύσει. Καὶ εἰ μὲν τῷ Δεσπότη ἑδούλευσε, τῆς βασιλείας αὐτοῦ καταξιωθήσεται, εἰ δὲ ταῖς τοῦ πονηροῦ παρεσύρη ἀπάταις, τοῦ ἡτοιμασμένου ἐκείνῳ σκότους. Ἀδελφοί, ἔως ἔχωμεν καιρὸν, ἐργασώμεθα τὸ ἀγαθόν, καὶ μὴ βραθυμία ἑαυτοὺς παραδώσωμεν, μὴ πλούτῳ ἐπαρθῶμεν, μὴ τρυφῇ ἑαυτοὺς καταναλώσωμεν, μὴ δόξῃ θαρρῆσώμεν· πάντες γὰρ τὰ πρόσκαιρα, μάταια, ἀκούσωμεν τοῦ ἀποστόλου λέγοντος, ὅτι παράγει τὸ σχῆμα τοῦ κόσμου τούτου, πάντα οὐδὲν εἰσι, καὶ εἰς οὐδὲν λογισθῇσονται, ταῦτα εἰδότες, ἀγαπητοί, τῆς ἀληθοῦς μετανοίας ἐπιλαβώμεθα καὶ προσδράμωμεν ἐν ἐξομολογήσει τῷ φιλανθρώπῳ Σωτῆρι τῶν ψυχῶν ἡμῶν· φιλόψυχος γὰρ ἐστὶ καὶ ἀγαθός, μὴ βουλόμενος τὸν θάνατον ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν, ἀλλὰ τὴν ἐπιστροφὴν καὶ τὴν ζωὴν, καὶ οὐκ ἀποστρέφεται ἡμᾶς προσερχομένους αὐτῷ, οὐδὲ ὀνειδίζει τὰ πρότερα, ἀλλὰ μᾶλλον προσδέχεται καὶ ἀσμενίζει καὶ περιπτύσσεται, καὶ τὸ πρότερον ἄξιωμα ἀποδίδωσι, καὶ χαρὰν ἐπιτελεῖ ἐν οὐρανοῖς μετὰ τῶν ἁγίων ἀγγέλων αὐτοῦ ἐπὶ τοῖς μετανουοῦσι καὶ ἐπιστρέφουσι καρδίαν ἐπ' αὐτόν. Ἰδοὺ οὖν καὶ αὐτός, ἀδελφέ, προσέρχῃ αὐτῷ καὶ ἀγνεῖαν καὶ σωφροσύνην καὶ πᾶσαν ἐπαγγελίαν δικαιοσύνης, βλέπε μὴ στραφῆς εἰς τὰ ὀπίσω· πᾶς γὰρ ὁ ἐπιβελών τὴν χεῖρα ἐπ' ἄροτρον καὶ στραφείς εἰς τὰ ὀπίσω, οὐκ ἔστιν εὐθετός· εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν. Τοῦτο οὖν γίνωσκε, ὅτι εἰς κόπον καὶ θλίψιν ἐκλήθης, οὐχὶ εἰς ἀνεσιν· καὶ γὰρ καὶ πεινᾶσαι ἔχεις καὶ διψᾶσαι, καὶ γυμνητεῦσαι, καὶ χαμαὶ κοιτῆσαι, καὶ ὕβρισθῆναι, καὶ βληθῆναι, καὶ διωχθῆναι, καὶ πάντα τὰ θλιβερά ἔχεις παθεῖν. Ἐάν δὲ ὑπομείνης διὰ τὸν Θεόν, θάρασει, ὅτι πρὸς ὀλίγον ὁ κάματος, καὶ εἰς αἰῶνα αἰῶνος ἡ ἀνάπαυσις καὶ ἡ δόξα·

κτησώμεθα ταπεινοφροσύνην καὶ ὑπακοήν· καὶ γὰρ ὁ Κύριος καὶ Θεός διὰ τῆς ταπεινοφροσύνης κατέβαλε τὸν ὑπερήφανον διάβολον, ὑπήκουσε δέ, ταπεινώσας ἑαυτὸν μεχρὶ θανάτου, θανάτου δὲ σταυροῦ. Ἀναλάβωμεν πρὸς πάντας ἀγάπην, ἣτις ἐστὶ κεφάλαιον νόμου καὶ προφητῶν περὶ ταύτης γὰρ ὁ Κύριος λέγει, ὅτι ἐν τούτῳ γινώσκονται πάντες, ὅτι ἐμοὶ μαθηταὶ ἐστέ, ἐὰν ἀγάπην ἔχητε ἐν ἀλλήλοις ἐν φόβῳ Θεοῦ. Μισήσωμεν τὸν κόσμον καὶ τὰ ἐν αὐτῷ, ἀποστραφώμεν πᾶσαν ἡδονὴν καὶ πᾶσαν σαρκικὴν ἐπιθυμίαν, ἀναλάβωμεν τὴν πανοπλίαν τοῦ Θεοῦ, πρὸς τὸ δύνασθαι ἡμᾶς στήναι πρὸς τὰς μεθοδίας τοῦ διαβόλου, νήψωμεν, γρηγορήσωμεν, ὅτι ἡ ὥρα οὐκ οἶδαμὲν ὁ Κύριος ἡμῶν ἔρχεται, εὐτρεπίσωμεν ἑαυτοὺς ὥς αἱ φρόνιμοι παρθένοι, ὅπως συνεισέλθωμεν αὐτῷ, μὴ ἀμελήσωμεν, ἵνα μὴ ἔξω μείνωμεν, ὥς αἱ μωραὶ παρθένοι κρούουσαι καὶ λέγουσαι· Κύριε, Κύριε, ἀνοιξὸν ἡμῖν, καὶ ἀκούσωμεν οὐκ οἶδα ὑμᾶς. Πᾶσαν τὴν μέριμναν ἡμῶν ἐπὶ τὸν Θεὸν ἐπιρρίψωμεν, ὅτι αὐτῷ μέλει περὶ ἡμῶν, ὅπως λυτρώσεται ἡμᾶς ἐκ πασῶν παγίδων τοῦ ἐχθροῦ καὶ σώσῃ ἡμᾶς εἰς τὴν βασιλείαν αὐτοῦ τὴν οὐράνιον, πρεσβείας τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας καὶ πάντων τῶν ἁγίων αὐτοῦ νῦν καὶ αἰεὶ. Καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς σφραγίζει ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ λαμβάνοντος τὸ σχῆμα γ', μετὰ δὲ τὸ κατασφραγίσαι αὐτόν, προσπίπτει ὁ κατηχούμενος ἕως τῆς συμπληρώσεως τῆς εὐχῆς καὶ κεφαλοκλισίας, καὶ στραφεὶς ὁ ἱερεὺς κατὰ ἀνατολὰς, τοῦ διακόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, ἐπεύχεται αὐτὸς εἰς ἐπήκοον ταῦτα· Ὁ ὢν, Δέσποτα παντοκράτωρ, ὕψιστε βασιλεὺ τῆς δόξης. *Goar. p. 409. Личнее чтеііе: ἀκατάσειστον θεμελιωμένον ἐπὶ τὴν ἀκρότομον...* Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνην πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου. Ὁ διάκονος· Τὰς κεφαλὰς. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται· Ἄγιε Κύριε τῶν δυνάμεων *p. 410 и ва-ріантн: ὃν προσεκαλέσατο ἡ δεξιὰ σου εἰς τὸν πνευματικόν σου νυμφῶνα... τὰς ἐκ τῆς σαρκὸς ἐπαναστάσεις... Конечъ: ὅπως καταξιωθῇ τῆς οὐρανοῦ σου βασιλείας. Δάριτι καὶ οἰκτιρμοῖς... Εἴτα ἐγείρει αὐτόν καὶ κρατήσας τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ χειρός, εἰσφέρει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ καὶ ποιεῖ μετάνοιαν καὶ ἀνιστάμενος ἀσπάζεται τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἐκτείνας τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ κατηχητής, λέγει πρὸς αὐτόν· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως ἐνταῦθα πάρεστι... *p. 410. Καὶ ὅταν συντάξῃται, λέγει πρὸς αὐτόν πάλιν ὁ ἱερεὺς· Λάβε τὸ ψαλίδιον καὶ ἐπίδος μοι αὐτό. Καὶ ἐπιδόντος αὐτοῦ τὸ ψαλίδιον, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρός τοῦ Χριστοῦ... Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τῶν χειρῶν αὐτοῦ τὸ ψαλίδιον, λέγει οὕτως· Εὐλόγητός ὁ Θεός... καὶ κουρεύει αὐτόν σκυροειδῶς, λέγων οὕτως· Ὁ ἀδελφός ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται τὴν κόμην...**

Καὶ εὐθέως παραλαμβάνουσιν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ εἰς τὸ διακονικὸν καὶ κουρεύουσι, λέγοντες τὸν ἄμωμον, τοῦ τε ἱερέως ποιῶντος τὴν εὐχὴν τοῦ Τρισαγίου, λέγει ὁ διάκονος συναπτήν τοιαύτην· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ ἀδελφοῦ ἡμῶν... и т. д. какъ у Гоара р. 412—413. Εἴτα (т. е. послѣ возгласа: Ὅτι ἅγιος εἶ) τὸ Τρισάγιον, προκείμενον, ἦχος γ'. Κύριος φωτισμός... Κύριος ὑπερασπιστής.. Ὁ ἀπόστολος πρὸς Κολοσσαεῖς ἐπιστολῆς Παύλου τὸ ἀνάγνωσμα· Ἀδελφοί, ἐνδύσασθε ὡς ἐκλεκτοὶ τοῦ Θεοῦ... Τέλος· ἄδοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν τῷ Κυρίῳ. Ἀλληλουάριον, ἦχος πλ. δ'. Οὗτος ὁ πτωχὸς ἐκέκραξε. Εὐαγγέλιον· Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον· Εἶπεν ὁ Κύριος, ὁ φιλῶν πατέρα ἢ μητέρα ὑπὲρ ἐμέ. Τέλος· οὐ μὴ ἀπολέσει τὸν μισθὸν αὐτοῦ. Καὶ μετὰ τὸ ρηθῆναι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, φέρουσι τὸν ἀποκαρθέντα οἱ ἀδελφοὶ μέσον τῆς βασιλικῆς πύλης, φοροῦντα κολόβιον καὶ ἄπτοντα κηρόν, καὶ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ εὐαγγελίου ἄρχεται τὸ α' ἀντίφωνον, καὶ ἄπτουσιν οἱ παρόντες κηρούς, ἕως οὗ ὁ ἀσπασμὸς γένηται. Ἀντίφωνον α', ἦχος δ'. Ἦνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας... Στίχος· Πρόσεχε ὁ λαός μου τὸν νόμον... Ὁ ζυγὸς μου χρηστὸς ἐστί... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἡ λαμπάς ἡ ἀσβεστος... Ἀντίφωνον β', ἦχος γ'. Εὐαγγελικῆς φωνῆς... (ἀσκητικῶ θεσμῷ ἀνδρείως πορευέθητι εἰς ναὸν τοῦ Κυρίου). Στίχος· Ἰδοὺ δὴ τί καλόν... Ἐγγὺς Κύριος ταῖς ὑπομένουσιν αὐτόν... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἀγιοπρωτε σεμνή... Ἀρχομένου δὲ τοῦ γ' ἀντιφώνου, ἔρχεται πλησίον τῶν ἁγίων θυρίων. Ἀντίφωνον γ', ἦχος δ'. Ἀκολουθήσωμεν, ἀδελφοί... ἐπιθυμίας φύγωμεν πλάνον κόσμον καὶ κοσμοκρατορά, γενόμεθα καθαρῶς τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς... Στίχος· Ἐξῆκόστειλον τὴν χειρὰ σου ἐξ ὕψους... Καὶ τούτου λεγομένου, κρατήσας τῆς χειρὸς αὐτοῦ ὁ ἱερεὺς, εἰσάγει αὐτὸν εἰς τὸ βῆμα, καὶ λέγεται τροπάριον, ἦχος α'. Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν... (διὸ προθύμως συμφώνως πάντες προσέλθωμεν). Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Χαίρεις παρ' ἡμῶν, ἁγία Θεοτόκε παρθένε... Goar. р. 415. Εἰσελθόντος δὲ αὐτοῦ εἰς τὸ βῆμα, ἐνδύει αὐτὸν ὁ ἀναδόχος, λέγοντος τοῦ ἱερέως ταῦτα· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται и т. д. Слова тѣже, что у Гоара pag. 411, по порядоку вѣ одѣваніи одеждѣ таковы: ἱμάτιον, κουκούλιον, ἀνάλαβον, παλλίον, λῶρος и σανδάλια. Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἔλαβε τὸ μοναδικὸν σχῆμα ἐν ὀνόματι τοῦ Πατρὸς... Ἐνδυομένου δὲ αὐτοῦ, ψάλλεται τροπάριον, ἦχος δ'. Πρὸς Ἦνοικται ἡ θύρα τῆς μετανοίας. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας... Στίχος· Αὕτη ἡ πύλη τοῦ Κυρίου... Στίχος β'. Ἀγαλλιάσθε τῷ Θεῷ... Στίχος γ'. Εἰσέλθετε ἐνώπιον αὐτοῦ... Στίχος δ'. Εἰσέλθετε εἰς τὰς πόλεις αὐτοῦ... Δόξα καὶ νῦν, θεοτοκίον· Ἐχοντές σε,

Θεοτόκε, ἐλπίδα καὶ προστασίαν... Καὶ μετὰ τὸ ἀμφιασθῆναι αὐτόν, λέγει ὁ διάκονος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ κλίνοντος αὐτοῦ τὸν ἀγχένα, καὶ τοῦ ἱερέως ποιούντος τὰς ὑποτεταγμένας εὐχάς, ψάλλεται τροπάριον, ἤχος πλ. β΄· Ἀγαλλιᾶσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ... Στίχος· Δεῦτε ἀγγελλισκώμεθα τῷ Κυρίῳ... Στίχος β΄· Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν ὁ Κύριος... Στίχος γ΄· Ἀγαλλιᾶσθωσαν ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Μονογενές, ἰμοσούσιε τῷ Πιτρὶ σου καὶ τῷ Πνεύματι. Αἱ δὲ εὐχαί, ἃς ποιεῖ ὁ ἱερεὺς, εἰσὶν αὗται Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου... ρ. 411. Βαριαντῆς· τῷ δὲ κουκουλίῳ τὴν ταπεινωφροσύνην περικεφαλαίαν σωτηρίου περιθέμενος. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνῃ πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς ἡμῶν, ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου τόνδε ρ. 412. Καὶ μετὰ τὸ τελειῶσαι αὐτόν, ἐπκίρει ὁ διάκονος τὸ ἄριον εὐαγγέλιον καὶ ἵσταται ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου, καὶ προσκυνεῖ πρῶτον ὁ λαβὼν τὸ σχῆμα καὶ ἵσταται πλησίον τοῦ διακόνου, κατέχοντας τὸ εὐαγγέλιον, καὶ λοιπὸν διέρχονται πάντες οἱ ἀδελφοί, προσκυνοῦντες τὸ εὐαγγέλιον, καὶ εἴθ' οὕτως ἀσπάζονται αὐτόν. Ἐν δὲ τῷ ἀσπασμῷ ψάλλεται τροπάριον, ἤχος α΄· Ἐπιγινώμεν, ἀδελφοί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν... Στίχος α΄· Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον πάντες οἱ ὅσοι αὐτοῦ... Στίχος β΄· Ἀγαλλίσσονται τὰ χεῖλη μου, ὅταν ψάλλωσι... Στίχος γ΄· Δεῦτε ἀκούσατε καὶ διηγήσομαι ὑμῖν... Δόξα καὶ νῦν, Θεοτοκίον· Χαῖρε, Θεοτόκε παρθένε, χεῖρε καύχημα τῆς οἰκουμένης... Καὶ μετὰ τὸ γενέσθαι τὸν ἀσπασμὸν, εἰσελθόντος αὐτοῦ εἰς τὸ θυσιαστήριον, ἄρχεται ὁ διάκονος· Εἵπωμεν πάντες, Κύριε ἐλέησον. Τελεσθείσης δὲ τῆς θείας λειτουργίας, ἅπτοντες οἱ ἀδελφοὶ κηρούς, συναπέρχονται μετὰ τοῦ νεοφωτίστου εἰς τράπεζαν, τῶν ἀναδόχων αὐτοῦ κατεχόντων τῆς δεξιᾶς χειρός, καὶ οὕτως αὐτὸν ὀψικεύοντες, ψάλλουσι τροπάριον, ἤχος δ΄· Κύριε, Κύριε, ἐπιβλέψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος α΄· Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ πρόσχες... Στίχος β΄· Ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χειρῶν μου... Στίχος γ΄· Ἐξέγειρον τὴν δυναστείαν σου... Στίχος δ΄· Ὁ Θεός, ἐπίστρεψον ἡμᾶς καὶ ἐπίφανον... Στίχος ε΄· Ἀφῆκας τὰς ἀνομίας τῷ λαῷ σου... Στίχος ς΄· Κύριε, καταφυγὴ ἐγεννήθης... Εἵτα ἀνισταμένου αὐτοῦ ἀπὸ τῆς τραπέζης, συναπέρχονται αὐτῷ εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ψάλλοντες τὸ προγεγραμμένον τροπάριον· Κύριε, Κύριε, ἐπιβλέψον ἐξ οὐρανοῦ... Στίχος α΄· Ὡς ἀγκηπτά τὰ σκηνώματά σου, Κύριε... Στίχος β΄· Ἡ καρδιά μου καὶ ἡ σάρξ μου... Στίχος γ΄· Καὶ γὰρ στρουθίον εὔρεν ἐαυτῷ οἰκίαν... Τὰς δὲ ἑπτὰ ἡμέρας ὁ νεοφώτιστος προσκαρτερεῖ τῇ ἐκκλησίᾳ, σχολάζων ἀπὸ τῶν ἔργων, τῇ δὲ ἐβδόμῃ ἡμέρᾳ ποιεῖ αὐτῷ εὐχὴν ὁ ἱερεὺς καὶ ἀποκουκουλίζει αὐτόν.

λ. 187. Εὐχὴ εἰς τὸ ἀποκουκουλίσαι. Goar. p. 419.

λ. 188. Κατήχησις σύντομος λαμβάνειν ὁ μέλλοντος σχῆμα μοναχοῦ¹⁾. Τί προσήλθες, ἀδελφέ, προσπίπτων τῷ ἀγίῳ θυσιαστηρίῳ; и да иѣ, какъ въ чинѣ великой схимы, не раздѣляя вопросовъ отвѣтами; иѣтъ и оглашеніи, по прямо послѣ: Влѣπε, τέκνον, οἷας συνθήκας διδῶς... слѣдуютъ: Ταῦτα πάντα οὕτως καθομολογεῖς и молитва: Ὁ πανοικτίρμων οὖν Θεὸς καὶ πολυέλεος... Καὶ σφραγίζει ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ γ', καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἁγίους εἶναι νομοθετήσας τοὺς τὰ βιωτικά... Goar. pag. 385. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν παρθενίαν οὕτως ἀγαπήσας Goar. p. 389. Εἴτα ἐγείρει αὐτόν, καὶ κρατήσας τῆς δεξιᾶς χειρὸς, εἰσφέρει ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ καὶ ποιεῖ μετάνοιαν, καὶ ἀνιστάμενος προσκυνεῖ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, καὶ ἐκτείνας τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ κατήχη τῆς, λέγει· Ἰδοὺ ὁ Χριστὸς ἀοράτως... Καὶ ὅταν συντάξῃται, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Δάβε τὸ ψαλίδιον... Καὶ ἐπιτιδόντος τὸ ψαλίδιον, λέγει πρὸς αὐτόν ὁ ἱερεὺς· Ἰδοὺ ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ Χριστοῦ. Καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τῆς χειρὸς αὐτοῦ τὸ ψαλίδιον, λέγει· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... καὶ κουρεύει αὐτόν σταυροειδῶς, λέγων· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα κείρεται... Καὶ ἀπὸ τοῦ εὐαγγελίου εἰσερχομένου αὐτοῦ ἀπὸ (sic) κολοβίου ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ, ἐνδύει αὐτόν ὁ ἀνάδοχος, λέγοντος τοῦ ἱερέως ταῦτα· Ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ δεῖνα ἐνδύεται χιτῶνα... Оиежди: мантіон, κουκούλιον, ἀνάλαβον, παλλίον, λῶρος, σανδάλια. Ἐνδουομένου δὲ αὐτοῦ, ψάλλεται τροπάριον, ἡχος δ'· Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας. Καὶ μετὰ τὸ ἀμφιασθῆναι αὐτόν, τοῦ διακόνου λέγοντος· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν, καὶ κλίνοντος τὸν ἀγχένα τοῦ λαμβάνοντος τὸ σχῆμα, ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ πιστὸς ἐν ταῖς ἐπαγγελίαις σου. Goar. p. 411. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Καὶ τοῦ διακόνου λέγοντος· Τὰς κεφαλὰς, ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, εἰσάγαγε τὸν δοῦλόν σου τόνδε. Goar. p. 412.

λ. 192. Ἀκολουθία ἐπὶ κουρεύματος μοναζούσης γυναικός²⁾. Μετὰ τὴν ἀπόλυσιν τοῦ ὁρθρου, καθέζονται αἱ μονάζουσαι... (и погъ вырванъ)

1) Въ оглавленіи эта статья называется: Ἐτέρας ἀκολουθίας κατήχησις σύντομος λαμβάνειν μέλλοντος σχῆμα μοναχοῦ, ἔχουσα εὐχὰς ε'. 2) Въ оглавленіи: Ἐτέρα τάξις καὶ ἀκολουθία τῶν μοναζουσῶν, ἡγῶν τὰ ψαλλόμενα κατὰ προσθήκην τῶν ἀνδρῶν τροπάρια καὶ οἱ λοιποὶ τύποι, ἔχουσα καὶ εὐχὰς τοῦ νιπτῆρος, αἱ δὲ λοιπαὶ ἐγγράφη εἰς τὸ τῶν ἀνδρῶν Σχηματολόγιον.

(ὁ)ποτόπωσιν σωτηρίου ταπεινώσεως и т. д. первая молитва въ чинѣ омо-
венія ногъ, начинающагося: Κύριε καὶ Θεὲ ὑπεράγαθε, ὁ ἀπρόσιτος τῇ θεό-
τητι. Goar. pag. 592. Βαρίανты: συγκαταβάσεως ἀπομιμουμένου· τὸ ὑπερ-
ένδοξον καὶ τοὺς τῆς ἀμαρτίας μολυσμοὺς ἀπονίφασθαι τὴν
δούλην σου ἢ δεῖνα καταξίωσον διὰ τῆς τοῦ ὕδατος τούτου προσφά-
σεως, ἵνα, καθαρὰ ψυχῇ τε καὶ σώματι γενομένη, εὐαρέστως σοι λατρεύῃ.
Ἐκφώνως· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν
τῷ Πατρὶ. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν, Εἰρήνη πᾶσιν. Εὐχὴ β'. Δέσποτα Κύριε
τῆς δόξης, ὁ ὑποδείξας ἡμῖν μέτρα ταπεινώσεως... Goar. p. 592. Βα-
ρίανты: ἀναγορευσάμενος... διατήρησον ἀρρόπους αἰεὶ νιπ(τ)ομένους δάκρυσι
καὶ καθαυρομένους τῷ φωτὶ τῆς καθαρτικῆς σου χάριτος, ἵνα, εἰλικρινῶς σοι
πάντοτε προσπίπτοντες, εὐαρέστως σοι λατρεύωμεν. Ἐκφώνως·
Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόανθρωπος Θεὸς ὑπάρχεις... Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν.
λέγει ὁ διάκονος· Καὶ ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι ἡμᾶς τῆς ἀκροάσεως. Εὐ-
αγγέλιον κατὰ Ἰωάννην· Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, εἰδὼς ὁ Ἰησοῦς, ὅτι πάντα
δédωκεν αὐτῷ ὁ Πατήρ, ἕως· καὶ λαβὼν λέντιον, διέζωσεν ἑαυτόν. Καὶ
ζώννυται ἡ ἡγουμένη λέντιον, εἴτα βάλλει ὕδωρ εἰς τὸν νιπτῆρα
ἕως· ᾧ ἦν διεζωσμένος· καὶ εὐθὺς ἄρχεται νίπτειν τὴν μέλλουσαν κου-
ρευθῆναι, καὶ φάλλουσι στιχηρά, ἥχος δ'. Νίψον μου τοὺς πόδας,
τιμία μου μήτερ, καὶ ὑπόδησόν μου τὸ ὑπόδημα τῆς σωφροσύνης, ἵνα
μὴ ἐλθὼν ὁ ἐχθρὸς, εὖρη τὴν πτέρναν μου γυμνὴν καὶ ὑποσκελίσῃ τὰ
διαβήματά μου. Στίχος α'. Ἐλέησόν με, ὁ Θεός, κατὰ τὸ μέγα ἔλεός
σου. Τὸ αὐτό. Στίχος β'. Ἐπὶ πλεῖον πλυνόν με ἀπὸ τῆς ἀνομίας καί...
Τὸ αὐτό. Δόξα καὶ νῦν, Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα καὶ προστασίαν.
Καὶ ὑπὲρ τοῦ καταξιωθῆναι ἡμᾶς... Εὐαγγέλιον β' κατὰ Ἰωάννην· Τῷ
καιρῷ ἐκείνῳ, ὅτε ἔνιψεν ὁ Ἰησοῦς τοὺς πόδας τῶν μαθητῶν. Goar.
pag. 593. Καὶ οὕτως τροπάριον, ἥχος πλ. β'. Πρὸς Ἀβυσσος, ἐσχάτη.
Κύριον φωνεῖτε, ᾧ μαθηταί, καὶ διδάσκαλόν με· καὶ γὰρ πέφυκα, Χριστέ,
ἑβόας, διό μιμεῖσθε τὸν τύπον, ὃν τρόπον ἐν ἐμοὶ ἐθεάσασθε. Στίχος·
Ῥαντιεῖς με ὕσώπῳ καὶ καθαρισθήσομαι, πλυνεῖς με.. Καὶ τούτου
λεγομένου, ῥαντίζουσι τὰ ἑαυτῶν πρόσωπα ἢ τε ἡγουμένη καὶ αἱ μονά-
ζουσαι ἐκ τοῦ ὕδατος τοῦ νιπτῆρος, καὶ οὕτως εἰσέρχονται ἐν τῇ ἐκ-
κλησίᾳ καὶ φάλλουσι τροπάρια τῆς ε' ᾧ δ' ἡς τῆς μεγάλης παρὰ

Чинъ этотъ въ славянскомъ переводѣ напечатанъ проф. Н. Красносель-
цевымъ въ книгѣ: «Къ исторіи православнаго богослуженія. По поводу
нѣкоторыхъ церковныхъ службъ и обрядовъ, нынѣ неупотребляющихся».
Казань, 1889, стр. 151—169.

σκευῆς Πρὸς· Πρὸς σέ ὀρθρίζω... Ῥυθθέντες πόδας¹⁾... Δόξα καὶ νῦν· Μεγάλων χαρισμάτων, ἀγνή Παρθένε μόνη Μήτηρ... καὶ εὐθέως ἐκτενή. Ῥαρχομένης δὲ τῆς λειτουργίας, μετὰ τὸ Ἀγκάλας πατρικάς, ἄρχονται ψάλλειν στιχηρὰ ἰδιόμελα, ἀντίφωνον α΄. (Ἦ)θελον δάκρυσιν ἐξαλείψαι. Στίχος· Ὁ ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματα. Πάντας θέλων σῶζεσθαι ὁ μόνος φιλάνθρωπος Κύριος καὶ Θεὸς ἡμῶν, σὲ νῦν προσδέχεται, ὦ παρθένε, τὴν ταύτην ἐξ ὅλης ψυχῆς ἀγαπήσασαν· αὐτῷ σεμνὸν δεῖξον βίον, εὐαρεστῆσαι προθυμουμένη, κράζουσα· πρὶν ἀπόλλωμαι, Κύριε, σῶσόν με. Στίχος· Ἐξελεξάμην παραρρίπτεισθαι. Ἄνοιξον σπλάγχχνα φιλανθρωπίας, Ἰησοῦ Χριστέ ὁ Θεός, τῇ ποθοῦσῃ σε, δέξαι με, θέλουσάν σου ὀπίσω τοῦ τερπνοῦ νυμφίου μου ἔπεσθαι, μὴ τῷ ἐχθρῷ συγχωρήσης χάριν ἐμοῦ ἐγκαυχᾶσθαι· Κύριε, μὴ με παρίδῃς, μὴ ἀπόωῃ τὴν δούλην σου. Δόξα καὶ νῦν, Ῥῶσαι ἡμᾶς ἐκ τῶν ἀναγκῶν ἡμῶν. Ἀντίφωνον β΄, ἤχος δ΄. Ποῦ ἐστὶν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια. Στίχος· Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου καὶ κινέσει σε καὶ τὰ κρίματα. Σταύρωσον τὰ μέλη, φιλόχριστε, νέκρωσον τὰ πάθη τῇ ἐγκρατείᾳ, καὶ τῷ νυμφίῳ σου προσδραμοῦσα, κράζον· ποῦ ποιμένες, νυμφίε, ποῦ δὲ καὶ κοιτάζεις, εἰπέ μοι, ὅτι σὲ ποθοῦσα προσέδραμον, ἐπ' ὧμων τὸν σταυρόν σου ἀραμένη, ἵνα εἰσελθῶ εἰς τὸν νυμφῶνα, λαμπαδηφοροῦσα, ὡς παρθένος ἀγνή. Στίχος· Ἐπλανήθην ὡς πρόβατον ἀπολωλός. Θέκλαν ἐκμιμοῦμαι τὴν μάρτυρα, Παῦλῳ δὲ πεισθεῖσα ἀνακράζω· ἐκδυσάμενη τὴν παλαιάν μου στολήν, ἣν μοι ἡ τοῦ ὄψεως πλάνη πάλαι κατεσκεύασε δεινῶς, νῦν δὲ προστρέχω τῷ Κυρίῳ μου καὶ ἀναλαμβάνω τὸν σταυρόν αὐτοῦ, τὸν τῆς ἀφθάρτου βασιλείας καὶ χιτῶνα καὶ στολισμὸν καὶ περιβόλαιον. Δόξα καὶ νῦν, Ἦ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος. Ῥαρχομένου δὲ τοῦ τρίτου ἀντιφώνου, ἔρχεται ἡ μέλλουσα κουρεύεσθαι ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ψάλλονται στιχηρά, ἤχος δ΄. Κύριε, ἄνοιξον τὰς πόλεις τοῦ νυμφῶνος τῇ δούλῃ σου, πίστει καὶ πόθῳ προσπιπτούσῃ, καὶ ἁγίσωσον αὐτήν, Παντοδύναμε, τῆς ἀγίας σου κλήσεως. καὶ συναρίθμησον αὐτήν τῇ ποιμνῇ σου, Ἰησοῦ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θέλων σῶσαι πάντας ἡμᾶς. Στίχος· Ἄνοιξατέ μοι πόλεις δικαιοσύνης, εἰσελθὼν ἐν σὺνταῖς. Κύριε, ὅπλα μοι παράσχου κατὰ τοῦ πολεμήτορος· πίστιν, ἐλπίδα καὶ ἀγάπην, καὶ ἐνίσχυσόν με, Παντοδύναμε, κατ' αὐτοῦ, ὡς φιλάνθρωπος, ἵνα, νικήσῃς αὐτόν, πατήσω καὶ συντρίψω, Ἰησοῦ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ θέλων σῶσαι πάντας ἡμᾶς. Στίχος· Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ. Καὶ τούτου λεγομένου, πίπτει εἰς τὰ ἅγια θυρία ἡ κουρευομένη μέχρι συμπληρώσεως τοῦ θεοτοκίου· ψάλλουσι δὲ στιχη-

¹⁾ Для других тропарей оставлено лишь место, а в самой рукописи они не написаны.

ρόν, ἦχος δ΄. Δεῦτε πρὸς με πάντες οἱ κοπιῶντες. Δόξα καὶ νῦν, Ὁ διὰ σέ θεοπάτωρ προφήτης. Καὶ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ θεοτοκίου, ἀνιστᾷ αὐτὴν ὁ ἱερεὺς καὶ ἐπερωτᾷ· Τί προσήλθες, ἀδελφῇ, προσπιπτούσα καὶ τὰ ἐξῆς. Καὶ μετὰ το λαβεῖν ἐκ τῶν χειρῶν αὐτῆς τὸ φιλιδίον καὶ ἀποθριῖσαι αὐτήν, λαμβάνουσιν αὐτήν αἱ ἀδελφαὶ καὶ φέρουσιν εἰς τὸ διακονικόν καὶ κουρεύουσιν αὐτήν, ψάλλουσαι τὸν ἁμωμον, καὶ εἰς τὸ Ἀλληλουῖα εἰσάγουσιν αὐτήν μετὰ λαμπάδων καὶ τοῦ τελευταίου χιτῶνος, ἄζωστον, ἄσκεπον καὶ ἀνυπόδετον ἔσθλην τῶν βασιλικῶν πυλῶν. Καὶ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου ἄρχονται, ψάλλοντες ἀντίφωνον α΄, ἦχος γ΄. Εὐαγγελικῆς φωνῆς σπουδαίως πρόσταγμα νῦν πεπλήρωκα· καταλιποῦσα πάσαν συγγένειαν, καὶ τὸν σταυρὸν ἐπ' ὤμων σου ἀραμένη, ἀσκητικῶ θεσμῷ ἀνδρείως πορεύητι, ἀθλοῦσα νομίμως εἰς νάον τῆς Θεοτόκου, καὶ τῷ ἁγίῳ σχήματι σήμερον Χριστὸς κατακοσμίσει σε, ὁ παρέχων τῷ κόσμῳ τὸ μέγα ἔλεος. Στίχος· Ἀρχὴ σοφίας φόβος Κυρίου, σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν. Ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς φοβεῖσθαι Κύριον, διό, παρθένε σεμνή, νῦν πρόσελθε αὐτῷ εὐσεβῶς, καὶ λάβε τὴν πανοπλίαν τοῦ ἀγγελικοῦ σχήματος, μετὰ φόβου καὶ πόθου δουλεύουσα αὐτῷ, ἵνα λάβῃς παρ' αὐτοῦ μετὰ τῶν πάντε φρονίμων παρθένων τὸ μέγα ἔλεος. Στίχος· Ἐκολλήθη ἡ ψυχὴ μου ὀπίσω σου. Ἐγγὺς Κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν, ἀγαθὸν γυναικί, ὅταν ἄρῃ ζυγὸν ἐκ νεότητος αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτό, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι οὐκίῃ. Δόξα καὶ νῦν, Ἀγίωπρωτε σεμνή, ἐγκώμιον οὔσα τῶν οὐρανίων ταγμάτων. Ἀντίφωνον β΄, ἦχος δ΄. Χριστὸς με προσκαλεῖται εἰς τὸν νομφῶνα αὐτοῦ, νοητῶς ὑποδεικνύων μοι τὴν στενὴν καὶ τεθλιμμένην ὁδόν· δι' αὐτόν γὰρ ἀπαρνοῦμαι πάντα κόσμον καὶ τὴν στολὴν τὴν ἐπὶ κηρον, ὡς θέκλα ἀποδύομαι καὶ περιβάλλομαι στολὴν τὴν ἄφθαρτον, ἀπχύστως ψάλλουσα· ἐκολλήθη ἡ ψυχὴ μου ὀπίσω σου. Κύριε, κατήλωσα σὸν τοῖς παθήμασι σάρκα καὶ προσπάθειαν, καὶ νοῦν, καὶ καρδίαν, καὶ συσταυροῦμαί σοι τῷ ζωοδότῃ Θεῷ, Αὐτός, πολυεύσπλαγχνε, τὸν χιτῶνα τὸν ἄφθαρτον περιβάλέ με, μόνε Σωτήρ. Στίχος· Ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τί τερπνόν, ἀλλ' ἢ τὸ κατοικεῖν. Καὶ τούτου λεγομένου, ἔρχεται ἡ κουρευθεῖσα μέχρι τοῦ ἁμῶνος, καὶ ψάλλουσι στιχηρόν, ἦχος δ΄. Τῆς ἐναρέτου πολιτείας ἤδη, παρθένε, ἠξίωσαι, τὴν ψυχὴν καὶ τὸ σῶμα προσενεγκοῦσα τῷ Δεσπότη, Αὐτός δὲ ὁ δεξιόμενος τὰς συνήκας σου, ἐν τῇ πισταδί τῇ ἐπουρανίῳ τὴν μερίδα σου κατατάξειεν, ὡς φιλάνθρωπος. Στίχος· Ὅτι ἐκεῖ ἐνετείλατο Κύριος τὴν εὐλογίαν (καὶ) ζῶν ἐως τοῦ αἰῶνος. Σήμερον εὐφραίνονται θεῖαι δυνάμεις, βλέπουσαι, παρθένε, τὴν σὴν γαῖδράν ἀναγέννησιν, χαίρει δὲ καὶ ὁ κάλλει εὐπρεπῆς Χριστὸς νομφίος.

ὁ σός, Αὐτῷ τὴν παρθενίαν σπεῦσον συντηρῆσαι, ἵνα εὕρης ἐν νυμφῶνι οὐρανίῳ τὴν ἀνάπαυσιν. Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα καὶ προστασίαν ἐχθρῶν. Ἀντίφωνον γ', ἤχος πλ. δ'. Τὰ τῶν ἀγγέλων στρατεύματα ἐξίστανται ἐπὶ τῷ τελουμένῳ σήμερον ἐν τῇ συνταγῇ σου· Χριστῷ προσήλθε γὰρ σεμνή, καὶ τὴν κόμην σου ἀποκείρασα, ὥσπερ Θέκλα διὰ τοῦ Παύλου αὐτῷ ἐνυμφεύθης, ὅθεν, φιλόχριστε, μετὰ πόθου δέχου καὶ τὸ σχῆμα τῆς οὐρανίου ζωῆς.—Καὶ τούτου ψαλλόμενον, ἔρχεται ἡ κορυβεύθισα ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ψάλλεται στιχηρόν πλ. β'. Πρός· Ὁ ἀναβαλλόμενος. Στίχος· Εἰσεέλθετε εἰς τὰς πόλεις αὐτοῦ ἐν ἐξομολογήσει. Ὁ ἀναβαλλόμενος φῶς, ὡς ἱμάτιον, Αὐτὸς ἰδοὺ μοι ὥφθη καὶ θύρα σωτηρίας, χεῖρας ὑφαπλώσας μοι, σήμερον ἐναγκαλιζέται καὶ βοᾷ· δεῦρο νυμφεύθητί μοι, θύγατερ· ἡρμουςάμην γάρ σε διὰ τῆς Παύλου Θέκλα διδαχῆς· ὦ τοῦ θαύματος, δίχα προικὸς νυμφοστολεῖ με καὶ συνεισάγει με ἄνευ νυμφεύσεως, καὶ προῖκα ἐνοπρεπῇ χαρίζεται μοι, κἀγὼ ἐνυμφεύθην Αὐτῷ, λαβοῦσα τὸ ἐπάγγελμα. Στίχος· Ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρά σου ἐξ ὕψους, ἐξελεῖθαι με καὶ ῥῶσαί με ἐκ χειρὸς υἱῶν ἄλλοτριων. Καὶ τούτου λεγομένου, κρατήσας τῆς χειρὸς αὐτῆς, ὁ ἱερεὺς εἰσάγει αὐτὴν εἰς τὸ θυσιαστήριον, καὶ ψάλλουσι στιχηρόν, ἤχος α'. Πρός· Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν. Ὁ βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν τὰς χεῖρας ὑφαπλώσας, ἡμᾶς προσκαλεῖται εἰς τὴν ἄνω πόλιν, Οὗτος τοῖς κρούουσιν ἀνοίγει τὸν νυμφῶνα, Οὗτος τοῖς ζητοῦσιν εὕρεσκειται. Θεὸς ὢν, διό, περθεύε, προθύμως δεῦρο νυμφεύθητι ἀφθάρτως, γάμος πρόκειται, οὗ ὁ νυμφῶν ἀχειροποίητος, οὗ ἡ στολή οὐρανούφαντος, Οὗτος ὥρατος κάλλει, Αὐτὸς ἐστι, προσέλθωμεν καὶ λάβωμεν ἄφεισιν καὶ τὸ μέγα ἔλεος ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν.—Χαίροις παρ' ἡμῶν, ἁγία Θεοτόκε παρθένα. Εἰσελθούσης δὲ αὐτῆς ἐν τῷ θυσιαστηρίῳ καὶ τῶν ἀναδόχων λαμβανόντων τὰ ἱστάτια (ἱμάτια?) ἐκ τοῦ θαλασσιδίου, ἐνδύουσιν αὐτήν, λέγοντος τοῦ ἱερέως· Ἡ ἀδελφὴ ἡμῶν ἡ δεῖνα ἐνδύεται τὸν χιτῶνα καὶ τὰ ἐξῆς, καθὼς ἐγράφη καὶ εἰς τὸ ἀνδρεῖον. Ἐνδύομένης δὲ αὐτῆς, ψάλλουσι τροπάριον, ἤχος δ'. Ἐνδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας. Στίχος α'. Αὕτη ἡ πόλις Κυρίου, δίκαιοι. Στίχος β'. Ἀγαλλιάσθω τῷ Θεῷ τῷ βοηθῷ. Στίχος γ'. Εἰσελθετε ἐνώπιον αὐτοῦ ἐν ἀγαλλιάσει. Ἐχοντές σε, Θεοτόκε, ἐλπίδα. Καὶ μετὰ τὸ ἐνδύσασθαι αὐτήν, ποιεῖ ὁ ἱερεὺς εὐχὰς γ'. Ζήτηι ταύτας εἰς τὸ ἀνδρεῖον. Καὶ τῆς πρώτης εὐχῆς ἀρχομένης, ψάλλεται στιχηρόν, ἤχος πλ. β'. Ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχὴ μου. Ἄλλον ψαλλόμενον εἰς γυναῖκας, ἤχος πλ. β'. Συγχάρητέ μοι, πᾶσαι ἐν Χριστῷ ἀδελφαί, καὶ μελωδοῦσαι εὐχαριστήσωμεν Χριστῷ τῷ Θεῷ, ὅτι σήμερον πληροῦται ἐν ἐμοί· αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν ὁ Κύριος· ἰδοὺ γὰρ ὀνομάζομαι νύμφη θεόκλητος,

ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ Κυρίῳ· ἐνέδουσε γάρ με ἱμάτιον σωτηρίου καὶ χιτῶνα εὐφροσύνης, καὶ πλήρη με ἐποίησεν χαρᾶς καὶ κατανύξεως, Αὐτὸν δοξολογοῦσα καθικετεύω, ὑπεράγαθε Κύριε, ἀξίαν με ἀνάδειξον τοῦ σοῦ νυμφῶνος, μόνε Σωτήρ. Στίχος α΄. Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν. Στίχος β΄. Ἀγαλλιάσθωσαν ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ. Δόξα καὶ νῦν, Μεγάλων χαρισμάτων. Καὶ μετὰ ταῦτα ἐξέρχεται ὁ διάκονος, κατέχων τὸ εὐαγγέλιον ἔξω τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ ἀσπάζεται πρῶτον ἡ νεοφώτιστος, ἔπειτα ἡ ἡγουμένη καὶ καθ' ἑξῆς αἱ ἀδελφαί. Ἐν δὲ τῷ ἀσπάζεσθαι ψάλλεται στιχηρὸν ἰδιόμελον, ἥχος α΄. Ἐπιγνοῦσαι, ἀδελφαί, τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν, ὅτι τὴν ἐκ τῆς ἁμαρτίας πρὸς πνευματικὴν ἐστίαν ἀναδραμοῦσαν ἀμνάδα ἱεράν, ὁ πανάγαθος νυμφίος προϋπαντήσας ἀσπάζεται, καὶ ταύτῃ τῆς οἰκείας δόξης χαρίζεται τὰ γνωρίσματα, καὶ μυστικὴν τοῖς ἄνω ἐπιτελεῖ εὐφροσύνην, χαίρων τῇ ταύτης ἐπιστροφῇ, σπεύσωμεν καὶ ἡμεῖς ἀξίως πολιτεύεσθαι τοῦ προσδεξαμένου φιληνθρώπου Θεοῦ, καὶ παρέχοντος αἰεὶ σωτηρίαν ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν. Στίχος α΄. Ἀγαπήσατε τὸν Κύριον πάντες οἱ ὅσοι αὐτοῦ. Στίχος β΄. Ἀγαλλιᾶσεται τὰ χεῖλη μου, ὅταν ψάλλω σοι. Στίχος γ΄. Δεῦτε ἀκούσατε καὶ διηγήσασθαι ὑμῖν. Δόξα καὶ νῦν, Χαῖρε, Θεοτόκε παρθένε, χαῖρε καύχημα τῆς οἰκουμένης. Ζήτει, ἐὰν κοινωνῇ καὶ ποῦ καὶ πότε Μετὰ δὲ τὴν ἀπόλυσιν τῆς λειτουργίας, ἐξέρχονται αἱ μονάζουσαι ἅμα τῇ νεοφωτίστῳ εἰς τὴν τράπεζαν καὶ ψάλλουσι κατὰ τὴν ὁδὸν στιχηρὸν, ἥχος δ΄. Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον. Στίχος α΄. Ὁ ποιμένων τὸν Ἰσραὴλ. Στίχος β΄. Ἐξέγειρον τὴν δυναστείαν σου... Στίχος γ΄. Ὁ Θεός, ἐπίστρεψον ἡμᾶς καὶ ἐπίφανον. Δόξα καὶ νῦν, Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος. Τὸ αὐτὸ καὶ μετὰ τὸ ἀναστῆναι ἀπὸ τῆς τραπέζης, ἀπερχομένης αὐτῆς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ. Ἐσθιουσῶν δὲ αὐτῶν, ψάλλουσι στιχηρὰ κατὰ ἀλφάβητον Ἀνδρέου Κρητός, ἥχος πλ. α΄. Ἀνάλαβε, παρθένε, τὴν πανοπλίαν τοῦ Χριστοῦ, βάδιζε τρίβον ἀκλινῶς τῶν ἐντολῶν αὐτοῦ, σεμνή, γινώθι τὴν κλήσιν, ἐν ἣ σὲ κέκληκεν Αὐτός, δράμε, δίδωσον, φθάσον τῆς οὐρανῶν βασιλείας τὸν νυμφῶνα, βοῶσα ὦ Χριστέ μου, θεῖε Δόγε, τὴν ψυχὴν μου στήριξον, σοὶ προστρέχειν, σοὶ δουλεύειν, σοῦ συντηρεῖν τὰς ἁγίας ἐντολάς.—β΄. Ἐνδέδουσαι χιτῶνα τῆς μετανοίας τὴν στολήν, ζώνῃ περιζῶσαι ὁσφὺν τῆς σωφροσύνης τὸν δεσμόν· ἡῦρες γὰρ τρίβον τὴν σὲ προσφέρουσιν Θεῷ, θύρα σοι ἡνοικται, θάρσει, πρὸς ἀσφαλῆ σωτηρίαν, μὴ σιγήσης βοῶσα ὦ Χριστέ μου, θεῖε Δόγε, τὴν ψυχὴν μου στήριξον.—Ἰδοὺ Χριστῷ ἐνυμφεύθη τῷ ἀθανάτῳ βασιλεῖ, κόσμον περιέβαλε σαυτῇ τὸν (sic) διαυγῆ τῶν ἀρετῶν, λαμπάδι ἔργων φαιδρῶν ἀπάντησον Αὐτῷ, μέλλει ἔρχεσθαι, νῆφε, ὁ σὸς νυμφίος· παρθένε, μὴ νυστάξης, βοῶσα ὦ Χριστέ μου, θεῖε Δόγε,

τὴν ψυχὴν μου στήριζον σοὶ προστρέχειν.—Νεκρώθητι τῷ βίῳ, ἵνα συζηῇς τῷ Χριστῷ, ξένην ποιήσον σαυτὴν φιληδονίας τῶν ἐν γῇ, ὄμμα δὲ στήσον μὴ βλέπειν ὅλως πονηρά, πρόφθασον ἀπολαῦσαι τῆς οὐρανῶν βασιλείας τοῦ νυμφῶνος, βοῶσα, ὦ Χριστέ μου, θεῖε Λόγε, τὴν ψυχὴν μου στήριζον.—Ῥαστώνην τὴν τοῦ βίου καταλιποῦσα, ὦ σεμνή, στενοχωρίᾳ τῆς σαρκὸς ψυχὴν σου πλάτυνον Θεῷ, τρέχε γενναίως· αὐτὸν γὰρ ἔχεις συνεργόν, ὑπομονῇ καὶ ἐλπίδι τῶν οὐρανίων τραφεῖσα ἀγαθῶν ἐκβοῶσα, ὦ Χριστέ μου, θεῖε Λόγε, τὴν ψυχὴν μου στήριζον σοὶ προστρέχειν.—Φυλάττειν, ὦ Παρθένε, σὺ διδαχθεῖ(ς)α ἐντολάς, χαῖρε, εὐφραίνου τῇ ψυχῇ, ἀγαλλομένῃ ἐν Χριστῷ, ψαλμοῖς καὶ ὕμνοις αὐτὸν γεραίρουσα πιστῶς, ὡς Θεὸν καὶ Σωτῆρα καὶ βασιλέα τῆς δόξης, ἀσιγήτως βοῶσα· ὦ Χριστέ μου, θεῖε Λόγε, τὴν ψυχὴν μου στήριζον, σοὶ προστρέχειν, σοὶ δουλεύειν.—Τοῦ αὐτοῦ ἄλλα, ἦχος ὁ αὐτός· Ἀγνός ὑπάρχει ὁ γάμος ἀμίαντος, ὦ παρθένε, ἄσβεστόν σου τὴν λαμπάδα διατήρει καθ' ἐκάστην, ἀγρύπνει προσδεχομένη τὴν ἔλευσιν τοῦ νυμφίου, μὴ νυστάξης τοῖς πάθεσι καὶ στερηθῇς τῆς εἰσόδου, τῆς σοφίας τοὺς λόγους ἄκουε, νύμφη, εἰς ὑπάντησίν σοι προτρέπει τοῦ ἀμωμήτου νυμφίου.—Ἐν δὲ τῷ μέλλειν ἀναστήναι τῆς (τρα)πέζης, φάλλουσι στιχηρόν, ἦχος βαρὺς· Εἰ καὶ τὸν ἔξωθεν ἀπεδύσω χιτῶνα, ἀλλὰ ἔνδον μὴ ἀποδύσῃ, ὦ παρθένε, ἐὰν γὰρ ὑπάρχῃς ἐνδεδυμένη τοῦτον, πειρασμός σου οὐκέτι κυριεύσει· βλέπε οἷων ῥημάτων ἤκουσας, βλέπε οἷω νυμφίῳ συνηρμόσθης, βλέπε οὖν τὸν ἐχθρὸν μὴ γυμνώσῃ σε, ὡς τὸν Ἀδάμ καὶ τὴν Εὐάν, καὶ ξένην ποιήσῃ σε τῆς βασιλείας, ὡς ἐκείνους τοῦ παραδείσου· συνετάξω γὰρ τῷ Χριστῷ, τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον στηρίζει τὴν ψυχὴν σου. Δόξα, καὶ φάλλεται στιχηρόν, ἦχος δ'· Ὁ πάνσοφός μοι Παῦλος νυμφαγωγεῖ εἰς οὐρανούς μουσικῶς, ἐπικομίζων μοι τοὺς ἀρράβωνας τοῦ Χριστοῦ· δι' αὐτὸν γὰρ μοι κόσμος ἐσταύρωται, καὶ γὰρ τῷ κόσμῳ νενέκρωμαι καὶ συνάπτωμαι τῷ ἀφθάρτῳ νυμφίῳ μου ἐν ὕμνοις κραυγάζουσα, λύχνος τοῖς ποσὶ μου ὁ νόμος σου, καὶ φῶς ταῖς τρίβοις μου, Κύριε, κατεϋθύνόν μου τὰ διαβήματα, καὶ ὅλην με ἀγίασον σώματι καὶ πνεύματι, καὶ νικηφόρον με τοῖς ἐχθροῖς ἀνάδειξον, καὶ ἀξιώσόν με, παντοδύναμε, τὸν τῆς νίκης στέφανον κομίσασθαι με, μόνε Σωτήρ. Καὶ ὁ νῦν Θεοτοκίον. Καὶ μετὰ τοῦτο εἰείρονται τῆς τραπέζης, καὶ λαβοῦσα τῆς χειρὸς αὐτῆς ἡ ἡγουμένη ἀπάγει αὐτὴν εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ὀφικευσουσῶν τῶν μοναζουσῶν μετὰ κηρῶν καὶ φαλλουσῶν, στιχηρόν, ἦχος δ'· Κύριε, Κύριε, ἐπίβλεψον εἰς οὐρανοῦ. Δόξα καὶ νῦν. Ἡ λαμπὰς ἡ ἄσβεστος, ὁ θρόνος τῆς δικαιοσύνης.

λ. 197 οβ. Τὰ λείποντα τροπάρια εἰς τὸ σχῆμα τῶν ἀνδρῶν· Πρὸ τοῦ εὐαγγελίου εἰς τὸ β' ἀντίφωνον τῶν ἀνδρῶν τροπάριον β', ἤχος δ'· Πλύνόν με τοῖς δάκρυσί μου, Σωτήρ, ὅτι βερόπομαι ἐν πολλαῖς ἁμαρτίαις... Στίχος· 'Απὸ τῶν ἀνατολῶν καὶ δυσμῶν... Μὴ ἀπορρίψης με ἀπὸ τοῦ προσώπου σου, Κύριε, μὴ χωρίσης με τῶν καλῶν προβάτων σου... 'Αντίφωνον β'. Μετὰ τὸ τέλος τοῦ εὐαγγελίου τροπάριον β', ἤχος γ'· 'Αρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς φοβεῖσθαι τὸν Κύριον... 'Αντιφώνου γ', τροπάριον β', ἤχος δ'· Νῦν ὁ παράδεισος ἀληθῶς ἀνοικτός ὤμιν τοῖς ποθοῦσιν εἰσελθεῖν ἐν αὐτῷ... Τροπάριον β', φαλλόμενον ἀπὸ τοῦ εὐαγγελίου, ἐνδυομένου τοῦ ἀποκαρέντος, μετὰ τὸ εἰπεῖν· 'Ενδύσασθε χιτῶνα τῆς σωτηρίας. Σήμερον τῆς βασιλείας τὴν ὁδὸν ἡμῖν ὑποδείκνυσιν...

λ. 198 οβ. 'Ακολουθία καὶ τυπικὸν τοῦ ἁγίου λού(σ)ματος τῶν Βλαχερνῶν¹⁾).

Τῇ ε' ἐσπέρα εἰς τὸ λυχνικὸν ἄρχεται ὁ πρωτεμβατάτης· Εὐλόγητος ὁ Θεὸς ἡμῶν πάντοτε... Καὶ λέγουσι τὸν ψαλμόν· Εὐλόγει ἡ ψυχὴ μου, καὶ ἄρχεται ὁ αὐτὸς τὸ Κύριε ἐκέκραξα, καὶ τελειοῦται τὸ λυχνικὸν τῆς ἡμέρας. Μετὰ τὸ ποιῆσαι αὐτὸν τὴν ἐκτενήν, καὶ ἐὰν συμφθάζουσιν οἱ δέκαρχοι τὸν δεῖπνον αὐτῶν, φέρουσι τὰ κηρία, ὁ δὲ πρωτεμβατάτης βάλλει θυμίαμα ἐν τῷ θυμιατηρίῳ καὶ ἀπέρχεται εἰς τὰ προβαλλακτά, καὶ θυμιῶν τὴν ἁγίαν στακτὴν, ἐξέρχεται δὲ ὁ περιχύτης ὁ ἐβδομάριος καὶ λαμβάνων τὸ θυμιατήριον ἐκ τῶν χειρῶν τοῦ πρωτεμβατάτου, εἰσέρχεται ἔσω καὶ θυμιᾷ, ποιεῖ δὲ ὁ πρωτεμβατάτης εἰς τὴν κεφαλὴν τοῦ περιχύτου, λέγων· Παναγία Τριάς ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον καὶ κατεύθυνον τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ ἀεί. Καὶ εἰσέρχεται τοῦ στακτοῦσαι (sic), καὶ ὁ πρωτεμβατάτης, κλείων τὴν ἁγίαν πόλυν, ὑποστρέφει καὶ θυμιᾷ ἔξω τὸν δεῖπνον, καὶ ἐπιστρέφοντος αὐτοῦ, δίδει ὁ δέκαρχος τὰ κηρία, καὶ ἐκφωνεῖ ὁ πρωτεμβατάτης τὸ Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν πάντοτε νῦν. Κεὶ ἀπάρχεται τὸ 'Ο κατοικῶν. Ζήτει, ἐὰν ψάλλουσι κανόνα. Καὶ οἱ μὲν ἀπέρχονται μετὰ τοῦ πρωτεμβατάτου, ζήτει, ποῦ ἀπέρχονται, οἱ δὲ ἀπομένουσι, ψάλλοντες τὸ 'Ο κατοικῶν, ἀμφοτέροι. Καὶ εἰ μὲν ἐστὶν ἑορτὴ διὰ μέσης τῆς ἐβδομάδος, ψάλλουσι τὸ ἀπολυτίκιον τῆς ἑορτῆς, καὶ ὕστερον τὸ κοντάκιον τῆς ἑορτῆς, ἐὰν δὲ ἑορτὴ

1) Въ оглавленіи обѣ этомъ чинѣ говорится: 'Ακολουθία καὶ τυπικὸν τοῦ ἁγίου λούματος τῶν Βλαχερνῶν, περιέχον ἀκριβῶς τὴν ὅλην ἀκολουθίαν, τὰ τε τροπάρια καὶ τὰς εὐχάς, καὶ εἰ τι ἕτερα γίνεται, ἀπὸ τῇ ε' ἐσπέρας μέχρι τῆς ἀπολύσεως τοῦ λούματος· εὐχαὶ δὲ εἰσὶ σὺν τῇ ἐκτενοῦς (sic) εὐχῇ καὶ εἰς τὸ ποιῆσαι ἀδελφὸν ἀμφοτέροι ζ'.

οὐκ ἔστι, μετὰ τὸ πληρῶσαι τὸ 'Ο κατοικῶν, φάλλεις ταῦτα· Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός, ὁ καταξιώσας ἡμᾶς ἐλθεῖν εἰς τὴν ἐσπέραν ταύτην καὶ προσάγειν σοι ὕμνον εὐχαριστήριον, ἀνατίθημί σοι τῷ Θεῷ τὴν μέριμνά μου, τῷ τρέφοντι καὶ ζωογονοῦντί με, εὐεργέτα τῶν πάντων, Κύριε, δόξα σοι. Δόξα. Ἀντιλήπτωρ τῆς ψυχῆς μου γενοῦ, ὁ Θεός... Καὶ νῦν, Ὡς θυμίαμα καλὸν εἰς οὐρανοὺς ἀνέρχεται, Θεοτόκε, πρὸς ὃν ἔτεκες Θεόν, πρέσβευε ὑπὲρ ἡμῶν, πάντα φθόνον, πάντα πειρασμὸν ἀποδιώξον ἀφ' ἡμῶν, Πάτερ ἡμῶν, ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς, κατευθυνθήτω ἡ εὐωδία τοῦ ἁγίου σου Πνεύματος, μὴ ἐγκαταλίπῃς με εἰς τέλος, Κύριε, μήποτε ἰσχύσει εἰς ἐμὲ ὁ ὑπερήφανος· ἐνεδρεύει γὰρ ὡς λέων, ἀρπάσαι με βουλόμενος τὸν πτωχὸν καὶ πένητα, ἀλλὰ δέομαί σου, βασιλεῦ τῶν αἰώνων, βοηθός μου γενοῦ, Σωτήρ, καὶ σῶσόν με. Ἦχος β'. Ἡ βασιλεία σου, Χριστέ ὁ Θεός, βασιλεία πάντων τῶν αἰώνων, καὶ ἡ δεσποτεία σου ἐν πάσῃ γενεᾷ καὶ γενεᾷ, ὁ σαρκωθείς ἐκ Πνεύματος ἁγίου, ὁ ἐκ τῆς ἀειπαρθένου Μαρίας ἐνανθρωπήσας, φῶς ἡμῖν ἔλαμψε, Χριστέ ὁ Θεός, ἡ σὴ παρουσία, φῶς ἐκ φωτός τοῦ Πατρὸς τὸ ἀπαύγασμα, πᾶσαν κτίσιν ἐφαιδρυνας, πᾶσα πνοὴ αἰνεῖ σε τὸν χαρακτήρα τῆς δόξης τοῦ Πατρὸς, ὁ ὢν καὶ προὖν καὶ ἐκλάμψας ἐκ Παρθένου Θεός, ἐλέησον ἡμᾶς. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς... Ἐλπίς τοῦ κόσμου ἀγαθή, Goar. pag. 702, съ варіантомъ: σπλαγχνίσθητι εἰς ἀπερίστατον λαόν... Παναγία Θεοτόκε, τὸν χρόνον τῆς ζωῆς μου μὴ ἐγκαταλίπῃς με, Goar. p. 680. Κύριε ἐλέησον γ', καὶ ποιῶσι τὴν ἀπόλυσιν.

λ. 199 οβ. Ἀκολουθία τοῦ α' λού(σ)ματος.

Εἰστίχει ὁ ἱερεὺς μετὰ θυμιατοῦ εἰς τὴν πύλην τοῦ λοετροῦ, παρασταμένων πάντων γυμνῶν καὶ κρατούντων ε' κηρούς ἄπτοντας, καὶ λέγει· Εὐλογημένη ἡ εἴσοδος τοῦ οἴκου τῆς τεκούσης σε, Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ παρ' αὐτὰ λέγουσιν· Χαῖρε, ἡ πύλη τοῦ Θεοῦ, χαῖρε, Πανάχραντε παρθένε ἀγνή, χαῖρε, Δέσποινα καὶ προστασία τοῦ κόσμου, χαῖρε τεῖχος καὶ καταφυγὴ καὶ σκέπη τοῦ γένους ἡμῶν.—Ὑπὸ τὴν σὴν εὐσπλαγχνίαν καταφεύγομεν, Θεοτόκε... Στίχος α'. Μεγαλύνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον... Χαῖρε, ἡ πύλη τοῦ βασιλέως τῆς δόξης, ἣν ὁ Ὑψιστος μόνος διώδευσε, καὶ μένειν ἐσφραγισμένην εὐδόκησας εἰς σωτηρίαν τῶν ψυχῶν ἡμῶν. (Στίχος) Ὅτι ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν ταπείνωσιν. Χαῖρε, ἡ μόνη καὶ ἀληθὴς Θεοτόκος, ἣν ὁ Λόγος Μητέρα ἐκτήσατο, καὶ πύλην τῶν σωζομένων ἀνέδειξας ἀνεωγμένην τῷ λαῷ αὐτοῦ. Δόξα. Χαῖρε, ἡ δι' ἀγγέλου τὴν χαρὰν τοῦ κόσμου δεξαμένη, χαῖρε, ἡ τεκοῦσα τὸν ποιητὴν καὶ Κύριον, χαῖρε, ἡ ἀξιωθεῖσα γενέσθαι Μητέρα Θεοῦ. Καὶ νῦν. Χαῖρε, κεχαριτωμένη, ἀγαλ-

λίαμα τῶν ἀγγέλων, χαῖρε, Παρθένε, τῶν προφητῶν τὸ κήρυγμα, χαῖρε, ἡ εὐλογημένη, ὁ Κύριος μετὰ σοῦ. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Ἡ τὸ χαῖρε κεχαριτωμένη δι' ἀγγέλου δεξαμένη, καὶ χαρὰν τῷ κόσμῳ κηύσασα, Χριστὸν τὸν ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν, αὐτῷ πρέσβευε σωθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν, νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ οὕτως ἀλείφονται τὴν ἁγίαν στακτήν, καὶ ποιεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τοῦ σαπωνίου, λέγων· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Κύριε, ὁ ἐν τῷ ἐλέει καὶ τοῖς οἰκτιρμοῖς σου ἰώμενος τὰ συντρίμματα τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, Αὐτὸς Δέσποτα, εὐλόγησον καὶ τὸ σαπῶνιον τοῦτο, ὥστε γενέσθαι τοῖς χριστομένοις ἐξ αὐτοῦ εἰς θεραπείαν, εἰς ἀπαλλαγὴν παντὸς πάθους, νόσου σωματικῆς, μολυσμοῦ σαρκὸς καὶ πνεύματος καὶ παντὸς κακοῦ, ἵνα καὶ ἐν τούτοις δοξασθῇ σου τὸ πανάγιον ὄνομα. Σὸν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν... Καὶ σφραγίζει τὸν κρατοῦντα τὸ σαπῶνιον γ' εἰς τὴν κεφαλὴν, καὶ εἰσερχόμενος καταπλύνει τὸν κόλυμβον καὶ τὰ ὀρθομάρμαρα (?), καὶ τὸν πάτον ὅλον τοῦ λοετροῦ· τὸν δὲ κόλυμβον μετὰ σκάμματος, εἰδ' οὕτως μετὰ (ὑ)δατος, καὶ ποιεῖ ζευκτὰ γ' ἀνά β' οἱ θέλοντες βαστάσαι τὰ βαστακτά, καὶ ποιεῖ αὐτὴν ὁ ἱερεὺς εὐχὴν, κρατῶν τὰς κεφαλὰς αὐτῶν τῶν δύο, ὁμοίως τῶν γ' ζευκτῶν, λέγων οὕτως· Παναγία Τριάς ὁ Θεὸς ἡμῶν, εὐλόγησον, ἁγιάσον, κατεύθυνον τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἡμῶν πάντοτε, νῦν. Καὶ οὕτως εἰσέρχεται ὁ πρεσβύτερος (με)τὰ θυμιατοῦ, καὶ οἱ μὲν βαστάζοντες σταυροὺς ἀπὸ μερσίνης δ', καὶ ἄλλος τὰ λῶρα, ὁ δὲ ἐβδομάριος ζυγὴν φατλίων, καὶ ὁ ἱερεὺς τὸ θυμιατήριον, καὶ εἰσέρχονται ἔσω, καὶ μετὰ τὸ ἀποσπογγίσαι τὸν ἅγιον κόλυμβον καὶ ἀσφαλίσαι τὴν ἀπόρροϊαν αὐτοῦ, λέγει ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Καὶ εἰδ' οὕτως ἀπάρχεται ψάλλειν τὸ πᾶν τοῦ λαοῦ· Μεγαλύνόμεν σε, Θεοτόκε· ὁ γὰρ ἐκ σοῦ σαρκοθεὶς Θεὸς σώζει αἰεὶ τοὺς σὲ μεγαλύνοντας.— Ἀγία Δέσποινα Θεοτόκε, τὰ ἰάματά σου κατάπεμψον ἡμῖν. Δόξα, καὶ πάλιν· Μεγαλύνόμεν σε, Θεοτόκε... Τὸ αὐτὸ Καὶ νῦν. Ἐκ τῆς σῆς παλάμης, Θεοτόκε, μύρον αἰεὶ τοῖς πιστοῖς Χριστοῦ βρούει πηγὴ ἀπαύστως ἰάματα. Ἀγία Δέσποινα, τὴν βοήθειάν σου κατάπεμψον. Ἀγία Δέσποινα, τὴν ἀντίληψίν σου κατάπεμψον. Καὶ λέγει γ', τὸ Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εὐλόγησον, πάτερ. Καὶ πίπτουσι πάντες εἰς τὸ ἔδαφος, καὶ ὁ ἱερεὺς ἵσταται ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου κολύμβου καὶ ἄρχεται τῆς ἐκτενοῦς εὐχῆς, λέγων· Διόμεθ' ἀ σου, Δέσποτα φιλόανθρωπε, ὑπὲρ πάσης ψυχῆς θλιβομένης, κα-

ταπονουμένης, ἐλέους, βοηθείας αὐτῶν, καὶ ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι ἡμᾶς παντὸς κινδύνου καὶ τῶν ἀνομιῶν ἡμῶν, καὶ ἐπαναστάσεως ἐχθρῶν· ἔτι δὲ καὶ ὑπὲρ τοῦ ἴλεων καὶ εὐμενῇ καὶ εὐδιάλλακτον γενέσθαι τὸν φιλόανθρωπον Θεὸν ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν καὶ ἐλεῆσαι ἡμᾶς.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι ἡμᾶς ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ εἰς ἔργον διακονίας καὶ μετανοίας καὶ συγχωρήσεως τῶν πλημμελημάτων ἡμῶν.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τοῦ συντριβῆναι τὸν σατανᾶν ὑπὸ τοὺς πόδας ἡμῶν ἐν τάχει καὶ δοθῆναι ἡμῖν νίκας κατ' αὐτοῦ καὶ τῶν ἀκαθάρτων αὐτοῦ πνευμάτων.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τοῦ συγχωρηθῆναι ἡμῖν πᾶν πλημμέλημα ἐκούσιον καὶ ἀκούσιον.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων καὶ θεοφυλάκτων ἡμῶν βασιλέων, καὶ ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι αὐτοῖς Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν καὶ ὑποτάξαι ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτῶν πάντα ἐχθρόν καὶ πολέμιον.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τῶν ἐν ἀσθενείαις κατακειμένων χριστιανῶν ἀδελφῶν ἡμῶν.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τῶν ἐν ἐξορίαις καὶ αἰχμαλωσίαις, καὶ πικραῖς δουλείαις, καὶ πάσῃ θλίψει καὶ ἀνάγκῃ, καὶ περιστάσει ὄντων χριστιανῶν ἀδελφῶν ἡμῶν, καὶ τῆς ἐν Χριστῷ ἐπανόδου καὶ σωτηρίας αὐτῶν.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τῶν συμπαραόντων, ἀπόντων ἀδελφῶν ἡμῶν πάντων κατ' ὄνομα, καὶ ὑπὲρ τοῦ διασκεδάσαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν πᾶσαν βουλὴν πονηρὰν κινουμένην κατ' ἡμῶν.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τῶν κοπιώντων καὶ καλλιεργούντων ἐν τῇ ἁγίᾳ διακονίᾳ ταύτῃ καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων· καὶ ὑπὲρ τοῦ εἰσακοῦσαι Κύριον τὸν Θεὸν τῆς φωνῆς τῆς δεήσεως ἡμῶν καὶ ἐλεῆσαι ἡμᾶς.—Ἐτι δὲ καὶ ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι τὴν πόλιν ταύτην καὶ πᾶσαν πόλιν καὶ χώραν ἀπὸ λιμοῦ, λοιμοῦ, σεισμοῦ, καταποντισμοῦ, πυρὸς, μαχαίρας, ἐπιδρομῆς ἀλλοφύλων, καὶ ἐμφυλίου πολέμου· ἐκτενέστερον δὲ καὶ ὑπὲρ τοῦ λυτρωθῆναι ἡμᾶς τῆς αἰωνίου κολάσεως καὶ καταξιωθῆναι ἡμᾶς τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν, καὶ τοῦ κλήρου τῶν ἁγίων, καὶ τῆς ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ παραστάσεως, εἰπωμεν πάντες ἐκτενῶς. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ ἐξερχόμενοι ἔξω λέγουσιν· Εὐλογεῖτε, ἅγιοι. Καὶ ἱσταμένων ἔξω τῶν ὑπουργούντων, λέγει ὁ ἱερεύς· Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ, καὶ εἰσέρχονται ψάλλοντες οὕτως· Ὑπὸ τὴν σκέπην σου καταφεύγομεν, ὅπου οἱ ἀσθενοῦντες περιβαλλόμεθα δυνάμιν, καὶ διὰ τοῦτό σοι ψάλλομεν· Χαῖρε, ἡ γέφυρα, ἡ ἐκ θανάτου πρὸς ζωὴν μετὰγουσα τοὺς ὁμολογοῦντάς σε ἀληθῆ Θεοτόκον. Δόξα. Ὑπὸ τὴν σὴν εὐσπλαγχνίαν... Καὶ νῦν, Σὲ τὴν τοῦ Θεοῦ Μητέρα Παρθένον ἀγνήν, καὶ τῶν χεροῦβιμ ἀγιωτέραν, ἐν φωναῖς ἁσμάτων μεγαλύνομεν, ὅτι ψυχῇ καὶ σώματι Θεοτόκον ὁμολογοῦμέν σε, ὡς κυρίως γεννήσασαν Θεὸν σε-

σαρκωμένον, πρέσβευε, Παναγία, ὑπὲρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Καὶ λέγεται γ', τὸ Κύριε ἐλέησον. Καὶ ὁ ἱερεύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι σὺ εἰ σκέπη καὶ ἡ καταφυγὴ τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν, Κύριε Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ ἄρχονται ψάλλειν· Ἐπέστη ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων, ὁ Κύριος καὶ Θεὸς ἡμῶν παραγέγονεν, ἰώμενος τὰς νόσους ἡμῶν καὶ τὰ πταίσματα συγχωρῶν. Δόξα. Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν καὶ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, λέγοντες· Τριάς ἁγία, τὸν κόσμον εἰρῆνευσον.—Τῇ πρεσβείᾳ τῶν ἁγί(ων) ἀποστόλων, ζωοδότα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν πίστιν ἡμῶν ἀσάλευτον φύλαξον.—Θεοτόκε, ἡ τεκοῦσα διὰ Λόγου ὑπὲρ Λόγον, τὸν Λόγον πανύμνητε, κινδύνων ῥῦσαι καὶ ἡμᾶς τοὺς δούλους σου. Καὶ νῦν, Τῆς εὐπλαγχνίας τὴν πόλην... Καὶ λέγει γ', Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεύς· Σὺ γὰρ εἰ ὁ βασιλεὺς τῆς εἰρήνης καὶ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Ὁ ἱερεύς· Ἐπὶ ὑπὲρ τοῦ εὐσεβεστάτου καὶ θεοφυλάκτου ἡμῶν βασιλέως. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεύς· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόνητος Θεὸς ὑπάρχεις. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ ἐξέρχονται ἔξω καὶ αἵρουσι τὰ βαστακτά, καὶ λέγει ὁ ἱερεύς· Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεί... Καὶ ἄρχεται τὸ Ὁ κατοικῶν, καὶ λέγεται ὁλος ὁ ψαλμός, Τὸν ὕψιστον ἔθου καταφυγὴν, γ', Κύριε ἐλέησον, γ'. Ὁ ἱερεύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι σὸν τὸ κράτος... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ ποιεῖ ὑπὲρ τοῦ ἐβδομαρίου ἑκτενὴν (шестъ вѣрѣзанъ)... τοῦ ποιούντος τὴν φωταφίαν, καὶ ἐτέραν ἑκτενὴν ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν, καὶ μνημονεύει τοὺς ἀδελφούς, καὶ λέγει ὁ λαὸς τὸ Κύριε ἐλέησον, γ'. Ὁ ἱερεύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεύς· Ὅτι ἐλεήμων καὶ φιλόνητος Θεὸς ὑπάρχεις... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ ἄρχονται εὐθέως· Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς ὁ πάντας ἁγιάζων... Δόξα. Νάμασιν ἐπομβρίας, Χριστέ, πηγὴν ἰάσεων... τὴν σὴν εὐλογίαν... ἱατρὲ ψυχῶν ἡμῶν, Κύριε, δόξα. Καὶ νῦν, Παναγία Παρθένε Θεοτόκε, τῶν χειρῶν ἡμῶν τὰ ἔργα κατεύθυνον, καὶ συγχώρησιν πταισμάτων δώρησαι ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν τῇ πρεσβείᾳ σου ἐν τῷ ψάλλειν ἡμᾶς τῶν ἀγγέλων ὕμνον· Ἅγιος ὁ Θεός... Goar. pag. 360. Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεύς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι ἅγιος εἶ, ὁ Θεὸς ἡμῶν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ λέγει τὸ Τρισάγιον, Δόξα καὶ νῦν, καὶ λέγει· Ἅγιος ὁ Θεός, ὁ τὰ τετράμορφα ζῶα παραστήσας τῷ θρόνῳ σου εἰς αἶνεσιν· ἅγιος ἰσχυρός, ὁ τῶν ἀγγέλων τὰ πλήθη συστησάμενος

εἰς τὴν προ(σκύνησιν), ἅγιος ἀθάνατος, ἐκ πάντων ῥῦσαι ἡμᾶς τῶν κινδύνων τῶν ἐπικειμένων, καὶ ἐλέησον ἡμᾶς.—Ὁ προπάτωρ Δαβίδ, προμηνύων ἔκπαλαι, ἄχραντε Δέσποινα, τῶν θείων σου κολύμβων τὰ ἰάματα, ἔψαλλεν· ὁ ποταμὸς τοῦ Θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων, ἀποπλύνων ῥύπον τὸν τῆς ἁμαρτίας, ἀποσμήχων πάθη τῶν ἐν ἀσθενείᾳ· πῦρ γὰρ ἐστὶ πνεύματι δροσίζων καὶ ἀνακαθαίρων πάθη τῆς ἁμαρτίας. Δόξα. Τὸ εὖσπλαγγον, Κύριε, καὶ φιλόανθρωπόν σου ἐπιστάμενος, ὁ τάλας ἐγὼ σοὶ προσπίπτω, δάκρυσι κραυγάζων, ὄμματα ἐρρόπωσα ἄτοπα βλέπων, χεῖλη πόρνης κέκτημαι καὶ χεῖρας ἐμόλυνα, πάντα τὰ μέλη διέφθειρα, ἀλλὰ ἄγνόν μου τὸν βίον ποιήσον, ἀλλὰ ἀπόπλυνόν με τοῖς ὕδασι, ἀπόσμηξον τοῖς νάμασι, καὶ καθαρὸν με τοῦ ῥύπου τῶν παιδῶν ρείθροις τοῦ κολύμβου τῆς ἀχράντου Μητρός σου.—Καὶ νῦν. Ἐκ πηγῆς ἀεάσου τῆς ἀχράντου Παρθένου θείων ναμάτων δεῦτε ἀντλήσωμεν ὕδωρ ἀγιάσματος, ὕδωρ ἱαμάτων πρόξενον, ὕδωρ καθαῖρον πάντα τὰ πάθη, ἐν εὐφροσύνῃ ψάλλοντες· τοῦ ποταμοῦ τὰ ὀρμήματα εὐφραίνουσι τὴν πόλιν τοῦ Θεοῦ τῷ λαῷ τῷ πιστῷ, ὡς εἶπεν ὁ προφῆτης· φοβερὸν σου, Δέσποτα, καὶ φρικτὸν τὸ μυστήριον· γυμνοὶ γὰρ παριστάμεθα, μὴ ἔχοντες εὐλογον περιβόλαιον, εἰ μὴ μόνον τὰς πράξεις, ὅτε θρόνοι τίθονται καὶ βίβλοι ἀνοίγονται, καὶ ἔμπροσθεν ἔλκει ποταμὸς πυρός.—Φεῖσαι πάντων, οἰκτίρμων, πέντε στοὰς ἔχουσα ἢ κολυμβήθρα ποτέ, ἐν ᾗ κατέκειντο ἀσθενούντων πλήθη, ἡμεῖς δέ, Πανάχραντε, τοῦ Θεοῦ σου κολύμβου πιστῶς ἀρυόμενοι, οἱ τὰς ἰάσεις ἔχοντες τῆς ἀχράντου Παρθένου· ὁ θεὸς κολύμβος κυματίζει τοῖς ὕδασι καὶ πλημμυρίζει τοῖς νάμασι, ἐν ᾧ κατερχόμεθα ἱχμάτων ἀπολαύοντες, ψάλλοντες καὶ λέγοντες· δόξα τῷ ποιοῦντι μεγάλα δι' αὐτῆς ἐν αὐτῷ Χριστῷ τῷ μόνῳ Θεῷ, ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογούντάς σε, Κύριε, καὶ ἀγιάζων τοὺς ἐπὶ σοὶ πεποιθότας, εὐλόγησον ἡμᾶς ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ πνευματικῇ, καὶ ἀγιάσον ἡμῶν τὰς ψυχὰς καὶ τὰ σώματα διὰ τῆς τοῦ ὕδατος τούτου μεταλήψεως, ἁγία Δέσποινα Θεοτόκε, τὰ ἰάματα κατὰπε(μψον).—Ἐκ τῆς σῆς παλάμης, ὅτι, ὡς ἐγράφη. Ἁγία Δέσποινα Θεοτόκε, τὴν βοήθειαν κατὰπε(μψον). Σὲ τὴν ἐλπίδα ἡμῶν ἀνομνοῦμεν, σὲ προσκυνοῦμεν, ἄχραντε· ὁ γὰρ σὸς Υἱὸς καὶ Θεὸς ἡμῶν σώζει αἰεὶ τοὺς εἰς σὲ καταφεύγοντας, ἁγία Δέσποινα τὴν ἀντιληψίν σου.—Σὲ τὴν τοῦ φωτὸς Μητέρα καὶ παρθένον, Θεοτόκε ἁγία, σὲ καὶ τὸν ἐκ σοῦ τεχθέντα μεγαλύνομεν. Καὶ λέγει γ', τὸ Κύριε ἐλέησον, καὶ εὐθέως τὸ Τρισάγιον, καὶ εἰσοδεύει, καὶ χροοῦσιν εἰς τὰς θύρας τρίτον. Δόξα καὶ νῦν, Ἁγιος ὁ Θεός, τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Καὶ ὁ ἱερεύς· Ἄνω τὰς χεῖρας, καὶ λέγει τὰ διακονικά· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ

ἀγιασθῆναι τὰ ὕδατα ταῦτα τῇ ἐπιφοιτήσει καὶ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως, τὴν εὐλογίαν τοῦ Ἰορδάνου, καὶ ἀγιάσαι αὐτά, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὰ πηγὴν ζωῆς καὶ ἀφθαρσίας, τοῦ Κυρίου.— Ὑπὲρ τοῦ χαρισθῆναι ἡμῖν τὸν ἀγιασμόν τοῦτον πρὸς καθαρισμόν ψυχῶν τε καὶ σωμάτων καὶ πρὸς πᾶσαν ὠφέλειαν ἐπιτήδειον, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας... Εὐχὴ τοῦ ἀγιασμοῦ τοῦ ἁγίου Βασιλείου· Ὁ Θεὸς ὁ μέγας καὶ ὕψιστος, ὁ ἐν Τριάδι ἁγία προσκυνούμενος. См. выше стр. 49—50, сь вариантами: Καὶ ἀπαλλαγὴν τῶν ἐπισυμβάντων... αὐξάνεσθαι ὑπὲρ τοὺς δεομένους παντοίων ἀρρώστημάτων, καὶ καταξίωσον πάντας ἡμᾶς τῆς ἐπουρανίου βασιλείας σου, καὶ κατὰπεμψον ἡμῖν τῆς σῆς φιλανθρωπίας ἰάματα, ἐν τῷ παρόντι ἡμῶν λούσματι, οὐ πρὸς ἡδονὴν σαρκός, ἀλλὰ πρὸς ἴασιν ψυχῆς καὶ σώματος, ἐπὶ τῇ εἰς σέ πιστεῖ ἐπιδεικνυμένην Πνεύματι λατρείας, τῇ μεσιτείᾳ καὶ ἰκεσίᾳ τῆς ἁγίας Θεοτόκου... Безсребренники не перечисляются по именамъ. Μνήσθητι, Κύριε, τῶν πιστῶν βασιλέων ἡμῶν, χάρισαι αὐτοῖς τὴν ἄνω βασιλείαν· μνήσθητι, Κύριε, τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν τοῦ δεῖνος· μνήσθητι, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τοῦ ἐκτελοῦντος τὴν διακονίαν ταύτην· μνήσθητι, Κύριε, τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἁγίαις σου ἐκκλησίαις, καὶ μεμνημένων πενήτων· μνήσθητι, Κύριε, τοῦ περιεστῶτος λαοῦ καὶ τῶν δι' εὐλόγους αἰτίας ἀπολειφθέντων ἀδελφῶν ἡμῶν, καὶ ἐπίσκεψαι καὶ ἐλέησον καὶ ἴασαι πάντας ἡμᾶς κατὰ τὸ μέγα ἔλεος. Ὅτι σὺ εἶ πηγὴ τῶν ἰαμάτων, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Εὐχὴ ἑτέρα τοῦ ἀγιασμοῦ· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ διὰ τοὺς πολλοὺς πρὸς ἁμαρτωλοὺς οἰκτιρμούς σου κλίνας οὐρανούς. См. р. 364. Καὶ ἐξ οὐρανοῦ ὑπακούων τῶν ἐν... Конца этой молитвы у Гоара нѣтъ, и читается онъ такъ: προσδέξεται διὰ σῶν δούλων κατακρίτων προσαγομένην δέησιν ὁ καταδεξάμενος γενέσθαι Υἱός σου, ἐξαίτησαι παντὶ τῷ κόσμῳ καὶ ἡμῖν τὰ συμφέροντα, τοὺς βασιλεῖς διαφύλαξον, τοὺς ἀδελφούς, οἱ ἐν τῇ διακονίᾳ ταύτῃ καρποφοροῦσι, καὶ τῶν πενήτων ἀντιλαμβάνονται, διατήρησον, καὶ πάντας ἡμᾶς ἐλέησον καὶ ἐπίσκεψαι. Ὅτι σὺ εἶ Μητὴρ ἀληθῶς τῆς πηγῆς τῶν ἰαμάτων Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν, ᾧ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῷ Πατρὶ καὶ τῷ παναγίῳ Πνεύματι νῦν... Καὶ ἄρχονται· Τῶν σῶν δωρεῶν ἀξίους ἡμᾶς ποίησον... λαμβάνουσι τὴν εὐλογίαν σου, ἢ ἐλπίς τῶν ἀπηλπισμένων, ἢ χαρὰ τῶν ἀπεγν(ωσμένων), ἢ ἀντίληψις τῶν εἰς σέ προσστρεχόντων. Δόξα, Τῶν σῶν δωρεῶν. Καὶ νῦν, καὶ πάλιν τὸ αὐτὸ θεοτοκίον. Καὶ λέγουσι τρίτον τὸ

Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλές ἐβδομάδας. Καὶ ἄρχονται τὸν Ν' α' ψαλμόν.

λ. 207. Διὰ τοῦ β' λοῦ(σ)ματος.

Ὁ ἱερεὺς· Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεί... Καὶ ἄρχονται θεοτοκίον, ἥχος βαρύς· Χαῖρε, κεχαριτωμένη Παρθέने, λιμὴν καὶ προστασία τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων· ἐκ σοῦ γὰρ ἐσαρκώθη ὁ Λυτρωτὴς τοῦ κόσμου, μόνῃ ὑπάρχεις Μήτηρ καὶ παρθένος, αἰεὶ εὐλογημένη καὶ δεδοξασμένη, πρέσβευε Χριστῷ τῷ Θεῷ εἰρήνην δωρήσασθαι πάσῃ τῇ οἰκουμένη. Δόξα καὶ νῦν, ἥχος πλ. δ'· Σωτηρίας ἐλπίδα ἀσφαλῆ καὶ βεβαίαν τὴν πρεσβείαν σου ἔχοντες, Θεοτόκε παρθέने, τὰ μεγαλεῖα τῶν θαυμάτων σου κηρύττομεν, καὶ τῇ σκέπῃ σου τὴν πόλιν σου διὰ παντός περιέλωσε, ὅτι σὺ εἶ καύχημα τῆς δυνάμεως ἡμῶν, μόνῃ εὐλογημένη. Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Ἡ τὸ χαῖρε κεχαριτωμένη δι' ἀγγέλου δεξαμένη καὶ χαρὰν τῷ κόσμῳ κυήσασα, Χριστὸν τὸν ἀληθινὸν Θεὸν ἡμῶν, αὐτὸν πρέσβευε σωθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς... Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πογὰς ἐβδομάδας. Ὁ ἱερεὺς· Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν πάντοτε... Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ λέγει· Ἐκαστος, ὅπου σῶζεται, ἐκεῖ δικαίως καὶ προστρέχει. Δόξα καὶ νῦν. Τὴν ὠραιότητα τῆς παρθενίας σου, καὶ τὸ ὑπέρλαμπρον τὸ τῆς ἀγνείας σου, ὁ Γαβριὴλ καταπλαγεὶς ἐβόα σοι, Θεοτόκε, ποῖόν σοι ἐγκώμιον προσαγάγω ἐπάξιον, τί δὲ ὀνομάσω σε ἀπορῶ καὶ ἐξίσταμαι, διὸ ὡς προσετάγην βοῶ σοι· χαῖρε, ἡ κεχαριτωμένη. Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Εὐλογημένη σὺ ἐν γυναιξὶ καὶ εὐλογημένος ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας νῦν καὶ αἰεὶ. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογήσατε, ἅγιοι, εἰς πολλές ἐβδομάδας.

Ψαλμωδία γ'. Εἰ τύχῃ ἡ ἡμέρα ἁγίου, τροπάριον, καὶ δοξάζουσι καὶ λέγουσι κάθισμα μαρτυρικόν, Καὶ νῦν, καὶ λέγει θεοτοκίον, Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὅτι σὺ εἶ καύχημα καὶ στέφανος τῶν ἁγίων ἀποστόλων καὶ μαρτύρων σου, Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλές ἐβδομάδας.

Ψαλμωδία δ'. Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ, καὶ ψάλλουσι τροπάριον, ἥχος πλ. β'. Τὴν ὑπερένδοξον τοῦ Χριστοῦ Μητέρα, καὶ τῶν ἁγέλων ἁγιωτέραν, ἀσιγήτως ὑμνήσωμεν, καρδίᾳ καὶ στόματι Θεοτόκον αὐτὴν ὁμολογοῦντες, ὡς κυρίως γεννήσασαν Θεὸν σεσαρκωμένον καὶ πρεσβεύουσαν ἀπαύστως ὑπὲρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Δόξα καὶ νῦν, ἥχος πλ. α'. Ἀγιωτέρα τῶν χερουβὶμ, ὑψηλοτέρα τῶν οὐρανῶν, πανύμνητε, Θεοτόκον σε ἐν ἀληθείᾳ ὁμολογοῦντες, ἔχομεν, ἁμαρτωλοὶ, προστασίαν καὶ εὐρίσκομεν ἐν καιρῷ

σωτηρίαν, διὸ μὴ παύσῃ ὑπὲρ ἡμῶν πρεσβεύουσα, κραταίωμα καὶ καταφυγὴ τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Σὸν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ ἀποδίδει, ὅπου εἰσέβαζαν καὶ ἐξέβαζαν τὰ βαστακτά, βάλλοντες μετανόιας ἐμπροσθεν εἰς τὰς ἁγίας εἰκόνας, καὶ συνδέουσι τὰ λῶρα, καὶ λαμβάνει ταῦτα ὁ ἱερεὺς καὶ τίθησιν εἰς τὰς ἁγίας εἰκόνας καὶ ἀσπάζονται τὸν ἱερέα, καὶ φιλοῦσιν ἀλλήλους, καὶ βάλλουσι μετάνοιαν, καὶ λέγουσι· Κύριε, εὐλόγησον, εὖξου ἡμᾶς. Ὁ ἱερεὺς· Παναγία Τριάς ἐλεήσει καὶ σώσει τὰς ψυχὰς ἡμῶν πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ. Καὶ ἀποδίδει πλήρεις. Καὶ ὅτε θέλουσιν ἐξελθεῖν, φάλλουσι· Τῶν ἀποστόλων τὸν χορόν. Ὁ ἱερεὺς· Δόξα τῷ Θεῷ ἡμῶν, πάντοτε νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ἐλέησον ἡμᾶς, Κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς. Δόξα καὶ νῦν. Ἡ βασιλεία σου, Χριστέ ὁ Θεός, βασιλεία πάντων τῶν αἰώνων ἕως τέλους, καθὼς προεγράφη, τὸ Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Πάτερ ἅγιε, ἐλέησον ἡμᾶς. Ὁ λαός· Πάτερ ἡμῶν. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία... Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Εἰρήνη πᾶσιν. Ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου. Ὁ ἱερεὺς· Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν. Κύριε ἅγιε, ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν... Goar. pag. 373, not. t. Ἐκφώνησις· Σὸν γάρ ἐστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς· Ἐν εἰρήνῃ Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ ἀληθινοῦ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος τῶν ψυχῶν ἡμῶν διαφυλαχθῆμεν. Ὁ λαός· Ἐν ὀνόματι Κυρίου. Ἐνεπλήσθημεν τὸ πρῶτ' τοῦ ἐλέους σου, Κύριε, καὶ ἡγαλλιασάμεθα καὶ εὐφράνθημεν. Τοῦτο λέγουσι γ'. Καὶ ἔστω ἡ λαμπρότης Κυρίου τοῦ Θεοῦ ἡμῶν ἐφ' ἡμᾶς... Δόξα καὶ νῦν, Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Ἐνεπλήσθημεν τὸ πρῶτ' τοῦ ἐλέους σου ἕως· εὐφράνθη πάντοτε νῦν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἅγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδομάδας. Καὶ λέγει ὁ σαπωναῖς· Ἀναπαύσει ὁ Θεός τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ ὁ τοῦ ἐλαίου λέγει· Καὶ ἡμᾶς ὁ Θεός ἐλεήσει. Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ ὁ ἱερεὺς σφραγίζει τὸν λαὸν μὲ τὰ λούρα (sic) τὴν κεφαλὴν, τὸ στῆθος καὶ τὴν ψῆαν ἕνα ἕκαστον ἀδελφόν, καὶ φάλλουσιν οὕτως· Τῆς σῆς εὐσπλαγχνίας τὴν ὄρωρᾶν χερσὶν ἀναξίαις, ἁμαρτωλοί, Θεοτόκε λαμβάνοντες, ψυχῶν τε καὶ σωμάτων ἰατρεῖον εὐρίσκομεν. Καὶ μετὰ τὸ σφραγίσαι τοὺς ἀδελφούς, λέγουσιν οὕτως· Ἐκ δυνάμεως εἰς δύναμιν πορευόμενοι, ἡμεῖς, οἱ ἁμαρτωλοί, προσπίπτομέν σοι, Χριστέ ὁ Θεός ἡμῶν, διὰ τῆς Θεοτόκου σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν. Τοῦτο λέγουσι γ'. Δόξα καὶ νῦν. Διὰ τῆς Θεοτόκου σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν. Κύριε ἐλέησον γ'. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Ἐκ

δυνάμεως εἰς δυνάμιν πορευόμενοι ἕως τὸ Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν. Ὁ λαός· Ἀμήν. Εὐλογεῖτε, ἄγιοι, εἰς πολλὰς ἐβδόμαδας. Καὶ φιλοῦσιν ἀλλήλους καὶ κατασπῶσι τὸν πάτον τοῦ κολυμβοῦ, καὶ ἐμβαίνουνσιν εἰς τὸν κολυμβόν, καὶ ἴστανται εἰς τὸ πεζούλιον. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Κύριε ἐλέησον. Καὶ ποιεῖ τὴν αἴτησιν, τὴν προγραφείσαν, καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι τὴν αἴτησιν, κατὰίνουσιν ἐκ τοῦ πεζουλίου, καὶ μνημονεύει ὁ ἱερεὺς οὕς ἐὰν θελήσῃ, καὶ λέγουσι τὸ Κύριε ἐλέησον, καὶ καταδύονται κάτω οἱ λούσται καὶ ἐγείρονται, καὶ φιλοῦσι ἀλλήλους. Ὁ ἱερεὺς· Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν. Ὁ λαός· Κύριε ἐλέησον. Ὁ ἱερεὺς· Ὅτι σὺ εἶ πηγὴ τῶν ἱαμάτων, Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν... Ὁ λαός· Ἀμήν. Καὶ λαμβάνει πέρας ἡ πᾶσα ἀκολουθία.

1. 209. Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι ἀδελφὸν εἰς τὸ ἅγιον λοῦ(σ)μα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καταξιώσας διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν τεχθῆναι ἐκ τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ εἰπών, ὅτι οὐκ ἤλθον διακονηθῆναι, ἀλλὰ διακονῆσαι, ὁ τὸ ἀπολωλὸς πρόβατον ἐν τοῖς ὥμοις ἀναλαβὼν καὶ τὸν λησταῖς περιπεσόντα ἐπιμελησάμενος, ὁ λεντίῳ ζωσάμενος καὶ νίφας τοὺς πόδας τῶν μαθητῶν, καὶ ὑποδείξας ὑπουργεῖν καὶ ἐξυπηρετεῖν, καὶ ὑψώσεως ὁδὸν ταπεινώσεως καὶ ὑπακοῆς τοὺς ἀδελφούς ἡμῶν τοὺς ἀσθενεῖς δουλεύειν κελεύσας, Αὐτὸς καὶ νῦν, Δέσποτα, εὐλόγησον τὸν δούλόν σου τόνδε, τὸν προσελθόντα διακονῆσαί σοι, ὡς προείρηκας· ἐφ' ὅσον ἐποιήσατε ἐνὶ τούτων τῶν ἀδελφῶν μου τῶν ἐλαχίστων, ἐμοὶ ἐποιήσατε· εὐλόγησον καὶ ἐνίσχυσον αὐτὸν τῇ σῇ κραταιᾷ δυνάμει, σκέπασον αὐτὸν ὑπὸ τὴν σκέπην τῶν πτερύγων σου, καὶ δὸς αὐτῷ τὴν ὑπακοὴν τῶν πενήτων ἀμέμπτως ἐκτελέσαι μετὰ πάσης πίστεως καὶ ἀγάπης τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ σοὶ τῷ Πατρὶ τιμὴ, κράτος καὶ προσκύνησις σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

1. 209. Ἐτέρα ἀκολουθία καὶ τάξις ἁγιασμοῦ, γινομένη εἰς διαφόρους ἐκκλησίας ταῖς κυριακαῖς καὶ ἑορταῖς ἐν τῷ νάρθηκι ἢ καὶ ἐτέρῳ μέρει τῆς ἐκκλησίας, φιάλης οὖσ(ης) ἢ λεκανίου, ἔχουσα εὐχὴν α'· γίνεται δὲ μετὰ τὴν ἑναρξιν τῆς θείας λειτουργίας, φαλλομένων τῶν ἀντιφώνων, καὶ μετὰ τὸ τέλος τοῦ ἁγιασμοῦ, γίνεται ἡ εἴσυδος καὶ ἀκολούθως τὰ ἐπίλοιπα τῆς θείας μυσταγωγίας.

Ἀρχεται ὁ ἱερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν... Καὶ ἄρχονται ψάλλειν τὰ τροπάρια, ἤχος πλ. β'. Ἡ τὸ χαῖρε διὰ ἀγγέλου δεξαμένη... Goar. p. 358. Ἡ τὸν κτίστην τῶν ἀπάντων ἐν γαστρὶ σου συλλαβοῦσα, Παρθένε, καὶ τέξασα, αὐτὸν δυσώπει ὑπὲρ τῶν τιμώντων σε.—Ῥῆξον

πάντων ὀφλημάτων τὰς σειράς μου, Θεοτόκε, βραβεύουσα ἄφειν, καὶ τὴν εἰρήνην τοῖς πόδι τοῖς σε.—Σῶσον πάντας, παναγία Θεοτόκε, τοὺς κειμένους πταισμάτων ἐν βάθει, καὶ μὴ παρίδῃς ἐν ὥρᾳ τῆς κρίσεως.— Τῇ πρεσβείᾳ τῆς ἐνδόξου Θεοτόκου, ζωοδότα Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν πίστιν ἡμῶν ἀσάλευτον φύλαττε.—Τίς προστρέχων τῷ ναῶ σου, Θεοτόκε, οὐ λαμβάνει τυχέως τὴν ἱασιν ψυχῆς ὁμοῦ τε καὶ σώματος, ἄχραντε.— Χαῖρε, ὄρος, χαῖρε, βάτε... *Goar. p. 445.*—Θεοτόκε ἡ τεκοῦσα διὰ Λόγου... Τῇ πρεσβείᾳ τῶν ἁγίων ἀποστόλων. Τὸν Πατέρα καὶ Υἱὸν δοξολογοῦμεν. Ζῆτει ταῦτα εἰς τὸ ἁγίασμα τοῦ λού(σ)ματος τῶν Βλαχερνῶν. Παναγία Θεοτόκε, ἡ τεκοῦσα τὸν Σωτῆρα, κινδύνων διάσωσον καὶ πάσης βλάβης τοὺς δούλους σου, ἄχραντε.—Τῆς εὐσπλαγχνίας τὴν πύλην. Ἐτέρα τροπάρια· Νῦν ἐπέστη ὁ καιρὸς, ὁ πάντας ἁγιάζων... Στίχος· Μεγαλύνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον. Νάμασιν ἐπομβρίσας, Χριστέ. Δόξα, Παρθένος ἔτεκες, ἀπειρόγαμε. Καὶ νῦν, Παναγία Θεοτόκε παρθένε, τῶν χειρῶν ἡμῶν τὰ ἔργα. Ἐπέστη ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλείων. Ζῆτει ταῦτα εἰς τὸ λού(σ)μα τῶν Βλαχερνῶν. Ἐἴτα μετὰ τοῦτο, ὁ διάκονος· Ἐν εἰρήνῃ... Ὑπὲρ τῆς ἀνωθεν... Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης... Ὑπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ εὐλογηθῆναι τὸ ὕδωρ τοῦτο τῇ ἐπιφοιτήσει καὶ δυνάμει καὶ ἐνεργείᾳ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ καταφοιτῆσαι τῷ ὕδατι... Ὑπὲρ τοῦ γενέσθαι αὐτὸ πηγὴν ζωῆς καὶ ἀφθαρσίας, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ καταπέμψαι Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν τὴν χάριν τῆς ἀπολυτρώσεως, τὴν εὐλογία τοῦ Ἰορδάνου καὶ ἁγιάσαι, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ δωρηθῆναι ἡμῖν τὸν ἁγιασμόν τοῦτον πρὸς καθαρισμόν ψυχῆς καὶ σώματος καὶ πρὸς πᾶσαν ὠφέλειαν ἐπιτήδειον, τοῦ Κυρίου... Ὑπὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς. Ἀντιλαβοῦ. Τῆς παναγίας. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται τὴν εὐχὴν, ἔχουσαν οὕτως· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ μέγας τῇ βουλῇ καὶ θαυμαστὸς τοῖς ἔργοις, ὁ πάσης τῆς φαινομένης καὶ νοουμένης κτίσεως δημιουργός. См. выше стр. 50—51. Молитва безъ конца и обрывается на словахъ: τῶν ἁγίων ἀναργύρων καὶ θαυματουργῶν ἱατρῶν Κοσμᾶ καὶ Δαμιανοῦ, Κύρου καὶ Ἰωάννου, Παντελεήμονος καὶ Ἑρμολάου... Не достаетъ въ концѣ, по всей вѣроятности, двухъ листовъ.



ДОПОЛНЕНИЯ.

Къ стр. 13. Обѣ молитвы: „Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ τῶν κατὰγύρων“ и „Εὐχή, λεγομένη ἐν τῷ μεγάλῳ βαπτιστηρίῳ μετὰ τὸ πέρας τοῦ λυχνικοῦ“ напечатаны вполнѣ ниже стр. 1001—1002.

Къ стр. 184. Опущена на 46 листѣ ркп. № 189 лавры пр. Аѳанасія Аѳонскаго „Εὐχή τοῦ ἁγίου Μάρμαντος ἐπὶ ποίμνης· Ἐπιχαλούμεθά σε, Δέσποτα Κύριε Θεέ, Πάτερ παντοκράτορ, βασιλεῦ τῶν ὅλων αἰώνων“.

Къ стр. 352. Между 115—118 листами рукописи № 104 (94) патриаршей Александрійской библіотеки находится опущенная у насъ „Εὐχή εἰς τὸ ποιῆσαι ἐκκλησιάρχην· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν ἐκάστου χρείαν πόρρωθεν οἰκονομοῦμενος, πρόσδεξαι τὸν δοῦλόν σου τόνδε εἰς τὴν ὑπηρεσίαν τῆς ἁγίας σου ἐκκλησίας, ἐν ᾗ δοξάζεται τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον, εὐδοκία καὶ ἀγαθότητι τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ εὐλογητός...“

Къ стр. 639. Л. 50. Ἀκολουθία εἰς ἐγκαίνιον δίσκου καὶ ποτηρίου καὶ νῶν ἀθίχτων. См. выше стр. 616—617, 348.

Къ стр. 646. На л. 355 ркп. Аѳоно-Діонис. библ. стоитъ „Ἀκολουθία τῶν ἁγίων Θεοφανίων“.

Къ стр. 791. Φιλοθέου, τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου Κωνσταντινουπόλεως, διάταξις τῆς θείας καὶ ἱερᾶς λειτουργίας, по рукописи Аѳоно-Есфигменскаго монастыря 1545 года, изданъ П. Сырку въ его книгѣ: „Къ исторіи исправленія книгъ въ Болгаріи въ XIV вѣкѣ“ Спб. 1890, т. I, стр. 149—172.

Къ стр. 796. Молитва жевѣ по рожденіи: „Δέσποτα παντοκράτορ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν“ цѣликомъ напечатана ниже на стр. 907—908.

Къ стр. 802. Ἀκολουθία εἰς τὸ ἀπομυρίσαι τὸν τίμιον σταυρόν. Къ этому послѣдованію мы сдѣлали замѣтку: „См. ниже ркп. XII—XIII в. № 355 той-же библ. л. 94“, но, такъ какъ описаніе этой рукописи Святотробской библ. въ Константинополѣ, не попало въ настоящее наше изданіе, то мы для полноты помѣщаемъ здѣсь изъ упомянутой рукописи лишь названное послѣдованіе: „Τρισάγιον, τὸ Πάτερ ἡμῶν, ἀποτιθεμένων τῶν ἱερέων τὸν σταυρόν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον, καὶ θυμῶν ὁ ἱερεὺς, εἴθ' οὕτως μετὰ τὸ Πάτερ ἡμῶν λέγει τροπάριον,

ἡχος β'· Δόξα σοι, Σωτὴρ ἡμῶν... Τοῦτο λέγει τρίτον, καὶ πάλιν τροπάριον, ἡχος β'· Τὰς ἄνω δυνάμεις μιμούμενοι, ἐπὶ γῆς ἐπινίκιον ὕμνον προσφέρομεν... Στίχος· Ἀναστήτω ὁ Θεός... Ὁ σταυρὸς τοῦ Χριστοῦ ἀπηλπισμένων ἐλπίς... Στίχος· Ὡς ἐκλείπει καπνός... Ὁ σταυρὸς τοῦ Χριστοῦ χειμαζομένων λιμὴν... и т. д. См. выше стр. 123. Καὶ νῦν, Ἀδιόδευτε πύλη μυστικῶς ἐσφραγισμένη... Μεγάλη ἡ δόξα, ἣν ἐκτήσασθε., καὶ ποιεῖ ἐκτενὴν καὶ λειτουργεῖ.

Къ стр. той-же. Тάξις, γινομένη εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενόν. Особенности тѣ-же, что выше стр. 92—94.

Къ стр. 806. Εὐχὴ ἐπὶ θυσίας (εἰς βοῦν).

Σὺ, Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οἰκτίρμων, μακρόθυμε καὶ πολυέλεε, ὁ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κακίαις τῶν ἀνθρώπων, ὁ προσδεξάμενος τὰς τῶν πάντων θυσίας καὶ προσφοράς, πρόσδεξαι καὶ τὸν ἐπὶ τῆς εἰρήνης ἄγγελον, καὶ εὐλόγησον τὸν βοῦν τοῦτον, ἵνα γένηται εἰς θυσίαν ἁγίαν, εὐάρεστον τῇ χρηστότητί σου, εἰς ἀποτροπὴν τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν, εἰς μνημόσυνον ἐνώπιόν σου διὰ παντός διὰ τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, μεθ' οὗ σοὶ δόξα σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεί.

Къ стр. 892. Εὐχὴ· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν προφῆταις λαλήσας напечатана у Goar. Εὐχολογ. pag. 309.

Къ стр. 994. Codex Bessarionis XI в. Гротта-Ферратской библиотеки тоже не попалъ въ настоящее Описание, а поѣтому варианты къ чинамъ освященія храмовъ, по этому кодексу, мы считаемъ необходимымъ помѣстить здѣсь:

Τάξις, γινομένη ἐπὶ καθιερώσει ναοῦ καὶ ἰδρύσει τῆς ἐν αὐτῷ ἁγίας τραπέζης Goar. p. 655. Варианты: εἴτ' οὖν (sic) ὁ ἱερομνήμων (Goar. ἡγουν)... ἡ καὶ ἕτερος (Goar. ἡ ἕτερος)... μαρτυρικῶν ἁγίων λεῖψάνων μερίδας γ', αἵτινες ὀφείλουσι κατὰ τὴν ἐκκλησίαν μετὰ τὴν ἱεροτελεστείαν, εἰ μὲν κίονες βαστάζουσι τὴν τράπεζαν (у Goara: αἱ τίνες ὀφείλουσιν μετὰ τὴν ἱεροτελεστείαν κατατοθῆναι οἱ μὲν κίονες...) τὴν πλευρὰν αὐτοῦ (Goar. τὴν πλευρῶν) τὴν πρὸς τὸ σὺνθρονον, καὶ ταύτας τὰς τρεῖς τῶν λεῖψάνων μερίδας βαλὼν εἰς γλωσσόκομον (Goar. ἐν γλωσσόκομῳ) ὅμοιον καμπ-τρίφ (у Goara: Канстриφ), μεθ' οὗ καὶ... ἐντίθησι δίσκῳ ἁγίῳ (Goar. ἐν δίσκῳ ἁγίῳ) καὶ τὸν λεγόμενον ἀστερίσκον, ἐπιτιθεῖς, τῷ τοῦ δίσκου σκεπάζει καλύμματι... καὶ παννυχίς... προλαμβάνει πάλιν ὁ ἱερομνήμων, ἡ ἄλλος ἐκκλησιαστικὸς καὶ τὰ ἐπιτήδεια προετοιμάζει... ἄδικτα, ὧν τὸ καθ' ἕκαστον ἐστὶν ἐν τούτοις, σάβαν¹⁾... μαντήλια γ' (μανδύ-

¹⁾ Ркп. Париж. нац. библ. № 213. Саῦα οὐδετέρως κώμη εὐδαίμονος Ἀραβίας, οἱ κωμῆται σαυηνοί, ὅθεν καὶ σάβανον τὸ λινὸν ὄφρασμα. Замѣчаніе это подѣ строкою.

λια)¹⁾... ἤγουν ἐπεύχιον καὶ προσκεφάλαιον, χάρτην χόρτινον ἡμίτομον, ἥ καὶ τριπτάκιον πρὸς τὸ πάχος τῶν τήν τράπεζαν ὑπερειδόντων κίωνων (Goar. τῆς τραπέζης) σφήκωμα²⁾, μαστίχην, κηρόν, μάρμαρον τετριμμένον καὶ χύτραν, θερμηρόν ἀγγεῖον, καὶ σίτλαν ἢ ἐπιχύτην, εἴτε χαλκᾶ, εἴτε κεράμεα, καὶ σπόγγους δ', καὶ νίτρον (Goar. νιπτρόν) λευκὸν καὶ κανδήλαν, ἥ καὶ λύχνος λέγεται καὶ λαμπτήρ, καὶ μολιβίδα, καὶ θρυαλλίδα, καὶ βύκους δύο, τὸν μὲν οἰνάνθης ἢ οἴνου πλήρη, τὸν δὲ μύρου, ἀλλ' οὐχ ὥς τινες ἔγραψαν κόλαθον οἰνάνθης, ἢ οἴνου καὶ κόλαθον μύρου, διότι ὁ κόλαθος μέγα μέτρον ἐστίν, ἄγον τὸ ἥμισυ τοῦ ὑγροῦ σαίτου, ἦτοι ξέστας κε', οἱ ποιοῦσι λίτρας μ', ὀγκίας Ν', ὥς τοῦ ξέστου ἔχοντος λίτραν μίαν ὀγκίας ἦ'. Ταῦτα τοῖνον εὐτρεπίζων ὁ προλαμβάνων ἐκκλησιαστικός, κελεύει τὸν κηρόν ἐν τῇ χύτρᾳ θερμαινόμενον τακῆναι, καὶ οὕτω τῆς μαστίχης ἐπιβληθείσης, προσεπιβληθῆναι καὶ μάρμαρον τετριμμένον, ἀναλογούσης δηλαδὴ τῆς ποσότητος τούτων, τῇ ποσότητι καὶ τῷ πάχει τῶν κίωνων, εἴτα προστάττει πᾶν ὃ, τι οὖν κινεῖσθαι δυνάμενον ἐκβληθῆναι τοῦ ναοῦ, καὶ μηδὲ κανδήλᾶν περιλειφθῆναι. Παραγενομένου δὲ τοῦ ἀρχιερέως... μένουσιν ἐν τὸς οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ λοιποὶ κληρικοὶ... οἱ συνόντες αὐτῷ ἀρχιερεῖς, Ἰσως καὶ ἱερεῖς, καὶ ὑπηρέται τὰς ἰδίας ἐνδιδύσκονται στολάς... μαντήλια ζῶναις διαδεσμούμενα... ὥστε τμήμασι τούτου τοῖς ἀρκοῦσι περιβαλεῖν ἕκαστον τῶν τῆς τραπέζης κίωνων... μέρος, ὃ πρὸς τῇ κεφαλῇ... ἐντὸς ἀποκλείοντες... Χρὴ τὸν χάρτην ὑπάρχειν διπλοῦν (γ Goara εἶναι)... μετὰ τοῦ ἄνω καὶ κάτω δεσμοῦ, καὶ τότε φέροντες ὀπισθεν, ἀποδεσμοῦσι. Μετὰ δὲ ταῦτα... παρὰ τὰ ἐξέχοντα τοῦ χάρτου... ὁ ἀρχιερεὺς εὐχεταὶ οὕτως (Goar. λέγει ὁ ἀρχιερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην). Κύριε ὁ Θεὸς καὶ Σωτὴρ ἡμῶν... τοῖς συμπαροῦσι (γ Goar. ἱερεῦσι καὶ διακόνοις)... ταύτην (αὐτήν) ἐπὶ τοὺς κίονας, ψαλλομένου δὲ τρίτον τοῦ ρμα' ψαλμοῦ... (Goar. εἴτα) δοξάζουσι... Πληρωθέντος δὲ τούτου (ψαλμοῦ 22), δοξάζουσι καὶ φησὶν ὁ ἀρχιερεὺς· Εὐλογητὸς ὁ Θεός... Εἴτα ταῖς χερσὶν πανταχόθεν... εἴη συγκειμένη μαρμάρων... ὑπὸ (Goar. παρὰ) τοῦ τεχνίτου τὸ δὲ μέσον τετράγωνον καθιδρύεται... μήτε τῶν ἄλλων τινὸς ἐπακολουθοῦντος. Μετὰ δέ γε τὸ καθιδρυθῆναι τὴν τράπεζαν, τάπης εὐθύς πρὸ τῶν ἀγίων θυρῶν τίθεται καὶ προσκεφάλαιον, καὶ τοῦ ἀρχidiaκόνου λέγοντος τὸ Κλίνοντες τὰ γόνατα, ὁ ἀρχιερεὺς ἐπ' αὐτῶν γονυκλιτεῖ καὶ εὐχεταὶ· Ὁ Θεὸς ὁ ἀναρχος... Μέλλοντος δὲ αὐτοῦ ἀναστῆ-

1) Τοῦτ' ἐστὶ χειρόμακτρα γ'. 2) Ὁ ἐστὶ σχοινίον λεπτόν.

ναι, λέγει ὁ ἀρχιδιάκονος· Ἀντιλαβοῦ, σῶσον... Ὑπὲρ τῆς ἁνωθεν εἰρήνης... κ. τ. λ. На послѣднемъ прошеніи нѣтъ поминанія имени святаго, второму посвященъ храмъ. Καὶ λεγομένου τὸ Ἀμήν, εἰσπορεύεται ὁ ἀρχιερεὺς καὶ ἵσταται πρὸ τῆς ἁγίας τραπέζης, νίτρον τε λευκόν... μέσον ἑνα καὶ δύο παρ' ἑκάτερα... τρίτον ἐπιχέει (у Гоара σταυροειδῶς) τῇ τραπέζῃ, λέγει· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς... Καὶ διὰ τοῦ νίτρου... ἱερεῖς ἢ καὶ ἀρχιερεῖς... ὕψασμάτων (у Гоара: ὕψαρμάτων) ὅλα... ἐπιχεομένου δηλαδὴ καὶ τούτοις ἐτέρου χλιαροῦ... (Нѣтъ Гоаровскихъ: τοῦτος φαλμός и τὰ ἐξ ἧς ἕως τέλους) τὰ ἀντιμήνισα μετατιθέντων, λαμβάνει ὁ ἀρχιερεὺς βῦκον... σταυροειδῶς ἐπιχέων, φησί (λέγει)· Ῥαντιεῖς με... μέχρι (Goar. ἕως) τέλους... ἀγγεῖον μύρου καθαροῦ πεπληρωμένου ἢ καὶ ἐλαιουμιγοῦς διὰ σπάνιν, τοῦ ἀρχιδιάκονου... τῷ προσαγαγόντι... τῶν δὲ ἱερέων πάλιν ἐπιτιθέντων τῇ τραπέζῃ... ἐκ τῆς λοιπῆς οἰνάνθης... λεγομένου φαλμοῦ ρλβ'... παρὰ τῶν ἱερέων αὐθις... λέγεται φαλμός ρλα', ἅπαξ ἢ δις... μαντηλίῳ τε καινῷ... τῆς (у Гоара ἁγίας) τραπέζης, ἧς παρ' αὐτοῦ ἐφαπλουμένης λέγεται φαλμός 92· Κύριος ἐβασίλευσεν, ἅπαξ ἢ δις καὶ τρίς, καὶ οὕτω δοξάζουσιν. Καὶ μετὰ τὸ Ἀμήν... 25 псаломъ говорится ἅπαξ ἢ πολλαῖς. Εἷς δὲ συμπαρόντων ἱερέων ἢ καὶ ἀρχιερέων... καὶ ποιεῖ σταυροῦς ἐξ αὐτοῦ... καὶ πίσσον τοῦ ναοῦ. Συμπληρουμένων δὲ τῆς θυμιάσεως καὶ τοῦ φαλμοῦ, δοξάζουσι, καὶ τοῦ διακόνου τὴν εἰθισμένην συναπτὴν ποιῶντος... καὶ γόνυ μὴ κλίνων, εὐχεται οὕτω... Εὐχεται οὕτως (у Гоара λέγει τὴν εὐχὴν ταύτην· Εὐχαριστοῦμέν σοι)... ἐγκαινισμὸν τοῦ ναοῦ... καὶ ἅπεισιν ἅμα τοῖς ἱερεῦσι καὶ τῷ λοιπῷ κλήρῳ... τὰ μαρτυρικὰ προαπετεθῆ λείψανα... ἐκεῖ παραγίνεται σῶμα... εὐχὴν συναπτὴν Τρισαγίου, αὐτὸς εὐχεται ταῦτα· Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν... τροπάριον λιτανευτικόν οἱ φάλται λέγουσιν εἰς ἥχον γ', τότε· Ὁ ἐν τῇ πέτρᾳ... Ὅτε δὲ πλησιάσουσι τῷ καθιερωμένῳ ναῷ, φάλλουσι τὸ Δόξα σοι, Χριστέ ὁ Θεός... Καὶ ἡνίκα φθάσουσιν εἰς τὴν μέσσην τοῦ ναοῦ πύλην... (Другихъ тропарей у Гоара нѣтъ) ἐπὶ τοῦτο ἡτοιμασμένον, οἱ μὲν φάλται κατὰ τὸ σχῆμα τῶν ἐγκαινίων φάλλουσι τὸ Ἄρατε πύλας. Ὁ δὲ ἀρχιερεὺς λέγει πρὸ τῆς συνήθους εὐχῆς τῆς εἰσόδου τὴν εὐχὴν ταύτην· Ὁ Θεὸς καὶ Πατὴρ τοῦ Κυρίου ἡμῶν... Ἡ δὲ αὕτη εὐχὴ λέγεται. См. Goar. p. 666... ἐν ἀλλάττοντος... Καὶ παρ' αὐτὰ πάλιν ἐπιτίθῃσι τὰ (у Гоара: ἅγια) λείψανα μετὰ τοῦ δίσκου τῇ ἑαυτοῦ κεφαλῇ, σφραγισμένων δὲ παρ' αὐτοῦ τῶν πυλῶν καὶ ἀνοιγομένων, καὶ πάντων μετὰ τὴν ἀνοιξιν εἰσερχομένων, καὶ δοξάζουσι οἱ φάλται καὶ λέγουσι· Ως

τοῦ ἄνω στερεώματος. Τούτου δὲ φαλλομένου, τὰ σεβάσματα λείψανα παρὰ τοῦ ἀρχιερέως... μεταξύ τῶν πρὸς ἀνατολὰς κίωνων... κατὰ τὸ μέσον αὐτοῦ μέρος τὸ πρὸς τὸ σὺνθρονον... Καὶ εὐθὺς οἱ φάλται δοξάζοντες, ἐπισυνάπτουσι τὸ Τρισάγιον, καὶ πᾶσα ἡ θεία μυστικωγία πληροῦται κατὰ τὴν τῶν ἐγκαινίων ἀκολουθίαν. Μέχρι δὲ συμπληρώσεως ἡμερῶν ζ' καθ' ἐκάστην. *Goar. pag. 664.*

Τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἀγίας τραπέζης. *Goar. pag. 490.* Ὅποτε μὲλλῃ ἡ σαλευθεῖσα τῆς ἀγίας τοῦ Θεοῦ ἐκκλησίας τράπεζα καθιδρυθῆναι, πρὸ τῆς θείας λειτουργίας... πρὸς τοῦτο κηρομαστίχῃ... αἰρομένης καὶ κάτω τιθεμένης (ἢ Ὑοαρα κατατιθεμένης), εἰ μὲν φυλάττονται τὰ τοῦ ἐνθρονισμοῦ... λαμβάνοντες γὰρ οἱ εἰς ταῦτα τεταγμένοι χαρτίον ἀπὸ τριπτακίου, διπλοῦσιν αὐτὸ εἰς δύο, καθὰ καὶ ἐν τῷ ἐνθρονισμῷ... ἓνα δάκτυλον, καὶ μετὰ σφηκώματος δεσμοῦσιν ἄνω τρίτον καὶ κάτω τρίτον καὶ οὕτως ἀντιστρέφοντες... ἐν μέσῳ τῶν δύο δεσμῶν. Ἐξτα διὰ τοῦ τετριμμένου μαρμαρίου γύρωθεν τὰ χαρτία κατασφαλίζονται, ὥς ἂν μὴ ἡ κηρομαστίχῃ ἐκρυθῇ κάτω διὰ τινος ὁπῆς. Καὶ οὕτω... καὶ τῆς εἰσόδου τοῦ ἀρχιερέως γινομένης... τιθέασιν αὐτὴν ἐπὶ τῶν κίωνων... Καὶ τοῦ πληρωμένου ἐν τῷ ἔξέσθαι τὴν κηρομαστίχην καὶ απογριζεσθαι τὴν θάλασσαν, φάλλουσι καὶ τὸν χβ' ψαλμὸν τὸ Κύριος ποιμαίνει με. Καὶ μετὰ τὸ καὶ αὐτὸν πληρῶσαι, δοξάζοντες λέγουσιν· Εὐλογητὸς ὁ Θεός. Ἐπειτα λαμβάνων θυμιατήριον, ὁ ἀρχιερεὺς θυμιατὸν κυκλόθεν αὐτὴν, καὶ οὕτως ἔμπροσθεν ἱσταμένου αὐτοῦ, λέγεται παρὰ τοῦ διακόνου συναπτὴ· Ἐν εἰρήνῃ... (Ὑ Ὑοαρα опущено прошение: Ὑπὲρ τῶν εὐσεβεστάτων, но имѣется: Ἀντιλαβοῦ)... Ἐν ὧσιν δὲ λέγει τὴν συναπτὴν ὁ διάκονος, ποιεῖ ὁ ἀρχιερεὺς εὐχὴν τὴν ἐπὶ σαλευθείσῃ ἀγίᾳ τραπέζῃ, καὶ ψησί· Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύριε... τοῦ μεγάλου Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, πρὸς σωτηρίαν παντὸς τοῦ λαοῦ... Καὶ τοῦ λαοῦ τὸ Ἀμήν λέγοντος, ἄρχονται οἱ φάλται τοῦ Τρισαγίου, καὶ τελεῖται καθέξις ἡ ἀκολουθία πᾶσα τῆς λειτουργίας (См. *Goar. p. 492, not. k*)

Ἄλλη τάξις, γινομένη ἐπὶ σαλευθείσης ἀγίας τραπέζης. *Goar. p. 492.* ἀποσπογγίζει καὶ κοιτάζει πρὸς τοὺς ἰδίους τόπους... μαλάσσων... μετὰ σφηκωμάτων καὶ νῶν... συναπτὴν τοιαύτην... χειρῶν αὐτοῦ τοῦ Κυρίου... ἔκτενέστερον Ὑπὲρ αὐτοῦ καὶ τῶν συμπαρόντων... (ἢ Ὑοαρα это прошение слито съ предыдущимъ и опущено: Ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης... Ὑπὲρ εὐκρασίας ἀέρων... Ὑπὲρ πλεόντων, ὁδοιπορούντων, а затѣмъ уже слѣдуютъ: Ὑπὲρ τοῦ

ῥυσθῆναι... Καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν χρηζόντων τῆς παρὰ τοῦ Κυρίου βοήθειας... Τῆς παναγίας)...

Къ стр. 1003. Εὐχή ἐωθινή, по cod. Bessarionis. Crypt.-Ferrat. bibl. Молитвъ 10. Goar. pag. 39—42. На девятомъ мѣстѣ находимъ: Εὐχή τοῦ εὐαγγελίου τοῦ ὁρθρου· Ἑλλαμφον ἐν καρδίαις ἡμῶν. pag. 41. О ней дѣлается слѣдующее любопытное замѣчаніе, не отмѣченное у Гоара: Δεῖ δὲ γινώσκειν, ὅτι αὕτη ἡ εὐχή ἐν τῇ Μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ οὐ γίνεται, ἀλλ' ἐν ταῖς λοιπαῖς, ἐν αἷς μετὰ ἕκτῃν ὥδῃν λέγεται τὸ εὐαγγέλιον κατὰ τὰς ἐπισήμους τῶν ἑορτῶν. Но эта молитва въ счегѣ не стоитъ, и на девятомъ мѣстѣ мы видимъ: Εὐχή θ', ἥτοι τοῦ Ν'. Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὴν διὰ μετανοίας ἄρεσιν τοῖς ἀνθρώποις δωρησάμενος... Goar. p. 42, а на десятомъ: Εὐχή ι' εἰς τοὺς Αἵνους· Ὁ Θεός, ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς... Ibid., за которой слѣдуетъ обширное и весьма важное для исторіи пѣсеннаго утренняго послѣдованія замѣчаніе, приведенное Гоаромъ безъ всякихъ оговорокъ о сокращеніи: Εὐχή κατηχομένων. Γινομένης γὰρ εἰσόδου καὶ λεγομένου τοῦ Δόξα ἐν ὑφίστοις Θεῷ καὶ τοῦ Τρισαγίου, καὶ τοῦ προκειμένου, καὶ μετὰ ταῦτα λιτανεύοντος τοῦ διακόνου καὶ ἄλλου ποιούντος τοὺς κατηχομένους, εὐχεται ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην (у Goar'a p. 45 это замѣчаніе передано нѣсколько иначе). Ἰστέον, ὅτι οἱ τοῦ ὁρθρου κατηχομένοι οὐδέποτε ἄλλοτε γίνονται, εἰ μὴ ὅτε ψάλλονται τὰ δώδεκα προκειμένα. (Goar. p. 45, var. lect. f., обрывая на этомъ замѣчаніе, говорить: post hujus orationis (т. е. якобы послѣ молитвы 10: Ὁ Θεός, ὁ Θεός ἡμῶν, ὁ τὰς νοεράς καὶ λογικάς..) finem Cryptoferratensis codex monet: Ἰστέον κ. т. л.) Ψάλλονται δὲ ἐν ταῖς δυσὶν ἐβδομάσι ταῖς πρὸ τῆς ἀπόκρεω καὶ κατ' αὐτὴν τὴν ἀπόκρεω, καὶ τὴν τυροφάγον, ἥτοι τρία καθ' ἐβδομάδα· τῇ τρίτῃ, τῇ πέμπτῃ καὶ τῷ σαββάτῳ· ἐν μὲν οὖν ταῖς τρίταις καὶ ταῖς πέμπταις λέγονται καὶ Οἱ κατηχομένοι, εἰ μὴ λειτουργία ἐστίν, ἢ ἑορτή· ἐν δὲ τοῖς σαββάτοις μόνα τὰ προκειμένα χωρὶς τῶν κατηχομένων, διὰ τὸ γίνεσθαι λειτουργίαν· τότε γὰρ εὐθὺς μετὰ τὴν εἴσοδον καὶ τὸ Δόξα ἐν ὑφίστοις, καὶ τὸ Τρισάγιον, καὶ τὸ προκειμένον, γίνεται ἡ λιτανεία τοῦ διακόνου, ἥτοι τὸ μέγα Κύριε ἐλέησον, ὅπερ ἐστίν ἡ ἐκτενὴς εὐχή. Καὶ τῶν κατηχομένων ἐωμένων, λέγει ὁ διάκονος· Πληρώσωμεν τὴν ἐωθινήν δέησιν, καὶ ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν ταύτην· Αἰνοῦμεν καὶ ὑμνοῦμεν. Goar. p. 42. Εὐλόγησον καὶ νῦν. Κύριε, τοὺς δούλους σου... Κύριε, Κύριε, σή ἐστιν ἡ ἡμέρα... Τῇ διατάξει σου, Κύριε, διαμένει ἡμέρα... Goar. pag. 45.

ERRATA ET CORRIGENDA.

Стран.	строк.	напечатано:	следует читать:
X	24	поставленіе	постановленіе
1	24	προσκαλέσαι	προσκαίεσαι
4	14	τὸν γάμον αὐτῶν	τὸν γάμον αὐτόν
5	30	ἐν γήρει	γήραϊ
—	36	εὐχαριστεῖαν ἐν ἀγαθοεργείᾳ	εὐχαριστίαν ἐν ἀγαθοεργίᾳ
7	20	τοῖς χρωμένοις	χριομένοις
8	3	αἰνεῖσε	αἰνεῖ σε
11	13	ἐπαγγελλάμενος	ἐπαγγειλάμενος
13	8	τὴν ἡμετέραν	τὴν ἡμετέραν
—	31	παρέλευσιν	παρέλευσιν ¹⁾
—	33	ἀνθρώπους	ἀνθρώποις
14	3	ἀλλὰ τῷ φωτισμῷ	ἀλλὰ διὰ παντός ἡμᾶς ἐν τῷ φωτισμῷ
15	9	δωρῆσαι	δώρῃσαι
17	11	Μέγας Κύριε	Μέγας εἶ, Κύριε
—	34	XI—XII B.	XIV B.
20	3	ἀπλωθῆναι	ἀπλωθῆναι
22	13	λειμένει	λιμένι
—	16	σαρκωθεῖναι	σαρκωθῆναι
—	26	ἀνακλιθεῖναι... ἐπικαθεῖσαι	ἀνακλιθῆναι... ἐπικαθῆσαι
—	29	ἐντεθεῖναι	ἐντεθῆναι
24	3	ἀπεδεχομένους	ἀπεκδεχομένους
26	17	Υἱὸν	οἶον
—	26	τοῖς φωτιζομένοις	τοῖς φωτιζομένοις
—	32	ὅτι εἰχόνι σου	ὁ τῇ εἰκόνι σου
27	7	χρωμένοις	χριομένοις
—	10	ἀγιάσαι	ἀγιάσαι
—	20	309	369
—	29	ὁ μετρίσας	ὁ μετρήσας
—	37	ἀρμαζόμενοι	ἀρμοόμενοι
28	4	αὐτοῦ	αὐτῶν
—	18	καὶ τὰ σφραγίζει	κατασφραγίζει
—	26	συμβιώσεως	συμβίωσιν

Стран	ετрок.	напечатано:	ελѣдуетъ читать:
—	35	τῶν χριζόντων	χρηζόντων
29	2	διωδεύσας	διοδεύσας
—	5	οὐκ ἔλειπε	οὐκ ἔλιπε
—	7	συμπέχονται	συμπλέκονται
—	30	Σὺ γάρ	Σοὶ γάρ
31	12	τῇ δυνάμει	τῇ δυνάμει
—	23	ὀιδοξασται	δεδοξασται
—	29	κατ' αὐτὸν	τάς κατ' αὐτῶν
32	6	δείσαντας	δήσαντας
—	8	ἐπειρίας	ἐπηρείας
—	33	κελλίφ	κάλλει
33	15	ὁ συνοδεύσας	ὁ συνοδεύσας
34	11	καινοὶ	κενοὶ
36	25	κεφαλὰς	κεφαλὰς ἐνώπιόν σου
37	10	ἐποίησας	ἐποίησας καὶ ποιεῖς
—	19	εὐλόγησεν	εὐλόγησον, φύλαξον
—	30	ἐξ ἔργων	ἐξ ἔργων καὶ λόγων
—	35	κατὰ τῶν καιρῶν	κατὰ τὸν καιρὸν
38	5	ματαιότητος κοσμικῆς	ματαιότητος κοσμικῆς καὶ φεύδους ἐν λόγοις καὶ ἔργοις καὶ εὐθυον (ркн.).
39	10	Σοὶ γάρ	Σὺ γάρ
40	2	ὁ Θεὸς ὁ Πατήρ	ὁ Θεὸς καὶ Πατήρ (ркн.).
—	15	εἰς σαραντίσαι	εἰς τὸ σαραντῆσαι (ркн.).
—	24	ἡμετέραις	ἡμετέρας
41	21	ἀμφοτέρους	ἀμφοτέροις (ркн.).
42	4	л. 37	л. 47
—	27	κατασκευάσας	κατασκευάσας
43	14	θεωρίαις ἡμεῖς (?) δὲ	θεωρίας καὶ πολιτείας ἀρίστους, ἐκεῖ δὲ
44	14	τὸ Θεὸν	τὸν Θεόν
—	16	ὑπὲρ μέλιτος	ὑπὲρ μέλι
46	9	ἐπαγγελάμενος	ἐπαγγελιάμενος
47	5	ἐπωφελεῖ	ἐπωφελεῖ
48	17	τῆς Θεοτόκου	σοῦ Θεοτόκου
51	19	πράγμασι (·)	πραγμάτων
52	16	κατασχυνθῆναι	κατασχυνθῆναι
62	32	τοῦ Δαβίδ	τῇ Δαβίδ
63	2	τῆς Θεοτόκου	τῆς ἁγίας Θεοτόκου
—	3	τῆς κατὰ δύναμιν	τάς κατὰ δύναμιν

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
63	5	ἀνεξάληπτον	ἀνεξάλειπτον
—	13	εἰς πλειο(νό)τητα	εἰς τελειότητα
—	17	κατανοῆσαι	καταντῆσαι
72	31	τρογῆς	τρόγης
—	37	ὑπερεχυθήσονται αἱ ληνοὶ	ὑπερεχυθήσονται οἱ ληνοὶ
74	7	θέ,ται (sic)	(τί)θενται
78	3	ἐν τῷ ἀγκαλισμένῳ	ἐναγκαλισάμενος
80	26	Εὐχὴ τοῖς	Εὐχὴ (εἰς) τοῖς
82	35	διαμαίνης	διαμένης
87	9	πάσα	πᾶσα
88	6	τεσσαρακοστῆς	τεσσαρακοστῆς
89	22	τῆς θείας	τῆς θείας
91	18	τὸ Τρισάγιον γίνεται. Μετὰ δὲ τὸ Εὐλογητὸς	τὸ Τρισάγιον οὐ γίνεται, τὸ δὲ Τρισάγιον γίνεται. Μετὰ τὸ Εὐαγγέλιον (ркн.)
94	28	τυφλοῦ... καὶ φωτίσας	τυφλοῦ καὶ φωτίσας (ркн.)
—	31	ἐνεργείας	περιεργίας (ркн.)
96	25	ἐκ τοῖς (τῶν) παρανόμοις (ων)	ἐκ τοῦ παρανόμου (ркн.)
99	16	ὥριςας	ὀρίσας
104	4	τοκάς	τε καὶ
—	29	ἐξουσία	ἐξουσία
106	7	ὁ πρωτοπαπᾶς	ὁ πρωτοπαπᾶς
108	29	ἀνεξίκακε,	ἀνεξίκακε, ἀμνησίκακε
109	4	καὶ τριταίου	καὶ τριταίου καὶ τεταρ- ταίου καὶ ἡμιτριταίου
—	32	Ναθαῦν	Νάθαν
113	19	αὐτην	ταύτην
114	37	γομφωτῆρ	γομφωτῆρα
115	5	ἐκχέαντα	ἐκχέοντα
117	25	εἰς ἐδπηρεσίαν	εἰς ὑπηρεσίαν
118	22	ἀπὸ γῆς πυρῆς	ἀπὸ γῆς πυρρῶς
—	25	τριχειλετρικέφαλε	τρίχειλε τρικέφαλε
119	7	ἔστηκε	ἔστηκε
—	13	Ἀκινδύνου	Ἀκινδύνου, Ἀφθονίου
—	20	τὴν κῆπον	τὸν κῆπον
120	21	οὔσαι	δήσει
—	22	σιδηρωτομήσει	σιδηροτομήσει
—	24	καταφάγονται	καταφαγεῖν τε
122	22, 26	χάρισαι αὐτοῖς	χάρισαι αὐτοῖς

IV

Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуетъ читать:
123	14	ὕποτιθεμένων τῶν ἱερῶν	ἐπιτιθεμένων ἱερέων τὸν
—	34	ἰξελεῖσθαι	σταυρὸν
124	35	ἀνόδυνα	ἐξελεῖσθαι
126	31	ἔχονται	ἀνώδυνα
—	35	ὁ πρωτοπαπᾶς	ἔχεται
127	5	μήπως τὴν ἐν αὐτοῖς ἀπο-	ὁ πρωτοπαπᾶς
127	14	τεθεῖς	μήπω τὴν ἐν αὐτῷ ἀπο-
135	17	τῶν ἐξ ἐθνῶν	τεθεῖσαν
—	34	ἀνάσχω	τὸν ἐξ ἐθνῶν
136	20	τὸ Ἄμωμον	ἀνασχω
137	22	μετέτη	τὸν Ἄμωμον
138	14	ἐγνώθη	μετέστη
—	31	μέλλει	ἐγνώσθη
—	33	Οἴμμοι... ἔχει	μέλλει
139	22	ἐνέδρα	Οἴμοι... ἔχει
—	23	Ἦ ἐάν	ἐνέδρας
143	33	διανεύομεν	Ἦ ἐάν
144	9	καληβίτου	διαμένομεν
—	21	Ὀλυμπιάδος	καλυβήτου
147	25	δύπτυχα	Ὀλυμπιάδος
149	19	Ναθάν	δίπτυχα
152	7	ποιμάνει με	Νάθαν
166	35	ἐκτενεῖ	ποιμάνει με
176	18	ὁ αὐτὸ	ἐκτείνει
177	6	ποιεῖ	αὐτὸ
—	21	Ἀποδόουσι... ὁ ἱερεὺς	ποιῶν (ркн.)
—	25	καθ' ἐαυτόν	Ἐλδούουσι... ὁ ἱερεὺς γ' (ркн.)
—	29	ὕπο διακόνου	καθ' ἐαυτοῦ
179	31	ἀλείφω	ὕποδους (ркн.)
180	4	συναπτὴν	ἀλείφας (ркн.)
—	29	ὁ ἁγίους	συναπτὴν ὄλην (ркн.)
—	31	ἐγκαινίων	ὁ εὐδοκῆρας ἁγίους (ркн.)
181	20	φωνῆς	τῶν ἐγκαινίων (ркн.)
—	25	ἐκλεξαι	φωνῆς (ркн.)
—	28	εἰς τὴν εὐλόγησιν ἄλατος	ἐκλεξαι (ркн.)
		ἐπὶ τελευτήσαντος ἱερέως	εἰς τὸ εὐλογῆσαι ἄλας (ркн.)
			ἐπὶ τελευτήσαντα ἱερέα (ркн.)

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
182	2	ὁ Κύριος	ὁ Σωτὴρ (ркн.)
—	5	διὰ δακρύων	δακρύσαντα (ркн.)
183	7	ὁ ἱερεὺς	ὁ ἱερεὺς αὐτοῦς (ркн.)
—	33	χεῖρα	χάριν (ркн.)
184	20	Σύμφωνα καταντούσαντες	Νυμφῶνα καταντήσαντες (ркн.)
—	28	τοῦ ἀγιάσματος	τοῦ ἀγιάσματος, γινομένου (ркн.)
—	31	τὸ ἐπταπαδοή (sic)	τὸ ἐπταπάπαδον (ркн.)
185	1	ὁ πρωτοπαπᾶς	ὁ πρωτοπαπᾶς
—	4	Ἄπ' ἐναντίων	Ἐκ παντοίων (ркн.)
—	17	ἀλλὰ	ἀλλὰ δὴ (ркн.)
—	34	εἰς φόλαξιν	εἰς κεφαλὴν (ркн.)
186	8	ἐκ τοῦ Λουκᾶ	ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν
—	11, 14	ἱερεὺς	ἱερεὺς καὶ λέγει (ркн.)
—	28	προετοιμασμένου	προϊσταμένου
187	2	δυνάμεων ἁσωμάτων	ἁσωμάτων (ркн.)
—	3, 21	Κήρσο	Κύρσο
—	6	ἀλείφει	ἀλείφειν
—	11	τοῦ δεύλου σου	τοῦ δεύλου σου ὁ δεῖνα
—	26	Ὅτι ἐλεήμων	Ἐκφώνησις· Ὅτι ἐλεή- μων (ркн.)
189	3	αὐτοῦς	αὐτοῖς
—	22	τοὺς βαπτισθέντας	τοὺς βαπτισθέντας, τῷ ἀγίῳ μύρῳ ποιῶν σταυροῦ τόπον (ркн.)
—	31	ἐλούσθης	ἐλούσου (ркн.)
—	32	Εὐχὴ Ὁ ἐνδυσάμενος	Τὰς κεφαλὰς. Εὐχὴ Οἱ ἐνδυσάμενοι (ркн.)
190	2	Ἰκετεόμεν	Σὲ ἱκετεόμεν (ркн.)
—	6	αἶνον...	αἶνον.
—	15	προσκυνοῦσι	προσκυνοῦν (ркн.)
—	21	προσελθόντας	συνελθόντας (ркн.)
—	27	καὶ Σωτὴρ	καὶ σωτηρία (ркн.)
—	35	τὰ τῆς ἐκείνων πλάνης	τὰ ἐκείνων ἥθη (ркн.)
191	3	τῆς σ.ς χάριτος	τῆς χάριτος
—	10	ἔνωσον αὐτόν τῇ ἀγίᾳ σου	τῇ ἀγίᾳ σου (ркн.)
192	11	θεμελιώσας	θεμελιώσας
197	6	τιθῆναι	τεθῆναι
—	8	ἄπει (;) εὐτήν	ἄπει αὐτήν

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
201	3	ὁμοῳθη	ὁμοῳθη
202	21	происхожденія	происхожденія
205	31	πρωτοπιστοῦ	πρωτοπίστου
—	32	ὧ δέ	ὧδε
207	17	τὴν μίαν	τὴν μαίαν
211	12	ἐξάλειψον	ἐξάλειψον
—	35	Κόρον	Κῶρον
212	23	ἴδε	εἶδε
213	20	διαβάξει	διαβιβάζει
221	30	περίσφυζόν σου	περίσφυζόν σου
224	30	τὴν ἀγνίαν	ἀγνειαν
227	29	ἐτερείεις	ἐ αἰρείεις
230	23	ἀθλήσαι	ἀθλῆσαι
236	2, 3, 6	χρίσμα	χρίσμα
239	7	ἅγιον	ἅγιον
—	11	ἐωθινὴν θείαν λειτουργίαν	τῆς ἐωθινῆς θείας λει- τουργίας
—	29	κολλάσθαι	κολλᾶσθαι
244	13	ἀλγηδῶνα	ἀλγηδόνα
247	22	ῥύπτει	ῥίπτει
—	28	ἔρχεται	ἄρχεται
248	29	π 53	л. 53
249	7	Ὡμοις	Ὡμοις
253	4	χρίεται	χρίει
255	25	ἐτέρα	ἐτέρα
258	36	τὴν σολεάν	σωλέαν
261	33	Σὲ ἔπλασάς με	Σὺ ἔπλασάς με
263	31	θεοστεπῶν	θεοστέπτων
269	20	а второмъ	а во второмъ
271	1	ἀκολουθιοι	ἀκολουθία
—	12	τοῦ ἀκαθίστου	τῆς ἀκαθίστου
274	16	μεσονηστῶν	μεσονηστιμου (ркн.)
—	37	Εἵπωμεν	Εἵπωμεν
276	11	ἡ θεία μυσταγωγία	ἡ θεία μυσταγωγία πλη- ροῦται κατὰ τὴν τῶν ἐγ- καινίων ἀκολουθίαν (ркн.)
—	16	ἐπὶ θεμελίου	ἐπὶ θεμελίῳ (ркн.)
278	34	ἐκφέρονται	ἐκφέρεται
279	19	ἀπὸ τῆς κεφαλῆς	τὸ ἐπὶ τῆς κεφαλῆς (ркн.)
—	32	διψύντες	διψῶντες

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
280	1	Ἐξελεξάμενος	Ἐξελεξάμεν
281	22	ἀμφιέσασθαι	ἀμφιάσασθαι (ркн.)
282	5	προσετάγη	προσταγῇ (ркн.)
—	7	Ὁ διάκονος	ὁ δὲ διάκονος
—	24	τῶν μοναχῶν	τῶν μοναζόντων (ркн.)
283	1	εἶη	εἶη
—	5	τοῦ λειψάνου	τὸ λείψανον (ркн.)
—	12	ψάλλοντος	ψαλλόντων (ркн.)
—	29	ἀγιορειτῶν	ἀγιορειτῶν
284	4	βοῶντες... Μίαν	βρῶντες... Τίς τοῦ τῆς ζωῆς ἡμῶν ἐστὶ τὸ ἀπαραχώ- ρητον τέλος... Μίαν (ркн.)
286	1	ἐπὶ θεμελίου	ἐπὶ θεμελίῳ
—	8	τῇ γῇ προσταῖει	τῇ σῇ προσταῖει
—	17	δεσμοῦντων	δεσμευόντων (ркн.)
287	4	pag. 487	pag. 587
—	7	pag. 583	pag. 483
—	29	Ἄδὰμ	Ἄδὰμ
289	6	εὐμενῶς	εὐμενὲς (ркн.)
—	14	δαμάσαι	δύνασαι (ркн.)
—	30	ἀποκατάστησον	ἀποκαταστήσασα (ркн.)
290	14	ἀπερβρίφημεν	ἀπερβρίφημεν (ркн.)
293	11	Αὐτός ἐπίστασαι	ἐπίστασαι
—	15	ἀνοημάτων	ἀγνοημάτων
—	17	προσκυνητὸν ὑπάρχει	προσκυνητὸν
—	35	περιέποντα	περιέπων
294	2	Πάτερ εὐσπλαγγχε	Πάτερ εὐσπλαγγχ- νίας (ркн.)
—	29	ἀφαπθῆναι	εὐφρανθῆναι (ркн.)
295	26	133	134
296	28	προσφέρειν	προσφέρειν σοι (ркн.)
—	35	ἐν ἀθετήσει	ἐν ἀναθετήσει
311	2	ἐλλους	τέλους
313	28	μνήσθητι	μνήσθητι
—	30	ἀγιωάτου	ἀγιωτάτου
—	34	ὑπὸ	ὑπὲρ
—	35	πρεσβυερίου	πρεσβυτερίου
—	38	ῶν ἁγίων	τῶν ἁγίων
314	11	σταυροῦ	στρατοῦ (ркн.)
—	15	οὐ πᾶ ριάρχου	τοῦ πατριάρχου

VIII

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
314	20	παρ' αὐ οὐ	παρ' αὐτοῦ
—	24	ταὺ ἡν	ταύτην
—	30	εἰπόν ος	εἰπόντος
315	4	οὐ αὐτῇ	οὐν αὐτῇ
—	35	Ὁ μὲν	Ὁ μέντοι (ρκн.)
—	36	τοῦ ἁγίου	τοῦ ἁγίου ἄρτου
316	25	ἐπά ω	ἐπάνω
—	29	βά ει	βάνει
—	32	αὐτὸς	αὐτοὺς (ρκн.)
—	35	ἀρχιερεὺς	πατριάρχης (ρκн.)
317	31	καθ' ἑαυτὸν	καθ' ἑαυτοῦς (ρκн.)
318	12	λέγον ες	λέγοντες
—	26	ἐξέρχεται... οὐν Κύριον	ἐξέρχεται... τὸν Κύριον
—	33	Χρισ ἐ	Χριστὲ
319	20	ὕπὲρ ἡμῶν...	ὕπὲρ ἡμῶν.
—	25	φαιλόνιον	φαινώλιον
323	16	ὕπελθειν	ἐπελθεῖν
324	14	εὐχαριστεῖαν	εὐχαριστίαν
—	36	εὐρύχωρον	εὐρύχωρον
326	7	παλίον	παλλίον
330	2	Ὅτι	Ὅτε
331	12	λαβὼν	λαβεῖν
334	17	πανταίαις	παντοδαίαις
335	31	ὕπερασπίσαι	ὕπερασπίσαι
336	23	προσπτεύσης	προσπταίσης
337	37	ποιμένει με	ποιμαίνει με
345	7	ὠμοφόριον	ὠμόφορον (ρκн.)
—	31	Καὶ ὁ ἀρχιερεὺς	καὶ λέγει ὁ ἀρχιε- ρεὺς (ρκн.)
346	34	βουλῇ θείᾳ	βουληθείσας (ρκн.)
—	37	Μετὰ	Κατὰ
347	27	ιεράν	ιερείαν (ρκн.)
348	36	ὁ ἀρχιδιάκονος· Ἐν προσ- ευχῇ στή	ὁ ἀρχιδιάκων· Ἐν προσ- ευχῇ στήτε (ρκн.)
349	1	p. 172	p. 672
—	7	Κύριε ἐλέησόν με ὁ Θεὸς	Κύριε ἐλέησον ἱβ'. Δεῦτε πρὸς αὐτὸν ἡμεῖς γ', καὶ λέγει τὸν Ν' (ρκн.)
—	9	Στιχηρὰ ψαλλόμενα	στιχηρὰ ἰδιόμελα (ρκн.)
350	7	ψηφισμένων	ψηφισαμένων (ρκн.)


Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
350	11	λέγει	λέγων (ркн.)
—	14	38	48
352	6	εὐσπλαγχνε	πολυέλεε, εὐσπλαγχνε (ркн.)
355	5	στιχηρὰ	στιχηρὰ
358	4	τοῦ συνάρχου	τοῦ συνανάρχου
362	22	Ἀμήν	Ἀμήν. Сн. ниже стр 994.
364	11	σταφύλης	σταφυλῆς
—	36	XIV в.	XII в.
365	3	Εὐχὴ κατηχουμένων	Εὐχαὶ κατηχού- μεναι (ркн.)
—	5	л. 6 об.	л. 26 об.
372	12	ἐξ ἐπιτιμιῶν	ἐξ ἐπιτιμιῶν
—	27	περὶ νήψεως.	περὶ νήψεως.
373	38	Ὑπὲρ τοῦ βασιλεία ἄφ- θάρτου	Ὑπὲρ τῆς βασιλείας ἀφθάρτου.
374	15	ἐκφωνήσιν	ἐκφωνεῖ
380	1, 14	κενοβόριον	καινούργιον
—	34	1510 г.	XV в.
382	32	XXI в.	XVI в.
383	24	ἐκραταιῶτο	ἐκραταιοῦτο (ркн.)
384	34	Ὅτι τὰ ἐν κόσμῳ	πρὸς τὸ Ὅτε ἐν τῷ πά- θει. Ὅσοι τὰ ἐν κόσ- μῳ (ркн.)
385	4	στιχηρόν	στιχηρόν, ἦχος α' (ркн.)
—	5	ἦχος γ'	ἦχος δ'
386	10	Εἰς παλλίον	Εἰς τὸ παλλίον
387	22	ἓνα ἕκαστον	ἓν ἕκαστον (ркн.)
—	23	τὸ καμηλαύχιον	τὸ καμηλαύκιον (ркн.)
388	13	εὐθύς	αὐθις
389	37	ὀπόσταις... Ἀνάπαυσον	ὀπόσταις... Ἀληθῶς μα- ταιότης τὰ σύμπαντα... Ἀνάπαυσον (ркн.)
390	19	Ἰάσαι	Ἰάσω (ркн.)
—	20	ἐξερεῶζοντο	ἐξηρεῶζαντο
391	28	εἶτα ἕτερα	καὶ τὰ ἕτερα (ркн.)
392	15	Ἀλληλοῦια, Στίχος	Ἀλληλοῦια. Στίχος Ἰδοῦ εὐλογηθήσεται ἄνθρω- πος... Ἀλληλοῦια, Στί- χος (ркн.)

Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуетъ читатъ:
393	1	л. 261 об.	л. 216 об.
—	5	Συνέλαβε	συνέλαβες
—	14	λειτουργεῖσαι	λειτουργήσας
403	22	ἐν τοῖς κλίτεσιν	ἐν ταῖς κλίτεσιν
411	31	Σῆς	τῆς
412	11	σταφύλης	σταφυλῆς
413	3	συναρμώσας	συναρμόσας
—	4	συνάρμωτον	συνάρμοσον
—	10	τὸν κοντάκιον	τὸ κοντάκιον
419	32	Τάξις	Τάξις καὶ ἀκολου- θία (ркн.)
420	5	μανδιώτου	μανδουώτου
—	13	δεξιὸν	ἐκ δεξιῶν
421	3	ποτήριον	ποτήριον ὑέλινον (ркн.)
422	4	μεταλαμβάνουσι	μεταλαμβάνοντες (ркн.)
423	10	σὺν αὐτοῖς	σὺν αὐτοῖς
—	11	Μακεδόνι	Μακεδονίῳ
—	12	φιλοξένω	Φιλοξένῳ
—	15	αὐτοῦ	αὐτῶν
—	22	ἀπαθῇ	Χριστὸν ἀπαθῇ
—	32	Θεοτόκον	Θεοτόκον καὶ ἀειπάρθενον
429	26	л. 212	л. 112
433	37	ἐπάνωθεν τὴν κεφαλὴν	ἐπάνωθεν τῆς κεφαλῆς
435	17	ὀφείλω	ὀφείλει (ркн.)
437	23	Εὐχὴ εἰς γυναῖκα	Εὐχὴ ἑτέρα εἰς γυ- ναῖκα (ркн.)
439	4	ἐπιμανίκα	ἐπιμανίκα (ркн.)
—	8	καταφοιτῆσαι... Ὑπὲρ τοῦ νονι	καταφοιτῆσαι.. Ὑπὲρ τοῦ καταπεμφθῆναι... Ὑπὲρ τοῦ νονι (ркн.)
—	22	λέγει	λέγων (ркн.)
—	37	ἀναδόχου ἐκ γ'	ἀναδόχου αὐτοῦ ἐκ γ' (ркн.)
40	2	τὴν εὐχὴν	τὴν εὐχὴν ταύτην (ркн.)
—	19	ἀναβόλιον	ἀναβόλαιον (ркн.)
—	21	βαμβάκινον	βιμβάκ(ινον) (ркн.)
—	22	χεῖρα τὰ ὦτα	χεῖρα καὶ τὰ ὦτα (ркн.)
—	24	ἐβαπτίσθης, ἀπελούσθης	ἐβαπτίσθης
0	25	τὴν εὐχὴν	τὴν εὐχὴν ταύτην

Стран.	ετροκ.	напечатано:	сλβδуетъ читать:
441	7	συνήθως λέγει	σύνηθες ἵσταται ἐν τῇ ἀγία τραπέζῃ καὶ λέ- γει (ρκн.)
—	12	προπορεύεται	πορεύεται (ρκн.)
—	36	τῶν εὐσεβῶν	εὐσεβεστάτων (ρκн.)
442	26	ποιεῖν	ποιεῖν ἕως τρίτου (ρκн.)
444	23	τὸ εὐχέλαιον· Θεώτατοι	τὸ εὐχέλαιον. Λέγεται δὲ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν τοῦ κανόνος καὶ τῶν στιχηρῶν, καὶ οὕτω γίνεται ἡ συγχώ- ρησις· Θεώτατοι (ρκн.)
—	35	ιερέων	ιερέων καὶ δλοκαυτοδύμενον ἐπάνω τοῦ τάφου, ποιη- θεῖσ(α) παρὰ τοῦ Νικο- λάου, τοῦ ἀγιωτάτου μητρο- πολίτου Ἀθηνῶν (ρκн.)
449	30	ζωοπλῶν (;) στήθες	ζωοπλαστήσας (ρκн.)
452	20	ἀνέστειλεν	ἀπέστειλεν
453	3	δρασμοῦ	ἐβρασμοῦ (ρκн.)
—	8	λαμίας	λαμίας
454	20	αὐτῷ	αὐτὸ
457	15	ἀπέρχεται	ἀπέρχεται ὁ ἱερεὺς (ρκн.)
—	37	ἐπ	ἐπὶ
458	5	αὐτὸν	αὐτὸ
459	5	σμίγει	ἐσμίγει (ρκн.)
—	27	прибавлено	прибавлено
460	29	αὐτοὺς ἐν τῷ πλήθει	αὐτοὺς ἐν εὐφροσύνῃ, πλή- θυνον αὐτοὺς ἐν τῷ πλή- θει (ρκн.)
—	31	ἡμέρας	ἡμέρας
—	32	ἄρρηκτον	ἄρρηκτον
462	4	καταλήψει	καταλείψει
463	27	οἱ καλῶν	οἱ καλῶς
464	37	πατριάρχους, οἵτινες οἰκοδό- μησαν	πατριάρχας, οἵτινες ψχο- δόμησαν
466	29	αἰοδίου,	αἰδίου,
468	34	φωτίσαντος	φωτίσαντος
469	5	ἀνακαινώσεως	ἀνακαινίσεως
470	1	ὄν	ὅ
—	31	πλήρη	πλήρης

Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуетъ читать:
471	4	προσφέρωμεν	προσφέρωμεν
—	13	Евсѣгм.	Есѣгмѣн.
473	21	Ἀβιμελέχ	Ἀβιμέλεχ
476	24	второй	третьей
—	37	стихира	стихиры
477	36	σπουδῇ	σπουδῇ
478	4	Ἀνῆλέσας	Ἄν ἡλέσας
—	14	Ἦσυχάσατε δὲ	Ἦσυχάσατε δὴ
479	4	πορφυράν	πορφυράν
480	25	ἢ ἀνάστασις... Στιχηρὰ	ἢ ἀνάστασις... Καὶ εὐθὺς γίνεται ὁ ἀσπασμός. Στι- χηρὰ (ркн.)
—	38	ὑπερετιδόντες	ὑπηρετιδνιες
481	29	κατακείμενον	κατακειμένω (ркн.)
—	34	πλόνον με	πλόνόν με
482	1	Σέ, Σωτήρ	Σοῦ, Σωτήρ (ркн.)
—	5	Ὡ μύρησόν	Ὡμβρηζόν (ркн.)
—	22	βαλλόντος ἐκάστου	βαλλόντος ἐκάστου (ркн.)
483	24	Κύρις... Τῇ Θεοτόκῳ	Κύρις... Διαπλέων τὸ πέ- λαγος τῇ: παρούσης ζω- ῆς... Τῇ Θεοτόκῳ
—	35	ταχεῖαν	ταχεῖαν
484	22	ἀδιάλειπτον	ἀδιάλειπτον
485	11, 35	κρεοφαγεῖ	κρεωφαγεῖ
—	35	συγχωρεῖται	συγχωρεῖται
489	32	ὅταν μεταλαμβάνει	ὅταν μεταλαμβάνη
492	15, 24	αὐτόν,	αὐτό,
495	20	ὁμνούντων	ὁμνούντων
—	21	ὁμνούντα	ὁμνύοντα,
496, 497	32, 5, 7	μιασθέν	μιανθέν
497	26	συκῶν	σύκων
499	29	ἀπελπισμένων	ἀπηλπισμένων
502	15	ἀκρόστιχον	ἀκροστιχίδα
—	20	ἢ ἀκρόστιχοι	ἢ ἀκροστιχίς
505	1	№ 73 (274)	№ 273 (274)
—	5	ἐνστασιν	ἐκστασιν
—	35	Λέγει ὁ ἱερεὺς	Κάκεινον κλίνοντος τὴν κεφαλὴν, λέγει ὁ ἱερεὺς
507	27	Ἀποτάσσεις	Ἵποτάσση
508	34	ζωγραφηθῆαι	ζωγραφεῖσθαι


Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуетъ читать:
509	30	χαμαικοιτείαν	χαμα κοιτίαν
511	15	αὐτῷ	αὐτῷ
512	17	ἡ ἀκρόστιχος·	ἡ ἀκροστιχίς·
—	33	ἑτέρου, τροπάριον·	ἑτέρου τροπαρίου·
513	7	Ποῦ ἔστιν ἡ τῶν προσκαί- ρων φαντασία	Ποῦ ἔστιν ἡ τοῦ κόσμου προσπάθεια (ркн.)
514	10	αὐτῷ	αὐτοῦ
515	10	σωτηρίας, τὴν ζώνην	σωτηρίας, ζώσασθε τὴν ζώνην (ркн.)
516	30	κηδεῖαν	κηδεῖαν
—	31	pag. 448	pag. 438
517	20	συνάγονται οἱ ἀδελφοί	συνάγονται πάντες οἱ ἀδελφοί
518	19	ἡ ἀκρόστιχος	ἡ ἀκροστιχίς·
—	21	μετέξεως... Οὐδείς·	μετέξεως... Ἦ ψυχὴ αὐ- τοῦ. Οὐδείς (ркн.)
519	1	ὁποῦ	ὅπου
—	13	ἡμῶν	ἡμῖν
—	23	τὰ πράγματα	τὰ τάγματα (ркн.)
—	32	Εὐσπλαγχνίαν... Δόξα	Εὐσπλαγχνίαν... Ὁμοιον· Νεκρωσιν ὑπέμεινας... Δόξα (ркн.)
—	33	ῥῥθης	ῥῥθης
520	12	γίνεται ὁ θανὼν	γίνεται συναπτή, καὶ μνη- μονεύεται ὁ θανών (ркн.)
—	14	εὐθὺς·	αὐθις
—	15	ἡ ἀκρόστιχος·	ἡ ἀκροστιχίς·
—	29	Νεκρωθῶμεν	Νευρωθῶμεν (ркн.)
521	21	Δεῦτε τῷ τάφῳ	Δεῦτε ἐν τῷ τάφῳ (ркн.)
—	24	μέλλει μετ' ἀνίας	μέλλη μετὰ βίας (ркн.)
522	14	τὸ πλήρωμα αὐτοῦ	τὸ πλήρωμα αὐτῆς
—	20	δεομένων, εἰς σὲ καυχώμεθα	δεομένων εἰς σὲ θαρβύ- μεν, εἰς σὲ καυχώμε- θα (ркн.)
—	22	καταφύτευσον εἰς τὴν κα- τάπαυσιν·	καταφύτευσον... Εἰς τὴν κατάπυσιν (ркн.)
525	36	μελισσίων	μελισσίων
526	1, 4	μελήρια	μελίσσια
—	6	ἀβλαβῶς	ἀβλαβές
527	9	p. 455	p. 445

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
527	17	№ 373	№ 273
—	35	ιερεῖς	οἱ δὲ ἱερεῖς
528	15	τῷ ἀνάρχῳ	τῷ ἀνάρχῳ σου Πα- τρὶ (ркн.)
530	18	τῇ δούλῃ σου	τῇ θελήσει σου (ркн.)
—	28	εὐφραίνων	εὐφραΐνων
—	38	κηδεῖα	κηδεῖα
531	18	Θεὸς καὶ Κόριε	Θεὸς παντοκράτωρ, Θεὸς καὶ Κόριε (ркн.)
—	25	ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ἡ	
		ἐλπίς πάντων	опуститъ
532	8	κηδ' α	κηδεῖα
—	37	ιερομένων	ιερωμένων
533	12	τῶν ἐνταῦθα	τὸν ἐνταῦθα
—	14	εὐαρέστω;	εὐάρεστον (ркн.)
—	22	и т. д.	Εἶτα λέγει ὁ πρῶτος χο- ρὸς μετὰ μέλους τὸν πα- ρόντα στίχον, εἰς ἧχον πλ. α'. Ζήσεται ἡ ψυχὴ μου... Ἐπλανήθην, ὥς πρόβατον... Ζήτησον τὸν δοῦλόν σου... (ркн.)
			
—	24	Ὁ (σῃ) παλάμη	Ὁ πάλαι
—	25	τῆς ἀρβύτου	τοῦ Θεοῦ
535	2	Ὡς ὄναρ	Ὁ ὄαρ
—	7	ἀντίφωνον α'	ἀντίφωνον α', ἦχος α'.
—	26	κατάταξον	καταξίωσον (ркн.)
—	38	προφθάσας (;)	προφθάσας
536	11	τοῦ Δαμασκηνοῦ	τοῦ κυρίου Ἰωάννου Δα- μασκηνοῦ (ркн.)
537	9	φέρων	φέρεις (ркн.)
538	7	ὥς χοῦς	ὥς χοῦς (ркн.)
—	29	ὕμνεϊτε	ὕμνητε
—	32	λέγομεν ἀντίφωνον	λέγομεν τὰ ἀντίφωνα, ἀν- τίφωνον γ' (ркн.)
539	15	σχολίων ἐρπούσης	τῆς σχολήκων ἐρπούσης
—	26	δεσμοῖς	δεσμῶν
540	6	λέγει	λέγομεν
—	11	ὕψαυχεῖς	ὕψαυχένεις (ркн.)
—	31	Εἶτα	Καὶ εὐθὺς (ркн.)

Стран.	строг.	напечатано:	сѣдѣть читатѣ:
540	37	ἦν πορεύεις	ἦ πορεύῃ
541	3	ἔξει	ἔχει
—	13	Δαβὶδ καί, πολυεύσπλαγγνε	Δαβὶδ, αὐτὸς πολυέλεε καὶ πολυεύσπλαγγνε (ркн.)
—	28	ὀμνεῖτε	ὀμνήτε
—	32	ποιήσατε	ποιήσαθε (ркн.)
542	8	ἐταλάνησα	ἐταλάνισα
—	14	λέγομεν ἐτέρους	λέγομεν καὶ ἐτέρους
—	24	κατοπρίζεσαι	κατοπτρίζεσαι (ркн.)
—	26	ὀρώμενος	ὀρώμενοι
—	28	χρυσοπάστοις	χρυσοπάστους
—	30	ἡμεῖς	ὁμεις
—	38	καμήνη	καμίνη
543	10	Μακάριοι	Μακάριστοι
—	21	καὶ ἀνάγεις τῆς φυλακῆς	οὐγυтит
—	26	κατάταξον	καταξίωσον (ркн.)
544	1	ἄμειψασθαι	ἄμειψαι
—	17	οὕτως	οὕτως
—	26	εὐδόκησας	εὐδόκησας
546	16	τῶν Ἀδὰμ	τῷ Ἀδὰμ
—	18	εὐδόκησαι	εὐδόκησε
—	20	ἀληθῆν	ἀληθῇ
—	33	λομένεται	λομαίνεται
547	2	ἐν ἀγαθοῖς...	ἐν ἀγαθοῖς... Στίχος Πρὸς σέ, Κύριε, κεκρά- ξομαι (ркн.)
—	24	μετείασε	μὲν ἴασε (ркн.)
—	28	θεοιδῶν	θεοειδῶν
548	37	ἦχον (?)	ἦχον γ'
549	24	ἀπ' ἀρχῆς	οὐгυтит
—	26	Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθέ- νου Μαρίας	οὐгυтит
—	28	τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ παν- ευφήμων ἀποστόλων	οὐгυтит
550	19	σφριγῶσαν	σφίγγουσαν
551	30	ᾠδῶν	ᾠδῶν
—	36	ὑπάρχετε	ὑπάρχετε
552	2	σκανδαλίζει	σκανδαλίζῃ
—	10	εἰς ἦχον	εἰς ἦχον β'
—	30	σὴν δόξαν ἀποκαλύπτεσθαι	δόξαν ἀνακαλύπτεσθαι

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
553	2	αἵρουσι	αἵρονται
—	17	Ὁ μὴ	Ὁμοις
554	25	τῆς θεῆτος (·)	τεθέντος (ркн.)
—	33	ἀνέθηκας	ἐνέθηκας
555	31	εἰς ἧχον (·)	εἰς ἧχον δ'
556	20	ἀπηγγέλθη	ἀνηγγέλη (ркн.)
557	7	ὑπάρχωμεν	ὑπάρχομεν
—	9	τῶν ἱερῶν	τῶν ἱερῶς
558	31	λέγω δὴ τὴν ἀδιάστροφον	ὑπομονὴν δὲ λέγω διά- φορον (ркн.)
559	11	ἔγκειται τι	ἔγγειται τι (ркн.)
—	14	γέννηται	γίνη
—	16	ἐνδύθης	ἐνδύσει
—	25	ἐπὶ τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου	ἐκ τοῦ ἁγίου εὐαγγε- λίου (ркн.)
—	26	τῷ κεῖραι μέλλοντι γ'	τῷ χειρομένῳ (ркн.)
—	31	βάλλεται	βάνει (ркн.)
560	8	θαλασσηδίφ	θαλασσιδίφ
—	28	καθομολογεῖ:	καθομολογεῖσται (ркн.)
561	19	ἀκαθάρτων	ἀκαθαρσιῶν
—	27	κεῖρεσθαι	κεῖρασθαι
—	33	πέρνει	ἐπέρνει (ркн.)
562	13	εἰσελθόντος	εἰσελθόντος δὲ
—	32	ἀποκρίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς·	ἀνακρίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς·
—	38	Ἑπέλαβες	Ἐρώτησις· Ἑπέλαβες
—	38	θελήσης	θελήσει:
563	17	ἐπέγνωμεν	ἐπιγνώμεν
564	7	Μνήσθητι, εὐσπλαγχιε, καὶ ἡμῶν	Μνήσθητι τοῦ δούλου σου, ὁ Θεός, καθὼς ἐμνη- μόνευσας τοῦ ληστοῦ (ркн.)
—	15	Ἀλληλουῖα	Ἀλληλουάριον
—	22	πολυτάραχον	αἰετάραχον (ркн.)
—	33	Ἦς	Ἦς
565	13	ἁμαρτωλοῦ	ἁμαρτωλοῦ γραφέως (ркн.)
566	13	Δέσποτα παντοκράτωρ,	Δέσποτα Κύριε παντο- κράτωρ, (ркн.),
—	21, 22	εὐλόγησον τοὺς δούλους	εὐλόγησον καὶ τοὺς δού- λους
—	24	δώδεκας	δώδεκα
567	11	Δέσποτα,	Δέσποτα Κύριε, (ркн.)

XVII

Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуетъ читать:
567	35	κληθήσεις	κληθήση
568	21	δοξάζουσι	δοξάζωσι
--	27	τὸν στεφανοῦντα	τοὺς στεφανοῦντας (ρκн.)
--	31	ἐποιήσας	ποιήσωμεν (ρкн.)
569	8	ἔχουσι	ἔχωσι
	18	οἴκου... Ὑπὲρ τοῦ συμπο- λεμῆσαι	οἴκου... Ὑπὲρ ἀρχιεπι- σκοπού... Ὑπὲρ τῶν εὐ- σεβεστάτων... Ὑπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι... (ρкн.)
570	12	Καὶ τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει.	Εὐχὴ ἑτέρα· Κύριε Σα- βαώθ, ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσρα- ήλ... pag. 276. Καὶ τὴν εὐχὴν καὶ ἀπολύει, καὶ εἰσέβη ἐν τῷ ναῷ (ρкн.)
571	4	τὸν Χριστόν;	τῷ Χριστῷ;
--	8	pag. 278. Καὶ εὐθὺς	pag. 278. Ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν, ὁ πάντας θέλων σωθῆναι.. pag. 281. Καὶ εὐθὺς (ρкн.)
573	32	в. 483	p. 483
--	35	Ἵνα καὶ σὺν ἡμῖν δοξά- ζουσι	Ἵνα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δοξάζωσι (ρкн.)
575	18	ρίνας	ρίνας
576	25	ταχεῖαν	ταχεῖαν
578	19	δεῖ λίαν	δειλίαν
580	7	ἑαυτῷ	ἑαυτὸν
--	8	μελισσιῶν	μελισσίων
582	31	δώσει καὶ μαστιγώσει καὶ κολάσει... παραδώσει	δώσει καὶ μαστιγώσει καὶ κολάσει... παραδώσει
583	22	Ἀδὰμ	Ἀδὰμ
584	21	οἶδας	οἶδας
--	31	ἐξ αἴφνης	ἐξαίφνης
585	19, 20	μαίαν	μαίαν
587	22	χαρίζει	χαρίζει
588	20	ἀπεληπισμένων	ἀπηλπισμένων
592	14	κῦρ	κῦρ
--	22	μόνε οἰκτιρμός	μόνε Οἰκτίρμον,
593	1	κεκλημένον	κεκλημένον
--	36	ὑπὸ τοῦ	ἐπὶ τοῦ
596	29	λύσον	λύσον

XVIII

Стран.	строк.	напечатано:	сѣдуетъ читать:
598	27	ἀμφυέννεται	ἀμφιέννυται
601	19	οὐδ' ἔλω	οὐδόλω
602	18	τῶν εἰκόνων	τῶν ἁγίων εἰκόνων (ркн.)
—	31	εὐλογήσας	εὐλογήσας αὐτό, (ркн.)
603	29	διηγῆσεται...	διηγῆσεται.
606	12	ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι	ἐλεῆσαι καὶ σῶσαι
—	31	οἰκτειρήσαι	οἰκτειρήσαι
—	38	Εὐξαι	Εὐξαι
607	4	βιλόθυρον	βηλόθυρον
—	15	ὁ διάκονος τοῦ ἱερέως	ὁ διάκονος ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως (ркн.)
608	29	ἔχει	ἔχη
609	24	ἀπέρχονται	ἀπέρχονται ἀμφοτέ- ροι (ркн.)
—	30	οἶμοι	οἶμοι
610	31	πύλαι,	πύλας,
—	32	κῦρ	κῦρ
611	3	εὐξαι	εὐξαι
—	14	προσκυνεῖ	προσκυνῇ
—	15	ἀσπάζεται	ἀσπάζεται
—	37	κῦρ	κῦρ
713	4	λαβὼν	λαβὼν ὁ ἱερεὺς (ркн.)
—	23	ἔστι	ἔστι
614	6	προσφέρουσιν	ἀποφέρουσιν (ркн.)
617	38	σχο ἀζειν	σχολάζειν
618	13	διατήρησον	διετήρησας
—	15	καταξιώσον	καταξιώσον αὐτὸν
620	18	διδασκάλων	διδάσκαλον
622	4	ἀποπεμφθέντων	ἀποπεμφθέντων καὶ ἀνα- θέματι καθυποβληθέν- των (ркн.)
—	7	περὶ τῶν	περὶ τῆς
—	15	κῦρ	κῦρ
—	19	ἀναγομένην	ἀναγομένην
—	21	καὶ τῇ κενώσει	καὶ τὴν κένωσιν ταύ- την (ркн.)
—	—	τὴν κέλευσιν	τὴν κένωσιν (ркн.)
623	18	κῦρ	κῦρ
626	13	ἐπὶ σκληθείσης ἁγίας	ἐπὶ σκληθεῖσαν ἁγίαν
		τραπέζης	τραπέζαν (ркн.)

Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуеть читать:
627	8	Μῆсяцеловъ	Μῆсяцесловъ
628	12	διακρίνει	διακρίνη
—	17	Νῦν ἔχει δέ	Νῦν δὲ ἀνάγκην ἔχει πᾶσα ἡ οὐνοδὸς ἀκούσαι τὴν ὁμολογίαν αὐτοῦ, καὶ ὅτι τῷ πατριάρχῃ ὑπέ- σχετο ὑποτάσσασθαι, ἔχει δὲ (ркп.)
630	2	ἐκκληρησιαστικῶν, ἐπεὶ	ἐκκληρησιαστικῶν χειροτο- νίας, ἐπ' αὐτῷ μὴ γινο- μένης, ἐπεὶ (ркп.)
—	18	πρὸς ἀνατολὰς	πρὸς δυσμὰς, ἄνω τὰς χεῖρας ἔχοντα, καὶ λέγει τρεις (ркп.)
—	29	ἐπὶ μνήστρας	ἐπὶ μνήστροις βασιλέων καὶ λοιπῶν (ркп.)
632	11	л. 51 об.	л. 55 об.
—	13	Πεντηκοστῆς.	Πεντηκοστῆς. Ἀκολουθία τῆς γονυκλισίας (ркп.)
—	29	εἰς ἀποβαλούσαν	εἰς ἀπόβαλον (ркп.)
—	35	σφραγίσαι	κατασφραγίσαι (ркп.)
633	8	ἀπολῶσαι	ἀπολῶσαι
—	21	τούτου... Ὅπως	τούτου... Ὑπὲρ τοῦ εὐ- φρανθῆναι αὐτούς... Ὑπὲρ τοῦ παρκοχεῖσθαι... Ὅ- πως (ркп.)
634	6	χαρίσεται	χαρίση
635	25	ποιήσας	πιάσας
636	7	εἰς διγαμόν	εἰς διγαμίαν (ркп.)
637	7	ἐμβάλει	ἐμβάλει
—	14	ἐνωχλήθημεν	ἐνωχλήθιμεν
—	36	τοῖς ὁδοῖς	ταῖς ὁδοῖς
639	14	ποτηρίου	ποτηρίου καὶ ὠν ἀθί- κτων (ркп.) Сн. выше стр. 616—617.
640	3	ἐόντι	ἐῶντι
—	13	χειροτονῆσθαι	χειροτονεῖσθαι
—	17	εἷς τῶν πρεσβυτέρων	λέγει εἷς τῶν πρεσβυτέ- ρων (ркп.)
641	21	ἐνθρονῆσαι	ἐνθρονίσαι

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
641	34	οἷς καλῶς	καθῶς (ркн.)
642	18	λαμβάνειν δὲ	λαμβάνειν δεῖ (ркн.)
643	32	πράττει καλοῖς	πράττει καλαῖς
647	8	διανοίξει	διανοίξαι μοι
650	16	Λαμπυροῦ	Λαμπυροῦ
651	3	ἀδιαιρετάτη	ἀδιαιρετάτω
654	6	μέλλει	μέλλη
655	7	κῦρ	κῦρ
—	16	θεοσόστου	θεοσώστου
—	29	ἡκριβόμενος	ἡκριβωμένος
656	33	Ὀνηριφόρου	Ὀνηριφόρου
657	4	αὐτῶν	αὐτοῦς
—	20	δοξάζουσι	δοξάζωσι
—	27	παρεγενόμενος	παραγενόμενος
658	4	γέρας	γῆρας
659	23	ἀνεσχοντίας	ἀναισχοντίας
660	7	περιεβάλλου	περιεβάλου
—	8	ἀκάνθων	ἀκανθῶν
—	19	σου	σοι
662	32	παρὰ	περὶ
665	5	πρίηδε	πρίηδτε
—	17	κῦρ	κῦρ
668	12	εἰς ἀνοιξίαν	εἰς ἀνοιξια (ркн.)
—	23	λοχοῦσαν	λεγχοῦσαν (ркн.)
—	28	κῦρ	κῦρ
—	36	Καλοκῶρι	Καλοκώρη
669	21	ἐξομολογήσονται	ἐξομολογήσονται
—	30	μέγα διαλελυθότα	μέγαν διεληλυθότα
670	18	καὶ τὴν ἐκκλησίαν	εἰς τὴν ἐκκλησίαν
671	18	βοηθέν...	βοηθόν...
672	1	Τοῦς	Σοῦς
—	3	ἀπαγγέλματα	ἐπιγγέλματα
—	27	ζωῆς	ζωή
—	33	ἐπόμενοι	ἐπόμενοι
674	4	εἰ βούλῃ	εἰ βούλει
—	15	ὁ συνιῶν	ὁ συνιών
—	26	χωρίζεται	χωρίζηται
675	14	μέλλει	μέλλη
—	16	παράδοξα	περιδοξα
—	31	ἐπάνω τὰς πλάκας	ἐπάνω τῆς πλακῆς

Стран.	строк.	напечатано:	сѣбѣуеѣтѣ читатѣ:
676	22	τῷ πηλίνῃ παλάμῃ	τῇ πηλίνῃ παλάμῃ
—	32	Κορίου... Σήμερον	Κορίου. . Πρὸς τὴν ψω- νὴν. . Σήμερον (pkn.)
679	28	τοῦ κόσμου	τὸν κόσμον (pkn.)
680	3	κλήματα	κλίματα
—	15	ἀπρόσιτος	ἀπρόσιτον
—	32	τῇ γῇ	πηγῇ
681	2	περιβάλλεται... τὰ χερουβίμ	περιβαλλέσθαι... τὰ χερου- βίμ καὶ τὰ σεραφίμ (pkn.)
—	15	ἀκτίσι	ἀκτῖσι
682	3	τὰ πάλαι	τὰ παλαιά
—	20	κ. τ. λ.	Καὶ ἐμφυσᾷ εἰς τὸ ὄδωρ γ', καὶ ποιεῖ σταυροῦς τρεῖς, καὶ εἶθ' οὕτως λέ- γει· "Ἰνα πάντες οἱ ἀρυό- μενοι... (pkn.)
683	30	Ὁ λαός	Ὁ λαός·
684	1	(εἰς) τὸν ἁγιασμὸν	τῶν ἁγιασμῶν (pkn.)
—	5	ἐκφωνεῖ	ἀρχιερεὺς ἐκφωνεῖ (pkn.)
—	16	ἢ φήμησις	ἢ εὐφήμησις (pkn.)
—	21	καὶ ἐν αὐτὸν	καὶ καλὸν ἐν αὐτὸν (pkn.)
—	29	οὗτος	οὕτως
685	2	πιανθίσεται τὰ ὥραϊα	πιανθίζονται τὰ ὥραϊα (pkn.)
		τῆς εἰρήμου	τῆς Αἰγύπτου (pkn.)
686	20	προσκυνούμενος	προσκυνοῦμενος καὶ ἱε- ρολογούμενος (pkn.)
687	21	Ὁ θαψιλῶς	Ὁ θαψιλῶς
688	10	εὐαγούς	εὐαγεῖς
—	34	εὐθυνίαν	εὐθυνίαν
689	16	χαλινώσας	χαλινώσας
—	22	καυστικότερα	καυστικώτερα
—	26	ἀρχομένης, τὴν ἀπαρχὴν	ἀρχομένην ἀπαρ- χὴν (pkn.)
690	22	ὑπερβυνητέ σου	ὑπερβυνηταί σου
—	34	μιμητὴν	μιμητὴν καὶ μιθη- τὴν (pkn.)
691	9	λαμβάνει	λαμβάνων (pkn.)
693	10	ἕπερ καθ' ὑπόστασιν	ἕπερ προσείληφε τὸν αὐτὸν ἕνα καθ' ὑπόστα- σιν (pkn.)

Стран.	строк.	напечатано:	σλѣдуетъ читать:
693	11	θελήσει καὶ	θελήσει τε καὶ (ркн.)
—	14	ἀπεκδεχόμενος	ἀποδεχόμενος (ркн.)
694	16	μεταλαμβάνονται	μεταλαμβάνονται
695	2	Σὺ σοφίον	Σὺ σοφία ὦν
697	37	ἐπισκηνησάτω	ἐπισκηνησάτω
698	26	εἰς ἀρχιερέα	εἰς ἀρχιερεὺς (ркн.)
699	19	πᾶσι. Καὶ λέγει	πᾶσι. Καὶ πᾶς ὁ λαός· Καὶ τῷ πνεύματί σου. Καὶ λέγει (ркн.)
700	27	εἰσιόνταν	εἰσιόντας
701	4	τελειῖσθαι	ἐπιτελειῖσθαι (ркн.)
—	32	ἤλθωσαν	ἦλθωσαν
704	8, 37	κῦρ	κῦρ
708	33	τὸ τιθεῖν	τὸ τυθεῖν
711	18	θυμιάσαι	θυμιᾶσαι
—	35	θεράπεινά σου	θερ παρινάν σου
712	33	ἀγνείαν	ἀγνεΐαν
714	12	διαμονήν	διὰ μόνην
—	25	Ἄσμεθ,	Ἄσμεθ
716	11	ἐποιήσας	ἐποίησας
718	14	ἣν πορεύει	ἣ πορεύῃ
720	12	κρητὸς (sic)	κρητῆς
—	15	κῦρ	κῦρ
721	5	δεσπόται	δεσπόται
—	36	ἡμέραν	ἡμέρα
722	34	κατατάξει	κατατάξῃ
723	4	δεσπόται	δεσπόται
726	5	ὥσπερ	ὥσπερ
—	22	Κόριος	Κόριε,
—	29	τῷ τάφῳ	ἐν τῷ τάφῳ
—	37	ἄνθρωπος	ἄνθος
727	7	ἐλεήμων	ἐλεήμον
—	18	κατάπαυσον	κατάπαυσιν
—	32	αὐτοῦ	αὐτῆς
728	26	ὑπαγγέλων	ὑπ' ἀγγέλων
—	32	ποιούμενος	ποιούμενος,
729	7	συνιῶν	συνιών.
—	21	ἐβγαίνουσα	ἐβγαίνουσα
—	34	μῖα	μῖα

Стран.	στροφ.	напечатано:	σλѣдують читать:
730	25	βοᾷ σοι, ζητεῖ τὸν ἱερέα	βοῶσα, ζητεῖ τὸν ἱερέα
731	23	τοῖς ἡτοιμασμένοις	τῆς ἡτοιμασμένης
733	26	τῆς πλάνης	ἡ πλάνη
—	27	συνιῶν	συνιῶν
—	35	ἀσπάσασθαι	ἀσπασσθε
734	10	Ἡ ἀπεγνωσμένοι	Ἡ ἀπεγνωσμένη
736	17	λύσον	λύσον
737	35	τὴν Μητέρα	οὗν Μητέρα
742	25	λύσαι	λύσαι
743	25	δοῦς	δοῦς
—	26	πάσι	πάσης
744	31	μιαθέντος	μιανθέντος
—	37	ἐργαζόμενοις	ἐργαζόμενος
745	28	τρογὴν	τρογὴν
746	7	ἀσπόρον	ἀσπόρου
747	13	ἐν δὲ	ἐκ δὲ
—	27	νηπίον	νήπιον
748	18	ὀπισθάμβωνος	ὀπισθάμβωνος
—	31	ὀφρὴν... γλώσσα	ὀφρὸν... γλῶσσα
749	3	χωρός	χορός
—	12	συμβιωτέων, ... βιωτεῦει	συμβιωτέων, ... βιοτεῦει
—	22	θέλημά σου	θέλημα τοῦ
750	12	ἡ παρθένος εὐλόγησε	ἡ Παρθένος ἐβλόγησε
—	14	τὸν σὸν πλάσμα	τὸ σὸν πλάσμα
—	26	ἐυτοῖς	ἐαυτοῖς
—	31	μονή	μόνη
751	2	τοῦ ἐαυτοῦ	τοῖς ἐαυτοῦ
—	3	παρεδόθη... τὸ φόρτον μου	παρεδόθη... τὸ φορτίον μου
—	34	κυριεύσει	κυριεύσῃ
—	37	ἀθανασίαν	ἀθανασίας
752	13	ἐξέσιον	ἐξαίσιον
—	18	ἐπιστήμων	ἐπιστάτης
—	19	τρωτῶν	βρωτῶν
—	25	αἰοίδημος	αἰοίδιμος
—	26	Ἄθανάτος σου	Ὁ θάνατός σου
—	34	γύρωθεν	γύρωθεν
753	3	№ 21	№ 91
—	12	ἐδόθη	ἐδόθη
—	25	χρησίμων	χρησίμων

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
753	34	ἐπὶ ἁλῶνος	ἐπὶ ἁλωνος
756	6	γύρωθεν	γύροθεν
758	9	συνεγγύς,	σύνεγγυς
762	20	πληροῖ	πληροῖ
763	7	τῇ ὀρμασίαν	τὴν ὀρμασίαν
—	9	ἦδε	ἦδε
—	14	γύρωθεν	γύροθεν
764	7	ἀρμωσθῆναι	ἀρμωσθῆναι
765	37	χεῖρ	χεῖρ
767	2	ὑπερέχων	ὑπάρχων
—	36	συναρμωσθῆναι	συναρμωσθῆναι
770	19	πνευμάτων	πνευμάτων
776	9	ματὰ	μετὰ
779	11	Παντελεῖμον	Παντελεῖμον
791	36	κωδίκων	κωδίκων
796	18	γυναῖκα... Δόξα	γυναῖκα... См. ниже
			стр. 907—908. Δόξα
797	28	патриарχοῖς	патриарχεῖς
798	12	σαραντῶται	σαραντήσαι
800	31	τῶν ἐξ αἱμάτων	τῶν ἐξ αἱμάτων συν
			γενῶν
804	28	ἀνόδυνε	ἀνώδυνε
805	4	εὐχαριστείαν	εὐχαριστίαν
—	12	ἀπονηματος... ἡμῶν	ὑπονηματος... ἡμῶν
—	13	ἡμῶν	ἡμῶν
810	31	συγχωρῆσαι	συγχωρῆσαι σοι
811	21	εἰς βαπτίσαι	εἰς τὸ βαπτίσαι
812	27	ὡς τῶν	ὡς τῶν
813	24	διοικῶν	διοικῶν
—	27	ἐν ταῖς τρίβαις	ἐν ταῖς τρίβις
—	31	καينوῦ ποτηρίου	ἐκ τοῦ κοινοῦ ποτηρίου
814	10	κατακυρεῖουσιν	κατακυρεῖουσιν
—	33	καὶ ταφυγῇ	καὶ καταφυγῇ
818	18	λεμπρότησι	λαμπρότησι
819	35	Εὐλόγησέ σε	Εὐλογήσει σε
823	35	τροπαιοφόρου	τροπαιοφόρου
824	24	ποιῶν	ποιῶν
828	25	μανθίλιον	μανθῆλιον
—	26	περιζωννύων	περιζωννύων
833	6	στατίδιον	στασιδίον

Стран.	строк.	напечатано:	сѣдѹетъ читать:
836	36	τὸν σωρὸν	τὸν σωρὸν
838	19	διαβήβασί σου	διαβήμασί σου
—	35	τῇ αὐτῇ ὑποθέσει	(ἐπὶ) τῇ αὐτῇ ὑποθέσει
839	3	συνξενητεύσας	συνξενητεύσας
845	8	κανδήλην	κανδήλαν
846	11	νηπίοις	νηπίοις
—	22	μανδιλίου	μάνδηλιου
847	7	ἐν χωρῷ	ἐν χορῷ
—	8	καταμεμφθῆναι	καταπεμφθῆναι
848	11	διανεβόμεν	διανεόμεν
—	12	Στραταιᾶς γὰρ ὁδὸν ὅλος ἔφριξα	Στρατιάς γὰρ ἰδὼν ὅλος ἔφριξα
—	13	κεκοσμημένος	κεκοσμημένος
—	29	βεβλημένην τὴν	βεβλημένον τὸν
851	9	τοῖς τὴν χάριν	αὐτοῖς τὴν χάριν
—	14	ἀνακινῆσαι	ἀνακαινίσαι
858	8	ἐστίασιν	ἐστίασιν
—	34	μεταλαεῖν	μεταλαβεῖν
871	28	δικαιωσύνης	δικαιοσύνης
878	17	μεταιότητος	ματαιότητος
883	3	συμπαθέτερον	συμπαθέστερον
—	36	νηπία	νήπια
885	35	χειρομανδύλιον	χειρομανδήλιον
887	31	ἰσαποστόλου	ἰσαποστόλου
889	3	Ἀντάλαγμα	Ἀντάλλαγμα
892	33	Ἀμὴν.	Ἀμὴν. Conf. Goar. p. 309
895	36	συμβιωτεύων	συμβιοτεύων
898	17	μανδύλια	μανδήλια
—	21	κάθωθεν	κάτωθεν
904	13	ψάμμω	ψάμμω
905	2	κατεσιον	κατέσειον
907	6	τῆς οἰκίας σου	τῆς οἰκίας σου
—	16	καὶ ζευχθέντας	καὶ τοὺς (συ)ζευχθέντας
909	3	ὁ ἰώμενος	ὁ ἰώμενος
910	7	ὁ παραγενόμεθος	ὁ παραγενόμενος
914	6	εὐρευθέντων	εὐρεθέντων
—	25	ἱερωσύνη	ἱερωσύνη
915	35	ἐτέρω	ἐτέρα
916	34	αἰρέσεων	αἰρέσεων
927	13	καινοθέντι	κενωθέντι

Стран.	строк.	напечатано:	слѣдуетъ читать:
928	10	Μετενώνει	Μεθενώνει
932	25	ἡ ἀκροστιχίς·	ἡ ἀκροστιχίς·
942	12	παροπίζεσθαι	παροπλίζεσθε
944	5	σφραγίζει	σφραγίζει
950	1	ἐστῶτας	ἐστῶτας
957	35	ἀπανταχοῦ	ἀπανταχοῦ
958	1	οἱ δίκαιο	οἱ δίκαιοι
—	27	δῶρα	τὰ δῶρα
959	18	θ μιάσας	θυμιάσας
960	18	ἐξῆς	ὡς ἐξῆς
961	14	κερανοῦς	κεραυνοῦς
964	20	τυραννούντων	τυραννούντων
—	25	ἐμφυλιστής,	ἐμφυλιστής,
968	22	κελευθεῖς	κελευσθεῖς
969	24	ἀρχιεροσύνην	ἀρχιερωσύνην
—	26	μητροπόλεως	μητροπόλεως
972	29	βρωτοί,	βρωτοί,
973	14	ἀγαπητά	ἀγαπητά
974	34	ἐνάδειξον	ἀνάδειξον
975	23	ἀποστρέφειν νομοθετίας	ἐπιστρέφειν νομοθετήσας
976	5, 28	ἡξιώσας	ἡξιώσας
—	32	ἐψαλα	ἐψαλλα
—	33	ταπεινά	ταπεινὰ
978	34	ὁμοουσίας	ὁμοουσίᾳ
979	35	χεῖρ	χεῖρ
980	15	ἐπιγείας	ἐπιγείους
981	1	τῷ	τῶν
985	17	μοῖρα	μοῖρα
—	24	διπλᾶς	διπλᾶς
986	4	κέκραγε	κέκραγε
—	19	τριγυτοῦς	τριγυτῶν
—	21	ἐρῶρέμενας	ἐρῶρέμενας
987	15	ταχυμοροῦν	ταχυμοροῦντα
990	34	πᾶσιν τοῖς	πᾶσι τοῖς
995	15	καθ' εαυτον	καθ' ἑαυτόν
999	23	μεσαυλοῦ	μεσολοῦ
1000	38	βαπτιστήριον	βαπτιστήριον
1002	12	βαπτιστήριον	βαπτιστήριον
1015	21	ἐξαγέτω	ἐξαγαγέτω
1016	20	ἀρχιερεὺς	ὁ ἀρχιερεὺς

1020	36	ἀποκναίηται	ἀποκνεῖται
1022	29	οἱ κληροὶ μου	οἱ κληροί μου
1023	7	συγχωρήσης	συγχωρήσης
1040	30	ὦ Χριστέ μου,	ὦ Χριστέ μου,
1043	27	παρ' αὐτά	πάραυτα
1047	18	τίθενται	τίθενται
1049	6	κεχαριτωμένη	κεχαριτωμένη
—	18	εἰς πογγὰς ἑβδομάδας	εἰς πάντας ἑβδομά- δας (ρην.)
1054	38	Σαῶα	Σάβα
—	39	σαυηνοί	σαβηνοί

